95 वां
वार्षिक प्रतिवेदन

2017-2018

भाग – I

दिल्ली विश्वविद्यालय
दिल्ली

www.du.ac.in

दिल्ली विश्वविद्यालय
95वां वार्षिक प्रतिवेदन

प्रस्तावना

दिल्ली विश्वविद्यालय देश का एक अग्रणी विश्वविद्यालय है। वर्ष 1922 में अपनी स्थापना के बाद से ही इसने उच्चतम शैक्षिक मानकों को बनाए रखा है तथा देश में उच्चतर शिक्षा में श्रेष्ठ प्रक्रियाओं को स्थापित किया है। अपने आदर्श वाक्य *निष्ठा धृति सत्यम* की भावना के अनुरूप विश्वविद्यालय ने राष्ट्र निर्माण में दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को संपोषित करना जारी रखा है तथा सार्वभौमिक मानव मूल्यों का निर्बाध अनुपालन सुनिश्चित किया है। हमें 1 अप्रैल, 2017 से 31 मार्च, 2018 तक की अवधि का विश्वविद्यालय का 95वें वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए गौरव का अनुभव हो रहा है।

विश्वविद्यालय को यू.एस. न्यूज़ ग्लोबल टॉप यूनिवर्सिटी रैंकिंग (वाशिंगटन पोस्ट) द्वारा शीर्षस्थ रैंक प्रदान किया गया है। इसे इंडिया टुडे द्वारा देश में दूसरे स्थान पर रखा गया था। विश्वविद्यालय का एच-इंडेक्स 164 के आंकड़े को छू चुका है, जो भारतीय विश्वविद्यालयों में सर्वोच्च है। विश्वविद्यालय ने वर्ष 2017-18 में बाह्य स्रोतों से 280 करोड़ रुपए से अधिक अनुदान प्राप्त किया तथा इस अवधि के दौरान इसके द्वारा 300 से अधिक शोध परियोजनाएं संचालित की जा रही थीं। विश्वविद्यालय ने विभिन्न नवोन्मेषी उद्यमवृत्ति सहायता कार्यक्रम जैसे उद्यमी पार्क और डिजाइन नवोन्मेषी केन्द्र भी आरंभ किए हैं।

यह अत्यंत संतोष का विषय है तथा इसे सूचित करते हुए हमें अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि दिल्ली विश्वविद्यालय ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की उत्कृष्ट संस्थान योजना के अंतर्गत एक उल्लेखनीय विशिष्टता हासिल की है तथा इसे अन्य विश्वविद्यालयों के मध्य प्रथम स्थान प्रदान किया गया है। यह उपलब्धि हमारे अन्य विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं, शिक्षकों तथा प्रशासनिक कार्मिकों के साझे प्रयासों और योगदान को मान्यता प्रदान करती है। इसे किसी भी मायने में साधारण उपलब्धि नहीं माना जा सकता है क्योंकि इस मान्यता के लिए संस्थाओं की सीमित संख्या को ध्यान में रखते हुए यह प्रतिस्पर्धा अत्यंत कड़ी हो गई थी। इस शानदार उपलब्धि के लिए हमारे हितधारक बधाई के पात्र हैं।

विश्वविद्यालय 500 से अधिक कार्यक्रम संचालित करता है जिनमें स्नातकपूर्व कार्यक्रम, अनेक स्नातकोत्तर कार्यक्रम (निष्णात एम.फिल. और पीएच.डी.), प्रमाण-पत्र और डिप्लोमा कार्यक्रम शामिल हैं। हमने स्नातकपूर्व स्तर पर विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (सीबीसीएस) क्रियान्वित की है, जिसमें कौशल-आधारित कार्यक्रमों की एक व्यापक श्रृंखला है। स्नातकोत्तर स्तर पर सी.बी.सी.एस. के क्रियान्वयन की प्रक्रिया अब पूर्ण होने वाली है तथा सत्र 2019-20 से विश्वविद्यालय संशोधित पाठ्यचर्या के साथ पूरी तरह तैयार रहेगा। विश्वविद्यालय ने शिक्षण के नए केन्द्रों की स्थापना भी की है जैसे दिल्ली स्कूल ऑफ़ जर्नलिज्म, दिल्ली स्कूल ऑफ ट्रांसनेशनल अफेयर्स तथा साइबर सुरक्षा और विधि संस्थान। विश्वविद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण पहलों पर बल प्रदान करना जारी रखा है जैसे विद्यार्थी अनुभव सर्वेक्षण और स्वत: आकलन और नवीकरण के लिए बेंचमार्किंग कवायदों को संचालित करना।

विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ अपने सहयोग को भी विस्तारित कर रहा है तथा इसने विदेशी विद्यार्थियों के प्रवेश का विस्तार करने के लिए एक विशेष अभियान आरंभ किया है, जिसके फलस्वरूप यह इस समुदाय में गहरी पैठ बना पाया है तथा इसने अपने *वसुधैव कुटुंबकम* के सांस्कृतिक दृष्टिकोण को भी फलीभूत किया है। इसने मानव संसाधन विकास मंत्रालय की उन्नत भारत अभियान पहल के तत्वावधान में पांच गांवों को भी अंगीकृत किया है तथा समुदायों में आवश्यकता-आधारित और भागीदारीपूर्ण समुदाय विकास कार्य संचालित करना जारी रखा है।

विश्वविद्यालय द्वारा संचालित की गई अनेक महत्वपूर्ण पहलों में यहां एक महत्वपूर्ण पहल का उल्लेख किया जाना अप्रासंगिक न होगा। हम संधारणीयता के पथ पर निरंतर अग्रसर हैं, जिसका उद्देश्य हमारे अनगिनत कार्यों और कार्यकलापों से उत्पन्न कार्बन फुटप्रिंटों की मात्रा को कम करना है। अधिकांश छात्रावासों में सौर-विद्युत हीटरों की स्थापना, पारंपरिक प्रकाश स्रोतों को एल.ई.डी. लाइटों से बदलना, ई-शासन की ओर रूपांतरण, जिसमें ऑनलाइन प्रवेश और प्रवेश परीक्षाए शामिल हैं, इस दिशा में किए गए हमारे अनेक प्रयासों में कुछ महत्वपूर्ण प्रयास हैं। ऑनलाइन दाखिलों और ऑनलाइन प्रवेश परीक्षाओं की सुविधा प्रारंभ करते हुए विश्वविद्यालय ने प्रतिवर्ष लगभग 5000 वृक्षों की संरक्षा करने का प्रति योगदान दिया है जिसके फलस्वरूप प्रत्येक वर्ष राष्ट्र को एक नया वन उपहार में दिया जा रहा है।

वैश्विक शिक्षा और शोध में एक उभरते हुए अग्रता के रूप में, दिल्ली विश्वविद्यालय की यह प्राथमिकता रही है कि वह समूचे भारत और विश्व के लगभग सात लाख विद्यार्थियों और संकाय को सेवा प्रदान करते हुए देश के बौद्धिक विकास में अपना उल्लेखनीय योगदान प्रदान करना जारी रखे।

योगेश के. त्यागी

कुलपति

दिल्ली विश्वविद्यालय

संपादकीय समिति

दिल्ली विश्वविद्यालय की 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष की 95वीं वार्षिक रिर्पोट प्रस्तुत है। इस रिर्पोट के दो भाग हैः

भाग-I में संकायों, विभागों, केंद्रों और महाविद्यालयों, अवसंरचनात्मक विभागों और वित्त विभाग सहित दिल्ली विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रगति से संबंधित जानकारी है

भाग-II में सूचना और आंकड़े हैं।

इस रिर्पोट को तैयार करने वाले संपादकीय मंडल में निम्नलिखित सदस्य हैं :

1.	प्रोफेसर पमी दुआ	संकायाध्यक्ष, शैक्षणिक कार्यकलाप व परियोजनाएं, अध्यक्ष
2.	प्रोफेसर तरूण कुमार दास	कुलसचिव, दिल्ली विश्वविद्यालय
3.	डॉ. पायल मागो	संयुक्त संकायाध्यक्ष-महाविद्यालय
4.	प्रोफेसर योगेंद्र सिंह	संकायाध्यक्ष, अनुसंधान, जीवन-विज्ञान
5.	प्रोफेसर टी. आर. सेशाद्री	संकायाध्यक्ष, अनुसंधान (शारीरिक विज्ञान व गणित विज्ञान)
6.	प्रोफेसर विजय चौधरी	जैव रसायन विभाग
7.	प्रोफेसर कविता शर्मा	संकायाध्यक्ष, वाणिज्य संकाय
8.	प्रोफ़ेसर मधु विज	प्रबंध अध्ययन संकाय
9.	प्रोफेसर नीरा अग्निमित्रा	अध्यक्ष,सामाजिक कार्य विभाग
10.	प्रोफेसर अरुण जगन्नाथ	वनस्पति विभाग
11.	प्रोफेसर संजय कपूर	पौध आणविक जीव-विज्ञान विभाग
12.	प्रोफेसर वंदना रॉय	संकायाध्यक्ष, आयुर्विज्ञान संकाय
13.	प्रोफेसर मोहन	संकायाध्यक्ष,कला संकाय
14.	प्रोफेसर अजय कुमार	गणित विभाग
15.	प्रोफेसर नंदिता बाबू	मनोविज्ञान विभाग
16.	प्रोफेसर कुमुद शर्मा	कार्यवाहक निदेशक, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय
17.	डॉ. मुकेश मेहलावत	प्रचालनात्मक अनुसंधान विभाग
18.	डॉ. मीनल ढल्ल	खगोल भौतिकी विभाग
19.	डॉ. आर. रत्नाबली	विधि संकाय
20.	डॉ. उमा चौधरी	भास्कराचार्य अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय
21.	कैप्टेन परमिंदर सहगल	एनएसएस समन्वयक
22.	श्री प्रदीप कुमार	उप कुलसचिव (परिषद)

सहयोगित सदस्य :

i)	प्रोफ़ेसर ए.के. सिंह	वाणिज्य विभाग
ii)	डॉ. सुरिंदर कौर	एसजीटीबी खालसा महाविद्यालय
iii)	डॉ. रेनू बवेजा	शिवजी महाविद्यालय
iv)	डॉ. असानी भादुरी	क्लस्टर नवाचार केंद्र

इस प्रतिवेदन में दिल्ली विश्वविद्यालय की वर्ष 2017-18 (1 अप्रैल, 2017 से 31 मार्च, 2018) के कार्यकलापों और उपलब्धियों की झलकियों को दर्शाया गया है।

विषय - सूची

विश्वविद्यालय के अधिकारीगण 1

छात्र पंजीकरण 3

वर्ष की उपलब्धियां 3

स्थापना दिवस ; दीक्षांत समारोह; विश्वविद्यालय की रैंकिंग; विश्वविद्यालय व्याख्यान श्रृंखला और कार्यक्रम; नए शिक्षण केंद्रों की स्थापना; अनुसंधान की मुख्य विशेशताएं; {एच-सूचकांक, अनुसंधान प्रकाशन, बाह्य शोध अनुदान, डीएसटी-एफईएसटी के अंतर्गत विभाग, यूजीसी एसएपी (डीआरएस, डीएसए, सीएएस,एएसपी) के अंतर्गत विभाग; एक करोड़ रुपये से अधिक के अनुदान वाले संकाय सदस्य; दस लाख़ रुपये से अधिक के अनुदान वाले संकाय सदस्य; विदेशी अनुदान:}; विश्वविद्यालय के अनुसंधान पत्रिकाएँ; आईपीआर और पेटेंट कोष; विश्वविद्यालय की डिजिटल संस्थाएँ; संकाय को पुरस्कार/सम्मान; आयुर्विज्ञान में महत्वपूर्ण संकाय पुरस्कार/सम्मान; आयोजित संगोष्ठियां/सम्मेलन/ कार्यशालाएं; विश्वविद्यालय में इलेक्ट्रोप्रिन्योर पार्क और ऊश्मायन केंद्र; शैक्षणिक समुदाय-उद्योग सम्बद्धता; विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन; समान अवसर प्रकोष्ठ पहल; नियोजन क्रियाकलाप; कौशल संवर्धन पहल; सामाजिक अभिगम्यता; गुणवत्ता पहल; खेल-कूद उत्कृष्टता

सामान्य सुविधाएं और कार्यक्रम

पूर्व छात्र मामले 31

दिल्ली विश्वविद्यालय समुदाय रेडियो 32

दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली 33

दिल्ली विश्वविद्यालय सामाजिक केन्द्र सह-शिक्षा स्कूल 39

दिल्ली विश्वविद्यालय खेल परिषद 40

दिल्ली विश्वविद्यालय महिला संघ 41

हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय 44

विदेशी छात्रों का पंजीकरण 44

गांधी भवन 45

उद्यान समिति 49

अंतर्राष्ट्रीय अतिथि गृह 50

राष्ट्रीय कैडिट कोर 50

राष्ट्रीय सेवा योजना 51

गैर-कालिजिएट महिला शिक्षा बोर्ड 54

छात्र कल्याण कार्यालय 55

विश्वविद्यालय अतिथि गृह 57

विश्वविद्यालय मुद्रणालय 58

शैक्षणिक केंद्र

कृषि आर्थिकी अनुसंधान केंद्र 59

संसूचक और संबंधित सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी केंद्र 60

उद्यमशीलता और भविष्योन्मुखी कार्यक्रम हेतु केन्द्र 67

अपरिवर्तित पारिस्थितिक तंत्र पर्यावरण प्रबंधन केंद्र 68

फसल पौध अनुवांशिक परिचालन केंद्र 70

संक्रमण रोग अनुसंधान शिक्षा और प्रशिक्षण नवोन्मेषी केन्द्र 71

पर्वत और पर्वतीय पर्यावरण अंतर-आयामी अध्ययन केंद्र 73
उच्चतर शिक्षा व्यावसायिक विकास केन्द्र 75
क्लस्टर नवाचार केंद 77
कंप्यूटर सेंटर 86
डी.एस.कोठारी विज्ञान, आचार और शिक्षा केंद्र 89
विकासशील देश अनुसंधान केंद्र 90
डॉ. बी. आर. अम्बेडकर जैव चिकित्सा अनुसंधान केंद्र 93
सूचना-विज्ञान और संचार संस्थान 97
पादप जीनोमिक्स अंतः-विषयक केंद्र 98
विश्वविद्यालय विज्ञान मापयंत्रण केन्द्र 100
महिला अध्ययन और विकास केंद्र 101
वैश्विक विश्वविद्यालय सेवा स्वास्थ्य केन्द्र 103

विभाग

अनुप्रयुक्त समाज विज्ञान और मानविकी

व्यावसायिक अर्थशास्त्र 106

कला संकाय

अरबी 109
बौद्ध अध्ययन 111
अंग्रेजी 113
जर्मनिक एवं रोमंस अध्ययन 122
हिंदी 124
पुस्तकालय और सूचना विज्ञान 126
भाषा विज्ञान 132
आधुनिक भारतीय भाषाएँ और साहित्यिक अध्ययन 136
फारसी भाषा 138
दर्शन शास्त्र 139
मनोविज्ञान 145
पंजाबी 147
संस्कृत 150
स्लोवेनिक एवं फिनो यूग्रीयन अध्ययन 155
उर्दू 162

वाणिज्य और व्यापार संकाय

वाणिज्य 166
वित्तीय अध्ययन 172

शिक्षा संकाय

शिक्षा 174

अंतर-आयामी और अनुप्रयुक्त विज्ञान संकाय

जैव-रसायन 181
जैव-भौतिकी 187
इलैक्ट्रोनिक विज्ञान 189
आनुवांशिकी 195
सूक्ष्म जीवविज्ञान 200
शारीरिक शिक्षा और खेल-कूद विज्ञान 203
पादप आणविक जीवविज्ञान 205

विधि संकाय

कैम्पस विधि केंद्र 213
विधि केंद्र-I 227
विधि केंद्र-II 232

प्रबंधन अध्ययन संकाय 242

गणितीय विज्ञान संकाय

कंप्यूटर विज्ञान 245
गणित 247
प्रचालनात्मक अनुसंधान 253
सांख्यिकी 255

आयुर्विज्ञान संकाय

शरीर-रचना-विज्ञान (एलएचएमसी) 265
शरीर-रचना-विज्ञान (यूसीएमएस) 266
एनेस्थीजियोलॉजी (एमएएमसी) 268
जैव-रसायन (एलएचएमसी) 277
जैव-रसायन (एमएएमसी) 280
जैव-रसायन (यूसीएमएस) 283
जैव-रसायन (वीपीसीआई) 286
जैव-रसायन (क्लीनिकल बायोकैमिस्ट्री लैब) 287
हृदय-विज्ञान 290
कम्युनिटी मेडिसिन (एलएचएमसी) 294
कम्युनिटी मेडिसिन (एमएएमसी) 296
त्वचा विज्ञान और यौन संक्रामक रोग (एलएचएमसी) 302
त्वचा विज्ञान, रतिजरोग,लैप्रोस्कोपी (एमएएमसी) 304
त्वचा विज्ञान और यौन संक्रामक रोग (यूसीएमएस) 307
फॉरेंसिक मेडिसिन (एलएचएमसी) 316
चिकित्सा (यूसीएमएस) 317
सूक्ष्मजैविकी (एमएएमसी) 320
सूक्ष्मजैविकी (यूसीएमएस) 323
सूक्ष्मजैविकी (वी.पी.सी.आई.) 328
नियोनेटोलॉजी (एलएचएमसी) 332

प्रसूति एवं स्त्री रोग (यू.सी.एम.एस.) (यूसीएमएस) 335
ऑर्थोपेडिक्स (एमएएमसी) (एमएएमसी) 342
नेत्र-विज्ञान (एलएचएमसी) 345
कान-नाक-गला चिकित्सा (यूसीएमएस) 347
बाल दंत-चिकित्सक व निवारक दंत-चिकित्सक (यूसीएमएस) 348
विकृति-विज्ञान (एलएचएमसी) 348
विकृति-विज्ञान (एमएएमसी) 350
विकृति-विज्ञान (यूसीएमएस) 357
बाल-चिकित्सा (एलएचएमसी) 361
बाल- शल्य चिकित्सा (एलएचएमसी).. 361
औषध-विज्ञान (एलएचएमसी) 365
औषध-विज्ञान (एमएएमसी) 367
शरीर-विज्ञान (एलएचएमसी) 372
शरीर-विज्ञान (एमएएमसी) 374
मनश्चिकित्सा (जीआईपीएमईआर) 377
फेफडा औषध (वीपीसीआई) 377
विकिरण चिकित्सा विज्ञान (एलएचएमसी) 381
शल्य चिकित्सा (एलएचएमसी) 383
यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसिज 389
वल्लभभाई पटेल वक्ष संस्थान 393

संगीत और ललित कला 398

विज्ञान संकाय

नृविज्ञान 401
वनस्पति-विज्ञान 410
रसायन-विज्ञान 421
पर्यावरणीय अध्ययन 450
भूगर्भशास्त्र 459
भौतिकी और खगोल भौतिकी 464
प्राणी विज्ञान 487

सामाजिक विज्ञान संकाय

प्रौढ़, सतत शिक्षा एवं विस्तार 501
अफ्रीकी अध्ययन 505
दिल्ली पत्रकारिता स्कूल 509
पूर्व एशियाई अध्ययन 511
अर्थशास्त्र 515
भूगोल 520
इतिहास 526
राजनीति विज्ञान 537
सामाजिक कार्य 547
समाज-विज्ञान 562

प्रौद्योगिकी संकाय

जीव-विज्ञान और इंजीनियरी 573

कंप्यूटर ईजीनियरी 577

इलैक्ट्रोनिक और संचार ईंजीनियरी 581

सूचना प्रौद्योगिकी 584

इंस्ट्रूमेंटेशन और नियंत्रण ईजीनियरी 588

अनुप्रयुक्त विज्ञान और मानविकी विभाग 593

विनिर्माण प्रक्रियाएं और स्वचालन ईजीनियरी 594

महाविद्यालय

आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय 598

अदिति महाविद्यालय 604

अहिल्याबाई नर्सिंग महाविद्यालय 608

अमर ज्योति इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोथेरेपी 608

आर्यभट्ट महाविद्यालय 611

आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय 613

भारती महाविद्यालय 618

भास्कराचार्य अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय 621

नर्सिंग आर्मी अस्पताल महाविद्यालय (अनुसंधान व निर्दिष्ट) 625

व्यवसायिक अध्ययन महाविद्यालय 628

दौलत राम कॉलेज 630

दीनदयाल उपाध्याय महाविद्यालय 634

दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स 638

दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज एंड रिसर्च 642

देशबंधु महाविद्यालय 645

डॉ. भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय 648

दुर्गाबाई देशमुख विशेष शिक्षा (दृष्टिहीन) महाविद्यालय 651

दयाल सिंह महाविद्यालय 653

दयाल सिंह महाविद्यालय(सांध्य) 656

गार्गी महाविद्यालय 659

हंसराज महाविद्यालय 663

हिंदु महाविद्यालय 666

होली फैमिली कॉलेज ऑफ नर्सिंग 670

इंदिरा गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज 672

इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय 676

गृह आर्थिकी संस्थान 681

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय 685

जीसस एंड मैरी कॉलेज 690

कालिंदी महाविद्यालय 693

कमला नेहरू महाविद्यालय 697

केशव महाविद्यालय 701

किरोड़ीमल महाविद्यालय 704

लेडी इर्विन महाविद्यालय 708
लेडी श्रीराम महिला महाविद्यालय 712
लक्ष्मीबाई महाविद्यालय 717
महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय 722
महर्षि बाल्मिकी शिक्षा महाविद्यालय 727
मैत्रेयी महाविद्यालय 728
माता सुंदरी महिला महाविद्यालय 732
मिरांडा हाउस 735
मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय 742
मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय (संध्या) 744
नेहरू होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज और चिकित्सालय 747
पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय 748
पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय (संध्या) 751
पंडित दीनदयाल उपाध्याय शारीरिक विकलांग राष्ट्रीय संस्थान 752
राजधानी महाविद्यालय 755
राजकुमारी अमृत कौर नर्सिंग महाविद्यालय 759
रामानुजन महाविद्यालय 761
रामजस महाविद्यालय 767
रामलाल आनंद महाविद्यालय 772
सत्यवती महाविद्यालय 777
सत्यवती महाविद्यालय (संध्या) 779
ओपन लर्निंग स्कूल........ 783
शहीद भगत सिंह महाविद्यालय 783
शहीद राजगुरू अनुप्रयूक्त विज्ञान महिला महाविद्यालय 786
शहीद सुखदेव व्यापार अध्ययन महाविद्यालय 790
शिवाजी महाविद्यालय 793
श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स 798
श्यामलाल महाविद्यालय 802
श्यामलाल महाविद्यालय (संध्या) 806
श्यामा प्रसाद मुखर्जी महिला महाविद्यालय 808
श्री अरबिंदो महाविद्यालय 813
श्री अरबिंदो महाविद्यालय (सांध्य) 815
श्री गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स 820
श्री गुरू नानक देव खालसा महाविद्यालय 826
श्री गुरू तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय 830
सैंट स्टीफन महाविद्यालय........ 834
स्वामी श्रृद्धानंद महाविद्यालय 837
विवेकानंद महाविद्यालय 840
जाकिर हुसैन दिल्ली महाविद्यालय 842
जाकिर हुसैन स्नातकोत्तर महाविद्यालय (सांध्य) 844

विश्वविद्यालय छात्रावास/हॉल

अंबेडकर-गांगुली महिला छात्रावास 847
अरावली स्नातकोत्तर पुरूश छात्रावास 847
शिक्षा छात्रावास का केन्द्रीय संस्थान 848
डी.एस.कोठारी छात्रावास 848
सामाजिक कार्य विभाग छात्रावास 849
गीतांजली छात्रावास 849
ग्वेयर हॉल 850
अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास 851
अंतर्राष्ट्रीय महिला छात्रावास 852
जुबली हॉल 853
मानसरोवर छात्रावास 853
मेघदूत छात्रावास 855
महिलाओं के लिए पूर्वोत्तर छात्रावास 857
स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास 858
राजीव गांधी स्नातकोत्तर महिला छात्रावास 859
सारामाती स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास 861
पूर्वस्नातक महिला छात्रावास 861
महिलाओं के लिए विश्वविद्यालय छात्रावास 863
वी.के.आर.वी.राव छात्रावास 864
डब्लूयूएस विश्वविद्यालय छात्रावास 865

वार्षिक लेखे 866

विश्वविद्यालय के अधिकारीगण

कुलाधिपति

माननीय मोहम्मद हामिद अंसारी	10.08.2017 तक
माननीय मुप्पवरपु वेंकैया नायडू	11.08.2017 से

सम कुलाधिपति

न्यायमूर्ति जगदीश सिंह केहेर	27.08.2017 तक
न्यायमूर्ति दीपक मिश्रा	28.08.2017 से

कुलपति

प्रोफ़ेसर योगेश कुमार त्यागी

सम कुलपति

प्रोफ़ेसर जे. पी. खुराना (कार्यवाहक)

महाविद्यालयों के संकायाध्यक्ष

प्रोफ़ेसर देवेश कुमार सिन्हा	08.02.2018 तक

निदेशक, दक्षिण दिल्ली कैंपस

प्रोफ़ेसर जे.पी. खुराना

निदेशक, ओपन लर्निंग कैम्पस

प्रोफ़ेसर सी.एस. दुबे (कार्यवाहक)

कोषाध्यक्ष

श्री टी.एस कृपानिधि

प्रॉक्टर

प्रोफ़ेसर नीता सहगल (कार्यवाहक)

छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष

प्रोफ़ेसर राजेश टंडन	17.05.2017 से

कुलसचिव

प्रोफ़ेसर तरुण कुमार दास

संकायाध्यक्ष

कला

प्रोफ़ेसर मोहन	13.09.2016 से

विज्ञान

प्रोफ़ेसर एम.के.पंडित

सामाजिक विज्ञान

प्रोफ़ेसर जे.पी.दूबे	13.03.2018 तक
प्रोफ़ेसर वी. के. दीक्षित	14.03.2018 से

विधि

प्रोफ़ेसर (सुश्री) वेद कुमारी

प्रबंध अध्ययन

प्रोफ़ेसर एम. एल. सिंगला	26.05.2017 तक
प्रोफ़ेसर सुनीता सिंह सेनगुप्ता	27.05.2017 से

गणितीय विज्ञान

प्रोफ़ेसर प्रकाश चंद झा

आयुर्विज्ञान

प्रोफ़ेसर अरुणाभा राय	13.10.2017 तक
प्रोफ़ेसर रचना गुप्ता	14.10.2017 से

संगीत और ललित कला

प्रोफ़ेसर सुनीरा कासलीवाल

प्रौद्योगिकी

प्रोफ़ेसर अविनाश खरे	26.09.2017 तक
प्रोफ़ेसर सचिन महेश्वरी	27.09.2017 से

आयुर्वेद और यूनानी

डॉ. मोहम्मद इद्रिस खान	04.07.2017 तक
डॉ. उमा शंकर	05.07.2017 से

शिक्षा

प्रोफ़ेसर (सुश्री) एन. रंगनाथन

अंतर-विषयक और अनुप्रयुक्त विज्ञान

प्रोफ़ेसर प्रदीप कुमार बर्मा

व्यावहारिक सामाजिक विज्ञान और मानविकी

प्रोफ़ेसर सुरेश चंद अग्रवाल	19.07.2017 तक
प्रोफ़ेसर वी. के. कौल	20.07.2017 से

वाणिज्य और व्यापार

प्रोफ़ेसर मुनीश कुमार	18.05.2017 तक
प्रोफ़ेसर कविता शर्मा	19.05.2017 से

होम्योपैथिक औषध

प्रोफ़ेसर अरुणाभा राय	13.10.2017 तक
प्रोफ़ेसर रचना गुप्ता	14.10.2017 से

छात्र पंजीकरण

विश्वविद्यालय में एम.फिल/पीएच.डी. के छात्रों और प्रमाण पत्र/डिप्लोमा/पीजी डिप्लोमा के 6,948 छात्रों सहित वर्ष 2017-18 के आंकड़ों के अनुसार, 1,89,653 स्नातक, 26,910 स्नातकोत्तर छात्र हैं। पारंपरिक रूप में नामांकित छात्रों की कुल संख्या 2,23,511 है। इसके अतिरिक्त, लगभग 4,05,448 छात्र दूरस्थ मोड में नामांकित हैं और 25,643 गैर-कॉलेजिएट महिला छात्र भी इस विश्वविद्यालय का हिस्सा हैं। वर्ष 2017-18 के दौरान सभी कार्यक्रमों में पारंपरिक और दूरस्थ मोड में कुल 6,54,602 नामांकन हुए। वर्तमान में, आधे से अधिक छात्र दिल्ली के अलावा अन्य राज्यों से आते हैं।

वर्ष की उपलब्धियाँ

दिल्ली विश्वविद्यालय को 1922 में स्थापित संस्था के रूप में एक सम्मानित विरासत का सौभाग्य प्राप्त है। विश्वविद्यालय, संसद के एक अधिनियम द्वारा स्थापित, निर्धारित विधियों, अध्यादेशों, नियमों और विनियमों द्वारा निर्देशित है।

16 संकायों, 87 विभागों, 16 केंद्रों और 90 महाविद्यालयों सहित, दिल्ली विश्वविद्यालय भारत के सबसे बड़े विश्वविद्यालयों में से एक है। औपचारिक और अनौपचारिक/दूरस्थ शिक्षा पद्धति में छह लाख से अधिक छात्रों के साथ, दिल्ली विश्वविद्यालय, अपनी परंपराओं और विकास को ध्यान में रखते हुए लगातार सुदृढ़ हो रहा है।

विगत एक वर्ष की आलोच्य अवधि के दौरान विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और संकेतों में यह स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है। वर्ष 2017-2018 (1 अप्रैल, 2017-31 मार्च, 2018) की उल्लेखनीय उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण यहां प्रस्तुत किया गया हैं।

स्थापना दिवस

दिल्ली विश्वविद्यालय ने, 1 मई, 2017 को अपना 95वां स्थापना दिवस मनाया। स्थापना दिवस समारोह के विशिष्ट अतिथियों में डॉ. करण सिंह, संसद सदस्य (राज्यसभा), माननीय श्री न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश, राजदूत श्री शिव शंकर मुखर्जी, नेपाल में भारत के पूर्व राजदूत, श्री जयंत प्रसाद, महानिदेशक, रक्षा अध्ययन और विश्लेषण संस्थान, डॉ. स्वपन दासगुप्ता, संसद सदस्य (राज्यसभा), श्री राज शर्मा,

अध्यक्ष और प्रधान संपादक, इंडिया टीवी और डॉ. कविता ए. शर्मा, अध्यक्ष, दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी पूर्व छात्र शामिल हुए।

विगत वर्षों की भांति, अतीत और वर्तमान में विश्वविद्यालय की अनुकरणीय सेवा करने वाले योग्य व्यक्तियों को पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। ये पुरस्कार सेवानिवृत्त शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए 'विशिष्ट सेवा पुरस्कार' और विश्वविद्यालय विभागों और महाविद्यालयों में शिक्षकों के लिए 'उत्कृष्टता पुरस्कार' की श्रेणी में प्रदान किए गए।

दीक्षांत समारोह

विश्वविद्यालय का 94वां वार्षिक दीक्षांत समारोह 18 नवंबर, 2017 को आयोजित किया गया। भारत के राष्ट्रपति, माननीय श्री रामनाथ कोविंद विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि थे, मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री, भारत सरकार, माननीय श्री प्रकाश जावड़ेकर सम्मानित अतिथि के रूप में, राज्य मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार, माननीय डॉ. सत्य पाल सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में और प्रोफ़ेसर वी.एस. चौहान, अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली, अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए।

इस वर्ष 582 पीएच.डी. अध्येताओं और 39 डी.एम./एम.सीएच. उम्मीदवारों को डिग्री प्रदान की गई। मेधावी छात्रों को 171 पदक और पुरस्कार प्रदान किए गए। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर दीक्षांत समारोह का लाइव वेबकास्ट किया गया था।

विश्वविद्यालय की रैंकिंग

दिल्ली विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर यूएस न्यूज ग्लोबल टॉप यूनिवर्सिटी रैंकिंग (द वाशिंगटन पोस्ट) द्वारा नंबर **1** रैंक दिया गया है। इसे भारत में सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में क्यूएस इंडिया रैंकिंग में दूसरा रैंक और सार्वजनिक शिक्षण संस्थानों / विश्वविद्यालयों में आठवां रैंक प्राप्त हुआ है । यह भी प्रशंसनीय है कि इसे क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ग्रेजुएट एम्प्लॉयबिलिटी रैंकिंग द्वारा पूर्व-छात्र निष्पादन में वैश्विक स्तर पर **21**वां स्थान प्राप्त हुआ है। राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा रैंकिंग के आधार पर इस विश्वविद्यालय को एनआईआरएफ द्वारा सातवां और इंडिया टुडे द्वारा भारत के सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में दूसरा स्थान मिला है।

राष्ट्रीय रैंकिंग

समग्र रैंकिंग	**2018/19**
राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग संरचना	7
वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग सेंटर	7
इंडिया टुडे एमडीआरए रैंकिंग	2

अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग

समग्र रैंकिंग	**2018/19**
टाईम्स हायर एजुकेशन (दी) वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग	601-800
दी एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग	144
दी ब्रिक्स एंड इमर्जिंग इकोनॉमिक्स यूनिवर्सिटी रैंकिंग	127
वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग सेंटर	726
क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग	487
क्यूएस एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग	62
क्यूएस ब्रिक्स यूनिवर्सिटी रैंकिंग	42

क्यूएस इंडिया रैंकिंग	भारतीय सार्वजनिक शैक्षणिक संस्थानों और विश्वविद्यालयों में आठवां रैंक भारतीय सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में दूसरा रैंक

क्यूएस वर्ल्ड विषय-वार, **2018**	
विकास अध्ययन	17
मानवजाति विज्ञान	51-100
भूगोल और क्षेत्र अध्ययन	151-200
समाज विज्ञान	151-200
अर्थशास्त्र और अर्थमिति	201-250
भौतिकी और खगोल-विज्ञान	251-300
रसायन विज्ञान	351-400
जैविक विज्ञान	351-400
क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ग्रेजुएट एम्प्लॉयबिलिटी रैंकिंग	
संकेतक	2018/19
समग्र स्कोर	201-250
पूर्व-छात्र निष्पादन	21
नियोक्ता प्रतिष्ठा	195
नियोक्ता-छात्र संयोजकता	200+
नियोक्ताओं के साथ साझेदारी	200+

• **अर्थशास्त्र विभाग** को, विगत वर्षों के लिए अर्थशास्त्र में शोध-पत्रों और प्रकाशनों के वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक संग्रह, **RePEc** द्वारा, लगातार छठे वर्ष के लिए भारतीय विश्वविद्यालयों के अर्थशास्त्र विभागों में सर्वोच्च स्थान प्रदान किया गया । **Http://ideas.repec.org/top/top.india.html)**

• **शिक्षा विभाग** को, शिक्षा अध्ययन में सर्वश्रेष्ठ संस्थानों की रेटिंग में, प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

• **भौतिकी विभाग** ने, देश के सर्वोच्च विश्वविद्यालयों के भौतिकी विभाग के रूप में क्यूएस रैंकिंग में अपना स्थान कायम रखा।

• **सामजिक कार्य विभाग** को, आउटलुक सर्वेक्षण 2018 और इंडिया टुडे सर्वेक्षण, 2018 द्वारा अकादमिक उत्कृष्टता और नियोजन में प्रथम और भारत में सामाजिक-कार्य के द्वितीय सर्वश्रेष्ठ स्कूल का दर्जा प्रदान किया गया।

विश्वविद्यालय व्याख्यान श्रृंखला और कार्यक्रम

गणमान्य वक्ता - डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 126 वीं जयंती

डॉ. बी. आर. अंबेडकर की 126वीं जयंती मनाने के लिए 14 अप्रैल, 2017 को "डॉ. भीमराव अंबेडकर: **21**वीं शताब्दी के भारत के लिए उनके मिशन एवं दृष्टिकोण का मापन" पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रतिष्ठित वक्ताओं में अध्यक्ष, भारतीय विधि आयोग, माननीय न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) डॉ. बी. एस. चौहान, दिल्ली उच्च न्यायालय के माननीय न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट्ट और दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति, प्रोफेसर उपेंद्र बक्शी शामिल थे।

प्रत्यक्षक -प्रख्यात पूर्व-छात्र व्याख्यान श्रृंखला

प्रत्यक्षक-प्रख्यात पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला का उद्देश्य विश्वविद्यालय और इसके पूरे विश्व में फैले प्रवासी छात्रों के बंधन को सुदृढ़ करना है।

इस श्रृंखला के एक भाग के रूप में, भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश और दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र, माननीय न्यायमूर्ति श्री अर्जन सीकरी द्वारा 21 अप्रैल, 2017 को "भारतीय संविधान के अंतर्गत मौलिक अधिकार: विलुप्त गुण?" का आयोजन किया गया था। प्रोफ़ेसर एम.पी. सिंह, कुलाधिपति, हरियाणा विश्वविद्यालय ने सत्र का संचालन किया।

थाईलैंड साम्राज्य की राजकुमारी और कैडेटों से चर्चा

थाइलैंड की शाही महामहिम राजकुमारी, महा चक्री सिरिन्धोर्न ने **17 जुलाई, 2017** को थाइलैंड की शाही सेना के अधीन, चुलचोमकोलो शाही मिलिट्री अकादमी के **100** स्टाफ प्रशिक्षकों और कैडेटों के साथ दिल्ली विश्वविद्यालय का दौरा किया। कैडेटों को प्रश्नोत्तर सत्र के लिए आमंत्रित किया गया था। प्रतिनिधिमंडल ने वाइसरीगल लॉज में ऐतिहासिक स्थलों का दौरा किया और विश्वविद्यालय की विरासत की सराहना की। प्रतिनिधिमंडल ने प्रदर्शनियों, अभिलेखों, छायाचित्रों, कलाकृतियों और पेंटिंग के माध्यम से अभिलेखागार और विश्वविद्यालय की समृद्ध विरासत के प्रदर्शन में रुचि प्रदर्शित की।

जर्मन संघीय गणराज्य के राष्ट्रपति द्वारा विशिष्ट भाषण

जर्मनी संघीय गणराज्य के राष्ट्रपति फ्रैंक-वाल्टर स्टीनमीयर ने शुक्रवार 23 मार्च, 2018 को कन्वेंशन हॉल में "भारत और जर्मन-विचार और परिप्रेक्ष्य" पर एक भाषण प्रस्तुत किया। भाषण के बाद एक प्रश्नोत्तर सत्र था, जिसमें केवल छात्रों को माननीय राष्ट्रपति से प्रश्न करने की अनुमति थी। माननीय राष्ट्रपति ने विश्वविद्यालय की अपनी यात्रा को एक राष्ट्रपति के रूप में अपनी प्रथम भारत यात्रा के रूप में वर्णित किया। उनके साथ जर्मन की प्रथम महिला भी थीं।

शहीद दिवस

दिल्ली विश्वविद्यालय ने शहीद भगत सिंह, सुखदेव थापर और शिवराम राजगुरु को श्रद्धांजलि देने के लिए 23 मार्च, 2018 को वाइसरीगल लॉज के काउंसिल हॉल में शहीद दिवस पर एक कार्यक्रम आयोजित किया। माननीय कुलपति ने समारोह की अध्यक्षता की। छात्रों द्वारा एक देशभक्ति गीत प्रस्तुत करके और शहीद भगत सिंह के जीवन पर एक वृत्तचित्र फिल्म दिखाकर शहीद भगत सिंह और उनके साथियों को श्रद्धांजलि दी गई।

नए शिक्षण केंद्रों की स्थापना

दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म

दिल्ली विश्वविद्यालय ने मीडिया और पत्रकारिता शिक्षा के लिए विश्व स्तर पर सक्षम संस्था बनाने के दृष्टिकोण से **26** सितंबर **2017** को दिल्ली स्कूल ऑफ़ जर्नलिज्म की स्थापना की। कार्यक्रम अंतःविषयक है जिसमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान, लिंग अध्ययन, नैतिकता और वैश्विक मुद्दों के मूल सिद्धांतों को शामिल किया गया है। माननीय कुलपति प्रोफ़ेसर योगेश के. त्यागी ने दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म के शैक्षणिक सत्र का उद्घाटन किया।

भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री वेंकैया नायडू ने 21 दिसंबर 2017 को दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म के औपचारिक उद्घाटन के अवसर पर भाषण दिया।

दिल्ली स्कूल ऑफ ट्रांसनेशनल अफेयर्स

दिल्ली विश्वविद्यालय ने **17** जनवरी, **2018** को दिल्ली स्कूल ऑफ ट्रांसनेशनल अफेयर्स का शुभारंभ किया। दिल्ली स्कूल ऑफ ट्रांसनेशनल अफेयर्स की परिकल्पना अंतरराष्ट्रीय महत्व के विभिन्न शैक्षणिक मुद्दों पर अत्याधुनिक बहस के लिए एक अद्वितीय वैश्विक और आभासी मंच के रूप में की गई है। यह पूरे विश्व में फैले विद्वानों, विचारकों और विशेषज्ञों के बीच की बाधाओं को पाटने के लिए उन्हें एकजुट करने और इस मंच पर अपने विचारों को साझा करने का अवसर देने का प्रयास करता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय ने विदेश मंत्रालय के विदेश प्रचार और लोक राजनय प्रभाग के सहयोग से एक प्रतिष्ठित व्याख्यान श्रृंखला से दिल्ली स्कूल ऑफ ट्रांसनेशनल अफेयर्स की शुरुआत की। राजदूत जी. पार्थसारथी ने 'समकालीन विश्व में भारत की विदेश नीति और सुरक्षा चुनौतियों' पर उद्घाटन व्याख्यान दिया। प्रोफेसर सतीश कुमार, निदेशक, राष्ट्रीय सुरक्षा अनुसंधान फाउंडेशन ने कार्यवाही की अध्यक्षता की और सत्र के सूत्रधार, ऑब्ज़र्वर रिसर्च फ़ाउंडेशन के प्रतिष्ठित फैलो, प्रोफेसर हर्ष पंत थे।

अनुसंधान की मुख्य विशेषताएं

एच- सूचकांक

स्कोपस डेटाबेस के अनुसार, दिल्ली विश्वविद्यालय का एच-इंडेक्स 164 है, जो भारतीय विश्वविद्यालयों में उच्चतम है।

अनुसंधान प्रकाशन

स्कोपस डेटाबेस के अनुसार, 2013-18 में हुए प्रकाशनों की कुल संख्या 11,193 है।

बाह्य अनुसंधान अनुदान

दिल्ली विश्वविद्यालय ने चरण- II (2014-2019) के लिए 40.80 करोड़ रुपए का उच्चतम डीएसटी-पीयूआरएसई अनुदान प्राप्त किया है।

विश्वविद्यालय में लगभग हर राष्ट्रीय वित्त पोषण एजेंसी और डीबीटी, डीएसटी, आईएफआईसीएआर, यूजीसी, एमओईएफ, आईएईए, आईसीएआर, डीआरडीओ, सीएसआईआर, एमओईएस, आईसीएमआर, एमएनआरईआर, वर्ल्ड बैंक, टीईआरआई, इंडो-यूएसएसटीएफ, गेल,आईयूएसी, आईसीएसएसआर, यूएसए, एमसीआईटी, एनयूएसटी, नॉर्वे विश्वविद्यालय, तुर्की विश्वविद्यालय, इसरो, एसडीटीटी, विज्ञान प्रसार, एसईआरबी-डीएसटी, जापान फाउंडेशन, एसईडब्ल्यूए-टीएचडीसी, एमओएसजे एंड ई, डीएई, एमडब्ल्यूसीडी, आईएनएसए, टीआईएसएस-दिल्ली विश्वविद्यालय, लीवरहॉल ट्रस्ट यूके, आईसीएचआर जैसी कई अंतरराष्ट्रीय वित्त पोषण एजेंसियो के साथ वाह्य अनुसंधान हैं।

वर्ष 2017-18 में चालू परियोजनाएं – 333
मुख्य परियोजनाएं – 200
गौण परियोजनाएं – 133
परियोजना की कुल लागत/मूल्य– रुपए 280.5 करोड़
वर्ष 2017-18 में स्वीकृत परियोजनाएं – 65
कुल राशि– रुपए 37.03 करोड़

विज्ञान और प्रौद्योगिकी में संवर्धन के लिए निधियां प्राप्त विभाग (डीएसटी -एफआईएसटी):

- वनस्पति विज्ञान
- रसायन विज्ञान
- आनुवंशिकी
- गणित
- भौतिकी और खगोल भौतिकी
- पादप आणविक जीवविज्ञान
- प्राणी विज्ञान

वर्ष 2017-18 **के लिए यूजीसी एसएपी के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्राप्त विभाग**

विभागीय अनुसंधान सहायता (डीआरएस)

- मानवजाति विज्ञान

- जैव-रसायन विज्ञान विभाग
- डॉ. भीम राव अंबेडकर जैव-चिकित्सा अनुसंधान केंद्र
- भूगोल
- आनुवंशिकी
- जर्मन और रोमांस अध्ययन
- हिंदी
- आधुनिक भारतीय भाषाएं और साहित्यिक अध्ययन
- पर्शियन
- पादप आणविक जीवविज्ञान
- मनोविज्ञान

विशेष सहायता विभाग

- अंग्रेजी
- गणित
- संगीत

उच्चतर अध्ययन केंद्र

- बौद्ध अध्ययन
- रसायन विज्ञान
- अर्थशास्त्र
- भूविज्ञान
- इतिहास
- भाषा-विज्ञान
- राजनीति विज्ञान
- सामजिक कार्य
- समाज विज्ञान

क्षेत्र अध्ययन कार्यक्रम

- अफ़्रीकी अध्ययन
- कनाडियन अध्ययन केंद्र
- पूर्व-एशियाई अध्ययन

एक करोड़ रुपए से अधिक अनुदान प्राप्त करने वाले संकाय सदस्य

आलोच्य अवधि के दौरान, विश्वविद्यालय के कुछ संकाय सदस्यों को एक करोड़ रुपए प्रत्येक से अधिक के मूल्य की अनुसंधान परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

1. प्रोफ़ेसर दमन सलूजा, एसीबीआर, डीबीटी से **3** करोड़ रुपए
2. प्रोफ़ेसर वी. के. चौधरी, जैव रसायन, डीबीटी से **3.39** करोड़ रुपए
3. डॉ. रेणु देसवाल, वनस्पति विज्ञान, आईबीएसडी से **23** करोड़ रुपए
4. डॉ. विपिन गुप्ता, वनस्पति विज्ञान, डीबीटी से **3.81** करोड़ रुपए
5. प्रोफ़ेसर अरुण जगन्नाथ, वनस्पति विज्ञान, डीबीटी से **1.08** करोड़ रुपए

6. प्रोफ़ेसर सी. आर. बाबू, सीईएमडीई,1 करोड़, रुपए 3.10 करोड़, रुपए 1.07 करोड़ और डीडीए से रुपए 2.83 करोड़ रुपए
7. डॉ. ज्योति शर्मा, सीआईसी, डीएसटी से 1.27 करोड़ रुपए
8. प्रोफ़ेसर क्रिस्टोल डेविडसन, अंग्रेजी, यूजीसी/डीएएडी से 1.07 करोड़ रुपए
9. प्रोफ़ेसर राधेश्याम शर्मा, पर्यावरण अध्ययन, एमओईएफ से 1.29 करोड़ रुपए
10. प्रोफ़ेसर ए.के. प्रधान, आनुवंशिकी, डीबीटी-यूडीएससी से 1.27 करोड़ रुपए
11. प्रोफ़ेसर बी के थेल्मा, आनुवंशिकी, एसईआरबी से 3.50 करोड़ रुपए
12. प्रोफ़ेसर जी. वी. आर. प्रसाद, भूविज्ञान, डीएसटी से 1.36 करोड़ रुपए
13. प्रोफ़ेसर जे. पी. खुराना, प्लांट आणविक जीवविज्ञान, डीबीटी से 1.65 करोड़ रुपए
14. प्रोफ़ेसर बी.सी. चौधरी, भौतिकी और खगोल भौतिकी, 2.01 करोड़ और डीएसटी से 2.50 करोड़ रुपए
15. डॉ. कीर्ति रंजन, भौतिकी और खगोल भौतिकी, डीएसटी से 9.99 करोड़ रुपए
16. डॉ. मो. नईमुद्दीन, भौतिकी और खगोल भौतिकी, डीएसटी से 1.78 करोड़ रुपए

रुपये दस लाख से अधिक के अनुदान प्राप्त करने वाले संकाय सदस्य:

1. डॉ. अजय के यादव	एसीबीआर
2. डॉ. अपर्णा दीक्षित	एसीबीआर
3. प्रोफ़ेसर दमन सलूजा	एसीबीआर
4. प्रोफ़ेसर वाणी ब्रह्मचारी	एसीबीआर
5. प्रोफ़ेसर जे. पी.दुबे	वयस्क, सतत शिक्षा और विस्तार
6. प्रोफ़ेसर ए.के. कपूर	नृविज्ञान
7. प्रोफ़ेसर एस. एम. पटनायक	नृविज्ञान
8. प्रोफ़ेसर वी आर राव	मानवविज्ञान
9. डॉ. आलोक नाग	जैव-रसायन
10 डॉ. अमिता गुप्ता	जैव-रसायन
11. प्रोफ़ेसर डी पेंटल	जैव-रसायन
12. प्रोफ़ेसर डी पी सरकार	जैव-रसायन
13. प्रोफ़ेसर सुमन कुंडू	जैव-रसायन
14. प्रोफ़ेसर वी. के. चौधरी	जैव-रसायन
15. प्रोफ़ेसर ए.के. पांडे	वनस्पति विज्ञान
16. प्रोफ़ेसर के.एस. राव	वनस्पति विज्ञान
17. साक्षी मनु अग्रवाल	वनस्पति विज्ञान
18. प्रोफ़ेसर पी. एल. उनियाल	वनस्पति विज्ञान
19. डॉ. रतुल बैश्य	वनस्पति विज्ञान
20. डॉ. संदीप दास	वनस्पति विज्ञान
21. प्रोफ़ेसर एस. सी. भटला	वनस्पति विज्ञान
22. प्रोफ़ेसर सुमन लखनपाल	वनस्पति विज्ञान
23. डॉ. यशवंती मुदगिल	वनस्पति विज्ञान
24. प्रोफ़ेसर वीना अग्रवाल	वनस्पति विज्ञान
25. प्रोफ़ेसर विष्णु भट्ट	वनस्पति विज्ञान
26. डॉ. मनीषा गोयल	जैव-भौतिकी
27. डॉ. जे.एस. पुरोहित	सी.आई.सी.
28. डॉ. सोनम सिंह	सी.आई.सी.

29. प्रोफ़ेसर ए.के. वर्मा	रसायन विज्ञान
30. डॉ. अमरजीत कौर	रसायन विज्ञान
31. प्रोफ़ेसर ए. सकथिवेल	रसायन विज्ञान
32. प्रोफ़ेसर डी. एस. रावत	रसायन विज्ञान
33. प्रोफ़ेसर गुरमीत सिंह	रसायन विज्ञान
34. डॉ. इंद्रजीत रॉय	रसायन विज्ञान
35. डॉ. नीतू सिंह	रसायन विज्ञान
36. प्रोफ़ेसर एन तिरुपति	रसायन विज्ञान
37. प्रोफ़ेसर पारबती विश्वास	रसायन विज्ञान
38. डॉ. पी, वेंकटेशु	रसायन विज्ञान
39. प्रोफ़ेसर राजीव गुप्ता	रसायन विज्ञान
40. प्रोफ़ेसर राम कांत	रसायन विज्ञान
41. डॉ. रामेंद्र प्रताप	रसायन विज्ञान
42. प्रोफ़ेसर आर. नागराजन	रसायन विज्ञान
43. डॉ. आर के शर्मा	रसायन विज्ञान
44. प्रोफ़ेसर रमेश चंद्र	रसायन विज्ञान
45. डॉ. सासंक देका	रसायन विज्ञान
46. प्रोफ़ेसर सीतारमण उमा	रसायन विज्ञान
47. प्रोफ़ेसर सुनील कुमार शर्मा	रसायन विज्ञान
48. डॉ. सुरेंद्र सिंह	रसायन विज्ञान
49. डॉ. चिरश्री घोष	सीईएमडीई
50. प्रोफ़ेसर सी. आर. बाबू	सीईएमडीई
51. प्रोफ़ेसर इंद्रजीत सिंह	सीईएमडीई
52. प्रोफ़ेसर मृदुला गुप्ता	इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान
53. साक्षी अनुपम चट्टोपाध्याय	भूविज्ञान
54. प्रोफ़ेसर जे.पी. श्रीवास्तव	भूविज्ञान
55. डॉ. एन. सी. पंत	भूविज्ञान
56. प्रोफ़ेसर पंकज श्रीवास्तव	भूविज्ञान
57. डॉ. अरुणा देवी नोरेम	आनुवंशिकी
58. प्रोफ़ेसर ए.के. प्रधान	आनुवंशिकी
59. प्रोफ़ेसर बी. के. थेलामा	आनुवंशिकी
60. डॉ. जगप्रीत कौर	आनुवंशिकी
61. डॉ. कौस्तुव दत्त	आनुवंशिकी
62. प्रोफ़ेसर एम वी राजम	आनुवंशिकी
63. डॉ. सुरजीत सरकार	आनुवंशिकी
64. प्रोफ़ेसर तपस्या श्रीवास्तव	आनुवंशिकी
65. डॉ. संजीव सिंह	आईआईसी
66. प्रोफ़ेसर रानी गुप्ता	सूक्ष्म-जीवविज्ञान
67. डॉ. राजीव कौल	सूक्ष्म-जीवविज्ञान
68. प्रोफ़ेसर आर. सी. कुहाड़	सूक्ष्म-जीवविज्ञान
69. डॉ. स्वाति साहा	सूक्ष्म-जीवविज्ञान
70. डॉ. सचि श्रीवास्तव	गणित

71. डॉ. अवधेश प्रसाद — भौतिकी और खगोल भौतिकी
72. प्रोफ़ेसर बिनय कुमार — भौतिकी और खगोल भौतिकी
73. प्रोफ़ेसर कीर्ति रंजन — भौतिकी और खगोल भौतिकी
74. डॉ. निवेदिता देव — भौतिकी और खगोल भौतिकी
75. प्रोफ़ेसर आर. पी. टंडन — भौतिकी और खगोल भौतिकी
76. प्रोफ़ेसर संजय जैन — भौतिकी और खगोल भौतिकी
77. प्रोफ़ेसर एस. अन्नपूर्णी — भौतिकी और खगोल भौतिकी
78. डॉ. एस. ए. हाश्मी — भौतिकी और खगोल भौतिकी
79. प्रोफ़ेसर टी. आर. सेशाद्री — भौतिकी और खगोल भौतिकी
80. प्रोफ़ेसर देवकी नंदन गुप्ता — भौतिकी और खगोल भौतिकी
81. प्रोफ़ेसर विनय गुप्ता — भौतिकी और खगोल भौतिकी
82. प्रोफ़ेसर संजीव कुमार एच एम — राजनीति विज्ञान
83. प्रोफ़ेसर अखिलेश के त्यागी — पादप आणविक जीवविज्ञान
84 प्रोफ़ेसर अनिल ग्रोवर — पादप आणविक जीवविज्ञान
85. प्रोफ़ेसर अरुण के शर्मा — पादप आणविक जीवविज्ञान
86. प्रोफ़ेसर जी. के . पांडेय — पादप आणविक जीवविज्ञान
87. प्रोफ़ेसर आई. दासगुप्ता — पादप आणविक जीवविज्ञान
88. प्रोफ़ेसर जे. पी . खुराना — पादप आणविक जीवविज्ञान
89. प्रोफ़ेसर परमजीत खुराना — पादप आणविक जीवविज्ञान
90. प्रोफ़ेसर संजय कपूर — पादप आणविक जीवविज्ञान
91. डॉ. सौरभ रघुवंशी — पादप आणविक जीवविज्ञान
92. डॉ. सुरेख के अग्रवाल — पादप आणविक जीवविज्ञान
93. प्रोफ़ेसर अलोक चंद्र भारती — प्राणी विज्ञान
94. प्रोफ़ेसर डी. के. सिंह — प्राणी विज्ञान
95. प्रोफ़ेसर नीता सहगल — प्राणी विज्ञान
96. प्रोफ़ेसर राजगोपाल रमन — प्राणी विज्ञान
97. डॉ. राम कृष्ण नेगी — प्राणी विज्ञान
98. प्रोफ़ेसर रीना चक्रबर्ती — प्राणी विज्ञान
99. प्रोफ़ेसर रीता सिंह — प्राणी विज्ञान
100. प्रोफ़ेसर रूप लाल — प्राणी विज्ञान
101 प्रोफ़ेसर विनोद कुमार — प्राणी विज्ञान
102. प्रोफ़ेसर योगेन्द्रब सिंह — प्राणी विज्ञान

विदेशी अनुदान

नाम	विभाग	राशि (रुपए)
1. प्रोफ़ेसर एस. डी. बीजू	सीईएमडीई	अमेरिकी डॉलर 100000
2. डॉ. अमिता चंद्रा	भौतिकी और खगोल भौतिकी	यूरो 55000
3. प्रोफ़ेसर डी. के. सिंह	प्राणी विज्ञान	यूरो 37000
4. डॉ. आर. के. सेठ	प्राणी विज्ञान	यूरो 44808

विश्वविद्यालय की अनुसंधान पत्रिकाएँ

ई-पत्रिकाएँ

दिल्ली विश्वविद्यालय दो ई-पत्रिकाओं का प्रकाशन करता है:

•दिल्ली यूनिवर्सिटी जर्नल ऑफ़ अंडरग्रेजुएट रिसर्च एंड इनोवेशन (आईएसएसएन 2395-2334), जो सहयोगी समीक्षा की एक ऑनलाइन द्विवार्षिक अनुसंधान पत्रिका (भारत में यब अपनी तरह की पहली पत्रिका) है।

•द दिल्ली यूनिवर्सिटी जर्नल ऑफ़ ह्यूमैनिटीज़ एंड द सोशल साइंसेज (आईएसएसएन 2348-4357), यह भी सहकर्मी समीक्षा की अनुसंधान पत्रिका है।

इसके अतिरिक्त, विभिन्न विभागों और महाविद्यालयों द्वारा कई अन्य पत्रिकाएँ भी प्रकाशित की जाती हैं जिनमें भारतीय आर्थिक समीक्षा, जर्नल ऑफ कॉमर्स एंड बिजनेस स्टडीज, वागेश्वरी, इंडियन लॉ जर्नल, इंडियन जर्नल ऑफ अफ्रीकन स्टडीज, जर्नल ऑफ लॉ टीचर्स ऑफ इंडिया, द इंडियन जर्नल ऑफ चेस्ट डिजीज एंड अलाइड साइंसेज, जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस, फाइटोमोर्फोलॉजी आदि शामिल हैं।

आईपीआर और पेटेंट कोष

विश्वविद्यालय का बौद्धिक संपदा अधिकार प्रकोष्ठ, अनुसंधान परिषद द्वारा संचालित किया जाता है। इसे जागरूकता बढ़ाने और पेटेंट फाइलिंग, रखरखाव और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की सुविधा के लिए बनाया गया था। पेटेंट दायर करने और सहयोगी अनुसंधान के लिए दिशानिर्देश तैयार किए गए हैं और विश्वविद्यालय के संकायों के लिए एक पेटेंट कोष स्थापित किया गया है। वर्ष 2017-18 के दौरान, पांच पेटेंट (2 भारतीय और 3 विदेशी) प्रदान किए गए, सात पेटेंट आवेदन (4 भारतीय, 2 विदेशी और 1 पीसीटी) प्रकाशित किए गए और 10 नए भारतीय पेटेंट आवेदन दायर किए गए। विश्वविद्यालय संकाय द्वारा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए दिशानिर्देश तैयार किया जा रहा है। अब तक कुल 204 पेटेंट दायर किए गए हैं।

विश्वविद्यालय की डिजिटल संस्थाएँ

विश्वविद्यालय ने पिछले वर्षों में कई डिजिटल पहलें की हैं, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

कैम्पस **संपर्क (कैम्पस संयोजकता)**

- वाई-फाई सक्षम **कैम्पस** और महाविद्यालय
- 10 जी के साथ एनकेएन संयोजकता
- कैंपस और महाविद्यालयों में विस्तारित आईसीटी नेटवर्क
- सभी महाविद्यालयों को एमपीएलएस वीपीएन संयोजकता

मूल्य वर्धित सेवाएं

- संकाय सदस्यों और अनुसंधान विद्वानों की सुविधा के लिए ईडीयूआरओएएम का एकीकरण
- आंतरिक पहचान प्रबंधन सेवाएं
- ओपन सोर्स टेक्नोलॉजी एडवोकेसी एंड इंटीग्रेशन
- आईएनएफएलआईबीएनईटी संसाधनों के साथ एकीकरण

डिजिटल प्रशासनिक प्रक्रियाएँ

- ऑनलाइन प्रवेश
- ऑनलाइन शुल्क संग्रह
- ऑनलाइन छात्र शिकायत निवारण प्रणाली
- ई- प्रापण
- मकान आबंटन के लिए ऑनलाइन प्रणाली
- हॉस्टल आवास के लिए ऑनलाइन प्रणाली
- चिकित्सा बिल प्रतिपूर्ति के लिए ऑनलाइन प्रणाली

- संकाय नियुक्ति और स्क्रीनिंग के लिए ऑनलाइन प्रारूप
- संकाय की सेवाओं की ऑनलाइन पुष्टि
- महाविद्यालय के शासी निकायों में शिक्षक के प्रतिनिधित्व के लिए ऑनलाइन प्रारूप
- ऑनलाइन बिल प्रसंस्करण और ट्रैकिंग
- ऑनलाइन अनुसंधान परियोजना प्रबंधन

डिजिटल अनुसंधान पहल

- डीयू ई-जर्नल्
- विश्वविद्यालय अनुसंधान अनुदान
- संकाय सदस्यों के शैक्षणिक और अनुसंधान प्रोफाइल
- पीएच.डी. मूल्यांकन और मौखिक परीक्षा

डिजिटल शिक्षण पहलें

- कक्षा सॉफ्टवेयर, वेब-कास्टिंग और वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग का उपयोग
- एमओओसी के माध्यम से ऑनलाइन शिक्षण व अधिगम संसाधन
- ई-पत्रिकाओं और संसाधनों की सदस्यता

दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली की डिजिटल पहल

- ई-शोध सिंधु
- जे-गेट @ ई-शोध सिंधु
- नेत्रहीनों के लिए सुलभ संसाधन
- इंटरनेट के उपयोग की सुविधा
- पीएच.डी. शोध का डिजिटल संग्रह
- इलेक्ट्रॉनिक डेटाबेस

परीक्षा प्रणाली संबंधी डिजिटल पहलें

- ट्रांसक्रिप्ट, डिग्री/अंकपत्र की प्रतिलिपि, डिग्री/अंकपत्र का सत्यापन, डिग्री/अंकपत्र का पुष्टिकरण, पुनर्मूल्यांकन/दुबारा जांच के लिए ऑनलाइन शुल्क संग्रह प्रणाली।
- परीक्षा विंग को समर्पित, व्यापक और उपयोगकर्ता अनुकूल ऑनलाइन पोर्टल, डेटशीट, परिणाम, सूचना, सेवाओं और प्रपत्रों (फार्मों) तक सुगम अभिगम्यता प्रदान करता है।
- सिद्धांत परीक्षाओं, आंतरिक मूल्यांकन और व्यावहारिक प्रश्नपत्रों के अंक प्राप्त करने के लिए ऑनलाइन पोर्टल
- सभी स्नातक पाठ्यक्रमों और अधिकांश स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए परिणाम प्रसंस्करण सॉफ्टवेयर के माध्यम से परिणाम प्रसंस्करण
- एडवांस डिग्री/डुप्लीकेट डिग्री/डिग्री/ विशेष प्रमाणपत्र के लिए ऑनलाइन आवेदन
- ऑनलाइन परीक्षा कक्ष टिकट और ऑनलाइन प्रवेश टिकट
- वेब निर्मित अंक तालिका
- देश के 13 शहरों में नौ पेशेवर स्नातक कार्यक्रमों के लिए, 2017 में पहली बार तीन शिफ्टों में कंप्यूटर आधारित ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई।
- दिल्ली सहित देश भर के 18 शहरों में सभी स्नातकोत्तर कार्यक्रमों, पेशेवर स्नातक कार्यक्रमों, एम.फिल और पीएच.डी. कार्यक्रमों के लिए कंप्यूटर आधारित ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा का आयोजन।

संकाय को पुरस्कार/सम्मान

- प्रोफ़ेसर सौमेंद्र एम पटनायक, मानवजाति विज्ञान विभाग, उप-कुलपति, उत्कल विश्वविद्यालय
- प्रोफ़ेसर डी. पी. सरकार , जैव-रसायन विज्ञान विभाग, आईआईएसईआर, मोहाली में निदेशक नियुक्त.
- प्रोफ़ेसर सुमन कुंडू, जैव-रसायन विज्ञान विभाग, सुरेश सी. त्यागी, वक्तृत्व पुरस्कार, **2017.**
- प्रोफ़ेसर विजय के. चौधरी, जैव-रसायन विज्ञान विभाग, को गोबिंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा नवम्बर, **2017** में मूलभूत विज्ञान और मानविकी महाविद्यालय उत्कृष्ट पूर्व-छात्र पुरस्कार.

- डॉ. एस. गोयल, वनस्पति विज्ञान विभाग, डीएनए फिंगरप्रिंटिंग और अन्य डीएनए प्रौद्योगिकी संवर्धन एसोसिएशन, सीसीएमबी, हैदराबाद के कौंसिल सदस्य निर्वाचित
- प्रोफ़ेसर वी. अग्रवाल, वनस्पति विज्ञान, वनस्पति विभाग, लिन्नीन सोसाइटी ऑफ़ लंदन के फेलो
- प्रोफ़ेसर अखिलेश के. वर्मा, रसायन विज्ञान विभाग, यूजीसी मिड-कैरियर पुरस्कार **2017.**
- प्रोफ़ेसर आर. चंद्रा, रसायन विज्ञान विभाग, **105**वा इंडियन साइंस कांग्रेस मिलेनियम प्लेक्स ऑफ़ ऑनर पुरस्कार, **2017-18.**
- प्रोफ़ेसर रमा कांत, रसायन विज्ञान विभाग, इंडियन केमिकल सोसाइटी का आचार्य जे सी. घोष स्मारक मैडल **(2016)**
- प्रोफ़ेसर पारबती बिस्वास, रसायन विज्ञान विभाग, भारतीय विज्ञान संस्थान का सीआरएसआई चारुसिता चक्रवर्ती स्मारक व्याख्यान पुरस्कार **2017.**
- प्रोफ़ेसर पी वेंकटेसु, रसायन विज्ञान विभाग, एसोसिएशन ऑफ़ केमिस्ट्री टीचर्स, मुंबई का प्रोफेसर भूपेंद्र सहाई सक्सेना पुरस्कार **-2017**
- प्रोफ़ेसर पी वेंकटेसु, रसायन विज्ञान विभाग, केमिकल रिसर्च सोसाइटी ऑफ़ इंडिया, बैंगलोर से.ब्रॉन्ज मैडल-**2017** प्राप्त.
- प्रोफ़ेसर अजय कुमार, वाणिज्य विभाग, विज़न दिव्यांग फाउंडेशन के अध्यक्ष से दिव्यांगों के सशक्तिकरण के लिए प्रदत्त प्रशंसनीय सेवाओं के लिए प्रशंसा पुरस्कार, **2017.**
- डॉ. वंदना मिश्रा, उप निदेशक, विकासशील देश अनुसंधान केंद्र को चेन्नई में १५ नवम्बर २०१७ को आयोजित आईपीएसए राष्ट्रीय युवा राजनीति विज्ञान पुरस्कार-**2016** प्राप्त.
- प्रोफ़ेसर पमी दूआ, अर्थशास्त्र विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स को लेडी श्री राम महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय से अप्रैल, **2017** में प्रतिष्ठित पूर्व-छात्र पुरस्कार प्राप्त.
- प्रोफ़ेसर पमी दूआ, अर्थशास्त्र विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स, सदस्य, मौद्रिक नीति समिति, भारतीय रिज़र्व बैंक, **2016-20.**
- डॉ. सुबर्णो चटर्जी, अंग्रेजी विभाग, अकैडमिक राइटिंग फेलो, रॉकफेलर फाउंडेशन, बेलगीओ सेंटर, इटली, अक्टूबर-नवंबर **2017.**
- प्रोफ़ेसर महाराज के. पंडित, पर्यावरणीय अध्ययन विभाग, को हार्डी फेलो, रैडक्लिफ इंस्टिट्यूट फॉर एडवांस्ड स्टडी, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से जीवन-विज्ञान के क्षेत्र में.
- प्रोफ़ेसर महाराज के. पंडित, पर्यावरणीय अध्ययन विभाग,को भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली, भारत का फेलो.
- प्रोफ़ेसर इंदरजीत सिंह, पर्यावरणीय अध्ययन विभाग, को इकोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ़ अमेरिका से प्रतिष्ठित परिस्थिति वैज्ञानिक पुरस्कार
- डॉ. रितेश कुमार मिश्रा, वित्तीय अध्ययन विभाग, को प्रोफ़ेसर एम.जे. मनोहर राव युवा अर्थशास्त्री पुरस्कार-**2017.**
- डॉ. सुरजीत सरकार, आनुवंशिकी विभाग,को नवाचार युवा जैवप्रौद्योगिकीविद् पुरस्कार-**2017**
- प्रोफ़ेसर आर. बी. सिंह, भूगोल विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स, इंटरनेशनल ज्योग्राफिकल यूनियन, उच्चतम विश्व भौगोलिक निकाय के लगातार द्वितीय टर्म **(2016-20)** के लिए उपाध्यक्ष.
- प्रोफ़ेसर ए. चट्टोपाध्याय, भूविज्ञान विभाग, जनवरी **2018** में फेलो, पश्चिमी बंगाल विज्ञान और प्रौद्योगिकी अकादमी.
- प्रोफ़ेसर पंकज श्रीवास्तव, भूविज्ञान विभाग, क्ले मिनरल्स सोसाइटी ऑफ़ इंडिया, कोलकाता के फेलो
- प्रोफ़ेसर एन. सी. पंत, भूविज्ञान विभाग, उप मुख्य अधिकारी, जीओसाइंसेज ग्रुप ऑफ़ दी साइंटिफिक कमेटी ऑन अंटार्कटिक रिसर्च **(2017-2020).**
- डॉ. स्नेह लता नेगी, हिंदी विभाग, महाश्वेता देवी राष्ट्रीय सम्मान और साहित्य सम्मान, ग्वालियर साहित्य संस्थान (मध्य प्रदेश).

- डॉ. के. पी. सिंह, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग, ' दिल्ली पुस्तकालय एसोसिएशन द्वारा प्रदत्त डीएलए- प्रतिष्ठित संकाय पुरस्कार-**2017.**
- प्रोफ़ेसर अजय कुमार, गणित विभाग, **2017** में राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के फेलो.
- डॉ. विजयंत अग्रवाल, निर्माण प्रक्रियाएं और स्वचालन इंजीनियरी विभाग, को देवांग मेहता राष्ट्रीय शिक्षा पुरस्कार" द्वारा प्रचालन और निर्माण में श्रेष्ठ प्रोफ़ेसर पुरस्कार
- प्रोफ़ेसर जे.एस. विर्दी, सूक्ष्म-जीवविज्ञान विभाग, सूक्ष्म जीव-वैज्ञानिक एसोसिएशन, भारत के अध्यक्ष-**2018** निर्वाचित.
- प्रोफ़ेसर चंद्रा के. जग्गी, प्रचलनिक अनुसंधान विभाग, को इंटरनेशनल साइंस कम्युनिटी एसोसिएशन द्वारा भूटान में **08**, दिसंबर, **2017** को आयोजित सातवीं अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस में माल-सूची व आपूर्ति श्रृंखला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए अंतर्राष्ट्रीय श्रेष्ठ अनुसंधानकर्ता पुरस्कार, **2017.**
- प्रोफ़ेसर चंद्रा के. जग्गी, प्रचलनिक अनुसंधान विभाग, को आत्म-निर्भरता संस्थान, भुवनेश्वर, भारत द्वारा प्रचालनिक अनुसंधान के क्षेत्र में सम्यक और उत्कृष्ठ निष्पादन के लिए **19** नवम्बर, **2017** को भारत विकास पुरस्कार.
- प्रोफ़ेसर अलीम अशरफ खान, पर्शियन विभाग को हकीम अबोल क़ासम सिरदौसी संस्कृति व कला चिन्ह.
- प्रोफ़ेसर ए. के..त्यागी, पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग, को जे सी बोसे राष्ट्रीय फ़ेलोशिप पुरस्कार, तृतीय चरण, एसईआरबी, डीएसटी, भारत सरकार, **2017.**
- प्रोफ़ेसर ए. के..त्यागी, पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग, को नवाचार विज्ञान और प्रौद्योगिकी जीएम मोदी पुरस्कार, **2017.**
- प्रोफ़ेसर गिरधर के. पाण्डे , पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग, को राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली, भारत का फेलो, **(2018).**
- प्रोफ़ेसर गिरधर के. पाण्डे, पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग, को कृषि जैव-प्रौद्योगिकी संस्थान और नमक-मृदा कृषि केंद्र, कृषि संसाधन और पर्यावरण संस्थान, जिआंगसु कृषि विज्ञान अकादमी, नानजिंग, चीन द्वारा विदेश विशेषज्ञ पुरस्कार **(2017).**
- प्रोफ़ेसर जे.पी. खुराना, पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग, को गोयल फाउंडेशन, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा, द्वारा अप्रैल, **2017** में गोयल पुरस्कार (जीवन विज्ञान में).
- प्रोफ़ेसर जे.पी. खुराना, पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग, को ओम प्रकाश भसीन फाउंडेशन, नई दिल्ली, द्वारा अप्रैल **2017** में जैव-प्रौद्योगिकी में श्री ओम प्रकाश भसीन पुरस्कार.
- प्रोफ़ेसर परमजीत खुराना, पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग, को जे सी बोस राष्ट्रीय फ़ेलोशिप पुरस्कार, तृतीय चरण, एसईआरबी, डीएसटी, भारत सरकार, **2017.**
- प्रोफ़ेसर परमजीत खुराना, पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग, को भारतीय वानस्पतिक सोसाइटी द्वारा बीरबल साहनी पुरस्कार **2017.**
- प्रोफ़ेसर परमजीत खुराना, पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग, को भारतीय पादप फिजियोलॉजी सोसाइटी द्वारा प्रोफेसर एस .के . सिन्हा स्मारक व्याख्यान पुरस्कार **2017.**
- प्रोफ़ेसर परमजीत खुराना, पादप आणविक जीवविज्ञान विभाग, महासचिव (आउटस्टेशन), राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, इलाहाबाद, भारत, **(2018-2019).**
- डॉ. नसरीन चौधुरी, राजनीति विज्ञान विभाग, उपाध्यक्ष, इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑफ़ फोर्स्ड माइग्रेशन.
- प्रोफ़ेसर नवनीता सी. बेहेरा, राजनीति विज्ञान विभाग, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन एसोसिएशन के उपाध्यक्ष निर्वाचित.
- प्रोफ़ेसर विनय गुप्ता, भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग, आईएससीएएस रजत मैडल-**2017.**
- डॉ. एम. द्विवेदी, संस्कृत विभाग, को उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान द्वारा "कालिदास स्त्री अभिधान माला" शीर्षक पुस्तक के लिए दिसम्बर, **2017** में "विविध-पुरस्कार (साहित्य)" **.**

- प्रोफ़ेसर मनोज कुमार झा, सामजिक कार्य विभाग, राज्य सभा के माननीय सदस्य निर्वाचित.
- प्रोफ़ेसर संजय भट्ट, सामजिक कार्य विभाग, को भारतीय सामजिक विज्ञान द्वारा प्रोफ़ेसर वी.के.आर.वी आजीवन पुरस्कार.
- डॉ. संजोय रॉय , सामजिक कार्य विभाग, को रेगुएरदोन इंक द्वारा वर्ष **(2017)** का व्यक्तिव्य .
- प्रोफ़ेसर नंदिनी सुन्दर, समाज विज्ञान विभाग, को विकास अध्ययन में उत्कृष्ट योगदान के लिए मालकम आदिसेषा पुरस्कार, **2017.**
- प्रोफ़ेसर एन. एम. कमल, उर्दू विभाग, की पश्चिम बंगाल उर्दू अकादमी, कोलकाता द्वारा ए. जी.नसेख पुरस्कार, **2017.**
- डॉ. मोहम्मद काज़िम, उर्दू विभाग, को हम सब ग़ालिब पुरस्कार (राष्ट्रीय), ग़ालिब संस्थान , नई दिल्ली, **2017.**
- डॉ. मोहम्मद काज़िम, उर्दू विभाग, को बिहार सरकार, पटना से बिहार उर्दू अकादमी पुरस्कार, , **2017.**
- डॉ. मोहम्मद काज़िम, उर्दू विभाग, को जॉन गिलक्रिस्ट पुरस्कार.
- प्रोफ़ेसर रूप लाल, प्राणी विज्ञान विभाग, को राष्ट्र के विकास में अनुकरणीय कार्य, उपलब्धियों, प्रतिबद्धताओं और योगदान के लिए चमन सेवा संस्थान, हिमाचल प्रदेश से कुलदीप धातवालीअ उत्कृष्ट पुरस्कार-**2017**
- प्रोफ़ेसर वाई. सिंह, प्राणी विज्ञान विभाग, को **2017** में आईआई पूर्व-छात्र एसोसिएशन विज्ञान पूर्व-छात्र से अप्पाजी राव श्रेष्ठ मेंटर पुरस्कार.

आयुर्विज्ञान में महत्वपूर्ण संकाय पुरस्कार/सम्मान

डॉ. रेणु चौहान, शरीर-रचना विभाग (यूसीएमएस) को 'चिकित्सक दिवस समारोह के अवसर पर आईएमए द्वारा जुलाई, 2017 में 'प्रतिष्ठित डॉक्टर का पुरस्कार।

प्रोफ़ेसर एस बंसल, जैव रसायन विभाग (वीपीसीआई) , जैव प्रौद्योगिकी सोसायटी ऑफ़ इंडिया, 2017 के महासचिव निर्वाचित किए गए।

डॉ. एस. गर्ग, सामुदायिक चिकित्सा (एमएएमसी) विभाग को किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (के जी एम यू), लखनऊ, उत्तर-प्रदेश में एईपीएचए के 62वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में के. एन. राव स्मारक वक्तृत्व प्रदान किया गया।

डॉ. वी. मेंदीरत्ता, त्वचा विज्ञान और एसटीडी (एलएचएमसी) विभाग को डरमेकॉन 2017, कोलकाता में 'सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार' प्रदान किया गया।

डॉ. वी. चौबे, त्वचा विज्ञान विभाग (एमएएमसी) को एमडी (लेप्रोसी एवं एसटीडी सहित त्वचा विज्ञान) में उत्कृष्टता के लिए प्रोफ़ेसर वी. एन. सहगल पुरस्कार प्रदान किया गया।

डॉ. सी. ग्रोवर, त्वचाविज्ञान विभाग (यूसीएमएस), को "ओनीकोलॉजी: क्लिनिकल एवं सर्जिकल डर्मेटोलॉजी का एक अभिन्न एवं महत्वपूर्ण भाग" के लिए जनवरी, 2018 में इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजिस्ट, वेनेरोलॉजिस्ट और लेप्रोलॉजिस्ट द्वारा कोच्ची, केरल में आयोजित आईएडीवीएल के 46वें राष्ट्रीय सम्मेलन, डेरेकॉन 2018 की कार्यवाही के दौरान "बीएम एम्बॉडी ओरेशन" प्रदान किया गया।

डॉ. डी पांधी, त्वचा विज्ञान विभाग (यूसीएमएस) को 3 दिसंबर, 2017 को नई दिल्ली में क्युटिकॉन के दौरान आईएडीवीएल की दिल्ली राज्य शाखा द्वारा विशेषज्ञता में आजीवन उपलब्धि के लिए सरदारी लाल स्मृति पुरस्कार प्रदान किया गया।

डॉ. सी ग्रोवर, त्वचा विज्ञान विभाग (यूसीएमएस) को कोच्ची, केरल में 18-21 जनवरी 2018 को आयोजित आईएडीवीएल के 46वें राष्ट्रीय सम्मेलन, डेरेकॉन 2018 की कार्यवाही के दौरान "ओनीकोलॉजी: क्लिनिकल एवं

सर्जिकल डर्मेटोलॉजी का एक अभिन्न एवं महत्वपूर्ण भाग" के लिए इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजिस्ट, वेनेरोलॉजिस्ट्स एंड लेप्रोलॉजिस्ट्स द्वारा “बीएम एम्बॉडी ओरेशन” प्रदान किया गया।

डॉ. अनुराधा चौधरी, सूक्ष्म जीव-विज्ञान विभाग (वीपीसीआई) को एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा में, मार्च 2018 में अंतर्राष्ट्रीय महिला सप्ताह के दौरान हेल्थ केयर में वीमेन अचीवर अवार्ड।

डॉ. के गुलेरिया, प्रसूति और स्त्री रोग विभाग (यूसीएमएम) को जनवरी, 2018 में, भुवनेश्वर, ओडिशा में आयोजित प्रसूति और स्त्री रोग के 61वें अखिल भारतीय सम्मेलन में इंडियन कॉलेज ऑफ़ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी (एफआईसीओजी) की फेलोशिप प्रदान की गई।

डॉ. आर. शर्मा, प्रसूति और स्त्री रोग विभाग (यूसीएमएम) को नवंबर, 2017 में जनसंख्या स्थिरता पर डॉ. सुनीता मित्तल का स्वर्ण पदक प्रदान किया गया।

डॉ. आर. शर्मा, प्रसूति और स्त्री रोग विभाग (यूसीएमएम) को जनवरी, 2017 में 61वें अखिल भारतीय प्रसूति और स्त्री रोग कांग्रेस (एआईसीओजी), भुवनेश्वर में आयोजित " समयपूर्व, असामयिक झिल्ली के टूटने की भविष्यवाणी के लिए विभिन्न गर्भावधि के दौरान मेस्टोमेट्रियल मोटाई के मूल्यांकन" के लिए एफआईसीओजी- इमेजिंग साइंस अवार्ड प्रदान किया गया।

डॉ. एल मैनी, ऑर्थोपेडिक्स विभाग (एमएएमसी) को इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन ऑर्थोप्लास्ट्री फैलोशिप-2017 प्रदान किया गया।

डॉ. मंजुला जैन, विकृति विज्ञान विभाग (एलएचएमसी) की निदेशक, इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथोलॉजिस्ट एंड माइक्रोबायोलॉजिस्ट (दिल्ली चैप्टर) की अध्यक्ष नियुक्त हुईं।

डॉ. एस रॉय चौधरी, बाल रोग विभाग (एलएचएमसी) को इंडियन एसोसिएशन ऑफ पेडियाट्रिक सर्जन (आईएपीएस) दिल्ली चैप्टर का अध्यक्ष चुना गया।

डॉ. वंदना रॉय, औषध विज्ञान विभाग (एमएएमसी) को 7 अप्रैल, 2017 को इब्नसीना इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिवल मेडिसिन एंड साइंसेज, अलीगढ़ में 11वां प्रोफेसर नसीम अंसारी वक्तृत्व पुरस्कार दिया गया।

डॉ. अरुणलता अग्रवाल, मनोचिकित्सा विभाग (जीआईपीएमईआर) को 17 जून 2017 को भारतीय मीडिया कल्याण पुरस्कार दिया गया।

डॉ. राज कुमार, पल्मोनरी मेडिसिन विभाग (वीपीसीआई) को, 28 दिसंबर, 2017 को पर्यावरण और सामाजिक विकास संघ (ईएसडीए) दिल्ली, भारत द्वारा पर्यावरण संरक्षा में अनुकरणीय योगदान के लिए पर्यावरण उत्कृष्टता पुरस्कार 2017 दिया गया।

डॉ. राज कुमार, पल्मोनरी मेडिसिन विभाग (वीपीसीआई) को 28 अक्तूबर, 2017 को नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली का फैलो चुना गया।

डॉ. ज्ञान सौरभ, शल्य चिकित्सा विभाग (एलएमएचसी) को, 26 मई, 2017 को ग्लासगो, एफआरसीएस (ग्लासग) के रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन्स की फैलोशिप दी गई।

डॉ. मनोज एंडली, शल्य चिकित्सा विभाग (एलएचएमसी) को जुलाई, 2017 में ग्लासगो, एफआरसीएस (ग्लासस) के रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन की फैलोशिप दी गई।

डॉ. वी. पी. गुप्ता, नेत्र रोग विभाग (यूसीएमएस) को जून 2017 में बुंदेलखंड विकास परिषद द्वारा बुंदेलखंड गौरव सम्मान।

डॉ. वी. पी. गुप्ता, नेत्र रोग विभाग (यूसीएमएस) को फरवरी 2018 में अखिल भारतीय नेत्र रोग सोसायटी द्वारा लैक्रिमल अवार्ड 2017 से सम्मानित किया गया।

आयोजित संगोष्ठियाँ / सम्मेलन / कार्यशालाएँ

(चयनित सूची नीचे दी गई है। पूरी सूची विभागोंकेंद्रों के विवरण के अंतर्गत उपलब्/ध है(

अफ्रीकी अध्ययन विभाग ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के विधायकों और सांसदों के मंच द्वारा 27-28 नवंबर 2017 को विज्ञान भवन नई दिल्ली में ,"अंतर्राष्ट्रीय अंबेडकर कॉन्क्लेवसंविधान :, शिक्षा, कौशल विकास, अर्थव्यवस्था और एससी और एसटी के लिए उद्यमशीलता" आयोजित किया।

शरीर रचना और (यूसीएमएस)कान, नाक, गला विभाग ने 12 -14 अक्तूबर, 2017 को हैंड्स ऑन हेड एंड नेक", कैडेवेरिक डिसेक्शन एंड रिकंस्ट्रक्शनपर एक कार्यशाला का आयोजन किया। "

निश्चेतन विभागएमएएमसी)) ने आईएसए दिल्ली चैप्टर की नवंबर 2017 की मासिक नैदानिक बैठक आयोजित की।

नृविज्ञान विभाग ने 20-21 फरवरी, 2018 को नृविज्ञान", स्वास्थ्य और विकासपर "रुझान और भविष्य के दृष्टिकोण : एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

अरबी विभाग ने 17-18 मार्च, 2018 को सांस्कृतिक और ऐतिहास ,सामाजिक :प्रवासी साहित्य"िक पहलूविषय पर " अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। दो दिवसीय

डॉअम्बेडकर सेंटर फॉर बायोमेडिकल रिसर्च .आर .बी . ने 19-21 फरवरी, 2018 के दौरान फ्रंटियर्स ऑन बायोमेडिकल रिसर्च में 11वीं संगोष्ठी का आयोजन किया।

जैव रसायन विभाग-ने 13 नवंबर, 2017 को डीयूड-ीएसटी पर्स ग्रांट द्वारा वित्त पोषित "स्ट्रैटेजिज टू कॉम्बैट डाइवर्स ह्यूमन डिज़ीज" पर संगोष्ठी आयोजित की।

जैवएलएचएमसी) **रसायन विभाग-**) ने 6 अगस्त 2017 को जी बी पंत अस्पताल में एथरोस्क्लेरोसिस न्यूट्रीशन एंड " पर एक सीएमई संगोष्ठी क "लाइफस्टाइल को रोकनेआयोजन किया।

जैव ने (एमएएमसी) **रसायन विभाग-**11 नवंबर, 2017 को प्लेटलेट थेरेपी के मेटाबोलिक -जमाव विकार और एंटी" पर संगोष्ठी सह कार्यशाला का आयोजन किया। "एक अपडेट :लक्ष्य

जैविक विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग प्रौद्योगिकी संकाय ने ,8-9 सितंबर, 2017 को एनएसआईटी में एसईआरबी द्वारा समर्थित दो दिवसीय सम्मेलन बीईएससीओएन (डीएसटी)-2017 "21 वीं सदी में राष्ट्रीय इंजीनियरिंग पर राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन किया।

जैव-भौतिकी विभाग ने 13 दिसंबर 2017 को आणविक चिकित्सा विभाग, दक्षिण फ्लोरिडा विश्वविद्यालय, टाम्पा, फ्लोरिडा यूएसएस के प्रोफ़ेसर व्लादिमीर उबर्स्की द्वारा 'असामान्य विकार का असामान्य जीवविज्ञान और अजीब जीवविज्ञान' पर व्याख्यान का आयोजन किया।

वनस्पति विज्ञान विभाग ने 19 से 23 दिसंबर, 2017 तक "माइनिंग प्रोटीन एंड डीप प्रोटीन सेल्युलर प्रोटीम -सब) एनालिसिस, डिप्लीशन, एफिनिटी एनरिचमेंटऔर उससे आगे (" पर तीसरी प्लांट प्रोटिओमिक्स कार्यशाला का आयोजन किया।

बौद्ध अध्ययन विभाग ने सीएएस-I कार्यक्रम के अंतर्गत 26-27 मार्च, 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय में हिमालयी " पर संगोष्ठी का आयोजन किया। "निरंतरता और परिवर्तन :बौद्ध धर्म

व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग ने 14 अक्तूबर, 2017 को एसजैन सेंटर .पी., दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिण कैम्पस , इनक्लूसिव ग्रोथ-इनोवेशन इंडिया" नई दिल्ली में, डिजिटाइजेशन एंड जॉब क्रिएशनपर चालीसवाँ वार्षिक सम्मेलन " आयोजित किया।

कार्डियोलॉजी विभाग, (जीआईपीएमईआर) ने कार्डियोलॉजी सोसायटी ऑफ़ इंडिया, दिल्ली ब्रांच के तत्वावधान में 17 नवंबर, 2017 को दिल्ली इंटरवेंशन काउंसिल की पहली बैठक का आयोजन किया।

रसायन विज्ञान विभाग ने 12-14 जनवरी, 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में ड्रग्स डेवलपमेंट एंड नेचुरल-प्रोडक्ट्स में उभरते हुए रुझानों ईटीडीडीएनपी)-2018), पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

क्लस्टर इनोवेशन सेंटर ने 13 अप्रैल 2018 को डिजिटल मानविकी पर एक दिवसीय व्याख्यानकार्यशाला का -सह-आयोजन किया।

संक्रामक रोग अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण नवाचार केंद्र सीआईआईडीआरईटी)) ने 6-9 फरवरी, 2018 को प्रोटीन शोधन और विशेषता पर पहली राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजन की।

वाणिज्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और भारतीय विपणन अकादमी ने 11-12 जनवरी, 2018 को 'डिजिटल आउटरीच एंड फ्यूचर ऑफ मार्केटिंग प्रैक्टिसेज' विषय पर छठा अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य सम्मेलन एआईसीसी)) आयोजित किया।

सामुदायिक चिकित्सा विभागएमएएमसी)) ने 20 -21 दिसंबर, 2017 को मेटरनल डेथ सरवाइलेंस रिस्पांस एंड मेटरनल नियर मेस रिव्यू एमडीएसआर)) एक कार्यशाला का आयोजन किया।

सीएफएनईयू, फूड एंड न्यूट्रिशन बोर्ड और डिपार्टमेंट ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन-19 ने (यूसीएमएस) 20 दिसंबर, 2017 को विभाग में एनजीओ कर्मियों के लिए पोषण और स्वास्थ्य शिक्षा पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

प्रोफ़ेसर डी एस कोठारी सेंटर फॉर साइंस, एथिक्स एंड एजुकेशन ने दिल्ली विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग और शिक्षा विभाग सीआईईई)) के सहयोग से 15-16 फरवरी, 2018 को "पहचान और शिक्षा" पर दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया।

त्वचा विज्ञान विभागने (एलएचएमसी) 14 मई, 2017 को द्वितीय गेरियाट्रिकोन आईएडीवीएल डीएसबी का आयोजन-किया।

विकासशील देश अनुसंधान केंद्र ने 16-29 मई 2017 के दौरान आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित दो सप्ताह का क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया।

पूर्व एशियाई अध्ययन विभाग ने महाविद्यालय के शिक्षकों के लिए 21 नवंबर, 2017 को 'पूर्वी एशिया का इतिहास' पर कार्यशाला आयोजित की।

अर्थशास्त्र विभाग ने 22-23 फरवरी ,2018 को 'आईसीटी परिवर्तन :(सूचना और संचार प्रौद्योगिकी), डिजिटल लाभांश और विकास के अर्थशास्त्र' पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

शिक्षा विभाग ने 27 जनवरी, 2018 को आईसीटी पर आईएएसईसंसाधन विकास मंत्रालय मानव-, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित,अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

अंग्रेजी विभाग ने 8-10 मार्च 2018 को आईसीएसएसआर, साहित्य अकादमी और दिव्यांगों के लिए समर्थनम ट्रस्ट के सहयोग से, "अक्षमता अध्ययन की पूछताछसाहित्य :, संस्कृति, प्रदर्शन" पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

कान, नाक, गला और शरीर-रचना विभाग (यूसीएमएस), ने 12 अक्तूबर से 14 अक्तूबर, 2017 तक हैंडस ऑन हेड " पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। "एंड नेक कैडेवेरिक डिसेक्शन एंड रिकंस्ट्रक्शन
इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान विभाग ने 29 अप्रैल ,2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिण कैम्पस में आईईईई डब्ल्यूआईई-दिल्ली द्वारा ओपन हाउस प्रोजेक्ट प्रेजेंटेशन का आयोजन किया।

वित्तीय अध्ययन विभाग ने आईआईटी कानपुर के मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग के सहयोग से आईसीएसएसआर प्रायोजित अनुसंधान परियोजना सार्क क्षेत्र में" वित्तीय एकीकरणअनुभवजन्य विश्लेषण और नीति : के अंतर्गत "मुद्दे1 अप्रैल, 2017 को सीय अनुसंधान संगोष्ठी पर एक दिव "दक्षिण एशियाई क्षेत्र में वित्तीय एकीकरण" का आयोजन किया।

आनुवंशिकी विभाग ने 13 अक्तूबर 2017 को डीएसटी पर्स ग्रांट के समर्थन से और 'सेल फेट और सिग्नलिंग' पर एक दिवसीय इंटरैक्टिव बैठक आयोजित की।

आनुवंशिकी विभाग ने आईएनएसए, नई दिल्ली और इजरायली एकेडमी ऑफ साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज द्वारा आईएनएसए, द्वारा 12-13 फरवरी, 2018 को आईएनएसए, नई दिल्ली में संयुक्त रूप से आयोजित रिसेन्ट " एडवांसेज इन मोलेक्यूलरजेनेटिक्स विद न्यू बायोमेडिकल इनसाइट्सशीर्षक संगोष्ठी का आयोजन किया। "

भूगोल विभाग ने संसाधन, पर्यावरण, 23-24 दिसंबर, 2017 को शहरी और क्षेत्रीय नियोजन में उभरते फ्रंटियर्स पर यूजीसी एसएपीडीआरएस की तीसरी- राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

जर्मनिक और रोमांस अध्ययन विभाग ने 15-17 मार्च 2018 से विश्व साहित्यउपनिवेशोत्तर परिप्रेक्ष्य का आयोजन : किया

हिंदी विभाग ने इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर द आर्ट्स आईजीएनसी)), नई दिल्ली के सहयोग से 12-13 अप्रैल, 2018 'आदिवासी साहित्य, संस्कृति और कला चुनौतियां एवं :सम्भावनाएं' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

इतिहास विभाग ने 3 से 5 दिसंबर, 2018 को ग्लोबल हिस्ट्री, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी, द ग्लोबल हिस्ट्री नेटवर्क और दिल्ली विश्वविद्यालय में वेदरहेड इनिशिएटिव के वित्तपोषण से "टुवर्ड्स अ ग्लोबल हिस्ट्री :एम्पायर्स"पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रौद्योगिकी संकाय में एनएसआईटी विभाग द्वारा 05 से 09 जून, 2017 तक सूचना " आईएसडीएफ) सुरक्षा और डिजिटल फोरेंसिक-2017)" विषय पर एक लघु अवधि पाठ्यक्रम एसटीसी)) का आयोजन किया गया था।

आसूचना और संचार संस्थान ने 25 जनवरी 2018 को एसएस जैन सेंटर, दिल्ली दक्षिण कैम्पस में ईएसडीएम इंडिया " पर कार्यशाला का आयोजन किया। "अनलेशिंग एंटरप्रेन्योरशिप में

इंस्ट्रूमेंटेशन और नियंत्रण इंजीनियरी, फैकल्टी ऑफ टेक्नोलॉजी ने 23-25 फरवरी, 2018 को एनएसआईटी कैंपस में शीर्षक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। "सिग्नल मशीन एंड ऑटोमेशन"

कैंपस लॉ सेंटर, विधि संकाय ने 19-21 जनवरी, 2018 को के. केलूथरा मेमोरियल मूट कोर्ट प्रतियोगिता का . आयोजन किया जिसमें60 से अधिक विश्वविद्यालयों ने भाग लिया।

भाषा विज्ञान विभाग ने ऑकलैंड विश्वविद्यालय, न्यूजीलैंड के प्रोफेसर पीटर कीगन द्वारा फोनेटिक्स और आर)23-27 अक्तूबर, 2017) पर चार कार्यशालाओं की एक श्रृंखला का आयोजन किया।

प्रबंधन अध्ययन संकाय ने 10 फरवरी, 2018 को उत्तरी कैम्पस के कॉन्फ्रेंस सेंटर में 'डिजिटल एज में प्रबंधन अध्ययन पर पुनर्विचार' पर एफएमएस के एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

गणित विभाग ने 18-21 दिसंबर, 2017 को संचालक उपसमूहो में हाल की प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया।

सूक्ष्म जीव-विज्ञान विभागएमएएमसी)) ने एनएसीओ द्वारा नामांकित सीडी4 परीक्षण प्रयोगशालाओं के प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए 1-2 अगस्त, 2017 और 3-4 अगस्त 2017 को एनएसीओडीबीडी सी-4 अच्छे प्रयोगशाला अभ्यासों पर दो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। (जीएलपी)

सूक्ष्म जीव-विज्ञान विभाग ने दिसंबर (यूसीएमएस) 2017, में यूसीएमएस और जीटीबीएच, दिल्ली में और आएएमएम-डीसी के अंतर्गत अक्तूबर2017 में आयोजन किया। पर कार्यशाला का "एंटीबायोटिक स्टीवर्डशिप"

आधुनिक भारतीय भाषाएं और साहित्य अध्ययन विभाग ने 13 जनवरी, 2018 को एनसीपीएसएल, एमएचआरडी, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित सिंधी और अन्य भारतीय भाषाएँसाहित्यिक संपर्क पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का : आयोजन किया।

संगीत और ललित कला संकाय ने 31 अगस्त 2017 और 1 सितंबर, 2017 को मल्हार उत्सव 2017 का आयोजन किया।

नवजात शिशु विभाग(एलएचएमसी) ने क्यूआई सेल केएससीएच के साथ मिलकर 28 अक्तूबर-29 अक्तूबर, 2017 को एलटी, केएससीएच, में नवजात शिशु स्वास्थ्य देखभाल वितरण के अनुकूलन के लिए गुणवत्ता सुधार रणनीतियों पर एक सम्मेलन का आयोजन किया।

प्रसूति एवं स्त्री विभागयूसीएमएस)) ने 18 नवंबर -19 नवंबर, 2017एसोसिएशन ऑफ ऑब्सटेट्रिशियन एंड गायनोकोलाजिस्टों ऑफ दिल्ली नई दिल्ली का ,(एओजीडी)39 वां वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया।

प्रचालनिक अनुसंधान विभाग ने 10 फरवरी 2018 को बिजनेस एनालिटिक्स और इंटेलिजेंस पर संगोष्ठीकार्यशाला -सह-का आयोजन किया।

ऑर्थोपेडिक्स विभाग ने (एमएएमसी) 6 अगस्त, 2017 को छठे एमएसके इमेजिंग सीएमई का आयोजन किया।

फारसी विभाग ने 23 मई, 2017 को एनसीपीयूएल द्वारा समर्थित बेदिल के द उर्दू ररजुमन का तकाबुली -ए-निकहत" पर आयोजित हज़रत अमीर ख़ुसरु देहलवी व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया। "मुतलिया

दर्शन शास्त्र विभाग ने 7 नवंबर 2017 को उन्नत मानविकी अध्ययन के राष्ट्रीय संस्थान, गांधी केंद्र के निदेशक प्रोफ़ेसर लुई जेन द्वारा "चीन और भारत के बीच सांस्कृतिक आदान प्रदान के साक्ष्य के रूप में द मैत्रेय व्याकरण-(सतका रूप में)" पर आईसीपीआर व्याख्यान का आयोजन किया।

भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग ने 15-18 नवंबर, 2017 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन इकोनोफिस-2017 और एशिया पैसिफिक एकोफिजिक्स सम्मेलन एपीईसी)) -2017 का एक संयुक्त आयोजन किया।

शरीर क्रिया-विज्ञान विभाग ने (एमएएमसी) 18 नवंबर, 2017 को उम्र बढ़ने के आणविक वाहकों को परिभाषित करने "प "और संबंधित रोगों में उनके निहितार्थर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

प्लांट जीनोमिक्स अंतः विषयक केंद्र ने सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ केरल, कासरगोड, केरल के साथ 23-26 अक्तूबर, 2017 को डकवीड रिसर्च एंड एप्लीकेशंस पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का सहआयोजन किया।-

पादप आणविक जीव-विज्ञान विभाग ने 6-7 अप्रैल 2018 को डेटाबेस डेवलपमेंट एंड बायोकेशन 2018 पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

मनोविज्ञान विभाग ने 22-27 मार्च 2018 को पर अंतर्राष्ट्रीय "एक चेतना परिप्रेक्ष्य :भारतीय संस्कृति और मनोविज्ञान" सम्मेलन का आयोजन किया।

पल्मोनरी मेडिसिन विभागवीपीसी) आई) ने 24 अप्रैल -28 अप्रैल, 2017 को श्वसन एलर्जी निदान और प्रबंधन पर: 42वीं कार्यशाला का आयोजन किया।

पल्मोनरी मेडिसिन विभागवीपीसीआई)) ने 30 नवंबर, 2017 को ब्रोन्कियल अस्थमा और नेबुलाइजेशन व्यवहार में अद्यतन पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

पंजाबी विभाग ने 13 -14 नवंबर, 2017 को साहित्य अकादमी के साथ मिलकर करतार सिंह दुग्गल शताब्दी संगोष्ठी विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।
स्लावोनिक और फिनो यूगरियन-अध्ययन विभाग ने 23 अक्तूबर से 30 अक्तूबर, 2017 तक वार्षिक फिल्म समारोह : लिटिल यूरोप, सिनेमा में प्रवासी का आयोजन किया।

सामाजिक कार्य विभाग ने 08 अप्रैल 2017 को महिला घोषणापत्र विभाग के साथ संयुक्त रूप से मानव कल्याण फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित महिला कल्याण शिखर सम्मेलन का आयोजित किया।

सांख्यिकी विभाग ने 20-22 दिसंबर, 2017 के दौरान वित्तीय सांख्यिकी पर संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया।

शल्य चिकित्सा और शरीर रचना विभाग ने (यूसीएमएस)1 जनवरी ,2018 को "एक्यूट क्रिटिकल केयर", पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

महिला अध्ययन और विकास केंद्र ने (डब्ल्यूएसडीसी) 18-23 दिसंबर, 2017 को राष्ट्रमंडल विश्वविद्यालयों के सहयोग से पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन "महिलाओं के मुद्दों पर अनुसंधान के माध्यम से लिंग को मुख्यधारा में लाना" किया।

प्राणी-विज्ञान विभाग ने दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राणी-विज्ञान विभाग के तत्वावधान में भारतीय नेटवर्क विभाग मानव स्वास्थ्य में"सूक्ष्म जीवपर आईएनएससीआर "जंतुओं की सहभागिता की भूमिका- अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2017 (आईआईसी-2017) का आयोजन किया।

विश्वविद्यालय में इलेक्ट्रोप्रिन्योर पार्क और ऊश्मायन केंद्र

क. इलेक्ट्रोप्रिन्योर पार्क

इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन और विनिर्माण ईएसडीएम)) में स्टार्टअप का समर्थन करने के लिए - इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया एसटीपीआई)) और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर एसोसिएशन आईईएसए)) के तत्वावधान में इलेक्ट्रोप्रिन्योर पार्क स्थापित किया गया है। पार्क के मुख्य उद्देश्यों में भारत में ईएसडीएम क्षेत्र में अनुसंधान और विकास, नवाचार, उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने के लिए समग्र पर्यावरणप्रणाली का निर्माण-, बौद्धिक संपदा के निर्माण को सक्षम करना, भारत के लिए योजना के माध्यम से उत्पादित उत्पादों के लिए प्रोटोटाइप, विकास और व्यावसायीकरण के दौरान सहायता प्रदान करना और अन्य विकास बाजार, विभिन्न स्तरों पर रोजगार का सृजन, रणनीतिक क्षेत्रों के साथ दीर्घकालिक साझेदारी का निर्माण शामिल है। इलेक्ट्रोप्रिन्योर पार्क में स्टार्टअप द्वारा प्राप्त उपलब्धियों में निम्नलिखित शामिल हैं:

इनक्यूबेट्स की सलाह पर ध्यान

- रणनीतिक कारक विभिन्न औद्योगिक क्षेत्र से प्रमुख :अगुआ
- मास्टर मेंटरस्थापित उद्यमी :, प्रमुख निवेशकं और व्यापार जगत के विभिन्न क्षेत्रों के नेता।
- फंक्शनल डोमेन मेंटरवित्तीय नियंत्रण :, मार्केटिंग, पीआर, एचआर और अन्य प्रबंधन कार्यों में उद्योग गुरु
- अंतर्राष्ट्रीय मेंटर्सवैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने के लिए अग्रणी अंतर्राष्ट्रीय संरक्षक :

इलेक्ट्रोप्रिन्योर पार्क की समग्र प्रगति

इनक्यूबेटेड स्टार्टअप 17 स्टार्टअप-, 1 प्रीइनक्यूबेट-
ग्रेजुएटेड स्टार्टअप 8 स्टार्टअप-, 6 स्टार्टअप ने राजस्व अर्जन किया
विकसित उत्पाद 19 नए उत्पादों का विकास किया। इसके अतिरिक्त, 14 कार्य प्रोटोटाइप बनाए गए
आईपी उत्पन्न

- दायर आईपी
- अनंतिम दायर पेटेंट
- वित्त पोषित स्टार्टअप 6 स्टार्टको बाहरी अप- वित्त पोषण
- राजस्व अर्जन स्टार्टअप से 200 लाख रुपए का राजस्व उत्पन्न कियागया
- मूल्य निर्माण: अनुमानित रूप से इलेक्ट्रोप्रिन्योर पार्क से इनक्यूबेटेड स्टार्टअप का वर्तमान मूल्य-770लाख 0 रुपए है

2017-18 में इलेक्ट्रोप्रिन्योर पार्क में ऊष्मायन के अंतर्गत निम्न स्टार्टअप हैं:

स्टार्टअप का नाम	उत्पाद
जीन ओरिजीन *	भारतीय आयुर्वेद सिद्धांतों के आधार पर निदान के लिए पहनने योग्य स्वास्थ्य निगरानी उपकरण
ओडोइनफामेटिक्स*	गैरइनवेसिव-, वायरलेस कार्डियाक गतिविधि निगरानी समाधान
ट्राइडन मोटर्स	उन्नत सेंसर और नियंत्रण के साथ अद्वितीय इलेक्ट्रिक बाइक और स्कूटर
जेन इलेक *	अलग तरह से सक्षम लोगों के लिए लागत प्रभावी, हल्के वजन वाले बांस आधारित एक्सोस्केलेटनों का उपयोग किया जाता है
मोटोहॉप	सवार को मानचित्र और सड़क की स्थिति के बारे में वास्तविक जानकारी प्रदान करने के लिए के लिए आईओटी आधारित सवारी सहायक,
एग्रो20	ताजा जड़ी बूटियों, औषधीय पौधों, सब्जियों और फूलों को उगाने के लिए इनडोर, इंटेलिजेंट, स्वचालित हाइड्रोपोनिक्स प्रणाली

* दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा स्टार्टअप

ख. प्रौद्योगिकी व्यापार इनक्यूबेटर

सूक्ष्म, लघु मध्यम उद्यम मंत्रालय एमओएमएसएमई)) ने इनक्यूबेटर के माध्यम से एसएमई की उद्यमशीलता और " के अंतर्गत क्लस्टर इनोवेशन सेंटर "प्रबंधक विकास के लिए योजना, दिल्ली विश्वविद्यालय डीयूसीआईसी), टीबीआई) में प्रौद्योगिकी व्यवसाय इनक्यूबेटर टीबीआई)) का समर्थन किया है। टीबीआई को उभरते हुए तकनीकी और ज्ञान आधारित नवीन उपक्रमों को बढ़ावा देकर विचारों का पोषण करने के एक उद्देश्य के साथ स्थापित किया गया है। डीयूसीआईसीटीबीआई- (एमएसएमई), छात्रों को फंडिंग एमओएमएसएमई) के माध्यम सेप्रदान करता है (, स्टार्टकी अप-कार्य-सुविधा के लिए छात्रों को सलाह और सहशील स्थान देता है। अब तक, आठ परियोजनाओं को इनक्यूबेट किया गया है और तीन लाभदायक कंपनियों ने इन्हें स्वीकार किया है।

ग. उद्यमिता और कैरियर उन्मुख कार्यक्रम के लिए केंद्र सीईसीओपी))

दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न संस्थानों के शिक्षकों और छात्रों दोनों को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए आजीविका उन्मुख कार्यक्रमों को संबोधित करने के केंद्र की स्थापना की गई है।

घ. नवाचार और उद्यमिता विकास केंद्र आईईडीसी))

शैक्षिक संस्थानों के बीच उद्यमशीलता की संस्कृति विकसित करने के लिए युवा उद्यमियों को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने के लिए आचार्य नरेंद्रदेव महाविद्यालय में एक नवाचार और उद्यमिता विकास केंद्र आईईडीसी)) है , जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित है।

ङ. एमएसएमई मंत्रालय के सहयोग से इनक्यूबेटर

छात्रों में उद्यमशीलता की भावना और नेतृत्व व प्रगतिशील व्यावसायिक विचारों के लिए एक जुनून जगाने के लिए, दिल्ली के आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालयसीआईईएल) ने भी नवाचार और उद्यमिता नेतृत्व (एआरएसडी)) के एक केंद्र, प्रौद्योगिकी व्यवसाय इनक्यूबेटर टीबीआई)) की स्थापना की, जो भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय एमएसएमई)) द्वारा समर्थित है।

च. मानव संसाधन विकास मंत्रालय मंत्रालय से वित्त पोषण के साथ दिल्ली विश्वविद्यालय में डिजाइन इनोवेशन सेंटर

डिजाइनकेंद्रित नवाचार एक बल गुणक है जो देश को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाते हुए मूल्य श्रृंखला को आगे - बढ़ाने में मदद कर सकता है। इस संदर्भ में, मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने बारहवीं योजना में डिजाइन नवाचार के लिए एक राष्ट्रीय पहल शुरू करने का प्रस्ताव रखा। इस पहल के अंतर्गत, इन सभी स्कूलों को एक साथ जोड़कर 20 नए डिजाइन इनोवेशन सेंटर डीआईसी)), एक ओपन डिजाइन स्कूल ओडीएस)) और एक राष्ट्रीय डिजाइन इनोवेशन नेटवर्क एनडीआएन)), स्थापित किया जाएगा। दिल्ली विश्वविद्यालय उन 5 संस्थानों में से एक था जिन्हें निम्नलिखित साझेदारी के साथ हब एंड स्पोक मॉडल पर पहले दौर में डीआईसी प्रोजेक्ट प्रदान किया गया था।

- दिल्ली विश्वविद्यालय (हब)
- जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली स्पोक)1)
- इस्लामिक यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, जेएंडके स्पोक)2)
- निफ्ट, नई दिल्ली स्पोक)3)

डीआईसी, डीयू परियोजना को क्लस्टर इनोवेशन सेंटर द्वारा विश्वविद्यालय में एक नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र बनाने और विचार व्यवसाय के लिए सुविधाएं प्रदान करने के निम्न जनादेश-से-उत्पाद-से-के रूप में लागू किया गया है।

1. नवाचार और रचनात्मक समस्या को सुलझाने की संस्कृति को बढ़ावा देना
2. उद्योग, शिक्षाविदों, सरकारी संस्थानों, अनुसंधान प्रयोगशालाओं आदि के बीच ज्ञान साझा करना और सहयोग को बढ़ावा देना,

3. इन हाउस सुविधाओं का उपयोग करके-कैम्पस में अपने नए उत्पाद विकास को प्रोत्साहित करने के लिए औद्योगिक सहयोगियों के एक स्थान के रूप में सेवा करना।
4. एक ऐसी जगह के रूप में सेवा करना जो अंतःविषय डिजाइनकेंद्रित नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ाने के - लिए परियोजनाओं के माध्यम से डिजाइन आधारित शिक्षा और अभ्यास को व्यवस्थित रूप प्रदान करती है।

एमएचआरडी द्वारा प्रदान की जाने वाली कुल निधि 10 करोड़ रुपए है :हब)7 करोड़, स्पोक :1 करोड़ प्रत्येक(

जुलाई 2015 से संचालित, डीआईसी, डीयू ने कई डिजाइन नवाचार परियोजनाओं को पूरा किया है और डिजाइन सोच और उद्यमशीलता पर पाठ्यक्रमों की पेशकश की है। यह अत्याधुनिक डिजाइन और उत्पाद विकास सुविधाओं की स्थापना की प्रक्रिया में है। यह नवीन विचारों वाले छात्रों को फैलोशिप, इंटर्नशिप और उद्योग लिंकेज कार्यक्रम प्रदान करता है।

शैक्षणिक समुदाय-उद्योग सम्बद्धता

विश्वविद्यालय के वैधानिक प्रावधान विश्वविद्यालय के साथ उद्योग, व्यापार, व्यवसाय, पत्रकारिता, संगीत, साहित्य, दृश्य और प्रदर्शन कला जैसे विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित व्यक्तियों की संयोजकता को प्रोत्साहित करते है। विश्वविद्यालय शैक्षणिक उद्योग संयोजकता को बढ़ावा देने के लिए, निम्नलिखित तरीकों से सक्रिय रूप से कार्यरत है:

प्रबंधन अध्ययन, सामाजिक विज्ञान, अंतर-विषयक और अनुप्रयुक्त विज्ञान, वाणिज्य, अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान और मानविकी, चिकित्सा विज्ञान, प्रौद्योगिकी, क्लस्टर इनोवेशन सेंटर, आसूचना और संचार संस्थान के संकायों ने उद्योग भागीदारों के साथ एक सक्रिय इंटरफ़ेस स्थापित किया है। संयोजकता के कुछ उदाहरण इस प्रकार हैं:

सीआईआईडीआरईटी ने उद्यमिता अतिथि सार्वजनिक व्याख्यान श्रृंखला -' के माध्यम से उद्योग अकादमिक - सहभागिता का आयोजन किया है, जिसमें उद्यमियों द्वारा व्याख्यान और नवाचार के सूत्रधार शामिल हैं।

अगस्त 2017 में क्लस्टर इनोवेशन सेंटर में नेतृत्व व्याख्यान श्रृंखला शुरू की गई थी। वर्ष 2017-18 में टाटा कम्युनिकेशंस लिमिटेड, आईबीएम रिसर्च न्यूयॉर्क, आईबीएम रिसर्च इंडिया और पिटनी बोवेस के व्यवसायियों को आमंत्रित करके चार व्याख्यान आयोजित किए गए ।

वाणिज्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 28 फरवरी, 2018 को पीएच.डी. चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सहयोग से " माल और सेवा कर जीएसटी)): द रोड अहेडपर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। "

22 नवंबर 2017 को डिजाइन इनोवेशन सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय और पीएच.डी. चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के बीच संयुक्त रूप से डिजाइन विचार एवं नवाचार के प्रचार के कार्यक्रमों के आयोजन के उद्देश्यों के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

पर्यावरण विज्ञान विभाग ने डब्ल्यूएपीसीओएस लिमिटेड, गुड़गांव के साथ पारिस्थितिक सर्वेक्षण और नदी बेसिन अध्ययन आयोजित करने में भाग लिया।

विश्वविद्यालय के कई संकाय सदस्य क्षेत्रों में विशेषज्ञता के आधार पर यूनेस्कोजल ,स्लमबर्जर आयल,सीडी/एसएनए/ संसाधन मंत्रालय, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेडएचजेडएल)), टीपीडीडीएल, मेसर्स स्पैन डायग्नोस्टिक्स लिमिटेड सूरत (हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड सूरत मेसर्स अरक्रे), मैसर्स यशराज बायोटेक्नोलॉजी लिमिटेड, मुंबई वाईबीएल)), डीआरडीओ, एनएचपीसी लिमिटेड, एनएडीपी (व्यवसाय प्रबंधन और औद्योगिक प्रशासन विभाग), गेल इं)डिया (लिमिटेड, आईआरसीटीसी, ब्रिटानिया लिमिटेड, आईसीएसएसआर, सेवाटीएचडीसी-, सीबीएम, महिला और बाल विकास विभाग, इंडो ग्लोबल सोशल सर्विस सोसाइटी आईजीएसएसएस)), ऑक्सफैम इंडिया, दुगार हाइड्रो पावर लिमिटेड, एवीए, आर एस पर्यावरण लिंक प्राइवेट लिमिटेड जैसे उद्योग, मंत्रालयों और सरकारी संगठनों को परामर्श सेवाएँ प्रदान करते हैं।

विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन

दिल्ली विश्वविद्यालय ने अपने शैक्षणिक आदानों और अनुभवों को समृद्ध करने के लिए, प्रमुख संस्थानों के साथ अकादमिक सहयोग करने की अपनी परंपरा कायम रखी है। विश्वविद्यालय ने अपने इस प्रयास में, विश्व स्तर के अनेक संस्थानों के साथ शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग पर हस्ताक्षर किए हैं। आलोच्य अवधि में, समझौता ज्ञापनों और करारों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- पैडरबोर्न यूनिवर्सिटी, जर्मनी
- एडिनबर्ग यूनिवर्सिटी, यूके
- शेफील्ड यूनिवर्सिटी, यूके
- यूनिवर्सिटेड एक्सटेराडो डी कोलंबिया लातिनी अमेरिका
- फिलीप-यूनिवर्सिटैट मारबर्ग, जर्मनी
- कोपेनहेगन यूनिवर्सिटी, डेनमार्क
- इंस्टीट्यूटो कैंपो, पुर्तगाल
- फ्रीबर्ग यूनिवर्सिटी, जर्मनी
- नेशनल चुंग चेंग यूनिवर्सिटी, ताइवान
- स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ़ न्यूयॉर्क, ओस्वेगो, यूएसए
- लॉ एंड बिजनेस कॉलेज, इज़राइल
- यूनिवर्सिटी ऑफ टीचर एजुकेशन, स्टेट ऑफ वाड, स्विट्जरलैंड
- मैक्वेरी यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया
- समरकंद स्टेट यूनिवर्सिटी, उज्बेकिस्तान
- कोस्टा रिका यूनिवर्सिटी, मध्य अमेरिका
- नेशनल चेंगची यूनिवर्सिटी, ताइवान
- नेशनल पिंगटंग यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, ताइवान

समान अवसर प्रकोष्ठ पहल

आलोच्य अवधि के दौरान, विश्वविद्यालय के समान अवसर प्रकोष्ठ ने दिव्यांग छात्रों के लिए कई सहायता प्रणालियां प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयास जारी रखा है। इनमें स्वयंसेवी सहायता सेवाएं, उच्च-तकनीकी कंप्यूटर प्रयोगशाला तक पहुंच, सुलभ प्रारूप में पठन सामग्री, सीमित परिवहन सुविधा आदि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, कुछ नए कार्य भी आरंभ किए गए।

पिछले वर्षों की तरह, ऑनलाइन फॉर्म भरने, परामर्श देने और उनकी व्यक्तिगत शिकायतों को दूर करने की सुविधा उपलब्ध करा कर प्रवेश प्रक्रिया के दौरान दिव्यांग छात्रों को व्यापक समर्थन प्रदान किया गया, जिनमें अल्पावधि पाठ्यक्रम चलाना और ई-पाठ प्रारूप में सामग्री के रूपांतरण जैसी कुछ अन्य गतिविधियाँ शामिल हैं। आलोच्य अवधि के दौरान, अजा/अजजा/अपिव और दिव्यांग छात्रों के लिए आईसीटी और अंग्रेजी संचार में तीन महीने की अवधि के लघु अवधि के पाठ्यक्रम आयोजित किए गए थे। सांकेतिक भाषा के पाठ्यक्रम सभी छात्रों के लिए उपलब्ध थे।

दृष्टिबाधित छात्रों के लिए सुलभ प्रारूप में सामग्री प्रदान करना ईओसी की प्रमुख गतिविधियों में से एक रहा है। पिछले वर्ष के दौरान, इस उद्देश्य के लिए 9400 से अधिक स्वयंसेवक घंटे उपलब्ध कराए गए थे और 700 से अधिक पुस्तकों को ई-ग्रंथों में परिवर्तित किया गया था।

ईओसी में दो अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम थे:
विभिन्न सक्षम इकाइयों के महाविद्यालय समन्वयकों के लिए एक आधे दिन की कार्यशाला आयोजित की गई थी।
जनवरी, 2018 में, दिव्यांग विशेषज्ञों के एक समूह ने दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सुलभता प्रावधानों के बारे में जानने और ईओसी द्वारा दी गई सुविधाओं को देखने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय का दौरा किया।

नियोजन क्रियाकलाप

सभी केंद्रीय महाविद्यालयों और विभागों में स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएच.डी. की पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए रोजगार के अवसरों की व्यवस्था करने के लिए विश्वविद्यालय में एक केंद्रीय नियुक्ति प्रकोष्ठ (सीपीसी) है। यह सीपीसी के काम करने का शैक्षणिक वर्ष 2017-18 दसवां वर्ष था। इस साल 38 कंपनियों ने उत्तरी और दक्षिण कैम्पस में कैंपस चयन अभियान किया। 1500 से अधिक छात्रों को विभिन्न कंपनियों के नौकरी के लिए चुना गया और 1100 छात्रों को विभिन्न सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के संगठनों में रोजगार मिला। 2017-18 में स्नातकोत्तर और पीएच.डी. उम्मीदवारों के लिए कॉर्पोरेट नौकरियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। क्षमता संवर्धन कार्यक्रम के अंतर्गत नियमित सीपीसी गतिविधियों के साथ-साथ, विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों के साथ बातचीत करने के लिए आमंत्रित किया गया था, ताकि उन्हें विशेष आजीविका मार्गदर्शन और कौशल में प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके।

केंद्रीय रोजगार प्रकोष्ठ, डीन स्टूडेंट वेलफेयर के अंतर्गत रोजगार प्रकोष्ठ सलाहकार समिति की सलाह पर कार्य करता है, जिसमें सभी महाविद्यालयों और विभागों के उप संकायाध्यक्ष छात्र कल्याण, सलाहकार और रोजगार समन्वयक शामिल हैं। सलाहकार समिति रोजगार प्रकोष्ठ के कामकाज की निगरानी और मार्गदर्शन करती है। छात्रों में नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए विभिन्न क्षमता संवर्धन कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कई विभागों में आजीविका मार्गदर्शन और छात्रों की नियुक्ति के लिए अपने निजी रोजगार प्रकोष्ठ हैं। कुछ विभागों में नियुक्ति दर काफी उच्च है, जिसमें जैव रसायन विभाग, व्यवसायिक अर्थशास्त्र, वाणिज्य, पूर्व एशियाई अध्ययन, अर्थशास्त्र, सामाजिक कार्य, सांख्यिकी और प्रबंधन अध्ययन के संकाय शामिल हैं।

कौशल संवर्धन पहल

विश्वविद्यालय ने सत्र 2015-16 से स्नातक कार्यक्रमों के लिए च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) लागू किया है। बीएससी (ऑनर्स)/बी.ए./बी.एससी कार्यक्रम में कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम शामिल किए गए थे जहाँ ये मूल्य-आधारित और/या कौशल-आधारित पाठ्यक्रम प्रत्यक्ष प्रशिक्षण, दक्षताओं, कौशल, आदि प्रदान करने के उद्देश्य से हैं। विश्वविद्यालय 'ज्ञान प्राप्ति और कुशल मानव क्षमताओं और आजीविका (कौशल) के उन्नयन' के लिए दीन दयाल उपाध्याय केंद्रों के अंतर्गत विभिन्न स्तरों पर उद्योग की आवश्यकताओं के लिए कुशल श्रमशक्ति बनाने में सक्रिय रूप से शामिल है। विश्वविद्यालय ने अपने छात्रों के लिए कौशल-आधारित पाठ्यक्रमों की शुरुआत के लिए राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। विश्वविद्यालय अपने चार महाविद्यालयों (व्यावसायिक अध्ययन महाविद्यालय, जीसस और मैरी महाविद्यालय, रामानुजन महाविद्यालय और कालिंदी महाविद्यालय) में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में स्नातक कार्यक्रम भी प्रदान करता है ताकि पर्यटन प्रबंधन, कार्यालय प्रबंधन और सचिवीय अभ्यास प्रबंधन, बीमा का विपणन, मानव संसाधन प्रबंधन और अन्य क्षेत्रों में उच्च-कौशल कौशल विकास और रोजगार में वृद्धि हो सके। इसके अलावा, विश्वविद्यालय के श्री गुरु तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय को मल्टीमीडिया कंटेंट, ई-लर्निंग और एम-लर्निंग, फॉरेंसिक साइंस टेक्निक्स, कम्युनिकेशन एंड मास मीडिया प्रोडक्शन, एप्लाइड कंप्यूटर साइंस, ई-टैक्सेशन और ई-एकाउंटिंग तथा मल्टीमीडिया सामग्री बी.वोक पाठ्यक्रम, ई-लर्निंग और एम-लर्निंग, फॉरेंसिक साइंस तकनीक, संचार और मास मीडिया प्रोडक्शन, कंप्यूटर सिमुलेशन और मॉडलिंग में लेखा और एमवॉक डिग्री प्रोग्राम स्वीकृत किए गए हैं।विश्वविद्यालय के रामानुजन महाविद्यालय को विज्ञापन और डिजिटल विपणन में बी.वोक और एनीमेशन और वीएफएक्स में पाठ्यक्रम के लिए स्वीकृति मिली है।

सामाजिक अभिगम्यता

विश्वविद्यालय राष्ट्रीय विकास में योगदान करने के प्रयास के रूप में अपनी अभिगम्यता और सामुदायिक सम्बद्धता गतिविधियों के माध्यम से व्यक्तियों, समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित है। विभिन्न विभाग महिलाओं के सशक्तिकरण, पर्यावरण, आपदा प्रतिक्रिया, शहरी सामुदायिक विकास और अन्य क्षेत्रों में कई पहल करते हैं।

विश्वविद्यालय ने समुदाय के साथ मजबूत संबंध बनाने के लिए यूजीसी की सामुदायिक महाविद्यालय योजना को भी अपनाया है। इस योजना के अंतर्गत, स्थानीय महाविद्यालयों को स्थानीय स्तर पर कम लागत और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से सामुदायिक महाविद्यालयों के रूप में नामित किया जाता है, जिसमें कौशल विकास के साथ-साथ पारंपरिक शोध भी शामिल होते हैं, जिससे शिक्षार्थियों को सीधे रोजगार क्षेत्र में कदम रखने और उच्च शिक्षा का अवसर मिलता है।

विश्वविद्यालय ने तीन साल पहले सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ की स्थापना की थी। इस प्रकोष्ठ के अंतर्गत पाँच गाँवों- जगतपुर, झरोदा माजरा, मुकुंदपुर, बदरपुर खादर और चौहान पट्टी को अपनाया गया। इसके बाद, एमएचआरडी मंत्रालय के उन्नत भारत अभियान नामक एक अन्य महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत पांच गांवों में काम शुरू किया गया। छात्रों और शिक्षकों की टीमों द्वारा इनमें से प्रत्येक गांव में एक "प्रक्रिया" के तरीके में आवश्यकता आधारित कार्य आरंभ किए गए। इनमें परिवहन, जल, स्वच्छता और स्वास्थ्य से संबंधित बुनियादी ढाँचे के संवर्धन की पहल भी शामिल थी। स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन की कमी से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए, विशेष रूप से स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत सामुदायिक भागीदारी आधारित कार्य किए गए थे। बच्चों, युवाओं, महिलाओं और सामान्य आबादी के प्रयासों के माध्यम से स्वच्छता और सफाई के बारे में सामुदायिक जागरूकता बनाई गई। गलियों और नालियों की सफाई की निगरानी और एमसीडी के सहयोग से छिड़काव और फॉगिंग पर जोर देने के साथ-साथ रैलियों, संवादात्मक सत्रों और पर्चों के वितरण के माध्यम से डेंगू की रोकथाम के संबंध में सूचना के प्रसार में समुदाय की भागीदारी पर जोर दिया गया। गांवों में कूड़ेदान बनाने, नालियों के सड़ने और न सड़ने योग्य कचरे को अलग करने, नालों की नियमित सफाई और सफाई का काम शुरू किया गया है।

स्थायी स्वास्थ्य सेवाओं के प्रावधान पर काम जारी रहा, मोहल्ला क्लीनिक और मोबाइल वैन के मंच का उपयोग भी जारी रखा गया। उत्कृष्ट सामुदायिक सहयोग और स्थानीय स्वास्थ्य प्रदाताओं के साथ नेटवर्किंग के माध्यम से प्रत्येक गांव में स्वास्थ्य शिविर लगाए गए। दवाओं का भी वितरण किया गया था। सामुदायिक आवासियों को समाज के विविध वर्गों के लिए उपलब्ध सरकारी योजनाओं तक पहुँचने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। मांग पर, सभी गांवों में युवा लड़कियों और महिलाओं के लिए मेहंदी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए और इन में काफी भागीदारी रही। इन सभी पहलों को पूरा करने में, विश्वविद्यालय वास्तव में *कक्षाओं से परे* और समाज की महत्वपूर्ण वास्तविकताओं के संपर्क में रहने वाले विश्वविद्यालय के रूप में उभर रहा है है।

गुणवत्ता पहल

विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय में शिक्षण और अधिगम गुणवत्ता में सुधार के लिए कई गुणवत्ता पहलें की है। दिल्ली विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के एक भाग के रूप में, प्रत्येक विभाग/केंद्र द्वारा गुणवत्ता वृद्धि के लिए नियमित रूप से गुणवत्ता सुधार गतिविधियों का आयोजन किया जाता है।

छात्रों का अनुभव सर्वेक्षण

विश्वविद्यालय एक अभिनव छात्र अनुभव सर्वेक्षण आयोजित करने के माध्यम से स्नातकोत्तर छात्रों से वार्षिक आधार पर वर्गीकृत प्रतिक्रिया लेनी शुरू की है। यह छात्रों के पूर्ण शैक्षणिक अनुभव को शामिल करता है और सभी क्षेत्रो में उच्च प्रदर्शन के लिए लगातार प्रयास करने के लिए विभागों को विचारोत्तेजक आदान प्रदान करता है। हाल के एक सर्वेक्षण में, 'समग्र शैक्षणिक अनुभव' की सभी प्रतिक्रियाओं (सभी विभागों/केंद्रों में) की औसत रेटिंग औसत से बहुत ऊपर, अर्थात् अच्छा और बहुत अच्छा के बीच है। हाल ही में एक सर्वेक्षण में, सभी उत्तरदाताओं में से, 90% छात्रों ने स्वीकार किया कि वे दूसरों से इस विश्वविद्यालय की सिफारिश करेंगे।

बेंचमार्किंग अभ्यास

विश्वविद्यालय का बेंचमार्किंग अभ्यास भी विभागों द्वारा सभी मानदंडों पर स्व-मूल्यांकन का एक व्यवहार्य साधन बनाने के लिए विश्वविद्यालय का एक अनूठा प्रयास है, जो वैश्विक बेंचमार्क और मानकों के खिलाफ उच्च शिक्षण संस्थान के लिए समकालीन रूप से प्रासंगिक हैं। यह अभ्यास वार्षिक आधार पर आयोजित किया जाता है और इसमें

आत्म-सुधार के लिए एक अंतर्निर्मित तंत्र है। बेंचमार्किंग अभ्यास ने निम्नलिखित विभागों में प्रत्येक विभाग द्वारा गुणवत्ता पहल के मूल्यांकन मानदंड के रूप में गुणवत्ता मानक तैयार करने में मदद की है:

- सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विभागों के वर्तमान मापदंडों के बीच अंतराल की पहचान करना।
- मानकों और प्रदर्शनों की पहचान करना और निरंतर गुणवत्ता सुधार के लिए एक रोड मैप प्रदान करना।
- विश्वविद्यालय के विकास के लिए महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं में सुधार करना।
- लक्ष्यों को स्थापित करना और सुधार के लिए अतिरिक्त रास्ते की पहचान करना। यह अभ्यास वैश्विक प्रथाओं की बेहतर समझ भी पैदा करेगा।
- प्रदर्शन में मात्रात्मक छलांग को बढ़ावा देने के लिए, उत्कृष्टता और सोच एवं नवाचार को बढ़ावा देना।
- प्रदर्शन में सुधार के अधिक प्रभावी तरीकों की पहचान करना।

गुणवत्ता शिक्षण और अधिगम में उत्तम आचरण पर पुस्तिका
शिक्षार्थी की प्रकृति, शिक्षण-अधिगम की प्रक्रिया और पाठ्यक्रम के लिए सार्थक और नवीन रणनीतियों के उपयोग के बारे में समझ बनाने के इरादे से शिक्षा संकाय द्वारा उच्च शिक्षा के शिक्षाशास्त्र पर एक मोनोग्राफ विकसित किया जा रहा है। यह संज्ञान शिक्षार्थी विविधता और शैक्षणिक विषयों और विषयों की चौड़ाई और विशालता को ध्यान में रखता है और इसका शीर्षक है स्ट्राइविंग फॉर एक्सीलेंस इन हायर एजुकेशन: अनफोल्डिंग द पेडागोगिक डाइमेंशन्स'।

गुणवत्ता संवर्धन कार्यशालाएँ
विश्वविद्यालय में गुणवत्ता की संस्कृति स्थापित करने के लिए, प्रत्येक विभाग/केंद्र द्वारा शिक्षण और अधिगम, अनुसंधान, नैतिकता, ई-संसाधन/ऑनलाइन डेटाबेस और सामाजिक आउटरीच सहित विभिन्न क्षेत्रों में गुणवत्ता संवर्धन के लिए कार्यशालाएं और कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

खेल-कूद उत्कृष्टता

दिल्ली विश्वविद्यालय के पांच खिलाड़ी मार्च 2018 में कुआलालंपुर (मलेशिया) में आयोजित 7 वीं विश्व विश्वविद्यालय शूटिंग स्पोर्ट चैम्पियनशिप 2018 के लिए भारतीय विश्वविद्यालयों की टीम का हिस्सा थे:

श्री निशांत सिंधु
श्री किस्मत चोपड़ा
सुश्री सर्वेश्वरी कुमारी
सुश्री अनन्या चोपड़ा
सुश्री सौम्या गुप्ता

मैडल विजेता :
निशांत सिंधु ने 10 मीटर में स्वर्ण पदक जीता. एयर पिस्टल टीम (पुरुष).

दिल्ली विश्वविद्यालय के सात छात्र अगस्त 2017 में ताइपे (चीन ताइपे) में आयोजित 29 वें विश्व विश्वविद्यालय खेल -2017 के लिए भारतीय विश्वविद्यालयों के दल का हिस्सा थे:

श्री कमल सागर (तीरंदाजी)
श्री अमोज जैकब (एथलेटिक्स)
सुश्री कनिका कंवल (बैडमिंटन)
सुश्री रिया मुखर्जी (बैडमिंटन)
सुश्री पिंकी बलहारा (जूडो)
श्री सोर्य प्रताप राठी (ताइक्वांडो)

हिमानी मोर (टेनिस)

डॉ. अनिल कुमार कालकल, निदेशक, शारीरिक शिक्षा, डीयूएससी 29 वें विश्व विश्वविद्यालय खेल 2017 के लिए प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख के रूप में भारतीय विश्वविद्यालयों के उपरोक्त दल के साथ गए

विश्वविद्यालय के सत्तर छात्रों ने उत्तर क्षेत्र और अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिता में शतरंज (पुरुष और महिला), योग (महिला), निशानेबाजी (पुरुष और महिला) जूडो (महिला), एथलेटिक (पुरुष), ताइक्वांडो (महिला), तीरंदाजी (पुरुष और महिला), कुश्ती (पुरुष), एक्वाटिक्स (पुरुष और महिला), बास्केटबॉल (महिला), टेबल टेनिस (महिला) में स्वर्ण पदक जीते।

विश्वविद्यालय के चौवन छात्रों ने उत्तर क्षेत्र और अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिताओं में एक्वाटिक्स (पुरुष और महिला), तीरंदाजी (पुरुष और महिला), शतरंज (पुरुष), स्क्वैश (महिला), शूटिंग (पुरुष व महिला), जूडो (महिला), भारोत्तोलन (पुरुष), साइक्लिंग (महिला), टेबल टेनिस (पुरुष), टेनिस (महिला) में रजत पदक जीते।

दिल्ली विश्वविद्यालय के बयानबे छात्रों ने उत्तर क्षेत्र और अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिता में कुश्ती (पुरुष), स्क्वैश (पुरुष), बेसबॉल (महिला), बैडमिंटन (पुरुष और महिला), टेबल टेनिस (पुरुष), नेटबॉल (महिला), शूटिंग (पुरुष और महिला), जूडो (महिला), मुक्केबाजी (पुरुष), सर्वश्रेष्ठ देहयष्टि (पुरुष), साइकिलिंग (महिला), जिमनास्टिक (महिला), योग (महिला), तलवारबाजी (पुरुष और महिला), तीरंदाजी (पुरुष), कुश्ती (ग्रीको रोमन), एक्वेटिक्स (पुरुष और महिला), (अनुबंध- IV) में कांस्य पदक जीते।

अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय टूर्नामेंट 2017-18 में टीम चैम्पियनशिप

विश्वविद्यालय टीम ने अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय चैम्पियनशिप 2017-18 के एक्वेटिक्स (पुरुष और महिला) में, तीरंदाजी (पुरुष) शूटिंग (पुरुष), शतरंज (महिला) और योग (महिला) में समग्र चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।

विश्वविद्यालय टीम ने अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय चैम्पियनशिप 2017-18 के शूटिंग (पुरुष और महिला), एक्वेटिक्स (पुरुष और महिला), तीरंदाजी (पुरुष और महिला), शतरंज (पुरुष) और स्क्वैश (महिला) में समग्र चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता।

विश्वविद्यालय टीम ने अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय चैम्पियनशिप 2017-18 के एक्वेटिक्स (पुरुष), बेसबॉल (महिला), तलवारबाजी (पुरुष और महिला), नेटबॉल (महिला), शूटिंग (पुरुष), स्क्वैश (पुरुष), टेबल टेनिस (पुरुष) और बैडमिंटन (पुरुष) समग्र चैम्पियनशिप का कांस्य पदक जीता।

****

सामान्य सुविधाएं और कार्यक्रम

पूर्व छात्र मामले

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2018 एडिशन लंदन द्वारा समेकन के एक वर्ष के अंदर, करिश्माई उपलब्धियों, अग्रणी **प्रथम** और चलन बनाने के कारण इसे वैश्विक स्तर के 4300 एचई संस्थानों में से **वैश्विक पूर्व छात्र रैंकिंग में इक्कीसवें** स्थान पर रखा गया है। हमारे पूर्व छात्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा प्राप्त कर रहे हैं। पूर्व छात्र समूह के अभिभावक दिल्ली विश्वविद्यालय ने अपने स्वीकृत बैनर मास्ट-"एक सार्थक, संतुष्टिदायक दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर-एलुमनाई डायनामिक" को दिल्ली विश्वविद्यालय के परामर्शदाता/ पूर्व छात्र मामले के संकायाध्यक्ष, प्रोफेसर सिडनी आर रेबियरो के नेतृत्व में मेंटर-डोनर-पार्टनर संपर्क द्वारा जारी रखा।

इस वर्ष की शुरुआत एक उच्च स्तर के **प्रत्यक्षक** के साथ हुई: प्रख्यात पूर्वछात्र व्याख्यान श्रृंखला 2 में पूर्व छात्र, भारत के उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश, डॉ. अर्जन के सीकरी ने 21 अप्रैल 2017 को वाइसरीगल लॉज में शिक्षाविदों, छात्रों और चयनित पूर्व छात्रों की एक भरी हुई सभा के समक्ष "भारत के संविधान के अंतर्गत मौलिक कर्तव्य-भुला दिए गए गुण" पर व्याख्यान दिया।

दिल्ली विश्वविद्यालय स्थापना दिवस पर 01 मई 2017/2018 को कुलपति प्रोफेसर योगेश के. त्यागी ने प्रतिष्ठित पूर्व छात्र *पद्म विभूषण*, डॉ. करण सिंह, भारत के उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश, न्यायमूर्ति श्री संजय के कौल, मीडिया - विद्वान डॉ. स्वपन दासगुप्ता, सदस्य राज्यसभा, भारत के प्रमुख टीवी पत्रकार रजत शर्मा, भारत के सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी एजी, 2014 - 2017 (दिल्ली विश्वविद्यालय की 4 पीढ़ियों के उच्च उपलब्धि प्राप्त पूर्व छात्र), सीबीआई प्रमुख आलोक वर्मा और प्रधानमंत्री के अतिरिक्त निजी सचिव डॉ. टी के मिश्रा को सम्मानित किया।

प्रोफेसर सिडनी आर रेबेरो द्वारा डिज़ाइन किया गया अपनी तरह का पहला ***पूर्व छात्र लेखक पुस्तकालय*** काफी बड़ा हो गया है और अब इसमें डॉ. कपिला वात्स्यायन *पद्म विभूषण*, अमिताभ बच्चन *पद्म विभूषण*, डॉ. करण सिंह *पद्म विभूषण जैसे* उच्च उपलब्धि प्राप्त *और* पूर्व सीईसी श्री नवीन चावला, श्री गोपालकृष्ण गांधी (पूर्व राज्यपाल, बौद्धिक और महात्मा गांधी के पौत्र), लेखक उपमन्यु चटर्जी आईएएस, अमिताव घोष और डॉ. रामचंद्र गुहा जैसे पुरस्कारों से सम्मानित पूर्व छात्रों द्वारा हस्ताक्षरित पुस्तकों के संस्करण शामिल हैं।

दीक्षांत समारोह 94: 18.11.2017 के अकादमिक समारोह में पूर्ण पदकों सहित, प्रख्यात पूर्व छात्र शामिल थे । भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद (डीयू के आगंतुक) इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। इस समारोह में दिल्ली की माननीय न्यायमूर्ति, सुश्री गीता मित्तल, कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश, दिल्ली उच्च न्यायालय और अब जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश, प्रसिद्ध कलाकार अंजलि इला मेनन, शास्त्रीय नृत्यांगना शोभना नारायण, अंजलि और इंडियन बैंक के सीएमडी और अब भारत के सतर्कता आयुक्त, श्री तेजेंदर मोहन भसीन, चिटकारा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक चिटकारा, एमएएनयूयू हैदराबाद के कुलपति, डॉ. एम असलम परविज़, लंबे समय तक मारुति उद्योग के सीएमडी रहे, श्री जगदीश खट्टर, 114 साल पुराने प्रकाशन हाउस के प्रख्यात प्रकाशक श्री आरपी जैन, प्रबंध निदेशक, मोतीलाल बनारसीदास, डीपीएस गुड़गांव/इंटरनेशनल की प्रधानाचार्या/निदेशक और पूर्व अध्यक्ष ईएलएसए सुश्री अदिति मिश्रा शामिल थे।

हमारे निरंतर पहुंच प्रयासों के परिणामस्वरूप, पूर्व-छात्रों के दान की स्थिर धारा ने इस सत्र को और गति दी है। हमारे पूर्व छात्रों द्वारा दान किए गए पुरस्कारों में, डॉ. आई. पी मित्तल की पत्नी डॉ. सुश्री वेद मित्तल और उनकी बेटियों-मुख्य न्यायाधीश सुश्री गीता मित्तल और चिकित्सा वैज्ञानिक डॉ वंदना रॉय द्वारा किए गए दान से 10 लाख की डॉ. आई. पी मित्तल छात्रवृत्ति, पुत्र श्री एडवोकेट मुकुल रोहतगी द्वारा किए गए दान से द जस्टिस अवध बिहारी रोहतगी स्वर्ण पदक और द कोटू राम अदलक्खा पूर्व-छात्र परियोजना का रुपए 2.5 लाख का दान शामिल है।

पहली महिला वकील सुश्री इंदु मल्होत्रा को, सीधे भारत के उच्चतम न्यायालय की न्यायाधीश और जस्टिस गीता मित्तल को जम्मू और कश्मीर के उच्च न्यायालय की ***पहली*** महिला मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किये जाने के साथ न्यायपालिका का एक नया इतिहास बना था। इस प्रकार, भारत के सर्वोच्च न्यायालय में कुल 27 न्यायाधीशों में से 9 हमारे पूर्व छात्र हैं, जो 33 प्रतिशत है।

पूर्व छात्रा अनु कुमारी अखिल भारतीय यूपीएससी सिविल सेवा योग्यता सूची 2018 में दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि पूर्व छात्र मोहित गुप्ता, आदित्य मित्तल और प्रशांत हिरवानी ने वर्ष 2017 की सीए परीक्षा में पहले तीन स्थान प्राप्त किए।

खिलाड़ी मनिका बत्रा ने टेबल टेनिस सीडब्ल्यूजी 2018 में दो स्वर्ण पदक, एक रजत और एक कांस्य पदक जीता और अपूर्वी चंदेला ने इक्कीसवें कॉमनवेल्थ गेम्स सीडब्ल्यूजी कांस्य पदक 2018 में जीत प्राप्त की।

पूर्व-छात्र प्रमुख समन्वयकों (संकाय) और पूर्व-छात्र प्रतिनिधियों के हमारे नेटवर्क का बहुत विस्तार हुआ है और इसमें 110 विभाग, महाविद्यालय, एसओएल और एनसीडब्ल्यूईबी शामिल हैं।

हमारे **डीयू पूर्व-छात्र वैश्विक डेटाबेस** में कई स्रोतों से प्राप्त नामों की संख्या 46000 पार गई है जिनमें से 500 *अत्यधिक प्रख्यात* ***पूर्व-छात्र*** *की संक्षिप्त सूची* तैयार की गई है।

27 देशों के 3000 से अधिक *पूर्व-छात्रों की सहायता की गई* है और आलोच्य वर्ष में हमारी परामर्श-मार्गदर्शन सेवाओं को युवा और "मिडस्ट्रीम" पूर्व छात्रों के लिए विस्तारित किया है।

***

दिल्ली विश्वविद्यालय सामुदायिक रेडियो

डीएलएसए द्वारा गरीबों को मुफ्त कानूनी सहायता के बारे में कार्यक्रम रिकॉर्ड/प्रसारित किए गए थे।
चीन रेडियो के प्रतिनिधि का एक साक्षात्कार आधारित कार्यक्रम रिकॉर्ड/प्रसारण किया गया था। हिंदी में कविता दरबार भी रिकार्ड किया गया था।

महिलाओं के लिए डीयूसीआर और मिरांडा हाउस, हंसराज कॉलेज, रामानुजम कॉलेज इंद्रप्रस्थ कॉलेज के बीच ऑडियो लिंक भी स्थापित किया गया है। कुछ और कॉलेज भी लिंक स्थापित करने में रुचि रखते हैं।

डीयूसीआर के स्वयंसेवकों ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 2 घंटे का एक कार्यक्रम जश्न-ए-आजादी रिकार्ड किया।

डीसीएसी कॉलेज के छात्रों ने शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए विशेष कार्यक्रम रिकॉर्ड और प्रसारित किया।

चुनाव आयोग ने मतदाताओं की सूची के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए डीयूसीआर से अनुरोध किया। एक पखवाड़े तक रोजाना दो बार जिंगल बजाया जाता था।

मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज ने तंबाकू के दुष्प्रभावों के संदेश के प्रसारण के लिए अनुरोध किया। हमारे स्वयंसेवकों द्वारा दो संदेश रिकार्ड किए गए और 'तंबाकू बंद दिवस' अभियान की अवधि के दौरान उन्हें प्रतिदिन दो बार प्रसारित किया गया।

सीआईसी के छात्रों ने जीएसटी पर रेडियो चर्चाओं की एक श्रृंखला शुरू की है। पहला एपिसोड सफलतापूर्वक रिकॉर्ड और डीयूसीआर से प्रसारित किया गया था।

उर्दू विभाग के छात्र और स्वयंसेवकों ने बज़्म-ए-उर्दू का कार्यक्रम जारी रखा है। लगभग **16** एपिसोड रिकॉर्ड और प्रसारित किए गए हैं।

डीयूसीआर ने कौशल विकास मंत्रालय के लिए सामुदायिक रेडियो के माध्यम से स्थानीय समुदाय के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए 8 एपिसोड तैयार किए हैं और फर्नीचर विकास और यांत्रिक कौशल के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया है।

पिछले तीन महीनों से हम किसी भी कार्यक्रम को प्रसारित करने में सक्षम नहीं हैं क्योंकि पुराना होने के कारण ट्रांसमीटर काम नहीं कर रहा है। डीयूसीआर को पूर्ण नवीकरण की जरूरत है।

***

दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली ने नए संशोधित अध्यादेश XVI को ध्यान में रखते हुए 34 घटक पुस्तकालयों के माध्यम से प्रदान की गई पुस्तकालय और सूचना सेवाओं को संशोधित करने के लिए कई उपाय किए हैं। एक संक्षिप्त सूची नीचे दी गई है।

प्रिंट संसाधन: पुस्तकालय प्रणाली ने अपने संग्रह में रखरखाव अनुदान से खरीदे गए 15827 खंडों को जोड़ा। 31-03-2018 को कुल संग्रह 1679099 खंड हैं। डीयूएलएस द्वारा वर्तमान में 947 आवधिकों की सदस्यता ली गई है।

इलेक्ट्रॉनिक संसाधन: डीयूएलएस ने इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों तक उपयोगकर्ताओं की पहुँच को मजबूत करना जारी रखा है। विभिन्न विषयों और विभागों में 48 इलेक्ट्रॉनिक डेटाबेस विश्वविद्यालय के उपयोगकर्ता समुदाय के लिए उपलब्ध हैं। ये निम्नानुसार हैं:

एबीआई/सूचना पूर्ण; अकादमिक खोज प्रीमियर; अमेरिकन जियोफिजिकल यूनियन जर्नल; अमेरिकन फाइटोपैथोलॉजिकल सोसाइटी; सूक्ष्म जीवविज्ञानियों की अमेरिकी सोसाइटी; एंथ्रोसोर्स; ब्रिटानिका ऑनलाइन; बिजनेस सोर्स प्रीमियर; पूंजीवाद, प्रकृति, समाजवाद; कैपिटालाइन प्लस; सीएलए प्लस; क्रेडो (पूर्व एक्सरेफरप्लस); आर्थिक साहित्य; ई-ज्यूरिक्स; एमरल्ड मैनेजमेंट एक्सट्रा; साइबर अपराध का विश्वकोष; कानून प्रवर्तन का विश्वकोष; इकॉन; आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक: भारत समय श्रृंखला; जियो साइंस वर्ल्ड के साथ जियोरेफ; हाउस ऑफ कॉमन्स ब्रिटिश संसदीय पत्र; मानविकी अंतर्राष्ट्रीय पूर्ण; इंडिया स्टेट्स; इंडियन्सजर्नल्स.कॉम; आईएसआई उभरते बाजार - सीईआईसी एशिया; लीगल पंडित; लेक्सिस नेक्सिस; लिसा; एलएनसीएस; मेकिंग ऑफ माडर्न लॉ; मनुपत्र; नेचर पब्लिशिंग; अर्थशास्त्र का नया पालग्रेभ शब्दकोश; किताबों की न्यूयॉर्क समीक्षा; आम्निफाइल फुल टेस्ट; ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी ऑफ नेशनल बायोग्राफी ऑनलाइन; ग्रोव आर्ट ऑनलाइन; प्रोवेस; सेज ऑनलाइन; साइंस डायरेक्ट; स्कोपस; पूर्ण पाठ सहित सोक इंडेक्स; स्टेट्समैन्स ईयर बुक; प्रोक्वेस्ट डिसर्डेशन एवं थिसीस फुल टेक्स्ट डेटाबेस; वेस्टलॉ इंडिया; विश्व बैंक ई-पुस्तकालय; डब्ल्यूटीओ ई-पुस्तकालय; एसएससी ऑनलाइन; विज्ञान ऑनलाइन।

ऑडियो बुक संसाधन और ब्रेल पुस्तकालय

ब्रेल पुस्तकालय दृष्टिहीन छात्रों और संकाय सदस्यों के शिक्षण, अधिगम और अनुसंधान का समर्थन करने में सक्रिय रूप से संलग्न है। इसमें 3 ऑडियो बुक प्रोडक्शन स्टूडियो, 2 उच्च क्षमता ब्रेल एम्बॉसर और डेज़ी सिस्टम, स्पार्षा, ओबीआई, पुटी, सिग्तुना, जॉ, डक्सबरी, लीप ऑफिस इत्यादि सॉफ्टवेयरों सहित 22 नवीनतम कंप्यूटरों का नेटवर्क है। 1820 ऑडियो किताबें, 1928 ब्रेल पुस्तकें, 1734 ई-टेक्स्ट और ई-पब्लिशिंग प्रारूप आदि में 401 पुस्तकें हैं। ऑडियो पुस्तकों और ई-टेक्स्ट का पूरा संग्रह ऑनलाइन डीयूसीसी आईपी रेंज उपलब्ध कराया गया है और आईडी और पासवर्ड के माध्यम से http:/bl.du.ac.in पर इन तक पहुंचा जा सकता है। विश्वविद्यालय में नामांकित दृष्टिहीन लोगों द्वारा

पुस्तकालय का नियमित रूप से उपयोग किया जाता है। वर्तमान में पुस्तकालय में 227 सदस्य नामांकित हैं। ब्रेल पुस्तकालय की वेबसाइट में सुलभ सामग्रियों को बड़ी संख्या डाउनलोड किया जाता है, इसने सीडी पर 2784 पुस्तकें प्रसारित की हैं। ब्रेल पुस्तकालय सुगम्य पुस्तकाल्य का भी सदस्य है जिसके अंतर्गत उपयोगकर्ता दूरस्थ पहुँच से ऑडियो पुस्तकें या ई-टेक्स्ट के रूप में अध्ययन सामग्री डाउनलोड कर सकता है।

उपयोगकर्ता सेवाएं

डीयूएलएस-वेबसाइट: डीयूएलएस-वेबसाइट में चयनित पुस्तकालयों (ओपेक) की सूची; ई-रेफरेंसिंग का प्रावधान, ई-पत्रिकाओं की संपूर्ण सूची, ऑनलाइन सूचना साक्षरता ट्यूटोरियल, विषय पोर्टल, अपने पुस्तकालय से पूछें, खुले पहुँच संसाधनों सहित कई इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों तक पहुँच अन्य उपयोगकर्ता अनुकूल सुविधाएं, संचालन में है। अब तक 684315 उपयोगकर्ताओं द्वारा वेबसाइट देखी गई है।

डिजिटल पुस्तकालय: पुस्तकालय ने डीयूएलएस कॉपीराइट ज़ोन में उपलब्ध पुस्तकों में से 14386 पुस्तकें डिजिटलीकृत की हैं और ओपन सोर्स कंटेंट मैनेजमेंट सिस्टम, अर्थात 'डी-स्पेस' का उपयोग कर वैश्विक इंटरनेट एक्सेसिबिलिटी के लिए उन्हें वेब पर रखा गया हैं। यूआरएल http://library.du.ac.in/dspace है। यह डिजिटल पुस्तकालय ऑफ इंडिया के पोर्टल पर भी उपलब्ध है।

सूचना साक्षरता कार्यक्रम: डीयूएलएस ने 2006 से सूचना साक्षरता कार्यक्रम शुरू किया और नियमित रूप से इसे संचालित किया। दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों और कॉलेजों में कुल 163 सूचना साक्षरता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें 133 ई-संसाधन अभिविन्यास कार्यक्रम, 15 अनुभव जन्य प्रशिक्षण सत्र, सामाजिक विज्ञान में शोध विद्वानों के लिए 15 एक दिवसीय कार्यशालाएं आयोजित की हैं। चालू वर्ष में डीयूएलएस ने विभागों/कॉलेजों और सम्मेलन केंद्र में 15 सूचना साक्षरता कार्यक्रम आयोजित किए हैं। 555 पीजी, अनुसंधान विद्वान और संकाय सदस्यों सहित 555 छात्रों ने कार्यक्रम में भाग लिया है।

समानता का पता लगाना: केंद्रीय पुस्तकालय को छात्रों द्वारा प्रस्तुत अनुसंधान कार्य के लिए समानता की पहचान का कार्य सौंपा गया है। केंद्रीय पुस्तकालय ने दिसंबर 2015 से समानता का पता लगाना शुरू कर दिया है और कुल 3033 पीएचडी थीसिस और एम.फिल निबंध और अन्य शोध कार्यों की पुष्टि की गई है।

दस्तावेज़ वितरण सेवा: जे-गेट @यूजीसी, यूजीसी-इनफोनेट, डिजिटल पुस्तकालय कंसोर्टियम द्वारा सदस्यता लिए गए सभी डेटाबेसों, लगभग 5,200 ओपन एक्सेस इलेक्ट्रॉनिक पत्रिकाओं और इनफ्लिबनेट केंद्र के इंटर-पुस्तकालय लोन (आईएलएल) केंद्र के रूप में डिज़ाइन किए गए 30 विश्वविद्यालय पुस्तकालयों द्वारा सदस्यता ली गई छपी पत्रिकाओं तक लेख-स्तरीय पहुँच प्रदान करता है। इंटरफ़ेस उन लेखों के लिए हाइपर लिंक प्रदान करता है जो किसी निर्दिष्ट विश्वविद्यालय में इलेक्ट्रॉनिक रूप से उपलब्ध और पहुँच योग्य हैं ताकि उपयोगकर्ता लेखों तक पहुँच कर उन्हें डाउनलोड कर सकें। उन पत्रिकाओं के आलेखों के लिए जो इलेक्ट्रॉनिक रूप से या किसी निर्दिष्ट विश्वविद्यालय में उपलब्ध नहीं हैं, इंटरफ़ेस सीधे उपयोगकर्ता (ओं) से इनफ्लिबनेट केंद्र या आईएलएल केंद्र में से किसी एक के लिए आईएलएल अनुरोध की अर्द्ध स्वचालित सुविधा प्रदान करता है। डीयूएलएस सेवाओं के लिए नामित 30 आईएलएल केंद्रों में से एक है।

हमें J-Gate@UGCInfonet से निम्नलिखित लाभ मिलता है।

यूजीसी-इनफोनेट डिजिटल पुस्तकालय कंसोर्टियम के माध्यम से उपलब्ध सभी इलेक्ट्रॉनिक डेटाबेस की सिंगल विंडो खोज प्रदान करता है।

13,290 प्रकाशकों द्वारा ऑनलाइन उपलब्ध लाखों जर्नलों के लेखों तक सहज पहुँच प्रदान करता है।

प्रकाशक साइटों पर पूर्ण पाठ के लिंक के साथ 45,339 ई-पत्रिकाओं से अनुक्रमित जर्नल साहित्य के बड़े डेटाबेस तक पहुँच प्रदान करता है।

लगभग 23,410 खुली पहुँच ई-पत्रिकाओं तक पूरे पाठ के लिए पहुँच प्रदान करता है, जिसमें 9,425,618 से अधिक खुली पहुँच वाले लेख होते हैं।

डीयूएलएस के 917 प्रिंट पत्रिकाओं के लिए आलेख स्तर की खोज।

डीयूएलएस में दस्तावेज़ वितरण सेवा के माध्यम से प्रिंट जर्नल लेखों की फोटोकॉपी की सुविधा उपलब्ध नहीं है।

अन्य नामित विश्वविद्यालयों से प्रिंट जर्नल लेखों की प्रति प्रदान करने हेतु अनुरोध करके दस्तावेज़ वितरण सेवा का उपयोग करें।

जे-गेट@यूजीसीइंफोनेट के नामित आईएलएल सेंटर के रूप में, डीयूएलएस कई जिम्मेदारियों का निर्वाह कर रहा है। यूजीसी इन्फोनेट डिजिटल पुस्तकालय कंसोर्टियम के माध्यम से उपलब्ध इलेक्ट्रॉनिक डेटाबेस के बदले, 1,00,000 रुपए के लायक, डीयूएलएस पूरे भारत में विद्वानों को जे-गेट@ यूजीसी इन्फोननेट के माध्यम से अनुरोध किए गए लेखों की फोटोकॉपी की आपूर्ति करने की ज़िम्मेदारी उठाता है। डीयूएलएस एक बड़ा संगठन है, जिसमें प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक सूचना सामग्री का बड़ा संग्रह है, यह अपने उपयोगकर्ताओं की अधिकांश सूचना आवश्यकताओं को पूरा करता है। इसलिए, डीयूएलएस उपयोगकर्ताओं द्वारा अन्य विश्वविद्यालयों के लेखों की फोटोकॉपी के लिए बहुत कम अनुरोध किए जाते हैं। हालांकि, एक आईएलएल केंद्र के रूप में, डीयूएलएस नियमित रूप से लेखों की फोटोकॉपी की आपूर्ति कर रहा है।

मानव संसाधन: 'पुस्तकालयों में कंप्यूटरों के उपयोग' पर प्रशिक्षण देने के लिए केंद्रीय पुस्तकालय में निर्मित प्रशिक्षण सुविधा डीयू कंप्यूटर सेंटर के संसाधन व्यक्तियों की सहायता से विश्वविद्यालय और कॉलेज पुस्तकालयों के पुस्तकालय स्टाफ के लाभ के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रही है।

गर्मियों में इंटर्नशिप: डीयूएलएस ने पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में मास्टर कार्यक्रम के छात्रों को प्रति माह 7,500/- रुपए पर ग्रीष्मकालीन इंटर्न के रूप में भर्ती करना जारी रखा है। इस अवधि के दौरान 13 छात्रों को विभिन्न पुस्तकालयों में प्रशिक्षण दिया गया है।

संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशालाएं/ प्रदर्शनी

डॉ. धर्मवीर सिंह (विश्वविद्यालय पुस्तकाध्यक्ष)

16-18 अगस्त, 2017 को वीसी के नामित द्वारा आईएनएफएलबीएनईटी, यूजीसी, गांधीनगर (गुजरात) द्वारा यूजीसी के इंटर-यूनिवर्सिटीविटी सेंटर में आयोजित "विवो संकाय प्रोफाइल प्रबंधन प्रणाली और खोज" पर तीन (3) दिन राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

एनएएसएसएससीओएम फाउंडेशन द्वारा, 03 अक्टूबर, 2017 को भारत आवास केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित भारतीय सार्वजनिक पुस्तकालय सम्मेलन में शामिल हुए।

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में भारतीय पुस्तकालय संघ के 63वें अखिल भारतीय पुस्तकालय सम्मेलन में शामिल हुए। दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली को 23-25 नवंबर, 2017 को आईएलए- डॉ. एल एम पाधिया सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय पुस्तकालय पुरस्कार 2017 प्रदान किया गया था।

दरभंगा (बिहार) के सामाजिक विज्ञान और अनुसंधान पुस्तकालय, एम.के.एस इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस एंड रिसर्च पुस्तकालय में 05-09 फरवरी, 2018 को आयोजित "पांडुलिपि/दुर्लभ पुस्तक सामग्री के निवारक संरक्षण" पर कार्यशाला के विदाई समारोह के मुख्य अतिथि रहे।

मणिपुर विश्वविद्यालय, कांचीपुर इम्फाल (मणिपुर) में पांडुलिपियों/दुर्लभ दस्तावेजों का निवारक संरक्षण" विषय पर 20-24 फरवरी, 2018 के बीच आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में सम्मानित अतिथि रहे।

ऑल लाइब्रेरियन डेवलपमेंट वेलफेयर एसोसिएशन, भोपाल (एमपी) द्वारा 29 मार्च, 2018 को आयोजित "वेब स्केल डिस्कवरी सर्विस: ए क्रिटिकल एनालिसिस" पर कार्यशाला में मुख्य अतिथि रहे।

डॉ. नरेंद्र कुमार (उप पुस्तकाध्यक्ष डीयूएलएस)
महाराजा अग्रसेन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 20 अप्रैल 2017 को आयोजित डीयूईएलएस के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक संसाधन व्यक्ति थे। खुली पहुँच के संसाधनों और स्कूल पुस्तकालयों की खोज और प्रभावी उपयोग। 6 जुलाई 2017 को स्कूल लाइब्रेरियन के लिए पुनश्चर्या कार्यक्रम।

स्कूल पुस्तकालयों में आईसीटी आवेदन। 6 जुलाई 2017 को स्कूल लाइब्रेरियन के लिए के लिए पुनश्चर्या कार्यक्रम।

डिजिटल पर्यावरण में पांच कानून। 12 अगस्त, 2017 को रंगनाथन का जन्म उत्सव मनाया गया।

पूर्वी एशियाई अध्ययन विभाग के लिए इलेक्ट्रॉनिक संसाधन @ डीयूएलएस पूर्व एशियाई अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय 11 सितंबर 2017 को।

साहित्यिक चोरी: इससे कैसे बचें: शिकागो मैनुअल ऑफ स्टाइल। पूर्व एशियाई अध्ययन विभाग, 11 सितंबर 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय।

इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों की सदस्यता में मुद्दे: एक अनुभव, 12 सितंबर, 2017 को डीईएसआईडीओसी कार्यशाला।

गूगल बनाम पुस्तकालय। 10 जनवरी, 2018 को सीसीआरटी, द्वारका।

खोज तकनीकें। 27 फरवरी, 2018 को संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय।

डॉ. तारिक अशरफ (उप पुस्तकाध्यक्ष एसडीसीएल)
एएमयू, अकादमिक स्टाफ कॉलेज में 22-23 सितंबर, 2017 के दौरान आयोजित पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में पुनश्चर्या कार्यक्रम विषय पर 2 आमंत्रित वार्ताएं दीं।

"शोध की गुणवत्ता" दूरदर्शन विषय पर 18 अक्टूबर 2017 को एक पैनलिस्ट के रूप में कार्य किया।

नवंबर, 2017 में आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण के लिए ई-रिसोर्स के उपयोग को अधिकतम करने के लिए आयोजित एक प्रशिक्षण सत्र का संचालन किया।

"भारत में सार्वजनिक पुस्तकालयों को बदलना: सूचना, सामग्री और सेवाओं को डिजिटाइज और वितरित करने में अवसर और चुनौतियां पर भारतीय सार्वजनिक पुस्तकालय आंदोलन (आईपीएलएम) और तेलंगाना सरकार के सहयोग से डिजिटल सशक्तिकरण फाउंडेशन (डीईएफ) द्वारा एमएनयूयू, हैदराबाद में 18 जनवरी, 2018 को आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में "ई-गवर्नेंस के लिए लीवरेजिंग पुस्तकालयज़" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

दौरान ग्रेटर नोएडा के बेनेट विश्वविद्यालय में 22 फरवरी, 2018 को आयोजित ईटीटीएलआईएस 2018 में "अकादमिक पुस्तकालयों का भविष्य: पुनर्स्थापना और अभिनव की आवश्यकता" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

अग्रवाल कॉलेज, बल्लभगढ़ में 25 फरवरी, 2018 को "डिजिटल युग में सूचना संचार: वर्तमान परिदृश्य और भविष्य के परिप्रेक्ष्य (आईसीआईसीडीईपीएसएफपी-2018) पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "अनुसंधान का प्रबंधन, मापन और अधिकतम करना: उभरते मैट्रिक्स" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

30 मार्च, 2018 को जेके बिजनेस स्कूल में "चोरी साहित्य: मुद्दे और रणनीतियां" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

डॉ. राजेश सिंह (उप पुस्तकाध्यक्ष)

उच्च शिक्षा में व्यावसायिक विकास के केंद्र (सीपीडीएचई) द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 24 अगस्त 2017 से 21 सितंबर 217 तक आयोजित उन्मुखीकरण कार्यक्रम (ओआर-89) में 5 सितंबर, 2017 को संसाधन व्यक्ति के रूप में "प्रमुख खुले उपयोग अकादमिक इलेक्ट्रॉनिक सूचना संसाधन" पर एक व्याख्यान दिया।

उच्च शिक्षा में व्यावसायिक विकास केंद्र (सीपीडीएचई) द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 21 नवंबर 2017 से 19 दिसंबर 2017 तक आयोजित उन्मुखीकरण कार्यक्रम (ओआर-91) में 27 नवंबर, 2017 को संसाधन व्यक्ति के रूप में "अनुसंधान मेट्रिक्स: प्रभाव फैक्टर और एच-इंडेक्स" पर एक व्याख्यान दिया।

प्रकाशन

टी अशरफ, (संपा.) (2017). *अंतःविषयक डिजिटल संरक्षण उपकरण और प्रौद्योगिकियां।* न्यूयॉर्क: सूचना विज्ञान संदर्भ @ 2017।

टी अशरफ, (सह-संपा.) (2017). *प्रिंट से इलेक्ट्रॉनिक तक: नए सूचना वातावरण में पुस्तकालयों का प्रबंधन।* नई दिल्ली: सिनर्जी बुक्स प्राइवेट लिमिटेड

टी अशरफ, (सह-संपा.) (2018). *डिजिटल पदचिन्हों का विस्तार: पुस्तकालयों और सूचना केंद्र की भूमिका।* नई दिल्ली: एशियन पुस्तकालय एसोसिएशन।

टी अशरफ, (2018). *ई-गवर्नेंस के माध्यम से समानता, समावेश और सशक्तिकरण: पुस्तकालयों का अधिग्रहण और पुनर्स्थापन।* यूनिवर्सिटी न्यूज,*56*(06), 1-11.

एन कुमार, (2017). दिल्ली विश्वविद्यालय में इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों का उपयोग: एक प्रकरण अध्ययन। कलेक्शन बिल्डिंग, *36*(3), 96-107.

आर सिंह**,** (2017). *चिकित्सा और स्वास्थ्य विज्ञान में विद्वानों के खुले उपयोग हेतु ई-संसाधनों का एक सिंहावलोकन।*, *लाइब्रेरी हेरल्ड***,** 55(3), 405-416.

आर सिंह**,** **(**सह-संपा.**)** (2017). *पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में यूजीसी नेट को क्रैक करना। नई दिल्ली: नवशिला प्रकाशन। आईएसबीएन* 978-93-80169-92-7.

आर सिंह**,** (संपा.) (2017). *इंटरनेट संसाधन एवं पुस्तकालय (हिंदी)।* नई दिल्ली: टुडे एंड टुमारोज प्रिंटर्स और पब्लिशर्स। आईएसबीएन 81-7019-571-X.

अन्य प्रमुख पुस्तकालयों की गतिविधियाँ

केंद्रीय पुस्तकालय (कला पुस्तकालय सहित): केंद्रीय पुस्तकालय (कला पुस्तकालय सहित) पिछले वित्तीय वर्ष में 3837 उपयोगकर्ताओं की सदस्यता और 52000 पुस्तकों के संचलन के साथ 5986 खंडों का संग्रह जोड़ने में सक्षम रहा है। उर्दू में 26000 किताबें और ब्रेल पुस्तकालय में 3000 किताबें कम्प्यूटरीकृत की गई हैं। पुस्तकालय अपने छात्रों और शिक्षकों को साहित्यिक चोरी की जांच के लिए सेवाएं प्रदान कर रहा है। शोध कार्य की जांच करने और समानता रिपोर्ट उत्पन्न करने के लिए प्रशिक्षित कर्मचारियों के साथ एक समर्पित डेस्क स्थापित की गई है।

पुस्तकालय में उपलब्ध किसी मद को खोजने के लिए, पुस्तकालय के ग्राउंड फ्लोर पर स्थापित ओपीएसी में चार कंप्यूटरों पर लॉग ऑन करना होगा। प्रतिदिन औसतन 25-30 विद्वानों द्वारा सेंट्रल पुस्तकालय में रिसर्च फ्लोर में शोध विद्वानों के विशेष उपयोग के लिए प्रदान की जाने वाली इंटरनेट एक्सेस सुविधा का नियमित रूप से उपयोग किया जा रहा है। पुस्तकालय प्रिंट प्रारूप में 267 आवधिक पत्रिकाओं की सदस्यता ले रहा है। पुस्तकालय ने अन्य विश्वविद्यालयों को ऋण पर 435 दस्तावेज भेजे और अन्य संगठनों से अंतर-संगठन पुस्तकालय ऋण के रूप में 163 दस्तावेज प्राप्त किए। केंद्रीय पुस्तकालय में थीसिस और शोध प्रबंध का कुल संग्रह 37689 है। वर्ष के दौरान लगभग 2800 थीसिस और शोध प्रबंधों को संदर्भित किया जाता है। आगरा, बनारस, इलाहाबाद, रोहतक, महेन्द्रगढ़, केरल, कर्नाटक और मुंबई आदि विभिन्न स्थानों के विश्वविद्यालयों से कई अतिथियों ने पुस्तकालय का दौरा किया।

केंद्रीय विज्ञान पुस्तकालय: केंद्रीय विज्ञान पुस्तकालय 285 उपयोगकर्ताओं की सदस्यता और 68000 किताबों के संचलन के साथ पिछले वित्तीय वर्ष में 1212 खंडों का संग्रह जोड़ने में सक्षम रहा है। पुस्तकालय में आईटी से संबंधित विभिन्न सेवाओं के लिए आईटी आधारभूत संरचना की उत्कृष्ट व्यवस्था है। इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों की सदस्यता, लेखों आदि को डाउनलोड करना, उपयोगकर्ताओं को लाइव ऑनलाइन प्रदर्शन, ई-लेख इत्यादि के अनुलग्नक भेजना, अनुच्छेद चेतावनी और खोज तकनीकों के आधार पर जानकारी का पुनर्प्राप्ति, संकाय सदस्यों को ई-मेल अलर्ट इत्यादि के अतिरिक्त नई जानकारी भी प्रदान की जाती है। पुस्तकालय विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और मानविकी के सभी संकायों के उपयोगकर्ताओं को सेवाएं प्रदान करने में सक्षम है। पुस्तकालय ने जेसीसीसी के माध्यम से देश में विभिन्न पुस्तकालयों से कई दस्तावेज/लेख प्राप्त किये और भेजे। लेजर प्रिंटर, एलसीडी प्रिंटर, स्कैनर इत्यादि सहित कम्प्यूटरीकृत सेवाओं को बढ़ाने के लिए कई कंप्यूटर और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जोड़े गए हैं। इसमें सीडी और डीवीडी की किताबें भी हैं। प्रिंट और ऑनलाइन सहित वर्तमान आवधिक सदस्यता 213 है।

रतन टाटा पुस्तकालय: पुस्तकालय पिछले वित्तीय वर्ष में लगभग 2074 सदस्यों के साथ 1459 संस्करणों का संग्रह जोड़ने में सक्षम रहा है। आरटीएल ने विभिन्न संसाधनों और एक हाई एंड सर्वर तक पहुँचने के लिए 105 टर्मिनल के साथ अपनी कंप्यूटिंग सुविधा और अद्वितीय ई-पुस्तकालय को बढ़ाया है। पुस्तकालय ने अपनी वेबसाइट को और अधिक मूल्यवर्धन के साथ अद्यतित किया है। ई-संसाधनों के विशेष संदर्भ के साथ विभिन्न विभागों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। आरटीएल की कुल आवधिक सदस्यता 290 है जिसमें प्रिंट और ऑनलाइन पत्रिकाएं शामिल हैं, इसके संग्रह में लगभग -1500 थीसिस और शोध प्रबंध भी हैं। यह संयुक्त राष्ट्र और भारत सरकार के प्रकाशनों को जमा करने का भी कार्य करता है।

दक्षिण दिल्ली परिसर: दक्षिण दिल्ली परिसर पुस्तकालय पिछले वित्तीय वर्ष में 1591 उपयोगकर्ताओं की सदस्यता और लगभग 14467 पुस्तकों के संचलन के साथ 2498 संस्करणों का संग्रह जोड़ने में सक्षम है। किताबों, सजिल्द पत्रिकाओं और सीडी-रोम से युक्त पुस्तकालय का कुल संग्रह लगभग 2 लाख है। सीडी सर्वर के माध्यम से पुस्तकों के साथ प्राप्त सीडी तक पहुंचा जा सकता है। यह लगभग 173 प्रिंट पत्रिकाओं की सदस्यता और आवधिक पत्रों के 15450 बैक वॉल्यूम सहित पूरी तरह कंप्यूटरीकृत है। सभी पुस्तकालय सेवाएं पूरी तरह से स्वचालित हैं और व्यापक आईसीटी आधारित अनुप्रयोगों के माध्यम से सुविधान्वित की जाती हैं। परिसंचरण-जारीकरण-वापसी, अनुस्मारक, सदस्यता, अधिग्रहण-आदेश और बिलिंग, सीरियल कंट्रोल जैसे कार्य ओपेक ट्रोडन पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली का उपयोग कर पूरी तरह से स्वचालित वातावरण में होते हैं। संपूर्ण पुस्तकालय सुरक्षा और निगरानी उद्देश्यों दोनों के लिए सीसीटीवी लगाए गए हैं। पुस्तकालय में एक ई-संसाधन केंद्र है, पूरे पुस्तकालय में व्यापक संकेत लगाए गए हैं, किताबों की बार कोडिंग पूरी की गई है और अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया है। पुस्तकालय में सीडी-रोम, पूरक पठन सामग्री और डिजिटल प्रश्नों के रूप में पिछले वर्ष के प्रश्न पत्र उपलब्ध हैं।

संगीत और ललित कला पुस्तकालय संकाय: संगीत और ललित कला पुस्तकालय में 283 उपयोगकर्ताओं की सदस्यता के साथ 16353 किताबों का कुल संग्रह है। अन्य विश्वविद्यालयों से बड़ी संख्या में आगंतुकों ने पुस्तकालय का दौरा किया। इसके डिजिटल संग्रह में इसमें 2643 कैसेट, 1143 सीडी, 104 टॉकिंग बुक्स 305 ब्रेल बुक्स हैं। ऑडियो

विजुअल पुस्तकालय के विस्तार के रूप में इसमें 10 सीडी प्लेयर के साथ सुनने के लिए एक कक्ष ,है जहां छात्र ऑडियो सामग्री सुन सकते हैं।

कानून संकाय पुस्तकालय: कानून संकाय पुस्तकालय डीयूएलएस में प्रमुख पुस्तकालयों में से एक है जो कानून के छात्रों की आवश्यकता को पूरा करता है। इसमें 1324 उपयोगकर्ताओं की सदस्यता है और इसके संग्रह में 678 पुस्तकें और सजिल्द आवधिकों के कुल सदस्य 55055 हैं। कम्प्यूटरीकृत सेवाएं प्रदान करने के लिए इसमें 32 कंप्यूटर हैं

***

दिल्ली विश्वविद्यालय सामाजिक केन्द्र सह-शिक्षा स्कूल

दिल्ली विश्वविद्यालय सामाजिक केंद्र सह-शिक्षा माध्यमिक स्कूल इस क्षेत्र में प्रसिद्ध स्कूलों में से एक है। यह ब्लॉक-सी, मौरिस नगर, दिल्ली -07 के आवासीय क्षेत्र में स्थित है। स्वैच्छिक महिला संगठन के एक छोटे समूह ने 1945 में स्कूल शुरू किया था। वास्तव में स्वतंत्रता पूर्व भारत में सर मॉरिस ग्वायर के आदेश पर यह उनकी एक विनम्र शुरुआत थी। 1964 से यह स्कूल दिल्ली सरकार से 95% और दिल्ली विश्वविद्यालय से 5% प्राप्त करता है। दिल्ली विश्वविद्यालय ने उप कुलपति प्रो. मुनिश रजा के कार्यकाल में अपने निजी धन से स्कूल के लिए आधुनिक इमारत प्रदान की है जिसकी देखरेख दिल्ली विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग विभाग द्वारा की जाती है। दिल्ली विश्वविद्यालय प्रति वर्ष संविदात्मक कर्मचारियों और बुनियादी सुविधाओं के लिए 10-12 लाख की अतिरिक्त सहायता भी प्रदान करता है। दिल्ली विश्वविद्यालय ने स्कूल के समीप प्रोफेसर क्वार्टर सी-4 आवंटित किया है। उस इमारत में कुछ प्राथमिक वर्गों को स्थानांतरित कर दिया गया है। हम उस इमारत में एक नर्सरी सेक्शन शुरू करने में सक्षम रहे जो काफी लोकप्रिय है। 2003 में स्कूल को 8वीं से 10वीं कक्षा तक बढ़ाया गया था।

स्कूल की प्रबंधन समिति में दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा नामित 6 प्रोफेसर, 1 कार्यकारी परिषद सदस्य, 2 दिल्ली सरकार द्वारा मनोनीत सदस्य, स्कूल से 3 और माता-पिता शिक्षक संघ से 1 सदस्य सहित कुल 13 व्यक्ति शामिल हैं: ।

स्कूल स्टाफ में 6 टीजीटी, 6 सहायक शिक्षकों 1 योग शिक्षक, 1 पीईटी शिक्षक, 1 ड्राइंग शिक्षक 1 चपरासी, 1 चौकीदार और अनुबंध पर: 1 कार्यालय सहायक, 1 पुस्तकालय शिक्षक, 2 नर्सरी शिक्षक, 1 नर्सरी आया, 1 आईटी सहायक, 1 कंप्यूटर शिक्षक और 2 सफाई कर्मचारी (अनुबंध या दैनिक मजदूरी आधार) के साथ एचओएस शामिल है।

अकादमिक और सह-पाठ्यचर्या गतिविधियाँ

स्कूल में 600 छात्र हैं। हमें खुशी है कि यह क्षेत्र के एक अच्छे स्कूल का आकार ले रहा है। दसवीं कक्षा का परिणाम 65% था जबकि दिल्ली के कुल उत्तीर्ण छात्रों का प्रतिशत 70% था। यह दर्शाता है कि स्कूल पूरी शक्ति से सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है जो दसवीं कक्षा के सीबीएसई परिणाम से स्पष्ट है। प्रत्येक छात्र ने अच्छे अंक प्राप्त किए हैं। यहां तक कि किसी भी छात्र को 'डी' ग्रेड से कम नहीं मिला। यह एक अच्छी उपलब्धि है। पिछले 5 वर्षों से छात्रों का नामांकन लगातार बढ़ रहा है लेकिन जगह की कमी के कारण हम अधिक छात्रों को समायोजित नहीं कर सकते हैं। हमने विश्वविद्यालय से अतिरिक्त भवन के लिए अनुरोध किया है जिस पर काम चल रहा है।

सत्र 2015-16 के दौरान निम्नलिखित समारोह आयोजित किए गए: अप्रैल में पृथ्वी विज्ञान सप्ताह, स्वतंत्रता दिवस, वार्षिक दिवस, बाल दिवस, रेड क्रॉस दिवस, 26 नवंबर से - 25 जनवरी तक संविधान दिवस, गणतंत्र दिवस, 23.03.2017 को भगत सिंह शहीद दिवस ।

प्रमुख सुर्खियाँ

अभिभावकों को अपने बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजने और अपने बच्चों की शिक्षा में उनकी भूमिका सुधारने को प्रेरित करने के लिए परामर्श दिया गया था।

हमारा स्कूल 10 से 15 वर्ष के आयु वर्ग के छात्रों के साथ एक सह-शिक्षा विद्यालय है, सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग की सहायता से मार्गदर्शन और परामर्श कार्यशाला की व्यवस्था की गई थी।

स्कूल ने छात्रों के बीच भूकंप जैसे प्राकृतिक आपदा के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक नकली अभ्यास आयोजित किया था।

हमारे स्कूल ने 'कानूनी साक्षरता दिवस' पर "कानूनी साक्षरता" पर एक संगोष्ठी आयोजित की थी।

छात्रों ने गांधी जी शहादत दिवस पर "गांधी भवन" के कार्यक्रम में भाग लिया।

स्कूल दिल्ली विश्वविद्यालय की 'पुष्प प्रदर्शनी' में भाग लेता है और कुछ पुरस्कार भी प्राप्त किए हैं।

स्कूल शिक्षा निदेशालय और अन्य शिक्षा संगठनों की खेल, योग, ड्राइंग, और बहस प्रतियोगिता आदि में भी भाग लेता है। छात्रों को भ्रमण के लिए ले जाया जाता है। उन्होंने खेल, योग, बहस और ड्राइंग इत्यादि विभिन्न अंतर-विद्यालय गतिविधियों में भी भाग लिया और राष्ट्रीय पुरस्कार (तायक्वोंडो) भी जीता। छात्रों ने क्षेत्रीय प्रतियोगिता में सक्रिय रूप से भाग लिया था।

***

दिल्ली विश्वविद्यालय खेल परिषद

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

प्रोफेसर सी एस दुबे की अध्यक्षता में, दिल्ली यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स काउंसिल (डीयूएससी) द्वारा दिल्ली यूनिवर्सिटी इंटर कॉलेज पुरुष और महिला वर्ग के लिए 57 खेलों/क्रीड़ा प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, इसके अलावा उत्तर क्षेत्र और अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय टूर्नामेंट की टीमों के लिए पुरुषों और महिला वर्ग के चयन परीक्षण और कोचिंग शिविर आयोजित किए गए ।

विश्वविद्यालय ने उत्तरी क्षेत्र में 64 खेलों/क्रीड़ाओं और भारतीय विश्वविद्यालयों द्वारा आयोजित अखिल भारतीय इंटर-यूनिवर्सिटी (पुरुष और महिला) टूर्नामेंट में भाग लिया।

वर्ष 2017-18 के लिए कुल 685 छात्रों (पुरुषों और महिलाओं) ने उत्तर क्षेत्र और अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय टूर्नामेंट में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

सम्मान/विशिष्टताएँ

विश्वविद्यालय के पांच (5) छात्र मार्च 2018 में कुआलालम्पुर (मलेशिया) में आयोजित 7वें वैश्विक विश्वविद्यालय शूटिंग स्पोर्ट चैंपियनशिप 2018 के लिए भारतीय विश्वविद्यालयों की टीम का हिस्सा रहे। जिनके नाम हैं:

श्री निशांत सिंधु
श्री किस्मत चोपड़ा
सुश्री सर्वेश्वरी कुमारी
सुश्री अनन्य चोपड़ा
सुश्री सौम्य गुप्ता

श्री निशांत सिंधु ने 10 मीटर एयर पिस्तौल टीम (पुरुष) में स्वर्ण पदक जीता। विश्वविद्यालय के सात (7) छात्र, श्री कमल सागर (तीरंदाजी), श्री आमोज जैकब (एथलेटिक्स), सुश्री कनिका कानवाल (बैडमिंटन), सुश्री रिया मुखर्जी

(बैडमिंटन), सुश्री पिंकी बलहर (जुडो), श्री शौर्य प्रताप राठी (तायक्वोंडो) और सुश्री हिमानी मोर (टेनिस) अगस्त 2017 में ताइपे (चाइन्स ताइपेई) में आयोजित 29 वें विश्व विश्वविद्यालय खेलों -2017 के लिए भारतीय विश्वविद्यालयों की टीम का हिस्सा थे। डॉ. अनिल कुमार कालकल, निदेशक, शारीरिक शिक्षा डीयूएससी, 29वें विश्व विश्वविद्यालय खेलों 2017 के लिए प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख के रूप में भारतीय विश्वविद्यालयों के उपरोक्त टीम के साथ गए थे।
सत्तर (70) छात्रों ने उत्तरी क्षेत्र और अखिल भारतीय इंटर-यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट (पुरुष और महिला) शतरंज (पुरुष और महिला), योग (महिला), शूटिंग (पुरुष और महिला), जूडो (महिला), एथलेटिक (पुरुष), तायक्वोंडो (महिला), तीरंदाजी (पुरुष और महिला), कुश्ती (पुरुष), एक्वाटिक्स (पुरुष और महिला), बास्केटबॉल (महिला), टेबल टेनिस (महिला) में में स्वर्ण पदक जीते। चौवन (54) छात्रों ने उत्तर क्षेत्र और अखिल भारतीय इंटर-यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट में एक्वाटिक्स (पुरुष और महिला), तीरंदाजी (पुरुष और महिला), शतरंज (पुरुष), स्क्वाश (महिला), शूटिंग (पुरुषों व महिला), जूडो (महिला), पावर लिफ्टिंग (पुरुष), साइकल चलाना (महिला), टेबल टेनिस (पुरुष), टेनिस (महिला) प्रतियोगिताओं में रजत पदक जीते। बानबे (92) छात्रों ने उत्तर क्षेत्र और अखिल भारतीय इंटर-यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट में कुश्ती (पुरुष), स्क्वाश (पुरुष), बेसबॉल (महिला), बैडमिंटन (पुरुष और महिला), टेबल टेनिस (पुरुष), नेटबॉल (महिला), शूटिंग (पुरुष और महिला), जुडो (महिला), मुक्केबाजी (पुरुष), सर्वश्रेष्ठ भौतिक (पुरुष), साइकल चलाना (महिलाएं), जिमनास्टिक (महिला), योग (महिला), बाड़ लगाना (पुरुष और महिला) तीरंदाजी (पुरुष), कुश्ती (ग्रीको रोमन), एक्वाटिक्स (पुरुष और महिला) में कांस्य पदक जीते ।

ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट 2017-18 में टीम चैम्पियनशिप

ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी चैम्पियनशिप 2017-18 में विश्वविद्यालय की एक्वाटिक्स (पुरुष और महिला) में, तीरंदाजी (पुरुष) शूटिंग (पुरुष), शतरंज (महिला) और योग (महिला) टीमों ने समग्र चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।

विश्वविद्यालय की टीम ने शूटिंग (पुरुषों और महिला), एक्वाटिक्स (पुरुष और महिला), तीरंदाजी (पुरुष और महिला), शतरंज (पुरुष) और स्क्वाश (महिला) टीमों ने ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी चैम्पियनशिप 2017-18 में समग्र चैंपियनशिप में रजत पदक जीता।

इंटर यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप 2017-18 में विश्वविद्यालय की एक्वाटिक्स (पुरुष), बेसबॉल (महिला), फेन्सिंग (पुरुष और महिलाएं), नेटबॉल (महिलाएं), शूटिंग (पुरुष), स्क्वाश (पुरुष), टेबल टेनिस (पुरुष) और बैडमिंटन (पुरुष) टीम ने समग्र चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता।

***

दिल्ली विश्वविद्यालय महिला संघ

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

दिल्ली यूनिवर्सिटी विमेन एसोसिएशन (डीयूडब्लूए) एक सामाजिक कल्याण संगठन है। इसे दिल्ली विश्वविद्यालय और आसपास की महिलाओं के लाभ के लिए सामाजिक, सांस्कृतिक, मनोरंजक, शैक्षिक और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और आगे बढ़ाने के उद्देश्य से, 31 अक्टूबर, 1964 को केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली तक विस्तारित 1860 के सोसायटी पंजीकरण अधिनियम XXI के अंतर्गत (पंजाब संशोधन अधिनियम 1957) पंजीकृत किया गया था। डीयूडब्ल्यूए को वंचितों और कमजोर वर्ग की महिलाओं को सशक्त बनाने के दृष्टिकोण से डॉ. दुर्गाबाई देशमुख द्वारा आरंभ किया गया था, जो एक सामाजिक कार्यकर्ता, एक महान दूरदर्शी और तत्कालीन कुलपति प्रो सी. डी. देशमुख की पत्नी थीं।

सुविधाएं

प्ले स्कूल: डीयूडब्ल्यूए, दुर्गाबाई देशमुख बलवाड़ी और उषा गांगुली शिशु विहार नामक दो प्री-स्कूल चलाती है, जिन्हें बच्चों के बौद्धिक, भावनात्मक, सामाजिक, सौंदर्य और शारीरिक विकास को बढ़ावा देने के लिए क्रमशः 1966 और

1967 में स्थापित किया गया था। बलवाड़ी आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के बच्चों के लिए है जहां उन्हें मुफ्त पोषण दिया जाता है।

सहयोग: यह कार्यक्रम पास पड़ोस के बच्चों के अकादमिक प्रदर्शन में सुधार के उद्देश्य से कक्षा एक से बारहवीं तक के स्कूली छात्रों की सहायता करता है। इस ट्यूशन समर्थन कार्यक्रम में, बच्चों को पौष्टिक स्नैक्स और स्वास्थ्य पेय भी दिया जाता है। ये कक्षाएं 25/- महीने के मामूली शुल्क के साथ सप्ताह में छह दिन 3 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित की जाती हैं।

वात्सल्य: वात्सल्य का उद्घाटन 14 नवंबर, 2008 को प्रो. दीपक पेंटल द्वारा किया गया था। यह सप्ताह में 6 दिन सुबह 8.30 बजे से शाम 6.30 बजे तक एक बाल देखभाल कार्यक्रम चलाता है। यह बाल देखभाल कार्यक्रम दिल्ली विश्वविद्यालय की कामकाजी माताओं के समर्थन के लिए है। यह सुविधा 6 महीने से 6 वर्ष तक के आयु वर्ग वाले बच्चों के लिए है और इसमें 55 बच्चों के लिए स्थान है।

महिला छात्रावास: डीयूडब्ल्यूए ने दिल्ली विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेजों की अकेली महिला शिक्षकों के लाभ के लिए 1975 के अंतर्राष्ट्रीय महिला वर्ष में कामकाजी महिला छात्रावास श्री सदन की स्थापना की। अन्य दो हॉस्टल यानी पुराना डीयूडब्ल्यूए हॉस्टल और नया डीयूडब्ल्यूए हॉस्टल दिल्ली विश्वविद्यालय में एम.फिल और पीएचडी कर रही छात्राओं को आवास प्रदान करते हैं। श्री सदन में, एक व्यक्ति के रहन के लिए 12 कमरे और पुराने और नए डीयूडब्ल्यूए छात्रावास, दो लोगों के रहने के लिए 25 कमरे हैं।

माइंड बॉडी सेंटर: दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर दिनेश और पूर्व अध्यक्ष, सुश्री नीलांजना सिंह ने 13 फरवरी, 2014 को मस्तिष्क व शरीर केंद्र का उद्घाटन डीयूडब्ल्यूए ने किया था। चूंकि मन और शरीर की समस्याएं एक दूसरे से जुड़ी होती हैं, इसलिए उन्हें नैसर्गिक चिकित्सा और डिटॉक्सिंग, होम्योपैथी, नेचुरोपैथी, योग, एक्यूप्रेशर और सुजोक थेरेपी की विशेषज्ञता से समग्र रूप में निपटाया जाना चाहिए। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्राओं और संकाय के कल्याण को बढ़ावा देना है।

मस्तिष्क व शरीर केंद्र निम्न सेवाएं प्रदान करने के लिए स्थापित किया गया था:

होम्योपैथिक परामर्श: इसका उद्देश्य किसी दुष्प्रभाव के बिना समग्र उपचार प्रदान करना है। एक वर्ष के लिए पंजीकरण शुल्क 100/- रुपए और दवा की लागत 30/- रुपए है। यह रविवार को छोड़कर प्रति दिन 1 बजे से शाम 5 बजे तक खुला रहता है।

मनोवैज्ञानिक परामर्श: व्यक्तिगत परामर्श, पारिवारिक परामर्श, टेलीफ़ोनिक परामर्श ईमेल परामर्श प्रदान किया जाता है। इस सुविधा का उद्देश्य छात्राओं और कामकाजी महिलाओं को तनाव और अन्य मनोवैज्ञानिक मुद्दों से निपटने में उनकी सहायता करना है। पंजीकरण शुल्क एक वर्ष के लिए 100/- रुपए और प्रत्येक अनुवर्ती सत्र के लिए 10/- रुपए है। समय: सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक।

दृष्टि: डीयूडब्ल्यूए सदस्यों ने दृष्टि कार्यक्रम के माध्यम से दिल्ली विश्वविद्यालय के दृष्टिहीन छात्रों की जरूरतों को संबोधित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सदस्य पढ़ते हैं और पाठ रिकॉर्ड करते हैं, अध्ययन सामग्री की व्यवस्था करते हैं और दृष्टिहीन व्यक्तियों को भावनात्मक समर्थन प्रदान करते हैं।

जागृति: महिलाओं में कैंसर की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए यह कार्यक्रम दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच व्याख्यान, चर्चा, जाँच शिविर, सड़क नाटक प्रतियोगिताओं और अन्य गतिविधियों के आयोजन के माध्यम से जागरूकता फैलाने का प्रयास करता है।

स्मारकों की दुकान: स्मारकों की दुकान का उद्घाटन नवंबर 2014 में डीयूडब्ल्यूए के स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर पर किया गया था जिसका उद्घाटन दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रों दिनेश सिंह ने किया था। इस गतिविधि का प्राथमिक उद्देश्य दिल्ली विश्वविद्यालय ब्रांड को बढ़ावा देना और साथ ही छात्रों और के दिल्ली विश्वविद्यालय समुदाय के अन्य सदस्यों के बीच गर्व की भावना पैदा करना है। स्मारक वस्तुओं की डिजाइन और बिक्री का प्रबंधन डीयूडब्ल्यूए सदस्यों द्वारा किया जा रहा है। फ़ोल्डर्स, स्वेट शर्ट, बैग, पेन, की चेन, मग आदि जैसी कुछ स्मारक वस्तुओं की काफी मांग रही है।

कंप्यूटर साक्षरता कार्यक्रम: इसमें कंप्यूटर के बारे में मूल जानकारी प्रदान करने के लिए चार महीने का कंप्यूटर कोर्स आयोजित किया जाता है जिसमें एमएस-वर्ड, एक्सेल, पावरपॉइंट, एक्सेस और इंटरनेट शामिल है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बुनियादी कंप्यूटर कौशल प्राप्त करने में लड़कियों की मदद करना है।

भाषा परिचय कार्यक्रम: डीयूडब्ल्यूए, डीयूडब्ल्यूए के सदस्यों, दिल्ली विश्वविद्यालय के कर्मचारियों, संकाय और छात्रों के लिए निःशुल्क अल्पकालिक भाषा परिचय पाठ्यक्रम आयोजित करने की पहल कर रहा है। चीनी भाषा और जर्मन भाषा के चार-पांच महीने के पाठ्यक्रम के साथ कार्यक्रम शुरू हुआ।

चीनी भाषा से परिचय पाठ्यक्रम: फरवरी, 2015 से अगस्त, 2015

जर्मन भाषा से परिचय पाठ्यक्रम: सितंबर, 2015 से फरवरी, 2015

पुस्तकालय: डीयूडब्ल्यूए छात्रावास के आवासियों और डीयूडब्ल्यूए के सभी सदस्यों के लिए पुस्तकालय सुविधा भी प्रदान करता है। हाल ही में हमने सभी सदस्यों के लिए आसानी से सुलभ पुस्तकालय सुविधा को कम्प्यूटरीकृत और अद्यतित किया है।

उद्यान और पर्यावरण समिति: डीयूडब्ल्यूए ने टिकाऊ विकास, अपशिष्ट के पुनर्नवीनीकरण, हरित प्रबंधन इत्यादि के प्रति जागरूकता बढ़ाने के बारे में कई जागरूकता कार्यक्रम और कार्यशाला भी आयोजित की।

खेल: डीयूडब्ल्यूए ने स्कूल के बच्चों, सहयोग और सभी सदस्यों को सक्रिय और स्वस्थ बनाने के लिए खेल आयोजनों की भी व्यवस्था की।

सामुदायिक सेवाएं: डीयूडब्ल्यूए के सदस्य आस-पास के क्षेत्रों में कई सामाजिक समस्याओं के बारे में जागरूकता कार्यशालाएं और संगोष्ठी भी आयोजित करते हैं।

सम्मान/विशिष्टताएँ
22 फरवरी 2015 को इसे दिल्ली विश्वविद्यालय से अच्छे अभ्यास पुरस्कार प्राप्त हुआ।

डीयूडब्ल्यूए की मुख्य गतिविधियाँ 2017-18
डीडीबी और यूजीएसवी स्कूल के बच्चों अभिभावकों के साथ 15.4.17 को अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

डीयूडब्ल्यूए परिसर में एनआईसीपीआर (आईसीएमआर) की मदद से 7 अप्रैल 2017 को "नि:शुल्क कैंसर स्क्रीनिंग और स्वास्थ्य जागरूकता शिविर" आयोजित किया गया था। दिल्ली विश्वविद्यालय की अनुसंधान परिषद के डीन, प्रोफेसर पामी दुआ ने शिविर का उद्घाटन किया

विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2017 को मनाया गया था। पूर्व कुलपति, प्रोफेसर जे. एम. खुराना ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर इस अवसर की गरिमा बढ़ाई और डीयूडब्ल्यूए परिसर में बच्चों के साथ वृक्षारोपण अभियान में भाग लिया।

21 जून 2017 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया और आयुष मंत्रालय के आचार्य बाल गोपाल किशन ने "योग और इसके लाभ" पर बात की।

22 सितंबर 2017 को "तीन तलाक और इसका प्रभाव" पर एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गई थी। वक्ताओं में सुश्री रुखसाना चौधरी, सुश्री सीमा अबीद और सुश्री थेमिचॉन शामिल थीं।

डीयूडब्ल्यूए का वार्षिक ग्रीष्मकालीन शिविर 15 मई 2018 से 15 जून 2018 तक आयोजित किया गया था। सत्तर बच्चों ने सीखने की विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया

अत्यंत जोश और उत्साह के साथ दीवाली मेला, डीडीबी और यूजीएसवी स्कूल का वार्षिक दिवस समारोह, गणतंत्र दिवस, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस आदि मनाये गये।

***

हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय हिंदी में उच्च मानक युक्त पाठ्य पुस्तकें प्रकाशित करता है, ये पुस्तकें मुख्य रूप से सामाजिक विज्ञान और मानविकी में शिक्षा के माध्यम के रूप में हिंदी का चयन करने वाले स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के लाभ के लिए होती हैं। 1978 में दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा अधिग्रहण के बाद से, हमने अब तक लगभग 220 किताबें प्रकाशित की हैं। 2017-18 के दौरान, हमें निम्नलिखित 6 नए प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनमें से 4 प्रिंटिंग में भेजने के लिए तैयार हैं:-

व्यासयिक संचार
बीमाविधि एवं व्यवहार
वेद और समकालीन संदर्भ
राजनीति विज्ञान में शिक्षा विधियाँ

इस वर्ष निदेशालय ने संगीत विश्वविद्यालय में आयोजित संगीत प्रदर्शनी और दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित नई दिल्ली वर्ल्ड बुक फेयर द्वारा आयोजित पुस्तक प्रदर्शनी में हिस्सा लिया और नौ दिनों में 3,44,689/- रुपए की रिकॉर्ड नकदी बिक्री की है।
2017-18 के दौरान, यूजीसी ने हिंदी/क्षेत्रीय भाषाओं में पाठ्य पुस्तकें प्रकाशित करने के लिए पूरे भारत में विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालयों द्वारा डीएचएमआई की लाइन पर हिंदी कार्यान्वयन कक्ष स्थापित करना अनिवार्य कर दिया है।

***

विदेशी छात्रों का पंजीकरण

अंतर्राष्ट्रीय छात्र समुदाय ने शैक्षणिक वर्ष 2017-2018 में दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश लेने में रुचि दिखाई। विदेशी छात्रों के कार्यालय में आईसीसीआर छात्रवृत्ति धारकों से 1144 आवेदन सहित कुल 4528 आवेदन प्राप्त हुए। शैक्षणिक सत्र 2017-2018 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों में, 231 महिलाओं और 267 पुरुषों सहित कुल 498 छात्रों ने प्रवेश लिया। विश्वविद्यालय ने प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम से लेकर पीएचडी तक के पाठ्यक्रमों में 1611 विदेशी नागरिकों को प्रवेश दिया। विदेशी छात्रों के पंजीकरण कार्यालय ने नामांकित छात्रों, आवासीय छात्रावासों, दूतावासों, कॉलेजों, विभागों और संस्थानों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अंतरराष्ट्रीय छात्रों को अपनी शिक्षा से संबंधित किसी भी समस्या का सामना

न करना पड़े। छात्रों के लिए कई गतिविधियाँ भी आयोजित की गईं। अकादमिक सत्र 2017-2018 के दौरान दाखिला लेने वाले छात्रों के लिए नवंबर, 2017 में उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

विदेशी छात्रों के पंजीकरण के सर्वोत्तम अभ्यास:

- **आईसीसीआर और एमओईए के साथ अंतर-संबंध:** अन्य देशों में रहने वाले उम्मीदवारों को सूचित करना और चयनित छात्रों की सुविधा देना।
  सूचना प्रसारित करना: विदेशी छात्रों द्वारा ईमेल और फोन के माध्यम से भेजे गए प्रश्नों के आधार पर जानकारी प्रसारित करना।
- **एकीकृत सेवाओं की पेशकश:** काउंसिलिंग के माध्यम से कॉलेजों/विभागों/एफआरआरओ/छात्रावास प्रवेश/सुविधाओं के बारे में उनका मार्गदर्शन करना।
- **नई वेबसाइट लॉन्च की गई:** इस वेबसाइट में प्रवेश की प्रक्रिया के बारे में विभिन्न जानकारी शामिल है। यह छात्रों को दिल्ली विश्वविद्यालय में रहने और अध्ययन करने का एक सुखद अनुभव प्रदान करने के लिए उपयोगी जानकारी भी प्रदान करती है।
- **ऑनलाइन प्रवेश और शुल्क संग्रह:** नए विकसित प्रवेश सॉफ्टवेयर के माध्यम से प्रवेश प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया गया था और अब सभी कार्यक्रमों के लिए शुल्क का संग्रह ऑनलाइन सॉफ्टवेयर शुल्क मॉड्यूल का उपयोग करके ऑनलाइन किया जाता है।
- **पारदर्शिता:** नामांकित छात्रों का डेटा वर्ष/कॉलेज/पाठ्यक्रम/देश के अनुसार ऑनलाइन साझा किया जाता है।
- **केंद्रीय अधिकारी की नियुक्ति:** पहले से नामांकित विदेशी छात्र और कॉलेज/विभागों में प्रवेश लेने वाले लोगों के लाभ के लिए एक शिक्षक को विदेशी छात्र के लिए नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है।

विदेशी छात्रों के पंजीकरण द्वारा की गई कार्रवाइयां:

- विदेशी छात्रों का परामर्श।
- अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों और दिशानिर्देशों की सूची तैयार की गई।
  पहले से नामांकित विदेशी छात्रों और कॉलेजों/विभागों में प्रवेश लेने के इच्छुकों के लाभ के लिए राजदूतों के साथ बैठक।
- पूरी प्रवेश प्रक्रिया की निगरानी के लिए एक प्रवेश समिति बनाई गई है।
- नामांकित छात्रों का डेटा विदेश छात्र पंजीकरण वेबसाइट पर ऑनलाइन उपलब्ध कराया गया है।

***

गांधी भवन

दिल्ली विश्वविद्यालय में 24 जुलाई, 1958 को स्थापित गांधी भवन, मोहनदास कर्मचंद गांधी के शब्दों और कार्यों के अध्ययन के लिए समर्पित केंद्र है। गांधी भवन का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय के छात्रों में गांधीजी के संदेशों को प्रचारित करना और उनकी शिक्षाओं में रुचि पैदा करना है। मुख्य और परिधीय उद्देश्यों की प्राप्ति की प्रक्रिया में, शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारियों सहित विश्वविद्यालय बिरादरी, गांधी भवन और दर्शनशास्त्र के प्रवक्ता के रूप में कॉलेजों में गांधी भवन और गांधी अध्ययन मंडलियों के माध्यम से कार्य करती है। इन उद्देश्यों को पूरा करने के लिए, गांधी भवन व्याख्यान श्रृंखला/विशेष वार्ता/संगोष्ठी/इंटरैक्टिव सत्र/कार्यशालाएं, पुस्तक पढ़ने, जागरूकता कार्यक्रम, फिल्म स्क्रीनिंग, स्वच्छता से संबंधित कार्यक्रम, भजन संध्या, बहस, नुक्कड़ नाटक, खेल गतिविधियों, योग-सह-आध्यात्मिकता कार्यक्रम, और उल्लेखनीय स्थानों के दौरे आयोजित करता है। गांधी भवन में हिंदी कार्यक्रम और गीता पर व्याख्यान, छात्रों के लिए खादी कक्षाएं, चरखा कताई कक्षाएं, नि:शुल्क कानूनी सहायता क्लिनिक, कंप्यूटर कक्षाएं आदि नियमित आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रम हैं। गांधी भवन चरखा कताई, खादी, योग और ध्यान प्रशिक्षण कार्यक्रम में तीन महीने का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम भी आयोजित करता है। गांधी भवन में गांधी जयंती मनाई जाती है

और गांधी जयंती, शहीद दिवस, पर्यावरण दिवस, सुशासन दिवस, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण दिनों के अलावा शहीद दिवस भी मनाया जाता हैं।

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ:

ताइपेई शहर के मेयर, एच.ई. श्री वेन-जे को ने, 1 अप्रैल 2017 को अपने प्रतिनिधियों के साथ गांधी भवन का दौरा किया। प्रतिनिधियों ने चरखा कताई और खड्डी में भी रुचि ली।

चंपारण सत्याग्रह का शताब्दी वर्ष मनाने के लिए 10 अप्रैल 2017 को, 'गांधी को समझना' पर एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया था। महात्मा गांधी पर एक वृत्तचित्र भी प्रदर्शित किया गया था। उसी दिन, दिल्ली विश्वविद्यालय में स्वच्छता अभियान जारी रखने के लिए छात्रों की एक टीम ने गांधी भवन के निदेशक के साथ गांधी भवन के कर्मचारियों ने छत्र मार्ग और एसओएल रोड की सफाई की।

12 अप्रैल 2017 को, चरखा-लोकगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इस प्रतियोगिता में, छात्रों ने 'चरखा' थीम पर पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र, बिहार, उत्तराखंड इत्यादि सहित विभिन्न राज्यों का प्रतिनिधित्व किया और लोकगीत गाए।

भारत के सुप्रीम कोर्ट की सीनियर एडवोकेट श्रीमती बुलबुल दास ने 24 अप्रैल 2017 को 'लिंग मुद्दे और कानून' पर एक विशेष वार्ता दी। उन्होंने प्रस्तुति के दौरान दर्शकों को भारत में महिलाओं की सुरक्षा के विभिन्न कानूनों के बारे में सूचित किया।

गांधी शांति संस्थान, नई दिल्ली के पूर्व सचिव श्री सुरेंद्र कुमार द्वारा, 12 मई 2017 को 'चंपारण सत्याग्रह और आज के युग में गांधीजी की प्रासंगिकता' पर एक विशेष वार्ता आयोजित की थी।

आयुष मंत्रालय, भारत सरकार और हरिजन सेवा संघ, किंग्सवे शिविर के सहयोग से, 9 जून 2017 को एक विशेष योग सत्र आयोजित किया गया था।

दिल्ली विश्वविद्यालय में स्वच्छता अभियान जारी रखने में निदेशक के साथ गांधी भवन के छात्रों और कर्मचारियों की एक टीम ने 19 जून 2017 को शांति गुंबद और पुस्तकालय सहित गांधी भवन परिसर की सफाई की।

दिल्ली विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के सहयोग से 21 जून 2017 को तीसरा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया था। उसी दिन, दिल्ली विश्वविद्यालय में पहली बार, 1 जुलाई 2017 से तीन महीने का योग ध्यान प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ किया गया था। पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के छात्रों ने 12 जुलाई 2017 को गांधी भवन का दौरा किया।

प्रमुख शोधकर्ता (सेवानिवृत्त) गीता भास्कर, डॉ. एम एल चावला ने पुसा, नई दिल्ली ने 28 जुलाई 2017 को 'योग के माध्यम से आत्म-प्राप्ति' पर विशेष बातचीत की।

आईआईएस, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 4 अगस्त 2017 को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया गया। दर्शकों के लिए हैंडलूम पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता सहित कई कार्यक्रम भी आयोजित किए गए थे। प्रोफेसर पामी दुआ, डीन अकादमिक गतिविधियाँ और परियोजनाएं, दिल्ली विश्वविद्यालय इस अवसर पर, मुख्य अतिथि थीं।

खादी और हैंडलूम उत्पादों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, गांधी भवन में खादी आश्रम, कमला नगर, दिल्ली के सहयोग से 8 से 11 अगस्त 2017 तक खादी और हैंडलूम उत्पादों का एक प्रदर्शनी-सह-बिक्री काउंटर स्थापित किया गया था। ग्राहकों को 10% की विशेष छूट दी गई थी। 9 अगस्त 2017 को गांधी भवन में चरखा कताई पर एक प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। छात्रों ने उत्साह और जोश के साथ प्रतियोगिता में भाग लिया। 9 अगस्त 2017 को, संकाय,

छात्रों, कर्मचारियों और आम जनता के साथ गांधी भवन के निदेशक द्वारा 'संकल्प से सिद्धि' न्यू इंडिया मूवमेंट (2017-2022) पर प्रतिज्ञा ली गई।

गांधी भवन ने 'भारत छोड़ो आंदोलन' के 75वें वर्ष और भारत की आजादी के 70वें वर्ष को मनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली को निबंध लेखन प्रतियोगिता के लिए प्रविष्टियां भेजी गईं। भारत सरकार के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा आयोजित प्रतियोगिता का विषय 'आतंकवाद' था। 15 अगस्त 2017 को, पूर्ण उत्साह और देशभक्ति भावना के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया गया था। 26 अगस्त 2017 को छात्र, संकाय और कर्मचारी ब्रिटिश युग के स्मारकों - कमला नेहरू रिज (उत्तर) में ध्वज कर्मचारी टावर, चोबुरजा मस्जिद और अन्य संरक्षित स्मारक की विरासत यात्रा पर गए थे।

महात्मा गांधी की विचारधारा और दर्शन और हमारे देश के लिए उनकी शहादत का प्रचार करने के लिए 29 अगस्त 2017 को महात्मा गांधी पर एक वृत्तचित्र प्रदर्शित किया गया था।

स्वच्छता पखवाडा (1-15 सितंबर 2017): गांधी भवन ने स्वच्छ भारत अभियान पहल को आगे बढ़ाने के लिए स्वच्छता और स्वच्छता के गुणों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। निर्धारित उद्देश्य को पूरा करने के लिए, गांधी भवन के निदेशक के साथ छात्रों और कर्मचारियों ने अपने परिसर क्षेत्र - शांति गुंबद, पुस्तकालय, स्टोर, ओवरहेड टैंक इत्यादि को साफ किया गया। सड़क के किनारे के विक्रेताओं और आम जनता को स्वच्छता और सफाई के बारे में जानकारी दी गई थी। कार्यक्रम के साथ, गांधी भवन के आसपास - छत्र मार्ग, गांधी भवन के सामने और पास के क्षेत्र को साफ किया गया। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के अधिकारी भी इस गतिविधि में शामिल हुए। हालांकि स्वच्छता पखवाड़ा 15 दिनों के लिए था, लेकिन गांधी भवन ने इसे 2 अक्टूबर 2017 तक जारी रखा। दिल्ली विश्वविद्यालय की जीवन कौशल प्रशिक्षक, डॉ. शिखा गुप्ता ने 11 सितंबर 2017 को 'जीवन कौशल के रूप में योग' पर एक विशेष वार्ता दी थी।

गांधी भवन ने 14 सितंबर 2017 को 'हिंदी दिवस' मनाया। इस दिन, गांधी भवन के निदेशक और छात्रों ने हमारे दैनिक जीवन में हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने पर बातचीत की।

छात्रों ने स्वच्छ भारत अभियान कार्यक्रम के अनुसरण में, 25 सितंबर 2017 को गांधी भवन के कर्मचारियों के साथ, हरिजन सेवा संघ, किंग्सवे शिविर के सहयोग से, पास के ढाका गांव में सड़कों, परिसर, पार्क इत्यादि की सफाई की। सितंबर 2017 में, डिजाइन के पीछे विचार के स्पष्टीकरण के साथ गांधी भवन और इसकी गतिविधियों के विषय पर प्रतीक बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।

गांधी भवन ने गांधी-शास्त्री जयंती मनाई। माननीय कुलपति, प्रो. योगेश कुमार त्यागी ने शांति का संदेश दिया। सप्ताह भर चलने वाला कार्यक्रम 27 सितंबर 2017 से आरंभ हुआ, जिसमें चरखा और खादी सीखना, विशेष वार्ता, प्राकृतिक चिकित्सा परामर्श/बातचीत, मुफ्त कानूनी सहायता परामर्श, आसनों का प्रदर्शन, बापू कुटीर और कस्तूरबा संग्रहालय की यात्रा आदि शामिल थे। 6 अक्टूबर 2017 को 'चरखा कताई के लाभ' पर आधे दिन की कार्यशाला आयोजित की गई थी। संसाधन व्यक्ति, श्री लक्ष्मी दास, कार्यकारी सदस्य, गांधी स्मृति और दर्शन समिति, राजघाट, ने चरखा और चिप' पर बात की। अन्य लोगों में डॉ. सीता बिंब्राव, पूर्व संकाय, कमला नेहरू कॉलेज और गांधी स्मृति और दर्शन समिति की श्रीमती शाश्वती झलानी ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

11 अक्टूबर 2017 को चरखा कताई प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम का उद्घाटन हुआ था। 24 घंटे/तीन महीने का यह पाठ्यक्रम गांधी स्मृति और दर्शन समिति, राजघाट, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। 26 अक्टूबर 2017 को, दिल्ली विश्वविद्यालय की जीवन कौशल प्रशिक्षक, डॉ. शिखा गुप्ता ने 'जीवन में योग की शक्ति और विज्ञान' पर एक विशेष वार्ता प्रस्तुत की थी। गांधी भवन के छात्रों ने महात्मा गांधी और उनके दर्शन के आभासी जीवन को देखने के लिए 27 सितंबर 2017 को गांधी दर्शन और गांधी संग्रहालय, राजघाट का दौरा किया।

दूरदर्शन समाचार द्वारा31 अक्टूबर 2017 को लौह पुरुष- सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती मनाने के लिए उन पर एक वृत्तचित्र 'सरदार वल्लभभाई पटेल का जीवन और समय' दिखाया गया था।

13 नवंबर 2017 को डॉ. ली ची-रान, डब्ल्यूएफबी मुख्यालय, डब्ल्यूबीयूएक्स कंपनी, विश्व बौद्ध नेटवर्क, कोरिया की सदस्य द्वारा 'बौद्ध धर्म में ध्यान के महत्व' पर एक विशेष वार्ता आयोजित की गई थी। गांधी भवन ने संविधान दिवस का पालन करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए। मोहनदास कर्मचंद गांधी द्वारा 'हिंदी स्वराज' पुस्तक के अंशों पर एक पाठन सत्र आयोजित किया गया था। पढ़ने के लिए दो अध्याय 'मशीन' और 'स्वराज क्या है' को चुना गया था।

5 दिसंबर 2017 को 'गांधी का पुनरावलोकन' पर एक कार्यशाला आयोजित की गई थी। वक्ताओं - श्री राजीव वोरा, अध्यक्ष, स्वराजपीठ, गुरुग्राम ने 'गांधी के प्रश्न' पर एक वार्ता दी। डॉ. गजेंद्र सिंह, अफ्रीकी अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 'दक्षिण अफ्रीका में गांधी' और श्री लाजपत राय, सत्यवती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 'गांधी-टैगोर बहस पर पुनर्विचार' पर एक वार्ता प्रस्तुत की। 13 दिसंबर 2017 को धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश में गांधी स्मृति, राजघाट द्वारा आयोजित तीन दिवसीय सम्मेलन के प्रतिभागियों के लिए एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया था।

14 दिसंबर 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय के गृह अर्थशास्त्र संस्थान के पूर्व निदेशक, डॉ. संतोष जैन पासी ने एक विशेष वार्ता दी थी। 22 दिसंबर 2017 को एक स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया था। कर्मचारियों और छात्रों ने उत्साहपूर्वक इसमें भाग लिया। 28 दिसंबर 2017 को एक वृत्तचित्र 'महात्मा' प्रदर्शित किया गया था। 23-30 दिसंबर 2017 को वर्धा, महाराष्ट्र में आयोजित अखिल भारतीय विश्वविद्यालय शिविर के प्रतिभागियों का एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया था। प्रतिभागियों ने वर्धा, महाराष्ट्र में अपने प्रवास, शिक्षा और सांस्कृतिक विविधता के बारे में अपने अनुभव साझा किए।

भारत में रूस के दूतावास के सहयोग से, लियो टॉल्स्टॉय संग्रहालय-एस्टेट 'यसनाया पॉलीना' और राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय, नई दिल्ली के सहयोग से 18 से 22 जनवरी 2018 तक दिल्ली विश्वविद्यालय के स्लोवानिक फिनो-उग्रियन स्टडीज विभाग के साथ टोलस्टॉय-गांधी पर एक फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था।

गांधी भवन ने 25 जनवरी 2018 को संविधान दिवस मनाया। छात्रों और कर्मचारियों के साथ निदेशक ने भी प्रतिज्ञा की।

30 जनवरी 2018 को शहीद दिवस मनाया गया था। कार्यक्रम में, अन्य कार्यक्रमों के साथ सर्व धर्म प्रार्थना का भी आयोजन किया गया था। प्रोफेसर योगेश कुमार त्यागी, माननीय कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ महात्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। महात्मा गांधी के लिए एक संगीत श्रद्धांजलि का आयोजन किया गया था।

सुविधाएं

योग कक्षाएं सोमवार से शुक्रवार तक 7:00 बजे से 9:00 बजे तक और 1:00 बजे से - 5:30 बजे तक तथा शनिवार को 7:00 बजे से 9:00 बजे तक आयोजित की जा रही हैं। ध्यान कक्षा: शुक्रवार अपराह्न 4:30 बजे से - 5:30 बजे तक।

हर रविवार को 10:00 बजे से 11:00 बजे तक गीता व्याख्यान आयोजित किया जा रहा है।

चरखा कताई प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम: तीन महीने/24 घंटे। हर बुधवार को अपराह्न 3:00 बजे से - 5:00 बजे तक आयोजित किया जाता है।

खड्डी प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम: तीन महीने/24 घंटे। हर बुधवार को 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे आयोजित किया जाता है।

योग और ध्यान प्रशिक्षण में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम: तीन महीने/70 घंटे। कक्षाएं एक सप्ताह में तीन बार - सोमवार, गुरुवार, शनिवार अपराह्न 3:00 बजे से- 5:00 बजे तक आयोजित की जा रही हैं ।

प्रत्येक गुरुवार को, दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की शिकायतों का ख्याल रखने के लिए एक कार्यक्रम - 'कुलपति के साथ बैठक' आयोजित किया जा रहा था। अब, प्रबंध समिति के निर्णय के अनुसार इसे बंद कर दिया गया है।

हर शुक्रवार को 3:00 बजे से 5:00 बजे तक डीएलएसए, पटियाला हाउस कोर्ट, नई दिल्ली के सहयोग से मुफ्त कानूनी सहायता क्लिनिक चल रहा है।

छात्रों के लिए 11:00 बजे से 1:00 बजे तक कंप्यूटर कक्षाएं आयोजित की जा रही हैं। और प्रति दिन 3:00 बजे से - 5:00 बजे तक कंप्यूटर और हिंदी टाइपिंग प्रशिक्षण का बुनियादी ज्ञान प्रदान किया जाता है।

सरकार की हिंदी अकादमी द्वारा गांधी भवन में हिंदी में शॉर्ट-हैंड और टाइपिंग का प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

गांधी अध्ययन मंडल: उपर्युक्त गतिविधियों/कार्यक्रमों के अलावा, गांधी अध्ययन सर्किल के अंतर्गत विभिन्न कॉलेजों ने छात्रों/युवाओं के बीच गांधीवादी मूल्यों को आत्मसात करने के लिए कॉलेजों में विभिन्न क्रिया-उन्मुख कार्यक्रम भी आयोजित किए हैं। कार्यक्रमों का संचालन करने के लिए इन भवनों को गांधी भवन द्वारा 10,000/- रुपए तक की आंशिक वित्तीय सहायता दी गई है। निम्नलिखित कॉलेजों में गांधीजी के मूल्यों पर कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है- राम लाल आनंद कॉलेज, भास्करचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज, दौलत राम कॉलेज, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज, महाराजा अग्रसेन कॉलेज।

***

उद्यान समिति

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

नए लॉन और उद्यानों का विकास/नवीकरण और रखरखाव:

उद्यान समिति कार्यालय के पास हर्बल गार्डन का विकास (विकास चरण के अंतर्गत)
उद्यान समिति कार्यालय के पास 'नक्षत्र' उद्यान का विकास (विकास चरण के अंतर्गत)
उद्यान समिति कार्यालय के पास 'नवग्रह' उद्यान का विकास (विकास चरण के अंतर्गत)
परिसर में विभिन्न विभागों, कार्यालयों और आवासीय क्षेत्रों में लॉन और उद्यानों के रखरखाव से संबंधित दैनिक बागवानी कार्य।
विभिन्न विभागों में आयोजित व्याख्यान श्रृंखला, संगोष्ठियों, विश्वविद्यालय दीक्षांत दिवस, विश्वविद्यालय स्थापना दिवस और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा पूरे वर्ष आयोजित विशेष समारोहों में पत्ते/फूलों के गमले प्रदर्शित करके सजावट का काम किया जाता है।

60वीं वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी - 2018:

मुगल गार्डन (कुलपति कार्यालय के सामने), दिल्ली विश्वविद्यालय में 23 फरवरी, 2018 को साठवीं वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था। इसका उद्घाटन दिल्ली विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर योगेश कुमार त्यागी ने किया। इस आयोजन के दौरान विभिन्न प्रकार के बगीचे के उपकरण, जड़ी-बूटी और औषधीय पौधों तथा सजावटी पौधों के स्टालों के प्रदर्शन सहित कई गतिविधियाँ आयोजित की गईं। वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी में 22,000 से अधिक आगंतुक आए। जम्मू-कश्मीर राज्य बागवानी विभाग द्वारा भागीदारी और अनूठी वनस्पति के प्रदर्शन की सराहना की गई। लगभग 100 रनिंग कप/ट्राफियां प्रदान की गईं और मालियों/प्रदर्शकों को कई नकद पुरस्कार दिए गए।

मौके पर (ऑन द स्पॉट) फोटोग्राफी प्रतियोगिता:

पुष्प प्रदर्शनी में दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी आगंतुकों और छात्रों के लिए 23 फरवरी 2018, शुक्रवार को 10.00 बजे से - 1.00 बजे तक एक फोटोग्राफी प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। फोटोग्राफी प्रतियोगिता में 60 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

***

अंतर्राष्ट्रीय अतिथि गृह

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

खानपान व्यवस्था

उक्त अवधि के दौरान लंच/रात्रिभोज/चाय-नाश्ता/सम्मेलन/बैठक/संगोष्ठियों के लिए की गई चार सौ साठ बुकिंगो में विशेष खानपान व्यवस्था प्रदान की गई।

कमरे व आवास

इस अवधि के दौरान आवास और भोजन के लिए एक हजार छः सौ सत्रह कमरे उपलब्ध कराए गए थे। आईजीएच में रहने वाले अधिकांश अतिथि विदेशी थे और सभी अतिथि अंतर्राष्ट्रीय अतिथि गृह के कर्मचारियों की सेवाओं/भोजन/व्यवहार से संतुष्ट थे।

नई सुविधाएं और व्यवस्थाएं

अतिथि कक्षों में पत्थर की छह अलमारियाँ बनाना

स्वच्छता अभियान

छह अतिथि कक्षों कीए सफ़ेदी करना।

***

राष्ट्रीय कैडेट कॉर्प्स

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

दिल्ली विश्वविद्यालय के 45 कॉलेजों में एनसीसी इकाइयों द्वारा वरिष्ठ विंग और वरिष्ठ डिवीजन में एनसीसी कैडेटों के नामांकन आयोजित किए गए थे और लगभग 4000 कैडेटों को नामांकित किया गया था।

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

एनसीसी कैडेटों ने स्थापना दिवस, विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह, राजदूत व्याख्यान श्रृंखला, प्रेसीसियंस- प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों की व्याख्यान श्रृंखला, गणतंत्र दिवस समारोह, स्वतंत्रता दिवस समारोह, मानव मूल्य विकास पर कार्यशाला,

सड़क सुरक्षा कार्यक्रम, भारत के निर्वाचन आयोग-- एसवीईईपी कॉलेज परिसर राजदूत, नायकों की दीवार इत्यादि विश्वविद्यालय स्तर की विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया।

एनसीसी कैडेटों ने स्वच्छ भारत अभियान, एकता दीवस, बुनियादी नेतृत्व शिविर, आर्मी अटैचमेंट कैंप, संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर, वायु सैनिक शिविर, थल सैनिक शिविर, नव सैनिक शिविर, विशेष राष्ट्रीय एकता शिविर, पूर्व गणराज्य दिवस शिविर, गणतंत्र दिवस शिविर, सीएम रैली, पीएम रैली, अमर जवान ज्योति, राष्ट्रीय एकता शिविर, युवा विनिमय कार्यक्रम इत्यादि एनसीसी निदेशालय द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया।

विश्वविद्यालय के कॉलेजों में भविष्य में एएनओ बनने के लिए केयर टेकर अधिकारी (सीटीओ) की नियुक्ति एनसीसी दिल्ली निदेशालय के प्रभारी एनसीसी, डीयू द्वारा समेकित की गई ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी इकाइयों में एसोसिएट एनसीसी अधिकारी हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय के एनसीसी प्रभारी को उनके समर्पण और एनसीसी गतिविधियों को बढ़ावा देने में निरंतर योगदान के लिए 9 सितंबर 2017 को वीरता पुरस्कार 2017 से सम्मानित किया गया था।

दिल्ली विश्वविद्यालय के एनसीसी प्रभारी को एनसीसी गतिविधियों में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए 27 दिसंबर 2017 को डीजी एनसीसी प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया था।

***

राष्ट्रीय सेवा योजना

स्वयंसेवकों में नि:स्वार्थ समुदायिक सेवा की भावना को बढ़ावा देने के लिए 2017-2018 सत्र में 63 कॉलेज इकाइयों के स्वयंसेवकों द्वारा एनएसएस केंद्र के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

सामुदायिक विकास कार्यक्रम: 11 **अप्रैल** 2017
सामाजिक सेवा और सामुदायिक विकास कार्य योजना 2017 के अंतर्गत एनएसएस स्वयंसेवकों ने 11 अप्रैल 2017 को "सड़क सुरक्षा, स्वच्छता अभियान और डिजिटल साक्षरता - जागरूकता कार्यक्रम" में भाग लिया। 450 से अधिक एनएसएस स्वयंसेवकों ने सामुदायिक सेवा का संदेश फैलाया।

झुग्गियों को गोद लेने का कार्यक्रम: मई 2017
सामाजिक पहुँच कार्यक्रम के अंतर्गत, साक्षरता, स्वच्छता, स्वास्थ्य, सफाई, महिला सुरक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में अपनी सामाजिक सेवाओं को प्रस्तुत करने के लिए सैंतीस एनएसएस इकाइयों ने अपने संबंधित कॉलेजों के पास की झोपड़ियों को गोद लिया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस: 21 **जून** 2017
गांधी भवन के सहयोग से एनएसएस केंद्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया था। माननीय कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय ने इसकी सराहना की और प्रतिभागियों के मनोबल को बढ़ावा दिया। इस कार्यक्रम में सभी कॉलेजों के 200 से अधिक एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया। एनएसएस केंद्र ने 15.6.17 को अभिविन्यास सह अभ्यास सत्र आयोजित किए।

एनएसएस केंद्र द्वारा योग पर निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए थे: -

योग प्रदर्शन
योग का अलग तरीका- माता सुंदरी कॉलेज के एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा सामूहिक प्रदर्शन
लयबद्ध योग- आर्यभट्ट कॉलेज के एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा व्यक्तिगत प्रदर्शन
प्रतिभागियों द्वारा आम योग प्रोटोकॉल का पालन किया गया।

एसवीईईपी कॉलेज परिसर राजदूत: जुलाई 2017
एसवीईईपी (व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी) कॉलेज परिसर राजदूतों की नियुक्ति। मुख्य चुनाव कार्यालय, दिल्ली और एनएसएस केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय के समन्वय में 2017-2018 के दौरान भारत के निर्वाचन आयोग से संबंधित कार्यक्रमों / गतिविधियों को समन्वयित करने के लिए प्रत्येक कॉलेज के स्वयंसेवकों को एससीसीए के रूप में नामित किया गया था।

स्वच्छता पखवाड़ा: 1 **अगस्त से** 15 **अगस्त 2017**
एनएसएस केंद्र के दायरे में एनएसएस इकाइयों ने 1 अगस्त - 15 अगस्त 2017 से स्वच्छ पखवाड़ा मनाया। स्वच्छ भारत के उद्देश्य के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाइयों द्वारा ओएसएस को एक तिहाई घंटे समर्पित किए गए थे। स्वयंसेवकों द्वारा स्वच्छता के बारे में जागरूकता फैल गई थी। कॉलेजों में स्वच्छता अभियान आयोजित किये गये थे और स्वयंसेवकों को सामाजिक सेवा के लिए जिम्मेदार बनाया गया था। द्वार-द्वार अभियान और स्थानीय कल्याण एजेंसी की यात्रा स्वच्छता अभियान की प्रमुख गतिविधियाँ थीं। एनएसएस इकाइयों द्वारा स्वच्छता रैली भी आयोजित की गई थी।

एनएसएस दिवस समारोह: 24 **सितंबर** 2017
एनएसएस दिवस के अवसर पर, एनएसएस इकाइयों में वैकल्पिक एनएसएस प्रतीक पर प्रतिस्पर्धा आयोजित की गई थी। एनएसएस केंद्र द्वारा प्राप्त सर्वोत्तम प्रविष्टियों को भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय को भेजा गया था।

नदियों के लिए रैली: 2 **अक्टूबर** 2017
एनएसएस स्वयंसेवकों ने इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम, नई दिल्ली में 2 अक्टूबर 2017 को नदियों केलिए रैली कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। आईएस फाउंडेशन के सहयोग से एनएसएस केंद्र ने 27 सितंबर और 29 सितंबर को हमारे जीवन में नदियों के महत्व को समझने के लिए कार्यशाला आयोजित की। हमारे स्वयंसेवक नदियों के लिए रैली के राष्ट्रव्यापी अभियान का हिस्सा बने।

राष्ट्रीय एकता शिविर: 6 **अक्टूबर** 2017 - 12 **अक्टूबर** 2017
राज्य सरकार के सहयोग से हिमाचल प्रदेश के एनएसएस राज्य कक्ष द्वारा सरकारी कॉलेज सीमा (रोहरु), जिला- शिमला, हिमाचल प्रदेश में राष्ट्रीय एकता शिविर का आयोजन किया गया था। एनएसएस- दिल्ली विश्वविद्यालय से दस एनएसएस स्वयंसेवकों ने एक कार्यक्रम अधिकारी के साथ इस शिविर में भाग लिया।

पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर: 25 **अक्टूबर** 2017 - 3 **नवंबर** 2017
दिल्ली की एनसीटी सरकार, एनएसएस प्रकोष्ठ द्वारा पूर्व-गणतंत्र दिवस चयन शिविर आयोजित किया गया था जिसमें आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज, पीजीडीएवी (सांध्य) और इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान संस्थान से तीन एनएसएस स्वयंसेवकों को चुना गया था। हरियाणा के हिसार सीसीएसएचयू में 25 अक्टूबर से 3 नवंबर 2017 तक पूर्व स्वतंत्रता दिवस शिविर आयोजित किया गया था।

राष्ट्रीय एकता दिवस: 31 **अक्टूबर** 2017
एनएसएस इकाइयों द्वारा सरदार वल्लभाई पटेल की जयंती के अवसर पर, 31 अक्टूबर 2017 को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया था। उत्सव के हिस्से के रूप में एनएसएस इकाइयों ने "एकता" पर राष्ट्रीय एकता प्रतित्रा, एकता

दौड़ और सड़क नाटक जैसी विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित कीं। इस आयोजन में स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी रही और वे राष्ट्रीय सुरक्षा, सुरक्षा और एकता के बारे में संदेश फैलाने में सद्भावना राजदूत के रूप में शामिल हुए।

मानव मूल्य विकास पर कार्यशाला: 13 नवंबर - 14 नवंबर 2017

मानव मूल्य संस्थान और संसाधन विकास द्वारा 13 और 14 नवंबर 2017 को इक्वेनिकल सेंटर, जनकपुरी में मानव मूल्य विकास पर एक कार्यशाला आयोजित की गई थी। कार्यशाला में पच्चीस स्वयंसेवकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

गणतंत्र दिवस परेड शिविर: 1 जनवरी से 31 जनवरी

1 जनवरी 2018 से 31 जनवरी 2018 तक आरडी परेड शिविर में, दिल्ली विश्वविद्यालय के अत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज से एक एनएसएस स्वयंसेवक सुश्री ख्याति पुरी गणतंत्र दिवस परेड 2018 में एनएसएस आकस्मिक का हिस्सा थीं।

राष्ट्रीय युवा दिवस: 12 जनवरी 2018

स्वामी विवेकानंद के जन्मदिन पर राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया था। स्वामी जी के सम्मान में, एनएसएस की इकाइयों ने निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया था:-

स्वामी विवेकानंद के जीवन पर आधारित फिल्म का प्रदर्शन

विवेकानंद के दर्शन पर एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा वार्ता

राष्ट्रीय युवा उत्सव: 12 जनवरी 2018 से 16 जनवरी 2018

युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार ने गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोयडा, उत्तर प्रदेश में 12 जनवरी से 16 जनवरी 2018 तक राष्ट्रीय युवा उत्सव का आयोजन किया। त्यौहार का विषय "संकल्प से सिद्धी" था। उत्सव का उद्देश्य एनएसएस स्वयंसेवकों को सांस्कृतिक प्रदर्शन, खेल, सुविचार, युवा संसद जैसी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा दिखाने के अवसर प्रदान करना था। एनएसएस केंद्र ने दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के दस चयनित एनएसएस स्वयंसेवकों ने उत्सव में भाग लिया।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस: 25 जनवरी 2018

स्वयंसेवकों में लोगतांत्रिक मानदंडों को मजबूत करने के लिए, 25 जनवरी 2018 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया गया था। स्वयंसेवकों द्वारा हमारे देश की लोकतांत्रिक परंपरा की भावना को बनाए रखने की प्रतिज्ञा ली गई थी।

खेलो इंडिया स्कूल गेम्स (केआईएसजी): 27 जनवरी से 10 फरवरी 2018

देश में युवा और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के बीच प्रेरणादायक मूल्य बनाने और प्रतिभा पहचानने के एक मंच बनाने के उद्देश्य से खेलो इंडिया स्कूल गेम्स आयोजित किया गया था। तैंतालीस एनएसएस स्वयंसेवकों ने इस कार्यक्रम में अपनी सेवाएं प्रदान की।

अंतर्राष्ट्रीय युवा विनिमय कार्यक्रम: 26 फरवरी 2018

26 फरवरी 2018 को ट्यूनीशिया के बीस प्रतिभागियों ने उत्तरी अफ्रीका के अंतर्राष्ट्रीय युवा विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत दिल्ली विश्वविद्यालय के लक्ष्मीबाई कॉलेज का दौरा किया। क्षेत्रीय निदेशक, युवा मामले और खेल मंत्रालय ने प्रतिनिधिमंडल और एनएसएस स्वयंसेवकों से बातचीत की।

अंतर्राष्ट्रीय युवा विनिमय कार्यक्रम: 15 मार्च 2018

मालदीवियन युवा प्रतिनिधिमंडल (पंद्रह सदस्यों) ने भारत और मालदीव के बीच अंतर्राष्ट्रीय युवा विनिमय कार्यक्रम के हिस्से के रूप में 15 मार्च 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय का दौरा किया। एनएसएस केंद्र ने उन्हें श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज के परिदर्शन की सुविधा प्रदान की। एनएसएस इकाई के साथ एक बातचीत सत्र आयोजित किया गया था।

दिल्ली विश्वविद्यालय की गतिविधियों/कार्यों में भागीदारी

पुष्प प्रदर्शनी 23 फरवरी 2017
राजदूत व्याख्यान श्रृंखला 31 मार्च 2017
पेरिसिपेंस - प्रख्यात पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला 18 अप्रैल 2017
स्थापना दिवस 1 मई 2017

***

गैर-कॉलेज महिला शिक्षा बोर्ड

गैर-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (एनसीडब्ल्यूईबी) की स्थापना सितंबर 1944 में दिल्ली विश्वविद्यालय अधिनियम 1943 के अंतर्गत हुई थी। बोर्ड छात्रों को नियमित कक्षाओं में भाग लिए बिना कुछ परीक्षाओं में भाग लेने की सुविधा प्रदान करता है। एनसीडब्ल्यूईबी छात्राओं के लिए एक महत्वपूर्ण अकादमिक विकल्प के रूप में उभरा है। बोर्ड ने तीन छात्रों के साथ इसकी शुरुआत की थी और वर्तमान में यह 26650 छात्रों की आवश्यकता को पूरा कर रहा है। वे दिल्ली विश्वविद्यालय के 26 शिक्षण केंद्रों में यूजी पाठ्यक्रमों का अध्ययन कर रही हैं। ये केंद्र दिल्ली क्षेत्र के भीतर हैं और छात्रों की अकादमिक जरूरतों को पूरा करते हैं। यूजी केंद्रों के अलावा एक पीजी केंद्र ट्यूटोरियल बिल्डिंग, कला संकाय में स्थित है। बीए में 15932 (भाग I, II और III), 9781 और बीकॉम (भाग I, II और III) तथा पीजी कोर्स भाग II और IV में) लगभग 930 छात्र हैं। इस उद्देश्य के लिए 850 अतिथि व्याख्याता नियुक्त किए गए थे। विवरण निम्नानुसार हैं:

पीजी छात्रों के लिए 48 सहयोगी प्रोफेसरों/सहायक प्रोफेसरों को उनके विभागों के प्रमुख की सिफारिश के अनुसार नियुक्त किया गया था।

छात्रों को एनसीडब्ल्यूईबी शिक्षण की लघु शिक्षण अवधि के पचास दिनों के भीतर अपने संबंधित शिक्षण केंद्रों में बहस, रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता में भाग लेने का मौका दिया गया था। कॉलेज जीवन के अनुभव के बारे में जागरूक करने के लिए सांस्कृतिक गतिविधियां भी आयोजित की गईं थीं। छात्रों में प्रतिस्पर्धा विकसित करने के लिए कई अंतर-केंद्र सांस्कृतिक गतिविधियाँ हुईं। इन सभी गतिविधियों की झलक बोर्ड और शिक्षण केंद्रों के वार्षिक कार्यों में देखी गई थी। एनसीडब्ल्यूईबी ई-पत्रिका ने इसे हर वर्ष अद्यतित किया है जिसमें 26 शिक्षण केंद्रों के विभिन्न लेख और रचनात्मक लेखन शामिल हैं।

यूजी पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण होने वालों का प्रतिशत निम्नानुसार है:

पाठ्यक्रम	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष
बी.ए. (कार्यक्रम)	81.75%	85%	82%
बी.कॉम.	74.5%	83%	77%

बोर्ड ने वर्ष 2017-18 में पहली बार बीए (कार्यक्रम)/बीकॉम में 3 शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले 26 शिक्षण केंद्रों के यूजी छात्रों और एमए के प्रमाण पत्र के साथ 75% अंक प्राप्त करने वाले 44 छात्रों को सम्मानित किया।
इस वर्ष छात्रों को लगभग 2027 किताबें (निःशुल्क) प्रदान की गई थीं।

महिलाओं की शिक्षा के लिए एक नया क्षितिज प्राप्त करने की दिशा में, बोर्ड अपने लक्ष्य तक पहुँचने के लिए हर कदम उठा रहा है।

एनसीडब्ल्यूईबी के शिक्षण केंद्र

अदिति महाविद्यालय; आर्यभट्ट कॉलेज; भागिनी निवेदिता कॉलेज; भारती कॉलेज; कॉलेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज; डॉ. भीमराव अम्बेडकर कॉलेज; दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज; हंसराज कॉलेज; जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज; जीसस एंड मैरी कॉलेज; कालिंदी कॉलेज; केशव महाविद्यालय; लक्ष्मीबाई कॉलेज; महाराजा अग्रसेन कॉलेज; मैत्रेयी कॉलेज; माता

सुंदरी कॉलेज; मिरांडा हाउस; मोती लाल नेहरू कॉलेज; पीजीडीएवी कॉलेज; राजधानी कॉलेज; रामानुजन कॉलेज; सत्यवती कॉलेज (सांध्य); एसजीजीएससी ऑफ कामर्स; श्री अरबिंदो कॉलेज; एसपीएम कॉलेज; विवेकानंद कॉलेज; पीजी शिक्षण केंद्र।

***

छात्र कल्याण कार्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

शैक्षणिक वर्ष 2017-18 के दौरान डीन छात्र कल्याण कार्यालय ने निम्नलिखित कार्यकलाप किए :

परामर्श गतिविधियाँ

खुले दिन: उत्तरी परिसर (सम्मेलन केंद्र) में खुले दिन आयोजित किए गए। प्रवेश की प्रक्रिया में छात्रों का मार्गदर्शन करने के लिए नियमित आधार पर खुले दिन आयोजित किए गए थे। कुल मिलाकर, प्रवेश लेने वाले 50,000 से अधिक उम्मीदवारों और उनके अभिभावकों ने इन सत्रों में भाग लिया। खुले दिनों में भाग लेने के बाद इच्छुक उम्मीदवारों और उनके माता-पिता में उच्च स्तर का उत्साह और संतुष्टि देखी गई।

संक्रमण: दिल्ली के विभिन्न स्कूलों के शिक्षकों के लिए परामर्श सत्र आयोजित किए गए। इन सत्रों का संचालन करने का मूल उद्देश्य दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रवेश प्रक्रिया के संबंध में शिक्षकों को मार्गदर्शन करना था। उन्हें प्रवेश की पूरी प्रक्रिया समझाई गई ताकि वे संबंधित स्कूलों में अपने छात्रों का आवश्यक मार्गदर्शन कर सकें।

सहायता डेस्क: डीन स्टूडेंट के कल्याण कार्यालय, सम्मेलन केंद्र में स्नातक प्रवेश के लिए छात्र सहायता डेस्क स्थापित किया गया था। यह कदम इच्छुक छात्रों को प्रवेश प्रक्रिया के बारे में सलाह देने और उनका मार्गदर्शन करने के लिए आरंभ किया गया था। सम्मेलन केंद्र में इन सहायता डेस्कों को एक महीने से अधिक समय तक संचालित किया गया।

प्रवेश गतिविधियाँ

स्नातक प्रवेश समन्वय:

डीन छात्र कल्याण कार्यालय के साथ ओएसडी प्रवेश कार्यालय द्वारा प्रवेश प्रक्रिया की देखरेख की गई और यह सभी श्रेणियों (सामान्य/अपिव/अजा/अजजा/शा.वि.) के प्रवेश और डेटा विश्लेषण में विश्वविद्यालय सूचना बुलेटिन की तैयारी में शामिल था। सामान्य/अपिव/अजा/अजजा, सभी श्रेणियों के छात्र को ऑनलाइन पंजीकरण फॉर्म के माध्यम से पंजीकरण कराने की अनुमति थी। पीडब्ल्यूडी उम्मीदवारों को उनके प्रवेश से संबंधित कई अतिरिक्त सुविधाएं प्रदान की गई थीं। उम्मीदवारों की सभी श्रेणियों के लिए निःशुल्क सूचना बुलेटिन ऑनलाइन उपलब्ध कराया गया था।
अपिव/अजा/अजजा और शा.वि. श्रेणी के उम्मीदवारों की प्रवेश से संबंधित शिकायतों को दूर करने के लिए एक समिति बनाई गई और स्टूडेंट्स कल्याण के डीन को इसका अध्यक्ष एवं डॉ. गुरप्रीत सिंह टुटेजा, उप-डीन को छात्र कल्याण संयोजक नियुक्त किया गया। डॉ. अमृता बजाज, उप-डीन, छात्र कल्याण, ईसीए प्रवेश समिति का समन्वय कर रही थीं। इस वर्ष स्नातकोत्तर छात्रावास के पंजीकरण को भी केंद्रीकृत किया गया था।

केंद्रीय नियुक्ति प्रकोष्ठ गतिविधियाँ

विश्वविद्यालय के स्तर पर सभी घटक कॉलेजों और विभागों में पूर्व स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी में अध्ययन करने वाले छात्रों के लिए रोजगार के अवसरों की व्यवस्था के लिए विश्वविद्यालय में केंद्रीय नियुक्ति प्रकोष्ठ (सीपीसी) है। इसे वर्ष 2008 में शुरू किया गया था। अकादमिक वर्ष 2017-18 सीपीसी के कामकाज का दसवां वर्ष था। इंटर्नशिप पंजीकरण सहित पंजीकृत छात्रों की कुल संख्या 16000 से अधिक रही। इस वर्ष कुल 38 कंपनियों को चयनित सूची में शामिल किया गया था जिन्होंने उत्तरी और दक्षिण परिसर में परिसर के भीतर चयन अभियान चलाया। विभिन्न कंपनियों से नौकरी के प्रस्तावों सहित 1500 से अधिक छात्रों को सूचीबद्ध किया गया था और अंततः 1100 छात्रों को विभिन्न सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में अच्छे वेतन पैकेज के साथ रोजगार मिला। इस वर्ष

स्नातकोत्तर और पीएचडी उम्मीदवारों को बड़ी संख्या में कॉर्पोरेट नौकरियां मिलीं। नियमित सीपीसी गतिविधियों के साथ, इस वर्ष क्षमता वृद्धि कार्यक्रम के अंतर्गत, विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों के साथ बातचीत करने और उन्हें विशेष करियर मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए आमंत्रित किया गया था। इन कार्यशालाओं ने हमारे छात्रों को साक्षात्कार, स्व-मूल्यांकन और स्व-रोजगार का सामना करने, सीवी लेखन जैसे बुनियादी कौशल को बढ़ाने के लिए पेशेवरों से बातचीत करने में मदद की। इस वर्ष डीएसडब्ल्यू कार्यालय द्वारा ऐसे दो क्षमता वृद्धि कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।

इंटर्नशिप कार्यक्रम: विभिन्न कॉलेजों से प्रथम और दूसरे वर्ष के छात्रों को विभिन्न कंपनियों में इंटर्न के रूप में भेजा गया था ताकि उन्हें कंपनियों के साथ प्रत्यक्ष जानकारी और अनुभव प्राप्त हो सके। इस उद्देश्य के लिए विभिन्न कंपनियों को इंटर्नशिप हेतु सीपीसी में पंजीकरण कराने के लिए आमंत्रित किया गया था। इस वर्ष दो इंटर्नशिप मेले आयोजित किए गए थे और मेलों में 1000 से अधिक छात्रों ने भाग लिया था। लगभग 600 छात्रों को सूचीबद्ध किया गया था। एक्सेंचर, कक्षा शिक्षक, पेटीएम, ऑरेंज ऑक्टोपस, डीएआईएस फाउंडेशन, ओवाईओ रुम्स इंटर्नशिप देने वाली प्रमुख कंपनियां थीं।

नियुक्तियाँ: केंद्रीय नियुक्ति प्रकोष्ठ प्रतिष्ठित कंपनियों में व्यावसायिक प्रमुखों और वरिष्ठ प्रबंधकों से संपर्क करता है। केंद्रीय नियुक्ति प्रकोष्ठ डीन छात्र कल्याण के अंतर्गत नियुक्ति प्रकोष्ठ सलाहकार समिति की सलाह पर कार्य करता है, जिसमें सभी कॉलेजों और विभागों के उप डीन छात्र कल्याण, परामर्शदाता और नियुक्ति समन्वयक शामिल हैं। सलाहकार समिति नियुक्ति प्रकोष्ठ के कामकाज पर नज़र रखती है और इसका मार्गदर्शन करती है। छात्रों में नेतृत्व कौशल विकसित करने के लिए विभिन्न क्षमता वृद्धि कार्यक्रम भी आयोजित किए गए थे।

इस वर्ष सीपीसी पंजीकृत छात्रों की एक बड़ी संख्या को 11.00 लाख तक के वार्षिक पैकेज के साथ अमेज़ॅन, जेनपैक्ट, नेविग8, फोरेक्स, अर्बनक्लाप से नौकरी के प्रस्ताव दिए गए। अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रतिष्ठा के अग्रणी संगठनों ने केंद्रीय नियुक्ति प्रकोष्ठ के माध्यम से भर्ती के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ भागीदारी की है।

एक भारत श्रेष्ठ भारत: डीन छात्र कल्याण कार्यालय इस कार्यक्रम के अंतर्गत गतिविधियों को संभालने और समन्वय के लिए केंद्रीय कार्यालय है। कॉलेज और एमएचआरडी दोनों के साथ समन्वय किया जाता है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न कॉलेजों को गतिविधियां आवंटित की गई हैं और बाद में इन गतिविधियों की अंतिम संकलित रिपोर्ट एमएचआरडी को भेजी जाती है।

स्वच्छ भारत ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप: डीन छात्र कल्याण कार्यालय एसबीएसआई जैसी गतिविधियों का समन्वय भी कर रहा है। यह कार्यालय में कॉलेजों और अन्य संबंधित कार्यालयों के साथ घनिष्ठ संबंध रख कर कार्यक्रम के लॉजिस्टिक्स और नीति कार्यान्वयन ढांचे पर काम करता है।

एमएचआरडी के अंतर्गत जम्मू-कश्मीर के स्कूली छात्रों की यात्रा: डीएसडब्ल्यू कार्यालय ने **23** जनवरी**, 2018** को छात्र विनिमय कार्यक्रम आयोजित किया**,** जिसमें जम्मू-कश्मीर के **350** छात्रों ने दिल्ली विश्वविद्यालय का दौरा किया। छात्र कल्याण कार्यालय के डेपुटी-डीनों ने एक प्रस्तुति दी और विश्वविद्यालय की शिक्षा संरचना संभावनाओं से छात्रों को परिचित कराया। प्रस्तुति के बाद एक इंटरैक्टिव सत्र था जिसमें छात्रों को विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के बारे में प्रश्न पूछने के लिए आमंत्रित किया गया था।

सांस्कृतिक परिषदः संस्कृति परिषद की सहायता से आयोजित कुछ घटनाओं को नीचे सूचीबद्ध किया गया है:

प्रत्यक्ष व्याख्यान श्रृंखला: अभिभावक दिल्ली विश्वविद्यालय और इसके विशाल सार्वभौमिक प्रवासी पूर्व छात्रों के बीच के बंधन को मजबूत करने के लिए प्रसिद्ध पूर्व छात्रों द्वारा व्याख्यान श्रृंखला आयोजित की जाती है। 21 अप्रैल, 2017 को कॉन्वोकेशन हॉल, वाइसरीगल लॉज में एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया था।

एमएचआरडी की एक पहल, वॉल ऑफ़ हीरोज़, हमारे देश की रक्षा के लिए असाधारण साहस और बहादुरी दिखाने के लिए प्रदान किए जाने वाले भारत के सर्वोच्च सैन्य सम्मान परम वीर चक्र से सम्मानित योद्धाओं के चित्रों को दर्शाती है। "नायकों की दीवार" का उद्घाटन समारोह 2 जून, 2017 को 4:00 बजे दिल्ली विश्वविद्यालय के सम्मेलन केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया था।

थाईलैंड की राजकुमारी -माहाचक्री सिरिंधोर्न और थाई सैन्य कैडेटों ने 17 जुलाई 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय का दौरा किया।

कवि सम्मेलन: स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 14 अगस्त 2017 को ओल्ड वाइस रीगल लॉज में आयोजित किया गया था।

स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बहुउद्देशीय हॉल में एडिनबर्ग फ्रिंज फेस्टिवल के प्रतिभागियों के लिए 24 जुलाई से 19 अगस्त 2017 तक संस्कृति परिषद द्वारा रंगमंच कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच प्रदर्शन: 22 छात्रों और 3 संकाय सदस्यों की एक टीम द्वारा एडिनबर्ग फ्रिंज फेस्टिवल (21-28 अगस्त, 2017) में ब्लाइंड स्पॉट प्रदर्शन किए गए थे। एडिनबर्ग के दूसरे सबसे बड़े स्थल पर एक के बाद एक 8 प्रदर्शन हुए थे।

'विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला' 'समकालीन दुनिया में भारत की विदेश नीति और सुरक्षा चुनौतियों पर: प्रथम राजदूत व्याख्यान श्रृंखला' वाइस-रीगल लॉज के कन्वेंशन हॉल में 17 जनवरी 2018 को दोपहर 2 बजे आयोजित की गई थी 'समकालीन दुनिया में भारत की विदेश नीति और सुरक्षा चुनौतियों' पर राजदूत जी पार्थसार्थी द्वारा वक्तव्य दिया गया। 26 जनवरी, 2018 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर सम्मेलन केंद्र में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

पिछले कई वर्षों से संस्कृति परिषद लगातार वसंत उत्सव कार्यक्रम (फरवरी 2018) आयोजित करने में संगीत और ललित कला संकाय का समर्थन कर रही है।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज में 9 मार्च, 2018 को इंटर कॉलेज गज़ल प्रतियोगिता आयोजित की गई थी।

जर्मनी के संघीय गणराज्य के माननीय राष्ट्रपति श्री फ्रैंक वाल्टर स्टीनमेयर ने 23 मार्च, 2018 को कुलपति कार्यालय का दौरा किया।

बाबा साहिब डॉ. भीम राव अम्बेडकर की 127 जन्म शताब्दी समारोह के दौरान 14 अप्रैल, 2018 को वाइसरीगल लॉज में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

विश्वविद्यालय स्थापना दिवस के अवसर पर, संस्कृति परिषद द्वारा 1 मई, 2018 को वाइसरीगल लॉज में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया था

***

विश्वविद्यालय अतिथि गृह

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

विश्वविद्यालय अतिथि गृह आवास और भोजन उपलब्ध करा कर प्रमुख अकादमिक बैठकों की जरूरतों को पूरा करता है। यह बैठकों के लिए एक स्थल भी है। कई परीक्षकों और आने वाले वैज्ञानिकों का आतिथ्य किया जाता है।

सुविधाएँ

विश्वविद्यालय अतिथि गृह के मुख्य भवन में संलग्न बाथरूम, फोन, टीवी आदि के साथ 33 कमरे और 06 बांस कॉटेज हैं। एक कमरे में दो लोग रह सकते हैं।

विश्वविद्यालय अतिथि गृह के कमरों में मेहमानों के लिए मुफ्त इंटरनेट और वाई-फाई सुविधा प्रदान करता है।

विश्वविद्यालय अतिथि गृह में एक रसोईघर है जो सुरक्षित, स्वस्थ, स्वच्छ और स्वादिष्ट भोजन प्रदान करता है।

विश्वविद्यालय अतिथि गृह में 35-40 लोगों की बैठने की क्षमता के साथ एक साफ और विशिष्ट भोजन कक्ष है।

अतिथि गृह में बैठकों के लिए माइक और प्रोजेक्टर सुविधा के साथ एक लाउंज है, जिसमें 70-80 व्यक्तियों की बैठने की व्यव्स्था है
विश्वविद्यालय अतिथि गृह में 10-12 लोगों की बैठकों के लिए एक छोटा समिति का कमरा भी है।

***

यूनिवर्सिटी प्रेस

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

यूनिवर्सिटी प्रेस ने विश्वविद्यालय और इसके कॉलेजों के लिए डिग्री, मार्क शीट्स, उत्तर पुस्तकें, प्रॉस्पेक्टस, वार्षिक समीक्षा, विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट, अकादमिक परिषद/कार्यकारी परिषद कार्यवृत, परीक्षा फॉर्मों की छपाई और विश्वविद्यालय के कई अन्य सामान आदि की छपाई के विभिन्न मुद्रण कार्य किए हैं। इसके अलावा, विश्वविद्यालय के विभिन्न रिकॉर्ड और रजिस्टरों इत्यादि की जिल्द बनाने के काम भी पूरा किए गए थे।

वर्तमान में विभिन्न प्रकार के प्रिंटिंग कार्यों के लिए यूनिवर्सिटी प्रेस के साथ छः प्रिंटर सूचीबद्ध हैं।

प्रेस सलाहकार समिति (पीएसी) ने 2018-2020 के प्रिंटरों के पैनल के लिए निविदा दस्तावेज की तैयारी की सिफारिश की है जिसकी प्रक्रिया चल रही है।

वित्तीय वर्ष 2017-2018 के दौरान निष्पादित कार्यों की संख्या 488 थी, जिनका मूल्य 1,43,01,450/- रुपए था और 559 डॉकेट खोले गए थे।

****

शैक्षणिक केंद्र

कृषि आर्थिकी अनुसंधान केंद्र

प्रमुख क्रियाकलाप एवं उपलब्धियां

इस केन्द्र द्वारा किए गए अनुसंधान कार्य के महत्व और सतत प्रासंगिकता को देखते हुए केन्द्रयि कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय ने दो और वर्षों अर्थात् 31 मार्च, 2020 तक केन्द्र को सतत अनुदान राशि को (पत्र संख्या 12-1/2017-एईआर-ईएस दिनांक 11-05-2018 के तहत) अनुमोदित किया है।

वर्ष के अधिकांश समय में वित्तपोषण संबंधी अनिश्चितता और परिणामी अनुसंधान कर्मचारियों की कमी के बावजूद केन्द्र ने निम्नलिखित महत्वपूर्ण अनुसंधान अध्ययन कार्य को पूरा किया तथा कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय को रिपोर्ट सौंप दी है।

इलेक्ट्रॉनिक नेशनल एग्रीकल्चर मार्केट (ई-एनएएम): हरियाणा में कार्यनिष्पादन और संभावनाओं की समीक्षा। अनुसंधान अध्ययन संख्या 2018/01 (अनुसंधान दल- प्रो. सी.एस.सी. शेखर, डॉ. योगेश चन्द्र भट्ट, डॉ. विष्णु शंकर मीणा, श्री विशाल डागर, सुश्री अनुषा शर्मा, सुश्री नंदी नेगी तथा श्री असगर अली द्वारा इस अध्ययन कार्य को सुकर बनाया गया।)

प्रकाशन

शेखर, सी.एस.सी., राय, डी., भट्ट, वाई. (2017) फुड इंफ्लेशन एंड फुड प्राइस वोलाटालिटी इन इंडिया- ट्रेंड एंड डिटर्मिनेंट्स। चर्चा प्रपत्र 01640, इंटरनेशनल फुड पॉलिसी रिसर्च इंस्टीच्युट, वाशिंगटन, डी.सी.।

शेखर, सी.एस.सी, एवं भट्ट, वाई., (2018) पल्स प्रोडक्शन इन इंडिया: एन इम्पिरिकल एनॉलिसिस। इन एस. वर्मा एवं पी.सी.बोड संपादित (संस्करण), ग्लिम्पसेस ऑफ इंडियन एग्रीकल्चर (पृष्ठ 34-44). नई दिल्ली: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

शेखर, सी.एस.सी एवं भट्ट, वाई. (2018)। फार्म मेकेनाइजेशन इन इंडिया विद फोकस ऑन ईस्टर्न रिजन। इन एस. वर्मा एवं पी. सी. वोड संपादित (संस्करण), ग्लिम्पसेस आफ इंडियन एग्रीकल्चर (पृष्ठ 274-284), नई दिल्ली: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

घोष, एन., भट्ट, वाई. एवं यादव, एस. (2018)। ह्वाट रिस्ट्रेन डिमांड फॉर क्रॉप इंश्योरेंस इन इंडिया। इन एस. वर्मा एवं पी. सी. वोड संपादित (संस्करण), ग्लिम्पसेस ऑफ इंडियन एग्रीकल्चर (पृष्ठ 523-532), नई दिल्ली: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

अनुसंधान परियोजनाएं

कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिक नेशनल एग्रीकल्चर मार्केट (ई-एनएएम): हरियाणा में कार्यनिष्पादन और संभावनाओं की समीक्षा, 2017-18.

सेमीनार/ सम्मेलन प्रस्तुतिकरण

सी. एस. सी. शेखर

''क्लाइमेट चेंज एंड राइस इकॉनोजी इन एशिया: इम्प्लिकेशंस फॉर ट्रेड पॉलिसी'', इंटरनेशनल टेक्नीकल कांफ्रेस ऑन क्लाइमेट चेंज, एग्रीकल्चर ट्रेड एंड फुड सिक्युरिटी, *15-17* नवम्बर, *2017*, एफएओ, रोम।

"एग्रीकल्चर मार्केट इंटेग्रेशन आफ सेलेक्ट कोमोडिटीज इन इंडिया'', एफएओ-एमओए एंड एफडब्लू नेशनल मिटिंग आफ एक्सपर्ट ऑन एग्रीकल्चर मार्केट, प्राइस डाटा विजुअलाइजेशन एंड अर्ली वार्निंग सिस्टम, नई दिल्ली, **11-12** सितम्बर, **2017**।

''आईडेंटिफिकेशन ऑफ मेजर एग्रीकल्चर मार्केट्स फॉर प्राइस मॉनिटरिंग इन इंडिया'', एफएओ-एमओए एंड एफडब्लू नेशनल मीटिंग ऑफ एक्सपर्ट्स ऑन एग्रीकल्चर मार्केट, प्राइस डाटा विजुअलाइजेशन एंड अर्ली वार्निंग सिस्टम, नई दिल्ली, **11-12** सितम्बर, **2017**।

''मेजरिंग फुड प्राइस वोलाटाइलिटी एंड इंपेक्ट आफ इंटरनेशनल मार्केट'', एफएओ-एमओए एंड एफडब्लू वर्कशॉप ऑन एग्रीकल्चर मार्केट, प्राइस एंड मार्केट इंटेग्रेशन इन इंडिया- कांसेप्चुअल एंड मेथोडोलोजीकल इश्युज, नई दिल्ली, **21** अगस्त, **2017**।

''फुड सिक्योरिटी ऑफ इल्डर्ली'', नेशनल कॉन्क्लेव ऑन फाइनेंशियल इंक्लूजन आफ पर्सन्स विद डिसेब्लिटीज इन इंडिया, सोसाइटी फार डिसेब्लिटी एंड रिहैब्लिटीटेशन स्टडीज- एसडीआरएस, नई दिल्ली, **25** मई, **2017**।

14-15 मार्च, 2018 के दौरान अर्थशास्त्र विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया में राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन प्रशमन, अनुकूलन और धारणीय विकास सेमीनार में 'जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा और धारणीय विकास'' पर सत्र की अध्यक्षता की।

योगेश भट्ट

"रिलेशनशिप विटविन होलसेल प्राइसेज, रिटेल प्राइसेज, एक्सपोर्ट प्राइसेज (एफओबी), प्राइसेज रियलाइज्ड बाय फार्मर्स'', ''नेशनल कांफ्रेंस ऑन एग्रो इकोनॉमिक रिसर्च'', इस्टीच्युट आफ इकोनोमिक ग्रोथ, **30-31** जनवरी, **2018**।

"फुड प्राइसेज एट नेशनल एंड स्टेट लेवल: ट्रेड एंड डिटर्मिनेंट्स'', नेशनल कांफ्रेंस ऑन एग्रो-इकोनोमिक रिसर्च'', इंस्टीच्युट ऑफ इकोनोमिक ग्रोथ, **30-31** जनवरी, **2018**।

संकाय सदस्यों की संख्या: 01

***

संसूचक और संबंधित सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी केंद्र

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

यह केन्द्र पूर्व में सीईआरएन, जेनेवा, स्वीडजरलैंड में सीएमएस प्रयोग में वर्ष 2012 में हिग्स बोसोन की प्रमुख खोज में शामिल था और वर्ष 2015-16 में यह सीएमएस प्रयोग के साथ जुड़ा रहा। मल्टी स्ट्रीप साई सेंसर, जिसे बीईएल, बंगलुरू के सहयोग से डिजाइन, विकसित और तैयार किया गया है, को केआईटी, जर्मनी में चरित्र चित्रण किया गया था। ये अत्याधुनिक डिटेक्टर हैं और भारत में पहली बार ही विकसित किया गया है। केन्द्र सीएमएस प्रयोग के ट्रेकर उन्नयन के लिए सिलिकॉन स्ट्रीप सेंसर के चरित्र चित्रण के लिए प्रमाणित सेंसर अर्हता केन्द्र (एसक्यूसी) के लिए तैयार करने हेतु भी तैयारी कर रहा है।

प्रकाशन

सिरून्यान, एट अल (2018)। सर्च फॉर ए हैवी राइट हैंडेड डब्लू बोसोन एंड ए हैबी न्यूट्रीनों इन इवेंट्स विद टू सेम-फ्लेवर लैपटोंस एंड टू जेट्स एट $\sqrt{s}$= 13 TeV. जर्नल आफ हाई एनर्जी फिजिक्स, *1805*(05), 149.

सिरून्यान, एट अल. (2018). मेजरमेंट आफ डिफरेंशियल क्रॉस सेक्शंस फार द प्रॉडक्शन आफ टॉप क्वेर्क पेयर्स एंड आफ एडिशनल जेट्स इन लेप्टॉन + जेट्स इवेंट्स फ्राम पीपी कोलिजन्स एट $\sqrt{s}$= 13 TeV. फिजिक्स रिव्यू, डी*97*(11), 112003.

सिरून्यान, एट अल. (2018). सर्च फॉर टीटी ¯ एच प्रोडक्शन इन द ऑल जेट फाइनल स्टेट इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट $\sqrt{s}$= 13 TeV. जर्नल आफ हाई एनर्जी फिजिक्स, *1806*, 101.

सिरून्यान, एट अल. (2018). मेजरमेंट आफ डिफरेंशियल क्रॉस सेक्शंस आफ टॉप क्वेर्क पेयर प्रॉडक्शन एज ए फंक्शन ऑफ कायनेटिक इवेंट वेरियेबल्स इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट $\sqrt{s}$=13 TeV. जर्नल आफ हाई एनर्जी फिजिक्स, *1806*, 002.

एडम, एट अल. (2018). टेस्ट बीम डिमोंस्ट्रेशन आफ सिलिकॉन माईक्रोस्ट्रीप मोड्यूल्स विद ट्रांसवर्स मोमेटम डिस्क्रिमिनेशन फॉर द फ्यूचर सीएमएस ट्रैकिंग डिटेक्टर। जर्नल आफ इंस्ट्रुमेंटेशन , *13*(03), पी03003.

सिरून्यान, एट अल. (2018). जेट प्रोपर्टीज इन पीबीपीबी एंड पीपी कोलिजन्स एट $\sqrt{s_{NN}}$=5.02 TeV. जर्नल आफ हाई एनर्जी फिजिक्स, *1805*, 006.

सिरून्यान, एट अल. (2018). सर्च फॉर ए हैवी रेजोनेन्स डिकेइंग टू ए पेयर आफ वेक्टर बोसोन इन द लेप्टोन प्लस मर्ज्ड जेट फाइनल स्टेट एट $\sqrt{s}$ =13 TeV. जर्नल आफ हाई एनर्जी फिजिक्स, *1805, 0*88.

सिरून्यान, एट अल. (2018). सर्च फॉर नैरो रेजोनेंस इन द बी टैग्ड डाई जेट मॉस स्पेक्ट्रम इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट $\sqrt{s}$= 8 TeV. फिजिक्स रिव्यू लैटर्स, *120*(20), 201801.

सिरून्यान, एट अल. (2018). मेजरमेंट आफ $\Lambda b \Lambda b$ पोलेराइजेशन एंड एंगुलर पैरामीटर्स इन$\Lambda b \rightarrow J/\psi \Lambda \Lambda b \rightarrow J/\psi \Lambda$ डिकेय फ्रॉम पीपी कोलिजंस एट $\sqrt{s}$= 7 एंड 8 TeV. फिजिक्स रिव्यू डी, *97*(7), 072010.

सिरून्यान, एट अल. (2018). सर्च फॉर हैवी न्यूट्रल लैप्टोन इन इवेंट्स विद थ्री चार्ज्ड लेप्टॉन्स इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट $\sqrt{s}$= 13 TeV. फिजिक्स रिव्यू लैटर्स, *120*(20), 221801.

सिरून्यान, एट अल. (2018). सर्च फॉर नेचुरल एंड स्प्लिट सुपर सेमिट्री इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट $\sqrt{s}$=13 TeV इन फाइनल स्टेट्स विद जेट्स एंड मिसिंग ट्रांसवर्स मोमेंटम। जर्नल आफ हाई एनर्जी फिजिक्स, *1805,* 025.

सिरून्यान, एट अल. (2018). सर्च फॉर सिंगल प्रोडक्शन आफ वेक्टर लाइक क्वेर्क्स डिकेयिंग टू ए बी क्वेर्क एंड ए हिग्स बोसोन। जर्नल आफ हाई एजर्नी फिजिक्स, *1806*, 031.

सिरून्यान, एट अल. (2018). सर्च फॉर लेप्टॉन-फ्लेवर वायलेटिंग डिकेज आफ हैवी रेजोनेंस एंड क्वांटम ब्लेक होल्स टू eμ फाइनल स्टेट्स इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट $\sqrt{s}$=13 TeV. जर्नल आफ हाई एनर्जी फिजिक्स, *1804,* 073.

सिरून्यान, एट अल. (2018). कॉम्पेयरिंग ट्रांसवर्स मोमेन्टम बैलेंस आफ बी जेट पेयर्स इन पीपी एंड पीबी पीबी कोलिजन्स एट $\sqrt{s_{NN}}$= 5.02 TeV. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, *1803,* 181.

सिरून्यान, एट अल. (2018). सर्च फॉर डार्क मैटर इन इवैंट्स विथ एनर्जेटिक, हाईड्रोनिक्ली डिकेयिंग टॉप क्वेर्क्स एंड मिसिंग ट्रांसवर्स मोमेंटम एट $\sqrt{s}$=13 TeV. जर्नल आफ हाई एनर्जी फिजिक्स, *1806,* 027.

सिरून्यान, एट अल. (2018). कंबाइंड सर्च फॉर इलेक्ट्रोविक प्रोडक्शन आफ चार्जिनोस एंड न्यूट्रालिनोज इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट $\sqrt{s}$= 13 TeV. जर्नल आफ हाई एनर्जी फिजिक्स, *1803,* 160.

सिरून्यान, एट अल. (2018). सर्च फॉर न्यू फिजिक्स इन इवेंट्स विद टू सॉफ्ट अपोजिटली चार्ज्ड लेप्टोन्स एंड मिसिंग ट्रांसवर्स मोमेंटम इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट $\sqrt{s}$= 13 TeV. फिजिक्स लैटर्स बी, *782*, 440-467.

सिरून्यान, एट अल. (2018). सर्च फॉर डिकेयज आफ स्टॉप्ड एक्जोटिक लोंग लिव्ड पार्टिक्ल्स प्रोड्यूड इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट $\sqrt{s}$= 13 TeV. जर्नल आफ हाई एनर्जी फिजिक्स, *1805*, 127.

सिरून्यान, एट अल. (2018). मेजरमेंट आफ प्रोम्प्ट एंड नॉन प्रॉम्प्ट चार्मोनियम सप्रैसन इन पीबीपीबी कोलिजन्स एट 5.02 TeV. द यूरोपीयन फिजिकल जर्नल सी, 78, 509.

सिरून्यान, एट अल. (2018). सर्च फॉर फिजिक्स बियोंड द स्टैंडर्ड मॉडल इन इवैंट्स विद हाई मोमेंटम हिग्स बोसोन एंड मिसिंग ट्रांसवर्स मोमेटम इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट 13 TeV. फिजिक्स रिव्यू लैटर्स, *120* (24), 241801.

सिरून्यान, एट अल. (2018). बोस - आइंसटीन कोरोलेशन इन पीपी, पीपीबी एंड पीबीपीबी कोलिजन्स एट $\sqrt{s_{NN}}= 0.9 - 7$ TeV. फिजिक्स रिव्यू सी, *97*(6), 064912.

सिरून्यान, एट अल. (2018). सर्च फॉर लेप्टॉन फ्लैवर वायलेटिंग डिकेज आफ द हिग्स बोसोन टू μτ एंड eτ इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट $\sqrt{s}$= 13 TeV. जर्नल आफ हाई एनर्जी फिजिक्स, *1806*, 001.

सिरून्यान, एट अल. (2018). आइडेंटीफिकेशन आफ हैवी फ्लैवर जेट्स विद द सीएमएस डिटेक्टर इन पीपी कोलिजन्स एट 13 TeV. जर्नल आफ इंस्ट्रुमेंटेशन, *13*(05), पी05011.

सिरून्यान, एट अल. (2018). सर्च फॉर द एक्स(5568) स्टेट डिकेयिंग इनटू B0sπ ± Bs0π ± इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट $\sqrt{s}$= 8 TeV. फिजिकल रिव्यू लैटर्स, *120* (20), 202005.

सिरून्यान, एट अल. (2018). मेजरमेंट आफ द एसोसिएटेट प्रोडक्शन आफ ए सिंगल टॉप क्वैर्क एंड ए जेड बोसोन इन पीपी कोलिजन्स एट $\sqrt{s}$= TeV. फिजिक्स लैटर्स बी, *779*, 358-384.

सिरून्यान, एट अल. (2018). सर्च फॉर न्यू फिजिक्स इन फाइनल स्टेट्स विद एन एनर्जेटिक जेट ऑर ए हार्डिनोकली डिकेइंग डब्लू डब्लू ऑर जेड जेड बोसोन एंड ट्रांसवर्स मोमेंटम इंबैलेंस एट $\sqrt{s}$=13 TeV. फिजिक्स रिव्यू डी, *97*(9), 092005.

सिरून्यान, एट अल, (2018). कांस्ट्रेंट्स ऑन द डबल पेट्रोन स्केटरिंग क्रास सेक्शन फ्राम सेम साइन डब्लू बोसान पेयर प्रोडक्शन इन प्रोटोन -प्रोटोन कोलिजन्स एट $\sqrt{s}$=8 TeV। जर्नल आफ हाई एनर्जी फिजिक्स, *1802*, 032.

सिरून्यान, एट अल, (2018). सर्च फॉर पेयर प्रोडक्शन आफ एक्साइटेड टॉप क्वेर्क इन द लेप्टॉन + जेट्स फाइनल स्टेट। फिजिक्स लेटर्स बी, *778*, 349-370.

जैन, जी., दलाल, आर., भारद्वाज, ए. रंजन, के., डायरलेम, ए., हार्टमन, एम., ईबर, आर., डिमरटीयू, एम. (2018). डेवलपमेंट ऑफ एसी-कपल्ड, पॉली सिलिकॉन बायस्ड स्ट्रीप डिटेक्टर्स इन इंडिया फॉर एचईपी एक्सपेरिमेंट्स। न्यूक्लियर इंस्ट्रुमेंट्स एंड मेथड्स इन फिजिक्स रिसर्च सेक्शन ए, *882*, 1-10.

सिरून्यान, एट अल (2018). सर्च फॉर न्यू लॉग लिव्ड पार्टिकल्स एट $\sqrt{s}$= 13 TeV. फिजिक्स लैटर्स बी, *780*, 432-454.

सिरून्यान, एट अल. (2018). सर्च फॉर गेज मेडियेटेड सुपर सिमिट्री इन इवेंट्स विद एट लिस्ट वन फोटोन एंड मिसिंग ट्रांसवर्स मोमेंटम इन पीपी कोलिजन्स एट $\sqrt{s}$= 13 TeV. फिजिक्स लैटर्स बी, *780*, 118-143.

सिरून्यान, एट अल. (2018). सर्च फॉर एक्साइटेड क्वर्क फॉर लाइट एंड हैवी फेवर इन γ+γ+ जेट फाइनल स्टेट्स इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट $\sqrt{s}$= 13TeV. फिजिक्स लैटर्स बी, *781*, 390-411.

सिरून्यान, एट अल. (2018). सर्च फॉर ZZ रेजोनेंसेज इन द 2ℓℓ2νν फाइनल स्टेट इन प्रोटोन -प्रोटोन कोलिजन्स एट 13 TeV. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, *1803*, 003.

सिरून्यान, एट अल. (2018). मेजरमेंट ऑफ द इन्क्लुसिव tt¯ क्रॉस सेक्शन इन pp कोलिजन्स एट $\sqrt{s}$=5.02 TeV यूजिंग फाइनल स्टेट्स विद एट लिस्ट वन चार्ज्ड लेप्टॉन। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, *1803*, 115.

सिरून्यान, एट अल. (2018). मेजरमेंट ऑफ एसोसिएटेड Z + चार्म प्रोडक्शन इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स $\sqrt{s}$= 8 TeV. द यूरोपीयन फिजिक्स जर्नल, सी *78* (4), 287.

सिरून्यान, एट अल. (2018). सर्च फॉर न्यू फिजिक्स इन इवेंट्स विद ए लेप्टोनिकली डिकेयिंग Z बोसोन एंड ए लार्ज ट्रांसवर्स मोमेंटम इम्बैलेंस इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट √s = 13 TeVTeV. द यूरोपीयन फिजिकल जर्नल, सी *78* (4), 291.

सिरून्यान, एट अल. (2018). सर्च फॉर सुपर सिमिट्री इन प्रोटोन -प्रोटोन कोलिजन्स एट 13 TeV यूजिंग आइडेंटिफाइड टॉप क्वेर्क्स । फिजिक्स रिव्यू डी *97*(1), 012007.

सिरून्यान, एट अल. (2018). मेजरमेंट ऑफ क्वार्कोनियम प्रोडक्शन क्रॉस सेक्शन्स इन pp कोलिजन्स एट √s= 13 TeV. फिजिक्स लैटर्स बी, *780*, 251-272.

सिरून्यान, एट अल. (2018). सर्च फॉर स्टैंडर्ड मॉडल प्रोडक्शन आफ फोर टॉप क्वार्क्स विद सेम साइन एंड मल्टी लेप्टॉन फाइनल स्टेट्स इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट √s=13TeV. द यूरोपीयन फिजिकल जर्नल, सी *78* (2), 140.

सिरून्यान, एट अल. (2018). स्युडोरेपिडिटी डिस्ट्रीब्यूसन्स आफ चार्ज्ड हेड्रोन इन प्रोटोन लीड कोलिजन्स एट $\sqrt{s_{NN}}$= 5.02 एंड 8.16 TeV. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, *1801*, 045.

सिरून्यान, एट अल (2018). सर्च फॉर सुपर सिमट्री इन इवेंट्स विद एट लिस्ट थ्री इलेक्ट्रॉन्स ऑर म्युऑन्स, जेट्स, एंड मिसिंग ट्रांसवर्स मोमेटम इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट √s=13 TeV. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, *1801*, 067.

सिरून्यालन, एट अल. (2018). मेजरमेंट ऑफ b हेड्रोन इन pp कोलिजन्स एट s√=s= 8 TeV. द यूरोपीयन फिजिकल जर्नल, सी *78* (6), 457.

सिरून्यान एट अल. (2018). मेजरमेंट ऑफ डिफेरेंसियल क्रॉस सेक्शन्स इन द कायनेमेटिक एंगुलर वेरियेवल ϕϕ* फॉर इन्क्लुसिव Z बोसोन प्रोडक्शन इन pp कोलिजन्स एट √s = 8 TeV. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, *1803*, 172.

सिरून्यान एट अल. (2018). सर्च फॉर ए मैसिव रिजोनेंस डिकेयिंग टू ए पेयर आफ हिग्स बोसोन इन द फोर b क्वेर्क फाइनल स्टेट इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट √s= 13 TeV. फिजिक्स लैटर्स बी, *781*, 244-269.

सिरून्यान एट अल. (2018). मेंजरमेंट ऑफ एंगुलर पैरामीटर फ्रॉम द डिकेय $B^0 \to K^{*0}\mu^+\mu^-$ इन प्रोटोन -प्रोटोन कोलिजन्स एट √s= 8 TeV. फिजिक्स लैटर्स बी, *781*, 517-541.

सिरून्यान एट अल. (2018). स्टडी ऑफ डायजेट इवेंट्स विद ए लार्ज रेपिडिटी गैप विटविन द टू लिडिंग जेट्स इन pp कोलिजन्स एट √s=7 TeVTeV. द यूरोपीयन फिजिक्ल जर्नल, सी *78* (3), 242.

सिरून्यान एट अल. (2018). सर्च फॉर पेयर प्रोडक्शन ऑफ वेक्टर लाइक क्वार्क इन द bWb¯W चैनल फ्रॉम प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट √s= 13 TeV. फिजिक्स लैटर्स बी, *779*, 82-106.

सिरून्यान एट अल. (2018). सर्च फॉर लो मॉस वेक्टर रिजोनेंस डिकेयिंग इनटू क्वेर्क एंटी क्वेर्क पेयर्स इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट √s=13 TeV. जर्नल आफ हाई एनर्जी फिजिक्स, *1801*, 097.

सिरून्यान एट अल. (2018). सर्च फॉर सुपर सिमिट्री इन इवेंट्स विद वन लेप्टॉन एंड मल्टीपल जेट्स एक्प्लोइटिंग द एंगुलर कोरेलेशन विटविन द लेप्टॉन एंड द मिसिंग ट्रांसवर्स मोमेटम इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट √s= 13 TeV. फिजिक्स लैटर्स बी, *780*, 384-409.

सिरून्यान एट अल. (2018). आब्जर्वेशन ऑफ कोरोलेटेड एजिमुथल एनिसोट्रोफी फोरियर हार्मोनिक्स इन pp एंड p+Pb कोलिजन्स एट द LHC. फिजिक्स रिव्यू लैटर्स, *120*(9), 092301.

सिरून्यान एट अल. (2018). सर्च फॉर न्यू फेनोमेना इन फाइनल स्टेट्स विद टू अपोजिट चार्ज, सेम फ्लेवर लेप्टॉन्स, जेट्स एंड मिसिंग ट्रासवर्स मोमेंटम इन pp कोलिजन्स एट √s=13 TeV. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, *1803*, 076.

सिरून्यान एट अल. (2018). मेजरमेंट्स ऑफ द pp→ZZ प्रोडक्शन क्रॉस सेक्शन एंड द Z→4ℓ ब्रांसिंग फ्रेक्शन एंड कांस्ट्रेंट्स ऑन एनोमलस ट्रिपल गेज कपलिंग एट √s=13TeV. द यूरोपीयन फिजिकल जर्नल, सी *78* (3), 165.

सिरून्यान एट अल. (2018). एविडेंस फॉर द हिग्स बोसोन डिकेय टू ए बॉटम क्वैर्क एंटी क्वेर्क पेयर। फिजिक्स लैटर्स बी, *780*, 501-532.

सिरून्यान एट अल. (2018). आब्जर्वेशन ऑफ टॉप क्वेर्क प्रोडक्शन इन प्रोटोन-न्यूक्लियस कोलिजन्स। फिजिक्स रिव्यू लैटर्स, *119*(24), 242001.

सिरून्यान एट अल. (2018). ऑब्जर्वेशन ऑफ इलेक्ट्रोवीक प्रोडक्शन ऑफ सेम साइन W बोसोन पेयर्स इन द टू जेट एंड टू सेम साइन लेप्टॉन फाइनल स्टेट इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट √s= 13 TeV. फिजिक्स रिव्यू लेटर्स, *120*(8), 081801.

सिरून्यान एट अल. (2018). इंक्लूसिव सर्च फॉर ए हाइली बूसटेड हिग्स बोसोन डिकेयिंग टू ए बॉटम क्वेर्क एंटी क्वेर्क पेयर. फिजिक्स रिव्यू लेटर्स, *120*(7), 071802.

सिरून्यान एट अल. (2018). सर्च फॉर इलेक्ट्रोवीक प्रोडक्शन ऑफ चार्जिनोस एंड न्यूट्रालिनोस इन मल्टीलेप्टॉन फाइनल स्टेट्स इन प्रोटोन -प्रोटोन एट √s= 13 TeV. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, *1803*, 166.

आबउड, एट अल. (2018). कंबिनेशन ऑफ इंक्लूसिव एंड डिफरेंसियल tt¯ चार्ज एसिमिट्री मेजरमेंट्स यूजिंग एटलस एंड सीएमएस डाटा एट √s=7 एंड 8 TeV. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, *1804*, 033.

सिरून्यान एट अल. (2018). सर्च फॉर हिग्सिनो पेयर प्रोडक्शन इन pppp कोलिजन्स एट √s = 13 TeV इन फाइनल स्टेट्स विद लार्ज मिसिंग ट्रांसवर्स मोमेंटम एंड टू हिग्स बोसोन डिकेयिंग विया H→bb¯. फिजिक्स रिव्यू डी, *97*(3), 032007.

सिरून्यान एट अल. (2018). सर्च फॉर सुपर सिमिट्री विद हिग्स बोसोन टू डायफोटोन डिकेय यूजिंग द रेजर वेरियेबल्स एट √s= 13 TeV. फिजिक्स लैटर्स बी, *779*, 166-190.

सिरून्यान एट अल. (2018). मेजरमेंट ऑफ द स्प्लिटिंग फंक्शन इन pppp एंड Pb-Pb कोलिजंस एट $\sqrt{s_{NN}}$= 5.02 TeV. फिजिक्स रिव्यू लैटर्स, *120*(14), 142302.

सिरून्यान एट अल. (2018). सर्च फॉर हैवी रिजोनेंस डिकेयिंग टू ए टॉप क्वेर्क एंड ए बॉटम क्वेर्क इन लेप्टॉन +जेट्स फाइनल स्टेट इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट 13 TeV. फिजिक्स लैटर्स बी, *777*, 39-63.

सिरून्यान एट अल. (2018). सर्च फॉर एविडेंस ऑफ द टाईप –III सीसॉ मैकेनिज्म इन मल्टीलेप्टॉन फाइनल स्टेट्स इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट √s=13 TeV. फिजिक्स रिव्यू लैटर्स, *119*(22), 221802.

सिरून्यान एट अल. (2018). मेजरमेंट ऑफ नॉर्मलाइज्ड डिफरेंशियल tt¯ क्रॉस सेक्शन इन द डायलेप्टॉन चैनल फ्रॉम pp कोलिजन्स एट √s=13 TeV. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, *1804*, 060.

सिरून्यान एट अल. (2017). प्रिंसिपल- कंपोनेंट एनॉलिसिस ऑफ टू-पार्टिकल एजिमुथल कोरोलेशन इन PbPb एंड pPb कोलिजन्स एट सीएमएस। फिजिक्स रिव्यू सी, *96* (6), 064902.

एडम, एट अल. (2017). कैरेक्टेराइजेशन ऑफ इरेडियेटेड थिन सिलिकॉन सेंसर फॉर द सीएमएस फेज II पिक्सल अपग्रेड। द यूरोपीयन फिजिकल जर्नल, सी *77* (8), 567.

सिरून्यान एट अल. (2018). सर्च फॉर मैसिव रिजोनेंस डिकेयिंग इनटू WWWW, WZWZ, ZZZZ, qWqW, एंड qZqZ विद डायजेट फाइनल स्टेट्स एट s√=13 TeVs=13 TeV. फिजिक्स रिव्यू डी, *97* (7), 072006.

सिरून्यान एट अल. (2018). न्यूक्लियर मॉडिफिकेशन फैक्टर ऑफ D^0 मेसोन इन PbPb कोलिजन्स एट $\sqrt{s_{NN}}$=5.02 TeV. फिजिक्स लैटर्स बी, *782*, 474-496.

सिरून्यान एट अल. (2018). सर्च फॉर रेजोनेंट एंड नॉन रेजोनेंट हिग्स बोसोन पेयर प्रोडक्शन इन द bb¯ℓνℓν फाइनल स्टेट इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट √s=13 TeV. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, *1801*, 054.

सिरून्यान एट अल. (2018). मेजरमेंट ऑफ प्रॉम्प्ट D^0 मेसोन एजीमुथल एनीसोट्रॉपी इन Pb-Pb कोलिजन्स एट $\sqrt{s_{NN}}$= 5.02 TeV. फिजिक्स रिव्यू लैटर्स, *120*(20), 202301.

सिरून्यान एट अल. (2017). मेजरमेंट ऑफ वेक्टर बोसोन स्कैटिरंग एंड कांस्ट्रेंट्स ऑन एनॉमोलस क्वार्टिक कपलिंग फ्रॉम इवेंट्स विद फोर लेप्टॉन एंड टू जेट्स इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट √s=13 TeV. फिजिक्स लैटर्स बी, *74*, 682-705.

सिरून्यान एट अल. (2018). सर्च फॉर वेक्टर लाइक लाइट फ्लेवर क्वार्क पार्टनर्स इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट s√s =8 TeV. फिजिक्स रिव्यू डी, *97*, 072008.

सिरून्यान एट अल. (2018). कांस्ट्रेंट्स ऑन द चिराल मैग्नेटिक इफेक्ट यूजिंग चार्ज डिपेंडेंट एजीमुथल कोरेलेशन्स इन pPb एंड PbPb कोलिजन्स एट द सीईआरएन लार्ज हार्डन कोलाइडर । फिजिक्स रिव्यू सी, *97*(4), 044912.

सिरून्यान एट अल. (2018). सर्च फॉर सिंगल प्रोडक्शन ऑफ ए वेक्टर लाइक टी क्वार्क डिकेयिंग टू ए Z बोसोन एंड ए टॉप क्वार्क इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट s√s = 13 TeV. फिजिक्स लैटर्स बी, *781*, 574-600.

सिरून्यान एट अल. (2018). ऑब्जर्वेशन ऑफ द हिग्स बोसोन डिकेय टू ए पेयर आफ ττ लेप्टॉन विद द सीएमएस डिटेक्टर। फिजिक्स लैटर्स बी, *779*, 283-316.

सिरून्यान एट अल. (2017). सर्च फॉर ए लाइट स्युडोस्केलर हिग्स बोसोन प्रोड्युस्ड इन एसोसिएशन विद बॉटम क्वेर्क्स इन pp कोलिजन्स एट √s=8 TeV. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, *1711*, 010.

सिरून्यान एट अल. (2018). सर्च फॉर द पेयर प्रोडक्शन ऑफ थर्ड जेनेरेशन स्क्वार्क विद टू बॉडी डिके टू ए बॉटम ओर चार्म क्वेर्क एंड ए न्यूट्रालिनो इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट √s = 13 TeV. फिजिक्स लैटर्स बी, *781*, 263-291.

सिरून्यान एट अल. (2017). सर्च फॉर सुपरसिमिट्री इन इवेंट्स विद एट लिस्ट वन फोटोन, मिसिंग ट्रांसवर्स मोमेन्टम, एंड लार्ज ट्रांसवर्स इवेंट एक्टिविटी इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट √s=13TeV. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, *1712*, 142.

सिरून्यान एट अल. (2017). मेजरमेंट आफ द डिफरेंसियल क्रास सेक्शंस फॉर द एसोसिएटेड प्रोडक्शन ऑफ ए WW बोसोन एंड जेट्स इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट √s=13 TeV. फिजिक्स रिव्यू डी, *96*(7), 072005.

सिरून्यान एट अल. (2018). सर्च फॉर नेचुरल सुपरसिमिट्री इन इवेंट्स विद टॉप क्वेर्क पेयर्स एंड फोटोन इन pp कोलिजन्स एट √s= 8 TeV. जर्नल ऑफ एनर्जी फिजिक्स,*1803*, 167.

सिरून्यान एट अल. (2017). सर्च फॉर डायरेक्ट प्रोडक्शन ऑफ सुपरसिमिट्री पार्टनर्स ऑफ द टॉप क्वेर्क इन द ऑल जेट्स फाइनल स्टेट इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट s√=13s=13 TeV. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, *1710*, 005.

सिरून्यान एट अल. (2018). सर्च फॉर हिग्स बोसोन पेयर प्रोडक्शन इन इवेंट्स विद टू बॉटम क्वेर्क एंड टू टाउ लेप्टॉन्स इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट √s =13TeV. फिजिक्स लैटर्स बी, *778*, 101-127.

सिरून्यान एट अल. (2017). सर्च फॉर हैवी रेजोनेंस दैट डिकेय इनटू ए वेक्टर बोसोन एंड ए हिग्स बोसोन इन हार्डोनिंक फाइनल स्टेट्स एट √s=13 TeV. द यूरोपीयन फिजिकल जर्नल सी, *77* (9), 636.

सिरून्यान एट अल. (2017). कांस्ट्रेंट्स ऑन एनॉमलस हिग्स बोसोन कपलिंग यूजिंग प्रोडक्शन एंड डिकेय इंफार्मेशन इन द फोर लेप्टॉन फाइनल स्टेट। फिजिक्स लैटर्स बी, *775*, 1-24.

सिरून्यान एट अल. (2017). सर्च फॉर हिग्स बोसोन पेयर प्रोडक्शन इन द bbττ फाइनल स्टेट इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट √(s)=8 TeV. फिजिक्स रिव्यू डी, *96*(7), 072004.

सिरून्यान एट अल. (2017). मेजरमेंट ऑफ चार्ज्ड पियोन, केयोन एंड प्रोटोन प्रोडक्शन इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट √s=13 TeV. फिजिक्स रिव्यू डी, *96*(11), 072003.

सिरून्यान एट अल. (2017). मेजरमेंट्स ऑफ प्रोपर्टीज ऑफ द हिग्स बोसोन डिकेयिंग इनटू द फोर लेप्टॉन फाइनल स्टेट इन pp कोलिजन्स एट √s=13 TeV. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, *1711*, 047.

सिरून्यान एट अल. (2017). सर्च फार इलेक्ट्रोवीक प्रोडक्शन ऑफ चार्जिनोस एंड न्यूट्रालिनोस इन WH इवेंट्स इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट √s=13 TeV. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, *1711*, 029.

एडम, एट, अल (2017). P- प्रकार सिलिकॉन स्ट्रीप सेंसर्स फॉर द न्यू CMS ट्रेकर एट HL-LHC. जर्नल ऑफ इंस्ट्रुमेंटेशन, *12*(06), P06018.

सिरून्यान एट अल. (2017). सर्च फॉर ए हैवी कंपोजिट मेजोराना न्यूट्रिनो इन द फाइनल स्टेट विद टू लेप्टोन एंड टू क्वेर्क्स एट √s=13 TeV. फिजिक्स लैटर्स बी, *775*, 315-337.

सिरून्यान एट अल. (2017). मेजरमेंट ऑफ द सेमी लेप्टॉनिक $t\bar{t}+\gamma$ प्रोडक्शन क्रॉस सेक्शन इन pp कोलिजन्स एट √s=8TeV. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, *1710*, 006.

सिरून्यान एट अल. (2018). सप्रेशन ऑफ एक्साइटेड Y स्टेट्स रिलेटिव टू द ग्राउंड स्टेट इन Pb-Pb कोलिजन्स एट $\sqrt{s_{NN}}$= 5.02 TeV. फिजिक्स रिव्यू लैटर्स, *120*(14), 142301.

सिरून्यान एट अल. (2017). मेजरमेंट्स ऑफ जेट चार्ज विद डायजेट इवेंट्स इन pp कोलिजन्स एट √s=8 TeV. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, *1710*, 0131.

सिरून्यान एट अल. (2017). पार्टिकल -फ्लो रिकंस्ट्रक्शन एंड ग्लोबल इवेंट डिस्क्रिप्शन विद द CMS डिटेक्टर। जर्नल आफ इंस्ट्रुमेंटेशन, *12*(10), P10003.

सिरून्यान एट अल. (2017). सर्च फॉर टॉप स्वैर्क पेयर प्रोडक्शन इन pp कोलिजन्स एट √s=13 TeV यूजिंग सिंगल लेप्टॉन इवेंट्स। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, *1710*, 019.

सिरून्यान एट अल. (2017). सर्च फॉर W′ बोसोन डिकेयिंग टू ए टॉप क्वेर्क एंड ए बॉटम क्वेर्क इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट 13 TeV. जर्नल आफ हाई एनर्जी फिजिक्स, *1708*, 029.

सिरून्यान एट अल. (2017). सर्च फॉर न्यू फिजिक्स इन द मोनो फोटोन फाइनल स्टेट इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट √s=13 TeV. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, *1710*, 073.

सिरून्यान एट अल. (2017). सर्च फॉर पेयर प्रोडक्शन ऑफ वेक्टर लाइक T और B क्वेर्क्स इन सिंगल लेप्टॉन फाइनल स्टेट्स यूजिंग बूस्टेड जेट सबस्ट्रक्चर इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट √s=13 TeV. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, *1711*, 085.

सिरून्यान एट अल. (2017). सर्च फॉर डार्क मैटर प्रोड्यूस्ड इन एसोसिएशन विद हैवी फ्लेवर क्वेर्क पेयर्स इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट √s=13 TeV. द यूरोपीयन फिजिकल जर्नल, सी *77* (12), 845.

सिरून्यान एट अल. (2017). सर्च फॉर टॉप क्वेर्क पार्टनर्स विद चार्ज 5/3 इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट √s= 13 TeV. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, *1708*, 073.

सिरून्यान एट अल. (2017). सर्च फॉर लो मास वेक्टर रेजोनेंस डिकेयिंग टू क्वेर्क -एंटीक्वेर्क पेयर्स इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट √s=13 TeV. फिजिक्स रिव्यू लैटर्स, *119*(11), 111802.

सिरून्यान एट अल. (2018). मेजरमेंट्स ऑफ $t\bar{t}$ क्रॉस सेक्शंस इन एसोसिएशन विद b जेट्स एंड इन्क्लूसिव जेट्स एंड देयर रेशियो यूजिंग डायलेप्टॉन फाइनल स्टेट्स इन pp कोलिजन्स एट √s = 13 TeV. फिजिक्स लैटर्स बी, *776*, 355-378.

सिरून्यान एट अल. (2017). कंबिनेशन ऑफ सर्चेज फॉर हैवी रिजोनेंस डिकेयिंग टू WW, WZ, ZZ, WH, एंड ZH बोसोन पेयर्स इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट √s = 8 एंड 13 TeV. फिजिक्स लैटर्स बी, *774*, 533-558.

सिरून्यान एट अल. (2017). मेजरमेंट्स आफ द $B^{\pm}$ मेसोन न्यूक्लियर मॉडिफिकेशन फेक्टर इन Pb-Pb कोलिजन्स एट $\sqrt{s_{NN}}$ = 5..02 TeV. फिजिक्स रिव्यू लैटर्स, *119*(15), 152301.

सिरून्यान एट अल. (2017). सर्च फॉर सुपरसिमिट्री इन pp कोलिजन्स एट √s=13 TeV इन द सिंगल लेप्टॉन फाइनल स्टेट यूजिंग द सम आफ मासेज आफ लार्ज रेडियस जेट्स। फिजिक्स रिव्यू लैटर्स, *119*(15), 152302.

सिरून्यान एट अल. (2017). सर्च फॉर न्यू फेनोमेना विद द M_{T2} वेरियवेल इन द ऑल हार्डोनिक फाइनल स्टेट प्रोड्यूस्ड इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट √s=13 TeV. द यूरोपीयन फिजिकल जर्नल सी, *77* (10), 710.

सिरून्यान एट अल. (2017). सर्च फॉर चार्ज्ड हिग्स बोसोन प्रोड्यूस्ड विया वेक्टर बोसोन फ्युजन एंड डिकेयिंग इनटू ए पेयर ऑफ WW एंड ZZ बोसोन यूजिंग pppp कोलिजन्स एट √s=13 TeV. फिजिक्स रिव्यू लैटर्स, *119*(14), 141802.

सिरून्यान एट अल. (2017). मेजरमेंट ऑफ द ट्रिपल डिफरेंसिअल डायजेक्ट क्रॉस सेक्शन इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट √s=8TeV एंड कांस्ट्रेंट्स ऑन पार्टन डिस्ट्रीब्यूशन फंक्शसं। द यूरोपीयन फिजिकल जर्नल सी, *77* (11), 746.

सिरून्यान एट अल. (2017). सर्च फॉर ब्लैक होल्स इन हाई मल्टीप्लिसिटी फाइनल स्टेट्स इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट √s=13 TeV. फिजिक्स लैटर्स बी, *774*, 279-307.

सिरून्यान एट अल. (2017). सर्च फॉर सुपर सिमेट्री इन मल्टी जेट इवेंट्स विद मिसिंग ट्रांसवर्स मोमेंटम इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट 13 TeV. फिजिक्स रिव्यू डी, *96*(03), 032003.

सिरून्यान एट अल. (2017). सर्च फॉर फिजिक्स बयोन्ड द स्टैंडर्ड मॉडल इन इवेंट्स विद टू लेप्टॉन्स ऑफ सेम साइन, मिसिंग ट्रांसवर्स मोमेंटम, एंड जेट्स इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट √s=13TeV. द यूरोपीयन फिजिकल जर्नल, सी, *77* (09), 578.

सिरून्यान एट अल. (2017). मेजरमेंट ऑफ द टॉप क्वेर्क मास इन डायलेप्टॉनिक $t\bar{t}$ डिकेय चैनल यूजिंग द मॉस ऑब्जर्वेवल्स $M_{b\ell}$, M_{T2}, एंड $M_{b\ell\nu}$ इन pp कोलिजन्स एट √s=8 TeV. फिजिक्स रिव्यू डी, *96*(03), 032002.

सिरून्यान एट अल. (2017). सर्च फॉर $t\bar{t}$ रेजोनेंस इन हाइली बूस्टेड लेप्टॉन +जेट्स एंड फुली हार्डोनिक फाइनल स्टेट्स इन प्रोटोन-प्रोटोन कोलिजन्स एट √s=13 TeV. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, *1707*, 001.

सिरून्यान एट अल. (2017). मेजरमेंट्स ऑफ द pp →Wγγ एंड pp →Zγγ क्रॉस सेक्शंस एंड लिमिट्स ऑन एनॉमलस क्वार्टिक गेज कपलिंग्स एट √s=8 TeV. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, *1710*, 072.

अनुसंधान परियोजनाएं

डीएसटी प्रमुख अनुसंधान परियोजना, कॉम्पेक्ट म्युऑन सोलेनोआइड (सीएमएस) अपग्रेड, आपरेशन एंड यूटीलाइजेशन, 2014-2019, डॉ. कीर्ति रंजन, 11.73 करोड़ रूपए।

डीएसटी प्रमुख अनुसंधान परियोजना, अपडेटिंग एंड आपरेशन ऑफ रिजनल डब्लूएलसीजी ग्रिड प्रणाली, 2014-2019, डॉ. कीर्ति रंजन, 25.30 लाख रूपए।

डीएसटी प्रमुख अनुसंधान परियोजना, डॉ. अशोक कुमार, 2015-2018, 23.48 लाख रूपए।

डीएसटी प्रमुख अनुसंधान परियोजना, आईएनओ परियोजना के लिए विश्वविद्यालय समूहों द्वारा अनुसंधान और विकास प्रयास, 178.41 लाख रूपए।

सेमीनार / सम्मेलन प्रस्तुतिकरण

डॉ. आशुतोष भारद्वाज, प्रायोगिक उच्च ऊर्जा भौतिकी प्रयोग, परमाणु संबंधी उन्नत डिटेक्टर्स, उच्च ऊर्जा और एस्ट्रोपार्टिकल फिजिक्स में सिलिकॉन सेंसर पर भाषण दिया, 15-17 फरवरी, 2017, बोस संस्थान, कोलकाता, भारत।

अंतर संस्थागत सहयोग

सभी अनुसंधान परियोजनाएं अंतर संस्थागत परियोजनाएं हैं।

***

उद्यमशीलता और भविष्योन्मुखी कार्यक्रम हेतु केन्द्र

उद्यमशीलता और भविष्योन्मुखी कार्यक्रमों हेतु केन्द्र ने दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में कई उद्यमशीलता प्रकोष्ठों को शुरू किया । इस केन्द्र ने दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में उद्यमशीलता प्रकोष्ठों में विभिन्न क्रियाकलापों का आयोजन किया ।

27 अप्रैल, 2017 – शिवाजी महाविद्यालया में उद्यमशीलता को शुरू करने के लिए शिक्षकों के साथ बैठक।
17 अगस्त, 2017- शिवाजी महाविद्यालय में उद्यमशीलता प्रकोष्ठ का उद्घाटन। व्याख्यान तथा छात्रों और शिक्षकों के साथ चर्चा।
9 नवम्बर, 2017- महिलाओं हेतु प्रयुक्त विज्ञान के लिए शहीद राजगुरू महाविद्यालय में प्रसिद्ध उद्यमशीलता दिवस का आयोजन किया।
11 जनवरी, 2018- शिवाजी महाविद्यालय के उद्यमशीलता प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित उद्यमशीलता सम्मेलन।
16 जनवरी, 2018- विवेकानंद महाविद्यालय में उद्यमशीलता प्रकोष्ठ का उद्घाटन।
2 फरवरी, 2018- किसी उद्यम को शुरू करने के लिए विचारों का फलना फूलना। सामूहिक चर्चा और विचारों का सृजन।
20 फरवरी, 2018 - दीनदयाल उपाध्याय महाविद्यालय में उद्यमशीलता प्रकोष्ठ का उद्घाटन।
शहीद राजगुरू महाविद्यालय को फरवरी, 2018 में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई)- डीआई, नई दिल्ली के सहयोग से प्रौधोगिकी कारोबार इन्युबेटर (टीबीआई) को शुरू करने का अनुमोदन प्राप्त हुआ।

सेमीनार/ सम्मेलन प्रस्तुतिकरण

डॉ. एस. लक्ष्मी देवी ने

दिनांक 21.07.2017 से 28.07.2017 तक महिला हेतु शहीद राजगुरू प्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित प्रयुक्त विज्ञान शिक्षण में हाल की प्रवृत्ति पर संकाय विकास कार्यक्रम में 'शिक्षा में मूल्य'' विषय पर व्याख्यान दिया।

महिलाओं हेतु शहीद राजगुरू प्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित डीबीटी स्टार महाविद्यालय स्कीम एवं यूजीसी द्वारा संयुक्त रूप से प्रयोजित दिनांक 15-21 दिसम्बर, 2017 तक ''एक सप्ताह का राष्ट्रीय पैरा शिक्षण कर्मचारी कौशल संवर्धन कार्यशाला (पीटीएसएसईडब्लू 2017)'' में ''कार्य संबंधी नैतिकता'' के संबंध में बातचीत की और कार्यशाला का आयोजन किया।

टीबी निदान केन्द्र रामकृष्ण मिशन, नई दिल्ली के कर्मचारियों के लिए दिनांक 22 जनवरी, 2018 को यौन उत्पीड़न संबंधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

रामकृष्ण मिशन, नई दिल्ली में 3 फरवरी, 2018 को सिस्टर निवेदिता के 150वें जन्मदिन को मनाते हुए युवा अभिसमय में ''समक्ष आ रही चुनौतियां और इनके समाधान'' के संबंध में एक व्याख्यान दिया।

4 मार्च, 2018 को शारदा मिशन, हौज खास, नई दिल्ली में ''स्वामी विवेकानंद की शिक्षा'' के संबंध में एक व्याख्यान दिया।

12 फरवरी, 2018 को महाविद्यालय प्रशासन संबंधी गुणवत्ता पूर्ण प्रबंधन प्रणाली पर विवेकानंद महाविद्यालय के आंतरकि गुणता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित एक दिवसीय सेमीनार में ''कुल गुणवत्ता प्रबंधन'' पर सत्र तीन की अध्यक्षता की और मुख्य संबोधन दिया।

***

अपरिवर्तित पारिस्थितिक तंत्र पर्यावरण प्रबंधन केंद्र

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

इस केन्द्र के महत्व वाले क्षेत्रों में समकालीन पर्यावरण और पारिस्थितिकी संबंधी चुनौतियों से निपटने में अनुसंधान कार्य शामिल है जो चुनौतियां पारिस्थितिकी तंत्र और जीवन गुणवत्ता एवं कार्य संबंधी अनुसंधान में क्षमता वर्धन के लिए खतरा है। सीईएमडीई जैविक हस्तक्षेप आक्रमण के क्षेत्र में सक्रिय रहा है। इन तंत्रों को समझने में योगदान दिया जिसके माध्यम से अपनी प्रतिस्पर्धा अथवा सामान्य पारिस्थितिकी सफलता की प्राप्ति में सहज बनाता है और/अथवा नवोन्मेषी प्लांट प्राप्त करते हैं। डायरेक्टर के डॉक्टोरल छात्र कई आकर्षक किस्मों के आक्रमक पारिस्थितिकी पर कार्य कर रहे हैं। वर्ष 2017-18 के दौरान इस केन्द्र ने धनबाद एवं रांची में कोल इंडिया लिमिटेड के कोयला क्षेत्रों में खनन क्षेत्र की पारिस्थितिकी पुनर्स्थापन कार्य को किया। चार वर्ष पुरानी पुनर्स्थापित स्थल उष्णकटिबंधीय पतझड़ी वन/ पारिस्थितिकी को संश्रित करता है। केन्द्र ने संरक्षित क्षेत्रों में *लंटाना*- आक्रमणकारी बाह्य किस्में- के प्रबंधन के लिए एक सफल नीति को भी विकसित किया है।

सम्मान/ विशिष्टताएं

वर्ष 2016 में अल्बेट्रा विश्वविद्यालय, कनाडा द्वारा विशिष्ट आगंतुक पुरस्कार दिया गया।
वर्ष 2015 में रॉबर्ट एच. ह्विटीकर विशिष्ट पारिस्थितिकी विशेषज्ञता पुरस्कार, इकोलोजिकल सोसाइटी आफ अमेरिका।

प्रकाशन

सिंह, एस. पी., इंद्रजीत, सिंह, जे. एस., मजूमदार, एस., मोयानो, जे., न्यूनेज, एम. ए. और रिचर्डसन, डी (2018)। इनसाइट्स ऑन द पर्सिस्टेंस ऑफ पाइन्स (पाइनस स्पीसेज) इन द लेट क्रेटासीयस एंड देयर इंक्रिजिंग डोमिनेंस इन द एनथ्रोपोसीन। इकोलॉजी एंड इवोल्युशन, इन प्रेस।

बेगर, ए., ब्रोकीस, आर. पाठक, पी. के. हिचरी, आई. इन्द्रजीत, भाटिया, एस. बोसकारी, ए. इगम्बरदीव, ए. यू. एंड गुप्ता, जे. के. (2018)। पाथवे आफ नाइट्रिक ऑक्साइड मेटाबोलिज्म एंड आपरेशन आफ फायटोग्लोबिन्स इन लेग्युम नोड्यूल्स: मिसिंग लिंक्स एंड फ्युचार डायरेक्शसं। प्लांट सेल एंड एनवायरामेंट, इन प्रेस।

इंद्रजीत, परगेल, जे., वेन क्लुनेन, एम., हेजदा, एम., बाबु, सी. आर., मजुमदार, एस., सिंह, पी., सलम्मा, एस., राव, बी. आर. पी. एवं पायसेक, पी. (2018)। न्युट्रलाइज्ड एलियन फ्लोरा आफ द इंडियन स्टेट्स: बायोज्योग्राफिक पैटर्न्स, टैक्सोनोमिक स्ट्रक्चर एंड ड्राइवर्स आफ स्पीसिज रिचनेस। बायोलॉजिकल इनवेशन, *20*, 1625–1638.

बेसेरा, पी., कॉलावे, आर., कैटफोर्ड जे., इंद्रजीत, एंडोनिया, के., ल्युस, एम., एस्चेहोग, ई., एवं मोंटेसिनो, डी (2018)। इंहिबिट्री इफेक्ट्स आफ इकोलिप्टिस ग्लोबस ऑन अंडरस्टोरी प्लांट ग्रोथ एंड स्पीसेज रिचनेस आर ग्रेटर इन नॉन नेटिव रिजन्स। ग्लोबल इकॉलोजी एंड बायोग्राफी, *27*, 68-76.

झांग, एफ. एल., ली, क्यू., चेन, एफ. एकस., जू, एच. वाई., इंद्रजीत एवं वान, एफ. एच. (2017)। आरबसकूलर मायकोरोजिल फंगी फेसिलिटेट ग्रोथ एंड कंपिटिटिव एबिलिटी ऑफ एन एक्जोटिक स्पीसीज *फ्लेबेरिया बिडेन्टीस। सोआइल बायोलॉजी एंड बायोकैमिस्ट्री, 115,* 275-284.

इंद्रजीत, कैटफोर्ड, जे. ए, कालिस्ज, एस., सिम्बरलोफ, डी. एवं वार्डले, डी. ए. (2017)। ए फ्रेमवर्क फॉर अंडरस्टेंडिंग ह्युमन ड्रिवन वेजेटेशन चेंज। ओइकोस,*126*, 1687–1698.

पाइसेक, पी., पारगेल, जे., एसेल, एफ., लेंजनर, बी., डॉउसन, डब्लु., क्रेफ्ट, डब्लू., वेइगेल्ट, पी., विंटर, एम., कार्टेज, जे., निशिनो, एम., एंटोनोवा, एल.ए., बैप्टिस्ट, एम. पी., बार्सिलोना, जे. एफ., केबेजास, एफ., जे., कार्डेनाज, डी., कार्डेनाज-टोरो, जे., केस्टानो, एन., केकोन, ई., कैटेलीन, सी., ड्युलिन्जर, एस., ईबेल, ए. एल., फिगेरेडो, ई., फ्युंटेस, एन., जेनोवेसी, पी., ग्रूम, क्यू. जे. हेंडरसन, एल., इंद्रजीत, कुप्रियानोव, ए., मेसियाद्री, एस., माउरेल, एन., मीरमन, जे., मोरोजोवा, ओ., मोसेर, डी., निकरेंट, डी., नोवाक, पी. एम., पागड, एस., पेटजेल्ट, ए., पेल्सर, पी. बी., सिबेन्स, एच., शू, डब्लू., थॉमस, जे., वेलायोसख् एम., वेबर, ई., वायरिंगा, जे. जे., एवं वेन क्लुनेन, एम. (2017)। नेचुरलाइज्ड एंड इंवेशिव एलियन फ्लोरा आफ द वर्ल्ड: स्पीसेज डायवर्सिटी, टेक्सोनोमिक एंड फायलोजेनेटिक पैटर्न, ज्योगरोफिक डिस्ट्रीब्यूशन एंड ग्लोबल हॉटस्पॉट्स आफ प्लांट इंवेशन। प्रेसिलिया, *89*, 203–274.

मजूमदार, एस., सानवाल, यू., इंद्रजीत (2017)। इंटरफेरेंस पोटेंशियल आफ शोरगम हेलपेंस ऑन सोआइल एंड प्लांट सिडलिंग ग्रोथ। प्लांट एंड सोआइल ,*418*, 219-230.

अनुसंधान परियोजना

जैव प्रौद्योगिकी विभाग, जैव विविधता और संरक्षण के संदर्भ में प्रोसोपिस जुलिफ्लोरा के आक्रमण पारिस्थितिकी का अध्ययन, 2015-2018, 4796600 रूपए।

दिल्ली विकास प्राधिकरण, जैवविविधता पार्क कार्यक्रम, 2017-2018, 92676380 रूपए।

सेमीनार/ सम्मेलन प्रस्तुतिकरण

प्रोफेसर इंद्रजीत सिंह ने

11 जनवरी, 2018 को अल्बर्ट विश्वविद्यालय, कनाडा के प्राकृतिक संसाधनोंमें ''जैविक हमलों के कारण'' विषय पर व्याख्यान दिया।

24-28 जुलाई, 2017 को 8वें विश्व एलेलोपैथी सम्मेलन, मार्सेली, फ्रांस में ''एलेलोपैथी: पादप रसायन की पारिस्थितिकी पर अध्ययन'' विषय पर एक उद्घाटन व्याख्यान दिया।

15-19 मई, 2017 को पेरिस, फ्रांस में दो हमलावर पादप किस्मों - प्रोसोपिस जूली फ्लोरा और हाकिया सेरेसिया के लिए एक कीट जोखिम विश्लेषण को तैयार करने के लिए यूरोपीय और भूमध्य क्षेत्र के पादप संरक्षण संगठन (ईपीपीओ) द्वारा आंमत्रित किया गया।

प्रोफेसर सी. आर. बाबू ने दिल्लीमें आयोजित कई राष्ट्रीय कार्यशालाओं/ सेमीनारों/ सम्मेलनों में 'जैव विविधता पार्कों, पारिस्थितिकी पुनर्स्थापन और जल संकट एवं जैव उपचार' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

विस्तार और पहुंच क्रियाकलाप

दिल्ली विकास प्राधिकरण के साथ संयुक्त सहयोग में सीईएमडीई दिल्ली में छह जैव विविधता पार्कों को विकसित और प्रबंधन कर रहा है- ये विश्व में अपने तरह का पहला कार्य है और ये इस शहर और यहां के लोगों को व्यापक पारिस्थितिकी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। डीडीए का जैव विविधता वाला पार्क कार्यक्रम विश्व में किसी भी विश्वविद्यालय

द्वारा किए गए क्रियाकलाप का सबसे बड़ा पहुंच क्रियाकलाप है। जैव विविधता पार्क पर्यावरण संबंधी जागरूकता, पर्यावरण संबंधी शिक्षा और प्राकृतिक संरक्षण क्षेत्रों को बढ़ावा देने के लिए केन्द्र बन गया है।

संकाय सदस्यों की संख्या

प्रोफेसर: एक (इंद्रजीत सिंह)

प्रोफेसर एमिरिटस: एक (सी. आर. बाबू)

गैर शिक्षण कर्मचारी = चार

***

फसल पौध अनुवांशिक परिचालन केंद्र

प्रमुख क्रियाकलाप एवं उपलब्धियां

इस केन्द्र का प्रमुख क्रियाकलाप परंपरागत और जैव प्रौद्योगिकी दृष्टिकोणों के माध्यम से तिलहन ब्रेसिकास में आनुवांशिक संवर्धन के संबंध में अनुसंधान कार्य करना है। इस केन्द्र की स्थापना वर्ष 1995 में की गयी थी। दो प्रमुख परियोजनाओं के रूप में प्रमुख वित्तीय सहायता डीबीटी से प्राप्त हुई है। इसके पूर्व इस केन्द्र का वित्तपोषण 1996 से 2016 तक राष्ट्रीय दुग्ध विकास (एनडीडीबी) से हुआ था। इस केन्द्र का प्राथमिक उद्देश्य उपज एवं गुणवत्ता में सुधार तथा रोग प्रतिरोधी के लिए प्रजनन में सुधार करने हेंतु ब्रेसिकास में आण्विक प्रजनन संबंधी अनुसंधान करना है। इस कार्यक्रम में परंपरागत और ट्रांसजेनिक दृष्टिकोण के माध्यम से वर्णसंकर के विकास पर ध्यान दिया गया है। इस केन्द्र से कुछ उपलब्धियां दो सीएमएस-आधारित हाईब्रिड (डीएमएच-1 और डीएमएच-4) रहे हैं जिसकी किसानों के क्षेत्र में खेती की जा रही है। एक ट्रांसजेनिक हाईब्रिड (डीएमएच-11) को जीईएसी द्वारा अनुमति प्रदान की गयी है और प्रदर्शनी परीक्षण के लिए अनुमति प्रदान की गयी है। मार्कर सहायता प्राप्त प्रजनन द्वारा इस कार्यक्रम में कनोला गुणवत्ता और सफेद जंग रोधी सरसों को भी विकसित किया गया है। वर्तमान में कई महत्वपूर्ण बी जुनेसिया लाइन की जिनोम सिक्वीन्सिंग पर एसएनपी आधारित प्रजनन प्लेटफार्म को विकसित करने के लिए कार्य किया जा रहा है।

प्रकाशन

काजला, एस., मुखोपाध्याय, ए. एवं प्रधान, ए. के. (2017) । डेवलपमेंट ऑफ ट्रांसजेनिक ब्रेसिया जनसिया लाइंस फॉर रिड्यूस्ड 1 सीड सीना पाइन कंटेंट बाय पर्टबिंग फिनाइलप्रोपेनोआइड पाथवे जीन्स, पीएलओएस वन, *12*(8), ई0182747.

राजमोहन, एस., कुमार, ए., गुप्ता, वी., पेंटल, डी., प्रधान, ए.के. एवं कौर, जे. (2017)। जेनेटिक आर्किटेक्चर आफ रेसिस्टेंस टू अल्टर्नेरिया ब्रेसिका इन अराबीडोप्सिस थालिआना: क्यूटीएल मैपिंग रिविल्स टू मेजर रेसिस्टेंस -कनफरिंग लोसी। फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस, *8*, 260.

ढ़ाका, एन., मुखोपाध्याय, ए., परितोष, के., गुप्ता, वी., पेंटल, डी., प्रधान, ए.के. (2017) । आईडेंटिफिकेशन ऑफ जेनिक एसएसआर एंड कंस्ट्रक्शन ऑफ ए एसएसआर बेस्ड लिंकेज मैप इन ब्रेसिका जनसिया। ईयुफेटिका, *213*, 15.

एचई, जे., वांग, एल., हार्पर, ए.एल., हावलिकोवा, एल., प्रधान, एक. के., पार्किन, आई. ए. एवं बैनकोफ्ट, आई. (2017) एक्सटेंसिव होमियोलोगस जीनोम एक्सचेंजेज इन एलोपोलिलॉयड क्रॉप्स रिविल्ड वाय एमआरएनएएसईक्यु बेस्ड विजुअलाईजेशन। प्लांट बायोटेक्नोलॉजी जर्नल, *15*(5), 594-604.

ढ़ाका, एन., राउत, के. यादवा, एस. के. सोढ़ी, वाई. एस. गुप्ता, वी. पेंटल, डी. एवं प्रधान, ए. के. (2017)। जेनेटिक डिसेक्शन आफ सीड वेट बाय क्यूटीएल एनॉलिसिस एंड डिटेक्शन आफ एलेलिक वेरियेसन इन इंडियन एंड ईस्ट यूरोपीयन जीन पूल लाइंस ऑफ ब्रेसिका जुनसिया। थ्योरिटीकल एंड एप्लाइड जेनेटिक्स, *130*(2), 293-307.

संकाय सदस्यों की संख्या

06 (परियोजना आधारित)

***

संक्रमण रोग अनुसंधान शिक्षा और प्रशिक्षण नवोन्मेषी केन्द्र

प्रमुख कार्यकलाप एवं उपलब्धियां

संक्रमण रोग अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण नवोन्मेषी केन्द्र (सीआईआईडीआरईटी), जिसकी स्थापना अक्तूबर, 2015 से दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश 25-क के तहत की गयी थी, को शैक्षिक परिषद् और कार्यकारी परिषद् का उचित अनुमोदन प्राप्त हुआ है। इसके अधिदेश के अनुसार, इसने कई कार्यकलापों को शुरू किया जिसमें विज्ञान विषय के छात्रों को अपने भविष्य के रूप में अनुसंधान और नवोन्मेषी कार्य को करने के लिए उन्हें प्रेरित करने के लिए उनके साथ परस्पर बातचीत करना शामिल है। सीआईआईडीआरईटी ने 'उद्यमशीलता अतिथि जन व्याख्यान श्रृंखला' जिसमें उद्यमियों और नवोन्मेषी सुविधा प्रदाताओं द्वारा व्याख्यान शामिल है, के माध्यम से उद्योग-शैक्षिक बातचीत को आयोजित किया है। सीआईआईडीआरईटी शैक्षिक और उद्योग दोनों से वैज्ञानिकों को विशेषज्ञ सलाह देने के साथ अत्याधुनिक प्रोटियोमिक जीनोमिक विश्लेषण सुविधाएं प्रदान करता रहा है और जैव प्रौद्योगिकी उद्योग को परामर्श की सुविधा प्रदान करता है। सीआईआईडीआरईटी ने जैव प्रौद्योगिकी में नवोन्मेषी हेतु सतत शिक्षा और कौशल संवर्धन योजना (सीआईआईडीआरईटी-सीईएसईआईबी) के तहत उद्योग विशेषज्ञों के सहयोग से जीनोमिक्स एवं प्रोटियोमिक्स के विभिन्न पहलुओं को शामिल करते हुए व्यावहारिक व क्रियाशील प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का आयोजन किया है।

सीआईआईडीआरईटी ने ट्रेडमार्क युक्त क्लोनिंग नीतियों का प्रयोग करते हुए 10 बिलियन क्लोन को मिलाकर एक वृहद फेज प्रदर्शित मानव एंटीबॉडी (एससीएफवी) लाइब्रेरी को विकसित किया है जिसके कारण सरलता दिखाते हुए जर्मलीन क्रम के साथ तादात्मय बिठाते हुए 70 प्रतिशत इन फ्रेम पूर्ण विकसित एससीएफवी अणु से अधिक के साथ 100 प्रतिशत रिकम्बिनेंट क्लोन हुआ है। इस लाइब्रेरी का सफलतापूर्वक इस्तेमाल महत्वपूर्ण मानव लक्ष्य प्रोटीन को नैदानिक रूप से बाइंडर के चयन के लिए तथा बाइंडरों को एससीएफवी से एफएवी प्रारूप वाले निर्धारित उच्च बाइंडिंग विशिष्टता वाले प्रारूप में बदलने के लिए किया गया है। यह लाइब्रेरी सर्पदंश, एंटीबायोटिक प्रतिरोधी जीवाणु और उनके जहर जिससे सेप्सिस आदि होता है, के उपचार के रूप में सर्पदंश सहित विभिन्न लक्ष्यों के लिए उपचारात्मक एंटीबॉडी के चयन में उपयोगी होगा।

सम्मान / विशिष्टियां

प्रो. विजय कुमार चौधरी, निदेशक, सीआईआईडीआरईटी:

को नवम्बर, 2017 को जी.बी. पतं कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा मूलभूत विज्ञान और मानव शास्त्र महाविद्यालय का उत्कृष्ट एलुमनस पुरस्कार प्रदान किया गया।

को 8 मई, **2017** से दो वर्षो के लिए जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के शैक्षिक परिषद् के सदस्य के रूप में नामित किया गया है।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) के ''संक्रमण रोग जीवविज्ञान'' के संबंध में कृतक बल के सदस्य हैं।

नेक्सस अमेरिका सेंटर, नई दिल्ली में अनुभवी परामर्श दाता के रूप में नामित किए गए हैं। (https://startupnexus.net/mentors)

दिनांक 5 जनवरी, 2018 से डीबीटी की पेटेंट सुविधा समिति के अध्यक्ष के रूप में नामित किए गए हैं।

अनुसंधान परियोजनाएं

जैव प्रौद्योगिकी विभाग, उत्कृष्टता केन्द्र शीर्षक ''एंटीबॉडी टेक्नॉलोजी: रिसर्च फॉर थैरेपेयूटिक एंड डायनेस्टिक एप्लिकेशन'', **2017-2020**, प्रो. विजय कुमार चौधरी (पीआई); डॉ. अमिता गुप्ता (सीओ-पीआई), **6.08** करोड़ रूपए (क्लिनिकल कोलोबोरेटर डॉ. सुमन सिंह (सीओ-पीआई), एम्स)

जैव प्रौद्योगिकी, **03** वर्ष, डीबीटी- समर्थित जिनोम सुविधा, दिल्ली विश्वविद्यालय साउथ कैंपस, प्रो. विजय कुमार चौधरी (पीआई); डॉ. अमिता गुप्ता (सीओ-पीआई), **2.47** करोड़ रूपए। इस सुविधा में 96ज- और 16- कैपिलरी प्रयुक्त जैव

प्रणाली मशीन, एजीलेंट प्लेटफार्म संबंधी माईक्रोएरी और एमआईसेक प्लेटफार्म संबंधी अगली पीढ़ी क्रम का उपयोग करते हुए सेंगर का डीएनए क्रम शामिल है।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग, **03** वर्ष, तपेदिक हेतु देखभाल परीक्षण के लिए इम्युनोडायग्नेस्टिक क्षमता और रिजेंट का विकास वाले माइकोबैक्टेरियल प्रोटीन और नोवल एंटीजेंट एपीटोप्स की पहचान, डॉ. अमिता गुप्ता (पीआई); प्रो. विजय कुमार चौधरी (सीओ-पीआई), **81.9** लाख रूपए (क्लीनिकल कोलेबोरेटर डॉ. रोहित सरीन (सीओ-पीआई), एनआईटीआरडी)।

प्रकाशन

वर्मा, वी., कौर, सी., ग्रोवर, पी., गुप्ता, ए. और चौधरी, वी.के. (2018)। बायोटीन -टैग्ड प्रोटीन: रिएजेंट फॉर एफिसिएंट ईएलआईएसए-बेस्ड सेरोडायगनोसिस एंड फेज डिस्प्ले- बेस्ड एफीनिटी सेलेक्शन। पीएलओएस ओएनई, *13*(1): ई0191315.

गुप्ता, ए., वेंकटरमण, बी., वासुदेवन, एम. और गोपीनाथ बंकर, के. **(2017)**। को एक्सप्रेशन नेटवर्क एनॉलिसिस आफ टॉक्सिन एंटीटोक्सिन लोसी इन माईकोबेक्टेरियम ट्यूबरक्लोसिस रिविल की मोड्यूलेटर्स आफ सेलुलर स्ट्रेस। एससीआई आरईपी, 7(1), 5868. आईएसएसएन- 2045-2322 (ऑनलाइन)

फाइल किया गया पेटेंट

एंटीबॉडी विखंडन लाइब्रेरी और तत्संबंधी उपयोग: भारतीय पेटेंट आवेदन संख्या 201711043081 जिसे 30 नवम्बर, **2017** को फाइल किया गया।

पॉलीपेप्टाइड को गतिहीन बनाने की प्रक्रिया: भारतीय पेटेंट संख्या 201711040047 जिसे 9 नवम्बर, **2017** को फाइल किया गया ।

पोस्टर

ओआरएफ चयनित जीनोम बिखंडन लाइब्रेरी: माइक्रोबाइल प्रोटियोम को स्पष्ट करने के औजार। वर्मा, वी., गुप्ता, ए., चौधरी, वी. के. ने दिनांक 27 सितम्बर, **2017** को सम्मेलन केन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय में जीवविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित आईएनएससीआर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सबसे अच्छा पोस्टर पुरस्कार जीता।

रिकॉम्बिनेंट मोनो बायोटाइनीलेटेड एंटीजेंस: संवर्धित इम्युनोएसे के लिए रिएजेंट्स। वर्मा, वी., कौर, सी., ग्रोवर, पी., गुप्ता, ए., चौधरी, वी. के. ने आयोजेस्ट 2017 को 10 नवम्बर, **2017** को जीव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी संकाय, साउथ एशियन विश्वविद्यालय में पोस्टर प्रस्तुत किया।

अन्य

pVMExp14367 वेक्टर का न्यूलियोटाईड सिक्वेंस को जेनबैंक, एनसीबीआई को सौंपा गया (एक्सेसन आईडी: MG599491)।

आयोजित सम्मेलन/ कार्यशाला/ व्याख्यान

श्री निलेश मेहता, सीईओ और अध्यक्ष, प्रीमियर मेडिकल कॉरपोरेशन लिमिटेड, नानी दमन, भारत द्वारा ''भारत में जैवप्रौद्योगिकी उद्योग- अवसर और चुनौतियां'' विषय पर 7 अप्रैल, 2017 को व्याख्यान आयोजित किया जो उद्योग-शिक्षा जगत बातचीत पहल को बढ़ावा देने के लिए उद्यमशीलता अतिथि जन व्याख्यान श्रृंखला का हिस्सा था।

दिनांक 3 जुलाई, 2017 को उद्योग- शिक्षा जगत परस्पर बातचीत पहल को बढ़ावा देने के लिए उद्यमशीलता अतिथि जन व्याख्यान श्रृंखला के भाग के रूप में 'प्रज्वलित मस्तिष्क.... उत्प्रेरित नवोन्मेष'' विषय पर जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ. रेणु स्वरूप द्वारा आयोजित व्याख्यान।

6-9 फरवरी, **2018** को दिल्ली विश्वविद्यालय साउथ कैंपस, नई दिल्ली द्वारा प्रोटीन संशोधन और विशिष्टीकरण के संबंध में पहला राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित किया गया। इस कार्यशाला में मैसर्स जीई हैल्थकेयर, इंडिया के सहयोग से प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

सम्मेलन में प्रस्तुतिकरण

प्रो विजय कुमार चौधरी ने दिनांक 15 फरवरी, 2018 को श्री वैंक्टेश्वर महाविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ट्रांसलेसनल विज्ञान, लैब2लाइफ संबंधी संगोष्ठी में ''एंटीबॉडी: वांडर मोलेकुल'' विषय पर मुख्य भाषण दिया।

प्रो. विजय कुमार चौधरी ने 2-3 फरवरी, 2018 को साइजीनोम लैब प्रा. लि. कोच्चि, भारत, टोरोंटो विश्वविद्यालय और बायो 360 लाईफ साइंस पार्क, केरल स्टेट इंडस्ट्रीयल डेवलपमेंट कार्पोरेशन (केएसआईडीसी) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित ''मानव रोगों के उपचार के लिए उन्नत जीवविज्ञान का विकास'' में ''एन इंडिजिनस फेज डिस्प्लेड नाइव ह्युमन एंटीबॉडी (एसईएफवी) लाइब्रेरी: ए पोटेंशियल सोर्स आफ रिकाम्बिनेंट एंटीबॉडी एंटीबॉडी बेस्ड थेरापेटिक्स फॉर ह्युमन डीजीज इंक्लुडिंग स्नेक बाइट ट्रीटमेंट'' विषय पर व्याख्यान दिया।

प्रो. विजय कुमार चौधरी ने 1 फरवरी, 2018 को जेपी इंस्टीच्युट आफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलोजी (जेआईआईटी), नोएडा द्वारा आयोजित जैव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी में उन्नति के संबंध में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ''ह्युमन एंटीबॉडी: देयर प्रोडक्शन एंड एप्लिकेशन'' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

प्रो. विजय कुमार चौधरी ने दिनांक 1 दिसम्बर, 2017 को सीएसआईआर-सीसीएमबी द्वारा आयोजित सर्प जहर और सर्पदंश उपचार: राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य के संबंध में अनुसंधान में हाल की उन्नति पर एसएनएकेएसवाईएमपी 2017 सम्मेलन में '' एन इंडिजिनस फेज डिस्प्लेड नाइव ह्युमन एंटीबॉडी (एससीएफवी) लाइब्रेरी: ए सोर्स आफ रिकंबिनेंट एंटी स्नेक वेनम मोलेकुल्स!'' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. अमिता गुप्ता ने 14 जुलाई, 2017 को स्कूल आफ लाइफ साइंस, हैदराबाद विश्वविद्यालय में ''इंसाइट्स इनटू द टॉक्सिन-एंटीटॉक्सिन सिस्टम आफ माइकोबैक्टेरियम ट्युबरक्लोसिस'' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

प्रो. विजय कुमार चौधरी ने 4 अगस्त, 2017 को आनुवांशिकी और जैव प्रौद्योगिकी संबंधी अंतरराष्ट्रीय केन्द्र द्वारा आयोजित जैव प्रौद्योगिकी में सहयोग विकसित करने हेतु भारत-ईरान कार्यशाला में ''रिकॉबिनेंट एंटीजेंस एंड एंटीबॉडी फॉर इंप्रुव्ड इम्युनोएसे'' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. अमिता गुप्ता ने 22-23 अगस्त, 2017 को चिकित्सा विज्ञान संस्थान, बनारस विश्वविद्यालय (बीएचयू), वाराणसी में आयोजित गंगा नदी में बैक्टेरियोफेजेज संबंधी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ''फेज डिस्प्ले टेक्नोलोजी एंड इट्स एप्लिकेशन'' विषय पर व्याख्यान दिया।

***

पर्वत और पर्वतीय पर्यावरण अंतर-आयामी अध्ययन केंद्र

प्रमुख क्रियाकलाप एवं उपलब्धियां:

विद्युत परियोजनाओं के पर्यावरण प्रभाव के मूल्यांकन और नदी घाटियों के पर्यावरण संवेदी अध्ययन के क्षेत्र में केन्द्र के महत्वपूर्ण योगदान को महसूस करते हुए विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार ने 2001-2002 में उत्कृष्टता केन्द्र के रूप में इसको मान्यता प्रदान की। इसकी स्थापना विद्युत क्षेत्र में पर्यावरण प्रभाव और पर्यावरण प्रबंधन के मुद्दों के संबंध में अध्ययन करने हेतु अनुसंधान और विकास केन्द्र के रूप में की गयी थी। इस केन्द्र ने भारत भर में पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन और जैव विविधता संरक्षण के संबंध में कई अध्ययन किए हैं। यह केन्द्र भारत सरकार की विभिन्न संस्थाओं, इसके पीएसयू और निजी क्षेत्र को पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन और धारणीय विकास के क्षेत्र में विशेष सलाह और परामर्श सेवाएं भी प्रदान करता है। इस केन्द्र के पास अत्याधुनिक अवसंरचना तथा पारिस्थितिकी, जैव विविधता संरक्षण प्रबंधन, जलीय पारिस्थितिकी, दूर संवेदी एवं भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) के क्षेत्र में व्यापक विशेषज्ञता उपलब्ध है। इस केन्द्र ने धारणीय विकास के लक्ष्य की प्राप्ति में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के संगठनों की सहायता करने में मुख्य भूमिका अदा की है।

इस केन्द्र के संकाय सदस्य और वैज्ञानिक पर्यावरण अध्ययन विभाग के पूर्णकालिक शिक्षण कार्यक्रमों और इस केन्द्र में पीएचडी स्तर पर अनुसंधान दिशानिर्देश देने में भी शामिल रहे हैं।

सम्मान/ विशिष्टियां

प्रोफेसर महाराज के. पंडित, निदेशक इंडियन नेशनल साइंस एकेडेमी में फेलो चुने गए।

प्रकाशन

पंडित, एम. के. (2017) । लाइफ इन द हिमालया: एन इकोसिस्टम एट रिक्स। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, पृष्ठ 364।

मनीष, के. पंडित, एम. के. तेलवाला, वाई., नौटियाल, डी. सी., कोह, एल. पी. एवं तिवारी, एस. (2017)। एलेवेशनल प्लांट स्पीसीज रिचनेस पैटर्न्स एंड देयर ड्राइवर्स एक्रॉस नॉन इंडेमिक्स एंड ग्रोथ फार्म्स इन द ईस्टर्न हिमालया। जर्नल आफ प्लांट रिसर्च, *130*(5), 829-844.

मनीष कुमार (2017) बुक रिव्यू: लाइफ इन द हिमालय: एन इकोसिस्टम एट रिस्क। फ्रंटियर्स इन इकोलोजी एंड इवोल्युशन 5: 112.

जर्नल

संपादक बोर्ड के संपादक/सदस्य के रूप में कार्यरत शिक्षक विकास की संख्या:01

अनुसंधान परियोजनाएं

डब्लूएपीसीओएस लिमिटेड। गुरूग्राम, इकोलॉजिकल सर्वे आफ द कुरी गंगोत्री एचईपी, भूटान, 2018, 540000 रूपए।

डब्लूएपीसीओएस लिमिटेड। गुरूग्राम, इकोलॉजिकल सर्वे फॉर अपर इंद्रावती पीएससपी, ओडिशा, 2018, 480000 रूपए।

डब्लूएपीसीओएस लिमिटेड। गुरूग्राम, इकोलोजिकल सर्वे फॉर सीता-राम एलआईपी, तेलंगाना, 2018, 480000 रूपए।

सेमीनार/ सम्मेलन प्रस्तुतिकरण

प्रोफेसर महराज के. पंडित

ने पेरिस समझौता: मेडागास्कर का मामला अध्ययन के तहत प्रदत्त तंत्र को कैसे मजबूत और इसकी हानि और क्षति को कैसे संपूरित किया जाए'' 2017 तथा 4-5 जुलाई को विदेश मंत्रालय, ताईपेई, ताईवान में जलवायु परिवर्तन पर साउथ ईस्ट एशियन युथ सेमीनार में भाषण दिया।

10-12 मार्च, 2017 तक चौथे भारतीय जैव विविधता सम्मेलन में हिमालय में जलवायु परिवर्तन के संबंध में गैर मूल और स्थानिक प्रजातियों की अंतरीय प्रतिक्रिया'' पर भाषण दिया, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पुदुचेरी, भारत।

मनीष के., भट्ट जे. पी. और पंडित एम. के. (2017) हिमालय के भौमिक और जलीय पारिस्थितिकी तंत्र में प्रजातियों की बहुलता के साथ उत्थानिक ढ़लान के भिन्न पैटर्न। अंतरराष्ट्रीय जैव भूगोल सोसाइटी- भारत सम्मेलन, 26-28 सितम्बर, भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलुरू, भारत।

मनीष, के. और पंडित, एम. के. (2017) हिमालय में जलवायु परिवतन के संबंध में पादप प्रजातियों में जातिवृत्तक नियंत्रण के लिए परीक्षण। उन्नीसवें राष्ट्रमंडल वानिकी सम्मेलन, 3-7 अप्रैल, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून, भारत।

ऋषभ कौशिक, 27-29 मार्च, 2018 को यूके के कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में आयोजित एससीसीएस (संरक्षण विज्ञान संबंधी छात्र सम्मेलन) में ''राइजोस्फेयर जीवाणु माइक्रोबायोम और पादप हमला'' विषय पर पोस्टर प्रस्तुतिकरण।

जया अरोड़ा, डॉ. भीम राव अम्बेडकर महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, सीएसआईआर- राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान और राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी, दिल्ली के सहयोग से पर्यावरण और सामाजिक विकास संघ (ईएसडीए), दिल्ली द्वारा 2-3 जून, 2018 को आयोजित ''नवीन भारत'' के संबंध में पर्यावरण संबंधी चुनौतियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन ''अपक्षीण हिमालय पर्यावासों की सामुदायिक गतिशीलता'' पर प्रस्तुतिकरण।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

पारिस्थितिकी सर्वेक्षण और नदी बेसिन संबंधी अध्ययन

डब्लूएपीसीओएस लिमिटेड, गुड़गांव

दी गयी पीएचडी/ एमफिल डिग्रियों की संख्या

पीएचडी: 01

संकाय की संख्या

स्थायी: 1

संविदा आधारित: 2

***

उच्चतर शिक्षा व्यावसायिक विकास केन्द्र

प्रमुख क्रियाकलाप एवं उपलब्धियां

उच्चतर शिक्षा में पेशेवर विकास केन्द्र (सीपीडीएचई), यूजीसी-एचआरडीसी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली भारत भर में उच्चतर शिक्षा संस्थाओं के संकाय सदस्यों के पेशेवर विकास के लिए विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजित करने के लिए अधिदेशित देश की प्रमुख संस्थाओं में से एक है। सीपीडीएचई अनुसंधान तौर तरीकों, अध्यापन, आईसीटी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पर्यावरण व शिक्षा के क्षेत्रों में सक्षम विकास के लिए कार्य करता है। उच्चतर शिक्षा केन्द्र को शैक्षिक कार्यकलापों का केन्द्र बनाने के लिए सीपीडीएचई ने शिक्षकों के लिए पुन: इंजीनियरिंग पेशेवर विकास कार्यक्रमों के माध्यम से नए बहुआयामी और अखंड भूमिका पर विचार किया है। सीपीडीएचई समाज, संस्कृति, भाषाई, पर्यावरण विज्ञान, शिक्षा और विकास, प्रबंधन, आईटी/ कंप्युटर जागरूकता, स्त्री पुरूष मुद्दे और अन्य कई ऐसे क्षेत्रों में संबद्धता हेतु जाकरूकता सृजन करने के उद्देश्य से शिक्षकों के लिए विश्वविद्यालय और महाविद्यालय प्रशासन व अभिविन्यास /पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों में शामिल संकाय सदस्यों के लिए कार्यशालाओं का आयोजन करता है। सीपीडीएचई का लक्ष्य उच्चतर शिक्षा में उत्कृष्टता हासिल करना है। इस वर्ष सीपीडीएचई ने 4 अभिविन्यास कार्यक्रमों (146 भागीदार), 7 पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (306 भागीदार) और 3 अल्पावधि पाठ्यक्रम/ कार्यशालाओं (104 भागीदार) का आयोजन किया जिनमें देश भर के विश्वविद्यालय/ महाविद्यालय के शिक्षक संकाय ने भाग लिया। विविध जनसांख्यिकी विशेषता वाले शिक्षकों ने इन पाठ्यक्रमों में भाग लिया। जिन लोकप्रिय विषयों के अभिविन्यास के लिए इन पाठ्यक्रमों को आयोजित किया गया उनमें शामिल हैं: (1) उच्च शिक्षा, शिक्षण एवं भारत बोध, (2) भारतीय चिंतक और चिंतन परंपरा, (3) भारतीय भाषाएँ और सांस्कृतिक बोध, (4) वैश्विक संदर्भ में भारतीय सांस्कृतिक धरोहर मुद्दे और चुनौतियां, (5) भारतीय संस्कृति का वैश्विक अवदान, (6) वैश्विक परिदृश्य में संस्कृत एवं भारतीय भाषाएं, (7) भारतीय प्रतिभा का समयानुकूल संवर्धन। विभिन्न पाठ्यक्रमों के क्रम में एक कार्यक्रम जिसका शीर्षक ''उच्च शिक्षा, शिक्षण एवं भारत बोध था, का आयोजन सीपीडीएचई द्वारा देश के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए किया गया था। इस 24 दिनों के कार्यक्रम में 22 राज्यों से उच्चतर शिक्षा के उप कुलपति, शिक्षाविदों और शिक्षकों ने भाग लिया था। इस कार्यक्रम की प्रत्येक व्यक्ति द्वारा सराहना की गयी और इच्छा व्यक्त की गयी कि ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन नियमित आधार पर किया जाना चाहिए। भारतीय आयाम के विभिन्न श्रेत्रों के विशेषज्ञों और वक्ताओं ने भारत के बारे में भागीदारों के ज्ञान के वर्धन के लिए उनके साथ अपने विचारों को साझा किया। उपर्युक्त के अतिरिक्त, सीपीडीएचई ने इस वर्ष आईएसबीएन संख्या के साथ दो पुस्तकों का प्रकाशन किया जिसमें देश के विभिन्न भागों से विश्वविद्यालय/ महाविद्यालय के सैकड़ों शिक्षण संकाय ने अपने लेखों के माध्यम से योगदान दिया।

प्रकाशन

सीपीडीएचई (2017). टॉपिक्स इन मैथेमेटिकल साइंस. दिल्ली: शिवालिक प्रकाशन. आईएसबीएन संख्या 978-81-934519-6-0.

सिंह, गीमा (संपादक). (2017). *इंडियन एंड वेस्टर्न आस्पेक्ट्स ऑफ आइडेंटिटी'*, सीपीडीएचई, नई दिल्ली: श्रीकला प्रकाशन. आईएसबीएन सं. 978-93-85329-22-7.

सिंह, गीमा (संपादक) (2017). *क्लाइमेट चेंज एंड डिजास्टर मैनेजमेंट.* सीपीडीएचई. नई दिल्ली: शिवालिक प्रकाशन. आईएसबीएन सं. 978-81-934519-5-3.

आयोजित सम्मेलन

अभिविन्यास कार्यक्रम

अभिविन्यास कार्यक्रम (ओआर-88) - 31/05/2017 – 28/06/2017

अभिविन्यास कार्यक्रम (ओआर -89) - 24/08/2017 – 21/09/2017

अभिविन्यास कार्यक्रम (ओआर -90) - 21/11/2017 – 19/12/2017

अभिविन्यास कार्यक्रम (ओआर -91) - 21/11/2017 – 19/12/2017

पुनश्चर्या पाठ्यक्रम

जलवायु परिवर्तन और आपदा प्रबंधन में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (आईडीसी) - 09/06/2017 – 30/06/2017

ई-लर्निंग और डिजिटल लर्निंग में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (आईडीसी) - 05/09/2017 – 25/09/2017

भारतीय संस्कृति, विचार और चिंतकों में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (आईडीसी) - 28/11/2017 – 19/12/2017

गणितीय विज्ञान में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (एसआरसी) - 06/06/2017 – 27/06/2017

संस्कृत और भारतीय भाषाओं में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (एसआरसी) - 20/06/2017 – 11/07/2017

पुनश्चर्या पाठ्यक्रम ग्रीष्मकालीन विद्यालय - 05/09/2017 – 25/09/2017

पुनश्चर्या पाठ्यक्रम शीतकालीन विद्यालय - 28/11/2017 – 19/12/2017

अल्पकालिक पाठ्यक्रम

अनुसंधान तौर तरीकों पर अल्पकालिक पाठ्यक्रम - 20/03/2018 – 26/03/2018

कार्यशालाएं

अकादमी प्रशासन के संबंध में कार्यशाला - 19/03/2018 – 20/03/2018

भाषा और साहित्य के संबंध में कार्यशाला - 13/03/2018 – 15/03/2018

सेमीनार/ सम्मेलन प्रस्तुतिकरण

इंडिया हैबीटेट सेंटर, लोधी रोड, नई दिल्ली में दिनांक 25.04.2017 को एनएएसी द्वारा आयोजित 'संशोधित प्रत्यायन रूपरेखा संबंधी राष्ट्रीय परामर्श'' में भाग लिया।

दिनांक 12.05.2017 को यूजीसी-मानव संसाधन विकास केन्द्र, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला में ''व्यक्तित्व विकास और नेतृत्व' विषय पर 126वें अभिविन्यास कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में 2 व्याख्यान दिया।

(24.05.2017-25.05.2017) को पंचमरिथम धाम, नैनीताल, उत्तराखंड द्वारा आयोजित ''नैनीताल-उत्तराखंड में पृथ्वी: मौलिक मूल्य एवम् वैश्विक संकट'' विषय पर दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन के मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन भाषण दिया।

(15.09.2017-16.09.2017) तक एनएएसी, बंगलुरू, कर्नाटक में एनएएसी द्वारा आयोजित ''आकलन कर्ता अभिविन्यास कार्यक्रम' में भाग लिया।

दिनांक 06.10.2017 को शिक्षा संकाय और सामाजिक विज्ञान संकाय, चौधरी रनबीर सिंह विश्वविद्यालय, जिंद, हरियाणा द्वारा आयोजित ''पुनर्उत्थान भारत, प्रभावशाली चीन और विश्व शांति: उभरते परिदृश्य'' विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शैक्षिक सत्र की अध्यक्षता की।

दिनांक 3.11.2017 को महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर, राजस्थान द्वारा आयोजित ''राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका'' विषय पर महिला संबंधी अध्ययन हेतु केन्द्र के उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में भाषण दिया।

दिनांक 2.01.2018 से 3.02.2018 तक यूजीसी- मानव संसाधन विकास केन्द्र, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, मध्य प्रदेश में 'राष्ट्र निर्माण में शिक्षक की भूमिका, समकालीन शिक्षण एवं निर्माण, नेतृत्व व व्यक्तित्व निर्माण व भारत के समकालीन मुद्दे'' विषय पर 101वें अभिमुखी कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में चार व्याख्यान दिया।
दिनांक 23.02.2018 को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र में '' भारतीय शिक्षा पद्धति'' विषय पर राष्ट्रीय वाद विवाद में संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया।
दिनांक 05.03.2018 को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, पंजाब द्वारा आयोजित ''सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान तौर तरीका प्रशिक्षण कार्यक्रम'' में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

संकाय सदस्य की संख्या

एक स्थायी संकाय (निदेशक)

***

क्लस्टर नवाचार केंद

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

एमएससी (गणित शिक्षा):

ई संघटक को विकसित करने के लिए आवश्यक आईसीटी से छात्रों को लैस करने व कक्षाओं में आईसीटी आधारित अध्यापन के इस्तेमाल के लिए ज्योजेब्रा के इस्तेमाल; आभासी कक्षाओं की स्थापना; और शिक्षण के लिए ई-लर्निंग माध्यमों के इस्तेमाल के संबंध में विभिन्न कार्यशालाओं का इस क्षेत्र से संबंधित आमंत्रित विशेषज्ञों द्वारा आयोजन किया गया । छात्रों ने इंटर्नों के रूप में शिक्षण के अतिरिक्त छात्रों हेतु विद्यालयों में अनिवार्य इंटर्नशिप किया और गणित कार्यशालाओं का आयोजन किया। छात्रों ने गणित की कक्षाओं से प्रत्यक्ष रूप संबंधित अनुसंधान समस्यों पर भी कार्य किया।

बी. टेक. (सूचना प्रौद्योगिकी और गणितीय नवोन्मेष):

शिक्षा-उद्योग संबंध को बढ़ावा देने के लिए अगस्त, 2017 में नेतृत्व व्याख्यान श्रृंखला शुरू किया गया। 2017-18 में चार व्याख्यानों को आयोजित किया गया जिनमें टाटा कम्युनिकेशंस लिमिटेड, आईबीएम रिसर्च न्युयार्क, आईबीएम रिसर्च इंडिया और पिटनी बोवेस से पेशेवरों को आमंत्रित किया गया। प्रथम वर्ष और द्वितीय वर्ष से चार छात्रों को अप्रैल, 2017 में आईआईटी, बम्बई द्वारा आयोजित ई यात्रा आइडियाज कंप्टीशन के राष्ट्रीय विजेता घोषित किया गया। छह छात्रों ने भारत सरकार द्वारा आयोजित स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन, 2017 में सांत्वना पुरस्कार जीता। आठ छात्रों (इनमें से तीन प्रथम वर्ष के छात्र थे) का प्रतिष्ठित गुगल समर आफ कोड (जीएसओसी) के लिए चयन किया गया, यह कोड मुक्त स्रोत साफ्टवेयर विकास में डेवलपरों को लाता है। इनमें से एक छात्र आईआईटी खड़गपुर में आयोजित इंडियन केस चैलेंज, ग्लोबल इंटरप्रिनरशिप समिट, 2017 में अंतिम दौर में पहुंचने वाले पांच छात्रों में से एक था। द्वितीय वर्ष के छात्रों ने भारत में प्रथम एलेक्सा स्किल्स हैकाथॉन में प्रथम पुरस्कार और एलेक्सा पोपुलर च्वाइस जीता। आशीष झा, द्वितीय वर्ष के छात्र को अमेजन द्वारा बेस्ट फाइनेंशियल प्लैनिंग थीम्ड स्किल का पुरस्कार दिया और इसने मोबाइल वेब स्पेशलिस्ट नैनोडिग्री के लिए पूर्ण कालिक छह महीने का गुगल इंडिया डेवलपर नैनोडिग्री स्कॉलर्शिप जीता। वह इस चयन प्रक्रिया के शुरूआती तीन महीने में भागीदारी करने के बाद हजारों में से इस छात्रवृत्ति के लिए चुने गए 150 छात्रों में से एक था। बाली, इंडोनेशिया में दस दिवसीय कोडिंग बूटकैंप में संपूर्ण विश्व से शिरकत करने वाले 2000+ प्रतिभावान छात्रों में 500 अमेरिकी डॉलर की छात्रवृत्ति भी प्राप्त हुई। तकनीकी कार्यक्रम ब्लिजक्रेग 2.0 और कोनवोक का अयोजन किया गया। एक उद्यमशीलता उत्सव बिजनेस मेगनेटो की भी शुरूआत की गयी जिसमें स्टार्टअप संबंधी विचारों को आमंत्रित किया गया। इन कार्यक्रमों में विभिन्न महाविद्यालयों से छात्रों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। पिछले वर्षों की तरह हीं रोबोटिक्स सोसाइटी के छात्रों ने छात्रों (विद्यालय और महाविद्यालय) और शिक्षकों के लिए कार्यशालाओं का आयोजन किया।

स्नातक प्रतिष्ठा (मानविकी और सामाजिक विज्ञान):

24-25 अक्टूबर, 2017 के बीच मानसिक जागरूकता सप्ताह (काउंसिलिंग) के लिए दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें पैनल चर्चा, स्लैम पोयेट्री और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मार्च-अप्रैल, 2018 में फिल्म मूल्यांकन पाठ्यक्रम के छात्रों के लिए एक व्याख्यान माला आयोजित किया गया। मीडिया अध्ययन, जेएनयू से विशेषज्ञों- हृषिकेष अरवाड़कर और ईशानी डे, को आमंत्रित किया गया। मानविकी और सामाजिक विज्ञान विषयों पर सैद्धांतिक वाद विवाद पर फोकस करते हुए विशेष व्याख्यान श्रृंखला सेमेस्टर छह के छात्रों के लिए आयोजित किये गए जिनके लिए दिल्ली विश्विवद्यालय और जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय से विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया था। गत शैक्षिक वर्ष के दौरान छात्रों द्वारा 24 सेमेस्टर लंबी परियोजनाओं को चलाया गया जिसका फोकस सामाजिक प्रासंगिक मुद्दों पर था तथा सामाजिक हस्तक्षेप के माध्यम से सामाजिक समस्याओं के समाधान की कोशिश की गयी। इन परियोजनाओं की बाह्य विशेषज्ञों द्वारा बहुत सराहना की गयी जिन विशेषज्ञों को मूल्यांकन कार्य के लिए आमंत्रित किया गया था। 2015-18 बैच के छात्रों, जिन्होंने हाल ही में अपने पाठ्यक्रमों को पूरा किया, ने भारत और विदेश के विभिन्न नामचीन विश्वविद्यालयों और संस्थाओं में प्रवेश लिया है। इनमें से कुछ आईआईटी, टीआईएसएस, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, सुसेक्स विश्वविद्यालय, लीड विश्वविद्यालय, पेकिंग विश्वविद्यालय आदि हैं।

डीआईसी और टीबीआई:

नए नवोन्मेषी उत्पाद और प्रक्रियाओं को अभिकल्प नवोन्मेष केन्द्र में विकसित किया जा रहा है। इनमें से कुछ उत्पाद हैं: वैक्स्युर; एस्सियो; पर्कअप; टेक्थी; प्रदक्षिणा; आवास; सेंसऑन; बायोवीआर; एसेटे; नॉलेज कप; वॉच डॉग; टैगर बिट्स; ऑपन क्रेडल; प्रोजेक्ट क्यू। ये उत्पाद/ प्रक्रियाएं विकास के विभिन्न चरणों में हैं।

टीबीआई के पास प्रक्रियाधीन निम्न स्टार्टअप हैं यथा सर्वाइडर; डीफकॉम; पिक्सवेरा; आइडियाज मार्केट; मैग इनिशिएटिव; एपेरेल मीडिया; टी9 सोल्युशंस; डेली एट फाइव; और लिथिक्स।

सम्मान/ विशिष्टियां

प्रो. पंकज त्यागी, 20 से 21 जनवरी, 2018 को नई दिल्ली के राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र द्वारा आयोजित नवोन्मेष मेले के लिए जजों के पैनल में सदस्य के रूप में नामित।

प्रकाशन

अहमद, एस., कौशिक, एम. चौधरी, एस. और कुकरेती, एस. (2018) स्ट्रक्चर्ड पॉलिमॉर्फिज्म आफ ए साइटोसाइन रिच डीएनए सिक्वेंस आई-मोटिफ स्ट्रक्चर: एक्प्लोरिंग पीएच बेस्ड बायोसेंसर्स। इंटरनेशनल जनल आफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेकुल्स, *111*, 455-461.

अरोड़ा, एस. एवं अग्रवाल, वाई. (2018)। प्रोटोटाइपिंग सोलर पावर्ड हेलमेट। डीयू जर्नल आफ अंडरग्रेजुएट रिसर्च एंड इन्नोवेशन, *3*(1), 117-124.

अरोड़ा, एस., ढ़ींगरा, के., बब्बर, ए. और मिश्रा, यू (2018) सोलर ट्रैस केन: हाईजीन एंड इनएक्सपेंसिव सोल्युशन टू ओपन बिगर ट्रैस केन। डीयू जर्नल आफ अंडरग्रेजुएट रिसर्च एंड इन्नोवेशन, *3*(1), 110-117.

बगायी एस. (2017). ए ब्रिज टू मैथेमेटिक्स, प्रथम संस्करण, नई दिल्ली: सेज, - सह लेखक (पुस्तक)।

चौधरी, एस., कौशिक, एम., अहमद, एस. और कुकरेती, एस. (2018)। स्ट्रक्चरल स्विच फ्रॉम हेयरपिन टू डुप्लेक्स/ एंटीपैरेलल जीक्वेडरूपलेक्स एट सिंगल न्युक्लेओटाइड पॉलिमॉर्फिज्म (एसएनपी) साइट आफ ह्युमन एपोलिपोप्रोटीन इ (एपीओई) जीन कोडिंग रिजन। एसीएस ओमेगा, *3(3)*, 3173-3182.

चौधरी, एस., कौशिक, एम., कुकरेती, आर. और कुकरेती, एस (2017)। स्ट्रक्चरल स्विच फ्रॉम मल्टीस्ट्रेंडेड जी क्वाड्रुप्लेक्स टू सिंगल स्ट्रेंड्स एस ए कंसेक्वेंस आफ प्वाइंट म्युटेशन इन द प्रोमोटर आफ ह्युमन जीआरआईएन1 जीन। मोलेकुलर बायो सिस्टम, *13*, 1805-1816.

धनगर, टी. के. पाठक, एक. के. और भादुड़ी, ए. (2018) । आइडेंटिफिकेशन आफ ईसेन्सियल जीन्स फॉर मेटाबोलिक रियेक्शंस इन मायकोबैक्टेरियम ट्यूबरक्लोसिस थ्रू फ्लक्स बैलेंस एनालिसिस। डीयू जर्नल आफ अंडरग्रेजुएट रिसर्च एंड इन्नोवेशन, *3*(1), 125-129.

करन, आर., और बिसवाल बी. (2017)। ए मॉडल फॉर इवोल्युशन आफ ओवरलैपिंग कम्युनिटी नेटवर्क। फिजिक्स ए: स्टैटिकल मैकेनिक्स एंड इट्स एप्लिकेशंस, *474,* 380-390.

कौशिक, एम., चौधरी, एस., महेन्द्रु, एस., अहमद, एस., पाठक, ए. के. और कुकरेती, एस. (2017)। माइक्रो आरएनए: ए मल्टीफेसेट बॉयलोजिकल टार्गेट फॉर कैंसर एंड अदर डिजिज । क्लिनिकल कैंसर ड्रगस, *4(1),* 2-9.

कौशिक, एम., सिंह, ए., कुमार, एम., चौधरी, एस., अहमद, एस. और कुकरेती, एस. (2017) स्ट्रक्चर स्पेसिफिक लिगैंड रिक्गनिशन आफ मल्टीस्ट्रैंडेड डीएनए स्ट्रक्चर्स । करेंट टॉपिक्सइन मेडिसिनल कैमिस्ट्री, *17(2),* 138-147.

कौशिक, एम., सोनिया, महेन्द्रु, एस., त्यागी, पी. और कुकरेती, एस. (2017)। मल्टीपल डायमेंसंस आफ फंक्शनल रिलेवेंस आफ जेनोसेंसर्स । इंटेग्रेटेड फेरोइलेक्ट्रीक्स, *185,* 134-143.

कुमार, एस., कालिया, ए., और शर्मा, ए. (2018)। प्रेडिक्टिव एनालिसिस आफ अलर्टनेस फीचर्स फॉर ड्राइवर ड्राजिनेस डिटेक्शन। एडवांस इन इंटेलिजेंट सिस्टम एंड कम्प्युटिंग, 736. स्प्रिंगर, चाम।

कुमार एस., पाल, एस. के., सिंह, आर.पी. (2018)। ए कंसेप्चुल आर्किटेक्चरल डिजाइन फॉर इंटेलिजेंट हैल्थ इंफार्मेशन सिस्टम: केस स्टडी ऑन इंडिया। क्वालिटी, आईटी एंड बिजनेस आपरेशन। स्प्रिंगर प्रोसिडिंग्स इन बिजनेस एंड इकॉनोमिक्स। स्प्रिंगर, सिंगापुर।

कुमार, एस., राय, एस., सिंह, आर. और पाल, एस. के. (2018) मशीन लर्निंग बेस्ड मेथड एंड इट्स पर्फोमेंस एनालिसिस फार ओक्यूपेशन डिटेक्शन इन इंडोर एन्वायरामेंट एडवांस इन सिंगल प्रोसेसिंग एंड इंटेलिजेंट्स रिक्गनिंशन सिस्टम। एडवांस इन इंटेलिजेंट सिस्टम्स एंड कंप्युटिंग, 678, 240-251.

कुमार, ए. (2017) रिव्यू आफ कम्पेरेटिव इवेल्युशन: इमेज स्टेग्नोग्राफी। इंटरनेशनल जर्नल आफ साइंटिफिक रिसर्च इन कंप्युटर साइंस, इंजीनियरिंग एंड इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी, *2*(5), 518-524.

महाजन,ए., सिंह, एच. पी., और सुकावनम, एन. (2017)। एन अनसुपरवाइज्ड लर्निंग बेस्ड नेटवर्क एप्रोच फॉर ए रोबोटिक मेनिपुलेटर। इंटरनेशनल जर्नल आफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलोजी, *9*, 1-6.

मीर, मोहम्मद एस. और मिश्रा, एन (2017). मानव विकास के पथ पर भारत। योजना (हिन्दी),*61*(5), 43-46

रानी, एम., कुमार, एन. और सिंह, एच. पी. (2018)। एफिसिएंट पोजिशन/ फोर्स कंट्रोल आफ कांस्ट्रेंड मोबाइल मेनिपुलेटर्स। इंटरनेशनल जर्नल आफ डायनामिक्स एंड कंट्रोल, 1-10.

पाठक, एन., भादुड़ी, ए. राय, ए. के. (2017) सीसेम: बायोएक्टिव कंपाउंड एंड हैल्थ बेनेफिट्स। इन: मेरीलोन जे. एम. और रामावत के. (संपादक), रेफरेंस सीरीज इन फाइटोकैमिस्ट्री: बायोएक्टिव मोलेकुल्स इन फुड। स्प्रिंगर पब्लिकेशंस, https://doi.org/10.1007/978-3-319-54528-8_59-1.

रे, ए., भादुड़ी, ए., श्रीवास्तव, एन. एवं मजुमदार, एस. (2017). आइडेंटिफिकेशन आफ नॉवल सिग्नेचर जीन्स एटेस्टींग आर्सेनिक इंड्युस्ड इम्युन अल्टेरेशन इन एडल्ट जेब्राफिश (डानियो रेरियो). जर्नल आफ हैजार्डस मटेरियल्स. *321*, 121-131.

शर्मा, जे., बिस्वाल, बी., त्यागी, पी., और बगायी, एस. (2017). एक्सप्लोरिंग पॉस्ब्लिटीज फॉर गिफ्टेड स्टुडेंट्स: ए केस स्टडी फ्रॉम इंडिया। ईसीएचए न्यूज, *31*(2), 20-21.

शर्मा, जी., कौशल, वाई., चंद्रा, एस., सिंह, वी., मित्तल, ए. पी. और दत्त, वी. (2017). इंफ्युएंस आफ लैंडमार्क्स आन वे फाइंडिंग एंड ब्रेन कनेक्टिविटी इन इमरशिव वर्चुअल रियलिटी एंवायरामेंट. फ्रंटियर इन साइकोलोजी, 8:1220.

सिंह, एच. पी., कुमार, एस., कुमार, पी. और महाजन, ए.(2018)। वर्चुअल एक्सपेरिमेंटल एनालिसिस आफ रिडंडेंट रोबोट मेनिपुलेटर यूजिंग न्युरल नेटवर्क. एडवांसेस इन इंटेलिजेंट सिस्टम एंड कंप्युटिंग, 21-30.

त्यागी, पी. (2017). ऑप्टिकल बैंड गैप डिमार्केशन अराउंड 2.15 eV डिपेंडिंग आन प्रीफर्ड ओरियंटेशन ग्रोथ इन रेड HgI_2 फिल्मस. फिजिसिया बी, *510* 1-6.

वर्शाने, वी., सक्सेना, जी., बिस्वाल, बी. और प्रसाद, ए. (2017)। ओसिलेशन डेथ एंड रिवाइवल बाय कपलिंग विद हार्मोनिक ओसिलेटर। केयोस: एन इंटरडिशिप्लिनरी जर्नल आफ नॉनलिनियर साइंस, *27*(9), 093104.

अनुसंधान परियोजना

भारत सरकार में मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार का कार्यालय, विज्ञान और गणित में संभव रूप से प्रतिभावान बच्चों के लिए प्रक्रिया आधारित पहचान और परामर्श प्रचलन की स्थापना, 2014-2018, डॉ. ज्योति शम्र्ा, प्रो. शोभा बगाई, पंकज त्यागी और प्रो. बिभू बिस्वाल।

डीएसअी-एसईआरबी-ईएमआर, चिकन लिवर ग्लुटामेट डायहायड्रोजेनेस (जीडीएच) के एच2 विशिष्ट प्रोटीज (एच2सीज) एक्टिविटीज, 2017-2020, डॉ. जे. एस. पुरोहित।

एसईआरबी, डीएसटी द्वारा स्टार्ट अप अनुसंधान सहायता (युवा वैज्ञानिक), आइडेंटिफिकेशन आफ विरूलेंस फैक्टर्स इन्वोल्भ्ड इन द इंफेकशन प्रोसेस आफ ईमर्जिंग एंड नेगलेक्टेड फुड बोर्न पैथोजेन कैम्पायलोबैक्टर जेनुनी, 2016-2018, डॉ. असनी भादुड़ी।

आयोजित सेमीनार

3 अप्रैल, 2017 को प्रो. प्रदीप जी. सिद्धेश्वर, बंगलोर विश्वविद्यालय द्वारा ''एप्लिकेशन ऑफ फ्रंटियर सीरिज ट्रांसफोर्म'' विषय पर बातचीत की।

24 अप्रैल, 2017 को प्रो. सिबाशिष घोष, आईआईएमसी, चेन्नई द्वारा ''सैंडिंग इर्फोमेशन सेक्योरली: नीड फॉर क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन'' विषय पर बातचीत।

29 अप्रैल, 2017 को जापानी कंपनियों की सहायता के माध्यम से आगे विकास करने के लिए नवोन्मेष और प्रौद्योगिकी के चयन के लिए सीआईसी में कई जापानी कंपनियोंद्वारा प्रायोजित एक जापानी संगठन 'लीव ए नेट' ने उनके रीयल टेक सीड एक्सीलिरेटर प्रोग्राम टेक प्लांटर के भाग के रूप में एक प्रतियोगिता का अयोजन किया।

16 अगस्त, 2017 को टाटा कम्युनिकेशंस लिमिटेज में श्री अनुराग वालिया (वीपी) द्वारा लीडरशिप लेक्चर सीरीज।

22 अगस्त, 2017 को प्रो. मनोज हरबोला, आईआईटी कानपुर के साथ बी. टेक. (आईटी और एमआई) की बातचीत का आयोजन किया गया था।

24 अगस्त, 2017 को गणित विभाग, जार्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय, अमेरिका में व्याख्याता डॉ. सुदेशना बसु द्वारा गणित और राजनीति पर बातचीत।

28 अगस्त, 2017 को बालाजी विश्वनाथ, इंवेंटो टेक के सीईओ के साथ कलस्टर इनोवेशन सेंटर के छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ परस्पर बातचीत का आयोजन किया गया।

28 अगस्त, 2017 को सीआईसी के एल्युमिनी राजन मौर्य और पवन पाल द्वारा मुक्त स्रोत को लागू करने संबंधी कार्यशाला।

21 सितम्बर, 2017 को हैल्थ केयर एनालिटिक्स रिसर्च ग्रुप के जानु वर्मा के साथ क्लस्टर इनोवेंशन सेंटर के छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ बातचीत का आयोजन किया गया।

16 फरवरी, 2018 को डॉ. ज्ञान आर पारीजा, प्रबंधक, एनॉलिटिक्स एंड ऑप्टिमाइजेशन रिसर्च, आईआईबीएम रिसर्च, भारत ने ''कांगनीकल्चर: कोलोबोरेटिव कॉगनिशन इन सोशल मशीन'' विषय पर बातचीत की।

10 फरवरी, 2018 को रोबोटिक सोसाइटी आटोनोमी द्वारा रामानुजन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

22 मार्च, 2018 को पिनी बोवेस में मुख्य वास्तुकार डॉ. मनीष शर्मा ने ''मशीन लर्निंग एंड एआई: ए न्यू रेमिनेंस इन ऑपरेशन रिसर्च एंड स्टेटिसटिक्स'' विषय पर बातचीत की।

13 अप्रैल, 2018 को डिजिटल मानविकी पर एकदिवसीय व्याख्यान सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। इन विशेषज्ञों में डॉ. पैट्रीशिया मुरियेता–फ्लोर्स, डिजिटल मानविकी केन्द्र के सहनिदेशक, और डॉ. देबोरा सुट्टन, लंकास्टर विश्वविद्यालय, युनाइटेड किंग्डम से दक्षिण एशियाई इतिहास में वरिष्ठ व्याख्याता शामिल थे।

सेमीनार/ सम्मेलन प्रस्तुतिकरण

प्रो. बी. बिस्वाल, पीएचडी चैम्बर, नई दिल्ली में 30 जून, 2017 को आयोजित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के एमएसएमई क्लस्टरों में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण संबंधी राष्ट्रीय सम्मेलन। पीएचडी चैम्बर आफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के साथ अकादमी पार्टनर।

प्रो. शोभा बगाई

18 अप्रैल, 2017 को जाकिर हुसैन महाविद्यालय, दिल्ली में प्राचीन भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी संबंधी राष्ट्रीय कार्यशाला में ''प्राचीन भारत में फिल्टर अल्टार्स और ज्यामिति का निर्माण'' विषय पर बातचीत के लिए आमंत्रित।

26-28 अप्रैल, 2017 तक अंतरराष्ट्रीय गणित और अनुप्रयोग सम्मेलन, रामजस महाविद्यालय में ''मॉडलिंग संक्रमण रोग: बाल्यकाल रोग'' विषय पर बातचीत के लिए आमंत्रित किया।

23-25 जून, 2017 को रामनुजन गणित सोसाइटी के 32 वें वार्षिक सम्मेलन में ''यूजी स्तर पर गणित में समस्या आधारित अधिगम'' विषय पर बातचीत के लिए आमंत्रित किया।

12-14 जुलाई, 2017 को अंतरराष्ट्रीय फ्लूड डायनेमिक्स एंड इट्स एप्लिकेशंस, बंगलोर में ''इफेक्ट आफ वेरियेबल फ्लुड प्रोपर्टीज आन फ्री कन्वेंशन फ्लो इन पोरस मीडियम सेचुरेटेड वाय नैनोफ्लूड'' विषय पर बातचीत के लिए आमंत्रित किया।

7-10 दिसम्बर, 2017 के दौरान गणित शिक्षा में प्रौद्योगिकी और नवोन्मेष संबंधी 8वें सम्मेलन, कोच्चि में ''प्रतिभावान छात्रों के लिए गणित विषय संबंधी अभ्यास'' विषय पर बातचीत के लिए आमंत्रित किया।

2 मार्च, 2018 को कृष्णामल्ल महिला महाविद्यालय पीएसजीआर में आईक्यूएसी छात्र विचार गोष्ठी में ''प्रौद्योगिकी सक्षम अधिगम- चुनौतियां और संभावना'' विषय पर बातचीत के लिए आमंत्रित किया।

डॉ. महिमा कौशल

रसायन विज्ञान, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, दिल्ली में ''अतिसूक्ष्म प्रौद्योगिकी के माध्यम से न्युक्लियक एसिड आधारित अनुप्रयोग की खोज'' पर विस्तारित व्याख्यान। (27 मार्च, 2018)।

सोनिया, कमल, एस. कुकरेती, एम. कौशिक; ए फिजियोकैमिकल एप्रोच टू स्टडी एंड कंप्येर द जेनोटोक्सिक पोटेंशियल आफ चिटोसेन एंड साइट्रेट रिड्युस्ड गोल्ड नैनोपार्टिकल्स टूवार्ड्स काफ थाइमस डीएनए; इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन ''एमर्जिंग ट्रेंड्स इन ड्रग्स डेवलपमेंट एंड नेचुरल प्रोडक्ट्स'', रसायन विज्ञान, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (12-14 जनवरी, 2018)।

सोनिया, कोमल, एस. कुकरेटी, एम. कौशिक; ए फिजियोकैमिकल एप्रोच टू स्टडी एंड कंप्येर द जेनोटोक्सिक पोटेंशियल आफ चिटोसेन एंड साइट्रेट रिड्युस्ड गोल्ड नैनोपार्टिकल्स टूवार्ड्स काफ थाइमस डीएनए; ए फिजियोकैमिकल एप्रोच; ''रसायनशास्त्र और जीवविज्ञान में हाल की उन्नति'' विषय पर एक दिवसीय भारत-हंगरी विचार गोष्ठी (आईएनएचसीएबी-2017) (11 दिसम्बर, 2017)

कोमल, सोनिया, एस. कुकरेती, एम. कौशिक; एन एनवारामेंटली बेनाइन एप्रोच टू सिंथेसाइज सिल्वर नैनो पार्टिकल्स यूजिंग एपिप्रिमनम ओरियम लीफ एक्सट्रेक्ट एंड इट्स इंट्रेक्शन स्टडीज विद काफ थाइमस डीएनए; ''रसायनशास्त्र और

जीवविज्ञान में हाल की उन्नति" विषय पर एक दिवसीय भारत-हंगरी विचार गोष्ठी (आईएनएचसीएबी-2017) (11 दिसम्बर, 2017)

नीलम, एम. कौशिक, हाईड्रोथर्मल सिंथेसिसस आफ मैगनेटाइट नैनोपार्टिकलस एंड देयर इंट्रेक्शन विद डीएनएएफबीआर-2018; मानव स्वास्थ्य में जैव चिकित्सा अनुसंधान चुनौतियों में सीमांत: निवारण, निदान और उपचार संबंधी 11वीं संगोष्ठी, एसीबीआर, दिल्ली विश्वविद्यालय, (19-21 फरवरी, 2018).

नीलम, एमकौशिक ., हाइड्रोथर्मल सिंथेसिस, कैरेक्टेराइजेशन एंड इंटेरेक्शन आफ -3एमिनोप्रोपाइल सिलेनट्रिमेथोक्सी कोटेड सुपर पैरामेग्नेटिक (एपीटीएस)Fe3O4 नैनोपार्टिकल्स विद डीएनए। नेशनल कांफ्रेंस ऑन इन साइंस एंड एमर्जिंग चैलेंजेज इन हैल्थ एंड एनवारामेंट (2018-एनएसएचई), रसायन शास्त्र विभाग, दौलतराम महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय 20 मार्च (2018)।

एन. सरकार, आरशर्मा .एस ., एमकौशिक ., एनवारामेंट फ्रेंडली ग्रीन सिंथेसिस आफ NiO नैनोपार्टिकल्स : कैरेक्टेराइजेशन एंड इंटेरेक्शन विद डीएनए; एसीबीआर स्पोंसर्ड कंफ्रेंस टाइटल्ड ''एलेवेंथ सिम्पोजियम आफ फ्रटियर्स आफ बायोमेडिकल रिसर्च,'' 19) फरवरी,.(2018

एन. सरकार, आरशर्मा .एस ., एमकौशिक ., एनवारामेंट फ्रेंडली ग्रीन सिंथेसिस आफ NiO नैनो पार्टिकल्स : न एंड रेमेडियेशनटेंट डिटेक्शराइजेशन एंड पोटेंशियल यूज इन एनवारामेंट पोल्युकैरेक्टे; राष्ट्रीय रसायन विज्ञान सम्मेलन अवसर और चुनौतियां।''मार्च 20) ,.(2018

एन. सरकार, आरशर्मा .एस ., एमकौशिक ., ओरल प्रेजेंटेशन ऑन ''ग्रीन सिंथेसिस ऑफ NiONP, कैरेक्टेराइजेशन, इंटेरेक्शन विद सीटी डीएनए एंड पोटेंशियल इन एनवारामेंटल रेमेडियेशन-'' सोसाइटी फॉर एनवारामेंट एंड डेवलपमेंट (एसईडी), स्वामी श्रद्धानन्द महाविद्यालय प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन शीर्षक -''उभरती पर्यावरण चुनौतियां और धारणीय विकास'' (22-03-18)

अमित सिंह, एम. शोएब, एमकौशिक ., ग्रीन सिंथेसिस आफ जिंक ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स फ्राम आजादीरचता इंडिका लीफ एक्सट्रेक्ट एंड देयर इंटरेक्शन विद काफ थाइमस ट्रेंड्स इन नैनोटेक्नोलोजी (बायोटिकोज), टेरी विश्वविद्यालय, दिल्ली. (28-29 सितम्बर, 2017)

एम. शोएब, एसिंह ., एमकौशिक ., बायोसिंथेसाइज्ड सिल्वर नैनोपार्टिकल्स फ्रॉम यूकेलिप्टस लीफ एक्सट्रेक्ट एंड देयर इंटरेक्शन आफ काफ थाइमस -डीएनए ट्रेंड्स इन नैनोटेक्नोलोजी (बायोटिकोज), टेरी विश्वविद्यालय, दिल्ली। (28-29 सितम्बर, 2017)

सोनिया, कोमल, एसकुकरेती ., एमकौशिक ., अनरेवेलिंग द बाइंडिंग आफ काफ थाइमस डीएनए विद मेटल नैनोपार्टिकल्स ट्रेंड्स इन नैनोपार्टिकल्स गोल्डइज्डब्लाडी आफ चिटोसन एंड साइट्रेट स्टेए कंपेरेटिव स्ट : (बायोटिकोज) लॉजीनैनोबायोटेक्नो, टेरी विश्वविद्यालय, दिल्ली. (28-29 सितम्बर, 2017)

अमित सिंह, एमशोएब ., एम. कौशिक, फिजियोकेमिकल स्टडीज ऑफ बायोसिंथेसाइज्ड सिल्वर नैनोपार्टिकल्स एंड देयर इंटरेक्शन विद कॉफ थाइमस डीएनए रिसेंट एडवांसेज इन कैमिकल साइंसेज टूवार्ड्स ग्रीन एंड सस्टेनेबल एनवारामेंट, अदिति महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली. (10-11 अक्टूबर 2017)

एम. शोएब, एसिंह ., एमकौशिक ., फिजियोकैमिकल स्टडीज आफ सिल्वर नैनोपार्टिकल्स प्रीपेयर्ड यूजिंग एपिप्रीमनम ओरियम लीव्स एक्सट्रेक्ट विद काफ थाइमस डीएनए। रिसेंट एडवांस इन कैमिकल साइंस टूवार्ड्स ग्रीन एंड सस्टेनेवल एनवारामेंट, अदिति महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली। (10-11 अक्टूबर 2017)

कोमल, सोनिया, एसकुमरेती ., एमकौशिक ., फिजियोकैमिकल स्टडी आफ गोल्ड नैनोपार्टिकल्स सिंथेसाइज्ड थ्रू ग्रीन

एज वेल एज कैमिकल मेथडब्ललाइजिंग एजेंट। रिसेंट स्टे न विद काफ थाइमस डीएनए एंड द रोल आफइंटेरेक्श : नेबल एनवारामेंएडवांस इन साइंस टूवार्ड्स ग्रीन एंड सस्टे, अदिति महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली. (10-11 अक्टूबर 2017)

डॉ. असनी भादुड़ी

दिनांक 28 मार्च, 2018 को रामजस महाविद्यालय में नागरिक विज्ञान विषय पर बोलने के लिए आमंत्रित किया।

27 मार्च, 2018 को पृथ्वी अध्ययन केन्द्र, इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय में ''पक्षी: दृश्यमान और इसके परे'' संबंधी कार्यशाला में ''भारत की पक्षी'' विषय पर संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किए गए और भाषण दिया।

7 फरवरी, 2018 को जेएनयू में विज्ञान नीति अध्ययन केन्द्र पर ''नागरिक विज्ञान: स्टॉपगेप अनुसंधान अथवा आगे का रास्ता'' विषय पर बातचीत की।

19 जुलाई, 2017 को आईआईसी में ''मानवीय मामला'' के विषय पर परामर्शी गोलमेज वार्ता के लिए आमंत्रित किया।

27-28 मई, 2017 के दौरान आईआईटी दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कैंप में ''विद्यार्थी विज्ञान मंथन'' 2016-17 में विशेष रूप से आमंत्रित।

21 नवम्बर से 19 दिसम्बर, 2017 के दोरान सीपीडीएचई, दिल्ली विश्वविद्यालय में ग्रेड 'क' में सफलतापूर्वक अभिविन्यास पाठ्यक्रम पूरा किया।

डॉ. एम. सलीम मीर

रामलाल आनंद महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा कराए जाने वाले ''धरोहर और पर्यटन प्रबंधन'' पाठ्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति (फरवरी-जून, 2018)

23 और 24 जनवरी, 2018 को आईआईटीटीएम नोएडा (एमबीए-पर्यटन) में अतिथि व्याख्यान दिया।

फरवरी, 2018 में आईआईटीटीएम नोएडा (बीबीए-पर्यटन) में अतिथि व्याख्यान दिया।

21 नवम्बर से 19 दिसम्बर, 2017 को सीपीडीएचई, दिल्ली विश्वविद्यालय में ग्रेड ए के साथ सफलतापूर्वक अभिविन्यास पाठ्यक्रम पूरा किया।

अंजनी कुमार वर्मा, सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया: 17-18 नवम्बर, 2017 को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश, भारत द्वारा आयोजित आईसीडीआईएस-2017 के संबंध में कार्यवाहियों में ,'प्रोफाइल इंजेक्शन अटैक के तुलनात्मक मूल्यांकन" पर अंजनी कुमार वर्मा, डॉ. वीर सैनी दीक्षित का शोध पत्र।

छात्रों द्वारा राष्ट्रीय/ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में शोध पत्रों की प्रस्तुति।
गंदर्भ मिश्रा, गणित शिक्षा और सोसाइटी (एमईएस), वोलोस, ग्रीस, 2017 के संबंध में नौवें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शोध पत्र की प्रस्तुति।

आकाश कुमार सैनी, शिक्षा, आरआईई मैसूर, 2017 में आईसीटी संबंधी राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध पत्र की प्रस्तुति।

नम्रता निगम, शिक्षा, आरआईई, मैसूर, 2017 में आईसीआी संबंधी राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध पत्र की प्रस्तुति।

प्रीति चौधरी, शिक्षा, आरआईई, मैसूर, 2017 में आईसीआी संबंधी राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध पत्र की प्रस्तुति।

रबिया मल्लिक, शिक्षा, आरआईई, मैसूर, 2017 में आईसीआी संबंधी राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध पत्र की प्रस्तुति।

रोबिन शर्मा, शिक्षा, आरआईई, मैसूर, 2017 में आईसीआी संबंधी राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध पत्र की प्रस्तुति।

पारूल सेठी ने पायकोन यूके 2017 सम्मेलन में ''विजुअलाइजिंग टॉपिक मॉडल'' विषय पर बातचीत प्रस्तुत किया।

आकाश कुमार सैनी, वर्तमान शिक्षा परिदृश्य में गुणवत्ता शिक्षा संबंधी राष्ट्रीय सम्मेलन, आरआईई, शिलांग, 2018 में शोध पत्र की प्रस्तुति।

नम्रता निगम, वर्तमान शिक्षा परिदृश्य में गुणवत्ता शिक्षा संबंधी राष्ट्रीय सम्मेलन, आरआईई, शिलांग, 2018 में शोध पत्र की प्रस्तुति।

रबिया मल्लिक, वर्तमान शिक्षा परिदृश्य में गुणवत्ता शिक्षा संबंधी राष्ट्रीय सम्मेलन, आरआईई, शिलांग, 2018 में शोध पत्र की प्रस्तुति।

रोबिन शर्मा, वर्तमान शिक्षा परिदृश्य में गुणवत्ता शिक्षा संबंधी राष्ट्रीय सम्मेलन, आरआईई, शिलांग, 2018 में शोध पत्र की प्रस्तुति।

प्रीति चौधरी, वर्तमान शिक्षा परिदृश्य में गुणवत्ता शिक्षा संबंधी राष्ट्रीय सम्मेलन, आरआईई, शिलांग, 2018 में शोध पत्र की प्रस्तुति।

आयुष शर्मा ने आईसीएचएसए-2018 में ''न्यूरल नेटवर्क के आधार पर लाइटवेट ब्लॉक साइफर एफईडब्लू का विश्लेषण'' विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। (इसे ''हार्मनी सर्च एंड नेचर इंस्पायर्ड ऑप्टीमाइजेशन एग्लोरिथम'', स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड में एक अध्याय के रूप में स्वीकार किया गया है।)

किए गए राष्ट्रीय /अंतरराष्ट्रीय समझौता

22 नवम्बर, 2017 को डिजाइन इन्नोवेशन सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय और पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के बीच एक समझौता हुआ जिसका उद्देश्य संयुक्त रूप से नवोन्मेष और उद्यमशीलता पर एक अल्पावधि पाठ्यक्रम चलाना तथा अभिकल्प विचारण व नवोन्मेष को प्रचारिक करने के लिए कार्यक्रम आयोजित करना था।

क्लस्टर इन्नोवेशन सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय और पीएचडी चैम्बर्स एंड इंडस्ट्री के बीच 22 नवम्बर, 2017 को एक समझौता हुआ जिसका उद्देश्य -

– परस्पर लाभ के साथ उद्योग-शिक्षा जगत के बीच संबंध को संयुक्त रूप से आगे बढ़ाना

– सफल उद्यमी बनने के लिए युवा नवोन्मेषी कार्य करने वालों को शिक्षित, प्रशिक्षित और सहायता करने के लक्ष्य के साथ संयुक्त रूप से कार्यक्रमों को आयोजित करना

– स्टार्ट अप पारिस्थितिकी को तैयार करने को सुकर बनाना

– कौशल विकास, प्रौद्योगिकी अंतरण, वाणिज्यिकरण उत्पाद को बढ़ावा देना है।

नियोजन संबंधी ब्यौरा

एमएससी. (गणित शिक्षा): 06

बी. टेक (आईटी एवं एमआई): 31

बी. ए. (प्रतिष्ठा और एसएस): 06

विस्तार और पहुंच क्रियाकलाप

बी टेक (आई टी और गणितीय नवोन्मेष):

समकक्ष अधिगम सीआईसी में अनुभव ले रहे छात्रों का एक महत्वपूर्ण पक्ष है। छात्रों के बीच ज्ञान को साझा करने के लिए नियमित कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं।

कंप्युटर सोसाइटी हैस द्वारा आयोजित कार्यशालाओं में शामिल है:

'सीएस में परिचय' कार्यशालाओं की श्रृंखला: 1, 8 और 15 सितम्बर, 2017

पाय दिल्ली सम्मेलन: सॉफ्टवेयर फ्रीडम दिवस 2017, 16 सितम्बर, 2017

एंड्राइड एप को विकसित करने का कार्यशाला, 23, 30 सितम्बर, 7 दिसम्बर, 2017
संकुल नवोन्मेष केन्द्र का मासिक का कोड, जनवरी- मार्च, 2018

रोबोटिक सोसाइटी आटोनोमी द्वारा आयोजित कार्यशालाएं

बूट कैंप- रोबोटिक में नए छात्रों की रूचि सृजित करने तथा इनकी मौलिक प्रौद्योगिकियों से अवगत करने के लिए आगे आने वाले सेमेस्टर के दौरान प्रत्येक वर्ष आयोजित परिचय और प्रायोगिक कार्यशालाओं की श्रृंखला। (सितम्बर 2017 - अक्टूबर 2017)

रोबोटिक्स के पीछे की भौतिकी के बारे में शिक्षकों को समझाने और नए छात्रों को रोबोटिक्स में शामिल करने के लिए व्यावहारिक कार्यशाला (संपूर्ण भारत के विभिन्न विद्यालय), 25 और 26 सितम्बर, 2017।

''मेक योर फर्स्ट रोबोट- वाल फोलोविंग रोबोट'' के संबंध में रामानुजन महाविद्यालय छात्रों के लिए कार्यशाला। इस कार्यशाला का लक्ष्य छात्रों को यह बताना था कि कंप्युटर विज्ञान रोबोटिक्स से कैसे संबद्ध है जो पहले से ही कंप्युटर विज्ञान की शुरूआती चीजों /मध्यवर्ती चीजों से अवगत कराना हैं। 10 फरवरी, 2018.

संकाय सदस्यों की संख्या

प्रोफेसर: 04
एसोसिएट प्रोफेसर: 4
सहायक प्रोफेसर: 14

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

एमएससी. (गणित शिक्षा): 'मेटा विश्वविद्यालय' के सिद्धांत के तहत दिल्ली विश्वविद्यालय और जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय का यह एक संयुक्त स्नात्कोत्तर डिग्री कार्यक्रम है। दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों यथा सीआईसी, केन्द्रीय शिक्षा संस्थान, जीवन पर्यंत अधिगम संस्थान तथा जेएमआई के विभिन्न विभागों यथा एजेके मास कम्युनिकेशन अनुसंधान केन्द्र, गणित शिक्षा को इस पाठ्यक्रम को चलाने के लिए संयुक्त रूप से संबद्ध किया गया है। सीआईसी में चलाए जाने वाले प्रत्येक पाठ्यक्रम में नवोन्मेषी परियोजनाएं हैं जो पाठ्यक्रम का अभिन्न हिस्सा हैं जिसमें छात्रों को विभिन्न संस्थाओं और स्थानों पर संकाय परामर्शदाताओं के मार्गनिर्देशन के तहत कार्य करने की आवश्यकता होती है।

बी. टेक (सूचना प्रौद्योगिकी और गणितीय नवोन्मेष): सभी विषयों के छात्र: (विज्ञान, वाणिज्य और कला) इस पाठ्यक्रम में प्रवेश लेते हैं। इस पाठ्यक्रम का ढ़ांचा इस प्रकार होता है कि गणित, भौतिकी, विज्ञान, कंप्युटर विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स, अंग्रेजी, पर्यावरण विज्ञान, अर्थशास्त्र और प्रबंधन के शिक्षण संकाय इस पाठ्यक्रम को कराने में शामिल किए जाते हैं। परियोजना आधारित अधिगम सीआईसी में इस पाठ्यक्रम का एक अभिन्न संघटक है क्योंकि वे इस पाठ्यक्रम और अध्यापन के एक भाग के रूप में एक नवोन्मेषी माइंडसेट अंतर्विष्ट करते हैं।

बी.ए. प्रतिष्ठा (मानविकी और सामाजिक विज्ञान): मेटा महाविद्यालय के सिद्धांत के तहत सभी विषयों (विज्ञान, वाणिज्य और कला) के छात्र इस पाठ्यक्रम में प्रवेश लेते हैं। इस पाठ्यक्रम की रूपरेखा में छात्रों के लिए अपनी स्वयं की डिग्री के अभिकल्प के लिए उन्हें स्वतंत्रता प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, मेटा सिद्धांत छात्रों को डीयू के लगभग 80 महाविद्यालयों में पाठ्यक्रमों करने और उनके स्वयं की डिग्री का डिजाइन के लिए विकल्प प्रदान करता है। इस प्रक्रिया में विभिन्न महाविद्यालयों के कई विभाग इस पाठ्यक्रम में शामिल हैं।

***

कंप्यूटर केन्द्र

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

दिल्ली विश्वविद्यालय कंप्यूटर केन्द्र (डीयूसीसी) दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के कार्यालयों, संकायों, विभागों और महाविद्यालयों को आईसीटी अवसंरचना उपलब्ध करने के लिए अधिकेन्द्र के रूप में कार्य करता है। पिछले एक वर्ष (2017-18) के दौरान, डीयूसीसी ने अपने हितधारकों के लाभ के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय में आईसीटी संरचना और सेवाओं को सुदृढ़ बनाना जारी रखा। समस्त आईसीटी संबंधी क्रियाकलापों के लिए केन्द्रीय हब के रूप में, डीयूसीसी ने समूचे विश्वविद्यालय में इंटरनेट और वाई-फाई संयोजनता प्रदान की। नेटवर्क तथा इस पर चलने वाली सेवाओं की अधिकतम उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए नेटवर्क की समुचित योजना बनाई गई और तदनुसार इसे अनुरक्षित किया गया। दिल्ली विश्वविद्यालय की वाई-फाई प्रणाली विभिन्न उपकरणों जैसे लैपटॉप, स्मार्टफोन, टैब्लेट्स आदि के माध्यम से समस्त छात्रों/संकाय सदस्यों/कर्मचारियों को इंटरनेट की पहुंच सुलभ कराती है। चूंकि डीयूसीसी को डाटा सेंटर माना जाता है, डीयू की विविध सुविधाओं और ऑनलाइन अनुप्रयोगों को लिंक-अप करने के लिए विभिन्न सर्वर उपलब्ध हैं, जैसे परीक्षा अनुप्रयोग, दिल्ली विश्वविद्यालय परिणाम, ई-मेलिंग प्रणाली, डीयू पुस्तकालय प्रणाली, ब्रेल पुस्तकालय, स्नातकपूर्व प्रवेश, एफएसआर प्रवेश, नामांकन डाटा प्रबंधन प्रणाली, ऑनलाइन भर्ती आदि। वर्तमान में, डीयूसीसी डाटा सेंटर में 100 से अधिक सर्वर और नेटवर्क उपकरण होस्ट किए जा रहे हैं। डाटासेंटर के अलावा, डीयूसीसी के पास ई-मेलिंग सेवा, दिल्ली विश्वविद्यालय की मुख्य वेबसाइट के प्रबंधन, कॉलेजों/विभागों/केन्द्रों के लिए वेब-होस्टिंग सेवाओं, ई-अधिप्राप्ति और जीईएम, बायो-मीट्रिक एटेंडेंस मैनेजमेंट और प्रशिक्षण का प्रावधान भी विद्यमान है जिसमें एक्सेल, एसपीएसएस, मतलब वेब-डिजाइनिंग में आधारभूत से लेकर प्रगत पाठ्यक्रमों के समस्त रूप शामिल हैं जो शिक्षण, अनुसंधान उपकरणों और छात्रों द्वारा संचालित की जाने वाली परियोजना के लिए उपयोगी है।

डीयूसीसी के नए पहलकदम

विश्वविद्यालय सूचना प्रबंधन प्रणाली (यूआईएमएस)

विश्वविद्यालय के विभिन्न खंडों से संबंधित विश्वविद्यालयी जानकारी के भण्डारण, संगठन और पुन:प्राप्ति को सुकर बनाने के लिए डिजाइन किए गए साफ्टवेयर (यूआईएमएस) जैसे :

विश्वविद्यालय प्रवेश प्रबंध प्रणाली
समस्त स्नातकपूर्व, स्नातकोत्तर और पीएच.डी छात्रों के लिए प्रवेश परीक्षा
ईज़ ऑफ एक्सेस : प्लेटफार्म इंडिपेंडेंट
एफिशिएंट एप्लीकेशन प्रोसेस
रीयल टाइम स्टैटेस्टिक्स
इनबिल्ट एनालाइटिक्स इंजन
हैल्पडेस्क के साथ एकीकरण
छात्र जीवन चक्र प्रबंधन
परीक्षा प्रबंध प्रणाली
प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रणाली
पूर्व-छात्र प्रबंध प्रणाली
ऑनलाइन प्रमाण-पत्र प्रबंध प्रणाली
ऑनलाइन शोध-प्रबंध प्रस्तुतीकरण
ऑनलाइन शोध-प्रबंध सार प्रस्तुतीकरण
छात्र शिकायत निवारण
भर्ती प्रबंध
संकाय भर्ती
गैर-शिक्षण कर्मचारी भर्ती

मास्टर रिकार्ड प्रणाली : महाविद्यालयों और विभागों के लिए अवकाश प्रबंध प्रणाली
वित्त प्रबंध : वेतन रोल और अनुदान प्रबंध प्रणाली
शोध परियोजना प्रबंध
आस्ति प्रबंध प्रणाली
संपदा प्रबंध प्रणाली
वस्तु-सूची प्रबंध प्रणाली
दस्तावेज प्रबंध प्रणाली
फाइल निगरानी प्रणाली
फाइल पुन:प्राप्ति प्रणाली
विश्वविद्यालय सूचना पोर्टल
ऑनलाइन आंतरिक गुणवत्ता आकलन प्रकोष्ठ
केन्द्रीय संचार प्रणाली
विश्वविद्यालय हैल्पडेस्क
अन्य पोर्टल
स्वचालित नामांकन संख्या सृजन
विश्वविद्यालय परीक्षा प्रबंध प्रणाली
सुरक्षा प्रबंध प्रणाली
आरटीआई प्रबंध प्रणाली
डीयूफोर्ज : केन्द्रीय एफओएसएस निक्षेपागार
डीयू - कनेक्ट

स्नातकपूर्व प्रवेश (मेरिट बोर्ड) 2017-18

डीयूसीसी को स्नातकपूर्व प्रवेश (2017-18) के लिए ऑनलाइन पंजीकरण पोर्टल तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी जिसमें प्रवेश के लिए कॉलेज पोर्टल भी शामिल थे। डीयूसीसी ने सीमित समय के भीतर इसे सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया।

पोर्टल को श्रेष्ठ प्रक्रियाओं के अनुसार इस प्रकार तैयार किया गया था कि सभी संसाधनों का पूर्णत: उपयोग किया जा सके तथा इसमें कोई भी डाउन टाइम ध्यान में नहीं आया और यह व्यस्ततम समय में भी पूरी तरह प्रचालन में रहा। उपयुक्त चेतावनियों का प्रावधान भी किया गया यदि आवेदक किसी कॉलेज के लिए अनुमोदित कर लिया गया हो और कोई अन्य कॉलेज भी उसे प्रवेश देने का प्रयास कर रहा हो। 3 लाख से भी अधिक आवेदकों को सफलतापूर्वक पंजीकृत किया गया और लगभग 2.2 लाख आवेदकों ने सफलतापूर्वक प्रवेश शुल्क का भुगतान किया तथा उन आवेदकों के 1 लाख संव्यवहारों का निपटान भी किया गया जिन्होंने प्रवेश शुल्क का भुगतान किया था।

श्रेणीवार मूल्यांकन और प्रक्रमण पूरी तरह स्वचाति किया गया था जैसे खेल-कूद, पीडब्ल्यूडी, वार्ड, एनसीडब्ल्यूईबी। दिल्ली की महिला आवेदकों को स्वत: ही एनसीडब्ल्यूईबी के लिए पंजीकृत कर लिया गया था यदि उन्होंने नियमित विषय क्षेत्र में बी.ए. (कार्यक्रम) अथवा बी. कॉम का चयन किया था।

स्वचालित ऑनलाइन पंजीकरण और कॉलेज शुल्क संग्रहण प्रणाली भी क्रियान्वित की गई थी जिसमें सभी प्रकार के समायोजन और पुन: परिकलन शामिल थे, अर्थात् आवेदक का प्रवेश शुल्क स्वत: ही समायोजित कर लिया जाएगा यदि उसने एक कॉलेज से नाम वापस ले लिया है और दूसरे कॉलेज में प्रवेश ले लिया है तथा उसके द्वारा भुगतान की गई अतिरिक्त राशि उसे वापस कर दी जाएगी। आवेदक द्वारा किए गए सभी भुगतानों को आवेदक के डैशबॉक्स पर दर्शाया गया था। अल्पसंख्यक कॉलेजों के लिए एपीआई विकसित किया गया था ताकि प्रवेश पोर्टल पर यह सत्यापित किया जा सके कि क्या आवेदन द्वारा किसी शुल्क का भुगतान किया गया है।

कॉलेज से कट-ऑफ ऑनलाइन प्राप्त किए गए तथा उन्हें रजिस्ट्रार कार्यालय से ऑनलाइन अनुमोदित कराया गया। कट-ऑफ को अंतिम रूप प्रदान करने के लिए प्रत्येक कॉलेज को कार्यकारी सारांश उपलब्ध कराया गया। कॉलेजों को तत्काल संदर्भ के लिए उनके डैशबोर्ड पर प्रवेश सारांश (पाठ्यक्रमवार, श्रेणीवार, कट-ऑफवार) उपलब्ध कराया गया।

वेब डिजाइनिंग सहायता

डीयूसीसी में डिजाइन की गई नई वेबसाइटें:-

स्वास्थ्य केन्द - http://healthcenter.du.ac.in
साइबर सुरक्षा और विधि संस्थान - http://icsl.du.ac.in
एनसीसी - http://ncc.du.ac.in
एनएसएस - http://nss.du.ac.in
विदेशी छात्र पंजीकरण की नई वेबसाइट - http://fsr.du.ac.in
एनएएसी एसएसआर - http://naac.du.ac.in
सामाजिक विज्ञान संकाय - http://fss.du.ac.in
पूर्वछात्र ई-जाइन वर्जन 5 - http://alumini.du.ac.in
ई-जर्नल खंड 4 अंक (डीयूजेयूआरआई) - http://journals.du.ac.in/ugresearch/lol3-1-html
विधि केन्द्र II - http://le2.du.ac.in
नियोजन प्रकोष्ठ, नृविज्ञान विभाग - http://ssipc.anthro.du.ac.in

विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों को आईसीटी वीपीएस का प्रावधान

वेबकास्ट

94वां वार्षिक दीक्षांत समारोह :
"भारत जर्मनी - विचार और संदर्श" पर जर्मनी संघीय गणराज्य के प्रेजीडेंड फ्रैंक-वाल्टर स्टेनमीयर द्वारा व्याख्यान

लाइव स्ट्रीमिंग

दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रमुख कार्यक्रमों के लिए तकनीकी अवसंरचना का प्रावधान जैसे एसी/ईसी बैठकें, कोर्ट बैठक और अन्य महत्वपूर्ण आयोजन/बैठकें। इसमें वाई-फाई सेटअप, कंप्यूटिंग सुविधाएं आदि भी शामिल हैं।

ई-अधिप्राप्ति तथा जीईएम का प्रबंध

समस्त ई-अधिप्राप्तियों और जीईएम संबंधी सुविधाओं के एकल बिंदु समाधान दिल्ली विश्वविद्यालय समुदाय को उपलब्ध कराए गए।

प्रशासनिक इकाइयों और विभागों को निम्नलिखित महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया जा रहा है:-

जीईएम लेखाओं का प्रावधान और उसके लिए सहयोग। इस अवधि के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के 65 प्रभागों से लगभग 180 सदस्य जीईएम में प्रतिभागिता कर रहे हैं तथा 60 लाख मूल्य के 460 आदेशों पर कार्य प्रारंभ किया गया है।

ई-अधिप्राप्ति लेखाओं का प्रावधान और उनके लिए सहयोग। लगभग 400 दिल्ली विश्वविद्यालय प्रयोक्ता ई-अधिप्राप्ति के लिए पंजीकृत हैं और 8098.27 लाख रु. के मूल्य की 1800 निविदाएं ई-अधिप्राप्ति के माध्यम से जारी की गईं।

दिल्ली विश्वविद्यालय के अधिकारियों के लिए "ई-विपणन के लिए जीईएम के क्रियान्वयन" पर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विभिन्न प्रशासनिक कार्यालयों/विभागों/कॉलेजों के 130 डीयू अधिकारियों/संकाय सदस्यों ने इस प्रशिक्षण में भाग लिया।

डीयूसीसी में प्रशिक्षण का आयोजन

डीयूसीसी ने समूचे वर्ष के दौरान संकाय-सदस्यों, कर्मचारियों, शोध स्कॉलरों, स्नातकोत्तर छात्रों, कालेज प्रणाली प्रशासकों/तकनीकी कर्मचारियों के लिए चार प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जिसमें एक्सेल, एसपीएसएस, मतलब, वेब

डिजाइनिंग में आधारभूत से प्रगत पाठ्यक्रमों के समस्त स्तरों को शामिल किया गया था जो शिक्षण शोध उपकरणों तथा छात्रों द्वारा ली गई परियोजनाओं के लिए लाभदायक हैं।

बायोमीट्रिक उपस्थिति प्रणाली

बायोमीट्रिक उपस्थिति प्रणाली सर्वर का प्रबंध डीयूसीसी में किया जा रहा है। वर्तमान में दिल्ली विश्वविद्यालय (उत्तरी परिसर) में विभिन्न स्थानों पर 87 बायोमीट्रिक उपस्थिति मशीनें कार्य कर रही हैं, जिसमें वीसी कार्यालय, परीक्षा भवन, नया प्रशासनिक खंड, स्वास्थ्य केन्द्र, विभिन्न संकाय और विभाग तथा छात्रावास शामिल हैं।

बायोमीट्रिक उपस्थिति प्रणाली की प्रभावी निगरानी के लिए पासवर्डों के साथ लगभग 135 लॉगइन आईडी विभाग अध्यक्षों तथा समस्त अभिहित अधिकारियों जैसे सहायक रजिस्ट्रार/उप रजिस्ट्रार आदि को प्रदान किए गए हैं। उन्हें अपने विभागों की उपस्थिति रिपोर्टों को दैनिक, मासिक अथवा वार्षिक आधार पर एक्सेस करने के लिए अवलोकन अधिकार दिए गए हैं। रिपोर्टों को विभिन्न फार्मेटों पर प्राप्त और सेव किया जा सकता है जैसे एक्सेल, पीडीएफ, आरटीएफ, वर्ड, आरपीटी आदि।

बायोमीट्रिक उपस्थिति प्रणाली सभी कर्मचारियों के संदर्भ में अपेक्षित समयावधि के लिए विभिन्न रिपोर्टों को सृजित करती है जैसे उपस्थिति रजिस्टर, विलंब से आने वालों की रिपोर्ट, अनुपस्थित कर्मचारियों की रिपोर्ट, वैयक्तिक कर्मचारियों का विश्लेषणात्मक सार, ग्राफीय रिपोर्ट तथा डीयूसीसी द्वारा अपेक्षित होने पर सभी विभागों और वैयक्तिक कर्मचारी की उपस्थिति सारांश भेजने के लिए ई-मेल विशेषता।

डीयूसीसी ने दिल्ली विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, शोध स्कालरों, स्नातकपूर्व और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए निम्नलिखित नेटवर्क लाइसेंस साफ्टवेयर उपलब्ध कराने जारी रखे हुए हैं : एसपीएसएस वी 22 + एएमओएस (विंडोज 32 बिट एवं 64 बिट, यूनिक्स और मैक प्लेटफार्म), मतलब आर2014बी (विंडोज 32 बिट एवं 64 बिट, यूनिक्स एवं मैक प्लेटफार्म), सिग्माप्लॉट 12 (केवल विंडोज के लिए), जावा सर्वर (केवल विंडोज़ के लिए)।

***

डी.एस.कोठारी विज्ञान, आचार और शिक्षा केंद्र

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

प्रो. डी.एस. कोठारी विज्ञान नयाचार और शिक्षा केन्द्र एक गतिशील केन्द्र है जो दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों और संकाय सदस्यों के बौद्धिक जीवन को समृद्ध बनाने के लिए अनेक क्रियाकलाप संचालित करता है और संसाधन उपलब्ध कराता है। हम शिक्षा, नयाचार और विज्ञान से संबंधित विषयों पर प्रत्येक वर्ष कार्यकारी पत्र प्रकाशित करते हैं। इस वर्ष हमने निजी परिचालन के लिए दो कार्यकारी पत्र प्रकाशित किए हैं। हम सम्मेलनों और संगोष्ठियों का आयोजन भी करते हैं। हमने दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग (सीआईई) और सामाजिक विज्ञान विभाग के सहयोग से एक सम्मेलन का तथा वार्षिक डी.एस. कोठारी स्मारक व्याख्यान का आयोजन किया है। हमारे पास छात्रों और शिक्षकों के लिए पुस्तकों का अच्छा संग्रह भी है। कुल मिलाकर हमने इस वर्ष 19 पुस्तकें प्रकाशित की हैं।

प्रकाशन

कपूर, नवदीप (2017-18). *चैलेन्जेज ऑफ लैंगुएज लर्निंग : ए केस स्टडी ऑफ ऋषि वैली स्कूल,* I, पृष्ठ : 27.
थापन, मीनाक्षी (2017-2017), सेल्फ नॉलेज एंड रिलेटेडनेस, II, पृष्ठ 16.

आयोजित संगोष्ठियां

प्रो. डी.एस. कोठारी स्मारक व्याख्यान समाज-शास्त्र विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकानॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय में 11 अक्तूबर, 2017 को प्रो. नंदिनी सुंदर, समाजशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा *"दि बुक्स दैट आई वुड हैव लाइक्ड टु राइट : एथिक्स एक्सीडेंट्स एंड एथनोग्राफी"* विषय पर दिया गया। इस व्याख्यान की अध्यक्षता तथा संचालन प्रो. मीनाक्षी थापन, समाज-शास्त्र विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकानॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा किया गया।

विभाग ने दिल्ली विश्वविद्यालय के समाज-शास्त्र विभाग तथा शिक्षा विभाग (सीआई) के सहयोग से 15-16 फरवरी, 2018 को *"आईडेंटिटीज एंड एजुकेशन"* विषय पर दो-दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन का आयोजन शोध स्कॉलरों तथा युवा संकाय सदस्यों को उनका शोध कार्य प्रस्तुत करने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए किया गया था।

आयोजित सम्मेलन

विभाग ने दिल्ली विश्वविद्यालय के समाज-शास्त्र विभाग और शिक्षा विभाग के सहयोग से *'आईडेंटिटीज़ एंड एजुकेशन'* विषय पर 15-16 फरवरी, 2018 को दो-दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया।

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

व्यावसायिक निकायों की सदस्यता :

विभाग प्रमुख हैं:

सदस्य, सलाहकार बोर्ड, *क्रॉसिंग बॉर्डस इन ए ग्लोबल वर्ल्ड : एप्लाइंग एंथोपोलॉजी टु माइग्रेशन, डिस्प्लेसमेंट एंड सोशल चेंज* पर नई श्रृंखला, संपादक : नैंसी कोन्वैलिंका और राउल सांचेज मोलिना (यूएनईडी, मैड्रिड), लेक्सिंगटन बुक्स।

सदस्य, विशेषज्ञ ग्रुप, *डाइवर्सिटी एंड डिस्क्रिमिनेशन इन हायर एजुकेशन* पर विश्वविद्यालय पाठ्यचर्या को तैयार करना, एनयूईपीए, दिसम्बर, 2016 और आगे।

सदस्य, *उच्चतर शिक्षा में विविधता और भेदभाव* संबंधी आईसीएसएसआर अनुसंधान सलाहकार समिति, एनयूईपीए, 2014 और आगे।

दि ऑक्सफोर्ड एंसाइक्लोपीडिया ऑफ क्वालिटेटिव रिसर्च मैथड्स इन एजुकेशन के लिए वरिष्ठ संपादक के रूप में कार्य करने के लिए आमंत्रित, ऑक्फोर्ड यूनीवर्सिटी प्रेस, यूएसए 2016 और आगे।

***

विकासशील देश अनुसंधान केन्द्र

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

केन्द्र ने वर्ष 2017-18 में विभिन्न शैक्षणिक क्रियाकलापों का आयोजन किया जिनमें प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय आगंतुकों का मीडिया द्वारा व्यापक प्रचार किया गया जो स्वयं में एक उपलब्धि है। नियमित मासिक व्याख्यानों, पारस्परिक संपर्क स्थापित करने वाले भाषणों, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों और सम्मेलनों एवं कार्यशालाओं के नियमित रूप से आयोजन ने इस केन्द्र को उल्लेखनीय विषयों जैसे पर्यावरणीय समस्याएं आदि पर जागरूकता का सृजन करने के अलावा सामाजिक विज्ञान के विषय क्षेत्र में एक प्रतिस्पर्धी अनुसंधान हब बना दिया है। संधारणीयता के साथ अनवरतता पर विश्वास करते हुए केन्द्र अपने तिमाही न्यूजलैटर और वार्षिक रिपोर्ट के नियमित अंकों को प्रकाशित कर रहा है। *समीक्षा* : उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव सर्वेक्षण की परियोजना को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरांत एक अन्य परियोजना *समीक्षा* : दिल्ली नगरपालिका चुनाव, 2017 ने अपने प्रभावी निर्वाचक परिणामों के साथ देश के एक उभरते हुए चुनाव-विश्लेषण केन्द्र के रूप में शैक्षणिक जगत में अपनी उपस्थिति को सुदृढ़ बनाया है। आईसीएसएसआर के सहयोग से केन्द्र ने क्षमता निर्माण कार्यक्रम के अंतर्गत देश के विश्वविद्यालयों/कॉलेजों के युवा संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और स्कॉलरों को सैद्धांतिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया है।

सम्मान/विशिष्टियां

प्रो. सौमेन्द्र एम. पटनायक, केन्द्र सलाहकार समिति के सदस्य को उत्कल विश्वविद्यालय, ओडिशा का कुलपति नियुक्त किया गया है। प्रो. कौशल कुमार शर्मा, फेलो, डीआरसीआर को 2017 में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में प्रोक्टर के रूप में नियुक्त किया गया है।

डा. वंदना मिश्रा, उप निदेशक, डीसीआरसी एवं सहायक प्रोफेसर, प्रतिस्पर्धी राजनीति और राजनीतिक सिद्धांत केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय को 15 नवम्बर, 2017 को चेन्नई में आईपीएसए राष्ट्रीय सम्मेलन में आईपीएसए राष्ट्रीय युवा राजनीतिक वैज्ञानिक पुरस्कार-2016 प्रदान किया गया।

डा. भुवन कुमार झा को 2018 में नेहरू स्मारक फेलोशिप के लिए चुना गया है।

प्रकाशन

डीसीआरसी वार्षिक रिपोर्ट 2017-18
तिमाही न्यूज़लैटर के चार अंक खंड 2, सं. 3-4 खंड 3 सं. 1-2
विवरणिका
वार्षिक कैलेण्डर

परियोजनाएं

दिल्ली नगरपालिका निर्वाचन सर्वेक्षण परियोजना : *समीक्षा,* अप्रैल, 2017.
आईसीएसएसआर ने दो सप्ताह के *क्षमता निर्माण कार्यक्रम* का प्रयोजन किया, 16-28 मई, 2017, 9.40 लाख रुपए।

आयोजित संगोष्ठियां

"आज का तुलनात्मक सिद्धांत : परिवर्तन और चुनौतियां" पर 12 मार्च, 2018 को एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। राजनीतिक विज्ञान विभाग में पूर्व प्रोफेसर, प्रो. सुब्रत मुखर्जी ने आधार व्याख्यान दिया और प्रो. उज्ज्वल के. सिंह और प्रो. मधुलिका बनर्जी, राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने संगोष्ठी के क्रमश: मध्याह्न-भोज पूर्व और मध्याह्न-भोज उपरांत सत्रों की अध्यक्षता की।

27 फरवरी, 2018 को 'नक्सलवाद' पर आधारभूत सामाजिक विज्ञान विद्वत-गोष्ठी का आयोजन किया गया। श्री सुभ्रांशु चौधरी, प्रतिष्ठित पत्रकार, छत्तीसगढ़ तथा डा. हिमांशु रॉय, वरिष्ठ फेलो, तीन मूर्ति इसमें पैनलविद् थे।

केन्द्र का स्थापना दिवस व्याख्यान प्रख्यात लेखक और चिंतक श्री सुशील पंडित द्वारा 20 अप्रैल, 2017 को 'कश्मीर : ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में मौजूदा चुनौतियां' विषय पर दिया गया। प्रो. संगीत के. रागी, राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की तथा श्री आर.के. सराफ, वरिष्ठ अधिकारी, भारत सरकार सम्मानित अतिथि थे।

केन्द्र प्रत्येक माह के पहले कार्यकारी शुक्रवार को मासिक व्याख्यान आयोजित करता है। इस श्रृंखला में, दसवां व्याख्यान 14 जुलाई, 2017 को प्रख्यात चिंतक और सामाजिक कार्यकर्ता श्री के.एन. गोविंदाचार्य द्वारा 'स्वदेशी मॉडल और पारिस्थिकी' पर दिया गया। इस सत्र की अध्यक्षता प्रो. योगेश अटल, पूर्व प्रधान निदेशक, यूनेस्को द्वारा की गई।

ग्यारहवां मासिक व्याख्यान 31 जनवरी, 2018 को प्रो. शांता नेंदुन्गाडी वर्मा, राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'मानवाधिकार प्रवचन : अंतर्राष्ट्रीयवाद का उल्लेखनीय क्षेत्र' विषय पर दिया।

विभाग ने विभिन्न समसामयिक विषयों पर पारस्परिक संपर्क सत्रों का आयोजन किया। 21 अगस्त, 2017 को 'पिचिंग रिसर्च सेमिनार' विषय पर एक पारस्परिक संपर्क व्याख्यान का आयोजन किया गया था। प्रो. रॉबर्ट विलियम फैफ और श्री एलीस्टेयर लारेन्सेसन, क्वींसलैंड विश्वविद्यालय, आस्ट्रेलिया इसमें विशेषज्ञों के रूप में आमंत्रित थे।

एक अन्य पारस्परिक संपर्क व्याख्यान 'समसामयिक समय में मातहतों को समझना' विषय पर 26 सितम्बर, 2017 को आयोजित किया गया। प्रो. सुनील के. चौधरी, निदेशक, डीसीआरसी ने आधार व्याख्यान दिया।

राष्ट्रीय बहस के सर्वाधिक नवीनतम मुद्दे 'एक राष्ट्र एक चुनाव' पर एक अन्य पारस्परिक संपर्क व्याख्यान का आयोजन 28 दिसम्बर 2017 को किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता केन्द्र की सलाहकार समिति के सदस्य डा. देवेन्द्र कक्कड़ ने की तथा प्रो. सुनील के. चौधरी ने एक सांख्यिकीय प्रस्तुतीकरनण पेश किया।

आयोजित सम्मेलन

केन्द्र के सहयोग से राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने यूजीसी सीएएस-एसएपी II कार्यक्रम के अंतर्गत 14-15 सितम्बर, 2017 को सामाजिक विज्ञान संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'भारत में शासन का लोकतांत्रिकीकरण' विषय पर एक

दो-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रख्यात हस्तियों ने इस कार्यशाला में जनसमूह को संबोधित किया जैसे प्रतिष्ठित समाज विज्ञानी प्रो. आशीष नंदी, प्रो. गुरप्रीत महाजन, सीपीएस, सामाजिक विज्ञान विद्यालय, जेएनयू; डा. चंदन मित्रा, प्रख्यात पत्रकार और पूर्व सांसद राज्य सभा; प्रो. श्री प्रकाश सिंह, राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय; डा. स्वपन दासगुप्ता, वरिष्ठ पत्रकार और सांसद, राज्य सभा; प्रो. रेखा सक्सेना, राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय; श्री शक्ति सिन्हा, निदेशक, नेहरू स्मारक संग्रहालय और ग्रंथालय; प्रो. दीपक पेंटल, प्रख्यात वैज्ञानिक; प्रो. अमृता सिंह, विधि और शासन अध्ययन केन्द्र, जेएनयू तथा श्रीमती अरुणा रॉय, सामाजिक कार्यकर्ता।

आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र - देश में आने वाले/विदेश जाने वाले

केन्द्र नियमित रूप से विदेशी आगंतुकों की मेजबानी करता है जिनमें शिक्षाविद् और शोध स्कॉलर शामिल होते हैं। दो शोध स्कॉलर, लेंका होमोल्कोवा, पीएच.डी स्कॉलर, मसारिक यूनीवर्सिटी ब्रनो, चेक गणराज्य तथा मेगन बेल, पेनसिल्वानिया स्थित डिकिंसन कॉलेज से अमरीकी छात्र 2017 में हमारे केन्द्र में आए तथा उन्होंने उनकी अध्ययन परियोजनाओं के भाग के रूप में भारत में निर्वाचन राजनीति पर प्रो. सुनील के. चौधरी, निदेशक, डीआरसीआर से साक्षात्कार किया।

विस्तार और पहुंच क्रियाकलाप

वर्ष 2017 में *समीक्षा* : उत्तर प्रदेश विधान सभा निर्वाचन सर्वेक्षण की सफलता के उपरांत केन्द्र ने संयोजक के रूप में डा. रमेश के. भारद्वाज, संयुक्त निदेशक, डीसीआरसी के साथ *'समीक्षा* : दिल्ली नगरपालिका निर्वाचन सर्वेक्षण, 2017' संचालित किया जिसके माध्यम से हम दिल्ली विश्वविद्यालय कॉलेजों के बड़ी संख्या में छात्रों को इस सर्वेक्षण में शामिल करने तथा उन्हें अनुभवजन्य प्रशिक्षण प्रदान करने में समर्थ रहे हैं।

संकाय सदस्य संख्या

मानद : 28

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

केन्द्र ने 16-29 मई, 2017 तक दो सप्ताह के आईसीएसएसआर प्रायोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया। इसके उद्घाटन सत्र में आधार व्याख्यान प्रख्यात हस्ती प्रो. योगेश अटल, पूर्व प्राचार्य-निदेशक, यूनेस्को द्वारा दिया गया था तथा सत्र के अध्यक्ष डा. देवेन्द्र कक्कड़, सलाहकार सदस्य, डीसीआरसी, दिल्ली विश्वविद्यालय थे। अन्य सत्रों में विभिन्न विषय-क्षेत्रों तथा देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के प्रतिष्ठित विषय विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिए जैसे दिल्ली विश्वविद्यालय; जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय; समाज विकास अध्ययन केन्द्र; इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय; कुमांऊ विश्वविद्यालय, नैनीताल; बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय; टीआईएसएस, मुंबई; बनारस हिंदू विश्वविद्यालय; नेहरू स्मारक संग्रहालय और ग्रंथालय, तीन मूर्ति; भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली; महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, वर्धा, गांधी नगर, गुजरात; एनसीईआरटी, नई दिल्ली; भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग; भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली; जाधवपुर विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल और एनएटीआरएसएस, भारत सरकार। इस कार्यक्रम की समाप्ति समापन-सत्र के साथ हुई जिसमें प्रख्यात व्यक्ति शामिल थे जैसे मुख्य अतिथि के रूप में श्री अजय मेहरा, मुख्य आयुक्त, मध्य प्रदेश तथा आधार व्याख्याता के रूप में प्रो. के.जी. सुरेश, महानिदेशक, जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली।

केन्द्र सरकार 26 नवम्बर, 2017 को केन्द्र में 'संविधान दिवस' मनाया जिसमें सभी प्रतिभागियों द्वारा उद्देशिका की शपथ ली गई जिन्होंने अपने जीवन में संविधान के आधारभूत सिद्धांतों को उतारने की प्रतिज्ञा की।

पूर्ववर्ती वर्ष में डीसीआरसी और इसके कार्यक्रमों को अग्रणी समाचारपत्रों तथा मीडिया में व्यापक रूप से कवर किया गया। डीसीआरसी निर्वाचन सर्वेक्षण रिपोर्ट '*समीक्षा* : 2017' की मीडिया में पर्याप्त सराहना की गई। हाल ही में, प्रोफेसर चौधरी को 'इंसाइट' और 'पब्लिक फोरम' जैसे कार्यक्रमों में भारत-इजराइल संबंधों पर चर्चा करने के लिए लोक सभा टीवी और राज्य सभा टीवी द्वारा भी आमंत्रित किया गया।

डिजिटल इंडिया के साथ मिलकर चलते हुए, डीसीआरसी ने मई, 2017 में अपने ट्विटर हैंडल @dcrcofficial का शुभारंभ किया। कुछ ही समय में इसने सैकड़ों लाइक और फोलोअर बना लिए हैं जिससे सोशल मीडिया प्लेटफार्म में उसकी एक पहचान बन गई है।

***

डा. बी.आर. अम्बेडकर जैव-चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

केन्द्र ने अनेक प्रकाशनों के साथ अपने उच्च मानकों को बरकरार रखा है। एसीबीआर ने ग्रीष्मकालीन स्नातकपूर्व अनुसंधान कार्यक्रम (एसयूआरपी) संचालित किया जिसने 8 सप्ताह के लिए छात्रों को अत्याधुनिक उपकरणों के बारे में मौके पर प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों ने उन्हें स्थानांतरीय शोध के साथ आधारभूत सिद्धांतों को मिश्रित करने के बारे में जानकारी प्रदान की। इस वर्ष भी एसीबीआर ने एक-दिवसीय दौरे के लिए मैसुरु विश्वविद्यालय के एम.एससी. छात्रों को आमंत्रित किया। केन्द्र ने *'औषधि डिजाइन में जैव-आसूचना और आण्विक मॉडलिंग'* पर आठवीं कार्यशाला का आयोजन और संचालन किया जिसमें समूचे देश के छात्रों को जैव-आसूचना में विभिन्न उपकरणों का प्रयोग करने में मौके पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। विशेषज्ञों ने प्रशिणार्थियों को तकनीकों का प्रयोग करने तथा उन्हें अपने शोध-कार्य में समाविष्ट करने की जानकारी दी। केंद्र ने *"जैव-चिकित्सा अनुसंधान में प्रगति, मानव स्वास्थ्य की चुनौतियां : निवारण, निदान और चिकित्सा"* विषय पर ग्यारहवीं विचार-गोष्ठी का भी आयोजन किया। समूचे देश से अग्रणी वैज्ञानिकों और युवा स्कॉलरों ने अपने-अपने कार्य प्रस्तुत किए जिसें बाजार में अभिनवता को शामिल करने वाले सार्वजनिक व्याख्यान भी थे।

सम्मान/विशिष्टियां

डा. अर्जुन कटयाल : चौथा यूरोपीयन स्ट्रोक आर्गेनाइजेशन सम्मेलन (ईएसओसी 2018) यात्रा अनुदान।
डा. मनीषा यादव : स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत सरकार, भारत से दीर्घकालिक विदेशी फेलोशिप प्रदान की गई।

प्रकाशन

अग्रवाल एस., कुमारी एन. एवं प्रतिभा एम. लूथरा (2017). फार्माकोलॉजिकल एसेस्मेंट ऑफ पोटेंट ए2ए रिसेप्टर एंटागोनिस्ट आईडीपीयू (1-(7 - इमिनो -3- प्रोफाइल 1-2, 3 - डाइहोड्रोथियालोजो [4, 5-डी] पायरिमिडिन-6 (7एच)-वाई 1) यूरिया) इन रोडेंट मॉडल ऑफ, हैलोपेरिडोल इंड्यूस्ड पार्किन्सन लाइक सिम्टम्प्स, *न्यूरोसाइंस लैटर्स*, 647, 53-60.

अग्रवाल वी., चोपड़ा एम., कपूर एच., महापात्रा एस.सी. एवं यादव एन. (2017) स्ट्रांग एंटी - टयूमोरस पोटेंशियल ऑफ नार्डोस्टैचिस्जाटामनसी रीजोम एक्स्ट्रेक्ट ऑन ग्लीओब्लास्टोमा एंड इन सिलिको एनालाइसिस ऑफ इट्स मॉलीक्यूलर ड्रग टार्गेट्स। *करंट कैंसर ड्रग टार्गेट्स* 17(1).

आर्या आर., गोयोन्ज्यान एस., हार्डिंग के., ली वाई., सार्किसियन टी., व्हाइट क. एवं झोऊ एल. (2018). ए कट/कोहेसिन एक्सिस अल्टर्स दि क्रोमैटिन लैंडस्केप टु फैसिलिटेट न्यूरोब्लास्ट डैथ। *बायोर जीव*, डीओआई : http:doi.org/10.11001/299164.
अख्तर एम., दीक्षित आर., कटयाल ए., मिश्रा पी.के., पांडेय के.सी., राठी बी., सक्सेना ए.के., शर्मा आर., सिंह ए.पी., सिंह जे. एवं वंदना (2018). बायो कैमिकल कैरेक्टेराइजेशन ऑफ अनयूजुअल सिस्टीन प्रोटीज़ आफ पी. फैल्सीपेरम, मेटाकैस्पेज-2 (एमसीए-2)। *मॉलीक्यूलर एंड बायोकैमिकल पैरासिटोलॉज*, 220, 28-41.

अरोड़ा आर., गुसाईं एस., मनराल ए., मीना पी., सैनी वी., तिवारी एम. एवं सलूजा डी. (2017). नोवल सिंथेटिक एनालोग्स ऑफ डायलाइल डाइसल्फाइड ट्रिगर्स सैल साइकल अरेस्ट एंड एपॉप्टोसिस वाया आरओएस जेनेरेशन इन एमआईए पीससीए-2 सैल्स। *फार्माकोलॉजिकल रिपोर्ट्स*, 69(4), 813-821.

बंद्योपाध्याय यू., भट्टाचार्य के., ब्रह्मचारी वी., चड्ढा ए.पी., गुप्ता बी.टी., मल्होत्रा पी., नटराजन के., पोपली एस., रमन आर. एवं सिंह वाई (2017). सप्रेशन ऑफ टोल लाइक रिसेप्टर 2 मीडिएटेड प्रो-इन्फ्लामेटरी रिस्पांसेस बाई *माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस* प्रोटीन आरवी3529सी। जर्नल ऑफ ल्यूकोसाइट बायलॉजी, 102, 1249-1259.

भाटिया जे., चंद्रा एस., नारंग आर., सलूजा डी. एवं श्रीवास्तव के. (2018). ई-सेलेक्टिन जीन इन एसेंशियल हाइपेर्टेंशन : ए केस-कंट्रोल स्टडी. *यूरोपियन जर्नल ऑफ क्लीनिकल इंवेस्टिगेशन,* 48, ई12868.

भारद्वाज एम., कपूर ए., मिश्रा पी.के., मित्तल पी., सलूजा डी., शर्मा वी., सोनकर एस.सी., वास्निक के. (2017). इनएडेक्वेट मैनेजमेंट ऑफ स्टिस इन आब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी यूजिंग सिंड्रोमिक केस मैनेजमेंट लेसंस : टु लर्न। *साइंटिफिक रिपोर्ट्स,* 7(1), 1465.

बक्शी आर., भट्टाचार्य के, ब्रह्मचारी वी., जैन एस., नारंग ए. (2017). डिस्टिंग्विशिंग बिटवीन बायोकैमिकल एंड सेल्युलर फंक्शन : आर देयर पेप्टाइड सिग्नेचरर्स फॉर सेल्युलर फंक्शन इन प्रोटींस? *प्रोटींस,* 85(4), 682-693.

ब्रह्मचारी वी., कोहली एस., शर्मा वी. (2017). कोरिलेशन बिटवीन डेसिकेशन स्ट्रेस सिस्पांस एंड एपिग्नेटिक मॉडिफिकेशन ऑफ जींस इन ड्रोसोफिला मेलागोगेस्टट : एन एक्जाम्पल ऑफ एंवार्यनमेंट-एपि जीनोम इंट्रैक्शन। *बायोकिमिका एट बायोफिसिका एक्टा-जीन रेगुलेटरी मैकेनिज्म्स,* 1860(10), 1058-1068.

ब्रह्मचारी वी., घसेमी एम., मैनी जे., ठाकुर एस.एस. एवं यंधूरी डी. (2017). ह्यूमन प्री-पिक 3 सी 2 बी, एन इंट्रोनिक सिस-एलीमेंट विद डुएल फंक्शन ऑफ एक्टिवेशन एंड रिप्रेशन। *बायोकिमिका एट बायोफिजिका एक्टा,* 1860(2), 196-204.

बोस एम., चंदोलिया ए., चोपड़ा एम., कुमार ए., पाठक आर., सैनी एन.के., सिंह पी., सिन्हा आर.,....(2018). मिथाइल एक्सेप्टिंग कैमोटेक्सिस लाइक आरवी 3499सी (एमसीई 4ए) प्रोटीन इन माइकेबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस एच 37 आरवी मीडिएट्स कॉलेस्ट्रोल-डिपेंडेंट सरवाइवल। *ट्यूबरकुलोसिस,* 109, http://doi.org/10.10.16/जे. ट्यूब 2018. 2018.01.004.

चन्द्रा आर., कटयाल ए., ज्याति के., जैन यू.के., मदन जे. एवं सोनी एन. (2017) नोस्कापिनॉइड्स बीयरिंग सिल्वर नैनोक्रिस्टल्स ऑग्मेंटेड ट्रग डिलीवरी साइटोटोक्सिटी, एपोप्टोसिस एंड सेल्युलर अपटेक इन बी 16एफ 1 माउस मेलेनोमा स्किन कैंसर सैल्स। *बायोमेडिसिन एंड फार्माकोथर,* 90, 906-913.

चन्द्रा आर., ज्योति के., कटयाल ए., मदान जे., सोनी एन. एवं जैन यू.के. (2018) "नोस्कापिनॉइड्स बीयरिंग सिल्वर नैनोक्रिस्टल्स ऑग्मेंटेड ट्रग डिलीवरी साइटोटोक्सिटी, एपोप्टोसिस एंड सेल्युलर अपटेक इन बी16एफ1, माउस मेलेनोमा स्किन कैंसर सैल्स। *बायोमेड. फार्माकोथैरेपी,* 90, 906-913" का शुद्धिपत्र।

चन्द्रा बी. मिश्रा, डोंग की जेओग, मनीषा तिवारी, राज कुमार मोंग्रे एवं शिखा कुमारी (2017). नोवल ट्राइएजोल-पिपेराजीन हाइब्रिड मॉलेक्यूल्स इंड्यूस एपोप्टोसिस वाया एक्टिवेशन ऑफ दि माइटोकांड्रियल पाथवे एंड एक्जीबिट एंटीट्यूमर एफिकैसी इन ऑस्टियोसार्कोमा जेनोग्राफ्ट न्यूड माइंस मॉडल। *एसीएस कैमिकल बायलॉजी,* 12(3), 753-768.

छिकारा ए., चोपड़ा एम., कुमार पी. एवं वसीम एल. (2017). को-डिलीवरी ऑफ वोरिनोस्टैट एंड एटोपोसाइड वाया डाइसल्फाइड क्रॉस-लिंक्ड बायोडीग्रेडेबल्स पालीमेरिक नैनोजेल्स: सिंथेसिस, कैरेक्टेराइजेशन, बायोडिग्रेडेशन एंड एंटीकैंसर एक्टिविटी। *एएपीएस फार्मसाइटेक,* 19(2), 634-647.

छिकारा ए., चोपड़ा एम., कुमार पी. एवं यादव एन. (2017). कंबीनेटोरियल सॉलिड फेज सिंथेसिस:टेक्नीक्स, कैरेक्टेराइजेशन एंड ड्रग्स एप्लीकेशन इन ड्रग डेवलपमेंट। *करंट बायोकैमिकल इंजीनियरिंग,* 4(1), 9-33.

चोपड़ा एम. एवं वसीम एल. (2018). साइनर्जिस्टिक एंटीकैंसर इफेक्ट ऑफ पैनोबिनोस्टैट एंड टोपोआइसोमेरेज इंहिबिटर्स थ्रू आरओएस जेनेरेशन एंड इंट्रिन्सिक एपोप्टोटिक पाथवे इंडक्शन इन सर्विकल कैंसर सैल्स, *सेल्युलर ऑनक्लॉजी,* 41, 201-212.

चोपड़ा एम., चौधरी जे., झा पी., कुमारी एस., मिश्रा ए.के., सिक्का एम., वर्मा पी.,....(2017). आइडेंटिफिकेशन ऑफ पोटेंट कोलेसाइस्टोकिनिन-बी रिसेप्टर एंटागोनिस्ट्स : सिंथेसिस, मॉलेक्यूलर मॉडलिंग एंड एंटी-कैंसर एक्टिविटी अंगेस्ट पैनक्रिएटिक कैंसर सैल्स। *मेडिक कैम कॉम.,* 8(7), 1561-1574.

चोपड़ा एम., छिकारा ए., कुमार पी. एवं यादव एन. (2017). डेवलपमेंट ऑफ 1, 3, 4 - ऑक्सीडाइजोनथियोन बेस्ड नोवल एंटीकैंसर एजेंट्स : डिजाइन, सिंथेसिस एंड इन-विट्रो स्टडीज। *बायोमेडिसिन एंड फार्माकोथेरेपी,* 95, 721-730.

कोस्डोल के., दास बी.सी., जलोटा ए., कुमार एम., सिन्हा एस. एवं यादव ए.के. (2018). ए ड्रग कंबिनेशन टार्गेटिंग हाइपॉक्सिया इंड्यूस्ड कीमोरेजिस्टेंस एंड स्टेमनेस इन ग्लीओमा सैल्स। *ऑनकोटार्गेट,* 9(26), 18351-18366.

चौधरी आर., कटयाल ए., मलईरामन यू. (2017). इनहिबिशन ऑफ 12/15 एलओएक्स एमिलियोरेट्स कॉग्नीटिव एंड कोलीनेर्जिक डिस्फंक्शन इन माउस मॉडल ऑफ हाइपोबैरिक हाइपोक्सिया वाया अटेनुएशन ऑफ ऑक्सीडेटिव/नाइट्रोसेटिव स्ट्रेस। *न्यूरोसाइंस,* 359, 308-324.

दीक्षित ए.बी., श्रीवास्तव ए., सरकारी सी., पॉल डी., बनर्जी जे., त्रिपाठी एम. एवं चन्द्र एस.पी. (2017). कम्पैरिटिव एनालाइसिस ऑफ साइटोकीन/कैमोकीन रेगुलेट्री नेटवर्क्स इन पेशेंट्स विद हिप्पोकैम्पल स्क्लेरोसिस (एचएस) एंड फोकल कोर्टिकल डिस्प्लासिया (एफसीडी)। *साइंटिफिक रिपोर्ट्स,* 7(1), 15904.

दीक्षित ए.बी. एवं बनर्जी जे. (2018). एपिलेप्टोजिनेसिस, सेक्शन 4 एपिलेप्सी, आईएएन टेक्सबुक ऑफ न्यूरोलॉजी, प्रथम संस्करण, *जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स,* आईएसबीएन 978-93-5270-179-7.

जिंगन एन.के., यादव ए. एवं वशिष्ठ वी. (2018). एंटीगोनिस्टिक रोल ऑफ जीएसके 3 आइसोफोर्म्स इन ग्लीओमा सर्वाइवल। जर्नल ऑफ कैंसर, 9(10), 1846-1855.

जून डी., निमेश एम., सलूजा डी., वर्मा-बसिल एम. (2017). इवैलुएशन ऑफ इम्प्रूव्ड आईएस 6110 एलएएमपी एसे फॉर डाइग्नोसिस ऑफ पल्मनरी एंड एक्स्ट्रा पल्मनरी ट्यूबरकुलोसिस। *जर्नल आफ माइक्रोबायलाजिकल मैथड्स,* 139, 87-91.

कट्याल ए. मेहता वी., पटेल एस.एस., राय आर.एस. शर्मा ए. एवं उदयभानु एम. (2018). एंटीडिप्रेसेंट एंड एंसियोलाइटिक लाइक इफेक्ट्स ऑफ अर्टिका डायोका लीव्स इन स्ट्रेप्टोजोटोसिन इंड्यूस्ड डायबेरिक माइस. *मेटाबॉलिक ब्रेन डिजीज़,* डीओआई : 10.1007/एस 11011/018-0243-1.

खोरामडेलाइजाड एच., जफरजोदेह ए., मल्ला एन., नेमती एम. एवं यादव एम. (2018). ह्यूमोरल एंड टी सैल-मीडिएटेड इम्यून रिस्पांस अगेंस्ट ट्राइकोमोनिएसिस। *पैसासाइट इम्युनोल,* 40(3), डीओआई : 10.1111/पीआईएम. 12510.

लाल एन., प्रतिभा, लूथरा एम., कुमार आर. एवं मेनेश वी. (2018). डीमिथोलाइकर्क्यूमिन मीडिएटेड टार्गेटिंग ऑफ एमएन-एसओडी लीडिंग टु एक्टिवेशन ऑफ एपोप्टोटिक पाथवे एंड इनहिबेशन ऑफ एकेटी/एनएफ-केबी सर्वाइवल सिगनलिंग इन ह्यूमन ग्लाइयोमा यू 87 एमजी सैल्स। *टाक्सीकॉलॉजी एंड एप्लाइड फार्माकोलॉजी,* 345, 75-93.

मेहता पी., लूथरा एवं नेमेश वी. (2017). कम्प्यूटेशनल एनालाइसिस रिवील्ड के. 634 एंड टी 681 म्यूटेशंस मॉडुलेट 3डी-स्ट्रक्चर ऑफ पीडीजीएफआर-β लीडिंग टु सिनिटिनिब रेजिस्टेंस। *आरएससी एडवांसेस,* आरए-एआरटी-01-2017-001305. आर नागार्जुन डी. यादव एम., गेंड आर. एवं धांडा आर.एस. (2017). व्होल जीनोम शॉटगन सीक्वेंस ऑफ *एसचेरीशिया कोली* स्ट्रेन एमएन 067 फ्रॉम इंडिया: ए कामेंसल विद ए पोटेंट पैथोजेनिक एबिलिटी। *जीनोम एनाउंसमेंट्स,* 23, 5(12) पीआईआई : ई 00054-17.

शर्मा डी., कुमारी एन., लूथरा पी.बी., कुमारी आर. एवं अग्रवाल एस. (2018). न्यूरोप्रोटेक्टिव इफेक्ट ऑफ आईडीपीयू (1-(7-इमिनो-3-प्रोपाइल 1-2, 3-डाईहाइड्रोथिएजोलो [4, 5-डी] पिरिमिडिन-6 (7एच)-वाई1) यूरिया) इन 6-ओएचडीए इंड्यूस्ड रोडेंट मॉडल ऑफ हेमीपार्किन्संस डिजीज़। *न्यूरोसाइंस लैटर्स*, 675, 74-82.

शर्मा डी., कुमारी एन., लूथरा पी.बी., कुमारी आर. एवं अग्रवाल एस. (2018). न्यूरोप्रोटेक्टिव इफेक्ट ऑफ आईडीपीयू (1-(7-इमिनो-3-प्रोफाइल 1-2,3-डाइहाड्रोथिएजोलो [4, 5-डी] पिरिमिडिन-6 (7एच)-वाई1) यूरिया) इन 6-ओएचडीए इंड्यूस्ड रोडेंट मॉडल ऑफ हेमीपार्किन्संस डिजीज़। *न्यूरोसाइंस लैटर्स* (स्वीकृत)

श्रीवास्तव के. एवं त्यागी के. (2017). सिंगल न्यूक्लोटाइड पॉलीमोर्फिज्म ऑफ माइक्रो-आरएनए इन कार्डियोवैस्कुलर डिजीज़। *क्लीनिका किमिका एक्टा*, 478, 101-110.

शोध परियोजनाएं

एसईआरबी, *डीलिएनेटिंग दि मैकेनिज्म ऑफ ट्रासंक्रिप्शनल रेगुलेशन बाई ग्रोमैटिन रीमॉडलिंग प्रोटीन, आईएनओ 80 : आइडेंटिफिकेशन एंड कैरेक्टेराइजेशनऑफ दि प्रोटीन कांप्लेक्सेज़*, 2017-19, ब्रहमचारी वी., संस्वीकृत राशि 5555800.

जैव-प्रौद्योगिकी विभाग, *जीनेटिक एंड एपीजीनेटिक रेगुलेशन ऑफ स्टेम सैल डैथ एंड इट्स कांसेक्वेंसेज इन कैंसर,* 2017-2022, रिचाआर्या, अधीन ब्रहमचारी वी : रामलिंगास्वामी - रिचा आर्या को हाल में दी गई फेलोशिप, संस्वीकृत आकस्मिक राशि 32,00,000/- रु. और वेतन राशि 5550000/-रु.

जैव-प्रौद्योगिकी विभाग, *डेसिफेरिंग दि रोल ऑफ कैल्शियम होम्योस्टेटिक इन मॉडुलेटिंग टी. सैल डायनैमिक्स ड्यूरिंग माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस इंफेक्शन,* 2017-2020, नटराजन के., संस्वीकृति राशि : 8227000/-रु.

जैव-प्रौद्योगिकी विभाग, *क्रिएशन ऑफ बायोइंफार्मेटिक्स फैसिलिटी एट एसीबीआर*, 2006-2020, मधु चोपड़ा, 76.613 रुपए; 2017-18 8.632 लाख रु.

आयोजित सम्मेलन

19-21 फरवरी, 2018 के दौरान जैव-चिकित्सा अनुसंधान में प्रगति पर ग्यारहवीं विचार-गोष्ठी आयोजित की गई।
मधु चोपड़ा संयोजक एवं आयोजन सचिव ने 16-17 मार्च, 2018 को डीबीटी द्वारा प्रायोजित बायोइंर्फामेटिक्स एंड मॉलीक्यूलर मॉडलिंग पर 8वीं कार्यशाला का आयोजन किया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतीकरण

नटराजन के.: बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में जैव-रसायन एवं जैव-चिकित्सा अनुसंधान में रूझान (टीबीबीआर) पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में वक्ता के रूप में आमंत्रित किए गए। 13-15 फरवरी, 2018.
नटराजन के.: अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में डेसिफेरिंग दि इंट्रीकेसीज़ ऑफ माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस एंड होस्ट इंटेरेक्शंस पर वक्ता, 7 मार्च, 2018.
अंजु कटयाल: "12/15 - एलओएक्स इन्हिबीशन एमेलियोरेट्स हिप्पोकैपस एसोसिएटेड न्यूरोनल डैमेज एंड माइटोकांड्रियल डिस्फंक्शन इन माइंस सब्जेक्टेड टु हाइपोबेरिक हाइपाक्सिया" चौथा यूरोपीयन स्ट्रोक आर्गेनाइजेशन सम्मेलन, 2018 (ईएसओसी 2018), गोथेन्बर्ग, स्वीडन.

कम्प्यूटर समर्थित ड्रग डिजाइन कार्यनीतियां, 28 अगस्त, 2017, आईआईटी, नई दिल्ली में मधु चोपड़ा द्वारा बायाइंफार्मेटिक्स एंड कंप्यूटेशनल बायलॉजी कार्यशाला का आयोजन।
कम्प्यूटर समर्थित ड्रग डिजाइन, 26 जुलाई, 2017, मधु चोपड़ा द्वारा राजगुरु अनुप्रयुक्त विज्ञान कॉलेज में 21-27 जुलाई, 2017 तक "अनुप्रयुक्त विज्ञान शिक्षण में हालिया रूझान (एफडीपी-आरटीएएसटी)" पर राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रदत्त एम. फिल/पी.एच.डी. डिग्रियां

पी.एच.डी. : 13

संकाय सदस्य संख्या

संकाय - सदस्य = 13 (11 नियमित, 02 तदर्थ)

***

सूचना-विज्ञान और संचार संस्थान

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

संस्थान ने विश्वविद्यालय सूचना प्रबंध प्रणाली (यूआईएमएस) की स्थापना करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यूआईएमएस के अंतर्गत, आईआईसी ऑनलाइन स्नातकपूर्व और स्नातकोत्तर प्रवेशों, शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए ऑनलाइन भर्ती, मानव संसाधन प्रबंधन, वित्त प्रबंध, दस्तावेज प्रबंध, कॉलेज, प्रबंध के लिए इंटरप्राइज अनुप्रयोगों को विकसित और प्रबंबध कर रहा है तथा वर्तमान में छात्र जीवन-चक्र प्रबबंध को क्रियान्वित किया जा रहा है।

संस्थान ने विभिन्न क्रियाकलाप संचालित किए हैं जैसे औद्योगिक व्याख्यान श्रृंखला जिसमें कोई प्रतिष्ठित विद्वान सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में वर्तमान रूझानों पर विशेषीकृत व्याख्यान देने क लिए संस्थान का दौरा करता है। इसके अलावा, छात्रों और संकाय-सदस्यों ने समय-समय पर उद्योग विश्वविद्यालय संपर्क कार्यक्रमों का आयोजन किया। संकाय सदस्यों ने सक्रिय रूप से विभिन्न मंचों पर उनके शोध कार्य को प्रस्तुत किया जैसे राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, कार्यशालाएं। पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष नियोजन क्रियाकलाप सक्रियता के साथ आयोजित किया गया जिसके परिणामस्वरूप ~40 प्रतिशत रोजगार प्रथम चक्र में प्रदान किया गया। अनेक श्रेष्ठ आईटी उद्योग कैंपस नियोजन के लिए आ रहे हैं। इस वर्ष संस्थान में आने वाले उद्योग हैं - स्नैपडील, जीलियस सोलूशंस एरीसेंट टेक्नालॉजीज, ह्यूजेज़ सिस्टीक, क्यूए इंफो टेक आदि।

सम्मान/विशिष्टयां

श्री शिव साहनी, एम.एससी. उत्तीर्ण छात्र को कैप्टन अनुज नय्यर स्मारक स्वर्ण पदक - 2017, दिल्ली विश्वविद्यालय प्रदान किया गया।

प्रकाशन

एस. कुमार, एम. कुमार, एम.के. दास, आर. बुद्धिराजा और एस. सिंह (2017). इम्प्रूव्ड क्रिप्टोग्राफिक मॉडल फॉर बैटर इंफार्मेशन सिक्यूरिटी। सूचना और संचार प्रौद्योगिकी अभिसारिता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीटीसी), जेजू दक्षिण कोरिया पीपी. 406-410, डीओआई : 10.1109/आईसीटीसी. 2017, 8191013.

एम. कुमार, एस. कुमार, एम.के. दास, आर. बुद्धिराजा और एस. सिंह "कैयोटिक डायनैमिकल सिस्टम्स बेस्ड इमेज इंक्रिप्शन मॉडल" 2017. सूचना और संचार प्रौद्योगिकी अभिसारिता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीटीसी), जेजू दक्षिण कोरिया पीपी 93-98, डीओआई : 10.1109/आईसीटीसी 2017. 8190949.

जर्नल

विभाग द्वारा प्रकाशित

मनीष कुमार, सुनील कुमार, एम.के. दास, रजन बुद्धिराजा, संजीव सिंह, सिक्यूरिंग इमेजेज़ विद ए डिफ्यूजन मैकेनिज्म बेस्ड ऑन फ्रैक्शनल ब्राउनियन मोशन, सूचना सुरक्षा और अनुप्रयोग जर्नल, खंड 40, 2018 पृष्ठ 134-144, आईएसएसएन 2214-2126, https://doi.org/10.1016/j.jisa. 2018. 03.007.

विभाग के अनेक शिक्षक संपादन मंडल के संपादकों/सदस्यों के रूप में कार्य कर रहे हैं।

शोध परियोजनाएं

डीयू/डीएसटी, 2014-2019, *नेटवर्क वास्तुकला और सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और अपराध-विज्ञान के लिए अनुसंधान अवसंरचना स्थापित करना,* 14.3 लाख रुपए।

आयोजित संगोष्ठियां

23 सितम्बर, 2017 को "कार्यवाही की उद्भावना" पर कार्यशाला, एस.पी. जैन केन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिण परिसर।
25 जनवरी, 2018 को "ईएसडीएम भारत में उद्यमशीलता को प्रारंभ करना" पर कार्यशाला एस.पी. जैन केन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिण परिसर।

संगोष्ठी/सम्मेलनों में प्रस्तुतीकरण

एन्वीसाज' 17, छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए प्रौद्योगिकी ओपन सोर्स पर वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

भारतीय/विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ - कोई नहीं

भारतीय/विदेशी कंपनियों/उद्योगों के साथ - 01

आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र - 01

राष्ट्रीय त्सिंग हुआ विश्वविद्यालय, ताइवान के साथ ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

परिसर में			**परिसर के बाहर**
आने वाले संगठनों की संख्या	**प्रतिभागिता करने वाले छात्रों की संख्या**	**नियोजित छात्रों की संख्या**	**नियोजित छात्रों की संख्या**
02	36	04	12

- नियोजित किए गए छात्रों की संख्या और प्रतिशत : 16 एवं 44.42
- कैंपस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या : 03

विस्तार तथा पहुंच क्रियाकलाप

सामाजिक उद्यमशीलता और अधिकारिता के लिए कनेक्टिंग ड्रीम्स फाउंडेशन के साथ सहयोग

संकाय-सदस्य संख्या : 03 (स्थिति) - 01 सेवानिवृत्त हो गए, 01 वर्ष 2016 से अनुपस्थित हैं।

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

आईआईसी ने विभिन्न स्वचालन प्रक्रियाओं के लिए विश्वविद्यालय को आईटी आधारित सोलूशन और सेवाएं उपलब्ध कराने में काफी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आईआईसी में विकसित सॉफ्टवेयर विभिन्न केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में क्रियान्वित किए गए हैं जैसे जेएनयू, सीयूएच, सीयूबी, पटना आदि। एनआईसी, भारत सरकार ने हैकेथॉन आयोजित करने के लिए आईआईसी से संपर्क स्थापित किया है तथा आइडिया चैंपियनशिप राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की गई है।

***

पादप जीनोमिक्स अंतः-विषयक केंद्र

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां (150 शब्दों में)

पिछले 5 वर्षों में हमने अंतर्राष्ट्रीय कंसोर्टियम के भाग के रूप में गेहूं जीनोम की सीक्वेंसिंग में प्रतिभागिता की है। आईएआरआई, नई दिल्ली तथा पीएयू लुधियाना में स्थित दो अन्य समूहों के सहयोग से हमने हेक्साप्लाइड गेहूं के क्रोमोजोम

2ए को सीक्वेंस किया तथा सीए 130,000 बीएसी के बीएसी-एंड सीक्वेंसों में उल्लेखनीय योगदान दिया जो सांगर प्रौद्योगिकी का प्रयोग करते हुए क्रोमोजोम 2ए के 100-150 केबी फ्रैक्मेंट्स को आश्रय देता है। गेहूं के जीनोम संयाजित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय कंर्सोटियम ने इन आंकड़ां का प्रयोग किया है। संयोजित जीनोम सीक्वेंस जीनों का मापन करने के लिए वैज्ञानिक समुदाय के लिए पर्याप्त महत्व के होंगे तथा वे उनका प्रयोग अजैविक और जैविक तनाव सहिष्णुता के लिए गेहूं में सुधार लाने, उत्पादकता में वृद्धि करने तथा बेहतर कृषीय विशेषताओं के साथ पादप फीनोटाइप में परिवर्तन करने के लिए करेंगे। इस कार्य के साथ, हमने चावल में प्रकाश विनियमित पादप विकास और अजैविक तनव सहिष्णुता में उनकी भूमिका के लिए चावल में bZIP और एफ-बॉक्स प्रोटीन कोडिंग जीनों को कार्यात्मक रूप से विशेषीकृत करने के अपने प्रयासों को जारी रखा है।

सम्मान और विशिष्टियां

गोयल फाउंडेशन, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा द्वारा अप्रैल, 2017 में गोयल पुरस्कार (जीव विज्ञान में)।

ओम प्रकाश भसीन फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा अप्रैल, 2017 में श्री ओम प्रकाश भसीन पुरस्कार (जैव प्रौद्योगिकी में).

सीएसआईआर संस्थान - कोशकीय और आण्विक जैविकी केन्द्र (सीसीएमबी), हैदराबाद की अनुसंधान परिषद का तीन वर्ष की अवधि (जुलाई, 2017 से) के लिए सदस्य।

प्रकाशन

बोराह पी. एवं खुराना जे.पी. (2018) दि ओएसएफबीके 1 ई3 लिगेज सबयूनिट अफेक्ट्स एंथर एंड रूट सेकेंडरी सैल वाल थिकनिंग्स बाई मीडिएटिंग टर्न-ओवर ऑफ ए सिनामोयल-सीओए रिडक्टेज। *प्लांट फीजियोलॉजी,* 176, 2148-2165.

बर्मन एन., भटनागर ए. एवं खुराना जे.पी. (2018) ओएसबी-जैडआईपी 48, ऑर्थोलोगस टु एटीएचवाई 5, एक्जर्ट्स प्लीयोट्रोपिक इफेक्ट्स इन लाइट-रेगुलेटेड प्लांट डेवलपमेंट, *प्लांट फीजियोलाजी,* 176, 1262-1285.

जैन एन., वेर्गीस एस. एवं खुराना जे.पी. (2018). इवैलुएशन ऑफ हाउस-कीपिंग जींस फॉर नार्मालाइजेशन ऑफ जीन एक्सप्रेशन डाटा फॉर डायअर्नल/सिरकाडियन स्टडीज़ इन राइस यूजिंग आरटी'क्यूपीसीआर। साइंटिफिक रिपोर्ट्स, 8, 3203.

माजी ए., मिश्रा आर., धाकन डी.बी. गुप्ता बी., महतो एन.के., सक्सेना आर., सिंह एच., हसीजा वाई., अरोड़ा जी., अग्रवाल ए., चौधरी ए., खुराना जे.पी., शर्मा वी.के., लाल आर., एवं सिंह वाई. (2018). गट माइक्रोबियोम कंर्टिब्यूट्स टु इम्पेयरमेंट ऑफ इम्युनिटी एन पल्मनरी ट्यूबरकुलोसिस पेशेंट्स बाई अल्ट्रेशन ऑफ ब्यूटीरेट एंड प्रोपियोनेट प्रोड्यूसर्स। *इंवायरनेमेंटल माइक्रोबायलॉजी,* 20, 402-419.

मिश्रा एस. एवं खुराना जे.पी. (2017). इमेर्जिंग रोल एंड न्यू पैराडिग्म्स इन सिगनलिंग मेकेनिज्म ऑफ प्लांट क्रिप्टोक्रोम्स। *क्रिटिकल रिव्यूज़ इन प्लांट साइंस,* 36, 89-115.

सिंह एम., गुप्ता ए., खुराना जे.पी. एवं लक्ष्मी ए. (2017). <u>एराडिबोप्सिस आरएसएस 1 मीडिएट्स क्रॉस-टॉक बिटवीन ग्लूकोज एंड लाइट सिगनलिंग ड्यूरिंग हाइपोकोटाइल एलांगेशन ग्रोथ</u>। *साइंटिफिक रिपोर्ट,* एस 7 (1), 16101.

सिंह बी., खुराना पी., खुराना जे.पी. एवं सिंह पी. (2018). ए व्हीट जीन एंकोडिंग टीएवीएपी कांफर्स टॉलेरेंस टु ड्रॉट स्ट्रेस। *सैल स्ट्रैस एंड चैपेरोन,* 23, 411-428.

वर्मा एच., बजाज ए., कुमार आर., कौर जे., आनंद एस., माजी ए., नय्यर एन.ए., सिंह वाई., खुराना जे.पी. एवं लाल आर (2017). जीनोम आर्गेनाइजेशन ऑफ *सिफिंगोबियम इंडिकम* बी 90ए: एन आर्चेटियल हेक्साक्लोरो साइक्लो हेक्से (एचसीएच) डीग्रेहिडंग जीनोटाइप। *जीनोम बायलॉजी एंड एवोलूशन,* 9(9), 2191-2197.

जर्नल

संपादक बोर्ड के सदस्य : दो जर्नल

अनुसंधान परियोजनाएं

डीबीटी, *चावल में संक्रमण से पुष्पण को विनियमित करने में शामिल जीनों की कार्यात्मक विधिमान्यता* (2015-2020), प्रो. जे.पी. खुराना, 1.40 करोड़ रु.

डीएसटी-एसईआरबी, जे.सी. बोस फेलोशिप परियोजना (2013-2018), प्रोफेसर जे.पी. खुराना, सीए 70 लाख रु.

आयोजित सम्मेलन

केरल केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कासरगोड केरल के साथ डकवीड अनुसंधान और अनुप्रयोग पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का सह-आयोजन, 23-26 अक्तूबर, 2017.

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण

उच्चतर शिक्षा के लिए डिजिटल पहलकदमों पर राष्ट्रीय कन्वेंशन में व्याख्यान दिया, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित, विज्ञान भवन, 8-10 जुलाई, 2017.

डकवीड अनुसंधान और अनुप्रयोग पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के सत्र की अध्यक्षता और व्याख्यान, केन्द्रीय केरल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, कसारगोड, केरल, 23-26 अक्तूबर, 2017.

एनएबीआई, मोहाली में 3-5 दिसम्बर, 2017 को 'जीन, जीनोम और झिल्ली जैविकी' पर आयोजित हरगोविंद खुराना स्मारक विचार-गोष्ठी में अतिथि व्याख्यान दिया।

एनआईएसईआर, भुवनेश्वर में 12-14 दिसम्बर, 2018 को आयोजित पादप विकास जैविकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और तीसरी राष्ट्रीय *एराबिडोप्सिस* बैठक में 'पूर्ण सत्र' की अध्यक्षता और आमंत्रित व्याख्यान।

जैव-प्रौद्योगिकी विद्यालय, जीजीएस इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में जनवरी, 2018 में डा. येल्लाप्रागडा सुब्बा राव स्मारक व्याख्यान।

विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 8-9 मार्च, 2018 को 'महिलाओं की प्रौद्योगिकीय अधिकारिता' पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन (अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में) एक सत्र की सह-अध्यक्षता।

अन्य अंतर्सांस्थानिक सहयोग

7 संस्थानों के साथ बहु-सांस्थानिक परियोजना जिनमें समन्वयक संस्था दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिणी परिसर, नई दिल्ली है।

संकाय-सदस्य संख्या

चार सदस्यों को सहयोजित किया गया है तथा वे पादप आण्विक जैविकी विभाग, यूडीएससी के नियमित रोल पर हैं।

***

विश्वविद्यालय विज्ञान मापयंत्रण केन्द्र

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

दिल्ली विश्वविद्यालय के विज्ञान विभागों तथा संबद्ध कॉलेजों के सभी अनुसंधानकर्ताओं और संकाय सदस्यों के लिए संलिष्ट विश्लेषणात्मक उपकरणों से सज्जित केन्द्रीयकृत सुविधा का विश्वविद्यालय विज्ञान मापयंत्रण केन्द्र द्वारा अनुरक्षण किया गया है। यह केन्द्र प्रात: 9 बजे से 5.30 बजे तक सप्ताह में छह दिन खुला है।
केंद्र में उपलब्ध उपकरण हैं :

वाइब्रेटिंग सैंपल मैग्नेटोमीटर

ब्रूकर हाइ रेजुलूशन एक्स-रे डिफरेक्टोमीटर

एटीआर एवं स्पेकुलर रिफ्लेक्टेंस के साथ पर्किन एल्मर एफटीआईआर स्पेक्ट्रोमीटर

उड़ान के क्वाड्रुपोल टाइप के साथ एजिलेंट एलसीएमएस

थर्मल विश्लेषण पर्किन एल्मर टीजीए, डीटीए और डीएससी

वाटर्स डिफरेंशियल स्कैनिंग कैलोरीमीटर

जिओल 400 एमएचजैड न्यूक्लीयन मैग्नेटिक रेजोनेंस

टीईएम सैंपल प्रीपरेशन इक्युपमेंट

क्रिटिकल प्वाइंट ड्रायर

डीडीएस के साथ जेओल स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (एसईएम)

एफईआई उच्च रेज़ूलूशन ट्रांसमीशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (टीईएम)

सीएचएनएस एनालाइजर

द्रव्य नाइट्रोजन (एलएन2) भण्डारण टैंक और वितरण सुविधा

रेनीशॉ लेज़र रामन स्पेक्ट्रोमीटर

कैरी एक्लिप्स फ्लोरेसेंस स्पेक्ट्रोफोटोमीटर (ठोस एवं द्रव्य नमूने)

टाइप रिजोल्व्ड फ्लोरेसेंस स्पेक्ट्रोमीटर (होरिबा वीमोन)

सेनटेक एलिप्सोमीटर

अपकन्वर्जन एवं डाउनकन्वर्जन फ्लोरेसेंस स्पेक्ट्रोमीटर

लिनेसिस टीजीए विद ऑटो सैम्प्लर

एफआईआर संलग्न के साथ थर्मो फिशर एफटीआईआर

ब्रांडबैंड डाइइलेक्ट्रिक/इम्पीडेंस एनालाइजर (एमएचजैड से 10 एमएचजैड)

जैस्को सर्कुलर डाइक्रोइज्म स्पेक्ट्रोपोलरीमीटर

बी.ई.टी. सर्फेस एरिया एनालाइजर

जेस्स एफईएसईएम

सिंगल क्रिस्टल एक्स-रे डिफ्रेक्टोमीटर

निकॉन कॉनफोकल माइक्रोस्कोप

***

महिला अध्ययन और विकास केन्द्र

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

महिला अध्ययन और विकास केन्द्र (डब्ल्यूएसडीसी) ने अनुसंधान स्कॉलरों तथा शिक्षकों को जेंडर अध्ययन में अंतर्विषयक प्रगत पाठ्यक्रम उपलब्ध कराए। केन्द्र ने "महिला मुद्दों में अनुसंधान के माध्यम से जेंडर मेनस्ट्रीमिंग" विषय पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का आंशिक प्रायोजन राष्ट्रमंडल विश्वविद्यालय संघ द्वारा किया गया था। प्रख्यात शिक्षाविद इसके पैनलविद् थे तथा इसमें बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया। डब्ल्यूएसडीसी ने 9 मई, 2017 को आईआईसी में अपनी पुस्तक *"लोकेटिंग जेंडर इन न्यू मिडल क्लास इन इंडिया"* का विमोचन किया। केन्द्र ने अपनी चल रही अनुसंधान परियोजना "भारत में नए मध्यम वर्ग में लिंग संबंधों में परिवर्तन को समझना" के द्वितीय चरण के रूप में कोलकाता और उसके आस-पास के क्षेत्रों में अनुभवजन्य अनुसंधान कार्य संचालित किया।

सम्मान/विशिष्टियां

डा. मंजीत भाटिया को "महिला मुद्दों में अनुसंधान के माध्यम से जैंडर मेनस्ट्रीमिंग" विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला संचालित करने के लिए राष्ट्रमंडल विश्वविद्यालय संघ द्वारा निधियां प्रदान की गईं।

केन्द्र की चल रही अनुसंधान परियोजना "उभरता हुआ मध्यम वर्ग" उस तरीके पर प्रमुख परिणाम उपलब्ध कराएगी जिसमें सामाजिक परिवर्तन शहरी क्षेत्रों में सामाजिक संचलनता को तथा लिंग-पहचान संरचना को प्रक्रिया को प्रभावित कर रहे हैं।

प्रकाशन

भाटिया एम. (संपा.) (2017). *लोकेटिंग जेंडर इन दि न्यू मिडल क्लास इन इंडिया,* शिमला: भारत, भारतीय प्रगत अध्ययन केन्द्र, राष्ट्रपति निवास।

भाटिया एम. (सह-लेखक) (2017). माइग्रेंट-वीमेन एट दि माल: अंडर स्टैडिंग एन्वायरमेंट एंड हैबिटस, *वीथिका-एन इंटरनेशनल इंटर डिसिप्लीनरी रिसर्च जर्नल,* 43-53.

भाटिया एम. (सह-लेखक) (2017). न्यू मीनिंग्स ऑफ मदरहुड इन ग्लोबलाइजिंग मिडल क्लास होम्स इन इंडिया। एम. भाटिया (संपा.) में, *लोकेटिंग जेंटर इन दि न्यू मिडल क्लास इन इंडिया,* शिमला : भारत, भारतीय प्रगत अध्ययन केन्द्र, राष्ट्रपति निवास।

अनुसंधान परियोजनाएं

यूजीसी, लिंग और नवीन मध्यम वर्ग, 2014 - चल रही है।

आयोजित संगोष्ठियां

राष्ट्रमंडल विश्वविद्यालय संघ के सहयोग से "महिला मुद्दों पर अनुसंधान के माध्यम से जेंडर मेनस्ट्रीमिंग" पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन, 18-23 दिसम्बर, 2017.

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण

डा. मनीज भाटिया

राष्ट्रमंडल विश्वविद्यालय संघ के सहयोग से डब्ल्यूएसडीपी, दिल्ली विश्वविद्यालय में 18-23 दिसम्बर, 2017 तक आयोजित "महिलाओं के मुद्दों पर अनुसंधान के माध्यम से जेंडर मेनस्ट्रीमिंग" पर राष्ट्रीय कार्यशाला में "लिंग और नवीन मध्यम वर्ग" पर प्रस्तुतीकरण पेश किया।

"लिंग संवेदनशीलता" पर गणित विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 25 अप्रैल, 2018 को प्रस्तुतीकरण पेश किया।

21 जून, 2018 को योग दिवस के अवसर पर सीआईई विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए 'लिंग संवेदनशीलता' पर प्रस्तुतीकरण पेश किया।

विस्तार और पहुंच क्रियाकलाप

डब्ल्यूएसडीसी दिल्ली विश्वविद्यालय के संबद्ध कॉलेजों, विभागां और संकायों से तथा अन्य राज्यों तथा दिल्ली एनसीआर के केन्द्रीय विश्वविद्यालयों से छात्रों का चयन करता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय से चुने गए छात्र केन्द्र को विभिन्न धर्मों, राष्ट्रीयता, नृजातीयता से संबंधित प्रतिभागियों का एक सम्मिश्रित समूह प्रदान करते हैं जो लिंग, जाति और पहचान पर ध्यान न देते हुए अंतर्वेशी और साकल्यवादी शिक्षा को प्रोत्साहित करते हैं।

प्राकृतिक विज्ञान, गणित, वाणिज्य, मानविकी और सामाजिक विज्ञान प्रबंध में वैविध्यपूर्ण विषयक्षेत्रों के स्नातकोत्तर और अनुसंधानकर्ता छात्र डब्ल्यूएसडीसी द्वारा संचालित किए जाने वाले पाठ्यक्रमों में प्रतिभागिता करते हैं। वे अपने साथ अपने-अपने क्षेत्रों से शिक्षण पद्धति और विविध संदर्श लेकर आते हैं जो केन्द्र द्वारा प्रदान किए जा रहे अंतर्विषयक दृष्टिकोण तथा एक क्षेत्र के रूप में महिलाओं के अध्ययन से सम्मिलित हो जाता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय तथा अन्य संस्थाओं के अंतर्राष्ट्रीय छात्रों ने भी केन्द्र द्वारा संचालित किए जा रहे पाठ्यक्रमों में प्रतिभागिता की है।

डब्ल्यूएसडीसी में कर्मचारी और संकाय सांस्कृतिक और प्रादेशिक विविधता का एक सौहार्दपूर्ण मिश्रण प्रस्तुत करते हैं। शिक्षण और अनुसंधान के लिए बातचीत और व्याख्यानों के माध्यम के रूप में द्विभाषीयता (अंग्रेजी और हिन्दी दोनों) को प्रोत्साहित और अनुपालित किया जाता है।

संकाय सदस्य संख्या :

स्थायी : 02 (एक निदेशक, एक स्थायी संकाय)

हालिया तदर्थ संकाय : 02

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

केन्द्र ने हाल ही में यूजीसी-सीएएस के अंतर्गत अपनी प्रमुख अनुसंधान परियोजना के लिए अनुभवजन्य कार्य के भाग के रूप में कोलकाता में क्षेत्रीय कार्य का द्वितीय चरण तथा दिल्ली-एनसीआर में संग्रहित किए गए आंकड़ों की डाटा एंट्री का कार्य सीमित संसाधनों के साथ पूर्ण कर लिया है। केन्द्र ने अनुसंधान परियोजनाओं पर आधारित एक फिल्म "माल : एक जेंडर्ड स्पेस" भी तैयार की है। यह दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

***

वैश्विक विश्वविद्यालय सेवा स्वास्थ्य केन्द्र

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

डब्ल्यू.यू.एस. स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना 19 मार्च, 1955 को की गई थी। इसका वर्तमान भवन 63 से भी अधिक वर्ष पुराना है। पिछले अनेक वर्षों में इसमें कई सुविधाएं शामिल की गई हैं।

डब्ल्यू.यू.एस. स्वास्थ्य केन्द्र (उत्तरी परिसर) लगभग 1,50,000 लाभार्थियों को सेवा प्रदान करता है जो नियमित,सेवानिवृत्त कर्मचारी और उनके आश्रित निवासी और अनिवासी छात्र तथा तदर्थ कर्मचारी (शिक्षण) होते हैं। वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिए ओपीडी में कुल उपस्थिति 1,23,468 थी तथा कुल 1,07,471 नैदानिक सेवाएं प्रदान की गई (फीजियोथैरेपी, पैथोलाजी प्रयोगशाला, परिचर्या, मरहम-पट्टी और एक्स-रे)। लगभग 410 रोगी प्रतिदिन ओपीडी में परामर्श लेते हैं। यह संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है।

डब्ल्यू.यू.एस. स्वास्थ्य केन्द्र (दक्षिण परिसर) लगभग 13,000 लाभार्थियों को सेवा प्रदान करता है। लगभग 85 रोगी प्रतिदिन डब्ल्यू.यू.एस. स्वास्थ्य केन्द्र (दक्षिणी परिसर) की ओपीडी सुविधाओं (प्रति सप्ताह छह दिन) का लाभ उठाते हैं।

डब्ल्यू.यू.एस. स्वास्थ्य केन्द्र (पूर्वी दिल्ली) लगभग 4800 लाभार्थियों को सेवा प्रदान करता है। लगभग 12 रोगी प्रतिदिन डब्ल्यू.यू.एस. स्वास्थ्य केन्द्र (पूर्वी दिल्ली) की ओपीडी सुविधाओं (प्रति सप्ताह छह दिन) का लाभ उठाते हैं।

डब्ल्यू.यू.एस. स्वास्थ्य केन्द्र (पश्चिमी दिल्ली) लगभग 5000 लाभार्थियों को सेवा प्रदान करता है। लगभग 30 रोगी प्रतिदिन डब्ल्यू.यू.एस. स्वास्थ्य केन्द्र (पश्चिमी दिल्ली) की सेवाओं (प्रति सप्ताह छह दिन) का लाभ उठाते हैं।

वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल, 2017 से 31 मार्च, 2018 के लिए डब्ल्यू.यू.एस. स्वास्थ्य केन्द्र की कुल ओपीडी उपस्थिति इस प्रकार है:-

उत्तरी परिसर	:	1,23,468
दक्षिणी परिसर	:	25,124
पूर्वी दिल्ली	:	3,661
पश्चिमी दिल्ली	:	8,731

वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल, 2017 से 31 मार्च, 2018 के लिए डब्ल्यू.यू.एस. स्वास्थ्य केन्द्र की कुल नैदानिक सेवाएं इस प्रकार है:-

उत्तरी परिसर	:	1,07,471
दक्षिणी परिसर	:	9,470
पश्चिमी दिल्ली	:	467

नेमी स्वास्थ्य सेवाओं के अलावा, डब्ल्यू.यू.एस. स्वास्थ्य केन्द्र (उत्तर) ने दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित निम्नलिखित टूर्नामेंटों/अन्य विश्वविद्यालय समारोहों के दौरान रविवार/राजपत्रित अवकाशों को भी आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कीं:-

ऑनलाइन स्नातकपूर्व कार्यक्रमों के लिए खेल परीक्षण : 27 जून, 05-06 जुलाई, 28 जून, और 01 जुलाई, 2017.

दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर्कालेज कुश्ती (पुरुष एवं महिला) टूर्नामेंट 2017-18 : 23-24 अक्तूबर, 2017.

दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर्कालेज जूडो (पुरुष एवं महिला) टूर्नामेंट 2017-18 : 25-26 अक्तूबर, 2017.

अंतर्कालेज एथलेटिक (पुरुष एवं महिला) चैंपियनशिप 2017-18 : 09-11 नवम्बर, 2017.

94वां वार्षिक दीक्षांत समारोह : 18 नवम्बर, 2017.

14वीं के.के. लूथरा स्मारक अंतर्राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता : 19-21 जनवरी, 2018

अंतर्कालेज ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2017-18 : 1-2 फरवरी, 2018

दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर्कालेज फुटबॉल (पुरुष एवं महिला) प्रतियोगिता 2017-18 : 16 और 19-23 फरवरी, 2018.

60वीं वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी : 23 फरवरी, 2018.

दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर्कालेज फुटबॉल (पुरुष) प्रतियोगिता 2017-18 : 24 और 26 फरवरी, 2018.

जर्मनी संघीय गणराज्य के माननीय राष्ट्रपति "श्री फ्रैंक-वाल्ट स्टेन्मेयर का कार्यक्रम : 23 मार्च, 2018.

7 अप्रैल, 2018 को डब्ल्यू.यू.एस. स्वास्थ्य केन्द्र (उत्तरी परिसर) में विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया गया। इस वर्ष के विश्व स्वास्थ्य दिवस का विषय था "अवसाद : आइए बात करें।" अवसाद से संबंधित मुद्दों का वर्णन करते हुए पर्चे समस्त संकायों/विभागों/केन्द्रों/कॉलेजों/छात्रावासों में वितरित किए गए जिनकी सभी के द्वारा पर्याप्त प्रशंसा की गई। "अवसाद-आइए बात करें" पर एक लेख विश्वविद्यालय के समस्त समुदाय की जानकारी के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट तथा डब्ल्यू.यू.एस. स्वास्थ्य केन्द्र की वेबसाइट पर अपलोड किया गया।

तम्बाकू रहित दिवस 30 सितम्बर, 2017 को मनाया गया जिसमें पर्याप्त संख्या में प्रतिभागिता की गई तथा इसका विषय था "तम्बाकूरहित दिवस"।

समस्त विश्वविद्यालय परिसर क्षेत्र और विश्वविद्यालय एंक्लेव कॉलेजों में पाइरेथ्राइड कीटनाशक स्प्रे किया गया। डेंगू बुखार, चिकुनगुनिया, मलेरिया और मौसमी इंफ्लुएंजा के मुद्दों को उजागर करने वाले पर्चे समस्त संकायों/विभागों/केन्द्रों/कालेजों/छात्रावासों में वितरित किए गए जिनकी सभी के द्वारा प्रशंसा की गई। डेंगू बुखार, चिकुनगुनिया, मलेरिया, हाइपरटेंशन और मौसमी इंफ्लुएंजा पर लेख दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट http://wushealthcentre.du.ac.in पर विश्वविद्यालय समुदाय की जानकारी के लिए अपलोड किए गए।

स्वास्थ्य जांच शिविर हृदय-रोग जांच शिविर और मधुमेह नियंत्रण शिविर प्रतिष्ठित अस्पतालों की सहायता से समय-समय पर आयोजित किए जाते हैं।

मौजूदा सुविधाएं

डब्ल्यू.यू.एस. स्वास्थ्य केन्द्र (उत्तरी परिसर) विश्वविद्यालय के कर्मचारियों, उनके आश्रितों और छात्रों के लिए रविवार/राजपत्रित अवकाश दिवसों को छोड़कर प्रात: 10.30 बजे से रात्रि 8.00 बजे तक 24x7 स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराता है।

ओपीडी का समय : सोमवार से शनिवार
प्रात:कालीन ड्यूटी : प्रात: 8.00 से अपराह्न 2.30 बजे
संध्याकालीन ड्यूटी : अपराह्न 1.30 बजे से रात्रि 8.00 बजे
रात्रि ड्यूटी : रात्रि 8.00 बजे से प्रात: 8.00 बजे

संध्याकालीन शिफ्ट में अंशकालिक चिकित्सा अधिकारी और 1 पूर्णकालिक चिकित्सा अधिकारी रोगियों की जांच करते हैं।

रात्रि सेवाएं : सभी दिन (केवल आपातकालीन सेवाएं)

डब्ल्यू.यू.एस. स्वास्थ्य केन्द्र (उत्तरी परिसर) नोडल बिंदु हैं तथा इसके पास 9 समर्पित चिकित्सा अधिकारियों का दल विद्यमान है जिनमें [1 चिकित्सा परामर्शक संविदा पर, 1 चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा अधिकार के 2 संस्वीकृत पदों पर)], 12 अतिथि अंशकालिक विशेषज्ञ [जो हृदयरोग में दो घंटे के लिए (सप्ताह में एक बार), तंत्रिका-तंत्र विज्ञान (सप्ताह में एक बार), मन:श्चिकित्सा (सप्ताह में एक बार), अस्थिरोग (सप्ताह में पांच बार), ईएनटी (सप्ताह में पांच दिन), बाल चिकित्सा

(सप्ताह में चार दिन), चर्म रोग (सप्ताह में चार दिन), नेत्र रोग (सप्ताह में तीन बार), दंत चिकित्सा (3 घंटे, सप्ताह में छह दिन), सेवा प्रदान करते हैं] 8 स्थायी भेषजक, 1 तकनीकी सहायक (रोग विज्ञान प्रयोशाला), 6 मंत्रालयी कर्मचारी और संविदा पर 19 कर्मचारी शामिल हैं।

डब्ल्यू.यू.एस. स्वास्थ्य केन्द्र (उत्तरी परिसर) के पास एक रोग विज्ञान प्रयोगशाला, फीजियोथैरेपी इकाई, एक्स-रे विभाग, परिचर्या केन्द्र मरहम पट्टी कक्ष तथा आधारभूत जीवन रक्षक सुविधाओं से सज्जित एंबुलेंस है।

डब्ल्यू.यू.एस. स्वास्थ्य केन्द्र (दक्षिणी परिसर) अपने लाभार्थियों को सोमवार से शनिवार प्रातः 9 बजे से सायं 5.30 बजे तक तथा रविवार को प्रातः 9 बजे से अपराहन 3.30 बजे तक सेवाएं प्रदान करता है।

डब्ल्यू.यू.एस. स्वास्थ्य केन्द्र (दक्षिणी परिसर) में 04 चिकित्सा अधिकारी [(जिनमें 01 चिकित्सा परामर्शक संविदा पर और 02 अंशकालिक चिकित्सा अधिकारी) (चिकित्सा अधिकारी के एक संस्वीकृत पद की तुलना में), 03 अतिथि अंशकालिक विशेषज्ञ है जो [नेत्र विज्ञान (सप्ताह में दो बार), दंत चिकित्सा (सप्ताह में तीन बार), और हृदयरोग (सप्ताह में तीन बार), विशेषीकृत सेवाएं प्रदान करते हैं]। इस स्वास्थ्य केन्द्र में एक रोगविज्ञान प्रयोगशाला, फीजियोथैरेपी इकाई, मरहम-पट्टी कक्ष तथा आधारभूत जीवन रक्षक सुविधाओं से सज्जित एक एंबुलेंस है।

डब्ल्यू.यू.एस. स्वास्थ्य केन्द्र (पूर्वी दिल्ली) और डब्ल्यू.यू.एस. स्वास्थ्य केन्द्र (पश्चिमी दिल्ली) अपने लाभार्थियों को सोमवार से शनिवार प्रातः 9 बजे से अपराहन 3.30 बजे तक सेवाएं प्रदान करते हैं। इन स्वास्थ्य केन्द्रों के पूर्णकालिक चिकित्सा अधिकारी है। इन स्वास्थ्य केन्द्रों में चिकित्सा स्टोर और भेषजी कक्ष भी है।

आयोजित संगोष्ठी 03

आयोजित सम्मेलन/सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमइई) कार्यक्रम 20

विस्तार और पहुंच क्रियाकलाप

विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों में रोग वाहक बीमारियों पर अनेक लोक स्वास्थ्य व्याख्यान दिए गए।

चिकित्सक संख्या

1 मुख्य चिकित्सा अधिकारी, 7 स्थायी चिकित्सा अधिकारी, 1 चिकित्सा अधिकारी संविदा पर, 2 चिकित्सा परामर्शक संविदा पर, 5 अंशकालिक चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा अधिकारियों के 3 संस्वीकृत पदों पर), 15 अंशकालिक अतिथि विशेषज्ञ।

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

सरकारी चिकित्सा स्टोर डिपो (जीएमएसडी) से ब्रांडेड दवाइयों का प्रावधान।

रोगियों को उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा देखरेख का प्रावधान।

विशिष्ट व्यक्तियों और खेलकूद क्रियाकलापों को चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई।

रोगियों का त्वरित और समय पर निपटान प्रतिपूर्ति के चिकित्सा दावों का समय पर निपटान नए भर्ती हुए कर्मचारियों की चिकित्सा जांच/पेंशन संराशिकरण का समय पर निपटान।

****

विभाग

अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान और मानविकी संकाय

व्यावसायिक अर्थशास्त्र

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग ने 1 अप्रैल, 2017 से 31 मार्च, 2018 की अवधि के दौरान व्यावसायिक अर्थशास्त्र में सफलता पूर्वक एमबीए और पीएचडी कार्यक्रम चलाया। विभाग का नियुक्ति प्रकोष्ठ अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए 41 और प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए 61 रोजगार पाने में सफल रहा। तीन छात्रों को डॉक्टरेट की डिग्री से सम्मानित किया गया। उद्योग, सरकार, अकादमिक और शोध संस्थानों के कुल 59 वक्ताओं ने विभाग में व्याख्यान दिए और विभाग में विभिन्न विषयों पर आयोजित साप्ताहिक और अन्य संगोष्ठियों में छात्रों और संकाय से बातचीत की। विभाग में आयोजित अन्य छात्र गतिविधियों में जीनेसिस, विश्लेषण, यादें (वार्षिक पूर्व छात्र मिलन समारोह), वार्षिक सम्मेलन, अर्थनीति, मार्किबिज, पहल और ब्लूचिप्स शामिल हैं।

प्रकाशन

पी एम अरोड़ा, एम दास, और ए जी दस्तीदार, (2018). बंधक ऋण, जोखिम भरा ऋण और संकट। आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक, 53(13), 60-68.

एन एन दलेई, और वाई गुप्ता, (2018). पूनापानी क्षेत्र में वनों के पारिस्थितिक तंत्र में बदलाव के वाहक: अनुभवजन्य सबूत और नीतिगत सुझाव, मात्रात्मक अर्थशास्त्र की पत्रिका। डीओआई 10.1007/एस40953-018-0120-0.

एन एन दलेई, और वाई गुप्ता, (2017). एक खनन-विकृत अपरिवर्तित पारिस्थितिकी तंत्र में वन-निर्भर समुदायों के कल्याण को मापना। वैश्विक परिवर्तन में, पारिस्थितिक तंत्र, स्थायित्व: सिद्धांत, विधियां, अभ्यास, मुखोपाध्याय व अन्य(संपा.)। नई दिल्ली: सेज।

ए जी दस्तीदार, आर मल्होत्रा, और वी सुनेजा, (2018). वैश्विक असंतोष में आर्थिक सिद्धांत और नीति। रूटलेज: लंदन. (संपा.)।

ए जी दस्तीदार, (2018). द कीनेसियन मॉडल। इकाई 2. मैक्रोइकॉनॉमिक एनालिसिस (ब्लॉक 1), एमए (इकोनॉमिक्स) कोर्स, एमईसी -002, नई दिल्ली: इग्नू।

ए जी दस्तीदार,(2018). ओपन इकोनोमी मैक्रोइकॉनॉमिक्स। इकाई 4. मैक्रोइकॉनॉमिक एनालिसिस (ब्लॉक 1), एमए (इकोनॉमिक्स) कोर्स, एमईसी -002, नई दिल्ली: इग्नू।

ए जी दस्तीदार, आर मल्होत्रा, और वी सुनेजा, (2018). दीपक नायर:. एक विविध कृति। ए जी दस्तीदार, आर मल्होत्रा, और वी सुनेजा (संपा.), वैश्विक असंतोष के बीच आर्थिक सिद्धांत और नीति में। लंदन: रूटलेज।

ए जी दस्तीदार, आर मल्होत्रा और वी सुनेजा, (2018). विकास जटिलताएँ: पुनरावलोकन। ए जी दस्तीदार, आर मल्होत्रा और वी सुनेजा (संपा.) में, वैश्विक असंतोष के बीच आर्थिक सिद्धांत और नीति।लंदन: रूटलेज।

ए जी दस्तीदार, (2018). वैश्विक वित्तीय संकट और उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में नीतिगत चुनौतियों। ए जी दस्तीदार, आर मल्होत्रा और वी सुनेजा (संपा.), वैश्विक असंतोष के बीच आर्थिक सिद्धांत और नीति में। लंदन: रूटलेज।

वी के कौल, (2017). नवाचार, कम कार्बन विकास और हरित वृद्धि, जर्नल ऑफ बिजनेस थॉट, अप्रैल 2017-मार्च 2018.

सी मोहन, (2017). बदलते जलवायु पैटर्न और हिमाचल प्रदेश में सेब उत्पादन और उत्पादकता पर इसके प्रभाव, उद्यम सूचना प्रणाली का वैश्विक जर्नल। अप्रैल-जून, 2017.

बी मोहंती, एन आर भानुमूर्ति, और ए जी दस्तीदार, (2017). बुनियादी ढांचे में क्षेत्रीय असंतुलन को क्या बताता हैः भारतीय राज्यों से साक्ष्य। एशिया-प्रशांत विकास जर्नल, 24 (2), 113-139.

आयोजित संगोष्ठियाँ

कुल संख्या: 18 (वक्ता–59)

विवरण:

श्री प्रमोद जोशी (संस्थापक और सीईओ, माई कर्मा), 17 अगस्त, 2017.

श्री वरुण प्रभाकर (उपाध्यक्ष, पीडब्ल्यूसी), 5 सितंबर, 2017.

श्री विवेक बाजपेई (मूडीज एनालिटिक्स), 9 सितंबर, 2017.

श्री हितेश सूद (एवीपी (मार्केटिंग) आईडीईए), 28 अक्तूबर, 2017.

श्री नीरज जुनेजा (वीपी: अनुपालन, आरबीएस), 11 नवंबर, 2017.

सुश्री अकृति कुमारी (सेबी), 14 अक्तूबर, 2017.

सुश्री कल्पना जैन (साझेदार, डेलोइट), 24 फरवरी, 2018.

श्री वीरेंद्र गुप्ता (सीआईआई), 24 फरवरी, 2018.

श्री गौतम बक्षी (ए टी कियरनी), 24 फरवरी, 2018.

आयोजित संगोष्ठियाँ

एसपी जैन ऑडिटोरियम, दक्षिण परिसर, दिल्ली विश्वविद्यालय में 1 मार्च, 2018 को "इनवाचार: समावेशी विकास, तकनीकी परिवर्तन और रोजगार निर्माण"। दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित (संयोजक: प्रो. वी के कौल, डॉ. यामिनी गुप्त, डॉ. अनन्या जी दस्तीदार)।

एसपी जैन सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिण परिसर, नई दिल्ली में 14 अक्तूबर, 2017 को "अभिनव भारत- समावेशी विकास, डिजिटलकरण और नौकरी निर्माण" पर चौवालीसवां वार्षिक सम्मेलन।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

संगोष्ठियों में प्रस्तुतियाँ

ए जी दस्तीदार, (2017), नीति अध्ययन विभाग में वैश्विक वित्तीय संकट के समय उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में नीतिगत चुनौतियां पर प्रस्तुति, टेरी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, अप्रैल 12.

वाई गुप्त, (2018), आर्थिक विकास संस्थान, दिल्ली में 8-9 मार्च को "पुनर्स्थापित ग्रामीण पारिस्थितिक तंत्र और ग्रामीण आजीविका" पर नाबार्ड चेयर संगोष्ठी में, क्षयग्रस्त वन पारिस्थितिकी तंत्र और पारिस्थितिकीय बहाली: ओडिशा में वन निर्भर समुदायों के आजीविका का एक अध्ययन पर प्रस्तुति।

वाई गुप्त, (2018), आर्थिक विकास संस्थान, दिल्ली में 8-9 मार्च को "पुनर्स्थापित ग्रामीण पारिस्थितिक तंत्र और ग्रामीण आजीविका" पर नाबार्ड चेयर संगोष्ठी में दीपोर बील वेटलैंड: पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के लिए खतरा, आश्रित समुदायों के लिए इसका महत्व और उनके संभावित प्रबंधन उपाय की चर्चा।

वी.के. कौल, (2017), नेहरू मेमोरियल संग्रहालय और पुस्तकालय, नई दिल्ली में 18-19 दिसंबर को नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय एवं अंत-राष्ट्रीय साहित्य परिषद के सहयोग से एक विस्तारवादी चीन से संपर्क: भारत के विकल्प, पर एक सम्मेलन में आर्थिक और सैन्य शक्ति के रूप में चीन का उदय: भारत के लिए विकल्प पर प्रस्तुति।

वी.के. कौल, 12 जनवरी, 2018 को एफडीआई, आईएसआईडी पर कार्यशाला में भारत की एफडीआई नीतियों और बदलती वैश्विक आर्थिक और तकनीकी परिदृश्यों पर प्रस्तुति,

सी एम थकरस, जेएनयू, नई दिल्ली में 25-26 अगस्त 2017 को हिमाचल प्रदेश में सेव उत्पादन की स्थिरता: एक आर्थिक विश्लेषण पर प्रस्तुति।

राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुति

वाई गुप्त, (2018), नवाचार: समावेशी विकास, तकनीकी परिवर्तन और रोजगार निर्माण पर अर्थशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा एसपी जैन ऑडिटोरियम, दक्षिण परिसर, दिल्ली विश्वविद्यालय में 1 मार्च को आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन में बेहतर बुनियादी ढांचे के माध्यम से सतत विकास हासिल करना: भारत में सार्वजनिक-निजी भागीदारी की भूमिका के बारे में चर्चा।

वी.के. कौल, (2018), रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 22-23 मार्च को, संगठनों में नेतृत्व: समकालीन चिंताएं और प्रमुख विकास पर दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में सम्मानित अतिथि के रूप में 'नेतृत्व: भारतीय सोच' पर प्रस्तुति।

टी रॉय चौधरी, (2018), नवाचार: समावेशी विकास, तकनीकी परिवर्तन और रोजगार निर्माण पर अर्थशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा एसपी जैन ऑडिटोरियम, दक्षिण परिसर, दिल्ली विश्वविद्यालय में 1 मार्च को आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत के संगठित विनिर्माण क्षेत्र में महिला रोजगार पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

सी एम ठाकरस, (2017), एईआरए, रजत जयंती सम्मेलन, हैदराबाद में 7-9 सितंबर को हिमाचल प्रदेश में फसल विविधीकरण: नमूना और निर्धारक पर प्रस्तुति।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुति

ए जी दस्तीदार, (2018) व्यवसाय एवं स्थिरता विभाग, टीईआरआई स्कूल ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, नई दिल्ली में 23 फरवरी को आयोजित व्यवसाय, अर्थशास्त्र और सतत विकास (आईसीबीईएसडी) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत में सतत आर्थिक विकास-कुछ मुद्दे पर सत्र में 'भारत में निवेश मंदी: मुख्य ड्राइवर और आगे का रास्ता' पर शोधपत्र (सह लेखक रश्मि आहूजा) प्रस्तुत किया।

वी.के. कौल, (2018) सहयोगी नवाचारों और समाधानों को बढ़ावा देने के लिए 3 मार्च को एसएलसी (श्याम लाल कॉलेज), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय शीतकालीन विद्यालय में 'सशक्तिकरण की शक्ति: उद्यमिता विकास संस्थान और समाज को कैसे प्रभावित करता है' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

वी.के. कौल, (2018) एसएलसी (श्याम लाल कॉलेज), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा विकासशील देश और सतत विकासः अतीत और वर्तमान को दुबारा जोड़ना, पर 5 मार्च को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय शीतकालीन विद्यालय में 'सतत विकास एवं भारतीय परिप्रेक्ष्य' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

वी.के. कौल, (2018) मीडिया अध्ययन संस्थान, संस्कृति के उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, उड़ीसा द्वारा 17-19 मार्च को आयोजित भारतीय व्यापार और वाणिज्य:भूत, वर्तमान और भविष्य, पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के - वैश्विक व्यापार की नई गतिशीलता पर पूर्णकालिक द्वितीय सत्र में 'भारतीय, हिंद महासागर और विश्व प्रणाली' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

सी एम ठाकरस, (2018), टेरी स्कूल ऑफ एडवांस स्टडीज, नई दिल्ली द्वारा 03-04 जनवरी को, उभरती अर्थव्यवस्थाओं में कृषि व्यवसाय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में हिमाचल प्रदेश में सेव उत्पादन पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

नियोजन का विवरण (नियुक्त छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियुक्त छात्र: 41 (85.41%);

परिसर में आने वाली कंपनियों की संख्या: 31.

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप: 61 (98.38%)

परिसर में आने वाली कंपनियों की संख्या: 20

विस्तार और पहुँच गतिविधियाँ

छात्रों ने रूट्स पहल के अंतर्गत समाज के वंचित वर्गों की सहायता के लिए कई गतिविधियों की शुरुआत की। इनमें गर्म कपड़े और सूखा राशन एकत्र करने के अभियान शामिल हैं।

प्रदत्त एम.फिल/पीएचडी डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी.: दस

संकाय की संख्या

स्थायी –07

तदर्थ –01

***

कला संकाय

अरबी

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

अरबी विभाग ने 17-18 मार्च, 2018 को "प्रवासी साहित्य: सामाजिक सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहलू" विषय पर एक दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की। प्रोफेसर के ए फारीक मेमोरियल व्याख्यान श्रृंखला-11 के अंतर्गत 17 मार्च, 2018 को प्रो. एस. जे. एच. जाफरी द्वारा "विभाजन- पूर्व पंजाब में अरबी-फारसी आधारित अध्ययन" विषय पर एक व्याख्यान दिया गया। विभाग ने राजा अब्दुल्ला बिन अब्दुल अज़ीज़ इंटरनेशनल सेंटर रियाद, केएसए के सहयोग से । "अरबी शिक्षकों के लिए शिक्षण विधियों" पर 1-7 अप्रैल, 2017 के बीच एक सात दिवसीय कार्यशाला का भी आयोजन किया। उक्त कार्यशाला में विशेष व्याख्यान देने के लिए सऊदी अरब से प्रो. मूतइयर हुसैन अल-मालिकी को आमंत्रित किया गया था।

प्रकाशन (03)

एम अकरम, (2018). हाली-ओ-शिबली। शमा-ए-हायत, 62-70

एम अकरम, (2018). नशातुल माजीम वल मुस्तलाहत अल-अरबिया एट-तिब्बिया। दिल्ली। दिल्ली: इस्लाही हेल्थ केयर फाउंडेशन।

एन हसन, (2018). मौलाना अबुल कलाम आजाद और अरबी जुबानो अदब घुबर-ए-खतिर के तनाज़ुर में। रोज़नामा कौमी दुनिया, नई दिल्ली, 9 (148), 8-9।

आयोजित संगोष्ठियाँ (01)

17-18 मार्च, 2018 को "प्रवासी साहित्य: सामाजिक सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहलू" विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ (11)

एम अख्तर,(2017). मौलाना आजाद विश्वविद्यालय, जोधपुर, राजस्थान के सहयोग से ऑब्जेक्टिव स्टडीज संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 20-21 अक्तूबर, 2017 को "समानता, बंधुता और न्याय के लिए:इस्लामिक अध्ययन के माध्यम से बेहतर कल का निर्माण पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में हिंदुस्तान में एक पुर-अमन समाज की तशकील: कुरानी आयत की रोशनी में पर प्रस्तुति दी।

एम अख्तर,(2018). मुंबई के अरबी विश्वविद्यालय विभाग द्वारा "20वीं शताब्दी में अरबी भाषा और साहित्य में भारतीयों के योगदान" पर 14 और 15 मार्च, 2018 को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में मौलाना मोहम्मद नाज़ीम नादवी: कातिबान वा-शारन।

एम अकरम, (2017). अरबी और फारसी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा 19 और 20 सितंबर 2017 को आयोजित 'साहित्यिक और सामाजिक महत्व के यात्रा के अंतर्राष्ट्रीय महत्व' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में अल-नशात अल-थकाफी बिल मुजतमा अल-मिश्री ..., ।

एम अकरम, (2018). मुंबई के अरबी विश्वविद्यालय विभाग द्वारा 14 और 15 मार्च, 2018 को आयोजित "20वीं सदी में अरबी भाषा और साहित्य में भारतीयों के योगदान" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में अल्लामा सईद सुलेमान नदवी की अरबी निगारशत:एक मुताअला।

एम अकरम, (2018). अल-मुस्तफा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, ईरान और इस्लामिक स्टडीज विभाग, जे.एम.आई., नई दिल्ली, द्वारा 7 और 8 मार्च, 2018 को आयोजित "धर्म में नैतिकता" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में शिक्षा और नैतिकता।

एम अकरम, (2018). एनसीपीयूएल, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से उत्तर प्रदेश, आज़मगढ़ के शिबली नेशनल पीजी कॉलेज द्वारा 24-25 मार्च, 2018 को "अल्लामा हामिदुद्दीन फराही: इल्मी-ओ-फिकरी मीरास" पर आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में तदरीस-ए-कुरान का मिनहाज और फरही स्कूल।

एन हसन, (2018). अरबी और अफ्रीकी अध्ययन के केंद्र, भाषा, साहित्य और संस्कृति के स्कूल, जेएनयू द्वारा 21वीं शताब्दी में अरबी भाषाःचुनौतियां और समाधान पर, 27-28 मार्च 2018 को आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में आधुनिक प्रौद्योगिकियों की संभावनाओं में अरबी भाषा को पढ़ाने और सीखने की समस्याओं का सामना करना, पर एक लेख प्रस्तुत किया।

एन हसन, (2018). मौलाना आजाद अकादमी, नई दिल्ली द्वारा 29-30 मार्च 2018 को मौलाना अबुल कलाम आजादः एक विश्लेषणात्मक अध्ययन पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में मौलाना अबुल कलाम आजाद और अरबी जुबानो अदब घुबार-ए-खातिर के तनज़ुर में पर एक लेख प्रस्तुत किया।

एम एन खान, (2018). दायरातुल मारीफिल उस्मानिया, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा 24 और 25 मार्च, 2018 को दायरतुल मारीफ उपलब्धियां और अपेक्षाएं पर आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में महत्वपूर्ण अरबी पांडुलिपियों को प्रकाशित करने में दायरतुल मारीफ अल-उस्मानिया का योगदान।

ए महमूद, (2018). अरबी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 17-18 मार्च, 2018 को आयोजित "प्रवासी साहित्य: सामाजिक सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहलुओं" पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में मोहम्मद मक्की हयातुहु वा-अमल्लुहु।

ए महमूद, (2018). अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र, स्कूल ऑफ भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन के स्कूल, जेएनयू द्वारा 27-28 मार्च 2018 को आयोजित "21वीं शताब्दी में अरबी भाषा: चुनौतियां और समाधान" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "इस्तखदम अल-वासीत अल-तालीमिया अल-हदीसा ली-तात्वीर अल-बीया अल-तालिमिया" पर एक लेख प्रस्तुत किया।

प्रदत्त पीएचडी/एम.फिल की संख्या

एम.फिल - 6

संकाय की संख्या

स्थायी - 7 (2 प्रोफेसर, 2 सहयोगी प्रोफेसर, 3 सहायक प्रोफेसर)

अतिथि संकाय - 2

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

एम अकरम, (2017). बाहरी सेवा प्रभाग, अखिल भारतीय रेडियो, नई दिल्ली पर 8 दिसंबर, 2017 को भारत में अरबी भाषा को बढ़ावा देने में प्रोफेसर शिव राय चौधरी विषय पर एक वार्ता दी।

***

बौद्ध अध्ययन

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

बौद्ध अध्ययन विभाग को दो वर्ष पहले सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज (सीएएस -1) के दर्जे से सम्मानित किया गया था और इस वर्ष इसने सफलतापूर्वक सीएएस पूरा कर लिया है। प्रोफेसर के टी एस साराओ को वर्ष 2017 के लिए इंडियन सोसाइटी फॉर बौद्ध स्टडीज द्वारा प्रतिष्ठित मंजूश्री सम्मान दिया गया। प्रोफेसर के.टी.एस. साराओ को 23 अक्तूबर 2018 को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला द्वारा "बाकू के अग्नि मंदिर, बाबा नानक और उदासी परम्परा" पर प्रतिष्ठित प्रोफेसर सीता राम कोहली मेमोरियल व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

प्रकाशन (08)

आर के राणा, (2017). आर्यदेवा। ए शर्मा (संपा.) में, भारतीय धर्मों का स्प्रिंगर विश्वकोष। भारत: स्प्रिंगर।

आर के राणा, (2017). बोधिधर्म। ए शर्मा (संपा.) में, भारतीय धर्मों का स्प्रिंगर विश्वकोष। भारत: स्प्रिंगर।

आर के राणा, (2017). सामंतभद्र। ए शर्मा (संपा.) में, भारतीय धर्मों का स्प्रिंगर विश्वकोष। भारत: स्प्रिंगर।

आर के राणा, (2017). उपाया ए शर्मा (संपा.) में, भारतीय धर्मों का स्प्रिंगर विश्वकोष। भारत: स्प्रिंगर।

के टी एस साराओ, (2017). इंद्रप्रस्थ जिस रूप में यह प्राचीन भारतीय बौद्धों द्वारा जाना जाता था। नीरा मिश्रा और राजेश लाल (संपा.) में, इंद्रप्रस्थ रिविजिटेड, (1 91-196)। दिल्ली: बी आर पब्लिशिंग।

के टी एस साराओ, (2017). भारत में सांस्कृतिक विविधता के अध्ययन में नियोजित अनुसंधान पद्धति। दलजीत सिंह (संपा.) में, भारत में सांस्कृतिक विविधता और राष्ट्रीय एकता, (157-178)। पटियाला: पंजाबी विश्वविद्यालय।

के टी एस साराओ, (2017). बाकू का महाज्वाला मंदिर: अज़रबैजान: आश्चर्य का एक उदाहरण जो भारत था। मूल्यों, नैतिकता और संस्कृति पर विश्व इतिहास सम्मेलन की कार्यवाही में: अतीत और वर्तमान, (11-24)।

के टी एस साराओ, (अनुवाद.), (2017). पाली से अंग्रेजी तक सुता का अनुवाद: कुछ पद्धतिपूर्ण प्रतिबिंब, बिमलेंद्र कुमार और उज्ज्वल कुमार (संपा.), पारियाट्टी: पाली भाषा और साहित्य में अध्ययन, (2 9-308)। नई दिल्ली: आदित्य प्रकाशन।

आयोजित सम्मेलन (01)

प्रो. एच पी गंगनेगी, (2018). बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 26-27 मार्च, 2018 को सीएएस-1 कार्यक्रम के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, "हिमालयी बौद्ध धर्म: निरंतरता और परिवर्तन" के आयोजक थे।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ (22)

एच पी गंगनेगी, (2017). बौद्ध विद्या संघ सभा जिस्पा, लाहुल और स्पीति, हिमाचल प्रदेश द्वारा 4 -5 सितंबर, 2017 को आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "नेगी रिनपोचे और बोधि दिमाग का महत्व"।

आर के राणा, (2017). चीनी 7-9 सितंबर, 2017 को ग्रेटर नोएडा में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "बौद्ध धर्म: परंपराएं, विचारधाराएं, और निराशा" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में तियान्ताई परंपरा में विचार और अभ्यास: कुछ प्रतिबिंब।

एच पी गंगनेगी, (2018). सीआईसीएचएस, दहुंग, अरुणाचल प्रदेश में 1 9 -21 मार्च, 2018 को बौद्ध शिक्षा पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "बौद्ध शिक्षा: जागरूकता का मार्ग"।

आर के राणा, (2017). 13 -15 अक्तूबर, 2017 से बरला, मध्य प्रदेश में आयोजित भारतीय सोसाइटी ऑफ बौद्ध स्टडीज, बौद्ध-भारतीय अध्ययन के सांची विश्वविद्यालय के 17वें वार्षिक सम्मेलन में त्रिमिस्का में बोध के पांच चरण: एक सिंहावलोकन।

डी कुमार, (2018). प्राचीन भारतीय इतिहास, पुरातात्विक संस्कृति अध्ययन के स्कूल, जिवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर (मध्य प्रदेश), भारत में 17-18 मार्च, 2018 को आयोजित भारतीय संस्कृति में लोक परंपराओं के योगदान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में जातक कथाओं में बुद्धकालीन भारतीय संस्कृति और लोक जीवन" ।

एस बी पावगढ़ी, (2017). बौद्ध अध्ययन और सभ्यता स्कूल, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा में, सितंबर, 2017 में बौद्ध धर्मः परंपराएं, विचारधाराएं और विच्छेदन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "अभयगिरी संप्रदाय के साहित्यिक कार्यों का परिचय"।

एस बी पावगढ़ी, (2018). उन्नत अध्ययन केंद्र, बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में मार्च, 2018 में आयोजित हिमालयी बौद्ध धर्मः निरंतरता और परिवर्तन पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में बोज्झंगास: जागृति के सात कारक"।

एस बी पावगढ़ी, (2018). फरवरी, 2018 में, बौद्ध शिक्षा और सार्वभौमिक उत्तरदायित्व पर नव नालंदा महाविहार में "बौद्ध शिक्षा और समकालीन दुनिया में इसकी प्रासंगिकता"।

आर के राणा, (2018). आम लोगों के लिए बौद्ध शिक्षा: बियान वेन के विशेष संदर्भ के साथ। 15-17 फरवरी, 2018 को नव नालंदा महाविहार द्वारा "बौद्ध शिक्षा और सार्वभौमिक जिम्मेदारी" पर आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी।

जी संगई, (2018).. जिवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर (मध्य प्रदेश), भारत में17-18 मार्च, 2018 को "बौद्ध संस्कृति और विरासत" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

जी संगई, (2018). बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 26-28 मार्च, 2018 को"हिमालय क्षेत्र में ज्योतिष पद्धति"।

जी संगई, (2018). इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र में 14-16 मार्च, 2018 को "राहुल सांकृत्यायन की दृष्टि मे किन्नौर देश" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।

के टी एस सराओ, (2017). सत्यवती कॉलेज (सांध्य), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 03 अप्रैल 2017 को भारत में जैन स्मारक निरंतरता में विरासत पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "जैनों का अष्टपद:इसकी पहचान पर कुछ प्रतिबिंब"।

के टी एस सराओ, (2017). भारतीय दर्शनशास्त्र अनुसंधान परिषद और कोरियाई सांस्कृतिक केंद्र, नई दिल्ली द्वारा 29-30 जून, 2017 को भारत और कोरिया के बीच सांस्कृतिक मुठभेड़ और संगम पर संयुक्त रूप से आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "अंतर्धर्म वार्ता पर बौद्ध परिप्रेक्ष्य"।

के टी एस सराओ, (2017). श्रीलंका सरकार, कोलंबो द्वारा 12-14 मई 2017 के आयोजित सामाजिक न्याय और सतत विश्व शांति के बौद्ध शिक्षाओं पर वेसाक के 14वें संयुक्त राष्ट्र दिवस में "अंतर-धार्मिक समझ और मानव भविष्य के सामान्य भविष्य पर बौद्ध परिप्रेक्ष्य"।

के टी एस सराओ, (2017). बौद्ध-भारतीय अध्ययन विश्वविद्यालय, बरला, मध्य प्रदेश में 13-15 अक्तूबर, 2017 को सांची में आयोजित बौद्ध अध्ययन की भारतीय सोसाइटी (आईएसबीएस) के सत्रहवें वार्षिक सम्मेलन में "भारतीय बौद्धों और इस्लाम के साथ हिंदुओं की पहली मुठभेड़"।

के टी एस सराओ, (2017). बौद्ध अध्ययन और सभ्यता के स्कूल, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, नोएडा द्वारा में 7-9 सितंबर 2017 को आयोजित बौद्ध धर्मः परंपराएं, विचारधाराएं और विच्छेदन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की और "अंतरधर्मी वार्ता: एक बौद्ध परिप्रेक्ष्य" पर प्रस्तुति दी।

के टी एस सराओ, (2017). अमेटी विश्वविद्यालय द्वारा 4-5 अक्तूबर, 2017 को आयोजित मूल्य, नीति एवं संस्कृतिःअतीत और वर्तमान पर विश्व इतिहास सम्मेलन 2017 में "बाकू के महाज्वाला मंदिर, अज़रबैजान: भारत का आश्चर्य का एक उदाहरण।

के टी एस सराओ, (2017). फ़ुज़ियान संग्रहालय और फ़ुज़ियान प्रांतीय संस्कृति और विदेश मामलों के विभाग, फ़ुज़ियान द्वारा 1 9 मई 2017को आयोजित प्राचीन समय से चीन और भारत के बीच सांस्कृतिक संबंध पर द्वितीय समुद्री सिल्क रोड अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "पूर्व मध्यकालीन पश्चिमी भारत में समुद्री रेशम मार्ग, अरब सागर और बौद्ध धर्म"।

के टी एस सराओ, (2017). महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया, सारनाथ, वाराणसी द्वारा 30-31 अक्तूबर, 2017 को आयोजित पाली और बौद्ध धर्म पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में समापन व्याख्यान दिया और "बुद्ध गया धम्मखेत्त का दौरा करने के लिए अनिच्छुक क्यों थे?" पर प्रस्तुति दी।

के टी एस सराओ, (2018). महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया, बोधगया द्वारा 30 जनवरी -01 फरवरी 2018 को आयोजित बौद्ध धर्म और वैश्वीकरण पर तीन दिवसीय वैश्विक सम्मेलन में "सतत विकास पर बौद्ध परिप्रेक्ष्य"।

के टी एस सराओ, (2018). मैत्रेय अध्ययन संस्थान, हांगकांग के 29 -31 मार्च 2018 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "मैत्रेय-आदर्श और सतत विकास का मुद्दा"।

के टी एस सराओ, (2018). भारतीय इतिहास भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा 5-7 मार्च 2018 को आयोजित भारतीय इतिहास: उभरते परिप्रेक्ष्य पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "मुहम्मद कासिम और भारतीय बौद्धों और हिंदुओं की इस्लाम के साथ मुठभेड़"।

के टी एस सराओ, (2018). राष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन, देव प्रयाग, पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखंड द्वारा 4-5 फरवरी 2018 को आयोजित बौद्ध संकर संस्कृत साहित्य के सार्वभौमिक संदेश पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "बौद्ध संकर संस्कृत साहित्य का सार्वभौमिक संदेश" पर विशेष व्याख्यान।

प्रदत्त एम.फिल/पीएच.डी. डिग्रियां

एमफिल: 16

पीएचडी: 07

संकाय की संख्या

स्थायी: 10

तदर्थ: 04

अतिथि: 10

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

प्रो. एच पी गंगनेगी, (2018). “हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से सम्मेलन कक्ष -22, कला संकाय दिल्ली विश्वविद्यालय में 12-13 अप्रैल, 2018 को आयोजित आदिवासी साहित्य, संस्कृति और कला :चुनौतियॉ एवं संभावनाऍ” में मुख्य वक्ता थे।

प्रो. एच पी गंगनेगी, (2017). 21 और 22 मार्च, 2017 को जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज (सांध्य) द्वारा आयोजित "डॉ. बी आर अम्बेडकर का भारत की दृष्टि " पर राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य वक्ता थे।

***

अंग्रेज़ी

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

1 अप्रैल, 2017 से 31 मार्च, 2018 तक की अवधि के दौरान, अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने अगस्त 2017 के महीने में पिछले वर्ष के एमए के छात्रों के उन्मुखीकरण कार्यक्रम के अलावा कई संगोष्ठिया और सम्मेलन आयोजित किए। और 8 अप्रैल 2017 को आईजीएनसीए, साहित्य अकादमी और इंडोनेशियाई दूतावास के सहयोग से "महाभारत और अंतर-एशियाई संस्कृतियां: प्रसारण, अनुकूलन, प्रदर्शन और इतिहास" पर एक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय

सम्मेलन आयोजित किया गया था। 22-23 अगस्त, 2017 को "सीमाओं को पार करना: अंतःविषयक और अनुवादवाद के नए प्रतिमानों की खोज" पर एक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई थी। 8-10 मार्च,2108 को आईसीएसएसआर, दिव्यांग समर्थनम ट्रस्ट और साहित्य अकादमी के सहयोग से "दिव्यांगता अध्ययन की पूछताछः साहित्य, संस्कृति, प्रदर्शन", पर एक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया था। 15-17 मार्च, 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय के जर्मनिक और रोमांस स्टडीज विभाग के सहयोग से "विश्व साहित्य: उपनिवेशोत्तर परिप्रेक्ष्य" पर एक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया था।

उपर्युक्त सम्मेलनों और संगोष्ठियों के अलावा विभाग और इसके अकादमिक अनुवाद और संग्रहण केंद्र (सीएटीए), दलित अध्ययन केद्र (सीडीएस), हिंसा, स्मृति और सदमा केंद्र (सीएसवीएमटी) जैसे विभिन्न केंद्रों द्वारा कई शैक्षिक वार्ताएं भी आयोजित की गईं। 1947 विभाजन भंडार के सहयोग से विभाग के हिंसा, स्मृति और सदमा केंद्र (सीएसवीएमटी) ने 16 अक्तूबर 2017 से 5 नवंबर 2017 तक "विभाजन को याद करते हुए: युगों की स्मृति" पर एक प्रदर्शनी आयोजित की। इसके अतिरिक्त 21 फरवरी, 2018 को अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के 1947 विभाजन संग्रह और सीएसवीएमटी ने "कथा विद्वान फैलोशिप अभिविन्यास" आयोजित किया। 19 अप्रैल, 2017 को दलित अध्ययन केद्र (सीडीएस) ने "ज गांजा-महुआ इतिहास।" पर एक कला प्रदर्शनी भी आयोजित की।

सम्मान/विशिष्टताएँ

आर भट्टाचार्य, (2017). बांग्ला में बच्चों के साहित्य में सर्वश्रेष्ठ लेखक के लिए पराग, टाटा ट्रस्ट द्वारा, बिग लिटिल बुक अवॉर्ड, 2017 के जूरी का सदस्य बनने के लिए आमंत्रित किए गए। 2017.

एस चटर्जी, (2017). अकादमिक लेखन फेलो, रॉकफेलर फाउंडेशन, बेलजियो सेंटर, इटली, अक्तूबर-नवंबर 2017।

आर कुमार, गवर्निंग बॉडी, भागिनी निवेदिता कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

आर कुमार, गवर्निंग बॉडी, इंटरनेशनल स्टूडेंट्स हॉस्टल, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

आर कुमार, गवर्निंग बॉडी, राजीव गांधी महिला छात्रावास, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

आर कुमार, सदस्य, अध्ययन बोर्ड, केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़, हरियाणा।

आर कुमार, सदस्य, अध्ययन बोर्ड, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली।

ए शर्मा, (2017) को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय केंद्र कला, जनपद संपदा प्रभाग द्वारा देश में महाभारत के उपलब्ध क्षेत्रीय बदलावों की पहचान और चर्चा करने के लिए राष्ट्रीय सलाहकार बैठक में विशेषज्ञ के रूप में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया। उन्होंने 26 मई, 2017 को "महाभारत और इसके अंतर-एशियाई रूपों" पर प्रस्तुति दी।

ए शर्मा, (2018). 27 जनवरी, 2018 को दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स में कार्निवलसेक पर वार्षिक साहित्य समारोह में "कार्निवल से कार्निवालेस्क्यू तक: बख्तिन के राबेलेशियन निकाय और भंग का विचार" पर मुख्य वक्ता के रूप में भाषण दिया।

ए शर्मा, (2018). नौवें सुनीति कुमार चटर्जी स्मारक व्याख्यान के लिए आमंत्रित अध्यक्ष और चर्चा, उड़ीसा के केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सचिदानद मोहंती ने व्याख्यान दिया।

30 जनवरी, 2018 को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, नई दिल्ली।

ए शर्मा, (2018). इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में 10 जनवरी 2018 को डॉ. सलिला कुलश्रेष्ठ की पुस्तक *मंदिर से संग्रहालय:मध्य गंगा घाटी में औपनिवेशिक संग्रह और उमा महेश्वर प्रतीक* पर चर्चा के आमंत्रित अध्यक्ष रहे। ।।

प्रकाशन

एस एंटनी, (2017). खुद (जेनेरिक) से आगे बढ़ना: मेरबली वीसबॉर्ड की लव रानी मालाबार में लिमिनेटी: कमला दास के साथ दोस्ती की यादें। गंभीर मानविकी अन्वेषण में: एकनिबंध संग्रह। भारत: विवा बुक्स।

बाबू, हनी एम टी (2017). भाषा पहेली: सीखने के एक संसाधन के रूप में भाषाई डेटा का उपयोग करना। भारतीय भाषाविज्ञान, 78 (1-2), 15 9 -166.

आर भट्टाचार्य, (2017). पंक्तियों के बीच। भाषा और भाषा शिक्षण, 62 (12), 64-72.

आर भट्टाचार्य, (2017). प्रदर्शन और 'भिखारी मिशन'। आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक। 52(19), 64-70.

आर भट्टाचार्य, (2017). भोजन की बात करते हुए: सेव, आइस क्रीम, पोस्तो, पिस्ता, रोटी: भाषा शिक्षण में रुझान, (82-96)। हैदराबाद: ओरिएंट ब्लैक स्वान।

आर भट्टाचार्य, (अनुवाद) (2017). बी बंद्योपाध्याय के अरण्यक: जंगल की। भारत सूची (श्रृंखला)। कोलकाता और शिकागो: शिकागो यूनिवर्सिटी प्रेस के साथ सीगल पुस्तकें।

आर भट्टाचार्य, (अनुवाद). (2018). परशुराम द्वारा दार्शनिक के पत्थर और महाश्वेता देवी द्वारा 'स्वर्गीय गाय' न्यादोश, बंगाल की कालातीत कहानियां। नई दिल्ली: नियोगी किताबें।

आर भट्टाचार्य, (अनुवाद) , (2018). शपथ ली बहनें और पानी का उपहार। कोलकाता: साहित्य अकादमी।

आर भट्टाचार्य, (अनुवाद) , (2018). बी बंद्योपाध्याय की इच्छामती का बेचैन पानी। नई दिल्ली: रुपा।

एस चटर्जी, (2017). खत्म करने के लिए: वियतनामी-अमेरिकी पुन: शिक्षा शिविर मेमोर्स। युद्ध कहानियों में: इतिहास और साहित्य में युद्ध ज्ञापन, (22 9-251). न्यूयॉर्क: ऑक्सफोर्ड।

एस चटर्जी, (2017). मीडिया, विश्वविद्यालय, और सार्वजनिक क्षेत्र: विशेष लेख। आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक, 52 (11), 55-61.

एस चटर्जी, (2017). स्वतंत्रता के दूरस्थ तट: अमेरिका में वियतनाम की याद और पुनर्वास। युद्ध की यादों में: युद्ध पर स्मरणोत्सव, यादें, और लेखन, (115-131)।मॉन्ट्रियल, लंदन, शिकागो: मैकगिल-क्वीन यूनिवर्सिटी प्रेस।

एस चटर्जी, (2017). Hप्रतिनिधित्व जितना भी अपूर्ण हो। जीन-जैक्स मालो (संपा.) में, डब्ल्यू. डी. एहरहार्ट वार्तालाप में: वियतनाम, अमेरिका और लिखित शब्द, (16-60)। जेफरसन: मैकफ़ारलैंड।

सी देवदासन, (2017). शंकर के ग्राफिक शोकगीत और नव-औपनिवेशिक भारत का उद्भव। लेखन कला, आर्ट आइकोल.3,18–25.

सी देवदासन, (2017). आज के भारत में दृश्यता, प्रदर्शन और आम अच्छा, उच्च शिक्षा में विश्वास, रोहेम्पटन विश्वविद्यालय + सीयूएसी, 97-107.

सी देवदासन, (संपा.), (2017). शब्द छवि पाठ: साहित्यिक और दृश्य संस्कृति (आरपीटी) में अध्ययन। दिल्ली: ओरिएंट ब्लैक स्वान।

आर कुमार, (अनुवाद) , (2017). भेडा: अखिल नाइक के भेड़ा का एक अंग्रेजी अनुवाद, जो लंबे परिचय के साथ पहला ओडिया दलित उपन्यास था। नई दिल्ली: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

आर कुमार, (2017). भारतीय साहित्य में जाति वर्ग दमन: प्रेमचंद के गोदान का एक पठन। संचार के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। 27(1).

आर कुमार, (2017). जाति, वर्ग और लिंग: दलित पितृसत्ता का एक पठन। राम देवी महिला विश्वविद्यालय जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज, 2.

आर कुमार, (2018). जाति और स्थानीय संस्कृति: मुली पुनरीक्षित। रावणशॉ जर्नल ऑफ लिटरेरी एंड कल्चरल स्टडीज, 8।

आर कुमार, (2017). मधुसूदन राव के बर्णबोध के लेखक कौन हैं? नटबर सामंतराय: एक पाठक। नई दिल्ली: साहित्य अकादमी।

एस पांजा, (201. सिडनी, स्पेंसर, और रॉयल रीडर। यूके, न्यूकैसल: कैम्ब्रिज:

एस पांजा, (संपा.) (2017). स्वयं को सूचित करना: महिलाएं और साहित्य। (रेव एड)। दिल्ली: मैकमिलन।

एस पांजा, (2017). एलिसिनोर में कर्फ्यूड नाइट: विशाल भारद्वाज का हैदर। श्वेता राव गर्ग और दीप्ति गुप्ता (संपा.) में, अंग्रेजी में अंग्रेजी उदाहरण: भाषा, साहित्य और संस्कृतियों में निबंध। (101-109). पाल्ग्रेव मैकमिलन: जीन-जैक्स मालो।

एस पांजा, (संपा.), (2017). शब्द छवि पाठ: साहित्यिक और दृश्य संस्कृति में अध्ययन। (आरपीटी)। दिल्ली: ओरिएंट ब्लैक स्वान।

आई राजा, (2017). नए साहित्य: भारतीय उपमहाद्वीप और श्रीलंका। द ईयर वर्क इन इंग्लिश स्टडीज, (1179-1189)। ऑक्सफोर्ड: ओयूपी।

आई राजा, (2017). दक्षिण एशियाई कीवर्ड: फंडा। दक्षिण एशिया: दक्षिण एशियाई अध्ययन जर्नल, 40 (2), 308-310.

ए शर्मा और सभरवाल। (2018). गुस्से में एक छोटा पागलपन है। भारत में विभाजन के मनोवैज्ञानिक प्रभाव में। नई दिल्ली: ऋषि।

वी.के. सिंह, (2018)। समकालीन जनजातीय जीवन: कथा के माध्यम से तथ्य। भारत में स्थित जनजातियों (संस्कृति, भाषा और आत्म) में, (47-64)। दिल्ली: यश प्रकाशक।

जर्नल

संपादक/संपादकीय मंडलके सदस्य के रूप में कार्यरत संकाय सदस्यों की संख्या–06

आर भट्टाचार्य, एक नई पुस्तक श्रृंखला के संपादकीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य, "तुलनात्मक और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा में नई दिशाएं" ब्लूमसबरी अकादमिक प्रकाशन द्वारा।

वाई के दुबे, सेज ओपन के लिए लेख संपादक।

एस चटर्जी, सदस्य, वैज्ञानिक समिति (संपादकीय बोर्ड), रेव्यू लिसा/लिसा ई-जर्नल, रेनेस विश्वविद्यालय, फ्रांस, 2016 से आगे। http://lisa.revues.org/ 3975 # tocto1n5

आर कुमार, सदस्य, संपादकीय बोर्ड, फोर्टेल, दिल्ली।

आर कुमार, सदस्य, संपादकीय बोर्ड, रेवेन शॉ जर्नल ऑफ लिटरेरी एंड कल्चरल स्टडीज, कटक, ओडिशा।

एच क़दीर, सदस्य, संपादकीय बोर्ड, उच्च शिक्षा जर्नल, जम्मू और कश्मीर।

अनुसंधान परियोजनाएं

अंतर्राष्ट्रीय अनुदान-

डब्ल्यूआईएसईआर, विटवाटर्सरैंड विश्वविद्यालय, जोहान्सबर्ग, दक्षिण अफ्रीका की प्रोफेसर इसाबेल होफ्मेयर द्वारा समन्वित सहयोगी परियोजना "हिंद महासागर मानविकी", अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी आर. भट्टाचार्य, ।

उच्च शिक्षा में इंडो-जर्मन साझेदारी (आईजीपी), यूजीसी-डीएएडी की अंतःविषय परियोजना 'महानगरीय कल्पना का लेखन: विश्व साहित्यिक अंतरिक्ष में शैली का विनिमय, 01 जुलाई 2016 से 30 जून 2020। देवदासन, क्रिस्टल आर प्रमुख अन्वेषक, रु 10722321/-

डॉ. शेली हूलन, वाटरलू विश्वविद्यालय, कनाडा, 2017-2019, शर्मिष्ठा पांजा, प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये के साथ दो वर्ष के लिए भारत-कनाडाई फैलोशिप।

आयोजित संगोष्ठियां

विभाग द्वारा आयोजित वार्ताएं (7)

एस बर्टेट, (2018) सहायक प्रोफेसर, शिव नादर विश्वविद्यालय। "एशिया भर में: जहाज निर्माण प्रौद्योगिकी और चटगांव की संस्कृति।" 25 अगस्त, 2017.

वी चौहान, (2017) सहयोगी प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग, जाकिर हुसैन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय। "पीपुल्स लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इंडिया: एक सर्वेक्षण और एक आंदोलन" अगस्त 21, 2017.

आर डब्ल्यू देसाई, (2018). दिल्ली विश्वविद्यालय में अंग्रेजी के भूतपूर्व प्रोफेसर। "साहित्य और राजनीति।" 28 फरवरी, 2018.

पीआर कोना, (2018). प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग, ईएफएलयू, हैदराबाद। "किंग लीयर की त्रासदी में अस्तित्व और शून्य की भावना।" 15 मार्च, 2018।

पीआर कोना, (2018) प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग, ईएफएलयू, हैदराबाद। "रोमांटिक क्रांति: नॉस्टेलाजिया और यूटोपिया के बीच।" 16 मार्च, 2018.

एस मेहमूद, (2018). स्वतंत्र विद्वान "कुछ इश्क किया, कुछ काम: फैज अहमद फैज का पुनरीक्षण।" 15 फरवरी, 2018.

ए सिंह, (2018) सहायक प्रोफेसर, सेंटर फॉर स्टडीज इन सोशल साइंसेज, कोलकाता। "भोजपुरी भाषा और लोगों का निर्माण: पद्धतिगत प्रतिबिंब।" 18 जनवरी, 2018।

आयोजित सम्मेलन (05)

ए अनीजा, (2018). 8-10मार्च, 2018 को आईसीएसएसआर, दिव्यांग समर्थनम ट्रस्ट और साहित्य अकादमी के सहयोग से अंग्रेजी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय) द्वारा आयोजित "दिव्यांगता अध्ययन की जांच: साहित्य, संस्कृति, प्रदर्शन" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के संयोजक।

आई राजा, (2018).

अंग्रेजी विभाग और जर्मन और रोमांस अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय तथा अंग्रेजी और अमेरिकी अध्ययन विभाग, पॉट्सडैम विश्वविद्यालय के बीच 15-17 मार्च 2018 को एक सहयोगी सम्मेलन विश्व साहित्य- उत्तर औपनिवेशिक परिप्रेक्ष्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के संयोजक।

ए शर्मा, (2017). आईजीएनसीए, साहित्य अकादमी और इंडोनेशियाई दूतावास के सहयोग से 6, 7 और 8 अप्रैल 2017 को "महाभारत और अंतर-एशियाई संस्कृतियां: प्रसारण, अनुकूलन, प्रदर्शन और इतिहास" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के संयोजक रहे।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ (25)

एस एंटनी, (2017). मानविकी विभाग द्वारा भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, सांस्कृतिक अध्ययन केंद्र, केरल विश्वविद्यालय और लिटक्रिट के सहयोग से मानविकी विभाग, भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, त्रिवेन्द्रम, केरल, 14-16 दिसंबर, 2017 में आयोजित थियोरिजिंगः अंतरिक्ष और संस्कृति के चौराहे पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में "द विस्च सर्किल: डेव एगर्स 'द सर्किल (2013) में हीटरोटोपिया" प्रस्तुत किया।

आर भट्टाचार्य, (2017). अंग्रेजी विभाग, दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स(डीसीएसी), नई दिल्ली में 10 नवंबर, 2017को संकाय विकास कार्यक्रम में 'लिंग: स्व और समाज -दृश्य और मायावी' ।

आर भट्टाचार्य, (2018). नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा द्वारा जोरासांको ठाकुरबारी, रबींद्र-भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता में 5-6 मार्च 2018 को 'टाइम, हिस्टोरिटी एंड मेमोरी' पर आयोजित संगोष्ठी में रवींद्रनाथ के साथ अभ्यास: स्मृति, स्थान और आंदोलन'।

एस चटर्जी, (2017). दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 22-23 अगस्त 2017 को आयोजित 'सीमाओं को पार करना: अंतःविषय और अनुवाद के नए प्रतिमानों की खोज पर संगोष्ठी में एक बेहतर अमेरिकी बनें: वापसी और पुनर्सज्जा। एंड्रयू एक्स. फाम के कैटफ़िश और मंडला- वियतनाम के परिदृश्य और स्मृति के माध्यम से एक दो-पहिया वाली यात्रा।

एस चटर्जी, (2017). 'शंकरदेव कॉलेज, शिलांग में 7-8 दिसंबर 2017 को इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (आईसीएसएसआर) प्रायोजित - 20वीं शताब्दी की अमेरिकी कविता पर सामाजिक-आर्थिक प्रभाव पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में वियतनाम युद्ध के कविता में काव्य और राजनीति।

सी देवदासन, (2018). दयाल सिंह (सं.) कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में मार्च 2018 में"ग्राफिक प्रतिनिधित्व और दलित आंदोलनों की चुनौती"।

सी देवदासन, (2018). भारती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में मार्च, 2018 में "थोरो और एक दिमागी दृश्य का प्रणोदन, थोरो और अतिक्रमणवादी"।

वाई के दुबे, (2018). अंग्रेजी और अन्य यूरोपीय भाषाओं के विभाग द्वारा डॉ. एच जी विश्वविद्यालय, सागर म.प्र. में19-20 फरवरी, 2018 को "फिलॉसफी एंड एस्थैटिक्स" पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "फिलॉसफी एंड एस्थैटिक्स" पर संगोष्ठी में "वर्नाक्युलर एंड कोलोक्विअल में फिलॉसॉफी: अवधी लोकगीत"।

आर कुमार, (2018). दिल्ली विश्वविद्यालय, किरोड़ी मल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 21.02.2018 को आयोजित एक संगोष्ठी में अनुवाद की भाषा।

आर कुमार, (2017). अंग्रेजी विभाग, दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, दिल्ली द्वारा 10.11.2017 को आयोजित एक संगोष्ठी में मार्जिनल की आत्मकथा।

आर कुमार, (2017). अंग्रेजी भाषा विभाग, बनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान द्वारा 19.1.2017 को आयोजित एक विशेष वार्ता 'जाति, संस्कृति और राजनीति: ओमप्रकाश वाल्मीकि के जूठन का एक पठन' ।

आर कुमार, (2017). भारतीय सामाजिक विज्ञान परिषद, दिल्ली द्वारा 05.09.2017 को आयोजित 'दलित संदर्भ में रचनात्मक सिद्धांत:क्रिएटिव थ्योरी कॉलोक्वियम अखिला नाइक के भेदा का पाठन पढ़ना।

आर कुमार, (2017). जयपुर इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फोर्मेशन एंड टेक्नोलॉजी, नोएडा द्वारा 11.11.2017 को आयोजित एक पैनल चर्चा में 'रीडिंग न्यू लिटरेचर'।

आर कुमार, (2017). सेंटर फॉर सोशल सिस्टम, सोशल साइंसेज स्कूल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 11.08.2017 कोआयोजित रिफ्रेशर्स कोर्स में 'समाजशास्त्र का स्व: भारतीय आत्मकथाओं को पढ़ना'।

आर कुमार, (2017). अंग्रेजी विभाग और हरियाणा सेंट्रल यूनिवर्सिटी, महेन्द्रगढ़ के शिक्षा विभाग द्वारा द्वारा 03.04.2017 को संयुक्त रूप से आयोजित समर स्कूल में 'दलित सौंदर्यशास्त्र को समझना'।

आर कुमार, (2017). अंग्रेजी विभाग, श्याम लाल कॉलेज (शाम), दिल्ली द्वारा 16.08.2017 को आयोजित एक संगोष्ठी में 'भारत में लिंग को समझना'।

आर कुमार, (2018). दिल्ली विश्वविद्यालय के स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज, दिल्ली द्वारा 28.02.2018 को आयोजित एक संगोष्ठी में 'आत्मकथा: स्व, समाज, राष्ट्र को पढ़ना'।

आर कुमार, (2018).उड़ीसा गबेषणा चक्र और विकास अध्ययन के नवकृष्ण चौधरी केंद्र, भुवनेश्वर द्वारा 28.01.2018 को आयोजित एक संगोष्ठी में 'बिस्वमय पाटी और ओडिशा इतिहास का लेखन'।

आर कुमार, (2018). साहित्य अकादमी, दिल्ली द्वारा 16.02.2018 को आयोजित एक संगोष्ठी में 'युद्ध का वर्णन: 1965 कहानियां'।

आर कुमार, (2018). अंग्रेजी विभाग और विभाग जर्मनिक और रोमांस स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 16.03.2018 को संयुक्त रूप से आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'द होम एंड द वर्ल्ड: दलित सौंदर्यशास्त्र को समझना'।

आर कुमार, (2018). डॉ राजेंद्र प्रसाद संस्थान, दिल्ली द्वारा 11.02.2018 को आयोजित एक पुस्तक चर्चा में 'लाल सिंह दिल का काव्यशास्त्र और राजनीति'।

आर कुमार, (2018). श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के अंग्रेजी विभाग द्वारा 28.03.2018 को आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'द पोएटिक्स ऑफ एक्साइल'।

ए शर्मा, (2017).दिल्ली विश्वविद्यालय के अंग्रेजी अरबिंदो कॉलेज के अंग्रेजी विभाग में11 अप्रैल 2017 को आयोजित "अठारहवीं सदी दृश्य संस्कृति और स्टर्न की ट्रिस्टम शैंडी"।

ए शर्मा, (2017). अंग्रेजी विभाग, खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 6 नवंबर, 2017 को "मैरी वोलस्टोनक्राफ्ट-पोस्ट रेवोल्यूशनरी एस्थैटिक्स" ।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

2017-18 के दौरान पॉट्सडैम विश्वविद्यालय के साथ उच्च शिक्षा (आईजीपी) में इंडो जर्मन साझेदारी के अंतर्गत "विश्वव्यापी कल्पना को लिखना: विश्व साहित्यिक अंतरिक्ष में शैली लेनदेन"

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र

(क) 2017-18 के दौरान पोट्सडैम विश्वविद्यालय के साथ उच्च शिक्षा (आईजीपी) में इंडो जर्मन साझेदारी के अंतर्गत "महानगरीय कल्पना का लेखन: विश्व साहित्यिक अंतरिक्ष में शैली लेनदेन" परियोजना के छात्र विनिमय हिस्से के रूप में निम्नलिखित छात्रों ने वर्ष 2017-18 में पोट्सडैम विश्वविद्यालय का दौरा किया:

ए पी पायल, पीएचडी, अंग्रेजी

मुसाब अब्दुल सलाम, एमफिल, अंग्रेजी

(ख) आकस्मिक संबद्धता - 2017-18 विदेशी विनिमय छात्र के अंतर्गत निम्नलिखित छात्रों ने एडिनबर्ग विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग का दौरा किया:

सुश्री रोमी ओल्डवर्थ

श्री रोरी अलेक्जेंडर ज़िन्ज़न स्कॉट

नियोजन का विवरण (छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

35 छात्र

विस्तार और पहुँच गतिविधियाँ

एस एंटनी, जून 2017 में अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वंचित छात्रों के लिए एमए प्रवेश-पूर्व ग्रीष्मकालीन स्कूल के लिए संसाधन व्यक्ति रहे।

वाई के दुबे ने अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के समाज के वंचित छात्रों के लिए प्रवेश-पूर्व ग्रीष्मकालीन स्कूल, (जून 2017) में दो सत्रों में व्याख्यान दिए।

वी के सिंह, अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के समाज के कमजोर वर्गों के लिए (जून 2017) प्रवेश-पूर्व ग्रीष्मकालीन स्कूल के दो सत्रों में व्याख्यान दिए।

प्रदत्त एम.फिल/पीएच.डी. डिग्रियों की संख्या

पीएच.डी.: 07

एम.फिल.: 37 (ये छात्र वर्ष 2017 में पारित हुए लेकिन इन्हें डिग्री अगले दीक्षांत समारोह में दी जाएगी)

संकाय की संख्या

प्रोफेसर: 05 + 02 (रिक्त)

सहयोगी प्रोफेसर: 09 + 10 (रिक्त)

सहायक प्रोफेसर: 08 + 02 (रिक्त)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

बाबू, एम टी हनी ने 22 जनवरी, 2018 को पुनश्चर्या कोर्स, अकादमिक स्टाफ कॉलेज, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली में दो व्याख्यान दिए।

विभाग के घटनाक्रम: पिछले एक वर्ष में विभाग द्वारा आयोजित वार्ताएं

राष्ट्रीय

एस एंटनी, (2017). पूर्ण व्याख्यान: अंग्रेजी विभाग, सरकारी कला और विज्ञान कॉलेज, कोझिनपारा, पलक्कड़, केरल द्वारा 01-02, नवंबर, 2017 को कॉलेजिएट एजुकेशन निदेशालय, केरल द्वारा प्रायोजित लिंग अध्ययन पर राष्ट्रीय

संगोष्ठी में "गैस्ट्रोनोमिकल इंटरवेंशन एंड जेंडर रिकॉन्फिगरेशन: री-प्रेजेंटेशन ऑफ फुड एंड जेंडर इन न्यू जेनरेशन मलयालम फिल्म्स"।

वाई के दुबे, (2018). डॉ एच जी विश्वविद्यालय, सागर, म.प्र के अंग्रेजी और अन्य यूरोपीय भाषाओं के विभाग द्वारा 19-20 फरवरी, 2018 को "फिलॉसफी एंड एस्थेटिक्स" पर एक व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया।

एस पांजा, (2017).सत्यवती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में फरवरी 2017 को "यूरोप में पुनर्जागरण: बौद्धिक पृष्ठभूमि का एक परिचय"।

एस पांजा, (2017). साहित्य अकादमी, कोलकाता में जनवरी 2017 में "भारतीय साहित्य और भाषा में शेक्सपियर" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "हैदर के विशेष संदर्भ के साथ भारतीय मंच और स्क्रीन पर शेक्सपियर" पर मुख्य व्याख्यान।

एस पांजा, (2017). पूर्ण व्याख्यान, एलएडी कॉलेज फॉर वुमन, नागपुर में फरवरी 2017 को "भारत में शेक्सपियर का संदर्भ" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत में शेक्सपियर"।

एच क़दीर, जिंदल विश्वविद्यालय, सोनीपत, भारत में 'मिर्जा गालिब के पत्र, व्यक्तिगत और राजनीतिक' पर आमंत्रित व्याख्यान।

एच क़दीर, एनआईटी, कुरुक्षेत्र, हरियाणा में अंग्रेजी भाषा और संचार कौशल पर दो आमंत्रित व्याख्यान।

आई राजा, (2017). अतिथि व्याख्यान: पोट्सडम विश्वविद्यालय, जर्मनी के अंग्रेजी विभाग में जून 2017 में "जब परिपक्वता सब कुछ नहीं होती:तीन भारतीय लघु कहानियों में बुढ़ापा एवं मौत" पर, ।

आई राजा, (2017). जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता, भारत नें एजिंग, एजिज्म एंड कल्चर पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 'हर चीज के लिए एक मौसम है': भारतीय कथा में शरीर और समय के बारे में कुछ अटकलें", [आमंत्रण द्वारा], सितंबर 2017।

आई राजा, (2018). एएनयू, कैनबरा, ऑस्ट्रेलिया में 9 फरवरी 2018 को आमंत्रित व्याख्यान, फल गिरने का समय? मॉडर्न इंडियन लिटरेचर में डेथबड नरेटिव्स'

आई राजा, (2018). सेंट थेरेसा कॉलेज, एर्नाकुलम, केरल में 21 फरवरी 2018 को 'विशिष्ट गैर-उपभोग: समकालीन भारतीय कथा में पुनर्विचार एजेंसी' पर मुख्य व्याख्यान और राजनीति का विषय: प्रतिनिधित्व और व्यवहार' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में संसाधन व्यक्ति, [आमंत्रण द्वारा] ।

ए शर्मा, (2017). अंग्रेजी विभाग अरबिंदो कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में,   11 अप्रैल 2017 को "अठारहवीं शताब्दी दृश्य संस्कृति और स्टर्न की ट्रिस्टम शैंडी"

ए शर्मा, आमंत्रित विशेषज्ञ। 10 नवंबर, 2017 '। मुझे उन सबसे अलग बनाया गया है जिनसे मैं कभी मिला हूँ': धर्मनिरपेक्ष आत्मकथा और रोमांटिक सेल्फ-फैशनिंग के रूप में रूसे कन्फेशंस।" अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स और कॉमर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय में अंडर ग्रेजुएट अध्ययन के लिए क्रेडिट आधारित विकल्प प्रणाली के लिए संकाय विकास कार्यशाला।

ए शर्मा, (2017). अंग्रेजी विभाग, खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 6 नवंबर, 2017 को "मैरी वोलस्टोनक्राफ्ट-पोस्ट रेवोल्यूशनरी एस्थैटिक्स" ।

वी के सिंह, (2018). "वैज्ञानिक/अनुसंधान लेखन में अंग्रेजी की भूमिका" पर व्याख्यान दिया। "वैज्ञानिक लेखन और उन्नत प्रकाशन उपकरण" रक्षा वैज्ञानिक सूचना और दस्तावेज़ीकरण केंद्र, दिल्ली (मार्च 2018) [आमंत्रण] में सीईपी।

अंतरराष्ट्रीय

एस एंटनी, (2017). उन्नत अध्ययन के स्कूल, सीनेट हाउस लंदन विश्वविद्यालय, लंदन, यूनाइटेड किंगडम में 18-20 सितंबर, 2017 को आयोजित उपनिवेश उत्तर अध्ययन एसोसिएशन (पीएसए) कन्वेंशन-2017 में "इंडियन सुपर लीग का अजीब मामला: मार्-क्वे की डॉक्यूमेंट्री जोउ-ला कमिया कोच्चि (इसे कोच्चि की तरह झुकाएं) के पुनर्जागरण का एक अध्ययन"।

एस एंटनी, (2017).दक्षिण केन्सिंगटन कैम्पस, इंपीरियल कॉलेज लंदन, यूनाइटेड किंगडम में 11-12 सितंबर, 2017 को सोशल साइंस एंड ह्यूमैनिटीज (आईसीएसएसएच) पर 23वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "सीमा की दृष्टि के रूप में नई पीढ़ी की मलयालम फिल्में"।

एस एंटनी, (2017). शेफील्ड हॉलम विश्वविद्यालय, सिटी परिसर, शेफील्ड, यूनाइटेड किंगडम में 6-8 सितंबर, 2017 को साहित्य और पर्यावरण (यूके और आयरलैंड) के अध्ययन के लिए क्रॉस मल्टी इंटर ट्रांस एसोसिएशन के द्विवार्षिक सम्मेलन में "टीएनाई से आगे बढ़ना: केरल में लैटिन कैथोलिक समुदाय की साहित्यिक, सांस्कृतिक और प्रदर्शनकारी परंपराओं का अध्ययन"।

एस चटर्जी, (2017). वियतनाम युद्ध के बाद। 'यूनिवर्सिटी सीए' फॉस्करी वेनेज़िया, इटली में सार्वजनिक व्याख्यान। 1 दिसंबर 2017.

एस चटर्जी, (2018). दिल्ली विश्वविद्यालय और भारत अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में 15-17 मार्च 2018 को 'थोरौ और पारस्परिकवादी: अंतर्राष्ट्रीय दर्शन और संबंधित चिंताओं' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'हेनरी डेविड थोरौ और राजनीति की नागरिक अवज्ञा' पर पूर्ण व्याख्यान।

सी देवदासन, (2018).अंग्रेजी विभाग + जर्मनिक और रोमांस स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय में मार्च 2018 में द किपलिंग्स, डिज्न, और एक दृश्य वार्तालाप' विश्व साहित्य: पोस्टकोलोनियल दृष्टिकोण।

एस पांजा, (2017). सीमा हीन थियेटर, कोलोन विश्वविद्यालय में मई-जून 2017 में "मार्लो और शेक्सपियर पार पार सीमाएं: माल्टा और वेनिस इन द अर्ली मॉडर्न वर्ल्ड"।

एस पांजा, (2017). "स्कूल ऑफ ट्रांसलेशन स्टडीज एंड ट्रेनिंग" इग्नू में मार्च 2017 में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "मैं आपको अपनी सुंदरता से नहीं लुभाऊँगी" : लिंग, अनुवाद और टैगोर के गीत" "उत्तर औपनिवेशिक हर्मेनेटिक्स से परे: तुलनात्मक दृष्टिकोण" ।

ए शर्मा, (20186 जुलाई, 2018 को गति में एशिया: एएएस-इन-एशिया, नई दिल्ली में भौगोलिक और वंशावली पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता की और "ट्रेवलिंग टेक्स्ट्स: इंडोनेशिया में इतिहास और ऐतिहासिक रूपों का प्रसार: लक्ष्मी पामंतजक की अम्बा: लाल का प्रश्न।" शोधपत्र प्रस्तुत किया।

ए शर्मा, (2017. "मिथक, संस्कृति, लिंग और राजनीति और इंडोनेशियाई महाभारत: लक्ष्मी पामंतजाक के अम्बा को पढ़ना: लाल का प्रश्न।" 7 अप्रैल, 2017।. महाभारत और अंतर-एशियाई संस्कृतियां: प्रसारण, अनुकूलन, प्रदर्शन और इतिहास। अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और इंदिरा गांधी सेंटर फॉर द आर्ट्स (आईजीएनसीए), शिक्षा मंत्रालय और इंडोनेशियाई दूतावास द्वारा समर्थित है। नई दिल्ली।

ए शर्मा, (2018). "महात्मा से मैडमैन तक? गांधीजी शरणार्थी के रूप में।" 3 जनवरी, 2018। भारत @ 70: यादें और इतिहास। आईआईटी खड़गपुर।

ए शर्मा, (2018). अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 17 मार्च, 2018 को विश्व साहित्य: उत्तर औपनिवेशिक परिप्रेक्ष्य में "औपनिवेशिक कल्पना और एशिया का विचार: ब्रिटिश रोमांटिकवाद की परियोजना"।

ए शर्मा, (2018). एक्सेटर विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम में 19 अप्रैल, 2018 को ब्रिटिश एशियाई अध्ययन के ब्रिटिश एसोसिएशन के वार्षिक सम्मेलन में "साम्राज्यों के नेटवर्क और अफीम की कहानी: ब्रिटिश रोमांटिकवाद, ओरिएंटलिज्म और घोष की ईबीएस त्रयी।"।

आयोजित और संचालित कार्यशालाएं

एस एंटनी, (2018). अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आईसीएसएसआर, समर्थनाथम और साहित्य अकादमी के सहयोग से सम्मेलन केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय (मुख्य परिसर) में 8-10 मार्च, 2018 को आयोजित "दिव्यांगता अध्ययन की जांच: साहित्य, संस्कृति, प्रदर्शन" सम्मेलन समिति के सदस्य,

एन वेट्स, (2018).अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित (8-10 मार्च, 2018) दिव्यांगता अध्ययनःसाहित्य, संस्कृति, प्रदर्शन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "पाठ्यक्रम में समर्थन और समावेशन प्रदान करना" सत्र आयोजित किया गया।

अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय आईसीएसएसआर, समर्थनम और साहित्य अकादमी के सहयोग से सम्मेलन केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय (मुख्य परिसर) में 8-10 मार्च, 2018 को आयोजित "दिव्यांगता अध्ययन की जांच: साहित्य, संस्कृति, प्रदर्शन" की सम्मेलन समिति के सदस्य।

***

जर्मनिक एवं रोमंस अध्ययन

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

विभाग ने 8 से 10 मार्च, 2018 तक काल्पनिक गृह भूमि पर; 15 से 17 मार्च, 2018 तक विश्व साहित्य: उपनिवेशोत्तर परिप्रेक्ष्य पर; 19 से 23 फरवरी, 2018 तक महानगरीय संस्कृति, वैश्वीकरण और साहित्यिक स्थान: से एक (नई) विश्व नागरिकता के दृष्टिकोण और कथाएं पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ आयोजित कीं। विभाग ने पॉट्सडैम विश्वविद्यालय के सहयोग से, शोध छात्रों के लिए 5 से 9 दिसंबर, 2017 तक क्षुद्र महानगरीय संस्कृति विषय पर सर्दियों के स्कूल का भी आयोजन किया; 23 से 28 अक्तूबर, 2017 तक अनुवाद और डिडैक्टिक्स पर कार्यशाला और 16 से 17 अक्तूबर, 2017 तक अनुवाद पर कार्यशाला का आयोजन किया।

प्रकाशन (05)

आर मारन, (2018). इक्रिवियन औपनिवेशिक? रेफ्लेक्सियंस सुर सेस इक्रिट्स बायोग्राफिक्स डी एप्रेस सन स्वोरग्नन डी ब्राज़्ज़ा (संपादित- रोजर लिटिल) इंटरकल्चरल फ्रैंकोफोनिज, एन° 33: रेने मारन: यूनि कॉन्सेंस इंट्रानक्विले, एलायंस फ्रैंसेज लीकस, 2018।

एस मजूमदार, (2017). यूटोपी/डिस्टोपी इन डेर डूट्शस्प्राचिजेन अंड इंडिसन साइंस-फिक्शन डेर गेगेनवार्ट। जियानहुआ झू, माइकल सज़ावाविट्स्की और जिन झाओ, संपा., अक्टेन डेस XIII में। इंटरनेशनल जर्मनिस्टेनकांग्रेस शंघाई 2015. जर्मनिस्टिक ज़विस्चेन ट्रेडिशन अंड इनोवेशन, संस्करण 8। फ्रैंकफर्ट एम मेन, बर्लिन, बर्न, ब्रुक्सेलस, न्यूयॉर्क, ऑक्सफोर्ड, वियन: पीटर लैंग

टी रॉय, (2017) इन गिरो कॉन लिटालिनो। गोयल पब्लिशर्स इंटरनेशनल,आईएसबीएन 9789386862495.

एम साहनी, (2017). वैकल्पिक एफ़िनिटी। अनिल धींगरा में स्पेन के लिए एक हिस्पानिस्ट की श्रद्धांजलि, लोपेज नडाल संपा. इंडो स्पैनिश सांस्कृतिक एनकाउंटर्स 1956-2016. नई दिल्ली: आईसीसीआर। 478—483

एम साहनी, (2018). लैटिन अमेरिकी ट्रैवलर्स इन मॉडर्न इंडिया इन लीला चौकर्णे, पारुल भंडारी संपा. भारतीय आधुनिकताओं की खोज: विचार और व्यवहार। सिंगापुर: स्प्रिंगर। 168—184.

अनुसंधान परियोजनाएँ (02)

डीएफजी (जर्मन रिसर्च फाउंडेशन), "माइनर कॉस्मोपॉलिटनिज्मस", रिसर्च ट्रेनिंग ग्रुप, पॉट्सडैम यूनिवर्सिटी, हम्बोल्ट विश्वविद्यालय बर्लिन और फ्रीइ यूनिवर्सिटी बर्लिन, अंतर्राष्ट्रीय पर्यवेक्षक। 2016-2019. अनुमोदित राशि ग्रीष्मकालीन/शीतकालीन विद्यालयों और सम्मेलनों के लिए विमान का किराया शामिल रहता है।

यूजीसी-डीएएडी, "महानगरीय कल्पना का लेखन: विश्व साहित्यिक अंतरिक्ष में शैली लेनदेन", सहयोगी अनुसंधान परियोजना दिल्ली विश्वविद्यालय और पोट्सडम विश्वविद्यालय (जर्मनी) के अंग्रेजी और जर्मन विभागों के साथ, उच्च शिक्षा कार्यक्रम में यूजीसी-डीएएडी इंडो-जर्मन साझेदारी (आईजीपी), 1 जुलाई 2016 से 30 जून 2020 तक, समन्वयक। अनुमोदित राशि - रु. 107, 22,321.

आयोजित संगोष्ठियाँ(07)

जर्मनिक और रोमांस स्टडीज विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 8 - 10 मार्च, 2018 को काल्पनिक गृहभूमि पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, ।

विश्व साहित्य: उत्तर औपनिवेशिक परिप्रेक्ष्य, 15-17 मार्च, 2018.

महानगरीय संस्कृति, वैश्वीकरण और साहित्यिक अंतरिक्ष:एक (नई) विश्व नागरिकता के परिप्रेक्ष्य और कथाएं, 19- 23 फरवरी, 2018.

माइनर कॉस्मोपॉलिटनिस, 5 - 9 दिसंबर, 2017 के विषय पर शोध छात्रों के लिए शीतकालीन विद्यालय।

अनुवाद और डिडैक्टिक्स पर कार्यशाला, 23 - 28 अक्तूबर, 2017

अनुवाद पर कार्यशाला, 16 - 17 अक्तूबर, 2017

2018. इमेजिनरी होमेलैंड्स पर वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, जर्मनिक और रोमांस स्टडीज विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 8 - 10 मार्च, 2018।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ (16)

के अग्रवाल, (2017). अपेला (एपीईएलए) के अंतर्राष्ट्रीय कॉलोक्वियम, इमेज एट यूजेज डु प्युप्ले डान्स लेस लिटरचर्स डी एल अफ्रिक एट डी ला डायस्पोरा, अलकाला विश्वविद्यालय, अलकाला डी हेनारेस, मैड्रिड, स्पेन। 12-15 सितंबर. 2017.

के अग्रवाल, (2017). ला रिलेशन फ्रैंको-अफ्रीकीन पर अंतर्राष्ट्रीय कॉलोक्वियम: यूनी न्यूवेले हिस्टोइयर पोलिटिक एट लिटरेयर (1 975-2015), स्ट्रैसबर्ग विश्वविद्यालय, फ्रांस। 11-13 अप्रैल, 2017.

के अग्रवाल, (2018). चार्ल्स फोर्सडिक (जेम्स बैरो प्रोफेसर फ्रांसीसी, यू ऑफ लिवरपूल, यूके): पीड़ा की साइटें, स्मृति की साइटें। 13 मार्च, 2018.

के अग्रवाल, (2018). इंटरनेशनल कोलोक्वियम, प्रेसे एट लिटरेचर अफ्रीका (एस), मोंटपेलियर-3 विश्वविद्यालय। 19-20 मार्च, 2018.

के अग्रवाल, (2018). हैतीयन अध्ययन का क्षेत्र: परिभाषाएं, मुद्दे और दृष्टिकोण।16-17 मार्च, 2018.

आर कुमार, (2018). "एक मातृभूमि की तलाश में: चंद्रमा और बोनफायर" "सेसर पेविस द्वारा"। जर्मन और रोमांस स्टडीज विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 8-10 मार्च, 2018 को इमेजिनरी होमलैंड्स पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

आर कुमार, (2018). विभाजन और हिंदी फिल्में: अविभाज्य मानव सदमे का एक काल्पनिक संस्करण। भारत सरकार के सिंधी भाषा के प्रचार की राष्ट्रीय परिषद, एमएचआरडी, भारत सरकार के सहयोग से सत्यवती कॉलेज, (सां.) दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 22 और 23 फरवरी 2018 को "भारत विभाजन और सिंधी अश्मिता" विषय पर 2 दिन की राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई।

एस मजूमदार, (2017). कॉस्मोपॉलिटनिज्म करना: सिद्धांत और अभ्यास की गतिशीलता, पोट्सडम विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ अंतर्राष्ट्रीय शीतकालीन विद्यालय। 6-9 दिसंबर, 2017.

एस मजूमदार, (2018) - 29 जनवरी से 2 फरवरी, 2018 को गृह भूमि की कल्पना, पर दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित शीतकालीन विद्यालय में "कौन सा रास्ता घर जाता है?" प्रस्तुत किया।

एस मजूमदार, (2018). दिल्ली विश्वविद्यालय में 19-23 फरवरी, 2018 के दौरान आयोजित गाथे सोसाइटी ऑफ इंडिया इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस (21-23 फरवरी) में महानगरीय संस्कृति, वैश्वीकरण और साहित्यिक अंतरिक्ष- एक (नई) विश्व नागरिकता का परिप्रेक्ष्य और कथाएं, नचुचिसिमोसियम (19 -21 फरवरी को) प्रस्तुत किया।

एस मजूमदार, दिल्ली विश्वविद्यालय में 15-17 मार्च, 2018 को विश्व साहित्य: उत्तर औपनिवेशिक परिप्रेक्ष्य, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

ई पांडा, (2017). डीआईजीएस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा "समकालीन साहित्य में नए प्रयोग" पर 2-4 मार्च, 2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में जूली मारोच के ली ब्लेयू उने कोलेर चाउडो पर प्रस्तुति दी।।

ई पांडा, (2017). डीजीआरएस, दिल्ली विश्वविद्यालय में "इमेजिनरी होमलैंड्स" विषय पर 8-10 मार्च 2018 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में *मोनिक प्रोलक्स की छोटी कहानियों में खंडित होमलैंड* प्रस्तुत किया।

एना पांडा, 14-16 सितंबर, 2017 को अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय के फ्रांसीसी और फ्रैंकोफोन स्टडीज विभाग द्वारा आयोजित फ्रांसीसी और फ्रैंकोफोन अध्ययन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में क्वेशचन्स डी आइडेंटिटी एट डी एल एलियनेशन डान्स लेस नोवेलस इक्रेट्स पर लेस इक्रिवेनिस कनाडी इनेस कंटेम्पोरेरीज प्रस्तुत किया।।

ई पांडा, (2017). 22-24 फरवरी 2017 पर बीएचयू द्वारा रेसिट डी व्वॉयज डान्स ला लिटरेचर फ्रेंकाइस एट फ्रैंकोफोन पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में रेसिट डी व्वॉयज फोटो-लिटेरेरी: उने एट्यूड डी नोआ नोआ डी पॉल गौगुइन" प्रस्तुत किया।

टी रॉय, (दिल्ली विश्वविद्यालय) और एम तवोसानिस., (पीसा विश्वविद्यालय) (2017)। नेपल्स, इटली में 28-30 सितंबर, 2017 को आयोजित एसएलआई 2017 सम्मेलन में "आई फोकलजिटोर एन्के नेई टेस्टी स्क्रिटी डी स्टुडेंटी कॉन लिंगु इंडोरी एल1" प्रस्तुत किया।

टी रॉय, (दिल्ली विश्वविद्यालय) और एम तवोसानिस., (पीसा विश्वविद्यालय) (2017 पालेर्मो (इटली) में अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ टीचर्स ऑफ इटैलियन (एएटीआई) के 2017 के सम्मेलन में "एरोरी, सिक्वेंज भारत में ईइंटरफ्रेंज नेल'एप्रेन्डेंटिमेंटो डेल'इटालिआनो इन इंडिया" प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

मोंटपेलियर -3 (फ्रेंच) विश्वविद्यालय

फ्रांसीसी भाषी विश्वविद्यालय एजेंसी (एयूएफ) - (फ्रेंच)

वुपेरटल विश्वविद्यालय (जर्मनी)

फ्रीई विश्वविद्यालय, बर्लिन, जर्मनी (जर्मन)

पॉट्सडैम विश्वविद्यालय (जर्मन)

सैंटियागो डी कंपोस्टेला विश्वविद्यालय (स्पेनिश)

नवरारा विश्वविद्यालय, पाम्प्लोना, स्पेन (स्पेनिश)

ट्यूरिन विश्वविद्यालय, इटली (इतालवी)

नियुक्तियों का विवरण: एक्सेंचर, अमेज़न जैसी कुछ कंपनियों ने विभाग में एक परिसर अभियान का आयोजन किया

प्रदत्त एमफिल/पीएचडी की डिग्रियों की संख्या:

पीएच.डी. -हिस्पानिक अध्ययन में 01

संकाय की संख्या: स्थायी: 13

***

हिंदी

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

दिल्ली विश्वविद्यालय का हिंदी विभाग देश के प्रमुख विभागों में से एक है। यह अकादमिक उत्कृष्टता के उच्च मानक बनाता, आरंभ करता है, उन्हें बनाए रखता और बढ़ावा देता है। विभाग ने एक बहुत गतिशील पाठ्यक्रम विकसित किया है जो बदलते समय, ज्ञान और आवश्यकताओं में तेजी से बढ़ती जरूरतों को प्रतिबिंबित और अद्यतित कर सकता है। यूजीसी मानदंडों के अनुसार विभाग में अनुसंधान के उच्च मानक को बनाए रखा जाता है। विभाग ने यूजीसी द्वारा वित्त पोषित एक प्रमुख शोध कार्यक्रम, डीआरएस-एसएपी के अंतर्गत 'हिंदी साहित्य के इतिहास का पुनर्लेखन' पर दो राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठियाँ आयोजित कीं और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसी), नई

दिल्ली के सहयोग से 12-13 अप्रैल, 2018 को 'आदिवासी साहित्य, संस्कृत और कला: चुनौतियां एवं संभावनाएं' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।

प्रकाशन (15)

एम एम कांबले, (2017). सम्प्रेषण: चिंतन और दक्षता। 938-51448-98, 978-93851-4489-9.

एस कुमार, (2017). 25, पृ. 89-97. आत्म सजग कला-दृष्टि का जोखिमम, बनस जन; 25, पृ. 89-97.

एस कुमार, (2017). जीवन जीने की प्रक्रिया और रचना-प्रक्रिया के प्रति आसाधारण सजगता; पक्षधर; 23, पृ.145-158.

एस एल नेगी, (2017). पर्यटन के समाजिक-संस्कृतिक सरोकार; किसान देश में; जनकृति अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 2.

एस एल नेगी, (2017). थेरी गाथाओं में व्यक्त मुक्तकामी स्वर; स्त्रीकाल ई-पत्रिका,

एस एल नेगी, (2017). विस्थापन और आदिवासी स्त्री; जनकृति अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका 3।

आर पटेल, (2018). मध्यकालीन समाज और संत दादू का साहित्य: सहृदय; अंक पृ. 34-35,240-244.

आर पटेल, (2018). मुक्तिबोध का काव्य मूल्य, सृजन; अंक 21; पृ. 4-6.

ए राय, (2017). आचार्य शिवपूजन सहाय का गद्य। नई धारा, पटना;3-4

ए राय, (2018). आचार्य द्विवेदी की धारोहर। जनसत्ता

के शर्मा, (2017). भारतीय साहित्य के निर्माता: अंबिका प्रसाद बाजपेयी नई दिल्ली: साहित्य अकादमी।

वी तिवारी, (2017). नित्यानंद तिवारी की आलोचना दृष्टि; समकालीन सोच, 63, 71-79

वी तिवारी, (संपा.). (2018). आचार्य हज़ारिप्रसाद द्विवेदी के श्रेष्ठ निबंध। इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन।

वी तिवारी, (2018). नाज़िम हिकमत के देश में। हरियाणा: आधार प्रकाशन।

वी तिवारी, (2018). शिक्षा का एक खुली संस्कृत परिवेश से जुड़ना समीक्षा; 4, पृ. 211-213

अनुसंधान परियोजनाएँ (01)

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग। चल रही प्रमुख अनुसंधान परियोजना, विषय: "हिंदी जनसंचार माध्यमों में अनुवाद की प्रकृति का भौतिक विश्लेषण" (2015-2018), डॉ. मंजू मुकुल कांबले, रु.12.49 लाख।

संगोष्ठी का आयोजन (01)

स्नेह लता नेगी ने 'लोक कला के सामाजिक परिप्रेक्ष्य' पर एक संगोष्ठी आयोजित की, वक्ता: डॉ. कपिल तिवारी, पूर्व निदेशक, मध्य प्रदेश जनजातीय अकादमी, फरवरी, 2018

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ (14)

के शर्मा, (2017). दिल्ली में 28 सितंबर, 2017 को हिंदी नवजागरण और साहित्य अकादमी में शिवपूजन सहाय।

के शर्मा, (2017). 9 दिसंबर, 2017 को इलाहाबाद विश्वविद्यालय में मीडिया में महिलाओं की छवि।

के शर्मा, (2017).यूनिवर्सिटी कॉलेज तिरुवनंतपुरम, त्रिवेन्द्रम में 21 और 22 अप्रैल, 2017 को समकालीन जीवन के पारिप्रेक्ष्य में नारी की मानसिक विह्वलताओं की प्रस्तुति - हिंदी साहित्य में।

के शर्मा, (2017). स्त्री लेखन की चुनौतियां और संभावनाएं: त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल में 27-28 अगस्त, 2017 को अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।

के शर्मा, (2017). हरियाणा साहित्य अकादमी में 12 सितंबर, 2017 को वैश्विक पटल पर हिंदी।

के शर्मा, (2018). भारत में लिंग चर्चा: हाल के रुझान: कानपुर में; सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ सोसाइटी एंड पॉलिटिक्स (सीएसएसपी) द्वारा 27 फरवरी, 2018 को आयोजित।

के शर्मा, (2018). नेशनल बुक ट्रस्ट ऑफ इंडिया, 9 दिसंबर, 2017 द्वारा आयोजित गुवाहाटी के ब्रह्मपुत्र महोत्सव में हिंदी साहित्य और विमर्श: संदर्भ दलित चेतना।

के शर्मा, (2018). ब्रहमपुत्र महोत्सव, गुवाहाटी में स्त्री लेखन मी स्त्री; नेशनल बुक ट्रस्ट ऑफ इंडिया, 10 फरवरी, 2018 द्वारा आयोजित।

के शर्मा, (2018). जोधपुर में जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा 25 मार्च, 2018 को आयोजित स्वाधीता संग्राम में राष्ट्रीय कविताधारा के कवियों का योगदान;।

के शर्मा, (2018). साहित्य अकादमी, दिल्ली में 08 मार्च, 2018 में महिलाओं की स्वतंत्रता आज की चुनौतियां पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

वी तिवारी, (2017). भूमंडलीय यथार्थ और नई सदी की कहानी; एसआईईएस कॉलेज, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई, 20 अप्रैल, 2017.

वी तिवारी, (2017). समकालीन कथा लेखन भाषा, अकादमिक स्टाफ कॉलेज, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, 15 सितंबर, 2017

वी तिवारी, (2017). तुलसी के काव्य में रामराज्य की संकल्पना, कमला नेहरू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 29 अगस्त, 2017.

वी तिवारी, (2017). साहित्य शिक्षण प्रवीधियां के अंतर्गत कहानी शिक्षण, संकाय विशेषज्ञता कार्यकर्म (एफडीपी), आई पी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 20 सितंबर, 2017.

प्रदत्त एम.फिल/पीएच.डी. डिग्रियों की की संख्या:

पीएच.डी. :27

एम.फिल:18

संकाय की संख्या:

स्थायी: 20

***

पुस्तकालय और सूचना विज्ञान

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

शैक्षणिक सत्र 2017-2018 के दौरान, विभाग ने सफलतापूर्वक निम्नलिखित शैक्षिक गतिविधियां आयोजित कीं, जिन्हें पूरे देश की पुस्तकालय और सूचना विज्ञान बिरादरी के विभिन्न हितधारकों से प्रतिक्रियाएं और प्रशंसा प्राप्त हुई।

71वां वार्षिक दिवस समारोह- 2017 का आयोजन 20 अप्रैल 2017 को किया गया था दिल्ली विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार, माननीय प्रोफेसर तरुण कुमार दास ने मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर समारोह की गरिमा बढ़ाई । विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के सदस्य, माननीय प्रोफेसर इंदर मोहन कपाही मुख्य वक्ता और दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी के अध्यक्ष, माननीय प्रोफेसर रामसरन गौड़, सम्मानित अतिथि के रूप में समारोह में शामिल हुए। प्रतिष्ठित अतिथियों ने अपने अनुभव साझा किए और छात्रों को समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ पेशेवर जिम्मेदारियों को निभाने के लिए प्रेरित किया।

पद्म श्री डॉ. एस आर रंगनाथन की 126वीं जयंती पर 11 अगस्त 2017 को कॉलेजों के डीन, दिल्ली विश्वविद्यालय, माननीय प्रोफेसर देवेश के. सिन्हा को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करके 'पुस्तकाध्यक्ष दिवस' मनाया गया; माननीय प्रोफेसर डी के सिंह, डीन, भर्ती और प्रचार, दिल्ली विश्वविद्यालय सम्मानित अतिथि और डॉ. उषा मुजू मुंसी, मुख्य पुस्तकाध्यक्ष, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) मुख्य अध्यक्ष के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए। मेहमानों ने छात्रों के साथ अपने विचार और अनुभव साझा किए।

दिल्ली विश्वविद्यालय के डीन साइंस, माननीय प्रोफेसर महाराज के पंडित को आमंत्रित कर 5 सितंबर 2017 को 'शिक्षक दिवस' मनाया गया; माननीय प्रोफेसर नीता सहगल, प्रोक्टर, दिल्ली विश्वविद्यालय, सम्मानित अतिथि और माननीय प्रोफेसर एम मोनी, पूर्व महानिदेशक, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए। वक्ताओं ने अपने विचारों और अनुभवों पर चर्चा की।

सम्मान और विशिष्टताएं

डॉ. के पी सिंह: दिल्ली लाइब्रेरी एसोसिएशन (डीएलए) द्वारा 'डीएलए-विशिष्ट संकाय पुरस्कार-2017 प्रदान किया गया।

डॉ.एम मधुसूदन: शिक्षा विशेषज्ञ- 2017 द्वारा अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार।

प्रकाशन (54)

एस अजीमशा और एम मधुसूदन, (2017). शिक्षण के लिए पदनाम और एजेंसियों की भूमिका: दक्षिण भारत के केंद्रीय विश्वविद्यालय पुस्तकालयों में काम कर रहे पुस्तकालय पेशेवरों का एक अध्ययन। अजीत कुमार (संपा.) में, (पृ.114-118)। दिल्ली: जी बी बुक्स।

एन ए असमी और एम मधुसूदन, (2017). दिल्ली के केंद्रीय विश्वविद्यालयों में शोधकर्ताओं के लिए अकादमिक सोशल नेटवर्किंग साइट्स: रिसर्च गेट और अकादमी का एक अध्ययन। वैश्विक ज्ञान, स्मृति और संचार (पुस्तकालय समीक्षा के रूप में पूर्व प्रकाशित:, एमराल्ड)। 67(1-2), 91-108.

बेबी और एस कुमार, (2017). दिल्ली के चुनिंदा संस्थानों से भौतिकी के महिला संकाय द्वारा योगदान: एक वैज्ञानिक विज्ञान अध्ययन। पुस्तकालय और सूचना प्रौद्योगिकी का डीईएसआईडीओसी जर्नल। 37(6), 410-416.

भारती और मीरा। (2017). कला और मानविकी के क्षेत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के अनुसंधान उत्पादन: 2004-2016 के दौरान थॉमसन वैज्ञानिक डेटाबेस का एक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन लाइब्रेरी साइंस। 3(2), 40-63.

आर के भट्ट, (2017). भारत के कृषि क्षेत्र में सूचना समेकन और पुनः पैकेजिंग: एक मूल्यांकन अध्ययन। ज्ञान संगठन में, डिजिटल पर्यावरण में अभिगम और प्रबंधन: उभरते आयाम: प्रोफेसर के सोमाशेखर राव के सम्मान में फेस्ट्सक्रिफ्ट, (पृ. 71-80) हैदराबाद: अकादमिक बुक पब्लिशर।

आर के भट्ट, (2017). पुस्तकालयों के लिए उत्तरजीविता किट: एक मार्केटिंग दृष्टिकोण। नई दिल्ली: के. के. प्रकाशन।

एच चंदर और के पी सिंह, (2017). साहित्य अकादमी, दिल्ली द्वारा पंजाबी किताबों का प्रकाशन: एक अध्ययन। लाइब्रेरी और सूचना विज्ञान का जर्नल, 42 (1-2), 43-51.

एम चंदर, और के पी सिंह, (2017). पर्यावरण विज्ञान में अनुसंधान उत्पादकता: एक समीक्षा अध्ययन। लाइब्रेरी और सूचना विज्ञान का जर्नल, 42 (1-2), 119-135.

टी डे और के पी सिंह, (2018). इंडियन जर्नल ऑफ़ कैमिस्ट्री सेक्शन बी: ए बिबलियोमेट्रिक स्टडी। केपी सिंह (संपा.) में, ईआरएमईडी पर राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही: डिजिटल हेल्थ इंडिया: ए रियलिटी, (पृ. 200-220)। नई दिल्ली: सहयोगी प्रकाशक।

एम गुप्ता, और पी के वालिया, (2017). यूरोपीय राष्ट्रीय पुस्तकालयों की वेबसाइटों की वेब उपस्थिति और संरचना मूल्यांकन:एक अध्ययन। पुस्तकालय दर्शन और अभ्यास। http://digitalcommons.unl.edu/libphilprac/1809 से पुनर्प्राप्त।

पी गुप्ता, और एम मधुसूदन,. (2017). पुस्तकालयों में इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा प्रणाली के उपयोग में हालिया घटनाओं पर साहित्य की समीक्षा। लाइब्रेरी और सूचना विज्ञान का जर्नल, 42(1-2), 136-152.

पी गुप्ता, और एम मधुसूदन, (2017). पुस्तकालयों में आरएफआईडी प्रौद्योगिकी: भारतीय परिप्रेक्ष्य के साहित्य की समीक्षा। पुस्तकालय और सूचना प्रौद्योगिकी का डीईएसआईडीओसी जर्नल, 37(1), 58-63.

पी गुप्ता, और एम मधुसूदन, (2017). लाइब्रेरी पर्यावरण में बहुआयामी इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा प्रणालियों का उपयोग। ज्ञान और संचार प्रबंधन जर्नल, 7(2), 116-130.

पी गुप्ता, और एम मधुसूदन, (2018). पुस्तकालय सामग्री की सुरक्षा: चुनौतियां और समाधान। एम आर मुरली प्रसाद व अन्य में। (संपा.), डिजिटल युग में लाइब्रेरी प्रैक्टिस, (पृ. 402-414). हैदराबाद: बी एस प्रकाशन।

झाम्ब, गर्विता और मीरा (2017). अंटार्कटिक एवं समुद्री अनुसंधान, गोवा, भारत के राष्ट्रीय केंद्र से वैज्ञानिकों के सहयोगी पैटर्न। सभी के लिए सूचना पर वैज्ञानिक विज्ञान संस्थान के छठे राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में: वैज्ञानिक विज्ञान, इन्फोग्राफिक्स, सोशल मीडिया, और सार्वजनिक पुस्तकालय, (पृ. 53-62).

झाम्ब, गर्विता और मीरा (2017). पुस्तकालय और सूचना विज्ञान पेशेवरों का प्रदर्शन मूल्यांकन। अमित कुमार और विनोद कुमार सिंह (संपा.) में, नॉलेज सोसाइटी में लाइब्रेरियनशिप के नए क्षितिज (65-83)। दिल्ली, भारत: आज और कल।

झाम्ब, गर्विता और मीरा (2017). पुस्तकालयों में कार्य पर्यावरण: एक अध्ययन। सूचना प्रबंधन की पत्रिका, 4(1), 23-34.

एम कुमार, (2017). चुनिंदा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान पुस्तकालयों द्वारा पुस्तकालय उत्पादों और सेवाओं का विपणन। वीथिका, 3(4), 9-23.

एम कुमार, (2017). उपयोगकर्ताओं की प्रतिक्रिया के साथ पुस्तकालय उत्पादों और सेवाओं के विपणन में पुस्तकालय कर्मचारियों की भूमिका: भारत में चुनिंदा आईआईटी पुस्तकालयों का एक अध्ययन। वीथिका, 3(4), 49-66.

एम कुमार, (2017). साहित्यिक चोरी के बारे में जागरूकता: दिल्ली विश्वविद्यालय का एक अध्ययन। वीथिका, 3(3), 58-72.

एम कुमार, (2017). इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी बॉम्बे लाइब्रेरी द्वारा पुस्तकालय और सूचना विज्ञान उत्पादों और सेवाओं के विपणन का उपयोगकर्ता अध्ययन। वीथिका, 3(3), पृ.15–33.

एम कुमार, (2018). विपणन और पुस्तकालय सेवाएं: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की पुस्तकालय का एक अध्ययन। वीथिका, 4(1), 27-44.

एम कुमार, (2018). पुस्तकालय उत्पादों और सेवाओं का विपणन: पुस्तकालयों के अस्तित्व और भविष्यवादी दृष्टिकोण के लिए अनिवार्य। लाइब्रेरी और सूचना विज्ञान का जर्नल, 42(1-2), 98-118.

एम कुमार, और के पी सिंह, (2017). भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली पुस्तकालय द्वारा पुस्तकालय और विज्ञान उत्पादों और सेवाओं के विपणन का उपयोगकर्ता अध्ययन। लाइब्रेरी हेराल्ड, 55(4), 547- 61.

एम लांबा और आरके भट्ट, (2017). डिजिटल पर्यावरण में दिल्ली में चुनिंदा चिकित्सा पुस्तकालयों में लाइब्रेरी उत्पादों और सेवाओं का विपणन: एक तुलनात्मक अध्ययन। एशियाई पुस्तकालय 2017 के दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में: जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली। 179-192.

एम लांबा और एम मधुसूदन, (2018). पुस्तकालय और सूचना विज्ञान जर्नल के लिए विषय खनन और भविष्यवाणी मॉडलिंग उपकरण का उपयोग। एम आर मुरली प्रसाद व अन्य में। (संपा.), डिजिटल युग में लाइब्रेरी प्रैक्टिस, (पृ. 395-401). हैदराबाद: बी एस प्रकाशन।

जेड लीशिकान, और मीरा। (2017). भारत में राजनीति विज्ञान के क्षेत्र में लेखकत्व पैटर्न और सहयोगी अनुसंधान। 15-16 दिसंबर 2017 को गोवा विश्वविद्यालय में आयोजित अकादमिक पुस्तकालयों में ज्ञान संगठन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में (आई-केओएल-2017) (पृ. 112-120)

एम मधुसूदन, (2018). अकादमिक पुस्तकालयों में म्यूचुअल नवाचार के रूप में क्यू आर (त्वरित प्रतिक्रिया) कोड का लाभ उठाना। एम आर मुरली प्रसाद व अन्य में। (संपा.), डिजिटल युग में लाइब्रेरी प्रथाएं। (पृ.415-425). हैदराबाद: बी एस प्रकाशन।

एम मधुसूदन, (2018). डिजिटल युग में लाइब्रेरी प्रथाएं। (संपा.). नई दिल्ली: बी एस प्रकाशन।

एम मधुसूदन, और एस ए दार, (2017). विश्वविद्यालय पुस्तकालयों में मोबाइल सूचना सेवाएं और पहलें: जानकारी देने का एक नया तरीका। पुस्तकालय और सूचना प्रौद्योगिकी का डीईएसआईडीओसी जर्नल, 37(2), 109-118.
मीरा और किमी। (2018). संगीत नाटक अकादमी और प्रसार भारती अभिलेखागार का एक मल्टीमीडिया परिप्रेक्ष्य: एक तुलनात्मक अध्ययन। पुस्तकालयाध्यक्ष के क्षेत्र में अग्रिम आईएसएसटी जर्नल, 9(1), 45-56.
मीरा और रुचि (2017). लाइब्रेरी हेराल्डस में सहयोग पैटर्न: एक वैज्ञानिक अध्ययन। इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी, प्रबंधन और एप्लाइड साइंसेज का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। 5(6), 189-195.
मीरा और जे सिंह, (2017). जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय के शोध विद्वानों द्वारा साहित्यिक चोरी विरोधी उपकरणों का उपयोग: एक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन लाइब्रेरी साइंस (आईजेआरएलएस)। 3(1), 203-223.
मीरा और जी झाम्ब, (2017). दिल्ली में चुनिंदा पुस्तकालयों में एलआईएस पेशेवरों की भर्ती, चयन, नियुक्ति और प्रेरण प्रथाएं। लाइब्रेरी हेराल्ड। 55(4), 530-546.
मीरा और जी झाम्ब, (2017). दिल्ली के चुनिंदा पुस्तकालयों में पेशेवरों का प्रशिक्षण और विकास। लाइब्रेरी ऐंड इन्फॉर्मेशन साइंस के जर्नल, 42(1-2), 64-65.
पी मिसाओ, और एम मधुसूदन, (2017). ऑनलाइन उद्धरण उपकरण: एक तुलनात्मक अध्ययन। विश्व डिजिटल पुस्तकालय, 10(2), 113-131.
आर रानी और एस कुमार, (2017). कॉलेज ऑफ आर्ट्स, दिल्ली विश्वविद्यालय और ललित कला संकाय, जामिया मिलिया इस्लामिया के छात्र कलाकारों की जानकारी की आवश्यकताएं: एक अध्ययन। पुस्तकालय और सूचना विज्ञान का जर्नल, 42(1), 32-42.
एम पी सतीजा, एम ए डैनियल, और आर एस सेगुंडो, (2018). पुस्तकालय वर्गीकरण और एस आर रंगनाथन: एक गाइड, मैनुअल (संपा.) नई दिल्ली:सतीजा रिसर्च फाउंडेशन फॉर लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस (एसआरएफएलआईएस) और ईएसएस ईएसएस प्रकाशन।
वी सेंथिल, और एम मधुसूदन, (2018). रक्षा विज्ञान और प्रौद्योगिकी में डीआरडीओ ई-पत्रिका संघ। पुस्तकालय और सूचना प्रौद्योगिकी का डीईएसआईडीओसी जर्नल, 38(1), 16-20.
आर शर्मा, और एम मधुसूदन, (2017). उत्तर प्रदेश के केंद्रीय विश्वविद्यालयों में पुस्तकालय और सूचना विज्ञान के छात्रों द्वारा मोबाइल उपकरणों का उपयोग। पुस्तकालय और सूचना प्रौद्योगिकी का डीईएसआईडीओसी जर्नल, 37(4), 293-302.
एस सिद्दीकी, एम कुमार और पी के वालिया, (2017). सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान प्रतिमान: शोधगंगा का एक प्रकरण अध्ययन। caliber.inflibnet.ac.in से पुनर्प्राप्त कैलिबर 2017.
के पी सिंह, (2018). पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय की ऐतिहासिक झलक और शिक्षकों और पूर्व छात्रों की पहली पीढ़ी को याद रखना: इसकी विविधता का संरक्षण। लाइब्रेरी हेराल्ड, 56(2), 197-2018.
के पी सिंह और एच चंदर, (2017). पंजाबी में प्रकाशित पुस्तकें: पंजाब के भाषा विभग का एक प्रकरण अध्ययन। लाइब्रेरी हेराल्ड, 55 (1), 89-100.
के पी सिंह और के शुक्ला, (2017). दुनिया भर में प्रमुख सूचकांक और सार तत्वों में सूचीबद्ध भारत में पुस्तकालय और सूचना विज्ञान जर्नल का अध्ययन। एम पी सिंह (संपा.) में, पुस्तकालय पेशे का पुनरीक्षण - प्रोफेसर बी एस निगम के सम्मान में फेस्टस्क्रिफ्ट संस्करण दिल्ली: द बुक लाइन
के पी सिंह, एच चंदर और ए शुक्ला, (2017). भारत में पुस्तकालय और सूचना विज्ञान पत्रिकाएं: एक गुणात्मक अध्ययन। (पृ. 420-428). बी रमेश बाबू, व अन्य में। (संपा.), डिजिटल पर्यावरण में ज्ञान संगठन, अभिगम और

प्रबंधन: उभरते आयाम- प्रोफेसर के. सोमाशेखर राव के सम्मान में फेस्ट्सक्रिफ्ट, (पृ. 420-428)। हैदराबाद: अकादमिक बुक प्रकाशक।

एम सिंह और आर के भट्ट, (2017). पुस्तकालय और सूचना स्रोतों और सेवाओं का प्रचार: बिक्री संवर्धन। अकादमिक पुस्तकालयों (आई-कोयला: 2017) में ज्ञान संगठन पर लाइब्रेरी प्रोफेशनल एसोसिएशन (एलपीए) और गोवा विश्वविद्यालय, गोवा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में।

वी सिंह और एम मधुसूदन, (2018). दिल्ली के केंद्रीय विश्वविद्यालयों के पुस्तकालयों के सूचना सुरक्षा उपाय: एक अध्ययन।" पुस्तकालय और सूचना प्रौद्योगिकी का डीईएसआईडीओसी जर्नल, 38(2), 102-109.

एन सिंघल और मीरा। (2017). दिल्ली में चुनिंदा स्वास्थ्य विज्ञान पुस्तकालयों में एलआईएस पेशेवरों के बीच नौकरी की संतुष्टि: एक अध्ययन। "अन्ना विश्वविद्यालय चेन्नई में 2-4 अगस्त 2017 को आयोजित 11वें अंतर्राष्ट्रीय कैलिबर 2017 में पुस्तकालयों की पुनर्वितरण की भूमिका ।

के एम सोहल और पी के वालिया, (2017). प्रबंधन अध्ययन में संकाय सदस्यों, शोध विद्वानों और स्नातकोत्तर छात्रों द्वारा सोशल मीडिया प्रौद्योगिकियों (एसएमटी) का उपयोग। सूचना प्रबंधन अध्ययन का एसआरईएलएस जर्नल,54(4), 204-210.

श्रीवास्तव, जी गौड़, आर के भट्ट, एस हुसैन और ए रूहेला, (2016) सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण और उपयोग (पांडुलिपियों) ज्ञान: नेहरू मेमोरियल और संग्रहालय और पुस्तकालय का एक प्रकरण अध्ययन। पुस्तकालय और सूचना विज्ञान का जर्नल। 42(1-2), 18-26.

श्रीवास्तव, जी गौड़, आर के भट्ट और एम अंसारी, (2017). आईसीटी पर्यावरण में एलआईएस पेशेवरों की योग्यताएं। पुस्तकालय और सूचना विज्ञान का जर्नल।42(1-2), 25-31.

एन तिवारी और के पी सिंह, (2018)., पुस्तकालयों में मानव संसाधन विकास: एक साहित्य समीक्षा। लाइब्रेरी हेराल्ड, 56(2), 242-254

एस वर्मा और एम मधुसूदन, (2018). पारंपरिक बिबिलोमेट्रिक्स से परे अनुसंधान प्रभाव को मापने के लिए आल्टमेट्रिक उपकरण। (पृ. 305-309). रमा नंद मालवीय, व अन्य में। (संपा.), स्मार्ट पर्यावरण में डिजिटल परिदृश्य बदलना, (पृ. 305-30 9)। नई दिल्ली: ऑरेंज बुक्स।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ (07)

टी डे और के पी सिंह, (2018). इंडियन जर्नल ऑफ़ कैमिस्ट्री सेक्शन बी: एक बिबिलोमेट्रिक अध्ययन। ईआरएमईडी पर राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में: डिजिटल हेल्थ इंडिया: केपी सिंह द्वारा संपादित एक वास्तविकता। अलायड प्रकाशक: नई दिल्ली। पृ. 200-220.

झाम्ब, गर्विता और मीरा। (2017). अंटार्कटिक और महासागर अनुसंधान, गोवा, भारत के राष्ट्रीय केंद्र से वैज्ञानिकों के सहयोगी पैटर्न। सभी के लिए सूचना पर वैज्ञानिक विज्ञान संस्थान के छठे राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में: वैज्ञानिक विज्ञान, इन्फोग्राफिक्स, सोशल मीडिया, और सार्वजनिक पुस्तकालय (पृ.53-62)।

एम लांबा और आर के भट्ट, (2017). डिजिटल पर्यावरण में दिल्ली में चिकित्सा पुस्तकालयों में पुस्तकालय उत्पादों और सेवाओं का विपणन: एक तुलनात्मक अध्ययन। एशियाई पुस्तकालय 2017 के दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में: जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली। 179-192

जेड लीशिकान और मीरा। (2017). भारत में राजनीति विज्ञान के क्षेत्र में लेखांकन पैटर्न और सहयोगी अनुसंधान। अकादमिक पुस्तकालयों में ज्ञान संगठन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में। (आई-केओएल-2017), 15-16 दिसंबर 2017 को गोवा विश्वविद्यालय में आयोजित; 112-120

एस सिद्दीकी, एम कुमार और पी के वालिया, (2017). सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान प्रतिमान: शोधगंगा का एक प्रकरण अध्ययन। कैलिबर 2017 caliber.inflibnet.ac.in से पुनर्प्राप्त।

एम सिंह, और आर के भट्ट, (2017). पुस्तकालय और सूचना स्रोतों तथा सेवाओं का प्रचार: बिक्री संवर्धन। लाइब्रेरी प्रोफेशनल एसोसिएशन (एलपीए) और गोवा विश्वविद्यालय, गोवा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई अकादमिक पुस्तकालयों में ज्ञान संगठन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में (आई-कोआएल: 2017) ।
एन सिंघल और मीरा (2017). दिल्ली में चुनिंदा स्वास्थ्य विज्ञान पुस्तकालयों में एलआईएस पेशेवरों के बीच नौकरी की संतुष्टि: एक अध्ययन।. 11वां अंतर्राष्ट्रीय कैलिबर 2017 "अन्ना विश्वविद्यालय चेन्नई में आयोजित पुस्तकालयों की पुनर्वितरण की भूमिका, 2-4 अगस्त 2017।

सम्मेलनों/संगोष्ठियों का आयोजन:

विभाग ने 2017-2018 के दौरान व्याख्यान की एक श्रृंखला आयोजित की।

पहला व्याख्यान 5 फरवरी 2018 को रंगनाथन रिसर्च सर्कल (आरआरसी) में 'डिजिटल एज में उपयोगकर्ताओं की पढ़ने की आदत' विषय पर सहयोग में आयोजित किया गया था .... प्रोफेसर सी के राम्याह, डीन, प्रदर्शन कला और मीडिया, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पुडुचेरी और दिल्ली विश्वविद्यालय के रैंक धारक पूर्व छात्र द्वारा दिया गया।

दूसरा व्याख्यान 8 फरवरी 2018 को 'पुस्तकालय पेशे-साहित्य आधारित दृष्टिकोण' विषय पर प्रोफेसर जयदीप शर्मा, विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष और प्रोफेसर, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) और विभाग के रैंक धारक पूर्व छात्र ने दिया था।

तीसरा व्याख्यान 15 फरवरी 2018 को 'पेशे के रूप में पुस्तकालयाध्यक्षता' विषय पर अमेरिकी पुस्तकालय की पूर्व निदेशक और विभाग का एक रैंक धारक पूर्व छात्रा, सुश्री कला अंजन दत्ता द्वारा दिया गया था।

चौथा व्याख्यान 13 मार्च 2018 को 'पुस्तकालयों और पुस्तकालय सेवाओं में उभरते रुझान' विषय पर भारत और भूटान के संयुक्त राष्ट्र सूचना केंद्र (यूएनआईसी) के मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष, डॉ. रविंदर कुमार शर्मा ने दिया था।

पाँचवां व्याख्यान 4 अप्रैल 2018 को 'पुस्तकालय और सूचना विज्ञान पैराडाइमैटिक चेंज' विषय पर पूर्व प्रमुख और कला संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय के डीन और राष्ट्रीय टैगोर फेलो. प्रोफेसर पीबी मंगला ने दिया था।

प्रदत्त पीएच.डी./एम. फिल. की संख्या:

पीएचडी: 04

एम फिल: 18

स्थायी/अस्थायी/ तदर्थ संकाय की संख्या:

स्थायी: 07

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

ब्लिस छात्रों के लिए एक माह के इंटर्नशिप कार्यक्रम का आयोजन

बैचलर ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस (बीएलआईएससी) यानी बी-116 - इंटर्नशिप प्रोग्राम के पाठ्यक्रम के एक हिस्से के रूप में, छात्रों को दिल्ली के प्रमुख पुस्तकालयों अर्थात् नेताजी सुभाष इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनएसआईटी), नेशनल मेडिकल लाइब्रेरी (एनएमएल), राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी), भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए), दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय, परमाणु चिकित्सा संस्थान और सहयोगी विषय (आईएनएमएएस) और दिल्ली यूनिवर्सिटी लाइब्रेरी सिस्टम (डीयूएलएस), दिल्ली विश्वविद्यालय में संकाय सदस्यों की देखरेख में 18 मई 2018 से 17 जून 2018 तक की एक महीने की इंटर्नशिप के लिए नियुक्त किया गया। छात्रों ने अपनी इंटर्नशिप सफलतापूर्वक पूरी की और संबंधित पुस्तकालयों द्वारा उनके काम की उचित सराहना की गई।

शैक्षिक यात्रा

डॉ. के पी सिंह के प्रभार के अंतर्गत ओपी जिंदल विश्वविद्यालय और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फूड टेक्नोलॉजी उद्यमिता और प्रबंधन (एनआईएफटीएएम), सोनीपत, दिल्ली एनसीआर के पुस्तकालयों का दौरा करने के लिए स्थानीय शैक्षिक दौरे का आयोजन किया गया था। इसी तरह, डॉ. के पी सिंह और तीन सहयोगियों अर्थात् डॉ. अरुण कुमार, सहायक प्रोफेसर (प्रशासन), पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग, श्री विजय कुमार गौतम, पीएच डी विद्वान और पुस्तकालय आईपी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय और विभाग में कनिष्ठ सहायक श्री विश्वनाथ मांझी के प्रभार में राष्ट्रीय शैक्षिक दौरे का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। छात्रों ने हरियाणा, चंडीगढ़ और हिमाचल प्रदेश के प्रमुख पुस्तकालयों अर्थात् पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग (डीएलआईएस, केंद्रीय पुस्तकालय, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) कुरुक्षेत्र पुस्तकालय (हरियाणा), भारतीय विज्ञान शिक्षा संस्थान रिसर्च (आईआईएसईआर) मोहाली, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग (डीएलआईएस) और पंजाब विश्वविद्यालय के एसी जोशी पुस्तकालय, चंडीगढ़ (पंजाब) और मोनेस्टी लाइब्रेरी मनाली (एचपी) आदि प्रमुख पुस्तकालयों का दौरा किया।

***

भाषा विज्ञान

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

भाषाविज्ञान विभाग ने यूजीसी सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज के रूप में काम करना जारी रखा है, जो दिल्ली विश्वविद्यालय के आठ विभागों में से एक है। 01.04.2017 से 31.03.2018 की अवधि के दौरान, पूर्णकालिक पीजी शिक्षण और शोध में सक्रिय रहने के साथ-साथ, इसने अत्याधुनिक अनुसंधान और भाषा विज्ञान से संबंधित विश्लेषणात्मक तरीकों पर उच्च प्रोफ़ाइल राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, कार्यशालाएं और संगोष्ठी व्याख्यान भी आयोजित किए हैं। विभाग ने नॉर्वेजियन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, ओस्लो यूनिवर्सिटी, नॉर्वे और हांकुक और बुसान विश्वविद्यालय, दक्षिण कोरिया जैसे विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ उच्च स्तरीय अकादमिक बातचीत के अलावा अनुसंधान और शिक्षण में अंतरराष्ट्रीय सहयोग जारी रखा। विभाग ने 21 फरवरी, 2018 को यूनेस्को मान्यता प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस भी मनाया।

सम्मान/विशिष्टताएँ

एस सत्यनाथ, को 28 मार्च, 2018 को भाषा विज्ञान विभाग, कॉर्नेल विश्वविद्यालय, इथाका में (संयुक्त रूप से असमानता कक्ष, कॉर्नेल विश्वविद्यालय, इथाका और दक्षिण एशिया अध्ययन, सिराक्यूज विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित) एक वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया। एस सत्यनाथ को लीडेन विश्वविद्यालय, नीदरलैंड्स (दिसंबर 2018) में ग्लोबलांइजिंग सोसियोलिंग्विस्टिक्स (ग्लोसोक 2) "शहर में संचार" पर एक पूर्ण वक्ता के रूप में भी आमंत्रित किया गया।

टी भट्टाचार्य, सहपिडिया यूनेस्को फैलोशिप (सितंबर-दिसंबर, 2017)

टी बागची, इंटरनेशनल एफिलिएट सदस्य, फोरम फॉर यूरोपीय फिलॉसफी, यूके और फ्रांस, 2002-2007।

टी बागची, 2001 से अमेरिकन फिलॉसॉफिकल एसोसिएशन के अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी सदस्य।

टी बागची, 2017 के बाद से द्रविड़ भाषा विज्ञान संघ के

टी बागची, 2002 से भाषाई सोसाइटी ऑफ इंडिया सदस्य (आजीवन) हैं।

टी बागची, संपादकीय मंडलके सदस्य (सेमेन्टिक्स के लिए), एमआईटी ओपन एक्सेस हैंडबुक श्रृंखलाएं (2017 से अब तक)।

टी बागची, सदस्य, सलाहकार बोर्ड, दक्षिण एशियाई भाषा विज्ञान जर्नल (जेएसएएल)।

टी बागची, सदस्य, अंतरराष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय ला ला रिसर्च इंटरडिसिप्लेनरी एन साइकियाट्री (सीआईआरआईपी), डेनमार्क और फ्रांस के सदस्य।

टी बागची, 2000 के बाद से अमेरिका की भाषाई सोसायटी के सदस्य हैं।

टी भट्टाचार्य, फोस्सेल (सिंटेक्स में औपचारिक अध्ययन और भारतीय भाषाओं के अर्थशास्त्र) के सदस्य हैं।

टी भट्टाचार्य, ग्लो (ओल्ड वर्ल्ड जेनरेटिव भाषा विज्ञान)के सदस्य हैं।

टी भट्टाचार्य, भाषाविज्ञान सोसाइटी ऑफ इंडिया (भाषा विज्ञान सोसाइटी ऑफ इंडिया) के सदस्य हैं।

संस्करण 10. टी भट्टाचार्य, अतिथि संपादक: भाषा और भाषा शिक्षण, जुलाई 2016, संस्करण 10।

जर्नल

एस सत्यनाथ, मुख्य संपादक, एशिया-प्रशांत भाषा भिन्नता। जॉन बेंजामिन (2015-वर्तमान)

एस सत्यनाथ, सदस्य, संपादकीय सलाहकार बोर्ड। पिजिन और क्रेओल भाषाओं का जर्नल। जॉन बेंजामिन (2014 से अब तक)।

एस सत्यनाथ, सदस्य, संपादकीय मंडल(जनवरी 2018-2021), जर्नल ऑफ़ सोशलोलिंगविस्टिक्स, जॉन विली एंड संस लिमिटेड।

एस सत्यनाथ, सदस्य, संपादकीय बोर्ड, जॉन बेंजामिन (क्रेओल लाइब्रेरी श्रृंखला)। 2006 से अब तक।

टी भट्टाचार्य, मुख्य संपादक, एलआईएसएसआईएम वर्किंग पेपर।

टी भट्टाचार्य, मुख्य संपादक: भारतीय भाषाविज्ञान।

टी भट्टाचार्य, संपादक, भारतीय सांकेतिक भाषा पर भारत के पीपुल्स भाषाई सर्वेक्षण के संस्करण।

टी भट्टाचार्य, सदस्य, संपादकीय बोर्ड, भाषा और भाषा शिक्षण (एपीयू / वीबीआरसी) (2010 से)।

टी भट्टाचार्य, सदस्य, संपादकीय बोर्ड, सिंटेक्स (विली-ब्लैकवेल द्वारा प्रकाशित) (2010 से)।

प्रकाशन (15)

टी बागची, (2017). वाक्य रचना के पहलू और परिमाणक के अर्थ विज्ञान: बांग्ला में 'कई' का उदाहरण। एस के सिंह, ए कश्यप, बी युद्ध, एस ए लिंगदोह, और बी खयरीम, (संपा.) में, भारतीय भाषाविज्ञान की बनावट:प्रोफेसर उदय नारायण सिंह के सम्मान में एक फेस्टस्क्रिफ्ट। (पृ.187-201).. नई दिल्ली: लक्ष्मी प्रकाशक।

टी बागची, (2017). (सह-) संदर्भ, वाक्य रचनात्मक-अर्थशास्त्रीय टाइपोग्राफी और व्याख्यान प्रतिनिधित्व में मुद्दे। एस के सिंह, और एसए लिंगदोह, (संपा.) में, सिंटेक्टिक टाइपोग्राफी, भाषा संपर्क और अभिसरण, (पृ.42-52)। गुवाहाटी: ईबीएच प्रकाशक।

टी बागची, (2017). भारतीय भाषाविज्ञान, बांग्ला में स्केलेरिटी और क्वांटिफायर अनेक 'बहुत, अधिक (का) 78(1-2), 153-158.

टी बागची, (2017). चिकित्सीय नैनो टेक्नोलॉजी में नैतिक सुरक्षा उपाय क्यों मायने रखता है: माइक्रोस्कोजिकल हस्तक्षेप के माध्यम से नैनोमेडिसिन के वितरण में संभावनाएं और समस्याएं। वैज्ञानिक अनुसंधान का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, [यूजीसी सीरियल नं 49217, सहकर्मी-समीक्षा], 6 (12), 5-7।

टी भट्टाचार्य, (2017). सार्थक समावेश के लिए सीखने की सार्वभौमिक डिजाइन को अपनाना। डी सोनपाल, एस प्रसाद और एस वैष्णव (संपा.) में, बच्चे और दिव्यांगता।नई दिल्ली: प्रभात पब्लिशिंग हाउस।

टी भट्टाचार्य, (2017)., मानव होने के नाते, फिर से, भाग 1. नीस्कॉलर 3(4), 20-30.

टी भट्टाचार्य, (2017). पूर्वोत्तर के आवासन, भाग 3. नीस्कॉलर, 3(1), 60-70.

टी भट्टाचार्य, (2017). पूर्वोत्तर के आवासन, भाग 4. नीस्कॉलर , 3, (2), 52-65.

टी भट्टाचार्य, (2017). पूर्वोत्तर के आवासन, भाग 5. नीस्कॉलर , 3(3), 54-64.

टी भट्टाचार्य, (2017). एलिस की शक्ति: एक व्यक्तिगत श्रद्धांजलि। भारतीय भाषाविज्ञान, 78(1-2).

टी भट्टाचार्य, (2018). मानव होने के नाते, फिर से, भाग 2. नीस्कॉलर , 4(1), 44-53.

एस सत्यनाथ, (2017). संपादकीय। एशिया-प्रशांत भाषा भिन्नता, 3(1), 1-4. [यह पत्रिका सहकर्मी समीक्षा और अनुक्रमित है: सीएनकेआई; ग्लोटोलॉग; आईबीआर/आईबीजेड]।

एस सत्यनाथ, (2017). संपादकीय। एशिया-प्रशांत भाषा भिन्नता, 3(2). [यह पत्रिका सहकर्मी की समीक्षा और अनुक्रमित है: सीएनकेआई; ग्लोटोलॉग; आईबीआर/आईबीजेड]।

एस सत्यनाथ, (2017). औपनिवेशिक बंगाल में भाषाई विविधता का मानचित्रण। एन ओस्टलर, और पी मोहंती में। (संपा.), भाषा का उपनिवेशीकरण और खतरे: दीर्घकालिक प्रभाव, प्रतिध्वनि और प्रतिक्रियाएं। 20वें एफईएल सम्मेलन की कार्यवाही, (पृ. 27-32). इंग्लैंड: लुप्तप्राय भाषाओं के लिए फाउंडेशन।

एस सत्यनाथ, (2018). कोहिमा: भारत के एक छोटे लेकिन विविध शहर में भाषाई भिन्नता और परिवर्तन। स्मैकमैन, डी. और पैट्रिक (संपा.) में। शहरी समाजशास्त्र: शहर भाषाई प्रक्रिया और अनुभव के रूप में। हेनरिक (संपा.) समाजशास्त्रविज्ञान को वैश्वीकरण, (पृ. 95-112). लंदन और न्यूयॉर्क: रूटलेज।

अनुसंधान परियोजनाएँ(03)

यूजीसी, इंडो-नॉर्वे कोऑपरेशन प्रोग्राम (आईएनसीपी) शीर्षक "मिटिलॉन और नार्वेजियन की बोलियों में सिंटैक्टिक बदलाव के मामले में 'दोगुना' का एक माइक्रोक्रोपरेटिव अध्ययन", 2014-17 डॉ. तन्मय भट्टाचार्य, प्रमुख अन्वेषक, रु.65,81,491/-

यूजीसी, प्रमुख शोध परियोजना, शीर्षक "मीटिलॉन की छः बोलियों में भाषाई बदलाव", 2015-2018, डॉ. तन्मय भट्टाचार्य, प्रमुख अन्वेषक, रु.11,99,400/-

कंडा यूनिवर्सिटी ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, जापान, 2018-2022. अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन, जापान के कंडा विश्वविद्यालय के साथ अनुसंधान सहयोग और सहयोग। परियोजना चरण 1 [2015-2016], चरण 2 [2018-2022] में भारतीय अंग्रेजी सहित अंग्रेजी की आठ अलग-अलग किस्मों में मॉड्यूल विकसित करना चाहती है; डॉ शोभा सत्यनाथ।

आयोजित संगोष्ठियाँ/कार्यशालाएं (02)

ऑकलैंड विश्वविद्यालय, न्यूजीलैंड के प्रोफेसर पीटर किगन द्वारा फोनेटिक्स और आर (23-27 अक्तूबर, 2017) पर चार कार्यशालाओं की एक श्रृंखला।

दिल्ली में शिकागो सेंटर विश्वविद्यालय और भाषा विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा सह-आयोजित "द पास्ट, द फ़्यूचर एंड व्हाट्स रियल" (31 जनवरी, 2018) पर प्रोफेसर अनास्तासिया गियानानिडौ द्वारा संगोष्ठी व्याख्यान। (व्याख्यान का पॉडकास्ट शिकागो विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर होस्ट किया गया है।)

आयोजित सम्मेलन (01)

सीआईआईएल, मैसूर, द्रविड़ भाषा विज्ञान संघ और इंटरनेशनल स्कूल ऑफ द्रविड़ भाषा विज्ञान, तिरुवनंतपुरम के सहयोग से मामले, समझौते और पोस्टपोशन (23-25 जून 2017) दिल्ली में द्रविड़ भाषाविदों और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के 45 वें अखिल भारतीय सम्मेलन।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ (25)

टी बागची, (2017). एडम मिक्यूविज़ विश्वविद्यालय, पॉज़्नान, पोलैंड, ईयू, में15-17 मई, 2017 को अनुपस्थिति पर आयोजित 33वें दक्षिण एशियाई भाषा विश्लेषण गोलमेज (एसएएलए 33) अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में इंडिक में देशी-अनुभवी भविष्यवाणियों से संबंधित अक्तिओनसर्त मुद्दों पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

टी बागची, (2017). जब जीनोमिक्स और वैयक्तिकृत दवा 'छोटे' थ्रोनोस्टिक्स से मिलती है: नीतिगत चिंताएं। जैव प्रौद्योगिकी, भारत सरकार और बायोजेनेसिस इंक विभाग द्वारा आयोजित जेनेटिक्स, जीनोमिक्स और व्यक्तिगत

चिकित्सा पर विश्व कांग्रेस और 15-17 नवंबर, 2017 को जेएन-टाटा ऑडिटोरियम में भारतीय विज्ञान संस्थान-बेंगलुरु द्वारा आयोजित आईआईएससी-बेंगलुरू में आमंत्रित प्रस्तुति ।

टी बागची, (2017). चिकित्सीय नैनो टेक्नोलॉजी में नैतिक सुरक्षा उपाय क्यों मायने रखता है: माइक्रोस्कोजिकल हस्तक्षेप के माध्यम से नैनोमेडिसिन के वितरण में संभावनाएं और समस्याएं। नैनोमेडिसिन और फार्मास्यूटिकल नैनो टेक्नोलॉजी (नैनोमेड 2017), ऑरेलियो, रोम, इटली, 24-25 जुलाई, 2017 को 13वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित प्रस्तुति।

टी बागची, (2018). मुद्रा [नृत्य संकेत], अभिनय [चेहरे की भंगिमा] और दर्प में विशिष्ट मुद्दे। शिकागो विश्वविद्यालय के साथ भाषा, संकेत और नृत्य पर परियोजना के साथ, दिल्ली में शिकागो विश्वविद्यालय केंद्र, नई दिल्ली में 29-30जनवरी, 2018 को सह-आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में "भंगिमा के रूप में नृत्य" पर प्रस्तुति।

टी भट्टाचार्य, (2017). "अनुबंध और प्रोनामिवाइजेशन: सहमत करने के लिए दो अलग-अलग तरीके" पर एसएएलए 33, पोलैंड, पॉज़ेन में एडम मिक्विचज़ विश्वविद्यालय में 15-17 मई, 2017 को आमंत्रित पूर्णकालिक वक्ता।

टी भट्टाचार्य, (2017). "उत्तर, पूर्व और पूर्वोत्तर में तर्कसंगत सूचकांक: लोग और उनकी कार्रवाइयां" 11 दिसंबर, 2017 को अंतर्राष्ट्रीय क्रिश्चियन यूनिवर्सिटी, टोक्यो, जापान में भारत कार्यशाला में पूर्वोत्तर की भाषाओं में भाषाई विविधता पर आमंत्रित वार्ता।

टी भट्टाचार्य, (2017). अधिग्रहण-भिन्नता-उत्पीड़न (एसीवीवीए) लंच संगोष्ठी, एनटीएनयू, ट्रॉन्डेम, नॉर्वे में 11 सितंबर, 2017 को मीटिलॉन और हलसा में डीपी में "डबल" परिभाषा की "तुलना करना" पर प्रस्तुति।

टी भट्टाचार्य, (2017). भाषा विज्ञान विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय, इम्फाल में 12-13 जून, 2017 को "औपचारिक भाषा विज्ञान में कुछ तरीकों पर" दो व्याख्यान दिए ।

टी भट्टाचार्य, (2017). सेंटर फॉर द एनवायरनमेंट एंड इंस्टीट्यूशनल बायोटेक हब, आईआईटी, गुवाहाटी, असम में 4 जुलाई, 2017 को "भारत के पूर्वोत्तर के आवासन: माइग्रेशन और संपर्क की कहानियां", पर आमंत्रित वार्ता।

टी भट्टाचार्य, (2017). नेपाल, भाषा विज्ञान विश्वविद्यालय, काठमांडू, नेपाल में 26 नवंबर, 2017 को भाषाई सोसाइटी के 38 वें वार्षिक सम्मेलन में "दक्षिण एशियाई भाषाओं में प्रोमोमिलाइजेशन: लोग और उनकी कार्रवाइयां", पर मुख्य भाषण।

टी भट्टाचार्य, (2017). नेपाल, भाषा विज्ञान विश्वविद्यालय, काठमांडू, नेपाल में 27 नवंबर, 2017 को भाषाई सोसायटी के 38वें वार्षिक सम्मेलन में "सांताली में मनोचिकित्सक: "गलत" "क्लिटिक" का रहस्य, पर पत्र प्रस्तुत किया।

टी भट्टाचार्य, (2017). असम के तेज़पुर विश्वविद्यालय में 5 जुलाई, 2017 को एचएलएस 23 में "मीटिलॉन अंग्रेजी में एनपी में विशेषण कोडिंग के परिणाम", पर वार्ता।

टी भट्टाचार्य, (2017). सैला 33, पॉज़्नान, पोलैंड में एडम मिक्विचज़ विश्वविद्यालय में 15-17 मई, 2017 को "मीटिलॉन डीपी और तुलनात्मक सिंटेक्स" ।

टी भट्टाचार्य, (2017). एनटीएनयू, ट्रॉन्डेम, नॉर्वे में इंडो-नॉर्वेजियन सिंटेक्स वर्कशॉप 2 में 11 सितंबर, 2017 को "मिटिलॉन डीपी में विशेषण को मिलाकर सिंटैक्टिक नतीजे"।

टी भट्टाचार्य, (2017). "सहमत चक्र और मुंडा क्लिटिक्स", अतिथि व्याख्यान, एनटीएनयू, ट्रॉन्डेम, नॉर्वे।

टी भट्टाचार्य, (2018). "व्याकरण में भिन्नता की भूमिका पर एक संक्षिप्त परिचय", सीईएल, सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक, 5 मार्च, 2018 में व्याकरणिक भिन्नता और विश्लेषण पर कार्यशाला का परिचय।

टी भट्टाचार्य, (2018). 13वें आईसीओएसएएल, सीआईआईएल, मैसूर, 8 जनवरी, 2018 को "हिंदी भागीदारी समझौते", पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

टी भट्टाचार्य, (2018). लीपजिग विश्वविद्यालय, लीपजिग, जर्मनी में 16 जनवरी, 2018 को भाषा प्रयोगशाला में दोहराव के पैटर्न पर "लगता है भ्रामक हो सकता है: मिटिलॉन में दोहराव और पुनरावृत्ति" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

टी भट्टाचार्य, (2018). बायोडाइवर्स, 2018, आईआईटी गुवाहाटी, असम में 27 जनवरी, 2018 को . "भारत में विविधता की 'पूर्वी' उत्पत्ति: भाषाई, आनुवंशिक, और पुरातात्विक साक्ष्य" पर आमंत्रित वार्ता।

टी भट्टाचार्य, (2018). सीईएल, सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक में 6 मार्च, 2018 को व्याकरणिक भिन्नता और विश्लेषण पर कार्यशाला में "भारत की भाषाओं में तर्क सूचकांक का वाक्यविन्यास: मैक्रो- या माइक्रोवायरेशन का मामला?" आमंत्रित पत्र प्रस्तुत किया।

जी कोएल्हो, (2017). दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 23-25 जून को द्रविड़ भाषाविदों के 45वें अखिल भारतीय सम्मेलन में "बेटा कुरुम्बा संक्षेपक" प्रस्तुत किया। ।

जी कोएल्हो, (2018). भाषाविज्ञान विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई में 6-7 मार्च को भारत में बहुभाषावाद: मुद्दे और चुनौतियां पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "बहुभाषी माहौल में ऑर्थोग्राफी डिजाइन में मुद्दे"।

जी कोएल्हो, (2018). भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर में 21-23 फरवरी को लुप्तप्राय और कम ज्ञात भाषाओं (ईएलकेएल 6) पर छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "बेटा कुरुम्बा धार्मिक अनुष्ठान और भाषा रखरखाव" ।

एस सत्यनाथ, (2018). बहुभाषी शहरी परिदृश्य में सह-अस्तित्व: दिल्ली का एक प्रकरण अध्ययन। एएएस-2018, दक्षिण और दक्षिणपूर्व एशिया में भाषा पसंद और पहचान पर पैनल। वाशिंगटन डी.सी. (22-25 मार्च, 2018)।

एस सत्यनाथ, (2018). डायलेक्ट संपर्क और एकाधिक व्याकरण। एनडब्ल्यूएवीएपी 5, क्वींसलैंड विश्वविद्यालय, ब्रिस्बेन, ऑस्ट्रेलिया (1-3, फरवरी2018)।

एस सत्यनाथ, (2018). द्विभाषावाद पर भारतीय दृष्टिकोण। 28 मार्च, 2018 को भाषाविज्ञान विभाग, कॉर्नेल विश्वविद्यालय (संयुक्त रूप से असमानता कक्ष, कॉर्नेल विश्वविद्यालय, इथाका और दक्षिण एशिया अध्ययन, सिराक्यूज विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित) ।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

विदेश अध्ययन का हनकुक विश्वविद्यालय, दक्षिण कोरिया।

बुसान यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज, बुसान, दक्षिण कोरिया।

जर्मनी का हैम्बर्ग विश्वविद्यालय।

कंडा विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन, जापान

प्रदत्त एम.फिल/पीएचडी डिग्रियों की संख्या। (अवधि 01.04.2017 से31.03.2018)

पीएचडी: 03

एम.फिल:09

संकाय की संख्या

प्रोफ़ेसर: 01 + 01 (रिक्त)

सहयोगी प्रोफेसर: 03 + 04 (रिक्त)

सहायक प्रोफेसर: 01 + 04 (रिक्त)

***

आधुनिक भारतीय भाषाएं और साहित्यिक अध्ययन

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

विभाग ने 2017 के दौरान कई विशेष व्याख्यान और कार्यशालाएं आयोजित कीं। कुछ महत्वपूर्ण व्याख्यान निम्नलिखित हैं: 1) डॉ. वानाथु एंटनी, (पूर्व आईसीएसएसआर फेलो), नई दिल्ली द्वारा 24 अक्तूबर, 2017 को *संगम साहित्य में इको-फेमिनिस्ट संगीत की जड़ें और बीज*, 2) 22 नवंबर, 2017 को चार्ल्स यूनिवर्सिटी, चेक गणराज्य के

डॉ. मार्टिन हिरिक द्वारा *चेकोस्लोवाकिया और रबींद्रनाथ*, 3) 22 नवंबर, 2017 को चार्ल्स यूनिवर्सिटी, चेक गणराज्य डॉ. मार्टिन हिरिक द्वारा चेक ओरिएंटेशन और भारत: अनुवाद, छवियां और विसंगतियां पर। इसके अलावा 08 मार्च, 2018 को विभाग के पूर्व प्रमुख, दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रोफेसर जयंती चट्टोपाध्याय द्वारा *आज का तुलनात्मक साहित्य* पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया था।

इसके अलावा, विभाग ने इस अकादमिक वर्ष में साप्ताहिक संगोष्ठी कार्यक्रम (बुधवार को संकाय सदस्यों ने अपनी रुचि के विषयों पर पत्र प्रस्तुत किए) और विभाग अनुसंधान फोरम (विशेष रूप से पीएचडी और एम.फिल रिसर्च फैलो के महीने में एक बार अपने शोध क्षेत्र में पत्र प्रस्तुत करने के लिए) को पुन: आरंभ किया।

प्रकाशन (02)

वी नारायणप्पा, (2017). विश्वव्यापी प्रसारांगम [केवी का पुट्टप्पा कन्नड़ अनुवाद, मैसूर, 1959] दिल्ली: श्री विनायक प्रकुरानलु।

जी राजगोपाल, (2017). प्रदर्शन और विचलन: थिरुक्कुरल में अक्टाइनाई की रूपरेखा। जी. जॉन सैमुअल, जी (संपा.) में, तिरुक्कुरल, नागकोविल पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की स्मारिका, (पृ. 74-88)। तमिलनाडु: एशियाई अध्ययन संस्थान।

आयोजित संगोष्ठियां (01)

एनसीपीएसएल, एमएचआरडी, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित 13 जनवरी, 2018 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी *सिंधी और अन्य भारतीय भाषाएँ: साहित्यिक इंटरैक्शन*।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ (05)

पी सी पटनायक, (2018). रावेनशॉ विश्वविद्यालय, ओडिशा में, 9-10 मार्च, 2018 को अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी सरल महाभारत में *महाभारत परंपरा: स्वदेशी दुनिया में प्रवेश* पर पूर्ण व्याख्यान दिया।

पी सी पटनायक, (2018). 21 फरवरी, 2018 एमआईएल और एलएस विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में को एनसीपीएसएल, एमएचआरडी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस पर *भारत में भाषाई विविधता और बहुभाषिता:,मातृभाषा में शिक्षा की विशेष जरूरत* पर व्याख्यान दिया।

जी राजगोपाल, (2017). 17-19 मई, 2017 को एशियाई अध्ययन संस्थान, चेन्नई और तमिल प्रवासियों के अंतर्राष्ट्रीय संगठन (आईएनटीएडी), मॉरीशस, नागकोविल, तमिलनाडु द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "थिरुक्कुरल पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में *प्रदर्शन और विचलन: थिरुक्कुरल में अक्टाइनाई की रूपरेखा*, पर व्याख्यान दिया।

जी राजगोपाल, (2018). तुलनात्मक भारतीय भाषा और साहित्य विभाग, कोलकाता विश्वविद्यालय, कोलकाता, में 15-16 फरवरी, 2018 को आयोजित "चैतन्य-वैष्णववाद का संदर्भ: भरत में भक्ति" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में *द्रविड़ भूमि में भक्ति आंदोलनों का उदय: विश्वास और दर्शन* पर व्याख्यान दिया।

जी राजगोपाल, (2018). "भगवान बुद्ध और भारतीय साहित्य में समानता का उनका संदेश" पर गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 30 अप्रैल, 2018 को आयोजित संगोष्ठी में *बौद्ध तमिल महाकाव्य मनीमेकलाई में सामाजिक समानता*, पर व्याख्यान दिया।

प्रदत्त पीएच.डी./एम. फिलः

पीएचडी - 7

एम फिल - 10

संकाय की संख्या:

स्थायी - 11

तदर्थ - 4

***

फ़ारसी

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

विभाग फारसी में सर्टिफिकेट कोर्स, डिप्लोमा कोर्स, एडवांस डिप्लोमा कोर्स, एमए, अनुवाद और व्याख्या में एक वर्ष का पोस्ट एमए डिप्लोमा एंड, एम फिल और पीएचडी कार्यक्रम चलाता है। विभाग यूजीसी-डीएसए एसएपी-2 अनुदान द्वारा समर्थित है। कुछ संकाय सदस्य पेशेवर सोसायटियों और अनुदान एजेंसियों से जुड़े हुए हैं। एक संकाय सदस्य विभिन्न विश्वविद्यालयों के यूजीसी के विशेष सहायता कार्यक्रम की सलाहकार समिति और यूजीसी, और आईसीसीआर की कई समितियों के विशेषज्ञ है। विभाग नियमित शिक्षण और शोध के अलावा, साप्ताहिक संगोष्ठियों, वार्षिक कार्यशालाओं और सम्मेलनों का आयोजन करता है। 2017-18 के दौरान, विभाग ने कई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन/ संगोष्ठियाँ आयोजित कीं।

प्रकाशन (08)

एम जहान, (2017). किताब ए फारसी [विज्ञापन-डिप्लोमा के लिए], नई दिल्ली: एम आर प्रकाशन।

एम जहान, (2017). पंचतंत्र: एक जायजा, ऐवान ए उर्दू। दिल्ली: उर्दू अकादमी।

एम जहान, (2017). उमर खय्याम की रूबाइयों के मुख्तलीफ रंग, पैश्राफ्त, नई दिल्ली।

एम जहान, (2018). गालिब की एक उर्दू गज़ल फारसी अदब के तनज़ुर में। कौमी तंजीम । [दैनिक समाचार पत्र, पटना, बिहार]।

ए ए खान, (2017) अमीर हसन नूरानी और मुंशी नवल किशोर, 25-36, नवल किशोर शिनासी, प्रोफेसर सैयद शफीक अहमद अशरफी, ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती उर्दू फारसी अरबी विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा संपादित।

ए ए खान, (2017) मोराफी-ए-असर-ए-मंज़ूम मिर्जा अब्दुल कदीर बेदिलदार किताबखाना-ए-सालार जंग हैदराबाद।. तेहरान, ईरान: उर्स बेदिल देहलावी। 256p.

ए ए खान, (2017) शाहजहानी दस्तर खंके जैकी। काकोरी, लखनऊ: डेबेर। 9-15।

सी शेखर, (2017) वकाई 'असद बेग कज़विनी, संदर्भित संपादित टेक्स्ट और परिचय। नई दिल्ली: किताब घर।

अनुसंधान परियोजनाएँ(01)

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग डीआरएस एसएपी -2 (भारत-फारसी साहित्य), 2014-2019 (5 वर्ष)। रु. 44,00,000/-

आयोजित सम्मेलन (01)

एनसीपीयूएल द्वारा समर्थित "निकत-ए-बेदिल के दो उर्दू रर्जुमन का ताकबुलि मुतालआ" पर आयोजित हजरत अमीर खुसरो देहलावी व्याख्यान श्रृंखला। 23 मई, 2017।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ (12)

एम जहान, (2017). मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, गचिबोवली, हैदराबाद में फारसी विभाग द्वारा 6-7 नवंबर, 2017 को आयोजित "भारतीय उपमहाद्वीप में फारसी भाषा, साहित्य, विज्ञान कला और संस्कृति के प्रचार में महिलाओं के योगदान" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में *दीदगाह ए फरसत नामेह के रूप में हिंद*।

एम जहान, (2017). पर्सियन फाउंडेशन ऑफ इंडिया और गालिब संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 19-20 सितम्बर, 2017 को आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी उत्तर मुगल काल (1707-1857) के दौरान *फारसी साहित्य में मुरक्का ए देहली सफरनामेह गार्दा कुली खान की रोशनी* प्रस्तुत किया।

एम जहान, (2018). मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, गचिबोवली, हैदराबाद में फारसी के विभाग द्वारा 14-15 मार्च, 2018 को आयोजित फारसी भाषा और साहित्य के प्रचार में मदरसों के योगदान पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में *अमीर खुसरो: तुर्कनाजाद मुहिब ई हिंद*, प्रस्तुत किया।

एम जहान, (2018). मुंबई विश्वविद्यालय के फारसी विभाग द्वारा 27-28 फरवरी, 2018 को अमीर खुसरो और पर आयोजित फारसी तथा भारतीय संस्कृति में उनके योगदान पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में *भोपाल की चार बा कमाल बेगमात* प्रस्तुत किया।

ए ए खान, (2017). आईएचएफ, नई दिल्ली द्वारा 4-5 मार्च 2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी "तिब्बी मखतुतात मसायिलवा वासायिल" में *भारतीय संग्रह में बु अली सिना की पांडुलिपियां*, पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

ए ए खान, (2017). एम.ए.ए.पी.आर.आई. द्वारा टोंक, राजस्थान में 7-9 मार्च, 2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में *कुलीयत-ए-सादी के दूसर मुसेहे (संपादक) बहाउद्दीन खुर्रम शाही,* पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

ए ए खान, (2017). फारसी रिसर्च इंस्टीट्यूट, एएमयू, अलीगढ़ द्वारा "बेदिल देहलवी" पर 1-3 मार्च 2017 को द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में *मिर्जा अब्दुल कदीर बेदिल देहलवी* पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

ए ए खान, (2017). 09 मई, 2017 को "भारत में सूफीवादी संस्कृति" पर अरबी और फारसी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय में एक विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया।

ए ए खान, (2017). मारीफ आजमगढ़, उत्तर प्रदेश में मार्च 2017 में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी "मारीफसादी" में *प्रोफेसर नाज़ीर अहमद कामारिफ में शायेकतहकीकी मकाला: अहमद जांदेची* पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

ए ए खान, (2017). बेदिल इंटरनेशनल फाउंडेशन द्वारा 28 -31 मार्च 2017 को आयोजित "बेदिल अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी" में *उस्ताद अज़हर अली वा सफार नामा-ए-आनंद राम मुखलिस*, पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

सी शेखर, (2017). मध्ययुगीन और प्रारंभिक आधुनिक भारत में आधिकारिक पत्र/मिसाइव/संपादकीय/आदेशों का मसौदा तैयार करना, ओरिएंटल एंड इस्लामिक स्टडीज संस्थान, बून यूनिवर्सिटी, बून में 17 जून, 2017 को विशेष व्याख्यान दिया।

सी शेखर, (2017). नसरुतुल्ला खान का शस्त्र और हथियारों और कवचों में तलवारों पर नुसरुतुल्लाह खान के आलेख : जोधपुर किले में राठौर और उनका शस्त्रागार फारसी लेख का अंग्रेजी अनुवाद, जिसका शीर्षक है "ताइद-ए-बिसारत,: परिशिष्ट 1, संपा. रॉबर्ट एल्गूड, नियोगी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2017 (संस्करण 2), पृ. 892-907.

अंतर-संस्थागत सहयोग:

प्रो चंद्रशेखर, बून विश्वविद्यालय, जर्मनी

संकाय की संख्या:

स्थायी संकाय: 05

तदर्थ संकाय: 02

अतिथि संकाय: 03

अनुसंधान सहयोगी: 01 + 01 (रिक्त)

***

दर्शनशास्त्र

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

दर्शनशास्त्र विभाग ने हमेशा अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय विद्वानों द्वारा अपने विचारों और शोध को पेश करने के लिए एक मंच तैयार करने का लक्ष्य रखा है।यह वर्ष भी इससे अलग नहीं था: कई प्रसिद्ध विद्वानों को आमंत्रित किया गया

था और इससे कुछ बहुत ही उपयोगी और संवादात्मक चर्चाएं हुईं, जिनके संपर्क में आना संकाय और छात्रों दोनों के लिए उपयोगी था। विभाग ने अन्य विषयों के छात्रों के लिए सफलतापूर्वक चार अंतःविषयक पाठ्यक्रमों प्रस्तावित किए। विभिन्न समितियों ने अपना काम परिश्रमपूर्वक किया और प्रभावी ढंग से कई अकादमिक और प्रशासनिक मामलों का समाधान किया। संकाय सदस्यों ने संगोष्ठियों और सम्मेलनों में भाग लिया और कुछ को मुख्य भाषण, आमंत्रित विशेष और सार्वजनिक व्याख्यान प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया।

सम्मान/विशिष्टताएँ

प्रोफेसर बलगाणपति देवारकोंडा

होलीस्टिक साइंस एंड रिसर्च सेंटर, सूरत में 5 से 7 जनवरी 2017 को आयोजित इंडियन फिलॉसॉफिकल कांग्रेस के नौवें सत्र में धर्म के दर्शन के अनुभागीय अध्यक्ष।

मुख्य सलाहकार, मूल्य और नैतिकता का केंद्र, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली, 2017 से 2020 तक।

भारतीय अध्ययन के सांची विश्वविद्यालय में 11-14 फरवरी, 2017 को और समग्र विज्ञान और अनुसंधान केंद्र, सूरत में 3-4 जनवरी, 2017 को आयोजित एशियाई दर्शनशास्त्र सम्मेलन के महासचिव।

प्रकाशन (13)

बी देवारकोंडा, (2018). उच्च शिक्षा पर विघटनकारी प्रौद्योगिकी का प्रभाव।यूनिवर्सिटी न्यूज़, 56 (12), 19-25.

ए गौतम, (2017). वैश्विक समय में स्व-शासन और जिम्मेदारी। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन मैनेजमेंट एंड सोशल साइंसेज, 5(3), 30-35.

ए के गुप्ता, (2018). रानाडे और भगवद्गीता: बीटिफिशिज्म के सिद्धांत के बारे में एक परीक्षा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन मैनेजमेंट एंड सोशल साइंसेज।

ए के गुप्ता, (2018). धर्मनिरपेक्षता, राष्ट्रवाद और असहिष्णुता की समीक्षा: अद्वैत और धर्म के माध्यम से व्याख्या करना। एस सिंह (संपा.) में, नए भारत के लिए राजनीति: एक राष्ट्रवादी परिप्रेक्ष्य : दिल्ली: रुपा प्रकाशन।

ए के गुप्ता, और के सराफ, (2018). हेडोनिज्म और शांति का भारतीय दर्शन। विचार

ए के गुप्ता, और डी तिवारी, (2017) भाषा और धर्म। दिल्ली: भारतीय ज्ञानपीठ।

आर जायसवाल, (नवंबर 2017). अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता: मीडिया का एक अध्ययन। एम के बसाक, और एम एस रे, (संपा.) में, नैतिकता का एक संकलन। कोलकाता: एकुश शतक।

आर जायसवाल और पी राय, (2017). क्या पत्रकारिता में नैतिकता संभव है? कला, संस्कृति, दर्शन, धर्म, भाषा और साहित्य की पत्रिका। 1 (3).

के पी कुमार, (2018). बीएबी 104 राज्य, लोकतंत्र और राष्ट्र निर्माण, डॉ बी आर अम्बेडकर के जीवन और विचार पर इग्नू प्रमाणपत्र कार्यक्रम, पृ. 70-81.

के पी कुमार, (2018). द जेंटल वॉरियर: बोज्जा तारकम की याद में। हैदराबाद: हैदराबाद बुक ट्रस्ट।

ई मित्रा, (2017). अंतरिक्ष और चेतना: दोहरेवाद और व्यवहार का पुनर्निर्माण। एस माइती, में, (संपा.) स्व, चेतना और शरीर, (पृ. 26-51) कोलकाता: नेक्टर।

ई मित्रा, (2017). भाषा और गणित पर विट्जस्टीन के बाद: एक गैर-आधारभूत वर्णन। उन्नत अध्ययन का भारतीय संस्थान, राष्ट्रपति निवास।

ई मित्रा, (2018). 'नारी' ओ 'बाद': किछु चेना-ओचेना प्रोस्ताब'। आलोचना चक्र, 32(1), 120-339.

जर्नल

संपादकों/ संपादकीय मंडलों के सदस्यों के रूप में कार्यरत विभाग शिक्षकों की संख्या -01

प्रो. डी बालागणपति

प्रधान संपादक, एप्लाइड एथिक्स के इंटरनेशनल जर्नल, एक वार्षिक सहकर्मी ने 2017 के बाद से रामानुजन कॉलेज, दिल्ली, भारत द्वारा प्रकाशित बहुआयामी जर्नल की समीक्षा की।

2017 के बाद से फिलॉसॉफिकल रिसर्च की भारतीय परिषद का जर्नल, स्प्रिंगर के संपादकीय मंडलके सदस्य।

अतिथि संपादक, साहित्य और भाषा (आईजेएलएल) के अंतःविषय जर्नल के कविता और दर्शनशास्त्र के दर्शन पर विशेष अंक लेखकों, नई दिल्ली, भारत खंड द्वारा प्रकाशित अंग्रेजी में विश्व साहित्य और संस्कृति को समर्पित एक अर्द्ध वार्षिक प्रिंट जर्नल। 4. संख्या 1. जुलाई-दिसंबर 2017।

अनुसंधान परियोजनाएँ(03)

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली, आंध्र के प्रारंभिक बौद्ध संप्रदायों के सैद्धांतिक मतभेदों का एक अध्ययन एक प्रमुख अनुसंधान परियोजना। 2015-2018, प्रो. डी बालागणपति, रु.13.5 लाख।

आईसीएसएसआर, नई दिल्ली, वैश्वीकरण की भूलभुलैया के बीच संस्कृति: लोकप्रिय कल्पनाओं का एक अध्ययन और डिजिटल और गैर-डिजिटल तेलुगु साहित्य का वैकल्पिक वर्णन, भारत में इंटरफेस ऑफ कल्चर एंड पॉलिटिक्स शीर्षक प्रमुख वित्त पोषण परियोजना का एक हिस्सा: वैकल्पिक कथाओं में एक अन्वेषण, 2017-2019, प्रो. डी बालागणपति, रु.45 लाख।

आईसीपीआर परियोजना 'अद्वैत, धर्म और राष्ट्रीय राजनीतिक व्याख्या', मई 2017 के बाद से, डॉ आदित्य कुमार गुप्ता, रु.2.5 लाख।

आयोजित संगोष्ठियां/वार्ताएं

प्रोफेसर डी बालागणपति द्वारा 11 मई 2017 को आयोजित "पश्चिमी अनुभववाद और वैदिक अनुभववाद" पर मुम्बई सूचना विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, प्रोफेसर रवि गौतम के आईसीपीआर व्याख्यान।

प्रोफेसर डी बालागणपति द्वारा आयोजित, 7 नवंबर 2017 को मानव संसाधन अध्ययन, निदेशक, गांधी केंद्र के प्रोफेसर लुई जेन का "चीन और भारत के बीच सांस्कृतिक विनिमय के साक्ष्य के रूप में" मैत्रेय व्याकारण (साटक रूप में)" पर केंद्रित आईसीपीआर व्याख्यान।

भारतीय दर्शनशास्त्र और बौद्ध अध्ययन विभाग, स्नातक स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशलोलॉजी, टोक्यो विश्वविद्यालय के प्रोफेसर, प्रोफेसर हिरोशी मारुई द्वारा "क्या भट्ट जयंत भारतीय दर्शनशास्त्र की छः प्रणालियों को जानते थे?" पर 28 नवंबर 2017 प्रोफेसर डी बालागणपति द्वारा आयोजित व्याख्यान।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

डी बालागणपति, (2017) राजनीतिक विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 12-14 जुलाई, 2017 के दौरान आयोजित भारत में राजनीतिः ज्ञान निर्माण के वैकल्पिक स्थलों के रूप में सांस्कृतिक कथाओं की खोज पर आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा समर्थित एक कार्यशाला में *वैश्वीकरण की भूलभुलैया के माध्यम से संस्कृति: डिजिटल और गैर-डिजिटल तेलुगू साहित्य की लोकप्रिय कल्पनाओं और वैकल्पिक कथाओं का एक अध्ययन* पर व्याख्यान।

डी बालागणपति, (2017) सियोल नेशनल यूनिवर्सिटी द्वारा 8 और 9 दिसंबर, 2017 को सत्तर वर्षों की आजादी का जश्न मनाते हुए: एशिया में भारतीय विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में *थाईलैंड में हिंदू धर्म की गतिशीलता* ।

डी बालागणपति, (2017) 25 और 26 अक्तूबर 2017 के दौरान आईसीपीआर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित *भारत और ईरान इंटरफ़ेस में धार्मिक हिंसा और वैश्वीकरण: एक सभ्यता* में वार्ता।

डी बालागणपति, (2017) आईसीपीआर, अकादमिक केंद्र, लखनऊ में 13 जुलाई से 17 जुलाई 2017 तक "भारतीय विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शिक्षण दर्शन" पर एक आईसीपीआर कार्यशाला में *भारत में भारतीय दर्शनशास्त्र का शिक्षण: सीमाएं और विकल्प।*

डी बालागणपति, (2017) 24 से 27 अगस्त को संधिगिरी आश्रम, तिरुवनंतपुरम, केरल में "उभरते हुए वैश्विक परिदृश्य में धर्म-आदर्श और प्रेक्सिस" विषय पर *ग्लोबल आध्यात्मिक सम्मेलन में धर्म के एक दुभाषिये के रूप में गुरु की भूमिका।*

डी बालागणपति, (2018). विष्णुमोहन फाउंडेशन, चेन्नई द्वारा 27-29 जनवरी, 2018 के दौरान आयोजित धर्म और दर्शनशास्त्र के दृष्टिकोणः शांति और सुलह पर तीसरे वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में *शांति की अवधारणा: सांख्य से एक परिप्रेक्ष्य।*

डी बालागणपति, (2018). 5 जनवरी 2018 को समग्र विज्ञान अनुसंधान केंद्र, सूरत में आयोजित "भारतीय पहचान और सांस्कृतिक निरंतरता" पर एक आईसीपीआर संगोष्ठी में *पहचान और निरंतरता।*

डी बालागणपति, (2018) राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 13 और 14 मार्च, 2018 के दौरान आयोजित पहचान से परेः राष्ट्र और विश्व की दक्षिण एशियाई कल्पनाओं को प्रतिबिंबित करना पर हुए के सी भट्टाचार्य द्वारा सुश्री चारू तापियाल के साथ *गहन महानगरीय संस्कृति* पर संयुक्त पत्र।

डी बालागणपति, (2018) समग्र विज्ञान अनुसंधान केंद्र, सूरत में 5-7 जनवरी 2018 के दौरान आयोजित भारतीय दर्शनशास्त्र कांग्रेस के 92वें सत्र में *धार्मिक हिंसा और अलग-अलग पहचान।*

डी बालागणपति, (2018) तिब्बत हाउस और रामानुजन कॉलेज द्वारा 14-15 अप्रैल 2018 को आयोजित सार्वभौमिक नैतिकताः शिक्षा में भावनात्मक बुद्धिमत्ता के परिप्रेक्ष्य पर दूसरे सम्मेलन में *आधुनिक शिक्षा प्रणाली में सार्वभौमिक नैतिकता: प्रौद्योगिकी, तर्कसंगतता और भावना।*

डी बालागणपति, (2018) बनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान द्वारा 22 और 23 मार्च 2018 को आयोजित इतिहास के दर्शन पर भारतीय परिप्रेक्ष्य पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में *आधुनिक भारतीय दर्शनशास्त्र की ऐतिहासिकता*।

ए गौतम, (2018). 27 मार्च 2018 को आईसीपीआर अकादमिक केंद्र लखनऊ द्वारा आयोजित समकालीन महाद्वीप में प्रासंगिकता पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में *पुण्य महाद्वीप के संदर्भवादी दृष्टिकोण की जांच।*

ए के गुप्ता, (2017) शांतिगिरी, त्रिवेंद्रम, केरल में अगस्त 2017 में आयोजित वैश्विक आध्यात्मिक सम्मेलन में भारत की राजनीतिक संस्कृति की समीक्षा: धर्म का दृष्टिकोण।

ए के गुप्ता, (2017) 15 अगस्त, 2014, स्वतंत्रता दिवस को एस-व्यास बेंगलुरु में स्वतंत्र अतिथि के रूप में भारतीय संवैधानिक दर्शन' पर एक भाषण दिया,

ए के गुप्ता, (2017) आईसीपीआर, लखनऊ, जुलाई, 2017 में 'स्कूल सिलेबाई एंड इंडियन कंटेक्स्ट में फिलॉसफी' पर राष्ट्रीय कार्यशाला।

ए के गुप्ता, (2017) दौलत राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 11 नवंबर, 2017 को 'समग्र योग: एच 3 (स्वास्थ्य, खुशी, सद्भावना) पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ध्यान का दर्शन: तैतरीय उपनिषद और मंडुक्य उपनिषद के विशेष संदर्भ के साथ' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

ए के गुप्ता, (2017) भारत और कोरिया के बीच सांस्कृतिक मुठभेड़ और संगम पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में *कोरिया के नव-कन्फ्यूशियस परंपरा में अद्वैतिक (गैर-द्वैतवादी) रुझान: यी यूलोक के दर्शनशास्त्र की परीक्षा,* नई दिल्ली, जून, 2017.

ए के गुप्ता, (2017) जुबिली हॉल, दिल्ली विश्वविद्यालय में जुलाई 2017 में 'विजन 2020: डॉ. कलाम के स्वप्नों का भारत' पर आमंत्रित व्याख्यान

ए के गुप्ता, (2018) श्री विष्णु मोहन फाउंडेशन, चेन्नई में 28 जनवरी, 088 को आयोजित शांति और सुलह पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'शांति के दर्शन' पर आमंत्रित व्याख्यान।

ए के गुप्ता, (2018) आईपीसी, सूरत, गुजरात के 92वें सत्र में 05 जनवरी, 018 को 'भारतीय पहचान और सांस्कृतिक निरंतरता' पर आमंत्रित व्याख्यान।

ए के गुप्ता, (2018). जेएनयू, दिल्ली में 21 अप्रैल, 2018 को 'सांस्कृतिक विरासत की आधुनिक उपस्थिति: शंकर के अद्वैत का एक अध्ययन' पर आमंत्रित व्याख्यान।

ए के गुप्ता, (2018) तिब्बती अध्ययन संस्थान लेह लद्दाख में 20 मई, 2018 को 'हिंदू धर्म और बौद्ध धर्म के बीच गैर-दोहरे संबंध' पर आमंत्रित व्याख्यान।

ए के गुप्ता, (2018) 03 जनवरी, 2018 को आईपीसी, सूरत, गुजरात के 92वें सत्र में 'पंडित दीन दयाल उपाध्याय के अविभाज्य मानवतावाद' पर आमंत्रित पैनल चर्चा

आर जायसवाल, (2018) एशियाई दर्शनशास्त्र सम्मेलन में *शक्ति की अवधारणा: टैगोर और फौकॉल्ट*। (3 - 4जनवरी, 2018)

आर जायसवाल, (2018) सतत विकास, गांधीवादी विरासत और 21वीं शताब्दी की चुनौतियां पर आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित (09-10 मार्च, 2018) अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में *धार्मिक असहिष्णुता की समस्या और गांधीवादी समाधान।*

आर जायसवाल, (2018) भारतीय दार्शनिक कांग्रेस में *व्यक्तिगतता बनाम सामूहिकता: उदारवाद और साम्यवादवाद के बीच बहस*। (5 - 7 जनवरी, 2018).

जी कालोट्रा, (2017). 28 नवंबर 2017 से 19 दिसंबर 2017 तक सीपीडीएचई (यूजीसी-एचआरडीसी) दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित *एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में भारतीय दर्शनशास्त्र: विनोबा के स्व में एक जांच"।*

पी के कुमार, (2017). डॉ. बी आर अम्बेडकर की 126 वीं जयंती के अवसर पर कर्नाटक सरकार द्वारा 21 - 23 जुलाई, 2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में जाति, धर्म और राष्ट्र: सामाजिक न्याय को पुनः प्राप्त करने में अम्बेडकर की हिंदू धार्मिक राष्ट्रवाद की नैतिक-तर्कसंगत आलोचना सामाजिक न्याय का पुनरीक्षण।

पी के कुमार, (2017). तेलंगाना स्टेट काउंसिल ऑफ हायर एजुकेशन (टीएससीईई), हैदराबाद द्वारा 14-15 जुलाई 2017 को "डॉ, बी आर अम्बेडकर का दृष्टिकोण और शिक्षा पर कार्य - हमारे समय के लिए प्रासंगिकता" पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक विश्वविद्यालय का विचार: स्वायत्तता और असंतोष की संस्कृति पर बहस।

पी के कुमार, (2017). 20 अप्रैल, 2017 को गुजरात के केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीवादी विचार और शांति में अध्ययन और अनुसंधान केंद्र द्वारा सत्यग्राह पर बहसः चंपारण सत्याग्रह के सौ वर्ष पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्यावहारिक राजनीतिक रणनीति के रूप में सत्याग्रह: समकालीन सामाजिक आंदोलनों पर प्रतिबिंब।

पी के कुमार, (2018). दर्शनशास्त्र विभाग, जाकिर हुसैन कॉलेज (सांध्य), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 22-23 मार्च, 2018 को डॉ. बी आर अम्बेडकर केदार्शनिक विचार पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सामाजिक-राजनीतिक संदर्भ और बी आर अम्बेडकर की विधियों और भारतीय दर्शन की जांच।

पी के कुमार, (2018) दिल्ली के राजनीति विज्ञान विभाग, श्रद्धानंद कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा, दिल्ली 16 अप्रैल, 2018 को आयोजित बीआर अम्बेडकर और सामाजिक न्याय पर संगोष्ठी में अम्बेडकर की सामाजिक न्याय की अवधारणा।

पी के कुमार, (2018) टोरंटो विश्वविद्यालय के सहयोग से आईएसओएल फाउंडेशन के मूल्य आधारित प्रबंधन अकादमी द्वारा 10 मार्च, 2018 को आयोजित वैश्विक जलवायु परिवर्तन एक पारिस्थितिक तंत्र प्रबंधन, संस्कृति, परंपरा और प्रकृति को बदलता है,पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारतीय दर्शनशास्त्र में प्रकृति और पारिस्थितिकीय चेतना।

पी के कुमार, (2017). 11अप्रैल, 2017 को, जेएनयू, दिल्ली के भेदभाव और बहिष्कार अध्ययन केंद्र में दलित आंदोलन के सिद्धांत और मुद्दों पर व्याख्यान

पी के कुमार, (2018) 20 अप्रैल, 2018 को स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड एस्थेटिक्स, जेएनयू, दिल्ली द्वारा आयोजित राजनीति प्रदर्शन और गदर की घटना पर विशेष व्याख्यान।

ई आर मित्रा, (2017). दर्शनशास्त्र विभाग, केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनंतपुरम में 13.12.17 को 'नैतिक भाषा: विट्जस्टीन के विशेष संदर्भ सहित' पर एक आमंत्रित वक्ता के रूप में एक व्याख्यान दिया।

ई आर मित्रा, (2017). दर्शनशास्त्र विभाग, केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनंतपुरम में 12.12.17 को 'फिलॉसफी ऑफ एक्शन: एक विट्जस्टीन/डेविडसन विवाद' पर एक आमंत्रित वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।

एस मोतीलाल, (2017). दर्शनशास्त्र विभाग, लेडी श्री राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 9 नवंबर, 2017 को "मानवाधिकार और मानव सम्मान" पर व्याख्यान,

एस मोतीलाल, (2017). दर्शनशास्त्र विभाग, कैलिफ़ोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले, सीए, यूएसए द्वारा 11 मार्च, 2017 को आयोजित "धारणा और संभाव्यता" पर कार्यशाला में भाग लिया।

एस मोतीलाल, (2017). विश्वविद्यालय के दो सौ वर्षों के उत्सव को चिह्नित करने के लिए दर्शनशास्त्र विभाग, प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "एजेंसी और मूल्यः 21वीं शताब्दी के लिए चुनौतियां" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "नैतिक एजेंसी की प्रकृति: कुछ प्रतिबिंब" आमंत्रित वक्ता (अप्रैल, 24-25 वें, 2017)।

एस मोतीलाल, (2017).दर्शनशास्त्र विभाग, उत्तरी कैरोलिना विश्वविद्यालय, एशविले, एनसी, यूएसए द्वारा 3 मार्च, 2017 को आयोजित "नैतिकता पर जोर: परंपराओं और विषयों को जोड़ना" पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में "मानव नैतिक दायित्व: धार्मिक और सांस्कृतिक मतभेदों को ब्रिजिंग"।

एस मोतीलाल, (2017). दर्शन विभाग, सावित्री बाई फुले पुणे विश्वविद्यालय द्वारा 24 और 25 फरवरी, 2017 को भारतीय संदर्भ में सामाजिक दर्शनः भूत और भविष्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "सामाजिक न्याय की प्रकृति: प्राचीन भारतीय संदर्भ से कुछ आदान"।

पी साहनी, (2018).13 मार्च, 2018 को जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज में "पर्यावरण, नैतिकता और मूल्य" शीर्षक आमंत्रित व्याख्यान।

पी साहनी, (2017). लेडी श्री राम कॉलेज में 2 नवंबर 2017 को "पर्यावरण नीतिशास्त्र और पारिस्थितिकी" पर आमंत्रित व्याख्यान।

विस्तार और पहुँच गतिविधियाँ

डॉ. रीतु जायसवाल ने 16 मार्च, 2018 को दर्शनशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में "दो कदम पीछे, एक कदम आगे? पिछले 100 वर्षों में समानता और महिलाएं" पर एक आईसीपीआर प्रायोजित विशेष व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया।

6 नवंबर 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग में "लिंग समानता" पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रदत्त एम.फिल/पीएचडी डिग्रियों की संख्या

पीएचडी:5

एम.फिल :10

संकाय की संख्या

प्रोफेसर :05 + 03 (रिक्त)

सहयोगी प्रोफेसर: 02 + 13 (रिक्त)

सहायक प्रोफेसर: 10 + 01 (रिक्त)

***

मनोविज्ञान

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

मनोविज्ञान विभाग मनोविज्ञान में एमए, अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान में एमए और मनोविज्ञान में पीएचडी कार्यक्रम प्रदान करता है। विभाग में दो इकाइयां हैं - उत्तरी परिसर में मनोविज्ञान इकाई और दक्षिणी परिसर में अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान इकाई। एमए कार्यक्रम में उत्तर और दक्षिण दोनों परिसर के छात्रों की कुल संख्या 151 है, और पीएचडी कार्यक्रम में 13 छात्र हैं। इस वर्ष कुल 5 छात्रों को पीएच.डी. डिग्री से सम्मानित किया गया है। यह विभाग कला विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के बौद्ध अध्ययन विभाग, दर्शनशास्त्र, समाजशास्त्र, अंग्रेजी, संस्कृत, अरबी और भाषाविज्ञान विभाग जैसे अन्य विभागों के छात्रों के लिए अंतःविषयक प्रकृति के शोधपत्र भी प्रदान करता है। विभाग की शोध गतिविधियाँ सामुदायिक विकास, वृद्धावस्था, बहुविकल्पीय तकनीक, परामर्श सेवाएं और कौशल, न्यूरोइमेजिंग रिसर्च, बौद्ध धर्म और मनोविज्ञान, भारतीय मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य, कला चिकित्सा और संगीत उपचार से स्वयं को समझने के क्षेत्रों पर केंद्रित हैं। विभाग को यूजीसी-एसएपी/सीएएस, आईसीएसएसआर, डीएसटी-फास्ट, डीआरडीओ, एआईसीटीई, एलएसआरबी, आर एंड डी, डीयू से अनुदान द्वारा समर्थित किया जाता है। विभाग ने वर्ष 2015 में यूजीसी के अंतर्गत डीएसए-1 प्राप्त किया और इसके अंतर्गत गतिविधियाँ प्रगति पर हैं।

प्रकाशन (19)

ए जे अलेक्जेंडर, जे जे आर्नेट, और एस पी के जेना, (2017). बर्मी चीन शरणार्थी महिलाओं के अनुभव: उड़ान से पूर्व-पश्चात् आघात और अस्तित्व। मनोविज्ञान में अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य:अनुसंधान, अभ्यास, परामर्श, 6 (2), 101-114.

एस भारद्वाज, और वी गुप्ता, (2017). नौकरी की संतुष्टि, व्यक्तिगत प्रभावशीलता और नियंत्रण के लोकस के बीच अंतर-संबंध। इंडियन जर्नल ऑफ स्वास्थ्य और कल्याण की भारतीय पत्रिका 6 (2), 1380-1385.

आर फेल्डमैन, और एन बाबू, (2017). आजीवन विकास। नई दिल्ली:पियरसन।

कौशल और कुशलाता की अवधरणा। (2017). श्रीजन चिंतन, 10(21), 29-34.

ए कुमार, (2017). उन्नत सामाजिक मनोविज्ञान, भारत: पाठकों का स्वर्ग।

ए कुमार, (2018). भर्ती चयन प्रशिक्षण, भारत: पाठकों का स्वर्ग।

पी कुमार, और वी गुप्ता, (2017). कार्यस्थल तनाव कार्य जावन की गुणवत्ता और कल्याण बीपीओ कर्मचारियों पर एक अध्ययन। उद्यमिता और प्रबंधन जर्नल, 6 (2), 20-28।

एस कुमार, ए लोचन, (2017)., शांति और शांति अध्यापन: गांधीवादी परिप्रेक्ष्य के माध्यम से शांति शिक्षा पाठ्यक्रम का संदर्भ। आईजेईएम, 7(2), 197-201.

ए लोचन (2017). मानदंडों, सिद्धांतों और सामाजिक प्रस्तुतियों के माध्यम से लिंग का पता लगाना। वॉयस ऑफ इंटेलेक्चुअल मैन-एन इंटरनेशनल जर्नल, 7(1), 89-116.

ए लोचन (2017). रचनात्मक यात्रा में स्व-विज्ञापन सौंदर्यशास्त्र: एक मनोवैज्ञानिक जांच। नई दिल्ली: प्रगुन प्रकाशन।

ए लोचन और एस राधाकृष्णन, (2017). वह गीत किसके बारे में है? समकालीन हिंदी संगीत का मनोवैज्ञानिक अध्ययन। सकारात्मक मनोविज्ञान की भारतीय पत्रिका, 8(2), 214-220.

जी महाकुद, और ए कुमार, (2017). सरकार और निजी शिक्षकों का कल्याण: एक तुलनात्मक अध्ययन। मनोवैज्ञानिक विज्ञान की भारतीय पत्रिका, 8(1).

जी महाकुद, ए कुमार, और टी नायक, (2017). व्यक्तित्व के प्रकार, आध्यात्मिकता और सरकारी क्षेत्र के पुरुष और महिला कर्मचारियों के बीच नौकरी की संतुष्टि के साथ इसके संबंध। आईएमएस समूह की पत्रिका, 14(2), 18-28.

एन प्रकाश, (2018). बिग डेटा: मोबाइल विज्ञापन दक्षता में निर्णायक तत्व। यूरोपीय व्यापार समीक्षा, जुलाई-अगस्त 2018।

एस राधाकृष्णन, ए लोचन, (2017). सांस्कृतिक बुद्धिमत्ता: अवधारणाएं और संगठनात्मक प्रभाव। शिक्षा और प्रबंधन की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 7(2), 191-196.

एस सेठ, और ए कुमार, (2018). लिंग और नेतृत्व: एक समीक्षा। सामाजिक विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 6(4), 716-720.

थांगबीकिंग, और ई सोरेंग, (2017). भगवान की कृपा: एक घटनात्मक जांच। भारतीय मनोविज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका। 4(4), 142-153.

एस वर्मा, (2017). संबंध जोड़ने के अहिंसक तरीके: प्यार, उपचार, और उससे परे। डब्ल्यू शुक्ला [संपा.], हिंदी अध्ययन का इतिहास। नई दिल्ली: जेबीएस प्रकाशन भारत।

आई यादव, और ए कुमार, (2018). आध्यात्मिक प्रथाओं के माध्यम से संतुलन कार्य और अभिभवकत्व की मांग। सोशल साइंसेज के रिसर्च जर्नल, 9(5), 73-80. डीओआई: 10.105373/00251348

अनुसंधान परियोजनाएँ (03)

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग डीआरएसआई (एसएपी)से 2014-2019 (5 वर्ष), रु. 44 लाख।

राजीव गांधी राष्ट्रीय विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी, युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार) "सकारात्मक युवा विकास के लिए सामुदायिक आधारित हस्तक्षेप", प्रोफेसर नंदिता बाबू, रु. 4.8 लाख, 2016-2018.

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी, युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार) गरीबी रेखा (पीपीएल) के नीचे के वंचित युवाओं में लचीलापन और उद्यमशीलता कौशल विकसित करना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, एस पी के जेना रु.4.6 लाख, 2016-17.

आयोजित सम्मेलन (01)

डॉ. सुनीत वर्मा, आयोजक, "भारतीय संस्कृति और मनोविज्ञान: एक चेतना परिप्रेक्ष्य" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 22-27 मार्च 2018.

नियोजन का विवरण

विभाग का अपना नियुक्ति प्रकोष्ठ है। इसे दिल्ली विश्वविद्यालय से मनोविज्ञान और अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान में एम ए करने वाले छात्रों की नियुक्ति के लिए बनाया गया है। नियुक्ति प्रकोष्ठ छात्रों को परामर्श, नैदानिक, कॉर्पोरेट संगठनों और व्यावसायिक घरानों से मिलने और बातचीत करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। इसके अलावा, छात्रों के रोजगार के अधिकतम अवसर बनाने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के केंद्रीय नियुक्ति प्रकोष्ठ की गतिविधियों की जानकारी विभागों में भी व्यापक रूप से प्रसारित की जाती है।

विस्तार और पहुँच गतिविधियाँ

व्यावहारिक कार्यों के एक अभिन्न भाग के रूप में विस्तार और पहुँच गतिविधियां की जाती हैं जिनमें छात्र सर्वेक्षण, मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन और समुदाय में हस्तक्षेप करते हैं। विभाग में एक परामर्श केंद्र है जहां अलग-अलग आयु वर्ग के लोगों को विभिन्न संज्ञानात्मक और मनोवैज्ञानिक-सामाजिक मुद्दों पर परामर्श सेवाएं प्रदान की जाती हैं।. विभाग का विकास संसाधन केंद्र अभिभावक प्रशिक्षण, संज्ञानात्मक वृद्धि के लिए प्रशिक्षण, प्ले थेरेपी इत्यादि जैसी सेवाएं प्रदान करता है।

प्रदत्त पीएचडी की डिग्रियों की संख्या: 05

संकाय की संख्या (उत्तर और दक्षिण परिसर):

स्थायी - 10

तदर्थ - 04

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

विभाग का अपना पुस्तकालय सह पठन कक्ष और मनोवैज्ञानिक परीक्षण कक्ष है। प्रयोगशालाओं और कक्षाओं को हाई-टेक स्मार्ट कक्षाओं में अपग्रेड करने के लिए समय-समय पर नियमित रूप से किताबें, परीक्षा सामग्री, तकनीकी उपकरण और शिक्षण-अधिगम उपकरण खरीदे जाते हैं। विभाग में बायोफीडबैक और अन्य कंप्यूटर सॉफ्टवेयर से लैस एक न्यूरो-संज्ञानात्मक प्रयोगशाला है।

विभाग नियमित आधार पर छात्रों के लिए विशेष व्याख्यान और कार्यशालाओं का आयोजन करता है।

***

पंजाबी

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

पंजाबी विभाग छात्रों के लिए एमए, एम.फिल, पीएचडी, सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कार्यक्रम के पाठ्यक्रम आयोजित कर रहा है। विभाग ने अकादमिक सत्र 2017-2018 के दौरान सफल साहित्यिक कार्यक्रम अर्थात् राष्ट्रीय संगोष्ठियां, स्मारक व्याख्यान, लेखक और विशेष व्याख्यान आदि आयोजित किए गए हैं। हमारे संकाय सदस्यों ने अनुसंधान-उन्मुख अध्ययनों के प्रति प्रतिबद्ध रहते हुए अन्य शैक्षिक और साहित्यिक संस्थानों द्वारा आयोजित संगोष्ठियों/सम्मेलनों/व्याख्यान/रीफ्रेशर पाठ्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया। पंजाबी आलोचना के दिल्ली स्कूल का मुख्य केंद्र होने की उल्लेखनीय विरासत के साथ, विभाग ने राष्ट्रीय संगोष्ठी/ सम्मेलन, सालाना विशेष व्याख्यान आयोजित कर बदलते समय के साथ तालमेल बनाए रखा है। विभाग द्वारा एक तरफ विचारकों, लेखकों और शिक्षकों तथा दूसरी तरफ बौद्धिकों और छात्रों के बीच प्रत्यक्ष वायर इंटरैक्शन के लिए प्रदान किये गये मंचने यह सुनिश्चित किया है कि विभाग दशकों से पंजाबी साहित्य और संस्कृति के गतिशील परिवर्तन के केंद्र में बना रहा है।

प्रकाशन (10)

जे कौर, (2017). गुरु ग्रंथ साहिब दा समाजिक प्रवचन, नैतिकता: सहितक परवचन, डॉ. जसपाल कौर, प्रोफेसर मनजीत सिंह और डॉ. हरबन सिंह लिट, 58-62.

जे कौर, (2017). जफरनामा: नैतिकता काव-प्रवचन, नैतिकता: सहितक परवचन, डॉ. जसपाल कौर, प्रोफेसर मनजीत सिंह और डॉ. हरबन सिंह लिट, 46-49.

एन सिंह, (2018) सुखजिंदर कौर, गुरुजीत कौर और बलजींदर कौर (संपा.)। पंजाबी भाषा, साहित एते सभियायार मूल सरोकार पंजाबी गीतां दी भाषा: नव परिपेख, संगम पब्लिकेशन, सामाना, पटियाला, 123-130.

आर सिंह, (2017). "दिल्ली विच पंजाबी नाट-मंच ते चरण दास सिद्धू" समकाली साहित में।

आर सिंह, (2017). स्वच्छता दी कहानी: दाई दी जुबानी [अनुवादित] 4 खंडों में] प्रकाशन विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रकाशित।

वाई सिंह, (2017). बावा बलवंत दी काव सिरजन प्रक्रिया (पृ. 68-74), संवाद, संस्करण 06।

वाई सिंह, (2017). संस्करण 06. पंजाब डी लोक पुरालेख दी इतहासकारी (पृ. 141-143), संवाद, संस्करण 06।

वाई सिंह, (2017). पंजाबी बंदे दी हिजरत दा सरापिया किस्सा (पृ. 160-165), वाघा, संस्करण 5.

वाई सिंह, (2018). अजाज अहमद: लो ही लो सी (पृ. 138-145), काव शास्तर, संस्करण 11.

वाई सिंह, (2018). भोटवारा: कथा चिंतन दी लाली (पृ. 109-120), काव शास्तर, संस्करण 10.

अनुसंधान परियोजनाएँ (01)

साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, "साहित्य अकादमी पुरस्कृत विजेता पर अनुवाद परियोजना - लघु कहानियां पुस्तक 'गालिवाना'", 2017, प्रो. जसपाल कौर।

आयोजित संगोष्ठियाँ (04)

13-14 नवंबर, 2017 को साहित्य अकादमी के सहयोग से "करतार सिंह दुग्गल शताब्दी संगोष्ठी" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी।

प्रतिष्ठित इतिहासकार प्रोफेसर राज कुमार हैंनसन ने 30 जनवरी, 2018 को पंजाबी विभाग के विभागीय संगोष्ठी हॉल में 'दलित साहित: सिधांत ते इतिहास' पर प्रोफेसर हरभजन सिंह मेमोरियल व्याख्यान दिया।

पंजाबी विभाग के विभागीय संगोष्ठी हॉल में12 फरवरी, 2018 को जे बी अनीज़ अज़िमियन ने "दिल्ली की विरासत" पर प्रोफेसर एस.एस. नूर मेमोरियल व्याख्यान दिया।

पंजाब विभाग के विभागीय संगोष्ठी हॉल में 28 मार्च, 2018 को पार्वसी कवियन नाल रु-ब-रु ते कविता पाठ कार्यक्रम।

आयोजित सम्मेलन

डॉ. जसपाल कौर (एचओडी), एसजीटीबी खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 2 और 3 फरवरी, 2018 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पंजाबी सम्मेलन दिल्ली-2018 की आयोजक थीं।

प्रोफेसर मनजीत सिंह, एसजीटीबी खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 2 और 3 फरवरी, 2018 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय पंजाबी सम्मेलन दिल्ली-2018 के आयोजक थे।

प्रो. रवैल सिंह, आयोजक और पैनलिस्ट, विश्व पंजाबी सम्मेलन, चंडीगढ़ 10-11 मार्च, 2018.

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति (29)

आर बाला, (2017). पंजाब विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-07 द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी (13-14 नवंबर, 2017) में करतार सिंह दुग्गल दी स्वाई-जीवनी विच स्वाई पहचान दी निर्मानकारी।

के गोजरा, (2018). पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला में 30 अप्रैल -2 मई, 2018 को आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन विश्व पंजाबी साहित सम्मेलन में "तरलोक सिंह कंवर दी मेता अलोचना"।

के गोजरा, (2017). पंजाबी विभाग में 13-14 नवंबर, 2017 को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी करतार सिंह दुग्गल जन शताब्दी संमें "दुग्गल दा काव लोक"।

के गोजरा, (2017). पंजाबी विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला द्वारा 21-22 नवंबर, 2017 को आयोजित दो दिन राष्ट्रीय संगोष्ठी, समकाली काव दी परधिनिध काव-सुरः सुखविंदर अमृत में "सुखविंदर अमृत दी गजल विच नारी बिंब दी निर्मानकारी" ।

जे कौर, (2017)। पंजाब सहित दी प्रसंगिका गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स, पीतमपुर द्वारा 26 अक्तूबर, 2017 को आयोजित अजोके संदर्भ विच पंजाबी सहित दी प्रासंगिकता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "पंजाबी सहित दी प्रासंगिकता"।

जे कौर, (2018). दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति, दिल्ली द्वारा 16-17 फरवरी, 2018 को, गुरु नानकःजीवन और विरासत पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "गुरु नानक बानी दा उत्तर आधुनिक परिपेख" ।

जे कौर, (2018). 21 फरवरी, 2018 को दिल्ली के दयाल सिंह कॉलेज द्वारा आयोजित "बेगमपुर शहर को नावं" में "गुरु रविदास बानी दा काव परवचन"।

जे कौर, (2018). दिल्ली के दिल्ली श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 2-3 फरवरी, 2018 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय पंजाबी सम्मेलन, दिल्ली-2018 में "प्रवासी पंजाब सहित: अतीत ते वर्तमान"।

जे कौर, (2018). "14 मार्च, 2018 को हरियाणा के करनाल में,माता सुंदरी कॉलेज द्वारा पंजाबी गद्य पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "बही खाता: स्वाई दा बिरतांत"।

जे कौर, (2017). कनाडाई पंजाबी महिलाओं के संगठन दिशा, टोरंटो कनाडा द्वारा 17-18 जून 2017 को आयोजित दक्षिण एशियाई महिला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "प्रवासी पंजाबी कविता में दर्शाई गई महिला छवियां"।

जे कौर, (2017). 23-25 जून, 2017 को आयोजित पंजाबी बिजनेस प्रोफेशनल एसोसिएशन (पीयूबीपीए), टोरंटो, कनाडा द्वारा आयोजित विश्व पंजाबी सम्मेलन में "प्रवासी लघु कहानियों में चित्रित नैतिकता"।

आर कुमार, (2017).साहित्य अकादमी (नेशनल एकेडमी ऑफ लेटर्स) और सांध्य अध्ययन विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा, , 26-27 अक्तूबर, 2017 को चंडीगढ़ में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में *पंजाबी प्रवासी के बदलते ढांचे* पर एक परिचयात्मक नोट प्रस्तुत किया।

आर कुमार, (2018). गुरु गोबिंद सिंह गर्ल्स कॉलेज, गिद्दरबाहा (श्री मुक्तासर साहिब) में 17 फरवरी, 2018 को आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में *श्री मुक्तासर साहिब - कृषि संकट: समकालीन सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक दृष्टिकोण* ।

आर कुमार, (2018). मास्टर तारा सिंह मेमोरियल कॉलेज फॉर विमेन, लुधियाना, द्वारा 08 फरवरी, 2018 को आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में वि*श्वीकरन दी संदर्भ विच पंजाबी भाषा, सहित अते सभियाचार* ।

एम सिंह, (2017). कनाडा में 17-18 जून, 2017 को आयोजित महिला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "गुरबानी विच पेश नारी बिंब दी सार्थकता"।

एम सिंह, (2017). 2017. कनाडा में 23 वीं -25 जून, 2017 को अंतर्राष्ट्रीय पंजाबी सम्मेलन में "गुरबानी विचों उभरन वाला नैतिकता दा संकल्प"।

एम सिंह, (2018). एसजीटीबी खालसा कॉलेज में 2 और 3 फरवरी, 2018 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पंजाबी सम्मेलन में "गुरुमत साहित: भांगरा ते प्रतिउतर "।

एन सिंह, (2017). पंजाबी साहित सभा श्री गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स, दिल्ली विश्वविद्यालयमें 26 अक्तूबर,2017 को पंजाबी भाषा: कोड मिश्रण और बदलाव, समकालीन संदर्भ में पंजाबी भाषा, साहित्य और संस्कृति की प्रासंगिकता, ज्ञान।

एन सिंह, (2018). पंजाबी विभाग और साहित्य अकादमी, दिल्ली में 12-13 नवंबर, 2018 को सेंचुरी संगोष्ठी में 2018 करतार सिंह दुग्गल दा साहित: भाषा शिल्ले।

एन सिंह, (2018). श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 02 मार्च, 2018 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पंजाबी सम्मेलन, दिल्ली-2018 में पंजाबी भाषा ते अंतर अनुशंसी सिख्य संसार।

आर सिंह, (2017). पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के सांध्य अध्ययन विभाग द्वारा 26-27 अक्तूबर, 2017 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "पंजाबी प्रवासी साहित्य के ढांचे का बदलना" पर अध्यक्षीय टिप्पणी।

आर सिंह, (2017). जम्मू-कश्मीर कला, भाषा और संस्कृति अकादमी द्वारा 13 दिसंबर, 2017 को जम्मू में आयोजित अखिल भारतीय पंजाबी लेखकों के दो दिवसीय सम्मेलन में "जम्मू कश्मीर दा पंजाबी साहित" पर महत्वपूर्ण भाषण।

आर सिंह, (2017). गुरु नानक देव विश्वविद्यालय क्षेत्रीय केंद्र जलंधर द्वारा 14 अक्तूबर, 2017 को आयोजित एक संगोष्ठी में "पंजाबी मीडिया दी बदलदी भाषा"।

आर सिंह, (2018). खालसा कॉलेज, पटियाला द्वारा 21 फरवरी, 2011 को आयोजित विश्व पंजाबी सम्मेलन में "पंजाबी भाषा दी ग्लोबली समिति" मुख्य भाषण।

आर सिंह, (2018). लुधियाना के एसजीजी जनता कॉलेज रायकोट में 31 मार्च, 2018 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "पंजाबी नाट-मंच दे ग्लोबली सरोकार" पर महत्वपूर्ण भाषण।

वाई सिंह, (2017). 'पंजाबी प्रवासी साहित्य के बदलते पैटर्न' विषय पर सांध्य अध्ययन विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा 26-27 अक्तूबर 2017 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'पंजाबी प्रवासी दे बदलदे सरोकार' ।

वाई सिंह, (2018). आरएसडी कॉलेज, फिरोजपुर में 23-24 फरवरी, 2018 को पंजाबी काव-चिंतन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में *अंबरीश दा काव-चिंतन* ।

वाई सिंह, (2018). श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज, दिल्ली में 2 और 3 फरवरी 2018 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पंजाबी सम्मेलन में *पंजाबी साहित्य में आधुनिकता*।

वाई सिंह, (2018). अमृतसर में 27-28 फरवरी 2018 को *पंजाबी साहित दा ज्ञान शास्त्री, चाध्य बसंत उत्सव, नाद परगास*।

अंतर-संस्थागत सहयोग

साहित्य अकादमी, दिल्ली

पंजाबी अकादमी, दिल्ली

एसएस नूर फाउंडेशन, दिल्ली

विस्तार और पहुँच गतिविधियां

संकाय और छात्र पंजाब साहित्यिक फोरम, भाई वीर सिंह साहित सदन, नई दिल्ली द्वारा हर महीने के तीसरे शनिवार को आयोजित पुस्तक चर्चाओं में नियमित रूप से भाग लेते हैं।

प्रदत्त पीएच.डी./ एम.फिल

पीएच.डी. - 02
एम. फिल – 16

संकाय की संख्या

प्रोफेसर: 01 (भरे हुए) +01 (सीएएस और एमपीएस)
सहयोगी प्रोफेसर: 03 (भरे हुए) + 03 (सीएएस और एमपीएस)
सहायक प्रोफेसर: 05 (भरे हुए) + 04 (सीएएस और एमपीएस)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

विभाग शारीरिक रूप से दिव्यांग और वित्तीय रूप से कमजोर छात्रों की मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है।
दिल्ली स्कूल ऑफ पंजाबी क्रिटिसिज्म के रूप में विभाग की अपनी अंतरराष्ट्रीय मान्यता है।

***

संस्कृत

प्रमुख गतिविधियों और उपलब्धियां

संस्कृत विभाग ने 03.02.2018 को एनएन चौधरी मेमोरियल व्याख्यान का आयोजन किया और 10.08.2017 के दौरान संस्कृत सप्ताह मनाया। संस्कृत विभाग ने सत्यकाम भवन, सोशल साइंस एक्सटेंशन बिल्डिंग में 8 अप्रैल, 2018 को पारंपरिक नव वर्ष विक्रम संवत्सर: 2073 का उत्सव मनाया। इसने 12.8.2017 को संस्कृत विभाग, एसडीसी, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से डब्ल्यूएवीईएस तरुण तरंग द्वारा आयोजित वैश्विक परिप्रेक्ष्य में संस्कृत के महत्व पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। संस्कृत विभाग ने 24.3.2018 को संस्कृत, दक्षिण परिसर, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में भारतीय संस्कृति और भाषाई अटकलों की पुरातनता पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया था।

सम्मान/विशिष्टताएँ

एम द्विवेदी को दिसंबर, 2017 में "कालिदास स्त्री अभिधान माला" शीर्षक पुस्तक पर उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान द्वारा "विविध-पुरस्कार (साहित्य)" से सम्मानित किया गया।

जर्नल

विभाग के शिक्षक संपादक/संपादकीय मंडल के सदस्य के रूप में कार्यरत हैं

ए पी सिंह, प्रधान संपादक-, शोध नवनीत (इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल) के रूप में कार्यरत हैं।

डी एस तिवारी, एक अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ रिसर्च जर्नल त्रिपथगा के संस्करण 1.11, बीएचयू, वाराणसी के संपादकीय मंडलमें कार्यरत हैं।

डी एस तिवारी, पाटलिपुत्र जर्नल ऑफ इंडोलॉजी, पटना के संपादकीय मंडलमें कार्यरत हैं।

डी एस तिवारी, नई दिल्ली के दृष्टिकोण प्रकाशन से प्रकाशित संदर्भित पत्रिका दृष्टिकोण के संपादकीय मंडलमें कार्य कर रहे हैं।

डी एस तिवारी, संस्कृत अनुसंधान (अनंत), दिल्ली के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल के कार्यकारी संपादक के रूप में कार्यरत हैं।

आर के त्रिपाठी, 'त्रिपथगा' इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल में मुख्य संपादक के रूप में कार्यरत हैं

आर बेहरा ने वेव्स न्यूजलेटर, मई, 2017 में संपादक के रूप में कार्य किया।,

आर बेहरा ने वागर्थ, संस्कृत अनुसंधान के एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल के समीक्षा बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्य किया है।

प्रकाशन (22)

अंजू और एस चंद्रा, (2018). सांख्य-योग दर्शनशास्त्र की तकनीकी शर्तों के लिए वेब-आधारित शब्दकोश का विकास। रचनात्मक अनुसंधान विचारों का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 6 (1), 724-728। [प्रभाव फैक्टर: 5.9 7]।

आर बेहरा, (2017). वैदिदकास्वर विषयिनी दृष्टि (भाग -1), शोधप्रभा, 42 (2), 1-8।

आर बेहरा, (2017). वैदिदकास्वर विषयिनी दृष्टि (भाग -2)। शोधप्रभा, 42 (3), 1-9।

आर बेहरा, (2018). वैदिकावनमेय कृष्णविजननम। वैदिका परम्परा में विजनन आर्य अध्यात्म (प्राचीन भारतीय साक्षरता विरासत - 7 वेव्स)। प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली।

एस चंद्रा, (2017). (मशीनी अनुवाद) यूजीसी सीबीसीएस स्कीम के अंतर्गत बीए (संस्कृत) के (एईईसी) -3 के पाठ्यक्रम पर आधारित. विद्यानिधि प्रकाशन, नई दिल्ली। [आईएसबीएन: 978-93-85539-52-7].

एस चंद्रा और अंजू। (2017). पौराणिक खोज: पुराणों के लिए एक त्वरित खोज प्रणाली। भारत में भाषा, 17 (5)।

एस चंद्रा बी कुमार, वी कुमार और साक्षी। (2017). लघु सिद्धान्त कौमुदी आधारित कम्प्यूटरकृत सुबन्त रूपसिद्धि प्रक्रिया. विद्यानिधि प्रकाशन, नई दिल्ली, भारत।

वी पी डिंडोरिया (2017). वेद-वेदांत तथ वेदांग ज्योतिष। दिल्ली: परिमल प्रकाशन।

एम द्विवेदी, (2018). अलंकारों में श्लेषत्व विमर्श, शोधप्रभा, 43(1), 44-61.

एम द्विवेदी, (2018धनिका का शब्द बोध विमर्ष, प्रकाशित। बीना अग्रवाल (संपा.) संस्कृत कावयसा एवम सामयिक संदर्भ, (पृ. 25-42)। दिल्ली: विद्यानिधि प्रकाशन।

वी कुमार और एस चंद्रा, (2017). भ्वादिगणीय धातुओं के लिये क्रियापद सिद्धि तन्त्र का निर्माण। हिंदी और संस्कृत अनुसंधान का राष्ट्रीय जर्नल, 1(10).

आर के मीना और एस चंद्रा. (2017).संस्कृत छन्द प्रवेशिका: यूजीसी सीबीसीएस स्कीम के अन्तर्गत बीए (ऑनर्स/पास) संस्कृत के पाठ्यक्रम एईईसी-5 तथा जीई-3 हेतु पाठ्य-पुस्तक, नई दिल्ली: मुंशीराम मनोहरलाल प्रकाशक।

साक्षी और एस चंद्रा, (2017). संस्कृत तद्धित और अंग्रेजी प्रत्यय: एक प्राथमिक जांच। भारत में भाषा, 17 (5).

ए पी सिंह, (2017). तत्तोप्लवसिन्हा में आत्मतत्त्व विमर्श, शोध नवनीत, 8, 43-47.

ए पी सिंह, (2018). छंद समीक्षा में अद्वैत विमर्ष (पंचांगत्ववाद के संदर्भ), शोध-नवनीत, 8, 43-47.

एस पी सिंह, (2017). मगही व्याकरण का संक्षिप्त प्रक्रिया। पीएलएसआई में, भाग 1, बिहार की भाषाएं, मुख्य संपादक: गणेश देवी और अंक संपादक विभा चौहान, 359-372.

एस पी सिंह, (2017). मैथिली भाषा की संक्षिप्त प्रक्रिया। पीएलएसआई में, भाग 1, बिहार की भाषाएं, मुख्य संपादक: गणेश देवी और अंक संपादक विभा चौहान,113-126.

डी एस तिवारी, (2017). धर्मशस्त्र में वर्णित विनिमय-विवाद (विक्रियासम्प्रदान) का स्वरुप एवं समाधान। पाटलिपुत्र जर्नल ऑफ इंडोलॉजी, 9, 60-65.

डी एस तिवारी, (2017). संस्कृत वाङ्गमय में गणितीय परम्परा, दिल्ली: विद्यानिधि प्रकाशन।

डी एस तिवारी, (2017). स्थापत्य कला की दृष्टि से श्रीरंगा मंदिर का योगदान। पाटलिपुत्र जर्नल ऑफ इंडोलॉजी, 09, 74-81.

आर के त्रिपाठी, (2017). शेल्डन पोलोक के संस्कृत संबंधी विचार। वेद- ज्योतिषमती।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ (31)

आर बेहरा, (2018). दिल्ली संस्कृत अकादमी द्वारा 25 मार्च, 2018 को आयोजित अखिल भारतीय संस्कृत सम्मेलन के संस्कृत वाङ्गमय वर्णितनम कट्बसास्तिकलमन गणितशास्त्रस्य की उपयोगिता अनुभाग के तृतीय सत्र की अध्यक्षता की ।

आर बेहरा, (2017). भारतीय विद्या भवन, नई दिल्ली में 10-12 दिसंबर, 2017 को वेव्स के इक्कीसवें सम्मेलन में प्रमुख शिक्षा ग्रंथादृशा वेदाध्ययनम।

आर बेहरा, (2017). साहित्य अकादमी एवं रामकृष्ण मिशन रेसीडेंशियल कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल द्वारा संयुक्त रूप से 22.4.2017 को रामकृष्ण मिशन रेसीडेंशियल कॉलेज, कोलकाता में आयोजित वीरेंद्र कुमार भट्टाचार्यस्य साहित्यिकामावदनम (कलापिका-ओमरखइयामा ग्रंथायोह संदर्भे)।

आर बेहरा, (2018). डीएवी कॉलेज, नैनोला, अंबाला, हरियाणा द्वारा 7.3.2018 को आयोजित शिक्षण पद्धति और चुनौतियों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में स्कूल शिक्षा में शिक्षण पद्धति और चुनौतियां।

आर बेहरा, (2018). मेरठ के गुरुकुल प्रभात आश्रम में 13.1.2018 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और उपनिषदादृषा आदित्यसाय स्वरूपम शीर्षक पत्र प्रस्तुत किया।

आर बेहरा, (2018). 27 मार्च, 2018 को दिल्ली संस्कृत अकादमी द्वारा आयोजित अखिल भारतीय संस्कृत सम्मेलन के संस्कृतवाङ्मये वर्णितस्य योगशास्त्रस्य उपयोगिता भाग के 9वें सत्र की अध्यक्षता की।

आर बेहरा, (2018). 25-28 मार्च, 2018 को दिल्ली संस्कृत अकादमी द्वारा आयोजित अखिल भारतीय संस्कृत सम्मेलन के संस्कृतवाङ्मये वर्णितस्य योगशास्त्रस्य उपयोगिता भाग के दूसरे,पाँचवें और आठवें सत्रों का समन्वय किया।

एस चंद्रा, (2017). संस्कृत विभाग, मिरांडा हाउस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 07 सितंबर, 2017 को "कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान: संस्कृत के लिए एक व्यावहारिक और अंतःविषय क्षेत्र" (संगणकीय भाषाविज्ञान संस्कृत के लिए एक व्यवहारिक एवं अंतर्विषयक क्षेत्र) पर विशेष व्याख्यान दिया ।

एस चंद्रा, (2017). जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के स्कूल ऑफ संस्कृत और इंडिक स्टडीज (संस्कृत एवं प्राच्य विद्या अध्ययन संस्थान) में 16 नवंबर, 2017 को "यूजीसी चॉयस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) कोर्स फॉर संस्कृत एंड सीएल रिसर्च एट डीयू" पर विशेष व्याख्यान दिया।

एस चंद्रा, (2018). 19-23 फरवरी, 2018 के दौरान प्राकृतिक भाषा संसाधन पर संकाय विकास कार्यक्रम (एनएलपी) में एबीईएस इंजीनियरिंग कॉलेज, गाजियाबाद, 19वें केएम स्टोन, एनएच 24, गाजियाबाद -201 00 9, यूपी में 21 फरवरी, 2018 को "पाइथन के साथ भारतीय भाषा कंप्यूटिंग" पर विशेष व्याख्यान दिया।

एस चंद्रा, (2018).10 मार्च, 2018 को संस्कृत और एसडीएचडीआर और टी केंद्र, एस डी कॉलेज (लाहौर), अंबाला कैंट विभाग द्वारा "संस्कृत शास्त्र और कृत्रिम बुद्धमत्ता/मशीनी अनुवाद में अस्पष्टता की आलोचना (नव्या-न्याय, व्याकरण, मीमांसा, साहित्य-शास्त्र, अनेकांतवाद के संदर्भ के साथ)" आयोजित एक दिवसीय अंतःविषय राष्ट्रीय कार्यशाला में "मशीनी अनुवाद की सैद्धांतिक अवधारणाओं" पर व्याख्यान दिया।

एस चंद्रा, (2018). हिंदू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 21 मार्च, 2018 को "कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान के साथ संस्कृत और अन्य भारतीय भाषाओं में शोध के विभिन्न अवसर" पर व्याख्यान दिया।

एस चंद्रा, (2018). 10 मार्च, 2018 को संस्कृत और एसडीएचडीआर और टी केंद्र, एस डी कॉलेज (लाहौर), अंबाला कैंट विभाग द्वारा "संस्कृत शास्त्र और कृत्रिम बुद्धमत्ता/मशीनी अनुवाद में अस्पष्टता की आलोचना (नव्या-न्याय, व्याकरण, मीमांसा, साहित्य-शास्त्र, अनेकांतवाद के संदर्भ के साथ)" आयोजित एक दिवसीय अंतःविषय राष्ट्रीय कार्यशाला में "मशीनी अनुवाद प्रणाली में चुनौतियां"।

वी पी डिडोरिया (2018). 23-24 मार्च, 2018 को संस्कृत विभाग, पीजीडीएवी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में "वेदों में कला एवं विज्ञान" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में केना तथा का ओहोपानीओद में पादाउसित्या।

एम द्विवेदी (2018). संस्कृत विभाग, पीजीडीएवी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 24.03.2018 को आयोजित संगोष्ठी में *वेदों में नाट्यकला* पर व्याख्यान दिया और एक सत्र की अध्यक्षता भी की।

एम द्विवेदी (2017) 29 अप्रैल, 2017 को श्री शंकर शिक्षायतन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित सम्मेलन में *सत्पथ श्रमण में पत्नी सम्यजा (यज्ञविमर्श)* पर व्याख्यान दिया और एक सत्र की अध्यक्षता भी की।

एम द्विवेदी (2017). 15 दिसंबर, 2017 को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, दिल्ली द्वारा आयोजित विश्व वेद सम्मेलन में *लैंगिक समानता और वैदिक दृष्टि* पर व्याख्यान दिया और उन्हें सारस्वत अतिथि के रूप में सम्मानित किया गया।

एम द्विवेदी (2018). 11.01.18 को स्वामी संपूर्णानंद वैदिक शोध संस्थान गुरुकुल प्रभात आश्रम, टिकारी मेरठ, उ.प्र. में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में *छंदोग्योपनिषद में त्रिवृतकारण की अवधारणा* पर व्याख्यान दिया।

एम द्विवेदी (2018). दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस कॉलेज के संस्कृत विभाग द्वारा 07.02.2018 को *भारतीय रगंमंच का स्वरूप और उपयोगिता* विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

एम द्विवेदी (2018). संस्कृत विभाग, रोहतक विश्वविद्यालय, हरियाणा द्वारा 8.03.2018 को आयोजित संगोष्ठी में *संस्कृत साहित्य में रामकथा*।

एम द्विवेदी 2018). 29 अप्रैल, 2017 को श्री शंकर शिक्षायतन, नई दिल्ली और संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सम्मेलन में *छंद-समीक्षा मे निरुपिता अवस्थांभा व्यवस्था।*

एम द्विवेदी (2018). विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 25.3.18 को दिल्ली संस्कृत अकादमी द्वारा आयोजित संगोष्ठी में *नाट्य शास्त्र की प्रासांगिकता*।

एम किशन (2017) श्री शंकर शिक्षायतन और संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 19 अगस्त, 2017 को आयोजित 'छंद समीक्षा विमर्श' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'छंदोबद्ध मर्मचिंता'।

एस शर्मा. (2018) गुरुकुल प्रभात आश्रम, उ.प्र द्वारा 13.01.2018 को अखिल-भारत-वैदिक शोध-संगोष्ठी पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन में "उपनिषदों में विविध विद्याएँ"।

ए पी सिंह (2017) श्री शंकर शिक्षायतन और संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 19 अगस्त, 2017 को आयोजित 'छंद समीक्षा विमर्श' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'छंद समीक्षा में वेदांततत्व विमर्श'।

डी एस तिवारी (2018). स्माइल नेशनल वुमेन पीजी कॉलेज, मेरठ, उ.प्र में 19-20 फरवरी, 2018 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में *कौटिल्य के अर्थशास्त्र में कृषि एवं जल प्रबंधन की वैज्ञानिक अवधरणाएं।*

डी एस तिवारी(2017). धर्म प्रतिस्थापन, दिल्ली द्वारा आईजीएनसीए, नई दिल्ली में आयोजित वेदों पर विश्व सम्मेलन (15-17 दिसंबर, 2017) में वेदों में दर्शन, नीति और विज्ञान।

डी एस तिवारी(2017).आईएवीएम, यू.के. के सहयोग से संस्कृत विभाग, सेंट स्टीफेंस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय वैदिक गणित सम्मेलन (27-29 दिसंबर, 2017) में भारतीय बौद्धिक परंपराओं में संख्याओं और अंकों की अनिवार्यता और उनकी वैज्ञानिक भूमिका।

डी एस तिवारी(2018). स्वामी सम्पूर्णानंद वैदिक शोध संस्थान, गुरुकुल प्रभात आश्रम, उ.प्र द्वारा 13.01.2018 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में त्याग एवं भोग में संदर्भ में ईशाव्यास्योपनिषद की तत्त्विक दृष्टि।

नियोजन का विवरण (छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

दिल्ली के सरकारी स्कूल में दो छात्र नियुक्त

सुश्री साक्षी डॉक्टरेट, अनुसंधान विद्वान को दिल्ली सरकार स्कूल, दिल्ली में पीजीटी (संस्कृत) के रूप में नियुक्त किया गया।

श्री विवेक कुमार, डॉक्टरेट रिसर्च विद्वान को दिल्ली सरकार स्कूल, दिल्ली में टीजीटी (संस्कृत) के रूप में नियुक्त किया गया।

प्रदत्त एम.फिल/पीएचडी डिग्रियों की संख्या

पीएचडी : 16

एम.फिल : 15

संकाय की संख्या - 24

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

एम द्विवेदी, (2018) ने 22.03.2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज, संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित एक कवि सम्मेलन में संस्कृत कविताओं का पाठ किया।

एम द्विवेदी, (2017) ने सेंटर फॉर प्रोफेशनल डेवलपमेंट इन हायर एजुकेशन (सीपीडीएचई), यूजीसी-एचआरडीसी, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 27 जून, 2017 को आयोजित एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम कार्यक्रम में - कालिदास का शब्द परिपाक शीर्षक व्याख्यान दिया।

आर के त्रिपाठी, (2017) ने 15 जुलाई, 2017 को संस्कृत अकादमी, दिल्ली में वक्ता के रूप में "संस्कृत एवं हिंदी का अंतर-संबंध" पर व्याख्यान दिया।

आर के त्रिपाठी, (2017) ने संस्कृत अकादमी, दिल्ली में 02 अगस्त, 2017 को "काव्यशास्त्र में रस-स्वरुप-विमर्श", (शाम 4 बजे से 6 बजे तक) पर व्याख्यान दिया।

आर के त्रिपाठी, (2017) ने संस्कृत अकादमी, दिल्ली में 03 अगस्त, 2017, (शाम 4 बजे से 6 बजे) "अलंकार-सम्प्रदाय-विवेचन" पर व्याख्यान दिया।

आर के त्रिपाठी, (2017) ने संस्कृत अकादमी, दिल्ली में 04 अगस्त, 2017 (4 बजे से शाम 6 बजे) को "द्वनि-सम्प्रदाय: एक अनुशीलन" शीर्षक व्याख्यान दिया।

आर के त्रिपाठी, (2017) ने संस्कृत अकादमी, दिल्ली में 18 अगस्त, 2017 (शाम 4 बजे से 6 बजे) को "रीति-संप्रदाय का कव्यतम-विवेचन" पर व्याख्यान दिया।

आर के त्रिपाठी, (2017) संस्कृत अकादमी, दिल्ली में स्पीकर के रूप में 20 अगस्त, 2017 (शाम 4 बजे से 6 बजे) को "वक्रोक्ति एवं औचित्य-विमर्श" शीर्षक व्याख्यान दिया।

आर के त्रिपाठी, (2017) संस्कृत अकादमी, दिल्ली में 04 सितंबर, 2017 (शाम 4 बजे से 6 बजे) को रामायण एवं महाभारत का सामान्य विवरण शीर्षक व्याख्यान दिया।

आर के त्रिपाठी, (2017) ने संस्कृत अकादमी, दिल्ली में 05 सितंबर, 2017 को (4 बजे से शाम 6 बजे)"रुपकों का उद्भव एवं विकास" शीर्षक पर व्याख्यान दिया।

आर के त्रिपाठी, (2017) कालिंदी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 03.03.2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "आधुनिक संस्कृत-साहित्य में मानव-मूल्य" में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया है।

आर के त्रिपाठी, (2018) संस्कृत विभाग, बरकतुला विश्वविद्यालय, भोपाल (एमपी) द्वारा आयोजित 11 मार्च, 2018 को "संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीय भवन" शीर्षक राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया है।

आर के त्रिपाठी, (2018) संस्कृत विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी, दिल्ली द्वारा 21-3-2018 (पूर्वाह्न 11 बजे से 12:30 बजे तक) को आयोजित चौथे विस्तारित व्याख्यान में "अलंकार सिद्धांत विकास-परम्परा" शीर्षक व्याख्यान दिया है।

आर के त्रिपाठी, (2017) सीपीडीएचई, दिल्ली विश्वविद्यालय में 20 जून, 2017 और 4 जुलाई, 2017 को पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में दो व्याख्यान दिए।

***

स्लावोनिक और फिनो-उग्रियन अध्ययन

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

स्लाविक और फिनो-उग्रियन अध्ययन विभाग को देश का ऐसा एकमात्र विभाग होने का गर्व है, जहां रूसी और पोलिश के अलावा, बल्गेरियाई, चेक, क्रोएशियाई और हंगरी भाषाओं में पाठ्यक्रम पढ़ाए जाते हैं। यह विभाग को कक्षा शिक्षण से परे विभिन्न गतिविधियों का संचालन करने का अवसर प्रदान करता है। इन गतिविधियों की एक सूची नीचे दी गई है।

इस वर्ष विभाग ने दिल्ली विश्वविद्यालय में रूसी भाषा विभाग (देश में पहला) की स्थापना के सत्तर वर्ष, भारत-रूस के राजनयिक संबंधों के सत्तर वर्ष और उसके साथ-साथ क्रोएशियाई भाषा में पाठ्यक्रम शुरू करने के बीस वर्षों का जश्न मनाया। इन्हें विभिन्न अनूठे कार्यक्रमों का आयोजन करके चिह्नित किया गया, जिनमें एक फोटो प्रदर्शनी: भारत में रूस के दूतावास के सहयोग से "टॉल्स्टॉय-गांधी: अहिंसा के प्रचारक", लियो टॉल्स्टॉय हाउस संग्रहालय यासनयापोलिया, रूस, राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय, नई दिल्ली और गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय; दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट स्टीफेंस कॉलेज के सहयोग से एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता: "ड्रुज्बा-दोस्ती", जिसमें भारत और रूस के बीच 70 वर्षों के राजनयिक संबंधों पर आधारित प्रश्न शामिल हैं और एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "भारत और रूस: पार-सांस्कृतिक सहयोग" जिसे दिल्ली विश्वविद्यालय, सोशल साइंस रिसर्च (आईसीएसएसआर) के लिए भारतीय परिषद, भारत में रूसी संघ के दूतावास और विज्ञान और संस्कृति के लिए रूसी केंद्र, नई दिल्ली द्वारा समर्थित किया गया था। सम्मेलन ने रूस के मॉस्को, सेंट पीटर्सबर्ग, वोल्गोग्राड, कज़ान, इवानोव, मुर्मास्क और येकातेरिनबर्ग जैसे रूस के विभिन्न शहरों साथ- साथ - जॉर्जिया, तुर्की और श्रीलंका सहित अन्य देशों के प्रसिद्ध विद्वानों, वैज्ञानिकों और शिक्षकों को आकर्षित किया।

"दिल्ली विश्वविद्यालय में क्रोएशियाई भाषा का 20 वर्ष मनाते हुए" कार्यक्रम को क्रोएशियाई दूतावास के सहयोग से आयोजित किया गया था और भारत में क्रोएशिया के राजदूत महामहिम श्री पेटार लुजुबिक ने इसका उद्घाटन किया था। दो दिवसीय उत्सव को पुस्तकों, तस्वीरों की प्रदर्शनी, कविता पाठ के सत्र और विशेष व्याख्यान द्वारा चिह्नित किया गया था।

विभाग विदेशी विशेषज्ञों और विशेषज्ञों के व्याख्यान और अन्य गतिविधियों को आयोजित करने के लिए विदेशों के सांस्कृतिक केंद्रों के साथ नियमित रूप से सहयोग करता है, जो छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय अनुभव प्रदान करता है और उनके दृष्टिकोण को विस्तृत करता है। विभाग सीखने का एक जीवंत और स्थान है।

सम्मान/विशिष्टताएँ

रंजना सक्सेना को अल-फरबी विश्वविद्यालय, कज़ाखस्तान के पीएचडी छात्र के लिए विदेशी पर्यवेक्षक मनोनीत किया गया।

प्रकाशन (18)

एम कोव्स (2017) हंगेरियन भाषा सुधार के संदर्भ में जी डब्ल्यू लिटनर और हिंदी-उर्दू भाषा प्रश्न, कलाकल्प आईजीएनसीए जर्नल ऑफ़ आर्ट्स 2(1), गुरु पूर्णिमा, जुलाई 2017, 171-185.

एम कोव्स (2017) साक्षात्कार: हंगेरियन लेखक गैबरलैन्ज़कोर: संकट में मानवतावाद http://www.frontline.in/arts-and-culture/literature/humanism-incrisis/article9730464.ece?Homepage = true, 7 जुलाई, 2017

एम कोव्स (2017) फोटो-फ़्रेमयुक्त इंस्टॉलेशन: विभाजन और प्रलय के बारे में दूसरी और तीसरी पीढ़ी के वर्णन, 70 वर्षों के बाद भारत के 1947 के विभाजन को देखते हुए। रक्षंदा जलील, तरुण के संत और देबजानी सेनगुप्ता में, (पृ. 54-66)। हैदराबाद: ओरिएंट ब्लैक स्वान।

एम कोव्स(2017) जॉर्ज लुकैक्स का जीवन और कार्य: एक परिचय, सामाजिक वैज्ञानिक, 534-535 (नवंबर-दिसंबर, 2017), 3-40.

एम कोव्स (2018) हंगरी में एक मैगीएरिरोडलोम के रूप में अमृता शेर-गिल: अमृता शेर-गिल और हंगेरियन साहित्य। ऑर्फिस नोस्टर, कारोली गैस्पार विश्वविद्यालय का जर्नल, 10(2), 42-53.

एम कोव्स(2018) जैनोस अरन्याक तथा गीतएवं कविताएं, परिचय संपादन, नोट्स, सह-अनुवादक, दिल्ली: राजकमल प्रकाशन।

एम कोव्स(2018) आधुनिकता, नैतिकता और कला में प्रारंभिक कार्य लुकाक्स, सामाजिक वैज्ञानिक, 536-537 (जनवरी-फरवरी 2018), 11-27।

जी मुंजाल, (2017) एंड्रेइ डिमेंटेव, द्वारा एक कविता का हिंदी अनुवाद। जर्नल, अनुवाद, 172-173 (जुलाई-दिसंबर 2017), [रूसी साहित्य के हिंदी में अनुवाद पर एक विशेष मुद्दा]। नई दिल्ली: ट्रांसलेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया, 105-106.

जी मुंजाल, (2017) वसीली शुक्शिन द्वारा एक कहानी का हिंदी अनुवाद, जर्नल। अनुवाद 172-173 (जुलाई-दिसंबर 2017), [हिंदी में रूसी साहित्य के अनुवाद पर एक विशेष मुद्दा]। नई दिल्ली: ट्रांसलेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया, 64-71.

जी मुंजाल, (2017) हिंदी में रूसी कविता: छेड़छाड़, ताल, भावना का बदलाव। आलोचक, 15 (मार्च 2018 [रूसी, एसएलएल और सीएस अध्ययन केंद्र, जेएनयू, नई दिल्ली, भारत]।

जी मुंजाल, और डी वशिष्ठ, (2017) रूसी में भाषण के हिस्सों के सिद्धांत और विश्लेषण, लैंगर्स इंटरनेशनल 180 पृ.

आर सक्सेना, (2018) 'खोए हुए अटलांटिस की खोज में: सड़क के धूप वाले किनारे पर डीना रूबिना', मध्य एशियाई संस्कृति में रूसी कारक, नई दिल्ली: मानक,326-328.

आर सक्सेना, (2017). दो शहरों की एक कहानी: समकालीन साहित्यिक कल्पना में कलकत्ता और ताशकंद, मध्य एशिया और दक्षिण एशिया: आर्थिक, विकास और सामाजिक-सांस्कृतिक संबंध, नई दिल्ली: मानक, 510-537.

आर सक्सेना, (2018). ज्योर्जी लुकस और रूसी कारक, सामाजिक वैज्ञानिक, 46(1-2), 65-90.

एन सूर्यनारायण, (2018). एक विदेशी दर्शक समूह के लिए रूसी साहित्य शिक्षण में नवीन तकनीकों का उपयोग करना। इंटरनेट पर भाषा और भाषण में: व्यक्ति, समाज, संचार, संस्कृति। [Vol.2], 40-52.

एन सूर्यनारायण, (2017) पुस्तक; रूसकिये प्रिस्तावोचिनिये ग्लागोली: ज्नाचेनिये। अलग से। अपत्रिब्लेनिये दिल्ली.

एन सूर्यनारायण, (2017). भारत के स्वास्थ्य देखभाल में रूसी भाषा की भूमिका। भाषाविज्ञान का रूसी जर्नल, वेस्टनिक: रशियन यूनिवर्सिटी ऑफ पीपुल्स फ्रेंडशिप, 515-529।

पत्रिकाएँ

संपादकीय मंडलके संपादकों/सदस्यों के रूप में कार्यरत विभाग शिक्षकों की संख्या: 01

नीलाक्षी सूर्यनारायण - संपादकीय मंडलके सदस्य: 1. रूसी जर्नल ऑफ़ लैंग्विक्स। क्वार्टरली जर्नल ऑफ पीपुल्स फ्रेंडशिप यूनिवर्सिटी ऑफ रूस, मॉस्को।

वेस्टनिक, जर्नल ऑफ मॉस्को सिटी यूनिवर्सिटी - श्रृंखला: फिलोलॉजी, भाषा विज्ञान सिद्धांत, भाषा अध्ययन।

आयोजित संगोष्ठियाँ/कार्यशालाएं (04)

21 सितंबर, 2017, पीपुल्स फ्रेंडशिप यूनिवर्सिटी, मॉस्को, रूस के दो विशेषज्ञों की टीम प्रोफेसर नतालिया नोविकोवा और प्रोफेसर व्लादिमीर मेस्किन ने विदेश में रूसी भाषा शिक्षण और साहित्य के क्षेत्र में एक दिवसीय संगोष्ठी सह मास्टर कक्षा का आयोजन किया। छात्रों को भागीदारी के प्रमाण पत्र दिए गए थे।

क्रोएशियाई दूतावास के सहयोग से 19 मार्च, 2018 ने को एक कार्यक्रम आयोजित किया गया "दिल्ली विश्वविद्यालय में क्रोएशियाई भाषा के 20 वर्ष का जश्न मनाते हुए"। क्रोएशिया के राजदूत एच.ई. श्री पेटार लुजुबिक ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह का उद्घाटन किया। छात्रों द्वारा दो दिवसीय उत्सव किताबों, तस्वीरों की प्रदर्शनी और कविता पाठ के सत्र तथा विशेष आमंत्रित प्रोफेसर मिस्लाव जेज़िक (क्रोएशियाई एकेडमी ऑफ साइंसेज एंड आर्ट्स के प्रसिद्ध इंडोलॉजिस्ट) के 'एक संक्षिप्त सर्वेक्षण/क्रोएशियाई इंडोलोजी का इतिहास' पर एक व्याख्यान से चिह्नित किया गया। '

चेक गणराज्य के दूतावास और रूसी संघ के दूतावास, पोलैंड गणराज्य, बुल्गारिया, हंगरी और क्रोएशिया गणराज्य के दूतावास से सक्रिय समर्थन के साथ भारत में 23 अक्तूबर से 30 अक्तूबर, 2017 तकवार्षिक फिल्म महोत्सव: लिटिल यूरोप, 2016-17 "सिनेमा में प्रवासी" आयोजित किया गया। प्रत्येक स्क्रीनिंग के बाद विभाग के शिक्षकों द्वारा एक कार्यशाला आयोजित की गई और फिल्म विद्वानों और विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया।

23 अक्तूबर, सोमवार, 2017 को सुबह 11.00 बजे - चेक गणराज्य के राजदूत, महामहिम श्री मिलान होवोर्का ने फिल्म-फेस्टिवल "सिनेमा में डायस्पोरा" का उद्घाटन किया। प्रोफेसर मीनाक्षी थपन, समाजशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने मुख्य भाषण दिया। उद्घाटन समारोह के बाद चेक फिल्म: कावासाकी रोज़ (2009) प्रदर्शित की गई, जिसके बाद फिल्म विद्वान द्वारा कार्यशाला आयोजित की गई थी।

24 अक्तूबर, मंगलवार, 2017 को दोपहर 01.15 बजे - हंगरी के राजदूत, महामहिम श्री ग्युला पेथो द्वारा वृत्तचित्र प्रदर्शनी "स्वतंत्रता की आशा" का उद्घाटन हुआ, इसके बाद हंगेरियन फिल्म: डैनियल लेक्स ए ट्रेन (2007)) प्रदर्शित की गई, उसके बाद कार्यशाला और चाय का आयोजन था।

25 अक्तूबर, बुधवार, 2017को दोपहर 1.30 बजे पोलिश फिल्म : विक्टोरिया स्टेशन में एक बार(2003)प्रदर्शित की गई, उसके बाद कार्यशाला और चाय का आयोजन था।

26 अक्तूबर, गुरुवार, 2017 को दोपहर 1.30 बजे - क्रोएशियाई फिल्म: माई अंकल’स लीगेसी प्रदर्शित की गई, उसके बाद कार्यशाला और चाय का आयोजन था।

27 अक्तूबर, 2017 को दोपहर 1.30 बजे - रूसी फिल्म: पासपोर्ट (1990) प्रदर्शित की गई, उसके बाद कार्यशाला और चाय का आयोजन था।

30 अक्तूबर, सोमवार, 2017 को दोपहर 1.30 बजे - बल्गेरियाई फिल्म की स्क्रीनिंग: पूर्वानुमाफॉरकास्ट (2009) प्रदर्शित की गई, उसके बाद कार्यशाला और चाय का आयोजन था।

31 अक्तूबर, मंगलवार, 2017, छात्रों द्वारा प्रस्तुतिकरण और फिल्म-फेस्टिवल का समापन। संबंधित छात्रों को सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति के लिए पुरस्कार दिए गए थे।

27 नवंबर, 2017. प्रोफेसर मिलेना ब्रेटोवा (प्रमुख) क्लासिकल ईस्टर्न स्टडीज विभाग, सोफिया विश्वविद्यालय "सेंट क्लीमेंटोख्रिड” बुल्गारिया द्वारा बल्गेरियाई भाषा के छात्रों द्वारा बल्गेरियाई कविताओं, लोककथाओं और लघु कथाओं के अनुवाद पर एक कार्यशाला आयोजित की गई, डॉ. विमलेश कांति वर्मा कार्यशाला के लिए विशेष रूप से आमंत्रित थे। डॉ. रश्मि जोशी और डॉ. गैलिना मोल्होवा ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

आयोजित सम्मेलन

22 -23 फरवरी, 2018 को "भारत और रूस: पार-सांस्कृतिक सहयोग" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन दिल्ली विश्वविद्यालय, इंडियन काउंसिल फॉर सोशल साइंस रिसर्च (आईसीएसएसआर), भारत में रूसी संघ के दूतावास और विज्ञान और संस्कृति के रूसी केंद्र, नई दिल्ली द्वारा समर्थित था।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति (21)

वी जे चेनकक्कदान (2017) "बहुभाषावाद: भारत-रूस परिप्रेक्ष्य" अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी: भारत और रूस में बहुभाषावाद, फरवरी, 2017, रूसी विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई।

वी जे चेनकक्कदान (2017). "स्पष्टीकरण व्याकरण के माध्यम से रूसी सीखने की आसानी - रूसी शिक्षण/अधिगम में एक अभिनव दृष्टिकोण" दिसंबर, 2017 रूसी विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी: रूसी भाषा और साहित्य को पढ़ाने में प्रभावी और अभिनव दृष्टिकोण।

वी जे चेनकक्कदान (2017). 10 दिसंबर, 2017 को मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई, भारत में विशेष व्याख्यान "स्पष्टीकरण व्याकरण" (240 मिनट)। • 20 दिसंबर, 2017 को आधुनिक भाषा विभाग, केलानिया विश्वविद्यालय, कोलंबो, श्रीलंका में विशेष व्याख्यान: "स्पष्टीकरण व्याकरण का उपयोग करके रूसी भाषा सीखने की आसानी" (180 मिनट)।

वी जे चेनकक्कदान (2018). भारत और रूस: पार सांस्कृतिक सहयोग, फरवरी, 2018 में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "रूसी में पार भाषाई तालमेल तत्व के रूप में फोटोमारफीम"। स्लाव और फिनो-उग्रिन अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्लीवी जे चेनकक्कदान (2018). 16 फरवरी, 2018 को दिल्ली के वायु मुख्यालय में रूसी अनुवाद कक्ष निदेशालय में विशेष व्याख्यान "स्पष्टीकरण व्याकरण" (120 मिनट)।

एम कोवेश (2018). संयुक्त राष्ट्र महिला संघ, नई दिल्ली में 23 जनवरी, 2018 को "हंगरी, परंपराएँ, इतिहास, साहित्य" के बारे में व्याख्यान।

एम कोवेश (2018). सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज, एसएसएस, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में 23-25 मार्च, 2018 को "फोटोग्राफी एंड लिटरेचर" पर संगोष्ठी में "मीडिया अध्ययन: शैक्षणिक एवं पद्धति मूलक संबंध", पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

एम कोवेश (2018). जर्मन और रोमांस स्टडीज विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 8-10 मार्च, 2018 को "कल्पनाशील घर" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "कस्टम-ऑफिसर एंड गॉड: फॉर्म एंड फिक्शन ऑफ होम" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

जी मुंजाल, (2017). 'रूसी अध्ययन: साहित्य और संस्कृति, भाषा और अनुवाद में परिवर्तन के आयाम, एसएलएल और सीएस, जेएनयू, नई दिल्ली में 09.11.2017 को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "रूसी साहित्य को पढ़ाने की पद्धति में व्याकरण की भूमिका" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

जी मुंजाल, (2017). 6-7 सितंबर, 2017, एसएलएल और सीएस, जेएनयू, नई दिल्ली में 06.09.2017 को राष्ट्रीय संगोष्ठी सह कार्यशाला: अनुवाद अध्ययन में उभरते रुझान में "हिंदी में रूसी कविता: छंद, ताल, भावना का बदलाव" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

जी मुंजाल, (2017). रूसी विभाग, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार नेटवर्किंग संस्थान, सेंट पीटर्सबर्ग, रूस, (अंतर्राष्ट्रीय) में 24.05.2017 को "रूसी साहित्यिक ग्रंथों को समझने में पढ़ने और समझने के कौशल की अभिनव पद्धति", 120 मिनट।

जी मुंजाल, (2017).रूसी अनुवाद कक्ष निदेशालय, एआईआर मुख्यालय (आरकेपी), नई दिल्ली (राष्ट्रीय) में 13.09.2017 को "रूस में आधुनिक राजनीतिक प्रवचन" और "आधुनिक रूसी सिंटेक्स", 120 मिनट।

जी मुंजाल, (2017). रूसी विभाग, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार नेटवर्किंग संस्थान, सेंट पीटर्सबर्ग, रूस, (अंतर्राष्ट्रीय) में 26.05.2017 को"रूसी व्याकरण में शिक्षण और अधिगम में प्रणाली की नई अभिनव पद्धति", 120 मिनट।

जी मुंजाल, (2017). रूसी अनुवाद कक्ष निदेशालय, एआईआर मुख्यालय (आरकेपी), नई दिल्ली (राष्ट्रीय) में 15.11.2017 को रूसी में "विंग्ड शब्द और रूसी में अभिव्यक्ति" और "स्टाइलिस्टिक्स समानार्थी शब्द" 120 मिनट।

आर सक्सेना, (2017). गोरकी इंस्टीट्यूट ऑफ वर्ल्ड लिटरेचर द्वारा 25 मई 2017 को अकादमी ऑफ साइंसेज, मॉस्को में 'टॉल्स्टॉय एंड द रेवोल्यूशन - टोलस्टॉय पर बारहवां अध्ययन' पर आयोजित संगोष्ठी में 'रिलेवेन्स ऑफ टॉल्स्टॉय एंड गांधी इन द टाइम्स ऑफ अनुपस्थिति में पोस्ट-ट्रूथ्रेड के समय में की प्रासंगिइन एबसैंटिया'।

आर सक्सेना, (2017) एमएमजेजे अकादमी ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, जामिया मिलिया इस्लामिया यूरेशिया में 9 नवंबर 2017 को '1917 के बाद सौ वर्ष' पर आयोजित संगोष्ठी में 'रूसी क्रांति और महिला आंदोलन'।

आर सक्सेना, (2018) स्लाविक और फिनो-उग्रियन स्टडीज विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 23 फरवरी, 2018 को "एलएन टॉल्स्टॉय एवं एम के गांधी - 'आदर्श दुनिया' की खोज में (रूसी में) भारत और रूस: पार सांस्कृतिक सिनर्जीज।

एन सूर्यनारायण, (2017). रूसी भाषा के केंद्र, लंदन, "रूस के बाहर रूसी" की स्थापना के 25 वर्षों तक समर्पित पर 2-3 नवंबर, 2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'एक विदेशी भाषा सीखने/पढ़ाने में जातीय स्टीरियो प्रकार' ।

एन सूर्यनारायण, (2017). तीसरे अंतर्राष्ट्रीय लिविडिया फोरम में, 5-6 जून 2017 को रूसी संघ शिक्षा और विज्ञान मंत्रालय, लिवाडिया, क्राइमा द्वारा आमंत्रित किया गया, 'युवाओं को नैतिक मूल्य प्रदान करने के प्रेरणा स्रोत के रूप में रूसी साहित्य' पर प्रस्तुति।

एन सूर्यनारायण, (2018). स्लाविक और फिनो-उग्रियन स्टडीज विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 22-23 फरवरी, 2018 को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन- भारत और रूस: पार सांस्कृतिक सहक्रिया में 'समझदारी और प्रभावी संचार के आधार के रूप में सांस्कृतिक साक्षरता।' (भारतीय और रूसी संचार संस्कृतियों की सामग्री के आधार पर) रूसी में।

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र

21 फरवरी, 2018 को एमए रूसी अध्ययन के छात्रों के लिए प्रोफेसर गैलिना ट्रोफिमोवा, विज़िटिंग प्रोफेसर, पीपुल्स फ्रेंडशिप यूनिवर्सिटी, मॉस्को द्वारा एक विशेष मास्टर-क्लास "हमें समाचार पत्र के लिए लिखने दें" आयोजित किया गया था। छात्रों को भागीदारी के प्रमाण पत्र दिए गए थे।

नियोजन का विवरण

रूसी के कई छात्रों को चिकित्सा पर्यटन और अन्य क्षेत्रों में दुभाषियों के रूप में लाभकारी रोजगार मिला है

विस्तार और पहुँच गतिविधियां

11 सितंबर, 2017 को छात्रों ने विभाग के ऑडियो-विजुअल रूम में स्वामी विवेकानंद और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के 125वें वर्ष के समारोह के अवसर पर "यंग इंडिया - न्यू इंडिया - एक पुनरुत्थान करता राष्ट्र: संकल्प से सिद्धि" पर माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी का लाइव प्रसारण देखा। ।

19 सितंबर, 2017 कोएचआरडी मंत्रालय के कार्यक्रम "स्वच्छता पखवाड़ा" एक हिस्से के रूप में "स्वास्थ्य और स्वच्छता असली धन" विषय पर एक एलोक्यूशन प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता में सभी पाठ्यक्रमों के छात्रों ने भाग लिया। पहला, दूसरा और तीसरा स्थान पाने वाले छात्रों को भागीदारी के प्रमाण पत्र और पुरस्कार वितरित किए गए।

6 अक्तूबर, 2017 को बुल्गारिया में ग्रीष्म कालीन संगोष्ठी में भाग लेने वाले बल्गेरियाई भाषा के छात्रों द्वारा, बुल्गारिया में उनके सीखने और रहने का अनुभव बताते हुए एक प्रस्तुति। बल्गेरियन भाषा के सभी छात्रों ने प्रस्तुति में भाग लिया।

30 अक्तूबर, 2017 को सोफिया विश्वविद्यालय, बुल्गारिया की सुश्री वायोलेटा हलाचेवा ने बल्गेरियाई भाषा के विशेष संदर्भ के साथ "विदेशी भाषा शिक्षण में आधुनिक प्रौद्योगिकी" पर एक वार्ता दी। बल्गेरियाई भाषा के साथ-साथ अन्य भाषाओं के छात्रों ने बातचीत में भाग लिया।

05 दिसंबर, 2017 को हंगेरियन लेखक द्वारा श्रीमान गैबोर लैंज़कोर के उपन्यास "अमृता शेर गिल जैसा कि मैंने उसे देखा" के आधार पर व्याख्यान। हंगरी की संगीतकार सुश्री क्रिस्टीना लैंज़कोर कोक्सिस द्वारा "बांसुरी के लिए कॉन्सर्ट एतुडेस" में बांसुरी वादन।

13 दिसंबर, 2017 को संगीत विभाग, संगीत और ललित कला संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से हंगरी के प्रसिद्ध एन्सेबल कलका और भारतीय संगीतकारों का संगीत प्रदर्शन। प्रदर्शन संगीत विभाग के कॉन्सर्ट हॉल में आयोजित किया गया था। एन्सेबल कलका ने बाद में प्रदर्शन विभाग के एवी कक्ष में संगीत के लिए सर्गेई यसिनिन और अतीला जोसेफ की कविताओं का पाठ किया।

11 जनवरी, 2018 रूसी क्रांति के 100 वर्षों को चिह्नित करने के लिए, जॉन रीड (हिंदी में डब किए गए) के उपन्यास पर आधारित एक फिल्म शो "टेन डेज़ दैट शुक द वर्ल्ड" छात्रों के लिए प्रदर्शित की गई थी। फिल्म पर श्री विनीत तिवारी (वरिष्ठ पत्रकार, सामाजिक-राजनीतिक विश्लेषक) और डॉ जया मेहता (जोशी अधीकरी-सामाजिक अध्ययन संस्थान में प्रोफेसर) द्वारा प्रस्तुति और चर्चा की गई थी।

29 जनवरी, 2018 को प्रोफेसर ज़ोजाकारोविक (नोवी सैड, सर्बिया विश्वविद्यालय) द्वारा "पौधों द्वारा बताई गई कहानियों" पर एक व्याख्यान।

16 फरवरी, 2018 को पोलैंड गणराज्य के राजदूत, महामहिम श्रीमान एडम बुराकोव्स्की को व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था: "समकालीन पोलैंड"। सभी शिक्षकों और छात्रों ने इसमें भाग लिया।

27 फरवरी, 2018 को सभी देशों के छात्रों के लिए वार्षिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (बल्गेरियाई, क्रोएशियाई, चेक, हंगेरियन, पोलिश और रूसी) स्लावा, 2018 आयोजित की गई। प्रश्नोत्तरी में इन देशों के इतिहास, भूगोल और संस्कृति पर प्रश्न शामिल थे। छात्र की टीमों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

28 फरवरी, 2018 को "यूरेशियन पीपुल्स असेंबली" के अंतर्गत रूस से मार्गारिता अल लिटरेरी सोसाइटी के एक प्रतिनिधिमंडल ने "रूसी अवंत-गार्दे के 100 वर्षों" पर एक बातचीत और एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया।

14 मार्च, 2018 को भारत में बुल्गारिया के राजदूत, महामहिम श्री पेटको डोयकोव ने "बुल्गारिया की भूमिका यूरोपीय संघ परिषद की अध्यक्षता: संभावनाएं और चुनौतियां" पर एक व्याख्यान दिया। व्याख्यान विभाग के सभी छात्रों और शिक्षकों के लिए खुला था।

22 मार्च, 2018 को शंकर लाल हॉल, दिल्ली विश्वविद्यालय में वार्षिक छात्र सांस्कृतिक कार्यक्रम "रादुगा" (एक सांस्कृतिक इंटरफेस) आयोजित किया गया था। विभाग के सभी छात्रों के साथ-साथ जिन कॉलेजों में रूसी भाषा में कक्षाएं आयोजित की जा रही हैं, वहां के छात्रों ने कार्यक्रम में भाग लिया और विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रदत्त एम.फिल/पीएचडी डिग्रियों की संख्या

पीएचडी: 01

एम.फिल: 02

संकाय की संख्या

प्रोफेसर: 03 (रिक्त)

सहयोगी प्रोफेसर: 03 (सीएएस द्वारा) + 03 (रिक्त)

सहायक प्रोफेसर: 03 + 05 (रिक्त)

विभाग में पांच सहायक प्रोफेसर (तदर्थ आधार पर) काम कर रहे हैं।

बुल्गारिया/क्रोएशिया/चेक गणराज्य/हंगरी/ पोलैंड से सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत पांच अतिथि संकाय
विभाग में पांच अतिथि व्याख्याता काम कर रहे हैं

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

एन सूर्यनारायण, (2017). ने 21 - 22 जून, 2017 को मॉस्को, रूस, इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में रूसी भाषा की स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए शैक्षिक प्रौद्योगिकियों और प्रशिक्षण विधियों को लोकप्रिय बनाने पर विशेषज्ञों की चर्चा के लिए फोरम में भाग लिया "रूसी विश्व: वर्तमान और भविष्य"।

एन सूर्यनारायण, (2018). पूर्ण वक्ता: रशियन यूनिवर्सिटी ऑफ पीपुल्स फ्रेंडशिप, मॉस्को में 29-30, मार्च, 2018 को दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: "इंटरनेट पर भाषा और भाषण: व्यक्ति, समाज, संचार, संस्कृति" में "विदेशी साहित्य के लिए रूसी साहित्य को पढ़ाने में अभिनव प्रौद्योगिकियों का उपयोग करना"

विभाग के छात्र जो भाषा सीख रहे हैं उसके ज्ञान और कौशल से संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताओं में नियमित रूप से भाग लेते हैं और इसके लिए पुरस्कार और पुरस्कार प्राप्त कर रहे हैं।

11 सितंबर, 2017 को चेक गणराज्य (पूर्व चेकोस्लोवाकिया) और भारत के राजनयिक संबंधों की स्थापना की 70वीं वर्षगांठ मनाई गई। चेक शिक्षकों के साथ चेक विभाग के छात्रों ने साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार विजेता चेक लेखक जारोस्लाव सीफर्ट विजेता के जीवन और कार्य की विशेषता वाले "दुनिया की सभी सुंदरियां" प्रदर्शनी के उद्घाटन के अवसर पर भाग लिया। नई दिल्ली में गांधी स्मृति मेमोरियल में चेक रिपब्लिक के संस्कृति मंत्री, डैनियल हरमन ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया था। छात्रों ने चेक भाषा और चेक संस्कृति के साथ अपने संबंध के बारे में एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी।

12 अक्तूबर, 2017 को भारत और रूसी राजनयिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ मनाने के लिए जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, रूसी अध्ययन केंद्र, साहित्य और संस्कृति अध्ययन केंद्र में आयोजित "भारत में रूस के दिनों" पर ओलंपियाड में छात्रों द्वारा भागीदारी। छात्रों को ओलंपियाड और भागीदारी के प्रमाण पत्र और पुरस्कार प्राप्त हुए।

8 जनवरी, 2018 को कला संकाय के कक्ष संख्या 22 में फ्रांस, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, स्लोवेनिया, पुर्तगाल और हंगरी के लेखकों के साथ जर्मन विश्वविद्यालय और रोमांस स्टडीज विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से "काल्पनिक गृहभूमि" से पर पैनल चर्चा हुई। पोलिश लेखक श्री जैकब मटेकी, स्लोवेनियाई लेखक श्री इवाल्ड फ्लिसार और हंगेरियन लेखक श्री अतीला बार्टिस के साथ पुस्तक पढ़ने का सत्र और निकट संपर्क आयोजित किया गया था।

18 जनवरी से 22 जनवरी, 2018 तक प्रदर्शनी: भारत में रूस के दूतावास के सहयोग से "टॉल्स्टॉय-गांधी: अहिंसा के प्रचारक", लियो टॉल्स्टॉय हाउस संग्रहालय यास्नाया पॉलीना, रूस, राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय, नई दिल्ली और गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय। फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन माननीय कुलपति, प्रोफेसर योगेश के. त्यागी और भारत में रूसी संघ के दूतावास के मंत्री-काउंसलर, श्री सेर्गेई कारमालिटो ने किया। श्री ए अन्नामलाई, निदेशक, राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय द्वारा मुख्य वक्ता के रूप व्याख्यान दिया गया था। विभाग के छात्रों और रूसी दूतावास स्कूल के छात्रों द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया था, जिसमें एक नाटकीय प्रदर्शन, भजन, रूसी और भारतीय गीत और नृत्य शामिल थे। अन्य दिनों में एक गोल मेज चर्चा: "टॉल्स्टॉय-गांधी: 21 वीं शताब्दी में इंटरफ़ेस", एक पोस्टर-प्रतियोगिता: "कैनवास पर अहिंसा" और एक समान रूप से प्रतिस्पर्धा आयोजित की गई थी। भारत में रूसी दूतावास के काउंसलर (संस्कृति) सुश्री नाना मगलादजे की उपस्थिति में समापन दिवस (22 जनवरी, 2018) मनाया गया और पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया था, जिसमें श्री ए अंनामलाई, राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय के निदेशक और विभाग के शिक्षकों ने भाग लिया।

8 फरवरी, 2018 को सेंट स्टीफेंस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता: "ड्रुज्बा-दोस्ती" आयोजित की गई थी, जिसमें भारत और रूस के बीच 70 वर्षों के राजनयिक संबंधों पर आधारित पर प्रश्न थे। विभाग और विभिन्न कॉलेजों के साथ-साथ रूसी दूतावास स्कूल की टीमों ने प्रश्नोत्तरी में भाग लिया। जीतने वाली टीमों को पुरस्कार और सभी को भागीदारी के प्रमाण पत्र दिए गए थे।

9 फरवरी, 2018 को विभाग के छात्रों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं (निबंध- "मेरी दृष्टि में रूस" पोस्टर: "रूसी शीतकाल", अनुवाद, प्रश्नोत्तरी, ओलंपियाड, नृत्य और गीत) और रूसी केंद्र विज्ञान और संस्कृति द्वारा आयोजित ओलंपियाड के हिस्से "रूसी भाषा, साहित्य और संस्कृति के दिन-2018" में भाग लिया। छात्रों ने विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार जीते। भाग लेने वालों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

15 फरवरी, 2018 को रूसी दूतावास स्कूल, नई दिल्ली के सहयोग से एक इंटरैक्टिव सत्र। रूसी दूतावास स्कूल, दिल्ली के चार शिक्षकों - श्री यूरी मोसचेरिकोव, सुश्री इरीना नाज़मोवा, श्री ओलेग मनजीक और सुश्री लुडमिला मोइसेवा ने एमए रूसी के छात्रों के साथ सर्गेई एसेनिन - रूसी रजत युग का कवि विषयों पर रूसी में संचार मास्टर क्लास और इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए।

09 मार्च, 2018 को रूसी भाषा के छात्रों के लिए वार्षिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता- अज़बुका, 2018 आयोजित की गई। विभाग के साथ-साथ कॉलेजों के छात्रों ने भी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लिया। छात्र की टीमों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

कई छात्र जेआरएफ और एसआरएफ प्राप्त कर रहे हैं।

छात्र नियमित रूप से रूसी में यूजीसी/नेट परीक्षा पास कर रहे हैं

कुछ छात्र राजीव गांधी फैलोशिप शीर्षक अन्य छात्रवृत्ति का लाभ उठा रहे हैं।

विभाग के छात्रों के लिए निम्नलिखित छात्रवृत्तियां उपलब्ध हैं:

बुल्गारिया में ग्रीष्मकालीन संगोष्ठियों में भाग लेने के लिए सीईपी कार्यक्रम के अंतर्गत यूजीसी प्रायोजित बल्गेरियाई छात्रवृत्तियां।

क्रोएशिया में क्रोएशियाई भाषा पाठ्यक्रम के लिए तीन महीने की योग्यता छात्रवृत्ति।

चेक सरकार द्वारा समय-समय पर चेक भाषा के छात्रों को योग्यता छात्रवृत्तियां।

समय-समय पर हंगेरियन सरकार और संस्थानों द्वारा दी गई योग्यता छात्रवृत्तियां।

पोलैंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों में पोलिश भाषा पाठ्यक्रमों के लिए पोलिश सरकार द्वारा दी गई योग्यता छात्रवृत्तियां।

इनके अलावा, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा एम.फिल या पीएचडी विभाग के विद्वानों के शोध के लिए गैर-नेट छात्रवृत्तियां दी गई हैं।

***

उर्दू

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

विभाग के शिक्षक उर्दू साहित्य के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान और प्रकाशनों में सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। कई प्रतिष्ठित आगंतुकों, प्रोफेसरों और प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों ने विशेष व्याख्यान देने और संकाय सदस्यों के साथ-साथ विभाग के छात्रों के साथ बातचीत करने के लिए विभाग का दौरा किया।

सम्मान/विशिष्टताएँ

प्रोफेसर एन एम कमाल को पश्चिम बंगाल उर्दू अकादमी, कोलकाता-2017 द्वारा एजी नासाख पुरस्कार।

डॉ. मोहम्मद काज़िम को हम सब गालिब पुरस्कार (राष्ट्रीय), गालिब संस्थान, नई दिल्ली, 2017

डॉ. मोहम्मद काज़िम को बिहार उर्दू अकादमी पुरस्कार, बिहार सरकार, पटना, 2017

डॉ. मोहम्मद काज़िम, जॉन गिलक्रिस्ट पुरस्कार (राष्ट्रीय), पश्चिम बंगाल उर्दू अकादमी, पश्चिम बंगाल सरकार, 2017

प्रकाशन (29)

लाश की नुमाइश, ताफीम, 12, 140-144.

ए आरा, (2017). अरुंधती रॉय के उपन्यास बेपनाह शादमानी की मुमलिकत, इमरोज़, 4, 102-15

ए आरा, (2017). हुर्रियत चौक का माजुन, आजकल, दिल्ली, 76(01), 36-38.

ए आरा, (2017). इराकी अदीब हसन ब्लासिम और उनकी कहानिया, इमरोज़,3, 82-103.

ए आरा, (2017). ख्वाब और खौफ की हजार भूल-भुलाइयां । (अफगान लेखक अतीक रहीमी द्वारा), अप्रैल-हिंदी तिमाही बाया, संस्करण 12:36, पृ. 105-112 और अप्रैल-जून 2017 में, ख्वाब और खौफ की हजार भूल-भुलाइयां -2 (हिंदी त्रैमासिक बाया, 12 (37), 87-111

ए आरा, (2018). बेपानाह शदमानी की मुमलिकत (अरुंधति रॉय के उपन्यास, द मिनिस्ट्री ऑफ अटमोस्ट हैप्पीनेस) का उर्दू अनुवाद, आज की किताबें, 466.

ए आरा, (2017). इकबाल की बेमिशाल शायराना अज़मत, इंक्लाब: दैनिक समाचार पत्र।

एन एम कमाल, (2017). इंतज़ार हुसैन में अध्याय: हयात और मज़ा। डॉ. नैम अनिस, कोलकाता द्वारा।2017

एन एम कमाल, (2017). दाग ही दाग, फिक्र-ओ-ताहरीर, कोलकाता, 66-93

एन एम कमाल, (2018). बच्चन का अदब और उर्दू काफोरोग। गजला फातिमा (संपा.) में, मसूम जज्बों की जमालियत। दिल्ली।

एन एम कमाल, (2018). अहलुलकाहफ (अरबी में लघु कथाओं का संग्रह, काज़ी अहमद, मिस्र द्वारा अनुवादित), किताबी दुनिया, दिल्ली।

एम काज़िम, (2017). इंतजार हुसैन की जस्तजू क्या है, इंतजतर हुसैन: हयात-ओ-फन, डॉ नायम अनीस द्वारा संकलित पश्चिम बंगाल उर्दू अकादमी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा प्रकाशित, पृ. 100-131.

एम काज़िम, (2017). इशारिया उर्दू विज्ञान महानामा, एजुकेशनल पब्लिशिंग हाउस।

एम काज़िम, (2017). इस्मत चुगताई के ड्रामे, उर्दू पत्रिका, 286-288.

एम काज़िम, (2017). रंगमंच: पारसी अहद के बाद (एक तारीखी सफर), उर्दू का अल्लामी तानाज़ुर (वैश्विक परिप्रेक्ष्य में उर्दू) शीर्षक पुस्तक में प्रोफेसर ख्वाजा एम. एकरामुद्दीन द्वारा संकलित, ब्राउन बुक पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित। पृ. 90-126.

एम काज़िम, (2017). उर्दू ड्रामे का सफर और अजकल, अजकल, 21-23.

एम काज़िम, (2017). वतन का कर्ज़, रशीद निरउवा रज्जान द्वारा मंच नाटक संग्रह, उर्दू प्रचार सोसायटी समाज, मॉरीशस

एम काज़िम, (2017). नाटक अनारकली: एक मुतालिया, अदब-ओ-सकाफत, 154-179.

एम काज़िम, (2017). इंतेजर हुसैन की खुदानाविश सावनेह, अर्धवार्षिक हमारी आवाज,14(12), 64-78.

एम काज़िम, (2017). पारसी अहद के बाद उर्दू रंगमंच, उर्दू अदब-अंजुमन तरक्की उर्दू, 193-214.

एम काज़िम, (2017). सर सैयद अहमद खान के मकलमे: खुतुत के आइने में, फ़िक्र-ओ-तहरिर, 95-99.

आई ए खान, (2017). अमीर खुसरो हिंदुस्तान की ताहज़ीबी ऐयन साजी की बुनियाद गुजर, नया द्वार, 72, 7-10.

आई ए खान, (2017). हार मुझे तखलीकी नासर एक तासुर, बिहार-ओ-झारखंड में उर्दू अफसाना, डॉ. कयाम नायर द्वारा, 515-516.

आई ए खान, (2017). शामिम निकहत की अफसाना निगारी, सोहेल, 5, 47-49.

आई ए खान, (2017). शेर की फ़िकर को असद चहिये है दिलो दिमाग, किताबनुमा, 57, 22-25.

आई ए खान, (2017). अमीर खुसरो की तारिखी बिरासत, ऐवान-ए-उर्दू, 31, 26-30.

एस उमेर. (2017). ये इज्न-ए-आम है कोई ना एतराफ करे। आजकल।

एस उमेर. (2017).उर्दु अफसाने में औरत की नक्काशी, उर्दु पत्रिका, 7(7-8).

आयोजित संगोष्ठियाँ (12)

एएमयू, अलीगढ़ के प्रोफेसर, सगीर अफहरिम की अध्यक्षता में 01.04.2017 को "यूरोप में उर्दू" पर जर्मनी के श्री अरिफ नकवी।

प्रोफेसर इब्ने कनवाल की अध्यक्षता में 16.03.2017 को "समकालीन उर्दू नाटक" विषय पर डॉ. एम सईद आलम व्याख्यान। इसे डॉ मोहम्मद काजिम ने संयोजित किया था।

प्रोफेसर इब्ने कानवाल की अध्यक्षता में 07.04.2017 को "युवा लघु कहानी लेखक" विषय पर श्री दीपक बुडकी का व्याख्यान, इसे डॉ. अबू बाकर अब्बाद द्वारा संयोजित किया गया था।

प्रोफेसर इब्ने कनवाल की अध्यक्षता में 23.06.2017 को "संयुक्त राज्य अमेरिका में उर्दू की परंपरा" विषय पर डॉ अफरोज ताज (संयुक्त राज्य अमेरिका में उर्दू भाषा और संस्कृति के प्रोफेसर) द्वारा व्याख्यान, इसे डॉ मोहम्मद काजिम द्वारा संयोजित किया गया था।

प्रोफेसर एमए जौहर की अध्यक्षता में, 26.09.2017 को प्रोफेसर मेहताब एच नकवी (एएमयू, अलीगढ़) द्वारा "आधुनिक उर्दू कविता" पर व्याख्यान।

प्रोफेसर असलम जमशेदपुरी, सीसीयू, मेरठ की अध्यक्षता में 29.08.2017 को "शोध पद्धति" पर प्रोफेसर शफीक अशरफी का व्याख्यान।

प्रोफेसर इब्ने कनवाल की अध्यक्षता में 01.12.2017 को प्रोफेसर अहमद महफ़ूज़ (जामिया मिलिया इस्लामिया) द्वारा "समकालीन कविता" विषय पर व्याख्यान और डॉ. नज्मा रेहमानी ने इसे संयोजित किया।

विस्तार डॉ. अली जावेद की अध्यक्षता में 21.12.2017 को "समकालीन कथा" विषय पर श्री सलाम बिन रज्जाक (प्रसिद्ध फिक्शन राइटर, मुंबई) का व्याख्यान. डॉ. मोहम्मद काजिम ने इसे संयोजित किया।

प्रोफेसर इब्ने कनवाल की अध्यक्षता में 10.01.2018 को "पाठ्यचर्या आलोचकों" पर प्रो एसएम हाशिम (एएमयू, अलीगढ़) द्वारा व्याख्यान।

जेएनयू के प्रोफेसर इक्रामुद्दीन की अध्यक्षता में 14.02.2018 डॉ. एमेल सिलीम (तुर्की) द्वारा "तुर्की में उर्दू" पर व्याख्यान।

21.03.2018 को "अरब देशों में उर्दू" विषय पर प्रोफेसर क्यू एम ए रहमान (मिस्र) ने व्याख्यान दिया जेएनयू के प्रोफेसर अब्दुल हक और प्रोफेसर के एकमुमुद्दीन ने अध्यक्षता की।

श्री रशीद निर्वावा, (नाटककार, निदेशक, अभिनेता और संस्कृति मंत्रालय में वरिष्ठ अधिकारी, मॉरीशस सरकार) और डॉ नईम अनीस (एसोसिएट प्रोफेसर, कलकत्ता गर्ल्स कॉलेज, कोलकाता) ने 26.03.2018 को "मॉरीशस में उर्दू नाटक की परंपरा" पर पैनल चर्चा में चर्चा की। डॉ. मोहम्मद काजिम ने इसकी अध्यक्षता और संचालन किया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

एन एम कमाल, (2017), "23.4.2017 को जामिया मिलिया इस्लामिया दिल्ली में "उर्दू मर्सिये में रज्मनिगर"।

एन एम कमाल, (2017), 14.4.2017 को नोएडा में "उर्दू के फरोग में गेहर मुस्लिम अदीब का किरदार" पर एक संगोष्ठी में अध्यक्षीय व्याख्यान।

एन एम कमाल, (2017), 14.5.2017 को अमीक ग्लोबल स्कूल, दिल्ली में "शिक्षा का महत्व" पर अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।

एन एम कमाल, (2017), 20.5.2017 को अल-अजहर हिंद विश्वविद्यालय, दिल्ली में "तालीम की अहमियत" पर अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।

एन एम कमाल, (2017), 21.5.2017 को दिल्ली उर्दू अकादमी में एक लघु कहानी "मुजरिम कौन" प्रस्तुत की।

एन एम कमाल, (2018), 30.6.2018 को दिल्ली की गालिब अकादमी में "अदब ई अटफल" पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

एन एम कमाल, (2017), 19 .8.2017 को कश्मीर विश्वविद्यालय में "उर्दू तहकीक" पर एक व्याख्यान दिया।

एन एम कमाल, (2017), 27.8.2017 को फतेह पुरा स्कूल, दिल्ली में "दाघ और मासीर शौरा" पर अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।

एन एम कमाल, (2017), 19.9.2017 को जामिया मिलिया इस्लामिया में "दस्तान का फ़न" पर एक व्याख्यान दिया।

एन एम कमाल, (2017), 5.10.2017 को एएमयू अलीगढ़ में "सर सैयद और अनके अहद की नासर"।

एन एम कमाल, (2017), 11.11.2017 को दिल्ली के जेडएचडी कॉलेज, दिल्ली में "मुसाफिकी शायरी"।

एन एम कमाल, (2017), 14.11.2017 को जामिया मिलिया इस्लामिया में "इकबाल की शायरी" पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

एन एम कमाल, (2018), 12.2.2018 को एमएएनयूयू, हैदराबाद में "अफसाने का फ़न" पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

एन एम कमाल, (2018), 5.5.2018 को दिल्ली में एमजेआई हिंद में "हिंदुस्तान में उर्दू अफ़साना" पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

एन एम कमाल, (2018), गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय में 30.4.2018 को "उर्दू साहित्य में गौतम बुद्ध"

एन एम कमाल, (2018), .2.2018 को मुंबई विश्वविद्यालय में "उर्दू में उपन्यास निगरी"।

एम काजिम, (2017), बिहार उर्दू अकादमी, बिहार सरकार द्वारा 26 और 27 अगस्त 2017 को जामियात में रिसर्च के मसाइल और हल पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध विद्वान संगोष्ठी में जामियात में रिसर्च के मसाइल और उसका हल (मुख्य वक्तव्य)।

एम काजिम, (2017), रहमानी फाउंडेशन, मुंगेर, बिहार द्वारा 23 नवंबर, 2017 को प्रोफेसर लुतफूर रहमानः फन और शख्सियत पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "प्रोफेसर लुतफूर रहमान की तनकीदी बसीरत" ।

एम काजिम, (2017), उर्दू, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ द्वारा 5-7 अक्तूबर, 2017 को सर सैयद अहमद खान के द्वि-शताब्दी समारोह के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में सर सैयद अहमद खान के खतुत ।

एम काजिम, (2017), यूजीसी - मानव संसाधन विकास केंद्र (अकादमिक स्टाफ कॉलेज), बीपीएस महिला विश्वविद्यालय, सोनीपत, हरियाणा द्वारा 31 मई 2017 को आयोजित विश्वविद्यालय और कॉलेज शिक्षकों के लिए उन्मुखीकरण और पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों में व्याख्यान की एक श्रृंखला "मास कम्युनिकेशन एव हमारा समाज" और "हमारे समाज में रंगमंच की भूमिका" पर प्रस्तुति।

एम काजिम, (2017), यूजीसी - एचआरडीजी (अकादमिक स्टाफ कॉलेज), गुजरात सरकार, अहमदाबाद, गुजरात द्वारा 13 जुलाई 2017 को आयोजित विश्वविद्यालय और कॉलेज शिक्षकों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों में व्याख्यान की एक श्रृंखला, *भाषा और साहित्य में अनुसंधान पद्धति* में व्याख्यान ।

एम काजिम, (2018), मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद में, 5-6 मार्च, 2018 को आयोजित 20वीं शताब्दी में महिला कविता: सामाजिक, सांस्कृतिक और लिंग आयाम" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में शाइस्ता यूसुफ के शेरी जेहात किया गया।

एम काजिम, (2018), लखनऊ परिसर, मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय में 13-14 मार्च, 2018 को आयोजित "आत्मकथा: कला और परंपरा" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में इक्कीसवीं सदी में खुदाना विश्त सवनेह।

आई ए खान, (2017). शुआ फातिमा ट्रस्ट, लखनऊ (राष्ट्रीय) में 16-17 सितंबर, 2017 को शमीम निकहत की अफसाना निगारी।

एस ओमर, (2017) बिहार उर्दू अकादमी, पटना द्वारा 23-25 सितंबर 2017 को आयोजित 3 दिवसीय राष्ट्रीय महिला सम्मेलन में "कहकशां तबस्सुम का शेरी इम्तियाज़"।

एस ओमैर, (2017). साहित्य अकादमी, दिल्ली द्वारा 22 सितंबर 2017 को आयोजित "ख्वाजा अहमद फारूकी के खुतुत गोपी चंद नारंग के नाम" पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "ख्वाजा अहमद फारूकी द्विशताब्दी"।

एस ओमैर, (2017). सेंटर फॉर इंडियन लैंग्वेज, जेएनयू और तस्वीर-ए-दर्द द्वारा 8-10 सितंबर 2017 को आयोजित "उर्दू लोक गीत और खवातिन" पर 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "उर्दू भाषा की लोकप्रियता"।

एस ओमैर, (2018) पटना विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग द्वारा 7 और 8 फरवरी 2018 को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "कलीमुद्दीन अहमद: एक बाज्याफ्त"।

प्रदत्त एम.फिल/पीएचडी डिग्रियों की संख्या

पीएच. डी.: 15

एम. फिल: 18

संकाय की संख्या: 15

***

वाणिज्य और व्यापार संकाय

वाणिज्य

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

वाणिज्य विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 11,12 जनवरी, 2018 को 'डिजिटल आउटरीच और मार्केटिंग प्रैक्टिस के भविष्य' विषय पर छठे वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य सम्मेलन (एआईसीसी) का आयोजन किया गया था और इसे भारतीय विपणन अकादमी द्वारा सह-आयोजित किया गया।

मुख्य अतिथि, माननीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री एवं कानून और न्याय मंत्री, श्री रविशंकर प्रसाद, सम्मानित अतिथि, प्रोफेसर योगेश के. त्यागी, माननीय कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय और सुश्री विनीता बाली, पूर्व सीएमडी ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड, प्रतिष्ठित अतिथि, प्रोफेसर पामी दुआ, अध्यक्ष, अनुसंधान परिषद और निदेशक और प्रोफेसर जगदीश शेथ, एमोरी यूनिवर्सिटी अटलांटा, यूएसए और संस्थापक अध्यक्ष, भारतीय विपणन अकादमी (सम्मेलन सह-अध्यक्ष); प्रोफेसर कविता शर्मा, हेड, वाणिज्य विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, और डीन, वाणिज्य और व्यापार (सम्मेलन अध्यक्ष) के संकाय की सौहार्दपूर्ण उपस्थिति में इस सम्मेलन का उद्घाटन किया गया।

वाणिज्य विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 11 -12 अप्रैल, 2017 को "अनुसंधान के तरीकों में प्रगति" पर एक कार्यशाला आयोजित की गई थी। कार्यशाला ने प्रतिभागियों और शिक्षाविदों के लिए अनुसंधान के विशाल ज्ञान आधार को साझा करने और सीखने का एक मंच प्रदान किया। प्रोफेसर पामी दुआ, डियर अनुसंधान परिषद, दिल्ली विश्वविद्यालय और एनएसडीसी के डॉ. गिप्सन वर्गीस प्रतिष्ठित अतिथि और न्यू कैसल विश्वविद्यालय, यूके की प्रोफेसर सुरक्षा गुप्ता इस कार्यशाला के प्रसिद्ध संसाधन व्यक्ति थे।
"सामान और सेवा कर (जीएसटी) पर संगोष्ठी: आगे का रास्ता" पर 28 फरवरी, 2018 को पीएचडी चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सहयोग से संगोष्ठी आयोजित की गई थी। संगोष्ठी का उद्देश्य विभिन्न हितधारकों पर जीएसटी के प्रभाव और जीएसटी के अवसरों और चुनौतियों से दर्शकों को परिचित करना था। संगोष्ठी के प्रसिद्ध वक्ताओं में डॉ. एस पी शर्मा, मुख्य आर्थिक सलाहकार, पीएचडी चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई), श्री संजय अग्रवाल, अध्यक्ष, उद्योग मामलों की समिति, पीएचडीसीसीआई और अध्यक्ष और सीईओ, पैरामाउंट कम्युनिकेशंस लिमिटेड, श्री शिशिर सिन्हा, बिजनेस एडिटर, बिजनेस हिंदू लाइन शामिल थे ।
छात्र विकास कक्ष ने 15 -16 सितंबर, 2018 को दो दिवसीय एचआर सम्मेलन- सिम्पोसिया '18 का आयोजन किया। जिसमें उद्योग जगत के लगभग 32 वरिष्ठ नेताओं ने एचआर से संबंधित विषयों पर चर्चा की।
वाणिज्य विभाग के शोध विद्वानों ने विभाग के अकादमिक संसाधन केंद्र को डिजिटाइज किया। उन्होंने थीसिस, टर्म पेपर और सिनोप्सिस के क्षेत्रवार वर्गीकरण में मदद की। यह प्रोफेसर कविता शर्मा के पर्यवेक्षण के अंतर्गत किया गया। वाणिज्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 21 जून, 2017 को उत्साह के साथ तीसरा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया था। योग की सामान्य औपचारिकताओं का पालन करते हुए सत्र शुरू हुआ, जिसमें प्रार्थना, उन्मुक्ति प्रथाएं, योगासन, कपालभांति, प्राणायाम, ध्यान, संकल्प, शांति पथ और प्रतिज्ञा शामिल है।

सम्मान/विशिष्टताएं

संकाय

प्रोफेसर कविता शर्मा को पीजी वाणिज्य विभाग, उत्कल, विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, उड़ीसा द्वारा 8-9 मार्च, 2018 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में सत्र अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया था।

प्रोफेसर कविता शर्मा को वाणिज्य विभाग, श्री अरबिंदो कॉलेज द्वारा 23 फरवरी, 2018 को आयोजित "भारतीय व्यापार और अर्थव्यवस्था: पेस एंड पैटर्न" के उभरते आयामों पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिष्ठित अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था, ।

प्रोफेसर वी के श्रोत्रिय को श्री गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली 9-10 फरवरी, 2018 को आयोजित प्रबंधन, अर्थव्यवस्था और एप्लाइड बिजनेस में समकालीन सुधारों पर चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान प्रस्तुत कर्मचारी कल्याण आयाम: चयनित संगठनों के बीच अंतर-संबंध अध्ययन "शीर्षक शोधपत्र के लिए सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार प्राप्त हुआ। डॉ नीति भसीन को 2017-18 के लिए वाणिज्य और उद्योग पीएचडी चैंबर की आर्थिक मामलों की समिति का 'विशेष आमंत्रित/ सदस्य मनोनीत किया गया।

डॉ. अमित सिंह को विकास प्रबंधन स्कूल, पीएचडी चेम्बर कालकाजी, नई दिल्ली में 10 फरवरी, 2018 को जगन्नाथ इंटरनेशनल द्वारा आयोजित सामरिक नवाचार, उद्यमिता और डिजिटाइजेशन के माध्यम से वाहक पर तेरहवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन- बिजनेस 2025 के दौरान प्रस्तुत किए गए "आर्थिक विकास पर उद्यमिता क्रियाकलापों में वृद्धि का प्रभाव: भारत से साक्ष्य" शीर्षक शोध पत्र के लिए सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार प्राप्त हुआ।

प्रकाशन

राष्ट्रीय प्रकाशन

नीति भसीन, और सुरभि गुप्ता, (2017). अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में सुधार: चुनौतियां और आगे की राह। प्रबंधन और अर्थशास्त्र अनुसंधान पत्रिका, 3, 110-120.

एच के डांगी, एस कुमार, और अनुराधा मलिक, (2017). अरविंद आई केयर सिस्टम में आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन पर एक प्रकरण अध्ययन। जर्नल ऑफ कॉमर्स एंड बिजनेस स्टडीज में प्रकाशन के लिए स्वीकृत।

एस कनौजिया, डी सिंह एंड ए गोस्वामी, (2018). इंडियन स्टॉक मार्केट में व्यक्तिगत निवेशकों को प्रभावित करने वाले कारकों का एक अनुभवजन्य विश्लेषण, 20 (3)।

एस कनौजिया, और एस महाजन, (2017). एशियाई बाजारों की कमजोर क्षमता का परीक्षण: एक अनुभवजन्य मूल्यांकन। प्रशांत व्यापार समीक्षा अंतर्राष्ट्रीय, 10(5).

कविता शर्मा, और परमिंदर कौर, (2018). फ्रेंचाइज़र फ्रेंचाइजी रिश्तों के विरोधाभास का एक अध्ययन। व्यापार विश्लेषक, 3 9 (1)।

जे पी शर्मा, एस कनौजिया एंड एन कपूर, (2018). कॉरपोरेट गवर्नेंस में इलेक्ट्रॉनिक पहल पर स्टेकहोल्डर का परिप्रेक्ष्य। यूपी जर्नल ऑफ़ कॉरपोरेट गवर्नेंस, 17(1), [आईएसएसएन: 0972-6853]

कविता शर्मा और चांदनी असवाल (2017). ग्रीन खरीद इरादे, सामूहिकता और भौतिकवाद: एक अनुभवजन्य जांच। दिल्ली विश्वविद्यालय का मानविकी और सामाजिक विज्ञान का जर्नल, अंक.4.

कविता शर्मा व अन्य (2018). पर्यावरण कुजनेट के वक्र का पुनरीक्षण: भारत और चीन के कार्बन उत्सर्जन का एक अनुभवजन्य विश्लेषण', हर्मेनेटिक्स- ए बाआएलुअल रेफरीड इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ बिजनेस एंड सोशल स्टडीज,7(1), 1-5.

वी के श्रोत्रिय और एच कालरा, (2018). पूंजी बाजार में हर्डिंग: एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा। डिजिटल युग में प्रबंधन शिक्षा पर पुनर्विचार के राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में। 10 फरवरी, प्रबंधन अध्ययन संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय, (पृ.139-158), दिल्ली: नई दिल्ली प्रकाशक।

वी.के. श्रोत्रिय और यू ढांडा, (2018). कर्मचारी संबद्धता के रुझान और दिशानिर्देश: साहित्य समीक्षा से दृष्टिकोण। प्रबंधन का एशियन जर्नल, 9(1), 69-79.

वी के श्रोत्रिय, और उपासना ढांडा, (2017). कर्मचारी संबद्धता आकलन के लिए साधन। अनुसंधान और व्यापार स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में। दिसंबर (16-17), 637-643.

वनिता त्रिपाठी व अन्य। (2017). भारतीय शेयर बाजार की विकसित होती क्षमता। वित्त में उभरते मुद्दों और चुनौतियों में, (पृ. 1-10). नई दिल्ली: गलगोटिया पब्लिशिंग कंपनी।

अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन

नीति भसीन, और शिल्पा गर्ग, (2018). क्या मेजबान देश संस्थागत गुणवत्ता अंतर-क्षेत्रीय एफडीआई में एक विभेदक के रूप में कार्य करता है? चयनित एशियाई अर्थव्यवस्थाओं से साक्ष्य। विदेश व्यापार समीक्षा, 53(2), 81-97.

नीति भसीन, और आंचल गुप्ता। (2017). एफडीआई मुद्रास्फीति का व्यापक आर्थिक प्रभाव: भारत के मामले के लिए एक एआरडीएल दृष्टिकोण। अंतर्राष्ट्रीय निगमों की समीक्षा, 9(3), 150-168.

कविता शर्मा, (2018). भारत में ग्रीन जॉब्स के लिए कौशल के क्षेत्रीय दृष्टिकोण। भारतीय अर्थव्यवस्था को बदलने में अध्याय। एल्जेवियर रिसर्च पब्लिकेशन।

वी के श्रोत्रिय और कृष्णा, मजूमदार (2017). दक्षिण एशिया में कल्याण का इतिहास। मानव कल्याण का अनुसरण में अध्याय - आरजे एस्टेस और एमजे सिर्गी (संपा.) द्वारा अनकॉल्ड ग्लोबल हिस्ट्री (क्वालिटी ऑफ लाइफ की अंतर्राष्ट्रीय हैंडबुक), स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग स्विट्ज़रलैंड,पृ.349-38.

वी के श्रोत्रिय (2017). भूखे लोग, बेहतर परिणाम - दीपक मल्होत्रा, ब्लूमसबरी, बिजनेस के नाइस जर्नल द्वारा जीवन में निरंतर जीतने के लिए आग को उजागर करें, 12, 298.

वी के श्रोत्रिय (2017). टीवी राव द्वारा प्रभावी लोग, रैंडम हाउस, भारत, नाइस जर्नल ऑफ बिजनेस ।

वनीता त्रिपाठी और रितिका सेठ, (2017). बाजार दक्षता इंटर-लिंकेज और दुनिया के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में स्टॉक मार्केट्स की अस्थिरता ट्रांसमिशन की खोज। वित्तीय प्रणाली में सुधार और आर्थिक विकास-मुद्दे और चुनौतियां में अध्याय। पांडे व अन्य द्वारा। मैकग्रा हिल एजुकेशन (अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशक) पृ. -147-170.

वनिता त्रिपाठी और पारुल बहल, (2017). डिजिटाइजेशन शीर्षक पुस्तक में कंपनी विशिष्ट समाचार और स्टॉक प्रदर्शन पर उनके संबंधित प्रभाव का रिलीज। उद्यमिता और कौशल विकास- भविष्य यहां है। वैद व अन्य द्वारा संपादित। ब्लूम्सबरी पब्लिकेशन, पृ.331-346.

पुस्तकें

नीति भसीन, और समीर लामा, (जनवरी 2018). जीएसटी और सीमा शुल्क कानून। टैक्समैन पब्लिकेशन ।

अमित कुमार सिंह और रोहित श्रीवास्तव, (2017). 2010-2015 के दौरान एनएसई पर आईपीओ प्रदर्शन का आकलन। वाणिज्य और व्यापार प्रबंधन में उभरते मुद्दों में। आल क्लीयर पब्लिकेशन।

अमित कुमार सिंह, (2017). वित्त में उभरते मुद्दे और चुनौतियां। गलगोटिया पब्लिशिंग कंपनी, भारत।

अमित कुमार सिंह, (2017). प्रबंधन और वित्त के समकालीन क्षेत्र। गलगोटिया पब्लिशिंग कंपनी, भारत।

विभाग द्वारा प्रकाशित जर्नल

वाणिज्य और व्यापार अध्ययन का जर्नल

संपादक/संपादकीय मंडल के सदस्यों के रूप में कार्यरत संकाय सदस्य

प्रोफेसर कविता शर्मा, सदस्य, क्वालिटिवेटिव मार्केट रिसर्च के संपादकीय समीक्षा बोर्ड - एमरल्ड द्वारा एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, आईएसएसएन: 1352-2752

प्रोफेसर कविता शर्मा, सदस्य, संपादकीय बोर्ड, जर्नल ऑफ बिजनेस स्टडीज, आईएसएसएन (प्रिंट) 0975-0150

प्रो वी के श्रोत्रिय, समीक्षक - संगठनात्मक प्रभावशीलता के जर्नल: लोग और प्रदर्शन

डॉ. सुनैना कनौजिया, सदस्य, संपादकीय समीक्षा बोर्ड के सदस्य "एमिटी जर्नल ऑफ कॉरपोरेट गवर्नेंस (एजेसीजी), एमिटी यूनिवर्सिटी। आईएसएसएन:2455-98 9एक्स (प्रिंट); आईएसएसएन: 2456-1533 (ऑनलाइन)।

श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के रेफर्ड जर्नल, "बिजनेस एनालिस्ट" के संपादकीय समीक्षा बोर्ड के सदस्य डॉ सुनैना कनौजिया। आईएसएसएन: 0973211 X.

डॉ. सुनैना कनौजिया, सदस्य, संपादकीय सलाहकार बोर्ड, एनविजन, वाणिज्य और प्रबंधन का एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, आईएसएसएन: 0973-5976

डॉ. सुनैना कनौजिया, सदस्य, संपादकीय बोर्ड, "बिजनेस मैनेजमेंट एंड एनवायरनमेंटल सस्टेनेबिलिटी के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल"। आईएसएसएन: 22492054

डॉ. अमित कुमार सिंह, इंटरनेशनल जर्नल के संपादकीय मंडलके सदस्य "बिजनेस मैनेजमेंट में रिसर्च", मैक्रोथिंक इंस्टीट्यूट, लास वेगास, यूएसए।

"जर्नल ऑफ बिजनेस स्टडीज" के संपादकीय मंडलके सदस्य डॉ. अमित कुमार सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद भगत सिंह कॉलेज का जर्नल।

अनुसंधान परियोजनायें

यूजीसी, "भारतीय प्रसंस्कृत फल और सब्जी उद्योग के प्रतिस्पर्धात्मकता और निर्यात प्रदर्शन का एक अध्ययन", प्रो मदन लाल।

आईसीएसएसआर, "भारत में व्यापार, आर्थिक विकास और गरीबी का एक विश्लेषण"। प्रो मदन लाल।

आयोजित संगोष्ठियां/कार्यशालाएं/विशेष व्याख्यान

संगोष्ठी, एमबीए (आईबी), 8 सितंबर, 2018 को आईआईएसएसी-एमबीए (आईबी) (उद्योग इंटरैक्शन और छात्र गतिविधि समिति), वाणिज्य विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स द्वारा एक वार्षिक कॉर्पोरेट सम्मेलन आयोजित किया गया था। उद्योग और शैक्षणिक जगत से विभिन्न पृष्ठभूमि से तीन सत्रों और विशेषज्ञों के एक पैनल के साथ पूरा दिन कार्यक्रम चला। इसमें कोका कोला, यामाहा, रिलायंस और स्नैपडील से शीर्ष प्रबंधन कर्मी आदि वक्ताओं ने भाग लिया।

सत्यवती सांध्य कॉलेज ने अक्तूबर के महीने में एक उद्घाटन सह अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया और प्रोफेसर कविता शर्मा का उद्घाटन किया और इस विषय पर "मार्केटिंग वेरिएबल में पैराडिग शिफ्ट" विषय पर चर्चा की।

श्री गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स में 22 सितंबर, 2017 को "विपणन में ई-मार्केटिंग और उभरते मुद्दों" पर एक संगोष्ठी आयोजित किया गया था। दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों, आईपी विश्वविद्यालय और दिल्ली के बिजनेस स्कूलों से प्रतिनिधि, एनसीआर ने भाग लिया।

वाणिज्य विभाग ने परिसर के संगोष्ठी हॉल में 24 जुलाई 2017 को "पूर्वी एशिया (जापान, कोरिया और चीन) में सीएसवी की ओर व्यापार दृष्टिकोण की एक परीक्षा: भारत को यह प्रस्ताव क्या हो सकता है? विषय पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया। सत्र के प्रसिद्ध वक्ताओं में डॉ. रेबेका चुंगी किम (प्रोफेसर और उप निदेशक, एशिया प्रशांत अध्ययन के ऋतुमिकान सेंटर, जापान और डॉ. मोहन वी अवारी, नॉटिंघम विश्वविद्यालय बिजनेस स्कूल मलेशिया शामिल थे।

आयोजित विशेष व्याख्यान:

क्रम संख्या	तारीख	अतिथि का नाम	कंपनी	विषय
1	22-07-2017	सुश्री रीतिका चौधरी	आईकेईए ग्रुप	प्रेरण सप्ताह
2	24-07-2017	श्री ईश्वरन जयराम	कास्बालंका कंसल्टिंग	छात्र कॉलेज जीवन से कामकाजी जीवन में कैसे प्रवेश कर सकते हैं।
3	02-08-2017	अभिराम मिश्रा	रिलायंस रिटेल लिमिटेड	भारत में खुदरा बिक्री
4	04-08-2017	करन राज गुलशन	एशिन डेवलपमेंट बैंक	प्रेरण सप्ताह

5	11-08-2017	सागर जैन	द इकोनॉमिक टाइम्स	बी-स्कूलों से सबसे महत्वपूर्ण सबक
6	12-08-2017	श्री नीलांजन मुखर्जी	रिलेक्सो फुटवीयर लिमिटेड	यह जूतों के बारे में नहीं, इस बारे में है कि आप उनमें क्या करते हैं है।
8	24-08-2017	अनिरुद्ध	माइक्रोसॉफ्ट	कृत्रिम बुद्धिमत्ता कारपोरेट जगत को कैसे परिवर्तित कर रही है
9	04-09-2017	पंकज पांडे	व्यापत कंसल्टिंग	उद्यमिता, नेतृत्व और प्रेरित करना
11	15-09-2017	रुचिका गुप्ता	बकार्डी	चैलेंजर ब्रांड का मामला
12	16-09-2017	कमलिका डेका	डोमिनोज	नियुक्ति में एचआर दौर को पारित करने पर ध्यान केंद्रित करने वाले पनपते प्रबंधक
13	18-09-2017	श्री वरुण सेठ	क्राफ्टशाला	विपरीत विपणन
15	27-09-2017	श्री विवेक वर्मा	रियो टिंटो	कार्यबल मानव संसाधन विश्लेषण

आयोजित सम्मेलन

एमबीए (एचआरडी और आईबी), 2018 का दो दिवसीय प्रबंधन उत्सव सिनर्जी, 15-16 फरवरी, 2018 आयोजित किया गया था। इसमें प्रबंधन के विभिन्न क्षेत्रो से कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं शामिल थीं। इसमें लॉन्च पैड, कॉरपोरेट क्रैकर, प्रश्नोत्तरी, केस-ओ-मेनिया और आईपीएल बोली-प्रक्रिया, सोफे आलू इत्यादि जैसी कुछ मजेदार गतिविधियां थीं। संस्थान ने 13 -14 अक्तूबर 2017 को गर्व से 22वां वार्षिक समारोह - इरुडिशन'17 आयोजित किया। इसका विषय था उभरते बाजारों के लिए अभिनव समाधान। इरुडिशन ने शिक्षाविदों, उद्योगपतियों, उद्यमियों, वित्तीय गुरुओं और छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान साझा करने और वैश्विक स्तर पर व्यापार के मौजूदा चलन पर अपनी अंतर्दृष्टि रखने के लिए एक साझा मंच प्रदान किया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

प्रो कविता शर्मा ने छठे वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य सम्मेलन 2018 में व्यक्तित्व के लक्षण और ऑनलाइन आवेगी खरीदारी विषय प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर वी के श्रोत्रिय 24 अप्रैल 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के वसुंधरा एनक्लेव, महाराजा अग्रसेन कॉलेज में "भारतीय अर्थव्यवस्था में नवीनता और चुनौतियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन" में मुख्य अध्यक्ष रहे।

प्रोफेसर एस के जैन ने 21 अगस्त, 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय के श्याम लाल कॉलेज (सां.) द्वारा आयोजित विपणन अनुसंधान पर संकाय विकास कार्यक्रम में "मार्केटिंग रिसर्च" पर प्रमुख वक्तव्य दिया।

डॉ. शीतल झुनझुनवाला ने 13 फरवरी, 2017 को आईएमएस, गाजियाबाद में "शेयरधारक सक्रियता की ओर भारतीय निवेशकों का स्वभाव" शीर्षक एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

नियोजन का विवरण (छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

एमबीए (आईबी) पहले एमआईबी 2016-17 बैच, डीओसी, डीयू के रूप में जाना जाता था

नियुक्त छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 37.80%

भर्ती के लिए परिसर में आनेवाली कंपनियों की संख्या: 31

एमबीए (एचआरडी) पहले एमएचआरडी 2016-17 बैच, डीओसी, डीयू के रूप में जाना जाता था

नियुक्त छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 29.70%

भर्ती के लिए परिसर में आनेवाली कंपनियों की संख्या: 36

प्रदत्त एम. फिल/पीएच. डी. डिग्रियों की संख्या

पीएच. डी.: 17
एम. फिल.: 11

संकाय की संख्या

प्रोफेसर: 07
सहयोगी प्रोफेसर: 08
सहायक प्रोफेसर: 01
सहायक प्रोफेसर (तदर्थ): 16

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

अक्तूबर, 2017 में 'डिजिटल मार्केटिंग विघटनकारी अभिनव उपकरण' पर टेलेंट ब्लेज़र के कुणाल कुमुद और गौतम गोपाल के विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया था।
24 जुलाई, 2017 को एशिया प्रशांत अध्ययन, जापान के प्रोफेसर और उप निदेशक डॉ. रेबेका चुंगी किम, प्रोफेसर ने "पूर्वी एशिया में सीएसवी के लिए व्यावसायिक दृष्टिकोण की परीक्षा" विषय पर एक इंटरैक्टिव सत्र किया था।

आयोजित अतिथि व्याख्यान:

क्रम सं.	**तारीख**	**अतिथि का नाम**	**कंपनी**	**विषय**
1	17.10.2017	सुश्री कृतिका प्रशांत,	मेटल	बी2बी मार्केटिंग की स्थिति और बी2बी व्यवस्था में उत्पाद बाजार में आने के तरीके
2	31.10.2017	श्री परिमल भटनागर	कन्वर्ज डिजाइन सॉल्यूशन्स	बाजार अनुसंधानःडेटा बनाम अनुभव
3	05.02.2018	श्री मोहम्मद अब्देल	मेगुड्ड इकोनॉमिस्ट,	लंदन ब्रांड निर्माण सत्र
4	06.02.2018	श्री सुब्रतो बाउल	साऊथ एशिया गैप इंच	एचआर कैरियर के लिए योग्यता
5	16.03.2018	श्री पी के बिदुआ	श्रम व रोजगार मंत्रालय	ठेका श्रमिक अधिनियम और मजदूरी कानून
6	21.03.2018	सुश्री मणि जैन	इमेज कंसल्टेंट	सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण

छात्रों ने 5 सितंबर, 2017 को अपने शिक्षकों को संतुके प्रति आभार और सम्मान लिए शिक्षक दिवस मनाया। इस दिन विभाग की प्रमुख, प्रोफेसर कविता शर्मा और संकाय सदस्य उपस्थिति रहे, जिन्होंने छात्रों के साथ बातचीत की जिसके बाद कार्ड दिए गए और केक काटा गया।
जुलाई 2017 में एम.कॉम, एमबीए-आईबी और एमबीए-एचआरडी के नए बैच के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया था।
एम फिल के सोलहवें बैच और पीएचडी के बैच के लिए फरवरी, 2017 और अगस्त 2017 और 11 सितंबर 2017 को अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।
विभाग के शैक्षणिक संसाधन केंद्र को वाणिज्य विभाग के शोध विद्वानों की सहायता से डिजिटलीकृत और थीसिस, टर्म पेपर और सारांश के लिए क्षेत्रवार वर्गीकृत किया गया था।

विभाग में 30 अक्तूबर, 2017 से 4 नवंबर, 2017 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया था। "क्या भारत भ्रष्टाचार मुक्त राष्ट्र बन सकता है" विषय पर बहस आयोजित की गई थी। दिवाली की छुट्टियों से पहले ईएसएसी टीम द्वारा दीवाली समारोह आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में दीपक सजावट प्रतियोगिता और जातीय पहनावा दिवस आयोजित किया गया था।

छात्रों के लिए वेव ग्रुप, नोएडा और विकास पब्लिकेशन फैक्ट्री, साहिबाबाद (एस. चंद समूह के अंतर्गत) के कॉर्पोरेट हेड ऑफिस के औद्योगिक दौरे का आयोजन किया गया।

***

वित्तीय अध्ययन

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

वार्षिक समारोह

वित्तीय अध्ययन विभाग ने 23 सितंबर, 2017 को होटल शांगरी-ला, नई दिल्ली में "भारतीय वित्तीय क्षेत्र में जोर और चुनौतियां: आगे की राह विषय पर अपना तीसवां वार्षिक समारोह आयोजित किया। सम्मेलन का उद्घाटन संसदीय मामलों, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन के राज्य मंत्री श्री विजय गोयल ने किया और श्रीमान अंशुल जैन, सीएमडी, कुशमैन और वेकफील्ड कार्यक्रम के सम्मानित अतिथि थे। श्री सेबेस्टियन चैन्टेलोट, निदेशक, ग्रुप ईएससी पाउ, फ्रांस विशेष अतिथि थे।

प्रकाशन

डब्ल्यू अहमद और एस सहगल, (2017). सार्क में व्यापार चक्र और वित्तीय चक्र की परस्पर निर्भरता और चीन की बढ़ती भूमिका। मात्रात्मक अर्थशास्त्र का जर्नल, 1-26.

एस बब्बर, और एस सहगल, (2018). भारत में म्यूचुअल फंड की विशेषताएँ और निवेश प्रदर्शन। प्रबंधन और श्रम अध्ययन, 0258042X17745183.

वी डावर, आर अरावातिया, ए चौधरी, और ए वर्मा, (2018). सापेक्ष मूल्यांकन पद्धतियां: एक व्यावहारिक परिप्रेक्ष्य। प्रबंधन लेखाकार जर्नल, 53(2), 75-81.

एम दत्त, और एस सहगल, (2018). गोल्ड स्पॉट और फ्यूचर्स मार्केट्स के बीच घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय सूचना संबंध: भारत के लिए एक अनुभवजन्य अध्ययन। मेचामारफोसिस, 0972622518761745.

पी पांडे, और एस सहगल, (2018). गतिशील मुद्रा संबंध और उनका निर्धारण: पूर्वी एशियाई आर्थिक समुदाय क्षेत्र के लिए एक अनुभवजन्य अध्ययन। उभरते बाजार वित्त और व्यापार, 54(7), 1538-1556.

एस सहगल और एस बब्बर, (2017). भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग के लिए वैकल्पिक प्रदर्शन मानकों का मूल्यांकन करना। जर्नल ऑफएडवास इन मैनेजमेंट रिसर्च, 14(2), 222-250.

एस सहगल, और टी जे अग्रवाल, (2017). वित्तीय आपात स्थिति के पूर्व और बाद की अवधि में बैंक जोखिम कारक और बदलती जोखिम अरक्षितता: भारत के लिए एक अनुभवजन्य अध्ययन। प्रबंधन और श्रम अध्ययन, 42(4), 356-378.

एस सहगल, एस माथुर, एम अरोड़ा, और एल गुप्ता, (2018). संप्रभु रेटिंग: भारत के लिए निर्धारक और नीतिगत प्रभाव। आईआईएमबी प्रबंधन समीक्षा।

एस सहगल, पी पांडे, और एफ डिस्टिंग, (2018). दक्षिण एशियाई इक्विटी बाजारों के बीच समय अनुसार एकीकरण: एक अनुभवजन्य अध्ययन। कोजेंट इकोनॉमिक्स एंड फिनान्स, 6(1), 1452328.

एस सहगल, पी पांडे, और एफ डिस्टिंग, (2017). दक्षिण एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के बीच गतिशील मुद्रा संबंधों की जांच: एक अनुभवजन्य अध्ययन। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और वित्त में अनुसंधान, 42, 173-190.

. एस सहगल, पी पांडे, और एफ डिस्टिंग, (2018). पूर्वी एशियाई आर्थिक समुदाय क्षेत्र में शेयर बाजार एकीकरण गतिशीलता और इसके निर्धारक। मात्रात्मक अर्थशास्त्र का जर्नल, 16(2), 389-425.

अनुसंधान परियोजनाएं

इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (आईसीएसएसआर), "सार्क क्षेत्र में वित्तीय एकीकरण: अनुभवजन्य विश्लेषण और नीति मुद्दे", दो वर्ष के लिए, 2015-2017 प्रोफेसर संजय सहगल।

आयोजित संगोष्ठियाँ

वित्तीय अध्ययन विभाग ने मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग और आईआईटी कानपुर के सहयोग से आईसीएसएसआर प्रायोजित अनुसंधान परियोजना के "सार्क क्षेत्र में वित्तीय एकीकरण: अनुभवजन्य विश्लेषण और नीति मुद्दे" के अंतर्गत 1 अप्रैल, 2017 को "दक्षिण एशियाई क्षेत्र में वित्तीय एकीकरण" पर एक दिवसीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी में वक्ता थे: प्रोफेसर प्रबीर डी, विकासशील देशों के लिए अनुसंधान और सूचना प्रणाली (आरआईएस), नई दिल्ली, प्रोफेसर संजय सहगल, वित्तीय अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रोफेसर सोमेश के माथुर, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, आईआईटी कानपुर, डॉ सुशील कुमार (आरआईएस) और प्रो. शाहिद अहमद (जामियामिलिया इस्लामिया), सार्थक अग्रवाल और तान्या सेठी (एसआरसीसी, इकोनॉमिक्स ऑनर्स स्टूडेंट्स), अमृता रॉय और सोमेश के. माथुर (आईआईटी कानपुर), श्री पियूष पांडे और सुश्री साक्षी, वित्तीय अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

प्रो संजय सहगल

पियुष पांडे के साथ: बहुराष्ट्रीय वित्त सोसाइटी, बुखारेस्ट, रोमानिया के 24वें वार्षिक सम्मेलन में 25-28 जून, 2017 को "गतिशील मुद्रा संबंध और उनके निर्धारक: पूर्वी एशियाई आर्थिक समुदाय क्षेत्र के लिए एक अनुभवजन्य अध्ययन" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया और सत्र की अध्यक्षता की।

साक्षी सैनी और फ्लोरेंट डीस्टिंग के साथ, 18-20 दिसंबर, 2017 को भारतीय सांख्यिकी संस्थान, दिल्ली, भारत के 13वें वार्षिक सम्मेलन में मेजर ग्लोबल फाइनेंशियल मार्केट्स के बीच गतिशील परस्पर निर्भरता की जांच: आर्थिक विकास और विकास" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

पियूष पांडे और साक्षी सैनी के साथ आईआईएम लखनऊ, यूपी, भारत में14-16 दिसंबर, 2017 को पांचवें पैन आईआईएम विश्व प्रबंधन सम्मेलन में "दक्षिण एशियाई वित्तीय बाजार एकीकरण में चीन की भूमिका:एक अनुभवजन्य अध्ययन" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया। पियुष पांडे और साक्षी सैनी के साथ आईआईएम बैंगलोर, 20-22 दिसंबर, 2017 में भारत वित्त सम्मेलन (आईएफसी) 2017 में "दक्षिण एशियाई अर्थव्यवस्थाओं में लघु और दीर्घकालिक ऋण बाजार एकीकरण की गतिशीलता"पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

विभाग ने निम्नलिखित के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने का प्रस्ताव किया है:

बुखारेस्ट यूनिवर्सिटी ऑफ इकोनॉमिक स्टडीज, रोमानिया

स्ट्रैथक्लाइड बिजनेस स्कूल, स्ट्रैथक्लिडे विश्वविद्यालय

वेस्टर्न सिडनी विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया

वित्तीय प्रबंधन का राष्ट्रीय संस्थान

वित्त उद्योग विकास परिषद

पाइक लर्निंग समाधान

नियोजन का विवरण (छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियुक्त छात्रों की संख्या - 31 (31 में से) = 100%

परिसर में भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या - 19

प्रदत्त एम. फिल/पीएच. डी. डिग्रियों की संख्या

पीएच. डी. - 8

संकाय की संख्या

स्थायी - 9

***

शिक्षा संकाय

शिक्षा विभाग

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

हमारे बी.एड और एम.एड 2 वर्षीय पाठ्यक्रमों के पहले बैच जुलाई, 2017 में उत्तीर्ण हुए 89 छात्रों ने बी.एड. और 49 छात्रों ने एम.एड. की डिग्री प्राप्त की। इसी तरह, 19 विद्वानों को इस वर्ष के पाठ्यक्रम में एम. फिल. डिग्री से सम्मानित किया गया तथा 12 विद्वानों ने विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह में अपने पीएच. डी. की डिग्री प्राप्त की।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित विभाग के उन्नत अध्ययन योजना संस्थान के अंतर्गत, हमारे संकाय ने राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलनों, संगोष्ठियों और कार्यशालाओं का आयोजन किया जिसमें देश के छात्रों, विद्वानों और शिक्षाविदों की व्यापक भागीदारी रही। इनके विषयों में निम्नलिखित शामिल थे: समावेशी अध्यापन, विविधता, कला और सौंदर्यशास्त्र, साहित्यिक चोरी और अनुसंधान लेखन में उद्धरण के मुद्दे, भाषा शिक्षा, विज्ञान शिक्षा, मानसिक स्वास्थ्य, तुलनात्मक शिक्षा, शैक्षणिक अनुसंधान के दृष्टिकोण, अंतर्राष्ट्रीय तुलनात्मक शिक्षा, शिक्षकों की शिक्षा, शिक्षा में मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण और एक शैक्षणिक उपकरण के रूप में फिल्में। इसके अलावा, सेवारत शिक्षकों की शिक्षा अनुसंधान पद्धतियों और गणित शिक्षा में डीआईईटी शिक्षकों के लिए कार्यशालाएँ आयोजित की गईं और शैक्षिक प्रबंधन में दिल्ली सरकार के स्कूलों में सलाहकार शिक्षकों के लिए भी एक कार्यशाला आयोजित की गई थी।. विभाग एससीईआरटी दिल्ली के लिए प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों के लिए गणित और सामाजिक विज्ञान शिक्षा जैसे कुछ शैक्षिक क्षेत्रों में शिक्षा की बुनियादी संसाधन सामग्री विकसित करने में भी सक्षम रहा।

दिव्यांग छात्रों के लिए एक सक्षम इकाई की स्थापना एक बहुत ही महत्वपूर्ण उपलब्धि रही है। इस इकाई का उद्देश्य दिव्यांग छात्रों की शिक्षा को सुविधाजनक बनाना है। वर्तमान में, हम अध्ययन पाठ्यक्रमों और कार्यक्रमों में लगभग 25 छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा कर रहे हैं। यह इकाई शिक्षा में छात्रों की सहायता के अलावा, युवाओं के बीच जागरूकता पैदा करने और दिव्यांग व्यक्तियों से संबंधित मुद्दों की संवेदनशीलता विकसित करने की भी कोशिश करती है।

विभाग शिक्षा में अध्ययन के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थानों की इंडिया टुडे रेटिंग में पहले स्थान पर रहा और विश्वविद्यालयों की एनआईआरएफ रैंकिंग में एक उच्च स्थान प्राप्त किया।

हमारी विभागीय वेबसाइट हमारे द्वारा किए गए सभी कार्यों के बारे में पूर्ण विवरण और जानकारी देती है।यह अत्यंत उपयोगकर्ता अनुकूल है और नेत्रहीन दिव्यांग छात्रों द्वारा भी इसका उपयोग किया जा सकता है। जिसे भी हमारे कार्यक्रमों और गतिविधियों के बारे में अधिक जानकारी की आवश्यकता है वे हमारी वेबसाइट पर जा सकते हैं। प्रोफेसर अविजीत पाठक ने हमारे स्थापना दिवस की सभा को संबोधित किया। इस वर्ष हमारी वेबसाइट को कॉलेज से अलग

करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के अन्य विभागों के समान http://www.doe.du.ac.in पर एक नया वेब पता मिला।

सम्मान/विशिष्टताएँ

एस लख्यानी, (मार्च, 2018). प्रफुल्ल धानुकर कला फाउंडेशन द्वारा आयोजित कलानंद आर्ट प्रतियोगिता 2018 में पेंटिंग के लिए दिल्ली शहर मेरिट सर्टिफिकेट।

प्रकाशन

पी बत्रा, (2018). तुलनात्मक और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा के प्रभाव: दक्षिण से कुछ प्रतिबिंब। तुलनात्मक और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा 2017 (पृ 75-83) की वार्षिक समीक्षा में। एमरल्ड प्रकाशन।

एस चंदर, (2017). शिक्षण शिक्षक: विविधता, समावेशन और नैतिकता। नई दिल्ली: कनिष्क प्रकाशन।

एस चंदर, (2017). दृष्टि हीन वाले शिक्षार्थियों के लिए विज्ञान का शिक्षण। दिल्ली: एसआर पब्लिशिंग हाउस, [आईएसबीएन: 9789382884330].

एस चेनत, और एस लख्यानी, (संपा.) (2018). कला के माध्यम से अक्षमता को परिभाषित करना। दिल्ली, भारत, ग्लोबल पब्लिकेशन।

एस चेनत, और एस लख्यानी, (संपा.) (2018). कला के माध्यम से अक्षमता को परिभाषित करना। दिल्ली, भारत। ग्लोबल पब्लिकेशन।

एस चेनत, (2017). सेवा पूर्व शिक्षक-शिक्षण पाठ्यक्रम का क्षेत्र निरीक्षण और इंटर्नशिप: प्रतिबिंब के लिए अंक। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मल्टीडिसिप्लीनरी एजुकेशनल रिसर्च। 6/8(3).

एस चेनत, (2017). स्कूल वर्ल्ड की समीक्षा: सुश्री अनुराधा शर्मा द्वारा एक एथ्नोग्राफिक अध्ययन। पुस्तक समीक्षा में।

एच गांधी, (2018). यादृच्छिक जनरेटरों के संबंध में अनियमितता के बच्चों के अर्थ को समझना। बैटनरो सी, चेरनॉफ़ ई। (संपा) में । शिक्षण और लर्निंग स्टोकास्टिक्स। संभावना शिक्षा के क्षेत्र में अग्रिम। आईसीएमई 13 मोनोग्राफ, 181-200, चैम: स्प्रिंगर।

एच गांधी, एच दीवान, और ए आहुजा, (2018) गणित पाठ्यपुस्तकों में व्यावहारिक समाधान के लिए खोज। शिक्षकों और शिक्षाविदों की आवाज़ें, एनसीईआरटी। 6(2), एनसीईआरटी: नई दिल्ली

वी के कांवरिया, और एन अशरा, (2018). शैक्षणिक मनोविज्ञान: अभिनव शिक्षण-अधिगम का एक मार्ग। एस सांगवान, एम कुमार और ए कुमार (संपा.), शैक्षिक मनोविज्ञान: शिक्षण-अधिगम की प्रक्रिया में क्षितिज रखना। मेरठ: अमन पब्लिशिंग हाउस।

वी के कांवरिया, और एन गुप्ता, (2017). गणित की शिक्षा में नाटकीय सौंदर्य गतिविधियां। मीठाक: मानविकी का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 2395132x, 3(2), 22-28

वी के कांवरिया, और एन गुप्ता, (2017). स्कूलों को बेहतर बनाना: स्मार्ट स्कूल तरीका। एस.के. पांडा (संपा) शिक्षार्थी के लिए सुंदर स्कूल बनाना। दिल्ली: अंकुर बुक डिस्ट्रिब्यूटर्स।

वी के कांवरिया, और पी गुप्ता, (2017). एडमोडो, अवधारणा प्राप्ति और गणित: एक शोध का निर्माण। विद्यावार्ता: अंतर्राष्ट्रीय बहुभाषी अनुसंधान पत्रिका। 19(7), 21-27.

वी के कांवरिया, और पी गुप्ता, (2017). शिक्षण-अधिगम को एडमोडोइंग के लिए सैद्धांतिक आधार। मुद्रण क्षेत्र: अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका, 32(9), 15-20.

वी के कांवरिया, और डी कुकरेजा, (2018). शैक्षिक साइबर स्पेस: भारत में उच्च शिक्षा की संभावनाएं। एसके में पांडा (संपा.), भारत में उच्च शिक्षा: अवसर और चुनौतियां। दिल्ली: अंकित प्रकाशन।

वी के कांवरिया, और बी नागपाल, (2017). स्कूल में माता-पिता की भागीदारी: एक सिंहावलोकन। एस के पांडा (संपा.) में, शिक्षार्थी के लिए सुंदर स्कूल बनाना। दिल्ली: अंकुर बुक डिस्ट्रिब्यूटर्स।

वी के कांवरिया, और बी नागपाल, (2018). 21वीं सदी में शिक्षा: भारत में नवाचार और पहल। एआईटीए इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज, 2231380X, 7(14), 16-22.

वी के कांवरिया, और बी नागपाल, (2018).. एमओओसी: शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के डिजिटलीकरण के लिए एक उपकरण। पी. कौल (संपा.) में, शिक्षक शिक्षा: उभरते दृष्टिकोण (15-27)। नई दिल्ली: अध्ययन प्रकाशक और वितरक।

वी के कांवरिया, और पायल (2018). आईसीटी के साथ सीखना: शिक्षकों की धारणाओं का उपयोग और बाधाएं। हालिया वैज्ञानिक अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 9(1). [आईएसएसएन: 09763031].

वी के कांवरिया, (2017). गणित के अध्यापन पर एक संसाधन पुस्तक। नई दिल्ली: स्कॉलर पब्लिशिंग हाउस।

वी के कांवरिया, (2017). अध्यपक शिक्षा के अंतर्गत द्विवर्षीय शिक्षा स्नातक पाठ्यक्रम का स्वरूप और प्रभाव। परिप्रेक्ष्य, 24(1), 47-64.

वी के कांवरिया, (2017). शिक्षकों के शिक्षक का व्यावसायिक विकास: अधिगम, शिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए आईसीटी शैक्षणिक संसाधन। एस के पांडा (संपा.) में, विविध समाज के लिए मानव शिक्षक की तैयारी। दिल्ली: साद प्रकाशन।

वी के कांवरिया, (2018). आईसीटी सुसज्जित कक्षा में शिक्षकों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियां। समाजशास्त्र और मानविकी में अभिनव अध्ययन का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 3(4), 1-4

वी के कांवरिया,(2018). शैक्षिक प्रौद्योगिकी: सेवा-पूर्व शिक्षकों और सेवा-पूर्व शिक्षकों के शिक्षक के बीच गलतफहमी। जामिया जर्नल ऑफ एजुकेशन: एक अंतर्राष्ट्रीय द्विभाषी प्रकाशन, 4(2), 67-76

वी के कांवरिया, (2018).शिक्षा में तकनीक की समझ एवं प्रयोग। भारतीय आधुनिक शिक्षा (एनसीईआरटी)।

वी के कांवरिया, (2018). सामाजिक रूप से वंचित समूह, शिक्षा और आईसीटी की भूमिका। समाजशास्त्र शिक्षक, 7(2), 28-37

वी के कांवरिया, (2018). गणित में अवधारणा प्राप्ति के लिए शिक्षण: सूचना और संचार प्रौद्योगिकी बनाम पारंपरिक तरीके का उपयोग। कर्मचारी और शैक्षणिक विकास अंतर्राष्ट्रीय।

वी के कांवरिया, (संपा.) (2018). अकादमिक लेखन, साहित्यिक-चोरी-विरोधी और उद्धरण। दिल्ली: शिप्रा प्रकाशन।

वी के कांवरिया, (संपा.) (2018). शिक्षा के लिए आईसीटी: कुछ अवधारणाएं और शोध। दिल्ली: नई दिल्ली प्रकाशक, 9789386453433

एस कुमार, (2017). शिक्षा के सामाजिक सिद्धांत में रीडर। दिल्ली: रिसर्च मीडिया।

एस कुमार, और वी सक्सेना, (2018). विविधता और समावेश में मनोवैज्ञानिक और सामाजिक परिप्रेक्ष्य। दिल्ली: कनिष्क पब्लिशिंग हाउस।

एस कुमार, (2017). ब्रिजिंग होम एंड स्कूल। दिल्ली: ग्लोबल बुक्स प्रकाशन।

एस कुमार, (2017). नैतिक एवं समवेतात्मक विकास में मीडिया की भूमिका, आधुनिक भारतीय शिक्षा, 5.

एस कुमार, (2017). सैद्धांतिक परिप्रेक्षों से खतरा: शोध के विशेष संदर्भ में अध्ययन, विद्यावार्ता, 08, 153-156.

एस कुमार, (2017). सामाजिक विज्ञान और अध्यापन। दिल्ली: पियरसन।

एस कुमार, (2018). शिक्षा में मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण। दिल्ली: कनिष्क प्रकाशन हाउस।

एस कुमार, (सह-लेखक) (2017). खेल: बचपन में इसका अर्थ और महत्व, द कम्यूनिकेशंस, 25(2).

एस कुमार, एल कुमार, और के.ए. गौतम, (2017). हिंदी में शिक्षण। दिल्ली: पियरसन।

एस लख्यानी, (2017). कला शिक्षा के माध्यम से अभिव्यक्ति को बढ़ावा देना। दिल्ली, भारत: ग्लोबल प्रकाशन।

एस लख्यानी, (2018). कला, मूल्य और अध्यापक शिक्षा। डी परिमाला (संपा.) में, भारत में उच्च शिक्षा: चुनौतियां और संभावनाएं, (pp. 250 -255). दिल्ली, भारत: कनिष्क।

एस लख्यानी, (2018). कला: रचनात्मकता की एक प्रक्रिया। जे चावला (संपा.) में, गोल्डेन बीड्स: समकालीन भारतीय कला (द्वितीय संस्करण), (पृ. 292-293). दिल्ली, भारत: विसडम सोसायटी ऑफ क्रिएटिव आर्ट्स।

ए के माओ, और पी एम राजू, (2017). शहरी भारतीय स्नातक छात्रों में मौत की चिंता। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मल्टीडिसिप्लीनरी एजुकेशनल रिसर्च। 6(12(5)), 290-304.

पी एम राजू, (2017).इथियोपियाई शुरुआती शिक्षक 'शिक्षण पेशे की प्रतिबद्धता: इसके महत्वपूर्ण पूर्ववर्ती। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मल्टीडिसिप्लीनरी एजुकेशनल रिसर्च। 6(5(3)), 94-114.

पी एम राजू, (2017). शिक्षकों की अवधारित सामाजिक सहायता और शिक्षण पेशे के लिए प्रतिबद्धता: एक खोजपूर्ण अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मल्टीडिसिप्लीनरी एजुकेशनल रिसर्च। 6(7(6)).

आर रे, और पी एम राजू, (2017). इथियोपिया के स्वास्थ्य पेशेवरों और उनकी मौत संबंधी चिंता के साथ इसके संबंधों में इच्छामृत्यु के प्रति रवैया। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मल्टीडिसिप्लीनरी एजुकेशनल रिसर्च। 6(9(4)), 157-172.

वी सक्सेना, (2017). उच्च शिक्षा में अध्यापन-शिक्षा रिक्त स्थान को लोकतांत्रिक। द कम्यूनिकेशंस, 25(1).

वी सक्सेना, (2017). विश्व बैंक समूह: शिक्षा वैश्विक अभ्यास। विशेष जरूरतों वाले बच्चों की समावेशी शिक्षा के लिए शिक्षकों की तैयारी में मास्टर प्रशिक्षकों के लिए टूलकिट मॉड्यूल 5: न सुनने वाले बच्चों सहित। एमएचआरडी इंडिया यूकेड। विश्व बैंक समूह http://ssashagun.nic.in/docs/module5.pdfHttp://ssashagun.nic.in/docs/module5 .pdf से पुनर्प्राप्त।

वी सक्सेना, (2017). विश्व बैंक समूह: शिक्षा वैश्विक अभ्यास। विशेष जरूरतों वाले बच्चों की समावेशी शिक्षा के लिए शिक्षकों की तैयारी में मास्टर प्रशिक्षकों के लिए टूलकिट मॉड्यूल 1: समावेशी शिक्षा, एमएचआरडी इंडिया यूकेड वर्ल्ड बैंक समूह। http://ssashagun.nic.in/docs/module1.pdf Http://ssashagun.nic.in/docs/module1.pdf से पुनर्प्राप्त।

वी सक्सेना, (2017). विश्व बैंक समूह: शिक्षा वैश्विक अभ्यास। विशेष जरूरतों वाले बच्चों की समावेशी शिक्षा के लिए शिक्षकों की तैयारी में मास्टर प्रशिक्षकों के लिए टूलकिट मॉड्यूल 2: ऑटिज़्म वाले बच्चों सहित। एमएचआरडी इंडिया यूकेड वर्ल्ड बैंक समूह। Http://ssashagun.nic.in/docs/module2.pdf से पुनर्प्राप्त।

वी सक्सेना, (2017). विश्व बैंक समूह: शिक्षा वैश्विक अभ्यास। विशेष जरूरतों वाले बच्चों की समावेशी शिक्षा के लिए शिक्षकों की तैयारी में मास्टर प्रशिक्षकों के लिए टूलकिट मॉड्यूल 3: सेरेबल पाल्सी वाले बच्चों सहित। एमएचआरडी इंडिया यूकेड के साथ विश्व बैंक समूह Http://ssashagun.nic.in/docs/module3.pdf से पुनर्प्राप्त।

वी सक्सेना, (2017). विश्व बैंक समूह: शिक्षा वैश्विक अभ्यास।. विशेष जरूरतों वाले बच्चों की समावेशी शिक्षा के लिए शिक्षकों की तैयारी में मास्टर प्रशिक्षकों के लिए टूलकिट मॉड्यूल 4:बधिरता अंधेपन वाले बच्चों सहित। एमएचआरडी इंडिया यूकेड विश्व बैंक समूह Http://ssashagun.nic.in/docs/module4.pdf से पुनर्प्राप्त।

वी सक्सेना, (सह-संपा.) (2018). विविधता और समावेश में मनोवैज्ञानिक और सामाजिक दृष्टिकोण: शोधकर्ताओं और पेशेवरो के लिए एक पौराणिक कथा। कनिष्क पब्लिशर्स।

पी.के. सिंह, और एच गांधी, (2018). प्राथमिक गणित कक्षा में भागीदारी का एक समुदाय स्थापित करना: एक एक्शन रिसर्च। एस लडेज एंड एस नारवेकर (संपा.) में, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और गणित शिक्षा पर अनुसंधान की समीक्षा के लिए एपिस्टेम7- अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में, (pp.314-322). भारत: सिनामोन टील।

एस सिंह, और पीएम राजू, (2017). कक्षा दल के लिए बोर्ड परीक्षा के निरंतर और व्यापक मूल्यांकन के बारे में दिल्ली के सीनियर सेकेंडरी विद्यालयों के शिक्षकों की आवाज़ें। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मल्टीडिसिप्लीनरी एजुकेशनल रिसर्च। 6(12(5)), 191-209.

पत्रिकाएँ

संपादकों/ संपादकीय मंडल के सदस्यों के रूप में कार्यरत विभाग शिक्षकों की संख्या: 39

संगोष्ठी का आयोजन

ए बिहारी, (2018).17 फरवरी को शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में, आईएएसई एमएचआरडी के अंतर्गत आयोजित पर्यावरण पर संगोष्ठी: इसके पूर्वपद, आकलन और संभावनाएं।

एच गांधी, और वाई शर्मा, (2018). दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में 8 और 9 मार्च को आईएएसई एमएचआरडी के अंतर्गत आयोजित शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम परिदृश्य को प्रतिबिंबित करने पर संगोष्ठी।

एन नारंग, और आर बाला, (2018). दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में 2 फरवरी को आयोजित आईएएसई एमएचआरडी के अंतर्गत समकालीन परिदृश्य में भाषा, साक्षरता और लिंग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

ए रामपाल, (2018). आईएएसई एमएचआरडी के अंतर्गत 30 जनवरी को शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में सतत विकास के लिए शिक्षा: पाठ्यक्रम का वार्तालाप पर आयोजित संगोष्ठी।

एस सक्सेना, (2018). शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित आईएएसई एमएचआरडी के अंतर्गत विज्ञान शिक्षा पर संगोष्ठी।

वी सक्सेना, (2018). शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में (आईएएसई एमएचआरडी इंडिया के अंतर्गत) 2-3 फरवरी को विविधता लोकतंत्र और स्कूल पर संगोष्ठी।

आयोजित सम्मेलन

एस चंदर, (2017). लेडी इरविन कॉलेज में 10-11 अक्तूबर को चुनौतियों और संभावनाओं को शामिल करने के मुद्दों पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है।

एस चंदर, (2017). लेडी इरविन कॉलेज में आयोजित अप्रैल में सीखने पर राष्ट्रीय सम्मेलन।

वी.के. कांवरिया, (निदेशक) (2018). आईएएसई-एमएचआरडी, नई दिल्ली, 27 जनवरी द्वारा प्रायोजित शिक्षा के लिए आईसीटी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

एस कुमार, (2017-2018). शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 30 दिसंबर, 6 जनवरी और 10 मार्च को आईएएसई एमएचआरडी के अंतर्गत आयोजित अध्याय 2 पर सम्मेलन/कार्यशाला:शिक्षा में मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण की खोज।

एस सिन्हा, (2018). विद्यालय में लेखन: प्रक्रियाएं, प्रथाएं और लेखक पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। आईएएसई/एमएचआरडी (60000, और ओएनजीसी से 2 लाख) द्वारा प्राप्त धनराशि।

संगोष्ठी/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

एस चेनत, (2018). लोकमान्य तिलक प्रशिक्षण कॉलेज, दाबोक, उदयपुर, राजस्थान में 27 अप्रैल को शिक्षक शिक्षा: सामाजिक चिंताएं पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी शिक्षक शिक्षा में लिंग संवेदनशीलता में एक सत्र के अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित ।

पी बत्रा, (2017). अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बैंगलोर में 6 नवंबर को शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम: हालिया सुधारों पर अनुभव साझा करना, पर संगोष्ठी में आमंत्रित वक्ता।

एच गांधी, (2017). श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 8-10 नवंबर को भविष्य की चुनौतियों के लिए शिक्षा प्रणालियों को संरेखित करने पर आयोजित चौथे वार्षिक सम्मेलन में सीखने के निर्देशों के लिए जगहों सहित नया शिक्षण वातावरण, में एक सत्र की अध्यक्षता की।

वी.के. कांवरिया, (2017). एयूडी, दिल्ली और एपीयू, बेंगलुरू में 25 मई को स्कूली शिक्षा के बदलते परिदृश्य में अध्यापन-कर्म की रूपरेखा, पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में विद्यालयी शिक्षा चक्र: मानकता एक मिथक, पर प्रस्तुति।

वी. के. कांवरिया, (2017). एमडीयू, रोहतक में 16 सितंबर को शिक्षण-अधिगम की प्रक्रिया का डिजिटलीकरण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सतत विकास में डिजिटलकरण की भूमिका: एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य पर प्रस्तुति।

वी.के. कांवरिया, (2017). विज्ञान शिक्षा, आरआईई, अजमेर में 22 नवंबर को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "शिक्षकों की दृष्टि से विज्ञान शिक्षा में आईसीटी को समझना" पर प्रस्तुति।

वी.के. कांवरिया, (2017). एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा में 15 दिसंबर को गुणवत्ता के लक्ष्य के रूप में शिक्षा और शिक्षा के लक्ष्य के रूप में गुणवत्ताः एमएचआरडी का जोर, पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में शिक्षा में उभरती चुनौतियां: बेहतर भविष्य के लिए एक खोज पर प्रस्तुति।

वी.के. कांवरिया, (2017). एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा में 15 दिसंबर को 'गुणवत्ता के लक्ष्य के रूप में शिक्षा और शिक्षा के लक्ष्य के रूप में गुणवत्ताः एमएचआरडी का एक जोर' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भारतीय नीतियों के भूतकाल, वर्तमान और भविष्य: एक तकनीकी पूर्वदर्शी' पर प्रस्तुति।

वी. के. कांवरिया, (2018). दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 27 जनवरी को शिक्षा के लिए आईसीटी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'उच्च शिक्षा और व्यावसायिक विकास में मूल्यांकन के लिए आईसीटी' पर प्रस्तुति।

वी.के. कांवरिया, (2018). वैश्विक परिप्रेक्ष्य में शिक्षक शिक्षा में संक्रमण: रीथिंकिंग, रीडिज़ाइनिंग और रिवाइटलाइजिंग पर, एआईई, ग्रेटर नोएडा में 24 फरवरी को पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'प्रौद्योगिकी का उपयोग कर शिक्षा में सतत उत्कृष्टता के लिए प्रयास: अतीत, वर्तमान और भविष्य।' पर प्रस्तुति ।

एस कुमार, (2017). उद्घाटन भाषण: 15 अक्तूबर को हरियाणा में उच्च शिक्षा के समावेशी और योग्यता विस्तार पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में ज्ञान पहचान और अनुसंधान: सैद्धांतिक ढांचे से डर।

एस कुमार, (2017). भारत आवास केंद्र, नई दिल्ली में 1-2 नवंबर को शहरी रिक्त स्थान और लिंगः एशिया प्रशांत, शहरी रिक्त स्थान में लिंग, मार्जिनलाइजेशन और इक्विटी की खोज पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'खुले हाशिये: शहरी भारत में समलैंगिकों के बीच विविधता' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

एस कुमार, (2017). शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 30 दिसंबर को 'ग्राउंडेड थ्योरी: ए रिसर्च पर्स्पेक्टिव, साइकोसोशल पर्सपेक्टिव इन एजुकेशन: एक्शन रिसर्च एंड ग्राउंडेड थ्योरी रिसर्च' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

एस कुमार, (2018). शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 2 फरवरी को विविधता, लोकतंत्र और स्कूल पर राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित वार्ता: ब्रिजिंग होम स्कूल।

एस लख्यानी, (2017). लंदन में भारत के उच्चायोग के सांस्कृतिक विंग, आईसीसीआर के अंतर्गत, 14-18 अगस्त को नेहरू सेंटर लंदन में होप II [प्रदर्शनी सूची] पर एकल चित्रकला प्रदर्शनी के लिए आमंत्रित किया गया।

एस लख्यानी, (2017). समूह शो सोलह: ललित कला अकादमी, नई दिल्ली, भारत में 10-16 दिसंबर को समकालीन कलाकारों [प्रदर्शनी सूची] का समूह पर प्रदर्शनी।

एस लख्यानी, (/2017). निबंधित प्रदर्शनी सूची: भारत की ललित कला अकादमी, भारत में 10-16 दिसंबर को प्रदर्शनी सोलह: समकालीन कलाकारों [प्रदर्शनी सूची] का समूह। मे निबंधित।

एस लख्यानी, (2018). 13-15 जनवरी को प्रदर्शनी भारत के समकालीन कलाकारों द्वारा पेंटिंग्स और मूर्तियों की अखिल भारतीय प्रदर्शनी [प्रदर्शनी सूची] आर्टिज़ेन आर्ट गैलरी नई दिल्ली, भारत: विस्डम सोसायटी ऑफ क्रिएटिव आर्ट्स के ग्रुप शो में प्रदर्शनी।

एस लख्यानी, (2017). सेंट पीटर्सबर्ग, रूस में सेंट पीटर्सबर्ग स्टिग्लिट्ज अकादमी ऑफ आर्ट्स एंड डिज़ाइन द्वारा 13 मार्च- 7 अप्रैल को आयोजित कला पर अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी में प्रदर्शनी।

एस सिन्हा, (2017). प्रारंभिक भाषा और साक्षरता में अनुसंधान और नीति को साथ लाना। (पैनल चर्चा)। अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली और टीआईएसएस हैदराबाद द्वारा आयोजित प्रारंभिक भाषा और साक्षरता पर राष्ट्रीय सम्मेलन।

एस सिन्हा, (2018). अवलोकन: भारतीय कक्षा में लेखन। दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में स्कूल में लेखन: प्रक्रियाएं, प्रथाएं, और लेखक पर राष्ट्रीय सम्मेलन में शोधपत्र प्रस्तुत किया।

एस सिन्हा, और एन कुंवर, (2018). दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में विद्यालय में लेखन: प्रक्रियाएं, प्रथाएं, और लेखक पर राष्ट्रीय सम्मेलन में बच्चों का लेखन क्या हैं: छठी कक्षा का विश्लेषण पर प्रस्तुति। नोटबुक।

वी सक्सेना, (2017). लेडी इरविन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 20 अप्रैल को सीखनाः शिक्षा और संस्कृति पर तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में शिक्षार्थी, विविधता और संस्कृति पर सत्र की अध्यक्षता की।

पी.के. सिंह, और एच गांधी, (2017). एक कहानी की पृष्ठभूमि में दोहराव का पैटर्न सीखना- ग्रेड 2 छात्रों का एक मामला। श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 8-10 नवंबर को आयोजित भविष्य की चुनौतियों के लिए शिक्षा प्रणाली को संरेखित करने के विषय पर चौथा वार्षिक सम्मेलन।

पी.के. सिंह, और एच गांधी, (2017). पी.जी शिक्षा विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू द्वारा 16-18, नवंबर को समकालीन शैक्षिक व्याख्याओं में गंभीरता, सहानुभूति और कल्याण पर भारत की तुलनात्मक शिक्षा सोसाइटी ऑफ इंडिया (सीईएसआई) के 8 वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में गणित सीखने की कंडिट के रूप में कहानी कहना: ग्रेड 2 बच्चों का एक प्रकरण अध्ययन।

पी सूर्या, और एच गांधी,   (2017). शिलांग में 21-22, दिसंबर को आयोजित गणित शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक विशिष्ट मध्यम ग्रेड गणित कक्षा के व्याख्यान का विश्लेषण।

पी.के. सिंह, और एच गांधी, (2018). प्राथमिक गणित कक्षा में भागीदारी का एक समुदाय स्थापित करना: होमी भाभा सेंटर फॉर साइंस एजुकेशन, मुंबई में 5-8, जनवरी।आयोजित विज्ञान, प्रौद्योगिकी और गणित शिक्षा (इपिस्टम-07) पर अनुसंधान की समीक्षा के लिए सातवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोध कार्य।

प्रदत्त एम.फिल/पीएचडी डिग्रियों की संख्या

पीएच. डी.	:	12
एम. फिल.	:	19

संकाय की संख्या

प्रोफ़ेसर	-	5
एसोसिएट प्रोफेसर	-	8
सहायक प्रोफेसर	-	26

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

विभाग की अपनी वेबसाइट http://www.doe.du.ac.in है, जो लगभग हर दिन अपडेट की जाती है। वेबसाइट दृष्टिहीन और बधिर लोगों के अनुकूल है और एक बेहद समर्पित टीम द्वारा इसका रखरखाव किया जाता है। यह शीर्षक, हमारे बारे में, संकाय, अकादमिक, छात्र, विद्वान, कोलोक्वियम/वाइवा, प्रवेश, आईक्यूएसी, संसाधन, सीआईई कर्मचारी, सीआईई पूर्व छात्रों की वेबसाइट, सम्मान बोर्ड, बुनियादी ढांचे और सुविधाओं, उपयोगी विश्वविद्यालय लिंक वाली जानकारी से अत्यधिक समृद्ध है। , उपयोगी वेब लिंक, वार्षिक रिपोर्ट, दृष्टिहीन और सुनवाई के लिए विशेष वेब संसाधन चुनौतीपूर्ण, एंटी-रैगिंग, एंटी धूम्रपान, एससी/एसटी/ओबीसी शिकायत कक्ष, छात्र शिकायत निवारण और उत्तर पूर्व छात्र शिकायत और हमसे संपर्क करें, आदि जानकारियों से समृद्ध है। वेबसाइट की सभी छात्रों, घटक कॉलेजों और संकाय सदस्यों द्वारा नियमित रूप से खोज की जाती है। यूजीसी दिशानिर्देशों के अनुसार विभाग में एक सतर्क एंटी-रैगिंग सेल है। विभाग इसके साथ जुड़े स्कूल अर्थात् सीआईई प्रायोगिक बेसिक स्कूल का भी रखरखाव करता है, जो विभागीय प्राधिकरण के प्रत्यक्ष मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के अंतर्गत काम करता है। दिल्ली में अन्य स्कूलों की तुलना में स्कूल में एक बहुत ही इष्टतम शिक्षक-छात्र अनुपात है।

*****

अंतर-आयामी और अनुप्रयुक्त विज्ञान संकाय

जैव रसायन

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

विभाग ने विभिन्न मानव रोगों से निपटने के लिए आणविक रणनीतियों के विकास के क्षेत्र में यूजीसी-एसएपी कार्यक्रम के दूसरे वर्ष को सफलतापूर्वक पूरा किया और इस विषय पर एक संगोष्ठी आयोजित की जिसमें पोस्टर प्रस्तुति, निबंध लेखन और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विभाग में पूरे वर्ष विशेषज्ञों द्वारा कई संगोष्ठियाँ आयोजित की गई थीं। माइक्रोस्कोप के अंतर्गत सी.एलिगेंस का एक लाइव प्रदर्शन आयोजित किया गया था और एक दिवसीय संगोष्ठी में छात्रों और कॉलेज शिक्षकों को प्रकाशन के अवसरों पर सलाह देने के लिए प्रतिष्ठित प्रकाशक

स्प्रिंगर-नेचर को आमंत्रित किया गया था। विभाग ने आईआईएसईआर मोहाली, आईएमटेक (चंडीगढ़) और गुरु नानक देव विश्वविद्यालय (अमृतसर) के लिए एक शैक्षणिक दौरा आयोजित किया। विभाग ने योग दिवस का आयोजन किया व्याख्यान के लिए एक योग विशेषज्ञ को आमंत्रित किया जिसके बाद योग मुद्राओं का प्रदर्शन किया गया, जिसमें विभाग के प्रत्येक सदस्य ने स्वेच्छा से भाग लिया। विभाग ने पूरी तरह कार्यात्मक और अत्यधिक सूचनात्मक वेबसाइट लॉन्च की, जो विभाग के इतिहास में अपनी तरह की पहली वेबसाइट है।विभाग ने, एनएएसी मूल्यांकन के लिए, सफलतापूर्वक स्व-मूल्यांकन रिपोर्ट, ब्रोशर और व्यापक प्रस्तुति तैयार की और सभी आवश्यक दस्तावेज जमा किए। सीबीसीएस दिशानिर्देशों के अनुसार मास्टर बायोकेमिस्ट्री कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम का संशोधन आरंभ किया गया था। संकाय सदस्य कैंसर, मलेरिया, हृदय रोग, तपेदिक और लीशमैनियासिस से लड़ने के लिए रणनीतियों को समझने और विकसित करने की दिशा में उच्च शोध में लगे रहे।

प्रकाशन

2017-2018 के दौरान 13 शोध पत्र प्रकाशित किए गए।

के चौधरी, ए शर्मा, एस कुमार, जीके गुंजन, ए नाग, और सीसी मंडल, (2017). कोलोसिन्थ अर्क उपकला को मेसेनकाइमल संक्रमण और स्तन कैंसर कोशिकाओं की वृद्धि को रोकता है। फ्रंट फार्माकोल , 85-93. जारी करने की तारीख:10.3389/fphar.2017.00593.

ए गुप्ता, बी वेंकटरामन, एम वासुदेवन, और बीके गोपीनाथ, (2017). माइकोबैक्टीरियम तपेदिक में विषैले-एंटीटॉक्सिन लोसी की सह-अभिव्यक्ति नेटवर्क का विश्लेषण सेलुलर तनाव के प्रमुख मॉड्यूलर बताते हैं। साइंस रिपोर्ट 7(1), 58-68.

आर जॉन, वाई अट्री, वी चंद, एन जायसवाल, के राज, और ए नाग, (2017). एसकेपी2 द्वारा साइटोग्लोबिन का सेल चक्र-निर्भर विनियमन। एफईबीएस लेटर्स। 591(21), 3507-3522.

एस कौर, ए नाग, ए के सिंह, और के शर्मा, (2018). रेडियोधर्पण के लिए पीपीएआरवाई-लक्ष्यीकरण क्षमता। करेंट ड्रग टार्गेट। जारी करने की तारीख:10.2174/1389450119666180131105158.

एन मुखी, एस कुंडू, और जे कौर, (2017). अरबीडॉप्सिस फाइटोग्लोबिन 3 की डाइऑक्साइजेनेस- और पेरोक्साइडस जैसी गतिविधि और स्क्लेरोटिनिया स्क्लेरोटोरियम रक्षा में इसकी भूमिका। नाइट्रिक ऑक्साइड। 68, 150-162

डी नंदी, पी एस चीमा, एन जायसवाल, और ए नाग, (2017). फॉक्स एम1: बायोमार्कर के रूप में एक ऑन्कोजन का दोबारा दोहराव। कैंसर जीवविज्ञान में संगोष्ठी। जारी करने की तारीख:10.1016/j.सेमकैंसर.2017.08.009.

टी जे पुंछिचिरा, एस के डे, ए मुखोपाध्याय, एस कुंडू, और बी के थेल्मा, (2017). डोपामाइन-β-हाइड्रोक्सालीज जीन में एसएनपी की विशेषता इसके संरचना-कार्य केसंबंध में नई अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। न्यूरोजेनेटिक्स 18, 155-168.

ए रोहिल्ला, जी खरे, और ए के त्यागी, (2017). आभासी स्क्रीनिंग, फार्माकोफोर विकास और संरचना आधारित समानता खोज, आईसीआरआर के खिलाफ अवरोधकों की पहचान करने के लिए, माइकोबैक्टीरियम तपेदिक का एक प्रतिलेखन कारक। वैज्ञानिक रिपोर्ट 7, 46-53

ए रोहिल्ला, जी खरे, और ए के त्यागी, (2018). डॉकिंग और चेमिनफॉर्मेटिक्स का संयोजन माइकोबैक्टेरियम ट्यूबरक्युलोसिस के 4'फॉस्फोपेटेथिनाइल हस्तांतरण के खिलाफ अवरोधकों की पहचान के लिए दृष्टिकोण प्रदान करता है। आरएससी एडवांसेज 8(328).

ए शंकर, जे एल फर्नांडीस, के कौर, एम शर्मा, एस कुंडू, और जीके पांडे, (2018). चावल फाइटोग्लोबिन अरबीडॉप्सिस थैलियाना में कम खनिज पोषक तत्वों और अबायोगिक तनाव के अंतर्गत प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित करते हैं। प्लांट सेल एनवायरमेंट। 41(1), 215-230. जारी करने की तारीख: 10.1111/pce.13081. [I.F. 6.17].

बी शर्मा, एस एन जामदार, बी घोष, पी यादव, ए कुमार, एस कुंडू, आरडी मक्का, (2017). क्रिस्टल संरचना और आणविक गतिशीलता सिमुलेशन द्वारा प्रकाशित एम 32 कार्बोक्साइप्टाइडिस का सक्रिय साइट गेट। बायोचिम बायोफिस एक्टा-प्रोटीन और प्रोटीमिक्स। 1865, 1406-1415.

एस सिंह, जी खरे, आर कर, पी सी घोष, और ए के त्यागी, (2018). संरचना आधारित आभासी स्क्रीनिंग का उपयोग करके माइकोबैक्टीरियम तपेदिक बायोए अवरोधक की पहचान। दवा, डिजाइन विकास और थेरेपी 12:1065

यू यादव, आर आर्य, एस कुंडू और एम सुन्द, (2018). टाइप-II एसील कैरियर प्रोटीन (एसीपी) की 'पहचान हेलिक्स' अपने साझेदारों को बांधने के लिए सतह की तरह 'यूबिकिटिन इंटरैक्टिंग मोटीफ (यूआईएम)' का उपयोग करती है। जैव रसायन। 5 जून, 2018 जारी करने की तारीख: 10.1021/acs.biochem.8b00220. [ईपब प्रिंट से पहले]

पत्रिकाएँ

दो शिक्षक (प्रो. सुमन कुंडू और प्रोफेसर आलो नाग) ने संपादकीय मंडलके सदस्यों के रूप में कार्य किया और उनमें से एक (प्रो सुमन कुंडू) प्रोटीन और प्रोटीमिक्स के जर्नल के मुख्य संपादक-के रूप में कार्यरत हैं (प्रोटीमिक्स सोसाइटी की एक पत्रिका, भारत)

अनुसंधान परियोजनाएँ

विभाग में चार नई परियोजनाएं मंजूर की गई, जिन्हें 2017-18 के दौरान 1,25.28 लाख रुपए का कुल अनुदान मिला। विभाग के संकाय सदस्यों को 2017-18 के दौरान यूजीसी-एसएपी-II विभाग परियोजना के लिए कुल 30,83, 914/- रुपए प्राप्त हुए।

सीएसआईआर, "एपीसी/सी-सीडीएच1 एक्सिस के माध्यम से फॉक्सएम1 गतिविधि की मैनिपुलेटिंग में एचपीवी16ई7 ओन्कोप्रोटीन की भूमिका को उजागर करना" जून 2017-जून 2020, 32.75 लाख रुपए।

डीबीटी, "एचपीवी प्रेरित गर्भाशय ग्रीवा कैंसर थेरेपी के लिए एचएडीए 3-ई6 इंटरैक्शन को बाधित करने के लिए पेप्टाइड्स की पहचान, डिजाइन और विशेषता" जनवरी 2018-दिसंबर 2020, प्रोफेसर आलो नाग, 64.3 लाख रुपए।

डीबीटी, " सिटोक्रोम बी5 रेडक्टेज3 और डोपामाइन बीटा हाइड्रोक्साइलेस के खिलाफ सहजता से उच्च रक्तचाप वाले राइट मॉडल में एंटीहाइपेरेटिव प्रभाव के लिए स्क्रीनिंग लीड अणुओं द्वारा संरचना-आधारित तर्कसंगत ड्रग डिजाइन पद्धतियों द्वारा पहचान" 22.06.2018 - 21.06.2021, प्रो. सुमन कुंडू, 25.6 लाख।

वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए यूजीसी-डीएई कंसोर्टियम, "लीशमानियामोजर फॉस्फोपैथेथेनिल ट्रांसफरस (एलएमजे पीपीटीज़) की संरचना को समझना और संज्ञानात्मक एसीपी के साथ इसकी बातचीत", 01.04.2018 - 31-03-2019, प्रो. सुमन कुंडू, 2,63,400 रुपए।

दायर / अनुमोदित पेटेंट

राष्ट्रीय पेटेंट - 03

भारतीय पेटेंट (आईडी 201711016131)15 फरवरी, 2018 को "नवल मलेरिया विरोधी लिपोसोमल फॉर्मूलेशन" शीर्षक (अन्वेषक: प्रहलाद चंद्र घोष, अलो नाग, मोहसिन रजा, आकृति सिंगल और हिना भारती)।

अनंतिम भारतीय पेटेंट (आईडी 201711036983) शीर्षक "नोवेल एंटी-हाइपरटेंसिव डोपामाइन -हाइड्रोक्साइलेज (डीबीएच) अवरोधक" 18 अक्तूबर, 2017 (अन्वेषक: सुमन कुंडू, बीके थेल्मा, पंकज प्रभाकर, संजय कुमार डे)।

16 फरवरी, 2018 को (सुमन कुंडू, बीके थेल्मा, जी कोवुरु, पंकज प्रभाकर, संजय कुमार डे) "एक नए उच्च रक्तचाप विरोधी कार्डियो-सुरक्षात्मक संरचना" शीर्षक के लिए अनंतिम भारतीय पेटेंट (आईडी 2018110058 9)।

आयोजित संगोष्ठियाँ

कुल संख्या: 19 (नीचे 10 का विवरण दिया गया है)

"टाइनी मशीन्स, बिग टास्क", प्रोफेसर रूप मलिक, जैविक विज्ञान विभाग, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर), मुंबई, 21 फरवरी 2018.

"ड्रग डेवलपमेंट: डिज़ाइन टू मार्केट", प्रोफेसर सुबीर कुमार मलिक, फार्माकोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली, 19 जनवरी 2018।

"अग्नाशयी कैंसर की जीनोमिक स्क्रीन से पहचाने गए नए ट्यूमर सप्रेसर्स क्रोमैटिन रीमोडलिंग और उपकला कोशिका एपीको-बेसल ध्रुवीयता को नियंत्रित करते हैं" डॉ मुरली डी बश्याम, सीडीएफडी, हैदराबाद, 17 नवंबर 2017।

यूडीएससी, नई दिल्ली, प्रो. उत्पाल तात्तु, आईआईएससी, बैंगलोर, 13 नवंबर 2017 में आयोजित "विभिन्न मानव रोगों का मुकाबला करने की रणनीतियां" पर सम्मेलन में "जिआर्डिया लैम्ब्लिया से एक विभाजित एचएसपी90 जीन की पोस्ट ट्रांसक्रिप्शनल मरम्मत"।

यूसीएससी, नई दिल्ली में आयोजित "विविध मानव रोगों का मुकाबला करने की रणनीति" पर सम्मेलन में "बैक्टीरियल रोगजनको का अध्ययन करने के लिए एक शक्तिशाली वैकल्पिक मॉडल के रूप में कैनोराबाडाइटिस एलिगेंस" प्रो. के बालमुरुगन, अलागप्पा विश्वविद्यालय, तमिलनाडु, 13 नवंबर 2017.

"इन्फ्लूएंजा वायरस कैप्सिड डिस्सेप्लर: सेलुलर एंट्री के दौरान अपने जीनोम रिहाई के लिए एक नट मुश्किल से टूटता है", डॉ इंद्रनील बनर्जी, जैविक विज्ञान विभाग, आईआईएसईआर, मोहाली, 11 नवंबर 2017।

"पार्किंसंस रोग में माइटोकॉन्ड्रियल दोष", डॉ. मनोज कुमार, जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय, स्कूल ऑफ मेडिसिन, बाल्टीमोर, मैरीलैंड, यूएसए, 10 अक्तूबर 2017।

"एचआईवी जीवविज्ञान, पैथोजेनेसिस और जीन थेरेपी", डॉ. अखिल सी बनर्जी, एनआईआई, नई दिल्ली, डॉ. येलप्रगदा सुब्बा पंक्ति मेमोरियल व्याख्यान 2017 (बायोकैमिस्ट्री विभाग द्वारा आयोजित, यूडीएससी), 28 जुलाई, 2017.

"तीन आयामों में इम्प्लांटिंग भ्रूण और गर्भाशय पर्यावरण इमेजिंग से अंतर्दृष्टि", डॉ. रिपला अरोड़ा, मानव चिकित्सा कॉलेज, मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए, 1 अगस्त 2017।

आयोजित सम्मेलन

एसएपी कार्यक्रम के माध्यम से यूजीसी द्वारा वित्त पोषित, 7 मार्च, 2018 को "मानव रोगों की अंतर्दृष्टि, पहचान और हस्तक्षेप के लिए रणनीतियां" पर आयोजित संगोष्ठी।

डीयू-डीएसटी पर्स अनुदान द्वारा वित्त पोषित 13 नवंबर, 2017 को "विभिन्न मानव रोगों का मुकाबला करने की रणनीतियां" पर आयोजित संगोष्ठी,

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

प्रोफेसर आलो नाग द्वारा 20 अप्रैल, 2017 को कैंसर रोकथाम और अनुसंधान के राष्ट्रीय संस्थान, नोएडा, यूपी द्वारा आयोजित कैंसर अनुसंधान में आण्विक तकनीकें परकार्यशाला में "एचपीवी की ऑनकोजेनिक ट्रिक्स का खुलासा - नई चिकित्सा के लिए रास्ता" का खुलासा पर आमंत्रित वार्ता।

प्रो. आलो नाग द्वारा फरवरी 8-11 से चेन्नई, भारत में ट्रांसनेसनल कैंसर अनुसंधान पर 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "गर्भाशय ग्रीवा कैंसर का इलाज करने के लिए वायरल चालों की हैकिंग" "कैंसर निवारण और उपचार: प्राचीन चिकित्सा से लेकर आधुनिक चिकित्सा तक" पर आमंत्रित वार्ता।

प्रो आलो नाग द्वारा 19-21 फरवरी, 2018 कोएसीबीआर, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत में 'बायोमेडिकल रिसर्च में फ्रंटियर' थीम: मानव स्वास्थ्य में चुनौतियां: रोकथाम, निदान और इलाज पर 11वीं संगोष्ठी में "एचपीवी ऑनकोजेनेसिस की जटिलताओं को समझना" पर आमंत्रित वार्ता।

प्रोफेसर आलो नाग द्वारा 9-10 फरवरी, 2018, जेएनयू, भारत से 'कैंसर निवारण और उपचार' पर 11वीं संगोष्ठी में "ट्यूमर सस्पेंसर साइटोग्लोबिन का सेल चक्र निर्भर विनियमन" पर आमंत्रित वार्ता।

प्रोफेसर आलो नाग द्वारा 20-22 फरवरी, 2018 को सीएसआईआर-आईआईटीआर, लखनऊ, भारत में "कैंसर और विष विज्ञान में सेल मौत" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "कैंसर थेरेपी के लिए ऑनकोजेनिक इंटरैक्शन को परेशान करने के नए तरीके" पर आमंत्रित वार्ता।

पोस्टर प्रेजेंटेशन: यम अत्री, रेंस जॉन और आलो नाग को 2017, महिला पीएच डी वर्ग में तीसरा सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार। 'स्वास्थ्य और कृषि विज्ञान में उभरती हुई खोजों' पर 16-19 नवंबर को जेएनयू, नई दिल्ली को जैविक रसायनविदों की सोसाइटी के 86वें वार्षिक सम्मेलन में कोशिका चक्र नियंत्रण में एसकेपी2-साइटोग्लोबिन एक्सिस की भूमिका।

पोस्टर प्रेजेंटेशन: सिमरन कौर, अंशु गौतम, आलो नाग और कुलभूषण शर्मा, 2017, महिला पीएच डी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार (पहला पुरस्कार)। विट्रो और विवो में विकिरण की घातक खुराक के खिलाफ इम्यूनोमोडायलेटरी साइटोकिन्स की सुरक्षात्मक भूमिका। 19 नवंबर, 2017 को जेएनयू, नई दिल्ली, भारत में जैविक रसायनविदों की सोसाइटी के 86 वां वार्षिक सम्मेलन में 'स्वास्थ्य और कृषि विज्ञान में उभरती हुई खोजें' ।

हिना भारती, आकृति सिंगल, मोहसिन रजा, प्रहलाद सी घोष और आलो नाग। (2017)। जेएनयू, नई दिल्ली, भारत में 16-19 नवंबर 2017 को आयोजित "स्वास्थ्य और कृषि विज्ञान में उभरती हुई खोज" पर जीवविज्ञान रसायनविदों की सोसाइटी के 86वें वार्षिक सम्मेलन में प्लाज्मोडियम कार्डिनल डेबिकिटिनेज के बायोकेमिकल और बायोफिजिकल पोर्ट्रेइंग।

पोस्टर प्रेजेंटेशन: प्रदीप सिंह चीमा, दीप्तिश्री नंदी, नेहा जायसवाल, संजय डे, सुमन कुंडू और आलो नाग। (2017).. जेएनयू, नई दिल्ली, भारत में 16-19 नवंबर 2017 को आयोजित "स्वास्थ्य और कृषि विज्ञान में उभरती हुई खोजें" पर जीवविज्ञान रसायनविदों की सोसाइटी के 86वें वार्षिक सम्मेलन में एंटी-कैंसर थेरेपीटिक्स की संभावना के रूप में फॉक्सएम1 के खिलाफ नए अवरोधक की खोज।

एआईसीटीई के शिक्षकों (एआईसीटीई अनुमोदित) के लिए, डीआईपीएसएआर, पुश विहार-साकेत में 12 मार्च से 16 मार्च, 2018 को (16 मार्च, 2018 को वार्ता) छब्बीसवें गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित,वार्ता का शीर्षक - "ड्रग डिस्कवरी: एक विनम्र पहल"

भारत के सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचएफआई), इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ हाइपरटेंशन और वर्ल्ड हाइपरटेंशन लीग द्वारा आयोजित इंटरनेशनल सोसाइटी फाउंडेशन ऑफ इंडिया इंटरनेशनल सेंटर द्वारा आयोजित समीक्षा और प्रसार बैठक, मई मापन माह (एमएमएम2017)। 15 मार्च, 2018 को हाइपरटेंशन अभियान के लिए और अध्यक्ष, संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।

रोगों और दवाओं पर 31 जनवरी से 1 फरवरी, 2018 तक जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सम्मेलन में "ड्रग्स: डिस्कवरी: डिस्कवरी, डिलीवरी और चुनौतियां" सत्र में आमंत्रित अध्यक्ष के रूप में "कार्डियोवैस्कुलर रोगों का मुकाबला करने के लिए संरचना-आधारित ड्रग डिस्कवरी: उभरते रुझान और चुनौतियां" पर वार्ता (1 फरवरी, 2018 को वार्ता)।

शहीद राजगुरु कॉलेज फॉर विमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय में 2 फरवरी, 2018 में आमंत्रित अध्यक्ष के रूप में "बायोकैमिस्ट्री का आकर्षण: स्कोप, एप्लीकेशन एंड रिसर्च प्रॉस्पेक्ट्स" पर वार्ता।

"इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ हार्ट रिसर्च - इंडियन सेक्शन (आईएसएचआर 2018) द्वारा 16-18 फरवरी, 2018 को पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पीजीआईएमईआर), चंडीगढ़, भारत में आयोजित "दिल की विफलता: अनुसंधान और उपचार में प्रगति पर एक अद्यतन पर वार्षिक बैठक में "सीवीडी के नए पहलुओं" पर सत्र में आमंत्रित वक्ता के रूप में "संरचना-आधारित तरीके - सिंथेटिक अणुओं और पौधों के निष्कर्षों द्वारा पहचाने जाने वाले संभावित एंटी-हाइपरटेन्सिव" पर वार्ता (18 फरवरी, 2018 को वार्ता)।

दिल्ली विश्वविद्यालय के दौलत राम कॉलेज में 20 फरवरी, 2018 को आमंत्रित अध्यक्ष के रूप में "कार्डियोवैस्कुलर रोगों का मुकाबला करने के लिए संरचना-आधारित ड्रग डिस्कवरी" पर वार्ता।

स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत में 16 -19 नवंबर, 2017 को "जैविक रसायनविदों की सोसाइटी के 86वें सम्मेलन में," स्वास्थ्य और कृषि विज्ञान में उभरती हुई खोजों" पर सत्र के प्रमुख वक्ता के रूप में संरचना-आधारित ड्रग डिस्कवरी:हाइपर टेंशन का मुकाबला करने वाले एक लक्ष्य के रूप में डोपामाइन बीटा हाइड्रोक्साइलेज पर वार्ता। (18 नवंबर, 2017 को वार्ता)।

आमंत्रित वार्ता, स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्लीमें 31 मार्च, 2017 को बायोस्पार्क 2017 में "हाई ब्लड प्रेशर और कार्डियक हाइपर ट्रॉफी के लिए नई दवाओं के लिए: एक उत्साहजनक पहल" पर वार्ता।

आमंत्रित वार्ता, अंतःविषय जैव प्रौद्योगिकी इकाई, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ में 16 मार्च, 2017 को जैव सूचना विज्ञान में वर्तमान रुझानों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी और जैव सूचना विज्ञान कार्यशाला में, "कृत्रिम रक्त पदार्थों के उपयोग की सुविधा प्रदान करने के लिए हीमोग्लोबिन में इंजीनियरिंग अप्रत्याशित हेमी स्थिरता" पर।

आमंत्रित वार्ता, एमिटी विश्वविद्यालय, गुड़गांव में 2 मार्च, 2017 को प्रोटीन रसायन विज्ञान में वर्तमान रुझान पर "एक रासायनिक प्रतिक्रिया से मीडिया प्रतिक्रिया: एक प्रोटीन संचालित यात्रा", मुख्य वार्ता।

आमंत्रित वार्ता, एसपी जैन सेंटर ऑडिटोरियम, दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिण परिसर, नई दिल्ली-110021 में 27-28 फरवरी, 2017 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस संगोष्ठी में "हाई ब्लड प्रेशर और कार्डियक हाइपरट्रॉफी के लिए नई दवाओं के लिए: एक उत्साहजनक पहल" पर वार्ता(27 फरवरी, 2017 को वार्ता)।

अन्य अंतर संस्थागत सहयोग

प्रो. आलो नाग डॉ. मौसमी भारद्वाज, मेजबान और वायरल जीन परस्पर संपर्क और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के विकास के दौरान उनके विनियमन और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के पूर्व-निदान मार्करों की पहचान, के संबंध में राष्ट्रीय कैंसर निवारण और अनुसंधान संस्थान, नोएडा, यूपी के साथ सहयोग कर रहे हैं (2016- 2020)।

प्रो. आलो नाग परमाणु चिकित्सा और संबद्ध विज्ञान संस्थान, दिल्ली इम्यूनोमोडायलेटरी साइटोकिन्स (2015-2018) की रेडियोप्रोटेक्टिव भूमिका पर डॉ कुलभूषण शर्मा के साथ सहयोग कर रहे हैं ।

प्रो. आलो नाग ने स्तन कैंसर कोशिकाओं (2016-2019) के स्टेमनेस गुणों के साथ डॉ. चंडी मंडल, राजस्थान के केंद्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान से सहयोग किया है।

प्रो. आलो नाग ने ग्लिओब्लास्टोमा (जीबीएम) ट्यूमरिजेनेसिस (2017-2019) में फॉक्सएम 1 की भूमिका को समझने के लिए राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र के डॉ. एलोरा सेन के साथ सहयोग आरंभ किया है।

प्रोफेसर आलो नाग ने ग्लिओब्लास्टोमा (2016-2019) में एमआईआरएनए के ट्यूमर सप्रेसर फ़ंक्शन को समझने पर डॉ. रवींद्र वर्मा पोलिसेट, श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, नई दिल्ली के साथ एक सहयोगी परियोजना आरंभ की है।

नियोजन का विवरण (छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

12 एमएससी छात्रों और 5 पीएचडी छात्रों (100%) ने उच्च शिक्षा का चयन किया (पीएचडी, बीएड, पोस्ट डॉक्टरेट इत्यादि)

विस्तार और पहुँच गतिविधियां

मई मापन महीना (मई 2017)। सामान्य रक्तचाप के रखरखाव के लिए परामर्श और सलाह के साथ, उत्तर और दक्षिण परिसर दोनों सहित दिल्ली में कई स्थानों पर 3600 व्यक्तियों के रक्तचाप को मुफ्त में मापा गया। विभाग के लगभग 15 छात्रों ने अभियान में भाग लिया।

प्रदत्त एम.फिल/पीएच.डी. डिग्रियों की संख्या

पीएच. डी.	:	02
एम. फिल.	:	01

संकाय की संख्या:

स्थायी: 05

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

प्रो डी पी सरकार को आईआईएसईआर मोहाली का निदेशक नियुक्त किया गया था।

प्रो पी.सी. घोष 30 वर्षों तक विभाग की गौरवशाली सेवा के बाद सेवानिवृत्त।

***

जैव-भौतिकी

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

प्रो. शुभेंदु घोष विशेष रूप से, आयन चैनल और न्यूरो बायोफिज़िक्स में झिल्ली बायोफिज़िक्स पर काम कर रहे हैं। प्रयोगों में एकल चैनल रिकॉर्डिंग, पैच-क्लैंप जैसी इलेक्ट्रो-फिजियोलॉजिकल विधियां शामिल हैं। सीखने, स्मृति (ज्ञान) और गणितीय और कम्प्यूटेशनल तंत्रिका विज्ञान पर विशेष जोर दिया जाता है। डॉ. मनीषा गोयल (सहायक प्रोफेसर) क्रिस्टलोग्राफिक संरचना निर्धारण और जैव सूचना विज्ञान पर काम कर रही हैं। उनकी प्रयोगशाला ने हाल ही में बैक्टीरियल गामा-ग्लूटामिलट्रांसपेप्टिडेज़ की कई संरचनाओं को हल किया है जिसमें विभिन्न ज्ञात अवरोधक और कई अन्य प्रोटीन जैसे कैलामाइडोमोनास यौगिक हैं। डॉ. मनीष कुमार की प्रयोगशाला प्रोटीन अनुक्रम-संरचना-कार्य सहसंबंध, जीनोम एनोटेशन और सूक्ष्मजीवों में एंटीबायोटिक प्रतिरोध के विकास को नियंत्रित करने वाले सिद्धांतों को समझने में रुचि रखती है।

प्रकाशन

विभाग के संकायों द्वारा 2017-2018 के दौरान कुल 6 शोध पत्र / पुस्तक अध्याय प्रकाशित किए गए थे। प्रकाशनों की सूची निम्नानुसार है:

ए गर्ग, बी कुमारी, आर कुमार, और एम कुमार, (2017) मीपेपबेस: आणविक नकल में शामिल प्रयोगात्मक रूप से सत्यापित पेप्टाइड्स का एक डेटाबेस। माइक्रोबायोलॉजी में फ्रंटियर, सेक्शन माइक्रोबियल इम्यूनोलॉजी, 8, 20-53. जारी करने की तारीख: 10.3389/fmicb.2017.02053.

वी कौशिक वी वी वर्मा और एम गोयल, (2017). डीयूएफ83 वर्ग के कैस4 प्रोटीन का कार्यात्मक विचलन और तुलनात्मक इन-सिलिको अध्ययन। जे मोल रिकॉग्निट। 31(5), 26-94. जारी करने की तारीख: 10.1002/jmr.2694. ईपब 2017 दिस. 15

आर कुमार, बी कुमारी, और एम कुमार, (2017). डोमेन जानकारी को शामिल करके प्रोटीम-व्यापी भविष्यवाणी और माइटोकॉन्ड्रियल तथा उप-माइटोकॉन्ड्रियल प्रोटीन का एनोटेशन। माइटोकॉन्ड्रियन, pii: S1567-7249 (17) 30032-6. जारी करने की तारीख: 10.1016/j.mito.2017.10.004.

शर्मा, एस रानी, एम गोयल, (2017). पुरातात्विक में सीएसएए चैपरोन के संरचना-कार्य-विकासवादी संबंधों को नेविगेट करना। क्रिट रेव माइक्रोबियल। 44 (3), 274-289. जारी करने की तारीख:10.1080/1040841X.2017.1357535. Epub 2017 Sep 15.

ए श्रीवास्तव, और एम कुमार, (2018). अनुक्रम व्युत्पन्न जानकारी का उपयोग कर प्रोटीन में जिंक बाध्यकारी साइट्स की भविष्यवाणी। जर्नल ऑफ बायोमॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर और डायनॉमिक्स, जनवरी 15, 1-11. जारी करने की तारीख: 10.1080/07391102.2017.1417910.

एस घोष, (2017). बायोफिजिकल कैमिस्ट्री। एच के दास (संपा.) में, (संपा.), बायोटेक्नोलॉजी की पाठ्यपुस्तक, (5वां संस्करण), (131-148) विले।

अनुसंधान परियोजनाएँ

आईसीएमआर, प्रोटीन फोल्डिंग बीमारियों में एचएसपी 70 (डीएनकेके, डीएनजेजे, और जीआरपीई) की भूमिका की खोज: मॉडल प्रणाली के रूप में आर्कआ का उपयोग, 01-जुलाई-2017 से 30-जून -2020, डॉ मनीषा गोयल, 50 लाख रुपए।

आयोजित संगोष्ठियाँ

प्रोफेसर टायल क्रूगर, कंप्यूटर इंजीनियरिंग संस्थान, नियंत्रण और रोबोटिक्स, वॉकला विश्वविद्यालय विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पोलैंड, ट्यूमर ग्रोथ और मेटास्टेसिस फॉर्मेशन का मॉडल, 20 फरवरी, 2018.

प्रो व्लादिमीर उबेरेस्की: आण्विक चिकित्सा विभाग, दक्षिण फ्लोरिडा विश्वविद्यालय, टम्पा, फ्लोरिडा यूएसए। असामान्य बायोफिजिक्स और स्ट्रेंज बायोलॉजी ऑफ इंट्रिनिसिक डिसऑर्डर, 13 दिसंबर 2017.

महीने में दो बार बायोफिजिक्स कोलोक्वियम होता है, जहां विभाग के शोधकर्ता (छात्र/पोस्ट-डॉक्टरेट फैलो/ सकाय सदस्य) वार्ता प्रस्तुत करते हैं। यह कार्यक्रम दिसंबर, 2017 से आरंभ हुआ।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

एनआईटी रूरकेला, 15-16 दिसंबर, 2017 को प्रोफेसर सुभेंदु घोष द्वारा"दोहराए गए संकेत एक पैटर्न सीखने में कैसे मदद करते हैं: द न्यूरल मैकनिज़्म" फ्रंटियर ऑफ रिसर्च एंड द म्यूजिक में,

प्रोफेसर सुभेंदु घोष ने आईआईआईटी हैदराबाद में 24-25 मार्च, 2018 को संगीत संज्ञान संगोष्ठी (भारत-फिनलैंड) पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

अन्य अंतर संस्थागत सहयोग

प्रो. सुभेंदु घोष ने आईआईटी बॉम्बे (बायोसाइंस और बायोइंजिनियरिंग विभाग), आईआईटी मद्रास (जैव प्रौद्योगिकी विभाग), आईआईटी दिल्ली (जैविक विज्ञान स्कूल) के साथ सहयोग किया है।

प्रदत्त एम.फिल/पीएचडी डिग्रियों की संख्या

एम. फिल.: 1

पीएच. डी.: 1

संकाय की संख्या

स्थायी : 3

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

प्रोफेसर सुभेंदु घोष ने 25 अक्तूबर से 3 नवंबर, 2017 के दौरान एक विज़िटिंग रिसर्च वैज्ञानिक के रूप में ड्रेस्डेन के तकनीकी विश्वविद्यालय का दौरा किया।

***

इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

इलेक्ट्रानिक्स. विभाग दो पीजी पाठ्यक्रम अर्थात् माइक्रोवेव इलेक्ट्रॉनिक्स में एम.टेक और इलेक्ट्रॉनिक्स में एमएससी चलाता है। इन पाठ्यक्रमों के अलावा, संकाय सदस्य शोध में सक्रिय रूप से अनुसंधान के साथ-साथ ऑप्टिकल इलेक्ट्रॉनिक्स, अर्धचालक, माइक्रोवेव और माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में पीएचडी डिग्री की ओर अग्रसर अनुसंधान में शामिल हैं। इस वर्ष, विभाग ने प्रतिष्ठित जर्नल में 43 प्रकाशनों और 20 सम्मेलन प्रस्तुतियों है। इस वर्ष, 54 पीजी छात्रों उत्तीर्ण हुए हैं और 4 छात्रों को पीएच. डी. की डिग्री से सम्मानित किया जाता है। एम.टेक. उत्तीर्ण 47% और एमएससी उत्तीर्ण 25% छात्रों को नियुक्त मिला है और 11% छात्र उच्च अध्ययन में शामिल हो गए हैं। प्रो. एनाक्षी के शर्मा ने जून 2017 में ट्रोसो, नॉर्वे में नॉर्वे की आर्कटिक यूनिवर्सिटी का दौरा किया गया था। प्रोफेसर मृदुला गुप्ता ने 2017 में आईईईई ईडीएस वर्ष का सर्वश्रेष्ठ अध्याय पुरस्कार प्राप्त किया। 24 मार्च, 2018 को वार्षिक आगंतुक कार्यक्रम और पूर्व छात्रों की बैठक आयोजित की गई। एम.टेक और एमएससी के छात्र डीईएएल और आईआरडीई, देहरादून की एक शैक्षिक यात्रा पर गए।

प्रकाशन

एन कोहली, ई के शर्मा, और बी एम ए रहमान, (2017). एसओआई आधारित इवानसेंटली युग्मित बहु परत स्पॉट आकार कनवर्टर के लिए बेहतर डिजाइन। ऑप्टिकल और क्वांटम इलेक्ट्रॉनिक्स की पत्रिका। 49(229), 01-16.

ए बालीयन, एस पी उषा, बी डी गुप्ता, आर गुप्ता, और ई के शर्मा, (2017). रजत नैनोकणों का उपयोग करके ट्राईग्लीसराइड्स का पता लगाने के लिए स्थानीयकृत सतह प्लसमोन अनुनाद-आधारित फाइबर ऑप्टिक सेंसर। जैव चिकित्सा ऑप्टिक्स जर्नल। 22(10), 01-09.

यू शर्मा, एम कुमार, आर शर्मा, टी साहा, के के जैन, एस दत्ता, और ई के शर्मा, (2017). मेंडर प्रकार आरएफएमईएमएस शंट स्विच के बिखरने वाले पैरामीटर में फैब्रिकेशन प्रक्रिया प्रेरित परिवर्तन। माइक्रोसिस्टम टेक्नोलॉजीज। 23(12), 5561-5570.

एस सिताल, और ई के शर्मा, (2017). डीलेक्ट्रिक-मेटल-डीइलेक्ट्रिक वेवगाइड्स और अनुप्रयोगों के भूतल प्लसमॉन मोड। आईओएसआर जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग। 12, 08-19.

एन सोनी, एन सिंह, ए कपूर और ई के शर्मा (2018). क्लाउड हॉपफील्ड न्यूरल नेटवर्क का उपयोग कर कम-रिज़ॉल्यूशन छवि की पहचान। उन्नत कंप्यूटिंग और इंटेलिजेंट इंजीनियरिंग में प्रगति, इंटेलिजेंट सिस्टम और कंप्यूटिंग में प्रगति। 563, 39-46.

यू नारंग, आर सक्सेना, एम गुप्ता, और मृदुला। (2017). डबल गेट (डीजी) पी-एन-आई-एन टीएफईटी के लिए वर्तमान मॉडल निकासी: ऑपरेशन के इनवर्जन क्षेत्र में संचय। सुपरलाइटिस और माइक्रोस्ट्रक्चर। 104, 78-92.

यू नारंग, आर सक्सेना, एम गुप्ता, और मृदुला। (2017). इन्सुलेटर आईएसएफईटी पर जंक्शनलेस सिलिकॉन के पीएच सेंसिंग लक्षणों का विश्लेषणात्मक मॉडल। आईईईई ट्रांजेक्शन आन इलेक्ट्रॉन डिवाइस। 64(4),1742-1750. जारी करने की तारीख:10.1109/TED.2017.2668520.

यू नारंग, आर सक्सेना, एम गुप्ता, और मृदुला। (2017). डबल गेट (डीजी) पीएनआईटी टीएफईटी के लिए वर्तमान मॉडल निकासी:ऑपरेशन के इनवर्जन क्षेत्र में संचय। सुपरलाइटिस और माइक्रोस्ट्रक्चर। 104, 78-92.

एम कुमार, हल्दर, एस गुप्ता, मृदुला, और आर एस गुप्ता, (2017). डीएमजी असममित वैक्यूम डीइलेक्ट्रिक स्कॉटकी बैरियर जीएए एमओएसएफईटी में गर्म वाहक विश्वसनीयता में सुधार करने के लिए एमदोध्रुवता को कम करना। सुपरलेटिक्स एंड माइक्रोस्ट्रक्चर्स. 111, 10-22.

ए नारंग, आर सक्सेना, एम गुप्ता, और मृदुला। (2017). बायोसेंसिंग एप्लीकेशन के लिए सिमेट्रिक स्प्लिट गेट जंक्शन रहित एफईटी की संवेदनशीलता की मॉडलिंग और सिमुलेशन जांच। आईईईई सेंसर जर्नल. 17(15), 4853-4861.

ए दुबे, ए नारंग, आर सक्सेना, एम गुप्ता, और मृदुला। (2018). जंक्शनलेस डबल गेट विकिरण संवेदनशील एफईटी (आरएडीएफईटी) डोजीमीटर की मॉडलिंग और सिमुलेशन। आईईईई ट्रांजेक्शन आन नैनो टेक्नोलॉजी। 17(1), 49-55.

एम कुमार, हल्दर, एस गुप्ता, मृदुला, और आर एस गुप्ता, (2017). एंबीपोलेरिटी को हटाने के लिए स्रोत/नाली पर इन्सुलेटेड शैलो एक्सटेंशन के साथ स्कॉटकी बैरियर एमओएसएफईटी के आसपास बेलनाकार गेट: एक नया दृष्टिकोण। अर्धचालकों का जर्नल। 38(12).

वाई प्रताप, एम कुमार, एस काबरा, हल्दर, एस गुप्ता, मृदुला और आर एस गुप्ता, (2017). तटस्थ जैव-अणु प्रजातियों का पता लगाने के लिए जंक्शन के चारों ओर गेट की विश्लेषणात्मक मॉडलिंग सह ट्रांजिस्टर आधारित बायोसेंसर। कम्प्यूटेशनल इलेक्ट्रॉनिक्स का जर्नल। पृ. 1-9.

ए नारंग, आर सक्सेना, एम गुप्ता और मृदुला। (2017). बायोसेंसर के रूप में गेट अंडरलैप जंक्शनलेस डबल गेट एमओएसएफईटी की मॉडलिंग। सामग्री विज्ञान और अर्धचालक प्रसंस्करण।71, 240-251

सचिन, वंदना, संजीव सक्सेना, मनोज गुप्ता और मृदुला। (2018). रिंग एफईटी (साइड-रिंग एफईटी) के एनालॉग प्रदर्शन पर स्किन गहरे इन्सुलेटेड एक्सटेंशन की खपत को दोबारा आरंभ करना। इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार का एईयू-इंटरनेशनल जर्नल, 83, 67-7.2.

एन त्रिवेदी, एम कुमार, एस हल्दर, एस एस देवासवाल, एम गुप्ता और आर एस गुप्ता, (2017). चार्ज प्लाज़्मा तकनीक आधारित डोपिंग रहित संचय मोड जंक्शन रहित बेलनाकार परिवेश गेट एमओएसएफईटी: एनालॉग प्रदर्शन सुधार। एप्लाइड भौतिकी ए 123, 564.

वी कुमारी, ए कुमार, एम सक्सेना और एम गुप्ता, (2018). गैर-समान रूप से डोपेड सममित डबल गेट जंक्शन रहित (एनयू-डीजी-जेएलटी) ट्रांजिस्टर के लिए अनुभवजन्य मॉडल। इलेक्ट्रॉन डिवाइस पर आईईईई ट्रांस। 65(1), 314-321.

वी कुमारी, ए कुमार, एम सक्सेना, और एम गुप्ता, (2018). गॉसियन डोप्ड डबल गेट जंक्शन रहित (जीडी-डीजी-जेएल) ट्रांजिस्टर का अध्ययन स्रोत ड्रेन डिलीशन की लंबाई: उप-थ्रेसहोल्ड व्यवहार के लिए मॉडल। सुपरलाइटिस और माइक्रोस्ट्रक्चर। 113, 57-70.

यू नारंग, आर सक्सेना, एम गुप्ता, और मृदुला। (2017). डबल गेट (डीजी) पी-एन-आई-एन टीएफईटी के लिए वर्तमान मॉडल निकालें: ऑपरेशन के इनवर्जन क्षेत्र में संचय। सुपरलेटिक्स एंड माइक्रोस्ट्रक्चर्स. 104, 78-92.

ए नारंग, आर सक्सेना, एम गुप्ता और मृदुला। (2017). इन्सुलेटर आईएसएफईटी पर जंक्शनलेस सिलिकॉन के पीएच सेंसिंग लक्षणों का विश्लेषणात्मक मॉडल। आईईईई ट्रांजेक्शन आन इलेक्ट्रॉन डिवाइस। 64(4), 1742-1750, जारी करने की तारीख: 10.1109/TED.2017.2668520.

आर मददाका, बी पार्क, एम डी किम, के आर आर पेटा, एन डी चिंह, डी किम, और जी मुरली। (2018). एच2, एच2एस गैस सेंसिंग गुण आरजीओ/जीएएन नैनोरोड्स कमरे के तापमान पर: यूवी रोशनी का प्रभाव। सेंसर और एक्ट्यूएटर बी, 264, 353-362.

टी चंद्रकलावथी, के आर पेटा और आर जयलक्ष्मी, (2018).एयू नैनोकणों के साथ बढ़े यूवी फोटोस्पॉन्स में आरजीओ/सी हेटरोस्ट्रक्चर शामिल है। सामग्री अनुसंधान एक्सप्रेस। 5, 025011.

के आर पेटा, और एम डी किम, (2018). एयू/नी/जीएएन स्कॉटकी बैरियर डायोड के अंतर्गत रिसाव वर्तमान परिवहन तंत्र। सुपरलेटिक्स एंड माइक्रोस्ट्रक्चर्स. सुपरलाइटिस और माइक्रोस्ट्रक्चर। 113, 678-683.

आर कुमारी, एफ सिंह, बी एस यादव, आर के कोटनाला, के आर पेटा, पी के त्यागी, और एन के पुरी, (2017). बहु-दीवार कार्बन नैनोट्यूब की दीवारों में आयन विकिरण प्रेरित, स्थानीय एसपी2 से एसपी3 में कार्बन परिवर्तन संकरण। भौतिकी अनुसंधान बी में परमाणु संस्थान और तरीके। 412, 115-122.

जे सिंह, एन प्रसाद, के आर पेटा, और पीके भटनागर, (2017). पी3एचटी-आधारित फोटोवोल्टिक उपकरण की बेहतर विद्युत और ऑप्टिकल विशेषताओं में बहुपरत ग्रैफेन की भूमिका। सामग्री अनुसंधान एक्सप्रेस। 4, 085-101.

एच मेहता, और एच कौर, (2018). डबल गेट जंक्शन रहित ट्रांजिस्टर (डीजीजेएलटी) पर गॉसियन डोपिंग प्रोफाइल और नकारात्मक कैपेसिटेंस प्रभाव का प्रभाव। आईईईईई ट्रांस। इलेक्ट्रॉन उपकरण। जारी करने की तारीख:10.1109/TED.2018.283 2843.

एम बंसल, और एच कौर, (2018). अंतरफलक जाल के आरोपों में बढ़ी हुई प्रतिरक्षा के लिए जर्मेनियम डबल गेट पीएफईटी पर नकारात्मक कैपेसिटेंस प्रभाव का प्रभाव। सुपरलाइटिस और माइक्रोस्ट्रक्चर। 117, 189-199. जारी करने की तारीख: 10.1016/j.spmi.2018.03.001.

पी शर्मा, एस पी सिंह, और के पटेल, (2017). मल्टीलेयर माइक्रो स्ट्राइप लाइन के पीआई- और टी-नेटवर्क मॉडलिंग द्वारा मोनोलेयर ग्रैफीन की अस्थिरता विशेषताएं। अर्धचालकों का जर्नल। 38, 093003.

के पटेल, और पी शर्मा, (2018). माइक्रोवेव आवृत्तियों पर मोनोलेयर ग्रैफीन के विद्युत गुणों की जांच में आरएलजीसी मॉडलिंग का उपयोग। जर्नल ऑफ इलेक्ट्रोमैग्नेटिक वेव्स एंड एप्लीकेशन्स। 1422441.

पी सिंह, नेहा और के पटेल, (2018). माइक्रोवेव फिल्टर की विशेषता पर ग्रेफीन आधारित अधिस्तर के प्रभाव की जांच। जर्नल ऑफ इलेक्ट्रोमैग्नेटिक वेव्स एंड एप्लीकेशन्स। 1429952.

ए राजपूत, के पटेल, और ए बिरवाल, (2018). यू-आकार वाली मुड़ी उच्च-प्रतिबाधा रेखा का उपयोग कर कॉम्पैक्ट माइक्रोस्ट्राइप कम पास फ़िल्टर की डिज़ाइन। माइक्रो ऑप्ट टेक्नोलॉ.लेट। 60, 1812-1815.

के पटेल, और पी के त्यागी, (2018). माइक्रोवेव आवृत्तियों पर दो परत और एकल परत ग्रेफीन की तरह उगाई और अवशोषण सामग्रियों का डीइलेक्ट्रिक ढांकता हुआ और अवशोषण गुण। सामग्री आज: कार्यवाही। 5, 15261-15266

वी के शर्मा डी मदान और ए कपूर, (2017). बेहद कम लंबाई और उच्च विलुप्ति अनुपात प्लाजमोनिक टीई मोड पास पोलराइजर। आईईईईई फोटोनिक्स प्रौद्योगिकी पत्र। 29 (7), 559-562.

एस शर्मा, एस चौधरी, और ए कपूर, (2017) फोटोवोल्टिक अनुप्रयोगों के लिए आईटीओ लेपित ग्लास सबस्ट्रेट्स पर जमा थर्मली उपचारित सीडीओ पतली फिल्मों के संरचनात्मक और ऑप्टिकल गुण। सोल-जेल विज्ञान और प्रौद्योगिकी जर्नल, 1-7.

पी शौकीन, वी जैन, वी गुप्ता, और ए कपूर, (2017). वर्गीकृत सूचकांक डीइलेक्ट्रिक परतों में एम्बेडेड बहुपरत चांदी के नैनोकणों। ऑप्टिकल सामग्री 66, 29-34.

पी शौकीन, ए जैन, ए कपूर, (2017). प्लसोनिक जेएनओ/पी-सिलिकॉन हेटरोज़ंक्शन सौर सेल। ऑप्टिकल सामग्री। 67, 32-37.

बी सैनी, एस अधिकारी, एस पाल, और ए कपूर, (2017). इनजेन/जीएएन पिन सौर कोशिकाओं में कम पी- जीएएन डोपिंग घनत्व पर ध्रुवीकरण मुआवजा: इनजेन भीतरी परतों का प्रभाव। सुपरलाइटिस और माइक्रोस्ट्रक्चर। 107, 127-135.

आर सैनी, एम कुमार, ए कुमार, जी भट्ट, एम के खन्ना और ए कपूर। (2017). निर्देशित मोड और हानिकारक मोड के बीच अनुनाद युग्मन का उपयोग कर उच्च विलुप्ति अनुपात टीई/टीएम पास पोलराइजर के लिए सिलिकॉन क्लैड ऑप्टिकल वेवगाइड का विश्लेषण। आईएसओआर जर्नल ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग। 59-64.

ए कुमार, राकेश, एम कुमार, जी भट्ट, एम के, ए कपूर, (2017). हानिकारक मोड अनुनाद सेंसर के लिए जेएनओ पतली फिल्म की स्पेक्ट्रल जांच। एडवांस साइंस लेटर्स

चेतना, एस कुमार, ए गर्ग, ए चौधरी, वी ढिंगरा, एस चौधरी और ए कपूर, (2017). गैस सेंसिंग अनुप्रयोगों के लिए जिंक ऑक्साइड में डुबोई ग्रेफीन ऑक्साइड फिल्में । एआईपी सम्मेलन कार्यवाही। 1728(1), 020579.

एस शर्मा, जे कश्यप, एस गुप्ता, नताशा और ए कपूर, (2017). जस्ता सल्फाइड नैनोकणों पर एल्यूमीनियम और यत्रियम डोपिंग का प्रभाव। एआईपी सम्मेलन की कार्यवाही। 1728(1), 020697.

डी मदान, डी कौर, वी के शर्मा, और ए कपूर, (2017). टीई और टीएम पास एकीकृत ऑप्टिक पोलराइजर। एआईपी सम्मेलन की कार्यवाही। 1728(1), 020209.

डी मदान, डी कौर, वी के शर्मा, और ए कपूर, (2017). उच्च कोणीय संवेदनशीलता पतली फिल्म टिन ऑक्साइड सेंसर। एआईपी सम्मेलन की कार्यवाही। 1728(1), 020210

पत्रिकाएँ

संपादकों/ संपादकीय मंडल के सदस्यों के रूप में कार्यरत विभाग के शिक्षकों की संख्या: 2

(प्रोफेसर अविनाशी कपूर, नवीकरणीय ऊर्जा का इनवर्टिस जर्नल और डॉ. कमलेश पटेल, एमएपीएएन-जर्नल ऑफ मेट्रोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया)

अनुसंधान परियोजनाएँ

क्रम सं.	वित्त पोषक एजेंसी	वर्ष/अवधि	शीर्षक	स्वीकृत धनराशि
1	यूजीसी	2015 - आज तक	भौतिकी आधारित मॉडलिंग और चैनल सामग्री इंजीनियर रिंग एफईटी के सेन्सिंग अनुप्रयोगों के लिए सिमुलेशन।	13.93 लाख रुपए (प्रो. मृदुला गुप्ता: प्रमुख अन्वेषक)
2	सीएसआईआर	2017 - आज तक	कम पावर डिजिटल सर्किट डिजाइन और ऑप्टिकल एप्लीकेशन के लिए गेट इलेक्ट्रोड और डीइलेक्ट्रिक पॉकेट स्टीप उप-सीमा स्विंग उपकरण की मॉडलिंग और सिमुलेशन डिज़ाइन।	13.93 लाख रुपए (प्रो. मृदुला गुप्ता: प्रमुख अन्वेषक)

आयोजित संगोष्ठियाँ

दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिण परिसर में (प्रोफेसर मृदुला गुप्ता) 29 अप्रैल, 2013 को आईईईई डब्ल्यूआईई-दिल्ली द्वारा आयोजित ओपन हाउस प्रोजेक्ट प्रेजेंटेशन।

महाराजा अग्रसेन प्रौद्योगिकी संस्थान (इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय), प्लॉट नंबर 1, सेक्टर -22, पीएसपी क्षेत्र, रोहिणी, दिल्ली में 11 दिसंबर, 2017 को आईईईई ईडीएस-दिल्ली अध्याय द्वारा आयोजित मिनी कॉलोक्विया "उभरते नैनोस्केल रिसर्च डिवाइसेज की अंतर्दृष्टि" पर आयोजित किया गया। 110086 (प्रो. मृदुला गुप्ता)।

भारतीय विज्ञान विश्वविद्यालय दिल्ली दक्षिण परिसर और कोर ईएल टेक्नोलॉजीज (तकनीकी रूप से आईईईई ईडीएस दिल्ली अध्याय द्वारा प्रायोजित) द्वारा संयुक्त रूप से 21-22 मार्च, 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिण परिसर (डॉ हरसुप्रीत कौर) में "सलाहकार ग्राफिक्स और जिलिनेक्स का उपयोग कर वीएलएसआई वर्तमान रुझान" पर कार्यशाला आयोजित की गई।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

ए बालियन, एन ढिंगरा, ई के शर्मा, (2017). एक इंटरफेरोमेट्रिक सेंसर के रूप में दो समेकित लंबी अवधि की ग्रेटिंग्स के बीच फाइबर: विश्लेषण और अनुकूलन। महिंद्रा इकोले सेंट्रले, हैदराबाद, भारत में फोटोनिक्स में हालिया प्रगति पर कार्यशाला।

एन ढिंगरा, जे आनंद, जी जे सक्सेना, ई के शर्मा, (2018). एक कोक्सियल फाइबर में टलबोट प्रभाव द्वारा पल्स पुनरावृत्ति दर का गुणन। एसपीआईई फोटोनिक्स वेस्ट, द मॉस्कोन सेंटर सैन फ्रांसिस्को, कैलिफोर्निया, संयुक्त राज्य अमेरिका।

एन ढिंगरा, जे सी सांग, एस घोष, एल झोउ, बीएमए रहमान, (2018). चरण परिवर्तन जीई2एसबी2टी5 आधारित ऑन-ऑफ इलेक्ट्रो-ऑप्टिक स्विच की डिजाइन। एसपीआईई फोटोनिक्स वेस्ट, द मॉस्कोन सेंटर सैन फ्रांसिस्को, कैलिफोर्निया, संयुक्त राज्य अमेरिका।

एन कोहली, एस श्रीवास्तव, ई के शर्मा, (2018). दृढ़ता से युग्मित वेवगाइड सारणी के लिए नवल विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण। एसपीआईई फोटोनिक्स वेस्ट, द मॉस्कोन सेंटर सैन फ्रांसिस्को, कैलिफोर्निया, संयुक्त राज्य अमेरिका।

ए बालियन, एस पी उषा, बी डी गुप्ता, ई के शर्मा, (2018). एजी/जेएनओनोरोड्स/लिपेज एंजाइम का उपयोग करते हुए ट्रायसीलिग्लीसाइराइड का पता लगाने के लिए सतह प्लाजमोन अनुनाद आधारित फाइबर ऑप्टिक सेंसर। एसपीआईई फोटोनिक्स वेस्ट, द मॉस्कोन सेंटर सैन फ्रांसिस्को, कैलिफोर्निया, संयुक्त राज्य अमेरिका।

एस सीतल, ई के शर्मा, (2018). बहुपरत सतह प्लाजमोन वेवगाइड्स और उपकरणों के विश्लेषण के लिए न्यूमेरिकल विधि। एसपीआईई फोटोनिक्स वेस्ट, द मॉस्कोन सेंटर सैन फ्रांसिस्को, कैलिफोर्निया, संयुक्त राज्य अमेरिका।

एन सोनी, ई.के. शर्मा, एन सिंह, ए कपूर (2018). बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी (बीआईएमटीईसी), भारत और मैरीलैंड विश्वविद्यालय, यूएसए द्वारा, भारत आवास केंद्र, नई दिल्ली, भारत में संयुक्त रूप से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "व्यवसाय पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रभाव", डिजिटल इनोवेशन, ट्रांसफॉर्मेशन और सोसाइटी कॉन्फ्रेंस 2018 (अंक 2018), ।

एन सोनी, ई.के. शर्मा, एन सिंह, ए कपूर (2018). गहन अध्ययन के लिए ऑप्टिकल आधारित नेटवर्क की सफलता, सतत वैश्विक विकास के लिए कंप्यूटिंग। इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन एंड मैनेजमेंट (बीवीआईसीएएम), पश्चिम विहार, रोहतक रोड, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 5 वां आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ।

ई के शर्मा, एन ढिंगरा, (2018). पल्स पुनरावृत्ति दर में गुणन के लिए समय डोमेन में टैलबोट प्रभाव। ऑप्टिक्स एंड फोटोनिक्स सिद्धांत और कम्प्यूटेशनल टेक्निक्स, आईआईटी रुड़की, भारत।

एम गुप्ता, (2017). शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर विमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 21 -27 जुलाई 2017 को "एप्लाइड साइंस टीचिंग एफडीपी-आरटीटीएसटी में हालिया रुझान" पर संकाय विकास कार्यक्रम।

एम गुप्ता, (2017). एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा में 10-11 अगस्त 2017 को "दूरसंचार और नेटवर्क" पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

एम गुप्ता, (2017). पूर्णिमा विश्वविद्यालय जयपुर में 13 सितंबर 2017 को "सेलुलर कम्युनिकेशन सिस्टम मूल्यांकन: 1जी-5 जी" पर आमंत्रित तकनीकी वार्ता।

एम गुप्ता, (2017). पुलमैन होटल एंड रिसॉर्ट्स, नई दिल्ली एयरोसिटी में 5-6 अक्तूबर 2017 को "महिला इंजीनियरों और वैज्ञानिकों" का 17वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

एम गुप्ता, (2017). आईआईटी रुड़की में 6 अक्तूबर 2017 को "गैर परंपरागत फील्ड प्रभाव ट्रांजिस्टर की स्केलिंग सीमाओं को विस्तारित" पर आमंत्रित तकनीकी चर्चा की।

एम गुप्ता, (2017). आईआईटी दिल्ली में 11-15 दिसंबर 2017 को आईडब्ल्यूपीएसडी-2017 के दौरान "डॉसिमेट्रिक अनुप्रयोगों के लिए सीएमओएस आधारित उपकरणों" पर आमंत्रित तकनीकी चर्चा।

एम गुप्ता, (2017). महाराजा अग्रसेन प्रौद्योगिकी संस्थान, आईपी विश्वविद्यालय में 10-11 नवंबर 2017 को इलेक्ट्रॉनिक सामग्री और उपकरणों में हालिया विकास पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान आमंत्रित तकनीकी वार्ता।

एम गुप्ता, (2018). करुण्य विश्वविद्यालय, कोयंबटूर में 16 मार्च 17 मार्च को आईसीडीसीएस-2018 के दौरान "बीजीएएन बैक बाधाओं के साथ एलजीएएन/जीएएन एचईएमटी उपकरणों के डीसी लक्षणों" पर मुख्य वार्ता।

एच मेहता, एच कौर, (2017). गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश, भारत में 16-17 नवंबर, 2017 को आयोजित नैनोफिम 2017 मेंबेहतर डिवाइस प्रदर्शन और तापमान लचीलापन के लिए नैनोस्केल ग्रेडेड चैनल नकारात्मक कैपेसिटेंस (जीसीएनसी) एसओआई एमओएसएफईटी के लिए डिजाइन स्पेस ऑप्टिमाइज़ेशन ", (इंस्ट्रुमेंटेशन एंड मापन वर्कशॉप के लिए नैनो टेक्नोलॉजी) ।

एच मेहता, एच कौर, (2017). कोचीन, केरल, भारत में 14-16 जुलाई, 2017 को इलीप्टिकल गेट पर फेरोइलेक्ट्रिक सामग्री एसबीटी/पीजेडटी के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए विश्लेषणात्मक मॉडल, जंक्शनलेस ट्रांजिस्टर, आईईईई टीईएनएसवाईएमपी-2017 "स्मार्ट शहरों के लिए तकनीक"।

के पटेल, (2017). दिल्ली में 01-03 जुलाई 2017 को सॉलिड स्टेट कैमिस्ट्री एंड अलायड एरिया (आईएससीएएस 2017) पर 10वें राष्ट्रीय सम्मेलन में माइक्रोवेव फ्रीक्वेंसी रेंज में सिंगल और बिलायर ग्रैफेन में फोटॉन के ऑप्टिकल प्रभावी द्रव्यमान का अनुमान।

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र

निखिल ढिंगरा, जनवरी 2017 से जून 2017 तक इरास्मस मुंडुक इंटैक्ट प्रोग्राम के अंतर्गत सिटी, लंदन विश्वविद्यालय गए थे।

निहारिका कोहली फरवरी 2018 से अब तक शास्त्री इंडो-कनाडाई कार्यक्रम के अंतर्गत कनाडा के कार्लेटन विश्वविद्यालय, कनाडा में हैं।

नियोजन का विवरण (छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियुक्त छात्रों की संख्या और प्रतिशत:

पाठ्यक्रम	**संख्या**	**प्रतिशत**
एम.टेक. (माइक्रोवेव इलेक्ट्रानिक्स)	9 (3 डीआरडीओ प्रायोजित)	47 %
एम.एससी. (इलेक्ट्रानिक्स)	8 (4 उच्च अध्ययन)	25%

परिसर में भर्ती के लिए आनेवाली कंपनियों की संख्या: 1 (टी-सिलिकॉन, बेंगलुरु)

विस्तार और पहुँच गतिविधियां (प्रो. एनाक्षी के शर्मा और श्री अमित बिरवाल)।

24 मार्च 2018 को वार्षिक आगंतुक कार्यक्रम और पूर्व छात्र मिलन समारोह

वक्ता -1 श्री अनुज माथुर, अरिसेंट, गुड़गांव

वक्ता -2 डॉ. पी के गुप्ता, विज़िटिंग प्रोफेसर, आईआईटी दिल्ली (पूर्व में आरआरसीएटी, इंदौर में)

वक्ता-3 डॉ महेश अबेगांवकर, आईआईटी दिल्ली

शैक्षणिक यात्रा

4-7 मार्च 2018 से डीईएएल और आईआरडीई, देहरादून।

प्रदत्त एम.फिल/पीएचडी डिग्रियों की संख्या

पीएच. डी.: 04

संकाय की संख्या

स्थायी: 07

***

आनुवंशिकी

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

संकाय सदस्यों ने उल्लेखनीय वैज्ञानिक योगदान दिया है। प्रोफेसर ए के प्रधान के समूह के शोध कार्य से कुछ सीएमएस आधारित और कुछ जीएम आधारित उत्पादक संकर विकसित किए हैं, बेहतर गुणवत्ता और सफेद जंग प्रतिरोध के साथ सरसों में कई किस्में विकसित की गई हैं। प्रो बी के थेल्मा के समूह ने दिल्ली राज्य में 20 से अधिक अस्पतालों के सहयोगियों के साथ चयापचय की जन्मजात त्रुटियों के लिए 200,000 नवजात बच्चों की जाँच सफलता पूर्वक पूरी कर ली है। इस तरह इन विकारों के लिए देश में पहला महामारी विज्ञान डेटा उत्पन्न किया गया है। उन्होंने न्यूरोडिजेनरेटिव मस्तिष्क विकारों और बौद्धिक अक्षमताओं से जुड़े कई नए जीन और एसएनपी भी खोजे हैं। प्रो. एम वी राजम के हाल के काम ने लगभग 17 नए जीनों की पहचान और विशेषताओं को टमाटर में वायरल और फंगल रोगजन्यों के लिए महत्वपूर्ण बना दिया है और टमाटर, बैंगन और फूलगोभी के कीटों की रूपरेखा और इन जीनों की आरएनएआई-मध्यस्थ शीतलन का उपयोग करके, उन्होंने फसल संरक्षण की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। प्रो. पी के बर्मा के समूह ने अरबीडॉप्सिस थैलियाना से टेपेटम विशिष्ट प्रमोटर ए9 का विश्लेषण किया है, जिसके कारण प्रमोटर के सकारात्मक और नकारात्मक विनियमन में शामिल एटीएमवाईबी80, एटीएमवाईबी1 और एटीएमवाईबी4 ट्रांसक्रिप्शन कारकों की पहचान हुई। डॉ. एस सरकार समूह ने मानव न्यूरो-डीजेनेरेटिव विकारों के रोगजन्यों को सुधारने के लिए कई नए आनुवांशिक विरोधकों की खोज की है और इनके विकास में ग्लोबिन जीन की आवश्यक भूमिका भी प्रदर्शित की है। डॉ. जगरीत कौर के समूह ने भौगोलिक रूप से विविध अरबीडॉप्सिस अभिगम (140 अभिगम) का सेट तैयार किया है ताकि आनुवांशिक वास्तुकला अल्टरनेरिया ब्रैसिका के प्रतिरोध में अंतर्दृष्टि को उजागर किया जा सके, जो संभावित रूप से प्रतिरोधी फसलों को विकसित करने में मदद कर सकता है। डॉ. तपस्या श्रीवास्तव के समूह ने हाइपोक्सिया में ग्लिओमा कोशिकाओं के कैंसर स्टेम सेल गठन को विनियमित करने में टीईटी प्रोटीन द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका का पता लगाया है, और हमारे उत्तर भारतीय समूह में निकोटीन निर्भरता और एसएनपी आरएस 16969968 को फेफड़ों के कैंसर के खतरे की मजबूत आशंका के रूप में स्थापित किया है, जो अन्य एशियाई देशों के पूरी तरह से विपरीत है। समूह ने डिम्बग्रंथि कैंसर कोशिकाओं में मेटास्टेसिस और एंजियोजेनेसिस के लिए पैराकाइननि कारक के रूप में भी अवरोध स्थापित किया है। डॉ. अरुणा देवी नौरेम का समूह पार्वुलिन द्वारा प्रोलिल आइसोमेरराइजेशन की भूमिका को समझने की दिशा में काम कर रहा है, और बताया है कि पीए, एस सेरेविसिया एएस1 के डी डिस्कोइडम होमोलॉग विकास और वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है। डॉ कौस्तुभ दत्ता के समूह ने एक जीटीपीएस को माइटोकॉन्ड्रियल रिबोसोम में स्थानांतरित किया है जिसके एटीपी/एडीपी अनुपात में परिवर्तनों का जवाब देने की संभावना है और यह श्वसन के लिए कोशिकाओं की क्षमता को नियंत्रित करता है। उन्होंने एक अलग जीटीपीएएस की भी पहचान की है जो बड़े और छोटे माइटोकॉन्ड्रियल रिबोसोमल सब्यूनिट्स में शामिल होने में सहायता करता है।

सम्मान/विशिष्टताएँ

डॉ सुरजीत सरकार को डीबीटी-इनोवेटिव यंग बायोटेक्नोलॉजिस्ट अवॉर्ड -2017 (आईवाईबीए-2017) से सम्मानित किया गया है।

प्रो एम वी राजम को 2017 से 'एमिटी यूनिवर्सिटी' के लिए 'सर रिचर्ड रॉबर्ट्स सेंटर फॉर जेनेटिकली मोडिफाइड आर्गेनिज्म्स' के राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड का सदस्य चुना गया है। प्रो एम वी राजम को अनुसंधान सलाहकार समिति, जेनेटिक इंजीनियरिंग और जैव प्रौद्योगिकी (आईसीजीईबी), नई दिल्ली के अंतर्राष्ट्रीय केंद्र का सदस्य चुना गया है।

प्रो बी के थेल्मा को, एचजीजीए में टास्क फोर्स और बेसिक आण्विक जीवविज्ञान, डीबीटी (2017-2018) का एक विशेषज्ञ सदस्य चुना गया है।

प्रो बी के थेल्मा को आधुनिक जीवविज्ञान, डीबीटी (2017-2020) में मूल शोध में टास्क फोर्स का विशेषज्ञ सदस्य चुना गया है।

डॉ सुरजीत सरकार को न्यूरोसाइंस टास्क फोर्स, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, डीबीटी (2017-2020) का विशेषज्ञ सदस्य चुना गया है।

प्रकाशन

एस आई चानू, और एस सरकार, (2017). डीएमईसी के लक्षित डाउन रेगुलेशन ने ड्रोसोफिला में मानव न्यूरोनल टॉओपैथीज के न्यूरोफिब्रिलरी टंगल्स मध्यस्थ रोगजनकों को प्रतिबंधित किया है।, बायोचिम बायोफिस एक्टा,Vol 1863, 2111-2119.

एस आई चानू, और एस सरकार, (2017). डीएमईसी के लक्षित डाउन रेगुलेशन ने हेरोच्रोमैटिन राहत और ताऊ हाइपरफॉस्फोरिलेशन को सीमित करके ड्रोसोफिला में मानव न्यूरोनल टॉओपैथीज के रोगजनकों को दबा दिया। मोल न्यूरोबायोल, 54, 2706-2719.

जेड चौधरी, जे जॉन, एस अनीजा, और बी के थेल्मा, (2017). उत्तरी भारत में पारिवारिक प्राथमिक संयोग क्षैतिज स्ट्रैबिस्मस का वंशावली विश्लेषण। स्ट्रैबिस्मस, 26, 311-23.

ए चौबे, एम वी राजम, (2017). तंबाकू में आरएनएआई-मध्यस्थ ओडीसी नॉकडाउन की ट्रांसक्रिप्टम प्रतिक्रिया और विकास संबंधी प्रभाव। फंक्शन इंटीग्रेटेड जीनोमिक्स, 17, 399-412.

एम आर चौधरी, एस चौहान, ए डबराल, बी के थेल्मा, एन गुप्ता और एम काबरा, (2017).. भारतीय फ्रैजाइलल एक्स सिंड्रोम मरीजों में एफएमआर1 जीन में सीजीजी दोहराव की वास्तविक संख्या का पता लगाने के लिए पॉलिमरस चेन रिएक्शन-आधारित परख का सत्यापन। जे.चाइल्ड न्यूरो., 32, 371-378.

पी गुलाटी, के कौर, एम वी राजम, टी श्रीवास्तव, एम ए अली, पी मिश्रा, और एस एस इस्लाम, (2018).. सीएनटी इलेक्ट्रोड की फोटोकंडक्टिव प्रतिक्रिया का उपयोग करके ल्यूकेमिया बायोमार्कर का पता लगाना: चार्ज ट्रांसफर प्रेरित फर्मि लेवल उतार-चढ़ाव के आधार पर सेंसिंग तंत्र का विश्लेषण। सेंसर्स एक्टुएटर्स बी, 270, 45-55.

जेड हे, एल वांग, ए एल हार्पर, एल हैवलिकोवा, ए के प्रधान, आई ए पी पार्किन, और आई बैंक्रॉफ्ट, (2017). एमआरएनएएसईसी-आधारित विज़ुअलाइज़ेशन द्वारा प्रकट ऑलोपॉप्लोइड फसलों में व्यापक होमियोलॉगस जीनोम एक्सचेंज। प्लांट बायोटेक्नोल. जे., 15, 594-604.

बी इसरानी, और एम वी राजम, (2017). पारिस्थितिकीय रिसेप्टर, कीट आंतों के श्लेष्म और सेरिकोट्रोपिन जीन की बैक्टीरियल द्वारा उत्पादित डबल-स्ट्रैंडेड आरएनए का लुटेवल डाइलोस्टेला और हेलिकोवरपा आर्मिगेरा में लार्वा विकास और विकास को प्रभावित करता है। इनसेक्ट. मोल. बायो., 26, 164-180.

जे जॉन, पी कुक्शल, टी भाटिया, के वी चौधरी, वी एल निमगांवकर, एस एन देशपांडे, और बी के थेल्मा, (2017). स्किज़ोफ्रेनिया में ट्रेस अमीन संबंधित रिसेप्टर1 में दुर्लभ रूपों की संभावित भूमिका। स्किज़ोफ्रेनिया अनुसंधान , 189, 190-195.

जे जॉन, ए शर्मा, पी कुक्शल, टी भाटिया, वी एल निमगांवकर, एस एन देशपांडे, और बी के थेल्मा, (2018). मेटालोप्रोटीनस2 (टीआईएमपी2) का ऊतक अवरोधक में दुर्लभ स्किज़ोफ्रेनिया के लिए एक जोखिम कारक के रूप में विचरण: पारिवारिक और समूह विश्लेषण से साक्ष्य। स्किज़ोफ्रेनिया बुलेटिन। जारी करने की तारीख:10.1093/schbul/sbx196

एस काजला, ए मुखोपाध्याय, और ए के प्रधान, (2017). फेनिलप्रोपेनोइड मार्ग जीन को परेशान करके कम बीज सिनापाइन सामग्री के लिए ट्रांसजेनिक ब्रैसिका जूनेका किस्मों का विकास। PLoS One, 12, e0182747.

एस कश्यप, यू कुमार, ए के पांडे, एम कांजीलाल, पी चट्टोपाध्याय, सी यादव, और बी के थेल्मा, (2018). एडीपी रिबोसाइलेशन कारक की कार्यात्मक विशेषता-प्रोटीन 15 जैसे रूमेटोइड गठिया सिनोविअल फाइब्रोबलास्ट्स। क्लीन. एक्स.रुमेटोल.

आर लोहिया, पी जैन, एम जैन, पी के बर्मा, ए श्रीवास्तव, और एस सरन, (2017). डिक्टियोस्टेलियम डिस्कोइडम एसआईआर2 डी सेलटाइप विशिष्ट जीन अभिव्यक्ति को संशोधित करता है और ऑटोफैजी में भी शामिल है। इंट. जे. डेव.बायो. , 61, 95-104.
बी ममता, और एम वी राजम, (2017).आरएनएआई प्रौद्योगिकी: फसल कीट नियंत्रण के लिए एक नया मंच। फिजियो मोल. बायो. प्लांट्स, 23, 487-501.
एस मंडल, एस राजारामोहन, और जे कौर, (2018). मॉडल ब्रैसिकासे के सदस्य अरबीडॉप्सिस थैलियाना के साथ अल्टररिया ब्रासिका इंटरैक्शन, सरसों (ब्रेसिका जुनेका) के साथ मिलकर काम करते हैं। फिजियो मोल. बायो. प्लांट्स, 24, 51-59.
एन मुखी, एस कुंडू, और जे कौर, (2017). डाइऑक्साइजेनेस- और अरबीडॉप्सिस फाइटोग्लोबिन3 की पेरोक्साइडस जैसी गतिविधि और स्क्लेरोटिनिया स्क्लेरोटोरियम रक्षा में इसकी भूमिका। नाइट्रिक ऑक्साइड, 68, 150-162.
एन पांडे, एस पाल, एल के शर्मा, आर गुलेरिया, ए मोहन और टी श्रीवास्तव, (2017). उत्तर भारतीय जनसंख्या में निकोटिन निर्भरता और फेफड़ों के कैंसर के जोखिम के एक मजबूत भविष्यवाणियों के रूप में एसएनपी आरएस 16969968। एसियन जेस. जे. कैंसर प्रीव., 18, 3073-3079.
एम पारीक, और एम वी राजम, (2017). एमएपी काइनेज संकेत जीन (एफएमके1, होग1, और पीबीएस2) की आरएनएआई-मध्यस्थ साइलेंसिंग टमाटर के पौधों पर रोगजनको को कम कर देती है। फंगल बायो., 121, 775-784.
पी प्रसाद, एस ए मित्तल, जे चोंगथाम, एस मोहंती, और टी श्रीवास्तव, (2017). मस्तिष्क ट्यूमर कोशिकाओं में स्टेमनेस के हाइपोक्सिया-मध्यस्थ एपिजेनेटिकों का विनियमन। स्टेम सेल्स, 35, 1468-1478.
एस प्रसाद, टी भाटिया, पी कुक्शल, वी एल निमगांवकर, एस एन देशपांडे, और बी के थेल्मा, (2017). उत्तर भारत से एक समूह में स्किज़ोफ्रेनिया के साथ अनुवांशिक संघों को दोहराने का प्रयास। एनपीजे स्किज़ोफ्रे, 3(28).
टी जे पुंचचिरा, एस के डे, ए मुखोपाध्याय, एस कुंडू, और बी के थेल्मा, (2017). डोपामाइन-β-हाइड्रोक्सीलेज जीन में एसएनपी की विशेषता इसकी संरचना-कार्य संबंध में नई अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। नियूरोजेनेटिक्स, 18(3), 155-168.
के राज, और एस सरकार, (2017). मानव सी-माइक का ट्रांसएक्टिवेशन डोमेन ड्रोसोफिला रोग मॉडल में पॉली (क्यू)- मीडियेटेड न्यूरोटॉक्सिसिटी को कम करने के लिए आवश्यक है। जे. मोल. न्यूरोसाइंस, 62, 55-66.
एस राजारामोहन, ए कुमार, वी गुप्ता, डी पेंटल, ए के प्रधान और जे कौर(2017). अरबीडॉप्सिस थैलियाना में अल्टररिया ब्रासेका के प्रतिरोध की जेनेटिक संरचना: क्यूटीएल मैपिंग दो प्रमुख प्रतिरोध-कन्फर्मिंग लोसी का खुलासा करती है। फ्रंट प्लांट साइंस 24 (8), 260.
एस राजाराममोहन, ए के प्रधान, डी पेंटल, और जे कौर, (2017). अरबीडॉप्सिस में जेनोम-वाइड एसोसिएशन मैपिंग अल्टरियारिया ब्रैसिका के लिए मात्रात्मक रोग प्रतिरोध के अंतर्गत नए जीन की पहचान करता है। मोल प्लांट पाथोल,जारी करने की तारीख:10.1111/mpp.12654.
पी ए शर्मा, और पी के बर्मा, (2018). नियामक सीआईएस तत्वों और प्रतिलेखन कारकों की पहचान करने के लिए टेपेटम विशिष्ट जीन के अपस्ट्रीम नियामक मॉड्यूल (यूआरएम) का सिलिको विश्लेषण। आण्विक जीवविज्ञान का अमेरिकी जर्नल, 8, 15-25.
पी ए शर्मा, वी वर्मा, और पी के बर्मा, (2018).. तंबाकू ट्रांसजेनिस में एक्टोपिक स्थानों पर टेपेटम विशिष्ट जीन टीए 29 और ए 9 के अपस्ट्रीम नियामक मॉड्यूल (यूआरएम) द्वारा संचालित गतिविधि का विश्लेषण। जर्नल ऑफ प्लांट बायोकैमिस्ट्री एंड बायोटैक्नोलॉजी, जारी करने की तारीख: 10.1007/s13562-018-0453-y
ए सिंह, आर पी बेनिवाल, पी कुक्शल, टी भाटिया, बी के थेल्मा, और एस एन देशपांडे, (2018). स्किज़ोफ्रेनिया में ओलानज़ापिन की प्रारंभिक प्रतिक्रिया के साथ अनुवांशिक रूपों के सहयोग का प्रारंभिक अध्ययन। भारतीय मनोचिकित्सा का जर्नल, 60, 10-16.

पी सिंह, एल एम जेनकिन्स, बी हॉर्स्ट, वी एलर्स, एस प्रधान, पी कौर, ... के मिश्रे, (2018). इनहिबिइन ट्यूमर एंजियोजेनेसिस और मेटास्टेसिस के लिए एक नया पैराकाइनिन कारक है। कैंसर रेस., जारी करने की तारीख:10.1158/0008-5472.CAN-17-2316.

पी सिंह, एल एम जेनकिन्स, बी हॉर्स्ट, वी एलर्स, एस प्रधान, पी कौर, ... के मिश्रे, (2018).. इनहिबिइन ट्यूमर एंजियोजेनेसिस और मेटास्टेसिस के लिए एक नया पैराक्राइन फैक्टर है। कैंसर रेस., 78, 2978-2989.

एम तनवार, एल खेरा, एन हाकीप, आर कौल, ए नोरम और एस कटेरिया, (2017). एक ऑप्टोजेनेटिक उपकरण के रूप में फोटोएक्टेवेटेड एडेलील का उपयोग कर साइक्लिक न्यूक्लियोटाइड-मध्यस्थ सेलुलर सिग्नलिंग और जीन अभिव्यक्ति का मिश्रण। साइंस रिपोर्ट्., 7(1) 20-48.

एम टेटोरी, और एम वी राजम, (2017). पीईएक्स6 जीन की आरएनए साइलेंसिंग फुसारीम ऑक्सीस्पोरम के पिग्मेंटेशन, स्पोरुलेशन और रोगजनकता में कमी का कारण बनती है। प्लांट पैथा., 67, 67-75, जारी करने की तारीख:10.1111/ppa.12712.

ए उपाध्याय, एम कोचर, ए उपाध्याय, एस त्रिपाठी, एम वी राजम, और एस श्रीवास्तव, (2017). छोटे आरएनए फ्लोरोसेंट स्यूडोमोनास तनाव पीएसडी की बायोकंट्रोल संपत्ति को नियंत्रित करते हैं। माइक्रोबायल रेस., 196, 80-88.

ए उपाध्याय, एम कोचर, एम वी राजम, और एस श्रीवास्तव, (2017). फ्लोरोसेंट स्यूडोमोनास तनाव पीएसडी द्वारा जस्ता बायोजार्पर्शन में एक्सपोलिसैक्राइड की भूमिका को खंडित करना। सूक्ष्म जीव विज्ञान में फ्रंटियर्स, 8, 284. जारी करने की तारीख:10.3389/fmicb.2017.00284.

एन वर्मा, और पी के बर्मा, (2017). ट्रांसमिशन कारकों एटीटीवाईबी80, एटीएमवाईबी1 और एटीएमवाईबी4 द्वारा अरबीडॉप्सिस थालियाना और निकोटियाना टैबैकम में टैपेटम-विशिष्ट ए9 प्रमोटर का विनियमन।प्लांट जे., 92, 481-494.

आर यादव, निशा और एस सरकार, (2018).. विकास के दौरान एफ-एक्टिन आधारित साइटोस्केलेटन की अखंडता के रखरखाव के लिए ड्रोसोफिला ग्लोबिन1 आवश्यक है। एकेस.सेल रेस 366, 16-23.

संपादकों/संपादकीय मंडलके सदस्यों के रूप में कार्यरत विभाग शिक्षकों की संख्या -2 (प्रो.ए के प्रधान, प्रो.एम वी राजम)

अनुसंधान परियोजनाएँ

जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, इंडो-स्पैनिश प्रोजेक्ट, बायोसेन्सर्स का उपयोग कर देखभाल परीक्षण के बिंदु के रूप में नवजात शिशुओं के प्रारंभिक निदान के लिए बायोमार्कर, प्रो बी के थेल्मा- सह-प्रधान अन्वेषक; बजट 1.02 करोड़ रुपए (यूडीएससी के लिए)।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, "ड्रोसोफिला रोग मॉडल में मानव ताओपैथीज के रोगजनको में न्यूरोफिब्रिलरी टंगल्स (एनएफटी) की भूमिका का उत्खनन" डॉ सुरजीत सरकार- बजट 57.60 लाख रुपए

आयोजित संगोष्ठियाँ

'सेल फेट और सिग्नलिंग' पर 13 अक्तूबर 2017 को डीएसटी पर्स ग्रांट से समर्थन के साथ एक दिन की इंटरैक्टिव बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में निम्नलिखित वक्ताओं ने भाग लिया:

डॉ. आकाश गुलानी, इनस्टेम, एनसीबीएस परिसर, बैंगलोर

डॉ. कॉलिन जमोरा, इनस्टेम, एनसीबीएस परिसर, बैंगलोर

डॉ. महक शर्मा, आईएसएसईआर, मोहाली

डॉ. आलोक सिन्हा, एनआईपीजीआर, नई दिल्ली

डॉ. आनंद रंगनाथन, जेएनयू

डॉ. सौमेन बसाक, एनआईआई, जेएनयू

आयोजित सम्मेलन

प्रो बी के थेल्मा - "नई जैव चिकित्सा अंतर्दृष्टि के साथ आणविक आनुवंशिकी में हालिया प्रगति", आईएनएसए, नई दिल्ली और इज़राइली एकेडमी ऑफ साइंसेज और मानविकी द्वारा संयुक्त रूप से आईएनएसए, नई दिल्ली में 12-13 फरवरी, 2018 को आयोजित; आईएएसएच, इज़राइल और आईएनएसए, डीबीटी, भारत द्वारा वित्त पोषित।

माइक्रोस्कोपी पर कार्यशाला, 27 मार्च, 2018। वित्त पोषण: इंडियन सोसायटी ऑफ सेल बायोलॉजी।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

प्रोफेसर एम वी राजम ने जोधपुर में 16-18 मार्च, 2018 को प्लांट टिशू कल्चर एसोसिएशन (इंडिया) की 39वीं वार्षिक बैठक और 'प्लांट बायोटेक्नोलॉजी', अरिड वन रिसर्च इंस्टीट्यूट (एएफआरआई), की राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान एक आमंत्रित वार्ता प्रदान की।

प्रोफेसर एम वी राजम ने सेंट विल्फ्रेड के पी जी कॉलेज, जयपुर में 15-17 जनवरी, 2018 को पर्यावरण परिवर्तन और पौधों और मानव स्वास्थ्य पर उनके प्रभाव पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान एक आमंत्रित वार्ता दी।

प्रोफेसर एम वी राजम ने 20-22 दिसंबर, 2017 को हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'फार्मा एंड बायोफार्मा इंडस्ट्री' पर एक आमंत्रित वार्ता दी।

प्रोफेसर एम वी राजम ने काकातिया विश्वविद्यालय, वारंगल में 21-23 दिसंबर, 2017 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'पर्यावरण संबंधी मुद्दों के संदर्भ में प्रकृति के साथ सद्भावना' पर एक आमंत्रित वार्ता दी।

डॉ. अरुणा देवी नौरेम ने 22-23 फरवरी, 2018 को जैव प्रौद्योगिकी विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय केरल द्वारा आयोजित युवा वैज्ञानिकों की बैठक में एक आमंत्रित वार्ता दी।

डॉ. अरुणा देवी नौरेम ने 5-8 मार्च, 2018 को तिरुवनंतपुरम में आयोजित युवा अन्वेषकों की 10वीं बैठक (वाईआईएम) -2018 में एक शोध पोस्टर प्रस्तुत किया।

डॉ. जगरीत कौर ने 5-8 मार्च, 2018 को तिरुवनंतपुरम में आयोजित युवा अन्वेषकों की 10वीं बैठक (वाईआईएम)-2018 में एक शोध पोस्टर प्रस्तुत किया है।

डॉ जगरीत कौर ने एनआईएसईआर, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित पौध विकास जीवविज्ञान और भारतीय अरबीडॉप्सिस मीटिंग और 12-16 दिसंबर 2017 को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक आमंत्रित वार्ता प्रदान की।

डॉ जगरीत कौर ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, एम.पी. द्वारा आयोजित पौध और एसोसिएटेड माइक्रोरोस अक्तूबर-2017 के आण्विक इंटरैक्शन पर एक आमंत्रित वार्ता दी।

डॉ कौस्तुभ दत्ता ने 5-8 मार्च, 2018 के दौरान तिरुवनंतपुरम में आयोजित युवा अन्वेषकों की 10वीं बैठक (वाईआईएम) -2018 में एक शोध पोस्टर प्रस्तुत किया है।

डॉ सुरजीत सरकार ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर), भोपाल, म.प्र में 6-9 दिसंबर, 2017 को आयोजित तीसरे भारत ड्रोसोफिला रिसर्च सम्मेलन में एक आमंत्रित वार्ता दी।

डॉ सुरजीत सरकार ने 27 से 31 जनवरी 2018 तक हैदराबाद के सेलुलर एंड आण्विक जीवविज्ञान (सीसीएमबी), हैदराबाद द्वारा आयोजित सेल बायोलॉजी-2018 की अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस में एक आमंत्रित वार्ता प्रदान दी।

डॉ. सुरजीत सरकार ने 5-8 मार्च, 2018 के दौरान तिरुवनंतपुरम में आयोजित युवा अन्वेषकों की 10वीं बैठक (वाईआईएम) -2018 में एक शोध पोस्टर प्रस्तुत किया है।

डॉ. तपस्या श्रीवास्तव 20 मार्च, 2018 को मानव जेनेटिक्स विभाग, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में जीनस, जेनेटिक्स और एपिगेनोमिक्स, वार्ता दी।

डॉ. तपस्या श्रीवास्तव, ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ में 9 और 10 दिसंबर, 2017 को विश्व न्यूरोकोंग्रेस-2017 में वार्ता दी। ।

डॉ. तपस्या श्रीवास्तव ने 29 -31 अक्तूबर, 2017 से ओडिशा में भारतीय एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंसेस की वार्षिक बैठक में एक आमंत्रित वार्ता दी।
डॉ. तपस्या श्रीवास्तव ने 29 जनवरी, 2018 को आईआईटी-दिल्ली में "हाइपोक्सिया रिसर्च में वर्तमान रुझान" पर एक आमंत्रित वार्ता दी।

अन्य अंतर संस्थागत सहयोग

प्रो. बी के थेल्मा की कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शोध सहयोगी परियोजनाएं हैं और उन्होंने कई पत्र प्रकाशित किए हैं। प्रो. एम.वी. राजम का जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी के साथ सक्रिय अनुसंधान सहयोग है। डॉ. तपस्या श्रीवास्तव ने इस अवधि में दक्षिण कैरोलिना विश्वविद्यालय में डॉ मिश्रे कार्तिकेयन के साथ सक्रिय सहयोग में आलेख प्रकाशित किया है, जामिया मिलिया इस्लामिया में प्रोफेसर इस्लाम के साथ काम किया है और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में डॉ. आनंद रंगनाथन और प्रोफेसर कुंजंग चॉसडोल एवं ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में डॉ अर्चना सिंह और प्रोफेसर समीर बक्षी के साथ काम आरंभ किया है।

नियोजन का विवरण (छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

उत्तीर्ण एम.एससी. और पीएच. डी. छात्रों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में उच्च शिक्षा (पीएच.डी/पोस्ट-डॉक्टरेट शोध कार्य) का चयन किया।

विस्तार और आउटरीच गतिविधियां:

प्रदत्त एम.फिल/पीएचडी डिग्रियों की संख्या

पीएच. डी.	:	11
एम. फिल.	:	1

संकाय की संख्या: 9

***

सूक्ष्म जीवविज्ञान

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

बैक्टीरिया में एंटीमाइक्रोबायल प्रतिरोध (एएमआर) का तेजी से पता लगाने के लिए एक बिंदु-देखभाल (पीओसी) उपकरण विकसित किया जा रहा है। डीएनए निष्कर्षण, प्रतिरोध-जीन सरणी के साथ संकरण और उचित एंटीबायोटिक दवाओं के एक एल्गोरिदम-संचालित चयन जैसी तीन अच्छी तरह से सिद्ध प्रौद्योगिकियों को इस उपकरण में एकीकृत किया जा रहा है। महामारी विज्ञान और एंटीबायोटिक प्रतिरोधी बैक्टीरिया के प्रसार के लिए मार्कर के रूप में ई कोलाई में β-लैक्टम और क्वीनोलोन एंटीबायोटिक दवाओं का प्रतिरोध करने वाले जीनों के अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों को झुकाव वाले जीनोमिक तत्वों की भूमिका की जांच की गई है। लीशमानिया में क्रोमैटिन संशोधनों की भूमिका भी अनुसंधान का एक प्रमुख क्षेत्र है। पिछले वर्ष हिस्टोन एसिट्लट्रांसफेरस एचएटी2 और एच4के10 एसिटिलेशन हिस्टोन संशोधन के महत्व पर ध्यान केंद्रित किया गया है। एचएटी2 को ट्रांसक्रिप्शन घटनाओं को नियंत्रित करने वाला पाया गया है। जांच के दौरान लीशमानिया में ट्रांसक्रिप्शन विनियमन के दो स्तरों की उपस्थिति का खुलासा हुआ। अगले दो वर्षों में जीनोम-व्यापी अध्ययन किया जाएगा। अब सेलुलर विकास, सेल चक्र, प्रतिकृति और प्रतिलेखन में विशिष्ट हिस्टोन मेथिलट्रांसफेरस की कार्यात्मक भूमिकाओं को विस्तारित करने के लिए लीशमानिया में हिस्टोन मिथाइलेशन घटनाओं की भूमिका की जांच आरंभ की जा रही है। वायरस मध्यस्थ ट्यूमरिजेनेसिस में हेपेटाइटिस सी वायरस (एचसीवी) कोर प्रोटीन की भूमिका सेलुलर मेटास्टेसिस दमन के मॉड्यूलेशन द्वारा एनएम 23-एच1 एलएसओ

अध्ययनों ने एचसीवी मध्यस्थ कैंसर मेटास्टेसिस में एचसीवी-कोर की भूमिका प्रदान की। 2 गुना बढ़ी हुई गतिविधि के साथ उत्प्रेरक कुशल उत्परिवर्ती विकसित करने के लिए बैसिलस एट्रोफियस (बाजीजीटी) से गामा-ग्लूटामिल ट्रांसपेप्टिडेज़ के अतिरिक्त अनुक्रम के आणविक विशेषता का पता किया जाता है। जियोबालिकस थर्मोलेवरानों से एक हाइपरथर्मोस्टेबल क्षारीय लिपेज अलग किया गया था। लिपेज को ईकोलाई में विषम रूप से व्यक्त किया गया था। व्यक्त एंजाइम को शुद्ध किया गया और इसकी जैव रासायनिक और जैव-भौतिक विशेषता ने कई महत्वपूर्ण औद्योगिक उपयोगी गुणों का खुलासा किया। ई कोलाई और पिचिया पास्टोरीज जैसी विषम अभिव्यक्ति प्रणाली का उपयोग करके स्ट्रेटोकोकिनस और एचटीएनएफ-ए जैसे चिकित्सीय रूप से महत्वपूर्ण बायोमोल्यूल का बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जाता है। बायोप्रोसेस अनुकूलन के परिणामस्वरूप क्रमशः 3.4 जी/एल और 2.35 जी/एल उत्पाद की उच्च मात्रा में उपज हुई।

सम्मान/विशिष्टताएं

प्रो. जे एस विरडी: निर्वाचित अध्यक्ष-चुनाव 2018, भारत का माइक्रोबायोलॉजिस्ट एसोसिएशन (एएमआई)

प्रो. जे एस विरडी: माइक्रोबायोलॉजी के विषय में अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यचर्या फ्रेमवर्क विकसित करने वाली यूजीसी समिति के सदस्य।

प्रो. जे एस विरडी: सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज इन माइक्रोबायोलॉजी, एमिटी यूनिवर्सिटी, जयपुर।

शोध विद्वान मिस बब्बल ने नेताजी सुभाष इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली, भारत द्वारा 8-9 सितंबर, 2017 को आयोजित 21वीं शताब्दी में जैव इंजीनियरिंग पर राष्ट्रीय सम्मेलन (बीईएसकॉन-2017) के दौरान सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार जीता। पोस्टर का शीर्षक है "पुनः संयोजक की उच्च स्तरीय घुलनशील अभिव्यक्ति ई. कोलाई की फेड बैच संस्कृति में एचटीएनएफ-ए "

प्रकाशन

2017-2018 में 8 शोध पत्र प्रकाशित किए गए

एस बिंदल, वी के डागर, एम सैनी, वाई पी खासा और आर गुप्ता, (2018). एस्चेरीचिया कोलाई फेड-बैच कल्चर में बैसिलस लाइफेंफॉर्मिस से पुनः संयोजक वाई-ग्लूटामिल ट्रांसपेप्टीड्ज का उच्च स्तरीय बाहय कोशिकीय उत्पादन, 116, 23-32. जारी करने की तारीख:10.1016/j.enzmictec.2018.05.004

यू चंद्रा, ए यादव, डी कुमार, और एस साहा, (2017). लीशमानिया डोनोवानी में प्रमोटरों के एचएट 2-निर्भर एच4के10 एसिटिलेशन द्वारा सिसलीन मध्यस्थ सेल चक्र चरण-विशिष्ट प्रतिलेखन सक्रियण। प्लाट पैथा., 13(9), e1006615. जारी करने की तारीख: 10.1371/ppat1006615

वी के डागर, और वाई पी खसा, (2018). पिचिया पेस्टोरस फेड-बैच कल्चर में पुनः संयोजक मानव इंटरलेक्विन -3 (एचआईएल -3) के उच्च स्तरीय उत्पादन पर जीन खुराक और प्रक्रिया अनुकूलन रणनीतियों का संयुक्त प्रभाव।, जैविक मैक्रोम्योल्यूल्स का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल,108, 999-1009.जारी करने की तारीख:10.1016/j.ijbiomac. 2017.11.008.

एल खेरा, सी पॉल, और आर कौल, (2018). हेपेटाइटिस सी वायरस कैंसर प्रबंधन के लिए एक चिकित्सकीय लक्ष्य के रूप में हेपेटोकेल्युलर कार्सिनोमा में मेटास्टेसिस मध्यस्थता करता है। करेंट ड्रग मेटाबोलिज्म, 19. जारी करने की तारीख: 10.2174/1389200219666180129110942.

एम तनवर, एल खेरा, एन हाकीप, आर कौल, ए नोरम और एस कटेरिया, (2017). एक ऑप्टोजेनेटिक उपकरण के रूप में फोटोएक्टिवेटेड एडीनलील साईक्लीज का उपयोग कर साइक्लिक न्यूक्लियोटाइड-मध्यस्थ सेलुलर सिग्नलिंग और जीन अभिव्यक्ति का मिश्रण।, वैज्ञानिक रिपोर्ट, 7, 12048. जारी करने की तारीख: 10.1038/s41598-017-12162-4

एस डी नैश, आर डी प्रीवॉट्स, ई कबामेला, वाई पी खसा, के एल ली, एम फ्राइड, पी ई डफी, (2017). तीव्र मलेरिया ट्रांसमिशन के लिए उजागर एक तंजानियन जन्म समूह में इम्यूनोलॉजिकल सहसंबंध के साथ एक मलेरिया-प्रतिरोधी फेनोटाइप। ट्रॉपिकल दवा और हाइज़ीन का अमेरिकी जर्नल, 96(5), 1190-1196. जारी करने की तारीख:10.4269/ajtmh.16-0554

एन एस सिंह, एन सिंघल, और जे एस विरडी, (2018). ब्लैटेम-1, ब्लैक्टेक्स-एम-15, ब्लैकसीएमवा -42 का आनुवांशिक वातावरण और भारतीय शहरी जलीय पर्यावरण से अलग एस्चेरीचिया कोलाई के इंटीग्रंस की विशेषता। सूक्ष्म जीव विज्ञान में फ्रंटियर्स, 9, 382, जारी करने की तारीख:10.3389/fmicb.2018.00382.

टी के सिंघ, पी गुलाटी, ए मोहंती, वाई पी खसा, आर के कपूर और एस कुमार, (2017). कोलाई में पुनः संयोजक प्रोटीन की प्लाज्मिड आधारित अभिव्यक्ति के सुधार के लिए कुशल आनुवंशिक दृष्टिकोण: एक समीक्षा। प्रक्रिया जैव रसायन, 55, 17-31. जारी करने की तारीख:10.1016/j.procbio.2017.01.026

अनुसंधान परियोजनाएँ

बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्री रिसर्च असिस्टेंस काउंसिल (बीआईआरएसी), एंटीमाइक्रोबायल प्रतिरोध और एल्गोरिदम संचालित थेरेपी का तेजी से पता लगाने के लिए प्रतिरोध-जीन-सारणी, 2017-2018 प्रो. जे एस वीरडी 12.90 लाख।

बायोटेक्नोलॉजी विभाग, एओएक्स1 पी-निर्देशित अभिव्यक्ति के संश्लेषण दमन और मेथनॉल उपयोग को संबोधित करने के लिए इंजीनियरिंग पिचिया पैस्टोरीस प्लेटफार्म: ग्लिसरॉल-स्वतंत्र प्रणालीमें मेथनॉल विकल्प के कुशल उपयोग के लिए तनाव विकास, , 2017-2020 प्रो. रानी गुप्ता, 49.54 लाख।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, प्रोटोज़ोन परजीवी लीशमानिया डोनोवानी में डीएनए प्रतिकृति प्रोटीन सीडीसी 45 की जांच, प्रो. स्वाती साहा, 49 लाख।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2015-2018, 2016-2019; एलोज़ा और एलप्बोब्स प्रोटोज़ोन लीशमानिया डोनोवानी में, जीएनएटी-पारिवारिक हिस्टोन एसिट्लट्रांसफेरस की भूमिकाओं की जांच, प्रो. स्वाती साहा को 67.5 लाख

कृषि अनुसंधान की भारतीय परिषद, अगली पीढ़ी के टीके के विकास के लिए पेस्ट-डेस-पेटिट्स रोमिनेंट्स वायरस (पीपीआरवी) मध्यस्थ मेजबान प्रतिरक्षा मॉडुलन के आणविक आधार को समझना, 2017-2020, डॉ राजीव कौल, 59 लाख ।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

एन एस सिंह, जे एस विरडी, (2017) भारतीय शहरी अपशिष्ट जल से कमजोर एस्चेरीचिया कोलाई में एंटीबायोटिक प्रतिरोध जीन और इंटीग्रंस का आकलन: सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए प्रभाव और महत्व। नेक्स्टजेन जीनोमिक्स में ओरल और पोस्टर प्रस्तुति - जीवविज्ञान, जैव सूचना विज्ञान और प्रौद्योगिकी (एनजीबीटी) सम्मेलन, भुवनेश्वर, ओडिशा (भारत), 2-4 अक्तूबर, 2017।

एन सिंघल, एम कुमार, जे एस विरडी, (2017) तेजी से एंटीमाइक्रोबायल प्रतिरोध (एएमआर) पहचान और नए β-लेक्टामेज अवरोधक में β- लेक्टामेज जीन की तुलनात्मक जीनोमिक्स की संभावनाएं। भुवनेश्वर, ओडिशा (भारत) में 2-4 अक्तूबर, 2017 को नेक्स्टजेन जीनोमिक्स- बायोलॉजी बायोइनफॉरमैटिक्स एंड टेक्नोलॉजीज (एनजीबीटी) सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुत किया।

एन सिंघल, एम कुमार, जे एस विरडी, (2018) वाई एंटरोकॉलिटिका बायोटाइप 1ए, 1बी, 2 और 4 में एएमसी β-लेक्टामासेज की विभेदक अंतर्निहित आनुवंशिक निर्धारकों की खोज करना। मैड्रिड (स्पेन) में 21-24 अप्रैल, 2018 को क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजी और संक्रामक रोगों की 28वीं यूरोपीय कांग्रेस में पोस्टर प्रस्तुत किया।

आर कौल (2018) वायरस मध्यस्थ कैंसर का आण्विक जीवविज्ञान: कैंसर मेटास्टेसिस में वायरस कोडेड प्रोटीन की भूमिका। भारत बायोसाइंसेस, तिरुवनंतपुरम, 05-09 मार्च 2018 द्वारा आयोजित 10वीं युवा अन्वेषक बैठक में पोस्टर प्रस्तुत किया।

वाई पी खासा (2017) बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (ए सेंट्रल यूनिवर्सिटी) लखनऊ, उत्तर प्रदेश, भारत में 16-19 नवंबर, 2017 को एएमआई के "सतत विकास के लिए सूक्ष्म विकास: गुंजाइस और अनुप्रयोग" शीर्षक 58वें वार्षिक सम्मेलन में "मेथिलोट्रॉफिक खमीर पी. पास्टोरिस: स्टैप्टोकिनैस एक मॉडल प्रोटीन के रूप में स्ट्रेप्टोकिनेज" मॉडल प्रोटीन के रूप में "मॉडल प्रोटीन के रूप में स्ट्रेप्टोकिनेज" पर अतिथि व्याख्यान दिया।

वाई पी खासा (2017) हरियाणा के केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़, हरियाणा में 13-14 नवंबर, 2017 को आयोजित "जैव तकनीकःनवाचारों के माध्यम से खोज (बीईटीआई)-2017 पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "पिचिया पैस्टोरीस में पुनः संयोजक स्ट्रेप्टोकाइनेज के अधिक उत्पादन के लिए बायोप्रोसेस विकास" पर आमंत्रित अतिथि व्याख्यान दिया।

प्रदत्त एम. फिल./पीएच. डी. डिग्रियों की संख्या

पीएच. डी. : 4

संकाय की संख्या - 06

***

शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ:

विभाग व्यायाम और खेल मनोविज्ञान, खेल अभ्यास शरीर विज्ञान, अनुकूलित शारीरिक गतिविधि, खेल जैव-मैकेनिक्स और कीनेसियोलॉजी, मोटर सीखने और नियंत्रण, खेल चिकित्सा, योग विज्ञान, खेल आध्यात्मिकता, मानदंडों के विकास से संबंधित विभिन्न विषयों में स्वास्थ्य और फिटनेस, पाठ्यक्रम विकास और डिजाइनिंग, प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यान्वयन और विकास और प्रतिभा पहचान आदि के क्षेत्रों में विभिन्न आयु समूहों के लिए विभिन्न विस्तारित व्याख्यान आयोजित करता है।

विभाग ने बीए के लिए निम्नलिखित पाठ्यक्रमों को विकसित किया। एक नियमित पाठ्यक्रम के रूप में शारीरिक शिक्षा कार्यक्रम के साथ - शारीरिक शिक्षा के चार अनुशासन विशिष्ट कोर पाठ्यक्रम पत्रों के संशोधित और अद्यतित किया गया। आठ नए कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम पत्र विकसित किए। चार विषय विशिष्ट वैकल्पिक पाठ्यक्रम पत्र विकसित किए। बीए में शारीरिक शिक्षा के दो नए जेनेरिक वैकल्पिक अंतर-विषयक पत्र विकसित किए जाएंगे। शारीरिक शिक्षा के बिना कार्यक्रम। सभी आनर्स पाठ्यक्रमों में सामान्य वैकल्पिक के रूप में पेश किए जाने वाले शारीरिक शिक्षा के चार नए अंतर-अनुशासनिक पत्र विकसित किए जाएंगे। विभाग में पूरे वर्षविशेषज्ञों द्वारा कई संगोष्ठियाँ आयोजित की गई थीं। विभाग ने 23 अक्तूबर, 2017 से 27 अक्तूबर, 2017 को एनसीईआरटी, अरबिंदो मार्ग, नई दिल्ली में एनसीईआरटी के 33वें वार्षिक स्टाफ टूर्नामेंट का आयोजन किया। संकाय शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान, विशेष रूप से व्यायाम शरीर विज्ञान, खेल बायोमेकॅनिक्स, स्वास्थ्य शिक्षा, मनोवैज्ञानिक और फिटनेस उपकरण और परीक्षण के विकास के क्षेत्रों में रणनीतियों को समझने और विकसित करने की दिशा में उच्च शोध में लगे रहे।

सम्मान/विशिष्टताएं

डॉ. संदीप तिवारी, प्रमुख, फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज विभाग

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान मुंबई में 9 मार्च, 2018-11 मार्च, 2018 को आयोजित युवा उत्सव के लिए जूरी के विशेषज्ञ सदस्य।

स्पोर्ट्स कमेटी फिक्की 2018 के विशेषज्ञ सदस्य।

23 जनवरी, 2018 को फिक्की कन्वेंशन के लिए विशेषज्ञ सदस्य।

सदस्य, शैक्षणिक संचार पूर्वावलोकन समिति कंसोर्टियम (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का अंतर-विश्वविद्यालय केंद्र)

सदस्य, एनसीईआरटी स्टाफ टूर्नामेंट चयन समिति, अगस्त, 2017।

एलएसआईपीई ग्वालियर, द्वारा 8-10 मार्च, 2018 को आयोजित, "मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और खेल प्रबंधन में नए विचार" के संसाधन व्यक्ति।

डॉ. प्रदीप कुमार

सदस्य, शैक्षणिक संचार पूर्वावलोकन समिति के कंसोर्टियम (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का अंतर-विश्वविद्यालय केंद्र)

सदस्य, संपादकीय बोर्ड, शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान का भारतीय जर्नल (शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय से प्रकाशित)।

एनसीईआरटी, ऑल इंडिया स्टाफ स्पोर्ट्स टूर्नामेंट 2017-18 आयोजित करने के लिए समन्वयक, तकनीकी अधिकारी।

प्रकाशन

ए तनवर और एस तिवारी (2018). क्रिकेट के खेल में बल्लेबाजों और तेज गेंदबाजों के बीच एरोबिक क्षमता की तुलना। उन्नत अनुसंधान और विकास का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 24.

दाबास, मीनू, ए कुमार, और पी कुमार, (2017). खिलाड़ियों और गैर-खिलाड़ी पर आत्मनिर्भरता का आकलन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मूवमेंट एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज (आईजेएमईएसएस) 1, 2348-5604.

दाबास, मीनू, ए कुमार, और पी कुमार, (2017). खिलाड़ी और गैर-खिलाड़ियों के बीच भावनात्मक विनियमन का आकलन।, इंडियन जर्नल ऑफ़ मूवमेंट एजुकेशन एंड एक्सरसाइजेज साइंसेज (आईजेएमईईएस), 1, 2249-5010.

दाबास, मीनू, ए कुमार, और पी कुमार, (2017). दिल्ली विश्वविद्यालय के इंटर-कॉलेजिएट क्रिकेट खिलाड़ियों के विकेट कीपर बैट्समेन की मानसिक प्रोफ़ाइल का अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ़ मूवमेंट एजुकेशन एंड एक्सरसाइजेज साइंसेज (आईजेएमईईएस), 2, 2249-5010.

पी कुमार और एस सिंह, (2017). गांव दुडोज, राजस्थान जिला सीकर, राजस्थान में बास्केटबॉल खेल के प्रचार पर एक अध्ययन। शारीरिक शिक्षा, खेल और स्वास्थ्य का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 1(4), 226-228.

डी कुमार, और पी कुमार (2017). पूर्व दिल्ली के मजदूरों के विभिन्न शारीरिक फिटनेस घटकों का एक अध्ययन। योग का, मानव गतिविधियों और खेल विज्ञान का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 2(2), 118-120.

पी खरे और एस चक्रवर्ती (2018). अंतर कॉलेजिएट खिलाड़ियों की ताकत और सहनशक्ति पर समग्र बॉडी ट्राइफेक्टा (टीबीटी) प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रभाव। खेल और व्यायाम का वैज्ञानिक जर्नल, 14(1), 54-62.

पी खरे और एस चक्रवर्ती (2018). लिपिड प्रोफाइल पर कुल बॉडी ट्राइफेक्टा (टीबीटी) प्रशिक्षण कार्यक्रम और इंटरकॉलेजियेट प्लेयर के फैट% का प्रभाव। खेल और व्यायाम का वैज्ञानिक जर्नल,14(2), 38-45.

आयोजित सम्मेलन

डॉ संदीप तिवारी, एचओडी, एलएनआईपीई, ग्वालियर द्वारा 8-10 मार्च, 2018 को आयोजित "खेल प्रबंधन में मुद्दे और नए विचारों" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए सलाहकार समिति सदस्य थे।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

ई एस नरेंद्र (2018) टेनिस में फोरहैंड वॉली का सिनेमैटिकल विश्लेषण। सभी के लिए खेल पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन"। एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा में प्रस्तुति दी।

विस्तार और पहुँच गतिविधियाँ

डॉ माइक रेनर कोर्स लीडर, पोर्ट्समाउथ यूनिवर्सिटी, यूके द्वारा 23.01.2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज के सहयोग से "खेल प्रबंधन" उद्योग रुझान, अनुसंधान और करियर"पर एक व्याख्यान आयोजित किया।

विभाग ने 23 अक्तूबर, 2017 से 27 अक्तूबर, 2017 को एनसीईआरटी, अरबिंदो मार्ग, नई दिल्ली में एनसीईआरटी के 33 वें वार्षिक स्टाफ टूर्नामेंट का आयोजन किया।

प्रदत्त एम.फिल/पीएचडी डिग्रियों की संख्या

उपर्युक्त अवधि के दौरान पीएच. डी. डिग्री से सम्मानित = आठ (8).

संकाय की संख्या:

मान्यता प्राप्त शिक्षक-	08
प्रशासनिक स्टाफ -	02
जूनियर सहायक -	01 (अनुबंध के आधार पर)
कार्यालय सहायक -	01 (अनुबंध के आधार पर)

***

पादप आणविक जीव विज्ञान

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ:

प्रोफेसर ए के त्यागी द्वारा आरंभ किए गए कार्य ने विभिन्न भारतीय इंडिका और सुगंधित चावल के उपयोग में अनाज के आकार/ वजन से जुड़े मेटाक्यूटीएल की पहचान में मदद की है। चने में विकास प्रकृति और फूलों के समय के अनुवांशिक निर्धारकों को परिभाषित करने के लिए भी आगे बढ़ाई गई आनुवंशिकी का उपयोग किया गया है। प्रो जे पी खुराना प्रकाश संवेदी रिसेप्टर्स पर काम कर रहे है, मुख्य रूप से वे क्रिप्टोक्रोम पर जो यूवी-ए/नीली रोशनी को पौधों की ऊंचाई और फूल के समय को नियंत्रित करने के लिए समझने पर काम रहे हैं। प्रोफेसर परमजीत खुराना द्वारा गेहूं और शहतूत में जीनोमिक संसाधन विकसित किए जा रहे हैं। प्रोफेसर अनिल ग्रोवर द्वारा चावल में हीट शॉक कारक (एचएसएफ) की जांच की जा रही है। पौधों में आरएनए-आधारित एंटी-वायरल प्रतिरोध मार्ग (आरएनएआई) के मॉड्यूलेशन का अध्ययन प्रो इंद्रनील दासगुप्त द्वारा किया जा रहा है। प्रो. संजय कपूर पुरुष गैमैटोफीट विकास के आणविक पहलुओं को समझने पर काम कर रहे हैं। प्रो अरुण शर्मा ने टमाटर में फल पकाने से संबंधित 85 ईआरएफ की पहचान की। प्रो गिरधर पांडे कैल्शियम मध्यस्थ-सिग्नल ट्रांसडक्शन मार्ग को सुलझाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। डॉ एस रघुवंशी एमआई आरएए - मध्यस्थ सूखा उत्तरदायी नियामक नेटवर्क की कार्यात्मक विशेषता के शोध में लगे हुए हैं। डॉ. सुरेखा कटियार टेट्रैस्पिन प्रोटीन की जैविक भूमिका को स्पष्ट करने में लगे हुए हैं।

सम्मान/विशिष्टताएं

प्रोफेसर ए के त्यागी

जे सी बोस नेशनल फैलोशिप अवार्ड, तीसरा चरण, एसईआरबी, डीएसटी, भारत सरकार, 2017.

अभिनव विज्ञान और प्रौद्योगिकी, 2017 के लिए जी एम मोदी पुरस्कार।

प्रोफेसर परमजीत खुराना

जे सी बोस नेशनल फैलोशिप अवार्ड, तीसरा चरण, एसईआरबी, डीएसटी, भारत सरकार, 2017.

2017 के लिए भारतीय वनस्पति विज्ञान सोसाइटी का बीरबल साहनी पुरस्कार पदक.

वर्ष 2017 के लिए इंडियन सोसायटी ऑफ प्लांट फिजियोलॉजी का प्रोफेसर एस के सिन्हा मेमोरियल लेक्चर अवॉर्ड।

परिषद सदस्य (एएएसआई प्रतिनिधि), भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, 2018.

महासचिव (आउटस्टेशन), नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इलाहाबाद, भारत, (2018-2019)।

प्रोफेसर गिरधर के पांडे

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (एनएएएस), नई दिल्ली, भारत के निर्वाचित फेलो(2018)।

लवण-मृदा कृषि केंद्र, कृषि संसाधन और पर्यावरण संस्थान, जियांगसू एकेडमी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज, नानजिंग, चीन (2017) में अतिथि प्रोफेसर।

विदेशी विशेषज्ञ पुरस्कार, कृषि-जैव प्रौद्योगिकी संस्थान और नमक-मृदा कृषि केंद्र, कृषि संसाधन और पर्यावरण संस्थान, जियांग्सू कृषि विज्ञान अकादमी, नानजिंग, चीन (2017)।

प्रकाशन:

पी बोराह, और जे पी खुराना, (2018). ओएसएफबीके1 ई3 लीगेज सब यूनिट एक दालचीनी-सीओए रेडक्टेज के टर्न-ओवर में मध्यस्थता करके एथर और रूट माध्यमिक सेल दीवार मोटाई को प्रभावित करता है। प्लांट फिजियोलॉजी, 176, 2148-2165.

एन बर्मन, ए भटनागर, और जे पी खुराना, (2018). ओएसबीजेआईपी 48, एटीएचवाई5 के लिए ऑर्थोलॉगस, प्रकाश-विनियमित संयंत्र विकास में प्लेयोट्रॉपिक प्रभाव डालता है। प्लांट फिजियोलॉजी, 176, 1262-1285.

यू बसु, डी बजाज, ए शर्मा, एन मलिक, ए दौरे, लक्ष्मी, ...एस के पारिडा, (2018). चने में बीज उपज बढ़ाने के लिए प्रकाश संश्लेषण दक्षता लक्षणों का अनुवांशिक विच्छेदन। संयंत्र सेल और पर्यावरण।, प्रेस में।

एन जैन, एस वर्गीश, और जे पी खुराना, (2018). आरटी-क्यूपीसीआर का उपयोग करके चावल में ड्यूरनल/सर्केडियन अध्ययनों के लिए जीन अभिव्यक्ति डेटा के सामान्यीकरण के लिए हाउस कीपिंग जीन का मूल्यांकन। वैज्ञानिक रिपोर्टें, 8, 3203. जारी करने की तारीख: 10.1038/s41598-018-21374-1.

एम क्रूपोविक, जे. ब्लोमबर्ग, जेएम कॉफ़िन, आई दासगुप्ता, एच फैन, एडी गीयरिंग, ... जे एच कुहन, (2018). ऑर्टेवीरलेस: एक नया वायरस ऑर्डर रिवर्स-ट्रांसक्रिप्टिंग वायरस के पांच परिवारों को एकजुट करता है। विषाणु विज्ञान का जर्नल, 92.

ए के कुशवाहा, और आई दासगुप्ता, (2018). क्लोन बेगोमोवाइरल डीएनए की संक्रमितता: एक मूल्यांकन। वायरस रोग, जारी करने की तारीख 10.1007/s13337-018-0453-5.

आर ऋषिश्वर, और आई दासगुप्ता, (2018). जेमिनिवायरस और संबंधित डीएनए उपग्रहों द्वारा एन्कोड किए गए आरएनए साइलेंसिंग के दमनकारी। वायरस डिजीज,जारी करने की तारीख 10.1007/s13337-108-0418-8

ए के कुशवाहा, आर रबींद्रन, और आई दासगुप्ता, (2018). श्रीलंकाई कसावा मोज़ेक वायरस का तमिलनाडु से पृथक रोलिंग सर्कल प्रवर्धन-आधारित विश्लेषण, भारत आनुवांशिक परिवर्तनशीलता के निम्न स्तर को संकेतित करता है। वायरस डिजीज, 29(1), 61-67. जारी करने की तारीख 10.1007/s13337-018-0432-x

डी लावनिया, ए धींगरा, और ए ग्रोवर (2018).. चावल की ट्रांसएक्टिवेशन क्षमता का विश्लेषण (ओरीज़ा सतीवा एल,) गर्मी झटके कारक। प्लांटा, 247, 1267-1276.

पी अग्रवाल, और पी खुराना, (2017). गेहूं से एक नया जस्ता फिंगर प्रतिलेखन कारक (टीएजेडएनएफ) की विशेषता अरबीडॉप्सिस में गर्मी तनाव सहनशीलता प्रदान करती है। सेल तनाव और संरक्षक, जारी करने की तारीख:10.1007/s12192-017-0838-1.

पी अग्रवाल, आर कुमार, ए पारीक, और ए के शर्मा, (2017). ट्रांसजेनिक टमाटर और अरबीडॉप्सिस में टमाटर आरआईपी1 जीन प्रमोटर की फल अधिमान्य गतिविधि। मोल.जेन.जीनोमिक्स, 292, 145-156.

वी के बरनवाल, और पी खुराना, (2017). मोरस नोटबिलिस के झिल्ली इंट्रिनजिक प्रोटीन और विभिन्न प्रजातियों में उनकी अभिव्यक्ति गतिशीलता का जीनोम-व्यापी संरचनात्मक, कार्यात्मक और विकासवादी विश्लेषण। प्लांट फिजियोल. एंड बायोकैम, 111, 304-317.

वी के बरनवाल, एन नेगी, और पी खुराना, (2017). शहतूत में ऑक्सिन रिस्पांस फैक्टर जीन प्रदर्शन: पहचान, और संरचनात्मक, कार्यात्मक और विकासवादी विश्लेषण। जीन (एमडीपीआई) 8(202). जारी करने की तारीख: 10.3390/genes8090202.

पी बोराह, ई शर्मा, ए कौर, जी चंदेल, टी महापात्रा, एस कपूर और जे पी खुराना, (2017). माइक्रोएरे-आधारित ट्रांसक्रिप्टोमिक्स दृष्टिकोण को नियोजित करके चावल की दो विपरीत किस्मों में सूखे-सिग्नलिंग नेटवर्क का विश्लेषण। वैज्ञानिक रिपोर्ट 7, 42131. जारी करने की तारीख: 10.1038/srep42131.

ए वी दवारे, आर श्रीवास्तव, ए के सिंह, एस के पारिडा, और ए के त्यागी, (2017). मेटा-क्यूटीएल का क्षेत्रीय संघ विश्लेषण चावल में भावी अनाज आकार जीन को चित्रित करता है। फ्रंट. प्लांट लाइंस., 8, 807.

एस के झा, एस मलिक, एम शर्मा, ए पांडे, और जी के पांडे, (2017). पौधों में प्रोटीन काइनेज की सब्सट्रेट पहचान और तनाव प्रबंधन में उनकी भूमिका में हालिया प्रगति। करेंट जीनोमिक्स, 18.

ए एम ए जॉनसन, एस गोपाल, डीवीआर, सी सुधाकर, और आई दासगुप्ता, (2017). साइट्रस पीला मोज़ेक वायरस साइट्रस एसपी को संक्रमित करता है: साइट्रस उद्योग और संगरोध मुद्दे के लिए एक खतरा। जनरल प्लांट पैथोलॉजी का जर्नल, 83(2), 57-65.

आर कांत, और आई दासगुप्ता, (2017). एक डीएनए वायरस से व्युत्पन्न वेक्टर का उपयोग करके चावल में वीआईजीएस-मध्यस्थ जीन साइलेंसिंग की फेनोटाइपिंग। प्लांट सेल रिपोर्ट, 36, 1159-1170. जारी करने की तारीख: 10.1007/s00299-017-2156-6.

एन खुराना, एन शर्मा, और पी खुराना, (2017). एक गर्मी तनाव के असंतोष का असर, गेहूं मायो-इनोजिटोल-1-फॉस्फेट सिंथेस2 (टीएएमआईपीएस 2) अरबीडॉप्सिस थालियाना में विभिन्न अबायोगिक तनावों के प्रति सहिष्णुता प्रदान करता है।, एग्री जीन, 6, 24-30.

एन मलिक, पी अग्रवाल, और ए के त्यागी, (2017). पौधों पर विशेष जोर देने के साथ बहु-प्रोटीन जटिल मध्यस्थ के उभरते कार्य। क्रिटिकल रेव. बायोकेम. मोल. बायो., 52, 475-502.

एस मिश्रा, और जे पी खुराना, (2017). पौध क्रिप्टोक्रोम के सिग्नलिंग तंत्र में उभरती भूमिकाएं और नए प्रतिमान। क्रिट. रेव. प्लांट साइंस., 36, 89-115.

आर पांडे, एआर भारद्वाज, एम अग्रवाल, कटियार- एस अग्रवाल, 2017. गेहूं में छोटे आरएनए की खोज: एक सर्वेक्षण। इंडियन जे प्लांट फिजियोल.।, 22, 411-421.

ए पांडे, वी यादव, ए शर्मा, जेपी खुराना, और जीके पांडे, (2017). यूएनसी-53 जीन नकारात्मक रूप से सीएसी जीटीपीज को सी,. एलिगेंस में दूरस्थ टिप सेल माइग्रेशन के दौरान 5 गतिविधि को नियंत्रित करता है। सेल एडीएच. एमआईजीआर., 5, 0, जारीकरने की तारीख:10.1080/19336918.2017.1345413.

ए पी पारिडा, ए शर्मा, और ए के शर्मा, (2017). एटीएमबीडी6, एक मिथाइल सीपीजी बाध्यकारी डोमेन प्रोटीन, आरएनए बाध्यकारी प्रोटीन के साथ संपर्क कर अरबीडॉप्सिस में जीन साइलेंसिंग को बनाए रखता है। जे. जीवविज्ञान, 42, 57-68.

आई परवीन, एच के सिंह, एस मलिक, एस रघुवंशी, एस बी बब्बर, (2017). भारतीय ऑर्किड के डीएनए की बारकोडिंग के लिए पांच अलग एलओसीआई (आरबीसीएल, आरपीओबी, आरपीओसी1, मैटके, और आईटीएस) का मूल्यांकन करना। जीनोम, 60(8), 665-671. जारी करने की तारीख: 10.1139/gen-2016-0215.

आर रंजन, आर खुराना, एन मलिक, एस बडोनी, एस के पारिडा, एस कपूर और ए के त्यागी, (2017). बीएचएलएच142 चावल में पराग विकास और एथर डेहिसेंस को प्रभावित करने के लिए चयापचय मार्ग से संबंधित विभिन्न जीन ।

जी एस राव, ए के त्यागी, और के वी राव, (2017). ई कोलाई के एल-ऑर्निथिनेज (एआरईई) जीन की पराग-विशिष्ट अभिव्यक्ति के माध्यम से चावल में एक अविभाज्य नर-स्टेरिलिटी सिस्टम का विकास। पौध विज्ञान, 256, 139-147.

बी सईद, और पी खुराना, (2017). मोरस इंडिका से ईआरडी15 प्रोटीन की ट्रांसक्रिप्शन सक्रियण गतिविधि। प्लांट फिजियोल.एंड बायोकेम.,111, 174-178.

एस के सान्याल, पी के कंवर, एस संतान, के कौर, एस के झा, और जी के पांडे, (2017). अरबीडॉप्सिस में एबीए सिग्नलिंग को प्रसारित करने के लिए सीआईपीके3 के वैकल्पिक विभाजन से अलग-अलग लक्ष्य चयन में परिणाम मिलता है। फ्रंटियर प्लांट साइंस, 8, 1924. जारी करने की तारीख:10.3389/fpls.2017.01924.

ए शंकर, जे एल फर्नांडीस, के कौर, एम शर्मा, एस कुंडू, और जी के पांडे, (2017). चावल फीटोग्लोबीन अरबीडॉप्सिस थालियाना में कम खनिज वाले पोषक तत्वों और अजैव तनाव के अंतर्गत प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित करता है। प्लांट सेल एनवायरमेंट,41(1), 215-230.

एस के सान्याल, पी कंवर, ए के यादव, सी शर्मा, ए कुमार, और जी के पांडे, (2017). एबीए प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित करने के लिए अरबीडॉप्सिस सीबीएल इंटरैक्टिंग प्रोटीन काइनेस3 एबीआर1, एपीईटीएएलए डोमेन ट्रांसक्रिप्शन कारक के साथ प्रतिक्रिया करता है। प्लांट साइंस, 254, 48-59.

पी डब्ल्यू शिमरे, डी बजाज, आर श्रीवास्तव, ए दावरे, एच डी उपाध्याय, आर कुमार, ... एस के पारिडा, (2017). प्रतिलेखन कारक चना में उपज लक्षण के साथ जुड़े जीन की पहचान करना। प्लांट मोलेक्यूलर बायोलॉजी रिपोर्टर, 35, 562-574.

ए सिंह, और जी के पांडे, (2017). फॉस्फोलिपेज सी पौधों में तनाव सहनशीलता और विकास को कैसे नियंत्रित करता है? जे सेल सिग्नल, 1, 132.

ए सिंह, और खुराना, (2017). ट्रिटिकम एस्थिवम सर्क जीन (टीएएसईआरकेएस) की एक्टोपिक अभिव्यक्ति अरबीडॉप्सिस में प्लांट विकास और वृद्धि को नियंत्रित करती है। वैज्ञानिक रिपोर्टें, 7(1), 12368. जारी करने की तारीख: 10.1038/s41598-017-10038-1

बी सिंह, पी खुराना, जे पी खुराना और पी सिंह, (2017). ट्रिटिकम एस्थिवम (टीवीएपी) की जीन एन्कोडिंग वेसिकल से जुड़े झिल्ली प्रोटीन से संबंधित प्रोटीन सूखे तनाव की सहिष्णुता प्रदान करता है। सेल तनाव और संरक्षक, जारी करने की तारीख: 10.1007/s12192-017-0854-1.

एस सिंह, ए एस विरडी, आर जसवाल, एम चावला, एस कपूर, एस बी महापात्रा, पी सिंह, (2017). ज्वार में तापमान-प्रतिक्रियाशील जीन एक ग्लाइसीन युक्त समृद्ध प्रोटीन को एन्कोड करता है जो कामोडुलिन के साथ काम करता है। बायोकेमी, 137, 115-123. जारी करने की तारीख:10.1016/j.biochi.2017.03.010.

आर श्रीवास्तव, एच डी उपध्याय, आर कुमार, ए वी दावरे, यू बसु, डब्ल्यू शिमरे, एस के पारिडा, (2017). A एक बहु क्यूटीएल-सीईसी रणनीति चने में फूलों के समय को नियंत्रित करने वाले संभावित जीनोमिक लोसी को चित्रित करती है। फ्रंट प्लांट साइंस, 8, 1105.

जे आर थॉम्पसन, आई दासगुप्ता, एम फूक्स, टी इवानमी, ए वी करसेव, के पेट्रज़िक, ... एन योशिकावा, (2017). आईसीटीवी वायरस वर्गीकरण प्रोफाइल: सेकोवरडे जर्नल ऑफ जनरल वायरोलॉजी की, 98, 529-531. जारी करने की तारीख:10.1099/jgv.0.000779.

आर श्रीवास्तव, एच डी उपध्याय, डी बजाज, आर श्रीवास्तव,ए दावरे, यू बसु, एस त्रिपाठी, एस के पारिडा, (2017). चना में पौधों की वृद्धि आदत का आनुवंशिक विच्छेदन। फंक्ट. इंटग्र. जीनोमिक्स, 17, 711-723.

डी झांग, वाई हुआंग, एम कुमार, क्यू वान, जेड जू, एच बी शाओ, एचबी और जी के पांडे, (2017). जीएमएसआईपी1 की विषम अभिव्यक्ति; तंबाकू में सोयाबीन 3 से हाइड्रोजन पेरोक्साइड में वृद्धि मंदता और सहनशीलता दिखाया गया है। प्लांट साइंस, 263, 210-218.

डी वाई झांग, एम कुमार, एल जू, क्यू वान, वाई एच हुआंग, जेड एल जू, एचबी शाओ, (2017). ग्लिसिन सोजा में प्रमुख आंतरिक प्रोटीन की जीनोम-व्यापक पहचान और जीएमटीआईपी2 की विशेषता; नमक और पानी के तनाव के अंतर्गत 1 कार्य। साइंस रिपोर्ट., 23, 7(1), 4106.

पत्रिकाएँ

प्रोफेसर अखिलेश के त्यागी आण्विक और सामान्य जीनोमिक्स, चावल, ट्रांसजेनिक रिसर्च एंड जर्नल ऑफ प्लांट बायोकैमिस्ट्री एंड बायोटैक्नोलॉजी के संपादकीय मंडल में हैं
प्रोफेसर इंद्रनील दासगुप्ता जर्नल ऑफ बायोसाइंसेस एंड वायरस रोग के जर्नल के संपादकीय मंडलके सदस्य हैं।

अनुसंधान परियोजनाएँ:

जे.सी. बोस फैलोशिप, डीएसटी, 2007 - 2017, प्रोफेसर अखिलेश के. त्यागी को 121.1 लाख रुपए प्रदान किए गए।

डीबीटी, चावल में प्रजनन विकास में शामिल अनुवांशिक और एपीजेनेटिक नियामक नेटवर्क की कार्यात्मक विशेषता, 2015 - 2020, प्रोफेसर ए के त्यागी परियोजना समन्वयक और प्रोफेसर जे पी खुराना, प्रोफेसर एस कपूर, प्रोफेसर विजयराघवन पीआईएस, 987.42 लाख रुपए।

डीबीटी, एपीजीनोम में हेरफेर से टमाटर में पकाने का विनियमन, 2016-2021, प्रोफेसर अरुण के शर्मा, 91.74 लाख।

डीबीटी-एनओओ, उच्च तापमान तनाव के दौरान पराग गर्भपात में शामिल आणविक घटक के लक्षण पर इंडो-डच सहयोगी परियोजना। 2015 - 2019, प्रोफेसर संजय कपूर 150.07 लाख।

डीएसटी-एसईआरबी, चावल में अबायोटिक तनाव सहनशीलता का एक नया नियामक, टेट्रास्पैनिन प्रोटीन के इंटरैक्टोम को उजागर करना, 2018-2021, डॉ. सुरेखा के-अग्रवाल, 37.40 लाख।

आयोजित संगोष्ठियाँ

यूजीसी-एसएपी कार्यशाला 27 फरवरी, 2018 को आयोजित की गई थी, जिसका शीर्षक था "जैविक विज्ञान में नई सीमाएं"।

डीपीएमबी वार्षिक संगोष्ठी 21-22 मार्च, 2018 को आयोजित की गई थी।

आयोजित सम्मेलन

डॉ सौरभ रघुवंशी:

6-7 अप्रैल 2018 को डेटाबेस विकास और बायोक्यूरेशन 2018 पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

प्रो. ए के त्यागी

बॉटनिकल सोसाइटी का वार्षिक समारोह, शिवाजी कॉलेज, नई दिल्ली, 2018.

महिलाओं के तकनीकी सशक्तिकरण पर राष्ट्रीय सम्मेलन, नासा, नई दिल्ली, 2018 (पूर्ण व्याख्यान और सत्र अध्यक्ष)।

डाटाबेस डेवलपमेंट एंड बायोक्यूरेशन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, यूडीएससी, नई दिल्ली, 2018.

ग्रीष्मकालीन प्लांट साइंस उत्सव 2018, एनबीआरआई, लखनऊ, 2018 (मुख्य अतिथि)।

डीबीटी बुद्धिशीलता सत्र, जीईयू, देहरादून (सत्र की अध्यक्षता की)।

शिक्षक दिवस व्याख्यान, एनएबीआई, मोहाली (मुख्य अतिथि)।

प्रोफेसर परमजीत खुराना

हिसार कृषि विश्वविद्यालय में 18-19 अप्रैल, 2017 को "वैज्ञानिक लेखन और प्रस्तुति की अवधारणा को पेश करने" पर वैज्ञानिक/तकनीकी लेखन पर एनएएसआई-सीसीएसएचएयू कार्यशाला।

मैत्रेय कॉलेज में 5-7 अप्रैल, 2017 को अंतःविषयकता: संभावनाएं और चुनौतियां पर राष्ट्रीय सम्मेलन में (स्टार कॉलेज स्कीम, डीबीटी के अंतर्गत) "प्लांट जीनोमिक्स: अंतःविषयकता में एक प्रकरण अध्ययन" पर आमंत्रित वार्ता।

कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल में नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, भारत द्वारा 9-10 जून, 2017 को आयोजित उत्तराखंड के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी संवेदीकरण कार्यक्रम में "लिंग संवेदनशीलता: मानसिकता बदलना" पर मुख्य भाषण।

दिल्ली विश्वविद्यालय के दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज मे 10-11अगस्त, 2017 को "विज्ञान में महिलाएं: विज्ञान में एक केरियर" पर दो दिवसीय संगोष्ठी में "प्लांट जेनोमिक्स: क्रॉप इम्प्रूवमेंट के लिए प्रभाव"।

पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला में 15 सितंबर, 2017 को इंडियन बॉटनिकल सोसाइटी के 40वें अखिल भारतीय वनस्पति सम्मेलन में "द शहतूत जीनोमिक्स लैंडस्केप - कम पतझड़ के पथ पर मिलनसार" पर वर्ष 2017 के लिए बीरबल साहनी पदक पुरस्कार व्याख्यान।

जमशेदपुर में नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज इंडिया (एन एएसआई) और नेशनल मेटलर्जी लेबोरेटरी द्वारा संयुक्त रूप से 5-6 अक्टूबर, 2017 को आयोजित "विज्ञान और प्रौद्योगिकी संवेदीकरण कार्यक्रम" में एक सत्र की अध्यक्षता की।

नासा और नेशनल बॉटनिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट (एनबीआरआई), लखनऊ द्वारा संयुक्त रूप से27-28 अक्टूबर, 2017 को आयोजित "विज्ञान और प्रौद्योगिकी संवेदना कार्यक्रम" में "वैज्ञानिक लेखन कला"।

गुवाहाटी में 5-6 नवम्बर, 2017 को महिलाओं के तकनीकी सशक्तिकरण पर एनएएसआई-आईआईटी-गुवाहाटी संवेदनशीलता कार्यशाला में "लिंग संवेदनशीलता: मानसिकता बदलना"।

आईएआरआई, नई दिल्ली के बायोकेम डिवीजन में 15 नवंबर, 2017 को "जलवायु परिवर्तन की स्थिति में खाद्य सुरक्षा हासिल करने में बुनियादी विज्ञान अनुसंधान की प्रासंगिकता" पर स्थापना दिवस व्याख्यान।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में 23-25 नवंबर, 2017 को "संयंत्र फिजियोलॉजी खाद्य सुरक्षा और जलवायु लचीली कृषि की उभरती हुई भूमिका" पर पौध फिजियोलॉजी के राष्ट्रीय सम्मेलन में वर्ष 2017 के लिए भारतीय संस्था सोसाइटी ऑफ प्लांट फिजियोलॉजी का प्रोफेसर एस के सिन्हा मेमोरियल लेक्चर अवॉर्ड ।

एसपीपीयू, पुणे 8-10 दिसम्बर, 2017 में "मूल अनुसंधान - राष्ट्रीय विकास में इसकी भूमिका" पर नासा की वार्षिक संगोष्ठी के दौरान आईयूसीएए में बच्चों के विज्ञान में विशेष व्याख्यान।

आईआईएसईआर पुणे में 27-29 दिसंबर, 2017 को आईएनएसए वार्षिक संगोष्ठी और बैठक।

रायगंज विश्वविद्यालय, रायगंज, पश्चिम बंगाल में 30-31 जनवरी, 2018 को "सेरिचल्चर के उभरते क्षेत्रों" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में सतत विकास और पर्यावरण पुनर्स्थापन के लिए मुद्दे, चुनौतियां और औद्योगिक आवेदन" पर आमंत्रित व्याख्यान।

विज्ञान भवन, नई दिल्ली में नासा द्वारा 8 और 9 मार्च, 2018 को आयोजित महिलाओं के तकनीकी सशक्तिकरण पर राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान पैनल चर्चा की सह-अध्यक्षता की।

प्रोफेसर अनिल ग्रोवर

देशबंधू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय (13 अक्टूबर 2017) में वार्ता।

स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज के पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़ (22 अगस्त 2017) में वार्ता।

पीजेटीएसएयू, हैदराबाद, तेलंगाना (10 जुलाई 2017) में "फसल सुधार के लिए आधुनिक प्रजनन रणनीतियों", पर वार्ता।

प्रेरणा शिविर, रामजस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (06 जुलाई 2017) में वार्ता।

प्रोफेसर इंद्रनील दासगुप्ता:

एनआईटीटीई विश्वविद्यालय, मंगलुरु में 7-9 दिसंबर, 2017 को भारतीय वायरोलॉजिकल सोसाइटी द्वारा आयोजित "वीआईआरओसीओएन 2017 और वायरस टू विरोम्स इन हेल्थ एंड बीजेज" में भाग लिया। सम्मेलन में एक सत्र की सह-अध्यक्षता की और एक प्रमुख व्याख्यान दिया।

प्रोफेसर गिरधर के पांडे

अरबीडॉप्सिस में सीए 2 +-सीबीएल-सीआईपीके मॉड्यूल द्वारा मध्यस्थ एबीए सिग्नलिंग को समझना। 1 मार्च 2018 को वनस्पति विभाग, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, महाराष्ट्र में।

पौधों में तनाव संकेत के कार्यात्मक जीनोमिक्स की ओर प्रगति। 1 मार्च 2018 को वनस्पति विभाग, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, महाराष्ट्र, में पौधे आण्विक जीवविज्ञान का शिक्षण और सीखने के कौशल।

एबीए, कैल्शियम और सीबीएल-सीआईपीके की एक कहानी: तनाव संकेत परिप्रेक्ष्य। 27 फरवरी 2018 कोयूजीसी-एसएपी कार्यशाला संगोष्ठी, दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिण कैंपस, नई दिल्ली में ।

जीनोमिक से कार्यात्मक जीनोमिक्स तक: तनाव संकेत परिप्रेक्ष्य। 21 फरवरी 2018 को डेलोनिक्स 18, बॉटनी विभाग, दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में।

फॉस्फोरिलेशन-डिफॉस्फोरिलेशन स्विच पौधों में के+ वंचित तनाव संकेत को कैसे नियंत्रित करता है? 18 दिसंबर 2017, दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिण कैंपस, नई दिल्ली -110021 में पौधे एबियोटिक तनाव को समझना: ओमिक रास्ता पर एक भारत-मिस्र कार्यशाला,

ओएसपीयूबी75, एक आर्मडिलो/यू-बॉक्स प्रोटीन एक जीएसके3 काइनेस के साथ प्रतिक्रिया करता है और अजैविक तनाव की स्थिति के नकारात्मक नियामक के रूप में कार्य करता है। 30-31 अक्टूबर, 2017 को जैव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी विभाग, बनस्थली विश्वविद्यालय में बेसिक बायोलॉजी पर राष्ट्रीय सम्मेलन में।

एबियोटिक तनाव में पौधे के प्रोटीन फॉस्फेट्स के जीनोमिक से कार्यात्मक जीनोमिक। पादप आनुवांशिक और जीनोमिक्स का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (कृषि जीनॉमिक इंडिया), चंडीगढ़, 20 जुलाई 2017.

हम अजैविक तनाव के कार्यात्मक जीनोमिक्स से क्या सीख रहे हैं? चावल प्रोटीन फॉस्फेटाइज। 11 जुलाई 2017 को नमक-मृदा कृषि केंद्र, कृषि संसाधन और पर्यावरण संस्थान जियांगसू कृषि विज्ञान अकादमी, नानजिंग, जियांगसू, चीन में ।

पौधों में कैल्शियम मध्यस्थ संकेत: के + वंचित तनाव के दौरान काइनेस और फॉस्फेट का अंतर कार्य। 25 मई 2017 को स्कूल ऑफ प्लांट साइंसेज एंड फूड सिक्योरिटी संकाय लाइफ साइंसेज, तेल अवीव यूनिवर्सिटी, इज़राइल, में।

पौधों में एबीए प्रतिक्रियाओं के विनियमन में कैल्शियम मध्यस्थ सीबीएल-सीआईपीके मॉड्यूल की भूमिका। मार्च 2017 में बायोस्पार्क-2017, स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली -110067।

अरबीडॉप्सिस में ऑक्सीडेटिव तनाव प्रतिक्रिया कैसे नियंत्रित की जाती है? एक सीए2 + मॉड्यूलेटेड काइनेस और माइटोकॉन्ड्रियल गेटकीपर मॉड्यूल की कहानी। आईआईटी-गुवाहाटी, असम, भारत में 20-21 जनवरी 2017 को फसल सुधार के लिए फसल जैव प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।

एक सीए 2+ विनियमित काइनेज अरबीडॉप्सिस में ऑक्सीडेटिव तनाव प्रतिक्रियाओं का मिलान कैसे करता है? सीआईपीके-वीडीएसी मॉड्यूल की भूमिका। 13 जनवरी 2017 को शंघाई सेंटर फॉर प्लांट स्ट्रेस बायोलॉजी, शंघाई इंस्टीट्यूट ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज, शंघाई, चीन में ।

पौधों में ऑक्सीडेटिव तनाव प्रतिक्रियाओं की नई अंतर्दृष्टि: एक सीए2 + मॉड्यूलेटेड काइनेस और माइटोकॉन्ड्रियल गेटकीपर मॉड्यूल की कहानी। जियांगसू एकेडमी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज, नानजिंग, जियांगसू, चीन में 11 जनवरी 2017 को।

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र

रीतेश कुमार सकलानी ने भारत के बायोटेकनोलॉजी विभाग (डीबीटी, स्वीकृति पत्र सं. बीटी/आईएन/एनडब्ल्यू0/16/एसके/ 2015-16) और नीदरलैंड के वैज्ञानिक अनुसंधान संगठन (एनडब्ल्यूओ) द्वारा भारत और नीदरलैंड में वित्त पोषित लंबे समय तक उच्च तापमान तनाव पर पराग गर्भपात के आणविक-शारीरिक आधार पर "डीबीटी-एनडब्ल्यूओ संयुक्त अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत नीदरलैंड का दौरा किया। (28/08/2017 से 01/09/2017) तक ।

रिचा बब्बर ने डीएसटी, डीबीटी (इंडिया) और ब्रिटिश काउंसिल (यूनाइटेड किंग्डम) (सितंबर 2017- दिसंबर 2017) द्वारा न्यूटन भाभा पीएचडी प्लेसमेंट प्रोग्राम के अंतर्गत लीड्स, यूनाइटेड किंगडम विश्वविद्यालय में चार महीने की अल्पकालिक शोध इंटर्नशिप का लाभ उठाया।

प्रदत्त एम.फिल/पीएचडी डिग्रियों की संख्या- 6

पीएच. डी. डिग्री - 6

संकाय की संख्या - 11 (स्थायी)

***

विधि संकाय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

कानून संकाय के तीन कानून केंद्रों में 2017-18 में अकादमिक कार्यक्रमों और गतिविधियों में वृद्धि हुई है। तीनों कानून केंद्रों की घटनाओं और गतिविधियों का विवरण उनकी स्वतंत्र रिपोर्ट में दिया गया है। अकादमिक सत्र 2017-18 में कानून संकाय की मुख्य गतिविधियों में एप्लाइड आईपीआर पर राष्ट्रीय कार्यशाला, गोद लेने के साथ सरोगेसी पर राष्ट्रीय सम्मेलन जैसी राष्ट्रीय स्तर पर कार्यशालाएं/सम्मेलन शामिल है। 2017-18 में बर्मिंघम लॉ स्कूल के सहयोग से 'प्रतिष्ठित प्रोफेसरों की व्याख्यान श्रृंखला', 'इंटरेक्टिव टेस्टर सत्र', 'संविधानवाद और औचित्य की संस्कृति पर व्याख्यान' जैसे कई ज्ञान संवर्द्धन कार्यक्रम, संकाय विकास कार्यक्रम, एडीआर पर प्रशिक्षण, और कई सेमिनार आयोजित किए गए।

आयोजित संगोष्ठियोम/वार्ताएँ

इज़राइल के कानून और व्यापार कॉलेज के प्रोफेसर मोशे कोहेन-एलीया ने 13 फरवरी, 2018 को "संवैधानिकता और औचित्य की संस्कृति" पर व्याख्यान दिया।

बर्मिंघम लॉ स्कूल, बर्मिंघम विश्वविद्यालय के सहयोग से 5 फरवरी, 2018 "इंटरेक्टिव टेस्टर सत्र"।

कानून संकाय के मानद प्रोफेसर, प्रो वेद पी नंदा ने 22-25 जनवरी, 2018 के दौरान "प्रमुख प्रोफेसर की व्याख्यान श्रृंखला""अमेरिकी कानूनी शिक्षा में नए विकास", "अंतर्राष्ट्रीय कानून पर अभिविन्यास", "कानून में शिक्षकों और शोध विद्वानों के प्रकाशन अवसर" और "अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में महत्वपूर्ण मुद्दे" पर बात की।

सागर के कानून के लिए इंटरनेशनल ट्रिब्यूनल की प्रथम भारतीय महिला न्यायाधीश डॉ. नीरू चड्ढा ने 26 अक्टूबर 2017 को कानून संकाय का दौरा किया और एक वार्ता दी।

आयोजित सम्मेलन/कार्यशालाएँ

न्यायमूर्ति राजीव सहाई एंडला, दिल्ली उच्च न्यायालय, श्री राजीव अग्रवाल, संयुक्त सचिव, डीआईपीपी, भारत सरकार, एप्लाइड आईपीआर और एलएलएम पर राष्ट्रीय कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति। 25 नवंबर, 2017 को सिंह और सिंह लॉ फर्म के सहयोग से अभिविन्यासित।

संकाय विकास कार्यक्रम, 3 मार्च से 9 मार्च 2018 तक।

वैकल्पिक विवाद समाधान पर दो दिवसीय प्रशिक्षण, 11-12 मार्च 2018.

सरोगेसी बनाम गोद लेने पर राष्ट्रीय सम्मेलन,13 अप्रैल, 2017.

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

इस शैक्षणिक सत्र में, कानून संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ कई समझौता ज्ञापन हुए हैं। मैकक्वायर विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया जैसे प्रतिष्ठान के अकादमिक संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की प्रक्रिया आरंभ की गई है।

प्रदत्त एलएलएम/पीएचडी की डिग्रियों की संख्या

पीएचडी: 8

संकाय की संख्या: 150 (3 छुट्टी पर)

***

कैंपस विधि केंद्र

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

कैंपस लॉ सेंटर (सीएलसी) को लगातार भारत के शीर्ष कानून स्कूलों में स्थान दिया गया है। सीएलसी ने 19-21 जनवरी, 2018 में के के लूथरा मेमोरियल मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें 60 से अधिक विश्वविद्यालयों ने भागीदारी की। इनमें फिट्जविलियम कॉलेज, कैम्ब्रिज, नॉर्थम्ब्रिया यूनिवर्सिटी लॉ स्कूल, वारविक विश्वविद्यालय, बैंगोर यूनिवर्सिटी लॉ स्कूल, विश्वविद्यालय ब्रिस्टल लॉ स्कूल, यूनाइटेड किंगडम, जॉर्ज वाशिंगटन यूनिवर्सिटी लॉ स्कूल, यूएसए, यूनिवर्सिटीस गद्जाह मादा, इंडोनेशिया, पाकिस्तान कॉलेज ऑफ लॉ, लाहौर विश्वविद्यालय प्रबंधन विज्ञान (एलयूएमएस), पाकिस्तान, श्रीलंका लॉ कॉलेज, श्रीलंका, काठमांडू स्कूल ऑफ लॉ, नेपाल, लंदन कॉलेज ऑफ लीगल स्टडीज (दक्षिण), बांग्लादेश और हैंकुक विश्वविद्यालय, दक्षिण कोरिया जैसे अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय शामिल थे। सीएलसी की लीगल एड सोसाइटी ने अकादमिक वर्ष में नियमित रूप से पहुँच और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। सेमिनार, बहस और चर्चा सीएलसी की सोसाइटी ने बहस और चर्चा की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए नियमित साप्ताहिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया। छात्रों को अनुभव देने के लिए विभिन्न प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय विद्वानों द्वारा विभिन्न कार्यशालाएं और वार्ताएं आयोजित की गई। कैंपस लॉ सेंटर का जर्नल और सीएलसी 'कैलिडोस्कोप' की वार्षिक रिपोर्ट सालाना प्रकाशित की जाती है। सीएलसी के छात्रों ने विभिन्न न्यायालय प्रतियोगिताओं और मध्यस्थता प्रतियोगिताओं में प्रशंसा प्राप्त की है। कई छात्रों के पास विभिन्न विदेशी विश्वविद्यालयों में आगे के अध्ययन के लिए प्रवेश लिया है।

सम्मान/विशिष्टताएं

प्रोफेसर (डॉ) उषा टंडन, संपादकीय बोर्ड, निजी और संपत्ति कानून अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, नाइजीरिया की एक सदस्य हैं।

इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फैमिली वकीलों (आईएएफएल) ने जुलाई, 2018 के महीने के लिए कैंपस लॉ सेंटर की छात्रा सुश्री मल्लिका अग्रवाल को शिकागो, यूएसए के लिए पूरी तरह से वित्त पोषित दूसरी ग्रीष्मकालीन छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया।

प्रोफेसर एससी रैना (छुट्टी पर) हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय कानून विश्वविद्यालय के कुलपति हैं।

प्रोफेसर जे एल कौल (छुट्टी पर), एच एन बी गढ़वाल (केंद्रीय विश्वविद्यालय), उत्तराखंड के कुलपति हैं।

प्रोफेसर कमला शंकरन (छुट्टी पर) तमिलनाडु नेशनल लॉ स्कूल के कुलपति हैं।

महालवार, वंदना को संयुक्त राज्य अमेरिका-इंडिया एजुकेशनल फाउंडेशन (यूएसआईईएफ) द्वारा घोषित अंतरराष्ट्रीय कॉपीराइट कानून में फुलब्राइट-नेहरू पोस्टडॉक्टरल रिसर्च फैलोशिप (2019) के लिए चुना गया है।

प्रकाशन

आर चक्रवर्ती, (2017). पश्चिम बंगाल भूमि सुधार: समाजवाद की ओर एक कदम। अजय कुमार दत्ता और मानस चक्रवर्ती (संपा.), भारत में प्रचार और लोकतांत्रिक राजनीति में। 56-67 कोलकाता: लेवेंट बुक्स प्रकाशन।

रुचिता चक्रवर्ती, (2018). सामाजिक परिवर्तन में न्यायपालिका की भूमिका: एक विश्लेषणात्मक दृश्य। जितेंद्र साहू (संपा.) में, भारतीय संघवाद-हालिया अनुभव।96-111. कोलकाता: लेवेंट बुक्स प्रकाशन।

एन गुप्ता, (2017). कंपनी अधिनियम - 2013 के अंतर्गत कंपनियों की कानूनी स्थिति बनाम दिवालियापन और दिवालियापन संहिता, 2016. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लीनरी रिसर्च सेंटर।3. www.ijmrc.com से पुनर्प्राप्त।

एन गुप्ता, (2017). नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) - कॉर्पोरेट न्याय के लिए एक एकल खिड़की संस्थान। मानविकी, कला और साहित्य में अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका। 5 (4). www.impatjournals.us से पुनर्प्राप्त।

ई जारैन, (2017). मानवाधिकार शिक्षा: मानवाधिकारों को बढ़ावा देने और संरक्षित करने के लिए एक विश्वसनीय उपकरण। नेशनल कैपिटल लॉ जर्नल। XVI, 113-125.

के जींगर (2017). इस बार आईसीजे के लिए एक अकादमिक क्यों नहीं। www.livelaw.in/not-academician-icj-time से पुनर्प्राप्त।

जे एल कौल, और ए झा, (संपा.) (2018). सार्वजनिक अंतर्राष्ट्रीय कानून के क्षितिज को स्थानांतरित करना: एक दक्षिण एशियाई परिप्रेक्ष्य। जर्मनी, स्प्रिंगर प्रकाशन।

एच कौर, (2017). सरोगेसी (विनियमन) बिल 2016 और समलैंगिक पेरेंटिंग। कैंपस लॉ सेंटर का जर्नल। 4(5), 119-132.

एस कुनान, और पी कलेट (संपा.). (2017). भारत में जल कानून - कानूनी उपकरणों का परिचय। नई दिल्ली: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

एस कुनान, पी कलेट, और एल भुल्लर, (2017). जलवायु परिवर्तन और भूजल के बीच संपर्क को विनियमित करना: भारत से सबक। जल अंतर्राष्ट्रीय 42(6), 646-662.

वी महालवार, (2017).. जैविक विविधता पर सम्मेलन बनाम बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार-संबंधित पहलुओं पर समझौता: सामंजस्य के लिए एक पुकार। यू टंडन, एम परासारन, एस लूथरा, (संपा.) में। जैव विविधता: कानून, नीति और शासन। 131-152. लंदन: रूटलेज इंडिया।

ए मिश्रा, (2018). बाहरी अंतरिक्ष में संपत्ति अधिकार: जिम्मेदार अन्वेषण और स्वीकृति। शेफाली रायजादा में, (संपा.) अंतरिक्ष कानून: उभरते रुझान और नीति। 93-106. नई दिल्ली, सत्यम लॉ इंटरनेशनल।

आर मित्तल, (2017). कॉपीराइट कार्यों के अंतिम उपयोगकर्ताओं को बनाने के लिए तंत्र सामूहिक अधिकार प्रबंधन के माध्यम से भुगतान करते हैं: अंतर्राष्ट्रीय रुझान और भारतीय दृष्टिकोण। कैंपस लॉ सेंटर का जर्नल। 4(5), 30-44.

एन नगरवाल, (2017). मीडिया एकाग्रता और भारतीय धर्मनिरपेक्षता: राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भाव, भारत के मुद्दे। न्यायिक विज्ञान का इंटरनेशनल जर्नल। 6 (1-2), 55-68.

के के सिंह, (2017). वैश्विक आईपी शासन और भारत की नवाचार प्रणाली: कानूनी परिप्रेक्ष्य। गिरीश कुमार (संपा.) वैश्वीकरण और भारत की नवाचार प्रणाली-एक रचनात्मक विनाश में। 163-168. कोट्टायम, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम प्रकाशक।

के के सिंह, (2017). भारत में डीएनए प्रौद्योगिकी और आपराधिक न्याय प्रणाली: सत्य, उद्देश्य और निष्पक्षता में एक पूछताछ। एमिटी लॉ वॉच। 31, 5-17.

के के सिंह, (2018). स्वास्थ्य, मानवाधिकार और सुशासन: आवश्यक दवाओं तक पहुंच के संबंध में एक महत्वपूर्ण अध्ययन। प्रदीप कुमार (संपा.)में मानवाधिकार संरक्षण और सुशासन। 26-44. नई दिल्ली: रीगल प्रकाशन।

एस सिंह, (2018). एक नए भारत की राजनीति - एक राष्ट्रवादी परिप्रेक्ष्य (संपा.) श्री प्रकाश सिंह। 21वीं सदी में नस्लवादी न्यायशास्त्र और समकालीन दुनिया में वेदों की प्रासंगिकता। 214-246. नई दिल्ली: रुपा प्रकाशन।

यू टंडन, (2018). ऊर्जा कानून और नीति (संपा.)। नई दिल्ली: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

यू टंडन, एम पारसरन और एस लूथरा (2018). जैव विविधता: कानून, नीति और शासन, (संपा)। लंदन, न्यूयॉर्क: रूटलेज, टेलर और फ्रांसिस समूह।

यू टंडन, (2018). सतत विकास के लिए परमाणु ऊर्जा का विनियमन: आईएईए के विशेष संदर्भ के साथ अंतर्राष्ट्रीय शासन का एक महत्वपूर्ण अवलोकन। उषा टंडन (संपा.) में, ऊर्जा कानून और नीति । 45-74. नई दिल्ली: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

यू टंडन, (2018). जैव विविधता के संरक्षण के लिए भारतीय ग्रीन ट्रिब्यूनल का आकलन। (संपा.), उषा टंडन व अन्य (संपा.) में, जैव विविधता: कानून, नीति और शासन। 200-230। न्यूयॉर्क, लंदन: रूटलेज, टेलर और फ्रांसिस समूह।

यू टंडन, (2017). पेरिस जलवायु व्यवस्था के लिए उभरती चुनौतियां: आईएनसीसी के संदर्भ में सीबीडीआर। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल, पर्यावरण पर अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। II, 19-28.

एन त्यागी, (2017). महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण के बीच संबंध: नीति पहलों और विधानों की अनुपस्थिति। कानून और समाज में: समाज के हाशिए वाले अनुभागों का सामाजिक परिवर्तन।84-98. नई दिल्ली: रीगल प्रकाशन।

एन त्यागी, (2017). सरोगेट्स के अधिकार सुनिश्चित करना: सहायक प्रजनन प्रौद्योगिकी (विनियमन) विधेयक, 2014 के अंतर्गत कानूनी सुरक्षा और आरक्षण, जर्नल ऑफ ग्लोबल रिसर्च एंड एनालिसिस, 6(1), 29-38.

एन त्यागी, (2017). भारत में जनजातीय अधिकार और पीईएसए के प्रभाव: कार्यान्वयन के मुद्दे और चुनौतियां, सामाजिक कार्य, 67(3), 203-27.

एन त्यागी, (2017). यूएनडीजी और महिलाओं के लिए समावेशी विकास: जनसंख्या के अन्य आधे भाग के लिए एक और न्यायिक जगत सुनिश्चित करना। भारतीय सामाजिक-कानूनी जर्नल, 44 (1व2), 129-33.

एन त्यागी, (2017). पारिवारिक कानूनों में संशोधन और सुधार एक समान नागरिक संहिता: महिला सशक्तिकरण और लिंग न्याय के प्रति एक अधूरा एजेंडा। सामाजिक कार्य, 68 (1), 94-103.

एन त्यागी, (2017). उपभोक्ता कल्याण और प्रतिस्पर्धा कानूनों के बीच परस्पर क्रिया। http://jimsgnblog.blogspot.in/2017/09/interplay-between-consumer-welfare-and.html से पुनर्प्राप्त।

एन त्यागी, (2017). भारत में प्रशासनिक न्यायाधिकरण। http://jimsgnblog.blogspot.in/2018/01/administrative-tribunals-in-india.html. से पुनर्प्राप्त।

वंदना (2017). पहचान और समानता के लिए तीसरा लिंग दलीलें - कुछ विचार। दिल्ली: प्रगति प्रकाशन

वंदना (2017).. हिंदू पर्सनल लॉ के अंतर्गत बाल विवाह: फैक्टम वैलेट या महिलाओं के मानवाधिकारों के संरक्षण के लिए एक मुद्दा। आईएलआई कानून समीक्षा (ग्रीष्मकालीन अंक)। I, 175-197. http://ili.ac.in/pdf/ paper1117.pdf. से पुनर्प्राप्त।

वंदना (2017). भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत वैवाहिक बलात्कार-छूट: पहचान और उत्तरदायित्व की चाह। आईएलआई कानून समीक्षा। II (शीतकालीन अंक) 2-19. http://ili.ac.in/pdf/vandana.pdf. से पुनर्प्राप्त।

ए यादव, और ए यादव, (2018). लिंग निष्कासन: कानूनी गतिशीलता। गर्भपात का अधिकार। गर्भावस्था के मेडिकल टर्मिनेशन की पुनरीक्षा करने का समय - एमटीपी अधिनियम 1971। 209-221. हैदराबाद: आईसीएफएआई लॉ स्कूल।

एस यादव, (2017).. मौत की सजा पर सुप्रीम कोर्ट। जर्नल ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च।3 (4), 38-47 http://jlsr.thelawbrigade.com/wp-content/uploads/2018/01/Suman-Yadav-Amol-Shetty.pdf. से पुनर्प्राप्त।

संपादक/सह-संपादक/संपादकीय मंडल के सदस्य के रूप में कार्यरत शिक्षकों की संख्या -09

हरलीन कौर,: सदस्य, संपादकीय समिति, कैंपस लॉ सेंटर (जेसीएलसी) का जर्नल, अंक I, II, IV और V: (2013, 2014, 2016-2017)।

सुजीत कुनान,: संपादकीय मंडलके सदस्य: कानून, पर्यावरण और विकास जर्नल (http://www.lead-journal.org/)। जनवरी, 2013- आज तक।

अनुमेहा मिश्रा,: संपादकीय सहायक, भारतीय कानून संस्थान के जर्नल, भारतीय कानून संस्थान जनवरी 2017 से जून 2017 तक।

रमन मित्तल: संपादक, कैंपस लॉ सेंटर के जर्नल, अंक IV & V: 2017.

एस सी रैना: मुख्य संपादक, शिमला कानून समीक्षा, एचपी राष्ट्रीय कानून विश्वविद्यालय, शिमला। अप्रैल, 2018।
नरेंद्र नगरवाल: संपादक, कानून और न्याय के भारतीय जर्नल, कानून विभाग, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, दार्जिलिंग पश्चिम बंगाल। अक्टूबर, 2012से आज तक।
नरेंद्र नगरवाल: एसोसिएट संपादक, भारतीय जर्नल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस, लॉ डिपार्टमेंट, कूच बिहार पंचानन बरमा विश्वविद्यालय, कूच बिहार, पश्चिम बंगाल। फरवरी, 2018.
उषा टंडन: मुख्य संपादक, कैंपस लॉ सेंटर के जर्नल (जेसीएलसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, वॉल्यूम। I, II, III, IV, (2013 से आज तक)।
उषा टंडन: संस्थापक सदस्य, संपादकीय बोर्ड, निजी और संपत्ति कानून अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, नाइजीरिया।
उषा टंडन: मुख्य संपादक, तुलनात्मक कानून के राष्ट्रीय जर्नल (एनजेसीएल)। सितंबर 2014 से आज तक।
वंदना: सदस्य, संपादकीय बोर्ड, तमिलनाडु राष्ट्रीय कानून स्कूल, तिरुचिरापल्ली जर्नल। अप्रैल, 2017 से आज तक।
सुमन यादव,: संपादकीय मंडलएशिया प्रशांत कानून और नीति समीक्षा, asiapacific.ccinternational.in की सदस्य, जनवरी, 2017 से आज तक।
सुमन यादव,: राष्ट्रमंडल कानून समीक्षा पत्रिका, clrj.ccinternational.in के संपादकीय मंडल की सदस्य जून, 2016 से आज तक।

अनुसंधान परियोजनाएँ

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग, भारतीय कानून स्कूलों में कानूनी शिक्षा की स्थिति और भविष्य। एचपीएनएलयू शिमला में परियोजना। 2017, एस सी रैना, प्राप्त अनुदान - 12 लाख रुपए
ग्लोबल ग्रीन अनुदान फंड, जल एटीएमएस-स्थायित्व प्रभाव आकलन, 2016-2018, सुजीत कुनान, प्राप्त अनुदान - 7106 अमरीकी डालर।
भारत का कानून आयोग, नफरत भाषण रिपोर्ट संख्या 267, 2017, अनुमेहा मिश्रा, परामर्शदाता के रूप में काम किया।

आयोजित संगोष्ठियां/ कार्यशालाएँ

प्रोफेसर (डॉ.) नुजात परवीन खान, डीन, कानून संकाय, जामिया मिलिया इस्लामिया, प्रो. टी.सी. जेम्स, पूर्व अध्यक्ष, राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा संगठन (एनआईपीओ) और विज़िटिंग फेलो, विकासशील देशों के लिए अनुसंधान और सूचना प्रणाली, डॉ. जाकिर थॉमस आईआरएस, आयकर के अतिरिक्त महानिदेशक, केंद्रीय कर बोर्ड, वित्त मंत्रालय और पूर्व रजिस्ट्रार भारत सरकार कॉपीराइट, डॉ. रमन मित्तल, एसोसिएट प्रोफेसर, सीएलसी, श्री प्रवीण आनंद, प्रबंध भागीदार, आनंद एंड आनंद लॉ ऑफिस, डॉ रेखा चतुर्वेदी, एमएचआरडी आईपीआर चेयर प्रोफेसर, क्लस्टर इनोवेशन सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय, श्री शौर्य साह, आईपीआर डिवीजन के प्रमुख, अल्बा लॉ ऑफिस और माननीय श्री न्यायमूर्ति राजीव सहाय, न्यायाधीश, उच्च न्यायालय ने आईपीआर संवर्धन और प्रबंधन (सीआईपीएएम), औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से कैंपस लॉ सेंटर द्वारा 27 अप्रैल, 2017 को आयोजित विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के अवसर का जश्न मनाने के लिए 'शैक्षिक संस्थानों के विशेष संदर्भ के साथ कॉपीराइट कानून' पर गोल मेज कानून चर्चा में भाग लिया।
भारत के सुप्रीम कोर्ट के वकील डॉ. सूरत सिंह के सहयोग से कैंपस लॉ सेंटर ने सफलतापूर्वक "सुप्रीम कोर्ट लॉयरिंग पर व्याख्यान श्रृंखला" का आयोजन किया जिसमें भारत के सुप्रीम कोर्ट, दिल्ली उच्च न्यायालय और शीर्ष वरिष्ठ वकील के माननीय न्यायाधीशों ने विविध विषयों पर व्याख्यान दिए। सितंबर 2017 के पहले सप्ताह में आरंभ में, कैंपस लॉ सेंटर में प्रति सप्ताह निम्नलिखित अनुक्रम में व्याख्यान आयोजित किए गए थे:
उद्घाटन व्याख्यान 1 सितंबर, 2017 को "शीर्ष वकील की योग्यता और उन्हें विकसित करने के तरीके" विषय पर भारत के सुप्रीम कोर्ट के माननीय श्री न्यायमूर्ति ए के सिकरी द्वारा दिया गया था।

व्याख्यान श्रृंखला का दूसरा व्याख्यान 9 सितंबर, 2017 को "ग्राहक सम्मेलन से न्यायालय प्रस्तुति" विषय पर भारत के सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील, श्री पराग पी त्रिपाठी ने दिया था।

व्याख्यान श्रृंखला का तीसरा व्याख्यान माननीय न्यायमूर्ति, श्री एस रविंद्र भट, न्यायाधीश, दिल्ली उच्च न्यायालय ने "मैं अदालत फाइल कैसे पढ़ता, तर्क सुनता और एक निर्णय लिखता हूँ।" विषय पर 16 सितंबर को, 2017 को दिया।

व्याख्यान श्रृंखला का चौथा व्याख्यान 23 सितंबर, 2017 को "महिला वकील/न्यायाधीश के लिए चुनौतियां और अवसर" विषय पर दिल्ली के उच्च न्यायालय की माननीय न्यायमूर्ति सुश्री गीता मित्तल ने दिया था।

व्याख्यान श्रृंखला का पांचवां व्याख्यान 27 अक्टूबर, 2017 को "आपराधिक मामला कैसे तैयार करें?" विषय पर भारत के सुप्रीम कोर्ट के सीनियर एडवोकेट श्री सिद्धार्थ लूथरा ने दिया था।

इस लोकप्रिय व्याख्यान के छठे और सातवें व्याख्यान में वक्ताओं के रूप में कैंपस लॉ सेंटर के पूर्व छात्र, माननीय श्री न्यायमूर्ति दीपक गुप्ता, न्यायाधीश, भारत के सुप्रीम कोर्ट और वरिष्ठ वकील श्री मोहन परासारन, भारत के पूर्व सॉलिसिटर जनरल शामिल थे। 11 नवंबर, 2017 को आयोजित इन दो व्याख्यानों के लिए चुने गए विषय थे - "एक प्रभावी वकील बनने के लिए, सबसे महत्वपूर्ण बात क्या है? -संपर्क या क्षमता? " और "सरकार के लिए मामला कैसे तैयार करें और अदालत के समक्ष इस पर कैसे तर्क दें" ।

व्याख्यान श्रृंखला का आठवां व्याख्यान सर्वोच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के वरिष्ठ वकील और अध्यक्ष श्री रुपिंदर सिंह सूरी ने 17 नवंबर, 2017 को "कानूनी पेशे के माध्यम से समाज में योगदान कैसे करें" विषय पर दिया था।

व्याख्यान श्रृंखला का नौवां व्याख्यान 24 नवंबर, 2017 को "नकद प्रवाह को कैसे बढ़ाया जाए" विषय पर भारत के सुप्रीम कोर्ट के वकील डॉ. सूरत सिंह ने दिया था।

राज्यसभा के संसद सदस्य, भारत के सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील और कानून और न्याय मंत्री तथा संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, श्री कपिल सिब्बल ने 26 मार्च 2018, को "कानून और राजनीति" विषय पर समापन व्याख्यान दिया गया था।

जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी लॉ सेंटर में ग्रेजुएट प्रवेश के निदेशक श्री जस्टिन स्विंसिक ने 12 अक्टूबर, 2017 को जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय में कानून का अध्ययन करने की संभावनाओं पर बात की।

डॉ कविता सोलंकी, सहायक प्रोफेसर, यूएसएलएलएस, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, सुश्री अर्चना मिश्रा, सहायक प्रोफेसर, जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल, सुश्री लतिका वाशिष्ठ, सहायक प्रोफेसर इंडियन लॉ इंस्टीट्यूट, प्रोफेसर एस के वर्मा, महासचिव, द इंडियन सोसाइटी ऑफ इंटरनेशनल लॉ, प्रोफेसर भारती बावेजा, निदेशक, महिला अध्ययन और विकास केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रोफेसर रमेश सी भारद्वाज, प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय इत्यादि ने महिलाओं के राष्ट्रीय आयोग, नई दिल्ली के सहयोग से 25 और 26 अक्टूबर, 2017 को कैंपस लॉ सेंटर द्वारा महिलाओं के कानूनी अधिकारों पर आयोजित बौद्धिक सौंदर्य प्रतियोगिता का निर्णय किया।

कैंपस लॉ सेंटर ने छात्रों में कानून के इस क्षेत्र के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए सेमिनार हॉल, सीएलसी में 26 फरवरी, 2018 को जनसंख्या कानूनों पर प्रतिस्पर्धात्मक बौद्धिक प्रतियोगिता आयोजित की गई। "क्या भारत को जनसंख्या स्थिरीकरण कानून की आवश्यकता है?" अंतिम दौर का निर्णय तीन न्यायाधीशों के एक पैनल द्वारा किया गया था, जिसमें श्री सुरेश चंद्र, आईएलएस, सचिव, कानूनी मामलों के विभाग, कानून और न्याय मंत्रालय, भारत सरकार; प्रोफेसर कृष्ण महाजन, अतिरिक्त रजिस्ट्रार, भारत के सुप्रीम कोर्ट और पूर्व डीन, स्कूल ऑफ लॉ, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, उड़ीसा और प्रोफेसर (डॉ.) उषा टंडन, प्रोफेसर-इन-चार्ज, कैंपस लॉ सेंटर शामिल थे।

माननीय सुश्री न्यायमूर्ति मुक्ता गुप्ता, न्यायाधीश, दिल्ली उच्च न्यायालय ने ने 10 मार्च, 2018 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर को चिह्नित करने के लिए कैंपस लॉ सेंटर द्वारा आयोजित "दिव्यांग महिलाएं: कानून और नीति" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन किया और माननीय श्री न्यायमूर्ति अशोक भूषण, न्यायाधीश, सुप्रीम कोर्ट समापन सत्र के मुख्य अतिथि थे। संसाधन व्यक्तियों में प्रोफेसर (डॉ.) निमेश जी देसाई, निदेशक, मानव व्यवहार संस्थान और संबद्ध विज्ञान संस्थान (आईएचबीएएस), सुश्री सीमा बाकर, निदेशक, संगठित कार्य (सीएएन), प्रोफेसर

(डॉ.) उषा टंडन, प्रोफेसर -इन-चार्ज, कैंपस लॉ सेंटर, प्रोफेसर नीलिका मेहरोत्रा, प्रोफेसर, सोशल साइंसेज स्कूल, जेएनयू, प्रोफेसर अनीता घई, प्रोफेसर, मानव अध्ययन स्कूल, अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली, सुश्री रोमा भगत, वकील, सुप्रीम कोर्ट भारत, डॉ. नचिकेता मित्तल, सहायक रजिस्ट्रार (अनुसंधान), भारत के सुप्रीम कोर्ट, श्री जय देहरादरी, स्थायी सलाहकार, गोवा सरकार, श्री पंकज सिन्हा, भारत के सुप्रीम कोर्ट के वकील श्री पंकज सिन्हा शामिल थे।

सेंटर फॉर क्रिमिनल जस्टिस एंड ह्यूमन राइट्स, यूनिवर्सिटी कॉलेज कॉर्क, आयरलैंड की एक पीएच. डी. अध्येता, सुश्री सैंड्रा एस्लिंग डफी, बहस और चर्चा सोसाइटी (डीडीएस), द्वारा 7 अप्रैल, 2017 को आयोजित यौन अभिविन्यास और लिंग पहचान अधिकारों पर बात की।

10 अप्रैल, 2017 को कैंपस लॉ सेंटर की बहस और चर्चा सोसाइटी (डीडीएस) द्वारा आयोजित मनोरंजन एजेंसी पर आईपी प्रोटेक्शन के प्रभाव पर सुश्री पामेला सी. गेविन ने भाषण दिया।

आयोजित सम्मेलन

कैंपस लॉ सेंटर ने अंतर्राष्ट्रीय कानून अनुसंधान और नीति केंद्र और पीस पैलेस, द हेग के साथ 13-14 जून 2017 को प्रारंभिक परीक्षा में गुणवत्ता नियंत्रण: प्रभाव, नीतियों और प्रथाओं की समीक्षा करने पर आयोजित एक सम्मेलन का सह-आयोजन किया।

कैंपस लॉ सेंटर ने नार्वेजियन विदेश मंत्रालय और अंतर्राष्ट्रीय न्यूरेम्बर्ग सिद्धांतों की अकादमी के वित्त पोषण से भारतीय कानून संस्थान, नई दिल्ली में 25-26 अगस्त 2017 को अंतर्राष्ट्रीय कानून अनुसंधान और नीति केंद्र के साथ अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक कानून की दार्शनिक नींवः इसकी बौद्धिक जड़ें, संबंधित सीमाएं और संभावनाएं पर एक सम्मेलन परियोजना का सह-आयोजन किया

कैंपस लॉ सेंटर ने श्रीमती निर्मल लूथरा के सहयोग से कैंपस लॉ सेंटर में के के लूथरा मेमोरियल मूट कोर्ट प्रतियोगिता के 14वें संस्करण अंतरराष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया। 19-21 जनवरी, 2018 को आयोजित इस मूट कोर्ट में फिजविलियम कॉलेज, कैम्ब्रिज, नॉर्थम्ब्रिया यूनिवर्सिटी लॉ स्कूल, वारविक विश्वविद्यालय, बैंगोर यूनिवर्सिटी लॉ स्कूल, ब्रिस्टल लॉ स्कूल, यूनाइटेड किंगडम विश्वविद्यालय, जॉर्ज वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी लॉ स्कूल, यूएसए, यूनिवर्सिटीस गद्जाह मादा, इंडोनेशिया, पाकिस्तान कॉलेज ऑफ लॉ, लाहौर विश्वविद्यालय प्रबंधन विज्ञान (एलयूएमएस), पाकिस्तान, श्रीलंका लॉ कॉलेज, श्रीलंका, काठमांडू स्कूल ऑफ लॉ, नेपाल, लंदन कॉलेज ऑफ लीगल स्टडीज (दक्षिण), बांग्लादेश और हैंकुक विश्वविद्यालय, दक्षिण कोरिया, सहित 60 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों ने भाग लिया।।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

रुचिता चक्रवर्ती ने वर्तमान समय में डॉ, बी आर अम्बेडकर के विचारों की प्रासंगिकता पर चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ में 31 मार्च-1 अप्रैल, 2017 को आयोजित और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) और भारतीय राजनीति विज्ञान संघ (आईपीएसए) द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "सामाजिक न्याय और डॉ अम्बेडकर का विचार" प्रस्तुत किया।

रुचिता चक्रवर्ती ने गौर बंगा विश्वविद्यालय, मालदा,पश्चिम बंगाल द्वारा 20-21 जुलाई, 2017 को भारतीय राजनीति में चुनौतियां: अवधारणाओं और मुद्दों पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में "उच्च न्यायपालिका और राजनीति: राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग के विशेष संदर्भ के साथ" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

रुचिता चक्रवर्ती ने भारतीय सामाजिक संस्था, नई दिल्ली द्वारा 6 अगस्त, 2017 को आयोजित मानवाधिकार और लिंग न्याय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सरोगेसी अनुबंध और सरोगेट माताओं के अधिकार" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

रुचिता चक्रवर्ती ने रायगंज विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल द्वारा 10-11जनवरी, 2018 को स्थानीय मुद्दे वैश्विक संकल्पः पारिस्थितिकी, पर्यावरण, जलवायु और अर्थव्यवस्था पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "पश्चिम बंगाल में जूट उद्योग - कानूनी विश्लेषण और पर्यावरण संबंधी चिंता का विश्लेषण" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अलका चावला, आईआईटी और यूरोपीय व्यापार और व्यवसाय परिषद द्वारा 6 मार्च, 2018 को आयोजित आईपी पारिस्थितिक तंत्र में योगदान के लिए आईसीटी से संबंधित अनुसंधान और नवाचार पर लीडरशिप सत्र के गोलमेज में संसाधन व्यक्ति थीं।

अलका चावला, आईआईएम, अहमदाबाद, गुजरात विश्वविद्यालय और यूरोपीय व्यापार और व्यापार परिषद द्वारा 9 मार्च, 2018 को आयोजित आईपी पारिस्थितिक तंत्र में योगदान करने वाले आईसीटी से संबंधित अनुसंधान और नवाचार पर लीडरशिप सत्र के गोलमेज में संसाधन व्यक्ति रहीं।

अलका चावला, संसाधन व्यक्ति, "कॉपीराइट और उनकी सुरक्षा", रामानुजन कॉलेज के शिक्षण अधिगम केंद्र (टीएलसी), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 8 मार्च, 2018 को आयोजित आईसीटी, आईपीआर और रिसर्च में कौशल आधारित शिक्षक प्रशिक्षण पर संकाय विकास कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति थीं।

अलका चावलाआईपी संवर्धन और प्रबंधन सेल (सीआईपीएएम), औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, द्वारा जयपुर में, 19 फरवरी 2018 को आयोजित प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए "कॉपीराइट महत्व, पहचान, पंजीकरण और केस स्टडीज" और "चोरी और साहित्य चोरी: प्रकाशनों के प्रकाश में पहचान और रोकथाम" पर कार्यशाला की संसाधन व्यक्ति थीं।

अलका चावला, अनुसंधान और नवाचार निदेशालय, निरमा विश्वविद्यालय और आईपी संरक्षण संगठन (आईपीपीओ), अहमदाबाद द्वारा 2 फरवरी, 2018 को संपत्ति का विचार पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला "आईपी का परिचय और महत्व" और "कॉपीराइट और इसके महत्व" की संसाधन व्यक्ति रहीं ।

अलका चावला, लोकसभा सचिवालय, दिल्ली के विदेश संसदीय/सरकारी अधिकारियों/सरकारी कर्मचारियों के लिए संसदीय अध्ययन और प्रशिक्षण ब्यूरो (बीपीएसटी) द्वारा 31 जनवरी, 2018 को विधान प्रारूप लेखन पर 33वें अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम "प्रशासनिक कानून" की संसाधन व्यक्ति थीं ।

अलका चावला, शारदा विश्वविद्यालय एनसीआर द्वारा 19 जनवरी 2018 को आयोजित आईपीआरः मुद्दे और चुनौतियां पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि रहीं।

अलका चावला, सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद में 27 नवंबर, 2017 द्वारा आयोजित "कॉपीराइट अधिनियम, 1957 का अवलोकन- प्रवर्तन और पुलिस की भूमिका के लिए कानूनी ढांचा" पर दो दिवसीय कार्यशाला की संसाधन व्यक्ति।

अलका चावला एससीओपीई, दिल्ली में 27 नवंबर, 2017 को आयोजित 5वें इंडो यूरोपीय आईपी सम्मेलन में यूरोपीय व्यापार परिषद के लिए आईपीआर में राष्ट्रीय विशेषज्ञ के रूप में संसाधन व्यक्ति।

अलका चावला, दिल्ली न्यायिक अकादमी, दिल्ली में 24 नवंबर,2017 को डीएचजेएस और डीजेएस के अधिकारियों के लिए आईपी अधिकारों पर अभिविन्यास और प्रवर्तन पर अभिविन्यास कार्यक्रम 'आईपीआर कानूनी शासन की उत्पत्ति और विकास, अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय विकास, संवैधानिक प्रभाव, वैधानिक उपाय' की संसाधन व्यक्ति थीं।

अलका चावला शिवाजी कॉलेज, डीयू में डीआईपीपी, आईपीआर चेयर और सेंटर फॉर साइंस एंड कम्युनिकेशन, डीयू द्वारा 27 सितंबर, 2017 को आयोजित आईपीआर जागरूकता कार्यशाला, कॉपीराइट मुद्दे और साहित्य चोरी" पर संसाधन व्यक्ति थीं।

कैलाश जींगर ने लोक प्रशासन विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में 24-25 जनवरी, 2018 को आयोजित विकास, शासन और नागरिक समाज के अभिसरण पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "सतत विकास और सुशासन में आरटीआई की भूमिका" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

कैलाश जींगर ने 6 दिसंबर, 2017 को अम्बेडकर फाउंडेशन, मुंडाला, जयपुर में आयोजित डॉ अम्बेडकर के बहु-आयामी व्यक्तित्व पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "भारतीय श्रम कानून के विकास में डॉ अम्बेडकर का योगदान" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

हरलीन कौर ने 10 मार्च, 2018 को कैंपस लॉ सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दिव्यांग महिलाएं: कानून और नीति पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम, 2017 के अंतर्गत दिव्यांग महिलाओं के अधिकारों और सम्मान की सुरक्षा" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

सुजीत कुनान, राष्ट्रीय कानून विश्वविद्यालय ओडिशा में 25 सितंबर, 2017 को "भारत में पर्यावरण कानून के लिए गंभीर दृष्टिकोण" पर व्याख्यान दिया।

वंदना महालवार, विदेश मंत्रालय और भारतीय कानून संस्थान, 24-28 जुलाई, 2017 द्वारा म्यांमार के कानूनी अधिकारियों के लिए, आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम की संसाधन व्यक्ति रहीं।

अनुमेहा मिश्रा, ने विधि संकाय, मैकगिल विश्वविद्यालय, मॉन्ट्रियल, कनाडा द्वारा 13-14 मई, 2017 को आयोजित हमारे शासन को संचालित करना: आज हमारे लिए क्या मायने रखता है, मैकगिल लॉ ग्रेजुएट कॉन्फ्रेंस में "मानवाधिकार और व्यक्तिगत दायित्वों: क्षैतिज अनुप्रयोगों की जांच करना" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

रमन मित्तल ने भारतीय कानून संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 7 अप्रैल, 2017 को आयोजित बौद्धिक संपदा अधिकारों और सार्वजनिक हित पर संगोष्ठी में "बौद्धिक संपदा निर्माण के साथ सार्वजनिक हित का रहस्य" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

रमन मित्तल ने 8 अप्रैल, 2017 को एनएलयू जोधपुर द्वारा कॉपीराइट पर आयोजित संगोष्ठी में "एक्सेस टू बुक: एक्सप्लोरिंग द सोर्स एंड वेज टू इंफोर्स" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

रमन मित्तल दिल्ली न्यायिक अकादमी द्वारा श्रीलंकाई न्यायाधीशों के लिए 19 अप्रैल, 2017 को आयोजित आईपी अधिकारों पर अभिविन्यास और प्रवर्तन कार्यक्रम "वर्तमान समय के अभियोजन में आईपीआर न्यायशास्त्र" के लिए संसाधन व्यक्ति थे।

रमन मित्तल ने कैंपस लॉ सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 27 अप्रैल, 2017 को आयोजित विश्व बौद्धिक संपदा दिवस पर गोल-मेल चर्चा में "अकादमिक संस्थानों के विशेष संदर्भ के साथ कॉपीराइट कानून" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

रमन मित्तल, दिल्ली न्यायिक अकादमी द्वारा 28 अप्रैल, 2017 को आयोजित डीजेएस के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, "इंटरनेट पर बौद्धिक संपदा अधिकार" के संसाधन व्यक्ति रहे ।

रमन मित्तल, दिल्ली न्यायिक अकादमी द्वारा 19 मई, 2017 को आयोजित आईपी अधिकारों और प्रवर्तन पर अभिविन्यास कार्यक्रम, "उत्पत्ति और विकास का कॉपीराइट" के संसाधन व्यक्ति रहे ।

रमन मित्तल: दिल्ली न्यायिक अकादमी द्वारा 26 मई, 2017 को आयोजित डीजेएस के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, "इंटरनेट पर बौद्धिक संपदा अधिकार" के संसाधन व्यक्ति रहे ।

रमन मित्तल ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी कोचीन विश्वविद्यालय के संपदा अधिकार अध्ययन के लिए इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर द्वारा 20 जून, 2017 को आयोजित बौद्धिक संपदा कानून के विकास संबंधी दृष्टिकोण पर कानून शिक्षकों के लिए तीसरे रिफ्रेशर कोर्स में "पी2पी फ़ाइल साझाकरण और उल्लंघन" और "कॉपीराइट कानून के अंतर्गत अनिवार्य लाइसेंस और वैधानिक लाइसेंस" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

रमन मित्तल ने भारतीय कॉर्पोरेट मामलों के संस्थान द्वारा 30 जून, 2017को आयोजित वेबिनार में "प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में आईपीआर को परिभाषित करना: लाइसेंसिंग चिंताएं" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

रमन मित्तल ने राष्ट्रीय कानून विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 3 जुलाई, 2017 को आयोजित बौद्धिक संपदा पर संगोष्ठी में "कॉपीराइट रेमेडीज ब्रेक विद-ए-स्ट्रिंग: द कॉन्ट्रैक्ट-प्रॉपर्टी फ्रंटियर", पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

रमन मित्तल ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के कोचीन विश्वविद्यालय द्वारा 17 जुलाई, 2017 कोकोचीन में आयोजित संगोष्ठी में "भारत में आईपीआर न्यायशास्त्र" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

रमन मित्तल ने नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली द्वारा 9 अगस्त, 2017 को आयोजित संगोष्ठी में "डिजिटल लाइसेंसिंग:लाइब्रेरीज़ में डिजिटल राइट्स मैनेजिंग" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

रमन मित्तल दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 15 सितंबर 2017 को आयोजित बौद्धिक संपदा अधिकारों पर फिक्की-आईपीओ जागरूकता कार्यक्रम, "कॉपीराइट के बुनियादी सिद्धांत" के के संसाधन व्यक्ति रहे ।

रमन मित्तल ने 24 नवंबर, 2017 को पीएचडी हाउस में दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संगोष्ठी में, "स्टार्टअप के लिए आईपीआर पारिस्थितिक तंत्र का लाभ उठाना: लाइसेंसिंग के माध्यम से ब्रांड व्यावसायीकरण" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

रमन मित्तल, दिल्ली न्यायिक अकादमी द्वारा 24 नवंबर, 2017 को आयोजित न्यायाधीशों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम "आईपीआर अभियोजन" के संसाधन व्यक्ति थे।

रमन मित्तल, दिल्ली न्यायिक अकादमी द्वारा 09 दिसंबर, 2017 को आयोजित श्रीलंकाई न्यायाधीशों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, संसाधन व्यक्ति, "वर्तमान दिवस अभियोजन में आईपीआर न्यायशास्त्र" के संसाधन व्यक्ति थे।

रमन मित्तल, दिल्ली न्यायिक अकादमी द्वारा 16 जनवरी, 2018 को बांग्लादेश के न्यायाधीशों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम, "आईपीआर न्यायशास्त्र" के संसाधन व्यक्ति थे।

रमन मित्तल ने राष्ट्रीय कानून विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा 6 फरवरी, 2018 को आयोजित नवाचार, बौद्धिक संपदा और प्रतिस्पर्धा पर दूसरी एशिया-प्रशांत कार्यशाला में के "ऑनलाइन प्लेटफार्मों में आईपी मुद्दे: इंटरनेट मध्यस्थों की भूमिका और उत्तरदायित्व" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।।

नरेंद्र नगरवाल ने कानून विभाग, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, दार्जिलिंग द्वारा 9-10 सितंबर 2017 को भूमंडलीकृत दुनिया में समानता, भेदभाव और अंतर पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "अन्याय, धमकी और असहिष्णुता-भारतीय विविधता को सांप्रदायिकता और विधायी प्रतिक्रिया का तर्क", पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

नरेंद्र नगरवाल, प्रबंधन अध्ययन विभाग, उत्तरी बंगाल विश्वविद्यालय, दार्जिलिंग में 22-24 नवंबर, 2017 को आयोजित प्रबंधन, लेखा, व्यापार और उद्यमिता में हालिया नवाचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एक वैश्वीकृत युग-ए आकलन में औद्योगिक संबंधों के कानून, शासन और राज्य विनियम" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

नरेंद्र नगरवाल ने मास कम्युनिकेशन विभाग, मिजोरम विश्वविद्यालय, ऐजोल, भारत के सहयोग से 11-12 नवंबर,2017 को संचार और पत्रकारिता विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम, भारत में आयोजित राष्ट्रवाद-धर्मनिरपेक्षता और बहुलता पर-मीडिया व्याख्यान और विखंडन पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "मीडिया हिंसा, अल्पसंख्यक और विधान अप्रियता: धर्मनिरपेक्षता की संवैधानिक योजना के प्रिज्म के माध्यम से एक विश्लेषण" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

नम्रता गुप्ता ने 26 फरवरी, 2017 को पारिवारिक कानून: समकालीन मुद्दे और चुनौतियां पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में, "लिव इन रिलेशनशिप एक उभरती अवधारणा" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

नेहा ने नॉलेज स्टीज़ एंड यूथ फ़ॉर ह्यूमन राइट्स इंडिया द्वारा 6 अगस्त, 2017 को आयोजित मानवाधिकार एवं लिंग न्याय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "ह्यूमन राइट्स ऑफ पर्सन्स विद पर्सन्स विद डिसेबिलिटीज़" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

नेहा ने जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय द्वारा 1 नवंबर, 2017 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "दिव्यांग लोगों के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन: एक मानव अधिकार दृष्टिकोण" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

नेहा ने दिव्यांगो के संगठन के सहयोग से, दिल्ली विश्वविद्यालय के लॉ सेंटर-II द्वारा 12 फरवरी, 2018 को दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार: समकालीन विकास पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "उच्च शिक्षा और दिव्यांग व्यक्ति" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

नेहा ने कैम्पस लॉ सेंटर द्वारा 10 मार्च 2018 को आयोजित दिव्यांग महिलाएँ: कानून और नीति पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "भारत में दिव्यांग महिलाओं के यौन और प्रजनन अधिकारों का दुरुपयोग और निषेध" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

एस सी रैना ने सुकवि विश्वविद्यालय, ताइवान द्वारा 16 फरवरी, 2018 को तुलनात्मक अंतर्राष्ट्रीय कानून पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत और फ्रांस में आपराधिक कानून का तुलनात्मक विश्लेषण" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

एस सी रैना, एचपीएनएलयू, शिमला द्वारा 8-10 दिसंबर, 2017 को 21वीं शताब्दी में कानून और न्याय में निदर्शनात्मक परिवर्तन: चुनौतियाँ और अवसर पर शिमला में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के सम्मेलन निदेशक थे।

एस सी रैनासिम्बायोसिस लॉ स्कूल, पुणे में जुलाई, 2017 में आयोजित डीनों के वैश्विक सम्मेलन में, "अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मानकीकरण की कानूनी संभावनाएँ" पर व्याख्यान दिया

क्षितिज कुमार सिंह, एमिटी यूनिवर्सिटी यूपी (नोएडा कैम्पस), नोएडा में 25 अगस्त, 2017 को आयोजित फिक्की-आईपीओ आईपीआर अवेयरनेस प्रोग्राम 2017 (भारत सरकार की पहल) के संसाधन व्यक्ति थे।

क्षितिज कुमार सिंह, पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, अगस्त क्रांति मार्ग नई दिल्ली में 24 नवंबर, 2017 को में बौद्धिक संपदा अधिकारों पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के संसाधन व्यक्ति थे।

क्षितिज कुमार सिंह, पर्यावरण और वन मंत्रालय और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के साथ सीएचईएसडी द्वारा 7 जनवरी, 2018 को सिद्धार्थ लॉ कॉलेज, देहरादून में आयोजित पर्यावरण कानून, स्वास्थ्य और सतत विकास पर राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य वक्ता थे।

क्षितिज कुमार सिंह, राजीव गांधी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी मैनेजमेंट (आर जीएनआईआईपीएम), भारत सरकार द्वारा नागपुर में 15-20 जनवरी, 2018 को आयोजित आईपीआर पर एक सप्ताह (6 दिन) के पेशेवर कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के संसाधन व्यक्ति थे।

क्षितिज कुमार सिंह, फिक्की द्वारा भारत के आईपीओ सरकार के सहयोग से जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 9 फरवरी, 2018 को आयोजित बौद्धिक अधिकार पर फिक्की-आईपीओ जागरुकता कार्यक्रम के संसाधन व्यक्ति थे।

क्षितिज कुमार सिंह, ओएनजीसी अकादमी देहरादून में 22 मार्च, 2018 को आयोजित बौद्धिक संपदा पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के संसाधन व्यक्ति थे।

क्षितिज कुमार सिंह, भारत सरकार के एस एंड टी, एनआरडीसी मंत्रालय द्वारा प्रायोजित और सेज विश्वविद्यालय द्वारा 24 मार्च, 2018 को इंदौर में आयोजित राष्ट्रीय आईपीआर पॉलिसी एंड इनोवेशन के संसाधन व्यक्ति थे।

सीमा सिंह ने लखनऊ विश्वविद्यालय में 14-15 अप्रैल, 2018 को वैश्विक चुनौतियां और समाधान पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “कानून एवं अर्थशास्त्र के बीच इंटरफेस-भारतीय अनुभव” शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

सीमा सिंह ने रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी ट्रस्ट और इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च द्वारा ठाणे, मुंबई में 20-21 जनवरी, 2018 को वन नेशन वन इलेक्शन पर आयोजित सम्मेलन में “एक राष्ट्र एक चुनाव सिद्धांत- भारत में लागू करने का विचार कितना व्यावहारिक है" शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

उषा टंडन, आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, देहरादून द्वारा 30-31 मार्च, 2018 को पर्यावरण कानून में उभरते मुद्दों पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि थीं।

उषा टंडन, गेस्ट ऑफ़ ऑनर, विधि मंत्र द्वारा 13 जनवरी, 2018 को इंडियन लॉ इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली में आयोजित महिलाएं और कानून पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की सम्मानित अतिथि थीं।

उषा टंडन ने आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, देहरादून द्वारा 30-31 मार्च, 2018 को पर्यावरण कानून में उभरते मुद्दे: भारतीय परिप्रेक्ष्य पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के एक सत्र "रोल ऑफ ज्युडिशियल प्रिसीडेंट्स इन शेपिंग एनवायरनमेंटल जस्टिस" की अध्यक्षता की ।

ऊषा टंडन ने कैम्पस लॉ सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 10 मार्च, 2018 को आयोजित महिलाओं पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के एक सत्र की अध्यक्षता की।

उषा टंडन ने सेंट्रल अकादमी जोधपुर द्वारा दिसम्बर, 16, 2017 में आयोजित एसईई शिखर सम्मेलन: डिकोडिंग क्वालिटी एजुकेशन के एक सत्र की अध्यक्षता की।

उषा टंडन ने आपराधिक कानून की दार्शनिक नींव: इसकी तार्किक बौद्धिक जड़ें, संबंधित सीमाएँ और संभावनाएँ पर, भारतीय विधि संस्थान, नई दिल्ली में सीआईएलआरएपी द्वारा 25-26 अगस्त, 2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक कानून द्वारा संरक्षित मौलिक कानूनी सामान" पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

उषा टंडन ने सीआईएलआरए द्वारा 13-14 जून, 2017 को, हॉग, नीदरलैंड्स में प्रारंभिक परीक्षाओं में गुणवत्ता नियंत्रण: समीक्षा प्रभाव, नीतियां और प्रथाएँ पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "प्रारंभिक परीक्षाओं का सामान्य ढांचा" पर एक सत्र की अध्यक्षता की ।

उषा टंडन हेग, नीदरलैंड में 13-14 जून, 2017 कोसीआईएलआरएपी द्वारा आयोजित प्रारंभिक परीक्षा में गुणवत्ता नियंत्रण: प्रभाव, नीतियों और प्रथाओं की समीक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ने "अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक कानून में बलात्कार और यौन हिंसा के अन्य रूपों की प्रारंभिक परीक्षा: एक नारीवादी विश्लेषण" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

उषा टंडनटीएएक्सएबी द्वारा इंडियन सोसाइटी ऑफ इंटरनेशनल लॉ (आईएसआईएल) में 14 मई, 2018 को अनाधिकृत भोजन, शुद्ध जल और स्वच्छ हवा पर हमारा अधिकार है यू/ए 21: क्या सरकार इन अधिकारों को सुनिश्चित करती है? पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में , "भारत में भोजन का अधिकार- बढ़ती हुई जनसंख्या और सिकुड़ती हुई पाई", के पैनल में शामिल थीं।

उषा टंडन ने कॉमन ग्राउंड रिसर्च नेटवर्क्स, यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनोइस, यूएसए द्वारा कैम्ब्रिज, यूनाइटेड किंगडम मे 21-22 अप्रैल, 2017 को, जलवायु परिवर्तन: प्रभाव और जवाब पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "जलवायु परिवर्तन से मुकाबला करने के लिए अक्षय संसाधन" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

उषा टंडन, जल और वायु गुणवत्ता निगरानी, नमूनाकरण, विश्लेषण और डेटा प्रबंधन के लिए, पर्यावरण विभाग, द्वारा प्रायोजित और हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान, गुरुग्राम, हरियाणा में 17 अप्रैल, 2018 को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम "वायु (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1981" की संसाधन व्यक्ति रहीं।

उषा टंडन, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, एनडी सार्क में, 24 मार्च, 2018 को सार्कलॉ द्वारा आयोजित मानव तस्करी: दक्षिण एशिया के भीतर समाधान के लिए कानूनी और तकनीकी दृष्टिकोण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में , "ट्रैफिकिंग ऑफ़ पर्सन्स (प्रिवेंशन, प्रोटेक्शन एंड रिहैबिलिटेशन) बिल, 2018" पर पैनल चर्चा में शामिल थीं।

उषा टंडन ने साउथ एशियन यूनिवर्सिटी में, 22 मार्च, 2018 को “लीगल इश्यूज़ इन पेरिस एग्रीमेंट एंड डेवलपिंग नेशंस” पर सम्मेलन व्याख्यान दिया।

उषा टंडन, स्पेशल सेंटर फॉर डिजास्टर रिसर्च, जवाहर नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली द्वारा जेएनयू में, 16-18 फ़रवरी, 2018 को आयोजित रिइनफोर्सिंग इंस्टीट्यूशनल डिसीजन मेकिंग इन डिजास्टर प्रिपरेशन एंड मिटिगेशन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "फेमिनिस्ट क्रिटिक ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट, 2005" की संसाधन व्यक्ति रहीं।

उषा टंडन ने कानून संकाय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में 23 जनवरी, 2018 को "घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005 की न्यायिक व्याख्या" पर व्याख्यान दिया।

उषा टंडन ने एचपीएनएलयू, शिमला द्वारा 8-10 दिसंबर, 2017 को शिमला में आयोजित 21वीं शताब्दी में विधि और न्याय में प्रतिमान बदलाव: चुनौतियाँ और अवसर पर राष्ट्रीय सम्मेलन के "पर्यावरणीय अवमूल्यन और पर्यावरण (पर) न्याय" पर सत्र में "पर्यावरण की सुरक्षा में एनजीटी की भूमिका: प्रगतिशील पर्यावरण न्यायशास्त्र के लिए नवीन तकनीकें" पर मुख्य व्याख्यान दिया।

उषा टंडन, राष्ट्रीय महिला आयोग, नई दिल्ली द्वारा, एनसीडब्ल्यू कार्यालय, 18 अगस्त, 2017 को आयोजित भारत में प्री-न्यूप्टियल एग्रीमेंट की प्रयोज्यता पर राष्ट्रीय परामर्श की विषय विशेषज्ञ रहीं।

उषा टंडन, दिल्ली न्यायिक अकादमी, दिल्ली द्वारा 1 अप्रैल, 2017 को आयोजित मानवाधिकार और कानून पर संवेदनशीलता कार्यक्रम "महिलाओं के विशेष संदर्भ के साथ मानव अधिकारों के अधिकार क्षेत्र को मजबूत करना", में पैनलिस्ट रहीं।

नीलम त्यागी ने द इंडियन सोसायटी फॉर इंटरनेशनल लॉ, नई दिल्ली द्वारा 29-30 अप्रैल, 2017 को आयोजित 46वें वार्षिक सम्मेलन में "द इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट फॉर कॉम्बेटिंग इम्प्युनिटी: पास्ट, प्रेजेंट एंड फ्यूचर" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

नीलम त्यागी ने शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा द्वारा 16 फरवरी 2018 को वैकल्पिक विवाद समाधान पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "बौद्धिक संपदा अधिकार विवादों को सुलझाने में मध्यस्थता की महत्वपूर्ण भूमिका: गुंजाइश और आवश्यकता" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

वंदना ने 5 दिसंबर, 2017 को मैक्सिको में आयोजित 9वें जीएजेई सम्मेलन में "नैदानिक कानूनी शिक्षा: भारत में केंद्रीय विश्वविद्यालयों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियां" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अनीता यादव ने आईसीएफएआई लॉ स्कूल हैदराबाद में 19-19 नवंबर, 2017 को आयोजित लिंग विभाजन: कानूनी गतिशीलता पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "गर्भपात का अधिकार: गर्भावस्था की चिकित्सकीय समाप्ति का समय - एमटीपी अधिनियम, 1971" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अनीता यादव ने आईएसआईएल दिल्ली में 12 मई, 2018 को आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ इंटरनेशनल लॉ (आईएसआईएल) के 47वें वार्षिक सम्मेलन में"सशस्त्र संघर्ष के दौरान पर्यावरण की सुरक्षा: युद्ध के मौन कारण" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अनीता यादव ने अखिल भारतीय विधि शिक्षक कांग्रेस और रेडक्रॉस (आईसीआरसी) की अंतर्राष्ट्रीय समिति द्वारा आईएसआईएल दिल्ली में, 16-17 जून, 2018 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी कानून पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "गैर-अंतर्राष्ट्रीय सशस्त्र संघर्ष: अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून में समकालीन चुनौतियां" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अनीता यादव ने लॉ मंत्रा द्वारा भारतीय विधि संस्थान (आईएलआई) दिल्ली में 16 जून 2018 को आयोजित महिलाओं और बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा: मुद्दे और चुनौतियां पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सशस्त्र संघर्ष के दौरान बाल अधिकारों का संरक्षण: बयानबाजी और वास्तविकता के बीच का द्वंद्व" शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अनीता यादव, लॉ मंत्र द्वारा भारतीय विधि संस्थान (आईएलआई) दिल्ली में, 16 जून, 2018 को आयोजित, महिलाओं और बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा: मुद्दे और चुनौतियां पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में संसाधन व्यक्ति रहीं।

अनीता यादव, नॉलेज स्टिज़, भारतीय विधि संस्थान (आईएलआई) दिल्ली द्वारा 23 जून, 2018 को आयोजित मानव अधिकार एवं लिंग न्याय पर तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में संसाधन व्यक्ति रहीं

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

डीएसएलएसए (दिल्ली राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली) के सहयोग से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

सम्मेलन का आयोजन सेंटर फॉर इंटरनेशनल लॉ रिसर्च एंड पॉलिसी, बेल्जियम के सहयोग से किया गया था।

राष्ट्रीय महिला आयोग, नई दिल्ली के सहयोग से बौद्धिक सौंदर्य प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र

इज़राइल से श्री इते अब्रामोविच ने शैक्षणिक वर्ष 2017-18 के लिए सीएलसी में आकस्मिक संबद्धता पर एक सत्र में अध्ययन किया।

नियोजन का विवरण (छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

कैम्पस लॉ सेंटर के नौ (9) छात्रों को टाटा पावर सिंह और एसोसिएट्स, एल्बा लॉ पार्टनर्स, एक्टस लीगल एसोसिएट्स, एडवोकेट नीलिमा त्रिपाठी, एमसीओ लीगल के साथ नौकरी के अवसर प्रदान किए गए और चालीस (40) के आसपास छात्रों को माननीय सुश्री न्यायमूर्ति संगीता ढींगरा सहगल और अन्य वरिष्ठ अधिवक्ताओं गैर सरकारी संगठनों, शीर्ष कानूनी फर्म और एमसीओ लीगल, लीगीस्टीज, सिंह एंड एसोसिएट्स, टाटा पावर, अल्बा लॉ पार्टनर्स, पी एंड ए लॉ ऑफिस, ए2जेड ग्रुप, ट्राई लीगल, एक्टस लीगल, फोरम फॉर ट्रेड रेमेडीज, ईस्टमैन ऑटो एंड पावर लिमिटेड, भरूचा एंड पार्टनर्स, खेतान एंड कंपनी आदि कॉर्पोरेट घरानों के साथ इंटर्नशिप के अवसर प्रदान किए गए थे।

विस्तार और पहुँच गतिविधियाँ

डीएसएलएसए ने माननीय सुश्री न्यायमूर्ति गीता मित्तल के नेतृत्व में, जून, 2017 में डोर टू डोर मास लीगल लिटरेसी कैंपेन आंगनवाड़ी प्रोजेक्ट: देहलीज आरंभ किया है, जिसमें सीएलसी से पैरा लीगल वालंटियर्स (पीएल बनाम) ने भाग लिया।

सीएलसी से पीएलवी ने 6 जुलाई, 2017 को साकेत कोर्ट और तीस हजारी कोर्ट कॉम्प्लेक्स में ट्रैफिक कोर्ट में हेल्प डेस्क की स्थापना में दक्षिण, मध्य और पश्चिम डीएलएसए की सहायता की।

सीएलसी के पीएलवी ने 8 जुलाई, 2017 को साकेत कोर्ट और कड़कड़डूमा कोर्ट कॉम्प्लेक्स में राष्ट्रीय लोक अदालत में भाग लिया।

सीएलसी से पीएलवी ने दक्षिण डीएलएसए द्वारा पैनल अधिवक्ताओं और पीएलवी को पर्यावरण संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विभिन्न कानूनों और नीतियों के संबंध में सशक्त बनाने के लिए 17,2017 को साकेत कोर्ट परिसर में दक्षिण डीएलएसए द्वारा "पर्यावरण-संरक्षण, सुरक्षा, संरक्षण और रखरखाव" पर एक कानूनी साक्षरता कक्षा में भाग लिया।

सीएलसी से पीएलवी ने 19 जुलाई, 2017 को साकेत कोर्ट कॉम्प्लेक्स में ट्रैफिक कोर्ट में हेल्प डेस्क स्थापित करने में दक्षिण डीएलएसए की सहायता की।

सीएलसी के पीएलवी ने 31 जुलाई, 2017 को एनएएलएसए द्वारा आयोजित "न्याय के लिए सुविधा सुलभ न्याय में कानूनी स्कूलों की भूमिका" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

कानूनी सहायता सोसायटी, सीएलसी द्वारा की गई गतिविधियाँ

शैक्षणिक वर्ष 2017-18 में कैम्पस कानून केंद्र में कानूनी सेवा क्लिनिक ने विभिन्न कानूनी सहायता मामलों में 140 से अधिक मामलों में सहायता की।

लीगल एड सोसाइटी, डीएलएसए सेंट्रल के साथ मिलकर सीएलसी ने 6 सितंबर, 2017 को मजनू का टीला में सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया।

लीगल एड सोसाइटी, डीएलएसए सेंट्रल के साथ मिलकर सीएलसी ने 6 सितंबर, 2017 को बंगाली कॉलोनी में सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया।

लीगल एड सोसाइटी, डीएलएसए सेंट्रल के साथ मिलकर सीएलसी ने 13 सितंबर, 2017 को अंधा मुग़ल और पीर बगीची में सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया।

लीगल एड सोसाइटी, डीएलएसए सेंट्रल के सहयोग से सीएलसी ने 19 सितंबर, 2017 को शक्ति नगर रेलवे ब्रिज और नंदलाल झुग्गी, गोपालपुर में सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया।

कानूनी सहायता सोसाइटी, डीएलएसए सेंट्रल के सहयोग से सीएलसी ने 26 सितंबर, 2017 को इंदिरा बस्ती और संजय बस्ती में सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया।

लीगल एड सोसायटी, सीएलसीसी ने डीएसएलएसए के साथ मिलकर सीएलसी, 13-14 अक्तूबर, 2017 में पैरा लीगल वालंटियर्स ट्रेनिंग का आयोजन किया।

कानूनी सहायता सोसायटी, सीएलसीसी ने डीएसएलएसए के साथ मिलकर 24 अक्टूबर, 2017 को तिहाड़ जेल यात्रा का आयोजन किया।

डीएलएसए सेंट्रल के सहयोग से लीगल एड सोसाइटी, सीएलसी ने , 19 और 23 मार्च, 2018 को क्रमशः बरारी और तिमारपुर में आधार कार्ड शिविर और सामुदायिक आउटरीच का आयोजन किया।

डीएलएसए के साथ मिलकर लीगल एड सोसायटी, सीएलसी ने 7, अप्रैल 2018 को कैंपस लॉ सेंटर में एड्स, एचआईवी परीक्षण, परामर्श और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

संकाय की संख्या:

स्थायी संकाय सदस्य 10 (3 छुट्टी पर)

पूर्णकालिक तदर्थ 28

अतिथि 7

30 जनवरी, 2018 के बाद असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर नियमित नियुक्तियां की गई थीं, इसलिए अब 48 स्थायी संकाय सदस्य (3 छुट्टी पर) हैं।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

स्वच्छ भारत अभियान (स्वच्छ भारत मिशन) की उपलब्धि की दिशा में एक सकारात्मक कदम उठाते हुए स्वच्छता और सफाई के गुणों के बारे में जागरूकता और संवेदनशीलता फैलाने के उद्देश्य से दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस लॉ सेंटर द्वारा स्वच्छ भारत अभियान, 2017 का आयोजन किया गया था। छात्रों के अलावा आसपास के क्षेत्रों में भी स्वच्छता का संदेश फैलाया। प्रभारी प्रोफेसर, प्रो. (डॉ.) उषा टंडन के पर्यवेक्षण के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।. 7 सितंबर, 2017 को संकल्प लेने के साथ पहल आरंभ हुई, 11 सितंबर 2017 को कैंपस लॉ सेंटर में स्वच्छता अभियान, 14 सितंबर, 2017 को कैंपस लॉ सेंटर के ऑडिटोरियम में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता के साथ समापन किया गया। कैंपस लॉ सेंटर में उद्यान क्षेत्र में 15 सितंबर, 2017 को वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया।

उषा टंडन, 03 मार्च, 2018 से 02 मार्च, 2020 तक दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की सदस्य ।

उषा टंडन: प्रबंधन और इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में 12 फरवरी, 12018 को सहायक प्रोफेसर पद के लिए चयन समिति की बैठक की विशेषज्ञ सदस्य।

उषा टंडन: विधि संकाय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, 23 जनवरी, 2018 को सीनियर रिसर्च फेलो के लिए बाहरी विशेषज्ञ।

उषा टंडन: लोकसभा में 13 जनवरी, 2018 को रिसर्च एसोसिएट और रिसर्च असिस्टेंट, आईसीपीएस के पद के लिए चयन समिति की बैठक की विशेषज्ञ सदस्य,

एस सी रैना, विशेषज्ञ, सितंबर 2017 में निरमा इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ, अहमदाबाद में कानूनी पाठ्यक्रम और शिक्षाशास्त्र।

एस सी रैना ने मार्च 2018 में देहरादून में एक और ग्वालियर में दो राष्ट्रीय संगोष्ठियों का उद्घाटन किया।

एस सी रैना: अप्रैल-मई, 2017 में सीएलएटी से अलग एचपीएनएलयू के लिए पहला नेशनल लॉ एंट्रेंस टेस्ट आयोजित किया।

कैम्पस लॉ सेंटर स्टूडेंट्स यूनियन ने अपने अध्यक्ष श्री अचिंत कुमार के साथ 4-5 मार्च, 2017 को इंट्रा-मूट कोर्ट प्रतियोगिता (आर्गुन्डो 2017) का आयोजन किया।

डीएसएलएसए के साथ मिलकर लीगल एड सोसायटी, सीएलसी ने 13-14 अक्टूबर, 2017 को सीएलसी के सेमिनार हॉल में कैम्पस लॉ सेंटर के छात्रों के लिए पैरा लीगल वालंटियर्स ट्रेनिंग का आयोजन किया।

डिबेट एंड डिस्कशन सोसाइटी ने अप्रैल 16, 2018 को "कनफेरो - सूचना का अधिकार के व्यापक दुरुपयोग पर" एक राष्ट्रीय वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया था। इसके पैनलिस्ट थे- श्री सुबाष चंद्र अग्रवाल, आरटीआई कार्यकर्ता और गिनीज रिकॉर्ड होल्डर और कैम्पस लॉ सेंटर के सहायक प्रोफेसर, डॉ. रोहित मूनका।

***

विधि केंद्र -I

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

प्रो. वेद कुमारी के नेतृत्व में विधि संकाय का लॉ सेंटर-I (एलसी-I) वर्ष 2017-18 के दौरान शैक्षणिक और सह पाठ्यक्रम क्रियाकलापों में अग्रणी रहा है। एलसी-I ने जीएसटी पर एक अल्पावधि पाठ्यक्रम का आयोजन किया जो 26 सितम्बर**, 2017** को जीएसटी स्ट्रीट के सहयोग से आयोजित एक विचार गोष्ठी का परिणाम था। इसके अलावा**,** एलसी-I ने 31 मार्च**, 2018** को अपना प्रमाणिक विचार कार्यक्रम**,** चौदहवां एलसी-I**,** अखिल दिल्ली (एनसीआर) मौखिक न्यायालय प्रतियोगिता का आयोजन किया। सह पाठ्यक्रम क्षेत्र में एलसी-I की विधिक सेवा सोसाइटी (एलएसएस) दिल्ली के लोगों को कानूनी सहायता देने और उनमें जागरूकता लाने में सक्रिय रूप से शामिल रही है। अर्द्ध न्यायिक स्वयंसेवक (पीएलवी) दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएसएलएसए) के साथ मिलकर कार्य करते रहे हैं और डीएसएलएसए द्वारा उन्हें समनुदेशित कई परियोजनाओं को सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया है।

प्रकाशन

देवी, पी. (2017). क्रिमिनल ज्युरिशडिक्शन ऑफ स्टेट अंडर इंटरनेशनल लॉ. आर्मी इंस्टीच्युट आफ लॉ, X, 258-268.

खोटे, के. एम. (2017). द मेंटल हैल्थकेयर एक्ट 2017- एन इनक्लूशिव एप्रोच टू हैल्थ इन इंडिया। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लॉ एंड पॉलिसी रिव्यू, 7(1), 113-133.

कुमारी, वी. और बार्न, आर. (2017). सेंटेंसिंग इन रेप केसेज: ए क्रिटिकल एपराइजल आफ ज्यूडिशियल डिशिजंस इन इंडिया। जर्नल आफ इंडियन लॉ इंस्टीच्युट, 39(1), 1-25.

लेखी, पी. और खोटे, एम. (2017). एप्वाइंटमेंट ऑफ द चीफ मिनिस्टर: गवर्नर्स डिस्क्रेशन ओर कांस्टीच्युशनल ड्यूटी? इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च, 6(2), 224-233.

माल्या, एस. और सिन्हा, एम. (संपादक). (2017). एमर्जिंग कंपीटिशन लॉ। गुड़गांव, हरियाणा: वोल्टर्स क्लूवेर।

माल्या, एस. (2017). कंपीटिशन लॉ एंड कॉपीराइट लॉ इन इंडिया: एन इंटरफेस। कंपनी लॉ जर्नल, (3), 61-68.

माल्या, एस. (2017). इमर्जिंग ज्युरिशप्रुडेंस ऑफ कंपीटिशन लॉ एंड इंटेलेक्चुअल प्रोपर्टी राइट्स इन इंडिया: इश्यूज एंड चैलेंज। इंडियन बार रिव्यू। 44(3), 107-123.

माल्या, एस. (2018). डॉक्यूमेंट्री क्रेडिट एंड मनी लाउंड्रिंग: एन ओवरव्यू। चार्टर्ड सेकरेट्री, 48 (4), 72-74.

माल्या, एस. (2017). कंपीटिशन लॉ एंड कंज्यूमर वेल्फेयर। इन साईराम भट (ईडी), प्राइटाइजेशन एंड ग्लोब्लाइजेशन, चैंजिंग लीगल पैराडाइम, 146-157. कोलकाता, पश्चिम बंगाल: वेस्टर्न लॉ हाउस.

माल्या, एस. (2017). एब्यूज ऑफ डोमिनेंस एंड डॉक्ट्रीन आफ एसन्सियल फैसिलिटीज: एन इंटरफेस। इन माल्या, सुष्मिता एंड सिन्हा मनोज (संपादन) इमर्जिंग कंपीटिशन लॉ, 161-175. गुड़गांव, हरियाणा: वोल्टर्स क्लूवर।

राजन, पी. और आनंद, पी. (2017). द 2016 इंडियन मॉडल बायलेटरल इंवेस्टमेंट ट्रीटी: ए क्रिटिकल डिकंस्ट्रक्शन। नोर्थवेस्टर्न जर्नल ऑफ इंटरनेशनल लॉ एंड बिजनेस, 38(1), 1-55.

राजन, पी. और आनंद, पी. (2018). इंवेस्टर स्टेट डिस्प्युट सेटलमेंट इन द 2016 इंडियन मॉडल बायलेटरल इंवेस्टमेंट ट्रीटी: डज इट गो टू फार? इन चेसी, जूलियन एंड नॉटेज, ल्युक (संपादक), इंटरनेशनल इंवेस्टमेंट ट्रीटीज एंड आर्बिट्रेशन एक्रॉस एशिया। लैडेन बोस्टोन: ब्रिल निजहॉफ।

शर्मा, ए. (2017). ज्यूडिशियरी एंड गुड गवर्नेंस: द रिसेंट ट्रेंड्स इन इंडिया. इन कुमार, विजेन्द्र एट अल (संपादक), लॉ, ज्यूडिशियरी एंड गवर्नेंस, ए फेस्ट्सक्रिफ्ट इन ऑनर आफ प्रो. मूलचंद शर्मा. 127-144, गुड़गांव, हरियाणा: यूनिवर्सल लॉ पब्लिसिंग (एन इम्प्रिंट आफ लेक्सिस नेक्सिस).

शर्मा, ए. (2017). द फंक्शनरीज अंडर द प्रोटेक्शन आफ वीमेन फ्रॉम डॉमेस्टीक वायलेंस एक्ट, 2005: ए क्रिटिकल एनालिसिस, नेशनल कैपिटल लॉ जर्नल, XVI, 173-185.

सिंघा, एस. (2018). राइट टू एडुकेशन इन इंडिया: ए रिफ्लेक्शन ऑन द एक्ट आफ 2009. इन मिश्रा, डॉ. प्रियंवद (संपादक). राइट टू एडुकेशन इन इंडिया: ए रिफ्लेक्शन ऑन द एक्ट आफ 2009. 28-40, नई दिल्ली, दिल्ली: राधा पब्लिकेशन।

त्रिपाठी, वी. आर. (2017). एप्वाइंटमेंट ऑफ जजेज इन इंडिया: कॉलेजियम सिस्टम वर्सेस नेशनल ज्युडिशयल एप्वाइंटमेंट कमीशन. इन सिंह, डॉ. अजय कुमार (संपादक). ह्युमन राइट्स एंड द इंडियन कंस्टीच्युशन. 158-175. गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश: एकेडेमिक एंड रिसर्च पब्लिकेशन।

त्रिपाठी, वी. आर. (2017). एम्पावरमेंट ऑफ वीमेन थ्रू पोटेक्शन आफ ट्रेडिशनल नॉलेज। इन सिंह, अजय कुमार (संपादक) लीगल राइट्स ऑफ वीमेन इन इंडिया (159-169). गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश: एकेडेमिक एंड रिसर्च पब्लिकेशन।

त्रिपाठी, वी. आर. (2017). प्रोसिज्यूरल इंप्रूवमेंट इन ट्राइल ऑफ सिविल केसेज। इंडियन जर्नल आफ सोशियो लीगल स्टडीज, 6(1), 84-94.

वर्मा, एस. (2018). द डॉक्ट्रीन ऑफ डोलिइनकेपेक्स: रिट्रीब्युटेबल प्रीजम्पशन एंड एडल्ट रिस्पांस्बिलटी विस-ए-बिस ज्युबेनिलिटी. इंटरनेशनल जर्नल आफ इन्नोवेशन रिसर्च एंड स्टडीज, 8(III), 480-490.

इस सेंटर द्वारा प्रकाशित जर्नल-01

जर्नल ऑफ लॉ टीचर्स ऑफ इंडियास*,* भाग 6*,* सं. 2, 2015-16 (2017 में प्रकाशित)

संपादन मंडल में संपादक/ सदस्य के रूप में सेवा दे रहे शिक्षकों की संख्या - 03

कुमारी, वेद: राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के जर्नल में संपादन मंडल का सदस्य, भाग 16, 2017.

कुमारी, वेद: दिल्ली विश्वविद्यालय के मानविकी और सामाजिक विज्ञान संबंधी जर्नल के संपादक मंडल में सदस्य, भाग 4, 2017.

खोटे, मर्सी के.: विधि अध्ययन और अनुसंधान संबंधी अंतरराष्ट्रीय जर्नल के संपादक मंडल में सदस्य, भाग 7, संख्या 1, 2018.

माल्या, सुस्मिता: भारतीय विधि संस्थान के भारतीय विधि वार्षिक सर्वेक्षण के संपादक मंडल में सदस्य, 2017.

अनुसंधान परियोजनाएं

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, ई-पाठशाला (अपराध शास्त्र) परियोजना, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, दिल्ली, 1 वर्ष छह महीने, मुंजाल -शंकर, दीक्षा, परियोजना समन्वयक, कुल राशि: 1 करोड़ 7 लाख रूपए (लगभग), 2017-18 में प्राप्त राशि: 90 लाख रूपए (लगभग)।

विदेश मंत्रालय, भारत सरकार, *नेशनल रिपोर्ट, इंडिया फॉर द यूनिवर्सल पेरियोडिक रिव्यू- -III* (2016) को तैयार किया गया एवं मानवाधिकार परिषद्, संयुक्त राष्ट्र के समक्ष प्रस्तुत किया गया, मुंजाल-शंकर, दीक्षा, प्रारूप समिति और अनुसंधान दल का सदस्य, कुल राशि: 22 लाख, 2017-18 में प्राप्त राशि: 9 लाख रूपए (लगभग)।

आयोजित सेमीनार

प्रो. कमल पुरी, क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी ने 3 अप्रैल, 2017 को *राइजिंग सिग्निफिकेंस आफ इंटेलेक्चुअल प्रोपर्टी विद स्पेशल रेफरेंस टू एक्झाउशन आफ इंटेलेक्चुअल प्रोपर्टी राइट्स* विषय पर सेमीनार की अध्यक्षता की।

जगदीश जी. पी. मित्तल, सदस्य, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग, श्री विनोद ढ़ाल, पूर्व अध्यक्ष, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग, श्री कमल सुल्तानपुरी, उप निदेशक, सीसीआई (विधि प्रभाग), एट अल, *प्रतिस्पर्धी विधि और नीति को लागू करने* संबंधी सेमीनार, 10 अप्रैल, 2017.

प्रो. लोनिस कोकोरिस, प्रोफेसर ऑफ लॉ एंड इकोनोमिक्स, क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन एलसी-1 के छात्रों को 15 सितम्बर, 2017 को क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी के सहयोग से *कंपीटीशन लॉ: केसेस आन गूगल फॉर ब्रीचिंग कंपीटीशन लेजिशलेशन* विषय पर संबोधन।

अभिजीत नारायण, कॉर्पोरेट लॉयर, फ्रैंकफर्ट, जर्मनी, स्टडिंग एंड प्रैक्टिशिंग कार्पोरेट लॉ अब्रोड, 9 अक्टूबर, 2017.

प्रो. हरजिन्दर सिंह लाली, वारविक मैन्युफेक्चरिंग ग्रुप, यूनिवर्सिटी आफ वारविक, *साइबर लॉ: हाउ टू कंडक्ट डिजिटल फॉरेंसिक्स इंवेस्टीगेशंस,* 22 नवम्बर, 2017.

सेमीनार/ सम्मेलन प्रस्तुतीकरण

आनंद, पुस्कर ने 29-30 अप्रैल, **2017** को जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल, सोनीपत, भारत द्वारा आयोजित द साउथ एशियन इंटरनेशनल इकोनोमिक लॉ नेटवर्क (एसएआईईएलएन) के उद्घाटन सम्मेलन में *इंवेस्टमेंट प्रोटेक्शन एट द कॉस्ट ऑफ ट्राइबल राइट्स? रिथींकिंग इंडियन इंटरनेशनल इंवेस्टमेंट एग्रीमेंट,* विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

आनंद, पुस्कर ने 25-26 अगस्त, **2017** को छठे एशियन सोसाइटी आफ इंटरनेशनल लॉ (एशियन एसआईएल) बायेनियल कांफ्रेंस, सियोल, दक्षिण कोरिया में *रि-इवेल्युएटिंग इंटरनेशल इंवेस्टमेंट एग्रीमेंट्स इन साउथ एशिया एंड साउथ ईस्ट एशिया विश ए विश राइट्स ऑफ इंडिजिनस पीपुल* विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

भारती, अल्का ने 21-23 मार्च, 2018 को स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली तथा सोसाइटी फॉर एनवारामेंट एंड डेवलपमेंट, (एसईडी, भारत), नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित उभरती पर्यावरण चुनौतियां और धारणीय विकास संबंधी राष्ट्रीय सम्मेलन में *लीगल रीजिम ऑफ बायोडायवर्सिटी कंजर्वेशन: एन* ओवरव्यू विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

देवी, पूजा ने 29 मार्च, **2017** को रायत विधि महाविद्यालय, पंजाब में आयोजित अपराध, समाज और राज्य संबंधी राष्ट्रीय सेमीनार में *कंफ्लिक्ट आफ स्टेट इन रिलेशन टू क्रीमिनल ज्यूरिशडिक्शन अंडर इंटरनेशनल लॉ* विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

देवी, पूजा ने 16 सितम्बर, **2017** को आर्मी इंस्टीच्युट आफ लॉ, मोहाली द्वारा आयोजित 21वीं सदी में मानव सुरक्षा संबंधी चुनौतियों संबंधी राष्ट्रीय सेमीनार में *एक्सट्राटेरिटोरियलिटी बनाम सोवरेनिटी* विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

देवी, पूजा ने 11 मई, **2018** को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला में आयोजित राष्ट्रीय मानवाधिकार शिक्षा संबंधी सेमीनार में *द स्टेट्स ऑफ ह्युमन राइट टू एडुकेशन इन इंडिया* विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

खोटे, मर्सी. के., संसाधन व्यक्ति, 9-10 सितम्बर, 2017 के दौरान ढ़िल्लन किडनी फाउंडेशन एवं पश्चिम बंगाल नेशनल ज्युरिडिशियल साइंस विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन लॉ इन मेडिसिन में *रिविजिटिंग द 'सोशल कंस्ट्रक्ट' फॉर एन इफेक्टिव हेल्थकेयर डिलिवरी इन इंडिया* विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

कुमारी, मीना ने 17 मार्च, **2018** को श्यामलाल महाविद्यालय (सायं) और आंतरिक गुणता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी), एसएलसी-ई द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इंटरनेशनल सेमीनार ऑन मूवमेंट, लिटरेचर एंड सोसाइटी: न्यू पर्सपेक्टिव में *नो फॉल्ट थ्योरी ऑफ डिवोर्स एंड तालाक: हिस्टोरिकल डेवलपमेंट एंड रिलेवेंट* विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

कुमारी, वेद ने 19-24 जून, 2017 को मैक्सिको में लॉ एंड सोसाइटी एसोसिएशन द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय बैठक में प्रोफेसर रवीन्द्र बार्न के साथ *सेंटेंशिंग इन रेप केसेज: ए क्रिटिकल एपराइजल आफ ज्यूडिशयल डिसिजन इन इंडिया* विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

माल्या, सुष्मिता, संसाधन व्यक्ति ने 3 फरवरी, 2018 को एमिटी लॉ स्कूल, एमिटी विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सफाई और स्वास्थ्य का अधिकार तथा विकास का अधिकार में भाग लिया।

माल्या, सुष्मिता, संसाधन व्यक्ति ने 11 नवम्बर, **2017** को गुरूगोबिंद सिंह इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से संबद्ध दिल्ली मेट्रोपोलिटन एजुकेशन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय समेनीर *लिटिगेटिंग इक्वलिटी: आर ह्युमन राइट्स इफेक्टिव?* में भाग लिया।

मुंजाल-शंकर, दीक्षा ने 13 अप्रैल, **2017** को विधि संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सरोगेसी एवं अनुकूलन सेमीनार में *हैंडलिंग चाइल्डलेसनेट: अल्टनेटिव्स एंड डिशिजन मेकिंग* विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

रत्नाबली, के. ने 2-3 अक्टूबर, **2017** को मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित *एनवारामेंट, सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड फ्युचर पर्सपेक्टिव इन नोर्थईस्ट इंडिया: एमिक एंड एटिक डायनामिक्स* विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार के शैक्षणिक सत्र तीन में मुख्य भाषण दिया।

शर्मा, डॉ. आलोक ने 13 अप्रैल, 2017 को विधि संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय में एसजीटी विश्वविद्यालय, गुड़गांव के सहयोग से विधि संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सरोगेसी और अनुकूलन सेमीनार में *क्रिटिकल एनालिसिस आफ प्रोपोज्ड बिल ऑन सेरोगेसी इन इंडिया* विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

शर्मा, डॉ. आलोक, संसाधन व्यक्ति ने 21 जुलाई, 2017 को आईडियल इंस्टीच्युट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलोजी (स्कूल ऑफ लॉ), दिल्ली द्वारा आयोजित ''मल्टी डिसिप्लिनरी एप्रोच इन लॉ एंड एप्लिकेबिलिटी आफ रिसर्च इन मैनेजमेंट'' विषय पर एक सप्ताह के राष्ट्रीय कार्यशाला सह संकाय विकास कार्यक्रम -*भारत में घरेलु हिंसा* - में हिंसा लिया।

शर्मा, डॉ. आलोक ने 26 मार्च, 2018 को लॉ सेंटर-I, विधि संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संकाय व्याख्यान श्रृंखला *डेफिनेशन आफ रिस्पोंडेंट अंडर डोमेस्टिक वायलेंस एक्ट: लेजिस्लेटिव इंटरप्रिटेशन टू ज्यूडिशल इंटरप्रिटेशन* में भाषण दिया।

तनेजा, डॉ. सरबजीत ने 15 सितम्बर, **2018** को संवैधानिक और संसदीय अध्ययन संस्थान, विट्ठलभाई पटेल हाउस, रफी मार्ग, नई दिल्ली-110001 में *''संविधान में संशोधन''* पर भाषण दिया।

तनेजा, डॉ. सरबजीत, संसाधन व्यक्ति ने 03-09 मार्च, **2018** को विधि संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

तनेजा, डॉ. सरबजीत, ने 17 फरवरी, **2018** को विवेकानंद इंस्टीच्युट आफ प्रोफेशनल स्टडीज, दिल्ली द्वारा आयोजित कानून और व्यवहार: व्यक्ति, समाज और संगठनात्मक परिप्रेक्ष्य संबंधी सम्मेलन में *विहिवेरियल एबेरेशन, मोरेलिटी एंड लॉ* के संबंध में तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

तनेजा, डॉ. सरबजीत 25-26 नवम्बर, **2017** को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में भारतीय विधि आयोग और नीति आयोग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित भारतीय विकास हेतु राज्य के तीनों घटकों की संतुलित भूमिका के संबंध में राष्ट्रीय कानून दिवस, **2017** में आयोजन समिति के सदस्य।

तनेजा, डॉ. सरबजीत ने दिनांक 2.7.2018 से 7.7.2018 तक गुरू अंगद देव शिक्षण अधिगम केन्द्र, एस.जी.टी.बी. खालसा महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मिश्रित अधिगम (मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार) हेतु ई-लर्निंग, एमओओसी और आईसीटी टूल संबंधी संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

त्रिपाठी, डॉ. विकेश राम ने दिनांक 11-12 दिसम्बर, 2017 को डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित सामाजिक आर्थिक विकास संघ संबंधी राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन (एएसईडीएस) में *भारत में नक्सलवाद पर सामाजिक-कानूनी कारकों का प्रभाव: छत्तीसगढ़ का अनुभव जन्य साक्ष्य* पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

त्रिपाठी, डॉ. विकेश राम ने दिनांक 27-28 फरवरी, 2018 को सरकारी डी.बी. बालिका पी.जी. महाविद्यालय, रायपुर के सामाजशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय महिला और मीडिया सेमीनार में *भारत में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का कानूनी विनियमन: मुद्दे और विकल्प* विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

त्रिपाठी, डॉ. विकेश राम ने दिनांक 27-28 अक्टूबर, 2017 को कुशाभाउ ठाकरे पत्रकारिता और जन संपर्क विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार में 'मीडिया में महिलाओं का विधायी और न्यायिक नियंत्रण: भारतीय परिप्रेक्ष्य से विश्लेषण' शीर्षक पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

त्रिपाठी, डॉ. विकेश राम ने 12-13 मई, 2018 को इंडियन सोसाइटी ऑफ इंटरनेशनल लॉ, नई दिल्ली के 47वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में 'सीमा पार आईपी विवाद के निपटारे में डब्लूआईपीओ की भूमिका' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

वर्मा, डॉ. शिवानी ने 1 अप्रैल, 2017 को विवेकानंद विधि विद्यालय द्वारा आयोजित भारत में वंचित समूह: असमानता से निपटने के लिए कानूनी तंत्र संबंधी राष्ट्रीय सम्मेलन में *ट्रांसजेंडर: द कांडेम्ड थर्ड जेनेरेशन* विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

विस्तार और पहुंच कार्यकलाप

विधि सेवा सोसाइटी (एलएसएस) ने दिनांक 9 नवम्बर, 2017 को कानूनी सेवा दिवस मनाया। सोसाइटी ने कानूनी सेवा से संबंधित एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और बातचीत के सत्र का आयोजन किया। डॉ. अनुराग दीप, कुमार शानू और डॉ. ए पी सिंह 'पीआईएल एंड आरटीआई: लीगत टूल्स फॉर एक्सेस टू जस्टिस' विषय पर बातचीत सत्र के वक्ता थे।

लॉ सेंटर -1 के विधि सेवा सोसाइटी (एलएसएस) की स्किट एंड प्ले टीम ने 10 नवम्बर, 2017 को कड़कड़डूमा कोर्ट परिसर में और 11 नवम्बर, 2017 को तिहार और रोहिणी जेल परिसरों में नुक्कड़ नाटक किया।

एलएसएस से परा विधि स्वयंसेवकों हेतु दिल्ली राज्य विधि सेवा प्राधिकरण (डीएसएलएसए) द्वारा समनुदेशित परियोजनाओं के एक भाग के रूप में 39 स्वयंसेवकों के एक दल को 'आंगनवाड़ी परियोजना' का कार्य सौंपा गया जिसे 13 नवम्बर से 25 नवम्बर, 2017 तक के बीच कार्यान्वित किया गया। इसके बाद 25 परा विधिक स्वयंसेवकों ने 10 नवम्बर से 20 दिसम्बर, 2017 तक घर-घर जाकर अभियान चलाया।

लॉ सेंटर-1 के विधिक सेवा सोसाइटी (एलएसएस) के स्किट एंड प्ले टीम ने 3 फरवरी, 2018 को केन्द्रीय विद्यालय, विज्ञान विहार में दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आयोजित वृहद कानूनी सेवा और जागरूकता कैंप में नुक्कड़ नाटक आयोजित किया।

संकाय सदस्य संख्या: 56

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

एलसी-1 ने 31 मार्च**, 2018** को चौदहवां एलसी-1**,** अखिल दिल्ली (एनसीआर) मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया।

16 और 25 फरवरी**, 3** मार्च**, 8** और 15 अप्रैल**, 2017** को आद्योपंत विधिक सेवा के सहयोग से **'**प्रयुक्त आपराधिक कानून**'** विषय पर पांच कार्यशालाएं आयोजित की गयीं।

***

विधि केंद्र-।।

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

विधि संकाय के लॉ सेंटर ।। ने डॉ. वी. के. आहूजा, प्रभारी प्रोफेसर के तत्वावधान में 2017-18 के दौरान कई शैक्षणिक और पाठ्यक्रमेत्तर कार्यकलाप किया है। इसने 28 फरवरी, 2018 को मिस्टर एंड मिसेज इंटरनेशनल लॉ कंपीटीशन नामक अपने तरह का प्रथम कार्यक्रम का आयोजन किया। इस सेंटर पर जनवरी-मार्च, 2018 के दौरान संवाद नामक एक नयी व्याख्यान श्रृंखला शुरू की गयी जिसमें कानूनी विशेषज्ञों के साथ शिक्षकों और छात्रों के परस्पर संवाद का अवसर प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त, सेंटर -।। ने दिव्यांग लोगों के संघ के सहयोग से दिनांक 12 फरवरी, 2018 को 'विक्लांग व्यक्तियों के अधिकार: समकालीन विकास' पर एकदिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन किया, जिसका उद्घाटन भारत के पूर्व राष्ट्रपति और मुख्य अतिथि श्री प्रणब मुखर्जी ने किया। भारतीय राष्ट्रीय बार एसोसिएशन के सहयोग से एलसी-।। ने लॉ मूटिंग के महत्व को जारी रखते हुए 31 मार्च से 2 अप्रैल, 2017 को 'जस्टिफाइड 2017' नामक दूसरे राष्ट्रीय स्तर के मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया। यह मूटिंग कार्यक्रम इस हिसाब से अद्वितीय था कि यह भारत का पहल डाटा गोपनीयता और साइबर लॉ मूट कोर्ट प्रतियोगिता था। अपनी

सफलता पर निर्माण करते हुए इस सेंटर ने 23 से 25 मार्च, 2018 के बीच तीसरा 'जस्टीफाइड 2018' का आयोजन किया।

प्रकाशन

आचार्य ए. (2018). एडमायरल्टी लॉ इन इंडिया: कांटेम्पोरेरी चैलेंजेज एंड सोल्युशंस। किरण गार्डनर (संपादक) लेक्सईटीसोसाटेटिस; कांटेम्पोरेरी लीगल इश्यू. 586-592. दिल्ली: इंफिनिटी पब्लिकेशन।

आचार्य, ए. (2017). ज्यूरिशडिक्शन इश्युज इन एडमायरल्टी मैटर्स: ए क्रिटिकल एनॉलिशिस ऑफ इमर्जिंग इंडियन लॉ। कुमार, आशिश (संपादक) कांटेम्पोरी डेवलपमेंट्स इन इंटरनेशनल लॉ: सम रेंडम रिफ्लेक्शंस। 57-70. दिल्ली: सत्यम लॉ इंटरनेशनल।

आहूजा, वी. के. एवं वशिष्ठ, आर्चा (2017). राइट टू हैल्थ इन इंडिया: एन एनॉलिसिस आफ कांस्टीच्युशनल, ह्युमन राइट्स एंड आईपीआर प्रोविजन्स। विजेन्द्र कुमार (एट. एल. संपादक). लॉ, ज्युडिशरी एंड गवर्नेंस: ए फेस्टक्रिफ्ट इन ऑनर आफ प्रोफेसर मूल चंद शर्मा. 291-305. दिल्ली: यूनिवर्सल लॉ पब्लिकेशन।

आहूजा, वी. के. (2017). राइट टू एजुकेशन इन व्यू ऑफ कॉपीराइट प्रोटेक्शन: कांटेम्पोरेरी डेवलपमेंट्स इन लॉ, जस्टीस एंड डेवलपमेंट। टीएसएन शास्त्री एंड दुर्गमबिनी पटेल (संपादक) लॉ, डेवलपमेंट एंड जस्टिस: कांफ्रेंस प्रोसिडिंग्स। 223-235. पुणे, महाराष्ट्र: सावित्री बाई फुले विश्वविद्यालय।

आहूजा, वी. के. (2017). माराकेस ट्रीटी टू फेसिलिटेट एक्सेस टू पब्लिस्ड वर्क फार विजुअली डिसेबल्ड: पुटिंग एन इंड टू ग्लोबल बुक फेमिन। मनोज कुमार सिंहा और वंदना महलवार (संपादक) *कॉपीराइट लॉ इन द डिजिटल वर्ल्ड: चैलेंजेज एंड अपरच्युनिटीज। 97-107. सिंगापुर: स्प्रिंगर एंड आईएलआई।*

चौधरी, एम. (2017). द क्रीमिनल रॉ एमेंडमेंट एक्ट, 2013 एंड रोड अहेड। जर्नल ऑफ द कैंपस लॉ सेंटर, IV एंडV, 62-85.

देसवाल, वी. (2017). केटेगोराइजेशन ऑफ रेप्स। इन पेपर 7: वीमेन एंड लॉ एज पार्ट आफ जेंडर स्टडीज कोर्स इन ई-पीजी पाठशाला आफ यूजीसी एंड एमएचआरडी (जुलाई, 2017 में अपलोड किया गया)। जिसे https://epgp.inflibnet.ac.in/ahl.php?csrno=456 से पुन: प्राप्त किया गया।

देसवाल, वी. (2017). सेक्शन आफ 498ए आफ द आईपीसी, 1860 रिविजिटेड: ए क्रिटिकल एनालिसिस। एमडीयू लॉ जर्नल, भाग XVIII, 52-64.

देसवाल, वी. (2017). रेप: द वर्स्ट क्राइम एगेंस्ट वूमनहुड। इन वीमेन एंड लॉ एज पार्ट ऑफ जेंडर स्टडीज कोर्स इन ई-पीजी पाठशाला आफ यूजीसी एंड एमएचआरडी। https://epgp.inflibnet.ac.in/ahl.php?csrno=456

झा, ए एवं कॉल, जे. एल. (2018)। शिफ्टिंग होराइजन्स आफ पब्लिक इंटरनेशनल लॉ: ए साउथ एशियन पर्सपेक्टिव। सिंगापुर: स्प्रिंगर पब्लिकेशन।

झा, ए. एट. अल. (2017)। राउंड ट्रिपिंग एंड ट्रिटी शॉपिंग: कंट्रोवर्सीज इन बायलेटेरल एग्रीमेंट्स एंड रेमेडीज फॉरवर्ड: द डबल टैक्सेसन एवॉडेंश एग्रीमेंट (डीटीएए) विटविन मारिशस एंड इंडिया एंड द डिलेमा। काठमांडू स्कूल ऑफ लॉ रिव्यू, 5 (2), 29-41.

झा, ए. (2017)। रिपोर्ट्स ऑन इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशंस एंड बॉडिज, 16 युनाइटेड नेशंस जेनरल एसेम्ब्ली (यूएनजीए)। इन 27 इयरबुक आफ इंटरनेशनल एनवारामेंटल लॉ। लंदन: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस। 1-9.

झा, ए. (2018)। द लॉ ऑन ट्रैफिकिंग इन पर्सन्स: द क्वेस्ट फॉर एन इफेक्टिव मॉडल। एशियन जर्नल आफ इंटरनेशनल लॉ, 8 (1), 225-257.

कालोन, एम. एस. और शर्मा, एस. (2017). रॉल आफ फोरेंसिक साइंस इन एडमिनिस्ट्रेशन आफ जस्टिस इन द इंडियन लीगल सिस्टम। नेशनल कैपिटल लॉ जर्नल, XVI, 64-77.

कुमार, ए. (2017)। कान्टेम्पोरेरी डेवलपमेंट्स इन इंटरनेशनल लॉ: सम रेंडम रिफ्लेक्शंस। दिल्ली: सत्यम लॉ इंटरनेशनल।

मणिपाल, एन. (2018). ए स्टडी ऑन द इंपेक्ट आफ वर्ल्ड कांस्टीच्युशंस ऑन द फ्रेमिंग आफ इंडियन कांस्टीच्युशन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लीगल रिसर्च एंड स्टडीज, 3 (1), 134-138. http://www.ijlrs.com/papers-vol3-issue1.php से पुन: प्राप्त किया गया।

महिपाल, एन. (2017). एन इंट्रोडक्शन टू इंश्योरेंस लॉ। इलाहाबाद, उप्र: सेंट्रल लॉ पब्लिकेशन।

मिंज, एन. (2018). सप्रेशन आफ फ्रीडम आफ एक्सप्रेशन: द क्रीमिनलाइजेशन आफ आर्टिस्टिक क्रिएटिविटी इन इंडिया। जामिया लॉ जर्नल, 3(3), 123-142.

नसीमा, पी. के. (2018) रिलेवेंस आफ ह्युमन राइट्स एजुकेशन- सम रिफ्लेक्शंस। जयंत कुमार साहा और सुबीर कुमार राय (संपादक) लॉ, कोर्ट एंड पॉलिटिक्स रि निगोसिएटिंग ग्लोबल एंड नेशनल पर्सपेक्टिव: कंफ्रेंस प्रोसिडिंग्स। 193, बांकुरा, डब्लूबी: विधि विभाग, बांकुरा विश्वविद्यालय।

राठौर, बी. (2017). कांस्टीच्युशन ऑफ इंडिया एंड सेक्युलरिज्म। जर्नल आफ द लीगल स्टडीज, XLVIII. जयपुर, राजस्थान: विधि विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय।

सोनावाने, ए. (2018). एडमिनिस्ट्रेटिव लॉ विस-ए-विस गवर्मेंट कांट्रेक्चुअल लायब्लिटी: ए लीगल एंड ज्युडिशियल प्रीव्यू। जर्नल ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च. 4 (1), 23-40. http://jlsr.thelawbrigade.com/wp-content/uploads/2018/02/Ajay-Sonawane.pdf. से पुन:प्राप्त किया गया।

सोनवाने, ए. (2018)। ह्युमन राइट्स एजुकेशन इन हायर एजुकेशन3 एन इंसिजिव एप्रोच, वर्ल्ड जर्नल ऑफ जयुरिस्टिक पॉलिटी। 1-8. http://jurip.org/wp-content/uploads/2018/01/Ajay-Sonawane.pdf. से पुन: प्राप्त किया गया।

वशिष्ठ, एन. (2018). प्रिंसिपल ऑफ प्रोपोर्शनलिटी: एक्सटेंट एंड एप्लिकेशन इन इंडस्ट्रीयल डिस्प्युट्स। शिमला लॉ रिव्यू, 1, 158-169.

प्रकाशित जर्नल-02

नेशनल कैपिटल लॉ जर्नल, भाग XVI, 2017.

एलसी- // कांटेम्पोरेरी लॉ रिव्यू (ई -जर्नल), भाग I, संख्या I, 2017.

संपादन मंडल में संपादक/सदस्य के रूप में कार्य करने वाले सदस्यों की संख्या-03

आहूजा, वी. के.: मुख्य संपादक, नेशनल कैपिटल लॉ जर्नल, भाग. XVI, 2017.

गुप्ता किरण: संपादक, नेशनल कैपिटल लॉ जर्नल, भाग XVI, 2017.

देसवाल, वागेश्वरी: सदस्य, दिल्ली लॉ रिव्यू संपादन मंडल, 2017-18.

आयोजित सेमीनार

भारत के पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने 12 फरवरी, 2018 को दिव्यांग जन संघ के सहयोग से एल सी-।। द्वारा आयोजित 'राइट्स आफ पर्सन्स विद डिसेब्लिटीज: कांटेम्पोरेरी डेवलपमेंट' विषय पर राष्ट्रीय सेमीनार का उद्घाटन किया तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के उप कुलपत प्रोफेसर योगेश त्यागी, विधि संकाय के डीन प्रोफेसर वेद कुमारी और लॉ सेंटर -।। के प्रभारी डॉ. वी. के. आहूजा ने संबोधित किया।

जीएसटी- मैनथन जिसके तहत 3 कार्यक्रम हुए नामत: जीएसटी संवाद (भारतीय पैनल): इंडिया जीएसटी; जीएसटी संवाद (अंतरराष्ट्रीय पैनल): वैश्विक कर सुधार और जीएसटी मॉक अदालत जिसे 17 फरवरी, 2018 को जीएसटी स्ट्रीट के सहयोग से एलसी-।। द्वारा आयोजित किया गया।

निष्क्रिय इच्छा मृत्यु संबंधी मुद्दों और चुनौतियों पर पैनल चर्चा, एनएचआरसी के पूर्व अध्यक्ष न्यायाधीश के. जी. बालाकृष्णन और भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश श्री के. टी. एस. तुलसी, संसद सदस्य राज्य सभा श्री अदिश सी. अग्रवाला, अंतरराष्ट्रीय न्यायविशारद परिषद् के सभापति और अखिल भारतीय बार काउंसिल के सभापति; श्री जयवीर शेरगिल, आईएनसी के प्रवक्ता ने इस चर्चा में भाग लिया, जिसका आयोजन 28 मार्च, 2018 को किया गया जिसमें लॉ सेंटर-।। के प्रभारी डॉ. वी. के. आहूजा ने अध्यक्षता की।

संवाद व्याख्यान श्रृंखला, प्रोफेसर पूनम सक्सेना, माननीय उप कुलपति, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जोधपुर ने 16 सितम्बर, 2017 को परिवार संबंधी कानून में उभरती प्रवृत्तियों पर व्याख्यान दिया।

संवाद व्याख्यान श्रृंखला, न्यायाधीश एस. एन. झा, पूर्व मुख्य न्यायाधीश, जम्मू और कश्मीर उच्च न्यायालय तथा राजस्थान उच्च न्यायालय ने 14 नवम्बर, 2017 को जस्टिस डिलेड इज जस्टिस डिनाइड विषय पर व्याख्यान दिया।

संवाद व्याख्यान श्रृंखला, प्रो. मनोज सिंह, निदेशक, भारतीय विधि संस्थान, नई दिल्ली, ने 20 नवम्बर, 2017 को महिलाओं के मानवाधिकारों के संवर्धन और रक्षा में एनएचआरसी की भूमिका पर व्याख्यान दिया।

भारत में महिलाओं के अधिकार: समकालीन विकास पर सेमीनार, श्री राम नारायण दुदी, संसद सदस्य, राज्य सभा: श्री मजिन्दर सिंह सिरसा, विधायक, राजौरी गार्डन; सुश्री मोनिका अरोड़ा, वरिष्ठ एडवोकेट, भारतीय उच्चतम न्यायालय, ने 16 मार्च, 2018 को महिलाओं के अधिकारों के विभिन्न पक्षों पर बातचीत की।

आयोजित सम्मेलन

माल और सेवा कर (जीएसटी) संबंधी सम्मेलन, श्री एच. राजेश प्रसाद, एलसी-।। के भूतपूर्व छात्र, वरिष्ठ आईएएस अधिकारी और आयुक्त, जीएसटी, दिल्ली सरकार तथा श्री राजेश सलूजा, सनदी लेखाकार व जीएसटी विशेषज्ञ ने 25 अक्टूबर, 2017 को भाषण दिया।

विधिक सेवा संस्थाओं के कार्यकलापों व पीसीपीएनडीटी अधिनियम, 1994 के कार्यान्वयन पर राष्ट्रीय सम्मेलन में एनएलयू, जोधपुर के माननीय उप कुलपति प्रो. पूनम सक्सेना मुख्य अतिथि थीं और संसाधन लोगों में थे: श्री संदीप गुप्ता, सचिव, केन्द्रीय डीएएलएसए, श्री विनोद कुमार मीणा, सचिव, वेस्ट डीएएलएसए, डॉ. जे. पी. कपूर, निदेशक, परिवार कल्याण विभाग तथा डॉ. सत्यजीत कुमार, राज्य कार्यक्रम अधिकारी, पीएनडीटी, दिल्ली राज्य, जिसका आयोजन 13 नवम्बर, 2017 को दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण तथा परिवार कल्याण विभाग, दिल्ली सरकार के सहयोग से लॉ सेंटर -।। द्वारा किया गया था।

सेमीनार/ सम्मेलन प्रस्तुतिकरण

आचार्य, आशुतोष ने 24 मार्च, 2018 को विधि विद्यालय, गलगोटिया विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित समकालीन विधि मुद्दों पर दूसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में *एडमायरलटी लॉ इन इंडिया: कांटेम्पोरेरी चैलेंजेज एंड सोल्युशन* विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

आहूजा, वी. के. ने 21 मार्च, 2018 को दिल्ली ग्रामीण विकास संस्थान, दिल्ली द्वारा आयोजित *इंट्रोडक्शन टू इंटेलेक्चुअल प्रोपर्टी राइट्स: एन ओवरव्यू* विषय पर व्याख्यान दिया।

आहूजा, वी. के. ने 24 अप्रैल, 2017 को पेट्रोलियम और एनर्जी स्टडीज विश्वविद्यालय, देहरादून में *राइट टू एडुकेशन आफ विजुअली इम्पेयर्ड पर्सन्स एट कॉलेज ऑ लीगल स्टडीज* पर भाषण दिया।

आहूजा, वी. के. ने 24 अप्रैल, 2017 को पेट्रोलियम और एनर्जी स्टडीज विश्वविद्यालय, देहरादून में *स्टेट रिस्पांस्बिलिटी एट कॉलेज ऑफ लीगल स्टडीज,* विषय पर व्याख्यान दिया।

आहूजा, वी. के. ने 4 मार्च, 2018 को विधि संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय में नव नियुक्त सहायक प्रोफेसर के लिए संकाय विकास कार्यक्रम में *हाउ टू प्रीपेयर एंड डेलिवर ए लेक्चर* विषय पर संसाधन व्यक्ति के रूप में भाषण दिया।

आहूजा, वी. के. ले 8-9 अप्रैल, 2017 को राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जोधपुर में आईपीआर संबंधी डीआईपीपी पीठ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कॉपीराइट और प्रौद्योगिकी सम्मेलन में *एक्सेस टू नॉलेज एंड इंफार्मेशन* विषय पर सत्र की अध्यक्षता की।

आहूजा, वी. के. ने 19 मई, 2017 को दिल्ली उच्च न्यायिक सेवाओं और दिल्ली न्यायिक सेवाओं के अधिकारियों के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार और प्रवर्तन संबंधी अभिविन्यास कार्यक्रम में *कंपल्सरी लाइसेंस अंडर पेटेंट एक्ट, 1970* पर व्याख्यान दिया।

आहूजा, वी. के. ने 24 नवम्बर, 2017 को डीएचजेएस और डीजेएस, दिल्ली न्यायिक अकादमी, द्वारका, नई दिल्ली के अधिकारियों हेतु बौद्धिक संपदा अधिकारों और प्रवर्तन संबंधी अभिविन्यास कार्यक्रम में *ओरिजिन एंड डेवलपमेंट आफ द आईपीआर लीगल रिजम: इंटरनेशनल एंड नेशनल डेवलपमेंट्स* के संबंध में व्याख्यान दिया।

आहूजा, वी. के. ने 28 मार्च, 2018 को लॉ सेंटर-।। द्वारा आयोजित पैसिव यूथेन्सिया: इश्यु एंड चैलेंजेज पर पैनल चर्चा की अध्यक्षता की।

आहूजा, वी. के. ने 16 मई, 2017 को राष्ट्रीय विधि विद्यालय, गौहाटी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा अधिकार संबंधी कार्यशाला में *फेयर डिलिंग इन द लाइट आफ डीयू फोटोकॉली केस* विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
आहूजा, वी. के.

आहूजा, वी. के. ने 24 फरवरी, 2018 को राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित बौद्धिक संपदा अधिकार जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रम संबंधी कार्यशाला में *इंट्रोडक्शन टू प्रोपर्टी राइट्स: एन ओवरव्यू* विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

आहूजा, वी. के. ने 15 मई, 2017 को राष्ट्रीय विधि विद्यालय, गौहाटी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा अधिकार संबंधी कार्यशाला में *मराक्कास वीआईपी ट्रीटी: पुटिंग एन इंड टू ग्लोबल बुक फेमिन* विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

आहूजा, वी. के. ने 9 दिसम्बर, 2017 को राष्ट्रीय विधि विद्यालय, शिमला द्वारा आयोजित 21वीं सदी में विधि और न्याय में प्रतिमान परिवर्तन परिवर्तन: चुनौतियां और अवसर संबंधी राष्ट्रीय सम्मेलन में *राइट टू हैल्थ एंड फार्मासियुटिकल एमएनसी* पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

आहूजा, वी. के. ने 13 जनवरी, 2018 को विधि संकाय, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर में एलएलएम/ पीएचडी छात्रों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में *हाउ टू प्रीपेयर एंड डेलिवर ए लेक्चर* के संबंध में संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया।

चौधरी, मोनिका ने 10 मार्च, 2018 को लॉ कैंपस सेंटर, विधि संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय विक्लांग महिला संबंधी सेमीनार: विधि और नीति में *विक्लांग महिला के विरूद्ध यौन हिंसा: भारत में हाल के विधायी और न्यायिक रूख* विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

देसवाल, वागेश्वरी ने 22 फरवरी, 2018 को कमान और कमांडमेंट में दूसरे स्तर के एसएसबी के अंत:सेवा अधिकारियों के लिए आपराधिक कानून के संबंध में व्याख्यान दिया।

देसवाल, वागेश्वरी ने 18 जनवरी, 2018 को एडवांस वीमेन स्टडीज एंड डेवलपमेंट सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्त्री पुरूष अध्ययन में उन्नत पाठ्यक्रम में *महिला और कानून* विषय पर व्याख्यान दिया।

देसवाल, वागेश्वरी ने 9 अक्टूबर, 2017 को एचआईपीए, गुरूग्राम द्वारा आयोजित संस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रम में एचसीएस अधिकारियों के लिए *ड्यूटीज एंड रिस्पोंसिब्लिटीज आफ एक्जिक्यूटिव मैजिस्ट्रेट* पर व्याख्यान दिया।

देसवाल, वागेश्वरी ने 28 नवम्बर, 2017 को एचआईपीए, गुरूग्राम द्वारा आयोजित संस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रम में एचसीएस अधिकारियों के लिए *लॉ एगेंस्ट सेक्सुअल हैरासमेंट एट वर्क प्लेस* पर व्याख्यान दिया।

देसवाल, वागेश्वरी ने 30 अक्टूबर, 2017 को रोहतक में एमडी विश्वविद्यालय, युथ रेड क्रॉस द्वारा आयोजित रेड क्रास वोलियंटर्स के लिए महिला सुरक्षा और आत्मरक्षा संबंधी कार्यस्थल पर महिला सुरक्षा के लिए कानून के संबंध में बातचीत की।

देसवाल, वागेश्वरी ने 19 दिसम्बर, 2017 को ''महिलाओं के मुद्दों संबंधी लैंगिक मुख्यधारा'' पर अनुसंधान के माध्यम से राष्ट्रमंडल विश्वविद्यालयों के संघ के सहयोग से डब्लूएसडीसी, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में *लॉज टू कंट्रोल सेक्सुअल वायलेंस अगेंस्ट वीमेंन* विषय पर भाषण दिया।

देसवाल, वागेश्वरी ने 16 नवम्बर, 2017 को बीपीएस महिला महाविद्यालय, खानपुर कलां, सोनीपत के यूजीसी मानव संसाधन विभाग केन्द्र द्वारा आयोजित मानवाधिकारों के संबंध में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में महिला मानवाधिकार संबंध में भाषण दिया।

देसवाल, वागेश्वरी ने 7 नवम्बर, 2017 को महिला प्रकोष्ठ, सरकारी महाविद्यालय, गुरूग्राम द्वारा आयोजित कार्यक्रम में ''महिला के कानूनी अधिकार'' पर भाषण दिया।

गुप्ता किरण ने 28 जुलाई, **2017** को दिल्ली न्यायिक अकादमी में कुटुम्ब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश, न्यायाधीशों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम में *बैकग्राउंड एंड सोशल कांटेक्ट्स आफ द फैमिली लॉ रिजिम* पर संसाधन व्यक्ति के रूप में भाषण दिया।

गुप्ता किरण ने 23 फरवरी, **2018** को कुटुम्ब न्यायालय, दिल्ली न्यायिक अकादमी के मुख्य परामर्शक/परामर्शकों और न्यायाधीशों को प्रशिक्षण देते हुए बैकग्राउंड एंड सोशल कांटेक्स्ट आफ द फैमिली लॉ रिजिम पर संसाधन व्यक्ति के रूप में भाषण दिया।

गुप्ता किरण ने 08 अप्रैल, **2017** को दिल्ली न्यायिक अकादमी में श्रीलंका के न्यायाधीशों के लिए फैमिली लॉ: रेट्रोस्पेक्ट एंड प्रोस्पेक्ट इन श्रीलंका एंड इंडिया के संबंध में भाषण दिया।

गुप्ता, किरण ने 17 अगस्त, **2017** को दिल्ली न्यायिक अकादमी में श्रीलंका के न्यायाधीशों के लिए फैमिली लॉ: रेट्रोस्पेक्ट एंड प्रोस्पेक्ट इन श्रीलंका एंड इंडिया के संबंध में भाषण दिया।

गुप्ता, किरण ने 10 अगस्त, **2017** को लोक प्रशासन में 43वें एडवांस पेशेवर कार्यक्रम (एपीपीपीए) में लायब्लिटी आफ एडमिनिस्ट्रेशन इन टोर्ट पर संसाधन व्यक्ति के रूप में भाषण दिया।

गुप्ता, किरण ने 05 अप्रैल, **2017** को भारतीय लोक प्रशासन संस्थान द्वारा आयोजित जिला उपभोक्ता फोरम के अध्यक्ष और सदस्यों के लिए 95वें अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम में मेडिकल नेगलिजेंस एंड कंज्युमर प्रोटेक्शन विषय पर संसाधन व्यक्ति के रूप में भाषण दिया।

गुप्ता, किरण ने 26 अप्रैल, **2017** को भारतीय लोक प्रशासन संस्थान द्वारा आयोजित जिला उपभोक्ता फोरम के अध्यक्ष और सदस्यों के लिए 96वें अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम में मेडिकल नेगलिजेंस एंड कंज्युमर प्रोटेक्शन विषय पर संसाधन व्यक्ति के रूप में भाषण दिया।

गुप्ता, किरण ने 29 अगस्त, **2017** को भारतीय लोक प्रशासन संस्थान द्वारा आयोजित जिला उपभोक्ता फोरम के अध्यक्ष और सदस्य के लिए 98वें अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम में मेडिकल नेगलिजेंस एंड कंज्युमर प्रोटेक्शन के संबंध में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाषण दिया।

गुप्ता, किरण ने 20 दिसम्बर, **2017** को भारतीय लोक प्रशासन संस्थान द्वारा आयोजित जिला उपभोक्ता फोरम के अध्यक्ष और सदस्य के लिए 99वें अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम में मेडिकल नेगलिजेंस एंड कंज्युमर प्रोटेक्शन के संबंध में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाषण दिया।

गुप्ता, किरण ने 15 सितम्बर 2017 को दिल्ली न्यायिक अकादमी में *सेंसिटाइजेशन प्रोग्राम आन ह्युमन राइट्स एंड लॉ: जेंडर इक्वलिटी इन द मैटर आफ टेस्टामेंटरी एंड इंटेस्टेट सकसेसन टू प्रोपर्टी इन मुस्लिम लॉज, हिंदु लॉज, क्रिश्चियन लॉज एंड पारसी लॉज* विषय पर भाषण दिया।

गुप्ता, किरण ने 24 मई, **2017** को भारतीय लोक प्रशासन संस्थान द्वारा आयोजित जिला उपभोक्ता मंच के अध्यक्ष और सदस्य के लिए 97वें अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम में मेडिकल नेगलिजेंस एंड कंज्युमर प्रोटेक्शन विषय पर संसाधन व्यक्ति के रूप में भाषण दिया।

गुप्ता, किरण ने 01 फरवरी, **2018** को धार्मिक और विधि अध्ययन हेतु दक्षिण एशियाई परिसंघ द्वारा आयोजित "सामाजिक समरसता हेतु धार्मिक-कानूनी मानकों" पर स्क्रीपचुरल एंड लीगल प्रीसेप्ट्स फॉर सोशल हार्मनी इन इंडिया नई दिल्ली सम्मेलन में भाग लिया।

गुप्ता, किरण ने "कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न: विनियामक तंत्र और अनुपालन" दिनांक 18-19 दिसम्बर, **2017** को यूपीईएस स्कूल आफ बिजनेस, देहरादून द्वारा आयोजित सम्मेलन में भाग लिया।

गुप्ता, किरण ने 8-10 दिसम्बर, **2017** को हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, शिमला द्वारा आयोजित पैराडायमेटिक शिफ्ट इन लॉ एंड जस्टिस इन ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी: चैलेंजेज एंड ओपरच्युनिटीज के संबंध में राष्ट्रीय कार्यशाला में "बदलते सामाजिक संघटक में व्यक्तिगत कानून" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

गुप्ता, किरण ने 13 अप्रैल, **2017** को विधि संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सरोगेसी और अनुकूलन सेमीनार में "भारत में सरोगेसी" विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

गुप्ता, किरण ने 29 अप्रैल, 2017 को नई दिल्ली में भारतीय विधि संस्थान द्वारा आयोजित *डिस्पेलिंग रेटोरिक: लॉ आफ डिवोर्स एंड जेंडर इक्वलिटी इन इस्लाम* के संबंध में वार्षिक सम्मेलन में "तीन तालाक और हलाला के संदर्भ में इसके उपाय" विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

झा, अनुपम ने 17 जनवरी, 2018 को मुख्यालय, सशस्त्र सीमा बल, आर. के. पुरम, नई दिल्ली में आयोजित *ट्रेनिंग प्रोग्राम फॉर द कमीशन्ड आफिसर्स* सम्मेलन में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।

झा, अनुपम ने 24 फरवरी, 2018 को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली के सहयोग से लिंगायत की विद्यापीठ, फरीदाबाद द्वारा आयोजित एक दिवसीय मानवाधिकार संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।

नसीमा, पी. के. ने 9 सितम्बर, 2017 को वीआईटी स्कूल आफ लॉ, वीआईटी विश्वविद्यालय, चेन्नई कैंपस में आयोजित *अल्टरनेट डिस्प्युट रिजोल्युशन इन इंडिया: इश्युज एंड चैलेंजेज* विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत में वैवाहिक कानूनी प्रणाली में एडीआर- एक विकल्प नहीं बल्कि आवश्यकता'' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

नसीमा, पी. के. ने 15-16 दिसम्बर, 2017 को भारतीय अपराध शास्त्र और विधि चिकित्सा शास्त्र संघ के सहयोग से विधि विभाग, कलीकट विश्वविद्यालय में आयोजित संवर्धन, अपराध विज्ञान और विधि चिकित्सा शास्त्र - न्याय को सुनिश्चित करने संबंधी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में वैज्ञानिक साक्ष्य की प्रयोज्यता और मानवाधिकारों की सुरक्षा- संवैधानिक और आपराधिक विधि परिदृश्य में अध्ययन'' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

नसीमा, पी. के. ने 20 नवम्बर, 2017 को राजनीतिक विज्ञान विभाग, मदुरै कामराज विश्वविद्यालय में 'लैंगिक न्याय बनाम सामाजिक न्याय- एक संवैधानिक परिप्रेक्ष्य', *नेशनल सेमीनार ऑन इंडियन कांस्टीच्युशन एंड नेशन बिल्डिंग- विजन एंड मिशन आफ डॉ. अम्बेडकर* पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

नसीमा, पी. के. ने 18-19 जनवरी, 2018 को बांकुरा विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल में आयोजित *नेशनल सेमीनार आन लॉ, कोर्ट एंड पॉलिटिक्स: रिनिगोसिएटिंग ग्लोबल एंड नेशनल पर्सपेक्टिब* में ''रिलेवेंस आफ ह्युमन राइट एजुकेशन- सम रिफलेक्शन '' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

सोनवाने, अजय ने 28 जनवरी, 2018 को एमएचआरसी और आईजेएम, मुम्बई के सहयोग से विधि, अधिकार और संवैधानिक शासन विद्यालय, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान में आयोजित '*नेशनल सेमीनार आन एक्सेस टू क्रिमिनल एंड करेक्शनल जस्टिस एंड ह्युमन ट्रैफिकिंग*' में 'भारत में मानवाधिकार और बाल तस्करी: एक सामाजिक कानूनी परिदृश्य' पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

सोनवाने, अजय ने 13 जनवरी, 2018 को भारती विद्यापीठ में नया विधि विद्यालय में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा प्रायोजित एक दिवसीय मूलभूत मानवाधिकार संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में हिस्सा लिया।

सोनवाने, अजय ने 21-23 जनवरी, 2017 को कौशल विकास केन्द्र, सावित्री बाई फुले विश्वविद्यालय, पुणे, महाराष्ट्र में आयोजित 'मानवाधिकार शिक्षा और कौशल आधारित दृष्टिकोण: एक समीक्षा', *कौशल विकास को लागू करने के कारण उच्च शिक्षा में प्रतिमान संबंधी राष्ट्रीय सम्मेलन* में शोध पत्र प्रस्तुत किया।

तिवारी, प्रमोद ने 3 नवम्बर, 2017 को बाबू जगजीवन राम विधि संस्थान, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी में आयोजित 'समान आचार संहिता- एक समीक्षा', वर्तमान भारतीय परिदृश्य में समान नागरिक संहिता के पूर्वानुमान पर राष्ट्रीय सेमीनार में शोध पत्र प्रस्तुत किया।

तिवारी, प्रमोद ने 8 अप्रैल, 2017 को आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, देहरादून में आयोजित 'भारत में व्यक्तिगत कानून के सुधार के लिए समान नागरिक संहिता को लागू करना एक समाधान है', *भारत में व्यक्तिगत कानून में सुधार: समस्या और पूर्वानुमान संबंधी राष्ट्रीय सेमीनार* में शोध पत्र प्रस्तुत किया।

वशिष्ठ, नमिता ने 8-10 दिसम्बर, 2017 को एचपीएनएलयू, शिमला द्वारा आयोजित 'चिल्ड्रेन आफ इनकारसेरेटेड मदर्स इन इंडिया: ज्युडिशियल रिस्पांस टू लॉ एंड पालिसी', *पैराडाइम शिफ्ट इन लॉ एंड जस्टिस इन ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी: चैलेंजेज एंड ऑपरच्युनिटी* के संबंध में तीन दवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया।

वाधवा, ईशा ने 7-8 अप्रैल, **2017** को भारतीय विधि संस्थान, दिल्ली द्वारा आयोजित 'एक्सेपसन अंडर द कॉपी राइट लॉ विस-ए-विस पब्लिक इंटरेस्ट' नेशनल कांफ्रेंस आन इंटेलेक्चुअल प्रोपर्टी राइट्स एंड पब्लिक इंटरेस्ट' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

वाधवा, ईशा ने 24 मार्च, **2018** को विधि विद्यालय, गलगोटिया विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा द्वारा आयोजित 'डिस्मिस्टीफाइंग कांसेप्ट आफ रिलेवेंट मार्केट अंडर कंपीटिशन लॉ', सेकेंड इंटरनेशनल कांफ्रेंस आन कंटेम्पोरेरी लीगल इश्यू' में शोध पत्र प्रस्तुत किया।

वाधवा, ईशा ने 24-25 नवम्बर, **2017** को एनएलयूडी, द्वारका में स्कूल आफ बिजनेस एंड टैक्सेसन लॉ, न्यू साउथ वेल्स यूनिवर्सिटी, सिडनी, आस्ट्रेलिया के सहयोग से बैंकिंग एवं वित्तीय विधि केन्द्र, राष्ट्रीय विधि महाविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित 'रोल ऑफ इंडिपेंडेंट डायरेक्टर्स इन इफेक्टिव कार्पोरेट गवर्नेंस', इंटरनेशसनल कांफ्रेंस आन रिसेंट फाइनेंसियल रिफार्म्स इन इंडिया: एन अनफिनिस्ड एजेंटा' पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

वधवा, ईशा ने 11 नवम्बर, **2017** को विधि विभाग, दिल्ली मेट्रोपोलिटन एड्केशन (जीजीएसआईपीयू से संबद्ध) नोएडा द्वारा आयोजित 'द इंटर रिलेशनशिप बिटविन ह्युमन राइट्स एंड आईपीआर', नेशनल सेमीनार आन लिटिगेटिंग इक्वलिटी: आर ह्युमन राइट्स इफेक्टिव**?**' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

विस्तार और पहुंच क्रियाकलाप

लॉ सेंटर -।। के छात्रों ने संकाय सदस्य डॉ. महावीर सिंह, श्री ब्रजेश कुमार सिंह, श्री ज्योतिष कुमार और श्री मेघराज ने 19-20 फरवरी, **2018** को संसद का दौरा किया।

लॉ सेंटर - ।। के छात्रों ने संसद सदस्य डॉ. अंजय कुमार, डॉ. भूपेश राठौर और सुश्री शिखा कंबोज के साथ 16 मार्च, **2018** को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का दौरा किया। इस दौरे का आयोजन संघीय परामर्शदाता डॉ. पिंकी शर्मा के पर्यवेक्षण के तहत आयोजित किया गया।

19 सितम्बर, **2017** को लॉ सेंटर-।। में विधिक सहायता अभिविन्यास कार्यक्रम, **2017** का आयोजन किया गया था। श्री नवीन गुप्ता, न्यायिक अधिकारी और अपर सचिव, दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण और श्री जगमोहन सिंह, न्यायिक अधिकारी एवं सचिव, दक्षिण पश्चिम जिला, दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने कानूनी सहायता: समाज के प्रति कर्तव्य विषय पर छात्रों को संबोधित किया।

परा विधिक स्वयंसेवक (पीएलवी) प्रशिक्षण, 527 छात्रों ने इस परीक्षा में भाग लिया और प्रशिक्षण के लिए डीएसएलएसए के नामों को भेजने के लिए एक मेधा सूची बनायी गयी। दिल्ली के वरिष्ठ न्यायिक अधिकारियों ने 21-22 नवम्बर, 2017 को लॉ सेंटर-।। के 94 छात्रों के प्रथम बैच को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

नए भारत का संकल्प भारत छोड़ो आन्दोलन की 75वीं वर्षगांठ और भारत की स्वतंत्रता के 70वें वर्ष को मनाने के लिए लॉ सेंटर-।। में 9 अगस्त, 2017 को आयोजित किया गया। प्रभारी डॉ. वी. के. आहूजा ने लॉ सेंटर-।। के संकाय सदस्यों और प्रशासनिक कर्मचारियों को शपथ दिलाया।

लॉ सेंटर-।। के छात्र संघ ने शिक्षक छात्र संघ के प्रभारी डॉ. पिंकी शर्मा के पर्यवेक्षण के तहत अभिव्यक्ति नामक एक कल्चरल सोसाइटी का गठन किया। यह सोसाइटी छात्रों के लिए लॉ सेंटर-।। में विभिन्न क्रियाकलापों में छात्रों को उनकी प्रतिभा को दिखाने का एक मंच प्रदान करता है। वे नृत्य, गायन, संगत, रंगोली, नाटक, फोटोग्राफी और अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों में शामिल होते हैं।

लॉ सेंटर-।। ने राष्ट्रीय महिला आयोग के सहयोग से 20 नवम्बर, 2017 को महिलाओं के कानूनी अधिकार संबंधी अंतर केन्द्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया । (लगभग 100 छात्रों ने भाग लिया।)

संकाय सदस्यों की संख्या: 48

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

एलसी-।। ने जुलाई-दिसम्बर, 2017 की अवधि के दौरान *गतिविधियां* नामक प्रथम द्विवार्षिक ई न्यूजलेटर शुरू किया।

एलसी-।। ने समकालीन विधिक मामलों पर अद्यतन अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए *कंटमपोरेरी लॉ रिव्यू- एलसी-।।* नामक अपना प्रथम ई-जर्नल शुरू किया।

सहायक प्रोफेसर सुश्री रुबिना के दिशानिर्देश में एलसी-।। के छात्रों ने 'वन इंडिया' नामक रिपब्लिक टीवी के एक कार्यक्रम में उसके स्टुडियो गए, जहां उन्होंने 26 नवम्बर, 2017 को पर्यावरण और कचरा प्रबंधन संबंधी पैनल चर्चा में भागीदारी की।

लॉ सेंटर-।। ने 26 फरवरी, 2018 को विधि छात्रों की पहल से बजट 2018-19 और उच्च शिक्षा पर इसके प्रभाव पर चर्चा कार्यक्रम आयोजित किया।

एलसी-।। की छात्रा सुश्री माला मेहता ने अक्टूबर, 2017 में 7वीं एमिटी इंटरनेशनल मूट कोट प्रतियोगिता में बेहतरीन अनुसंधानकर्ता पुरस्कार जीतकर उक्त केन्द्र को प्रतिष्ठा दिलायी।

एलसी-।। के छात्र श्री भास्करन बालाकृष्णन ने प्रतिष्ठित दिवंगत न्यायाधीश श्री अवध बेहराई रोहतागी स्वर्ण पदप और सुखदेवी गिरिधारी लाल ग्रोवर पुरस्कार जीता। प्रतिष्ठित स्वर्ण पदक और पुरस्कार दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा उसके विधि संकाय के उस छात्र को दिया जाता है जो एलएलबी के संवैधानिक कानून प्रश्न पत्र में सबसे अधिक अंक प्राप्त करता है। श्री भास्करन बालाकृष्णन ने उक्त प्रश्नपत्रों में 139/200 अंक अर्जित किया। उन्हें भारत के महामहिम राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद द्वारा डीयू के 94 वार्षिक दीक्षांत समारोह में पदक और पुरस्कार प्रदान किया गया।

***

प्रबंधन अध्ययन संकाय

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

अर्थशास्त्र विभाग के भाग के रूप में 1954 में स्थापित प्रबंधक अध्ययन संकाय (एफएमएस) उसके बाद से एक पूर्ण संकाय के रूप में विकसित हो गया है तथा यह प्रबंध शिक्षा में औपचारिक डिग्री कार्यक्रम प्रारंभ करने वाला देश का पहला संस्थान था। 1967 में अपने महत्वाकांक्षी कार्यक्रम एमबीए (पूर्णकालिक) को प्रारंभ करने के बाद से एफएमएस को निरंतर देश में शीर्षस्थ पांच व्यवसाय विद्यालयों के मध्य वरीयता दी जाती है। वर्तमान में, संकाय साक्ष्य शोध पत्रों, पुस्तकों, केसों को प्रकाशित करने; अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों में भागीदारी करने तथा विविध संगठनों के लिए प्रबंध विकास कार्यक्रमों का आयोजन करने के कार्य में सक्रियता से शामिल है जिनमें से कुछ को समीक्षाधीन अवधि के दौरान सम्मान और पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। छात्र निकाय प्रबंध विज्ञान संघ देश के अनेक बी-विद्यालयों के प्रबंध छात्रों के लिए अति सक्रियता के साथ अतिथि व्याख्यानों, शैक्षणिक कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, विद्त्व संगोष्ठियों और खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन कर रहा है। एफएमएस के छात्रों ने भी अन्य संस्थाओं और निगमित क्षेत्र द्वारा आयोजित शैक्षणिक, व्यवसाय योजनाओं तथा मामला अध्ययनों की राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय बी-विद्यालय प्रतियोगिताओं में अनेक पुरस्कार जीते हैं। एफएमएस विभिन्न संगठनों के लिए बड़ी संख्या में प्रबंध विकास कार्यक्रम भी आयोजित करता है।

प्रकाशन

गुप्ता जी. एवं नागपाल एस. (2017) . अशर जेनेरेटेड कम्युनिकेशन : अंडरस्टैंडिंग दि करंेट फैक्टर्स, मोटिवेशन टु शेयर एंड पर्चेज़ इंटेशन ऑफ ट्रैवल कंज्यूमर्स : जहेआईएम क्यूईएसटी जर्नल ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नालॉजी (आईएसएसएन : 0975-6280), 13(1), 90-98.

गुप्ता जी. एवं वर्मा ए. (2017). फॉरेन ब्रैंड नैम्स एज प्रीडिक्टर ऑफ कंज्यूमर्स पर्चेज डिसीजंस : इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट रिसर्च, 8(1), 19-25.

कपूर ए. एवं विज एम. (2017). डिजिटल एंड न्यू एज कंज्युमर ट्रेंड्स : ए स्टडी अमंग कॉलेज स्टूडेंट्स इन दिल्ली : जर्नल ऑफ कॉमर्स एंड बिजनेस स्टडीज़, दिल्ली विश्वविद्यालय, आईएसएसएन 2322-076.

नारायण एवं गुप्ता सी.पी. (2018). स्पेशल डिविडेंट एनाउंसमेंट बाई इंडियन फर्म्स : बिजनेस एनालिस्ट, 38(2), 3-25.

वेंकटरमन ए. एवं रविचंद्रन (2017). पब्लिक प्राईवेट पार्टनरशिप फोर यूनिवर्सल हैल्थ कवरेज इन इंडिया, रिसर्च रिपोर्ट, डब्ल्यूएचओ-इंडिया.

वर्मा ए. एवं गुप्ता जी. (2017), कंज्यूमर्स रिस्पांस टु फॉरेन ब्रांड्स : स्ट्रेटेजिक इम्प्लीकेंशस फ्रॉम स्वालिटेटिव पर्सपेक्टिव, एमिटी जर्नल ऑफ मार्केटिंग, 2(2).

वर्मा एच. एवं गुप्ता जी. (2017), कंज्यूमर्स रिस्पांस टु फॉरेन ब्रांड्स : स्ट्रेटेजिक इम्प्लीकेंशस फ्रॉम क्वालिटेटिव पर्सपेक्टिव, एमिटी जर्नल ऑफ मार्केटिंग, 2(2).

वर्मा ए. एवं गुप्ता जी. (2017). रिलेशनशिप क्वालिटी : व्हाट इन मींस इन इंडियन कंटेक्स्ट, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एशियन बिजनेस एंड इंप्लीकेशन मैनेजमेंट 8(3), 14-35.

वर्मा एच. (2017). एडवोकेसी, कस्टमर एडवोकेसी एंड मार्केटिंग इम्प्लीकेशंस, बीयूएलएमआईएम जर्नल ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, 2(1), 29-43.

विज एम. एवं धवन एस. (2017), मर्चेंट बैंकिंग एंड फिनैशियल सर्विसेज, सैकेंड एंड टाटा मैकग्रॉ हिल।

आयोजित संगोष्ठी

गरिमा गुप्ता, प्रबंध अध्ययन संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 9 सितम्बर, 2017 को 'माल और सेवाकर को समझना' विषय पर एक-दिवसीय कार्यशाला/संगोष्ठी का आयोजन किया (संयोजक के रूप में)।

गरिमा गुप्ता, प्रबंध अध्ययन संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 24 नवम्बर, 2017 को 'साइबर अपराध और सुरक्षा' पर वार्ता का आयोजन किया (संयोजक के रूप में)।

आयोजित सम्मेलन

गरिमा गुप्ता, सम्मेलन केन्द्र, उत्तरी परिसर में 10 फरवरी, 2018 को 'प्रबंध शिक्षा पर पुनर्चिंतन' विषय पर एफएमएसी के एक-दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया (संयोजक के रूप में)।

संगोष्ठियों/सम्मेलन में प्रस्तुति

अनुज कपूर एवं मधु विज (2018). 'टेक्नालॉजी एट दि डिजन टेबल : ऑनलाइन फूट आर्डरिंग एप्स इन इंडिया' सीओएसएमएआर, आईआईएस, बेंगलूर में पत्र प्रस्तुतीकरण।

अनुज कपूर एवं मधु विज (2018). 'आर यू डिजिटली रेडी? डेवलपमेंट ऑफ ए डिजिटल रेडिनेस इंडेक्स', आईआईटी बंबई में पत्र प्रस्तुतीकरण।

अनुज कपूर एवं मधु विज (2018). डिजिटल अंडरराइटिंग : लाइफ इंशुरेंस इन इंडिया पर पांचवं पैन आईआईएम विश्व सम्मेलन।

अनुज कपूर एवं मधु विज (2018). डिजिटाइजेशन इन बैंक्स : लक्जरी ऑर नेसेसरी' पर पांचवां पैन आईआईएम विश्व सम्मेलन।

अग्रवाल एस. एवं गुप्ता जी. (2018). "नर्चरिंग रिलेशनशिप थ्रू कंप्लेंट हैंडलिंग : व्हाट ऑल डज़ इट टेक्स?" विषय पर पत्र 11-12 जनवरी, 2018, को नई दिल्ली में 'डिजिटल आउटरीच एंड फ्यूचर्स ऑफ मार्केटिंग प्रैक्टिसेस' पर छठे वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण के लिए स्वीकृत।

गुप्ता जी. एवं अग्रवाल एस. (2017). "विनिंग बैक कम्लेनैंट्स : एन इम्पीरिकल एसेस्मेंट ऑफ की डिटेर्मिनेट्स' विषय पर पत्र दीनदयाल उपाध्याय कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 10 नवम्बर को आयोजित संधारणीय विकास के लिए समसामयिक कार्यनीतियों : विपणन और एचआर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

गुप्ता जी . (2017) . 'नेमिंग प्रोडक्ट्स : फॉरेन और लोकल ब्रांडिंग' 26 अप्रैल, 2017 को एपीजे स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय, उभरती प्रवृत्तियां, अवसर और चुनौतियां विषय पर सम्मेलन।

खंडेलवाल पी., सहगल ए., 'व्हाई जेंडर मैटर्स इन इंटर प्यूनेरशिप : पर्सेप्शन ऑफ सक्सेस अमंग इंडियन वीमेन इंडप्यूनर्स' विषय पर पत्र आईआईटी, दिल्ली में 14 जुलाई, 2017 को आयोजित उभरते बाजारों के लिए अस्थिर और अनिश्चित परिवेश में कार्यनीतियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सहगल ए. के साथ प्रस्तुत किया।

खंडेलवाल पी., 'महात्मा गांधी एज एन ऑथेंटिक लीडर : ए नेरेटिव ऑटोबायोग्राफिकल अप्रोच' विषय पर पत्र आईआईटी, दिल्ली में 14 जुलाई, 2017 को आयोजित उभरते बाजारों के लिए अस्थिर और अनिश्चित परिवेश में कार्यनीतियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सहगल ए. के साथ प्रस्तुत किया।

वेंकटरामन ए., टेक्नीकल रिपोर्ट राइटिंग फॉर पॉलिसी मार्कर्स एंड पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप इन हैल्थ केयर डिलीवरी, स्वास्थ्य मंत्रालय, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान एंड डब्ल्यूएचओ, 24 मई, 2017, तेहरान।

वोहरा ए., लहरी वी. एवं डांगी एच.के., 'इंपेडिमेंट्स टु पर्चेज़, ऑफ ग्रीन प्रोडक्ट्स विद रेफेरेंस टु सेलेक्टेड प्रोडक्ट कैटेग्रीज़ आईआईएम इंदौर द्वारा आयोजित एनएएसएमईआई ग्रीष्मकालीन विपणन सम्मेलन में प्रस्तुत (2017)।

वोहरा ए. एवं भारद्वाज एन., 'एंगेजमेंट विद ऑनलाइन : रोल ऑफ कम्युनिटी कमिटमेंट एंड एक्टिव पार्टिसिपेशन', आईआईएम इंदौर द्वारा आयोजित एनएएसएमईआई ग्रीष्मकालीन विपणन सम्मेलन में प्रस्तुत (2017)।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन सीएटी - 2018

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजित किए गए छात्रों की संख्या और प्रतिशत = 425, 100%

परिसर भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या = 162.

प्रदत्त एम.फिल/पीएच.डी. की संख्या

पीएच.डी. : 15

संकाय सदस्य संख्या : 23

***

गणित विज्ञान संकाय

कंप्यूटर विज्ञान

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

विभाग दो स्नातकोत्तर कार्यक्रम संचालित करता है - एमसीए और एम.एससी. कंप्यूटर विज्ञान। विभाग ने वर्ष 1982 में तीन वर्षीय मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशंस (एमसीए) कार्यक्रम तथा 2004 में एम.एससी. कंप्यूटर साइंस कार्यक्रम आरंभ किए थे जिसका उद्देश्य विकास कार्य संचालित करने और शोध में चुनौतियां ग्रहण करने के लिए छात्रों को तैयार करना तथा कंप्यूटर विज्ञान में उनकी सक्षमता को बढ़ाना था।

शोध : विभाग कम्पयूटर विज्ञान (कृत्रिम आसूचना, समांतर कंप्यूटिंग, डाटाबेस, डाटा माइनिंग, सॉफ्टवेयर इंजीनियरी, कंप्यूटरी ग्राफिक्स, नेटवर्किंग, वेट प्रौद्योगिकी, सूचना सुरक्षा, एल्गांरिद्म और बायोइंर्फोमेटिक्स) के विभिन्न शाखाओं में गहन अनुसंधान करने के प्रति रुचि लेता है तथा डॉक्टर ऑफ फिजियोलॉजी (जीएच.डी) कार्यक्रम संचालित करता है जिसका उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण अनुसंधानकर्ताओं को तैयार करना है। वर्तमान में, विभाग के पास लगभग 49 पीएच.डी छात्र हैं तथा आठ को 2017-18 में 'डिग्रियां प्रदान की गई हैं। सत्रह एम.एससी अनुसंधान परियोजनाएं संचालित की गईं, जिनमें से कुछ प्रकाशन की अंतिम अवस्था में हैं।

नियोजन : प्रतिष्ठित सॉफ्टवेयर कंपनियां जैसे एमेजॉन, नेशनल इंस्ड्रुमेंट्स, डायरेक्ट, सुमो लॉजिक, मोर्गन स्टैन्ले, नगारो, थोरोगुड, एसोलाइट, एरिस्ट्रोक्रेट ने नियोजन प्रक्रिया में भाग लिया। अधिकतम और न्यूनतम वेतन पैकेज क्रमश: रुपए 27.5 एलपीए और रुपए 4.5 एलपीए था।

छात्र क्रियाकलाप

कंप्यूटर विज्ञान के छात्रों द्वारा वार्षिक तकनीकी समारोह 'संकलन' के दसवें संस्करण का आयोजन किया गया। इस समारोह में समूचे भारत के कॉलेजों के कंप्यूटर विज्ञान के 400 छात्रों ने भाग लिया।

प्रकाशन

जर्नलों में लेख

भटनागर वी., कौर एस., सक्सेना आर. एवं खन्ना डी. (2017).

डीएएससी : डाटा अवेयर एल्गोरिद्म फॉर स्केलेबल क्लस्टिरिंग

नॉलेज एंड इंफार्मेशन सिस्टम, स्पिंगेर, 50(3), 851-881 [प्रभाव कारक फैक्टर : 2-004].

कुमारी टी. एवं बेदी पी. (2017). ए कामप्रिहेंसिव स्टडी आफ के शिलिंग अटैक्स इन रकमेंडर सिस्टम्स, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंप्यूटर साइंस इशूज, साफ्टवेयर फस्ट लि., 14(4), 44-50.

शर्मा एस. एवं बेदी पी. (2017). सीसीएफआरएस - कम्युनिटी बेसट कोलोबोरेटिव फिल्टेरिंग रकमेंडर सिस्टम, आईएसटीए 2016. जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट एंड फैजी सिस्टम, आईओएस प्रेस, नीदरलैंड्स, 32(4), 2987-2995 [प्रभाव कारक : 1.26]

गौतम ए. एवं बेरी पी. (2017), आईएसटीए 2016. डेवलपिंग कंटेट - बेस्ड रिकमेंडर सिस्टम यूजिंग हड्प मैप रिड्यूस, जर्नल ऑफ इंटेलीजेंट एंड फजी सिस्टम्स, 32(4), 2997-3008,आईओएस प्रेस, नीदरलैंड्स [प्रभाव कारक : 1.261].

वशिष्ठ पी. एवं बेदी पी. (2017). ए फर्जी हाइब्रिड रिकमेंटर सिस्टम, जर्नल ऑफ इंटेलीजेंट एंड फजी सिस्टम्स, आईओएस प्रेस, [प्रभाव कारक : 1.261].

अग्रवाल जी. एवं गुप्ता एन. (2017), बीआईईटी शीर्षक : बायक्लस्टरिंग एंसेम्बल टेकनीक यूजिंग ऑटिप्माइजेशन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोइंफार्मेटिक्स रिसर्च एंड एप्लीकेशंस, आईजेबीआरए 13(2), 104-130.

गुप्ता आर., मट्टू, एस.के. एवं पाल एस.के. (2017). फजी सी - मींस क्लस्टरिंग एंडपार्टिकल स्वार्म आप्टिमाइजेशन बेस्ड स्कीम फॉर कॉमन सर्विस सेंटर (लोकेशन एलोकेशन, एप्लाइड इंटेलीजेंस, स्प्रिंजर, 47(3), 624-643.

हंस के. आहूजा एल. और मट्टू एस.के. (2017). डिटेक्टिंग रीडायरेक्शन स्पैम यूजिंग मल्टीलेयर पर्सेप्शन न्यूरल नेटवर्क, सॉफ्टवेयर कंप्यूटिंग, 21(13), 3803-3814.

अनुसंधान परियोजनाएं

डीएसटी (डीयू-डीएसटी पर्स अनुदान), सॉफ्ट कंप्यूटिंग अप्रोच से मल्टी-क्राइटेरिया आप्टिमाइजेशन मॉड्यूल्स फॉर कंपोनेट सलेक्शन इन डिजाइनिंग फॉल्ट रोलेरेंट सॉफ्टवेयर सिस्टम, 2014-2018, 6,12,000/- रुपए।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन

भारतीय/विदेशी विश्वविद्‌यालयो के साथ

1. यूनीवर्सिटी ऑफ एजू, जापान
2. यूपीटेक, यूरोपियन इंस्टिट्यूटी ऑफ इंफार्मेशन टेक्नालॉजी (ले क्रम्लिन बिसेटरे, फ्रॉस)

अंतर-सांस्थानिक सहयोग

रक्षा अनसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ)

नियोजन विवरण

नियोजित छात्र - एमसीए एवं एमएससी कंप्यूटर 64 छात्रों को नियोजित किया गया। नियोजन के लिए कैंपस आने वाली कंपनयां - 25.

प्रदत्त पीएच.डी/एम. फिल.

पीएच.डी. - 8

संकाय सदस्य संख्या

स्थायी - 6

तदर्थ - 4

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

कंप्यूटर विज्ञान विभाग के छात्रों ने संकलन के बारहवें वर्ष में अपनी पत्रिका 'सृजन' के आठवें संस्करण का प्रकाशन ऑनलाइन और प्रिंट दोनों ही स्वरूपों में किया।

***

गणित

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

विभाग को यूजीसी-डीएसए, आई, डीएसटी-पर्स और डीएस-एफआईएसटी अनुदान द्वारा सहयोग दिया जाना तथा यह गणित में एम.ए./एससी और एम.फिल/ पीएच.डी. कॉक्रम संचालित करता है। विभाग को टाइम्स उच्च शिक्षा रैंकिंग 2018 में भारत में 10वीं और एशिया में 144वीं रैंक प्राप्त हुई है। संकाय सदस्यों ने वर्ष 2017-18 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा के जर्नलों में लगभग 50 पत्र प्रकाशित किए हैं। इस अवधि के दौरान, थियोरी ऑफ सेमीग्रुप्स एंड एप्लीकेशंस" पर पुस्तक सह-लेखित की तथा 'एप्लाइड मैथेमेटिक्स एंड कंप्यूटेशनल इंटेलीजेंस' पर पुस्तक सह-संपादित की। प्रो. अजय कुमार को वर्ष 2017 में राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के फेलो के रूप में निर्वाचित किया गया। विभाग ने कार्यशालाओं और संगोष्टियों का आयोजन किया तथा प्रो. टी.बी. सिंह की नवम्बर 2017 में सेवानिवृत्ति के उपलक्ष्य में उनके सम्मान में एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कैलीफोर्निया विश्वविद्यालय के फील्ड मेडलिस्ट प्रो. एफिम जेल्मानोव ने हमारे विभाग का दौरा किया तथा एक वार्ता संचालित की और एक लोक व्याख्यान दिया। विभाग ने 9-22 जून, 2017 के दौरान गणित में प्री-एंट्रेंस समर स्कूल का आयोजन किया।

सम्मान और विशिष्टियां

प्रो. अजय कुमार को 2017 में राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी का फेलो नियुक्त किया गया।
प्रो. अजय कुमार को नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी संस्थान की आम परिषद का विश्वविद्यालय प्रतिनिधि, 2017-2020 निर्वाचित किया गया।

प्रो. वी. रविचन्द्रन को श्यामा प्रसाद मुखर्जी महिला कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय की शासी निकाय का जून, 2017 से विश्वविद्यालय प्रतिनिधि नियुक्त किया गया।

शोध स्कॉलर श्री दिनेश सिंह ने भारतीय गणित सोसाइटी के 2017 में आयोजित 83वें राष्ट्रीय सम्मेलन में उन्हें 2015 में प्राप्त हुए ए. नरसिंह राव स्मारक पुरस्कार पर आधारित व्याख्यान दिया।

प्रकाशन

आहूजा ओ.पी., नागपाल एस. और रविचन्द्रन बी. (2017). ए टेक्नीक ऑफ कंस्ट्रक्टिंग प्लानर हार्मोनिक मैपिंग्स एंड डियर प्रोपर्टीज़, कोडई मैथेमेटिकल जर्नल, 40(2), 278-288.

अलारिफी एन.एम., अली आर.एम. एवं रविचन्द्रन वी. (2017) बेस्ट बाउंड्स फॉर सेकेंड हैंकल डिटेरमिमैंट ऑफ दि केथ-रूट-ट्रासफॉर्म ऑफ एनालाइटिक फंक्शंस, फिलोमेंट, 31(2), 227-245.

अली आर.एम., कुमार वी., रविचन्द्रन वी. एवं कुमार एस.एस. (2017). रेडियस ऑफ स्टार लाइकनेस फॉर फंक्शस विद फिक्स्ड सेकंड कोएफिशिएंट, क्यूंग पुक मैथेमेटिकल जर्नल, 57(3), 473-492.

अम्बेथकर वी. एवं कुशवाहा डी. (2017). न्यूमेरिकल सोल्यूशंस ऑफ एन अनस्टेडी 2-डी इंकम्प्रेसिबल फ्लो विद हीट एंड मास ट्रांसफर एट लो, मॉडरेट एंड हाई रे नोल्ड्स नम्बर्स, जर्नल ऑफ कोरियन सोसाइटी फॉर इंडस्ट्रियल एंड एप्लाइड मैथेमेटिक्स, 21(2), 89-107.

अम्बेथकर वी. एवं कुमार एम. (2017). न्यूमेरिकल सोल्यूशंस ऑफ एन स्टेडी 2-डी इंकम्प्रेसिबल फ्लो इन ए ड्रिवन स्क्वैयर कैविटी यूजिंग स्ट्रीम फंक्शन - वोर्टिसिटी फार्मुलेशन, टर्किश जर्नल ऑफ मैथेमेटिक्स एवं कंप्यूटर साइंस, 6, 10-22.

अम्बेथकर वी. एवं श्रीवास्तव एम.के. (2017). न्यूमेरिकल सोल्यूशंस ऑफ एन स्टेडी 2-डी इंकम्प्रेसिबल फ्लो इन ए रेक्टैंगुलर डोमेन विद वॉल स्लिम बाउंड्री कंडीशंस यूजिंग दि फिनिट वाल्यूम मेथड, जर्नल ऑफ एप्लाइड मैथेमेटिक्स एंड कंप्यूटेशनल मेकेनिक्स, 16(2), 5-16.

अम्बेथकर वी., श्रीवास्तव एम.के. एवं चमखा ए.जे. (2017). न्यूमेरिकल स्टडी ऑफ कपल्ड फ्लूइड फ्लो एंड हीट ट्रांसफर इन ए रेक्टेंगुलर डोमेन एट मोडरेट रेनाल्ड्स नम्बर्स यूजिंग कंट्रोल वॉल्यू मेथड, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल मैथेमेटिक्स।

अरेंड्स डब्ल्यू., चैलेंडर एल., कुमार एम. एवं श्रीवास्तव एम.के. (2017). एसिम्टॉटिक बिहेवियर ऑफ पावर्स ऑफ कंपोजिशन आपरेटर्स ऑन ब्रांच स्पेसेज़ ऑफ होलोमोर्फिक फंक्शंस, इंडियाना यूनिवर्सिटी जर्नल ऑफ मैथेमेटिक्स।

बोहरा एन. एवं रविचन्द्रन वी. (2017). स्वार्जियन डेरिवेटिव एंड जानोविस्की कन्वेक्सिटी, स्टूडिया यूनीवसितैतिस बेब्स बोलीथे मेथेमेटिका, 62(2), 197-204.

बोहरा एन. एवं रविचन्द्रन वी. (2017). ऑन कंफ्लुएट हाइपरज्योमेट्रिक फंक्शन एंड जेनेरेलाइज्ड बेसेल फंक्शंक्स, एनालाइसिस मेथेमेटिका, 43(4), 533-545.

बोहरा एन. एवं रविचन्द्रन वी. (2018). रेडिआई प्रॉब्लम्स फॉर नार्मेलाइज्ड बेसेल फंक्शंक्स ऑफ फर्स्ट काइंड, कंप्यूटेशनल मेथड्स एंड फंकशन थियोरी, 18 (1), 99-123.

क्रेप्सी जी.पी., ढींगरा एम. एवं ललिथा सी.एस. (2017). प्वांइटवाइज एंड ग्लोबल वैल-पोज्डनेस इन सेट आप्टिमाइजेशन : ए डायरेक्ट अप्रोच एनाल्स ऑफ आप्रेशंस रिसर्च, ऑनलाइन डीओआई : 10-1007/एस 10479-017-2709-7.

दास पी. एवं दास टी. (2018) . वेरियस टाइप्स ऑफ शैडोइंड एंड स्टोसिफिकेशन ऑन यूनीफार्म स्पेसेज, जर्नल ऑफ डायनेमिकल कंट्रोल सिस्टम्स, 24, 253-267.

दास आर., दास टी. एवं शाह एस. (2017). बोवंस डीकंपोजीशन थ्योरम फॉर टोपोलॉजिकी एनोसोव होम्योमोर्फिज़्म ऑन नॉन-कम्पैक्ट एंड नॉल-मेटेरिजेबल स्पेसेज़, कम्युनिकेशंस ऑफ दि कोरियन मैथेमेटिकल सोसाइटी, 33(1), 337-344.

दास बी.के. एवं वर्मा आर. (2017). कंस्ट्रक्टिव ऑफ एम-रिपीटेड बर्स्ट एरर डेटेक्टिंग एंड करेक्टिंग नॉन-बायनरी लीनियर कोड्स, एप्लीकेशंस एंड एप्लाइड मैथेमेटिक्स, 12(1), 337-349.

दीपशिखा एवं वशिष्ट एल.के. (2017). एक्सटेंशन ऑफ बेसेड सीक्वेंसेस टु डुअल फ्रेम्स इन हिबर्ट स्पेसेज़, यूपीबी साइंटिफिक बुलेटिन, सर. ए: एप्लाइड मैथेमेटिक्स एंड फिजिक्स, 79(2), 71-82.

ढींगरा एम. एवं ललिथा सी.एस. (2017). एप्रोक्सिमेट सोल्यूशंस एंड स्कैलेराइजेशन इन सेट ऑप्टिमाइजेशन, आप्टिमाइजेशन, 66(11), 1793-1805.

ढींगरा एस. एवं ललिथा सी.एस. (2017). सेट ऑटिप्माइजेशन यूजिंग इम्प्रूवमेंट सेट्स, यूगोस्लाव जर्नल ऑफ ऑपरेशनल रिसर्च, 27(2), 153-167.

गांधी एस. एवं रविचन्द्रन वी. (2017) . स्टारलाइक फंकशंस एसोसिएटेड विद ए ल्यून, एशियन-यूरोपियन जर्नल ऑफ मैथेमेटिक्स, 10(4), 1750064 (12 पृष्ठ).

गर्ग एम. एसं दास आर. (2018). ट्रांसिस्टिविटीज़ ऑफ मैप्स ऑन जी. स्पेसेस, एडवांसेस इन प्यूर एंड एप्लाइड मैथेमेटिक्स, 9(2), 75-83.

गर्ग एम. एवं दास आर. (2017). व्हेन ए मिलिमल मैप इन टोटली ट्रांसिस्टिव ऑन एजी-स्पेस, जर्नल ऑफ डानैमिकल एंड कंट्रोल सिस्टम्स, 23(3), 499-508.

गर्ग एम. एवं दास आर. (2017). एव्रेज चेन ट्रांसिस्टिविटी एंड दि अल्मोस्ट एव्रेज शैडोविंग प्रॉपर्टी, कम्युनिकेशंस ऑफ कोरियन मैथेमेटिकल सोसाइटी, 32, 201-214.

गर्ग एम. एवं दास आर. (2017). एक्सप्लोरिंग स्ट्रांगर फार्म ऑफ ट्रांसिस्टिविटी ऑन जी-स्पेसेज मैथेमेटिकी वेस्विक, 69, 164-167.

गर्ग एम. एवं दास आर. (2017). कंटीन्युअस सेमी-फ्लोज विद द अल्मोस्ट एव्रेज शैडोविंग प्रोपर्टी, कैओस, सोलूशंस एंड फ्रैक्टल्स, 105, 1-7.

गौड ए. एंड शर्मा ए. (2017). यूलेरियन ग्राफ्स एंड ऑटोमोर्फिज्म ऑफ ए मैक्सिम ग्राफ, इंडियन जर्नल ऑफ प्यूर एंड एप्लाइड मैथेमेटिक्स, 48(2), 233-244.

गुप्ता वी.पी. एवं जैन आर. (2017). ऑन क्लोज्ड लाइ आइडल्स ऑफ सर्टेन टेंसर प्रोडक्ट्स ऑफ C∗_एल्जेब्राज़, मैथेमेटिशे नेक्रिशेटन.

खुश्बू एवं ललिथा सी.एम. (2018) स्कैलेराइजेशन फॉर ए यूनीफाइड वेक्टर आप्टिमाइजेशन प्रॉब्लम बेस्ड ऑन आर्डर रिप्रेजेंटिंग एंड आर्डर प्रीजर्विंग प्रोपर्टीज, जर्नल ऑफ ग्लोबल आप्टिमाइजेशन, 70, 903-916.

कुमार ए., साहनी एन. एवं सिंह डी. (2017). इंवैरिएंस अंडर बाउंडेड एनालाइटिक फंक्शंस : नेजेरेलाइजिंग शिफ्टस, न्यूयार्क जर्नल ऑफ मेथेमेटिक्स, 23, 1249-1270.

कुमार ए., साहनी एन. एवं सिंह डी. (2017). इंवेरिएंस अंडर फाइनाइट ब्लैश्के फैक्टर्स ऑन बीएमओए, न्यूयार्क जर्नल ऑफ मैथेमेटिक्स, 23, 1641-1656.

कुमार एस., रविचन्द्रन वी. एवं वर्मा एस. (2017). बाउंड्स फॉर दि इनीशियल कोएफिशिएंट्स ऑफ स्टारलाइक फंकशंस विद रीयल कोएफिशिएंट्स बुलेटिन ऑफ ईरानियन मैथेमेटिकल सोसाइटी, 43(6), 1837-1854.

कुमार एस. एवं रविचन्द्रन वी. (2017). फंक्शन डिफाइंड बाई कोएफिशिएंट इनइक्वैलिटीज, मलेशियन जर्नल ऑफ मैथेमेटिकल साइंसेज़, 11(3), 365-375.

कुमार एस. (2017). माइल्ड सोलूशंस एंड फ्रैक्शनल आप्टिमल कंट्रोल ऑफ सेमीलीनियर सिस्टम विद फिक्स्ड डिले, जर्नल ऑफ ऑप्टिमाइजेशन थियोरी एंड एप्लीकेशंस, 174(1), 108-121.

गिल-लेफ्युएंटे, ए.एम. मेरिगो, जे.एम. दास, बी.के. एवं वर्मा आर. (संपा.) (2018). एप्लाइड मैकेनिक्स एंड कंप्यूटेशनल इंटेलीजेंट्स, एप्लाइड मैथेमेटिक्स एंड कंप्यूटेशनल इंटेलीजेंस [वी. 730 ऑफ एडवांसेस इन इंटेलीजेंट सिस्टम्स एंड कंप्यूटिंग, प्रिंगेर]।

ललिथा सी.एस. एवं ढींगरा एम. (2017). एप्रोक्सिमेंट लैरेंगियन डुएलिटी एंड सैडल प्वाइंट ऑप्टिमैलिटी इन सेट आप्टिमाइजेशन, आरएआईआरओ-आप्रेशंस रिसर्च, 51(3), 819-831.

लता एस. एवं सिंह डी. (2017). ए केस ऑफ सब-हार्डी हिल्बर्ट स्पेसेज़ एसोसिएटेड विद वेट शिफ्ट्स, होस्टल जर्नल ऑफ मैथेमेटिक्स, 44(1), 301-308.

लूथरा पी., कुमार ए. एवं राजपाल वी. (2018). पॉलीनोमिएल्स इन ऑपरेटर स्पेस थियोरी : मेट्रिक्स ऑर्डरिंग एंड एल्जेब्रेक आस्पेक्ट्स, पॉजिटिविटी, 22, 629-652.

लूथरा पी. एवं कुमार ए. (2017). एम्बेडिंग्स एवं C* एन्वेलॉप्स ऑफ एक्जैक्ट आपरेटर सिस्टम्स, बुलेटिन ऑफ दि आस्ट्रेलियन मैथेमेटिकल सोसाइटी, 96(2), 274-285.

पटेल ए. एवं बागरगान आर. (2017), सिमिलैरिटी सोल्यूशंस फॉर ए सिलेंड्रिकल शॉक वेब इन एसेल्फ: ग्रेविटेटिंग, रोटेरिंग एक्सीसिमेट्रिक डस्टी गैस विद हीट कंडक्शन एंड रेडिएशन हीटफ्लक्स, जर्नल ऑफ एप्लाइड फ्लूड मैकेनिक्स 10(1), 329-34.

पटेल ए., सिंह एम. एवं बागरगान आर. (2017). होमोटोपी एनालाइसिस मेथड फॉर वन डाइमेंशनल एनस्टेडी एबिएबेटिक गैस फ्लो, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्यूर एंड एप्लाइड मैथेमेटिक्स, 115(4), 673-692.

पटेल ए. एवं कुमार वी. (2017). स्टडी ऑफ जेनेरेलाइज्ड जैड के-बीबीएस एक्वेशन टु कंस्ट्रक्ट सॉलीटर पैटर्नस सोल्यूशंस वाया वैरिएशनल इंटेरेक्शन मैथड, फॉर ईस्ट जर्नल ऑफ मैथेमेटिक्स के लिए स्वीकृत।

रविचन्द्रन वी. एवं वर्मा एस. (2017). एस्टीमेट्स फॉर इंवर्स कोएफिशिएट्स ऑफ सर्टेन एनालाइटिक फंकशंस, फिलोमैट, 31(11), 3539-3552.

रविचन्द्रन वी. एवं वर्मा एस. (2017). रेडियस प्राब्लम्स फॉर रेशो ऑफ जानो व्हिस्की स्टार लाइक फंक्शंस विद इट्स डेरिवेटिव, बुलेटिन ऑफ दि मलेशियन मेथेमेटिकल साइंसेज सोसाइटी 40(2), 819-840.

शाह एस., दास आर. एवं दास टी. (2018). सैंसिटिविटी, प्रोपर्टी पी एंड यूनीफार्म एंट्रोपी - एशियन -यूरोपियन जर्नल ऑफ मैथेमेटिक्स, 12(2019), 8 पृष्ठ।

शर्मा जे. एवं कुमार ए. (2017). क्वालीटेटिव अनसर्टेनिटी प्रिंसिपल्स फॉर गेबोर ट्रांसफोर्म ऑन सर्टेन लोकली कंपैक्ट गुप्स, एडवांसेज इन प्यूर एंड एप्लाइड मैथेमेटिक्स - डी ग्रुयटेर 9, 205-220, डीओआई : http//doi.org/101515/apam-2017-0050.

सिंह आर. एवं जेना जे. (2018). ऑन इवोलूशन ऑफ नॉन-लीनियर वेव्स इन पालट्रॉपिक रिएक्टिंग गैसेस, जर्नल ऑफ मैथेमेटिकल कैमिस्ट्र, 56(1), 232-246.

सिंह एस.के., सिंह एच.के. एवं सिंह टी.बी. (2018). बोर्सुक-उल्म थ्योरम्स एंड देयर पैरामेट्रिज्ड वर्जन्स फॉर □p^mx□^{3}, बुलेटिन ऑफ दि ब्राजीलियन मेथेमेटिकल सोसाइटी, नई श्रृंखला, 49(1), 179-197.

सिंह एस.के., सिंह एच.के., एवं सिंह टी.बी. (2017). ए बोर्सुक-उल्म टाइप थियोरम फोर्थ प्रोडक्ट ऑफ ए प्रोजेक्टिव स्पेस एंड 3 - स्फेयर, टोपोलॉजी एंड इट्स एप्लीकेशंस, 225, 112-129.

सिन्हा के. एवं श्रीवास्तव एस. (2017). थियोरी ऑफ सेमीगुप्स एंड एप्लीकेशंस, टेक्स्ट एंड रीडिंग्स इन मैथेमेटिक्स, स्प्रिंजेट वर्लाग।

वशिष्ठ एल.के. एवं गर्ग एस. (2017). वीविंग के-फ्यूजन फ्रेम्स इन हिल्बर्ट स्पेसेज, गनिता, 67(1), 41-52.

शोध परियोजनाएं

एसईआरबी-डीएसटी ट्रैक फेलोशिप, सेमीग्रुप्स ऑन नॉन-कम्युटेटिव एलपी स्पेसेज, 2014-17, साची श्रीवास्तव।

आयोजित संगोष्ठियां

ऑपरेटर सेमी ग्रुप्स में हालिया प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, 18-21 दिसम्बर, 2017.

टोपोलॉजी ऑफ मैनीफोल्ड्स एंड ग्रुप्स एक्शंस पर कार्यशाला, 9-22 नवम्बर, 2017.

शोध स्कॉलर संगोष्ठी तथा गणित विज्ञान सोसाइटी का वार्षिक सम्मेलन, 1-2 मई, 2017.

आयोजित सम्मेलन

प्रो. तेज बाहदुर सिंह की सेवानिवृत्ति के अवसर पर उनके सम्मान में टोपोलॉजी एवं जियोमेट्री का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीटीजी-2017), 23-24 नवम्बर, 2017.

शोध स्कालर संगोष्ठी और गणित विज्ञान सोसाइटी का वार्षिक सम्मेलन, 1-2 मई, 2017.

संगोष्ठियों/सम्मेलनो में प्रस्तुतीकरण

सी.एस. ललिथा ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएसएम) धनबाद में 1-5 दिसम्बर, 2017 को नॉनलीनियर एनालाइसिस एंड आप्टिमाइजेशन पर आयोजित अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'कन्वेंक्स सेट्स एंड कन्वेक्स फंक्शंस' पर चार व्याख्यानों की श्रृंखला आयोजित की।

सी.एस. ललिथा ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में 14-19 नवम्बर, 2017 तक कन्वेक्स एनालाइसिस एंड ऑटिमाइजेशन पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'कन्वेंक्स सेट्स एंड कन्वेक्स फंक्शंस' पर चार व्याख्यानों की श्रृंखला आयोजित की।

सी.एस. ललिथा ने भारतीय सांख्यिकीय संस्थान, दिल्ली केन्द्र में, 9-11 जनवरी, 2018 तक आपरेशन रिसर्च एंड गेम थियोरी : मॉडलिंग एंड कम्पूटेशन पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय विचार-गोष्ठी में 'प्वाइंटवाइज एंड ग्लोबल वैल - पोसेडनेस इन सेट आप्टिमाइजेशन: ए डायरेक्ट अप्रोच' पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

सी.एस. ललिथा ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में 20-22 नवम्बर, 2017 तक आयोजित इंटरनेशनल कांफ्रेस ऑन एनालाइसिस एंड इट्स एप्लीकेशंस में "एप्रॉक्सिमेट वर्क एफिशिएंट सोलूशंस एंड कंटिन्युटी इन पैरामीट्रिक सेट आप्टिमाइजेशन" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

सी.एस. ललिथा ने माता सुंदरी महिला कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 7-8 सितम्बर, 2017 तक आयोजित अनुप्रयुक्त गणित में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'कंवेर्जेस ऑफ सोलूशन सेट्स इन वेक्टर आप्टिमाइजेशन' पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

सी.एस. ललिथा ने रानी चन्नमा विश्वविद्यालय, बेलगावी में 23-25 जून, 2017 तक आयोजित रामानुजन गणित सोसाइटी के 32वें वार्षिक सम्मेलन में 'स्टेबिलिटी आस्पेक्ट्स इन सेट ऑप्टिमाइजेशन' पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

ललित कुमार ने किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 14-20 दिसम्बर, 2017 तक वेल्वेट, फ्रेम्स एंड एप्लीकेशन III पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में "दि रिकस्ट्रक्शन प्रोपर्टी ऑफ फ्रैक्टल्स इन L^p स्पेसेज़' पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

ललित कुमार ने मोती लाल नेहरू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में गणित विभाग द्वारा 19-20 फरवरी, 2018 को एप्लीकेबल मैथेमेटिक्स पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "हिल्बर्ट फ्रेम्स : ए सिंगनल प्रोसेसिंग पसर्पेक्टिव" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

अतुल गौड ने अग्रवाल कॉलेज, वल्लभगढ़ में 17-18 फरवरी, 2018 तक गणित में हालिया प्रगति पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित वार्ता संचालित की।

सचिन कुमार ने वर्धनमान कॉलेज, बिजनौर द्वारा 24-25 फरवरी, 2018 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "लाई-सिमेट्री एनालाइसिस एंड सिमिलैरिटी रिडक्शन फॉर दि नॉन लीनियर पार्शल डिफरेंशियल इक्वेशंस पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

सचिन कुमार ने इंद्रप्रस्थ इंजीनियरी कॉलेज, गाजियबाद द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "लाई सिमेट्री एनालाइसिस एंड इनवैरिएंट सोलशंस ऑफ बॉर्न-इनफील्ड इक्वेशन" पर एक पत्र प्रस्तुत किया, 04-06 जरवरी, 2018.

सचिन कुमार ने केआईईटी ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशंस, गाजियाबाद भारत द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'सिमेट्री रिडक्शन्स एंड इनवैरिएंट सोलूशंस ऑफ (2+1) डायमेंशनल जूमेरोन इक्वेशन" पर एक पत्र प्रस्तुत किया, 22-23 दिसम्बर, 2017.

अजय कुमार ने गणित और अनुप्रयोगों पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'असेर्टेनिटी प्रिंसिपल्स ऑन लोकली कॉम्पैक्ट ग्रुप्स" विषय पर आयोजित वार्ता संचालित की, 26-28 अप्रैल, 2017.

अजय कुमार ने कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड में 2 फरवरी, 2018 को 'फोरियर सीरिज टु फोरियर ट्रांसफोर्म' पर 2 फरवरी, 2018 को एक विशेष व्याख्यान दिया.

अजय कुमार ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली में 24 जनवरी, 2018 को 'एनर्सटेनिटीज प्रिंसिपल्स ऑन लोकली काम्पैक्ट ग्रुप्स" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

अन्य अंतर्संस्थानिक सहयोग

अनेक संकाय सदस्यों ने विभिन्न संस्थानों के शोधकर्ताओं के साथ सहयोग किया जैसे जवाहरलाल नेहरू प्रगत वैज्ञानिक शोध केन्द्र (जेएनसीएएसआर), भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएस), बेंगलुरु; भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, यूनीवर्सिटी ऑफ साइंस, मलेशिया, केंट स्टेट यूनीवर्सिटी, यूएसए।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

नियोजन के लिए आमंत्रित 11 कंपनियों में कुल 10 छात्रों को नियोजित किया गया जिनका औसत वार्षिक पैकेज 6 लाख प्रतिवर्ष था।

विस्तार और पहुंच क्रियाकलाप

फील्ड मेडलिस्ट प्रो. एफिम जेल्मोनोव, कैलीफोर्निया विश्वविद्यालय, सैनडियोगो द्वारा 4 दिसम्बर, 2017 को 'मैथेमेटिक्स: साइंस ऑर आर्ट?" विषय पर एक सार्वनिक व्याख्यान आयोजित किया गया।
नियोजन प्रकोष्ठ ने वीकएंड आर के सहयोग से कौशल विकास, कैरियर और सीवी निर्माण पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

पूर्व-प्रवेश ग्रीष्मकालीन विद्यालय 2017, 9-22 जून, 2017.

प्रदत्त एम.फिल/पीएच.डी की संख्या :

पीएच.डी : 22

एम.फिल. : 19

संकाय सदस्य संख्या / 22 स्थायी

***

प्रचालनात्मक अनुसंधान

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

प्रचालनात्मक अनुसंधान विभाग ने अपनी स्थापना के समय से ही स्वयं को इष्टतमीकरण और डाटा विश्लेषण के क्षेत्र में शिक्षा और अनुसंधान के अग्रणी केन्द्र के रूप में स्थापित किया है। नियमित शिक्षण और शोध कार्य के अलावा छात्रों का समग्र विकास सुनिश्चित करने के लिए विभाग प्रत्येक वर्ष बड़ी संख्या में शिक्षण क्रियाकलापों को संचालित करता है। विभाग नियमित रूप से छात्रोन्मुखी और शोधोन्मुखी कार्यशालाओं/सम्मेलनों/संगोष्ठियों का आयोजन करता है। वर्ष 2017-18 के दौरान, विभाग ने 'व्यवसाय विश्लेषण और आसूचना' पर एक संगोष्ठी-सह-कार्यशाला का तथा 'पायथॉन' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। उद्योग तथा शिक्षा संस्थाओं के प्रख्यात वक्ताओं ने छात्रों और संकाय के साथ वार्तालाप किया तथा व्याख्यान दिए।

सम्मान/विशिष्टियां

प्रोफेसर चन्द्र के. जग्गी

वस्तु-सूची और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंध के क्षेत्र में इनके योगदान के लिए इन्हें इंटरनेशनल साइंस कम्युनिटी एसोसिएशन द्वारा 08 दिसम्बर, 2017 को भूटान में आयोजित 7वीं अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस में अंतर्राष्ट्रीय श्रेष्ठ शोधकर्ता पुरस्कार 2017 प्रदान किया गया।
प्रचालनात्मक अनुसंधान के क्षेत्र में उनकी निष्ठा, लगन और उत्कृष्ट निष्पादन के लिए इंस्टिट्यूट ऑफ सेल्फ रिलायंस, भुवनेश्वर, भारत द्वारा 19 नवम्बर, 2017 को उन्हें भारत विकास पुरस्कार प्रदान किया गया।
ग्रेस इंडिया एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट दिल्ली द्वारा 07 अक्तूबर, 2017 को श्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार।

प्रोफेसर पंकज गुप्ता

अल्पकालिक विदेशी विशेषज्ञ, स्कूल ऑफ इंफार्मेशन, कैपिटल यूनीवर्सटी ऑफ इकानॉमिक्स एंड बिजनेस, बीजिंग, चीन, जून-जुलाई, 2017.

डा. मुकेश कुमार मेहलावत

अतिथि वैज्ञानिक, स्कूल ऑफ इंफार्मेशन, कैपिटल यूनीवर्सटी ऑफ इकानॉमिक्स एंड बिजनेस, बीजिंग, चीन, जून-जुलाई, 2017.

प्रकाशन

अग्रवाल एन., अरोड़ा ए. एवं आनंद ए. (2018) . मॉडलिंग एंड कैरेक्टेराइजिंग व्यूवर्स ऑफ यू ट्यूब वीडियोज़, इंटरनेशनल जर्नल सिस्टम एशुरेंस एंड इंजीनियरिंग मैनेजमेंट, 9(2), 539-546.

अग्रवाल के.के. एवं त्यागी ए.के. (2017). इन्वेंट्री एंड क्रेडिट डिसीजंस अंडर इफ्लेशनरी, कंडीशंस विद इंफलेशन इंड्यूज्ड बैड-डेट्स, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ आप्रेशंस रिसर्च एंड इंफार्मेशन सिस्टम्स, 9(3), 52-76.

अग्रवाल के.के. एवं त्यागी ए.के. (2017). इंवेंट्री एंड क्रेडिट डिसीजंस अंडर ट्राई-टर्म्स क्रेडिट्स एंड स्टॉक-डिपेंडेंट डिमांड, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सप्लाई चेन एंड इंवेंट्री मैनेजमेंट, 2(2), 99-121.

आनंद ए., बंसल जी. एवं अग्रवाल एम., (2018). मॉडलिंग एडॉप्शन ऑफ ए सक्सेसिव जेनेरेशनल प्रोडक्ट इन मल्टीपल मार्केट्स इन एन. शाह एवं एम. मित्तल (संपा.), हैंडबुक ऑफ रिसर्च ऑन प्रोमोटिंग बिजनेस प्रोसेस इम्प्रूवमेंट थ्रू इन्वेंट्री कंट्रोल टेक्नीक्स (427-441), हर्शे, पीए : आईजीआई ग्लोबल।

आनंद ए., बंसल जी., अग्रवाल एम. एवं अग्रवाल डी. (2018). रीमैनुफैक्चरिंग : ए इंडस्ट्रियल स्ट्राटेजी फॉर इकानॉमिक बेनेफिट्स, इन एम. राम. एवं जे. डेविम (संपा.) डायग्नोस्टिक टेक्नीक्स इन इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग (137-155), चैम : स्प्रिंगेर।

आनंद ए., अग्रवाल एम., अग्रवाल डी. एवं सिंह ओ. (2018). इनोवेशन डिफ्यूजन मॉडलिंग कंसीडरिंग दि टाइम लैग बिटवीन अवेयरनैस एंड इवेंचुअल एडॉप्शन जर्नल ऑफ एडवांसेस इन मैनेजमेंट रिसर्च, 15(1), 4-16.

आनंद ए., अग्रवाल एम., अग्रवाल डी. एवं सिंह ओ. (2018). क्यूइंग थियोरी - बेस्ड इनोवेशन डिफ्यूजन मॉडलिंग इन कार्पोरेटिंग चोंज इन एडप्शन रेट, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैथेमेटिक्स इन आपरेशनल रिसर्च, 12(1), 102-116.

आनंद ए., सिंघल एस. एवं सिंह ओ. (2018). रीविजिटिंग डायनैमिक पोटेंशियल एडॉप्टर डिफ्यूजन मॉड्यूल्स अंडर दि इंफ्लुएंस ऑफ इरेगुलर फ्लक्चुएशंस इन एडाप्शन रेट, इन : एन शाह एवं एम. मित्तल (संपा.), हैंडबुक ऑफ रिसर्च ऑन प्रोमोटिंग बिजनेस प्रोसेस इंप्रूवमेंट थ्रू इंवेंट्री कंट्रोल टेक्नीक्स (499-519), हर्शे, पीए : आईजीआई ग्लोबल।

आनंद ए., सिंघल एस., पंवार एस. एवं सिंह ओ. (2018). आप्टिकल प्राइस एंड वारटी लेंथ फॉर प्रोफिट डिटरमिनेशन : एन इवैलुएशन बेस्ड ऑन प्रीवेंटिव मेंटेनेंस, इन : पी. कपूर , यू. कुमार एवं ए. वर्मा (संपा.), क्वालिटी, आईटी एंड बिजनेस आप्रेशंस (पीपी 265-277), सिंगापुर : स्प्रिगेर।

आनंद एस., वर्मा वी. एवं अग्रवाल ए.जी. (2018). 2-डाइमेंशनल मल्टी-रिलीज साफ्टवेयर रिलाएबिलिटी मॉडलिंग कंसीडरिंग फॉल्ट रिडक्शन फैक्टर अंडर इर्म्फेक्ट डीबगिंग, इंजीनियरिंग सोली डेरिया, 14(25), 13 पृष्ठ.

बाओ टी. क्यू., गुप्ता पी. एंड कान्ह पी.क्यू. (2017). नेसेसरी आप्टिमैलिटी कंडीशंस फॉर मिनिमैक्स प्रोग्रामिंग प्रॉब्लम्स विद मैथेमेटिकली कंस्ट्रेट्स, आप्टिमाइजेशन, 66(11), 1755-1776.

दरबारी जे.डी., अग्रवाल वी., भदावल्ली वी.एस., गलार डी. एवं झा पी.सी. (2017). ए मल्टी आब्जेक्टिव फजीमैथेमैटिकल अप्रोच फॉर सस्टेनेबल रिजर्व सप्लाई चेन कंफिग्रेशन, जर्नल ऑफ ट्रांसपोर्ट एंड सप्लाई चेन मैनेजमेंट, 11(1), 1-12.

दरबारी जे.डी., कन्नन डी., अग्रवाल वी. एवं झा पी.सी. (2017). फजी क्राइटेरिया प्रोग्रामिंग अप्रोच फॉर आप्टिमाइजिंग दि टीबीएल परफार्मेंस ऑफ क्लोज्ड लूप सप्लाई चेन नेटवर्क डिजाइन प्राब्लम, एनल्स ऑफ आप्रेशंस रिसर्च, https://doi.org.10.1007/एस 10479-017-2701-2.

ढाका वी., पारीक एस. एवं जग्गी सी.के. (2017). इवेंट्री मॉडल फॉर ऑप्टिमल प्राइसिंग एंड आर्डरिंग पालिसीज़ अंडर टू लेवल ट्रेड क्रेडिट्स इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्रोक्यूरमेंट मैनेजमेंट, 10(5), 555-567.

गौतम पी. एवं खन्ना ए. (2018). एन इर्म्फेक्ट प्रोडक्शन इंवेंट्री मॉडल विद सेटअप कॉस्ट रिडक्शन एंड कार्बन एमीशन फॉर एन इंटीग्रेटेड सप्लाई चेन, अनसर्टेन सप्लाई चेन मैनेजमेंट, 6(3), 271-286.

गोविंदन के., अग्रवाल वी., दरबारी जे.डी. एवं झा पी.सी. (2017). इन इंटीग्रेडेड डिसीजन मेकिंग मॉडल फॉर दि सेलेक्शन ऑफ सस्टेनेबल फार्वर्ड एंड रिवर्स लाजिस्टिक प्रोवाइडर्स, एनल्स ऑफ ऑपरेशंस रिसर्च, http://doi.org/10.1007/एस 10479-017-2654-5.

गुप्ता पी. एवं तामेर सी. (2017). स्पेशल इशू ऑन एडवांसेस इन आप्टिमाइजेशन थियोरी एंड एप्लीकेशंस ऑन दि ऑकेज़न ऑफ दि इंटरनेशनल कांफ्रेस ऑन रीसेंट एडवांसेस इन आप्टिमाइजेशन थियोरी एंड एप्लीकेशंस - आरएओटीए 2016, आप्टिमाइजेशन, 66(11), 1739-1740.

जग्गी सी.के., गौतम पी. एवं खन्ना ए., (2018). इवेंट्री डिसीजन फॉर इर्म्फेक्ट क्वालिटी डिटीरियोरेटिंग आइटम्स विद एक्पोनेंशियल डेक्लाइनिंग डिमांड अंडर ट्रेड क्रेडिट एंड पार्शली बैकलॉग्ड शार्टेजेज़, इन : पी. कपूर, यू. कुमार एंड ए. वर्मा (संपा.) क्वालिटी, आईटी एंड बिजनेस आप्रेशंस (पीपी 213-219), सिंगापुर : स्प्रिंगेर।

जग्गी सी.के., गौतम पी. एवं खन्ना ए., (2018). क्रेडिट पालिसीज़ फॉर डिटीरियोरेटिंग इम्पर्फेक्ट क्वालिटी आइटम्स विद एक्सपोनेन्शियली इंक्रीजिंग डिमांड एंड पार्शियल बैकलागिंग, इन : एन. शाह एवं एम. मित्तल (संपा.) हैंडबुक ऑफ रिसर्च ऑन प्रोमेटिंग बिजनेस प्रोसेस इम्प्रूवमेंट थ्रू इवेंट्री कंट्रोल टेक्नीक्स (पीपी 90-106) हर्शे, पीए : आईजीआई ग्लोबल।

जग्गी सी.के., गौतम पी. एवं खन्ना ए., (2018). ए स्टडी ऑन इर्म्फेक्ट प्रोडक्शन सिस्टम अंडर मेंटेनेंस स्ट्रेटेजीज़ एंड वारंटी इन : एन. स्मिथ एवं एम. मित्तल (संपा.) हैंडबुक ऑफ रिसर्च ऑन प्रोमोटिंग बिजनेस प्रोसेस इम्प्रूवमेंट थ्रू इवेंट्री कंट्रोल टेक्नीक्स (पीपी 371-387) हर्शे, पीए : आईजीआई ग्लोबल।

जग्गी सी.के., गोयल एस.के. एवं तिवारी एस., (2017). टू-वेयरहाउस इवेंट्री माडल फोर नोन-इंटेंटेनियस डिटीरियोरेटिंग आइटम्स अंडर डिफेरेंट डिस्पैच पालिसीज, इंवेस्टिगेश्न ओपेरेशनल, 38(4), 343-365.

जग्गी सी.के., गुप्ता एम., कौसर ए. एवं तिवारी एस. (2018). इवेंट्री एंड क्रेडिट डिसीजंस फॉर डिटीरियोरेटिंग आइटम्स विद डिस्प्लेड स्टॉक डिपेंडेंट रिमांड इन टू-एकेलॉन सप्लाई चेन यूजिंग स्टेकेल बर्ग एंड नैश इक्विलियम सोलूशन, एनल्स ऑफ आप्रेशन्स रिसर्च, http://doi.org/10.1007/एस 10479-018-2925-9.

जग्गी सी.के., जैन आर. एवं वर्मा एम. (2018). इम्पैक्ट ऑफ डिमानेटाइजेशन ऑन सप्लाई चेन इन इंडियन कंटेक्स्ट, एम्स इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैंनेजमेंट 12(1), 1-10.

जग्गी सी.के., तिवारी एस., गुप्ता एम. एवं वी एच.एम. (2017). इम्पैडक्ट ओफ क्रेडिट फाईनैंसिंग स्टोरेज सिस्ट्म एंड चैंजिंग डिमांड ऑन इंवेस्टमेंट फॉर डिटीरियोरेटिंग आइटम्स, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम्स साइंस : आप्रेशंस एंड लार्जिस्टिक्स, 1-19.

ली वाई., कन्नन डी., झा पी.सी., गर्ग के., दरबारी जे. एवं अग्रवाल एन., (2018). डिजाइन ऑफ ए मल्टी एकेलन प्रोडक्ट रिकवरी एम्बेडेड रिवर्स लाजिस्टिक्स नेटवर्क फॉर मल्टी प्रोडक्ट्स एंड मल्टी पीरियड्स, एनल्स ऑफ आप्रेशंस रिसर्च, http://doi.org/10.1007/एस 10479-018-27746-4.

लियू वाई.जे., जांग डब्ल्यू जी. एवं गुप्ता पी. (2018). इंटरनेशनल असेट एलोकेशन आप्टिमाइजेशन विद फजी रिटर्न, नॉलेज केन्द्र सिस्टम्स, 139(1), 189-199.

मेसिर आर., स्पिकी एल., गुप्ता पी. एवं जिन एल.एस. (2018). एग्रेशन ऑफ ओडब्ल्यूए ऑपरेटर्स, आईईईई ट्रांसेक्शंस ऑन फजी सिस्टम्स, 26(1) : 284-291.

निझावन एन., अग्रवाल ए.जी. एवं ढाका वी. (2018). एन एनआरजीएम फॉर मल्टी-रिलीज़ ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर सिस्टम, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेशन एंड टेक्नालॉजी मैनजमेंट, 15(2), 1850011.

सचदेवा एन., कपूर पी.के. एवं सिंह ओ. (2018). जेनेरेलाइज्ड फ्रेमवर्क फॉर आप्टिमल प्री एंड प्रोस्ट रिलीज साफ्टवेयर टेस्टिंग इन प्रेजेंस ऑफ वारंटी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्रोक्यूरमेंट मैनेजमेंट, 11(2), 172-200.

सचदेवा एन., कपूर पी.के. एवं सिंह ओ. (2018). टू-डायमेंशनल फ्रेमवर्क टु आप्टिमाइज रिलीज टाइम एंड वारंटी, एन : पी. कपूर, यू. कुमार एवं ए. वर्मा (संपा.) क्वालिटी, आईटी एंड बिजनेस आप्रेशंस (पीपी 383-404), सिंगापुर : स्प्रिंगेर।

सचदेवा एन., कपूर पी.के. एवं सिंह ओ. (2018). व्हेन टु स्टार्ट रीमैनुफैक्चरिंग यूजिंग एडॉप्टर कैटेगराइजेशन, एन : पी. कपूर, यू. कुमार एवं ए. वर्मा (संपा.) क्वालिटी, आईटी एंड बिजनेस आप्रेशंस (पीपी 443-465), सिंगापुर : स्प्रिंगेर।

शर्मा ए.के., जग्गी सी.के. एवं तिवारी एस. (2017). आप्टिमल रेप्लिशमेंट पॉलिसी फॉर प्राइस डिपेंडेंट डिमांड इन डिफेरेंट फाइनेंशियल सिनारियो अंडर फजी इवायर्नमेंट, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंवेंट्री रिसर्च, 4 (2-3), 103-131.

शर्मा पी., मलिक एस.सी., गुप्ता ए. एवं झा पी.सी. (2018). ए डीएमएआईसी सिक्स सिग्मा अप्रोच टु क्वालिटी इंप्रूवमेंट इन दि एनोडाइजिंग स्टेज ऑफ दि एम्प्लीफायर प्रोडक्शन प्रोसेस, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्वालिटी एंड रिलाइएबिलिटी मैनेजमेंट https://doi.org.10.1108/आईजेक्यूआरएस 08--2017-0155.

श्रीवास्तव पी.डब्ल्यू. एवं गुप्ता टी. (2012). एक्सेलेरेट लाइफ टेस्ट प्लान अंडर मांडिफाइड रैंपस्ट्रेस लोडिंग विद टू स्ट्रेस फैक्टर्स, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिलाएबिलिटी एंड एप्लीकेशंस, 18(2)21-44.

श्रीवास्तव पी.डब्ल्यू. एवं मनीषा (2017). ए जीरो फेलियर एडीटी अंडर रैंप सोक-स्ट्रेस लोडिंग, जर्नल ऑफ रिस्क एंड रिलाएबिलिटी, 1-12, डीओआई : 10.1177/1748006 एक्स 17743136.

श्रीवास्तव पी.डब्ल्यू. एवं सविता (2018). एन एक्सलेरेटेड लाइफ टेस्ट प्लान फॉर ए टू-कंपोनेंट पैरेलल सिस्टम अंडर रैंप-स्ट्रेस लोडिंग यूजिंग मास्क्ड डाटा, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्वालिटी एंड रिलाइएबिलिटी मैनेजमेंट, 35(3), 811-820.

श्रीवास्तव पी.डब्ल्यू. एवं एवं सविता (2017). डिजाइन ऑफ रैम्प-स्ट्रेस एक्सेलेरेटड लाइफ टेस्ट प्लान्स फॉर ए पैरेलेल सिस्टम विद टू इंडिपेंडेंट कम्पोनेट्स यूजिंग मास्क्ड डाटा, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्वालिटी एंड रिलाइएबिलिटी मैनेजमेंट 18(2), 45-63.

तिवारी एस., जग्गी सी.के., गुप्ता एम. एवं कोर्डेनस-बैरन एल.ई. (2018). आप्टिमल प्राइसिंग एंड लॉट-साइजिंग पालिसी फॉर सप्लाई चेन सिस्टम विद डिटीरियोरेटिंग आइटम्स अंडर लिमिटेड स्टोरेज कैपेसिटी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्रोडक्शन इमॉनामिक्स, 200, 278-290.

तिवारी एस., जग्गी सी.के., भूनिया ए.के., शेख ए.ए., एवं गोह एम. (2017). टू-वेयरहाउस इंवेट्री मॉडल फॉर नान-इंस्टैंटेनियस डिटीरियोरेटिंग आइटम्स विद स्टॉक-डिपेंडेंट डिमांड एंड इफ्लेशन यूजिंग पार्टिकल स्वार्म आप्टिमाइजेशन, एनल्स ऑफ आप्रेशंस रिसर्च, 254(1-2), 401-423.

वर्मा एस. एवं मेहलावत एम.के. (2017). मल्टी-क्राइटेरिया आप्टिमाइजेशन मॉडल इंटीग्रेटेड विद एएचपी फॉर, इवैलुएशन एंड सेलेक्शन ऑफ सीओटीएस कंपोनेट्स, ऑप्टिमाइजेशन 66(11), 1879-1894.

संपादकों/संपादक मंडलों के सदस्यों के रूप में कार्य कर रहे विभाग के शिक्षकों की संख्या

प्रोफेसर चन्द्र के. जग्गी
प्रधान संपादक, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंवेंट्री कंट्रोल एंड मैनेजमेंट, दि एसोसिएशन फॉर दि एडवांसमेंट इन कंबीनेटोरियल साइसेंस द्वारा प्रकाशित

प्रधान संपादक, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च आर्गेनाइजेशन फॉर साइंस, इंजीनियरिंग एंड टेक्नालॉजी।

संपादक, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम्स एशुरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, स्प्रिंगेर।

सहयोजित संपादक, दि जीएसटीएफ जर्नल आफ मैथेमेटिक्स, स्टैटेस्टिक्स एंड आप्रेशंस रिसर्च।

सदस्य, संपादक बोर्ड, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम्स साइंस : आप्रेशंस एंड लाजिस्टक्स, टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप लि.।

सदस्य, संपादक बोर्ड, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सर्विसेज आप्रेशंस एंड इंफार्मेटिक्स, इंदर साइंस पब्लीशर्स लि.।

सदस्य, संपादक बोर्ड, अमेरिकन जर्नल ऑफ आपरेशनल रिसर्च, साइटिफिक एंड एकेडमिक पब्लिशिंग।

सदस्य, संपादक बोर्ड, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एंटरप्राइज कंप्यूटिंग एंड बिजनेस सिस्टम्स।

सदस्य, संपादक बोर्ड, रिसर्च जर्नल ऑफ मैनेजमंट साइंसेज, इंटरनेशनल साइंस कांग्रेस एसोसिएशन।

प्रो. पंकज गुप्ता
सहयोजित सदस्य, इंफार्मेशन साइंसेज (एल्सेवियर)।
सहयोजित सदस्य, आईईईई ट्रांजेक्शंस ऑन फजी सिस्टम्स (आईईईई कंप्यूटेशनल इंटेलीजेंस सोसाइटी)।

संपादक, एप्लाइड सॉफ्ट कंप्यूटिंग (एल्सेवियर)।

सहयोजित सदस्य, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फजी सिस्टम्स (स्प्रिंगेर)।

प्रोफेसर के.के. अग्रवाल
संपादक मंडल के सदस्य, एमिटी जर्नल ऑफ आप्रेशंस मैनेजमेंट।

डा. ओमपाल सिंह
संपादक मंडल के सदस्य, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैथेमेटिकल इंजीनियरिंग मैनेजमेंट (स्पिंगेर)।

डा. वंदना खेतान
संपादक मंडल की सदस्य, एमिटी जर्नल ऑफ आप्रेशंस मैनेजमेंट।

डा. आदर्श आनंद
सहयोजित संपादक, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एशूरेंस एंड इंजीनियरिंग मैनेजमंट (स्पिंजेट)।
संपादन समीक्षा बोर्ड, एमिटी जर्नल ऑफ आप्रेशंस मैनेजमेंट।
संपादन बोर्ड सदस्य, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैथेमेटिकल इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट साइंस।

शोध परियोजनाएं
दिल्ली विश्वविद्यालय से डीएसटी-पर्स चरण II अनुदान, 2014-2018, 25 लाख रु.।

आयोजित संगोष्ठियां
डा. मुकेश कुमार मेहलावत, प्रचालनात्मक अनुसंधान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 10 फरवरी, 2018 को आयोजित व्यवसाय विश्लेषक एवं आसूचना संबंधी संगोष्ठी-सह-कार्यशाला के आयोजक सचिव।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतीकरण

प्रोफेसर चन्द्र के. जग्गी
आमंत्रित वार्ता, सांख्यिकीय विभाग, रामलाल आनंद कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत, 26 फरवरी, 2018.

"प्रचालन अनुसंधान और गणितीय विज्ञान" विषय पर वर्धमान कॉलेज, बिजनौर (उत्तर प्रदेश) में 24-25 फरवरी, 2018 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

गणित विभाग, वर्धमान विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल में 15-17 फरवरी, 2018 को "गणित और इसके अनुप्रयोग" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

गणित विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की, रुड़की भारत में 28-30 दिसम्बर, 2017 को 'प्रचालनात्मक अनुसंधान और सांख्यिकी में हालिया रूझान' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

हैरिटेज इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी, कोलकाता, भारत में 21-23 दिसम्बर, 2017 को भारतीय प्रचालनात्मक अनुसंधान सोसाइटी के 50वें वार्षिक दीक्षांत समारोह के साथ 'एडवांसिंग फ्रंटियर्स इन ऑपरेशनल रिसर्च : टुवर्ड्स ए सस्टेनेबल वर्ल्ड (एएफओआर 2017) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

अतिथि वार्ता, गणित विभाग, टेक्नो इंडिया यूनीवर्सिटी, कोलकाता, 22 दिसम्बर, 2017.

अतिथि वार्ता, 'टेक्नीक्स ऑफ सिस्टम्स एनालाइसिस, मॉडलिंग एंड सिमुलेशंस', आईएसएसए, डीआरडीओ मेटकाफ हाउस, 12 दिसम्बर, 2017.

कॉलेज ऑफ साइंस एंड टेक्नालॉजी रिंचेंडिंग, फुएंटशोलिंग, चुक्खा, भूटान में अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस, 8-9 दिसम्बर, 2017.

गणित और सांख्यिकीय विभाग, मनिपाल विश्वविद्यालय जयपुर, जयपुर में 24-26 नवम्बर, 2017 तक आयोजित भारतीय विज्ञान परिषद के 20वें वार्षिक सम्मेलन में मेथेमैटिकल साइंसेज, एंड साइंटिफिक कंप्यूटिंग फॉर इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट एंड इंटरनेशनल सिंथोजियम ऑन प्रोवैब्लिस्टिक मॉड्यूल्स एंड स्पेशल फंक्शंस" विषय पर प्रोफेसर जे.एन. कपूर स्मारक व्याख्यान दिया।

प्रोफेसर पंकज गुप्ता

जेएनयू, नई दिल्ली में 13 मार्च, 2018 को एप्लीकेशन ऑफ ग्राफ्स एंड नेटवर्क कंप्यूटेशनल स्टडीज, बायोइंफोमेटिक्स, इंजीनियरिंग एंड इट्स टेक्नीकल टर्मिनोलॉजी पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मल्टीक्राइटेरिया डिसीजन मेमिंग यूजिंग एएचपी' विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया।

भारतीय सांख्यिकीय संस्थान, दिल्ली केंद्र द्वारा 11 जनवरी, 2018 को आपरेशंस रिसर्च एंड गेम थिमोरी : मॉडलिंग एंड कम्प्यूटेशन पर आयोजित विचार-गोष्ठी में 'इंस्टिट्यूशनिस्टिक फजी मल्टीएट्रिब्यूट डिसीजन मेकिंग मेथड पर अतिथि वार्ता संचालित की।

साउथ एशियन यूनीवर्सिटी, नई दिल्ली द्वारा 15 दिसम्बर, 2017 को मैथेमेटिकल प्रोग्रामिंग एंड गेम थियोरी पर आयोजित विचार-गोष्ठी में 'मल्टीक्राइटेरिया डिसीजन मेकिंग' पर अतिथि वार्ता संचालित की।

प्रोफेसर प्रीतिवंती श्रीवास्तव

आईआईएसए 2017, हैदराबाद में 27-30 दिसम्बर, 2017 को 'एक्स्लेरेटेड लाइफ टेस्ट्स विद डिपेंडेंट कंपीरिंग रिस्थून यूजिंग टेमपर्ड फेलियर रेट मॉडल्स पर अतिथ वार्ता का संचालन।

डा. ओमपाल सिंह

बुदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी में 9-11 मार्च, 2018 को भारतीय विज्ञान परिषद के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'रीसेंट ट्रेंड्स ऑफ कंम्यूटिंग इन मैथेमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड इंफार्मेशन टेनालाजीज' पर पत्र प्रस्तुत किया।

पेरिजेवोर, सर्बिया में 28-29 जून, 2018 को आयोजित 'लाइफ साइकल इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट' पर डीएमक्यू अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पत्र प्रस्तुत किया।

श्री कौशल कुमार

विनोद गुप्ता प्रबंध विद्यालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर में 14-15 मार्च, 2018 को 'चौथी प्रबंध डॉक्टोरेट विद्वत-गोष्ठी और वीजीएसओएम अनुसंधान स्कॉलर दिवस' में "आप्टिमल लोकशन ऑफ प्राइमरी हैल्थ सेंटर्स टु मिनिमाइज लोड ऑन टेरिटियरी हॉसपिटल्स" शीर्षक पर पत्र प्रस्तुत किया।

भारतीय प्रचालनात्मक अनुसंधान सोसाइटी, कोलकाता में 21-23 दिसम्बर, 2017 को 'एडवांस्ड फ्रंटियर्स इन ऑपरेशनल रिसर्च' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "ए मैक्सिमल कवरेज मॉडल फॉर आप्टिमल लोकेशन ऑफ प्राइमरी हैल्थ केयर फैसेलिटीज" शीर्षक पर पत्र प्रस्तुत किया।

डा. आदर्श आनंद

बुदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी में 9-11 मार्च, 2018 तक भारतीय विज्ञान परिषद के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'रीसेंट ट्रेड्ज ऑफ कंप्यूटिंग इन मैथेमेटिक्स, स्टैटेस्टिक्स एंड इंफार्मेशन टेक्नालॉजीज़' पर पत्र प्रस्तुत किया।

प्रिजेवोट, सर्बिया में 28-29 जून, 2018 को 'लाइफ साइकल इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट पर डाक्यूएम इंटरनेशनल कांफ्रेस' में वार्ता संचालन।

पीटर दि ग्रेड, सेंट पीटर्सबर्ग पॉलीटेक्नीक विश्वविद्यालय, रूस में 23-25 अगस्त, 2017 तक 'क्वालिटी एशुरेंस इंजीनियरिंग एंड इंटरडिसिप्लीवरी रिसर्च पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन' में पत्र प्रस्तुत किया।

नियोजन विवरण

नियोजित किए गए छात्रों की संख्या और प्रतिशत : 69 (61 प्रतिशत)

परिसर नियोजन के लिए आने वाली कंपनियो की संख्या : 23

प्रदत्त एम.फिल/पीएच.डी. डिग्रियां

पीएच.डी.: 08

एम.फिल: 16

संकाय सदस्य संख्या

स्थायी : 12

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

प्रोफेसर प्रीतिवंती श्रीवास्तव

सांख्यिकीय विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में 15-21 मार्च, 2018 तक अतिथि फेलो के रूप में आमंत्रित।

***

सांख्यिकीय

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

सांख्यिकीय विभाग सांख्यिकी के विविध क्षेत्रों में शोध और शिक्षण संचालित करने का कार्य कर रहा है। इसने शोध के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान प्रदान करने के लिए सांख्यिकी की शक्ति तथा कंप्यूटरों के ज्ञान का प्रयोग किया है। विभाग का मुख्य बल आधारभूत और अनुप्रयुक्त शोध संचालित करने तथा सांख्यिकीय के विषयक्षेत्र में प्रशिक्षित मानशक्ति का सृजन करने पर दिया गया है। विभाग तीन डिग्री-उन्मुखी कार्यक्रम संचालित करता हैं जैसे एम.ए./एम.एससी. सांख्यिकी, एम.फिल एवं पीएच.डी. सांख्यिकी जिसकी पाठ्यचर्या ऐसी है, जो सांख्यिकी के विभिन्न क्षेत्रों में उभरते और केन्द्रीय विषयों को शामिल करती है। विभाग भारत और विदेश के प्रतिष्ठित विद्वानों द्वारा विशेष आमंत्रित वार्ताएं भी आयोजित करता है। शोध वार्ताएं संचालित करने तथा संकाय और छात्रों के साथ बातचीत करने के लिए प्रतिष्ठित प्रोफेसरों ने विभाग का दौरा किया। विभाग ने छात्रों को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों/संगठनों में उपयुक्त नियोजन प्रदान करने में व्यापक सफलता भी हासिल की है।

प्रकाशन

चतुर्वेदी ए., बेलाघी ए.आर. एवं मल्होत्रा ए. (2018). प्रीलिमिनरी टेस्ट एस्टिमेटर्स ऑफ दि रिलाएबिलिटी कैरेक्टरिस्टक्स फॉर दि थ्री पैरामीटर्स बर्र XII डिस्ट्रिब्यूशन बेस्ड ऑन रिकार्ड, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एशुरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट https://doi.org.10.1067/एस 13198-018-0170-4. [आईएसएसएन : 0976-4348]

मुखोपाध्याय एन. चतुर्वेदी ए. मल्होत्रा ए. (2018). टू-स्टेज प्रोसीजर्स फॉर दि बाउंडेड रिस्क प्वाइंट एस्टमेशन ऑफ दि पैरामीटर एंड हैजार्ड रेट इन टू फैमिलीज ऑफ डिस्ट्रिब्यूशंस, जर्नल ऑफ सीक्वेंशियन एनालाइसिस, 37(1) 69-89. https://doi.org.10.1080/07474946.2018.1427978.

चतुर्वेदी ए. एवं कुमारी टी. (2017) एस्टिमेशन एंड टेस्टिंग प्रोसीजर्स फॉर दि रिलायबिलिटी फंकशंस ऑफ ए जनरल क्लास ऑफ डिस्ट्रियूशन, कप्युनिकेशंस इन स्टैटिस्टिक्स - थियोरी एंड मेथड्स, 46(22) , 11370-11382. [आईएसएसएन : 0361-926].

चतुर्वेदी ए. एवं कुमारी टी. (2017). एस्टिमेशन एंड कंपेरिजन ऑफ दि स्ट्रेस-स्ट्रैंथ मॉडल्स विद मोर दैन टू स्टेट्स अंडर वेबुल डिस्ट्रिब्यूशन एंड टाइप II सेंसरिंग स्कीम, कम्युनिकेशंस इन स्टैटिस्टिक्स - थियोरी एंड मेथड्स : डीओआई : https://doi.org.10.1080/036109.26.2017.1414264 [आईएसएसएन : 0361-926].

चतुर्वेदी ए. एवं मल्होत्रा ए. (20170. ऑन दि कंस्ट्रक्शन ऑफ प्लीनिमरी टेस्ट इंस्टिमेटर्स ऑफ दि रिलायबिलिटी कैरेक्ट रिस्टिक्स फॉर दि एक्पोन्शियल डिस्ट्रीब्यूशन बेस्ड ऑन रिकार्डर्स, अमेरिकन जर्नल ऑफ मेथेमैटिकल एंड मैनेजमेंट साइंस, डीओई : 10.1080/01966324.2017.1392269.

आयोजित संगोष्ठियां (चयनित)

सुश्री देवांजना दत्ता, निदेशक, एनएसएसटीए, ग्रेटर नोएडा "अपोर्चुनिटीज इन गवर्नमेंट सेक्टर एंड लाइफ ऑफ एन आईएसएस आफिसर" और "आफिशियल स्टैटिस्टिक्स", 16 मार्च, 2018.

प्रोफेसर पी. यगीन थॉमस, सांख्यिकीय विभाग, केरल विभाग, करियावट्टम त्रिवेन्द्रम, "रोल ऑफ कॉनकोमिटैंट ऑफ एम आर्डर्ड रैंडम वैरिएबल्स इन डिटेरमाइनिंग पेरेंट बायवेरिएट डिस्ट्रिब्यूशन, 1 फरवरी, 2018.

प्रोफेसर स्टीफन स्टिग्लेर, शिकागो विश्वविद्यालय, यूएसए, "महालानोबिड्स एंड फिशर: मैथेमेटिकल स्टैटिस्टिक्स एज ग्लोबल इंटरप्राइज, 12 दिसम्बर, 2017.

प्रोफेसर निक वुड अभिनवता और इंटरप्राइज निदेशक, केंट विश्वविद्यालय, यू.के. "दि एक्चुरियल प्रोफेशन', 15 दिसम्बर, 2017.

प्रोफेसर अरुण कुमार सिन्हा, प्रोफेसर एंड हैड (प्रभारी), सांख्यिकीय विभाग, दक्षिण बिहार विश्वविद्यालय पटना, रैंक सेट सैंपलिंग एज ए कोस्ट इफेक्टिव डाटा मैथड", 18 अगस्त, 2017.

आयोजित सम्मेलन :

20-22 दिसम्बर, 2017 के दौरान वित्तीय सांख्यिकीय पर संकाय विकास कार्यक्रम।
27-28 दिसम्बर, 2017 के दौरान बीमांकन सांख्यिकीय पर संकाय विकास कार्यक्रम।

नियोजन विवरण (नियोजित छात्रों की संख्या और प्रतिशत)

प्रतिभागिता करने वाले छात्रों की संख्या और प्रतिशत : 56 और 75.67%

नियोजित किए गए छात्रों की संख्या और प्रतिशत : 52 और 92.86%

परिसर भर्ती के लिए आने वाली कंपनियो की संख्या : 23

विस्तार और पहुंच क्रियाकलाप

बैच 2017-18 के लिए अभिमुखीकरण कार्यक्रम

एम.ए./एम.एससी. बैच 2017-18 के नियोजन के लिए अभिमुखीकरण कार्यक्रम

5 सितम्बर, 2017 को शिक्षक दिवस आयोजन

15 सितम्बर, 2017 को सीवी तैयार करने के लिए कार्यशाला

फरवरी-अप्रैल में एम.ए./एम.एससी. के प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए आयोजित अभिरुचि परीक्षणों की श्रृंखला।

प्रदत्त एम.फिल/पीएच.डी. डिग्रियां

पीएच.डी.: 06

एम. फिल. : 06

स्थायी/अस्थायी/तदर्थ संकाय की संख्या

स्थायी - 04

अस्थायी - 05

अन्य उल्लेखनीय जानकारी:

विभाग का अपना नियोजन प्रकोष्ठ है जिसका नाम 'क्रेडेंस' है। इसे 2004 में स्थापित किया गया था जिसका उद्देश्य दिल्ली विश्वविद्यालय के एम.ए./एम.एससी. का अध्ययन करने वाले छात्रों के नियोजन के लिए एक मंच उपलब्ध कराना था। नियोजन प्रकोष्ठ के माध्यम से छात्रों को कारपोरेट जगत के संगठनों के साथ संपर्क स्थापित करने का अवसर प्राप्त होता है। प्रत्येक वर्ष, लगभग 75 प्रतिशत छात्र नियोजन प्रकोष्ठ के माध्यम से नियोजन प्राप्त करते हैं। विभाग की अपनी वेबसाइट भी है: statistics.du.ac.in. नियोजन प्रकोष्ठ, संकाय, शोध स्कालरों तथा विभाग के अन्य कर्मचारियों विभाग द्वारा चलाए जा रहे पाठ्यक्रमों, पाठ्यचर्या और अन्य जानकारी विभाग की वेबसाइट पर प्राप्त की जा सकती है। विभाग के पास छात्रों और अनुसंधानकर्ताओं को नवीनतम कम्प्यूटिंग सुविधाएं प्रदान करने के लिए दो सुसज्जित दो पूर्णत: कंप्यूटरीकृत प्रयोगशालाएं हैं।

***

आयुर्विज्ञान संकाय

आयुर्विज्ञान संकाय का प्रारम्भ वर्ष 1970 में स्नातक-पूर्व, स्नातकोत्तर, अति विशिष्ट और पीएच.डी स्तर पर आयुर्विज्ञान में छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए शुरू हुए। इसमें चौदह महाविद्यालय / संस्थान इससे सम्बद्ध हैं। आयुर्विज्ञान महाविद्यालयों और अस्पतालों की संख्या है :-

मौलाना आजाद आयुर्विज्ञान महाविद्यालय, नई दिल्ली 110002

लेडी हार्डिंग आयुर्विज्ञान महाविद्यालय , नई दिल्ली 110001

विश्वविद्यालय आयुर्विज्ञान महाविद्यालय, दिल्ली 110095

वल्लभभाई पटेल वक्ष संस्थान, दिल्ली 110007

जीबी पंत स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षण और अनुसन्धान संस्थान, दिल्ली 110002

मौलाना आजाद दन्त विज्ञानं संस्थान, नई दिल्ली 110002

मानव व्यवहार और संबद्ध विज्ञान संस्थान, दिल्ली 110095

आर्मी अस्पताल (रिसर्च एंड रेफरल), दिल्ली कैंट 110010

राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान, मुनिरका, दिल्ली 110067

कस्तूरबा अस्पताल, दिल्ली 110002

परमाणु चिकित्सा और संबद्ध विज्ञान संस्थान, तिमारपुर, दिल्ली 110054

हिंदू राव अस्पताल, मल्का गंज, दिल्ली 110007

केंद्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो, दिल्ली 110002

चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय, गीता कॉलोनी, दिल्ली 110031

पाठ्यक्रम:

स्नातक-पूर्व: -

1. एमबीबीएस
2. बीडीएस
3. बी.एससी (एमआईटी) रेडियोलॉजी

स्नातकोत्तर: - एमडी और एमएस पाठ्यक्रम:

i. अनेस्थिसियोलॉजी

ii. शरीर-रचना विज्ञान

iii. जीव-रसायन

iv. सामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासन

v. सामुदायिक चिकित्सा

vi. त्वचाविज्ञान, रतिजरोग और कुष्ठ रोग

vii. फोरेंसिक औषधियां

viii. सामान्य औषधि

ix. सामान्य शल्य-चिकित्सा

x. सूक्ष्मजीव-विज्ञान

xi. प्रसूति-विज्ञान और स्त्रीरोग विज्ञान

xii. नेत्र विज्ञान

xiii. हड्डी रोग

xiv. ऑटोरहिनोलेरिंगोलोजी (नाक,कान,गला)

xv. बाल-चिकित्सा

xvi. विकृति विज्ञान

xvii. औषध-विज्ञान

xviii. शरीर-विज्ञान

xix. मनश्चिकित्सा

xx. फेफड़ा चिकित्सा

xxi. रेडियो निदान

xxii. रेडियो उपचार

दन्त पाठ्यक्रम: -

एमडीएस कंज़र्वेटिव एंड एंडोडोंटिक्स

एमडीएस ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी

एमडीएस ओरल चिकित्सा और रेडियोलॉजी

एमडीएस ओरल पैथोलॉजी

एमडीएस ऑर्थोडोंटिक्स और डेंटोफेशियल ऑर्थोपेडिक्स

एमडीएस पेडोडोंटिक्स और निवारक दंत चिकित्सा

एमडीएस पेरीओडोंटोलॉजी

एमडीएस प्रोस्टहोडोंटिक्स और क्राउन एंड ब्रिज

एमडीएस जन-स्वास्थ्य दंत चिकित्सा

एम. एससी और एम. फिल. पाठ्यक्रम: -

एम.एससी. (चिकित्सा इमेजिंग प्रौद्योगिकी)

एम.फिल. (नैदानिक मनोविज्ञान)

अति-विशिष्ट पाठ्यक्रम :-

डीएम हृदय-रोग

डीएम मेडिकल गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी

डीएम नियोनेटोलॉजी

डीएम तंत्रिका-विज्ञान

डीएम कार्डियाक निश्चेतन

डीएम पल्मोनरी औषध

एम.सीएच. कार्डियो-संवहनी और थोरैसिक सर्जरी (सीवीटीएस)

एम.सीएच. न्यूरोसर्जरी

एम.सीएच. बाल चिकित्सा सर्जरी

एम.सीएच. सर्जिकल गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी

स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम: -

एनेस्थेसियोलॉजी (डीए)

त्वचा, रतिजरोग और कुष्ठ-रोग (डीडीवीएल)

स्वास्थ्य प्रशासन (डीएचए)

स्वास्थ्य शिक्षा (डीएचई)

प्रसूति-विज्ञान और स्त्री-रोग (डीजीओ)

नेत्र-विज्ञान (डीओ)

ऑटोरहिनोलेरिंगोलोजी (डीएलओ)

बाल-चिकित्सा (डीसीएच)

विकिरण औषध (डीआरएम)

रेडियो-निदान (डीएमआरडी)

पीएच.डी. कार्यक्रम: -

अनेस्थिसियोलॉजी

शरीर-रचना विज्ञान

जैव-रसायन

सामुदायिक औषध

त्वचाविज्ञान, रतिजरोग और कुष्ठ रोग

फोरेंसिक औषधियां

सामान्य औषधि

सामान्य शल्य-चिकित्सा

सूक्ष्मजीव-विज्ञान

प्रसूति-विज्ञान और स्त्रीरोग विज्ञान

नेत्र विज्ञान

हड्डी रोग
ऑटोरहिनोलेरिंगोलोजी (नाक,कान,गला)
बाल-चिकित्सा
विकृति विज्ञान
औषध-विज्ञान
शरीर-विज्ञान
मनश्चिकित्सा
फेफड़ा चिकित्सा
रेडियो निदान
रेडियो उपचार
दन्त-विज्ञान

आयुर्विज्ञान संकाय में निम्नलिखित विभाग हैं:

अनेस्थिसियोलॉजी
शरीर-रचना विज्ञान
जैव-रसायन
सामुदायिक औषध
त्वचाविज्ञान, रतिजरोग और कुष्ठ रोग
फोरेंसिक औषधियां
सामान्य औषधि
सामान्य शल्य-चिकित्सा
सूक्ष्मजीव-विज्ञान
प्रसूति-विज्ञान और स्त्रीरोग विज्ञान
नेत्र विज्ञान
हड्डी रोग
ऑटोरहिनोलेरिंगोलोजी (नाक,कान,गला)
बाल-चिकित्सा
विकृति विज्ञान
औषध-विज्ञान
शरीर-विज्ञान
मनश्चिकित्सा
फेफड़ा चिकित्सा
रेडियो निदान
रेडियो उपचार
दन्त-विज्ञान

प्रवेश: हर साल संकाय छात्रों को इसके स्नातक, स्नातकोत्तर, सुपर स्पेशलिटी और पीएचडी के लिए छात्रों को स्वीकार करता है। पाठ्यक्रम। वर्ष 2017 में, निम्नलिखित छात्रों की भर्ती की गई: -

एमबीबीएस - 600 छात्र

बीडीएस - 40 छात्र

स्नातकोत्तर (एमडी / एमएस / डिप्लोमा / एमडीएस) छात्र - 546

डीएम और एम.सीएच. छात्र - 47

पीएच.डी. छात्र - 12

बी.एससी. (एमआईटी) रेडियोलॉजी - संबंधित महाविद्यालय द्वारा दाखिला

एम.एससी (चिकित्सा इमेजिंग प्रौद्योगिकी) - संबंधित महाविद्यालय द्वारा दाखिला

एम.फिल. (नैदानिक मनोविज्ञान) - संबंधित महाविद्यालय द्वारा दाखिला

डिग्री से सम्मानित (2017-18):

एमबीबीएस / बीडीएस: संबंधित महाविद्यालय द्वारा प्रदत्त डिग्री

एमडी / एमएस और डिप्लोमा: संबंधित कॉलेजों द्वारा प्रदत्त डिग्री

डीएम / एमएच: दिल्ली विश्वविद्यालय ने 39 छात्रों को डिग्री प्रदान की

पीएच.डी.: दिल्ली विश्वविद्यालय ने 26 छात्रों को डिग्री प्रदान की

पेटेंट दायर: डॉ सुमित झा (आईआईटी, दिल्ली) और डॉ ललित मेनी (आर्थोपेडिक्स विभाग, मौलाना आजाद आयुर्विज्ञान महाविद्यालय) : आर्थोपेडिक प्लेट्स को मोड़ने का भारतीय आवेदन संख्या 201711103856। आवेदक आईआईटी दिल्ली के है।

***

शरीर-रचना विज्ञान (एलएचएमसी)

मुख्य गतिविधियां और उपलब्धियां

सभी कमरों में इंटरनेट संयोजकता है और चिकित्सा साइटोगेनेटिक्स प्रयोगशाला शीघ्र ही शुरू हो जाएगी ।

सम्मान/ प्रतिष्ठा

डॉ अंजू यादव को यूनेस्को चेयर से "जैव-नैतिकता में हैफा, शिक्षण विभाग में अक्टूबर,२०१७ में तीन-माह का ऑनलाइन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद "जैव-नैतिकता और मानवाधिकारों सिद्धांतों पर अंतर्राष्ट्रीय प्रमाणपत्र" से सम्मानित किया गया ।

प्रकाशन

अग्रवाल, बी बी, अग्रवाल, एस., धमीजा, एन. और चिंतमनी, सी। (2017). सर्जरी का अभ्यास-निर्णय, निवारण, चीरा.इंडियन जर्नल ऑफ़ सर्जरी, 79 (5) डीओआई: 10.1007 / एस 122262-017- 1711-2 गांधी, एस, सिंगला, आर के, कुल्लर, जे एस, अग्निहोत्री जी (2017)। डिस्टल टिबियल मॉर्फोमेट्रिक्स-क्लिनिको-एनाटॉमिकल अप्रैज़ल, एनएसजेए, 2 (1), 21-26 पनसे, एन.एस., जोशी, एस बी, सहस्त्रबुद्ध, पी. बी, बतेई, बी, गुरुडे, पी.और चंदनवाले, ए. (2017). थे एंटीरियर इंटेरोसेउस आर्टरी परफोरेटर फ्लैप. ऑटोमिकल दिस्सेक्शंस एंड क्लीनिकल स्टडी 6 (2), 152-158 वर्मा, एम., जोशी, एस, तुली, ए, रहेजा, एस, जैन, पी. और श्रीवास्तव, पी. (2017). मोर्फोमेट्री ऑफ़ प्रॉक्सिमल फेमर इन इंडियन पॉपुलटाइन. जे क्लिन डायग्न रेस, 11 (2), एसी 01-एसी04.

प्रकाशित / संपादित जर्नल

डॉ अनीता तुली: ऑनलाइन पत्रिका 'ब्रैचियल प्लेक्सस, फोरेंसिक एंड न्यूरोसाइंस, एएसआई जर्नल, एल्सेवियर के लिए समीक्षाकर्ता की संपादकीय बोर्ड सदस्य

अनुसंधान परियोजनायें

गैर वित्त पोषित:

मोर्फोमेट्री ऑफ़ ट्रची-ब्रोन्कियल ट्री डाइमेंशन्स: ग्रॉस एंड सीटी स्टडी एंड इट्स टोपोग्राफिक रिलेशनशिप्स विद पल्मोनरी आर्टरी इन एडल्ट्स. डॉ स्वेता मौर्य (उम्मीदवार). पर्यवेक्षक, डॉ अनीता तुली

संकाय संख्या: 12

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी:

संलेपन : मेडिकल छात्रों के शिक्षण के साथ-साथ सार्वजनिक सेवा (एलएचएमसी शव संलेपन के लिए नोडल सेंटर) के लिए 1 जनवरी 2011 से दिसंबर 2017 की अवधि के दौरान 655 शवों का संलेपन किया गया।

डॉ शशि रहेजा: इंडियन जर्नल ऑफ़ ओटोलॉजी के संपादकीय बोर्ड के सदस्य

विभाग द्वारा आयोजित:

शरीर दान जागरूकता अभियान (2016-2017) और दाताओं, पंजीकृत दाताओं और स्वयंसेवकों के परिवारों के सम्मान कार्यक्रम, पत्रिका का विमोचन "ट्रिब्यूट टू ए साइलेंट टीचर-ह्यूमन बॉडी ". स्थान- स्वर्ण जयंती सभागार, एलएचएमसी। 12 मई, 2017

श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर) की छात्राओं के लिए ओआईसी मेजर रवि शुक्ला के साथ भारतीय सेना के फ्लैगशिप 'सद्भावना' के अंतर्गत शैक्षिक और प्रेरक यात्रा. दिनांक: दिसंबर .2017

भारतीय सेना के फ्लैगशिप 'सद्भावना' के अंतर्गत लाधक की छात्राओं के लिए शैक्षिक और प्रेरक यात्रा. दिनांक: जनवरी 2018

***

शरीर रचना-विज्ञान (यूसीएसएस)

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

नए आयुर्विज्ञान छात्रों द्वारा कार्य-निष्ठा की शपथ ली गई। संकाय सदस्य और रेजीडेंट सेमेस्टर I और II के एमबीबीएस, बीएस.सी. रेडियोलॉजी, बी.एससी., फीजियोथेरेपी और एमएलटी छात्रों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करने के कार्य में जुट गए। इसके अलावा, संकाय और रेजीडेंटों की भारी कमी होने के बावजूद, वर्तमान संकाय और रेजीडेंटों ने पत्र प्रकाशित किए तथा साथ-ही-साथ समस्त पाठ्यक्रमों के लिए विश्वविद्यालय स्नातक परीक्षा का आयोजन किया। संकाय सदस्य पीएच.डी. शोध-प्रबंध, एमएस एनाटमी शोध-प्रबंध की परीक्षा में शामिल रहे तथा वे विभिन्न विश्वविद्यालयों में एमबीबीएस और एमडी एनाटमी पाठ्यक्रमों के लिए बाह्य परीक्षक भी थे। हमें राष्ट्रपति भवन में दीन दयाल उत्सव में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविन्द थे। विभाग ने ईएनटी और एर्जरी कार्यशालाओं के आयोजन में सहायता प्रदान की। विभाग के संकाय सदस्य विभिन्न जर्नलों के समीक्षक हैं।

सम्मान/विशिष्टयां

डॉ. रेनू चौहान को 06.07.2017 को चिकित्सक दिवस के अवसर पर 'विशिष्ट चिकित्सक' पुरस्कार प्रदान किया गया। वे शरीर रचना-विज्ञान विभाग में 12 से 14 अक्तूबर, 2017 तक आयोजित ईएनटी कार्यशाला "हैंड्स ऑन हैड एंड नेक कैडेवेरिक डाइसेक्शन एंड रीकंस्ट्रक्शन कार्यशाला" में आयोजक अध्यक्षों में से एक थीं।

प्रकाशन

एसाकियामल एन., चौहान आर. एवं शर्मा आर. (2017). क्लीनिकल इम्प्लीकेशन ऑफ वेरिएबल ओरिजिन ऑफ एक्सटर्नल कैरोटिड आर्टरी ब्रांचेज़ एंड हाई लेवल वाइफरकेशन ऑफ कॉमन कैरोटिड आईटी, इंट जे एनाट रेस. 5 (23), 3958-3963.

एसाकियामल एन., चौहान आर. एवं शर्मा आर. (2017). स्लीनिकल सिग्निफिकेंस ऑफ प्रेजेंस ऑफ एक्सटेंसर इंडिसिस ब्रेविसमौनुस - ए केस रिपोर्ट, जे क्लिन डियाग्न रेस. 11(11), 5-6.

झा एस. एवं चौहार आर. (2017). मॉर्फोलॉजिकल एंड टोपोग्राफिक स्टडी ऑफ डाइफिसीलम्यूटरिएंट फोरामैन ऑफ डाइफिसीलम्यूटरिएंट फोरामैन ऑ फीमर एंड इट्स क्लीनिकल इम्प्लीकेशंस इन नार्थ इंडियन पापुलेशन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन मेडिकल साइंस 5(9), 4036-4040.

झा एस. खोरवाल जी. और कालरा एस. (2017). एन एक्स्ट्राआर्डिनरी वैरिएशन इन ओरिजन ऑफ इंफीरियर एल्वेओलर नर्व एंड इट्स क्लीनिकल सिग्निफिकेंस : ए केस रिपोर्ट, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन मेडिकल साइंसेज, 5(7), 5235-3238.

झा एस., कुमार डी., कॉल जे.एस., सिंह टी. एवं दुबे ए.पी. (2017). साइटोजेनेटिक पैटर्न प्रोफाइलिंग इन केसेस ऑफ एक्यूट लिंफोब्लास्टिक लूकेमिया इन पीडिएट्रिक एज ग्रुप, जर्नल ऑफ एनाटोमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, 66, 48-53.

कालरा एस., तामके एस. एवं खंडेलवाल ए. (2017). एनाटमी ऑफ कोरासिऑड्स प्रोसेस एंड ग्लेनॉएड कैविटी - एक मोर्फोमीट्रिक स्टडी, जर्नल ऑफ एनाटोमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, 66, एस 90.

खोरवाल जी., चौहान आर. एवं नागर एम (2017). इफेक्ट ऑफ साइक्लोफास्फेमाइड ऑन लिवर इन एल्बिनो रैट्स इन कंपैरेटिव डोज डिपेंडेंट हिस्टोमार्फिलाजिकल स्टडी, आईजेबीएआर, 8(03), 102-107.

खोरवाल जी. एवं कालरा एस. (2017). ए पीक्यूलियर केस ऑफ डूरल वेनस सिनुसेस विद रिजल्टिंग एटाइपिकल बोनी मार्किंग्स इन पोस्टेरियर फोसा, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इन मेडिकल साइंस, 5(6), 2830-2832.

नागपाल एच. एवं चौहान आर. (2017). यूनीलैट्रल डुप्लेक्स कलेक्टिंग सिस्टम विद इंकम्लीट डुप्लीकेशन ऑफ यूरेटर ए केस रिपोर्ट, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इन मेडिकल साइंस, 5(5), 2254-2256.

नागपाल एच. एवं चौहान आर. एवं कालरा एस. (2017). ए यूनीक वेरिएशन ऑफ राइट रीनल अट्री : ए केस रिपोर्ट, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनाटॉमी एंड रिसर्च, 5 (5.3) 4303-4307.

यादव एस., कालरा एस. एवं बधवा एस. (2017). डिस्ट्रक्टिव इफेक्टस ऑफ 4 - मिथाइलिमिडेजोल ऑन हिस्टोमॉर्फिलाजी ऑफ लिवर, जर्नल ऑफ मॉर्फोलॉजिकल साइसेंज, 34(4), 232-235.

आयोजित सम्मेलन

ईएनटी और शरीर रचना-विज्ञान विभाग द्वारा 12-14 अक्तूबर, 2017 तक 'हैंड्स ऑन हैड एंड नेक, कैडावेरिक डाइसेक्शन एंड रीकंस्ट्रक्शन' पर कार्यशाला।

सर्जरी और शरीर रचना-विज्ञान विभाग द्वारा 1 जनवरी, 2018 को 'एक्यूट क्रिटिकल केयर' पर कार्यशाला।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतीकरण

डॉ. चौहान रेनू : ईएनटी विभाग, यूनीवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड जीटीबी हॉस्पिटल, दिल्ली द्वारा शरीर रचना-विज्ञान विभाग में 'हैंड्स ऑन हैंड एंड नेक, कैडावेरिक डाइसेक्शन एंड रीकस्ट्रशन' पर 13 अक्तूबर, 2017 को आयोजित कार्यशाला में एक सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. कालरा सुनीता : ईएनटी विभाग, यूनीवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड जीटीबी हॉस्पिटल, दिल्ली द्वारा शरीर रचना-विज्ञान विभाग में 'हैंड्स ऑन हैंड एंड नेक, कैडावेरिक डाइसेक्शन एंड रीकस्ट्रशन' पर 12 अक्तूबर, 2017 को आयोजित कार्यशाला में 'सर्जिकल एनाटॉमी ऑफ लैरिंक्स' पर अतिथि व्याख्यान।

नियोजन विवरण : 3

डॉ. गीतांजलि खोवाल ने शरीर रचना-विज्ञान विभाग, एम्स ऋषिकेश, उत्तर प्रदेश ---- उत्तराखण्ड में सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यभार ग्रहण किया।

डॉ. श्वेता झा ने शरीर रचना-विज्ञान विभाग, बनारस, उत्तर प्रदेश में सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यभार ग्रहण किया।

डॉ. हेमा नागपाल ने शरीर रचना-विज्ञान विभाग, सरस्वती आयुर्विज्ञान संस्थान, हापुड़, उत्तर प्रदेश में सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यभार ग्रहण किया।

संकाय सदस्य संख्या : 2/8

***

एनेस्थीजियोलॉजी (एमएएमसी)

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

विभाग के संकाय ने अनेक पुरस्कार प्राप्त किए तथा उत्तरी जोन के प्रतिष्ठित स्नातकोत्तर एसेम्बली आयोजित की। विभाग ने प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय जर्नलों में लगभग 47 प्रकाशन प्रकाशित किए। संकाय सदस्य विभिन्न शैक्षणिक सम्मेलनों में सक्रियता के साथ भाग लिया और विभिन्न वार्ताएं संचालित कीं तथा कार्यशालाओं का आयोजन किया। विभाग के संकाय प्रतिष्ठित जर्नलों के संपादक मंडल पर शामिल थे तथा इनके समीक्षक भी थे। वे विभिन्न परीक्षाओं में परीक्षक थे तथा अनेक बोर्डों के आकलक भी थे और वे समुदाय को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में भी शामिल रहे।

सम्मान और विशिष्टयां

डॉ. कपिल चौधरी को बीआरएआईआरसीएच, एम्स में प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम पूर्ण करने पर मई, 2017 में पेलेटिव केयर में आईएपीसी प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।

प्रकाशन

आर्या एम., डाली जे.एस., हुसैन एफ. एवं सरीन वाई.के. (2017). सिस्टिक टेराटोमा ऑफ फेस एंड स्कैल्प-मैनेजमेंट ऑफ डिफिकल्ट पीडिएट्रिक एयरवे बाई मोडिफिकेशन ऑफ कन्वेंशनल टेकनीक, जे. नियोरेटल सर्ज, 6, 82.

भदोरिया डी.पी., गोयल के., नितिन एस.जी., प्रधान जी.एस. एवं भदोरिया पी. (2017). कोरिलेशन बिटवीन लंग फंक्शन एंड कैरोटिड इंटिमा मीडिया थिकलेस इन इंडियन पेशेंट्स क्रोनिक आब्स्ट्रेक्टिव पल्मनरी डिजीज, एमजे रिस्पिर केयर मेड, 195, ए 3632.

भदोरिया जी., नितिन एस.जी., गोयल के. एवं भदोरिया डी.पी. (2017). कोरिलेशन बिटवीन लंग फंक्शन एंड कैराटिड इंटिमा मीडिया थिकलेस इन इंडियन पेशेंट्स क्रोनिक ऑफ ब्रॉकियल अस्थमा, एमजे रिस्पिर केयर मेड, 195, ए 7466.

भलोत्रा ए.आर. (2018). नेगेटिव प्रेशर पल्मनरी एडेमा, कोरियन जे. एनेस्थेसिओल, 71(1), 71-72.

भलोत्रा ए.आर. (2018). लेट अस नॉट डिस्कार्ड ए प्रीएक्जिस्टिंग एपिडुरल कैथेटर फॉर इंट्रापार्टम सिजेरियन सेक्शन येट! कोरियन जे. एनेस्थेसिओल, 71(3), 244-245.

भलोत्रा ए.आर. (2018). ब्रीदिंग सर्किट कंप्लायंस एंड डिस्प्ले टाइडल वॉल्यूम ड्यूरिंग प्रेशर-कंट्रोल्ड वेंटिलेशन ऑफ इंफैंट्स, पीडिएट्रिक एनेस्थेसिया, 28(3), 301-302.

चौधरी के, बाघर्वाल पी., वधावन एस. (2017). एनेस्थेसिया फॉर इंटेलेक्चुअली डिसेबल्ड, जे एनेस्थेसिओल क्लिन फार्माकोल, 33(4), 432-40.

चौधरी एन, कुमार ए., वधावन एस., भदोरिया पी. एवं कोहली ए. (2017) हिप रिप्लेसमेंट इन ए पेशेंट ऑफ सिकल सैल डिजीज : एन एस्थेटिक चैलेंज, इंडिया जर्नल ऑफ क्लीनिकल एनेस्थेसिया, 4(4), 539-41.

चुग वी., भलोत्रा ए.आर. (2018). ब्रीडिंग सर्किट कंप्लायंस एंड डिस्प्ले टाइडल वॉल्यूम ड्यूरिंग प्रेशर-कंट्रोल्ड वेंटिलेशन ऑफ इंफैंट्स, पीडिएट्रिक एनेस्थेसिया, 28(3), 301-302.

चौधरी के., बाघर्वाल पी., वधावन एस. (2017). एनेस्थेसिया फॉर इंटेलेक्चुअली डिसेबल्ड, जे एनेस्थेसिओल क्लिन फार्माकोल, 33(4) 431-40.

चौधरी एन., कुमार ए., बधावन एस., भदोरिया पी. एवं कोहली ए., (2017). हिप रिप्लेसमेंट इन ए पेशेंट ऑफ सिकल सैल डिजीज : एन एस्थेटिक चैलेंज, इंडिया जर्नल ऑफ क्लीनिकल एनेस्थेसिया, 4(4), 539-41.

चुग वी. भलोत्रा ए.आर. (2017). इज सिंगल शॉट थोरेटिक एपिडुरल दि ओनली एड टु अर्ली डिसचार्ज ऑफ्टर पीडिएट्रिक लैपरो स्कोपिक कोले सिस्टेक्टोमी? पीडिएट्रिक एनैस्थ, 27(8), 871-872.

धांडा ए., सिंह एस., भलोत्रा ए.आर., चावली एस. (2017). क्लीनिकल कंपैरिजन ऑफ आई-जेल सुप्राग्लोटिक एयरवे डिवाइस एंड कफ्ड एंडोट्रैकियल ट्यूब फॉर प्रेशर-कंट्रोल्ड वेंटिलेशन ड्यूरिंग सर्जिकल प्रोसीजर्स, टर्क जे एनेस्थेसिओल रीनिम, 45 (5), 270-276.

दुबे एम., गोयल एन., चौधरी आई एवं गुंप्ता एल. (2017). सी-मैक डी-ब्लेड लैरिगोस्कोप : ए सेवियर फॉर डिफिकल्ट इंक्यूबेशन इन लेटेरल पोजीशन, आईजेसीए 4(4), डीओआई : 10.18231/2394-4994.2017.0107.

गंडोत्रा एस., एक्सेना के.एन. एवं शर्मा के. (2017). मैनेजमेंट ऑफ रीजेरियन सेक्शन इन ए पेशेंट विद पैराप्लेजिया एंड डिफिकल्ट एयरवे विद फुल स्टामक - ए केस रिपोर्ट, इन्ट जे एनेस एंड ऐल, 1(1), 11-12.

गुप्ता बी., गुप्ता ए., अग्रवाल एम. एवं गुप्ता एल.,(2017). ग्लेन शंट : एनेस्थेटिक कंसर्स फॉर ए नॉन कार्डिएफ सर्जरी, नार्थल जर्नल ऑफ आईएसए, 2, 36-2.

गुप्ता बी. एवं गुप्ता एल., (2018). एनेस्थेटिक कंसीड्रेशन फॉर रीनल डिजीज, ए रिव्ये आर्टिकल, एआरसी जर्नल ऑफ एनेस्थियोलॉजी, 3(1), 9-14.

गुप्ता बी. एवं गुप्ता एल., (2018). एनेस्थेटिक कंसीड्रेशन इन ए केस ऑफ फाहर एंड प्रिमरोज सिंड्रोम, एनेस्थेजिओल ओपन जे., 3(1), 1-6.

गुप्ता बी. एवं गुप्ता एल., (2018). एनेस्थिसिया कंसीड्रेशंस फॉर एनीमिया इन प्रेगनेंसी, इंटरनेशनलल रिसर्च जर्नल आफ फार्मेसी एंड मेडिकल साइसेंज, 1(2), 10-13.

गुप्ता बी., गुप्ता एल. एवं कक्कड़. के.(2018). एनेस्थेसिया कंसीड्रेशंस फॉर फियोक्रोमोसाइटोमा, इंटरनेशनलल रिसर्च जर्नल आफ फार्मेसी एंड मेडिकल साइसेंज, 1(1), 29-33.

गुप्ता बी. एवं गुप्ता एल., (2018). एनेस्थेसिया एंड कार्डियोवैस्कुलर डिजीज़, आर्काइव्स ऑफ एनेस्थियोलॉजी, 1(1), 1-9.

गुप्ता बी., कक्कड़ के., गुप्ता एल. एवं गुप्ता ए. (2018). एनेस्थेटिक कार्डियोवैस्कुलर कंसीड्रेशन्स फॉर ए पार्टुरिएंट विद पल्मनरी हाइपरटेंशन, ए रिव्यू आर्टिकल, इंडियन एनेस फोरम, 18(2), 39-45, डीओआई : 10.4103/थेल आईए फोरम दि आईए फोरम 28-17.

गुप्ता बी., कक्कड़ के., गुप्ता एल. एवं गुप्ता ए. (2017). एडविक टेक्नीक ऑफ पेरीफेरल इंट्रावेनस कैनुलेशन - डिफेरेंट पार्सपैक्टिव इन डिफिकल्ट सिचुएशंस, एआरसी जर्नल ऑफ एनेस्थेयोलॉजी, 2(2), 5-6, डीओआई : http://dx.doi.org//10.20431/2455-9792.0202002.

गुप्ता बी. एवं केरई एस., (2018). वारेंटेड यूज ऑफ फाइबरस्कोप इन इलेक्टिव पर्कुटेनस डिजाटेशनल ट्राकेओस्टोमी, दि इंडियन एनेस्थेटिस्ट्स फोरम, 19(1), 34-5.

गुप्ता बी. एवं केरई एस., (2018). एम्लोडिसिन टोक्सिटी कॉम्लीकेटेड बाई कंकरंट मेडिकेशंस, डीओआई : http://doi.org//10.4097/kja.d. 17-00071.

गुप्ता पी., प्रसाद एन., अग्रवाल एम. एवं सेठ वी. (2017). टोटल इंट्रावेनस एनेस्थीसिया फॉर पैराथिरोइड एडोनोमा इन ए चाइल्ड, एपीएसपी जे. केस रेप, 8,35.

गुप्ता डी., तनेजा पी. एवं सक्सेना के.एन. (एन.डी.). एनेस्थेटिक कंसीड्रेशन इन ए केस ऑफ पोस्ट स्प्लेंक्टॉमी रिएक्टिव थर्मोबोसिटोसिस [एनजेआईएसए (नार्दन जनरल ऑफ आईएसए/में प्रकाशन के लिए स्वीकृत।)]

गुप्ता एल., कक्कड़ बी., गुप्ता ए. एवं जैन आर. (2018). एनेस्थेटिक कंसीड्रेशन इन एन इंफैंट विद कांजेनिटल किस्टिक एडेनोमैटोइड मालफोर्मेशन, आईजीसीए, 5(1), 156-158.

हसीजा एन., वधवा बी. एवं सक्सेना के.एन. (2017). अनएक्स्पेक्टेड एपीड्यूरल कैथेटर माइग्रेशन : एबॉयडिंग दि पिटफॉल्स, इजिप्टन जर्नल ऑफ एनेस्थेसिया एचटीटीपीएस डीओआई : doi.org।10.1016/j. gja. 2017.09.004.

कक्कड़ बी., अग्रवाल एम., सेहगल ए. एवं प्रसाद एन. (2017). एनेस्थेटिक कंसीड्रेशन फॉर वीडियो एसिस्टेड थोराकोस्कोपिक सर्जरी इन चाइल्ड विद ग्लेन शंट फॉर थोरासिक डक्ट लिगेशन, साउदी जे. एनेस्थेसिया, 395, 17आर3.

कक्कड़ बी, प्रसाद एन., सेठ वी. एवं अग्रवाल एम. (2017). सक्सेसफुल कंबाइंड स्पाइनल - एपीड्यूरल एनेस्थेसिया फॉर ए केस ऑफ स्केलेरोडर्मा फॉर एम्प्यूटेशन, दि इंडियन एनेस्थेटिस्ट्स फोरम, 18(2).

कक्कड़ बी., भालोत्रा ए., गुप्ता ए. एवं बोइश्या एम. (2017). केलेवेंस ऑफ व्हाटसएप एनेस्थेसिया ग्रुप इंक क्लीनिकल प्रैक्टिस, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट एडवांस्ड रिसर्च, 6(2), 2211.

कक्कड़ बी. एवं भलोत्रा एम. (2017). एनेस्थेसिया फॉर दि डेफ एंड डम्ब, कोरियन जे एनेस्थेसिओल, 70(6), 654-655.

कक्कड़ बी., काचरू एन., बोइश्या एम. एवं गुप्ता एल. (2017). पीडिएट्रिक सेप्टिक अर्थराइटिस विद पेरीकर्डियल एंड प्लेयूरल एफ्यूजंश फॉर एमेरजेंसी ड्रेनेज, आईजेसीए, 4(3), 412-415, डीओआई : 10.18231/2394-4994.2017.0082.

कक्कड़ बी., गुप्ता एल. गुप्ता ए. एवं कक्कड़ के. (2017). एवॉइडिंग फेल्ड स्पाइनल एनेस्थेसिया : 'एडविक टेक्नीक' साउदी जे एनेस्थ 11(4), 495-496, डीओआई : 10.4103/एसजेए, एसजेए, 98-17.

कक्कड़ बी., अहमद एस., गुर्हा पी., गुप्ता एल., एवं गुप्ता ए. (2017), इफेक्ट्स ऑफ डेक्समेडेटोमिडाइन ऑन इंट्राऑपेरिटिव हैमोडाइनेमिक्स एंड ऑपिओइड रिक्वायरमेंट इन लैप्रीस्कॉपिक कोलेसिस्टेकटोमी, इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया एंड एनाल्जेसिया, 4(2), 191-196, डीओआई : http://dx.doi.org/10.21088/ijaa.2349.8471.4217.2 [आईएसएसएन सं. 2394-8471].

केरई एस., सक्सेना के.एन. एवं तनेजा बी. (2017). पोस्ट-सिजीरियन एनाल्जेसिया : व्हाट इज न्यू? इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थैसिया, 61(4), 364.

केरई एस. एवं सक्सेना के.एन.(2017). क्वाद्रातुस्लम्बोरम ब्लाक फॉर पोस्ट-सीजेरियन एनाल्जेसिया, जर्नल ऑफ एनेस्थैसिया, 61(3), 364.

केरई एस., शेरावत एल., सक्सेना के.एन. एवं तनेजा बी. (2017). अकरेंस ऑफ कोनिस सिंड्रॉम अंडर एनेस्थीसाया, जे. एनेस्पेसिओल क्लिन फार्माकोल, 33, 276-7.

निशिता के., रिंकी एस., दिलीप ए. एवं ललित जी. (2017). लॉस्ट एंड फाउंड! ब्रोकन ट्राकेओस्टोमी ट्यूब इन सीटू, इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया एंड एनल्जीसिया, 4(2), 357-359, डीओआई : http://dx.doi.org/10.21088/ijaa 2349.8471.4297.29 [आईएसएसएन : 2394-8471.]

पंवार एस., अरोड़ा डी., कपूर ए. एवं सक्सेना के.एन. (2017). स्टेराइल वाटर इंजेक्शन लेबर एनल्जीसिया इन ए पार्टुरिएंट विद प्रीक्लांसीया विद थ्रोम्बो साइटोपेनिया, इंटर जे रिप्रोड कांट्रासेप्ट आब्स्टेट गायनेकोल, 6, 743-5.

पंवार एस., सक्सेना के.एन. एवं गाबा पी. (2017). पेशेंट विद पर्सिस्टेंट लो ऑक्सीजन सैचुरेशन फॉर एमर्जेसी सीजिरयन सेक्शन, स्नेस्थ एसेज़ रेस, 11, 778-80.

सरीन वाई.के., राज पी, आर्या एम. एवं डाली जे.एस. (2017). कंजेनियल सिंग्नाथिया: टर्माइल्स एंड ट्रेजेडी, जे नियोनैट सर्ज, 6, 12.

सक्सेना के.एन., गाबा पी. एवं तनेजा बी. (2017). एन अनएक्सपेक्टेड कॉज ऑफ पोस्ट-आपेरेटिव टेम्बोरोमंडीबुलर ज्वाइंट सब्लुक्सेशन, नार्दन जर्नल ऑफ आईएसए, 2, 31-32.

सीकरी एच., तनेजा बी. एवं सक्सेना के.एन. (2017) डज दि मैर्ट्नल पोजीशन एट दि टाइम ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ सुब्राक्वनाइड ब्लॉक विद प्लेन रोपीवेकेन अफेक्ट दि हेमोडायनेमिक? ए कंपेरेटिव एर्वेलुएशन ऑु दि सिटिंग वर्सेस लैटरल पोजीशन इंट. जे मेड हैल्थ स्की, 6(4), 237-42.

सिंह ए. एवं गुप्ता एल. (2018). सप्राग्लोटिक एयरवे डिवाइसेस : ए नॉक ऑफ फ्यूचर, एनेस्थ क्रिटिक केयर, 3(1)129 [आईएसएसएन : 2572-4301]

सिंह आर., सूद एन. केरई एस. एवं पुरी ए. (2017). यूज ऑफ मेरोसल एड्स इन प्रीवेंशनऑफ नेसल प्रेशर अल्सर्स फोलोइंग नेसल इंट्यूबेशन : केस स्टडीज ऑफ 33 पेशेंट्स इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थेसिया, 61(6), 513.

वर्गीज एस.ए., सक्सेना के.एन. एवं तनेजा बी. (एन.डी.) केपेरेटिव इवैलुएशन ऑफ सिंगल लेवल पैरावर्टेबरल ब्लॉक वर्सेस कॉडल ब्लॉक फॉर पोस्ट-ऑपरेटिव एनेल्जेसिया इन पेडिएट्रिक इंगुइलन सर्जरी, [एनजेआईएसए (नार्दन जर्नल ऑफ आईएएस) में प्रकाशन क लिए स्वीकृत]।

वधवा बी., हसीजा एन. एवं सक्सेना एन.के. (2017). रीजनल एनेस्थीसिया फॉर दि नियोनेट, जे नियोनेटस सर्ज., 6, 79.

वधवा बी., गंडोत्रा एस., बंसल वी. एवं सक्सेना एन.के. (2017). ए पोटेंशियली डिवास्टेटिंग अनएक्सपेक्टेड कॉम्प्लीकेशन ऑफ इंक्यूबेशन, एमएएमसी जे मेड साइ, 3, 172-3.

प्रकाशित अध्याय/पुस्तकें

कुमार राकेश एवं गुप्ता अखिलेश (2017). एयरवे मैनेजमेंट इन ओरल सर्जरीज, इन गुप्ता एन., गर्ग आर., भारती एस.जे., कुमार वी., मिश्रा एस. एवं भटनागर एस., सेलिना (संपा.) अपडेट इन आन्कोएनेस्थीसिया, (पृष्ठ 99-110, नई दिल्ली : पब्लीशर्स।

आर्या मोना (2017). एनेस्थीसिया एंड एनाल्जेसिया फॉर आब्स्ट्रेटिक्स, इन सचदेव, पूनम एवं बतरा, स्वराज (संपा) एशेंशियल्स ऑफ ऑब्स्ट्रेटिक्स, थेम पब्लीशर्स।

चौधरी, कपिल (2017). आईसीयू केयर फॉर ऑब्स्ट्रेटिक्स इन बतरा, स्वराज (संपा) इन सचदेव पूनम एवं बतरा, स्वराज (संपा) एसैंशियल्स ऑफ ऑब्स्ट्रेटिक्स, थेम पब्लीशर्स।

जर्नल

विभागीय शिक्षक संपादकीय मंडलों के संपादकों अथवा सदस्य हैं।

डॉ. कीर्ति नाथ सक्सेना, निदेशक, प्रोफेसर : संपादक मंडल में -

जर्नल ऑफ एनेस्थियोलॉजी क्लीनिकल फार्माक्लॉजी, नार्दन जर्नल ऑफ आईएसए, जर्नल ऑफ एनेस्थियोलॉजी एंडापेन रिसर्चर मेडिकल जर्नल ऑफ डीवाई पाटिल यूनीवर्सिटी, एनेस्थीसिया इंटेसिव केयर एंड पेन थैरेपी, जर्नल ऑफ एनेस्थियालॉजी एंडपेन रिसर्च।

डॉ. ललित गुप्ता

जर्नल ऑफ क्लीनिकल एनेस्थीसिया

जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया एंड एनल्जेसिया

साइंस डोमेन जर्नल

अमेरिकन रिसर्च जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया

आयोजित संगोष्ठियां

आईएसए के दिल्ली चैप्टर की मासिक क्लीनिकल मीट, नवम्बर, 2017

आयोजित सम्मेलन

उत्तर अंचल पीजी एसेम्बली, फरवरी, 2018

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतीकरण

डॉ. जे.एस. डाली

एम्स, नई दिल्ली में 14-15 अक्तूबर, 2017 तक कैंसर रोगियों की पेरीऑपरेटिव देखरेख अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन : विशेषज्ञ/पैनलविद - पैनल चर्चा में।

पीजी एसेम्बली, जीबी पंत अस्पताल, फरवरी, 2018 - ऑक्सीजन थैरेपी पर व्याखन दिया।

डॉ. पूनम भदोरिया

इंडियन सोसाइटी एनेस्थीजियोलॉजी सम्मेलन, देहरादून, उत्तराखंड आईएसएसीओएन यूके (2017), 28-29 अक्तूबर, 2017. प्रतिस्पर्धी पत्र सत्र में निर्णायक के रूप में अध्यक्षता।

जीएनईसी, नई दिल्ली में 9 दिसम्बर, 2017 को आयोजित सम्मेलन में ऑपरेटिव प्रक्रियाओं पर जीवंत कार्यशाला की समन्वयक।

डॉ. राकेश कुमार

कैंसर रोगियों की पेरि-ऑपरेटिव देखरेख पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, केएएएमसीओएन कोच्चि

जीबीपंत अस्पताल की पीजी एसेम्बली

आईएसए-उत्तर अंचल, दिल्ली की पीजी एसेम्बली

आईएसए-यूपी, लखनऊ की पीजी एसेम्बली

डॉ. कीर्तिनाथ सक्सेना

अप्रैल, 2015 में आकाशवाणी के कार्यक्रम 'बात सेहत की' में विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित।

8, 9 अप्रैल, 2017 को 'कंट्रोवर्सीज इन ऑब्स्ट्रेटिक एनेस्थीसिया पर पैनल चर्चा संचालित करने के लिए आईएसए दिल्ली शाखा के वार्षिक सम्मेलन में संकाय के रूप में आमंत्रित।

23.8.2017 को उत्तर अंचल आईएसए की पीजी एसेम्बली में संकाय के रूप में आमंत्रित तथा 'पेशेंट्स विद वाल्वुलर हार्ट डिजीज फॉर सिजेरियन सेक्शन' पर व्याख्यान दिया।

आईसीएसीओएन 2017 में संकाय के रूप में आमंत्रित। 'लेवर एनाल्जीशिया मॉडेलिटीज़' पर व्याख्यान दिया। 'ऑब्स्ट्रेटिक एनेस्थीसिया' पर सत्र की अध्यक्षता की।

एमएएमसी में आईएसए मासिक कार्यक्रम में प्रस्तुतीकरण के लिए संवक्ता।

फरवरी, 2018 में जीबी पंत अस्पताल में आईसीए की पीजी एसेम्बली में संकाय के रूप में आमंत्रित तथा "पेशेंट्स विद वाल्वुलर हार्ट डिजीज़ फॉर सीजेरियन सेक्शन" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. मुनीषा अग्रवाल

9 अप्रैल, 2017 को फोर्टिस अस्पताल, गुड़गांव द्वारा आयोजित आईएसए दिल्ली चैप्टर, "सेफ्टी प्रैक्टिस इन एनेस्थीसिया फॉर मॉर्बिडिटी ओबेस" पर चर्चा के लिए पैनलविद।

एलएचएमसी, दिल्ली में एयरवे मैनेजमेंट 2017 पर सीड वर्कशाप। "जनरल एनेस्थीसिया फॉर डिफिकल्ट एयरवे" पर व्याख्यान दिया।

आब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेलॉजी में 24वां वार्षिक एनएआरसीएचआई सम्मेलन, एलएचएमसी, दिल्ली, "सेप्सिस इन ऑब्स्टेट्रिक्स" पर मामले पर चर्चा के लिए पैनलविद, 28-29 अक्तूबर, 2017.

ईएनटी एमएएमसी अपडेट, "एनेस्थीसिया फॉर ईएनटी सर्जरीज" पर व्याख्यान दिया, 2 दिसम्बर, 2017.

बैरिएट्रिक सर्जरी सीएमई, मैक्स सुपरस्पेशिएलिटी अस्पताल, दिल्ली 'मोर्बेडली ओबेस पेशेंट्स' में एक्टुबेशन स्ट्रेटेजीज पर ओबेस पेशेंट्स पर एक सत्र की अध्यक्षता की, 3-4 फरवरी, 2018.

एयरवेज़ कांग्रेस 2018, दिल्ली, फिब्रियोप्टिक इंटुबेशन स्टेशन के लिए संकाय तथा डिफिकल्ट एयरवे मैनेजमेंट के सेज़' के लिए पैनलविद्।

डॉ. कविता रानी शर्मा

आईएपीए 2017 में सत्र की अध्यक्षता

जिपमेर में आईएसए दिल्ली शाखा की पीजी एसेम्बली में व्याख्यान दिया, फरवरी, 2018.

यूसीएमएस में पीजी एसेम्बली में व्याख्यान दिया, अगस्त, 2017.

डॉ. अंजू मलोत्रा

पीजीआई चंडीगढ़ में पीडिएट्रिशिनेस्थिया पर सीएमई के लिए संकाय के रूप में आमंत्रित तथा 'पेरिऑपरेटिव मैनेजमेंट ऑफ बर्न्स इन चिल्ड्रन' पर व्याख्यान दिया, 13 अगस्त, 2019.

एम्स में एआईडीएए एनएसी सम्मेलन में संकाय। दो पैनल चर्चाओं के संवक्ता : 1. एयरवे मैनेजमेंट इन ओबेस पेशेंट्स, 2. एयवे मैनेजमेंट इन पेशेंट्स विद बर्न कंट्रेक्चर नेक। ई-पोस्टर सत्र में निर्णायक, 8-10 सितम्बर, 2017.

जीटीबीएच में पीजीए के लिए संकाय के रूप में आमंत्रित, विषय था 'प्रेग्नेंट पेशेंट फॉर नॉन-ओब्सट्रेटिक सर्जरी: लेप्रेस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टॉमी/एपैंडिसेक्टॉमी, 23 अगस्त, 2017.

एएसओसीओएन 2018 एवं बैरिएट्रिक एनेस्थीसिया सीएमई सीरीज 9 मैक्स सुपर स्पेशिएलिटी हॉस्पिटल साकेत में 'पैरानेसल ओक्सीजीनोम इन ओबेस' पर व्याख्यान दिया, 2-3 फरवरी, 2018.

एयरवे-2018 में पैनल चर्चा में विशेषज्ञ, 10-11 फरवरी, 2018.

एमएएमसी, दिल्ली में पीडिएट्रिक सर्जरी अपडेट में 'एलाउएबल ब्लड लॉस एस्टिमेशन इन सर्जरी' पर एक व्याख्यान दिया, 23 मार्च, 2018.

जीबीपीएच में पीजीए 2018 में "प्रेग्नेंट पेशेंट्स फॉर नॉन-आब्स्ट्रेटिक सर्जरी, लैप्रोस्कोपिक कॉलेसिस्टेक्टॉमी/एपेंडिसेक्टॉमी" पर व्याख्यान दिया, 24 फरवरी, 2018.

पीजीएमईटी प्रकोष्ठ, एमएएमसी में बीएसएल और एसीएलएस पाठ्यक्रमों में प्रतिभागिता की।

सोनिया वधावन

जीआईपीएमईआर में जीबी पंत और एमएएमसी द्वारा संचालित पीजी एसेम्बली में 'एनेस्थेटिक कंसीड्रेशंस इन ए पेशेंट विद पीआईएच' पर व्याख्यान दिया, फरवरी, 2018.

एमएएमसी सर्जिकल स्किल्स एवं लाइफ सपोर्ट पाठ्यक्रमों (एसएसएलएससी) के लिए अनुदेशक, अगस्त-सितम्बर, 2017.

यूसीएमएम की आईएसए-पीजी एसेम्बली में "पैथोफिजियोलॉजी एंड एनेस्थेटिक कंसीड्रेशंस फॉर सिजेरियन सेक्शन इन ए पेशेंट विद स्वीयर पीआईएच", 23 अगस्त 2017.

एमएएमसी स्नोतकोत्तर प्रगत जीवन सहायक पाठ्यक्रमों (पीजीएसीएलएस)-2017 कार्यक्रम में अनुदेशक, सितम्बर-नवम्बर, 2017.

अक्तूबर, 2017 में एमएएमसी में एनेस्थीसिया विभाग द्वारा आयोजित आईएसए मासिक कार्यक्रम में एक सत्र में संवक्ता।

एरोसिटी, नई दिल्ली में एयरवे 2018 में संकाय के रूप में, पीडिएट्रिक एयरवे पर एक सत्र की अध्यक्षता, 10-11 फरवरी, 2018.

डॉ. भारती वधवा

आईएसए दिल्ली शाखा के वार्षिक सम्मेलन में अध्यक्ष के रूप में संकाय, अप्रैल, 2017.

एयरवे मैनेजमेंट फाउंडेशन की सीड कार्यशाला में आयोजित कार्यशाला में संकाय, सितम्बर, 2017.

एयरवे मैनेजमेंट फाउंडेशन की सीड कार्यशाला में वीडियोलायरंगो स्कोप पर व्याख्यान, सितम्बर, 2017.

आब्स्टेट्रिक एयरवे पर व्याख्यान के लिए संकाय के रूप में आमंत्रित, फरवरी, 2018.

एईसी, एयरवे 2018 पर कार्यशाला के लिए संकाय, फरवरी 2018.

यूसीएमएस नई दिल्ली में आयोजित एनजेड पीजी एसेम्बली 2017 में लेबर एनल्जेसिया पर व्याख्यान, अगस्त, 2018.

एमएएमसी में आयोजित आईएसए दिल्ली चैप्टर के मासिक क्लीनिकल कार्यक्रम के लिए संवक्ता।

डॉ. नीलम प्रसाद

टी.एन. झा के लिए राष्ट्रीय आईएसएसीओएन - कोलकाता में दिल्ली का प्रतिनिधित्व किया।

अमेरिकन सोसाइटी ऑफ एनेस्थीसिया 2017 बोस्टन में पत्र का पोस्टर प्रस्तुतीकरण।

अप्रैल, 2017 में आयोजित एनेस्थीसिया डिप्लोमा के लिए परीक्षक।

एयरवेज प्रबंध फाउंडेशन के लिए लेडी हार्डिग मेडिकल कॉलेज में आयोजित सम्मेलन में संकाय।

स्नातकपूर्व और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में आयोजित एसीएलएस/बीएलएस के लिए संकाय।

जीबी पंत अस्पताल में आयोजित स्नातकोत्तर एसेम्बली में संकाय, फरवरी, 2018.

प्रथम वर्ष के स्नातकपूर्व छात्रों के लिए मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में आयोजित प्रायोगिक परियोजना एटीसीओएम में संकाय।

डॉ. मोना आर्या

जीबी पंत अस्पताल में आईएसए (दिल्ली) द्वारा आयोजित पीजी एसेम्बली में व्याख्यान, फरवरी, 2018.

यूसीएमएस में आयोजित आईएसए उत्तर अंचल पीजी एसेम्बली में व्याख्यान, अगस्त, 2017.

डॉ. कपिल चौधरी, सहायक प्रोफेसर

एएमएफ द्वारा 2 सितम्बर, 2017 को एलएचएमसी में आयोजित एयरवे 2018 में प्रारंभिक कार्यशाला के दौरान 'मास्क वेंटिलेशन एंड आप्टिमाइजेशन' पर कार्यशाला के लिए कार्यशाला संकाय।

एम्स, नई दिल्ली में एआईडीएए द्वारा आयोजित राष्ट्रीय एयरवे सम्मेलन 2017 में 'फ्रंट ऑफ नेक एक्सेस' पर कार्यशाला के लिए कार्यशाला संकाय, सितम्बर, 2017.

एएचए प्रमाणित बीएलएस एवंएसीएलएस पाठ्यक्रम में अनुदेशक संकाय।

होटल हॉलीडे इन, एरोसिटी में एयरवे 2018 में पोस्टर प्रतियोगिता के लिए समन्वयक संकाय, 10-11 फरवरी, 2018.

होटल हॉलीडे इन, एरोसिटी में आयोजित एयरवे 2018 में 'एयरवे मैनेजमेंट फॉर थौरैसिक एनेस्थीसिया', वर्कस्टेशन पीडिएट्रिक लंग आइसोलेशन के लिए कार्यशाला संकाय, एनफडल्ट एक्स्ट्रालमिनल, फोगर्टी एक्स्ट्रा एवं इंट्रालुमिलन का प्रदर्शन किया, 10-11 फरवरी, 2018.

अगस्त-सितम्बर 2017 में आयोजित एमएएमसी सर्जिकल स्किल्स एवं लाइफ सपोर्ट पाठ्यक्रमों (एसएसएलएससी) के लिए अनुदेशक।

एमएएमसी स्नातकोत्तर एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट पाठ्यक्रम (पीजीएसी-एलएस)-2017 कार्यक्रम में अनुदेशक, सितम्बर-नवम्बर, 2017.

जिपमेर और मौलाना आजाद मेडिकल कालेज द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इंटर कालेज स्नेस्थीसियोलाजिस्ट स्नातकोत्तर एसेम्बली में वक्ता संकाय तथा 23 फरवरी, 2018 को आयोजित 'एनसथीसिया फॉर बेनाइन हाईपोथोरोपी ऑफ़ प्रोस्टेट' पर वार्ता संचालित की।

ली मेरीडियन, गुरुग्राम में 22-24 मार्च 2018 को आयोजित दूसरे वार्षिक न्यूरोक्रिटिकल केयर अपडेट 2018 के लिए कार्यशाला संकाय; एडवांस्ड एयरवे मैनेजमेंट पर कार्यशाला; सुपराग्लोटिक उपकरणों और वीडियो लायटिग्नोस्कोप पर वर्क स्टेशन, 24 मार्च, 2018.

डॉ. अमित कोहली

कानपुर में 14-17 सितम्बर, 2017 तक आयोजित रिसर्च सोसाइटी ऑफ एनेस्थिलोलोजी क्लीनिकल फार्माकोलॉजी (आरएसएसीपीसीओएन) के 27वें राष्ट्रीय सम्मेलन में 'एनेस्थीसिया फॉर ट्रामा पेशेंट्स' पर व्याख्यान दिया। राष्ट्रीय दैनिकों में साक्षात्कार : हिन्दुस्तान टाइम्स और अमर उजाला।

डॉ. ललित गुप्ता

'अवर एक्सपीरिएंस विद पर्कुटेनस डायलेटेशनल ट्राशियोस्टोमी : ए रिट्रोस्पोक्टिव एनालाइसिस" दिसम्बर, 2017, सम्मेलन : आईसीएसीओएन हरियाणा।

एयरवे एनाटॉमी पर व्याख्या, सीड कार्यशाला एएमएफ, सितम्बर, 2017.

एयरवे एनाटॉमी पर कार्यशाला के लिए संकाय, एयरवे 2017, फरवरी, 2018.

जीबी पंत अस्पताल एवं एमएएमसी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित पीजी एसेम्बली 2018 में संकाय के रूप में प्रतिभागिता; 'एनेस्थीसिया फॉर रेनल डिजीज़' पर व्याख्यान दिया।

डॉ. राहिल सिंह

जीबी पंत अस्पताल एवं एमएएमसी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित पीजी एसेम्बली 2018 में संकाय के रूप में प्रतिभागिता; "ट्राशियास्टोमी" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. सुखयंती केरई

चिकित्सा विभाग, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित मेडिसिन मिडटर्म सीएमई में "मैनेजमेंट ऑफ क्रिटिकली इल पेशेंट्स इन दि हास्पिटल" पर पैनल चर्चा में प्रतिभागिता, 29 अक्तूबर, 2017.

एयरवे सम्मेलन, 2018 में पर्कुटेनस डायलाटेशनल ट्राश्योस्टॉमी पर कार्यशाला में संकाय के रूप में भाग लिया।

जीबी पंत अस्पताल एवं एमएएमसी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित पीजी एसेम्बली 2018 में संकाय के रूप में प्रतिभागिता: 'एनेस्थीसिया ब्रीदिंग सर्किट्स' पर व्याख्यान।

संकाय सदस्य संख्या : 17.

अन्य उल्लेखनीय योगदान

डॉ. सुखयंती करई, डॉ. कीर्ति एन. सक्सेना, डॉ. भारती वधवा : 2017 के लिए श्रेष्ठ समीक्षा लेख के लिए वाई.जी. भोज राज पुरस्कार प्राप्त किया, इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया।

डॉ. नीलिमा प्रसाद : अप्रैल, 2017 में आईएसए दिल्ली में श्रेष्ठ शोध-प्रबंध पत्र के लिए चयनित। नवम्बर, 2017 में कोलकाता में आयोजित आईएसए राष्ट्रीय सम्मेलन में टीएन जेएचए पुरस्कार के लिए दिल्ली का प्रतिनिधित्व किया।

डॉ. कपिल चौधरी और डॉ. ललित गुप्ता ने वर्ष 2017 के लिए इंडियन जर्नल ऑफ क्लीनिकल एनेस्थीसिया के लिए समीक्षा का उत्कृष्टता प्रमाण-पत्र पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. ललित गुप्ता : इंडियन जर्नल ऑफ क्लीनिकल एनेस्थीसिया, 2018 के लिए श्रेष्ठ समीक्षक पुरस्कार।

इंडियन कॉलेज ऑफ एनेस्थीसियोलोजिस्ट वार्षिक सम्मेलन वाराणसी अक्तूबर, 2017, पोस्टर प्रस्तुतीकरण में द्वितीय पुरस्कार : 'एन इनोवेटिव टेक्नीक फॉर मास्क वेंटिलेशन इन इंडट्रलस पेशेंट्स', डॉ. कीर्ति एन. सक्सेना, डॉ. भारतीय वधवा, डॉ. विनीत मनचंदा।

एसोसिएशन ऑफ ऑब्स्ट्रेटिक एनेस्थेटिस्ट्स, सितम्बर, 2017: श्रेष्ठ पत्र श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार: कुमार डी., वधवा एस., भदोरिया पी., कोहली ए., पंवार वी., टु कम्प्रेयर दि एफिकेसी ऑफ ट्रांसवर्सुसबडोमिनिस प्लेन ब्लॉक विद वूंड साइट इंफार्मेशन यूजिंग 0.25 % ब्यूपिवैक्सीन फॉर पोस्ट ऑपरेटिव एनाल्जेसिया आफ्टर सीजेरियन सेक्शन अंडर स्पाइनल एनेस्थीसिया। इंडियन सोसाइटी एनेस्थीजियॉली सम्मेलन, देहरादून, उत्तराखंड (आईएसएसीओएन - यूके 2017) अक्तूबर, 2017.

प्रथम पुरस्कार : कुमार ए., नारायण एस., काचरन एन., कोहली ए., वधावन एस., भदोरिया पी., पोस्टीरिअर ट्रैकियल वाल इंजुरी व्हाइल प्रोफार्मिंग पकुटेनियस डायलाटेशनल ट्राशियोस्टोमी इन इटेंसिव केयर यूनिट ऑन ए पेशंट विद डिफिकल्प एयरवे।

द्वितीय पुरस्कार : चौधरी एन., पटेल ए., कोहली ए., वधावन एस., भदोरिया पी., कंपैरिजन बिटवीन लेटेरल इंटरस्केलेन एंड पैरास्केलेन अप्रोच टु कंटीन्यूअस ब्राकियल, प्लेक्सस ब्लॉक फॉर शोल्डर सर्जरी, रिसर्च सोसाइटी ऑफ एनेस्थीसियालॉजी क्लीनिकल फार्माक्लाजी का 27वां राष्ट्रीय सम्मेलन (27 आरएसएसीपीसीओएन), कानपुर, सितम्बर, 2017.

प्रथम पुरस्कार - पदमकांत अवार्ड - पीडिएट्रिकैनेश्यीसिया में श्रेष्ठ पत्र : चौधरी एन., गुप्ता आर., भदोरिया पी., वधावन एस., कोहली ए. एवैलुएशन ऑफ पीडिएट्रिक आई. जेल एज ए कंडक्ट फॉर फाबरोप्टिक ऐडेड इंटुबेशन।

डॉ. जी.के. सिन्हा युवा शोधकर्ता अवार्ड में प्रथम पुरस्कार : चौधरी एन., कोहली ए., वधावन एस., भदोरिया पी., आई-जैल एज एन इंटुबेशन कंडक्ट : कम्पैरीजन ऑफ प्रीडिफ्रेंट टाइप ऑफ इंडोट्रैकियल ट्यूब्स।

डॉ. राकेश कुमार
प्रशिक्षण केन्द्र समन्वयन, एमएएमपी अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण केन्द्र, अध्यक्ष, एयरवे प्रबंध फाउंडेशन।

डॉ. मुनीषा अग्रवाल
सदस्य :

आईसीएमआर, दिल्ली, परियोजना, समीक्षा समिति।

एनेस्थीसिया एवं एनलजेसिया जर्नल की समीक्षक

डॉ. भारती वधवा
मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज एवं जीबी पंत अस्पताल द्वारा आईएसए दिल्ली के अंतर्गत आयोजित स्नातकोत्तर एसेम्बली के लिए संयुक्त आयोजक सचिव।

एमएएमसी की ड्रामेटिक्स सोसाइटी की संकाय सलाहकार।

डॉ. कपिल चौधरी
जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया, इंडियन जर्नल ऑफ क्लीनिकल एनेस्थीसिया, जनरल ऑफ इंवेस्टिगेटिक सर्जरी के समीक्षक।

***

जैव-रसायन (एलएचएमसी)

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां
विभाग एसएसके अस्पताल में स्थित हार्मोन प्रयोगशाला तथा आण्विक जैविकी प्रयोगशाला के साथ तथा अत्याधुनिक पूर्णत: स्वचालित एनालाइजरों के माध्यम से नेमी तथा 24x7x365 दिन आपातकालीन नैदानिक प्रयोगशाला सेवाएं संचालित करता है। केएसपीएच नैदानिक जैव-रसायन प्रयोगशाला का प्रबंध भी जैव-रसायन विभाग द्वारा किया जाता है। नैदानिक जैव-रसायन प्रयोगशाला में संचालित किए गए परीक्षणों की संख्या इस वर्ष 10 लाख से भी अधिक थी। इस वर्ष विभाग में दो वित्त-पोषित परियोजनाएं चल रही हैं जिनकी प्रधान अन्वेशक डा. रितू सिंह हैं।

प्रकाशन

अहीरवार ए.के., सिंह ए., जैन ए., पात्रा एस.के., गोस्वामी बी., भटनागर एम.के. एवं भट्टाचार्जी जे. (2017). रेज्ड टेस्ट इज एसोसिएटेड विद एंडोथेलियल डिस्फंकशन इन मेटाबोलिक सिंड्रोम : ए केस कंट्रोल स्टडी, रोमानियम जर्नल ऑफ इंटर्नल मेडिसिन, 55(4), 212-221.

अहीरवार ए.के., सिंह ए., जैन ए., पात्रा एस.के., गोस्वामी बी., भटनागर एम.के. एवं भट्टाचार्जी जे. (2017). रोल ऑफ सब क्लीनिकल हापोथाइरॉइडिज्म इन एसोसिएशन विद एडिपोनेक्टिन लेवल्स कॉजिंग इंसुलिन रेजीस्टेंट इन मेटाबोलिक सिंड्रोम : ए केस कंट्रोल स्टडी, दि होकर्ड जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल एंड क्लीनिकल मेडिसिन, 42(2), 96-103.

देवी ए., सिंह आर. एवं त्यागी एस. (2017). सीरम यूरिक एसिड एंड एल्बुमिम एज रिस्क प्रीडिक्टर्स ऑफ एंजियोग्राफिकली प्रूवन एथेरोस्क्लेरोसिस. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रीसेंट साइंटिफिक रिसर्च, 1(7), 51-53.

देवी ए., सिंह आर. एवं त्यागी एस. (2017). एसोसिएशन ऑफ कोलेस्ट्री ईस्टर ट्रांसफर प्रोटीन (सीईटीपी) जीन-629सी/ए पालीमार्फिज्म विद एंजियोग्राफिकली प्रूवन एकेरोस्क्लेरोसिस, इंडियन जर्नल ऑफ क्लीनिकल बायोकैमिस्ट्री 32(2), 23(2), 238-38.

देवी ए., सिंह आर. एवं त्यागी एस. (2017). लेसिथिन कोलेस्टेरोल एसिल्ट्रांसफरेज (एलसीएटी) एज बायोमार्कस ऑफ एंजियोग्राफिकली प्रूवन एथेरोस्क्लेरोसिस, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रीसेंट साइंटिफिक रिसर्च, 7(6), 12177-79.

गोस्वामी बी., जैन ए. एवं कोनेर वी.सी. (2017). इवैलुएशन ऑफ ब्रेनस्टार्मिंग सेशन एज ए टीचिंग - लर्निंग टूल अमंग पोस्टग्रेजुएट मेडिकल बायोकैमिस्टी स्टूडेंट्स, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड एंड बेसिक मेडिकल रिसर्च, 7 (सप्ल. 1), एस 15 - एस 18, http://doi:10.4103/ijabmr.

गोगाई पी., देवनाथ ई, सिंह आर. एवं जैन ए. (2017). कंपैरेटिव स्टडी ऑफ कंनेशनल टीचिंग मैथड्स एंड केस डिस्काशन अमंग दि फर्स्ट यीअर एमबीबीएस स्टूडेंट्स, एस्ट्रोसाइट, 3, 209-12.

कुमार एम., वजाला आर., शर्मा के., सिंह एस., सिंह आर., गुप्ता यू. एवं भट्टाचार्जी जे. (2017). फर्स्ट-ट्रिमेस्टर रेफेरेंस सेंटाइल्स ऑफ फेटल बायोमीट्री इन इंडियन पॉपुलेशन, दि जर्नल ऑफ मैटर्नल-फीटल एंड नियोनैटल मेडिसिन, 30(23), 2804-2811.

कुमार एम., शर्मा के., सिंह एस., सिंह आर., सिंह ए. एवं भट्टाचार्जी जे. (2017). यूज ऑफ फर्स्ट ट्रिमेस्टर प्लासांटा ग्रोथ फैक्टर कंसंट्रेशन टु प्रीडिक्ट हाइपरटेंसिव डिसॉडर्स ऑफ प्रेग्नेंसी गायनेक्लॉजी एंड ऑब्स्टेट्रिक्स 139(3), 301-306.

लाल एस., त्रिपाठी एस., भट्टाचार्जी जे., एवं भटनागर एम.के. (2017). इंसुलिन रेजिस्टेंस एंड मार्कर्स ऑफ एंडोथीलियल इन डिस्फंक्शन इन मेटाब्लिक सिंड्रोम, दिल्ली, ए केस कंट्रोल स्टडी. इंडियन जे बेसिक एंड एप्लाइड मेडिकल रिसर्च, 6, 281-290.

साहू बी. एबे पी., आनंद आर., कुमार ए., तोमर एस. एवं मलिक ई. (2017). सीवेरिटी एसेस्मेंट ऑफ एक्यूट पैन्क्रिएटाइटिस यूजिंग सीटी सीवेरिटी इंडेक्स एंड मॉडिफाइड सीटी सीवेरिटी इंडेक्स : कोरिलेशन विद क्लीनिकल आउटकम्स एंड सीवेरिटी ग्रेडिंग एज पर दि रिवाइज्ड एटलांटा क्लासिफिकेशन, इंडियन जे रेडिओल इमेजिंग, 27, 152-60.

शर्मा के., सिंह आर., कुमार एम., गुप्ता यू., रोहिल वी. एवं भट्टाचार्जी जे. (2018). फर्स्ट-ट्रिमेस्टर इन्फ्लामेटरी मार्कर्स फॉस रिस्क इवैलुएशन ऑफ प्रीग्नेंसी हाइपरटेंशन, जे. आब्स्टेट गायनेकोल इंडिया, 68(1), 27-32.

त्रिपाठी एस., अरोड़ा एम., सैनी वी. एवं जैन ए. (2017), विटामिन डी डेफिसिएंसी इन फर्टेलिटी केसेस, ए पायलट स्टडी इन दिल्ली, आईजेबीएएमआर, 6, 30-135.

राजदान वी., सिंह आर., त्यागी एस. (2017). पूअरली कंट्रोल्ड डायबेटीज मेलीटस टाइप 2 इन एसोसिएटेड विद इंक्रीज्ड एमएमपी - 9 लेवल्स एंड अकरेंस ऑफ मायोकार्डियल इंफाकर्शन - ए पायलट स्टडी, इंडियन जर्नल ऑफ करंट मेडिकल रिसर्च, 6(5), 3584-3588.

शोध परियोजनाएं

डा. रितु सिंह, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, जीनोमिक एंड प्रोटियोमिक मार्कर्स ऑफ मायोकार्डियल इंफ्रैक्शन, 29 लाख, डीबीटी, स्टडी ऑफ जीनेटिक पालीमार्फिज्म्स एंड जीन एक्सप्रेशंस ऑफ इंटरल्यूकिन 6, इंटरल्यूकिन 10 एंड ट्यूमर नेक्रोसिस फैक्टर एल्फा इन टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस, एक लाख और शोध सहयोजित वेतन।

डा. पिंकी सक्सेना : प्रसूति और स्त्री-रोग विभाग, आईसीएमआर वित्त-पोषित परियोजना (2016 से जारी) ए रैडोमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल टु कम्पेयर दि एफिकैसी ऑफ एन एसीटाइल सिस्टीन, मेटफोर्मिन ऑर प्लेसबो थेरेपी ऑन क्लीनिकल, हार्मोनल एंड आक्सीडेटिव स्ट्रेस प्रोफाइल ऑफ इंफर्टाइल वीमेन विद पॉलीसिसिटक ओवरी सिंड्रोम एलांग विद क्लोमीफेन साइट्रेट, अनुमान-34 लाख।

आयोजित संगोष्ठियां

डा. रितु सिंह, सीएमई/विचार-गोष्ठी 'प्रीवेंटिव एथ्रोस्क्लेरोसिस न्यूट्रीशन एंड लाइफस्टाइल, जीबी पंत अस्पताल, 6 अगस्त, 2017.

डा. रितु सिंह, डा. प्रीति चौहान, डा. पारिजात गोगोई

स्ट्रेस मैनेजेंट वर्कशॉप स्टूडेंट लीडरशिप मिशन (मेडिकल एजुकेशन यूनिट), स्वर्ण जयंती ऑडीटोरियम एलएचएमसी, सितम्बर, 2017.

डा. स्मिता त्रिपाठी, डा.पारिजाता गोगोई, डा. राजीव गोयल

ट्रेनिंग ऑफ इंटर्नस ऑन सैंपल कलेक्शन एंड प्री-एनालाइटिक एरर्स, जनवरी, 2018.

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतीकरण

डा. अंजू जैन, प्रस्तुतकर्ता, आईएसएसआरएफ, एम्स में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 18-20 फरवरी, 2017.

अध्यक्ष, एम्बिकान 2017, मैसूर, 16-19 नवम्बर, 2017.

जयश्री भट्टाचार्जी, वार्ता : ट्यूमर नेक्रोसिस फैक्टर (टीएनएफ-2) प्रोमोटर रीजन पॉलीमार्फिज्म (308/ए) इन मैराबोलिक सिंड्रोम, आईएसएआरसीओउन (इंडियन सोसाइटी फॉर एथेरोस्क्लेरोसिस रिसर्च, इंडियन सोसाइटी फॉर एथेरोस्क्लेरो रिसर्च का 30वां वार्षिक सम्मेलन और "एथेरोस्क्लेरोसिस का निवारण और नियंत्रण : बहु विषयक दृष्टिकोण" पर विचार-गोष्ठी, एम्स पटना, नवम्बर, 2017.

डा. रितु सिंह, वार्ता - जीनोमिक एंड प्रोटियोजिक मार्कस ऑफ सीएडी, आईएसएआरसीओउन (इंडियन सोसाइटी फॉर एथेरोस्क्लेरोसिस रिसर्च), इंडियन सोसाइटी फॉर एथेरोस्क्लेरो रिसर्च का 30वां वार्षिक सम्मेलन और "एथेरोस्क्लेरोसिस का निवारण और नियंत्रण : बहु विषयक दृष्टिकोण" पर विचार-गोष्ठी, एम्स पटना, नवम्बर, 2017.

डा. प्रीति चौहान ने 11 अक्तूबर, 2017 को सीएनई में ई-हास्पिटल मॉड्यूल पर एक सत्र का संचालन किया।

डा. पारिजात गोगोई, पोस्ट प्रस्तुतीकरण, एसीबीआई (दिसम्बर, 2017), रिसर्च एथिक्स एंड गुड क्लीनिकल प्रोसीजर्स (मार्च, 2018), बीएलएस ट्रेनिंग (24 फरवरी, 2018).

अन्य अंतर-सांस्थानिक सहयोग

डा. रितु सिंह : अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार डा. पार्थसारथी, यूनीवर्सिटी ऑफ सेंट्रल फ्लोरिडा, यूएसए के साथ जी.बी. पंत अस्पताल के सहयोग से "जीनोमिक एंड प्रोटियोमिक मार्कर्स ऑफ मायोकार्डियल इंफार्क्शन पर डीएचआर-एमओएचएफडब्ल्यू द्वारा वित्त-पोषित परियोजना।

प्रदत्त एम.फिल/पीएच.डी. डिग्रियां

डा. रितु सिंह : छात्रा डा. करुणा शर्मा, 'इवैलुएशन ऑफ जेनेटिक पालीमार्फिज्म ऑफ एमएमपी-9 एंड फर्स्ट ट्रिमेस्टर मैटेर्नल सीरम लेवल्स ऑफ बायामार्कर (पीएपीपी-ए, एचसीजी), नाइट्रिक ऑक्साइड, एंडोथेनिन एंड प्रो-इंफ्लेमेट्री साइटोकीन (टीएनएफ-..... λ, आईएनएफ-γ) फॉर दि प्रीडिक्शन ऑफ प्रीक्लम्प्सिया" पीएच.डी. प्रस्तुत।

संकाय सदस्य संख्या : 9

***

जैव-रसायन (एमएएमसी)

सम्मान/विशिष्टयां:

फरवरी, 2017 में कॉलेज वार्षिक दिवस में डीन, एमएएमसी से श्रेष्ठ अनुसंधान कार्य के लिए प्रतिष्ठित फ्लेमिंग ट्राफी, 2016 प्राप्त की।

शोध परियोजनाएं

यूजीसी शोध परियोजना (अल्पसंख्यकों के लिए यूजीसी - मौलाना आजाद राष्ट्रीय फेलोशिप) शीर्षक - "एजेनेटिक स्टडी टू इवालुएट इम्प्लिकेशन ऑफ़ थ्राम्बोमाडूलिनैंड एसोसिएटेड प्रोटींस इन सीएडी", डा. ए. सक्सेना।

एसईआरबी., विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा वित्त-पोषित परियोजना, शीर्षक "इफेक्ट ऑफ पेस्टिसाइड ऑन इंसुलिन सिगनलिंग इन एल 6 मायोट्यूब्स, डा. बी.सी. कोनेर।

मल्ट्रीसेंटर स्क्रीनिंग ऑफ ब्रेस्ट कैंसर पेशेंट्स टु डिटेरमाइन एफिसिएंशी एंड टु एसेस सेंसिटिविटी एंड एकुरेसी ऑफ पैंडोरा सीडीएक्समैमोएलट इन स्क्रीनिंग ऑफ ब्रेस्ट कैंसर, सह-अन्वेषक डा. बी. गोस्वामी।

अल्पकालिक परियोजना

जीएनसीटी ऑफ दिल्ली द्वारा वित्त-पोषित परियोजनाएं, शीर्षक "ए स्टडी ऑफ जीनेटिक अल्टेरेशंस इन ब्रेस्ट कैंसर पेशेंट्स", डा. ए. सक्सेना।

आईसीएमआर शोध परियोजना (आईसीएमआर - एसआरएफ), शीर्षक "मॉलीक्यूलर मेकेनिज्म ऑफ ब्लास्ट ट्रांसफार्मेशन (रोल ऑफ पीडीजीएफआर) इन इमैटिनिब ट्रीटेज सीएमएल पेशेंट्स", डा. ए. सक्सेना।

आईसीएमआर शोध परियोजना (आईसीएमआर - एसआरएफ), शीर्षक "जीनेटिक अल्ट्रेशंस टु अंडर स्टैंड दि बायलॉजी ऑफ एपिलेप्सी सिंड्राम्स", डा. ए. सक्सेना।

वर्तमान वर्ष के दौरान पूर्ण शोध-प्रबंधों के विवरण:

एवालुएशन ऑफ सर्कुलेटिंग सॉल्यूबल लो डेन्सिटी लियोप्रोटीन रिसेप्टर रिलेटेड प्रोटीन 1 (एसएलआरपी-1) एज मार्कर ऑफ कोरोनरी आट्री डिजीज़ रिस्क, डा. पी. लाली, सह-अन्वेषक - डा. लाल चन्द्रा।

रोल ऑफ एडोप्लाज्मिक स्ट्रेस इन पैथोजिनेसिस ऑफ ओवेरियन कैंसर, डा. एस. कौशिक, सह-अन्वेषक - डा. लाल चन्द्रा।

इवैलुएशन ऑफ सबक्रोनिक ओरल एंड इनहेलेशनल एक्सपोजर ऑफ ट्रांसफ्लूथ्रिन ऑन इम्यून रिस्पांस एंड रिस्क फैक्टर्स एसोसिएटेड विद कोरोनरी आईरी डिजीज इन एलबिनो रैट्स, डा. बी.सी. कोनेर, सह-अन्वेषक - डा. ए. सक्सेना।

इवैलुएशन ऑफ सीरम एचई-4 एंड ओवीएक्स-1 प्रोटींस इन एपीथीलियल ओवेरियन कैंसर पेशेंट्स, डा. टी. के. मिश्रा, डा. ए. सक्सेना।

क्लीनिकों-बायोकैमिकल स्टडी ऑफ एटोपिक डर्माडाइटिस इन चिल्ड्रन, सह-अन्वेषक - डा. एस. कौशिक।

डायग्नोसिस यूटिलिटी ऑफ न्यूट्रोफिल सीडी 64 एंड मोनोसाइट एचएलए-डीआर इन नियोनैटल स्पेसिस, सह-अन्वेषक- डा. एस. कौशिक।

स्टडी ऑफ ब्रेन हैल्थ इन पेशेंट्स ऑफ प्राइमरी ओवेरियन इन्सफिसिएंशी, सह-अन्वेषक - डा. एस. कौशिक।

प्रकाशन

बंसल ए., दहिया के., डाब्ला एस., गहलौत वी.एस., दुबे ए., गोयल आर. एवं सिंगला एन.के. (2017) दि इफेक्ट ऑफ फिनाइटोइन मोनोथेरापायोनसीरम 25-हाइड्रोक्सी विटामिन डी एंड बोन हैल्थ मार्कर्स - ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी, एसजेएएमएस 5(8 एफ), 3416-3422.

भट एस.के., गुरु. एस.ए., मीर आर., वाजा ए.एच., जुबेरी एम., सुमी एम.पी., सक्सेना ए. (2018). रोल ऑफ एससीएन1ए एंड एससीएन2ए जीन पोलीमार्फीस्म इन एपिलेप्सी सिंडोम - ए स्टडी फ्राम इंडिया, जे न्यूरोल - यूरोस्की, 9(1), https: //DOI : 10.21767/2171-6625. 1000238.

चिन्या ए., रतन एस.के., अग्रवाल एस.के., गर्ग ए. एवं मिश्रा टी.के. (2017). एसोसिएशन ऑफ लेवल्स ऑफ सीरम इनहिबिन बी एंड फॉलीकल - स्टिमुलेटिंग हार्मोन विद टेस्टिकुलर वैस्कुलैरिटी, वॉल्यूम एंड ईकोटेक्सचर इन चिल्ड्रन विद अनडीसेंडेड टेस्टेस, जे इंडियन एसो पीडिएटर सर्ज, 22(1), 3-8.

गोपाल एन., कोनेर बी.सी., भट्टाचार्जी ए., भट वी., मुरुगेयन एस.बी. एवं मुद्देगौडा पी.एच. (2017). ऐसे ऑफ यूरीनरी प्रोटीन कार्बोनिल कंटेंट कैन प्रीडिक्ट दि स्टीरोइड डिपेंडेंस एंड रेसिसटेंस इन चिल्ड्रन विद् आईडियोपैथिक नेफ्रोटिक सिंडोम, साउदी जे. किडनी डिस ट्रांसप्ल, 28(2), 268-272.

गोस्वामी बी.,, जहैन ए. एवं कोनेर बी.सी. (2017). इवैलुएशन ऑफ ब्रेन स्टोर्मिंग सेशंस एज टीचिंग लर्निंग टूल अमंग पोस्ट ग्रेजुएट बायोकैमिस्ट्री स्टूडेंट्स, इट. जे. एप्ल बेसिक मेड रेस, 7 (सप्ल 1.), एस 15 - एस 18.

गुरु एस.ए., मीर आर., भट एम., नजर आई., जुबेरी एम., सुमी एस., मसरूर एम., गुप्ता एन. एवं सक्सेना ए. (2017). पीडीजीएफआर-□ प्रोमोटर पॉलीमार्फिज्म्स एंड एक्सप्रेशन पैटर्नस इंफ्लुएंस रिस्क ऑफ डेवलपमेंट ऑफ इमेटिनीबाइंड्यूज्ड थ्रोम्बोस्पाइरोपेनिया इन क्रोनिक ल्यूकेमिया : ए ढटडी फ्रॉम इंडिया ट्यूमर बायल, 39(10) https://DOI: 10.:1177/10104283.177.13857.

मुसदिक ए.बी., समीर ए.जी., राशिद एम., एजाज ए.डब्ल्यू., मरियम जैड., ममता पी.एस., अल्पना एस. (2018). एसोसिएशन ऑफ जीएबीएए रिसेप्टर इन एपिलेप्सी सिड्रॉम्स. जे. मोल. न्यूरोस्कि., https: //DOI : 10.1007/एस 12031-018-1081-7.

प्रसाद जे., गोस्वामी बी., गौडा एस.एच. कुमार एस., अग्रवाल के., मेहरा पी., चौहान ए., (2017). इफेक्ट ऑफ अरेका नट कंजम्पशन ऑन हाइपोक्सिया इंडुसिब्ल फैक्टर 1 एल्फा एक्सप्रेशन इन पेशेंट्स विद ओरल स्क्वैमस सैल कार्सिनोमा, इंडियन जे. मेड. बायोकैम 21(2), 81-85.

प्रसाद जे., गोस्वामी बी., गौडा एस.एच. कुमार एस., अग्रवाल के., मेहरा पी., चौहान ए., (2017). कोरिलेशन ऑफ हाइपोक्सिया इंडुसिब्ल फैक्टर 1 एल्फा लेवल्स विद डिजीज स्टेटस इन ओरल स्क्वामस सैल कार्सिनोमा, इंट. जे.स्कि. रेस., 6(3), 52-4.

वर्मा एम., दहिया के., सोनी ए., धनकर आर.,गहलौत वी.एस., बंसल ए. एवं कौशल वी. (2017). लेवल्स ऑफ न्यूट्रोफिल गेलानिटेज - एसोसिएटेड लिपो कैलिन इन पेशेंट्स विद हैड एंड नेक स्क्वामस सैल कार्सिनोमा इन इंडियन पॉपुलेशन फ्रॉम हरियाणा स्टेट, वर्ल्ड जे.ऑफ क्लीनिकल ऑन्कालॉजी, 8(3), 261.

लिखी गई/संपादित पुस्तकें/अध्यायों का योगदान

डा. एस.के. गुप्ता द्वारा एमबीबीएस के लिए बायोकैमिस्ट्री लिखी गई है।

डा. एस.के. गुप्ता द्वारा एजेंसियल्स ऑफ इम्युनोलॉजी लिखी गई है।

योगदान किए गए अध्याय : डा. महेश्वरी के. 'फ्रीक्वेंसी डिस्ट्रिब्यूशन ऑफ फीनोटाइप्स, एलेलिक एसोसिएशन, हेरेटेबिलिटी एंड बिहेवियन, हार्मोंस इन बिहेवियर', इंसाइक्लोपीडिया ऑफ कॉग्नीशन एंड बिहेवियर में।

आयोजित सम्मेलन : 2

विभाग द्वारा 19-20 सितम्बर, 2017 तक 'सेल कल्चर टेक्नीक्स' पर कार्यशाला आयोजित की गई।

विभाग द्वारा 11 नवम्बर, 2017 को "कोगुलेशन डिसॉर्डर एंड मेटाबोलिक टार्गेट्स ऑफ एंटी प्लेटलेट थेरेपी - एन अपडेट' पर विचार-गोष्ठी-सह-कार्यशाला का आयोजन किया गया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतीकरण:

डा. नीलम को एसीबीआईसीओएन 2017 में उनके पत्र "प्रमोटर हाइपरमेथाइलेशन एंड एक्सप्रेशन ऑफ सीएचडी-5 जीन इन पैनक्रिएटिक एडेनोकार्सिनोमा पेशेंट्स" के लिए आईएफसीसी टीवाईएफएस (टास्क फोर्स यंग साइंटिस्ट अवार्ड) पुरस्कार प्राप्त हुआ, पर्यवेक्षक : डा. टी.के. मिश्रा।

डा. सरिता ने एएमबीआईसीओएन 2017 में "एसोसिएशन ऑफ फेट्युन-ए जीवन पालीमोर्फिज्म़ इन पेशेंट्स विद मेटाबॉलिक सिंड्रोम" पर पोस्टर प्रस्तुत किया, पर्यवेक्षक : डा. पी-लाली।

डा. नीलम ने एएमबीआईसीओएन 2017 में "एसोसिएशन ऑफ सीएचडी-जीन 5 पॉलीमोर्फिज्म (470 सी > टी) इन पैन्क्रिएटिक एडेनो कार्सिनोमा पेशेंट्स एंड पैन्क्रिएटिक कैंसर सैल लाइन" पर पोस्टर प्रस्तुत किया, पर्यवेक्षक : डा. टी.के. मिश्रा।

डा. श्रीनिवास एच. ने एएमबीआईसीओएन 2017 में "कैरेक्टेराइजेशन ऑफ एफसटी 1 ऑन्कोजीनिक रोल इन हाइपोक्सिया" में पोस्टर प्रस्तुत किया।

डा. श्रीनिवास एच. ने द्वितीय इंडियन कैंसर कांग्रेस में "इंट्रेक्शन ऑफ फैट! एचआईएफ 1ए एंड पी 53 इन लियामा प्रोगेशन" पर पोस्टर प्रस्तुत किया।

डा. श्रीनिवास एच. ने आईआईटी दिल्ली में 29 जनवरी, 2018 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली के जैव-चिकित्सा विज्ञान विभाग द्वारा आयाजित तीसरे हाइपोक्सिया समारोह में अतिथि वार्ता प्रस्तुत की।

डा. बी. गोस्वामी ने एएमबीआईसीओएन 2017 में एक स्वतंत्र मौखिक पत्र और पोस्टर प्रस्तुत किया।

डा. आस्था, डा. रीना, डा. सरिता, डा. सीताराम ने एमएएमसी में "कोगुलेशन डिसॉर्डर्स एंड मेटाबॉलिक टार्गेट्स ऑफ एंटी-प्लेटलेट थैरेपी : एन अपडेट "पर आयोजित विचार-गोष्ठी में पोस्टर प्रस्तुत किए।

डा. अनुपमा को स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित सोसाइटी ऑफ बायोलाजिकल कैमिस्ट्स के 86वें सम्मेलन में "अल्ट्रेशन इन माइक्रो आरएनए-486-5पी एक्सप्रेशन लेवल्स इन क्रोनिक मायलोइड ल्यूकेमिया पेशेंट्स एंड इट्स सिग्निफिकेंस विद डिजीज़ प्रोग्रेशन" के लिए श्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्राप्त हुआ।

डा. सरिता ने पीजीआईएमएस रोहतक में "एसोसिएशन ऑफ सीरम फे टु इन ए लेवल इन पेशेंट्स विद मेटाबालिक सिड्रांम" पर पोस्टर प्रस्तुतीकरण के लिए तीसरा पुरस्कार प्राप्त हुआ।

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

विजिटर्स :
डा. देवब्रत दास, प्रोफेसर ऑफ बायोकैमिस्ट्री, बीएचयू, वाराणसी ने विभाग का दौरा किया तथा "नोवेल एप्रोच टुवर्ड्स एंटी प्लेटलेट एंड एंटी थर्मो बायोटिक थैरेपी" पर एक वार्ता का संचालन किया, 11 नवम्बर, 2017.

डा. देवब्रत बासु, प्रोफेसर ऑफ़ पैथोलॉजी, जिप्मेर, पुदुचेरी, ने 'लेबोरेटरी डायग्नोसिस ऑफ़ कोगुलेशन डिसऑर्डर्स' पर एक वार्ता का संचालन किया, 11 नवम्बर, 2017.

डा. दीप दत्ता, परामर्शक एंडोक्राइनोलॉजिस्ट वेंकटेश्वर अस्पताल, दिल्ली ने "चैलेंज इन कॉगुलेश पाथवे इन एंडोग्राइन डिसॉडर्स पर वार्ता प्रस्तुत की, 11 नवम्बर, 2017.

डा. टी.के. मिश्रा ने मैसुरु में एएमबीआई की 25वीं वार्षिक राष्ट्रीय कांफ्रेस में वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की।

डा. लाल चन्द्रा 25 जुलाई से 1 अगस्त, 2017 तक रायपुर मेडिकल कॉलेज में "गुणवत्ता प्रबंध तथा साक्ष्य आधारित प्रयोगशाला चिकित्सा" पर आयोजित कार्यशाला में अतिथि संकाय/विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

इस अवधि में इलेक्ट्रोकैमिलुमिनेंस प्रयोगशाला में किए गए परीक्षणों की संख्या : 73,569 परीक्षण

जोड़ी गई सुविधाओं की संख्या
विभाग में विभिन्न हेमेटोलॉजिकल मैलिग्नेंसीज़ तथा अन्य सॉलिड कैंसरों अर्थात् बीसीआर - एबीएल ट्रांसलोकेशन, जेएके 2 म्यूटेशन, ईजीएफआर म्यूटेशन आदि में आनुवांशिक विकृतियों की पहचान के लिए एक अत्यंत विशेषीकृत आण्विक नैदानिक सुविधा कार्य कर रही है। सीरम लिपेज़, एडीए, लैक्टेर, एएमएच, एनटी प्रो. बीएनपी और प्रो. कैल्सिटोनिन के लिए परीक्षणों को प्रारंभ किया गया है।

***

जैव-रसायन (यूसीएमएस)

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

विभाग ने स्नातकपूर्व और स्नातकोत्तर प्रशिक्षण तथा अनुसंधान में उल्लेखनीय प्रगति की है। पांच छात्रों को पीएच.डी. डिग्री प्रदान की गई तथा इस समय 12 छात्र विभिन्न संकाय सदस्यों के अंतर्गत पीएच.डी के लिए पंजीकृत हैं। अनेक संकाय सदस्यों को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया। उनमें से अनेक विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ/तकनीकी/समीक्षा समितियों में उत्कृष्ट पद भी धारण किए हुए हैं। वर्तमान

में, जैव-रसायन विभाग में अनेक अनुसंधान परियोजनाएं चल रही हैं। संकाय सदस्यों ने वैयक्तिक रूप से तथा अन्य विभागों के साथ सहयोग करते हुए उच्च प्रभाव कारक वाले सहयोगी-समीक्षित अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय जर्नलों में पन्द्रह से अधिक शोध लेख प्रकाशित किए हैं।

प्रकाशन

चन्द्रा एन., मेंहदीरत्ता एम., त्रिपाठी ए.के., गुलेरिया के. एवं बनर्जी बी.डी. (2017). पैरोक्सोनेज 1 जीन पालीमार्फिज्म (आरएस 662) एंड इंक्रीज्ड रिस्क ऑफ इडियोपैथिक फोएटल ग्रोथ रिस्ट्रिक्शन, जर्नल ऑफ क्लीनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च, 11(11), 16-20.

गुप्ता आर., शर्मा एस.बी. एवं सिंह यूअआर. (2017). सैलुटरी इफेक्ट्स ऑफ ग्लाइसीन मैक्स सीड्स ऑन पोस्ट प्रैंडियल हाइपग्लाइसीमिया एंड डाइस्लिपिडेमिया - एविडेंस फ्रॉम इन वीवो एंड इन विट्रो स्टडीज़, अल्टर्न इटेगर, मेड https: //DOI : 10.4172/2327-5161.1000237.

जाफरी ए.ए., शर्मा एस.बी., लूथरा के., मेंहदिरत्ता एम., खुराना एन. एवं सिंह यू.आर. (2017). रेगुलेशन ऑफ जीन एक्सप्रेशन इन डाउनस्ट्रीम सिगनलिंग मॉलीक्यूल्स बाई हर्बल कंपाउंड इन इन्सुलिन रेसिस्टेंट डायबेटिक रैट्स, अल्टरन इंटीगर मेड, 6,3.

जाहिद एम., रेहान यूअएच, चावला डी., अवस्थी आर. एवं अहमद एस.जे. (2018). एसोसिएशन ऑफ पालीमार्फिक वैरिएंट्स इन आई-11बी जीन विद सीक्रेशन ऑफ इल-1 बीटा प्रोटीन एंड इंफ्लोमेट्री मार्कर्स इन नार्थ इंडियन रहमेटॉइड अर्थराइटिस पेशेंट्स जीन, 30(641), 63-67.

जाहिद एम., रेहान यू.एच., झा पी.के., चावला डी., अवस्थी आर. एवं अहमद आर.एस. (2017). ट्यमर नेक्रोसिस फैक्टर - एल्फा-308 पॉलीमार्जिज्म इन नार्थ इंडियन रहमेटॉइड अर्थराइटिस पेंशट्स एंड एसोसिएशन विद एमआरएनए एंड सीरम टीएनएफ-एल्फा क्लीनिकल रीमैटोलॉजी, 36(10). 2209-2216.

झा पी.के., जाहिद एम., अवस्थी आर., बनर्जी बी.डी. एवं अहमद आर.एस. (2017). डिस्लिपिडेमिया इन पेशेंट्स विद अर्ली रहमेटाइड अर्थराइटिस एंड रिस्क ऑफ अर्थेरोस्कलेरोसिस, अर्थेरोस्कलेरोसिस एंड मेटाबॉलिक रिसर्च, 1(1), 14-19.

कार आर., चावला डी., गुप्ता बी., मेंहदीरत्ता एम., वधवा एन. एवं अग्रवाल आर. (2017). एस्टेब्लिशमेंट ऑफ प्राइमरी सैल कल्चर फ्राम एससाइटिक फ्लूइड एंड सालिड ट्यूमर ऑब्टेन्ड फ्रॉम एपिथेलियल ओवेरियन कार्सिनोमा पेशेंट्स, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ गायने क्लॉजिक कैंसर, 27(9), 2000-2005.

खान एम.के., सुब्रमण्यन एम., अरोड़ा वी.के. एवं अहमद आर.एस. (2017). सप्रेशन ऑफ इंफ्लामेशन एंड कार्टिलेज डिस्ट्रक्शन बाई स्टीरॉयड-रिच मेथेनॉलिक एक्ट्रैक्ट ऑफ विद एनियासोम्नीफेरा : ए स्टडी ऑन कोलाजन इंड्यूस्ड रैट्स जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल एंड एप्लाइड एनिमल साइंसेज, 2(2), 172-189.

खुराना एन., शर्म एस.बी., जाफरी ए.ए. एवं शर्मा ए.एम. (2017). एजाफिलोनेज़ : देयर रोल इन वेरियस बायलॉजिकल एक्टिविटीज़, एशियन जे बायोमेड फार्मास्यूटिकल साइ., 7(66), 34.

कुमारी ए., अर्चना एस., सुमन बी.एस., विनोद के.ए. एवं अभिलेश ए. (2017). डिक्लिपिडेमिया एंड आक्सीडेटिव स्ट्रेस इन पेशेंट्स ऑफ प्सोरिएसिस : एमेर्जिंग कार्डियोवैस्कुलर रिस्क फैक्टर्स, 146(6), 708-713.

निमेश ए., अग्रवाल वी., गर्ग एस. एवं मेंहदीरत्ता एम. (2017). अल्ट्रावायलेट एब्जार्पशन स्पेक्ट्रल स्कैन एंड फ्लोरेसेंस एमिशन स्पेक्ट्रल स्कैन एनालाइसिस : पोटेंशियल टेस्ट्स विद डायग्नोस्टिक यूटिलिटी इन फोरफिरिया, इंड. जे मेड बायोकैम, 21(2),1-6.

निमेश ए., मेंहदीरत्ता एम., अग्रवाल वी., गर्ग एस. एवं कार आर. (2017). सीरम एब्जॉर्प्शन स्पेक्ट्रल स्कैन पैटर्न - एन इंडीविजुअल्स ब्लूप्रिंट : इट्स यूज व्हाइल ऑथेंटिकेटिंग लैबोट्री रिजल्ड्स, इंट. जे. हैल्थसी बायोमेड रेस. 6(1), 36-42.

निमेश ए., मेंहदीरत्ता एम., अग्रवाल वी., गर्ग एस., एवं पुरी डी. (2017). प्री-एनालाइटिक वैरिएबल्स एन क्लीनिकल कैमिस्ट्री : ट्रेनिंग मेडिकल अंडर ग्रेजुएट्स थ्रू केस बेस डिस्कशन. इंट. जे. क्लिन बायोमेड रेस, 3(4), 33-8.

निमेश ए., मेंहदी रत्ता एम., गर्ग एस., कार आर. एवं पुरी डी. (2018). इंप्रूविंग, एकेडैमिक पर्फोमेंस ऑफ मेडिकल अंडरग्रेजुएट्स : इंपेडिमेंट्स एंड सोलूशंस, आर यूएचएस जर्नल ऑफ हैल्थ साइसेंज, 3(1)11-16.

निमेश ए., मेंहदीरत्ता एम., कार आर., गर्ग एस. एवं पुरी डी. (2017). करंटली प्रेक्टाइस् असेसमेंट मेथड्स फॉर मेडिकल अंडरग्रेजुएट्स : ए टाइम टू पोंडर. यूर जे फार्म मेड रेस, 4(9)657-61.

शर्मा डी., गर्ग एस., मेंहदीरत्ता एम., मधु एस.वी., एवं पुरी डी. (2017). रिलेशनशिप ऑफ सीरम एपोलीप्रोटीन ए.वी. लेवल्स, आक्सीडेटिव स्ट्रेस एंड इंफ्लोमेटरीबायोमार्कर्स विद हाइपरट्राइग्लिसेरिडेमिया इन टाइप 2 डायबेटीज़ मेलिटस, इंट.जे. एंडोक्राइनोल मेटाब, 15(2), e44805, http://doi:10-5812/igem.44805.

जर्नल

गर्ग सीमा : सदस्य, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्लीनिकल एंड बायोमेडिकल रिसर्च, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल बायोकैमिस्ट्री के एडिटोरियल रिव्यू बोर्ड की सदस्य।

मेंहदीरत्ता मोहित : आंचलिक प्रतिनिधि, एडिटोरिल बोर्ड ऑफ इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल।

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतीकरण

डा. दिनेश पुरी एम्बिकॉन 2017 में, एसोसिएशन ऑफ मेडिकल बायोकैमिस्ट्स ऑफ इंडिया का 25वां वार्षिक सम्मेलन, मैसुरु, भारत 17-18 नवम्बर, 2017 तक आयोजित।

डा. एस.बी. शर्मा : अध्यक्षीय व्याख्यान और सत्र की अध्यक्षता, आईएसएआरसीओएन, एम्स, पटना, 17 नवम्बर, 17.

डा. एस.बी. शर्मा : सत्र की अध्यक्षता और वक्ता के रूप में आमंत्रित (एसीबीआई लखनऊ) दिसम्बर, 2017.

संकाय सदस्य संख्या - 6

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

डा. मोहित मेंहदीरत्ता : इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में 7 मई, 2017 को क्लीनिकल लैब ऑप्टिमम यूटिलाइजेशन में सीएमई।

एप्रोस्क्लेरोसिस : हालिया प्रगति और अद्यतन स्थिति पर जीबी पंत स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में डीसी-आईएसएआर विचार-गोष्ठी, 19 अगस्त, 2017.

सीएमई क्वालिटी कंट्रोल I क्लीनिकल एंड मॉलीक्यूलर बायलॉजी 5 अक्तूबर, 2017 को पं. बी.डी. शर्मा, पीजीआईएमएस रोहतक में आयोजित।

मल्टी स्पेशिएलिटी एडीसीओएन 2017 सम्मेलन आईएमए, नई दिल्ली द्वारा 22-26 नवम्बर, 2017 तक आयोजित किया गया।

एसोसिएशन ऑफ प्रैक्टेसिंग पैथालाजिस्ट्स का चौथा वार्षिक सम्मेलन (पैथकॉन और लैब एक्सपो) 16-17 दिसम्बर, 2017 तक नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

चिकित्सा अनुसंधान में नमूना आकार पूर्वानुमान पर कार्यशाला 20 मार्च, 2018 को यूसीएमएस, दिल्ली की चिकित्सा शिक्षा यूनिट में आयोजित की गई।

डीडीएफ का 25वां वार्षिक सम्मेलन (डीआईएबीसीओएन 2017) "डायबिटीज़ - न्यू होराइज़ंस वाइडिंग पर्सपेक्टिब्स' विषय पर 22-23 अप्रैल, 2018 को नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

डा. सीमा गर्ग : सम्मेलनों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/सीएमई में भागीदारी एथेरोस्क्लेरोसिस : रीसेंट एडवांसेस एंड अपडेट" पर डीसी-आईएसएआर विचार-गोष्ठी जीबी पंत स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित की गई, 19 अगस्त, 2017.

सीएमई क्वालिटी कंट्रोल I क्लीनिकल एंड मॉलीक्यूलर बायलॉजी पं. बी.डी. शर्मा पीजीआईएमएस रोहतक में आयोजित, 5 अक्तूबर, 2017.

एसोसिएशन ऑफ प्रैक्टाइजिंग पैथोलॉजिस्ट्स का चौथा वार्षिक सम्मेलन (पैथकॉन एंड लैब एक्सपो) नई दिल्ली में आयोजित किया गया, 16-17 दिसम्बर, 2017.

चिकित्सा अनुसंधान में नमूना आकार पूर्वानुमान पर कार्यशाला यूसीएमएस, दिल्ली की चिकित्सा शिक्षा इकाई द्वारा आयोजित की गई, 20 मार्च, 2018.

डा. राजश्री कार : सम्मेलनों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/सीएमई में भागीदारी दो सप्ताह का क्यू : एलईएपीपी कार्यक्रम जिसकी समाप्ति ऑनसाइट कार्यशाला के साथ हुई, यूसीएमएस, दिल्ली 4 अगस्त, 2017.

आईएसएआरसीओएन - डीसी, जीबी पंत अस्पताल, 19 अगस्त, 2017.

'नमूना आकार पूर्वानुमान' पर कार्यशाला, यूसीएमएस, 20 मार्च, 2018.

***

जैव-रसायन (वीपीसीआई)

सम्मान/विशिष्टियां:

प्रो. एस.के. बंसल

विश्वविद्यालय के परिनियमों के परिनियम 30(1)(ग)(i) के अंतर्गत कॉलेज ऑफ नर्सिंग, सेना अस्पताल (आर एंड आर) की सलाहकार समिति का 18.10.2017 से एक वर्ष की अवधि के लिए विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने के लिए कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय के नामिती।

विश्वविद्यालय के परिनियमों के परिनियम 30(1)(ग)(i) के अंतर्गत राजकुमारी अमृतकौर कॉलेज ऑफ नर्सिंग की सलाहकार समिति का 15.11.2017 से एक वर्ष की अवधि के लिए विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने के लिए कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय के नामिती।

बायोटेक्नोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया, 2017 के महासचिव निर्वाचित।

प्रकाशन

पांडेय ए., कुलश्रेष्ठ आर., सिंह एच., भारद्वाज एस., बंसल एस.के. (2017). रोल ऑफ ट्रांसफोर्मिंग ग्रोथ फैक्टर एंड वैस्कुलर एंडोथीलियल ग्रोथ फैक्टर एंड देयर रिसेप्टर्स इन दि पैथोजिनेसिस ऑफ ब्लेओमाइसिन इंड्यूस्ड लंग फिब्रोसिस, जेएमएससीआर, 5 : 23684-23691.

जर्नल

प्रो. एस.के. बंसल, संपादक मंडल, ओपन जर्नल ऑफ रेस्पिरेटरी डिज़ीज़ेज़।

शोध परियोजनाएं

डा. एस.के. बंसल

डीबीटी-एसआरएफ, 18.04.2011 (पांच वर्ष के लिए), स्टडीज़ ऑन एरीप्रोसाइट मेम्ब्रेन प्रोटीन प्रोफाइल एंड ऑक्सीडेंट एंड एंटीआक्सीडेंट स्टेटस आफ ब्लड इन बॉकियल एस्थमा, 17.26 लाख रुपए।

यूसीजी-एसआरएफ, 02.07.2012 (पांच वर्ष के लिए), रोल ऑफ इनेट एम्यून रिस्पांस मेकेजिज्म्स इन डेवलपमेंट ऑफ ब्लेओमाइसिन इंड्यूस्ड लंग फिब्रोसिस, 19.00 लाख रुपए।

आईसीएमआर - जेआरएफ, 28.01.2014 (पांच वर्ष के लिए), स्टडी ऑन सीआरएचआर 1 एंड जीआर जीन पॉलीमोर्फिज्म एंड देयर कोरिलेशन विद दि एक्सप्रेशन ऑफ वेरियस इंफ्लामेट्री साइटोकिनेज़ इन अस्थमा इन नार्थ इंडियन, 21.00 लाख रुपए।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

प्रो. एस.के. बंसल - विशेषज्ञ/विषय विशेषज्ञ, श्वशन रोगों के लिए आरएंडडी रणनीतियां तैयार करने पर जागरूकता कार्यशाला सेंट्रल आयुर्वेद रिसर्च इंस्टिट्यूट फॉर रेस्पिरेटरी डिसाडर्स (सीएआरआईआरडी), पटियाला, पंजाब, 01.04.2017.

छात्र पुरस्कार समारोह, डीसीआईएसएआर, जिपमेर की अध्यक्षता की, 19.08.2017.

डीपीएसआरयू के कुलपति प्रो. आर.के. गोयल के साथ वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता रीसेंट एडवांसेज इन नाइट्रिक आक्साइड (एनओ) रिसर्च एंड इट्स इंपैक्ट ऑन थैरेपी, पेंटल मैमोरियल गोल्डन जुबली सभागार, वी.वी. चेस्ट संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली 06.09.2017.

संकाय सदस्य संख्या - एक

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

***

जैव-रसायन (क्लीनिकल बायोकैमिस्ट्री लैब)

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

डा. वी. रोहिल

रोगियों की देखरेख के लिए नैदानिक सेवाएं प्रदान कर रहे हैं, एम.डी. चिकित्सा जैव-रसायन छात्रों के अनुसंधान, शिक्षण, पर्यवेक्षण में सक्रिय रूप से शामिल हैं (प्रस्तुत : 1), पीएच.डी. चिकित्सा जैव-रसायन छात्र (प्रस्तुत : 1, कर रहे : 1) तथा अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के छात्रों (8) को प्रशिक्षण प्रदान किया। नैदानिक सेवाएं अंतरंग और बहिरंग रोगियों को प्रदान की जाती हैं, नमूनों का विश्लेषण एयू 480 ऑटोएनाइजर, बेकमैन कोल्टर और डिरूई सीएस-टी 240 बायोकैमिस्ट्री एनालाइजर द्वारा किया जाता है। 01.04.17 से 31.03.18 तक कुल परीक्षणों की संख्या = 43,170 है। वर्तमान में तीन परियोजनाएं चल रही है, एक एमआरयू, आईसीएमआर परियोजना है, डा. वी. रोहिल परियोजना के प्रधान अन्वेषक हैं तथा 2 एम्स में चल रही हैं, डा. वी. रोहिल दोनों ही परियोजनाओं के सह-अन्वेषक हैं। परियोजना

में, माइक्रो एरे विश्लेषण के लिए नमूना तैयार करने का कार्य चल रहा है जिसे किसी संविदा शोध संगठन को पूर्ण करने के लिए दिया जाएगा।

सम्मान/विशिष्टियां

डा. वी. रोहिल
शैक्षणिक समुदाय को दिए गए उत्कृष्ट योगदान तथा उनकी सतत् निष्ठा की प्रशंसा और मान्यतास्वरूप ग्रेस इंडिया एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा 'श्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार' 7 अक्तूबर, 2017 को प्रदान किया।

प्रकाशन:
अग्रवाल टी., वधवा आर., रोहिल वी. एवं मौर्या पी.के. (2018). बायोमार्कर्स ऑफ ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस एंड प्रोटन - प्रोटीन इंट्रेक्शन इन क्रोनिक आब्स्ट्रक्टिव पलमोनरी डिज़ीज, आर्क. फिजियोल बायोकैम. 124(3), 226-231.
एम.यू. एवं भट्टाचार्जी जे. (2017). रोल ऑफ मेटालोप्रोटीनेज़ेज (पीएपीपी-ए एवं एमएमपी-9) इन फर्स्ट टाइमेस्टर प्रीडिक्शन ऑफ प्रीग्नेंसी हाइपरटेंशन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोमेडिकल एंड एडवांस रिसर्च, 8(05), 212-216.

रोहिल वी., विजयन वी.के., कुमार आर., जोशी आर., पवनी पी., पॉल एस., शर्मा ए., एवं रहमान एम.यू. (20170. रिसर्च पेपर शीर्षक "ए स्टडी ऑन दि कोरिलेशन ऑ मेट्रिक्स मेटलोप्रोटीनेज़ एमएमपी 1 इन सीओपीडी एंड स्मोकिंग इन दि नॉर्थ इंडियन पॉपुलेशन", एशियन जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज (एजेएमएस), 8(1), 5-14.

रोहिल वी., पुरकायस्थ पी.के., शर्मा वी. एवं भट्टाचार्जी जे. (2017). एंटीकैंसर एक्टिविटी ऑफ पॉलीफिनोलिक एसीटेट्स मीडिएटेड बाइ कार्लेटिकुलिन ट्रांसएसिटाइलेज इन लंग कैंसर : एन एपिजेनेटिक मॉड्लेशन जर्नल ऑफ कैंसर साइंस एंड थेरेपी, 9(10). [स्पल.]

शर्मा के., रोहिल वी., सिंह आर., कुमार एम., गुप्ता यू., भट्टाचार्जी जे. (2017). शोध पत्र शीर्षक, एसोसिएशन ऑफ एमएमपी-9 1562 सी/टी जीनेटिक पॉलीमार्फिज्म एंड फर्स्ट-ट्रिमेस्टर एमएमपी-9 सीरम लेवल्स विद प्रेग्नेंसी हाइपर टेंशन, बायोमेडिसिन, 37(3), 359-364.

रोहिल वी., पुरकायस्थ पी.के., पवनी पी. एवं भट्टाचार्जी जे. (2017). दि रोल ऑफ कैल्रेटिकुलिन ट्रांसएक्टीलेज मीडिएटेड एपीजेनेटिक मॉड्लेशन बाई पोली फीनोलिक एसीटेट्स इन लंग ट्यूमर संप्रेशन, वर्ल्ड कैंसर कांग्रेस 2017, 20-22 सितम्बर, 2017, साइंस सिटी आडिरोटियम, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, भारत।

शोध परियोजनाएं : तीन (3)

डा. वी. रोहिल
एमआरयू (आईसीएमआर) सितम्बर, 2016 में प्रारंभ, टु एलुसिडेट दि रोल ऑफ एलाजिक एसिड ऑफ लंग कार्सिनोजिनेसिस, 21 लाख रुपए लगभग।
डीएसटी 2016-2019 "रेगुलेशन ऑफ टीईटी 2 प्रोटीन बाइ एरिथ्रोपोइटिन (एपो) ड्यूरिंग एरिथ्रोसाइट डिफ्रेंशिएशन इन ह्यूमन एंड टु इंवेस्टिगेट इट्स रोल इन एक्यूट मायलॉइड लूकेमिया", 50,44,042/- रुपए।

डीएसटी, 2017-2020 आईडेटिफिकेशन ऑफ नोवल टांसक्रिप्ट्स एंड नॉन-कोडिंग आरएनए इन फच्स एंडोथेलियल कोर्नियल डिस्ट्रोफी (एफईसीडी)" संस्वीकृत राशि : 71,91,072/- रुपए।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतीकरण

डा. विश्वजीत रोहिल को विज्ञान सिटी सभागार, कोलकाता, प. बंगाल भारत में 20-22 सितम्बर, 2017 तक आयोजित 'विश्व कैंसर कांग्रेस - 2017' सम्मेलन में "दि रोल ऑफ कैल्रेटिकुलिन ट्रांस एसिटिलेज मीडिएटेड एपिजीनेटिक मॉडुलेशन बाई पॉलीफिनोलिक एसीटेट्स इन लंग ट्यूमर संप्रेशन" विषय पर 'अतिथि वैज्ञानिक वार्ता" के लिए आमंत्रित किया गया।

बाल्टी मोर, मैरी लैंड, यूएसए में 18-20 अक्तूबर, 2017 तक आयोजित 125वीं कैंसर और विज्ञान एवं निदान कांग्रेस" सम्मेलन में "एंटी कैंसर एक्टिविटी ऑफ पॉलीफिनोलिक एसीटेट्स मीडिएटेड बाई कैल्रेटिकुलिन ट्रांसएसिटाइलेज इन लंग कैंसर : एनएपी जीनेटिक मॉडुलेशन" शीर्षक पर पत्र का मौखिक प्रस्तुतीकरण।

इस प्रस्तुतीकरण को उत्तम और उपयोगी आंका गया।

हॉल 2, पेंटल स्मारक स्वर्ण जयंती सभागार, वी.पी. चेस्ट संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, उत्तरी परिसर, दिल्ली - 110007 में सोमवार, 06 नवम्बर, 2017 को दूसरे दिन प्रात: 1130-1315 बजे आयोजित "एफआईपीएसपीएचवाईएसआईसीओएन 2017" में पीआईएम भाषणों के सत्र की सह-अध्यक्षता। इसका आयोजन डिफेंस इंस्टिट्यूट ऑफ फीजियोलॉजी एंड एलाइड साइंसेज़, डीआरडीओ, दिल्ली भारत द्वारा किया गया था।

हॉल 3, पेंटल स्मारक स्वर्ण जयंती सभागार, वी.पी. चेस्ट संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, उत्तरी परिसर, दिल्ली - 110007 में मंगलवार, 07 नवम्बर, 2017 को तीसरे दिन प्रात: 1130-1315 बजे तक सत्र XVI : बायोमैमिस्ट्री एंड मॉलीक्यूलर बायलॉजी में निर्धारित विषय "नोवल एपीजेनेटिक ड्रग्स : पॉलीफिनोल एसीटेट्स, प्यूटेटिव सेंकड जेनेरेशन ड्रग्स फॉर लंग कैंसर" पर अपने अभिनव कार्य को साझा किया तथा वे "एफआईपीएसपीएचवाईएसआईसीओएन 2017" में अतिथि वक्ता भी थे। इसका आयोजन डिफेंस इंस्टिट्यूट ऑफ फीजियोलॉजी एंड एलाइड साइंसेज़, डीआरडीओ, दिल्ली भारत द्वारा किया गया था।

अन्य अंतर्सांस्थानिक सहयोग:

डा. वी. रोहिल

एक (कार्य 30.11.2016 को पूर्ण हुआ तथा सांख्यिकीय आंकड़ों को संकलित करने के उपरांत अंतिम रिपोर्ट तैयार की गई तथा रिपोर्ट 3.8.2017 को प्रस्तुत की गई।

परियोजना का शीर्षक : 'टु इंवेस्टिगेट दि रोल ऑफ कैलरेटिकुलिन ट्रांस एसी टाइलेज मीडिएटेड हिस्टोंस हाइपर एसी टाइलेशन इंड्यूज्ड एपिजेनेटिक माडुलेशन बाइ पाली फीनोलिक एसीटेट्स इन जीन्स इप्लीकेटेड इन लंग ट्यूमोरिजीनेसिस"।

जैव-प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा प्रायोजित संस्थान :वल्लभ-भाई टेल चेस्ट संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत वर्धमान महावीर चिकित्सा महाविद्यालय और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली, भारत(सह-अन्वेषक : प्रो. जयश्री भट्टाचार्जी, निदेशक-प्रोफेसर एवं प्राचार्य वर्धमान महावीर चिकित्सा महाविद्यालय और एफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली)।

प्रदत्त एम.फिल/पीएच.डी डिग्रियों की संख्या:

एक पीएच.डी छात्रा (सुश्री करुणा शर्मा) ने अपना शोध-प्रबंध प्रस्तुत किया है, एक एमडी छात्र ने अपना शोध-प्रबंध प्रस्तुत किया है।

संकाय सदस्य संख्या : एक

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

डा. वी. रोहिल

डा. विश्वजीत रोहित ने डीएचआर, एमओएचएफडब्ल्यू, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित तथा आईसीएमआर - एनएआरआई/एनएएमबी, पुणे में 28 अगस्त से 2 सितम्बर, 2017 तक आईसीएमआर-राष्ट्रीय एड्स अनुसंधान संस्थान, पुणे के सहयोग से मूविंग एकेडमी ऑफ मेडिसन एंड बायो मेडिसिन, पुणे द्वारा "क्लीनिकल एंड लैबोरेटरी मेडिसन रिसर्च" विषय पर आयोजित कार्यशाला में प्रतिभागिता की।

***

हृदय-विज्ञान

(जी.बी. पंत स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान)

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

हृदय-विज्ञान विभाग का उद्देश्य श्रेष्ठ मानकों वाली हृदय-रोग देखरेख सेवाएं प्रत्येक व्यक्ति की पहुंच तक उपलब्ध कराना है। वर्ष 2017-18 विभाग के लिए उपलब्धियों भरा है। हाइपरटेंशन, रयूमेटिक हृदय-रोग और इशेमिक हृदय-रोग की आनुवांशिकी में आधारभूत अनुसंधान को प्रमुख सहयोगी-समीक्षित अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों में प्रकाशित किया गया है। हमारे विभाग के सदस्यों ने संकाय के रूप में प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय हृदय-विज्ञान सम्मेलनों में भाग लिया। हमने शिक्षण प्रयोजनों के लिए लाइव मामलों और कार्यशालाओं का आयोजन किया। हृदय-विज्ञान विभाग में वर्ष 2017 में नई आनुवांशिकी प्रयोगशाला स्थापित की गई। रयूमेटिक हृदय-रोग में प्लमनरी हाइपरटेंशन में विभिन्न आनुवांशिक पॉलीमार्फिज्म पर अनुसंधान परियोजनाएं संचालित की गई हैं।

प्रकाशन

देवी ए., सिंह आर., डावर आर. एवं त्यागी एस. (2017). एसोसिएशन ऑफ कॉलेस्टेरिल एस्टेट ट्रांसफर प्रोटीन (सीईटीपी) जीन-629 सी/ए पालीमार्फिज्म विद एंजियोग्राफिकली प्रूवन एथेरोस्क्लेरोसिस, इंडियन जे क्लिन बायोकैम, 32(2), 235-238.

सिंह के., सिंह आर., चन्द्रा एस. एवं त्यागी एस. (2018). पैराआक्सोनेज-1 इज ए बैटर इंडिकेटर दैन एचडीएल, ऑफ एथ्रोस्क्लेरोसिस - ए पायलट स्टडी इन नार्थ इंडियन पॉपुलेशन, डायबेटीज़ एंड मैटाबालिक सिंड्रोम : क्लीनिकल रिसर्च एंड रिव्यूज़, 12(3), 275-278.

सेठ ए., ओनुमा वाई., कोस्टा आर., चन्द्रा पी., बहल वी.के., मंजुनाथ सी.एन. एवं कालारिकल एम.एस. (2017). फर्स्ट-इन-ह्यूमन इवालुएशन ऑफ ए नोवल पॉली-एल-लैक्टाइड बेस्ट सिरोलिमस-एलुटिंग बायोरिजार्बेबल वैस्कुलर स्कैफोल्ड फॉर दि ट्रीटमेंट ऑफ डिनोवो नेटिव कंट्री कोरोनरी अर्टरी लेजियन : एमई रेस-1 ट्रायल, यूरोइंटरवेंशन : जर्नल ऑफ यूरोपीसीआर इन कोलेबोरेशन विद द वर्किंग ग्रुप ऑन इंटरनेशनल काडियोलॉजी ऑफ दि यूरोपियन सोसाइटी ऑफ कार्डियोलॉजी, 13(4), 415-423.

गुहा एस., सेठी आर., रे एस., बहल वी.के., षणमुगसुंदरम एस., केर्कर पी. एवं महाजन ए. (2017). कार्डियोलाजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया : पोजीशन स्टेटमेंट फॉर दि मैनेजमेंट ऑफ एसटी एलेवेशन मायोकार्डियल इंफ्रेक्शन इन इंडिया, इंडियन हार्ट जर्नल, 69, एस 63-एस97.

युसुफ जे. जोथिनाथ पी., मुखोपाध्याय एस., विग्नेश वी. एवं त्यागी एस. (2018). इवेलुएशन ऑफ सीरम 25-हाइड्रोक्सी विटामिन डी. लेवल्स इन कैल्सिफिक रयूमेटिक मिटरल स्टेनोसिस - ए क्रॉस सेक्शनल स्टडी., इंडियन हार्ट जर्नल, 70(2),206-213.

मुखोपाध्याय एस., कुमार एम., यूसुफ जे., मेहता वी., त्रेहन वी., एवं त्यागी एस. (2015). क्लीनिकल टिस्क फैक्टर्स एंड एंजियोग्राफिक प्रोफाइल ऑफ कोरोनरी स्लो फ्लो इन नॉर्थ इंडियन पापुलेशन, इंडियन हार्ट जर्नल, 67, एस 127.

मेहरा पी., मेहता वी., सुखीजा आर., सिन्हा ए.के., गुप्ता एम., गिरीश एम.पी. एंड एरोनाओ डब्ल्यू.एस. (2017). पल्मनरी हाइपरटेंशन इन लेफ्ट हार्ट डिजीज़, आंर्काइव्स ऑफ मेडिकल साइंस, 13(1).

सरकार पी.जी., गुप्ता एम.डी. एवं गिरीश एम.पी (2017). एमिलाइडोटिक सूडोस्पैक्टकल्स, पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल जर्नल, पोस्ट ग्रेड मेड जे-2016.

गर्ग एन., मुदुली एस.के., कपूर ए., तिवारी एस., कुमार एस., खन्ना आर. एवं गोयल पी.के. (2017). कंपैरिजन ऑफ डिफेरेंट कार्डियोवैस्कुल रिस्क स्कोर कैल्कुलेटर्स फॉर कार्डियो वैस्कुलर रिस्क प्रीडिक्शन एंड गाइडलाइन रिकमेंडेड स्टैटिन यूज़ेज, इंडियन हार्ट जर्नल, 69(4), 458-463.

पुस्तकों/अध्यायों का योगदान

त्यागी एस. एवं मित्तल ए. (2017). डिजीज ऑफ पेरीकार्डियम, एपीआई टेक्स्ट बुक ऑफ मेडिसन 10वां संस्करण, डा. पी.वाई. मुंजाल, दिल्ली द्वारा संपादित : जेपी बद्रर्स मेडिकल।

त्यागी एस. एवं बंसल ए., त्यागी डी. (2017). रेनल आर्टरी स्टोसिस : टु फिक्स ऑफर नॉट टु फिक्स इन कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, संपा. हीरेमैथ एम.एस.

त्यागी एस. एवं सुभेंदु एम.एस.के. (2017). एसटीईएमआई मैनेजमेंट विद ओरेटिक स्टेनोसिस इन बुक ऑन एक्यूट मायोकार्डियल इंफ्रेक्शन, चोपड़ा एच.के. संपा., मेहता एस. (पीपी 814-817), दिल्ली : जे.पी. ब्रदर्स मेडिकल।

त्यागी एस. एवं सफल (2018). रीनोवेस्कुलर हाइपरटेंशन इन इंडिया इन सीएसआई टेक्स्टबुक ऑफ कार्डियोलॉजी : दि इंडियन पसर्पेक्टिव, प्रदीप के. देब (संपा.), (पीपी 665-675), दिल्ली : जे.पी. ब्रदर्स मेडिकल।

बंसल ए. एवं चतुर्वेदी बी. (2018). कार्डियो डाइबेटीज़ एंड ऑटोनोमिक इंएफिसिएंसी, इन स्टेट ऑफ आर्ट कार्डियो डायबेटीज अपडेट : ए टेक्स्ट बुक ऑफ कार्डियोलॉली, एच.के. चोपड़ा संपा., (पीपी 199-125), दिल्ली : जे.पी. ब्रदर्स मेडिकल।

जर्नल

डा. विमल मेहता एवं डा. मोहित गुप्ता को क्रमश: इंडियन हार्टजर्नल क्लीनिकल डायलॉग्स और इंटरवेंशन का कार्यकारी संपादक के रूप में चयनित किया गया।

शोध परियोजनाएं

रयूमैटिक माइटराल स्टेनोसिस में एरोटिक स्टिफनेस का आकलन।

प्राइमरी पर्क्यूटेनस कोरोनी इंटरवेंशन का उपचार ले रहे रोगियों में नो-रिफ्लो/स्लो फ्लो के संकेतकों और परिणामों का अध्ययन।

कोरोनरी आईडी रोग के रोगियों में अत्यंत दीर्घ ड्रग एलुटिंग स्टेंट प्रणाली की सुरक्षा और प्रभावकारिता।

टेट्रालॉजी ऑफ फैलट के सूचित न किए गए मामलों में वेंटिकुलर डिस्फंकशन का मूल्यांकन।

मल्टीवैसेल डिजीज़ के साथ अथवा उसके बिना प्राइमरी परक्यूटेनस कोरोनरी इंटरवेंशन का उपचार करा रहे रोगियों में एम 30 एपॉप्टॉटिक बायोमार्क का आकलन।

परक्यूटेनस बैलून मिटरल वाल्वुलोप्लास्टी के उपचार में पल्मनरी आईटी हाइपरटेंशन के साथ गंभीर मिटरल स्टेनोसिस वाले रोगियों में इवेसिव पल्मनरी आईटी प्रेशरों के साथ ड्रॉप्लर ईको कार्डियोग्राफी डेराइव्ड पल्मनरी आईटी प्रेशरों की तुलना।

लघु अवधि फॉलोअप पर नॉन-स्पेसिफिक ऑटो आर्टे रिटाइसिस के रोगियों में आर्क वैसलों की एंजियोप्लास्टी के उपरांत रेस्टोनोसिस को प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन।

धूम्रपान न करने वाले तथा मधुमेह रोग से मुक्त रोगियों के मध्य मायोकार्डियल इंफ्रेक्शन के युवा भारतीय रोगियों में डेमोग्राफिक, क्लीनिकल, एंजियोग्राफिक प्रोफाइल और टेलोमेरे लैंथ।

एसोसिएशन ऑफ प्रो - इंफ्लोमेटरी साइटोकिनेज (आईएल 6, आईएल - 10, आईएल - 18, टीएनएफ - एल्फा) विद सिवेयर मिटरल स्टेनोसिस।

ट्रेटालॉजी ऑफ फैलट के साथ सहयोजित कार्डिएक डिफेक्ट्स का स्पेक्ट्रम तथा इन डिफेक्टों के निदान के लिए कार्डिएक कैथेटेराइजेशन के साथ 2डी ईको की तुलना।

प्राइमरी पर्कुटेनस कोरोनरी इंटरवेंशन का उपचार करा रहे रोगियों में मायोकार्डियल रिपरफ्यूजन के मार्कर के रूप में मायोकार्डियल ब्लश ग्रेड के साथ क्यूआरएस ड्यूरेशन का कोरिलेशन।

इवैलुएशन ऑफ साइटो किनेज़ ऑफ टीएच-17 एक्सिस वर्सेज टीएच-1 एक्सिस इन रियुमैटिक हार्ट डिजीज़ : एन आब्जेर्वेशनल स्टडी।

कोरिलेशन ऑफ पल्मनरी वेनस फ्लो डॉप्लर विद पल्मनरी वैस्कुलर रेजिस्टेंट इंडेक्स इन चिल्ड्रन ऑफ वेंट्रीकुलर सेप्टल डिफेक्ट्स विद पल्मनरी हाइपरटेंशन अंडर गोइंग कार्डिएक कैथेटेराइजेशन।

आयोजित संगोष्ठियां

एमेरीना जे, डीकिन यूनीवर्सिटी, विक्टोरिया, आस्ट्रेलिया ने "न्यूअर एंटीकॉगुलेंट्स इन आर्टियल फिब्रिलेशन : ट्रांसलेटिंग ट्रायल डाटा इन टु क्लीनिकल प्रैक्टिस" पर व्याख्यान दिया 07 फरवरी, 2017.

कावाजिरी के, टोटोरी यूनीवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन, जापान ने 'रेट्रो ग्रेड अप्रोच इन सीटीओ' पर व्याख्यान दिया, 21 मार्च, 2017.

आयोजित सम्मेलन/कार्यशालाएं

डा. केंजी कावाजिरी, टोटोरी यूनीवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन, जापान के साथ "क्रोनिक टोटल ओक्लूजन : वर्कशॉप ऑन रिट्रोग्रेड अप्रोच इन कंप्लेक्स क्रोनिक टोटल ओक्लूजंस" पर कार्यशाला का आयोजन किया गया, 21--22 मार्च, 2017.

कार्डियोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया, दिल्ली शाखा के तत्वावधान के अंतर्गत "प्रथम दिल्ली इंटरवेंशन काउंसिल मीट" का आयोजन 17 नवम्बर, 2017 को किया गया (डा. गिरीश एम.पी. - आयोजक सचिव एवं डा. मोहित गुप्ता - वैज्ञानिक संयोजक)।

इंडिया लाइव - 2017 में छह लाइव केसेज़ - राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय कार्डियोलॉजी कांफ्रेस।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतीकरण

त्यागी एस. ने पेरिफेरल एंड स्ट्रक्चरल इंटरनेशंस, पेरीफेरल एंड स्ट्रक्चलर इंटरवेंशन, पेरिफेरल वैस्कुलर डिजीज़/ताकायासु सिंड्रॉम, हार्ट इन कोलैट्रल डैमेज पर सत्र की अध्यक्षता की।

त्यागी एस. इन पर प्रस्तुतीकरण (i) पीसीएसके 9 इनहिबिटर्स एज अल्टरनेटिव टु स्टैटिंस : आर दे गुड इनफ? (ii) कटिंग बलून एंजियोप्लास्टी फॉर इन-स्टेंट रेस्टेनोसिस इन ताकायासु अर्टेराइटिस, (iii) रिट्रीवल ऑफ एम्बोलाइज्ड डिवाइसेस (iv) 'प्लाक मॉडिफिकेशन' पर मामला प्रस्तुतीकरण।

मुखोपाध्याय एस., ई-पोस्टर के मॉडरेटर, विषय - सर्मुलेटिंग लेवल एंड टिशू डिस्ट्रिब्यूशन ऑफ स्क्लेरोस्टिन इन कैल्सिफाइड मिटरल वाल्व्स ऑफ रयूमेटिक हार्ट डिजीज़।

मुखोपाध्याय एस., ई-पोस्टर के मॉडरेटर, विषय "इवैलुएशन ऑफ साइटोकिनेज़ ऑफ टीएच 17 एक्सिस इन पेशेंट्स ऑफ क्रोनिक रयूमेटिक हार्ट डिजीज़ : एन ऑब्जर्वेशनल स्टडी।

प्राटे, ई-पोस्टर के मॉडरेटर, विषय - ट्यूमर नेक्रोसिस फैक्टर्स (टीएनएफ-)-α-308 जीन पालीमोर्फिज्म इन इंडियन पेशेंट्स विद टाकासायुज़ अर्टेराइटिस।

समीर, ई-पोस्टर के मोडरेटर, विषय - 'डेमोग्राफिक क्लीनिकल एंड एंजियोग्राफिक प्रोफाइल इन यंग इंडियन पेशेंट्स ऑफ मायोकार्डियल इंफ्रेक्शन अमंग नान स्मोकर्स एंड नॉन-डायबेटिक्स।

नेशनल इंटरवेंशन काउंसिल 2018 इंटरनेशनल कार्डियोलॉजी कांफ्रेस, हैदराबाद

त्यागी एस., पाथ ब्रेकिंग टेक्नालॉजीज़ फॉर इंटवेंशनल कार्डियोलॉजी दि फ्यूचर बेकंस पर सत्र की अध्यक्षता की।

त्रेहन वी., कंप्लीकेशंस इन कैथ लैब प्रैक्टिकल्प - एकोकैलिज्स नाउ पर सत्र की अध्यक्षता की।

त्रेहन वी., कैथलैब टेक्नीक्स = कंकरिंग डिफिकल्ट सिचुएशंस एंड एनाटोमीज़ - कंप्लेक्स पीसीआई रिव्यूज़ ईजी. टोर्टस/कैल्सीफाइड/एसवीजी इंटरवेंशंस।

त्रेहन वी., बिल्डिंग दि सीएचआईवी हार्ट टीम : इंस्टिट्यूशलन एंड नेटवर्क स्ट्रेटेजीज़ फॉर ए सक्सेसफुल सीएचआईपी प्रोग्राम।

इंडिया लाइव- 2018 - अंतर्राष्ट्रीय हृदय-विज्ञान सम्मेलन

त्रेहन वी., बीएमवी - क्रॉसिंग डिफिकल्ट वाल्व्स एंड रीवैस्कुलेराइजेशन इन एसटीईएमआई विद कार्डियोजीनिक शॉक - सीयूएलपीआरआईटी शॉक एंड बियांड।

कार्डियोलाजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, दिल्ली शाखा का 32वां वार्षिक सम्मेलन (24-25 मार्च, 2018)

त्यागी एस., प्राइमरी पीसीआई ऑर फार्मो - इंवेसिव पीसीआई : व्हिच इज़ मोर रेलेवेंट फॉर दि सिटी ऑफ देहली।

त्रेहन वी., विशेषज्ञ वार्ता - सीएचआईपी-हाउ टु गो एबाउट इट?

मेहता वी., कांट जज ए बुक बाई इट्स कवर-विच आइल टु यूज फॉर कार्डियो वैस्कुलर हैल्थ?

गिरी एम.पी., न्यूआर एआरबी - आर दे एनी बैटर?

सफल, साल्ट रिस्ट्रिक्शन फॉर इंडियंस : आर यू जोकिंग?

बंसल ए., राजन टंडन स्मारक प्रश्नोत्तरी।

इंडियन हार्ट फेल्यूर समिट, दिल्ली (21-22 अप्रैल, 2018)

त्यागी एस., एक्यूट एचएफ - गाइडलाइंस इन डेली प्रैक्टिस - टिप्स एंड ट्रिक्स

त्रेहन वी., एक्यूट एचएफ विद शॉक टु मैनेज?

इसके अतिरिक्त, हृदय-विज्ञान विभाग के संकाय सदस्यों को विभिन्न प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मेलनों में अतिथि व्याख्यानों के रूप में आमंत्रित किया गया।

अन्य अंतर-सांस्थानिक सहयोग

विभाग ने प्रगत आनुवांशिक विश्लेषण के लिए इंस्टिट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटेग्रेटिव बायलॉजी के साथ सहयोग किया है।

संकाय सदस्य संख्या : 14

अन्य उल्लेखनीय जानकारी

दिल्ली में ट्रांसकैथेटर ओर्टिक वाल्व इंप्लाटेशन में प्रथम सरकारी अस्पताल : ट्रांसकैथेटर ओर्टिक वाल्व इंप्लांटेशन ओर्टिक वाल्व रोग के ऐसे रोगियों के लिए उपचार का न्यूनतम आक्रामक तरीका है जो सर्जरी के भारी खतरे का सामना नहीं कर पाते हैं। सरकारी संरचना में हमारे विभाग द्वारा एक ऐसे ही मामले को सफलतापूर्वक किया गया जिसका नेतृत्व डा. विजय त्रेहन द्वारा किया गया था।

डा. संजय त्यागी और डा. विजय त्रेहन को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया था, जैसे एनआईसी-2018 इंडिया लाइव-2018, सीएसआईसीओएन-2017.

डा. विमल मेहता ने अंतर्राष्ट्रीय फोरियर स्टडी के लिए वांशिगटन यूएसए में आयोजित अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी में अन्वेषकों के समारोह में भाग लिया।

डा. मोहित गुप्ता को कार्डियोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया, दिल्ली शाखा के संयुक्त सचिव के रूप में निर्वाचित किया गया।

समुदाय को स्वास्थ्य सेवाएं

विभाग हृदय-रोग के निवारण पर विशेष रूप से ध्यान दे रहा है। विभाग का संकाय हृदय रोग पर विभिन्न जन जागरूकता कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है।

नर्स दिवस के अवसर पर वार्ता "इजी लाइफ फॉर बिजी पीपल, सीक्रेट्स ऑफ हैल्थी एंड हैपी लाइफ"।

"सीक्रेट्स ऑफ स्ट्रेस मैनेजमेंट, सेल्फ ट्रांसफार्मेशन, हैल्थी लाइफ स्टाइल एंड बेरियस लाइफ स्टाइल माडिफिकेशंस" पर वार्ता।

विभाग का योग केन्द्र हृदय रोगियों को उसके निवारण और जीवन-शैली प्रबंधन में सहायता करता है।

***

कम्युनिटी मेडिसिन (एलएचएमसी)

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

विभाग 1 से 7 सेमेस्टर के एमबीबीएस छात्रों के स्नातकपूर्व (200) सैद्धांतिक और प्रयोगात्मक शिक्षण को संचालित करता है। इसके अलावा, स्नातकोत्तर शिक्षण भी कम्युनिटी मेडिसिन (प्रतिवर्ष छात्रों की स्वीकृति संख्या) में एमडी के लिए प्रवेश दिए गए छात्रों को प्रदान किया जाता है। विभाग एलएचएमसी एवं सहयोजित अस्पतालों के सथी विभागों के एमबीबीएस छात्रों की इंटर्नशिप को भी संचालित और समन्वित करता है। नयाचार विकास और शोध परियोजनाओं के विश्लेषण पर सभी पीजी छात्रों का अभिमुखीकरण प्रशिक्षण भी आयोजित किया जाता है। विभाग को पल्स पोलियो अभियान के क्षेत्रीय टीकाकरण स्टोर (आरवीएस) के रूप में भी अभिहित किया गया है तथा इसने वर्ष 2016-17 के दौरान पल्स पोलियो टीकाकरण के सभी चक्रों में भाग लिया है। विभाग रोगवाहक जनिक रोग और पेयजल की गुणवत्ता की निगरानी भी करता है तथा यह संस्था और सहयोजित अस्पतालों की चक्रानुक्रम इंटर्नशिप को भी

समन्वित करता है। विभाग ने पीजी सीटों को जारी रखने के लिए वर्ष 2017 में एमसीआई द्‌वारा भौतिक और अन्य सुविधाओं का आकलन भी संचालित किया है तथा एमसीआई द्‌वारा सभी पीजी सीटों को मान्यता प्रदान की गई है।

सम्मान/विशिष्टियां

एक वैज्ञानिक पत्र वर्ष 2017 में 62वें इंडियन पब्लिक हैल्थ एसोसिएशन में श्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुतीकरण से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

अरोड़ा एस., रसानिया एस.के., बचानी डी., गांधी ए. एवं छाबड़ा एस.के. (2017). रेस्पिरेटरी सिंपटम्स एंड देयर डिटेरमिनैट्स अमंग एडल्ट वीमेन इन एन अर्बन स्लम एरिया ऑफ डेहली, इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी हैल्थ, 29(2), 182, 126.

दहिया एन., बचानी डी., दास आर., रसानिया कुमार जी., प्रसून जे.जी. एवं सेठ जी. (2017). एसेस्मेंट ऑफ मेंसुरल हाइजीन अमंग रीप्रोडक्टिव एज वीमेन इन साउथ-वेस्ट देहली, जर्नल ऑफ फैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर, 6(4), 730-734, जर्नल ऑफ ट्यूबरकुलोसिस, लंग डिजीजेज़ एंड एचआईवी/एड्स, 14(1), 22-26.

कुमार जी., प्रसून जे.जी. एवं सेठ जी. (2017). एसेस्मेंट ऑफ मेंसुरल हाइजीन अमंग रीप्रोडक्टिव एज वीमेन इन साउथ-वेस्ट देहली, जर्नल ऑफ फैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर, 6(4), 730-734.

भुवनेश्वरी एन., प्रसून जे.जी., गोयल एम.के., एवं रसानिया एस. के. (2018). एन एपिडेमियोलाजिकल स्टडी ऑन होम इनजुरीज़ अमंग चिल्ड्रन ऑफ 0-14 यीअर्स इन साउथ देहली, इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हैल्थ 62(1), 4.

सूरी एस., कुमार डी. एवं दास आर. (2017). डाइटरी डेफिशिएंसी ऑफ विटामिन ए अमंग रूरल चिल्ड्रन : ए कम्युनिटी-बेस्ड सर्वे यूजिंग ए फूल-फ्रीक्वेंसी क्वेशनेयर, दि नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया, 30(2), 61.

माथुर एम. एवं दास आर. (2017). कॉमन गायनेकोलोजिकल मोर्बिडिटीज अमंग मैरिड वीमेन इन ए रीसेटलमेंट कालोनी ऑफ ईस्ट देहली, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रीप्रोडक्शन, कंट्रोसेप्शन, ऑवस्टेटिक्स एंड गायनेकोलॉजी, 6 (12), 5330-5335.

आचार्य ए.एस., कौर आर. एवं गोयल ए.डी. (2017). नेगलेक्टेड ट्रॉपिकल डिजीजेज़ - चैलेंजेज़ एंड अपोर्चुनिटीज इन इंडिया, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल स्पेशिएलिटीज़।

गणेशन एस., आचार्य ए.एस., चौहान आर. एवं आचार्य एस. (2017). प्रीवेलेंस एंड रिस्क फैक्टर फॉर लो बैक पेन इन 1,355 यंग एडल्ट्स : ए क्रॉस सेक्शनल स्टडी, एशियन स्पाइन जर्नल, 11(4), 610-617.

आचार्य एस., अडसुल एन., पलुकुरी एन., आचार्य ए.एस., षणमुगप्रिया एस., भुवनेश्वरी के., देवरी पी. (2017). इंडियन जर्नल ऑफ स्पेशलिस्ट्स, 8(4), 169-174.

सिंह ए., आचार्य ए.एस., एवं धीमन बी. (2018). अवेयरनेस रिगार्डिंग डायबेटीज एंड इट्स कंप्लीकेशंस इन एडल्ट्स : ए क्रॉस सेक्शनल स्टडी इन एन अर्बन रीसेटलमेंट कॉलोनी ऑफ ईस्ट देहली, इंडियन जर्नल ऑफ स्पेशलिस्ट्स, 9(1), 3-6.

ठाकुर ए., रे टी.के. एवं गोयल एम.के. (2017). एक्सपेंडिचर पैटर्न ऑफ डायबेटीज केयर : ए कम्युनिटी बेस्ड लांगीट्यूडनल स्टडी इन रीसेटलमेंट कॉलोनी ऑफ ईस्ट देहली, इंडियन जर्नल ऑफ कम्पयुनिटी हैल्थ 29(2), 209-212.

रे टी.के. एवं भट्ट ए., (2017). बर्डन ऑफ क्रोनिक सुपरेटिव ओटाइटिस मीडिया इन चिल्ड्रन ऑफ ए अंडर प्रिविलेज्ड कम्युनिटी ऑफ देहली दि इंडियन प्रैक्टीशनर, 70(11), 36-41.

सिंह एस. एवं रे टी.के. (2017). मैटेरनल रिस्क फैक्टर्स ऑफ जेस्टेशनल डायबेटीज मेलीरस-ए केस कंट्रोल स्टडी इन ए टेरिटियरी केयर सेटिंग ऑफ देहली, दि इंडियन प्रैक्टीशनर, 70(12), 21-26.

सिंह एस., रे टी.के. एवं कुमार एस. (2017). ए स्टडी ऑफ मोडिफिएबल रिस्क फैक्टर ऑफ जीडीएम इन देहली दि जर्नल ऑफ कम्युनिटी हैल्थ मैनेजमेंट, 4(1), 153-155.

सिंह टी., नागेश एस. एवं रे टी.के. (2018). मैग्नीट्यूड एंड कोरिलेट्स ऑफ एनीमिया इन एल्डर्ली वीमेन ऑफ ए रीसेटलमेंट कॉलोनी ऑफ देहली, जर्नल ऑफ मिड लाइफ हैल्थ, 9(1), 21.

शोध परियोजनाएं

हैल्थ एकाउंटिंग स्कीम : एम्पावरिंग पीपल फॉर हैल्थ केयर थ्रू मल्टी-सेक्टर कार्डिनेशन - एन आपरेशनल इवैलुएशन आईसीएमआर, लगभग 30 लाख (प्रक्रियाधीन)

प्रमुखी एनसीडी के लिए एलएचएमसी एवं सहयोजित अस्पतालों के स्वास्थ्य-देखरेख कर्मचारियों की स्क्रीनिंग।

आयोजित संगोष्ठियां

स्नातकपूर्व प्रवेश वर्ष 2017 के लिए 10 अगस्त, 2017 को अधिष्ठापन कार्यशाला।

डेंगू नियंत्रण के लिए सुलभ कर्मियों की अभिमुखीकरण कार्यशाला।

इंटर्नशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम दिसम्बर, 2017 के लिए अभिमुखीकरण।

केएचसी, कम्युनिटी मेडिसिन विभाग में 1 दिसम्बर, 2017 को विश्व एड्स दिवस आयोजित किया गया।

एलएचएमसी तथा सहयोजित अस्पतालों के द्वितीय वर्ष के पीजी के लिए 'सांख्यिकीय विश्लेषण' पर मौके पर प्रशिक्षण।

कम्युनिटी मेडिसिन के पीजी के लिए डाटा प्रबंध एवं सांख्यिकीय विश्लेषण पर कार्यशाला।

संकाय सदस्य संख्या : आठ (8).

***

कम्युनिटी मेडिसिन (एमएएमसी)

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

विभाग ने अवधि के दौरान नियमित एमबीबीएस, एमडी, पीएच.डी. प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अलावा 16 प्रशिक्षण कार्यक्रमों/कार्यशालाओं का आयोजन किया। आठ एमडी शोध-प्रबंध पूरे किए गए, एक पीएच.डी प्रदान की गईं और दो आईसीएमआर परियोजनाएं पूर्ण की गईं। आईसीएमआर/एमएएमसी द्वारा वित्त-पोषित ग्यारह परियोजनाएं इस समय विभाग में संचालित की जा रही हैं। विभाग के संकाय ने 32 प्रकाशनों और 2 पुस्तकों/अध्यायों का योगदान दिया। संकाय सदस्यों ने विभिन्न सम्मेलनों/कार्यशालाओं/संगोष्ठियों में अध्यक्ष, अतिथि वक्ता के रूप में भाग लिया अथवा पत्र प्रस्तुत किए। विभाग ने चार स्वास्थ्य केन्द्र संचालित किए, बच्चों का टीकाकरण किया और महिलाओं को गर्भ-निरोधक प्रदान किए और समुदाय में अनेक स्वास्थ्य वार्ताओं, स्किट्स, नाटकों का आयोजन भी किया।

सम्मान/विशिष्टियां

गर्ग एस., किंग जार्ज मेडिकल यूनीवर्सिटी (केजीएमयू) लखनऊ, उत्तर प्रदेश में आयोजित आईपीएचए के 62वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में डा. के.एन. राव स्मारक व्याख्यान के लिए नामनिर्दिष्ट।

शर्मा पी., राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन प्रभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत 2015 में दिल्ली के लिए सामान्य समीक्षा मिशन (सीआरएम) संचालित करने वाले दल के सदस्य। इस दल को राष्ट्रीय स्तर पर श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्रथम पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा की गई। पुरस्कार वितरण समारोह फरवरी, 2018 में होना निश्चित किया गया है।

गर्ग एस., डब्ल्यूएचओ मुख्यालय जिनेवा में डब्ल्यूएचओ संसाधन सामग्री की समीक्षा के लिए विशेषज्ञ के रूप में नामनिर्दिष्ट।

गर्ग एस., डब्ल्यूएचओ मुख्यालय जिनेवा में बधिरपन के निवारण और नियंत्रण पर हितधारकों की बैठक के लिए विशेषज्ञ के रूप में नामनिर्दिष्ट।

गर्ग एस., डब्ल्यूएचओ यूनीसेफ, एनएचएसआरसी तथा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की पहल "मातृत्व मृत्यु निगरानी और प्रतिक्रिया के लिए राष्ट्रीय संसाधन संकाय" के रूप में नामनिर्दिष्ट।

शर्मा एन., दिल्ली के चिकित्सा कॉलेजों में संशोधित राष्ट्रीय टीबी कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए राज्य कार्यबल के अध्यक्ष, फरवरी, 2017 में शिमला में आयोजित (जैडटीएफ) बैठक में श्रेष्ठ निष्पादन करने वाले राज्य के लिए पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रकाशन

आनंद टी., शर्मा एन., चन्द्रा एस., इंग्ले जी.के. एवं ग्रोवर एस. (2017). डिकैंडल इम्पैक्ट ऑफ डायरेक्टली आब्जर्ब्ड ट्रीटमेंट शॉर्ट कोर्स प्रोग्राम ऑन एज एंड जेंडर अमंग न्यू इंफेक्शियस ट्यूबरकुलोसिस केसेज़ इन दिल्ली, इंडियन जर्नल ऑफ ट्यूबर कुलोसिस, 64 (4), 291-295.

बनर्जी आर. एवं बनर्जी बी. (2017). कम्प्यूटर विज़न सिंड्रोम अमंग मेडिकल एंड इंजीनियरिंग प्रोफेशनल्स ऑफ इंडिया : इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट रिसर्च, 9(7), 54731-4.

बनर्जी बी. एवं बनर्जी आर. (2017). रोल ऑफ योगा एंड मेडिटेशन इन प्रीवेंशन ऑफ ओबेसिटी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च, 5(8) 337-347.

बर्ज़ेगर एन., निकनामी एम., मिर्हादियान एल., काजेम नेजाड लेली ई. पाकश्रेष्ठ एस.एम., मेघचन्द्र सिंह एम. (2017). लाइफस्टाइल एंड फैक्टर्स एसोसिएटेड विद दि एल्डर्ली पीपल रेफेड टु दि पेंशन फंड, जर्नल ऑफ हॉलिस्टिक नर्सिंग एंड मिडवाइफरी, 27(2), 1-8.

बासु एस. एवं गर्ग एस. (2017). मेथड्स ऑफ एस्टिमेटिंग मेडिकेशन एडहेरेंस टु एंटी-रिट्रोवियल थेरेपी, जर्नल ऑफ फैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर, 6(1), 171-172.

बासु एस. एवं गर्ग एस. (2017). दि बैरियर्स एंड चैलेंजेज़ टुवर्ड एड्रेसिंग दि सोशल एंड कल्चरल फैक्टर्स इंफ्लुएंसिंग डायबेटीज सेल्फ मैनेजमेंट इन इंडियन पापुलेशन, जर्नल ऑफ सोशल हैल्थ एंड डायबेटीज़, 5(2), 71.

बासु एस., खोब्रागाडे एम., राउत डी.के. एवं गर्ग एस. (2017). नॉलेज आर्फ डायबटीज अमंग डायबेटिक पेशेंट्स इन गवर्नमेंट हास्पिटल ऑफ देहली, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नॉनकम्युनिकेबल डिजीजेज़, 2(1), 8.

गर्ग एस., बासु एस. एवं दहिया एन. (2017). ए रिव्यू ऑफ करंट स्ट्राटेजी फॉर रेबीज़ प्रीवेंशन एंड कंट्रोल इन दि डेवलपिंग वर्ल्ड, इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी हैल्थ, 29(1),10-16.

गर्ग के. त्रिपाठी टी., राय पी., शर्मा एन. एवं कानसे ए. (2017). प्रोस्पेक्टिव इलैलुएशन ऑफ साइकोसोशल इंपैक्ट आफ्टर वन यीअर ऑफ आर्थोडोटिक ट्रीटमेंट यूजिंग पीआईडीएक्यू एडाप्टेड फॉर इंडियन पॉपुलेशन जर्नल ऑफ क्लीनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च : जेसीडीआर 11(8), जैडसी 44.

गोयल पी., कुमार आर., मीना जी.एस., सिंह टी. एवं गर्ग एस. (2017). ए कम्युनिटी बेस्ड क्रॉस सेक्शनल स्टडी ऑन मेंसुरल हाइजीन अमंग 18-45 यीअर्स एज वीमेन इन ए रूरल एरिया ऑफ इंडिया, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोमेडिकल रिसर्च, 8(06), 302-308.

गोयल पी., कुमार आर., मीना जी.एस., सिंह टी. एवं गर्ग एस. (2017). ए कम्युनिटी बेस्ड क्रॉस सेक्शनल स्टडी ऑन मेंसुरल हाइजीन अमंग 18-45 यीअर्स एज वीमेन इन ए रूरल एरिया ऑफ इंडिया, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोमेडिकल रिसर्च, 8(06), 302-308.

गर्ग एस., बासु एस. एवं दहिया एन. (2017). इंटरनेशनल हैल्थ रेगुलेशंस : इज इंडिया प्रेपेयर्ड आफ्टर 10 यीअर्स ऑफ इंप्लीनेंटेशन : इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिकेबल डिजीजेज़, 3(1).

गर्ग एस., एवं बासु एस. (2017). प्रायोरिटाइजिंग न्यूकोकोकल वैक्सीन इंट्रोडक्शन इन दि डेवलपिंग वर्ल्ड : दि इंडियन एक्सपीरियंस, इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिकेबल डिजीजेज़, 3(2), 81.

गर्ग एस., चक्रवर्ती ए., सिंह आर., मास्थी एन.आर, गोयल आर.सी. जैमी जी.आर. मोरेऊ ए. (2017). डेंगू सीरोटाइप - स्पेसिफिक सीरोप्रीवेलेंस अमंग 5 टु 10 यीअर ओल्ड चिल्ड्रन इन इंडिया : ए कम्युनिटी - बेस्ड क्रॉस सेक्शनल स्टडी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंफेक्सियस डिजीजेज़, 54, 25-30.

कोहली सी. गुप्ता के. बनर्जी बी., एवं इंग्ले जी.के. (2017). सोशल सिक्यूरिटी मीजर्स फॉर एल्डर्ली पापुलेशन इन देहली, इंडिया : अवेयरनैस, यूटिलाइजेशन एंड बैरियर्स, जर्नल ऑफ क्लीनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च : जेसीडीआर, 11(5), एलसी 10.

कुमार ए., बनर्जी बी., गुप्ता पी.के., पाराशर एस., सिंह डी. एवं उज्जैनिया वी. (2017). बर्डन ऑफ इन्सोक्निया एंड इट्स एसोसिएशन विद को-मोर्बिडिटीज़ अमंग जेरिएटिक पेशेंट्स एट ए सेकेन्डरी केयर रूरल हास्पिटल इन देहली, यूरोपियन जर्नल ऑफ बायोमेडिकल एंड फार्मास्यूटिकल साइंसेज़, 4(12), 608-611.

मीना जे.के., वर्मा ए. एवं कुमार आर., (2017). इवैलुएशन ऑफ इंटीग्रेटेड चाइल्डहुड डेवलपमेंट सर्विसेज़ (आईसीडीएस) प्रोग्राम इंप्लीमेंटेशन इन अर्बन स्लम ऑफ देहली, इंडिया, इंटनरेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन मेडिकल साइंसेज, 5(8), 3443-3447.

पंगते आर., मीना जी.एस., बनर्जी बी. एवं गुप्ता पी.के. (2017). प्रीवेलेंस ऑफ बिहेवियरल रिस्क फैक्टर्स ऑफ क्रोनिक नॉन-कम्युनिकेबल डिजीजेज़ इन एन अर्बन एरिया ऑफ देहली, इंडियन जर्नल ऑफ साइटिफिक रिसर्च, 6(7), 37-39.

राठी ए., शर्मा पी. एवं गर्ग एस., (2017). पेरेंट्स नॉलेज एंड एटीट्यूड टुवार्डर्स दि न्यूली इंट्रीड्यूज्ड आईपीवी वैक्सीन इन कैपिटल रीजन ऑफ इंडिया : इंडियन जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च, 7(5), 79-96.

शर्मा एस., कोहली सी., शर्मा एन. एवं मेहता डी. (2016). इंकप्लीट इम्युनाइजेशन कवरेज इन डेल्ही : रीजंस एंड सोलूशंस, प्राइमरी हैल्थ केयर, 6(240), 2167-1079.

शर्मा एन., धाकेड़ एस., वनखुमा सी., कोहली सी., आनंद टी., एवं सिंह एम.एम. (2017). स्मोक फ्री देहली : स्टेटस् ऑफ एंटी-स्मोकिंग लेजिस्लेशन एंड इट्स पर्सेपशनल इन एजुकेशनल इंस्टिट्यूशंस, एमएएमसी जे मेड साइं, 3(1), 22-27.

शर्मा एन., आनंद टी., ग्रोवर एस., कुमार ए. सिंह एम.एम. एवं इगल जी.के. (2017)., अवेयरनेस अबाउट एंटी-स्मोकिंग रिलेटेड लॉज एंड लेजिस्लेशन अमंग जेनेरल पॉपुलेशन ऑफ देहली, इंडिया, निकोटिन एंड टोबैको रिसर्च, 20(5), 643-648.

शर्मा एन., चन्द्रा एस., धूरिया एम., कोहली सी., चोपड़ा के.के., अग्रवाल एन. एवं सचदेव के. (2017). मेसोलेवल मल्टीडिसिप्लनरी अप्रोच फॉर रिडक्शन ऑफ प्री-ट्रीटमेंट लॉस टु फॉलोअप इन रिवाइज्ड नेशनल ट्यूबर कुलोसिस कंट्रोल प्रोग्राम, दिल्ली, भारत, इंडियन जर्नल ऑफ ट्यूबर कुलोसिस, 64(4), 281-290.

शर्मा डी., किशोर जे., शर्मा एन. एवं दुगल एम. (2017). एग्रेशन इन स्कूल्स : साइबरबुलिंग एंड जेंडर इशूज, एशियन जर्नल ऑफ साइकिएट्री, 29, 142-145.

शर्मा एस., आनंद टी. एवं शर्मा एन., (2017). एक्प्लोरिंग : डिटर्मिनेन्ट्स ऑफ बर्थ वेट ऑफ दि बेवी डिलिवर्ड इन ए टेरिटियरी हास्पिटल ऑफ देहली, इंडियन जर्नल ऑफ चाइल्ड हैल्थ, 4(3), 394-398.

शर्मा एस., मेहरा डी. कोहली सी. एवं एम.एम. (2017). मेंसुरल हाइजीन प्रैक्टिसेज अमंग अडोल्सेंट गर्ल्स इन ए रीसेप्लमेंट कॉलोनी ऑफ देहली : ए क्रॉस सेक्शनल स्टडी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रीप्रोडक्शन, कांट्रासेप्शन, आब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकालॉजी, 6(5), 1945-1951.

शर्मा एन., धाकेड एस., वनखुमा सी., आनंद टी., कोहली सी. एवं सिंह एम.एस. (2017). स्टेटस ऑफ इम्लीमेंटेशन एंड ओपीनियन ऑफ स्टेक होल्डर्स एबाउट एंटीस्मोकिंग लेजिस्लेशन इन एजुकेशनल इंस्टिट्यूशंस ऑफ देहली, एमएएमसी जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज, 3(1), 22.

शर्मा एम., बनर्जी बी., इंगेल जी.के. एवं गर्ग एस. (2017). इफेक्ट ऑफ एम हैल्थ ऑन मोडिफाइंग बिहेवियरल रिस्क-फैक्टर्स ऑफ नॉन कम्युनिकेबल डिजीज इन एन एडल्ट, रूरल पापुलेशन इन डेल्ही, इंडिया, एम. हैल्थ, 3.

सिंह एम.एम. एवं देवी आर. (2017). टाइम टु रिथिंक दि संड्रोमिक अप्रोच टु एक्सुअली ट्रांसमिटेड इंफेक्शंस, बीएमजे, 358, जे 3789.

सिंह एम.एम. एवं देवी आर. (2017). दि लिमिटेशंस ऑफ ह्युमिनाइजिंग हैल्थ केयर, बीएमजे : ब्रिटिश मेडिकल जर्नल (ऑनलाइन), 357.

तोमर ए., बनर्जी बी एवं इंग्ले जी.के. (2017). एसोसिएशन ऑफ ड्यूरेशन ऑफ डिजिटल डिवाइस यूज विद कॉमनली रिपोर्टेड फिजिकल हैल्थ सिम्पटम्स अमंग मेडिकेल अंडर ग्रेजुएट्स, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पब्लिक हैल्थ एंड सेफ्टी 2(1) 129.

तोमर ए., बनर्जी बी. एवं एंग्ले जी.के. (2017). बीइंग 'ऑनलाइन' इफेक्ट्स ऑफ सेल्फ रिपोर्टेड ड्यूरेशन ऑफ इंटरनेट यूज ऑन साकोसोशिल हैल्थ ऑफ यूजर्स, ग्लोबल जर्नल फॉर रिसर्च एनालाइसिस, 6(9),-

पुस्तको/जर्नलों में योगदान

गर्ग एस., बनर्जी बी., मीना जी.एस., शर्मा एन., सिंह एम.एम. एवं अर्चना आर. (संपा.) (2017). लंग फंक्शस स्टेटस ऑफ एडल्ट्स इन डेल्ही, दिल्ली सेंचुरी पब्लीकेशंस।

बनर्जी बी. (2017). डी.के. तेनेजाज़ हैल्थ पॉलिसीज एंड प्रोग्राम्स इन इंडिया, 15वां संस्करण, दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल।

शोध परियोजनाएं

पूर्ण : भारत में उब्ल्यूएचओ नयाचार प्रयोग करते हुए कान और श्रवण देखरेख सर्वेक्षण (डब्ल्यूएचओ द्वारा समर्थित)।

जारी परियोजनाएं

दिल्ली में तृतीयक देखरेख अस्पताल की बहिरंग व्यवस्था में मधुमेह रोगियों के मध्य मौखिक स्वास्थ्य का ज्ञापन और प्रक्रियाएं, वित्त-पोषण एजेंसी : एमएएमसी।

दिल्ली में चिकित्सा छात्रों के मध्य वैयक्तिक श्रव्य उपकरणों के प्रयोग के साथ सहयोजित जोखिमों से संबंधित ज्ञान और प्रक्रियाएं, वित्त-पोषण एजेंसी : एमएएमसी।

दिल्ली में गर्भावस्था में घरेलू हिंसा के परिमाण, इसके सहयोजित कारकों, संबंधित मातृत्व स्वास्थ्य और जन्म के परिणामों का संभावित अध्ययन का, वित्त-पोषण एजेंसी : आईसीएमआर।

एमडीआर टीबी ट्रेंड्स इन केस फाइंडिंग एंड ट्रीटमेंट आउटकम्स इन देल्ही, फंडिंग एजेंसी: आरएनटीसीपी, दिल्ली।

टीबी इंटरवेनशन टार्गेटिंग मोबाइल पॉपुलेशन" (ट्रक ड्राइवर्स एवं हैल्पर्स), वित्त-पोषण एजंसी : आरएनटीसीपी, दिल्ली।

दिल्ली में फार्मासिस्टों को शामिल करने के माध्यम से टीबी नियंत्रण में भागीदारी, वित्त-पोषण एजेंसी: आरएनटीसीपी, दिल्ली।

ट्यूबरकुलोसिस उपचार के लिए गैस्ट्रोइंटेस्टिनल ड्रग डिलीवरी डिवाइस की स्वीकार्यता और व्यवहार्यता, वित्त-पोषण एजेंसी : टाटा।

दिल्ली में बाल्यावस्था रुग्णताओं की स्वास्थ्य देखरेख में बाधाओं का आकलन करने के लिए अध्ययन, **वित्त-पोषण एजेंसी : आईसीएमआर**।

दिल्ली में किसी तृतीयक अस्पताल में आने वाले टाइप-II डायबटीज़ रोगियों के मध्य विटामिन की कमी और इंसुलिन प्रतिरोधता का विद्यमानता, वित्त-पोषण एजेंसी : एमएएमसी रिसर्च सोसाइटी।

बाल्यावस्था की चोटों का निवारण करने के लिए चाइल्ड-टु-चाइल्ड दृष्टिकोण की प्रभावकारिता और उनका परिणाम, वित्त-पोषण एजेंसी : आईसीएमआर।

आयोजित संगोष्ठियां/कार्यशालाएं

गर्ग एस., चिकित्सकों और चिकित्सा अधिकारियों तथा परा-चिकित्सा कर्मचारियों के लिए मधुमेह पर प्रशिक्षण का आयोजन (मार्च 2017)।

गर्ग एस., स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार में अंतर्राष्ट्रीय कान एवं श्रव्य देखरेख दिवस का आयोजन (मार्च 2017)।

गर्ग एस., अत्यंत सघन मिशन इंद्रधनुष अभियान को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा महाविद्यालयों के पीएसएम विभागों के निगरानी क्रियाकलापों के लिए सहयोग" (25 सितम्बर, 2017).

गर्ग एस., मातृत्व मृत्यु निगरानी प्रतिक्रिया और मातृत्व समीप परेशानी समीक्षा (एमडीएसआर) पर कार्यशाला का आयोजन (20-21 दिसम्बर, 2017).

शर्मा एन., एम्स दिल्ली में स्टेट टास्क फोर्स 10 फरवरी, 2017 को तथा एमएएमसी, दिल्ली में स्टेट टास्क फोर्स 9 अगस्त, 2017 को।

शर्मा एन., एमएएमसी में 23 मार्च, 2017 को 'भारत में संशोधित राष्ट्रीय क्षयरोग नियंत्रण कार्यक्रम में नए पहलकदम' पर सीएमई।

सिंह एम.एम., 7, 16 और 17 मार्च, 2017 को कम्युनिटी मेडिसिन विभाग में नर्सों, इंटर्नों और चिकित्सकों के लिए 'वक्ष जागरूकता पर कौशल कार्यशाला' विषय पर तीन कार्यशालाओं का आयोजन।

बनर्जी बी., कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के अंतर्गत स्वास्थ्य केन्द्रों पर "मधुमेह देखरेख को उन्नयित करने के लिए कार्ययोजना तैयार करने पर चिकित्सकों हेतु प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन'।

बनर्जी बी., "लोक स्वास्थ्य के लिए अनुसंधान क्रियाविधि पर इंटर्नों के प्रशिक्षण" का संचालन।

शर्मा पी., विभाग में रेजीडेंटों और परा-चिकित्सा कर्मचारियों के लिए कोल्ड चेन प्रबंध पर प्रशिक्षण कार्यक्रम।

शर्मा पी., परिवार कल्याण निदेशालय (डीएफडब्ल्यू) के साथ समन्वय करते हुए दिल्ली राज्य में मिशन इन्द्रधनुष (एमआईके) के क्रियान्वयन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम।

शर्मा पी., परिवार कल्याण निदेशालय (डीएफडब्ल्यू) के साथ समन्वय करते हुए दिल्ली राज्य में मातृत्व मृत्यु निगरानी और नीयर मिस रिव्यू (एमडीएसआर) के क्रियान्वयन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, 20-21 दिसम्बर, 2017.

संगोष्ठी/सम्मेलनों में प्रस्तुतीकरण

गर्ग एस., आईपीएचएसीओएन 2017. जोधपुर में "मैग्नीट्यूड एंड कोरिलेट्स ऑफ जेंडर बेस्ड वायलेंस अमंग अटेंटीज़ ऑफ ए टर्टियल केयर टीचिंग हास्पिटल्स इन डेल्ही' विषय पर मौखिक प्रस्तुतीकरण।

गर्ग एस., आईपीएचएसीओएन 2017. जोधपुर में "नॉलेज रिलेटेड टु जेंडर बेस्ड वायलेंस एंड एटीट्यूड्स टुवर्ड्स जेंटर स्टीरियोटाइप्स अमंग एंटेनेटल क्लीनिकल ऑफ ए टर्टियल केयर टीचिंग हास्पिटल्स इन डेल्ही' विषय पर मौखिक प्रस्तुतीकरण।

गर्ग एस., युवा और किशोर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीवाईएएच 2017) में "एन एपिडेमियोलॉजिकल स्टडी ऑन बर्डन एंडएसोसिएटेड फैक्टर्स ऑफ जेंडर बेस्ड वायलेंस अमंग फीमेल यूथ इन डेल्ही" विषय पर मौखिक प्रस्तुतीकरण।

गर्ग एस., दिल्ली में तृतीयक देखरेख केन्द्र में गर्भवती महिलाओं के मध्य घरेलू हिसा की विद्यमानता और जोखिम कारकों पर अध्ययन, तथा परिवार कल्याण प्रशिक्षण और अनुसंधान केन्द्र, मुंबई में 5-6 मई, 2017 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "डेवलपिंग स्वालिटी एजेंशियल हैल्थ केयर सर्विसेज़ : अपोर्चुनिटी एंड चैलेंजेज़ इन एचीविंग एसओजी" पर प्रस्तुतीकरण।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में आमंत्रित वार्ताएं:

गर्ग एस., अग्रवाल ए., मंगला वी., केस स्टडी ऑन ईयर एंड हीयरिंग स्ट्रेटेजी ऑफ इंडिया, ईएनटी सम्मेलन, यंगोन, म्यांमार में प्रस्तुत 12-13 जनवरी, 2017.

गर्ग एस., मंगला वी., ईयर एंड हीयरिंग केस सिचुएशनल एनालाइसिस टूल (ईएचसीएसएटी) ईएनटी सम्मेलन, यंगोन, म्यांमार में प्रस्तुत 12-13 जनवरी, 2017.

श्रीवास्तव आर., गर्ग एस., मंगला वी., नीड फॉर ईयर एंड हीयरिंग केयर स्ट्रेटेजी इन नेपाल, ईएनटी सम्मेलन, यंगोन, म्यांमार में प्रस्तुत 12-13 जनवरी, 2017.

सिंह एम.एम., हिताक्षी, गर्ग एस., कुमार आर., शर्मा एन., देवी आर., इंग्ले जी.के., हैल्थ केयर फैसिलिटी प्रेपेयर्डनैस रिगार्डिंग जेंडर बेस्ड वायलेंस इन डेल्ही, गैर-संक्रमणीय रोग विश्व कांग्रेस, पीजीआई चंडीगढ़ में प्रस्तुत, 4-6 नवम्बर, 2017.

सिंह एम.एम., गर्ग एस., कुमार आर., देवी आर., शर्मा एन., आनंद टी., हैल्थकेयर फैसिलिटी प्रीपेयर्डनैस रिगार्डिंग जेंडर बेस्ड वायलेंस इन डेल्ही : स्टेकहोल्डर्स पर्सपेक्टिव, गैर-संक्रमणीय रोग विश्व कांग्रेस, पीजीआई चंडीगढ़ में प्रस्तुत, 4-6 नवम्बर, 2017.

सिंह एम.एम., गैर-संक्रमणीय रोग विश्व कांग्रेस, पीजीआई चंडीगढ़ में प्रस्तुत, 4-6 नवम्बर, 2016 को दो वैज्ञानिक सत्रों की अध्यक्षता।

सिंह एम.एम., हिताक्षी, सुनीला गर्ग, राजेश कुमार, नंदिनी शर्मा, तनु आनंद, जी.के. इंग्ले, पर्सीव्ड सेल्फ एफिसिएंशी एंड बेरियर्स इन दि प्रोविजन ऑफ केयर फॉर जेंडर बेस्ड वायलेंस विक्टिम्स अमंग हैल्थकेयर प्रोवाइडर्स इन देल्ही। "डेवलपिंग क्वालिटी एसेंशियल हैल्थ केयर सिर्वसेज : एसडीजी प्राप्त करने के लिए अवसर और चुनौतियां" पर सम्मेलन में प्रस्तुत, मुंबई 5-6 मई, 2017.

सिंह एम.एम. ने कम्युनिटी मेडिसिन विभाग एमएएमसी में नर्सों, इंटर्नों और डॉक्टरों के लिए 7, 16 और 17 मार्च, 2017 को 'वक्ष जागरूकता कौशल कार्यशाला" विषय पर आयोजित तीन कार्यशालाओ में 'एपिडेमियोलॉजी ऑफ ब्रेस्ट कैंसर" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

गोयल पी., दहिया एन., बासु एस., गर्ग एस., सिंह एम.एस. ने दिल्ली में रहने वाली महिलाओं के मध्य स्वत: वक्ष जांच की रीतियां विषय पर पत्र गुणवत्तापूर्ण अनिवार्य स्वास्थ्य देखरेख सेवाएं : एसडीजी प्राप्त करने के अवसर और चुनौतियां पर आयोजित सम्मेलन में प्रस्तुत किया, मुंबई, 5-6 मई, 2017.

मरियम डब्ल्यू, गर्ग एस., सिंह एम.एम., शर्मा एन. स्टडी ऑन प्रीवेलेंस एंड रिस्क फैक्टर्स ऑफ डोमेस्टिक वायलेंस अमंग प्रीग्नेंट वीमेन इन ए टर्टियरी केयर सेंटर इन डेल्ही, विषय पर पत्र गुणवत्तापूर्ण अनिवार्य स्वास्थ्य देखरेख सेवाएं : एसडीजी प्राप्त करने के अवसर और चुनौतियां पर आयोजित सम्मेलन में प्रस्तुत किया, मुंबई, 5-6 मई, 2017.

वासु एस., गर्ग एस., सिंह एम.एम., कोहली सी., पर्सनल आडियो डिवाइस यूज पैटर्न्स एसोसिएटेड विद रिस्क्स ऑफ हीयरिंग लॉस एंड कॉम्प्रोमाइज्ड रोड सेफ्टी अमंग मेडिकल स्टूडेंट्स इन देल्ही, आईसीबीईएन 2017. 'नाइस एज़ ए पब्लिक हैल्थ प्रॉब्लम' ज्यूरिक, स्विटजरलैंड में प्रस्तुत, 18-22 जून, 2017.

मंगला वी., सिंह एम., गर्ग एस., पीजीआई चंडीगढ में 3 नवम्बर, 2017 को आयोजित एनजैडआईपीएसएम में "एडहेरेंस टु ट्रीटमेंट इन टाइप 2 डायबेटीज़ मेलीटस पेशेंट्स अटेंडिंग ए टेर्टियरी केयर हास्पिटल ऑफ डेल्ही" विषय पर ई-पोस्टर प्रस्तुत किया।

बनर्जी बी., भारतीय लोक स्वास्थ्य एसोसिएशन देहरादून, उत्तर प्रदेश के 43वें राष्ट्रीय सम्मेलन में 'री प्रोडक्टिव हैल्थ" पर वैज्ञानिक सत्र में एक विषय विशेषज्ञ के रूप मे उपस्थित।

बनर्जी बी., डा. माल्विका शर्मा द्वारा दूसरे अंतर्राष्ट्रीय लोक स्वास्थ्य सम्मेलन, कोलम्बो, श्रीलंका में 28-29 जुलाई, 2016 को "विद्यालय जाने वाले किशोरों में मानसिक स्वास्थ्य साक्षरता का आकलन" विषय पर मौखिक प्रस्तुतीकरण के लिए सह-लेखक।

आदान-प्रदान कार्यक्रमों के अंतर्गत छात्र : 2

विस्तार और पहुंच क्रियाकलाप

विभाग चार केन्द्रों को प्राथमिक स्वास्थ्य देखरेख सेवा प्रदान करता है अर्थात् गोकुलपुरी, बरवाला, दिल्ली गेट और बीवीके, नई दिल्ली।

प्रदत्त एम.फिल/पीएच.डी. डिग्रियों की संख्या : पीएच.डी. 1

संकाय सदस्य संख्या: 10

***

त्वचा विज्ञान और यौन संक्रामक रोग (एलएचएमसी)

सम्मान/ गौरव

मेंदिरत्ता वी को कोलकाता के डर्माकॉन 2017 में 'सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार' मिला।

प्रकाशन:

चंदर, आर., गर्ग, टी., सांके, एस, अग्रवाल, के., और छिकारा, ए. (2017)। बुजुर्ग महिला में गाल पर कई असीमित हार्ड पेप्यूल। इंडियन जर्नल ऑफ डार्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी, एण्ड लेप्रोलॉजी, 83 (4)।

गर्ग, टी., सांके, एस, चंदर, आर., अग्रवाल, एम., अग्रवाल, के., और कुमार, ए. (2017)। अंतर्निहित असामान्य घातकता के साथ डर्मेटोमायोसिस का एक मामला। इंडियन जर्नल ऑफ डार्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी, एण्ड लेप्रोलॉजी, 83 (4), 473।

गर्ग, टी., अग्रवाल, एस, राणा, एस., और चंदर, आर. (2017)। फुटवीयर डार्माटाइटिस का अंदेशा वाले मरीजों में पैच परीक्षण: एक पूर्वदर्शी अध्ययन। इंडियन डर्मेटोलॉजी ऑनलाइन जर्नल, 8 (5), 323।

गर्ग, टी., मारक, ए., अहमद, आर., चंदर, आर., और जैन, एम. (2017)। प्राईमरी क्यटेनियस एमिलॉयडोसिस की असामान्य प्रस्तुति। त्वचाविज्ञान ऑनलाइन पत्रिका, 23 (8)।

गर्ग, टी., और सांके, एस. (2017)। मानव इम्यूनोडेफिशियेंसी वायरस में इंफ्लेमेट्री त्वचा रोग। इंडियन जर्नल ऑफ़ सेक्सुअली ट्रांस्मीटिड डिज़ीज़ एण्ड एड्स, 38 (2), 113।

कुमार, ए., मेंदिरत्ता, वी., अग्रवाल, एस., चंदर, आर., और सांके, एस. (2018)। बचपन के लिचेन प्लानस: 42 रोगियों की एक श्रृंखला। इंडियन जर्नल ऑफ़ पेडियाट्रिक डर्मेटोलोजी, 1 9 (2), 116।

मेंदिरत्ता, वी., सांके, एस, और रामचंदर, ए एन (2017)। ग्रेनुलासाईटिक स्पोंजिओटिकपेपुलवसिक्यूलोसिस (न्यूट्रोफिलिकस्पोंजिओसिस): एक दुर्लभ एन्टिटी। भारतीय विज्ञान पत्रिका, 62 (1), 88।

सांके, एस, मेंदिरत्ता, वी., सिंह, ए, और चंदर, आर। (2017)। संबंधित मानसिक मंदता के साथ केराटोसिस फोलिक्यूलेरिसपिन्यूलोसेडकैल्वन्स: आईसाट्रेटिनोइन की प्रतिक्रिया। इंटरनेशनल जर्नल आफ ट्राइकोलॉजी, 9 (3)।

सांके, एस, यादव, पी., चंदर, आर., और चंद्र, जे. (2017)। बुलस घावों के साथ तीव्र मेथोट्रैक्सेट विषाक्तता: एक असामान्य प्रस्तुति। यूरोपियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल फार्माकोलॉजी, 73 (4), 515।

कुमार, ए. (2017)। इम्यूनोकम्पीटेंटभाई बहनों में एरिथेमा नोडोसमलप्रोसमके एटिपिकल वैरिएंट के फैमिलियल क्लस्टरिंग। लेपर रेव, 88, 568-573।

राणा, एस, मेंदिरत्ता, वी., और चंदर, आर. (2017)। एट्रोफिक मुँहासों निशान के इलाज में अकेले 70% ग्लाइकोलिक एसिड छील बनाम माइक्रोक्रोनिंग के साथ माइक्रोनडलिंग की प्रभावशीलता - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। जर्नल ऑफकॉस्मेटिक डर्मिटोलोजी, 16 (4), 454-45 9।

यादव ए, गर्ग टी, मंडल एके, चंदर आर, और यादव ए। (2017) पिगमेंटेड संपर्क डर्माटाइटिस निकेल: क्या हमें इस संस्था पर संदेह होना चाहिए। जे डर्मा पिगम रेस, 1 (1): 103।

यादव, ए., गर्ग, टी., मंडल, ए के, चंदर, आर., और यादव, ए. (2017)। मैकुलर एमिलॉयडोसिस में इम्यूनोफ्लोरेसेंस और इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री: एक अवलोकन अध्ययन। इंडियन डर्मेटोलॉजी ऑनलाइन जर्नल, 8 (6), 4 9 4।

आयोजित सम्मेलन:

दूसरा जेरियाट्रिकोन, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, आयोजक आईएडीवीएल-डीएसबी, 14 मई, 2017

28 अक्टूबर, 2017 को एलएचएमसीमें आयोजित आईएडीवीएल की मासिक क्लीनिकल मीटिंग, आयोजक आईएडीवीएल-डीएसबी

संगोष्ठियों / सम्मेलन प्रस्तुतियों

डॉ राम चंदर और डॉ. तारु गर्ग: सत्र अध्यक्ष की अध्यक्षता में/एचएसवी 2 संक्रमण के लिए दमनकारी उपचार: विभिन्न परिदृश्य। पैनेलिस्ट / एसटीआई और डर्माकॉन में एचआईवी, कोलकाता, 12 -16जनवरी, 2017।

डॉ राम चंदर: संकाय के सदस्य और दिसंबर 2007 में वार्षिक राष्ट्रीय कुष्ठरोग सम्मेलन, एयरोसिटी, दिल्ली में सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ राम चंदर, डॉ. तारु गर्ग, डॉ विभू मेंदिरत्ता: 28 मई, 2017 को त्वचाविज्ञान में रिकैल्सिट्रेंट की स्थितियों के प्रबंधन/पेनेलिस्ट के रूप में-मध्य-वर्ष कुटिकॉन में एक साक्ष्य आधारित दृष्टिकोण (हिड्राडेनिटिसुपपुरातिवा)।

डा. तारू गर्ग : 19.02.2017 को सर गंगाराम अस्पताल में दुसरे एक्मी समिट में पैनलिस्ट/मुँहासे संबंधी मिथक और तथ्य, बुजुर्गों में एसआईजी जेरियाट्रिक त्वचाविज्ञानमें विटिलिगो, एलएचएमसी, 14.05.2017 / चेहरे में भ्रमित 'दृष्टिकोण' डीएएएस शिखर सम्मेलन, होटल इरोज, नेहरू प्लेस, 30 जून से 2 जुलाई, 2017।

डा. तारू गर्ग स्पीकर / जीडीबी अस्पताल में सितंबर 9-10, 2017 में जेनोडर्मेटोज़ में तीसरे पीजीकॉन नॉर्थ जोन में एक दृष्टिकोण।

डा. तारू गर्गअध्यक्ष / कुष्ठ रोग, पुनरुत्थान और कुष्ठ रोग में प्रतिरोध, राष्ट्रीय कुष्ठरोग सम्मेलन, होटल अवकाश सराय, दिसंबर 2017में एयरोसिटी दिल्ली।

डा. तारू गर्ग अध्यक्ष एलएचएमसीमें अकादमिक बैठक में चिकनगुनिया की क्युटेनियस मेनिफेसटेशन्स 22नवंबर, 2017।

संकाय सदस्यों की संख्या : 5

***

त्वचा विज्ञान, रतिजरोग, लैप्रोस्कोपी (एमएएमसी)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

वर्ष के दौरान तीन थीसिस पूरे किए गए जिसमें "क्लिनिकल प्रोफाइल एण्ड सीरम होमोसिस्टीन, विटामिन बी 12 लेवल एण्ड एमटीएचएफआर जीन पॉलिमॉर्फिज्म इन विटिलिगो", "क्लिनिको-हिस्टोपैथोलॉजिकल एंड इम्यूनोलॉजिकल स्टडी इन एलोपेसिया एरीटा" और " स्टडी ऑफ क्लिनिकल प्रोफाइल एण्ड कांटेक्ट सेंसिविटी टू कॉस्मेटिक एलर्जन्स इन मेलेज़्मा" शामिल हैं।

सम्मान/ गौरव

बी साहू, "द कांटेक्ट सेंसिविटी पैटर्न एण्ड एमईडी इन हेयर डाई डर्माटाइटिस एसोसिएटिड विद फोटोसेंसीविटी" शोध शीर्षक के लिए फरवरी 2018मेंअमेरिकन कांटेक्ट डर्माटाइटिस सोसाइटी, सैन डिएगो, कैलिफोर्निया, यूएसएकी 29 वीं वार्षिक बैठक में अमेरिकन संपर्क डर्माटाइटिस सोसाइटी के लिए माईबाच अवॉर्ड के लिए मनोनीत किया गया, ।

वी. चौबे, एमडी में उत्कृष्टता के लिए प्रोफेसर वी. एन सहगल पुरस्कार (कुष्ठ रोग और एसटीडी समेत त्वचाविज्ञान)

आर.सरकार, वर्ष 2018 के लिए आईएडीवीएल-दिल्ली स्टेट शाखा के अध्यक्ष के रूप में और इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ डर्मेटोलॉजी के उपाध्यक्षके रूप में चुने गए।

आर.सरकार, संयोजक- आईएडीवीएल, इंटरनेशनल लायज़न कमिटी और इंटरनेशल एण्ड नेशनल कमिटी, स्किन ऑफ कलर सोसाइटी के अध्यक्ष।

के डी बर्मन वर्ष 200 9 के लिए आईएडीवीएल-दिल्ली राज्य शाखा के मानद सचिव।

वी रलहन, जेरियाट्रिक एण्ड ऐस्थेटिक डर्मेटोलॉजी सोसाइटी के उपाध्यक्ष के रूप में चुने गए।

प्रकाशन

चौबे, वी, सरकार, आर., गर्ग, वी., कौशिक, एस., घनावत, एस., और सोनथालिया, एस. (2017)। मिलाज़्मा में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस की भूमिका: मिलाज़्मा रोगियों में ऑक्सीडेटिव तनाव के सीरम और रक्त मार्करों पर एक संभावी अध्ययन।इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, 56 (9), 9 3 9-9 43।

चुग, एस, गर्ग, वी. के., सरकार, आर., और सरदाना, के. (2017)।उत्तरी भारत के एक टरशरी केयर अस्पताल में इलाज करवाने वालेक्लिनिको-एपिडेमियोलॉजिकल प्रोफाइल सेरोपोजिटिव रोगियों मरीजों मेंलैंगिक रूप से वायरल संक्रमण।जर्नलऑफ द इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोवाईडर्स ऑफ एड्स केयर (जेआईएपीएसी), 16 (4), 331-337।

महाजन, के., रिहाना, वी., रिहाना, ए के., और गर्ग, वी. के. (2016)। पिटररियासिसरोसिया:इटियोपैथोजेनेसिस और कठिन पहलुओं के प्रबंधन पर एक अपडेट। इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, 61 (4), 375।
रलहन, वी., महाजन, के., अग्रवाल, पी., और गर्ग, वी. के. (2017)। मैसीटोमा: एक अपडेट। इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, 62 (4), 332।
रलहन वी, घनावत एस, तेनानी ए, मित्तल एस, गर्ग वी.के. (2017)। 2006-2015 के दौरान दिल्ली के एक टरशियरी केयर सेन्टर में आने वाले कुष्ठ रोग के मामलों की प्रोफाइल में रुझान। इंडियन जे लेप्रोसी, 88,217-225
रलहन, वी., मित्तल, एस, महाजन, के., और गर्ग, वी. के. (2017)। दुर्लभ नैदानिक विशेषताओं के साथ गोल्डनहर सिंड्रोम । इंडियन जर्नल ऑफ़ पेडियाट्रिक डर्मेटोलॉजी, 18 (4), 317।
सरमा, एन., चक्रवर्तीएस, पूजारीएस ए, राठीएस, कुमारनएस, निर्मल, बी, ... डोनथुला, एन (2017)। साक्ष्य आधारित समीक्षा, अनुशंसा का ग्रेड, और मिलाज़्माके लिए उपचार का सुझाव । इंडियन डर्मेटोलॉजी ऑनलाइन जर्नल, 8 (6), 406।
सरकारआर।, औरंगाबादकरएस, सलीम, टी., दासए, शाहएस, मजीदआई, ... आर्य, एल। (2017)। मिलाज़्मा में लेजर: भारतीय वर्णक विशेषज्ञ समूह द्वारा सर्वसम्मति अनुशंसाओं के साथ एक समीक्षा। इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, 62 (6), 585।
सरकार, आर., परमार, एन वी, और कपूर, एस. (2017)।श्याम वर्ण के रोगियों में टोपिकल रेजिमन और ग्लाइकोलिक एसिड पील्सके संयोजन के साथ पोस्टइंफ्लेमेटरी हाइपरपिग्मेंटेशनका उपचार: एक तुलनात्मक अध्ययन। डर्मेटोलॉजिक सर्जरी, 43 (4), 566-573।
सरकार, आर., और ऐलावाडी, पी. (2017)। मिलाज़्माका उपचार: आगे की यात्रा। इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, 62 (6), 555।
सरकार, आर, गोखले, एन, गोडसे, के, ऐलावाड़ी, पी, आर्य, एल, शर्मा, एन,........रविचंद्रन, जी (2017)। मिलाज़्मा का चिकित्सीय प्रबंधन: भारतीय वर्णक विशेषज्ञ समूह द्वारा सर्वसम्मत अनुशंसाओं के साथ एक समीक्षा। इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, 62 (6), 558।
सरकार, आर, अरसीवाला, एस, दुबे, एन, सोनथालिया, एस, दास, ए, आर्य, एल, ... गोडसे, के (2017)। मिलाज्मामें रासायनिक पील्स: भारतीय वर्णक विशेषज्ञ समूह द्वारा सर्वसम्मत सिफारिशों के साथ एक समीक्षा। इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, 62 (6), 578।
सरकार, आर,पोद्दार, आई, गोखले, एन, जगदीसन, एस, और गर्ग, वी के (2017)। त्वचा विज्ञान में वनस्पति तेलों का उपयोग: एक सिंहावलोकन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, 56 (11), 1080-1086।
सोनथालिया, एस, रलहन, वी, और गर्ग, वी के (2016)।इथ्रोमोमेलानोसिफोलिकुलरफिस्सीएटियटकोली. बचपन में रोग के अभिलेख,आर्चडिसचाइल्ड।

जर्नल

सरकार आर, मुख्य संपादक, "पिग्मेंट इंटरनेशनल"।
सरकार आर., एसोसिएट संपादक, "जर्नल ऑफ कॉस्मेटिक डर्मिटोलोजी"।
सरकार आर, सेक्शन एडिटर, "आईजेडीवीएल"।
सरकार आर, सदस्य, संपादकीय बोर्ड, इंडियन जर्नल ऑफ़ डर्मेटोलॉजी,इंडियन जर्नल ऑफ़ पेडियाट्रिकडर्मेटोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ एसटीडी एण्ड एड्स,जर्नल आफ क्लिनिकल एण्ड एस्थेटिक डर्मेटोलॉजी, डर्मेटोलॉजिकल थेरेपी

बरमन केडी। ने अप्रैल 2017 में "इसेंशियल्स ऑफ डर्मेटोलॉजी एण्ड सेक्सुअली ट्रांस्मिटिड डिज़ीज: एन इलस्ट्रेटिड सिनोप्सिस" की एक पाठ्यपुस्तक की समीक्षा।

शोध परियोजनायें

जारी परियोजनायें:

ऑटोलॉगस गैर सुसंस्कृत मेलानोसाइट स्थानांतरण के पारंपरिक बनाम संशोधित तकनीक का यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन।

क्यूटनिस पर प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया में पैच परीक्षण की भूमिका का मूल्यांकन ।

एक्टिव-एक्ने वल्गारिस और पोस्ट-एक्ने हाइपरपिग्मेंटेशन में ट्राइक्लोरोएसिटिक एसिड पील्स बनाम सैलिसिलिक एसिड पील्स: एक तुलनात्मक अध्ययन

त्वचाविज्ञान संक्रमण में एज़ोल्स और एलीलामाइन्स के लिए क्लिनिकल पैटर्न और एंटीफंगल ससेप्टेबिलिटी का अध्ययन

बच्चों में एटोपिक डर्माटाइटिस के क्लिनिक-बायोकेमिकल अध्ययन

लिचेन प्लानसपिगमेंटोसस में कांटेक्ट संवेदनशीलता पैटर्न और पिग्मेंटेड कांटेक्ट डर्माटाइटिस

सौंदर्य प्रसाधनों के संपर्क से एलर्जी त्वचा रोग के रोगियों में नैदानिक प्रोफ़ाइल और संपर्क संवेदनशीलता।

मुँहासों के निशान में प्लेटलेट समृद्ध प्लाज्मा के साथ केवल माइक्रोनीडिंगबनाम तुलनात्मक अध्ययन।

स्काल्प के पैची एलोपेसिया एरीएटा में इंट्रालेसेनल ट्रायमसीनोलोन के साथ प्लेटलेट समृद्ध प्लाज्मा की तुलनात्मक प्रभावकारिता,।

साइनोएक्राइलेट ऊतक एडहेसिव, पारंपरिक बाधित त्वचा सिवनी और सिर और गर्दन की चीजों के लिए प्रमुख की प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए: एक यादृच्छिक संभावित अध्ययन, मौलाना आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज के सहयोग से।

प्लास्टिक सर्जरी विभाग के सहयोग से, हाइपरट्रोफिक स्कार्स और केलोइड्स के उपचार में इंट्रालेसेनल ट्रायमसिनोलोन एसीटोनिड के साथ इंट्रालेसेनलब्लूओमाइसिन की प्रभावकारिता की तुलना ।

आयोजित संगोष्ठियां और सम्मेलन

16 सितंबर, 2017को कॉलेज में डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी और लेप्रोलॉजी के भारतीय एसोसिएशन के सहयोग से वार्षिक नैदानिक बैठक आयोजित की गई।

संगोष्ठी और सम्मेलन में प्रस्तुति

डॉ बिजय लक्ष्मी साहू

साहू बी, इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजिस्ट, वेनेरोलॉजिस्ट और लेप्रोलॉजिस्ट (आईएडीवीएल) के 46 वें राष्ट्रीय सम्मेलन- डरमैकन 2018 में आमंत्रित अतिथि वक्ता ।

साहू बी, अतिथि अध्यक्ष: लेपरा प्रतिक्रिया का प्रबंधन: राष्ट्रीय कुष्ठरोग सम्मेलन, 5-7 दिसंबर, 2017

साहू बी, आईएडीवीएल-दिल्ली राज्य शाखा द्वारा आयोजित उत्तर क्षेत्र के तीसरे पीजीकॉन में अतिथि स्पीकर के रूप में आमंत्रित और इसकी मेजबानी त्वचा विज्ञान विभाग और एसटीडी, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज और जीटीबी अस्पताल द्वारा की जाएगी। 9-10 सितंबर, 2017

साहू बी, । प्राग, चेक गणराज्य में पीसीएस द्वितीयग्लोबल एलर्जी सम्मेलन (जीएसी -2017), में स्पीकर के रूप में आमंत्रित 5 - 6 अगस्त , 2017।

साहू बी, पैनलिस्ट: चुनौतीपूर्ण मामलों में एक कम्पेंडियम। मध्य वर्ष क्यूटीकॉन 28 मई 2017

साहू बी, पैनलिस्ट: मेटाबोलिक सिंड्रोम और त्वचाविज्ञान। पहेली के संकेत। 3 दिसंबर, वार्षिक कटिकॉन 2017।

सरकार आर, 19 -22 अप्रैल, 2017 को "नवजात त्वचाविज्ञान" संगोष्ठी में अर्जेंटीना के ब्यूनेस एरेस, अर्जेंटीना में 12 वीं इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ डार्मेटोलॉजी में बोलने के लिए फैकल्टी के रूप में आमंत्रित किया गया।

सरकार आर., म्यूनिक, जर्मनी में "विटिलिगो" कार्यशाला और "केमिकल पील" सत्र में बोलने के लिए जर्मनी की 4 वीं अंतर्राष्ट्रीय प्रैक्टिकल त्वचाविज्ञान समर अकादमी में फैकल्टी के रूप में आमंत्रित किया गया। 25-29जुलाई, 2017

सरकार आर, को 10 -13मई, 2017 को कोलकाता में डरमैकोन 2017 में "मिलाज़्मा-फ्यूचर डारेक्शन्स" में बात करने के लिए संकाय आमंत्रित किया गया था।

सरकार आर., नई दिल्ली में आईएसपीडी सम्मेलन में "बच्चों में हाइपरपिग्मेंटेशन" पर बोलने के लिए फैकल्टी के रूप में आमंत्रित किया गया, 18-20अगस्त,2017।

बर्मन केडी।, माइक्रोनीडलिंग और सबसिजन के संयुक्त तरीकों से मुँहासों के निशान के प्रबंधन पर पत्र प्रस्तुत किया। डब्ल्यूसीओसीडी 2017, बेंगलुरु। 4 - 7 मई, 2017

बर्मन केडी।, बाल रोगियों में विटिलिगो में जस्ता और तांबा के सीरम स्तर का मूल्यांकन।, बाल चिकित्सा त्वचाविज्ञान का13 विश्व कांग्रेस,शिकागो, संयुक्त राज्य। 6-9जुलाई, 2017

संकाय के सदस्यों की संख्या: 05

***

त्वचा विज्ञान और यौन संक्रामक रोग (यूसीएमएस)

सम्मान/ गौरव

आईएडीवीएलके 46 वें राष्ट्रीय सम्मेलन कोच्चि, केरल मेंडरमैकॉन 2018 के दौरानइंडियन एसोसिएशन ऑफ डार्मेटोलॉजिस्ट, वेनेरोलॉजिस्ट और लेप्रोलॉजिस्ट द्वारा"ओन्कोलॉजी: नैदानिक और शल्य चिकित्सा त्वचाविज्ञान का एक अभिन्न और महत्वपूर्ण हिस्सा" के लिए, सी. ग्रोवर को प्रतिष्ठित "बीएम अंबाडी ऑरेशन" से सम्मानित किया गया, । 18-21जनवरी, 2018।

आईएडीवीएलके 46 वें राष्ट्रीय सम्मेलन कोच्चि, केरल में डरमैकॉन 2018 के दौरान"नाखून लिचेन प्लानस के लिए इंट्रामेट्रिकियल ट्रायमसीनोलोन एसीटोनिड इंजेक्शन के बाद निकोलौ सिंड्रोम"प्रकाशन के लिए डिजिटल डर्मेटोलॉजी ऑनलाइन जर्नल- 2017 में प्रकाशित सर्वश्रेष्ठ केस रिपोर्ट" ग्रोवर सी. ने "18-21जनवरी, 2018।

पांधी डी, कोच्चि में डरमैकन 2018 में आईएडीवीएल की सेवाओं के लिए राष्ट्रपति प्रशंसा पुरस्कार प्राप्त हुआ,20जनवरी, 2018।

नई दिल्ली में क्यूटीकॉन के दौरान आईएडीवीएल दिल्ली राज्य शाखा द्वारा पांधी डी. को इस स्पेशियालिटी में लाइफटाईम अचीवमेंट के लिए सरदारीलाल मेमोरियल पुरस्कार का पुरस्कार दिया गया। 3 दिसंबर, 2017।

भुवनेश्वर में एस्टिकॉन (भारत मेंयौन संक्रमित बीमारियों और एड्स के अध्ययन के लिए एसोसिएशन के वार्षिक सम्मेलन) मेंपांधी डी. को सरदारीलाल मेमोरियल अवॉर्ड ऑरेशन से सम्मानित किया गया। 26 नवंबर, 2017।

प्रकाशन

आशा, के., सिंघल, ए, शर्मा, एस बी, अरोड़ा, वी के, और अग्रवाल, ए. (2017)। सोरायसिस के रोगियों में

डिस्लिपिडेमिया और ऑक्सीडेटिव तनाव: उभरते कार्डियोवैस्कुलर जोखिम कारक। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, 146 (6), 708।

आशिक, के टी, और ग्रोवर, सी. (2018)। "वाई" तकनीक: नाखूनों की ड्रेसिंग को मानकीकृत करने का प्रयास। जर्नल ऑफ द अमेरिकन एकेडमी ऑफ डर्मेटोलॉजी, 78 (5), ई103-ई 104।

बिशरवाल, के., सिंघल, ए, पांधी, डी., और शर्मा, एस. (2017)। पेडन्कुलेटिड हेमोरेजिक सिस्टिक सूजन: पॉलीडैक्टली की असामान्य उपस्थिति। इंडियन डर्मेटोलॉजी ऑनलाइन जर्नल, 8 (3), 220-220।

बिशरवाल, के., सिंघल, ए, पांधी, डी., और गिरोत्रा, वी. (2017)। लैबियम माजस का सोलिटरी कोलेजनोमा: एक दुर्लभ घटना। इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, 62 (3), 312।

बिशरवाल, के., सिंघल, ए, पांधी, डी., और शर्मा, एस. (2017)। हाइपोपिग्मेंटेड माइकोसिस फनगोइड्स:संकीर्ण बैंड पराबैंगनी बी द्वारा होने वाला क्लीनिकल, हिस्टोलॉजिकल, और इम्यूनोहिस्टोकेमिकल रिमिशन। इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, 62 (2), 203।

चौधरी, आर., ग्रोवर, सी., भट्टाचार्य, एस एन, और शर्मा, ए. (2017)।त्वचाविज्ञान स्नातक छात्रों के मूल्यांकन में कंप्यूटर सहायक उद्देश्य संरचित नैदानिक परीक्षा बनाम उद्देश्य संरचित नैदानिक परीक्षा। इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी, और लेप्रोलॉजी, 83 (4), 448।

दौलताबाद, डी., सिंघल, ए, ग्रोवर, सी., और छिल्लर, एन। (2017)। अविकसित कैनेटी के रोगियों में सीरम बायोटिन, विटामिन बी 12 और फोलिक एसिड का मूल्यांकन करने वाले संभावित विश्लेषणात्मक नियंत्रित अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ट्राइकोलॉजी, 9 (1), 1 9।

दौलताबाद, डी, ग्रोवर, सी, कश्यप, बी, धवन, ए के, सिंघल, ए, और कौर, आई आर (2017)। भारतीय मरीजों में नाखून सोरियासिस की नैदानिक और सीरोलॉजिकल विशेषताएं: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी, और लेप्रोलॉजी, 83 (6), 650।

ग्रोवर, सी, दौलाताबाद, डी, और सिंघल, ए (2017)। आईसोलेटिड नेल सोरायसिस में नेल बेड मेथोट्रैक्सेट इंजेक्शन की भूमिका: एक अपरंपरागत मार्ग के माध्यम से पारंपरिक दवा। नैदानिक और प्रयोगात्मक त्वचाविज्ञान, 42 (4), 420-423।

ग्रोवर, सी, दौलताबाद, डी, और सिंघल, ए (2017)। आईसोलेटिड नेल सोरायसिस में नेल बेड मेथोट्रैक्सेट इंजेक्शन की भूमिका: एक अपरंपरागत मार्ग के माध्यम से पारंपरिक दवा। नैदानिक और प्रयोगात्मक त्वचाविज्ञान, 42 (4), 420-423।

दौलताबाद, डी, ग्रोवर, सी, कश्यप, बी, धवन, ए के, सिंघल, ए, और कौर, आई आर (2017)। भारतीय मरीजों में नाखून सोरियासिस की नैदानिक और सीरोलॉजिकल विशेषताएं: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी, और लेप्रोलॉजी, 83 (6), 650।

दौलताबाद, डी, नंदा, एस, और ग्रोवर, सी (2017)। सतही नाखून असमान्यताओं में मध्यम गहराई के पील्स का इंट्रा-व्यक्तिगत दाएं-बाएं तुलनात्मक अध्ययन। जर्नल ऑफ क्यूटेनियस एण्ड एस्थेटिक सर्जरी, 10 (1), 28।

दौलताबाद, डी, ग्रोवर, सी, और तनवीर, एन (2017)। पूर्व-किशोरावस्था बालिकाओं में निवोइड हाइपरट्रिकोसिस। इंडियन डर्मेटोलॉजी ऑनलाइन पत्रिका, 8 (2), 143।

दौलताबाद, डी, सिंघल, ए, ग्रोवर, सी, और छिल्लर, एन। (2017)। अविकसित कैनेटी के रोगियों में सीरम बायोटिन, विटामिन बी 12 और फोलिक एसिड का मूल्यांकन करने वाले संभावित विश्लेषणात्मक नियंत्रित अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ट्राइकोलॉजी, 9 (1), 1 9।

दौलताबाद, डी, ग्रोवर, सी, और शर्मा, एस (2017)। 'एक्सट्रेक्शन डर्मोस्कोपी एज़ रैपिड एण्ड इनोवेटिव डायग्नोस्टिक टूल फॉर इरप्टिव वेलस हेयर सिस्ट'। नैदानिक और प्रयोगात्मक त्वचाविज्ञान, 42 (4), 438-440।
दौलताबाद, डी, ग्रोवर, सी, और शर्मा, एस (2017)। 'एक्सट्रेक्शन डर्मोस्कोपी एज़ रैपिड एण्ड इनोवेटिव डायग्नोस्टिक टूल फॉर इरप्टिव वेलस हेयर सिस्ट'। नैदानिक और प्रयोगात्मक त्वचाविज्ञान, 42 (4), 438-440।
गोयल, एस, राठौर, आर, शर्मा, एस, अरोड़ा, वी के, दास, जी के, और सिंघल, ए। (2017)। मिश्रित हिस्टोलॉजी के साथ कटनीस बेसल सेल कार्सिनोमा: दो असामान्य मामलों की साइटोमोर्फोलॉजिकल विशेषताएं। जर्नल ऑफ़ साइटोलॉजी, 34 (2), 115।

ग्रोवर, सी, और बंसल, एस (2018)। नेल बायोप्सी: ए यूज़र्स मैनुअल। इंडियन डर्मेटोलॉजी ऑनलाइन जर्नल, 9 (1), 3।

ग्रोवर, सी, और बंसल, एस (2017)। चिकित्सा में जांचएक उपकरण के रूप में नाखून: त्वचा विशेषज्ञ को क्या पता होना चाहिए। इंडियन जर्नल ऑफ डार्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी, और लेप्रोलॉजी, 83 (6), 635।

ग्रोवर, सी, खारघोरिया, जी, दौलताबाद, डी, और भट्टाचार्य, एस एन (2017)। नेल लिचन प्लानस के लिए इंट्रामेट्रिकियल ट्रायमसीनोलोन इंजेक्शन के बाद निकोलाओ सिंड्रोम। इंडियन डर्मेटोलॉजी ऑनलाइन जर्नल, 8 (5), 350।

ग्रोवर, सी, और जाखड़, डी (2017)। ओन्कोस्कोपी: एक व्यावहारिक गाइड। इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी, और लेप्रोलॉजी, 83 (5), 536।

ग्रोवर, सी, दौलताबाद, डी, और सिंघल, ए (2017)। आईसोलेटिड नेल सोरायसिस में नेल बेड मेथोट्रैक्सेट इंजेक्शन की भूमिका: एक अपरंपरागत मार्ग के माध्यम से पारंपरिक दवा। नैदानिक और प्रयोगात्मक त्वचाविज्ञान, 42 (4), 420-423।

जाखड़, डी, और ग्रोवर, सी (2018)। एक ऑकुलोस्कोपी उपकरण के रूप में यूनिवर्सल सीरियल बस डर्माटोस्कोप। जर्नल ऑफ द अमेरिकन एकेडमी ऑफ डर्मेटोलॉजी, 78 (6), ई 139-ई 140।

जाखड़, डी, और ग्रोवर, सी (2018)। म्यूकोस्कोपी के लिए यूएसबी डर्माटोस्कोप का नवीकृत सुधार।जर्नल ऑफ द अमेरिकन एकेडमी ऑफ डर्मेटोलॉजी, 78 (1), ई 3-ई 4।

जाखड़, डी, पांधी, डी, सिंघल, ए, और शर्मा, एस (2018)। एक्रलभागीदारी के साथ द्विपक्षीय वितरण में एंजियोमेसरपिजिनोसम: एक असामान्य प्रस्तुति। इंडियन जर्नल ऑफ़ डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी, और लेप्रोलॉजी, 84 (3), 338।

कौल, एस, ग्रोवर, सी, और दास, जी के (2017)। आंशिक डाईसौटोनोमिया: एक दिलचस्प प्रस्तुति। इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी, और लेप्रोलॉजी, 83(5), 596।

दास, एस, पांधी, डी, राय, जी, अंसारी, एम ए, गुप्ता, सी, हक, एस, और डार, एस ए (2017)। मदरेलैमिसेटोमैटिसिस के कल्चर-नेगेटिव मामलों में चुनौतियां: एक केस रिपोर्ट एक आवश्यक निदान उपकरण के रूप मैंरिएक्सेंयुएटिंग पीसीआर। जर्नल डी मायकोलॉजिमेडिकेल, 27(4), 577-581।

पांधी, डी, और कुलहरि, ए (2017)। इरेथेमा नोडोसमलप्रोसुमेनक्रोटियन। इंडियन पीड्रियाटिक्स, 54(12), 1071-1071।

सिंघल, ए, मित्तल, एच, अग्रवाल, ए, दास, एस, और मनचंदा, एस. (2018)। डबल बेहतर वीना कैवा, पेट की वैरिकोसिटीज़, और नैटल टूथ के साथफैकोमैटोसिसिपिग्मेंटोवास्कुलेरिस टाइप 2 बी (फैकोमैटोसिसोफ्लेमिया): उपन्यास संघ। पीडियाट्रिक डर्मेटोलॉजी, 35(3), ई151-ई154।

सिंघल, ए, कौर, आई, और अरोड़ा, वी के। (2018)। एक शिशु में सोलीटरी डिजिटल नोड्यूल। त्वचा अपेंडेज विकार, 4(1), 44-46।

सिंघल, ए, पांधी, डी, गोगोई, पी, और ग्रोवर, सी (2017)। स्यूबंगुअल मेलेनोमा इतना दुर्लभ नहीं है: भारत से चार मामलों की रिपोर्ट। इंडियन डर्मेटोलॉजी ऑनलाइन जर्नल, 8(6), 471।

सिंघल, ए (2017)। एक युवा लड़के में बाइलैटरल अंगूठे और पैरों की उंगलियों की टिक की आदत विकृति: एक असामान्य घटना। त्वचा अपेंडेज विकार, 3 (4), 186-187।

सिंघल, ए. (2017)। चिकनगुनिया और त्वचा: वर्तमान परिप्रेक्ष्य। इंडियन डर्मेटोलॉजी ऑनलाइन जर्नल, 8(5), 307।

सिंघल, ए, पांधी, डी, कटारिया, वी, और अरोड़ा, वी के (2017)। ग्लान्स लिंग का क्षय रोग: जननांग अल्सर रोग का एक महत्वपूर्ण डिफ्रैन्शियल निदान। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एसटीडी एंड एड्स, 28(14), 1453-1455।

सिंघल, ए, पांधी, डी, गोगोई, पी, और ग्रोवर, सी। (2017)। स्यूबंगुअल मेलेनोमा इतना दुर्लभ नहीं है: भारत से चार मामलों की रिपोर्ट। इंडियन डर्मेटोलॉजी ऑनलाइन जर्नल, 8(6), 471।

ग्रोवर सी, और सिंघल, (2017)। एथेंस, ग्रीस में आयोजितनाखून रोगों के लिए चौथे अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन(आईएसएनडी) मेंसम्मेलन रिपोर्ट। ओन्कोस्कोप, 7(1)।

ग्रोवर सी, और जाखड़ डी. (2017) ओन्कोस्कोस्कोपी की नैदानिक उपयोगिता: साहित्य की समीक्षा। इंडियन जे डर्माटोपैथोडायग डर्माटोल, 4, 31-40।

ग्रोवर सी, और जाखड़ डी (2017)। स्कैबीज़के निदान में डर्मोस्कोपी इंटजे डर्मोस्कोपी, 1 (2), 67-68 ।

ग्रोवर सी (2018)। एडिटोरियल। ओन्कोस्कोप, 2018, 7 (1), 1।

ग्रोवर सी (2017)। नेल डिसऑर्डर काउंसिल की 21 वीं वार्षिक बैठक के लिए कॉन्फ्रेंस रिपोर्ट। ओन्कोस्कोप 2017, 6(2), 6-7।

ग्रोवर सी, और सिंघल ए, नेल रोगों के लिए चौथे अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन के लिए सम्मेलन रिपोर्ट। ओन्कोस्कोप 2017, 6(2), 4-6।

ग्रोवर सी। (2017)। एडिटोरियल। ओन्कोस्कोप, 2017, 6(1),1

जाखड़ डी, ग्रोवर सी. (2017)। फोटो क्विज़-येलो नेल सिंड्रोम। ओन्कोस्कोप, 6 (2), 4

सिंघल ए, जाखड़ डी. (2017)। ओन्कोस्कोपी: एक अवलोकन। इंट जे डर्मोस्कोपी, 1, 2, 41-49।

पुस्तकों में अध्याय

ग्रोवर सी, सिंघल ए (2017)। नाखूनों की सर्जरी और कॉस्मेटिक प्रोसीजर: सबउंग्यूल ट्यूमर को निकालना, मैसूर वेंकट्राम में, (एड)। एसीएस (आई) क्यूटियंस एंड एस्थेटेटिक सर्जरी की पाठ्यपुस्तक पीपी। (602-60 9)। दूसरा संस्करण नई दिल्ली: जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स। [आईएसबीएन 978-93-5270-033-2।]

पांधी डी। फोटोटोक्सिक और फोटोअलर्जिक दवाओं की प्रतिक्रियाएं (2018)। गुप्ता एल, मार्टिन ए, डिसूजा पी, पांडे एस (एड्स.)में । आईएडीवीएल की पाठ्यपुस्तक सीएडीआर- एक व्यापक गाइड। मुंबई: भलानी पब्लिशिंग हाउस।

पांधी डी, दौलताबाद डी इचिथोसिस। (2017)। स्नातकोत्तर छात्रों के लिए बाल चिकित्सा की पाठ्यपुस्तक, द्वितीय संस्करण। (पीपी 3086-91)। गुप्ता पी, मेनन पीएसएन, रामजी एस, लोढा आर। (एड्स.)में । नई दिल्ली: जेपी प्रकाशक।

पांधी डी, अरोड़ा आर उरटकेरिया, और मास्टोसाइटोसिस। (2017)। स्नातकोत्तर छात्रों के लिए बाल चिकित्सा की पाठ्यपुस्तक, द्वितीय संस्करण। (पीपी 3116-21)। गुप्ता पी, मेनन पीएसएन, रामजी, एस, लोढा, आर। (एड्स.)। नई दिल्ली: जेपी पब्लिशर्स।

सरदाना के, ग्रोवर सी, खुराना ए, सुकेश एम एस टेलोजेन एफ्लुवियम (2017)। बालों के झड़ना: विकार, बहाली और प्रबंधन, 2 एड। (पीपी 70-93)। सरदाना, के, खुराना ए, दिल्ली: सीबीएस पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स।

पुस्तकें

सिंघल ए, ग्रोवर सी (2018)। त्वचाविज्ञान में संक्रमण के बारे में एटलस। जैपी पब्लिशर्स।

शोध परियोजनायें

डॉ दीपिका पांधी: फ्लुकोनाज़ोल, टेरिबिनाफाइन, ग्रिसोफुलविनइट्रकोनाज़ोल, वोरिकोनोजोलमें सतही फंगल संक्रमण के कारण डर्माटोफाइट्स की एंटी-फंगल ससेप्टेबिलिटी का पता लगाना 2015-2017: आईएडीवीएल राशि: 3,42,000 द्वारा प्रोयाजित।

आयोजित सेमीनार

22 अगस्त, 2017 को सीनियर रेज़िडेन्ट के लिए बोटुलिनम टोक्सिन हैंडस-ऑन प्रशिक्षण कार्यशाला पर सीएमई

आयोजित सम्मेलन

कॉन्फ्रेंस हॉल, यूसीएमएस और जीटीबी, 9-10 सितंबर, 2017 में आयोजित तीसरा पोस्ट ग्रेजुएट सम्मेलन (पीजीकॉन) उत्तरी क्षेत्र

संगोष्ठियों / सम्मेलन प्रस्तुतियों

ग्रोवर चंदर, होटल हिल्टन, ऑरलैंडो, फ्लोरिडा, यूएसए में आयोजित नेल विकारों के लिए परिषद के 21 वें वार्षिक सम्मेलन की कार्यवाही के दौरान "नाखून विकारों का उपचार: रासायनिक पील्स" सत्र के लिए संकाय के सदस्य के रूप में आमंत्रित। 2 मार्च, 2017

होटल डिवानी कैरवेल, एथेंस, ग्रीस में आयोजित नाखून रोगों के लिए चौथे अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन की कार्यवाही के दौरान "नाखून विकारों में इंजेक्शन योग्य उपचार" सत्र के लिए ग्रोवर सी, अध्यक्ष और संकाय के सदस्य के रूप में आमंत्रित,23-25जून, 2017।

जीकेवीके, बेंगलुरु, भारत में आयोजित कॉस्मेटिक त्वचाविज्ञान 2017 की 12 वीं विश्व कांग्रेस और एसीएसआई के 15 वें राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही के दौरान "आम तौर पर की जाने वाली नाखूनों की सर्जरी" सत्र के लिए संकाय के सदस्य के रूप में आमंत्रित4-6 मई, 2017 ।

ग्रोवर सी, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, भारत, 8-10 दिसंबर, 2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सौंदर्यशास्त्र और नैदानिक त्वचाविज्ञान सम्मेलन की कार्यवाही के दौरान "इंजेक्शनबेल्स एण्ड नेल एवल्शन" सत्र के लिए संकाय के सदस्य के रूप मेंआमंत्रित।

ग्रोवर सी, जेएएसएस मेडिकल कॉलेज, मैसूर में आईएडीवीएल-एसआईजी डर्माटोसर्जरी और आईएडीवीएल-कर्नाटक स्टेट शाखा द्वारा आयोजित आईएडीवीएल-टोरेंट डर्माटोसर्जरी कार्यशाला के दौरान " नेल सर्जरी" के लिए संकाय के सदस्य के रूप में आमंत्रित। 11 फरवरी, 2018

ग्रोवर सी, केरल के कोच्चि में 2018, आईएडीवीएल के 46 वें राष्ट्रीय सम्मेलन, डरमैकोन 2018 की कार्यवाही के दौरान आयोजित "नेलिंग द नेल" कार्यशाला के दौरान "नाखून बायोप्सी कहां करवाएं" के लिए संकाय के सदस्य के रूप में आमंत्रित। 18-21 जनवरी, 2018।

ग्रोवर सी, मेदान्ता, द मेडिसिटी, गुरुग्राम में आईएडीवीएल-डीएसबी और आईएडीवीएल-एसआईजी द्वारा आयोजित डर्मेटोसर्जरी आईएडीवीएल-टोरेंट डर्माटोसर्जरी कार्यशाला की कार्यवाही के दौरान सत्र "नेल बायोप्सी" (व्याख्यान और जीवन्त प्रदर्शन) सत्र के लिए संकाय के सदस्य के रूप में आमंत्रित। 7 जनवरी, 2018

ग्रोवर सी. राजकोट, भारत, 15-17दिसंबर, 2017 में आयोजित आईएडीवीएल, वेस्ट जोन के वी. द्विवार्षिक सम्मेलन की कार्यवाही के दौरान "नेल फोल्ड कैपिलैरोस्कोपी" (व्याख्यान और जीवन्त प्रदर्शन) सत्र के लिए संकाय के सदस्य के रूप में आमंत्रित।

ग्रोवर सी, होटल शांगरी-ला, कनॉट प्लेस, दिल्ली में आईएडीवीएल-डीएसबी, द्वारा आयोजित सोरायसिस प्रबंधन (आईएमपीसीटी 2.0) पर आईएडीवीएल मास्टर क्लास की कार्यवाही के दौरान "नाखून सोरायसिस प्रबंधन" के लिए आमंत्रित पैनलिस्ट,28 मई, 2017।

ग्रोवर सी, 4-5 नवंबर, 2017 से त्वचाविज्ञान विभाग और एसटीडी, जीएमसी अमृतसर में आयोजित 6 वें ओनिकोकॉन की कार्यवाही के दौरान "ओन्चिस्कोपी में टिप्स और ट्रिक्स" के लिए आमंत्रित संकाय।

ग्रोवर सी, 4-5 नवंबर, 2017 से त्वचाविज्ञान विभाग और एसटीडी, जीएमसी अमृतसर में आयोजित 6 वें ओनिकोकॉन की कार्यवाही के दौरान "नाखून संबंधी प्रश्नोत्तरी" के लिए आमंत्रित प्रश्नोत्तरी मास्टर।

ग्रोवर सी, 1 नवंबर, 2017 को भारत इंटरनेशनल सेंटर, दिल्ली में आयोजित पीसीओएस संगोष्ठी की कार्यवाही के दौरान, "स्किन मेनिफेस्टेशन्स ऑफ पीसीओएस " के लिए आमंत्रित संकाय।

ग्रोवर सी, 9-10 सितम्बर, 2017 कोकांफ्रेंस हॉल, त्वचा विज्ञान विभाग और एसटीडी, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल, दिल्ली में तीसरे पीजीकॉन के आयोजन के दौरान "नेल स्पॉटर्स" के लिए आमंत्रित संकाय।

ग्रोवर सी, कोलकाता के होटल स्विसोटेल में आयोजित चौथी आरएसएफ डर्माटोस्कोपी और ट्राइकोस्कोपी कार्यशाला की कार्यवाही के दौरान "हाइपरपीग्मेंटरी डिसऑर्डर ऑफ डर्मोस्कोपी" के लिए आमंत्रित अध्यक्ष। 2-3 सितंबर, 2017।

ग्रोवर सी, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल में आयोजित प्रथम वर्ष पीजी छात्रों के लिए प्रोटोकॉल लेखन कार्यशाला की कार्यवाही के दौरान "शीर्षक लिखना" और "प्रोटोकॉल लेखन टेम्पलेट का उपयोग कैसे करें" के लिए आमंत्रित संकाय। 21-24अगस्त, 2017।

ग्रोवर सी., एमओयू, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में आयोजित सीनीयर रेज़िडेन्ट के लिए पेपर राइटिंग वर्कशॉप की कार्यवाही के दौरान, "परिचय लेखन" के लिए आमंत्रित संकाय। 23- 24अगस्त, 2017।

ग्रोवर सी। दिल्ली में आयोजित फेशियल एस्थेटिक्स ट्रेनिंग एंड एजुकेशन (एफएटी) की कार्यवाही के दौरान "सीक्रेट्स ऑफ लिप रीशेपिंग" के लिए आमंत्रित अध्यक्ष। 30 जुलाई, 2017।

ग्रोवर सी, दिल्ली में आयोजित चौथे डीएएएस (त्वचाविज्ञान और संबंधित विशिष्टताएं) समिट की कार्यवाही के दौरान "बालों के झड़ना: क्या करें" के लिए आमंत्रित संकाय और अध्यक्ष,30 जून-2 जुलाई, 2017।

ग्रोवर सी, आगरा में आयोजित आईएडीवीएल-टोरेंट डर्मेटोसर्जरी वर्कशॉप-2016 की कार्यवाही के दौरान "नाखून सर्जरी: बुनियादी और उन्नत प्रक्रियाओं का वीडियो प्रदर्शन" के लिए आमंत्रित संकाय। 11 जून, 2017।

ग्रोवर सी, होटल रैडिसन ब्लू, गाजियाबाद मेंफेस एस्थेटेटिक डर्मेटोलाजिस्ट सोसाइटी द्वारा आयोजित जॉलाइन और चिन पर हैण्ड-ऑन कार्यशाला और दूसरे सम्मेलन में आमंत्रित अध्यक्ष,30 अप्रैल, 2017।

ग्रोवर सी., लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, दिल्ली में आयोजित बुजुर्गों में डर्माटोस के पुनर्संरचना प्रबंधन पर सम्मेलन की कार्यवाही के दौरान "देर से शुरू होने वाले सोरायसिस का प्रबंधन" सत्र के लिए आमंत्रित पैनलिस्ट। 14 मई, 2017।

ग्रोवर सी, 28 मई, 2017 को होटल ईरोस, नेहरू प्लेस, दिल्ली में आयोजित मिड इयर क्यूटिकॉन की कार्यवाही के दौरान "नया क्या है: डर्मोस्कोपी" सत्र के लिए आमंत्रित संकाय।

पांधी डी, नई दिल्ली में तीसरे एक्ने इंडिया समिट में मुँहासे की टॉपिकल थेरेपी पर पैनल चर्चा के लिए आमंत्रित मॉडरेटर,4 मार्च, 2018।

पांधी डी.,जेनोडर्माटोस, आम तौर पर आना, भारतीय संदर्भ में मामले का परिदृश्यनामक वार्ता, आईएडीवीएल डर्माकॉन 2018के 46 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित संकाय, कोच्चि, केरल। 18-21जनवरी, 2018।

पांधी डी.,जेनोडार्माटोस पर आईएडीवीएल डर्माकॉन 2018के 46 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में पैनल चर्चा के लिए आमंत्रित पैनलिस्ट, कोच्चि, केरल,18 से 21जनवरी, 2018।

पांधी डी, 15-17दिसंबर 2017 को राजकोट में डर्माज़ोन वेस्ट में "थिसिस को पेपर में कैसे परिवर्तित करें" नामक वार्ता के लिए आमंत्रित स्पीकर।

पांधी डी, 15-17दिसंबर,2017 को राजकोट में डर्माज़ोन वेस्ट में "पिटफाल्स इन आर्टिकल्स सबमिटिड फॉर पब्लिकेशन-हाऊ टू अवोएड" वार्ता के लिए आमंत्रित स्पीकर।

पांधी डी., 15-17 दिसंबर, 2017 को राजकोट में डर्माज़ोन वेस्ट में "एआई-सीटीडी में लैब व्याख्या और नैदानिक महत्व" नामक पैनल चर्चा के लिए आमंत्रित पैनलिस्ट।

पांधी डी., 15-17दिसंबर, 2017 को राजकोट में डर्माज़ोन वेस्ट में "त्वचाविज्ञान में ग्लूटाथियोन, रिटक्सिमाब बनाम पल्स थेरेपी और मुँहासे में एंटीबायोटिक्स" पर 3 वाद-विवादों के लिए, मॉडरेटर और जज।

पांधी डी., 24-26नवंबर, 2017 को भुवनेश्वर में राष्ट्रीय एस्टिकॉन सम्मेलन में "यौन संचारित संक्रमण क्लिनिक में भाग लेने वाली महिलाओं में गुदा और गर्भाशय ग्रीवा डिस्प्लेसिया के प्रिडिक्टर के रूप में पी 16इम्यूनोस्टेनिंग'' नामकअवार्ड ऑरेशन के लिए आमंत्रित स्पीकर।

पांधी डी, मैंगलोर में डर्माज़ोन साउथ में"सही हीलिंग के लिए सही इलाज:एसएलई में प्रबंधन मुद्दे" नामक वार्ता के लिए आमंत्रित स्पीकर, 17-19नवंबर, 2017।

पांधी डी, 17-19नवंबर, 2017को मैंगलोर में डर्माज़ोन साउथ में "डर्माटोफेटोसिस के वर्तमान खतरे" नामक पैनल चर्चा के लिए आमंत्रित पैनलिस्ट।

पांधी डी, मैंगलोर में डर्माज़ोन साउथ में "ऑटोइम्यून कनेक्टिव टिशू बीमारी की जांच" नामक पैनल चर्चा के लिए आमंत्रित पैनलिस्ट। 17-19नवंबर, 2017.

पांधी डी.,चंडीगढ़ में डर्मेटोफाइटोसिस: फाईटिंग द चेलेंज सम्मेलन में''क्या डर्मेटोफाइटोसिस में लैब निदान और एंटीफंगल दवा ससेप्टबिलिटी परीक्षणों की कोई नैदानिक प्रासंगिकता है'',शीर्षक पर वार्ता में आमंत्रित वक्ता,2-3सितंबर, 2017।

पांधी डी.,बैंगलूरु मेंक्लिनिकल डर्मेटोलॉजी- बैक टू रूट्स -2पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "मुश्किल से ठीक किए जाने वाले मुँहासे के लिए चिकित्सीय विकल्प" शीर्षक पर वार्ता में आमंत्रित वक्ता। 5-6 अगस्त, 2017।

पांधी डी., बैंगलूरु मेंक्लिनिकल डर्मेटोलॉजी- बैक टू रूट्स -2पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "फ्यूचर थेराप्यूटिक्स इन एक्ने" नामक पैनल चर्चा के लिए आमंत्रित पैनलिस्ट,5-6, अगस्त, 2017

पांधी डी., नई दिल्ली में एचआईवी और सिफिलिस के मदर-टू-चाइल्ड ट्रांसमिशन को खत्म करने के लिए निजी स्वास्थ्य क्षेत्र को जोड़ने पर राष्ट्रीय परामर्श में "एचआईवी परीक्षण के लिए सार्वभौमिक पहुंच- अवसरों के द्वार" पर पैनल चर्चा के लिए आमंत्रित पैनलिस्ट। 7जुलाई, 2017।

पांधी डी., नई दिल्ली में आयोजित चौथे त्वचाविज्ञान और संबंधित विशिष्टताएं (डीएएएस) शिखर सम्मेलन में "वास्कुलाइटिस-लुकिंग बिओन्ड द स्किन" पैनल चर्चा के लिए आमंत्रित पैनलिस्ट। 1-3 जुलाई, 2017।

पांधी डी., दिल्ली में राष्ट्रीय पीजी टास्क फोर्स कार्यशाला में "परीक्षा पैटर्न: सिद्धांत" नामक वार्ता के लिए आमंत्रित वक्ता। 18 जून 2017।

पांधी डी., दिल्ली में राष्ट्रीय पीजी टास्क फोर्स कार्यशाला में "परीक्षा पैटर्न: सिद्धांत" नामक वार्ता के लिए आमंत्रित वक्ता। 18 जून 2017।

पांधी डी., ''रिकांसेप्चुएलाईज़िंग द मेनेजमेंट ऑफ डर्मिटोजेज़ इन एल्डर्ली''परराष्ट्रीय सम्मेलन में "चेलेन्जेज़ ऑफ मेनेजिंग बुलस पेम्फिगोइड इन एल्डर्ली" शीर्षक पर वार्ता के लिए आमंत्रित वक्ता,नई दिल्ली,14 मई, 2017।

पांधी डी., नेल्लोर में आंध्र प्रदेश राज्य शाखा के वार्षिक क्यूटिकॉन में "मेनेजमेंट ऑफ डिफिकल्ट एक्ने" नामक एक वार्ता के लिए आमंत्रित वक्ता। 9-10दिसंबर, 2017।

पांधी डी., नेल्लोर में आंध्र प्रदेश राज्य शाखा के वार्षिक क्यूटिकॉन में "मेनेजमेंट ऑफ डिफिकल्ट एक्ने" नामक एक वार्ता के लिए आमंत्रित वक्ता। 9-10 दिसंबर, 2017।

पांधी डी., 3 दिसंबर 2017 को नई दिल्ली में दिल्ली राज्य शाखा के वार्षिक क्यूटीकॉन में "फाईटिंग अगेन्स्ट डर्मेटोफाइट: आर वी लूज़िंग द प्लॉट?" पर एक पैनल चर्चा को संचालित किया।

सिंघल ए, बैंगलोर में आयोजित कॉस्मेटिक डर्मेटोलॉजी- डब्ल्यूसीओसीडी 2017के 12 वें विश्व कांग्रेस के दौरान''कॉस्मेटिक नेल प्रोब्लम'' सत्र के लिए आमंत्रित मॉडरेटर, 5-7 मई, 2017।

सिंघल ए, कोच्चि में आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलोजिस्टस, वेनेरोलॉजिस्ट एण्ड लेप्रोलॉजिस्ट (आईएडीवीएल) के 46 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में 'चेलेन्जेज़ इन द डायग्नोसिस एण्ड मेनेजमेंट ऑफ क्यूटेनियस ट्यूबरकुलोसिस' पर सत्र के लिए आमंत्रित वक्ता। 18 से 21 जनवरी, 2018।

सिंघल ए, कोच्चि में आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलोजिस्टस, वेनेरोलॉजिस्ट एण्ड लेप्रोलॉजिस्ट (आईएडीवीएल) के 46 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में'अप्रोच टू नेल ट्यूमर्स' पर सत्र के लिए आमंत्रित वक्ता। 18 से 21जनवरी, 2018।

सिंघल ए, बैंगलोर में सेंटर फॉर ह्यूमन जेनेटिक्स (सीएचजी) द्वारा आयोजित 'एपिडर्मोलिसबुलोसा: एक दुर्लभ अनुवांशिक विकार, के प्रबंधन के लिए एक आधुनिक टीम आधारित दृष्टिकोण' पर संगोष्ठी के लिए आमंत्रित संकाय । 14-15 जनवरी, 2018

सिंघल ए. ने यूसीएमएस में इंटरनेशनल ओरिएंटेशन प्रोग्राम के दौरान 'देखभाल के मानक को बनाए रखने और सुधारने' पर एक व्याख्यान दिया, 1 जनवरी, 2018।

सिंघल ए, , 16 दिसंबर, 2017 को आयोजित, हरियाणा राज्य शाखा वार्षिक क्यूटीकोन के दौरान,'हाऊ टू मेनेज रिकैल्सीट्रेंट डर्मोफाइटोसिस' पर आमंत्रित वक्ता ।

सिंघल ए, बेस अस्पताल लखनऊ में आयोजित नेशनल डर्मेटोलॉजी सीएमई एण्ड अपडेट के दौरान' 'नॉन डर्मेटोफाइटिक माल्डस इन ओन्कोमाइकोसिस:ए टफ नट टू क्रेक' में आमंत्रित वक्ता, 8 -9 दिसंबर, 2017।

सिंघल ए, सिंघल ए, बेस अस्पताल लखनऊ में आयोजित नेशनल डर्मेटोलॉजी सीएमई एण्ड अपडेट के दौरान, 'द ग्रेट इंडियन एपिडेमिक सुपरफिशियल डर्मेटोफाइटोसिस में आमंत्रित पैनेलिस्ट 8-9 दिसंबर, 2017।

सिंघल ए, एलटीएम आईएचसी, दिल्ली द्वारा आयोजित 'रिलेप्स एंड ड्रग रेसिस्टेंस: प्रेजेन्ट सीनारिया एण्ड क्रिटिकल इशूज़' पर रिसर्च संगोष्ठी के दौरान 'कुष्ठरोग प्रबंधन में वर्तमान की चुनौतियां' पर आमंत्रित वक्ता, 29 नवंबर, 2017।

सिंघल ए, , 21 वीं डर्माज़ोन दक्षिण और 8 वें क्यूटिकॉन कर्नाटक के दौरान मंगलौर में आयोजित 'ट्वेंटी नेल डिस्ट्रॉफी' दृष्टिकोण पर आमंत्रित वक्ता । 14 -16 नवम्बर, 2017।

सिंघल ए, नेल सोसाइटी ऑफ इंडिया और गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, अमृतसर द्वारा आयोजित 6 वें ओन्कोकॉन की कार्यवाही के दौरान "बर्डस आई व्यू ऑफ ऑनकोस्कोपी" के लिए आमंत्रित संकाय। 4- 5 नवंबर, 2017

सिंघल ए, नेल सोसाइटी ऑफ इंडिया और गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, अमृतसर द्वारा आयोजित 6 वें ओन्कोकॉन की कार्यवाही के दौरान "बर्डस आई व्यू ऑफ ऑनकोस्कोपी" के लिए आमंत्रित संकाय। 4- 5 नवंबर, 2017

सिंघल ए, नेल सोसाइटी ऑफ इंडिया और गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, अमृतसर द्वारा आयोजित 6 वें ओन्कोकॉन की कार्यवाही के दौरान "इंटरस्टिंग नेल केसेज़" के लिए आमंत्रित संकाय। 4-5 नवंबर, 2017।

सिंघल ए, गुड़गांव डर्मेटोलॉजिस्ट सीएमई के दौरान 'स्ट्रेटजी टू ट्रीट रेसिस्टेंट एण्ड रेकंरंट सुपरफीशियल डरमैटोफाइटोसिस' में आमंत्रित वक्ता, 27 सितम्बर, 2017 ।

सिंघल ए, श्रीनगर में 26 सितंबर, 2018 को आयोजित आईएडीवीएल, जम्मू-कश्मीर शाखा के पहले क्यूटीकॉन की कार्यवाही के दौरान 'त्वचाविज्ञान में चुनौतियों के मामले' प्रस्तुत किया।

सिंघल ए, ने 9 और 10 सितंबर 2017 को यूसीएमएस में आयोजित 'तीसरे पीजीकॉन नॉर्थ जोन' के दौरान "डू एंड डोन्टस इन प्रैक्टिकल एग्ज़ाम" पर एक व्याख्यान दिया।

सिंघल ए, 2 और 3 सितंबर 2017 को पीजीआई चंडीगढ़ द्वारा आयोजित डर्मेटोफाइटोसिस;फाइटिंग द चेलेंज पर आयोजित संगोष्ठी के दौरान 'रिकरंट टिनिया; 'मिथ और रियलिटी' पर प्लेनरी व्याख्यान दिया ।

सिंघल ए, 'इंडियन सोसाइटी ऑफ पेडियाट्रिक डार्मेटोलॉजी' के वार्षिक सम्मेलन के दौरान, 'हाउ डू आई ट्रीट' ट्रायकोन्चिया इन चिल्ड्रन' सत्र में आमंत्रित वक्ता, 16-18 अगस्त, 2017।

सिंघल ए, गया, म्यूनिक में फिफ्थ इंटरनेशनल समर अकादमी ऑफ प्रैक्टिकल डर्मेटोलॉजी' के दौरान' भारत से त्वचाविज्ञान में दिलचस्प मामले' प्रस्तुत किया, 25 -29 जूलाई, 2017।

सिंघल ए, होटल इरोज, नई दिल्ली में 4 वें डीएएएस समिट के दौरान 'स्किन एण्ड एपिडेमिस फीवर' पर आमंत्रित व्याख्यानकर्ता, 28-30 जून, 2017

सिंघल ए, एथेंस, ग्रीस में आयोजित नाखून रोगों (आईएसएनडी) के चौथे अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन के दौरान 'भारत से ग्रेट नेल मामले' पर आमंत्रित वक्ता, 23 से 25 जून, 2017।

सिंघल ए, होटल ली मेरिडियन, दिल्ली में आईएडीवीएल दिल्ली राज्य शाखा द्वारा आयोजित मध्यवर्ष क्यूटिकॉन में 'ए कम्पेंडियम ऑफ चेलेन्जिंग केसेस इन डर्मेटोलॉजी' पर आमंत्रित वक्ता, 15 मई, 2017

सिंघल ए, एलएचएमसी में आयोजित 'रिकांसेप्चुएलाइजिंग मेनेजमेंट ऑफ डर्मेटोसिस इन एल्डर्ली' पर संगोष्ठी के दौरान, 'बुजुर्गों में ओन्कोमाइकोसिस के प्रबंधन के दृष्टिकोण' पर आमंत्रित वक्ता। 14 मई, 2017

नियोजन विवरण:

छात्रों की संख्या: 3

विस्तार और पहुँच गतिविधियों

सम्मेलन हॉल, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल में आईएडीवीएल-डीएसबी और डर्मेटोलॉजी और एसटीडी विभाग द्वारा आयोजित तीसरा पीजीकॉन, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल ।

संकाय के सदस्यों की संख्या: 5

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

ग्रोवर सी, एक वर्ष के लिए आईएडीवीएल दिल्ली राज्य शाखा के मानद सचिव,

ग्रोवर सी, संस्थापक सचिव, नेल सोसाइटी ऑफ इंडिया।

ग्रोवर सी, संपादकीय बोर्ड के सदस्य, त्वचा अपेन्डेज विकार, एक अंतरराष्ट्रीय, सहकर्मी-समीक्षा, पबमेड अनुक्रमित जर्नल।

ग्रोवर सी, संपादकीय बोर्ड के सदस्य, इंडियन जर्नल ऑफ एसटीडी एण्ड एड्स, एक सहकर्मी-समीक्षा, पबमेड अनुक्रमित जर्नल ।

पांधी डी, इंडियन जर्नल ऑफ एसटीडी एण्ड एड्स की संपादकीय समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया

पांधी डी, इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी एण्ड लेप्रेसी के लिए अनुभाग संपादक के रूप में नियुक्त किया गया

पांधी डी., इंडियन ऑनलाइन डर्मेटोलॉजी जर्नल की संपादकीय समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त

सिंघल ए, सम्मेलन हॉल यूसीएमएस, दिल्ली में आईएडीवीएल डीएसबी और त्वचा विज्ञान विभाग और एसटीडी विभाग, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज और जीटीबी अस्पताल दिल्ली में आयोजित तीसरे पीजीकॉन में वैज्ञानिक अध्यक्ष, उत्तर क्षेत्र ।

सिंघल ए, 25-29 जुलाई, 2017 को 5 वें म्यूनिक इंटरनेशनल समर अकेडमी ऑफ प्रैक्टिकल डर्मेटोलॉजी में भाग लेने के लिए आईएसए 2017 को यात्रा अनुदान प्राप्त हुआ ।

***

फॉरेंसिक मेडिसिन (एलएचएमसी)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

संकाय सदस्यों द्वारा दो किताबें प्रकाशित की गई हैं। प्रतिष्ठित जर्नल में चार वैज्ञानिक शोध पत्र प्रकाशित किए गए हैं। वर्ष 2017 में विश्वविद्यालय द्वारा दो शोध प्रबंध स्वीकार किए गए हैं। वर्तमान में चार शोध प्रबंध परियोजनाएं चल रही हैं।

प्रकाशन

नाइक, एस के. (2017)। मेडिको-कानूनी कर्तव्यों से निपटना। नई दिल्ली: शिव शक्ति।

शर्मा, जी के (2017)। फोरेंसिक मेडिसिन, मेडिकल ज्यूरिसप्रूडेंस, और विषाक्त विज्ञान की पाठ्यपुस्तक जिसमें फोरेंसिक मनोचिकित्सा शामिल है नई दिल्ली: सीबीएस।

कुमार एम., नाइक एस. के., मुरारी ए. और रानी वाई. (2017)। नॉन-ड्राउनिंग मामलों में डायटॉम का पता लगाना-एक पोस्ट-मॉर्टम अध्ययन। जर्नल ऑफ फोरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी, 34 (1), 5-13।

कुमार आर., चौकसी वी., दुचानिया एस., पंचाल के., और रानी एम. (2017)। जटिल आत्महत्या: जीवन को समाप्त करने के लिए उपयोग की जाने वाली कई विधियां। जर्नल ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन एंड टोक्सिकोलॉजी, 34 (1), 36-39।

सिंह, आर के, नाइक, एस के, जैश्, एम., शर्मा, जी के, रानी, वाई., और मुरारी, ए. (2018)। ऑटोप्सी के दौरान दावा किए गए और दावा न किए गए मृत शरीरों में हेपेटाइटिस बी वायरस की जांच । इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल स्पेशलिटीज, 9 (1), 12-14।

देशकर, जे।, कुमार, पी।, और नाइक, एस के। (2016)। सेना के जवान की दर्द से मृत्यू - एक केस रिपोर्ट। जर्नल ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ फोरेंसिक मेडिसिन, 38 (3), 350-351।

शोध परियोजनायें:

गैर-वित्त पोषित परियोजनाएं

एलएचएमसी और एसोसिएटेड अस्पतालों में दावा किए गए और दावा न किए गए शवों में एचबीवी और एचसीवी की जांच, नई दिल्ली, 2015-2017।

आत्महत्या के मामलों में सामाजिक-जनसांख्यिकीय प्रोफ़ाइल और अंगों के वजन का एक पोस्ट-मॉर्टम अध्ययन। 2015-2017

एलएचएमसी और एसोसिएटेड अस्पतालों में ओपॉइड प्रतिस्थापन चिकित्सा प्राप्त करने वाले सब्सटांस उपयोगकर्ताओं की प्रोफाइल, नई दिल्ली 2016-2018।

मैनुब्रियम स्टर्नी और ज़िफिस्टरनम के साथ मेसोस्टर्नम के संलयन से आयु का अनुमान - एक पोस्ट-मॉर्टम अध्ययन, 2016-2018।

पहचान के प्रयोजन के लिए होंठ प्रिंट में व्यक्तिगत विशेषताओं और लिंग भिन्नताओं का निर्धारण, 2014-2019।

एलएचएमसी, नई दिल्ली में की गई अटोप्सी में फायरमैन चोटों के पैटर्न के 20 साल का पूर्वव्यापी अध्ययन, 2017-2019।

डिजिटल रोएन्टजेनाग्राफ द्वारा इलियाक क्रेस्ट के संलयन की डिग्री के साथ कालक्रम आयू का सहसंबंध, 2017-2019।

संगोष्ठी / सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

2 शोध पत्रों डॉ. श्रबाना कुमार नायक, प्रोफेसर द्वारा "हिरासत के कारण मृत्यु- मेडिको-कानूनी पहलु" और डॉ. कुलदीप सिंह, जूनियर रेज़िडेन्ट द्वारा "पोस्को अधिनियम के बाद, क्या मेडिको-कानूनी राय बदलने की जरूरत है?" को 1 -3 फरवरी, 2018 को जेआईपीएमईआर, पुडुचेरी में आयोजित आईएएफएम के वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया है।

संकाय के सदस्यों की संख्या: 8

***

चिकित्सा (यूसीएमएस)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

यूसीएमएस-जीटीबीएच का चिकित्सा विभाग बड़ी संख्या में रोगियों के साथ-साथ बाहरी रोगियों को, समर्पित वार्ड, कोरोनरी केयर और डायलिसिस इकाइयों और 24 घंटे की आपातकालीन सेवाओं के साथ-साथ अपनी सामान्य और विशेष ओपीडी के माध्यम से रोगियों को देखभाल सेवाएं प्रदान कर रहा है। एंटीरेट्रोवायरल उपचार केंद्र भी चिकित्सा विभाग के अधीन चल रहा है और यह बड़ी संख्या में एचआईवी से पीड़ित मरीजों को देखभाल और सहायता प्रदान कर रहा है। रोगी देखभाल के अत्यधिक बोझ को संभालने के बावजूद संकाय स्नातक और स्नातकोत्तर के शिक्षण और प्रशिक्षण में भी कार्यरत है। एमडी थीसिस पर बड़िया काम करने के लिए प्रयास किए जाते हैं और रेज़िडेंट राष्ट्रीय सम्मेलनों में अपनी उपस्थिति को भी दर्ज कर रहे हैं। संकाय कोर पाठ्यक्रम समितियों और चिकित्सा शिक्षा इकाई से भी जुड़ी रहती है। बाधाओं और लॉजिस्टिक के बावजूद, विभाग शिक्षण और प्रशिक्षण की सुविधा के जरिए रेज़िडेन्ट और संकाय दोनों को व्यावसायिक विकास के अवसर प्रदान करने का प्रयास करता है।

सम्मान/गौरव

अमित वर्मा को नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (इंडिया) की सदस्यता दी गई, 2017।

आशीष गोयल को जॉन्स हॉपकिन्स ब्लूमबर्ग स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ, यूएसए में सार्वजनिक स्वास्थ्य की परास्नातक डिग्री दी गई, मई 25, 2017।

इंडियन कॉलेज ऑफ फिजीशियन, 2017 का फैलोशिप दी गई ।

प्रकाशन

दयानंद, रायजादा, ए., अग्रवाल, ए. शर्मा, आर., और कौर, आर. (2017)। पीईडबल्यू और एनडीडी-सीकेडी में फ्रेल्टी के साथ इसका संबंध, इंड जे नेफ, 27 (1), एस 22।

कुमार, ए, और गोयल, ए, (2018)। अनुसंधान में पहला कदम: एक शोध प्रश्न तैयार करना। इन, प्रकाश ए, पेंगटे जी (एड्स.), रिसर्च मेथड, इंडियन कॉलेज ऑफ फिजीशियन, एसोसिएशन ऑफ फिजिशियंस ऑफ इंडिया ।

मुखर्जी, एस, थवानी, आर., रॉय, पी., अग्रवाल, ए., दास, एस, और गोयल, ए. (2017) स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के रूप में चिकित्सा छात्रों की भूमिका को समझने में रोगियों के साथ व्यवहार। जे फार्मा बायोमेड साइंस, 7 (2), 40-45।

पिडेनो, एन., रायज़ादा, ए एस, अग्रवाल, और ग्रोवर, आर के. (2017)। कैंसर रोगियों में गुर्दे के संबंध का स्पेक्ट्रम। इंड जे नेफ, 27 (1), एस 37।

राथ, एस, यादव, एल., तिवारी, ए., चैन्टलर, टी., वुडवर्ड, एम., कोतवाल, पी.... नॉर्टन, आर। (2017)। देखभाल के रास्तों में सुधार की सिफारिशों के साथ भारत में हिप फ्रैक्चर से ग्रसित अधेड़ आयू के वयस्कों का प्रबंधन: वर्तमान अभ्यास, बाधाएं और सुगमकर्ताओं के मिले-जुले तरीकों का अध्ययन । आर्क ओस्टियोपोरोसिस, 12 (55), 1-13।

सिद्धार्थ, एम., चावला, डी., रायजादा, ए., वधवा, एन., बनर्जी, बीडी, और सिक्का, एम। (2018)। मानव गुर्दे में प्रॉक्सिमल ट्यूबलर एपिथिलियल कोशिका में सीसा प्रेरित डीएनए क्षति और सेल एपोप्टोसिस। एन-एसिटिल सिस्टीन और टैनिक एसिड के माध्यम से एटिन्यूएशन । जे बायोकैममोल्टॉक्सिकोल, 32 (3), 322038।

सिद्धार्थ, एम., चावला, डी., रायजादा, ए., वधवा, एन., बनर्जी, बीडी, और सिक्का, एम। (2018)। मानव गुर्दे में प्रॉक्सिमल ट्यूबलर एपिथिलियल कोशिका में लैड नाइट्रेट-प्रेरित आरओएस मध्यस्थ डीएनए क्षति और सेल एपोप्टोसिस: एन-एसिटिल सिस्टीन, कर्क्यूमिन और टैनिक एसिड के माध्यम से एमिलियोरेशन। कैंसर मेड, 7, 37-37।

सिंह, ए., वर्मा, एके, और अमृता. (2017)। टीबी की खोई हुई लड़ाई की एक केस रिपोर्ट के रूप में तपेदिक के निदान में दुविधा, इन्ट जे कोंट मेड रेस, 4 (9), 1919-1920।

सिंह, ए., वर्मा, एके, श्रीवास्तव, ए. शर्मा, टी., और सुंदरम (2018)। गर्भवती महिलाओं में दूसरे व्यक्ति द्वारा धूम्रपान के धुएं के संपर्क और पल्मोनरी कार्यों और गर्भावस्था के परिणाम पर इसके असर का अध्ययन। इंड जे ऑब्जेन रेस, 1।

वर्मा, एके, और साहू, डीके (2017)। मॉन्ट्रियल संज्ञानात्मक मूल्यांकन स्कोर द्वारा सीओपीडी के रोगियों में संज्ञानात्मक कार्य की स्थिति का आकलन। इंट जे कोंट मेड रेस, हिंदी संस्करण, 4 (5), 986-989।

वर्मा, एके, और सिंह, डीके (एन.डी.)। सीओपीडी के मरीजों में कमजोरी होने की स्थिति का अध्ययन और मॉन्ट्रियल संज्ञानात्मक मूल्यांकन स्कोर द्वारा मूल्यांकन किए गए संज्ञानात्मक कार्यों के साथ इसके सह-संबंध। इंटेल जे साइंटिफिक स्टडी, 5 (8), 76-80।

यादव आर, और गोयल, ए. (2018)। बुजुर्गों में युनिनरी इंकंटिनेन्स। इन, हांडा आर (एड.), मेडिसिन अपडेट, एपीकॉन।

शोध परियोजनायें

डॉ. शिव नारंग ने "एफिकेसी एण्ड सेफटी ऑफ फिक्स्ड डोज़ कॉम्बिनेशन ऑफ ड्रोटानेरिन हाइड्रोक्लोराइड (80 मिलीग्राम) एण्ड पैरासिटामोल (500 मिलीग्राम) इन एमिलियोरेशन ऑफ एब्डोमिनल पेन इन पेशन्टस विद एक्यूट इंफेक्शियस गैस्ट्रोएंटेरिटिस: ए डबल ब्लाइंड रैंडमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल" 2017 को पूरा किया

संगोष्ठी / सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

रायजादा ए, इंडियन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी-आईएसएनसीओएन 2017 के 48 वें वार्षिक सम्मेलन में " पीईडबल्यू और एनडीडी-सीकेडी में फ्रेल्टी के साथ इसका संबंध " पर पोस्टर प्रेजेंटेशन, 14-17 दिसम्बर 2017।

रायजादा ए, इंडियन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी- आईएसएनसीओएन 2017, के 48 वें वार्षिक सम्मेलन में "कैंसर रोगियों में गुर्दे से संबंधित स्पेक्ट्रम" पर पोस्टर प्रेजेंटेशन, 14-17 दिसंबर, 2017 ।

अग्रवाल ए, एसोसिएशन ऑफ फिज़िशियन्स ऑफ इंडिया, मुंबई के 73 वें वार्षिक सम्मेलन के अध्यक्ष। 22 -25 फरवरी, 2018।

अग्रवाल ए, इंडियन सोसाइटी ऑफ एथरोस्क्लेरोसिस रिसर्च, एम्स, पटना के 30 वें वार्षिक सम्मेलन में अध्यक्ष। 2 -4 नवंबर, 2017।

अग्रवाल ए, इंडियन सोसाइटी ऑफ हाइपरटेंशन, नई दिल्ली की 27 वीं राष्ट्रीय कांग्रेस में अध्यक्ष, 1-2 सितंबर, 2017।

अग्रवाल ए, क्लिनिकल प्रिवेन्टिव कार्डियोलॉजी एण्ड इमेजिंग, अमृतसर की 12 वीं विश्व कांग्रेस के अध्यक्ष। 30 सितंबर -01 अक्टूबर, 2017

अग्रवाल ए, अध्यक्ष डायबकॉन 2017, 22-23 अप्रैल, 2017।

***

सूक्ष्म जीव विज्ञान (एमएएमसी)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग छात्रों को स्नातक (एमबीबीएस, बीडीएस, बीएससी नर्सिंग), स्नातकोत्तर (एमडी) और पीएचडी करवाता है। विभाग में प्रयोगशालाएं नवीनतम उपकरण, जैसे विटेक -2 कॉम्पैक्ट सिस्टम, बीएसी / टी अलर्ट सिस्टम, डीएनए सीक्वेंसर, कोबासटाकमैन 48 विश्लेषक, बीडी एफएसीएस गणना प्रणाली और पूरी तरह से स्वचालित एलिसा प्रोसेसर से सुसज्जित हैं। विभाग में एचआईवी प्रयोगशाला एनएसीओ के तहत एचआईवी के लिए राज्य संदर्भ प्रयोगशाला (एसआरएल) के रूप में कार्य करती है। तेजी से किए गए परीक्षणों द्वारा एचआईवी परीक्षण को एनएबीएल द्वारा मान्यता प्राप्त दी गई है। विभाग में पीयर रिव्यूड वैज्ञानिक जर्नल के कई प्रकाशन हैं और उनमें से कुछ प्रसिद्ध माइक्रोबायोलॉजी पाठ्य पुस्तकों के लेखक हैं।

सम्मान/ गौरव

डॉ. रोहित चावला को अमेरिकन बोर्ड ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी (एबीएमएम) के डिप्लोमेट के रूप में मान्यता दी गई।

डॉ रोहित चावला ने केनेडियन कॉलेज ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट (एफसीसीएम) की फैलोशिप प्राप्त की।

डॉ. विकास मनचंदा, वाइस चेयर के सदस्य, विदेश मामलों संबंधी समिति, सोसाइटी ऑफ हेल्थकेयर एपिडेमियोलॉजी ऑफ अमेरिका (एसएचईए), यूएसए।

प्रकाशन:

बावेजा, सी पी, और अग्रवाल, पी. (2017)। सूक्ष्म जीव विज्ञान नैदानिक परीक्षणों का सांख्यिकीय विश्लेषण। इंडियन जर्नल ऑफ़ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, 35 (2), 184।

अभिषेक, के एस, चक्रवर्ती, ए., बावेजा, सी. पी., कुमार, एन., सिद्दीकी, ओ., और कुमार, एस. (2017)। गंभीर डेंगू के साथ इंटरलेक्विन -2, -4 और -10 का संबंध। इंडियन जर्नल ऑफ पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी, 60 (1), 66।

गोयल, एस., चक्रवर्ती, ए., मंतन, एम., कुमार, एस., और अशरफ, एम. ए. (2017)। बाल चिकित्सा आयु समूह में गम्भीर वायरल एनसेफेलाइटिस सिंड्रोम (एईएस) के लिए नैदानिक दृष्टिकोण: नई दिल्ली से एक अध्ययन। जर्नल ऑफ क्लिनिकल एण्ड डायग्नोस्टिक रिसर्च: जेसीडीआर, 11 (9), डीसी 25।

कुमार, एस., बाला, आई. और सेठी, और जीआर (2017)। बच्चों में निचले श्वसन पथ में माइकोप्लाज्मा निमोनिया संक्रमण। इंटरनेशनल जे.सांई. रेस. 6, 73-74।

नय्यर, सी., सक्सेना, आर., और मनचंदा, वी. (2017)। एक बाल चिकित्सा टरशरी परिचर्या अस्पताल में स्वास्थ्य परिचर्या कर्मचारियों में ट्रांसफ्यूजन-प्रेषित वायरल रोगजनकों का प्रसार और जोखिम शमन कार्यक्रम । इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, 35 (2), 296।

गुप्ता, आर., कुशवाहा, एस., ठाकुर, आर., जालान, एन., रावत, पी., गुप्ता, पी., ... मनचंदा, वी. (2017)। भारत से बहु-केंद्रित अध्ययन में तपेदिक मेनिंजाइटिस के मरीजों में प्रतिकूल परिणाम के भविष्यवाणीकर्ता। इंडियन जर्नल ऑफ़ ट्यूबरकुलोसिस, 64 (4), 296-301।

सिंह, एन., और मनचंदा, वी. (2017)। कम और मध्यम आय वाले देशों में मल्टीड्रग-प्रतिरोधी ग्राम- नेगेटिव बैक्टीरिया का नियंत्रण - अधिक संसाधनों के बिना प्रभावी हस्तक्षेप। क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजी एण्ड इंफेक्शन, 23 (4), 216-218।

मनोहरन, ए, मनचंदा, वी., बालासुब्रमणियम, एस., ललवानी, एस., मोदक, एम., बाई, एस., और नटराज, जी.। (2017)। भारत में 5 साल से कम की आयु के बच्चों में इंवेसिव न्यूमोकोकल रोग: एक निगरानी अध्ययन। द लांसेट इंफेक्टियस डिज़ीज़, 17 (3), 305-312।

वट्टल, सी., जावेरी, वाई., गोयल, एन., धर, डी., सक्सेना, एस., सिंह, एस., और नांगिया, वी. (2017)। दिमाग का अभिसरण: गहन परिचर्या इकाई संक्रमण के रोगियों में बेहतर परिणाम के लिए। इंडियन जर्नल ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन, 21 (3), 154।

गुप्ता, ए. जे., सिंह, एम., यादव, एस., खुराना, एन., जैन, एस. एल., चावला, आर., ... मिश्रा, ए. (2017)। युवा किशोरियों में फाइब्रोडेनोमा के रूप में फेयोहाइफोमाइकोसिस ब्रेस्ट मास्कुरेडिंग। डायग्नोस्टिक साइटोपैथोलॉजी, 45 (10), 939-942।

प्रकाशित पुस्तकें:

बवेजा, सी. पी. (2017)। ए टेक्सटबुक ऑफ माइक्रोबायोलॉजी फोर नर्सिंग । (5 वां संस्करण), दिल्ली: आर्य।

बवेजा, सी. पी. (2017)। इसैन्शियल्स ऑफ एमडी/डीएनबी माइक्रोबायोलॉजी प्रैक्टिकल एग्ज़ामिनेशन, (प्रथम संस्करण), दिल्ली: आर्य।

बवेजा, सी. पी. (2017)। मेडिकल पैरासिटोलॉजी। (चौथा संस्करण)। दिल्ली: आर्य।

कुमार, एस. (2017) प्रैक्टिकल माइक्रोबायोलॉजी फोर एमबीबीएस स्टूडेन्टस, दिल्ली: जेपी ब्रदर्स मेडिकल।

संपादकीय बोर्ड के संपादकों / सदस्यों के रूप में कार्यरत विभागीय शिक्षकों की संख्या:

बवेजा, सी. पी., इंडियन जर्नल ऑफ़ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी और ओमान मेडिकल जर्नल के समीक्षाकर्ता।

बवेजा, सी. पी., सदस्य, संपादकीय बोर्ड, एमएएमसी जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज

मनचंदा वी।, संपादकीय बोर्ड के सदस्य: जर्नल ऑफ पेशन्ट सेफटी एण्ड इंफेक्शन कंट्रोल - जर्नल ऑफ हॉस्पिटल इंफेक्शन सोसाइटी ऑफ इंडिया (एचआईएसआई), एस्ट्रोसाइट - नेशनल बोर्ड ऑफ एग्ज़ामिनेशन्स (एनबीई) का जर्नल और जीवाणू टाइम्स - इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट, दिल्ली चैप्टर

मनचंदा वी., वेब संपादक - आईएएम दिल्ली चैप्टर और हॉस्पीटल इंफेक्शन सोसाईटी, भारत

शोध परियोजनायें

बवेजा, सी. पी., क्षय रोग उपचार प्रतिक्रिया के मूल्यांकन बायोमार्कर्स के रूप में एमआईआरएनए । ग्रैंड चैलेंजेज़ एक्सप्लोरेशन इंडिया / राउंड 1 के तहत वित्त पोषित।

कुमार एस., आईसीएमआर प्रोजेक्ट: अस्थमा उत्तेजना वाले बच्चों में माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया और क्लैमिडोफिलपनेमोनिया और वायरल संक्रमण की भूमिका

कुमार एस., आईसीएमआर प्रोजेक्ट: क्या नवजात शिशु में प्रारंभिक सेप्सिस के मामले में भ्रूण प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया गर्भाशय में शुरू होती है।

मनचंदा वी., एक विलक्षण, तेज और लागत प्रभावी स्पॉट इम्यूनोमैग्नेटिक संवर्द्धन उपकरण (सीईएमईडी) के माध्यम से केन्डीडेमिया का तेजी से निदान, 2017 में शुरूआत, डीबीटी द्वारा वित्त पोषित।

मनचंदा वी., टायफाइड बुखार के जल्द निदान के लिए एक नए नैदानिक दृष्टिकोण आईएमसी 2 का एक अध्ययन। 2017 में शुरू किया गया, डीबीटी द्वारा वित्त पोषित

मनचंदा वी., बच्चों में गम्भीर सेप्टिक गठिया की सूक्ष्मजीव संबंधी प्रोफ़ाइल का एक अध्ययन, 2017 में शुरू, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा वित्त पोषित।

पूर्ण परियोजनाएं:

मनचंदा वी., भारत सीरोटाइप (बीएएसआईएस) के स्ट्रेप्टोकोकस न्यूमोनिया के लिए बेसलाइन आकलन, जून 2015 - दिसंबर 2017 में शुरू, साइट पीआई, सीएनबीसी; बिल मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित।

आयोजित सम्मेलन

मनचंदा वी., 12.01.2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय के एमडी (माइक्रोबायोलॉजी) के अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए "स्टाफिलोकोकल फेज टाइपिंग" पर कार्यशाला आयोजित की गई।

मनचंदा वी., संबद्ध एचआईवी परीक्षण साइटों (आईसीटीसी / पीपीटीसीटी) के प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए एचआईवी परीक्षण के लिए बाहरी गुणवत्ता आकलन पर संगठित प्रशिक्षण कार्यक्रम। 28.02.2017 और 17.03.2017 ।

मनचंदा वी., 01-02 अगस्त 2017 और 03-04 अगस्त 2017 को एनएसीओ द्वारा नामित सीडी 4 परीक्षण प्रयोगशालाओं के प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए दो एनएसीओ-बीडी सीडी 4 गुड लेबोरेटरी प्रैक्टिस (जीएलपी) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

मनचंदा वी., 7 दिसंबर 2017 को आईएएम-दिल्ली चैप्टर के तहत "एचआईवी परीक्षण पर सेटेलाइट कार्यशाला" आयोजित की गई।

मनचंदा वी., मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली के सीनियर रेजिडेन्ट, जूनियर रेजिडेन्ट और तकनीकी कर्मचारियों के लिए बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन पर संगठित प्रशिक्षण कार्यक्रम।

मनचंदा वी., एमएएमसी और संबंधित अस्पतालों में अस्पताल संक्रमण रोकथाम और नियंत्रण - कार्यान्वयन रणनीतियां पर कार्यशाला, नवंबर 2017।

सम्मेलन में प्रस्तुति

कुमार एस, हिसिकोन 2017, हॉस्पीटल इंफेक्शान सोसाइटी का चौथा राष्ट्रीय सम्मेलन - भारत, गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, गुवाहाटी, असम, 9 से 11 फरवरी 2017 ।

कुमार एस., "क्लीनिकल प्रैक्टिस में एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेंस (एएमआर) से निपटना" सीएमई सह कार्यशाला, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी और एंटीमाइक्रोबियल स्टेवार्डशिप कमेटी विभाग, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, 28 अक्टूबर, 2017 और दिल्ली चैप्टर, 8-9 दिसम्बर, 2017।

कुमार एस, माइक्रोकॉन डी-कॉन 2017, वार्षिक सम्मेलन, इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट।

मनचंदा वी., संक्रामक बीमारियों में माइक्रोस्कोपी- स्टेनिग और तकनीक में हालिया प्रगति। माइक्रो-डी-कान 2017, दिसंबर 2017।

मनचंदा वी., बाल संक्रामक रोग - निमोनिया, मेनिनजाइटिस और एन्सेफलाइटिस के सत्र के लिए मॉडरेटर, आईएएम, माइक्रोकॉन, नवंबर 2017।

मनचंदा वी., एंटीमाइक्रोबायल प्रतिरोध और एंटीबायोटिक उपयोग की निगरानी, डीएसपीआरयूडी, दिल्ली, नवंबर 2017।

मनचंदा वी., आण्विक निदान: 'कल्चर' युग के अंत की घोषणा। आईएपी एनसीपीआईडी, बंगलुरु, अक्टूबर 2017।

मनचंदा वी., एएसपी की सफलता को कैसे मापें? आईएपी एनसीपीआईडी, बंगलुरु, अक्टूबर, 2017

मनचंदा वी., जैव संकट की एक चुनौती एमडीआर सूक्ष्मजीव: रोकथाम और प्रबंधन। मेडिकल ऑफिसर के लिए सीबीआरएन आपातकालीन प्रबंधन पर विशेष प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, आईएनएमएएस, दिल्ली, फरवरी, 2017, अक्टूबर 2017 ।

मनचंदा वी., इन्फ्लुएंजा वायरस: खलनायक, इन्फ्लुएंजा पर राष्ट्रीय सलाहकार बैठक, सितंबर, 2017।

मनचंदा वी.,नौसिखियों के लिए पीके / पीडी। पीजी असेंबली, एसजीआरएच, दिल्ली, अगस्त 2017।

मनचंदा वी., बाल रोगियों में चिकनगुनिया के लिए निदान और प्रबंधन दिशानिर्देश। आईएपी आईडी चैप्टर, हैदराबाद, जून 2017।

मनचंदा वी., संक्रमण नियंत्रण प्रथाएं - अस्पताल की देनदारियों से रोगियों को बचाना, श्रॉफ्स क्वालिटी सेन्टर, दिल्ली, मई 2017।

मनचंदा वी., भारत में इंजेक्शन सुरक्षा के मामले को ठोस बनाना। हिसिकॉन 2017, गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज, गुवाहाटी, फरवरी 2017।

मनचंदा वी., भारत में एसएसआई रोकथाम कार्यक्रम लागू करना। हिसिकॉन 2017, गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज, गुवाहाटी, फरवरी 2017।

मनचंदा वी., बीएमडब्लू-2016 में अनसुलझे मुद्दे। हिसिकॉन 2017, गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज, गुवाहाटी, फरवरी 2017

मनचंदा वी., बायोथ्रेट्स एण्ड बायोटेरेरिज़्म-पास्ट टू फयूचर। जैव सुरक्षा, रोकथाम रणनीतियां और प्रयोगशाला सुरक्षा पर कार्यशाला। हिसिकॉन 2017, गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज, गुवाहाटी, फरवरी 2017।

गुप्ता एस, मनचंदा वी, बावेजा सीपी, सचदेवा पी. उत्तर भारत के टर्शियरी केयर अस्पताल के लोअर सेगमेंट सीज़ेरियन सेक्शन सर्जरी (एलएससीएस) में सर्जिकल साइट इंफेक्शन (एसएसआई) के लिए घटना के प्रभाव और जोखिम कारकों का अध्ययन। आईएएमएम दिल्ली, एम्स, 2017।

यादव ए, मनचंदा वी, फरिया हसन एफ, पीएस भंडारी पीएस, बावेजा सीपी. जलने वाले रोगियों में घावों से नमूने के संग्रह के लिए लेविन तकनीक के कार्यान्वयन का प्रभाव, आईएएमएम दिल्ली, एम्स, 2017।

सहगल के, मनचंदा वी, दीपिका, साइकिया डी, मनोहरन ए और बालाजी वी। चाइल्डहुड न्यूमोकोकल रोग: रोग का बोझ, सीरोटाइप वितरण, नैदानिक परिणाम, भारतीय सेटअप में टीके को शुरू करने पर इसके प्रभाव के साथ इंवेसिव न्यूमोकोकल प्रतिरोध के लिए एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध प्रोफाइल, । आईएएमएम दिल्ली, एम्स, 2017।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

आईआईटी-दिल्ली के सहयोग से परियोजना।

आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत छात्र

दिल्ली विश्वविद्यालय और अन्य विश्वविद्यालयों केअन्य संस्थानों केबीएससी(जैव प्रौद्योगिकी और बायोमेडिकल विज्ञान) केकई छात्रों और बी टेक (जैव प्रौद्योगिकी), एमएलटी छात्रों को अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया था।

विस्तार और प्रसार गतिविधियां

डॉ सीपी बवेजा और डॉ रोहित चावला:राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा एचआईवी प्रयोगशाला की एचआईवी और एचसीवी सेंटीनेल निगरानी के हिस्से के रूप में सूखे रक्त स्पॉट (डीबीएस) परीक्षण करने के लिए प्रयोगशाला के रूप में पहचान की गई है। अधोहस्ताक्षरी नेएचआईवी सेंटीनल निगरानी- 2017 के तहत बिहार, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश में विभिन्न साइटों से प्राप्त 7,000 नमूने के परीक्षण की जांच की। प्रयोगशाला द्वारा उत्पन्न आंकड़ों का उपयोग देश में एचआईवी संक्रमण की संख्या का अनुमान लगाने के लिए किया जाएगा।

प्रदत्त एम.फिल / पीएचडी डिग्रियों की संख्या: 2 पीएचडी

संकाय के सदस्यों की संख्या : 7

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

***

सूक्ष्मजैविकी (यूसीएमएस)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

सूक्ष्मजैविकी(माइक्रोबायोलॉजी) विभाग, यूसीएमएस और जीटीबी चिकित्सालय ने एनएबीएच सेफ 1 एंटीबायोटिक नीति कार्यक्रम के तहत तैयार दो आईएएम-डीसी कार्यशालाओं का आयोजन किया। सूक्ष्मजैविकी विभाग ने दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी तृतीय वर्ष के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए एक माईकोलॉजी पी.जी. प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया । वर्ष 2018 के दौरान आई.सी.सी. यौन उत्पीड़न अधिनियम मार्च, 2018 के तहत छात्र उत्सव के रूप में एक पोस्टर प्रतियोगिता और लैंगिक चैंपियन वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिनमें कई विद्यार्थियों ने भाग लिया और पुरस्कार विजेताओं को नकद पुरस्कार प्राप्त हुए। विभाग के विभिन्न संकाय सदस्यों ने एन.ए.बी.एच. सेफ 1 प्रमाणन कार्यक्रम में भी भाग लिया । विभिन्न सम्मेलनों में शिक्षकों को वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था और सीनियर रेजीडेंट्स ने संक्रमण नियंत्रण, गुणवत्ता प्रबंधन और जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन के विशेष संदर्भ में विभिन्न कार्यशालाओं और प्रशिक्षण में भाग लिया था।

पुरस्कार / सम्मान

डॉ. एन.पी. सिंह अध्यक्ष, आईएएम-दिल्ली चैप्टर 2017.

डॉ. ऋतुपरना साहा (एमडी विद्यार्थी): 'ग्लोकोपेप्टाइड रेजिस्टेंस एंड विरुलेंस जीन्स इन इंटरोकोक्कॅस एसपीपी काजिंग यू.टी.आई : ए कॉज ऑफ कंसर्न', पर सर्वोत्तम मौखिक प्रस्तुति के लिए एमएएमसी पुरस्कार, माइक्रो -डी-कॉन 2017.

डॉ.शुक्ला दास (एमडी विद्यार्थी): आई.ए.एम.एम.- दिसंबर 2017 में इम्यूनोलॉजी क्रोनिक डेरमटोफायटोसिस', कोरिलेशन ऑफ फंगल विरुलेंस एंड हॉस्ट इम्यूनिटी, पर सबसे अच्छा पेपर प्रस्तुत करने हेतु संजय सरदाना मेमोरियल पुरस्कार ।

डॉ. बिनीता कश्यप (डॉ. नेहा गुप्ता , एम.डी विद्यार्थी) : माइक्रो-डी-कान 2017 में "सूक्ष्मजैविकी में वर्तमान रुझान : चुनौतियों का सामना करना" की थीम के साथ इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलोजिस्ट्स - दिल्ली चैप्टर 9वें वार्षिक सम्मेलन (7 से 9 दिसंबर, 2017) में "क्लीनिकल स्पेक्ट्रम ऑफ पेडिएट्रिक ट्युबरकुलोसिस : ए माइक्रोबायोलॉजिकल कोरिलेशन" को प्रस्तुत करने के लिए सर्वश्रेष्ठ फ्री पोस्टर पुरस्कार।

डॉ. अदिति को माइक्रो-डी-कॉन 2017 में सर्वश्रेष्ठ प्रकाशित शोध पत्र के लिए श्री सतीश चंद्र तलवार मेमोरियल पुरस्कार प्रदान किया गया ।

प्रकाशन

अदिति , शरीफ , एम., और बेरी , के. (2017). स्यूडोमोनास मोंटेलीली द्वारा ब्रोंकाइक्टेसिस का विस्तार : एक केस रिपोर्ट। *बीएमसी इंफेक्ट. डिस.* , 17 (1), 1-4.

अदिति , शरीफ , एम., छाबरा , एस.के, और रहमान , एम.यू. (2017). सिमिलर विरुलेंस प्रोपर्टीज ऑफ इंफेक्शन एंड कोलोनाइजेशन एसोसिएटेड स्यूडोमोनास एरुजिनोसा। *जे. मेड. माइक्रोबायोल.,* 66 (10), 1489-1498.

अग्रवाल, पी., और कश्यप , बी. (2017). ए स्टडी टू कॅम्पेयर एंड क्लासीफाई इटिओलॉजिकल एजेंट्स ऑफ आनयकोमायकोसिस। *आईएनजेएमएस* , 8,150-154.

दार, एस.ए, राय, जी., अंसारी, एम.ए., अख्तर , एन., गुप्ता, एन., शर्मा, एस., हक , एस., रामचंद्रन , वी.जी, वाहिद, एम., रुद्रमूर्ती , एस.एम., चक्रबर्ती , ए., और दास, एस. (2017). FcεR1α जीन पोलीमोरफिज्म शोज एसोसिएशन विथ हाई IgE एंड anti-FcεR1α इन क्रोनिक राइनोसिनुसिटिस विथ नासल पोलापोसिस। जे. *सेल बायोकैम* , 119 (5), 4142-414 9.

दास, एस., पांधी, डी., राय , जी., अंसारी, एम.ए., गुप्ता, सी., हक, एस., और दार, एस.ए. (2017). चेंलेंजेज इन कल्चर-निगेटिव केसेस ऑफ मादुरेल्लामायसेटोमटिस : ए केस रि-एक्सेन्ट्युनेटिंग पीसीआर एज एन ऐसेन्सिएल डॉयग्नोस्टिक टूल। *जे.मायकोल. मेड.* , 27 (4), 577-581.

गोयल , एन., कश्यप , बी., सिंह, एन.पी., कौर , आई.आर. (2017). कॅम्पेरेटिव डायग्नोस्टिक युटिलिटी ऑफ निओप्टेरिन और IFN-γ / IL-2 इन एक्ट्रापुल्मोनेरी ट्युबरकुलोसिस। *इंडियन जे क्लिन.बायोकेम.*, 32 (4), 453-458.

गोयल, एन., कश्यप, बी., सिंह, एन.पी., और कौर, आई.आर(2017). निओप्टेरिन एंड आक्सीडेटिव स्टेस मार्कर्स इन द डायग्नोसिस ऑफ एक्ट्रापुल्मोनेरी ट्युबरकुलोसिस। *बायोमार्कर,* 22 (7), 648-653.

गुप्ता, पी., नारंग , एम., गोम्बर , एस., और साहा , आर. (2017). गंभीर मलेरिया वाले बच्चों की प्लेटलेट गिनती पर क्विनिन और आर्टिस्यूनेट कम्बीनेशन थेरेपी का प्रभाव । *पिडियाट. इंट. 37 (2), 139 -143.*

जैन, ए.के, जग्गी , के.आर., भयाना , एच., और साहा, आर. (2018). ड्रग-रेजिस्टेंट स्पाइनल ट्युबरकुलोसिस। *इंडियन जे.आर्थोप.* , 52, *100-107.*

जैन, सी., दास, एस., रुम्पा , एस., रामचंद्रन , वी.जी, भट्टाचार्य एस.एन., और सज़ाद दार, एस. (2017). डिटेक्टशन ऑफ फॉस्फोलाइपेस प्रोडक्शन बाय योक-एगर इन मालसेज़िया आइसोलेट्स फ्रॉम डिसीज्ड एंड हेल्दी ह्युमन होस्ट। *आई.जे.एम.एस.पी.एच.* , 6 (5), 1-4.

जैन, सी., दास , एस., साहा , आर., रामचंद्रन , वी.जी., भट्टाचार्य, एस.एन., और दार, एस.(2017). माल्सेज़िया यीस्ट एंड साइटोकिन जीन पॉलिमॉर्फिज्म इन एटोपिक डार्माटाइटिस। *जे. क्लिन. डायग्न. रेस.* , 11 (3), डी.सी.01-डी.सी.05।

जैन, एस., अरोड़ा , एस., सहा , एस., और कौर , आई.आर. (2017). सेररेटिएप्लायमुथिका *:* ए कम्युनिटी-एक्वायर्ड यूरोपैथोजेन। *इंडियन जे. मेड. साइं.* , 69 (1), 31-32.

जाखड़ , एस.के., पांडे , एम., शाह, डी., रामचंद्रन , वी.जी., साहा , आर., गुप्ता, एन., और गुप्ता, पी. (2018). ईटिओलॉजी एंड रिस्क फैक्टर्स डिटरमाइनिंग पुअर आउटकम ऑफ सीवियर न्यूमोनिया इन अंडर फाइव चिल्ड्रेन। *इंडियन जे. पिडियाट.*, 85 (1), 20-24.

जामिर, एस.टी, रुम्पा , एस., रामचंद्रन , वी.जी., शुक्ला , डी., पूजा. डी, और शाह डी. (2017) कॅन्वेंशनल एंड कोप्रो-एंटीजेन डिटेक्शन मैथेड्स इन द डायग्नोसिस ऑफ इंटेसटिनल कैम्पायलोबैक्टीरिओसिसिन चिल्ड्रेन। *बी.ए.ओ.जी.गैस्ट्रो* 1, 002.

कश्यप , बी., दास, एस., सागर , टी., और गुप्ता, के. (2017). जेरियाट्रिक फंगल संक्रमण का वर्तमान परिदृश्य: तृतीयक देखभाल चिकित्सालय से एक प्रीवेलेंस अध्ययन। *जे. इंडियन एकेडमी* जेरियाट्रिक्स *,* 13,156-161.

कश्यप , बी., गोयल , एन., दास, जी.के., सिंह, एन.पी., और कौर , आई.आर. (2018). ओप्थाल्मिक प्रेजेंटेशन ऑफ डिस्सेमिनेटेड ट्युबरकुलोसिस विथ रिलेप्से-इम्यूनोलॉजिकल प्रोफाइल। *जे. क्लिन.बीओकेम.* .https : //doi.org/10.1007/s12291-018-0741-2.

कश्यप , बी., गोयल , एन., सिंह, एन.पी., और कौर , आई.आर. (2017). डायग्नोस्टिक पोटेंशियल ऑफ सरकुलेटिंग बायोमेकर्स इन एडेनोसाइने डिअमिनासे डायग्नोस्ड प्लेयुरल ट्युबरकुलोसिस केसेस/ *इंडस्ट्रीज जे. क्लिन.बीओकेम* , 33 (3), 334-340.

कश्यप , बी., गुप्ता, के., गोम्बर , एस., गुप्ता, एन., भारद्वाज , ए., सिंह, एन.पी., और कुमार, ए. (2017) हैंड हाइजीन कॅमप्लाइंस एमांग हेल्थ केयर वर्कर्स इन पिडियाट्रिक ओनकोलॉजी वार्ड ऑफ ए टेरटिएरी केयर हॉस्पिटल : ए क्रॉस सेक्शनल ऑब्जरवेशनल स्टडी । *आई.एन.जे.एम.एस* , 8, 1 9 7-199.

कश्यप , बी., तिवारी , यू., और प्रकाश , ए. (2018). हेपेटाइटिस बी वायरस ट्रांसमिशन एंड हेल्थ केयर वर्कर्स : इपिडेमियोलॉजी, पैथेजीनेसिस, एंड डायग्नोसिस । *इंडियन जे. मेडिकल स्पेशलिटीज* , 9 (1), 30-35.

कौर , आई.आर., कश्यप , बी., गोयल, एन., अवस्थी , आर., वैद , एन., अरोड़ा , वी., और सिंह, एन.पी. (2017). युटिलिटी ऑफ पीसीआर टारगेटिंग IS6110 एंड MPT64 जीन इन डायग्नोसिस ऑफ एक्सट्रापुल्मोनरी ट्युबरकुलोसिस । *आई.एन.जे.एम.एस. ,* 8, 13 9 -145.

कौशिक , एस., साहा , आर., दास, एस. रामचंद्रन , वी., और गोयल , ए. (2017). प्रेगमैटिक कॅम्बीनेशन ऑफ एवेलेबल डायग्नोस्टिक टूल्स फॉर ऑप्टिमल डिटेक्शन ऑफ इंटेस्टिनल माइक्रोस्कोपीडिया. इन: प्रायोगिक चिकित्सा और जीवविज्ञान में उन्नत। *एडवांसेस इन माइक्रोबियोलॉजी* इन्फेक्शिअस डिसीज एंड पब्लिक हेल्थ, 1057, 85-94.

कुमार , ए., कश्यप , बी., और मेहंदीरत्ता , ए. (2017). ब्लड कल्चर्स से *स्टाफिलोकोकस ऑरियस* में मेथिसिलिन प्रतिरोध के पता लगाने के लिए पारंपरिक और तेज़ तरीकों की तुलना । *ट्रॉप जे. मेड. रेस.* , 20, 1 926-200.

कुमार, ए., रॉय., पी., राय, जी., दास, एस., और अंसारी, एम.ए.(2017). सायबेरलिंडनेराफबिनी एंड विकरहामोमायसेस एनोमेलॅस फुंजेमिया इन न्यूबर्न :एन एक्सपेरिएंस फ्रॉम ए नॉर्थ इंडियन टेरटिएरी -केयर सेंटर। *आई.एन.जे.एम.एस* , 8 (3), 131-133.

निर्मल , के., साहा , आर., दास, एस., रामचंद्रन , वी.जी., और भट्टाचार्य, एस.एन.(2017). उत्तर भारत में तृतीयक स्वास्थ्य सुविधा के उपस्थित लोगों के बीच यौन संक्रमित संक्रमण का प्रसार : चिकित्सालय आधारित अध्ययन। *इंट. जे. क्लिन. डायग रेस.* , 5 (6), 2395-3403.

निर्मल , के., साहा , आर., दास, एस, रामचंद्रन , वी.जी., और खान, ए.एम.(2017)। प्रसवोत्तर महिलाओं में टॉर्च(टीओआरसीएच) संक्रमण : चिकित्सालय आधारित पांच वर्ष का अध्ययन। *ईस्ट जे. मेड. साइंस* , 2 (4), 54-57.

निर्मल , के., साहा , आर., रामचंद्रन , वी.जी, भट्टाचार्य, एस.एन., शुक्ला , डी., और मोघा , एन.एस. (2017). मल्टीपल एक्विजिशन्स ऑफ एसटीआई : इनवाइटेशन्स टू क्लीनिकल केयर एंड सुमॅन्स टू इन्टेनजिबल्स इन लैबोरेटॅरी डायग्नोसिस। *जे. बायोमेड. साइंस , 3 (1), 3-10.*

राय, जी., अंसारी, एम.ए., दार, एस.ए., दत्त , एस., गुप्ता, एन., शर्मा, एस.दास, एस. (2018). सीरम सायटोकिन प्रोफाइल इन पेशेंट विथ क्रोनिक राइनोसाइनसिट्सि विथ नासल पॉलीपोसिस इनफेक्टेड बाय एस्परगिल्लुस्फलेवुस। *एन. लैब. मेड. , 38 (2), 125-131.*

राय , जी. , दास, एस., अंसारी, एम.ए., सिंह, पी.के., गुप्ता, एन., शर्मा, एस., अख्तर , एन., रामचंद्रन , वी.जी., हक, एस., दार, एस.ए.(2018). फेनोटाइपिक एंड फंक्शनल प्रोफाइल ऑफ Th17 और Treg सेल्स इन एलर्जिक फंगल साइनुसिट्सि। *इंट. जे. इम्यूनोफर्माकोल* ., 57, 55-61.

राय , जी., रॉय, पी., गुप्ता, एन., शर्मा, एस., दार, एस.ए., अंसारी, एम.ए., दास, एस.(2017). कंप्यूटेड टोमोग्राफी स्कोर एन एक्सीलेंट मार्कर : डिफरेंसिएटस ईओसिमोफिलिक एंड नॉन- इओसिनोफिलिक वैरिएंट क्रोनिक राइनोसिनुसिटिस विथ नासल पोलिप.। *इंडियन जे. ओटोलारयन्जोल हेड नेक सर्ज* , https://doi.org/10.1007/s12070-017-1154-x.

रॉय, पी., दास, एस., शर्मा, एस., गिरोत्रा, वी., गुप्ता , एन., साहा, आर., और कौर , आर. (2017). रिविजिटिंग द युटिलिटी ऑफ हिस्टोपैथोलॉजिकल एक्जामिनेशन ऑफ बायोप्सी : सूक्ष्मजैविकी में एक आवश्यकता। *जे. क्लिन. डायग. रेस.,* 11 (5), 6-18.

साहा , आर. (2017). संपादकीय : नियोनेट्स में फंगल सेप्सिस का टकराव। *इंडियन पिडियाट्र.,* 54, 542-543.

साहा , आर., अग्रवाल , एस. और खान, ए.एम.(2017). माइक्रोबियल संदूषण का मूल्यांकन करने के लिए वायु नमूना प्रक्रिया : पूर्वी दिल्ली में तृतीयक देखभाल चिकित्सालय में उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में सक्रिय और निष्क्रिय तरीकों के बीच एक तुलना। *जे. पेशेंट सेफ. इनफेक्ट. कंट्रोल,*, 5 (1), 18-23.

साहा , आर., कौशिक , एस., गुप्ता, के., और दास, एस. (2017). हायमेनोलेपिसडिमिनुटा से मानव में संक्रमण : उत्तर भारत से रिपोर्ट पहला मामला। *जे. गैस्ट्रोइंटेस्ट इंफेक्ट* , 7 (1), 36-37.

साहा , आर., रानी, एम., दास, एस., शर्मा, ए.के. और कौर , आई.आर.(2017). स्नातकोत्तर प्रशिक्षण कार्यक्रम में फेसिलिटेटॅर की भूमिका :विद्यार्थियों के परिप्रेक्ष्य में। *जे. एजुकेशन टेक्नोलॉ. हेल्थ सी.आई* , 4 (1), 14-17.

साहा , आर., रॉय, पी., दास, एस., चटर्जी , आर., कौशिक, एस., अहिर , एम., खान ए.एम., रामचंद्रन , वी.जी., और मोघा , एन.एस.(2017). निडल स्टिक इंजरी एंड हेल्थ केयर वर्कर्स:एक्सपोजर एंड आफ्टरमैथ। *जे. कम्युनिकेबल डिस्क.* , 49 (1), 14-20.

साहा , आर., सिंगल , ए., कौशिक , एस., और दास, एस.(2017). पेंटाट्रिकोमोनासोमिनिस इन इम्मूनोसप्रेस्सड पेशेंट विथ एंट्रिक मैनिफेसटेशंस। *ईस्ट जे. मेड. साइंस* , 2 (2), 37-38.

सिंह, एम., सिंह, और ए.के.(2017). दिल्ली में एक तृतीयक देखभाल चिकित्सालय में स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के बीच एंटीबायोटिक स्टीवर्डशिप के बारे में जागरूकता पर ज्ञान, रवैया, प्रैक्टिस । *इंट. जे. कॅर. माइक्रोबियल* , 6 (7), 238-245.

सिंह, एन.पी., चौधरी , डी.डी., गुप्ता, के., राय एस. बत्रा , पी., मनचचंदा , वी., साहा , आर., और कौर , आई.आर. (2018). प्रेडिकटॅर्स फॉर गुट कोलोनाइजेशन ऑफ कार्बापेनेम- रेसिस्टेंट एंटरोबैक्टेरियासिया इन निओनाटल इंटेसिव केयर यूनिट। *एम. जे. इंफेक्ट. कंट्रोल* , 46, ई 31- ई35.

सिंह, एन.पी., रानी, एम., गुप्ता, के., सागर , टी., और कौर , आई.आर.(2017). चेंजिंग ट्रेंड्स इन एंटीमिक्राबियल ससपेटिबिलिटी पैटर्न ऑफ बैक्टिरियल आइसोलेट्स इन ए बर्न यूनिट, *बर्न्स,* 43, 1083-1087.

सिंह, टी., दास, एस., रामचंद्रन , वी.जी., वानी , एस., शाह, डी., खान, ए., मारूफ , के.ए., और शर्मा, ए. (2017). डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ इंटेगरॉन्स एंड फिलोजेनेटिक ग्रुप एमांग इंटरोपैथेजेनिक इसचेरिचिया कोलि आइसोलेट्स फ्रॉम चिल्ड्रेन। *फ्रांट माइक्रोबियल.* 8 (561), 1-13.

जर्नल

डॉ. शुक्ला दास, सदस्य- संपादकीय बोर्ड; इंडियन जरनल ऑफ मेडिकल स्पेशियलिटी

डॉ. शुक्ला दास, सदस्य-संपादकीय बोर्ड; जरनल ऑफ कम्यूनिकेबल डिसीज

डॉ. रुंपा , सदस्य-संपादकीय बोर्ड; ईस्टर्न जरनल ऑफ मेडिकल साइंसेस

डॉ. रुंपा , सदस्य-संपादकीय बोर्ड; जरनल ऑफ गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल,

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. शुक्ला दास, डीबीटी, 2017-2020, " ट्राइकोफटन एसपी में उभरती हुई दवा प्रतिरोध के तंत्र की जांच , फंगल त्वचा संक्रमण के प्रमुख कारक एजेंट", रु.20 लाख .

डॉ. शुक्ला दास, डीबीटी, वर्ष 2017 में पूर्ण, महामारी विज्ञान, रोगजन्य , और भारत में ए फ्लैवस संक्रमण की प्रणाली जीवविज्ञान - एक एकीकृत दृष्टिकोण, रु. 37 लाख.

डॉ. शुक्ला दास, डीबीटी, वर्ष 2017 में पूर्ण, ऐंटिफंगल संवेदनशीलता परीक्षण और दिल्ली तथा भारत के अन्य भागों से नैदानिक पृथक क्रिप्टोकोकस उपभेदों के जीनोटाइपिंग। रु. 15 लाख.

डॉ. शुक्ला दास, डीएसटी, वर्ष 2017 में पूर्ण, Th17 और Treg सेल डिफेरेन्सिएशंस एंड दियर इन विट्रो फंक्शनल रेस्पॉसेस इन पेम्फिगुस वल्गरिस" रु.50 लाख.

आयोजित संगोष्ठियां

डॉ. उर्मि बाजपेई , एसोसिएट प्रोफेसर , जैव चिकित्सा विज्ञान विभाग, आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय इम्यूनोलॉजी दिवस, दिल्ली चैप्टर, 3 मई, 2018.

आयोजित सम्मेलन

अक्तूबर, 2017 में आई.ए.एम.एम.-डी.सी. के तहत यू.सी.एम.एस तथा जी.टी.बी.एच, दिल्ली में "सूक्ष्मजैविकी में माइक्रोस्कोपिक तकनीक" विषय पर कार्यशाला।

दिसंबर, 2017 में आई.ए.एम.एम.-डी.सी. के तहत यू.सी.एम.एस तथा जी.टी.बी.एच, दिल्ली में "एंटीबायोटिक स्टेवार्डशिप" विषय पर कार्यशाला ।

दिसंबर, 2017 में आई.ए.एम-डी.सी, दिल्ली, माइक्रो -डी-कॉन का 9वां वार्षिक सम्मेलन ।

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुति

डॉ. एन.पी. सिंह, मई 2017 में यूपी- यूके चैप्टर ऑफ आई.ए.टी.पी., जीएमसी हल्दवानी में अध्यक्ष और निर्णायक ।

डॉ. एन.पी सिंह, अध्यक्ष, चैप्टर मीट्स ऑफ दिल्ली चैप्टर ऑफ आईएएम-डीसी 2017.

डॉ. एन.पी.सिंह, अक्टूबर 2017 में यूसीएमएस और जीटीबीएच में आयोजित कार्यशाला में एंटीमिक्राबियल स्टेवार्डशिप पर वक्ता ।

डॉ. एन.पी.सिंह, 41 वें वार्षिक सम्मेलन - आईएएम / माइक्रोकॉन 2017, आरआईएमएस, रांची में में के.बी. शर्मा जूनियर बेस्ट स्पीकर अवॉर्ड के लिए निर्णायक।

डॉ.एन.पी. सिंह, आईएएम-डीसी (माइक्रो-डी-कॉन दिसंबर 2017) का 9वां वार्षिक सम्मेलन।

डॉ एन.पी. सिंह, दिसंबर 2017 में आईएमएम-डीसी सीएमई, आईएचसी दिल्ली में पीओसी परीक्षण के रूप में माइक्रोस्कोपी की भूमिका पर वार्ता।

डॉ एन.पी. सिंह, अध्यक्ष यू.पी. माइक्रोकॉन 2018, 2-3 फरवरी, 2018 में आईएएम, एएमयू अलीगढ़ के यू.पी. एवं यू.के. चैप्टर का 14वां वार्षिक सम्मेलन।

डॉ. शुक्ला दास, डीएएएस शिखर सम्मेलन पर पैनल चर्चा, 3जुलाई, ' 2017.

डॉ. शुक्ला दास, “एंटीफंगल सस्पेक्टिबिलिटी फॉर डेरमेट्रफाइट इज नेससरी फॉर रिकैलसिट्रेंट टिनिया, 2018” विषय पर वक्ता, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, 2 सितंबर, 2017.

डॉ. शुक्ला दास, एमबीबीएस यूजी विद्यार्थियों की लैंगिक संवेदनशीलता, यूसीएमएस, दिल्ली, 8 सितंबर, 2017.

डॉ. शुक्ला दास, जीसीसीओएन, एम्स रायपुर में वक्ता। 16-17 सितंबर, 2017.

डॉ. शुक्ला दास, 24 सितंबर, 2017 में ए.ए.पी. दिल्ली, में ब्लड कल्चर इन सेप्टिसिमीया-क्लीनिकल रिलेवेंस विषय पर वार्ता ।

डॉ. शुक्ला दास, "माइक्रोस्कोपी ऑफ बॉडी फ्लूड्स" विषय परपाथकॉन में वक्ता, दिल्ली, नवम्बर 2017.

डॉ शुक्ला दास, यूसीएमएस, दिल्ली के नर्सिंग विद्यार्थियों की लैंगिक संवेदनशीलता, नवंबर, 2017.

डॉ. शुक्ला दास, उभरते हुए फंगल संक्रमण पर आईएएम -डीसी के अध्यक्ष, आईएचसी दिल्ली , दिसंबर, 2017.

डॉ. शुक्ला दास, " म्यूकोरेल्स एंड डायबिटीज - एक कॉम्पलेक्स इंटरप्ले", पर एसआईएचएएम के अध्यक्ष, बेंगलुरु, 14 मार्च, 2018.

डॉ . रुंपा साहा , आईएएम, आईएमयू अलीगढ़ के यूपी और यूके चैप्टर के 14वें वार्षिक सम्मेलन में यूपी माइक्रोकॉन 2018 में "बेहतर रोगी देखभाल में एमआईसी की भूमिका" पर वार्ता, 2- 3 फरवरी, 2018.

डॉ. रुंपा साहा, आईसीसीएमआईडी कोर्स में "पोलीमाक्सीन - न्यू लेशन्स ऑन एन ओल्ड एंटीबायोटिक" पर वार्ता, 14वें एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडियन सोसायटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन दिल्ली, 1 सितंबर, 2017.

डॉ. बिनीता कश्यप , नई दिल्ली में "मॉनीटर, मीजर एंड इम्प्रूव" विषय पर तीसरे इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ कोन्सोर्टियम ऑफ एक्क्रेडिटेड हेल्थ केयर ऑर्गेनाइजेशन (कैहोकॉन 2017), 14-15 अप्रैल, 2017.

डॉ. बिनीता कश्यप , दिल्ली में चौथी इंटरनेशल सेपिसिस कांग्रेस 2017 एपीसीसी क्रिटिकल केयर अकादमी, गंभीर रूप से बीमार, संक्रमण नियंत्रण और ट्रोपिकल संक्रमण में संक्रमण के प्रबंधन पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन , 27-28 अक्टूबर, 2017.

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

डीबीटी परियोजना "ट्राइकोफीटन एसपी. में उभरती हुई दवा प्रतिरोध के तंत्र की जांच , फंगल त्वचा संक्रमण के प्रमुख कारक एजेंट" के लिए आईजीआईबी, दिल्ली के साथ सहयोग ।

विस्तार और पहुँच गतिविधियां

हमारे एसआरएल एचआईवी प्रयोगशाला से संबद्ध आईसीटीसी के प्रयोगशाला तकनीशियनों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया ।

अक्टूबर, 2017 में माइक्रोबायोलॉजी में माइक्रोस्कोपिक तकनीकों पर अन्य चिकित्सालयों के तकनीशियनों के लिए प्रशिक्षण।

जनवरी, 2018 में दिल्ली विश्वविद्यालय के तहत तीसरे वर्ष के सभी स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए एक माईकोलॉजी पीजी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रदत्त एम.फिल / पीएचडी डिग्री की संख्या

पीएचडी - 01

शिक्षकों की संख्या - 05

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ. एन.पी.सिंह, कार्यकारी सदस्य, आईएएम (राष्ट्रीय निकाय)

***

सूक्ष्मजैविकी (वी.पी.सी.आई.)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

वी.पी चेस्ट संस्थान में सूक्ष्मजैविकी(माइक्रोबायोलॉजी) विभाग निदान, शिक्षण और अनुसंधान में सक्रिय रूप से शामिल है। बैक्टीरियोलॉजी, एनारोबिक बैक्टीरियोलॉजी, माइकोबैक्टीरियोलॉजी , वायरोलॉजी एवं माइकोलॉजी से संबंधित कई निदान का आयोजन किया जा रहा है। जीन-विशेषज्ञ, एमजीआईटी, जीन अनुक्रमक और एमएलडीआई-टीओएफएफ जैसी उच्च अंत सुविधाएं रोगजनकों की पहचान के लिए उपलब्ध हैं। दवा प्रतिरोध प्रोफाइलिंग और मोलीक्यूलर करेक्टराइजेशन में अनुसंधान और एम. ट्यूबरक्युलोसिस आइसोलेट्स, इथम्ब्यूटॅल प्रतिरोध तंत्र, एम ट्यूबरक्युलोसिस के दवा प्रतिरोध में इफ्फलक्स पंप की भूमिका, नई निदान तकनीकों सहित बैक्टीरियल रोगजनकों की टाइपिंग का सक्रिय रूप से पता लगाया जाता है। विभिन्न फंगल रोगजनकों और पर्यावरण कवक के लिए दवा प्रतिरोध पर अध्ययन का भी आकलन किया गया। वायरोलॉजी इन्फ्लूएंजा वायरस डायग्नोस्टिक्स और वायरल शोध में सक्रिय रूप से शामिल है। प्रयोगशाला का प्रमुख फोकस एंटीवायरल शोध और इन्फ्लूएंजा और चिकनगुनिया वायरस के खिलाफ टीकाकरण का विकास करना है। लगभग 3747 (बैक्टीरियोलॉजी), 9 73 (सेरोलॉजी), 91 (एनारोबिक), 10,000 (माइकोबैक्टेरियोलॉजी), 4906 (माइकोलॉजी), 76 (वायरोलॉजी) नैदानिक नमूने नियमित डायग्नोस्टिक प्रयोगशाला में संसाधित किए गए थे।

सम्मान/गौरव

डॉ. मंदिरा वर्मा बासिल :

आस्था गिरि (पीएच.डी विद्यार्थी), Rv3805c (aftB) में उत्परिवर्तन: माइकोबैक्टीरियम तपेदिक के नैदानिक अलगाव में उच्च स्तरीय इथैंबुटोल प्रतिरोध का एक संभावित कारण शीर्षक के लिए सर्वश्रेष्ठ मुफ्त पोस्टर पुरस्कार ।

ट्रैवल अवार्ड, माइक्रोबैक्टेरियोलॉजी की यूरोपियन सोसायटी के 38वें वार्षिक कांग्रेस : वित्तपोषक एजेंसी : सम्मेलन सिबेनिक, क्रोएशिया के आयोजक।

आईसीएमआर ट्रैवल अवार्ड: पोस्टर प्रस्तुति " Rv0089 : एम. ट्युबरकुलोसिस की वृद्धि और रोगजनन में क्या इसकी भूमिका है , फेडरेशन ऑफ यूरोपीय माइक्रोबायोलॉजिकल सोसाइटी , वैलेंसिया , स्पेन, 9-13 जुलाई, 2017.

डॉ. मधु खन्ना

5 वें आईएसआईआरवी-एवीजी, शंघाई, चीन सम्मेलन के लिए यात्रा पुरस्कार (पंजीकरण और आवास) । 14 -16 जून, 2017।

यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर ग्रोनिंगेन (यूएमसीजी), ग्रोनिंगेन, नीदरलैंड्स में ईएससीएमआईडी पर्यवेक्षण । 20 -27 नवंबर, 2017।

डॉ. अनुराधा चौधरी

वर्ष 2017 में माइक्रोबायोलॉजी में निरंतर अनुसंधान के लिए डॉ. वाई.एस नारायण राव ओरेशन अवॉर्ड।

अंतरराष्ट्रीय महिला सप्ताह में स्वास्थ्य देखभाल में महिला अचीव पुरस्कार, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा, 5 -9 मार्च, 2018।

प्रकाशन:

अदिति , शरीफ, एम., और बेरी, के. (2017). एक्जासेरबेशन ऑफ ब्रोंकाइक्टेसिस बाय स्यूडोमोनास मोंटेलीली : एक केस रिपोर्ट। *बीएमसी इंफेक्शस डिसीज* , 17(511), https: //DOI 10.1186 /s 12879-017-2600-9.

अदिति , शरीफ , एम., छाबरा , एस.के., और रहमान , एम., (2017). सिमिलर विरुलेंस प्रोपर्टीज ऑफ इन्फेक्शन एंड कोलोनाइजेशन एसोसिएटेड स्यूडोमोनास एरुजिनोसा। *जे. मेड. माइक्रोबायोल*, 66, 1489-1498.

अरेन्द्रुप , एम.सी., प्रकाश , ए., मीलेटियाडिस , जे., शर्मा, सी., और चौधरी , ए. (2017). कम्पेरिजन ऑफ ईयूसीएएसटी एंड सीएलएसआई माइक्रोडिलुशन एमआईसी ऑफ एट एंटीफॅन्गल कम्पाउंड्स फॉर कैंडिडा औरिस एंड एसोसिऐटेड टैंटेटिव ईपिडेमिओलॉजिकल कट-ऑफ वेल्यु। *एएसी* , 61 (6), ई00485-17.

आशु , ई.ई, हेगन, एफ., चौधरी , ए., मीस , जे.एफ., और जू , जे. (2017). एस्परजिलस फुमिगेट्स का वैश्विक जनसंख्या आनुवांशिक विश्लेषण । *एमएसपीयर* , 2 (1), ई 0001 9 -17.

चौधरी , जे., शरीफ , और एम., देब. (2017). इवेल्युशन ऑफ पोलीमर्स चैन रिएक्शन फॉर डाइरेक्ट डिटेक्शन ऑफ स्ट्रेप्टोकोकॅस न्यूमोनिया इन क्लीनिकल सैम्पल्स एंड एंटोमाइक्रोबियल सस्पेक्टिबिलिटी ऑफ द आइसोलेट्स। *आई.जे.आर.एच.एस.* , 5 (4), 43-48.

चौधरी , आर., वालवने , ए., श्रीनाथ , के., चौधरी , एम., सागर , टी., शेंडे , टी., ठाकुर, बी. (2017). डिटेक्शन ऑफ माइकोप्लाज़्मा निमोनिया और लेगिओनेल्ला इन पैंसेंट्स हैविंग कम्युनिटी-एक्वायर्ड निमोनिया : ए मेटासेंट्रिक स्टडी फ्रॉम नई दिल्ली, भारत। *एम.जे.ट्रोप. मेड. हाईजे.* , 97(6), 1710- 1716.

चौधरी , ए, हेगन, एफ., शर्मा, सी., अल- हतमी , ए.एम.एस., जियाफ्री, एल., गिओसा , डी., रोमियो, ओ. (2017). होल जिनोम-बेस्ड एम्पलीफाइड फ्रेग्मेंट लेंथ पोलीमोरफिज्म एनालिसिस रिवेल्स जिनेटिक डाईवर्सिटी इन कैंडिडा अफ्रीकन। *फ्रंट माइक्रोबियल* , 8,556.

चौधरी , ए., और मीस , जे.एफ.(2018). एमरजेंस ऑफ एज़ोल रेजिस्टेंट एस्परजिल्स फ्यूमिगाटस एंड वन हेल्थ : टाइम टू इम्लीमेंट एनवायरमेंटल स्टीवार्डशिप। *इनवायरन.माइक्रोबियल* । 20, 12 99-1301.

चौधरी , ए., प्रकाश , ए., वेजी , ए., डानाउई , ई., मीस , जे.एफ., और बदाली , एच. (2017). इन-विट्रो इंटरेक्शन ऑफ इकिनाकैनडिन्स विथ ट्राईजोल्स अगेन्स्ट मल्टीड्रग-रेजिस्टेंट कैंडिडा ओरिस। *एंटीमिक्रोब एजेंट्स केमोदर* , 61, ई01056-17.

चौधरी , ए., शर्मा, सी., और मीस , जे.एफ. (2017). अज़ोले-रेजिस्टेंट एस्परजिल्लोसिस : एपिडेमिओलॉजी, मॉलीक्यूलर मैकेनिज्म,एंड ट्रीटमेंट। *जे. इंफेक्ट. डिस.* । 216, एस436-एस444.

चौधरी , ए., शर्मा, सी., एंड मीस , जे.एफ. (2017). कैंडिडा ऑरिस : ए रैपिडली काज ऑफ हॉस्पिटल-एक्वायर्ड मल्टीड्रग-रजिस्टेंट फंगल इन्फेक्शन ग्लोबली। पीएलओएस वन, 13 (5), ई 10062 90.

डिफोसे , टी.ए, ले गोविक , वाई., वंदेपुटे , पी., कॅरडेवैयुल्ट , वी., क्लैस्टर , एम., बुचारा , जे.पी., पापोन , एन. (2018). सिंथेटिक कॅन्स्ट्रक्ट फॉर जैनेटिक इंजीनियरिंग ऑफ द इमरजिंग पैथोजेनिक यीस्ट. कैंडिडा ओरिस। *प्लाज्मिड* , 95, 7-10.

एस्पिनेल-इंग्रॉफ , ए., अब्रू, डी.पी.बी., अल्मेडा- पेस, आर., ब्रिलहांटे , आर.एस.एन., चक्रवर्ती , ए., चौधरी. , ए., टर्निज , जे. (2017). आणविक तरीकों से पहचाने जाने वाले स्पोरोथ्रिक्स प्रजातियों के लिए महामारी विज्ञान कटऑफ मूल्यों की परिभाषा के लिए एमआईसी/एमईसी वितरण का बहुआयामी, अंतरराष्ट्रीय अध्ययन । *एंटीमिक्रोब एजेंट्स केमोदर* , 61 (10), ई01057-17.

एस्पिनेल-इंग्रॉफ , ए., टर्निज , जे ., अलास्ड्रुय-इज्क्वैरडो, ए., डानाउई , ई., गार्सिया- एफ़्रॉन , जी., गुइनेअ, जे., किड, एस., पेलेज़ , टी., टोर्टोरानो , ए.एम. (2018). एस्परजिलुस फुमिगेटॅस स्पीसेस कॉम्प्लेक्स बाय फोर मैथेड्स : इम्पेक्ट ऑफ cyp51 ए मुटेशन्स ऑन इस्टीमेशन ऑफ एपीडेमिओलॉजीकल कट ऑफ वैल्युज। *एंटीमिक्रोब एजेंट्स केमोदर* 62 (4), ई01 9 16-17.

गिरि , ए., गुप्ता., एस, सफी, एच., नारंग , ए., श्रीवास्तव , के., शर्मा, एन.के. वर्मा- बेसिल, एम. (2018). पोलीमोरफिज्मस इन Rv3806c (ubiA) एंड अपस्ट्रीम रीजन ऑफ embA इन रिलेशनटू इथेमब्यूटोल रेजिस्टेंस इन क्लीनिकल आइसोलेट्स ऑफ माइकोबैक्टेरियम ट्यूबरकुलोसिस फ्रॉम नार्थ इंडिया। *ट्युबरकुलोसिस (एडिनब)* , 108, 41-46.

गुप्ता, टी., शरीफ , एम., और थुक्रल , एस.एस. (2017). आइडेंटीफिकेशन ऑफ एएमपी सी बी-लैक्टैमेस - प्रोड्यूसिंग क्लीनिकल आइसोलेट्स ऑफ एस्चेरीचिया कोलाई। *एशियन जे. फार्मा. क्लिन. रेस* , 10 (12), 357-361.

जून, डी., निमेश, एम. वर्मा -बेसिल, और एम., सलूजा, डी.(2017). इवेल्युएशन ऑफ इम्प्रूव्ड IS6110 लैम्प ऐस्से फॉर डायग्नोसिस ऑफ पुल्मोनरी एंड एक्सट्रा पुल्मोनरी ट्युबरकुलोसिस। *जे. माइक्रोबियल मेथ* , 13 9, 87-91.

खुराना , ए., चौधरी , ए., सरदाना , के., गौतम , आर.के., और शर्मा, पी.के. (2018). कम्पलीट क्योर ऑफ फसेरिअम सोलानि स्पे. कॉम्प्लेक्स आनीकोमायकोसिस विथ Qs NdYAG ट्रीटमेंट। *डर्मटोल. थेर.* 31 (2), ई 12580.

कोर्डालिवस्का, एम., झाओ, वाई., लॉकहार्ट, एस.आर., चौधरी , ए., बेरीओ , आई, और पर्लिन , डी.एस. (2017). रैपिड एंड एक्यूरेट मोलेकुलर आईडेंटीफिकेशन ऑफ इमर्जिंग मल्टीड्रग-रेजिस्टेंट पैथोजेन कैंडिडा ओरिस । *जे.क्लीन. माइक्रोबियल,* 55, 2445-2452.

कुमार, बी., कुमारी , ए., खन्ना , एम., रोन्सर्ड, एल., मिसेको , सी.ए., और सैनिकास , एम. (2018). उभरते इन्फ्लूएंजा वायरस का खतरा: इसकी चिकित्सा और नियंत्रण के लिए स्टेट्स और नई संभावनाएं। *आर्क विरोल,* 163 (4), 831-844.

मोहसिन , जे. हेगन, एफ., अल- बलूशी, ज़ैम, डी हुग , जी.एस., चौधरी , ए., मीस , जे.एफ, और अल- हातमि , ए.एम.एस. (2017). ओमान में कैंडिडा इमिअ कैंडीडा ऑरिस का पहले मामला। *माइकोज़* , 60, 56 9-575.

नारंग, ए., गिरि , ए., गुप्ता, एस.के., बोस, एम., और वर्मा- बेसिल, एम. (2017). माइकोबैक्टीरियम तपेदिक के क्लिनिकल अलगाव में आइसोनियाज़िड प्रतिरोध के लिए पेंटेटिव इफ्लक्स पंप जीन का योगदान । *इंट. जे. माइकोबैक्टीरियल.* 6 (2), 177-183.

प्रकाश , ए., रंधावा , एच.एस., खान, जेड.यू, अहमद, एस., हेगन, एफ., मीस , जे.एफ., और चौधरी , ए. (2018). क्रिप्टोकोकस प्रजातियों और भारत में कुछ अन्य खमीर जैसी कवक का पर्यावरणीय वितरण। *माइकोज़ेज,* 61, 305-313.

रोड्स, जे., डेसजारडिन्स, सी.ए., साइक्स, एस.एम., बीले, एम.ए., वानहोवे , एम., सक्तिकुमार , ए. क्यूमो, सी.ए. (2017). ट्रेसिंगजेनेटिक एक्सचेंज एंड बायोजिओग्राफीऑफ क्रिप्टोकोक्कस नियार्फरमेन्स वर. ग्रुबि ऐट द ग्लोबल पापुलेशन लेवल, जेनेटिक्स, 207, 327-346.

सेडल, डी., दुरान , जी., राफ , एल.ए., वेहरेस्चाइल्ड , एम.जे.जी.टी., विस्प्लिंगहॉफ , एच., ज़िग्लर, एम., . कॉर्नली, ओ.ए. (2017). फंगसीस्कोप ™ -ग्लोबल उभरते हुए फंगल संक्रमण रजिस्ट्री। *माइकोज़ेज* , 60, 508-516.

शर्मा, सी., और चौधरी , ए. (2017). फिलामेंटस कवक में एंटीफंगल प्रतिरोध के आण्विक आधार। इंट. *जे. एंटीमिक्रोब एजेंट्स* । 50, 607-616.

शर्मा, सी., कुमार, आर., कुमार, एन., मसिह , ए., गुप्ता, डी., और चौधरी , ए., (2018). इन्वस्टीगेशन ऑफ मल्टीप्ल रेजिस्टेंस मैकेनिज्म इन वोरिकोनाजोले-रेजिस्टेंट एस्परजिलुस फ्लेव्युस क्लीनिकल आइसोलेट्स फ्रॉम ए चेस्ट हॉस्पिटल सरविलैंस इन दिल्ली, भारत। *एंटीमिक्रोब एजेंट्स केमोदर* , 62 (3), ई01 9 28-17.

सिंह, ए., मसिह , ए., खुराना , ए., सिंह, पी.के., गुप्ता, एम., हेगन, एफ., मीस , जे.एफ., और चौधरी , ए. (2018). हाई टेरिबिनाफाइन रेजिस्टेंस इन ट्राइकोफीटॅन इंटरडिजिटल आइसोलेट्स इन इंडिया हारबोरिंग मुटेशन्स इन द स्कुएलेंस एपोक्साईडेसे जीन। *माइकोज़ेज* , 61 (7): 477-484.

सिंह, पी., सिन्हा , आर., त्यागी , जी., शर्मा, एन.के., सैनी , एन.के., चंडोलिया , ए., बोस, एम. (2018). पीडीआईएम एंड एसएल 1 एक्युमुलेशन इन माइकोबैक्टीरियम ट्युबरकुलोसिस इज एसोसिएट विथ mce4A एक्सप्रेशन। *जीन* , 642, 178-187.

श्रीवास्तव , एस., बिमल , डी., बोहरा , के., सिंह, बी., पोन्नन , पी., जैन, आर., प्रसाद, ए.के. (2018). सिंथेसिस एंड एंटीमाइकोबैक्टीरियल एक्टिविटी ऑफ 1- (β- d - रिबोफुरेनोसयल) -4-काउमेरिनयलोक्सयमिथायल । - / - काउमेरिनायला-1, 2, 3-ट्राईजोल. ईयुर जे. मेड. केम., 25, 268-281.

त्यागी , जी., सिंह, पी., वर्मा- बेसिल, एम., और बोस, एम. (2017). तपेदिक के खिलाफ लड़ाई में विटामिन बी, सी, और डी की भूमिका। *इंट. जे. माइकोबैक्टीरियल.* 6 (4), 328-332.

वर्मा- बेसिल, एम., और नायर, डी. (2017). मोलेक्युलर इपिडेमिओलॉजी ऑफ ट्युबरकुलोसिस। ऑपचुनिटीज एंड चैलेंजेज इन डिसीज कंट्रोल। *इंडियन जे. मेड. रेस.*, 146 (1), 11-14.

वालिया , के., चौधरी , ए., ओहरी , वी.सी., और चक्रवर्ती , ए. (2017). मल्टीड्रग-रजिस्टेंट कैंडिडा ओरिस : नीड फॉर अलर्ट अमांग माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स। इंडियन *जे. मेड. माइक्रोबियल.*। 35 (3), 436.

जर्नल

डॉ. अनुराधा चौधरी **,** सदस्य संपादकीय बोर्ड, जरनल ऑफ क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजी

डॉ. अनुराधा चौधरी , संपादक, एमबीओ , अमेरिकन सोसाइटी ऑफ माइक्रोबायोलॉजी

डॉ. अनुराधा चौधरी , संपादक, मेडिकल माइकोलॉजी, इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ ह्यूमन एंड एनिमल माईकोलॉजी, आईएसएचएएम

डॉ. अनुराधा चौधरी , सदस्य संपादकीय बोर्ड, जरनल्स ऑफ हॉस्पिटल इन्फेक्शन

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. मालिनी शरीफ , आईसीएमआर, 2017-2020, "आइसोलेशन एंड करेक्टराइजेशन ऑफ एनारोबिक बैक्टीरिया काजिंग लोअर रेसपिरेटॅरी ट्रेट इन्फेक्शन्स इन पेशेंट अटेंडिंग वी.पी. चेस्ट इंस्टीट्यूट, दिल्ली"।

डॉ. मंदिरा वर्मा, आईसीएमआर, 2014-2017, "फेनोटाईपिक एंड जेनोटाइपिक इंडिकेटॅर्स ऑफ ड्रग रेजिस्टेंट ट्युबरकुलोसिस : कैन दे बी यूज्ड एज अर्ली वार्निंग सिस्टम फॉर एमडीआर और एक्सडीआर ट्युबरकुलोसिस?"

डॉ. मंदिरा वर्मा , डीएसटी और सीएसआईआर, 2014-2017, "तपेदिक के लिए देखभाल नैदानिक परख बिंदु"

डॉ. मधु खन्ना , आयुष , 2014-2019, "इन्फ्लूएंजा ए वायरस के खिलाफ औषधीय पौधों की एंटीवायरल गतिविधि का मूल्यांकन", रु.25.23 लाख

डॉ. मधु खन्ना , डीएसटी-एसईआरबी , 2016 -201 9, " एप्टेमर-mRNA चिमेरा- द नेक्स्ट जेनरेशन आरएनए वैक्सीन", रु.39 लाख

डॉ. अनुराधा चौधरी , आईसीएमआर, 2017-2020, " मल्टीलोकस माइक्रोसाइटेबल टाइपिंग एंड एंटीफंगल प्रोफ़ाइल ऑफ क्लीनिकल क्रिप्टोकोकस नेफॉर्मन्स स्पीसेस कॉम्प्लेक्स आइसोलेटेड फ्रॉम पेशेंट ऑफ क्रिप्टोकोक्कोसिस"।

आयोजित सम्मेलन

डॉ. मधु खन्ना , 12-13 अक्टूबर 2017, "इम्यूनोलॉजी सोसायटी में एडवांसमेंट" पर राष्ट्रीय कार्यशाला, माइक्रोबायोलॉजी विभाग, वीपीसीआई, दिल्ली.

संगोष्ठियों / सम्मेलन में प्रस्तुति:

प्रो. मधु खन्ना , सुरमिन पर वार्ता , आईएसआईआरवी एंटीवायरल ग्रुप में इन्फ्लूएंजा ए वायरस प्रतिकृति को रोकने के लिए एक शक्तिशाली सुधार एजेंट , 5वां आईएसआईआरवी- एवीजी सम्मेलन, आरवीआई की रोकथाम और उपचार : एंटीवायरल, पारंपरिक थैरेपी और मेजबान-निर्देशित हस्तक्षेप, शंघाई, चीन। 14-16 जून, 2017.

प्रो. मधु खन्ना (श्रीमती निष्ठा अग्रवाल), एआईएसआईआरवी एंटीवायरल समूह में भारत में बुजुर्गों की टीकाकरण के बाद एंटीबॉडी मौसमी इन्फ्लूएंजा के खिलाफ प्रतिक्रियाओं और संरक्षण की अवधि की प्रोफाइल पर पोस्टर प्रस्तुति, 5वां आईएसआईआरवी- एवीजी सम्मेलन, आरवीआई की रोकथाम और उपचार : एंटीवायरल, पारंपरिक थैरेपी और मेजबान-निर्देशित हस्तक्षेप, शंघाई, चीन। 14-16 जून, 2017.

डॉ. अनुराधा चौधरी, एट एएसएम माइक्रोबे न्यू ऑरलियन्स, यू.एस.ए. में "मल्टीजीन फीलोजेनी एंड मैट्रिक्स-अस्सिटेड लेसर डिजोरप्शन आईओनाइजेशन टाइम-ऑफ-फाइट मास स्पेट्रोमेट्री आइडेंटीफिकेशन ऑफ इंडियन क्लीनिकल इाइसोलेट्स ऑफ स्यूडेलल्लास्केरिअ/स्केडोस्पोरिअम एसपीपी कॉम्प्लेक्स एंड दियर ससपेक्टिबिलिटी पेटर्नस" पर पोस्टर प्रस्तुति। 1 -5 जून, 2017.

डॉ. अनुराधा चौधरी , एएसएम माइक्रोबॉब न्यू ऑरलियन्स, यू.एस.ए. में " इन विट्रो एक्टिविटी ऑफ द न्यू लुलिकोनाजोल एंड एलेवन अॅदर एंटीफंगल ड्रग्स अगेन्स्ट मोलेकुलरली करेक्टराइज्ड क्लीनिकल फुसेरिअम आइसोलेट्स" पर पोस्टर प्रस्तुति। 1-5 जून, 2017.

डॉ. अनुराधा चौधरी, 8वीं ट्रेंड्स इन माइकोलॉजी, बेलग्रेड, सर्बिया में "कैंडिडा ओरिस फ्रॉम ईयर कोलोनाइजेशन टू फुन्जेमिअ" पर वार्ता। 6-9 अक्टूबर, 2017.

डॉ. अनुराधा चौधरी , 8वें एडववांसेस अगेन्स्ट एस्पेरजिलस, लिस्बन, पुर्तगाल में ग्लोबल इपिडेमियोलॉजी ऑफ एजोल रेजिस्टेंस इन एस्परगिलस" पर वार्ता। 1- 3 फरवरी, 2018.

डॉ. अनुराधा चौधरी , 8वें एडववांसेस अगेन्स्ट एस्पेरजिलस, लिस्बन, पुर्तगाल में "मल्टीपल रेजिस्टेंस मेकेनिज्म इन बोथ क्लीनिकल एंड एनवायरमेंटल एजोल रेजिस्टेंट एस्परजिल्लुस आइसोलेट इन इंडिया", पर पोस्टर प्रस्तुति। 1-3 फरवरी, 2018.

डॉ .मालिनी शरीफ : एम्स, नई दिल्ली, भारत में "प्रोबायोटिक थेरेपी : ट्रांसलेटिंग टू हेल्थ एंड क्लीनिकल प्रैक्टिस" पर पाई और अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का 4वें द्विवार्षिक सम्मेलन में अध्यक्ष। 16 -17, फरवरी 2018.

डॉ. मालिनी शरीफ : इंडिया हैबिटेट सेंटर में "माइक्रोस्कोपी टू माइक्रोएरे : रेड्यूशिंग टाइम टू डायग्नोसिस", पर आईएएम दिल्ली सीपीटी सीएमई। 8 दिसंबर, 2017.

अंतर-संस्थागत सहयोग

डॉ. अनंत अनंत मोहन, एम्स

डॉ. ए.सी बनर्जी, एनआईआई

प्रदत्त पीएच.डी / एम.फिल की संख्या : 1

शिक्षकों की संख्या : 4

***

नियोनेटोलॉजी (एलएचएमसी)

सम्मान, पुरस्कार

दत्ता वी, एनक्यूओसीएन, भारत के अध्यक्ष

प्रकाशन:

दत्ता , बी.वी., कुमार, ए., और यादव , आर. (2017). शॉर्ट-टर्म न्यूरोबिएवियरल परिणाम पर प्रीटरम नियोनेट्स (34-36 सप्ताह) में कॉर्ड क्लैम्पिंग में कॉर्ड क्लैंपिंग में संक्षिप्त देरी की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। *जरनल ऑफ ट्रोपिकल पेडियाट्रिक्स, 63* (6), 418-424.

दत्ता , वी., सेली , ए., गोयल , एस., सूडेन , ए., सिंह, एम., वैद , एस., और लाइवस्ले , एन. (2017). नवजात बच्चों में हाइपोथर्मिया को कम करने हेतु नई दिल्ली, भारत में एक बड़े शैक्षिक चिकित्सालय में नवजात देखभाल इकाई में भर्ती कराया गया। *बीएमजे ओपन क्वाल* , *6* (2), ई 000183.

दत्ता , वी. (2017). नवजात शिशुओं में जन्म एस्फेक्सिया के लिए उपचारात्मक हाइपोथर्मिया। *इंडियन जर्नल ऑफ पेडियाट्रिक्स* , *84* (3), 21 9-226।

दुबे , बी., चौधरी , ए., नांगिया , एस., शर्मा, एस., कुमार, एम. (2017). इफेक्ट ऑफ टाइमिंग ऑफ युम्बिलिक्ल ऑन न्यूरो-डेवेलप्मेंटल आउटकम्स एट 6-8 वीक्स ऑफलाइन इन हेल्दी टीम निओनेट्स। *इंड. जे. ट्रामा एम. पेड ., 9 (1), 9-14.*

गोयल , ए., और नांगिया , एस. (2017). मेकोनियम एस्पाइरेशन सिंड्रोम: चुनौतियों और समाधान। *रिसर्च एंड रिपोर्ट्स इन नियोनैटोलॉजी* , *7*, 1*9* -28.

कुमारी , एस., दत्ता , वी., और रेहान , एच. (2017). कम्पेरिजन ऑफ द एफीसिएंसी ऑफ ओरल 25% ग्लूकोज विथ 24% सुक्रोज फॉर पैन रिलीफ ड्युरिंग हील लेंस प्रिटर्म नियोनेट्स : ए डबल ब्लाइंड रेडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल । जरनल ऑफ ट्रापिकल *पेडियाट्रिक्स* , *63* (1), 30-35.

नंदा, डी., ठुकराल, ए., और नांगिया , एस. (2017). केस 1: इंट्रामस्क्यूलर हेमाटोमा ए नियोनेट में इन द नर्सरी। नियो रिवियुज, *18* (4), ई 240-ई 242.

नंदा, डी., बांडिया , पी., नांगिया , एस., बेरी-क्राविस, ई. (2017). अनएक्सप्लेंड हाइपरकारबिया इन ए नियोनाटल इंटेंसिव केयर युनिट। *नियो रेव* 11, ई 668-ई 670.

नांगिया, एस., बिश्नोई , ए., गोयल , ए., मंडल , पी., तिवारी , एस., और सैली , ए. (2017). अर्ली टोटल फीडिंग इन स्टेबल वेरी लो बर्थ वेट युनिट्स : ए बिफोर एंड ऑफ्टर स्टडी। *जरनल ऑफ ट्रोपिकल पेडियाट्रिक्स* , *64* (1), 24-30।

नांगिया , एस. (2017). पत्र का जवाब : एंडोट्राइकल सक्शनिंग फॉर मेकोनियम स्टेन बेबीज। *रेसुसाइटेशन* , *113* , ई 19.

राष्ट्रीय मानव दूध बैंक दिशानिर्देश। (2017) - मानव दूध बैंकिंग और स्तनपान प्रबंधन के लिए परिचालन गाइड, *एलएचएमसी* , 1-32.

नियोगी , एस.बी., सिंह, एस., पालेपोगुला , डी.आर., पंत, एच., कोली , एस.आर., भारती , पी., और किन्रा, एस. (2017). भारत में ओरोफेशियल क्लीफ्स के लिए जोखिम कारक : एक मामला - नियंत्रण अध्ययन। *बर्थ डिफेक्ट्स रिसर्च* , *109* (16), 1284-1291.

पटेल, जे.एन., कुमार, ए., यादव , पी.एस., चढा , आर., दत्ता , वी., और चौधरी , एस.आर.(2018). नवजात शिशुओं में गुदा डिंपल की स्थिति और अनौपचारिक विकृतियों के साथ शिशुओं और सामान्य गुदा स्थिति के साथ इसके सहसंबंध। जरनल ऑफ पेडियाट्रिक्स सर्जरी, *53* (8), 1560-1565.

जर्नल

दत्ता वी., सदस्य संपादकीय बोर्ड, इंडियन जरनल ऑफ पेडियाट्रिक्स

दुबे बी., सदस्य संपादकीय बोर्ड, इंडियन जरनल ऑफ ट्रामा एंड इमरजेंसी पेडियाट्रिक्स

दुबे बी., सदस्य संपादकीय बोर्ड, पेडियाट्रिक एजुकेशन एवं अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं

नांगिया एस., डीबीटी-वेलकम ट्रस्ट, 2017 , " प्रीटरम नियोनेट्स में श्वसन संकट सिंड्रोम के उपचार के लिए एक अभिनव और किफायती गोट फेफड़े सर्फैक्टेंट की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन : एक बहु-साइट याद्दच्छिक नैदानिक परीक्षण" रु.1,00,00,000 / -

नांगिया एस., एमओएचएफडब्ल्यू , सरकार, भारत, "सुविधा आधारित नवजात देखभाल के लिए राष्ट्रीय सहयोगी केंद्र"

आयोजित संगोष्ठी / सम्मेलन

दुबे बी., एस.जे. ऑडिटोरियम, एलएचएमसी, दिल्ली में केएससीएच के सहयोग से नियोनाटल सेप्सिस में हालिया प्रगति । 26 फरवरी, 2017.

दुबे बी., केएससीएच में यूएसएआईडी और केएससीएच के सहयोग से नवजात स्वास्थ्य देखभाल डेलिवरी को अनुकूलित करने के लिए गुणवत्ता सुधार रणनीतियां। 5 मार्च, 2017.

दुबे बी., केएससीएच में आईसीएमआर के साथ मिलकर वरबल ऑटोप्सी द्वारा मौत के कारण का पता लगाने के लिए तरीकों की तुलना । 2 फरवरी, 2017.

दुबे बी., एलटी, केएससीएच में बाल रोग विभाग के सहयोग से सीएचडी (पेटेंट डक्टस धमनी) पर संगोष्ठी। 25 मार्च, 2017.

दुबे बी., एलटी, केएससीएच में क्यूआई प्रकोष्ठ केएससीएच के सहयोग से सलाहकारों के लिए नवजात स्वास्थ्य देखभाल डेलिवरी को अनुकूलित करने के लिए गुणवत्ता सुधार रणनीतियां। 28 -29 अक्टूबर, 2017.

दत्ता वी., पेडिकॉन , नागपुर, में "क्यूआई कार्यशाला" में प्रस्तुति। 2018.

नांगिया एस., सैली ए., एस.जे. ऑडिटोरियम और मानव दूध बैंक, नवजात विज्ञान विभाग, एलएचएमसी में राष्ट्रीय मानव दूध बैंक को खोलना। 7 जून , 2017.

नांगिया एस., जम्मू मेडिकल कॉलेज, एनएचएम और यूनिसेफ में एफबीएनसी प्रशिक्षण। 27-30 जनवरी, 2018.

नांगिया एस., एस.आई.एच.एफ.डब्ल्यु, एन.सी.सी-एचआईपीआई- एमओएचएफडब्ल्यु पर एनएसएसके मॉड्यूल को अंतिम रूप देने हेतु परामर्श। 19-20 जनवरी, 2018.

नांगिया एस., वीएबीएच, एनएचएम और यूनिसेफ, यूपी, में एफबीएनसी प्रशिक्षण; 28 फरवरी-3मार्च, 2018; 24 मार्च -27 मार्च 2018; 5मई-8 मई 2017; 22 सितंबर-24 सितंबर 2017; 9 अक्टूबर -12 अक्टूबर 2017; 3 नवंबर -6 नवंबर 2017.

नांगिया एस., केएससीएच, नियोनैटोलॉजी विभाग, एलएचएमसी में स्तनपान संगोष्ठी ईबीएम और मानव दूध बैंक। 2 अगस्त, 2017.

दत्ता वी., "नर्स मेन्टर क्यूआई वर्कशॉप" पर कार्यशाला। 28 -29 अक्टूबर , 2017.

दत्ता वी., "क्यूई कोचों के लिए कोचिंग टॉट" पर सम्मेलन। 10 नवंबर, 2017.

दत्ता वी., "भारत भर में क्यूआई सुविधाओं के फोरम" पर सम्मेलन । 17 -18 दिसंबर, 2017.

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुति

नांगिया एस., को अशोक , नई दिल्ली, बाल स्वास्थ्य प्रभाग, एमओएचएफडब्लू , भारत सरकार में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य समीक्षा सह कार्यशाला 2017 पर विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया । 10 -11 अक्टूबर, 2017।

नांगिया एस., हयात रीजेंसी, नई दिल्ली, बाल स्वास्थ्य प्रभाग, एमओएचएफडब्लू , भारत सरकार में अभी भी बर्थ निगरानी पर राष्ट्रीय परामर्श में विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया । 21 -22 जुलाई , 2017.

नांगिया एस., को एरोसिटी , दिल्ली, मातृ स्वास्थ्य प्रभाग, एमओएचएफडब्लू , भारत सरकार में उन्नत कौशल प्रयोगशाला मॉड्यूल के विकास पर विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया । 12 अप्रैल , 2017.

नांगिया एस., बैंकॉक, थाईलैंड, एफ.के. नॉर्वे में आयोजित पार्टनर सहयोगी बैठक। 5 -10 फरवरी , 2018.

नांगिृ एस., सैन फ्रांसिस्को, यूएसए, बाल चिकित्सा अकादमिक सोसाइटी, यूएसए में बाल चिकित्सा अकादमिक सोसाइटी आयोजित की गई। 5 -8 मई , 2017.

नांगिया एस., ब्लैंटेर मलावी, अफ्रीका, बच्चों और यूएसएआईडी में केएमसी एक्सेलरेशन पार्टनरशिप कम्युनिटी ऑफ प्रैक्टिस : अफ्रीका रीजनल वर्कशाप आयोजित की । 24 - 26 अक्टूबर, 2017.

राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय हस्ताक्षरित एमओयू

नांगिया एस., ओस्लो यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल, ओस्लो, नॉर्वे और लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली, भारत के साथ एमओयू।

विनिमय कार्यक्रम के तहत विद्यार्थी

ओस्लो यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल, ओस्लो, नॉर्वे में विनिमय कार्यक्रम पर नर्स और रेजिडेंट्स (प्रति वर्ष 4)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

जून, 2017 में एलएचएमसी में राष्ट्रीय मानव दूध बैंक का उद्घाटन
नवंबर 2017 में एसएसकेएच और केएससीएच में दूध रसोई का उद्घाटन / शुभारंभ

***

प्रसूति एवं स्त्री रोग (यू.सी.एम.एस.)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

प्रसूति एवं स्त्री रोग(ऑब्स्टेट्रिक्स और ग्यानेकोलॉजी) विभाग, यूसीएमएस और जीटीबी चिकित्सालय दैनिक ओपीडी में उपस्थिति 500-600 रोगियों का इलाज और लगभग प्रतिवर्ष 20,000 डेलिवरी कराने के साथ 325 बिस्तर वाले विभाग चलाने के अधिकतम नैदानिक भार के बावजूद अकादमिक रूप से सक्रिय है। इसके बावजूद विभाग ने पियर समीक्षित अनुक्रमित जरनलों में कई प्रकाशन किए हैं। विभाग राष्ट्रीय कार्यक्रमों अर्थात् जेएसवाई, जेएसएसके , थलसेमिया स्क्रीनिंग प्रोग्राम, पीपीटीसीटी, पीएमएसएमवाई, लाकुशाया और सीएबी में सक्रिय रूप से शामिल है । यह नियमित रूप से स्त्री रोग विशेषज्ञों के ज्ञान और कौशल को अद्यतन करने के लिए सीएमई और कार्यशालाएं आयोजित करता है। इस वर्ष एओजीडी का कार्यालय हमारे विभाग द्वारा आयोजित किया गया था और इसके बैनर के तहत कई अकादमिक और सामाजिक गतिविधियां आयोजित की गई थीं। संकाय और रेजिडेंट्स को सर्वश्रेष्ठ पेपर और पोस्टर प्रस्तुतियों के लिए विभिन्न राष्ट्रीय सम्मेलनों में कई सम्मान और पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। ऑब्स्टेट्रिक्स और ग्यानेकोलॉजी (एफओजीएसआई द्वारा सम्मानित) में सर्वश्रेष्ठ थीसिस लेखन के लिए प्रतिष्ठित आर.डी. पंडित पुरस्कार इस विभाग द्वारा वर्ष 2017-18 सहित लगातार पंद्रह बार जीता गया है।

सम्मान / गौरव

गुलेरिया के., 61वें अखिल भारतीय प्रसूति एवं स्त्री रोग , भुवनेश्वर, ओडिशा में फैलोशिप ऑफ इंडियन कॉलेज ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड ग्यानेकोलॉजी - एफआईसीओजी। 17 -21 जनवरी , 2018.

गुलरिया के ., सह लेखक (डॉ. कुमारी अनुकृति) - राष्ट्रीय "बीओएच- द ट्राईलॉजि" एफओजीएसआई-एओजीडी सम्मेलन में थीम पेपर्स हेतु स्वर्ण पदक, प्रथम पुरस्कार । 19 -20 अगस्त , 2017.

गुलरिया के., सह-लेखक (डॉ. सलोनी) - थीम पेपर 39वें वार्षिक एओजीडी सम्मेलन, आईएचसी नई दिल्ली में थीम पेपर्स हेतु डॉ. नीरा अग्रवाल स्वर्ण पदक, प्रथम पुरस्कार। 18 -19 नवंबर , 2017.

गुप्ता बी., को 6वें एआईसीओजी, भुवनेश्वर में " इवोल्यूशन ऑफ बायोमार्कर्स p16 ^{ink4a} / इन सरवाइकल सायटोलॉजी फॉर डायग्नोसिस ऑफ सरवाइकल इंटराइपिथेलिअल नियोप्लायिका" शीर्षक पर पेपर प्रस्तुत करने हेतु एफओजीएसआई द्वारा कोरिऑन पुरस्कार जूनियर कैटेगॅरी। 17 -21 जनवरी , 2018.

गुप्ता बी., एजीओआईसीओएन की क्षेत्रीय बैठक में "इस्टीमेशन ऑफ सीरम लेप्टिन एंड डाईपोनेक्टिन एज रिस्क फैक्टर्स फॉर इंडोमेट्रायल कैंसर इन इंडियन वूमेन" शीर्षक पर पेपर प्रस्तुत करने हेतु युवा स्त्रीरोग विशेषज्ञ कैटेगॅरी में सबसे अच्छे पेपर के लिए प्रथम पुरस्कार । अगस्त, 2018.

संध्या जे., स्वर्ण पदक सर्वश्रेष्ठ शोध प्रस्तुति, सह लेखक (डॉ. नीतू चौधरी) एओजीडी सम्मेलन 2017 में कम जोखिम गर्भावस्था में 'अनुमानित तनाव स्कोर' पर योग थेरेपी का प्रभाव : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। 18 - 19 नवंबर , 2017.

शालिनी आर., सह लेखक (डॉ. मेघा सिंघानिया) एओजीडी के वार्षिक सम्मेलन, नई दिल्ली में "इस्टीमेशन ऑफ सीरम लेप्टिन एंड एडिपोनेक्टिन एज रिस्क फैक्टर्स फॉर एंडोमेट्रियल कैंसर इन इंडियन वूमेन" शीर्षक पर प्रतियोगिता पेपर कैटेगॅरी में प्रस्तुति हेतु रजत पदक। 18 -19 नवंबर , 2017.

शर्मा आर., जनसंख्या स्थिरीकरण पर डॉ. सुनीता मित्तल स्वर्ण पदक से सम्मानित। 18-19 नवम्बर, 2017.

शर्मा आर., को 61वें अखिल भारतीय कांग्रेस प्रसूति और स्त्री रोग विशेषज्ञ (एआईसीओजी) सम्मेलन, भुवनेश्वर में लैप्रोस्कोपी अवॉर्ड 2017 में स्व. डॉ. प्रवीण मेहता प्रशिक्षण एफओजीएसआई फैलोशिप से सम्मानित किया गया। 17 -21 जनवरी , 2018.

शर्मा आर., को 61वें अखिल भारतीय कांग्रेस प्रसूति और स्त्री रोग विशेषज्ञ (एआईसीओजी) सम्मेलन, भुवनेश्वर में "इवोल्युशन ऑफ माओमेट्रायल थिकनेस एट डिफरेंट गेस्टेशन्स फॉर प्रीडिक्शन ऑफ लेबर इन प्रीटर्म प्रीमेच्योर रुप्चर ऑफ मेमब्रेन्स" हेतु एफओजीएसआई - इमेजिंग साइंस अवार्ड 2017 से सम्मानित किया गया। 17-21 जनवरी, 2018.

सिंह ए., को एनएआरसीएचआई, नई दिल्ली के 24 वें वार्षिक सम्मेलन में "गर्भवती महिलाओं में दूसरे वयक्ति के धूम्रपान के धुएं के संपर्क और फुफ्फुसीय कार्यों एवं गर्भावस्था के परिणामों पर इसके प्रभाव का अध्ययन" के लिए रजत पदक (डॉ. गंगुली थीम टॉपिक पुरस्कार)। 29 - 30 अक्टूबर , 2017.

सिंह ए., को "गर्भपात के मामलों में वीईजीएफ और पीआईजीएफ की भूमिका का आकलन करना : एक केस नियंत्रण अध्ययन" के लिए एनएआरसीएचआई, नई दिल्ली के 24 वें वार्षिक सम्मेलन में सह-लेखक के रूप में कांस्य पदक (डॉ. गंगुली थीम टॉपिक पुरस्कार) । 29-30 अक्टूबर, 2017 .

सिंह ए., को "गर्भवती महिलाओं में दूसरे वयक्ति के धूम्रपान के धुएं के संपर्क और फुफ्फुसीय कार्यों एवं गर्भावस्था के परिणामों पर इसके प्रभाव का अध्ययन" के लिए दिल्ली के ओबस्टेट्रिकियन और स्त्री रोग विशेषज्ञ एसोसिएशन के 39वें वार्षिक सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर के लिए स्वर्ण पदक । 18 -19 नवंबर , 2017.

प्रकाशन

अग्रवाल , आर., श्रुति , आर, राधाकृष्णन , जी., और सिंह, ए. (2017). इवेल्युएशन ऑफ डिहाइड्रोपेइंडोस्टेरोन सप्लीमेंटेशन ऑन डिमिनिस्ड ओवेरियन रिजर्व : ए रेडंमाइज्ड, डबल-ब्लाइंडेड, प्लासेबो-कंट्रोल्ड स्टडी। *जरनल ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड* गायनकोलॉजी *ऑफ इंडिया* , *67* (2), 137-142.

भारतीय , वी., सिंह, ए., चौहान , डी., और श्रीवास्तव , एच., गर्भावस्था और साहित्य की समीक्षा में इम्यून थ्रोम्बोसाइटोपेनिक पुरापुरा के मामले में प्रबंधन में डायग्नोस्टिक डिलेमा और चुनौतियां । *इंट. जे. साइंस स्टड.*, 5 (11), 173-175.

चावला , एस., जैन, एस., कौर , एल., गुप्ता, बी., राजाराम , एस., और गोयल , एन. (2017). विशालकाय फाइब्रोएथिथेलियल पॉलीप : वल्वा का दुर्लभ ट्यूमर । *इंडियन जरनल ऑफ ग्यानेकोलॉजिकल ओन्कोलॉजी* , *15* (2), 27.

गुलरिया , के., सिंह, ए., और जैन, एस. (2017). इवेल्युएशन ऑफ रिस्क फैक्टर्स, ट्रिगर्स, एंड मैटरनल अर्ली वार्निंग सिस्टम टू प्रेडिक्ट ओब्स्टेट्रिक मोरबिडिटी इन लो रिसोर्स कॅन्टरी। चेस्ट , *152* (4), ए 581.

गुप्ता, बी. लैक्टेटिंग माताओं में गर्भनिरोधक (स्वाइन फ्लू (एच 1 एन 1))। कृपलानी में , ए., शर्मा, जे.बी. और सिंघल , एस.(ईडीएस.।). नई दिल्ली.

गुप्ता बी. लैक्टेटिंग माताओं में गर्भनिरोधक (2017)। कृपलानी में , ए., शर्मा, जे.बी. और सिंघल , एस.गुप्ता, बी. प्लेसेंटल एडेसिव डिसऑर्डर । सिंगापुर : शर्मा, ए.(ईडीएस.). नई दिल्ली.

गुप्ता, बी., चावला. , एस. (2017). व्यावहारिक परीक्षाओं के लिए प्रसूति विज्ञान और स्त्री रोग विज्ञान के स्नातकोत्तर मैनुअल में। गोयल . एन., राजाराम , एस., जैन, एस., और मेहता, एस. (ईडीएस.)। दिल्ली।

गुप्ता, बी., और राजाराम , एस. (2018). प्रेपेरेशन फॉर वेजिनल हिस्टरेक्टॉमी : प्रिओपरेटिव एसेसमेंट, आूपरेटिव सेट-अप, टेबल, एंटीबायोटिक्स। इन हिस्टरेक्टॉमी (पीपी. 1363-1372)। स्प्रिंगर, चाम.

गुप्ता, बी., शर्मा., टी. क्लीनिकल ओबेस्ट्रिक्स एल्गोरिथम्स- एविडेंस बेस्ड मैनेजमेंट. दिल्ली : कृपलानी, ए. और शर्मा, ए.।

जैन, एस., और भारतीय , एन. (2018). गर्भावस्था के परिणामों पर प्रसवपूर्व योग के सकारात्मक प्रभाव। इंडियन ओब्स्टेट्रिक एंड ग्यानेकोलॉजी, *7* (4).

जैन, एस., भारती , एन. (2017)। *लंबे समय तक स्थायी रिवर्सिबल गर्भनिरोधक। इन* कृपलानी , ए., शर्मा, जे.बी और सिंघल, एस.(ईडीएस.). नई दिल्ली.

जैन, एस., गुप्ता, वी.(2017). गर्भावस्था में टीकाकरण। नई दिल्ली : गोयल , एन., राजाराम , एस., जैन, एस और मेहता, एस.

जैन, एस., श्रीवास्तव , ए., सिंगला , एस. (2017)। ड्रग्स. इन गोयल , एन., राजाराम , एस., जैन, एस. और मेहता, एस. (ईडीएस.) नई दिल्ली.

कर , आर., चावला., डी., गुप्ता, बी., मेहंदीरट्टा , एम., वाधवा , एन., और अग्रवाल , आर. (2017). स्टेबलिसमेंट ऑफ प्राइमरी सेल कल्चर फ्रॉम एसिटिक फ्लुइड और सॉलिड ट्यूमर ऑब्टेंड फ्रॉम इपिथेलिअल ओवेरियन कारसिनोमा पेसेंट। *इंटरनेशनल जरनल ऑफ ग्यानेकोलॉजिकल कैंसर* , *27* (9), 2000-2005.

खतुजा , आर., सिंगला , ए., गोयल , एन. (2017). प्रेस्क्रिप्शन राइटिंग। इन गोयल , एन., राजाराम , एस., जैन, एस., और मेहता, एस. (ईडीएस.). दिल्ली।

मेहता, एस., सिंगला , ए. (2017). कोल्पोस्कोपी इन प्रैग्नेंसी। इन मेहता, एस. और सचदेव , पी. (ईडीएस.). सिंगापुर।

मेहता, एस., और सिंगला , ए. (2018). वैजिनल टोटल हिस्टरेक्टॉमी इन विनाइन इंडीकेशन : हिस्टरेक्टोमी टेक्निक्स विथ बाइपोलर डाइएथरमि सिस्टम। इन हिस्टरेक्टॉमी (पीपी. 1429-1441). स्प्रिंगर, चाम.।

मेहता, एस., सिंगला , ए., सैनी , जे., कुमार, टी. (2017). ए रेयर केस ऑफ एप्लासिया कुटिस कोनगेनिटा । *आईजेएनएमआर* , 5 (4), 01-02.

मेहता, एस., सिंगला, ए., सिन्हा , एस., और ग्रोवर, ए. (2017). लांग कॉर्ड: एक नॉटी अफेयर। *जरनल ऑफ क्लीनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च :* जेसीडीआर, *11* (5), क्यू.जे 01.

मित्तल, पी., श्रीवास्तव, एच., राजाराम, एस., गोयल , एन., मधु , एस.वी., फरीदी, एम.एम.ए., भारतीय, वी. (2017). इफैक्ट ऑफ विटामिन डी सप्लीमेंटेशन इन प्रैग्नेंसी ऑफ मैटेरनल एंड नियोनाटल आउटकम : ए डबल-ब्लाइंड रेंडॅमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल। इंटरनेशनल जरनल ऑफ ग्यानेका. आबस्टेट. 3 (1), 1-6.

राजाराम, एस., और गुप्ता, बी. (2018). इंडीकेशंस एंड कॉन्ट्रैनडिकेशन ऑफ वेजिना हिस्टरेक्टॉमी। इन हिस्टरेक्टॉमी (पीपी. 1355-1361). स्प्रिंगर, चाम।

राजाराम, एस., जैन, एस., गुप्ता, वी. (2017). इंस्ट्रूमेंट्स। इन गोयल, एन., राजाराम, एस., जैन, एस. और मेहता एस. (सं.). नई दिल्ली।

शर्मा, एन., सिंह, ए., राधाकृष्णन, जी., अग्रवाल, आर., और राधिका, ए.जी.(2017). ए रेट्रोस्पेक्टिव एनालिसस ऑफ हिस्टोरोलापारोस्कोपी फाइंडिंग्स ऑफ अनएक्सप्लेंड इनफरटिलिटी पेसेंट इन टेरटिअरी केयर हॉस्पिटल। इंटरनेशनल जरनल ऑफ साइंटिफिक स्टडी, *5* (1), 27-29.

शर्मा, आर., भानुप्रिया, वी.बी, गुलरिया, के., और सुनेजा, ए. (2017). हाइपरपेराथायरायडिज्म ड्यूरिंग प्रैग्नेंसी - ए डायग्नोस्टिक एंड थेरेपीटिक चैलेंज। जरनल ऑफ *क्लीनिकल और डायग्नोस्टिक रिसर्च:* जेसीडीआर, *11* (9), क्यू.डी 05.

शर्मा, आर., गुलरिया, के., सुनेजा , ए., भास्करन , एस., और तनवीर , एन. (2017). गैंट लेइओमायओमा विथ एक्सटेंसिव मायऑक्साइड डिजेनरेशन इन मेयर-रोकिटेन्सकी-कुस्टर-हाउजर सिंड्रोम। *इंटरनेशनल जरनल ऑफ ग्यानेकोलॉजी एंड ऑब्स्टेट्रिक्स, 138 (1), 125-127.*

शर्मा, आर., गुप्ता, आर., गुलरिया, के., सुनेजा , ए. (2017). फीमेल स्टेरलाइजेशन फेलिअर रिपोर्टेड ड्युरिंग 5 ईयर्स एट ए टेजटिअरि केयर टीचिंग हॉस्पिटल: ए रिट्रोस्पेक्टिव सर्वे । एसएएफओजी, 9 (3), 245-249.

शर्मा, आर., राधाकृष्णन , जी., मानचंद , एस., और सिंह, एस. (2018). अम्बिलिकल कॉयलिंग इंडेक्स एसेसमेंट ड्यूरिंग रुटीन फेटल एनाटॉमिक सर्वे : ए स्क्रीनिंग टूल फॉर फीटॅसेस एट रिस्क । *द जरनल ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड ग्यानेकोलॉजी ऑफ इंडिया* , *68* (5), *36*9-375.

शर्मा, आर., राधाकृष्णन, जी., भाटिया, एम.एस., गुप्ता, आर., और मेहदीरट्टा, ए. (2018)। सेटिसफैक्शन एंड साइकोलॉजिकल ऑफ्टर इफेक्ट्स ऑफ लीगल एबोरशेन एट ए टेरिटेरी केयर टीचिंग हॉस्पिटल ऑफ नॉर्थ इंडिया। *जरनल ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड ग्यानेकोलॉजी*, 1-6.

शर्मा, आर., सुनेजा, ए., यादव , ए., गुलरिया , के. (2017). प्लाज्मोडियम विवाक्स इनड्यूस्ड एक्यूट रेस्पिरेटॅरी डिस्ट्रेस-ए डाग्नोस्टिक एंड थेरेपियूटिक डिलेम्मा इन प्रीक्लेम्प्सिया । जरनल क्लीन. *डायग. रेज.* , 11 (4), क्यू.डी 03-क्यू.डी 04.

सिंह, ए., वत्स, जी., शर्मा, टी., श्रिया , आर. (2017). आर प्री क्याक्लेम्प्सिया एंड स्माल फॉर गेस्टेशनल एज बेबी कुड बी प्रेडिक्टेड बाय प्लेसैंटेल्लाकेशन। *इंटरनेशनल जरनल ऑफ रिपोर्ड कॉट्रेसेप्ट ऑब्सटेट. ग्यानेको* , 6, 5568-71.

सिंह, ए., वर्मा , ए.एम., श्रीवास्तव , ए. शर्मा, टी., सुंदरम . (2018). गर्भवती महिलाओं में दूसरे व्यक्ति के धूम्रपान के धुएं के संपर्क और फुफ्फुसीय कार्यों और गर्भावस्था के परिणामों पर इसके प्रभाव का अध्ययन/ *आईजेओजीआर*, 5 (1).

सिंह, डॉ., जैन, एस. (2018) खोया और पाया: कॉपर-टी इन बाउल। *जरनल ऑफ पेडियास. ऑब्स्टेट. ग्यानेको.*, 9 (2), 43-45.

सिंह, एस., शर्मा, आर., राधाकृष्णन , जी., लखनपाल , एस., लक्ष , वी. (2017). युम्बिलिकल कॉयलिंग इंडेक्स एसेसमेंट एट बर्थ-ए मार्कर ऑफ पेरिन्टल आउटकम। *आईजेएनएमआर* , 5 (3), 1-4.

सिंगला , ए., चावला , एस. एनाटॉमिक कंसिडरेशन्स इन रेकरंट प्रेगनेंसी लॉस, सिंगापुर: गुप्ता, बी., मेहता, एस.

सिंगला , ए., कुमार, एन. क्लासीफिकेशन इन ओबस्टेरिक्स एंड ग्यानेकोलॉजी । नई दिल्ली : गोयल , एन., राजाराम, एस., जैन, एस. और मेहता, एस.

सिंगला , ए., मेहता, एस., राजाराम , एस., राधाकृष्णन , जी. (2017). मातृ मृत्युदर का दस वर्ष का लेखापरीक्षा : मिलेनियम विकास अभी भी एक दूरस्थ लक्ष्य है। *इंडियन जरनल ऑफ कम्युनिटी मेड .*, 2, 102-106.

सिन्हा , पी., सुनेजा , ए., गुलरिया , के., अग्रवाल , आर., वैद , एन.बी. (2018). कम्पेरिजन ऑफ मिफप्रिस्टोन फॉलोड बाय मिसोप्रोस्टोल विथ मिसोप्रोस्टोल एलोन फॉर ट्रीटमेंट ऑफ अर्ली प्रैग्नेंसी फेलियर : ए रेंडॅमाइज्ड डबल ब्लाइंड प्लेसबो कंट्रोल्ड ट्रायल। *जरनल ऑफ ऑब्स. ग्याने. इंडिया* , 1, 3 9 -44.

श्रीवास्तव , ए., जैन, एस. (2017). फर्स्ट एंड सेंकेंड ट्राइमेस्टर एनीप्लोइड स्क्रीनिंग। नई दिल्ली : गोयल , एन., राजाराम, एस., जैन, एस., मेहता, एस.

श्रीवास्तव , एच., श्री, एस., गुलरिया , के., सिंह, यू.आर.(2017). प्योर प्राइमरी स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा ऑफ ओवरी - ए केस रिपोर्ट। *जरनल ऑफ क्लीन. डायग्न. रेस.*, 11 (5), क्यू.डी 01 - क्यू.डी 02.

सुनेजा , ए., अग्रवाल , आर. (2018). मेंस्ट्रुअल डिऑर्डर एंड पोलीस्टेइओवरी सिंड्रोम, नई दिल्ली : गुप्ता, पी., मेनन , पी.एस.एन., रणजी , एस., लोढा , आर.

सुनेजा , ए., पंडित , यू. (2017). मैनेजमेंट रेकॅम्मेनडेशन्स इन एबनॉर्मल साइटोलॉजी, इन मेहता, एस. एंड सचदेवा. पी.(ईडीएस.), कोल्पोसकोपी ऑफ फिमेल जेनिटल ट्रेक्ट. सिंगापुर।

यादव, पी., सिंगला , ए., सिडाना , ए., सुनेजा , ए., वैद , एन.बी. (2017). इवेल्युएशन ऑफ सोनोग्राफिक एंडोमेट्रियल पैटर्न एंड एंडोमेट्रियल थिकनेस एज प्रेडिक्टॅर्स ऑफ एक्टोपिक प्रेग्नैंसी । *इंटरनेशनल जरनल ऑफ ग्यानेकोलॉ. ओबस्टेट,* 136, 70-75.

अनुसंधान परियोजनाएं

राधिका ए.जी., डब्ल्यू.एच.ओ-भारत सरकार, 2015-2017, "भारत में गर्भवती एनीमिक महिलाओं में फेरस सुक्रोज (FeSPAW) - एक ओपेन लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण", रु.1,60,000 / -

गुप्ता बी., डी.बी.टी., 2016-2018, "प्राइमरी कल्चर्स ऑफ इपिथेलिअल ओवारियन कैंसर एज ए टूल टू डिटेक्ट रेजिस्टेंस टू केथोथेरेपीटिक एजेंट्स", रु.23 , 57,000/-

आयोजित सम्मेलन

" परिवार नियोजन सेवाओं के तकनीकी और गुणवत्ता पहलुओं ", पर राज्य स्तरीय परिवार नियोजन कार्यशाला । डी.एफ.डब्ल्यु , राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार. 14 -15 मार्च , 2018.

"बुनियादी जीवन समर्थन और मातृ पुनर्वसन" पर कौशल कार्यशाला पर एओजीडी हैंड्स। मई, 2017

"सीटीजी और इंस्ड्रुमेंटल डिलिवरी" पर कौशल कार्यशाला पर एओजीडी हैंड्स। सितंबर, 2017.

"स्त्री रोग में एंडोस्कोपी की मूल बातें" पर कौशल कार्यशाला पर एओजीडी हैंड्स। जुलाई, 2017.

"पीपीएच प्रबंधन: व्यावहारिक पहलुओं" पर कौशल कार्यशाला पर एओजीडी हैंड्स। दिसंबर, 2017.

"एंटेटल केयर: बेस्ट प्रैक्टिस" पर सीएमई, यूसीएमएस और जीटीबी चिकित्सालय । 19 मई, 2017.

"प्रसवोत्तर सेवा देखभाल: देखभाल की निरंतरता " पर सीएमई, यूसीएमएस और जीटीबी चिकित्सालय

"बीओएच- द ट्राईलॉजी " पर सम्मेलन, FOGSI_AOGD, नई दिल्ली। 19 -20 अगस्त , 2017.

दिल्ली के ओबेसट्रीशियन और स्त्री रोग विशेषज्ञ एसोसिएशन(एओजीडी) का 39वां वार्षिक सम्मेलन , नई दिल्ली । 18 -19 नवंबर , 2017.

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुति

भानुप्रिया , 39वें एओजीडी सम्मेलन में "ए टिप्कल न्यूरोलॉजिकल मैनिफेस्टेशन इन पोस्टमार्टम पीरियड : ए केस सिरीज" पर ई-पोस्टर प्रस्तुति। 18 -19 नवंबर, , 2017.

गुलेरिया के., एसजीआरएच, दिल्ली में 15 अप्रैल, 2017 को आईएसओपीएआरबी द्वारा सीएमई-वुमेन एंड ब्लीडिंग में 'प्रसूति रक्तस्त्राव' पर आयोजित सत्र की अध्यक्षता की।

गुलेरिया के., एम्स, 7 मई, 2017 को भ्रूण मेडिसिन सोसायटी की पहली तिमाही पर 'भ्रूण विसंगतियों में प्रोग्नोस्टिकेटिंग' पर आयोजित सत्र की अध्यक्षता की ।

गुलेरिया के., आईएचसी दिल्ली में 12 मई, 2017 को सर गंगा राम चिकित्सालय, दिल्ली में 'मेनोपोज मैनेजमेंट-एन एक्जीक्यूटिव गाइड' पर आयोजित सी.एम.ई. में अध्यक्षता।

गुलेरिया के., आईएचसी दिल्ली में 14 मई, 2017 को पहले शिखर सम्मेलन FOGSI-AOGD में डिलेम्माज पर पैनल सदस्य।

गुलरिया के., "लैप्रोस्कोपिक मायोमेक्टोमी" पर डीजीईएस वार्षिक और आईएजीई उत्तरी जोन सम्मेलन में अध्यक्ष, नई दिल्ली, 27 अगस्त, 2017.

गुलरिया के., एआईसीसी-आरसीओजी नॉर्थ जोन वार्षिक सम्मेलन, एमएएमसी, नई दिल्ली में "एडोलसेंट ग्यानेकोलॉजी इश्यूज : केस बेस्ड डिस्कसन" पर पैनल सदस्य । 17 -21 जनवरी , 2018.

गुप्ता बी., एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ नेशनल एसोसिएशन ऑफ रिप्रोडक्टिव एंड चाइल्ड हेल्थ ऑफ इंडिया, की प्रीकॉन्ग्रेस कार्यशाला हेतु 'कोल्पोस्कोपी प्रोसीजर' पर अतिथि व्याख्यान, नई दिल्ली, सफदरजंग चिकित्सालय, 27 अक्टूबर , 2017.

गुप्ता बी., 39वें वार्षिक सम्मेलन एओजीडी कॉन्फ्रेंस में "रिस्क रेड्यूसिंग सेल्पिंगो-ओफोरेक्टॅमी' पर व्याख्यान, नवंबर, 2017.

गुप्ता बी., एओजीआईएन के 8वें राष्ट्रीय सम्मेलन में "पैनल चर्चा : मैनेजमेंट ऑफ एबनॉर्मल स्मीयर" पर व्याख्यान, भारत , लखनऊ , सितंबर, 2017.

गुप्ता बी., एओजीआईएन के 8वें राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत-वी.आई.ए. के लिए सबसे अच्छा स्क्रीनिंग क्या है" पर व्याख्यान , लखनऊ, सितंबर, 2017.

गुप्ता बी., एओजीआईएन के 8वें राष्ट्रीय सम्मेलन में गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर, सामुदायिक स्क्रीनिंग कार्यशाला में जोखिम कारक और लक्षण पर व्याख्यान, लखनऊ , सितंबर, 2017.

गुप्ता बी., एजीओआईसीओएन के क्षेत्रीय उत्तर क्षेत्र सम्मेलन में "इस्टीमेशन ऑफ सीरम लेप्टिन एंड एडिपानेकटिन एज रिस्क फैक्टर्स फॉर इंडोमेट्रायल कैंसर इन इडियन वूमेन' पर एक वार्ता, जम्मू, 6 मई , 2017.

गुप्ता बी., "एओजीआईएन इंडिया और दिल्ली विश्वविद्यालय महिला स्वास्थ्य और कैंसर जागरूकता कार्यशाला, मिरांडा हाउस, नई दिल्ली के तत्वावधान में 7 अप्रैल, 2017 को "गर्भाशय ग्रीवा कैंसर-कम्युनिटी स्क्रीनिंग को नियंत्रित करने में युवा महिलाओं की भूमिका "पर पैनल सदस्य और वार्ता ।

गुप्ता बी., उत्तरी जोन युवा एफओजीएसआई सम्मेलन , लखनऊ में "डिम्बग्रंथि के कैंसर के लिए स्क्रीनिंग" पर व्याख्यान, अप्रैल, 2017.

गुप्ता बी., राष्ट्रीय एजीओआईसीओएन सम्मेलन, भुवनेश्वर में "एचपीवी टीकाकरण: सर्वसम्मति और विवाद" पर नियंत्रित पैनल चर्चा, अगस्त, 2017 में.

गुप्ता बी., आईजीओआईसीओएन, भुवनेश्वर में "सीआईएन के निदान और प्रबंधन के लिए पी 16" पर चर्चा, अगस्त, 2017.

गुप्ता बी., सह-मॉडरेटर, "हार्मोन्स एंड ग्यानेकोलॉकिल कैंसर्स : एचआरटी ऑफ्टर ग्याने कैंसर्स/ हार्मोनल एट एनुअल कॉफ्रेंस ऑफ नोएडा ओबीएस तथा ग्याने सोसायटी, अक्टूबर, 2017.

गुप्ता बी., ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनकोलॉजी सोसाइटी , गाजियाबाद के वार्षिक सम्मेलन में "डिम्बग्रंथि के कैंसर में ट्यूमर मार्कर " पर व्याख्यान, , अप्रैल, 2017.

गुप्ता बी., आईएसओपीएआरबी के वार्षिक सम्मेलन में "योनि डिस्चार्ज का निदान और प्रबंधन" पर व्याख्यान, अप्रैल, 2017.

गुप्ता बी., 61वें एआईसीओजी, भुबनेश्वर में "एफओजीएसआई स्क्रीनिंग गाइडलाइन्स 2018 : वीआईए" पर व्याख्यान, 17 -21 जनवरी , 2018,

जैन एस., ओबस्टेट्रिसियन एवं ग्यानेकॉलॉजिस्ट के 39वें वार्षिक सम्मेलन में " लेफोर्ट्स कोल्पोक्लेसिस" पर एओजीडी में वीडियो प्रस्तुति हेतु वक्ता, 18 -19 नवम्बर , 2017.

जैन एस., यूरोगायंस सम्मेलन, अहमदाबाद में वक्ता, 27 अक्तूबर, 2017.

सुनीजा ए., आईएसओपीएआरबी, दिल्ली की XXXIII वार्षिक कांग्रेस के दौरान "डीवीटी के बाद गर्भावस्था" पर अतिथि व्याख्यान, 8 अप्रैल, 2017.

सुनेजा ए., गुरुकुल कार्यक्रम, एसजीआरएस, दिल्ली के दौरान "ब्रीच वितरण" पर अतिथि व्याख्यान, 20जुलाई, 2017.

सुनेजा ए., फेरिंग फार्मास्ट्युकिल्स द्वारा आयोजित "इंडॅक्शन ऑफ लेबर" पर विशेषज्ञ समिति के सदस्य, 28 जुलाई , 2017 .

सुनेजा ए., ईडीपीए नई दिल्ली में एमआईडीसीओएन 2017 के दौरान "गर्भावस्था में एच1एन1 और डेंगू संक्रमण" पर पैनल सदस्य, 30 जुलाई, 2017.

सुनेजा ए., एफओजीएसआई, लुधियाना में " उत्तरी क्षेत्र के दौरान मुलरियन विसंगतियों के दिलचस्प मामलों" पर अतिथि व्याख्यान, , 21 सितंबर, 2017.

सुनेजा ए., एफओजीएसआई उत्तरी जोन और एओजीडी, गुरुग्राम द्वारा आयोजित बीओएच के ट्रायलॉजी के दौरान "गर्भावस्था के मधुमेह मेलिटस की स्क्रीनिंग" -एफओजीएसआई / एफआईजीओ दिशानिर्देशों पर अतिथि व्याख्यान, 19अगस्त, 2017.

सुनेजा ए., अध्यक्ष, 'ग्याने. एंडोस्कोपिक कार्यशाला और हैंड्स ऑन ट्रेनिंग' 22 सितंबर, 2017, एमएएमसी, नई दिल्ली.

सुनेजा ए., "अंडाशय : प्रबंधन में राज खुलासा" पर संगोष्ठी के दौरान "ओफोरेक्टॅमी डिलेमा" में अतिथि वक्ता । 29 सितंबर, 2017, एम्स, नई दिल्ली.

सुनेजा ए., ग्यानेकोलॉजिकल कैंसर पेसेंट्स द्वारा सामना किए जा रहे प्री और पोस्ट थेरेपी स्वास्थ्य मुद्दों को हल करने के लिए काउंसेलिंग कक्ष एप्रोच के माध्यम से डॉक्टरों, नर्सों और चिकित्सा विद्यार्थियों के प्रशिक्षण से संबंधित एटिट्यूड एंड कम्युनिकेशन कॉम्पैक्टेंसीज (एटीकॉम) पर सीएमई के दौरान "पैटर्न एंड प्रोफाइल ऑफ ग्यानेकोलॉजीकल कैंसर पेसेंट इन ओपीडी: ट्रीटमेंट मोडेलिटीज एंड द नीड फॉर ए टीम एफॅर्ट" पर अतिथि वक्ता, 27 अक्तूबर, 2017, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़.

सुनेजा ए., कोलोस्कोपी पर कार्यशाला में "सीआईएन के प्रबंधन के सिद्धांत" पर अतिथि व्याख्यान , 21 सितंबर, 2017, एसजेएच और वीएमएमसी, नई दिल्ली.

सुनेजा ए., 'ग्याने एंडोस्कोपिक कार्यशाला और हैंड्स ऑन ट्रेनिंग ' के लिए अध्यक्षता, 27 अक्टूबर, 2017, एमएएमसी, नई दिल्ली.

सुनेजा ए., आईएचसी, दिल्ली, में आयोजित एफओजीएसआई एंडोमेट्रोसिस कमेटी द्वारा "प्रथम एंडोमेट्रोसिस शिखर सम्मेलन" के अध्यक्ष, 28-29 अक्टूबर, 2017.

सुनीजा ए., नई दिल्ली, भारत में आयोजित एमएएमसी में यूरोगेनेकोलॉजी पर पूर्ववर्ती कार्यशाला के दौरान यूरोडायनामिक्स पर सत्र की अध्यक्षता, 17 नवंबर, 2017.

सुनीजा ए., एनएआरसीएचआई, दिल्ली के 24 वें वार्षिक सम्मेलन में "लेओमॉयओमा" पर सत्र के लिए अध्यक्षता, 18-19 नवंबर, 2017, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली.

सुनेजा .ए, एओजीडी प्री-कॉन्ग्रेस ग्याने ओनकोसर्जरी वीडियो कार्यशाला "रेडिकल सर्जरी फॉर कार्सिनोमा सेरविक्स' पर सत्र के लिए पर अध्यक्ष, 23 नवम्बर, 2017 , नई दिल्ली.

सुनेजा ए., एओजीडी 2017 के 39 वें वार्षिक सम्मेलन में अध्यक्ष, 23 नवंबर, 2017, नई दिल्ली.

श्रीवास्तव एच., एफओजीएसआई , गुरुग्राम में " बीओएच में सोसायटी और सामाजिक सहायता की भूमिका" पर वार्ता, 20 अगस्त, 2017.

श्रीवास्तव एच., "बेसिक्स ऑफ एंडोस्कोपी इन गायनकोलॉजी " पर कार्यशाला में अध्यक्ष , जुलाई 2017.

श्रीवास्तव एच., एओजीडी के तत्वावधान में "प्रसवपूर्व देखभाल की अनिवार्यता" पर सीएमई में पैनल सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया। अप्रैल, 2017.

सिंह, ए., एओजीडी के तत्वावधान में "पोस्टनाटल सर्विसेज- कंटिन्यूम ऑफ केयर" पर सीएमई में पैनल सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया । 4 अगस्त , 2017.

सिंह, ए., एल.एल.आर.एम. मेडिकल कॉलेज, मेरठ में यू.पी.सी.ओ.जी. 2017 (29 वें एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ यू.पी. चैप्टर ऑफ ओबस्टेट्रिक्स एंड ग्यानेकोलॉजी) में आईयूजीआर पर एक पैनल चर्चा में पैनल सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया , 14 -15 अक्तूबर , 2017.

सिंह, ए., एओजीडी 39वें एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ ओबस्टेट्रिसियन एंड ग्यानेकोलोजिस्ट ऑफ दिल्ली "इनोवेशन इन पीपीएच मैनेजमेंट : बाकरी और छत्तीसगढ़ बेल्लून", में वीडियो प्रस्तुति हेतु वक्ता, 18 -19 नवंबर, 2017.

सिंह, ए., "बेसिक्स ऑफ एंडोस्कोपी इन ग्यानेकोलॉजी" पर कार्यशाला में अध्यक्ष, जुलाई 2017.

सिंह, ए., दिल्ली उच्च न्यायालय में आयोजित यौन अपराधों से जुड़े मामलों में चिकित्सा परीक्षण और एमएलसी की रिकार्डिंग, मौत सारांश और पोस्टमार्टम हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया, 27 अगस्त, 2017 और 10 फरवरी , 2018.

सिंह, ए. उत्तरी जोन युवा एफओजीएसआई, लखनऊ में "एसोसिएशन ऑफ सीरम एंड सरवाइकल टिश्यू ऑगेनाक्लोरीन पेंसटीसाइड लेवल्स एंड सरवाइकल टिश्यू इस्ट्राजेन रिसेप्टॅर एक्सप्रेशन इन Ca सरविक्स" पर एक पेपर प्रस्तुत किया, 28 -30 अप्रैल, 2017.

विस्तार और पहुँच गतिविधियां :

1. पूर्वी दिल्ली में सरवाइकल कैंसर स्क्रीनिंग शिविर
संकाय ने एआईआर पर रेडियो वार्ता प्रदान करता है

शिक्षकों की संख्या : 19

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी :
विभाग के संकाय को विभिन्न शैक्षणिक निकायों अर्थात् एमसीआई, यूपीएससी, डीएमसी, एनबीई, एफओजीएसआई, एओजीडी, एओजीआईएन में विशेषज्ञों के रूप में आमंत्रित किया जाता है और विभाग ने विभिन्न संगठनों का कार्यालय अर्थात् एओजीआईएन इंडिया, एनएआरसीएचआई और एओजीडी का संचालन किया।

***

ऑर्थोपेडिक्स (एमएएमसी)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां :
आर्थोपेडिक्स विभाग, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज ने स्नातक-पूर्व और स्नातकोत्तर विद्यार्थी दोनों के लिए ऑर्थोपेडिक्स के क्षेत्र में चिकित्सा शिक्षा के उच्च मानक को बनाए रखा है। विभाग ने उच्च शैक्षणिक मानक के कई लेख प्रकाशित करना जारी रखा है और इन्हें प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय जरनलों के सहकर्मी(पियर) समीक्षा में प्रकाशित / स्वीकार किया गया है और प्रतिष्ठित पुस्तकों के अध्यायों में योगदान दिया है। संकाय सदस्यों ने अतिथि व्याख्यान दिए हैं और पेपर्स प्रस्तुत किए हैं और पूरे देश में विभिन्न पाठ्यक्रमों और मंचों में अतिथि संकाय और विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किए गए हैं। विभाग ने ऑर्थोपेडिक्स में लोकप्रिय स्नातकोत्तर शिक्षणसंबंधी पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया, जिसने पूरे देश में 300 से अधिक स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को आकर्षित किया। अधिकांश संकाय सदस्यों को विभिन्न विश्वविद्यालयों में परीक्षकों के रूप में आमंत्रित किया गया है और भारतीय चिकित्सा परिषद और डी.एन.बी. के साथ शामिल है और चिकित्सा परीक्षा में योगदान दिया है।

सम्मान / गौरव
डॉ. एल. मेनी, इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन आर्थ्रोप्लास्टी फैलोशिप 2017.
डॉ. एल. मैनी, अध्यक्ष आई.एस.के.एस.ए.ए (इंटरनेशनल सोसायटी फॉर नॉलेज फॉर सर्जन ऑन आर्थोस्कोपी एंड आर्थ्रोप्लास्टी)।
डॉ. एल. मेनी, माननीय विशेषज्ञ एज हिल युनिवर्सिटी यू.के।
डॉ. विनीत डबास ने इन हैंड एक वर्षीय नैदानिक फैलोशिप और अपर एक्सट्रमिटी सर्जरी, पूरी की, कनाडा

प्रकाशन:

अग्रवाल, पी., दास, एस., गुप्ता, वी., अरोड़ा, एस. (2017). अनयूजवल एसोसिएशन ऑफ एलबो डिस्लोकेशन विथ ह्यूमरल बाईइपिकोनडायलर फ्रेक्चर इन ए चाइल्ड : ए केस रिपोर्ट विथ रिव्यू ऑफ लिटरेचर । *द जर्नल ऑफ क्लीनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रामा* , 8 (1), 41-44.
अनुराग, टी., मुकुल, एम., अंकित. टी., सुमित, एस., अनिल, डी. (2018). एनटेरिअॅर रिकॅन्स्ट्रॅक्शन ऑफ स्पाइन बाय पोस्टेरिअॅर एप्रोच इन केस ऑफ अनस्टेबल थोरोकोलंबार ब्रस्ट विस्फोट फ्रैक्चर्स। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन ऑर्थोपेडिक्स* , 4 (3), 421-427.
तिवारी ए., करखुर. वाई, मेनी, एल.(2018). हिप के तपेदिक में पूरे हिप का प्रतिस्थापन : एक व्यवस्थित समीक्षा। *जनरल ऑफ क्लीनिकल ऑर्थोपेडिक्स और ट्रामा* , 9 (1), 54-57.
असलम, एम.ए., सबिर, एबी., तिवारी, वी., अब्बास, एस., तिवारी, ए. सिंह, पी. (2017). एप्रोच टू टोटल नी रिपलेसमेंट : ए रेंडमॉइज्ड डॅबल ब्लाइंड स्टडी बिटविन मेडिअल पेरापेटेल्लार एंड मिडवास्तुस एप्रोच इन द अर्ली पोस्टोपेरेटिव पीरियड इन एशियन पापुलेशन । *जर्नल ऑफ नी सर्जरी* , 30 (8), 793-797.

भटनागर, एन., किशन, एच., सुरल, एस., लिंगयाह, पी., जयकुमार, के. (2017). पेलविक हाइडेटिड डिसीज : ए केस रिपोर्ट एंड रिव्यू ऑफ लिटरेचर। *जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक केस रिपोर्ट्स* , 7 (4), 25-28.

भटनागर, एन., लिंग्याह, पी., लोढ़ी, जे.एस., करखुर, वाई. (2017). पैथोलॉजिकल फ्रैक्चर ऑफ फेमोरल नेक लीडिंग टू ए डायग्नोसिस ऑफ विल्सॅन डिसीज : ए केस रिपोर्ट एंड रिव्यू ऑफ लिटरेचर । *जर्नल ऑफ बोन मेटाबोलिज्म* , 24 (2), 135-139.

बुशू, एच., दिव्यंशु, डी.डी., हेमंत, के.पी, धनंजय, एस. (2017). बिकॉनडिलर कॉनज्वाइंट होफा फ्रैक्चर विथ पैटेल्ला इनट्रेप्पड इन द फ्रैक्चर : ए रेयर केस रिपोट। *जर्नल ऑफ क्लीनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रामा* , 9 (2), 35-38.

बुशू, एच., प्रीती, एस., दिव्यांशु, डी.डी., धनंजय, एस. (2017). डर्माटोमायोजिटिस ए डायग्नोस्टिक डिलेमा : एन इंटरेस्टिंग केस सिरीज एंड रिव्यू ऑफ लिटरेचर। जर्नल ऑफ क्लीनिकल एंड एक्सपेरिमेंटल डर्माटोलॉजी रिसर्च, 8 (5), 1000414.

डागर, ए, कुमार, आर., कश्यप, ए. प्रभात, वी., लाल, एच., कुमार, एल. (2017). टांसफोरामिनल एपीड्यूरल इटेंनरसेप्ट फॉर द ट्रीटमेंट ऑफ प्रोलैप्सड लम्ब इंटरवर्टेब्रल डिस्क इंड्यूस्ड साइएटिका। *जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रामा , 8 (2), 148-152.*

गौतम, वी.के., सैनी, आर., शर्मा, एस. (2017). इफेक्टिवनेस ल्यूकोसाइट इस्टीरेज एज एड डायग्नोस्टिक टेस्ट फॉर एक्यूट सेप्टिक अर्थराइटिस। *जर्नल ऑफ़ ऑर्थोपेडिक सर्जरी* , 25 (1), 230 9 4 9 01018585019.

ग्रोवर, एस.बी., अरोड़ा, एस., कुमार, ए., ग्रोवर, एच., कट्यान, ए, नायर, डीएम. (2017). "काट बाय आई ऑफ साउंड" - इपिगैस्टिक स्वैलिंग ड्यू टू जिफिस्टेरनल ट्यूबरकुलोसिस। *पोलिश जर्नल ऑफ रेडियोलॉजी* , 82, 41-45.

हरना, बी., गोयल, ए., सिंह, पी., सबत, डी. (2017). पिडियाट्रिक कोनज्वाइंट होफा'स फ्रैक्चर : एन अनकॉमन इंजरी एंड रिव्यू ऑफ लिटरेचर । *जर्नल ऑफ क्लीनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रामा,* 8 (4), 353-354.

करखुर, वाई., मेनी, एल., तिवारी, ए., वर्मा, टी. (2017). इविंग्स सारकोमा ऑफ इलियम : रिसेक्शन एंड रिकॉनस्ट्रक्शन विथ फेमोरल हेड एलोग्राफ्ट। *जर्नल ऑफ क्लीनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रामा* , 8 (1), 53-57.

करखुर, वाई., तिवारी, ए., वर्मा, टी., मेनी, एल. (2017). अनयूजवल प्रेजेंटेशन ऑफ चोंड्रोब्लास्टोमा मिमिकिंग ट्रेवॅर'स डिसीज। जर्नल ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिसिन, 63(3), 197-199.

ललित, एम., अंकुर, एस., अंशुल, जी., अमित, एस., सुरभी, आर. (2018). इवेल्युएशन ऑफ नी इन सिंगल रेडियस वर्सेस मल्टी-राडी टोटल नी आर्थोप्लास्टी इन इंडिया पापुलेशन : ए रैंडमॉइज्ड कंट्रोल ट्रायल। *ओपन एक्सेस जर्नल ऑफ बायोमेडिकल इंजीनियरिंग एंड बायोसाइंसेस* , 1 (3).

पुष्पसेकरन, एन., कुमार, एन., चोपड़ा, आर.के. बोराह, डी., अरोड़ा, एस. (2017). थाविंग फ्रोजेन शोल्डर बाय स्टेरॉयड इंजेक्शन । *जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक सर्जरी,* 25 (1), 230 9 4 9 4016684470.

सिंह, पी., कुमार, ए., शेखावत, वी. (2017). स्क्राफ–रिलेटेड इंजरीज एट मेजर ट्रामा सेंटर इन नार्दन इंडिया। *चाइनीज जर्नल ऑफ़ ट्राउमैटोलॉजी* , 20 (2), 90-93.

विवेक, बी, अभिषेक, एम. , तरुण, वी. , ध्रुव, एम. , युगल, के., मेनी, एल. (2018). एंथ्रोपोमेट्रिक एसेसमेंट ऑफ ट्रायबल रिसेक्शन सरफेस मोरफोलॉजी इन टोटल नी आर्थ्रोप्लास्टी फॉर टिबियल कम्पोनेंट डिजाइन इन इंडिया पॉपुलेशन। *जर्नल ऑफ आर्थ्रोस्कोपी एंड ज्वाइंट सर्जरी ,* 5 (1), 24-28.

जर्नल:

डॉ. ललित मेनी :

सहयोगी संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स

कार्यकारी संपादक, जर्नल ऑफ क्लीनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रामा

कार्यकारी संपादक, जर्नल ऑफ आर्थ्रोस्कोपी एंड ज्वाइंट सर्जरी

सेक्शन संपादक, एमएएमसी जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज कोरेस्पॉडिंग संपादक, एशियन आर्चीव्स ऑफ एनास्थेसियोलॉजी एंड रेसुस्साइटेशन

आवेदित / अनुमोदित पेटेंट :

बेंडिंग ऑफ ऑर्थोपेडिक प्लेट्स, भारतीय आवेदन संख्या 2014711038563, आवेदक: आईआईटी दिल्ली, अन्वेषक : डॉ. सुनील झा और डॉ. ललित मेनी।

आयोजित सम्मेलन:

16 से 17 नवंबर, 2017 तक XIX एमएएमसी शिक्षण संबंधी पाठ्यक्रम व्याख्यान श्रृंखला।

मैनी, एल., 6वां एम.एस.के. इमेजिंग सीएमई, दिल्ली, 6 अगस्त, 2017, दिल्ली.

मेनी, एल., डी.ओ.ए. एडवांस ट्रामा कोर्स। अप्रैल, 2017.

मेनी, एल., डी.ओ.ए. बेसिक ट्रामा कोर्स। दिसंबर, 2017.

मेनी, एल।, दूसरी डीओए वैज्ञानिक लेखन कार्यशाला। जनवरी, 2018।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुति

अनिल ढल, XIX एमएएमसी शिक्षण संबंधी पाठ्यक्रम व्याख्यान श्रृंखला में तंत्रिका चोटों पर वार्ता। 16 -17 नवंबर, 2017.

गुप्ता, ए., XIX एमएएमसी शिक्षण संबंधी पाठ्यक्रम व्याख्यान श्रृंखला में स्पाइन सेसन, गैट विश्लेषण, आर्थोपेडिक रेडियोलोजी, कलाई चोटों पर वार्ता। 16 -17 नवंबर, 2017.

गौतम, वी.के., XIX एमएएमसी शिक्षण संबंधी पाठ्यक्रम व्याख्यान श्रृंखला में घुटने और आर्थोपेडिक रेडियोलॉजी के कोरोनल प्लेन विकृतियों पर वार्ता । 06 -17 नवंबर, 2017.

गौतम, वी.के., ने एम्स, नई दिल्ली, में वर्तमान अवधारणाओं आर्थ्रोप्लास्टी 2017, में दो लाइव सर्जरी पर एक सत्र की अध्यक्षता की । 12 -13 अगस्त, 2017.

गौतम, वी.के., वसंत राव पवार मेडिकल कॉलेज, नासिक में पीजी पाठ्यक्रम के लिए लॅम्बर केनाल स्टेनोसिस और एक्स-रे पढ़ने पर वार्ता। 25 -27 अगस्त' 2017.

शर्मा, एम., XIX एमएएमसी शिक्षण संबंधी पाठ्यक्रम व्याख्यान श्रृंखला में क्लीनिकल हिप एक्जामिनेशन पर वार्ता। 16 -17 नवंबर, 2017.

कुमार, वी., XIX एमएएमसी शिक्षण संबंधी पाठ्यक्रम व्याख्यान श्रृंखला में घुटने अस्थिरता पर वार्ता। 16-17 नवंबर, 2017.

सुराल, एस., 38वें एस.आई.सी.ओ.टी. आर्थोपेडिक विश्व कांग्रेस, केप टाउन, दक्षिण अफ्रीका में "रिजल्ट ऑन अर्ली डायग्नोसिस एंड रेपिड डिटेक्सन ऑफ रिफम्पिसिन रेजिस्टेंस बाय कार्टिज बेस्ड न्यूक्लिाइक एसिड एम्प्लीफिकेशन (सीबीएनएएटी) टेस्ट इन मॅसॅकुलोस्केलटल ट्यूबरकुलोसिस" पर पोस्टर प्रस्तुति। 30 नवम्बर -2 दिसंबर, 2018.

सुरल, एस., इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन वार्षिक सम्मेलन पीजी पाठ्यक्रम में 'हिप एक्जामिनेशन एंड रिसेंट एडवांसेस इन डायग्नोसिस एंड मैनेजमेंट ऑफ ऑस्टियोआर्टिकुलर टी.बी.' पर एक वार्ता। 26-31 दिसंबर, 2017, इंदौर.

सुरल. एस., पीजी कोर्स, भोपाल में गैट विश्लेषण और रीढ़ एक्जामिनेशन पर वार्ता। फरवरी, 2018.

सुरल, एस., XIX एम.ए.एम.सी. शिक्षण संबंधी पाठ्यक्रम व्याख्यान श्रृंखला में वार्ड राउंड, और स्पाइन पर वार्ता। 16-17 नवंबर, 2017.

मैनी, एल., ऑर्थोपेडिक्स नॉर्थ जोन वार्षिक सम्मेलन, लुधियाना में 3 डी मॉडलिंग। फरवरी, 2017.

मैनी, एल., शोध प्रस्ताव कैसे लिखें ।उत्तरी जोन वार्षिक सम्मेलन, लुधियाना । फरवरी, 2017.

मैनी, एल., इप्सिलेटल हिप और घुटने के फ्रैक्चर: टिप्स और ट्रिक्स। उत्तरी जोन वार्षिक सम्मेलन, लुधियाना। फरवरी, 2017,

मैनी, एल., लेखन सामग्री और तरीके। एम.ए.एम.सी पेपर लेखन कार्यशाला, अगस्त, 2017.

मैनी, एल., इवेल्युएशन ऑफ द एल्बो पैथोलॉजीज। पीजी अनुदेश पाठ्यक्रम एम.ए.एम.सी, सितंबर 2017.

मैनी, एल., पूरे हिप प्रतिस्थापन में टेम्पलेटिंग। स्मार्ट हिप और घुटने कॉनक्लेव । नवंबर, 2017.

मैनी, एल., तिब्बिया के संक्रमित नॉन यूनियन। ए.एस.ए.एम.आई वार्षिक सम्मेलन, रोहतक। दिसंबर, 2017.

मैनी, एल., XIX एमएएमसी शिक्षण संबंधी पाठ्यक्रम व्याख्यान श्रृंखला में कोहनी परीक्षण और ट्यूमर पर वार्ता। 16 -17 नवंबर, 2017.

कश्यप, ए., XIX एमएएमसी शिक्षण संबंधी पाठ्यक्रम व्याख्यान श्रृंखला में आर्थोपेडिक प्रत्यारोपण पर वार्ता। 16-17 नवंबर, 2017.
अरोड़ा, एस., एमएएमसी आर्थ्रोस्कोपी में "आर्थ्रोस्कोपिक ग्राफ्ट फिक्शेसन्स ऑप्शन्स" पर वार्ता और कैडवेरिक कार्यशाला में आर्थ्रोप्लास्टी अपडेट ।
अरोड़ा, एस., डी.ओ.ए बेसिक फ्रैक्चर फिक्सेशन कार्यशाला में "एक्सटर्नल फिक्सेटर्स" पर वार्ता।
सूरी, टी., "क्या एसएसआई थोरकोलंबार फ्यूजन में फ्यूजन परिणाम को प्रभावित करता है" पर पेपर प्रस्तुत किया।
सूरी, टी., "कॉनस ट्यूमर - एक समीक्षा" पर पोस्टर प्रस्तुत किया

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

जेरियाट्रिक मेडिसिन में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा पाठ्यक्रम ; प्राचार्य / सह-जांचकर्ता- डॉ. अनिल ढाल / डॉ. वी.के. गौतम, डॉ. सुमित सुराल; प्रायोजक संगठन- इग्नू(आईजीएनओयू)।
फ्रैक्चर एसीटाबुलम के निर्धारण के लिए रोगी विशिष्ट पूर्व-कंचर्ड प्लेटों को विकसित करने के लिए एक शोध को सहयोग। प्राचार्य / सह-जांचकर्ता- डॉ. सुनील झा, मैकेनिकल विभाग, आईआईटी दिल्ली, प्रायोजक संगठन- मैकेनिकल विभाग, आईआईटी दिल्ली ।

शिक्षकों की संख्या : 16

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी:

मैनी, एल., माननीय सचिव दिल्ली ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन 2015 - 18.
मैनी, एल., मानद सलाहकार रोटरी विकलांग केंद्र, कड़कड़डूमा।

***

नेत्र-विज्ञान (एलएचएमसी)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां :

विभाग ने ईएनटी विभाग के साथ संयुक्त रूप में एक विभाग को शुरू किया। वर्ष 1972 से यह एक अलग विभाग है। वर्तमान में, 5 संकाय सदस्य और 5 वरिष्ठ रेजीडेंट्स कार्यरत हैं। इसके अलावा प्रत्येक वर्ष ओप्थाल्मोलॉजी में एम.एस कर रहे 4 स्नातकोत्तर विद्यार्थी प्रवेश लेते हैं। विभाग एमबीबीएस पाठ्यक्रम और बी.एससी नर्सिंग कर रहे स्नातक-पूर्व विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करता है। ओप्थाल्मोलॉजी में प्रशिक्षु(इंटर्न) को 15 दिनों का अनिवार्य व्यावहारिक प्रशिक्षण करना होता है। यह व्यापक ओप्थाल्मिक सेवाएं भी प्रदान करता है और विभिन्न क्षेत्रों अर्थात फैकोमल्सीफिकेशन, ग्लूकोमा, ऑकलोप्लास्टी, स्क्विंट, रेटिना, आरओपी स्क्रीनिंग एंड मैनेजमेंट सहित बाल चिकित्सा नेत्र विज्ञान भी प्रदान करता है। विभाग के संकाय सदस्य और रेजीडेंट्स समय-समय पर विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग ले रहे हैं और पेपर्स तथा पोस्टर प्रस्तुत किया है। उन्होंने इन राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भी पुरस्कार जीते हैं। गुरुवार को शहरी स्वास्थ्य केंद्र कल्याणपुरी में सामुदायिक पहुँच सेवाएं प्रदान की जाती हैं। विभाग सरकार में सहभागिता की । विभाग ने एनपीसीबी, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार के तहत प्रायोजित कार्यक्रम में सहभागिता की और दिल्ली में विभिन्न नेत्र शिविरों में मरीजों की स्क्रीनिंग में भी भाग लेता है।

सम्मान / गौरव:

75वें एआईओएस सम्मेलन, जयपुर, भारत तथा 76वें एआईओएस सम्मेलन, कोयम्बटूर, भारत में बाल चिकित्सा ओप्थाल्मोलॉजी सत्र में सर्वश्रेष्ठ फिजिकल पोस्टर पुरस्कार जीता, 22-25 फरवरी, 2018.

प्रकाशन:

चौधरी, जेड., जॉन, जे., एनेजा, एस., थेल्मा, बी.के. (2017). पेडिग्री एनालिसिस ऑफ फमिलिअल प्राइमरी कॉनकोमिटेंट होरिजॅटल स्ट्रेबिस्मुस इन नार्दन इंडिया। *स्ट्रैबिस्मस,* 25 (4), 200-213.

बेरी, एस., शांडिल, ए., गर्ग, आर. (2017). स्टेनोट्रोफोमोनास माल्टोफिलिया : एन इमर्जिंग इंटिटी फॉर क्लस्टर एंडोफल्थाइटिस। *इंडियन जे ओप्थाल्मोल* . 65 (11), 1166-1171.

मदन, एस., बेरी, एस. (2017). बिटोट स्पॉट : अर्ली मार्कर फॉर अवाइडेबल ब्लाइंडनेस। *सीएमएजे,* 18 9 (40), ई 1264.

चौधरी, जेड., डेमर, जे.एल. (2018). लॉन्ग-टर्म सर्जिकल आउटकम्स इन द सेग्गिंग आई सिंड्रोम। *स्ट्रैबिस्मस* , 26 (1), 6-10.

गर्ग, आर., मदन, एस. सेठी, एम., और बेरी, एस. (2017). प्रेज्युम्ड अनुमानित इंट्राओकुलर ट्युबरकुलोसिस : एक असामान्य प्रस्तुति। *केस रिपोर्ट* , 5 (2).डीओआई: 10.19080 . जेओजेसी 5, 2017.05.55659,

गर्ग, आर., मदन, एस. प्रकाश, पी., चंदर, आर., (एन.डी). चौधरी, एम., लेसर-ट्रेलैट सिंड्रोम इन ए मेल विथ ब्रेस्ट कार्सिनोमा एंड आईलिड बेसल सेल कार्सिनोमा। *ओकुल ऑनकोल. पाथोल,* 2018; 4: 161-164, https : \\ doi.org \ 10.1159 \ 000481354.

जमा की गई स्नातकोत्तर शोध प्रबंध(थीसिस) और वर्तमान में जिन पर कार्य किया जा रहा है। 8 एमडी विद्यार्थी

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुति :

श्वेता सी., गर्ग आर. और बेरी एस. सोनोग्राफिक एसेसमेंट ऑफ ऑप्टिक डिस्क कपिंग एंड इट्स डायग्नोस्टिक परफॉर्मेंस इन ग्लूकोमा। एआईओसी, 2017.

प्रकाश ओ., एआईओएस 2017, जयपुर में फ्री पेपर प्रस्तुति : इफेक्ट ऑफ स्टेप मैंशन इनसिजन इन पेसैंट विथ 1 डी आस्टिग्मैटिज्म ऑफ्टर फाकोमेल्सिफिकेशन कैटेरेक्ट सर्जरी।

चौधरी जेड, राणा जी., 76वें अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान सोसायटी सम्मेलन, कोयंबटूर में 'सेरेब्रल विजुअल इम्पेरमेंट [सीवीआई] इज डिफ्रैंशियल डायग्नोसिस ऑफ रिकेलसीट्रैंट एम्ब्लोपिया' पर मौखिक प्रस्तुति। 22-25 फ़रवरी, 2018.

मदन एस., चौधरी जेड ., 76वें अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान सोसायटी सम्मेलन, कोयंबटूर में 'एक्यूट एक्वायर्ड कमिटमेंट इस्ट्रोपिया(एएसीई) इन ए प्री-डायबेटिक सब्जेक्ट' पर मौखिक प्रस्तुति। 22-25 फ़रवरी, 2018.

मदन एस., चौधरी जेड., 76वें अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान सोसायटी सम्मेलन, कोयंबटूर में 'जुवेनाइल मायास्थेनिक ऑप्थेलमोप्लेजिया' पर मौखिक प्रस्तुति। 22-25 फ़रवरी, 2018.

मदन एस., चौधरी जेड., 76वें अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान सोसायटी सम्मेलन, कोयंबटूर में 'कॉर्टिकल विजुअल इम्पेयरमेंट(सी.वी.आई.) स्कोरिंग इन चिल्ड्रेन विथ डेवेलपमेंटल डिले इन नार्दन इंडिया हाइड पार्क प्रस्तुति । 22-25 फ़रवरी, 2018.

चौधरी जेड., राणा जी., ढिकाव वी., धामिजा आर.के., चौथे वर्ल्ड सोसायटी ऑफ पिडियाट्रिक ऑप्थेलमोलॉजी एंड स्ट्रेबिस्मस सम्मेलन, हैदराबाद में 'विजुअल फंक्शन्स इन एल्हेमेर'स डेमेनशिया' पर ई-पोस्टर प्रस्तुति। 1-3 दिसम्बर, 2017.

मदन एस., चौधरी जेड., चौथे वर्ल्ड सोसायटी ऑफ पिडियाट्रिक ऑप्थेलमोलॉजी एंड स्ट्रेबिस्मस सम्मेलन, हैदराबाद में 'कॉर्टिकल विजुअल इम्पेयरमेंट(सी.वी.आई.) स्कोरिंग इन चिल्ड्रेन विथ डेवेलपमेंटल डिले इन नार्दन इंडिया'। में पोस्टर विलेज में मौखिक प्रस्तुति। 1-3 दिसम्बर, 2017.

मदन एस., चौधरी जेड., चौथे वर्ल्ड सोसायटी ऑफ पिडियाट्रिक ऑप्थेलमोलॉजी एंड स्ट्रेबिस्मस सम्मेलन, हैदराबाद में 'आप्टिक न्यूरिटिस विथ वेनॅस थ्रोम्बायोसिस एज ए मार्कर ऑफ ऑटो-इम्यून थायराइडिसिस' पर ई-पोस्टर प्रस्तुति । 1-3 दिसम्बर, 2017.

यादव आर., सेठी एम., चौधरी जेड., चौथे वर्ल्ड सोसायटी ऑफ पिडियाट्रिक ऑप्थेलमोलॉजी एंड स्ट्रेबिस्मस सम्मेलन, हैदराबाद में 'पैरी रोमबर्ग सिंड्रोम एंड लीनियर स्क्लेरोडार्मा इन पिडियाट्रिक पेसेंट' पर ई-पोस्टर प्रस्तुति । 1-3 दिसम्बर, 2017.

चौधरी जेड, जॉन जे., मुखोपाध्याय ए., अनजा एस., थेल्मा बी.के., संयुक्त 13वां इंटरनेशनल स्ट्रैबिस्मोलॉजिकल एसोसिएशन (आईएसए) और 44 वां अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ पेडियाट्रिक ओप्थाल्मोलॉजी एंड स्ट्रैबिस्मस (एएपीओएस) मीटिंग, वाशिंगटन डीसी, यूएसए, में होल एक्जोमे सेक्यूएंसिंग इन फैमिलिया प्राइमरी कॅमिटेंट एक्सोट्रोपिया' पर पोस्टर प्रस्तुति। 18 -22 मार्च,, 2018.

17 नवंबर, 2017 को भारत के में श्रॉफ चैरिटेबल नेत्र चिकित्सालय, नई दिल्ली, भारत में "मस्सल पुल्लाइज एंड रेक्टॅस मस्सल प्लिसेशन' पर वार्ता प्रस्तुत की।

डीओएस एसपीओएससी अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस 2017 में एएपीओएस संगोष्ठी में "जेनेटिक्स ऑफ कॉमिटेंट स्ट्रैबिस्मस" पर वार्ता प्रस्तुत की। 9-10 दिसम्बर, 2017.

मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में स्नातकोत्तर शिक्षा केंद्र में "स्ट्रेबिसम्स" सूक्ष्म शल्य चिकित्सा कौशल पाठ्यक्रम का आयोजन किया।

"न्यूअर सिग्नेर्स फॉर इवीडेंस बेस्ड इवेल्युशन इन स्ट्रेबिसम्स : इमेजिंग एंड जेनेटिक" पर वाशिंगटन डी.सी., यू.एस.ए. में 13 वीं आई.एस.ए और 44वां ए.ए.पी.ओ.एस. सम्मेलन की संयुक्त बैठक में प्रोफेसर जोसेफ एल. डेमर के साथ कार्यशाला आयोजित की और अध्यक्षता की । 18 -22 मार्च, 2018.

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग : विभाग को जन्मजात रूबेला सिंड्रोम निगरानी की आईसीएमआर परियोजना के हिस्से के रूप में चुना गया है।

शिक्षकों की संख्या : 4

***

आंख-नाक-गला चिकित्सा (यू.सी.एम.एस.)

प्रकाशन

सिंह, पी.पी., गोयल एम., गोयल, ए.(2017). सिअलेडोस्कोपी एप्रोच इन मैनेजमेंट ऑफ जुवेनाइल रिकरंट पेरोटिटिस। *इंड. जे. ओटोलारयंगो. हेड नेक सर्ज.,* 69 (4), 453-458.

गुप्ता, एन., हरित, ए., तनेजा, एच.सी., कुमार. आर., त्रिपाठी ए.के. (2017). ओल्फ़ैक्शन एंड इट्स कोरिलेट्स इन एलर्जीक राइनाइटिस : एक केस कंट्रोल स्टडी / *इंडियन जे. ओटोलारयंगो. हेड नेक सर्ज.।*

राय, जी., रॉय, पी., गुप्ता, एन. इट एल. (2017). कम्पयूटेड टोमोग्राफी स्कोर एन एक्सीलेंट मार्कर : डिफरेंसिएट्स ईओसिनोफिलिक एंड नॉन-ईसीनोफिलिक वैरिएंट ऑफ क्रोनिक राइनोसिनसिसिटिस विथ नासल पोलिप। है। *इंडियन जे. ओटोलारयंगो. हेड नेक सर्ज.।*

रॉय, प्रियंवदा. शुक्ला, दास. शर्मा, सोनल, वैभव गिरोत्रा, नीलिमा गुप्ता, रम्पा साहा, इकबाल और राजिंदर कौर. (2017). रिविजिटिंग द युटिलिटी ऑफ हिस्टोपैथोलॉजिकल एक्जामिनेशन ऑफ बॉयाप्सी : ए नेसेसिटी इन माइक्रोबायोलॉजी। *जर्नल ऑफ क्लीनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च,* 11(5), डी.सी.16-डी.सी. 18.

राय, जी., अंसारी, एम.ए., दार, एस.ए., दत्त, एस., गुप्ता, एन. एट अल. (2018). सीरम सायटोमिन प्रोफाइल इन पेसेंट्स विथ क्रोनिक रिनासिनुसिटिस विथ नासल पोलिपोसिसस इनफेक्टेड बाय एस्पेरजिलस फलेवुस। *एन लैब मेड* , 38, 125-131.

विभाग द्वारा आयोजित सम्मेलन

सिर और गर्दन कैंसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, 5 जुलाई, 2017.

हैंड्स ऑन हेड एंड नेक कैडवेरिक डिस्सेक्शन एंड रिकॅन्सट्रॅक्शन कार्यशाला। 12 -14 अक्टूबर , 2017.

सिर और गर्दन पुनर्निर्माण पर संगोष्ठी, फरवरी, 2018.

शिक्षकों की संख्या - 6

***

बाल दंत-चिकित्सक व निवारक दंत-चिकित्सक (यूसीएमएस)

प्रकाशन:

गर्ग के., कालरा एन., त्यागी आर., खत्री ए., पनवार जी. (2017). युवा मधुमेह बच्चों में ऑरोट्रैकल इनरबोटेशन के बाद एक कथित रूप से बढ़ी हुई दर्दनाक घातक छिद्रण का प्रोस्थेटिक पुनर्वास। *जे. क्लीनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च,* 11 (4), 38-9.

बावेजा एम., कालरा एन., त्यागी आर., फरीदी एम.एम.ए., खत्री ए. (2017). 3-5 वर्ष की आयु में बच्चों की दंत क्षय पर स्तनपान कराने के विभिन्न पैटर्नस का प्रभाव। *जे. डैंट स्पेशलिटीज,* 5 (1), 20-6.

गर्ग के., कालरा एन., त्यागी आर., खत्री ए., पनवार जी. (2017). पूर्वोत्तर दिल्ली के 7-14 - वर्षीय स्कूली बच्चों में स्थायी पूर्ववर्ती दांत में दर्दनाक दंत चोटों के प्रसार और गुणों का मूल्यांकन । *कंटेम्पॅरेरी क्लीनिकल दंत चिकित्सा,* 8 (2), 218-24.

पाटीदार एस., कालरा एन., खत्री ए., त्यागी आर. (2017). क्लीनिकल एंड रेडियाग्राफिक कम्प्रेजन ऑफ प्लेटेलेट-रिच फाइब्रिन एंड मिनरल ट्राईऑक्साइड एग्रीगेट एज पुलपोटोमी एजेंटस इन प्राइमरी मोलर्स। *जे. इंडियन सोश. पेडोड. प्रिवि. डैंट.,* 35, 367-373.

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुति :

डॉ. नमिता कालरा ने जामिया दिल्ली में कार्यशाला में एक अतिथि व्याख्यान दिया, 11- 12 अक्तूबर, 2017.

डॉ. नमिता कालरा ने रोहतक में 3 टी-आईबीएचएस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में सत्र की अध्यक्षता की , 5 -7 मार्च , 2018.

डॉ. ऋषि त्यागी ने चेन्नई में आईएसपीपीडी के 39 वें वार्षिक सम्मेलन में सत्र की अध्यक्षता की, 13 - 16 सितम्बर, 2017.

डॉ. ऋषि त्यागी ने चेन्नई में आईएसपीपीडी के 39वें वार्षिक सम्मेलन में एक पोस्टर प्रस्तुत किया, 13 - 16 सितम्बर, 2017.

शिक्षकों की संख्या : 04

***

विकृति-विज्ञान (एलएचएमसी)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां :

पैथोलॉजी विभाग द्वारा एक वर्ष में की गई प्रयोगशाला जांचों की कुल संख्या 8,24,436 थी। पैथोलॉजी विभाग ने दिनांक 08/04/2017 को दिल्ली सोसाइटी ऑफ हेमेटोलॉजी की त्रैमासिक बैठक आयोजित की थी। स्टूडेंट लीडरशिप

मिशन प्रोग्राम (मेडिकल एजुकेशन यूनिट के तत्वावधान में) के तहत स्नातक स्नातक-पूर्व विद्यार्थियों के साथ पैथोलॉजी और रक्त बैंक विभाग द्वारा कई स्वैच्छिक रक्तदान शिविर और विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

सम्मान / गौरव

डॉ. मंजुला जैन, डिर प्रोफेसर को भारतीय रोग विशेषज्ञ और माइक्रोबायोलॉजिस्ट (दिल्ली अध्याय) के अध्यक्ष नियुक्त किया गया था।

विशिष्ट सम्मान वाले विद्यार्थी : 08

प्रकाशन :

भूषण आर., अग्रवाल एस., चंदर आर., अग्रवाल के. (2017). डिस्कोइड लुपस एरिथैमैटोसस में डायरेक्ट इम्यूनोफ्लोरेसेंस अध्ययन। *वर्ल्ड जे. पैथोल.* , 6, 56-60.

चिकरा ए., शर्मा, एस., चंद्र जे., नांगिया ए. (2017). बीटा थैलेसेमिया में थ्रोम्बीन एक्टिवेबल फाइब्रिनोलिसिस अवरोधक । *इंडियन जे. पेडियाट्र.* , 84 (1), 25-30.

ललिता, जे.पी., सहगल एस., चटर्जी पी. (2018). लाल रक्त कोशिका कन्सेनट्रेट की एक छोटी मात्रा के संक्रमण के बाद हाइपोकैलसेइमिअ : एक असामान्य मामला। *जर्नल ऑफ क्लीनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च* , 12 (4), ईएल 01.

नांगिया ए 1, सहगल एस., अग्रवाल के. (2018). मैक्सन ट्यूमर मास्कराइडिंग एज ए पेपिलरी एडेनोकार्सीनोमा ऑन फाइन नीडल एस्पाइरेशन साइटोलॉजी : एक केस रिपोर्ट। *तुर्क पैटोलोजी. डर्ग.* , 34 (2), 17 9-181.

पुहुजा एस., पुरी वी., महाजन जी., गुप्ता पी., जैन एम. (2017). रिपोर्टिंग एडवर्स ट्रांसफ्यूजन रिएक्शन्स: ए रिट्रोसपेक्टिव स्टडी फ्रॉम टेरटिअरी केयर हॉस्पिटल फ्रॉम न्यू दिल्ली, इंडिया। *एशियन जे. ट्रांसफ्यूज. साइंस* , 11, 6-12.

पुरी वी., गांधी ए., शर्मा एस. (2017). रेनल बायोप्सी इन पेरॉक्सिस्मल नोक्टुरनल हेमोग्लोबिनुरिया : एन इनसाइट इनटू द स्पेक्ट्रम ऑफ मोर्फोलॉजिकल चेंजेज/ *इंडेन जे. नेफ्रोल,* 27, 284-285.

राय पी., कारागंदन एस. (2017). युटिलिटी ऑफ सेल ब्लॉक प्रेपरेशन फॉर प्रीऑपरेटिव डायग्नोसिस ऑफ स्कायर एंडोमेट्रोसिस। *जे. मेड. सोस.,* 31(3), 214-216.टी.

सिंह जी., शुक्ला एस., कुमारी पी., शुक्ला आई. (2018). ग्रानुलोसायटिक स्पंजियोटिक पापुलोवेसिकुलोसिस। ए रेयर केस ऑफ एक्सट्रा-नासोफैरेनजीज एंजियोफिब्रोमा ऑफ सेप्टम इन फीमेल चाइल्ड/ *जर्नल ऑफ़ लैरींगोलॉजी एंड ओटोलॉजी, 132 (2).184-187.*

सिंह एस., कश्यप ए., अग्रवाल के., आनंद ए. (2017). लिपोमैटस कांजेनिटल इंट्राडर्मल मेलानोसाइटिक नर्वस : ए रेयर ऑकरेंस। *इंडियन जे. केस. रिपोर्ट,* 3 (4), 281.

सिंह के., जैन एम, अग्रवाल के., पठानिया ओ.पी. (2017). कैंसर स्टेम सेल मार्कर, सीडी 44 एक्सप्रेसन इन इंडियन ब्रेस्ट कार्सिनोमा पेसेंट्स एंड इट्स एसोसिएशन विथ द मॉलीक्यूलर सबटाइप ऑफ ब्रेस्ट कार्सिनोमा। *द ब्रेस्ट* , 32 (1), 248.एम.

जर्नल

संपादकीय बोर्ड के संपादक (संपादकों) / सदस्य (सदस्यों) के रूप में कार्यरत कॉलेज शिक्षकों की संख्या : 01

अनुसंधान परियोजनाएं

स्वास्थ्य शोध विभाग, शीर्षक : आरटी-पीसीआर फॉर डिटेक्शन ऑफ कॉमन फ्यूजन ट्रांसक्रिप्ट्स इन चाइल्डहुड आल, 2017-18, रु.30 लाख.

आयोजित सम्मेलन

दिनांक 8/04/2017 को क्वाटरली मीट दिल्ली सोसायटी ऑफ हेमेटोलॉजी, एस.जे. ऑडिटोरियम, एल.एच.एम.सी.।

सम्मेलन में प्रस्तुति

डॉ. संगीता पुहजा ने इंडियन सोसाइटी ऑफ ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन, लखनऊ, के 6वें वार्षिक सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया। नवंबर, 2017.

डॉ. संगीता पुहजा ने आईएसबीटी, गुआंगझौ की 28वीं क्षेत्रीय कांग्रेस में पेपर प्रस्तुत किया। 25 -28 नवंबर , 2017.

डॉ. प्रीति राय, ने प्रथम आईसीएसएलएस (इंडियन कॉनफेडरेशन ऑफ मेडिकल लेबोरेटरी साइंस), एचएमसी में पेपर प्रस्तुत किया। 15 -16 अप्रैल , 2017.

डॉ. प्रीति राय, ने इंटरनेशनल सीएमई ऑफ ग्यानेकोलॉजिक पैथोलॉजी पीजीआई चंडीगढ़ में पेपर प्रस्तुत किया। 28 - 29 अक्टूबर, 2017.

डॉ. प्रीति राय, ने प्रथम आईसीएसएलएस (इंडियन कॉनफेडरेशन ऑफ मेडिकल लेबोरेटरी साइंस), एचएमसी में पेपर प्रस्तुत किया। 15 -16 अप्रैल , 2017.

डॉ. ज्योत्सना ने आईएपीएम, भोपाल के 66वें वार्षिक सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किए । 7-10 दिसंबर, 2017.

डॉ. वंदना पुरी, पैथकॉन नई दिल्ली में पेपर प्रस्तुत किया। 16 -17 दिसम्बर, 2017.

शिक्षकों की संख्या : 15

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ. मंजुला जैन भी दो जरनल्स (एक्टा साइटोलोजिका और जर्नल ऑफ साइटोलॉजी) में संपादकीय बोर्ड के सदस्य हैं।

डॉ. संगीता पूहजा सिंधवानी, प्रोफेसर को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तहत "प्रथम रेफरल इकाइयों में रक्त भंडारण केंद्रों की स्थापना के लिए दिशानिर्देश बनाने के लिए राष्ट्रीय तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया है और "ई-रक्त रक्तकोष सॉफ्टवेयर प्रशिक्षण और रक्त सेवाओं को सुदृढ़ करने" के लिए प्रशिक्षण पुस्तिका को अंतिम रूप देने के लिए राष्ट्रीय तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया।

***

विकृति-विज्ञान (एमएएमसी)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां:

250 एमबीबीएस विद्यार्थियों और बीडीएस, बीपीओ और एमएलटी विद्यार्थियों और पैथोलॉजी के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के शिक्षण के साथ नैदानिक प्रयोगशाला के रूप में कार्य करता है। त्वचा घावों, छोटे, मध्यम और बड़े शल्य चिकित्सा नमूने, शव नमूने, इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री और विशेष दाग के लिए तेजी से अंतःक्रियात्मक निदान,, इम्यूनोफ्लोरोसेंस हेतु जमे हुए सेक्शन के साथ हिस्टोपैथोलॉजी अनुभाग 18405 नमूने प्राप्त हुए है। हेमेटोलॉजी में 1,4827 नमूनों को विशेष हेमेटोलॉजी डायग्नोस्टिक परीक्षणों के लिए प्राप्त किया गया था। पूरा हीमोग्राम, अस्थि मज्जा एस्पिरेट्स और अस्थि मज्जा बायोप्सी। विभिन्न परीक्षण में विशेष हेमेटोलॉजी अर्थात् जी 6 पीडी डिफियुएसी, ओस्मोटिक नाजुकता, एचपीएलसी, साइटोकेमिकल दाग और ली सेल में परीक्षण किया जाता है। फ्लो साइटोमेट्री हेमेटोलिम्फोइड मैलिग्नेंसी और पीएनएच का निदान करने के लिए किए जाते हैं। लिम्फोमास का निदान करने के लिए लिम्फड एस्पैरेट्स से फ्लो साइटोमेट्री जोड़ा गया है। 9051 साइटोलॉजी नमूने तरल पदार्थ साइटोलॉजी और एस्पाइरेशन साइटोलॉजी नमूने समेत संसाधित किए गए थे, छवि निर्देशित एफएनएसी और बेड एफएनएसी, एसिटिक तरल पदार्थ, पेरिटोनियल तरल पदार्थ, फुफ्फुसीय तरल पदार्थ, बीएएल, स्पुतम साइटोलॉजी, मूत्र साइटोलॉजी और गीनी पीएपी स्मीयर से एस्पैरेट्स द्रव। नियमित रूप से स्नातकोत्तर स्तर सेमिनार, क्लिनिकॉप्थाथोलॉजिकल मीट्स, परियोजनाएं, प्रकाशन और थीसिस कार्य संकाय विकास गतिविधियों के साथ ऑन गोइंग अभ्यास हैं। विभिन्न राष्ट्रीय

और अंतरराष्ट्रीय सहकर्मी (पीयर) समीक्षा जर्नल में विभाग संकाय द्वारा अड़तीस प्रकाशन किए गए थे। पिछले वर्ष की तुलना में नैदानिक कार्य में 4.7% की वृद्धि हुई है।

सम्मान और गौरव :

डॉ. सरिका सिंह को इंडियन माइलोमा कांग्रेस में सर्वश्रेष्ठ पेपर से सम्मानित किया गया था। फरवरी, 2018.

प्रकाशन :

आगामनी, वी., अंजली प्रकाश, श्यामा जैन. (2018). इज एकास्टिक रेडिएशन फोर्स इम्पल्स अल्ट्रासाउंड *इलास्टोग्राफी* वेलुएबल इन एसेसमेंट ऑफ सर्वाइकल लिम्फैडेनोपैथी । *इंडियन जर्नल ओटोलरींगोल हेड एंड नेक सर्जरी* ।

बेम्बेम, के., जायसवाल, ए. सिंह, एम., वर्मा, एन., जैन, एस., और भट, ए. (2017). सायटो-हिसटो कोरिलेशन ऑफ ए वेरी रेयर ट्यूमर : सुपरिफसिअल एंजियोमाइक्सोमा। *जर्नल ऑफ साइटोलॉजी* , *34* (4), 230.

भट, जी.ए., गुनासेकरन, वी., लाल, पी., और खुराना, एन. (2018). क्षय रोग और कैंसरोमा स्तन के साथ इसका सह-अस्तित्व : भारत में तृतीयक देखभाल चिकित्सालय में एक पूर्वदर्शी विश्लेषण। *द ब्रेस्ट जर्नल* , *24* (1), 94-95.

भट्टाचार्य, जे.बी., गुप्ता, आर., और नारायण, एस. (2017). पीडियाट्रिक सीएमएल प्रेजेंटिंग इन ब्लास्ट क्राइसिस-ए रेयर ऑक्रेंस : रिपोर्ट ऑफ 3 केसेस एंड रिव्यू ऑफ लिटरेचर।

भट्टाचार्य, जे.बी., गुप्ता, आर., और समाधिया, ए. (2017). क्रोनिक माइलोजेनस ल्यूकेमिया की प्रस्तुति अभिव्यक्ति के रूप में तीव्र मेगाकार्योब्लास्टिक विस्फोट संकट। *ब्लड रिसर्च* , *52* (2), 137-139.

भट्टाचार्य, जे.बी., सिंह, एम., और जैन, एस.एल. (2017). इंटरापेरोटिड स्कवान्नोमा मास्क्वेरेडिंग एज प्राइमरी स्पिंडल सेल ट्यूमर ऑफ पेरोटिड पिटफाल। *जर्नल ऑफ साइटोलॉजी* , *34* (4), 221.

बोहरा, एस., जैन, एस., खुराना, एन., शांगप्लिांग, डी.एम., अग्रवाल, एस., और गांधी, जी. (2018). इंट्राओपरेटिव साइटोलॉजी ऑफ ओवेरियन निओप्लाजमा विथ एन अटेम्प्ट टू ग्रेडइपिथेलिअल ट्यूमर्स। *जर्नल साइटोलॉजी* , *35* (1), 1.

चौधरी, डी., मंडल, एस. खुराना, एन., और लाल, पी., (2018). एग्रेसिव एंजिओमायक्सोमा ऑफ द पैराटेस्टिस : केस रिपोर्ट विथ ए कम्प्रेहेंसिव रिव्यू ऑफ लिटरेचर। *जर्नल ऑफ जेनिटल सिस्टम एंड डिआर्डर।* चौधरी एट अल., जे. जेनिट. सिस्ट. डिसॉर्ड. 7, 1.

छिकारा, ए., सिंह, एस., गुप्ता, बी., और अंसारी, एम. (2016). डायग्नोस्टिक कोनुनड्रम ऑफ इन्फैंटाइल ग्लाइकोजन स्टोरेज डिसऑर्डर विथ मायोपैथी। *जर्नल ऑफ क्लीनिकल एंड एक्सपेरिमेंटल हेपेटोलॉजी।* *6* , एस 7 9.

गुप्ता ए.जे., मंडल एस., गुप्ता आर., खुराना एन., गुलाटी ए. (2017). माइलॉइड सरकोमा प्रेजेंटिंग एज नासल एंड ओरबिटल मास : एन इनीसियल मेनिफेस्टेशन ऑफ ए एक्यूट माइलॉइड ल्यूकेमिया। *जे. क्लिन. डायग्न. रेस.,* 11 (7), ईडी 24-ईडी 26.

गुप्ता बी., यादव एस., खुराना एन., राज पी. (2017). सेक्रोकोसायजिअल टेरटोमा इन सेवेन-डे-ओल्ड चाइल्ड विथ पुलमोनरी डिफरेनसिएशन। *जे. क्लिन.डिएगन. रेस.*, 11 (8), एसडी 01-एसडी 022.

गुप्ता, ए.जे, सिंह, एम., रानी, पी., जैन, एस. खुराना, ए., और साहू, एल. (2017). मालीग्नेंट मिक्स्ड मुल्लेरियन ट्यूमर ऑफ ओवरी-स्क्रेप-सायटोलॉजी : फाइंडिंग्स विथ रिव्यू ऑफ लिटरेचर। *जर्नल ऑफ साइटोलॉजी* , *34* (2), 125.

गुप्ता, ए.जे., सिंह, एम., यादव, एस. खुराना, एन., जैन, एस.एल., चावला, आर. और मिश्रा, ए. (2017). फेयोहाइफोमाइकोसिस ब्रेस्ट मास्कराइडिंग एज फाइब्रोडेनोमा इन ए यंग टीनएज गर्ल। *डायग्नोस्टिक साइटोपाथोलॉजी* , *45* (10), 939-942.

गुप्ता, बी., और जैन, एस.(2018). पेरिआनल नोड्यूल ड्यू टू एंटरोबियस वर्मीक्युलरिस : साइटोमोर्फोलॉजिकल स्पेक्ट्रम ऑन फाइन नीडल एस्पिरेशन सायटोलॉजी विथ ए रिव्यू ऑफ लिटरेचर। *ट्रोपिकल पैरासिटोलॉजी* , *8* (1), 53.

गुप्ता, एल., भट्ट, ए.एस., माल्या, वी., खुराना, एन., और लाल, पी. (2018). एड्रेनल मेडुलरी हाइपरप्लासिया विथ कोएजिसटेंट सेरेबल एंजियोमास। *इंडियन जर्नल ऑफ़ पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी,* *61* (4), 587.

गुप्ता, आर., सक्सेना, पी., गर्ग, आर., (2017). ए रेयर केस ऑफ नॉन सेकरेटॅरी प्लाज्मा सेल ल्युकेमिया विथ अनयूजवल मारफोलॉजी एंड अबेरेंट एक्सप्रेशन ऑफ CD23 एंड CD56। *जे. हेमेटोल ट्रांसफ्स.* 5 (1), 1058.

गुप्ता. बी., अरोड़ा, पी., गुप्ता, आर., खुराना, एन., (2018). 'टी-एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया/लिम्फोमा, एन एक्सपेक्टेड काज ऑफ सडेन डेथ'- *जर्नल ऑफ इंडियन एकाडमी ऑफ फोरेंसिक मेडिसिन(एक्सपेक्टेड अंडर पब्लिकेशन मार्च, 2018)* ।

जैन, ए., टी.एन., पी.के., घुलियानी, डी., कुमार, एल., और अरोड़ा, पी. (2018). ए टिपकल प्रेजेंटेशन्स ऑफ ए कॉमन इंडेमिक डिसीज : ए सिरीज ऑफ 3 केसस ऑफ फिलारिअसिस। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च, *6* (12).

खुराइजम, बी., सक्सेना, पी., खुराना, एन., और नेगी, एस. (2017). पेरिटॅक्टल स्ट्रोमल सेक्रोमा ऑफ ब्रेस्ट विथ कोइजिस्टेंट ट्युबरकुलोस मासटिटिस। *जर्नल ऑफ मिथ-लाइफ हेल्थ 8* (3), 142.

कुमार, ए., हैटवाल, डी., बत्रा, एन., और वर्मा, एन. (2018). रोल ऑफ nm23H1 इन प्रेडिक्टिंग मेटाटासेस इन प्रोस्टेटिक कार्सिनोमा। *इंडियन जर्नल ऑफ़ पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी, 61* (1), 70.

रथ, ए., सिंह, एस., सिंह, डी., पराख एन.(2018). कंपाउंड हेटरोज्यगोट्स हीमोग्लोबिन लीपोर / बीटा थैलेसेमिया प्रेजेंटिंग एज नॉन ट्रांसफ्यूजन डिपेंडेंट थेलेसेसमिया : ए ब्रीफ रिपोर्ट एंड रिव्यू ऑफ लिटरेचर विथ इंडियन पेरस्पेक्टिव। *ई ejpmr,* 5 (6), 612-16.

राठी, आर., जैन, ए., मंडल, एस., खुराना, एन., त्रिपाठी, आर. (2018). गैंट चोरंगीओमा प्रेजेंटिंग विथ एबसेंट फोएटुस : ए मिस्ट्री। *जे. ओबस्टेट. ग्यानेकोल.* । 5, 1-2.

राठी, आर., गुप्ता, ए.जे., मंडल, एस. खुराना, एन., त्रिपाठी, आर. (2017). चोरंगीओमा प्रेजेंटिंग विथ एन एबसेंट फोएटुस : ए मिस्ट्री ! [*एक्सेप्टेड इन जर्नल ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनकोलॉजी]।*

सागर, एन., अरोड़ा, पी., खुराना, एन., और पाससी, जे.सी. (2018). रुपचर्ड एंड इनफ्लेम्ड एपिडर्मल इनक्लुजन सिस्ट ऑफ़ टंग - ए केस रिपोर्ट। *जर्नल ऑफ क्लीनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च* , *12* (8).

सरदार, के., बंसल, एस. गर्ग, वी.के., और खुराना, एन. (2017). ट्रीटमेंट ऑफ नेवस लिपोमैटोसस कटनीस सुपरफिशियल विथ CO2 लेजर। *जर्नल ऑफ कॉस्मेटिक डेरमेटोलॉजी । 16* (3), 333-335.

सरदार, के., चुग, एस., रंजन, आर., और खुराना, एन. (2017). ल्यूपस मिलिअरिस डिस्मिनेटस फ्सीसी : रेस्पॉस टू साइक्लोस्पोरिन। *डरमेटोलॉजिक थेरेपी, 30* (4), ई 12496.

सरिका सिंह, आशुतोष रथ, सुरेखा यादव. (2018). प्राइमरी प्लाज्मा सेल ल्यूकेमिया: केस रिपोर्ट एंड रिव्यू ऑफ लिटरेचर। *सुल्तान कबाबोस यूनिवर्सिटी मेडिकल जर्नल।*

शर्मा, एम., खंगार, बी., माल्या, वी., खुराना, एन., गुप्ता, एस. (2017). कोइक्जिसटिंग ब्रेनर ट्यूमर और एंडोमेट्रियल कार्सिनोमा। *जे. मिडलाइफ हेल्थ,* 8 (2). 89-91.

शर्मा, एम., माल्या, वी., खुराना, एन., कुमार, पी., और दुग्गल, आर. (2017). लिम्फोवास्कुलर मालफोरमेशन- ए रिपोर्ट ऑफ टू केसस। जर्नल ऑफ क्लीनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च: *जेसीडीआर* , *11* (5), ईडी 03.

सिंह, एस., अंसारी, एम.के., अग्रवाल, के., और थॉमस, एस. (2018). किमुरा'स डिसीज मासस्क्वरेडिंग एज ब्रेस्ट मालिगेंसी। *जर्नल ऑफ इंटरनेशनल रिसर्च* इन मेडिकल एंड *फार्मास्यूटिकल साइंसेज।* 12 (2), 66-72.

वत्स, एम., सचन, वी., प्रजापति, एस., मंडल, एस. (2018). ट्रिपल रिसेप्टॅर पॉजिटव प्राइमरी न्यूरोन्डोक्राइन कार्सिनोमा ऑफ ब्रेस्ट इन यंग पेसेंट। *बी.एम.जे. केस रिप.* 4 जनवरी.

यादव, पी., मासरुर, एम., नंदी, के., काजा, आर.सी.एम, जैन, एस.के., खुराना, एन. और सक्सेना, ए. (2018). प्रोमोटर मिथाइलेशन ऑफ BRCA1, DAPK1 एंड RASSF1A एज एसोसिऐटेड विथ इनक्रीज्ड मोरटेलिटी एमांग इंडियन वूमेन विथ ब्रेस्ट कैंसर। एशियन पेसिफिक जर्नल ऑफ कैंसर पिवेंशन : *एपीजेसीपी* , *19* (2), 443.

यादव, एस., महेश्वरी, बी., सागर, एन., माल्या, वी., खुराना, एन., और गुप्ता, एस. (2017). ब्रॉड लिगामेंट लिपोलेओमामामा मासेस : टू क्यूरिअस मासक्युरेडिंग एज ओवारियन कार्सिनोमास। *सुल्तान कबाबोस युनिवर्सिटी मेडिकल जर्नल* , *17*(4), ई 477.

यादव, एस., सिंह, एस., खुराना, एन., और राठौर, पी.के. पॉलीपाइडल म्यूकोपिडर्मोइड कार्सिनोमा ऑफ सॉफ्ट पालेट : एन इंसिडेंटल फाइंडिंग इन चाइल्ड। यूरोपीय जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एंड मेडिकल रिसर्च।

यादव, एस., तोमर, आर., वर्मा, एन., खुराना, एन., और त्रिथी, आर. (2017). स्ट्रुमा ओवारि विथ सूडो-मेइग्स' सिंड्रोम एंड रेज्ड कैंसर एंटीजेन-125 लेवल्स मासक्वेरेडिंग एज एन ओवारियन कार्सिनोमा केस रिपोर्ट एंड लिटरेचर रिव्यू। *सुल्तान कबाबोस यूनिवर्सिटी मेडिकल जर्नल* , *17* (2), ई 22 9.
यादव, एस., वर्मा, एन., खुराना, एन., और नियोगी, एस. (2018). रेकरंट डेरमाटोफिब्रोसारकोमा प्रोटुबेरांस विथ पिगमेंटेशन एंड मायॉयड डिफरेंसिएशन। *सुल्तान कबाबोस यूनिवर्सिटी मेडिकल जर्नल* , *18* (2), ई 228.

संपादकीय बोर्ड के संपादकों / सदस्य के रूप में कार्यरत विभाग शिक्षकों की संख्या - 1

अनुसंधान परियोजनाएं

ऑनगोइंग अंतर्संस्थानिक इंट्रामरल परियोजनाएं :

जेनोटायपिक सबक्लासिफिकेशन ऑफ डिफ्यूज लार्ज बीसेल लायम्फोमा बाय एक्प्रेशन ऑफ Myc, Bcl2 एंड Bcl6 इन ए टेरटिअरी हेल्थ केयर सेंटर। डॉ. सरिका सिंह द्वारा, रु. 1.5 लाख
कोरिलेशन ऑफ P16 एंड गेलेसटिन 1 एंड 3 एक्प्रेशन इन डिसप्लसीस एंड स्क्वैमस सेल कार्सिनोमस ऑफ बुस्सेल मुकोसा बाय डॉ. श्रामन मंडल।
डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ इंटर्सटिटिअल सेल्स ऑफ काजल (आईसीसी) इन हिर्शसप्रंग डिसीज : एन इम्यूनोहिस्टोकेमिकल अध्ययन। प्रेरणा अरोड़ा द्वारा।
रोल ऑफ कैंसर स्टेम सेल मार्कर्स CD44, CD133 एंड CD49f इन ट्रिपल निगेटिव ब्रेस्ट कैंसर्स एंड दियर एसोसिएशन विथ हिस्टोलॉजिकल ग्रेड, एंजियोजेनेसिस एंड मेटास्टेसिस। डॉ. रीना तोमर द्वारा।
मोरफोलॉजिकल एंड इम्यूनोहिस्टोकेमिकल स्टडी ऑफ फेलोपियन ट्यूब्स इन ओवरियन सेरॅस ट्यूमर्स। डॉ. वरुण माल्या द्वारा।

बाहरी परियोजना -

"मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य और मेडिकल स्टूडेंट्स के संज्ञान पर राजयोग ध्यान के प्रभाव का अध्ययन करना। डीएसटी के तहत- डॉ. रीना तोमर द्वारा। वित्त पोषण: डीएसटी द्वारा स्वीकृत परियोजना और वित्तीय अनुदान।

आयोजित सम्मेलन

दिल्ली सोसाइटी ऑफ हेमेटोलॉजी की त्रैमासिक बैठक, मार्च, 2018

संगोष्ठियों/सम्मेलन में प्रस्तुति

पोस्टर/मौखिक प्रस्तुतियाँ

मेटास्टैटिक कैंसर के त्वचाविज्ञान अभिव्यक्तियों में एफएनएसी की उपयोगिता। गुप्ता बी., सिंह वी., माल्या वी., जैन.। आरएमएल पीजीआईएमईआर, नई दिल्ली में 'दिल्ली चैप्टर-इंडियन अकादमी ऑफ सायटोलॉजिस्ट' जीटीबीएच का 6वां वार्षिक सम्मेलन , 16 सितम्बर 2017.
सायटोलॉजिकल इवेल्युएशन ऑफ पेरीकार्डियल फ्लूइड : ए फाइव ईयर एक्सपिरिएंस एट टेटिअरि हेल्थ केयर सेंटर। यादव एस., सिंह एम., सिंह पी., जैन एस. 'दिल्ली चैप्टर-इंडियन अकादमी ऑफ सायटोलॉजिस्ट' जीटीबीएच का 6वां वार्षिक सम्मेलन , 16 सितम्बर 2017.
इन्फ्रैक्ट इन फाइब्रोडेनोमा - ए डाग्नोस्टिक डिलेमा ऑन साइटोलॉजी, चौधरी डी, अग्रवाल आर. रथ ए, मंडल एस., जैन एस., 'दिल्ली चैप्टर-इंडियन अकादमी ऑफ सायटोलॉजिस्ट' जीटीबीएच का 6वां वार्षिक सम्मेलन , 16 सितम्बर 2017.
यूटेराइन कारसिनोसारकोमा डायग्नोस्टिक ऑन साइटोलॉजी - एक केस रिपोर्ट। गोस्वामी एस. अग्रवाल, आर.वी. वर्मा, एन, जैन एस., सिंह एम. 'दिल्ली चैप्टर-इंडियन अकादमी ऑफ सायटोलॉजिस्ट' जीटीबीएच का 6वां वार्षिक सम्मेलन , 16 सितम्बर 2017.

रोल ऑफ फाइन नीडल एस्पिरेशन सायटोलॉजी इन द डायग्नोसि ऑफ पायलोमैट्रिकोमा : ए केस सिरीज कुमार आर. मुररी डब्ल्यु. वर्मा एन, तोमर आर, जैन एस. 'दिल्ली चैप्टर-इंडियन अकादमी ऑफ सायटोलॉजिस्ट' जीटीबीएच का 6वां वार्षिक सम्मेलन, 16 सितम्बर 2017.

सी.एल.एल./एस.एल.एल. प्रेजेंटिंग एज थाई मास - ए रेयर केस रिपोर्ट। सिंह वी., चौधरी डी., कुशवाह पी., अग्रवाल आर., गुप्ता।

आर., जैन एस., आर.एम.एल. पी.जी.आई.एम.ई.आर., नई दिल्ली, 'दिल्ली चैप्टर-इंडियन एकेडमी ऑफ साइटोलॉजिस्ट' जीटीबीएच का 6वां वार्षिक सम्मेलन, 16 सितंबर, 2017.

ए डायग्नोस्टिक डिलेमा ऑफ फाइब्रोमैटोसिकालि मिमिकिंग राब्डोमायओसेरकोमा : एन एप्रोच टू साइटोलॉजिकल डायग्नोसिस। प्रियदर्शिनी बी. अग्रवाल आर. वर्मा एन., आर.एम.एल. पीजीआईएमईआर, नई दिल्ली 'दिल्ली चैप्टर-इंडियन एकेडमी ऑफ साइटोलॉजिस्ट' जीटीबीएच का 6वां वार्षिक सम्मेलन, 16 सितंबर, 2017.

पॉट. पोउरी केस की प्रस्तुति 'यंग वूमेन विथ ब्रेस्ट लम्प' अग्रवाल आर., जैन एस., मंडल एस., आर.एम.एल. पीजीआईएमईआर, नई दिल्ली 'दिल्ली चैप्टर-इंडियन एकेडमी ऑफ साइटोलॉजिस्ट' जीटीबीएच का 6वां वार्षिक सम्मेलन, 16 सितंबर, 2017.

साइटोलॉजिकल स्पेक्ट्रम ऑफ माइनर सेलिवेरी ग्लैंड ट्यूमर्स, ऐ रिट्रोस्पेक्टिव स्टडी । सिंह एम., यादव एस., तिवारी एस.के., जैन एस., खुराना एन., मंडल एस., मेहर आर.। आईएसी 'साइकोकॉन 2017' का 47वां वार्षिक सम्मेलन, एनईआईजीआरआईएचएमएस, शिलांग, 10 -13 नवंबर , 2017.

प्राइमरी रेट्रोपेराफेरायनगेल ट्युबरकुलर एब्स्केस - ए रेयर प्रेजेंटेशन। रबीश कुमार, गुप्ता बी., अरोड़ा पी., जैन एस., आईएसी 'साइकोकॉन 2017' का 47वां वार्षिक सम्मेलन, एनईआईजीआरआईएचएमएस, शिलांग, 10 -13 नवंबर , 2017.

रोल ऑफ यू.एस.जी. गाइडेड एफएनएसी इन द डायग्नोसिस ऑफ इंट्राबॉडमिनल एंड रेट्रोपेरिटोनियल मास लेसन्स : एक्सपिरिएंस ऑफ एन इंडियन मेट्रोपोलिस। गुप्ता बी., चौधरी डी., सिंह वी., जैन एस., आईएसी 'साइकोकॉन 2017' का 47वां वार्षिक सम्मेलन, एनईआईजीआरआईएचएमएस, शिलांग, 10 -13 नवंबर , 2017.

एन ऑडिट ऑफ यू.एस.जी. गाइडेड एफएनएसी ऑफ सुप्राडायफ्रेग्मैटिक लेसियंस- एक 5 वर्षीय अध्ययन। यादव एस., सिंह एम., बलहर के., जैन एस., आईएसी 'साइकोकॉन 2017' का 47वां वार्षिक सम्मेलन, एनईआईजीआरआईएचएमएस, शिलांग, 10 -13 नवंबर , 2017.

साइटोलॉजिकल स्पेक्ट्रम ऑफ फाइब्रोडेनोमा। सम युजवल एंड सम फीचर्स । चौधरी डी., गुप्ता बी., जैन एस., आईएसी 'साइकोकॉन 2017' का 47वां वार्षिक सम्मेलन, एनईआईजीआरआईएचएमएस, शिलांग, 10 -13 नवंबर , 2017.

रोल ऑफ फाइन नीडल एस्पाइरेशन साइटोलॉजी इन द डायग्नोसिस ऑफ मालिग्नेंट बोन ट्यूमर्स । सेलियो एस., रोल ऑफ फाइन नीडल एस्पाइरेशन साइटोलॉजी इन द डायग्नोसिस ऑफ मालिग्नेंट बोन ट्यूमर्स। सेलो एस., जैन एस., खुराना एन., गौतम वी.के.। आईएसी 'साइकोकॉन 2017' का 47वां वार्षिक सम्मेलन, एनईआईजीआरआईएचएमएस, शिलांग, 10 -13 नवंबर , 2017.

कैंसरोसारकोमा ऑफ युटेराइन सेरविक्स मेटास्टेसाइजिंग टू आर्म। धंकर एन., गुप्ता बी., जैन एस. आईएसी 'साइकोकॉन 2017' का 47वां वार्षिक सम्मेलन, एनईआईजीआरआईएचएमएस, शिलांग, 10 -13 नवंबर , 2017.

नॉन हॉजकिन्स लिम्फोमा - फ्लोर ऑफ माउथ। धार एल., गुप्ता बी., सिंह वी., माल्या वी., गुप्ता आर., जैन एस. आईएसी 'साइकोकॉन 2017' का 47वां वार्षिक सम्मेलन, एनईआईजीआरआईएचएमएस, शिलांग, 10 -13 नवंबर , 2017.

प्योर रेड सेल एप्लेसिया एज क्लीनिकल प्रेजेंटेशन इन केस ऑफ हाई ग्रेड नॉन हॉजकिन्स लिम्फोमा - ए कोइंसीडेंटल फाइंडिंग। गुप्ता के., सिंह एस., अरोड़ा पी., जैन एस. आईएसी 'साइकोकॉन 2017' का 47वां वार्षिक सम्मेलन, एनईआईजीआरआईएचएमएस, शिलांग, 10 -13 नवंबर , 2017.

क्लीनिकोहेमेटॉलॉजिकल प्रोफाइल ऑफ पेसेंट विथ सुब्लेयुकेमिक ल्यूकेमिया, एक 5 वर्षीय अध्यन। डॉ. कीर्ति बलहार गुवाहटी, असम में इंडियन सोसाइटी ऑफ हेमेटोलॉजी एंड ब्लड ट्रांसफ्यूजन का 58वां वार्षिक सम्मेलन।

सीडी 34 इन आल एंड इट्स कोरिलेशन विथ अबेरेंट एंटीजेन एक्सप्रेसन एंड अदर प्रोग्नोस्टिक मार्कर्स । डॉ. नीलाक्षी गोयल। गुवाहटी, असम में इंडियन सोसाइटी ऑफ हेमेटोलॉजी एंड ब्लड ट्रांसफ्यूजन का 58वां वार्षिक सम्मेलन।

दिल्ली में टेलेरोमाइसिन मामेफेइ संक्रमण। डॉ. भाग्यश्री प्रियदर्शिनी, गुवाहटी, असम में इंडियन सोसाइटी ऑफ हेमेटोलॉजी एंड ब्लड ट्रांसफ्यूजन का 58वां वार्षिक सम्मेलन।

प्लाज़्मा सेल ल्यूकेमिया - ए कोइंसिडेंटल फाइंडिंग प्रेजेंटिंग एज चेस्ट पेन। डॉ. सरिकासिंह, आशुतोष रथ। गुवाहटी, असम में इंडियन सोसाइटी ऑफ हेमेटोलॉजी एंड ब्लड ट्रांसफ्यूजन का 58वां वार्षिक सम्मेलन।

स्पेक्ट्रम ऑफ एनिमिया इन इनफेंटस प्रेजेंटिंग टू ए टेरटिएरि केयर सेंटर ऑफ दिल्ली, दीपिका, गुप्ता आर, रथ ए., गुवाहटी, असम में इंडियन सोसाइटी ऑफ हेमेटोलॉजी एंड ब्लड ट्रांसफ्यूजन का 58वां वार्षिक सम्मेलन।

डीएसएच में मायलोफाइब्रोसिस स्पेक्ट्रम इन बोन मेरो फाइब्रोसिस कीर्ति बलहर, सारिका सिंह, बरखा गुप्ता, लतिका गुप्ता, प्रेरणा अरोड़ा, रिचा गुप्ता, मीठा सिंह, निधि वर्मा, रीना टॉमर, दिसंबर 2017।

डीएसएच में संसाधन सीमित प्रयोगशालाओं में लौह की कमी एनीमिया से थैलेसेमिया को अलग करने में विभिन्न सूचकांकों की उपयोगिता। डॉ. विशाल, दिसंबर, 2017।

डॉ. वरुण माल्या ने एपीसीओन (नेशनल कॉनफ्रेंस ऑफ आईएपीएम) भोपाल में हिस्टोपैथोलॉजी में ज़िलेन मुक्त धुंधला - क्या यह व्यावहारिक और संभव है? पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया। 8 -10 दिसम्बर, 2017.

आंतों में बाधा के ईटीओलॉजिकल स्पेक्ट्रम। भोपाल में एपीसीओएन(नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ आईएपीएम) डॉ. स्नेहा द्वारा एक 5 वर्षीय अध्ययन। 8 -10 दिसंबर, 2017.

डीएसएच 2017 में डॉ. श्रुति द्वारा एक्सटेंसिव बोन मेरो नेक्रोसिस सेकेंडरी टू न्यूरोब्लास्टोमा पर प्रस्तुति।

एपीसीओएन(नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ आईएपीएम), भोपाल में डॉ. प्रितिका द्वारा (मौखिक पेपर के रूप में) एक्सप्रेसन ऑफ सीडी 10, कारक VIII, वीईजीएफ इन फीलॉडेस ट्यूमर। 8 -10 दिसंबर , 2017.

डॉ. श्यामा जैन ने एनईजीआरआईएचएमएस, शिलांग के आईएसी 'साइकोकॉन 2017' के 47वें वार्षिक सम्मेलन में 'इन्फेशियस लेसन ऑफ लिम्फ नोड्स' में अतिथि व्याख्यान दिया था । 10-13 नवंबर, 2017.

डॉ. श्यामा जैन ने एनईजीआरआईएचएमएस, शिलांग के आईएसी 'साइकोकॉन 2017' के प्रिकॉनफ्रेंस सीएमई 47वें वार्षिक सम्मेलन में 'सायटोलॉजी ऑफ लिम्फनोस' में अतिथि व्याख्यान दिया था । 10-13 नवंबर, 2017.

डॉ. श्यामा जैन ने सीएमई क्लीनिकोपैथोलॉजिकल कॉन्फ्रेंस पिडियाट्रिक गेस्ट्रोहेपेटोपेथोलॉजी' फोर्टिस, ओखला, नई दिल्ली में सत्र की अध्यक्षता की । 3 सितंबर, 2017.

डॉ श्यामा जैन ने सीएमई एसजीआरएच में श्वसन रोगविज्ञान पर अतिथि व्याख्यान दिया था। फरवरी, 2018.

डॉ. नीता खुराना ने मेडिसिन विभाग, एमएएमसी द्वारा आयोजित प्रिकॉन्फ्रेंस मिडटर्म सीएमई में "ऑन्कोलॉजी में ट्यूमर मार्कर की भूमिका" पर अतिथि व्याख्यान दिया गया । 29 अक्टूबर, 2017.

डॉ. नीता खुराना ने भोपाल में प्रिकॉन्फ्रेंस सीएमई-एपीसीओएन- एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथालॉजिस्ट एंड माइक्रोबायलोजिस्ट्स में "कोमल ऊतक ट्यूमर के इम्मूनोहिस्टोकेमेस्ट्री" पर एक अतिथि व्याख्यान दिया। 6 दिसंबर, 2017.

डॉ. नीता खुराना ने इडिया हैबिट सेंटर में आयोजित माइक्रोडॉन - दिल्ली चैप्टर ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स में 'पैथालॉजी ऑफ इंफेक्शस डिसीज - केस बेस्ड एप्रोच' पर अतिथि व्याख्यान दिया है। 8 दिसंबर, 2017.

डॉ. नीता खुराना ने ईएसआई मेडिकल कॉलेज, फरीदाबाद द्वारा आयोजित ओनकोपैथालॉजी में सीएमई में सॉफ्ट टिशू लेसियंस - केस बेस्ड एप्रोच पर अतिथि व्याख्यान दिया। 17 मार्च, 2018.

डॉ. नीता खुराना ने पिडियाट्रिक सर्जरी विभाग,एमएएमसी द्वारा आयोजित पिडयाट्रिक सर्जरी अपडेट में डायग्नोस्टिक एप्रोच टू पिडियाट्रिक स्माल राउंड सेल ट्यूमर्स पर अतिथि व्याख्यान दिया। 24 मार्च, 2018.

डॉ. नीता खुराना ने डिपोर्टमेंट ऑफ ओबस्टेट्रिक्स एंड ग्यानेकोलॉजी, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज द्वारा आयोजित 3 एमएफएम कार्यशाला में भ्रूण ऑटोप्सी और प्लेसेंटल पैथोलॉजी पर अध्यक्षता सत्र पर अतिथि व्याख्यान दिया। 17 फरवरी, 2018.

डॉ. नीता खुराना ने जीआईपीएमईआर में आयोजित पैथालॉजी ऑफ लुमिनल गैस्ट्रोइंटेसटाइनल ट्रेक्ट में इवोल्विंग कॉन्सेप्ट्स एंड डायग्नोस्टिक चेलेंजेज पर स्लाइड संगोष्ठी में एक सत्र संचालित किया। 17 फरवरी, 2018।

डॉ. प्रेरणा अरोड़ा ने नई दिल्ली में मार्च, 2018 में हमदर्द इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च, जामिया हमदार्ड विश्वविद्यालय में बायोमेडिकल अपशिष्ट पर अतिथि व्याख्यान दिया है।

डॉ. सरिका सिंह ने डीएलबीसीएल त्रैमासिक बैठक डीएसएच एमएएमसी के जीनोटाइपिक सबक्लासिफिकेशन पर अतिथि व्याख्यान दिया है। मार्च, 2018.

विनिमय कार्यक्रम के तहत विद्यार्थी :

डॉ. पिंकी, विशेषज्ञ रोगविज्ञानी, प्रायोजक एजेंसियां (ईएसआई चिकित्सालय), इम्यूनोहिस्टो केमिस्ट्री पर एक महीने का प्रशिक्षण।

विस्तार और पहुँच गतिविधियां:

1. पैथोलॉजी विभाग समुदाय के लिए स्वास्थ्य सेवाओं में शामिल है। विभाग नोडल सेंटर होने के नाते दिल्ली में आयोजित विभिन्न शिविरों से स्त्री शक्ति कार्यक्रम और कैंसर नियंत्रण कार्यक्रम के नमूने प्राप्त करता है और नियमित रूप से प्रसंस्करण और रिपोर्टिंग के लिए अन्य दिल्ली सरकार चिकित्सालयों से कैंसर निदान से नमूने प्राप्त करता है।
2. दिल्ली सरकार संस्थानों के बी.एससी. एमएल.टी विद्यार्थियों को नियमित रूप से पैथालॉजी विभाग की विभिन्न बी.एससी. लैब में प्रैक्टिकल प्रशिक्षण दिया जा रहा है, त्वचा विज्ञान और फॉरेंसिक मेडिसिन के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए हिस्तोपैथोलोजी माइक्रोस्कोपी साप्ताहिक स्लाइड सत्र आयोजित किया जा रहा है।
3. सीपीसी को नियमित रूप से चिकित्सा विभाग, सर्जरी विभाग और ओटओरिनोलाजयंगोलॉजी विभाग के सहयोग से आयोजित किया जाता है।

सम्मेलन / कार्यशालाओं / संगोष्ठियों में सहभागिता :

डॉ. नीता खुराना, डॉ. वरुण माल्या, डॉ. स्नेहा, डॉ. प्रितिका ने भोपाल में 8- 10 दिसंबर, 2017 को आयोजित आईएपीएम, एपीकॉन का 66वां वार्षिक सम्मेलन में सहभागिता की ।

डॉ. श्यामा जैन, डॉ. मीता सिंह, डॉ. बरखा गुप्ता, डॉ. लिटिलधर, डॉ. रबीश कुमार, डॉ. डिंपल, डॉ. संगी, डॉ. कनिका, डॉ. निमिशा ने शिलांग में 10-13 नवंबर, 2017 को आयोजित आईएसी 'सीटोकॉन 2017' का 47वां वार्षिक सम्मेलन, एनईजीआरआईएचएमएस में भाग लिया था।

डॉ. सारिका सिंह, डॉ. भाग्यश्री, डॉ. नीलाक्षी, डॉ. किर्ति, डॉ. दीपिका ने गुवाहाटी में 2-5 नवम्बर,2017 को आयोजित हैइमेटोकॉन में भाग लिया था।

पैथोलॉजी विभाग, वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग चिकित्सालय और राष्ट्रीय पैथोलॉजी संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 25 फरवरी, 2018 को आयोजित आई.ए.पी.एम. - दिल्ली चैप्टर के 33वें वार्षिक सम्मेलन (डीएपीसीओएन-18) में डॉ. नीता खुराना, डॉ. सरिका सिंह, डॉ. प्रेरणा अरोड़ा, डॉ. श्रामाना मंडल, डॉ. मीता सिंह, डॉ. खुरैजम बेम्बेम, डॉ. सांगी, डॉ. नीलाक्षी, डॉ. निशांत, डॉ. नीलम, डॉ. किर्ति, डॉ.प्रितिका ने सहभागिता की थी।

आर.एम.एल. पी.जी.आई.एम.ई.आर., नई दिल्ली में 16 सितंबर, 2017 को 'दिल्ली चैप्टर- इंडियन एकाडेमी ऑफ साइटोलॉजिस्ट्स' जीटीबीएच के 6वें वार्षिक सम्मेलन में डॉ. श्यामा जैन, डॉ.निधि वर्मा, डॉ. सरिका सिंह, डॉ. श्रामाना मंडल, डॉ. मीता सिंह, डॉ. डार्पल, डॉ. डिंपल, डॉ.राबीश, डॉ. भाग्यश्री, डॉ. स्नेहा, डॉ.राधिका ने भाग लिया था।

डॉ. निता खुराना, डॉ.निधि वर्मा ने आईएपीएम का त्रैमासिक दिल्ली अध्याय ने भाग लिया था ।

डॉ. नीता खुराना, डॉ. सारिका सिंह, डॉ. प्रेरणा अरोड़ा ने दिल्ली सोसाइटी ऑफ हेमेटोलॉजी एंड ब्लड ट्रांसफ्यूजन की त्रैमासिक बैठकें ने सहभागिता की ।

डॉ. सारिका सिंह, डॉ. प्रेरणा अरोड़ा, डॉ. विशाल, डॉ.किर्ति ने दिसंबर 2017 में आयोजित 28वें वार्षिक सम्मेलन डीएसएच में भाग लिया ।

डॉ. सरिका सिंह और डॉ. प्रेरणा अरोड़ा ने इंडियन माइलोमा कांग्रेस जनवरी 2018 में ने भाग लिया था।

त्रैमासिक बैठक डीएसएच एमएएमसी, मार्च 2018
डॉ. प्रेरणा अरोड़ा, डॉ. मीता सिंह और डॉ. निधि वर्मा ने फरीदाबाद में दिनांक 17.3.18 को सीएमई ओन्कोपैथोलॉजी अपडेट ईएसआई में भाग लिया।

शिक्षकों की संख्या -11
अन्य महत्वपूर्ण जानकारी:

***

विकृति-विज्ञान (यूसीएमएस)

विभाग स्नातक-पूर्व और स्नातकोत्तर शिक्षण में उत्कृष्टता हासिल करने का प्रयास कर रहा है। पी.जी. को अनुसंधान करने, सम्मेलनों में भाग लेने और वैज्ञानिक पेपर्स प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। संकाय सदस्य सक्रिय शोध में लगे हुए हैं। पर्याप्त रोगी देखभाल सुनिश्चित करने के लिए, कई नए परीक्षण जोड़े गए हैं। रिपोर्टिंग के लिए टर्नअराउंड टाइम इस प्रकार निदान की सुविधा प्रदान करता है और तत्काल उपचार सुनिश्चित करता है। चिकित्सा और गैर-शिक्षण कर्मचारी इसे संभव बनाने के लिए मिलकर काम करते हैं।

सम्मान / गौरव

पुरस्कार
डॉ. सोनल शर्मा : इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलोजी-ए.एन.आई.ओ. क्लीनिकल नेफ्रोपैथोलॉजी प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ। डॉ. नीलम वाधवा और डॉ. विनोद के अरोड़ा की पर्यवेक्षण में पी.जी. द्वारा 2017 पुरस्कार जीते।
डॉ. तन्वी अरोड़ा ने र्वश्रेष्ठ पेपर के लिए नलिनी बाई ठाककर पुरस्कार प्राप्त किया : राष्ट्रीय साइटोलॉजी सम्मेलन नवंबर 2017 और एस्टिकॉन छात्रवृत्ति नवंबर 2017.
डॉ तरुणा बंसल : ए.पी.सी.ओ.ए.- मौखिक पेपर - 1 दिसंबर, 2017.

प्रकाशन:
गोगिया, ए., सिक्का, एम., शर्मा, एस. (2017). एकाधिक माइलोमा वाले मरीजों में एपीटीटी की असीमित लम्बाई। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट एडवांस्ड रिसर्च*। 6, 6843-6845.
सिक्का, एम., थैलेसेमियास और हीमोग्लोबिनोपैथीज के निदान में एच.पी.एल.सी. : उपयोग और सीमाएं। *प्रोसीडिंग्स ऑफ द 10वां एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ प्रैक्टिस पैथॉलॉजिस्ट्स ऑफ हरियाणा,* फरवरी 2018.
सिक्का, एम., सिंह, ए, मायलोइड नियोप्लासम का 2016 डब्ल्यूएचओ संशोधन। ऑनकोपैथोलॉजी पर सीएमई की कार्यवाही : मार्च, 2018 तक एक अद्यतन.
पुरी, वी., शर्मा, पी., गोपालकृष्णन, एस., सिक्का, एम., अवस्थी, आर. (2017)। हाइपरक्लेसेमिया, मल्टीपल ऑस्टियोलाइटिक लेसन्स एंड एक्यूट रेनल फेलियर : बी-सेल एसिस्टिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया की एक दुर्लभ प्रस्तुति। *ब्लड रिसर्च* 52, 62-63.
नारंग, एन., रुसिया, यू., सिक्का, एम., कोट्रू, एम. (2017)। मोरफोलॉजिकल चेंजेज इन बोन मेररो पोस्ट इमटिनिब थेरेपीइन क्रोनिक फेज सीएमएल : ए फॉलो अप स्टडी ऑन सेक्युएनसियल बोन मेररो एस्पैरेट्स एंड बायोप्सीज़। *जर्नल ऑफ क्लीनिकल और डायग्नोस्टिक रिसर्च* ।
शर्मा, ए., सिक्का, एम., भंकर, एच., गोम्बर, एस., और शर्मा, एस. (2017)। सेप्सिस के साथ बच्चों में हेमोस्टासिस के हेमेटोलॉजिकल पैरामीटर और स्क्रीनिंग परीक्षण : भारत में तृतीयक देखभाल केंद्र से परिणाम। *मलेशियन जर्नल ऑफ पैथोलॉजी, 39*(2). .

सिक्का, एम., सोढ़ी, आर., कोट्टू, एम., गुरुबचन, एन. (2017). सीवेरिटी ऑफ इंजरी एज एसेस्ड बाय ग्लासो कोमा स्कोर एंड कोएगुलोपैथी इन पैसेंट विथ आइसोलेटेड हेड ट्रामा। *इंडियन जर्नल ऑफ करंट एडवांस्ड रिसर्च*, 6(10),6643-6645.

शर्मा, ए., गोगोई, पी., और अरोड़ा, वी.के. (2017)। उच्च माइटोसिस के साथ जीभ-स्पिंडल सेल मॉर्फोलॉजी का मायोपेथेलियल कार्सिनोमा : एक केस रिपोर्ट और लिटरेचर की समीक्षा। *इंडियन जर्नल ऑफ पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी*, *60*(4), 560.

वाधवा, एन., दीवाकर, पी., लोथा, एन., अरोड़ा, वी.के., और सिंह, एन.(2017)। मूत्र सेडिमेंट्स पर साइटोकरेटिन 20 इम्यूनोसाइटोकेमिस्ट्री : कम ग्रेड वाले यूरोथेलियल कार्सिनोमा के निदान में साइटोलॉजी के लिए एक संभावित कम लागत वाला पोटेंशियल। *साइप्टाथोलॉजी* ,*28*(6), 531-535.

गोयल, एस., अरोड़ा, वी.के, जोशी, एम.के., सिंह, एन., और राधाकृष्णन, जी. (2017)। इंटेसटिनल जीआईएसटी मासक्वेरेडिंग एज एन ओवेरियन मास : डायग्नोस्ड ऑन एफएनएसी। *जनरल ऑफ साइटोलॉजी*, *34*(3), 159.

शर्मा, ए., और अरोड़ा, वी.के. (2018)। ओंठ का ट्युबरकुलोसिस - एक असामान्य प्रस्तुति। *द अमेरिकन जर्नल ऑफ़ डर्मेटोपैथोलॉजी*, *40*(3),224-225.

गोयल, एस., राठौर, आर., शर्मा, एस. अरोड़ा, वी.के., दास, जी.के., और सिंगल, ए. (2017)। मिश्रित हिस्टोलॉजी के साथ कटनीस बेसल सेल कार्सिनोमा : दो असामान्य मामलों की साइटोमोर्फोलॉजिकल विशेषताएं। *जर्नल ऑफ़ साइटोलॉजी* , *34*(2), 115.

कुमार, एच.बी., खान, ए.एम., अरोड़ा, वी.के., और सिंह, एन. (2017)। फाइन नीडल एस्पाइरेशन बायोप्सी : एन इनट्रस्टेबल प्रोफेशनल एक्टिविटी इन सायटोपैथोलॉजी पोस्टग्रेजुएट ट्रेनिंग। *जर्नल* ऑफ *सायटोलॉजी*, *34*(2), 84.

राठौर, आर., अरोड़ा, डी., अग्रवाल, एस., और शर्मा, एस. (2017)। डिम्बग्रंथि सेक्स कॉर्ड स्ट्रॉमल ट्यूमर के निदान में इनहिबिइन और कैल्रेरिनिन के साथ फॉक्सल 2 का सहसंबंध। *तुर्की जर्नल ऑफ पैथोलॉजी*, *33*(2),121-128.

पुरी, वी., गांधी, ए., और शर्मा, एस. (2017)। पेरॉक्सिस्मल नोक्टुमा हेमोग्लोबिनुरिया में रेनल बायोप्सी : मोर्फोलॉजिकल बदलावों के स्पेक्ट्रम में अंतर्दृष्टि। *इंडियन जर्नल ऑफ नेफ्रोलॉजी*, *27*(4), 284.

राठौर, आर., शर्मा, एस., और अरोड़ा, डी. (2017)। क्लीनिकोपैथोलॉजिकल इवेल्युएशन ऑफ 223 केसेस ऑफ मेच्योर सायस्टिक ट्रेटोमा ओवरी : भारत में एक तृतीयक देखभाल केंद्र में 25 वर्ष का अनुभव। *जर्नल ऑफ क्लीनिकल और डायग्नोस्टिक रिसर्च :* जे.सी.डी.आर.,*11*(4), ईसी 11.

गोयल, एस, राठौर, आर., शर्मा, एस., अरोड़ा, वी.के., दास, जी.के., और सिंगल, ए. (2017)। मिश्रित हिस्टोलॉजी के साथ कटनीस बेसल सेल कार्सिनोमा : दो असामान्य मामलों की साइटोमोर्फोलॉजिकल विशेषताएं। *जर्नल ऑफ़ साइटोलॉजी*, *34*(2),115.

राय, जी., रॉय, पी., गुप्ता, एन., शर्मा, एस., दार., एस.ए., अंसारी, एम.ए., और दास, एस. (2017)। कम्प्यूटटेड टोमोग्राफी स्कोर एक उत्कृष्ट मार्कर : नासिक पॉलीप के साथ क्रोनिक राइन्सिनसिसिटिस के ईसीनोफिलिक और गैर-ईसीनोफिलिक वेरिएंट को अलग करता है। *इंडियन जर्नल ऑफ़ ओटोलरींगोलॉजी एंड हेड एंड नेक सर्जरी*, 1-6.

सहगल, वी.एन., सिंह, एन., शर्मा, एस., रोहतगी, जे., ओबराय, आर., और चटर्जी, के. (2018)। ट्यूबरस स्क्लेरोसिस कॉम्प्लेक्स : ए क्लासिक प्रेजेंटेशन। *स्किनमेड*, *16* (1), 55-58.

सहगल, वी.एन., सहगल, डी., लाल, जे.बी., और शर्मा, एस. (2018)। स्पिगलर-फेंडे सर्कोइड / लिम्फोसाइटोमा कटिस : ए फोकस ऑन नामेनक्लेचर एंड डायग्नोसिस। *इंडियन जर्नल ऑफ पिडियाट्रिक डर्मेटोलॉजी*, *19*(2), 139.

कोट्टू, एम., शर्मा, आर., प्रामानिक, एस.के., पुरोहित, ए., सिंह, जी., सिंह, ए.के., और महापात्रा, एम. (2017)। वेल्यु ऑफ सीडी 16 / सीडी 69 / सीडी 45 इन कम्प्रेजन टू सीडी 55 / सीडी 59 / सीडी 45 इन डायग्नोसिस ऑफ पेरॉक्सिस्मल नोक्टुमल हेमोग्लोबिनुरिया : एक भारतीय अनुभव। *इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च*, *146*(3), 362.

नारंग, एन., सी., कोट्टू, एम., सिक्का, एम., रुसिया, यू. (2017). इमातिनिब थेरेपी पर क्रोनिक चरण सीएमएल के साथ भारतीय मरीजों में हैसफोर्ड और ईयूटीओएस स्कोर की प्रयोज्यता की तुलना। *साउथ एशियन जे. कैंसर* 6(3), 117.

कोट्रू, एम., मुंजाल, एस.एस., सिंह, एम., सेठ, टी., और पाटी, एच.पी (2017)। ब्लॅड कम्पोनेंट्स लोड इन पोस्ट-ऑपरेटिव न्यूरोसर्जिकल पेसेंट्स सस्पेक्टेड विथ डिस्मिनेटेड इंट्रावास्कुलर कोगुलेशन। *इंडियन जर्नल ऑफ हेमेटोलॉजी एंड ब्लड ट्रांसफ्यूजन, 33*(3), 408-411.

कोट्रू, एम., मुंजाल, एस.एस., मुत्तेजा, डी., कुमार, जी., सिंह, एम., सेठ, टी., और पाटी, एच.पी. (2017)। एनीमिया और हेमोस्टैटिक पैरामीटर की गंभीरता बाद में न्यूरोसर्जिकल रोगियों में परिणाम के मजबूत प्रेडिक्टॅर्स हैं। *एशियन जर्नल ऑफ न्यूरोसर्जरी, 12*(3), 489.

सोनी, के., कोट्रू, एम., दीवान, पी., और मीना, पी. (2017). विल्सन रोग में स्पुर सेल एनीमिया : एक दुर्लभ प्रस्तुति। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लैबोरेटरी हेमेटोलॉजी, 39*(3), ई 64-ई 65.

भट्टाचार्य, जे.बी., गुप्ता, आर., और समाधिया, ए. (2017)। क्रोनिक माइलोजेनस ल्यूकेमिया की प्रस्तुति अभिव्यक्ति के रूप में तीव्र मेगाकार्योब्लास्टिक विस्फोट संकट। *ब्लड रिसर्च, 52*(2), 137-139.

गुप्ता, आर., सक्सेना, पी., गर्ग, आर. (2017)। असामान्य मोर्फोलॉजी और सीडी 23 और सीडी 56 के एबरेंट एक्सप्रेशन के साथ गैर सेकेरेटॅरी प्लाज्मा ल्यूकेमिया का एक दुर्लभ मामला/ *जे. हेमेटोल. ट्रांसफ्स.*। 5(1), 1058.

भट्टाचार्य, जे., बी., गुप्ता, आर., नारायण, एस. (2017)। पिडियाट्रिक सीएमएल, प्रेजेंटिंग इन ब्लास्ट क्राइसिस - एक दुर्लभ घटना ; 3 मामलों की रिपोर्ट और लिटरेचर की समीक्षा/ *जे. हेमेटोल. ट्रांसफ्स.*। 5 (2), 1061.

गुप्ता, ए.जे., मंडल, एस., गुप्ता, आर., खुराना, एन., और गुलाटी, ए. (2017)। माइलॉइड सरकोमा प्रेजेंटिंग एज नासल एंड ऑर्बिटल मास : एन इनिसियल मैनीफेस्टेसन ऑफ एन एक्यूट माइलॉइड ल्यूकेमिया। जर्नल ऑफ क्लीनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च *:* जे.सी.डी.आर.,*11*(7), ईडी 24.

सिदाम, डी., गोगोई, पी., दीवाकर, पी., और मुरी, डब्ल्यू.टी. हेरीडिटेरी एल्लिपोसाइटोसिस - ए केस रिपोर्ट।

शर्मा, ए., गोगोई, पी., अरोड़ा, आर., हक, आर.यू., धामी, आई.के., और भट्ट, एस. (2018). एसीटबुलम के आक्रामक ओस्टियोब्लास्टोमा : एक नैदानिक दुविधा। *जर्नल ऑफ क्लीनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड टॉमा जर्नल, 9*, एस21-एस 25.

शर्मा, ए., गोगोई, पी., और अरोड़ा, वी.के. (2017). उच्च माइटोसिस के साथ जीभ-स्पिंडल सेल मॉर्फोलॉजी का मायोपेथेलियल कार्सिनोमा : एक केस रिपोर्ट और लिटरेचर की समीक्षा। *इंडियन जर्नल ऑफ पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी, 60*(4), 560-561.

अहूजा, एस., तनवीर, एन., हफ्लोंगबार, टी., और अरोड़ा, वी.के. (2018)। सुपरक्लेविक्युलर लिम्फनोइड मेटास्टेसिस के साथ प्रेजेंट होने वाले संक्रमणकालीन सेल कार्सिनोमा मूत्राशय के दुर्लभ मामले के साइटोलॉजिकल निष्कर्ष। *जर्नल साइटोलॉजी, 35*(2), 129.

शर्मा, पी., तनवीर, एन., और गोयल, ए. (2018)। प्रथम वर्ष पैथोलॉजी स्नातकोत्तर प्रशिक्षुओं के लिए इनट्रस्टेबल व्यावसायिक गतिविधियों की खोज। *जर्नल ऑफ लैबोरेटरी फिजिशियन्स, 10*(1), 26.

तनवीर, एन. (2017)। पॉलीपाइड एडेनोसार्कोमा ऑफ यूटरेस विथ कोनड्रॉड डिफरेनशिएशन : ए रेयर डायग्नोसिस। *इंडियन जर्नल ऑफ पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी, 60*(4), 620-1.

तनवीर, एन. (2017)। ओपन एक्सेस एंड अदर चैलेंजेज ऑफ प्रेजेंट डे जर्नल पब्लिशिंग। *जर्नल ऑफ साइटोलॉजी, 234 (5).*

झा, ए., अग्रवाल, वी., तनवीर, एन., और खुल्लर, आर. (2017)। मेटाप्लास्टिक ब्रेस्ट कार्सिनोमा प्रजेंटिंग एज बेनाइन ब्रेस्ट लम्प। *जर्नल ऑफ कैंसर रिसर्च एंड थेरेपीटिक्स, 13*(3), 593.

चोपड़ा, एन., और तनवीर, एन. (2017)। जीभ की अलवीय नरम भाग सारकोमा की एक असामान्य प्रस्तुति। *लैबोरेटॅरी फिजिशियन, 9*(3), 220.

तनवीर, एन. (2017)। मानव पैपिलोमा वायरस को नियंत्रित करना : एंजोजेनिक वार्टस के उपचार का एक पब्लिक हेल्थ परिप्रेक्ष्य। द *ऑन्कोलॉजिस्ट, 22*(5), 495-496.

भारद्वाज, एन., दिवाकर, पी., गोगोई, पी., वाधवा, एन., और मिश्रा, के. (2017)। इचथयोसिस यटेरि एसोसिएटेड विथ एंडोमेट्रियल एडिनोकार्सीनोमा : एक केस रिपोर्ट। *जर्नल ऑफ क्लीनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च :* जे.सी.डी.आर., *11*(6), ईडी 24.

कुमार, सी., जैन, पी., वाधवा, एन., दीवाकर, पी., और पानिकर, के.एन.(2017)। नोसोकोमियल जेजुनल म्यूकोर्मिकोसिस - एन अनयुजवल काज ऑफ पेरफोरेशन पेरिटोनिटिस। *ईरानी जर्नल ऑफ पैथोलॉजी, 12*(3), 295।
नारंग, एन.सी., दिवाकर, पी., नारंग, एस., और वेणुगोपाल, वी.के. (2018)। लो-ग्रेड सेंट्रल ओस्टियोसोर्को: दो असामान्य मोर्फोलॉजिक वेरिएंट की रिपोर्ट। *इंडियन जनरल ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, 9*(1), 74-78.
रावत, ए., दिवाकर, पी., गोगोई, पी., सिंह, बी. (2017)। प्रेवेलेंस एंड चेंजिंग ट्रेंड्स ऑफ ट्रांसफ्यूजन ट्रॉसमिटेड इंफेक्शंन्स एमांगेस्ट ब्लड डोनर्स इन रिजिनॅल ब्लड ट्रांसफ्यूजर सेंटर। *इंडियन जे. मेड. रेस.*। 146(5), 642-645.
सिंह, ए., दीवाकर, पी., और कौर, एन. (एन.डी)। प्राथमिक रेनल लीयोमायोसारकोमा : एक केस रिपोर्ट।
ढकर, एस., दिवाकर, पी., शर्मा, एम., बरमन, एस., और मिश्रा, के. (एन.डी)। अमीबिक कोलाइटिस के निदान में विभिन्न दागों और इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री की प्रभावकारिता की तुलना।
श्रीवास्तव, आर., दिवाकर, पी., गोगोई, पी., और सिंह, बी. (एन.डी)। दिल्ली में क्षेत्रीय रक्त संचरण केंद्र में दाता डेफरल पैटर्न के विश्लेषण के लिए डिफर्ड रक्त दाताओं की जनसांख्यिकीय प्रोफ़ाइल का एक लेखापरीक्षा। *आयु, 18*, 65.
चोपड़ा, एन., दिवाकर, पी., नारंग, एस. (2018)। मलटीपल काटेनिएस मेटेसटेसिस ऑफ सेक्रल कोरडोमा मिमिकिंग न्यूरोफाइब्रोमॉस क्लीनिकली। एनल्स ऑफ पैथोलॉजी एंड लैबोरेटरी मेडिसिन [स्वीकृति]।

पुस्तकों में अध्याय

सिक्का एम. (2017)। रक्तस्राव विकार के साथ एक रोगी का दृष्टिकोण। डावर एस., मोरे एस., कोट्रू एम. पोर्फ्रिया, (ईडीएस.) *हेमेटोलॉजी पर्ल्स 2017 : एन एप्रोच टू डाग्नोसिस* (पीपी.44-59).

संकाय सदस्य: 10

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

विभिन्न विश्वविद्यालय परीक्षाओं / राष्ट्रीय अथवा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में विशिष्ट सम्मान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों / रेजिडेंट्स के नाम :

डॉ. तरुणा बंसल ने गांधी मेडिकल कॉलेज भोपाल द्वारा आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथोलॉजिस्ट और माइक्रोबायोलॉजिस्ट 2017 के वार्षिक सम्मेलन में "स्तन कैंसर में वाईबी 1 एक्प्रेसन का प्रोजेस्टोस्टिक इम्प्लिकेशन : ए थेरेप्यूटिक टारगेट इन Her2 neu ओवर एक्सप्रेसिंग ट्यूमर्स" पर एक सर्वश्रेष्ठ मौखिक पेपर का पुरस्कार जीता। इस पेपर के सह-लेखक थे- डॉ. उषा रानी सिंह, डॉ. सोनल शर्मा, डॉ. नदीम तनवीर (पैथोलॉजी विभाग) और डॉ. नवनीत कौर(सर्जरी विभाग).

डॉ. तन्वी अरोड़ा ने "अनल सायटोलॉजी स्पेक्ट्रम इन सब्जेक्ट्स प्रेक्टिसिंग रिसेप्टिव अनल इंटरकोर्स hTERT जीन एक्प्रेसन इन केसस विथ स्क्वेमॅस लेसॅन।" पर पेपर हेतु 47वें वार्षिक साइटोलॉजी सम्मेलन, एन.ई.जी.आर.आई.आर.एच.एम.एस. में सर्वश्रेष्ठ मौखिक पेपर के लिए नलिनी बाई ठाक्कर पुरस्कार जीता। पेपर के लिए सह-लेखक थे : डॉ. एन. वाधवा, डॉ. वी.के. अरोड़ा, डॉ. प्रीति दिवाकर (पाथ) और डॉ. दीपिका पंढी (त्वचाविज्ञान)।

वर्ष के दौरान विशेष अनुदान / परियोजनाएं

डॉ. सोनल शर्मा : तीव्र बीमारी और रेमिसॅन के दौरान पेम्फिगस वल्गारिस के रोगियों में त्वचा में टाइप 1 नियामक टी कोशिकाओं की भूमिका का अध्ययन करना। वर्ष 2017-18, यू.जी.सी., रु.14,20,000.

वर्ष के दौरान पूर्ण वित्तपोषित परियोजनाएं :

डॉ. प्रीति दिवाकर : माइक्रोकिटोसिस के लिए डेफर्ड रक्त दाताओं की स्क्रीनिंग : स्वैच्छिक दाताओं के बढ़ते पूल की ओर एक पहल, आई.सी.एम.आर. वित्तपोषित एस.टी.एस. परियोजना।

डॉ. प्रियंका गोगोई : सामान्य और एक्टोपिक गेस्टेशन में उनकी भूमिका की तुलना करने के लिए सीडी 68 का उपयोग करके होफबॉयर कोशिकाओं का मूल्यांकन। आई.सी.एम.आर. संदर्भ आई.डी. 2017-005 19.आई.सी.एम.आर.

***

बाल-चिकित्सा (एलएचएमसी)

प्रकाशन:

दुबे बी, चौधरी ए, नांगिया एस, शर्मा एस एंड कुमार एम (2017)। स्वस्थ अवधि के नवजातों में जीवन के 6-8 सप्ताह में न्यूरो-विकासपरक परिणामों पर नाभि रज्जु कसने के समय का प्रभाव। इंड जे ट्रामा एंड एम पीडि. 9(1), 9-14

आयोजित सेमिनार:

डॉ भावना, नवजात शिशुओं में हालिया प्रगति, एसजे ऑडिटोरियम, एलएचएमसी, दिल्ली, केएससीएच सीएमई, 26.2.17

यूएसऐड और केएससीएच, नवजात स्वास्थ्य परिचर्या को इष्टतम बनाने के लिए गुणवत्ता सुधार कार्यनीतियां, केएससीएच, 5.3.17, और 28-29.10.17

सीएचडी पर संगोष्ठी, पीडियाट्रिक्स विभाग, पेटेंट डक्टस आर्टेरियोसस, एलटी, केएससीएच, 25.3.17

एफबीएनसी, नवजात विज्ञान विभाग, नवजात देखभाल, नवजात विज्ञान विभाग, पीडियाट्रिक्स और आईएपी विभाग, पीडियाट्रिक्स पर पीजी क्विज़, एलटी, केएससीएच, 6.10.17

पीसीएनआई, आईएपी दिल्ली (कार्यकारी सदस्य और संकाय सदस्य के रूप में), प्रीटर्म किट, एरोसिटी, दिल्ली, 24.12.17

आयोजित सम्मेलन

इंडियन एकेडमी ऑफ साइटोलॉजिस्ट दिल्ली चैप्टर (डीसीआईएसी) के छठे वार्षिक सम्मेलन का आयोजन, 16 सितंबर 2017

***

बाल शल्य चिकित्सा (एलएचएमसी)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां:

कलावती सरन चिल्ड्रेन हॉस्पिटल (केएससीएच) ऑपरेशन थिएटर के समीप छह बिस्तरों वाला पोस्टऑपरेटिव रिकवरी खोला गया था। बाल चिकित्सा सर्जरी वार्ड में दो और कमरे उपलब्ध होने से, बिस्तरों की संख्या बढ़ाने के लिए 8 और बिस्तर जोड़े गए। दो नए डेटा एंट्री ऑपरेटरों की उपलब्धता से डिस्चार्ज को डिजिटलीकृत किया जा रहा है। सितंबर 2017 में कोलकाता में इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन्स (आईएपीएस) के वार्षिक सम्मेलन में सात वैज्ञानिक शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। इनमें से पांच शोधपत्रों को उनके संबंधित सत्रों में "सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र" माना गया।

सम्मान / पुरस्कार

डॉ एस रॉय चौधरी, इंडियन एसोसिएशन ऑफ पेडियाट्रिक सर्जन (आईएपीएस) दिल्ली चैप्टर के अध्यक्ष चुने गए।

प्रकाशन:

चड्ढा आर और खान एनए (2017)। जन्मजात पाउच कोलन. जे *इंडियन एसोसिएशन पीडियाट्रिक सर्जरी.22(2),* 69-78

झांवर पी, रस्सीवाला एम, पटेल जिगर एन, पीएस यादव पीएस और चड्ढा आर (2017)। मल्टीपल स्मॉल बाउल मेसेन्ट्रिक डाइवर्टिकुली सहित मल्टीपल जेजुनल एट्रेसिया। *जर्नल ऑफ मेडिकल डाइग्नोस्टिक*

जिगर एन पटेल, अमित कुमार, प्रताप एस यादव, राजीव चड्ढा, विक्रम दत्ता और चौधरी, सुभाषिस रॉय। नवजात शिशुओं में गुदा डिंपल की स्थिति और अनौपचारिक विकृतियों वाले शिशुओं और सामान्य गुदा स्थिति के साथ इसके सहसंबंध। (*जे पीडियाट्रिक सर्जरी,* नवंबर 2017 में प्रकाशन के लिए स्वीकृत)

खान एनए, रॉय चौधरी एस, यादव पी एस, प्रकाश आर, और पटेल जे एन (2017)। वैकल्पिक डिस्टल आंत्र सर्जरी से गुजरने वाले बच्चों में नासोगैस्ट्रिक ट्यूब की भूमिका। *पीडियाट्रिक सर्जरी* 33, 229-234

प्रकाश आर, पुरी अर्चना, आनंद आर, जैन एके, लाल बी, और गर्ग वी (2017)। पीडियाट्रिक न्यूरोजेनिक मूत्राशय में ऊपरी पथ क्षति की भविष्यवाणियां. *जे पीडियाट्रिक उरोल,* 13, 1-7

प्रकाश रघु, पुरी अर्चना (2017)। बच्चों में डिसफैगिया का एक असामान्य मामला: एपिडर्मोलिसिसबुलोसा की गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल अभिव्यक्ति। [*इंड जे मेड रेस* 2017 में प्रकाशन के लिए स्वीकृत]

पुरी अर्चना, सिकदर एस, और प्रकाश आर (2017)। पीडियाट्रिक एंड ग्लान्स एन्थ्रोपोमेट्री नोमोग्राम्स: हाइपोस्पेडिया प्रबंधन में एक सहायता। *जे इंडियन एसोसिएशन पीडियाट्रिक सर्जरी।* 22, 9-12

रॉय चौधरी एस, खान एनए, सक्सेना आर, यादव पीएस, पटेल जिगर एन, और चड्ढा आर (2017)। पीडियाट्रिक लिवर एब्सेस के 154 मामलों का प्रोटोकॉल आधारित प्रबंधन। *पीडियाट्रिक सर्जरी* 33 (2), 165-172

शिंदे एनके, कुमार पी, डाबला पीके, झांवर पी, चड्ढा आर, और चौधरी एस आर (2017)। निर्णायक सर्जरी के बाद जन्मजात पाउच कोलन के रोगियों की पौष्टिक स्थिति का आकलन। *जे इंडियन एसोसिएशन पीडियाट्रिक सर्जरी.* 22, 13-8

सुभाशीस रॉय चौधरी, नियाज अहमद खान, पिनाकी रंजन बेबनाथ, प्रताप सिंह यादव, शालू शाह और राजीव चड्ढा (2017)। रेक्टोवैजिनल फिस्चुला के साथ एनोरेक्टल एजेनेसिस: एक दुर्लभ/क्षेत्रीय किस्म. *जे इंडियन एसोसिएशन पीडियाट्रिक सर्जरी।* 22, 79-82

अनुसंधान परियोजनाएं:

जांचकर्ता का नाम: डॉ शालू शाह

परियोजना प्रभारी: निदेशक प्रो सुभाशीस रॉय चौधरी

परियोजना योजना का शीर्षक: प्रसवपूर्व ज्ञात संरचनात्मक विकृतियों के लिए प्रसवपूर्व सर्जिकल परामर्श की भूमिका।

वित्तपोषण एजेंसी का नाम: सी.एस.आई.आर.

आयोजित सेमिनार:

संकाय सदस्य/आयोजक: एस रॉय चौधरी, राजीव चड्ढा, अर्चना पुरी, प्रताप एस यादव, विक्रम खन्ना, अमित गुप्ता,
नाम, स्थान और तारीख: स्टोमा केयर पर कार्यशाला, पीडि. सर्जरी सेमिनार रूम, केएससीएच, नई दिल्ली, 4 फरवरी, 2017,

संकाय सदस्य/आयोजक: एस रॉय चौधरी, राजीव चड्ढा, अर्चना पुरी, प्रताप एस यादव, विक्रम खन्ना, अमित गुप्ता,
नाम, स्थान और तारीख: ऊर्जा स्रोतों पर कार्यशाला, पीडि. सर्जरी सेमिनार रूम, केएससीएच, नई दिल्ली, 8 अप्रैल, 2017

सम्मेलन में प्रस्तुति:

डॉ एस रॉय चौधरी: "जन्मजात पाउच कॉलन के लिए टैपिंग की अभिनव तकनीक" पर शोधपत्र, ब्रिटिश एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जरी वार्षिक बैठक, लंदन, 19 से 23 जुलाई, 2017.

डॉ विक्रम खन्ना/एस रॉय चौधरी: "भारत में तृतीयक सार्वजनिक अस्पतालों में पीडियाट्रिक सॉलिड ट्यूमर का महामारी विज्ञान और उनकी प्रबंधन की चुनौतियों" पर शोधपत्र। वाशिंगटन डीसी, यूएसए, 49, एसआईओपी 2017, 12 से 15 अक्टूबर, 2017.

डॉ अमित गुप्ता: अंतर्राष्ट्रीय बाल चिकित्सा और किशोर मूत्रविज्ञान कार्यशाला में प्रतिभागी और प्रचालन सत्र की अध्यक्षता, पीडियाट्रिक्स यूरोलॉजी, एसजीपीजीआईएमएस, लखनऊ, 3 से 5 मार्च, 2017.

एस रॉय चौधरी द्वारा दिल्ली सर्जिकॉन 2017, आईएपीएस 2017 की शोध बैठक में लैप्रोस्कोपिक ऑर्किडोपेक्सी पर व्याख्यान.

एस रॉय चौधरी द्वारा बच्चों में सिस्टोस्कोपिक प्रक्रियाओं पर सीएमई व्याख्यान, आर एंड आर अस्पताल, दिल्ली, सेना आर एंड आर अस्पताल दिल्ली, अक्टूबर 2017.

एस रॉय चौधरी द्वारा "भ्रूण क्लिनिक – पीडियाट्रिक सर्जन की भूमिका" पर व्याख्यान, अनुसंधान अनुभाग आईएपीएस, आईएपीएस की शोध बैठक, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, 16 दिसंबर, 2017.

एस रॉय चौधरी द्वारा पोस्टरियर यूरेथ्रल वाल्व पर व्याख्यान, एशियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक यूरोलॉजी और इंडियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक यूरोलॉजी, एम्स, नई दिल्ली, दिसंबर 2017

एस रॉय चौधरी द्वारा "एसोफेजेल सबस्टिट्यूशन" पर अतिथि व्याख्यान, पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग एमएएमसी 2018, 10वां पीडियाट्रिक सर्जरी अपडेट, एमएएमसी, नई दिल्ली, फरवरी, 2018.

एस रॉय चौधरी द्वारा "पेट की दीवार दोष" पर अतिथि व्याख्यान, बाल चिकित्सा सर्जरी विभाग एमएएमसी 2018, 10 वीं बाल चिकित्सा सर्जरी अद्यतन एमएएमसी, नई दिल्ली, फरवरी, 2018.

एस रॉय चौधरी, नारची, नारची 2017, एलएचएमसी, में पैनल चर्चा में सदस्य रहे, 17 अक्टूबर, 2017

एस रॉय चौधरी द्वारा हाई आर्म के माध्यम से लैप्रोस्कोपिक पिल का प्रदर्शन, पीईएसआई दिल्ली चैप्टर, पेसिकॉन वर्कशॉप 2018 अपोलो अस्पताल, दिल्ली, फरवरी, 2018.

एस रॉय चौधरी द्वारा पेसिकॉन 2018 के सत्र की अध्यक्षता, अपोलो अस्पताल, दिल्ली, फरवरी 2018.

एस रॉय चौधरी द्वारा आणविक जीवविज्ञान अनुसंधान पर सत्र की अध्यक्षता, पीडियाट्रिक्स सर्जरी, आईएसपीआर 2017, आईएसपीआर, नई दिल्ली, 7 से 9 सितंबर, 2017.

एस रॉय चौधरी द्वारा बच्चों में डे केयर सर्जरी की सुरक्षा और प्रभावकारिता पर शोधपत्र प्रस्तुत, आईएपीएस कोलकाता चैप्टर, आईएपीएससीओएन 2017, कोलकाता, 21 से 25 सितंबर, 2017.

एस रॉय चौधरी द्वारा आईएपीएसओएन 2017, आईएपीएस कोलकाता चैप्टर, आईएपीएससीओएन 2017 के सत्र की अध्यक्षता, 21 से 25 सितंबर, 2017.

राजीव चड्ढा द्वारा "एक्यूट एब्डोमिन - एक सर्जन का परिप्रेक्ष्य" पर अतिथि व्याख्यान, आईएपीएस यूपी-उत्तराखंड चैप्टर, जेएन मेडिकल कॉलेज, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, 15 अप्रैल, 2017.

राजीव चड्ढा द्वारा "जन्मजात पाउच कॉलन" पर अतिथि व्याख्यान, वार्षिक सम्मेलन और 10वीं पीडियाट्रिक सर्जरी अपडेट, 10वां पीडियाट्रिक सर्जरी अपडेट, एमएएमसी, नई दिल्ली, फरवरी 2018.

राजीव चड्ढा द्वारा क्लिनिकल पॉइंटर्स पर शोधपत्र प्रस्तुत- लड़कियों में जन्मजात पाउच कॉलन, आईएपीएस कोलकाता चैप्टर, आईएपीएससीओएन 2017, कोलकाता, 21 से 25 सितंबर, 2017.

अर्चना पुरी द्वारा "एसोफेजेल एट्रेसिया" पर अतिथि व्याख्यान, पीडियाट्रिक सर्जरी, एमएएमसी, नई दिल्ली, पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग, एमएएमसी, नई दिल्ली के वार्षिक सम्मेलन और 25वें वर्ष के समारोह पर 10वां पीडियाट्रिक सर्जरी अपडेट, फरवरी, 2018.

अर्चना पुरी द्वारा "न्यूरोजेनिक ब्लैडर" पर अतिथि व्याख्यान, पीडियाट्रिक सर्जरी, एमएएमसी, नई दिल्ली, पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग, एमएएमसी, नई दिल्ली के वार्षिक सम्मेलन और 25वें वर्ष के समारोह पर 10वां पीडियाट्रिक सर्जरी अपडेट, फरवरी, 2018.

अर्चना पुरी द्वारा "पीडियाट्रिक जेम सेल ट्यूमर" पर अतिथि व्याख्यान, इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन्स दिल्ली चैप्टर, इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन्स दिल्ली चैप्टर का वार्षिक सम्मेलन, सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली, 19 नवंबर, 2017.

अर्चना पुरी द्वारा "मूत्राशय निकास के समकालीन प्रबंधन", पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग, ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली, एशियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक यूरोलॉजी और इंडियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक यूरोलॉजी, 23 दिसंबर 2017.

अर्चना पुरी द्वारा "कार्यात्मक वाइडिंग डिसफंक्शन" पर अतिथि व्याख्यान, पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग, एमएएमसी, नई दिल्ली, पीडियाट्रिक यूरोडायनामिक्स कार्यशाला 2018, एमएएमसी, नई दिल्ली, फरवरी, 2018.

अर्चना पुरी द्वारा "सर्जरी के नवजात शिशु की पोस्ट-ऑपरेटिव देखभाल" पर अतिथि व्याख्यान, नर्सिंग विभाग, केएससीएच, नई दिल्ली, सीएनई, केएससीएच दिसंबर 2017 और 2018.

अर्चना पुरी द्वारा शोधपत्र प्रस्तुत आईएपीएस कोलकाता चैप्टर, आईएपीएससीओएन 2017 कोलकाता सितंबर 2017.

अर्चना पुरी द्वारा शोधपत्र प्रस्तुत "नवजात सर्जरी मृत्यु दर का बहुविकल्पीय विश्लेषण", इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक सर्जिकल रिसर्च, आईएसपीआर 2018 दिल्ली, भारत.

प्रताप एस यादव स्टोमा की देखभाल और जटिलताओं का प्रबंधन सीएनई, केएससीएच, नई दिल्ली, अप्रैल 2017.

प्रताप एस यादव मौजूदा संसाधनों में गुणवत्ता सुधार, गुणवत्ता सुधार में कार्यनीतियों पर कार्यशाला, केएससीएच, नई दिल्ली, अप्रैल 2017.

प्रताप एस यादव द्वारा हाई आर्म (एलएआरएआरपी) के माध्यम से लेप्रोस्कोपिक पिल का प्रदर्शन, पीईएसआई दिल्ली चैप्टर, पेसिकॉन वर्कशॉप 2018 अपोलो अस्पताल, दिल्ली, फरवरी, 2018.

विक्रम खन्ना द्वारा "यूरोडायनामिक्स स्टडीज" और "न्यूरोजेनिक मूत्राशय के आधुनिक प्रबंधन" पर व्याख्यान, पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग, ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली, एशियन सोसायटी ऑफ पीडियाट्रिक यूरोलॉजी और इंडियन सोसाइटी ऑफ पेडियाट्रिक यूरोलॉजी, 23 दिसंबर, 2017.

विक्रम खन्ना द्वारा "सिस्टिक नेक लेसन" पर व्याख्यान, पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग, एमएएमसी, नई दिल्ली, 10वां पीडियाट्रिक सर्जरी अपडेट, फरवरी 2018.

विक्रम खन्ना द्वारा "सिस्टोमेट्री" पर व्याख्यान, पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग, एमएएमसी, नई दिल्ली, पीडियाट्रिक सर्जरी यूरोडायनामिक्स कार्यशाला 2018 एमएएमसी, नई दिल्ली, फरवरी, 2018.

विक्रम खन्ना - मौजूदा संसाधनों में गुणवत्ता में सुधार, गुणवत्ता सुधार में कार्यनीतियों पर कार्यशाला, केएससीएच, नई दिल्ली, अप्रैल 2017.

विक्रम खन्ना द्वारा "पीयूजेओ में नए सर्जिकल पैरामीटर" और "हेपेटोब्लास्टोमा रोगियों में कीमोथेरेपी के बाद सफल शोधन" पर शोधपत्र, आईएपीएस कोलकाता चैप्टर, आईएपीएससीओएन 2017, कोलकाता, 21 से 25 सितंबर, 2017.

अमित गुप्ता द्वारा ‘'प्रसवपूर्व पता चले थोरेसिक और पेट की विकृतियों में पोस्ट-नेटल सर्जरी के परिणाम" पर शोधपत्र, आईएपीएस कोलकाता चैप्टर, आईएपीएससीओएन 2017 कोलकाता, 21 से 24 सितंबर, 2017.

अमित गुप्ता ने प्रोफेसर राजीव चड्ढा को पीजी के लिए "सामान्य पीडियाट्रिक सर्जिकल समस्याओं" पर एक अध्याय लिखने में सहायता की.

मातृ और शिशु स्वास्थ्य में डिप्लोमा - 1998 से एक साल का कार्यक्रम, तीसरा संशोधन जनवरी 2018.

पूर्व छात्रों का नियोजन विवरण:

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

डॉ शालू - जून 2018 में आयोजित शिक्षण कैडर के लिए यूपीएससी सीधी भर्ती साक्षात्कार में सहायक प्रोफेसर पद के लिए चयनित

संकाय सदस्य संख्या: 6

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

विशिष्टता वाले छात्र:

केएससीएच के वार्षिक सम्मेलन में "बच्चों में डे केयर सर्जरी की सुरक्षा और दक्षता" पर थीसिस के लिए डॉ. रविश कुमार (एमसीएच स्नातकोत्तर) को सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र के लिए वीना तलूजा पदक दिया गया।

***

औषध-विज्ञान (एलएचएमसी)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

1 अप्रैल 2017 से 31 मार्च 2018 की अवधि में, विभाग ने अनुशासन की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है। विभाग के संकाय सदस्यों और स्नातकोत्तर छात्रों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में शोधपत्र प्रस्तुत किए। पीयर समीक्षित पबमेड अनुक्रमित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय जर्नल में कुल 7 शोधपत्र प्रकाशित किए गए। डॉ एच एच रेहान, निदेशक-प्रोफेसर और विभाग के प्रमुख ने, यूजीसी के विभिन्न विषयों, विच्छेदन निगरानी समिति में सीडीएससीओ की विषय विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया। विभाग के निदेशक-प्रोफेसर डॉ ललित कुमार गुप्ता ने विभिन्न विषयों में सीडीएससीओ की विषय विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया। विभाग आईपीसी गाजियाबाद के सहयोग से भारत के फार्मा सह सतर्कता कार्यक्रम में भाग ले रहा है और प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया निगरानी के मामले में शीर्ष पांच राष्ट्रीय केंद्रों में से एक माना जाता है।

प्रकाशन

साह आर के, चंदाने आर डी, कृष्णा, मनोचा एस और कपूर ए (2017)। दिल्ली, भारत में सामुदायिक फार्मासिस्टों के बीच फार्मा कोविजिलेंस का ज्ञान, व्यवहार और अभ्यास। *इंटेल जे बेसिक क्लिन फार्माकोल,* 6, 618-23.

युवनेट ए एच, चंदाने आर डी और साह आर के (2017)। रोगी की जीवन की गुणवत्ता पर मुँहासा और छालरोग का प्रभाव: वर्धा जिले में स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों से एक बहुकेंद्रिक अध्ययन। *नेटल जे फिजियोल फार्मा फार्माकोल,* 7 (5), 522-526.

रॉय टी, बनर्जी आई, घोष एस, ढली आर एस, दे पाटी ए और त्रिपाठी एस के। (2017)। विस्टार अल्बिनो चूहों में प्रयोगात्मक प्रेरित रूमेटोइड गठिया पर पिओग्लिटाज़ोन और मेथोट्रेक्सेट के साथ सह-उपचार के प्रभाव। *इंडियन जे फार्माकोल,* 49, 168-75.

रानी एस जी, चुग पी के, साह आर के, त्रिपाठी सी डी (2017)। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन दिशानिर्देशों का उपयोग करते हुए दवा प्रचारक साहित्य का गंभीर मूल्यांकन। आईएन जे बेसिक क्लिन फार्माकोल, 6, 2014- 9.

शर्मा वी, पांगती जी एस, गुप्ता आर।, रेहान एचएस, गुप्ता एलके (2017)। दीर्घकालिक ग्लाइसेमिक नियंत्रण का सहसंबंध, जैसा कि सीरम एंजियोपियोटीन के साथ ग्लाइकेटेड हीमोग्लोबिन द्वारा मापा जाता है, टाइप 2 मधुमेह मेलिटस रोगियों में 6 प्रोटीन स्तर की तरह। *इंडियन जे फार्माकोल,* 49, 250-3.

अमिर्था आर, गुप्ता, आर, रेहान एच एस, गुप्ता एल के (2017)। स्नातक चिकित्सा छात्रों के बीच फार्माकोलॉजी सीखने और समझने पर शिक्षण पद्धति के रूप में कंप्यूटर सहायक शिक्षा का प्रभाव। *इंडियन जे फिजियोल फार्माकोल,* 61 (2), 202-207.

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ ललित कुमार गुप्ता, डॉ एचएस रेहान, डॉ अनुपम प्रकाश - ब्रोन्कियल अस्थमा के रोगियों में इनहेल्ड कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स के उपचार से सीरम पेरीओस्टिन के स्तर में परिवर्तन.

भारत के वयस्कों में एक्वापोरिन-2 के मूत्र विसर्जन के स्टेटिन के प्रभाव का पता लगाने के लिए एक संभावित अध्ययन। गाइड और सह गाइड: डॉ एचएस रेहान, डॉ ललित कुमार गुप्ता, डॉ मधुर यादव.

लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज के आईपीडी/ओपीडी दोनों में उचित पहल कार्यनीतियों सहित भारत के फार्मा कॉविजिलेंस कार्यक्रम के माध्यम से रोगी सुरक्षा पहल के साथ-साथ प्रेस्क्रिप्शन का निरंतर ऑडिट.

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुति:

इंडियन सोसाइटी ऑफ रेशनल फार्माकोथेरेपीटिक्स (आईएसआरपीटी) वार्षिक सम्मेलन, अलीगढ़ (यूपी) 2017.

एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट और फार्माकोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया का 63वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन, जेआईपीएमईआर, पुडुचेरी। शोधपत्र - ऑनलाइन फ़ार्मेसियों: उपभोक्ता की जागरूकता और व्यवहार। 12 से 14 अक्टूबर, 2017.

एनएमआईएमएस मुंबई में इंडियन फार्माकोलॉजिकल सोसाइटी का राष्ट्रीय सम्मेलन, प्रस्तुत किया गया- कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स सीरम सर्विविन, एम 30 अपॉप्टो सेंस और सीडी 28 को कम करता और अस्थमा रोगियों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार करता है, 15 से 17 फरवरी, 2018.

दिल्ली हार्ट एंड लंग इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 2017 द्वारा "फार्माकोविजिलांस और प्रतिकूल दवाओं का असर" पर आयोजित सेमिनार में अतिथि अध्यक्ष।

9 मार्च 2017 को एलएचएमसी द्वारा आयोजित "अनुसंधान रिसर्च एथिक्स एंड गुड क्लीनिकल प्रैक्टिस" पर कार्यशाला में संकाय सदस्य ।

कौशल विकास कार्यक्रम, गाजियाबाद में संकाय सदस्य , पीवीपीआई, आईपीसी, एमओएच और एफडब्ल्यू द्वारा आयोजित, फार्माकोविजिलांस में उपकरण और तरीके, मई 2017 और नवंबर 2017

डब्ल्यूएचओ, एमसीएजेड द्वारा नोएडा में आयोजित इंटर-राटर सॉफ्टवेयर का आकलन करने के लिए अंतर-देशीय अध्ययन में प्रतिभागिता, 24 से 30 अप्रैल, 2017

आईएडीवीएल- दिल्ली राज्य शाखा की “बुजुर्गों में त्वचा रोग की पुन: अवधारणा प्रबंधन" सेमिनार में भाग लिया, एलएचएमसी, 14 मई 2017

आदित्य बिड़ला मेमोरियल अस्पताल, पुणे द्वारा आयोजित "चिकित्सीय दवा निगरानी" पर अतिथि अध्यक्ष, 4 और 5 नवंबर 2017

आईएसआरपीटीसीओएन में अतिथि अध्यक्ष और "डिस्प्लिडेमिया के प्रबंधन पर विशेषज्ञ सर्वसम्मति दस्तावेज" प्रस्तुत, अलीगढ़ 20 और 21 नवंबर 2017

सीएसआई सम्मेलन पुणे चैप्टर अध्याय, द्वारा आदित्य बिड़ला मेमोरियल अस्पताल, पुणे में आयोजित "एआरएनआई बनाम एआरबी" बहस में अतिथि अध्यक्ष और प्रतिभागी, 20 और 21 जनवरी, 2018

पीजीआई चंडीगढ़, द्वारा आयोजित एचटीए पर राष्ट्रीय सम्मेलन में स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी आकलन में प्रतिभागी, 24 और 25 फरवरी, 2018

संसाधन व्यक्ति और डीआईपीएसएआर दिल्ली में आयोजित XXV गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम में "फार्माकोलॉजी में हालिया प्रगतियां” प्रस्तुत, 5 से 9 मार्च, 2018।

आईओएम, काठमांडू, में अतिथि अध्यक्ष और प्रस्तुत उपचार "डिस्प्लिडेमिया के प्रबंधन के लिए दिशानिर्देश" उपचार प्रस्तुत, 29 मार्च, 2018

प्रदान की गई पीएचडी / एम. फिल/एमडी की संख्या:

एक छात्र को एमडी (फार्माकोलॉजी) प्रदान की गई।

स्थायी / अस्थायी / तदर्थ संकाय सदस्य संख्या: 10

कोई अन्य महत्वपूर्ण जानकारी:

विभाग आईपीसी गाजियाबाद के सहयोग से भारत के फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम में भाग ले रहा है और प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं की रिपोर्टिंग के मामले में शीर्ष पांच राष्ट्रीय केंद्रों में से एक है।

***

औषध-विज्ञान (एमएएमसी)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां:

फार्माकोलॉजी विभाग का लक्ष्य एमबीबीएस, बीडीएस और फार्माकोलॉजी में स्नातकोत्तर छात्रों के लिए समग्र, शिक्षा अनुभव प्रदान करना है। इस संबंध में अध्यापन शिक्षण गतिविधियों की लगातार निगरानी और उनमें सुधार किया जा रहा है। विभाग के एमबीबीएस और एमडी दोनों पाठ्यक्रमों में नई शिक्षा गतिविधियां शुरू की गई। विभाग स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं में दवाओं के तर्कसंगत उपयोग को बढ़ावा दे रहा है। दिल्ली सरकार की स्वास्थ्य सुविधाओं में दवाओं के तर्कसंगत उपयोग को बढ़ावा देने के लिए, विभाग ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के अंतर्गत स्वास्थ्य सुविधाओं में काम कर रहे डॉक्टरों के लिए "दवाओं की उपलब्धता और तर्कसंगत उपयोग में सुधार" पर एक तीसरी सीएमई और कार्यशाला आयोजित की। विभाग भारत सरकार के राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम का एक मान्यताप्राप्त प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया निगरानी केंद्र है। डॉक्टरों, नर्सों और फार्मासिस्टों के बीच फार्माकोविजिलेंस के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विभाग ने एक कार्यशाला आयोजित की। संकाय सदस्य शिक्षण और अनुसंधान के लिए प्रतिबद्ध है।

सम्मान और गौरव:

डॉ वंदना रॉय ने फाइमर (फाउंडेशन फॉर एडवांसमेंट इन मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च), फिलाडेल्फिया यूएसए, रीजनल सेंटर, क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, लुधियाना की फैलोशिप प्राप्त की।

डॉ वंदना रॉय द्वारा 7 अप्रैल, 2017 को अलीगढ़ के इब्न सिना इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिवल मेडिसिन एंड साइंस में 11वां प्रोफेसर नसीम अंसारी ओरेशन।

डॉ वंदना रॉय को वर्ष 2016-2017 के लिए जीएनसीटीडी दिल्ली के अस्पतालों में फार्मेसी (07) के लिए मानक ऑपरेटिंग प्रक्रियाओं एसओपी के विकास में योगदान के लिए दिल्ली राज्य स्वास्थ्य मिशन, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार से मान्यताप्राप्त प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ।

प्रकाशन:

अग्रवाल, एम, अहमद, जे, और रॉय, वी (2017) नई दिल्ली, भारत में एक तृतीयक देखभाल शिक्षण अस्पताल के स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के बीच फार्माकोविजिलेंस का ज्ञान, रवैया और अभ्यास। *एमएएमसी जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज,* 3 (3), 146-151

चावला एस, अग्रवाल एम, शर्मा, एस, जिलोहा, आर.सी. (2017)। तृतीयक देखभाल अस्पताल में मनोवैज्ञानिक रोगियों के बीच मनोवैज्ञानिक दवाओं का दवा उपयोग अध्ययन। *इंडियन जे फार्मा साइंस,* 79 (6), 1008-1013.

चावला एस, और कुमार एस। (2017)। दिल्ली में तृतीयक देखभाल केंद्र में एंटीसाइकोटिक थेरेपी पर मरीजों में प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाएं और जीवन की गुणवत्ता पर उनके प्रभाव। *इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजिकल मेडिसिन,* मई-जून 39, 293-298.

रॉय, वी। (2017)। भारत में स्नातक चिकित्सा शिक्षा- लक्ष्यों पर परिप्रेक्ष्य। *जे रटल फार्माकोदर रेस* 3 (10), 11-19.

रॉय वी और गुप्ता यू (2017)। भारत में कम लागत, गुणवत्ता वाली दवाओं तक पहुंच में सुधार: एक केस स्टडी। (सार) पुस्तक, हेल्थकेयर प्रबंधन सेवाओं में अग्रिम पर तीसरा आईआईएमए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। आयोजक सेंटर फॉर मैनेजमेंट ऑफ हेल्थ सर्विसेज, आईआईएम अहमदाबाद। 9-10-11 दिसंबर.

रॉय, वी (2017)। तर्कसंगत निर्धारण: पी दवा अवधारणा। [सार]। *जर्नल ऑफ़ रेशनल फार्माकोथेरेपीटिक्स एंड रिसर्च* 3, 12.

सिंघल एस, रॉय वी। (2017)। नई दिल्ली (भारत) में तृतीयक देखभाल अस्पताल में शिक्षण में एलोपैथिक डॉक्टरों और इंटर्न के एलोपैथिक पाठ्यक्रम में आयुष को एकीकृत करने के बारे में जागरूकता, अभ्यास और दृष्टिकोण। *जर्नल ऑफ इंटीग्रेटिव मेडिसिन* [स्वीकृत, 18 दिसंबर 2017].

तायल वी, रॉय वी। (2017)। बाजार में निहित सेराटियोपेप्टिडेस तैयारी: तर्कसंगतता और लागत। *एमएएमसी जर्नल ऑफ़ मेडिकल साइंसेज* 3 (3), 152-58.

जर्नल

दो संकाय सदस्य एमएएमसी जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज के संपादकीय बोर्ड के सदस्य हैं।

अनुसंधान परियोजनाएं

जारी परियोजनाएं

एलएन अस्पताल के डॉट्स क्लिनिक में तपेदिक के रोगियों का मूल्यांकन। डॉ वंदना राय, डॉ प्रोतीश राणा, डॉ सीमा कपूर, डॉ अश्विनी खन्ना, 2017 के बाद, (अनुदान 5 लाख, दिल्ली राज्य टीबी कार्यालय)।

कोलिस्टिन प्रेरित गुर्दे की चोट के खिलाफ थाइमोक्विनोन का प्रभावशाली प्रभाव, डॉ वंदना रॉय, डॉ नज़र, डॉ बी कोनर, डॉ नीता खुराना, डॉ अखिलेश मिश्रा, 2017 के बाद, वित्तपोषण के लिए प्रस्तुत।

चूहों में रासायनिक प्रेरित कोलन कैंसर पर एजाइराचता इंडिका लीफ अर्क के सुरक्षात्मक प्रभाव का मूल्यांकन। डॉ वंदना राय, डॉ एंजेलिका बट्टा, डॉ मोनिका अग्रवाल, डॉ नीता खुराना, डॉ अखिलेश मिश्रा, 2017 के बाद, वित्तपोषण के लिए प्रस्तुत।

रैट मॉडल में एल्यूमिनियम क्लोराइड प्रेरित एल्जाइमर रोग में ज़िंजिबर ऑफिसिनेल (अदरक) के न्यूरोप्रोटेक्टीव प्रभाव का अध्ययन। डॉ वंदना रॉय, डॉ कविता, डॉ वंदना तायल, डॉ अखिलेश मिश्रा, डॉ बिनिता गोस्वामी, डॉ नीता खुराना। 2017 के बाद, वित्तपोषण के लिए प्रस्तुत।

घुटनों के जोड़ों के ऑस्टियोआर्थराइटिस के रोगियों में बायोकरकुमिन और पैरासिटामोल की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना के लिए यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, डॉ भूपिंदर सिंह, डॉ शुभा सिंगल, 2017 के बाद, संसाधन दवा कंपनी द्वारा प्रदान किए गए।

चूहों में शराब निकासी सिंड्रोम पर विटामिन सोमनिफेरा (अश्वगंधा) और बाकोपा मोननिएरी (ब्राह्मी) के अर्क की प्रभावकारिता। डॉ भूपिंदर सिंह, श्री पुष्पित। संसाधन दवा कंपनी द्वारा प्रदान किए गए।

चूहों में सेराटोपेप्टिडेस, बॉसवेलिया सेरेटा और डिक्लोफेनेक की एंटीनोसाइसेप्टिव और एंटीफ्लैमेटरी गतिविधियां, डॉ भूपिंदर सिंह, डॉ शुभा सिंघल, डॉ वंदना रॉय, 2017 के बाद, संसाधन दवा कंपनी द्वारा प्रदान किए गए।

नई दिल्ली (भारत) में तृतीयक देखभाल शिक्षण अस्पताल में एलोपैथिक डॉक्टरों और इंटर्न के एलोपैथिक पाठ्यक्रम में आयुष को एकीकृत करने पर जागरूकता, व्यवहार और दृष्टिकोण। डॉ वंदना रॉय, डॉ शुभा सिंघल, 2016-2017, गैर-वित्तपोषित आवश्यक नहीं

निर्दिष्ट दवाइयों और तृतीयक देखभाल शिक्षण अस्पताल में इसे प्रभावित करने वाले कारकों के बारे में रोगी का ज्ञान। आईसीएमआर अल्प अवधि छात्रवृत्ति 2017, अनिरुद्ध कंसल, पर्यवेक्षक: डॉ वंदना राय, 2017

मेडिकल छात्रों और रेजीडेंट डॉक्टरों के अकादमिक, सामाजिक और व्यावसायिक पहलुओं पर व्हाट्सएप और फेसबुक के उपयोग के प्रभाव का अध्ययन, डॉ शालिनी चावला, डॉ शुभा सिंघल, 2016 के बाद

तृतीयक देखभाल शिक्षण अस्पताल में प्रेस्क्राइबरों में एंटी माइक्रोबियल के उपयोग के बारे में जानकारी और मान्यताओं का एक सर्वेक्षण, डॉ शालिनी चावला, डॉ शिवानी, 2016 के बाद

चालू वर्ष के दौरान पूरी की गई थीसिस का विवरण

डिस्फंक्शनल गर्भाशय रक्तस्राव में मेनोरागिया और डिसमोनोरिया के उपचार में मेफेनेमिक एसिड और डिस्लोफेनाक - एक यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन, डॉ साहिल कुमार, पर्यवेक्षक: डॉ उमा टेकुर, सह पर्यवेक्षक: डॉ भूपिंदर कालरा, डॉ देवेंद्र कुमार।

सहज बैक्टीरियल पेरिटोनिटिस के लिए प्रोफेलेक्सिस लेने वाले मरीजों में फिकल माइक्रोबायोटा, प्रतिरोध पैटर्न, प्रभावकारिता और सहिष्णुता पर ट्राइमेथोप्रिम-सल्फैमेथॉक्सोजोल/नॉरफ्लोक्सासिन का प्रभाव, डॉ सिद्धार्थ दत्ता, पर्यवेक्षक: डॉ शालिनी चावला, सह पर्यवेक्षक: डॉ वंदना राय, डॉ सिद्धार्थ श्रीवास्तव, डॉ पूनम लांबा।

आयोजित सम्मेलन

डॉ वंदना राय: मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेजों और एसोसिएटेड अस्पतालों में दिल्ली सरकार की स्वास्थ्य सुविधाओं में काम कर रहे डॉक्टरों के लिए तीसरा सीएमई और "सार्वजनिक स्वास्थ्य में दवाओं की उपलब्धता में सुधार और तर्कसंगत उपयोग" पर कार्यशाला आयोजित की, 20-23 फरवरी, 2018 दिल्ली एनसीटी सरकार द्वारा वित्तपोषित।

डॉ शालिनी चावला द्वारा मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज और एसोसिएटेड अस्पतालों में काम कर रहे स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के लिए "फार्माकोविजिलेंस" पर 6ठी सीएमई कार्यशाला का आयोजन, 22 मार्च, 2018, दिल्ली के एनसीटी सरकार द्वारा वित्तपोषित।

सेमिनार/सम्मेलन में प्रस्तुति:

डॉ वंदना रॉय:

प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं के औपचारिक मूल्यांकन: तर्क और तरीकों पर वार्ता: राष्ट्रीय समन्वय केंद्र, भारत का फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम, भारतीय फार्माकोपिया आयोग, गाजियाबाद, 28 अगस्त से 1 सितंबर 2017.

संसाधन खराब सेटिंग में दवाओं की गुणवत्ता की सुरक्षा पर कार्यशाला में संसाधन खराब सेटिंग में फार्माकोविजिलेंस पर वार्ता, आईएचएचएमआर, फार्मास्यूटिकल मैनेजमेंट स्कूल द्वारा आयोजित, 18 से 22 सितंबर, 2017.

संसाधन खराब सेटिंग्स में दवाओं की सुरक्षित सुरक्षा गुणवत्ता पर कार्यशाला में गुणवत्तापूर्ण दवाओं की उपलब्धता पर आवश्यक दवाई नीति के प्रभाव पर एक वार्ता, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ मैनेजमेंट रिसर्च (आईआईएचएमआर), स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल मैनेजमेंट द्वारा आयोजित। 18 से 22 सितंबर, 2017.

तर्कसंगत निर्धारण: प्री कॉन्फ्रेंस कार्यशाला में पी दवा अवधारणा पर वार्ता, इंडियन सोसाइटी ऑफ रेशनल फार्माकोथेरेपीटिक्स का 9वां राष्ट्रीय सम्मेलन। फार्माकोलॉजी विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, 19 से 21 नवंबर, 2017.

"भारत में दवाइयों तक पहुंच में सुधार: एक केस स्टडी पर शोधपत्र प्रस्तुत। आईआईएम अहमदाबाद में आयोजित हेल्थकेयर प्रबंधन सेवाओं में प्रगतियों पर तीसरा आईआईएमए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सेंटर फॉर मैनेजमेंट ऑफ हेल्थ सर्विसेज, आईआईएम द्वारा आयोजित। 9 और 10 दिसंबर 2017.

दिल्ली एनसीटी सरकार के तहत सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में "दवाओं की उपलब्धता में सुधार और तर्कसंगत उपयोग" पर तीसरी सीएमई कार्यशाला में "अनिवार्य चिकित्सा अवधारणा" पर व्याख्यान। फार्माकोलॉजी विभाग, एमएएमसी, 20 से 23 फरवरी, 2018.

6ठे सीएमई में "फार्माकोविजिलेंस की आवश्यकता" पर व्याख्यान और रोगी सुरक्षा के लिए फार्माकोविजिलांस पर कार्यशाला, फार्माकोलॉजी विभाग, एमएएमसी, 22 मार्च, 2018

डॉ शालिनी चावला:

अपोलो इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, हैदराबाद में "निगरानी और रिपोर्टिंग में फार्माकोविजिंसेंस की बुनियादी अवधारणाओं" पर अतिथि व्याख्यान, 3 अप्रैल, 2017.

"बुजुर्गों में ड्रग का उपयोग और पॉली फार्मेसी से बचने की तकनीकें" पर अतिथि व्याख्यान। आदित्य बिड़ला मेमोरियल अस्पताल, 5वां राष्ट्रीय सम्मेलन, एबीएमएच फार्माकॉन वी, पुणे इंडिया कॉलेज, 4 नवंबर 2017.

संगोष्ठी में मेडिकल एथिक्स "वृद्धावस्था के आणविक कारकों और संबंधित बीमारियों में उनके प्रभाव को परिभाषित करना" पर अतिथि व्याख्यान, फिजियोलॉजी विभाग, एमएएमसी, नई दिल्ली, 18 नवंबर 2017.

एनसीटी दिल्ली सरकार के तहत सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में "दवाओं की उपलब्धता में सुधार और तर्कसंगत उपयोग" पर तीसरी सीएमई कार्यशाला में "पी-मेडिसिन अवधारणा" पर व्याख्यान के लिए प्रस्तुत किया गया, फार्मेकोलॉजी विभाग, एमएएमसी, 20 से 23 फरवरी, 2018.

6ठी सीएमई में "एमएएमसी में एडीआर निगरानी" पर व्याख्यान और रोगी सुरक्षा के लिए फार्माकोविजिलेंस पर कार्यशाला, एमएएमसी, 22 मार्च, 2018

डॉ भूपिंदर सिंह:

एनसीटी दिल्ली सरकार के तहत सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में "दवाओं की उपलब्धता में सुधार और तर्कसंगत उपयोग" पर तीसरी सीएमई कार्यशाला में "प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाएं" पर व्याख्यान, फार्माकोलॉजी विभाग, एमएएमसी, 20 से 23 फरवरी, 2018

डॉ वंदना तायल

एनसीटी दिल्ली सरकार के तहत सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में "दवाओं की उपलब्धता में सुधार और तर्कसंगत उपयोग" पर तीसरी सीएमई कार्यशाला में "प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाएं" पर संकाय सदस्य के तौर पर व्याख्यान, फार्माकोलॉजी विभाग, एमएएमसी, 20 से 23 फरवरी, 2018

6ठी सीएमई में संकाय सदस्य के रूप में "दवा त्रुटियों" पर व्याख्यान और रोगी सुरक्षा के लिए फार्माकोविजिलांस पर कार्यशाला, 22 मार्च, 2018, एमएएमसी

डॉ साहिल कुमार

इंडियन सोसाइटी फॉर रेशनल फार्माकोथेरेपीटिक्स (आईएसआरपीटीसीओएन) 2017 के 6ठे अंतर्राष्ट्रीय और 9वें राष्ट्रीय सम्मेलन द्वारा आयोजित "बेकार गर्भाशय रक्तस्राव में मेफेनेमिक एसिड और डिक्लोफेनेक - एक यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन" में मौखिक प्रस्तुति। जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज एएमयू, अलीगढ़, 20-21 नवंबर, 2017

डॉ सिद्धार्थ दत्ता

इंडियन सोसाइटी फॉर रेशनल फार्माकोथेरेपीटिक्स (आईएसआरपीटीसीओएन)-2017 के 6ठे अंतर्राष्ट्रीय और 9वें राष्ट्रीय सम्मेलन में "सहज बैक्टीरियल पेरीटोनिटिस के लिए प्रोफिलैक्सिस लेने वाले मरीजों में फीकल माइक्रोबायोटा, प्रतिरोध पैटर्न, प्रभावकारिता और सहिष्णुता पर ट्रिमेथोप्रिम-सल्फैमेथॉक्सोजोल /नॉरफ्लोक्सासिन पर प्रभाव।" पर मौखिक प्रस्तुति, जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज, एएमयू, अलीगढ़ में। 20-21 नवंबर, 2017

नियोजन विवरण:

छात्रों की संख्या और प्रतिशत - 100% नियोजन। तीन स्नातकोत्तर (3 एमडी अभ्यर्थियों में से 3) फार्मास्युटिकल कंपनी से जुड़े।

विस्तार और पहुँच गतिविधियां:

विभाग कॉलेज से जुड़े अस्पतालों में कार्यरत सभी नर्स को फार्माकोविजिलेंस में संवेदनशील बनाने और प्रशिक्षित करने के लिए एक कार्यक्रम तैयार कर रहा है। प्रारंभ में एमएएमसी के संबंधित अस्पतालों में कार्यरत लगभग 1600 नर्सों को प्रशिक्षित किया जाना प्रस्तावित है।

विभाग दिल्ली सरकार से जुड़े अस्पतालों में कार्यरत स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं (डॉक्टर, नर्स और फार्मासिस्ट) को दवाओं के तर्कसंगत उपयोग, बेहतर नुस्खे, आवश्यक दवा अवधारणा आदि में प्रशिक्षित करने के लिए प्रति वर्ष एक कार्यशाला आयोजित करता है।

फार्मेकोलॉजी में एमडी प्रदान की गई: 3

संकाय सदस्यों की संख्या: 4

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

समाज के लिए स्वास्थ्य सेवाएं

विभाग समाज के लिए दवाओं के सुरक्षित और तर्कसंगत उपयोग में सुधार से संबंधित कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इनमें शामिल हैं: -

क) प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं की निगरानी

फार्माकोलॉजी विभाग, एमएएमसी भारत सरकार के फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम, इंडियन फार्माकोपिया आयोग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तहत प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं की निगरानी का एक मान्यताप्राप्त केंद्र है। विभाग ने 2017 में अंतर्राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस केंद्र उप्साला को रिपोर्टिंग के लिए विजिबेस के माध्यम से राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस केंद्र में 411 व्यक्तिगत केस सुरक्षा रिपोर्ट (आईसीएसआर) की सूचना दी है।

आज तक रिपोर्ट की गई प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया (एडीआर) की संख्या

वर्ष	सूचित एडीआर की संख्या
2014 (सितंबर-दिसंबर)	85
2015 (जनवरी-दिसंबर)	358
2016 (जनवरी-फरवरी और अक्टूबर-दिसंबर)	90 (फरवरी 16 से सितंबर 16 के बीच फार्माकोविजिलेंस सहयोगी उपलब्ध नहीं थे)
2017 (जनवरी-दिसंबर)	411

बी) सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में दवाओं की उपलब्धता और तर्कसंगत उपयोग में सुधार

विभाग सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में दवाओं की उपलब्धता और तर्कसंगत उपयोग में सुधार लाने, दिल्ली सरकार अस्पतालों में कार्यरत डॉक्टरों को दवाओं के बेहतर चयन, निर्धारण और तर्कसंगत उपयोग से संबंधित पहलुओं पर प्रशिक्षण देने के लिए प्रति वर्ष कार्यशालाओं का संचालन कर रहा है। इससे उन्हें दवाओं का बेहतर तरीके से प्रबंधन करने में मदद मिलेगी। व्यवहार में लागू किए जाने पर ऐसे प्रशिक्षण के परिणामस्वरूप समाज को सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में आवश्यक दवाओं तक पहुंच और उनके सुरक्षित उपयोग में सुधार होगा। इस वर्ष तीसरी कार्यशाला आयोजित की गई।

ग) चिकित्सकीय औषधि निगरानी

विभाग रोगी नमूनों और दवा नमूनों में दवाओं का लेवल मापता है।

प्रयोगशाला डाटा

प्रयोगशाला का नाम	चिकित्सकीय औषधि निगरानी
परीक्षण	परीक्षणों की संख्या
लिथियम का अनुमान	25
स्टेरॉयड का अनुमान	20

जोड़ी गई नई सुविधाएं:

विभाग प्रयोगशालाओं, सेमिनार कक्षों और संकाय कक्षों का प्रमुख नवीनीकरण करा रहा है।

***

शरीर-विज्ञान (एलएचएमसी)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

विभाग विभिन्न शोध कार्यक्रमों और शिक्षण गतिविधियों में संलग्न है। पी 300, तंत्रिका चालन वेग और संज्ञानात्मक कार्य परीक्षण सहित विभिन्न न्यूरोफिजियोलॉजिकल मानकों पर अनुसंधान किया जाता है। अध्ययनों में 'क्रोनिक अवरोधक फुफ्फुसीय बीमारी' (सीओपीडी), टाइप 2 मधुमेह मेलिटस, प्री-डायबिटीज और ध्यान न्य'नता अतिसक्रियता विकार के रोगियों को शामिल किया गया। फुफ्फुसीय कार्य परीक्षणों और टाइप 2 मधुमेह मेलिटस के रोगियों और ध्यान न्यूनता अतिसक्रियता विकार में स्वायत्त कार्यों पर हृदय गति परिवर्तनशीलता पर भी अध्ययन किए गए हैं। इसकी स्थापना के समय से, फिजियोलॉजी विभाग में योग और जीवनशैली पहल केंद्र, एक लंबा सफर तय कर चुका है, जहां केंद्र में योग अभ्यासों में भाग लेने से विभिन्न बीमारियों से ग्रस्त मरीज लाभान्वित हो रहे हैं। कई चिकित्सा छात्र, डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ भी केंद्र की सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं। विभाग पॉलीसिस्टिक डिम्बग्रंथि रोग के साथ-साथ पोस्टमेनोपॉज़ल महिलाओं के रोगियों में हृदय गति परिवर्तनशीलता पर योग अभ्यासों (एकीकृत योग अभ्यासों) के प्रभावों पर अनुसंधान कर रहा है। इससे संबंधित अध्ययन विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत किए गए।

प्रकाशन

प्रकाशित शोधपत्र:

प्रवीणा एस एम, आशा जी, सुनीता एम, और रत्ना बी। (2018)। योग शुरुआती पोस्टमीनोपोजल महिलाओं में कार्डियोवैस्कुलर संरक्षण प्रदान करता है। *इंट. योग,* 11, 37-43

प्रमेश, डोगरा, सुनीता, मंडल, राजीव, बंधु, दिनेश, कटारिया, ओम साईं रमेश वी, मुकुल, अदलखा। (2018)। मेथिलफेनिडेट के पहले और बाद में ध्यान न्यूनता/अति सक्रियता विकार (एडीएचडी) में एचआरवी। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च,* 7, 3,

मनावत आर, श्वेता (2018)। मोटापा में छह मिनट के पैदल चालन का प्रभाव। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिकल साइंस और पब्लिक हेल्थ,* 7 (4), 263-64

सम्मेलन में प्रस्तुत शोधपत्र

वर्मा ए, गांधी ए, गौतम एस, बिस्वास आर, जैन ए, मंडल एस: पीसीओएस मरीजों में इंसुलिन प्रतिरोध पर योग का प्रभाव। IJPPAZ; 2017: 61 (5): 193.

डोगरा पी, मोंडल एस, बंधु आर, कटारिया डी: मेथिलफेनिडेट के उपचार के पहले और बाद में ध्यान न्यूनता/अति सक्रियता विकार (एडीएचडी) वाले बच्चों में हृदय गति अंतर। IJPPAZ; 2017: 61 (5): 236.

भारद्वाज एस, मंडल एस, बंधु आर, चौधरी डी, मलिक ई, अदलखा एम .. टाइप 2 मधुमेह मेलिटस के रोगियों में ग्लाइसेमिक नियंत्रण और संज्ञानात्मक कार्य, 18/11/17 को एमएएमसी, नई दिल्ली में पोस्टर प्रेजेंटेशन आयोजित किया गया।

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉक्टोरल (एमडी थीसिस) अनुसंधान परियोजनाएं

ध्यान न्यूनता के अतिसक्रियता विकार के मरीजों में स्वायत्त कार्य (प्रस्तुत), डॉ प्रमेश डोगरा (पीजी छात्र), डॉ सुनीता मंडल, डॉ राजीव बंधु.

योग करने वाले पॉलीसिस्टिक डिम्बग्रंथि सिंड्रोम के रोगियों में हृदय परिवर्तनशीलता, स्वायत्त प्रतिक्रियाशीलता और इंसुलिन प्रतिरोध का अध्ययन (प्रस्तुत), डॉ अनुष्का वर्मा (पीजी छात्र), डॉ आशा आशा गांधी, डॉ सुजाता गौतम

स्नातक-पूर्व (आईसीएमआर एसटीएस अनुसंधान परियोजना)

स्मार्टफोन का उपयोग करने वाले स्कूली किशोरों में संज्ञानात्मक कार्य: एक प्रारंभिक अध्ययन: सुश्री शुभी (तीसरा सेमेस्टर), डॉ मैरी विभा लाकरा।

विभागीय अनुसंधान परियोजना

इडियोपैथिक चाइल्डहुड मिर्गी वाले बच्चों में संज्ञानात्मक कार्य का इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल अध्ययन, पीआई-डॉ मधुलिका मोंगा, एसोसिएट प्रोफेसर सह-पीआई डॉ एस मंडल, डॉ नमिता

आयोजित सेमिनार

21.06.2017 को एलएचएमसी, फिजियोलॉजी विभाग में "अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस" उत्सव। आयोजक सचिव: डॉ राजीव बंधु, डॉ अनीता पवार.

एस जे ऑडिटोरियम, एलएचएमसी में "थर्ड इंटरकॉलेजियेट अंडर ग्रेजुएट फिजियोलॉजी क्विज़ प्रतियोगिता": आयोजक अध्यक्ष: डॉ सुनीता मंडल, आयोजन सचिव, 21 फरवरी, 2018.

डॉ सुजाता गौतम, डॉ मैरी विभा लकरा द्वारा एमबीबीएस बैच 2017-18 के लिए "छात्र सलाह कार्यक्रम" की शुरूआत, आयोजक सचिव: डॉ अनीता पवार, डॉ मधुलिका मोंगा, 4 अक्टूबर, 2017

सेमिनार/सम्मेलन में प्रस्तुति

डॉ सुजाता गौतम, डॉ मैरी विभा लकरा फिजियोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली में प्रतिनिधि के रूप में। ''डीएसटी के तहत विकसित स्वदेशी चिकित्सा उपकरणों के लिए लास्ट माइल कनेक्टिविटी-उपलब्ध प्रौद्योगिकियों पर व्यावहारिक कार्यशाला'' एम्स, नई दिल्ली, 27 मार्च, 2017.

डॉ सुनीता मंडल, डॉ संदीप एस चौहान फिजियोलॉजी विभाग, जेआईपीएमईआर, पुडुचेरी में अध्यक्ष के रूप में। एपिकॉन 2017, जेआईपीएमईआर, पुडुचेरी। 12 से 14 अक्टूबर, 2017.

डॉ सुजाता गौतम, फिजियोलॉजी विभाग, जेआईपीएमईआर, पुडुचेरी एपिकॉन 2017 में निर्णायक के रूप में, जेआईपीएमईआर, पुडुचेरी,12 से 14 अक्टूबर, 2017.

डॉ राजीव बंधु, डीजीएचएस, एमओएचएफडब्ल्यू, निर्माण वन, नई दिल्ली में विषय विशेषज्ञ के रूप में। प्री अस्पताल ट्रामा तकनीशियन कोर्स पर मॉड्यूल को अंतिम रूप देने के लिए कार्यशाला, निर्माण भवन, नई दिल्ली, 24 अक्टूबर, 2017.

डॉ अनीता पवार, संकाय सदस्य सह-फैसिलिटेटर, चिकित्सा शिक्षा इकाई, एलएचएमसी। तनाव प्रबंधन कार्यशाला, एलएचएमसी, नई दिल्ली, 30 दिसंबर, 2017.

डॉ सुनीता मंडल, वक्ता, एमएएमसी, नई दिल्ली। "उम्र बढ़ने के आणविक चालकों को परिभाषित करने" पर सिम्पोजियम, सम्मोहन, एमएएमसी, नई दिल्ली, 18 नवंबर, 2017.

डॉ मधुलिका मोंगा, डॉ धर्मेंद्र बसु, डॉ श्वेता, डॉ पंकज के केशरी, प्रतिनिधि, मेडिकल एजुकेशन यूनिट, एलएचएमसी। शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, एलएचएमसी, नई दिल्ली, 4 से 6 दिसंबर, 2017.

डॉ सुनीता मंडल, सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली में प्रतिनिधि, संपर्क अधिकारियों (एससी/एसटी) के लिए कार्यशाला आईएसटीएम, नई दिल्ली, 8-9 जनवरी, 2018.

डॉ मधुलिका मोंगा, पर्यवेक्षण, न्यूरोफिजियोलॉजी विभाग, सर गंगा राम अस्पताल, सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली में क्लिनिकल न्यूरोफिजियोलॉजी। 1 फरवरी से 1 मार्च, 2018.

डॉ सुनीता मंडल द्वारा लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली में एक सत्र की अध्यक्षता, रिसर्च एथिक्स और गुड क्लीनिकल प्रैक्टिस, एलएचएमसी, नई दिल्ली, 9 मार्च, 2018

संकाय सदस्य संख्या: 14

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

कर्मचारियों की विशेष उपलब्धि जैसे पदक/पुरस्कार

डॉ पंकज कुमार केशरी, सहायक प्रोफेसर ने एलएचएमसी में हिंदी अनुभाग द्वारा आयोजित हिंदी पखवाड़ा में "हिंदी वार्षिक (अनुवाद)" में पहला पुरस्कार जीता, सितंबर 2017.

डॉ पंकज कुमार केशरी, सहायक प्रोफेसर ने एलएचएमसी में हिंदी अनुभाग द्वारा आयोजित हिंदी पखवाड़ा में "निबंध लेखन" में दूसरा पुरस्कार जीता, सितंबर 2017.

डॉ पंकज कुमार केशरी, सहायक प्रोफेसर ने एलएचएमसी में हिंदी अनुभाग द्वारा आयोजित हिंदी पखवाड़ा में "श्रुतलेख (डिक्टेशन)" में सांत्वना पुरस्कार जीता, सितंबर 2017.

डॉ श्वेता, सहायक प्रोफेसर ने एलएचएमसी में हिंदी अनुभाग द्वारा आयोजित हिंदी पखवाड़ा में "हिंदी अनुवाद (अनुवाद)" में सांत्वना पुरस्कार जीता। (आयोजक अध्यक्ष: डॉ सुनीता मंडल, आयोजक सचिव:

डॉ सुजाता गौतम और डॉ मैरी विभा लाकरा), सितम्बर 2017.

एमएसबीएस तीसरे सेमेस्टर के छात्रों सुश्री ईशा गुप्ता और सुश्री अनामिका रॉय ने फिजियोलॉजी विभाग एलएचएमसी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "थर्ड इंटरकॉलेजियेट अंडर ग्रेजुएट फिजियोलॉजी क्विज़ प्रतियोगिता" में दूसरा पुरस्कार जीता, 21 फरवरी, 2018.

फिजियोलॉजी विभाग ने एस जे ऑडिटोरियम, एलएचएमसी, नई दिल्ली में "थर्ड इंटरकॉलेजियेट अंडर ग्रेजुएट फिजियोलॉजी क्विज़ प्रतियोगिता" आयोजित की, (आयोजक अध्यक्ष: डॉ सुनीता मंडल, आयोजक सचिव: डॉ सुजाता गौतम और डॉ मैरी विभा लाकरा)। दिल्ली और एनसीआर के चौदह

मेडिकल कॉलेजों की टीमों ने भाग लिया और एलएचएमसी से एमबीबीएस के तीसरे सेमेस्टर के छात्रों ने दूसरा पुरस्कार जीता। 1 फरवरी 2018

***

शरीर-विज्ञान (एमएएमसी)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

फिजियोलॉजी विभाग शिक्षण, अनुसंधान और प्रशासनिक कार्यों से संबंधित है। एमबीबीएस, बीडीएस, नर्सिंग, एमडी के छात्रों को पढ़ाया जाता है। विभाग एमबीबीएस छात्रों के लिए संस्थान के इंटर्नशिप कार्यक्रम का समन्वय करता है। वर्ष 2017-2018 में, फिजियोलॉजी विभाग ने एक सेमिनार और प्रथम वर्ष स्नातक-पूर्व प्रश्नोत्तरी आयोजित की।

प्रकाशन:

सिंह ए के, कृष्णा बी, गुप्ता एम (2017)। पार्किंसंस रोग में घर्षण अक्षमता का आकलन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटीग्रेटिव मेडिकल साइंसेज,* 4 (7), 528-536.

महाजन ए एस, अग्रवाल पी (2017)। विटामिन डी की कमी में वर्तमान परिप्रेक्ष्य, *एक मिनी समीक्षा। जे फिजियोल बायोमेड साइंस,* 30 (1), 5-11.

सिन्हा एस एस, जैन ए के, त्यागी एस, गुप्ता एस के, और महाजन ए एस (2018)। कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों में रक्त शर्करा, ग्लाइकोसाइलेटेड हीमोग्लोबिन और इंसुलिन के स्तर पर 6 महीने की दवा का प्रभाव। *इंट जे योगा,* 11, 122-8.

माहौर आर, जैन पी, और जैन, ए के (2017)। मेडिकल स्नातक-पूर्व छात्रों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता के लिए मानसिक स्वास्थ्य का साथ: क्या यहां लिंग अंतर हैं। *इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी एंड फार्माकोलॉजी*, 61(4), 383-391.

जैन एस, जैन पी, जैन, ए के (2017)। नए स्नातक चिकित्सा प्रवेशकों के बीच तनाव के स्रोत और तनाव की गंभीरता। *साउथ ईस्ट एशियन जर्नल ऑफ मेडिकल एजुकेशन*, 11(1), 9-18.

डॉ ए के जैन

वर्ष के दौरान निम्नलिखित पुस्तकें लिखी हैं:

फिजियोलॉजी की पाठ्यपुस्तक वॉल्यूम I और II, VIIth संस्करण (जुलाई 2017)

बीडीएस के लिए मानव फिजियोलॉजी VIth संस्करण (अगस्त 2017).

बीडीएस के लिए प्रैक्टिकल फिजियोलॉजी का मैनुअल IVth संस्करण (मार्च 2018).

सभी पुस्तकों के प्रकाशक: अवीचल पब्लिशिंग कंपनी, 1969/30 नाईवाला करोलबाग नई दिल्ली

जर्नल:

डॉ डी रॉबिन्सन इंडियन जर्नल ऑफ एप्लाइड बेसिक मेडिकल साइंसेज में सलाहकार बोर्ड (राष्ट्रीय) में हैं।

आयोजित सम्मेलन:

फिजियोलॉजी विभाग ने "उम्र बढ़ने के आणविक चालकों की परिभाषा और संबंधित बीमारियों में उनके निहितार्थ" पर सेमिनार का आयोजन किया। आयोजक फिजियोलॉजी विभाग, 18 नवंबर, 2017

सेमिनार / सम्मेलन में प्रस्तुति:

संकाय सदस्यों ने निम्नलिखित सम्मेलनों में भाग लिया:

डॉ दया राम हल्दवानी, डॉ मोना बेदी, डॉ आरती सूद महाजन, डॉ प्रीती जैन, डॉ डी रॉबिन्सन ने फिजियोलॉजी विभाग, जेआईपीएमईआर, पांडिचेरी द्वारा आयोजित भारत के फिजियोलॉजिस्ट और फार्माकोलॉजिस्ट एसोसिएशन एपिकॉन 2017 के 63वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन "रूपांतरक अनुसंधान के युग में शिक्षाविदों से परे फिजियोलॉजी" में भाग लिया, अक्टूबर 2017

डॉ वी पी वार्ष्णेय, डॉ बाल कृष्ण, डॉ दया राम हल्दवानी, डॉ मोना बेदी, डॉ आरती सूद महाजन, डॉ प्रीती जैन ने कोग्यूलेशन विकार और एंटी-प्लेटलेट थेरेपी के चयापचय लक्ष्यों पर सेमिनार में भाग लिया। जैव रसायन विभाग, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज द्वारा आयोजित एक अपडेट, 11 नवंबर, 2017

डॉ वी पी वार्ष्णेय

एपीआईआई, दिल्ली चैप्टर, वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली के तहत फिजियोलॉजी विभाग द्वारा "कम्प्यूटरीकृत सिस्टम के उपयोग से अंतिम शारीरिक विज्ञान समाधान" पर आयोजित कार्यशाला में प्रतिभागी, 5 फरवरी, 2018.

आयोजक और प्रतिनिधि के तौर पर फिजियोलॉजी विभाग, एमएएमसी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "वृद्धावस्था के आणविक चालकों और संबंधित बीमारियों में उनके प्रभाव" सिम्पोजियम के आयोजक सचिव.

फिजियोलॉजी विभाग, एमएएमसी, नई दिल्ली में "प्रथम स्नातक फिजियोलॉजी क्विज़ 2018" के आयोजक सचिव, 27 मार्च, 2018.

डॉ दया राम हल्दवानी

एपीआईआई, दिल्ली चैप्टर, वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली के तहत फिजियोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित कम्प्यूटरीकृत सिस्टम के उपयोग से अंतिम फिजियोलॉजी शिक्षण समाधान पर कार्यशाला में एक प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया, 5 फरवरी 2018.

फिजियोलॉजी विभाग, एमएएमसी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "उम्र बढ़ने के आणविक चालकों की परिभाषा और संबंधित बीमारियों में उनके प्रभाव" सेमिनार में अध्यक्ष के रूप में भाग लिया।

फिजियोलॉजी विभाग, एमएएमसी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित प्रथम वर्ष स्नातक-पूर्व फिजियोलॉजी प्रश्नोत्तरी में निर्णायक के रूप में भाग लिया।

सामुदायिक दवा विभाग द्वारा न्यू लेक्चर थिएटर, एमएएमसी, नई दिल्ली में आयोजित "तपेदिक उपचार में नई पहल" पर सीएमई में भाग लिया, 25 मार्च, 2018

डॉ मोना बेदी

पांडिचेरी में एपिकॉन 2017 सीएमई "अनुवाद अनुसंधान के युग में अकादमिक से परे फिजियोलॉजी" में भाग लिया, 11 अक्टूबर, 2017.

एपीआईआई, दिल्ली अध्याय, वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली के तहत फिजियोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित "कम्प्यूटरीकृत सिस्टम का उपयोग कर अल्टीमेट फिजियोलॉजी शिक्षण समाधान" पर कार्यशाला में भाग लिया, 5 फरवरी, 2018.

फिजियोलॉजी विभाग, एमएएमसी, नई दिल्ली द्वारा आयोजक और प्रतिनिधि के रूप में आयोजित सिम्पोजियम "उम्र बढ़ने के आणविक चालकों की परिभाषा और संबंधित बीमारियों में उनके प्रभाव" पर सक्रिय रूप से भाग लिया, 5 फरवरी, 2018.

फिजियोलॉजी विभाग, एमएएमसी, नई दिल्ली में "प्रथम स्नातक-पूर्व फिजियोलॉजी क्विज़ 2018" के आयोजक सचिव।

डॉ प्रीति जैन

जैन पी, महुआर आर, जैन ए के (2017) मेडिकल छात्रों में मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य के भविष्यवाणियों पर एक पदानुक्रमित रिग्रेशन मॉडलिंग, जेआईपीएमईआर, पांडिचेरी में 10 से 14 अक्टूबर, 2017 तक आयोजित 63वें एपिकॉन में पोस्टर प्रस्तुत किया गया।

डॉ अकील अहमद

फिजियोलॉजी विभाग, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "संबंधित रोगों में उम्र बढ़ने के आणविक चालकों की परिभाषा और संबंधित रोगों पर उनके प्रभाव" सिम्पोजियम में आयोजन समिति के सदस्य, नवंबर 2017

फिजियोलॉजी विभाग, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली द्वारा "फर्स्ट अंडर ग्रेजुएट फिजियोलॉजी क्विज़, 2018" की आयोजन समिति के सदस्य, मार्च, 2018

फिजियोलॉजी विभाग, वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली द्वारा आयोजित कम्प्यूटरीकृत सिस्टम का उपयोग कर अंतिम शिक्षण समाधान पर कार्यशाला, फरवरी 2018

संकाय सदस्य संख्या: 10

***

मनश्चिकित्सा (जीआईपीएमईआर)

सम्मान/ गौरव

डॉ अरुण लता अग्रवाल, 17.6.2017 को भारतीय मीडिया कल्याण पुरस्कार से सम्मानित

प्रकाशन:

चौधरी ए एच, खुराना पी, विश्वास पी एस (2018)। यकृत रोग के गंभीर मरीजों में मल्टीड्रग-प्रतिरोधी बैक्टीरिया के लिए महामारी विज्ञान और जोखिम कारक। *सऊदी जे एनेस्थेसिया,* 2018: 12 (3)

प्रस्तुति:

जारी परियोजना: मनोवैज्ञानिक रोगियों में सीरम क्रिएटिनिन फॉस्फोकिनेज (सीपीके) के स्तर का अध्ययन - डॉ सेराम चाओबा

चालू वर्ष के दौरान पूरी हुई थीसिस: द्विध्रुवीय विकारों के रोगियों में मनोवैज्ञानिक सहरुग्णता, जीवन की गुणवत्ता और अक्षमता के प्रसार का एक अध्ययन - डॉ गुंजा सेनगुप्ता

सम्मेलन / कार्यशालाएं / संगोष्ठी:

डॉ अनुराग झांजी ने इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्राइवेट साइकियाट्री (एएनसीआईएपीपी 2017) के वार्षिक सम्मेलन में "डिप्रेशन एंड डिमेंशिया: मुर्गी और अंडा पहेली" नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

विनिमय कार्यक्रम के तहत छात्र:

अन्य एजेंसियों से प्रशिक्षु:

नर्सिंग, आर ए के नर्सिंग कॉलेज, एबीसीओएन, थ्योरी और प्रयोगात्मक, 2 सप्ताह

पर्यवेक्षण, मनोविज्ञान, 30-40 दिन

जेरियाट्रिक मेडिसिन में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा, इग्नू, दो अवधियों में 9-10 कक्षाएं

***

फेफडा औषध (वीपीसीआई)

अवधि के दौरान प्रमुख गतिविधियां / उपलब्धियां

स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और रोगी देखभाल वीपीसीआई में पल्मोनरी चिकित्सा विभाग के विशेष क्षेत्र हैं। विश्वनाथन चेस्ट अस्पताल के नाम से ज्ञात, विभाग के तहत क्लिनिकल विंग एक तृतीयक देखभाल केंद्र है जो पूरे भारत और पड़ोसी देशों से संदर्भित मरीजों को विशेष नैदानिक परामर्श, निदान और उपचार सेवाएं प्रदान करता है। इस अवधि के दौरान अस्पताल के ओपीडी ने 11864 नए मरीजों और 56823 अनुवर्ती मामलों को पंजीकृत किया। आईपीडी में सामान्य और आपातकालीन वार्डों में 4258 मरीजों को भर्ती किया गया। आरआईसीयू ने 357 मरीजों को भर्ती किया। कुल 22,899 रोगियों को आपातकालीन सेवाएं प्रदान की गईं। की गई विशेष जांचों में 2125 त्वचा एलर्जी

जांचें, 22640 पल्मोनरी जांचें, 22097 एक्स-रे, 52574 क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्री, 5432 सीरम आईजीई जांचें, 9972 धमनी रक्त गैस, 3943 माइक्रोबायोलॉजिकल जांचें, 11000 से अधिक माइकलॉजिकल जांचें, 31000 पैथोलॉजिकल जांचें, अन्वेषण शामिल हैं।

तंबाकू समाप्ति क्लिनिक ने प्रशिक्षण चिकित्सकों, सलाहकारों, स्वयंसेवकों और धूम्रपान समाप्ति में शामिल अन्य हितधारकों के अलावा 398 नए और 172 अनुवर्ती मरीजों को परामर्श सेवाएं प्रदान की हैं। योग थेरेपी और रिसर्च सेंटर ने योग द्वारा 3846 मरीजों को सेवाएं प्रदान की हैं। कार्डियो-पल्मोनरी पुनर्वास क्लिनिक ने 400 से अधिक रोगियों को श्वसन प्रशिक्षण, पुनर्वास कार्यक्रम सेवाएं प्रदान कीं। इसके अलावा, विभाग ने त्वचा की छद्म परीक्षण प्रतिक्रियाशीलता, दिल्ली में वायु प्रदूषण की पहचान के आधार पर भारत में ब्रोंकियल अस्थमा और / या एलर्जिक राइनाइटिस के रोगियों में वायु प्रदूषकों के प्रसार पर शोध अध्ययन आयोजित किए।

सम्मान / पुरस्कार

28.12.2017 को पर्यावरण और सामाजिक विकास संघ (ईएसडीए) दिल्ली, भारत द्वारा पर्यावरण की सुरक्षा के लिए अनुकरणीय योगदान पर डॉ राज कुमार पर्यावरण उत्कृष्टता पुरस्कार 2017

प्रकाशन

गुलाटी, के, बबिता, कुमार राज, मेनन बीके, और रे ए (2017)। ब्रोंकियल अस्थमा के रोगियों में पल्मोनरी कामकाज, सूजन चिन्हक और जीवन की गुणवत्ता पर योगिक पहल के प्रभावों का मूल्यांकन करने के लिए नैदानिक अध्ययन। *फार्माकोल टोक्सिकोल,* 3 (6), 174-81.

कुमार आर, और कोटवानी, ए (2017)। एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध का बढ़ता खतरा: एंटीबायोटिक्स का न्यायसंगत उपयोग ही उचित (संपादकीय)। *इंडियन जे चेस्ट डिस अलाइड साइंस,* 59, 165-6.

पांडेय ए, कुलश्रेष्ठ आर, मेनन बी, राजकुमार, और गौड़ एस एन (2018)। ट्रांसब्रोंकियल लंग बायोप्सी में एंथ्राकोटिक वर्णक: फेफड़ों की पैतृक बीमारी का अबोध दर्शक या रोगजनक कारक। *इंडियन जे चेस्ट डिस अलाइड साइंस,* 60, 27-31.

रोहिल विश्वजीत, विजयन वीके, कुमार राज, जोशी रिनी, पावनी पी, पॉल श्वेता, शर्मा ए, और रहमान एम (2017)। उत्तर भारतीय आबादी में सीओपीडी और धूम्रपान में मैट्रिक्स मेटलप्रोटीनेस एमएमपी 1 के सहसंबंध पर एक अध्ययन। *एशियाई जे मेड साइंस,* 8 (1), 5-14.

कुमार आर, गुप्ता एन, गोयल एन, पोंगादान एम एन, और बालासुब्रमण्यम वी (2017)। भारत में एक तृतीयक देखभाल केंद्र में 106 सिगरेट और बीड़ी पीने वालों और फेफड़ों के कैंसर वाले धूम्रपान रहित लोगों का क्लिनिकल स्पेक्ट्रम। *इंडियन जे चेस्ट डिस अलाइड साइंस*, 59, 69-74.

चौधरी ओ के, स्पल्गाइस एस, ओझा यू सी, मुरार ए के, और वर्मा ए के (2017)। द्विपक्षीय आवर्ती न्यूमोथोरस के साथ मिलिरी तपेदिक। *एस्ट्रोसाइट*, 4,192-4.

गुप्ता ए, और मृगपुरी पी (2017)। विभिन्न फेफड़ों के घावों के सीटी निर्देशित एफएनएसी के साथ क्लिनिको-रेडियोलॉजिकल सहसंबंध का आकलन: अस्पताल आधारित अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंटेंपोरेरी मेडिकल रिसर्च,* 4 (6), 290-293.

गुप्ता ए और मृगपुरी पी (2018)। ट्यूब थोरेकोस्टोमी के बाद एकपक्षीय पुन:विस्तार पल्मोनरी एडेमा: एक केस रिपोर्ट। *इंडियन जे केस रिपोर्ट,* 4 (2), 92-94

पुस्तकों में अध्याय

कुमार राज (2017)। *एलर्जी जांच, श्वसन एलर्जी, निदान और प्रबंधन पर 42वीं कार्यशाला (पीपी.52-89)* दिल्ली: एनसीआरएआई, वीपी चेस्ट इंस्टीट्यूट [आईएसबीएन: 968-81-920556-2-9].

प्रसाद राजेंद्र और कुमार राज (2017)। *भारत में एलर्जी की स्थिति, श्वसन एलर्जी, निदान, और प्रबंधन पर 42वीं कार्यशाला* (पीपी.1-4), एनसीआरएआई, वीपी चेस्ट इंस्टीट्यूट [आईएसबीएन: 968-81-920556-2-9].

कुमार राज। (2017)। *ब्रोंकियल अस्थमा में खाद्य एलर्जी, श्वसन एलर्जी, निदान और प्रबंधन पर 42वीं कार्यशाला* (पीपी 90-96), एनसीआरएआईआई, वीपी चेस्ट इंस्टीट्यूट [आईएसबीएन: 968-81-920556-2-9].

जर्नल

विभाग द्वारा प्रकाशित: इंडियन जर्नल ऑफ चेस्ट डिजीजेज एंड एलाइड साइंसेज (आईजेसीडीएएस)

संपादक(कों)/ सदस्य(यों) के रूप में कार्यरत संकाय सदस्य: डॉ राजकुमार, निदेशक (कार्यवाहक), मुख्य संपादक

डॉ बालकृष्णन मेनन, संपादकीय बोर्ड के सदस्य

अनुसंधान परियोजनाएं

आईसीएमआर, 2015 3 वर्ष के लिए: बच्चों में अंतरंग वायु प्रदूषण और अस्थमा की वृद्धि: जनसंख्या आधारित अध्ययन। स्वीकृत की गई राशि 125.00 लाख रूपये.

आईसीएमआर 2016, 3 वर्ष, दिल्ली में तीव्र श्वसन लक्षणों पर बहिरंग वायु प्रदूषण का प्रभाव - एक बहुआयामी परियोजना। स्वीकृत की गई राशि 22.00 लाख रूपये.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 2016, 3 वर्ष, वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट, दिल्ली में तंबाकू क्विटलाइन सेवाएं (टीक्यूएलएस)। स्वीकृत की गई राशि 102.00 लाख रूपये

आयोजित सेमिनार

श्वसन एलर्जी : निदान और प्रबंधन पर 42वीं कार्यशाला, 24 से 28 अप्रैल, 2017

"नर्सिंग स्टाफ के लिए अच्छी अंत:श्वसन चिकित्सा पद्धति" पर कार्यशाला 27 से 29 नवंबर, 2017

ब्रोंकियल अस्थमा और अच्छी नेबुलाइजेशन पद्धति पर कार्यशाला अपडेट, 30 दिसंबर, 2017

"तंबाकू के हानिकारक प्रभाव और तंबाकू कैसे छोड़ें" पर सार्वजनिक व्याख्यान, 14 दिसंबर, 2017

"तपेदिक की जागरूकता: युगों पुरानी आशंका" पर सार्वजनिक व्याख्यान, 29 दिसंबर, 2017

आयोजित सम्मेलन

एलर्जी डायग्नोसिस और एलर्जन इम्यूनोथेरेपी पर पहला भारतीय शिखर सम्मेलन जिसमें वीपीसीआई सहयोगपरक अनुसंधान और परस्पर लाभप्रद सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एलर्जी अध्ययन विभाग, यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल मुंस्टर, मुंस्टर, जर्मनी के साथ एक समझौता ज्ञापन किया, 8 और 9 दिसंबर, 2017

सेमिनार / सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

डॉ राज कुमार, मास्टरक्लास- एलर्जी निदान और एलर्जन इम्यूनोथेरेपी, 'यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल मुन्स्टर, मुन्स्टर, जर्मनी, 5 से 8 अप्रैल, 2017.

डॉ राज कुमार, आयोजक सचिव, ब्रोंकायल अस्थमा में खाद्य एलर्जी पर व्याख्यान, वीपी चेस्ट इंस्टीट्यूट और सीएसआईआर-आईजीआईबी, श्वसन एलर्जी: निदान और प्रबंधन पर 42वीं कार्यशाला दिल्ली, 24 से 28 अप्रैल, 2017.

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर प्रिवेंशन एंड रिसर्च, नोएडा, एसएलटी पर डब्ल्यूएचओ एफसीटीसी ग्लोबल नॉलेज हब, नई दिल्ली, में तंबाकू क्विट लाइन के अनुभव पर डॉ राज कुमार द्वारा अतिथि व्याख्यान, 16 से 18 अगस्त, 2017.

डॉ राज कुमार, 'एलर्जी प्रबंधन: पिछले दशक से साक्ष्य' पर अतिथि व्याख्यान, एम्स, नई दिल्ली, एलर्जी निदान और एलर्जन इम्यूनोथेरेपी कार्यशाला - वैज्ञानिक सत्र एजेंडा नई दिल्ली, 20 अगस्त, 2017.

डॉ राज कुमार, आयोजक अध्यक्ष, 'एलर्जी इम्यूनोथेरेपी के लिए रोगी चयन' पर अतिथि व्याख्यान, वी पी चेस्ट इंस्टीट्यूट, एलर्जी डायग्नोसिस और एलर्जन इम्यूनोथेरेपी पर पहला भारतीय शिखर सम्मेलन, दिल्ली, 8 और 9 दिसंबर, 2017.

डॉ नितिन गोयल, कोषाध्यक्ष द्वारा "एलर्जी जांच का व्यावहारिक प्रशिक्षण" पर वार्ता, वी पी चेस्ट इंस्टीट्यूट और सीएसआईआर-आईजीआईबी, श्वसन एलर्जी: निदान और प्रबंधन पर 42वीं कार्यशाला, दिल्ली, 24 से 28 अप्रैल, 2017.

डॉ नितिन गोयल, "रोगी परामर्श" पर व्याख्यान, वी पी चेस्ट इंस्टीट्यूट, ब्रोंकियल अस्थमा और नेबुलाइजेशन वर्कशॉप पर अपडेट, दिल्ली, 30 नवंबर, 2017.

डॉ सोनम स्पल्गाइस, "टेरेटीरी केयर अस्पताल में श्वसन ओपीडी में उपस्थित मरीजों में धूम्रपान की समाप्ति" पर व्याख्यान, द इंडियन चेस्ट सोसाइटी और द नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजीशियन (आई) नैपॉन 2017, कोलकाता, 16 से 19 नवंबर, 2017.

डॉ सोनम स्पल्गाइस द्वारा "21 जून 2018 को अस्थमा में फेनो की भूमिका" पर व्याख्यान, वी पी चेस्ट इंस्टीट्यूट और सीएसआईआर-आईजीआईबी, श्वसन एलर्जी: निदान और प्रबंधन पर 43वीं कार्यशाला, दिल्ली, 18 से 22 जून 2018.

डॉ पारुल मृगुपुरी, संयुक्त सचिव द्वारा "एलर्जन बनाम चिड़चिड़ाहट- क्या प्रासंगिक है?" पर वार्ता, वी पी चेस्ट इंस्टीट्यूट और सीएसआईआर-आईजीआईबी, श्वसन एलर्जी: निदान और प्रबंधन पर 43 वीं कार्यशाला: निदान और प्रबंधन, दिल्ली 18 से 22 जून, 2018

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

भारतीय / विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ

वीपीसीआई ने सहयोगपरक अनुसंधान और परस्पर लाभप्रद सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एलर्जी अध्ययन विभाग, यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल मुन्स्टर, मुन्स्टर, जर्मनी के साथ एक समझौता ज्ञापन किया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली

ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी, जेएनयू, नई दिल्ली

डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोलॉजी एंड एलायड साइंसेज, डीआरडीओ, तिमारपुर दिल्ली

सीएसआईआर-आईजीआईबी (इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स और इंटीग्रेटिव बायोलॉजी), माल रोड, दिल्ली

सेंटर फॉर फिजियोथेरेपी और रिहैबिलिटेशन साइंसेज, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली। इंडियन स्पाइनल इंजेरीज सेंटर, वसंत कुंज, दिल्ली-110070

प्रदान की गई एम फिल, पीएचडी उपाधियों की संख्या: 06

संकाय सदस्य संख्या: 5

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

विशिष्ट आगंतुक

श्री जे पी नड्डा, माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार, नई दिल्ली

प्रो रैंडोल्फ ब्रेहलर, एलर्जी अध्ययन विभाग, यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल मुन्स्टर, क्लिनिकम, मुन्स्टर, जर्मनी

डॉ रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली

***

विकिरण चिकित्सा विज्ञान (एलएचएमसी)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां:

विभाग नैदानिक और अनुसंधान कार्य करता है। इसमें अनुभवी वरिष्ठ संकाय सदस्यों द्वारा मार्गदर्शन और टीम वर्क पर आधारित सुसंगत कामकाजी माहौल शामिल है। सभी एमडी छात्रों को आवंटित थीसिस के रूप में अनुसंधान कार्य किया जाता है। हमारे छात्र रेडियोलॉजी के व्यावहारिक पहलुओं को सीखते हैं क्योंकि वे नैदानिक मामलों, विशेष रूप से बाल चिकित्सा मामलों की विस्तृत विविधता के संपर्क में आते हैं। इस वर्ष, हमारा विभाग इंडियन रेडियोलॉजिकल एंड इमेजिंग एसोसिएशन (आईआरआईए) की दिल्ली राज्य शाखा के वार्षिक सम्मेलन 'दिल्ली इमेजिंग अपडेट 2018' पर एक सम्मेलन (23-25 फरवरी, 2018) के आयोजन में संलग्न रहा। यह छात्रों के साथ ही प्रतिभागी प्रतिनिधियों के लिए सीखने का एक अच्छा अवसर था। हमारे छात्रों ने कई अन्य सम्मेलनों में भी भाग लिया, और कागजात या पोस्टर प्रस्तुत किए। संकाय सदस्य शिक्षण गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहे, और विभिन्न सम्मेलनों में व्याख्यान दिए।

प्रकाशनों की कुल संख्या: 6

कुमार एस, एब्बी पी, और हांडा ए (2017)। साइनस के निर्वहन के रूप में द्विपक्षीय सर्विको-डोर्सल गॉसिपीबॉम की प्रस्तुति, *एशियन जर्नल ऑफ़ न्यूरोसर्जरी,* 12 (1), 92-94.

साहू बी, एब्बी पी, आनंद आर, कुमार ए, तोमर एस, और मलिक ई (2017)। सीटी गंभीरता सूचकांक और संशोधित सीटी गंभीरता सूचकांक का उपयोग करते हुए तीव्र अग्नाशयशोथ का गंभीरता मूल्यांकन: संशोधित अटलांटा वर्गीकरण के अनुसार नैदानिक परिणामों और गंभीरता ग्रेडिंग के साथ सहसंबंध, *इंडियन जे रेडियोल इमेजिंग,* 27, 152-60.

गुप्ता एन, ग्रोवर एच, बंसल आई, हुड्डा के, सैपयर्स जे एम, आनंद आर और कुमार वाई (2017)। नवजात क्रैनियल सोनोग्राफी: नवजात शिशुओं में अल्ट्रासाउंड निष्कर्ष - एक चित्रमय समीक्षा। *क्वांट इमेजिंग मेड सर्जिक.*http: //dx.doi.org/10.21037/qims.2017.02.01.

प्रकाश आर, पुरी ए, आनंद आर, जैन, ए के, ब्रह्मानंद एल, और वैभव जी (2017) पीडियाट्रिक न्यूरोजेनिक मूत्राशय में ऊपरी हिस्से के नुकसान की भविष्यवाणियां - *जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक यूरोलॉजी.*

मित्तल डी, आनंद आर, सिसोदिया एन, सिंह एस, और बिस्वास आर (2017) प्लेसेंटल मेसेंचिमल डिस्प्लेसिया: प्रत्येक रेडियोलॉजिस्ट को क्या पता होना चाहिए। *इंडियन जे रेडियोल इमेजिंग,* 27, 62-4

पुस्तक अध्याय-

एब्बी, पूजा और आनंद राम (एन.डी.)। पीडियाट्रिक गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी हेपेटोलॉजी और पोषण में पीडियाट्रिक जीआई ट्रैक्ट की इमेजिंग। असम: इंडियन एकेडमी और पीडियाट्रिक्स

जर्नल

डॉ रमा आनंद को इंडियन जर्नल ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग (आईजेआरआई) और जेसीडीआर का समीक्षक नियुक्त किया गया है.

डॉ पूजा एब्बी को इंडियन जर्नल ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग (आईजेआरआई) का समीक्षक नियुक्त किया गया है।

डॉ विकास चौधरी को जर्नल ऑफ क्लीनिकल इमेजिंग साइंस (जेसीआईएस), वर्ल्ड जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी और ला रेडियोलॉजिक मेडिका (एलआरएम) का समीक्षक नियुक्त किया गया है।

आयोजित सम्मेलन

लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में आयोजित इंडियन रेडियोलॉजिकल एंड इमेजिंग एसोसिएशन (आईआरआईए) की दिल्ली राज्य शाखा का वार्षिक सम्मेलन "दिल्ली इमेजिंग अपडेट 2018", 23 से 25 फरवरी, 2018

सेमिनार/सम्मेलन में प्रस्तुति

डॉ रमा आनंद

दिल्ली में अल्ट्रा विजन 2017, 17 जुलाई, 2017,

इंटरस्टिटियल फेफड़ों के रोगों पर सीएमई-एम्स रेडियोलॉजी कोर्स, 5-6 अगस्त, 2017.

5वीं एशिया पैसिफिक कांग्रेस ऑफ इंटरवेंशनल ओन्कोलॉजी (एपीसीआईओ) और सोसाइटी ऑफ इमरजेंसी रेडियोलॉजी (एसईआर), 17 अगस्त, 2017

इंडियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक रेडियोलॉजी (आईएसपीआर) पुणे का XV वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन, सितंबर 2017.

पीडियाट्रिक रेडियोलॉजी अपडेट-2017, अमृतसर, अक्टूबर 2017.

दिल्ली में नेशनल एसोसिएशन ऑफ रिप्रोडक्टिव एंड चाइल्ड हेल्थ इन इंडिया, अक्टूबर 17 एम्स-एमएएमसी-पीजीआई कोर्स श्रृंखला, 17 नवंबर, 2017.

हेपेटोबाइलरी इमेजिंग एंड इंटरवेंशन्स एओसीआर जनवरी 2018 (एशियन ओसियनिन कांग्रेस ऑफ रेडियोलॉजी), नवंबर 17.

डॉ शैली तोमर, 'हेपेटोबाइलरी इमेजिंग एंड इंटरवेन्शन' पर सम्मेलन, 'दिल्ली इमेजिंग अपडेट 2018, 18 नवंबर, 2017.

डॉ भावना सतीजा, दिल्ली इमेजिंग अपडेट 2018.

डॉ भावना सतीजा, सर्जिकन 2017: एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया का वार्षिक सम्मेलन-दिल्ली राज्य शाखा.

डॉ विकास चौधरी, दिल्ली इमेजिंग अपडेट 2018

संकाय सदस्य संख्या: कुल: 9

अन्य महत्वपूर्ण सूचना:

संकाय सदस्यों को विभिन्न सरकारी अस्पतालों की खरीद समितियों में रेडियोडायग्नोसिस उपकरणों की खरीद में विशेषज्ञों के रूप में शामिल किया गया है।

डॉ रमा आनंद को लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में अप्रैल 2017 में आयोजित एमडी परीक्षा के लिए परीक्षक नियुक्त किया गया है,

डॉ रमा आनंद स्वामित्व वस्तुओं की खरीद और अस्पताल के उपकरणों की मरम्मत रखरखाव समिति के सह अध्यक्ष हैं

डॉ रमा आनंद उपकरण खरीद समिति की अध्यक्ष हैं।

विशिष्ट छात्र:

डॉ संदीप कुशवाह-एशियन ओसियनिन कांग्रेस ऑफ रेडियोलॉजी (एओसीआर) 2018 पी पोस्टर: पीडियाट्रिक जबड़े के घावों का एमडीसीटी मूल्यांकन: चित्रमय निबंध- पहला पुरस्कार (हेड एंड नेक श्रेणी)

डॉ सुदेष्णा मलकर एशियन ओसियनिन कांग्रेस ऑफ रेडियोलॉजी (एओसीआर) 2018 पी पोस्टर (एओसीआर 2018): बच्चों में फोकल हेपेटिक और पित्त पथ घावों का अल्ट्रासोनोग्राफी और कलर डोप्लर मूल्यांकन- दूसरा पुरस्कार (जीआई इमेजिंग श्रेणी)

डॉ सुदेष्णा मलकर: दिल्ली इमेजिंग अपडेट 2018 (डीआईयू), एलएचएमसी। स्पॉटर्स ए-पहला पुरस्कार, फिल्म रीडिंग सत्र बी- तीसरा पुरस्कार

डॉ रिचा गाबा, दिल्ली इमेजिंग अपडेट 2018 (डीआईयू), एलएचएमसी। स्पॉटर्स ए-दूसरा पुरस्कार, फिल्म रीडिंग सत्र ए - तीसरा पुरस्कार

डॉ अभिषेक कोतवाल, दिल्ली इमेजिंग अपडेट 2018 (डीआईयू), एलएचएमसी। स्पॉटर्स ए-तीसरा पुरस्कार, फिल्म रीडिंग सत्र ए - पहला पुरस्कार

स्पॉटर्स बी - तीसरा पुरस्कार

फिल्म रीडिंग सत्र बी - तीसरा पुरस्कार

डॉ अनीशिखा गुलाटी: दिल्ली इमेजिंग अपडेट, 2018 (डीआईयू), एलएचएमसी।

फिल्म रीडिंग सत्र ए - तीसरा पुरस्कार, स्पॉटर्स बी - तीसरा पुरस्कार।

***

शल्य चिकित्सा (एलएचएमसी)

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां:

बेरिएट्रिक कार्यक्रम डॉ ओ.पी. पठानिया, प्रमुख, सर्जरी विभाग के पर्यवेक्षण के अंतर्गत शुरू किया गया। हमारे केंद्र में, बेरिएट्रिक सेवाएं अत्यधिक अस्वस्थ मोटापे से ग्रस्त मरीजों को नि:शुल्क प्रदान की जाती हैं। हमारे केंद्र पर वीडियो सहायित गुदा फिस्चुला उपचार (वीएएएफएफटी) के 300 से अधिक मामले निपटाए गए हैं। हम अस्पताल-पूर्व आघात प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालित करते हैं और हमारे अधिकतर प्रशिक्षित छात्रों को सीएटी एम्बुलेंस में नियोजित हैं, जो आघात पीड़ितों की अस्पताल-पूर्व देखभाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हमारे विभाग में टीयूआरपी (बीएचपी के लिए), टीयूआरबीटी (मूत्राशय ट्यूमर), यूआरएस नियमित रूप से किया जाता है। सीआरएफ रोगियों (प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा/डायलिसिस कराने वाले) की वैस्कुलर सर्जरी प्रक्रिया-ए-वी फिस्चुला नियमित रूप से की जाती है। हम अपने केंद्र पर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल, यूरोलॉजिकल, स्तन कैंसर की व्यापक सर्जरी और चिकित्सा का प्रबंधन करते हैं। नैदानिक और शोध उद्देश्य के लिए अवरोध पीएच निगरानी और ग्रासनली दाबमापी और हाई डेफिनिशन कैमरे का उपयोग करके उन्नत लैप्रोस्कोपिक सर्जरी नियमित रूप से की जाती है।

सम्मान / गौरव

डॉ ज्ञान सौरभ - फैलोशिप ऑफ द रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन्स ऑफ ग्लासगो, एफआरसीएस (ग्लासगो), 26 मई, 2017

डॉ मनोज एंडली - फैलोशिप ऑफ द रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन्स ऑफ ग्लासगो, एफआरसीएस (ग्लासगो) जुलाई, 2017

डॉ मनोज एंडली को ह्यूस्टन, टेक्सास, यूएसए में 22 से 25 मार्च 2017 तक आयोजित सोसाइटी ऑफ अमेरिकन गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल एंड एंडोस्कोपिक सर्जन्स, एसएजीईएस-2017, की वार्षिक बैठक में "एनो रोगियों में न्यून फिस्चुला में पारंपरिक फिस्टुलोटोमी के साथ वीडियो सहायित गुदा फिस्चुला उपचार (वाफ्ट) के सर्जरी परिणाम की तुलना के लिए यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन" शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत करने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।

डॉ ज्ञान सौरभ को ह्यूस्टन, टेक्सास, यूएसए में 22 से 25 मार्च 2017 तक आयोजित सोसाइटी ऑफ अमेरिकन गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल एंड एंडोस्कोपिक सर्जन्स, एसएजीईएस-2017, की वार्षिक बैठक में "इनगिनल हर्निया की कुल एक्स्ट्रापेरीटोनियल मरम्मत और ट्रांसएब्डोमिनल प्रीपेरीटोनियल मरम्मत के बाद प्रणालीगत सूजन प्रतिक्रिया के मूल्यांकन के लिए यादृच्छिक परीक्षण" शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत करने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।

डॉ देबर्षि शर्मा को ह्यूस्टन, टेक्सास, यूएसए में 22 से 25 मार्च 2017 तक आयोजित सोसाइटी ऑफ अमेरिकन गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल एंड एंडोस्कोपिक सर्जन्स, एसएजीईएस-2017, की वार्षिक बैठक में शोधपत्र प्रस्तुत करने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।

डॉ सुदीप साहा: इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ सर्जन्स द्वारा 13 से 17 अगस्त, 2017 तक आयोजित 47वीं वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ सर्जरी बेसल, स्विट्जरलैंड में मौखिक पत्र प्रस्तुत करने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।

प्रकाशन:

अग्रवाल एल, सट्टावन एस, लाल आर, शर्मा डी, बोरगड़िया एस, श्रीवास्तव एन, अलगप्पन आर, और सिंह आर (2017)। शॉर्ट बाउल सिंड्रोम: एक असामान्य नैदानिक इकाई और एक चिकित्सकीय चुनौती - हमारे अनुभव और साहित्य की समीक्षा। *इंडियन जे सर्ज,* 79 (4), 349-353.

चौधरी पी, चौधरी बी, और मुंजेवार सी के (2017)। पैरोटीड तपेदिक। *इंडियन जे ट्यूबर,* 64 (3), 161-166.

गुंजन डी, गुप्ता एस, मीणा के, और थॉमस एस (2017)। एपेंडिसक्टोमी नमूने के हिस्टोपैथोलॉजी निष्कर्षों की अधिकता और नकारात्मक एपेंडिसेक्टोमी दर के ऑडिट के लिए इसका उपयोग। *इंडियन जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च,* 7 (7), 208-9.

गुंजन डी, गुप्ता एस, पांडे पी, और थॉमस एस (2017)। अमींद का हर्निया: साहित्य का हमारा अनुभव और समीक्षा। एबीसीडी आर्क ब्रस सर्ग डिग, 30 (2), 287-91.

कश्यप ए, जैन एम, शुक्ला एस और एंडली एम (2017)। सौम्य और घातक स्तन घावों की साइटोलॉजी के नमूनों पर न्यूक्लियर मॉर्फोमेट्री का अध्ययन: 122 मामलों का एक अध्ययन. *जे साइटोल,* 34 (1), 10-15.

थॉमस एस, देसाई जी, गुप्ता एस, चौधरी एम, अली एस, और तुडू एस के (2017)। तीव्र कोलेसाइस्टिटिस सी-रिएक्टिव प्रोटीन, हेप्सिडिन और इंटरल्यूकिन-6 के सीरम लेवल और आघात और बहाली समय की गंभीरता से इसका सहसंबंध। *इंडियन जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च,* 7 (7), 210-3.

वत्स एम, पांडेय डी, साहा एस, तलवार एन, सौरभ जी, एंडली एम, और कुमार ए (2017)। कुल एक्स्ट्रापेरीटोनल मरम्मत और इंजिनल हर्निया के लिचेंस्टीन मरम्मत के बाद प्रणालीगत सूजन प्रतिक्रिया का आकलन। *हर्निया,* 21 (1), 65-71.

जर्नल

संपादकीय बोर्ड में संपादक/सदस्य के रूप में कार्यरत विभाग शिक्षकों की संख्या:> 10 संकाय सदस्य प्रतिष्ठित सूचीबद्ध राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में समीक्षक हैं

अनुसंधान परियोजनाएं

कुल थीसिस: 18

डॉ अंकित त्यागी, इंजिनल हर्निया सहित या बिना सौम्य प्रोस्टेटिक हाइपरप्लासिया वाले मरीजों में यूरोडायनामिक प्रोफाइल, डॉ अजय कुमार, डॉ मनोज एंडली, डॉ सुदीप साहा.

डॉ सौरभ कुमार नेगी, स्तन कैंसर वाले मरीजों की जमावट प्रोफाइल पर नियोएडजुवेन्ट कीमोथेरेपी का प्रभाव, डॉ ओ.पी. पठानिया, डॉ शाजी थॉमस, डॉ अनीता नांगिया.

डॉ वेंकटेश बाबू जी, सौम्य और घातक स्तन द्रव्यमान वाले मरीजों में विटामिन डी, विटामिन बी 12, फॉलिक एसिड और फेरिटिन प्रोफाइल। डॉ शाजी थॉमस, डॉ ओ.पी. पठानिया, डॉ बिनिता गोस्वामी, डॉ शैलजा शुक्ला.

डॉ आकाश सिंह राणा, एंडोस्कोपिक घटक पृथक्करण तकनीक और लैप्रोस्कोपिक मेश हर्नियोप्लास्टी से बड़े मिडलाइन वेंट्रल हर्निया की मरम्मत के बाद पेट की दीवार की मांसपेशी के कामकाज का आकलन। डॉ रोमेश लाल, डॉ देबर्षि शर्मा, डॉ यू सी गर्ग.

डॉ सिद्धार्थ सक्सेना, गैस्ट्रो-ओसोफेजियल रीफ्लक्स रोग में नॉन एसिड रीफ्लक्स की भूमिका। डॉ मनोज एंडली, डॉ अपर्णा अग्रवाल, डॉ सुदीप्त साहा,

डॉ मनदीप सिंह, तीव्र पित्त अग्नाशयशोथ में गंभीरता के सूचक के तौर पर प्लेटलेट गिनती अनुपात के लिए लाल कोशिका वितरण विस्तार: एक संभावित पर्यवेक्षण अध्ययन, डॉ अशोक कुमार, डॉ मनोज एंडली, डॉ सुदीप साहा.

डॉ पीयूष पिप्पल, लैप्रोस्कोपिक आस्तीन गैस्ट्रोक्टोमी से गुजर रहे मरीजों में गैस्ट्रिक दीवार की मोटाई का निर्धारण और बॉडी मास इंडेक्स के साथ इसका संबंध। डॉ देबर्षि शर्मा, डॉ यू सी गर्ग, डॉ रोमेश लाल.

डॉ सौरभ कुमार शेखर, एंडोस्कोपिक घटक पृथक्करण का प्रयोग करते हुए बड़े वेंट्रल हर्निया की तीन चरण हाइब्रिड मरम्मत, खुले कमी और लैप्रोस्कोपिक इंट्रापेरिटोनियल ऑनले मेश मरम्मत के साथ दोष में खुली कमी और बंद होना, परिणाम विश्लेषण। डॉ देबर्षि शर्मा, डॉ रोमेश लाल.

डॉ राज कुमार, तीव्र गाल स्टोन प्रेरित अग्नाशयशोथ में सीआरपी और प्रोकैल्सीटोनिन के स्तर, डॉ नैन सिंह, डॉ ओपी पठानिया, डॉ जयश्री भट्टाचार्य, डॉ माओज जैस.

डॉ गाजी सकीना रऊफ, हिस्टोलॉजिकल ग्रेडिंग के साथ सीरम लेप्टिन स्तरों और मेटाबोलिक सिंड्रोम वाले स्तन कैंसर रोगियों में रिसेप्टर की स्थिति का सहसंबंध, डॉ कुसुम मीणा, डॉ शाजी थॉमस, डॉ बिनिता गोस्वामी, डॉ मनोज एंडली, डॉ किरण अग्रवाल.

डॉ शाहिक अहमद, बड़े मिडलाइन वेंट्रल हर्नियास में पल्मोनरी कामकाज पर एंडोस्कोपिक घटक पृथक्करण तकनीक का प्रभाव। डॉ रोमेश लाल, डॉ यू.सी.गर्ग, डॉ देबर्षि शर्मा.

डॉ शिवाली गुप्ता, डायलिसिस की जरूरत वाले ईएसआरडी के रोगियों में देशी धमनीविरोधी फिस्चुला की प्राथमिक सफलता की भविष्यवाणी करने वाले कारकों का मूल्यांकन। डॉ ओ पी पठानिया, डॉ सुदीप्त साहा.

डॉ गौरव मित्तल, 3 आयामी मेश बनाम पारंपरिक पोलीप्रोपाइलिन मेश का उपयोग करके लेप्रोस्कोपिक ट्रांसएब्डोमिनल प्री-पेरिटोनियल इंजिनल हर्निया मरम्मत में रोगी असुविधा और ऑपरेशन के बाद के दर्द का मूल्यांकन, डॉ मनोज एंडली, डॉ सुदीप्त साहा.

डॉ मीनाक्षी सिंह, मल्टी स्ट्रीम सेलाइन-जेट सहायित बनाम पारंपरिक लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टॉमी का तुलनात्मक अध्ययन, डॉ ओ.पी. पठानिया, डॉ नैन सिंह,

डॉ शेफाली चंद्रा, सीरम 25-हाइड्रॉक्सी विटामिन डी के स्तर और स्तन कैंसर के आणविक उपप्रकारों के सहसंबंध का अध्ययन, डॉ शाजी थॉमस, डॉ अनीता नांगिया, डॉ रितु सिंह, डॉ ओ पी पठानिया.

डॉ अंकित राज, तीव्र पित्त अग्नाशयशोथ की गंभीरता के प्रारंभिक भविष्यवक्ता और मृत्यु दर के संकेतक के रूप में रक्त यूरिया नाइट्रोजन स्तर, डॉ अशोक कुमार, डॉ मनोज एंडली.

डॉ अमृत कुमार गुप्ता, जटिल एपेंडिसाइटिस के भविष्यवक्ता के रूप में बढ़े हुए कुल सीरम बिलिरुबिन का मूल्यांकन। डॉ पोरस चौधरी, डॉ रोमेश लाल.

डॉ पूट यू लोसू, बड़ी मिडलाइन वेंट्रल हर्निया मरम्मत में आईपीओएम मेश हर्नियोप्लास्टी के साथ एंडोस्कोपिक वीडियो सहायित घटक पृथक्करण के बाद यूराएचएसक्यूओएल के प्रयोग से जीवन की गुणवत्ता और परिणाम उपायों का आकलन, डॉ रोमेश लाल, डॉ पोरस चौधरी, डॉ देबर्षि शर्मा, डॉ यू.सी.गर्ग.

सेमिनारों का आयोजन:

डॉ देबर्षि शर्मा, आयोजक सचिव, सर्जरी क्लिनिकल ओरिएंटेड पोस्ट ग्रेजुएट परीक्षा पाठ्यक्रम (स्कोप कोर्स), एएसआई शाखा, स्कोप कोर्स, पीजीआईएमईआर, डॉ आरएमएल अस्पताल, नई दिल्ली, 8 से 11 फरवरी, 2018

आयोजित सम्मेलन:

डॉ ओ.पी. पठानिया, आयोजक निदेशक, सर्जिकॉन-2017, एसोसिएशन ऑफ इंडियन सर्जन्स दिल्ली चैप्टर की वार्षिक बैठक, एलएचएमसी, 10 से 12 नवंबर 2017.

डॉ ओ.पी. पठानिया, आयोजक अध्यक्ष, एसोसिएशन ऑफ इंडियन सर्जन्स दिल्ली चैप्टर की मासिक बैठक, एलएचएमसी, 17 सितंबर, 2017.

डॉ अजय कुमार, आयोजक अध्यक्ष, सर्जिकॉन-2017, एसोसिएशन ऑफ इंडियन सर्जन्स दिल्ली चैप्टर की वार्षिक बैठक, एलएचएमसी, 10 से 12 नवंबर 2017.

डॉ मनोज एंडली, आयोजक सचिव, सर्जिकॉन-2017, एसोसिएशन ऑफ इंडियन सर्जन्स दिल्ली चैप्टर की वार्षिक बैठक, एलएचएमसी, 10 से 12 नवंबर, 2017.

डॉ ज्ञान सौरभ, सह-आयोजक सचिव, सर्जिकॉन-2017, एसोसिएशन ऑफ इंडियन सर्जन्स दिल्ली चैप्टर की वार्षिक बैठक, एलएचएमसी, 10 से 12 नवंबर, 2017.

डॉ सुदीप्त साहा, सह-आयोजक सचिव, सर्जिकॉन-2017, एसोसिएशन ऑफ इंडियन सर्जन्स दिल्ली चैप्टर की वार्षिक बैठक, एलएचएमसी, 10 से 12 नवंबर, 2017.

सेमिनार / सम्मेलन प्रस्तुति:

डॉ ओ.पी. पठानिया, आयोजक अध्यक्ष, एसोसिएशन ऑफ इंडियन सर्जन्स दिल्ली चैप्टर, सितंबर 2017 में एलएचएमसी में आयोजित एएसआई के दिल्ली चैप्टर की मासिक बैठक.

सर्जरी विभाग के सभी संकाय सदस्य, प्रतिनिधि, एसोसिएशन ऑफ इंडियन सर्जन्स दिल्ली चैप्टर, सितंबर 2017 में एलएचएमसी में आयोजित एएसआई के दिल्ली चैप्टर की मासिक बैठक.

डॉ ओ.पी. पठानिया, संकाय सदस्य द्वारा, "गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल स्ट्रॉमल ट्यूमर" पर वार्ता, एलएचएमसी, नई दिल्ली सर्जिकॉन-2017/एलएचएमसी, नई दिल्ली, 11 से 13 नवंबर, 2017.

डॉ अजय कुमार, अध्यक्ष, एम्स, नई दिल्ली, एंडोसर्ज 2017.

डॉ अजय कुमार, अध्यक्ष, एलएचएमसी, नई दिल्ली, सर्जिकॉन-2017/एलएचएमसी, नई दिल्ली, 10 से 12 नवंबर, 2017.डॉ शाजी थॉमस, अध्यक्ष, एम्स, नई दिल्ली, एंडोसर्ज 2017-11वां एम्स सर्जिकल सप्ताह, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सीएमई सह लाइव कार्यशाला, 16 से 19 मार्च'17.

डॉ शाजी थॉमस, अध्यक्ष, एलएचएमसी, नई दिल्ली, सर्जिकॉन-2017 / एलएचएमसी, नई दिल्ली, 10 से 12 नवंबर, 2017.

डॉ शाजी थॉमस, अध्यक्ष, एमएएमसी, सर्जरी अपडेट एंड नेशनल सीएमई, एमएएमसी, सितंबर 2017.

डॉ शाजी थॉमस, संकाय सदस्य, एलएचएमसी, नई दिल्ली, एमसीआई द्वारा मेडिकल एजुकेशन, एनटीटीसी के लिए संशोधित बेसिक पाठ्क्रम कार्यशाला, एलएचएमसी, 4 से 6 दिसंबर 2017.

डॉ शाजी थॉमस, संकाय सदस्य, एम्स, नई दिल्ली, हेड एंड नेक कैंसर के प्रबंधन में अपडेट, एम्स, 3 से 5 नवंबर, 17.

डॉ शाजी थॉमस, संकाय सदस्य, एम्स, नई दिल्ली, एशियन सोसाइटी ऑफ मास्टोलॉजी कॉन्फ्रेंस 2017, एम्स, 7 से 9 अक्टूबर, 2017.

डॉ शाजी थॉमस, संकाय सदस्य, पीजीआईएमईआर, आरएमएल अस्पताल, नई दिल्ली, एफएआईएस क्रेडेंशियल कोर्स, एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया, पीजीआईएमईआर, आरएमएल अस्पताल, नई दिल्ली, 25 अक्टूबर, 2017.

डॉ शाजी थॉमस, संकाय सदस्य, पीजीआईएमईआर, आरएमएल अस्पताल, नई दिल्ली, क्षेत्रीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया, पीजीआईएमईआर, आरएमएल अस्पताल, नई दिल्ली। 26 और 27 अक्टूबर, 2017.

डॉ शाजी थॉमस, संकाय सदस्य, एलएचएमसी, नई दिल्ली, महिला स्वास्थ्य पर सीएमई, ऑब्स एंड गायने. विभाग, एलएचएमसी, 13 अप्रैल, 2017.

डॉ शाजी थॉमस, प्रतिनिधि, एम्स, नई दिल्ली, स्तन कैंसर के प्रबंधन में अपडेट, राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, एम्स, 6 और 7 मई, 2017.

डॉ रोमेश लाल, अध्यक्ष, एम्स, नई दिल्ली, एंडोसर्ज 2017 एम्स सर्जिकल सप्ताह, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सीएमई सह लाइव कार्यशाला, 16 से 19 मार्च, 2017.

डॉ रोमेश लाल, अध्यक्ष, एलएचएमसी, नई दिल्ली, सर्जिकॉन-2017/एलएचएमसी, नई दिल्ली, 10 से 12 नवंबर, 2017.

डॉ रोमेश लाल, अध्यक्ष, एमएएमसी, सर्जरी अपडेट एंड नेशनल सीएमई, एमएएमसी, सितंबर 2017 डॉ रोमेश लाल, संकाय सदस्य, अमेसिकॉन, कोच्चि, अमेसिकॉन 2017, कोच्चि, 26 से 29 अक्टूबर, 2017.

डॉ ज्ञान सौरभ, अध्यक्ष, एम्स, नई दिल्ली, एंडोसर्ज 2017 -11वां एम्स सर्जिकल सप्ताह, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सीएमई सह लाइव कार्यशाला, 16 से 19 मार्च, 2017.

डॉ मनोज एंडली, अध्यक्ष, एलएचएमसी, नई दिल्ली, सर्जिकॉन-2017 / एलएचएमसी, नई दिल्ली, 10 से 12 नवंबर, 2017.

डॉ मनोज एंडली, संकाय सदस्य, एमएएमसी, सर्जरी अपडेट एंड नेशनल सीएमई, एमएएमसी, सितंबर 2017.

डॉ मनोज एंडली, द्वारा सोसाइटी ऑफ अमेरिकन गैस्ट्रोइंटेस्टिनल एंडोसर्जन्स (एसएजीईएस 2017), ह्यूस्टन, यूएसए में "एनो रोगियों में कम नालव्रण में पारंपरिक नालव्रण उपचार में वीडियो सहायित गुदा नालव्रण उपचार (वाफ्ट) के

सर्जिकल परिणाम की तुलना के लिए यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन'' शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत, सोसाइटी ऑफ अमेरिकन गैस्ट्रोइंटेस्टिनल एंडोसर्जन्स, एलए, कैलीफोर्निया, यूएसए, 22 से 25 मार्च, 2017.

डॉ अशोक कुमार, अध्यक्ष, एलएचएमसी, नई दिल्ली, सर्जिकॉन-2017 / एलएचएमसी, नई दिल्ली, 10 से 12 नवंबर, 2017.

डॉ देबर्षि शर्मा, अध्यक्ष, एलएचएमसी, नई दिल्ली, सर्जिकॉन-2017 / एलएचएमसी, नई दिल्ली, 10 से 12 नवंबर, 2017.

डॉ देबर्षि शर्मा, संकाय सदस्य, एमएएमसी, सर्जरी अपडेट एंड नेशनल सीएमई, सितंबर 2017.

डॉ देबर्षि शर्मा, संकाय, अमेसिकॉन, कोच्चि, अमेसिकॉन 2017, कोच्चि, 26 से 29 अक्टूबर, 2017.

डॉ देबर्षि शर्मा, सोसाइटी ऑफ अमेरिकन गैस्ट्रोइंटेस्टिनल एंडोसर्जन्स (एसएजीईएस 2017), ह्यूस्टन, यूएसए, में शोधपत्र प्रस्तुत, सोसाइटी ऑफ अमेरिकन गैस्ट्रोइंटेस्टिनल एंडोसर्जन्स, एलए, कैलीफोर्निया, यूएसए, 22 से 25 मार्च, 2017.

डॉ प्रिया हाजरा, संकाय सदस्य, "जीआई असाध्यताओं में कार्यात्मक इमेजिंग" पर वार्ता, एलएचएमसी, नई दिल्ली, सर्जिकॉन 2017/एलएचएमसी, नई दिल्ली,10 से 12 नवंबर, 2017.

डॉ ज्ञान सौरभ, संकाय, गुदा में नालव्रण: वाफ्ट बनाम पारंपरिक सर्जरी तकनीक पर बहस, वाफ्ट का समर्थन किया, एलएचएमसी, सर्जिकॉन 2017/एलएसएमसी, नई दिल्ली/10 से 12 नवंबर 2017.

डॉ ज्ञान सौरभ, संकाय सदस्य, एलएचएमसी, नई दिल्ली, एमसीआई द्वारा मेडिकल एजुकेशन, एनटीटीसी के लिए संशोधित बेसिक पाठ्यक्रम कार्यशाला, एलएचएमसी, 4 से 6 दिसंबर, 2017.

डॉ ज्ञान सौरभ, सोसाइटी ऑफ अमेरिकन गैस्ट्रोइंटेस्टिनल एंडोसर्जन्स (एसएजीईएस 2017), ह्यूस्टन, यूएसए, में "इनगिनल हर्निया की कुल एक्स्ट्रापेरीटोनियल मरम्मत और ट्रांसएब्डोमिनल प्रीपेरीटोनियल मरम्मत के बाद प्रणालीगत सूजन प्रतिक्रिया के मूल्यांकन के लिए यादृच्छिक परीक्षण" शोधपत्र प्रस्तुत, सोसाइटी ऑफ अमेरिकन गैस्ट्रोइंटेस्टिनल एंडोसर्जन्स, एलए, कैलीफोर्निया, यूएसए, 22 से 25 मार्च, 2017.

डॉ ज्ञान सौरभ, अध्यक्ष, पैनल चर्चा में विशेषज्ञ, हमदर्द इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली -110062, सर्जिकल अपडेट पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 18 दिसंबर, 2017.

डॉ ज्ञान सौरभ, संकाय सदस्य, पीजीआईएमईआर और आरएमएलएच, जून 2017, हर्निया और कोलोरेक्टल सर्जरी पर एएसआई दिल्ली राज्य शाखा का मध्यसत्रीय सीएमई, 25 जून, 2017.

डॉ सुदीप्त साहा, संकाय सदस्य, पीजीआईएमईआर और आरएमएलएच, जून 2017, हर्निया और कोलोरेक्टल सर्जरी पर एएसआई दिल्ली राज्य शाखा का मध्यसत्रीय सीएमई, 25 जून, 2017.

डॉ ज्ञान सौरभ, अध्यक्ष, एम्स, नई दिल्ली, बीएआरआईएमई, 2 दिसंबर, 2017.

डॉ ज्ञान सौरभ, अतिथि व्याख्यान, एडवांस ट्रामा लाइफ सपोर्ट कोर्स, अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन्स। एम्स, नई दिल्ली और डॉआरएमएल अस्पताल, नई दिल्ली में आयोजित विभिन्न एटीएलएस प्रदाता और प्रशिक्षक पाठ्यक्रमों में अतिथि व्याख्यान .

डॉ सुदीप्त साहा द्वारा ''क्या प्रशिक्षुओं द्वारा देशी धमनीविरोधी फिस्चुला का सुरक्षित रूप से उपचार हो सकता है? प्रशिक्षुओं द्वारा कंसल्टेंटों के साथ किए गए संवहनी पहुंच के लिए मूल धमनीविरोधी फिस्चुला के परिणाम की तुलना'' पर मौखिक पेपर प्रस्तुत, इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ सर्जन्स, 47वीं वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ सर्जरी, बेसल, स्विट्ज़रलैंड, 13 से 17 अगस्त, 2017.

डॉ सुदीप्त साहा, एलएचएमसी, नई दिल्ली, सर्जिकॉन-2017/एलएचएमसी, नई दिल्ली/10-12 नवंबर, 2017 डॉ सुदीप्त साहा, संकाय सदस्य, पित्त पथरी आंत्रावरोध, पर एम्स दिल्ली में व्याख्यान, 18 और 19 फरवरी 2017, सर्जरी में चिकित्सा शिक्षा में निरंतर चौथा.

डॉ सुदीप्त साहा, प्रतिनिधि, 13वीं वार्षिक सर्जिकल ओन्कोलॉजी कार्यशाला, ओन्कोसर्ज 2017, 8 से 10 दिसंबर 2017, टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई.

डॉ अरुण कपूर, अध्यक्ष, नई दिल्ली, सर्जिकॉन-2017, एलएचएमसी, नई दिल्ली, 10 से 12 नवंबर, 2017.

डॉ ललित अग्रवाल, संकाय सदस्य, "लैप्रोस्कोपिक सर्जरी में समस्या निवारण" पर वार्ता, एलएचएमसी, नई दिल्ली, सर्जिकॉन-2017, नई दिल्ली, 10 से 12 नवंबर, 2017.

डॉ कुसुम मीणा, अध्यक्ष, एलएचएमसी, नई दिल्ली, सर्जिकॉन-2017/एलएचएमसी, नई दिल्ली, 10 से 12 नवंबर, 2017.

संकाय सदस्य संख्या: 25

***

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसिज

डॉ. गुप्ता वीपी, नेत्र विज्ञान

8 अप्रैल, 2017 को दिल्ली ओपथैलमोलॉजिकल सोसाइटी, नई दिल्ली द्वारा डॉ.पी.के. जैन मैमोरियल ओरेशन पुरस्कार प्रदान किया गया।

जून 2017 में बुंदेलखंड विकास परिषद द्वारा बुंदेलखण्ड गौरव सम्मान प्रदान किया गया।

फरवरी 2018 में ऑल इंडिया ओपथैलमॉलाजिकल सोसाइटी द्वारा लेकरीमल अवार्ड 2017 प्रदान किया गया।

डॉ ग्रोवर सी, त्वचा विज्ञान

18-21 जनवरी, 2018 को कोच्ची, केरल में डर्माकोन 2018, 46वें आईएडीवीएल अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, में कार्यवाहियों के दौरान "आन्कोलॉजी : एन इंटिग्रल एंड वायटल पार्ट ऑफ क्लिनिकल एंड सर्जिकल डर्मेटॉलाजी" विषय पर दिए गए व्याख्यान के लिए इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरालॉजिस्टस एंड लेप्रोलाजिस्टस द्वारा प्रतिष्ठित "बी एम एम्बेडी ओरेशन" अवार्ड दिया गया।

कुल प्रकाशन

अनुक्रमित : 345

गैर अनुक्रमित : 10

गुप्ता, वी.पी., एवं चौधरी, आई.(2018). पल्मोप्लांटर केराटोडर्मा विद केराटोकॉनस, मिडल ईस्ट अफ्रीका, जे ओप्थोलॉमाल, 25(1), 49-51.

एसाक्किअम्मल, एन., चौहान, आर., एवं शर्मा, आर.(2017). क्लिनिकल इम्पलीकेशंस ऑफ वेरिएबल ऑरिजिन ऑफ एक्सटरनल केरोटिड आरटरी ब्रांचिज एंड हाई लेवल बाइफरकेशन ऑफ कॉमन केरोटिड आरटरी, इनट जे. अनॉट रेस, 5(2), 3958-3963

गर्ग, पी.के., जखेतिया, ए., पांडे, आर., छिसी, एन. एवं पांडे, डी. (2017)। एडजुवेंट रेडियोथेरेपी वर्सिज आबजरवेशन फॉलोइंग लम्पेक्टॉमी इन डक्टल केरसिनोमा इन-सिटु : ए मेटा-एनलिसिस ऑफ रेंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रॉयल्स, ब्रेस्ट जे., अगस्त 22, डीओआई : 10.1111/टीबीजे.12889.

गोम्बर, एस., डबास, ए., बगमार, एस. एवं मधु एस.वी. (2018)। ग्लुकोज होमोस्टेसिस एंड इफेक्ट ऑफ केलेशन ऑन बीटा सेल फंक्शन इन चिल्ड्रन विद बीटा-थेलेसेमिया मेजर, जे. पीडियाट्रिहेमाटोंकोल, 40(1), 56-59.

गुप्ता, के., गुप्ता, आर., भाटिया, एम.एस., त्रिपाठी, ए.के., एवं गुप्ता, एल.के. (2017). इफेक्ट ऑफ एगोमेलेटाइन एंड फ्लूक्सोटाइन ऑन एचएएम-डी स्कोर, सेरम ब्रेन-डिराइवड न्यूरोट्राफिक फैक्ट एंड ट्यूमर नेक्रोसिस फैक्टर-एल्फा लेवल इन पेशेंट्स विद मेजर डिप्रेसिव डिसआर्डर विद सिवर डिप्रेशन, जेक्लिनि फार्माकॉल डीओआई : 10.1002/जेसीपीएच। 963.

जाहिद, एम., रेहान, यूआईएच, चावला, डी., अवस्थी, आर. एवं अहमद, आर.एस.(2018)। एसोसिएशन ऑफ पॉलीमॉर्फिक वेरिएन्टस इन आईएलवनबी जीन विद सिक्रेशन ऑफ आईएल-1 बीटा प्रोटीन एंड इनफ्लेमेटरी मार्कर्स इन नार्थ इंडियन रूमेटाइड आर्थोराइटिस पेशेंटस, जीन, 30;641, 63-67.

कोटरू, एम., शर्मा, एस., प्रमाणिक, एस.के., पुरोहित, ए., सिंह, जी., सिंह, ए.के., मुटरेजा, डी., मिश्रा, पी., सेठ, टी., त्यागी, एस., महापात्रा, एम., पाती, एच.पी., सक्सेना, आर. एट एल(2017)। वेल्यू ऑफ सीडी 16/सीडी 66 बी? सीडी 45 इन कम्पेरीजन टू सीडी55/सीडी59/सीडी45 इन डायगनोसिस ऑफ पीएनएच : एन इंडियन एक्सपीरियंस आईजेएमआर, 146(3), 362-368.

सिंह, एन.पी., रानी, एम., गुप्ता, के., सागर, टी. एवं कौर, आई.आर. (2017)। चैंजिंग ट्रेंड इन एंटीमाइक्रोबायल सस्पेटिबिलिटी पैट्रन ऑफ बैक्टीरियल आइसोलेट्स इन ए बर्न यूनिट, बर्नस, 43(5), 1083-87.

तनवीर, एन. (2017)। कंट्रोलिंग ह्यूमन पेपीलोमा वायरस : ए पब्लिक हेल्थ परस्पेक्टिव ऑफ ट्रीटमेंट ऑफ एनोजेनिटल वार्टस, ऑकोलाजिस्ट, 22, 495-6.

यादव, पी., सिंगला, ए., सिडाना, ए., सुनेजा, ए. एवं वैद्य, एन. बी.(2017), इवेलुएशन ऑफ सोनोग्राफिक एंडोमीट्रिकल पैटनर्स एंड एंडोमीट्रिकल थिकनेस एज प्रीडिक्टर्स ऑफ एक्टापिक प्रीगनेंसी, इंट जे. गायनेकाल ऑबस्टेट, 136, 70-75.

जर्नल

कॉलेज द्वारा प्रकाशित : 2

संपादक मंडल में सम्पादक/सम्पादकों, सदस्य/सदस्यों के तौर पर कार्यरत महाविद्यालय अध्यापकों की संख्या : 14

शोध परियोजनाएं

डॉ. दास एस. ‘‘इनवेस्टिगेशन ऑफ मैकेनिज्म ऑफ एमरजिंग ड्रग रेजिस्टेंस इन ट्राइकोफाइटान स्पे., द मेजर काजेटिव एजेंट्स ऑफ फंगल स्किन इंफेक्शंस’’ 2017-2020, डीबीटी द्वारा वित्त पोषित, अनुदान- 20 लाख रूपये।

डॉ. मेहंदीरत्ता एम., रोल ऑफ विटामिन्स (ए,सी,डी एवं ई) टेलीमीयर बायलॉजी एंड केपाल - एनआरएफ2 - एआरई पाथ वे इन द डिवलपमेंट ऑफ इडियोपैथिक प्रीटर्म प्रीलेबर रपचर ऑफ मेम्ब्रेस, 2017-19, आईसीएमआर- अनुदान, 22,31,260 रूपये।

डॉ. शर्मा ए.के., एचआईवी वलनेरेबिलिटी एसेसमेंट स्टडी फॉर सेलेक्टिड फीमेल माइग्रेंट पापुलेशन इन इंडिया। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, अनुदान - 69,41,528 रूपये।

डॉ. शर्मा एस., टू स्टडी द रोल ऑफ टाइप। रेगुलेटरी टी सेल्स इन स्किन इन पेशेंट्स विद पेम्फिगस वलगेरिज डयूटिंग एक्युट डिजीज एंड रिमीशन, 2017-18, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, अनुदान - 14,20,000 रूपये।

डॉ. शर्मा, एस.बी., डिजाइन एंड सिंथेसिस ऑफ एल्फा हाइड्रोक्सिन एसटीजेड इन्डयूसड डायबिटिक रेट्स, आईसीएमआर, नई दिल्ली, 2015-18, आईसीएमआर, नई दिल्ली, अनुदान, 30 लाख रूपये।

आयोजित सेमिनार

दिनांक 12-14 अक्तूबर, 2017 को ई एंड टी एवं एनाटॉमी विभाग द्वारा "हैंडस ऑन हेड एंड नेक, कार्डिएक डिस्सेक्शन एंड रिकंसट्रक्शन" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

1 जनवरी, 2018 को सर्जरी एंड एनाटामी विभाग द्वारा 'एक्यूट क्रिटिकल केयर' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

19-20 दिसम्बर, 2017 को सीएफएनईयू, खाद्य एवं पोषण बोर्ड तथा कम्युनिटी मेडिसिन विभाग द्वारा गैर-सरकारी संगठनों के कर्मियों के लिए पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

22 अगस्त, 2017 को सीनियर रेजीडेंट्स के लिए बोटुलिनम टॉक्सिन हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

21-27 अगस्त, 2017 को आईएसए नार्थ जोन में पोस्ट ग्रेजुएट एसेम्बली का आयोजन किया गया।

आयोजित सम्मेलन

9-10 सितम्बर, 2017 को सम्मेलन कक्ष, यूसीएमएस और जीटीबी में तीसरे स्नातकोत्तर सम्मेलन नार्थ जोन का आयोजन किया गया।

दिसम्बर, 2017 में यूसीएमएस एंड जीटीबीएच, दिल्ली में आईएएमएम-डीसी "एंटीबायोटिक स्टीवर्डशिप" कार्यशाला का आयोजन किया गया।

अक्तूबर 2017 में यूसीएमएस एंड जीटीबीएच, दिल्ली में माइक्रोस्कोपिक टेक्नीक्स इन माइक्रोबायलॉजी विषय पर सम्मेलन का आयोजन किया गया। 16-18 मार्च, 2018 को दिल्ली में क्लिनिकल एक्जामिनेशन फॉर पोस्टग्रेजुएट (सीओसीईपी) विषय पर पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।

7-8 अक्तूबर, 2017 को इंडियन इस्लामिक सांस्कृतिक केन्द्र, लोधी रोड़, नई दिल्ली में यूसीएमएस सर्जिकल आन्कोलॉजी अपडेट, 2017, नेशनल सिम्पोजियम ऑन रिसेन्ट एडवांसिज इन आन्कोलॉजी एंड मास्टर विडियो, वर्कशॉप का आयोजन किया गया।

सेमिनार/सम्मेलन में प्रस्तुति

डॉ. गुप्ता वी.पी. ओप्थोमलॉजी ने 14 मई, 2017 को एसएस अस्पताल, बीएचयू, वाराणासी, उत्तर प्रदेश में ओपीओए (ऑकुलोप्लास्टिक्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया), काशी- आईप्लास्टी 2017 की तीसरी मध्यावधि बैठक में वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की और एक पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. सक्सेना, ए.के., एनेस्थिसियालाजी ने 8-9 अप्रैल, 2017 को स्कोप काम्प्लेक्स, लोधी रोड़, नई दिल्ली में इंडियन सोसायटी ऑफ एनेस्थीसियालॉजिस्ट, दिल्ली चैपटर के वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया।

डॉ. चौहान आर., एनाटॉमी ने 13 अक्तूबर, 2017 को ईएनटी विभाग, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसिज एवं जीटीबी अस्पताल, दिल्ली द्वारा एनॉटामी विभाग में 'हैंड्स ऑन हेड एंड नेक, केडवरिक डिस्सेक्शन एंड रिकंसट्रक्शन वर्कशॉप' विषय पर आयोजित सम्मेलन के एक सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. शर्मा, ए.के., कम्युनिटी मेडिसीन ने दिनांक 6 दिसम्बर, 2017 को आईएपीएसएम, सूरत के गुजरात चैप्टर के वार्षिक सम्मेलन में "एप्लीकेशन ऑफ जीआईएस इन पब्लिक हेल्थ" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

डॉ. सिंगल, ए. डर्मेटालॉजी ने 18-21 जनवरी, 2018 को कोच्ची में इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटालॉजिकटस, वेनेरिओलाजिस्टस एंड लेटरालाजिस्टस (आईएडीवीएल) के 46 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

डॉ. सुनेजा ए. ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकॉलॉजी ने 8 अप्रैल, 2017 को आईएचसी, दिल्ली में आईएसओपीएआरबी के xxxIII वें वार्षिक सम्मेलन में ' 'प्रीगनेन्सी ऑफटर डीवीटी'' विषय पर अतिथि लेक्चर के तौर पर भाग लिया।

डॉ. अरोड़ा वी., ओटोरहिनोरेगोलॉजी ने 12-14 अक्तूबर, 2007 को 'हैंड्स ऑन हेड एंड नेक केडेवर डिस्सेक्शन एंड रिकंसट्रक्शन वर्कशाप' में भाग लिया।

डॉ. दीवान पी., पीडियाट्रिक्स ने दिनांक 9 मार्च 2018 को लेडिहार्डिंगस मेडिकल कॉलेज, दिल्ली (संकाय) में ''एथिक्स एंड जीसीपी'' विषय पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ. गोम्बेर, एस., पिरियाड्रिक्स ने मई 2017 और फरवरी 2018 में यूसीएमएस एवं जीटीबी अस्पताल में 'क्लिनिकल एक्जॉमिनेशन फॉर पोस्टग्रेजुएट्स' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की अध्यक्षता की।

डॉ. नवनीत कौर, सर्जरी ने 27-30 दिसम्बर, 2017 को जयपुर में ' 'ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी टू इवेलुएट पोस्ट मेसकटॉमी सैंसरी चैंजिज एंड परसिस्टेंट पेन इन पेशेंट्स ऑफ ब्रेस्ट कैंसर'' एएसआईसीओएन, 2017 में एक पत्र प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय सहमति पत्र

यूसीएमएस एवं एनएसीओ, भारत सरकार ने 'भारत में चुनिंदा आप्रवासी परिवारों के बीच उच्च जोखिम व्यवहार'' संबंधी बहु-स्तरीय एचआईवी अध्ययन हेतु सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए।

पुस्तकालय विकास

कुल बजट :
पुस्तकें : 11,17,900 = 00 रूपये (11 लाख सत्रह हजार नौ सौ रूपये केवल)
जर्नल : 38,63,131 = 00 रूपये (38 लाख 63 हजार एक सौ इकतीस रूपये केवल)
शामिल की गई पुस्तकें (01/04/2017-31/03/2018) : 255
खरीदी गई : 218+डब्लूएचओ : 04+दान : 33
दिनांक 31/03/2018 की स्थिति के अनुसार कुल पुस्तकें : 20058

खरीदे गए कुल जर्नल :

विदेशी : 53
भारतीय : 47
कुल : 100
दिनांक 31/03/2018 की स्थिति के अनुसार कुल बाऊंड जर्नल : 24500

ऑन-लाइन संसाधन

एनएलएम द्वारा प्रारंभ किए गए ईआरएमईडी कंसोर्टियम की सदस्यता ली गई, जिसमें चार प्रमुख प्रकाशकों द्वारा 241 उच्च गुणवत्तापरक ई-जर्नल प्रदान किए जाते हैं।

डिवलपिंग लाइब्रेरीज नेटवर्ड (डेलनेट) की सदस्यता ली गई। उपभोक्ताओं के अनुरोध के अनुसार, ऐसे लेखों और पुस्तकों का प्रबंध डेलनेट इंटर, लाइब्रेरी लेन सर्विस के माध्यम से किया गया जो उपलब्ध नहीं थी।

ई-सबस्क्रिप्शन सहित ई-जर्नल की नि:शुल्क उपलब्धता।

वाई-फाई सुविधा युक्त पुस्तकालय तथा उपभोक्ताओं के लिए इंटरनेट आधारित खेल सुविधा हेतु 21 कम्प्यूटर प्रदान किए गए हैं।

संकाय-संख्या

संकाय संख्या : 96

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

विशिष्ट उपलब्धि वाले छात्र

डॉ. ईशां चौधरी, डॉ. वी.पी. गुप्ता, ओप्थोलमेलॉजी, टॉपिकल 5 - एफयू 1% ने ओएसएसएन के प्राथमिक उपचार के तौर पर फ्री-पेपर सेशन में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. ईशा चौधरी, डॉ. वी.पी. गुप्ता, ओप्थोलमेलॉजी ने आईएससीकेआरएस 2017 में 'पलमोप्लांटर केरोटोडर्मा विद केराटूनस' विषय पर हमारे पोस्टर श्रेणी में श्रेष्ठ पोस्टर हेतु तीसरा पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. रितुपामा साहा, माइक्रोबॉयलाजी ने आईएएमएम- दिसम्बर 2017 (दिल्ली चैप्टर में पीजी विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत श्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति के लिए एमएमएसी अवार्ड प्राप्त किया।

डॉ. तरूणा बंसल, पैथालॉजी ने गांधी मेडिकल कालेज भोपाल द्वारा आयोजित राष्ट्रीय 'इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथालॉजिस्टस एंड माइक्रोबायॅलाजिस्टस 2017' के वार्षिक सम्मेलन में अपने ओरल पेपर "प्रोगनेस्टिक इम्पलीकेशन ऑफ वाइवी एक्सप्रेस इन ब्रेस्ट कैंसर : ए थ्यूरेपटिक टार्गेट इन हर2 न्यू ओवर एक्सप्रेसिंग ट्यूमर्स" के लिए श्रेष्ठ ओरल पेपर अर्वाड प्राप्त किया। इस पेपर के सह-लेखक - डॉ. ऊषा रानी सिंह, डॉ. सोनल शर्मा, डॉ. नदीम तनवीर (पैथोलॉजी विभाग) और डॉ. नवनीत कौर (सर्जरी विभाग)।

डॉ. सोनाली वर्मा, पीडियाट्रिक्स ने 3-6 जनवरी, 2018 को नागपुर में इंडियन अकादमी ऑफ पीडियाट्रिक्स-पीडियाकॉन 2018 के 55 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में बाल स्वास्थ्य के लिए राष्ट्रीय शोध अवार्ड "वीबी राजू एंडवानमेंट अवार्ड" पुरस्कार प्राप्त किया।

***

वल्लभभाई पटेल वक्ष संस्थान

मुख्य कार्यकलाप और उपलब्धियां

संस्थान अपने 'शिक्षा', 'शोध', और 'रोगी देख-रेख' कार्यकलापों का संचालन करता है। मुख्य अकादमिक, शोध और रोगी देख-रेख कार्यकलापों का संचालन जैव सांख्यिकी, जैव रसायन, माइकोबॉयजी, पलमोनेरी मेडिसन, पैथोलॉजी, फार्मालॉजी एंड फिजियोलॉजी विभागों के अंतर्गत किया जाता है। समर्पित रोगी देख-रेख सुविधाओं में विश्वनाथन चेस्ट हॉस्पिटल, डोट्स सेंटर, नेशनल सेंटर ऑफ रोस्पिरेटरी एलर्जी, अस्थमा एंड इम्युनोलॉजी, नेशनल टोबाकों स्विटलाइन, कार्डियो-प्लमोनरी रिहेबिलिटेशन क्लिनिक, योगा थेरेपी सेन्टर इत्यादि शामिल हैं। संस्थान में अधुनातन पुस्तकालय, एनिमल हाउस, सभागार, इनडोर स्पोर्टस कॉम्पलेक्स, पीजी स्टूडेंट हॉस्टल एंड जिमनेजियम भी हैं।

स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को प्लमोनरी मेडिसन में डीएम और एमडी डिग्रियों, बायोकेमेस्ट्री, फिजियोलॉजी, माइकोबॉयलाजी और फार्माकोलॉजी में एमडी की डिग्री तथा चेस्ट मेडिसन और संबद्ध विज्ञान में पी.एच.डी. डिग्री हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। संस्थान ने समीक्षाधीन अवधि के दौरान कई ओरेशंस, सम्मेलनों, कार्यशालाओं सतत् चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रमों, सार्वजनिक व्याख्यानों का आयोजन किया। संस्थान को विभिन्न सरकारी एजेंसियों नामत: आयुष, डीएचआर, सीसीआरयूएम, डीएसटी, डीआईपीएएस, आईसीएमआर,एनआईएफ द्वारा 14.81 करोड़ रूपए के 20 से अधिक की शोध परियोजनाएं प्रदान की गई है।

संस्थान के क्लिनिकन विंग, वीसीएच, तृतीयक देखभाल केन्द्र ने रोगियों को विशेषज्ञ नैदानिक परामर्श, डायग्नोस्टिक और उपचार सेवाएं प्रदान की। अस्पताल के ओपीडी में 11864 रोगियों का पंजीकरण हुआ और 56823 अनुवर्ती उपचार मामले आए। आईपीडी में सामान्य और आपातकालीन वार्ड में 4258 रोगियों को दाखिल किया गया। आरआईसीयू ने 357 रोगियों को दाखिल किया तथा 22899 रोगियों को आपातकालीन सेवाएं प्रदान की गई। विशिष्ट जांचों में 2125 त्वचा एलर्जी जांच, 22640 प्लेमोनरी फंक्शन जांच, 22097 एक्सरे, 53574 नैदानिक बायोकेमिस्ट्री

जांच, 5432 सीरम आईजीई जांच, 9972 आर्टिरियल ब्लड गैस जांच, 3943 माइकोबॉयलाजिकल जांच, 11000 से अधिक माइलाजिकल जांच और 31000 पेथोलाजिकल जांच शामिल हैं।

सम्मान/ विशिष्ट उपलब्धियां

डॉ. राजकुमार, अध्यक्ष, प्लमोनरी मेडिसन विभाग और अध्यक्ष, नेशनल सेंटर फॉर एलर्जी एंड एप्लायड इम्युनॉलाजी (एनसीआरएएआई), दिनांक 18 मार्च, 2018 को डॉ. भीमराव अम्बेडकर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा वीपीसीआई ऑडिटोरियम, दिल्ली में "स्ट्रेटजिज फॉर प्रोमोटिंग इनक्लुसिव डवलपमेंट विषय पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के प्रारंभिक सत्र में गेस्ट ऑफ ऑनर थे।

28 दिसम्बर, 2017 को पर्यावरण और सामाजिक विकास संघ (ईएसडीए), दिल्ली, भारत द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए अनुकरणीय योगदान हेतु पर्यावरणीय उत्कृष्टता अवार्ड, 2017 प्रदान किया गया।

फेलो, नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसिज, नई दिल्ली, 28 अक्टूबर,2017.

प्रकाशन

अदिति, शरीफ, एम.छावडा, एस.के. एवं रहमान, एम.(2017), सिमिलर वरलेंस प्रोपर्टीज ऑफ इन्फेक्शन एंड कॉलोनाइजेशन एसोसिएटिड सूडोमोनस एरूजिनोसा, जे. मेड माइकोबॉयल, 66, 1489-1498.

अग्रवाल, टी., वाधवा, आर., रोहिल, वी., कुमार पी. (2017). बायोमार्कर्स ऑफ ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस एंड प्रोटिन-प्रोटिन इंटरएक्शन इन क्रोनिक ऑब्सट्रेक्टिव प्लमोनरी डिजीज, आर्क फिजियोबायोकेम, डीओआई: 10.1080/13813455.2017.1387796.

अरेन्ड्रप, एम.सी., प्रकाश, ए., मेलेटियाडिस, जे., शर्मा, सी., एवं चौधरी, ए.(2017). कम्पेरिजन ऑफ यूकॉस्ट एंड सीएलएसआई रेफ्रेंस माइक्रोडायलूशन एमआईसी ऑफ ऐट एंटीफंगल कम्पाउंडस फॉर केनडिडा आरिस एंड एसोसिएटिड टेंटेटिव एपिडेमायलॉजिकल कटऑफ वेल्यूज। एंटीमाइकोज एजेंटस कीमॉटर, 61,ई00485-17.

गिरी, ए., गुप्ता, एस., साफी, एच., नारंग, ए., श्रीवास्तव, के., कुमार, एस.एन., एटएल (2018)। पालीमॉरफीज्मस इन आर वी 3806सी (यूबीआईए) एंड द अपस्ट्रीम रीजन ऑफ एमब ए इन रिलेशन टू एथमब्यूटॉल रेजिसटेंस इन क्लिनिकल आइसोलेटस ऑफ माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस फ्रॉम नार्थ इंडिया। ट्यूबरकुलोसिस(एडिनल), 108,41-46.

पांडे, ए., कुलश्रेष्ठ, आर., मेनन, बी., राजकुमार, एवं गौर, एस.एन.(2018). एंथ्राकोटिक पिगमेंट इन ट्रांसब्रोंकाइल लंग बायोपसी:एन इनोसेन्ट बायसटेन्डर और पैथोजेनिक एजेंट फॉर पेरेंकाइमल लंग डीजिज। इंडियन जे चेस्ट की आई एस एलाइड साइंस 60,27-30.

पूजा बी., विशाल, बी., एवं जमाल, ए.एम.(2017). कम्पेरिजन ऑफ डिफरेंट वाल्यूमस ऑफ हाई इंटेनसिटी ट्रेनिंग ऑन कार्डिएक आटोनॉमिक फंक्शन इन सेडेन्ट्री यंग वूमन। इंटरनेशनल जर्नल एडोलसक मेडिकल हेल्थ, 0(0), 1-13. डीओआई: 10.1515/ आईजेएएमएच-2017-0073.

प्रकाश, ए., रंधावा, एच.एस., खान, जेड.यू., अहमद, एस., हेगन, एफ, मेस, जे.एफ., एवं चौधरी, ए.(2018). एनवायरमेंटल डिस्ट्रिब्यूशन ऑफ क्रिप्टोकोकस स्पिसिज एंड सम अदर यीस्ट लाइक फंगी इन इंडिया माइकोसिज 61,305-315.

जर्नल

इंडियन जर्नल ऑफ चेस्ट डिजिज एंड एलायड साइंसिज (आईजेसीडीएएस) का प्रकाशन,

डॉ. राजकुमार, प्रधान सम्पादक, आईजेसीडीएस, वीपी चेस्ट इंस्टीट्यूट, दिल्ली, नवम्बर 2017.

शोध परियोजनाएं

आईसीएसआर द्वारा वर्ष 2015 में वित्त् पोषित। तीन वर्ष तक इस शोध परियोजना पर कार्य किया। 'इनडोर एयर पाल्यूशन एंड अस्थमा एक्जसरबेशन इन चिल्ड्रन : ए पापुलेशन बेसड स्टडी :संस्वीकृत राशि 125.00 लाख रूपये।

डीएसटी द्वारा वर्ष 2016-19 में वित्त पोषित। तीन वर्ष की अवधि तक इस परियोजना पर कार्य किया। 'रेगुलेशन ऑफ टीईटी 2 प्रोटीन बाय एरिथ्रोप्रोटीन (ईपीओ) ड्यूरिंग एर्थोकाइट डिफरंशिएशन इन ह्यूमन एंड टू इनवेस्टिगेट इट्स रोल इन एक्यूट माइलॉड ल्यूकीमिया, संस्वीकृत राशि 50.44 लाख रूपये।

डीएसटी द्वारा 2017-20 में वित्त पोषित। तीन वर्ष की अवधि तक इस शोध परियोजना पर कार्य किया। 'आइडंटिफिकेशन ऑफ नॉवल ट्रांस्क्रिप्ट्स एंड नान-कोडिंग आरएनए इनफचिज एंडोथेलिएल कार्नियल डिसट्रॉफी (एफईसीडी), संस्वीकृत राशि 71.91 लाख रूपये।

डीएसटी द्वारा वर्ष 2015 में वित्त पोषित। वर्ष 2015-18 तक इस शोध परियोजना पर कार्य किया। 'स्टडी ऑफ द पोस्ट ट्रांस्क्रिपशन्स मैकेनिज्म अंडरलाइंग पलमोनरी फाइब्रोसिस एंड देयर माडुलेशन बाय थ्यूरेप्टिक एजेंट्स। संस्वीकृत राशि 57.45 लाख रूपये।

आयोजित सेमिनार

कुल आयोजित सेमिनार : 6

'रेस्पिरेटरी एलर्जी : डायगनोसिस एंड मैनेजमेंट' विषय पर 42 वीं कार्यशाला (अप्रैल 24-28, 2017).

सीएमई प्रोग्राम ऑन क्लिनिकल ट्रायल्स परस्पेक्टिव एंड ट्रेंडस (जून 30,2017)

'रिसेन्ट एडवांसिज इन नाइट्रिक ऑक्साइड (एनओ) अनुसंधान एंड इट्स इफेक्ट ऑन थेरेपी' विषय पर संगोष्ठी (6 सितम्बर, 2017)

'एडवांसमेंट इन इम्यूनोलॉजी' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला (हैंडस ऑन ट्रेनिंग) (12-13 अक्तूबर, 2017).

'गुड इनहेलेशन थेरेपी प्रैक्टिस फॉर नर्सिंग स्टॉफ' विषय पर कार्यशाला (27-29 नवम्बर, 2017).

'ब्रोंकाइल अस्थमा एंड गुड नेबुलाइजेशन प्रैक्टिस' विषय पर कार्यशाला अपडेट (30 नवम्बर, 2017).

आयोजित सम्मेलन

'एलर्जी डायगनोसिस एंड एलर्जन इम्यूनोथेरेपी' (8-9 दिसम्बर, 2017) विषय पर प्रथम इंडियन समिट, जहां वीपीसीआई ने सहयोगात्मक अनुसंधान और आपसी लाभ के लिए सहयोग हेतु एलर्गोलॉजी विभाग, यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल मुनस्टर, मुनस्टर, जर्मनी के साथ सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए।

सेमिनार/सम्मेलन में प्रस्तुति

डॉ. राजकुमार ने 5-8 अप्रैल, 2017 को यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल मुनस्टर, जर्मनी में 'मास्टरक्लास-एलर्जी डायगनोसिस एंड एलर्जन इम्यूनोथेरेपी' विषय पर आयोजित सम्मेलन में पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. एस.के. बंसल, 1 अप्रैल 2017 को सेन्ट्रल आयुर्वेद अनुसंधान इंस्टीट्यूट फॉर रेस्पिरेटरी डिसआर्डर्स (सीएआरआईआरडी) द्वारा 'रेस्पिरेटरी डिसआर्डर संबंधी आर एंड डी स्ट्रेटजी का विकास' विषय पर पटियाला में आयोजित की गई। ब्रेनस्टार्मिंग कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति थें।

डॉ. मालिनी शरीफ ने 8 दिसम्बर, 2017 को इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबॉयलाजिस्ट (दिल्ली चैप्टर) द्वारा ''माइक्रोस्कॉपी टू माइक्रोएरे : रिडसूसिंग टाइम टू डायगनोसिस'' विषय पर दिल्ली में आयोजित किए गए सीएमई में सीएमई पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. मंदिरा वर्मा बासिल ने 25-28 जून, 2017 को सिबेनिक, क्रोटियाफ्रॉम में यूरोपियन सोसायटी ऑफ माइकोबैक्टिरियालॉजी द्वारा "कंट्रीब्यूशन ऑफ एफुलक्स पम्पस इन रिफेम्पिसियन रेजिस्टेंस इन क्लिनिकल आइसोलेट्स ऑफ एम. टयूबरकुलोसिस" विषय पर आयोजित 38 वें वार्षिक सम्मेलन में व्याख्यान दिया।

डॉ. अनुराधा चौधरी ने 11-12 अप्रैल, 2017 को डच सोसायटी फॉर माइक्रोबायलॉजी द्वारा 'केनडिडा आरिस : एम एमर्जिंग ग्लोबल इन्फेक्सियस थ्रेट' विषय पर आयोजित डच सोसायटी फॉर माइक्रोबायलॉजी इन पेपन्डल नीदरलैंड्स की वार्षिक बैठक में अतिथि व्याख्यान दिया।

डॉ. मधु खन्ना ने 14-16 जून, 2017 को आईएसआईआरवीएंटी वायरल ग्रुप द्वारा शंघाई, चीन में "सूरामिन: ए पोटेंशियल एमिलियारेटिंग एजेन्टस टू इनहिबिट इनफ्लूएंजा ए वायरस रेप्लिकेशन" विषय पर आयोजित 5 वें आईएसआईआरवी- एवीजी कांफ्रेंस ऑन प्रिवेंशन एंड ट्रीटमेंट ऑफ आरवीआई : एंटीवायरल्स, ट्रेडिशनल थेरेपीज एंड होस्ट-डायरेक्टिड इटरवेशंस में एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

डॉ. अनिता कोतवानी ने 1-2 सितम्बर, 2017 को इंडियन फार्माकोलॉजिकल सोसायटी द्वारा "वन-हेल्थ एप्रोच टू कम्बेट एंटीमाइक्रोबायल रेजिस्टेंस- ओवरव्यू ऑफ ग्लोबल एंड नेशनल एक्शन प्लान" विषय पर एनआरआईपीएस कांग्रेस गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में आयोजित 'गोल्डन जुबली-इंडियन फॉर्माकोलाजिकल सोसायटी कांफ्रेंस में एक व्याख्यान दिया।

डॉ. कविता गुलाटी, अध्यक्ष ने 8-10 जून, 2017 को इंटरनेशनल यूनियन ऑफ बेसिक एंड क्लिनिकल फार्माकोलाजी द्वारा "एडोपटाजेनिक इफेक्टस ऑफ यूनानी हर्वस एंड गेस्ट्रिक साइटोप्रोटेक्शन : मालीक्यूलर मैकेनिज्म" विषय पर आईयूपीएचएआर-जीआई सेक्शन मीटिंग इन नोविग्राड, क्रोशिया में आयोजित सम्मेलन में व्याख्यान दिया।

डॉ. विश्वजीत रोहिल ने 18-20 अक्तूबर, 2017 को मेरीलैंड, यूएसए में कांफ्रेंस सीरीज एलएलसी द्वारा 'कैंसर एंड साइंस एंड थेरेपी बाल्टीमोर' विषय पर आयोजित 25 वीं वर्ल्ड कांग्रेस में ' 'एंटीकैंसर एक्टिविटी ऑफ पॉलीफेनालिक एसिटेट्स मीडिएटिड बॉय केलरेटिकुलिन ट्रांससिटायलेज इन लंग कैंसर : एन एपिजेनेटिक माडुलेशन" विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. रितु कुलश्रेष्ठ ने 4-7 जनवरी, 2018 को पैथालाजी विभाग, टाटा मैडिकल सेंटर, कोलकाता द्वारा ऑलबर्ग, डेनमार्क में बीएफजीएफ/एफजीएफआर- 1,2 सिगनलिंग पाथ वे डयूरिंग द रिमाडलिंगऑफ पलमोनरी एक्सट्रासेल्यूलर मेट्रिक्स विषय पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. विशाल बंसल ने 6 जुलाई, 2017 को श्रीलंका कॉलेज ऑफ पलमोनोलॉजिस्टस द्वारा कोलम्बो, श्रीलंका में प्री-कांग्रेस वर्कशाप ऑफ एनुएल एकेडमिक सेशन ऑफ श्रीलंका कालेज ऑफ पलमोनोलॉजिस्टस - आरईएसपीआईआरई-आईएक्स में "पलमोनरी रिहेबिलिटेशन फॉर फिजियोथेरोपिस्टस" विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. नितिन गोयल ने 24-28 अप्रैल, 2017 को वी.पी. चेस्ट इंस्टिट्यूट एंड सीएसआईआर-आईजीआईबी द्वारा "रेस्पिरेटरी एलर्जी: डायगनोसिस एंड मैनेजमेंट" विषय पर दिल्ली में आयोजित 42वीं कार्यशाला में "प्रेक्टिकल ट्रेनिंग ऑफ एलर्जी टेस्टिंग" विषय पर व्याख्यान दिया और कोषाध्यक्ष की भूमिका निभाई।

डॉ. सोनम स्पेलगायस ने 18-22 जून, 2018 को वी.पी. चेस्ट इंस्टिट्यूट एंड सीएसआईआर-आईजीआईबी द्वारा "रेस्पिरेटरी एलर्जी: डायगनोसिस एंड मैनेजमेंट" विषय पर दिल्ली में आयोजित 43वीं कार्यशाला में "रोल ऑफ एफईएनओ एस्थमा" विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. पारूल मृगपुरी, संयुक्त सचिव ने 18-22 जून, 2018 को वी.पी. चेस्ट इंस्टिट्यूट एंड सीएसआईआर-आईजीआईबी द्वारा "रेस्पिरेटरी एलर्जी: डायगनोसिस एंड मैनेजमेंट" विषय पर दिल्ली में आयोजित 43 वीं कार्यशाला में "एर्लजन्स वर्सेज इरिटेंट: विच इज रेलिवेंट " विषय पर एक व्याख्यान दिया।

राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय सहमति पत्र

भारतीय/विदेशी विश्वविद्यालयों की संख्या -01

वीपीसीआई ने सहयोगात्मक अनुसंधान को बढ़ावा देने तथा आपसी लाभकारी संघ के लिए एलर्गोलाजी विभाग, यूनिवर्सिटी हास्पिटल मुनेस्टर, मुनेस्टर, जर्मनी के साथ सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए।

अन्य अन्तर-संस्थानिक सहयोग

वर्धमान महावीर मेडिकल कालेज एवं सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।

नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी, जेएनयू, नई दिल्ली

डिफेंस इंस्टिट्यूट ऑफ फिजियोलॉजी एंड एलायड साइंसिज, डीआरडीओ, तिमारपुर, दिल्ली

सीएसआईआर-आईजीआईबी (इंस्टिट्यूट ऑफ जिनामिक्स एंड इंटिग्रेटिव बायलॉजी), माल रोड, दिल्ली

सेंटर फॉर फिजियोथेरेपी एंड रिहेबिलिटेशन साइंसिज, जामियामिलियाइस्लामिया, नई दिल्ली

इंडियन स्पाइनल इंजुरिज सेंटर, वसंतकुंज, दिल्ली-110070

पुस्तकालय विकास

वीपीसीआई पुस्तकालय में 100 वर्ष से भी अधिक पुराने कई जर्नल का भंडार है। इसमें सीरियल प्रकाशन जैसे एनुअल रिव्यू, ईयर्स बुक्स, रिसेंट एडवांसिज का बेहतर एवं विशाल संग्रह है। इस संस्थान में पलमोनरी डिजिज और एलाइड साइंसिज के क्षेत्र में श्रेष्ठ पुस्तकालय है, जिसमें 10,086 पुस्तकें, जे-25,025 बाउंड जर्नल, 175 सीडी, 566 थीसिस और 20 राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिवेदन हैं। पुस्तकालय द्वारा कुल 115 जर्नल(110 अन्तर्राष्ट्रीय और 05 राष्ट्रीय) की खरीद की जा रही है, 16 जर्नल(06 अन्तर्राष्ट्रीय और 10 राष्ट्रीय) इंस्टिट्यूट जर्नल अनुदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत प्राप्त किए जा रहे है और 33 जर्नल(09 अन्तर्राष्ट्रीय और 24 राष्ट्रीय) कंपलीमेंटरी आधार पर प्राप्त किए जाते हैं।

संकाय संख्या: 15

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान: 62.78 करोड़ रूपए, उपयोग किया गया अनुदान: 54.19 करोड़ रूपए

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

टोबेको सेसेशन क्लिनिक, योग थेरेपी एंड अनुसंधान सेन्टर और कार्डियों केन्द्र ने 398 नए विषयों तथा 172 अनुवर्ती विषयों के लिए परामर्शी सेवाएं प्रदान की हैं। योग थेरेपी एंड अनुसंधान सेंटर ने योग द्वारा विभिन्न रोगों के उपचार हेतु 3846 विषयों पर सेवाए प्रदान की हैं। कार्डियों-पलमोनरी रिहेबिलिटेशन क्लिनिक, विश्वनाथन चेस्ट हास्पिटल, वीपीसीआई क्रोनिक रेस्पिरेटरी रोगियों का प्रबंधन कर रहा है तथा 400 से अधिक रोगियों श्वास प्रतिधारण शिक्षा, पुनर्वास कार्यक्रम सेवाएं प्रदान की हैं। नेशनल टोबेको क्विट लाइन सर्विस(एनटीक्यूएलएस), टेलीफोन आधारित निशुल्क परामर्श सेवा जिसे टोल फ्री नं. 1800-11-2356 के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है, में 50,000 से अधिक फोन कॉल प्राप्त हुए तथा तम्बाकू का सेवन छोड़ने के लिए उपयुक्त परामर्शी सेवाएं प्रदान की। अस्पताल ने ई-अस्पताल प्रबंधन प्रणाली लागू की है, जो सरकारी अस्पतालों के लिए वर्कफ्लों आधारित आईसीटी समाधान प्रदान करता हैं। ऑनलाइन पंजीकरण प्रणाली(ओआरएस), काउंटर आधारित ओपीडी पंजीकरण और मुलाकात समय प्रणाली का डिजिटलीकरण किया गया हैं। जैव-रसायन विभाग ने "एरिथ्रोकाइट मेम्ब्रेन प्रोटीन प्रोफाइल एंड ऑक्सीडेंट स्टेटस ऑफ ब्लड इन प्रोफाइल एस्थमा" विषय पर अध्ययन का आयोजन किया। माइक्रोबायलाजी विभाग, वीपी चेस्ट इंस्टिट्यूट डायग्नोस्टिक, शिक्षण और शोध कार्यों में सक्रिय भाग ले रहा है तथा दैनिक डायग्नोस्टिक प्रयोगशाला में लगभग 3747(बैक्टीरियोलाजी), 973(सेरोलाजी), 91(एनेरोबिक), 10,000(माइकोबैक्टीरियोलॉजी), 4906(माइकोलॉजी), 76(वायरोलॉजी) क्लिनिकल नमूनों को संसाधित किया गया। फार्मालॉजी विभाग एंटीमाइक्रोबॉयल रेजिस्टेंस(एएमआर) संबंधी एपिडेमियालॉजी अध्ययन कर रहा है तथा नितिगत निर्णयों का समन्वय और निगरानी कार्य भी कर रहा है और फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया(पीवीपीआई), भारत सरकार का मान्यता प्राप्त एडवर्स ड्रग रिएक्शन

मानीटरिंग सेंटर(एमएसी) है। संस्थान ने 29 दिसम्बर, 2017 से 7 जनवरी, 2018 तक वीपीसीआई स्पोर्टस एंड कल्चरल एक्टिविटी कार्यक्रम का आयोजन किय।

***

संगीत एवं ललित कला संकाय

दिल्ली विश्वविद्यालय

मुख्य कार्यकलाप और उपलब्धियां

दिनांक 21जून, 2017 को विभाग ने योग पर एक कार्यशाला का आयोजन करते हुए अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। तदुपरांत, विभाग में 31 अगस्त-1 सितम्बर को वार्षिक संगीत उत्सव-मलहार उत्सव, जो वर्षा ऋतु को उत्सव मनाता है, का आयोजन किया गया। इसके बाद 26 सितम्बर, 2017 को पंडित विद्यादकर ओक द्वारा हारमोनियम पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। दिनांक 26 सितम्बर, 2017 को विभाग ने स्लावोनिक एंड फिन्नो अग्रिना स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से हंगेरियन फॉल्क ग्रुप : कला का के एक कंसर्ट का आयोजन किया। दिनांक 1 फरवरी, 2018 को विभाग ने बसंत पंचमी, संगीत का वार्षिक उत्सव जिसमें बसंत ऋतु का उत्सव मनाया जाता है, का आयोजन किया। 27-28 फरवरी 2018 को सम्मेलन केन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद(आईसीसीआर) के सहयोग से "भारतीय शास्त्रीय संगीत : शिक्षण एवं विदेशों में प्रदर्शन" विषय पर यूजीसी अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया।

13-18 मार्च, 2018 को संगीत नाटक अकादमी के सहयोग से 'इस्ट्रयूमेंट मेकिंग, रिपेयरिंग एंड मेंटिनेंस' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें तानपुरा, सितार, तबला और मृदंगम के इंस्टूयूमेंट मेकर्स ने इंस्टूयूमेंट की मेकिंग और रिपेयरिंग कला का प्रदर्शन किया।

प्रकाशन

दास, नबिन्द्र नाथ (2017). प्रख्यात सितार वादक पंडित इंद्राणी भट्टाचार्य, साहिबाबाद, उत्तर प्रदेश: नैतिक प्रकाशन।

गोस्वामी, विनीत (2017): रांगदारी युक्त भक्ति रचनाएं, पंडित विष्णु दिगम्बर पालुसकरके प्रयोग, साहिबाबाद, उत्तर प्रदेश: नैतिक प्रकाशन।

खान, अनिस अहमद (2017). हजरत अमीर खुसरो के प्रचलित राग, ताल एवं गीत, साहिबाबाद, उत्तर प्रदेश: नैतिक प्रकाशन।

कृष्ण, गोपाल(2017). स्वामी डी. आर. परवाटिकर का भारतीय संगीत में योगदान, साहिबाबाद, उत्तर प्रदेश: नैतिक प्रकाशन।

नंदी, पांचाली (2017) प्रोफेसर ध्रुव तारा जोशी: एक महान व्यक्तित्व. दिल्ली: संजय प्रकाशन।

फोंडनी, विकास (2017). संत संगीतज्ञ पंडित रामाश्रम झा: व्यक्तित्व एवं कृतित्व, दिल्ली: आकांक्षा पब्लिशिंग हाऊस।

संगीता (2017) शिक्षाके क्षेत्र में संगीत की स्थिति, दिल्ली: स्वराज प्रकाशन

शर्मा, राजेश कुमार (2017). संगीत शोध संचयन, दिल्ली: संजय प्रकाशन

सूरज (2017). रागिनी गायन: एक समृद्ध परम्परा, दिल्ली, वाई ई बुक्स प्रकाशन

जर्नल

वागेश्वरी (2018) का प्रकाशन कार्य जारी है

संपादक मण्डल में संपादक/संपादकों, सदस्य/सदस्यों के तौर पर कार्यरत विभाग अध्यापकों की संख्या: 09

आयोजित सेमिनार

विभाग ने 27-28 फरवरी, 2018 को कांफ्रेंस सेन्टर, दिल्ली विश्वविद्यालय में विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वाधान में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद(आईसीसीआर), एक स्वायतशासी निकाय, के सहयोग से "भारतीय

शास्त्रीय संगीत: शिक्षण एवं विदेशों में प्रदर्शन" विषय पर एक यूजीसी अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया, जिसमें प्रोफेसर टी.के.दास, कुलसचिव, दिल्ली विश्वविद्यालय मुख्य अतिथि थे जबकि सुश्री पदमजा, उप महानिदेशक, आईसीसीआर माननीय अतिथि थे।

इसमें निम्नलिखित वक्ता थे-

डॉ. जोएप बोर, वनस्पति विज्ञानी, सारंगी कलाकार और संगीतकार तथा प्रोफेसर, अकादमी ऑफ क्रिएटिव एंड परफारमिंग आर्टस, लेडन विश्वविद्यालय द नीदरलैंड ने मुख्य अभिभाषण दिया (27 फरवरी, 2018).

डॉ. ससकिया राव-डे-हास, हिन्दुस्तानी संगीत में प्रख्यात सेलो (वायलिन) वादक, मूलत: नीदरलैंड निवासी, ने "विदेशों में हिन्दुस्तानी शास्त्रीय वाद्य यंत्रों का शिक्षण और प्रदर्शन" विषय पर भाषण दिया (27 फरवरी, 2018).

डॉ. स्टेन स्कॉट, हिन्दुस्तानी संगीत कलाकार, यूएसए ने "यूएसए में हिन्दुस्तानी शास्त्रीय गायन संगीत का शिक्षण और कार्य-निष्पादन" विषय पर अपने विचार रखे (विडियों रिकार्डिड)। उनकी अनुपस्थिति में, उनके गुरू और ग्वालियर घराने के प्रख्यात गायक पंडित विद्याधर व्यास ने श्रोताओं के प्रश्नों के उत्तर दिए (27 फरवरी, 2018)।

डॉ. सूर्यकान्ति, गायन, महानिदेशक, महात्मा गांधी संस्थान, मारीशस ने ' 'मारीशस में हिन्दुस्तानी शास्त्रीय गायन संगीत का शिक्षण और कार्य-निष्पादन" विषय पर भाषण दिया (27 फरवरी, 2018)।

डॉ. शंकर राजन, प्राचार्य, सिंगापुर फाइन आर्टस सोसायटी (एसआईएफएएस), सिंगापुर ने ' 'सिंगापुर में कर्नाटक शास्त्रीय संगीत का शिक्षण और कार्य-निष्पादन" विषय पर भाषण दिया (28 फरवरी, 2018)।

डॉ. ध्रुवेश चन्द्र रेगमी, एसोसिएट प्रोफेसर, पदम कन्या मल्टीपल कैंपस, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू, नेपाल में सितार वादक हैं। उन्होने नेपाल में "हिन्दुस्तानी शास्त्रीय वाद्य यंत्र संगीत का शिक्षण और कार्य-निष्पादन" विषय पर भाषण दिया (28 फरवरी, 2018)।

प्रोफेसर आसित रॉय, एक प्रतिष्ठित हिन्दुस्तानी गायक और अध्यक्ष, थियेटर एवं म्यूजिक विभाग, राजशाही विश्वविद्यालय, ढाका, बांग्लादेश हैं। उन्होने ' 'बांगलादेश में हिन्दुस्तानी शास्त्रीय गायन संगीत का शिक्षण एवं प्रदर्शन" विषय पर एक भाषण दिया (28 फरवरी, 2018)।

डॉ. निर्मला कुमारी रोड्रिगों, विज्युअल एंड परफार्मिंग आर्टस यूनिवर्सिटी में वरिष्ठ व्याख्याता तथा श्रीलंका प्रसारण निगम में सुपर ग्रेड सितार और गायन संगीत आर्टिस्ट है। उन्होने "श्रीलंका में हिन्दुस्तानी शास्त्रीय वाद्य यंत्र संगीत का शिक्षण और प्रदर्शन" विषय पर अपने विचार रखे (28 फरवरी, 2018)।

पंडित समीर चटर्जी, मूलत: कोलकाता, भारत के प्रख्यात तबला वादक है, परंतु अब यूएसए में रह रहे हैं। वह आकाशवाणी और दूरदर्शन के 'ए' ग्रेड कलाकार है। उन्होने "यूएसए में हिन्दुस्तानी शास्त्रीय परकसन संगीत का शिक्षण और प्रदर्शन" विषय पर अपने विचार रखे (28 फरवरी, 2018)।

आयोजित सम्मेलन

संगीत विभाग द्वारा मल्हार उत्सव 2017 का आयोजन किया गया। यह भारतीय शास्त्रीय संगीत का दो-दिवसीय उत्सव है, जिसका आयोजन संगीत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रत्येक वर्ष अगस्त-सितम्बर में किया जाता है। इसमें ' 'मल्हार" राग के विविध रूपों और गायन तथा वाद्य यंत्रों के माध्यम से वर्षा ऋतु का उत्साह और उल्लास मनाया जाता है। इस वर्ष यह उत्सव 31 अगस्त- 1 सितम्बर, 2017 को सुमाती सभागार, संगीत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया था।

इस वर्ष प्रतिष्ठित कलाकारों अर्थात पंडित पुष्पराज कोष्ठी, मुम्बई द्वारा सुरबहार गायन, सुश्री जे. नन्दनी, तिरूवन्नतपुरम द्वारा कर्नाटक शास्त्रीय गायन, श्रीमती श्रुति अधिकारी, भोपाल द्वारा सन्तूर गायन और विदुषी आरती अंकिकर टीकेकार, पूणे द्वारा हिन्दुस्तानी शास्त्रीय गायन का प्रदर्शन किया गया।

अन्य अंतर-संस्थानिक सहयोग

दिनांक 13-16 मार्च, 2018 को संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अन्तर्गत एक स्वायत्तशासी निकाय के सहयोग से 'इंस्ट्रयूमेंट मेकिंग, रिपेयरिंग एंड मेंटिनेन्स' विषय पर एक चार-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जहां विभिन्न संगीत यंत्रों के इंस्ट्रयूमेंट मेकर्स ने इंस्ट्रयूमेंट मेकिंग और रिपेयरिंग की कला का प्रदर्शन किया :

तानपुरा	-	श्री फारूख सतार मेकर (मिराज, महाराष्ट्र से)
सितार	-	श्री मंगला प्रसाद (कोलकाता से)
तबला	-	श्री कासिम खान (दिल्ली से)
मृदंगम	-	श्री जोथी प्रकाश एम.आर. (चेन्नई)

विस्तार और पहुँच कार्यकलाप

विभागीय गायक मंडल, जिसे सरगम गायन मंडल कहा जाता है, ने निम्नलिखित स्थानों पर प्रदर्शन किया :-

गांधी जयंती 2017 के अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश त्यागी और कुलसचिव प्रो. टी.के. दास की उपस्थिति में गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रदर्शन किया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री श्री अरूण जेटली की गरिमामयी उपस्थिति में विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 'राजस्व ज्ञान संगम 2017' में प्रदर्शन किया।

नवम्बर 2017 में वार्षिक दीक्षांत समारोह के शुभारंभ अवसर पर प्रदर्शन किया।

फेडरल रिपब्लिक ऑफ जर्मनी के राष्ट्रपति श्री फ्रेंक वालटर स्टेनमेयर की गरिमामयी उपस्थिति में दिनांक 23 मार्च, 2018 को कनवोकेशन हाल, वाइस रीगल लॉज, दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रदर्शन किया।

दिनांक 1 मई, 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर कनवोकेशन हाल, वाइस रीगल लॉज में प्रदर्शन किया।

दिनांक 21 दिसम्बर, 2017 को दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नेलिज्म के शुभारम्भ अवसर पर भारत के उपराष्ट्रपति श्री वेंकैया नायडु तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश त्यागी और प्रोफेसर सुनीरा कासलीवाल की उपस्थिति में प्रदर्शन किया।

दिनांक 12 फरवरी, 2018 को लॉ फैकल्टी, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'दिव्यांगजन अधिकार' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार के शुभारम्भ अवसर पर भारत के पूर्व राष्ट्रपति श्री मुखर्जी की उपस्थिति में प्रदर्शन किया।

प्रदत्त पीएचडी/एमफिल डिग्रियां :

पीएचडी - 12

एमफिल - 25

संकाय संख्या

संस्वीकृत	:	41
कुल कार्यरत अध्यापक	:	26
प्रोफेसर	:	10
एसोसिएट प्रोफेसर	:	0
सहायक प्रोफेसर	:	6
सहायक प्रोफेसर (तदर्थ)	:	7
अतिथि व्याख्याता	:	3

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

विभाग द्वारा निम्नलिखित कार्यकलाप किए गए :

21 जून, 2017 को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 'योग' पर कार्यशाला।

पंडित हरेकृष्णा हलदर, पश्चिमी बंगाल ने अगस्त 2017 में 'खोल', परम्परागत बंगाली लोक इंस्ट्रयूमेंट, पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

26 सितम्बर, 2017 को पंडित विद्याशंकर ओक द्वारा 'हार्मोनियम' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

प्रख्यात वाद्य यंत्र उस्ताद पंडित डालचंद शर्मा द्वारा दिनांक 11 अक्तूबर, 2017 को पखावज, हिन्दुस्तानी तबला संगीत यंत्र, पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

दिनांक 13 दिसम्बर, 2017 को विभाग ने स्लेवानिक एंड फिनो अगरियन स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से हंगरेरियन फॉक ग्रुप-कलाकार के एक कंसर्ट का आयोजन किया।

दिनांक 1 फरवरी, 2018 को विभाग ने बसंत पंचमी, वार्षिक संगीत समारोह, का आयोजन किया, जिसमें बसंत ऋतु का उत्सव मनाया जाता है। इसमें सभी विद्यार्थियों और स्टॉफ सदस्यों ने मां सरस्वती को पुष्पांजलि (प्रार्थना) अर्पित की और तदुपरांत कुछ चयनित अध्यापकों और विद्यार्थियों ने भारतीय शास्त्रीय संगीत में अपने प्रदर्शन से मां सरस्वती को श्रद्धासुमन अर्पित किए। प्रख्यात संतूर कलाकार और मुख्य अतिथि-पंडित भजन सोपोरी ने उन विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए, जो दिनांक 27-29 सितम्बर, 2017 को आयोजित वार्षिक अंतर-कक्षा संगीत प्रतियोगिता में विजेता रहे हैं।

***

विज्ञान संकाय

नृविज्ञान

मुख्य कार्यकलाप और उपलब्धियां

नृविज्ञान विभाग नवाचारी शिक्षण और सहयोगात्मक शोध कार्यकलापों के माध्यम से नृविज्ञान संबंधी ज्ञान के प्रचार-प्रसार के लिए प्रतिबद्ध है। इसमें विभिन्न विशेषज्ञ क्षेत्रों में विशेषज्ञता वाले 19 संकाय सदस्य हैं। वर्ष 2017-18 में, विभाग के संकाय सदस्यों ने उच्च प्रभाव वाले जर्नल में प्रकाशन, अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भागीदारी और प्रतिष्ठित शोध अनुदानों सहित अन्तर्राष्ट्रीय सहभागी शोध कार्यकलापों में सहयोग द्वारा अपनी उत्कृष्टता को प्रदर्शित किया है और इस प्रकार विभाग को प्रतिष्ठा दिलाई है। विभाग नृविज्ञान और फारेंसिक साइंस में समसामयिक विषयों पर सेमिनारों और सम्मेलनों का आयोजन करता है और इस प्रकार शोधार्थियों, विद्यार्थियों और विभाग के एलुमनी को मुख्य शोध मुद्दों पर विचार-विमर्श के लिए एक संयुक्त मंच प्रदान करता है। संकाय को प्राय: प्रतिष्ठित स्थान प्रदान किए जाते है, जिससे ज्ञान के अन्तर विषयक क्षेत्रों में उनकी उत्कृष्टता और अग्रणी स्थान का पता चलता है। नृविज्ञान विषय के विद्यार्थियों को भारत एवं विदेशों में अकादमिक एवं आउटरीय कार्यकलापों में सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों तथा शोध संस्थाओं में नृवैज्ञानिक के तौर पर स्थापित करने के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

सम्मान/विशिष्ट उपलब्धियां

प्रो. पी.सी. जोशी, सदस्य जबलपुर जनजातीय स्वास्थ्य केन्द्र की वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति (एसएसी), भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, भारत सरकार, नवम्बर 2017.

प्रो. पी.सी. जोशी, अन्य पिछड़े वर्गों के उप-वर्गीकरण की जांच हेतु भारत सरकार के आयोग के विशेषज्ञ सदस्य।

प्रकाशन

बंदूनी, एस.के., हसीजा, ए.एम., देवी, एम.एस. और जोशी, पी.सी. (2017)। स्थानीय समुदायों और गैर-सरकारी संगठनों की भागीदारी : गढवाल हिमालय में दीर्घकालिक विकास की दिशा में एक कदम। वर्ल्ड फोकस, सं. 450 : 111-117.

बंसल, ए. एवं जोशी, पी.सी. (2017), दिल्ली, भारत के सुन्नी मुस्लिमों के बीच कार्डियोवास्कूलर जोखिम कारकों का मूल्यांकन। यूरेशियन जर्नल ऑफ एंथ्रोपालॉजी, 7(2) : 37-50, डीओआई : 10.12973/ऐजा 2017.0055 ए.

चंदेल, एस. एवं मलिक, एस.एल. (2018)। इंटर पापुलेशन वेरिएशन इन बोडी साइज एंड बाडी प्रोपारशन अमंग क्षत्रिय एंड कुर्मी फीमेल्स ऑफ उत्तर प्रदेश, इंडिया। सुदीप्त घोष एवं डी.के. लिम्बू (संपादक), रीडिंग्स इन बायलॉजिकल एंथ्रोपालाजी, (पृष्ठ 45-55), दिल्ली, बी.आर. पब्लिशिंग हाऊस।

चंदेल, एस., रेहटसो, ए., मलिक, एस.एल. एवं कुलश्रेष्ठ, एम. (2018), 'द एसोसिएशन बिटविन बॉडी फिजिक एंड फिजिकल फिटनेस : ए क्रास सेक्शनल स्टडी अमंग ए ट्राइबल कम्युनिटी ऑफ दादर एंड नागर हवेली, इंडिया। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड एक्सरसाइज फिजियोलाजी, 7(1), 11-20.

चंदेल, एस., ठाकुर, एम., सरस्वती, के.एन. (2017)। एज रिलेटिड चैंजिज इन हैंडग्रिप स्ट्रैंथ एंड इट्स एसोसिएशन विद एसीईआई/डी जीन पॉलीमोरफिज्म अमंग एडल्टस : ए क्रॉस- सेक्शनल स्टडी ऑन जाट पापुलेशन ऑफ हरियाणा, जर्नल इंडियन एंथ्रोपॉलाजिकल सोसायटी, 52,185-197.

चांदीऑक, के., मंडल, पी.आर., यादव, एस., सरस्वती, के.एन. (2017) सिगनीफिकेंट एसोसिएशन ऑफ हिस्ट्री ऑफ मिसक्रेरिज विद ओबेसिटी अमंग इंडियन वूमन ऑफ चाइल्ड बियरिंग एज। ऑनलाइन जर्नल हेल्थ रिलेटिड एलायड साइंसिज, 16(1),2.

चांदीऑक, के., मौंडा, आर.आर. (2017) 'वन कार्बन मेटाबॉलिज्म एंड कार्डियो-मेटाबालिक रिस्क, वाइस ऑफ इंटेलकच्युअल मैन-एन इंटरनेशनल जर्नल, 7(2) : 135-144.

चांदीऑक, के., मंडल, पी.आर. (2017)। रोल ऑफ माइक्रोस्कॉपी इन फारेंसिक साइंस अनुसंधान एंड इनवेस्टिगेशन, इंडियन इंटरनेट जर्नल ऑफ फारेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सीकालॉजी, 15(3), 55-58.

चटोपाध्याय, आई.(2017) - सीईंग द (इन) विजिबल: एस्थेटिक्स इन प्रीहिस्टोरिक रॉक पेंटिंग्स, इन राजेश पुरोहित (एडिटिंग)। एस्थेटिकस इन इंडिया आर्ट, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश: इलाहाबाद संग्रहालय प्रकाशन।

दास, एस., एवं चंदेल, एस.(2017). एसोसिएशन बिटविन ब्लड प्रेशर एंड एंथ्रोपोमेट्रिक इंडिकेर्टस ऑफ आबेसिटि अमंग एल्डरली रूरल वूमन ऑफ इंडिया, इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ एंड वेलबीइंग, 8(9), 950-953.

दास, एस., एवं चंदेल, एस. (2018). फ्रेइलटी पैटर्न अमंग द एल्डरली रूरल वूमन ऑफ इंडिया, इंडियन जर्नल ऑफ जिरोन्टालाजी, 32(2), 139-148.

दीपानी, वी., एवं कपूर, ए.के.(2018). वेरिएबिलिटी इन हयूमन हैंडराइटिंग : एन इंडियन अण्डरस्टेंडिंग, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हयूमेनिटिस एंड सोशल साइंसिज. 7(4), 27-32.

दीपानी, वी., सैनी, एम., एवं कपूर, ए.के.(2017). - कॉगनिटिव डाइमेंशन ऑफ हेल्थ मैनेजमेंट अमंग सेलेक्टिड इंडियन ट्राइव्स्, जीनस, 1.

दीपानी, वी., सैनी, एम., एवं कपूर, ए.के.(2017). - डेमोग्राफिक फ्लक्चुएशन अमंग हिमालयन पॉपुलेशन: इंडियन जर्नल ऑफ रीसर्च इन एंथ्रोपोलॉजी। 3(2), 107-11

ढाल, एम., कपूर, ए.पी., भासीन, पी. एवं कपूर, क. (2018). पैटर्नस ऑफ फिजिकल एक्टीविटिज इनफ्लूएंशिंग कार्डियों वास्कुलर एंड रेस्पिरेटरी फंकशन इनटरनेशनल जर्नल मेडिकल हेल्थ साइंस, 7(2), 47-52.

गुप्ता, यू., ढाल, एम., एवं कपूर, एस.(2017) - दिल्ली की वयस्क महिलाओं में उच्च रक्त चाप एवं मोटापे का संबंध, ह्यूमन राइटस इंटरनेशनल जर्नल 5(1), 27-30.

जोशी, पी.सी.(2017). गेस्ट एडिटर, पर्यावरण एवं दीर्घकालिक विकास: उभरती हुई चुनौतियां। विषय पर विशेष अंक, वर्ल्ड फोकस(नं.450)

जोशी, पी.सी.(2017). दीर्घकालिक विकास के लिए उभरती हुई चुनौतियां और भारतीय प्रयोग, वर्ल्ड फोकस 450, 12-15.

जोशी, पी.सी.(2017). मानव अधिकार, वन्य जीवन और पर्यावरणीय संरक्षण सामाजिक परिवर्तन 47(।),1-10, डीओआई: 10.1177/0049085716681900

कपूर, ए.के., एवं दीपानी, वी.(2017), कोस्टल एंथ्रोपालॉजी: ए फ्यूचर डायनेमिक इन इंडिया। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंसिज एंड ह्यूमेनिटिज इनवेंशन, 4(7), 3576-3581

कौर, एस. एवं चंदेल, एस.(2017). ऐज चेंजिज इन द बॉडी फिजिक एंड इट्स एसोसिएशन विद बीएमआई: ए क्रास-सेक्शनल स्टडी अमंग स्कूल गोइंग बॉयज ऑफ राजस्थान, इंडिया। ह्यूमन बायलॉजी रिव्यू 6(3),250-262.

कौर, एस. एवं चंदेल, एस.(2017). द स्टडी ऑफ एंथ्रोपोमेट्रिक सोमाटोटाइप अमंग बॉयज ऑफ डांगी कम्युनिटी फ्रॉम उदयपुर, राजस्थान, इंडिया। इन: एंथ्रोपोलॉजी एंड फारेंसिग साइंस: द करेंट डायनेमिज्म, 1,65-75. नई दिल्ली:सलेक्टिव एंड साइंटिफिक बुक्स।

खान, एस., सरस्वती, के.एन., सचदेवा, एम.पी., एवं ठाकुर, एस.के.(2017). मीनापॉज एज एन इंडिकेटर फॉर डिटरमाइनिंग कार्डियोवासकुलर रिस्क फैक्टर: ए क्रॉस सेक्शनल स्टडी अमंग गड्डी ट्राइब ऑफ हिमाचल प्रदेश, इंडिया। जर्नल ऑफ वूमन हेल्थ, इश्यू एंड केयर, डीओआई: 10.4172/2325-9795.10002811

खान, एस., ठाकुर, एस.के., सरस्वती, के.एन., एवं एम.पी., एस. (2017). इफेक्ट ऑफ एज एट मीर्नाक ऑन द रिस्क ऑफ अकरेंस कार्डियोवास्कुलर एडवरटाइजिंग अमंग ए ट्राइबल नार्थ इंडियन पॉपुलेशन। कार्डियोलॉजी एंड कार्डियोंवास्कुलर मेडिसन, 1(3), 122-132.

कोहली, एच.के., कपूर, एस., ढाल, एम., एवं दुआ, एस. (एन.डी.) रिप्रोडेक्टिव हेल्थ ऑफ कुमाअनी राजपूत वूमन ऑफ पिथौरागढ़, सोशल साइंसिज इंटरनेशनल अनुसंधान जर्नल। 3(1), 26-32.

कोटवानी, ए., जोशी, पी.सी., झम्ब, यू., एवं हालवे, के. (2017). प्रेसक्राइबर एंड डिस्पेंसर परसेप्शंस अबाउट एंटीबायोटिक यूज इन एक्यूट अनकंपलिकेटिड चाइल्डहुड डायरिया एंड अपर रेस्पिरेटरी ट्रेक्ट इंफेक्शन इन न्यू देहली: क्वालिटेटिव स्टडी, इंडियन जर्नल ऑफ फार्माकालॉजी, 49(6),419.

कुलश्रेष्ठ, एम., एवं मंडल, पी.आर. (2017). एक्वायरड बॉडी मार्क्स: ए मोड ऑफ आइडंटिफिकेशन इन फारेंसिक्स, जर्नल ऑफ फारेंसिक एंड लीगल मेडिसिन, 52,98-109.

कुमारी, एस., मंडल, पी.आर., एवं वालिआ, एस.(2018). प्रिवेलेंस ऑफ इनफेंट मार्टेलिटी अमंग चिल्ड्रन ऑफ द तोडापुर-दासघारा गांव, दिल्ली, भारत। जर्नल ऑफ बायलाजिकल साइंसिज एंड मेडिसिन, 4(1), 10-15.

मीनाक्षी, कुमार, आर., एवं जोशी, पी.सी. (2017). दीर्घकालिक विकास एवं पर्यावरण: चुनौतियां एवं उत्तदायित्व, वर्ल्ड फोकस। 450, 106-110.

मिश्रा, डी., नारेम, के., एंड सरस्वती, के.एन. (2018). एंजियोटेंसिन-कनवर्टिंग एंजाइम जीन इंर्सशन/डिलीशन पॉलीमार्फीजिम एंड कार्डियोमेटाबालिक रिस्क फैक्टर्स: ए स्टडी अमंग भील ट्राइबल पॉपुलेशन फ्रॉम टू एनवायरमेंटल सेटिंग्स। बायोकेमिकल जेनेटिक्स, 58(4), 295-314

मित्रा, आर.पी. (2018). दुर्गा डाटर्स ब्रुटेलाइज्ड। पूर्वी भारत में महिलाओं के खिलाफ अपराध (संशोधित संस्करण) एंथ्रापालिजिकल इनसाइट्स्, दिल्ली, रजत प्रकाशन।

मंडल, पी.आर., कुमारी, एस., एवं वालिया, एस. (2017). पूर्वी दिल्ली के बच्चों और किशोरों में मोटापा, वॉइस ऑफ इंटलेक्चुअल मैन। एन इंटरनेशनल जर्नल, 7(2), 31-42.

मंडल, पी.आर., कुमारी, एस., एवं वालिया, एस.(2018). टोडापुर-दासघारा, दिल्ली में महिलाओं के लिंग वरीयता द्वारा प्रजनन क्षमता पर प्रभाख, ह्यूमन बायलॉजी रिव्यू(पटियाला), 7(1),19-28.

नारेम, ए. देवी, एवं सिंह, एम.के.(2017). नियोलिथिक कल्चर ऑफ नार्थ-ईस्ट इंडिया(मणिपुर के विशेष संदर्भ सहित), दिल्ली: अनुसंधान इंडिया प्रेस।

नीलूफर, एम.डी., एवं कपूर, एस.(2017). मुस्लिम महिलाओं में टाइप2 डायबिटिज का तनाव और हाइपरटेंशन से संबंध- ए केस कंट्रोल स्टडी। ह्यूमन राइट्स इंटरनेशनल अनुसंधान जर्नल, 5(1), 24-26.

निंगोमबम, एस.एस., छुंगी, वी., न्यूमेइ, एम.के., राजकुमारी, एस., देवी, एन.के., मंडल, पी.आर., एवं सरस्वती, के.एन.(2018). डिफरेंशियल डिस्ट्रीब्यूशन एंड एसोसिएशन ऑफ एफटीओ आरएस9939609 जीन पॉलीमॉरफिज्म विद ऑबेसिटी: ए क्रॉस सेक्शनल स्टडी अमंग टू ट्राइबल पॉपुलेशन ऑफ इंडिया विद ईस्ट-एशियन एनसेस्ट्री, जीन। 647, 198-204.

निंगोमबम, एस.एस., राजकुमारी, एस., छुंगी, वी., न्यूमेइ, एम.के., देवी, एन.के., मंडल, पी.आर., एवं सरस्वती, के.एन.(2018). टाइप2 डायबिटिज एंड एफटीओ आरएस9939609 जीन पॉलीमॉरफिन्स: ए स्टडी अमंग द टू ट्राइबल पॉपुलेशन ग्रुप्स ऑफ मणिपुर, नार्थ ईस्ट इंडिया। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डायबिटिज इन डिवलपिंग कंट्रीज, 1-6. एचटीटीपी://डीओआई.ओआरजी10.1007/एस13410-018-0634-1

पेटेनेनुआ, एस.के. एवं ढाल, एम.(2017). रोल ऑफ स्ट्रेस एंड ब्लड प्रेशर अमंग मीनोपजल फीमेल्स। ह्यूमन राइट्स इंटरनेशनल जर्नल। 5(1), 41-44.

राणा, जी., यादव, एस., जोशी,एस., एवं सरस्वती, के.एन.(2018). एसोसिएशन ऑफ डीडी जीनाटाइप ऑफ एनजिओटेनसन-कनवरटिंग एंजाइम जीन (आई/डी) पॉलीमॉरफिज्म विद हाइपरटेंशन अमंग ए नार्थ इंडियन पॉपुलेशन। जर्नल ऑफ कम्युनिटी जेनेटिक्स, 9(1), 51-55.

रावत, एस., जोशी, पी.सी., खान, एम.ए., एवं स्वाती, के.एन.(2018). ट्रेडंस एंड डिटरमिनेंटस ऑफ सुसाइट इन वारंगल डिस्ट्रिक्ट तेलंगाना, इंडिया: सिक्स इयर्स रेट्रोस्पेक्टिव स्टडी बेस्ड आन सेकेंडरी डाटा। इजिप्टियन जर्नल ऑफ फारेंसिक साइंसिज, 8(1),8.

रावत, एस., कौर, जी., यादव, एस., खान, एम.ए., एवं नावा, एस.के.(2018). ग्लोबल डीएनए मिथाइलेशन एंड डिप्रेशन: प्रीलीमिनरी रिजल्ट फ्रॉम कम्युनिटी बेस्ड एपिडेमायोलॉजिकल स्टडी, मेटा जीन, 15,84-86.

रूपालिका, मंडल, पी.आर., चंदेल, एस., देवी, एन.के., सरस्वती, के.एन.(2018). ऐस आई/डी पॉलीमारफिन्स एंड हैंड ग्रिप स्ट्रेंथ: ए स्टडी ऑन द भील कम्युनिटी। इंडियन जर्नल ऑफ फिजिकल एंथ्रोपॉलाजी एंड ह्यूमन जेनेटिक्स(स्वीकृत)।

सैनी, एम., एवं कपूर, ए.के.(2018). द कमपेरेटिव इंफलूएंस ऑफ कल्चर एंड स्कूलिंग एनवायरमेंट ऑन हैंडराइटिंग फीचर्स। अरब जर्नल ऑफ फारेंसिक साइंसिज एंड फारेंसिक मेडिसिन (एजेएफएसएफएम), 1(7),842-858.

डे, एस. एवं कपूर, ए.के.(2018). एथनिसिटी आइडंटिफिकेशन थ्रू हैंड डायमेंशंस: ए स्टडी इन नार्थ इंडिया। यूरोपियन जर्नल ऑफ बायोकेमिकल एंड फार्मास्यूटिकल साइंसिज (ईजेबीपीएस), 5(3), 323-334.

सरस्वती, के.एन., जोशी, एस., यादव, एस., एवं गर्ग, पी.आर.(2018), मेटाबॉलिक डिस्ट्रेस इन लिपिड एंड वन कार्बन मेटाबॉलिक पाथवे थ्रू लो विटामिन बी-12: ए पापुलेशन बेस्ड स्टडी फ्रॉम नार्थ इंडिया। लिपिड्स इन हेल्थ एंड डिजिज, 17(1),96.

शर्मा, के. एवं जोशी, पी.सी.(2017). रिएन्टरप्रेटिंग 'सस्टेनेबल डिवलपमेंट' इन एनवायरनमेंटल मैनेजमेंट। वर्ल्ड फोकस, 450,58-61.

सिंह, एम.के., और देवी, एन.ए.(2017). एथनो-आर्कियालॉजी ऑफ द मेटइज ऑफ थांगियाओं विलेज: ए पॉट्री मेकिंग विलेज ऑफ मणिपुर, नार्थ ईस्ट इंडिया, आर्कियालाजिस, 13(2), 207-249.

सिंह, एम.के., और देवी, एन.ए.(2017). रिविजिटिड नापाचिक: ए नियोलिथिक साइट ऑफ मणिपुर। द इंडियन जर्नल ऑफ एंथ्रोपालॉजी। 5(1),47-86.

सिंह, एम.के., और देवी, एन.ए.(2017). एथनो-आर्कियालॉजी ऑफ द मेटलज ऑफ थांगियाओं विलेज: ए पॉट्री मेकिंग विलेज ऑफ मणिपुर, नार्थ ईस्ट इंडिया, आर्कियालाजिस, 13(2), 207-249.

सिंह, एम.के., और देवी, एन.ए.(2017). एथनो-आर्कियालॉजी ऑफ द मेटलज : सम इश्यूज। द ईस्टर्न एंथ्रोपालॉजिस्ट 70(3-4),301-325

सिंह, एम.के., और देवी, एन.ए.(2017). लाईमनाई: ए नियोलिथिक साइट ऑफ मणिपुर, नार्थ-ईस्ट इंडिया, पुरातत्व, 47,83-100.

सिंह, एम.के.(2017). जोगिया: एन एचेलुएन साइट ऑफ खड्गपुर हिल्स, साऊथ बिहार, साऊथ पश्चिम एंथ्रोपालॉजिस्ट। 17(1),9-29.

सिंह, एम.के;(2017). मयूरभंज से प्राप्त निम्न पुरापाषाण्कालीन संस्कृति के अवशेष (हिन्दी में) पूराप्रवाह,2,19-34.

वालिया, एस. एवं मंडल. पी.आर.(2017). पूर्वी और पश्चिमी दिल्ली में बच्चों और किशोरों में व्यापक मोटापे का तुलनात्मक अध्ययन। कपूर, ए.के.,(एट.एल) (पृष्ठ 93-100) दिल्ली, सेलेक्टिव एंड साइंटिफिक बुक्स।

चौधरी, वी. एवं कपूर, ए.के.(2018). एंथ्रोपोमेट्रिक फेसिएल इवेल्यूशन फॉर मेडिको-लीगल परपजिज। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांसड अनुसंधान एंड मैनेजमेंट, 3(6).(इन प्रेस)।

चौधरीख्, वी. एवं कपूर, ए.के.(2018). सेक्सुअल डाइमारफिज्म फ्रॉम फेसिएल डायमेंशंस: एन आइडंटिफिकेशन परस्पेक्टिव। इम्पेक्ट: इंटरनेशनल जर्नल ऑफ अनुसंधान इन ह्यूमेनिटिज, आर्टस एंड लिटरेचर। (आईएसएसएन(ई): 2321-8878.6: 367-378).

वालिया, एस. एवं मंडल. पी.आर.(2017). डेमोग्राफिक डायनेमिक्स ऑफ मेटरनल एंड चाइल्ड हेल्थ अमंग द पीपल ऑफ टोडापुर-दासघरा, दिल्ली। वाइस ऑफ इंटेलक्चुअल मैन-एन इंटरनेशनल जर्नल, 7(1),57-68.

वालिया, एस., कुमारी, एस., मंडल. एवं पी.आर.(2017). कमपेरिजन ऑफ बॉडी मास इंडेक्स ऑफ चाइल्डहुड एंड एडोलिसेंट ओबेसिटी ऑफ साऊथ दिल्ली एंड वेस्ट दिल्ली। ह्यूमन बायलॉजी रिव्यू (पटियाला), 6(3),206-218.

झीमो, एविटॉली, जी.(2018). कस्टमरी लॉज, पेट्रियार्की एंड जेंडर रिलेशंस इन कंटेम्परेरी सुमी नागा सोसाइटी', इन बेहेरा एम.सी.(एडि.), रिविजिटिंग ट्राइबल स्टडीज: ए ग्लिम्पस ऑफ्टर हंडरेड ईयर्स। जयपुर: रावत प्रकाशन। (आईएसबीएन 9788131609362)

झीमो, के.वी. और जोशी, पी.सी.(2017). महिलाएं एवं भूमि अधिकार, सुमी समुदाय के संदर्भ सहित संघर्ष एवं समाधान। जर्नल ऑफ इंडियन एंथ्रोपॉलाजिकल सोसाइटी। 52,62-76.

जर्नल

संपादक मंडल में संपादक/संपादकों, सदस्य/सदस्यों के तौर पर कार्य कर रहे विभाग के अध्यापकों की संख्या:

डॉ. चक्रवर्ती महाजन, सहायक संपादक- द एशियन मैन (2015 से आज की तारीख तक)

शोध परियोजनाएं

डीएसटी, स्टार्टअप ग्रांट फॉर यंग साइंटिस्टस, " क्वालिटी ऑफ लाइफ विद मेटाबॉलिक सिन्ड्रोम एंड इट्स एसोसिएटिड जेनेटिक मार्कर्स अमंग नार्थ इंडियन एडल्टस", 2015-2018, डॉ. मीनल ढाल, पीआई, 25.0 लाख रूपए।

डीयू-डीएसटी पर्स ग्रांट, "एसोसिएशन ऑफ जेनेटिक वेरिएन्टस विद सिम्पटम्स ऑफ मेटाबॉलिक सिन्ड्राम अमंग अर्बन एंड रूरल पापुलेशन ग्रुपस" 2014-2018, डॉ. मीनल ढाल, सीओ-पीआई, 31 लाख रूपए।

वेलकम-डीबीटी इंडिया एलायंस इंटरमीडिएट फेलोशिप अवार्ड फॉर अनुसंधान, 2017-2022, डॉ.. विपिन गुप्ता, 3.81 करोड़ रूपए।

इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल अनुसंधान(आईसीएमआर), "एंथ्रोपॉलाजिकल स्टडी ऑफ हाई-रिस्क कम्युनिटी लोहानस ऑफ गुजरात फॉर बीटा-थैलेसीमिया: जेनेटिक हेट्रोजेनेटि एंड ऑर्जिन ऑफ 619 बीपी डिलेशन म्यूटेशन (विद कंपोनेंटस ऑफ एनसिस्ट्री बेस्ड करियर स्क्रीनिंग एंड जेनेटिक काउंसलिंग ऑफ अफेक्टिड फेमिलिज फॉर प्रिवेंशन)" 2014-2017,डॉ. बेनरिथुंग मररी, 43 लाख रूपए।

इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस अनुसंधान, "डिटरमिनेंटस ऑफ सुसाइडल बिहेवियर: ए स्टडी फ्रॉम तेलंगाना स्टेट, इंडिया," 2017-2019, प्रो. पी.सी.जोशी, 8.00 लाख रूपए।

आयोजित सेमिनार

कुल सं. - 8

डॉ. के.एन. सरस्वती एवं डॉ. नोरेम किरनमाला देवी ने 17-19 जुलाई, 2017 को न्यूटन फंड, डीवीटी- डीएफआईडी-ईएसआरसी-एमआरसी ग्लोबल अनुसंधान प्रोग्राम पेनल द्वारा वित्त पोषित, के तहत यूके-इंडिया-बंगलादेश के त्रिदेशीय सहयोग से पूर्ण प्रस्ताव के विकास हेतु अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया।

विभाग ने 23 सितम्बर, 2017 को 'एथिक्स एंड प्लेगियरिज्म इन अनुसंधान' विषयपर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया1

विभाग ने 2-3 अक्टूबर, 2017 को "उत्तर पूर्व भारत में पर्यावरण, दीर्घकालिक विकास और भविष्य की संभावनाएं: एमिक एंड एटिक डायनेमिक्स", विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया।

विभाग ने 4 अक्टूबर, 2017 को "बायलॉजिकल डायवर्सिटी एंड एडेप्टेबिलिटी एक्रॉस डिफरेंट इकोजोन्स" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया।

विभाग ने 10 फरवरी, 2018 को "रोल ऑफ यूनिवर्सिटिज इन नेचरिंग द डिसीप्लीन" विषय पर प्रथम राष्ट्रीय फारेंसिक सम्मेलन का आयोजन किया।

विभाग ने 20-21 फरवरी, 2018 को "एंथ्रोपॉलाजी, हेल्थ एंड डिवलपमेंट: ट्रेंडस एंड फ्यूचर परस्पेक्टिव" विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया।

प्रो. पी.सी.जोशी ने मार्च 2018 में डिपार्टमेंट ऑफ स्टडीज इन एंथ्रोपॉलाजी, पंडित रवि शंकर विश्वविद्यालय, रायपुर के सहयोग से एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया।

विभाग ने 21 जून, 2018 को एंथ्रोपॉलाजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया।

आयोजित सम्मेलन

डॉ. चक्रवर्ती महाजन ने 11-15 दिसम्बर, 2017 को एडिलेड विश्वविद्यालय, आस्ट्रेलिया में द एसोसिएशन ऑफ सोशल एंथ्रापॉलाजिस्ट ऑफ यूके एंड कॉमनवेल्थ द्वारा ' 'शिफ्टिंग स्टेट्स" विषय पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेनल-पी 46 ' 'एवरीडे स्टेट एंड इट्स डिस्कंटेंटस : अंडरस्टेंडिंग स्टेट-सोसायटी इंटरएक्शंस इन साऊथ एशिया" का आयोजन किया।

सेमिनार/सम्मेलन में प्रस्तुति

चट्टोपाध्याय, आई. और दास, डी. ने 2-3 अक्तूबर, 2017 को एंथ्रापॉलाजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'उत्तर-पूर्व भारत में पर्यावरण, दीर्घकालीन विकास और भविष्य की संभावनाएं : एमिक एंड एटिक डायनेमिक्स' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में ' 'एडेप्टिव स्ट्रेटिव स्ट्रेटिजिज एंड अनुसंधान मैनेजमेंट फार डिवलपमेंट : ए केस स्टडी इन असम'' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

चट्टोपाध्याय, आई. ने 12-15 जून, 2017 को एथेंस, ग्रीस में एंथ्रापॉलाजी पर आयोजित तीसरे वार्षिक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'ऑन ह्यूमन मॉबिलिटी : ए केस स्टडी ऑफ प्रिहिस्टोरिक हंटर-गेदरर्स मोबिलिटी गंगा वेली एंड सेंट्रल इंडियां विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

ढाल, एम., ने 21 जून, 2017 को एंथ्रापॉलाजी विभाग, दिल्ली विभाग द्वारा 'योग और राष्ट्र निर्माण : एक नृविज्ञान परस्पेक्टिव' विषय पर आयोजित कार्यशाला में 'योग और स्वास्थ्य : नृविज्ञान परस्पेटिव' पर एक भाषण दिया।

गुप्ता, वी., ने 4 अक्तूबर, 2017 को नृविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'भारत के विभिन्न पारि-क्षेत्रों में जैव विविधता एवं स्वीकार्यता'विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में ' 'चैलेंजिज इन कंडक्टिंग रिप्रोडयूसिबल साइंस'' पत्र प्रस्तुत किया।

गुप्ता, वी. ने 17-19 मई, 2018 को वेलकम ट्रस्ट/डीबीटी इंडिया एलायंस एनुअल मीटिंग, 2018 में 'गेस्टेशनलरूट टू हेल्दी बर्थ' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

जोशी, पी.सी. ने 16-18 मार्च, 2018 को रायपुर, छत्तीसगढ़ में ' 'रेलिवेंसऑफ मेडिकल एंथ्रापॉलाजी एंड ट्राइबल हेल्थ केयर सिस्टम इन द ग्लोबेलाइजिंग वर्ल्ड'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में अध्यक्षीय भाषण दिया।

महाजन, सी. ने 16-18 मार्च, 2018 को पंडित रवि शंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, (पीआरएसयू), रायपुर, छत्तीसगढ़ के स्कूल ऑफ स्टडीज इन एंथ्रोपॉलाजी में 'रेलिवेंस ऑफ मेडिकल एंथ्रापॉलाजी एंड ट्राइबल हेल्थ केयर सिस्टम इन द ग्लोबलाइजिंग वर्ल्ड' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में ' 'मिलिट्रिज्म एंड मेंटल हेल्थ : एथनाग्रॉफिक नोट्स फ्रॉम जम्मू एंड कश्मीर'' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

महाजन, सी. ने 26-27 मार्च, 2018 को एथनोग्राफिक एंड फॉक कल्चर सोसायटी द्वारा समाज शास्त्र विभाग तथा एंथ्रोपॉलाजी विभाग के सहयोग से लखनऊ विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश में ' 'रिडिफाइनिंग कनसेप्ट्स : ट्राइब, कास्ट फैमिली'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में ' 'पार्टिशन ऑफ द हाऊसहोल्ड : प्रोपर्टी इनहेरिटेंस एंड फैमिली डायनेमिक्स अमंग मुस्लिम गुज्जर्स ऑफ जम्मू एंड कश्मीर'' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

महाजन, सी. ने 11-15 दिसम्बर, 2017 को एडिलेड विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया में एसोसिएशन ऑफ सोशल एंथ्रापॉलिजिस्ट ऑफ द यूके एंड कॉमनवेल्थ द्वारा 'रिफ्टिंग स्टेट्स' विषय पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ' 'राइटिंग द आफ्टरमैथ : इलेक्ट्राल पॉलिटिक्स, डिवलपमेंट एंड रूटिनाइजेशन ऑफ कम्यूनल नायलेंस इन जम्मू एंड कश्मीर'' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

मनोज के. सिंह ने 19 मार्च, 2018 को मणिपुर विश्वविद्यालय, इम्फाल में आयोजित 105 वीं इंडियन साइंस कांग्रेस में 'आलिएस्ट एविडेंस ऑफ कल्चर इन यूरोप' विषय पर व्याख्यान दिया।

मनोज के. सिंह ने 4-6 नवम्बर, 2017 को एआईएचसी एंड एम्प : विभाग, आर्कियालाजी बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में 'रिसेन्ट फील्ड अनुसंधानस एंड साइंटिफिक स्टडीज इन इंडियन आर्कियालाजी' विषय पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार में 'ट्रांजिशन ऑफ कल्चर्स इन ईस्टर्न घाट्स, आन्ध्र प्रदेश' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

मनोज के. सिंह ने 4-6 नवम्बर, 2017 को एआईएचसी एवं आर्कियालाजी विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में आईएएस एवं आईएसपीक्यूएस एंड एचसीएस के संयुक्त वार्षिक सम्मेलन में ' 'एविडेंस ऑफ मोड आई कल्चर इन यूरोपियन प्रीहिस्ट्री' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

मनोज के. सिंह ने 21-23 फरवरी, 2018 को एंथ्रापालाजी विभाग, गुवाहाटी में आयोजित इंडियन एंथ्रापालाजी कांग्रेस में 'ट्रांजिसन ऑफ कल्चर इन सागिलेरू बेसिन, प्रकाशम जिला, आन्ध्र प्रदेश' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

मित्रा, आर.पी., ने 24-25 मार्च, 2017 को एंथ्रोपॉलाजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'रोल ऑफ एंथ्रोपॉलाजी एंड फारेंसिक साइंसिज इन नेशनल डिवलपमेंट' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में उदयपुर, राजस्थान के शहरी क्षेत्रों में जनजातीय बदलाव पत्र प्रस्तुत किया।

मित्रा, आ.पी. ने दिनांक 15-16 फरवरी, 2018 को इग्नू, नई दिल्ली द्वारा 'विकास और सामाजिक न्याय' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'न्यूवलनेरेबेलिटिज एंड प्रैक्टिस ऑफ डिवलपमेंट' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

मित्रा, आर.पी. ने दिनांक 22-23 मार्च, 2018 को एएसआई, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय के गेस्ट हाऊस में 'विकास और संवहनीयता' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'हैपीनेस टर्न इन द प्रैक्टिस ऑफ डिवलपमेंट' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

मित्रा, आर.पी. ने 21 मई, 2018 को पश्चिमी श्रेत्रीय केन्द्र, एएसआई, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'सांस्कृतिक विविधता पर संवाद और विकास' पर आयोजित किए गए राष्ट्रीय सेमिनार में 'कल्चरल प्लुरेलिज्म एंड कल्चरल कम्यूनिकेशन : ब्रिफिंग द गैप फॉर सस्टेनेबल डिवलपमेंट' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

मित्रा, आर.पी. ने 16-18 मार्च, 2018 को पंडित रवि शंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर और सोसायटी फॉर इंडियन मेडिकल एंथ्रापॉलाजी (एसआईएमए) द्वारा 'रेलिवेंस ऑफ मेडिकल एंथ्रापॉलाजी' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'शमानिज्म एंड हीलिंग इन ट्राइबल रिलीजन' विषय पर मुख्य अभिभाषण दिया।

मंडल, पी.आर. ने 4 अक्तूबर, 2019 को एंथ्रापॉलाजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'जैविक विविधता और भारत के विभिन्न पारि-क्षेत्रों में समायोजिता' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'एंथ्रापालिजिकल एप्रोच टू स्टडी न्यूट्रिशनल स्टेट्स ऑफ इंडिया' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

सरस्वती, के.एन. ने 16-18 मार्च, 2018 को पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर और सोसायटी फॉर इंडियन मेडिकल एंथ्रोपॉलाजी (एसआईएमए) द्वारा 'रेलिवेंस ऑफ मेडिकल एंथ्रापालाजी' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'मानव स्वास्थ्य में सूक्ष्म पोषक तत्वों को समझना : नृवैज्ञानिक दृष्टिकोण' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

सरस्वती, के.एन. ने 30 अक्तूबर, 2017 को एंथ्रापॉलाजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'फॉलिक एसिड सपलीमेंटेशन एंड द पजल ऑफ विटामिन बी12 डेफिसिएंसी : एन एंथ्रापालिजिकल इनसाइट' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

सिंह, एम.के. ने 21 जून, 2017 को एंथ्रापॉलाजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित किए गए अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस में 'योग और स्वास्थ्य' विषय पर व्याख्यान दिया।

सिंह, एम.के. ने 2-3 अक्तूबर, 2017 को एंथ्रापॉलाजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा ' 'एनवायरनमेंट, सस्टेनेबल डिवलपमेंट एंड फ्यूचर परस्पेक्टिव इन नार्थ-ईस्ट इंडिया : एमिक एंड एथिक डायनेमिक्स'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'प्रोबलम ऑफ इनसरजेंसी एंड एथनिसिटी इन मणिपुर' विषय पर मुख्य अभिभाषण दिया।

सिंह, एम.के. ने 7-8 सितम्बर, 2017 को एंथ्रापॉलाजी विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय चांचीपुर द्वारा 'मणिपुर की सांस्कृतिक विरासत' पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'भोजन एवं सांस्कृतिक विरासत : एक नृवैज्ञानिक दृष्टिकोण' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

सिंह, एम.के. ने 20-21 फरवरी, 2018 को एंथ्रापॉलाजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 'एंथ्रापॉलाजी, हेल्थ एंड डिवलपमेंट : ट्रेंडस एंड फ्यूचर परस्पेक्टिव' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में ' 'पूर्वोत्तर भारत में खेल संस्कृति और युवा : एक नृवैज्ञानिक दृष्टिकोण'' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

सिंह, एम.के. ने 24-25 मार्च, 2017 को एंथ्रापॉलाजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 'राष्ट्र के विकास में नृविज्ञान और फारेंसिक विज्ञान की भूमिका' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में ' 'उद्यमिता विकास : सामाजिक आर्थिक विकास के लिए एक वरदान'' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

सिंह, एम.के. ने एंथ्रापॉलाजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 21 जून, 2018 को आयोजित किए गए अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर ''योग : एक व्यवसाय के तौर पर' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

श्रीवास्तव, एम. ने 20-21 फरवरी, 2018 को एंथ्रापॉलाजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'नृविज्ञान, स्वास्थ्य और विकास : प्रवृतियां और भविष्य की संभावनाएं' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में ' 'द विंग देट फ्लाइ अस होम : ए रिव्यू आर्टिकल ऑन द तिबेतियन नन प्रोजेक्ट'' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

झीमो, ए.जी. ने 2-3 अक्तूबर, 2017 को एंथ्रापॉलाजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'पर्यावरण, दीर्घकालिक विकास और पूर्वोत्तर भारत में भविष्य की संभावनाएं : एमिक एवं एटिक आयाम' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में ' 'इनवायरनमेंट, डिवलपमेंट एंड जेंडर : द केस ऑफ कम्यूनिटी पार्टिसिपेशन इन बिल्डिंग ए ड्रीम रोड़ इन इंडियन नार्थ-ईस्ट'' विषय पर मुख्य अभिभाषण दिया।

आदान-प्रदान कार्यक्रम के अन्तर्गत छात्र

मेक्सिमिलन एपल, स्नातक छात्र, सामाजिक एवं सांस्कृतिक एंथ्रापॉलाजी फ्रेई विश्वविद्यालय, बर्लिन, जर्मनी वर्तमान में जनवरी से मई 2018 के बीच छात्र आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत एंथ्रापॉलाजी विभाग में अध्ययनरत हैं।

सुश्री विटने रसेल, सेन डिएगो विश्वविद्यालय, यूएसए से फुलब्राइट नेहरू स्कॉलर जनवरी, 2018 से नृविज्ञान विभाग में अध्ययनरत है।

विस्तार और पहुँच कार्यकलाप

डॉ. चक्रवर्ती महाजन ने वार्षिक डिजरटेशन फील्डवर्क के लिए एमएससी द्वितीय वर्ष (ग्रुप-बी) के 20 विद्यार्थियों और दो प्रयोगशाला कर्मचारियों के साथ 31 जनवरी, 2018 से 17 फरवरी, 2018 तक गुरदासपुर, पंजाब का दौरा किया।

डॉ. के.एन. सरस्वती और डॉ. शिवानी चंदेल ने वार्षिक डिपरटेशन फील्डवर्क के लिए एमएससी द्वितीय वर्ष (ग्रुप ए) के 16 विद्यार्थियों और दो प्रयोगशाला कर्मचारियों के साथ 5 फरवरी, 2018 से 15 फरवरी, 2018 तक लखनऊ, उत्त्र प्रदेश का दौरा किया।

सूर्यसन्त मजूमदार (एमएससी, सेमेस्टर IV) ने 12 जून, 2017 को 'विश्व बाल श्रम प्रतिरोध दिवस'

की पूर्व संध्या के अवसर पर अधिवेशन भवन, पटना, बिहार सरकार द्वारा आयोजित इंटर्नशिप कार्यक्रम में भाग लिया।

राशी अग्रवाल (एमएससी सेमेस्टर IV) ने 'लीडर्स फॉर टुमारो' द्वारा आयोजित एक बैठक में भाग लिया। एलईटी एक युवा नेतृत्व अभियान है, जो विभिन्न कार्यक्रमों जैसे 'एंटी ड्रग्स' एवं एंटी रेगिंग' अभियान, स्वच्छता अभियान, पौधारोपण अभियान इत्यादि का आयोजन करता है। इसके द्वारा 'इगनिटिंग यंग माइंड' परियोजना का भी आयोजन किया जाता है, जिसमें स्वयंसेवी कमजोर आर्थिक पृष्ठभूमि वाले बच्चों को दो माह तक पढ़ाते हैं।

सुरम्या दास गुप्ता, बीएससी (सेमेस्टर IV छात्र) ने अध्यक्ष हंसराज ड्रामेटिक्स सोसायटी के तौर पर कार्य किया, जिसके दौरान सोसायटी ने दो स्टेज नाटकों 'इंट्रोम्पेक्शन' और 'एल फॉर क्लाउंस' तथा एक नुक्कड नाटक 'मैं इंसान' सहित तीन वार्षिक नाटक मंचनों का आयोजन किया। 'इंट्रोस्पेक्शन' एक एबसर्डिस्ट साइकालाजिकल थ्रिलर था, जो धार्मिक चरमपंथ के परिणामों पर आधारित था और इसका आयोजन कई प्रतिष्ठित स्थानों पर किया गया तथा कई पुरस्कार प्राप्त किए। सुरम्या ने 'मासिकनामा', नुक्कड़ नाटक का लेखन और निर्देशन किया जिसमें दिल्ली की मलिन बस्तियों में महिलाओं के माहावारी स्वास्थ्य और स्वच्छता एवं प्रबंधन स्थिति के महत्व पर बल दिया गया है। इस नाटक का मंचन 'स्वावलंबन' नामक गैर-सरकारी संगठन के सहयोग से दिल्ली की टोडापुर मलिन बस्ती के बीचों-बीच

किया गया। सुरम्या ने दिल्ली सरकार तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से दिल्ली में 'नशीली दवाओं का व्यापार और दुरूपयोग मुद्दे' विषय पर हंसराज ड्रामेटिक्स सोसायटी में एक नुक्कड़ नाटक का सह-निर्देशन भी किया। इस नाटक का मंचन दिल्ली, एनसीआर के उन 12 महत्वपूर्ण स्थानों पर किया गया। जहां नशीली दवाओं का उपयोग और अपराध की घटनाएं अधिक होती है।

सागरिका राव (बीएससी सेमेस्टर IV) ने कीर्ति नगर में सुलभ वाल पेंटिंग के तौर पर (मार्च 2017) स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया। वह कलाकृति - ललित कला सोसायटी हंसराज कॉलज की सदस्य भी रही। सागरिका राव ने 'स्वावलंबन' परियोजना के अन्तर्गत फील्ड वर्क में हिमानी राठौड़, अर्तिका सिंह, सागरिका राव एवं सुरम्या पुश्न गुप्ता के साथ भाग लिया, जिसका प्रयोग टोडापुर, मलिन बस्ती, दिल्ली की महिलाओं में माहावारी स्वच्छता और जागरूकता पैदा करना था (अगस्त 2017)। अर्तिका सिंह, सागरिका राव और हिमानी राठौड़ ने 'स्वावलंबन' की कोर टीम के तौर पर कार्य किया और लगभग 250 महिलाओं को 'पिंकाथन- ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए आयोजित मैराथन- में भाग लेने के लिए प्रेरित किया (सितम्बर 17, 2017)। सागरिका राव ने 28 मार्च, 2018 को संजय कैम्प, चावण्यपुरी, दिल्ली में ग्राम सौन्द्रयकरण के तौर पर दीवारों पर पेंटिंग की।

अनमोल चौधरी (एमएससी सेमेस्टर IV) ने बाई जी फाउंडेशन में मार्च 2017 से स्वयं सेवक के तौर पर कार्य कर रहे हैं। इस अवधि के दौरान, अनमोल ने नो यूअर बॉडी नो यूअर राइट्स (केवाईबीकेवाईआर) कार्यक्रम में पीयर-एजुकेटर एंड यूथ एडवोकेट के तौर पर कार्य किया। केवाईबीकेवाईआर निष्कलंक और अधिकार संपोषित व्यापक यौन शिक्षा द्वारा युवा लोगों - विशेष तौर पर लाभ वंचित युवा महिलाओं को यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य और अधिकार प्रदान करने की दिशा में कार्य करता है।

प्रदान की गई एमफिल/पीएचडी डिग्रियां :- एमफिल - 9, पीएचडी - 17

संकाय संख्या : 18

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

डॉ. एलिसन खान, विज्युअल एंथ्रापॉलिजिस्ट/फिल्ममेकर, सीनियर लेक्चरर इन फिल्म एंड डिजिटल मीडिया प्रोडेक्शन, ऑक्सफोर्ड ब्रूकर्स यूनिवर्सिटी को 29 जनवरी, 2018 को 'विजुएलाइजिंग फील्डवर्क : डिजिटल स्टोरीटेलिंग' पर विशेष व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया।

***

वनस्पति विज्ञान

मुख्य कार्यकलाप और उपलब्धियां

वनस्पति विज्ञान विभाग प्लांट बायलॉजी के मुख्य और अन्तर विषयक क्षेत्रों में शिक्षण और अनुसंधान कार्यों का आयोजन करता है, वर्ष 2017-18 में, 'नैनोपार्टिकल्स एज नैनो-ड्रग फार्मुलेशंस विद एंटीमाइक्राबॉयल प्रोपर्टीज' और 'डिग्रेडेशन ऑफ एजो-डायज कंटामिनेटिड लेबोरेट्री वेस्ट वाटर यूजिंग शीबक्थाम, एन अंडर-यूटिलाइज्ड हिमालय बायो रिसोर्स एंड नॉबल ब्रेसिका वेराइटिज' के क्षेत्रों में मुख्य सफलताएं प्राप्त की। 'इम्पेक्ट ऑफ पॉलीप्लाइडाइजेशन, का अध्ययन रेगुलेटरी रीजन ऑफ ब्रेसिका स्पेशिया पर किया गया तथा प्रोमोटर्स के ट्रांजिट एनलिसिस हेतु एक नई रेपिड़ प्रणाली का विकास किया गया। दिल्ली की कृषि भूमि से फॉस्फेट सालुबेलाइजिंग बैक्टीरिया के विभिन्न स्ट्रेंस को अलग किया गया तथा आइसोलेट्स की फास्फेट सालुबेलाइजिंग एफिसिएंसी का अनुमान लगाया गया। हर्बल एक्ट्रेक्टस का प्रयोग करते हुए नैनोपार्टिकल्स के ग्रीन सिंथेसिस, उनकी विशेषताओं तथा विभिन्न कैंसर कोशिकाओं एवं मास्किटो वेक्टर्स के विभिन्न ऊँचाई वाले क्षेत्रों में रोडोडेन्ड्रान एरबॉरियम की संख्या का मूल्यांकन और एंथ्रापॉजेनिक कार्यकलापों पर उनके प्रभाव का अध्ययन किया गया। साफफ्लॉवर, एक महत्वपूर्ण सूखा प्रतिरोधी तिलहन फसल जिससे पोषण युक्त और स्वास्थ्यकर खाद्य तेल प्राप्त किया जाता है, में महत्वपूर्ण एग्रोनॉमिक विशेषताओं की एसोसिएशन मैपिंग का अध्ययन किया गया। आर्थिक तौर पर महत्वपूर्ण विभिन्न पौधों (लुप्त प्राय जड़ी-बूटियों सहित) में जेंडर स्पेसिफिक

मार्कर्स इन सीबकथान, जेनेटिक डायबर्सिटी स्टडीज इन वेरिएस प्लांटस के आइसोलेशन एवं वेलिडेशन तथा एपोमिक्सिज हेतु मेपिंग पापुलेशन एवं पालीमार्फिक का विकास भी किया गया।

सम्मान/विशिष्ट उपलब्धियां

प्रो. आर. देशवाल को इंटरनेशनल शीबकथान एसोसिएशन की कार्यकारी समिति के सदस्य के तौर पर नियुक्त किया गया।

प्रो. आर. देशवाल को केन्द्रीय विश्वविद्यालय, हरियाणा में बोर्ड ऑफ स्टडीज जैव प्रौद्योगिकी में सदस्य के तौर पर नियुक्त कियागया (2017 से वर्तमान तक)।

प्रो. एस. गोयल को एडीएनएटी (एसोसिएशन फॉर प्रोमोशन ऑफ डीएनए फिंगरप्रिंटिंग एंड अदर डीएनए टेक्नालॉजिज) सीसीएमबी, हैदराबाद की कार्यकारी परिषद में सदस्य के तौर पर नियुक्त किया गया।

प्रो. एस. गोयल को सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज, जामिया मिलिया इसलामिया नियुक्त किया गया।

प्रो. एस. गोयल को सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लांट जिनॉम अनुसंधान, नई दिल्ली के तौर पर नियुक्त किया गया।

प्रो. एस. गोयल की सदस्य, राष्ट्रीय चाय अनुसंधान प्रतिष्ठान(एनटीआरएफ) चाय बोर्ड, कोलकाता नियुक्त किया गया।

प्रो. वी. अग्रवाल को लिनेन सोसायटी ऑफ लंदन में अध्येत्रा के तौर पर चुना गया।

प्रो. वी. अग्रवाल को वीनस इंटरनेशनल फाऊंडेशन द्वारा विज्ञान विषय में लाइफटाइम एचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया गया।

प्रो. वी. अग्रवाल, को सदस्य, डीआरसी, एम.डी. विश्वविद्यालय, रोहतक और जीकेयू, हरिद्वार के तौर पर नियुक्त किया गया।

प्रो. वी. भट्ट को सदस्य, इंस्टीट्यूट मैनेजमेंट कमिटी ऑफ आईजीएफआरआई, झॉसी, उत्तरप्रदेश नियुक्त किया गया।

प्रकाशन

अग्निहोत्री, जी.ए., झा, ए.पी., द्विवेदी, के.के. एवं भट्, वी. (2018). आइसोलेशन ऑफ यूकेलिन जीन प्रोमोटर फ्रॉम एच. वलगोर एंड इट्स करेकटराइजेशन इन ए. थलियाना। द इंटरनेशनल जर्नल जे. प्लांट रिप्रोड. बायलॉजी, 10(2),151-156.

अमब्रीन, एच., कुमार, एस., कुमार, ए., अग्रवाल, एम.,जगन्नाथ, ए. एवं गोयल, एस. (2018). एसोसिएशन ऑफ मैपिंग फॉर इम्पोर्टेंट एग्रानॉमिक ट्रेट्स इन साफ्फलॉवर (कारथॉमस टिंकटोरियस एल.) कोर कलेक्शन यूजिंग माइक्रोसेटेलाइट मार्कर्स। फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंसिज, 9(1):डीओआई.ओआरजी/10.3389/एफपीएलएस.2018.00402.

अरोड़ा, डी. एवं भाटिया, एस.सी.(2017). मेलाटानिन एंड नाइट्रिक ऑक्साइड रेगुलेट सनफ्लावर सीडिंग ग्रोथ अंडर साल्ट स्ट्रेस अकम्पनिंग डिफरेंशियल एक्सप्रेशन ऑफ सीयू/जेडएन एसओडी एंड एमएन एसओडी. फ्री रेडिक बियाल मेड., डीओआई: 10.1016/जे.फ्रीरेडबायोमड.2017.02.042

बर्मन, सी., सिंह,वी., दास, एस. एवं टंडन, आर. (2018). फ्लोरल कंट्रिवेंसिज एंड स्पेशिलाइज्ड पॉलीनेशन मैकेनिज्म कनफर स्ट्रांग इन्फ्लूएंश टू एलिमिट मिक्सड-मेटिंग इन रिघटिया टॉमेनटोसा(एपोसेनेसिया)। प्लांट बायलॉजी, 20, 546-554.

बर्मन, सी., सिंह,वी., टंडन, आर. (2018). रिप्रोडेक्टिव बायलॉजी ऑफ सेल्वाडोरा ओलेऑयडस (सेल्वाडोरेसिया) डेकने। द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्लांट रिप्रोडेक्टिव बायलॉजी, 10, 69-76.

बर्मन, पी., भट्ट, के.वी. एंड गीता, आर. (2018). फायलोजेनेटिक एनलिसिस ऑफ इंडियन डायसेरा एंड कम्पेरिजन ऑफ सेकेंडरी मेटाबॉलाइट कंटेंट विद सैम्पलिंग एक्रॉस द ट्री, जेनेटिक रिसोर्सिज एंड क्राप एवेल्यूशन, 65(3), 1003-1012.

बर्मन, पी., चौधरी, ए.के. और गीता, आर. (2017). ए माडीफाइड प्रोटोकॉल यील्डस हाई-क्वालिटी आएनए फ्रॉम हाइली म्यूसिलेजिनस डायसेरा ट्यूबर्स, 3 बायोटेक 7(2),150.

बेरी, ई., शर्मा, एस.के., पंडित, एम.के. और गीता, आर. (2018). इवोल्यूशनरी कोरिलेशन बिटविन फ्लॉरल मोनोसिमेट्री एंड कौरोला पिगमेंटेशन पैटर्नस इन रोडोडेनड्रान, प्लांट सिस्टेमेटिक्स एंड इवोल्यूशन, 304(2), 219-230.

भंडारी, पी., मैमगेन, ए. और उनियाल, पी.एल. (2017). एन एथनाबॉटिकल स्टडी एंड एप्लीकेशंस ऑफ मेडिक्लिनिकल प्लांटस बॉय लोकल पीपल ऑफ बासुकेदार हिमालय ऑफ रूद्रप्रयाग, उत्तराखंड, भारत। द जर्नल ऑफ एथनोबॉयलाजी एंड ट्रेडिशनल मेडिसिन, 128,1305-1319.

भाटिया,, एम., प्रीति, उनियाल, पी.एल. एंड मधुसूदनन, पी.वी. (2017). स्टडीज ऑन द गेमेटोफाइट डिवलपमेंट एंड रिप्रोडेक्टिव बायलॉजी, 9(2). 89-92.

बिदालिया, ए., हनीफ, एम. और राव, के.एस. (2017). टॉलीरेंस ऑफ मित्राज्ञान पर्विफॉलिया (राक्सब.) कोर्थ, सीडलिंग्स टू एनएसीएल सेलिनिटी फोटोसिंथेटिका, 55, 231-239.

चौधरी, ए., यादव, एस.आर., एवं टंडन, आर.(2018). डिलेड सेल्फिंग एनशयोर्स इन अटरिकुलेरिया प्रेटेरिटा एंड अटरिकुलेरिया बबुई इन वेस्टर्न घाटस। जर्नल ऑफ प्लांट अनुसंधान, 13, 599-610.

चौहान, सी., जोशी, जी., चौधरी, डी. एंड दास, एस. (2018). एन इम्प्रूवड मेथड फॉर रेपिड एनलिसिस ऑफ प्रोमोटर्स यूजिंग माडिफाइड सानीकेशन-एसिसटेड ट्राजिएंट एसे. 3 बायोटेक, 8,198. डीओआई: 10.1007एस13205-018-1219-एक्स.

चौरासिया, एस.पी. एंड देसवाल, आर. (2017). आइडंटिफिकेशन एंड इनसिलको ऑफ मेजर रिडाक्स माडुलेटिड प्रोटिन फ्रॉम ब्रेसिका जूनेसिज सीडलिंग यूजिंग 2डी रिडाक्स एसडीएस-पेज (2-डायमेंशनल डायगनोल रिडाक्स सोडियम डोडिसाइल सल्फेट पॉलीएक्रीलेमाइड जेल इलेक्ट्रोफारेसिस) द प्रोटीन जर्नल, 36(1), 64-76

चौधरी, ए.के., सुनोजकुमार, पी.एवं मिश्रा, जी. (2017). फेटी एसिड प्रोफाइलिंग एंड मल्टीवेरिएट एनलिसिस इन द जीनस लेकुस रिवील्स इट्स न्यूट्रिशनल, फार्मास्यूटिकल एंड कीमोटेक्सॉमिक सिग्निफिकेंश, फोटोकेमिस्ट्री, 143, 72-80.

दास, के., गेनी, एस.एच. मंगला, वाई., डार, टी.एच., टंडन, आर., रानिया, एस.एन., और गोयल, एस. (2017). आईएसएसआर मार्कर्स रिवील मेल सेक्स आइडंटिफिकेशन एंड जेनेटिक कम्पोजिश ऑफ डिफरेंट पापुलेशंस ऑफ हिपोफेई रेमानाडॉयस ग्रोई एट हाई एटीट्यूड इन लेह-लद्दाख (जम्मू और कश्मीर), प्रोटोप्लाजमा, 254, 1063-1077.

घोलमी, ए.; सुब्रमण्यम, एस., गीता, आर. एवं पांडे, ए.के. (2017)। मॉलीक्यूलर सिस्टेमेटिक्स ऑफ इंडियन एलिसिकार्पस (फेबासिया) बेसड ऑन एनालिसिस ऑफ न्यूक्लियर राइबोसोमल डीएनए सीक्वेंस,जर्नल ऑफ जेनेटिक्स, 96(2), 353-363.

गुप्ता, पी., श्रीवास्तव, एस. और सेठ, सी.एस. (2017)। 24 एपिब्रोसेनोलॉयड एंड सोडियम नाइट्रोप्रूसाइड एलीबेट द सेलिनिटी स्ट्रेस इन ब्रेसिका जुनेसिया एल.सीवी. वरूणा थ्रू क्रॉस टॉक अमंग प्रोलाइन, नाइट्रोजन मेटाबॉलिज्म, एंड एबससिक एसिड, प्लांट एंड सॉयल, 411(1), 483-495, डीओआई : 10.1007/एस11104-016-3043-6.

जैन, ए., आनंद, एस., सिंह, एन.के. और दास, एस. (2018)। सीक्वेंस एंड फंक्शनल करेक्टराइजेशन ऑफ एमआईआरएनए 164 प्रोमोटर्स फ्रॉम ब्रेसिका शोज कॉपी नंबर डिपेंडेंट रेगुलेटरी डायवर्सिफिकेशन अमंग होमियोलॉग्स। फंक्शनल एंड इंटिग्रेटिव जिनामिक्स, 18(4), 369-383. डीओआई : 10.1007/एस10142-018-0598-8.

जैन, पी. एवं भाटता, एस.सी. (2017)। मॉलीक्यूलर मैकेनिज्मस एकम्पनिंग नाइट्रिक ऑक्साइड सीगनलिंग थ्रू टाइरोसाइन नाइट्रेशन एंड एस-नाइट्रोसाइलेशन ऑफ प्रोटीन इन प्लांट्स। फंक्ट प्लांट बॉयल। डीओआई : ओआरजी/10.1071/एफपी 16279.

कपूर, एच., यादव, एन., चोपड़ा, एम., महापात्र, एस.सी. और अग्रवाल, वी. (2017)। स्ट्रांग एंटी-ट्यूमर्स पोटेंशियल ऑफ नार्डोसटेक्सि जटमांसी राइजोम एक्सट्रेक्ट ऑन ग्लाइबलास्टोमा एंड इन सिलिको एनलिसिस ऑफ इट्स मॉलीक्यूलर ड्रग टार्गेट्स, करेंट कैंसर ड्रग टार, 17, 74-88

कश्यप, पी. और देशवाल, आर. (2017)। ए नावेल क्लास I चिटिनेस फ्रॉम हिपोफेई रेमनायडस : इंडिकेशन फॉर पार्टिसिपेटिंग इन आईसीई-सीबीएफ कोल्ड स्ट्रेस सिगनेलिंग पाथवे, प्लांट साइंस, 259, 62-70.

कौर, पी., शुक्ला,एन.; जोशी, जी., कुमार, सी.वी., जगन्नाथ, ए.; अग्रवाल, एस; गोयल, एस. और कुमार, ए. (2017)। जिनाम-वाइड आइडंटिफिकेशन एंड करेक्टराइजेशन ऑफ एमआईआरएनएओम फ्रॉम टोमटो (सोलानम लाइकोपसियम) रूटस एंड रूट-नॉट नेमाटॉड (मेलाइडोजान इनकोगनेशिया) डयूरिंग सस्पेटिबल इंटरएक्शन। पीएलओएस-वन, 12(4), ई0175178. डीओआई : 10.1371/जर्नल पॉन, 0175178.

खत्री, एन., सिंह, एस., हाकिम, एन. और मुदगिल, वाय (2017)। कम्पेरेटिव एक्सप्रेसन प्रोफाइलिंग ऑफ एट आरएडी5बी एंड एट एनडीएल1 : हिंटस टूवर्डस ए रोल इन जी प्रोटीन मीडिएटिड सिगनलिंग। जीन एक्सप्रेसन पैटर्नस, 25-26, 167-174.

कुमार, ए., पाल, एल. और अग्रवाल, वी. (2017)। ग्लूटेथियान एंड साइट्रिक एसिड माड्यूलेटस लीड-एंड-आर्सोनिक इन्डयूसड फाइटोटॉक्सिटी एंड जिनाटाक्सिटी रेस्पांसिज इन टू कल्टीवर्स ऑफ सोलानम लाइकोपार्सियम एल. एक्टा फिजियॉल प्लांट, 39, 151.

कुमार, डी., अल हसन, एम., नरंजो, एम.ए., अग्रवाल, वी., बासकेयू, एम. और विसेंटे, ओ. (2017)। इफेक्ट्स ऑफ सेलिनिटी एंड ड्रॉट ऑन ग्रोथ, आइकोनिक रिलेशंस, कम्पेटिबल साल्यूटस एंड एक्टिवेशन ऑफ एंटीऑक्सीडेंट सिस्टमस इन ओलिएंडर (नेरियम ओलिएंडर एल.) प्लस-वन, 12(9), ई0185017. डीओआई : 10.1371/जर्नल, पोन, 0185017.

कुमार, डी., कुमार, जी. और अग्रवाल, वी. (2018)। ग्रीन सिंथेसिस ऑफ सिल्वर नैनोपार्टिकल्स यूजिंग होलारेना एंटीडायसैंट्रिका (एल.), वाल। बार्क एक्सट्रेक्ट एंड देयर लार्विसिडल एक्टिविटी अगेन्स्ट डेंगू एंड फिलारिआसिस वेक्टर्स, पेरासाइटल, रेज। 117, 377-389.

कुमार, डी., कुमार, जी., दास, आर. एवं अग्रवाल, वी. (2018)। स्ट्रांग लार्विसिडल पोटेंशियल ऑफ सिलवर नैनोपार्टिकल्स (एजीएनपीएस) सिंथेसाइज्ड यूजिंग होलेरेना एंटीडिसेन्ट्रिक बार्क एक्सट्रेक्ट अगेनस्ट मेलेरियल वेक्टर, एनोफिलंस स्टीफेंसी, प्रोसेस सेफ, एनवायनमेंट प्रोटेक्शन, 116, 137-1489.

कुमार, डी., कुमार, जी., दास, आर., कुमार, आर. एवं अग्रवाल, वी. (2018)। इन विट्रो एलिसिटेशन, आइसोलेशन एंड करेक्टराइजेशन ऑफ कनसेनी बायोमालीक्यूल फ्रॉम हेलेरिना एंटीडिसेन्ट्रिका केलस एंड इट्स लार्विसिडल एक्टिविटी अगेनस्ट मलेरिया वेक्टर, एनेफेलेस स्टीफेंसी, पर्यावरण विज्ञान, पॉल. रेज. 25, 6783-6796.

कुमार, जे. एवं अग्रवाल, वी. (2017)। एनलिसिस ऑफ जेनेटिक डायवर्सिटी एंड पापुलेशन जेनेटिक स्ट्रक्चर इन सिमरोबा ग्लूका डीसी (एन इम्पोर्टेन्ट बायो-एनर्जी क्राप) एम्प्लाइंग आईएसएसआर एंड एसआरएपी मार्कर्स, इंडि. क्रॉप्स प्रोड., 100, 198-207.

कुमार, पी., केसरी, पी., ढीढवाल, एस., चौधरी, ए.के., काटिकी, एम., वर्मा, ए., अंबातीपुडी, के., तोमर, एस., शर्मा, ए.के., मिश्रा, जी. और कुमार, पी. (2017)। ए नोवल फंक्शन फॉर ग्लुबालिन इन सीक्वेसटेरिंग प्लांट हार्मोन : क्रिस्टल स्ट्रक्चर ऑफ रिगटिया टिंकटोरिया 115 ग्लूबोलिन इन कॉम्प्लेक्स विद ऑक्सीन। साइंटिफिक रिपोर्टस, 57, 705.

मलिक, एस., मीर, बी.ए., सिंह, एच.के., चौधरी, एम., रैना, एस.एन. और बब्बर, एस.बी. (2017)। डीएनए बारकोड्स डिसटिंगश विदानिया सामनीफेरा एंड विदानिया अश्वगंधा, प्रो. नेट एकॉड साइंसिज, इंडिया, सेक्शन बी : बायो साइंस, डीओआई : 10.1007/एस40011-017-0879-3.

मैमगेन, एम., भंडारी, पी.के., सेमवाल, डी.पी. और उनियाल, पी.एल. (2017)। पापुलेशन एसेसमेंट, मैपिंग एंड फ्लावरिंग रेस्पांस ऑफ रोडोडेन्ड्रान एरबारियम एसएम. - ए कीजटोन स्पेशिज इन सेंट्रल हिमालयन रीजन ऑफ उत्तराखंड, इंडिया। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकॉलाजी एंड एनवायरनमेंटल साइंसिज, 43(3), 205-220. [आईएसएसएन : 2320-5199 (ऑनलाइन)]

मान, एन., उनियाल, पी.एल. और लखनपाल, एस. (2017)। स्टडीज ऑन द फीनोलॉजी एंड ब्रीडिंग सिस्टम इन वियोला केनेसेंस (वायलेसिया)। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्लांट रिप्रोडक्टिव बायलॉजी 9(2), 125-128.

माथुर, पी., सिंह, वी.पी. और कपूर, आर. (2017)। इंटरएक्टिव इफेक्टस ऑफ सीओ2 कनसनट्रेशंस एंड एल्टरनेरिया ब्रेसिका (बर्क), सेक. इंफेक्शन ऑन डिफेंस सिगनेलिंग इन ब्रेसिका जूनेसिया (एल.), केजर्न एंड कास, यूरोपियन जर्नल ऑफ प्लांट पैथालाजी, 151(2), 413-425. डीओआई : 10.1007/एस10658-017-1382-7.

मजूमदार-लेगटान, एस. और चौधरी, वी.के. (2017)। मेटाजिनामिक्स एट ग्रास रूटस, रेजोनेंस, 22(3), 291-301.

नंदा, आर. और अग्रवाल, वी. (2018)। फिरीफॉरमासपोरा इंडिका, एन एक्सीलेंट सिस्टम फॉर हेवी मेटल सीक्वेसट्रेशन एंड एमिलियोरेशन ऑफ ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस एंड डीएनए डेमेज इन सेसिया एंगस्टिफोलिया वेहल अंडर कॉपर स्ट्रेस, इकोटाक्सिकॉल एंड एनवायन सेफ्टी, 156:409-419. डीओआई : 10.1016/जे.इकोएन. 2018.03. 016.

नारायण, ओ.पी., वर्मा, एन., सिंह, ए.के., ओएलमूलर, आर., कुमार, एम., प्रसाद, डी., कपूर, आर., दुआ, एम. और जौहरी, ए.के. (2017)। एंटीऑक्सीडेंट एंजाइमस इन चिकपी कॉलोनाइज्ड बाय फिरीफॉरमोसफोरा इंडिका पार्टिसिपेट इन डिफेंस अगेनस्ट द पैथोजन बोट्राइटिस सिनेरिया। साइंटिफिक रिपोर्टस, 7(1), 13553. डीओआई : 10.1038/एस41598-017-12944-डब्लू।

पंवार, जी.एस., श्रीवास्तव, एस.के. और उनियाल, पी.एल. (2017)। केलस-मीडिएटिड आर्गेनोजिनासिस इन लिलियम पालीफाइलम डी. डान एक्स रायल : ए क्रिटिकल इनडेंजरड एस्टावर्गा प्लांट। करंट साइंस, 113(5), 946-951.

प्रवीण, आई., सिंह, एच.के., मलिक, एस., रघुवंशी, एस. और बब्बर, एस.बी. (2017)। इवेलूएटिंग फाइव डिफरेंट लाकी (आरबीसीएल, आरपीओबी, आरपीओसी1, मेटक एंड आईटीएस) फॉर डीएनए बारकोडिंग ऑफ इंडियन आर्चिड्स। जिनॉम, डीओआई : 10.1139/जेन.-2016-0215.

प्रीति, कुमारी, पी., पंवार, जी.एस. और उनियाल, पी.एल. (2017)। स्टडीज ऑन इन विट्रो गेमटोफाइट डिवलपमेंट ऑफ आनिचियम कांटिगम (वाल), होप, इंडियन फेम जर्नल, 34, 117-123.

राखी, सेठी, एन.के., भारद्वाज, ए., सिंह, वी.के., शर्मा, आर.के., देशवाल, आर. भार्गव, के., और मिश्रा, के. (2017)। करेक्टराइजेशन ऑफ जेनोडर्मा लूसिडम : फाइटोकेमिकल एंड प्रोटेआमिक एप्रोच। जर्नल ऑफ प्रोटीन एंड प्रोटिआमिक्स, 8(1), 25-33.

रॉय, एस.के., पांडे, ए.के. और भटनागर, ए.के. (2017)। फिनालॉजी एंड फ्लोरल विजिटर्स ऑफ ऐसर केसियम वाल। एक्स डीसी (सेपिनडेसिया) - ए थ्रेटेंड हिमालयन ट्री, पलिएन, 11(1), 1-9.

साहू, ए., झा, पी.के., प्रभाकर, ए., सिंह, एच.डी., गुप्ता, एन., चटर्जी, टी., त्यागी, टी., शर्मा, एस., कुमारी, बी., सिंह, एस., नायर, वी., गोयल, एस. और अशरफ, एम.जेड. (2017)। माइक्रो आरएनए-145 इंपीडस थ्रोमबस फार्मेशन विया टार्गेटिंग टिश्यू फैक्टर इन वीनस थ्रोमोबोसिस। ईबायो मेडिसन, 26, 175-186.

सेठी, एन.के., भारद्वाज, ए., सिंह, वी.के., शर्मा, आर.के., देशवाल, आर., भार्गव, के., और मिश्रा, के., (2017)। करेक्टराइजेशन ऑफ गेनोडर्मा लूसिडम : फाइटोकेमिकल एंड प्रोटिएमक एप्रोच। जर्नल ऑफ प्रोटोन एंड प्रोटियामिक्स, 8(1).

शर्मा, बी., और देशवाल, आर. (2018)। सिंगल पॉट सिंथेसाइजड नैनोपार्टिकल्स यूजिंग हिप्पोफेई रेमनाडायस लीफ एंड बेरी एक्सट्रेक्ट शोवड शेप डिपेंडेंट डिफरेंशियल नैनोबायोटेक्नालाजिकल एप्लीकेशन। आर्टिफिशियल सेल, नैनोमेडिसन एंड बायोटेक्नालाजी, 1-11.

शर्मा, ई और कपूर, आर. (2017)। इनसाइट इनटू द मालीक्यूलर इंटरप्ले ऑफ वायरेलेंस फैक्टर्स इन बोट्राइटिस सिनेरा। आस्ट्रेलेसियन प्लॉट पैथालाजी 46(46) : 551-561, डीओआई : 10.1007/एस13313-017-0519-7.

शर्मा, ई, आनंद, जी. और कपूर, आर. (2017)। टर्पेनाइड्स इन प्लांट एंड एरबसकुलर मायकोरिझा-रिइनफार्सड डिफेंस अगेनस्ट हर्बिवारस इनसेक्टस। एनलस ऑफ बॉटनी, 119, 791-801.

शर्मा, ई., तायल, पी., आनंद, जी., माथुर, पी. एवं कपूर, आर. (2018)। फंक्शनल एनलिसिस ऑफ डायसलग्लिसरॉल ओ-एकायल ट्रांसफिरेस 2 जीन टू डेसिफर इट्स रोल इन वायरेलेंस ऑफ बोट्राइटिस सिनेरा। करंट जिनेटिक्स 64(2), 443-457, डीओआई : 10.1007/एस00294-017-0752-1.

शर्मा, पी., आर्य, एम. और देशवाल, आर. (2017)। ए सिंपल क्रोमेटोग्राफिक प्रासीजर फॉर को-प्यूरिफिकेशन ऑफ केलरेटिसियन एंड केलमोडुलिन फ्रॉम ब्रेसिका जनसिया सीडिंग्स। इंडिया जर्नल ऑफ बायोकेमिस्ट्री एंड बायोफिजिक्स (आईजेबीबी), 54, 281-290.

शर्मा, एस., आनंद, जी., सिंह, एन., और कपूर, आर. (2017)। एरबसकुलर माइक्रोहिज आगुगेटस आर्सेनिक टॉलीरेंस इन व्हीट (ट्राइटिसियम एसिटिवम एल.) बाय स्ट्रेंथनिंग एंटी ऑक्सीडेंट डिफेंस सिस्टम एंड थियाल मेटाबॉलिज्म। फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस (सेक्शन प्लांट ट्रेफिक एंड ट्रांसपोर्ट), 8, 906, डीओआई : 10.3389/एफपीएलएस. 2017.00906.

शर्मा, एस., गुप्ता, आर. और देशवाल, आर. (2017)। डायसकोरिया एल्टा ट्यूबर प्रोटिऑम एनलिसिस शोज ओवर थर्टी डायसकोरियन आइसोफार्मस एंड नोवल ट्यूबर प्रोटींस। प्लांट फिजियोलॉजी एंड बायोकेमिस्ट्री, 114, 128-137.

शर्मा, यू. और अग्रवाल, वी. (2018)। इन विट्रो शूट रिजिनिरेशन एंड इनहांसड सिंथेसिस ऑफ प्लमबाजिन इन रूट केलस ऑफ प्लम्बगो जिलेनिसिका एल. - एन इम्पार्टेंट मेडिसिनल हर्ब। इन विट्रो सेल डेव. बायोल- पीआई https://doi.org/10.1007/एस11627-018-9889-वाय।

शुक्ला, एन., यादव, आर., कौर, पी., रसमुसीन, एस., गोयल, एस., अग्रवाल, एम., जगन्नाथ, ए., गुप्ता, आर. और कुमार, ए. (2017)। ट्रांसक्रिप्टॉम एनलिसिस ऑफ रूट-नॉड नेमाटॉड (मेलाइडोजाइन इंकोगिनटल) -इनफेक्टिड टोमटो (सोलानम लाइकोपर्सिकम) रूटस रीविल्स कम्पलेक्स जीन एक्सप्रेसन प्रोफाइल्स एंड मेटाबॉलिक नेटवर्क ऑफ बोथ होस्ट एंड नेमाटोड डयूरिंग सस्पेटिबल एंड रेजिस्टेंस रिस्पांसिज। मॉलीक्यूलर प्लांट पैथोलाजी। डीओआई : 10.1111/एमपीपी. 12547.

सिंह, ए., शर्मा, बी. और देशवाल, आर. (2018)। ग्रीन सिल्वर नैनोपार्टिकल्स फ्रॉम नोवल ब्रेसिकेसिया कल्टिवर्स विद इनहांसड एंटीमाइक्रोबायल पोटेंशियल देन अर्लियर रिपोर्टिड ब्रेसिकेसिया मेम्बर्स। जर्नल ऑफ ड्रेस एलीमेंटस इन मेडिसन एंड बॉयलाजी, 1-11.

सिंह, ए., सूद, ए., शर्मा, पी. और उनियाल, पी.एल. (2017)। एसेसमेंट ऑफ एकुमुलेशन ऑफ सम हेवी मेटल इन मॉसिज ऑफ इडुक्की डिस्ट्रिक्ट, केरल (पश्चिमी घाट), इंडिया। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्लांट एंड एनवायरनमेंट, 3(1), 15-19.

सिंह, ए., अग्निहोत्री, ए. और सेठ, सी.एस. (2017)। इंटरएक्टिव इफेक्ट्स ऑफ ईडीटीए एंड ऑक्सलिक एसिड ऑन क्रोमियम अपटेक, ट्रांसलोकेशन एंड फोटोसिंथेटिक एट्रीब्यूटस इन इंडियन मसटर्ड (ब्रेसिका जुनेसिया एल. वर. वरूना)। करंट साइंस, 112(10), 2034-2042.

सिंह, डी.एस., प्रिया, ए., मलिक, एस., कपूर, आर. एवं बब्बर, एस.बी. (2017)। आइसोलेशन एंड आइडंटिफिकेशन ऑफ एंडोफाइटिक फंगी फ्रॉम टू मेडिसिनली इंपोर्टेन्ट ऑर्चिडस, सेटारियम नेपालेंस डी. डॉन एंड हार्मेनियम लेनिसम (टनब एक्स.एसडब्लू.) वुज्क, मेडि. प्लांट्स, 9(2), 95-101.

सिंह, एन.के., आनंद, एस., जैन, ए. और दास, एस. (2017)। कंपेरेटिव जिनामिक्स एंड सिटेनि एनालिसिस ऑफ केसीएस 17- केसीएस 18 क्लस्टर एकास डिफरेंट जिनामस एंड सब-जिनामस ऑफ ब्रेसिकेसिया फॉर एनलिसिस ऑफ इट्स इवोल्यूशनरी हिस्ट्री। प्लांट माल बायोल रिप, 35(2), 237-251.

सिंह, एस., दास, एस. और गीता, आर. (2018)। ए सेगमेंटल डुपलिकेशन इन द कॉमन एनसिसटर ऑफ ब्रेसिसिया इन रेसपांसिबल फॉर द आरिजन ऑफ द पेरालॉगस केसीएस 6 - केसीएस 5, विच आर नाट शेयरड विद अदर एंजियोस्पर्मस। मालीक्यूलर फाइलोजेनेटिक्स एंड इवोल्यूशन, 126, 331-345।

सिंह, वी., बर्मन, सी., मोहंती, डी. और टंडन, आर. (2018)। कंट्रीब्यूशन ऑफ रिप्रोडेक्टिव एट्रीब्यूटस टू द डेसिटी-डिपेंडेंट इफेक्टस ऑन फ्रूट-सेट पैटर्न इन एनाजिसस सेरिसिया, एओबी प्लांट्स, 10, 19, डीओआई : 10.1093/एओबीपीएलए/पीएलवाय019.

सिंह, वी., कुमार, एस. और लखनपाल, एस. (2017)। डिफरेंशियल डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ फाइटोप्लाज्मा ड्यूरिंग फाइलाडी प्रोग्रेशन इन ऑयलशीड क्राफ्स सीसेम (सीसामम इंडिकम एल.) अंडर फील्ड कंडिशंस - एन इम्पोरटेंट कनसिडिरेशन फॉर इफेक्टिव सैम्पलिंग ऑफ डिजीड टिश्यू। क्रॉप प्रोटेक्शन, डीओआई :10.1016/जे.सीआरओपीआरओ. 2017.01.016.

सिरोही, जी., कुसुमअंजली, के., कुमार, आर., जैन, ए., श्रीवास्तव, पी.एस. और दास, एस. (2018)। सिनटेनि एनलिसिस एंड फंक्शनल कैरेक्टराइजेशन ऑफ एमआईआर 165 ए फ्रॉम ब्रेसिका स्पेशिज/एक्टा फिजियोलाजिया पलान्टेरम, 40, 16, डीओआई. ओआरजी/10.1007/एस11738-017-2592-5.

श्रीवास्तव, एस., लायसराम, एन., राम, एच., और सिंह, वी.पी. (2017)। बायो-प्राइमिंग ऑफ टिश्यू कल्चर रेजड डेकलिपसिस आर्यपलाथरा(जे. जोसेफ एवं वी चन्द्रास) वेन्टर, के एमए 05 कलोन्स विद द फायलोस्फेरिक बैक्टीरियम, मीथायलोबैक्टीरियम स्पे. वीपी 103 एंड इटस बायोकंट्रोल पोटेंशियल। वेजिटॉस, 30(1), 41-51. डीओआई : 10.5958/2229-4473. 2017.00032.5.

तायल, पी., राज, एस., शर्मा, ई., कुमार, एम., दयामन, वी., वर्मा, एन., जोगावत, ए., दुआ, एम., कपूर, आर. और जौहरी, ए. (2017)। ए बोट्रिएक्टिक्स सिनेरिया के एलपी - 7 किनेसिन एक्टस एज ए वरलेंस डिटरामिनेंट ड्यूरिंग प्लांट इंफेक्शन, साइंटिफिक रिपोर्टस 7(1) : 10664, डीओआई : 10.1038/एस41598-017-09409-5.

थॉमस, एल., राम, एच. और सिंह, वी.पी. (2017)। इवोल्यूशनरी रिलेशनशिप एंड टेक्सा स्पेशिफिक कनजरवड सिग्नेचर इंडेल्स अमंग सैलूलास ऑफ अर्किया, बैक्टीरिया एंड यूकरिया। जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल बायलाजी, डीओआई : 10.1089/सीएमबी. 2016.0161.

तिवारी, पी., डनियल, पी.एल. और चौधरी, ई. (2017)। इफेक्ट ऑफ सुक्रोज ऑन इन विट्रो पॉलन जर्मिनेशन ऑफ ग्लोरिसा सुपरबा एल- ए मेडिसिनल प्लांट फ्रॉम द गढवाल हिमालय, इंडिया, एनवायरमेंट कंजरवेशन जर्नल, 18(1 एवं 2), 183-187.

त्रिपाठी, एम.के., तिवारी, बी.एस., रेड्डी, एम.के., देशवाल, आर, और सोपोरी, एस.के. (2017)। एक्टापिक एक्सप्रेसन ऑफ पीजी रब 7 इन राइस प्लांट्स (आरिजा सेटिवा एल.) रिजल्टस इन डिफरेंशियल टालीरेंस एट द वेजिटेटिव एंड सीड सेटिंग स्टेज ड्यूरिंग सेलेनिटी एंड ड्रार स्टेस। प्रोटोप्लाज्मा, 254(1), 109-124.

त्यागी, आर., सिंह, ए., सूद, ए. और उनियाल, पी.एल. (2017)। एबायोटिक स्ट्रेस रेस्पांसिज इन प्लांट्स : पोटेंशियल टार्गेट्स ऑन स्टडींग हेवी मेटल स्ट्रेस टालीरेंस इन ब्रायोफाइटस। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्लांट्स एंड एनवायरमेंट, 3(1), 41-51.

वर्मा, पी., कुमार, एम., मिश्रा, जी. और साहू, डी. (2017)। मल्टीवेरिएट एनलिसिस ऑफ फेटी एसिड एंड बायोकेमिकल कंस्टिट्यूटस ऑफ सीविडस टू करेक्राइज देयर पोटेंशियल एज बायोरिसोर्सिज फॉर बायोफ्यूल एंड फाइन केमिकल्स, बायोरिसार टेकनॉल, 226,132-144, डीओआई : 10.1016/जे.बायोटेक 2016.11.044.

यादव, एन., पांडे, ए.के. और भटनागर, ए.के. (2017)। टेम्परेचर रेगुलेटिड सीड जर्मिनेशन इन एसर आबलोंगम वाल। एक्सडीसी (सैपनिडेसिया) - ए थ्रेटेंड हिमालय स्पेशिज, लिएन, 11(1), 10-15.

पुस्तक अध्याय

सेहरावत, ए. और देशवाल, आर. (2017)। एस-नाइट्रोसाइलेशन इन एबायोटिक स्ट्रेस इन प्लांटस एंड नाइट्रिक ऑक्साइड इंटरएक्शन विद प्लांट हार्मोन्स, इन पांडे, जी.के. (संपादित), मेकेनिज्म ऑफ प्लांट हार्मोन सिगनेलिंग अंडर स्ट्रेस, वी2 (पृष्ठ 399-411), विले ब्लेकवेल पब्लिशर्स।

शर्मा, एस., सिंह, एन. और कपूर, आर. (2017)। अर्बेसकुलर माइकोरिजल फंगी इन रिडीमिंग आर्सेनिक टॉक्सिटी इन प्लांट्स। इन वर्मा, ए., प्रसाद, आर., टुटेजा, एन. (संपादित), माइकोरिजा - इको फिजियोलॉजी, सेकेंडरी मोटाबोलाइटस, नैनोमैटीरियल्स, स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग एजी, डीओआई : 10.1007/978-3-319-57849-1-7.

खत्री, एन. और मुदगिल, वाई. (2017)। सेलेनिटी स्ट्रेस : "ऑमिक्स" एप्रोचिज, इन एस.एम. जरगार एंड वी. राय (संपादित) प्लांट ऑमिक्स एंड क्रॉप ब्रीडिंग (पृष्ठ 295-310), वेयरटाउन, एन.जे., एप्पल एकेडमिक प्रेस।

सिंह, एस., दास, एस. और गीता, आर. (2018)। रोल ऑफ क्यूटिक्यूलर वेक्स इन एडपटेशन टू एबायोटिक स्ट्रेस- ए मॉलीक्यूलर परस्पेक्टिव, इन जरगर, एस.एम. एंड जरगर, एम.वाई. (संपादित), एबायोटिक स्ट्रेस-मीडिएटिड सेंसिंग एंड सिगनेलिंग इन प्लांटस, एन ऑमिक्स परस्पेक्टिव, (पृष्ठ 155-182), सिंगापुर : स्प्रिंगार नेचर।

जैन, ए., जोशी, जी., चौहान, सी. और दास, एस. (2018)। एबायोटिक स्ट्रेस रेस्पांस इन प्लांट्स : ए सिस रेगुलेटरी परस्पेक्टिव, इन जरगर, एस.एम. एंड जरगर, एम.वाई (संपादित) एबायोटिक स्ट्रेस-मीडिएटिड सेंसिंग एंड सिगनेलिंग इन प्लांटस, एन ऑमिक्स परस्पेक्टिव, (पृष्ठ 183-205), सिंगापुर : स्प्रिंगार नेचर।

जर्नल

संपादक बोर्ड में संपादक/संपादकों, सदस्य/सदस्यों के तौर पर कार्यरत विभाग के अध्यापकों की संख्या -

प्रो. आर. देशवाल, संपादक, फ्रंटियर्स इन प्लांट फिजियोलॉजी

प्रो. आर. देशवाल, संपादक, जर्नल ऑफ प्रोटीन्स एंड प्रोटीआमिक्स

शोध परियोजनाएं

यूजीसी,ए सर्च फॉर मॉलीक्यूलर, बायोकेमिकल एंड मार्फोलॉजिकल (फिनोटिपिक) मार्कर्स फॉर डिफरेंट ग्रोथ स्टेजिक ऑफ डी. अलाटा ट्यूबर एंड देयर रिलेशन विद रेडॉक्स स्टेटस, 2015-2018, रूपए 9.35 लाख।

डीबीटी-आईबीएसडी, करेक्टराइजिंग एन अन-एक्सप्लोरड सीबकथॉर्न जर्मप्लाजम इन सिक्किम फॉर एंटीफ्रीज प्रोटींस, सेकैंडरी मेटाबोलेटाइल्स, इट्स कंपेरिजन विद जर्मप्लाजम ऑफ लाहौल एंड स्पीति वेली, हिमाचल प्रदेश एंड आलसो यूटिलाइजिंग द बायोरिसार्सिज फॉर अपलिफ्टिंग द लाइवलिहुड ऑफ लोकल पीपल, 2017-2019, रूपए 50 लाख।

एसईआरबी, डायवर्सिटी एंड परफार्मेन्स ऑफ की फारेस्ट ट्री स्पिसिज एंड ब्रायोफाइटस इन गैप एंड नान-गैप एरियाज अलांग एन एल्टीट्यूडिनल ग्रेडिएंट इन उत्तराखंड, 2018-2021, रूपए 41.43 लाख।

एसईआरबी, एट एनडीएल प्रोटीन्स : मॉलीक्यूलर मैकेनिज्म ऑफ एक्शन इन रेगुलेशन ऑफ प्लांट ग्रोथ एंड डिवलपमेंट, 2017-2020, रूपए 40.89 लाख।

डीबीटी, रूट डिवलपमेंट रिलेटिड सिगनेलिंग नेटवर्कस : रोल ऑफ एट एन-मिक डाऊनरेगुलेटिड लाइक प्रोटींस एंड इंटरएक्टिंग पार्टनर्स, 2018-2021, रूपए 49.87 लाख रूपए।

एसईआरबी, क्वांटिफाइंग द टोटल इकोसिस्टम लेवल कार्बन सीक्वेसट्रेशन पोटेंशियल ऑफ डिफरेंट फारेस्ट इकोसिस्टम्स एलांग एन ऐलिवेशन ग्रेडिएंट इन उत्तराखंड, वेस्टर्न हिमालया इन डिफरेंट क्लाइमेट सीनेरियोज, 2017-2021, रूपए 41.48 लाख।

एसईआरबी, बायोएसे गाइडिड आइसोलेशन, आइडंटिफिकेशन एंड एलिसाइटेशन ऑफ एंटीकैंसरर्स बायोएक्टिव कंपाउंडस फ्रॉम नार्डोस्टेकी जटामांसी, सोरालिया कारिलीफोलिया एंड प्लम्बगो जेलेंसिया, 2017-2020, रूपए 54.813 लाख।

आयोजित सम्मेलन

वनस्पति विज्ञान विभाग ने 19-23 दिसम्बर, 2017 को "माइनिंग प्रोटिएम एंड डीप प्रोटिएम (बाय सब-सेल्यूलर प्रोटिएम एनलिसिस, डिप्लेशन, एफिनिटी इनरिचमेंट) एंड बियांड" विषय पर तीसरी प्लांट प्रोटियामिक्स कार्यशाला का आयोजन किया।

सेमिनार/सम्मेलन में प्रस्तुति

अग्रवाल, वी. ने 5 जून, 2017 को पर्यावरण दिवस समारोह, गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय में "मेडिसिनल हर्बस: बूस्टर ऑफ ह्यूमन हेल्थ एंड क्लीन एनवायरनमेंट" विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया।

अग्रवाल, वी. ने 20 जून, 2017 को वनस्पति विज्ञान विभाग, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा, भारत में "जिनरेशन एंड वेलिडेशन ऑफ मॉलीक्यूलर मार्कर्स फॉर आइडंटिफिकेशन ऑफ सेक्स एंड जेनेटिक डायवर्सिटी एनलिसिस इन जोजोबा (सिमानडसिया चाइनेसिस (लिंक) स्नेइडर) : ए पोटेंशियल ऑयल यील्डिंग डायोसियस क्राप" विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया।

अग्रवाल, वी. ने 15 फरवरी, 2018 को किरोडीमल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में बोटेनिकल सोसायटी के उद्घाटन कार्यक्रम में "फ्रंटियर्स इन बायोटेक्नालाजी : जीएम क्रॉप एंड बायोफार्मास्यूटिकल्स" विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया।

अग्रवाल, वी. ने 16-18 फरवरी, 2018 को एएफआरआई., जोधपुर में प्लांट बायोटेक्नालॉजी संबंधी राष्ट्रीय संगोष्ठी तथा प्लांट टिश्यू कल्चर एसोसिएशन (इंडिया) के 39 वें वार्षिक समारोह में "इन विट्रो एलुसीडेशन ऑफ एंटी ट्यूमर्स एक्टिविटी, आइसोलेशन एंड एलिसिटेशन ऑफ बायोएक्टिव कंपाउंड्स फ्राम क्यूलेन कॉरीलोफोलियम (सिन सोरालिया कारीलोफोलिया) : एन इंपोर्टेंट मेडिसिनल हर्ब" पर अतिथि व्याख्यान दिया।

अग्रवाल, वी. ने 13 मार्च, 2018 को दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल्स साइंसिज एंड अनुसंधान, नई दिल्ली द्वारा "गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम" विषय पर आयोजित कार्यशाला में बायोएसे गाइडिड आइसोलेशन 'करेक्टराइजेशन एंड एलिसिटेशन ऑफ एंटीमलेरियल एंड एटीकेंसर्स मॉलीक्यूलस फ्रॉम मेडिसिनल प्लांट' विषय पर संसाधन व्यक्ति के तौर पर व्याख्यान दिया।

भंडारी, पी.के., भाटिया, एम. और उनियाल, पी.एल. ने दिनांक 10-12 नवम्बर, 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित इंडियन एसोसिएशन फॉर एंजियोस्पर्म टेक्सानॉमी एंड इंटरनेशनल सिम्पोजियम के XXVII वार्षिक सम्मेलन में "स्टेटस ऑफ ऑर्चिडस इन उत्तराखंड" विषय पर पोस्टर प्रस्तुत किया।

भाटिया, वी., शर्मा, पी. एवं उनियाल, पी.एल. ने 10-12 नवम्बर, 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित इंडियन एसोसिएशन फॉर एंजियोस्पर्म टेक्सानॉमी एंड इंटरनेशनल सिम्पोजियम के XXVII वार्षिक सम्मेलन में ' 'एसेसमेंट एंड कंजरवेशन ऑफ इंडियन एफिरडा स्पिसिज थ्रू डीएनए बारकोडिंग : ए रिव्यू" विषय पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

चौरसिया, एस.पी. एवं देशवाल आर. ने 3-4 नवम्बर, 2017 को जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत में 'प्रोटीन स्ट्रकचर एंड डॉयनेमिक्स इन हेल्थ एंड एग्रीकल्चर' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय एंड डायनेमिक्स इन हेल्थ एंड

एग्रीकल्चर' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'आइडंटिफिकेशन ऑफ मेजर रिडॉक्स माडुलेटिड प्रोटींस फ्रॉम ब्रेसिका जूनेसिया सीडलिंग्स, एंड डेमोनस्ट्रेशन ऑफ डिफरेंशियल सेंसिटिविटी ऑफ आरयूबीआईसीओ लार्ज एंड स्मॉल सबयूनिट टूवर्डस आक्सीडेटिव स्ट्रेस' विषय पर पोस्टर प्रस्तुत किया।

दास, एस. ने 16-18 फरवरी, 2018 को जोधपुर में 'प्लांट बायोटेक्नालॉजी 2018 : रिसेंट ट्रेन्डस इन प्लांट प्रोपेगेशन, जेनेटिक इम्प्रूवमेंट एंड इंडस्ट्रीयल एप्लीकेशन' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी तथा पीटीसीए, एएफआरआई की 39 वीं वार्षिक बैठक में 'कंपेरेटिव एनलिसिस ऑफ आर्गेनाइजेशन, इवोल्यूशनरी हिस्ट्री एंड फंक्शन ऑफ रेगुलेटरी एलीमेंटस : इनसाइट गेनड फ्राम ब्रेसिकेसिया' विषय पर व्याख्यान दिया।

दास, एस. ने 31 जनवरी, 2018 को डीडीयू कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'रिसेंट ट्रेंडस इन बायोइंफार्मेटिक्स' विषय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशाला में "सीक्वेंस एनलिसिस : एनोटेशन एंड एलाइनमेंट स्ट्रेटिजिज: एन ओवरव्यू" विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया।

देशवाल, आर. ने 8 सितम्बर, 2017 को हंसराज कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में "नाइट्रोसाइलेशन मीटिएटिड नाइट्रिक ऑक्साइड (एनओ) सिगनेलिंग इन कोल्ड स्ट्रेस ऑन ब्रेसिका जेनेसिया सीडलिंग्स", विषय पर प्रारंभिक भाषण दिया।

देशवाल, आर. ने 22-23 सितम्बर, 2017 को डीआईएचएआर, लेह-लद्दाख, भारत में 'शीबकर्थान फॉर इम्प्रूविंग हेल्थ एंड सस्टेनेबल डिवलेपमेंट ऑफ हिमालयन रीजन, विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "एंटीफ्रीज प्रोटीन(एएफपी) एज ए नॉबल डाऊनस्ट्रीम टार्गेट इन आईसीई-सीबीएफ सिगनेलिंग पाथवे इन हिप्पोफेई रेमनायडस" विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया।

गोयल, एस. ने 6-12 जून, 2018 को एमिटी यूनिवर्सिटी मध्य प्रदेश, ग्वालियर द्वारा आयोजित किए गए संकाय विकास कार्यक्रम में "अनुसंधान मेथडालाजी एंड पेडागॉगी इन यूनिवर्सिटिज" विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया।

गोयल, एस., टंडन, आर., मंगला, वाई., दास, के. एंड रैना, एस.एन., ने 21-23 मार्च, 2018 को सोसायटी फॉर इनवायरमेंटएंड डिवलपमेंट द्वारा "उभरती हुई पर्यावरणीय चुनौतियां एवं दीर्घकालिक विकास" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "डीएनए बेसड जेंडर मार्कर्स फॉर सस्टेनेबल यूटिलाइजेशन ऑफ शीबकथ्रान (हिप्पोफेई रेमनायडस एल. एसएसपी टर्केस्टेनिका), विषय पर प्लीनरी व्याख्यान दिया।

शर्मा, एस. और देशवाल, आर. ने 30 नवम्बर- 2 दिसम्बर, 2017 को इंस्टीट्यूट ऑफ लाइफ साइंसिज, भुवनेश्वर द्वारा प्रोटीयोमिक्स सोसायटी, इंडिया(पीएसआई) की 9वीं वार्षिक बैठक तथा स्वास्थ्य और रोग में प्रोटियामिक्स संबंधी अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "चेंज इन द रिडॉक्स स्टेटस ट्रिगर्स ट्यूबर जर्मिनेशन एंड शोड द इनवाल्वमेंट ऑफ एसाडा-हालीवेल पाथवे इन जर्मिनेशन" विषय पर पोस्टर प्रस्तुत किया। इसे श्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार और यात्रा अनुदान प्रदान किया गया।

शर्मा, बी., एवं देशवाल आर., ने 22-23 सितम्बर, 2017 को डीआईएचएआर, लेह लद्दाख, भारत द्वारा शीबकथ्रान फॉर इम्प्रूविंग हेल्थ एंड सस्टेनेबल डिवलपमेंट ऑफ हिमालयन रीजन विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "एक्सप्लारिंग द नैनोबायोटेक्नोलाजिकल पोटेंशियल ऑफ ए हिमालयनश्रब, हिप्पोफेई रेमनायडस फार एजो डाइज डिकंटामिनेशन" विषय पर पोस्टर प्रस्तुत किया। इसे श्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्रदान किया गया।

शर्मा, बी., सिंह, ए., और देशवाल, आर., ने 16-19 नवम्बर, 2017 को जेएनयू, नई दिल्ली में "एमरजिंग डिस्कवरिज इन हेल्थ एंड एग्रीकल्चरल साइंसिज" विषय पर आयोजित सम्मेलन में "एक्सप्लारिंग द नैनोबायोटेक्नालिजिकल पोटेंशियल ऑफ नावल अर्थ इंडियन वेराइटिज ऑफ ब्रेसिकाई फॉर देयर एंटीमाइक्रोयल पोटेंशियल" विषय पर पोस्टर प्रस्तुत किय। इसे श्रेष्ठ पोस्टर का पुरस्कार प्रदान किया गया।

शर्मा, पी. और उनियाल,पी.एल. ने 8-9 मार्च, 2018 को बाबा गुलाम शाह बादशाह यूनिवर्सिटी, राजौरी(जम्मू एवं कश्मीर) में "एथनाबॉटनी एंड ट्रेडिशनल नॉलेज इन बायोडायवर्सिटी" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में

“पोटेंशियल इफेक्ट ऑफ डिस्टरबेंसिज आन द सर्वाइवल ऑफ मेडिसिनल प्लांटस एंड फार्मूलेशन ऑफ कंजरवेशन एंड रिइंट्रोडेक्शन स्टेट्रिज” विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया।

कपूर, आर., ने 2-3 अप्रैल, 2018 को कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर में “एमरजिंग टेक्नालॉजिज एंड ह्यूमन सोसायटी: एप्लीकेशंस एंड कंस्ट्रेंटस” विषय पर जम्मू और कश्मीर साइंस कांग्रेस के 13वें सत्र में “आरबेसकुलर माइकोरिजा(एएम) इन आगुमेटिंग द यील्ड आफ मेडिसिनल प्लांटस” विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया।

कपूर, आर. ने 21-23 मार्च, 2018 को स्वामी श्रद्धानंद कालेज, वनस्पति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली और सोसायट फॉर एनवायरमेंट एंड डिवलपमेंट,(एसईडी इंडिया), नई दिल्ली द्वारा “एमरजिंग एनवायरनमेंटल चैलेंजिज एंड सस्टेनेबल डिवलपमेंट” विषय पर संयुक्त रूप से आयोजित किए गए राष्ट्रीय सम्मेलन में “एबसकुलर माइकारिजा(एएम) इन आगुमेंटिंग द यील्ड ऑफ मेडिसिनल प्लांटस” विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया।

मुदगिल, वाई., ने 27 अप्रैल, 2018 को वनस्पति विज्ञान विभाग, सावित्रीबाई फूले पूणे विश्वविद्यालय द्वारा “करंट इनसाइटस इन रेगुलेशन ऑफ मेरीस्टेम आर्गेनाइजेशन” विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया।

सिंह, एस., गीता, आर., और दास, एस., ने 21 दिसम्बर, 2017 को वनस्पति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा “थर्ड प्लांट प्रोटियोमिक्स वर्कशाप: माइनिंग प्रोटियाम एंड डीप प्रोटियाम(बाय सब- सेलूलर प्रोटियाम एनलिसिस, डिप्लीशन, एफिनिटी इनरिचमेंट) एंड बियांड” में “प्लांट कूटिसेल: इवोल्यूशन, स्ट्रक्चर एंड फंक्शन ऑफ क्यूटिक्यूलर वेक्सिज” विषय पर व्याख्यान दिया।

टंडन, आर., को 29 मई, 2017 को स्टार कालेज स्कीम के तहत वनस्पति विज्ञान विभाग, हंसराज कालेज समर स्कूल प्रोग्राम में पॉलीनेशन स्ट्रेटिजिज इन सम सेलेक्टिड ट्री स्पिसिज, विषय पर वक्ता के तौर पर आमंत्रित किया गया।

टंडन, आर. को 5 जुलाई, 2017 को हंसराज महिला महाविद्यालय, जालंधर में, लर्निंग फ्रॉम इकोसिस्टम सर्विसेज ‘समर स्कूल-बायलाजिकल साइंसिज फार अंडरग्रेजुएटस’ विषय पर संसाधन व्यक्ति के तौर पर आमंत्रित किया गया।

टंडन, आर. को 26 सितम्बर, 2017 को डीबीटी स्टार कालेज स्कीम, आचार्य नरेन्द्र देव कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में ‘वंडर्स ऑफ पॉलीनेशन एट वर्क’ विषय पर अतिथि वक्ता के तौर पर आमंत्रित किया गया।

टंडन, आर. ने 30 मार्च, 2018 को वनस्पति विज्ञान विभाग, विद्यासागर विश्वविद्यालय में ‘ट्रेंडस इन कंटम्परेरी अनुसंधान इन प्लांट साइंसिज’ विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में ‘डायनेमिक्स ऑफ प्लांट-पालीनेटर इंटरएक्शन’ विषय पर प्लीनरी व्याख्यान दिया।

राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय सहमति पत्र

राष्ट्रीय - ‘करेक्टराइजेशन ऑफ एनएक्सप्लॉरड शीबकथार्न जर्मप्लाप्म’ विषय पर जैव-संसाधन एवं दीर्घकालिक विज्ञान विकास(आईबीएसडी), संस्थान, इम्फाल, मणिपुर।

अन्तर्राष्ट्रीय - स्वेडिश यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसिज, स्वीडन के साथ ‘मेटीरियल ट्रांसफर एग्रीमेंट एंड कोलेबोरेटिव वर्क आन मायरोसिनेसिस इन ब्रेसिका जूनेसिया’ विषय पर।

अन्तर्राष्ट्रीय - समरकंड स्टेट यूनिवर्सिटी, उजबेकिस्तान के साथ ‘मेडिसिनल प्लांट बायोटेक्नॉलाजी(प्लांट साइंस)’ के विषय पर द्विपक्षीय सहयोगात्मक करार।

नियोजन ब्यौरा

डॉ. प्रकृति कश्यप: एसईआरबी द्वारा सीएसआईआर: हिमालयन जैव संसाधन प्रौद्योगिकी संस्थान, पालमपुर में नेशनल पोस्ट-डाक्टोरल फैलोशिप(एन-पीडएफ) प्रदान की गई।

डॉ. कुलदीप शर्मा को मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान में सहायक प्रोफेसर(स्थायी) के तौर पर नियुक्त किया गया।

डॉ. हिमांशी कपूर को एसईआरबी द्वारा इंस्टीट्यूट ऑफ जिनामिक्स एंड इंटिग्रेटिव बायलॉजी, माल रोड, दिल्ली में नेशनल पोस्ट-डॉक्टोरल फैलोशिप(एन-पीडीएफ) प्रदान की गई।

डॉ. राजेश्वरी नंदा को मिरांडा हाउस कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर(तदर्थ) के तौर पर नियुक्त किया गया।

प्रदान की गई एम.फिल/पीएच.डी. डिग्रियां: पीएच.डी.- 21; एम.फिल.- 3

संकाय संख्या: 23

***

रसायन विज्ञान

मुख्य कार्यकलाप और उपलब्धियां

रसायन विज्ञान विभाग देश का एक अग्रणी विभाग है और यह बायो-आर्गेनिक कैमिस्ट्री, केमिकल बायलाजी, को-आर्डिनेशन केमेस्ट्री, इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री, ग्रीन केमिस्ट्री, मेटीरियल केमिस्ट्री, मेडिसिनल केमिस्ट्री, नेचुरल प्रोडक्टस, नैनो-केमिस्ट्री, पॉलीमर्स, सिंथेटिक केमिस्ट्री इत्यादि संबंधी प्रायोगिक, सैद्धान्तिक और संगणक सहित विविध शोध क्षेत्रों में कार्य कर रहा है। संकाय सदस्यों ने गत एक वर्ष में अत्यधिक प्रभाव वाले एवं विद्वान लोगों द्वारा समीक्षा किए जाने वाले जर्नल में 230 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। विभाग ने कई मेमोरियल एवं ओरेशन अवार्ड लेक्चर्स तथा प्रमुख वक्ताओं द्वारा संगोष्ठियों का आयोजन किया, जिनमें पीएचडी और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को समस्थानिक शोध विषयों पर अद्यतन जानकारी प्रदान की गई। अन्तर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ सहयोग के अतिरिक्त, हमारे संकाय सदस्यों को राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और संस्थाओं में मुख्य, प्लीनरी और आमंत्रित लेक्चर्स के माध्यम से अपने अद्यतन शोध निष्कर्षों को साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। हमारे संकाय सदस्यों द्वारा डिवलपिंग और अपग्रेडिंग स्टेट-ऑफ-आर्ट प्रयोगशाला सुविधाओं एवं युवा शोधार्थियों के प्रशिक्षण हेतु एक्सट्रामूरल शोध परियोजनाएं प्राप्त की जाती है। कई संकाय सदस्यों को प्रतिष्ठित पदक और सम्मान प्रदान किए गए हैं। एक संकाय सदस्य फेलो ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ साइंस है।

सम्मान/विशिष्ट उपलब्धियां

प्रो. आर. चन्द्रा को 105वां इंडियन साइंस कांग्रेस मिलेनियम प्लेकस ऑफ ऑनर अवार्ड, 2017-18 प्रदान किया गया।

प्रो. रमा कांत को सीआरएसआई परिषद का सदस्य (2017-2020) चुना गया।

प्रो. रमा कांत को आचार्य जे.सी. घोष मेमोरियल मेडल ऑफ इंडियन केमिस्ट्री सोसायटी (2016-2017) अवार्ड प्रदान किया गया।

प्रकाशन

अग्रवाल, डी., गुप्ता, आर.डी. एवं अवस्थी, एस.के. (2017)। आर एंटिमलेरियल हाइब्रिड मालीक्यूल्स ए क्लाज रियालिटी आर ए डिस्टेंट ड्रीम? एंटीमाइक्रोबायल एजेंटस कीमादर, 61, ई00249.

अग्रवाल, के. एवं खुराना, जे.एम. (2017)। सिंथेसिस एंड एप्लीकेशन ऑफ ए नॉवल इंडेनोक्वेलाइन डायन कांजुगेट एज ए डयूल फ्लूरोसेंट एंड कालोरिमेट्रिक पीएच सेंसर/जर्नल ऑफ लुमिनेसेंस, 187, 457-465.

अग्रवाल, एल. एवं बिस्वास, पी. (2018)। हाइड्रेशन वाटर डिस्ट्रिब्यूशन अराउंड इंट्रिंसिकली डिसआर्डरड प्रोटींस। द जर्नल ऑफ फिजिकल केमेस्ट्री बी, 122, 4206-4218.

अग्रवाल, पी., शर्मा, एस., कौर, एच., सिंह, एस. एवं हाजरा, आर.के. (2017)। एक्जेक्ट स्पेक्ट्रा ऑफ स्ट्रांग कालोम्ब कोरिलेशंस ऑफ 3-डी 2-ई हार्मोनिक डाटस इन मैगनेटिक फील्ड। फिजिका ई : लो-डायमेंशनल सिस्टमस एंड नैनो-स्ट्रक्चर्स, 85, 56-64.

अग्रवाल, पी., शर्मा, एस., सिंह, एस., कौर, एच. और हाजरा, आर.के. (2017)। एक्जेक्ट ई-ई (एक्सचेंज) कॉरिलेशन ऑफ 2-डी क्वांटम डोटस इन मैगनेटिक फील्ड : साइज एक्सटेंसिव एन = 3,4, एन-इलेक्ट्रान सिस्टमस वाया मल्टी-पोल एक्सपेंशन। फिजिका ई : लो डायमेंशनल सिस्टमस एंड नैनो स्ट्रक्चर्स, 88, 26-34.

अग्रवाल, एस., किदवई, एम., पोद्दार, आर. एवं नाथ, एम. (2017)। ए फेसाइल एंड ग्रीन एप्रोच फॉर द वन-पॉट मल्टीकंपोनेंट सिंथेसिस ऑफ 2,4,5 -ट्राइएरियल- एंड 1,2,4, 5-टेट्राएरिलिमेडायजोल्स बाय यूजिंग जिंक-प्रोलाइन हाइब्रिड मेटिरियल एज ए केटालिस्ट, केमिस्ट्री, केमिस्ट्री सेलेक्ट, 2,10360-10364.

अहमद, एस., कौशिक, एम., चौधरी, एस. और कुकरेती, एस. (2018)। स्ट्रक्चरल पॉलीफॉरमिज्म ऑफ ए साइटोसाइन-रिच डीएनए सीक्वेंस फार्मिंग आई-मोटिफ स्ट्रक्चर : एक्सप्लारिंग पीएच बेसड बायोसेंसर्स। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायलॉजिकल मैक्रोमॉलीक्यूल्स, 111, 455-461.

अरोड़ा, जी., यादव, एम., गौर, आर., गुप्ता, आर. एवं शर्मा, आर.के. (2017)। ए नावल एंड टेम्पलेट-फ्री सिंथेसिस ऑफ मल्टीफंक्शनल डबल-शेल्ड एफई304-सी नैनोरिएक्टर एज एन आइडियल सपोर्ट फॉर कनफाइंड कैटालिटिक रिएक्शंस, केमेस्ट्री सेलेक्ट, 2, 10871-10879.

अरोड़ा, आर., इस्सर, यू. और कक्कड़, आर. (2018)। इन सिलिको स्टडी ऑफ द एक्टिव साइट ऑफ हेलीकोबेक्टर पायलरी यूरोसिस एंड इटस इनहिबिशन बाय हाइड्रोएक्जिमि एसिडस। जर्नल ऑफ मालीक्यूलर ग्राफिक्स एंड मोडलिंग, 83, 64-73.

अरोड़ा, आर., इस्सर, यू. और कक्कड़, आर. (2018)। थ्यूरेटिकल स्टडी ऑफ द मालीक्यूलर स्ट्रक्चर एंड इंट्रामालीक्यूलर प्रोटोन ट्रांसफर इन बेंजोहाइड्रोएक्सिमिक एसिड़। कम्प्यूटेशनल एंड थ्यूरेटिकल केमिस्ट्री, 1105, 18-26.

अरोड़ा, आर. एवं कक्कड़, आर. (2017)। नेगेटिव आयन वोल्फ रिअरेंजमेंट ऑफ सम डायजोकीटोन्स : ए थ्यूरेटिकल मेकेनिस्ट्रिक स्टडी : कम्पयूटेशनल एंड थ्यूरेटिकल केमेस्ट्री, 1106, 50-57.

अरोड़ा, आर., कश्यप, के. और कक्कड़, आर. (2018)। रिअरेंजमेन्टस इन रेडिकल केशंस ऑफ डायजोकीटोन्स : ए डीएफटी मेकेनिस्टिक स्टडी कम्प्यूटेशनल एंड थ्यूरेटिकल केमेस्ट्री, 1134, 30-36.

आर्य, जी., कुमारी, एम., गुप्ता, एन., कुमार, ए., चन्द्रा, आर. और निमेश, एस. (2017)। ग्रीन सिंथेसिस ऑफ सिल्वर नैनोपार्टिकल्स यूजिंग प्रोसोजिक जूलीफ्लोरा बार्क एक्सट्रेक्ट : रिएक्शन आप्टीमाइजेशन, एंटीमाइक्रोबायल एंड केटेलिटिक एक्टिविटीज। आर्टिफिसयल सेल्स नैनोमेडिसिन बायोटेक्नालाजी, 18, 1-9.

आर्य,जी., शर्मा, एन., अहमद, जे., गुप्ता, एन., कुमार, ए., चन्द्रा, आर. एवं निमेश, एस. (2017)। डिग्रेडेशन ऑफ एंथ्रोपोजेनिक पालुटेंट एंड आर्गेनिक डायज बाय बायोसिंथेसाइज्ड सिलवर नैनो-केटलिस्ट फ्राम सिसर एरिएटिनम लीव्ज। जर्नल ऑफ फोटोकेमिस्ट्री एंड फोटोबायलाजी बी. : बायलाजी, 174, 90-96.

बधानी, बी. एवं कक्कड़, आर. (2017)। डीएफटी स्टडी ऑफ स्ट्रक्चरल एंड इलेक्ट्रानिक प्रोपर्टीज ऑफ गेलिक एसिड एंड इटस एनियांस इन गैस फेज एंड इन एक्वस साल्यूशन। स्ट्रक्चरल केमिस्ट्री, 28(6), 1789-1802.

बधानी, बी. एवं कक्कड़, आर. (2018)। स्ट्रक्चरल, इलेक्ट्रानिक एंड रिएक्टिविटी पैरामीटर्स ऑफ सम ट्रायरगेनोटिन (IV), कार्बोजाइलेटस : ए डीएफटी एनलिसिस, स्ट्रक्चरल केमिस्ट्री, 29(3), 753-763.

बधानी, बी. एवं कक्कड़, आर. (2018)। इंफ्लूएंश ऑफ इंट्रिएसिक एंड एक्सट्रिन्सिक फैक्टर्स ऑन द एंटीरेडिकल एक्टीविटि ऑफ गेलिक एसिड : ए थ्यूरेटिकल स्टडी, स्ट्रक्चरल केमिस्ट्री, 29(1), 359-373.

बंसल, डी. एवं गुप्ता, आर. (2017)। हाइड्रोक्साइड-ब्रिज्ड डायकॉपर कम्पलेक्सिज : द इंफ्लूएंश ऑफ सेकेंडरी कोआर्डिनेशन स्फेयर ऑन स्ट्रक्चर एंड केटिकोलेस एक्टिविटी। डाल्टन ट्रांजेक्शंस, 46, 4617-4627.

बत्रवाल, जी., अग्रवाल, के. एवं खुराना, जे.एम. (2018)। एन एम्पायरन बेसड एजो डाई एज पीएच-रेसपांसिव एंड कीमो-रिवर्सिबल कोलोरिमेट्रिक फ्लूरोसेंट प्रोब फॉर एएल3+ इन सेमी-एक्वश मीडियम: इम्पलीकेशन टूवर्डस लॉजिक गेट एनलिसिस। न्यू जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 42, 2224-2231.

बत्रवाल, जी., सरोहा, एम. एवं खुराना, जे.एम. (2018)। निकेल बोरड मीडिएटिड कीमोसेलेक्टिव डिप्रोटेक्शन ऑफ 1,1-डायएसिटेटस टू एल्डीहाइडेस एंड डिप्रोटेक्शन विद काकोमिटेंट रिडक्शन टू एल्कोहल एट एम्बियंट टेम्परेचर, सिंथेटिक कम्यूनिकेशन, 48, 97-103.

बसु, एस. एवं बिस्वास, पी. (2018)। सॉल्ट-ब्रिज डायनेमेक्स इन इंटिस्ट्रिकली डिसआर्डरड प्रोटींस : ए ट्रेड ऑफ बिटविन इलेक्ट्रोस्टेरिक इंटरएक्शंस एंड स्ट्रक्चरल फ्लेक्सिबिलिटी। बायोकिमिका एट बायोफिजिका एक्टा (बीबीए) - प्रोटीएंश एंड प्रोटियामिक्स, 1866, 624-641.

बिश्नोई, एस., मिलटन, एम.डी., पॉल, टी.के., पाल और ए.के., तारफदेर, एस. (2017)। स्माल नॉन-प्लानर फिनोथियाजिन-5-ऑक्साइड बेसड मॉलीक्यूल्स : स्ट्रक्चरल करेक्टराइजेशन, फोटोफिजिकल, थर्मल एंड कम्पयूटेशनल स्टडीज। केमिस्ट्री सेलेक्ट, 2, 3084-3092.

बिष्ट, एम., मंडल, डी., पेरिईरा, एम.एम., मारा, जी.एफ., वेंकटेशु, पी. और कोटिनहो, जे.ए.पी. (2017)। लांग-टर्म प्रोटीन पैकेजिंग इन फोलोनिम बेसड आयोनिक लिक्विड्स : इम्प्रूवड केटेनिटिक एक्टिविटी एंड इनहांसड स्टेबिलिटी ऑफ साइटोक्रोम सी अगेनस्ट मल्टीपल स्ट्रेसिज। ग्रीन केमिस्ट्री, 19, 4900-4911.

बिष्ट, वाई., तोमर, आर., अभिलाष, पी., लक्ष्मी, डी.आर. एवं थिरूमल, एम. (2017)। माइक्रोवेव डायलेक्ट्रिसिज: सालिड साल्यूशन, आर्डरिंग एंड माइक्रोवेव डायइलेक्ट्रिक प्रोपर्टीज ऑफ (1-X) बीए (एमजी1/3एनबी2/3)ओ3-एक्सबीए (एमजी1/8एनबी3/4)ओ3 सेरेमिक्स। बुलेटिन ऑफ मेटिरियल्स साइंस, 40(6), 1165.

ब्रगता, पी., सिद्धू, आर.के., ज्योति, के., बादली, ए., जैन, यू.के., चन्द्रा, आर. एवं मदन, जे. (2018)। इंट्राटयूमोरल एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ कार्बोप्लाटिन बियरिंग पॉली (ई-केपरोलेक्टान) नैनोपार्टिकल्स एमालगेमेटिड विद इन सिटू जेल टेंडरड आगुमेटिड ड्रग डिलीवरी, साइटोटाक्सिटी एंड एपोपटोसिस इन मेलानोमा ट्यूमर। कालोइडस एंड सरफेसिज बी : बायोइंटरफेसिज, 166, 339-348.

कैटापनो, एम.सी., कार्लिकोवा, जे., टवर्डी, वी., शर्मा, एस., प्रसाद, ए.के., सासो, एल., छिल्लर, ए.के., कुने, जे., पौर, एम. और परमार, वी.एस. (2018)। मोनो एंड डाईहाइड्रोक्सी कोमेरिजन डेरिएटिव्ज : कॉपर शेलेसन एंड रिडक्शन एबिलिटी। जर्नल ऑफ ट्रेस एलिमेंटस इन मेडिसन एंड बायलॉजी, 46, 88-95.

चक्रवर्ती, पी., कोठारी, ए. और नागराजन, आर. (2018)। हाईली आर्डरड पालीएनिलाइन एज एन एफिसिएंट डाय रिमूवर। एडसारपशन साइंस एंड टेक्नालाजी, 36, 429-440.

चांद, के., यादव, पी., प्रसाद, एस. एवं शर्मा, एस.के. (2017)। सिंथेसिस एंड एंटीबैक्टीरियल एक्टिविटी स्क्रीनिंग ऑफ एन- एंड ओ-सबस्टिट्यूटिड क्विनोलान-2-वन एक्टेमाइड डेरिवेटिव्ज। इंडियन जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 56बी, 1243-1250.

चौधरी, एस. एवं मिल्टन, एम.डी. (2018)। डायेक्टियानिक इमिडाजोलियम साल्टस एज फ्लूरोसेंट प्रोबस फॉर सेलेक्टिव डिटेक्शन ऑफ एफई3+ आयन इन प्यूर एक्वेस मीडिया। जर्नल ऑफ फोटोकेमिस्ट्री एंड फोटोबायलाजी ए, 356, 595-602.

चौधरी, एस., कौशिक, एम., अहमद, एस., कुकरेती, आर. एवं कुकरेती, एस. (2018)। स्ट्रकचरल स्विच फ्रॉम हेयरपिन टू डूपलेक्स/एंटीपेरलल जी-क्वाडरूपलेक्स एट सिंगल न्यूक्लियोटाइड पॉलीफार्मिज्म (एसएनपी) साइट ऑफ ह्यूमन एपोलिपोप्रोटीन ई (एपीओई) जीन कोडिंग रीजन। एसीएस ओमेगा, 3, 3173-3182.

चौधरी, एस., कौशिक, एम., कुकरेती, आर. एवं कुकरेती, (2017). स्ट्रक्चरल स्विच फ्रॉम ए मल्टीस्ट्रेंडिड जी-क्वाड्रूपलेक्स टू सिंगल स्ट्रेंडस एज ए कॉनसिक्वेंस ऑफ प्वाइंट मुटेशन इन द प्रोमोटर ऑफ द ह्यूमन जीआरआईएन1-जीन। मॉलीक्यूलर बायोसिस्टमस, 13, 1805-1816.

चौहान, एच., सिंह, एम.के., कुमार, पी., हाशमी, एस.ए. एवं डेका, एस. (2017). डिवलपमेंट ऑफ एसएनएस2/आरजीओ नैनोशीटस कम्पोजिट फॉर कॉस्ट इफेक्टिव एक्वेस हाइब्रिड सुपरकेपेसिटर्स। नैनोटेक्नालाजी, 28, 25401.

चौहान, एम., रेड्डी, के.पी., गोपीनाथ, सी. एवं एस. डेका, एस. (2017). कॉपर कोबाल्ट सलफाइड नैनोशीटस रिएलाइजिंग प्रोमोजिंग इलेक्ट्रोकेटलिटिक आक्सीजन इवोल्यूशन रिएक्शन। एसीएस केटेलिसिस, 7, 5871-5878.

चौधरी, एन.आर., कुमार, आर., एवं कान्त, आर. (2017). थ्यूरी फॉर द क्रोनोपोटेंशिएमेट्री ऑन रफ एंड फाइनाइट फ्रेकटेकल इलेक्ट्रॉड: जिनेरेलाइजड सैंड इक्वेशन। जर्नल ऑफ इलेक्ट्रोएनेलिटिकल केमिस्ट्री,802, 64-77.

चुघ, एच., सूद, डी., चन्द्रा, आई., तोमर, वी., धवन, जी., एवं चन्द्रा, आर. (2018). रोल ऑफ गोल्ड एंड सिल्वर नैनोपार्टिकल्स इन कैंसर नैनो-मेडिसन आर्टिफिसिएल सेल्स, नैनोमेडिसिन एंड बायोटेक्नालॉजी। डीओआई,ओआरजी/10.1080/21691401.2018.1449118,1-11.

दास, एस., भट्टाचार्जी, जी., सतपति, वी., कुमार, एम., डेका, एस., घोसल्या, एम.के., गोपीनाथ, सी.एस. एवं बाला, टी. (2018). डिपाजिशन ऑफ एयू नैनोपार्टिकल्स इनसाइड पोरस सीईओ2 नैनोक्यूबस यूजिंग लेंगमूर- ब्लोजगेट टेकनीक। न्यू जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 42,1379-1386.

दास, टी., चौहान, एच., डेका, एस., चौधरी, एस., बोरूहा, आर. एवं सेकिया, बी.के. (2017). प्रोमिसिंग कार्बन नैनोशीट-बेस्ड सुपरकेपिसेटर इलेक्ट्रॉड मैटिरिएल्स फ्रॉम लो. ग्रेड कोल्स। माइक्रोपोरस एंड मेसोपोरस मैटीरिएल्स, 253, 80-90.

डेका, बी., भट्टाचार्य, ए., मुखर्जी, एस., सरकार, टी., सोनी, के., बनर्जी, एस., सेकिया, के.के., डेका, एस., हुसैन, ए. (2018). फेरोंस कांजुगेटिड कॉपर (II) कम्पलेक्सिज ऑफ टेरीपायरिडाइन एंड ट्रेडिशनल चाइनीज मेडिसन(टीसीएम) एंटीकैंसर लिगेंडस शोविंग सेलेक्टिव टॉक्सिटी टूवडर्स कैंसर सेल्स/एप्लाइड आर्गेनोमेटेलिक केमिस्ट्री, 32, ई4287.

ढिल्लों, एस. एवं कांत, आर. (2017). थ्यूरी फार इलेक्ट्रोकेमिकल इम्पिडेंस स्पेक्ट्रोस्कापी ऑफ हेटरोजेनस इलेक्ट्रॉड विद डिस्ट्रिब्यूटिड केपेसिटेन्स एंड चार्ज ट्रांसफर रेजिस्टेंस। जर्नल ऑफ केमिकल साइंस, 129, 1277-1292.

दीक्षित, ए., कुमार, पी., यादव, जी.डी. एवं सिंह, एस. (2018). एस्मिट्रेक हेनरी रिएक्शन केटलाइज्ड बाय चाइरल सीयू (II) सलालेन एंड सलान कम्पलेक्सिज डिराइवड फ्रॉम (एस)-प्रोलाइन- इनआर्गेनिका चिमिका एक्टा, 479, 240-246.

डुमोगा, एस., राय, वाई., भट्ट, ए.एन., तिवारी, ए.के., सिंह, एस., मिश्रा, ए.के., कक्कड, डी. (2017). ब्लॉक कॉपालीमर बेसड नैनोपार्टिकल्स फॉर थिरानास्टिक इंटरवेशन ऑफ सर्वाइकल कैंसर: सिंथेसिस, फार्माकोकाइनेटिक्स एंड इन-विट्रो/इन-विवो इवेल्यूएशन इन हेला जिनोग्रॉफ्ट माडल्स। एसीएस एप्लायड मैटीरिएल्स एंड इंटरफेसिज,9, 22195.

दत्ता, एस., शर्मा, एस., शर्मा, ए. एवं शर्मा, आर.के. (2017). फेब्रिकेशन ऑफ कोर-सेल-स्ट्रक्चरड आर्गेनिक-इन आर्गेनिक हाईब्रिड नैनोकेटेलिस्ट फार द एक्सीडिएंट सिंथेसिस ऑफ पॉलीसबस्टिट्यूटिड आक्सोजोल्स वाया टेंडम ऑक्सीडेटिव साइकलाइजेशन पाथवे। एसीएस ओमेगा, 2, 2778-2791.

गौर, आर., यादव, एम., गुप्ता, आर., अरोड़ा, जी., राणा, पी. एवं शर्मा, आर. के. (2018). एरोबिक आक्सीडेशन ऑफ थियाल्स टू डायसलफाइड बाय सिल्वर-बेसड मैगनेटिक केटालिस्ट। केमिस्ट्री सेलेक्ट, 3, 2502-2508.

गोयल, एस., तोमर, ए.के., शर्मा, आर.के. एवं सिंह, जी (2018). हाइली सूडोकेपेसिटिव नियो नैनोफ्लेक्स थ्रू सरफेक्टेंट-फ्री फेसाइल माइक्रोवेव-एसिसटिड रूट। एसीएस एप्लाइड एनर्जी मैटीरिएल्स,1(4), 1540-1548.

गोयल, एस., यादव, एच., सिन्हा, एन., कुमार, बी., सिन्हा, बी., बाडिकिन, आई., राव, सी.डी. और गोपालईया, के. (2017)। एन इनसाइट इनटू द सिंथेसिस, क्रिस्टल स्ट्रकचर, जियोमेट्रिकल मॉडलिंग ऑफ क्रिस्टल मार्फोलॉजी, हरसिल्ड

सरफेस एनलिसिस एंड करेकटराइजेशन ऑफ एन-(4-मीथाइलबेंजाइल) बेंजामाइड सिंगल क्रिस्टल। जर्नल ऑफ एप्लाइड क्रिस्टलोग्राफी, 50, 1498-1511.

गोपालईया, के., सैनी, ए. और देवी, ए. (2017)। आयरन-केटलाइज्ड कसकेड रिएक्शन ऑफ टू - एमिनोबेंजाइल एलकोहल्स विद बेंजाएलेमाइंस : सिंथेसिस ऑफ क्विनेजोलाइंस बाय ट्रेपिंग ऑफ अमोनिया। आर्गेनिक एंड बॉयोमालीक्यूलर केमिस्ट्री, 15, 5781-5789.

गोपालईया, के., सैनी, ए., चन्द्रदू, एस.एन., राव, सी.डी., यादव, एच. एवं कुमार, बी. (2017)। कॉपर-केटलाइज्ड एरोबिक ऑक्सीडेटिव कपलिंग ऑफ ओ-फिनाईलेडायमाइंस विद 2-एरिल/हेटरोएरिलेथायनेमाइंस : डायरेक्ट एक्सेस टू कंस्ट्रक्ट क्विनेक्सोलाइंस। आर्गेनिक एंड बायोमालीक्यूलर केमिस्ट्री, 15, 2259-2268.

ग्रेवाल, जी.के., कुकल, एस., कनोजिया, एन., ससो, एल., कुकरेती, एस., कुकरेती, आर. (2017)। इफेक्ट ऑफ आक्सीडेटिव स्ट्रेस ऑन एबीसी ट्रांसपोर्टर्स : कंट्रीब्यूशन टू एपिलेप्सी फार्माकोरेजिस्टेंस, मॉलीक्यूलस, 22, 365.

गुईन, डी., मिश्रा, एम.के., तलवार, पी., रावत, सी., कुशवाहा, एस., कुकरेती, एस., कुकरेती, आर. (2017)। ए सिस्टेमेटिक रिव्यू एंड इंटिग्रेटिव एप्रोच टू डिकोड द कॉमन मालीक्यूलर लिंक बिटविन लेवाडोपा रिस्पांस एंड पार्किंसंस डिजिज। बीएमसी मेडिकल जिनामिक्स, 10-56.

गुलाटी, यू., राजेश, यू.सी., और रावत, डी.एस. (2018)। आरजीओ एट सीयूओ नैनोकम्पोजिटस फ्रॉम ए रिनिवेबल कॉपर मिनरल प्रिकरसर : ए ग्रीन एप्रोच फॉर डिकार्बोक्सीलेटिव सी (एसपी3)- एच एक्टिवेशन ऑफ प्रोलाइन एमिनो एसिड टू एफार्ड वेल्यू-एडिड सिंथांस। एसीएस सस्टेनेबल केमिस्ट्री एंड इंजीनियरिंग, 6. डीओआई : 10.1021/एक्सूकेमइंजि. 8बी01376.

गुलाटी, यू., राजेश, यू.सी., बुनेकर, एन., रावत, डीएस (2017)। डिकार्बोलेक्सेटिव कपलिंग स्ट्रेटजी टू अफार्ड एन-हेट्रोसाइकल्स ड्रिवन बाय सिलिका नैनोस्फेयर एमबेडेड कॉपर ऑक्साइड (सीयू एट एसआईओ2-एनएस), एसीएस सस्टेनेबल केमिस्ट्री एंड इंजीनियरिंग, 5, 4672-4682.

गुलाटी, यू., रावत, एस., राजेश, यू.सी., रावत, डी.एस. (2017)। सीयूओ एट एफई203 केटलाइजड सी1-एलकनाइलेशन ऑफ टेट्राहाइड्रोआईसोक्विनोलांस (टीएचआईक्यू) वीआ ए3 कपलिंग एंड इट्स डिकार्बोसाइलेटिव स्ट्रेटजी। न्यू जर्नल केमिस्ट्री, 41, 8341-8346.

गुप्ता, ए., खोलिया, आर., रावत, डी.एस. (2017)। लेविक एसिड मीडिएटिड टेट्राहाइड्रोफ्यूरन सिंथेसिस वाया [3+2] साइकलोएडिशन रिएक्शन ऑफ 2-एरिसाइकलोप्रोपाइल कीटोन्स विद एल्डीहाइडस। एशियन जर्नल ऑफ आर्गेनिक केमिस्ट्री, 6, 993-997.

गुप्ता, एम., कुमार, पी., बहादुर, वी., कुमार, के. और सिंह, बी.के. (2018)। मेटल फ्री, रेजियोसेलेक्टिव, डिहाइड्रोजिनेटिव क्रॉस-कपलिंग बिटविन फार्मेमाइडस/एल्डीहाइडस एंड कुमारिंस बाय सी-एच फंक्शनेलाइजेशन। यूरोपियन जर्नल ऑफ आर्गेनिक केमिस्ट्री, 2018, 896-900.

गुप्ता, एन., शर्मा, एन., माथुर, एस.के., चन्द्रा, आर. और निमेश, एस. (2017)। एडवांसमेंट इन नैनोटेक्नॉलाजी-बेसड एप्रोचिज फॉर द ट्रीटमेंट एंड डायग्नोसिस ऑफ हाइपरकोलस्टेरोलेमिया। आर्टिफिसियल सेल्स, नैनोमेडिसन एंड बायोटेक्नॉलाजी, 21, 1-10, डीओआई : 10.1080/21691401.2017.1417863.

गुप्ता, पी. और नागराजन, आर. (2018)। फाइन ट्यूनिंग बायफंक्शनल प्रोपर्टीज ऑफ वाई0.5जीडी05बीओ3 बाय डोपिंग विद सीई 3+ एंड को-डोपिंग विद एलआई+, सीए2+ एंड एएल3+ फोलोइंग एंड एपोक्साइड मीडिएटिड जेल एप्रोच मेटीरियल टूडे केमिस्ट्री, 7, 15-24.

गुप्ता, आर., खान, आई., हुसैन, एफ., बोसोह, ए.एम., एमबोलेकली, आई.एम. डे, ओलीवेरा, पी., सदाकने, एम., काटो, सी., इछिहासी, के., इनोयूई, के., निशिहारा, एस. (2017)। टू न्यू सैंडविच-टाइप मैगनीज (एमएन5)- सबस्टीट्यूटिड

पालीआक्सोटंगस्टेट : सिंथेसिस, क्रिस्टल स्ट्रक्चर्स, इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री एंड मैगनेटिक प्रोपर्टीज, इनआर्गेनिक केमिस्ट्री, 56, 8759-8767.

गुप्ता, आर., प्रभाकर, एस., खान, आई., बेहेरा, जे.एन., हुसैन, एफ. (2018)। अर्ली लेंथेनायड सबस्टिट्यूटिड आर्गेनिक-इनआर्गेनिक हाइब्रिड ऑफ सिलिको-एंड-जर्मेनो-टंगस्टटेस : सिंथेसिस, क्रिस्टल स्ट्रक्चर्स एंड सालिड-स्टेट प्रोपर्टीज, इंडियन जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 57ए, 52-58.

गुप्ता, आर., यादव, एम., गौड, आर., अरोड़ा, जी. एवं शर्मा, आर.के. (2017)। स्ट्रेटफारवर्ड वन-पाट सिंथेसिस ऑफ बायोएक्टिव एन-एरिल ऑक्साजोलिडिन-2 वन्स वाय हाइली एफिसिएंट एफई304 एट एसआई 02-सपोर्टिड एसिटेट-बेसड ब्यूटाइलीमाइडाजोलियम आयोनिक लिक्विड नैनोकेटलिस्ट अंडर-मेटल एंड सोल्वेंट फ्री कंडीशंस। ग्रीन केमिस्ट्री, 19, 3801-3812.

गुप्ता, एस. और खुराना, जे.एम. (2017)। एन एफिसिएंट ग्रीन एप्रोच फॉर द सिंथेसिस ऑफ नॉवल-एस-हाइड्रोक्सी-क्रोमिनो [2-3-बी] पायरेडानस अंडर केटालिस्ट एंड सॉल्वेंट फ्री कंडीशंस। ग्रीन केमिस्ट्री, 19, 4153-4156.

गुप्ता, एस., मिल्टन, एम.डी. (2018)। सिंथेसिस ऑफ नॉवल एआईई एक्टिव पायरेडोपायरेजॉइस एंड देयर एप्लीकेशन एज क्रोमोजेनिक एंड फ्लूरोजेनीक प्रोबस फॉर एचजी2+ डिटेक्शन इन एक्वेस मीडिया। न्यू जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 42, 2838-2849.

ईस्सर, यू., कुमारी, टी., अरोड़ा, आर., कक्कड़, आर. (2017)। कनफरमेशनल प्रोपर्टीज ऑफ डीएनए माइनर ग्रूव बाइंडर होएक्ट 33258 इन गैस फेज एंड इन एक्वश साल्यूशन। कम्पयूटेशनल एंड थ्यूरेटिकल केमिस्ट्री, 1113, 32-41.

जैन, आर., भंडारी, एम., अरोड़ा, आर., कक्कर, आर. (2018)। डिजाइन, सिंथेसिस एंड इवोल्यूशन ऑफ 1 एच-1, 2,3-ट्राइजाल-4-एल-मिथाइल टेट्राहर्ड 3-पायरोलाइस्टेंस एज पोटेंट एंटी ब्रेस्ट कैंसर एजेंटस केमिस्ट्री सेलेक्ट, 3(19), 5263-5268.

जैन, आर., घलयान, पी., द्विवेदी, एस., कोनवार, आर., कुमार, एस., भंडारी, एम., अरोड़ा, आर., कक्कड़, आर., कुमार, आर., प्रसाद, ए.के. (2018)। डिजाइन, सिंथेसिस एंड इवोल्यूशन ऑफ 1 एच-1, 2,3, ट्राइजाल-4-एल-मिथाइल टेट्राहर्ड 3-पायरोलाइस्टेंस एज पोटेंट एंटी ब्रेस्ट कैंसर एजेंटस केमिस्ट्री सेलेक्ट, 3, 5263-5268.

जमदेंगी, एम., कौर-घुम्मन, एस., कौर, ए. (2017)। स्टडी ऑफ पालीएनेलाइन एंड फंक्शेनेलाइज्ड जेडएनओ कंपोजिट। इलेक्ट्रोकेमिका एक्टा, 252, 578-588.

जुनेजा, आर. एवं राय, आई. (2018)। आयरन ऑक्साइड-डोपड नायोसोम्स एज ड्रग कैरियर्स फॉर मैगनेटिकली टार्गेटिड ड्रग डिलीवरी। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नैनोमेडिसन, 13, 7-9.

कक्कड़, आर., अरोड़ा, आर., जैदी, एस. (2017). डीएफटी स्टडीज ऑन द एसिड-केटलाइजड कुरिटस रिएक्शन : द स्मिटड रिएक्शन स्ट्रकचरल केमिस्ट्री, 28(6), 1743-1756.

कांत, आर. एवं सिंह, एम.बी. (2017)। थ्यूरी ऑफ द इलेक्ट्रोकेमिकल इंपीडेंस ऑफ मिजोर्स्टक्चरल इलेक्ट्रोड्स एम्बेडेड विद हेट्रोजिनस माइक्रोपोरस। जर्नल ऑफ फिजिकल केमिस्ट्री सी, 121, 7164-7174.

कश्यप, ए., कौर, आर., बादली, ए., जैन, यू.के., चन्द्रा, आर. और मदन, जे. (2018)। क्लोरोक्विन डायफास्फेट बियरिंग डेक्सट्रान नैनोपार्टिकल्स आगुमेंटिड ड्रग डिलीवरी एंड ओवरवेम्ड ड्रग रेजिस्टेंस इन प्लाजमोडियम फालसिपरम पैरासाइटिस। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायलाजीकल मैक्रोमालीक्यूल्स, 114, 161-168.

कत्याल, डी. एवं कांत, आर. (2017)। डायनेमिक्स ऑफ ब्रांचड पालीमर्स इन रैंडम लेयर्ड फ्लाव्ज विद इंट्रामालीक्यूलर हाइड्राडायनेमिक कपलिंग : स्टार एंड डेंड्रिमर : मैक्रोमालीक्यूलर थ्यूरी एंड सिमुलेशंस, 1700009, 1-15.

कौर, ए., ज्योति, के., बादली, ए., जैन, यू.के., चन्द्रा, आर. एवं मदन, जे. (2018)। सेल्फ एसेंबल्ड नैनोमिसेल्स ऑफ एम्फिफिलिक क्लोट्राइमेजाल ग्लाइसिल-ग्लाइसिन एनालॉगस आगमेंटिड ड्रग डिलीवरी, एपापटोसिस एंड रेस्ट्रेंड मेलानोमा ट्यूमर प्रोग्रेसन। मैटीरियल्स साइंस एंड इंजीनियरिंग सी, 89, 75-86.

कौर, एच., सिंह, एस., अग्रवाल, पी., शर्मा, एस., यादव, एस. और हाजरा, आर.के. (2017)। स्ट्रांगली कोरिलेटिड एक्साइटनस ऑफ रेगुलर/इररेगुलर प्लानर क्वांटम डॉटस इन मेगनेटिक फील्ड : साइज एक्सटेंसिव बाय- एंड ट्राइ-एक्सीटन (ई-एच-ई-एच एंड ई-ई-एच/ई-एच-एच) सिस्टमस बाय मल्टीपोल एक्सपेंशन। एसीएस ओमेगा, 2, 7410-7423.

कौर, जे. और कांत, आर. (2018)। मॉडल ऑफ लोकल वर्क फंक्शन एंड जीजेडसी फॉर मालीक्यूलर सेल्फ एसेंबली ओवर नैनोस्ट्रक्चर्ड मेटल इलेक्ट्राड। जर्नल ऑफ फिजिकल केमेस्ट्री सी, 122, 911-918.

कौर, जे. और कांत, आर. (2017)। थ्यूरी ऑफ वर्क फंक्शन एंड पोटेंशियल ऑफ जीरो चार्ज फॉर मेटल नैनोस्ट्रक्चर्ड एंड रफ इलेक्ट्राडस जर्नल ऑफ फिजिकल केमेस्ट्री सी, 121,13059-13069.

कौशिक, एम., चौधरी, एस., महेन्द्र, एस., अहमद, एस., पाठक, ए.के. और कुकरेती, एस. (2017)। माइक्रो आरएनए : ए मल्टी-फेसिट बायलाजिकल टार्गेट फार कैंसर एंड अदर डिजिज। क्लिनिकल कैंसर ड्रग्स, 4, 2-9.

कौशिक, एम., सोनिया, महेन्द्र, एस., त्यागी, पी. और कुकरेती, एस. (2017)। मल्टीपल डायमेंशंस ऑफ फंक्शनल रेलिवेंस ऑफ जिनोसेंसर्स इंटीग्रेटिड फेरोइलेक्ट्रिक्स, 184, 1-10.

काव्या, बी. और वेंकटेशु, पी. (2018)। क्राऊडिड मिल्यू ट्यूनिंग टर्निंग द स्टेबिलिटी एंड एक्टिविटी ऑफ स्टेम ब्रोमिलेन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायलाजिकल मैक्रोमालीक्यूल, 109, 114-123.

खन्ना, जी., सलूजा, पी. और खुराना, जे.एम. (2017)। ए फेसाइल एंड कनविनिएंट एप्रोच फॉर द सिंथेसिस ऑफ नोवल सीजमल-आक्साजाइन एंड क्विनोलाइन ऑक्साजाइन हाइब्रिड वाया थ्री कंपोनेंट रिएक्शन इन ग्लेशियल एसिटिक एसिड। आस्ट्रेलियन जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 64, 1285-1290.

खत्री, वी., भाटिया, एस., अचाजी, के., दीप, एस., कोहली, ई., शर्मा, एस.के., हॉग, आर. और प्रसाद, ए.के. (2017)। लाइपेज-मीडिएटिड सिंथेसिस ऑफ शुगर-पीईजी बेसड एमपिफिलिस फॉर इनकेंपसुलेशन एंड स्टेबिलाइजेशन ऑफ इंडोसाएनाइन ग्रीन। आरएससी एडवांसिज, 7, 37534-37541.

खोलिया, आर., खान, एस.आई, बहुगुणा, ए., त्रिपाठी, एम. और रावत, डी.एस. (2017)। एन-पिपरोनायल सबस्टिट्यूशन ऑन एमिनोक्विनोल-पायरिमाइडिन हाइब्रिड्स : इफेक्ट ऑन द एंटीप्लाजमोडिएल पोटेंसी। यूरोपियन-इन जर्नल ऑफ मेडिसिनल केमिस्ट्री, 131, 126-140.

खुराना, जे.एम., सिंह, ए. और सिंह, एच. (2017)। रिसाइकलेबल जिंक (।।) आयोनिक लिक्विड केटलाइजड सिंथेसिस ऑफ एजाइडस बाय डायरेक्ट एजिडाइजेशन ऑफ एल्कोल्स यूजिंग ट्राइमिथालेसिलिलेजाइड एट रूम टेंपरेचर।टेट्राहेड्रान लेटर्स, 58, 2498-2502.

खुराना, आई., सक्सेना, ए., भारती, खुराना, जे.एम. एवं राय, पी.के. (2017). रिमूवल ऑफ डायज यूजिंग ग्राफीन बेसड कंपोजिटस : ए रिव्यू वाटर एयर सायल पोलूशन, 228, 180-196.

कुमार, बी., मैटी, जे., कुमार, ए., खत्री, वी., शंकर, बी. एवं प्रसाद, ए.के. (2018). सिंथेसिस ऑफ नॉवल 1-ग्लाइकोसिल-4-एमिनोमिथाइल-1,2,3-ट्राइजोल्स। केमिस्ट्री ऑफ हेट्रासाइक्लिक कंपाउंडस, 362-368.

कुमार, डी., सिंह, पी., चन्द्रा, आर., कुमारी, के., कुमार, एम., एवं मीना, एम.के. (2017). इम्पैक्ट ऑफ जेमिनी सरफेक्टेंटस ऑन द स्टेबिलिटी ऑफ इन्सुलिन यूजिंग कम्पयूटेशनल टूल्स। नैनोमेडिसन बायोथ्यूरेपटिक डिसकॉव, 7(1), 149.

कुमार, जी., हुसैन, एफ., एवं गुप्ता, आर. (2017). कार्बन-सल्फर क्रॉस कपलिंग रिएक्शंस केटलाइज्ड बॉय निकेल बेसड कोआर्डिनेशन पालीमर्स बेसड आन मेटालालिजेंडस। डाल्टन ट्रांजेक्शंस, 46, 15023.

कुमार, जी एवं गुप्ता, आर. (2018). कोआर्डिनेशन ड्रिवन आर्किटेक्चर्स बेसड आन मेटालाजिजेंडस आफरिंग एपेंडिड कार्बोक्सिलिक एसिड ग्रुपस। जर्नल ऑफ केमिकल साइंसिज, 46. [इनवायटिड आर्टिकल फार द स्पेशल इश्यू आन एमआईटीसी-XVII].

कुमारी, के., सिंह, पी., बौद्ध, के., स्वेता, मैलिका, एस. और चन्द्रा, आर. (2018). इम्पलिकेशंस ऑफ मेटल नैनोपार्टिकल्स आन एक्वेटिक फोना: ए रिव्यू। नैनोसाइंस एंड नैनोटेक्नालाजी-एशिया। डीओआई: 10.2174/2210681208666171205101112.

कुमारी, के., विश्वकर्मा, वी.के., सिंह, पी., चन्द्रा, आर. अतहर, मोहम्मद., पटेल, आर., एवं कुमार, डी. (2017). सलफोनायलेरा, मटफार्मिन, टीजेडडीएस: पोटेंशियल ड्रग्स टू क्यूर डायबिटिज, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांसड बायोमेडिसन, 2(1), 25-33.

कुमारी, के., विश्वकर्मा, वी.के., सिंह, पी., पटेल, आर., एवं चन्द्रा, आर. (2017). माइक्रोवेव: एन इम्पार्टेंट एड एफिसिन्ट टूल फॉर द केमेस्ट्री, 24, 1-17.

कुमार, एम., चौहान, एच., सतपति, बी. एवं डेका, एस. (2018). योक टाइप एसिमिट्रिक एजी-सीयू2ओ हाइब्रिड नैनोपार्टिकल्स ऑन ग्रेफाइन सब्सट्रेक्टस एज एफिसिएंट इलेक्ट्राड मेटीरियल फॉर आइब्रिड सुपरकेपसिटर्स। जेटक्रिफ्ट फर फिजिकेलेसी चेमई, डीओआई: 10.1515/जेडपीसीएच-2017-1067.

कुमार, एम., त्रिपाठी, वी.के. एंड नागराजन, आर. (2017). एमरजेंस ऑफ डिफेक्ट फ्लूराइट स्ट्रक्चर इन नैनो-साइज्ड थोरिया थ्रू डोपिंग विद सम डायवेलेंट ट्रांजिशन मेटल आयन्स। जर्नल ऑफ अमेरिकन सेरेमिक सोसायटी, 101, 562-568.

कुमार, एन., चुघ, एच., तोमर, आर., तोमर, वी., सिंह, वी.के. एवं चन्द्रा, आर. (2018). एक्सप्लोरिंग द इंटरप्ले बिटविन ऑटोइम्यूनिटी एंड कैंसर टू फाइंड द टार्गेट थ्यूरेपिटिक हॉटस्पाटस। आर्टिफिसिएल सेल्स, नैनोमेडिसन एंड बायोटेक्नालाजी, 46(4), 658-668.

कुमार, एन., तोमर, आर., पांडे, ए., तोमर, वी., सिंह, वी. एंव चन्द्रा, आर. (2017). प्रिक्लिनिकल इवोल्यूशन एंड मालीक्यूलर डाकिंग ऑफ 1,3 बेंजाडाइआक्साइड प्रोपेरिजल इथर डेरिवेटिव्ज एज नावल इनहिबिटर फार काम्बेटिंग द हिस्टॉन हिएसिटिलाइज एंजाइम इन कैंसर आर्टिफिसिएल सेल्स, नैनोमेडिसिन एंड बायोटेक्नॉलाजी, 1-12.

कुमार, पी., अग्निहोत्री, एस., राय और आई. (2018). प्रिपेरेशन एंड करेक्टेराइजेशन ऑफ सुपरपैरामेगनेटिक आयरन ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स फार मैगनेटिकली गाइडिड ड्रग डिलीवरी। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नैनोमेडिसन, 13, 43-46.

कुमार, पी., गुप्ता, एम., बहादुर, वी., परमार, वी.एस. और सिंह, बी.के. (2018). रेडिकल-इनडयूसड, पेलाडियम सी-एच एक्टिवेशन: एन एप्रोच टू फंक्शनेलाइज 4एच-बेंजो[डी][1,3] आक्सीजन-4-वन डेरिवेटिव्ज बाय यूजिंग टोलुएंस, एल्डेहाइडस एंड बेंजाइल एल्कोहोल्स। यूरोपियन जर्नल आफ आर्गेनिक केमेस्ट्री, 1552-1558.

कुमार, पी., कुमार, वी. और गुप्ता, आर. (2017). सेलेक्टिव फ्लूरोसेंट टर्न-ऑफ सेंसिंग ऑफ पीडी2+ ऑयन: एप्लीकेशंस एज पेपर स्ट्रिप्स, पालीस्टिरीन फिल्मस एंड इन सेल इमेजिंग। आरएससी एडवांसिज, 7,7734-7741.

कुमार, पी., कुमार, वी. एवं गुप्ता, आर. (2017). डिटेक्शन ऑफ द एंटीकागुलेंट ड्रग वारफेरिन बाय पालुडियम कम्पलेक्सिज। डाल्टन ट्रांजेक्शनंस, 46, 10205-10209.

कुमार, पी., मट्टा, ए., सिंह, एस., आइकेन, जे.वी.डी., लेन, सी., परमार, वी.एस., एकेलिन, ई.वी.वी.डी., और सिंह, बी.के. (2017). ए फेसाइल, केटलिस्ट फ्री, माइक्रोवेव एसिसटिड एक्सेस टूवर्डस द सिंथेसिस ऑफ 2-एरिल/एलकाइल-3-(1एच-बेंजो[डी]इमीडाजॉल-2-वाईएल)-2, 3-डाइहाइड्रोक्विनाजोलिन-4(1एच)-वन। सिंथेटिककम्यूनिकेशंस, 47, 756-763.

कुमार, आर., गाहलयान, पी., वर्मा, ए., जैन., आर., दास, एस., कोनवार, आर., एवं प्रसाद, ए.के. (2018). डिजाइन एंड सिंथेसिस ऑफ फ्लूरोसेंट सिममेट्रिक बाइस-ट्राइएजोलेटिड-1,4-डाइहाइड्रोपायरिडिंस एज पोटेंट एंटीब्रेस्ट कैंसर एजेंटस। सिंथेटिक कम्यूनिकेशंस, 48, 778-785.

कुमार, आर., गाहलयान, पी., यादव, एन., भंडारी, एम., कक्कड, आर., डलेला, एम. और प्रसाद, ए.के. (2017). बिस-ट्राइएजोलेटिड-1,4-डाइहाड्रोपायरिडिन - हाईली सेलेक्टिव हाइड्रोफोबिक फ्लूरोसेंट प्रोब फॉर डिटेक्शन आफ एफई3+. डायज एंड पिगमेंटस, 147, 420-428.

कुमार, आर. एवं कांत, आर. (2017). एक्स्पेरिमेंटल कारोबेरेशन आफ जनरल फिनामिनालाजिकल थ्यूरी फार डायनेमिक्स आफ ईडीएल इन विसियस मीडियम ऑन रफ हेट्रोजिनस इलेक्ट्राड। इलेक्ट्रोकिमिका एक्टा, 257, 473-482.

कुमार, आर., किशन, आर., थॉमस, जे.एम., चिन्नापन्न, एस. एवं तिरूपति, एन. (2017). प्रोविंग द फैक्टर्स दैट इंफलूएंश द कनफरमेशन ऑफ ए ग्वानिडिंटो लिगंड इन [(एन5-सी5एमई5) एम (एनएन)एक्स] (एनएन = चिलेटिंग एन, एन, एन', एन'' -ट्रायो(ओ-सबस्टिट्यूटिड एरिल) ग्वांडिनेट (1?-); एक्स = क्लोरो, एजिडो एंड ट्रायाजोलाटो) न्यू जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 42, 1853-1866.

कुमार, आर., कुमार, एम., सिंह, ए., सिंह, एन., मैती, जे. और प्रसाद, ए.के. (2017)। सिंथेसिस ऑफ नोवल सी-4-स्प्रिो आक्सीटेनो-अल्फा-एल-राइबोन्यूक्लियोसाइडस, कार्बोहाइड्रेट अनुसंधान, 455, 88-92.

कुमार, आर., सौंथवाल, सैनी, के.एम., पटेल, एम. एवं वर्मा, ए.के. (2017)। रिजियोसेलेक्टिव प्रिफेरेशियल सीएच एक्टिवेशन ऑफ स्टेरिकली हिंडरड 1,3-डिएंश ओवर [4+2] साइक्लोएडिशन, टेट्राहेड्रान, 73, 2415-2431.

कुमार, आर. और तिरूपति, एन. (2017)। सिंथेसिस, करेक्ट्राइजेशन एंड केटलिटिक रोल ऑफ (एच5-सी5एमई5) आरएच(III) ग्वानिडिंटो कम्पलेक्सिज इन ट्रांसफर हाइड्रोजिनेशन (टीएच) एंड टीएच-एथरफिकेशन आरएससी एडवांसिज, 7, 33890-33904.

कुमार, आर., यादव, एन., लेविला, आर. बालसी, डी., क्विंटना, जे., ब्रेया, जे.एम., लोजा, एम.आई., मेस्ट्रेस, जे., भंडारी, एम., अरोड़ा, आर., कक्कड़, आर. और प्रसाद, ए.के. (2017)। सिंथेसिस, फार्माकोलाजिकल इवोल्यूशन एंड मॉलीक्यूलर डॉकिंग ऑफ पायरेनोपायरोजोल-लिंक्ड 1-4 डाइहाइड्रोपायरिडाइंस एज पोटेंट पॉजिटिव इनोट्रोपस। मालीक्यूलर डायवर्सिटी, 21(3), 533-546.

कुमार, एस., अचाजी, के., लीचा, के., मनचंदा, पी., हाग, आर. एवं शर्मा, एस.के. (2017)। कीमो-एंजाइमेटिक सिंथेसिस ऑफ डेड्रानाइज्ड पालीमर्स फॉर साइनेन डाय इनकेपसुलेशन। एडवांसिज इन पालीमर टेक्नालॉजी 1-9, डीओआई : 10.1002/एडीवी.21839.

कुमार, एस. और गुप्ता, आर. (2017)। कोबाल्ट कंपलेक्सिज केटलाइज रिडक्शन ऑफ नाइट्रो कंपाउंडस : मैकेनिस्टिक स्टडीज, केमेस्ट्री सेलेक्ट, 2, 8197-8206.

कुमार, एस., किशन, आर., कुमार, पी., पछिसिया, एस. और गुप्ता, आर. (2018)। साइज-सेलेक्टिव डिटेक्शन ऑफ पाइसिरिक एसिड बाय फ्लोरेसेंट पलाडियम मैक्रोसाइकिल्स। इनआर्गेनिक केमिस्ट्री, 57, 1693-1697.

कुमार, एस., मुजाहिद, एम. और वर्मा, ए.के. (2017)। रिजियोसेलेक्टिव 6-एंडो-डिग आयडोसाइक्लाइजेशन : एन एक्सिबल एप्रोच फॉर आयड़ो-बेंजो (ए) फेनाजिंस। आर्गेनिक एंड बायोमालीक्यूलर केमेस्ट्री, 15, 4686-4696.

कुमार, एस., पार्थसारथी, आर., सिंह, ए.पी., विकमेन, बी., तिरूमल, एम. और गांगुली, ए.के. (2017)। डामिनेंट (100) फेसिट सेलेक्टिविटी फॉर इनहांसड फोटोकेटलिटिक एक्टिविटी और एनएएनबीओ3 इन एनएएनबीओ3/सीडीएस कोर/शेल हेट्रोस्ट्रकचर्स : केटलिसिस साइंस एंड टेक्नालॉजी, 7(2), 481.

कुमार, वी., कुमार, पी. और गुप्ता, आर. (2017)। फ्लूरोसेंट डिटेक्शन ऑफ मल्टीपल आयन्स बाय टू रिलेटिड कीमोसेंसर्स : स्ट्रकचरल इलेसुडेशंस एवं लाजिक गेट एप्लीकेशन। आरएससी एडवांसिज, 7, 23127-23135.

कुमारी, एस. और खुराना, जे.एम. (2017)। एन एफिसिएंट केटलिस्ट फ्री सिंथेसिस ऑफ नोवल क्रोमेनो (4, 3-बी) क्विनोलाइंस थ्रू मिशेल इनिसिएटिड रिंग क्लोजर (एमआईआरसी) रिएक्शन विद इन सिटू जिनरेटिड 3-(एरिलमिथाइलिन), क्रोमेन-2, 4-डायोन्स/जर्नल ऑफ केमिकल साइंसिज, 129, 1225-1231.

महेन्द्र, एस., राय और के., कुकरेती एस. (2017)। पेपटायड बायोमार्कर्स : एक्सप्लारिंग द डायग्नोस्टिक एस्पेक्ट। करंट प्रोटीन एंड पेप्टाइड साइंस, 18, 914-919.

मल्होत्रा, एस., सिंह, एस., राणा, एन., तोमर, एस., भटनागर, पी., गुप्ता, एम., सिंह, एस.के., सिंह, बी.के., छिल्लर, ए.के., प्रसाद, ए.के., लेन, सी., कुमार, पी., गुप्ता, के.सी., वर्मा, ए.जे., कुहाड़, आर.सी., शर्मा, जी.एल., परमार, वी.एस. और रिचर्डस, एन.जी.जे. (2017)। कीमोएंजाइमिटिक सिंथेसिस, नैनोटाइजेशन एंड एंटी-एसपरगिलस एक्टिविटी ऑफ ऑप्टीकली इनरिचड फ्लूकोनेजाल एनालोगस। एंटीमाइक्रोबायल एजेंटस एंड कीमोथेरेपी, डीओआई.ओआरजी/10.1128/एएसी.00273-17.

मलिक, पी. और कक्कड़, आर. (2018)। इफेक्टस ऑफ इनक्रीजिंग नंबर ऑफ रिंग्स ऑन द आयन सैंसिंग ऑफ सीडीएसई क्वांटम डॉटस : ए थ्यूरेटिकल स्टडी, जर्नल ऑफ नैनोपार्टिकल्स अनुसंधान, 20, 114.

मनचंदा, जी., सोढी, आर.के., जैन, यू.के., चन्द्रा, आर. और मदान, जे. (2018)। आयोडेनेटिड करेसिम बियरिंग डर्मल क्रीम आगुमैंटिड ड्रग डिलीवरी, एंटीमाइक्रोबायल एंड एंटीआक्सीडेट एक्टिविटिज। जर्नल ऑफ माइक्रोइनकेपसुलेशन, 35, 49-61.

मनचंदा, पी., प्रसाद, बी., कुमार, ए., तिवारी, आर.के., नसरोलाहिसिराजी, ए., परांग, के. और शर्मा, एस.के. (2017)। डिजाइन, सिंथेसिस एंड इवोल्यूशन ऑफ किनेस इनहिबिशन पोटेंशियल ऑफ पाइरिडाइपायरिमिडानेफिनायल डेरिएटिव्ज। आर्चिव डर फारमेजी, 350, ई1600390.

मंगला, पी., रूंगटा, पी., मैखुरी, वी.के., शिवानी और प्रसाद, ए.के. (2017)। इनवायरनमेंट फ्रेंडली बायोकेटालिटिक सिंथेसिस ऑफ बायसाइक्लिक ए-एल-राइबोफुरेनोसाइनुन्यूक्लिसाइड अनुसंधान, 9(3), 34-42.

मैथ्यू, बी.पी., टंडन, आर., बत्रा, एन., अग्रवाल, डी., बोस, एम., गुप्ता, आर.डी. एवं नाथ, एम. (2017)। इनवायरमेंटली बेंजिन सिंथेसिस एंड एंटी-माइकोबैक्टीरियल इवेल्यूएशन ऑफ 9,10-डाइहाइड्रो-4-मिथाइल-क्रोमेनो [8,7-ई][1,3] आक्सीजेन-2(8एच)-वन डेरिवेटिव्ज। इंडियन जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 56बी, 1237-1242.

मौर्या, एस., एस. खान, एस.आई., कुमार, डी., बहुगुणा, ए. और रावत, डी.एस. (2017)। सिंथेसिस, एंटीकलेरियल एक्टिविटी, हेमे बाइंडिंग एंड डाकिंग स्टडीज ऑफ एन-सबसटिट्यूटिड 4-एमिनोक्विनोलाइन-पायरिमिडाइन मालीक्यूलर हाइब्रिडस। यूरोपियन जर्नल ऑफ मेडिसिनल केमेस्ट्री 129, 175-185.

मीना, के., खुराना, जे.एम. और मलिक, ए. (2018)। वन-पोट सिंथेसिस ऑफ हाइड्रोक्सी पायरोजोल [1, 2-ए][1,2,4] ट्रायजाल एंड देयर डिहाइड्रेशन यूजिंग रिसाइकलेबल आयनिक लिक्विड एज रिएक्शन मीडिया। जर्नल ऑफ हेट्रासाइक्लिक केमिस्ट्री, 55, 83-90.

मेराजुल इस्लाम, मोहम्मद और कांत, आर. (2017)। थ्यूरी ऑफ इलेक्ट्रोकेमिकल क्रोनोकुलोमेट्री ऑफ ए सूडो फर्स्ट आर्डर केटलिटिक प्रोसेस एट ए रफ इलेक्ट्राड। जर्नल ऑफ इंडियन केमिस्ट्री सोसायटी, 94, 1279-1290. (आचार्य जे.सी. घोष मेमोरियल लेक्चर - 2016, कनवेंशन स्पेशल इश्यू- 2017)।

मिश्रा, पी;के., कुमार, आर. और राय, पी.के. (2018)। सरफेक्टेंट फ्री वन-पाट सिंथेसिस ऑफ सीईओ2, टीआईओ2 एंड टीआई एट सीई ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स फॉर अल्ट्रा फास्ट रिमूवल ऑफ क्रोम (VI) फ्रॉम एक्वेस मीडिया। नैनोस्केल, 10, 7257-7289.

मिश्रा, पी.के., सक्सेना, ए., रावत, ए.एस., दीक्षित, पी.के., कुमार, आर. और राय, पी.के. (2018)। सरफेक्टेंट-फ्री वन-पाट सिंथेसिस ऑफ लो डेंसिटी सेरियम ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स फॉर एडसार्पटिव रिमूवल ऑफ आर्सेनिक स्पिसिज। इनवायरनमेंट प्रोग्रेस एंड सस्टेनेबल एनर्जी 37, 221-231.

मोघा, एन.के., गोसाई, एस. और मसराम, डी.टी. (2017)। गोल्ड नैनोवार्मस इम्मोबाइलज्ड ग्राफीन ऑक्साइड पालीमर ब्रश नैनोहाइब्रिड फॉर केटलिटिक डिग्रेडेशन स्टडीज ऑफ आर्गेनिक डाइज। एप्लाइड सरफेस साइंस, 396, 1427-1434.

मोघा, एन.के., गोसाई, एस., मसराम और डी.टी. (2017)। लैंथनम ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स इम्मोबाइलज्ड रिडयूसड ग्राफीन पालीमर ऑक्साइड ब्रश नैनोहाइब्रिड फार इनवायमेंटल विशिएशन ऑफ आर्गेनिक डायज। अरबियन जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 1878-5352.

मोघा, एन.के., कीर्ति, एस. और मसराम, डी.टी. (2017)। एलए2ओ3/रिडयूस्ड ग्राफीन ऑक्साइड नैनोकम्पोजिट : ए हायली एफिसिएंट, रियूजेबल हेट्रोजिनस केटालिस्ट फार द सिंथेसिस ऑफ बायलाजिकली इंपोरटेंट बिस (इंडोलयल) मीथेन्स। जर्नल ऑफ नैनोसाइंस एंड नैनोटेक्नॉलाजी17, 2508-2514.

नागपाल, एम., अग्रवाल, जी., जिंदल, एम., बालदी, ए., जैन, यू.के., चन्द्रा, आर. और मदन, जे. (2018)। अल्ट्रासाऊंड माइक्रोवेव एंड बॉक्स-बेहंकेन डिजाइन एमालगेमेशन आफर्ड सुपीरियर यील्ड ऑफ जीयू, फ्राम एबेलमासिस एसकुलेटंस : इलेक्ट्रिकल, केमिकल एंड फंक्शनल पेक्यूलेरिटी। कम्प्यूटर्स एंड इलेक्ट्रानिक्स इन एग्रीकल्चर, 145, 169-178.

नागपुरे, आई.एम., पेनूले, डी., मसराम, डी.टी. और रबानल, एम.ई. (2017)। द इफेक्ट ऑफ इथेनाल ऑन स्ट्रकचरल, मार्फोलाजिकल एंड ऑप्टीकल प्रोपर्टीज ऑफ एलआई (I) 8-हाइड्रोक्सी किवनोलाइन फॉसफर। जर्नल ऑफ लुमिनेसेंस 192, 1180-1190.

नागुएन, आर., गेली, एन., सिंह, ए.के., पॉलस, एफ., स्टाबनर, डी., सेलेनसर, सी., शर्मा, एस.के., हाग, आर. और लेन, सी. (2017)। ए सिम्पल एंड एफिसिन्ट प्रोसेस फार लार्ज स्केल ग्लाइसरोल आलिगोमेजेरिजेशन बाय माइक्रोवेव इररेडिशन, केटलिस्टस, 7, 123.

नंद, बी., मीना, के., गुप्ता, एस., खुराना, जे.एम., मलिक, ए., शर्मा, सी. और पंवार, एच. (2017)। डिजाइन एंड सिंथेसिस ऑफ नोवल 2-(3-एरिल/एलकलाइमिनो प्रोपॉक्सी)-12-एरिल ऐथनीन डेरिएटिव्ज एज एंटीफंगल एंड एंटीबैक्टीरियल एजेन्टस। केमिकल बायलाजी लेटर्स, 4, 81-90.

नटराजन, एम., फौजदार, एच., मोबिन, एस.एम., स्टेन, एम. और कौर-घुम्मन, एस. (2017)। ए मोनोन्यूक्लियर आयरन कार्बोनाइल कम्पलेक्स [एफई (म्यू-बीडीटी)] डाल्टन ट्रांजेक्शंस, 46, 10050-10056.

नेगी, बी., कुमार, डी. और रावत, डी.एस. (2017)। मेरिन पेपटाइडस एज एंटीकैंसर एजेन्टस : ए रिमेडी टू मैनकाइंड बाय नेचर। करंट प्रोटीन एंड पेप्टाइड साइंस, 18, 885-904.

नेगी, बी., पूनम, पी., अंसारी, एम.एफ., कुमार, डी., अग्रवाल, एस., सिंह, आर., आजम, ए., एवं रावत, डी.एस. (2018). सिंथेसिस, एंटीमोबिक एक्टिविटी एंड डाकिंग स्टडीज ऑफ मेट्रानायडाजाल-ट्रायजाल-स्आयरल हाइब्रिडस यूरोपियन जर्नल ऑफ मेडिसिनल केमेस्ट्री, 150, 633-641.

पाठक, एम., ओझा, एच और कक्कड़, आर. (2017). डिजाइन, सिंथेसिस एंड बायोलाजिकल इवेल्यूशन ऑफ एंटीमलेरियल एक्टिविटी ऑफ न्यूकेरिएटिव्स ऑफ 2,4,6-एस-ट्रायजाइन। केमिस्ट्री सैंट्रल जर्नल, 150, 633-641.

पांडे, आई.के., नटराजन, एम., फौजदार, एच., हुसैन, एफ., स्टेन, एम. और कौर-घुम्मन, एस. (2018). इंट्रामालीक्यूलर स्टेबिलाइजेशन ऑफ ए केटलिटिक [एफईएफई]-हाइड्रोजिनेस मिमिक इनवेस्टिकेटिड बॉय एक्सपेरिमेंट एंड थ्यूरी। डाल्टन ट्रांजेक्शंस, 47, 4941-4949.

पांडे, एस., बंसल, डी. और गुप्ता, आर. (2018). ए मेटाललिजेंड एपेंडेड विद बेंजिमाइडोजोल रिंग्स: टेट्रान्यूक्लियर [सीओजेडएन3] कम्पलेक्सिज एंड देयर केटलिटिक एप्लीकेशंस। न्यू जर्नल ऑफ केमस्ट्री, 42, 9847-9856.

पंवार, आर., सिंह, एस., यादव, पी., साव, आर., कुमार, ए. और प्रताप, आर. (2017). सिंथेसिस ऑफ पार्शिएली रिडयूज्ड इमिडेजो [1,2-ए] पायरिडाइन्स थ्रू एन अनप्रिसिडेंटिड बेस-मीडिएटिड (4+2) साइक्लाइजेशन। सिनलेट, 28,819.

पसरिचा, एस., शर्मा, डी., ओझा, एच., गहलोत, पी., पाठक, एम., बासु, एम., चावला, आर., सिंघल, एस., सिंह, ए., गोयल, आर., कुकरेती, एस., और शुक्ला, एस. (2017). लुमिनेसेंस, सर्कुलर डायक्रोएजिम एंड इन सिलिको स्टडीज ऑफ बाइंडिंग इंटरएक्शन ऑफ सिंथेसाइज्ड नेपथाइलकेलकॉन डेरिएटिव्ज विद बोवाइन सीरम एलबुमिन। लुमिनेसेंस, 32(7), 1252-1262.

पोखरियाल, एम., और ऊमा, एस. (2017). लुमिनेसेंस प्रोपर्टीज ऑफ टीबी3+ और ईयू3+ डोप्ड बेयेराइट सीएबीआई2ओ2(सीओ3)2. मेटेरियल्स अनुसंधान बुलेटिन, 95, 361-366.

पोखरियाल, एम., और उमा, एस. नागराजन, आर. (2017). फेसाइल सिंथेसिस एंड करेकट्राइजेशन ऑफ एसिटेट इंटरकलेटिड सीओ-एलए लेयर्ड डबल हाइड्रोक्साइड। जर्नल ऑफ रेयर अर्थस, 35, 474-479.

पूनिया, ई., मिश्रा, पी.के., किरन, वी., सांगवान,जे., कुमार, आर., राय पी.के. और तोमर, वी.के. (2018). एयरा-जेल एसिस्टिड सिंथेसिस आफ एनटेस टीआईओ2 नैनोपार्टिकल्स फार ह्यूमिडिटि सेंसिंग एप्लीकेशन। डाल्टन ट्रांजेक्शंस, 47,6293-6298.

प्रकाश, एस., हजारी, पी.पी., मीना, वी.के., जसवाल, ए., खुराना, एच., कुकरेती, एस. और मिश्रा, ए.के. (2017). बायोटिनिडेस रेजिसटेंट 68गेलियम-रेडियोलिगेंड बेसड ऑन बायोटीन/एविडिन इंटरएक्शन फार प्रीटार्गेटिंग: सिंथेसिस एंड प्रीक्लीनिकल इवेल्यूशन। बायाकांजुगेट केमेस्ट्री, 27, 2780-2790.

प्रसाद, एस., अचाजी, के., बचर, सी., हॉग, आर., शर्मा, एवं एस.के. (2017). फेब्रिकेशन ऑफ नैनोस्ट्रक्चर्स थ्रू सेल्फ-एसेम्बली ऑफ नॉन आयोनिक एम्फिफाइल्स फॉर बायोमेडिकल एप्लीकेशंस, आरएससी एडवांसिज, 7, 22121-22132.

प्रताप, आर., राम, और वी.जे. (2017). 2एच-पायरन-2-वन्स एंड हेयर एनिलेटिड एनलॉगस एज मल्टीफेसिटिड बिल्डिंग ब्लॉक्स फार द फेब्रिकेशन ऑफ डायवर्स हेट्रोसाइकिल्स। टेट्राहेड्रान्स, 73, 2529.

प्रसाद, एस., कुमार, बी., कुमार, एस., चन्द, के., कांबले, एस.एस., गौतम एच.के. और शर्मा, एस.के. (2017). एसिटेमाइड डेरिएवेटिव्ज ऑफ क्रोमेन-2-वन्स एज पोटेंट कालीनेसिटिरेस इनहिबिटर्स। आर्थिक डर फार्माइज, 350, ई1700076.

पुरोहित, जी., राजेश, यू.सी., और रावत, डी.एस. (2018). कायरेटकली पॉरस स्फेयर-लाइककापर ऑक्साइड(एचएस-सीयूओ) नैनोकेटेलाइप्ड सिंथेसिस ऑफ बेंजोफयूरेन आइसोमर्स विद एनोमेलस सेलेक्टिविटी एंड देयर आयडल ग्रीन केमिस्ट्री मेट्रिक्स। एसीएस सस्टेनेबल केमिस्ट्री एंड इंजीनियरिंग, 5, 6466-6477.

राधिका, एन.पी., सेलविन, आर., कक्कड़, रीता. और हसु, एच-एल. (2017). नैनोक्रिटल्स ऑफ जियोलाइट जेडएसएम-5 एज केटेलिस्टस फॉर द लिक्विड फेज बेंथाइलेशन ऑफ एनिसाल विद बेंजाइल एल्कोहल। जर्नल ऑफ नैनोसाइंस एंड नैनोटेक्नालाजी, 17(2), 1329-1337.

राधिका, एन.पी., सेलविन, आर., कक्कड़, आर., और रोसलिन, एल.एस. (2018). नैनोक्रिस्टेलाइन हायरेरकिएल जेडएसएम-5: एन एफिसिएंट केटलिस्ट फॉर द एलकाइलेशन ऑफ फीनाल विद साइक्लोहेक्सेन। जर्नल ऑफ नैनोसाइंस एंड नैनोटेक्नालाजी, 18(8), 5404-5413.

राय, जी.जे. एवं बिस्वास, पी. (2017). ट्रॉपोलाजी ड्रिवन स्ट्रक्चरल ट्रांजिशन ऑफ डेड्रिमर्स विद ए डायमेंशन क्रास-ओवर। पालीमर्स, 115, 118-127.

राय, आर., दत्रा, आर.के., सिंह, एस., यादव, डी.के. कुमारी, एस., सिंह, एच., गुप्ता, आर.डी. और प्रताप, आर. (2018). सिंथेसिस, बायोलाजिकल इवेल्यूशन एंड मालीक्यूलर डाकिंग स्टडी ऑफ 1-एमिनो-2-एर आयनेफ्थालिंस अगेन्स्ट प्रोस्टेट कैंसर। बायोआर्गेनिक एंड मेडिसिनल केमिस्ट्री लेटर्स, 28, 1574.

राणा, एन., कुमार, एम., खत्री, वी., मैती, जे. और प्रसाद, ए.के. (2017). एंजाइमेटिक सेपरेशन ऑफ ऐपिमेरिक 4-सी हाइड्रोजाइमिथाइलेटिड फेरनोशुगर्स: सिंथेसिस ऑफ बायसाइक्लिक न्यक्लियोसाइडस। बेलस्टेन जर्नल ऑफ आर्गेनिक केमिस्ट्री, 13, 2078-2086.

राणा, एन., कुमार, एम., सिंह, ए., मैती, जे., शुक्ला, पी. और प्रसाद, ए.के. (2018). सिंथेसिस ऑफ नावल 3’-एजिडो-3’-डेक्सीएल्फा-एल-रिबो कान्फिगुरेटिड न्यूक्लियोसाइड: ए कंपेरिटिव स्टडी बिटविन केमिकल एंड कीमा-एंजाइमेटिक मेथडालाजिज। न्यूक्लियोसइड, न्यूक्लियोटाइड एंड न्यूक्लिक एसिड डीआआई.ओआरजी/10.1080/15257770.2018.1460476.

रावत, एम. और रावत, डी.एस. (2018)। कॉपर ऑक्साइड, नैनोपार्टिकल्स केटलाइजड सिंथेसीस ऑफ इमिडेजो [1, 2-ए] पायरिमिडाइन डेरिएटिव, देयर ऑप्टिकल प्रोपर्टीज एंड सेलेक्टिव फ्लूरोसेंट सेंसर टूवर्डस जिंक आयंस। टेट्राहेड्रान लेटर्स, 59, 2341-2346.

रावत, पी. और नागराजन, आर. (2018)। मैकेनोकेमिकल सिंथेसिस ऑफ के2एमएफ6 (एम=एमएन, एनआई) बाय केशन एक्सचेंज एट रूम टेम्परेचर। सालिड स्टेट साइंसिज, 76, 33-37.

रावत, पी. और नागराजन, आर. (2017)। एमोनियम फ्लोराइड मीडिएटिड मैकेनो केमिकल सिंथेसिस ऑफ ए2पीडीएफ6(ए=के, आरबी) एलांग विद देयर केटलिटिक रोल इन एनवायरनमेंटल रिमिडेशन। जर्नल ऑफ एनवायरनमेंटल केमिकल इंजीनियरिंग, 5, 5460-5468.

रावत, पी., सरोज, एस.के., गुप्ता, एम., प्रकाश, जी.वी. और नागराजन, आर. (2017)। वेट केमिकल सिंथेसिस, स्ट्रकचरल करेक्टराइजेशन एंड आप्टिकल प्रोपर्टीज ऑफ रेयर अर्थ ड्रापड हेलो पेरोवसकाइटस के3जीएएफ6. जर्नल ऑफ फ्लूराइन केमिस्ट्री, 200, 1-7.

रावत, पी., शालू एवं नागराजन, आर. (2018)। मेकेनोकेमिकल ट्रांसफार्मेशन ऑफ जिंकऑक्साइड टू हायली डिफेक्टिव जेडएनओ। मेटेरियल लेटर्स 212, 178-181.

रेड्डी, पी.एल., अरूंधती, आर., त्रिपाठी, एम., चौहान, पी., यान, एन. और रावत, डी.एस. (2017)। सालवेंट फ्री ऑक्सीडेटिव सिंथेसिस ऑफ 2-सबस्टिट्यूटिड बेंजिमाइडोजोल्स बाय इम्मोबाइलाइज्ड कोबाल्ट ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स ऑन एलुमिना/सिलिका सपोर्ट। केमिस्ट्री सेलेक्ट, 2, 3889-3895.

रेड्डी, पी.एल., खान, एस.आई., पोन्नन, पी., त्रिपाठी, एम. और रावत, डी.एस. (2017)। डिजाइन, सिंथेसिस एंड इवोल्यूशन ऑफ 4-एमिनोक्विनोलाइन-पूयूरिन हाइब्रिडस एज पोटेंशियल एंटीप्लाजमोडियल एजेंटस। यूरोपियन जर्नल ऑफ मेडिसिनल केमिस्ट्री, 126, 675-686.

रेड्डी, पी.एल., त्रिपाठी, एम., अरूंधती, आर. और रावत, डी.एस. (2017)। कीमोसेलेक्टिव हाइड्रोजिन-मीडिएटिड ट्रांसफर हाइड्रोजिनेशन ऑफ सीओ3ओ4 नैनोपार्टिकल्स इम्मोबीलाइज्ड ऑन एन एएल/एसआई-मिक्सड ऑक्साइड सपोर्ट। केमिस्ट्री- एन एशियन जर्नल, 12, 785-791.

रूंगटा, पी., मंगला, पी., मैखुरी, वी.के., सिंह, एस.के. और प्रसाद, ए.के. (2017)। माइक्रोवेव-असिसटेड सिंथेसिस ऑफ सी-4-(1,5-डीसबसिट्यूटिड)-ट्रायोजोल-स्पीरो-एल्फा-एल-एराबिनोफूरानोसिल न्यूक्लिओसाइडस। केमिस्ट्री सेलेक्ट, 2, 7808-7812.

रूंगटा, पी., मंगला, पी., खत्री, वी., मैती, जे. और प्रसाद, ए.के. (2018). बायोकेटेलिटिक रूट टू वी-4’-स्पायरो-आक्सीटेनो-जायलोफरेनेसाल पायरिमिडइन न्यूक्लियोसाइडस। बायोकेटेलिसिस एंड बायोट्रांसफार्मेशन, डीओआई.ओआरजी/10.1080/10242422.2018.1438416.

सचदेवा, टी., विश्नोई, एस., एवं मिल्टन, एम.डी. (2017). मल्टी-स्टिमली रेस्पांस डिस्पलेइंग नावल फिनोथायजिन बेसड नॉन-प्लानर डी-पाई-ए हाइड्रोजोन्स, सिंथेसिस, करेक्टराइजेशन फोटोफिजिकल एंड थर्मल स्टडीज। केमिस्ट्री सेलेक्ट, 2, 11307-11313.

साहू, वी., मरिची, आर.बी., सिंह, जी. एवं शर्मा, आर.के. (2017). मल्टीफंक्शनल, सेल्फ-एक्टिवेटिंग आक्सीजन रिच होले कार्बन मानालिथ डिराइव्ड फ्रॉम एगराज बायोपालीमर। एसीएस सस्टेनेबल केमिस्ट्री एंड इंजिनियरिंग, 5(10), 8747-8755.

सखारकर, एम.के., राजमनिकम,के., चन्द्रा, खान, एच.ए., एलहेमिडा, ए.एस. और यांग, जे. (2018). आइडंटिफिकेशन आफ नॉवल ड्रग टार्गेटस इन बोवाइन रेस्पिरेटरी डिजीज: एन इशिंशिएल स्टेप इन एपलाइंग बायोटेक्नालिजकल टेकनीक टू डिवलेप मोर इफेक्टिव थ्यूरेपटिक ट्रीटमेंटस। ड्रग डिजाइन, डिवलपमेंट एंड थेरेपी, 2, 135-146.

सक्सेना, के., श्रीवास्तव, ए. और कांत, आर. (2017). चिरल एनलिसिस आफ एसकार्बिक एसिड इन बोवाइन सीरम यूजिंग अल्ट्राथिन मालीक्यूलर इम्प्रिंटिड पॉलीएनिलाइन/ग्रेफाइट इलेक्ट्राड। जर्नल ऑफ इलेक्ट्रोएनलिटिक केमिस्ट्री, 795, 103-109.

सक्सेना, एस., जोशी, एस., शंकरास्वामी, जे., त्यागी, एस., और कुकरेती, एस. (2017). मैगनीशियम एंड मालीक्यूलर क्राउडिंग आफ द कोसोल्यूटस स्टेबिलाइज द आई-मोटिफ स्ट्रकचर एट फिजियालाजिकल पीएच बायोपालीमर्स 107(7). डीओआई: 10.1002/बीआईपी.23018

सरोहा, एम., खन्ना, जी. और खुराना, जे.एम. (2017). सिंथेसिस ऑफ नावल 5-सबस्टिट्यूटिड 6-फिनाइलप्रोलो[2,3-डी]पायरेमिडाइन डेरिवेटिव्ज वाया वन-पाट थ्री कंपोनेंट रिएक्शंस अंडर केटलिस्ट फ्री कंडीशन। केमिस्ट्री सेलेक्ट, 2, 7063-7266.

सत्याशिवन, एस.डी., कुमार, सी.के., शंकर, बी., सत्येन्द्रियन, एम., और मसराम, डी.टी. (2017). परफेक्ट सिमेट्रिकल साइक्लिक एरोमेटिक ट्राइमर मोटिफ इन ट्राइपोडल मालाक्यूल। आरएससी एडवांसिज, 7, 17297-17300.

शर्मा, ए.के. प्रसाद, एस., और शर्मा, एस.के. (2017). सिंथेसिस एंड करेक्टराइजेशन आफ नावल बेंजोएक्साजिन बेसड एरिलिडायनेससनेमाइड डेरिएटिव्ज। सिंथेटिक कम्यूनिकेशंस, 47, 1854-1863.

शर्मा, ए., कौर, ए., जैन, यू.के., चन्द्रा, आर., और मदन, जे. (2017). स्टील्थ रिकंबिनेंट ह्यूमन सीरम एलबूमिन नैनोपार्टिकल्स कांजुगेटिंग 5-फ्लूरोअर्सिल ड्रग डिलीवरी एंड साइटोटाक्सिटी इन ह्यूमन कोलन कैंसर, एचटी-29 सेल्स। कोलाइडस एंड सर्फेसिज बी: बायोइंटरफेसिज, 155, 200-208.

शर्मा, सी., शर्मा, के., यादव, जे.के., अग्रवाल, ए. और अवस्थी, एस.के. (2018). इनहेरंट फ्लेक्सिबिलिटी विज-ए-विज स्ट्रक्चरल रिजिडिटी इन केमिकली स्टेबल एंटीमलेरियल डिस्पिरो एन-सलफोनायलिपाइपेराइडिन टेट्राआक्सेंस। केमिस्ट्री सेलेक्ट, 3, 1629-1634.

शर्मा, एल. और कक्कड़, आर. (2017). हायरेरकली स्ट्रक्चर्ड मैगनीशियम बेसड ऑक्साइड: सिंथेसिस स्ट्रेटिजिज एंड एप्लीकेशंस इन आर्गेनिक पालूटेंट रेमिडिएशन। क्रिस्टइंजकॉम, 19(46), 6913-6926.

शर्मा, एल., और कक्कड़, आर. (2017). हायरेरकल पारस मैगनीशियम आक्साइड (एचआर-एमजीओ) माइक्रोफेरस फॉर एडसार्पशन ऑफ एन आर्गेनाफास्फेट पेस्टिसाइडस: काइनेटिक्स, आइसोथर्म, थर्मोडायनेमिक्स एंड टीएफटी स्टडीज। एसीएस एप्लाइड मैटीरियल एंड इंटरफेसिज, 9(44), 38629-38642.

शर्मा, एन., गोस्वामी, एन., और कांत, आर. (2017). एक्सपेरिमेंटल कारोबोरेशन ऑफ द थ्यूरी ऑफ क्रोनोएम्पीरियोमेट्री एट हाई रफनेस इलेक्ट्राड फार रिवर्सिबल चार्ज ट्रांसफर। जर्नल ऑफ इलेक्ट्रोएनिलिटिक केमिस्ट्री, 788, 83-90.

शर्मा, आर.के., गौड, आर., यादव, एम., गोस्वामी, ए., जेब्राल, आर. और ग्वांडे, एम.बी. (2018). एन एफिसिएंट कापर-बेस्ड मैगनेटिक नैनोकेटेलिस्ट फॉर द फिक्सेसन ऑफ कार्बन डाइ आक्साइड एट ऐटमास्फेरिक प्रेशर। साइंटिफिक रिपोर्टस,8 1901.

शर्मा, आर.के., शर्मा, ए., शर्मा, एस. और दत्रा, एस. (2018). अनप्रिसिडेंटिड ईस्टर-एमाइड एक्सचेंज रिएक्शन यूजिंग हाइली वर्सेटाइल टू-डायमेंशनल ग्रेफाइन आक्साइड सपोर्टिड बेस मेटल नैनोकेटलिस्ट। इंडस्ट्रियल एंड इंजीनियरिंग केमस्ट्री अनुसंधान, 57, 3617-3627.

शर्मा, एस. और बिस्वास, पी. (2017). हाइड्रेशन वाटर डायनेमिक्स अराउंड ए प्रोटीन सरफेस: ए फर्स्ट पैसेज टाइम एप्रोच। जर्नल ऑफ फिजिक्स। कंडेस्ड मैटर, 30, 035101(1-12).

शर्मा, एस., सेठी, के., और राय, आई. (2107). मैगनेटिक नैनोस्केल मेटल-आर्गेनिक फ्रेमवर्कस फॉर मैगनेटिकली एडिड ड्रग डिलीवरी एंड फोटोडायनेमिक थेरेपी। न्यू जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 21, 11860-11866.

शर्मा, एस., सिंह, एन., तोमर, वी. और चन्द्रा, आर. (2018). ए रिव्यू आन इलेक्ट्रोकेमिकल डिटेक्शन ऑफ सेरोटोनिन बेसड आन सर्फेस मोडिफाइड इलेक्ट्रोडस। बायोसेंसर्स एंड बायोइलेक्ट्रानिक्स, 107- 76-93.

शर्मा, वी.के., सिंह, एस.के., कृष्णमूर्ति, पी., एल्टरमेन, जे., हरेस्जती, आर. प्रसाद, ए.के. और वाट्स, जे (2017). सिंथेसिस एंड बायलाजिकल प्रोपर्टीज ऑफ टाएजॉल-लिंक्ड लॉकड न्यूक्लिक एसिड। कैमिकल कम्यूनिकेशंस, 53, 8906-8909.

सिंह, ए.के., मांगवा, एस., कुमार, ए., दीक्षित, के. और अवस्थी, एस.के. (2017). एन एफिसिएंट इकोफ्रेंडली इनेनटायोसेलेक्टिव आर्गेनोकेटलिटिक रिंग क्लोजिंग रिएक्शन आफ 2-हाइड्रोऑक्सीकेलोसीन वाया इंटरमॉलीक्यूलर आक्सा-मिकेल रिएक्शन। केमिस्ट्री सेलेक्ट, 2, 11160-11163.

सिंह, ए.के., प्रसाद, एस. कुमार, बी., कुमार, एस., आनंद, ए., कांबले, एस.एस., शर्मा, एस.के., और गौतम, एच.के. (2017). एंटीमाइक्रोबायल एफिकेसी ऑफ सिंथेटिक पायरोक्रोमिएनास एंड (केमारीनायलाक्सी) एसिटेमाइडस। इंडियन जर्नल ऑफ माइक्रोबायलाजी, 57(4), 499-502.

सिंह, ए.के., थोटा, बी.एन.एस., सचडे, बी. अचाजी, के., खान, ए., बुचर, सी., शर्मा, एस.के., और हॉग, आर. (2017). एग्रीगेशन बिहेवियर ऑफ नान-आयोनिक ट्विनड एम्फीफाइल्स एंड देयर एप्लीकेशन एसबायोमेडिकेलेनकेरियर्स। केमिस्ट्री- एन एशियन जर्नल, 12, 1796-1806.

सिंह, ए. और, कुकरेती, एस. (2017). ए ट्रिपल स्ट्रेंडिड जी-क्वाड्रोप्लक्स फार्मेशन इन द प्रोमोटर रीजन ऑफ ह्यूमन मायोसिन बीटा(एमवाईएच7) जीन। जर्नल ऑफ बायोमालीक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स। डीओआई: 10.1080/07391102.2017.1374211, 1-14.

सिंह, एच., सिंह, ए. और खुराना, जे.एम. (2017). ए कंबाइंड एक्सेपेरिमेंटल एंड थ्यूरेटिकल एप्रोच फॉर स्ट्रकचरल, स्पेक्ट्रोस्कापिक, एनएलओ, एनबीओ, थर्मल एंड फोटोफिजिकल स्टडीज ऑफ न्यू फलूरोसेंट 5-एमिनो-1-(7-क्लोरोक्विनेलिन-4-वाईएल)-1एच-1,2,3-ट्राइजोल-4-कार्बोनाइट्राइल यूजिंग डेनसिटी फंक्शन थ्यूरी। जर्नल ऑफ मालीक्यूल स्ट्रकचर्स 1147, 725-734.

सिंह, एच., राजेश्वरी, एम. और खुराना, जे.एम. (2018). सिंथेसिस, फोटोफिजिकल स्टडीज एंड एप्लीकेशन ऑफ नावल 2,7-बिस(1-ब्यूटाइल-1एच-1,2,3-ट्राइजोल-4-वाईएल)मेथोक्सी) नेफ्थेलिन एज रिवर्सिबल फ्लोरिसेंट केमोसेंसर फॉर एफई3+आयंस, जर्नल ऑफ फोटोकेमिस्ट्री एंड फोटोबायलॉजी ए: केमिस्ट्री, 353, 424-432.

सिंह, पी., सिंहा, आर., त्यागी, जी., शर्मा, एन.के., सैनी, एन.के., चंदोलिया, ए., प्रसाद, ए.के., बासिल, एम.वी. और बोस, एम. (2017)। पीडीआईएम एवं एसएल1 एक्यूमुलेशन इन माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस इज एसोसिएटिड विद एमसीई4ए एक्सप्रेसन, जीन, 642,178-187.

सिंह, एस., कौर, एच., शर्मा, एस., अग्रवाल, पी. और हाजरा, आर.के. (2017)। मल्टी-एक्साइटोनिक (एन=1, 2 और 3) क्वांटम डाटस इन मैगनेटिक फील्ड : एनलिटिकल मैपिंग ऑफ कोरिलेशंस (एक्सचेंज) बाय मल्टीपोल एक्सपेंशन। फिजिका ई : लो-डायमेंशनल सिस्टमस एंड नैनो स्ट्रक्चर्स, 88, 289.

सिंह, वी. और बिस्वास, पी. (2018)। एस्टीमेटिंग द मीन फर्स्ट पेसेज टाइम ऑफ प्रोटीन मिसफोल्डिंग : फिजिकल कैमेस्ट्री केमिकल फिजिक्स, 20, 5692-5698.

सिंह, वी.के., कुमार, एन. और चन्द्रा, आर. (2017)। स्ट्रकचरल इनसाइटस ऑफ अनडयूस्ड प्लूरीपोटेंट स्टेम सेल रेगुलेटरी फैक्टर्स ऑक्ट4 एंड इटस इंटरएक्शन विद एसओएक्स2 एंड एफजीएफ4 जीन। एडवांसिज इन बायोटकनॉल एंड बायोकेमिस्ट्री, 5, 1-8.

सिंह, वी.के., सैनी, ए. और चन्द्रा, आर. (2017)। द इम्पलिकेशंस एंड फ्यूचर प्रोस्पेक्टिव ऑफ नैनोमेडिसन फार कैंसर स्टेम सेल टार्गेटिड थेरेपिज। फ्रंटियर मालीक्यूलर बायोसाइंसिज, 4(52), 1-21.

सोनी, एन., ज्योति, के., जैन, यू.के., कत्याल, ए., चन्द्रा, आर. और मदन, जे. (2017)। नोस्केपिनायड बियरिंग सिलवर नैनोक्रिस्टल्स आगुमेंटिड ड्रग डिलीवरी, साइटोटाक्सिटी, एपोपटिसिस एंड सेल्यूलर अपटेक इन बी16एफ1, माउस मेलानोमा स्किन कैंसर सेल्स, बायोमेडिसन फार्माकोथेरेपी, 90, 906-913.

श्रीवास्तव, एस., बिमल, डी., बोहरा, के., सिंह, बी., पोन्नन, जैन, आर., बासिल, एम.वी., मैती, जे., तिरूमल, एम. और प्रसाद, ए.के. (2018)। सिंथेसिस एंड एंटीट्यूबरकुलर एक्टिविटी ऑफ 1-बीटा-डी-राइबोफ्यूनोसाइल-4-कोमेरीनायलोजाइमिथाइल-/-कोमेरीनाइल-1, 2, 3-ट्रायजाल/यूरोपियन जर्नल ऑफ मेडिसिनल केमिस्ट्री, 150, 268-281.

श्रीवास्तव, एस., गुप्ता, बी.के. और गुप्ता, आर. (2017)। लैंथेनाइड-बेसड काआर्डिनेशन पॉलीमर्स फार द साइज-सेलेक्टिव डिटेक्शन ऑफ नाइट्रोऐरोमेटिक्स। क्रिस्टल ग्रोथ एंड डिजाइन, 17, 3907-3916.

ठकराल, पी., कुकरेती, एस. और बख्शी, ए.के. (2017)। इन सिलिको मेटाह्यूरेस्टिक टेलरिंग ऑफ क्वाटरनरी कोपालीमर्स । एमर्जिंग मेटीरियल्स अनुसंधान, 6, 1-9.

तिवारी, आर. और नाथ, एम. (2018)। नोवल π-एक्सटेंडेड पायरोलो [1, 2-ए] पायरेजानोपारफिरिंस : सिंथेसिस, फोटोफिजिकल, प्रोपर्टीज एंड मरकरिक आयन रिकागनिशन। डाइज एंड पिगमेंट्स, 152, 161-170.

त्रिपाठी, एम., खान, एस.आई., पोन्नन, पी., खोलिया, आर. और तिवारी, डी.एस. (2017)। एमिनाक्विनोलाइन-पायरिमिडाइन-माडीफाइड एनिलाइंस : सिंथेसिस, इन विट्रो एंटीप्लाजमोडियल एक्टिविटी, साइटोटाक्सिटी, मेकेनिस्टिक्स स्टडीज एंड एडीएमई प्रीडिक्शंस, केमेस्ट्री सेलेक्ट, 2, 9074-9084.

त्रिपाठी, वी.के. और नागराजन, आर. (2017)। कोरिलेटिंग द इनफ्लूएंश ऑफ टू मैगनेटिक आयन्स एट द ए-साइट विद द इलेक्ट्रानिक, मैगनेटिक एंड केटालिटिक प्रोपर्टीज इन जीडी1-जायडाक्सीकोओ3, एसीएस ओमेगा, 2, 2657-2664.

तोमर, आर., राठी, जी., चन्द्रा, आई., कुमार, एन., तोमर, वी. और चन्द्रा, आर. (2018)। सिंथेसिस एंड करेक्टराइजेशन ऑफ मैगनीशियम हाइड्रोक्साइड एंड सेरियम ऑक्साइड कंपोजिट : एप्लीकेशन इन आर्गेनिक ट्रांसफार्मेशन। केमिस्ट्री सेलेक्ट, 3, 1645-1649.

तोमर, आर., सिंह, एन., राठी, जी., कुमार, एन., तोमर, वी. और चन्द्रा, आर. (2017)। सिंथेसिस एंड करेक्टराइजेशन ऑफ हाइब्रिड एमजी (ओएच)2/सीईसीओ3ओएच कम्पोजिट विद इम्प्रूवड एक्टिविटी टूवर्डस हेनरी रिएक्शन। एशियन जर्नल ऑफ आर्गेनिक केमेस्ट्री, 6, 1728-1732.

तोमर, आर., साहनी, ए., चन्द्रा, आई., तोमर, वी. और चन्द्रा, आर. (2018)। रिव्यू ऑफ नोस्केपियन एंड इट्स एनालोगस एज पोटेंशियल एंट-कैंसर ड्रग्स, मिनी रिव्यूज इन आर्गेनिक केमेस्ट्री, डीओआई : 10.2174/1570193एक्स15666180221153911.

तोमर, वी., चन्द्रा, आर., प्रकाश, एस., मदन, जे. और कुकरेती, एस. (2017)। न्यू कैंसर थेरेप्टिक्स : नोस्केइपन एंड एनालोगस। करंट टॉपिक्स इन मेडिसिनल केमिस्ट्री, 17, 174-188.

तोमर, वी., कुकरेती, एस., प्रकाश, एस., मदन, जे. और चन्द्रा, आर. (2017)। नोस्केइन एंड इटस एनालॉगस एज कीमोथेरेप्टिक एजेंट : करंट अपडेटस। करंट टॉपिक्स इन मेडिसिनल केमिस्ट्री, 17, 1-15.

उमपति, आर. और वेंकटेसु, पी. (2018)। एसेसिंग द एफीसिएंसी ऑफ आइमोडाजोलियम-बेसड आयोनिक लिक्विड ऑन द फेज बिहेवियर ऑफ ए सिंथेटिक बायोमेडिकल थर्मोरेस्पांसिव पॉलीमर। जर्नल ऑफ कोलाइड एंड इंटरफेस साइंस, 511, 174-183.

उमापति, आर., कुमार, ए., पायल, एन. और वेंकटेसु, पी. (2018)। हाऊ डज ए स्मार्ट पॉलीमर रेस्पांड टू इमिडोजोलियम-बेसड आइनोक लिक्विडस? एसीएस सस्टेनेबल केमिस्ट्री एंड इंजीनियरिंग, 6, 1400-1410.

उमापति, आर., रेड्डी, पी.एम., रानी, ए. और वेंकटेशु, पी. (2018)। इंफ्लूएंश ऑफ एडिटिव्ज ऑन थर्मोरेस्पांसिव पालीमर्स इन एक्वास मीडिया : ए केस स्टडी ऑफ पाली (एन-आइसो-प्रोपाएलेसायरेलेमाइड) (परस्पेक्टिव) फिजिकल केमेस्ट्री केमिकल फिजिक्स, 20, 9717-9744.

विश्वकर्मा, वी.के., सिंह, पी., कुमारी, के. और चन्द्रा, आर. (2017)। रेशनल डिजाइन ऑफ थ्रेओ एज-वेल एरथ्रो नोस्केपाइंस, एन एंटीकैंसर ड्रग : ए मालीक्यूलर डाकिंग एंड मालीक्यूलर डायनेमिक एप्रोच। बायोकेमेस्ट्री एंड फार्माकोलाजी, 6(3), 1-7.

वादी, आई., पिल्लई, सी.आर., अनविकार, ए.आर., सिंहा, ए., नाथ, एम. और वलेचा, एन. (2018)। मिथाइलिन ब्लू इंडयूस्ड मार्फलाजिकल डिफार्मेशंस इन प्लाजमोडियम फालसिप्रम गेमेटोसाइटस : इम्पलिकेशंस फॉर ट्रांसमिशन ब्लाकिंग, मलेरिया, जर्नल, 17, 11.

यादव, जी.डी., दीपा एवं सिंह, एस. (2017)। 1, 4-डायजोबाइसाइक्लो [2;2.2] आक्टेन ट्राइफ्लोरोएसिटेटस : ए हायली एफिसिएंट आर्गेनोकेटालिस्ट फॉर द सायनोसिलिटेशन ऑफ कार्बोनाइल कंपाउंडस अंडर साल्वेंट फ्री कंडीशन। केमिस्ट्री सेलेक्ट, 2, 4830.

यादव, एच., सिंहा, एन., गोयल, एस.बी., सिंह, बडीकिन, आई., सैनी, ए., गोपालइया, के. और कुमार, बी. (2017)। ग्रोथ, क्रिस्टल स्ट्रक्चर, हर्सफील्ड सरफेस, ऑप्टिकल, पायजोइलेक्ट्रिक, डाइलेक्ट्रिक एंड मेकेनिकल प्रोपर्टीज ऑफ बिस(एल-एसपेराजिनियम हाइड्रोजिनस्कपेरेट) सिंगल क्रिस्टल। एक्टा क्रिस्टलोग्राफिका बी, 73, 347-359.

यादव, एन., अग्रवाल, डी., दीक्षित, ए.के., गुप्ता, आर.डी. और अवस्थी, एस.के. (2018)। इन विट्रो एंटीप्लाजमोडियल एफिकेसी ऑफ सिंथेटिक कोमरेन-ट्रायोजोल एनालॉग्स। यूरोपियन जर्नल ऑफ मेडिसिनल केमिस्ट्री, 145, 735-745.

यादव, पी., कुमार, बी., गौतम, एच.के. और शर्मा, एस.के. (2017)। सिंथेसिस एंड एंटीबैक्टीरियल एक्टिविटी स्क्रीनिंग ऑफ क्वाटरनरी एमोनियम डेरिएटिव्ज ऑफ ट्रायजोलिपायरेनोक्रोमेनेंस। जर्नल ऑफ केमिकल साइंसिज, 129(2), 211-222.

यादव, पी., साव, आर., पंवार, आर., साहू, एस.एन., कुमार, ए. और प्रताप, आर. (2017)। ए बेस-मीडिएटिड 6-एक्सो-ट्रिग वर्सेज 6-एक्सो-डिग कार्बोसाइक्लाइजेशन स्ट्रेटजी फॉर द सिंथेसिस ऑफ फंक्शनेलाइज्ड बाईएरिल कंपाउंडस। एशियन जर्नल ऑफ आर्गेनिक केमेस्ट्री, 6, 1394.

यादव, एस., कुमार, एस. और गुप्ता, आर. (2017)। कोबाल्ट कम्पलेक्सिस ऑफ पायरोलीकार्बोक्सिमाइड लिगेंडस एज केटालिस्ट इन नाइट्रो रिडक्शन रिएक्शंस : इंफ्लूएंश ऑफ इलेक्ट्रानिक सबसटिट्यूएंटस ऑन केटलिसिस एंड मेकेनिस्टिक्स इनसाइटस। इनआर्गेनिक केमेस्ट्री फ्रंटियर्स, 4, 324-335.

पुस्तक

कौर-घुम्मन, एस., सकथिवेल, ए., सत्येन्द्रन, एम. और मसराम, डी.टी. (2017)। इलेक्ट्रानिक एंड मैगनेटिक प्रोपर्टीज ऑफ ट्रांजिशंस एंड इनर ट्रांजिशंस एलीमेंटस एंड देयर कम्पलेक्सिज। न्यूयार्क, एनवाय : नोवा साइंस पब्लिशर्स।

पुस्तक अध्याय

कश्यप, के. और कक्कर, आर. (2017)। हर्पेस वायरस प्रोटिएसिस और देयर इनहिबिटर्स। इन एस.पी. गुप्ता (संपादित), वायरल प्रोटिएस एंड देयर इनहिबिटर्स (पृष्ठ 411-440)। लंदन वाल, यूनाइटेड किंगडम एकेडमि प्रेस।

कक्कड़, आर. (2017)। इन सिलिको डिजाइन ऑफ पीडीएचके इनहिबिटर्स : फ्रॉम स्माल मालीक्यूल्स टू लार्ज फ्लूरोरिनेटेड केमेस्ट्री मैथडालाजी इन स्ट्रकचरल बायलाजी एंड मैटीरियल्स साइंसिस। न्यूयार्क वाईसी : एप्पल एकेडमिक प्रेस (सीआरसी प्रेस) टेलर एंड फ्रेंकिस।

कक्कड़, आर., भंडारी, एम. (2017). पायरूवेट डिहाइड्रोजिनेसिस किनासेस(पीडीएचके) एंड देयर इनहिबिशन: ए पासिबल लाइन ऑफ ट्रीटमेंट फॉर डायबिटीज, हर्ट इसेन्थेसिया एंड कैंसर। इन गुप्ता, एस.पी. (संचारित) एडवांसिज इन स्टडीज आन एंजाइम इनहिबिशन, मिसेलनियस ड्रगस, वाल्यूम 2 (पृष्ठ 91-112)। न्यू यार्क: नोवा साइंस पब्लिशर्स।

कौर, जी., ग्रेवाल, जे., ज्योति, के., जैन, यू.के., चन्द्रा, आर., और मदन, जे. (2017). ओरल कंट्रोल्ड एंड सस्टेनड ड्रग डिलीवरी सिस्टम्स: कनसेप्टस, एडवांसिज, प्रीक्लीनिकल एंड क्लीनिकल स्टेटस। ड्रग टार्गेटिंग एंड स्टिमुली सैंसिटिव ड्रग डिलीवरी सिस्टम (पृष्ठ 567-626). https://doi.org/10.1016/B978-0-12-813689-8.00015-X

खन्ना, एम., अग्रवाल, एन., धवन, जी. और चन्द्रा, आर. (2017). इंफ्लूएंजा पेनडेमिक्स एंड द एसोसिएटिड बैक्टीरियल इंफेक्शंस। आस्टिन पब्लिशिंग ग्रुप, http://austinpublishinggroup.com/ebooks.

कुमार, पी., कौर, एस., गुप्ता, आर., और जेम्स, के.बी. (2018). पिंसरस बेस्ड आन डाइकार्बोक्सामाइड एंड डाइथियाकार्बोक्सामाइड फंक्शनल ग्रुपस। पिंसर कंपाउंडस केमिस्ट्री एंड एप्लीकेशन, (पृष्ठ 295-325), डीओआई.ओआरजी/10.1016/बी978-0-12-812931.9.00014-1.

कुमारी आर.एम., शर्मा, एन., गुप्ता, एन., चन्द्रा, आर. और निमेश, एस. (2018). सिंथेसिस एंड इवोल्यूशन ऑफ पालीमेरिक नैनोपार्टिकल्स: डिवलपमेंट ऑफ एन इम्प्रूवड जीन डिलीवरी सिस्टम। इन ए.एम. ग्रूमेजेसू (संपादित), डिजाइन एंड डिवलपमेंट आफ न्यू नैनोकैरियर्स (पृष्ठ 401-438). https://doi.org/10.1016/B978-0-12-813627-0.00011-9.

मसराम, डी.टी., कुमार, एम. और मोघा, एन. (2017). केस स्टडीज इन बायोसार्पशन। इन ए.के. राठौड (संपादित), बायोरेमेडिशन: करंट अनुसंधान एंड एप्लीकेशंस (पृष्ठ 201-225). नई दिल्ली, दिल्ली: आईके इंटरनेशनल पब्लिशर्स।

सखरकार, एम.के., राजामेनिकम, के., बाबू, सी.एस., मदन, जे., चन्द्रा, आर., और यंग, जे. (2018). प्रीक्लिनिकल: ड्रग टार्गेट आइडंटिफिकेशन एंड वेलिडेशन इन ह्यूमन। इन रेफ्रेंस माडयूल इन लाइफ साइंस। डीओआई: 10.1016/बी978-0-12-811414-8.20665-2.

सेंगर, वी., ज्योति, के., जैन, यू.के., कटारे, ओ.पी., चन्द्रा, आर., और मदन, जे. (2017). लिपिड नैनोपार्टिकल फॉर टापिकल एंड ट्रांसडर्मल डिलीवरी ऑफ फार्मास्यूटिकल्स एंड कास्मोक्यूटल्स: ए ग्लोरियस विक्ट्री। इन ए.एम. ग्रूमेजसू (संपादित) लिपिड नैनोकैरियर्स फॉर ड्रग टार्गेटिंग (पृष्ठ 413-437). न्यू यार्क, एनवाई: एल्सवेयर, विलियम एंड्रयू एप्लाइड साइंस पब्लिशर्स।

शर्मा, एस., दत्ता, एस. और शर्मा, आर.के. (2017). रिसाइक्लेबिलिटी ऑफ रिएजेंटस। इन आर.के, शर्मा और आर. बांडीछोड़ (संपादित) हजेरडस रिएजेंट सब्सटिट्यूशन (पृष्ठ 18-52). http://dx.doi.org/10.1039/9781782623847-00018.

सिंह, पी., कुमारी, के., विश्वकर्मा, वी.के., मेहरोत्रा, जी.के., चन्द्रा, आर., कुमार, डी., पटेल, आर. और सहारे, वी.वाई. (2017). मेटल्स एनपीयू (एयू, एजी, एवं सीयू): सिंथेसिस, स्टेबलाइजेशन एंड देयर रोल इन ग्रीन केमिस्ट्री एंड ड्रग डिलीवरी, इन आर. सिंह और एस. कुमार (संपादित). ग्रीन टेक्नॉलाजिज एंड एनवायरमेंटल सस्टेनेबिलिटी (पृष्ठ 309-337). स्प्रिंगर, चाम।

तोमर, वी., मजूमदार, एम., चन्द्रा, आर., यंग, जे और सखारकर, एम.के. (2018). स्माल मॉलीक्यूलस ड्रग डिजाइन। इनसाइक्लोपीडिया ऑफ बार्योइनफार्मेटिक्स एंड कम्पयूटेशनल बायलाजी, डीओआई: 10.1016/बी978-0-12-811414-8.20157-0.

यादव, एम., दत्रा, एस. और शर्मा, आर.के. (2017). न्यू डायरेकशंस फ्राम एकेडिमिया। इन आर.के, शर्मा और बांडीछोड़ (संपादित) हरजेडस रिएजेंट सब्सटिट्यूशन, (पृष्ठ 130-167). http://dx.doi.org/10.1039/9781782623847-00130.

अनुसंधान परियोजनाएं

प्रो. रमेश चन्द्र: डीएसटी-एसईआरबी, 2016-2019, सिंथेसिस एंड करेक्टराइजेशन ऑफ ईको-फ्रेंडली गोल्ड सपोर्टिड एलडीएच केटलिस्ट एप्लीकेशन इन सिंथेसिस ऑफ आर्गेनिक कंपाउंडस, 49,61,440/- रूपए।

प्रो. रमेश चन्द्र: डीएसटी-एसईआरबी, 2016-2019, डिजाइन-सिंथेसिस एंड बायलाजिकल स्क्रीनिंग ऑफ साइरल पापरोजीनोआयरोडोल्स एंड वायरेजीनापायरेरोल्स एज पोटेंशियल एंटीबैक्टिरियल एजेंट, 43,26,000/- रूपए।

प्रो. रमेश चन्द्र: डीएसटी-एसईआरबी, 2016-2019, डिजाइन, सिंथेसिस एंड बायोलाजिकल इवोल्यूशन ऑफ ए नावल क्लास ऑफ एंटी ट्यूमर ड्रगस बेसड अपऑन द नेचुरल एलकेलायड नोस्केपियन, 29,76,540/- रूपए।

प्रो. आर.के. शर्मा: डीएसटी-डबल्यूटीआई, 2017-2020, डिजाइनिंग एंड सिंथेसिस ऑफ हाइली स्टेबल फंकशनेलाइज्ड सिलिका बेसड आर्गेनिक-इनआर्गेनिक हाइब्रिड मैटीरियल्स/ नैनोमेटीरियल्स फॉर द आनलाइन एंड सेलेक्टिव रिकवरी ऑफ वेरियस ऑफ मेटलस फ्रॉम डिफरेंट चार्जड वेस्टवाटर, 47,27,000/- रूपए।

प्रो. ए.के.प्रसाद: डीआरडीओ, 2018-2020, सेंक्सन ऑफ सीएआरएस, सिंथेसिस ऑफ फ्लेम-रिटारडेंट ब्रीहेबल माइस्चर-क्यूर पालीयूरेथेन (पीयू) बेसड ऐडहेसिव" टू डिपार्टमेंट ऑफ केमिस्ट्री, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली अंडर सीएफईईएस एसएंडटी प्रोजेक्ट" डिवलपमेंट ऑफ मल्टीफंक्शनल मायस्चर बैरियर फैब्रिक फॉर फायर प्रोटेक्टिव सुटस, 44,37,600/- रूपए।

प्रो. ए.के.प्रसाद: डीआरडीओ- डीआईपीएएस, 2018-2019, सिंथेसिस एंड स्टडी ऑफ एग्रिगेशन बिहेवियर आफ सुगर-पीईजी बेसड एम्फिफिलिक को-पॉलीमर्स फॉर द इनकेपसुलेशन ऑफ डाईहाइड्रोपायरिडाइन डेरिएटिव्ज। 9,60,000/- रूपए।

प्रो. रमा कांत : डीएसटी-एसईआरबी, 2017-2020, इलेक्ट्रोकेमिकल इंपिडेंस एट रफ एंड पोरस इलेक्ट्रोडस : थ्यूरी एंड एक्सपेरिमेंटल कोरोबोरेशन। 38,50,440/- रूपए।

प्रो. रमा कांत : एप्लाइड मैटिरियल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 2015-2018, माडलिंग ऑफ सालिड स्टेट बैटरीज, रूपए 12,48,000/-

प्रो. एस.के. शर्मा : डीएसटी-डीएफजी इंटरनेशनल कोलाबोरेशन, 2017-2020, कीमो-एंजाइमेटिक सिंथेसिस ऑफ मल्टीवेलेंट डेंड्राइटिक आर्किटेक्चर्स फॉर द कंट्रोल ऑफ न्यूरोडिजिनिरेटिव डिसआर्डर्स, रूपए 38,60,980/-

प्रो. एस.के. शर्मा: डीएसटी-एसईआरबी, 2016-2018, डिजाइन एंड सिंथेसिस ऑफ आलीगोग्लाइसरोल एंड पीईजी बेसड नैनोकैरियर्स फार बायोमेडिकल एप्लीकेशंस, 47,26,000/- रूपए।

प्रो. आर. गुप्ता : डीएसटी-एसईआरबी, 2016-2019, मालीक्यूलर एसेम्बलीज एंड कोआर्डिनेशन पालीमर्स डेकोरेटिड विद हाइड्रोजन बांडस : रिकाग्निशन, बाइंडिंग एंड एक्टिवेशन ऑफ एनलाइटस/सबस्ट्रेटस, रूपए 49,35,040/-

प्रो. आर. गुप्ता : सीएसआईआर, 2016-2019, मेटल कम्पलेक्सिज विद सेकंडरी कोआर्डिनेशन स्फेयर : रिकग्निशन एंड बाइंडिंग ऑफ एनलाइटस एंड एक्टिवेशन ऑफ सबस्ट्रेटस, रूपए 6,00,000/-

प्रो. पारबती बिस्वास : डीएसटी-एसईआरबी, 2017-2020, हाइड्रेशन पैटर्न ऑफ मिसफाल्डिड प्रोटिंस : रूपए 43,39,940/-

प्रो. आर. नागराजन : डीएसटी-एसईआरबी, 2017-2020, एक्सप्लारिंग मल्टीफंक्शनल प्रोपर्टीज ऑफ द सालिड सोल्यूशंस ऑफ रेयर-अर्थ ऑक्साइडस विद ऑक्साइडस ऑफ पी-ब्लॉक मेटल आयंस पसेसिंग रिलेटिड स्ट्रक्चर्स, रूपए 33,68,695/-

प्रो. एस. उमा : डीएसटी-एसईआरबी, 2017-2020, एक्सप्लोरेटरी सिंथेटिक इनवेस्टिगेशन टू रिकगनाइज नावल सालिड आक्साइड मैटीरियल्स विद एन एम्फेसिस ऑन लेयर्ड स्ट्रक्चर्स, रूपए 34,28,480/-

डॉ. इन्द्रजीत राय : नैनोमिशन, 2017-2020, ड्रग-लोडिड मैगनेटिक-नैनोस्केल मेटल-आर्गेनिक फ्रेमवर्कस (एमएनएमओएफएस) फॉर एप्लीकेशंस इन टार्गेटिड ड्रग डिलीवरी एंड लाइट-एक्टिवेटिड थेरेपी। रूपए 54,30,316/-

डॉ. इन्द्रजीत राय : यूजीसी-यूकेआईईआरआई, 2017-2020, मल्टीफंक्शनल नैनोपार्टिकल्स इन कैंसर थेरेपी, रूपए 34,11,828/-

डॉ. पी. वेंकटेशु : सीएसआईआर, 2017-2020, द एटेनिटुंग एबिलिटी ऑफ आयोनिक लिक्विडस अगेनस्ट द थर्मल, केमिकल एंड कोल्ड-इंडयूस्ड अनफोल्डिंग ऑफ प्रोटींस। रूपए 18,00,000/-

डॉ. पी. वेंकटेशु : डीएसटी-एसईआरबी, 2017-2020, द फेज ट्रांजिशन ऑफ थर्मो-रेस्पांसिव पालीमर इन द प्रजेन्स ऑफ प्रोटींस एज स्टिमुली। रूपए 40,00,000/-

डॉ. राज किशोर शर्मा : डीएसटी-एसईआरबी,2018-2020, फिजियोकेमिकल परफार्मेन्स इवोल्यूशन बाय ट्यूनिंग द ग्रोथ वेरिएबल्स ऑफ होले ग्रेफीइन नैनोरिबन कार्बन सूट डिराइव्ड एरोजिल बेसड एसिमेट्री सुपरकेपेसिटर, रूपए 39,00,000/-

डॉ. सुरेन्द्र सिंह : डीएसटी-एसईआरबी, 2017-2020, डिवलपमेंट ऑफ एफिसिन्ट एंड रियूजेबल चिरल केटालिस्ट फॉर द एसिमेट्रिक फ्राइडल-क्राफ्ट रिएक्शन फॉर द सिंथेसिस ऑफ बायलाजिकल इंपोरटेंट मालीक्यूल्स, रूपए 35,93,480/-

डॉ. सुरेन्द्र सिंह : सीएसआईआर, 2018-2021, सिंथेसिस एंड डिवलपमेंट ऑफ चिरल मेटल आर्गेनिक फ्रेमवर्कस एंड देयर एप्लीकेशन इन एसिमेट्रिक केटलिस्ट, रूपए 28,06,000/-

डॉ. ससांका डेका : डीएसटी-एसईआरबी, 2017-2020, डिवलपमेंट ऑफ एडवांसड नैनोमेटिरियल्स फॉर बेंचमार्क इलेक्ट्रोकेटलिटिक हाइड्रोजन एंड ऑक्सीजन इवोयूशन फ्राम वाटर, रूपए 35,00,000/-

डॉ. संदीप कौर : सीएसआईआर, 2018-2021, डिजाइन, सिंथेसिस एंड करेक्टराइजेशन ऑफ अर्थ-एबन्डेंट मेटल कम्पलेक्सिज (सीओ, एफई, एनआई) एज इलेक्ट्रोकेटालिस्ट फॉर प्रोटोन रिडक्शन। रूपए 15,75,000/-

डॉ. फिरासत हुसैन : डीएसटी-एसईआरबी, 2017-2018, सिंथेसिस, करेक्टराइजेशन एंड केटलिटिक एप्लीकेशंस ऑफ आर्गेनिक-इनआर्गेनिक हाइब्रिड 3डी-4एफ हेटरोमेटेलिक पालीऑक्सोटंगस्टेटस। रूपए 35,00,000/-

दायर किए गए/ प्रदान किए गए पेटेंट

दीवान एस. रावत*, बिंघे वांग, नितिन कुमार, सन्नी मनोहर, जियाओचुन यांग, गुयोजिंग सुन, यूएस पेटेंट संख्या : 9884825बी2 (2017), कुरसुमिन एनालाग्स एंड मेथडस ऑफ मेकिंग एंड यूजिंग देयरऑफ।

दीवान एस. रावत*, सन्नी मनोहर, उम्मा डिस्सेट्टी चिन्ना राजेश, दीपक कुमार, अनुज ठाकुर, मोहित त्रिपाठी, पनयाला लिंगा रेड्डी, शमशीर कुलंगारा कांडी, सत्यापवन वृद्धिनेनी, कवांग-सू और चुन-ह्यूंग किम, प्रकाशन संख्या : यूएस 2017/0209441 ए1 (2017), अमिनो-क्विनोलाइन बेसड हाइब्रिडस एंड यूजेज देयरऑफ।

दीवान एस रावत*, सन्नी मनोहर, यू. चिन्ना राजेश, इंडियन पेटेंट नं0 : आईएन 283657 (2017), अमिनो-क्विनोलाइन बेसड हाइब्रिडस एंड यूजेज देयरऑफ।

आयोजित सेमिनार/स्मृति व्याख्यान

प्रो. बी.एस. गर्ग स्वागत सेमिनार, प्रो. ए.के. बख्शी, 2 सितम्बर, 2017.

प्रो. अमरनाथ मैत्रा स्मृति सेमिनार, प्रो. अरबिन्द चौधरी, 10 फरवरी, 2018.

प्रो. सी.एन.आर. राव ओरेशन अवार्ड : प्रो. क्लेमेंट सनचेज कॉलेज डे फ्रांस लेक्चर, 31 जनवरी, 2018.

प्रो. हर गोविन्द खुराना स्मृति व्याख्यान, प्रो. गोवर्धन मेहरा द्वारा, एफआरएस, एफएनए, राष्ट्रीय अनुसंधान प्रो., हैदराबाद विश्वविद्यालय, 12 जनवरी, 2018.

प्रो. आर.पी. मैत्रो स्मृति व्याख्यान, प्रो. ई.डी. जम्मिस द्वारा, आई एंड पीसी विभाग, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरू, 12 जनवरी, 2018.

प्रो. जी.वी.बी. सुब्रमण्यन स्मृति व्याख्यान, प्रो. के.एन. गणेश, निदेशक आईआईएसईआर तिरूपति द्वारा, 12 जनवरी, 2018.

प्रो. जी.एस. सहरिया स्मृति व्याख्यान, प्रो. के.आर.प्रसाद, आर्गेनिक केमस्ट्री विभाग, इंडियन इंस्टिट्यूट आफ साइंस, बेंगलुरू द्वारा। 12 जनवरी, 2018.

प्रो. गुरबख्श सिंह स्मृति व्याख्यान, प्रो. जावेद इकबाल, कास्मिक डिसकवरिज, हैदराबाद द्वारा। 13 जनवरी, 2018

प्रो. आई.पी. मित्तल स्मृति व्याख्यान, प्रो. ओलीवर रेजर, रेजनबर्ग, जर्मनी द्वारा। 13 जनवरी, 2018.

प्रो. बी.डी. लारेइया स्मृति व्याख्यान, प्रो. नोरियो शिबाता, नागोया इंस्टीट्यूट आफ टेक्नालाजी, जापान द्वारा। 13 जनवरी, 2018.

प्रो. टी.आर. शेषादि स्मृति व्याख्यान, प्रो. वी.के.सिंह, निदेशक, आईआईएसईआर, भोपाल द्वारा। 14 जनवरी, 2018.

प्रो. ए.एम. बेंस स्मृति व्याख्यान, प्रो. केविन साहुगनेसी, चेयर डिपार्टमेंट ऑफ केमिस्ट्री, अलबामा यूनिवर्सिटी, यूएसए द्वारा। 14 जनवरी, 2018

आयोजित सम्मेलन

रसायन विज्ञान विभाग ने 12-14 जनवरी, 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में "एमर्जिंग ट्रेंडस इन ड्रगस डिवलपमेंट एंड नेचूरल प्रोटेक्टस" (ईटीडीडीएनपी-2018) विषय पर एक अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

सेमिनार/सम्मेलन में प्रस्तुति

मेडल/परिपूर्ण/स्मारक व्याख्यान

डेका, एस., डॉ. सी.के.खुराना मेमोरियल लेक्चर, गार्गी कालेज, 6 सितम्बर, 2017.

डेका, एस., प्लीनरी लेक्चर, मेटल एलॉय एंड केलकोजिनाइड नैनोपार्टिकल्स फार फ्यू यूजफूल केटलिटिक एप्लीकेशंस, इंटरनेशनल कांफ्रेस ऑन नैनो एंड फंक्शनल मेटीरियल: इंटरफेस बिटविन साइंस एंड इंजीनियरिंग (एनएफएम-2017), बिटस पिलानी, पिलानी कैम्पस, राजस्थान, 16-18 नवम्बर, 2017.

कांत, आर., कीनोट लेक्चर, एनामलीज इन इलेक्ट्रिक डबल लेयर रेस्पांस आन रु एंड पोरस इलेक्ट्रोडस, सेकंड इंटरनेशनल कांफ्रेंस आन इलैक्ट्रोकेमिकल साइंस एंड टेक्नालाजी, इंडियन इंस्टिट्यूट आफ साइंस, बेंगलुरू, 10-12 अगस्त, 2017.

कांत, आर., आचार्य, जे.सी. घोष स्मृति मेडल व्याख्यान, इलेक्ट्रोकेमिकल इम्पिडेंस स्पेक्ट्रोस्कॉपी ऑफ रफ एंड पोरस इलेक्ट्रोडस, 54वां एन्यूअल कनवेंशन ऑफ केमिस्ट (आईसीएस-2017), रसायन विज्ञान विभाग, यूका टरसाडिया विश्वविद्यालय, बारडोली, सूरत, गुजरात, 23-25 दिसम्बर, 2017.

शर्मा, आर.के., प्लीनरी लेक्चर, एमर्जिंग डायमेंशन एंड चैलेन्जिज एहेड, सिक्सथ नेशनल कांफ्रेंस ऑन केमिकल एंड इनवायरमेंटल साइंस, (एनसीसीईएस-2017), आर्य पी.जी. कालेज, पानीपत, 1 अप्रैल, 2017.

आमंत्रित व्याख्याता

बिस्वास, पी. अंडरस्टेंडिंग इंट्रिस्टिक डिसआर्डर इन प्रोटींस, इंटरनेशनल कांफ्रेस ऑन इंट्रिस्टिसकली डिसआर्डर प्रोटींस: फार्मस, फंक्शंस एंड डिजीज 2017, आईआईएसईआर-मोहाली, मोहाली, 9-12 दिसम्बर, 2017.

बिस्वास, पी., एक्सप्लोरिंग इंट्रिंसिक डिसआर्डर इन प्रोटींस, नेशनल सिंपोजियम ऑन कंट्रिव्यूशंस ऑफ वूमन इन साइंस इन इंडिया, इंडियन साइंस न्यूज एसोसिएशन (आईएसएनए), कोलकात्ता, 15-16 फरवरी, 2018.

डेका, एस., एजी1-एक्सनिक्स नैनोपार्टिकल्स एंड सीयूसीओ2एस4 नैनोशीटस एंड देयर यूजफूल केटलिटिक एप्लीकेशंस, इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन नैनोबायोटेक्नालाजी, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, 5-6 फरवरी, 2018.

डेका, एस., डिवलपमेंट ऑफ ट्रांजिशन मेटल बेसड एलाय एंड केलाजिनाइड नैनोपार्टिकल्स एंड देयर एमर्जिंग एप्लीकेशंस, स्कूल ऑफ फिजिकल साइंस, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 16-17 मार्च, 2018.

प्रसाद, ए.के., सुगर्स टू वेल्यू एडिड प्रोडक्टस आफ इम्पोरटेंस इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन रिसेन्ट ट्रेन्डस इन साइंस एंड टेक्नालाजी एसएसएसकेआर इन्नानी महाविद्यालय वासिम, महाराष्ट्र, 22-23 मार्च, 2018.

गोपालइय्या, के., सस्टेनेबल मेटल-केटलाइज्ड एयरोबिक आक्सीडेटिव ट्रांसफार्मेशंस फार सिंथेसिस आफ नाइट्रोजन-हेट्रोसाइकिल्स, टेन्थ नेशनल कांफ्रेंस ऑन सॉलिड स्टेट केमिस्ट्री एंड एलाइड एरियाज एट दिल्ली टेक्नालाजिकल यूनिवर्सिटी, दिल्ली, 1-3 जुलाई, 2017.

गोपालइय्या, के., बांड फार्मेशन बिटविन टू न्यूक्लियोफाइल्स: सस्टेनेबल मेटल-केटलाइज्ड आक्सीडेटिव रिएकशंस, 36th एन्यूअल कांफ्रेंस ऑफ इंडियन काउंसिल ऑफ केमिस्टस एट स्कूल ऑफ केमिस्ट्री, आन्ध्रा यूनिवर्सिटी, विशाखापट्टनम, 26-28 दिसम्बर, 2017.

गुप्ता, आर., डिजाइनर मैटीरियल्स: ए केमिस्ट व्यू, 10th नेशनल कांफ्रेंस ऑन 'सालिड स्टेट केमिस्ट्री एंड एलाइड एरियाज (आईएससीएएस-2017), दिल्ली टेक्नालाजिकल यूनिवर्सिटी, 1-3 जुलाई, 2017.

गुप्ता, आर., कोआर्डिनेशन केमस्ट्री: हिस्ट्री एंड जर्नी टू फ्यूचर, साइंस एकेडिमिज लेक्चर वर्कशाप, रसायन विज्ञान विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय श्रीनगर, 19-20 जुलाई, 2017.

गुप्ता, आर., सुपरामालीक्यूलर केमिस्ट्री: इंट्रिग्यूइंग एक्साम्पल्स, साइंस एकेडमिज लेक्चर वर्कशाप, रसायन विज्ञान विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, 19-20 जुलाई, 2017.

गुप्ता, आर., डिजाइनर फंक्शन मेटीरियल्स: ए केमिस्ट न्यू, 21st इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ फिजिकल साइंस (सीओएनआईएपीएस-XXI), गुरू जम्भेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार, हरियाणा, 28-30 अक्टूबर, 2017.

गुप्ता, आर., मालीक्यूलर डिजाइनड आर्किटेक्चर्स: डिजाइन एस्पेक्टस एंड एप्लीकेशंस, रसायन विज्ञान विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय, 31 अक्टूबर, 2017.

गुप्ता, आर., कोआर्डिनेशन पालीमर्स एंड मालीक्यूलर एसेम्बलीज डेकोरेटिड विद हाइड्रोजन बांडस, सिम्पोजियम आन मार्डर्न ट्रेंडस इन इनआर्गेनिक केमस्ट्री (एमटीआईसी-XVII); एनसीएल-पूणे एवं आईआईएसईआर-पूणे, भारत, 11-14 दिसम्बर, 2017.

हाजरा, आर.के., एक्जेक्ट ई-ई(एक्सचेंज) कोरिलेशंस ऑफ 2-डी क्वांटम डाटस इन मैगनेटिक फील्ड: साइज एक्सटेंसिव एन=3,4,...,'एन'-इलेक्ट्रान सिस्टम्स वाया मल्टी-पोल एक्स्पेंशन, 4th एन्यूअल वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ स्मार्ट मैटीरियल्स, ओसाका, जापान, ओसाका यूनिवर्सिटी, जापान, 6-8 मार्च, 2018.

कांत, आर. कंटेम्परेरी इलेक्ट्रोकेमिकल एनर्जी सिस्टमस, करूण्या यूनिवर्सिटी, कोयम्बटूर, 5 सितम्बर, 2017.

कांत, आर., फिनामिनोलॉजिकल थ्यूरीज फॉर माडलिंग सालिड स्टेट ली-आयन, फर्स्ट वर्ल्ड कांफ्रेंस ऑफ सालिड इलेक्ट्रोलाइटस फार एडवांसड एप्लीकेशंस: गार्नेट एंड कंपीटीटर्स, डिपार्टमेन्ट ऑफ फिजिक्स, पांडिचेरी यूनिवर्सिटी, भारत, 6-9 सितम्बर, 2017.

कौर-घुम्मन, एस. बायोइंस्पायर्ड मॉडल कम्पलेक्सिज मिमिकिंग द [एफईएफई] हाइड्रोजिनेस एंजाइम एक्टिव साइट: एन एल्टरनेटिव एलर्जी रिसोर्सिज, थर्मेटिक कांफ्रेंस इन केमिकल साइंसिज (टीसी2एस) - 2017: सस्टेनेबल केमिस्ट्री, रसायन विज्ञान विभाग, आईआईटी रोपड़, मई-2017.

प्रसाद, ए.के., सुगर माडिफिकेशन एंड इटस नावल एप्लीकेशन, ऐटथ नेशनल कांफ्रेंस आफ हरिद्वार चैप्टर ऑफ द इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन आन रीचिंग द अनरीचड थ्रू साइंस एंड टेक्नालाजी, नैनीताल, उतराखंड, 14-15 अक्टूबर, 2017.

प्रसाद, ए.के., कार्बोहाइड्रेट माडिफिकेशंस: रूट टू नावल न्यूक्लियोसाइडस एंड एम्पीफाइल्स, कार्बो-XXXII "एमरजिंग केमस्ट्री एंड बायलाजी ऑफ कार्बोहाइड्रेटस" (ईसीबीसी-2017), आईआईटी खड़गपुर, 18-20 दिसम्बर, 2017.

प्रसाद, ए.के., इम्पारटेंट एप्लीकेशंस ऑफ बायो-रिन्यूएबल रिसोर्सिज, नेशनल कांफ्रेंस ऑन "करंट एडवांसिज इन माइकोबायलाजी एंड बायोटेक्नालाजी फॉर एग्रीकल्चर, इंडस्ट्री, एनवायरमेंट एंड हेल्थकेयर," एम.जी.एस. यूनिवर्सिटी, बीकानेर, 19-20 जनवरी, 2018.

राय, आई., इनआर्गेनिक-आर्गेनिक हाइब्रिड नैनोमैटिरियल्स फॉर टार्गेटिड एंड कंट्रोल्ड ड्रग डिलीवरी, सेकिंड इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन फिजिक्स, इंजीनियरिंग एंड टेक्नालाजिज फार मेडिसन, इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग फिजिक्स फार बायोमेडिसन ऑफ द नेशनल अनुसंधान न्यूक्लियर यूनिवर्सिटी (एमईपीएचआई), मास्को, 10-14 अक्टूबर, 2017.

राय, आई. नैनोमेडिसन अनुसंधान एट दिल्ली यूनिवर्सिटी इन कोलेबोरेशन विद यूके एंड यूएसए, सेकिंड इंटरनेशनल वर्कशाप ऑन नैनोमेटीरियल्स इन हेल्थ/मेडिसन, यूनिवर्सिटी ऑफ सेंट्रल लेंकशायर, प्रिस्टन, यूनाइटेड किंगडम, 16 जनवरी, 2018.

शर्मा, आर.के., सेलिब्रेटिंग अर्थ डे: ए स्टेप टुवर्डस नरचटिंग नेचर, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, जी.डी. गोयनका यूनिवर्सिटी (जीडीजीयू), गुडगांव एंड नेशनल एनवायरमेंट साइंस एकेडमी (एनईएसए), 28 अप्रैल, 2017.

शर्मा, आर.के., मेकिंग ग्रीन केमिस्ट्री एन इंशिंशियल कम्पोनंट ऑफ केमिकल एजुकेशन इन इंडिया, 21st एनुअल ग्रीन केमिस्ट्री एंड इंजीनियरिंग कॉफ्रेंस (जीसीएंडई), रेस्टन, वर्जिनिया, यू.एस.ए., 13-15 जून, 2017.

शर्मा, आर.के., ग्रीन केमिस्ट्री नेटवर्क सेंटर एक्सीलिरेटिंग इनोवेशंस इन इंडिया थ्रू अनुसंधान एंड एजुकेशन इनिशिएटिव इन ग्रीन केमेस्ट्री, 8th इंटरनेशनल कांफ्रेंस आन ग्रीन एंड सस्टेनेबल केमिस्ट्री (जीएससी8 2017), मोनाश यूनिवर्सिटी, मेलबर्न, आस्ट्रेलिया, 23-26 जुलाई, 2017.

शर्मा, आर.के., नेशनल सिम्पोजियम आन अनुसंधान प्रोजेक्टस: प्रोपोजल एंड ग्रांटस, सार्वजनिक एजुकेशन सोसाइटी, श्री राम इंस्टीट्यूट आफ कम्पयूटर एजुकेशन एंड एप्लाइड साइंसिज, सूरत एंड एम.टी.बी. कालेज अथवालाइंस, सूरत(गुजरात), 15 सितम्बर, 2017.

शर्मा, आर.के., ग्रीन केमेस्ट्री एंड एनवायरमेंटल हेल्थ (जीसीईएच-2017), रसायन विज्ञान विभाग, मारवाड़ बिजनेस स्कूल, गोरखपुर 25-26 सितम्बर, 2017.

शर्मा, आर.के., एडवांसिंग ग्रीन केमेस्ट्री: बिल्डिंग ए सस्टेनेबल टुमारो,"12 ग्रीन केमिस्ट्री नेटवर्क सेंटर, रसायन विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और हिन्दू कालेज" 3-4 अक्टूबर, 2017.

शर्मा, आर.के., रोल ऑफ ग्रीन केमिस्ट्री नेटवर्क सेंटर इन कनवर्टिंग वेस्ट टू हेल्थ थ्रू ग्रीन केमिस्ट्री, ग्लोबल ट्रेंडस इन पूणे एंड एप्लायड केमिकल साइंसिज, एसआरएम यूनिवर्सिटी, दिल्ली-एनसीआर गाजियाबाद, भारत, 8-9 दिसम्बर, 2017.

शर्मा, आर.के., सस्टेनेबल इनिसिएटिव इन वाटर मैनेजमेंट, रोयल सोसायटी ऑफ केमिस्ट्री, नार्थ इंडिया सेक्शन, ग्रीन केमिस्ट्री नेटवर्क सेंटर, रसायन विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और रसायन विज्ञान विभाग, मानव रचना विश्वविद्यालय, फरीदाबाद(भारत), 6 मार्च, 2018.

शर्मा, आर.के., एडवांसिज इन केमिकल साइंस एंड एप्लायड फील्डस आफ साइंस, हेल्थ, एजुकेशन एंड एनवायरमेंट, कैरियर, कालेज, गोविंदपुरा, भेल, भोपाल, 8-10 मार्च 2018.

शर्मा, आर.के., एज इनरिचड ग्रेफाइन, नैनोरिब्बन्स: स्ट्रेटजी टू बूस्ट द परफारमेंस इन सुपरकेपेटिव चार्ज स्टोरेज एंड डिलीवरी, इंटरनेशनल कांफ्रेंस आन नैनोमेटीरियल्स: इनिसिएटिव्ज एंड एप्लीकेशंस, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, 9-11 मार्च, 2018.

शर्मा, आर.के., फेब्रिकेशन ऑफ मैगनेटिकली रिट्राइवेबल मेटल नैनोकेटलिस्टस फॉर आर्गेनिक ट्रांसफार्मेशंस, 225^{th} एसीएस नेशनल मीटिंग एंड एक्सपाजिशन, न्यू ओरिएन्स, यू.एस.ए., 18-22 मार्च, 2018.

शर्मा, एस.के., बायोकेटेलिस्टस: माडर्न टूल्स ऑफ आर्गेनिक सिंथेसिस, रिफ्रेशर कोर्स इन केमिस्ट्री, आईआईटी-आईएसएम धनबाद, 14 जून, 2017.

शर्मा, एस.के., कीमो-एंजाइमेटिक सिंथेसिस ऑफ बायोकम्पेटेबल पालीमेरिक एंड डेंड्राइटिक नैनो-आर्किटेकचर्स फॉर बायोमेडिकल एप्लीकेशंस, रिफ्रेशर कोर्स इन केमिस्ट्री, आईआईटी-आईएसएम धनबाद, 14 जून, 2017.

शर्मा, ए.के., किनसे इनहिबिटर्स : प्रोमिजिंग कंडिडेट्स फॉर कैंसर कंट्रोल, 8th कांफ्रेंस ऑफ हरिद्वार आईएससीए चैप्टर, नैनीताल, 14-15 अक्तूबर, 2017.

शर्मा, एस.के., "कार्बोहाइड्रेटस बेसड आर्किटेकचर्स फॉर बायोमेडिकल एप्लीकेशंस, सिम्पोजियम ऑन एमरजिंग केमिस्ट्री एंड बायलाजी ऑफ कार्बोहाइड्रेटस" कार्बो- XXXII, आईआईटी खडगपुर, 18-20 दिसम्बर, 2017.

शर्मा, एस.के., फेब्रिकेशंस ऑफ नैनोस्ट्रकचर थ्रू सैल्फ-एसेम्बली ऑफ नॉन-आयनोकेम्पीफील्स फॉर बायोमेडिकल एप्लीकेशंस, 4th इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन "एडवांसिज इन सस्टेनेबल पालीमर्स", आईआईटी गुवाहटी, 8-11 जनवरी, 2018.

शर्मा, एस.के., सेल्फ-एसेंबली ऑफ नॉन-आयोनिक एम्फीफाइल्स फॉर बायोमेडिकल एप्लीकेशंस, इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन नैनोमेटीरियल्स : इनटिएटिव्ज एंड एप्लीकेशंस, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, 9-11 मार्च, 2018.

शर्मा, आर.के., सस्टेनेबल पाथवेज टू मेटल्स कंटामिनेशन, ईस्टर्न एनलिटिक सिम्पोजियम एंड एक्जीबिशन, न्यू जर्सी, यू.एस.ए., 13-15 नवम्बर, 2017.

तिरूमल, एम. - माइक्रोवेव डायइलेक्ट्रिक्स : अंडरस्टेडिंग द कम्पलेक्सिटिज इन पेरोवसकाइट्स, 8वीं कांफ्रेंस ऑफ हरिद्वार चैप्टर ऑफ द इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन, नैनीताल, 14-15 अक्तूबर, 2017.

वेंकटेसु, पी. - आयोनिक लिक्विड्स एज बायोकम्पेटेबल को-सोलवेंट फार द स्टेबिलिटी ऑफ बायोमॉलीक्यूल्स, 19वीं इंटरनेशनल ऑफ प्योर एंड एप्लाइड बायोफिजिक्स (19वीं आईयूपीएबी कांग्रेस) एंड 11वीं ईबीएसए कांग्रेस, एडिनबर्ग, यू.के., 16-20 जुलाई, 2017.

वेंकटेसु, पी. - नेशनल कांफ्रेंस ऑन इनोवेटिव परस्पेक्टिव ऑफ कैमेस्ट्री इन इनवायरनमेंट, फार्मेसी एंड टेक्नालॉजी (सीईपीटी-2017) एंड नेशनल कनवेंशन ऑफ कैमेस्ट्री टीचर्स (एनसीसीटी-2017), रसायन विज्ञान विभाग, प्रगति इंजीनियरिंग कॉलेज, काकीनाड, आंध्र प्रदेश, भारत, 6-8 अक्तूबर, 2017.

वेंकटेसु, पी. - 12वीं नेशनल कांफ्रेंस ऑन आर्गेनिक्स, मेटलआर्गेनिक्स एंड थर्मोडायनेमिक्स (एनसीओएमटी-2017), रसायन विज्ञान विभाग, गुरू जम्भेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार, भारत, 17-18 नवम्बर, 2017.

वेंकटेसु, पी. - अमोनियम आयोनिक लिक्विड्स एज बायोकम्पेटेबल को-सोल्वेंट फॉर द स्ट्रक्चर एंड स्टेबिलिटी ऑफ बायोमालीक्यूल्स, तीसरी इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन ग्लोबल ट्रेंड्स इन प्योर एंड एप्लायड केमिकल साइंसिज, एसआरएम यूनिवर्सिटी, गाजियाबाद, भारत, 8-9 दिसम्बर, 2017.

मौखिक प्रस्तुति

चौधरी, एन.आर. और कांत, आर. - थ्यूरी फॉर इंटेसिटी माडुलेटिड फोटोकरंट स्पेक्ट्रोस्कापी ऑन रु एंड फाइनाइट फ्रेक्टल डाई सेंसिडाइज्ड सोलर सेल, डायनेमिक डे-XII, अशोक यूनिवर्सिटी, सोनीपत, हरियाणा, 25 नवम्बर, 2017.

गुप्ता, एस. और मिल्टन, एम.डी. - नावल एआईईई एक्टिव टिवस्टिड पायरीडोपायजेइन्स : सिंथेसिस, फोटोफिजिकल प्रोपर्टीज एंड देयर एप्लीकेशंस एज प्रोब्स फार एचजी2+ डिटेक्शन इन एक्वेस मीडिया, इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन एडवांसिज इन एनलिटिक साइंसिज (आईसीएएएस-2018), सीएसआईआर-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम, देहरादून, भारत, 15-17 मार्च, 2018.

कौशिक, आर. और हुसैन, एफ. - सिंथेसिस एंड करेक्टराइजेशन ऑफ इनआर्गेनिक-आर्गेनिक हाइब्रिड्स आफ ट्रांजिशन मेटल सबस्टिट्यूटिड आर्सेनोटंगस्टेट्स, 24वीं आईएससीबी इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन 'फ्रंटियर अनुसंधान इन कैमेस्ट्री एंड बायलॉजी इंटरफेस', रसायन विज्ञान विभाग, मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर, राजस्थान, 11-13 जनवरी, 2018.

कुमार, एम., श्रीवास्तव, एस. और कांत, आर. - थ्यूरी फार ईआईएस ऑफ क्वेसी रिवर्सिबल चार्ज ट्रांसफर इन प्रजेंस ऑफ अनकम्पनसेटिड सोल्यूशन रेजिस्टेंस, सेकंड इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन इलेक्ट्रोकेमिकल साइंस एंड टेक्नालॉजी, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बंगलौर, 10-12 अगस्त, 2017.

सचदेवा, टी. और मिल्टन, एम.डी. - नावल फिनोथाइजेन-बेस्ड नॉन-पोलर डी-π-ए हाइड्रोजंस : एग्रीगेशन इंड्यूस्ड एमिसन, मेकेनोफ्लूरोक्रोमिक एंड एसिडोक्रोमिक बिहेवियर, इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन एडवांसिज इन एनलिटिक साइंसिज (आईसीएएएस-2018), सीएसआईआर-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम, देहरादून, भारत, 15-17 मार्च, 2018.

शर्मा, एस. और बिसवास, पी. - हाइड्रेशन वाटर डायनेमिक्स अराउंड ए प्रोटीन सरफेस : ए फर्स्ट पैसेज टाइम एप्रोच, डायनेमिक्स डे XII, अशोक यूनिवर्सिटी, सोनीपत, हरियाणा, 25 नवम्बर, 2017.

सिंह, ए. और कुकरेती, एस. - रिकगनिशन एंड डिस्टेबिलाइजेशन ऑफ पैरेलल जी-क्वाड्रपलेक्स प्रजेंट इन प्रोमोटर लोकेशन ऑफ ह्यूमन, एमवाईएच7 जीन, एमर्जिंग ट्रेंड्स इन ड्रग्स डिवलपमेंट एंड नेचूरल-प्रोडेक्ट्स (ईटीडीडीएनपी-2018), रसायन विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 12-14 जनवरी, 2018.

पोस्टर प्रस्तुति

अत्री, एस., रावत, पी., उमा, एस., नागराजन, आर. - मेकेनोकेमिकल ट्रांसफारमेशन ऑफ जेडएनओ टू डिफेक्ट लोडिड जेडएनओ, एडवांसिज इन एनलिटिक साइंसिज (आईसीएएएस-2018), सीएसआईआर-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम, देहरादून, उत्तराखंड, 15-17 मार्च, 2018.

चौधरी, एन.आर. और कांत, आर. - इंटेनसिटी मॉड्यूलेटिड फोटोकरेंट स्पेक्ट्रोस्कॉपी एट इलुमिनेटिड रफ सेमिकंडक्टर इलेक्ट्राड्स, एसीएस ऑन कैम्पस इंडिया रोडशो, दिल्ली विश्वविद्यालय, 5 फरवरी, 2018.

चुघ, एच., तोमर, वी., कुमार, पी., जोशी, एच., चन्द्रा, आर. - एक्सप्लोरेशन ऑफ द इंटरएक्शन बिटविन द एंटी कैंसर ड्रग नोस्केपियन-एचसीएल एंड ह्यूमन सीरम, इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन एमर्जिंग ट्रेंड्स इन ड्रग्स डिवलपमेंट एंड नेचुरल प्रोडेक्ट्स (ईटीडीडीएनपी-2018), यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली, 12-14 जनवरी, 2018.

दास, वी. और हुसैन, एफ. - सिंथेसिस एंड करेक्टराइजेशन ऑफ हेट्रोमेटेलिक 3डी-4एफ पालीआक्सोमेटलेट्स कंटेनिंग सिलिकोटंगस्टेट्स, 24वीं आईएससीबी इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन 'फ्रंटीयर अनुसंधान इन कैमेस्ट्री एंड बायलॉजी इंटरफेस, रसायन विज्ञान विभाग, मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर, राजस्थान, 11-13 जनवरी, 2018.

दास, वी., खान, आई. और हुसैन, एफ. - सेल्फ एसेम्बल्ड हेट्रोमेटेलिक {सीओ7-एचओ1} नैनोक्लस्टर : ए 3डी-4एफ ट्राइमेरिक केगिन-टाइप सिलिकोंटगस्टेट [एचओसीओ7एसआई3डब्ल्यू29ओ108(ओएच)5(एच2ओ)4]18− एंड इट्स कैटेलिटिक एप्लीकेशंस, नेशनल कांफ्रेंस ऑन 'केमिकल साइंसिज : ऑपरचुनिटिज एंड चैलेंजिज, रसायन विज्ञान विभाग, सेंट स्टीफन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 19-20 मार्च, 2018.

गोस्वामी, एन. और कांत, आर. - थ्यूरी फॉर इलेक्ट्रोकेमिकल इम्पिडेंस रेस्पांस ऑफ सॉलिड स्टेट इलेक्ट्रोलाइट, फर्स्ट कांफ्रेंस ऑन सॉलिड इलेक्ट्रोलाइट्स फॉर एडवांस्ड एप्लीकेशंस : गार्नेट एंड कम्पीटीटर्स, भौतिक विज्ञान विभाग, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, भारत, 6-9 सितम्बर, 2017.

गोस्वामी, एन. और कांत, आर. - थ्यूरी फॉर इलेक्ट्रोकेमिकल इम्पीडेंस रेस्पांस ऑफ सॉलिड स्टेट इलेक्ट्रोलाइट, एसीएस ऑन कैम्पस इंडिया रोडशो, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 5 फरवरी, 2018.

गुप्ता, पी. और नागराजन, आर. - फाइन ट्यूनिंग बायफंक्शनल प्रोपर्टीज ऑफ वाई0.5जीडी0.5बीओ3 बॉय डोपिंग विद सीई3+ एंड कोडोपिंग विद एलआई+, सीए2+ एंड एएल3+ फ्लोइंग एन एपोक्साइड मीडिएटिड जेल एप्रोच, इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन एडवांसिज इन एनलिटिक साइंसिज, आईसीएएएस-2018, सीएसआईआर-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम, देहरादून, उत्तराखंड, 15-17 मार्च, 2018 (श्रेष्ठ पोस्टर अवार्ड प्रदान किया गया)।

हेमलता और कौर-घुम्मन, एस. - मोनोथियोलेट वर्सेस डायथियोलेट-ब्रिज्ड {2एफई-2एस} मॉडल कम्प्लेक्सिज विद ए डायफोसफाइन लिगन, सैकेंड इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन इलेक्ट्रोकेमिकल साइंस एंड टेक्नालॉजी (आईसीओएनईएसटी-2017), आईआईएससी-बंगलौर, 10-12 अगस्त, 2017.

हेमलता, नटराजन, एम. और कौर-घुम्मन, एस. - मोनोन्यूक्लियर आयरन कार्बोनाइल कम्प्लेक्स [एफईFe(-बीडीटी)(सीओ)2(पीटीए)2] विद बल्की फोसफाइन लिंगड : ए मॉडल फॉर द (एफईएफई) हाइड्रोजिनेस एंजाइम एक्टिव साइट विद एन इनवर्टिड रिडॉक्स पोटेंशियल, मॉडर्न ट्रेंड्स इन इनआर्गेनिक कैमेस्ट्री (एमटीआईसी- XVII), सीएसआईआर-एनसीएल, आईआईएसईआर-पुणे, 11-14 दिसम्बर, 2017.

कैम, वी., नटराजन, एम. और कौर-घुम्मन, एस. - इलेक्ट्रोकेमिकल प्रोटोन रिडक्शन कैटलाइज्ड बाय थियोलेट-ब्रिज्ड मैंगनीज कार्बोनाइल कम्प्लेक्सिज, नेशनल कांफ्रेंस ऑन केमिकल साइंसिज : आपरचुनिटिज एंड चैलेंजिज, सेंट स्टीफन कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, 19-20 मार्च, 2018.

कैम, वी., नटराजन, एम. और कौर-घुम्मन, एस. - इलेक्ट्रोकेटेलिक प्रोडेक्शन ऑफ हाइड्रोजन बाय मैगनीज इमिडाजोल कम्पलेक्सिज, ए रिन्यूएबल एंड सस्टेनेबल सोर्स ऑफ एनर्जी, ग्रीन कैमेस्ट्री न्यूजीलैंड, यूनिवर्सिटी ऑफ आकलैंड, न्यूजीलैंड, 8-9 दिसम्बर, 2017.

कौर, जे. और पंत, आर. - थ्यूरी फॉर पोटेंशियल ऑफ जीरो चार्ज ऑफ सेल्फ एसेम्बल्ड मोनोलेयर ओवर करवड मेटल इलेक्ट्रोड, 54वां एन्यूअल कनवेंशन ऑफ केमिस्ट्स (आईसीएस-2017), रसायन विज्ञान विभाग, यूका टर्साडिया यूनिवर्सिटी, बारदोली, सूरत, गुजरात, 23-25 दिसम्बर, 2017 (प्रो. एस.टी. नंदीबेवूर अवार्ड फार बेस्ट पोस्टर)।

कौर, जे. और पंत, आर. - थ्यूरी फॉर पोटेंशियल ऑफ जीरो चार्ज ऑफ सेल्फ एसेम्बल्ड मोनोलेयर ओवर करवड मेटल इलेक्ट्रोड, एसीएस ऑन कैम्पस इंडिया रोडशो, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, 5 फरवरी, 2018 (*श्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्रदान किया गया)।

कौर, एन. और चन्द्रा, आर. - बायोमार्कर डिसकवरी इन ड्रग डिवलपमेंट विद एन एम्फेसिस ऑन लीवर टॉक्सीजिनॉमिक्स : बेंच टू बिसाइड पैराडिगम्स एम्पलायिंग जेब्राफिश, इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन एमर्जिंग ट्रेंड्स इन ड्रग्स डिवलपमेंट एंड नेचुरल-प्रोडक्ट्स (ईटीडीडीएनपी-2018), यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली, 12-14 जनवरी, 2018.

कौशिक, आर., प्रभाकर, एस. एंड हुसैन एफ. - सिंथेसिस एंड करेक्टराइजेशन ऑफ लैंथानायड सबस्टिट्यूटिड ट्रांजिशन मेटल कंटेनिंग इनआर्गेनिक-आर्गेनिक हाइब्रिड पालीआक्सोमेटलेट्स, इनोवेशंस इन साइंसिज इन एमर्जिंग चैलेन्जिज इन हेल्थ एंड एनवायरमेंट (एनएसएचई-2018), रसायन विज्ञान विभाग, दौलत राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 19-20 मार्च, 2018.

खान, आई. और हुसैन, एफ. - सिंथेसिस, क्रिस्टल स्ट्रक्चर एंड सॉलिड स्टेट प्रोपर्टीज ऑफ लैंथानॉयड कंटेनिंग नैनोक्लस्टर : [(एलएन2एसआईडब्ल्यू10ओ38)4(डब्ल्यू3ओ8)(ओएच)4(एच2ओ)2]26, 26, 24वां आईएससीबी इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन 'फ्रंटियरअनुसंधान इन कैमेस्ट्री एंड बायलॉजी इंटरफेस', रसायन विज्ञान विभाग, मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर, राजस्थान, 11-13 जनवरी, 2018.

कोमल, सोनिया, कुकरेती, एस., कौशिक, एम. - ग्रीन सिंथेसिस ऑफ सिल्वर नैनोपार्टिकल्स यूजिंग एपिप्रिमनम आरिएम लीफ एक्सट्रेक्ट्स एंड इट्स इंटरएक्शन स्टडीज विद कॉफ थाइमस डीएनए, ट्रेंड्स इन नैनोबायोटेक्नालॉजी (बायोटिकास), टेरी यूनिवर्सिटी, दिल्ली, 28-29 सितम्बर, 2017.

कोमल, सोनिया, कुकरेती, एस., कौशिक, एम. - फिजिकोकेमिकल स्टडीज ऑफ सिल्वर नैनोपार्टिकल्स प्रिपेयर्ड यूजिंग एपिप्रिमनम आरिएम लीव्ज एक्सट्रेक्ट विद कॉफ थाइमस डीएनए, रिसेंट एडवांसिज इन केमिकल साइंसिज टुवर्डस ग्रीन एंड सस्टेनेबल एनवायरमेंट, अदिति महाविद्यालय, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली, 10-11 अक्तूबर, 2011.

कोमल, सोनिया, कुकरेती, एस., कौशिक, एम. - एन इनवायरमेंटली बेंजिन एप्रोच टू सिंथेसाइज सिल्वर नैनोपार्टिकल्स यूजिंग एपिप्रिमनम आरिएम लीव्ज एक्सट्रेक्ट एंड इट्स इंटरएक्शन स्टडीज विद कॉफ थाइमस डीएनए, वन-डे इंडो-हंगरियन सिम्पोजियम ऑन रिसेंट एडवांसिज इन कैमेस्ट्री एंड बायलॉजी, मिरांडा हाऊस, रसायन विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 11 दिसम्बर, 2017.

कुमार, ए., बरूआ, ए. और बिसवास, पी. - रोल आफ लोकल एंड नॉन-लोकल इंटरएक्शंस एंड साइट डायरेक्टिड प्वाइंट म्यूटेशंस एंड फोल्डिंग एंड मिसफोल्डिंग ऑफ ग्लोबुलर प्रोटींस, ब्रेकिंग बैरियर्स थ्रू बायोइनफार्मेटिक्स एंड कम्प्यूटेशनल बायलॉजी, आईआईटी दिल्ली, दिल्ली, 31 जुलाई - 1 अगस्त, 2017.

कुमार, ए., बरूआ, ए. और बिसवास, पी. - रोल ऑफ लोकल एंड नॉन-लोकल इंटरएक्शंस एंड साइट डायरेक्टिड प्वाइंट म्यूटेशंस इन फोल्डिंग एंड मिसफोल्डिंग ऑफ ग्लोबुलर प्रोटींस, एसीएस ऑन कैम्पस, दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली, 5 फरवरी, 2018.

कुमार, एम., श्रीवास्तव, एस., कांत, आर. - ईआईएस विद डीसी बायस एट रु इलेक्ट्रॉड्स : क्वेसीरिवर्सिबिलिटी एंड अनकम्पनसेटिड रेजिस्टेंस, प्रो. आर.सी. पॉल नेशनल सिम्पोजियम, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़, 22-23 फरवरी, 2018 (*श्रेष्ठ पोस्टर का पुरस्कार प्रदान किया गया)।

कुमार, एम., त्रिपाठी, वी.के. और नागराजन, आर. - एमरजेंस ऑफ डिफेक्ट फ्लूराइट स्ट्रक्चर इन नैनोसाइज्ड थोरिया डोपिंग विद सम डायवेलेंट ट्रांजिशन मेटल आयन्स, इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन एडवांसिज इन एनलिटिक साइंसिज, आईसीएएएस-2018, सीएसआईआर-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम, देहरादून, उत्तराखंड, 15-17 मार्च, 2018.

नेहा, कांत, आर. - इन्फ्लुएंस ऑफ एक्सक्लुडिड वाल्यूम इंटरएक्शंस (ईवीआई) ऑन डायनेमिक्स ऑफ डेंड्रिमर एंड सेयरपिंकसी फ्रेक्टल पालीमर्स इन रैंडम फ्लो, 22वीं सीआरएसआई नेशनल सिम्पोजियम इन कैमेस्ट्री एंड 12वीं सीआरएसआई-आरसीएस सिम्पोजियम इन कैमेस्ट्री, स्कूल ऑफ स्टडीज इन कैमेस्ट्री, पंडित रवि शंकर शुक्ला यूनिवर्सिटी, रायपुर (छत्तीसगढ़), 1-4 फरवरी, 2018.

पोखरियाल, एम., मलिक, वी., उमा, एस. - सिंथेसिस एंड करेक्टराइजेशन ऑफ मल्टीफंक्शनल मिनरल बैराइट सीएबीआई2ओ2 (सीओ3)2, 24वीं कांग्रेस एंड जनरल एसेम्बली ऑफ द इंटरनेशनल यूनियन ऑफ क्रिस्टेलोग्रामी, 2017, हैदराबाद, 21-28 अगस्त, 2017.

रश्मि और शर्मा, एस.के. - सिंथेसिस ऑफ नॉन आयोनिक बोलमफिफाइल एंड स्टडी ऑफ सेल्फ एसेम्बली एंड ट्रांसपोर्ट बिहेवियर फॉर ड्रग डिलीवरी एप्लीकेशन ग्लुसिटॉल बेस्ड सेल्फ-एसेम्बलिंग नॉन-आयोनिक एम्फीफिलिक आर्किटेक्चर्स फॉर इनकेपसुलेशन ऑफ नॉन-पोलर ड्रग्स, चौथी इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन 'एडवांसिज इन सस्टेनेबल पालीमर्स', आईआईटी गुवाहाटी, 8-11 जनवरी, 2018.

राठी, जी., तोमर, आर., तोमर, वी. और चन्द्रा, आर. - सिंथेसिस एंड करेक्टराइजेशन ऑफ सीई-बियरिंग सॉलिड बेस केटलिस्ट एंड इट्स एप्लीकेशन इन सुजुकी-मियोरा रिएक्शन, इंडो-हंगरियन सिम्पोजियम ऑन रिसेंट एडवांटेजिज इन कैमेस्ट्री एंड बायलॉजी', मिरांडा हाऊस, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, 11 दिसम्बर, 2017.

सक्सेना, के., श्रीवास्तव, ए. और कांत, आर. - शीरल एनलिसिस ऑफ एसकार्बिक एसिड इन बोवाइम सीरम यूजिंग अल्ट्राथिन मॉलीक्यूलर इम्प्रींटिड पालीएनिलिन/ग्रेफाइट इलेक्ट्राड, एमर्जिंग ट्रेंड्स इन ड्रग डिवलपमेंट एंड नेचुरल प्रोडेक्ट्स, रसायन विज्ञान विभाग, दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली, 12-14 जनवरी, 2018.

सेठी, ए., उमा, एस. - 'नावल एसबी5+ कंटेनिंग ऑक्साइड पॉजेसिंग यूनिक स्ट्रक्चरल फीचर, 24वीं कांग्रेस एंड जनरल एसेम्बली ऑफ द इंटरनेशनल यूनियन ऑफ क्रिस्टेलोग्राफी 2017, हैदराबाद, 21-28 अगस्त, 2017.

शालू, रावत, पी., उमा, एस. और नागराजन, आर., मेकेनोकेमिकल ट्रांसफार्मेशन ऑफ जेडएनओ2 टू हाइली डिफक्टिव जेडएनओ2 , इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन एडवांसिज इन एनालिटिक साइंसिज, आईसीएएएस-2018, सीएसआईआर-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम, देहरादून, उत्तराखंड, 15-17 मार्च, 2018.

शर्मा, आर.के., करकुमिन लोडिड सिल्वर नैनोपार्टिकल्स : एन इफेक्टिव एंटी एचआईवी थ्यूरेप्टिक्स?, डिपार्टमेंट अॉफ मेडिसन अनुसंधान डे, यूनिवर्सिटी ऑफ बफेलो, बफेलो, यूएसए, 24 जून, 2017.

शर्मा, एस. एंड बिसवास, पी., हाइड्रेशन वाटर अराउंड द प्रोटीन सरफेस, एसीएस ऑन कैम्पस, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली, 5 फरवरी, 2018 (*श्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्रदान किया गया)।

शर्मा, एस. और बिसवास, पी., 'हाइड्रेशनवाटर अराउंड द प्रोटीन सरफेस, ब्रेकिंग बैरियर्स थ्रू बायोइनफार्मेटिक्स एंड कम्प्यूटेशनल बायलाजी, आईआईटी दिल्ली, दिल्ली, 31 जुलाई - 1 अगस्त, 2017.

सिंह, ए.के. एंड शर्मा, एस.के., 'एग्रीगेशन बिहेवियर ऑफ नॉन-आयनिक ट्विन्ड एम्फीफिलिस एंड देयर एप्लीकेशनएज बायोमेडिकल नैनोकैरियर्स, चौथा इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन 'एडवांसिज इन सस्टेनेबल पालीमर्स', आईआईटी गुवाहाटी, 8-11 जनवरी, 2018.

सिंह, एम., सोलेल, ई., केइनन, ई., ओ. रिएनी, चौहान, एस.एम.एस., चन्द्रा, आर., एजा बम्बुसुरिल्स एन रूट टू एनियन ट्रांसपोटर्स, इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन एमर्जिंग ट्रेंड्स इन ड्रग्स डिवलपमेंट एंड नेचुरल प्रोडक्ट्स (ईटीडीडीएनपी-2018), यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली, 12-14 जनवरी, 2018.

सिंह, एन., तोमर, आर., तोमर, वी. एवं चन्द्रा, आर. 'सिंथेसिस एंड करेक्टराइजेशन ऑफ सीई-बियरिंग सोलिड बेस केटालिस्ट एंड इट्स एप्लीकेशन इन सुजुकी-मियोरा रिएक्शन, इंडो-हंगरियन सिम्पोजियम ऑन रिसेंट एडवांटेजिज इन केमेस्ट्री एंड बायलाजी, मिरांडा हाऊस, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 11 दिसम्बर, 2017.

सिंह, एन., तोमर, वी. और चन्द्रा, आर. - सीई-बियरिंग सोलिड बेस केटालिस्ट : सिंथेसिस, करेक्टराइजेशन एंड इट्स एप्लीकेशन इन सुजुकी-मियोरा रिएक्शन, इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन एमर्जिंग ट्रेंड्स इन ड्रग्स डिवलपमेंट एंड नेचुरल-प्रोडेक्ट्स (ईटीडीडीएनपी-2018), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 12-14 जनवरी, 2018.

सिंह, पी. और नाथ, एम. - सिंथेसिस एंड स्पेक्ट्रोस्कॉपिक प्रोपर्टीज ऑफ बीटा, बीटा-फ्यूज्ड पायरीडोपारफिरिंस, 40वीं आईएससीबी इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन फ्रंटियर अनुसंधान इन कैमेस्ट्री एंड बायलॉजी इंटरफेस (आईएससीबीसी-2018), मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर, भारत, 11-13 जनवरी, 2018.

सोनिया, कोमल, कुकरेती, एस., कौशिक, एम. - अनरेवलिंग द बॉइडिंग ऑफ कॉफ थाइमस डीएनए विद मेटल नैनोपार्टिकल्स : एकम्पेरेटिव स्टडी ऑफ चिटोसनएंड साइट्रेट स्टेबिलाइज्ड गोल्ड नैनोपार्टिकल्स,ट्रेंड्स इन नैनोबायोटेक्नालॉजी (बायोटिकॉस), टेरी यूनिवर्सिटी, दिल्ली, 28-29 सितम्बर, 2017.

सोनिया, कोमल, कुकरेती, एस., कौशिक, एम. - फिजियोकेमिकल स्टडी ऑफ गोल्ड नैनोपार्टिकल्स सिंथेसाइज्ड थ्रू ग्रीन एज वेल एज केमिकल मेथड : इंटरएक्शनविद कॉफ थाइमस डीएनए एंड द रोल ऑफ स्टेबिलाइजिंग एजेंट, रिसेंट एडवांसिज इन केमिकल साइंसिज टुवर्डस ग्रीन एंड सस्टेनेबल एनवायरमेंट, अदिति महाविद्यालय, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली, 10-11 अक्तूबर, 2017.

सोनिया, कोमल, कुकरेती, एस., कौशिक, एम. - ए फिजियोकेमिकल एप्रोच टू स्टडी द जिनोटाक्सिक पोटेंशियल आफ साइटोसन एंड साइट्रेट रिडयूस्ड गोल्ड नैनोपार्टिकल्स टुवर्डस कॉफ थइमस डीएनए : ए फिजियोकेमिकल एप्रोच, इंडो-

हंगरियन सिम्पोजियम ऑन रिसेंट एडवांसिज इन कैमेस्ट्री एंड बायलॉजी, मिरांडा हाऊस, रसायन विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 11 दिसम्बर, 2017.

सोनिया, कोमल, कुकरेती, एस., कौशिक, एम. - ए फिजियोकेमिकल एप्रोच टू स्टडी एंड कम्पेयर द जिनाटॉक्सिक पोटेंशियल ऑफ साइटोसन एंड साइट्रेट रिडयूस्ड गोल्ड नैनोपार्टिकल्स टुवर्डस कॉफ थाइमस डीएनए, इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन 'इमर्जिंग ट्रेंड्स इन ड्रग्स डिवलपमेंट एंड नेचुरल प्रोडेक्ट्स', रसायन विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली,12-14 जनवरी, 2018.

सूद, डी., तोमर, वी. एंड चन्द्रा, आर. - एप्लीकेशन ऑफ साइटोसन कोटिड मैग्नेटिक नैनोपार्टिकल्स एज एन एफिसिएंट ड्रग डिलीवरी सिस्टम फार नोस्केपाइन, इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन एमर्जिंग ट्रेंड्स इन ड्रग्स डिवलपमेंट एंड नेचुरल प्रोडेक्ट्स (ईटीडीडीएनपी-2018), यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली, 12-14 जनवरी, 2018.

टेकुरी, नाथ, एम. -सिंथेसिस एंड फोटोफिजिकल प्रोपर्टीज ऑफ बीटा, बीटा-फ्यूज्ड बेंजो क्विनोक्सलिनोपोरुइरिंस, 40वीं आईएससीबी इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन फ्रंटियर अनुसंधान इन कैमेस्ट्री एंड बायलॉजी इंटरफेस (आईएससीबीसी-2018), मणिपाल यूनिवर्सिटी, जयपुर, भारत, 11-13 जनवरी, 2018.

तोमर, आर. तोमर, वी. और चन्द्रा, आर. - सिंथेसिस एंड करेक्टराइजेशन ऑफ सीई-बियरिंग सॉलिड बेस केटालिस्ट एंड इट्स एप्लीकेशन इन हेनरी रिएक्शन, इंडो हंगरियन सिम्पोजियम ऑन रिसेंट एडवांटेजिज इन कैमेस्ट्री एंड बायलॉजी, मिरांडा हाऊस, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, 11 दिसम्बर, 2017.

तोमर, वी., चन्द्रा, आर. और प्रकाश, एस. - मेटाबॉलिज्म ऑफ एंटीकैंसर एजेंट्स नोस्कापाइन एंड एनालोग्स, इंटरनेशनल कांफ्रेंस, 60वीं एनिवरसरी ऑफ आर्टिफिसिएल सेल्स इन कांजुगेशन विद XVI आईएसबीएस इंटरनेशनल सिम्पोजियम ब्लड सबसिट्यूट्स एंड ऑक्सीजन थ्यूरोप्टिक्स V आईएसएनएस नैनोमेडिसन कांफ्रेंस, मांटिरियल, क्यूबेक, कनाडा, 13-15 नवम्बर, 2017.

त्रिपाठी, वी.के. और नागराजन, आर. - सॉलिड सोल्यूशन सिंथेसिस ऑफ जीडी1-जाइडोक्सीक्रो-3 : मैग्नेटिक, आप्टिकल एंड केटालिटिक प्रोपर्टीज,10वां नेशनल कांफ्रेंस ऑन सॉलिड स्टेट कैमेस्ट्री एंड एलायड एरियाज, आईएससीएएस-2017, दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दिल्ली, 01-03 जुलाई, 2017.

अन्य अंतर-सांस्थानिक सहयोग

प्रो. एस.के. शर्मा : कोलेबरेशन विद प्रो. रेनर हाग, फ्रेई यूनिवर्सिटी बर्लिन, जर्मनी।

प्रो. एस.के. शर्मा : कोलेबरेशन विद प्रो. के. परांग, चैपमेन यूनिवर्सिटी, सीए, यूएसए।

प्रो. एस.के. शर्मा : कोलेबरेशन विद प्रो. एच.के. गौतम, सीएसआईआर-आईजीआईबी, दिल्ली (स्टूडेंट्स को-सुपरवाइजर)।

प्रो. एस.के. शर्मा : कोलेबरेशन विद डॉ. प्रवीण वत्स, डीआरडीओ-डीआईपीएएस, दिल्ली (स्टूडेंट्स को-सुपरवाइजर)।

प्रो. एम. तिरूमल : कोलेबरेशन विद आईआईटी, दिल्ली विद प्रो. ए.के. गांगुली (स्टूडेंट्स को-सुपरवाइजर)।

प्रो. एम. तिरूमल : कोलेबरेशन विद आईएनएमएएस, दिल्ली विद डॉ. अनुपमा दत्त (स्टूडेंट्स को-सुपरवाइजर)।

आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत छात्र

प्रो. एस.के. शर्मा की स्टुडेंट सुश्री रश्मि ने फ्री यूनिवर्सिटी, बर्लिन, जर्मनी का दौरा किया।

प्रदान की गई एम.फिल/पीएचडी डिग्रियां : पीएचडी-53

संकाय संख्या : 36

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

विभाग में वर्तमान में 600 एम.एस.सी. छात्र और 300 पीएचडी स्कॉलर हैं।

***

पर्यावरण अध्ययन

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

यह विभाग पर्यावरण संबंधी अध्ययन के क्षेत्र में शिक्षण और अनुसंधान से जुड़ा है। प्रत्येक वर्ष हम अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दो स्नाकोत्तर पाठ्यक्रमों (एमएससी-31 और एमए -23) में विभिन्न विषयों में पढ़ाई कर रहे भिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि वाले 54 छात्रों को प्रवेश देते हैं। हमारे शिक्षक मूलभूत पारिस्थितिकी, पर्यावरण और प्रयुक्त पर्यावरण विज्ञान में अनुसंधान के अग्रणी क्षेत्रों से जुड़े है। हम राष्ट्रीय विकास से संबंधित सामाजिक रूप से संगत क्षेत्रों में अनुसंधान भी करते हैं और पर्यावरण क्षरण से उत्पन्न मुद्दों के समाधान में भी योगदान देते हैं। संकाय सदस्य नियमित रूप से शीर्ष टीयर समकक्ष व्यक्ति समीक्षित जर्नल यथा नेचर, साइंस और अन्य उच्च प्रभाव वाले जर्नलों में अपने अनुसंधान निष्कर्षों को प्रकाशित करते हैं। हमने अतिरिक्त अनुसंधान अनुदान भी प्राप्त हुआ है जिसका इस्तेमाल अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं को विकसित करने एवं अनुसंधान विद्वानों को प्रशिक्षित करने के लिए किया जाता है। हमारे संकाय सदस्यों को अपने क्षेत्रों में विश्व नेता के रूप पहचान प्राप्त है। वे व्यापक रूप से अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ समन्वय करते हैं और उन्हें नियमित रूप से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मुख्य/उद्घाटन व्याख्यान के माध्यम से अपनी खोज को साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

सम्मान/ गौरव

प्रो. महराज के. पंडित, जीव विज्ञान के क्षेत्र में हार्डी फेला, रेडक्लिफ इंस्टीच्युट फॉर एडवांस्ड स्टडी, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी।

प्रो. महराज के. पंडित, फेलो ऑफ इंडियन नेशनल साइंस ऐकेडमी (आईएनएसए), नई दिल्ली, भारत।

प्रो. इंद्रजीत सिंह, इकोलोजिकल सोसाइटी आफ अमेरिका द्वारा दिया गया विशिष्ट इकोलोजिस्ट पुरस्कार।

प्रो. पी. परधासराधी, समूह नेता, नैनो एप दल जिसने भारतीय प्रतियोगिता में 2017 का टेक प्लांटर जिता (लीव ए नेस्ट क. लि., जापान द्वारा आयोजित)।

प्रकाशन

बागेश्वर, यू.के., श्रीवास्तव, एम., परधासराधी, पी., पॉल, एस., गोथानदापानी, एस., जाट, आर. एस., शंकर, पी. परधासराधी, पी., पाल, एस., गोथानदापानी, एस., जाट, आर. एस., शंकर, पी., यादव, आर., विश्वास, डी. आर., कुमार, पी. ए., परदारिया, जे. सी., मंडल, पी. के., अनुपूर्णा, के. और दास, एच. के. (2017). एन एनवारामेंट फ्रेंडली इंजीनियर्ड एजोटोबेक्टर केन रिप्लेस सब्सटेनसियल अमाउन्ट ऑफ यूरिया फर्टिलाइजर एंड येट सस्टेन सेम ह्विट यील्ड। एप्लाइड एंड एनवारामेंटल माइक्रोबायोलॉजी, 83 ई00590-17.डीओआई:10.1128/एईएम.00590-17

बालियान, पी. घोष, सी., दास, एस. और बनर्जी, बी.डी. (2017). स्पेटियल वेरियेशन आफ बायोजेनिक एयरोसोल एट डिफरेंट लैंड यूज कंफिगरेशंस इन अर्बन दिल्ली। इंटरनेशनल जर्नल आफ एप्लाइड एनवारामेंटल साइंसेज, 12(5), 731-744.

बालियान, पी. घोष , सी., शर्मा, ए.के., बनर्जी, बी.डी. (2018). हैल्थ इफेक्ट आफ एयर पोल्युशन एमंग रेसिडेंट्स आफ दिल्ली: ए सिस्टेमेटिक रिव्यू। इंटरनेशनल जर्नल आफ हैल्थ साइंस रेस. 8(1), 273-282.

बेसेरा, पी., कालावे, आर., कैटफोर्ड, जे., इंद्रजीत, अंडोनिया, के., ल्युस, एम., असेहॉग, ई. और मोंटेसिनोज, डी. (2018). इनहिबिटरी इफेक्ट्स आफ यूकेलिप्टस ग्लोबुलस आन अंडरस्टोरी प्लांट ग्रोथ एंड स्पीसीज रिचनेस आर ग्रेटर इन नॉन नेटिव रिजन्स। ग्लोबल इकोलोजी एंड बायोज्योग्राफी। 27, 68-76.

बर्जर, ए., ब्रोक्यूसे, आर., पाठक, पी. के., हिचरी, आई., इंद्रजीत, भाटिया, एस., बोसकारी, ए., इगाम्बरदीव, ए. यू. और गुप्ता, जे. के. (2018). पाथवे आफ नाइट्रिक ऑक्साइड मेटाबोलिज्म एंड आपरेशन आफ फायटोग्लोबिन्स इन लेग्युम नोड्युल्स: मिसिंग लिंक्स एंड फ्युचर डायरेक्शंस। प्लांट सेल एंड एनवारामेंट, 41, 2057-2068.

भट्ट, जे.पी., मनीष, के., मेहता, आर. और पंडित, एम. के. (2017). एसेसिंग पोटेंशियल कंजर्वेशन एंड रेस्टोरेशन एरियाज आफ फ्रेश वाटर फिश फाउना इन इंडियन रिवर बेसिन। एनवारामेंटल मैनेजमेंट, 57, 1098-1111.

भट्ट, जे.पी. और पंडित, एम. के. (2017). एनडेंजर्ड गोल्डन महशीर टोर प्युटिटोरा हैमिल्टन: ए रिव्यू आफ नेचुरल हिस्ट्री। रिव्यूज इन फिश बायोलॉजी एंड फिशरिज, 26, 25-38.

चेन, जे., हुआंग, एम., काओ, एफ., परधा सराधी, पी. और जोउ, वाई. (2017). यूरिया एप्लिकेशन प्रोमोट्स एमिनो एसिड मेटाबोलिज्म एंड मेम्ब्रेन लिपिड पेरोक्सिडेशन इन एजोला। पीएलओएस वन, 12, ई0185230. डिओआई. ओआरजी /10.1371/जर्नल. प्रोन. 0185230

गर्ग, ए., शर्मा, पी. और घोष, सी. (2018). टाइम सीरीज एनालिसिस आफ पार्टिकुलेट मैटर (पीएम10) इन दिल्ली, इंटरनेशनल जर्नल आफ लेटेस्ट इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट रिसर्च, 3(02), 04-10.

गर्ग, एस. और बिजू, एस. डी. (2017). डिस्क्रिप्शन ऑफ फोर स्पीसीज आफ बरोइंग फ्रॉग्स इन द फेजेजवेरीअरूफेसेन्स कॉम्प्लेक्स (डायक्रोग्लोसिडे) विद नोट्स आन मॉर्फोलोजिकल एफिनिटीज आफ फेजेरवेरया स्पीसीज इन द वेस्टर्न घाट. जूटाक्सा 4277, (4), 451-490

गर्ग, एस., सेनेविराथने, जी., विजयाथिलाका, एन., फुगे, एस., डेयुटी, के., मानमेन्द्र-आराछी, के. मीगासकुम्बुरा, एम. और बिजू, एस. डी. (2018). एन इन्टेग्रेटिव टैक्सोनोमिक रिव्यू आफ द साउथ एशियन माइक्रोहाइलिड जिनस अपेरोडोन। जूटाक्सा। 4384(1), 1-88.

गर्ग, एस., सुयेश, आर., संदीप, एस. और बिजू, एस. डी. (2017). सेवेन न्यू स्पीसीज आफ नाइट फ्रॉग्स (अनुरा, नाइक्टिवेट्राचाइडि) फ्रॉम द वेस्टर्न घाट बायोडायवर्सिटी हॉटस्पॉट आफ इंडिया, विद रिमार्केबली हाई डायवर्सिटी आफ डिमिन्युटिव फॉर्म्स पीयर जे, 5, ई3007.

गोयल, एन., ईल्सर, के. और शर्मा, जी. पी. (2018). ह्वाट ड्राईव्स पर्फोमेंस पोटेंशियल आफ लंटाना कैमरा एल. (सेंसुलाटो) इन द इनवेडेड रेंज? ट्रोपिकल इकोलॉजी, 59(1): 57-68. [कवर्ड बाय डीएसटी-एनआरएफ सेंटर आफ एक्सीलेंस फॉर इनवेशन बायोलोजी, साउथ अफ्रीका].

गोयल, एन., शाह, के., शर्मा, जी. पी. (2018). डज इंट्रिंसिक लाइट हेटेरोजेनिइटी इन रिसिन्यूस्कोम्युनिस एल. मोनोस्पेसिफिक थिकेट्स ड्राइव स्पीसीज पोपुलेशन डायनॉमिक्स? एनवारामेंटल मॉनिटरिंग एंड एसेसमेंट, 190(7), 410.

इंद्रजीत, कैटफोर्ड, जे. ए., कालिस्ज, एस., सिम्बरलोफ, डी. और वार्डल, डी. ए. (2017). ए फ्रेमवर्क फॉर अंडरस्टैंडिंग ह्युमन ड्राइवन वेजिटेशन चेंज. ओइकोज126, 1687-1698.

इंद्रजीत, पर्जेल, जे., वैन क्लेउनेन, एम., हेजदा, एम., बाबू, सी. आर., मजूमदार, एस., सिंह, पी., सिंह, एस. पी., सालामा, एस., राव, बी.आर.पी. और पाइसेक, पी. (2018). नेचुरलाइज्ड एलियन फ्लोरा आफ द इंडियन स्टेट्स: बायोज्योग्राफिक पैटर्न्स, टैक्सोनोमिक स्ट्रक्चर एंड ड्राइवर्स आफ स्पीसीज रिचनेस। बायोलोजिकल इंवेसंस, 20, 1625-1638.

काउफमेन, के. एम., हुसैन, एफ. ए., यांग, जे., अरेवालो, पी. ब्राउन, जे. एम., चांग, डब्लू. के., वेनिंसबर्गे, जे. ई. शर्मा, आर. एस., कटलर, एम. बी., कैली, एल. और पोल्ज, एम. एफ. (2018). ए मेजर लाइनेज आफ नो टेल्ड डीएसडीएनए वायरस एज अनरिकॉग्नाइज्ड किलर्स आफ मरीन बैक्टेरिया। नेचर, 554, 118-122.

महोनी, एस., फोले, एन. एम., बिजू, एस. डी. और टीलिंग, ई. सी. (2017). इवोल्युशनरी हिस्ट्री आफ द एशियन हॉर्न्ड फ्रॉग (मेगोफ्रायीन): इंटेग्रेटिव एप्रोच टू टाइमट्री डेटिंग इन द एब्सेंस आफ ए फोसाइल रिकार्ड। मोलेकुलर बायोलॉजी एंड इवोल्युशन, 34(3), 744-771.

मज़ूमदार, एस., सनवाल, यू., इंद्रजीत.(2017). इंटरफेरेंस पोटेंशियल आफ सोर्गम हेल्पेंस आन सोआइल एंड प्लांट सीडलिंग ग्रोथ। प्लांट एंड सोआइल, 418, 219-230.

मल्होत्रा, एस., मिश्रा, वी., करमाकर, एस., और शर्मा, आर. एस. (2017). एनवारामेंटल प्रीडेक्टर्स आफ इंडोल एसेटिक एसिड प्रोड्यूसिंग राइजोबैक्टेरिया एट फ्लाई एश डम्प्स: नेचर बेस्ड सोल्युशन फॉर सस्टेनेबल रिस्टोरेशन। फ्रंटियर्स इन एनवारामेंटल साइंस 5, 59, डिओआई: 10.3389/फेन्व्स.2017.00059.

मनीष, के., पंडित, एम. के., तेलवाला, वे., नौटियाल, डी. सी., कोह, एल. पी. और तिवारी, एस. (2017) इलेवेस्नल प्लांट स्पीसेज रिचनेस पैटर्न्स एंड देयर ड्राइवर्स एक्रॉस नॉन इंडेमिक्स, इंडेमिक्स एंड ग्रोथ फॉर्म्स इन द ईस्टर्न हिमालया, जे. जे. प्लांट रिसर्च, 130(5), 829-844.

मार्टिनेज-गार्सिया, एल., डे डेयन, जी., पुग्नेयर, एफ., कोथामासी, डी., वैन डेर हैजडेन, एम.जी.ए. (2017) सिम्बॉयोटिक सोआइल फंगी एन्हांस ईकॉसिस्टम रिजेलिएंस टू क्लाइमेट चैंज। ग्लोबल चैंज बॉयोलॉजी, 23, 5228-5236.

मिश्रा, आर., दास, एम. के., सिंह, एस., शर्मा, आर. एस., और मिश्रा, वी. (2017). आर्टिकुलेटिन-डी इंड्यूस एपोप्टोसिस विया एक्टिवेशन आफ कैसपेस -8 इन एक्यूट टी- सेल ल्युकेमिया सेल लाइन। मोलेकुलर एंड सेलुलर बायो कैमिस्ट्री, 426, 87-99.

मिश्रा, आर, शर्मा, एस., शर्मा, आर. एस., सिंह, एस., सरदेसाई, एम. एम., शर्मा, एस. और मिश्रा, वी. (2018). विस्कुमार्टिकेलेटम बर्म. एफ. एक्योअस एक्सट्रेक्ट एक्जर्ट्स एंटीप्रोलिफेरेटिव इफेक्ट एंड इंड्यूस सेल साईकिल एरेस्ट एंड एपॉपटिस इन ल्युकेमिया सेल्स। जर्नल आफ इंथोफार्माकोलोजी, 219, 91-102.

मिश्रा, आर., यादव, ए., शर्मा, एस., सिंह, एस., शर्मा, आर. एस., मल्होत्रा, एस. कर्माकर, एस., सरदेसाई, एम. एम. और मिश्रा, वी. (2017) प्युरिफिकेशन एंड कैरेक्टेराइजेशन आफ ए लैक्टिन आईसोफोर्म आफ रिबोजोम इंएक्टिवेटिंग प्रोटीन फ्रॉम विस्कुमारटिकुलेटम पैरासिटिक ऑन ग्रिवेएटिलिफोलिया। फाइटोमोर्फोलॉजी, 67(3&4), 67-84.

पंडित, एम. के. (2017). लाईफ इन द हिमालय: एन इकोसिस्टम रिस्क एसेसमेंट. यूएसए: हार्वर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस.

परधा-सराधी, पी., शबनम, एन., शर्मिला, पी. गांगुली, ए. के. और किम, एच. (2018) डिफरेंसियल सेंसिटिविटी आफ लाईट हार्नेसिंग फोटोसिंथेटिक इवेंट्स इन ह्विट एंड सनफ्लावर टू एक्सोजेनियसली एप्लाईड आईओनिक एंड नैनोपार्टिकुलेट सिल्वर. चेमोस्फेयर, 194, 340-351.

प्रसाद, आर., यामल, जी. और परधा-सराधी, पी. (2017)। इंपेक्ट आफ स्टोरेज आन क्लोरोफिल ए फ्लूरोसेंस कायनेटिक्स आफ माइक्रोअल्गी इम्मोब्लाइज्ड आन कॉटन फैब्रिक। फाइटोमोर्फोलोजी, 67, 59-65.

पाइसेक, पी., परगेल, जे., ईसेल, एफ., लेंजनर, वी., डॉसन, डब्लू., क्रेफ्ट, डब्लू., वाइगेल्ट, पी., विंटर, एम., कार्टेस्ज, जे., निशिनो, एम., एंटोनोवा, एल. ए., बैप्टिस्ट, एम. पी., बार्सिलोना, जे. एफ. केबेजेस, एफ.जे., कार्डेनस, डी., कार्डेनस टोरो, जे. कास्टोनो, एन., केसोन, ई., चाटेलेन, सी., डुलिनगर, एस., इबेल, ए. एल., फिगुरेडो, ई., फ्युंटेस, एन., जेनोवेसी, पी., ग्रुम, क्यू. जे., हैंडरसन, एल., इंद्रजीत, कुपरियानोव, ए., मिसियाड्री, एस., माउरेल, एन., मीरामेन, जे., मोरोजोवा, ओ., मोजर, डी., निकरेंट, डी., नाउवाक, पी. एम., पगाड, एस., पैटजैल्ट, ए., पेल्सर, पी.बी. सीबेन्स, एच., शू, डब्लू., थॉमस, जे., वेलेयोस, एम., वेबर, ई., वेयरिंगा, जे. जे. और वैन क्लुनेन, एम. (2017). नेचुरलाइज्ड एंड इनवेसिव एलियन फ्लोरा आफ द वर्ल्ड: स्पीसेज डायवर्सिटी, टेक्सोनोमिक एंड फायलोजेनेटिक पैटर्न्स, ज्योग्राफिक डिस्ट्रीब्यूसन एंड ग्लोबल हॉटस्पॉट्स ऑफ प्लांट इंवेशन, प्रेसिलिया, 89, 203-274.

रिप्पल एट एल. (2017) वर्ल्ड साइंटिस्ट्स वार्निंग टू ह्युमिनिटी: ए सेकेंड नोटिस। बायोसाइंस, 67(12), 1026-1028. [इस लेख के हस्ताक्षरकर्ता]

सांचेज, ई., बिजू, एस. डी., इस्लाम, एम. एम., हसन, एम., ओहलर, ए., वेनेसिस, एम. और कुराबयासी, ए. (2018). फायलोजेनी और क्लासिफिकेशन आफ फेजेरवनियान फ्रॉग्स (अनुरा: डायक्रोग्लोसिडे). सालामंद्रा 54, 109-116.

सक्सेना, पी. और घोष, सी. (2017) रोल आफ बायोजेनिक वीओसी इन एटमॉस्फेयर फार द प्रोडक्शन आफ ट्रोस्फेरिक ओजोन इन दिल्ली, इंडिया। इंटरनेशनल जर्नल आफ साइंटिफिक एंड इंजीनियरिंग ट्रैंड्स एंड टेक्नोलोजी (आईजेएसईआर), 8(10), 748-755.

सक्सेना, पी. और घोष, सी. (2018). ए सस्टेनेबल वे टू मिटिगेट ओजोजन पोल्युशन बाय रिड्युशिंग बायोजेनिक वीओसी थ्रू लैंडस्केप मैनेंजमेंट प्रोग्राम, इंटरनेशनल जर्नल आफ इंजीनियरिंग ट्रैंड्स एंड टेक्नोलॉजी (आईजेईटीटी), 56(2), 87-91.

शबनम, एन., शर्मिला, पी., गोविंदजी, किम, एच. और परधा-सराधी, पी. (2017). डिफरेंसियल रिस्पांस आफ फ्लोटिंग एंड सबमर्ज्ड लीव्स आफ लॉग लिव्स पॉडवीड टू सिल्वर आयन्स. फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस, 8, 1052.

शबनम, एन., शर्मिला, पी. और परधा-सराधी, पी. (2017). इंपेक्ट आफ आईओनिक एंड नैनोपार्टिकल स्पेसिएशन स्टेट्स आफ सिल्वर ऑन लाइट हार्नेसिंग फोटोसिंथेटिक इवेंट्स इन स्पाइरोडेलापोलिरजिजा. इंटरनेशनल जर्नल आफ फाइटोरेमेडियेशन, 19, 80-86.

शर्मा, बी. बी., बनर्जी, बी. डी. और उर्फी ए.जे. (2017). इंडियन जूज केन कांट्रिब्यूट टूवार्ड्स ओर्निथोलोजिकल रिसर्च इन नोवल वेज, करंट साइंस 113/6 (25 सितम्बर 2017), 1013.

शर्मा, बी. बी., बनर्जी, बी. डी. और उर्फी ए.जे. (2017). ए प्रीलिमिनयरी स्टडी आफ क्रॉस एम्प्लिफाइड माइक्रोसेटेलाइट लोसी यूजिंग मोल्टेड फीदर्स फ्रॉम ए नियर थ्रेटेंड पेंटेड स्टॉर्क (मिस्टेरिएलेयूकोसीफाला) पोपुलेशन आफ नोर्थ इंडिया एज ए डीएनए सोर्स. बीएमसी रेस नोट्स. डिओआई: 10.1186/एस13104-017-2932-वाई

शर्मिलाद्व पी., कुमार आई, पी. के. सिंह, के., प्रसाद, एन.वी.एस.आर.के. और परधा सराधी पी. (2017). कैडमियम टॉक्सिटी - इंड्यूस्ड प्रोलाइन एक्युमुलेशन इज कपल्ड टू आयरन डिप्लिशन। प्रोटोप्लाज्म, 254, 763-770

सिंह, जी., देव, एम. और घोष, सी. (2018). डिलिमिटिंग द बाउंड्री आफ दिल्ली फार इफेक्टिव अर्बन पॉलिटिकल इकोलॉजी इंवेस्टिगेशंस। जर्नल आफ इन्नोवेशन फॉर इंक्लुसिव डेवलपमेंट, 3(1), 31-39.

सिंह, एस., मिश्रा, आर., शर्मा, आर. एस., मिश्रा, वी. (2017). फेनोल रेमेडियेशन बाय पैरौक्साइड फ्रॉम एन इनवेसिव मेस्टिक: टर्निंग एन एनवारामेंटल वूंड इनटू विजडम। जर्नल आफ हैजार्डस मैटेरियल्स, 334, 201-211.

सिंह, एस. पी., इंद्रजीत, सिंह, जे. एस., मजूमदार, एस., मोयानो, जे., न्यूनेज, एम. ए. और रिचर्डसन, डी. (2018). इनसाइट्स ऑन द पर्सिस्टेंस ऑफ पाइन्स (पाइनस स्पीसीज) इन द लेट क्रेटेसियस एंड देयर इंक्रीजिंग डोमिनेंस इन द एंथ्रोपोसिन। इकोलोजी एंड इवोल्युशन, https://doi.org/10.1002/ece3.4499

सन्नी, ए., दिवाकर, एस. और शर्मा, जी. पी. (2018). इंटरेक्शंस बिटविन नॉन नेटिव प्लांट्स एंड नेटवि इंसेक्ट्स: रिसर्च गैप्स। करंट साइंस। 114(4), 728-729

तोतर, एम., सिंह, ए. पी. और दिवाकर, एस. (2017). बायोएकाउस्टिक ऑर पिटफॉल ट्रैप्स: कंपैरिजन आफ ए मॉडर्न एंड ए ट्रेडिशनल मेथड टू स्टीमेट एनसिफेरा रिचनेस। करंट साइंस, 113(4), 561.

उरफी, ए.जे. (2017). फॉरएजिंग इकॉलोजी आफ एक्वेटिक बर्ड्स: इंप्लिकेशंस फॉर कंजरवेशन इंटरवेंशन एंड सजेशंस फॉर फ्युचर रिसर्च। इन: वेटलैंड साइंस, पर्सपेक्टिव्स फ्रॉम साउथ एशिया (संपादक) प्रुस्टी, बी. ए. के. चंद्रा, आर एवं पी. ए. अजीज (पृष्ठ. 129-141), स्प्रींगर (इंडिया).डिओआई 10.1007/978-81-322-3715-0_7.

उरफी, ए. जे. (2017). वेल्युज एसोसिएटेड विद विलेज टैंक्स एंड सम इंस्टांसेज आफ इन्वायरो लीग एक्टीविज्म फॉर वेटलैंड कंजरवेशन। इन प्रुस्टी, बी. ए. के, चंद्रा, आर. और अजीजी, पी. ए. (संपादक)। वेटलैंड साइंस, पर्सपेक्टिव्स फ्रॉम साउथ एशिया (संपादक), (पृष्ठ 563-573). स्प्रिंगर (इंडिया). डीओआई: 10.1007/978-81-322-3715-0_29.

झांग, एफ. एल., ली, क्यू., चेन, एफ. एक्स., शू, एच. वाई., इंद्रजीत और वान, एफ. एच. (2017). अर्बसकुलर माईकोर्हिजल फंगी फेसिलिटेट ग्रोथ एंड कंपीटिटिव एब्लिटी आफ एन एक्जॉटिक स्पीसीज फ्लेबरियबिडेंटिस। सोआइल बायोलॉजी एंड बायो कैमिस्ट्री, 115, 275-284.

जर्नल

संपादन बोर्ड में संपादक/सदस्यों के रूप में कार्य कर रहे विभागीय शिक्षकों की संख्या:

प्रोफेसर एम. के. पंडित: अकादमी संपादक- पीएलओएस वन; सदस्य, संपादक मंडल- जीव विज्ञान में अनुसंधान और रिपोर्ट।

प्रोफेसर पी. परधा सराधी, अकादमी संपादक-पीएलओएस वन; सहायक संपादक- वाटर-एनर्जी नेक्सस; सदस्य संपादक मंडल- फीजियोलोजी एंड मोलेकुलर बायोलोजी आफ प्लांट्स; सदस्य संपादक मंडल- फायटोमोर्फोलॉजी

प्रोफेसर इंद्रजीत सिंह, सहायक संपादक, बायोलॉजी इन्वेशन, स्प्रिंगर; एओबी प्लांट्स, ऑक्सफोर्ड प्रेस (2013-प्रेजेंट); साइनटिफिक रिपोर्ट्स, नेचर पब्लिसिंग ग्रुप (2014 - प्रेजेंट); नियो बायोटा, पेनसॉफ्ट पब्लिसर्स (2014 - प्रेजेंट); जर्नल आफ एप्लाइड इकोलोजी।

अनुसंधान परियोजनाएं

क्र. सं.	शीर्षक/ विवरण	मुख्य जांचकर्ता	प्रायोजक संगठन	अवधि	कुल लागत
1	इकोलॉजिकल सर्वे आफ कुरीगोंगरी एचईपी, भूटान	प्रो. महराज के. पंडित	डब्लूएपीसीओएस लि. गुरूग्राम	फरवरी 2018 से अप्रैल, 2018	5,40,000 रू.
2	इकोलोजिकल सर्वे फॉर अपर इंद्रावती पीएसपी, ओडिशा	प्रो. महराज के. पंडित	डब्लूएपीसीओएस लि. गुरूग्राम	फरवरी 2018 से अप्रैल, 2018	4,80,000 रू.
3	इकोलोजिकल सर्वे फॉर सीता-राम एलआईपी, तेलंगाना।	प्रो. महराज के. पंडित	डब्लूएपीसीओएस लि. गुरूग्राम	फरवरी 2018 से अप्रैल, 2018	4,80,000 रू.
4	इकोलोजिकल स्टडी फॉर ओडिशा थर्मल पावर प्रोजेक्ट, कामाख्यानगर	प्रो. महराज के. पंडित	डब्लूएपीसीओएस लि. गुरूग्राम	जून, 2018 से जुलाई 2018	4,90,000 रू.
5	बायोडायवर्सिटी स्टडीज फॉर पिन्नापुरम, आंध्र प्रदेश एंड सुन्दाट्टी, कर्नाटक	प्रो. महराज के. पंडित	आर एस एनवायरालोंक टेक्नोलोजी प्रा.	सित. 2018 से नव.2018	4,00,000 रू.
6	इंवेशन इकोलोजी आफ प्रोसोपिसजुलिफ्लोरा इन कांटेक्स्ट्स आफ बायोडायवर्सिटी एंड कंजर्वेशन।	प्रो. इंद्रजीत सिंह	जैव प्रौद्योगिक विभाग, भारत सरकार	2015-2018	47,96,600 रू.
7	एडवांस्ड ट्रैनिंग एंड रिसर्च इन प्लांट बायोसिस्टेमेटिक्स	प्रो. आर. एस. शर्मा	पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय,	2015-2019	48,00,000 रू.

			नई दिल्ली		
8	डायवर्सिटी इन बैक्टेरिया एट न्यूट्रिंट स्ट्रेस्ड साइट: रोल आफ बैक्टेरियोफेगेस	प्रो. आर. एस. शर्मा / डॉ. वंदना मिश्रा	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली।	2015-2019	27,00,000 रू.
9	मानिटरिंग इंडोर एयर पोल्युशन (आईएपी) इन दिल्ली यूनिवर्सिटी एरिया एंड एक्सेसिंग इट्स ह्युमन हैल्थ इम्पैक्ट्स,	डॉ. चिराश्री घोष	पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस), नई दिल्ली	2016-2019	86,70,500 रू.
10	स्पैसियो- टैम्पोरल एपीडेमोलोजी आफ क्रोनिक रेस्पाइरेट्री इलनेस इन अर्बन इंडियन सेटलमेंट्स (स्टेपक्रूज)	डॉ. चिराश्री घोष	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग	2016-2019	30,63,000 रूपए
11	इंपेक्ट आफ एनवारामेंटल बायोएयरोसोल पोल्युशन ऑन ह्युमन हैल्थ: ए 'केस कंट्रोल स्टडी'' फोर एक्सरबेसन आफ सीओपीडी इन नोर्थ इंडियन पोपुलेशन।	डॉ. चिराश्री घोष	पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय	2015-2018	37,72,216 रूपए
12	फंक्शनल एंड टैक्सोनोमिक डायवर्सिटी एमंग प्लांट ग्रोथ प्रोमोटिंग राइजोबैक्टेरिया... फ्लाई एश एनवारामेंट	डॉ.वंदना मिश्रा	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली	2014-2017	18,00,000/- रूपए
13	इंसेक्ट हर्बिवोरस आन एन इंवेसिव प्लांट (हाईप्टिस सुआवेलेंसद): ए केस आफ होस्ट शिफ्ट, इकोलोजिकल फिटिंग ओर एन इवोल्युशनरी ट्रैप?	डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा, डॉ. स्वाति दिवाकर	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली	05 वर्ष; 2015- से	26,00,000 रूपए
14	"ट्रेट्स मैटर.. इंडियन कंटिनेंट"	डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली	2013-2016	20,70,000 रूपए
15	"वेटास: सर्च फॉर द लेसर नोन एंड इलुशिव इंसेक्ट्स	डॉ. स्वाति दिवाकर	राष्ट्रीय भौगोलिक संरक्षण न्यास	02 वर्ष; 2017-	1500 अमेरिकी डॉलर

इन इंडिया"   से

सेमीनार/ सम्मेलन में प्रस्तुति

अरोड़ा, जे., 2-3 जून, 2018 को डॉ. भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, सीएसआईआर-राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान और राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी, दिल्ली के सहयोग से पर्यावरण और सामाजिक विकास संघ (ईएसडीए), दिल्ली द्वारा आयोजित 'नई दिल्ली' के लिए क्षरित हिमालयी पर्यावासों की सामुदायिक गतिशीलता, पर्यावरण चुनौतियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

बालियान, पी., शंकर, ए., यादव, ए. के., घोष, सी., ने 13 अक्टूबर, 2017 को जैव प्रौद्योगिकी केन्द्र, एमिटी विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, में पर्यावरा प्रदूषक और जलवायु परिवर्तन संबंधी राजस्थान विज्ञान कांग्रेस सम्मेलन में बायो एयरोसोल काउंट संबंधी माइक्रो एनवारामेंट के प्रभाव पर पोस्टर प्रस्तुतिकरण दिया।

दिवाकर, एस. ने 29 अक्टूबर, 2017 को पंजाब विश्वविद्यालय, पटियाला में अंतराष्ट्रीय जीव विज्ञान संबंधी सम्मेलन में पूर्वोत्तर भारत से कैटेडिड कंट्री: एकाउस्टिक डायवर्सिटी आफ केटीडिड में पूर्ण भाषण दिया।

गर्ग, ए. और घोष सी. ने 30 अप्रैल, 2017 को स्कूल आफ इंजीनियरिंग, जीडी गोयनका विश्वविद्यालय (जीडीजीयू), गुड़गांव तथा राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी (एनईएसए), दिल्ली द्वारा आयोजित अर्थ डे: ए स्टेप टूवार्ड्स नर्चरिंग नेचर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के आसपास रिहायशी इलाकों में राष्ट्रीय कार्यशाला में रिस्पायरेबल पार्टिकुलेट मेटर (पीएम 2.5) का आकलन किया।

गर्ग, एस.., शर्मा, आर. एस., डुमी, एल. और मिश्रा वी., ने 05-06 फरवरी, 2018 को जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में नैनोटेक्नोलोजी संबंधी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पर्यावरण के प्रदूषकों का पता लगाने के लिए फेज डिस्प्ले आधारित बायोसेंसर लगाया।

गोयल, एन. और शर्मा, जी. पी., क्या वेरियेवल प्लोआइडी लेवल अथवा आर्किटेक्चरल स्ट्रेटजीज बूस्ट इंवेसिव सक्सेस आफ लेंटाना कमारा एल (सेंसुलेटो) कांट्रास्टिंग लाइट वातावरण में होता है?, 10वें टीसीएस वार्षिक बैठक और 28-29 अक्टूबर, 2017 को तिरूवनंतपुरम, केरल में श्री चित्रा तिरूनाल इंस्टीच्युट फॉर मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलोजी, स्वास्थ्य और रोग में फ्लो साइटोमेट्री के अनुप्रयोग पर फ्लो साइरोमेट्री कार्यशाला आयोजित किया।

गोयल, एन., और शर्मा, जी.पी., का 21-23 फरवरी, 2018 को भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता, भारत में इकॉनोमिक एंड इकोलोजिकल इंपेक्ट्स ऑफ इनवेसिव एलियन स्पेसिज विषय संबंधी कार्यशाला में कांट्रास्टिंग लाइट एनवारामोंट में लेनटाना कमारा एल. की कार्यनिष्पादन नीतियों का पोस्टर प्रस्तुतिकरण। (सबसे अच्छे पोस्टर के लिए पुरस्कार)।

इंद्रजीत, ने 19-24 मार्च, 2017 को एजेरेटीना एडेनोफोरा एवं मिकानिया मिकरेंथा के इनवेशन और प्रबंधन पर कार्य करने के लिए कुमनिंग विश्वविद्यालय और शेनजेन जीनोम संस्थान, चीन के सुस्थापित सहयोग पर मुख्य व्याख्यान दिया।

इंद्रजीत, ने 15-19 मई, 2017 को पेरिस, फ्रांस में दो इनवेसिव पादप किस्मों प्रासोपिस जुलिफ्लोरा और हेकेया सेरेसिया के लिए एक कीट जोखिम विश्लेषण तैयार करने हेतु यूरोपीय और भूमध्य क्षेत्रीय पादप संरक्षण संगठन (ईपीपीओ) द्वारा आमंत्रित प्रोसोपिस जुलिफ्लोरा के वैश्विक जोखिम आकलन संबंधी समकक्ष समूह में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

इंद्रजीत ने 24-28 जुलाई, 2017 को आठवें विश्व एलोपैथी सम्मेलन, मार्सेली, फ्रांस में एलोपैथी: पादप रसायन के इकॉलोजी पर अध्ययन पर पुर्ण व्याख्यान दिया।

इंद्रजीत ने 11 जनवरी, 2018 को अल्बर्टा विश्वविद्यालय, कनाडा में जैविक फैलाव, प्राकृतिक संसाधनों के कारणों पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

कौशिक, आर. ने 27-29 मार्च, 2018 को कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, यूके में एससीसीएस (संरक्षण विज्ञान संबंधी छात्र सम्मेलन) में राइजोस्फेयर जीवाणु माइक्रोबायोम एवं पादप फैलाव पर पोस्टर प्रस्तुतिकरण दिया।

मनीष, के. ने 4-5 जुलाई, 2017 को विदेश मंत्रालय, ताइपे, ताईवान में जलवायु परिवत्रन संबंधी दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशियाई युवा सेमीनार में पेरिस समझौता: मेडागास्कर का मामला अध्ययन के अंतर्गत प्रदत्त हानि और क्षति तंत्र को कैसे मजबूत और पूरक बनाया जाए, पर व्याख्यान दिया।

मनीष, के., भट्ट जे.पी., और पंडित, एम. के. ने 26-28 सितम्बर, 2017 को अंतरराष्ट्रीय जैवभूगोल सोसाइटी-भारतीय सम्मेलन, भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) बंगलुरू, भारत में हिमालय में प्रादेशिक और जलीय पारिस्थितिकी में एलेवेशनल ग्रेडिएंट्स सहित किस्म प्रचुरता के विभिन्न पैटर्न पर व्याख्यान दिया।

मनीष, के. और पंडित, एम. के. ने 3-7 अप्रैल, 2017 को उन्नीसवें राष्ट्रमंडल वानिकी सम्मेलन, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून, भारत में हिमालय में जलवायु परिवर्तन संबंधी पादप किस्म प्रतिक्रिया में फाइलोजेनेटिक नियंत्रण के लिए परिक्षण पर व्याख्यान दिया।

मिश्रा, आर., यादव, ए., शर्मा, आर. एस., मिश्रा, वी., ने 20-22 फरवरी, 2017 को विश्व जैव प्रौद्योगिकी सम्मेलन, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में विस्कुमार्टिकुलेटम: ए प्रोटीन विद मल्टीपल इंजाइमेटिक एक्टिविटीज से रिबोसोम इनेक्टिवेटिंग लेक्टिन के शुद्धिकरण पर व्याख्यान दिया।

मिश्रा, वी., 03-04 अप्रैल, 2018 को कोंगूंडू आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, कोयम्बटूर, तमिलनाडु में भारत में नवोन्मेषी गंदे पानी के शोधन तकनीकों की धारणीयता पर ज्ञान अंतरण संबंधी भारत-यूके कार्यशाला में धारणीय रंगाई उद्योग: एक पर्यावरण परिप्रेक्ष्य के लिए जैव उपचार प्रथाओं पर व्याख्यान दिया।

मिश्रा, वी., ने 5 अप्रैल, 2018 को पीजी एवं जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान विभाग, कोंगांडु कला और विज्ञान महाविद्यालय में ऊर्जा, पया्रवरण और जैविक अनुप्रयोग हेतु सामग्रियों पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में माईक्रोब-मेडियेटेड डाय डिटोक्सिफिकेशन: वर्तमान स्थिति, चुनौतियां और अनुसंधान अवसरों पर व्याख्यान दिया।

परधा सराधी, पी. ने 30 जुलाई, 2017 को राष्ट्रीय डिजाइन केन्द्र, सिंगापुर में उद्योग, नैनो मटेरियल इम्प्रीग्नेटेड फैब्रिक, सुपर फैक्ट्री सम्मेलन सत्र के लिए प्रयोगशाला से प्रौद्योगिकी के संभावित अंतरण पर आमंत्रित व्याख्यान और विचार विमर्श किया।

परधा सराधी, पी. ने 16-18 अगस्त, 2017 को 13वें अंतरराष्ट्रीय धारणीय जल पर्यावरण संबंधी सम्मेलन, सियोल, कोरिया में आटोट्रोफ-धारणीय नमभूमि के लिए मुख्य, पर आमंत्रित भाषण दिया।

परधा सराधी, पी. ने 12 जनवरी, 2018 को जाकिर हुसैन महाविद्यालय में बदलते पर्यावरण: एक समेकित दृष्टिकोध में फसल उत्पादकता में सुधार हेतु चुनौतियां और नीतियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन में वैश्विक जलवायु परिवर्तन हेतु क्या हम कोई आदर्श पादप प्रणाली डिजाइन कर सकते हैं, पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

परधा सराधी, पी., यमल, जी., शर्मिला, पी. शबनम, एन., किम, एच. और राव, के. एस. ने 29 जुलाई, 2017 को हेल्थकेयर हेतु सोलर रेडियेशन पावर युक्त एजीएनपी इंप्रीगनेटेड एंटीमाइक्रोबियल फैब्रिक्स का फैब्रिकेशन, टेक प्लान डेमो डे, सिंगापुर आईएमडीए पिक्सल लैब, सिंगापुर में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

शबनम, एन., शर्मिला, पी., किम, एच. और परधा सराधी, पी. ने 16-18 अगस्त, 2017 को धारणीय जल पर्यावरण संबंधी 13वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, सियोल, कोरिया में टॉक्सिक हैवी मेटल आयन से निपटने के लिए जलीय माईक्रोफाइट्स जेनेरेट नैनोपार्टिकल्स की हल्की हार्वेस्टिंग मशीनरी पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

तिवारी, सी., और दिवाकर, एस. ने 8-13 अक्टूबर, 2017 को गुरूकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार में छब्बीसवें अंतरराष्ट्रीय बायोएकाउस्टिक सम्मेलन में गिब्बन वन्यजीव अभ्यारण्य, असम के समुदाय विवरण कैटीडिड कंट्री:टैटीगोनिड पर व्याख्यान दिया।

तिवारी, सी., और दिवाकर, एस., ने 4-6 जनवरी, 2017 को नई दिल्ली, भारत में कैटिडिड आफ नोर्थ ईस्ट: द न्यू फ्रंटियर्स आफ बायोएकाउस्टिक, ईएनसीओएन पर व्याख्यान दिया।

तोमर, एम. और दिवाकर, एस. ने 14-17 सितम्बर, 2017 को 16वें इंवर्टेब्रेट साउंड एंव वायब्रेशन मीटिंग, केसल आफ राउस्छोलजाउसेन, गायसेन, जर्मनी, आईएसवी में भारत से फिल्ड क्रिकेट की एकाउस्टिक विविधता (इनफ्राआर्डर:ग्रिलिडिया) पर व्याख्या दिया।

तोमर, एम. और दिवाकर, एस., ने 4-6 जनवरी, 2017 को इंडियन वेटास वोकलाइजेशन, ईएनसीओएन पर शुरूआती टिप्पणियां की।

यादव, ए.के. और घोष, सी., ने 13 अक्टूबर, 2017 को पर्यावरण प्रदूषक और जलवायु परिवर्तन संबंधी राजस्थान विज्ञान सम्मेलन, जैव प्रौद्योगिकी केन्द्र, एमिटी विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान में घर के भीतर वायु प्रदूषण और इससे संबद्ध स्वास्थ्य जोखिम पर एक समीक्षा पर पोस्टर प्रस्तुतिकरण दिया।

अन्य अंतर संस्थागत सहयोग

अंतरराष्ट्रीय:

प्रो. महराज के. पंडित: प्रो. एंड्रयू नोल, हार्वर्ड विश्वविद्यालय, प्रो. ओलिवर जेगोउटज और प्रो. टेलर पेरोन, मैसेचुसेट इंस्टीच्युट आफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी), यूएसए और प्रो. लियान पिन कोह, एडिलेड विश्वविद्यालय, आस्ट्रेलिया के साथ (एक) हिमालय की वनस्पति के इवोल्युशनरी डायवर्जेंस (दो) डब्लूएपीसीओएस लिमिटेड, गुड़गांव के साथ इकोलोजिकल सर्वे और नदी बेसिन अध्ययन पर सहयोगपूर्ण परियोजनाएं प्रस्तुत कीं।

प्रो. पी. परधा सराधी ने प्रो. गोविंद जी, प्रोफेसर एमिरट्स, जैव रसायन, जैव भौतिकी और पादप जीवविज्ञान, यूआईयूसी, उड़बाना, आईएल61801-3707, अमेरिका और प्रो. रेटो जे. स्ट्रॉसर बायोएनर्जेटिक लेबोरेटरी, जिनिवा विश्वविद्यालय, स्वीटजरलैंड के साथ ''प्रकाश संश्लेषण और सूक्ष्म जैव प्रौद्योगिकी संबंधी खोज'' पर सहयोगपूर्ण परियोजना प्रस्तुत की।

राष्ट्रीय:

डॉ. चिराश्री घोष: प्रो. अरूण शर्मा, कम्युनिटी मेडिसिन विभाग, चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय महाविद्यालय (यूसीएमएस), नई दिल्ली के साथ (एक) दिल्ली विश्वविद्यालय क्षेत्र में और इसके मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव के आकलन में घर के भीतर वायु प्रदूषण (आईएपी) निगरानी। (दो) प्रो. अरूण शर्मा, कम्युनिटी मेडिसिन विभाग, यूसीएमएस, दिल्ली के साथ ''स्पेसियो-टेम्पोरल एपिडेमियोलोजी आफ क्रोनिक रेसपायरेटरी इलनेस इन अर्बन इंडियन सेटलमेंट (स्टेपक्रूज) (तीन) प्रो. बी. डी. बनर्जी, बायोकैमिस्ट्री विभाग, प्रो. अरुण शर्मा, कम्युनिटी मेडिसिन विभाग, प्रो. शुक्ला दास, माइक्रोबायोलोजी विभाग और प्रो. आर. अवस्थी, मेडिसिन विभाग, यूसीएमएस, नई दिल्ली के साथ ''इंपेक्ट आफ एनवारामेंटल एयरोसोल पोल्युशन ऑन ह्यूमन हेल्थ: ए केस कंट्रोल स्टडी फार एक्जरबेशन आफ सीओपीडी इन नोर्थ इंडियन पोपुलेशन, (चार) इंडियन इंस्टीच्युट ऑफ ट्रोपिकल मेटेरियोलॉजी, पुणे और भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, मौसम भवन, नई दिल्ली के संस्थागत सहयोग से ''सिस्टम आफ एयर क्वालिटी वेदर फॉरकास्टिंग एंड रिसर्च (सफर)" पर सहयोगपूर्ण परियोजना। कार्यक्रम समन्वयक- डॉ. गुरफान बेग।

अदला-बदली कार्यक्रम के तहत छात्र

सुदीप्तो मजूमदार, पीएचडी छात्र ने अपनी अनुसंधान परियोजना के लिए जून, 2018 को अल्बर्टा विश्वविद्यालय का दौरा किया।

विस्तार और पहुंच क्रियाकलाप

घोष, सी., ने 22 सितम्बर, 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय में पर्यावरण अध्ययन विभाग के साथ सहयोग में इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय में 'घर के भीतर वायु प्रदूषण और मानव स्वास्थ्य'' विषय पर संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया। कुल उपस्थिति :40

घोष, सी., ने 18 अगस्त, 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय में पर्यावरण अध्ययन विभाग के सहयोग से मिरांडा हाउस में 'उभरते प्रदूषण मुद्दे: शहरी वातावरण में इससे संबद्ध स्वास्थ्य जोखिम' विषय पर संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया। कुल उपस्थिति:35

दी गयी पीएचडी डिग्रियों की संख्या: 02

संकाय की संख्या: 11 (स्थायी)

***

भूगर्भशास्त्र

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

भूगर्भ शास्त्र विभाग भूगर्भ विज्ञान में शिक्षा और अनुसंधान के उच्च मानकों को बनाए रखने के प्रति प्रतिबद्ध है जिससे सुप्रशिक्षित शिक्षण और पेशेवर भूगर्भशास्त्री का विकास होता है। कई संकाय सदस्य पेलियोबायोलोजी, पेलियोक्लाइमेट, क्रायोस्फेयर, डिफोर्मेशन और मेटामोर्फोसिज्म, ग्राउंड वाटर, सेडीमेंटोलोजी, मैग्मा मिक्सिंग, टेक्टोनिक जियोमोर्फोलोजी और पेलियोपेडियोलोजी के संबंध में महत्वपूर्ण अनुसंधान परियोजनाओं से संबद्ध हैं। कई उच्च प्रभाव वाले जर्नलों और पाठ्य पुस्तकों में अनुसंधान निष्कर्षों को प्रकाशित किया गया है। प्रो. चट्टोपाध्याय ने जटिल फाउल्ट पैटर्न के डिजिटल ढ़ांचागत मैपिंग और एक्सपेरिमेंटल मॉडलिंग हेतु तौर तरीकों के विकास पर कार्य किया है। प्रो. प्रसाद और उनके छात्रों ने भारत के जुरासिक और गोंडवाना लाइनेज के स्तनपायी से प्रथम इच्थायोसोर की खोज एवं पेलियोबायोलोजी पर अपने उत्कृष्ट कार्य किए हैं। प्रो. चक्रवर्ती ने विश्व के सबसे प्राचीन टाइडल रिकार्ड की गुत्थी सुलझाई है और साथ ही प्रक्रिया आधारित सेडिमेंटोलोजी, माइक्रोबियल मेट इंड्यूस्ड सेडिमेंट्री ढ़ांचे पर कार्य किया तथा जियोक्रोनोलोजिकल कार्य को शुरू किया। प्रो. पंत ने हिमालय में हिमालयी क्रायोस्फेयर, क्रस्टल इवोल्युशन एवं टेक्टोनिक स्वीचिंग आफ द प्रोवेंस पर कार्य किया।

सम्मान/ गौरव

प्रो. ए चट्टोपाध्याय को जनवरी, 2018 में पश्चिम बंगाल विज्ञान और प्रौद्योगिकी अकादमी (डब्लूएएसटी) में अध्येता चुना गया।

प्रो. जी वी आर प्रसाद को 01.07.2017 से 31.07.2017 तक की अवधि के लिए म्युजियम नेशनल द' हिस्टोआयर नेचुरेले (एमएनएचएन), पेरिस द्वारा अतिथि वैज्ञानिक के रूप में आमंत्रित किया गया।

प्रो. जी वी आर प्रसाद को पृथ्वी और वातावरण विज्ञान में डीएसटी स्वर्णजयंती अध्येतावृत्ति के लिए विशेषज्ञ समिति में अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया है।

प्रो. पी. श्रीवास्तव को जून, 2017 के दौरान तूबिनजेन विश्वविद्यालय, जर्मनी दौरे के लिए डीएफजी-आईएनएसए अध्येतावृत्ति प्राप्त हुई।

प्रो. एन. सी. पंत को अंटार्कटिक अनुसंधान संबंधी वैज्ञानिक समिति के भूविज्ञान समूह (एससीएआर) में उप मुख्य अधिकारी चुना गया (2017-2020).

प्रो. एन. सी. पंत को भारतीय अंटार्कटिक वैज्ञानिक अभियान (2017-2018) के लिए पृथ्वी विज्ञान कार्यक्रम चयन में एक विशेषज्ञ के रूप में नामित किया गया।

प्रो. एन. सी. पंत को आईएनएसपीआईआरई अध्येतावृत्ति संबंधी डीएसटी विशेषज्ञ समिति में सदस्य (पृथ्वी विज्ञान) के रूप में नामित किया गया है।

डॉ. शशांक शेखर को भारतीय अंतरराष्ट्रीय मित्रता सोसाइटी, नई दिल्ली के तत्वावधान में सराहनीय सेवा, उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन और उल्लेखनीय भूमिका के लिए भारत गौरव पुरस्कार, 2017 दिया गया।

प्रकाशन

चट्टोपाध्याय, ए., चटर्जी, ए. दास, के., सरकार, ए. (2017)। नियोप्रोटेरोजोईक ट्रांसप्रेसन एंड ग्रेनाइट मैगनेटिज्म इन द गेविलगर-टैन शीयर जोन, सेंट्रल इंडिया: टेक्टोनिक सिग्निफिकेंस आफ यू-पीबी जिरकोन एंड यू-थ-टोटल पीबी मोनाजाइट एजेज। जर्नल आफ एशियन अर्थ साइंस, 147, 485-501.

चक्रवर्ती, पी. पी. साहा, एस और दास के. (2017) । रिकार्ड आफ कांटिनेंटल टू मरीन ट्रांसजिसन फ्राम द मेसोप्रोटेरोजोइक अंपानी बेसिन, सेंट्रल इंडिया: एन एक्सरसाइज आफ प्रासेस बेस्ड सेडिमेंटोलोजी इन स्ट्रक्चरली डिफोर्म्ड बेसिन, जर्नल एशियन अर्थ साइंस, 143, 122-140.

धीमान, एच., प्रसाद, जी. वी. आर. और गोस्वामी, ए. (2018). पैराटैक्सोनोमी एंड पेलियोबायोज्योग्राफिक सिग्निफिकेंस आफ डायनोसोर एगसेल फ्रेगमेंट्स फ्रॉम द अपर क्रेटासियस स्ट्रेटा आफ द कावेरी बेसिन, साउथ इंडिया। हिस्टोरिकल बायोलोजी। https://doi.org/10.1080/08912963.2018.1450408

धीमान, एच., वर्मा, वी और प्रसाद, जी वी आर. (2017). प्रीलिमिनयरी स्टडी आफ माइक्रोस्ट्रक्चर एंड टेफोनोमी आफ डायनोसोर एग्स एंड नेस्ट ऑ द अपर क्रेटासिअस लेमेटा फॉर्मेशन, नियर पैडियाला, लोआर नर्मदा वेली, इंडिया। इन: एडवांस्ड माइक्रोपेलियोंटोलोजी, कैथल, पी. के.निगम, आर. और तालिब, ए. (संपादक) (पृष्ठ 2211-232), नई दिल्ली: भारत। वैज्ञानिक प्रकाशक।

दिव्यदर्शिनी ए., सिंह वी. (2017), आइडेंटिफाइंग एक्टिव स्ट्रक्चर इन द चितवन दून, सेन्ट्रल नेपाल, यूजिंग लॉगिट्युडनल रिवर प्रोफाइल्स एंड एसएल इंडेक्स एनालिसिस। क्वाटरनरी इंटरनेशनल, 462, 176-193.

गोगोई, बी., सैक्या, ए., अहमद, एम., अहमद, टी. (2017), इवेल्युएशन आफ मैग्मा मिक्सिंग इन द सब वोल्केनिक रॉक्स आफ घनसुरा फेल्सिक डोम आफ छोटानागपुर ग्रेनाइट नेइस कॉम्प्लेक्स, ईस्टर्न इंडिया, माइनरलोजी एंड पेट्रोलोजी, डिओआई: 10.1007/एस00710-017-0540-0

गोगोई, बी., आसिमा सैक्याख् ए., अहमद, एम. (2017). टिटानाइट-सेंटर्ड ओसेलर टैक्सचर: ए पेट्रोलॉजिकल टूल टू अनरेवेल द मैकेनिज्म एनहांसिंग मैग्मा मिक्सिंग पेरियोडिको डाय माइनरलोजिया, 86, 245-273,

जोशी, एस. के. राय, एस. पी., सिन्हा, आर., गुप्ता, एस., डेंस्मोर, ए., एल., रावत, वाई. एस., शेखर, एस. (2018). ट्रेसिंग ग्राउंडवाटर रिचार्ज सोर्सेज इन द नोर्थवेस्टर्न इंडियन एलुवियल एक्विफर यूजिंग वाटर आईसोटॉप्स (δ18ओ, δ2एच एवं 3एच). जर्नल आफ हाईड्रोलोजी, 559, 835-847.

कपूर, वी. वी. दास, डी. पी., वाजपेयी, एस एवं प्रसाद, जी. वी. आर. (2017). फर्स्ट मैमल आफ गोंडवाना लाइनेज इन द अर्ली इओसीन आफ इंडिया। कॉप्ट्स रेंडस पेलेवोल, 16: 721-737. [पेरिस].

कौशल, आर. के., सिंह, वी., मुकुल एम., जैन, वी. (2017). आईडेंटिफिकेशन आफ डिफोर्मेशन वेरियेब्लिटी एंड एक्टिव स्ट्रक्चर्स यूजिंग जियोमार्फिक मार्कर्स इन द नेहान सेलियेंट, एनडब्लू हिमालया, इंडिया, क्वाटरनरी इंटरनेशनल, 462, 194-210.

कुमार , एस., सरकार, ए., अली, एस. और शेखर, एस. (2018). ग्राउंड वाटर सिस्टम आफ नेशनल कैपिटल रिजन दिल्ली, इंडिया। इन ग्राउंडवाटर आफ साउथ एशिया, (पृष्ठ 131-152). सिंगापुर: स्प्रिंगर।

कुमार , एस., सरकार, ए., ठाकुर, एस. के., शेखर, एस. (2017). हाइड्रोलोजिकल कैरेक्टेराइजेशन आफ एक्विफर इन पल्ला फ्लड प्लेन आफ दिल्ली यूजिंग इंटेग्रेटेड एप्रोच। जर्नल आफ द जियोलॉजिकल सोसाइटी आफ इंडिया, 90(4), 459-466.

लाल, आर., सैनी, एच. एस., पंत, एन. सी., मुजताबा, एस. ए.आई. (2018). टेक्टोनिक्स इंड्यूस्ड स्विचिंग आफ प्रोवेनेंस ड्यूरिंग द लेट क्वाटरनरी एग्रेडेशन आफ द इंडस रिवर वेली, लद्दाख, इंडिया, जियोसाइंस फ्रंटियर्स, https://doi.org/10.1016/j.gsf.2017.12.016.

लाउरेमबम, आर. एस., प्रसाद, जी.वी.आर., ग्रोवर, पी. (2017). इचथायोफाउना (कोन्ड्रिकथाइस, ओस्टेकथाइस) फ्रॉम अपर क्रेटेसियो इंटरट्रेपियन बेड्स आफ पिपलानारायनवर, छिंदवारा डिस्ट्रिक्ट, मध्य प्रदेश, इंडिया। https://doi.org/10.1111/iar.12180.

मिश्रा, बी. के., भट्टाचार्जी, डी., चट्टोपाध्याय, ए., पुरूष्टी, जी. (2018) टेक्टोनिक एंड लिथिलोजिक कंट्रोल ओवर लैंडस्लाइड एक्टिविटी विदिन द लार्जी कुल्लु टेक्टोनिक विंडो इन द हायर हिमालया आफ इंडिया। नेचुरल हैजार्ड्स, 92, 673-697.

मुखर्जी, आई., चट्टोपाध्याय, ए., देब, एम. (2018). डिफार्मेशन आफ पायराइट एट वेरिंग मेटामार्फिक ग्रेड्स इन सेडिमेंट्स होस्टेड बेस मेटल सल्फाइड डिपोजिट्स आफ राजस्थान, इंडिया। इन: प्रिकेम्ब्रियन क्रस्टल इवोल्युशन आफ इंडिया। जियोलॉजिकल एंड जियोडायनामिक पर्सपेक्टिव, मंडल, एम.ई.ए. (संपादक). स्प्रिंगर (एसईएस श्रृंखला), पृष्ठ. 221-237

पंत, एन. सी. और दासगुप्त, एस.(संपादक). (2017). क्रस्टल इवोल्युशन आफ इंडिया एंड अंटार्कटिका: द सुपरकंटिनेट कनेक्शन। लंदन: जियोलोजिक सोसाइटी आफ लंदन। [स्पेशल पब्लिकेशन नं. 457, 2017.आईएसबीएन 978-1-78620-319-9 आईएसएसएन 0305-8719].

पंत, एन. सी. और दासगुप्त, एस. (2017). एन इंट्रोडक्शन टू द क्रस्टल इवोल्युशन आफ इंडिया एंड अंटार्कटिका: द सुपरकंटिनेंट कनेक्शन। इन क्रस्टल इवोल्युशन आफ इंडिया एंड अंटार्कटिका: द सुपरकंटिनेंट कनेक्शन। पंत एन.सी. और दासगुप्त, एस. (संपादक) लंदन: जियोलॉजिकल सोसाइटी, [विशेष प्रकाशन, 457]. https://doi.org/10.1144/SP457.14 # 2017

पंत, एन. सी., रवीन्द्र, आर., श्रीवास्तव, डी., थाम्प्सन, एल. (2018). द हिमालया क्रायसोफेयर: पास्ट एंड प्रेजेंट वेरियेब्लिटी आफ द 'थर्ड पोल'। लंदन: जियोलोजिकल सोसाइटी। [विशेष प्रकाशन 462]. doi.org/10.1144/SP462.13

प्रसाद, जी. वी. आर., पांडेय, डी. के., अल्बर्टी, एम., फर्सिक, एफ.टी., ठक्कर, एम. जी., चौहान, जी. डी. (2017). डिस्कवरी आफ द फर्स्ट इचथायोसोर फ्रॉम द जूरासिक आफ इंडिया: इम्प्लिकेशंस फॉर गोंडवाना पेलियोबायोजियोग्राफी। पीएलआएस-वन https://doi.org/10.1371/journal.pone.0185851.

प्रसाद, जी.वी.आर., वर्मा, वी., सैनी, ए., लाउरेम्बम, आर. एस., प्रियदर्शनी, आर. के. (2017). इलोसमोब्रांच फाउना फ्रॉम द क्रेटेसिअस बाग ग्रुप, नर्मदा वेली, इंडिया: पेलियोबायोजियोग्राफी कांटेक्स्ट। आइजलैंड आर्क https://doi.org/10.1111/iar.12200 [टोक्यो, जापान].

राठौड़, ए. एस., ग्रोवर, पी., वर्मा, वी., लाउरेम्बम, एल.एस. एवं प्रसाद, जी.वी.आर. (2017). लेट क्रेटेसियस (मास्ट्रिचशियन) नॉन मैरिन ओस्ट्रेकोड फाउना फ्रॉम खार, ए न्यू इंटरट्रेपियन लोकेलिटी, खारगोन डिस्ट्रिक्ट, मध्य प्रदेश, इंडिया। पेलियोन्टोलोजिकल रिसर्च 21(3), 1-15 [सेंडाई, जापान].

सरकार, ए., शेखर, एस., और राई, एस.पी. (2017). असेसमेंट आफ द स्पेशियल एंड टेम्पोरल हाइड्रोकैमिकल फैसिज वेरियेशन इन द फ्लड प्लेंस आफ नोर्थ वेस्ट दिल्ली यूजिंग इंटेग्रेटेड एप्रोच। एनवारामेंटल अर्थ साइंस। 76(19), 665.

सैक्या, ए., गोगोई, बी., कौलिना, टी., लियालिना, एल., बायानोवा, टी. और अहमद, एम. (2017). जियोकैमिकल एंड यू-पीबी जिरकोन एज कैरेक्टेराइजेशन आफ ग्रेनाइट्स ऑ द भथानी वोल्केनो सेडिमेंट्री सिक्वेंस, छोटानागपुर ग्रेनाइट नेसिस कॉम्प्लेक्स, ईस्टर्न इंडिया: वेस्टिजेस आफ द नूना सुपरकंटिनेंट इन सेंट्रल इंडियन टेक्टोनिक जोन। इन क्रस्टल इवोल्युशन आफ इंडिया एंड अंटार्कटिका: द सुपर कंटिनेंट कनेक्शन, पंत, एन. सी. और दासगुप्त, एस. (संपादक). जियोलॉजिकल सोसाइटी, लंदन, विशेष प्रकाशन, 457. https://doi.org/10.1144/SP457.11

शशांक शेखर। (2017). एक्वाफिर प्रोपर्टीज। http://epgp.inflibnet.ac.in/view_f.php?category=601 पर उपलब्ध।

शशांक शेखर। (2017). डार्सी लॉ. http://epgp.inflibnet.ac.in/view_f.php?category=601 पर उपलब्ध।

शशांक शेखर. (2017). भूजल गुणवत्ता का मूल्यांकन. http://epgp.inflibnet.ac.in/view_f.php?category=601 पर उपलब्ध।

शेखर, एस., कुमार, एस., सिंहा, आर., गुप्ता, एस., डेंसमोर, ए. राय, एस. पी. ...... मेसोन, पी. (2018). एफिसिएंट कंजुक्टिव यूज आफ सर्फेस एंड ग्राउंड वाटर केन प्रीवेंट सीजनल डेथ आफ नॉन ग्लेसियल लिंक्ड रिवर्स इन ग्राउंडवाटर स्ट्रेस्ड एरिया। इन क्लीन एंड सस्टेनेबल ग्राउंड वाटर इन इंडिया (पृष्ठ. 117-124). सिंगापुर: स्प्रिंगर.

सोनी, वी. शेखर, एस. राव, एस.वी.एन., कुमार , एस., सिंह, डी. (2018). ए न्यू सोल्युशन फॉर सिटी वाटर: क्वालिटी ड्रिंकिंग वाटर फ्रॉम द रिवर फ्लडप्लेन। करंट साइंस, 114(3). 452 - 461.

श्रीवास्तव पी., सिंह वी. (2017). क्वार्टरनरी आफ हिमालय। जियोमॉर्फोलॉजी, 284, 1-4

श्रीवास्तव, पी., सिंहा, आर., दीप, वी., सिंह, ए. उप्रेति, एन. (2018). माइक्रोमोर्फोलॉजी एंड सिक्वेंस स्ट्रेटिग्राफी आफ द इंटरफ्लूब पेलियोसोल फ्रॉम गंगा प्लेन: ए रिकार्ड आफ एलुवियल साइकलिसिटी एंड पेलियोक्लाइमेट ड्यूरिंग द लेट क्वार्टरनरी। जर्नल आफ सेडिमेंट्री रिसर्च, 88, 1-24. [एसईपीएम पब्लिकेशन].

ठाकरे, डी. समनत, बी., मोहाबे, डी.एम., संगोड, एस., श्रीवास्तव, पी., कापगटे, डी. के., महाजन, आर. उपरेती, एन. मैनचेस्टर, एस. आर. (2017). ए न्यू इंसाइट इनटू एज एंड एनवारामेंट्स आफ इंटरट्रेपियन बेड्स आफ मोहगांव कलां, छिंदवाड़ा डिस्ट्रिक्ट, मध्य प्रदेश यूजिंग पेलियोनॉलोजी, मेगाफ्लोरा, मैग्नेटोस्ट्रेटीग्राफी एंड क्ले मिनरेलोजी। करंट साइंस, 112, 2193-2197.

अनुसंधान परियोजनाएं

प्रो. एन. सी. पंत: डीएसटी-एसईआरबी, जनू, 2017 में पूरा, ''गंगा बेसिन में हिमनद के पिघलने की छाप- हिमालय की नदी प्रणाली में हाइड्रोलोजी चक्र के मॉडलिंग की अंतर्ग्रस्तता ". 25,02,680 रूपए।

प्रो. एन. सी. पंत: एमओईएस, 2017-2020, "ए 100 केए ग्लेसियेशन-डिग्लेशियेशन हिस्ट्री आफ लद्दाख: इट्स कंपेरिजन विद सतलज वेली एंड सिग्नेचर इन द एलुवियल प्लेंस आफ एनडब्लू इंडिया ". 84,82,000 रूपए।

प्रो. अनुपम चट्टोपाध्याय: डीएसटी-एसईआरबी, 2015-2018, "जीआईएस आधारित डिजिटल मैपिंग आफ नेचुरल डिफॉर्मेशनल स्ट्रक्चर्स: डेवलपमेंट आफ मैथेडोलोजी एंड एप्लिकेशन टू स्ट्रक्चरली कंट्रोल्ड ओर डिपॉजिट्स". 37.06 लाख रूपए।.

प्रो. जी.वी. आर. प्रसाद: एसईआरबी-जे.सी. बोस नेशनल फेलोशिप, 2015-2020, 95,00,000/- रूपए

प्रो. पी. पी. चक्रवर्ती, यूजीसी, ''पेलियो-प्रोटेरोजोइक सेडिमेंटेशन इन नोर्थ इंडियन क्रेटन: एविडेंस फ्रॉम द बसाल पार्ट आफ ग्वालियर एंड बिजावार बेसिन" 12.33 लाख रूपए।

प्रो. पी. श्रीवास्तव: डीएसटी-एसईआरबी, 2016-2019. "पेलियाजिन फोसाइल सोआइल आफ द एनडब्लू हिमालयन फोरलैंड बेसिन: इंप्लिकेशंस फॉर द ओल्डेस्ट ट्रॉपिकल विदरिंग एंड मानसूनल कंडिशंस ओवर द इंडियन सबकंटिनेंट।" 27,66,800 रूपए।

सेमीनार/ सम्मेलन में प्रस्तुति

चट्टोपाध्याय, ए. को जनवरी, 2018 को हिरोसीमा इंस्टीच्युट ऑफ प्लेट कंवर्जेंश रिसर्च (एचआईपीईआर), हिरोसीमा विश्वविद्यालय, जापान के प्रथम अंतरराष्ट्रीय विचार गोष्ठी में 'फाउल्ट रिएक्टिवेशन, सिस्मीसिटी एंड इंट्राकंटिनेंटल डिफार्मेशन' विषय पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।

जैन, वी., शेखर, एस. बावा, एन., ने 23-24 जून, 2017 को तेजपुर विश्वविद्यालय, असम में धारणीय शहरी पर्यावरण संबंधी अंतरराष्ट्रीय विचार गोष्ठी (इश्यू 2017) में मेगा शहर के चारों ओर शहरीकरण विस्तार की प्रतिक्रिया में नदी प्रणाली के ज्योमॉर्फिक प्रबंधन में चुनौतियां: दिल्ली एनसीआर के चारों ओर यमुना नदी का मामला अध्ययन' चर्चा में भाग लिया।

शेखर, एस. को 22 मार्च, 2018 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत के अमृता देवी बिश्नोई सेमीनार हॉल, पर्यावरण विज्ञान विद्यालय में पर्यावरण विज्ञान में हाल के विकास के संबंध में राष्ट्रीय सम्मेलन में ''दिल्ली का जल संसाधन प्रबंधन और नवोन्मेषी समाधान की आवश्यकता'' विषय पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।

शेखर, एस. को 5 जून, 2017 को सेंटर फॉर एडवांस वाटर टेक्नोलोजी एंड मैनेजमेंट, मानव रचना इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, फरीदाबाद, हरियाणा, भारत में विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर ''लोगों को प्रकृति से जोड़ना- आगे का रास्ता' पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।

शेखर, एस. को 15 फरवरी, 2018 को यूनिवर्सिटी आफ द वेस्ट आफ इंगलैंड (यूडब्लूई), ब्रिस्टोल, यूके, मानव रचना अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान और अध्ययन संस्थान, फरीदाबाद, हरियाणा के सहयोग से मानव रचना अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान और अध्ययन संस्थान द्वारा आयोजित जल: मुद्दा, अनुसंधान और समाधान विषय पर विचार गोष्ठी ''रिजेनेरेशन आफ कैचमेंट-वाटरशेड मैनेजमेंट: न्यू एंड ट्रैडिस्नल प्रैक्टिशेस'' पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।

कांत, ए., झा, ई., शेखर, एस., तिवारी, डी., 23 मार्च, 2018 को मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीच्युट आफ रिसर्च एंड स्टडीज एवं इंडियन नेशनल कमिटी आफ इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ हाइड्रोजियोलोजिस्ट, मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीच्युट आफ रिसर्च एंड स्टडीज, फरीदाबाद, हरियाणा, भारत द्वारा आयोजित ''जल प्रौद्योगिकी नवोन्मेष और समाधान'' संबंधी राष्ट्रीय सम्मेलन ''हरियाणा के मारकंड उप बेसिन में भूजल संसाधन प्रबंधन: भूत, वर्तमान और भावी संभावनाएं'' में भागीदारी।

सरकार ए., शेखर, एस., पांडेय, वी., ने 23 मार्च, 2018 को मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीच्युट आफ रिसर्च एंड स्टडीज एवं इंडियन नेशनल कमिटी आफ इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ हाइड्रोजियोलोजिस्ट, मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीच्युट आफ रिसर्च एंड स्टडीज, फरीदाबाद, हरियाणा, भारत द्वारा आयोजित ''जल प्रौद्योगिकी नवोन्मेष और समाधान'' संबंधी राष्ट्रीय सम्मेलन ''स्पेटियल डिस्ट्रीब्यूशन आफ निकेल इन वाटर: एसेसमेंट आफ द अनकंवेंशनल कंटेमिनेंट इन अपर यमुना बेसिन'' में भाग लिया।

शेखर, एस., कुमार, एस., अली, एस., ने दिनांक 23 मार्च, 2018 को मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीच्युट आफ रिसर्च एंड स्टडीज एवं इंडियन नेशनल कमिटी आफ इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ हाइड्रोजियोलोजिस्ट, मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीच्युट आफ रिसर्च एंड स्टडीज, फरीदाबाद, हरियाणा, भारत द्वारा आयोजित ''जल प्रौद्योगिकी नवोन्मेष और समाधान'' संबंधी राष्ट्रीय सम्मेलन ''एसेसमेंट आफ टेम्पोरल वेरियेसन इन डायनेमिक ग्राउंडवाटर रिसोर्सेज इन हरियाणा सब रीजन, एनसीआर दिल्ली'' में भाग लिया।

चक्रवर्ती, एन. पी. जैन, वी. शेखर, एस. ने 6-11 नवम्बर, 2017 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में संपन्न ''इनकॉरपोरेशन आफ जियोमोर्फिक क्रायटेरिया टू डिफाइन एनवारामेंटल फ्लो इन ए हिमालियन रिवर, यमुना रिवर सिस्टम, इंडिया'' संबंधी विषय पर 9वें अंतरराष्ट्रीय जियोमार्फोलोजी सम्मेलन में भाग लिया।

सरकार, ए. और शेखर, एस. ने 27-28 जुलाई, 2017 को ''स्टेटस आफ लीड कंटेमिनेशन इन पार्ट्स आफ अपर यमुना बेसिन एंड इट्स लिंकेज विद अदर कंटिमिनेंट्स'', विषय पर सिविल इंजीनियरिंग विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय जल प्रदूषण और स्वास्थ्य संबंधी सेमीनार में भाग लिया।

अन्य अंतर संस्थागत सहयोग

प्रो. पी. पी. चक्रवर्ती: आईआईटी खड़गपुर, जाधवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, आईआईटी, मुम्बई के साथ अनुसंधान सहयोग। प्रो. ए. सरकार, प्रो. एस. बनर्जी, प्रो. एस. बालाकृष्णन (डीएसटी, आईआईटी)

प्रो. पी. पी. चक्रवर्ती: राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय, हियाकुनिन-चो, सिंजुकू-कू, टोक्यो हिरोशिमा विश्वविद्यालय, जापान। डॉ. के. दास, डॉ. फ्यूमितो शिरायशी (जेएसपीएस)

आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत छात्र:

सुश्री एकता अग्रवाल, एमएससी (अंतिम वर्ष) ने प्रतिष्ठित एस. एन. बोस विद्वान कार्यक्रम के अंतर्गत ओकलाहोमा विश्वविद्यालय, अमेरिका का दौरा किया।

प्लेसमेंट ब्यौरा (प्लेस किए गए छात्रों की संख्या और उनका प्रतिशत)

प्लेस किए गए छात्रों की संख्या और प्रतिशत: एमईसीएल-1, ओएनजीसी-2, कोल इंडिया लिमिटेड-3, सीजीडब्लूबी-1

विस्तार और पहुंच क्रियाकलाप

पृथ्वी विज्ञान सप्ताह को 9-13 अक्टूबर, 2017 के दौरान मनाया गया।

अंतरराष्ट्रीय जीवाश्म दिवस को 16 अक्टूबर, 2017 को मनाया गया।

विभाग ने नियमित आधार पर विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालय विभागों के छात्रों और शिक्षकों से विभागीय संग्रहालय के दौरे को सुकर बनाया।

डीयूएएल भूगर्भ विज्ञान संघ के सहयोग से यमुना नदी भ्रमण का आयोजन किया गया तथा पल्ला पंपिंग स्टेशन के दौरे की निगरानी की गयी।

प्रदान की गयी एम फिल/ पीएचडी की डिग्रियों की संख्या: पीएचडी-13; एमफिल- 5

संकाय सदस्यों की संख्या

स्थायी : 13

डीएसटी- अंतर संकाय : 01

विअआ संकाय रिचार्ज कार्यक्रम: सहायक प्रोफेसर - 01

***

भौतिकी और खगोल भौतिकी

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

भौतिकी विभाग ने देश में शीर्ष विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के रूप में क्यूएस रैंकिंग में अपनी स्थिति बरकरार रखी। 550 एमएससी के छात्रों, 150 से अधिक पीएचडी छात्रों और 50 संकाय सदस्यों के साथ विभाग देश में सबसे

बड़े भौतिकी विभागों में से एक है। इसने अपने उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान कार्य को बरकरार रखा है जो वर्ष के दौरान अंतरराष्ट्रीय रिफ्रीड जर्नलों में संकाय और छात्रों द्वारा 300 से अधिक अनुसंधान प्रकाशन से स्पष्ट है। संकाय सदस्यों को कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अनुदान प्राप्त हुए तथा उन्होंने विश्व भर में कई संयुक्त परियोजनाओं में हिस्सा लिया। विभाग ने विश्व भर से विभिन्न प्रसिद्ध अनुसंधानकर्ताओं की मेजबानी की जिन्होंने हमारे युवा छात्रों को प्रेरणा देने के लिए प्रेरणा वाले व्याख्यान दिया। विभाग ने अपने छात्रों को अंतर विषयक विषयों सहित वैकल्पिक विषयों का एक व्यापक विकल्प देते हुए अपने एमएससी पाठ्यक्रम को संशोधित करने के लिए व्यापक कार्य किया है। इसी वर्ष अपने शैक्षिक और अन्य क्रियाकलापों के संबंध में नियमित अपडेट देते हुए व्यापक विभागीय पोर्टल सफलतापूर्वक आनलाइन चलाया गया।

सम्मान/ गौरव

प्रो. एच. पी. सिंह को भारत-जापान विज्ञान परिषद्, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार का सदस्य नियुक्त किया गया।

प्रो. विनय गुप्ता को आईएससीएएस रजत पुरस्कार दिया गया-2017

प्रो. विनय गुप्ता को "डिजिटल इंडिया- शिक्षा से नौकरी" संबंधी थिंक टैंक में सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।

प्रकाशन

एडमसन, इट.आल. (2017). सर्च फॉर एक्टिव-स्टेराइल न्युट्रीनो मिक्सिंग यूजिंग न्यूट्रल-करंट इंटरेक्शन इन NOvA.फिजिकल रिव्यु डी, 96, 072006.

एडमसन, इट.आल. (2017). कंस्ट्रेंट्स ऑन ऑस्कीलेशन पैरामीटर्स फ्रॉम वे अपीयरेंस एंड νμ डिस अपीयरेंस इन NOvA फिजिकल रिव्यु लेटर्स 118, 231801

एडमसन, इट.आल. (2017). मेज़रमेंट ऑफ़ थे न्युट्रीनो मिक्सिंग एंगल θ23 इन NOvA, फिजिकल रिव्यु लेटर्स, 118, 151802.

अगरवाल, एस., हाशमी एस. ए., नंदन बी., पत्र ए.के., सिंह आर.पी., चेल्वाने जे.ए., एंड खत्री एम.एस. (2017). स्ट्रक्चर एंड मैग्नेटिक प्रॉपर्टीज ऑफ़ इलेक्ट्रोडिपाजिटेड CoPtP/Pt मल्टीलेयर नैनोवायर्स. केमिकल फिजिक्स लेटर्स, 684, 378

आगाता, कोलेबोरेशन. (2018).स्टडी ऑफ़ आईसोमेरिक स्टेट्स इन 198, 200, 202, 206Pb एंड 206Hg पोपुलेटेड इन फ्रेगमेंटेशन रियक्सनस. जर्नल ऑफ़ फिजिक्स जी: न्यूक्लियर एंड पार्टिकल फिजिक्स, 45, 35105.

अनंत नारायण, बी., कैप्रिनी आई., दास डी. (2017).इलेक्ट्रोमैग्नेटिक चार्ज रेडियस ऑफ़ दी पयान एट हाई प्रिसिजन. फिजिकल रिव्यु लेटर्स, 119, 132002.

अरोड़ा, के., तोमर एम., एंड गुप्ता, वी. (2017). ऐन एम्पेडीमेट्रिक रेस्पांस स्टडी फॉर दी एफ़िफ़शिएन्ट डिटेक्शन ऑफ़ ब्रेस्ट कैंसर स्पेसिफिक बायोमार्कर CA 15-3 यूजिंग अ टिन ऑक्साइड थिन फिल्म बेस्ड इम्मुनोइलेक्ट्रोड. एनालिटिकल मेथड्स, 9, 6549-6559.

अरुण, एम.टी., चौधरी डी. (2017). स्टबेलायेजेशन ऑफ़ माडुली इन स्पेसटाइम विथ नेस्टेड वार्पिंग एंड दी यू.ई.डी. न्यूक्लियर फिजिक्स बी, 923, 258-276

अरुण, एम.टी., साहा पी. (2017). ग्रेविटन्स इन मल्टीप्लाय वार्प्ड सिनेरियोज: ऐट 750GeV एंड बेयॉन्ड. प्रमाण-जर्नल ऑफ फिजिक्स,88, 93

ऑगस्टीन, एस., सिंह जे., श्रीवास्तव एम., शर्मा एम., दास ए., एंड मल्होत्रा बी.डी. (2017). रिसेन्ट एडवान्सेज इन कार्बन बेस्ड नैनो सिस्टम्स फार कैन्सर थैरैनॉस्टिक्स. बायोमटेरियल्स साइंस, 5, 901

अविनाश, के., गौरव एस.,(2017). एक्वीलिब्रियम एंड स्टैबेलिटी ऑप ए ग्रेविटेशनली बाउन्ड यूनिफार्मली चार्जड डस्ट क्लाउड, फिजिक्स ऑफ प्लाज्माज,24, 53703.

अवाना, जी., सुल्ताना आर., माहेश्वरी पी.के., गोयल, आर., गहतोरी, बी., गुप्ता, ए., एस. एंड अवाना, वी.पी. (2017). क्रिस्टल ग्रोथ एंड मैग्नेटो-ट्रान्सपोट ऑफ Bi2Se3 सिंगल क्रिस्टल्स. जर्नलऑफ सुपरकन्डक्टिविटी एंड नॉवेल (2017). मैगनेटिज्म,30, 853.

बहल, एस., कुमार वी., बिहारी आर.आर., एंड कुमार पी. (2017). इनवेस्टिगेशंस ऑफ ओएसएल प्रॉपर्टीज ऑफ CaSO4: Mn फॉस्फॉर एक्पोज्ड टू गामा एंड बेटा रेडिएशन्स. जर्नल ऑफ ल्यूमिनेसेन्स, 181, 36.

बाजपेयी, के.के., श्रीनिवास, के., ठाकुर, ओ.पी., जेम्स, ए.आर., शुक्ला, ए.के. (2017). इनफ्लुएन्स ऑफ केडमियम डोपिंग ऑन दी इलेक्ट्रो-स्ट्रैन ऑफ बेरियम जिरकोनेट टाइटेनेट सिरेमिक्स. सिरेमिक्स इंटरनेशनल, 43, 1963.

बाला, एम., गुप्ता, एस., श्रीवास्तव एस.के., अमृतापांडियान, एस., त्रिपाठी, टी.एस., त्रिपाठी, एस.के., डॉन्ग, सी.-एल., चेन सी.-एल., अवस्थी, डी.के., एंड अशोकन,के. (2017). इवाल्यूशन ऑफ नैनोस्ट्रक्चर्ड सिंगल फेज CoSb3 थिन फिल्म बाई लो-एनर्जी ऑयन बीम इन्ड्यूस्ड मिक्सिंगएंड दियर थर्मोइलेक्ट्रिक परफारमेन्स. फिजिकल केमेस्ट्री केमिकल फिजिक्स , 19, 24886.

बलेन्द्र, बनडे ए., मुरूगवेल, एस., कनौजिया, पी.के., प्रकाश जी.वी., एंड रामानन ए., (2017). कैल्सियम एंड स्ट्रोन्टियम कॉर्डिनेशन पॉलीमर्स बेस्ड ऑन रिजिड एंड फ्लेक्सिबल ऐरोमैटिक डाईकार्बोक्सीलेट्स: सिन्थेसिस, स्ट्रक्चर, फोटोन्यूमेनिसेन्स, एंड डाइइलेक्ट्रिक प्रोपर्टीज.केमेस्ट्री सेलेक्ट,2, 8567.

बनडे ए. एंड मुरूगवेल, एस., (2017). स्मॉल पोलॉरान हॉपिंग कन्डक्शन मेकैनिज्म इन LiFePO4 ग्लास एंड क्रिस्टल. जर्नल ऑफ एप्लायड फिजिक्स,121, 45111.

बनर्जी, ए., अभिलाष, एस.आर., उमापति, जी.आर., कबिराज, डी., ओझा, एस. एंड मंडल, एस. (2018). मटेरियल इंजिनियरिंग टू फैब्रिकेट रेयर अर्थ अरबियम थिन फिल्म फॉर एक्सप्लोरिंग न्यूक्लीयर एनर्जी सोर्सेज. न्यूक्लीयर एन्स्ट्रुमेन्ट्स एंड मेथड्स इन फिजिक्स रिसर्च, सेक्सन ए: एस्सीलरेटर्स, स्पेक्ट्रोमीटर्स, डिटेक्टरर्स एंड एसोसिएडेड एक्वीपमेन्ट,887, 34.

बंगरूवा, जे.एस., वशिष्ट, बी.के., बेनिवाल, ए., एंड वर्मा वी.,(2017). स्ट्रक्चरल, फेरोइलेक्ट्रिक एंड मैगनेटिक प्रोपर्टीज ऑफ BiFeO3-ZnFe2O4 नैनो-कम्पोजिट्स. एन्टीग्रेटेड फेरोइलेक्ट्रिक्स, 184, 135.

बंगरूवा, जे.एस., वशिष्ठ, बी.के., सिंह, एन., सिंह,एन., वर्मा, वी.,(2018). अ सिस्टेमेटिक स्टली ऑफ स्ट्रक्चरल, मैग्नेटिक एंड इलेक्ट्रिक प्रोपर्टीज ऑफ पेरोव्स्काइट-स्पाइनेल कम्पोजिट्स प्रीपेयर्ड बाई सॉल-जेल टेकनिक. जर्नल ऑफ एल्वॉएज एंड कम्पाउन्ड,739, 319.

बंगरूवा, जे.एस., वशिष्ठ, बी.के., सिंह, एन., वर्मा, वी.,(2018). एनॉमलस फेरोइलेक्ट्रिक एंड मैग्नेटिक बिहैवियर इन BPFO-NZFO मल्टीफेरोइक नैनो-कम्पोजिट्स. सिरौमिक्स इंटरनेशनल,44, 11737.

बरधान, डी., चक्रबर्ती, ए., चौधरी, डी., घोष, डी.के. एंड मैती, एम.(2017). सर्च फॉर बॉटम स्क्वार्क्स इन दी बेरियान-नम्बर वायलेटिंग MSSM. फिजिकल रिव्यु,D 96, 35024.

भारद्वाज, ए., कौर एस., एंड बलुजा के.एल.(2017). लो-एनर्जी इलेक्ट्रॉन एमपौक्ट क्रास-सेक्सन्स एंड रेट कान्सटेन्ट्स ऑफ NH2. प्रनामा-जर्नल ऑफ फिजिक्स , 89, 30.

भारद्वाज, ए., जैन, जी., रंजन, के.(2018). सिलिकॉन सेन्सर्स इन एक्सपेरीमेन्टल हाई एनर्जी फिजिक्स एक्सपेरीमेन्टस. स्प्रिंगर प्रोसीडिंग्स इन फिजिक्स , 201, 3.

भारद्वाज, ए., कनबर, एस.एम., मॉरकोनी, एम., रेजकुबा, एम., सिंह, एच.पी., एंड गेय्ओ, सी.सी.(2017). मल्टीवेभलेन्थ लाइट कर्व पैरामीटर्र ऑफ सेफीड वैरिएबल्स.EPJ वेब ऑफ कॉन्फरेन्सेज,152, 1010.

भारद्वाज, ए., कनबर, एस.एम., मॉरकोनी, एम., रेजकुबा, एम., सिंह, एच.पी., एंड गेय्ओ, सी.सी.(2017). अ कम्परेटिव स्टडी ऑफ मल्टीवेभलेन्थ थ्योरेटिकल एंड आबजर्ब्ड लाइट कर्व ऑफ सेफीड वैरिएबल्स.मन्थली नोटिसेजऑफदी रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी,466, 2805.

भारद्वाज, ए., मैक्री, एल.एम., रेजकुबा, एम., कनबर,एस. एम., गेय्ओ, सी.सी.एंड सिंह, एच.पी., (2017).लॉर्ज् मैगेलैनिक क्लाउड नियर-इन्फ्रारेड सिनोप्टिक सर्वे. IV.लीविट्ट लॉज फॉर टाइप-IIसेफीड वैरिएबल्स.एस्ट्रोनॉमिकल जर्नल,153, 154.

भारद्वाज, ए., रेजकुबा, एम., मिनिटी, डी., सुरोट, एफ., वलेन्टी, ई., ज़ोक्काली, एम., गोन्जालेज, ओ.ए., रोमानिल्लो, एम., कनबर,एस. एम., एंड सिंह, एच.पी., (2017). गैलेक्टिक बल्ज पॉपुलेशन II सेफीड्स इन दी VVV सर्वे: पिरियड-ल्युमिनोसिटी रिलेशन्स एंड अ डिस्टैन्स टू दी गैलेटिक सेन्टर. एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स,605, A100.

भारद्वाज, एस.के., बसु, टी., एंड महापात्रा, ए.के. (2017). ट्राइग्लिसराइड डिटेक्शन यूजिंग रिड्यूस्ड ग्रैफीन आक्साइड ऑन आईटीओ सरफेस. एन्टीग्रेटेड फेरोइलेक्ट्रिक्स 184, 9 i2.

भाटिया, ए.एस., एंड सुर, एस. (2017). डायनॉमिकल सिस्टम एनॉलायसिस ऑफ डार्क एनर्जी मॉडेल्स इन स्केलर कॅपल्ड मेट्रिक-टॉरसन थियरीज. इंटरनेशनल जर्नल आफ माडर्न फिजिक्स डी, 26, 1750149.

भाटिया, डी., मैत्र, यू., एंड नियोगी एस. (2018). डिस्कवरी प्रॉस्पेक्ट्स ऑफ अ लाइट हिग बोसान एड दी LHC इन टाइप-I 2HDM. फिजिक्स रिव्यु डी, 97, 52010.

भट्ट, पी., साईराम, टी., कुमार, ए., कुमार, एच., एंड साफवान, सी.पी. (2017). फॉर्मेशन ऑफ H2+ एंड H3+ इन एनर्जेटिक हाइली- चार्जड-ऑयन कोलिजन्स विद NH3. फिजिक्स रिव्यु ए, 96, 22710.

भुक्क्ल, एस., सिन्हा, एन., यादव, एच. गोयल, एस., सिंह, बी., दिकिन आई., एंड कुमार बी.(2018). ग्लाइसिन ग्लुटारिक एसिड कोक्रिस्टल्स: मॉफोलॉजिकल, ऑप्टिकल, डाइ-इलेक्ट्रिक एंड मेकैनिकल प्रोपर्टीज वाया नैनो-एन्डेन्टेशन. वैक्युम,154, 90.

बोकोलिया, आर., मंडल, एम., राय, वी.के., एंड श्रीनिवास, के.(2017). एनहान्स्ड एन्फ्रारेड-टू-विजिबल अप-कन्वर्जन एमिशन एंड टेम्परेचर सैंसिटिविटी इन (Er3+, Yb3+, एंडW6+) ट्राइ-डोप्ड Bi4Ti3O12 फेरोइलेक्ट्रिक ऑक्साइड. जर्नल ऑफ एप्लाएड फिजिक्स, 121, 84101.

बोरकर, एच., राव, वी., तोमर, एम., गुप्ता, वी., एंड कुमार, ए. (2018). नियर रूम टेम्परेचर बिस्मथ एंड लिथियम को-सब्स्टिट्यूटेड BaTiO3 रिलैक्सर फेरोइलेक्ट्रिक्स फैमिली. जर्नल ऑफ एलॉएज एंड कम्पाउन्ड्स,737, 821.

बोरकर, एच., राव, वी., तोमर, एम., गुप्ता, वी., स्कॉट जे.एफ., एंड कुमार, ए. (2017). एक्सपेरीमेन्टल एविडेन्स ऑफ इलेक्टॉनिक पोलेराइजेशन इन अ फैमिली ऑफ फोटो-फेरोइलेक्ट्रिक्स. आरएससी एडवांसेज,7, 12842.

बोरकर, एच., राव, वी., तोमर, एम., गुप्ता, वी., स्कॉट जे.एफ., एंड कुमार, ए. (2018). जॉएन्ट एन्हान्समेन्ट इन फेरोइलेक्ट्रिक पोलराइजेशन अंडर एलुमिनेशन. मटेरियल्स टूडे कम्युनिकेशन्स,14, 116.

बोरकर, एच., तोमर, एम., गुप्ता, वी., कटियार, आर.एस., स्कॉट जे.एफ., एंड कुमार, ए. (2017). ऑप्टिकली कन्ट्रोल्ड पोलेराइजेशन इन हाइली आरिएन्टेड फेरोइलेक्ट्रिक थिन फिल्म्स. मटेरियल्स रिसर्च एक्सप्रेस,4, 86402.

बुधिराज, एन., सपना, तोमर, एम., गुप्ता, वी. एंड सिंह, एस.के. (2018). स्ट्रक्चरल एंड डाइ-इलेक्ट्रिक प्रोपर्टीज आफ Cu2- xNdxOनैनो-स्ट्रक्चर्स. एआईपी कॉनफरेन्स प्रोसिडिंग्स, 1942, 120022.

कामार्गो-मोलिना, जे.ई., मंडल, टी., पसेच्निक, आर., एंड वेसेन, जे. (2018)., हैवी चार्ज्ड स्केलर्स फ्रॉम सीएस-फ्यूजन: अ जेनेरिक सर्च स्ट्रेटेजी एप्लाइड टू अ 3HDM विथ U (1) × U (1) फैमिली सिमेट्री. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स,2018, 24.

चकधर, एस., घोष,के., होआंग, वी., हंग, पी.क्यू., एंड नन्दी, एस.(2017). सर्च फॉर इलेक्ट्रोवीक-स्केल राइट-हैण्डेड न्यूट्रियॉन्स एंड मिरर चार्ज्ड लेप्टॉन थ्रू लाइक-साइन डाइ-लेप्टान सिंग्नल्स. फिजिकल रिव्यु,डी 95, 15014.

चक्रवर्ती, एस., शर्मा, एच.पी., तिवारी, एस.एस., मजुमदार,सी., बनर्जी, पी., गांगुली, एस., राय, एस., प्रगति, मयंक, कुमार, एस., भट्टाचार्जी, एस.एस.,सिंह, आर.पी., मुरलीधर, एस., कुमार, ए., एंड पालित, आर. (2018). रिवाइज्ड लेवेल स्ट्रक्चर ऑफ 127Xe . इपीएल,121, 42001.

चक्रबर्ती, एस., नियोगी, एस., एंड श्रीधर, के. (2017). कॉन्स्ट्रैनिंग कम्प्रेस्ड वर्जन्स ऑफ एमयूडी एंड एमएसएसएमयूजिंग साफ्ट ट्रैक्स एट दी एलएचसी. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स,2017, 105.

चक्रबर्ती, एस., शर्मा, एच.पी., तिवारी, एस.एस., मजुमदार, सी., प्रजापति, पी.के., राय, एस., पोपली, पी., सिंह, एम., भट्टाचार्जी, एस.एस., सिंह, आर.पी., मुरलीधर, एस., बनर्जी, पी., गांगुली, एस., कुमार, एस., कुमार ए., एंड पालित आर. (2017). टू-न्यूट्रान एलाइनमेन्ट इन 127Xe. ब्राजिलियन जर्नल ऑफ फिजिक्स,47, 406.

चमोली, एस.के., रोहिला ए., गुप्ता, सी.के., सिंह, आर.पी., मुरलीधर,एस., चक्रबर्ती, एस., शर्मा, एच.पी., कुमार ए., गोविल आई.एम., एंड बिस्वास डी.सी. (2017). इनवेस्टिगेटिंग प्रोलेट-आब्लेट शेप एनवर्जन इन पीटी न्यूक्लीआई नियर a ~ 188 एक्टा फिजिका पोलोनिका बी,48, 337.

चन्देल, एस., ठाकुर, पी., ठाकुर, एस.एस., कंवर, वी., तोमर,एम., गुप्ता, वी., एंड ठाकुर, ए. (2018). इफैक्ट ऑफ नॉन-मैग्नेटिक Al3+ डोपिंग ऑन स्ट्रक्चरल,ऑप्टिकल, इलेक्ट्रिकल, डाइ-इलेक्ट्रिक एंड मैग्नेटिक प्रोपर्टीज ऑफ BiFeO3 सिरेमिक्स. सिरेमिक्स इंटरनेशनल,44, 4711.

चन्देल, एस., ठाकुर, पी., ठाकुर, एस.एस., शर्मा, ए., ह्सु, जे.-एच., तोमर, एम., गुप्ता, वी., एंड ठाकुर, ए. (2018). इनवेस्टिगेशन ऑफ एक्स्स एंड डेफिसिएन्सी ऑफ आयरन इन BiFeO3. मटेरियल्स केमेस्ट्री एंड फिजिक्स,204, 207.

चन्देल, एस., ठाकुर, पी., तोमर, एम., गुप्ता, वी., एंड ठाकुर, ए. (2017).इनवेस्टिगेशन आफ स्ट्रक्चरल,ऑप्टिकल, डाइ-इलेक्ट्रिक एंड मैग्नेटिक स्टडीज ऑफ Mn सबस्टीट्यूटेड BiFeO3 मल्टीफेरोइक्स. सिरेमिक्स इंटरनेशनल,43, 13750.

चैनी, के.एस., एंड कुमार, एस. (2017). फेनोमेनोलॉजिकल एम्प्लीकेशन्स आफ टू सिम्पल मोडिफिकेशन्स टू ट्राइ-बाईमैक्सिमल मिक्सिंग. माडर्न फिजिक्स लेटर्स ए.,32, 1750137.

चौधरी, वी., सिंह, एच.के. एंड कौर, ए. (2017). इफैक्ट आफ चार्ज कैरियर ट्रान्सपोर्ट ऑन सल्फर डाई-आक्साइड मॉनिटरिंग परफारमेन्स आफॅ हाइली पोरस पॉलीएनीलिन नैनोफाइबर्स. पॉलीमर इंटरनेशनल,66, 699.

चौहान, एच., सिंह, एम.के., कुमार, पी., हाशमी, एस.ए. एंड डेका, एस. (2017). डेवेलपमेन्ट ऑफ SnS2/RGO नैनोशीट कम्पोजिट फॉर कॉस्ट-इफैक्टिव एक्वीयस हाइब्रिडसुपरकैपेसिटर्स. नैनोटेक्नोलॉजी,28, 25401.

चौहान, एल., सिंह, एन., धर, ए.,कुमार, एच., कुमार एस., एंड श्रीनिवास, के. (2017). स्ट्रक्चरल एंड इलेक्ट्रिकल प्रोपर्टीज ऑफ Dy3+ सबस्टीच्यूटेड NiFe2O4 सिरैमिक्स प्रिपेयर्ड फ्राम पाउडर्स डिराइव्ड बाई कम्बस्टन मेथड. सिरेमिक्स इंटरनेशनल,43, 8378.

चौरिसया. एस.के., एंड चन्द्रा ए. (2017). ऑर्गेनिक-इनआर्गेनिक हाइब्रिड इलेक्ट्रोलाइट्स बाई इन-सिटु डिस्पर्सन ऑफ सिलिका नैनोस्फेयर्स इन पॉलीमर मैट्रिक्स. सॉलिड स्टेट ऑयोनिक्स,307, 35.

चौधरी, टी., एंड देव, एन. (2017). एन्ड्रीव रिफ्लेक्शन एंड बाउंड स्टेट्स इन टोपोलॉजिकल इन्सुलेटर बेस्ड प्लानर एंड स्टेप जोसेफसन जंक्शन्स. फिजिका ई.: लो-डायमेन्शनल सिस्टम्स एंड नैनोस्ट्रक्चर्स,85, 238.

चौधरी, डी., कुन्डु, ए., मंडल, आर., एंड सिन्हा, आर. (2017). मिनिमल यूनीफाइड रिजोल्यूशन टू आरके (*) एंड आर.(डी.(*)) एनॉमलीज़ विथ लेप्टन मिक्सिंग. फिजिकल रिव्यु लेटर्स,119, 151801.

चौधरी, डी., कुन्डु, ए., नन्दी, एस., एंड पात्रा, एस.के.(2017).यूनीफाइड रिजोल्यूशन ऑफ दी आर (डी) एंड आर (डी*)एनॉमलीज़ एंड दी लेप्टन फ्लेवरवॉयलेटिंग डिके $h\rightarrow\mu\tau$.फिजिकल रिव्यु डी. , 95, 035021.

दास, डी. (2018). मॉडेल इनडिपेन्डेन्ट न्यू फिजिक्स एनालाइसिस इन Λ b→ Λ μ+μ-डिके. यूरोपियन फिजिकल जर्नल सी,78, 230.

दास,गुप्ता पी., एंड थरेजा ई. (2017). सुपरमैसिव ब्लैक होल्ज फ्रॉम कोलैप्सिंग डार्क मैटर बोस-आइंस्टीन कंडेनसेट्स. क्लासिकल एंड क्वान्टम ग्रेविटी,34, 35006.

देवी, के.आर., कुमार, एस., कुमार एन., अभिलाष, एस.आर., एंड कबिराज डी. (2018). फेब्रीकेशन ऑफ 121Sb आइसोटोपिट टारगेट्स फार दी स्टडी आफ न्यूक्लीयर हाई स्पिन फीचर्स. न्यूक्लीयर इन्स्ट्रुमेन्ट्स एंड मेथड्स इन फिजिक्स रिसर्च, सेक्सन ए: एसीलरेटर्स, स्पेक्ट्रोमीटर्स, डिटेक्टर्स एंड एसोसिएटेड एक्वीपमेन्ट,893, 35.

दीवान, एस., पालीवाल, ए., तोमर, एम., कपूर, ए.के., टंडन, आर.पी., एंड गुप्ता, वी. (2018). सरफेस प्लाज़मॉन रेजोनेन्स ऐडेड एनालायसिस आफ क्वांटम वेल्स फार फोटोनिक डिवाईस एप्लीकेशन्स. मटेरियल्स एंड डिजाइन,150, 94.

दीवान, एस., तोमर, एम., कपूर, ए.के., टंडन, आर.पी., एंड गुप्ता, वी. (2017). ल्यूमिनिसेन्स स्टडीज ऑफ लेजर एमबीई ग्रोन GaN ऑन ZnO नैनोस्ट्रक्चर्स. प्रोसिडिंग्स ऑफ एसपीआईई- दी इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर ऑप्टिकल इंजिनियरिंग,10354, 103540V.

दीवान, एस., तोमर, एम., टंडन, आर.पी., एंड गुप्ता, वी. (2017).Zn डोपिंग इन्ड्युस्ड कन्डक्टिविट ट्रान्सफार्मेशन इन NiOफिल्म्स फार रिएलाइजेशन ऑफ p-n होमो जंक्शन डायोड. जर्नल ऑफ एप्लाएड फिजिक्स, 121, 215307.

धनकर एस कुन्डु आर एस रानी एस शर्मा पी मुरूगवेल एस पुनिया आर एंड किशोर एन जिंक क्लाराइड मॉडीफाइड इलेक्ट्रोनिक ट्रान्सपोर्ट एंड रिलैक्सेशन स्टडीज इन बेरियम-टेल्युराइट ग्लासेज. इलेक्ट्रोनिक मटेरिएल्स लेटर्स, 13, 412.

ढिंगरा, एम गुप्ता आर एंड अन्नापूर्णी एस डिफैक्ट इन्ड्यूस्ड फेरोमैग्नेटिज्म इन Zn/ZnOइंटरफेसेज. क्रिस्टल रिसर्च एंड टैक्नोलॉजी, 53, 1700293.

डुडकोवस्की, डी प्रसाद ए एंड कपिटानायक टी. (2017). परपेचुअल प्वाइंट: न्यू टूल फॉर लोकेलाइजेशन ऑफ को-एक्जिस्टिंग अट्रैक्टर्स इन डायनैमिकल सिस्टम्स. इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ बाईफर्केशन एंड केओस, 27, 1750063.

डुडकोवस्की, डी प्रसाद ए एंड कपिटानायक टी. (2017). डिस्क्राइबिंग केओटिक अट्रैक्टर्स. रेगुलर एंड परपेचुअल प्वाइन्ट्स. केओस, 28, 33604.

दत्ता एस गोयल ए एंड सैनी एल के. (2018).स्पिन-0± पोर्टल इन्ड्यूस्ड डाकर् मैटर. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018, 23.

दत्ता एस रावत बी एंड सचदेव डी. (2017).सिग्नल्स ऑफ लेप्टोफिलिक डार्क मैटर एट दी आईएलसी. यूरोपियन फिजिकल जर्नल सी, 77, 639.

दत्ता एस सक्सेना एम कुमार आर झिंगन ए अगरवाल ए बनर्जी ए भौमिक आर के जोशी सी कौर जे कुमार ए मटेज्स्का-मिन्डा, एम मिश्रा, वी रिजवी आई ए स्टोलार्ज, ए वोलरशीम, एच जे नेपियोरकोवस्की, पी जे. (2018). री-मेजरमेन्ट ऑफ रिड्यूस्ड ट्रांजिसन प्रोबेबिलिटीज इन 132ba.एक्टा फिजिका पोलोनिका बी,, 49, 535

एक्स्टेड्ट ए एनबर्ग आर इंजेयमैन जी लॉफग्रेन जे एंड मंडल टी. (2018). मिनिमल एनामलस U (1)थ्योरीज एंड कोलाइडर फेनोमेनोलॉजी. जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 , 152.

गैरोला, पी., गैरोला, एस. पी., धवन, एस. के., टंडन, आर. पी., गुप्ता, वी., पुरोहित, एल.पी., एण्डशर्मा, एस. (2018). कार्बन मटेरियल-नैनोफेराइटकम्पोजिट फॉररेडिएशन शिल्डिंगइन माइक्रोवेवफ्रिक्वेन्सी.इन्टीग्रेटेड फेरोइलेक्ट्रिक्स, 186, 40.

गौड, ए., कुमार, ए., एण्डनैमुद्दीन, एम. (2017). परफार्मेन्सस्टडी ऑफग्लासआरपीसीडिटेक्टर्स फॉर INO-ICAL एक्सपेरीमेन्ट. न्यूक्लीयरइन्स्ट्रुमेन्ट्स एण्डमेथड्स इन फिजिक्स रिसर्च, सेक्सन ए: एसीलरेटर्स, स्पेक्ट्रोमीटर्स, डिटेक्टर्स एण्डएसोसिएटेड एक्वीपमेन्ट, 845, 363.

गौड, ए., कुमार, ए., एण्डनैमुद्दीन, एम. (2017). स्टडी ऑफटायमिंगरेसपान्सएण्डचार्ज स्पेक्ट्राऑफग्लासबेस्ड रेजिस्टिव प्लेट चैम्बरडिटेक्टर्स फॉर INO-ICAL एक्सपेरीमेन्ट. जर्नल ऑफइन्स्ट्रूमेन्टेशन, 12, C03081.

गौड, ए., कुमार, ए., एण्डनैमुद्दीन, एम. (2018). टायमिंगएण्डचार्ज मेजरमेन्ट ऑफसिंगलगैपरेजिस्टिवप्लेटचैम्बरडिटेक्टर्स फॉर INO–ICAL एक्सपेरीमेन्ट. न्यूक्लीयरइन्स्ट्रुमेन्ट्स एण्डमेथड्स इन फिजिक्स रिसर्च, सेक्सन ए: एसीलरेटर्स, स्पेक्ट्रोमीटर्स, डिटेक्टर्स, एण्डएसोसिएटेड एक्वीपमेन्ट, 877, 246.

गौतम, एस., कुमार, डी., अलेनगांवकर, पी. एस., झा, पी., जैन, एन., एण्डरावत, जे.एस. (2018). एनहान्स्ड रेसपान्सएण्डइम्प्रूव्ड सेलेक्टिविटीफॉरटॉक्सिकगैसेजविथफंक्शनलाइज्ड CNT थिन फिल्म रेजिस्टर्स. इन्टीग्रेटेड फेरोइलेक्ट्रिक्स, 186, 65.

गोयल, एस., यादव, एच., सिन्हा, एन., सिंह, बी., ब्डिकिन, आई., एण्डकुमार, बी. (2018). एक्सरे, डाइ-इलेक्ट्रिक, पाइजोइलेक्ट्रिक एण्डऑप्टिकल एनालाएज़ ऑफअन्यूनॉनलीनियरऑप्टिकल 8-हाइड्रोक्सीक्वीनोलिनियम हाइड्रोजन स्क्वैरेटक्रिस्टल.एक्टाक्रिस्टेलोग्राफिकासेक्सन बी: स्ट्रक्चरल साइंस, क्रिस्टल इंजीनियरिंग एण्डमटेरियल्स, 74, 12-23.

गोयल, एस., सिन्हा, एन., यादव, एच., गडोरा, एस., जोसेफ, ए.जे., एण्डकुमार, बी. (2017). फेरोइलेक्ट्रिक Gd-डोप्ड ZnO नैनोस्ट्रक्चर्स: एनहान्स्ड डाइ-इलेक्ट्रिक, फेरोइलेक्ट्रिक एण्डपाइजोइलेक्ट्रिक प्रोपर्टीज. मटेरियल्सकेमेस्ट्री एण्डफिजिक्स, 202, 56.

गोयल, एस., सिन्हा, एन., यादव, एच., जोसेफ, ए.जे., एण्डकुमार, बी. (2017). एक्सपेरीमेन्टल इनवेस्टीगेशनऑनदीस्ट्रक्चरल, डाइ-इलेक्ट्रिक, फेरोइलेक्ट्रिक एण्डपाइजोइलेक्ट्रिक प्रापर्टीज़ ऑफ La डोप्ड ZnO

नैनोपार्टिक्ल्स एण्डदियरएप्लीकेशन इन डाई-सेन्सिटाइज्डसोलर सेल्स. फिजिका इ: लो-डायमेन्सनलसिस्टम्स एण्डनैनोस्ट्रक्चर्स, 91, 72.

गोयल, एस., यादव, एच., सिन्हा, एन., सिंह, बी., डिकिन, आई., राव, डी.सी., गोपालैया, के., एण्डकुमार, बी. (2017). एनइनसाईटइनटूदीसिन्थेसिस, क्रिस्टल स्ट्रक्चर, जियोमेट्रिकलमॉडेलिंग ऑफक्रिस्टल मॉर्फोलोजी, हर्सफिल्ड सरफेस एनालाइसिस एण्डकैरेक्टेराइजेशन ऑफएन-(4-मेथिल बेन्जिल) बेन्जामाइडसिंगलक्रिस्टल एस. जर्नल ऑफएप्लाइड क्रिस्टेलोग्राफी, 50, 1498.

गोपाल, के., एण्डगुप्ता, डी.एन.(2017). आप्टेमाइजेशनएण्डकन्ट्रोलऑफइलेक्ट्रान बीम्सफ्रामलेजर वेकफिल्डएसिलरेशनयूजिंग एसिमेट्रिकलेजर पल्सेज. फिजिक्स ऑफप्लाज्माज़, 24, 103101.

गोपालैया, के., सैनी, ए., चन्द्रुडु, एस. एन., राव, डी.सी., यादव, एच., एण्डकुमार, बी. (2017). कॉपर-कैटालाइज्ड ऐरोबिकऑक्सीडेटिवकपलिंग ऑफ o-फेनिलेनडायमाइन्सविथ 2-एरिल/हेट्रोएरिलइथाइलामाइन्स: डायरेक्ट एक्सेस टूकंस्ट्रक्टक्विनोजैलाइन्स. ऑरगैनिक एण्डबायोमालीक्यूलर केमेस्ट्री, 15, 2259.

गोयल, ए., खत्री, I., सिंह, ए.के., शर्मा, आर., एण्डमोहन, एम. (2017). एक्स-रे डिफ्रैक्शनपैटर्नएण्डडिफ्रेक्टेडइन्टेन्सिटीऑफ Kα स्पेक्ट्रललाइन्सऑफ He-लाइकआयन्स. रेडिएशन फिजिक्स एण्डकेमेस्ट्री, 138, 16.

गोयल, आर., एण्डशर्मा, आर. पी. (2018). इफैक्ट ऑफआयन-न्यूट्रलकोलिजन ऑन दी इवोल्यूशन ऑफ कायनेटिक एल्फ्वेनवेव्सइन प्लाज्माज़. प्लाज्माफिजिक्स एण्डकन्ट्रोल्डफ्यूजन, 60, 35002.

गोयल, ए., शर्मा, आर., खत्री, I., सिंह, ए.के., सिंह, एस. एस. एण्डमोहन, एम. (2017). कोलिजन स्ट्रेन्थएण्डइफैक्टिव कोलिजन स्ट्रेन्थफॉर Br XXVII. कनाडियन जर्नल ऑफफिजिक्स, 95, 1127.

गोयल, ए., शर्मा, आर., सिंह, ए.के.एण्डमोहन, एम. (2017). फुली रिलेटिविस्टिकएटामिकस्ट्रक्चर कैल्कुलेशन्स फॉरडब्ल्यू XLIV फॉरडिटरमिनेशनऑफप्लाज्माडायग्नोस्टिकटर्म्स. कनाडियन जर्नल ऑफफिजिक्स, 95, 950.

गोयल, आर., अरोड़ा, एन., कपूर, ए., लाम्बा, एस., एण्डअन्नपूर्णी, एस. (2017). एक्सचेन्ज हार्डेनिंगइन FePt/Fe3Pt ड्यूएलएक्सचेन्ज स्पिंगमैग्नेट: मान्टे कार्लो मॉडलिंग. जर्नल ऑफएल्वाएज एण्डकम्पाउन्डस, 695, 1014.

गुप्ता, ए., दत्ता, एस. एण्डटंडन, आर. पी. (2017). ग्रोथएण्डमैग्नेटिक प्रापर्टीज़ ऑफ Co0.6Zn0.4Fe1.7Mn0.3O4 थिन फिल्म्स ऑनसिलिकॉन. जर्नल ऑफमैग्नेटिज्म एण्डमैग्नेटिक मटेरियल्स, 444, 23.

गुप्ता, डी.एन., कुलगिन वी.वी.एण्डसुक, एच. (2017). टेराहर्ट्ज रेडिएशन एमिशन फ्रामप्लाज्माबीन-वेवइंटरैक्शन्सविथअरिलेटिविस्टिकइलेक्ट्रान बीम. ऑप्टिक्स कम्युनिकेसंस, 401, 71.

गुप्ता, ए., दत्ता, एस., एण्डटंडन, आर. पी. (2018). ग्रोथएण्डमैग्नेटिक प्रापर्टीज़ ऑफस्पिन कोटेड Co0.6Zn0.4Mn0.3Fe1.7O4 अल्ट्राथिन फिल्म्स ऑनसिलिकॉन (100), (110) एण्ड (111) सब्स्ट्रेट्स. जर्नल ऑफमटेरियल्ससाइंस: मटेरियल्सइन इलेक्ट्रानिक्स, 29, 2764.

गुप्ता, ए., दत्ता, एस., एण्डटंडनआर.पी. (2018). ऑप्टिकल प्रापर्टीज़ ऑफस्पिन कोटेड Co0.6Zn0.4Mn0.3Fe1.7O4 थिन फिल्म्स डिपोजिटेड ऑनसिलिकॉनएण्डप्लेटिनमकोटेडसिलिकॉनसब्स्ट्रेट्स. इन्टीग्रेटेड फेरोइलेक्ट्रिक्स, 186, 100.

गुप्ता, एन., सन्थिया, डी., मुरूगवेल, एस., कुमार, ए., आदित्य, ए., गांगुली, एम.एण्डगुप्ता, एस. (2018). इफैक्ट्सऑफट्रांजिशन मेटल आयनडोपैन्ट्स (Ag, Cu एण्ड Fe) ऑनदीस्ट्रक्चरल, मेकैनिकलएण्डएंटीबैक्टीरियलप्रापर्टीज़ ऑफबायोएक्टिवग्लास. कोलएड्सएण्डसरफेस ए: फिजिकोकेमिकल एण्डइंजीनियरिंग एसपेक्ट्स, 538, 393.

गुप्ता, पी., कुमार, ए., तोमर, एम., गुप्ता, वी.एण्डसिंह, डी.पी. (2017). एनहान्स्ड डाइ-इलेक्ट्रिकप्रापर्टीज़ एण्डसप्रेस्डलीकेजकरेन्ट डेन्सिटी ऑफपीवीडीएफकम्पोजिट्स फ्लेक्सिबल फिल्म थ्रूस्माललोडिंगऑफसबमाइक्रोन Ba0.7Sr0.3TiO3 क्रिस्टेलाइट्स. जर्नल ऑफमटेरियल्ससाइंस: मटेरियल्सइन इलेक्ट्रानिक्स, 28, 11806.

गुप्ता, आर., कुमारी, एस., तोमर, एम.एण्डगुप्ता, वी. (2017). प्लाजमॉनिकएसिस्टेड टूवेवमिक्सिंगफेनामेनॉन फॉरएनर्जी ट्रान्सफर इन फेरोइलेक्ट्रिक पीजेडटीफिल्म. ऑप्टिकल मटेरियल्स, 66, 442.

गुप्ता, आर., राना, एल., शर्मा, ए., फ्रेन्डॉफर, ए.पी., सेयर, एम., तोमर, एम.एण्डगुप्ता, वी. (2017). कोप्लानरवेव गाइडरेजोनेटरयूजिंग पीएलजेडटीथिन फिल्म. फेरोइलेक्ट्रिक्स, 515, 8.

गुप्ता, आर., राना, एल., तोमर, एम., एण्डगुप्ता, वी. (2018). कैरेक्टेराइजेशन ऑफलैडजिर्कोनियमटाइटैनेटथिन फिल्म्स बेस्ड मल्टीफंक्शनल एनर्जी हारवेस्टर्स. थिन सॉलिडफिल्म्स, 652, 39.

गुप्ता, आर., साहा, एस., तोमर, एम., सचदेव, वी.के.एण्डगुप्ता, वी. (2017). इफैक्ट ऑफमैगनीजडोपिंगऑनकन्डक्शनइन ऑलिवाइन LiFePO4. जर्नल ऑफमटेरियल्ससाइंस: मटेरियल्सइन इलेक्ट्रानिक्स, 28, 5192.

गुप्ता, आर., तोमर, एम., कुमार, ए.एण्डगुप्ता, वी. (2017). परफार्मेन्सऑफमैग्नेटोइलेक्ट्रिक PZT/Ni मल्टीफेरोइक सिस्टम फॉरएनर्जी हार्वेस्टिंगएप्लीकेशन. स्मार्टमटेरियल्सएण्डस्ट्रक्चर्स, 26, 35002.

गुप्ता, आर. के., पुरी, एन., मेहरा, एन.सी., महापात्रा, ए.के.एण्डटंडन, आर. पी. (2017). हॉट प्रेस्ड पेलेट्स ऑफ थेलियम डोप्ड बिस्मथ टेलुराइडएल्वाएज फॉरथर्मोइलेक्ट्रिक्स. इन्टीग्रेटेड फेरोइलेक्ट्रिक्स, 184, 32.

गुप्ता, एस., पालीवाल, ए., गुप्ता, वी.एण्डतोमर, एम. (2017). सरफेस प्लाजमॉन रेजोनेन्स बेस्ड इलेक्ट्रो-ऑप्टिकमेजरमेन्ट ऑफ SBN थिन फिल्म एस. प्रोसिडिंग्स ऑफएसपीआईई- दीइंटरनेशनल सोसाइटी फॉरऑप्टिकल इंजीनियरिंग, 10354, 103540 एस.

हरजेग, जी.जे., फैंग, क्यू., जोस, जे., सामल, एम.आर. एण्डपंवार, एन.(2017). दीलो-मासपापुलेशनइन दीयंग क्लस्टर स्टॉक 8: स्टीलर प्रापर्टीज़ एण्ड इनिशियलमासफंक्शन. एस्ट्रोफिजिकल जर्नल, 836, 98.

हुसैन, ए., सिन्हा, एन., धनकर, के., जोसेफ, ए.जे., कुमार, बी. (2018). जाएन्टपाइजोइलेक्ट्रिक बिहैवियरइन रिलैक्सरफेरोइलेक्ट्रिक एनवायरमेन्टफ्रेन्डली Na0.52K0.44Li0.04Nb0.84Ta0.10Sb0.06O3 सिरेमिक्स फॉरहाईटेम्परेचर एप्लीकेशन एस. जर्नल ऑफमटेरियल्ससाइंस: मटेरियल्सइन इलेक्ट्रानिक्स, 29, 6403.

हुसैन, ए., सिन्हा, एन., जोसेफ, ए.जे., धनकर, के., गोयल, एस., कुमार, बी. (2017). इम्प्रूवमेन्टइन डाइ-इलेक्ट्रिक, पाइजोइलेक्ट्रिक एण्डफेरोइलेक्ट्रिक प्रापर्टीज़ ऑफ 0.64PMN-0.36PT सिरेमिक्स बाई Sb मॉडिफिकेशन.जर्नल ऑफमटेरियल्ससाइंस: मटेरियल्सइन इलेक्ट्रानिक्स, 28, 14298.

हुसैन, ए., सिन्हा, एन., जोसेफ, ए.जे., गोयल, एस., सिंह, बी., ब्डिकिन, आई. एण्डकुमार, बी. (2018). मेकैनिकलइनवेस्टीगेशन्सऑनपाइजो-/फेरोइलेक्ट्रिक मैलिक एसिड -डोप्ड ट्राइग्लाइसिन सल्फेटसिंगलक्रिस्टल यूजिंग नैनोइनडेन्टेशनटेकनिक.अरैबिएनजर्नल ऑफकेमेस्ट्री, https://doi.org/10.1016/j.arabjc.2018.02.001.

इस्सर, एस., पोद्दार, पी., मेहरा, एन.सी., महापात्रा, ए.के. (2017). ग्रोथऑफफ्लोवर-लाइक पैटर्नऑफ TiO2 नैनोराड्सओवरएफटीओसबस्ट्रेट. इन्टीग्रेटेड फेरोइलेक्ट्रिक्स, 184, 166.

जैन, जी., दलाल, आर., भारद्वाज, ए.एण्डरंजन, के. (2017). डिपेन्डेन्सऑफचार्ज मल्टीप्लिकेशनऑनडिफरेन्टडिजाइन पैरामीटर्स ऑफ LGAD डिवाइसेज. जर्नल ऑफइन्स्ट्रूमेन्टेशन, 12, C03022.

जैन, जी., दलाल, आर., भारद्वाज, ए., रंजन, के., डायरलैम, ए., हार्टमैन, एफ., इबर, आर. एण्डडेमार्टु, एम. (2018). डेवेलपमेन्ट ऑफ AC-कपल्ड, पॉली-सिलिकॉनबायस्ड, पी-ऑन-एनसिलिकॉनस्ट्रिपडिटेक्टर्स इन इंडियाफॉरएचईपीएक्सपेरीमेन्ट एस. न्यूक्लीयरइन्स्ड्रुमेन्ट्स एण्डमेथड्स इन फिजिक्स रिसर्च, सेक्सन ए: एसीलरेटर्स, स्पेक्ट्रोमीटर्स, डिटेक्टर्स एण्डएसोसिएटेड एक्वीपमेन्ट, 882, 1.

जैन, पी. एण्डमंडल, एस. के. (2018). बैन्ड हैडस्पिन फॉरट्रायएक्सियल सुपर-डिफार्म्डबैन्ड्स इन 165, 167एलयू. ईपीजेवेबऑफकॉनफरेन्सेज, 177, 3002.

जमदेन्गी, एम., कौर-घुमन, एस. एण्डकौर, ए. (2017). स्टडी ऑफपॉलीएनिलीनएण्डफंक्शनलाइज्ड ZnO कम्पोजिट फिल्म लिंक्डथ्रूअबाइन्डिंगएजेन्टफॉरएफिसिएन्ट एण्डस्टेबलइलेक्ट्रोक्रोमिक एप्लीकेशन एस. इलेक्ट्रोकिमिकाएक्टा, 252, 578.

जांगड़ा, एस., शर्मा, बी., जांगड़ा, आर., छोकर, वी.एण्डदुहान, एस. (2017). सैपोनिन-लोडेड SBA-15: रिलीजप्रापर्टीज़ एण्डसाइटोटॉक्सिटीटूपैन्क-आईकैन्सरसेल्स. जर्नल ऑफपोरसमटेरियल्स, 1.

जारवाल, बी.एण्डसिंह, एस. एस. (2017). ऑस्किलेशन ऑफबोसान स्टारइन न्यूटोनियनएप्रोक्सिमेशन. माडर्न फिजिक्स लेटर्स ए, 32, 1750037.

जिंदल, के., तोमर, एम.एण्डगुप्ता, वी. (2017). अनोवेललो-पावर्डयूरिकएसिड बायोसेन्सर बेस्ड ऑनअरेडपी-एनजंक्शनहेट्रोस्ट्रक्चर्सऑफ ZnO थिन फिल्म एण्ड CuO माइक्रोक्लस्टर्स. सेन्सर्स एण्डएक्टुएटर्स बी:केमिकल, 253, 566.

जॉली, पी. एण्डविद्या, टी.एन.सी. (2018). एडिटोरियल.रेजोनेन्स, 23, 245.

जोसेफ, ए.जे.एण्डकुमार, बी. (2018). स्टडी ऑफद्र-रिमेनेन्टपोलेराइजेशन यूजिंग रिमेनेन्टहिस्टेरेसिस टास्क्एण्डरेजिस्टिवलीकेजएनालाइसिस इन फेरोइलेक्ट्रिक 0.64Pb(Mg1/3Nb2/3)O3-0.36PbTiO3 सिरैमिक एस. सॉलिडस्टेटकम्युनिकेसंस, 271, 11.

जोसेफ, ए.जे., गोयल, एस., हुसैन, ए.एण्डकुमारबी. (2017). फेरो-/पायरोइलेक्ट्रिकरेसपान्सऑफ 0.57BF-0.31PMN-0.12PT टर्नरीसिरैमिक फार अवेफ्राममार्फोट्रापिक फेज बाउन्डरीज. सिरेमिक्स इंटरनेशनल, 43, 16676.

कलीमुथु, वी.एण्डरथ, एस. (2017). वन-स्टेप सिन्थेसिस ऑफ Au-कोटेडपोरससिलिकॉनएज एसरफेस एनहान्स्ड रमन स्कैटरिंग सबस्ट्रेटफॉरबायोमालीक्यूल डिटेक्शन. मटेरियल्सलेटर्स, 204, 115.

कालरा, जी., उपाध्याय, एम.,अभय, एस., मुरूगवेल, एस. एण्डअमरेन्द्र, जी. (2017). थर्मल, स्ट्रक्चरल, एण्डडिफैक्टस्टडीज़ ऑन Pb मॉडिफाइड GeSe ग्लासेज. जर्नल ऑफनॉन-क्रिस्टलाइनसॉलिडस, 460, 146.

कमल, एन.के., वार्सनेय, वी., श्रीमाली, एम.डी., प्रसाद, ए., कुजनेत्सोव, एन.वी.एण्डलेनोव, जी.ए. (2018). शैडोविंगइन हिडेनअट्रैक्टर्स. नॉनलीनियरडायनेमिक्स, 91, 2429.

कमल, वी., कुमार, एस., कुलश्रेष्ठ, यू. एण्डकुलश्रेष्ठ, डी.एस. (2018). वार्महोल्सइन अथ्योरी ऑफस्केलर फैन्टमफिल्ड. फ्यू-बाडीसिस्टम्स, 59, 70.

कपूर, के., वर्मा, एस., शर्मा, पी., महाजन, आर., कौर, एन., कौर, जी., बेहरा, बी.आर., सिंह, के.पी., कुमार, ए., सिंह, एच., दुबे, आर., सनीष, एन., झिंगन, ए., सुगाथन, पी., मोहन्तो, जी., नायक, बी.के., सक्सेना, ए., शर्मा, एच.पी., चमोली, एस. के., मुकुल, आई.एण्डसिंह, वी. (2017). फिजनटाइमस्केल फ्रामप्री-सिजन न्यूट्रॉन एण्ड α मल्टीप्लीसिटीजइन दीओ 16 + Pt 194 रिएक्शन. फिजिकल रिव्यु सी, 96, 54605.

कट्टी, ए., यादव, आर. ए.एण्डप्रसाद, ए. (2018). ब्राइटऑप्टिकल स्पेटियलसॉलिटॉनइन फोटोरिफ्रैक्टिववेवगाइड्सहैविंगबोथदीलिनियरएण्डक्वाड्रैटिकइलेक्ट्रो-ऑप्टिकइफैक्ट. वेवमोसन, 77, 64.

कौर, डी., दर, जेड. ए., कुमार, एस. एण्डनैमुद्दीन, एम. (2017). सर्चफॉरदीडिफरेन्सेजइन एटमास्फेरिकन्यूट्रिनोंएण्डएंटीन्यूट्रिनोंऑस्किलेशन पैरामीटर्स ऐटदी INO-ICAL एक्सपेरीमेन्ट. फिजिकल रिव्यु डी, 95, 93005.

कौर, जी., बेहरा, बी.आर., झिंगन, ए., दुबे, आर., बनर्जी, टी., ठाकुर, एम., महाजन, आर., शर्मा, पी., खूश्बू, सनीषएन., यादव, ए., कपूर, के., कुमार, एन., रानी, के., सुगाथन, पी. एण्डराउनी, एन.(2018). क्वासी-इलैस्टिक स्कैटरिंग इन दी 48Ti+232Th रिएक्शन. एक्टाफिजिका पोलोनिका बी, 49, 651.

कौर, जी., बेहरा, बी.आर., झिंगन, ए., दुबे, आर., ठाकुर, एम., शर्मा, पी., महाजन, आर., बनर्जी, टी., खूश्बू, सनीष, एन., कुमार, ए., मंडल, एस., नायक, बी.के., सक्सेना, ए., सुगाथन, पी. एण्डराउली, एन.(2017). एनफ्लूएन्सऑफपॉजिटिव क्यू-वैल्यून्यूट्रॉन ट्रान्सफर कपलिंग ऑनफ्यूजन एनहान्समेन्ट इन 28Si+154Sm रिएक्शन.एक्टाफिजिका पोलोनिका B, 48, 619.

कौर, जी., तोमर, एम.एण्डगुप्ता, वी. (2017). ए सिंपल पेपर बेस्ड माइक्रोफ्यूडिकइलेक्ट्रोकेमिकल बायोसेन्सर फॉरप्वाइंट-ऑफ-केयर कोलेस्ट्रॉल डायग्नोस्टिकएस. फिजिका स्टैटससॉलिडि (A) एप्लीकेशन एण्डमटेरियल्ससाइंस, 214, 1700468.

कौर, जी., तोमर, एम.एण्डगुप्ता, वी. (2017). नैनोस्ट्रक्चर्ड NiO-बेस्ड रीजेन्टलेसबायोसेन्सर फॉर टोटल कोलेस्ट्रालएण्डलोडेन्सिटी लिपोप्रोटीन डिटेक्शन.एनालिटिकल एण्डबायोएनालिटिकल केमेस्ट्री, 409, 1995.

कौर, जी., तोमर, एम.एण्डगुप्ता, वी. (2018). डेवेलपमेन्ट ऑफअमाइक्रोफ्लूडिकइलेक्ट्रोकेमिकल बायोसेन्सर : प्रासपेक्टफॉरप्वाइन्ट-ऑफ-केयर कोलेस्ट्राल मॉनिटरिंग. सेन्सर्स एण्डएक्टुएटर्स, बी: केमिकल, 261, 460

कौर, एच., यादव, एस., श्रीवास्तव, ए.के., सिंह, एन., रथ, एस., स्नेडर, जे.जे., सिंहा, ओ. पी., एण्डश्रीवास्तव, आर. (2018). हाई-यील्डसिन्थेसिस एण्डलिक्विड-एक्सफोलिएशनऑफटू-डायमेन्सनलबेल्ट-लाइक हाफनियम डाइसल्फेट. नैनोरिसर्च, 11, 343.

कौर, एम.एण्डगुप्ता, डी.एन.(2017). इलेक्ट्रान एसीलरेशनबाईअरेडिकली पोलेराइज्डलेजर पल्सइन एनआयनचैनेल. आईईईईट्रान्जैक्शनऑनप्लाज्मासाइंस, 45, 8014412 2841.

कौर, एम., गुप्ता, डी.एन.एण्डसुक, एच. (2017). इवोल्यूशनऑफलेजर पल्स शेप इन अ पैराबोलिक प्लाज्माचैनेल. लेजर फिजिक्स, 27, 15401

कौर, एस., बलुजा, के.एल., बस्सी, एम. (2017). लोएनर्जी इलेक्ट्रान -एमपैक्टस्टडी ऑफ AlO यूजिंग दीआर-मैट्रिक्स मेथड. यूरोपियन फिजिकल जर्नल डी, 71, 268.

कौशिक, पी. डी., इवानोव, आई. जी., लिन, पी-सी., कौर, जी., इरिक्सन, जे., लक्ष्मी, जी.बी.वी.एस., अवस्थी, डी.के., गुप्ता, वी., अजीज,ए., सिद्दिकी, ए.एम., स्वाजार्वी, एम., एण्डयाजडी, जी.आर. (2017). सरफेस फंक्शनल आइजेशनऑफएपीटैक्सीयलग्रैफीन ऑन SiC बाईआयनइर्रेडिएशन फॉरगैससेन्सिंगएप्लीकेशन. एप्लाइड सरफेस साइंस, 403, 707.

खत्री, आई., गोयल, ए., डायोल्डे बा, एम., फे, एम., सो, एम., सखो, आई., सिंह, ए.के., मोहन, एम.एण्डवैग, ए. (2017). स्क्रीनिंगकान्स्टैन्टबाईयूनिटन्यूक्लीयरचार्ज कैल्कुलेशन्स ऑफरेजोनेन्स एनर्जीजएण्डविड्थऑफदी 3pns 1, 3P° एण्ड 3pnd 1P° रिडबर्गसिरीजऑफ Mg-लाइक (Z=13-26) आयन्स. रेडिएशन फिजिक्स एण्डकेमेस्ट्री, 130, 208

खत्री, आई., गोयल, ए., सिंह, ए.के., सिंह, एन.एण्डमोहन, एम. (2017). फोटोआयनाइजेशनऑफ Cl-लाइक Ni XII यूजिंग रिलेटिविस्टिकआर-मैट्रिक्स क्लोज-कपलिंग मेथड. कनाडियन जर्नल ऑफफिजिक्स, 95, 1136.

खुराना, एस. एण्डचन्द्र, ए. (2018). आयोनिकलिक्विड-बेस्ड ऑरगैनिक-इनऑरगैनिक हाइ्रोइलेक्ट्रोलाइट्स: इमपैक्ट ऑफइन सिटु आब्टैन्ड एण्डडिसपर्डसिलिका.जर्नल ऑफपॉलीमर साइंस, पार्ट बी: पॉलीमर फिजिक्स, 56, 207.

खूश्बू, अभिलास, एस. आर., उमापति, जी.आर., दुग्गल, एच., कबिराज, डी.एण्डमंडल, एस. (2017). इंजीनियरिंग स्ट्रैनटू अचीव स्टेबल 92Zr टारगेट्सऑनकार्बन बैकिंग. वैक्यूम, 145, 14.

खूश्बू, मंडल, एस., माधवन, एन., मुरलीधर, एस., दास, जे.जे., नाथ, एस., झिंगन, ए., गहलोत, जे., बेहरा, बी., वर्मा, एस., सिंह, एच., कलकल, एस. एण्डसिंह, आर. (2017). एनफ्लुएन्सऑफन्यूट्रॉन ट्रान्सफर चैनेल्सऑनफ्यूजन एनहान्समेन्ट इन सब-बैरियर रीजन. ईपीजेवेबऑफकॉनफरेन्सेज, 163, 29.

खूश्बू, मंडल, एस., नाथ, एस., माधवन, एन., गहलोत, जे., झिंगन, ए., कुमार, एन., बनर्जी, टी., कौर, जी., रोजीता, देवीके., बनर्जी, ए., नीलम, वर्घीज, टी., सीवाल, डी., गर्ग, आर., मुकुल, आई., सक्सेना, एम., वर्मा, एस., कुमार, एस., बेहरा, बी.आर. एण्डवर्मा, पी. (2017). रिलेशनशिपबिट्वीन एण्डइफैक्ट ऑफइनेलास्टिकएक्साइटेसन्सएण्डट्रान्सफर चैनेल्सऑनसब-बैरियर फ्यूजन एनहान्समेन्ट. फिजिकल रिव्यु सी, 96, 14614.

क्रुक, डी., वोजेचौसकी, एम., वर्मा, वाई. एल., चौरसिया, एस. के.एण्डसिंह, आर. के. (2017). डायनेमिकलप्रापर्टीज़ ऑफ EMIM-SCN कॉनफाइन्ड इन अ SiO2 मैट्रिक्सबाईमीन्सऑफ 1H एनएमआररिलैक्सोमेट्री. फिजिकल केमेस्ट्री केमिकल फिजिक्स, 19, 32605.

कुलश्रेष्ठ, यू. एण्डकुलश्रेष्ठ, डी.एस., वेरीजे. (2018). इन्टैन्ट-फार्मएण्डलाइट-फ्रन्टक्वान्टीजेशनऑफफिल्डथ्योरीज. फ्यू-बाडीसिस्टम्स, 59, 20.

कुमार, ए., मुरूगवेल, एस., आदित्य, ए.एण्डबोक्कासिनी, ए.आर. (2017). मिजोपोरस 45S5 बायोएक्टिवग्लास: सिन्थेसिस इन विट्रोडिजोल्यूशनएण्डबायोमिनरेलाइजेशन बिहैवियर. जर्नल ऑफमटेरियल्सकेमेस्ट्री B, 5, 8786.

कुमार, बी. (2018). रिलाई टू कमेन्ट ऑनदीपेपर 'रिमार्केबलएनहान्समेन्ट इन डाइ-इलेक्ट्रिक, पाइजोइलेक्ट्रिक, फेरोइलेक्ट्रिक एण्ड SHG प्रापर्टीज़ बाईआयरनडोपिंगइन सोडियम पैरा-नाइट्रोफेनोलेटडिहाइड्रेटसिंगलक्रिस्टल ' [मेटर. लेट्ट. 165 (2016) 99-102]. मटेरियल्सलेटर्स, 218, 360.

कुमार, डी., चर्तुवेदी, पी., साहो, पी., झा, पी., चौकसी, ए., लाल, एम., रावत, जे.एस. बी.एस., टंडन, आर. पी. एण्डचौधरी,पी. के. (2017). इफैक्ट ऑफसिंगलवालकार्बन नैनोट्यूब नेटवर्क्सऑनगैससेन्सररेसपान्सएण्डडिटेक्शन लिमिट. सेन्सर्स एण्डएक्टुएटर्स, बी: केमिकल, 240, 1134.

कुमार, डी., झा, पी., चौकसी, ए., टंडन, आर. पी., चौधरी, पी. के.एण्डरावतजे.एस. (2018). फ्लेक्सिबल सिंगलवाल्डनैनोट्यूबबेस्ड केमिकल सेन्सरफॉर 2, 4-डाइनाइट्रोटोल्यूइन सेन्सिंग. जर्नल ऑफमटेरियल्ससाइंस: मटेरियल्सइन इलेक्ट्रानिक्स, 29, 6200.

कुमार, एच., भट, पी., साफवान, सी.पी. एण्डराजपूत, जे. (2017). थ्री बॉडी डिसोसिएशन ऑफ OCS3+: सेपरेटिंगसिक्वेन्सियल एण्डकॉनसर्टेड पाथवेज. जर्नल ऑफफिजिक्स : कान्फरेन्स सीरिज, 875, 102006.

कुमार, एच., भट्ट, पी., साफवान, सी.पी. एण्डराजपूतजे. (2017) Angular distributआयनs इन two body breakup ऑफ OCSq+ आयन्स. जर्नल ऑफफिजिक्स : कान्फरेन्स सीरिज, 875, 102036.

कुमार, एच., भट्ट, पी., साफवान, सी.पी. एण्डराजपूत, जे. (2018). थ्री बॉडी डिसोसिएशनऑफ OCS3+: सेपरेटिंग सिक्वेन्सिएल एण्डकॉनसर्टेड पाथ्वेज. जर्नल ऑफकेमिकल फिजिक्स, 148, 64302.

कुमार, एल., इस्लाम, टी.एण्डमुखोपाध्याय, एस. सी. (2017). सेन्सिटिविटी एनहान्समेन्ट ऑफअ PPM लेवलकैपेसिटिव म्वायस्चरसेन्सर्स. इलेक्ट्रानिक्स (स्वेटजरलैण्ड), 6, 41

कुमार, एल., रावल, आई, कौर, ए., एण्डअन्नपूर्नी, एस. (2017). फ्लेक्सिबल रूमटेम्परेचर अमोनियासेन्सरबेस्ड ऑनपॉलीएनिलीन. सेन्सर्स एण्डएक्टुएटर्स, बी: केमिकल, 240, 408.

कुमार, एन., कुमार, एस., मंडल, एस. के., साहा, एस., सेठी, जे.एण्डपालित, आर. (2017). मैग्नेटिक रोटेशनफेनामेनॉन इन दीडायपोल (ΔI= 1) बैन्ड्स ऑफट्रांजिशनल स्ट्रान्शियम (Sr) आइसोटोप्स नियर N=50 shell क्लोजर. यूरोपियन फिजिकल जर्नल ए, 53, 25.

कुमार, एन., होसिना, एस., साधुखान, जे.एण्डवर्मा, एस. (2017). रोलऑफडायनेमिकलडिफार्मेशनइन प्री-सीजनन्यूट्रॉन मल्टीप्लिसिटी. फिजिकल रिव्यु सी, 96, 34614.

कुमार, पी. एण्डवेदेश्वर, ए.जी. (2017). फोटॉन-असिस्टेडकन्ट्रोलऑफदीसिंगल-फोटॉनस्पेक्ट्रलकैरेक्टरिस्टिक्सइन अ सेमीकन्डक्टर क्वान्टम डॉटयूजिंग असिंगललेजर पल्स. फिजिकल रिव्यु ए, 96, 33808.

कुमार, पी. एण्डवेदेश्वर, ए.जी. (2018). मैपिंग दीकन्डक्शनबैन्ड एज डेन्सिटी ऑफस्टेट्स ऑफ γ-In2Se3 बाईडिफ्यूज रिफ्लेक्टैन्सस्पेक्ट्रा. जर्नल ऑफएप्लाइड फिजिक्स, 123, 125107.

कुमार, आर., अवस्थी, डी.के.एण्डकौर, ए. (2017). फ्रैब्रिकेशनऑफकेमिरेजिस्टिवगैससेन्सर्स बेस्ड ऑनमल्टीस्टेपरिड्यूस्डग्रैफीन आक्साइड फॉरलोपार्ट्स पर मिलियन मॉनिटरिंग ऑफ सल्फ्फर डाई-आक्साइड एट रूम टेम्परेचर. सेन्सर्स एण्डएक्टुएटर्स, बी: केमिकल, 242, 461.

कुमार, आर. एण्डकौर, ए. (2017). इफैक्ट ऑफवैरिअस रिडक्शनमेथड्स ऑफग्रैफीन आक्साइड ऑनइलेक्ट्रोमैग्नेटिक शिल्डिंगपरफार्मेन्सऑफरिड्यूस्डग्रैफीन आक्साइड अगेन्स्टइलेक्ट्रोमैग्नेटिक पल्यूशन इन X-बैन्ड फ्रिक्वेन्सी. मटेरियल्सटूडेकम्युनिकेसंन्स.

कुमार, आर. एण्डकृष्ना एस. (2017). ऑगमेन्टेड सुपरफिल्डअप्रोच टू गेज-इनवैरिएट मैसिव 2-फॉर्मथ्योरी. यूरोपियन फिजिकल जर्नल सी, 77, 387.

कुमार, आर., सक्सेना, एम., डोरनेनबल, पी., झिंगन, ए., बनर्जी, ए., भौमिक, आर. के., दत्त, एस., गर्ग, आर., जोशी, सी., मिश्रा, वी., नैपियोरकोव्स्की,पी. जे., प्रजापति, एस., सोडरस्ट्राम,पी. -ए., कुमार, एन.एण्डवालरसीम, एच.-जे. (2017). नो एविडेन्स ऑफरिड्यूस्डकलेक्टिविटीइन कुलम्ब-एक्साइटेड Sn आइसोटोप्स. फिजिकल रिव्यु सी, 96, 54318.

कुमार, एस. (2018). चार्ज्ड कम्पैक्ट बोसान स्टार्स इन अथ्योरी ऑफमासलेसस्केलर फिल्ड. फ्यू-बॉडीसिस्टम्स, 59, 35.

कुमार, एस. एण्डगौतम, आर. आर. (2017). एम्प्लीकेशन्सऑफटेक्सचर जीरोज़ फॉरअ वैरियन्टऑफट्राइबाईमैक्जिमल मिक्सिंग. फिजिकल रिव्यु डी, 96, 15020.

कुमार, एस., कुलश्रेष्ठ, यू.एण्डकुलश्रेष्ठ, डी.एस. (2018). बोसान स्टार्सएण्डबोसान सेल्स. फ्यू-बॉडी सिस्टम्स, 59, 6.

कुमार, एस., कुलश्रेष्ठ, यू., कुलश्रेष्ठ, डी.एस., काहलेन, एस. एण्डकुन्ज, जे. (2017). समन्यूरिजल्ट्सऑनचार्ज्ड कम्पैक्ट बोसान स्टार्स. फिजिक्स लेटर्स, सेक्सन बी: न्यूक्लीयर, एलीमेन्टरीपार्टिकल एण्डहाई-एनर्जी फिजिक्स, 772, 615.

कुमार, एस. एण्डकुमार, बी. (2018). ग्रोथऑफएन 8-हाइड्रोक्सीक्वीनोलीनसिंगलक्रिस्टल बाईअमॉडिफाइडजोच्राल्स्कीग्रोथटेकनिक, एण्डक्रिस्टल कैरेक्टेराइजेशन. CrystEngComm, 20, 624.

कुमार, एस., कुमारी, एस., जांगीर, एस. के., पान्डेय, आर. के., गोयल, ए., उपाध्याय, जी., मिश्रा, पी., श्रीनिवासन, टी.एण्डमहापात्रा, ए.के. (2018). कम्परेटिवस्टडी ऑफवेटसल्फरपैसिवेशनप्रोसेसऑनगैसबी (100) सरफेस. इन्टीग्रेटेड फेरोइलेक्ट्रिक्स, 186, 77.

कुमार, एस., Ray, जी., सिन्हा, एन.एण्डकुमार, बी. (2017). डिटरमिनेशनऑफइन्ट्रिसिकपोलेराइजेशन फॉर K2ZnCl4 सिंगलक्रिस्टल ग्रोनबाईजोच्राल्स्कीटेकनिक फॉरफेरोइलेक्ट्रिक एप्लीकेशन एस. मटेरियल्सकेमेस्ट्री एण्डफिजिक्स, 190, 120.

कुमार, एस., सहारे, पी. डी.एण्डकुमार, एस. (2018). आप्टिमाइजेशनऑफदीसीवीडीपैरामीटर्स फॉर ZnO नैनोराड्सग्रोथ: इट्सफोटोल्यूमिनेसेन्स एण्डफिल्डएमिशन प्रोपर्टीज. मटेरियल्सरिसर्चबुलेटिन, 105, 237

कुमार, एस., ठाकुर, ओ.पी. एण्डलुथरा, वी. (2018). माडुलेटिंगदीइफैक्ट ऑफयेट्रियमडोपिंगऑनदीस्ट्रक्चरल एण्डडाइ-इलेक्ट्रिकप्रापर्टीज़ ऑफबेरियमटाइटैनेट. फिजिका स्टेटससॉलिडि (ए) एप्लीकेशन्सएण्डमटेरियल्ससाइंस, 215, 1700710.

कुमार, वी., अशोकन, के.एण्डअन्नपूर्नी, एस. (2017). स्ट्रक्चरल एण्डऑप्टिकल प्रापर्टीज़ ऑफलोएनर्जी नाइट्रोजनआयनएमप्लान्टेड SrTiO3 थिन फिल्म एस. एआईपी कॉनफरेन्स प्रोसिडिंग्स, 1837, 40040.

कुमार, वाई., एण्डसोमोरेन्द्रो, सिंहएस. (2017). अस्टडी ऑनक्वार्क-ग्लुऑनप्लाज्माइक्वेशनऑफस्टेटयूजिंग थर्मलक्वार्कमास्क. ईपीजेवेबऑफकॉनफरेन्सेज, 137, 13008.

कुमारी, एस., खरे, ए., गुप्ता, आर., तोमर, एम.एण्डगुप्ता, वी. (2017). फेब्री-पेरोट मोड्स एनहान्स्ड पम्प प्रोबकपलिंग इन गोल्डमाइक्रो-डिस्कपैटर्न्डरूबीथिन फिल्म. ऑप्टिकल मटेरियल्स, 72, 375.

कुंज, एस. एण्डश्रीनिवास, के. (2018). डिफैक्टमीडिया फेरोमैग्नेटिज्म इन क्लस्टरफ्री Zn1−xNixO नैनोपावडर्स प्रीपेयर्डबाईकम्बस्टनमेथड. जर्नल ऑफइन्डस्ट्रीयलएण्डइंजीनियरिंग केमेस्ट्री, 60, 151.

कुजनेत्सोव, एन.वी., लेनोव, जी.ए., मोकीव, टी.एन., प्रसाद, ए.एण्डश्रीमाली, एम.डी. (2018). फाइनाइट-टाइमल्यापुनोवडायमेन्सनएण्डहिडेनअट्रैक्टरऑफदीरैबिनोविचसिस्टम. नॉनलीनियरडायनेमिक्स, 92, 267.

महाजन, आर., बेहरा, बी.आर., ठाकुर, एम., कौर, जी., शर्मा, पी., कपूर, के., सुगाथन, पी., झिंगन, ए., चटर्जी, ए., सनीष, एन., दुबे, आर., यादव, ए., कुमार, एन., सिंह, एच., कुमार, ए., सक्सेना, ए.एण्डपाल,एस. (2018). फिजनडायनेमिक्सऑफ 192 202 210Po कम्पाउन्डन्यूक्लीआईबाईन्यूट्रॉन मल्टीप्लिसिटीमेजरमेन्ट एस. एक्टाफिजिका पोलोनिका बी, 49.

मंडलिक, एन., बोरास्कर, वी.एन., पाटिल, बी.जे., दहिवाले, एस. एस., सहारे, पी. डी.एण्डधोले, एस. डी. (2017). थर्मोल्यूमिनेसेन्स स्टडीज़ ऑफ CaSO4: Eu नैनोफॉस्फारफॉरइलेक्ट्रान डोसिमेट्री. इंडियन जर्नल ऑफप्यूरएण्डएप्लाइड फिजिक्स, 55, 413.

मंग्ला, ओ., राय, एस., अन्नपूर्नी, एस. एण्डअशोकन, के. (2018). एनिलिंगऑफडीप लेवल डिफैक्ट्सइन GaAs नैनोस्ट्रक्चर्स बाईआयनबीमइर्रेडिएशन.मटेरियल्सलेटर्स, 217, 231.

मेडवाल, आर., सहदेव, एन., यिंग, डब्ल्यू, रावत, आर. एस. एण्डअन्नपूर्नी, एस. (2017). डेन्स-प्लाज्मा-ड्रिवेनअल्ट्राफास्ट फार्मेशनऑफ FePt आर्गेनाजेशनऑनसिलिकॉनसबस्ट्रेट. बुलेटिन ऑफमटेरियल्ससाइंस, 40, 233.

मर्लिनो, आर. एल., मेयर, जे.के., बारकन, ए., अविनाश, के.एण्डसेन, ए. (2018). कुलम्बएक्सप्लोजन एण्डफिजनऑफचार्ज्ड डस्टक्लस्टर्स. एआईपी कॉनफरेन्स प्रोसिडिंग्स, 1925, 20021.

मिश्रा, डी., राउत, सी.एस., मिश्रा, एम.एण्डपटनायक, ए.के. (2017). अनकन्वेन्सनल मैग्नेटिज्म इन ZnO नैनोराड्स. इन्टीग्रेटेड फेरोइलेक्ट्रिक्स, 184, 124.

मिश्रा, एन., करन, आर., बिस्वाल, बी.एण्डसिंह, एच.पी. (2018). अमॉडल फॉरदीइवोल्यूशनऑफदीन्यूट्रल नेटवर्कइन काइन्डल्डब्रेन स्लाइसेज. फिजिका ए: स्टैटिस्टिकलमेकैनिक्सएण्डइट्सएप्लीकेशन्स, 505, 444.
मित्रा, एम., नियोगी, एस. एण्डस्पानोवस्की, एम. (2017). टाइप II सीसामॉडल एण्डमल्टीलेप्टॉनसिग्नेचरएटहेड्रानकोलाइडर्स. फिजिकल रिव्यु डी, 95, 35042.
मोहन, एम., गोयल, ए., खत्री, आई., सिंह, एस. एस. एण्डसिंह, ए.के. (2017). कोलिजन स्ट्रेन्थएण्डइफैक्टिव कोलिजन स्ट्रेन्थफॉर Ba XLVIII. कनाडियन जर्नल ऑफफिजिक्स, 95, 173.
मोहम्मद हनप्पी, एम.एफ.वाई., डेरामैन, एम., सुलेमान, एम., मो. नूर, एन.एस., सजाली, एन.ई. एस., हैमडेन, ई., मो. ताजुद्दीन, एन.एस., बासरी, एन.एच., मो. जासनी, एम.आर. एण्डओथ्मैन, एम.ए.आर. (2017). एनफ्लूएन्स ऑफएक्वअस KOH एण्ड H2SO4 इलेक्ट्रोलाइट्सआयोनिकपैरामीटर्स ऑनदीपरफार्मेन्सऑफकार्बन-बेस्ड सुपरकैपेसिटरइलेक्ट्रोड्स. फंक्शनल मटेरियल्सलेटर्स, 10, 1750013.
मुखेपाध्याय, एल., राय, वी.के., बोकोलिया, आर. एण्डश्रीनिवास, के. (2017). 980 nm एक्साइटेड Er3+/Yb3+/Li+/Ba2+: NaZnPO4 अपकन्वर्टिंग फास्फॉर्सइन ऑप्टिकल थर्मोमेट्री. जर्नल ऑफल्यूमिनेसेन्स, 187, 368.
मुंजाल, डी.एण्डप्रसाद, वी. (2017). स्पेक्ट्राऑफइलेक्ट्रान पेयर अंडर हार्मोनिकएण्डडिबाईपोटेन्शियल. कन्ट्रीब्यूशन टूप्लाज्माफिजिक्स, 57, 76.
मुंजाल, डी., सेन, के.डी., प्रसाद, वी. (2017). टू-पार्टिकल सिस्टम इन स्फेरिकली कन्फाइन्डप्लाज्माएनवायरमेन्ट. यूरोपियन फिजिकल जर्नल डी, 71, 59.
मुंजाल, डी., सिलोटिया, पी. एण्डप्रसाद, वी. (2017). स्पेक्ट्राऑफकन्फाइन्डपॉजीट्रानियम. फिजिक्स ऑफप्लाज्माज़, 24, 122118.
नेगी, पी., दिक्षित, जी., अगरवाल, एच.एम., कुमार, एच., श्रीवास्तव, आर. सी., सती, पी. सी., गुप्ता, वी.एण्डअशेकन, के. (2017). टयूनिंगऑफस्ट्रक्चरल एण्डऑप्टिकल प्रापर्टीज़ बाईसिन्टरिंगऑफमल्टीफेरोइक GdMnO3 प्रीकर्सर. फेरोइलेक्ट्रिक्स, 519, 200.
नेहरा, के., न्यूमई, एम.बी.एण्डकुमार, पी. एस. (2017). हेलाइडआयनएनहान्स्ड गैल्वेनिक स्टेब्लाइजेशन आयनऑफट्यूनेबल Au नैनोशेलस्. एआईपी कॉनफरेन्स प्रोसिडिंग्स, 1832, 50111.
न्यूमाई, एम.बी., वर्मा, एम., कुमार, पी. एस. (2018). मोनोमरफंक्शनलाइज्डसिलिका कोटेडविथ Ag नैनोपार्टिक्ल्स फॉरएनहान्स्ड SERS हॉटस्पाट्स. एप्पल.सर्फ.साइंस., 440, 133-143.
न्गेव, सी.-सी., कनबर, एस. एम., भारद्वाज, ए., स्क्रेसीनगोस्ट, जेड. एण्डसिंह, एच.पी. (2017). पिरियड कलरएण्डएम्प्लीट्यूड कलर रिलेशन एट मैक्जिमम एंड मिनिमम लाइटफॉरआरआर लाइरी स्टार्सइन दी SDSS स्ट्राइप 82 रिजनल.एस्ट्रोफिजिकल जर्नल, 834, 160.
पाहुजा, पी. एण्डमेहरा, एन.सी., टंडन, आर. पी. (2017). माइक्रो-स्ट्रक्चरल, फेरोइलेक्ट्रिक एण्डमैग्नेटिक प्रापर्टीज़ ऑफमल्टीफेरोइक कम्पोजिट सिस्टम Ba0.5Sr0.5TiO3- Ni0.4Co0.2Zn0.4Fe2O4. फेरोइलेक्ट्रिक्स, 516, 117.
पाहुजा, पी. एण्डटंडन, आर. पी. (2017). स्ट्रक्चरल एण्डडाइ-इलेक्ट्रिकप्रापर्टीज़ ऑफमल्टीफेरोइक कम्पोजिट सिस्टम Ba0.5Sr0.5TiO3- Ni0.4Co0.2Zn0.4Fe2O4. फेरोइलेक्ट्रिक्स, 516, 122.
पाहुजा, पी., तोमर, ए.एण्डटंडन, आर. पी. (2017). Modificatआयनइन प्रापर्टीज़ ऑफबेरियमटाइटैनेटऑन Sm3+ सबस्टीच्यूशन.फेरोइलेक्ट्रिक्स, 516, 127.
पाहुजा, पी., तोमर, ए.एण्डटंडन, आर. पी. (2018). इम्प्रूव्ड प्रापर्टीज़ इन Dy3+ सबस्टीच्यूटेडबेरियमटाइटैनेट. इन्टीग्रेटेड फेरोइलेक्ट्रिक्स, 186, 49.
पालीवाल, ए., शर्मा, ए., तोमर, एम.एण्डगुप्ता, वी. (2017). कार्बन mऑनआक्साइड (CO) ऑप्टिकल गैससेन्सरबेस्ड ऑन ZnO थिन फिल्म एस. सेन्सर्स एण्डएक्टुएटर्स, बी: केमिकल, 250, 679.
पंवार, एन., पान्डेय, ए.के., सामल, एम.आर., बैटीनेल्ली, पी., ओगुरा, के., ओझा, डी.के., चेन, डब्ल्यू.पी. एण्डसिंह, एच.पी. (2018). यंग क्लस्टर बर्कले 59: प्रापर्टीज़, इवोल्यूशन, एण्डस्टारफार्मेशन.एस्ट्रोनॉमिकलजर्नल, 155, 44.

पटनायक, ए., तोमर, एम., झा, पी. के., भोई, ए.के., गुप्ता, वी.एण्डप्रसाद, बी. (2018). थ्योरेटिकलएनालाइसिस ऑफदीइलेक्ट्रिकलएण्डऑप्टिकल प्रापर्टीज़ ऑफ Znएस. लेक्चर नोट्स इन इलेक्ट्रिकलइंजीनियरिंग, 442, 9.

प्रगति, देव,ए.वाई., तन्देल, एस. के., भट्टचार्जी, एस. एस., चक्रबर्ती, एस., राय, एस., वाहिद, एस. जी., कुमार, एस., मुरलीधर, एस., सिंह, आर. पी., बाला, आई., गर्ग, आर. एण्डजैन, ए.के. (2018). पैरिटिडबलेटस्ट्रक्चर्सइन डबली-ऑड Fr 216. फिजिकल रिव्यु सी, 97, 44309.

प्रसाद, ए., सकाई, के.एण्डहोसिनो, वाई. (2017). डायरेक्टकपलिंग: ए पॉसिबल स्ट्रैटेजी टूकन्ट्रोलफ्रूट प्रोडक्शन इन अल्टरनेट बियरिंग. साइंटिफिक रिपोर्ट्स, 7, 39890.

पुरी, एन., गुप्ता, आर. के., मेहरा, एन.सी., टंडन, आर. पी. एण्डमहापात्रा, ए.के. (2017). नियोडायमियमडोप्ड बिस्मथ टेलुराइडएल्वाएज यूजिंग केमिकल रिफ्लक्समेथड फॉरथर्मोइलेक्ट्रिकएप्लीकेशन. इन्टीग्रेटेड फेरोइलेक्ट्रिक्स, 184, 9.

पुरी, एन., टंडन, आर. पी. एण्डमहापात्रा, ए.के. (2018). फुली डेन्स हॉट प्रेस्ड कैल्सियम कोबाल्ड आक्साइड सिरैमिक एस. सिरेमिक्स इंटरनेशनल, 44, 6337.

राज, वी.बी., सिंह, एच., निमल, ए.टी., शर्मा, एम.यू., तोमर, एम.एण्डगुप्ता, वी. (2017). डिस्टिन्क्ट डिटेक्शन ऑफलिकर अमोनियाबाई ZnO/SAW सेन्सर: स्टडी ऑफकम्प्लीटसेन्सिंगमेकैनिज्म. सेन्सर्स एण्डएक्टुएटर्स, बी: केमिकल, 238, 83.

राजपूत, जे., अग्निहोत्री, ए., कैसिमी, ए., फ्लेचार्ड, एक्स., ग्यूलॉस, एस., एस्कैन्डर, डब्ल्यू., मेरी, ए., रंगमा, जे.एण्डसाफवानसी.पी. (2017). एन-आइसोट्रापिक टू-बॉडी डिसोसिएशनबाईहाईलीचार्ज्ड आयनइमपैक्ट. जर्नल ऑफफिजिक्स : कान्फरेन्स सीरिज, 875, 102003.

राजपूत, जे., सेवर्ट, टी., बेरी, बी., जोचिम, बी., फिजोल्लाह, पी., कडेरिया, बी., जोहराबी, एम., एब्लिकिम, यू., जियाई, एफ., राजु, के.पी., रोल्स, डी., रूडेन्को, ए., कारनेस, के.डी., इसरे, बी.डी.एण्डबेन-इत्जाहक आई. (2018). नेटिवफ्रेम्स: डिस-इनटैन्गलिंग सिक्वेन्सियलफ्रामकॉनसर्टेड थ्री-बॉडी फ्रैगमेन्टेशन. फिजिकल रिव्यु लेटर्स, 120, 103001.

राखी, शर्मा, ए.के.एण्डवेलुसामी, के. (2017). इन्टीग्रेटेड सीएफडीइनवेस्टीगेशनऑफहीटट्रान्सफर एनहान्समेन्ट यूजिंग मल्टी-ट्रेकोर कैचरइन एसएफआर. एनाल्सऑफन्यूक्लीयरएनर्जी, 104, 256.

राना, ए., जैन, डी., महाजन, एस. एण्डमुखर्जी, ए. (2017). कॉन्स्ट्रेनिंग कॉस्मिक कर्वेचर बाईयूजिंग एजऑफगैलेक्सीएण्डग्रेविटेशनल लेन्सेज. जर्नल ऑफकॉस्मोलॉजीएण्डएस्ट्रोपार्टिकल फिजिक्स, 2017, 28.

राना, ए., जैन, डी., महाजन, एस., मुखर्जी, ए.एण्डहोलैण्ड, आर. एफ.एल. (2017). प्रोबिंग दीकॉस्मिक डिस्टैन्सड्यूएलिटी रिलेशनयूजिंग टाइमडिले लेन्सेज. जर्नल ऑफकॉस्मोलॉजीएण्डएस्ट्रोपार्टिकल फिजिक्स, 2017, 10.

राना, ए., जैन, डी., महाजन, एस. एण्डमुखर्जी, ए. (2018). बाउन्ड ऑनग्रेविटान मासयूजिंग वीक लेन्सिंगएण्ड SZ इफैक्ट इन गैलेक्सीक्लस्टर्स. फिजिक्स लेटर्स, सेक्सन बी: न्यूक्लीयर, एलीमेन्टरीपार्टिकल एण्डहाई-एनर्जी फिजिक्स, 781, 220.

राना, के., ठाकुर, पी., तोमर, एम., गुप्ता, वी.एण्डठाकुर, ए. (2018). इनवेस्टीगेशनऑफकोबाल्ट सबस्टीट्यूटेड एम-टाइपबेरियमफेराइटसिन्थेसाइज्डवाया co-प्रेसीपिटेशन मेथड फॉरराडार एब्जॉर्बिंग मटेरियलइन Ku-बैन्ड (12-18 GHz). सिरेमिक्स इंटरनेशनल, 44, 6370.

राना, एल., गुप्ता, आर., क्षेत्रिमयुम, आर., तोमर, एम.एण्डगुप्ता, वी. (2018). फ्रैब्रिकेशन ऑफसरफेस एकाउस्टिकवेवबेस्ड वायरलेस NO2 गैससेन्सर्स. सरफेस एण्डकोटिंग्स टेक्नोलॉजी, 343, 89.

राना, एल., गुप्ता, आर., शर्मा, ए., तोमर, एम.एण्डगुप्ता, वी. (2018). डेवेलपमेन्ट ऑफएमईएमएस-बेस्ड लैम्बवेवएकाउस्टिकडिवाइसेज. आईईईई ट्रान्जैक्शनऑनइलेक्ट्रान डिवाइसेज, 65, 1523.

राना, एल., गुप्ता, आर., तोमर, एम.एण्डगुप्ता, वी. (2017). ZnO/ST-क्वाटर्जएसएडब्ल्यू रेजोनेटर: ऐनएफिसिएन्ट NO2 गैससेन्सर्स. सेन्सर्स एण्डएक्टुएटर्स, बी: केमिकल, 252, 840.

राना, एल., गुप्ता, आर., तोमर, एम.एण्डगुप्ता, वी. (2018). हाईली सेन्सिटीव लोववेवएकाउस्टिकबायोसेन्सर फॉरयूरिकएसिड. सेन्सर्स एण्डएक्टुएटर्स, बी: केमिकल, 261, 169.

रानी, एन., जैन, डी., महाजन, एस., मुखर्जी, ए.एण्डबाइसियाडा, एम. (2017). रिविजिटंग डार्कएनर्जी मॉडल्सयूजिंग डिफरेन्शियलएजेजऑफगैलेक्सीज. जर्नल ऑफकॉस्मोलॉजीएण्डएस्ट्रोपार्टिकल फिजिक्स, 2017, 5.

रावल, आर., चौहान, एन., तोमर, एम.एण्डगुप्ता, वी. (2017). अ कॉन्ट्रीवेन्सबेस्ड ऑनइलेक्ट्रोकेमिकल इन्टीग्रेशनऑफग्रैफीन आक्साइड नैनोपार्टिक्ल्स /निकेलनैनोपार्टिक्ल्स फॉरबिलिरूबिन बायोसेन्सिंग.बायोकेमिकल इंजीनियरिंग जर्नल, 125, 238.

रे, जी., कुमार, एस., सिन्हा, एन.एण्डकुमार, बी. (2017). एनहान्स्ड डाइ-इलेक्ट्रिकपाइजो-/फेरा-/इलेक्ट्रिक प्रापर्टीज़ ऑफडाईडोप्ड सोडियमएसिड प्थैलेटक्रिस्टल. करेन्ट एप्लाइड फिजिक्स, 17, 813.

रोहिल्ला, ए., गुप्ता, सी.के., सिंह, आर. पी., मुरलीधर, एस., चक्रबर्ती, एस., शर्मा, एच.पी., कुमार, ए., गोविल, आई. एम., बिस्वास, डी.सी.एण्डचमोली, एस. के. (2017). लाइफ टाइममेजरमेन्ट्सइन शेप ट्रान्जिशन न्यूक्लीएस 188Pटी. यूरोपियन फिजिकल जर्नल ए, 53, 64.

राय, एस., पॉलीकोव, ए., मोहसेनी, के.एण्डमेएरहीम, एच.एल. (2018). एक्सरेस्ट्रक्चर एनालाइसिस ऑफअल्ट्रा-थिन सिल्वर फिल्म्स ऑनदी (0001) सरफेस ऑफदीटोपोलॉजिकल इन्सुलेटर Bi2Se3. फिजिका स्टेटस सॉलिडिआरआरएल, 2018, 1800138.

सबराथिनम,एस. एण्डप्रसाद, ए. (2018). मेम्रिस्टॉर एमुलेटर कॉजेज डिस्सिमिलैरिटीऑनअ कपल्ड मेम्रिस्टिव सिस्टम एस. एआईपी कॉनफरेन्स प्रोसिडिंग्स, 1942, 60025.

सचदेव, एस., साहा, के.एण्डसिंह, एच.पी. (2017). ग्रोथऑफबल्जेजइन डिस्कगैलेक्सीज सिन्स z ~ 1. एस्ट्रोफिजिकल जर्नल, 840, 79.

सहारे, पी. डी.एण्डसरन, एम. (2018). पार्टिकल साइजइफैक्ट्सऑनदीडॉसीमेट्री कैरेक्टरिस्टिक्सऑफ K3Na(SO4)2:Eu टीएलडीमाइक्रो- एण्डनैनोफॉस्फार्स, जर्नल ऑफल्यूमिनेसेन्स. 198, 488.

सैनी, पी., जैन, एच., टंडन, आर. पी., सिंह, एस. पी. एण्डमहापात्रा, ए.के. (2017). टेम्परेचर डिपेन्डेन्टइलेक्ट्रानिककन्डक्शनथ्रूग्रैफीन आक्साइड थिन फिल्म बेस्ड टू टर्मिनलडिवाइसेज. इन्टीग्रेटेड फेरोइलेक्ट्रिक्स, 184, 210.

सैनी, पी., सिंह, एम., सिंह, एस. पी. एण्डमहापात्रा, ए.के. (2018). स्पेक्ट्रोस्कोपिकएण्डइलेक्ट्रानिकप्रापर्टीज़ ऑफपॉलीएलीलैमिनीफंक्शनलाइज्डग्रैफीन आक्साइड फिल्म एस. वैक्यूम, 154, 110.

सैनी, पी., सिंह, एम., ठाकुर, जे., पाटिल, आर., एमए, वाई.आर., टंडन, आर. पी., सिंह, एस. पी. एण्डमहापात्रा, ए.के. (2018). प्रोबिंगदीमेकैनिज्मफॉरबाई-पोलररेजिस्टिवस्विचिंगइन एन्नील्डग्रैफीन आक्साइड थिन फिल्म एस. एसीएस एप्लाइड मटेरियल्सएण्डइंटरफेसेज, 10, 6521.

सामन्ता, एस., दास, एस., भट्टाचार्जी, आर., चटर्जी, एस., राउत, आर., घुगरे, एस. एस., सिन्हा, ए.के., गर्ग, यू., नीलम, कुमार, एन., जोन्स, पी., लश्कर, एम.एस. आर., बाबरा, एफ.एस., बिस्वास, एस., साहा, एस., सिंह, पी. एण्डपालित, आर. (2018). सिंगल-पार्टिकल एक्साइटेशनइन दीलेवलस्ट्रक्चर ऑफ Cu 64. फिजिकल रिव्यु सी, 97, 14319.

सांगवान, के.एम., अहलावत, एन., कुन्डू, आर. एस., रानी, एस., रानी, एस., अहलावत, एन.एण्डमुरूगवेल, एस. (2018). इम्प्रूव्ड डाइ-इलेक्ट्रिकएण्डफेरोइलेक्ट्रिक प्रापर्टीज़ ऑफ Mn डोप्ड बेरियमजिर्कोनियमटाइटैनेट (BZT) सिरेमिक्स फॉरएनर्जी स्टोरेजएप्लीकेशन एस. जर्नल ऑफफिजिक्स एण्डकेमेस्ट्री ऑफसॉलिड्स, 117, 158.

सरावनन, के., जयलक्षमी, जी., चन्द्र, एस., पानीग्राफी, बी.के., कृष्नन, आर., सुन्दरवेल, बी., अन्नपूर्नी, एस., शुक्ला, डी.के., राजपुत, पी. एण्डकांजीलाल, डी. (2017). दीएनफ्लूएन्सऑफकार्बन कांन्सेन्ट्रेशनऑनदीइलेक्ट्रानिकस्ट्रक्चर एण्डमैग्नेटिक प्रापर्टीज़ ऑफकार्बन इमप्लान्टेड ZnO थिन फिल्म एस. फिजिकल केमेस्ट्री केमिकल फिजिक्स, 19, 13316.

सरिन, एन., मिश्रा, एम., गुप्ता, जी., पार्किन, आई. पी. एण्डलुथरा, वी. (2018). एलुसिडेटिंगआयरनडोपिंगइन्ड्यूस्डएन-टू-पी- कैरेक्टिस्टिकऑफस्ट्रोन्टियमटाइटैनेटबेस्ड एथेनॉलसेन्सर्स. करेन्ट एप्लाइड फिजिक्स, 18, 246.

सती, पी. सी., अरोड़ा, एम., कुमार, एम., तोमर, एम.एण्डगुप्ता, वी. (2017). इफैक्ट ऑफ Pr सबस्टीटयूशनऑनस्ट्रक्चरल, मैग्नेटिक, एण्डऑप्टिकल प्रापर्टीज़ ऑफ Bi1−xPrxFe0.80Ti0.20O3 मल्टीफेरोइक सिरैमिक एस. जर्नल ऑफमटेरियल्ससाइंस: मटेरियल्सइन इलेक्ट्रानिक्स, 28, 1011.

सक्सेना, जी., कुमावत, एम., कौशिक, एम., सिंह, यू. के., जैन, एस. के., सिंह, एस. एस. एण्डअगरवाल, एम. (2017). एम्प्लीकेशन्सऑफअकुपेन्सीऑफ 2s1/2 स्टेटइन एसडी-शेलविदिनRMF+BCS एप्रोच. इंटरनेशनल जर्नल ऑफमाडर्न फिजिक्स इ, 26, 1750072.

सक्सेना, एन., कुमार, पी. एण्डगुप्ता, वी. (2017). टारगेटस्वापिंगइन PLD: एनएफिसिएन्ट एप्रोचफॉर CdS/SiO2 एण्ड CdS: Ag (1%)/SiO2 नैनोकम्पोजिट थिन फिल्म्स विथएनहान्स्ड ल्यूमिनेसेन्टप्रोपर्टीज. जर्नल ऑफल्यूमिनेसेन्स, 186, 62.

सक्सेना, एन., कुमार, पी., गुप्ता, वी.एण्डकांजीलाल, डी. (2018). रेडिएशन स्टेबिलिटीऑफसीबीडीग्रोननैनोक्रिस्टल लाइन CdS फिल्म्स अगेन्स्टआयनबीमइर्रेडिएशन फॉरसोलर सेलएप्लीकेशन एस. जर्नल ऑफमटेरियल्ससाइंस: मटेरियल्सइन इलेक्ट्रानिक्स, 29, 11013-11019.

सहदेव, एन., मेडवाल, आर., मलिक, आर., कान्डासामी, ए., कांजीलाल, डी.एण्डअन्नपूर्नी, एस. (2018). थर्मलएन्नीलिंगएण्डट्रान्जिएन्ट इलेक्ट्रानिकएक्साइटेशन्सइन्ड्यूस्डइंटरफेसियलएण्डमैग्नेटिक इफैक्टस ऑन Pt/Co/Pt ट्राइलेयर. न्यूक्लीयरइन्स्ड्रमेन्ट्स एण्डमेथड्स इन फिजिक्स रिसर्च, सेक्सन बी: बीमइंटरैक्शन्सविथमटेरियल्सएण्डएटम्स, 420, 50.

सेठी, वी., चौधरी, एस. पी., सरकार, एस. (2017). फाइनाइटटेम्परेचर करेक्सन्सटूटैकियानमासइन इंटरसेक्टिंगडी-ब्रेन्स. जर्नल ऑफहाईएनर्जी फिजिक्स, 109, 1704.

साह, ए., अहमद, ए., गोला, एम., शर्मा, आर. के., मलहोत्रा, एस., कुमार, ए., नैमुद्दीन, एम., मेनन, पी. एण्डश्रीनिवासन, के. (2018). डेवेलपमेन्ट, कैरेक्टेराइजेशन एण्डक्वालिफिकेशनऑफफर्स्टजेमफाएल्स प्रोड्यूस्ड इन इंडिया. न्यूक्लीयरइन्स्ड्रमेन्ट्स एण्डमेथड्स इन फिजिक्स रिसर्च, सेक्सन ए: एसीलरेटर्स, स्पेक्ट्रोमीटर्स, डिटेक्टर्स एण्डएसोसिएटेड एक्वीपमेन्ट, 892, 10.

सहाबुद्दीन , एम., उमर, ए., तोमर, एम.एण्डगुप्ता, वी. (2017). कस्टमडिजाइन्डमेटल एंकर्ड SnO2 सेन्सरफॉरï¿½H2 डिटेक्शन.इंटरनेशनल जर्नल ऑफहाइड्रोजन एनर्जी, 42, 4597.

शामलथ, ए., प्रसाद, ई., माधवन, एन., लवीन, पी. वी., गहलोत, जे., नसिरोव, ए.के., जियार्डिना, जी., मैन्उाग्लीयो, जी., नाथ, एस., बनर्जी, टी., विनोद कुमार, ए.एम., शरीफ, एम., झिंगन, ए., वर्घीज, टी., कुमार, डी., देवी, पी. एस., खूश्बू, जिशा, पी., कुमार, एन., होसामनी, एम.एम.एण्डकैलास, एस. (2017). फ्यूजन एण्डक्वासीफिजनस्टडीज़ इन रिएक्शन्सफॉर्मिंग Rn वायाइवैपोरेशनरेसिड्यू मेजरमेन्ट एस. फिजिकल रिव्यु सी, 95, 34610.

शर्मा, ए., श्रीमाली, एम.डी., प्रसाद, ए.एण्डरामास्वामी, आर. (2017). टाइम-डिलेएडकॉन्जुगेटकपलिंग इन डायनेमिकलसिस्टम एस. यूरोपियन फिजिकल जर्नल : स्पेशल Topics, 226, 1903.

शर्मा, बी., कुमार, ए., देव, एस., धर, आर., टंडन, आर. पी. एण्डमहापात्रा, ए.के. (2017). एंटी-बैक्टीरियलबायोफिल्म एक्टिविटीऑफमैग्निसियमफेराइटथिन फिल्म. इन्टीग्रेटेड फेरोइलेक्ट्रिक्स, 184, 69.

शर्मा, जी., कुमार, एस. एण्डसिंह, वी. (2017). डिजाइन ऑफ Si-SiO2 फोक्जोनिकक्रिस्टल हैविंगडिफैक्टलेयरफॉरसाइमल्टेनियससेन्सिंगऑफबायोडीजलइन अ बाइनरीमिक्सचरऑफडीजलथ्रूऑप्टिकल एण्डएकाउस्टिकवेव्स. एकाउस्टिकलफिजिक्स, 63, 159.

शर्मा, जी., कुमार, एस. एण्डसिंह, वी. (2017). एनहान्समेन्ट ऑफफोटॉनिकबैन्ड गैपइन अ Si-SiO2 फोक्जोनिकक्रिस्टल थ्रूअलैम्बवेव. सिलिकॉन, 9, 587.

शर्मा, एम., मुरूगवेल, एस., शुक्ला, डी.के.एण्डडी, ग्रूट,एफ.एम.एफ. (2018). रिवर्सलइन दीलैटिसकान्ट्रैक्शन ऑफ α-Fe2O3 नैनोपार्टिकल एस. जर्नल ऑफफिजिकल केमेस्ट्री सी, 122, 9292

शर्मा, एम.के., शुहैब, एम., शर्मा, वी.आर., यादव, ए., सिंह, पी. पी., सिंह, डी.पी., उन्नति, सिंहबी.पी. एण्डप्रसाद, आर. (2017). प्री-कम्पाउन्डएमिशन इन लो-एनर्जी हैवी-आयनएन्टरैक्सन्स. ईपीजेवेबऑफकॉनफरेन्सेज, 163, 53.

शर्मा, पी., बेहरा, बी.आर., महाजन, आर., ठाकुर, एम., कौर, जी., कपूर, के., रानी, के., माधवन, एन., नाथ, एस., गहलोत, जे., दुबे, आर., मजुमदार, आई., पटेल, एस. एम., धीबर, एम., होशमानी, एम.एम., खूश्बू, कुमार, एन., शामलथ, ए., मोहन्तो, जी.एण्डपाल,एस. (2017). इवैपोरेशनरेसिड्यू क्रास-सेक्सन मेजरमेन्ट्सफॉर Ti 48 - इन्ड्यूस्डरिएक्शन्स. फिजिकल रिव्यु सी, 96, 34613.

शर्मा, आर., जगन्नाथ, एस., शेषाद्री, टी.आर. एण्डसुब्रमनियन, के. (2017). चैलेन्जेज इन इन्फ्लेशनरी मैग्नेटोजेनेसिस: कॉन्स्ट्रेन्सफ्रामस्ट्रांगकपलिंग, बैकरिएक्शन एण्डदीस्वाइंगरइफैक्ट. फिजिकल रिव्यु D, 96, 83511.

शर्मा, आर., पाठक, एन.के.एण्डशर्मा, आर. पी. (2018). कम्प्यूटशनल स्टडी ऑफप्लाजमॉन इंटरैक्शनइन ऑरगैनिक मीडिया: अकम्पैरीजन बिट्वीन एनालिटिकल एण्डन्यूमेरिकल मॉडल फॉरडाइमर. प्लाजमॉनिक्स, https://doi.org/10.1007/s11468-018-0691-9.

शर्मा, आर. एण्डसिंह, एस. (2017). मल्टीफैसेटेडस्वाइंगरइफैक्ट इन डीसिटरस्पेश. फिजिकल रिव्यु डी, 96, 25012

शर्मा., एस., गुप्ता, आर., गुप्ता, वी., एंड तोमर, एम. (2018). ग्रोथ ऑफ केएनएन थिन फिल्म्स फॉर नॉन-लिनियर ऑप्टिकल एप्लीकेशन्स. फिजिका स्टैटस सॉलिडि (ए) एप्लीकेशन्स एंड मैटेरिएल्स साइंस, 215, 1700452.

शर्मा, एस., तोमर, एम. कुमार, ए. सिंह, एफ. पुरी, एन. के.एंड गुप्ता, वी., (2017). इनफ्लूएंस आफ 100 ऑयन ऑन फोटोवोल्टेइक रेसपांस ऑफ मल्टिलेयर स्ट्रक्चर्स. मैटेरिएल्स एंड डिजाइन, 114, 345.

शर्मा, वाई. एंड मुरूगवेल, एस., (2017). नॉन-आइडिएल बिहैविएर आफ ग्लास एंड क्रिस्टल; जर्नल ऑफ फिजिकल केमेस्ट्री बी, 121, 5116.

शौकीन, पी. जैन, ए. गुप्ता, वी., एंड कपूर, ए. (2017). मल्टीलेयर सिल्वर नैनोपार्टिकल्स इम्बेडेउ इन ग्रेडेड-इन्डेक्स डाइ-इलेक्ट्रिक लेयर्स ऑप्टिकल मैटेरिएल्स, , 66, 29.

शौकीन, पी. जैन, ए. कपूर, ए., एंड गुप्ता, वी., (2017). इफैक्ट ऑफ सब्स्टेट ऑन सरफैस प्लाजमॉन रेजोनैन्स ऑफ पीएलडी ग्रोन सिल्वर नैनोपार्टिकल्स् स्प्रिन्जर प्रोसिडिंग्स इन फिजिक्स, 178, 261.

शुक्ला, एम. के., अविनाश, के., मुखर्जी, आर., गणेश, आर. (2017). आएसोथर्मल इक्वेशन ऑफ स्टेट ऑफ थ्री डाइमेन्सनल युकावा गैस, फिजिक्स आफ प्लाज्माज, 24, 113704.

सिंह, ए., शर्मा, ए., तोमर, एम. एंड गुप्ता, वी., (2017). रिड्यूस्ड ग्रेफीन ऑक्साइड नैनोकम्पोजिट थिन फल्म बेस्ड सीएनजी/पीएनजी सेन्सर सेन्सर्स एंड एक्टुएटर्स बी: केमिकल, , 245, 590.

सिंह, ए., शर्मा, ए., तोमर, एम. एंड गुप्ता, वी., (2018). ग्रोथ आफ हाइली पोरस नैनोस्ट्रक्चर्स फॉर कॉर्बन मोनोआक्साइड गैस सेन्सिंग. सरफैस एंउ कोटिंग्स टेक्नोलॉजी, 343, 49.

सिंह, ए., शर्मा, ए. तोमर, एम. एंड गुप्ता, वी., (2018). ट्यूनेबल नैनोस्ट्रक्चर्ड कॉलुमनर ग्रोथ्र आफ फार एफिसिएन्ट डिटेक्शन आफ गैस नैनोटेक्नोलॉजी, 29, 65502.

सिंह, जी., एंड लोहिया, डी. (2018). इन होमोजिनिएस., न्यूक्लीयोसिन्थेसिस इन लिनिएर्ली कोस्टिंग कॉमोलॉजी मंथली नोटिसेज आफ दी रॉएल एस्ट्रोनोमिकल सोसाइटी,473, 14.

सिंह, जे., बलुजा, के. एल. एंड लान्जिएनी, जी. (2017). रेट कोफिसिएन्ट्स आफ ओपेन शेल मॉलिक्यूल्स एंड रेडिकल्स: आर-मैट्रिक्स मेथल प्रनाम जर्नल आफ फिजिक्स, 88, 76.

सिंह, एम. एंड गुप्ता, डी. एन.(2018). लेजर एब्जार्प्शन इफैक् ऑन पल्स-कम्प्रेशन अंडर ओह्मिक एंड वी.,क-रिलेटिविस्टिक पॉन्डोरोमोटिव नानलिनिएरिटी इन प्लाज्माज. लेजर फिजिक्स लेटर्स,15, 16001.

सिंह, एम.. मिश्रा, के., साहु, डी., के., दस्तिदार, आर., गंगोपाध्याय, ए., बोस, एस., श्रीवास्तव, एस., अनुपम जी. सी., चक्रधारी. एन. के., कुमार, बी., कुमार, बी. एंड पाण्डेय, ए. एस.बी.(2018). एक्प्लोरिंग दी ऑप्टिकल बिहेवयर आफ अ टाइप लैक्स सुपरनोवा मन्थली नोटिसेज आफ दी रायल एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी, 474, 2551.

सिंह, एम. के. एंड हाशमी, एस. ए. (2017). परफार्मेन्स आफ सालिड-स्टेट हाइब्रिड सुपरकैपेसिटर विथ LiFePO4/AC कम्पोजिट कैथोड एंड Li4Ti5O12ऐज एनोड आयोनिक्स , 23, 2931.

सिंह, एम.के., झा, पी.के. एंड भट्टाचार्जी, ए.बी.(2017). स्पिन एंड टनेलिंग डाएनेमिक्स इन एन एसिमेट्रिकल डबल क्वांटम डॉट विथ स्पिन-आर्बिट कपलिंग: सेलेक्टिव स्पिन ट्रान्सपोर्ट डिवाइस. जर्नल आफ एप्लाइड फिजिक्स,122, 114301.

सिंह, एन., अगरवाल, एस., एंड मोहन, एम. (2018). एटॉमिक डाटा फार एनई-लाइक आयन यूज़फूल इन प्लाज्मा डाइग्नोस्टिक कानाडिएन जर्नल ऑफ फिजिक्स, 96, 36.

सिंह, एस., एस., एंड रामनाथन, आर. (2018). स्पीड आफ साउन्ड इन अ क्वार्क-ग्लुऑन-प्लाज्मा विथ वन लूप करेक्शन इन मीन फिल्ड पोटेन्शिएल इंडियन जर्नल आफ फिजिक्स, 92, 245.

सिन्हा, एन., गोयल, एस., जोसेफ, ए. जे., यादव, एच., बत्रा, के., गुप्ता, एम. के., एंड कुमार, बी. (2018). वाई-डोप्ड ZnO नैनोशीट्स: गिगैन्टिक पाइज़ोइलेक्ट्रिक रेसपान्स फार एन अल्ट्रा-सेन्सेटिव फ्लेक्सिबल पाइज़ोइलेक्ट्रिक नैनोजनरेटर. सिरैमिक्स इंटरनेशनल, 44, 8582.

सोमोरेन्द्रो, सिंह, एस., एंड सक्सेना, जी. (2017). क्वार्क नम्बर डेन्सिटी एंड सस्केप्टिबिलिटी कैल्कुलेशन अंडर वन-लूप करेक्शन इन दी मीन-फील्ड पोटेन्शियल. प्रनामा जर्नल ऑफ फिजिक्स, 88, 85.

सोनकर, आर. के., राहुल, एवं सभाजीत, एस.आर. (2018). ZnO नैनोनीडल स्ट्रक्चर बेस्ड डाइ-सेन्सिटाइज्ड सोलर सेल यूटिलाइजिंग सॉलिड पालीमर इलेक्ट्रोलाइट. मटेरियल्स लेटर्स , 223, 133.

सोनकर, आर. के.&यादव, बी. सी. (2017). डेवेलपमेन्ट ऑफ Fe2O3-PANI नैनोकम्पोजिट थिन फिल्म बेस्ड सेन्सर फार NO2डिटेक्शन. जर्नल ऑफ दी ताइवान इन्स्टीट्यट ऑफ केमिकल इंजीनियर्स , 77, 276.

सोनकर, आर. के., यादव, बी. सी. एंड सभाजीत, एस. आर . (2017). प्रीपरेशन ऑफ PANI डोप्ड TiO2नैनोकम्पोजिट थिन फिल्म एंड इट्स रिलेवैन्स एज रूम टेम्परेचर लिक्वफाइड पेट्रोलियम गैर सेन्सर. जर्नल ऑफ मेटेरियल्स साइंस: मटेरियल्स इन इलेक्ट्रोनिक्स , 28, 14471.

श्रीवास्तव, एम. के., अगरवाल, वी., कौर, ए. एंड सिंह, एच. के.(2017). कोलोसल मैग्नेटोरेजिस्टेन्स एंड फेज सेपरेशन इन मैन्गेनाइट थिन फिल्म्स. एआइपी कॉनफरेन्स प्रोसीडिंग्स, 1832, 110039.

श्रीवास्तव, एन., श्रीवास्तव, एम., गुप्ता, वी., के., मनिकान्त, ए., मिश्रा, के., सिंह, एस., सिंह, एस., रामटेके, पी. डब्ल्यू. मिश्रा, पी. के. (2018). रिसेन्ट डेवेलपमेन्ट ऑन सस्टैनेबिल बायोडीजल प्रोडक्शन यूजिंग सिवेज स्लज. बायोटे, 8, 245 क

श्रीवास्तव. एन., श्रीवास्तव, एम., कुशवाहा, डी., गुप्ता, वी., के., मनिकान्त, ए., रामटेके, पी. डब्ल्यू. एंड मिश्रा पी. के.(2017). एफिसिएन्ट डार्क फर्मेन्टेटिव हाइड्रोजन प्रोडक्शन फ्राम एन्जाइम हाड्रोलाइज्ड राइज स्ट्रा बाई क्लोस्ट्रिडियम पास्टेयूरिएनम(MTCC116). बायो-रिसोर्स टेक्नोलॉजी, 238, 552.

श्रीवास्तव, एन., श्रीवास्तव, एम., कनिकान्त, ए., सिंह, पी., रामटेके, पीडब्ल्यू., मिश्रा, पी. के. एंड मल्होत्रा, बी. डी.(2017). प्रोडक्शन एवं आप्टिमाइजेशन ऑफ फिजियोकेमिकल पैरामीटर्स ऑफ सेलुलेज यूजिंग अनट्रीटेड आरेन्ज वेस्ट बाई न्यूली आइसोलेटेड एमेरिसेला वैरिकॉलर NS3. एप्लाइड बायोकेमेस्ट्री एंड बायोटेक्नोलॉजी, 183, 601.

श्रीवास्तव, एन., श्रीवास्तव, एम., मनिकान्त, ए., सिंह, पी., रामटेके, पी. डब्ल्यू. एंड मिश्रा, पी. के.(2017). नैनोमटेरियल्स फार बायोफ्यूएल प्रोडक्शन यूजिंग लिग्नोसेलुलोजिक वेस्ट. एनवायरमेन्टल केमेस्ट्री लेटर्स,, 15, 179.

श्रीवास्तव, एन., श्रीवास्तव, एम., मिश्रा, पी. के. गुप्ता, वी., के,. मोलिना, जी., रोड्रीग्यूज़-काउटो, एस., मनिकान्त, ए. एंड रामटेके, पी. डब्ल्यू. (2018). एप्लीकेशन्स ऑफ फंगल सेलुलेजेज इन बायोफ्यूएल प्रोडक्शन: एडवान्सेज एंड लिमिटेशन्स. रिन्यूवेबल एंड सस्टैनेबल एनर्जी रिव्युज, , 82, 2379.

सुलेमान, एम., ओथमैन, एम. ए. आर., हाशमी, एस., ए., कुमार, वाई., डेरामैन, एम., उमर, आर. एंड जानसी, एम. आर. एम.(2017). एक्टीवेटेड ग्रेफीन आक्साइड/रिड्यूस्ड ग्रेफीन आक्साइड इलेक्ट्रोड्स एंड लो विस्कस सल्फोनियम कैटायन बेस्ड आयोनिक लिक्विड इनकार्पोरेटेड फ्लेक्सिबल जेल पालीमर इलेक्ट्रोलाइट फार हाई रेट सुपरकैपेसिटर्स. जर्नल ऑफ एल्वाएज़ एंड कम्पाउन्ड्स, ,695, 3376.

सुल्ताना, आर., अवाना, जी., पाल, बी., महेश्वरी, पी. के., मिश्रा, एम.. गुप्ता, जी., गुप्ता, ए., तिरूपतैया., एस., एंड अवाना. वी.पीएस. (2017). इलेक्ट्रिकल, थर्मल एंड स्पेक्ट्रोस्कोपिक कैरेक्टराइजेशन ऑफ बल्क टोपोलॉजिकल इन्सुलेटर. जर्नल ऑफ सुपर कन्डिक्टिविटी एंड नावेल मैग्नेटिज्म, , 30, 2031.

सुर, एस., एंड भाटिया, ए. एस., (2017). विकली डाएनेमिक डार्क एनर्जी वाया मेट्रिक-स्केलर कपलिंग्स विथ टार्सन. जर्नल ऑफ कॉस्मोलोजी एंड एस्ट्रोपार्टिकल फिजिक्स, , 2017, 39.

टाक, एम., गुप्ता, वी., एंड तोमर, एम. (2017). ऐन इलेक्ट्रोकेमिकल डीएनए बायोसेन्सर बेस्ड ऑन डोप्ड थिन फिल्म फार मेनिनजाइटिस डिटेक्शन. जर्नल ऑफ इलेक्ट्रोएनालिटिकल केमेस्ट्री,792, 8.

टंडन, आर. पी., एंड महापात्रा, ए. के. (2017). गेस्ट एडिटोरियल इन्टीग्रेटेड फेरोइलेक्ट्रिक्स 184, v.

टंडन, आर. पी. एंड महापात्रा, ए. के. (2017). गेस्ट एडिटोरियल. फेरोइलेक्ट्रिक्स , 516,

ठाकुर, जे., सिंह, ओ. पी.. तोमर, एम., गुप्ता, वी., एंड कश्यप. एम. के. (2018). आबजर्वेशन ऑफ हाई मैग्नेटोक्रिस्टेलाइन एन-आइसोट्रोपी ऑन कोबाल्ट डोपिंग इन रेयर अर्थ फ्री Fe2P मैग्नेटिक मटेरिएल्स, एआईपी कॉनफरेन्स प्रोसिडिंग्स,, 1942, 140014.

ठाकुर, एम., बेहरा, बी. आर., महाजन, आर,. सनीष, एन., कौर, जी., शर्मा, पी., दुबे, आर., कपूर, के., यादव, ए., कुमार, एन., कुमार, एस., रानी, के., सुगाथन, पी., झिंगन, ए., चटर्जी, ए., चटर्जी, एम. बी., मंडल, एस., सक्सेना, ए., पाल, एस., एंड कैलाश, एस., (2018). फिजन डायनैमिक्स स्टडीज ऑफ नियर सुपर हैवी., कम्पाउन्ड न्यूक्लीअस एक्टा फिजिका पोलोनिका बी , 49, 631.

ठाकुर, एम., बेहरा, बी. आर., महाजन, आर,. सनीष, एन., कौर, जी., शर्मा, पी., दुबे, आर., कपूर, के., यादव, ए., कुमार, एन., कुमार, एस., रानी, के., सुगाथन, पी., झिंगन, ए., चटर्जी, ए., चटर्जी, एम. बी., मंडल, एस., सक्सेना, ए., पाल, एस., एंड कैलाश, एस.,नसिरोव, ए. एंड कायुमोव, बी. (2017). बाइनरी फ्रैगमेन्टेशन बेस्ड स्टडीज फॉर द नियर सुपर-हैवी., कम्पाउन्ड न्यूक्लीअस यूरोपियन फिजिकल जर्नल ए,53, 133.

तुमराम, पी., सहारे, पी. डी. एंड मोहरिल, एस. वी., (2018). एनर्जी ट्रान्सफर स्टडीज इन Ca10Li (PO4)7:Ce3+, Nd3+. Optik, 168, 92.

तुमराम, पी., सहारे, पी. डी. एंड मोहरिल, एस., वी., (2018). KCl.SrCl2:Eu2+ Nd3+ फॉस्फार फार पासिबल एप्लीकेशन इन सोलर फोटोवोल्टेइक्स. जर्नल ऑफ न्यूमिनेसेन्स, , 199, 78.

त्यागी, पी., शर्मा, ए., तोमर, एम. एंड गुप्ता, वी.,(2017). अ कम्परेटिव स्टडी ऑफ RGO-SnO2 एंड MWCNT-SnO2 नैनोकम्पोजिट्स बेस्ड SO2गैस सेन्सर्स. सेन्सर्स एंड एक्टुएटर्स, बी: केमिकल, 248, 980.

त्यागी, पी., शर्मा, ए., तोमर, एम., एंड गुप्ता, वी., (2017). SnO2 थिन फिल्म सेन्सर हैविंग कैटालिस्ट फार डिटेक्शन ऑफ गैस विथ इम्प्रूव्ड रेसपांस कैरेक्टरेस्टिक्स. सेन्सर्स एंड एक्टुएटर्स, बी: केमिकल,, 248, 998.

उज्जवल, एस. आर., पुनेथा, एन., प्रसाद, ए. एंड रामस्वामी, आर. (2017). एमरजेन्स ऑफ कायमेराज़ थ्रू एन्ड्यूस्ड मल्टीस्टैबिलिटी. फिजिकल रिव्यू ई. , 95, 32203.

वालकुन्द, ए. टी., पाटील, एस., डी., टकले, एम. वी., व्हानमोरे, बी. डी., उरून्कर, टी. यू., गवडे, के. एम. एंड गुप्ता, डी. एन.(2018). एक्पोनेशिंएल डेन्सिटी ट्रान्जिशन बेस्ड सेल्फ-फोकसिंग ऑफ गौसियन लेजर बीम इन कोलिजनल प्लाज्मा आप्टिक, 158, 1034.

वार्सनेय, वी., सबारथीनाम, एस., प्रसाद, ए. एंड थमिलमारन, के.(2018). एनफाइनाइट नंबर ऑफ हिडेन अट्रैक्टर्स इन मेम्रिस्टॉर-बेस्ड ऑटोनॉमस डफिंग ऑस्किलेटर. इंटरनेशन जर्नल ऑफ बाईफर्केशन एंड केओस, 28, 1850013.

वार्सनेय, वी., सबराथिनम, एस., तमिलमारन, के., श्रीमाली, एम.डी.एण्डप्रसाद, ए. (2018). एक्जिस्टैन्सएण्डकन्ट्रोलआर्फहिडेन आस्किलेशन्स इनअमेम्रीस्टीवऑटोनामसडफिंगऑस्कीलेटर. स्टडीजइनसिस्टम्स, डिसिजनएण्डकन्ट्रोल, 133, 327.

वार्सनेय, वी., सक्सेना, जी., बिस्वाल, बी.एण्डप्रसाद, ए. (2017). आस्किलेशन डेथ एंड रिवाइवल बाई कपलिंग विथ डैम्प्ड हार्मोनिक ऑस्कीलेटर. केयोस, 27, 93104.

वशिष्ट, जी., गोयल, आर.एण्ड अन्नपूर्नी, एस. (2018). एक्सचेन्ज स्टिफनेस वैरिएशन फार थर्मली एन्नील्ड थिन FeCo फिल्म्स. एआईपी कॉन्फरेन्स प्रोसिडिंग, 1942, 130017.

वर्मा, एल., कुमार, शर्मा, ए.एण्ड वेलुसामी, के. (2017). थर्मल हाइड्रौलिक पैरामेट्रिक इनवेस्टिगेशन ऑफ डि के हीट रिमोवल फ्राम डिग्रेडेड कोर ऑफ अ सोडियम कूल्ड फास्ट ब्रीडर रिएक्टर. न्यूक्लीयर इंजीनियरिंग एंड डिजाइन , 313, 285.

वर्मा, एम., दिहया, ए.,कैथी एण्डकुमार, पी.एस. (2018). मेटल प्रीकर्सर इनड्यूस्ड शेपकन्ट्रोल्डसिन्थेसिस ऑफगोल्ड नैनोस्ट्रक्चर्स. एआईपीकॉन्फरेन्सप्रोसिडिंग, 1953, 030225.

वर्मा, एम., नेवमाई, एम.बी., एण्डसेन्थिल, कुमारपी. (2017). सिनर्जिस्टिक इफैक्टआफॅ Au-Ag नैनो-एल्वायिंग: इनटेन्स एसईआईआरए एंडएनहान्स्डकैटेलाइसिस. डाल्टन ट्रान्जैक्सन्स, 46, 9664.
वर्मा, एम., तंवर, ए.एण्ड श्रीनिवास, के. (2018). एनप्फ्यून्स आफ लोन पेयर ऑन स्ट्रक्चरल एंड इलेक्ट्रिकल प्रापर्टीज आफ Sb सबस्टीट्यूटेड बिस्मथ लेयर्ड SrBi2Nb2O9 सिरेमिक्स. मटेरियल्स केमेस्ट्री एण्ड फिजिक्स, 209, 159.
वर्मा, एम., तंवर, ए.एण्ड श्रीनिवास, के. (2018). फेज इवोल्यूशन आफ स्ट्रान्टियम बिस्मथ नियोबेट सिरेमिक्सबाई कन्वेन्शनल सॉलिड-स्टेट रिएक्शनमेथड. जर्नल आफ थर्मल एनालाइसिस एंड कैलोरीमेट्री, डोई(doi): 10.1007/s10973-018-7287-7.
वर्मा, पी., चक्रबर्ती, के., गुप्ता, आर., कुमार, एस., शर्मा, जी., स्वामी, डी., मंडल, एस.के.एण्डसाफवान, सी.पी. (2017). मालीक्यूलर आर्बिटल एन्टरप्रीटेशन टू दी कपलिंग्स इन कोलिजन्स ऑप 2.5 एण्ड 3 MeV Xe10+, 12+-Au एण्ड Zr सिस्टम्स. जर्नल आफॅ फिजिक्स: कॉन्फरेन्स सिरीज, 875, 92029.
व्हानमोरे, बी.डी., पाटील, एस.डी., वलकुन्दे, ए.टी., उरून्कर, टी. यू., गवडे, के.एम., टकले, एम.वी., गुप्ता, डी.एन. (2018). इफैक्ट आफॅ क्यू-पैरामीटर ऑन रिलेटिविस्टक सेल्फ-फोकसिंग ऑप क्यू-गौसियन लेजर बीम इन प्लाज्मा. आप्टिक, 158, 574.
व्यास, ए., जोशी, सी.पी., सहारे, पी.डी.एण्ड मोहारिल, एस.वी. (2018). एनआईआर एमिशन इन NI Ba2SiO4:Eu2+, Nd3+ फॉस्फॉर्स विथ नियर UV/वॉयलेट एक्साइटेशन. जर्नल आफॅ एल्वा एज एण्ड कम्पाउन्ड्स, 743, 789.
व्यास, एम.के.एण्ड चन्द्र, ए. (2018). रोल ऑफ आरगैनिक / इन-आरगैनिक साल्ट्स एंड नैनो फिलर्सइन पॉलीमरनैनोकम्पोजिट्स : एनहान्स्डकन्डक्शन, रियोलॉजिकल, एंड थर्मल प्रापर्टीज. जर्नल आफॅ मटेरियल्स साइंज, 53, 4987.
यादव, ए., सिंह, पी.पी., शुएब, एम., शर्मा, वी.आर., बाला, आई., उन्नति, गुप्ताएस., सिंह, डी.पी., शर्मा, एम.के., कुमार, आर., मुरलीधर, एस., सिंह, आर.पी., सिंह, बी.पी.एण्ड प्रसाद, आर. (2017). सिस्टेमिक स्टडीआफॅलो-एनर्जीइनकम्प्लीट फ्यूजन: रोल आफ एन्ट्रेन्सचैनेल पैरामीटर्स. फिजिकलरिव्युसी, 96, 44614.
यादव, जी.सी., शर्मा, जी., कुमार, एस., दीपक, कुमारआर., प्रसाद, एस.एण्डसिंह, वी. (2017). फ्रैब्रिकेशन आफ मेटल क्लैड प्लानर पालीमर वेवगाइड बेस्ड सेन्सर फार डिटेक्शन ऑफ लो-रिफ्रैक्टिव-इनडैक्स-कॉन्ट्रास्ट आफ लिक्विड. आप्टिक, 138, 289.
यादव, जी.सी., शर्मा, जी., सिंह, वी., कुमार, एम., श्रीवास्तव, एन., कुमार, एस.एण्डगुप्ता, वी. (2018). कपल्ड मोड सरफेस प्लाजमॉन रेजोनेस् सेन्सर: इन सिटु डिटेक्शन ऑफ ह्यूमिडिटी विथ स्टार्च बायोफिल्म. आप्टिकलएंड क्वान्टम इलेक्ट्रोनिक्स, 50, 11.
यादव, एच., सिन्हा, एन., गोयल, एस., सिंह, बी., ब्डिकिन, आई., सैनी, ए., गोपालैया, के.एण्डकुमार, बी. (2017). ग्रोथ, क्रिस्टलस्ट्रक्चर, हर्सफिल्ड सरफेस, आप्टिकल, पाइजोइलेक्ट्रिक, डाई-इलेक्ट्रिकएंड मेकैनिकल प्रॉपर्टीज आफ बिस (आई-एस्पैरेजिनियम हाइड्रोजनस्क्वैरेट) सिंगलक्रिस्टल. एक्टाक्रिस्टलोग्राफिकासेक्सन बी: स्ट्रक्चरलसाइंज, क्रिस्टलइंजीनियरिंग एंडमटेरियल्स, 73, 347.
यादव, एन., मिश्रा, के.एण्डहाशमी, एस.ए. (2017).आप्टिमाइजेशन ऑफ पोरस पालीमर इलेक्ट्रोलाइट फार क्वासी-सालिड-स्टेट इलेक्ट्रिकल डबल लेयर सुपरकैपेसिटर. इलेक्ट्रोकिमिका एक्टा, 235, 570.
यादव, पी., गुप्ता, डी.एन.एण्डअविनाश, के. (2017). रिलेटिविस्टिक इलेक्ट्रान-बीम असिस्टेड ग्रोथ आफ आस्किलेटिंग टू-स्ट्रीम एन्स्टैबिलिटी आफ अ प्लाज्मा वेव. फिजिक्स आफ प्लाज्माज, 24, 62107.
योकोकावा, के., मत्सुमोटो, जे., सिरोमारू, एच., भट्ट, पी., कुमार,एच.एण्डसाफवान, सी.पी. (2017). मल्टीपल आयोनाइजेशन एंड डिसोसिएशन ऑफ एथीलीन इन्डयूस्ड बाई कोलिजन आफ Xe9+. जर्नलआफॅफिजिक्स: कॉन्फरेन्स सीरिज, 875, 102017.
जैन्क, जी.पी., अधिकारी, एल., हुनाना, पी., सियोटा, डी., ब्रुनो, आर., टेल्लोनी, डी.एण्ड अविनाश, के. (2017). दी थ्योरी आफ नियर्ली इनकम्प्रेसिबल मैग्नेटोहाइड्रोडायनैमिक टर्बुलेन्स: होमोजिनियस डिस्क्रिप्सन. जर्नल आफॅ फिजिक्स: कॉन्फरेन्स सीरिज, 900, 12023.

जर्नल

संपादन मंडल में संपादक / सदस्यों के रूप में कार्य कर रहे विभागीय शिक्षकों की संख्या।
प्रोफेसर संजय जैन, संपादन मंडल सदस्य, जैव विज्ञान में सिद्धांत (स्प्रिंगर)
प्रोफेसर संजय जैन, संपादन मंडल सदस्य, आर्टिफिसियल लाइफ (एआईटी प्रेस)
प्रोफेसर विनय गुप्ता, सदस्य (2012-18), विनय गुप्ता, सदस्य (2012-18), अंतरराष्ट्रीय परामर्श बोर्ड, जर्नल ''एनर्जी हार्वेस्टिंग एंड सिस्टम'', डे ग्रुएटर, यूएसए।
डॉ. अवधेश प्रसाद, संपादक, केओस, सोलिटोन और फ्रैक्टल्स (एल्सवियर साइंस)
डॉ. अवधेश प्रसाद, संपादक बोर्ड सदस्य, प्रमाण- जे. भौतिकी (भारतीय विज्ञान अकादमी)

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. अजित क. महापात्रो: एसएसपीएल-डीआरडीओ, 2017-2019, "इंवेस्टिगेशन आफ थर्मोइलेक्ट्रिक (टीई) प्रोपर्टीज आफ कैल्शियम कोबाल्ट ऑक्साइड (Ca3CO4O9) एंड ग्रेफिन डेरिवेटिव्स (नैनो इंक्लूजन) फॉर टीई जेनेरेटर एप्लिकेशंस।'' 9.83 लाख रूपए।
डॉ. निवेदिता देव: डीएसटी-एसईआरबी, ''फंक्शनल डोमेन्स एंड साइट कोरोलेशन नेटवर्क्स इन इवोल्विंग प्रोटीन फैमिलीज।'' 23.84 लाख रूपए
डॉ. सुमाले राय: डीएसटी- एसईआरबी, 2017-2019, "टेलरिंग आफ मैग्नेटिक एंड अदर फंक्शनल प्रोपर्टीज आफ थिन फिल्म नैनो स्ट्रक्चर्स यूजिंग लो एनर्जी आयन बीम।'' 60 लाख रूपए।
प्रो. एच. पी. सिंह: डीएसटी (भारत-अमेरिका संयुक्त नेटवर्क), ''थियोरेटिकल एनालिसिस आफ वेरियबल स्टर डाटा इन द एरा आफ लार्ज सर्वे।'' 45 लाख रूपए।
प्रो. विनय गुप्ता: डीआरडीओ, 2018-2019, "ओप्टिमाइजेशन आफ टाइओक्स फिल्म एंड पैटर्निंग आफ द पॉलिमर (पीआई-2610) एज सेक्रिफिसियल लेयर फॉर पिक्सल फेब्रिकेशन'' 22.19 लाख रूपए।
प्रो. विनय गुप्ता:डीआरडीओ, 2017-2019, "फिजिब्लिटी स्टडी फॉर फेब्रिकेशन आफ एयर ब्रिजेज बाय गोल्ड इलेक्ट्रोप्लेटिंग।'' 9.42 लाख रूपए

दायर / संस्वीकृत किए गए पेटेंट

विनय गुप्ता, मोनिका तोमर, अंजली शर्मा, अवनीत सिंह; भारतीय पेटेंट, आवेदन संख्या: 20181106329 (औपबंधिक रूप से फरवरी, 2018 में दायर); इलेक्ट्रिक फिल्ड समर्थित निम्न विद्युत खपत वाली कंडक्टोमैट्रिक गैस सेंसर।
विनय गुप्ता, मोनिका तोमर, अंजली शर्मा, अवनीत सिंह, पारिवेश चुग, जैविन्दर सिंह, भारती सुब्रमणियम; भारतीय पेटेंट , आवेदन संख्या: 201711011941; एक संवेदनशील, चयनात्मक और त्वरित ईंधन गैस सेंसर।
अशोक कुमार, हितेश बोरकर, वैभव राव, मोनिका तोमर, विनय गुप्ता (अमेरिका पेटेंट आवेदन 15/406, 236, 2017/7/20); अमेरिकी पेटेंट (20170206952 ए1, 2017/1/13); मल्टी स्टेट्स नॉन वोलाटाइल ऑप्टो फेरोइलेक्ट्रिक मेमोरी मटेरियल एंड प्रोसेस फॉर प्रिपेयरिंग द सेम देयर आफ।

आयोजित सेमीनार

कुल संख्या: 35
प्रो. मीर फैजल, यूनिवर्सिटी आफ ब्रिटिश कोलंबिया एवं यूनिवर्सिटी आफ लेथब्रिज, कनाडा; शीर्षक: शॉर्ट डिस्टेंस मॉडिफिकेशन आफ क्वांटम सिस्टम; 5 मई, 2017.
प्रो. समीर डी. माथुर, ओहायो स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए.; शीर्षक: स्पेसटाइम हेज ए थिकनेस! 17 जुलाई, 2017.
प्रो. निगेल लॉकेयर, निदेशक, फर्मी नेशनल एक्सीलेटर लेबोरेटरी, यूएसए; शीर्षक: पार्टिकल फिजिक्स: साइंस विदआउट बार्डर्स: न्युट्रीनोज गोइंग ग्लोबल; 11 अक्तूबर, 2017
प्रो. शिव एन. खन्ना, वर्जिनिया कॉमनवेल्थ यूनिवर्सिटी, रिचमोंड: नोवल नैनोस्केल मटेरियल यूजिंग न्यू बिल्डिंग ब्लॉक्स; 3 नवम्बर, 2017
प्रो. सी. के. चान, इंस्टीच्युट आफ फिजिक्स, एकेडेमिया सिनिका, ताइपे, ताईवान; शीर्षक: एंटीसिपेटिव डायनामिक्स आफ ए रेटिना; 7 नवम्बर, 2017

प्रो. फ्रेंक एच. शु, यूनिवर्सिटी आफ कैलिफोर्निया एट बार्कले एंड सेंडियागो; शीर्षक: फार्मेशन आफ सनलाइक स्टार्स एंट प्लेनेटरी सिस्टम; 20 दिसम्बर, 2017

प्रो. विजय कुमार कृष्णामूर्ति, इंटरनेशनल सेंटर फॉर थियोरेटिकल साइंस, बंगलुरू; शीर्षक: मोर्फोजेनेटिक पैटर्न: बायोकैमिकल सिग्नलिंग, मैकेनिक्स एंड जियोमिट्री; 15 फरवरी, 2018

प्रो. यूजी ओकावा, यूनिवर्सिटी आफ टोक्यो, कोमाबा; शीर्षक: कंप्लीट एक्शन फॉर ओपन सुपरस्ट्रींग फील्ड थ्योरी; 16 फरवरी, 2018

डॉ. आनंद कुमार भाटिया, हेलियोफिजिक्स साइंट डिविजन, नासा/ गोड्डार्ड स्पेस फ्लाइट सेंटर, यूएसए; शीर्षक: हाईब्रिड थ्योरी आफ स्केटेरिंग एंड इट्स एप्लीकेशंस; 21 फरवरी, 2018

प्रो. एडवर्ड थॉमस, जेआ, अउबर्न यूनिवर्सिटी, यूएसए; शीर्षक: यूजिंग डस्टी प्लाज्माज टू स्टडी ऑल फोर स्टेट्स आफ मेटर; 12 मार्च, 2018

आयोजित सम्मेलन

प्रोफेसर निवेदिता देव (संयोजक), संयुक्त अंतरराष्ट्रीय इकोनोफिस सम्मेलन-2017 एवं एशिया प्रशांत इकोनोफिजिक्स सम्मेलन (एपीईसी)- 2017; 15-18 नवम्बर, 2017. वित्तपोषण: जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, एसआईएनपी और सेंट्रले सुपेलेक।

प्रोफेसर विनय गुप्ता (सम्मेलन पीठ), अंतरराष्ट्रीय समेकित कार्यमूलकता संबंधी विचार गोष्ठी (आईएसआईएफ-2017) 10-14 दिसम्बर, 2017, वित्तपोषण एजेंसी: डीएसटी, डीआरडीओ।

आगंतुक कार्यक्रम- 2018, 26 मार्च, 2018, वित्तपोषण : भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय।

सेमीनार/ सम्मेलन में प्रस्तुति

गुप्ता, वी. को 1-3 जुलाई, 2017 को आईएससीएएस, दिल्ली टेक्नोलॉजिकल विश्वविद्यालय में ठोस स्थिति रसायन और संबद्ध क्षेत्रों से संबंधित 10वें राष्ट्रीय सम्मेलन में ''एनर्जी हार्वेस्टिंग यूजिंग मल्टीफंक्शनल थिन फिल्म्स'' पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया।

गुप्ता, वी. को 4-8 सितम्बर, 2017 को सेन एंटोनियो, यूएसए में फेरोइलेक्टिक्स संबंधी 14वीं बैठक (आईएमएफ-2017) में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।

गुप्ता, वी., ने 22-24 सितम्बर, 2017 को बीबीएयू, लखनऊ में नैनो साइंस एवं नैनो टेक्नोलॉजी संबंधी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएनएन-2017) में पूर्ण व्याख्यान दिया।

गुप्ता, वी., ने 19-21 फरवरी, 2018 को डॉ. बी. आर. अम्बेडकर जैवचिकित्सा अनुसंधान केन्द्र, विश्वविद्यालय सम्मेलन कक्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय में जैव चिकित्सा अनुसंधान संबंधी 11वें फ्रंटियर विचार गोष्ठी में व्याख्यान दिया।

गुप्ता, वी. को 21-25 मार्च, 2018 को सॉफ्ट मटेरियल एवं डिवाइस संबंधी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।

जैन, एस. को 28 अक्तूबर, 2017 को भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली में नेटवर्क जीवविज्ञान संबंधी विचार गोष्ठी ''जीवाणु आनुवंशिकी मेटाबॉलिक विनियामक नेटवर्क में सोपानिकी, फीडबैक और मॉडुलेरिटी'' पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।

जैन, एस. को 2-3 नवम्बर, 2017 को एडॉप्टिकव को इवोल्विंग नेटवर्क एंड कैटेस्ट्रोफ्स कार्यशाला, कॉम्प्लेक्सिटी साइंस हब, विएना, ऑस्ट्रिया में ''नेटवर्क एनॉटोमी आफ इनोवेशन एंड केटेस्ट्रोफ इन एन इवोल्युशनरी मॉडल'' पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।

जैन, एस. को 13-14 नवम्बर, 2017 को एक जटिल प्रणाली IV के रूप में अर्थशास्त्र: क्या अर्थशास्त्र भौतिक विज्ञान हो सकता है? संबंधी अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला, गणितीय विज्ञान संस्थान, चेन्नई में ''नेटवर्क एनाटोमी आफ इनोवेशन: ग्रोथ एंड क्रियेटिव डिस्ट्रक्शन इन एन इवोल्युशनरी मॉडल'' पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया।

जैन, एस. को 22-24 मार्च, 2018 को क्रॉस डिसिप्लिनरी एप्लिकेशन आफ काम्प्लेक्स नेटवर्क संबंधी राष्ट्रीय सम्मेलन, गणित विभाग, शिव नाडर विश्वविद्‍यालय में ''इंटेरेक्शंस बिटविन टू इंट्रासेलुलर नेटवर्क रिविल फंक्शनल मोल्डयूल्स इन द सेल'' पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।

कुमार , पी. एस. को 15 दिसम्बर, 2017 को समकालीन भौतिकी संबंधी राष्ट्रीय सेमीनार, मदुरा महाविद्‍यालय, मदुरैख् तमिलनाडु, भारत में ''द मैजिक आफ स्मॉल थिंग्स: ए जर्नी विद सर्फेस साइंस एंड स्पेट्रोस्कोपी'' पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।

मंडल, एस. को 17-18 मई, 2017 को थेमेटिक वर्कशॉप ऑन अंडरग्राउंड एक्सिलेटर बेस्ड निक्लियर एस्ट्रोफिजिक्स फेसिलिटी, यूजीसी-डीएई सीएसआर, कोलकाता सेंटर, कोलकाता में ''मेजरमेंट आफ एबसोल्युट फ्युजन क्रॉस सेक्शन एट एंड बिलो बैरियर एनर्जीज'' विषय पर व्याख्यान के लिये आमंत्रित किया गया।

मंडल, एस. को 14-15 सितम्बर, 2017 को आईएनजीए प्रयोग संबंधी कार्यशाला, आईयूएसी, नई दिल्ली में ''फेब्रिकेशन एंड टेस्टिंग आफ ए ट्रांजिएंट फिल्ड बेस्ड जी-फैक्टर सेटअप फॉर स्ट्रक्चर स्टडीज'' विषय पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया।

मंडल, एस. को 19 दिसम्बर, 2017 को आईआईटी, रोपड़ में भारत में न्यूक्लियर इंस्ट्रुमेंटेशन का वर्तमान और भविष्य के संबंध में ''इंस्ट्रुमेंटेशन फॉर स्कैनर सिस्टम: गामा रे ट्रेकिंग ऐरे'', विषय पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया।

राय, एस. को 24-25 नवम्बर, 2017 को इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन आफ साइंस, कोलकाता, भारत और एस. एन. बोस नेशनल सेंटर फॉर बेसिक साइंसेस, कोलकाता, भारत द्‍वारा संयुक्त रूप से आयोजित ''इमर्जिंग ट्रेंड्स इन फिजिक्स आफ सर्फेस, इंटरफेस एंड नैनोस्ट्रक्चर'' पर व्याख्यान, बैठक के लिए आमंत्रित किया गया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/ अंतरराष्ट्रीय समझौता

दिल्ली विश्वविद्‍यालय ने खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी के क्षेत्र में सहयोग के लिए विभाग के अनुरोध पर स्टेट यूनिवर्सिटी आफ न्यूयार्क, ओसवेगो, अमेरिका और मार्बर्ग यूनिवर्सिटी, जर्मनी के साथ 5 -वर्षीय समझौता ज्ञापन (2017-22) पर हस्ताक्षर किया।

अन्य अंतर संस्थागत सहयोग

अंतरराष्ट्रीय सहयोग

प्रो. एच. पी. सिंह: भारत-अमेरिका विज्ञान और प्रौद्‍योगिकी मंच द्‍वारा मार्च, 2018 में संस्वीकृत भारत-अमेरिकी संयुक्त नेटवर्क वाले केन्द्र ''थियोरेटिकल एनालिसिस आफ वेरियेबल स्टार डाटा इन द एरा आफ लार्ज सर्वे'' में नोडल पीआई। अन्य साझेदार हैं ओसवेगो में स्टेट यूनिवर्सिटी आफ न्यूयार्क, येले यूनिवर्सिटी और आईयूसीएए।

प्रो. एच. पी. सिंह: नोडल संस्था के रूप में दिल्ली विश्वविद्‍यालय और सनी (ओसवेगो) टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्‍यालय, यूनिवर्सिटी आफ फ्लोरिडा (गेनेस्विला) और आईयूसीएए (पुणे) साझीदार संस्थान के साथ भारत-अमेरिकी परियोजना।

प्रो. बी. सी. चौधरी, प्रो. के. रंजन, डॉ. अशोक कुमार , डॉ. ए. भारद्‍वाज, डॉ. एम. नैमुद्दीन: राष्ट्रीय (टीआईएफआर, एसआईएनपी, बीएआरसी, आदि) और अंतरराष्ट्रीय (सीईआरएन, फर्मीलैब, डीईएसवाई आदि) संस्थाओं के साथ उच्च ऊर्जा भौतिकी में कॉम्पेक्ट म्युऑन सोलेनोआइड (सीएमएस) प्रयोग के संबंध में देश व्यापी सहयोग।

प्रो. विनय गुप्ता: प्रो. ए. पी. फ्रयुन्डोर्फर और प्रो. माइकल सेयर, क्वींस यूनिवर्सिटी, किंग्सटन, कनाडा।

प्रो. सामित मंडल: निम्नलिखित अंतर संस्थागत और बहु देशीय सहयोग: प्रेसपेक सहयोग: जीएसआई, जर्मनी; एजीएटीए सहयोग: यूरोपीय सहयोग; एफएआईआर सहयोग: जीएसआई, जर्मनी के साथ शामिल।

राष्ट्रीय सहयोग

आईएनओ सहयोग: भारत, अंतर-संस्थागत सहयोग (एचईपी समूह)

प्रो. सामित मंडल और डॉ. सुरेश कुमार : आईएनजीए सहयोग: अंतर संस्थागत सहयोग

प्रो. अविनाश खरे: टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान, मुम्बई, प्लाज्मा अनुसंधान संस्थान, गांधीनगर।

प्रो. सेवी मुरूगेवेल: डीयू और आईजीसीएआर के बीच सहयोगात्मक कार्य।

प्रो. विनय गुप्ता: प्रो. रत्नमाला चटर्जी (आईआईटी दिल्ली) के साथ; डॉ. ए. कपूर, ठोस स्थिति भौतिकी प्रयोगशाला (डीआरडीओ), दिल्ली; डॉ. दिनाकर कांजीलाल, आईयूएसी, दिल्ली; डॉ. गोविंद गुप्ता और डॉ. अशोक कुमार, राष्ट्रीय भौतिकी प्रयोगशाला, दिल्ली।

अदला -बदली कार्यक्रम के तहत छात्र

श्री मनोज कुमार व्यास, प्रोफेसर अमिता चंद्रा के अनुसंधान छात्र को 30 जून-28 जुलाई, 2017 की अवधि के लिए अलेक्जेंडर वोन हम्बोल्डट फाउंडेशन द्वारा वित्तपोषित अनुसंधान समूह लिन्हेज कार्यक्रम के तहत यूनिवर्सिटेट पेडरबोर्न के लिए एक अनुसंधान दौरा हेतु आमंत्रित किया गया।

विस्तार और पहुंच क्रियाकलाप

प्रो. संजय जैन ने डीएसटी-इंस्पायर इंटर्नशिप शिविर, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में उच्च विद्यालय के छात्रों को परामर्श दिया और ''जीवन की उत्पत्ति कैसे हुई?" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

प्रो. एच. पी. सिंह ने मई-जुलाई, 2017 के दौरान मारबर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी में एमएससी (भौतिकी) के छात्रों के लिए प्रारंभिक खगोल विज्ञान में पाठ्यक्रम को पढ़ाया।

प्रदत्त एमफिल/ पीएचडी की संख्या:पीएचडी - 10;

संकाय सदस्यों की संख्या

स्थायी : 42

यूजीसी-एफआरपी : 02

डीएसटी- इंस्पायर : 05

एमिरिटस : 02

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

विभाग ने एमएससी के प्रतिभावान छात्रों के लिए संगणात्मक भौतिकी में रमन रामकुमार स्मारक पुरस्कार दिया।

विभाग ईडब्लूएस श्रेणी के तहत अंत: स्नातक छात्रों के लिए भौतिकी में एमएससी प्रवेश परीक्षा में प्रशिक्षित करने और उन्हें प्रेरित करने के लिए ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम आयोजित करता है।

***

प्राणि विज्ञान

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां:

प्राणीशास्त्र विभाग देश के प्रमुख शोध-गहन विभागों में से एक है। माइक्रोबियल सिस्टम से मनुष्यों तक के विभिन्न क्षेत्रों में शोध आयोजित किये जाते हैं। पिछले एक वर्ष में संकाय सदस्यों ने उच्च प्रभाव के सहकर्मी समीक्षा जर्नल में लगभग 62 शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भी अपने निष्कर्षो को प्रस्तुत किया है। उनमें से कई को प्रतिष्ठित सम्मान से सम्मानित किया गया है और उन्हें विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय वित्त पोषण एजेंसियों से काफी धन प्राप्त हुआ है। प्राणीशास्त्र विभाग भी डीएसटी-एफआईएसटी, यूजीसी-एसएपी/सीएएस और डीयू-डीएसटी पर्स फंडिंग अनुदान प्राप्तकर्ता रहा है। विभाग लगभग 180 छात्रों को प्राणीशास्त्र के उन्नत क्षेत्रों में एमएससी शिक्षण और प्रशिक्षण प्रदान करता है। इसके अलावा, पिछले एक वर्ष में छात्रों को आठ एम.फिल. और 26 पीएच.डी. डिग्रियां दी गई हैं।

सम्मान / विशेष सम्मान

आईएसएमई के राजदूत प्रोफेसर रुप लाल (माइक्रोबियल पारिस्थितिकी के लिए अंतरराष्ट्रीय सोसाइटी), नीदरलैंड्स (मार्च 2017 के बाद)

प्रोफेसर रूप लाल, ऑस्ट्रेलिया सरकार, 2018 द्वारा एंडेवर कार्यकारी फैलोशिप पुरस्कार

प्रोफेसर रूप लाल, कुलदीप ढातवालिया को उनके अनुकरणीय कार्य, उपलब्धियों, वचनबद्धता और देश के विकास में योगदान के लिए चमन सेवा संस्थान, हिमाचल प्रदेश से उत्कृष्टता पुरस्कार - 2017।

प्रोफेसर रीना चक्रवर्ती, सदस्य, "एक्वाकल्चर एंड मैरीन बायोटेक्नोलॉजी" पर टास्क फोर्स, अक्टूबर 2017 के बाद से जैव प्रौद्योगिकी विभाग।

प्रो. डी.के. सिंह, सदस्य - भारतीय वन्यजीव संस्थान के प्रशिक्षण, अनुसंधान और अकादमिक परिषद (टीआरएसी), दिनांक 10.5.2018 से तीन वर्ष के लिए प्रभावी।

प्रो. डी.के. सिंह, सदस्य, भारतीय वन्यजीव संस्थान - 25 सितंबर, 2017 से तीन वर्ष के लिए सोसाइटी

प्रो. शिबनाथ मज़ूमदार, 5-8, मार्च 2018 को आईएनएसए-शिक्षक फेलो के रूप में राजीव गांधी राष्ट्रीय विश्वविद्यालय का दौरा किया ।

प्रोफेसर आर.के. सेठ, सलाहकार, पर्यावरण और वन मंत्रालय, भारत सरकार।

प्रोफेसर आर.के. सेठ, प्राणी विज्ञान विभाग में सीएएस/एसएपी कार्यक्रम के लिए यूजीसी नामांकित, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, तमिलनाडु

प्रोफेसर आर.के. सेठ, प्राणी विज्ञान विभाग में सीएएस/एसएपी कार्यक्रम के लिए यूजीसी नामांकित, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला

प्रोफेसर आर.के. सेठ, प्राणी विज्ञान विभाग में सीएएस/एसएपी कार्यक्रम के लिए यूजीसी नामांकित, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़

प्रोफेसर आर.के. सेठ, अध्यक्ष, "कीट कीटों के क्षेत्रीय प्रबंधन पर तीसरे एफएओ-आईएईए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में तकनीकी सत्र: स्टेरिल कीट और संबंधित परमाणु और अन्य तकनीकों को एकीकृत करना", (आईएईए-सीएन-248), संयुक्त एफएओ/आईएईए खाद्य और कृषि, आईएईए, वियना, ऑस्ट्रिया में परमाणु प्रौद्योगिकियों का डिवीजन (22-26 मई 2017)।

प्रोफेसर आर.के. सेठ, चेयर, सीआरपी पर द्वितीय एफएओ/आईएईए रिसर्च समन्वय बैठक में तकनीकी सत्र, "एसआईटी कार्यक्रमों में सफलता सुनिश्चित करने के लिए बंध्य पुरुष लेपिडोप्टेरा का बेहतर क्षेत्र प्रदर्शन, पामरस्टन नॉर्थ, न्यूजीलैंड (12-16 मार्च, 2018

प्रोफेसर वाई. सिंह, 2017 में आईआईएससी पूर्व छात्र एसोसिएशन से अप्पाजी राव सर्वश्रेष्ठ शिक्षक मेन्टर पुरस्कार।

प्रोफेसर आलोक सी. भारती, द्विपक्षीय विनिमय कार्यक्रम 2018 के तहत चीनी एकेडमी ऑफ साइंस, चीन जाने के लिए भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली से अंतरराष्ट्रीय यात्रा अनुदान प्राप्तकर्ता।

प्रकाशन

अग्रवाल, एन., मिश्रा, आई., रानी, एस. और कुमार, वी. (2018)। अलग-अलग लाइट स्थितियों के अंतर्गत देखा हुआ स्पॉटेड मुनिया के केंद्रीय और परिधीय ऊतकों में क्लोक जीन की अस्थायी अभिव्यक्ति: एक गैर-फोटोपॉयर्डियोडिक सर्कनुअल सॉन्गबर्ड प्रजातियों में दैनिक फिजियोलॉजी के सर्कडियन विनियमन के लिए साक्ष्य। क्रोनोबायोलॉजी इंटरनेशनल, दोई: 10.1080 / 07420528.2017.1422742

अग्रवाल, एन., मिश्रा, आई., कोमल, आर., रानी, एस., और कुमार, वी. (2017)। सर्कैनुअल टेस्टिस और मोल्ट चक्र फोटोपॉर्ड्स के अंतर्गत बने रहते हैं जो स्पॉटेड मुनिया में सर्काडियन गतिविधि और क्लोक जीन चक्र को बाधित करते हैं। प्रायोगिक जीवविज्ञान पत्रिका, 220, 4162-4168।

भारती, ए. सी. और अग्रवाल, बी. बी. (प्र.) 2017)। कैंसर के लिए रसायन विज्ञान में न्यूट्रास्यूटिकल्स की भूमिका, यूएसए: एलसेवियर।

भारती, ए. सी. और राजन, पी. (2017)। वर्तमान केमोथेरेपी के लिए एक सहायक और सेंसिटाइज़र के रूप में बर्बेरिन।
भारती ए. सी. और अग्रवाल, बी. बी. (प्र.)। कैंसर के लिए रसायन विज्ञान में न्यूट्रास्यूटिकल्स की भूमिका, यूएसए: एलसेवियर, [प्रेस में]।
भारती, ए. सी., सिंह, टी., भट ए., पांडे डी., और जदली, एम (2018)। मानव पेपिलोमा वायरस संक्रमण और संबंधित कैंसर के लिए चिकित्सीय रणनीतियां। फ्रंट बायोसी (एलिट एडि.)। 1(10), 15-73।
भारती, ए.सी. विष्णोई, के., सिंह, एस. एम. और अग्रवाल, बी. बी. (2017)। न्यूट्रास्यूटिकल्स द्वारा कैंसर केमोरेसिस्टेंस और उनके लक्ष्यीकरण से जुड़े मार्ग। भारती ए. सी. और अग्रवाल में बी. बी. (प्रका.)। कैंसर के लिए रसायन विज्ञान में न्यूट्रास्यूटिकल्स की भूमिका, यूएसए: एलसेवियर, [प्रेस में]।
चक्रवर्ती, आर. (2017)। गैर-पारंपरिक आजीविका के रूप में ज़ूप्लंकटन और जलीय मैक्रोफाईट्स की संस्कृति। धानजे, आर., निनावे, ए. एस. और धानजे, जे. आर. (प्रका.) में। पोषक और जीवित सुरक्षा के लिए एक्वाकल्चर, (पीपी 189-203)। नई दिल्ली, भारत: नरेंद्र पब्लिसिंग हाउस। [आईएसबीएन 978-93-86110-74-9]।
चक्रवर्ती, आर., नागसाइनाओ, एम. आर., और शर्मा, जे. जी. (2017)। स्नो ट्राउट Schizothoraxrichardsonii के भ्रूण और लार्वा विकास। हेन्ड्री, सी. आई. (प्रका.) में। लार्वी'17, मछली और शैलफिश लार्वीकल्चर। (पीपी 87-90)।
चारू, टी., हर्षिता, एम., हिमाणी, के., वत्सला, डी., कोमल के., नेगी, आर. के. और लाल, आर. (2017)। Thermusparvatiensis के पूर्ण जीनोम विश्लेषण और थर्मस एसपीपी के तुलनात्मक जीनोमिक्स। रणनीतिक उत्तरजीविता विशेषताओं के रूप में आनुवंशिक परिवर्तनशीलता और प्राकृतिक क्षमता के विकास में अंतर्दृष्टि प्रदान करना। माइक्रोबायोलॉजी में फ्रंटियर, डोई: 10.3389/एफएमिको.2017.01410.
दत्ता, डी., खत्री, पी., सिंह, ए., साहा, डी.आर., वर्मा, जी., रमन, आर, और मजूमदार, एस। (2018)। माइकोबैक्टीरियम किलेइटम-प्रेरित ईआर-मिटोकॉन्ड्रियल कैल्शियम गतिशीलता मछली मैक्रोफेज में कैल्पेन/कैस्पस-12/कैस्पस-9 मध्यस्थ एपोप्टोसिस को बढ़ावा देना। सेल डेथ डिस्कवर। (स्प्रिंगर-प्रकृति), दोई:10.1038/एस41420-018-0034-9.
गौतम, एम., भट्टाचार्य, आई., राय, यू. और मजूमदार, एस. एस. (2018)। चूहे के वृषण की प्रसवोत्तर परिपक्वता के दौरान हार्मोन ने सर्टोली कोशिकाओं के पृथक अंतरण विश्लेषण को प्रेरित करना। पीएलओएस-वन, 13 (1): ई01 9 1201।
गुओ, एच., चैंग, टी., चेन, जेड., जियांग, एल., गुओ, वाई., लियू, जे., ली., एस., तानिआई, के., अशोक, के., कडोनो-ओकुडा, के., अरुण कुमार, के.पी., वू, जे., किशिनो, एच., झांग, एच., सेठ, आर.के., गोपीनाथन, के.पी., मोंटेग्ने, एन., जैक्विन-जोली, ई., गोल्डस्मिथ, एम.आर., ज़िया, क्यू. और मीता, के. (2017)। बॉम्बेक्समोरी के केमोसेंसरी अंगों में गहन रिसेप्टर जीन के एक पूर्ण सेट का अभिव्यक्ति मानचित्र। कीट जैव रसायन और आण्विक जीवविज्ञान, 82, 74-82.
जेम्स, ए., सिंह, डी. के., खांखने, पी. जे., और कौर, आर. (2017)। हाइड्रोफिट-बैक्टीरियम एसोसिएशन द्वारा बढ़ाए गए एट्राज़िन हटाने और संभावित रूप से बढ़ावा देने के लिए उनके संयंत्र विकास के लिए अलग-अलग विट्रो स्क्रीनिंग। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फाइटोरिमेडिएशन, 20(2), 89-97.
झा, एम., पटेल, एस.के., झांद, ए. के. और श्रीवास्तव, ए. (2017)। उत्तर भारतीय आबादी के बीच ओएससीसी रोगियों में एफएचआईटी और पी14 जीन के प्रमोटर हाइपर्माथेलाइलेशन। कैंसर थेरेपी और ओन्कोलॉजी इंटरनेशनल जर्नल, 5(2)। दोई:10.19080/सीटीओआईजे.2017.05.555660.
झा, एन. ए. और कुमार, वी. (2017)। ज़ेबरा फिंच में व्यवहार, सीखने के प्रदर्शन और व्यक्तित्व पर नो-नाइट लाइट पर्यावरण का प्रभाव। पशु व्यवहार, 132:29-427.

खांगेम्बम, बी. के. और चक्रवर्ती, आर. (2018)। लेबिओरेहिटा के विसेरा: औद्योगिक आवेदन के लिए ट्रिपसिन का एक संभावित स्रोत। एक्वाटिक फूड प्रोडक्ट टेक्नोलॉजी जर्नल। [टेलर एंड फ्रांसिस; स्वीकृत]

खांगेम्बम, सी. डी., शर्मा, जे. जी. और चक्रवर्ती, आर. (2017)। जलीय कृषि प्रणाली के पुनर्नवीनीकरण के ताजे पानी में अमोनिया-ऑक्सीडाइजिंग बैक्टीरिया और आर्काइया की विविधता और बहुतायत। हयाती जर्नल ऑफ बायोसाइंस, 24, 215-220. [(एल्सवियर]।

खांगेम्बम, सी. डी., सिंह, एस. पी., चक्रवर्ती, आर. एंड शर्मा, जे. जी. (2018)। अमोनिया ऑक्सीडाइजिंग पुरातात्विक और बैक्टीरिया की प्रचुरता पर विभिन्न तापमान के प्रभाव का अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ एनिमल साइंस 88, 626-632. [भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, आईसीएआर]

कुमार, ए., मनीषा, संघा, जी.के., श्रीवास्तव, ए., कौर, जे. (2017)। मानव मैक्रोफेज सेल लाइनों पर माइकोबैक्टेरियम ट्यूबरक्युलोसिस के नोवल रिकम्बिनेंट लिपक्यू (आरवी2485सी) प्रोटीन का प्रतिरक्षादमनकारी प्रभाव। माइकोबपथोंग.107: 361-367। दोई: 10.1016/जे.मिकपथ.2017.04.015.

कुमार, आर., वर्मा, एच., हैदर, एस., बजाज, ए., सूद, यू., पोन्नुसामी, के., नगर, एस., शकरद, एम.एन., नेगी, आर.के., सिंह, वाई., खुराना, जे.पी., गिल्बर्ट, जे.ए. और लाल, आर. (2017)। तुलनात्मक जीनोमिक विश्लेषण जीनस नोवोस्फेनोबियम के भीतर आवास-विशिष्ट जीन और नियामक केंद्र । एमसिस्टम। अमेरिकन सोसाइटी ऑफ माइक्रोबायोलॉजी 21(3), ई00020-17.

कुमार, वी. (2017)। परिचय: ताल, कैलेंडर और जैविक प्रक्रियाओं पर विशेष अंक। जैविक ताल अनुसंधान, 48:673-676। दोई: 10.1080/09291016.2017.1345423।

कुमारी, आर., रावत, के., कुमारी, ए, श्रीवास्तव, ए. (2017)। एमेलिओरेसिन द्वारा डाल्टन के लिम्फोमा- मेलाटोनिन द्वारा प्रेरित एंजियोजेनेसिस। ट्यूमर बायोलॉजी, 39(6):1010428317705758। दोई:10.1177/1010428317705758.

कुमारी, यू., सिंह, आर., और मजूमदार, एस. (2017)। क्लियरस गैरीपिनस माइक्रोबियल संक्रमण के लिए अतिसंवेदनशील क्रोनिक एंडोसल्फन एक्सपोजर प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को रोकना। एक्वाटोक्सीकाल.191:42-49. दोई: 10.1016/जे.एक्वाटोक्स.2017.07.018.

कुन्नुमाकारा, ए.बी., सेलो, बी.एल., बनिक, के., हर्ष, सी., प्रसाद, एस., गुप्ता, एस.सी., भारती, ए.सी. और अग्रवाल, बी.बी. (2018)। पुरानी बीमारियां, सूजन, और मसाले: कैसे एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं ? जे. ट्रांसल मेड.25; 16(1):14। दोई: 10.1186/एस12967-018-1381-2.

लोहिया, आर., जैन, पी., जैन, एम., मिश्रा, एच., बर्मा, पी., श्रीवास्तव, ए. और सरन, एस. (2018)। डिक्टियोस्टेलियम डिस्कोसाइडम सर2ए को हटाने से सेल प्रसार में कमी आती है और ऑटोफैजी को रोक दिया जाता है। बायोसाइंस की पत्रिका 43(2), 351-364.

महातो, एन., गुप्ता, वी., सिंह, पी., कुमारी, आर., वर्मा, एच., त्रिपाठी, सी., रानी, पी., शर्मा, ए., सिंघवी, एन., सूद, यू., हीरा, पी., कोहली, पी., नय्यर, एन., पुरी, ए., बजाज, ए., कुमार, आर., नेगी, वी., तलवार, सी, खुराना, एच., नगर, एस., शर्मा, एम., मिश्रा, एच., सिंह, ए.के., ढिंगरा, जी., नेगी, आर.के., शकरद, एम., सिंह, वाई. और लाल, आर. (2017)। ओमिक्स के युग में माइक्रोबियल वर्गीकरण: डीएनए अनुक्रमों, कम्प्यूटेशनल टूल्स और तकनीकों का उपयोग। एंटनी वैन लीवेंहोएक, 110, 1357-1371.

माजी, ए., मिश्रा, आर., ढकन, डी.बी., गुप्ता, वी., महतो, एन.के., सक्सेना, आर., मित्तल, पी., ठकराल, एन., शर्मा, ई., सिंह, ए., विरमानी, आर., गौर, एम., सिंह, एच., हसीजा, वाई., अरोड़ा, जी., अग्रवाल, ए., चौधरी, ए., खुराना, जे.पी., शर्मा, वी.के., लाल, आर. और सिंह, वाई. (2018)। गुट माइक्रोबायम फुफ्फुसीय तपेदिक रोगियों में प्रतिरक्षा की

हानि में योगदान देता है जो कि ब्यूटरीट और प्रोपियोनेट उत्पादकों के परिवर्तन से होता है। पर्यावरण सूक्ष्म जीव विज्ञान, 20, 402-419।

मिश्रा, आई. और कुमार, वी. (2017)। उच्च कशेरुकाओं में मौसमी समय के सर्कडियन आधार। बायोलोजिकल रिथ्म अनुसंधान, 48, 723-738। दोई: 10.1080/09291016.2017.1345447.

मिश्रा, आई., सिंह, डी. और कुमार, वी. (2018)। रेटिना, पाइनल और हाइपोथैलेमस में न्यूरोपैप्टाइड्स और एमिनो एसिड और एमिन न्यूरोट्रांसमीटर बायोसिंथेसिस के एंजाइमों के लिए सी-फोस और जीन कोडिंग की अस्थायी अभिव्यक्ति: सर्काडियन रिथ्म निर्भर मौसमी प्रतिक्रियाओं के लिए साक्ष्य। न्यूरोसाइंस, 371, 309-324.

नेगी, आर. के., जोशी, बी. डी., जॉनसन, जे. ए., डी, आर., और गोयल, एस. पी. (2017)। भारत में ताजा पानी की मछली पुटिस्सोफोर की फिलोजियाग्राफिल मिट्रोकोनरियल डीएनए भाग ए, 24, 1-13 http://dx.doi.org/10.1080/24701394.2016. 1275598, [प्रिंट आईएसएसएन: 2470-1394 ऑनलाइन आईएसएसएन: 2470-1408].

नेगी, वी. और लाल, आर. (2017). तालाब सेडमेंट में जटिल समुदाय के मेटाजेनोमिक विश्लेषण। जीनोमिक्स जर्नल
5,
36-47.

पांडे, एम., घोरई, एस. एम., और राय, यू (2017). बिस्फेनोला ने ताजा पानी के टेलीस्टोस्ट में सहज प्रतिरक्षा पर मध्यस्थ प्रभाव। Channapunctatusmurrel. मत्स्य विज्ञान, 84, 25-31.

पांडे, ए., त्रिपाठी, एस. सी., शुक्ला, एस., महाता, एस., विष्नोई, के., मिश्रा, एस. पी., मिश्रा, वी., मित्रा, एस., द्विवेदी, एम. और भारती, ए. सी. (2018)। गैस्ट्रिक कैंसर प्रगति के मार्कर के रूप में अलग-अलग स्थानीयकृत उत्तरजीवी और STAT3: एच. फाइलोरी के साथ एसोसिएशन। कैंसर प्रति. [प्रेस में]।

प्रियम, एम., त्रिपैथी, एम., राय, यू., घोराई, एस. एम. (2018)। सरीसृप वंश के भीतर प्रोटीन सैंसिंग (टीएलआर 4, 5) और न्यूक्लिक एसिड सैंसिंग (टीएलआर 3, 7) का विचलन। आण्विक फायलोजेनेटिक्स और विकास, 119, 210-224.

रचप्पा, वी., हंचीनल, एस.जी., शेखरा, सी., सुरपुर, एस., पाटिल, बी.वी., सेठ, आर.के. और येलशेट्टी, एस. (2018)। लेग्यूम पॉड बोरर, मारुकाविट्रता गेयर (लेपिडोप्टेरा: क्रैम्बिडे) के पालन के लिए कृत्रिम आहार का परिष्करण और मूल्यांकन। लेग्यूम रिसर्च 41 (3), 461-467.

रानी, पी., महतो, एन. के., शर्मा, ए., राव, डी. एल. एन., कामरा, के., और लाल, आर. (2017). जीनोम माइनिंग और एसिडोफिलिक राइज़ोबैक्टेरियम की प्रिडीक्टिव कार्यात्मक प्रोफाइलिंग। स्यूडोमोनास फ्लोरोसेंस [भाग 14]. इंडियन जर्नल ऑफ़ माइक्रोबायोलॉजी, 57, 155-161.

रश्मी, डी., श्री, पी. और सिंह, डी. के. (2017). भारतीय गेहूं, जेएफसीओ 5526 की भौगोलिक पहचान क्षमता निर्धारित करने में स्थिर आइसोटोप अनुपात विश्लेषण। खाद्य नियंत्रण. दोई: 10.1016/जे. फूडकॉम.2017.03.025.

रॉय, ए., बसक, आर., राय, यू. (2017). डी नवो अनुक्रमण और ताजे पानी के विभिन्न प्रजनन चरणों से टेस्टिकुलर ट्रांसक्रिप्टोम के तुलनात्मक विश्लेषण स्नेकहेड चैन्नापंक्टेटस देखा गया। पीएलओएस-वन, 12(3), ई0173178.

शर्मा, ए., सिंह, डी., दास, एस. और कुमार, वी. (2018). दो महत्वपूर्ण जीवन-इतिहास चरणों से एक प्रवासी सोंगबर्ड में हाइपोथैलमिक और लिवर ट्रांसक्रिपटोम । प्रायोगिक फिजियोलॉजी। दोई: 10.1113/ईपी 086831.

शर्मा, जे. जी., खान, एन. ए. और चक्रवर्ती, आर. (2017). केटला केटला लार्वा के फिजिओलोजी पर प्रकाश की तीव्रता का प्रभाव। हेन्ड्री, सी. आई. (प्रका.) लार्वी 17, फिश एंड शैल्फ़िश लार्वीकिकल्चर, (पीपी.396-398).

शर्मा, जे. जी, सिंह, एस. पी. एंड चक्रवर्ती, आर. (2017). पाचन शरीर विज्ञान, प्रतिरक्षा-मॉड्यूलरी पैरामीटर, और कैटलाकैटला (हैमिल्टन, 1822) में एचएसपी और एलडीएच जीन के अभिव्यक्ति स्तर पर तापमान का प्रभाव। एक्वाकल्चर (एल्सेवियर बी.वी.), 479, 134-141.

शिशोदिया, जी., दास, बी.सी. और भारती, ए.सी. (2017). एचपीवी संक्रमण और गर्भाशय ग्रीवा कैंसरजनिस के दौरान माइक्रो आरएनए-आधारित विनियमन : हम कहां हैं ? सोबती आर.सी., पुरी एस., शर्मा वी. एल. और भंवर ए. जे. एस. (प्रका.)। मानव जीनोमिक्स और अनुप्रयोग (पीपी 21-37). दिल्ली, भारत: नरेंद्र पब्लिशिंग हाउस।

शिशोदिया, जी., वर्मा, जी., दास, बी.सी., और भारती, ए. सी. (2018). एचपीवी-मध्यस्थ गर्भाशय ग्रीवा कैंसरजनिस में वायरल ट्रांसक्रिप्शन ट्यूनर्स के रूप में मिआरएनए। फ्रंट बायोसी, 1(10), 21-47.

सिंह, ए. के., कोहली, पी., महतो, एन. के., और लाल, आर. (2017)। Paracoccussordidisoli एसपी. नवं. कृषि क्षेत्र से पृथक हेक्साक्लोरोक्लोक्लेक्सन आइसोमर से दूषित। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टमैटिक एंड इवोल्यूशनरी माइक्रोबायोलॉजी, 67, 4365-4371.

सिंह, डी. के. और सिंह, एन.एस. (2017)। एंडोसल्फन, साइक्लोडियन ऑर्गोक्लोरीन कीटनाशक: इसके बायोडिग्रेडेशन के संभावित मार्ग, कीटनाशकों के सूक्ष्म-प्रेरित गिरावट (पीपी.105-130). स्प्रिंगर. दोई: 10.1007/978-3-319-45156-5_5

सिंह, पी., कुमारी, आर., और लाल, आर. (2017)। बेडाकुईलीन : दवा प्रतिरोधी तपेदिक में कमी की उम्मीद है। इंडियन जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी, 57, 371-377.

सिंह, पी., कुमारी, आर., नय्यर, एन., और लाल, आर. (2017). Pontibacteraurantiac sp. nov.isolated से हेक्साक्लोरोक्लोक्लेक्सेन (एचसीएच) दूषित मिट्टी। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टमैटिक्स एंड इवोल्यूशनरी माइक्रोबायोलॉजी 67, 1400-1407.

सिंह. आर., हुसैन, एम. ए., कुमार, जे., कुमार, एम., कुमारी, यू., और मजूमदार, एस. (2017). क्रोनिक फ्लोराइड एक्सपोजर एक्सरबेट हेडकिडनी पैथोलॉजी और क्लारासर्जिपीनस में प्रतिरक्षा उत्तेजना का कारण बनता है। एक्वाट टॉक्सिकोल, 192, 30-39. दोई: 10.1016/जे. एक्वाटॉक्स.2017.09.006.

सिंह, वी., प्रियम, एम., त्रिपैथी, एम., और राय, यू. (2017). सरीसृप में 25-हाइड्रोक्साइकोलेस्ट्रॉल की शुद्धिकरण और पहचान: मौसमी भिन्नता और हार्मोनल विनियमन। सामान्य और तुलनात्मक एंडोक्राइनोलॉजी, 247, 130-137.

सूद, यू., सिंह, वाई., शकरद, एम., और लाल, आर. (2017). टेस्टोस्टेरोन उत्पादन के लिए इंजीनियरिंग माइकोबैक्टेरियम स्मेग्मैटिस पर हाइलाइट। माइक्रोबियल जैव प्रौद्योगिकी 10, 73-75.

सौम्य, डी., श्रीनिवास, ए. जी., पाटिल, बी.वी., रचप्पा, वी., दोददागौदर, एस. आर. और सेठ, आर. के. (2017). पल्स बीटल पर गामा विकिरण का प्रभाव, कैमोसोब्रुचुस्चिनेंसिस (एल.) जे. कृषि विज्ञान, 30(3), 370-374.

श्रीवास्तव. एन., शेली, ए., कुमार, एम., पंत, ए., दास, बी., मजूमदार, टी., और मजूमदार, एस. (2017). एरोमोनाशियोड्रोफिला जेड्राफिश में एंटी-इनफ्लामेट्री प्रतिक्रियाओं को ऑर्केस्ट्रेट करने के लिए MyD88 और TRIF के सिंक्रोनस सक्रियण के लिए टीएलआर 4 टोपोलॉजी का उपयोग। सेल डेथ डिस्कोव (स्प्रिंगर-प्रकृति), डोई: 10.1038/सीडीडिस्कवरी.2017.09.006.

स्टीवेंसन, टी. जे. और कुमार, वी. (2017). सोंगबर्ड माइग्रेशन के दैनिक और मौसमी समय का तंत्रिका नियंत्रण। जर्नल ऑफ़ कम्पेरेटिव फिजियोलॉजी, ए. 203, 39-409.

बजाज, एस., खरे, एस., और सिंह, डी. के. (2017). हेलोफिलिक जीवाणु क्रोमोहालोबैक्टर एसपी द्वारा γ-हेक्साक्लोरोसाईक्लोहेक्सेन (लिंडेन) का बायोडिग्रेडेशन। एचसीएच डंपसाइट से पृथक एलडी 2। अंतरराष्ट्रीय बायोडीटोरिएरेशन और बायोडिग्रेडेशन, 122, 23-28

सिंह, टी., और सिंह, डी. के. (2017) ओर्गेनोक्लोरीन कीटनाशक के फाईटोरिमेडिएशन : अवधारणा, विधि, और हाल का घटनाक्रम। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फाईटोरिमेडिएशन 17, 834-843.

तौफीक, एस. के. टी., प्रभात, ए. और कुमार, वी. (2018). निरंतर प्रकाश वातावरण परिपक्वता को कम करता है और हिप्पोकैम्पस में नई पैदा हुई न्यूरॉन प्रक्रियाओं और दैनिक कॉर्विड के कौडल निडोपैलियम की जटिलता को कम करता है: सीखने और संज्ञानात्मक प्रदर्शन की हानि के लिए प्रभाव। न्यूरोबायोलॉजी ऑफ लर्निंग एंड मेमोरी, 147, 120-127.

त्रिपाठी, सी., मिश्रा, एच., खुराना, एच., द्विवेदी, वी., कामरा, के., नेगी, आर. के., लाल, आर. (2017). थर्मसपरवाटेंसिस का पूर्ण जीनोम विश्लेषण और थर्मस एसपीपी की तुलनात्मक जीनोमिक्स। रणनीतिक अस्तित्व के गुणों के रूप में आनुवंशिक परिवर्तनशीलता और प्राकृतिक क्षमता के विकास में अंतर्दृष्टि प्रदान करना। माइक्रोबायोलॉजी इन फ्रंटियर, 8, 1410.

त्रिपाठी, एम. और राय, यू. (2017)। दीवार छिपकली के अंडाशय में एरोमैटस और एस्ट्रोजेन रिसेप्टर्स की अस्थायी अभिव्यक्ति और गोनाडोट्रॉपिक विनियमन, हेमिडैक्टिलसफ्लविविरिडिस: प्लाज्मा एस्ट्रैडियोल और डिम्बग्रंथि फोलिकुलर विकास के साथ सहसंबंध। स्टेरॉयड, 128, 23-31.

त्रिपाठी, एम., प्रियम एम., और राय, यू. (2017). भारतीय दीवार छिपकली (हेमिडैक्टिलसफ्लविविरिडिड्स) के अंडाशय में हड्डी मोर्फोजेनेटिक प्रोटीन और विकास/भेदभाव कारकों का प्रदर्शन, बीएमपी 15 और जीडीएफ 9 के अंतर अभिव्यक्ति और गोनाडोट्रॉपिक विनियमन पर जोर देने सहित। सामान्य और तुलनात्मक एंडोक्राइनोलॉजी, 253, 13-24.

त्यागी, ए., विष्नोई, के., कौर, एच., श्रीवास्तव, वाई., रॉय, बी.जी., दास, बी.सी., और भारती, ए. सी. (2017) गर्भाशय ग्रीवा कैंसर स्टेम कोशिकाएं रेडियोरेस्टिस्टेंस: अपरिवर्तित एपी -1 गतिविधि के साथ एसोसिएशन। वि.प्रति., 7, 4781.

वेंकटेश्वरन, के., वर्मा, ए., भट्ट, ए.एन., श्रीवास्तव, ए., मंडा, के., राज, एच.जी., प्रसाद, ए., लेन, सी., परमार, वी.एस., और द्वारकानाथ, बी. (2017). कैंसर में कैलेरेरिकुलिन की उभरती भूमिका: चिकित्सा का प्रभाव। वर्तमान प्रोटीन और पेप्टाइड विज्ञान, 14, 2495-2507.पीएमआईडी: 28079009.

वर्मा, जी., विष्नोई, के., त्यागी, ए., जदली, एम., सिंह, टी., गोयल, ए., शर्मा, ए., अग्रवाल, के., प्रसाद, एस.सी., पांडे, डी., शर्मा, एस., मेहरोत्रा, आर., सिंह, एस.एम., और भारती, ए.सी. (2017). एचपीवी पॉजिटिव और एचपीवी-निगेटिव ओरल कैंसर के मोलिकुलर सिग्नेचर के रूप में प्रमुख प्रतिलेखन कारकों की विशेषता। कैंसर चिकि., 6, 591-604.

वर्मा, एच., बजाज, ए., कुमार, आर., कौर, जे., आनंद, एस, नय्यर, एन., पुरी, ए., सिंह, वाई., खुराना, जे.पी., और लाल, आर. (2017). जेनोम संगठन स्पिंगोबोबियमइंडिकम बी09ए: आर्केटीपल हेक्साक्लोरोक्लोक्हेक्सन (एचसीएच) जीनोटाइप डीग्रेडिंग। जीनोम जीवविज्ञान और विकास, 9, 2191-2197.

वाल्वेकर, वी.ए., बजाज, एस., सिंह, डी.के. और शर्मा, एस. (2017). कीटनाशकों का इकोटॉक्सिकोलॉजिकल मूल्यांकन और राइजोस्फेरिक माइक्रोबियल सामुदायिक संरचना और वेजाइना रेडिएटा के कार्य पर उनके संयोजन। पर्यावरण विज्ञान प्रदूषण दोई: 10.1007/एस11356-017-9284-वाई

यादव, ए., कुमार, आर., तिवारी, जे., कुमार, वी. और रानी, एस. (2017). स्लीप इन बर्ड्स : गतिविधि और आराम की निरंतरता। जैविक रिथिम अनुसंधान, 48, 805-814. दोई.ओआरजी/10.1080/09291016.2017.1346850.

जर्नल

संपादकीय बोर्ड के संपादक (ओं)/सदस्य (ओं) के रूप में कार्यरत विभाग के शिक्षकों की संख्या.

प्रोफेसर रुप लाल, संपादक, एमसिस्टम, अमेरिकन सोसाइटी फॉर माइक्रोबायोलॉजी (एएसएम), यूएसए द्वारा प्रकाशित.

प्रोफेसर रुप लाल, संपादक, भारतीय जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी (आईएनजेएम).

प्रो. रूप लाल. सदस्य, संपादकीय बोर्ड ऑफ जर्नल ऑफ बायोसाइंस एंड बायोइंजिनियरिंग (जेबीबी); पर्यावरण माइक्रोबायोलॉजी (ईएम); पर्यावरण माइक्रोबायोलॉजी रिपोर्ट (ईएमआईआर); माइक्रोबियल जैव प्रौद्योगिकी जर्नल बीएमसी जैव प्रौद्योगिकी; ओए जैव प्रौद्योगिकी.

प्रोफेसर आर. सेठ, संपादकीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य; भारतीय जर्नल ऑफ़ एंटोमोलॉजी; जे न्यूक्लियर कृषि. बॉय.

प्रोफेसर वाई. सिंह, संपादक, भारतीय जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी, स्प्रिंगर प्रेस.

प्रो. वाई. सिंह, सदस्य, संपादकीय बोर्ड, जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल कैमिस्ट्री (जेबीसी).

प्रोफेसर वाई. सिंह, संपादकीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य, एंटी-संक्रमित ड्रग डिस्कवरी (बेंटहम साइंस पब्लिशर्स) पर हालिया पेटेंट.

प्रो. एम. एम. चतुर्वेदी, सदस्य, संपादकीय बोर्ड, जर्नल ऑफ ओंकोलिटिक वायरोलॉजी; इंडियन जे. प्रायोगिक जीवविज्ञान (आईजेईबी).

प्रोफेसर विनोद कुमार, सदस्य, संपादकीय बोर्ड, वर्तमान विज्ञान के सदस्य।

अनुसंधान परियोजनाएं

प्रो. रीना चक्रवर्ती (पीआई): डीबीटी, 2015-2019, "लैबोरोहिता और क्लियरसबेट्राचस के लिए पेलेटिड आहार का विकास, अचिरेंथेस्पेरा का उपयोग और तालाब संस्कृति प्रणाली में इसकी इम्यूनोस्टिम्युलेटरी गुणों का मूल्यांकन"; सहयोग: केंद्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान (सीआईएफई), रोहतक, हरियाणा और दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय, दिल्ली। 90 लाख रुपये।

प्रो. आलोक सी भारती (पीआई): डीबीटी, 2016-2018, "मेजबान ट्रांसक्रिप्शन फैक्टरों की जांच जो एचपीवी16 संक्रमण के लिए सिर और गर्दन के कैंसर का पता करता है" 25 लाख रुपये।

प्रो. रीना चक्रवर्ती (पीआई): डीबीटी (अंतरराष्ट्रीय सहकारिता), 2016-2019. “नोवल गैर-पारंपरिक स्वदेशी अवयवों का उपयोग करके मानव स्वास्थ्य बढ़ाने के लिए वैकल्पिक टिकाऊ खाद्य मछली का विकास"। भारत: गोवा विश्वविद्यालय, केरल विश्वविद्यालय मत्स्यपालन, दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय; यूके: स्टर्लिंग विश्वविद्यालय, समुद्री विज्ञान के लिए स्कॉटिश एसोसिएशन; अफ्रीका: सोकोइन यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर, केन्या के एक्वाकल्चरल एसोसिएशन, मत्स्यपालन विभाग। 120 लाख रुपये।

प्रो. आर.के. सेठ (पीआई): अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) वियना, 2016-2021, "बड़े पैमाने पर पालन किए गए पतंगों की गुणवत्ता में सुधार और रेडियो-नसबंदी वाले लेपिडोप्टेरन कीट, स्पोडोप्टेरिटिटुरा और इसकी एफ1 संतान की प्रतिस्पर्धात्मकता के आकलन के लिए खेतों में नकली पिंजरे एफआईओ/आईएईए सीआरपी (डी41026) के तहत एसआईटी कार्यक्रमों में सफलता सुनिश्चित करने के लिए "स्टेरिल पुरुष लेपिडोप्टेरा के बेहतर क्षेत्र प्रदर्शन" (आईएईए अनुबंध संख्या 20565/आरबी) पर 'विरासत स्टेरिलिटी तकनीक "के माध्यम से दमन। € 40,000.

प्रो. उमेश राय (सह-पीआई): डीबीटी, 2017-2019, "टेलीस्टा चन्ना पंक्टेटस में इन्फ्लेमेसन के सिग्नेलिंग मेकेनिज्म को समझना", 35.84 लाख रुपये।

प्रो. उमेश राय (सह-पीआई): डीएसटी-एसईआरबी, 2017-2019, "मौसमी प्रजनन सरीसृप में प्रजनन गतिविधि की शुरूआत के तंत्र को समझना हेमीडैक्टिलस फ्लैविविरिडिस: चुंबकीय प्रणाली की भूमिका पर जोर" 42.25 लाख रुपये।

प्रो. रूप लाल (पीआई) और डॉ. आर. के. नेगी (सह-पीआई): एएमएएएस और एनबीएआईएम, 2017-2020, "संस्कृति निर्भर और स्वतंत्र दृष्टिकोणों का उपयोग करके मछली के आंत से जुड़े माइक्रोबियल विविधता का अध्ययन करने के लिए" 19.5 लाख रुपये।

प्रोफेसर रूप लाल: डीबीटी, 2017-2020, "भारत के मणिकरण, हिमाचल प्रदेश में हिमालयी पर्वतमाला के ऊपर गर्म पानी वसंत में रहने वाले जीवाणु समुदायों की विविधता, कार्यात्मक गतिशीलता और जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों की खोज।" 52.2 लाख रुपये।

प्रो. डी.के. सिंह: आईएईए/एफएओ, 2017-2021, "भारत में खाद्यता की प्रामाणिकता, सुरक्षा और गुणवत्ता का आकलन करने के लिए फील्ड-तैनाती विश्लेषणात्मक तरीके", € 30,000.

प्रो. रूप लाल (पीआई) डॉ. आर. के. नेगी (सह-पीआई): डीबीटी, 2018-2020, "माइक्रोबियल बायोमेडिएशन टेक्नोलॉजी का उपयोग करके एचसीएच डंपसाइट का उपचार और पुनर्मूल्यांकन, 113 लाख रुपये।

प्रो. रीना चक्रवर्ती (पीआई): डीबीटी, 2018-2021, दिल्ली के एनसीआर क्षेत्र में महिला स्व-सहायता समूहों के बीच मछली संस्कृति प्रौद्योगिकी के प्रसार और प्रदर्शन, स्व रोजगार गतिविधि के रूप में दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दिल्ली के सहयोग। 60 लाख रुपये।

प्रो. आलोक सी. भारती (पीआई): इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर), 2018-2021, "एचटीवी संक्रमण और गर्भाशय ग्रीवा कैंसरोजेनेसिस के एसटीएटी 3-मध्यस्थ विनियमन के आणविक तंत्र की जांच" 39.6 लाख रुपये।

प्रो. डी.के. सिंह (पीआई): एनएएसएफ (आईसीएआर), 2018-2021, "शहरी और पेरी-शहरी कृषि में सिंचाई के लिए उपयोग किए जाने वाले उच्च गतिशील प्रवाह वाले जल निकासी अपशिष्ट जल में मौजूद रासायनिक प्रदूषकों और उनके परिसरों का बायोमेडिएशन", लीड सेंटर - दिल्ली विश्वविद्यालय। 95.46 लाख रुपये

आयोजित संगोष्ठियां

दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस में एओजीआईएन-भारत के साथ "महिला स्वास्थ्य और कैंसर जागरूकता कार्यशाला" आयोजित की गई; 7 अप्रैल, 2017.

इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर माइक्रोबियल इकोलॉजी (आईएसएमई), दिल्ली के प्राणी विज्ञान विभाग और भारतीय नेटवर्क फॉर मृदा प्रदूषण अनुसंधान (आईएनएससीआर) विभाग के तहत "कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी (मेटा) जीनोमिक विश्लेषण" के लिए कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी पर आयोजित सम्मेलन कार्यशाला, दिल्ली विश्वविद्यालय; 26 सितंबर, 2017।

भारत के माइक्रोबायोलॉजिस्ट एसोसिएशन (एएमआई) और भारतीय नेटवर्क फॉर मृदा प्रदूषण अनुसंधान (आईएनएससीआर) के संगठन के तहत दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में जीनोम और मेटाजेनोम विश्लेषण के लिए शुरुआती कम्प्यूटेशनल टूल्स "पर आयोजित एएमआई-आईएनएससीआर कार्यशाला; 13 अक्टूबर, 2017.

दिल्ली के प्राणीशास्त्र विश्वविद्यालय के विभाग में पर्यावरण अध्ययन विभाग और प्राणीशास्त्र विभाग के तहत संयुक्त रूप से आयोजित (मेटा) जीनोमिक्स विश्लेषण के लिए कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी पर एक कार्यशाला आयोजित की गई; 22 नवंबर, 2017।

संगठित आईएसएमई-एएमआई-आईएनएससीआर प्री-कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप -2017 "भारत के माइक्रोबायोलॉजिस्ट एसोसिएशन (एएमआई) के एसोसिएशन के तहत कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी (मेटा) जीनोमिक्स विश्लेषण" पर, मृदा प्रदूषण अनुसंधान (आईएनएससीआर) के लिए भारतीय नेटवर्क, और अंतरराष्ट्रीय बाबा साहिब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में सोसाइटी फॉर माइक्रोबियल इकोलॉजी (आईएसएमई); 16 नवंबर, 2017.

केआईआईटी, भुवनेश्वर में कलींगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी एंड इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर माइक्रोबियल इकोलॉजी (आईएसएमई) के अंतर्गत "कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी के लिए कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी (मेटा) जीनोमिक्स विश्लेषण" पर आयोजित आईएसएमई राजदूत की मुलाकात और कार्यशाला - 2018 पर आयोजित; 3 मई, 2018।

आयोजित सम्मेलन / कार्यशाला

प्रो. आलोक सी. भारती: होटल क्लार्क अवध में एओजीआईएन-इंडिया वार्षिक सम्मेलन के दौरान "गर्भाशय ग्रीवा विज्ञान और एचपीवी परीक्षण" पर कार्यशाला; 8 सितंबर, 2017.

प्रोफेसर रूप लाल: दिल्ली के प्राणी विज्ञान विश्वविद्यालय, भारतीय नेटवर्क फॉर मृदा प्रदूषण अनुसंधान (आईएनएससीआर) के तहत "मानव स्वास्थ्य में सूक्ष्म-पौधे-पशु इंटरैक्शन की भूमिका" पर आईएनएससीआर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2017 (आईआईसी-2017), एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा जुलॉजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय; 26-28 सितंबर, 2017.

प्रो. रीना चक्रवर्ती: "स्टेरिल नर मॉथ्स के सर्वश्रेष्ठ अभ्यास मैनुअल विकसित करने पर फील्ड प्रदर्शन" पर कार्यशाला। खाद्य और कृषि में परमाणु तकनीक के संयुक्त एफएओ/आईएईए कार्यक्रम; पामरस्टन नॉर्थ, न्यूजीलैंड 17 मार्च, 2018.

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतियां

बक्शी, ए., और राय, यू., "चैनपंक्टाटस में लेप्टीन की अभिव्यक्ति में सेक्सुअल डीमोर्फिस्म", तुलनात्मक एंडोक्राइनोलॉजी में हालिया प्रगति पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी, मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज, चेन्नई; 29 नवंबर-1 दिसंबर, 2017. (मौखिक प्रस्तुति में लिए द्वितीय पुरस्कार प्राप्त)

बक्शी, ए.सी., "कैंसर स्टेम कोशिकाओं में एपी -1 गतिविधि का मुकाबला करके कर्क्यूमिन द्वारा गर्भाशय ग्रीवा कैंसर में रेडियोसिस्टेंस का लक्ष्यीकरण," गोवा में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी द्वारा आयोजित न्यूट्रस्यूटिकल्स और क्रोनिक रोगों पर दूसरा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, 02 सितंबर, 2017.

भारती, ए.सी., "गर्भाशय ग्रीवा स्क्रैप में एचपीवी परीक्षण के आणविक तरीके: विकल्प और अवसर", "गर्भाशय ग्रीवा विज्ञान और एचपीवी परीक्षण" पर एओजीआईएन-भारतीय कार्यशाला, एओजीआईएन-भारत वार्षिक सम्मेलन, लखनऊ; 08 सितंबर, 2017.

भारती, ए.सी., "एचपीवी संक्रमण, गर्भाशय ग्रीवा विज्ञानविज्ञान और गर्भाशय ग्रीवा कैंसरोजेनेसिस: मूल बातें", "गर्भाशय ग्रीवा विज्ञान और एचपीवी परीक्षण" पर ऑगिन-इंडिया कार्यशाला, एओजीआईएन-इंडिया वार्षिक सम्मेलन, लखनऊ; 08 सितंबर, 2017.

भारती, ए.सी., अतिथि संकाय व्याख्यान, "पुनर्जागरण चिकित्सा और कैंसर अनुसंधान में स्टेम सेल", मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली; 05 अक्टूबर, 2017.

भारती, ए.सी., आमंत्रित व्याख्यान, "पशु ऊतक संस्कृति: आधुनिक/चिकित्सा विज्ञान में योगदान", "पशु सेल संस्कृति: तकनीक और अनुप्रयोग" पर राष्ट्रीय कार्यशाला, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर; 18-24 जनवरी, 2018.

भारती, ए.सी., "गर्भाशय ग्रीवा कैंसर - एक निवारक जीवनशैली रोग जिसे रोकने में अभी तक सफलता नहीं मिली: संभावित चिकित्सकीय उद्देश्यों के लिए आणविक लक्ष्य", रोगों और दवाओं पर राष्ट्रीय सम्मेलन: उभरते रुझान और चुनौतियां" (एनसीडीडी-2018), पूर्ण सत्र 2: शारीरिक और लाइफस्टाइल रोगों के आण्विक तंत्र, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 31 जनवरी से 1 फरवरी, 2018.

भारती, ए.सी., अतिथि संकाय व्याख्यान, "एंटीबॉडी - संरचना और प्रकार, एंटीजन की प्रकृति, एंटीजन-एंटीबॉडी आधारित अनुप्रयोग- मूल और उन्नत", स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी. 10-12 फरवरी, 2018.

भारती, ए.सी., "कैंसर स्टेम सेल में एपी -1 गतिविधि का मुकाबला करने के माध्यम से कर्क्यूमिन द्वारा गर्भाशय ग्रीवा कैंसर में लक्ष्यीकरण रेडियोसिस्टेंस", बायोकेमिकल और बायोमेडिकल रिसर्च में प्रवृत्तियां: अग्रिम और चुनौतियां (टीबीबीआर-2018), जैव रसायन विभाग, विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, भारत, 13-15 फरवरी, 2018.

भारती, ए.सी., जैव प्रौद्योगिकी, जिवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर में एसओएस में आयोजित "पशु सेल संस्कृति: सेल संस्कृति आधारित वर्णन" पर डीबीटी कार्यशाला "डीएनए और प्रोटीन विश्लेषण में हालिया तकनीकों" के व्याख्यान पर आमंत्रित; 3 मार्च, 2018.

भारती, एसी, "गर्भाशय ग्रीवा कैंसर स्टेम सेल और चेमोरेसिस्टेंस के रखरखाव में वायरल ऑनकोप्रोटीन की भूमिका", पुनरुत्पादक दवाएं और क्रोनिक डिजेनेरेटिव रोग और स्वास्थ्य में ओमिक्स और बायोमार्कर्स की भूमिका (3.0 संस्करण), प्राणीशास्त्र विभाग, केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनंतपुरम, 10 मार्च, 2018.

चटर्जी, एम., और अग्रवाल, एन. "म्यूटेंट शिकारिंग के सेरिन अवशेषों का फॉस्फोरिलेशन ड्रोसोफिला में हंटिंगटन की बीमारी में चयापचय समारोह में योगदान", 58वां वार्षिक ड्रोसोफिला रिसर्च सम्मेलन, सैन डिएगो, सीए, यूएसए, 29 मार्च - 2 अप्रैल, 2017.

चक्रवर्ती, आर., "तालाब संस्कृति प्रणाली में लैबियो रोहिता पर आचार्यों के पूरक आहार के इम्यूनोस्टिम्यूलेशन गुणों का मूल्यांकन" एशियाई प्रशांत - एक्वाकल्चर 2017 वर्ल्ड एक्वाकल्चर सोसाइटी (डब्ल्यूएएस, यूएसए), कुआलालंपुर, मलेशिया द्वारा आयोजित; 24-27 जुलाई, 2017.

चक्रवर्ती, आर., "बर्फ ट्राउट के भ्रूण और लार्वा विकास सिजोथोरेक्स रिचार्डसोनी", मछली और शैल्फ़िश लार्वाइकल्चर संगोष्ठी "लार्वी 2017", आर्टेमिया रेफरेंस सेंटर, गेन्ट विश्वविद्यालय, गेन्ट, बेल्जियम; 4-7 सितंबर, 2017.

चौबे, पी., राणा, एम., बजाज, डी., और बसु-मोडक, एस., "विकासशील माउस भ्रूण में हेम मेटाबोलाइजिंग एंजाइम", इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ सेल बायोलॉजी, हैदराबाद; 27-31 जनवरी, 2018.

हावेरी, आर.वी., हंचनल, एस.जी., चंद्रशेखर, ज़ारिन, एम., खान, जेड., पाटिल, बी.वी., येल्शेट्टी, एस., और सेठ, आर.के., "लेग्यूम पॉड बोरर की गुणवत्ता द्रव्यमान पालन के लिए अर्द्ध सिंथेटिक आहार का अनुकूलन, कीटनाशक के लिए 'विरासत स्टेरिलिटी' तकनीक के रोजगार की दिशा में मारुकाविත्राटा (फैब्र।) (लेपिडोप्टेरा: क्रैम्बिडे)", कीट कीटों के क्षेत्रीय प्रबंधन पर तीसरा एफएओ-आईएईए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन: स्टेरिल कीट और संबंधित परमाणु और अन्य तकनीकों को एकीकृत करना (आईएईए-सीएन -248), खाद्य और कृषि, आईएईए, वियना, ऑस्ट्रिया में परमाणु तकनीक के संयुक्त एफएओ/आईएईए डिवीजन; 22-26 मई, 2017.

कुमारी, बी., बक्शी, ए., और राय, यू।, "सेक्स संबंधित और ऊतक-विशिष्ट भिन्नता और स्पोटेड स्नेकहेड में इसके रिसेप्टर्स", तुलनात्मक एंडोक्राइनोलॉजी में हालिया प्रगति पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी, मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज, चेन्नई; 29 नवंबर - 1 दिसंबर, 2017.

कुमारी, आर., रावत, के., और श्रीवास्तव, ए., " एंजियोजेनेसिस सहित मेलाटोनिन कैंसर की प्रगति में शामिल पैरामीटर का क्षीणन: म्यूराइन मॉडल में एक अध्ययन", "रोग और ड्रग्स: उभरते रुझान और चुनौतियां" पर राष्ट्रीय सम्मेलन प्राणीशास्त्र विभाग, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली; 31 जनवरी -1 फरवरी, 2018.

लाकरा, पी., अदिति, के., और अग्रवाल, एन., "ड्रोसोफिला में चयापचय गतिविधि में उत्परिवर्ती हंटिंगटिन की उभरती भूमिका", 25वां यूरोपीय ड्रोसोफिला रिसर्च सम्मेलन लंदन, ब्रिटेन; 22-25 सितंबर, 2017.

लाकरा, पी., अदिति, के., और अग्रवाल, एन., "न्यूरॉन्स से परे उत्परिवर्ती हनटिंगटिन का हानिकारक प्रभाव: ड्रोसोफिला में चयापचय गतिविधि में परिवर्तन", 58वां वार्षिक ड्रोसोफिला रिसर्च सम्मेलन, सैन डिएगो, सीए, यूएसए; 29 मार्च - 2 अप्रैल, 2017.

लाल, आर., विशेषज्ञ व्याख्यान, "जैव प्रौद्योगिकी: परिचय, अग्रिम और करियर विकल्प", "मूल और एप्लाइड साइंसेज में अग्रिम (एबीएएस-2017)", पर राष्ट्रीय सम्मेलन, स्कूल ऑफ बेसिक एंड एप्लाइड साइंस, कैरियर प्वाइंट यूनिवर्सिटी, हमीरपुर, 7 अप्रैल, 2017.

लाल, आर., अतिथि व्याख्यान, "ट्यूबरकुलोसिस के खिलाफ एंटीबायोटिक प्रतिरोध का मुकाबला", एक दिवसीय एएसएम-सीएमई में "एंटीबायोटिक प्रतिरोध: नवीनीकृत भय" पर बहुउद्देशीय हॉल, भारत अंतरराष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में; 16 अप्रैल, 2017.

लाल, आर., "माइक्रोबायोलॉजी में कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी की भूमिका", आईएसएमई राजदूत मीटिंग एवं कार्यशाला - 2017 "केआईआईटी, भुवनेश्वर में" मेटा के लिए कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी (मेटा) जीनोमिक्स विश्लेषण" 03 मई, 2017.

लाल, आर., मुख्य अतिथि पता, "बायोटेकसेलेंस: अंतर्दृष्टि और नवाचार", एड-ऑन कोर्स में "असीमित दुनिया के माइक्रोबायस के साथ असीमित दुनिया"; गर्गी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय 23 अगस्त, 2017.

लाल, आर., "मेटाजेनोमिक्स के प्रकाश में सूक्ष्म जीव विज्ञान में नया बदलाव: भविष्य के लिए दृष्टि" और "जीवाणुओं और मेटाजेनोमिक्स के लिए जीवाणु पॉलीफोरिक दृष्टिकोण अध्यन", एमएसएम मेटाजेनोम सूचना विज्ञान कार्यशाला, मलेशियन सोसाइटी फॉर माइक्रोबायोलॉजी, स्कूल ऑफ बायोसाइंसेस और बायोटेक्नोलॉजी, विश्वविद्यालय केबांगसन, मलेशिया; 13-16 सितंबर, 2017.

लाल, आर., "क्या हम माइक्रोबायोलॉजी के बिना जीवविज्ञान कर सकते हैं", मिरांडा हाउस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय; 18 सितंबर, 2017.

लाल, आर., पूर्ण व्याख्यान, "हेक्साक्लोरोक्लोक्लेक्सेन (एचसीएच) डंपससाइट और मणिकरण हॉट स्प्रिंग्स से तनावग्रस्त बैक्टीरिया और जीन का मेटाजेनोमिक विश्लेषण, आईएनएससीआर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, दिल्ली विश्वविद्यालय; 27 सितंबर, 2017.

लाल, आर., अतिथि व्याख्यान, "जीनोमिक्स और मेटाजेनोमिक्स के माध्यम से अनरीच्ड तक पहुंच", जैव प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय सम्मेलन: इनोवेशन के माध्यम से अन्वेषण (बीईटीआई), जैव प्रौद्योगिकी विभाग, हरियाणा का केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़, 13 नवंबर, 2017.

लाल, आर., "जीनॉमिक्स और मेटाजेनोमिक्स के माध्यम से अनरीच्ड तक पहुंच", डीबीटी प्रायोजित शॉर्ट-टर्म ट्रेनिंग कोर्स "पर्यावरणीय बहाली के लिए बायोमेडिएशन हेतु मेटाजेनोमिक टूल्स के अनुप्रयोग" एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ बायोटैक्नोलॉजी, 14 नवंबर, 2017.

लाल, आर., "कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी एंड बायोइनफॉरमैटिक्स इन माइक्रोबायोलॉजी", आईएसएमई-एएमआई-आईएनएससीआर प्री-कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ; 16 नवंबर, 2017.

लाल, आर., आमंत्रित व्याख्यान, "मिट्टी जैव विविधता और उत्पादकता का मूल्यांकन करने के लिए मेटाजेनोमिक दृष्टिकोण", भारत के माइक्रोबायोलॉजिस्ट एसोसिएशन (एएमआई-2017) और सतत विकास पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का 58वां वार्षिक सम्मेलन: स्कोप और एप्लीकेशन (एमएसडीएसए-2017), बाबा साहिब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ; 18 नवंबर, 2017.

लाल, आर., मुख्य व्याख्यान, "पॉलीकेटाइड सिंथेस जीन क्लस्टर का आनुवंशिक हेरफेर, एमीकोलोप्सिस्मिडिटेरनेनी एस699 का उत्पादन राइफामाइसिन बी एनालॉग", सोसाइटी ऑफ बायोलॉजिकल केमिस्ट्स, कन्वेंशन सेंटर, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली का 86 वां सम्मेलन; 19 नवंबर, 2017.

लाल, आर., पूर्णकालिक व्याख्यान, "जेनोमिक्स और मेटाजेनोमिक्स के माध्यम से अनरीच्ड तक पहुंच", द्वितीय हिमाचल प्रदेश विज्ञान कांग्रेस (एचपीएससी), हिमाचल प्रदेश विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण परिषद द्वारा आयोजित भारतीय हिमालयी क्षेत्र में सतत आजीविका के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी (हिमकोस्टे), शिमला; 20 नवंबर, 2017.

लाल, आर., आमंत्रित व्याख्यान (सलाहकार), "वैज्ञानिक नवाचार जिसने दुनिया और भारत को बदल दिया: पहले (1990 से पहले) और अब", 6ठा डीएसटी-इंस्पेयर इंटर्नशिप कैंप, पंजाब विश्वविद्यालय कैंपस, चंडीगढ़; 21 नवंबर, 2017.

लाल, आर., उद्घाटन व्याख्यान, "जीनोमिक्स और मेटाजेनोमिक्स के माध्यम से अदृश्य और अपरिवर्तित खोज", "माइक्रोबियल सिस्टमैटिक्स वी 2.0", माइक्रोबियल टाइप कल्चर कलेक्शन एंड जीन बैंक (एमटीसीसी), सीएसआईआर-माइक्रोबियल टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (सीएसआईआर-आईएमटेक) पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, चंडीगढ़; 11 दिसंबर, 2017.

लाल, आर. "माइक्रोबियम: पर्यावरण सफाई, जैव उत्पाद निर्माण और मानव स्वास्थ्य में माइक्रोबायोटा की भूमिका की खोज" पूर्ण व्याख्यान, "जैविक विज्ञान-द्वितीय (सीटीबीएस-2018) में वर्तमान प्रवृत्ति' पर यूजीसी राष्ट्रीय सम्मेलन विभाग, बायोसाइंसेस का स्नातकोत्तर विभाग, सरदार पटेल विश्वविद्यालय, गुजरात; 9 फरवरी, 2018.

लाल, आर. "जीवविज्ञान में कम्प्यूटेशनल टूल्स की भूमिका: क्या हम कम्प्यूटेशनल टूल्स और माइक्रोबायोलॉजी के बिना जीवविज्ञान कर सकते हैं?", "कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी और जीनोमिक्स और मेटाजेनोमिक्स में इसकी भूमिका" पर कार्यशाला, लाइफ साइंसेज सोसाइटी, हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली ; 15 फरवरी, 2018.

लाल, आर. "माइक्रोबिओम: पर्यावरणीय सफाई, जैव उत्पाद निर्माण और मानव स्वास्थ्य में माइक्रोबायोटा की भूमिका की खोज", आमंत्रित व्याख्यान, 30 वीं अखिल भारतीय कांग्रेस जूलॉजी और राष्ट्रीय संगोष्ठी 'सतत विकास के लिए प्राणीशास्त्र में अग्रिम', प्राणीशास्त्र विभाग , कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र; 16 फरवरी, 2018.

लाल, आर. "अनुसंधान, प्रयोगशाला, और छात्र प्रबंधन: हमारा अनुभव", "सुरक्षा उपायों और प्रयोगशाला नैतिकता" पर संगोष्ठी, आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज, डीबीटी स्टार कॉलेज योजना के अंतर्गत; 21-22 फरवरी, 2018.

लाल, आर. "डीएनए बारकोडिंग से परे: जीनोमिक्स और मेटाजेनोमिक्स के माध्यम से माइक्रोबियल फिंगरप्रिंट्स", उद्घाटन व्याख्यान, "फननल डाइवर्सिटी के आकलन में डीएनए बारकोडिंग पर हाथों-हाथ प्रशिक्षण", भारत का जूलॉजिकल सर्वे, मुख्यालय, कोलकाता; 5 मार्च, 2018.

लाल, आर. "इमर्जेंट माइक्रोबायम: बायोलॉजिकल साइंसेज में एक क्रांति", जीवविज्ञान में हालिया प्रवत्ति- 2018 प्राणीशास्त्र विभाग, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, गणेशखिंड, पुणे; 23 मार्च, 2018.

लाल, आर. "माइक्रोबायम का एक नया विज्ञान: स्वास्थ्य, पर्यावरण की सफाई और उद्योग में प्रभाव" अतिथि व्याख्यान, सरदार भगवान सिंह पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ बायोमेडिकल साइंस एंड रिसर्च, देहरादून; 30 मार्च, 2018.

लाल, आर. "सिलीएट प्रोटोज़ोन से बैक्टीरियल विविधता, जीनोमिक्स और मेटाजेनोमिक्स", उद्घाटन व्याख्यान, सिलीएट बायोलॉजी पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी (आईएससीबी-2018), भारतीय आवास केंद्र, नई दिल्ली, दिल्ली विश्वविद्यालय, खालसा कॉलेज द्वारा आयोजित; 4 अप्रैल, 2018.

नेगी, आर.के., "भारतीय हिमालय क्षेत्र में सतत आजीविका के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी"; अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में चेयर सत्र; हिमाचल प्रदेश में विज्ञान और प्रौद्योगिकी और पर्यावरण परिषद 20 - 21 नवंबर, 2017.

नेगी, आर.के., "मानव में सूक्ष्म-पौधे-पशु संपर्क की भूमिका" पर आधारित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईआईसी-2017) में कोच सत्र, जूलॉजी विभाग द्वारा आयोजित, दिल्ली विश्वविद्यालय, आईएनएससीआर बैनर के अंतर्गत; 26-28 सितंबर, 2017.

पाटिल, बी.वी., हंचिनल, एस.जी., खान, जेड, जरीन, एम., हवेरी, आर.वी., चंद्रशेखर, येलशेट्टी, एस., और सेठ, आर.के., "फूल वेबर, मरूकवित्राता (Fabr.) पर गामा विकिरण की प्रभावकारिता सुनिश्चित करना (लेपिडोप्टेरा: क्रेम्बीडा) भारत में पिजनपी कीट प्रबंधन के लिए पारंपरिक रूप से बाँझपन तकनीक स्थापित करने के लिए ",तीसरा एफएओ-आईएईए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन कीटों के क्षेत्र में व्यापक प्रबंधन: स्टेराइल कीट और संबंधित परमाणु और अन्य तकनीकों का घालमेल (आईएईए-सीएन-248), खाद्य और कृषि, आईएईए, वियना, ऑस्ट्रिया में परमाणु तकनीक के संयुक्त एफएओ/आईएईए डिवीजन; 22-26 मई, 2017.

राणा, एम., और बासु-मोडक, एस., "मध्य और देर से गर्भावस्था माउस भ्रूण और प्लेसेंटा में एंजियोजेनिक कारकों का इम्यूनोहिस्टोकेमिकल विश्लेषण" सेल जीवविज्ञान अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस, हैदराबाद; 27-31 जनवरी, 2018।

रावत, के., कुमारी, आर., और श्रीवास्तव, ए., "टिनसपोरा-मध्यस्थ प्रतिरक्षा के साथ कैंसर टमिंग: न्यूट्रोफिल की संभावित भूमिका", "रोग और औषधि: उभरते रुझान और चुनौतियां" पर राष्ट्रीय सम्मेलन, प्राणीशास्त्र विभाग, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली; 31 जनवरी- 1 फरवरी, 2018.

सक्सेना, के, श्रीवास्तव, ए, और कांत, आर, "अल्ट्राथिन आणविक छिद्रित पोलिलिनिन/ ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड का उपयोग कर बोवाइन सीरम में एस्कॉर्बिक एसिड के चिराल विश्लेषण", अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन औषध विकास एवं प्राकृतिक उत्पाद में उभरती प्रवृत्ति पर (ईटीडीएनएनपी 2018) रसायन विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय; 12-14 जनवरी 2018.

सेठ, आर.के., खान, जेड., राव, डी.के., ज़रीन, एम., और सेठ, आर., "एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में शुक्राणु व्यवहार, आर्थिक रूप से गंभीर भारतीय कीट, स्पोडोप्टेरिटिट्ुरा (फैब्र.) (लेपिडोप्टेरा: नोक्टाइडे) की जनसंख्या दमन के लिए रेडियो-जेनेटिक 'एफ1 स्टेरिलिटी तकनीक' की ऑपरेटिव दक्षता सुनिश्चित करने के लिए प्रयोगशाला और फील्ड साईमुलेटेड केजिस" कीटों के क्षेत्र में व्यापक प्रबंधन पर तीसरा एफएओ-आईएईए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन: घालमेल स्टेराइल कीट और संबंधित परमाणु और अन्य तकनीकों, (आईएईए-सीएन-248), खाद्य और कृषि, आईएईए, वियना, ऑस्ट्रिया में परमाणु तकनीक के संयुक्त एफएओ/आईएईए डिवीजन; 22-26 मई 2017.

सेठ, आर.के., पाटिल, बी.वी., हवेरी, आर.वी., हंचनल, एस.जी., ज़रीन, एम., खान, जेड, और सेठ, आर. "ब्रूचिड प्रजातियों के खिलाफ फसल उपरांत फाइटो-सेनेटरी उपचार के रूप में एक सामान्य विकिरण खुराक स्थापित करना (कोलोप्टेरा : क्राइसोमेलिडे) उपद्रवी फलियां", कीट कीटों के क्षेत्रीय प्रबंधन पर तीसरा एफएओ-आईएईए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन: स्टेरिल कीट और संबंधित परमाणु और अन्य तकनीकों (आईएईए-सीएन-248) को एकीकृत करना, खाद्य में परमाणु तकनीक के संयुक्त एफएओ/आईएईए डिवीजन और कृषि, आईएईए, वियना, ऑस्ट्रिया; 22-26 मई 2017.

सेठ, आर.के., सिंह, के., सिंह, सी.के., और लैनबिली, पी., "कुछ मापदंडों को सुनिश्चित करना जो मॉथ की प्रजनन फिटनेस को प्रभावित कर सकते हैं, जो रेडियो-जेनेटिक एफ1 स्टेरिलिटी तकनीक में नियत कीट के दमन के लिए नियोजित हो सकते हैं, स्पोडोपटेरा लिटुरा (फैबर)", सीआरपी पर द्वितीय एफएओ/आईएईए रिसर्च समन्वय बैठक," एसआईटी कार्यक्रमों में सफलता सुनिश्चित करने के लिए स्टेरिल पुरुष लेपिडोप्टेरा के बेहतर क्षेत्र प्रदर्शन', पामरस्टन नॉर्थ, न्यूजीलैंड; 12-16 मार्च, 2018.

श्रीवास्तव, ए., पी. पुणे विश्वविद्यालय, पुणे के शिक्षण और शिक्षण केंद्र की एमएचआरडी की योजना के अंतर्गत प्राणी विज्ञान विभाग, "एक नजर में इम्यूनोलॉजी" पर दो दिवसीय संगोष्ठी/कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति; 1-3 मार्च 2018.

सिंह, ए., अदिति, के. और अग्रवाल, एन., "हंटिंगटन रोग के ड्रोसोफिला मॉडल में लिपिड होमियोस्टेसिस को विनियमित करने वाले प्रमुख चयापचय जीन की भूमिका को समझना" 59वें वार्षिक ड्रोसोफिला रिसर्च सम्मेलन, फिलाडेल्फिया, यूएसए; 11-15 अप्रैल, 2018.

श्रीवास्तव, ए., "कैंसर और प्रतिरक्षा प्रणाली के बीच क्रॉसटाक: महान क्षमता वाला एक लिंक", "रोग और औषधि: उभरते प्रवत्ति और चुनौतियां" पर राष्ट्रीय सम्मेलन, जूलोजी विभाग, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली; 31 जनवरी-1 फरवरी, 2018.

त्रिपाठी, एम., और राय, यू., "दीवार छिपकली के अंडाशय में वृद्धि/भिन्नता कारक 9: फॉलिक्युलोजेनेसिस में इसकी संभावित भूमिका", तुलनात्मक एंडोक्राइनोलॉजी, मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज, चेन्नई में हालिया प्रगति पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी; 29 नवंबर - 1 दिसंबर, 2017.

लाल, आर., "जीनोमिक्स और मेटाजेनोमिक्स के माध्यम से अदृश्य और अपरिवर्तित अन्वेषण", "जीनोमिक्स एंड प्रोटीमिक्स: मेथड्स एंड एप्लिकेशंस" पर निरंतर शिक्षा कार्यक्रम, आण्विक जीवविज्ञान विभाग, रक्षा विज्ञान संस्थान और संबद्ध विज्ञान संस्थान, डीआरडीओ, दिल्ली; 28 नवंबर 2017.

लाल, आर., "कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी एंड बायोइनफॉरमैटिक्स इन माइक्रोबायोलॉजी" की भूमिका, "पर्यावरण पर अध्ययन (मेटा) जीनोमिक्स विश्लेषण के लिए कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी" संयुक्त रूप से पर्यावरण अध्ययन विभाग और प्राणीशास्त्र विभाग, प्राणीशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ; 22 नवंबर 2017.

अन्य संस्थागत सहयोग

प्रोफेसर रुप लाल: ऊर्जा और संसाधन संस्थान (टीईआरआई), नेशनल बॉटेनिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट (एनबीआरआई), इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टोक्सिकोलॉजी रिसर्च (आईआईटीआर) और रामजस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से डीबीटी वित्त पोषित परियोजना।

प्रो. रीना चक्रवर्ती: डीबीटी, भारत - बीबीएसआरसी, यूके (2016-2017) "अल्टरनेटिव ससटेनेबल फिश फीड का विकास का नोवल गैर-पारंपरिक स्वदेशी अवयवों का उपयोग करके मानव स्वास्थ्य को बढ़ावा" सहयोगी: भारत- गोवा विश्वविद्यालय, केरल विश्वविद्यालय मत्स्यपालन, दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय; यूके: स्टर्लिंग विश्वविद्यालय, समुद्री विज्ञान के लिए स्कॉटिश एसोसिएशन; अफ्रीका: सोकोइन कृषि विश्वविद्यालय, केन्या का एक्वा सांस्कृतिक संघ, मत्स्यपालन विभाग।

विस्तार और पहुँच गतिविधियां:

प्रो. शिबनाथ मजूमदार: 04.03.2018 को हैंडिक कॉलेज, गुवाहाटी में डीबीटी-स्टार कॉलेज कार्यक्रम के अंतर्गत मछली इम्यूनोलॉजी पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन।

प्रो. रीना चक्रवर्ती: 1 नवंबर, 2017 को डीडी किसान चैनल, भारत सरकार पर "शीतकालीन मछलियों के स्वास्थ्य प्रबंधन" पर चर्चा में एक मत्स्य विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

प्रो. रीना चक्रवर्ती: 21 जुलाई, 2017 को डीडी किसान चैनल, भारत सरकार पर "बारिश के मौसम में पशु स्वास्थ्य प्रबंधन" पर चर्चा में एक मत्स्य विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

प्रो. आलोक सी. भारती और प्रोफेसर अंजू श्रीवास्तव: 7 अगस्त, 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय महिला संघ, दिल्ली विश्वविद्यालय में एओजीआईएन-भारत और मिरांडा हाउस के साथ "महिला स्वास्थ्य और कैंसर जागरूकता शिविर" आयोजित किया।

प्रो. उमेश राय: पशु (कृंतक) हैंडलिंग, रखरखाव और प्रजनन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। एंडोक्राइन ग्रंथियों का प्रदर्शन किया गया था और विभिन्न शारीरिक कार्यों के हार्मोनल नियंत्रण को समझने के लिए प्रयोग दिखाए गए। बीएससी (एच) के छात्र मैत्रेय कॉलेज से जूलॉजी और जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज ने डॉ ब्रोटोटी रॉय (मैत्रेय कॉलेज) और डॉ सुनील कुमार (जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज) के नेतृत्व में कार्यक्रम में भाग लिया।

एम.फिल/पीएच.डी. पुरस्कृत: पीएच.डी. - 26; एम.फिल - 8

शिक्षकों की सख्ंया

स्थायी - 18

***

सामाजिक विज्ञान संकाय

प्रौढ़, सतत शिक्षा और विस्तार

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

विभाग 1985 से सोशल साइंसेज के संकाय का हिस्सा है। इसकी शुरुआत 1978 में एक सेल के रूप में हुई थी। विभाग लाइफलॉन्ग लर्निंग एंड एक्सटेंशन में एमए प्रदान करता है। इसमें एम.फिल और पीएचडी कार्यक्रम भी हैं। विभाग के संकाय और छात्रों के कार्यक्रम के लिए जर्मनी के वुर्जबर्ग विश्वविद्यालय के साथ एक समझौता है। इस समझौते के अंतर्गत 6 विद्यार्थी के पहले बैच, 11 विद्यार्थी के दूसरे बैच, 10 विद्यार्थी और एक संकाय के साथ 4 विद्यार्थी ने 2015, 2016, 2017 और फरवरी 2018 में प्रत्येक अवसर पर भाग लिया। वुर्जबर्ग विश्वविद्यालय के

विद्यार्थियों ने भी शरद ऋतु स्कूल, सितंबर, 2017 में प्रौढ़ निरंतर शिक्षा विभाग और दिल्ली के विस्तार विश्वविद्यालय का दौरा किया। विभाग ने छात्रों और सामुदायिक लोगों के लिए अपने व्यक्तिगत हितों को आगे बढ़ाने और कौशल प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के लिए अल्पकालिक पाठ्यक्रमों का एक अनूठा कार्यक्रम विकसित किया है। इसके कुछ लोकप्रिय पाठ्यक्रम यात्रा और पर्यटन और परामर्श और मार्गदर्शन हैं।

सम्मान/ विशेष सम्मान

प्रोफेसर वी. के. दीक्षित को अधिष्ठाता, सामाजिक विज्ञान संकाय के रूप में नियुक्त किया गया है।

प्रो. वी. के. दीक्षित को स्थायी समिति, अकादमिक परिषद, दिल्ली विश्वविद्यालय के रूप में नियुक्त किया गया है।2018.

प्रो. प्रकाश नारायण और प्रोफेसर राजेश ने फरवरी 2018 में वुर्जबर्ग युनिवर्सिटी, जर्मनी में मेंटर्स के रूप में दौरा किया।

फरवरी, 2018 में 4 विद्यार्थियों ने जर्मनी के वुर्जबर्ग विश्वविद्यालय के शीतकालीन कार्यशाला में भाग लिया।

प्रोफेसर जे. पी. दुबे को दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म में सम्मानित निदेशक नियुक्त किया गया था।

विभाग डीयू प्रवेश 2018 के लिए ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए एक परिषद और मार्गदर्शन केंद्र स्थापित करता है।

प्रकाशन

चौहान, ए., बाक, एच., सुब्बास्वामी, एस., और दीक्षित, वी. के. (2017). लाइफलोंग लर्निंग एंड स्किल डेवलपमेंट पॉलिसीज एंड प्रोग्राम्स: भारत और दक्षिण कोरिया के बीच एक प्रतियोगिता। आर. एग्जेनेमेगर और एम. फेडेली (प्रका.), प्रौढ़ शिक्षा और कार्य संदर्भों में: अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण और चुनौतियां, 2017 वुर्जबर्ग शीतकालीन विद्यालय से तुलनात्मक दृष्टिकोण, (पृष्ठ 41-60), न्यूयॉर्क, यूएसए: पीटर लैंग जीएमबीएच।

राजेश और नीतीश (2018). भारत में मार्जिनलाइज्ड ग्रुप के लिए नवाचार और अवसर, सामुदायिक शिक्षण केंद्रों के अनुभव। इंडिया जर्नल ऑफ एडल्ट एजुकेशन, 9(3), 104-120.

राजेश (2017). भारत में सामाजिक रक्षा और बुजुर्ग आबादी का प्रतिमान। राष्ट्रीय रक्षा संस्थान, 1(2), 1-16.

राजेश (2017). ट्रांसजेंडर - सोशल डिफेंस में भारत में सामाजिक बहिष्कार से रोजगार की ओर तीसरा लिंग। राष्ट्रीय रक्षा संस्थान, 313-32.

दुबे, जे. पी. (2017). उच्च शिक्षा में व्यावसायिक क्षमता: उच्च शिक्षा में जीवनभर सीखने के लिए रक्षा गुणवत्ता प्रबंधन और सामाजिक जिम्मेदारी। एस. एस. रावत (प्रका.) में (पीपी 1-13) आगरा, उत्तर प्रदेश: राखी प्रकाशन.

सिसोदिया, वी., और आनंद, एन. (2017). उच्च शिक्षा में प्रैक्टियम। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मल्टीडिशप्लीनरी एजुकेशनल रिसर्च, 6(6), 139-154.

श्रीवास्तव, एस., और सिसोदिया, वी. (2017). दिल्ली विश्वविद्यालय, उत्तरी परिसर में युवा वयस्कों के बीच पदार्थों के दुरुपयोग पर एक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मल्टीडिशनलरी एजुकेशनल रिसर्च, 6(6), 139-154.

सिसोदिया, वी., और गोस्वामी, डी. (2017). ई-रिक्शा की भूमिका के बाद दिल्ली के रिक्शा खींचने वालों की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों को समझना। इंडियन जर्नल ऑफ एडल्ट एजुकेशन, 8(02), 40-51.

अनुसंधान परियोजनाएं

क्र.सं.	अनुदान एजेंसी	परियोजनाओं का नाम	वर्ष	प्राप्त अनुदान

1	यूजीसी (जर्मन अकादमिक विनिमय सेवा (डीएएडी) और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) में उच्च शिक्षा में भारत-जर्मन साझेदारी	वयस्क और आजीवन शिक्षा: भारत और जर्मन अंतर्दृष्टि	2016-2020	€ 118140/- (88,00,000/- रुपये)

संगोष्ठियों का आयोजन :

शरद ऋतु स्कूल 16 - 30 सितंबर, 2017

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

लाइफेलॉन्ग लर्निंग एंड एडल्ट एजुकेशन प्रोफेशनल पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, जर्मनी के वुर्जबर्ग, जर्मनी में 16-17 फरवरी, 2018.

प्रोफेसर राजेश इतिहास, संस्कृति और साहित्य पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एक मुख्य अतिथि थे - अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित मार्जिन पढ़ना और अंग्रेजी विभाग - स्वामी श्रद्धानन्द कॉलेज द्वारा 24 - 28 फरवरी, 2017.

28.2.2017 को करियर काउंसलिंग और लाइफ स्किल्स बिल्डिंग पर कालिंदी कॉलेज में आमंत्रित व्याख्यान।

प्रो. जे. पी. दुबे ने 22 फरवरी, 2017, जम्मू विश्वविद्यालय में ग्रामीण विकास और विस्तार पर एक महत्वपूर्ण व्याख्यान दिया।

जम्मू विश्वविद्यालय में 22-23 फरवरी, 2017 को लाइफेलॉन्ग लर्निंग एंड सस्टेनेबल ग्रामीण विकास पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

वंदना सिसोदिया और श्वेता तिवारी ने प्रगतिशील भारत में महिला अधिकारों और जिम्मेदारियों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में महिलाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने में आईसीटी की भूमिका पर प्रस्तुत किया: एक प्रवचन, 23-24 मार्च, 2017 को पत्रकारिता विभाग में कलिंडी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय। मार्च 2017.

विद्यार्थियों के शिक्षकों की भागीदारी और निर्णय पेपर प्रस्तुति। "21 फरवरी, 2017 को एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, साकेत, नई दिल्ली में छात्रों को बढ़ावा देने में शिक्षकों को सशक्त बनाने के राजदूत के रूप में शिक्षकों को सशक्त बनाने" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

वंदना सिसोदिया ने दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच स्वच्छ भारत मिशन, पर्यावरण चुनौतियों पर तीसरे राष्ट्रीय संगोष्ठी में उत्तर कैंपस के बारे में जागरूकता के एक अध्ययन पर पेपर प्रस्तुत किये: दिल्ली के देश बंधु कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 31 मार्च, 2017.

विद्यार्थियों के शिक्षकों की भागीदारी और निर्णय पेपर प्रस्तुति। "21 फरवरी, 2017 को एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, साकेत, नई दिल्ली में छात्रों को बढ़ावा देने में शिक्षकों को सशक्त बनाने के राजदूत के रूप में शिक्षकों को सशक्त बनाने" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

प्रगतिशील भारत में महिलाओं के अधिकारों और जिम्मेदारियों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया: एक प्रवचन, 23-24 मार्च 2017. पत्रकारिता विभाग कालिंदी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय। मार्च, 2017।

पर्यावरण चुनौतियों पर तीसरे राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया: अगला जनरेशन, देशबंधु कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय. 31 मार्च 2017.

शिक्षक शिक्षा पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया : सीआईई, शिक्षा विभाग, और दिल्ली विश्वविद्यालय में वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की संभावनाएं। 10 -11 मार्च, 2017

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

हां, जेएम विश्वविद्यालय, वुर्जबर्ग, जर्मनी के साथ इंडो जर्मन परियोजना समझौता ज्ञापन

आदान-प्रदान के अंतर्गत छात्र

हां, जेएम विश्वविद्यालय, वुर्जबर्ग, जर्मनी के साथ

वुर्जबर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी के 2016-17 में दौरे के लिए चयनित छात्रों की सूची (संकाय- प्रो वी के दीक्षित)

क्र.सं.	**नाम**	**पाठ्यक्रम**	**श्रेणी**	
1	अनिल कुमार	एमए भाग- I	ओबीसी	
2	डोनीका अरोड़ा	एमए भाग- II	ओबीसी	
3	जस्कीरत कौर	एमए भाग-I	सामान्य	
4	निधि शर्मा	एमए भाग- I	सामान्य	
5	निर्मल कौर	एमए भाग -I-	आईसी	
6	रजनीश जिंदल	एमए भाग- I	सामान्य	
7	अशोक कुमार	पीएच.डी.	अन्य पिछड़ा वर्ग	
8	भारती मीना	एम. फिल	एसटी	विश्वविद्यालय वुर्जबर्ग जर्मनी के दौरे के
9	निधि	पीएच.डी.	सामान्य	लिए चयनित छात्रों की सूची (प्रोफेसर प्रकाश 10
	नीतीश आनंद	एम.फिल	सामान्य	नारायण और प्रोफेसर राजेश)

क्र.सं.	**नाम**	**पाठ्यक्रम**	**श्रेणी**	
1	कमल सिंह राठौर	एमए एलएलएल (सेम.IV)	सामान्य	
2	पूज यादव	एमए (सेम II)	ओबीसी	
3	अभिषेक कुमार मिश्रा	एम.फिल	सामान्य	विस्तार और अभिगम्य
4	रोहित नैनवाल	एम.फिल	एससी	कार्यकलाप

'सामग्री के संदर्भ' के संबंध में समझ बनाने का महत्व प्रौढ़ निरंतर शिक्षा और विस्तार विभाग के क्षेत्र कार्य अभ्यास में परिलक्षित होता है। विभाग अपनी विस्तार गतिविधियों पर ध्यान देते हुए समुदाय और इन समुदायों के हिट में कार्यरत संगठनों के साथ घनिष्ठ संबंध कायम करने में विश्वास करता है। पिछले कई वर्षों में विभाग ने अपने छात्रों को सुकर करने के लिए गैर सरकारी संगठनों और नागरिक समाज संगठनों के साथ पारस्परिक हित की समझ बना ली है। अकादमिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक अनुभव इसके हस्तक्षेप कार्यक्रमों में अच्छी तरह से परिलक्षित होता है। छात्र इंटर्नशिप और समवर्ती क्षेत्र कार्य कार्यक्रम के लिए निम्नलिखित नागरिक समाज संगठनों में जाते हैं।

प्रदत्त एम.फिल. / पीएच.डी की संख्या

पीएचडी .: 06 (2017-2018)

एम.फिल: 05 (2017-2018)

संकाय संख्या

स्थायी - 06

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

अंतर्राष्ट्रीय शरद स्कूल - 2017

विभाग पत्रकारिता में पांच साल का एकीकृत पाठ्यक्रम प्रदान करता है

विभाग साइबर सुरक्षा और विधि में एक वर्ष का स्नातकोत्तर डिप्लोमा भी प्रदान करता है।

***

अफ्रीकी अध्ययन

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

अफ्रीकी अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, जिसका गठन 6 अगस्त, 1955 को हुआ, ने 2005 में अपनी स्थापना के पचास वर्ष समारोह आयोजित किया । भारत के प्रथम प्रधानमंत्री (स्वर्गीय) पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा स्थापित विभाग की विशेषज्ञता इतिहास, राजनीति, सोसायटी, अर्थव्यवस्था, भूगोल और अफ्रीकी मामलों पर साहित्य में है।

विभाग सक्रिय रूप से विद्वानों को शोध करने के लिए शिक्षण और प्रशिक्षण में संलग्न है। एम.फिल. और पीएच.डी विद्वानों को अफ्रीका के प्रासंगिक मुद्दों और विषयों पर अनुसंधान करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है और गुणवत्ता वाले शोध पत्र तैयार किए जाते है। अभी तक विभाग ने 403 विद्वानों को एम.फिल डिग्री और 102 विद्वानों को पी.एचडीई डिग्री से सम्मानित किया है। इसके अलावा, विभाग पूर्वी अफ्रीका में बोली जाने वाली प्रमुख अफ्रीकी भाषा में से एक स्वाहिली की शिक्षा भी देता है। अभी तक 200 से अधिक छात्रों को स्वाहिली भाषा में डिप्लोमा और प्रमाण पत्र दिया गया है। उनमें से कई अफ्रीका में अपने व्यवसाय कर रहे लोगों के लिए अनुवाद और व्याख्या का कार्य कर रहे हैं।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने 2005 में, विभाग के भीतर अफ्रीकी अध्ययन केंद्र स्थापित किया। यूजीसी द्वारा दिए गए अनुदान से , विभाग पुस्तकालयों के लिए पुस्तकें और जर्नल खरीदने के अलावा सेमिनार, सम्मेलन और विशेष व्याख्यान जैसे अकादमिक गतिविधियों को पूरा करने में सक्षम रहा है। इसके अलावा, संकाय सदस्यों को अफ्रीका जाने और क्षेत्र का अनुभव को हासिल करने के लिए अनुदान दिया गया । अनुदान का हिस्सा पीएच.डी विद्वानों को अनुसंधान के लिए डेटा एकत्र करने के लिए अफ्रीका जाने के लिए वित्तीय सहायता करने के लिए आवंटित किया गया।

विभाग उपलब्धता के आधार पर समय-समय पर परियोजनाएं करता है। विभाग द्वारा की गई परियोजनाओं में से एक है हैशिम मोबिता प्रोजेक्ट, जिसका प्रायोजन दक्षिणी अफ्रीका विकास समुदाय (एसएडीसी) ने भारत, एनएएम में काम करने और दक्षिणी अफ्रीका की आजादी में इसकी भूमिका के लिए है।

विभाग अपने स्थापित विभिन्न अध्ययन समूहों में भारत अफ्रीका संबंधों, दक्षिण अफ्रीका पर अध्ययन समूह, मानव अधिकार, शरणार्थियों और सूडान अध्ययन यूनिट जैसे अध्ययन समूहों जैसे चयनित मुद्दों पर गहन अध्ययन और अनुसंधान करता है।

प्रकाशन

कुमार,एस. (2017). जीएसटी एक परिवर्तन के रूप में. ए. अग्रवाल (ईडी.), वस्तु और सेवा कर का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव (पृष्ठ 174-177). दिल्ली, भारत: न्यू सेंचुरी प्रकाशन।

मोरक्को-क्यूबा-प्रतिक्रिया पर भारत का मत, एमएपीई [0007] 24/04/2017 16 एच 25: एमएपी 241525।

बाबाजी, एच., और कुमार, एस. (2017). पश्चिम अफ्रीका में छोटे हथियारों का प्रसार और विवाद. अमेरिका: लैम्बर्ट अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन।

एमएपीई हिंदी और स्वाहिली लोक कथाएं, ग्लोबल थॉट, मई 2017, आईएसएसएन संख्या 2456-0898.

पाठक, वी. (ईडी.). (2018). एक वैश्विक शक्ति के रूप में भारत की संकल्पना : संभावनाएं और चुनौतियां. लंदन और न्यूयॉर्क: रूटलेज, टेलर और फ्रांसिस।

पाठक, वी. (2018). भारतीय डायस्पोरा: 21 वीं शताब्दी में भारतीय विदेश नीति के लिए एक सामरिक संपत्ति. एस. के. रागी, एस. सोंधी और वी. पाठक (ईडी.), एक वैश्विक शक्ति के रूप में भारत की संकल्पना: संभावनाएं और चुनौतियां, लंदन और न्यूयॉर्क : रूटलेज , टेलर और फ्रांसिस।

कपूर, आर. (2017). कमोडिटी एक्सचेंज से सांस्कृतिक कूटनीति: हिंद महासागर व्यापार नेटवर्क का मामला. वैश्विक विचार, 12-18।

कपूर, आर., और चरण, जी. एस. (2017). मिस्र के विशेष संदर्भ में नाइल नदी के जल-साझा विवाद. वैश्विक विचार, 184-191।

कपूर, आर., और सिंह, जी. (2017). हिंदी और स्वाहिली लोक-कथाएँ : विचार और जीवन शैली की समानता का प्रदर्शन . वैश्विक विचार,, 192-195।

कपूर, आर. (2017). भारत और इथियोपिया के बीच सांस्कृतिक संलग्नताएँ और समानताएं. असाधारण और प्लेनीपोटेन्टिअरी डिप्लोमैटिस्ट (विशेष रिपोर्ट)।

कपूर, आर. (2017). क्या जलवायु समझौता अफ्रीका को जलवायु परिवर्तन से उत्पन हुई समस्याओं से निजात दिलाने में सक्षम हो सकता है? नवीन शोध संसार, 3(20), 298-300.

पेरिस करार 2015 और अफ्रीकी धारणाएं. (2017). जलवायु परिवर्तन और आपदा प्रबंधन. कार्यवाहियां यूजीसी, सीपीडीएचई, एचआरडीसी. दिल्ली: शिवालिक प्रकाशन।

कपूर, आर., और कपूर, एस. (2017). अफ्रीकी प्रोडोनोवा, अफ्रीकी लचीलापन और आज का अफ्रीका. भारतीय अफ्रीकन अध्ययन जर्नल, 22 (1 और 2), 109-125.

दाश, एस. (2017). अफ्रीकन यूनियन की अफ्रीका में क्षेत्रीय पुनरुत्थान: संभावनाएं और चुनौतियां , नई दिल्ली: विज बुक्स।

दाश, एस. (2018). धर्मनिरपेक्षता के वैश्विक अनुभव का मानचित्रण: एक भारतीय परिप्रेक्ष्य. पी. सिंह (ईडी.), न्यू इंडिया: राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य के लिए राजनीति, नई दिल्ली:रूपा।

दाश, एस. (2017). भारत-अफ्रीका संबंध : मुद्दे और प्राथमिकताएं. एस. के. रागी, एस. सोंधी और वी. पाठक (ईडी.), एक वैश्विक शक्ति के रूप में भारत की संकल्पना : संभावनाएं और चुनौतियां, लंदन और न्यूयॉर्क : रूटलेज।

जर्नल

डॉ. गजेंद्र सिंह-वैश्विक विचार-मंथन

डॉ. विधान पाठक- सिग्नेज एंड डिप्लोमैटिस्ट

डॉ. संदीपनी दाश इंडियन जर्नल ऑफ़ अफ्रीकन स्टडीज

अनुसंधान परियोजनाएँ

अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान परियोजनाएँ

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् -राष्ट्रीय मानविकी और सामजिक विज्ञान संस्थान (आईसीएसएसआर-एनआईएचएसएस)- भारत और दक्षिण अफ्रीका में धर्म, योग और शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय संयुक्त परियोजना (2016-2018) प्रोफेसर सुरेश कुमार मुख्य समन्वयक हैं।

दक्षिणी परिप्रेक्ष्य में अफ्रीकी और ब्राजील ज्ञान, प्रथाओं, शिक्षा और इतिहास पर यूनेस्को अनुसंधान समूह, पोर्टो विश्वविद्यालय, ब्राजील, 2012-जारी ।

आयोजित सेमिनार

प्रोफेसर आर. मुकंदला, उप-कुलपति, दार-ए-सलाम विश्वविद्यालय (यूडीएसएम), तंजानिया ने 9 अक्तूबर, 2017 को प्रातः 11.30 बजे "अफ्रीकी राजनीति में समकालीन रुझान" पर वार्ता की।

डॉ. दवेन्द्र राजवत, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, मेट्रो एसडीए अस्पताल लिमिटेड, किटवे, जाम्बिया ने 23 जनवरी, 2018 की " जाम्बिया की स्वास्थ्य और शिक्षा प्रणाली " पर वार्ता की।

प्रोफेसर केनेथ किंग, अफ्रीकी अध्ययन और शिक्षा स्कूल, एडिनबर्ग विश्वविद्यालय ने "समकालीन अफ्रीका" पर दिनांक 2 फरवरी, 2018 को वार्ता की।

आयोजित सम्मलेन (अंतर्राष्ट्रीय)

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जान-जाति विधायकों और सांसद मंच द्वारा 'अंतर्राष्ट्रीय अंबेडकर सम्मेलन: संविधान, शिक्षा, कौशल विकास, अर्थव्यवस्था और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जान-जाति उद्यमियों" पर विज्ञान भवन, नई दिल्ली में , 27-28 नवंबर 2017 को आयोजित सम्मलेन।

समावेशी जनजातीय जनसमूह : भारत और अफ्रीका के अनुभव साझा करना, हॉल नंबर 4, विज्ञान भवन, नई दिल्ली, मौलाना आजाद रोड, में 22 फरवरी, 2018 को आयोजित सम्मलेन।

सेमिनार/सम्मलेन में प्रस्तुति

प्रोफ़ेसर सुरेश कुमार ने डीआरपीएसईसीटी, वडोदरा, सीओएल और एसओएल, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा योग के माध्यम से स्व-उत्तरदायित्व, सृजनात्मक सोसायटी निर्माण हेतु सामाजिक उत्तरदायित्व विषय पर आयोजित भारतीय इंडिक अध्ययन सोसायटी के अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन में परिवर्तनकारी नेतृत्व के लिए अनुप्रयुक्त पुरातन ज्ञान पर , 20-22 फरवरी 2018 को शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रोफ़ेसर सुरेश कुमार ने अफ्रीका और यूरेशिया में सहभाजन विकास अनुभव पर केंद्रीय यूरेशियन अध्ययन केंद्र और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र द्वारा 19-20 फरवरी 2018 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में लोकतंत्र राष्ट्रीयता, लोकतंत्र अधिकार का विकास और इरीट्रिया में राष्ट्र निर्माण विषय पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रोफ़ेसर सुरेश कुमार ने सीएफपी के दक्षिण सहयोग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन: भारत -अफ्रीका सम्मलेन में खाद्य सुरक्षा और क्षमता निर्माण हेतु साझेदारी पर अफ्रीकाई अध्ययन केंद्र, मुंबई, विश्वविद्यालय और गाँधी-मंडेला अफ्रीकी अध्ययन केंट्र द्वारा, आब्जर्वर अनुसंधान फाउंडेशन में 23-24 जनवरी 2018 को आयोजित कृषि विकास के इथियोपिया मॉडल और भारतीय पब्लिक-प्राइवेट क्षेत्र की भूमिका विषय पर प्रस्तुति दी ।

प्रोफ़ेसर ए.एस. यरुयंगम ने अफ्रीका में भूमि पर एशियाई टायकून्स निवेश पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन में मिथक अथवा वास्तविकता पर, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, दिल्ली में 15-17 फरवरी, 2018 को शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रोफ़ेसर ए.एस. यरुयंगम ने पैन-अफ्रीकी इ-नेटवर्क: भारत के परिप्रेक्ष्य से-अफ्रीकी संबंध पर मुंबई में 19-20, फरवरी, 2018 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन में शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर ए.आर. जरुयंगम ने पैन अफ्रीका एन ई-नेटवर्क:चुनौतियों और संभावनाओं के कार्यान्वयन पर 8 फरवरी, 2018 को मद्रास विश्वविद्यालय द्वारा 15-17 मार्च, 2018 को मणिपुर में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में "सामाजिक परिवर्तन की आवश्यकता " पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

डॉ. गजेंद्र सिंह ने केंद्रीय यूरेशियन अध्ययन और अफ्रीकाई अध्ययन केंद्र, मुंबई विश्वविद्यालय और आब्जर्वर अनुसंधान फाउंडेशन मुंबई द्वारा दक्षिणी अफ्रीका के खोइसन समुदाय की सोसाइटी और संस्कृति पर मुंबई विश्वविद्यालय में 19-20 फरवरी, 2018 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में अफ्रीका और यूरेशिया में विकास अनुभवों के सहभाजन पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

गाँधी और अंबेडकर के पुनर्वलोकन पर " दक्षिण अफ्रीका में गाँधी और उनके सत्याग्रह" शीर्षक पर 24 अक्तूबर, 2017 को सत्यवती महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. गजेंद्र सिंह ने पूर्वी अफ्रीका मूल्य, आचार और पस्ट्रोरल समुदाय सोसायटी" पर 22 फरवरी, 2018 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन में भाग लिया और शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

विधान पाठक ने केंद्रीय यूरेशियन अध्ययन और अफ्रीकाई अध्ययन केंद्र, मुंबई विश्वविद्यालय और आब्जर्वर अनुसंधान फाउंडेशन मुंबई द्वारा दक्षिणी अफ्रीका के खोइसन समुदाय सोसाइटी और संस्कृति पर मुंबई विश्वविद्यालय में 19-20 फरवरी, 2018 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में रूस-लीबिया संबंध: भूरणनीतिक परिप्रेक्ष्य पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

विधान पाठक ने "एकीकरण मानविकता मत की समकालीन विश्व में संगतता" पर अविभाज्य हिन्दुवाद: एक दृष्टि और मिशन पर राजनीति विज्ञान विभाग, महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् के सहयोग से 5-6 जनवरी, 2018 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मलेन में संयुक्त प्रस्तुति दी।

विधान पाठक ने "राष्ट्रीयता, संस्कृति और वैश्विकता युग में डायस्पोरा" पर डायस्पोरा अध्ययन केंद्र, केंद्रीय गुजरात विश्वविद्यालय, गाँधीनगर द्वारा 21-23 फरवरी 2018 को गाँधीनगर, गुजरात.में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन में "उद्गम और गंतव्य के अंतर्राष्ट्रीय देशांतरण के प्रभाव" सत्र की अध्यक्षता की।

विधान पाठक ने इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय आदिवासी विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय), क्षेत्रीय कैंपस, मणिपुर में आयोजित और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् , नई दिल्ली द्वारा नवंबर 17 से 30, 2017 के बीच प्रायोजित दो सप्ताह की "सामाजिक विज्ञान संकाय सदस्यों के लिए अनुसंधान कार्यविधि कार्यशाला " में 29 और 30 नवंबर 2017 को दो व्याख्यान दिए।

डॉ. रश्मि कपूर ने 'पेरिस समझौता और नदियों पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव: नील नदी और इंडस नदी का तुलनात्मकअध्ययन ' पर पेरिस समझौते के स्वीकरण और कार्यान्वयन : पर भूगोल विभाग शहीद भगत सिंह सांध्य महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, शेख सराय फेज-II, नई दिल्ली-110017 द्वारा अप्रैल 21-22, 2017 को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में राष्ट्रीय पहल " जलवायु परिवर्तन मिशन" पर श्री गजेंद्र सिंह चरण के साथ शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. रश्मि कपूर ने 'अफ्रीका में पर्यावरण संपोषणीयता और संरक्षण : परंपरागत अफ्रीकी अभिज्ञान का पुनर्वलोकन में "21वी सदी में पर्यावरण संपोषणीयता और संरक्षण: मुद्दे और चुनौतियां" विषय पर सत्यवती महाविद्यालय (सांध्य), (दिल्ली विश्वविद्यालय), अशोक विहार, फेज - III, दिल्ली -110052 में 15 नवंबर 2017 को आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. रश्मि कपूर ने पार्टीशन लाइनों की डिकोडिंग: भाषा, साहित्य, और संस्कृति के रिफ्लेक्शन पर "पार्टीशन के सात दशक: अन्नसेटलड इमोशंस एंड इंटेंगल्ड आईडेंटीटीज" पर किरोड़ीमल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली और राष्ट्रीय सिंधी भाषा संवर्धन परिषद्, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संयुक्त रूप से 6-7 फरवरी 2018.को आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. रश्मि कपूर ने "वायु गुणवत्ता पर मौसम स्थिति और अन्य प्रदूषकों के प्रभाव के स्वरूप का अभिज्ञान": एक सांख्यिकी मॉडल." पर 'हरित रसायन निर्माण एक संपोषणीय भविष्य की ओर' विषय पर हरित रसायन नेटवर्क केंद्र, रसायन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और हिन्दू महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 3-4 अक्तूबर 2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन में डॉ. एस. कपूर के साथ संयुक्त रूप से प्रस्तुति दी।

डॉ. रश्मि कपूर ने "चेंजिंग ऑक्यूपेशनल पैटर्न ऑफ़ ट्रान्शुमने पस्तोरलिस्ट्स: पूर्वी अफ्रीका के मासाई आदिवासी और भारत में हिमाचल प्रदेश के गद्दी आदिवासी" पर एक तुलनात्मक अध्ययन" में समावेशी जनजातीय मंडली: "भारत और अफ्रीका के सहभाजित अनुभव" विषय पर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जान-जाति विधायक और संसद मंच और

अफ्रीकी अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से 22 फरवरी 2018 को हॉल संख्या 4, विज्ञान भवन, मौलाना आज़ाद रोड, नई दिल्ली-110003 में संयुक्त रूप से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन में शोध पत्र प्रस्तुत किया।

21वी सदी में भारत का उदीयमान वैश्विक स्वरूप : अफ्रीका के साथ भारत के बाह्य सम्बन्ध में कंटेक्सटुअलिसिंग" पर '21वी सदी का भारत: सामाजिक आर्थिक, राजनीति और पर्यावरणीय प्रक्रियाएं' पर बी.ए (कार्यक्रम) सोसायटी, सत्यवती महाविद्यालय (सांध्य) दिल्ली विश्वविद्यालय. दिल्ली में 24-25 अप्रैल 2018 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन में शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. संदीपनी दाश ने पारम्परिक औषध: आदिवासी अनुभव सहभाजन पर "भारत और अफ्रीका के आदिवासी समूह: अनुभवों का सहभाजन " पर ऊर्जा साझेदारी नाइजीरिया-रूस सम्मलेन में "अफ्रीका और यूरेशिया में अनुभवों का सहभाजन" विषय पर अफ़्रीकी अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा विज्ञान भवन में 22 फरवरी 2018 को आयोजित सम्मलेन में शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. संदीपनी दाश ने ऊर्जा साझेदारी नाइजीरिया-रूस सम्मलेन में "अफ्रीका और यूरेशिया में विकासात्मक अनुभव का सहभाजन" विषय पर अफ्रीकाई अध्ययन केंद्र, मुंबई विश्वविद्यालय में 19-20 फरवरी 2018 को आयोजित सम्मलेन में शोध पत्र प्रस्तुत किया।

प्रदत्त एम.फिल./ पीएच. डी डिग्री

पीएच.डी: 01
एम.फिल.: 13
संकाय संख्या :07

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

स्वच्छ भारत अभियान
योग दिवस

***

दिल्ली पत्रकारिता स्कूल

दिल्ली पत्रकारिता स्कूल, दिल्ली विश्वविद्यालय के माननीय उप-कुलपति की महत्वाकांक्षी परियोजना की स्थापना 26 सितम्बर 2017 को हुई। दिल्ली पत्रकारिता स्कूल की अकादमिक सत्र का उद्घाटन माननीय उप-कुलपति प्रोफ़ेसर योगेश त्यागी ने 26 सितम्बर 2017, को किया।

एक अभिविन्यास सप्ताह आयोजित किया गया था जिसमे मीडिया से प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों को छात्र के साथ बातचीत करने के लिए आमंत्रित किया गया था। अंतः-संवाद सत्रों में बीबीसी, 93.3 एफएम और ज़ी नेटवर्क की मीडिया हस्तियां शामिल थी।

दिल्ली पत्रकारिता स्कूल का औपचारिक उद्घाटन भारत की उप-राष्ट्रपति श्री वेंकैया नायडू ने 21 दिसंबर 2017 को किया और उन्होंने "सृजन" नामक स्कूल की प्रथम द्विभाषी छात्र पत्रिका का अनावरण किया। प्रथम परामर्श परिषद् की बैठक श्रीराम बहादुर राय जी की अध्यक्षता में 21 दिसंबर 2017 को हुई जिसमे प्रख्यात सदस्य डॉ. स्वपन दासगुप्ता, श्री के.जी. सुरेश, प्रोफ़ेसर इरफ़ान अहमद, प्रोफ़ेसर अरुण भगत और श्री सतीश के सिंह उपस्थित थे।

सम्मान/ गौरव

वीनस अंतर्राष्ट्रीय महिला एसोसिएशन ने डॉ. मनस्विनी एम. योगी (ओएसडी) को मास-मीडिया और जन-संचार क्षेत्र में योगदान की लिए 3 मार्च 2018 को चेन्नई में आजीवन उपलब्धि पुरस्कार से सम्मानित किया।

प्राची शिक्षा सोसायटी द्वारा शिक्षाविदों की योगदान की लिए 8 मार्च 2018 को आई आई सी नई दिल्ली.में पुरस्कृत पत्रिकाएं/समाचार पत्रिकाएँ।

"सृजन" का अनावरण 21 दिसंबर 2017 को हुआ
संपादकीय मंडल -
डॉ. मनस्विनी एम. योगी
डॉ. अल्बर्ट अब्राहम
डॉ. रुद्रेश नारायण मिश्रा

आयोजित सेमिनार

विभिन्न विषयों पर मीडिया हस्तियों, मीडिया चैनलों और शिक्षाविदों ने 3 अक्तूबर 2017 से 31 मार्च 2018 तक सोलह सेमिनार आयोजित किए।

श्री अतुल कोठारी और प्रोफ़ेसर अरुण भगत - प्रोफ़ेसर, माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय ने 'पत्रकारिता के आचार और व्यावसायिक पक्ष',पर 29 सितम्बर 2017 को भाषण दिया।

प्रोफ़ेसर रोमा चटर्जी - अध्यक्ष, समाज-विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 'कला, लोक-साहित्य और संचार की सामाजिकता,' विषय पर 6 अक्तूबर 2017 को भाषण दिया।

डॉ. अर्चना दत्ता - पूर्व महानिदेशक (समाचार), आकाशवाणी, न्यूज़ ब्राडकास्टिंग हाउस. पूर्व महानिदेशक (समाचार), दूरदर्शन, मंडी हाउस ने ' मीडिया की चुनौतियां' विषय 28 अक्तूबर 2017 को भाषण दिया।

श्री के.जी. सुरेश - महानिदेशक आईआईएमसी- ने पत्रकारिता, विषय पर 11 नवंबर 2017 को भाषण दिया।

श्री अम्ब्रीश सक्सेना - अकादमिक अध्यक्ष, ज़ी टेलीविज़न ने मीडिया में आजीविका 'विषय पर 25 नवंबर 2017 को भाषण दिया।

श्री परवेज़ आलम - संकायाध्यक्ष,मास-मीडिया और जन-संचार विभाग, सत्या एपीजे विश्वविद्यालय, ने ' डिजिटल युग में पत्रकारिता पर 6 जनवरी 2018 को वार्ता प्रस्तुत की।

श्री हर्ष रंजन - सम्पादकीय सलाहकार, ज़ी हिंदुस्तान, ने 'डिजिटल मीडिया', पर 17 फरवरी 2018 को वार्ता प्रस्तुत की।

प्रोफ़ेसर बिद्युत चक्रवर्ती, राजनीति विज्ञान विभाग , दिल्ली विश्वविद्यालय, ने 'मीडिया और राजनीति ' विषय पर 24 फरवरी 2018 को वार्ता प्रस्तुत की।

एस्सेल समूह ने 'वर्चुअल वास्तविकता ' पर 24 मार्च 2018.को एक सेमिनार का आयोजन किया।

शूतगुरु ने फोटोग्राफी और डिजिटल फिल्म निर्माण पर 31 मार्च 2018 को एक सेमिनार का आयोजन किया।

संकाय संख्या

संविदा पर दो पूर्णकालिक संकाय और दिल्ली विश्वविद्यालय की महाविद्यालयों से चौदह अतिथि संकाय।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

छात्रों ने 31 अक्तूबर को सरदार वल्लभ भाई पटेल जन्मशती पर एकता की लिए दौड़ में भाग लिया।

चार छात्रों ने 18 नवंबर 2017 को हुऐ विश्वविद्यालय दीक्षांत को कवर किया।

दस छात्रों ने आईएलएलएल में 27-29 दिसंबर 2017 से तीन दिन तक आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान सम्मलेन में भाग लिया।

बीस छात्रों ने दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी द्वारा प्रायोजित "स्वच्छता प्रगति का पथ है" पर अंतः-कक्षा वाद-विवाद में भाग लिया।

विभागीय छात्रों ने भी दिल्ली विश्वविद्यालय की महाविद्यालयों द्वारा आयोजित अंतः-महाविद्यालय वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी और फोटोग्राफी प्रतियोगिताओं में भाग लिया और पुरस्कार जीते।

***

पूर्व एशियाई अध्ययन

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां : विभाग पूर्व एशियाई अध्ययन में एम.ए. जापानी में एम.ए. स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम और पूर्व एशियाई अध्ययन में पीएच.डी कार्यक्रम प्रस्तावित करता है। विभाग के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम क्षेत्र के अध्ययन की अंतर-आयामी अवधारणा पर केंद्रित है। इस कार्यक्रम का अनिवार्य घटक भाषा है और छात्र तीन पूर्व एशियाई भाषा अर्थात चीनी, जापानी अथवा कोरियाई में से एक सीखते है। यह कार्यक्रम छात्रों को विषय की समेकित और गहन और सम्बंधित भाषा का अभिज्ञान सुकर करेगा। इसका लक्ष्य पूर्व एशिया में ऐसे विशेषज्ञ तैयार करना है जो विचार-मंथन, गैर-सरकारी संगठनों, सरकारी एजेंसियों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, समाचार-पत्र एजेंसियों आदि में कार्य कर सकें।

इसके अतिरिक्त, विभाग चीनी, जापानी और कोरियाई भाषा में दो वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा और उन्नत डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रस्तावित करता है। जो छात्र इन पाठ्यक्रम को पूरा करने है उन्हें कंपनियों और भारत की बाहर रोजगार प्रदान किया जाता है। इस वर्ष की विशेषताएं समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करना है। ताइवान की आगंतुक संकाय प्रोफ़ेसर जॉयस सी एच. लिउ को हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन की अंतर्गत विभाग में भेजा गया। सोमवार की सेमिनार और सम्मलेन की लिए प्रख्यात वक्ताओं को आमंत्रित किया गया। अनेक संकाय सदस्यों ने अनुसंधान राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में शोध-पत्र प्रस्तुत किए। प्रतिभाशाली छात्रों को उच्च अध्ययन की लिए चीन,ताइवान और जापान जाने की लिए छात्रवृत्ति प्रदान की गई। अनेक छात्रों को विभाग की नियोजन प्रकोष्ठ के जरिए नियुक्तियां प्राप्त हुई।

प्रकाशन

बालचंद्रन, जी. (2017). दी रोविंग इंडियन एंड स्टैगनैंट जापान. पूर्व-एशियाई अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रासंगिक शोध श्रृंखला का प्रासंगिक शोध-पत्र, 2 दिसंबर - 2017।

बालचंद्रन, जी. (2018). भारत और चीन में उच्च शिक्षा : परिवर्तन अथवा खोया अवसर? एस. चक्रबर्ती (ईडी.) भारत और चीन में उच्च शिक्षा : चयनित परिप्रेक्ष्य, (पृष्ठ 74-104). दिल्ली:आकार पुस्तकें।

बालचंद्रन, जी. (2018). नॉट विथाउट ब्लड, स्वेट एंड टीयर्स : प्रवर जापान में किसानी , चीन रिपोर्ट, 54(2), 194-212.

उनिता, एस. (2017). जापानी साहित्य का भारतीय भाषा में अनुवाद और इशिकावा टाकूबोकु के विशेष सन्दर्भ में भारत में अनुसंधान. पी .ए .जॉर्ज (ईडी.), जापानी साहित्य का भारतीय भाषा में अनुवाद: मुद्दे और चुनौतियां, (पृष्ठ 136-155)

उनिता, एस. (2017). इशिकावा टाकूबोकु के विशेष सन्दर्भ में साहित्य के जरिए भारत और जापान के बीच सम्बद्धता. जी. कीनी (ईडी.)

रबीन्द्रनाथ टैगोर और जापान: टैगोर और जापान और जापानी संस्कृति के विभिन्न पहलू. विश्व-भारती: ग्रंथन विभाग।
उनिता, एस. (2017). नहीं मानता हार बारिश से भी (अमेनि मो मॅकेजु : मियाजावा केंजी की कविता).पी. ए. जॉर्ज (ईडी.), जापानी साहित्य का भारतीय भाषा में अनुवाद: मुद्दे और चुनौतियां, (पृष्ठ .226-227)

अनुसंधान परियोजनाएँ

आईसीएचआर-जेएसपीएस संयुक्त अनुसंधान परियोजना (2016-2018) “जापानी तीर्थयात्री बोधगया में: भारत में बौद्ध पुनर्जीवन संचालन और भारत और जापान के बीच विनिमय” मुखोपाध्याय रंजना, स्वीकृत राशि 5 लाख।

कार्यक्रम समन्वयक और यूनिट लेखक, जापानी में प्रमाणपत्र कार्यक्रम, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, परियोजना पूर्ण 2017, सचिदानंद उनिता।

यूजीसी ई-पाठशाला के अंतर्गत दो शोध-पत्रों “ह्यकुनिं इश्शु” और “युद्धोपरांत जापानी साहित्य” शोध-पत्रों में समन्वयक के रूप में सम्बद्ध रहे,70 मॉड्यूल पूर्ण 2017, सचिदानंद उनिता।

आयोजित सेमिनार

विभाग ने कुल 19 सेमिनार आयोजित किए। इस वर्ष के आयोजित सेमिनार में से कुछ है:
प्रोफ़ेसर शरद के सोनी, निदेशक, यूजीसी -क्षेत्र अध्ययन कार्यक्रम में, प्रोफेसर जे.एन.यू ने “मंगोलिया में वास्तविक राजनीति - चीन संबंध” पर 17 अप्रैल, 2017 को वार्ता दी।

प्रोफ़ेसर अया ईकेगमे, एसोसिएट प्रोफेसर, ग्रेजुएट स्कूल ऑफ़ इंटर फैकल्टी इनिशिएटिव, टोक्यो विश्वविद्यालय ने “अश्पृश्यता : राजनीति जापान में बुरकुमिन और दक्षिणी कोरिया में दलित (अड़िजंस) के राजनैतिक अनुभव पर 31 जुलाई ,2017 को वार्ता दी।

प्रोफ़ेसर अकियोशी इनौए, कोकुगाकुइन विश्वविद्यालय, जापान “आधुनिक जापानी साहित्य के इतिहास में प्रकृतिवाद की घटनाएं और महत्त्व पर 17 अगस्त, 2017 को वार्ता दी।

प्रोफ़ेसर जॉयस सी एच. लिउ, प्रोफेसर, चेयर, सामाजिक अनुसंधान और सांस्कृतिक अध्ययन संस्थान,ताइवान ने “पैक्स सिनिका और लूरे ऑफ़ कन्फूसियनिस्म: कोलोनिअलिटी ऑफ़ एपिस्टेमोलोग्य और पॉसिबिलिटी ऑफ़ बॉर्डर थिंकिंग पर 28 अगस्त, 2017 को वार्ता दी।

प्रोफ़ेसर डेविड अरसे, प्रोफेसर, हॉपकिंस -नानजिंग सेंटर, जोहन्स हॉपकिंस -सैस ने “ट्रम्प ने किस प्रकार पूर्व एशिया में अमेरिकी नीति परिवर्तित की?” पर सितम्बर 4, 2017 को वार्ता दी ।

डॉ. नरेंद्र कुमार, उप-पुस्तकालयध्यक्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय ने “दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय नेटवर्क के जरिए पूर्व एशिया पर ई-संसाधन अभिगम्यता” पर सितम्बर 11, 2017 को वार्ता दी।

प्रोफ़ेसर मीजोकामी तोमिओ, हिंदी प्रोफेसर, ओसाका विश्वविद्यालय, जापान ने “भारत-जापान संबंध” पर 06 नवंबर,2017 को वार्ता दी ।

प्रोफ़ेसर जाएचुन किम, सौगंज विश्वविद्यालय, कोरिया और प्रोफ़ेसर जूणक्युंग हा, हनयांग विश्वविद्यालय कोरिया ने “इनॉगरेशन ऑफ़ मून जाइ- सरकारी कोरिया में प्रजातंत्र और विदेश नीति चुनौतियां और कोरिया की विकास कार्यनीति : भारत के आर्थिक विकास की जटिलताएं ” पर 16 नवंबर, 2017 को वार्ता दी।

प्रोफ़ेसर दिब्येश आनंद, अध्यक्ष, राजनीति और अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग, वेस्टमिनिस्टर विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम ने “चीन भारत बॉर्डर जटिलता और तिब्बत प्रश्न” पर 22 जनवरी, 2018 को वार्ता दी।

राजदूत दीपा गोपालन वधवा, पूर्व राजदूत, भारत सरकार ने “वर्तमान परिप्रेक्ष्य में ऐतिहासिकता” पर जापान के साथ संबंध पर 19 फरवरी, 2018 को वार्ता दी।

आयोजित सम्मलेन

राष्ट्रीय कार्यशाला on “19वी चीनी कम्युनिस्ट पार्टी कांग्रेस : एक मूल्यांकन” पर कार्यशाला में अक्तूबर 30 , 2017 को ‘पूर्व एशिया के इतिहास ” पर नवंबर 21, 2017 को महाविद्यालय शिक्षकों के लिए वार्ता दी ।

सेमिनार/सम्मलेन में प्रस्तुति

बालचंदिरने, जी ने वैश्विकता और क्षेत्रवाद में उभरते चलन’ पर भारतीय विश्व मामले परिषद्, सप्रू हाउस नई दिल्ली में फरवरी 7-8, 2018 को आयोजित सेमिनार में “अप्रवासी भारतीय और जरण जापान” पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
बालचंदिरने, जी ने एक्सएलआई भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस के पश्चात् , “भारतीय विश्वविद्यालय शिक्षा प्रणाली : एक संवेदी मूल्यांकन ” पर सत्कायम भवन, सामाजिक विज्ञान संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 17 फरवरी 2018 को आयोजित संगोष्ठी में “उच्च शिक्षा: पूर्व एशियाई देश” पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

बालचंदिरने, जी ने ‘आधुनिक पूर्व एशिया ’ पर इतिहास विभाग , दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 19 फरवरी 2018 को आयोजित कार्यशाला में on“इतिहास-शास्त्र और जापानी इतिहास में नए चलन और अवधारणाएं ” पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

कुमार, परेश ने 11वी अखिल भारतीय कोरियाई भाषा शिक्षक’ पर मीर अनीस हॉल, जामिया मिलिया इस्लामिया में 25-26 अगस्त, 2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में "भारत में कोरियाई भाषा शिक्षा और कोरियाई संस्कृति ’ विषय पर “दिल्ली विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम में कोरिया की अभिज्ञ संस्कृति का शिक्षण” पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

कुमार, परेश ने ‘भारत में कोरियाई अध्ययन में उदीयमान चलन: अंतर-आयामी परिप्रेक्ष्य’ विषय पर कोरियाई अध्ययन, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, में 22-23 मई, 2017 को आयोजित प्रथम ‘एक सौभाग्यशाली दिवस’ एकेएस अंतर-आयामी सम्मलेन में “विषय के विशेष सन्दर्भ में ह्योन जिन-जोन रेअलिस्म की लघु कहानिया" पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

कुमार, परेश ने , दक्षिण एशिया में कोरियाई अध्ययन में उदीयमान चलन: अंतर-आयामी परिप्रेक्ष्य विषय पर काठमांडू विश्वविद्यालय नेपाल, कोरियाई अध्ययन केंद्र द्वारा जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, भारत काठमांडू विश्वविद्यालय और त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल के सहयोग और कोरियाई अध्ययन अकादमी द्वारा समर्थित कोरिया में 9-10 जून, 2017 को आयोजित द्वितीय एकेएस अंतर-आयामी अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन में “ह्योंग जिन-जोन नॉवेल्ला ऊंसु जोयुं नेल (एक सौभाग्यशाली दिवस) में दर्शित सामाजिक मुद्दों” पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

साहू, जनार्दन ने दक्षिणी चीन सागर उदीयमान परिप्रेक्ष्य विषय पर, यूजीसी दक्षिण-पूर्व एशियाई और पैसिफिक अध्ययन केंद्र द्वारा श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय, तिरुपति में 24-26 जुलाई 2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन में “ताइवान की दक्षिणी चीन सागर नीति” पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

साहू, जनार्दन ने 19वी सीसीपी कांग्रेस: एक निर्धारण विषय पर पूर्व एशियाई अध्ययन विभाग द्वारा 30 अक्तूबर 2017 को आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में 19वी सीसीपी का महत्त्व: एक प्राथमिक निर्धारण” पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

सचिदानंद, उनिता ने पूर्व एशिया और भारत की सांस्कृतिक परम्पराओं और लोक-साहित्य की खोज विषय पर समिति हॉल, कन्वेंशन सेंटर, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में 7-8 सितम्बर,2017 को “ईश्वर, किंवदंती और पद्यति: गढ़वाल में लोक अनुभव” पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

सचिदानंद, उनिता ने "जापानी भाषा में प्रमाणपत्र कार्यक्रम टेक्स्ट तैयार करना" पर इंदिरा गाँधी मुक्त विश्वविद्यालय, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, में 20-21 सितम्बर, 2017 को “विदेश भाषा सीखने के ओपन मोड़ हेतु लिखने के विधियों" पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

सचिदानंद, उनिता ने “जापान में लिंग, भाषा और साहित्य” पर व्याख्यान हॉल, कन्वेंशन सेंटर, सीजेएस जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में 3-4 नवंबर, 2017 को “परस्पर भाषा-विज्ञान और साहित्य-"जापानी साहित्य पढ़ने का एक साधन" पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

सचिदानंद, उनिता ने जापानी भाषा शिक्षा में शिक्षण पद्यतियाँ विषय पर इएफएलयू, हैदराबाद में 8 मार्च 2018 को आयोजित सेमिनार में “भाषा और संस्कृति: साहित्य के जरिए अभिज्ञान” पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

सचिदानंद, उनिता ने इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 10 मार्च, 2017 को दी पोएट्री सोसायटी (इंडिया) और आईआईसी में "जापान में अतिसूक्ष्मवाद और हाइकू को संकल्पना", एन इवनिंग ऑफ़ हाइकू पोएट्री, पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

सचिदानंद, उनिता ने संक्रमण में जापानी भाषा, संस्कृति और साहित्य पर 25 मार्च, 2017 को आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में "मात्सुओ बाशो को काव्य यात्रा" पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

राष्ट्रीय

दिल्ली विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय चुंग चेंग विश्वविद्यालय, ताइवान, आर.ओ.सी. के बीच समझौता ज्ञापन

अन्य अंतर-संगठनात्मक सहयोग

नीति अनुसंधान केंद्र, नई दिल्ली
चीनी भाषा अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली
शांति और विवाद अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

नियोजन ब्यौरा

- कैंपस भर्ती के लिए पांच कंपनियां आयी।
- कंपनियों में थिंक टैंक्स और सरकारी संगठन में 100% छात्रों को नियुक्तियां प्राप्त हुई अथवा भारत और विदेश में उच्च अध्ययन में प्रवेश मिला।

विस्तार और पहुँच कार्यकलाप

अखिल भारतीय कोरियाई उच्चारण प्रतियोगिता में भाग लिया
जापानी भाषा जलताई निबंध प्रतियोगिता में भाग लिया
संविधान दिवस मनाया गया
अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया
सतर्कता जोगरूकता सप्ताह आयोजित किया गया
स्वछता अभियान में भाग लिया
दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के जरिए चीनी, जापानी और कोरियाई में अंशकालिक प्रमाणपत्र, डिप्लोमा और उन्नत डिप्लोमा पाठ्यक्रम किए जा रहे हैं।

प्रदत्त एम.फिल./ पीएच. डी डिग्री

पीएच.डी - 1
एम.फिल. - 7

संकाय संख्या

स्थायी- 13
तदर्थ 3
अतिथि- 5
आगंतुक संकाय- 4

कोई अन्य महत्वपूर्ण सूचना

जापान, चीन और ताइवान की दो छात्रों और तीन संकाय सदस्यों को फील्ड यात्रा।

दो छात्रों को जापान में अनुसंधान करने के लिए छात्रवृत्ति।

दो छात्रों ने जापानी दूतावास द्वारा जेनेसुस कार्यक्रम के अंतर्गत 10 दिनों के लिए जापान का दौरा किया।

एक छात्र ने चीन: द्वितीय एशिया अफ्रीका युवा समारोह, 22-27 सितम्बर 2017 में भाग लिया।

दो छात्रों को ताइवान इलीट शिक्षा कार्यक्रम, राष्ट्रीय कोशिओंग नार्मल विश्वविद्यालय, कोशिओंग, टाइवानगोट में दिसंबर 12, 2017 से फरवरी 12, 2018 तक छात्रवृत्ति को प्राप्त हुई।

एक छात्र ने चीन: द्वितीय एशिया अफ्रीका युवा समारोह, 22-27 सितम्बर 2017 में भाग लिया।

एक छात्र को जापानी भाषा में कनिष्ठ निबंध प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

पूर्व एशियाई अध्ययन विभाग स्नातकोत्तर छात्रों के लिए अनेक थिंक टैंक नामतः विवेकानंद अंतर्राष्ट्रीय फाउंडेशन, शांति और संघर्ष अध्ययन , रक्षा अध्ययन और विश्लेषण संस्थान, आब्जर्वर अनुसंधान फाउंडेशन, वायु प्रभाव अध्ययन केंद्र, चीनी अध्ययन संस्थान और भारतीय विश्व मामले परिषद् में नियोजन अवसर हैं। हमारे विभाग के भाषा छात्रों के भारत और विदेश की अनेक कंपनियों नामतः वीवो मोबाइल, लिटों प्रौद्योगिकी कारपोरेशन, ओपीपीओ मोबाइल, हिंदुस्तान कंप्यूटर लिमिटेड , मित्सुबिशी कारपोरेशन, एल जी इलेक्ट्रॉनिक्स , हुआवेई दूरसंचार, सैमसंग, अमेरिकन एक्सप्रेस , शिन्हन बैंक, वीएफएस वीजा सर्विसेज , मारुती सुजुकी और ओरेक्लेस में नियोजन के अवसर हैं।

छात्र को उच्च अध्ययन के लिए चीन, ताइवान , जापान और कोरिया, शिन्हन बैंक छात्रवृत्ति, मेसर्स एल जी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड द्वारा छात्रवृत्ति , फ़ेलोशिप आदि के विभिन्न छात्रवृत्ति के अवसर हैं।

***

अर्थशास्त्र

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

अप्रैल 2017 से मार्च 2018 की अवधि में, विभाग के सदस्यों ने महत्वपूर्ण रूप में अर्थशास्त्र के क्षेत्र में योगदान देना जारी रखा । अनेक संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय व्यावसायिक जर्नलों में अपने अनुसंधान कार्य प्रकाशित किए । उन्होंने लोकप्रिय जर्नलों के लेखन के जरिए नीति चर्चाओं में भाग लिया और दो सुमान्य आर्थिक पूर्वानुमान किए। विभाग उन्नत अध्ययन का यूजीसी केंद्र बना रहा और इसे लगातार छठे वर्ष भारत के विश्वविद्यालयों के अर्थशास्त्र विभागों में सर्वोच्च दर्जा प्राप्त हुआ। संकाय सदस्यों ने अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेनो में भी भाग लिया । वर्ष के दौरान, विभाग ने दो प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन और एक साप्ताहिक सेमिनार श्रृंखला का आयोजन किया जिनमे भारत और विदेश के गणमान्य वक्ताओं को उनके अनुसंधान प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया।

विभाग एम.ए., एम.फिल. और पीएच.डी कार्यक्रम आयोजित करता है। । वर्ष 2017-18 में, एम.ए. कार्यक्रम के लिए 3883 छात्रों ने आवेदन किया था। विभाग एम.फिल और पीएच.डी. कार्यक्रम के लिए शोध छात्रों को आकर्षित करता रहता है। एम.फिल और पीएच.डी. के लिए एक नियमित कोलोक्वियम का आयोजन किया गया जिसमे शोध छात्रों ने प्रगति में अपने काम प्रस्तुत किए और संकाय सदस्यों ने अनुसंधान विधियों और नैतिकता पर व्याख्यान दिया। शोध छात्रों ने व्यावसायिक सम्मेलनों में भी अपना शोध प्रस्तुत किया।
विभाग अपने स्नातकोत्तर छात्रों को कॉर्पोरेट में नियोजन करने और विदेशों के शीर्ष ग्रेड विश्वविद्यालयों में पीएच.डी. छात्रों कार्यक्रम में दाखिला करवाने में सफल रहा ।

सम्मान/ गौरव

प्रोफ़ेसर राम सिंह को विजिटिंग प्रोफ़ेसर नियुक्त: अर्थशास्त्र विभाग, दक्षिण एशिया संस्थान, हेइडेलबर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी, 2017.

प्रोफ़ेसर पम्मी दूआ को गणमान्य पूर्व-छात्र से सम्मानित किया गया, लेडी श्रीराम महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, अप्रैल 2017

प्रकाशन

बाग.एस (2018). संविदा विधि का आर्थिक विश्लेषण: अपूर्ण संविदा और असममित सूचना. लंदन: पलग्रैवे मैमिलन/ स्प्रिंगर.

भट्टाचार्जी,ए. (2016). भारत में वृहत आमेलन में निवर्तमान चलन और प्रतियोगिता नीति से सबक: प्रतियोगिता अधिनियम के अंतर्गत आमेलन मामलों से अंतर्दृष्टि . सी. वीरमणि और आर. नागराज (ईडी.), भारत में अंतर्राष्ट्रीय व्यापर और औद्योगिक विकास: उदीयमान चलन, पैटर्न और मुद्दे. नई दिल्ली: ओरिएंट ब्लैकस्वान.

भट्टाचार्जी,ए. और डे, ओ. (2017). भारत में एंटी-कार्टेल प्रवर्तन. एंटीट्रस्ट एनफोर्समेंट जर्नल, 5, 166-196.

भट्टाचार्जी,ए. (2017). सिल्वेनिया के भारतीय अग्रगामी और इसकी विरासत. औद्योगिक संगठन की समीक्षा 51(2),173-191.

भट्टाचार्जी,ए. (2017). भारतीय श्रम विधि के प्रारंभिक प्रभाव: कुछ निवर्तमान शोध की महत्वपूर्ण समीक्षा. यू.कपिला (ईडी.), भारत की अर्थव्यवस्था: जीएसटी से पहले उदारीकरण: राज कपिला के सम्मान में निबंध. नई दिल्ली: ऐकडेमिक फाउंडेशन.

भट्टाचार्जी,ए. (2018). प्लेटफ़ॉर्म प्रतियोगिता में अपहरक मूल्य निर्धारण . ए. भरद्वाज, वी. एच. देवयाह और गुप्ता (ईडी.), नवीन प्रौद्योगिकी की बहुआयामी अवधारणा: नवाचार, पेटेंट और प्रतियोगिता पर अंतर्दृष्टि. स्प्रिंगर.

भट्टाचार्जी,ए., डे, ओ. और गौरी, जी (2018). भारत में प्रतियोगिता विधि और प्रतियोगिता नीति : प्रतियोगिता आयोग किस प्रकार सरकारी संस्थानों द्वारा प्रतियोगिता विरोधी अवरोधकों से निपटा है .औद्योगिक संगठन की समीक्षा.

देशपांडे, ए. (2016). मीडिया साइटेशन: फॉरगेट दी गिलास सीलिंग, भारतीय भारतीय महिलाओं को स्टिकी फ्लोर की चिंता करना चाहिए, क्वार्ट्ज

देशपांडे, ए., दसरोचेरस, ए., कसोल. सी और शोचोय, ए.एस (2017). प्रौढ़ साक्षरता कार्यक्रम पर आधारित कंप्यूटर का प्रभाव: भारत से साक्ष्य. वर्ल्ड डेवलप्मेंट, 96, 451-473.

देशपांडे, ए. और रामचंद्रन, आर. (2017).प्रमुख या पिछड़ा? जाटों, पटेलों और मराठों द्वारा कोटा की मांग की राजनीति अर्थव्यवस्था आर्थिक और राजनैतिक साप्ताहिक, (19), 81-92.

देशपांडे, ए., गोयल, डी. और खन्ना, एस. (2018). बुरा कर्म या भेदभाव? भारत में वेतनभोगी कर्मचारियों के बीच पुरुष-महिला वेतन अंतराल. वर्ल्ड डेवलप्मेंट, 102, 331-344.

दूआ, पी. और सूरी.आर. (2017). भारत में विनिमय दर और केंद्रीय बैंक हस्तक्षेप: अनुभवजन्य विश्लेषण. दी जर्नल ऑफ़ डेवलपिंग एरियाज, 52, 127-143.

दूआ, पी. और कपूर,एच. (2017). भारतीय बैंक समूह की मैक्रो स्ट्रेस टेस्टिंग. मार्जिन: दी जर्नल ऑफ़ एप्लाइड इकनोमिक रिसर्च, 11, 375-403.

दूआ, पी. और कपूर, एच. (2018). मैक्रो स्ट्रेस टेस्टिंग एंड रेसिलिएंस असेसमेंट ऑफ़ इंडियन बैंकिंग. जर्नल ऑफ़ पालिसी मॉडलिंग, 40, 452-475.

दूआ, पी. और सूरी आर. अमेरिकी डॉलर-भारतीय रुपया, यूरो- भारतीय रुपया, जीबीपी-भारतीय रुपया और जापानी येन-भारतीय रुपया विनिमय दर, बाज़ार के बीच अंतर-संबंध और भारतीय रिज़र्व बैंक का हस्तक्षेप. जर्नल ऑफ़ इमर्जिंग मार्किट फाइनान्स.

कुमार, एस.(एन.डी.). वायु प्रदुषण और शहरी भारत में ट्रैफिक जमाव'. जी. वैन और एम. लू (ईडी.), सिटीज ऑफ़ ड्रैगन्स एंड एलेफैंटस : अर्बनिज़शन एंड अर्बन डेवलपमेंट इन दी पीपल रिपब्लिक ऑफ़ चाइना एंड इंडिया. ऑक्सफ़ोर्ड: ऑक्सफ़ोर्ड विश्वविद्यालय प्रैस.

कुमार, एस.(एन.डी.). भारत में शहरीकरण और जल आपूर्ति और स्वस्छता. जी. वैन और एम. लू (ईडी.), 'सिटीज ऑफ़ ड्रैगन्स एंड एलेफैंटस : अर्बनिज़शन एंड अर्बन डेवलपमेंट इन दी पीपल रिपब्लिक ऑफ़ चाइना एंड इंडिया. ऑक्सफ़ोर्ड: ऑक्सफ़ोर्ड विश्वविद्यालय प्रैस.

मित्तल,एन. और मीनाक्षी,जे.वी. (2018). क्या आईसीडीएस बच्चों की ख़ुराक की मात्रा और गुणवत्ता में सुधार करता है? ग्रामीण बिहार से कुछ साक्ष्य, डेवलपमेंट स्टडी जर्नल.

ब्राउव, ए.एल., ईओजेनॉउ, पी., गिलिगन, डी., होट्ज़, सी, कुमार, एन. और मीनाक्षी,जे.वी. (2018), बायोफोर्टिफिकेशन, फसल अपनाना और स्वास्थ्य सूचना : मोजाम्बिक और युगांडा में प्रभाव पथ. अमेरिकन जर्नल ऑफ़ एग्री इकोनॉमिक्स. : 10.1093/ajae/aay005. हार्वेस्ट प्लस वर्किंग शोध में प्रकाशित शोध का पूर्व संस्करण 21.

डांग, ए. और मीनाक्षी,जे.वी. (2018), पोषण संक्रमण और भारत में कुपोषण का दोहरा अंतरा-घरेलू बोझ". एम. हेलबले और ए. सतो (ईडी.), अमीर किन्तु अस्वस्थ: एशिया और पसिफ़िक में मोटापा: बेहतर स्वास्थ्य के लिए चलन, लागत और नीति (एशियाई विकास बैंक संस्थान).

बनर्जी,ए. और चौधरी, एस., ग्रूट, एच.जी, मीनाक्षी,जे.वी.,टॉलिन्स, के, हालीगः, जे. और एवुल, एम. (2017). एकाधिक प्रायोगिक प्रक्रियाओं के माध्यम से भुगतान करने की इच्छा को पूरा करना: ग्रामीण घाना में फील्ड प्रयोगशाला से साक्ष्य. कैनेडियन जर्नल ऑफ़ एग्री इकोनॉमिक्स.

स्काफेर, एच.बी. और सिंह, आर.(एन.डी.) स्व-इच्छुक सरकारों द्वारा भूमि का अधिग्रहण: ख्यात डोमेन का आर्थिक विश्लेषण, जर्नल ऑफ़ `लॉ एंड इकोनॉमिक्स.

साओ, जे.,मुखर्जी, ए. और सिन्हा,यू.बी. (2018). फर्म-विषमता और रणनीतिक आउटसोर्सिंग. इंटरनेशनल रिव्यु ऑफ़ इकोनॉमिक्स एंड फाइनांस, 53, 16-24.

कबिराज,टी. और सिन्हा,यू.बी. (2017). अपूर्ण सूचना के अंतर्गत आउटसोर्सिंग. इंडियन ग्रोथ एंड डेवलप्मेंट रिव्यु, 10(1), 3-15.

जर्नल:

भारतीय आर्थिक समीक्षा: वर्ष 1952 से विभाग द्वारा इन-हाउस प्रकाशित. प्रकाशन वर्ष 2017 में स्प्रिंगर को हस्तांतरित संपादक / संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में सेवारत विभाग शिक्षकों की संख्या- 6

अनुसंधान परियोजनाएँ:

नुपूर नीति ब्रीफ संख्या. 57: अक्तूबर 2017. "शहरी झुग्गियों में जीवन-स्तर: मापन और इसके सहसंबंधों का मानचित्रण- भारतीय मेट्रो शहरों से साक्ष्य". पीआई सुगाता बाग

'उत्तरदायित्व, नवाचार, आईसीटी और भलाई', नॉर्वे अनुसंधान परिषद् 2016-18) पीआई: सुरेंदर कुमार

आयोजित सेमिनार

कुल संख्या: 29

राहुल एस. वेंकटेश, ऐक्स-मार्सेल्ले स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स ने संपोषणीयता के साथ सूचना पारेषण और संसाधन अवरोधक पर प्रस्तुति दी, दिनांक: बृहस्पतिवार, 8 मार्च 2018 , सांय 3:00 बजे

मत्थिअस मोरिस, यॉर्क विश्वविद्यालय ने 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के 10 वर्ष बाद यूरो की स्थिति क्या है ? पर प्रस्तुति दी, दिनांक : बृहस्पतिवार, 8 फरवरी 2018, सांय 3:00 बजे

अमर्त्य लाहिरी ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय और सफ़ल ने शहरीकरण, संरचनात्मक परिवर्तन और ग्रामीण-शहरी विषमताएँ पर प्रस्तुति दी, दिनांक: बृहस्पतिवार, 11 जनवरी 2018, सांय 3:00 बजे

चंद्रिल भट्टाचार्य, दिल्ली स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स ने अनौपचारिकता, शासन और विकास पर प्रस्तुति दी. दिनांक: बृहस्पतिवार, 30 नवंबर 2017, सांय 3:00 बजे

शबाना मित्र , आई आई एम - बेंगलुरु ने पहियों की शक्ति: दयालु स्थानान्तरण सहित बालिकाओ को लक्षित करने के दीर्घकालिक प्रभाव पर प्रस्तुति दी, दिनांक: बृहस्पतिवार, 23 नवंबर 2017 सांय 3:00 बजे

मणिसंकर बिष्नु , आई एस आई दिल्ली ने पेंशन होने पर वेतन के अधिकतम इंटर जनरेशनल अंतरण और अधोगाम और पतन पर प्रस्तुति दी, दिनांक: बृहस्पतिवार, 18 जनवरी 2018 सांय 3:00 बजे

भास्कर दत्ता, अशोका विश्वविद्यालय और वार्विक विश्वविद्यालय ने गठबंधन गठन और इतिहास निर्भरता पर प्रस्तुति दी, दिनांक: बृहस्पतिवार, 14 सितम्बर 2017 सांय 3:00 बजे

अश्विनी देशपांडे अर्थशास्त्र विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स ने क्या जीवनयापन कार्यक्रम से महिलाएँ सशक्त होती है? ग्रामीण भारत में स्व-सहायता समूह से साक्ष्य पर प्रस्तुति दी, बृहस्पतिवार, 31 अगस्त 2017 सांय 3:00 बजे

डॉ. फेडेरिको लुपो पसिनी, व्याख्याता, अंतर्राष्ट्रीय व्यापर और वित्त विधि, स्कूल ऑफ़ लॉ, क्वीन विश्वविद्यालय, बेलफ़ास्ट, उत्थान पर प्रथम वित्तीय राष्ट्रीयता पर प्रस्तुति दी ? अंतर्राष्ट्रीय वित्त में सहयोग की संगतता पर चर्चा, दिनांक: बृहस्पतिवार, 24 अगस्त 2017 सांय 3:00 बजे

पुनर्जित रॉय चौधरी, अर्थशास्त्र विभाग , शिव नादर विश्वविद्यालय ने आर्थिक मोबिलिट की आंशिक पहचान,अमेरिका में अनुप्रयोग सहित, दिनांक: बृहस्पतिवार, 2 नवंबर 2017 सांय 3:00 बजे

आयोजित सम्मलेन

आईसीटी (सूचना और संचार प्रौद्योगिकी) के अर्थशास्त्र पर दो दिवसीय कार्यशाला: 22-23 फरवरी 2018 को परिवर्तन, डिजिटल विभाजन और विकास। यह कार्यशाला भारत और एशिया में काम कर रहे शोधकर्ताओं को आईसीटी के अर्थशास्त्र पर योगदान करने के लिए आमंत्रित करती है; भारत पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ चीन या वैश्विक दृष्टिकोण पर योगदान का भी स्वागत है। चयनित पत्रों को एक संपादित पुस्तक या एक प्रतिष्ठित पत्रिका की एक विशेष मात्रा में प्रकाशित किया जाएगा।

विंटर स्कूल 2017: विंटर स्कूल 2017 का आयोजन 13-15 दिसंबर, 2017 की अवधि में किया गया । इसमें चार आमंत्रित वक्ताओं द्वारा व्याख्यान दिए गए - अविनाश दीक्षित (प्रिंसटन यूनिवर्सिटी), संजीव गोयल (कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय), जे ंर्गेन वीबुल (स्टॉकहोम स्कूल ऑफ इकॉनॉमिक्स)) और टिमोथी वैन ज़ैंड्ट (इनसीड) - और दुनिया भर के युवा शोधकर्ताओं (संकाय और छात्रों) द्वारा लघु शोध वार्ता। विभिन्न व्याख्यान और वार्ता के विवरण संलग्न हैं, पीडीएफ में कौशिक बसु, 65 वां जन्मदिन सम्मेलन: प्रोफेसर कौशिक बसु जनवरी 2017 में 65 वर्ष के हो गए। इस अवसर को चिह्नित करने और उनके बौद्धिक योगदान का सम्मान करने के लिए दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में 17 दिसंबर 2017 को एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया था।

'व्यापर और विकास' पर एक दिवसीय कार्यशाला, 23 अक्तूबर 2017

वित्तीय मॉडलिंग और गणितज्ञ पर कार्यशाला, 3 मई, 2017 । कार्यशाला में वुल्फराम मैथमेटिका और वोल्फ़्राम फाइनेंस प्लेटफ़ॉर्म के कवर क्षेत्र शामिल हैं जो वित्त से संबंधित कार्यक्षमता का उपयोग करते हैं जैसे कि बांड, वार्षिकी, डेरिवेटिव, ट्रेडिंग चार्ट, ट्रेडिंग संकेतक, टाइम सीरीज़ विश्लेषण, वित्तीय डेटा और स्टोकेस्टिक प्रक्रियाएं।

सार्वजनिक व्याख्यान 2017-18: अर्थशास्त्र विभाग ने प्रोफेसर रमेश चंद द्वारा "कृषि क्षेत्र और मार्ग से पहले चुनौतियां" पर एक सार्वजनिक व्याख्यान का आयोजन किया। यह 26 मार्च, 2018 को आयोजित किया गया था। 22

मार्च, 2018 को डॉ. अरविंद सुब्रमण्यम द्वारा "आर्थिक सर्वेक्षण 2018 और उससे आगे: एक इंटरेक्टिव सत्र" भी आयोजित किया गया।

सेमिनार/सम्मलेन में प्रस्तुति

बाग, एस. जून, 2017. कोलंबो, श्रीलंका में जून 2017 को आयोजित आर्थिक और विकास अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन में "झुग्गी-झोपड़ी में जीवन-स्तर का अभिज्ञान और परस्पर सम्बन्ध पर तीन भारतीय शहरों में मौद्रिक बनाम बहुआयामी दृष्टिकोण का विश्लेषण: पर शोध प्रस्तुत किया गया।

दूआ, पी. 2018. “फिलिप्स कर्व इन ए डाटा रिच एनवायरनमेंट: एन एप्लीकेशन ऑफ़ फेवर टू इंडियन इन्फ्लेशन” आमंत्रित व्याख्यान, 54वा भारतीय एकॉनोमेट्रिक सोसायटी का वार्षिक सम्मलेन, श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, कटरा.

दूआ, पी. 2017. “प्रोटेक्शनिज़्म और डी-ग्लोब्लिजाशन”, चेयर, पैनल चर्चा, वार्षिक अर्थशास्त्र और नीति अनुसंधान, अनुसंधान विभाग, भारतीय रिज़र्व बैंक.

दूआ, पी. 2017. “शिक्षाविद, सत्यनिष्ठा, अनुसंधान आचरण और नैतिकता”, उद्घाटन सम्बोधन, उन्नत अनुसंधान विधियों पर कार्यशाला , वाणिज्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय.

दूआ, पी. 2017. “फाइनेंसियल इन्क्लूसिव और डिजिटाईजेशन”, मुख्य सम्बोधन, जैपुरिया स्कूल ऑफ़ बिज़नेस- कांफ्रेंस ऑन बैंकिंग दी अनबैंकेड: फाइनेंसियल इन्क्लूसिव इन डिजिटल इंडिया.

गोयल, दीप्ति. दिसंबर, 2017. “दिल्ली के पब्लिक स्कूल में प्रभावशाली शिक्षक का चिन्हीकरण” आर्थिक विकास पर 13वा वार्षिक सम्मलेन, आईएसआई, दिल्ली.

गोयल, दीप्ति. अक्तूबर, 2017. “दिल्ली के पब्लिक स्कूल में प्रभावशाली शिक्षक का चिन्हीकरण” भारत में सामाजिक क्षेत्र का विकास : उदीयमान मुद्दे और नीति परिप्रेक्ष्य, आईजीआईडीआर, मुंबई.

गोयल, दीप्ति. अगस्त, 2017. “दिल्ली के पब्लिक स्कूल में प्रभावशाली शिक्षक का चिन्हीकरण” मानव पूंजी पर कार्यशाला, आईएसबी, हैदराबाद.

कुमार, एस. शहरीकरण और जल आपूर्ति और भारत में साफ-सफाई.

कुमार, एस. 2017. वायु प्रदुषण और शहरी भारत में ट्रैफिक जमाव, एशिया में शहरीकरण पर सम्मलेन : चीन और भारत गणराज्य के लोगों का तुलनात्मक अध्ययन, आयोजक- ए डी बी आई, कोलोंबो, श्री लंका.

सिंह, आर. 2017. ‘माल और सेवा कर ’, गार्गी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली.

सिंह, आर. 2017. ‘स्वेच्क्षुक सरकारों द्वारा भूमि अधिग्रहण’, लंदन स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स.

सिंह, आर. 2017. ‘लिटिगेशन ओवर एमिनेंट डोमेन कंपनसेशन: दीं कम्पाउंडिंग इफ़ेक्ट’,यूरोपियन विधि और अर्थशास्त्र एसोसिएशन,लंदन की वार्षिक बैठक

सिंह, आर. 2017. “भूमि अधिग्रहण में क्षतिपूर्ति पर विवाद : कर्ता और परिणाम”, हैंडलबर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी.

सिंह, आर. 2017. "अवसंरचना विकास के लिए पब्लिक प्राइवेट साझेदारी: भारत में राष्ट्रीय राजमार्ग”, हैम्बर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी.

सिंह, आर. 2017. "अवसंरचना में पब्लिक प्राइवेट साझेदारी”, दक्षिण एशिया संस्थान, हेइडेलबर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी.

सिन्हा,यू.बी., फरवरी 2018, “आई सी टी अंगीकरण और व्यापर और कल्याण की रचना" ।दिल्ली स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स में आई सी टी और कल्याण पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला

अन्य अंतर-संस्थनागत सहयोग:

अर्थशास्त्र विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, विश्व परियोजना लिंक (नोबेल पुरस्कार विजेता दिवंगत प्रोफेसर लॉरेंस क्लेन द्वारा शुरू और निर्देशित)का भारत समकक्ष है, जोकि व्यापक आर्थिक विकास और नीति विश्लेषण के लिए वैश्विक मॉडल में स्वतंत्र रूप से विकसित राष्ट्रीय मैक्रो मॉडल को एकीकृत करता है और संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक मामलों के विभाग और टोरंटो विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से समन्वित है । प्रारंभिक चरण में प्रोफेसर वी. पंडित और प्रो. स्वर्गीय के. कृष्णमूर्ति आर्थिक विकास संस्थान से प्रोजेक्ट लिंक के साथ सक्रिय रूप से जुड़े थे। अर्थशास्त्र विभाग से, प्रो. के सुंदरम और प्रो. पामी दुआ हाल के वर्षों में संयुक्त रूप से शामिल थे। वर्तमान में परियोजना प्रोफेसर वी. पंडित के सलाहकार के साथ प्रो.पामी दुआ और एन. आर. भानुमूर्ति, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी द्वारा संयुक्त रूप से समर्थित है।

नियोजन ब्यौरा (नियोजित छात्रों को संख्या और प्रतिशत)

नियोजित छात्रों को संख्या और प्रतिशत: 96 और 81.35%

कैंपस भर्ती में आने वाली कंपनियां:- 32

दत्त एम.फिल./ पीएच. डी डिग्री

पीएच.डी: 4

एम.फिल.: 1

संकाय संख्या

संकाय संख्या- 21

तदर्थ - 7

***

भूगोल

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां:

विभाग अंतर-विषयकता, नवोन्मेष और समावेशन पर जोर देने के माध्यम से भारत में भूगोल विषय को सुदृढ़ बनाने में अग्रणी है। भूगोल विभाग का उद्देश्य अपने शिक्षण और अनुसंधान कार्यकलापों के माध्यम से भौतिक विज्ञान और सामाजिक विज्ञान के बीच के अंतर को पाटना है। विभाग के संकाय सदस्यों ने इस वर्ष में उच्च प्रभावकारी पीयर समीक्षा जर्नल में शोध लेख प्रकाशित किए हैं, जैसे भू-आकृति विज्ञान, अंतर्राष्ट्रीय जलवायु विज्ञान जर्नल, जीआई साइंस एंड रिमोट सेंसिंग, प्राकृतिक जोखिम, सामाजिक और सांस्कृतिक भूगोल, शहर, संस्कृति और समाज, मानव भूगोल में संवाद, प्रसंभाव्य पर्यावरण अनुसंधान और जोखिम आकलन जर्नल इत्यादि। विभाग को पर्यावरण, रिमोट सेंसिंग/जीआईएस और लैंगिक अध्ययन के क्षेत्रों में अपनी विशेषज्ञता के लिए जाना जाता है। विभाग को यूजीसी अनुसंधान सहयोग कार्यक्रम डीआरएस III (2013-18) के तहत विशेष सहायता भी प्राप्त हो रही है।

सम्मान/गौरव

प्रो. आर.बी. सिंह, सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक परिषद (आईसीएसयू) वैज्ञानिक समिति-शहरी पर्यावरण-प्रणाली विश्लेषण दृष्टिकोण परिवर्तन में स्वास्थ्य और कल्याण। अध्यक्ष, अनुसंधान परिषद-सीएसआईआर-सेंट्रल फूड टेक्नोलॉजीज रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीएफटीआरआई), भारत सरकार, मैसूर जुलाई 2017 से 19 तक। सदस्य, अनुसंधान परिषद- सीएसआईआर-केंद्रीय औषधीय और सुगंधित पादप संस्थान (सीआईएमएपी), भारत सरकार, लखनऊ, जुलाई 2017 से 19 तक।

प्रो. एस.सी. राय, सदस्य, वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एसएसी), जीबी पंत हिमालयी पर्यावरण और सतत विकास संस्थान (पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संस्थान), अगस्त 2017 से

मार्च 2020 तक। सहयोगी संपादक, पॉलिटिकल इकॉनॉमी जर्नल ऑफ इंडिया (द्वि-वार्षिक), चंडीगढ़ (आईएसएसएन: 0971-2097) 2017 के बाद से।

डॉ बी.डब्ल्यू. पांडे, भारतीय विज्ञान कांग्रेस के 106वें और 107वें सत्र (2018-19, 2019-20) के लिए अर्थ सिस्टम साइंसेज (ईएसएस) भारतीय विज्ञान कांग्रेस के विभागीय रिकॉर्डर। 2016-2019 के लिए सदस्य, गवर्निंग काउंसिल, भारतीय भूगोल संस्थान (आईआईजी)।

प्रकाशन

पुस्तकें

माल एस, सिंह आरबी, हगेल एंड क्रिश्चियन (एड्स) (2018)। जलवायु परिवर्तन, चरम घटनाक्रम और आपदा जोखिम में कमी। बेसल: स्प्रिंगर।

नेगी वीएस, पांडे बीडब्ल्यू, और कुमरिया पी (एड्स) (2017)। व्हिदर संधारणीय विकास: भूमि और जल संसाधनों के नियोजन और प्रबंधन का अध्ययन। नई दिल्ली: रिसर्च इंडिया प्रेस: नई दिल्ली।

पांडे बीडब्ल्यू, नेगी वीएस और कुमरिया पी (एड्स) (2017)। हिमालय में पर्यावरणीय चिंताएं और सतत विकास। नई दिल्ली: रिसर्च इंडिया प्रेस।

राय एससी (2017)। जल विज्ञान और जल संसाधन: एक भौगोलिक परिप्रेक्ष्य। नई दिल्ली: एनी बुक प्रा. लिमिटेड

पांडे बीडब्ल्यू (एडस) (2017)। जल संसाधन: संभावितता, भेद्यता और प्रबंधन: भारतीय अनुभव। नई दिल्ली: रिसर्च इंडिया प्रेस

जर्नल में प्रकाशित शोधपत्र

अग्रवाल एस, राय एससी, ठाकुर पीके और एम्मर ए (2017)। सिक्किम, पूर्वी हिमालय में हिमनद झीलों की सूची और हाल ही में जीएलओएफ संवेदनशीलता में वृद्धि। भूआकृति विज्ञान, 29, 39-54

कुमार ए, और आनंद एस (2017)। दिल्ली एनसीटी, भारत में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के प्रति सामुदायिक धारणा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड रिव्यू, 4, 47-55

भैरन्नवार के (2018)। महिलाएं, पर्यावरण और प्रवासन: दिल्ली में महिला निर्माण श्रमिकों का एक केस अध्ययन। क्षितिज: सामाजिक विज्ञान का जर्नल, 1 (9), 16-27

भुईयां सी, साहा एके, बंदोपाध्याय एन और कोगन एफएन (2017)। वनस्पति स्वास्थ्य और कृषि सूखे पर थर्मल तनाव के प्रभाव का विश्लेषण: गुजरात, भारत का केस स्टडी। जीआईएसआईएन और रिमोट सेंसिंग, 54 (5), 678-699

दत्ता ए और लुंड आर (2018)। प्रेरणादायक स्थानों, भावनाओं की ओर ममत्व, मार्गदर्शन और यात्रा। अंतरिक्ष और समाज, 26, 64-71

डे ए (2017)। टेस्टिंग होम, आर्ट ईस्ट जर्नल, 1, 34-36

डे ए, और नंदी आर (2018)। मार्जिन पर इतिहास: कूच-राजबंशी और प्रतिरोध और अतीत के पुनर्लेखन की उनकी राजनीति। बंगबिद्या, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बंगाल स्टडीज, 10, 253-256

डुआन डब्ल्यू, बिन एच, साहू एन, पिंगपिंग एल, डैनियल एन और कावरू टी (2017)। हाल के दशकों में होक्काइडो की मौसमी वर्षा और जल वाष्प प्रवाह के संबंध में स्थानिक-अस्थायी परिवर्तनशीलता। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ क्लाइमैटोलॉजी, 37, 3660-3673

गोस्वामी एन और सिंह आरबी (2017)। तनाव प्रबंधन में स्वास्थ्य तलाश का व्यवहार: कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश में फ्रांसीसी पर्यटक समुदाय का एक केस स्टडी। एचएसओए जर्नल ऑफ़ कम्युनिटी मेडिसिन एंड पब्लिक हेल्थ केयर, 4, 024

हक एस और सिंह आरबी (2017)। कोलकाता, भारत में वायु प्रदूषण और मानव स्वास्थ्य: एक केस स्टडी। क्लाइंट, 5, 77

जोशप जेड टी और आनंद एस (2017)। भारत के मणिपुर के इम्फाल में शहरी फैलाव और परिवर्तन की गतिशीलता, अंतरिक्ष और संस्कृति, भारत, 5 (2), 69-83

कुमार एम, सिंह आरबी, प्रवेश आर, कुमार पी, त्रिपाठी डीके और साहू एन (2018)। रिमोट सेंसिंग डेटा और बहुविकल्पीय सांख्यिकीय तकनीकों का उपयोग कर शहरी विकास गतिशीलता और मॉडलिंग। वर्तमान विज्ञान, 114, 280-291

नेजाद एमएफ, तोराही ए, और राय एससी (2017)। रिपेरियन फॉरेस्ट मैपिंग में ईटीएम+ और LISS-III इमेजरी की क्षमता की तुलना: मारून नदी, ईरान का केस स्टडी। लेबानीज साइंस जर्नल, 18 (2), 226-233

निगम जीके, साहू आरके, सिन्हा एमके, डेंग एक्स, सिंह आरबी और कुमार पी (2017)। चिरीमिरी क्षेत्र, छत्तीसगढ़, भारत में ओपनकास्ट खानों में सतह के प्रवाह, तलछट उपज और मिट्टी के क्षरण का क्षेत्र मूल्यांकन। पृथ्वी का भौतिकी और रसायन शास्त्र जर्नल, 101, 137-148

कुमार एन, आनंद एस और सिंह जे (2018)। खाद्य सुरक्षा की स्थिति की समझ: हरियाणा का एक केस स्टडी। क्षितिज: सामाजिक विज्ञान का जर्नल, 9, 1-16

पांडे बीडब्ल्यू, कुमारी आर, रानी यू और रंजन ओजे (2017)। हिमालय में बागवानी विकास: लखीगाड वाटरशेड, उत्तराखंड का एक केस स्टडी। होरिज़ोन, 8, 153-163

पांडे बीडब्ल्यू, नेगी वीएस, चांदना वी और मीणा जी (2017)। लखीगाड वाटरशेड, उत्तराखंड में मार्जिनल किसान महिलाओं का प्री-नेटल हेल्थ स्टेटस। पूर्वी मानवविज्ञानी, 70 (3-4), 327-343

गौथम पी और आनंद एस (2018)। फ्लैश फ्लड और इसकी कमी: अल्मोड़ा, उत्तराखंड, भारत का एक केस स्टडी। जर्नल ऑफ एनवायरमेंटल हैजर्ड्स, 1, 1-7

प्रसाद एएस और पांडे बीडब्ल्यू (2017)। जलवायु परिवर्तन, भूमि उपयोग और भूमि कवर परिवर्तन का पता लगाने और जलविद्युत खतरों और टिकाऊ विकास पर इसका असर: अलकनंदा नदी बेसिन, उत्तराखंड, भारत का मामला अध्ययन। रिस्कुरिस कैटास्ट्रो जर्नल, 26, 55-68

प्रसाद एएस और पांडे बीडब्ल्यू (2017)। अलकनंदा नदी बेसिन उत्तराखंड में आजीविका सुरक्षा, जैव विविधता और सतत विकास पर प्राकृतिक खतरे का प्रभाव आकलन। दक्कन भूगोलकार, 55 (1 और 2), 132-146

साहू एन, रॉबर्टसन ए, बोअर आर, बेहरा एस, डीविट डीजी, कावरू टी, कुमार एम और सिंह आरबी (2017)। संभाव्य मौसमी धाराप्रवाह सामान्य परिसंचरण मॉडल के आधार पर, साइटेरियम नदी, इंडोनेशिया के पूर्वानुमान। स्टोकास्टिक पर्यावरण अनुसंधान और जोखिम आकलन, 31, 1747-1758

सरकार ए, सिंह पी और राय एससी (2018)। मॉडलिंग एलयूएलसी परिवर्तन गतिशीलता और पर्यावरण और जल सुरक्षा पर इसके प्रभाव: भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी आधारित मूल्यांकन। पारिस्थितिकी, पर्यावरण और संरक्षण, 24, एस 292-एस 298

सरकार ए, सिंह पीके, और राय एससी (2017)। रिमोट सेंसिंग अनुमानों के माध्यम से शहरी पर्यावरण में अभद्र सतह की वृद्धि का आकलन। पर्यावरण पृथ्वी विज्ञान, 76, 541

सेनगुप्ता एस और सेन ए (2017)। दिल्ली में बायोडिग्रेडेबल कैरी बैग की सामाजिक स्वीकृति: 'प्लास्टिक बैग को ना कहें' अभियान को दोबारा डिजाइन करना। ओपन एक्सेस इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड इंजीनियरिंग, 2, 41-47

सेनगुप्ता एस, सरकार डीयू और सेन ए (2018)। घरेलू शॉपिंग पैटर्न और खरीददारी भूमिकाओं का पुन: आविष्कार: शहरी भारत में 'नई महिला' की खोज। अकादमी, 7, 263-284

सिंह बीवीआर और सेन ए (2017)। वैश्विक परिदृश्य और पर्यावरण और सतत विकास में भारत की स्थिति). वर्ल्ड फोकस, 65, 111-113

सिंह बीवीआर और सेन ए (2018)। रणथंभौर टाइगर रिजर्व, राजस्थान, भारत, के कोर और पेरिफेरी क्षेत्र में भूमि उपयोग और भूमि कवर का भू-स्थानिक मैपिंग परिवर्तन 1975-2015। टर्गोविस्ट के वालहिया विश्वविद्यालय का इतिहास। भौगोलिक श्रृंखला, 18, 62-67

सिंह ए, कुमार के, पाठक पीके, चौहान आरके और बनर्जी ए (2017)। प्रजनन क्षमता का स्थानिक पैटर्न और भारत में इसके निर्धारक। जनसंख्या (ई), 72 (3), 505-526

सिंह आरबी (2017)। सतत विकास लक्ष्यों, उत्पादकता में योगदान के लिए स्वच्छ जल की पहुंच सुनिश्चित करना और जल-प्रेरित आपदाओं को कम करना, 57 (4), 323-331

आनंद एस और कुमार पी (2017)। उत्तराखंड, भारत के बागेश्वर में जलवायु परिवर्तन और कृषि परिदृश्य। क्षितिज: सामाजिक विज्ञान का एक जर्नल, 8, 1-187

आनंद एस और गौतम पी और कुमार एच (2017)। दिल्ली में मध्ययुगीन काल के दौरान बाओलिस को अवनत करने के इकोहाइड्रोलॉजिकल परिप्रेक्ष्य: जल प्रबंधन के पारंपरिक व्यवहार। इंटरएस्पैको का जर्नल, 2 (6), 143-162

सलूजा वी और आनंद एस (2017)। केरल में भारत के पहले प्रस्तावित राष्ट्रीय जियोपार्क, वर्कला में भूमि उपयोग और भूमि कवर परिवर्तन। भू-विरासत का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 5 (2), 33-42

डब्ल्यू पांडे, यादव ए, मिश्रा एच (2017)। वानिकी के माध्यम से पारिस्थितिकीय बहाली और आजीविका विकल्प: पसोलगाड वाटरशेड उत्तराखंड का एक केस स्टडी। वीपी सती और केसी लामालसॉम्ज़ौवा (एड्स), सतत विकास और ग्रामीण आजीविका के लिए प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन (पीपी 593-603)। नई दिल्ली: टुडे एंड टुमारो प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स

बेगम ए और साहा एके (2017)। सुविधा प्रबंधन प्रणाली: विश्वविद्यालय परिसर का एक केस अध्ययन। पी शर्मा और एस राजपूत (एड्स), भारत में सतत स्मार्ट शहर: चुनौतियां और भविष्य के दृष्टिकोण (पीपी 213-225)। स्प्रिंगर इंटरनेशनल

हुसैन ए और कुमार पी (2017)। पेयजल और स्वास्थ्य से संबंधित मुद्दे: पटपड़गंज सोसाइटी, नई दिल्ली का केस स्टडी। बीडब्ल्यू पांडे (एड्स), जल संसाधन संभाव्यता भेद्यता और प्रबंधन: भारतीय अनुभव, (पीपी 166-183)। नई दिल्ली: रिसर्च इंडिया प्रेस

जहांगीर एस, निखिल पीएनएन, बेली ए और दत्ता ए (2018)। संस्थागत और गृह व्यवस्थाओं में बुजुर्गों से दुर्व्यवहार और उपेक्षा का संदर्भ: भारत से केस स्टडीज। एम कपूर, एस दास और एस आई राजन (एड्स), एब्यूज एंड ऑफ़ द एल्डरली इन इंडिया, (175-188)। सिंगापुर: स्प्रिंगर

मिश्रा एपी, सेन ए और कुमार ए (2017)। भारत में स्मार्ट शहरों को बनाने में संभावनाओं और चुनौतियों का पता लगाना: इलाहाबाद शहर, उत्तर प्रदेश का एक केस स्टडी। पी शर्मा और एस राजपूत (एड्स), भारत में सतत स्मार्ट शहर: चुनौतियां और भविष्य के दृष्टिकोण, (पीपी 123-142)। स्प्रिंगर

मंडल बी और साहा ए के। (2018)। सुन्दरबन विश्व धरोहर स्थल, भारत के कमजोर द्वीपों में मैंग्रोव नुकसान का स्थानिक-अस्थायी विश्लेषण। ए मंसूरियन, पी पिल्सजो, एल हैरी और आर.वी. लैममेरेन आर (एड्स), सबके लिए भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी (भौगोलिक सूचना विज्ञान पर AGILE सम्मेलन), (पीपी 93-109)। लुंड: स्प्रिंगर इंटरनेशनल

राय एससी और नागपाल जे (2017)। दिल्ली में घरेलू जल उपयोग प्रथाओं का मूल्यांकन। पी शर्मा और एस राजपूत (एड्स), भारत में सतत स्मार्ट शहर, (पीपी 445-458)। स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग

साहू एन (2018)। वैश्विक पर्यावरण चुनौतियां और हिंद महासागर डायपोल। एस सहदेव और एम कुमार (एड्स) (पीपी 1-6)। पर्यावरण और सतत विकास; एक मूल्यांकन, नई दिल्ली: कांसेप्ट पब्लिकेशन

सैनी ए और साहू एन (2017)। शहरीकरण प्रेरित वायु प्रदूषण और इसके प्रभाव: दिल्ली और सियोल के मामले। एस नरसिंहम और केडी यंग (एड्स), 21वीं शताब्दी में एक बहुआयामी साझेदारी की ओर, (पीपी 123-143)। नई दिल्ली: मानक प्रकाशन प्रा. लि.

सेन ए और यादव ए (2017)। रि-इमेजिंग पोस्ट-इंडस्ट्रियल सिटीज: फरीदाबाद, हरियाणा में नई पहचानों की खोज। पी शर्मा और एस राजपूत (एड्स), भारत में सतत स्मार्ट शहर: चुनौतियां और भविष्य के दृष्टिकोण, स्प्रिंगर

सिंह आरबी, आनंद एस और सलूजा वी (2017)। सतत भविष्य पृथ्वी के लिए कम कार्बन लचीला दिल्ली मेगासिटी। वाई हिमियामा (एड), मानसून एशिया में सतत भूमि उपयोग की खोज, (पीपी 137- 155)। जापान: स्प्रिंगर

सुभाष आनंद (2017)। दिल्ली में अपशिष्ट प्रबंधन की धारणा। बी ठाकुर, एचएस शर्मा, एस मिश्रा, एस चट्टोपाध्याय और एस सिंह (एड्स), क्षेत्रीय विकास: सिद्धांत और अभ्यास, (पीपी.148-162)। नई दिल्ली: कांसेप्ट पब्लिकेशन्स कंपनी

प्रकाशित जर्नल

नेशनल एसोसिएशन ऑफ ज्योग्राफर्स, इंडिया का इतिहास

अनुसंधान परियोजनाएं

बी डब्ल्यू पांडे। ब्रिटिश अंतर्राष्ट्रीय सहयोग परिषद: दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत और बाथ स्पा यूनिवर्सिटी, यूके के बीच भारतीय हिमालयी बाढ़ डेटाबेस, आपदा जोखिम कमी के लिए यूजीसी-यूकेआईआईआरआई-III परियोजना (हाइफ्लो-डीएटी): (2018-2020)

प्रवीण के पाठक। नेटवर्क और वैश्विक स्वास्थ्य: विकासशील देशों में महिलाओं के सोशल नेटवर्क, प्रजनन स्वास्थ्य और कल्याण के प्रयोगात्मक सबूत। दिल्ली विश्वविद्यालय और नॉर्थ ईस्टर्न यूनिवर्सिटी, बोस्टन, यूएसए (2017-2019)

डे ए। वित्तपोषण एजेंसी: आईसीएसएसआर, भारत में राजनीति पर लोकप्रिय कल्पनाएं और व्याख्यान: ज्ञान निर्माण की साइट्स के रूप में सांस्कृतिक कथाओं की खोज, (2017-2019)

एससी राय। सिक्किम हिमालय की पारंपरिक खेती में कृषि-जैव विविधता और आजीविका सुरक्षा पर जलवायु भिन्नता और इसके प्रभाव। परियोजना का वित्तपोषण जीबी पंत हिमालयी पर्यावरण और सतत विकास संस्थान, कोसी-कटारमल, अल्मोड़ा -263643, उत्तराखंड द्वारा, (अप्रैल, 2018-2021)

आयोजित सेमिनार:

संसाधन, पर्यावरण, शहरी और क्षेत्रीय नियोजन में उभरते सरहदों पर यूजीसी एसएपी-डीआरएस III राष्ट्रीय सेमिनार, भूगोल विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, 23-24 दिसंबर, 2017

सेमिनार / सम्मेलन प्रस्तुतियां

बी डब्ल्यू पांडे (2017)। 30 जून से 06 जुलाई। "ढलान भेद्यता, व्यापक बर्बादी और भू-खतरे: अलकनंदा नदी बेसिन, भारत में जांच और जोखिम विश्लेश्लेषण" पर मुख्य संबोधन (बी) 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में लाडोगा झील क्षेत्र में भूगर्भ विज्ञान पर फील्डवर्क और स्कूल और विश्वविद्यालय में भूविज्ञान पर समर स्कूल: पृथ्वी विज्ञान और सभ्यता, पर रशियन हेज़ेन स्टेट पेडोगोगिकल यूनिवर्सिटी, सेंट पीटर्सबर्ग, रूस में आयोजित

बीडब्ल्यू पांडे (2018) 16 से 20 मार्च। हिमालय में ढलान भेद्यता, व्यापक बर्बादी और भू-जलविद्युत खतरों पर शोधपत्र प्रस्तुत: अलकनंदा नदी बेसिन उत्तराखंड का एक केस स्टडी। मणिपुर विश्वविद्यालय, इम्फाल में 105वां भारतीय विज्ञान कांग्रेस (आईएससी) का पृथ्वी प्रणाली विज्ञान (ईएसएस)

भैरन्नवार के (2017) औपनिवेशिक यौन संबंध और दैनिक यौन शहरी रूप: रॉयल ज्योग्राफिकल सोसाइटी, लंदन, यूनाइटेड किंगडम (आईबीजी के साथ) के वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2017 में (पोस्ट) औपनिवेशिक ज्ञान और एशियाई शहर निर्माण के सत्र में दिल्ली का केस स्टडी (प्रस्तुत)

दत्ता अनिंदिता (2018) ने 'जेंडरस्केप ऑफ़ हेट: कंटेक्स्चुएलाइजिंग जेंडर, स्पेस एंड हार्म इन इंडिया' में भाग लिया, पूर्ण सत्र: सामाजिक और स्थानिक एकीकरण और वैश्विक नागरिकता, क्षेत्रीय विज्ञान संघ इंटरनेशनल द्वारा आयोजित 12वीं आरएसएआई विश्व कांग्रेस, बीआईटीएस पिलानी गोवा परिसर, 30 मई 2018

डे ए (2017)। आईएसटीटी और हेनरिक बॉल फाउंडेशन द्वारा इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित प्रस्तुति, सार्वजनिक स्थान और कमजोर लिंग समूहों में हिंसा के दैनिक वर्णन: समावेशी नीति ढांचे, लिंग और आर्थिक नीति फोरम के प्रति: सार्वजनिक स्थानों पर भय और हिंसा का मानचित्रण"

डे ए (2017) एशिया में औपनिवेशिक ज्ञान और शहर निर्माण", आरजीएस-आईबीजी वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 2017 में प्रस्तुत, रॉयल ज्योग्राफिकल सोसाइटी, लंदन में आयोजित

डे ए (2017) कलकत्ता में कोलकाता: औपनिवेशिक अतीत के बाद औपनिवेशिक ज्ञान", विज्ञान पो में आयोजित एशियाई अध्ययन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के 6ठे फ्रांसीसी नेटवर्क में प्रस्तुत

पंकज कुमार (2017) ने 16 अक्टूबर से 4 नवंबर, 2017 के दौरान बीजिंग, चीन में वैज्ञानिक बिग डेटा शेयरिंग और विकासशील देशों को प्रकाशन के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला में "सतत विकास लक्ष्यों के लिए स्थानिक सूचना प्रणाली" विषय पर आमंत्रित वक्ता के तौर पर वार्ता

एस सी राय, (2017) मेन्टर, अरुणाचल विश्वविद्यालय, नामसाई, अरुणाचल प्रदेश में 30 जनवरी से 3 फरवरी, 2017 तक आयोजित इंस्पायर इंटर्नशिप साइंस कैंप में व्याख्यान

सेनगुप्ता सोमा और सेन अंजन (2017) ऊर्जा सक्षम प्रकाश की सामाजिक स्वीकार्यता: स्मार्ट सोसाइटीज के उद्भव में असमानता: स्टॉकहोम, स्वीडन में "असमानताओं का भूगोल" पर 7वीं नॉर्डिक ज्योग्राफिकर्स बैठक 2017

सुभाष आनंद (2018) 21वीं शताब्दी में शहरी पर्यावरण पर राष्ट्रीय सेमिनार में शहरी अपशिष्ट प्रबंधन: मुद्दे और चुनौतियां पर सत्र में प्रतिभागी और सह-अध्यक्ष:, 27-28 मार्च, 2018, जेएमआई, नई दिल्ली

सुभाष आनंद (2018) जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय सम्मेलन में सतत कृषि पर सत्र में प्रतिभागिता द्वारा सह-अध्यक्षता, सतत कृषि और पर्यावरण, 17 मार्च, 2018, एएमयू, अलीगढ़

हस्ताक्षरित अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग:

एस सी राय: सदस्य, स्कूल ऑफ एक्स्टेंशन एंड डेवलपमेंट स्टडीज (एसओईडीएस), इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, दिसंबर 2017 से नवंबर 2019 तक

एस सी राय: सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज, भूगोल विभाग, आईआईएस विश्वविद्यालय, जयपुर, जुलाई 2017 से जून 2019 तक

एस सी राय: सदस्य, भूगोल में स्नातकोत्तर अध्ययन बोर्ड, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, हरियाणा (दो वर्ष) 11 दिसंबर 2017 से 10 दिसंबर 2019 तक

बी डब्ल्यू पांडे: कार्यकारी बाहरी सदस्य (अंतर्राष्ट्रीय) सलाहकार बोर्ड, अफ्रोमोंटेन रिसर्च यूनिट (एआरयू) सलाहकार बोर्ड, यूनिवर्सिटी ऑफ फ्री स्टेट (यूएफएस) क्वाक्वा कैंपस, दक्षिण अफ्रीका। प्राइवेट बैग X13, फुथादितझाबा, 9866 दक्षिण अफ्रीका गणराज्य

नियोजन विवरण

भूगोल विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय के केंद्रीय नियोजन सेल से समन्वय करता है। (विभाग के छात्रों के नियोजन, यदि कोई हो, की संख्या का उल्लेख करें)

विस्तार और पहुँच कार्यकलाप

भैरवन्नार के। गिरि इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज, लखनऊ द्वारा सामाजिक विज्ञान के संकाय और शोध विद्वानों के लिए 10 से 19 फरवरी, 2018 तक आयोजित 10 दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम में 'सामाजिक विज्ञानों में गुणवत्तापरक अनुसंधान' और लैंगिकता, पहचान और बहुलवाद।

प्रदत्त एम फिल/पीएच डी उपाधियों की संख्या

पीएच डी: 10

एम फिल: 19

संकाय सदस्य संख्या:12

***

इतिहास

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां:

विश्वविद्यालय के संस्थापक विभागों में से एक, इतिहास विभाग वर्तमान में इकतीस संकाय सदस्यों वाला एक उन्नत अध्ययन केंद्र है। वे इतिहास के वैश्विक विषय के विचारकों और योगदानकर्ताओं और अनुसंधान के अपने संबंधित डोमेन में विशेषज्ञ के रूप में प्रसिद्ध हैं। विभाग में कंप्यूटर केंद्र, विभागीय पुस्तकालय और विभागीय संग्रहालय है जिसमें लघुचित्रों, पांडुलिपियों और कलाकृतियों का एक दुर्लभ संग्रह है। हमारे एम ए और एम फिल पाठ्यक्रम भारत में सबसे कठिन हैं और वर्ष में तीन-पांच छात्र अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में पूर्ण फैलोशिप हासिल करते हैं। 2017-18 में हमारे संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों में प्रमुख संबोधन किए; हार्वर्ड विश्वविद्यालय के साथ हमने एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, साम्राज्य: वैश्विक इतिहास की ओर" का आयोजन किया। विभाग की सेमिनार श्रृंखला में 2017-18 में चौदह वक्ता थे; हमने "बैठक" और "किताबखाना" नामक दो चर्चा-केंद्रित कार्यक्रम शुरू किए हैं। इतिहास के अनुसंधान विद्वानों ने शोध छात्रों के राष्ट्रीय सम्मेलन, छठे वार्षिक "अनुसंधान छात्र सम्मेलन" का आयोजन किया।

सम्मान/गौरव

राष्ट्रीय:

चारू गुप्ता, 'उप वैकल्पिक लैंगिकताएं और जनभाषा अभिलेखागार', अशोक विश्वविद्यालय और ओपी जिंदल वैश्विक विश्वविद्यालय इतिहास कार्यशाला में मुख्य संबोधन, हरियाणा, 9 सितंबर 2017

जाफरी सय्यद जेड एच (2017)। सामान्य अध्यक्षीय संबोधन), राजस्थान इतिहास कांग्रेस का XXXIIवां वार्षिक सत्र। "प्रवासन, समाधान और अनुकूलन: राजपूताना में पूर्व-औपनिवेशिक काल तक 'कुलीन संस्कृति' का निर्माण बनाना और ज्ञान का प्रसार" 22 से 24 दिसंबर 2017

कुमार सुनील, मुख्य व्याख्यान, "समय और इसकी व्यावहारिक संभावनाएं: सिजी का फवादी अल-फुअद और चौदहवीं शताब्दी चिश्तिया"। XXXVI डॉ एमए अंसारी मेमोरियल व्याख्यान, इतिहास और संस्कृति विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, 15 फरवरी, 2018

कुमार सुनील, अध्यक्षीय संबोधन, मध्यकालीन भारत अनुभाग, भारतीय इतिहास कांग्रेस, जादवपुर, "इतिहास और चौदहवीं शताब्दी चिश्तिया", 28 दिसंबर 2017

मल्होत्रा अंशुपिरो और गुलाबदासीज: पंजाब में लिंग, संप्रदाय और समाज (नई दिल्ली: ओयूपी, 2017) को भारतीय इतिहास कांग्रेस, 2017 द्वारा सम्मानित महिला इतिहासकार की सर्वश्रेष्ठ पुस्तक के लिए हरि राम गुप्ता पुरस्कार

सिंह उपिंदर। इलाहाबाद संग्रहालय में प्रोफेसर एस एन रॉय मेमोरियल उदघाटन व्याख्यान "राज्य की हिंसा: प्राचीन भारत से दृष्टिकोण"। 6 अप्रैल, 2018

सिंह उपिंदर। मणिपाल अकादमी ऑफ हायर एजुकेशन में आयोजित 'प्राचीन भारत: पहचान, सीमाएं, सांस्कृतिक प्रथाओं' पर प्रोफेसर अचुता राव मेमोरियल नेशनल कॉन्फ्रेंस में "भारत से परे एशिया की ओर" शीर्षक प्रमुख संबोधन, 26 दिसंबर, 2017

अंतर्राष्ट्रीय:

गुप्ता चारू। अप्रैल से जून 2017, विज़िटिंग प्रोफेसर और आईसीसीआर अध्यक्ष, दक्षिण एशियाई संस्थान, तिब्बती और बौद्ध अध्ययन, वियना विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रिया

जाफरी, सय्यद जेडएच, जबरन प्रवासन और शरणार्थी अध्ययन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य संबोधन: 'माइग्रेशन, शरणार्थी, और ज्ञान का प्रसार: 'इस्लामी संस्कृति' और 'प्रवासित अभिजात वर्ग' का विस्तार: मुद्दों को स्थानांतरित करने वाले प्रतिमान, इतिहास और सभ्यता विभाग, अंतर्राष्ट्रीय इस्लामी विश्वविद्यालय मलेशिया, कुआलालम्पुर (आईसीएमआर-2017), 5 से 7 दिसंबर, 2017

जैन शालीन। सीएसटी लाइब्रेरी विद्वान, क्लेरमोंट स्कूल ऑफ़ थियोलॉजी, क्लेरमोंट, कैलिफ़ोर्निया, यूएसए

प्रकाशन

अकील आर (2017)। ईश्वर के प्रेमी: मध्ययुगीन भारत में इस्लाम का सूफीवाद और राजनीति। नई दिल्ली: मनोहर

अकील आर (2017)। मुस्लिम प्रश्न: इस्लाम और भारतीय इतिहास की समझ। पेपरबैक, नई दिल्ली: पेंगुइन बुक्स

गुप्ता सी (2017), जाति का लिंग: प्रिंट में दलितों का प्रतिनिधित्व, रानीखेत: परमानेंट ब्लैक

जैन एस (2017) पहचान, समुदाय और राज्य: मुगलों के अधीन जैन। नई दिल्ली: प्राइमस बुक्स

सिंह यू (2017)। प्राचीन भारत में राजनीतिक हिंसा। कैम्ब्रिज: हार्वर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस

सिंह यू (2017)। शक्ति के चित्र: अशोक और कौटिल्य; समुद्रगुप्त और रघु। पटना: केपी जायसवाल रिसर्च इंस्टीट्यूट

सिंह वी (2018)। वाचाल नदियां: मध्य-गंगा बाढ़ देश का पर्यावरण इतिहास, 1540-1885। दिल्ली: प्राइमस बुक्स

गुप्ता सी और शर्मा एम (2018)। प्रतिस्पर्धी तटीय क्षेत्र: दक्षिण एशिया में मछुआरे, राष्ट्र और सीमाएं, (पुन:)। नई दिल्ली: रूटलेज

मल्होत्रा ए, विलियम्स टी और हॉली जे एस (एड्स) (2018)। प्रारंभिक आधुनिक उत्तर भारत में पाठ और परंपरा। दिल्ली: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस

दक्खनी और साहित्य की भाषा के रूप में उर्दू का परिवर्तन। एम एन बारी और एच एम महेश्वरैया (एड्स), दक्खन: संस्कृति, विरासत और साहित्य, (पीपी 410-423)। दिल्ली: मानक प्रकाशन

देशपांडे ए (2017)। अतीत, वर्तमान और मौखिक इतिहास। आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक

देशपांडे ए (2017)। 'चौराहे की साइट के रूप में भारतीय किला'। प्री-मॉडर्न एशिया में कथाएं, मार्ग और चौराहे, आर शेषन (एड), लंदन और न्यूयॉर्क: रूटलेज

देशपांडे ए (2018)। औपनिवेशिक भारत में सैयद अहमद खान की खोज, फॉरवर्ड प्रेस

देशपांडे ए (2018)। टाइगर बाय द टेल: भारतीय युद्ध सेना का विघटन, 1918 से 1923। ए जेफरीस (एड), प्रथम विश्व युद्ध में भारतीय सेना। सोलहुल हेलियन एंड कंपनी

गोविंद आर (2017)। राजा की लूट, राजा का न्याय: ब्रिटिश भारत में संप्रभुता। इतिहास में अध्ययन, 33 (2), 151-186

गोविंद आर (2018)। अंबेडकर के सबक, अंबेडकर की चुनौतियां: हिंदू धर्म, हिंदुत्व और भारतीय राष्ट्र। आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक, 53 (4), 80-92

गुप्ता सी (2017), औपनिवेशिक भारत में दलित निकायों का प्रतिनिधित्व। एम सियॉटी (एड), मूलरूप आदर्शों को अस्थिर करना: भारतीय राजनीति में नारीत्व और पुरूषत्व, (पीपी 56-93)। नई दिल्ली: वीमेन्स अनलिमिटेड

गुप्ता सी (2017), स्वयं कथन, जाति का लेखन: संतराम बीए के जीवन का स्मरण। जीवनी: एक अंतःविषयक त्रैमासिक, 40 (1), 16-43

गुप्ता सी (2018), चुनौतीपूर्ण जाति, लिंग भेद: उत्तर भारत में पुरुष लेखन के विरोधाभास। आर चौधरी और जेड ए बेसेट (एड्स) में, भारत में पुरुष और महिलावाद, (214-36)। ऑक्सन एंड न्यूयॉर्क: रूटलेज

गुप्ता सी (2018), घरेलू उत्सुकताएं, उद्दंड पुनर्मिलन: हिंदी प्रिंट में नौकरों का प्रतिनिधित्व, औपनिवेशिक भारत की संस्कृति, इतिहास में अध्ययन, 34 (2), 141-63

गुप्ता सी (2018), दलित पहचान की कल्पना: प्रारंभिक बीसवीं सदी में महिलावाद और पुरूषवाद का कार्यप्रदर्शन। ए राव (एड), लिंग, जाति और समानता की कल्पना, (पीपी 154-72)। नई दिल्ली: वीमेन्स अनलिमिटेड

गुप्ता सी (2018), पीड़ा के विरोधाभास: औपनिवेशिक उत्तर भारत में प्रदूषित और पीड़ित के रूप में दलित महिला निकाय। ई रशको, एस घोष और यू चक्रवर्ती (एड्स), मेमोरी, आइडेंटिटी एंड द कॉलोनियल एनकॉन्टर इन इंडिया: पीटर रॉब के ऑनर्स में निबंध, (पीपी 110-131)। न्यू दिल्ली एंड लंदन: रूटलेज

गुप्ता सी और एस शंकर (2017)। मेरा जन्म मेरे लिए घातक दुर्घटना: जाति और जीवन कथाओं का परिचय। जीवनी: एक अंतःविषय त्रैमासिक, 40 (1), 1-15

गुप्ता वी (2017)। सांस्कृतिक सीमांतता और स्टीरियोटाइप का पुनरुत्पादन: स्कूल की पद्धतियों पर घनिष्ठ व्यक्ति का दृष्टिकोण। एमके तिवारी, एस कुमार और ए मिश्रा (एड्स), भारत में सामाजिक विविधता, समावेशी कक्षा और प्राथमिक शिक्षा। नई दिल्ली: ओरिएंट ब्लैक्सवैन

गुप्ता वी (2017), मैकॉले से परे। एच के दीवान, आर के अग्निहोत्री, ए सी, वी डी सुधीर और आर द्विवेदी (एड्स), मैकॉले, एलफिंस्टन और भारतीय शिक्षा। नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन

गुप्ता वी (2018), भाऊराव पाटिल के शैक्षणिक कार्य और सामाजिक एकीकरण। समावेशी, 1 (12)

जाफरी जेड एच एस और खान एम टी (2017)। मध्ययुगीन भारत में धर्मदान, अनुदान, और दान: महाबोधि मंदिर का एक केस स्टडी। ए सिंह (एड), दाना: बौद्ध धर्म में पारस्परिकता और संरक्षण, (पीपी 48-62)। दिल्ली: प्राइमस

जाफरी जेड एच एस (2017)। औपनिवेशिक बंगाल में माफीदार और शिक्षण संस्थान। विद्यासागर यूनिवर्सिटी जर्नल ऑफ़ हिस्ट्री, 59-70

जाफरी जेड एच एस (2017)। नवाबी-पूर्व अवध में समग्र संस्कृति का निर्माण। भारतीय इतिहास कांग्रेस की कार्यवाही, 77वां सत्र, केरल विश्वविद्यालय। अलीगढ़, 142-153

जाफरी जेड एच एस (2017)। 1857 में धर्म का मुद्दा: तीन दस्तावेज। भारत में लोक इतिहास, विशेष मुद्दा स्थिति और धर्म, 4 (1), 77-90

जाफरी जेड एच एस (2017)। प्रवासन, समाधान और अनुकूलन: राजपूताना में पूर्व-औपनिवेशिक काल तक 'कुलीन संस्कृति' का निर्माण और ज्ञान का प्रसार। राजस्थान इतिहास कांग्रेस का XXXIIवां वार्षिक सत्र। जयपुर: एसएस जैन सुबोध, पीजी (स्वायत्त) कॉलेज

जाफरी जेड एच एस (2018)। द एज ऑफ़ एम्पायर (1860 से 1880 के दशक) में 'घेराबंदी' के तहत मुगल-नवाबी विरासत: खानकाह-ए करीमिया, सलोन, भारत के पारिवारिक अनुदान और वक्फ। एम टोरू (एड), वक्फ का पूर्व से तुलनात्मक अध्ययन: धार्मिक और पारिवारिक दान में सामान्यता और व्यवहार की गतिशीलता, (पीपी.191-216)। टोक्यो: टोयो बंको

कुमार एस (2017)। राजनीतिक अभिजात वर्ग और सूफी के बीच संबंधों में संक्रमण: 13वीं और 14वीं शताब्दी की दिल्ली सल्तनत। एन कराशिमा (एड), पूर्व-आधुनिक दक्षिण और दक्षिणपूर्व एशिया में राज्य गठन और सामाजिक एकीकरण: एशियाई समाज का एक तुलनात्मक अध्ययन, (पीपी.203-238)। टोक्यो: टोयो बंको

कुमार एस और लता (2017)। भारत का विचार: महात्मा फुले और अंबेडकर, स्वराज प्रकाशन

महापात्रा पी, जोशी सी, और राणा पीबी (2018)। "सीमाओं के पार संवाद। के एच रोथ, ब्रिल, लीडेन एंड बोस्टन (एड्स), ऑन द रोड टू ग्लोबल लेबर हिस्ट्री

महापात्रा पी (2018)। घर, काम और व्यक्तित्व पर। एफ हेनस्टेके (एड), घर पर रहना: हाउस, वर्क एंड सेल। ओल्डनबर्ग: डी ग्रुइटर

मल्होत्रा ए और विलियम्स टी (2018)। टी विलियम्स, ए मल्होत्रा और जे एस हॉली (एड्स), टेक्स्ट एंड ट्रेडिशन इन अर्ली मॉडर्न नॉर्थ इंडिया। नई दिल्ली: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस

मिश्रा एस (2017)। मधुमिता सेनगुप्ता की समीक्षा, असमिया बनना: पूर्वोत्तर भारत में उपनिवेशवाद और नई विषय वस्तुएं। आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक, 52 (44)

शाह एस (2017)। अभिव्यक्ति, असंतोष और विनाश: महिला मुक्ति के स्वर। संस्कृत साहित्य, 45 (9-10)

शाह एस (2018)। स्मिता सहगल की समीक्षा, नियोग: प्रारंभिक भारत में वंशावली स्थाईकरण के लिए वैकल्पिक तंत्र। इंडियन जर्नल ऑफ जेंडर स्टडीज

सिंह यू (2017)। भंडारण 'और' प्रदर्शन: तीसरा विश्व परिप्रेक्ष्य और व्यवहार। एम ब्रूसियस एंड के सिंह (एड्स), संग्रहालय संग्रहण और अर्थ: टेल्स फ्रॉम द क्रिप्ट। लंदन एंड न्यूयॉर्क: रूटलेज

सिंह यू (2017)। "दिल्ली अरावलीज में शुरुआती अवशेष।" लैंड आर्ट (इंडिया हैबिटेट सेंटर आर्ट जर्नल)

सिंह वी (2017)। "आधुनिक अधिनियम, मछली और औपनिवेशिक हितों का संरक्षण: मिड-गंगा डियरा पारिस्थितिकी, भारत में अंतर्देशीय मत्स्यपालन"। एएम साँग, एसडी बोवर, पी ओन्यांगो, एसजे कुक और आर चुएनपग्दी (एड्स), अंतर्देशीय मत्स्यपालन का अंतर-क्षेत्रीय शासन, सेंट जॉन्स: टीबीटीआई प्रकाशन श्रृंखला

सिंह वी (2018)। "अंतर्देशीय मत्स्यपालन के शासन में अंत-क्षेत्रीयता"। पारिस्थितिकी और समाज, 23 (2), 17

सिंह विपुल (2018)। "जहां कई नदियां मिलती हैं: मिड-गंगा बेसिन, भारत में नदी भू आकृति विज्ञान और पूर्व-आधुनिक नदी अर्थव्यवस्था का परिवर्तन"। ई वाज़, सी जोनाज और एलएमसी पिंटो (एड्स), पर्यावरण इतिहास का निर्माण। स्विट्ज़रलैंड: स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग

ज़ाउ डी.वी. (2017)। "नए देवताओं का आलिंगन: पूर्वोत्तर भारत में धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया"। एस नाग और आई आलम (एड्स), राष्ट्र और क्षेत्र का मिश्रण, दिल्ली: प्राइमस बुक्स/रत्न सागर

ज़ाउ डी.वी. (2018)। "वाई फाबिया से राज विषाद: औपनिवेशिक लुशाई हिल्स में साहिब, मुखिया और आम लोग"। एल जूविचु और एम बरुआ (एड्स), पूर्वोत्तर भारत में आधुनिक पद्धतियां: इतिहास, संस्कृति, प्रतिनिधित्व, (पीपी 119-143) लंदन एंड न्यूयॉर्क: रूटलेज

अनुसंधान परियोजनाएं:

अंतर्राष्ट्रीय:

डॉ विपुल सिंह 2016-2020। सिमोन मूलर (पीआई) डीएफजी एम्मी-नोएदर रिसर्च ग्रुप, खतरनाक यात्राएं, भूतिया इलाके और वैश्विक अपशिष्ट अर्थव्यवस्था में "परियोजना साझेदार", राहेल कार्सन सेंटर, म्यूनिख (जर्मनी)

डॉ शालीन जैन, सीएसटी लाइब्रेरी विद्वान, 2015-17, क्लेरमोंट स्कूल ऑफ़ थियोलॉजी, क्लेरमोंट, कैलिफ़ोर्निया, यूएसए

प्रोफे. अमर फारूकी और डॉ प्रभु महापात्रा, 2016 - वैश्विक इतिहास में वेदरहेड पहल, वैश्विक इतिहास नेटवर्क में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी, दिल्ली विश्वविद्यालय और अन्य

दायर / अनुमोदित पेटेंट: एन ए

आयोजित सेमिनार: 14

दस चयनित सेमिनार, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2017-2018

1) प्रोफेसर जॉन कॉर्ट, प्रोफेसर, डेनिसन यूनिवर्सिटी
"गुरु की तरह कोई नहीं बचाता: जैन धर्म में सच्चे गुरु की छवियां।" 3 नवंबर 2:30 बजे अपरान्ह, समिति कक्ष

2) डॉ शहाना भट्टाचार्य, एसोसिएट प्रोफेसर, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय।
"त्वचा में परावर्तन, जाति परिवर्तन: भारत में चमड़ा उत्पादन में तकनीकी शिक्षा, 1900-1950 के आसपास", 15 नवंबर, 2:30 बजे अपरान्ह, समिति कक्ष

3) प्रोफेसर रॉबर्ट पी गोल्डमैन, सीएमईएएस, कैलिफ़ोर्निया यूनिवर्सिटी बर्कले
व्यास के महाभारत में घातक क्रोध, सामूहिक सजा और अत्यधिक हिंसा। 10 जनवरी 2018, 3:00 बजे अपरान्ह, कक्ष 6, सोशल साइंसेज बिल्डिंग एनेक्सी

4) डॉ योसुके फुरुई, टोक्यो यूनिवर्सिटी में एशिया में उन्नत अध्ययन संस्थान में सहयोगी प्रोफेसर
"दक्षिण एशिया में राजनीतिक शक्तियों का बदलता ढांचा: पांचवीं से तेरहवीं शताब्दी तक बंगाल"। 12 जनवरी 2018, 3:00 बजे अपरान्ह, समिति कक्ष

5) डॉ अनीश वनाइक, सहायक प्रोफेसर, कानून विभाग, जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी
"औपनिवेशिक दिल्ली में आवास प्रश्न की वंशावली, 1911-47"। 7 फरवरी 2018, 3:00 बजे अपरान्ह, समिति कक्ष

6) प्रोफेसर पीके दत्ता, प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान, जेएनयू
"टैगोर के वैश्विक विचार की विशिष्टता"। 28 फरवरी 2018, 3:00 बजे अपरान्ह, समिति कक्ष

7) डॉ देवेश विजय, अनुसंधान अध्येता, सीएसडीएस, नई दिल्ली
"औपनिवेशिक शासन से पंचायती राज तक: 1914-2014 के आसपास उत्तर भारतीय गांव में बदलती अहमियत"। 21 मार्च 2018, 3:30 बजे अपरान्ह, समिति कक्ष

8): माया जासनॉफ, हार्वर्ड विश्वविद्यालय में इतिहास की कूलिज प्रोफेसर
"इतिहास और साहित्य का मिलन: जोसेफ कॉनराड के जीवन और काल की खोज"। 28 मार्च 2018, समिति कक्ष

9) रवि आहूजा, जॉर्ज-ऑगस्ट-यूनिवर्सिटी गौटिंगेन के सेंटर फॉर मॉडर्न इंडियन स्टडीज (सीईएमआईएस) में अनुसंधान समूह 'आधुनिक भारतीय इतिहास' के प्रमुख

"एस एस 'मिस्र' के 'मूल निवासी': ब्रिटिश साम्राज्य में भाप के जहाजी श्रम और नस्लीय प्रबंधन के बारे में लेख"। 3 अप्रैल 2018, समिति कक्ष।

10) आनंद तनेजा, वेंडरबिल्ट यूनिवर्सिटी, यूएसए
"सांप, जिन्स, और अन्य मुस्लिम संत: दिल्ली के मध्ययुगीन खंडहरों में असामान्य आत्मीयता और नैतिक जीवन"। 11 अप्रैल 2018, समिति कक्ष

आयोजित सम्मेलन: 7 (सात)

दो प्रकार के कार्यकलाप, और बैठक - किताबखाने

सम्मेलन

1) 7 नवंबर, कक्ष संख्या 6, एनेक्सी भवन:
डॉ संघमित्रा मिश्रा और राहुल गोविंद द्वारा आयोजित इतिहास विभाग सेमिनार श्रृंखला, क्रांति और मार्क्सवाद पर कार्यशाला।

2) 3 -5 दिसंबर, कक्ष संख्या 6, एनेक्सी भवन:
"साम्राज्य: वैश्विक इतिहास की ओर" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन
वैश्विक इतिहास पर वेदरहेड पहल, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी, ग्लोबल हिस्ट्री नेटवर्क और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्तपोषण,
3) 13-15 मार्च 2018
रिसर्च स्टूडेंट्स कॉन्फ्रेंस और डॉ अज़ीस थारुवाना की वार्ता और वृत्तचित्र स्क्रीनिंग: 'आदिवासी रामायण': प्राइमस पब्लिशिंग हाउस से वित्तपोषण

बैठक और किताबखाना; चर्चा श्रृंखला, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय

1) 24 नवंबर, बैठक, समिति कक्ष:
3:00 से 5:00 बजे अपरान्ह: प्रोफेसर उपेंद्र बक्सी के साथ बैठक। कार्यक्रम की रीडिंग प्रसारित की जाएगी।

2) 13 दिसंबर, समिति कक्ष: दोनों कार्यक्रमों की रीडिंग प्रसारित की जाएगी।
1:30 से 3:00 बजे अपरान्ह: डॉ प्राची देशपांडे के साथ बैठक
3:30 से 5:00 बजे अपरान्ह: प्रोफेसर संजय सुब्रहमण्यन के साथ बैठक।

3) 23 फरवरी 2018, 3:00 से 5:00 बजे अपरान्ह, समिति कक्ष: किताबखाना पुस्तक चर्चा: शालीन जैन, पहचान, समुदाय और राज्य: मुगलों के अधीन जैन, नई दिल्ली: प्राइमस 2017

संभाषी: 1) मनीषा सेठी, तुलनात्मक धर्म और सभ्यता केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली;
2) चंद्रनीव दास, एमए फाइनल, मध्ययुगीन इतिहास, दिल्ली विश्वविद्यालय

4) 4 अप्रैल 2018, 3:00 से 5:00 बजे अपरान्ह, समिति कक्ष: किताबखाना पुस्तक चर्चा: अनिरुद्ध देशपांडे, आशा और निराशा: भारत में विद्रोह, बगावत और मृत्यु, नई दिल्ली: 1946, प्राइमस 2016

संभाषी: 1) अमर फारूकी, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय। 2) कृति त्रिपाठी, एमए फाइनल, आधुनिक भारतीय इतिहास, दिल्ली विश्वविद्यालय

विभाग के सहयोगियों द्वारा सेमिनार और सम्मेलन प्रस्तुतियां

राष्ट्रीय: 57 (सत्तावन)

अहमद सैफुद्दीन द्वारा कबीर पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार: 'उर्दू-मुस्लिम परंपरा में कबीर' की प्रस्तुति, विभिन्न दृष्टिकोण, आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 30-31 जनवरी, 2018

अहमद सैफुद्दीन द्वारा "अठारहवीं शताब्दी के उत्तर भारत में उर्दू साहित्यिक संस्कृति" पर प्रस्तुति, इतिहास विभाग, जाकिर हुसैन पीजी (ई) कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय (27 मार्च, 2018)

देशपांडे अनिरुद्ध द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय के विवेकानंद कॉलेज में डॉ अल्का रानी स्मारक व्याख्यान में 'औपनिवेशवाद और आधुनिक भारतीय मस्तिष्क का दीर्घकालिक ऐतिहासिककरण', पर पेपर प्रस्तुत, 4 जनवरी, 2018

देशपांडे अनिरुद्ध। ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र में 'सिनेमा और इतिहासकार' पर विशेष व्याख्यान, जेएनयू, 27 फरवरी, 2018

देशपांडे अनिरुद्ध। सत्यवती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'फासीवाद के सिद्धांत' पर विशेष व्याख्यान, 9 नवंबर, 2017

देशपांडे अनिरुद्ध। शहीद भगत सिंह की समकालीन प्रासंगिकता पर विशेष व्याख्यान, शहीद भगत सिंह अध्ययन और अनुसंधान केंद्र, इतिहास विभाग, भगत सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 5 अप्रैल, 2018

धर पारुल पंड्या। 2018 ने "फणगिरी, तेलंगाना से एक अनोखे तोराआ का पुनरुत्थान" पर पत्र प्रस्तुत, दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, युगों से तेलंगाना: पुरातत्व और संग्रहालय विभाग, हैदराबाद में प्राचीन और मध्ययुगीन काल पर परिप्रेक्ष्य। 19-20 जनवरी, 2018

गुप्ता चारू। पैनल चर्चा 'रिक्लेमिंग विमेन वॉयस: ए हिस्ट्रीकल पर्स्पेक्टिव', में अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित, हिस्ट्री एसोसिएशन, दौलत राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 15 जनवरी 2018

गुप्ता चारू 'सन्नाटे में आवाज: औपनिवेशिक उत्तर भारत में हिंदी प्रिंट संस्कृति, स्त्री और अभिलेखागार [मौन में आवाज: औपनिवेशिक उत्तर भारत में हिंदी प्रिंट संस्कृति, महिलाएं और अभिलेखागार] [हिंदी में], 'समकालीन भारत में स्त्री, संदर्भ और संभावनाएं' पर राष्ट्रीय कार्यशाला में पत्र आमंत्रित [समकालीन भारत में महिलाएं: संदर्भ और संभावनाएं], सीडब्ल्यूडीएस, दिल्ली, द्वारा आयोजित, 8-9 दिसंबर, 2017

गुप्ता चारू द्वारा आमंत्रित मुख्य संबोधन, 'अधीनस्थ लैंगिकताएं और जनभाषा अभिलेखागार' पर, अशोक विश्वविद्यालय और ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी हिस्ट्री वर्कशॉप, हरियाणा, 9 सितंबर 2017

गुप्ता चारू 'जनभाषा में यात्रा और पुरुषत्व: एक प्रचारक के लेख', सामाजिक अनुसंधान में आमंत्रित व्याख्यान, समाजशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 23 मार्च 2018

गुप्ता विकास। 'औपनिवेशिक राज्य और भारत में आधुनिक शिक्षक का निर्माण', पूर्णकालिक विषय पर XLI भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस में केंद्रित विषय "हमारी विश्वविद्यालय शिक्षा प्रणाली: एक समीक्षात्मक मूल्यांकन" पर पूर्ण व्याख्यान, पेरियार विश्वविद्यालय, पेरियार पालकलाई नगर, सेलम, तमिलनाडु, भारत, 18 जून से 22 दिसंबर

गुप्ता विकास। 'शिक्षक प्रथाओं, ऐतिहासिक आलोचकों और समकालीन प्रासंगिकता में औपनिवेशिक परिवर्तन', शिक्षा विभाग (सीआईई), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'इतिहास शिक्षा: परिप्रेक्ष्य और संभावनाओं से संभावनाओं' पर राष्ट्रीय सेमिनार में व्याख्यान, शनिवार 24 मार्च, 2018

गुप्ता विकास। 'भारत में मानवाधिकार और विकलांगता कानून', राजनीति विज्ञान विभाग, दौलत राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मानवाधिकारों पर सेमिनार में व्याख्यान: 8 फरवरी

गुप्ता विकास। 'शिक्षा पर राष्ट्रीय नीति, 2016', अमेरिकी भारत फाउंडेशन, नई दिल्ली, द्वारा आयोजित सेमिनार में व्याख्यान, 24-26 अप्रैल

गुप्ता विकास। 'भारत में अक्षम लोगों के अधिकार और अक्षमता कानून', राजनीति विज्ञान विभाग, गार्गी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'कानून और अधिकार' पर कार्यशाला में व्याख्यान, 4 फरवरी

गुप्ता विकास। 'औपनिवेशिक भारत में आदेश का अध्यापन, शिक्षक और चुनौतियां: 19वीं और आरंभिक 20वीं शताब्दी में चार शिक्षाविदों के दृष्टिकोण', अम्बेडकर विश्वविद्यालय (दिल्ली) और अजीम प्रेमजी फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित शिक्षक शिक्षा पर सम्मेलन में पत्र प्रस्तुत: 23-25 मई

गुप्ता विकास। दिल्ली विश्वविद्यालय के सत्यवती कॉलेज द्वारा आयोजित 'विकलांग व्यक्तियों (दिव्यांग जनों) के लिए प्रगतिशील अवसर' पर पैनल चर्चा सह इंटरैक्टिव सत्र में प्रतिभागी, 17 फरवरी

गुप्ता विकास। 'स्कूली शिक्षा, सामाजिक न्याय और समतावाद: अंतर्राष्ट्रीय ऐतिहासिक सर्वेक्षण और नवउदार रुझान', दिल्ली विश्वविद्यालय के गार्गी कॉलेज द्वारा आयोजित "नवउदार के समय में विश्वविद्यालयी नीति में परिवर्तन: मुख्य चिंता और महत्वपूर्ण मुद्दे" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पत्र प्रस्तुत, 14-15 सितंबर

जाफरी सय्यद जेडएच। सूफीवाद और सामाजिक सदभावना पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'समायोजन, आवास और अनुकूलन: चिश्ती सूफी और भारतीय भाषाई और अनुष्ठान परंपराएं' पर प्रस्तुति, सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ सोसाइटी एंड सेक्युलरिज्म, मुंबई, 22-23 फरवरी, 2018

जाफरी सय्यद जेडएच। 1857 के विद्रोह पर सर सैयद अहमद खान की धारणाओं का संदर्भ: 'असबाब-ए बगावत-ए हिंद' का पुन:पठन, सर सैयद अहमद खान का द्विशताब्दी समारोह: उनकी दृष्टि और विरासत, अग्रिम अध्ययन केंद्र और सर सैयद अकादमी, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, 21-22 नवंबर, 2017

जाफरी सय्यद जेडएच। ऊपरी गंगा घाटी में भारत-इस्लामी बौद्धिक परंपरा का निर्माण: प्रवास, समाधान, अनुकूलन और 'अस्वीकार' पर प्रस्तुति, '(प्रोफेसर राधेश्याम स्मारक व्याख्यान), उ.प्र. इतिहास कांग्रेस का 28वां वार्षिक सत्र, मोहम्मद हसन पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, वीबीएस पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर (उ.प्र.), 18-19 नवंबर 2017

जाफरी सय्यद जेडएच। भारत और ईरान: विचारों और भौतिक संस्कृति के क्षेत्र में विनिमय, पर पैनल में 'सामग्री और बौद्धिक व्याख्यान: फारसी समाज और भारतीय उपमहाद्वीप का एक अध्ययन' प्रस्तुत, अलीगढ़ इतिहासकार सोसाइटी, भारतीय इतिहास कांग्रेस का 78वां वार्षिक सत्र, जादवपुर विश्वविद्यालय, कलकत्ता, 29-30 दिसंबर, 2017

जैन शालीन। दिल्ली की बदलती सांस्कृतिक कथाएं: युगों से, पर राष्ट्रीय सेमिनार में "दिल्ली जो एक शहर था: व्यापार और बाजार का" पर प्रस्तुति, इतिहास विभाग, राजधानी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 19 से 21 मार्च, 2018

जैन शालीन। स्नातकोत्तर शिक्षक (इतिहास) के लिए आयोजित राष्ट्रीय सेवारत प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में "बादशाह और वृत्तांत: मुगल दरबार" पर प्रस्तुति, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, केन्द्रीय विद्यालय, रोहिणी, नई दिल्ली, 17 से 28 मई, 2018

जैन शालीन। दक्षिण एशियाई इतिहास में 'प्रारंभिक आधुनिक' पर बहस सम्मेलन में "मध्यकालीन' के भीतर" दक्षिण एशियाई 'व्यक्तिगत' की खोज: जैन विधर्मिता का मामला, 1470-1770 के दौरान", अशोक विश्वविद्यालय, हरियाणा, 9-10 फरवरी, 2018

जैन शालीन। बनारस के युगों से 'पवित्र' शहर पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार ''पार्श्व का शहर: जैन वृत्तांतों में बनारस" पर प्रस्तुति, इतिहास विभाग, श्यामलाल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 12-13 मार्च, 2018

कुमार सुनील। "इतिहास और चौदहवीं शताब्दी चिश्तियां" पर प्रस्तुति, अध्यक्षीय संबोधन, मध्ययुगीन भारत अनुभाग, भारतीय इतिहास कांग्रेस, जादवपुर, 28 दिसंबर 2017

कुमार सुनील। "समय और इसकी व्यावहारिक संभावनाएं: सिजी की फवायद अल-फुआद और चौदहवीं शताब्दी चिश्तियां", मुख्य संबोधन, XXXVIवां डॉ एमए अंसारी मेमोरियल व्याख्यान, इतिहास और संस्कृति विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, 15 फरवरी, 2018

मल्होत्रा अंशु। 'पंजाब का सूक्ष्म इतिहास: पिरो और गुलाबदासिस': 'भारतीय इतिहास: एकाधिक स्थान' पर राष्ट्रीय सेमिनार में व्याख्यान, शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 5-6 अप्रैल 2018 (व्याख्यान 5 अप्रैल)

मल्होत्रा अंशु। 'मुझे बुलाओ नारीवादी: नारीवादी इतिहासकार के रूप में वार्ता' - व्याख्यान 2018, इतिहास सम्मेलन और महोत्सव, हिंदू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 23 फरवरी 2018

मल्होत्रा, अंशु। 'पीरो की काफियों में अनुकरण, रूपक और संकेत' के माध्यम से स्वयं को व्यक्त करना एक वार्ता, स्वर्ण जयंती समारोह, गार्गी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 24 अक्टूबर 2017

मल्होत्रा अंशु। 'सत्ता, प्यार और नफरत के व्यूह में लिंग: पीरो की काफियों का पठन' - इतिहास संघ के तथास्तु उत्सव में एक वार्ता, जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 27 अक्टूबर 2017

मल्होत्रा अंशु। 'अतीत से संबंध: पीरो के अनेक रंग' - भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली में मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग में सेमिनार प्रस्तुति, 3 अप्रैल 2018

मल्होत्रा, अंशु। 'लंबी कहानियां: अपनी और औरों की कहानियां'- इंद्रप्रस्थ कॉलेज फॉर विमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय के हिस्ट्री एसोसिएशन के' खजाना-ए-तारीख 'उत्सव में एक वार्ता, 3 अप्रैल 2017

मल्होत्रा अंशु। नीरा बुरा (एड) की पुस्तक चर्चा पर पैनल, विभाजन-पूर्व पंजाब की यादें: रुचि राम साहनी, 1863-1948, नई दिल्ली: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2017, भाई वीर सिंह साहित सदन, नई दिल्ली, 28 अक्टूबर 2017

मिश्रा संघमित्रा, 'राजनीतिक अर्थव्यवस्था की संप्रभुता: विजय पूर्व युग में गारो' प्रस्तुत, नेहरू मेमोरियल संग्रहालय और पुस्तकालय, नई दिल्ली, 21 जुलाई, 2017

मिश्रा संघमित्रा, 'राजनीतिक अर्थव्यवस्था की संप्रभुता: विजय पूर्व युग में गारो' प्रस्तुत, नेहरू मेमोरियल संग्रहालय और पुस्तकालय, नई दिल्ली, 21 जुलाई, 2017

मिश्रा संघमित्रा, 'ऑर्डरिंग एंड ओरिएंटिंग स्पेस: इकोलॉजी ऑफ ब्रिटिश इंपीरियलिज्म' प्रस्तुत, सेंट स्टीफन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 21 फरवरी 2018

मिश्रा संघमित्रा, 'गारोज: औपनिवेशिक आधुनिकता के अधीन बने बर्बर', प्रस्तुत, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 25 अक्टूबर 2017

राय संतोष कुमार, "चंपारण 1917: सम्मेलन और प्रभाव" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "औपनिवेशिक कृषि समाज में नागरिक अधिकार कार्यकर्ता: चंपारण में और उसके परे गांधी", नेहरू मेमोरियल संग्रहालय और पुस्तकालय, नई दिल्ली, 27-28 अप्रैल, 2017

राय संतोष कुमार, युगों से बनारस के 'पवित्र' शहर पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में "बुनकरों का बनारस: बुनाई के स्थान और इतिहास", इतिहास विभाग, श्यामलाल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 12-13 मार्च, 2018

राय संतोष कुमार, "चंपारण में गांधीजी: महात्मा की यात्रा", नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड, कॉर्पोरेट कार्यालय, नोएडा द्वारा आयोजित 'चंपारण सत्याग्रह' का शताब्दी समारोह, 18-04-2017

राय संतोष कुमार, श्रम इतिहास पर XIIवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'अतीत के आइने में कार्य का भविष्य' में "अभ्यास का समुदाय और ज्ञान के स्वरूप: आरंभिक बीसवीं शताब्दी के संयुक्त प्रांत, भारत में हथकरघा बुनकर", वीवी गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान, नोएडा और भारतीय श्रमिक इतिहासकार संघ, 26 से 28 मार्च, 2018

संतोष कुमार राय, कपड़ा और वस्त्र अनुसंधान केंद्र (टीसीआरसी) दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार 'सजावट के लिए धागे' में "सपने पिरोना: औपनिवेशिक संयुक्त प्रांतों में कढ़ाई उद्योग के कुछ पहलू", इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली, 10-11 फरवरी, 2018

शाह शालिनी, 'सामाजिक और आर्थिक इतिहास लेखन: मुद्दे और परिप्रेक्ष्य' पर शताब्दी सेमिनार में 'भौतिक शरीर का सृजन: संस्कृत ग्रंथों का अध्ययन' एआईएचसी विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, 8 मार्च, 2018

शाह शालिनी, यूजीसी एसएपी-डीआरएस-2 कार्यक्रम के तहत 3 व्याख्यान देने के लिए भ्रमणकारी संकाय, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, 21 से 23 मार्च, 2018

शाह शालिनी, महिला इतिहास लेखन: दृश्यता, स्वर और एजेंसी की खोज, पर स्वर्ण जयंती सम्मेलन में संस्कृत साहित्य में प्रतिबिंबित महिला एजेंसी, गार्गी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 24-25 अक्टूबर 2017

सिंह उपिंदर, "एशियाई फ्रेम में प्राचीन भारत", राष्ट्रीय संग्रहालय, 18 मई, 2018

सिंह उपिंदर, 'विजयपुरी से श्रीक्षेत्र? बंगाल की खाड़ी में बौद्ध विनिमय की शुरूआत' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, "प्रारंभिक ऐतिहासिक नागार्जुनकोंडा: भारतीय और एशियाई संदर्भों में एक बौद्ध स्थल", इकोले फ्रैंकाइज़ डी एक्स्ट्रेमे-ओरिएंट, पांडिचेरी, 1 से 4 अगस्त, 2017

सिंह उपिंदर, भारतीय विज्ञान अकादमी की 29वीं मध्य-वर्ष बैठक में "राजनीति और हिंसा: एक बारहमासी समस्या पर प्राचीन बहस", मैसूरू, 29 जून, 2018

सिंह उपिंदर, "प्राचीन भारत में राजनीति, हिंसा और अहिंसा", मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, आईआईटी दिल्ली, 17 अप्रैल, 2018

सिंह उपिंदर, "प्राचीन भारत में राजनीति, हिंसा और अहिंसा", तुलनात्मक राजनीति केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, 5 फरवरी, 2018

सिंह उपिंदर, “शासकों की हिंसा: प्राचीन भारत से दृश्य“, ओ पी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी और स्काइपे के माध्यम से लाहौर में एलयूएमएमएस के लिए, 13 अप्रैल, 2018

सिंह उपिंदर, "राज्य की हिंसा: प्राचीन भारत से दृष्टिकोण" प्रोफेसर एस एन रॉय मेमोरियल व्याख्यान का उदघाटन, इलाहाबाद संग्रहालय, 6 अप्रैल, 2018

सिंह उपिंदर, मनीपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन में आयोजित 'प्राचीन भारत: पहचान, सीमाएं, सांस्कृतिक प्रथाएं' पर प्रोफेसर अचुता राव मेमोरियल नेशनल कॉन्फ्रेंस में "भारत से परे एशिया की तलाश" पर मुख्य संबोधन, 26 दिसंबर, 2017

सिंह विपुल (2017)। भारत की इको-ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत पर नेटवर्किंग पर राष्ट्रीय कार्यशाला में " पर्यावरण इतिहास में इको-ऐतिहासिक विरासत और वाटरशेड" शीर्षक उदघाटन संबोधन, लेडी डोक कॉलेज, मदुरै

अंतर्राष्ट्रीय: 18 (अठारह)

धर पारुल पंड्या, 2018, अनुवाद में प्रतीक: भारत और दक्षिणपूर्व एशिया में देवालयों की पुन:कल्पना, 5वां एआईएनटीटी, आसियान-भारत अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, बैंकॉक, 5-7 जनवरी, 2018

धर पारुल पंड्या, 2018, पदार्थ की मध्यस्थता: हिंद महासागर में यात्रा का प्रतीक विज्ञान, सीएए-गेटी एलुमनी इंटरनेशनल पैनल, सीएए लॉस एंजिल्स: सीमा क्रॉसिंग: कला, लोगों और विचारों का प्रवास, 23 फरवरी, 2018

गुप्ता चारू। जर्मनी की कैसल यूनिवर्सिटी में 'औपनिवेशिक भारत में निकाय' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'विभेदक और तिरस्कारपूर्ण निकाय: औपनिवेशिक उत्तर भारत में दलित की छवि' पत्र की प्रस्तुति, 9-10 जून 2017

गुप्ता चारू। 'आशंका और इच्छा: आधुनिक भारत में हिंदू पुरुषत्व, मुस्लिम लैंगिकताएं और पुनर्मिलन रोमांस', एशियाई भाषाएं और संस्कृति विभाग, इतिहास विभाग, एशियाई अध्ययन कार्यक्रम, और चैब्राजा सेंटर फॉर हिस्टोरिकल स्टडीज, नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी, द्वारा संयुक्त रूप से प्रायोजित आमंत्रित सार्वजनिक व्याख्यान,, यूएसए, 11 अक्टूबर 2017

गुप्ता चारू। 'अच्छी औरत, बुरी औरत: औपनिवेशिक भारत में सुधार और शिक्षा', भारतीय दूतावास, वियना में आमंत्रित सार्वजनिक व्याख्यान, 25 मई 2017

गुप्ता चारू। 'इंडिया रीमिक्स्ड: ए ग्लोबल आर्ट्स एंड ह्यूमैनिटीज फेस्टिवल' में आमंत्रित सार्वजनिक व्याख्यान 'प्रेम वर्जनाएं: हिंदू, मुस्लिम और नैतिक चिंताएं', इंडियाना यूनिवर्सिटी ब्लूमिंगटन, यूएसए, 7 मार्च 2018

गुप्ता चारू। ‘साहित्यिक भावनाएं: जनभाषा में जीवन का बखान' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सिंपोजियम में ’औपनिवेशिक भारत में यात्रा का पुरुषवादी जनभाषा इतिहास: सत्यदेव परिव्राजक के लेख', द नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी, यूएसए में वैश्विक मानवता पहल, 13-14 अक्टूबर 2017

गुप्ता चारू। 'सांप्रदायिक कल्पनाओं और नैतिक चिंताओं के अतीत और वर्तमान', शिकागो विश्वविद्यालय, यूएसए में दक्षिण एशियाई अध्ययन समिति द्वारा आमंत्रित व्याख्यान, 12 अक्टूबर 2017

गुप्ता चारू। 'जाति का लिंग: प्रिंट में दलितों का प्रतिनिधित्व', वियना विश्वविद्यालय में मेरी पुस्तक पर आमंत्रित वार्षिक आईसीसीआर अध्यक्षीय व्याख्यान और चर्चा, 2 जून 2017

जाफरी सय्यद जेड एच। सांस्कृतिक विविधता और सहयोग पर एक सेमिनार में 'फारसी दुनिया' से भारतीय उपमहाद्वीप में प्रवासी सूफी: ज्ञान का प्रसार और 'भारत-इस्लामी संस्कृति' का निर्माण, फरदोसी विश्वविद्यालय, मशहाद, ईरान, 12 से 16 जनवरी, 2018

जाफरी, सय्यद जेड एच। जबरन प्रवासन और शरणार्थी अध्ययन: प्रतिमान परिवर्तन के मुद्दे पर इतिहास और सभ्यता विभाग, अंतर्राष्ट्रीय इस्लामी विश्वविद्यालय मलेशिया, कुआलालंपुर (आईसीएमआर -2017) द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में' मुख्य संबोधन 'प्रवास, शरणार्थी और ज्ञान का प्रसार: 'इस्लामी संस्कृति' का विस्तार और प्रवासी अभिजात वर्ग', 5 से 7 दिसंबर, 2017, (सम्मेलन बुलेटिन में मुद्रित, पीपी 14-19)

जैन शालीन। एशियाई अध्ययन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के 6ठे फ्रांसीसी नेटवर्क में पूर्वोत्तर भारत के धार्मिक लैंडस्केप में पैनल परिवर्तन और निरंतरता में “मध्यकालीन भारत में मध्ययुगीन धार्मिक समुदाय और पर्यावरण संबंधी चिंताएं", विज्ञान पो, पेरिस, फ्रांस, 26 से 28 जून, 2017

जैन शालीन। स्वयं के इतिहास, औरों के इतिहास: अनुवाद और इतिहास लेख के प्रश्न, शोध कार्यक्रम के तहत "परंपरा के स्क्रैप्स: मध्ययुगीन भारतीय जैन विज्ञप्तिपत्र" की प्रस्तुति, दक्षिण एशियाई अध्ययन केंद्र-सामाजिक विज्ञान में उन्नत अध्ययन स्कूल (सीईआईएएस-ईएचईएसई), पेरिस, फ्रांस, 29 जून, 2017

कुमार सुनील। रम और हिंद: संबंध सम्मेलन में 'जब तुर्क इस्लाम के दास बन गए: चौदहवीं शताब्दी में दिल्ली सल्तनत में संवर्द्धन' प्रस्तुत किया और पूर्व-आधुनिक भारत में विजय, संवर्धन और तुर्की शासन के अनुभव साझा किए, सेंट एंड्रयूज विश्वविद्यालय, अनातोलिया, 25-26 मई, 2017

कुमार सुनील। ओटोमन एंड इंडियन वर्ल्ड (1400-1850 के आसपास) में इतिहास लेखन के संदर्भ सम्मेलन में "इतिहास और इतिहास लेख के बीच: 13वीं-14वीं शताब्दी की दिल्ली सल्तनत की मुस्लिम और तुर्की प्रकृति" पर प्रस्तुति, इस्तांबुल बिल्गी विश्वविद्यालय, 10-11 जून 2017

मल्होत्रा अंशु। डॉ एनी मर्फी के साथ सह-आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, भाई वीर सिंह की सुंदरी में 'मिथिसिज्ड फिक्शन एंड ए जेंडर्ड इमेजिनरी: अपहरण, रूपांतरण और शुद्धता', पेपर प्रस्तुत, ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय, वैंकूवर, कनाडा, 17 अगस्त 2017

सिंह, उपिंदर। क्लासिकल इंडियन और चीनी वर्ल्ड व्यू ऑन ग्लोबल ऑर्डर: एक तुलना पर कार्यशाला में "प्राचीन भारत में साम्राज्य के विचार": "बैरग्रेन इंस्टीट्यूट और सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज, बैंकाक, 29-30 जनवरी, 2018

सिंह, विपुल (2018)। "बाढ़, अवशोषण और शासन: उन्नीसवीं शताब्दी में गंगा नदी" पर एक कार्यशाला पत्र प्रस्तुत, ड्यूक विश्वविद्यालय, दरहाम में जॉन होप फ्रैंकलिन सेंटर

हस्ताक्षरित अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन:

दक्षिण एशिया संस्थान, स्कूल ऑफ ओरिएंटल और अफ्रीकन स्टडीज, लंदन यूनिवर्सिटी, ब्रिटेन के साथ उन्नत बातचीत।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग:

प्रोफेसर अमर फारूकी और डॉ प्रभु महापात्रा, ग्लोबल हिस्ट्री नेटवर्क में शामिल डॉ विपुल सिंह 2016-2020।

सिमोन मूलर (पीआई) डीएफजी एम्मी-नोएदर रिसर्च ग्रुप, खतरनाक यात्राएं, भूतिया इलाके और वैश्विक अपशिष्ट अर्थव्यवस्था में "परियोजना साझेदार", राहेल कार्सन सेंटर, म्यूनिख (जर्मनी)

विनिमय कार्यक्रम के तहत छात्र:

सेंटर ऑफ मॉडर्न इंडियन स्टडीज, जॉर्ज ऑगस्ट यूनिवर्सिटी, गोएटिंगेन, जर्मनी के साथ चर्चा के तहत।

विस्तार और पहुँच कार्यकलाप:

संकाय ने सार्वजनिक मंच में इतिहास और उनकी अपनी पहलों पर चर्चा की: साहित्यिक त्यौहार, स्कूल प्रस्तुतियों, सार्वजनिक मीडिया। एक संक्षिप्त नमूना शामिल है:

जैन शालीन। टीजीटी शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम, बाल भारती पब्लिक स्कूल ट्रेनिंग सेंटर, दिल्लीमें "इतिहास में सूत्र", 26-05-2017

जैन शालीन। "युद्ध की लागत", इंडो-जर्मन कक्षा पहल कार्यक्रम, मॉडर्न स्कूल, वसंत विहार, नई दिल्ली, 9 अक्टूबर, 2017

जैन शालीन। इतिहास पाठ्यक्रम पर वार्ता, राज्यसभा टीवी, नई दिल्ली में "दिल्ली: राजधानी के व्यापार मार्ग" 22 अगस्त, 2017

सिंह उपिंदर। केरल साहित्य समारोह, कोझिकोड में "प्राचीन और मध्ययुगीन भारत का इतिहास" पर पैनल चर्चा में प्रतिभागी, 9 फरवरी, 2018

सिंह उपिंदर। जयपुर साहित्य समारोह में 'हिंसा पर' पर पैनल चर्चा में प्रतिभागी, 25 जनवरी, 2018

सिंह उपिंदर। कोलकाता साहित्य समारोह में "प्राचीन भारत में राजनीतिक हिंसा: भारत में इतिहास, अनुसंधान और व्याख्या" पर चर्चा में प्रतिभागी, 22 जनवरी, 2018

सिंह उपिंदर। लखनऊ साहित्य समारोह में मेरी हालिया पुस्तक, प्राचीन भारत में राजनीतिक हिंसा, पर पैनल चर्चा में प्रतिभागी, 19 नवंबर, 2017

संकाय सदस्य संख्या: 31

***

राजनीति विज्ञान

अवधि के दौरान प्रमुख कार्यकलापों और उपलब्धियों की मुख्य विशेषताएं

1952 में लगभग 40 स्नातकोत्तर छात्रों के साथ विभाग की स्थापना हुई थी। तब से छात्रों की संयुक्त संख्या लगभग 1000 हो गई है।

विभाग का शिक्षण और शोध कार्यक्रम व्यापक सामाजिक विज्ञान दृष्टिकोण पर आधारित है जो सामाजिक, आर्थिक, दार्शनिक और सांस्कृतिक आयामों को एकीकृत और पूछताछ करता है। यह विशेष रूप से भारतीय वास्तविकताओं पर केंद्रित करते हुए, राजनीति के क्षेत्र के व्यापक अध्ययन को प्रोत्साहित करता है।

राजनीति विज्ञान विभाग यूरोकेंद्रित विचार और इतिहास में अपने पारंपरिक नौबंधों से राजनीतिक विचारों और प्रथाओं को विकेंद्रित करने का प्रयास कर रहा है। कुछ समय तक प्रमुख यूरोपीय मॉडल से अपने अनुसंधान एजेंडा में आगे बढ़ने में लगे रहकर, विभाग ने पश्चिमी विचारों और संस्थानों पर भी शिक्षण और शोध करने पर जोर दिया है, ताकि यूरोप और गैर-पश्चिमी देशों, विशेष रूप से भारत, के पारस्परिक-इम्ब्रिकेशन, अधिक गंभीरता से अध्ययन किया जा सके। पश्चिमी और गैर-पश्चिमी देशों के बीच विनिमय और असमानता के संबंध हमारे विभाग के मौजूदा महत्व क्षेत्रों, यानी लोकतंत्र, मानदंडों और संस्थानों को समझने के लिए महत्वपूर्ण हैं। इस क्षेत्र में शोध की जरूरत कई महत्वपूर्ण वैश्विक चुनौतियों के कारण गहन हो गई है जिन्हें वर्तमान में उपलब्ध की अपेक्षा अधिक लोकतांत्रिक पहलों की जरूरत है; और इन पर राष्ट्रीय और अति-राष्ट्रीय दोनों संस्थानों के संदर्भ में विचार किया जाना है। महत्व के क्षेत्र पर कार्य महत्वपूर्ण जांचों से भी लाभान्वित होते हैं जो हम भारतीय राजनीति में करते हैं जो व्यापक वैश्विक संदर्भ में (अन्य बातों के साथ) असमानता, न्याय, भेदभाव और संस्थागत प्रक्रियाओं के नए और पुराने रूपों को प्रकट करते हैं।

सिद्धांत को मानव जाति विज्ञान संबंधित और अभिलेखीय कार्य से जोड़ने की जरूरत पर बढ़ता जोर हमारे सामान्य ध्यान का पूरक बन रहा है। हमारा मानना है कि नए प्रश्नों पर नई अनुभवजन्य सामग्री के समाधान और उन्मुक्त करने के लिए पश्चिमी राजनीतिक सिद्धांत और भारतीय राजनीतिक विचार दोनों से स्वयं को परिचित करना आवश्यक है। हम आश्वस्त हैं कि यह भारत और अन्य देशों/ क्षेत्रों की प्रगतिशील वास्तविकता को प्रकाशित करेगा और भारत और भारत के बाहर के अन्य संस्थानों के लिए नए शोध एजेंडे भी प्रस्तुत करेगा।

विभाग की अकादमिक क्षमता बेहद समृद्ध है, जिसमें व्यापक रूप से अपनी शोध और शिक्षण क्षमताओं के लिए व्यापक तौर पर ज्ञात एक संकाय शामिल है। विभाग ने अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ अनेक सहयोग किए हैं और इसकी प्रतिष्ठा देश के भीतर और बाहर तेजी से समेकित हो रही है।

प्रमुख कार्यकलाप

विभाग के विभिन्न संकाय सदस्यों द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोजित आठ परियोजनाओं के साथ तीन अंतर-संस्थागत सहयोग परियोजनाएं की गई हैं।

विभाग ने दो अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों, छह राष्ट्रीय कार्यशालाओं/सेमिनारों, यूजीसी सीएएस-एसएपी के तहत 12 विजिटिंग फेलो की मेजबानी की, सात विभागीय साप्ताहिक सेमिनार, तीन विशेष वार्ताएं, और पीएचडी छात्रों द्वारा एक कार्य प्रगति कार्यशाला आयोजित की।

विभाग ने सभी स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए हिंदी भाषा में शिक्षण सामग्री तैयार करने और एकत्रित करने के लिए कॉलेज शिक्षकों की मदद से एक अभियान शुरू किया।

संकाय सदस्यों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान और पुरस्कार प्रदान किए और अंतर्राष्ट्रीय दायित्व सौंपे गए हैं और उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय संघों/ निकायों में पेशेवर पद प्रदान किए गए हैं।

सम्मान/गौरव:

प्रोफेसर उज्ज्वल कुमार सिंह
जर्मनी के वुर्जबर्ग विश्वविद्यालय, राजनीति विज्ञान और समाजशास्त्र संस्थान में मानद आधार पर अतिथि प्रोफेसर, 1 से 30 जून, 2018

तुलनात्मक राजनीतिक विकास अध्ययन, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस एंड पब्लिक अफेयर्स के डॉ सीकर चैन सेंटर में विज़िटिंग अकादमिक, 20 से 27 मई, 2018

राजनीति विज्ञान विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, दिल्ली के यूजीसी-एसएपी (डीआरएस) कार्यक्रम के तहत विज़िटिंग प्रोफेसर, 26 फरवरी से 6 मार्च, 2018

जर्मनी के वुर्जबर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी में डीएएडी (जर्मन अकादमिक विनिमय सेवा) द्वारा वित्तपोषित 'ए न्यू पैसेज टू इंडिया' कार्यक्रम के तहत विज़िटिंग प्रोफेसर, 23 नवंबर से 23 दिसंबर, 2017

प्रो रेखा सक्सेना

दोनों देशों के बीच लोगों के आपसी संपर्क को बढ़ावा देने के लिए विचारों के आदान-प्रदान के लिए चीन यात्रा करने वाले सोशल साइंसेज संस्थान के प्रतिनिधिमंडल के भाग रूप में चाइना एसोसिएशन फॉर इंटरनेशनल फ्रेंडली कॉन्टैक्ट के लिए आमंत्रित, 30 जुलाई से 05 अगस्त, 2017

डॉ नसरीन चौधरी
जबरन प्रवासन पर अध्ययन के लिए इंटरनेशनल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष (2015-2020)

प्रकाशन

प्रो बिद्युत चक्रवर्ती
चक्रवर्ती बिद्युत (2018)। भारत में संवैधानिक लोकतंत्र। लंदन एंड न्यूयॉर्क: रूटलेज। [आईएसबीएन: 978-1-351-37530-6]

चक्रवर्ती बिद्युत (2017)। भारतीय संविधान: पाठ, संदर्भ और व्याख्या। नई दिल्ली: ऋषि प्रकाशन। [आईएसबीएन: 978-9-386-44610-7]

चक्रवर्ती बिद्युत (2017)। भारत में शासन को स्थानीयकरण। लंदन एंड न्यूयॉर्क: रूटलेज। [आईएसबीएन 978-1-315-52896-0)]

प्रो उज्ज्वल के सिंह
लेख:

सिंह उज्ज्वल के (2018)। अंदरूनी-बाहरी निकाय: भारत का राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग। आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक, एलआईआई (5)

लोकप्रिय लेख:
सिंह उज्ज्वल के (2018)। राग दरबारी हमें बताता है कि राजनीतिक प्राधिकार में विश्वास कभी पूर्ण नहीं हो सकता है। द वायर (22 जनवरी)। [सह-लेखन]
प्रो रेखा सक्सेना

अध्याय

सक्सेना रेखा (2017)। दिल्ली में बहुस्तरीय शासन, भारत में राज्य राजनीति में। रॉय, हिमांशु और सिंह, एम पी दिल्ली: प्राइमस

सक्सेना रेखा (2017)। सामयिक पेपर: भारत में संघीयवाद को बढ़ावा देना। ओटावा: फोरम ऑफ फेडरेशन्स

सक्सेना रेखा (2018)। भारतीय उच्चतम न्यायालय और संघवाद: संघवाद और क्षेत्रीयवाद (सह-लेखक)

सक्सेना रेखा (2018)। केंद्रीय योजना पर पुनर्विचार: योजना आयोग की संघीय आलोचना। भारत समीक्षा [सह लेखन]

सक्सेना रेखा (2017)। न्यायिक शक्ति का उदय और संघवाद का संरक्षण। निकोलस अरनी और जॉन किन्साइड (एड्स), भारत का उच्चतम न्यायालय: संघीय देशों में न्यायालय: संघीय या एकवादी? (सं)। टोरंटो विश्वविद्यालय प्रेस। [सह लेखन]

प्रो संगित के रागी
लेख:
रागी एस के (2017)। रेखा चौधरी की पुस्तक जम्मू-कश्मीर: राजनीति की पहचान और पृथक्करण की की समीक्षा। भारतीय राजनीति में अध्ययन, 5 (1)। नई दिल्ली: सेज पब्लिकेशन्स

प्रो सुनील के चौधरी

पुस्तक:

चौधरी एस के (2018)। पार्टियों और पार्टी सिस्टम के बदलते चेहरे: इजरायल और भारत का एक अध्ययन। स्प्रिंगर और पाल्ग्रेव मैकमिलन। [आईएसबीएन: 978-981-10-5174-6]

प्रो वीना कुकरेजा

कुकरेजा वीना (2017)। मोदी के शासन के अंतर्गत भारत की विदेश नीति में बदलाव और निरंतरता की गतिशीलता। शंतेष कुमार सिंह (एड), भारत की विदेश नीति: मोदी सरकार के अंतर्गत अंतर के साथ निरंतरता, (पीपी.1-17)। नई दिल्ली: मानक

डॉ नसरीन चौधरी

पुस्तकें

चौधरी नसरीन (2018)। दक्षिण एशिया में शरणार्थी, नागरिकता और संपत्ति। सिंगापुर: स्प्रिंगर नेचर। [आईएसबीएन: 978-981-13-0197-1 (ई-बुक) और 978-981-13-0196-4 (हार्डकवर)] डीओआई: https://doi.org/10.1007/978-981-13-0197-1

डॉ बिपिन कुमार तिवारी
आलेख:
तिवारी बिपिन कुमार। (2017)। भारत में गैर पारंपरिक सुरक्षा: हिमालयी क्षेत्र में पर्यावरण संबंधी मुद्दों की समझ। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लनरी एजुकेशनल रिसर्च, 6-4 (1), [प्रभाव कारक 4.527, इंडेक्स कॉपरनिकस मान 5.16; अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक सूचकांक मूल्य: 2.286]

तिवारी बिपिन कुमार। (2017)। उच्च शिक्षा में नए क्षितिज- एक केस स्टडी। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लनरी एजुकेशनल रिसर्च, 6-4 (6), [प्रभाव कारक 4.527, इंडेक्स कॉपरनिकस मान 5.16; अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक सूचकांक मूल्य: 2.286]

तिवारी बिपिन कुमार। (2017)। मुद्रा दानव के माध्यम से क्षेत्रीय असंतुलन को हटा रहा है। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लनरी एजुकेशनल रिसर्च, 6-4 (7), [प्रभाव कारक 4.527, इंडेक्स कॉपरनिकस मान 5.16; अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक सूचकांक मूल्य: 2.286]

तिवारी बिपिन कुमार। (2017)। मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए शिक्षक की भूमिका। स्वर्णिम अनुसंधान विचार, 6 (10)। [आईएसएसएन: 2231-5063]

अनुसंधान परियोजनाएं:

क्र.सं.	शीर्षक/विवरण	प्रधान अन्वेषक	प्रायोजक संगठन
1.	लोकतंत्र, मानदंड और संस्थान	प्रो. नवनीता सी बेहरा (विभागाध्यक्ष और सीएएस/एसएपी समन्वयक के रूप में) * प्रो. संजीव कुमार एच एम उप समन्वयक के रूप में	यूजीसी/सीएएस/एसएपी
2.	स्वायत्त प्रयास की राजनीति: भारतीय मध्यवर्गीय महिला का एक अध्ययन	डॉ नसरीन चौधरी	आईसीएसएसआर
3.	अंतर्राष्ट्रीय संबंध: भारतीय योगदान में ज्ञान संरचनाओं पर पुन:कार्य	प्रो. नवनीता सी बेहरा	आईसीएसएसआर
4.	बहिष्कार की साइट के तौर पर शिक्षा: भारतीय विश्वविद्यालयों का एक अध्ययन	प्रो. एन सुकुमार	आईसीएसएसआर
5.	सीमांतीकरण और बहिष्कार का सामाजिक मनोविज्ञान: बिहार में डोम और मुसहर समुदाय की एक केस स्टडी	प्रो. संगीत के रागी (प्रो. जीपी ठाकुर, सीएआरडीसी के साथ)	आईसीएसएसआर
6.	भारत में राजनीति पर लोकप्रिय कल्पनाएं और व्याख्यान: ज्ञान निर्माण की वैकल्पिक साइटों के रूप में सांस्कृतिक कथाओं की खोज	प्रो. संजीव कुमार एच एम	आईसीएसएसआर
7.	राज्य सभा: द्वितीयक से संघीय कक्ष तक	प्रो. रेखा सक्सेना	यूजीसी
8.	दक्षिण एशिया में राज्य का लोकतंत्रीकरण	प्रो. वीना कुकरेजा	आईसीएसएसआर

सेमिनार / सम्मेलन आयोजित:

यूजीसी सीएएस-एसएपी राष्ट्रीय सेमिनार "भारत में लोकतंत्र और अधिकार व्याख्यान: मानदंड, संस्थान और व्यवहार", राजनीति विज्ञान विभाग, 28-29 जुलाई, 2017

कानून और सरकार के साथ महिला नियोजनों पर शोध नेटवर्क द्वारा, यूजीसी सीएएस-एसएपी राष्ट्रीय सेमिनार, "लैंगिकता और हिंसा की समस्या: भारत में विघटनकारी संस्थान, मानदंड और कथाएं", राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 23-24 अगस्त, 2017

यूजीसी सीएएस-एसएपी, राष्ट्रीय कार्यशाला, स्त्रीवादी पद्धति, 24 से 29, अगस्त, 2017

यूजीसी सीएएस एसएपी, राष्ट्रीय सेमिनार, भारत में लोकतांत्रिक शासन, 14-15, सितंबर 2017

दिनेश त्रिपाठी (नेपाल के संवैधानिक वकील) द्वारा "नेपाल का संघीयकरण: मुद्दे और चुनौतियां", 13 सितंबर, 2018

पैनल चर्चा "विधायिका बनाम न्यायपालिका–सुशासन के चालक व्याख्यान: राज्य के दो प्रमुख संस्थानों के बीच संबंधों के आकलन पर बहस" संवाद सहित सहयोग पर तुलनात्मक संघीय अनुसंधान समूह (सीएफआरजी), 16 अक्टूबर, 2017

सीएफआरजी द्वारा ग्रामीण और औद्योगिक विकास अनुसंधान केंद्र (सीआरआरआईडी), चंडीगढ़ और आरएएनईपीए, मॉस्को के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, 'सार्वजनिक वित्त, शहरी नीति और संघवाद', 27 नवंबर, 2017

यूजीसी सीएएस-एसएपी राष्ट्रीय सेमिनार, "कथा के रूप में राजनीति, वास्तविकता के रूप में कथा: राग दरबारी के 50 साल", राजनीति विज्ञान विभाग, 29-30 जनवरी, 2018

प्रो. मधुलिका बनर्जी द्वारा आयोजित, आईसीएसएसआर प्रायोजित अनुसंधान कार्यक्रम गोलमेज सम्मेलन "उपनिवेश-पश्चात भारत में ज्ञान, विकास और राजनीति: राज्य, बाजार और नागरिक समाज में प्रतियोगिता", 5-6 फरवरी, 2018
अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, राज्य और राज्यविहीनता: दक्षिण एशिया में निर्वासन का अपरंपरागत समाधान, 20 फरवरी, 2018

फोरम ऑफ फेडरेशन्स, ओटावा और भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली, के सहयोग से सीएफआरजी, द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, "भारत और इथियोपिया में अंतर-सरकारी संबंध: अनुभव साझा करना", 5 मार्च, 2018

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर संस्कृति फाउंडेशन के सहयोग से सीएफआरजी द्वारा पैनल चर्चा "महिला सशक्तीकरण", 8 मार्च, 2018

बौद्धिक इतिहास अनुसंधान समूह और दक्षिण एशियाई अनुसंधान समूह द्वारा आयोजित यूजीसी सीएएस-एसएपी राष्ट्रीय सेमिनार, "पहचान से परे: राष्ट्र और ब्रह्मांड की दक्षिण एशियाई कल्पनाओं से प्रतिबिंब" 13-14 मार्च, 2018
राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, में पीएचडी कार्य-प्रगति कार्यशाला, 16 मार्च, 2018

सेमिनार / सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

संकाय की भागीदारी

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

प्रो. मधुलिका बनर्जी

पारंपरिक एशियाई दवाओं के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एशियाई चिकित्सा उद्योगों पर पैनल में "आयुष में 'यू' की खोज: औपनिवेशिक भारत में यूनानी फार्मास्यूटिकल्स का निर्माण" की प्रस्तुति, किएल, जर्मनी, 6 से 9 अगस्त, 2017

द वेलकम इंस्टीट्यूट, लंदन में 'वैकल्पिक चिकित्सा बाज़ार' पर व्याख्यान, 15 फरवरी 2018

प्रो. नवनीता चड्ढा बेहरा

डब्ल्यूआईएससी पांचवें वैश्विक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन सम्मेलन में "वैश्विक परिप्रेक्ष्य में आईआर व्यवसाय" पर सेमी-प्लेनरी राउंड टेबल में वक्ता, ताइपे, ताइवान, अप्रैल 2017

डब्ल्यूआईएससी पांचवें वैश्विक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन सम्मेलन में "राजनीतिक विचार और आईआर सिद्धांत: क्या दोनों मिलते हैं?", ताइपे, ताइवान, अप्रैल 2017

डब्ल्यूआईएससी पांचवें वैश्विक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन सम्मेलन में "भारतीय बौद्धिक इतिहास पर चित्रण द्वारा अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के सिद्धांत" पर पैनल चर्चा की अध्यक्षता, ताइपे, ताइवान, अप्रैल 2017

इंटरनेशनल स्टडीज एसोसिएशन गवर्निंग काउंसिल, 2017 द्वारा स्थापित ग्लोबल साउथ टास्क फोर्स की सह-अध्यक्षता

प्रो. एन सुकुमार

भारत-स्विस संयुक्त अनुसंधान रिपोर्ट लेखन पहल "कल्याण, गरीबी और असुरक्षितता", आईसीएसएसआर और फ्रिबोर्ग विश्वविद्यालय, फ्रिबोर्ग, स्विट्जरलैंड, 30 सितंबर से 14 अक्टूबर, 2017

सोशल साइंसेज में भारत-स्विस संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रम, "कल्याण, गरीबी और असुरक्षितता" पर सत्र, आईसीएसएसआर और लॉज़ेन विश्वविद्यालय, बेसल, स्विट्जरलैंड, 4 से 6 सितंबर, 2017

"सामाजिक न्याय की पुनःप्राप्ति: अंबेडकर का पुनरीक्षण" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "समकालीन भारत में अम्बेडकर संविधान की प्रासंगिकता", कर्नाटक सरकार, बेंगलुरु, 21 से 24 जुलाई 2017

प्रो. सत्यजीत सिंह

'स्थानीय में 'राजनीतिक': सतत विकास के लिए संस्थाएं और शासन', सार्वजनिक नीति पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सिंगापुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, 27 से 30 जून, 2017

डॉ नसरीन चौधरी

7वें इस्तांबुल मानव सुरक्षा सम्मेलन में भारत में 'नए' नागरिक होने की यात्रा: पश्चिम बंगाल में विदेशी लोग, तुर्की, 18 से 20 अक्टूबर 2017

डॉ सोहिनी गुहा

चियांग माई यूनिवर्सिटी, थाईलैंड के सहयोग से नीदरलैंड की लीडेन यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट ऑफ एशियन स्टडीज द्वारा आयोजित एशियाई विद्वानों के 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत में लोकतांत्रिक गहनता: कुछ भविष्यवाणियां", चियांग माई, थाईलैंड, 20 से 23 जुलाई 2017

प्रो. उज्ज्वल कुमार सिंह

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में "दक्षिण एशिया में पुलिसकरण: शासन की दुविधाएं और सहभागिता समुदाय का निर्माण" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'विशेष पुलिस पदों के अधिकारी, पुलिस और आंतरिक संघर्ष' प्रस्तुत, 6 जनवरी 2018

'संवैधानिक लोकतंत्र: सामान्य ढांचे' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, 'भारत में राजनीतिक संस्कृति, लोकतंत्र, और नागरिकता' पेपर प्रस्तुत, वुर्जबर्ग यूनिवर्सिटी, जर्मनी (यूजीसी-डीएएडी के तहत उच्च शिक्षा में भारत-जर्मन भागीदारी वित्तपोषित परियोजना), 7-8 दिसंबर 2017

"कथा के रूप में राजनीति, वास्तविकता के रूप में कथा: राग दरबारी के पचास वर्ष" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में राजनीति विज्ञान संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "राजनीति, संस्थान और भारत के गांव", 30 जनवरी 2018

प्रो. सुनील चौधरी

भारत की उभरती हुई विश्व संक्रमणकालीन गतिशीलता: नई उपनगर, सामरिक चुनौतियां और अवसर" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, सत्र की अध्यक्षता/संबोधन, 'भारत की विदेश नीति का आरएनडी', श्याम लाल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 27 अक्टूबर 2017

"राजनीतिक सोच का भारतीय दृष्टिकोण: वैश्विक परिप्रेक्ष्य की संभावनाएं" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, मुख्य संबोधन, "राजनीतिक सोच के लिए भारतीय विकल्प की खोज" राजनीति विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, उत्तर प्रदेश, भारतीय राजनीति विज्ञान संघ [आईपीएसए] और ग्लोबल ऑर्गेनाइजेशन ऑफ पीपुल ऑफ इंडियन ओरिजिन [जीओपीआईओ] इंटरनेशनल, 12-13 अगस्त 2017

"भारत-वियतनाम संबंधों में उभरते क्षितिज" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत-वियतनाम: सुरक्षा और रक्षा सहयोग" पर सत्र की अध्यक्षता, तीन मूर्ति संग्रहालय और पुस्तकालय, दक्षिणपूर्व एशिया अनुसंधान समूह, राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और जाकिर हुसैन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 4 जुलाई 2017

राष्ट्रीय सम्मेलन

प्रो. मधुलिका बनर्जी

राष्ट्रवाद पर जाकिर हुसैन कॉलेज के सेमिनार में "एक राष्ट्र और इसका ज्ञान: राष्ट्रवाद और भारत का निर्माण करने वाले लोग" पर व्याख्यान, अप्रैल 2017

मोतीलाल नेहरू कॉलेज स्वर्ण जयंती पूर्ण सत्र में "भारत में राज्य और विकास: क्या भारतीय राज्य ज्ञान समाज के प्रति प्रतिबद्ध है?" पर व्याख्यान, सितंबर 2017

यूजीसी सीएएस-एसएपी के तत्वाधान में दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में यूजीसी सीएएस-एसएपी के तहत "नारीवादी कार्यप्रणाली पर कार्यशाला" में "लिंग, ज्ञान, चिकित्सा: नुस्खा और फॉर्मूलेशन, गीत और पाठ" का पेपर प्रस्तुत, 18 से 22 सितंबर, 2017

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन सेटलमेंट्स, बैंगलोर द्वारा आयोजित दो दिवसीय साहित्यिक कार्यक्रम सिटी स्क्रिप्ट्स में "गौरी लंकेश पाठक को जवाब" पर व्याख्यान, मैक्स म्यूलर भवन, नई दिल्ली, 10 मार्च, 2018

प्रो. एन सुकुमार

सामाजिक विज्ञान और मानविकी में निम्नपदस्थता का शोध विषय पर, दो व्याख्यान-1) निम्नपदस्थता की खोज 2) एक अवधारणा और इसके दर्शन की समझ: आईसीएसएसआर प्रायोजित राष्ट्र स्तरीय दस दिवसीय अनुसंधान कार्यप्रणाली कार्यशाला में विकसित व्याख्यान, डॉ अंबेडकर पीठ, तेजपुर विश्वविद्यालय, असम, 19 मार्च 2018

तकनीकी खंड, "बौद्ध धर्म, जाति और राष्ट्र का विचार", पहचान से परे: राष्ट्र और ब्रह्मांड की दक्षिण एशियाई कल्पनाओं से प्रतिबिंब, की अध्यक्षता, दिल्ली विश्वविद्यालय, 14 मार्च 2018

पूर्ण व्याख्यान: "पेरियार और राष्ट्र का विचार", पहचान से परे: राष्ट्र और ब्रह्मांड की दक्षिण एशियाई कल्पनाओं से प्रतिबिंब, दिल्ली विश्वविद्यालय, 13 मार्च 2018

आशीर्वाद संबोधन, "केरल में आर्थिक जीवन और दलित कॉलोनियां", केआर नारायणन चेयर फॉर ह्यूमन राइट्स एंड सोशल जस्टिस, एम जी यूनिवर्सिटी, कोट्टायम, केरल, 5 से 7 दिसंबर 2017

मुख्य वक्ता, "दलित जीवनों का पठन", डॉ पी पी प्रदीप स्मारक कार्यशाला, कालीकट- 3-4 दिसंबर 2017

लिंग, लैंगिकता और कानून पर तकनीकी सत्र की अध्यक्षता, स्त्रीवादी पद्धति पर कार्यशाला, राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 21 सितंबर, 2017

बीआर अंबेडकर जयंती के अवसर पर बहुस्तरीय संघवाद केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित विशेष व्याख्यान श्रृंखला "संघीय प्रणाली पर अंबेडकर के विचार", 18 अप्रैल 2017

समकालीन भारत में चुनावी राजनीति: उभरते रुझान, पर राष्ट्रीय सम्मेलन "दलित राजनीति: विचारधारा और पहचान के बीच फंसी", मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद, 22-23 फरवरी, 2018

बहुलवाद और पहचान का संकट पर राष्ट्रीय सेमिनार में "हाशिये और सामाजिक इतिहास", डॉ अंबेडकर सेंटर फॉर सोशल जस्टिस एंड सेंटर फॉर प्रमोशन ऑफ डेमोक्रेसी एंड सेक्युलरिज्म, मुंबई विश्वविद्यालय, 12-13 मार्च 2017

बीआर अंबेडकर की 126वीं जयंती पर मुख्य अतिथि, 'समकालीन भारत में शिक्षा पर अंबेडकर की प्रासंगिकता', ओपन लर्निंग स्कूल, साउथ कैंपस, दिल्ली विश्वश्वविद्यालय, साउथ मोती बाग, दिल्ली, 14 अप्रैल 2017

मुख्य भाषण, बाबा साहेब अंबेडकर की जयंती के अवसर पर, स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग, नॉर्थ कैंपस, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 13 अप्रैल 2017

प्रो. शांता नेदुन्गडी वर्मा

लेडी श्रीराम कॉलेज, "दक्षिण एशिया में शांति निर्माण और सुरक्षा को चुनौतियां" पर व्याख्यान, 8 अप्रैल 2017

प्रो. उज्ज्वल कुमार सिंह

सेंटर फॉर पॉलिटिकल स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित "धर्म, अंतर और राजनीति" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "क्या आतंकवाद का कोई रंग है: धर्म, कानून और राजनीति" पर पेपर प्रस्तुत, 19-20 मार्च 2018

केंद्रीय शिक्षा संस्थान, शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'छात्र राजनीति, सोशल मीडिया और राजनीतिक शिक्षा' पर राष्ट्रीय सेमिनार में "राजनीतिक शिक्षा और सोशल मीडिया" पर पेपर प्रस्तुत, 16 फरवरी 2018
"2030 में भारत" सम्मेलन में "भारतीय संवैधानिकता: आगे की चुनौतियां" पर पेपर प्रस्तुत, श्री गुरु नानक देव (एसजीएनडी) खालसा कॉलेज, 11 जनवरी 2018

अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली (एयूडी), और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी), नई दिल्ली द्वारा आयोजित मानवाधिकार पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में "'द इनसाइड-आउटसाइड' बॉडी: नेशनल ह्यूमन राइट्स कमीशन ऑफ़ इंडिया" पर पेपर प्रस्तुत, 8 सितंबर, 2017

राजनीति विज्ञान विभाग, गौहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी द्वारा आयोजित "राज्य, पहचान और नागरिकता" पर सामाजिक विज्ञान अनुसंधान संस्थान में अध्यक्षता और वक्ता, 24 मार्च 2018

एससी/एसटी सलाहकार समिति, सत्यवती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में "भारतीय लोकतंत्र और जनजातीय मुद्दे" पर उदघाटन सत्र की अध्यक्षता, 27 अगस्त, 2017

"आज का भारत: संस्कृति, राज्य और अर्थव्यवस्था" पर यूजीसी प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में "भारत में राज्य और विकास: क्या भारतीय राज्य ज्ञान समाज के प्रति प्रतिबद्ध है? मुख्य सत्र की अध्यक्षता, मोतीलाल नेहरू कॉलेज (सांध्य), दिल्ली विश्वविद्यालय, 6-7 सितंबर 2017

"कानूनी साक्षरता और आपके कानून, आपके अधिकार" (6 से 10 नवंबर 2017) पर कार्यशाला में "भारत में विधिक प्रणाली की रूपरेखा" पर पेपर प्रस्तुत, राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली 6 नवंबर 2017

प्रो. संगीत कुमार रागी

राष्ट्रीय सेमिनार में एक सत्र की अध्यक्षता/मुख्य अतिथि/मुख्य वक्ता, मोतीलाल नेहरू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 7 सितंबर 2017

"किसान आंदोलन", पर राष्ट्रीय सेमिनार की अध्यक्षता, नेहरू मेमोरियल संग्रहालय और पुस्तकालय, नई दिल्ली, 27 अप्रैल 2017

"कश्मीर–ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में वर्तमान चुनौतियां" पर राष्ट्रीय सेमिनार की अध्यक्षता, 20 अप्रैल 2017

प्रो. सुनील के चौधरी

"राज्य और राजनीति" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "लोकतांत्रिक बदलाव और राजनीतिक संक्रमण: हरियाणा का एक अध्ययन" पर पेपर प्रस्तुत, नेहरू मेमोरियल संग्रहालय और पुस्तकालय, नई दिल्ली, 18 मई 2017

"पूर्वोत्तर भारत के विशेष संदर्भ में भारत में राज्य राजनीति" पर राष्ट्रीय सेमिनार में "ब्रदरिंग द सिस्टर स्टेट्स: बीजेपी इन द नॉर्थ ईस्ट" पर व्याख्यान, नेहरू मेमोरियल संग्रहालय और पुस्तकालय, तीन मूर्ति, नई दिल्ली; भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), पूर्वोत्तर क्षेत्रीय केंद्र और राजनीति विज्ञान विभाग, उत्तर पूर्वी पर्वतीय विश्वविद्यालय (एनईएचयू) शिलांग, 14 मार्च 2018

"भारत में पार्टी राजनीति: उभरते रुझान" पर राष्ट्रीय सेमिनार में "भारत का चुनावी लोकतंत्र: बदलते आयाम, दिशा और गतिशीलता" पर मुख्य भाषण, डीएवी कॉलेज, जालंधर, पंजाब, 24 फरवरी 2018

"औपनिवेशिक भारत में ज्ञान, विकास और राजनीति: राज्य, बाजार और नागरिक समाज में प्रतियोगिता" पर गोल मेज में "सत्र III: विकास में ज्ञान के मुद्दों का प्रसार" पर सत्र की अध्यक्षता: राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 6 फरवरी 2018

"सुधार के माध्यम से भ्रष्टाचार का मुकाबला: परिवर्तन के उत्प्रेरक के रूप में व्यक्ति" पर व्याख्यान, सेंटर फॉर फेडरल स्टडीज, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली, 11 जनवरी 2018

"भारत का भारतीयकरण: सरदार पटेल और राष्ट्रीय एकता" पर विशेष व्याख्यान, राष्ट्रीय एकता दिवस, राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र, दिल्ली, 31 अक्टूबर 2017

"सामाजिक विज्ञान का अनुसंधान: बदलते रुझान" पर व्याख्यान, सामाजिक विज्ञान में संकाय विकास कार्यक्रम, शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ, 11 अक्टूबर 2017

"नारीवादी पद्धति" पर राष्ट्रीय कार्यशाला में "स्थान, मानदंड और मूल्यों का लोकतंत्रीकरण: नारीवादी पद्धति की समझ" पर सत्र की अध्यक्षता, यूजीसी सीएएस-एसएपी II कार्यक्रम, राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 20 सितंबर, 2017

"आज का भारत: संस्कृति, समाज, राज्य और अर्थव्यवस्था" पर राष्ट्रीय सेमिनार में "वैकल्पिक चेतना: भारत में पहचान और एजेंसी का महत्व" पर सत्र की अध्यक्षता, मोतीलाल नेहरू कॉलेज [सांध्य], दिल्ली विश्वविद्यालय, 6 सितंबर, 2017

"उच्चतर शिक्षा और अनुसंधान: भारत में परिवर्तन के मुद्दे और चुनौतियां" पर राष्ट्रीय कार्यक्रम में "शिक्षा का अनुसंधान: डी3 से आर3" पर व्याख्यान, जेआरएन राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली, 24 मई 2017

"सामाजिक विज्ञान अनुसंधान की बदलती प्रकृति" पर व्याख्यान, आईसीएसएसआर प्रायोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, 28 अप्रैल 2017

"रचनात्मक शिक्षण के दार्शनिक मूल" पर व्याख्यान, 11वां पाब्लो नेरुदा व्याख्यान, विकासशील देश अनुसंधान केंद्र (डीसीआरसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, 3 अप्रैल 2018

क्षेत्रीय / राज्य स्तर

"आज का तुलनात्मक सिद्धांत: परिवर्तन और चुनौतियां" पर एक दिनी सेमिनार में "तुलनात्मक सिद्धांत की शुरूआत" पर सत्र की अध्यक्षता, विकासशील देश अनुसंधान केंद्र (डीसीआरसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, 12 मार्च 2018

"भारत में चुनाव का राष्ट्रीयकरण: एक संघीय परिप्रेक्ष्य" परस्पर संवाद व्याख्यान, विकासशील देश अनुसंधान केंद्र (डीसीआरसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, 28 दिसंबर 2017

"समकालीन समय में विकल्पों की समझ" पर व्याख्यान, परस्पर संवादी व्याख्यान, विकासशील देश अनुसंधान केंद्र (डीसीआरसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, 26 सितंबर 2017

"डीसीआरसी समीक्षा: दिल्ली नगर निगम सर्वेक्षण परिणाम", पर वार्ता, चुनाव कार्यशाला, विकासशील देश अनुसंधान केंद्र (डीसीआरसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, 23 अप्रैल 2017

"समीक्षा: नगरपालिकाओं के माध्यम से दिल्ली की लैंसिंग" पर व्याख्यान, कार्यशाला सह इंटरफ़ेस संवाद, विकासशील देश अनुसंधान केंद्र (डीसीआरसी), दिल्ली विश्वविद्यालय, 10 अप्रैल 2017

स्थानीय - विश्वविद्यालय / कॉलेज

"परिवर्तन के अधीन पार्टियां: लोकलुभावनवाद से शासन तक" पर व्याख्यान, दयाल सिंह कॉलेज [सांध्य], दिल्ली विश्वविद्यालय, 6 अप्रैल 2018

"प्रौद्योगिकीय परिवर्तन की चुनौतियां" की अध्यक्षता, 30वां जाकिर हुसैन स्मारक व्याख्यान, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 6 अप्रैल 2018

"भारत में चुनावी राजनीति: बदलते रुझान" पर व्याख्यान, राजधानी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 26 सितंबर 2017

"संवैधानिक नैतिकता से लोकतांत्रिक नैतिकता तक: 21वीं सदी के अंबेडकर के भारत का दृश्य" पर व्याख्यान, अजय सत्पथी स्मारक व्याख्यान, रामलाल आनंद कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 19 अप्रैल 2017।

"मौलिक लोकतंत्र की ओर: अंबेडकर और बदलते लोकतांत्रिक व्याख्यान" पर व्याख्यान, सत्यवती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 15 अप्रैल, 2017

"बदलते धर्मनिरपेक्ष व्याख्यान: एक भारतीय परिप्रेक्ष्य" पर व्याख्यान, डॉ भीमराव अंबेडकर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 11 अप्रैल 2017

"मानवों का मानवीकरण: समकालीन समय में मानव अधिकार" पर व्याख्यान, लेडी श्रीराम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 6 अप्रैल 2017

प्रो. श्री प्रकाश सिंह

"भारतीय क्लासिक्स की अनुसंधान पद्धति", पर व्याख्यान, डीसीआरसी, दिल्ली विश्वविद्यालय/ आईसीएसएसआर, नई दिल्ली, 18 मई 2017

"भारतीय क्लासिक्स में अनुसंधान की अनुसंधान पद्धति", पर व्याख्यान, डीसीआरसी, दिल्ली विश्वविद्यालय, 9 मई, 2017

"प्राचीन क्लासिक्स में शब्दावली का महत्व" पर व्याख्यान, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, 3 जुलाई 2017

"भारतीय क्लासिक्स के अध्ययन की अनुसंधान पद्धति" पर व्याख्यान, बीएचयू, सामाजिक बहिष्कार केंद्र, 8 जुलाई 2017

"नई शिक्षा नीति", पर व्याख्यान, बीबीएयू, महू, इंदौर, 8 अगस्त 2017

"दीनदयाल उपाध्याय का राजनीतिक दर्शन" पर व्याख्यान, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा, 15 सितंबर 2017

"भारत में धर्मनिरपेक्षता" पर व्याख्यान, गार्गी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 20 सितंबर, 2017

"गांधी", पर व्याख्यान, जाकिर हुसैन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 1 नवंबर 2017

"दीनदयाल उपाध्याय" पर व्याख्यान, सीपीडीएचई, दिल्ली विश्वविद्यालय, 1 दिसंबर 2017

"भारत की ज्ञान परंपरा", पर व्याख्यान, क्षमता निर्माण कार्यक्रम, वनस्थली विश्वविद्यालय, 11 दिसंबर 2017

प्रो. रेखा सक्सेना

आईएसीएफएस इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस, इंस्टीट्यूट ऑफ फेडरलिज्म, फ्रिबोर्ग यूनिवर्सिटी, स्विट्जरलैंड में "भारतीय परिसंघ में भारित समानता का सिद्धांत: संघ राज्य क्षेत्र का केस स्टडी" पर पेपर प्रस्तुत, 11 से 13 अक्टूबर 2017

प्रो. सत्यजीत सिंह

लोकतांत्रिक संस्थाएं और राजनीतिक क्षमता, सार्वजनिक नीति और शासन पर आईपीपीएन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, केआईआईटी, भुबनेश्वर, 28 फरवरी-1 मार्च, 2018

'ग्रामीण भारत के प्रशासनिक सिद्धांत पर पुनर्विचार', फिक्शन के रूप में राजनीति, वास्तविकता के रूप में फिक्शन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: राग दरबारी के पचास वर्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय, 29-30 जनवरी, 2018

विशेष व्याख्यान श्रृंखला: 103, 'लोकल इन गवर्नेंस', सामाजिक विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, 2 मई, 2017

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग:

अंतर-संस्थागत सहयोग सहित चलाए गए कार्यक्रम

क्र.सं.	शीर्षक	प्रधान अन्वेषक	प्रायोजक एजेंसी
	औपनिवेशिक भारत में ज्ञान, विकास और राजनीति: राज्य, बाजार और नागरिक	प्रो. मधुलिका बनर्जी	आईसीएसएसआर साझेदार संस्थान हैं:

समाज में संघर्ष		इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल मैनेजमेंट, आनंद, अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी और साउथ एशियन नेटवर्क फॉर डैम्स, रिवर्स एंड पीपुल
मास्टर्स पाठ्यक्रम के भाग रूप में विशेष मॉड्यूल के लिए यू-21 (यूनिवर्सिटाज-21)	प्रो. नवनीता सी बेहरा (विभाग की ओर से समन्वयक) और डॉ नसरीन चौधरी	दिल्ली विश्वविद्यालय, यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबॉर्न, ऑस्ट्रेलिया और यूनिवर्सिटी ऑफ बर्मिंघम, यूके
एनजीओएबी की क्षमता आकलन का परियोजना दस्तावेज, प्रधानमंत्री कार्यालय, बांग्लादेश सरकार	प्रो. सत्यजीत सिंह	बांग्लादेश सरकार

विस्तार और पहुँच कार्यकलाप:

प्रो. उज्जवल कु सिंह

1. "इनसाइड-आउटसाइड"निकाय: भारत का राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग', अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली (एयूडी) और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी), नई दिल्ली द्वारा आयोजित मानवाधिकार पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में पेपर प्रस्तुत, एयूडी, दिल्ली, 8 सितंबर, 2017
2. सीबीएसई शिक्षकों (कक्षा XII) के लिए राजनीति विज्ञान पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति, सीबीएसई सेंटर फॉर एक्सीलेंस, द मिलेनियम स्कूल, पानीपत, 12-13 जनवरी, 2018
3. सीबीएसई शिक्षकों (कक्षा XII) के लिए राजनीति विज्ञान पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति, सीबीएसई सेंटर फॉर एक्सीलेंस, एमिटी इंटरनेशनल स्कूल, गाजियाबाद, 22-23 फरवरी, 2018

प्रदत्त एमफिल / पीएचडी की संख्या: 10

प्रदत्त एम. फिल डिग्रियों की संख्या: 24

संकाय सदस्य संख्या: 19

***

सामाजिक कार्य

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां

शैक्षणिक वर्ष 2017-18 के दौरान सामाजिक कार्य विभाग ने कई मील का पत्थर हासिल किया और अपने खाते में कई उपलब्धियां जोड़ी। इसने उच्च स्तरीय अध्ययन वाले यूजीसी केन्द्र का दर्जा भी बनाए रखा। विभाग ने दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से समुदाय विकास प्रकोष्ठ (सीडीसी) के साथ समन्वय किया और विस्तार किया। भारत के माननीय राष्ट्रपति की सिफारिश पर सीडीसी पहल की गयी थी। इस पहल के तहत कार्य का विस्तार स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन यापन के क्षेत्र में पांच गांवों नामत: बदरपुर खादर, चौहान पट्टी, जगतपुर, मुकदुनपुर और झड़ौदा में किया। विभाग को दिल्ली विश्वविद्यालय की उन्नत भारत अभियान पहल के लिए नोडल एजेंसी के रूप में भी नामित किया गया है।

विभाग ने कई अंतरराष्ट्रीय सहयोग करते हुए समुदाय और संकाय के लाभ के लिए कई सेमीनार और कार्यशालाएं आयोजित की। विभाग ने अपने कर्मचारियों के प्रशिक्षण के लिए सरकारी एजेंसियों के साथ सहयोग किया। उदाहरण के लिए जेल कर्मियों को सॉफ्ट कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए विभाग द्वारा तिहार जेल में पांच दिवसीय आवासीय कैंप लगाया गया। विभाग ने छात्रों और संकाय शिक्षकों के लिए मानसिक स्वास्थ्य और कुशलता के संबंध में

व्याख्यान श्रृंखला शुरू किया ताकि उन्हें जीवन और कार्य उत्पादकता के सामान्य दबाव के साथ सामंजस्य बिठाने में सहायता मिले। समावेश की भावना को ध्यान में रखते हुए विभाग ने एक न्यास के सहयोग से दिव्यांग नौकरी पाने को इच्छुक लोगों के लिए एक विशेष रोजगार मेले का आयोजन किया। इस विभाग का एक अन्य महत्वपूर्ण कार्य उन संस्कृतियों की विविधता जो भारत की आत्मा है, की अभिस्वीकृति के लिए पूर्वोत्तर दिवस मनाना था।

इसके अतिरिक्त, विभाग ने 'आउटलुक' सर्वेक्षण में भारत में सामाजिक कार्य में दूसरा सबसे अच्छे विद्यालय को बनाए रखा और वर्ष 2017 के इंडिया टुडे सर्वेक्षण में भी दूसरा स्थान बनाए रखा। विशिष्ट बात यह थी कि शैक्षणिक उत्कृष्टता में विभाग आउटलुक सर्वेक्षण में प्रथम स्थान पर था। विभाग ने सभी छात्रों के लिए सफलतापूर्वक रोजगार हासिल किया जिन छात्रों ने कैंपस प्लेसमेंट का विकल्प दिया था।

सम्मान/गौरव

विभाग को 2017 में भारत में सामाजिक कार्य के विद्यालयों में आउटलुक पत्रिका रैंकिंग में दूसरा स्थान हासिल हुआ है।

विभाग को 2017 में आउटलुक पत्रिका रैंकिंग में 'अकादमी उत्कृष्टता और प्लेसमेंट' में पहला स्थान हासिल हुआ है।

विभाग को वर्ष 2017 में सामाजिक कार्य के विद्यालयों के इंडिया टुडे सर्वेक्षण में दूसरा स्थान हासिल हुआ है।

सामाजिक कार्य विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय के 2017 में उन्नत भारत अभियान के लिए नोडल एजेंसी था।

प्रो. गैंग्रेड, विभाग का सेवानिवृत्त संकाय सदस्य और दिल्ली विश्वविद्यालय का पूर्व उपकुलपति को सेवानिवृत्त शिक्षकों के लिए सम्मानीय अतिविशिष्ट सेवा पुरस्कार के साथ सम्मान दिया गया था, जो विश्वविद्यालय के लिए उल्लेखनीय सेवा देने वाले योग्य व्यक्ति के लिए था। यह पुरस्कार दिल्ली विश्वविद्यालय के 95वें फाउंडेशन दिवस के अवसर पर दिया गया था।

प्रो. संजय भट्ट को सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में प्रो. वी. के. आर.वी. लाइफटाइम पुरस्कार प्रदान किया गया जिसे भारतीय सामाजिक विज्ञान संघ द्वारा दिया गया है। उन्होंने यूएसए में स्थित ग्वोबल सोशल सर्विस वर्कफोर्स एलायंस के लिए राजदूत के रूप में एक विशिष्ट उपलब्धि हासिल भी की है।

प्रो. मनोज कुमार झा को राज्य सभा के माननीय सदस्य के रूप में चुना गया।

प्रकाशन

एडुसुमल्ली, एम. (2017). माउन्टैन कम्युनिटीज एण्ड सस्टैनेबल डेवेलपमेन्ट. रिफ्लेक्शन फ्राम उत्तराखण्ड. स्कॉलर पब्लिसिंग हाउस. नई दिल्ली. [आईएसबीएन 978-81-932035-2-1].

एडुसुमल्ली, एम. (2017). अंडरस्टैण्डिंग दी प्रोसेस ऑफ डेवेलपमेन्ट: अ केस स्टडी ऑन इको-इनकम जेनरेशन एप्रोच. नई दिल्ली, इंडिया: एक्सेल इंडिया पब्लिसर्स. [आईएसबीएन 978-93-86256-71-3].

एडुसुमल्ली, एम., और आनन्द, एम. (2017). कास्ट, पैट्रीयार्ची एण्ड जेन्डर. इन एम.एडुसुमल्ली और एम.आनन्द (संपादक), जेन्डर एण्ड सोशल वर्क: पोजिशन्स एण्ड प्रैक्टिसेज (पीपी.14-17). नई दिल्ली, इंडिया: रीगल पब्लिकेसन्स. [आईएसबीएन 978-81-8484-665-2].

एडुसुमल्ली, एम., और आनन्द, एम. (संपादक). (2017). जेन्डर एण्ड सोशल वर्क: पोजिशन्स एण्ड प्रैक्टिसेज. नई दिल्ली, इंडिया: रीगल पब्लिकेसन्स. [आईएसबीएन. 9788184846652].

एडुसुमल्ली, एम., एण्ड आनन्द, एम., (संपादक). (2017). जेन्डर एण्ड सोशल वर्क: पोजिशन्स एण्ड प्रैक्टिसेज.

अग्निमित्रा, एन. (2017). डिजास्टर मैनेजमेन्ट एण्ड सोशल वर्क एडुकेशन: अ प्रैक्सिस आफ लर्निंग एण्ड प्रैक्टीस. दी इंटरनेशनल इमर्जेन्सी मैनेजमेन्ट सोसाइटी न्यूजलेटर - [स्पेशल एडिसन - इश्यू 6].

अग्निमित्रा, एन. (2018). शुड आई स्टे ऑर शुट आई गो? मिटिगेशन स्ट्रैटेजीज़ फॉर फ्लश फ्लडिंग इन इंडिया (को-अथर्ड). इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डिजास्टर रिस्क रिडक्शन, 27 मार्च 2018, 48-56. https://doi.org/10.1016/j.ijdrr.2017.09.019.

आनन्द, एम. (2017). रोल ऑफ रूरल कैम्प्स इन नर्चरिंग फिल्ड प्रैक्टिकम: नरेटिव फ्राम अ फैकल्टी ऑफ सोशल वर्क, दिल्ली, इंडिया. सोशल वर्क एडुकेशन 36(5), 521-528.

आनन्द, एम. (2017). कम्युनिटी मेन्टल हेल्थ इन इंडिया: पर्सपेक्टिव, चैंलेन्जेज एंड स्ट्रैटेजीज. दिल्ली साईकियॉट्री जर्नल, 20(1), 7-14.

आनन्द, एम. (2017). कन्टेम्पोरेरी अर्बन एडोलेन्सेन्ट्स: अ साइको सोशल जर्नी. इन एस. अलीम, एस. बानो और एम.जी. शहनवाज (संपादक), हेल्थ एण्ड वेल बिइन्ग अमांग चिल्ड्रेन एंड युथ इन इंडिया (पीपी-89-100). नई दिल्ली, इंडिया: एक्सेल इंडिया पब्लिसर्स.

आनन्द, एम. (2017). एचआईवी अफेक्ट्स वुमेन: सोशल एम्प्लीकेशन्स फ्रॉम अ स्टडी इन दिल्ली, इंडिया. एसियन मैन (दी) - ऐन इंटरनेशनल जर्नल, 11(1), 69-72. आईएसएसएन : 0974-6366 [को-अथर्ड].

आनन्द, एम. (2017). सोशल वर्क इन स्कूल्स: एन्टीग्रेटिंग जेन्डर कन्सर्न. इन एम.एडुसुमल्ली और एम.आनन्द (संपादक), जेन्डर एण्ड सोशल वर्क: पोजिशन्स एण्ड प्रैक्टिसेज (पीपी.117-137). नई दिल्ली, इंडिया: रीगल पब्लिकेसन्स. आईएसबीएन 978-81-8484-665-2.

आनन्द, एम. (2018). ग्लोबलाइजेशन, जेन्डर एण्ड एडुकेशन: ऐन इंडियन कन्टेक्स्ट, क्वेस्ट इन एडुकेशन 43(1), 2-16, गांधी शिक्षा भवन, इंडियन काउन्सिल आफ बेसिक एडुकेशन, मुम्बई. आईएसएसएन 0048-6434.

आनन्द, एम. (2018). प्रमोटिंग मेन्टल हेल्थ ऑफ स्कूल चिल्ड्रेन: इंडियन रिफ्लेक्शन्स. इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ एंड वेल बिइंग, 9(2). आईएसएसएन : 2229-5356

आनन्द, एम. (2018). सोशल वर्क एप्रोचेज इन मेन्टल हेल्थ: अ कन्टेम्पोरेरी व्यू. एडुकेरे: बीसीएम जर्नल ऑफ सोशल वर्क, 13(2). आईएसएसएन 2249-1090

बत्रा, एस. को-अथर्ड (विद डा. अर्चना कौशिक) फॉर दी फालोविंग यूनिट्स फॉर बीएसडब्ल्यू कोर्स ऑन रिसर्च मेथड्स, इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी

ब्लॉक: सामाजिक कार्य अनुसंधान प्रक्रिया
इकाई 1: अनुसंधान के चरण
इकाई 2: अनुसंधान अभिकल्प
इकाई 3: सैंपलिंग की पद्धति और प्रकार
इकाई 4: आंकड़ा संग्रहण की पद्धति और माध्यम

ब्लॉक: आंकड़ा संसाधन और सारणीकरण
इकाई 1: आंकड़ों का संपादन, कोडिंग, संसाधन और सारणीकरण
इकाई 2: आंकड़ा विश्लेषण, व्याख्या और रिपोर्ट लेखन
इकाई 3: सांख्यिकी तकनीकों के मूल तत्व

भट, आई., और मास्के, एस. (2017). एन्टी-ऑप्रेसिवसोशल वर्क थ्योरी एण्ड प्रैक्टिस: कॉन्टैक्चुएलाइजिंग दी कॉस्ट डिबेट इन इंडियन सोशल वर्क एडुकेशन. इन आर. जारे एंड एस. काले (संपादक), कास्ट इन माडर्न इंडिया: एट्रोसीटीज अगेन्स्ट द लित्स. हॉउस्टन, यूएसए: स्टेडियम प्रेस. आईएसबीएन- 978-93-85046-11-7.

भट्ट, एस., और कुमारी, एस. (2017). सेन्टम वर्क स्किल्स इंडिया: लार्ज स्केल वोकेशनल ट्रैनिकंग फॉर यूथ. हाउ दी प्राइवेट सेक्टर डेवेलप्स स्किल्स: लेसन्स फ्राम इंडिया (पार्ट II केस स्टडीज). इंडिया: यूएनडीपी एंड इस्तानबुल इंटरनेशनल सेन्टर फॉर प्राइवेट सेक्टर इन डेवेलपमेन्ट

भट्ट, एस., सिंह, ए., और फुकान, डी. (2017). दीस्टैट ऑफ क्रिमिनल जस्टिस सोशल वर्क एडुकेशन एंड प्रोफेशनल ट्रैनिंग इन इंडिया. इन चांग, एम.डी. एंड फ्रैसिस, ए.पी. (संपादक), डीमिस्टिफाइंग क्रिमिनल जस्टिस सोशल वर्क इन इंडिया. इंडिया: सेज.

गोगोई, एम. (2018). इमोशनल कोपिंग अमांग कम्युनिटिज़ अफेक्टेटेड बाई वाइल्ड लाइफ-कॉज्ड डैमेज इन नॉर्थ-ईस्ट इंडिया: अपॉरच्युनिटीज फार बिल्डिंग टोलरेन्स एंड एम्प्रूविंग कन्जर्वेशन आउटकम्स. ऑरीक्स, दी इंटरनेशनल जर्नल आफ कन्जर्वेशन. [20180030-6053 (प्रिन्ट), 1365-3008 (ऑनलाइन)].

इस्लाम, के. एम.बी., खान, ए., औररौशन, ए. (2017). एमर्जिंग ट्रेन्ड्स इन माइनॉरिटी पॉलिटिकल पार्टीज़ एंड पॉलिटिक्स इन इंडिया: अ क्वेस्ट फॉर अ पोलिटिकल स्पेस बाई दी मुस्लिम्स इन इंडिया. पर्सपेक्टिव्स इन सोशल साइंसेज, 26-41. बंग्लादेश: सेन्टर फॉर एडवान्स्ड रिसर्च इन सोशल साइंसेज यूनिवर्सिटी ऑफ ढाका.

जाजुआ, के.(2017). सेक्चुअल क्राइम्स अगेन्स्ट चिल्ड्रेन: एन्सिडेन्सेज एंड एन्टरवेन्सन्स फ्राम ट्राइबल बेल्ट्स. जर्नल आफ नार्थ ईस्ट रीजन, 127-132. आईएसएसएन: 2321-0583.

झा, एम. (2017, अप्रैल 3). 'डियर अपोजिशन, वी हैव फेल्ड इंडिया', दी सिटीजन.

झा, एम. (2017, अप्रैल 31). वी हैव फेल्ड टू प्रोटेक्ट दी 'आयडिया ऑफ इंडिया', दी ट्रीब्यून इंडिया.

झा, एम. (2017, नवम्बर 14). 'वी नीड मोर युथफुल ड्रीमर्स लाईक यु': अ लेटर टू जवाहर लाल नेहरू, दी वायर.

झा, एम. (2017, नवम्बर 14). हिन्द-के-जवाहर-के-नाम-एक-खत-जहां-गरम-हवा-का-बेमुरौवत-मौसम-बदल-ही-नहीं-रहा, दी सिटीजन.

झा, पी. (2017). बूक रिव्यु ऑफ साउथ एसिया स्टेट ऑफ मायनॉरिटी रिपोर्ट्स. सोशल चेन्ज, 47(1) (3). सेज

प्रकाशन

झा, पी. (2018). आयडेन्टिटी एंड कल्चरल राइट्स आफ मायनॉरीटीज़ इन इंडिया. इन एस. हसन (संपादक), इंडिया टूगेदर: इंडिया स्टेट आफ मायनॉरीटीज़ रिपोर्ट 2018. नई दिल्ली, इंडिया: बुक्ज फॉर चेन्ज.

कौशिक, ए. (2017). 'फ्राम हंगर डेथ्स टू हेल्दी लिविंग: अ केस स्टडी ऑफ दलित्स इन वाराणसी डिस्ट्रिक्ट, उत्तर प्रदेश, इंडिया. कन्टेम्पोरेरी व्याइस आफ दलित, 10(1), 1-9. डीओआई: 10.1177/2455328X17744623. रिट्राइव्स फ्राम: http://vod.sagepub.com.

कौशिक, ए. (2017). सेल्फ-अवेयरनेस: रेटॉरिक ऑर रिएल्टी. जर्नल ऑफ सोशल वर्क वैल्यूज एंड एथिक्स, 14(1), 21-29. आईएसएसएन: 1553-6947.

कौशिक, ए. (2017). अन-एन्डिंग डार्कनेस: कन्डीशन्स आफ एल्डर्ली इन नाइट शेल्टर्स इन दिल्ली. बीएसएसएस जर्नल ऑफ सोशल वर्क, 8(1), 1-23.

कौशिक, ए. (2017). वुमन लीडर्स इन ग्रासरूट्स गवर्नेन्स. इन एम.एम.वर्मा (संपादक), वुमन एम्पॉवरमेन्ट पर्सपेक्टिव्स एंड डायमेन्सन्स. नई दिल्ली, इंडिया: सिरीयल्स पब्लिकेशन्स. आईएसबीएन: 978-8193319017.

कौशिक, ए. (2018). कैन यू अफोर्ड टू डॉय? एस्टीमेट्स ऑफ एक्पेन्डीचर्स ऑन रिचुअल्स एंड एमपैक्ट ऑन इकोलॉजी. इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 53(3).

कौशिक, ए.ऐज को-अथर्ड (फर्स्ट एंड करेस्पॉन्डिंग ऑथर: प्रो. सुषमा बत्रा), रोट दी फॉलोविंग यूनिट्स फॉर बीएसडब्ल्यू कोर्स ऑन रिसर्च मेथड्स, इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी:

ब्लॉक: सामाजिक कार्य अनुसंधान प्रक्रिया
इकाई 1: अनुसंधान के विभिन्न चरण
इकाई 2: अनुसंधान अभिकल्प
इकाई 3: सैंपलिंग पद्धति और प्रकार

इकाई 4: आंकड़ा संग्रहण की पद्धति और माध्यम

ब्लॉक: आंकड़ा संसाधन और सारणीकरण

इकाई 1: आंकड़ा का संपादन, कोडिंग, संसाधन और सारणीकरण

इकाई 2: आंकड़ा विश्लेषण, व्याख्या और रिपोर्ट लेखन

इकाई 3: सांख्यिकी तकनीकों के मूल तत्व

कौशिक, ए. ने एचआरएम में पीजी कार्यक्रम हेतु ई विषय को तैयार करने की एमएचआरडी परियोजना ई-पाठशाला के तहत निम्नलिखित मोड्यूल तैयार किया।

1) सामुदायिक अनुबंध और बाल विकास
2) विवाद समाधान में सामुदायिक अनुबंध
3) गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सामुदायिक अनुबंध
4) ई-गवर्नेंस और सामुदायिक अनुबंध
5) स्वास्थ्य संवर्धन में सामुदायिक अनुबंध
6) सामुदायिक अनुबंध के चरण
7) सामुदायिक संगठन के मॉडल

मित्रा, ए., एंड खान, ए.(2017). ग्रीन टूरिज्म मैनेजमेन्ट इन इंडिया-'ए 3डी स्टडी ऑफ दी सेवेन सिस्टर्स स्टेट्स ऑफ नॉर्थ-ईस्ट विथ स्पेशल रेफरेन्स टू इको-टूरिज्म'. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इन्नोवेटिव रिसर्च इन साइंस, इंजिनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी,6(4), 6923-6932. आईएसएसएन: 2319-8753 (ऑनलाइन), 2347-6710 (प्रिन्ट).

पान्डेय, एन.(2016). रिसोर्स मोबेलाइजेशन फॉर ई-कन्टेन्ट फॉर सोशल वेलफेयर एडमिनिस्ट्रेशन, कोर्स डेवेलप्ड बाई कन्सोर्टियम ऑफ एडुकेशनल कम्युनिकेशन(सीईसी), एडुसैट(ईडीयूएसएटी)

पान्डेय, एन.(2016). वॉयलेन्ट लाइव्स, वॉयलेन्ट फैमिलीज इन सोशल जस्टिस एंड सोशल वर्क प्रोफेशन इन इंडिया. इन एस. पठारे, एस. भट्ट, एंड जे. वर्घीज (एडिटर्स), चैलेन्जिंग रेसपान्सेज एंड रेस्पॉन्डिंग चैलेन्जेज (पीपी. 273-285) जयपुर, इंडिया: मानस पब्लिसर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स.आईएसबीएन 978-93-83231-30-0.

पान्डेय, एन., पाण्डेय, वी. (2017). लैंगेवेज ऑफ एलिनेशन: अ साइट ऑफ कल्चरल वॉयलेन्स. जर्नल ऑफ एक्सक्लुजन स्टडीज,7(1), 102-115. आईएसएसएन 2231-4547.

रानी, एस. (2017, जुलाई). रूरल हेल्थ: हैल्थ एन्फ्रास्ट्रक्चर, एक्विटी एंड क्वालिटी. कुरूक्षेत्र, 65(9), 29-33. आईएसएसएन 0021-5660.

रानी, एस. (2018). सोशल एंड स्ट्रक्चरल एनइक्वालिटी इन हेल्थ: चैलेन्जेज एंड प्रॉसपेक्ट्स ऑफ सस्टैनेबेल डेवेलपमेन्ट. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन मैनेजमेन्ट एंड सोसल साइंसेज, 6(1)(3).

रानी, एन., एंड आमीन, डब्ल्यू. (एडिटर्स). दी स्टेट ऑफ मार्जिन्लाइजेशन एंड पब्लिक हेल्थ एश्यूज इन इंडिया. न्यू दिल्ली, इंडिया: विनशिल्ड प्रेस.आईएसबीएन 978-81-934273-4-7.

रॉय, एस. (2017). ह्यूमन राइट्स एंड ट्रैफिकिंग इन वुमेन एंड चिल्ड्रेन इन इंडिया. जर्नल ऑफ हिस्टोरिकल आर्कियोलॉजी एंड एन्थ्रोपोलॉजिकल साइंसेज, 1(5). मेड क्रेव (अगस्त-ऑनलाइन)

रॉय, एस. (2017). अर्बेनाइजेशन एंड प्रोब्लम्स ऑफ स्लम ड्वेलर्स इन इंडिया: राइट्स पर्सपेक्टिव. इन बी. चौधरी एंड एस. बिस्वास(एडिटर्स), एन्थ्रोपोलॉजी एंड ह्यूमन राईट्स जयपुर, इंडिया: रावत पब्लिकेशन. आईएसबीएन-978-81-316-0838-8.

रॉय, एस. (2017). वुमेन्स पॉलिटिकल रिप्रेजेन्टेशन इन इंडिया: स्टिल माइल्स टू गो. इन एम.एम. वर्मा (एडिटर्स) वुमेन एम्पॉवरमेन्ट: पर्सपेक्टिव्स एंड डायमेन्सन्स (पीपी. 456-493). नई दिल्ली, इंडिया: सिरीयल पब्लिकेशन.आईएसबीएन-978-81-933190-1-7.

शर्मा, एस. (2017). बुक रिव्यु: मीनाज कसम, फेमिदा हैन्डी एंड एमिली जैनसन, फिलैन्थ्रॉपी इन इंडिया: प्रोमिज टू प्रैक्टिस. सोशल चेन्ज,47(3). आईएसबीएन: 9789351507529.

सिंगला, पी. (2017). इलेक्ट्रॉनिक कन्टेन्ट फॉर ई-पीजी पाठसाला. मिनिस्ट्री ऑफ ह्यूमन रिसोर्स डेवेलपमेन्ट, जीओआई.

(i)ग्रामीण महिलाएं: चिंताएं, पहल और सफलता की कहानियां
(ii)मानव तस्करी और जबरन विवाह
सिंगला, पी. (2017) वॉयस ऑफ पुआर: लेशंस फॉर पॉलिसी मेकर्स। इन पी. पी. बालन, एस. जार्ज एवं टी.पी. कुन्हींकानन (संपादक), प्रभावहीनता और वंचन: बहु संवेदनशीलता संबंधी अध्ययन। त्रिशूर, केरल: केरल इंस्टीच्युट ऑफ लेबर एडमिनिस्ट्रेशन (केआईएलए)। आईएसबीएन 978-93-84557-84-3

ठाकुर, ए. ने एचआरएम में पीजी कार्यक्रम के लिए ई-कंटेंट डेवलपमेंट की एमएचआरडी परियोना ई-पाठशाला के तहत निम्नलिखित मोड्यूल को तैयार किया।

पत्र का नाम: सामुदायिक विकास के माध्यम से मानव संसाधन विकास
(i)मोड्यूल: जल और स्वास्थ्य
(ii)मोड्यूल: समावेशी शिक्षा के माध्यम से विक्लांग बच्चों का अनुबंध
ठाकुर, ए. और जयसेना, सी. (2017)। भारतीय उच्चतर शिक्षा प्रणाली में दृष्टिहीन छात्राओं का अपवर्जन अनुभव। इन एम. अड्डुसुमल्ली एवं एम. आनंद (संपादक), जेंडर एंड सोशल वर्क: पोजिशंस एंड प्रैक्टिसेस। नई दिल्ली: रीगल पब्लिकेशन। आईएसबीएन। 978-81-8484-665-2

जर्नल

विभाग द्वारा प्रकाशित-वर्तमान में विभाग किसी जर्नल का प्रकाशन नहीं कर रहा है।

विभाग के शिक्षक जो संपादन मंडल में संपादक / सदस्य के रूप में कार्य रहे हैं, की संख्या- 4

प्रो. निरना अग्निमित्रा:
सदस्य, संपादक मंडल, पर्यावरण और सामाजिक मनोविज्ञान, एक अंतरराष्ट्रीय समकक्ष व्यक्ति समीक्षित सहज पहुंच योग्य जर्नल
सदस्य, संपादक मंडल, सीजेएमआर जर्नल, प्रबंधन अनुसंधान (डॉ विखे पाटील फाउंडेशन सेंटर फॉर मैनेजमेंट रिसर्च एंड डेवलपमेंट)

शैक्षणिक सलाहकार, अधिगम सामुदायिक (शिक्षा और सामाजिक विकास का एक जर्नल)

प्रो. पामेला सिंगला:
सदस्य, संपादक मंडल, अंतरराष्ट्रीय मानविकी और सामाजिक विज्ञान जर्नल

डॉ. संजय राय:
एसोसिएट संपादक, द इंटरनेशनल जर्नल आफ रिलिजन एंड स्प्रीचुअलिटी इन सोसाइटी, यूएसए, अप्रैल, 2017 से।

श्री सुधीर मस्के:
सदस्य, संपादक मंडल, भारतीय धारणीय विकास जर्नल (आईजेएसडी), आईआईएन-2394-7675, सामाजिक कार्य विभाग, केन्द्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान और पब्लिसिंग इंडिया समूह, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित (दिसम्बर, 2014 से)

अनुसंधान परियोजना

वत्रा, सुषमा, पाठ्यक्रम निदेशक- भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा वित्तपोषित परिमाणात्मक अनुसंधान में अनुसंधान तौर तरीका संबंधी कार्यशाला (29.05.17 से 07.06.17) (पूर्ण)

भट्ट, संजय। अनुसंधान परियोजना, ''छह राज्यों में स्वच्छ विद्यालय अभियान के तहत निर्मित शौचालयों का सर्वेक्षण'', हिंदुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन, मुम्बई (पूर्ण)

कौशिक, अर्चना। एक तुलनात्मक अध्ययन: दिल्ली में सरकारी और निजी क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं के लिए मातृत्व लाभ और बच्चा देखभाल प्रावधान (छह महीने के लिए परामर्शदाता के रूप में) राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा समर्थित।

मलाती, अड्डुसुमाली। पहाड़ी समुदायों का धारणीय विकास: एक भागीदारीपूर्ण दृष्टिकोण- आपदा तैयारी और प्रतिक्रिया हेतु संवर्धित आजीविका, खाद्य सुरक्षा और क्षमता वर्धन', भतवारी ब्लॉक, उत्तरकाशी जिला, 2 वर्ष और 9 महीने की अवधि के लिए आईसीएसएसआर द्वारा वित्तपोषित (2014 to 2016). जुलाई, 2017 में सौंपी गयी रिपोर्ट।

मस्के, सुधीर। ''अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्रों में शैक्षिक और व्यावसायिक आकांक्षाओं का संवर्धन:छत्तीसगढ़ के अविकसित जिले में कार्य अनुसंधान'' पर एक अनुसंधान परियोजना, आईसीएसएसआर द्वारा वित्तपोषित (चल रही)।

पांडेय, नीना। 2 वर्ष के लिए दिल्ली में पुलिस थाने में सामाजिक सेवा ईकाई की स्थापना, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार (निर्भया कोष)

आयोजित सेमीनार

कुल संख्या: 15
ब्यौरा (10 सेमीनारों का):

महिलाओं का नेतृत्व सम्मेलन- 08 अप्रैल, 2017 को मानव कल्याण प्रतिष्ठान द्वारा प्रायोजित विभाग व वीमेंस मैनिफेस्टो द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। सुश्री स्वाती मालीवाल, सभापति, दिल्ली महिला आयोग, सुश्री शबनम हासमी और डॉ. शरनास मुथु, महासचिव, वीमेंस मेनिफेसस्टो मुख्य संसाधन लोग थे।

नवउदारवाद युग में सामाजिक न्याय: मुद्दे और चिंताएं, पर सेमीनार- 16 और 17 अप्रैल, 2017 । विशेष अतिथि के रूप में श्री डी. राजा, प्रो. गोपाल गुरू, राजनीतिक विज्ञान केन्द्र, एसएसएस, जेएनयू प्रोफेसर विवेक कुमार, सीएसएसएस/एसएसएस, जेएनयू को आमंत्रित किया गया।

मानसिक स्वास्थ्य पर व्याख्यान श्रृंखला (9 सितम्बर, 2017- 6 फरवरी, 2018)। प्रो. अरूणा ब्रूता (मनोवैज्ञानिक और मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ), डॉ. जंहाआरा एम. गजेन्द्रगड (एचओडी, सामाजिक कार्य विभाग, इहबास) और डॉ. सुमित जैन (व्याख्याता, सामाजिक कार्य और राजनीतिक विज्ञान विद्यालय, ईडनबर्ग विश्वविद्यालय) मुख्य संसाधन व्यक्ति थे।

एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर, नई दिल्ली में तिहार कैदियों, पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो (बीपीआरएंडडी) एवं राष्ट्रमंडल मानवाधिकार पहल (सीएचआरआई) के सहयोग से जेल की दीवारों से परे-कैदियों के अधिकारों पर वार्तालाप पर एक सेमीनार (23 सितम्बर, 2017)। मुख्य अतिथि: माननीय (डा.) न्यायाधीश बी. एस. चौहान, अध्यक्ष भारतीय विधि आयोग, माननीय न्यायाधीश मदन बी. लोकुर, भारत का सर्वोच्च न्यायालय और श्री मनीष सिसोदिया, दिल्ली का उप मुख्यमंत्री।

डॉ. एस. सेलवम मेमोरियल वाद-विवाद (25 अक्टूबर, 2017) ''प्रोफेशनलिज्म आफ सेनिटेशन वर्कर्स विल लीड टू एलिमिनेशन आफ मैनुअल स्कैवेंजिंग एंड द स्टिग्मा अटेच्ड टू इट'' स्व. डॉ. सेलवम की याद में। इस वाद-विवाद का आयोजन एक्शन एड के सहयोग से किया गया था। मुख्य अतिथि: श्री वेंजवाडा विल्सन।

दिल्ली सेमीनार श्रृंखला 3आईई के भाग के रूप में अंतरराष्ट्रीय प्रभाव मूल्यांकन पहल के सहयोग से प्रभाव मूल्यांकन और साक्ष्य संमिश्रण के माध्यम से संवर्धन विकास प्रभाव संबंधी सेमीनार (30 जनवरी, 2018)। संसाधन व्यक्ति: डॉ. फ्रेंसिस राथिनम, वरिष्ठ मूल्यांकन विशेषज्ञ, 3आईई और डॉ. डेनी जॉन, साक्ष्य संमिश्रण विशेषज्ञ, कैंपबेल कोलेबोरेशन।

प्रवासी कामगार: अधिकार एंव चिंताएं विषय पर सेमीनार (3 फरवरी, 2018) सद्भाव मिशन के साथ सहयोग।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान के साथ सहयोग में 17 और 18 फरवरी, 2018 को संवेदनशील संसदीय क्षेत्रों में बुजुर्गों के सशक्तिकरण: राज्य और नागरिक समाज की भूमिका संबंधी एक दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार।

दिनांक 1 अप्रैल, 2017 को सिद्धांत, प्रचलन और आत्मवाचकता: सामाजशास्त्र और सामाजिक कार्य के क्षेत्र में जांच संबंधी एक सेमीनार आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता: प्रो. अभिजीत पाठक, प्राध्यापक, जेएनयू, दिल्ली।

8 सितम्बर, 2017 को सामाजिक कार्य के अंतरराष्ट्रीय परिभाषा और इसके अंतरराष्ट्रीयकरण पर बातचीत। प्रो. मार्क हेनरीक्शन, स्कूल ऑफ सोशल वर्क, मैसी यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैंड मुख्य वक्ता थे। यह व्याख्यान न्यूजीलैंड शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित किया गया था, जो अंतरराष्ट्रीय शिक्षा के लिए न्यूजीलैंड की सरकार की एजेंसी है।

सेमीनार/ सम्मेलन प्रस्तुतिकरण

श्री अभिषेक ठाकुर, अतिथि वक्ता, विक्लांग हेतु समर्थन न्यास, दिल्ली द्वारा 2 जून, 2017 को आयोजित विक्लांग व्यक्ति हेतु शिक्षा संबंधी अवसर।

श्री अभिषेक ठाकुर, चेतनालय, नई दिल्ली द्वारा 12-13 मई, 2017 को समुदायिक संघटन संबंधी दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति।

श्री अभिषेक ठाकुर, सत्यवती महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 15 जनवरी, 2018 को समान अवसर प्रकोष्ठ (ईओसी) के छात्र-सदस्यों के लिए वैश्विकृत बाजार में कैरियर अवसर के संबंध में वक्ता।

श्री अभिषेक ठाकुर, पीजीएसएस, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश द्वारा 28 फरवरी, 2018 को धारणीय आजीविका रूपरेखा के संबंध में वक्ता।

श्री अभिषेक ठाकुर, नोएडा बधिर सोसाइटी, नई दिल्ली द्वारा 18 जुलाई, 2017 को आयोजित संभावनाओं पर एक वक्ता।

डॉ. अडुसुमाली, मलाती, 29 मई, 2017 को प्रो. सुषमा, बत्रा, सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ओन्टोलॉजी औश्र एपिस्टेमोलोजी पर वक्ता (अनुसंधान विद्वानों हेतु परिमाणात्मक अनुसंधान संबंधी दस दिवसीय अनुसंधान तौर तरीके के लिए)।

डॉ. अडुसुमाली, मलाती, 5 अक्तूबर, 2017 को रॉयल थिम्पु महाविद्यालय, भूटान रॉयल विश्वविद्यालय, थिम्पु, भूटान द्वारा आयोजित धारणीय ऊर्जा और बेहतर आर्थिक विकास मॉडल संबंधी परिमाणात्मक मूल्यांकन के संबंध में वक्ता।

डॉ. अर्चना कौशिक, ने 8 जनवरी, 2018 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में हेल्पेज इंडिया द्वारा आयोजित ''सामाजिक सांस्कृतिक प्रतिमानों में एलडर एब्यूस को प्रभावित करने वाले कारकों की जांच'' पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. अर्चना कौशिक, 29 मार्च, 2017 को लोक नायक जय प्रकाश राष्ट्रीय अपराध विज्ञान और न्यायालिक विज्ञान, गृह मंत्रालय, रोहिणी, नई दिल्ली में न्यायिक प्रशासन में न्यायाधीशों और अधिकारियों के लिए राष्ट्रीय स्तर के कार्यशाला ''अनुसंधान के माध्यम से न्याय में शीघ्रता लाना'' में डाटा एंट्री और यूनिवेरियेट, बाय वेरियेट और मल्टीवेरियेट सारणियों सहित डाटा प्रासेसिंग'' पर सत्र में वक्ता।

डॉ. अर्चना कौशिक, 29 मई, 2017 को सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित सामाजिक विज्ञान में विद्वानों के लिए अनुसंधान तौर तरीके के पाठ्यक्रम संबंधी दस दिवसीय कार्यशाला में ''साहित्यिक समीक्षा: प्रक्रिया, प्रकार और संबंधित तौर तरीकों'' संबंधी सत्र में वक्ता।

डॉ. अर्चना कौशिक, 5 जून, 2017 को सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित सामाजिक विज्ञान में पीएचडी विद्वानों के लिए अनुसंधान तौर तरीका पाठ्यक्रम संबंधी दस दिवसीय कार्यशाला में ''रिपोर्ट लेखन में सदर्भ: एपीए शैली'' संबंधी सत्र में वक्ता।

डॉ. अर्चना कौशिक, 24 और 25 फरवरी, 2018 को सामाजिक विज्ञान विद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश में आयोजित ''अंतरराष्ट्रीय बिजनेस का कैनवास: अवसर और चुनौतियां'' संबंध में दूसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ''समाज के संवेदनशील वर्गों के सतत विकास की नीतियां'' विषय पर सत्र में वक्ता।

श्री आसिफ खान ने 15 से 16 अप्रैल, 2017 को मनोविज्ञान विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ द्वारा आयोजित ''इंटेरेस्ट एप्टिच्युड स्क्रीनिंग टेस्ट एंड पैरेंटिंग प्रोग्राम'' के संबंध में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. मनोज कुमार झा ने 19 दिसम्बर, 2017 को इंडियन इस्लामिक कल्चर सेंटर, लेक्चर हॉल संख्या 1, लोधी रोड, नई दिल्ली में 'फिलिस्तीन: विश्व राजनीति का केन्द्र'' पर एक सभा को संबोधित किया।

प्रो. मनोज कुमार झा ने 29 जनवरी, 2018 को ''महात्मा गांधी के अंतिम दिन'' विषय पर ऑक्सफोर्ड बुक स्टोर के साथ सहयोग कर अनहद बातचीज में बातचीत की।

प्रो. मनोज कुमार झा, ने 6 फरवरी, 2018 को जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में ''पूर्वोत्तर अध्ययन और नीति अनुसंधान के लिए केन्द्र पर सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में उद्देश्य संबंधी मिथक'' पर एक बातचीत की।

डॉ. मीनू आनंद, ने 17 से 18 फरवरी, 2018 को सामाजिक कार्य विभाग, नई दिल्ली में 'संवेदनशील संसदीय क्षेत्र में बुजुर्गों को सशक्त बनाना: राज्य और नागरिक समाज की भूमिका' संबंधी राष्ट्रीय सेमीनार में सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. मीनू आनंद, ने 21 मार्च, 2017 को महिला अध्ययन केन्द्र, श्री लालबहादुर शास्त्री संस्कृत विद्यापीठ में अनुसंधान विद्वानों और एमएड के छात्रों के साथ लैंगिक संवेदनशीलता पर एक प्रशिक्षण आयोजित किया।

डॉ. मीनू आनंद, ने 22-23 मार्च, 2017 को मनोविज्ञान विभाग यूजीसी-डीआरएस कार्यक्रम, जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा आयोजित 'स्वास्थ्य और कुशलता: एक अंतर्विषयक जांच पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ''समकालीन शहरी किशोर: मनोविज्ञान सामाजिक यात्रा'' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. मीनू आनंद, 22 जुलाई, 2017 को डॉ. भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित बी ए. (प्रतिष्ठा) सामाजिक कार्य के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम में ''स्त्री पुरूष एवं सामाजिक कार्य'' विषय पर संसाधन व्यक्ति।

डॉ. मीनू आनंद, 17 जनवरी, 2018 को राष्ट्रीय विधि महाविद्यालय, दिल्ली और यूनिवर्सिता डेगिल स्टडी डेला कंपेनिया ''ल्युगि वेंविटेली'' (पूर्व में नेपलेस का दूसरा विश्वविद्यालय) द्वारा आयोजित विंटर स्कूल में 'शिक्षकों और छात्रों में स्त्री पुरूष समझ: दिल्ली, भारत से भाषण' संबंधी संसाधन व्यक्ति।

श्री एन. टी. थॉमस ने 16 से 17 अप्रैल को सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक सेमीनार में ''नवउदारवाद युग में सामाजिक न्याय: मुद्दा और चिंताएं'' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

श्री एन. टी. थॉमस पूर्वोत्तर छात्रों, वसंत कुंज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित कैरियर संबंधी परामर्श पर एक कार्यशाला परामर्श के संबंध में एक कार्यशाला में वक्ता के रूप में।

डॉ. नीना पांडेय ने 23 मई, 2017 को दिल्ली कारावास, तिहार द्वारा आयोजित कारावास कर्मचारियों के लिए साफ्ट कौशल के संबंध में प्रशिक्षण आयोजित किया।

डॉ. नीना पांडेय ने 12 नवम्बर, 2017 को भारतीय राष्ट्रीय पेशेवर सामाजिक कामगार संघ (एनएपीएसडब्लूआई) और सामाजिक कार्य विभाग, श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कलाडी द्वारा आयोजित सामाजिक कार्य पेशा और सामाजिक सच्चाई संबंधी भारतीय सामाजिक कार्य सम्मेलन: प्रतिक्रिया और रिपोटस्टेस में ''बलात्कार के मामलों में पुलिस की चुनौतियां और अक्षमता'' के संबंध में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. नीना पांडेय ने 10 से 12 नवम्बर, 2017 को भारतीय राष्ट्रीय पेशेवर सामाजिक कामगार संघ (एनएपीएसडब्लूआई) और सामाजिक कार्य विभाग, श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कलाडी द्वारा आयोजित भारतीय सामाजिक कार्य सम्मेलन: प्रतिक्रिया और रिपोटस्टेस संबंधित भारतीय सामाजिक कार्य सम्मेलन में एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. नीना पांडेय, वक्ता, 21 सितम्बर, 2017 को जामिया मिलिया इस्लामिया के सामाजिक कार्य विभाग में ''फेमिनिस्ट सोशल केसवर्क' विषय पर।

डॉ. नीना पांडेय, वक्ता, सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 28 सितम्बर, 2017 को फेमिनिस्ट सोशल केसवर्क।

डॉ. नीना पांडेय, वक्ता, 3 फरवरी, 2018 को सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में लड़कियों की सुरक्षा और लैंगिक समक्ष संबंधी स्त्री पुरूष संवेदनशीलता।

डॉ. नीना पांडेय, वक्ता, 24 जनवरी, 2018 को अंग्रेजी विभाग, चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी में महिला सशक्तिकरण।

प्रो. नीरा अग्निमित्रा, ने 23 सितम्बर, 2017 को एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर, नई दिल्ली में पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो, राष्ट्रमंडल मानवाधिकार पहल (सीएचआरआई) और दिल्ली सामाजिक कार्य विद्यालय के सहयोग से तिहार जेल द्वारा आयोजित ''जेल की चारदिवासी से परे: कैदियों के अधिकार पर बातचीत'' पर एक सेमीनार में उद्घाटन भाषण दिया।

प्रो. नीरा अग्निमित्रा, ने 17 और 18 फरवरी, 2018 को सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'संवेदनशील संसदीय क्षेत्रों में बुजुर्गों के सशक्तिकरण: राज्य और नागरिक समाज की भूमिका संबंधी राष्ट्रीय सेमीनार में बुजुर्गों की कुशलता और सशक्तिकरण को सुनिश्चित करने में सार्वजनिक नीति अंतर्ग्रस्तता और नागरिक समाज की भूमिका संबंधी एक सत्र की अध्यक्षता की।

प्रो. नीरा अग्निमित्रा, ने 16 मार्च, 2018 को सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में मेडिसिन्स सैंस फ्रंटियर्स (सीमा रहित चिकित्सक) के सहयोग से समयबद्ध चिकित्सा और मनोवैज्ञानिक देखभाल की बाधाओं को पार करने और पहुंच बनाने के लिए सरहदों की दीवारों को गिराने: यौन और लैंगिक आधारित हिंसा के उत्तरजीवियों को प्रोत्साहितत करने संबंधी सेमीनार में मुख्य संबोधन दिया।

प्रो. नीरा अग्निमित्रा ने 21 अप्रैल, 2017 को सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में ''दलित पहचान: प्रभावहीन समुदायों के सामाजिक गठबंधन का उभार'' के संबंध में डॉ. भीमराव अम्बेडकर: एक बहुमुखी व्यक्तित्व: तीसरा वार्षिक अम्बेडकर व्याख्यान में आरंभिक भाषण दिया।

प्रो. नीरा अग्निमित्रा, ने 10 जुलाई, 2017 को इंटरनेशनल गेस्ट हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय (नोर्थ कैंपस), 7, विश्वविद्यालय मार्ग, दिल्ली 110007 में डॉ. होवार्ड ह्वाइट, सीईओ, कैंपबेल कोलेबोरेशन द्वारा प्रणालीगत समीक्षा और मेटा विश्लेषण संबंधी एक कार्यशाला में शुरूआती भाषण दिया।

प्रो. नीरा अग्निमित्रा, ने 16-17 अप्रैल, 2017 को सामाजिक कार्य विभाग, नई दिल्ली में 'नवउदार युग में सामाजिक न्याय: मुद्दे और चिंताएं'' विषय संबंधी राष्ट्रीय सेमीनार में नवउदार आर्थिक नीति और न्यायप्रिय सामाज के विचार की समकालीन चुनौतियों पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

प्रो. नीरा अग्निमित्रा, 8 अप्रैल, 2017 को सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में वीमेंस मेनिफेस्टो और सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित ''वीमेंस लीडरशिप समिट'' पर अध्यक्षीय भाषण दिया।

प्रो. नीरा अग्निमित्रा, 24 नवम्बर, 2017 को विधि संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय में सामाजिक अनुसंधान और इसकी प्रक्रिया की मूलभूत समझ संबंधी वक्ता।

प्रो. नीरा अग्निमित्रा, 28 अगस्त, 2017 को सामाजिक कार्य विद्यालय, इग्नू, नई दिल्ली में नव पंजीकृत एमफिल/पीएचडी छात्रों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम में सामाजिक कार्य अनुसंधान में पारिस्थितिकी परिप्रेक्ष्य: पर्यावरण और आपदा प्रबंधन संबंधी विशेष फोकस संबंधी वक्ता।

प्रो. नीरा अग्निमित्रा, 11 अप्रैल, 2017 को एमिटी व्यवहार और संबद्ध विज्ञान संस्थान, एमिटी विश्वविद्यालय, मानेसर, गुरूग्राम, हरियाणा में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में नैतिक मुद्दों पर वक्ता।

प्रो. नीरा अग्निमित्रा, 31 अक्टूबर, 2017 को डॉ. भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में सामाजिक कार्य शिक्षा के हस्ताक्षर अध्यापन के रूप में क्षेत्र कार्य संबंधी वक्ता।

प्रो. नीरा अग्निमित्रा, 16 नवम्बर, 2017 को पूर्वोत्तर अध्ययन और नीति अध्ययन संबंधी केन्द्र, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 'बाढ़ और इसके बाद की स्थिति: वार्षिक आपदा से निपटना' विषय पर पैनल चर्चा में बाढ़ और इनके प्रबंधन में क्रास कटिंग थीम के रूप में जेंडर संबंधी वक्ता।

प्रो. नीरा अग्निमित्रा, 3 नवम्बर, 2017 को अशोक होटल, नई दिल्ली में मानसिक स्वास्थ्य मुद्दा और विश्वविद्यालय युवा: विश्व मानसिक स्वास्थ्य सम्मेलन में प्रतिरोधी युवा कार्य के लिए अनिवार्य संबंधी वक्ता।

प्रो. नीरा अग्निमित्रा, 3 फरवरी, 2018 को सामाजिक कार्य विभाग और सद्भाव मिशन, सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवासी श्रम: अधिकार और चिंता के संबंध में इस सेमीनार में प्रवासी श्रम: संदर्भ और परिप्रेक्ष्य संबंधी वक्ता।

प्रो. पामेला सिंगला ने 17-18 फरवरी, 2017 को आडिटोरियम, सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में सामाजिक कार्य विभाग, डीयू और एनआईएसडी द्वारा आयोजित बुजुर्गों के सशक्तिकरण के संबंध में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार के लिए 17 फरवरी, 2018 को औपचारिक और अनौपचारिक सहायक प्रणाली के माध्यम से बुजुर्ग की देखभाल में बेहतर प्रचलन' संबंधी एक सत्र की अध्यक्षता की।

प्रो. पामेला सिंगला, ने 8 अगस्त, 2017 को एम. ए. छात्र, जामिया मिलिया इस्लामिया, सामाजिक कार्य विभाग, सम्मेलन कक्ष, को 'कौशल प्रयोगशाला के माध्यम से स्त्री पुरूष की समझ' पर एक व्याख्यान दिया।

प्रो. पामेला सिंगला, ने 5 मार्च, 2018 को डीआरडीओ, डिईएसआईडिओसी, मेटकैफ हाउस द्वारा आयोजित डीआरडीओ के वैज्ञानिकों को ''महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता'' पर बातचीत की।

प्रो. पामेला सिंगला, ने 8 अप्रैल, 2017 को मानव कल्याण प्रतिष्ठान, दिल्ली, आडिटोरियम, सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के समर्थन से सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और वीमेंस मेनिफेस्टो, दिल्ली द्वारा आयोजित 'सशक्तिकरण: वीमेन लीडरशिप समिट में कार्यक्षेत्र' पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

प्रो. पामेला सिंगला ने 16-17 अप्रैल, 2017 को सामाजिक कार्य विभाग, डीयू, आईसीएसएसआर, आडिटोरियम, सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'नवउदार युग में सामाजिक न्याय संबंधी राष्ट्रीय सेमीनार: मुद्दा और चिंता' पर 17 अप्रैल, 2017 को 'न्याय की स्थिति: कल्याण संबंधी नीतियों और कार्यक्रमों का महत्वपूर्ण मूल्यांकन' संबंधित सत्र की अध्यक्षता की।

प्रो. पामेला सिंगला ने 25 अक्टूबर, 2017 को एनएचआरसी और एमिटी विश्वविद्यालय, एमिटी विधि विश्वविद्यालय, नोएडा द्वारा आयोजित भारत में महिला सशक्तिकरण: रूद्विवादिता की चुनौती और सशक्तिकरण विषय पर एक राष्ट्रीय सेमीनार में 'भारत में महिलाओं के स्वास्थ्य और प्रजनन अधिकारों में भेदभाव' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. पामेला सिंगला, ने 30 जनवरी से 1 फरवरी, 2018 तक के दौरान महिला महाविद्यालय, पैराड रोड, जम्मू विश्वविद्यालय, आडिटोरियम, महिला महाविद्यालय द्वारा आयोजित 'अनुसंधान तौर तरीका' संबंधी तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में 31 जनवरी, 2018 को 'नीति और अनुसंधान प्रबंधन'' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. पामेला सिंगला, ने 30 नवम्बर, 2017 को इंडिया हैबिटेट सेंटर (अमलतास), नई दिल्ली में हांस सैडेल फाउंडेशन (जमर्नी) के सहयोग से सामाजिक अनुसंधान केन्द्र द्वारा आयोजित विषय: स्त्री पुरूष संवेदनशीलता बेहतरीन प्रचलन, कार्यान्वयन और पुलिस अधिकारियों का क्षमता संवर्धन' के संबंध में एक क्षेत्रीय परामर्श पर महिलाओं के लिए सुरक्षा, संरक्षण और अनुकूल माहौल हेतु पैरामीटरों की सैटिंग'' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. पामेला सिंगला, 28 सितम्बर, 2017 को आडिटोरियम, डीएसडब्लू, सामाजिक विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में क्षमता सहायक अधिकारियों और विशेष सेवा इकाई के विशेष कामगारों के लिए (गृह मंत्रालय, निर्भया कोष) के लिए 'नारीवाद और सामाजिक कार्य' पर वक्ता।

प्रो. पामेला सिंगला, 9 नवम्बर, 2017 को आडिटोरियम, अम्बेडकर महाविद्‌यालय, सामाजिक कार्य, अम्बेडकर महाविद्‌यालय, दिल्ली विश्वविद्‌यालय में सेमीनार श्रृंखला ''नारीवाद और सामाजिक कार्य प्रचलन'' पर वक्ता।

प्रो. पामेला सिंगला, 13-24 नवम्बर, 2017 को वी. वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान, नोएडा, सम्मेलन कक्ष में श्रम अनुसंधान में 'गुणात्मक पद्धति' विषय पर 17 नवम्बर, 2017 के प्रशिक्षण कार्यक्रम 'गुणात्मक अनुसंधान में क्षेत्र कार्य' संबंधी वक्ता।

प्रो. पामेला सिंगला 19 दिसम्बर, 2017 को श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर) महिला संबंधी अध्ययन और विकास केन्द्र, कश्मीर विश्वविद्‌यालय (केयू) द्‌वारा आयोजित 'जेंडर एंड फिल्ड नैरेटिव्स' संबंधी वक्ता।

प्रो. पामेला सिंगला 11 अक्टूबर, 2017 गीतारतन अंतरराष्ट्रीय बिजनेस स्कूल (जीआईबीएस), नई दिल्ली, जीआईबीएस सम्मेलन कक्ष में आयोजित 'जेंडर सेंसेटाइजेशन एंड वीमेंस इश्यू' संबंधी वक्ता।

प्रो. पामेला सिंगला, 21 सितम्बर, 2017 को आईआईपीए, नई दिल्ली के सम्मेलन कक्ष में वरिष्ठ सरकारी अधिकारी हेतु लोक प्रशासन, आईआईपीए में 43वें उन्नत पेशेवर कार्यक्रम स्त्री-पुरूष, संस्कृति और विकास संबंधी वक्ता।

श्री प्रताप चंदर बेहरा ने 17-18 फरवरी, 2018 को सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्‌यालय में 'संवेदनशील संसदीय क्षेत्रों में बुजुर्गों का सशक्तिकरण: राज्य और नागरिक समाज की भूमिका पर एक राष्ट्रीय सेमीनार में 'बुजुर्गों की देखभाल के संदर्भ में जनसांख्यिकी प्रवृत्ति को अर्थपूर्ण बनाना' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

श्री प्रताप चंदर बेहरा ने अम्बेडकर महाविद्‌यालय, दिल्ली विश्वविद्‌यालय में 14-15 मार्च, 2018 को आयोजित भारतीय सामाजिक कार्य: कार्य क्षेत्र और चुनौतियां' संबंधी एक राष्ट्रीय सम्मेलन में दलित मानवाधिकार और सामाजिक कार्य प्रचलन पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

श्री प्रताप चंदर बेहरा ने 3 फरवरी, 2018 को सद्भाव मिशन, दिल्ली और सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्‌यालय द्‌वारा आयोजित ''प्रवासी कामगार: अधिकार और चिंता'' विषय पर एक दिवसीय सेमीनार में प्रवासी कामगारों, मानवाधिकारों और सामाजिक कार्य प्रचलन पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

सुश्री प्रीति झा ने भारतीय राष्ट्रीय पेशेवर सामाजिक कामगार संघ (एनएपीएसडब्लूआई) और सामाजिक कार्य विभाग, श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्‌यालय, कलाडी द्‌वारा आयोजित 10-12 नवम्बर, 2017 को सामाजिक कार्य पेशेवर और सामाजिक सच्चाई: प्रतिक्रिया और रिपोस्टेट संबंधी भारतीय सामाजिक कांग्रेस में 'सामाजिक उद्‌यमों के माध्यम से सामाजिक हस्तक्षेप: सामाजिक कार्य के प्रति कारोबार केन्द्रित दृष्टिकोण' विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. पुष्पांजलि झा ने 25 सितम्बर, 2017 को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्‌यालय (इग्नू) में एमफिल और पीएचडी छात्रों के लिए 'महत्वपूर्ण सामाजिक कार्य: एतिहासिक प्रक्षेप और सामाजिक कार्य में पहुंच'' संबंध में एक व्याख्यान दिया।

डॉ. पुष्पांजलि झा ने 3 नवम्बर, 2017 को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्‌यालय (इग्नू) में एमफिल और पीएचडी छात्रों के लिए ''महत्वपूर्ण सामाजिक कार्य: सामाजिक कार्य में सबसे समकालीन रूपरखा'' पर एक व्याख्यान दिया।

प्रो. संजय भट्ट, 4 से 5 जनवरी, 2018 को राजागिरि सामाजिक कार्य विद्‌यालय, राजागिरि सामाजिक विज्ञान महाविद्‌यालय (स्वायत्त) में ड्‌यूटी (डेवलपमेंट यर्निंग फॉर ए यूनाइटेड एंड ट्रांसफोर्म्ड इंडिया) के तहत आयोजित 'परिणाम आधारित परिप्रेक्ष्य और प्रचलन में सामाजिक कार्य शिक्षा का पुनर्कल्पना'' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 'भारत में सामाजिक कार्य शिक्षा की प्रवृत्ति और परिप्रेक्ष्य' विषय पर मुख्य संबोधन किया, साथ हीं परिणाम आधारित सामाजिक कार्य शिक्षा के संबंध में छात्रों के परिप्रेक्ष्य पर पैनल चर्चा में पैनलिस्ट भी थे।

प्रो. संजय भट्ट, 26 मई, 2017 को हैदराबाद, तेलंगाना में सीएसडब्लूबी, नई दिल्ली द्‌वारा आयोजित केन्द्रीय सामाजिक कल्याण बोर्ड, महिलाओं के सशक्तिकरण तथा बच्चों के विकास संबंधी राज्य सामाजिक कल्याण बोर्ड की भावी भूमिका और इसका पुनर्गठन' संबंधी कार्यशाला में मुख्य वक्ता।

प्रो. संजय भट्ट, 2-5 नवम्बर, 2017 को विश्व मानसिक स्वास्थ्य संघ (डब्लूएफएमएच) विश्व सम्मेलन, 2017 में कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य तथा सामाजिक कार्य पेशा (3 नवम्बर, 2017) के संबंध में डब्लूसीएमएच-एनएपीएसडब्लूआई में सामाजिक कार्य पेशा और स्वस्थ्य कार्य स्थल: मुद्दे और चुनौतियां विषय पर मुख्य वक्ता।

प्रो. संजय भट्ट, 6 अप्रैल, 2017 को दिल्ली में बियोंड कोपेनहेगेन एवं अन्य सीएसओ द्वारा व्याख्यान हॉल सं. 2, आईआईसी एनेक्सी में आयोजित एसडीजी कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय संकेतकों के संबंध में राष्ट्रीय परामर्श संबंधी वक्ता।

प्रो. संजय भट्ट ने 19-20 जनवरी, 2018 को पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित सामाजिक कार्य केन्द्र में ''केश वर्क इंटरवेंशन थ्रू काउंसलिंग'' के संबंधी दो दिवसीय कार्यशाला में विदायी भाषण दिया।

डॉ. संजय राय, 6 अप्रैल, 2017 को महिला और बाल विकास विभाग, दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित धारणीय विकास का कार्यान्वयन और 15 वर्षों के दृष्टिकोण पत्रों की तैयारी, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के कार्यक्रम में वक्ता।

डॉ. सीमा शर्मा, ने 17-18 फरवरी, 2018 को विभाग में आयोजित संवेदनशील संसदीय क्षेत्रों में बुज़ुर्गों को सशक्त बनाने के संबंध में एक सेमीनार की अध्यक्षता की।

डॉ. सीमा शर्मा, ने 16-17 अप्रैल, 2017 को विभाग में आयोजित नवउदारवाद युग में सामाजिक न्याय- मुद्दे और चिंताएं विषय पर एक सेमीनार में सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. सीमा शर्मा, ने 29 सितम्बर, 2017 को अपने एमओओसीएस कार्यक्रम के लिए सीईसी यूजीसी में ''मानव सेवा संगठन में संस्कृति'' में एक व्याख्यान दिया।

डॉ. सीमा शर्मा, ने नवम्बर, 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग में सहायक क्षेत्र कार्य अनुदेश के भाग के रूप में पीआरए तकनीक के परिचय पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. सीमा शर्मा, ने 29 सितम्बर, 2017 को अपने एमओओसीएस कार्यक्रम के लिए सीईसी यूजीसी में 'मानव सेवा संगठन में प्रबंधन कार्मिक' के संबंध में एक व्याख्यान दिया।

डॉ. सीमा शर्मा, ने जुलाई, 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय के अदिति महाविद्यालय में 'सामाजिक कार्य पेशा में मानव संसाधन प्रबंधन के कार्यक्षेत्र' के संबंध में एक व्याख्यान दिया।

डॉ. सीमा शर्मा, ने जामिया मिलिया इस्लामिया के सामाजिक कार्य विभाग में दिनांक 22.02.2018 को एम.ए. एचआरएम छात्रों के बैंलेंस कार्ड के संबंध में कौशल प्रयोगशाला के संबंध में एक व्याख्यान दिया।

सुश्री शशि रानी, ने 22-23 मार्च, 2017 को नई दिल्ली में यूएसआई, वसंत विहार, नई दिल्ली 110057 में करिता इंडिया द्वारा आयोजित ''स्वास्थ्य और कुशलता: समाधान के रूप में समुदाय'' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ''भारत में सामाजिक असमानता और दलित की स्वास्थ्य स्थिति: मुद्दा और चिंता'' विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

सुश्री शशि रानी, ने राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान (एमओएसजे एवं ई, जीओआई) के सहयोग से दिल्ली विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित 18 फरवरी, 2018 को हुए ''संवदेशनशील संसदीय क्षेत्र में बुजुर्गों को सशक्त बनाना: राज्य और नागरिक समाज की भूमिका'' संबंधी राष्ट्रीय सम्मेलन में ''बाजार और बुजुर्ग: देखभाल एवं उपभोक्तावाद संबंधी एक दृष्टि'' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

सुश्री शशि रानी, ने इंदिरापुरम उच्च अध्ययन संस्थान, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, भारत द्वारा आयोजित 17 फरवरी, 2018 को ''आर्थिक और धारणीय विकास के लिए बदलती स्थिति'' विषय पर हुए एक राष्ट्रीय सम्मेलन में ''स्वास्थ्य में समाज और ढ़ांचागत असमानता: धारणीय विकास की चुनौतियां और संभावनाएं'' विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

सुश्री शशि रानी, 8 जनवरी, 2018 से लेकर 18 जनवरी, 2018 तक डीसीडब्लू के साथ कार्य करने वाले महिला पंचायत कर्मचारी के लिए प्रशिक्षण निदेशालय, यूटीसीएस द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में ''संघर्ष और विवाद की स्थिति में पारिवारिक परामर्श'' के लिए एक संसाधन व्यक्ति थीं।

सुश्री शशि रानी, 31 जुलाई, 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम में ''सामाजिक कार्य, कानून और अधिकार'' के लिए संसाधन व्यक्ति थीं।

सुश्री शशि रानी, 24 मई, 2017 को तिहार जेल के कर्मचारियों के लिए ''कार्यस्थल पर सुलभ कौशल'' हेतु संसाधन व्यक्ति थीं।

सुश्री शशि रानी, 29 सितम्बर, 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय के दिल्ली स्कूल आफ सोशल वर्क में सामाजिक कार्यकताओं और सहायक अधिकारियों के लिए दिल्ली पुलिस की सामाजिक सेवा इकाई द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में ''परामर्श कौशल' हेतु संसाधन व्यक्ति।

सुश्री शशि रानी, 2 और 3 फरवरी, 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय के गेस्ट हाउस, दिल्ली में आयोजित दिल्ली विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग और दिल्ली बाल सुरक्षा ईकाई- V, एवी बालिगा ट्रस्ट'' द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित ''व्यक्तिगत देखभाल योजना और लैंगिक संवेदनशीलता संबंधी बाल देखभाल संस्था (सीसीआई) पदाधिकारी'' के प्रशिक्षण कार्यक्रम में ''सीसीआई अधिकारी प्रशिक्षण ज्ञान संवर्धन: व्यक्तिगत देखभाल योजना (आईसीपी)'' संबंधी वक्ता।

सुश्री शशि रानी, 21 जुलाई, 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय में अभिविन्यास कार्यक्रम, अदिति महाविद्यालय में ''प्रभावहीनता और सामाजिक न्याय'' पर वक्ता थीं।

श्री सुधीर मास्के, ने डॉ. भीम राव अम्बेडकर महाविद्यालय में 15 मार्च, 2018 को भारतीय सामाजिक काय: कार्यक्षेत्र और चुनौतियां. प्रचलन बौद्धिकता से अंतर्दृष्टि संबंधी एक राष्ट्रीय सम्मेलन में शोधपत्र प्रस्तुत किया।

श्री सुधीर मास्के, 9 दिसम्बर, 2017 को उपाध्यक्ष हॉल, कांस्टीच्युशन क्लब, रफी मार्ग, पटेल चौक, दिल्ली में ''दलित उद्यमशीलता: भारतीय जनसंख्या के पच्चीस प्रतिशत के संबंध में अनुसंधान अध्ययन अंतर्दृष्टि'' विषय पर वक्ता।
प्रो. सुषमा बत्रा, 27.10.2017 को अमृत प्रतिष्ठान, भारत में ज्ञान अंतर: हम बौद्धिकता और विकास संबंधी चुनौतियों के संबंध में अनुसंधान की उपलब्धता और गुणवत्ता को कैसे बढ़ा सकते हैं।'' पर वक्ता।

प्रो. सुषमा बत्रा, 17.06.2017 को लेडी हार्डिंग चिकित्सा महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में चिकित्सा नैतिकता: चिकित्सक- रोगी संवाद और व्यवहार संबंधी मुद्दों पर वक्ता।

प्रो. सुषमा बत्रा दिनांक 9.11.2017 को डॉ. भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में पेशेवर सामाजिक कामगारों के अनिवार्य गुणों पर वक्ता।

हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/ अंतरराष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

विभाग का संस्थाओं / विश्वविद्यालयों/ अनुसंधान संगठनों यथा एशिया पैसिफिक एसोसिएशन फॉर सोशल वर्क एडुकेशन (एपीएएसडब्लूई), कैंपबेल कोलेबोरेशन, यूनिवर्सिटी आफ कैलेग्री (इंटर्नशिप कार्यक्रम), यूनिवर्सिटी आफ न्यूजीलैंड, मैसी यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी आफ साउथ आस्ट्रेलिया, यूनिवर्सिटी आफ मैरीलैंड और यूनिवर्सिटी आफ ब्रुसेल्ड के साथ अंतरराष्ट्रीय सहयोग है।

अन्य अंतरराष्ट्रीय सहयोग

विभाग का प्रमुख सामाजिक कार्य संस्थाओं यथा टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान; सामाजिक कार्य विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली; अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय; एम. एस. विश्वविद्यालय, बड़ौदा; राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान, हैदराबाद; केन्द्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान आदि के साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सहयोग रहा है। विभाग ने दिल्ली पुलिस, बाल देखभाल संस्थान (सीसीआई), दिल्ली बाल संरक्षण ईकाई-V, ए.वी. बालिगा ट्रस्ट और

तिहार जेल जैसे विभिन्न प्रसिद्ध संस्थाओं के साथ भी सहयोग किया है। विभाग का इसकी समवर्ती और ब्लॉक क्षेत्र कार्य कार्यक्रम के लिए लगभग 100 सरकारी और गैर सरकारी संगठनों के साथ जोशपूर्ण भागीदारी की है।

अदला बदली कार्यक्रम के तहत छात्र
भारत में सामाजिक कार्य विद्यालयों से कई छात्र समूहों ने एक दूसरे के साथ सामाजिक कार्य में विचारों और बेहतर प्रचलनों के आदान-प्रदान के लिए विभाग का दौरा किया है। विभाग ने विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ छात्रों के आदान-प्रदान को सुकर बनाने के लक्ष्य को सक्रिय रूप से किया है। उदाहरण के लिए, एक आदान प्रदान कार्यक्रम के लिए मनोविज्ञान विद्यालय, सामाजिक कार्य और सामाजिक नीति यूनिवर्सिटी, आस्ट्रेलिया के साथ चर्चा की गयी। ब्रसेल्स विश्वविद्यालय और मैरीलैड विश्वविद्यालय से छात्रों ने विचारों के आदान प्रदान के लिए विभाग के छात्रों के साथ विचार विमर्श किया।

नियोजन ब्यौरा (रोजगार/ नौकरी पाए छात्रों की संख्या और प्रतिशत)
नियोजित किए गए छात्रों की संख्या: 57
नियोजित किए गए छात्रों का प्रतिशत: 98 प्रतिशत
कैंपस भर्ती के लिए कंपनियों की संख्या: 36

विस्तार और पहुंच क्रियाकलाप

इस विभाग के पास कई विस्तार और पहुंच कार्यक्रम हैं। दो विस्तार कार्यक्रम यथा सामुदायिक विकास और कार्य केन्द्र (सीसीडीए) तथा बाल और किशोर कुशलता केन्द्र (सीसीएडब्लू) इस विभाग के आंतरिक भाग रहे हैं।

सामुदायिक विकास और कार्य केन्द्र (सीसीडीए) के कार्यकलापों में बुराड़ी में स्व सहायता समूह, स्वास्थ्य कार्यक्रम, व्यावसायिक प्रशिक्षण, वृद्ध जनों के लिए कार्यक्रम, कानूनी सहायता कार्यक्रम, अनौपचारिक शिक्षा (एनएफई), पोषण तत्व संबंधी जागरूकता कार्यक्रम और बलवाडी कार्यक्रम शामिल है। वर्तमान में यह केन्द्र अजित विहार, बुराड़ी में कार्य कर रहा है जिसका फोकस बच्चों, किशोरों और महिलाओं के स्वास्थ्य पर है जो भागीदारी पूर्ण दृष्टिकोण सहित है।

बाल और किशोर स्वास्थ्य केन्द्र (सीसीएडब्लू) अपने ही परिवारों में भावनात्मक रूप से पीड़ित और सामाजिक रूप से वंचित बच्चों, किशोरो को निदान, उपचार और रेफरेल सेवाएं देने के लिए विभाग के परिसरों से कार्य कर रहा है।

इसके अतिरिक्त, विभाग ने पहुंच और दिल्ली विश्वविद्यालय के सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ को सफलतापूर्वक विस्तार दिया जिसका यह विभाग समन्वयक है और उसने उन्नत भारत अभियान के तहत कार्य भी शुरू किया है।

सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ (सीडीसी) के तहत विभाग ने दिल्ली के आस पास के पांच गांवों को गोद लिया। ये पांच गांव हैं- बदरपुर खाद, चौहान पट्टी, जगतपुर, मुकुंदपुर और झरौंदा। विभाग ने इस कार्यक्रम के तहत दूसरे वर्ष भी कार्य करना जारी रखा। शिक्षा, आजीविका और स्वास्थ्य इन पहलों के मुख्य केन्द्र बिंदू थे। भागीदारी पूर्ण दृष्टिकोण का इस्तेमाल करते हुए विभिन्न स्तरों पर हस्तक्षेप किए गए थे यथा संवेदनशीलता, कार्यशालाओं, सत्रों में विशेषज्ञों द्वारा तथा स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से सुविधा प्रदान करता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय की उन्नत भारत अभियान पहल के तहत कार्य की विभाग द्वारा अगुवाई की जाती है। इन वर्षों में विभाग के छात्रों और संकाय सदस्यों द्वारा आवश्यकता आधारित और भागीदारी पूर्ण विकास पहल भी आयोजित किये गए।

इसके अतिरिक्त, विभाग ने विक्लांगता और पुनर्वास, जेंडर संबंधी कार्य, पारिस्थितिकी और आपदा प्रबंधन, समुदाय भागीदारी, बुजुर्ग की देखभाल और सीएसआर, और अन्य सामाजिक कार्य प्रचलन में गैर सरकारी संगठनों को तकनीकी दिशानिर्देश और प्रबंधन कौशल प्रदान करता रहा। विभाग का पेशेवर सामाजिक कार्य के विकास हेतु राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पेशेवर संगठनों के साथ सहयोग भी है।

प्रदत्त एमफिल /पीएचडी डिग्रियों की संख्या

पीएचडी.: 01

एमफिल.: 11

संकाय सदस्यों की संख्या

स्थायी: 18

तदर्थ: 02

अतिथि संकाय सदस्य: 07

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

विभाग भारत में सामाजिक कार्य शिक्षा की एक प्रमुख शिक्षा संस्थान के रूप में उभरा है। इसका विविध नागरिक सामाजिक समूहों, गैर सरकारी और सरकारी संगठनों, अस्पतालों, उद्योगों, विद्यालय समुदायों एवं सार्वजनिक आंदोलनों और भारत भर में नागरिकों के समूहों के साथ निकट संबंध रहा है। इसने न केवल उनके साथ मजबूत नेटवर्क विकसित किया है बल्कि उनके साथ एक अर्थपूर्ण, परस्पर हितैषी और कार्यमूलक संबंध भी बना रखा है। इसी पृष्ठभूमि में कि विभाग के पास इस पाठ्यक्रम और अध्यापन में मानकीकरण और एकरूपता प्राप्त करने में उन्हें सहायता पहुंचाने में सामाजिक कार्य के क्षेत्र में उभरते हुए विद्यालयों के लिए संसाधन केन्द्र के रूप में उभरने की योजना है। विभाग का लक्ष्य सामुदायिक अनुबंध और विकास प्रचलन (सीसीईडी), भिन्न रूप से सक्षम और वृद्ध जनों के केन्द्र (सीडीपीओ) और कार्पोरेट सामाजिक दायित्व के केन्द्र (सीसीएसआर) जैसे तीन केन्द्रों की स्थापना द्वारा एक शीर्ष संस्थान बनना है। वर्ष के दौरान विभाग ने भारत के कमजोर वर्गों और वंचित समुदायों के क्षेत्र में अपनी दिलचस्पी पर ध्यान केन्द्रित किया। इसने पहचान, सीएसआर और पर्यावरण में भी व्यापक रूप से शामिल रहा । उच्च अकादमी अनुसंधान और अनुसंधान उत्कृष्टता के लिए विभाग के योगदान की मान्यता में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय को सामाजिक कार्य में आधुनिक शिक्षा केन्द्र (सीएएस) के रूप में मंजूरी दी।

***

समाज विज्ञान

मुख्य कार्यकलाप और उपलब्धियां

वर्ष 2017-18 में विभाग ने समाज शास्त्र में उच्च अध्ययन केन्द्र के तौर पर 43वां वर्ष पूरा किया। यह देश का समाज-शास्त्र विभाग में प्रथम उच्च अध्ययन केन्द्र है। प्रोफेसर जे.पी.एस. उबेराय को मई 2018 में दिल्ली विश्वविद्यालय विशिष्ट अध्यापक (सेवानिवृत्त) पुरस्कार प्रदान किया गया। यह लगातार तीसरा वर्ष है जब विभाग को इस प्रकार सम्मानित किया गया है। प्रोफेसर ए.एम. शाह को वर्ष 2016 में और प्रोफेसर एन्द्रे बेटली को वर्ष 2017 में यही पुरस्कार प्रदान किया गया। यह वर्ष अत्यधिक उपलब्धियों वाला रहा, जिसमें छह कार्यशालाओं, चार कार्यशालाएं विशिष्ट तौर पर विद्यार्थियों के लिए थी, का आयोजन किया गया तथा 22 समाज शास्त्र शोध वार्ताओं संबंधी प्रस्तुतियों का भी आयोजन किया गया। वार्ता विभाग की प्राचीन परम्पराओं में से एक है, जिसकी स्थापना वर्ष 1959 में विभाग की प्रथम स्थापना के साथ ही की गई थी। 9 पीएचडी पूर्व सेमिनारों का आयोजन किया गया और विभाग ने 6 विजिटिंग अध्येताओं की मेजबानी की। इस अवधि में विदेशी विश्वविद्यालयों के पांच शोधार्थियों को विभाग के साथ सम्बद्ध किया गया।

सम्मान/विशिष्ट उपलब्धियां :

प्रोफ़ेसर नंदिनी सुंदर : मेलकम एडिसेसियाह अवार्ड, 2017 (अध्ययन विकास के लिए विशिष्ट योगदान हेतु)।

प्रकाशन

अब्राहम, जे. (2017) - हिन्दू एंड मुस्लिम वेलिंग इन नॉर्थ इंडिया : बियांड द पब्लिक/प्राइवेट डिकहोटॉमी। इन अन्ना-मेरी एलमिला एंड डेविड इंग्लिस (संपादित)। द रूटलेज इंटरनेशनल हैंडबुक टू वेल्स एंड वेलिंग प्रैक्टिसिज। लंदन एंड न्यूयार्क : रूटलेज। आईएसबीएन : 978-1-472-45536-9.

अब्राहम, जे. (2017) - एकेडमिक अप्रेजल। इन बाबू जेचरिया (संपादित), द बेस्ट ऑफ तिरूवल्ला : टुवर्डस मॉडर्निटी एंड बियांड। तिरूवल्ला : सीएसएस। आईएसबीएन : 978-8-178-21682-9

अब्राहम, जे. (2017) - मेट्रीलिनी डिड नोट बिकम पेट्रीलिनी : द ट्रांसफार्मेशन ऑफ थिय्या 'थरावड' हाऊसिज इन 20वीं सेंचूरी केरल। कंट्रीब्यूशंस टू इंडियन सोसिओलॉजी. 51(3), 2287-312.

अब्राहम, जे. (2017) - सेटिंग सेल फॉर लक्षद्वीप : लीला दूबे एंड द स्टडी ऑफ मेट्रीलीनियल किनशिप। इंडियन जर्नल ऑफ जेंडर स्टडीज. 24(3), 438-454.

अग्रवाल, ए. (2017) - चैंजिंग कल्चर्स ऑफ फोटोग्राफी : विजुअलाइजिंग विजुअल एसेस/एक्सेस इन ट्यूरिस्ट प्लेसिज। सोसायटी एंड कल्चर इन साउथ एशिया, 3 (1): 92-100. (फोटो एस्से) आईएसएसएन : 2394-9872.

कमेई, ए., और शर्मा, जे.पी. (2017) - प्रिमिटिव एक्युमुलेशंस एट द मार्जिन्स : कमोडिफिकेशन ऑफ लैंड एंड लेबर इन छत्तीसगढ़। इकानॉमिक एंड पालिटिकल वीकली, 52 (28), 64-75. आईएसएसएन : 0012-9976.

बर्धन, वी. (2017) - एस्पेक्ट्स ऑफ ह्यूमन माइग्रेशन इन 21वीं सेंचूरी इंडिया। मैड्रिज जर्नल ऑफ बिहेवियरल एंड सोशल साइंसिज, 1(1), 1-26.

चटर्जी, आर. (2017) - प्रधानों की वाचिक परम्परा में रामकथा (रामकथा इन द ओरल ट्रेडिशन ऑफ द प्रधान्स)। इन वसंत निर्गुण (संपादित), जनजाति जीवन में राम (पृष्ठ 40-49)। नई दिल्ली, वाणी प्रकाशन। आईएसबीएन : 978-93-87155-01-5.

चटर्जी, आर. (2018) - 9/11 एंड द फोल्क आर्टिस्ट्स ऑफ बंगाल। इन यूवे स्कोडा एंड बिरगिट लेट्टमेन (संपादित), इंडिया एंड इट्स विजुअल कल्चर्स : कम्युनिटी, क्लास एंड जेंडर इन ए सिम्बोलिक लैंडस्केप (पृष्ठ 113-141)। नई दिल्ली : सेज। आईएसबीएन : 978-93-864-4668-8.

चोपड़ा, आर. (2017) - सिइंग ऑफ द डेड : पोस्ट-मोर्टम फोटोग्राफ्स, इन द दरबार साहिब। सिख फोर्मेशंस : रिलीजन, कल्चर, थ्यूरी, 12 (2-3): 207-222. आईएसएसएन : 1744-8727.

चोपड़ा, आर. (2018) - ए म्यूजियम, ए मेमोरियल एंड ए मार्टर : पालिटिक्स ऑफ मेमोरी इन द सिख गोल्डन टेम्पल। इन यूवे स्कोडा एंड बिरगिट लेट्टमेन (संपादित), इंडिया एंड इट्स विज्युअल कलचर्स : कम्युनिटी, क्लास एंड जेंडर इन ए सिम्बोलिक लैंडस्केप (पृष्ठ 255-77)। नई दिल्ली : सेज।

दासगुप्ता, ए. और मिनोरू, एम. (संपादित) (2017) - रिथिंकिंग सोशल एक्सक्लुशन इन इंडिया : कास्ट्स, कम्युनिटीज एंड द स्टेट। लंदन एंड न्यूयार्क : रूटलेज। आईएसबीएन : 978-1-138-28217-9.

दासगुप्ता, ए. (2017) - एफरमेटिव एक्शन एंड एक्सक्लुसन ऑफ द मुस्लिम आउटकास्ट्स इन वेस्ट बंगाल। इन मिनोरू मियो एंड अभिजीत दासगुप्ता (संपादित), रिथिंकिंग सोशल एक्सक्लुशन इन इंडिया : कास्ट्स, कम्युनिटीज एंड द स्टेट (पृष्ठ 102-110)। लंदन एंड न्यूयार्क : रूटलेज। आईएसबीएन : 978-1-138-28217-9.

पालरीवाला, आर. और ई. हिल (2017) - इंडिया : इकॉनामिक इनइक्वेलिटी एंड सोशल रिप्रोडेक्शन। इन एम. बेयर्ड एंड ई. हिल (संपादित), वूमन, वर्क एंड केयर इन द एशिया-पेसिफिक (पृष्ठ 134-148)। न्यूयार्क एंड लंदन : रूटलेज। आईएसबीएन : 978-1-138-11904-8.

पालरीवाला, आर. (2017) - डिबेटिंग जेंडर इनइक्वेलिटी : कल्चर, इकॉनोमिक्स एंड च्वाइस। इंडियन जर्नल ऑफ जेंडर स्टडीज, 24(3), 422-437.

साहनी, सी. (2017) - [रिव्य ऑफ द बुक डिस्पलेसमेंट एंड एक्साइल : द स्टेट रिफ्यूजी रिलेशन इन इंडिया। बाय अभिजीत दासगुप्ता]। इंडियन एंथ्रापॉलोजिस्ट, 47(1), 103-105. आईएसएसएन : 0970-0927.

साहनी सी और मेहरोत्रा, एन. (2017) - डिस्पलेसमेंट फ्राम कश्मीर : जेंडर्ड रेस्पांसिज। इन विभा अरोड़ा एंड एन. जयराम (संपादित), डेमोक्रेटाइजेशन इन द हिमालयाज : इंटरेस्ट्स, कंफलिक्ट्स एंड नेगोशिएशंस (पृष्ठ 186-202)। लंदन : रूटलेज। आईएसबीएन : 978-1-138-03829-5. (पुन: मुद्रित)।

सिंह, एस. (2017) - चैलेंजिज इन एग्रीकल्चर : सम रिफलेक्शंस फ्रॉम ए माइक्रो-स्टडी। इन बालेश्वर ठाकुर एट एल (संपादित), रीजनल डेवलपमेंट : थ्यूरी एंड प्रैक्टिस (पृष्ठ 17-35)। नई दिल्ली : कनसेप्ट पब्लिशिंग हाऊस। आईएसबीएन : 978-9-351-25207-8.

थापन, एम. (2018) - सोशल, इकालॉजिकल एंड मोरल विजन फॉर इनक्लुसिव एजुकेशन : जे. कृष्णामूर्ति एवं एजुकेशनल प्रैक्टिस। इन मीनाक्षी थापन (संपादित), एजुकेशन एंड सोसायटी इन साऊथ एशिया (वाल्यूम 1)। दिल्ली : ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

थापन, मीनाक्षी (2017) - सोशोलॉजी एंड सोशल एंथ्रोपालॉजी ऑफ एजुकेशन इन साऊथ एशिया (वाल्यूम 1-2)। लंदन: सेज।

वासन, एस. (2017) - बिइंग लदाखी, बिइंग इंडियन : आइडेंटिटी फार्मेशन, कल्चर एंड कम्युनिटी। इकानॉमिक एंड पालिटिकल वीकली, 52 (14), 43-49. आईएसएसएन: 0012-9976.

वासन, एस., नावां, एन. और कोठारी, ए. (2017) - इंट्रोडक्शन टू रिव्यू ऑफ एनवायरमेंट एंड डिवलपमेंट। इकानॉमिक एंड पालिटिकल वीकली, एल11 (31), 41-43. आईएसएसएन : 0012-9976.

जर्नल :

संपादक मंडल में संपादक/संपादकों, सदस्य/सदस्यों के तौर पर कार्यरत विभाग अध्यापकों की संख्या : 12

शोध परियोजनाएं :

डॉ. अनुजा अग्रवाल ने 'आर्य समाज और विवाह' विषय पर शोध परियोजना पर कार्य किया। उन्हें दिल्ली विश्वविद्यालय से 40,000 रूपए का अनुसंधान और विकास अनुदान प्राप्त हुआ।

प्रोफ़ेसर रोमा चटर्जी 'वर्डस एंड इमेजिज : इंटरमीडिएल ट्रांसलेशंस इन नरेटिव ट्रेडिशंस' विषय पर एक शोध परियोजना पर कार्य कर रही हैं। उन्हें इंडिया फाउंडेशन फॉर द आर्टस की तरफ से 2 लाख 80 हजार रूपए का अनुदान भी प्राप्त हुआ है। परियोजना अवधि नवम्बर 2015 से अगस्त 2017 थी।

डॉ. राधिका चोपड़ा यूनिवर्सिटी ऑफ बर्गेन एवं यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली की सहयोगात्मक परियोजना : इंडियन कास्मोपोलिटन एल्टरनेटिव्ज : रिचुअल इंटरसेक्शंस एंड द प्रोसक्रिप्शन ऑफ रिलीजियस आफेंस की प्रिंसिपल इनवेस्टिगेटर हैं। वर्तमान में जारी यह परियोजना 2014 में प्रारंभ हुई।

प्रोफ़ेसर रजनी पलरीवाला यूनिवर्सिटी ऑफ पोर्टसमाउथ, आईसीआरडब्ल्यू और आईएमसी परियोजना 'वायलेंस अगेनस्ट वूमन एंड गर्ल्स एज एन अनइंटेंडिड आउटकम ऑफ वूमन्स इकानॉमिक एम्पावरमेंट : अंडरस्टेंडिंग न्यू जेंडर डायनेमिक्स विदइन द डोमेस्टिक, पब्लिक एंड वर्क स्पेसिज' की परामर्शदाता/तकनीकी परामर्शी समिति सदस्य। डीआईएफडी द्वारा वित्त पोषित, जनवरी 2016 - मार्च 2017.

प्रोफ़ेसर मीनाक्षी थापन आईसीएसएसआर (भारत) और जेएसपीएस (जापान) के संयुक्त तत्वावधान में प्रोफ़ेसर एकिको कुनिहिरो, वसेडा यूनिवर्सिटी, टोक्यो के सहयोग से 'भारत और जापान के विशेष संदर्भ सहित दक्षिण एशिया में धर्म के पहलू' विषय पर द्विपक्षीय शोध परियोजना पर कार्य कर रही है। वर्ष 2017-18 में इस परियोजना के तहत भारत

और जापान के युवा शोधार्थियों तथा वरिष्ठ संकाय सदस्यों द्वारा शोध प्रस्तुतियों सहित भारत और जापान में दो बैठकों का आयोजन किया गया। अंग्रेजी में संपादित खंड के तौर पर इसके परिणामों को भारत में प्रकाशक के पास उपलब्ध कराया जाएगा। इसकी प्रथम बैठक का आयोजन नवम्बर (23-26 नवम्बर) माह में वसेडा यूनिवर्सिटी, टोक्यो में किया गया, जिसके परिणामस्वरूप मार्च 2018 में दिल्ली विश्वविद्यालय में निर्धारित दूसरी बैठक में संशोधित पत्रों को प्रस्तुत किया जाएगा।

वह गत एक वर्ष से देशभर में प्रारंभिक शिक्षा के अध्यापकों हेतु समृद्ध श्रव्य-दृश्य, ऑन-लाइन अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम के लिए पाठ्यचर्या सामग्री तैयार करने, सृजित करने और उसे संगठित करने संबंधी पहल का संचालन कर रही है। ऋषि वेली इंस्टीट्यूट फॉर एजुकेशनल रिसोर्सिज (आरआईवीईआर) पर स्थित इस कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश सरकार ने पहले ही रूचि दर्शाई है और इसे डाइट सेंटर्स में कार्यान्वित किया है। राज्य स्तर पर इसके कार्यान्वयन के लिए ब्यौरा और तौर-तरीके तैयार किए जा रहे हैं।

आयोजित सेमिनार

32, प्रत्येक सप्ताह समाज शास्त्र वार्तावली का आयोजन किया जाता है।

आयोजित सम्मेलन :

वर्कशाप ऑन एथनोग्राफिक फिल्म मेकिंग।

इवेंट एंड एवरीडे : एमपीरिसिज्म एंड एपिस्टेमोलॉजिज।

एकेडमिक रीडिंग एंड राइटिंग वर्कशॉप।

प्री-एग्जाम वर्कशॉप।

रिसर्च स्कालर्स वर्कशॉप।

जेंडर, रिप्रोडेक्शन एंड कल्चर : ए सेमिनार।

वर्कशाप फॉर पीएचडी स्टूडेंट्स ऑन क्वालिटेटिव मैथ्डालॉजी।

आइडंटिटीज एंड एजुकेशन।

सभी सम्मेलनों के लिए निधियन समाज शास्त्र उच्च अध्ययन केन्द्र कार्यक्रम द्वारा प्रदान किया गया।

सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियां :

दिसम्बर 2017 में दिल्ली में आयोजित एलएएसएसनेट इंटरनेशनल कांफ्रेंस में 'सहमति' विषय पर गोलमेज चर्चा में 'सहमति और विवाह' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया गया।

8 मार्च, 2017 को जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में बीए ।।। वर्ष के विद्यार्थियों के लिए 'अंडरस्टेंडिंग द शिफ्ट्स इन रूल्स ऑफ एंडोगामी' विषय पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया।

फरवरी, 2017 में मुम्बई विश्वविद्यालय में आयोजित एक सेमिनार में 'द लाइव्ज ऑफ अदर्स : द प्रोडेक्शन एंड इंफ्लूएंस ऑफ नेबरहुड कल्चर्स इन टाउंस इन इंडिया' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया गया।

2 मार्च, 2017 को राजनीतिक विज्ञान विभाग, कमला नेहरू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'पॉलिटिक 17' में 'अनएंडिंग स्टिगमा:डिनोटिफाइड कम्युनिटीज इन इंडिया' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया। 23 मार्च, 2017 को समाज शास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'इवेंट एंड एव्रीडे : एम्पिरिसिज्म एंड एपिस्टेमोलोजिज' विषय पर आयोजित कार्यशाला में 'इवेंट : ए वे ऑफ नॉविंग' एंड 'ओपनिंग/क्लोजिंग रिमार्कस' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

2 मार्च, 2017 को सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डिवलपिंग सोसायटीज (सीएसडीएस) दिल्ली में एक पुस्तक पर पेनल चर्चा के दौरान 'लाइफ, इमरजेंट : द सोशल इन द आफ्टरलाइव्ज ऑफ वायलेंस' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

15 फरवरी, 2017 को मिरांडा हाऊस, समाज शास्त्र विभाग के वार्षिक उत्सव, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'वायरड : डिकोडिंग टेक, इनकोडिंग सोसायटी' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

10 जून, 2017 को इंडो-चीन कम्पेरेटिव सेंटर, स्कूल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, जियांगटन यूनिवर्सिटी, चीन द्वारा 'समाज और शासन : भारत और चीन का तुलनात्मक अध्ययन' विषय पर आयोजित सेमिनार में 'द स्टेट एंड द फोल्क आर्टस इन इंडिया' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

10-11 मई, 2017 को ढाका विश्वविद्यालय, बंगलादेश में 'विज्युअल साऊथ एशिया : एंथ्रोपॉलाजिकल एक्सप्लोरेशंस ऑफ मीडिया एंड कल्चर' विषय पर आयोजित सेमिनार में 'फ्राम कामिक बुक टू चित्रकार परफारमेंस : ए केस ऑफ इंटरमीडिएल ट्रांसलेशन' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

20 अप्रैल, 2017 को शिव नादर यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा में 'मिथ्स, सिमिलीज एंड मेमोरी ट्रेसिज : इमेजरिज ऑफ एबडक्शन इन द रामायण यूनिवर्स' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

29 मार्च, 2017 को गैलरी एस्पेस, सेरेनडिपिटी आर्टस ट्रस्ट, तीर्थ आर्टिस्ट्स कलेक्टिव एंड साउथ एशिया यूनिवर्सिटी, ट्विन आर्टस गैलरी, आईजीएनसीए, दिल्ली द्वारा 'ए टेल ऑफ टू सिटीज। वाराणसी एंड अनुराधापुर' विषय पर मिक्सड मीडिया आर्ट प्रोजेक्ट में 'क्रॉसिंग बार्डर्स, बाउंड्रिज एंड टेम्पोरेलिटिज : ए कंवरसेशन ऑन हिस्ट्री, मिथ, पॉलिटिक्स एंड आर्ट' विषय पर पेनल चर्चा का आयोजन किया गया।

16-17 मार्च, 2017 को स्कूल ऑफ सोशल साइंसिज, इग्नू द्वारा 'इंटरप्रेटिंग कल्चर : सबजेकिटविटी, आइडियालॉजी एंड आइडेंटिटी' विषय पर आयोजित सेमिनार में 'मिथ, सिमिलीज एंड मेमोरी ट्रेसिज : इमेजरीज ऑफ अबडक्शन इन द रामायण यूनिवर्स' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

24 फरवरी, 2017 को अंकुर दत्ता द्वारा 'अनसरटेन ग्राउंड : डिसप्लेस्ड कश्मीरी पंडित इन जम्मू एंड कश्मीर' विषय पर पेनल चर्चा की गई।

16-17 जनवरी, 2017 को सेंटर फॉर इंगलिश स्टडीज, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा ' राइटिंग इंडिया : रिविजिटिंग हिस्टारियोग्राफिज, आइडियोलॉजी एंड जेनर' विषय पर आयोजित सेमिनार में 'स्क्रिप्टिंग द फोल्क : फोल्कलोर एंड द इमेजिनेशन ऑफ प्लेस' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया गया।

9-11 फरवरी, 2018 को यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन में 'डिफिकल्ट डायलाग्स' विषय पर आयोजित सम्मेलन में 'फादर्स एंड फादरहुड' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

15 सितम्बर, 2017 को स्कूल आफ लिबरल आर्टस, अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली में '1984 सिख विरोधी दंगे और इसकी विरासत' विषय पर आयोजित सेमिनार में '1984 : एक्सहयुमिंग मेमोरिज' प्रस्तुत किया गया।

24 मार्च, 2017 को स्कूल ऑफ सोशल एंड पालिटिकल साइंस, एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में 'हू इज द ग्रेटेस्ट ऑफ देम आल? मारटायर्स इन सावेनर आर्ट' प्रस्तुत किया गया।

5-6 जनवरी, 2017 को यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी में 'बाजार डिविनटी वर्कशॉप' विषय पर आयोजित सेमिनार में 'रिथिंकिंग रिलीजियस सिंथेसिस इन इंडिया : एन एनडेंजर्ड कास्मोपालिटन अल्टरनेटिव?' प्रस्तुत किया गया।

9-12 जून, 2017 को जियांगटन विश्वविद्यालय, जियांगटन, चीन में 'समाज और शासन : भारत और चीन का तुलनात्मक अध्ययन' विषय पर आयोजित सम्मेलन में 'अफरमेटिव एक्शन एंड मुस्लिम दलित इन वेस्ट बंगाल' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया गया।

16 जनवरी, 2017 को सेंटर फॉर स्टडीज ऑफ डिसक्रिमिनेशन एंड एक्सक्लुसन, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में 'मार्जिनलिटीज, मायनॉरिटीज एंड आइडंटिटीज' विषय पर आयोजित सम्मेलन में 'द मेकिंग ऑफ द मुस्लिम दलित इन बंगाल' प्रस्तुत किया गया।

6 जुलाई, 2017 को समाज शास्त्र विभाग, थनचठ एजुथाचन मलयालम यूनिवर्सिटी, तिरूर में 'मेथोडोलोजिकल परसुएशन एंड द सोशल साइंसिज' विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया।

5 जुलाई, 2017 को थनचठ एजुथाचन मलयालम यूनिवर्सिटी, तिरूर द्वारा कोझीकोड में 'नम्मुक्कु जाति उंडो : द लांग रोड टू ए कास्ट-फ्री सोसायटी' विषय पर एक सार्वजनिक व्याख्यान का आयोजन किया गया।

27 मई, 2017 को 'द डायनेमिक्स ऑफ डोमिनेंस, सिंथेसिस टॉक (सिन टॉक), मुम्बई हेतु पेनालिस्ट।

7 अप्रैल, 2017 को स्कूल ऑफ डेमोक्रेसी, गार्गी कॉलेज, नई दिल्ली में अम्बेडकर जयंती के अवसर पर अतिथि व्याख्यान दिया।

27-28 मार्च, 2017 को ईएचईएसएस, पेरिस में 'इंजीनियर्स एंड सोसायटी इन इंडिया' विषय पर आयोजित सम्मेलन में दीक्षांत उत्तराकांक्षी।

24 मार्च, 2017 को बीए कार्यक्रम संघ, लेडी श्रीराम कॉलेज, नई दिल्ली के 17वें वार्षिक उत्सव में 'डिक्रिमिनेशन बेस्ड ऑन सोशल हायररेकिज' विषय पर अतिथि व्याख्यान।

19 मार्च, 2017 को ओ.पी. जिंदल यूनिवर्सिटी, सोनीपत में 'यूनिवर्सिटीज ऑफ द फ्यूचर' विषय पर आयोजित सम्मेलन में 'टेकिंग ह्यूमेनिटीज एंड सोशल साइंसिज सीरियसली' विषय पर पेनल के पेनलिस्ट।

6 मार्च, 2017 को इंस्टीट्यूट फॉर स्टडीज इन इंडस्ट्रीयल डिवलपमेंट, नई दिल्ली में समाज विज्ञान अनुसंधान पर आयोजित अभिन्यास कार्यक्रम में 'मेथोडोलॉजिकल परसुएशन' विषय पर उद्घाटन व्याख्यान।

11 फरवरी, 2017 को गोवा में 'डिफिकल्ट डायलॉग्स कांफ्रेंस' विषय पर आयोजित सम्मेलन में 'हाऊ डज सोशल एक्सक्लुसन इम्पेक्ट हेल्थ?' विषय पर पेनल में पेनलिस्ट।

4 फरवरी, 2017 को समाज शास्त्र विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ में 'हायर एजुकेशन इन कंटेमपरेरी इंडिया' विषय पर अतिथि व्याख्यान।

21 जनवरी, 2017 को इंडियन एसोसिएशन फॉर वूमन स्टडीज, चेन्नई द्वारा आयोजित पन्द्रहवें सम्मेलन में 'द फ्लक्स इन इंडियाज हायर एजुकेशनल सिस्टम' विषय पर सम्मेलन पूर्व वार्ता में पेनलिस्ट।

9 जनवरी, 2017 को राष्ट्रीय उच्च अध्ययन संस्थान, बेंगलुरू में 'समकालीन भारत में राष्ट्र, समुदाय और नागरिकता' विषय पर आयोजित सम्मेलन में 'नोट्स ऑन द कंसेपचुअल कैरियर ऑफ द वोट बैंक' विषय पर प्रस्तुति।

केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात, अहमदाबाद में 'रिथिंकिंग जेंडर एंड बाडी इन टाइम्स ऑफ हेल्थ सेक्टर रिफार्मस इन इंडिया' विषय पर आईसीएसएसआर प्रायोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'द लेबर एंड मोरलिटीऑफ केयर : पालिसी कंटेस्टेशंस एंड प्रैक्टिसिज' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

रॉयल जियोग्राफिकल सोसायटी, आईबीजी एनुअल कांफ्रेंस, लंदन द्वारा 'रिथिंकिंग डिकालोनियल एंड पोस्ट कालोनियल नॉलेज बियांड रीजंस' विषय पर गठित पेनल में 'डोमेस्टिक वर्कर्स एंड जेंडर्ड वायलेंस : नोट्स टुवर्डस अंडरस्टैंडिंग मूवमेंट प्रैक्टिस एंड नॉलेज क्रिएशन इन पोस्ट-कोलोनियल/डिकोलोनियल फ्रेमिंग' विषय पर प्रस्तुति।

10-12 जून, 2017 को भारत-चीन तुलनात्मक शोध केन्द्र, स्कूल आूफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, जियांगठन यूनिवर्सिटी, जियांगठन द्वारा 'तुलनात्मक परिदृश्य में भारत और चीन में शासन' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'सोशल पॉलिसी, जेंडर एंड गवर्नेंस' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

24-26 मई, 2017 को सेंटर फॉर डिवलपमेंट स्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ बाथ, ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी और सोशल साइंस एसोसिएशन, दिल्ली द्वारा 'कम्पेरेटिव एंड इंटरनेशनल सोशल पॉलिसी क्यूरीज एंड मेथड्स : एवांसिज इन रिसर्च एंड प्रैक्टिस इन इंटरनेशनल डिवलपमेंट स्टडीज एंड सोशल पॉलिसी' विषय पर आयोजित कार्यशाला में 'स्टडींग जेंडर एंड सोशल इन द आर्गेनाइजेशन ऑफ केयर इन इंडिया' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

15 मार्च, 2017 को पोर्टसमाउथ यूनिवर्सिटी, आईसीआरडब्ल्यू और आईएमसी वर्ल्डवाइड द्वारा काठमांडू में 'वूमन, वर्क एंड वायलेंस' विषय पर आयोजित कार्यशाला में 'रिफलेक्शंस ऑन द चैलेंजिज फेसिंग वूमन इन साउथ एशिया' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

8 मार्च, 2017 को राजनीतिक विज्ञान विभाग, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'नार्मेलाइजिंग पेट्रियार्की इन ट्वेंटी-फर्स्ट सेंचूरी इंडिया' विषय पर पेनल में 'स्टर्क्चर्स, प्रोसेज एंड रिलेशंस इन वूमनज ऑप्रेसन टुडे' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

7 मार्च, 2017 को ऑल इंडिया लायर्स यूनियन, तीस हजारी कोर्ट द्वारा 'वूमन इन सर्च ऑफ जस्टिस' विषय पर गठित पेनल में 'मायरियाड ऑप्रेसन एंड मायराड स्ट्रगल्स' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

3 मार्च, 2017 को थुनचठ एजुथाचन मलयालम यूनिवर्सिटी, तिरूर, केरल में 'रीजन, लैंग्वेज एंड कम्पेरिजन इन डुइंग सोशलॉजी' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

20 फरवरी, 2017 को समाज शास्त्र विभाग, स्कूल ऑफ सोशल साइंसिज, यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद में 'रेशनेलिटी, इंस्ट्रूमेंटलिटी एंड द इफक्टिव : फ्रेमिंग रिलेशंस ऑफ केयर एंड इंटीमेसी' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

इंडियन एसोसिएशन ऑफ वूमनज स्टडीज द्वारा चेन्नई में आयोजित XV वें राष्ट्रीय महिला अध्ययन सम्मेलन में 'चेंजिंग कंटावर्स ऑफ पेड एंड अनपेड वर्क ऑफ वूमन इन 21फर्स्ट सेंचूरी साउथ एशिया' विषय पर प्लीनरी में 'चेंजिंग कंटावर्स ऑफ पेड एंड अनपेड वर्क ऑफ वूमन इन इंडिया' पर अतिथि वक्ता (एन. नीता के साथ)।

17 जनवरी, 2018 को 'द बुक्स देट आई वुड हेव लाइक्ड टू राइट : एथिक्स, एक्सीडेंट्स एंड एथनोग्राफी' डी.एस. कोठारी मेमोरियल व्याख्यान।

13 जनवरी, 2018 को ओडिशा, भुवनेश्वर में आोजित वाघदेवी साहित्य उत्सव में 'फोल्कलोर एंड विलेज हिस्ट्रीज' विषय पर व्याख्यान।

15-16 दिसम्बर, 2017 को काजी नजरूल इस्लाम यूनिवर्सिटी, आसनसोल, पश्चिमी बंगाल में 'एकेडमिक फ्रीडम'।

21 नवम्बर, 2017 को 'द इंडियन यूनिवर्सिटी टुडे: अवर इंटेलेक्चुअल एंड प्रोफेशनल आबलिगेशंस' मेलकम आडिसेहिया मेमोरियल लेक्चर।

2 नवम्बर, 2017 को बर्कले यूनिवर्सिटी में 'होस्टेज टू डेमोक्रेसी', इंडो-अमेरिकन कम्युनिटी चेयर लेक्चर।

29 अक्तूबर - 5 नवम्बर, 2017 को बर्कले यूनिवर्सिटी में 'इंडो-अमेरिकन कम्युनिटी चेयर।

28 अक्तूबर, 2017 को प्लीनरी एड्रेस एट द साउथ एशिया कांफ्रेंस मेडिसन, विसकनसन।

5-7 अक्तूबर, 2017 को यूनिवर्सिटी ऑफ बर्गेन द्वारा कनवरसेशन विद डाली किकान, एट 'डेमोक्रेसी एंड इट्स ट्रेजक्ट्रीज इंडिया एट 70' ओस्लो का आयोजन।

20 सितम्बर, 2017 को इंडियन डेमोक्रेसी इन द मिरर ऑफ छत्तीसगढ़, चन्द्रशेखर मेमोरियल लेक्चर, पटना।

11 सितम्बर, 2017 को 'लॉ एंड लॉलेसनेस इन द बेडलेंड्स ऑफ बस्तर' एनएएलएसएआर में व्याख्यान दिया।

22 जुन, 2017 को 'इनटालिरेंस एंड पेरिल्स ऑफ डेमोक्रेसी' अभिदत्त मेमोरियल लेक्चर।

5 मई, 2017 को 'सर्चिंग फॉर पालिटिक्स एट ए टाइम ऑफ लो इंटेंस्टी फेसिज्म', यूएईएस-सीएएससीए प्लीनरी।

19 अप्रैल, 2017 को 'इंस्टीट्यूशंस ऑन ट्रायल 'अशोका यूनिवर्सिटी त्रिवेदी सेंटर फॉर पॉलिटिकल डाटा।

18 अप्रैल, 2017 को 'लिटिगेटिंग अगेंस्ट काउंटर इनसर्जेनसीद्ध सोच सीरिज, जिंदल लॉ यूनिवर्सिटी।

6 अप्रैल, 2017 को सेंटर फॉर पॉलिटिकल स्टडीज, जेएनयू द्वारा 'स्टडिंग द स्टेट' विषय पर आयोजित निर्माण फाउंडेशन वर्कशाप में 'ए पालिटिकल एथनोग्राफी ऑफ इम्पयुनिटी' विषय पर व्याख्यान दिया।

30 मार्च, 2017 को जामिया सोशलॉजी फेस्टिवल, जामिया मिलिया इस्लामिया में 'डिकोडिंग डिसेंट'।

19 मार्च, 2017 को ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी में 'यूनिवर्सिटीज ऑफ द फ्यूचर : नॉलेज, इनोवेशन एंड रेसपांसिबिलिटी' विषय पर गठित पेनल में 'टेकिंग ह्यूमनिटिज एंड सोशल साइंसिज सीरियसली : इंटेलेक्चुअल एडवांसमेंट्स एंड इंस्टीट्यूशनल ऑबलिगेशंस : फोर क्वेशचंस' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

18 मार्च, 2017 को अैड-एक्स टॉक, दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में 'लुकिंग अराउंड, नोट लुकिंग डाउन : वाट वी केन लर्न फ्रॉम आदिवासी लाइव्ज' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

2 मार्च, 2017 को सीपीआर, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली द्वारा 'द पालिटिकल इकानॉमी ऑफ विच परसिकुशन' एंड 'लैंड राइट्स, लैंड एक्वीजिशन एंड इंक्लुसिव डिवलपमेंट इन इंडिया' विषय पर पेनल चर्चा।

22 फरवरी, 2017 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 'द बर्निंग फारेस्ट' विषय पर पुस्तक चर्चा।

15 फरवरी, 2017 को स्कूल ऑफ डिवलपमेंट स्टडीज, अम्बेडकर यूनिवर्सिटी, दिल्ली में 'द हर्ट इज ए फ्रेकचर्ड ऑबजेक्ट : क्रोनिसिलिंग ए सिविल वार' पर पत्र प्रस्तुत किया।

12 फरवरी, 2017 को गांधी भवन, बंगलौर में 'बियांड थ्रीशोल्ड्स ऑफ कंफ्लीक्ट' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय फिल्म उत्सव में 'स्पीकिंग पीस इन टाइम्स ऑफ वार' विषय पर पेनल चर्चा।

11 फरवरी, 2017 को प्रयाग अकबर और नंदिनी सुंदर, टाइम्स लिटफेस्ट, बंगलौर में 'इन टेंडेम : क्लास, प्रिविलेज एंड लोस' शीर्षक के तहत द बर्निंग फारेस्ट विषय पर पेनल चर्चा।

31 जनवरी, 2017 को एम.जी. विश्वविद्यालय, कोट्टायम, केरल में 'डिवलपमेंट इंड्युस्ड डिसप्लेस्ड' विषय पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'डिवलेपमेंट, डिसप्लेसमेंट एंड वायलेंस : ए स्टोरी इन थ्री एक्ट्स' शीर्षक के अंतर्गत मुख्य व्याख्यान।

5 जनवरी, 2017 को आईआईटी, हैदराबाद में 'नॉट ह्यूमन, नॉट एनिमल : डज इंडिया हेव रूम फॉर द आदिवासी?' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान।

4 जनवरी, 2017 को मेनथन, हैदराबाद में 'इंडियाज वार इन बस्तर' विषय पर व्याख्यान।

11-12 दिसम्बर, 2017 को ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत में 'अदर वेज ऑफ नोइंग एंड डुइंग : ग्लोबेलाइजिंग सोशल साइंस नॉलेज इन हायर एजुकेशन' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान संगोष्ठी के प्लीनरी सत्र में 'जे. कृष्णामूर्ति पेडागोगिक वर्क एंड ग्लोबल विजन फॉर टीचर इनरिचमेंट' विषय पर व्याख्यान।

23-25 नवम्बर, 2017 को वासेडा यूनिवर्सिटी, टोक्यो में 'एसपेक्ट्स ऑफ जेंडर एंड रिलीजन इन साउथ एशिया विद स्पेशल रेफरेंस टू इंडिया एंड जापान' विषय पर आयोजित भारत-जापान सम्मेलन में 'द स्केयरड इन द एव्रीडे : एम्पावरिंग द एलीमेंटरी स्कूल टीचर' विषय पर व्याख्यान।

16 नवम्बर, 2017 को एम.वी. कॉलेज ऑफ एजुकेशन, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली में संस्थापना दिवस भाषण दिया।

30-31 अक्तूबर, 2017 को इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'द फ्रेगमेंटिड सेल्फ : एन इंटरडिसिप्लीनरी एक्सप्लोरेशन इनटू द नोशंस ऑफ सेल्फ एंड आइडेंटिटी इन कंटेमपोरेरी लाइफ' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के प्लीनरी सत्र में 'सेल्फ नॉलेज एंड रिलेटिनेस' विषय पर अतिथि व्याख्यान।

23-30 अक्तूबर, 2017 को डिपार्टमेंट ऑफ स्लोवोनिक एंड फिन्नो-यूग्रियन स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित फिल्म फेस्टिवल यूरोप 2017 'डायसपोरा इन सिनेमा' में मुख्य व्याख्यान।

21 जुलाई, 2017 को समाज शास्त्र विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय के शोध विद्यार्थियों के लिए 'डुइंग एथनोग्राफी'।

11 मई, 2017 को सेंटर फॉर कम्पेरिटिव एंड ग्लोबल एजुकेशन, ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत में 'कंटेम्परेरी रेलिवेंस ऑफ जे. कृष्णामूर्ति वर्ल्ड-व्यू एंड एजुकेशनल थॉट'।

28 अप्रैल, 2017 को नई दिल्ली में 'ऑनलाइन टीचर एजुकेशन प्रोग्राम फॉर एलीमेंटरी स्कूल टीचर्स' टू द एक्सपर्ट ग्रुप इम्प्लीमेंटिंग सेकुलर एथिक्स इन एजुकेशन, जिसकी अध्यक्षता दलाई लामा ने की।

29 मार्च, 2017 को शिक्षा विभाग (सीआईई), दिल्ली विश्वविद्यालय के अनुसंधान विद्यार्थियों हेतु 'अंडरस्टैंडिंग एथनोग्राफी एंड स्कूलिंग' विषय पर प्रस्तुति।

7 फरवरी, 2017 को टोक्यो यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज, टोक्यो में एफआईएनडीएएस (दक्षिण एशिया के संबंध में समग्र क्षेत्र अध्ययन) के तत्वावधान में 'फाइंडिंग फेद : वेस्टर्न इमेजिनिंग्स ऑफ स्प्रिच्युअल इंडिया' विषय पर वार्ता का आयोजन किया गया।

2-4 फरवरी, 2017 को टोक्यों यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज, टोक्यो में 'टुवर्डस द को-एक्सीसटेंस ऑफ वेरियस 'सिंगल' इन ग्लोबल सोसायटीज' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'स्प्रिच्युअल स्ट्राइविंग अमंग सिंगल वेस्टर्न वूमन'।

19-20 जनवरी, 2017 को डी.एस. कोठारी सेंटर फॉर साइंस, एथिक्स एंड एजुकेशन और इंडियन इंटरनेशनल सेंटर द्वारा 'वेल्यूज एंड सेकुलर एथिक्स इन एजुकेशन' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'कृष्णामूर्ति, वेल्यूज एंड एथिक्स इन एजुकेशन'।

11 दिसम्बर, 2017 को सेंटर फॉर कम्युनिकेशन एंड मीडिया गवर्नेंस, जेएमआई में 'इमेजिनिंग रिसर्च' विषय पर अतिथि व्याख्यान।

2 नवम्बर, 2017 को समाज शास्त्र विभाग, कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड में 'रिसर्चिंग इन सोशलॉजी : चेलेंजिज एंड एंड ऑपरचुनिटिज' विषय पर अतिथि व्याख्यान।

2 दिसम्बर, 2017 को दिल्ली अमन नेटवर्क, इंडियन सोशल इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली की तरफ से जगोरी द्वारा 'मिसयूज ऑफ 498-ए एंड इट्स इंटर लिंकेजस विद मेसकुलिनिटी' विषय पर आयोजित पेनल चर्चा में आमंत्रित वक्ता।

15-16 जून, 2017 को स्कूल ऑफ सोशल एंड पॉलिटिकल साइंस, द यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग, यूके में 'टेकिंग नेचर टू द कोर्टरूम : डिवलपमेंट प्रोजेक्ट्स एरियाज एंड रिलीजियस रिफार्म इन साउथ एशिया' विषय पर आयोजित कार्यशाला में 'ग्रीन कोर्ट्स एंड द प्रोडक्शन ऑफ सोशियो-इकोलॉजिकल एसेम्बलेज इन इंडिया' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

5 जून, 2017 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर और ग्रीन सर्किल ऑफ दिल्ली द्वारा आईआईसी, नई दिल्ली में 'डायलॉग टू डिवलेप ए विजन ऑफ द एनवायरमेंट ऑफ दिल्ली-2025' में 'विजन ऑफ द एनवायरमेंट ऑफ दिल्ली-2015' विषय पर आमंत्रित वक्ता।

29 मार्च, 2017 को सेंट स्टीफंस कॉलेज, नई दिल्ली के एकेडमिक कनक्लेव में 'इकालॉजिकल क्राइसिस एंड द लॉजिक ऑफ कैपिटल' विषय पर अतिथि व्याख्यान।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सहमति पत्र:

लेडन यूनिवर्सिटी, द नीदरलैंड्स

वर्ष 2016 में लेडन यूनिवर्सिटी, द नीदलैंड्स के साथ एक पांच वर्षीय सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। सहमति पत्र के एक भाग के तौर पर, विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों के आदान-प्रदान, कार्यशालाओं और सेमिनारों के आयोजन तथा पुस्तकों और लेखों के प्रकाशन पर सहमति व्यक्त की गई है। वर्तमान में लागू सहमति पत्र के अंतर्गत, एक अवरस्नातक विद्यार्थी ने हिन्दू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में एक सेमेस्टर का अध्ययन पूरा किया। इसके अतिरिक्त, एक डाक्ओरल विद्यार्थी, टिम वेन मीरेनडोंक , कृषि बीमा के संबंध में महाराष्ट्र में क्षेत्रीय कार्य कर रहा है। हमें आशा है कि कृषि और आर्थिक एंथ्रोपालॉजी के क्षेत्र में विद्यार्थियों को अल्पावधि क्षेत्रीय कार्य अनुदान प्रदान किया जाएगा। इसके लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

जियंगटन यूनिवर्सिटी, चीन

जियंगटन यूनिवर्सिटी, हुनान, चीन के साथ सहमति पत्र की प्रक्रिया जारी है। सहमति पत्र के एक भाग के तौर पर विद्यार्थीयों और संकाय सदस्यों के आदान-प्रदान करने, कार्यशालाओं और सेमिनारों का आयोजन करने तथा पुस्तकों एवं लेखों के प्रकाशन पर सहमति व्यक्त की गई है। जियंगटन यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधिमंडल ने माह नवम्बर 2017 में विभाग और दिल्ली विश्वविद्यालय का दौरा किया तथा इस सहमति पत्र के अंतर्गत प्रारंभ किए जाने वाले आदान-प्रदान कार्यक्रम के तौर-तरीकों पर चर्चा की गई।

अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान प्रशिक्षण समूह (आईटीआरजी)

माइनर कास्मोपोलिटेनिज्म। यूनिवर्सिटी ऑफ पोट्सडम, फ्रेई यूनिवर्सिटी, बर्लिन और हम्बोल्डट यूनिवर्सिटी विद पार्टनर्स - यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स, मैकुएरे यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ केप टाउन, यूनिवर्सिटी ऑफ प्रिटोरिया, यार्क यूनिवर्सिटी, ड्यूक यूनिवर्सिटी एंड ईएफएलयू, हैदराबाद। डीएएडी द्वारा वित्तपोषित : दिल्ली विश्वविद्यालय में समाज शास्त्र विभाग, जर्मेनिक्स एंड रोमांस स्टडीज और अंग्रेजी विभाग इसके भागीदार हैं। इस सहयोग के एक भाग के तौर पर, ए विंटर स्कूल ऑन डुइंग कास्मोपालिटेनिज्म : डायनेमिक्स ऑफ थ्यूरी एंड प्रैक्टिस हेल्ड एट यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, 6-9 दिसम्बर, 2017. विंटर स्कूल आईआरटीजी के डाक्टोरल विद्यार्थियों और हमारे विभाग सहित भारत के विश्वविद्यालयों में पंजीकृत आवेदकों में से चयनित शोध विद्यार्थियों के लिए खुला था।

जगीएलोनियन यूनिवर्सिटी, कराकोव

डिपार्टमेंट ऑफ एथनोलॉजी एंड कल्चरल एंथ्रोपोलॉजी, जगीएलोनियन यूनिवर्सिटी, कराकोव के साथ सहमति पत्र की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है।

अन्य अंतर-सांस्थानिक सहयोग :

अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान प्रशिक्षण समूह (आईआरटीजी)

माइनर कास्मोपोलिटेनिज्म। यूनिवर्सिटी ऑफ पोट्सडम, फ्रेई यूनिवर्सिटी, बर्लिन और हम्बोल्डट यूनिवर्सिटी विद पार्टनर्स - यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स, मैकुएरे यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ केप टाउन, यूनिवर्सिटी ऑफ प्रिटोरिया, यार्क यूनिवर्सिटी, ड्यूक यूनिवर्सिटी एंड ईएफएलयू, हैदराबाद। डीएएडी द्वारा वित्तपोषित: दिल्ली विश्वविद्यालय में समाज शास्त्र विभाग, जर्मेनिक्स एंड रोमांस स्टडीज और अंग्रेजी विभाग इसके भागीदार हैं। इस सहयोग के एक भाग के तौर पर, ए विंटर स्कूल ऑन डुइंग कास्मोपालिटेनिज्म : डायनेमिक्स ऑफ थ्यूरी एंड प्रैक्टिस हेल्ड एट यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, 6-9 दिसम्बर, 2017. विंटर स्कूल आईआरटीजी के डाक्टोरल विद्यार्थियों और हमारे विभाग सहित भारत के विश्वविद्यालयों में पंजीकृत आवेदकों में से चयनित शोध विद्यार्थियों के लिए खुला था।

विदेशी विश्वविद्यालयों के निम्नलिखित शोधार्थियों ने विभाग का दौरा किया :

1. श्री रमसे-मेरलियन जेसी पीटर, प्रिंसटन यूनिवर्सिटी, न्यू जर्सी, यूएसए।.
2. श्री टेटसुया टनाका, एसोसिएट प्रोफेसर, नेशनल म्यूजियम ऑफ एथनोलॉजी, जापान।
3. डॉ. रोनी पार्सिएक, तेल अवीव यूनिवर्सिटी।
4. डॉ. कल्पना राम, एसोसिएट प्रोफेसर, एंथ्रोपोलॉजी विभाग, मेक्वरी यूनिवर्सिटी, आस्ट्रेलिया।
5. प्रोफ़ेसर सुप्रिया सिंह, सोशलॉजी ऑफ कम्युनिकेशंस, ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस एंड लॉ, आरएमआईटी यूनिवर्सिटी, मेलबर्न, आस्ट्रेलिया।
6. प्रोफ़ेसर कमला गणेश, डिपार्टमेंट ऑफ सोशलॉजी, यूनिवर्सिटी ऑफ मुम्बई (सेवानिवृत्त)।
7. डॉ. एम्मा दावसन वर्गीस, इंडिपेंडेंट स्कॉलर।

आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थी :

1. श्री टिम वेन डे मीरेनडोंक, लेडन यूनिवर्सिटी, नीदरलैंड्स।
2. सुश्री लुसिया जेंटाइल, यूनिवर्सिटी मिलानो : बिकोक्का एंड इनालको ऑफ पेरिस (प्रतीक्षारत)।

विस्तार और पहुंच कार्यकलाप :

प्रोफ़ेसर सतीश देशपांडे ने दयानंद बंदोदकर चेयर इन पॉलिटिकल इकानॉमी ऑफ द विजिटिंग रिसर्च प्रोफेसर प्रोग्राम के अंतर्गत गोवा विश्वविद्यालय का दौरा किया तथा 3-7 जून, 2017 को गोवा में संस्थाओं के रिसर्च स्कॉलर्स एवं युवा संकाय सदस्यों के लिए 'रिसर्च प्रैक्टिकम फॉर रिसर्च' का आयोजन किया। उन्होंने कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड का दौरा किया तथा 11-17 जून, 2017 को 'एकेडमिक रीडिंग एंड राइटिंग (फॉर रिसर्च स्कॉलर्स एंड यंग फैकल्टी इन द सोशल साइंसिज एंड ह्युमेनिटीज)', विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया, जिसका आयोजन समाज शास्त्र विभाग कर्नाटक विश्वविद्यालय द्वारा इंडियन सोशियोलॉजिकल सोसायटी के सहयोग से किया गया।

प्रोफ़ेसर मीनाक्षी थापन ने नवम्बर, 2017 में वसेडा यूनिवर्सिटी, टोक्यो का दौरा किया। उन्होंने नवम्बर 2017 में एम.वी. कॉलेज ऑफ एजुकेशन, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली का भी दौरा किया।

डॉ. राधिका चोपड़ा ने 22-24 अगस्त, 2017 को स्कूल ऑफ ग्लोबल स्टडीज, आर्हस यूनिवर्सिटी, डेनमार्क का दौरान किया।

प्रदत्त एम.फिल./पीएचडी डिग्रियां :

पीएचडी :	13
एम.फिल :	21

संकाय संख्या : 16

***

प्रौद्योगिकी संकाय

जैविक विज्ञान और इंजीनियरी

मुख्य कार्यकलाप और उपलब्धियां

तीन नई शोध परियोजनाएं नामत: प्यूरिफिकेशन एंड करेक्टराइजेशन ऑफ कम्पाउंड्स फ्राम स्ट्रेपटोमाइसिज क्रिस्टोमाइसेटिकस स्ट्रेन एडीपी4 वि एक्टीविटीज अगेंस्ट पेथोजेनिक केनडिडा स्प. एंड देयर बायोफिल्मस', 'लो कोस्ट प्रोसेस डिवलपमेंट फॉर द प्रोडेक्शन ऑफ जायलिटाल फ्रॉम वेस्ट एग्रीकल्चरल बायोमास विद स्पेशल फोकस ऑन डेलीगनिफिकेशन एंड डाउनस्ट्रीम प्रोसेसिंग', और 'डिवपलमेंट ऑफ ए माम्मालियन एक्सप्रेसन सिस्टम फॉर जेनेरेशन ऑफ बायस्पेसिफिक एंटीबाडिज - ए पोटेंशियल बायोमार्कर एंड थ्यूरेपटिक्स' वर्तमान में जारी हैं। इन परियोजनाओं के लिए निधियन डीबीटी/डीएसटी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रदान किया गया है। शोध और समीक्षा लेखों के 9 प्रकाशन, एक पुस्तक, चार बुक चैप्टर्स, 21 सम्मेलन प्रस्तुतियों का प्रकाशन किया गया है और बायोकेमिकल इंजीनियरिंग में एक नया एम.टेक डिग्री कार्यक्रम वर्ष 2017 से प्रारंभ किया गया है।

प्रकाशन

दुबे, ए., मिश्रा, वी., कुमार, एस., सहज अहमद, एस.यू., गोस्वामी, एस. (2018) - नैनोटॉक्सिटी ऑन ह्यूमन एंड प्लांट पैथोजेनिक माइक्रोब्स एंड एक्वाटिक आर्गेनिज्मस। इन विनीत कुमार, नंदिता दासगुप्ता और शिवेन्दु रंजन (संपादित), एनवायरनमेंटल टॉक्सिटी ऑफ नैनोमेटीरियल्स : सीआरसी प्रेस, टेलर एंड फ्रैंक्सि।

दुबे, ए. और शर्मा, एस. (2018) - फार्माकोकाइनेटिक्स एप्रोच फॉर नैनोटाक्सिटी इवेल्यूएशन। इन विनीत कुमार, नंदिता दासगुप्ता और शिवेन्दु रंजन (संपादित), नैनोटाक्सिकॉलाजी : टॉक्सिटी इवेल्यूएशन, रिस्क एसेसमेंट एंड मैनेजमेंट : सीआरसी प्रेस, टेलर एंड फ्रैंक्सि।

जून, एस., गोपालनी, एम., राही, ए., कुलश्रेष्ठ, पी., गोगोई, एच., भटनागर, एस. और भटनागर, आर. (2017) - बायोकेमिकल करेक्टराइजेशन ऑफ द जीटीपी-सेंसिंग प्रोटी, कोड वाई ऑफ बेसिलस एंथ्रासिस। पैथोजन्स एंड डिजीज, 75, एफटीएक्स 048.

मिश्रा, एन., दुबे, ए. (2017) - बायोबुटेनॉल : एन एल्टरनेटिव बायोफ्यूल। इन ललित कुमार सिंह और गौरव चौधरी (संपादित), एडवांसिज इन बायोफीड्सस्टॉक्स एंड बायोफ्यूल्स : प्रोडक्शन टेक्नोलॉजिज फॉर बायोफ्यूल्स : जॉन विले एंड संस, इनकार्पोरेशन।

मिश्रा, वी., दुबे, ए., कुमार, एस. (2017) - एलगल बायोमास प्रीट्रीटमेंट फॉर इम्प्रूव्ड बायोफ्यूल प्रोडक्शन। इन संजय कुमार गुप्ता, अनुश्री मलिक और फैजल बक्स (संपादित), अलगल बायोफ्यूल्स : रिसेंट एडवांसिज एंड फ्यूचर प्रोसपेक्ट्स : स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग।

मोहंती, पी. और भटनागर, एस. (2018) - स्ट्रक्चर ऑफ फोकल एडहेसन काइनेस इन हेल्दी हर्ट वर्सेज पैथोलाजिकल कार्डिएक हाइपरट्राफी : ए माडलिंग एंड साइमुलेशन स्टडी। जर्नल ऑफ मालीक्यूलर ग्राफिक्स एंड माडलिंग, 80, 15-24.

सिंगला, आर.के., स्कॉटी, एल. और दुबे, ए.के. (2017) - इन सिलिको स्टडीज रिवील्ड मल्टीपल न्यूरोलाजिकल टार्गेट्स फॉर द एंटीडिप्रेसेंट मॉलीक्यूल असोॅलिक एसिड। करंट न्यूरोफार्माकोलाजी, 15, 1100-1106.

सिंगला, आर.के., दुबे, ए.के., अमीन, एस.एम., मोन्टाल्टो, एस. और परीसी, एस. (2018) - एनलिटिक मैथड्स फॉर द एसेसमेंट ऑफ मेलार्ड रिएक्शंस इन फूड्स (प्रथम संस्करण) : स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग।

शर्मा, के., चन्द्रा, एस. और दुबे, ए.के. (2018) - एक्सप्लोरेशन ऑफ लोवर फ्रीक्वेंसी ईईजी डायनेमिक्स एंड कार्टिकल एल्फा एसिमेट्री इन लांग-टर्म राजयोग मिडिएटर्स। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ योगा, 11, 30-36.

शर्मा, के., त्रिवेदी, आर., चन्द्रा, एस., कौर, पी., कुमार, पी., सिंह, के., दुबे, ए.के. और खुशु, पी. (2018) - इनहांस्ड व्हाइट मैटर इंटिग्रिटी इन कार्पस कैलोसम ऑफ लांग टर्म ब्रह्माकुमारी राजयोग मीडिएटर्स। ब्रेन कनेक्टिविटी, 8, 49-55.

शर्मा, एस. (2017) - इनहांस्ड एंटीबैक्टीरियल एफिकेसी ऑफ सिल्वर नैनोपार्टिकल्स इम्मोबिलाइज्ड इन ए चिटोसन नैनोकैरियर। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल कैक्रोमॉलीक्यूल्स, 104, 1740-1745.

तिवारी, एम. और दुबे, ए.के. (2018) - करेक्टराइजेशन ऑफ बायोसर्फेक्टेंट प्रोडयूस्ड बाय ए नौवल स्ट्रेन ऑफ सूडोमोनस एयरोजिनोसा, आइसोलेट एडीएमटी1. जर्नल ऑफ सर्फेक्टेंट एंड डिटरजेंट, 21, 113-125.

वर्मा, डी., गर्ग, पी.के. और दुबे, ए.के. (2018) - इनसाइट्स इनटू द ह्यूमन ओरल माइक्रोबायोम। आर्काइव्ज ऑफ माइक्रोबॉयलाजी, 200, 525.

जेम्पेल, एच., डेनेसन, एफ., कुमार, वाई., लुएडटके, जे., मंडेलकाव, ई.एम. और मंडेलकाव, ई. (2017) - एक्सानडेंड्रिटिक सार्टिंग एंड पैथालाजिकल मिससार्टिंग ऑफ टाव इज आइसोफार्म स्पेसिफिक एंड डिटरमाइंड बाय एक्सॉन इनिशियल सेगमेंट आर्किटेक्चर। जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल केमिस्ट्री, 292, 12192-12207.

शोध परियोजनाएं

भारत-अमेरिका विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंच एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संयुक्त तौर पर, 2016, इंडो-यूएस एडवांस्ड बायोएनर्जी कंसोर्टियम, 52.845 लाख रूपए।

डीबीटी, 2017 -लो कास्ट प्रोसेस डिवलपमेंट फॉर द प्रोडेक्शन ऑफ जायलिटाल फ्रॉम वेस्ट एग्रीकल्चरल बायोमास विद स्पेशल फोकस ऑन डिलिगनिफिकेशन एंड डाउनस्ट्रीम प्रोसेसिंग, 23.0 लाख रूपए।

एसईआरबी-डीएसटी, 2018 - प्यूरिफिकेशन एंड करेक्टराइजेशन ऑफ कंपाउंड्स फ्रॉम स्ट्रेप्टोमाइसिज क्रेस्टोमाइसिट्स स्ट्रेन एडीपी4 विद एक्टिविटीज अगेंस्ट पैथेजेनिक केनडिडा स्प. एंड देयर बायोफिल्म्स, 44.85918 लाख रूपए।

डीबीटी, 2018 - टू स्टडी पाजिटिव इंटरएक्शन बिटविन बैक्टीरिया/कार्बन नैनो डाट्स विद एले एंड द मार्फोलाजिकल चेंजिज इन एलगी एसोसिएटिड विद दीज काइंड ऑफ इंटरएक्शंस इन एलगल फ्यूल सेल, 8.0 लाख रूपए।

डीबीटी, 2018 - एनालिसिस ऑफ माइक्रोबायोलॉजिकल क्वालिटी ऑफ मिल्क एंड डेयरी प्रोडक्ट्स एट डिफरेंट फूड आउटलेट्स, 8.0 लाख रूपए।

एसईआरबी-डीएसटी, 2018 - डिवलपमेंट ऑफ ए मम्मालियन एक्सप्रेशन सिस्टम फॉर जेनेरेशन ऑफ बायोस्पेसिफिक एंटीबॉडीज - ए पोटेंशियल बायोमार्कर एंड थ्यूरोटिक्स, अंतिम संस्वीकृति आदेश प्रक्रियाधीन है।

दायर किए गए/प्रदान किए गए पेटेंट्स

इंडियन पेटेंट फाइल्ड, एप्लीकेशन नं. 201711030467, नावल एंटी-कोनडिडा कम्पाउंड्स।

आयोजित वार्ताएं

फरवरी, 2018 में प्रोफ़ेसर एम.वी. देशपांडे, सीएसआईआर-एनसीएल पुणे द्वारा 'डायमार्फिज्म : एन इंटिग्रुईंग फिनोमिनन' विषय पर वार्ता का आयोजन किया गया।

फरवरी, 2018 में प्रोफ़ेसर मारसियो पोकस, जेनेटिक्स एवं मार्फोलॉजी विभाग, इंस्टीट्यूट ऑफ बायलॉजिकल साइंसिज, यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रेसिलिया, ब्राजील द्वारा 'एपिजेनेटिक रेगुलेशन ऑफ द वायरूलेंस फिनोटाइप्स इन द ह्यूमन पैथोजेन क्रिप्टोकोकस नियोफार्मेंस' विषय पर वार्ता का आयोजन किया गया।

फरवरी, 2018 में प्रोफ़ेसर राकेश भटनागर, जेएनयू ने 'रिकंबिनेंट वेक्सीन फॉर एंथ्रेक्स' विषय पर वार्ता का आयोजन किया।

आयोजित सम्मेलन

08-09 सितम्बर, 2017 को एनएसआईटी में दो दिवसीय सम्मेलन बीईएससीओएन-2017 'नेशनल कांफ्रेंस ऑन बायलॉजिकल इंजीनियरिंग इन 21 सेंचूरी' का आयोजन किया गया, जिसके लिए एसईआरबी (डीएसटी) ने सहायता प्रदान की।

सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियां

भटनागर, एस. (2017) - सेंट्रल स्ट्रेस रिसपोंस एलीमेंट्स इन एसिनटोबेक्टर बोमन्नी यूजिंग इंटीग्रेटिव नेटवर्क बायोलॉजी एप्रोच। 11वीं इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन द बायोलॉजी ऑफ एसिनटोबेक्टर, 20-22 सितम्बर, 2017 सेविले, स्पेन में।

चौबे, ए., दुबे, ए.के. (2017) - 16-19 नवम्बर, 2017 को बीबीएयू, लखनऊ में 'इवेल्यूशन ऑफ पोटेंट एंटीआक्सीडेंट प्रोपर्टीज ऑफ एन एक्सट्रेक्ट प्रिपेयर्ड फ्रॉम फ्रूट वेस्ट बाय यूजिंग पिचिया पेस्टोरिस एज एन एक्सपेरीमेंटल मॉडल'। 58वीं एनुअल कांफ्रेंस आफ एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्टिक्स ऑफ इंडिया (एएमआई-2017) एंड इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन 'माइक्रोब्स फॉर सस्टेनेबल डिवलपमेंट : स्कोप एंड एप्लीकेशंस' (एमएसडीएसए-2017)।

चौबे, ए., दुबे, ए.के. (2017) - एक्सट्रेक्शन टेक्नीक्स टू आबटेन सैकेंडरी मेटाबोलाइटस फ्राम प्लांट्स। बीईएससीओएन-2017 : नेशनल कांफ्रेंस ऑन बायोलॉजिकल इंजीनियरिंग इन 21 सेंचूरी, 8-9 सितम्बर, 2017, एनएसआईटी, नई दिल्ली।

डडवाल, ए., शर्मा, एस., सत्यनारायण, टी. (2017) - डिवलपमेंट ऑफ थर्मोस्टेबल एंजाइम काकटेल फॉर सेक्रिफिकेशन ऑफ लिगनोसेलुलासिक्स। बीईएससीओएन-2017 : नेशनल कांफ्रेंस ऑन बायोलॉजिकल इंजीनियरिंग इन 21 सेंचूरी, 8-9 सितम्बर, 2017, एनएसआईटी, नई दिल्ली।

दुबे, ए., सिद्धार्थ, के., सिंह, एम.डी., भूषण, बी., वधवा, ए.के. (2017) - डिजाइन, फेब्रिकेशन एंड इवेल्यूएशन ऑफ लैब स्केल डेयरी इफ्यूएंट ट्रीटमेंट प्लांट। बीईएससीओएन-2017 : नेशनल कांफ्रेंस ऑन बायोलॉजिकल इंजीनियरिंग इन 21 सेंचूरी, 8-9 सितम्बर, 2017, एनएसआईटी, नई दिल्ली।

दुबे, ए. (2017)- इन विट्रो साइटोटॉक्सिटी एसेसमेंट ऑफ टू आर्गेनोफास्फेट पेस्टीसाइड्स इन एन इस्टेबलिस्ड फिश सेल लाइन, डब्ल्यूएजी। बीईएससीओएन-2017 : नेशनल कांफ्रेंस ऑन बायोलॉजिकल इंजीनियरिंग इन 21 सेंचूरी, 8-9 सितम्बर, 2017, एनएसआईटी, नई दिल्ली।

दुबे, ए., भूषण, एस., सिंह, एस., अग्रवाल, एस. (2017) - कल्टीवेशन ऑफ एलगल बायोमास अलांग विद फाइटोरिमिडेशन ऑफ आर्सेनिक पाल्यूटिड वेस्टवाटर। बीईएससीओएन-2017 : नेशनल कांफ्रेंस ऑन बायोलॉजिकल इंजीनियरिंग इन 21 सेंचूरी, 8-9 सितम्बर, 2017, एनएसआईटी, नई दिल्ली।

दुबे, ए., मोटसारा, ए., मिश्रा, एन. (2017) - इन सिलिको काइनेटिक मॉडलिंग ऑफ डीएपी/लाइसिन पाथवे फार रेशनल ड्रग डिजाइन। बीईएससीओएन-2017 : नेशनल कांफ्रेंस ऑन बायोलॉजिकल इंजीनियरिंग इन 21 सेंचूरी, 8-9 सितम्बर, 2017, एनएसआईटी, नई दिल्ली।

गुप्ता, ए., कुमार, वाई. (2017) - डिवलपमेंट ऑफ बायोस्पेसिफिक एंटीबॉडीज फार ट्रीटमेंट आफ कैंसर। बीईएससीओएन-2017 : नेशनल कांफ्रेंस ऑन बायोलॉजिकल इंजीनियरिंग इन 21 सेंचूरी, 8-9 सितम्बर, 2017, एनएसआईटी, नई दिल्ली।

जून, एस., गोपालनी, एम., राही, ए., कुलश्रेष्ठ, पी., गोगाई, एच., भटनागर, एस., भटनागर, आर. (2017) - ए स्टडी आफ द इंटरएक्शन मेकेनिज्म ऑफ जीटीपी विद कोड वाई आफ बेसिलस एंथ्रासिस। इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन मेडिकल एंड क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजी, 3-4 जुलाई, 2017, बैंकाक, थाईलैंड।

कुमार, आर., शर्मा, एस., सत्यनारायण, टी. (2017) - यूटिलिटी ऑफ थर्मोस्टेबल जाइलन-डिगार्डिंगएंजाइस आफ माइसेलिओपथोरा थर्मोफिल इन बायोकंवरसेशन आफ लिगनोसेल्यलोसिक क्रॉप रेसिड्यूस टू एथेनाल। बीईएससीओएन-2017 : नेशनल कांफ्रेंस ऑन बायोलॉजिकल इंजीनियरिंग इन 21 सेंचूरी, 8-9 सितम्बर, 2017, एनएसआईटी, नई दिल्ली।

मोहंती, पी., भटनागर, एस. (2017) - रोल आफ फास्फोरिलेशन इन फोकल एडहेसन काइनेस मीडिएटिड पैथोलॉजिकल कार्डिएक हाइपरट्रोफी। बीईएससीओएन-2017 : नेशनल कांफ्रेंस ऑन बायोलॉजिकल इंजीनियरिंग इन 21 सेंचूरी, 8-9 सितम्बर, 2017, एनएसआईटी, नई दिल्ली।

मोहंती, पी., भटनागर, एस. (2017) - टार्गेटिड मॉलीक्यूलर डायनेमिक्स टू डिटरमाइन फोकल एडहेसन टार्गेटिंग डोमेन फोल्डिंग इंटरमीडिएट्स। नेक्स्टजेन जिनोमिक्स, बायोलॉजी, बायोइंर्फोमेटिक्स एंड टेक्नोलोजिज (एनजीबीटी) कांफ्रेंस आर्गेनाइज्ड बाय साइजिनाम रिसर्च फाउंडेशन (एसजीआरएफ) - 2-4 अक्तूबर, 2017, केआईआईटी (ओडिशा)। कनेडियन जर्नल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, वाल्यूम 1, विशेष अंक, पृष्ठ 27 में प्रकाशित।

राय, एस., भटनागर, एस. (2017) - ड्रग टार्गेट्स एंड लिपिड बायोमार्कर्स आफ हाइपरलिपिडेमिया एसोसिएटिड डिजीज। नेक्स्टजेन जिनोमिक्स, बायोलॉजी, बायोइंर्फोमेटिक्स एंड टेक्नोलोजिज (एनजीबीटी) कांफ्रेंस आर्गेनाइज्ड बाय साइजिनाम रिसर्च फाउंडेशन (एसजीआरएफ) - 2-4 अक्तूबर, 2017, केआईआईटी (ओडिशा)। कनेडियन जर्नल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, वाल्यूम 1, विशेष अंक, पृष्ठ 28 में प्रकाशित।

सिंह, आर., दुबे, ए.के. (2017) - एंटी-इंफेक्टिव एंड एंटी-बायोफिल्म एक्टिविटी आफ एंडोफाइट एडीआर1 अगेंस्ट मेथिसिलिन रेजिस्टेंट एंड सेंसिटिव स्टेफाइलोकोकस आरियस। एएमआई-2017, 58वीं एनुअल कांफ्रेंस ऑफ एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स आफ इंडिया (एएमआई-2017) एंड इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन 'माइक्रोब्स फॉर सस्टेनेबल डिवलपमेंट : स्कोप एंड एप्लीकेशंस' (एमएसडीएसए-2017), 16-19 नवम्बर, 2017, बीबीएयू, लखनऊ।

सिंह, आर., दुबे, ए.के. (2017) - इनहिबिशन ऑफ बायोफिल्म फार्मेशन बाय सटेफायलोकोकस स्पेसिज बाय नेचूरल प्रोडेक्टस-डिराइव्ड कंपाउंड्स। बीईएससीओएन-2017 : नेशनल कांफ्रेंस ऑन बायोलॉजिकल इंजीनियरिंग इन 21 सेंचूरी, 8-9 सितम्बर, 2017, एनएसआईटी, नई दिल्ली।

सिंगला, आर.के., दुबे, ए.के. (2017) - एल्फा-एमाइलेज इनहिबिटरी पोटेंशियल ऑफ कोकोस नूसिफेरा एंडोकार्पस एक्स्ट्रा : इन विट्रो एंड इन सिलिको स्टडीज। इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन ड्रग डिजाइन (आईसीडीडी), 7-9 अप्रैल, 2017, जे.एन.यू., नई दिल्ली।

सिंगला, आर.के., दुबे, ए.के. (2017) - फाइटोकेमिकल स्क्रीनिंग एंड हेमोलिटिक एक्टिविटी ऑफ ड्राई डिसटील्ड एक्स्ट्रा ओबटेंड फ्रॉम कोकोस न्यूसीफेरा लिन. एंडोकार्प। बीईएससीओएन-2017 : नेशनल कांफ्रेंस ऑन बायोलॉजिकल इंजीनियरिंग इन 21 सेंचूरी, 8-9 सितम्बर, 2017, एनएसआईटी, नई दिल्ली।

श्रीवास्तव, वी., सिंगला, आर.के., दुबे, ए.के. (2017) - इनहिबिशन ऑफ सेक्रेटरी एजपार्टील प्रोटियस ऑफ कनडिडा अलबिकन्स बाय मेटाबोलाइट्स ऑफ स्ट्रेप्टोमाइस क्रिस्टोमाइसेटीकसट्रेन एडीपी4. एमओएल2एनईटी 2017, इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन मल्टीडिसीप्लीनरी साइंसेज, थर्ड एडिशन, 3, डीओआई: 10.3390/एमओएल2एनईटी-03-04969

श्रीवास्तव, वी., दुबे, ए.के. (2017) - कनडिडा बायोफिल्मस इंफेक्शंस, लीडिंग कॉज फॉर मोरबिडिटी एंड मोर्टालिटी। बीईएससीओएन-2017 : नेशनल कांफ्रेंस ऑन बायोलॉजिकल इंजीनियरिंग इन 21 सेंचूरी, 8-9 सितम्बर, 2017, एनएसआईटी, नई दिल्ली।

वर्मा, डी., दुबे, ए.के. (2017) - करेक्टराइजेशन ऑफ ओरल माइक्रोबायोमे ऑफ स्मोकलेस टोबोक्को इंड्यूस्ड ओरल कैंसर पेशेंट्स यूजिंग एनजीएस एप्रोच। बीईएससीओएन-2017 : नेशनल कांफ्रेंस ऑन बायोलॉजिकल इंजीनियरिंग इन 21 सेंचूरी, 8-9 सितम्बर, 2017, एनएसआईटी, नई दिल्ली।

नियोजन ब्यौरा

बायोटेक प्रभाग में 90% नियोजन।
कैम्पस भर्ती के लिए लगभग 40 कंपनियों ने दौरा किया है।

प्रदत्त एम.फिल/पीएचडी डिग्रियां

पीएचडी : 02

संकाय संख्या : 08

***

कम्प्यूटर इंजीनियरिंग

मुख्य कार्यकलाप और उपलब्धियां

विभाग ने टीईएएमसी-2018 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया, जिसका प्रायोजन स्प्रिंगर ने किया। संकाय और विद्यार्थियों द्वारा प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय पत्रों और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में लगभग 43 शोध प्रकाशनों का प्रकाशन किया गया। विभाग ने नवम्बर-दिसम्बर 2017 में एक सप्ताह की कार्यशाला (डीएमटी3ए-2017) डाटा माइनिंग टास्क टूल टेक्नीक एंड एप्लीकेशन का आयोजन किया। इस पाठ्यक्रम में लगभग 60 प्रतिभागियों (उद्योग और अकादमिक क्षेत्रों से) ने भाग लिया।

प्रकाशन

अग्रवाल, जी., सभरवाल, एस. और नागपाल, एस. (2018) - थ्यूरीटिकल एंड इमपिरिकल वेलीडेशन ऑफ कपलिंग मेट्रिक्स फॉर ओब्जेक्ट-ओरिएंटिड डाटा वेयरहाउस डिजाइन। अरेबियन जर्नल फॉर साइंस एंड इंजीनियरिंग, 43 (2), 675-691.

अग्रवाल, एस., भण्डारी, एल., कपूर, के. और कौर, जे. (2017) - वेटिड फजी केएनएन ऑप्टीमाइज्ड बाय सिमुलेटिड एननिलिंग फॉर क्लासिफिकेशन ऑफ लार्ज डाटा : ए न्यू एप्रोच टू स्कीन डिटेक्शन। इन इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन रिसेंट डिवलपमेंट्स इन साइंस, इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (पृष्ठ 156-163)। स्प्रिंगर, सिंगापुर।

अग्रवाल, एस. और आजाद, वी. (2017) - ए हाइब्रिड सिस्टम बेस्ड ऑन एफएमएम एंड एमएलपी टू डायग्नोज हर्ट डिजीज। इन फजी सिस्टम्स : कंसेप्ट्स, मेथोडोलॉजीज, टूल्स एंड एप्लीकेशंस (पृष्ठ 682-714)। आईजीआई ग्लोबल।

अग्रवाल, एस. और अजीम, एस. (2017) - आउटलायर्स, मिसिंग वेल्यूज एंड रिलायबिलिटी : एन इंटीग्रेटिड फ्रेमवर्क फॉर प्री-प्रोसेसिंग ऑफ कोडिंग डाटा। इन हैंडबुक ऑफ रिसर्च ऑन फजी एंड रफ सेट थ्यूरी इन ऑर्गनाइजेशनल डिसिजन मेकिंग (पृष्ठ 316-330)। आईजीआई ग्लोबल।

अरोड़ा, एस., डे, एस., श्रुति और नागपाल, एस. (2017) - फीचर सलेक्शन यूजिंग ग्रेविटेशनल सर्च एल्गोरिथम फॉर बायोमेडिकल डाटा। 7वीं इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन एडवांसिज इन कम्प्युटिंग एंड कम्युनिकेशन (प्रोसीडिया कम्प्यूटर साइंस इलसेवियर), 22-24 अगस्त, 2017, इंडिया।

भाटिया, एम.पी.एस., वीनू और चन्द्रा, पी. (2018) - ए न्यू वेट इनिशियलाइजेशन मेथड फॉर सिगमोइडल एफएफएएनएन। जर्नल ऑफ इंटेलीजेंट एंड फजी सिस्टम्स, (स्वीकृत)।

भाटिया, एम.पी.एस., वीनू और चन्द्रा, पी. (2018) - इम्पेक्ट ऑफ वेट इनिशियलाइजेशन ऑन ट्रेनिंग ऑफ सिगमोइडल एफएफएएनएन। आईसीटीएसीटी जर्नल ऑन सॉफ्ट कम्प्यूटिंग, 08(03), 1692-1695.

भूटानी, के. और अग्रवाल, एस. (2017) - न्यूट्रोसाफिक रफ सेट - ए डिसीजन मेकिंग एप्रोच टू एपिंडिसाइटिस प्रोबलम। न्यूट्रोसाफिक सेट्स एंड सिस्टम्स, 70.

भूटानी, के. और अग्रवाल, एस. (2018) - ए नावेल एप्रोच फार डाटा क्लासीफिकेशन यूजिंग न्यूट्रोसाफिक एंट्रापी। इन सिस्टम एंड आर्किटेक्चर (पृष्ठ 305-317)। स्प्रिंगर, सिंगापुर।

चौधरी, डी. और कुमार, बी. (2018) - ए न्यू बैलेंस्ड पार्टिकल स्वर्म ऑप्टीमाइजेशन फॉर लोड सिड्यूलिंग इन क्लाउड कम्प्यूटिंग। जर्नल ऑफ इंफोरमेशन एंड नॉलेज मैनेजमेंट, 17I (1). डीओआई.ओआरजी/10.1142/S0219649218500090.

चौधरी, डी. और कुमार, बी. (2018) - क्लाउडी जीएसए फॉर लोड सिड्युलिंग इन क्लाउड कम्प्यूटिंग। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड सॉफ्ट कम्प्यूटिंग, डीओआई.ओआरजी/10.1016/j.asoc.2018.07.046.

चौधरी, डी., कुमार, बी. और खन्ना, आर. (2018) - एनपीएसओ बेस्ड कोस्ट ऑप्टीमाइजेशन फॉर लोड सिड्युलिंग इन क्लाउड कम्प्यूटिंग। कम्युनिकेशंस इन कम्प्यूटर एंड इंफोरमेशन साइंस सीरिज), 746, 109-121.

चौधरी, डी., कुमार, बी., साक्षी और खन्ना, आर. (2017) - इम्प्रूव्ड बी स्वर्म ऑप्टीमाइजेशन एल्गोरिथम फॉर लोड शिड्युलिंग इन क्लाउड कम्प्यूटिंग एनवायरनमेंट, कम्युनिकेशंस इन कम्प्यूटर एंड इंफोरमेशन साइंस सीरिज, स्प्रिंगर - फोर्थ इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन रिसेंट डिवलपमेंट्स इन साइंस, इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आरईडीएसईटी 2017), 13-14 अक्तूबर, 2017, पृष्ठ 400-413.

चौधरी, सी. मलिक, डी. और नागपाल, एस. (2017) - ग्रेविटेशनल सर्च एल्गोरिथम इन रिकमंडेशन सिस्टम्स। 8वीं इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन स्वर्म इंटेलीजेंस (आईसीएसआई), 28 जुलाई - 02 अगस्त, 2017, फुकुओका, जापान (स्प्रिंगर एलएनसीएस)।

गर्ग, ए., नरयानी, डी., अग्रवाल, जी. और अग्रवाल, एस. (2018) - डीएल-जीएसए : ए डीप लर्निंग मेटाह्यूरिस्टिक एप्रोच टू मिसिंग डाटा इम्प्यूटेशन। इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन सेंसिंग एंड इमेजिंग (पृष्ठ 513-521)। स्प्रिंगर, चाम।

गुप्ता, ए., अग्रवाल, डी., वीनू और भाटिया, एम.पी.एस. (2018) - परफार्मेंस एनालिसिस ऑफ कंटेंट बेस्ड इमेज रिट्राइवल सिस्टम्स। एस्सेप्टिड इन इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन कम्प्यूटिंग, पावर एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजीज 2018, जीयूसीओएन-2018, दिनांक 28-29 सितम्बर, 2018.

गुप्ता, ए., ठाकुर, एच.के., श्रीवास्तव, आर., कुमार, पी. और नाग, एस. (2017) - ए बिग डाटा एनालिसिस फ्रेमवर्क यूजिंग एपाचे स्पार्क एंड डीप लर्निंग। आईसीडीएम वर्कशाप 2017 : 9-16.

गुप्ता, ए., ठाकुर, एच.के., श्रीवास्तव, आर., कुमार, पी. और नाग, एस. (2017) - ए बिग डाटा एनालिसिस फ्रेमवर्क यूजिंग एपाचे स्पार्क एंड डीप लर्निंग। आईसीडीएम वर्कशाप 2017 : 9-16.

जैन, ए., गुप्ता, डी., गुप्ता, जी. और अग्रवाल, एस. (2017) - एप्लकेशंस ऑफ कम्प्यूटिंग विद वर्ड्स इन मेडिसिन : प्रोमिसिज एंड पोटेंशियल। इन फजी सिस्टम्स (एफयूजेडजेड-आईईईई), 2017 आईईईई इंटरनेशनल कांफ्रेंस, (पृष्ठ 1-6)। आईईईई।

कालरा, डी., द्विवेदी, सी. और अग्रवाल, एस. (2017) - क्लासिफायर डिपेंडेंट डायमेनशनलिटी रिडक्शन फॉर रिसोर्स रिस्ट्रिक्टिड एनवायरमेंट्स। इन इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन रिसेंट डिवलपमेंट्स इन साइंस, इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (पृष्ठ 177-186)। स्प्रिंगर, सिंगापुर।

कुमार, आर., गुप्ता, ए., गुप्ता, ए. और बंसल, ए. (2017) - इमेज कंट्रास्ट इनहांसमेंट यूजिंग हाइब्रिड एलिटिस्ट एंट सिस्टम, एलिटिज्म-बेस्ड इमिग्रेंट्स जेनेटिक एल्गोरिथम एंड सिमुलेटिड एनिएलिंग, सीवीआईपी,(1), 115-129.

कुमार, डी., चन्द, एस. और कुमार, बी. (2018) - क्रिप्टएनालिसिस एंड इम्प्रूवमेंट ऑफ एन ऑथंटिकेशन प्रोटोकाल फॉर वायरलेस सेंसर नेटवर्कस एप्लकेशंस लाइक सेफ्टी मॉनीटरिंग इन कोल माइंस। जर्नल ऑफ एम्बिएंट इंटेलीजेंस एंड ह्युमनाइज्ड कम्प्युटिंग, डीओआई.ओआरजी/ 10.1007/एस12652-018-0712-8.

कुमार, आर., गुप्ता, ए., गुप्ता, ए. और बंसल, ए. (2017) - इमेज कंट्रास्ट इनहांसमेंट यूजिंग हाइब्रिड एलिटिस्ट एंट सिस्टम, एलिटिज्म-बेस्ड इमिग्रेंट्स जेनेटिक एल्गोरिथम एंड सिमुलेटिड एनिएलिंग, सीवीआईपी,(1), 115-129.

मल्होत्रा, ए., धुरंधर, एस.के., गुप्ता, एम. और कुमार, बी (2018) - लोकेशन अवेयर डाटा डिस्ट्रीब्यूशन इन पी2पी मोबाइल क्लाउड। http://www.scs.ryerson.ca/iwoungan/वाइडकॉम18/ 16-18 फरवरी, 2018, एसआरएम यूनिवर्सिटी, दिल्ली।

मंजु, चन्द, एस. और कुमार, बी. (2017) - सलेक्टिव एल्फा-कवरेज बेस्ड हेयुरिस्टिक इन वायरलेस सेंसर नेटवर्कस। वायरलेस पर्सनल कम्युनिकेशन, डीओआई- 10.1007/एस11277-017-4589-1 2017.

मंजु, चन्द, एस. और कुमार, बी. (2018) - जेनेटिक एल्गोरिथम बेस्ड मेटा-हेयुरिस्टिक फॉर टारगेट कवरेज प्रोबलम। इंटरनेशनल जर्नल आईईटी वायरलेस सेंसर सिस्टम्स, 7, 109-115.

मंजु, चन्द, एस. और कुमार, बी. (2018) - टारगेट कवरेज हेयुरिस्टिक बेस्ड ऑन लर्निंग ऑटोमाटा इन डब्ल्यूएसएन। इंटरनेशनल जर्नल आईईटी वायरलेस सेंसर सिस्टम्स, 8(3), 109-115.

मंजु, सिंह, डी., चन्द, एस. और कुमार, बी. (2018)- जेनेटिक एल्गोरिथम-बेस्ड हेयुरिस्टिक फॉर सॉल्विंग टारगेट कवरेज प्रोबलम इन वायरलेस सेंसर नेटवर्कस। जर्नल ऑफ एडवांस्ड कम्प्युटिंग एंड कम्युनिकेशंस टेक्नोलॉजीज, 562, 257-264.

मंजु, सिंह, डी., चन्द, एस. और कुमार, बी. (2018)- टारगेट कवरेज हेयुरिस्टिक इन वायरलेस सेंसर नेटवर्कस। जर्नल ऑफ एडवांस्ड कम्प्युटिंग एंड कम्युनिकेशंस टेक्नोलॉजीज, 562, 265-273.

मलिक, डी., गर्ग, ए., बजाज, ए. और अग्रवाल, एस. (2017) - एंट कोलोनी बेस्ड फजी सी-मीन्स क्लस्टरिंग फॉर वेरी लार्ज डाटा। इन एडवांसिज इन फजी लॉजिक एंड टेक्नोलॉजी 2017 (पृष्ठ 578-591)। स्प्रिंगर, चाम।

निगम, आर. और जैन, एस. (2018) - ए स्टडी ऑफ वेरियस प्रोटोकॉल्स इन ऑपरच्युनिस्टिक नेटवर्क, पब्लिशड इन नेशनल कांफ्रेंस लेटेस्ट इनोवेशंस इन डाटा साइंस एंड साइबर सिक्युरिटी, 2018, 23 मार्च, 2018 को आयोजित।

रानी, पी. और शौकीन, जे. (2018) - ए सर्वे ऑन लेबल प्रोपागेशन बेस्ड टेक्नीक्स फॉर कम्युनिटी डिटेक्शन इन सोशल नेटवर्कस, इन प्रोसिडिंग्स ऑफ द 12 (ट्वेलथ) इंडियाकॉम एंड 5वीं इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन कम्प्युटिंग फॉर सस्टेनेबल ग्लोबल डिवलपमेंट, 2018.

रानी, पी. और शौकीन, जे. (2017) - इश्यूज एंड चैलेंजिज इन लिंक प्रीडिक्शन फॉर सोशल नेटवर्कस, इन प्रोसीडिंग्स ऑफ द 11 (इलेविंथ) इंडियाकॉम एंड 4 (फोर्थ) इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन कम्प्युटिंग फॉर सस्टेनेबल ग्लोबल डिवलपमेंट, 2017.

रानी, पी., भाटिया, एम.पी.एस. और तायल, डी.के. (2018) - ए सॉफ्ट-कम्प्युटिंग बेस्ड एप्रोच टू ग्रुप रिलेशनशिप एनालिसिस यूजिंग वेटिड अर्थमेटिक एंड जियोमीट्रिक मीन, इन इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन इनोवेटिव कम्प्युटिंग एंड कम्युनिकेशन (आईसीआईसीसी-2018), 2018.

रानी, पी., भाटिया, एम. और तायल, डी.के. (2017) - एन एसट्यूट एसएनए विद ओडब्ल्यूए ऑपरेटर टू कम्पेयर द सोशल नेटवर्क्स। आई.जे. इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी कम्प्यूटर साइंस, 2017.

रानी, पी., भाटिया, एम. और तायल, डी.के. (2017) - क्वालिटेटिव एसएनए मेथोडोलॉजी, इन प्रॉसीडिंग्स ऑफ द 12 (ट्वेलथ) इंडियाकॉम एंड 5वीं इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन कम्प्युटिंग फॉर सस्टेनेबल ग्लोबल डिवलपमेंट, 2018.

सभरवाल, एस., नागपाल, एस. और अग्रवाल, जी. (2017) - एमपिरिकल एनालिसिस ऑफ मेट्रिक्स फॉर ओबजेक्ट ओरिएंटिड मल्टीडाइमेंशनल मॉडल ऑफ डाटा वेयरहाउस यूजिंग अनसुपरवाइज्ड मशीन लर्निंग टेक्नीक्स। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एश्योरेंस एंड इंजीनियरिंग मैनेजमेंट, 8 (2), 703-715.

सभरवाल, एस., नागपाल, एस., मल्होत्रा, एन., सिंह, पी. और सेठ, के. (2018) - एनालिसिस ऑफ फीचर रैंकिंग टेक्नीक्स फॉर डिफेक्ट प्रीडिक्शन इन सॉफ्टवेयर सिस्टम। स्प्रिंगर बुक चैप्टर, क्वालिटी, आईटी एंड बिजनेस ऑपरेशंस, 45-56.

साहनी, आर., मनचंदा, पी., सिंह, आर. और अग्रवाल, एस. (2018) - ए कम्प्युटेशनल एप्रोच टू फीचर एक्सट्रेक्शन फॉर आइडेंटीफिकेशन ऑफ सुसाइडल आइडिएशन इन ट्वीट्स। इन प्रोसीडिंग्स ऑफ एसीएल 2018, स्टूडेंड रिसर्च वर्कशाप (पृष्ठ 91-98)।

शर्मा, डी., कुमार, बी. और चन्द, एस. (2017) - आडेंटिफाइ एंड रिकमंडिंग रिसचर्स इन मशीन लर्निंग बेस्ड ऑन ऑथर-टॉपिक मॉडल। इंटरनेशनल कांफ्रेंस आईसीपीआर-2017 ऑन 22-23 दिसम्बर, 2017 (स्वीकृत)।

शर्मा, डी., कुमार, बी. और चन्द, एस. (2017) - ट्रेंड एनालिसिस ऑफ मशीन लर्निंग रिसर्च यूजिंग टॉपिक नेटवर्क एनालिसिस। कम्युनिकेशंस इन कम्प्यूटर एंड इंफॉर्मेशन साइंस सीरिज, स्प्रिंगर - 4 (फोर्थ) इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन रिसेंट डिवलपमेंट्स इन साइंस, इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, 13-14 अक्तूबर, 2017, 34-47.

शर्मा, डी., कुमार, बी. और चन्द, एस. (2017) - ए सर्वे ऑन जर्नी ऑफ टॉपिक मॉडलिंग टेक्नीक्स फ्रॉम एसवीडी टू डीप लर्निंग। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मॉडर्न एजुकेशन एंड कम्प्यूटर साइंस, 9(7), 50-62.

सिंह, ए., भाटिया, एम.पी.एस. और वीनू (2017) - एरर एस्टीमेशन ऑफ आर्टीफिसियल न्यूरल नेटवर्क विद वेरिंग इनपुट्स। फर्स्ट इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन कम्प्युटिंग एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजीज फॉर स्मार्ट नेशन, आईसी3टीएसएन 2017, 12-14 अक्तूबर, 2017 को आयोजित। प्रकाशित और आईईईई एक्सप्लोर पर उपलब्ध है।

सिंह, डी., सिंह, एस., कुमार, बी. और चन्द, एस. (2018) - सिम्पल एंड सिक्योर ऑथंटीकेशन स्कीम यूजिंग सिम्मेट्रिक की (एसएसएएस) इन वायरलेस सेंसर नेटवर्कस। 12वीं इंटरनेशनल कांफ्रेंस एज इंडियाकॉम-2018, दिल्ली : 14-16 मार्च, 2018.

सिंह, डी., सिंह, एस., कुमार, बी. और चन्द, एस. (2018) - एनोनिमिटी प्रिजरविंग ऑथंटीकेशन एंड की एग्रीमेंट स्कीम फॉर वायरलेस सेंसर नेटवर्कस। इंटरनेशनल कांफ्रेंस फ्युरिस्टिक ट्रेंड्स इन नेटवर्क एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजीज, वकनाघाट : 9-10 फरवरी, 2018.

सिंह, डी., सिंह, एस., कुमार, बी. और चन्द, एस. (2018) - ट्रेंड एनालिसिस इन मशीन लर्निंग रिसर्च यूजिंग टेक्स्ट माइनिंग। इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन अडवांसिज इन कम्प्युटिंग कम्युनिकेशन कंट्रोल एंड नेटवर्किंग ऑन 12-14 अक्तूबर, 2018.

सिंह, वाई.वी., कुमार, बी., चन्द, एस. और कुमार, जे. (2018) - ए कम्पेरेटिव एनालिसिस एंड प्रोपोजिंग 'एएनएन फजी एएचपी मॉडल फॉर रिक्वायरमेंट्स प्रिरियरटाइजेशन। इंटरनल जर्नल ऑफ इंर्फोमेशन टेक्नोलॉजी एंड कम्प्युटर साइंस, 10(4), 55-65.

सोनी, आर., कुमार, बी. और चन्द, एस. (2017) - टेक्स्ट डिटेक्शन एंड लोकलाइजेशन इन नेचुरल सीन इमेजिज यूजिंग एमएसईआर एंड फास्ट गाइडिड फिल्टर। आईईईई फॉर्थ इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन इमेज इंर्फोमेशन प्रोसेसिंग, 21-23 दिसम्बर, 2017 जेयूआईटी, सोलन। डीओआई.ओआरजी /10.1109/आईसीआईआईपी.2017.8313739.

यादव, एस. और चक्रबर्ती, पी. (2017) - चिल्ड्रन एज्ड टू टू फॉर आर एबल टू स्क्रिबल एंड ड्रा विद ए स्मार्ट फोन। एक्टा पेडियाट्रिका, 106(6), 991-994.

यादव, एस. और चक्रबर्ती, पी. (2018) - यूजिंग स्मार्टफोन्स विद सुटेबल एप्स केन बी सेफ एंड इवन यूजफुल इफ दे आर नोट मिसयूज्ड ओर ओवरयूज्ड। एक्टा पेडियाट्रिका, 107(3), 384-387.

आयोजित सम्मेलन

01 (अंतर्राष्ट्रीय) + एक कार्यशाला डीएमटी3ए

नियोजन ब्यौरा

184 विद्यार्थियों का 100% नियोजन।

प्रदत्त एम.फिल/पीएचडी डिग्रियां

एम.टेक : 12, पीएचडी : 04

***

इलेक्ट्रानिक और संचार इंजीनियरी

मुख्य कार्यकलाप और उपलब्धियां

विभाग प्रति वर्ष 184 विद्यार्थियों की दाखिला क्षमता के साथ इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग (ईसीई) में बी.ई. कार्यक्रम प्रदान करता है; प्रति वर्ष 23 विद्यार्थियों की दाखिला क्षमता के साथ सिग्नल प्रोसेसिंग में एम.टेक. कार्यक्रम तथा प्रति वर्ष 18 विद्यार्थियों की दाखिला क्षमता के साथ एम्बेडिड सिस्टम और वीएलएसआई भी प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, यह ईसीई के सम्बद्ध क्षेत्रों में पीएचडी कार्यक्रम भी प्रदान करता है। विभाग में विभिन्न अवर स्नातक/स्नातकोत्तर और शोध प्रयोगशालाएं हैं, जो अधुनातन उपकरणों और अद्यतन साफ्टवेयरों से सुसज्जित हैं। विभाग में एक केन्द्र नामत: सेंटर ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी (सीईडीटी) है। हमारेसंकाय-सदस्य नियमित तौर पर 'टॉप-टियर पीर रिव्यूवड जर्नल्स' में अपने शोध निष्कर्षों को प्रकाशित करते हैं। हमने एलसेवियर, स्प्रिंगर, टेलर फ्रेंसिस, आईईईई और अन्य उच्च प्रभाव वाले जर्नल में प्रकाशन किया है। हमारे संकाय सदस्यों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं में अपने नवीन शोध निष्कर्षों को मुख्य अभिभाषण और प्लीनरी लेक्चर्स के लिए आमंत्रित किया जाता है।

प्रकाशन

अग्रवाल, ए., कुमार, एम., रावत और टी.के. (2018) - डिजाइन ऑफ डिजीटल डिफरेंशिएटर यूजिंग एल1 मेथड एंड स्वर्म इंटेलीजेंस बेस्ड ऑप्टीमाइजेशन एल्बोरिथम्स। अरेबियन जर्नल ऑफ साइंस एंड इंजीनियरिंग, डीओआई: 10.1007/एस13369-018-3188-0.

बरसेन्या, आर., अग्रवाल, एम. और रावत, टी.के. (2017) - डिजाइन एंड एफपीजीए इम्प्लीमेंटेशन ऑफ मल्टीपलायरलेस कम्ब फिल्टर। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सर्किट थ्यूरी एंड एप्लीकेशंस, 45(11), 1497-1513.

बरसेन्या, आर. और रावत, टी.के. (2017) - नॉवल रियलाइजेशन ऑफ जीआईसी बेस्ड वेव डिजीटल फिल्टर्स यूजिंग एल-एलाई ट्रांसफार्म।एलेक्जेड्रिया इंजीनियरिंग जर्नल, 56, डीओआई.ओआरजी/10.1016/j.aej.2017.03.010.

बरसेन्या, आर. और रावत, टी.के. (2017) - नॉवल डिजाइन आफ रिकरसिव डिफरेंशिएटर बेस्ड ऑन लेटिस वेव डिजिटल फिल्टर। रेडियो इंजीनियरिंग जर्नल, 26(1), 387-395.

बरसेन्या, आर., अग्रवाल, एम. और रावत, टी.के. (2018) - ऑप्टीमल डिजाइन ऑफ मिनिमम मल्टीप्लायर लेटिस वेव डिजिटल लोपास फिल्टर यूजिंग मेटाहेयुरिस्टिक टेक्नीक्स। आईईटी सिगनल प्रोसेसिंग, डीओआई: 10.1049/iet-spr.2017.0449.

बंसल, यू. और गुप्ता, एम. (2018) - हाई बैंडविथ ट्रांसिमपेंडेंस एम्प्लीफायर यूजिंग एफजीएमओएस फॉर वोल्टेज ऑपरेशन। इंटीग्रेशन, द वीएलएसआई जर्नल, 60, 153-159.

गौतम, के., रावत, टी.के., पार्थसारथी, एच., शर्मा, एन., उपाध्याय, वी. (2017) - रिएलाइजेशन ऑफ द थ्री-क्यूबिट क्वांटम कंट्रोल्ड गेट बेस्ड ऑन मैचिंग हर्मिशियन जेनेरेटर्स। क्वांटम इंर्फोमेशन प्रोसेसिंग, 16(5), 113-140.

अय्यर, एस. और सिंह, एस.पी. (2017) - स्पैक्ट्रल एंड पावर-एफीसिएंसी इनवेस्टीगेशन इन सिगनल एंड मल्टी-लाइन-रेट ऑप्टीकल वेवलेंथ डिवीजन मल्टीप्लक्स्ड (डब्ल्यूडीएम) नेटवर्कस। फोटोन. नेटवर्क कम्युनिकेशन, 33(1), 39-51.

अय्यर, एस. और सिंह, एस.पी. (2017) - इफेक्ट ऑफ चेनल स्पेसिंग ऑन द डिजाइन ऑफ मिक्स्ड लाइन रेट (एमएलआर) आप्टीकल वेवलेंथ डिवीजन मल्टीप्लेक्स्ड (डब्ल्यूडीएम) नेटवर्क्स। जर्नल ऑफ ऑप्टीकल कम्युनिकेशंस।

अय्यर, एस. और सिंह, एस.पी. (2017) - इफेक्ट ऑफ ट्रैफिक अनसरटेनटीज ऑन द डिजाइन ऑफ मिक्स्ड लाइन रेट (एमएलआर) ऑप्टीकल नेटवर्कस। जर्नल ऑफ एडवांसिज इन टेलीकम्युनिकेशंस, इलेक्ट्रोटेक्नीक्स, सिगनल्स एंड सिस्टम्स, 6(2), 61-66.

अय्यर, एस. और सिंह, एस.पी. (2017) - इंवेस्टीगेशन ऑफ कोस्ट, पावर एंड स्पैक्ट्रल एफीसिएंसी इन फिक्सड एंड फ्लेक्सी-ग्रिड नेटवर्कस। जर्नल ऑफ कम्युनिकेशंस एंड इंर्फोमेशन नेटवर्कस, 2(3), 92-103.

अय्यर, एस. और सिंह, एस.पी. (2017) - कम्पेरिजन ऑफ कोस्ट, पावर कंजम्शन एंड स्पेक्ट्रम युटिलाइजेशन इन प्रोटेक्टिड फिक्सड एंड फ्लेक्सी-ग्रिड ऑप्टीकल नेटवर्कस। आईईटीई जर्नल ऑफ रिसर्च।

अय्यर, एस. और सिंह, एस.पी. (2017) - ए नावल डेडीकेटिड रूट प्रोटेक्शन स्कीम फॉर सर्वाईबिलिटी ऑफ लिंकफेल्यरइन इलास्टिक ऑप्टीकल नेटवर्कस। जर्नल ऑफ एडवांसिज इन टेलीकम्युनिकेशंस, इलेक्ट्रोटेक्नीक्स, सिगनल्स एंड सिस्टम्स, 6(3), 120-127.

अय्यर, एस. और सिंह, एस.पी. (2017) - स्पैक्ट्रल एंड पावर-एफीसिएंसी ट्रेड-आफ इन फिक्सड-ग्रिड ऑप्टीकल नेटवर्कस। जर्नल ऑफ एडवांसिज इन टेलीकम्युनिकेशंस, इलेक्ट्रोटेक्नीक्स, सिगनल्स एंड सिस्टम्स,6(3), 97-107.

जोसेफ, डी., चावला, पी., चन्दर, एच. और रावत, टी.के. (2017) - ए मल्टीपरपज टूलकिट फॉर रीचिंग डीएसपी इन एन अंडरग्रेजुएट कोर्स। कम्प्यूटर एप्लीकेशंस इन इंजीनियरिंग एजुकेशन, 25(3), 530-541.

कुमार, एम. और रावत, टी.के. (2017) - डिजाइन ऑफ फ्रैक्शनल-आर्डर डिफरेशिएटर यूजिंग टाइप-।।। एंड टाइप-IV डिस्क्रीट कोसाइन ट्रांसफोर्म। इंजीनियरिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी : एन इंटरनेशनल जर्नल, 20(1), 51-58.

कुमार, एम., रावत, टी.के. और अग्रवाल, ए. (2017) - एडप्टिव इनफाइनाइट इम्पल्स रेसपोंस सिस्टम आइडेंटिफिकेशन यूजिंग मॉडिफाइड-इंटीरियर सर्च एल्गोरिथम विद लेवी फ्लाइट। आईएसए ट्रांजिक्शंस, 67, 266-279.

नारंग एन., अग्रवाल बी. और गुप्ता एम (2017) - डीटीएमओएस एंड एफडी-एफवीएफ बेस्ड लो वोल्टेज हाई परफोरमेंस वीटीटीए एंड इट्स एप्लीकेशन इन एमआईएसओ फिल्टर। माइक्रोइलेक्ट्रोनिक्स जर्नल, 63, 66-74.

शर्मा, एन., रावत, टी.के., पार्थसारथी और एच, गौतम, के. (2017) - आप्टीमम क्वांटम रिसिवर्स फॉर डिटेक्टिंग वीक सिगनल्स इन पीएएम कम्युनिकेशन सिस्टम्स। क्वांटम इंर्फोमेशन प्रोसेसिंग, 16(9), 208-229.

सिंह, ए.के., कुमार, पी. और सेनानी, आर. (2017) - न्यू ग्राउंडिड इम्मीटेंस सिमुलेटर्स एम्प्लाइंग ए सिंगल सीएफसी। आईईटी जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग, 2017(8), 435-447.

सेनानी, आर., भास्कर, डी.आर., गुप्ता एस.एस. और सिंह, बी. (2017) -रिबटल टू फुली-अनकपल्ड फ्रीक्वेंसी ऑफ ओसिलेशन एंड कंडीशन ऑफ ओसिलेशन : ए कॉशन। आर्चिव. फर इलेक्ट्रानिक्स एंड उबेरट्रेगंगस्टेक, 81, 120-131.

श्रीवास्तव, डी.के., सिंह, वी.के. और सेनानी, आर. (2017) - सीएमओएस-कम्पटीबल लीनियर वीसीओ यूजिंग ए सिंगल सीएफओए एंड ग्राउंडिड केपेसिटर्स। अमेरिकन जर्नल ऑफ इलेक्ट्रीकल एंड इलेक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग, 5(6), 202-206.

सिंह, ए.के., गुप्ता, ए. और सेनानी, आर. (2017) - ओटीआरए-बेस्ड मल्टीफंक्शन इनवर्स फिल्टर कंफिगुरेशन। एडवांसिज इन इलेक्ट्रीकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, 15(6), 846-856.

सिंह, ए.के., कुमार, पी. और सेनानी, आर. (2018) - इलेक्ट्रानिकली-ट्यूनेबल ग्राउंडिड/फ्लोटिंग इंडक्टेंस सिमुलेटर्स यूजिंग जेड-कापी सीएफसीसीसी। टर्किश जर्नल ऑफ इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग एंड कम्प्यूटर साइंस, 26, 1041-1055.

सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियां

अग्रवाल बी., संघवाहिया एम., गौतम एस. (12-13 अगस्त, 2017) - करंट मोड सेकेंड आर्डर यूनिटी ग्रेन फिल्टर्स यूजिंग सिंगल सीडीबीए, इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन इनोवेशंस इन कंट्रोल, कम्युनिकेशन एंड इंर्फोमेशन सिस्टम्स (आईसीआईसीसीआई-2017), ग्रेटर नोएडा।

अग्रवाल बी., बंसल पी., शर्मा एस.के. (14-16 मार्च, 2018) - लो-वोल्टेज मल्टी-इनपुट हाई ट्रांसकंडेक्टेंस एम्प्लीफायर यूजिंग डिफरेंशियल फिलिप्ड वोल्टेज फोलोवर, आईईईई 12वीं इंडियाकॉम इंटरनेशनल कांफ्रेंस (इंडियाकॉम-2018); बीवीओसीई, दिल्ली।

अग्रवाल बी., शर्मा एस.के., बंसल पी. (14-16 मार्च, 2018) - इम्प्रूव्ड लिनियर सीएमओएस करंट डिफरेंसिंग ट्रांसकंडेक्टेंस एम्प्लीफायर, आईईईई 12वी इंडियाकॉम इंटरनेशनल कांफ्रेंस (इंडियाकॉम-2018); बीवीओसीई, दिल्ली।

बंसल, यू., गुप्ता, एम. और राय, एस.के. (2017, जुलाई) - रेसिसटिवली कम्पेनसेटिड एंड एसएसएफ बेस्ड वीडीबीए ओफरिंग हाई जीबीडब्ल्यू एंड इट्स एप्लीकेशन एज ए बाइक्वेड फिल्टर। इन कम्प्यूटर, कम्युनिकेशंस एंड इलेक्ट्रोनिक्स (कम्पटीलिक्स), 2017 इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन (पृष्ठ 221-226)। आईईईई।

दुआ एम., दिप्ती, भारती एम., अग्रवाल बी. (14-16 मार्च,2018) - क्लासीफायर यूज्ड फॉर इरीस रिकॉगनिशन सिस्टम: ए सर्वे, आईईईई इंडियाकॉम इंटरनेशनल कांफ्रेंस (इंडियाकॉम-2018); बीवीओसीई, दिल्ली।

अय्यर एस. और सिंह एस.पी. (2017) - परफोरमेंस कम्पेरीजन ऑफ टू-स्टेप डायनेमिक आरएसए एप्रोचिज इन इलास्टिक ऑप्टीमल नेटवर्क्स, इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन रिसेंट ट्रेंड्स, इमरजिंग इश्यूज इन साइंस, इंजीनियरिंग, एनवायरमेंट एंड टेक्नोलॉजी (आईसीआरईएसईईटी-2017)।

अय्यर एस. और सिंह एस.पी. (2018) - आफलाइन शिड्युलिंग स्कीम्स टू ट्रांसफर वॉलुमिनस डेडलाइन कम्प्लाइंग डाटा इन इलास्टिक ऑप्टीकल नेटवर्क्स। ट्वेंटी फोर्थ नेशनल कांफ्रेंस ऑन कम्युनिकेशंस (एनसीसी)।

शर्मा एन., गुप्ता आर., अग्रवाल बी., भारती एम. (14-16 मार्च, 2018) - हाजे रिमुवल एल्बोरिथम बेस्ड ऑन कोलोर एटेन्यूएकेशन प्रिओर। आईईईई 12वीं इंडियाकॉम इंटरनेशनल कांफ्रेंस (इंडियाकॉम-2018); बीवीओसीईई, दिल्ली।

प्रदत्त एम.टेक/पीएचडी डिग्रियां

पीएचडी : 04

एम.टेक : 12

संकाय संख्या

प्रोफेसर : 08, एसोसिएट प्रोफेसर : 01, सहायक प्रोफेसर : 07, शिक्षण-सह-शोध अध्येता : 19

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

7 अक्तूबर से 14 अक्तूबर, 2017 तक 'सिगनल प्रोसेसिंग यूजिंग एमएटीएलएबी एंड माय रियो-नेशनल इंस्ट्रूमेंट्स' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

प्रोफ़ेसर राज सेनानी को एईयूई-इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशंस (जर्मनी) द्वारा वर्ष 2017 के लिए समीक्षा में असाधारण योगदान के लिए प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।

प्रोफ़ेसर राज सेनानी को शोध के बहु-विषयक क्षेत्रों में शीर्ष 1 प्रतिशत समीक्षकों में शामिल होने के लिए पबलाूंस पीयर रिव्य अवार्ड, 2017 प्रदान किया गया।

प्रोफ़ेसर राज सेनाने : एडिटर-इन-चीफ : आईईटीई जर्नल ऑफ एजुकेशन (अगस्त 2012 - दिसम्बर 2017)।

प्रोफ़ेसर राज सेनानी : एसोसिएट एडिटर, सर्किट्स, सिस्टम्स एंड सिगनल प्रोसेसिंग, बिरखोसर-बोस्टन/स्प्रिंगर (2033 से लगातार)।

***

सूचना प्रौद्योगिकी

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

विभाग द्वारा एनएसआईटी में 05 से 09 जून, 2017 तक 'सूचना सुरक्षा और डिजिटल अपराध विज्ञान (आईएसडीएफ-2017)' विषय पर एक अल्पकालिक पाठ्यक्रम (एसटीसी) का आयोजन किया गया। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को सूचना सुरक्षा और कंप्यूटर अपराध विज्ञान के महत्व के विषय में अवगत कराना था जिसके लिए इस क्षेत्र के उत्कृष्ट शोधकर्ताओं, शिक्षकों और वृत्तिकों को एक मंच पर एकत्र किया गया था। एससीटी मुख्य रूप से इंजीनियरी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के शोध स्कालरों और संकाय सदस्यों के लिए लाभदायक था। इस एससीटी में प्रतिभागियों की कुल संख्या 110 थी जिसमें 43 बाहय संकाय सदस्य, 24 बाहय शोध स्कालर, 12 आंतरिक शोध स्कालर और 31 आंतरिक संकाय सदस्य शामिल थे। आईआईटी, एनआईटी, आईआईआईटी, उद्योग तथा अन्य प्रतिष्ठित संस्थाओं के विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिए। एसटीसी से प्राप्त फीडबैक उत्कृष्ट और प्रेरणाप्रद था।

सम्मान/विशिष्टियां

श्रेष्ठ पत्र पुरस्कार : महिंदर सिंह रनियाल, आइसैक वोगैंग, संजय कुमार धुरंधर, "एन इंटर-डिवाइस ऑथेंटिकेशन स्कीम फॉर होम्स यूजिंग वन-टाइम-पासवर्ड ओवर इंफ्रोरेड चैनल" आईएसडीडीसी 2017:95-117.

प्रकाशन

अग्रवाल जी., महेश्कर वी., महेश्कर एस., गुप्ता एस. (2018). रिकग्नीश्न ऑफ इमोशंस ऑफ स्पीच एंड मूड ऑफ म्यूजिक: ए रिव्यू, वायरलैस, आसूचना तथा संचार के लिए संवितरित परिवेश पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (वाइडकॉम 2018), फरवरी, 16-18, 2018 एसआरएम विश्वविद्यालय।

अग्रवाल जी., महेश्कर वी., महेश्कर एस., एवं गुप्ता एस. (2018). वोकल मूड रिकाग्नीशन : टेक्स्ट डिपेंडेंट सीक्वेंशियल एंड पैरलल अप्रोच, सिगमा-2018, स्प्रिंगेट बुक सीरीज (एडवांसेस इन इंटेलीजेंट सिस्टम्स एंड कंप्यूटिंग)।

अग्रवाल जे., जैन आर., धुरंधर. एस.के., वोंगैंग आई., गुप्ता एन. (2018). फेयर सब-कैरियर एलोकेशन इन ओएफडीएमए एंड कॉग्नीटिव रेडियो बेस्ड आईईईई 802.22 डब्ल्यूआरएएन, इंफोकॉम वर्कशॉप्स, 571-576.

बोरा एस.जे., धुरंधर एस.के., वोंगैंग आई., कुमार वी. एवं बरोली एल. (2018). ए मल्टी-ऑब्जेटिव बेस्ड टेक्नीक फॉर आप्टिमाइज्ड रूटिंग एन अपार्युनिस्टिक नेटवर्क्स, जे. एम्बिएंट इंटेलीजेंस एंड ह्यूमेनाइज्ड कंप्यूटिंग, 9(3), 655-666.

बोरा एस.जे., धुरंधर एस.के., वोंगैंग आई., कुमार वी.(2017). ए गेम थियोरेटिक कंटेक्स्ट-बेस्ड रूटिंग प्रोटोकॉल फॉर अपोर्चुनिस्टिक नेटवर्क्स इन ए आईओटी सिनारियो, कंप्यूटर नेटवर्क्स, 129, 572-584.

बोरा एस.जे., धुरंधर एस.के., तिबारेवाला एस., वोंगैंग आई., एवं ओबेडैट एम.एस. (2017). एनर्जी एफिसिएंट प्रोफेर-प्रोवेट-ईडीआर प्रोटोकॉल्स फॉर अपोर्चुनिस्टिक नेटवर्क्स, ग्लोबेकॉम-2017, 1-6.

चौधरी एस.पी., कुमार ए/, महेश्कर एस. एवं महेश्कर वी., 2018). इन इंटीग्रेटेड मेथड ऑफ कॉपी-मूव एंड स्लिसिंग फॉर इमेज फोर्जरी डिटेक्शन, मल्टीमीडिया टूल्स एंड एप्लीकेशंस, मार 2018.

चौधरी एस.पी., महेश्कर एस, महेश्कर वी., (2018). डिटेक्शन ऑफ कॉपी - मूल इमेज फोर्जरी विद एफिशिएंट ब्लॉक रिप्रेजेंटेशन एंड डिक्क्रीट कोसिन ट्रांसफार्म, सिग्मा-2018, जर्नल ऑफ इंटेलीजेंट एंड फजी सिस्टम्स (विशेष अंक, आईओएस प्रेस).

छाबरा ए., वशिष्ट वी. एवं शर्मा डी.के., ए फजी लॉजिक एंड गेम थियोरी बेस्ड एडैप्टिव अप्रोच फॉर सिक्यूटिंग अपार्चुनिस्टिक नेटवर्क्स अंगेस्ट ब्लाक हाल अटैक्स, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिकेशन सिस्टम्स, डीओई : 10.1002/डीएसी. 3487.

धुरंधर एस.के., बोरा एस.जे., वोंगैंग आई., तिबारेवाला एस., एवं बारोली एस. (2018). डीईईपी : डिस्टैंस एंड एंकाउंटर बेस्ड एनर्जी-एफिशिएंसी प्रोटोकॉल फॉर अपोर्चुनिस्टिक नेटवर्क्स, जे-हाई स्पीड नेटवर्क्स, 24(2), 119-131.

धुरंधर एस.के., बोरा एस.जे., वोंगैंग आई., बंसल एस., एवं गुप्ता ए. (2018). ए लोकेशन प्रीडिक्शन-बेस्ड रूटिंग स्कीम फॉर अपोर्चुनिस्टिक नेटवर्क्स इन एन आईओटी सिनारियो, जे. पैरेलल डिस्टब. कम्प्यूटर. (पार्ट), 369-378.

धुरंधर एस.के., शर्मा डी.के., वोंगैंग आई., सैनी ए. (2017). एन एनर्जी-एफिशिएंट हिस्ट्री-बेस्ड रूटिंग स्कीम फॉर अपोर्चुनिस्टिक नेटवर्क्स, इंट-जे. कम्युनिकेशन सिस्टम्स, 30(7).

फतेमा एम., महेश्कर वी., महेश्कर एस., (2017). टैंपर डिटेक्शन यूजिंग फ्रैजाइल इमेज वाटरमार्किंग बेस्ड ऑन कैयोटिक स्टिम्स, दूरसंचार और नेटवर्क्स पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 10-11 अगस्त, 207, एमिटी, नोएडा।

गर्ग एन., धुरंधर एस.के., निकापोलिटिडिस पी., लेथर जे.एस. (2018). एफिशिएंट मोबिलिटी प्रीडिक्शन स्कीम फॉर पर्वेसिव नेटवर्क्स, इंट.जे कम्युनिकेशन सिस्टम्स, 31(6) (2018).

गुप्ता एन., धुरंधर एस.के., वोंगैंग आई., जोएल जे.पी., एवं रोड्रिक्स (2017). गेम थियोरेटिक एनालाइसिस ऑफ पोस्ट हैंडऑफ टार्गेट चैनल शेयरिंग इन कॉग्नेटिव रेडियो नेटवर्क्स, ग्लोबकॉम 2017 : 1-6.

हंसदा बी., महेश्कर वी., महेश्कर एस., (2017). ए रोबस्ट वाटरमार्किंग स्कीम फॉर 3-डी पॉलीगन मेश मॉडल्स यूजिंग मीन कर्वेचर, प्रगत कंप्यूटिंग, नेटवर्किंग और इंफार्मेटिक पर पांचवां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईसीएसीएनआई, 01-03 जून, 2017.

कुमार डी., देशवाल एस., सुमित, यादव आर. (2017). ए एक्सओआर बेस्ड-की एक्सचेंज, international जर्नल ऑफ़ इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल एंड कंप्यूटेशनल सिस्टम, 6(5), 24-28.

कुमार डी., देशवाल एस., सुमित, यादव आर. (2017). एट्रिब्यूट बेस्ड क्लासउट ऑपेंटिकेशन, इंटरनेशनल जर्नल इंजीनियरिंग टेक्नालॉजी साइंस एंड रिसर्च, 4(6), 648-652.

कुमार डी., चांद एस. एवं कुमार बी. क्रिप्टैनाइलिसिस एंड इंप्रूवमेंट ऑफ एन ऑथैंटिकेशन प्रोटोकाल फॉर वायरलैस सेंसर नेटवर्क्स एप्लीकेशंस लाइक सेफ्टी मॉनीटरिंग इन कोल माइंस, जर्नल ऑफ एम्बिएंट एंटेलीजेंस एंड ह्यूमैनाइज्ड कंप्यूटिंग।

कुमार डी., चांद एस. एवं कमार बी. (2018). ए पीकेसी-बेस्ड यूजन आथैंटिकेशन स्कीम विदआउट स्मार्ट कार्ड, जर्नल ऑफ इंटेलीजेंट एंड फजी सिस्टम्स।

कुमार डी., चांद एस. एवं कमार बी. (2018) क्रिप्टैनाइलिसिस एंड इंप्रूवमेंट ऑफ ए टू-फैक्टर यूजर आंथेटिकेशन स्कीम, इंफोकम्युनिकेशंस जर्नल।

कुमार डी. (2017) क्रिप्टैनाइलिसिस ऑफ ए सिक्यूर बायोमीट्रिक-बेस्ड थ्री-फैक्टर रिमोट ऑथैंटिकेशन स्कीम फॉर मोबाइल क्लांइट-सर्वर नेटवर्क्स, इवेंटिव कम्प्यूटेशन टेक्नालॉजीज पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, 612-614.

कुमार डी., ग्रोवर एच.एस. एवं आदर्श (2018). क्रिप्टैनाइलिसिस ऑफ़ ए सिक्योर एंड लाइटवेट ऑथैंटिकेशन प्रोटोकॉल फॉर वीयरेबल डीवाइसेस एनवायरनमेंट, इवेंटिव सिस्टम्स एंड कंट्रोल दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, 1065-1070.

कुमार डी.(2018). क्रिप्टैनाइलिसिस एंड इंप्रूवमेंट ऑफ ए यूजर ऑथैंटिकेशन स्कीम फॉर एसआईपी वायरलैस, इंटेलीजेंस एवं संचार के लिए वितरित परिवेश पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, स्प्रिंगेट (वाइडकॉम 2018).

कुमार ए., चौधरी एस.पी., महेश्कर एस, महेश्कर वी., (2017). मार्कोव फीचर एक्सट्रेक्शन यूजिंग एनहांस्ड थ्रेशहोल्ड मेथड फॉर इमेज स्प्लिसिंग फोर्जरी डिटेक्शन, संचार और कंप्यूटेशनल विज्ञान में स्मार्ट नवोन्मोश पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएसआईसीसीएस-2017). नार्थ वेस्ट ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशंस, मोगा, पंजाब, भारत 23-27 जून, 2014.

कुमार बी., धुरंधर एस.के., वोंगैंग आई., (2018). ए सर्वे ऑफ ओवरले एंड अंडरले पैराडिग्म्स इन काग्निटिव रेडियो नेटवर्क्स, इंट.जे. कम्युनिकेशन सिस्टम्स, 31(2).

कुमार ए., धुरंधर एस.के., वोंगैंग आई., ओबेडैट एम.एस., गुप्ता एस., जोएल जे.पी.सी. रोड्रिक्स (2018). एन अल्ट्रूइज्म बेस्ड ट्रस्ट-डिपेंडेंट मैसेज फावर्डिंग प्रोटोकॉल फॉर अपोर्चुनिस्टिक नेटवर्क्स, इंटर.जे. कम्युनिकेशन सिस्टम्स 30(10).

कुमार एस., दवे एम., धुरंधर एस.के., वोंगैंग आई., बोरोली एल. (2018). एन एंट-बेस्ड क्यूओएस-अवेयर रूटिंग प्रोटोकॉल फॉर हेटरोजीनस वायरलैस सेंसर नेटवर्क्स, सॉफ्ट कंप्यूट. 21(21) : 6225-6236.

कुमार ए., धुरंधर एस.के., वोंगैंग आई., कुमार वी. एवं ताकीजावा एम. (2017). इंटरफेरेंस अवेयर मीट्रिक बेस्ड रूटिंग प्रोटोकॉल इन काम्नीटिव रेडियो नेटवर्क्स, बीडब्ल्यूसीसीए 2017. 502-515.

कुकरेजा, डी धुरधंर एस.के. एवं रेड्डी बी.वी.आर (2017). पावर अवेयर मैलीशियरा नोड्स डिटेक्शन फॉर सिक्यूरिंग एमएएनईटी अगेंस्ट पैकेट फावर्डिंग मिसबिहेवियर अटैक, जर्नल ऑफ एम्बीएंट इंटेलीजेंस एंड ह्यूमेनाइज्ड कंप्यूटिंग, 1-16, डीओआई : 10.1007/एस 12652-017-0496-2.

महेश्कर बी., महेश्कर एस., (2017). फेस रिकग्नीशन यूजिंग डीसीटी बेस्ड एनर्जी डिस्क्रिमिनेंट मास्क, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशंस, 170(5), 46-51.

पुछल के., धुरधंर एस.के. बोरा एस.जे., वोगैंग आई., गुप्ता एस. (2017). ए रिसर्च बेस्ड नेक्स्ट हॉप सेलेक्शन फॉर रूटिंग इन अपोर्चुनिस्टिक नेटवर्क्स, यूएसएससी 7(3), 177-186.

रनियाल एम.एस., वोंगैंग आई., धुरंधर एस.के. (2017). एन इंटर-डिवाइस आथेंटिकेशन स्कीम फॉर स्मार्ट होम्स यूजिंग वन-टाइम पासवर्ड ओवर इंफ्रारेड चैनल, आईएसडीडीसी 2017. 95-117.

रश्मि एस., विकास महेश्कर एवं सुशीला महेश्कर (2017). ए ब्लाइंड मल्टीपल कंपोजिट वाटरमार्किंग टेक्नीक इन फ्रीक्वेंसी डोमेन, टेलीकम्युनिकेशन एंड नेटवर्क्स पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 10-11 अगस्त, 2017. एमिटी, नोएडा।

शर्मा डी.के., धुरंधर एस.के., अग्रवाल डी एवं अरोड़ा के. (2018). केआरओपी : के-मींस क्लस्टरिंग बेस्ड रूटिंग प्रोटोकॉल फॉर अपॉर्चुनिस्टिक नेटवर्क्स, जर्नल ऑफ एंबिएंट इंटेलीजेंस एंड ह्यूमेनाइज्ड कंप्यूटिंग।

शर्मा डी.के., धुरंधर एस.के., ओबेडैट एम.एस., बंसल ए., गुप्ता ए. (2017). जीनेटिक एल्गोरिद्म एंड प्रोबैबिलिटी बेस्ड रूटिंग प्रोटोकोल फॉर अपोर्चुनिस्टिक नेटवर्क्स, कंप्यूटर, सूचना और दूरसंचार प्रणालियों पर आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (सीआईएसटी) की कार्यवाहियों में, 21-22 जुलाई, 2017, डैलियन, चीन।

शर्मा डी.के., धुरंधर एस.के., वोंगैंग आई. बंसल ए. एवं गुप्ता ए. (2017). जीडी-सीएआर : ए जेनेटिक एल्गोरिद्म बेस्ड डायनैमिक कंटेक्स्ट अवेयर रूटिंग प्रोटोकॉल फॉर अपोर्चुनिस्टिक नेटवर्क्स, नेटवर्क-आधारित सूचना प्रणालियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एनबीआईएस-2017) की कार्यवाहियों में 24-26 अगस्त, 2017, टोरंटो।

शर्मा डी.के., यादव ए., शर्मा ए. एवं कुमार जे. (2017). केएनएनआर : के नीयरेस्ट नेबर क्लासिफिकेशन बेस्ड रूटिंग प्रोटोकॉल फॉर अपोर्चुनिस्टिक नेटवर्क्स,, समसामयिक कंप्यूटिंग पर आईईईई के दसवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसी 32017) की कार्यवाहियों में 10-12 अगस्त, 2017, नोएडा, भारत।

शर्मा डी.के., सिंह ए., खन्ना ए., एवं जैन ए. (2017). इवैलुएशन ऑफ पैरामीटर्स एंड टेक्नीक्स फॉर जेनेटिक एल्गोरिद्म बेस्ड चैनल एलोकेशन इन काग्नीटिव रेडियो नेटवर्क्स,, समसामयिक कंप्यूटिंग पर आईईईई के दसवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसी 32017) की कार्यवाहियों में 10-12 अगस्त, 2017, नोएडा, भारत।

शर्मा डी.के., भट्ट ए., एवं कुमार जे. (2017). ए सनैलाइटिकल स्टडी टु फाइंड दि मेजर फैक्टर्स बिहाइंड दि ग्रेट स्मॉग ऑफ डेल्ही, 2016 : यूजिंग फडामेंटल डाटा साइंसेज, विज्ञान, इंजीनियरी एवं प्रौद्योगिकी में हालिया विकास पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (रेड सेट 2017) पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाहियों में, 13-14 अक्तूबर, 2017, जीडी गोयंका विश्वविद्यालय, गुड़गांव, हरियाणा, भारत।

सिंह आर.के., महेश्कर एस. एवं महेश्कर वी., स्टैटिक सिगनेचर आथेंटिकेशन बेस्ड ऑन जे 48 एंड रैंडम फारेस्ट, आईजेईआरटी, 6(05).

संपादकों/संपादन मंडल के सदस्यों के रूप में कार्य कर रहे विभागीय शिक्षकों की संख्या : 01 (एक)

आयोजित संगोष्ठी/अल्पकालिक पाठ्यक्रम

कुल संख्या : 01

विवरण : "सूचना सुरक्षा और डिजिटल अपराध विज्ञान (आईएसडीएफ-2017)" पर अल्पकालिक पाठ्यक्रम (एसटीसी)।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण :

बाबूलाल हंसदा, विकास महेशकर एवं सुशीला महेशकर, ए रोबस्ट वाटरमार्किंग स्कीम फॉर 3डी पोलीगन मेश मॉडल्स यूजिंग मीन कर्वेचर, प्रगत कंप्यूटिंग, नेटवर्किंग और इंफार्मेटिक पर 5वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईसीएसीएनआई, 01-03 जून, 2017.

देवेन्द्र कुमार, क्रिप्टोनेलिसिस एंड इंप्रूवमेंट ऑफ ए यूजर आथेंटिकेशन स्कीम पर एसआईपी, संप्रेषण के लिए वायरलैस, इंटेलीजेंट एवं संवितरित परिवेश पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, स्प्रिंगेट वाइडकॉम, 2018)

नियोजन विवरण :

नियोजित छात्रों की संख्या : 80 प्रतिशत

आने वाली कंपनियों की संख्या : 30 (लगभग)

प्रदत्त एम.फिल/पीएच.डी. डिग्रियां :

पीएच.डी. : 02 (प्रस्तुत)

संकाय सदस्य संख्या

08 (स्थायी), 02 (संविदा पर)

***

इंस्ट्रूमेंटेशन और नियंत्रण इंजीनियरी

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

विभाग मापयंत्रण एवं नियंत्रण इंजीनियरी के क्षेत्र में शिक्षण और शोध के कार्य में लगा हुआ है। प्रत्येक वर्ष, हम अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से स्नातक पाठ्यक्रम (बी.ई.) में 180 छात्रों तथा दो स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों (प्रक्रिया नियंत्रण एवं औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स में एम.टेक) में लगभग 40 छात्रों को दाखिला देते हैं। हमारे छात्र विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमियों से आते हैं तथा अनेक विषयक्षेत्रों का शिक्षण करते हैं। हमारे विभाग में कतिपय श्रेष्ठ शिक्षक हैं तथा संकाय सदस्य नियंत्रण इंजीनियरिंग, मशीन लर्निंग, मापयंत्रण और जैव-चिकित्सा के अग्रणी क्षेत्रों में शोध कार्य कर रहे हैं। हम राष्ट्रीय विकास से जुड़े सामाजिक दृष्टि से प्रासंगिक क्षेत्रों में शोध संचालित कर रहे हैं तथा मापयंत्रण एवं नियंत्रण इंजीनियरी से उत्पन्न होने वाले मुद्दों की समस्याओं को हल करने में योगदान देते हैं। हमारे संकाय सदस्य श्रेष्ठ स्तरीय सहयोगी-समीक्षित जर्नलों में उनके शोध-निष्कर्षों को नियमित रूप से प्रकाशित करते हैं। संकाय सदस्यों ने बाह्य शोध परियोजनाएं भी प्रापत की हैं जिनका प्रयोग अधुनातन प्रयोगशाला सुविधाओं के विकास तथा युवा शोध स्कालरों के प्रशिक्षण के लिए किया जा रहा है। हमारे संकाय सदस्य अपने-अपने क्षेत्रों में मान्यताप्राप्त वैश्विक अग्रेता हैं जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ व्यापक सहयोग किया है। हमारे शिक्षकों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं में आधार और पूर्ण सत्र व्याख्यानों के माध्यम से उनके शोध-निष्कर्षों को साझा करने के लिए नियमित रूप से आमंत्रित किया जाता है।

प्रकाशन

अमदुद्दीन एस.एस. एवं मलिक एच. (2018). जीन एक्सप्रेशन प्रोग्रामिंग (जीईपी) बेस्ड इंटेलीजेंट मॉडल फॉर हाई परफार्मेंस कंक्रीट कंप्रेहैंसिव स्ट्रैंथ एनालाइसिस, जर्नल ऑफ इंटेलीजेंट एंड फजी सिस्टम्स (स्वीकृत)।

आरिफ एम.एस.बी., शाहिद ए., वहाब एम., रफीयुद्दीन एन. एवं मलिक एच. (2018). डीक्रिप्टिंग रिस्ट मूवमेंट फ्रॉम एमईजी सिगनल यूजिंग एसवीएम क्लासिफायर, जर्नल ऑफ इंटेलीजेंट एंड फजी सिस्टम्स (स्वीकृत)।

दास ए., श्रीवास्तव एम. एवं गुप्ता एम. (2018). आइडेंटिफिकेशन ऑफ़ डायनेमिक सिस्टम्स यूजिंग इंटेलीजेंट वाटर ड्राप अल्गोरिद्म, अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन सिग्मा 2018, एनएसआईटी, दिल्ली में स्वीकृत।

गोयल वी., मलिक एच. एवं शर्मा आर. (2017). एप्लीकेशन ऑफ इवोलूशनरी-रीइंफोर्समेंट लर्निंग (ईआरएल) अप्रोच इन कंट्रोल डोमेन - ए रिव्यू, आईसीएसआईसीसीएस-2017, मोगा पंजाब, भारत में स्वीकृत।

गुप्ता एस., श्रीवास्तव एस. एवं वार्शने पी. (2017). फक्शनल ऑडर कैयोटिक सिस्टम्स: ए सर्वे, इन कंप्यूटिंग कम्युनिकेशन एंड ऑटोमेशन (आईसीसीए), 2017 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, (पृष्ठ 1109-1113), आईईईई।

गुप्ता एस., उपाध्याय वी., सिंह ए., वार्शने पी. एवं श्रीवास्तव एस. (2018). मॉडलिंग ऑफ फ्रैक्शनल ऑडर कैयोटिक यूजिंग आर्टिफिशल बी कॉलोनी आप्टिमाइजेशन एंड एट कालोनी आप्टिमाइजेशन, आईओएस प्रेस, सिग्मा 2018, एनएसआईटी, दिल्ली में स्वीकृत।

झा एस.के., (2018). चैलेंजेज एंड इंजीडिमेंट्स इन इंजीनियरिंग एजुकेशन : रेमिडीज, जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग एजुकेशन ट्रांसफार्मेशन (विशेष अंक)।

क्लेर डी., राणा के.पी.एस एवं कुमार वी. (2018). ए नॉनलीनियर पीआईडी कंट्रोलर बेस्ड नोवल मैक्सिमस पावर प्वाइंट ट्रैकर फॉर पीवी सिस्टम्स, जर्नल ऑफ दि फ्रैंक्लिन इंस्टिट्यूट (स्वीकृत)।

क्लेर डी., शर्मा पी., बनर्जी ए., राणा के.पी.एस एवं कुमार वी. 2017). पीवी सैल एंड माड्यूल एफिशिएंट पैरामीटर्स एस्टिमेशन यूजिंग एवापोरेशन रेट बेस्ड वाटर साइकल एल्गोरिद्म, स्वैर्म एंड इवेलूशनरी कंप्यूटेशन, 35, 93-110.

कक्कड़ ए., एवं शर्मा आर. (2018). न्यूरल रीइंफोर्समेंट लर्निंग क्लासिफायर फॉर एल्बो, फिंगर एंड हैंड मूवमेंट्स, जर्नल ऑफ इंटेलीजेंट एंड फजी सिस्टम्स (स्वीकृत)।

कुमार आर., श्रीवास्तव एस., गुप्ता जे.आर.पी. एवं महेन्द्रू ए. (2018). सेल्फ-रिकरेंस वेवलेट न्यूरल नेटवर्क बेस्ड आइडेटिफिकेशन एंड एडेप्टिव प्रीडिक्टिव कंट्रोल ऑफ़ नॉन-लीनियर डाइनेमिकल सिस्टम्स, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एडाप्टीव प्रीडिक्टिव कंट्रोल एंड सिग्नल प्रोसेसिंग (स्वीकृत)।

कुमार आर., श्रीवास्तव एस., गुप्ता जे.आर.पी. एवं महेन्द्रू ए.(2018). कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ़ न्यूरल नेटवर्क्स फॉर डाइनेमिक नॉन-लीनियर सिस्टम्स आइडेटिफिकेशन, सॉफ्ट कंप्यूटिंग (स्वीकृत)।

कुमार आर., श्रीवास्तव एस., गुप्ता जे.आर.पी एवं महेन्द्र ए. (2018). डाएग्नल रिकरंट न्यूरल नेटवर्क बेस्ड आइडेटिटफिकेशन ऑन नान-लीनियर डायनेमिकल सिस्टम्स विद लायपुनोव स्टेबिलिटी बेस्ड एडैप्टिव लर्निंग रेट्स, न्यूरोकंप्यूटिंग (स्वीकृत)।

कुमार आर., श्रीवास्तव एस., एवं गुप्ता जे.आर.पी. (2017). डायगोयल रीकरंट न्यूरल नेटवर्क बेस्ड एडैप्टिव कंट्रोल ऑफ नॉन-लीनियर डायनेमिकल सिस्टम्स यूजिंग लायपुनोव स्टेबिलिटी क्रिएशन, आईएसए ट्रांजेक्शन्स, 67, 407-427.

कुमार आर., श्रीवास्तव एस., एवं गुप्ता जे.आर.पी. (2018). कंपेरेटिव स्टडी ऑफ न्यूरल नेटवर्क्स फॉर कंट्रोल ऑफ नॉनक्लीनियर डायनेमिकल सिस्टम्स विद लायपुनोव स्टेबिलिटी-बेस्ड एडेप्टिव लर्निंग रेट्स, एरेबियन जर्नल फॉर साइंस एंड इंजीनियरिंग, 1-23 (स्वीकृत)।

कुमार आर., एवं शर्मा आर. (2017). ए नेचल इंस्पायर्ड पीआईडी लाइक फजी नॉलेज बेस्ट फ्रैक्शनल ऑडर कंट्रोलर आरएएसीई, जयपुर 23-25 नवम्बर, 2017.

कुमार आर., एवं शर्मा आर. (2017). न्यूरल/फजी सेल्फ लर्निंग लायपुनोव कंट्रोल फॉर नॉन-लीनियर सिस्टम्स, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंफार्मेशन टेक्नालॉजी, सिंगापुर : स्प्रिगेट, दिसम्बर, 2017.

कुमार आर., एवं शर्मा आर. (2017). एजेनेटिक एल्गोरिद्म बेस्ड फ्रैक्शनल फजी पीआईड कंट्रोलर फॉर इंटीगर एंड फ्रैक्शनल ऑडर सिस्टम्स, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटेलीजेंट सिस्टम्स एंड एप्लीकेशंस, (स्वीकृत)।

कुमार आर., एवं शर्मा आर. (2017). नायपनोव फजी मार्कोव गेम कंट्रोलर फॉर टू लिंक रोबोटिक मैनीपुलेटर, जर्नल ऑफ इंटेलीजेंट एंड फजी सिस्टम्स (स्वीकृत)।

कुमार आर., एवं शर्मा आर. (2017). लिंगविस्टिक नायपनोव रीइंफोर्समेंट लर्निंग कंट्रोल फॉर रोबोटिक मैनीपुलेटर्स, न्यूरोकंप्यूटिंग (स्वीकृत)।

कुमार जे., कुमार वी. एवं राणा के.पी. एस. (2018). डिजाइन ऑफ रोबस्ट फ्रैक्शनल आर्डर फजी स्लाइडिंग मोड पीआईडी कंट्रोलर फॉर टू लिंक रोबोटिक मैनीपुलेटर सिस्टम, जर्नल ऑफ इंटेलीजेंट एंड फजी सिस्टम्स (स्वीकृत)।

कुमार जे., कुमार वी. एवं राणा के.पी. एस. (2018). ए फ्रैक्शनल आर्डर फजी पीडी+1 कंट्रोलर फॉर थ्री लिंक इलेक्ट्रिकली ड्रिवन रिजिड रोबोटिक मैनीपुलेटर सिस्टम, जर्नल ऑफ इंटेलीजेंट एंड फजी सिस्टम्स (स्वीकृत)।

कुमार जे., राणा के.पी.एस. एवं नारंग एस. (2017). कंपैरिटिव स्टडी ऑफ टाइप-2 एंड टाइप-1 फजी पीआई कंट्रोलर्स ऑन सैंसर नॉइस संप्रेशन इन ए कंट्रोल लूप, जर्नल ऑफ कंट्रोल इंजीनियरिंग एंड एप्लाइड इंफार्मेटिक्स, 19(2), 20-30.

कुमार एस., राणा के.पी.एस., कुमार जे., मिश्रा पी. एवं नायर एस. (2017). ए रोबस्ट फंक्शनल आर्डर फजी पी+फजी आई+ फजी डी कंट्रोलर फॉर नानलीनियर एंउ अनसर्टेन सिस्टम, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑटोमेशन एंड कंप्यूटिंग, 14(4), 474-488.

कुमार जे., राणा के.पी.एस. एवं कुमार वी. (2017). एनालाइसिस एंड डिजाइन ऑफ ए कन्वर्टर बेस्ड ऑन नॉन-कैस्केडिंग स्ट्रक्चर, टर्किश जर्नल ऑफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एंड कंप्यूटर साइंसेज़ (स्वीकृत)।

कुमार बी., झा एस.के. एवं कुमार टी. (2018). रिव्यू ऑफ मैक्सिमम पावर प्वाइंट ट्रैकिंग टेक्नीक्स फॉर फोटोवोल्टेक ऐरे वर्किंग अंडर यूनीफार्म/नॉन-लीनियर आइसोलेशन लेवल, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रीन्यूएबल एनर्जी टेक्नोलॉजी (स्वीकृत)।

कुमार बी. एवं गोयल टी. (2018). इन्वेस्टीगेशन ऑन फ्लक्स एस्टीमेशन मेथड्स फॉर स्टेटर करंट बेस्ड एमआरएएस स्पीड एस्टीमेटर फॉर इंडक्शन मोटर ड्राइव, आईईईई इंटरनेशनल कांफेरेंस इंजीनियर इंफिनेट (स्वीकृत)।

कुमार टी., कुमार बी. एवं झा एस.के. (2017). मतलब/सिमुलिंग मॉडल टु स्टडी सोलर सैल कैरेक्टरिस्टिक्स अंडर पार्शल शेडिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, कम्युनिकेशन एवं एरोस्पेस प्रौद्योगिकी पर आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाहियों में 642-646.

महतो टी., मलिक एच. एवं आरिफ एम.एस.बी. (2018). लोड फ्रीक्वेंसी, कंट्रोल ऑफ ए सोलर-डीजल बेस्ड आइसोलेटेड हाइब्रिड पावर सिस्टम बाई फंक्शनल आर्डर कंट्रोल यूजिंग पार्टिकल स्वार्म आप्टिमाइजेशन, जर्नल ऑफ इंटेलीजेंट एंड फजी सिस्टम्स (स्वीकृत)।

मलिक एच. एवं शर्मा आर. (2017). ट्रांसमिशन लाइन फॉल्ट क्लासिफिकेशन यूजिंग मॉडिफाइड फर्जी क्यू लर्निंग, आईईटी जेनेरेशन, ट्रासंमिशन एवं डिस्ट्रिब्यूशन (स्वीकृत)।

मलिक एच., शाह ए.के. एंड यादव ए. (2018). ईएमडी एंड एएनएन बेस्ड इंटेलीजेंट मॉडल फॉर बीयरिंग फॉल्ट डायग्नोसिस, जर्नल ऑफ इंटेलीजेंट एंड फजी सिस्टम्स (स्वीकृत)।

मलिक एच. एवं मिश्रा एस. (2017). आर्टिफिशल न्यूरल नेटवर्क एंड इंपीरिकल मोड डिकंपोजिशन बेस्ड इंबैलेंस फाल्ट डायग्नोसिस ऑफ विद टर्बाइन यूजिंग टर्बिज्म, फास्ट एंड सिमुलिंग, आईईटी रिन्यूएबल जेनेरेशन, 11(6), 889-902.

मलिक एच. एवं मिश्रा एस. (2018). एप्लीकेशन ऑफ़ जीईपी टू इन्वेस्टिगेट दि इमबैलेंस फाल्ट्स इन डायरेक्ट-ड्राइव विंड टरबाइन यूजिंग जनेरेटर करंट सिग्नल्स, आईईटी रिन्यूएबल जेनेरेशन, 11(6), 889-902.

मलिक एच. एवं शर्मा आर. (2017). ट्रांसमीशन लाइन फॉल्ट क्लासिफिकेशन यूजिंग मॉडिफाइड फजी क्यू लर्निंग, जेनेरेशन, ट्रांसमिशन एंड डिस्ट्रिब्यूशन, 11(16), 4041-4050.

मलिक एच. एवं मिश्रा एस. (2017). सेलेक्शन ऑफ मोस्ट रेलेवेंट इनपुट पैरामीटर्स यूजिंग प्रिंसिपल कंपोनेंट एनालाइसिस फॉर एक्सट्रीम लर्निंग मशीन बेस्ड पावर ट्रासंफार्मर फॉल्ट डायग्नोसिस मॉडल इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रिक पावर कंपोनेंट्स एंड सिस्टम्स, 45(12), 1-13.

मलिक एच. एवं मिश्रा एस. (2017). फास्ट एंड स्मुलिंग बेस्ड सिमुलेशन इंवेस्टिगेशन ऑफ विद टर्बाइन फॉल्ट्स, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिन्यूएबल एनर्जी टेक्नालॉजी, (3-4), 286-304.

मलिक एच. एवं मिश्रा एस. (2017). वाल्वेट एंड हिल्बर्ट हुआंग ट्रांसफार्म बेस्ड विंड टर्बाइन इंबैलेंस फॉल्ट क्लासिफिकेशन मॉडल यूजिंग के-नीयरेस्ट नेवर एल्गोरिद्म, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिन्यूएबल एनर्जी टेक्नालॉजी (स्वीकृत)।

मिश्रा पी., कुमार वी. एवं राणा के.पी.एस. (2018). एन एफिशिएंट मैथड फॉर पैरामीटर एस्टिमेशन ऑफ ए नानलीनियर सिस्टम यूजिंग वैक ट्रैकिंग सर्च एल्गोरिद्म, इंजीनियरिंग साइंस एंड टेक्नालॉजी, डीओआई. ओर्ग/10.1016/ जे. जेस्टेक 2018.03.009.

नैयर एस.एस., राणा के.पी.एस., कुमार वी. एवं चावला ए. (2017). एफिशिएंट मॉडलिंग ऑफ लीनियर डिस्क्रीट फिल्टर्स यूसिग्नेंट लायन आप्टिमाइजर सर्किट्स, सिस्टम्स एंड सिंगनल प्रोसेसिंग, 36(4), 1535-1568.

नंदर कुमार, नवीन, शर्मा आर. एवं मलिक एच. (2018). सोल्विंग नॉन-काम्प्लेक्स इकानामिक थर्मल पावर डिस्पैच प्रॉब्लम विद मल्टीपल फ्यूल सिस्टम एंड वाल्व प्वाइंट लोडिंग इफेक्ट यूजिंग फजी रीइंफोर्समेंट लर्निंग, जर्नल ऑफ इंटेलीजेंट एंड फजी सिस्टम्स (स्वीकृत)।

नवीन एन.के. एवं शर्मा आर. (2017). ए फजी रीइंफोर्समेंट लर्निंग अप्रोच टु थर्मल यूनिट कमिटमेंट प्राब्लम, न्यूरल कंप्यूटिंग एंड एप्लीकेशंस (स्वीकृत)।

निथिलास्वर्णन के., तकवानी एन., मिश्रा पी., कुमार वी., एवं राणा के.पी.एस. (2018). एफिशिएंट कंट्रोल ऑफ इंटीग्रेटेड पावर सिस्टम यूजिंग सेल्फ ट्यूंड फ्रैक्शनल ऑडर फजी पीआईडी कंट्रोलर, न्यूनल कंप्यूटिंग एंड एप्लीकेशंस (स्वीकृत)।

पांडे एस. एवं झा एस.के. (2018). सम स्टडीज़ ऑन ह्यूरिस्टिक इंप्लीकेशंस ऑफ रोबस्ट कंट्रेल थियोरी, जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग, 5(1), 22-26.

पाराशर ए., मलिक एच. एवं शर्मा आर. (2018), फीचर एक्सट्रेक्शन यूजिंग इंएमडी एंड क्लासिफायर थ्रू आर्टिफिशल न्यूरल नेटवर्क्स फॉर फॉल्ट डायग्नोसिस ऑफ विंड टर्बाइन गीयरबॉक्स, एक्सेप्टेड एड सिग्मा, 2018, एनएसआईटी, नई दिल्ली, भारत।

पारूल, मलिक एच. एवं शर्मा आर. (2017). विंड स्पीड फोरकास्टिंग मॉडल फॉर नार्दन-वेस्टर्न रीजन ऑफ इंडिया यूजिंग डिसीजन ट्री एंड मल्टी लेयर पर्सेप्शन न्यूरल नेटवर्क अप्रोच, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिन्यूएबल एनर्जी टेक्नालॉजी (स्वीकृत)।

प्रसाद टी. राणा के.पी.एस. एवं कुमार वी. (2018). एन्हैंसिंग लीनियरिटी ऑफ वोल्टेज कंट्रोल्ड आस्किलेटर थर्मिस्टर सिगनल कंडीशनिंग सर्किट यूजिंग लीनियर रिसर्च, जर्नल ऑफ दि इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), सीरिज बी. (स्वीकृत)।

प्रसाद टी. राणा के.पी.एस. एवं कुमार वी. (2018). डेवलपमेंट ऑफ एन इंटेलीजेंट टेम्परेचर ट्रांसड्यूसर, आईईईई सेंर्सस जर्नल (स्वीकृत)।

प्रसाद टी. राणा के.पी.एस. एवं कुमार वी. (2017). कमेंट्स ऑन डिजाइन एंड मॉडलिंग ऑफ एन इंटेलीजेंट टेम्परेचर टु फ्रीक्वेंसी कंवर्टर, मीजरमेंट, 102, 138-141.

राणा के.पी.एस., कुमार वी., डागर ए.के., चंदेल ए. एवं कटारिया ए. (2018). एफपीजीए इंप्लीमेंटेशन ऑफ स्टेनहार्ट-हार्ट इक्वेशन फॉर मोर एकुरेट थर्मिस्टर लीनियराइजेशन, आईईईई सेंसर जर्नल, 18(6), 2260-2267.

राणा के.पी.एस., कुमार वी. एवं मेंदीरत्ता जे. (2017). एन एजुकेशनल लैबोरेट्री वर्चुअल इंस्ट्रुमेंटेशन स्यूट असिस्टेड एक्सपेरिमेंट फॉर स्टडिंग फंडामेंटल्स ऑफ सीरीज़ रेसिस्टेंस-इंटक्टेंस-कैपेसिटेंस सर्किट, यूरोपियन जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग एजुकेशन (स्वीकृत)।

राठोर एन.एस., सिंह वी.पी. एवं कुमार बी. (2018). कंट्रोल डिजाइन फॉर दोहा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट यूजिंग ग्रे वूल्फ आप्टिमाइजेशन, जर्नल ऑफ इंटेलीजेंट एंड फजी सिस्टम्स (स्वीकृत)।

रे एन., मदान एम., कुमार बी. एवं झा एस.के. (2017) फजी लॉजिक बेस्ड एमआरएएस स्पीड एस्टिमेटर विद रोटोर रेजिस्टेंस एडैप्टेशन मेकिनिज्म फॉर इंडक्शन मोटर ड्राइव, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंप्यूटेशनल इंटेलीजेंस रिसर्च, 13(8), 1953-1962.

रे एन., मदान एम., कुमार बी. एवं झा एस.के. (2017) फजी लॉजिक बेस्ड एमआरएएस स्पीड एस्टिमेटर विद रोटोर रेजिस्टेंस एडैप्टेशन मेकिनिज्म फॉर इंडक्शन मोटर ड्राइव, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंप्यूटेशनल इंटेलीजेंस रिसर्च, 13(8), 1953-1962.

रोहिला पी., कुमार वी. एवं हक्काक एफ.ए. (2017). फजी आई+पीडी कंट्रोलर फॉर स्टिक्शन कंपेंसेशन इन न्यूमैटिक कंट्रोल वाल्व, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड इंजीनियरिंग रिसर्च, 12(13), 3566-3575.

रोहिला पी., कुमार वी., एवं हक्का एफ.ए. (2018). फजी गेन शिड्यूलिंग ऑफ एन आई-पी-डी कंट्रोलर फॉर आस्किलेशन कंपेनसेशन इन ए स्टिकी न्यूमेटिक कंट्रोल वाल्व, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मेकेनिकल इंजीनियरिंग एंड रोबोटिक्स रिसर्च (3), 240-249.

शर्मा आर. एवं कुक्केर ए. (2017). न्यूरल इंफोर्समेंट लर्निंग बेस्ड आइडेंटिफायर फॉर टाइपिंग कीज़ यूजिंग फोरआर्म ईएमजी सिगनल्स प्रोसेसिंग सिस्टम्स पर नौवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएसपीएस 2017) में स्वीकृत, एटीयू यूनीवर्सिटी, आकलैंड, न्यूजीलैंड, 27-30 नवम्बर, 2017.

सिंह के.वी., मलिक एच. एवं शर्मा आर. (2017). कंडीशन मॉनीटरिंग ऑफ विंड टर्बाइन गीयरबॉक्स यूजिंग इलेक्ट्रिकल सिग्नेचर्स, आईईईई आईसीएमडीसीएस, 2017 में स्वीकृत।

सिंह के.के., सिंह एस.पी. एवं कुमार बी. (2018). पर्फामेंस इवैलुएशन ऑफ ब्रशलैस डीसी मोटर ड्राइब सप्लाइड फ्रॉम हाइब्रिड सोर्सेज़, इंटरनेशनल कांफ्रेस सिगनल्स, मशीन्स एंड आटोमेशन (स्वीकृत)।

सिंह एस.पी, गौतम ए.के., त्रिपाठी एस.पी. एवं कुमार बी. (2017). पर्फोमेंस कंपैरिजन ऑफ एमपीपीटी टेक्नीक्स यूजिंग कक कंवर्टर फॉर फोटोवोल्टिक एनर्जी कंवर्शन सिस्टम, कंप्यूटेशनल इंटेलीजेंस एवं कम्युनिकेशन टेक्नालॉजी (सीआईसीटी) पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 1-6.

श्रीवास्तव एस., एश्वर्या पी.जी., गुप्ता एम., प्रसन्न कुमार एन., रूडोला ए., मलिक ए. एवं श्रीवास्तव एस. (2018). ए कंपेरेटेव स्टडी ऑफ पीआईडी एंड न्यूरो फजी बेस्ड कंट्रोल स्कीम्स फॉर ए 6-डीओएफ रोबोटिक आर्म, जर्नल ऑफ इंटेलीजेंट एंड फजी सिस्टम्स (स्वीकृत)।

सुखीजा ए. एवं झा एस.के. (2018). मिक्स्ड मैथड्स फॉर रिड्यूज्ड आर्डर मॉडलिंग ऑफ लीनियर इंटरवल सिस्टम, जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग, 5(1), 1-7.

तिवारी आर., सक्सेना एम.के., मेंहदीरत्ता पी., वस्ता के. श्रीवास्तव एस. एवं गेरा आर (2018). मार्केट सेग्मेंटेशन यूजिंग सुपरवाइज्ड एंड अनसुपरवाइज्ड लर्निंग टेक्नीक्स फॉर ई-कॉमर्स एप्लीकेशंस, जर्नल ऑफ इंटेलीजेंट एंड फजी सिस्टम्स (स्वीकृत)।

तिवारी ए., कुमार बी. एवं चौहान वाई.के. (2017). एएनएन बेस्ड स्पीड एस्टिमेशन ऑफ इंडक्शन मोटर ड्राइव एट लो स्पीड इलेक्ट्रॉनिक्स, कम्युनिकेशन एवं एरोस्पेस टेक्नालॉजी पर आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाहियों में 176-179.

उपाध्याय वी., सिंह ए., पांडेय पी., कुमार ए. एवं शर्मा आर. (2017). जेनेटिक एल्गोरिद्म बेस्ड आप्टिमाइजेशन ऑफ एंट कालोनी कंट्रोलर फॉर फ्रैक्शनल आर्डर सिस्टम्स, कंप्यूटेशनल इंटेलीजेंस : थियोरीज़ एप्लीकेशंस एंड फ्यूचर डायरेक्शंस पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीसीआई-2017), इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी कानपुर, भारत, 6-8 दिसम्बर, 2017.

वर्मा पी., गुप्ता पी. एवं कुमार बी. (2017). ग्राफिकल यूजर इंटरफेस (जीयूआई) टु स्टडी डीसी मोटर डायनैमिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, कम्युनिकेशन और एयरोस्पेस टेक्नालॉजी पर अंतर्राष्ट्रीय आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाहियों में, 649-654.

यादव ए.के., शर्मा वी., मलिक एच. एवं चंदेह एस.एस. (2017). डेली ऐरे यील्ड प्रीडिक्शन ऑफ़ ग्रिड-इंटरेक्टिव फोटोवोल्टेक प्लांट यूजिंग रिलीफ एट्रिब्यूट इलैलुएटर बेस्ड रेडियल बेसिस फंक्शन न्यूरल नेटवर्क, रिन्यूएबल एंड सस्टेनेबल एनर्जी रिव्यूज, 81(भाग 2), 2115-2127.

आयोजित सम्मेलन

वर्ष के दौरान एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 23-25 फरवरी, 2018 को एनएसआईटी परिसर में "सिगनल मशीन एंड आटोमेशन" विषय पर आयोजित किया गया। इस सम्मेलन को मारूति सुजुकी, गेल, इंडिया, डीआरडीओ, जेआईओ, बैंक ऑफ बड़ौदा आदि द्वारा प्रायोजित किया गया था।

संगोष्ठी/सम्मेलनों में प्रस्तुतीकरण

स्मृति श्रीवास्तव (2018). आइडेंटिफिकेशन ऑफ डायनेमिक सिस्टम्स यूजिंग इंटेलीजेंट वाटर ड्राप एल्गोरिद्म, सिगनल मशीन एवं आटोमेशन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (सिगमा-2018) में प्रकाशित, 23-24 फरवरी, 2018, नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली।

कुमार सुनील, राजेश कटारिया, के.पी.एस राणा एवं विनोद कुमार (2017). ए वाई-क्वाड्रिक कन्वर्टर बेस्ड ऑन नॉन-कैस्केडिंग स्ट्रक्चर। नैनोटेक्नालॉजी फॉर इंस्ट्रुमेंटेशन एंड मीजरमेंट वर्कशाप पर आईईईई सम्मेलन (III इंटरनेशनल कांफ्रेस) की कार्यवाहियों में प्रकाशन के लिए स्वीकृत, 16-17 नवम्बर, 2017 गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा, भारत।

सचिव शर्मा, विनीत कुमार, के.पी.एस. राणा (2017) वाल्व स्टिक्शन मॉडलिंग यूजिंग न्यूरल नेटवर्क, कंप्यूटिंग एवं संचार प्रौद्योगिकी में उभरती प्रवृत्तियां' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (जीईएचयू-2017) की कार्यवाहियों में प्रकाशन के लिए स्वीकृत, 17-18 नवम्बर, 2017, ग्राफिक एरा हिल यूनीवर्सिटी, देहरादून, उत्तराखंड, भारत।

पुनीत मिश्रा, विनीत कुमार, के.पी.एस. राणा (2017). ए कंपेरेटिव स्टडी फॉर फ्लो कंट्रोल यूजिंग एससीआईसी एंड एनपीआईसी कंट्रोलर्स, कंप्यूटिंग, कम्युनिकेशन और नेटवर्किंग प्रौद्योगिकियों पर 8वें सम्मेलन (आईसीसीसीएनटी-17) की कार्यवाहियों के लिए स्वीकृत, 3-5 जुलाई, 2017, आईआईटी, दिल्ली भारत।

तरुण कुमार, भावेश कुमार एवं एस.के. झा (2017). मतलब/सिमुलिंग मॉडल टु स्टडी सोलर सैल कैरेक्टरिस्टक्स अंडर पार्शल शेडिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, कम्युनिकेशन और ऐरोस्पेस प्रौद्योगिकी पर आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीईसीए 2017), 20-22 अप्रैल, 2017 तक आरवीएस टेक्निकल परिसर, कोयमत्तूर, तमिलनाडु, भारत में आयोजित।

एस.के. झा और आदित्य कुमार शर्मा (2017). ह्यूरिस्टिक इवेंस्टिगेशन ऑन टू स्टेप मॉडल मार्डर रिडक्शन टेकनीक, इलेक्ट्रॉनिक्स, कम्युनिकेशन और ऐरोस्पेस प्रौद्योगिकी पर आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीईसीए 2017), 20-22 अप्रैल, 2017 तक आरवीएस टेक्निकल परिसर, कोयमत्तूर, तमिलनाडु, भारत में आयोजित।

एस.के. झा, ए.के. यादव एवं पी. गौड़ (2017). पावर मैनेजमेंट फॉर इलेक्ट्रिक व्हीकल विद पीआईडी एंड फजी लॉजिक कंट्रोलर्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, कम्युनिकेशन और ऐरोस्पेस प्रौद्योगिकी पर आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीईसीए 2017), 20-22 अप्रैल, 2017 तक आरवीएस टेक्निकल परिसर, कोयमत्तूर, तमिलनाडु, भारत में आयोजित।

प्रदत्त एम.फिल/पीएच.डी. डिग्रियां

पीएच.डी. : 3

संकाय सदस्य संख्या

स्थायी : 17

***

अनुप्रयुक्त विज्ञान एवं मानविकी प्रबंध विभाग

प्रमुख क्रियाकलाप और उपलब्धियां

प्रबंध प्रभाग के संकाय-सदस्य संस्थान के शिक्षण प्रबंध विषयों में कार्यरत हैं।

प्रकाशन

देशवाल पी., त्रिवेदी ए. एवं हिमांशी एच.एल.एन. (2017). ऑनलाइन लर्निंग एक्सपीरिएंस स्केल वैलिडेशन एंड इट्स इंपैक्ट ऑन लर्नर्स सैरिस्फेक्शन, प्रोसीडिया कंप्यूटर साइंस, 112, 2455-2462.

पांडे एस. एवं देशवाल पी. (2018). दि इंफ्लूएंस ऑफ मेडिकल कोर्स एक्सपीरिएंस ऑन सैटिस्फैक्शन, लॉयल्टी एंड वर्ल्ड ऑफ माउथ इन इंडियन मेडिकल कॉलेज, प्रोसिडिया कंप्यूटर साइंस, 132, 84-91.

सैनी ए., चंदलोक एस. एवं देशवाल पी. (2017). एडवांसमेंट ऑफ ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम यूजिंग आरएफआईडी, इंटेलीजेंट कंप्यूटिंग एंड कंट्रोल सिस्टम्स (आईसीआईसीसीएस) में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (पृष्ठ 1254-1260), आईईईई।

त्रिवेदी ए., देशवाल पी., सोनी यू. एवं सोनी एन. (2018). डेमोग्राफिक वेरिएबल्स एंड ऑनलाइन कस्टमर एक्सपीरिएंस ऑफ एजुकेशनल वेबसाइट यूजर्स, प्रोसीडिया कंप्यूटर साइंस, 132, 965-970.

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण

देशवाल पी., त्रिवेदी ए. एवं हिमांश एच.एल.एन (2017). ऑनलाइन लर्निंग एक्सपरिएंस स्केल वैलीडेशन एंव इंट्स इंपैक्ट ऑन लर्नर्स सैटिस्फैक्शन. प्रोसीडिया कंप्यूटर साइंस, 112, 2455-2462.

त्रिवेदी ए., देशवाल पी., सोनी यू. एवं मानी एन. (2018). डेमोग्राफिक वेरिएबल्स एंड ऑनलाइन कस्टमर एक्सपीरिएंस ऑफ एजुकेशनल वेबसाइट्स यूजर्स, प्रोसीडिया कंप्यूटर साइंस, 132, 965-970.

पांडे एस. एवं देशवाल पी. (2018). दि इंफ्लुएंस ऑफ मेडिकल कोर्स एक्सपीरिएंस ऑन सैटिस्फैक्शन, लायल्टी एंड वर्ल्ड ऑफ माउथ इन इंडियन मेडिकल कालेजेज़ प्रोसीडिया कंप्यूटर साइंस, 132-84-91.

सैनी ए., चंदोक एस. एवं देशवाल पी. (2017, जून). एडवांसेमेंट ऑफ ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम यूजिंग आरएफआईडी, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन इंटेलीजेंट कंप्यूटिंग एंड कंट्रेल सिस्टम्स (आईसीआईसीसीएस), 2017 में (पृष्ठ 1254-1260), आईईईई।

संकाय-सदस्य संख्या

तीन (03)

***

विनिर्माण प्रक्रियाएं एवं स्वचालन इंजीनियरिंग

प्रमुख क्रियाकलाप एवं उपलब्धियां

विभाग दो बी.ई. कार्यक्रम संचालित करता है - एक विनिर्माण प्रक्रियएं और स्वचालन इंजीनियरी (एमपीएई) और दूसरा यांत्रिक इंजीनियरी (एम.ई.) में जिनकी प्रवेश क्षमता क्रमश: 120 और 60 छात्र हैं। यह उत्पादन इंजीनियरी (पीई) और इंजीनियरी प्रबंधन (ईएम)। इसके अलावा, यह एमपीएई/एमई के संबद्ध क्षेत्रों में पीएच.डी. कार्यक्रम भी संचालित करता है। पारंपरिक प्रयोगशालाओं जैसे सामग्री परीक्षण, वेल्डिंग, मौसम-विज्ञान और सुज्जित कार्यशाला के अलावा, विभाग के पास एडवांस वेल्डिंग, यांत्रिक विज्ञान, कंप्यूटर एकीकृत विनिर्माण, रोबोटिक्स और कृत्रिम आसूचना आदि से संबंधित प्रयोशालाएं भी है जिनमें अनेक प्रकार की सुविधाएं हैं, जैसे ईडीएम, सीएनसी, एफएमसी, यूटीएम, एफडीएम, रोबोटिक्स, ईसीएम, एसएडब्ल्यू, सेंट्रल लेथ, शेपर्स, यूएसएम, वीएमएम, मफल और नियंत्रित परिवेश फर्नेसेस।

सम्मान/विशिष्टियां

डॉ. विजयंत अग्रवाल को देवांग मेहता राष्ट्रीय शिक्षा पुरस्कार द्वारा श्रेष्ठ प्रोफेसर पुरस्कार।

प्रकाशन

बाजपेयी पी.के., राम के., गहलौत एल.के. एवं झा वी.के. (2018). फेब्रिकेशन ऑफ़ ग्लास/जूट/एपोक्सी कोम्पोजिट बेस्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी हेलमेट. मैटेरियल्स टुडे प्रोसीडिंग्स, 5(2), 8699-8706.

बंसल पी., जैन ए. एवं झा वी.के. (2018). डेवलपमेंट ऑफ ए रेसीप्रोकल ट्यूब-फनल फीडर एंड ग्राफिकल एनालाइसिस ऑफ इट्स पर्फोमेंस, जर्नल ऑफ रिसर्च इन मैकेनिकल इंजीनियरिंग एंड एप्लाइड मेकेनिक्स, 3(1), 1-7.

चौधरी वी., वाजपेई पी.के. एवं महेश्वरी एम. (2018). एन इंवेस्टिगेशन ऑन वीयर एंड डायनेमिक्स मैकेनिकल बिहेवियर ऑफ जूट/हेम्प/फ्लेक्स रीइंफोर्स्ड कंपोजिट्स एंड इट्स हाइब्रिड्स फॉर ट्राइबायलॉजिकल एप्लीकेशंस, फाइबर्स एंड पालीमर्स, 19(2), 403-415.

चौधरी वी., वाजपेयी पी.के. एवं महेश्वरी एस. (2018). इफेक्ट ऑफ मास्किटो एब्जार्प्शन ऑन दि मैकेनिकल पर्फोरमेंस ऑफ नैचुरल फाइबर रीइंफोर्स्ड वूवन हाइब्रिड बायो-कंपोजिट्स जर्नल ऑफ नैचुरल फाइबर्स, डीओआई आर्ग/10.1080/15440478. 2018. 1469451.

चौधरी एस., नायक एस.के., मलिक ए. एवं सिंह डी.के. (2018). इंपार्टेंट इशूज इन सप्लाई चेन मैनेजमेंट एंड डेवलपमेंट, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रीसेंट आस्पेक्ट्स, 5(1), 45-54.

चौधरी एस., जैकब ए., त्रिवेदी ए. एवं सिंह डी.के. (2017). इंपैक्ट ऑफ डीमोनेटाइजेशन ऑन इंडियन इकानॉमी, इंडियन जर्नल ऑफ इकानामिक्स एंड डेवलपमेंट, 5(4), 1-7.

चौधरी वी. वाजपेयी पी.के., महेश्वरी एस. (2017). स्टडीज ऑन मेकेनिकल एंड मोर्फोलाजिकल कैरेक्टेराइजेशन ऑफ डेवलप्ड जूट/हेम्प/फ्लैक्स की इंफोर्स्ड हाइब्रिड कंपोजिट्स फौर स्ट्रक्चरल एप्लीकेशंस जर्नल ऑफ नैचुरल फाइबर्स, 1-18.

द्विवेदी पी., सिंह डी.के. एवं चमोली पी. (2018). एप्लीकेशन ऑफ एएचपी एंड पीएएम इन ग्रीन मैनुफेक्चरिंग जर्नल ऑफ मैटीरियल साइंस एंड मैकेनिकल इंजीनियरिंग 5(1), 23-26.

गंजिल एन., सिद्दीकी ए.एन. एवं महेश्वरी एस. (2017). एलुमीनियम बेस्ड इन-सीटू कंपोजिट फैब्रिकेशन थ्रू फ्रिक्शन स्टिर प्रोसेसिंग : र रिव्यू, जर्नल ऑफ एलॉय एंड कंपाउंड्स 715, 91-104.

गोयल वी., खंडारी आर., गर्ग यू. एवं खन्ना पी. (2017). ग्राफिकल एनालाइसिस ऑफ पर्फोरमेंस ऑफ मेग्नेटिक डिस्क फीडर, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांसेस इन इलेक्ट्रानिक्स एंड कंप्यूटर साइंस, 4(5), 31-33.

जोशी एच. एवं सिंह डी.के. (2018). आप्टिमल ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट यूजिंग जीनेटिक एल्गोरिद्म, जर्नल ऑफ ऐरोनॉटिकल एंड ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग, 5(10, 17-19.

कपूर एम., एलाबादी टी., सिंगल यू. एवं खन्ना पी. (2017). ग्राफिकल एनालाइसिस ऑफ बॉटल कैप्स फीडिंग इन ए वाइब्रेटरी बाउल फीडर, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव साइंस इंजीनियरिंग एंड टेक्नालॉजी, 4(12), 118-122.

कटारिया ए. एवं सिंह डी.के. (2018). एनालाइसिस ऑफ सप्लाई येन चैलेंजेज यूजिंग इंटरप्रेटिव स्ट्रक्चरल मॉडल, एडवांसेस इन इकानामिक्स एंड बिजनेस मैनेजमेंट, 5(2), 105-109.

खन्ना पी. एवं माहेश्वरी एस. (2017). माइक्रोहार्डनेस एनालाइसिस एन एमआईजी वेल्डिंग ऑफ स्टेनलैस स्टील 409 एम., जर्नल ऑफ प्रोडक्शन इंजीनियरिंग, 20(1), 93-96.

खन्ना पी. एवं माहेश्वरी एस. (2018). डेवलपमेंट ऑफ मैथेमेटिकल मॉड्ल्स फॉर प्रीडिक्शन एंड कंट्रोल ऑफ वेल्ड डाइमेंशंस इन मिग वेल्डिंग ऑफ स्टेनलैस स्टील 409 एस, मैटीरियल्स टुडे : प्रोसीडिंग्स, 5(2), 4478-4488.

खन्ना पी. एवं माहेश्वरी एस. (2018). रेजिडुअल स्ट्रेस एनालाइसिस इन एमआईजी वेल्डिंग ऑफ स्टेनलैस स्टील 409एम, मैटीरियल्स टुडे : प्रोसीडिंग्स, 4939-4947.

कुमार डी., अग्रवाल डी., माहेश्वरी जी. एवं खन्ना पी. (2017). डेवलपमेंट ऑफ मेकेनाइज्ड फीडिंग सिस्टम विद कंप्यूटेशनल एनालाइसिस, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन इंजीनियरिंग एंड टेक्नालॉजी, 06(10), 126-132.

कुमार एस., कार्तिक डी., भाटिया एस. एवं खन्ना पी. (2018). स्मार्ट वे ऑफ गार्बेज मानीटरिंग सिस्टम, जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेली कम्युनिकेशंस इंजीनियरिंग, 3(1), 1-9.

नागपाल एन., भूषण बी. एवं अग्रवाल वी. (2017). एस्टिमेशन ऑफ स्टोकैस्टिक इंवायर्नमेंट फोर्स फॉर मास्टर-स्लेव रोबोटिक सिस्टम, साधना, डीओआई : 10.1007/एस 12046-017-0643-7, 1-11.

नागपाल एन., अग्रवाल वी. एवं भूषण बी. (2018). रीयल टाइम स्टेट आबजर्वर बेस्ड कंट्रोलर फॉर स्टॉकैस्टिक रोबोटिक मानीपुलेटर, आईईईई ट्रांजेक्सन ऑन इंडस्ट्री एपलिकेशंस, 54(2), 1806-1822.

नारंग डी., राज ए. एवं खन्ना पी. (2017). मैथमेटिकल मॉडलिंग ऑफ़ ए बाउल फीडर फॉर स्फेरिकल वाशर्स, जर्नल ऑफ प्रोडक्शन इंजीनियरिंग, 20(2), 93-96.

नायक एस.के., एवं सिंह डी.के. (2018). एन एप्रोच टु इंप्लीमेंट क्वालिटी टूल्स इन इंवेंट्री मैनेजमेंट, आईओएस नीदरलैंड्स एंड स्पिंगेर, जर्मनी द्वारा प्रायोजित सिगनल्स, मशींस एवं आटोमेशन पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (सिग्मा 2018), नेताजी सुभाषा प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली, 23-25 जनवरी, 29.

प्रसाद एस., अंड्रिया एन. एवं ओझा ए. (2018). ए रिव्यू ऑन न्यूक्लीयर रेडिएशन, एक्सीडेंट्स प्रोसीडिंग्स ऑफ डब्ल्यूआरएफईआर इंटरनेशनल कांफ्रेस, 15 अप्रैल, 2018. एनए 38-40.

पायल एच., महेश्वरी एस. एवं भारती पी.एस. (2017). प्रोसेस मॉडलिंग ऑफ इलेक्ट्रिक डिस्चार्ज मशीनिंग ऑफ इनकोनेल 825 यूजिंग आर्टिफिशियल न्यूटरल नेटवर्क, वर्ड एकेउमी ऑफ साइंस, इंजीनियरिंग एंड टेक्नालॉजी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैकेनिकल, ऐरोस्पेस, इंडस्ट्रियल, मेकाट्रॉनिक एंड मैनुफैक्चरिंग इंजीनियरिंग, 11(3), 551-555.

राज ए., नारंग डी एवं खन्ना पी. (2017). ग्राफिकल एनालाइसिस ऑफ ए वाइप्रेटरी बाउल फीडर फॉर स्पेरिकल वाशर्स, जर्नल ऑफ मेटीरियल साइंस एंड मैकेनिकल इंजीनियरिंग, 4(2), 110-113.

राठी एस. महेश्वरी एस., सिद्दीकी ए.एन. एवं श्रीवास्तव एम. (2017). इंवेस्टिगेटिंग इफेक्ट्स ऑफ ग्रूव डायमेंशंस ऑन माइक्रोस्ट्रक्चल एंड मेकेनिकल प्रोपर्टीज़ ऑफ एए 6063/एसआईसी सर्फेस कंपोजिट्स प्रोड्यूस्ड बाई फ्रिक्शन स्टिर प्रोसेसिंग, जर्नल ऑफ ट्रांजेक्शंस ऑफ दि इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मेटल्स, 70(3), 809-816.

राठी एस. महेश्वरी एस., सिद्दीकी ए.एन. एवं श्रीवास्तव एम. (2017). डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ़ रेंफोर्समेंट पार्टिकल्स इन सरफेस कोम्पोजिट फेब्रिकेशन वाया फ्रिक्शन स्टिर प्रोसेसिंग : सूटेबल स्ट्रेटेजी, जर्नल ऑफ़ मैटेरियल्स एंड मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेसेज, 1-8.

राठी एस., महेश्वरी एस., सिद्दीकी ए.एन. एवं श्रीवास्तव एम. (2017). इश्यूज एंड स्ट्रेटेजीजज़ इन कोम्पोजिट फेब्रिकेशन वाया फ्रिक्शन स्टिर प्रोसेसिंग : ए रिव्यु, जर्नल ऑफ मैटीरियल्स एंड मैनुफैक्चरिंग प्रोसेसेज़, 1-23.

राठी एस. महेश्वरी एस. एवं सिद्दीकी ए.एन. एवं श्रीवास्तव एम. (2017). एनालाइसिस ऑफ माइक्रो स्ट्रक्चलर चेंजेज इन इन्हांसमेंट ऑफ सर्फेस प्रोपर्टीज इन शीट फोर्मिंग ऑफ एआईएलायज वाया फ्रिक्शन स्टिर प्रोसेसिंग, जर्नल ऑफ मैटीरियल्स टुडे : प्रोसीडिंग्स, 4(2), 452-458.

रावत एस., सिंह टी.के. एवं सिंह डी.के. (2018). फारकास्टिंग मेथड्स फॉर डिटरमाइनिंग फूड डिमांड, एडवांसेस इन इकानॉमिक्स एंड बिजनेस मैनेजमेंट 5(2), 114-117.

शर्मा एस.के., माहेश्वरी एस. (2017). आर्क कैरेक्टराइजेशन स्टडी फॉर सबमर्ज्ड आर्क वेल्डिंग ऑफ एचएसएलए (एपीआईएक्स 80). स्टील, जर्नल ऑफ मेकेनिकल साइंस एंड टेक्नालॉजी कोरियन सोसाइटी ऑफ मेकेनिकल इंजीनियर्स, 31(3), 1383-1390.

सिंह एन. एवं सिंह डी.के. (2018). ए मैथैमैटिकल मॉडल बेस्ड सप्लायर सेलेक्शन, एडवांसेस इन इकानॉमिक्स एंड बिजनेस मैनेजमेंट, 5(2), 118-121.

सिंह डी.के. एवं त्रिवेदी ए. (2018). क्वालिटी मैनेजमेंट इन एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रीसेंट रिसर्च आस्पेक्ट्स, 5(1), 40-44.

सिंगला आर. पार्थसारथी एच. एवं अग्रवाल वी. (2017). क्लासिकल रोबोट्स परटर्ब्ड बाई लेवी प्रोसेसेज : एनालाइसिस एंड लेवी डिस्टर्बेंस रिजेक्शन मैथड, डीओआई : 10.1007/एस 11071-017-3471-8.

श्रीवास्तव एम., माहेश्वरी एस., कुन्द्रा टी.के. एवं राठी एस. (2017). मल्टी रिस्पांस आप्टिमाइजेशन ऑफ फ्यूज्ड डिपोजिशन मॉडलिंग प्रोसेस पैरामीटर्स ऑफ एबीएस यूजिंग रिस्पांस सर्फेस मेथेडेलॉजी (आरएसएस) - बेस्ड डिजायर्बिलिटी जर्नल मैटीरियल्स टुडे : प्रोसीडिंग्स, 4(2), 1972-1977.

सुमन एस.के., चौहान एस. एवं सिंह डी.के. (2018). ए मैथैमैटिकल मॉडल टु ऑप्टिमाइज कॉस्ट इन रिवर्स लार्जिस्टिक्स एडवांसेस इन इकानामिक्स एंड बिजनेस मैनेजमेंट, 5(2), 110-113.

संगोष्ठी/सम्मेलन प्रस्तुतीकरण

फुरकान अहमद, परमेन्द्र कुमार बाजपेयी, टेंसिल स्ट्रेंथ कंपैरिजन ऑफ कार्बन/एपॉक्सी एंड ग्लास/एपाक्सी लैमिनेंट्स : ए फिनेट एलमेंट स्टडी, इंटरनेशनल कांफ्रेस ऑन एडवांसेस एंड सॉफ्ट कम्प्यूटिंग एप्लीकेशंस इन डिजाइन एंड मैनुफैक्चरिंग (एसडीएडीएम-2018), 04-06 जून, 2018, एनआईटी पटना।

खुशी राम़, परमेन्द्र कुमार बाजपेयी, इफेक्ट ऑफ प्रोसेसिंग एंड टाइप ऑफ मैकेनिकल लोडिंग ऑन पर्फोमेंस ऑफ बायो-फाइबर्स एंड बायो-कंपोजिट्स, इंटरनेशनल कांफ्रेस ऑन एडवांसेस एंड सॉफ्ट कम्प्यूटिंग एप्लीकेशंस इन डिजाइन एंड मैनुफैक्चरिंग (एसडीएडीएम-2018), 04-06 जून, 2018, एनआईटी पटना।

संकाय-सदस्य संख्या

प्रोफेसर	: 03
एसोसिएट प्रोफेसर	: 06
सहायक प्रोफेसर	: 07

****

महाविद्यालय

आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

इस महाविद्यालय को एनएसीसी द्वारा ग्रेड 'ए' तथा 3.31 स्कोर प्रदान किया गया है और भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग से "स्टार कॉलेज ग्रान्ट" का गौरवान्वित अभिग्राही है और इस महाविद्यालय के सात विज्ञान विभागों के साथ इसे इच्छित मान्यता प्राप्त है। महाविद्यालय को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार के प्रशिक्षण तथा तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा तीन वर्ष की अवधि के लिए 1.5 करोड़ रूपए प्रतिवर्ष के अनुदान के साथ "इन्कुम्वेशन केंद्र" बनाया गया है। इस कार्यक्रम के तहत पहले ही तीन स्टार्ट-अप शुरू किए जा चुके हैं। महाविद्यालय को राजकीय कोटि के उच्चतर शिक्षण संस्थान परियोजना के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। महाविद्यालय के बहुत से छात्रों ने शैक्षणिक उत्कृष्ठता हासिल की है (जिसका ब्यौरा छात्र उपलब्धि खण्ड के अंतर्गत दिया गया है)। तीन छात्रों ने महाविद्यालय के शिक्षकों के सीधे पर्यवेक्षण के अधीन अपने पीएच.डी. थिसिज प्रस्तुत किए हैं तथा शिक्षकों ने भी प्रस्तुति दी है और उन्हें पीएच.डी. की डिग्री प्रदान की गयी हैं। अन्तर्राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) ने एनएक्यूएफ स्तर-5 का "गुणवत्ता नियंत्रण (क्यूसी) केमिस्ट" नामक रोजगारपरक कौशल विकास पाठ्यक्रम शुरू किया है।

सम्मान/गौरव

डॉ. सावित्री सिंह (प्रधानाचार्य)

- महिला आर्थिक मंच (डब्ल्यू ई एफ) द्वारा उत्कृष्ट महिला विशिष्टता पुरस्कार (एक्सेपसनल विमेन ऑफ एक्सेलेंस) प्रदान किया जाना।

- मार्च, 2018 में यूनेस्को फ्लेगशीप के शिक्षण सम्मेलन में मोबाइल शिक्षण सप्ताह में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाना। इन्होंने जुबेल्जाना आईआर एक्सन प्लान तथा ओईआर अनुशंसा का मसौदा तैयार किया।

- "विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के उपयोग से महिला विकास के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार" वैयक्तिक तथा संस्थानिक हेतु गठित डीएसटी चयन समिति की सदस्य बना।

- भारत और सिल्वानिया के प्रभावित शहरों में परिवेशी वायु प्रदूषण तथा एचजी संदूषण का अनावृत प्रतिक्रिया आकलन (एक्सवोजर रिस्पोंस एसेसमेंट आफ एम्बिमेंट एयर पालुशन (एएपी) एवं एचजी कन्टेमिनेशन) एक तुलमात्मक अध्ययन पर भाषण देने के लिए इण्डो-सिल्वानिया परियोजना के तहत आमंत्रित किया गया।

- "राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय" द्वारा "डिजीटल लाइसेंसिंगः स्मार्ट डिसीजन फार स्मार्ट लाइब्रेरिज" पर आयोजित एक दिवसीय "डिजिटल लाइसेंसिंगः इशुज एंड चैलेंजेज" विषय पर मनोनीत उपकुलाधिपति के रूप में भाषण देने के लिए आमंत्रित किया गया।

- दिल्ली विश्वविद्यालय में छात्रों की महाविद्यालयों तथा विभागों में उपस्थिति का लेखा जोखा तथा निगरानी रखने की कारगर प्रणाली विकसित करने और उसे कार्यान्वित करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा गठित समिति में भागीदारी की।

- साइबर स्पेश पर वैश्विक सम्मेलन के रन-अप में इलैक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से यूनेस्को, नयी दिल्ली द्वारा आयोजित स्थायी विकास हेतु संरक्षित, सुरक्षित तथा मिली-जुली साइबर स्पेश के लिए इन्टरनेट यूनिवर्सिटी इंडिकेटस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया।

डॉ. उर्मी बाजपेयी को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रतिष्ठित "महाविद्यालय में सेवा के दौरान शिक्षण के लिए उत्कृष्ठता पुरस्कार" प्रदान किया गया और उन्हें दिल्ली विश्वविद्यालय की अनुसंधान परिषद में डिप्टी डीन उप/संकायध्यक्ष (अनुसंधान) के रूप में नियक्त किया गया।

डॉ. ममता भाटिया को फुलब्राईट-नेहरू एकेडमिक तथा प्रोफेशनल एक्सेलेंस फेलोशिप से पुरस्कृत किया गया। उन्होंने दायित्व के अलावा 4 महिने तक मियामी डेडे कालेज, अमेरीका में भौतिक शास्त्र का अध्यापन किया।

डॉ. सीमा गुप्ता को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार के उच्चतर शिक्षा निदेशालय द्वारा "सराहनीय शिक्षक पुरस्कार 2017" प्रदान किया गया।

डॉ. गगन धवन ने मेसाच्युसैटस, विश्वविद्यालय बोस्टन, अमेरिका के ग्रीन केमिस्ट्री सेंटर पर एक वर्षीय यूजीसी-रमन पोस्ट-डाक्ट्रेल फेलोशिप सफलतापूर्वक पूरी की।

डॉ. गीतु गम्भीर तथा डॉ. सुनीता हुडा ने भारतीय जन स्वास्थ्य संस्थान तथा पेसिफिक बेसिन कॉनसोर्टियम, आईएचसी, नयी दिल्ली द्वारा आयोजित "रेमेडिएशन आफ हेवी मेटल आन टोक्सीटी फ्रोम वेस्ट वाटर यूजिंग फंकस्नेलाइज्ड चिटिन" पर सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति के लिए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रथम पुरस्कार तथा एक ट्राफी प्राप्त की।

डॉ. वन्दना उबेरोइ को ब्रिटिश कॉउसिल द्वारा अनुसंधान और नवोन्मेष सेमिनार में आमंत्रित किया गया जिसका उद्देश्य स्काटलैंड की सामूहिक अनुसंधान विशेषज्ञता का प्रदर्शन करना तथा विशेषता अंडर ग्रेजुएट विज्ञान छात्रों पर केंद्रीत भारतीय अनुसंधान संस्थानों से सहयोग तथा उनकी भागीदारी की तलाश करना था।

डॉ. सरिता कुमार को नवम्बर, 2017 में फिलिपीन्स के तगेयतेय सिटी की बायोकेमिस्ट्री एंड बायोलॉजी एन्वल कन्वेंशन की 44 वीं फिलिपिन्स सोसाइटी के दौरान "बायोकेमिस्ट्री एंड मोलेक्यूलर, बायोलॉजीः प्रोफनीकेटूनेशन" वार्षिक संगोष्ठी के अवसर पर इम्पेक्ट ऑफ एकेटेमिपरिड आनदि सर्वाईवल, मोर्फोलॉजी एंड डेवलपमेंट एडिज एइजिप्टी एल. (डिपटेराः कुलिसिडेई) शीर्षक सर्वश्रेष्ठ पोस्टर से पुरस्कृत किया।

डॉ. अरिजीत चौधरी टुटोरियल ने नयी दिल्ली में, 10-13 दिसम्बर, 2017 के दौरान आयोजित स्वीकृत क्रियात्मकताओं पर छठे अंतर्राष्ट्रीय सिम्पोजियम की सह-अध्यक्षता की।

डॉ. अमित गर्ग ने 28 फरवरी, 2018 को "राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह", आईएनएस नई दिल्ली की परियोजना कोटि में "ब्रेन कन्ट्रोल्ड व्हीलचेयर" परियोजना के लिए द्वितीय पुरस्कार जीता।

गौरव सम्मान प्राप्त छात्र

सुश्री आयुशी रतुरी, बीएससी (आनर्स), ज्यूलोजी प्रथमवर्ष ने विश्वविद्यालय में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

सुश्री आयुशी रतुरी, बीएससी (आनर्स), ज्यूलोजी, द्वितीय वर्ष को विज्ञान संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय से 3000/- रूपए का साइन्स मेरिटोरियश पुरस्कार प्रदान किया गया।

श्री मयंक शुक्ला, बीएससी (आनर्स), भौतिक शास्त्र, तृतीय वर्ष को दिल्ली विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय, का 3000/- रूपए का विज्ञान मेरिटोरियश पुरस्कार प्रदान किया गया।

सुश्री हरलीन कौर, बीएससी (आनर्स), ज्यूलोजी, तृतीय वर्ष को दिल्ली विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय, का 3000/- रूपए का विज्ञान मेरिटोरियश पुरस्कार प्रदान किया गया।

सुश्री मोनल, बीएससी, शरीर विज्ञान, द्वितीय वर्ष को राजकीय वित्तपोषित कालेजों में अध्ययनरत शिक्षण सत्र 2016-17 की विशिष्ट छात्रा होने के कारण 10,000/- रूपए का पुरस्कार प्रदान किया गया।

प्रकाशन (चुनिंदा)

दास.पी. कुमार, पी. कुमार. एस, सोलंकी, आर कुमार, एम.के. (2017), प्युरी फिकेशन एंड मोलीकुलर करेक्टेराइजेशन ऑफ चितिनेसेस फ्रोम सायल एक्टीनोमाइसेटेस, अफ्रिकन जनरल ऑफ माइक्रोबायलोजी रिसर्च 11 (27), 1086-1102

इनियन के., धारावथ, एस, विजयन, आर, बाजपाई, यू., गौरीनाथ, एस., (2018) क्रिस्टिल स्ट्रक्चर ऑफ युडीपी-एन-एकेटाइल गुल को सेमाइन-इनोलपायरूवेट रेडुक्टेश (मुरबी) फ्रोम माईक्रोबेकटेरियम टयुबरक्लोसिस, बाइयोसिमिका एट बायोफिजिका एक्ट (बीबीए)- प्रोटिन्स एंड प्रोटेयोमिक्स, 1866(3), 397-406

गर्ग-एम.के, वेंकटरमैया. जी. (2016) सलाम की अभियुक्ति में दोहरे मानकों का चित्रण-दा आवर पास्ट मिड नाइट (अर्धरात्रि उपरान्त का समय) अंतर्राष्ट्रीय जनरल ऑफ लिटरेचर एंड हयुमेनिटिज, 4(11),2321-7065

गुप्ता, सी.के., चौधरी, ए (2017) वर्चुअल लर्निंग इन्वायरेनमेंट वीएलई-गुणवत्ता वाली शिक्षा बढाने का मंच, शिक्षा वृद्धि और अनुसंधान संबंधी अंतर्राष्ट्रीय जनरल 2(1)

गुप्ता, आर., अब्राहम, जे.एस., सोयामुन्दरम, एस., टुटेजा. आर, माखिजा, एसई, अलन्सेरेही एच.ए, (2017) ताजेपानी सिलिएट एपोनोटिहिमेना आइसोसट्रालिस एन.एसपी. का वर्गीकरण तथा शब्द संरचनात्मक विवरण (सिलियोफोरा, आक्सीटरीन्पाइडेड) संजय झील दिल्ली से अलग-थलग एक्टा प्रोटोजूलोजिका 56(2), 93-107

शर्मा, ए., कुमार, एस, त्रिपाठी, पी., (2017) एडिस एइजिप्टी एल के विरूद्ध साइडल संभाव्यता के साथ अचाईरेनथिस एस्पेरा स्टेम एक्ट्रेक्ट-मेडिएटेड सिल्वर नेनोकम्पोजिटस के हरित संश्लेषण के लिए एक सरल और तीव्र पद्धति साउदी जरनल ऑफ बायलोजिकल साइन्सेज (लेख छप रहा है)

शर्मा, एस.वी., हुडा, एस (2017) इन्जाइम इंजिनियरिंग के रिडिजाइन तथा सीधे क्रमिक विकास की विभिन्न नीतियों का विश्लेषण- जनरल ऑफ एडवांसेस इन साइन्स एंड टेक्नोलोजी 13,144-150 सिंह, सी.,

सिंह. एस,आर (2017) विशद एवं अस्पष्ट वातावरण के अंतर्गत भंडार आधारित मांग समायोजित जरनल ऑफ फुजी सिस्टम एप्लीकेशन, 6(2), 82-109

वारेन, ए., पेटरसन, डी.जे., दुनथोर्न, एम., कलेम्प, जे.सी, अचिलेसन्डे, यू.ई.एम.,एइसट, ई.एएल, फैराज, एसए, ए.एल कुरैशी, एस. फेन: वाई. गाओ., एफ.गाओ, एस. गोंगा., जे. गुप्ता, आर, हु., एक्स, कामरा, के, लॉगलोइस, जे.एल.इन, एक्स लिप्सकोम्ब., डी., लोब्बन., सी. एस. लुपोरिनी., पी. लीन., डी., एच.मा., एच. मसेक., एम मेक्केनजी-डोडस, जे. माखिजा., एस.मान सेर्घ., आई. मार्टिन-केरेसेडा, एम.मेकमिलर, एम. मोंटेगनिस, डी. निकोलेइवा, एस., आंगओन्डो., जी. ओ. पेरेजयूज., उजबी., पुरूषोथमन. जे. शी.पी., सौंग. डब्ल्यू. स्टाइक. टी. टेर्जा. ए.एल.वेल्लेसी, ए.वांग, एम.वैस्से, टी., विआकोब्हकी, के. वु.एल., जु.के.यी, जेड., जुफाल आर, अगाथा, एस(2017), "संहिता" से इतर- सिलिएटेड प्रोटिस्टस में जैव-विविधता के वर्णन तथा अभिलेखन पर एक मार्गदर्शन (एलवेइओलता सिलिओफोरा) जनरल ऑफ यूकरयोटिक माइक्रोबायलोजी, 64(4), 539-554,

झांग डब्ल्यू, धवन जी. (2017) वेनिल्लिन फलेवर के रसायनिक तथा जैविक संश्लेषण का संक्षिप्त अवलोकन- जनरल ऑफ संघाई इस्टीच्यूट ऑफ टेकनोलॉजी (नेचुरल साईंस) 17(2), 102-111

अनुसंधान परियोजना

डीएसटी (इंडो-सिल्वानिया संयुक्त परियोजना) द्वारा वित्त पोषित परियोजना जिसका शीर्षक है- एम्बी एंट वायु प्रदूषण का एक्पोजर- रिस्पोंस आकलन(एएपी) तथा भारत और सिल्वानियां के प्रभावित शहरों में एच.जी. संदूषणः 2015-18 के दौरान 16.11 लाख रूपए का एक तुलनात्मक अध्ययन- डॉ. अरिजीत चौधरी, डॉ. चारू खोसला डॉ. सावत्री सिंह-

सम्पादकीय मण्डल के सम्पादक/सदस्य (यों) के रूप में सेवारत कालेज के अध्यापकों की संख्याः 8

आयोजित सेमीनारे

प्रो. राजेश टंडन, वनस्पति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 26 सितम्बर, 2017 को "वान्डर्स ऑफ पोलिनेशन एट वर्क" विषय पर आयोजित सेमीनार में संबोधन।

डॉ. रीता सिंह, यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एन्वायरेंनमेंट मेनेजमेंट, जीजीएसआईपीयू द्वारा 02 नवम्बर, 2017 को "जैव विविधता और इसके संरक्षण की आवश्यकता" विषय पर आयोजित सेमीनार में संबोधन।

"पर्यावरण, पारिस्थिकी विज्ञान, पारिस्थिकी तथा पारिस्थितिकीय पुनरूद्धार" विषय पर आयोजित सेमीनार में प्रो. सी.आर.बाबु, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संबोधन।

15 सितम्बर, 2017 को "इथिकल हेकिंग" विषय पर आयोजित सेमीनार में डॉ. ए.के. मोहपात्रा एसोशिएट प्रोफेसर, इंदिरा गांधी दिल्ली तकनीकी महिला विश्वविद्यालय (आईजीडीटीयूडब्ल्यु) द्वारा संबोधन।

26 सितम्बर, 2017 को "एप्लिकेशन्स ऑफ बायोमेडिकल; इमेजिंग इनड्रग डिस्कवरी एंड ट्रिटमेंट मानीटरिंग" विषय पर आयोजित सेमीनार में डॉ. सौम्या मित्रा, वरिष्ठ वैज्ञानिक II, अब्बेवी बायोरिसरर्च सेन्टर, वोर्सस्टर, एम.ए., अमेरीका तथा रोचेस्टर विश्वविद्यालय, रोचेस्टर, न्यूयार्क, अमेरीका के पूर्व फेकल्टी द्वारा संबोधन ।

आयोजित सम्मेलन/कार्यशालाएं

स्टार कालेज योजना के तत्वाधान में अंतर्गत 21 तथा 22 फरवरी, 2018 को "संरक्षा उपाय तथा प्रयोगशाला इथिक्स" विषय पर सिम्पोजियम।

10-11 जनवरी, 2018 को अनुसंधान आधारित पेडागोगिकल टुल्स (आरबीपीटी) के आधार पर "कालेज के विद्यार्थियों के लिए" माइक्रोविअल तकनीकी संबंधी कार्यशाला का आयोजन।

स्टार कॉलेज योजना के तत्वाद्यान में 10 नवम्बर, 2017 को "शैक्षणिक गतिविधियों में डीजिटल सूचना का सिस्टेमेटिक उपयोग" विषय पर कार्यशाला।

"पर्यावरणीय नमूनों से माइक्रोवेक्टेरियो फेज्स की खोज" 21 से 23 जून, 2017 तक विषय पर आयोजित की गयी।

"न्यायिक विज्ञान की नीतियां और संभावना (क्षेत्र) विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन तथा कार्यशाला का 11 और 12 अप्रैल, 2017 को आयोजन"।

सेमिनार/ सम्मलेन (व्याख्यान प्रस्तुतीकरण) : 17 अंतर्राष्ट्रीय तथा 15 राष्ट्रीय व्याख्यान (चुनींदा)

गगन धवन ने "नॉवल सिन्थेटिक स्ट्रेटजी फार मेटलन्फ्री दि/त्रिफ्लोरोमेथाइलथिलेशन तथा पर-फ्लुरोअलकाईलथिओलेशन रिएक्शन" शीर्षक से एक शोध 2017 में अमेरीका के बोस्टन में आयोजित फ्लैरॉशआन टेक्नोलॉजी (आईसोफ्ट बोस्टन 2017) पर अंतर्राष्ट्रीय सिम्पोशिया में प्रस्तुत किया।

बुडापेस्ट, हंगरी में 2017 में आयोजित तीसरे अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी सम्मेलन (आईसीओईएसटी-2017) के दौरान "मेयेरिंग एम्बीएन्ट एयर पाल्युशन युजिंग डाटा एन्वेलोप एनालिसिज विद् प्रिंसिपल कम्पोनेंटस एन एक्सपोजर- रिसपोंश एशेस्मेंट" शीर्षक से अरिजीत चौधरी तथा चारू के गुप्ता ने एक शोध प्रस्तुत किया।

मनोज कुमार गर्ग ने सोनीपत, हरियाणा, भारत ने 2018 में ओ.पी. जिन्दल ग्लोबल यूनिवर्सिटी चौथे जेजीयू अन्तर्राष्ट्रीय साहित्य सम्मेलन में “बेबी काम्बले के प्रिजन्स वी ब्रोक में दलित महिलाओं का दमन” शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

उर्मी बाजपेयी ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, भारत में 2017 में गंगा नदी में वेकटेरयोफैजिस पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ‘इन सिलिको करेक्टेराइजेशन ऑफ इनलाइसीन प्योरीफाइड फ्रॉम ए माइक्रोवेक्टेरियोफैज आइसोलेटेड फ्रोम नयी दिल्ली तथा उनकी बैकटेरिओ लाइटिक गतिविधियां की जांच पड़ताल’ विषय पर शोध प्रस्तुत किया।

वन्दना उबेरोय ने 2017 में भारत के दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में आयोजित ‘जैविक पुनरोपचार तकनीक के उपयोग से अवजल शोधन’ विषय पर एडवांसिंग ग्रीन केमिस्ट्री : चिरस्थायी भविष्य के निर्माण संबंधी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध प्रस्तुत किया।

गीतु गंभीर ने नई दिल्ली, भारत में 2017 में आयोजित ''भारतीय जन स्वास्थ्य संस्थान तथा पेसिफिक बेसिक कन्सोरटियम, पर्यावरणीय स्वास्थ्य तथा सतत विकास अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''फन्कसनेलाइज्ड चितिन के उपयोग से अवजल हैवी मेटल इआन टोक्सीसिटी के उपचार'' विषय पर एक शोध प्रस्तुत किया।

अमीत गर्ग तथा अरिजीत चौधरी ने केन्डेंस्ट मेटर तथा एप्लाइड फिजिक्स (आईसीसी 2017) पर राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, बीकानेर में 2017 में आयोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में वाटर फ्लक्स ओप्टीमाइजेशन हेतु ग्रेफिन ऑक्साइड (जीओ) मेमब्रेन्स में कन्सेन्ट्रेशन वेरिएशन के प्रभाव’ विषय पर एक शोध प्रस्तुत किया।

सीमा मखिजा तथा रवि टोटेजा ने प्राणी विज्ञान, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत में 2017 में आयेजित मृदा संदूषण अनुसंधान के भारतीय नेटवर्क पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ‘भारी धातु प्रदूषण जैव निगरानी में सिलिएटस का प्रयोग’ विषय पर एक शोध प्रस्तुत किया।

सुनिता हुडा ने 2018 में दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत के रसायन विज्ञान विभाग में औषध विकास तथा प्राकृतिक उत्पादों में भावी प्रवृतियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान एक्वेएश मीडियम में 4-स्थापन-, 2-अमिनोथियाजोल द्वारा सीयू$^{2+}$ तथा एफई$^{3+}$ इओन्स के शीघ्र तथा चुनिंदा अन्वेषण विषय पर एक शोध प्रस्तुत किया।

पंकज खन्ना ने 2017 में अन्ना विश्वविद्यालय, चैन्नई, भारत में एसवाईपीओजी-युवा वैज्ञानिक कन्कलेव के अंतर्गत तीसरे भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान उत्सव में अंडर ग्रेजुएट छात्रों के लिए एक यथार्थ रसायन विज्ञान प्रयोगशाला की डिजाइनिंग’ विषय पर एक शोध प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय हस्ताक्षरित समझौता-ज्ञापन

विज्ञान सेतु कार्यक्रम के लिए आचार्य नरेन्द्र देव कॉलेज (एएनडीसी) तथा रूपांतरणीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (टीएचएसटीआई), फरीदाबाद के बची समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। कार्यक्रम की शुरूआत क्लासरूप शिक्षण तथा अनुसंधान के बीच अंतर को खत्म करने के लिए की गई है। इस समझौता ज्ञापन के एक भाग के रूप में टीएचएसटीआई के वैज्ञानिक अंडरग्रेजुएट छात्रों के साथ अपने अनुसंधान गतिविधियों को सक्रिय रूप से साझा करेंगे तथा अपनी देखरेख में टीएचएसटीआई में अल्पावधिक परियोजना (प्रोजेक्ट) पर काम करने का छात्रों को अवसर प्रदान करेंगे।

महाविद्यालय ने आईसीटी अकादमी की वार्षिक सदस्यता ली हुई है (भारत सरकार एक पहल जिसमें राज्य सरकारों और उद्योगों का सहयोग है)। अकादमी एक अलाभकारी सोसायटी है और सरकारी तथा निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के अंतर्गत एक अपनी किस्म का एक पहला पायनियर वेन्चर है जिसका प्रयास उच्तर शिक्षा के अध्यापकों और छात्रों को प्रशिक्षण देने का रहता है। इससे अगली पीढ़ी के अध्यापकों को प्रशिक्षण देने में सहायता मिलेगी तथा उद्योगों के लिए छात्र तैयार होंगे।

नियोजन ब्यौरा :

नियाजित छात्रों की संख्या तथा प्रतिशत : 44 (55% छात्र परीक्षा में शामिल हुए)
केम्पस में भर्ती के लिए आई कंपनियों/उद्योगों की संख्या : 08

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

एनएसएस टीम ने स्वच्छ भारत अभियान के तहत कॉलेज परिसर के अंदर तथा बाहर बहुत से स्वच्छता अभियान आयोजित किए। कॉलेज के इको क्लब ने कॉलेज की कैंटीन में तथा कॉलेज परिसरों में अन्य कियोस्कों पर 'थर्मोकोल प्रयोज्यों का प्रयोग बंद' नामक एक अभियान शुरू किया। छात्रों ने 02 से 06 नवंबर, 2017 के दौरान जीएसडीएस, राजघाट, नई दिल्ली में आयोजित 'सीएमएस वातावरण, पर्यावरण एवं वन्य जीवन अंतरराष्ट्रीय फिल्मोत्सव तथा मंच 2017' में भाग लिया। कॉलेज बेकार सामग्री तथा हस्तनिर्मित उत्पादों के प्रयोग से सतत विकास पर प्रदर्शनी विजेता के रूप में उभर कर आया। कॉलेज ने जनवरी 2018 के महिने में कॉलेज के छात्रों के लिए 'विविध जागरुकता' नामक एक एड ऑन पाठ्यक्रम दिल्ली राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण, दक्षिण पूर्व जिला के सहयोग से प्रारंभ किया।

19 से 24 फरवरी, 2018 तक दिल्ली पुलिस के सहयोग से आत्म-रक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

पुस्तकालय विकास

रेडियो फ्रिक्वेंसी पहचान (आरएफआईडी) आधारित पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली ने पुस्तकालयों के लिए तीव्रतर आदान-प्रदान की सुविधा जारी रखी। व्यस्थ अवधि के दौरान स्व जांच सेवा तथा बाह्य पुस्तक वापसी। बुक ड्रोप स्टेशन संचलन/रिजर्वस डेस्क पर पंक्तियों से बचने के बड़े तरीके हैं। शिक्षकों तथा छात्रों के लिए 07 और 08 सितंबर, 2017 को एक वार्षिक पुस्तक प्रदर्शनी आयोजित की गई थी। इस वर्ष पुस्तकालय में 800 से अधिक पुस्तकें तथा 2 जनरल पुस्तकालय में शामिल किए गए। पुस्तकालय में अब पुस्तकों, जनरलों तथा पत्रिकाओं की कुल संख्या क्रमश: 30023, 18 तथा 10 हो गई है।

शिक्षक संख्या

स्थायी शिक्षकों की संख्या : 73
अस्थायी शिक्षकों की संख्या : 02
तदर्थ शिक्षकों की संख्या : 52

वित्तीय आवंटन तथा उपयोग

स्वीकृत अनुदान : 25,90,00,000/- रु.
उपयोग की गई (प्रयुक्त) अनुदान : 24,02,47,310/- रु.

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

महाविद्यालय में आचार्य नरेन्द्र देव कॉलेज में 25 वर्ष की नियमित सेवा पूरी करने वाले स्टाफ तथा 10 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले प्रधानाचार्य की सेवा के सम्मानार्थ 'सेवा पुरस्कार: **निष्ठा**' की स्थापना की है। पर्यावरण संरक्षण के लिए उल्लेखनीय योगदान हेतु कॉलेज को अंतरराष्ट्रीय विश्व शांति शिक्षक महासंघ द्वारा छठी विश्व पर्यावरण कांग्रेस के अवसर पर 'विश्व पारस्थिकी, पर्यावरण एवं विकास (डब्ल्यूईडी) पुरस्कार' प्रदान किया गया। 'ग्रीन ग्लोब केयर' की विशेषज्ञता का उपयोग कर कागज के पुनरूपयोग (रिसाइकलिंग) से पेड़ों तथा धरती माता के लिए कॉलेज ने प्रशस्ति पत्र (प्रशंसा प्रमाण पत्र) प्राप्त किया। कॉलेज ने इलाइट (ईएलआईटीई) योजना (एजुकेशन इन ए लाइवली इनोवेटिव ट्रेनिंग एन्वायरनमेंट) पेश की जिसके अंतर्गत अपनी गर्मियों की छुट्टियों के दौरान छात्र अल्पकालिक अनुसंधान प रियोजना शुरू करते हैं। कॉलेज उन्हें 1000/- रु. प्रतिमाह फेलोशिप प्रदान करता है।

***

अदिति महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियां तथा उपलब्धियां

महाविद्यालय को विश्व महिला शिखर सम्मेलन 2018 के दौरान 'कन्या केंद्रिक तृतीय शिक्षण और प्रशिक्षण पुरस्कार' प्रदान किया गया। हमारी सरकार ने 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' मिशन के समरूप कॉलेज ने पूर्वोत्तर सांस्कृतिक उत्सव 'ओरूनोडोई-2017' का आयोजन किया। सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए 'सिक्कम की सैर' का आयोजन किया गया जिसके लिए सिक्कम सरकार ने कॉलेज को सम्मानित किया तथा भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया। कॉलेज छात्रों (कन्याओं) के पूर्ण विकास प्राप्ति हेतु स्वास्थ्य और वेलनेश विषय पर कई कार्यशालाएं तथा प्रशिक्षण आयोजित किए गए। स्टाफ के सदस्यों के लिए बी. एल. के. सुपर स्पेशलिटी हस्पताल के सहयोग से चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के वित्तपोषण से राष्ट्रीय सम्मेलनों का भी आयोजन किया गया। कॉलेज में हरित पहलों में योगदान के लिए हमने 'ग्रीनटेक' से भागीदारी शुरू की है जिसके तहत कॉलेज में होने वाले अवशिष्ट पेपर के बदले में उपयोगी लेखन-सामग्री ली जाती है।

सम्मान/गौरव

डॉ. ममता शर्मा (प्रधानाचार्य) :

- आईआईसी दिल्ली में महिला दिवस के अवसर पर 'रोजगार सृजेता महिला एजेंसी' द्वारा 08 मार्च, 2018 के 'कन्या तृतीय केंद्रित तृतीय शिक्षण तथा प्रशिक्षण पुरस्कार' प्राप्त।
- एन. सी. जिंदल पब्लिक स्कूल, दिल्ली द्वारा 23 दिसंबर, 2017 के 'एल्युमनी अचिवर पुरस्कार' से सम्मानित।
- को वैश्विक आर्थिक प्रगति अनुसंधान महासंघ द्वारा 15 अक्तूबर, 2017 अनुसंधान में उल्लेखनीय योगदान के लिए 'भारत रत्न डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम स्वर्ण पदक' प्राप्तकर्ता।

डॉ. नीनु कुमार को भारत अंतरराष्ट्रीय केन्द्र, दिल्ली में 27 दिसंबर, 2017 को आयोजित राष्ट्रीय स्वास्थ्य पुरस्कार शिखर सम्मेलन-2017 के दौरान पोषण एवं प्राकृतिक स्वास्थ्य विज्ञान महासंघ द्वारा 'पारिस्थितिविद एवं पर्यावरण स्वास्थ्य शिक्षाविद पुरस्कार' प्रदान किया गया।

डॉ. अर्चना शाशिलय को 'अचिवर ऑफ दी स्टेट' कार्यक्रम के सीधे प्रसारण के लिए 'पटना दूरदर्शन' द्वारा 19 जून, 2017 को पुरस्कृत किया गया।

डॉ; बीना एन्टोनी रेजी को को 'विद्याज्योति कॉलेज ऑफ थियोलॉजी' दिल्ली द्वारा 05 दिसंबर, 2017 आयोजित एक कार्यक्रम में तिहाड़ जेल नं. 6 में चीफ गेस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया।

गौरव सम्मान प्राप्त छात्र

सुश्री पूजा सिवाच, बीएलएड द्वितीय वर्ष ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

सुश्री मोनिका, बी. ए. (ऑनर्स) सामाजिक कार्य द्वितीय वर्ष ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

सुश्री ओजस्वी शर्मा, बी. एल. एड. प्रथम वर्ष विश्वविद्यालय में द्वितीय स्थान पर रही।

सुश्री अनुराधा, वी. एल. एल. द्वितीय वर्ष ने 'खुली राष्ट्रीय टाइक्वेन्डो चेम्पियनशीप' में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

सुश्री शिवानी जादौं, बी. ए. (पास) प्रथम वर्ष ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए अखिल भारतीय गर्ल गाइड की प्लेट तथा गर्ल गाइडस और गर्ल स्काउट्स में विश्व एशोसिएशन से बेज प्राप्त किया।

प्रकाशन

बजाज ए. (2018) इन्जेंडरिंग जेन्डर इन स्कूल कुरिकुलम, जरनल ऑफ इण्डियन एजुकेशन, एनसीईआरटी, दिल्ली, फरवरी, आईएसएसएन : 0377-0435

गुप्ता एच. (2018) भारतीय ऊर्जा क्षेत्र में कॉरपोरेट गवर्नेस में निदेशक मंडल की भूमिका नेशनल जरनल ऑफ मल्टी डिसिपलीनरी रिसर्च एंड डेवलेपमेंट, 3 (1) आईएसएसएन 2455-9040।

गुप्ता पी. (2018) मोडयुल : लिंग अध्ययन विभाग (डीडब्ल्युएस), एनसीईआरटी, नई दिल्ली, शिक्षा में लिंग मसलों पर लड़कियों और महिलाओं की संरक्षा तथा सुरक्षा के लिए लिंग हिंसा तथा कानून विषय पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम।

जैन, ए. (2018) कॉर्पोरेट गवर्नेस एंड मेनडेटरी बोर्ड कमेटिज : भारतीय संदर्भ में अनुभवजन्य अध्ययन, गुरूकुल इंटरनेशनल मल्टीडिसिप्लीनरी रिसर्च जरनल, विशेष ईशु : आईएसएसएन 2394-8426।

लाम्बा आर. (2018) पूर्व बाल विकास एवं शिक्षा में इग्नु उच्च डिप्लोमा के लिए व्यावहारिक पाठ्यचर्चा के लेखक

पात्रा पी. (2017) मोडूल-35, मोरुमेटिक विश्लेषण (पी-11; जियोमोरफोलोजी) http://epgp.inflinet.acin/ahl.php

शाशिल्या ए (2017) स्वच्छ भारत अभियान : कार्यकारी तथा प्रभावी मॉडल की आवश्यकता बिहार जरनल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, वाल्युम xiiinxiv, नं. 1 आइएसएसएनजे 09742735।

शर्मा, एम. (2018) मरूस्थलीकरण, भूमि उपयोग बदलाव तथा पारिस्थिकीय अपकर्ष का एकीकृत मूल्यांकन - दिल्ली एनसीआर के रिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र की केश स्टडी, अंतरराष्ट्रीय जरनल ऑफ थ्योरेटिकल एंड एप्लाइड साइन्स, आईएसएसएन नं. 2249-3247 (प्रकाशनार्थ स्वीकृत; जनवरी 2018)

शर्मा एम. (2018) शिक्षा प्रबंधन, भारत की अवधारणाएं, एने बुक्स प्रा. लि. आईएसबीएन सं. 9789385-462887

शर्मा आर. (2018) लाइफ स्टाइल : ए की टू हेल्थी एजिंग, जर्मनी, स्कोलर्स प्रेस

जर्नल के सम्पादक/सदस्य के रूप में कार्यरत कॉलेज अध्यापकों की संख्या
संपादक के रूप में कार्यरत शिक्षकों की संख्या : 3
संपादकीय मंडल के सदस्य : 2

अनुसंधान परियोजनाएं
डॉ. आशा, प्रोजेक्ट विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्तपोषित तथा 'हिंदी रंगमंच के विकास में महिलाओं का योगदान' शीर्षक, अवधि 2015-2018, 11 लाख रु. का।

डॉ. भावना राजपूत : 2015-2018 से 1,08,400/- रु. का विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्तपोषित तथा 'वित्तीय समावेश में अंतर्राज्यीय अन्तरभारतीय साक्ष्य' शीर्षक

आयोजित सेमिनार
श्री गोपालराय, मंत्री, दिल्ली सरकार द्वारा 18 अगस्त, 2017 को 'भारत छोड़ो आंदोलन विरासत एक समीक्षा' सेमिनार संबोधित।

19 सितंबर, 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय के डीडीयू कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हेमचंद जैन द्वारा 'टैली ईआरपी 9' सेमिनार संबोधित।

सेमिनार 'भारत में ग्राम्य पर्यटन' 09 फरवरी, 2018 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रो. कौशल कुमार शर्मा द्वारा संबोधित।

सेमिनार, 'भौगोलिक अनुसंधान एवं भावी पृथ्वी' वक्ता -: प्रो. माइकिल मिडोज, महासचिव, अंतरराष्ट्रीय भौगोलिक संघ के नाम से 09 नवंबर, 2017 को सम्पन्न।

आयोजित सम्मलेन

'हरित तथा स्थायी पर्यावरण की ओर रसायनिक विज्ञानों में हाल की प्रगति: स्वच्छ भारत अभियान परिप्रेक्ष्य' शीर्षक सम्मलेन 10 और 11 अक्तूबर, 2017 को आयोजित किया गया तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा समर्थन किया गया।

'शहरी प्रणाली में जलवायु परिवर्तन तथा आपदा जोखिम कटौती' शीर्षक कॉन्फ्रेंस का अयोजन 26 मार्च 2018 को किया गया जिसका विश्वविद्यालय अनदउन आयोग ने समर्थन किया।

सेमिनार/ सम्मलेन में प्रस्तुति

'दिल्ली के उत्तरी अंचल में कृषि प्रथाओं की नीतियों को नई दिशा-अर्थव्यवस्था पर पारिस्थितिकी' शीर्षक से पुन्यतोया पात्रा ने एक शोध प्रस्तुत किया तथा 06 से 09 जून, 2017 के दौरान लेपलेंड विश्वविद्यालय, फिनलेंड द्वारा आयोजित 'द्वितीय शांतिप्रिय सह-अस्तित्व कोलोक्विम - एन्थरोपोसीन हेतु अंतरीक्ष की नीति तथा राजनीति पर पुनर्विचार' कोलोक्वीम पर लेंपलेड विश्वविद्यालय द्वारा 1000 यूरो की यात्रा छात्रवृत्ति से पुरस्कृत।

मनीषा वधवा ने 'बच्चों में पर्यावरणीय जागरूकता विकसित करना : स्वच्छ भारत अभियान परिप्रेक्ष्य' विषय पर एक शोध यूजीसी द्वारा प्रयोजित 'रासायनिक विज्ञान में ताजा प्रगति के क्षेत्र में राष्ट्रीय सम्मलेन' प्रस्तुत किया गया ग्रीन एवं सस्टेनेबल वातावरण की ओर; स्वच्छ भारत मिशन भारत सरकार का परिप्रेक्ष्य में 11 अक्तूबर, 2017 को कॉलेज द्वारा आयोजित किया गया था।

आईआईएस विश्वविद्यालय, जयपुर की वाणिज्य एवं प्रबंधन फेक्लटी द्वारा 12 से 14 अक्तूबर 2017 तक आयोजित भारतीय वाणिज्य संघ के 70वें अखिल भारतीय वाणिज्य सम्मेलन में नीतू राणा डबास ने 'भारत में जीवन बीमा कंपनियों के कार्यनिष्पादन तथा वित्तीय शक्ति पर सक्रिय एवं स्वतंत्र बोर्ड का प्रभाव' शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

सिक्कम में सिक्कम राजकीय महाविद्यालय, तेदांग में 21 से 23 नवंबर, 2017 तक आयोजित 'वाई इकोक्रिटिसिज्म पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन' में नीनु कुमार ने 'प्रकृति के साथ मानव का वार्तालाप - एन इकोक्रिटिकेल्म अध्ययन ऑफ मार्गरेट अटवूडज ओरिक्स एंड क्रेक (2003) तथा बाढ़ की साल (2009)' शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

जादवपुर विश्वविद्यालय कलकता में 28 से 30 दिसंबर, 2017 तक आयोजित 'भारतीय इतिहास कांग्रेस' के दौरान नलीनी सिंह ने 'नई दिल्ली का निर्माण, प्रिन्कोलोनियल सेटलमेंट्स तथा मेमोरिज, 1860 - 1920' शीर्षक पर एक शोध प्रस्तुत किया।

अमिटी विश्वविद्यालय, राजस्थान द्वारा 02 से 04 फरवरी, 2018 के बीच 'मनोविज्ञान, स्वास्थ्य और चिकित्सा 2018 पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन' के आयोजन के दौरान 'समकालीन भारत में एल्डर एब्युज के लिए केयर गिवर स्ट्रेस एक अग्रणी कारक' शीर्षक से रीतु शर्मा ने एक शोध प्रस्तुत किया।

जेवियर विश्वविद्यालय भुवनेश्वर द्वारा 09 से 10 फरवरी, 2018 तक आयोजित 'एक्सयूवी निरंतरता शिखर सम्मेलन 2018' के दौरान बीना एंटोनी रेजी द्वारा 'सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य एवं मानवीय निरंतरता' शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

पीईएफआई द्वारा 09 और 10 फरवरी, 2018 के दौरान एनडीएमसी के कन्वेंशन सेंटर, संसद मार्ग, नई दिल्ली में आयोजित 'शारीरिक शिक्षा और खेलकूद विज्ञान पर चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन' में 'उच्च गुणवत्ता की शारीरिक शिक्षा : समय की मांग' शीर्षक से रश्मि गुप्ता ने एक शोध प्रस्तुत किया।

इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी) प्रायोजित तथा भारतीय कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय और आईसीसी द्वारा संयुक्त रूप से 15 से 17 मार्च, 2018 के बीच आयोजित 'थोरियु एंड दि ट्रांसडेंटलिस्टस : उनका दर्शन तथा सम्बद्ध चिंताएं' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में नीनू कुमार ने 'थारियुज सिविल अवज्ञा तथा गांधी जी का सत्याग्रह' शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र
जनवरी, 2018 में आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत 25 छात्रों ने सिक्किम का दौरा किया।

नियोजन विवरण
नियोजित छात्रों की संख्या : 16

विस्तार एवं बाह्य गतिविधियां
शाहबाद डेयरी गांव को गोद लेना।

पुस्तकालय विकास

चार सौ छप्पन नई पुस्तकें शामिल की गईं तथा इंटरनेट पर उपलब्ध बहुमूल्य सूचना (जानकारी) हासिल करने के लिए छात्रों की सहायतार्थ कई कंप्यूटर भी लगाए गए। पुस्तकालय के आटोमेशन का कार्य भी चल रहा है।

शिक्षक संख्या
शिक्षकों की कुल संख्या : 100

वित्तीय आबंटन तथा उपयोग
स्वीकृत अनुदान : 13.92 करोड़ रुपए
उपयोग में लाया गया अनुदान : 15.24 करोड़ रुपए

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी
18 फरवरी, 2018 को बेटियां फाउंडेशन, दिल्ली द्वारा आयोजित 'बेटियां पढ़ाओं - सृष्टि सजाओ' पुरस्कार कार्यक्रम में सम्मानीय अतिथि के रूप में डॉ. ममता शर्मा को आमंत्रित किया गया। उन्हें भारतीय विद्यापीठ कंप्यूटर एपलिकेशन्स तथा प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 15 मार्च, 2018 को आयोजित 'डिजीटल इंडिया कार्यक्रम' में 'इण्डियाकाम 2018' में भी सम्मानीय अतिथि पेनलिस्ट के रूप भी आमंत्रित किया गया।

***

अहिल्याबाई नर्सिंग महाविद्यालय

अवधि के दौरान प्रमुख गतिविधियां तथा उपलब्धियां

अहिल्याबाई नर्सिंग कॉलेज (एबीसीओएन) क्लीनिकल प्रशिक्षण के लिए लोक नायक अस्पताल से सम्बद्ध है तथा राष्ट्रीय राजधानी, दिल्ली सरकार के सीधे प्रशासनिक नियंत्रण में चल रहा है। कॉलेज पाठ्यक्रम के विषयों की आवश्यकतानुसार छात्रों की श्रेणियों के लिए मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के कई विभागों से सम्बद्ध है। मौजूदा दाखिला संख्या 40 छात्र प्रति वर्ष जमा पीएमएसएसएस जे एंड के के अंतर्गत जम्मू एवं कश्मीर के छात्रों के लिए अधिसंख्यक सीटों की है। एबकोन (एबीसीओएन) इग्नु की बेसिक बीएससी नर्सिंग के उपरांत अध्ययन केन्द्र के रूप में भी कार्य करता है और इस समय तीन वर्षीय कार्यक्रम में 75 छात्र प्रशिक्षण ले रहे हैं। इस अकादमी (शैक्षणिक) वर्ष के दौरान छात्रों ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस, जो 10 अक्तूबर, 2017 को मनाया गया था, ब्रेड फिडिंग तथा स्व-ब्रेड परीक्षण सप्ताह जो 01 अगस्त से शुरू होकर 07 अगस्त 2017 तक चला, जैसे विभिन्न को-कुरिकुलर कार्यकलापों में भाग लिया।

सम्मान/गौरव

सुश्री शोभा गुसांई को पीएच.डी. नर्सिंग की डिग्री प्रदान की गई।

गौरव सम्मान प्राप्त छात्र

26 सितंबर, 2017 को अखिल भारतीय चिकित्सा विज्ञान संस्थान में आयोजित प्रतियोगिता 'स्वच्छ भारत स्कीट' में छात्रों ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। छात्रों ने 'लड़की बचाओ पेंटिंग प्रतियोगिता' में भाग लिया और द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया।

शिक्षक संख्या

शिक्षण फेक्लटी की कुल संख्या : 16

नियोजन विवरण

भारत तथा विदेशों में रोजगार प्राप्त छात्रों की संख्या : लगभग 100%

विस्तार एवं बाह्य गतिविधियां

भारतीय हृदय निगरानी फाउंडेशन द्वारा 05 से 07 अक्तूबर, 2017 तक आयोजित संपूर्ण स्वास्थ्य में छात्रों ने अपनी सेवाएं दी। मेले का थीम था 'डिजीटल स्वास्थ्य'

***

अमर ज्योति इंस्टिट्यूट ऑफ़ फिजिओथेरेपी

प्रमुख गतिविधियां तथा उपलब्धियां

अमर ज्योति फिजियोथरेपी संस्थान को अद्य:स्नातक तथा स्नातकोतर स्तर पर भौतिक विज्ञान शिक्षा तथा कौशल विकास के लिए उत्कृष्टता केन्द्र से पुरस्कृत किया गया। संस्थान दो विशिष्टताओं, मुसकुलोस्केलटल भौतिक विज्ञान तथा तंत्रिका संबंधी भौतिक विज्ञान में भौतिक विज्ञान स्नातक (बीपीटी) तथा भौतिक विज्ञान स्नातकोतर (मास्टर) (एमपीटी) पाठ्यक्रम पेश करता है। कॉलेज ने 09 स्पेशिलिटी औषधालय - बहिरंग रोगी विभाग की भी व्यवस्था की है जो समाज के सभी वर्गों के बहुत बड़ी संख्या में रोगियों की जरूरत पूरी करते हैं। एमपीटी के छात्रों ने देशभर में आयोजित विभिन्न राष्ट्रीय कान्फ्रेंसों में शोध प्रस्तुत किए। सुश्री तन्वी सेठी ने एक शोध प्रस्तुत किया और उन्हें 20 दिसंबर, 2017 को अखि भारतीय चिकित्सा विज्ञान संस्थान में आयोजित छठे अंतरराष्ट्रीय भौतिम चिकित्सा सम्मेलन, 2017 में तीसरा स्थान प्रदान किया गया। सुश्री साक्षी शांडिल्य ने पोस्टर प्रस्तुत किया तथा उन्हें 10 सितंबर, 2017 को इन्द्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल में आयोजित तृतीय भौतिक चिकित्सा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में तीसरा स्थान मिला।

सम्मान/गौरव (डिस्टिंक्शन)

डॉ. राजु के. पराशर को 07 से 09 दिसंबर, 2017 के दौरान संभावित (डिम्ड) विश्वविद्यालय की यूजीसी समीक्षा करने के उद्देश्य से श्री रामाचन्द्रा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, पोरूर, तमिलनाडु के मूल्यांकन के लिए बाहय पीयर समीक्षा समिति में विशेषज्ञ तथा सदस्य के तौर पर आमंत्रित किया गया।

डॉ. राजु के. पराशर को स्वास्थ्य विज्ञान संस्थानों के प्रत्यायन के लिए नियमावली तैयार करने हेतु गठित एनएएसी कोर समिति के सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया।

गौरव सम्मान प्राप्त छात्र

ग्रेजुएशन कर रही छात्रा सुश्री प्रेक्षा शर्मा ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

सुश्री गीतांजली चावला, भौतिक चिकित्सा में स्नातक (बीपीटी) चतुर्थ वर्ष ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

श्री दिग्विजय सिंह, भौतिक चिकित्सा स्नातक (बीपीटी) तृतीय वर्ष ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

सुश्री श्रेया वशिष्ट, स्नातक भौतिक चिकित्सा (बीपीटी) द्वितीय वर्ष ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

सुश्री ऐश्वर्या गुप्ता, स्नातक भौतिक चिकित्सा (बीपीटी) प्रथम वर्ष ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन

जैन ए. शाह. सी. (2017) एम्बुलेंट स्ट्रोक रोगियों पर बैलेन्स प्रशिक्षण के लिए तीन भिन्न-भिन्न सरफेशों की प्रभावित - एक तुलनात्मक अध्ययन। अंतरराष्ट्रीय विज्ञान एवं अनुसंधान जर्नल 6 (10), 578-583

पटकी के. भटनागर, बी. पराशर, आर. के. (2017). 06 से 14 वर्ष के बीच की आयु के प्राथमिक स्कूल के बच्चों में प्रयुक्त शारीरिक स्वास्थ्य परीक्षणों को इंटरेटर विश्वसनीयता स्थापित करना। एक पायलट अध्ययन। अंतरराष्ट्रीय विज्ञान एवं अनुसंधान जर्नल 6 (8), 345-47

पराशर आर. के. (2017) अध्याय शीर्षक 'फाल्स इन दि एलडर्ली' इन 'टेक्स बुक ऑफ प्रिवेंशन प्रेक्टिस एंड कम्यूनिटी फिजियोथेरेपी' प्रथम संस्करण, वाल्यूम-2, जयपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर, आईएसबीएन-978-9352703258

सक्सेना. पी. एम., पटकी के. पराशर, आर. के. (2017). दिल्ली में रह रही महिलाओं में असंयमित मूत्रीय प्राबल्म (प्रेवलेंस ऑफ युरिनरी इन्कांन्टीनेंस इन विमेन लिविंग इन दिल्ली)। अंतरराष्ट्रीय विज्ञान एवं अनुसंधान जर्नल (आईजेएसआर) 6 (5) 1502-1506

जर्नलों के सम्पादक/सदस्यों के रूप में सेवारत कॉलेज शिक्षकों की संख्या - 04

अनुसंधान परियोजनाएं (प्रोजेक्ट)

डॉ. जयंती एस., डॉ. नरकीश अरूमुगम, डॉ. राजु के. पराशर. 2017 से 2019 की अवधि के लिए 'न्यूरो लिग्विष्टिक प्रोग्रामिंग (एनएलपी) की प्रभाविता तथा मोटर कौशल, शारीरिक स्वस्थता संबंधी स्ट्रक्चर्ड अभ्यास तथा एडीएचडी के साथ बच्चों में सावधानी - एक रे-डेमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल' विषय पर प्रोजेक्ट

डॉ. क्षतिजा बंसल, डॉ. बर्खा भटनागर, डॉ. राजु के. पराशर प्रोजेक्ट शीर्षक 'शहरी प्राथमिक विद्यालय के बच्चों की स्वस्थता : व्यायाम, पोषण तथा सामाजिक-आर्थिक स्तर का प्रभाव' 2017-19 की अवधि हेतु

डॉ. जयंती एस., डॉ. राजु के. पराशर, डॉ. अनु बंसल का प्रोजेक्ट शीर्षक 'दिल्ली में पोलिसाइटिक ओवेरी सिंड्रोम के शहरी महिलाओं में पूर्व प्रवृत्त के अस्तित्व के निर्धारण हेतु जांच पड़ताल टूल का विकास तथा वैद्यता' अवधि 2018-2020

डॉ. सम्पदा जहांगीरदार, डॉ. सोनिया सिंह, डॉ. राजु. के. पराशर का प्रोजेक्ट, "शीर्षक बड़ी उम्र के दौरान गिरावट के डर से सम्बद्ध कारकों का अध्ययन तथा कर्मचारी योग्यताओं (समर्थताओं) से उनकी सम्बद्धता स्थापित करना", अवधि 2018-20
डॉ. सम्पदा जहांगीरदार, डॉ. आस्था जैन का प्रोजैक्ट शीर्षक "अन्तर्राष्ट्रीय शारीरिक गतिविधि प्रश्नावली का हिंदी अनुवाद तथा पारस्परिक सांस्कृतिक अनुकूलता - लघु रूप तथा वयस्क" 2018-20

डॉ. सम्पदा जहांगीरदार तथा डॉ. आस्था जैन का प्रोजेक्ट शीर्षक "मोका (MOCA) का हिन्दी अनुवाद तथा पारस्परिक सांस्कृतिक अनुकूलता" अवधि 2018-20

आयोजित सेमीनार
एम.एस.रमैय्या मेडिकल कालेज द्वारा 11 जुलाई, 2017 को आयोजित शारीरिक स्वस्थता विश्लेषण" सेमीनार में डॉ. वी. सुन्दर कुमार, सहायक प्रोफेसर द्वारा उद्बोधन।

6 जनवरी, 2018 को मनीपाल विश्वविद्यालय के भौतिक चिकित्सा विभाग के एसोशिएट डीन प्रो. अरुण भैया द्वारा "अनुसंधान अनुदान लेखन" सेमीनार उद्बोधन।

आयोजित सम्मलेन/कार्यशाला
26 तथा 27 अगस्त, 2017 को "स्वास्थ्य विज्ञान शिक्षा प्रौद्योगिकी" विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई।

सरनीर फाउंडेशन, नई दिल्ली के सहयोग से 26 तथा 27 अक्टूबर, 2017 के दौरान "तंत्रिका विकासात्मक तकनीकें" विषय पर कान्फ्रेंस आयोजित की गई।

2 और 3 फरवरी, 2018 को "खेलकूद आकलन के सिद्धांत" विषय पर सम्मलेन आयोजित किया गया।

सेमीनार/ सम्मलेन में प्रस्तुति
राजू के पराशर ने 5 सितम्बर, 2017 को न्यूयार्क मेडिकल कालेज वल्लहा, न्यूयार्क के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विज्ञान तथा प्रथा एवं जन स्वास्थ्य में 'तीन महाद्वीपों में भौतिक चिकित्सा तथा पुनर्वास सेवाएं; सांस्कृतिक कारकों का प्रभाव' विषय पर एक शोध प्रस्तुत किया।

जयंती एस. का 08 सितंबर, 2017 को 'जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मलेन' के दौरान अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया तथा उन्होंने 'नयूरोडायनेमिक्स में मैनुअल चिकित्सा' पर सत्र का सभापतित्व निभाया।

जयंती एस. को 10 सितम्बर, 2017 को इन्द्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल में आयोजित 'अपोलो फिजियोकान 2017' राष्ट्रीय सम्मलेन के दौरान 'ऊसरता में भौतिक चिकित्सा की भूमिका' पर भाषण देने के लिए रिसोर्स मैन (संसाधन पुरुष) के में आमंत्रित किया गया ।

जयंती एस. को 15 सितम्बर 2017 को 'आर एमएल अस्पताल द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मलेन में अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया तथा उन्होंने 'भौतिक कार्यकलाप एवं जीवन पद्धति की अवयवस्था विषय पर सत्र का सभापतित्व किया।

जयंती एस को 'आर.एम.एल. अस्पताल द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मलेन के दौरान 15 सितम्बर, 2017 को 'आधुनिक जीवन शैली के लिए मानसिक स्वास्थ्य समस्या एक नयी चुनौती' विषय पर पैनल चर्चा के लिए एक पैनेलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया।

सम्पदा जहांगीरदार ने अखिल भारतीय चिकित्सा विज्ञान संस्थान दिल्ली में 10 दिसम्बर, 2017 को 'फिजियोथेरेपी की अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन' के दौरान 'अस्सी वर्षीय आयु के लिए एक सन्तुलित हस्तक्षेप- एक केस स्टडी' विषय पर शोध प्रस्तुत किया।

सम्पदा जहांगीरदार ने 27 जनवरी, 2018 को कोलकाता में आयोजित 'भारतीय फिजियोथेरेपिस्टों की सोसायटी के तृतीय वार्षिक सम्मेलन' के दौरान 'भारतीय वृद्धों में गिरने के डर से जुडे कारक' विषय पर शोध प्रस्तुत किया।

क्षितिजा बंसल ने 27 जनवरी, 2018 को 'तृतीय एस आई पी सम्मलेन' के दौरान 'अंतर्राष्ट्रीय मानकों की ओर एक पहल' विषय पर 'तीव्र पंच' शोध प्रस्तुतीकरण का सभापतित्व किया।

क्षितिजा बंसल को 27 जनवरी, 2018 को 'तृतीय एस आई पी सम्मलेन' के दौरान 'बच्चों और युवाओं में शारीरिक गतिविधि बढ़ाना' विषय पर चर्चा के लिए एक पैनेलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय का कुल बजट:	1,70,721/-
शामिल पुस्तकों की संख्या:	54/-
फिजियोथेरेपी जर्नल:	6

शिक्षक संख्या

शिक्षकों की कुल संख्या = 16 (13 एकादमीय तथा 3 औषधालीय)

***

आर्यभट्ट महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियां तथा उपलब्धियां

महाविद्यालय ने इस शैक्षणिक वर्ष से नियमित माध्यम से प्रबन्ध अध्ययन के स्नातक का नया पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया था। कालेज भवन तथा अवसंरचना में महत्वपूर्ण सुधार किया गया जिसमें खुले हरित पार्क तथा तरेगना ब्लाक में सीढ़ीदार आउटडोर सिटिंग की व्यवस्था इसके निर्माण की विशेषता बतलाती हैं। यह अतिरिक्त टर्मिनलों, एक फेकल्टी अनुसंधान कक्ष जिसमें 12 वर्क स्टेशन शामिल हैं तथा प्रोजेक्शन सुविधा के साथ कक्षा के कमरों की संख्या में वृद्धि करके कम्प्युटर प्रयोगशाला को भी बदल दिया गया। एक ओर चार-मंजिले दोहरे महाविद्यालय भवन का निर्माण भी 2019 तक पूरा होने की उम्मीद है। कार्यालय रिकार्डों के भण्डारण के लिए छतदार स्थल तथा भण्डारण केबिनेटों की मरम्मत का काम भी चल रहा है।

सम्मान/गौरव

बी. काम. प्रथम वर्ष के वेदान्त शर्मा ने अखिल भारतीय अन्तर-विश्वविद्यालय बेडमिंटन चैम्पियनशीप में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

एक इन्टर-कालेज बाक्सिंग टुर्नामेंट में बी.काम. (पास) प्रथम वर्ष की मनोर मेलावी को रजत पदक प्रदान किया गया।

बी.ए. (पास) प्रथम वर्ष की ज्योति देशवाल को बिट्स (बी आई टी एस) पिलानी तैराकी टूर्नामेंट में दो स्वर्ण, दो रजत तथा एक कांस्य पदक प्रदान किया गया।

बी.काम. (पास) तृतीय वर्ष के भरत सिंह को इन्टर-कालेज ताइक्वान्डो टूर्नामेंट में एक स्वर्ण पदक प्रदान किया गया।

प्रकाशन

चक्रवर्ती एल.एस. (2017) सम्मिलित विकास, व्यापार तथा पर्यावरण, नई दिल्ली पर उभरते मुद्दे - रिगल प्रकाशन, आई एस बी एन: 978-81-8484-566-2.

सिन्हा एम.(2017) नागरिकता तथा गवर्नेंस, नई दिल्ली, जे टी एस प्रकाशन, आई एस बी एन: 978-93-85833-78-6.

सिन्हा एम.(2017) नागरिकता और प्रकाशन,नई दिल्ली, जे टी एस प्रकाशन, आई एस बी एन: 978-93-85883-79-3.

सिहं डी. (2017) दलित साहित्य: मुद्दे तथा दृष्टिकोण, नई दिल्ली, ए.के. प्रकाशन, आई बी एस एन: 938-50-228-38.

शर्मा. आर.ए. (2017) गांव से शहर तक, नई दिल्ली, इशा ज्ञानदीप आई एस बी एन: 978-93-82543-75-6.

सिंह जे.के. (2017) स्टाक मार्किट में निवेश, नई दिल्ली, ए.के प्रकाशन, आई एस बी एन: 978-93-85022-87-6

आयोजित सेमिनार

श्री डी.सी. साहु, उप निदेशक, एम एस एम ई, भारत सरकार द्वारा 26 सितम्बर, 2017 को 'औद्योगिक उत्प्रेरण अभियान', सेमिनार सम्पन्न ।

आयोजित सम्मलेन

आई सी एस एस आर, आई सी पी आर तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वाधान में 5 तथा 6 जनवरी, 2018 को 'पूर्वोत्तर भारत में शिखर धाटी सम्पर्क' विषय पर राष्ट्रीय सम्मलेन आयोजित किया गया।

यू जी सी, आई सी एस एस आर, आई सी एच आर, आई सी पी आर तथा भारतीय तेल निगम द्वारा वित्त पोषित तथा 24 और 25 फरवरी, 2018 को आयोजित 'वसुधैव कुटुमबकम' विषय पर एक अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार।

सेमिनार/ सम्मलेन में प्रस्तुति

कामायनी कुमार ने 22 मार्च 2018 को जामिया मिलिया इस्लामिया के अंग्रेजी विभाग चरण-3, यूजीसी डी आर सी एस ए पी द्वारा आयोजित 'साहित्य और सिनेमा के माध्यम से भारतीय उपमहाद्विपों में/के विभाजन (विभाजनों) को समझना, सिंध पर विशेष रूप से केंद्रित' सेमिनार में 'सिन्ध और भारत का विभाजन' विषय पर एक शोध प्रस्तुत किया।

कामायनी कुमार ने 5 से 7 जुलाई, 2017 तक लन्दन में आयोजित 'मानविकियों में 15वीं नयी दिशाएं' अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'दृश्य संस्कृति के माध्यम से विभाजन की व्यवस्था' विषय पर एक शोध प्रस्तुत किया।

कृष्ण मुरारी ने सितम्बर, 2017 माह में 'गौतम बुद्ध विश्वविफालय में अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन' के दौरान 'राजगृह का पावन भूगोल: कुछ अन्तर्दशन' विषय पर एक शोध प्रस्तुत किया।

राजेश कुमार ने 2017 के दिसम्बर, माह में कोलकाता में आयोजित 'भारतीय इतिहास कांग्रेस' के वार्षिक सत्र के दौरान 'भूदान आंदोलन' शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

सोनल लिंडा ने 24 और 25 जनवरी, 2018 को एस जे बी प्रौद्योगिकी संस्थान, बैंगलुरू में आयोजित 'एकीकृत सूचना संगणन, संचार एवं सुरक्षा' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'एजेनेरिक एल्गोरिदम एप्रोच टु कन्टेक्टस अवेयर रिकमेन्देशन्स वेस्ड आन स्पेटियो-टेम्पोरल एस्पेक्टस' विषय पर एक प्रपर प्रस्तुत किया।

नियोजन ब्योरा

नियोजित छात्रों की संख्या तथा प्रतिशत - 42 (70%)

केम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों की संख्या - 7

विस्तार और बाह्य गतिविधियां:

महाविद्यालय ने अक्टूबर, 2917 से मार्च, 2018 तक भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय के एक संगठन एन आई ई एस बी यु डी (NIESBUD) की अगुवाई में वित्तीय बाजार एवं अनुसंधान उच्च संस्थान के सहयोग से 'वित्तीय बाजारों के उच्च कौशल कार्यक्रम' पर एक एड-आन पाठ्यक्रम पूरा किया। कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय के फ्लेगशीप के तहत आई.एस. प्रो-स्कूल के सहयोग से बम्बई स्टाक एक्सचेज (बीएसई) तथा वित्तीय मोडलिंग में अग्रिम कार्यक्रम जैसे दो अल्पकालिक पाठ्यक्रम शामिल किए गए। अपने प्रोजेक्टरों के लिए आर्यभट् लगातार चार पुरस्कार जीतने में कामयाब रहा। 'सम्पर्क 18' नामक पूर्वोत्र इन्टर-कालेज उत्सव 19 से 23 मार्च, 2018 तक कालेज परिसर में आयोजित किया गया।

पुस्तकालय विकास

लगभग 100 छात्रों के बैठने की क्षमता के साथ तेरेगाना ब्लाक में एक अलग पुस्तकालय कक्ष तथा एक अलग वाचनालय कक्ष का निर्माण किया गया।

शिक्षक वर्ग की संख्या

स्थायी शिक्षकों की संख्या - 55

तदर्थ शिक्षकों की संख्या - 32

वि त्तीय आबंटन तथा उपयोग

स्वीकृत अनुदान - 33,89,20,083/- रु.

प्रयुक्त अनुदान - 23,65,57,058/- रु.

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

''निराला'' नाटक की प्रस्तुति से कॉलेज को प्रशंसा मिली तथा थियेटर ग्रुप ने टीईडीएक्स आर्यभट्ट कार्यक्रम में तथा अन्य विश्वविद्यालय कार्यक्रमों में भी प्रस्तुति दी। अंग्रेजी में प्रवीणता तथा शारीरिक बढ़ाने सहित छात्रों के व्यक्तित्व के समग्र वि कास के लिए छात्रों के लिए व्यक्तित्व वि कास कार्यक्रम आयोजित किया गया जिससे छात्र नौकरियों के लिए तैयार हो सकें। कॉलेज ने 21 मार्च, 2018 को नई दिल्ली में नेहरू मेमोरियल संग्रहालय तथा पुस्तकालय की भागीदारी में प्रथम सावि त्रीबाई फुले मेमोरियल भाषण का आयोजन किया।

***

आत्मा राम सनातन धर्म कालेज

प्रमुख गतिविधियां तथा उपलब्धियां

आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज एक ऐसा प्रमुख शैक्षणिक संस्थान है जो शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता लाता है। मानव संस्थान विकास मंत्रालय, भारत सरकार की राष्ट्रीय संस्थानिक रैंकिंग संरचना (एनआईआरएफ) के अंतर्गत इस कॉलेज को भारत में 14वां स्थान तथा दिल्ली विश्वविद्यालय में 8वां स्थान प्राप्त हुआ है। भारत में कला, विज्ञान तथा वाणिज्य कॉलेजों की 'इण्डिया टुडे' की हाल ही की रैंकिंग के अनुसार देश के 100 विज्ञान कॉलेजों में इस कॉलेज को 12वां, भारत में वाणिज्य कॉलेजों में 11वां तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के वाणिज्य कॉलेजों में छठे सर्वश्रेष्ठ कॉलेज तथा भारत में कला पाठ्यक्रमों के लिए 15वां स्थान है, जबकि दिल्ली विश्वविद्यालय में इसका 8वां स्थान है। भारत सरकार के बायोटेक्नोलॉजी विभाग द्वारा इस कॉलेज को स्टार कॉलेज अनुदान प्रदान किया गया है। अपने देश की

भाषायी तथा सांस्कृतिक परम्पराओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए 21 फरवरी, 2018 को मैत्रीभाषा दिवस मनाया गया। सरदार वल्लभ भाई पटेल की जन्म शताब्दी के अवसर पर कॉलेज ने राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन किया।

सम्मान/गौरव

अखिल भारतीय स्वतंत्र एवं लेखक संघ (पंजी.) द्वारा डॉ. ज्ञानतोष कुमार झा (प्रधानाचार्य) को ''डॉ. एस. राधाकृष्ण मेमोरियल राष्ट्रीय अध्यापक पुरस्कार'' प्रदान किया गया। एनआईआरएफ में पांचवां स्थान प्राप्त करने में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए तथा दिव्यांग छात्रों की उच्च शिक्षा के लिए आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज को पूर्णत: स्वतंत्र बनाने के लिए विकलांगता तथा पुनर्वास अध्ययन सोसायटी द्वारा उन्हें ''प्रशंसा-पत्र'' प्रदान करके भी सम्मानित किया गया।

गौवर सम्मान प्राप्त छात्र

अविनाश बैनर्जी, बी.ए. (आनर्स) तृतीय वर्ष विश्वविद्यालय टॉपर रहे।

कार्णिक राज शर्मा, बी. कॉम. (आनर्स) प्रथम वर्ष को ट्रेप (कनिष्ठ पु.) में स्वर्ण पदक, ट्रेप (वरिष्ठ पु.) में स्वर्ण पदक, डबल ट्रेप (कनिष्ठ तथा वरिष्ठ पुरूष) दोनों टूर्नामेंटों में स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

सचिन गुप्ता, बी.कॉम. (आनर्स) तृतीय वर्ष ने विश्वविद्यालय परीक्षाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

निकिता मिश्रा, बी.ए. (आनर्स) अर्थशास्त्र, तृतीय वर्ष ने विश्वविद्यालय परीक्षाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

ज्योति श्रीमाली, बी.एस.सी. (आनर्स) गणित, तृतीय वर्ष ने विश्वविद्यालय परीक्षाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

प्रकाशन (चुनिंदा)

बास्काकोव, एस.ए., बास्काकोव वाई.वी., लास्कोव, एन.वी., डरेमोवा, एन.एन., इरझाक, ए.वी.कुमार, वाई., मिचेटचेनोक, ए., शुल्गा, वाई.एम. (2018) ग्रेफाइन आक्साइड सेपेरेटरों तथा माइक्रोवेव एक्सफोलिएटेड ग्रेफाइट आक्साइड इलेक्ट्रोडस के साथ धातु रहित सुपरकेपेसिटरो के लिए पोलिलेक्टिक तेजाब तथा कार्बन नेनो-मेटिरियल के मिश्रण का प्रयोग कर करेन्ट कोलेक्टर का फेब्रिकेशन। इलेक्ट्रोकिमिका एक्टा 260-557-563.

पाण्डेय, आर., विवियानी, एम., सिंह. पी., बोट्टर, आर., प्रेस्टो.एस. (2018) दि इफेक्ट आफ सिन्थेसिस एंड थर्मल ट्रीटमेंट आन फैज कम्पोजिशन एंड आयोनिक कन्डक्टीविटी आफ एनए-डोपेड एसआरएसआईओ3 - सालिड स्टेट आयोनिक्स. 314:172-177.

पाण्डेय, आर., सिंह, पी., (2017) इलेक्ट्रिकल कन्डक्टिविटी आफ वाईएसजेड-एसडीसी कम्पोजिट सालिड इलेक्ट्रोलाइट सीन्थेसाइज्ड वाया ग्लाइसिन-नाइट्रैट मेथड. सेरामिक इन्टरनेशनल, 43: 11692-11698.

प्रजापति, बी., कुमार, बी., कुमार एम., चटर्जी, एस., घोष, ए.के. (2017): एफई:टीआईओ2- डायलुटेड मेगनेटिक सेमिकन्डक्टर नेनो पोर्टिकल्स की भौतिक वि□शेषताओं का अन्वेषण जे. मेटेर केम सी5: 4257-4267.

शर्मा, एन., कुमारी, एन., चुण्डावत, टी. एस., कुमार-एस., भगत, एस. (2017): इफिसियेन्ट ट्राईफ्लुरोमथाइलेशन आफ सी (एसपी^{2})-एच फन्कशनेलाइज्ड ए-ओक्सोकेटेनेडिथियोएकेटल्स: रूट टु रेजियोसेलेक्टिव सिल्थेसिज आफ फन्कशनेलाइज्ड ट्राईफ्लुरोमेथाईलेटेडपायटेजोलस. आरएससी एडव: 7:10150-10153.

शर्मा, एन., भगत, एस., चुंडावत, टी.एस. (2017) जीपीआर40 मोडुलेटर्स (एफएफए1/एफएफएआर1): के विकास में हाल ही की प्रगति: टाइप-2 मधुमेह के लिए उभरते लक्ष्य-मिनी रेव मेड केम. 17: 947-958.

सिंह ए., शर्मा, ए. तोमर, एम., गुप्ता, वी. (2017) रेडुस्ड ग्रेफेन आक्साइड-एसएनओ$_2$ नेनोकम्पोजिट थिन फिल्म बेस्ड सीएनजी/पीएनजी सेंसर। सेंसर एंड एक्चुएटर बी: केमिकल. वाल्युम: 245, 290-298.

शुल्गा, वाई.एम., बास्काकोव, एस.ए., लोबच, ए.एस., काबाचकोव, ई.एन., वोल्फकोविच, वाई.एम., सोसेनकिन, वी.ई., शुल्गा, एन.वाई. एस.आई. नेफेडकिन, कुमार, वाई., मिचरचेन्को, ए. (2018) प्रिप्रेशन आफ ग्रेफिन आक्साइड-हुमिक एसिड एम्पोजिट-बेस्ड इंक फारप्रिंटिंग थिन फिल्म इलेक्ट्रोडस फार माक्रो-सुपरकेपेसिटर्स. जे. एलोयस एंड कम्पांउडस 730:188-95.

त्यागी, पी., शर्मा, ए., तोमर, एम., गुप्ता. वी. (2017) आरजीओ-एसएनओ$_2$ तथा एमडब्ल्यूसीएनटी- एसएनओ$_2$ नेनोकम्पोजिट आधारित एसओ2 गैस सेंसरज का तुलनात्मक अध्ययन 1 संसर्ज एंड एक्युएटर बी: केमिकल. 248: 980-986.

त्यागी, पी., शर्मा, ए., तोमर, एम., गुप्ता. वी. (2017) एसएनओ$_2$ थिन फिल्म सेंसर हेविंग एनआईओ कटालिस्ट फार डिटेंशन आफ एसओ$_2$ गैस वि द इम्प्रुड रिसपोंस करेक्टेरिस्टिक्स। सेंसर्ज एंड एक्वेटर बी: केमिकल. 248-980-986.

सम्पादक मण्डल के सम्पादक तथा सदस्यों के रूप में सेवारत अध्यापक-13

अनुसंधान परियोजनाएं (प्रोजेक्टस)

डॉ. सुनिता भगत, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा वित्त पोषित प्रोजेक्ट, 2015-2018, ई. जम्बोलाना से विलग प्राकृतिक उत्पादों तथा एसटीजेड इन्डुस्ड डायबेटिक्रेटस में उनकी डायबेटिक संभाव्यता के आकलन के लिए ढांचागत सादृश्यों के डिजाइन तथा सिन्थेसिस-54 लाख रुपए।

डॉ. सुनिता भगत, डीएसटी-एसईआरबी द्वारा वित्तपोषित प्रोजेक्ट, 2015-2018, जैवि क महत्व के कुछ नोवल मेरीन प्राकृतिक उत्पादों के डिजाइन तथा स्ट्रेटेजिक सिन्थेसिज- 43 लाख रुपए।

डॉ. राघवेन्द्र पाण्डेय, डीएसटी-एसईआरबी द्वारा वित्तपोषित प्रोजेक्ट, 2016-2019 आईटीएसओएफसीज के लिए कम लागत के सालिड इलेक्ट्रोलाइट का अन्वेषण तथा विकास-35 लाख रुपए।

डॉ. योगेश कुमार, डीएसटी-एसईआरबी द्वारा वित्तपोषित प्रोजेक्ट 2017-2020 सोडियिमओन आधारित इलेक्ट्रोलाईट्स वाले ग्रेफेन (नेनो-कार्बन्स)/मेटल-आक्साइड नेनो-कम्पोजिट इलेक्ट्रोडस के उपयोग से डिजाइन तथा हाईब्रिड केपेसिटर्स के पैरामीटर्स के निष्पादन का आप्टेमाइजेशन- 43 लाख रुपए।

डॉ. राजीव सिंह, यूजीसी द्वारा वित्तपोषित प्रोजक्ट, 2013-2017-एआई (III), V(V), टीआई (IV) के कुछ एकल स्रोत मोलिकुलर का सिन्थेसिज तथा करेक्टेराइजेसन अध्ययन तथा सरेमिक सामग्री तैयार करने के लिए संबंधित धातुएं-13.71 लाख रुपए।

आयोजित सेमिनार

सेमिनार, ''मास्टरिंग दि स्टॉक मार्केटस-केपिटल मार्केट से जुड़ी गाथाएं समझना'' मिस्टर पुलोक भट्टाचार्जी, प्रधान व्यापारिक विकास, बीएसई संस्थान द्वारा 4 सितम्बर, 2017 को संबोधन ।

सेमिनार, 'माल और सेवा कर (जीएसटी)' मिस्टर विजय कौशिक, एआईएफएमआर द्वारा 08 सितम्बर, 2017 को संबोधन ।

सेमिनार, 'अनुच्छेद 370: भारतीय संघवाद के भीतर इसके प्रतिवेशी मुद्दे तथा चिन्ताएं प्रो. गिल मोहम्मद वानी, राजनितिक विज्ञान विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय द्वारा 16 सितम्बर, 2017 को संबोधन।

21 सितम्बर, 2017 को आयोजित सेमिनार, 'यूरोपियन प्राचीन उच्च साहित्य: एक प्रस्तावना' में डॉ. ललित कुमार, सहायक प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग द्वारा संबोधन।

17 जनवरी, 2018 को आयोजित सेमिनार, 'कार्पोरेट कानूनों में समकालीन मुद्दे' में डॉ. सीएस धनंजय शुक्ला, अध्यक्ष, एनआईआरसी, आईसीएसआई द्वारा संबोधन।

सेमिनार/ सम्मलेन में प्रस्तुति (चुनिंदा)

अपरा सिंहा ने ''पर्यावरण पर आर्थिक उदारीकरण का प्रभाव-पर्यावणीय कुजनेटस कर्व हाइपोथिसिज की अनुभवजन्य परीक्षा'' विषय पर 08 से 11 जून 2017 के दौरान कोबे, जापान में आयोजित सेमिनार में एक शोध प्रस्तुत किया।

बालकिशन ने ''जलवायु परिवर्तन तथा कृषि:'' दुर्बलताएं, जीविका अनुकूलन तथा खाद्य सुरक्षा विषय पर 25 और 26 अगस्त, 2017 को जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में आयोजित सेमिनार में एक शोध प्रस्तुत किया।

रेणु बहुगुणा ने ''एक आदर्श वैष्णव महिला की छवि का निमार्ण: 16वीं-17वीं शताब्दियों के पुष्टिमार्गी आख्यानों में निष्ठा तथा लिंग'' विषय पर पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला के इतिहास विभाग द्वारा 10 से 12 नवम्बर, 2017 को आयोजित ''दक्षिण एशियाई इतिहास सम्मेलन'' में एक शोध प्रस्तुत किया।

अप्पाला नायडु ने ''आंध्र प्रदेश में उच्चतर शिक्षा संस्थानों में पंजीयन के निर्धारक विषय'' पर नवम्बर, 2017 के दौरान आयोजित सेमिनार में एक शोध प्रस्तुत किया।

गौतम चौबे ने 2017 के नवम्बर में दयाल सिंह कालेज (सांयकालीन) में ''ट्रामा अध्ययन तथा साहित्य'' विषय पर एक शोध प्रस्तुत किया।

रेणु बहुगुणा ने ''मध्यकालीन राजस्थान में भक्ति तथा लिंग: वैष्णव तथा 17वीं और 18वीं शताब्दियों के दौरान मीराबाई के वैष्णव तथा संत प्रतिनिधित्व'' विषय पर 22 से 24 दिसम्बर, 2017 तक जयपुर में आयोजित ''राजस्थान इतिहास कांग्रेस'' के 32वें सत्र के दौरान एक शोध प्रस्तुत किया।

अमित सिंह ने ''दक्षिण चीन सागर विवाद तथा भारत-वियतनाम संबंधों पर इसका प्रभाव'' विषय पर 09 जनवरी, 2018 को जाकिर हुसैन दिल्ली कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में एक शोध प्रस्तुत किया।

राघवेन्द्र ने ''किसान संचार: मुद्दे और विपुल चेतावनियां'' विषय पर 16 तथा 17 फरवरी, 2018 को एफएए राजकीय महाविद्यालय, महमुदाबाद, सीतापुर, उ.प्रदेश में एक शोध प्रस्तुत किया।

अमित सिंह ने ''गिरमितिया से साहिब तक: फिजी में भारतीय प्रवासी कथा'' विषय पर 20 और 21 मार्च, 2018 को जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में एक शोध प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

छात्रों को प्रशिक्षण पाठ्यक्रम तथा शिक्षण के अन्य अवसर के प्रस्ताव के लिए कालेज ने कम्पनियों, एआईएफएमआर, एनआईईएसबीयूडी तथा अन्य के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए।

पूरे साउथ केम्पस में दिव्यांग छात्रों को अवसंरचनात्मक, मौद्रिक एवं साधनात्मक सहायता प्रदान करने के लिए विकलांगता तथा पुनर्वास अध्ययन सोसायटी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

अपशिष्ट कागज प्रबन्धन हेतु जागृति शोध पुनरूपयोग यूनिट के साथ समझौता ज्ञापन

ई-वेस्ट मेनेजमेंट के लिए पोम-पोम के साथ समझौता ज्ञापन

नियोजन ब्यौरा

विभिन्न कम्पनियों में नियोजित छात्रों की संख्या = 128

विस्तार एवं बाह्य गतिविधियां

01 से 15 अगस्त, 2017 तक ''स्वच्छ पखवाड़ा'' मनाया गया जिसके दौरान कई गतिविधियां आयोजित की गई। 04 अगस्त, 2017 को एनएसएस तथा एनसीसी की यूनिटों ने एक सेमिनार आयोजित की गई जिसका शीर्षक था, ''स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत'' ''स्वच्छ भारत अभियान'', ''अपशिष्ट का कारगर निपटान'' तथा ''प्लास्टिक के खतरे'' की थीमों पर 09 अगस्त, 2017 को पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता आयोजित की गयी। 14 सितम्बर, 2018 को स्वच्छ भारत समिति ने ''स्वास्थ्य और स्वास्थ्य विज्ञान ही सही दौलत है'' विषय पर एक इलोकुशन प्रतियोगिता आयोजित की। केम्पस को अस्त-व्यस्तता से मुक्त करने के प्रयास में अवांछनीय फाइलों, पुरानी और अनुपयुक्त लेखन सामग्री यथा एसाइन्मेंटस, प्रोजेक्ट सामग्री आदि रिसाइकल करने के लिए ''जागृति'' को सौंपी गयी।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में 109481 से अधिक पुस्तकें, 3760 सन्दर्भ ग्रन्थ तथा 80, 38, 582 ई-बुक्स हैं। 17 कम्प्यूटरों, 109481 पुस्तकों तथा 468 जर्नलों और 81 डिजीटल डाटाबेस की शुरूआत के साथ इस वर्ष पुस्तकालय स्वचालन एक महत्वपूर्ण विशेषता रही। पुस्तकालय साफ्टवेयर ओपेक (ऑनलाइन) पब्लिक एक्सेस केटालॉग) कार्यों को सुविधाजनक बनाता है जिससे प्रयोगकर्ता अपने अपेक्षित दस्तावेज देख (प्राप्त) कर सकते हैं। पुस्तकालय एन-सूची डिजीटल पुस्तकालय, यूजीसी इन्फोनेट तथा इनफलीबनेट (आईएनएफएलआईबीएनईटी) से सम्बद्ध है।

शिक्षाक संख्या

स्थायी शिक्षकों की कुल संख्या = 135

तदर्थ शिक्षकों की कुल संख्या = 60

वित्तीय आबंटन तथा उपयोग

स्वीकृत अनुदान: 45.7870 करोड़ रुपए

प्रयुक्त अनुदान: 35.4370 करोड़ रुपए

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

कालेज की ड्रामा सोसायटी ''रंगायन'' ने जाने-माने हिन्दी ड्रामा विश्लेषक डॉ. जयदेव तनेजा के सम्मान में ''रंगशीर्ष जयदेव नाट्य उत्सव'' थियेटर उत्सव का 06 से 08 फरवरी, 2018 तक आयोजित किया। 28 अगस्त, 2017 से 06 सितम्बर, 2017 तक कालेज की छात्राओं के लिए ''दिल्ली पुलिस के महिला अपराधरोधी प्रकोष्ठ के सहयोग से एक दस-दिवसीय रक्षा प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गयी। 30 अक्तूबर से 04 नवम्बर, 2017 तक ''केन्द्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी)'' की पहल पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। सप्ताह के दौरान इस वर्ष के थीम ''मेरा सपना: भ्रष्टाचार मुक्त भारत'' पर केन्द्रीत बहुत से कार्यक्रमों पर जोर दिया गया।

***

भारती महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां

कालेज ने चार नए पाठ्यक्रम शुरू किए, यथा अंग्रेजी पत्रकारिता में आनर्स, मनोविज्ञान में आनर्स समाजशास्त्र में आनर्स तथा गणित में आनर्स। एक अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धि जनवरी, 2018 से दो अल्पकालिक नए कौशल आधारित पाठ्यक्रम शुरू करने की थी, थे ''जन संचार'' तथा डिजीटल मार्केटिंग इन पाठ्यक्रमों की मुख्य विशेषता है कि इनसे नियोजन (रोजगार) के अवसर मिलते हैं। इसलिए ये आकर्षक हैं।

सम्मान/गौरव

डॉ. कान्ता रानी भाटिया को दिल्ली सरकार द्वारा दिसम्बर 2017 से ''दिल्ली संस्कृत अकादमी'' की उपाध्यक्षा के रूप में मनोनीत और नियुक्त किया गया।

डॉ. सुभद्रा कथुरिया, शारीरिक शिक्षा विभाग को कामन वेल्थ खेल 2018, गोल्ड कॉस्ट, आस्ट्रेलिया के लिए लान वाउल्स की भारतीय स्कवेड की चयन समिति की सदस्या के रूप में मनोनीत किया गया।

कालेज की ''इलान्तरे'' फैशन सोसायटी ने सर्वश्रेष्ठ भूमिका के लिए मानव रचना अंतर्राष्ट्रीय आईआईटी दिल्ली तथा बीआईटीएस, पिलानी में प्रथम स्थान हासिल किया।

सुश्री शिल्पी साही को 12 से 14 अक्तूबर, 2017 तक जयपुर, आईआईएस विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित भारतीय वाणिज्य संघ के 70वें अखिल भारतीय वाणिज्य सम्मेलन के दौरान ''मानव कैपिटल आयाम और निष्पादन के बीच सम्बन्धों पर कर्मचारी नियोजन की मध्यस्थता पर प्रभाव'' विषय पर शोध प्रस्तुत करने के लिए ''प्रो. एमीउद्दीन मेमोरियल आईसीए अनुसंधान स्कालर पुरस्कार'' सत्र के दौरान प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया।

गौरव सम्मान प्राप्त छात्र

बी.ए. (आनर्स) संस्कृत के छात्रों ने 'संस्कृत काव्यली' तथा 'वन एक्ट प्ले' में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

संस्कृत में बी.ए. (आनर्स) की सुश्री सपना को 'संस्कृत काव्य धारिता' के लिए द्वितीय पुरस्कार मिला; संस्कृत (आनर्स) तृतीय वर्ष की शिवानी को ''संस्कृत भाषण प्रतियोगिता'' में तृतीय पुरस्कार मिला।

समाज शास्त्र में बी.ए. (आनर्स) की सुश्री तान्या पन्खुरी ने ''मेमे कल्चर' में भगवान परशुराम प्रौद्योगिकी संस्थान (बीपीआईटी), दिल्ली के वार्षिक उत्सव में डूडल कला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन

बेटागिरी, ए (2017), ''कन्नड में युवा लेखन'' अनिकेताना: कन्नड़ भाषा तथा साहित्य का एक तिमाही जर्नल, जन. मार्च, 2017, में मेरी दो कविताओं ''अब'' तथा ''खुशी'' का अनुवाद

बेटागिरी, ए (2017) कविताएं: ''लन्गु'' ''लिव'' तथा ''बेक्टेरिया डेल्ला फवेला द्वारा आदमी की वाकपटुता पर सम्भाषण'', भारतीय साहित्य, 297. जन. फर. 2017

झा. एस. (2017) हिरारकीज का लोप तथा विभाजितो का मेल: इन न्गुगी वा थियोंग ग्लोबलेटिक्स थ्यूरी एंड पोलटिक्स आफ नोइंग. अंग्रेजी भाषा तथा साहित्य का जर्नल।

गुप्ता, एस. (2017) लक्जरी मार्केट में इन्टेंजिबलस की वित्तीय रिटर्न्स: 2015 का एक क्रास सेक्शनल अध्ययन- वाणिज्य तथा व्यापार अध्ययनों का जर्नल

प्रकाशित पुस्तकें

गुप्ता, एल. (2017) इन इकोक्रिटिज्म एंड एन्वायर्नमेंट प्रेक्सिज एंड डायनेमिक्स आफ चिल्डर्नस लिटरेचर नई दिल्ली: प्राइमस प्रकाशन

कुमार एव. (2017-18) माइक्रो इकोनोमिक्स परफोरमेंस रिलेडिट टू रिव्यू : एन ओवर व्यू, नई दिल्ली शान्धिल्य पबल्किेशन

अनुसंधान परियोजनाएं

मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा 10 लाख रूपए की राशि से वित्तपोषित 'क्लास रूम में इतिहास : अंडर ग्रेज्युएट इतिहास शिक्षण की चुनौतियां, नवोन्मेष व अध्यापन मामले' नामक प्रोजेक्ट।

आयोजित सेमिनार

29 अगस्त, 2017 को आईबीएस बिजनेस स्कूल, गुड़गांव में 'माल तथा सेवा कर (जीएसटी) को समझना' विषय पर आयोजित सेमिनार में डॉ. रेनू वर्मा, डीन अर्थशास्त्र व वित्त फैकल्टी द्वारा उद्बोधन।

04 सितंबर, 2017 को 'वित्त क्षेत्र में कैरियर के विकल्प/कैरियर आपसन्स इन फाइनेंस' विषय पर आयोजित सेमिनार में डॉ. कुशल भटेजा, वित्त फैकल्टी एवं प्रोग्राम हैड, इन्टरनेशनल कॉलेज ऑफ फाइनेंशियल प्लानिंग द्वारा उद्बोधन।

09 अक्तूबर, 2017 के 'साक्षात्कार में सफलता हेतू तैयारी तथा व्यक्तित्व विकास' विषय पर आयोजित सेमिनार में डॉ. सुश्री युक्ति आहूजा, जगन इंस्टीच्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, रोहिणी द्वारा उद्बोधन।

20 मार्च 2018 को 'टिप्स तथा ट्रिक्स हेतू प्रभावी प्रेजेंटेशन डवलेपमोट एंड डिलीवरिंग' विषय पर आयोजित सेमिनार में वैभव मेंदिरता, फैकल्टी, पुणे इंस्टीच्यूट ऑफ मैनेजमेंट द्वारा उद्बोधन।

आयोजित सम्मेलन

नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के सहायोग से अंग्रेजी विभाग द्वारा इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में 15 से 17 मार्च, 2018 तक 'सिद्धांतवादी तथा मींमासकत्ववादी -: सिद्धांत तथा संबंधित विधाएं' विषय पर सम्मेलन का आयोजन।

सेमिनार/सम्मेलन मे प्रस्तुति

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के जोसेफ बी मार्टिन कान्फ्रेंस सेंटर में आयोजित 'इंटरनेशनल कान्फ्रेंस ऑफ बिजनेस एंड इकनॉमिक्स' के दौरान सलौनी गुप्ता द्वारा 'इंडियन स्टॉक मार्केट रिटर्न पर विमुद्रीकरण के प्रभाव' विषय पर शोध प्रस्तुत किया गया और उसमें 25 मई, 2017 को एक सत्र की अध्यक्षता भी की गई।

11 और 12 जनवरी, 2018 के दौरान कॉमर्स विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय तथा एकेडमी ऑफ इंडियन मार्केटिंग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित अंतरराष्ट्रीय कॉमर्स सम्मेलन में 'सोशल मीडिया द्वारा धर्म को समझना तथा उसे बढ़ावा देना : सही मार्ग की तलाश' विषय पर पूनम द्वारा एक शोध प्रस्तुत किया गया।

मेसन डी फ्रांस में 07 से 09 दिसंबर, 2017 तक 'कालक्रम विज्ञान : विश्व के संदर्भ में नियतकालिकता' पर मीमांसकत्व छात्र फोरम तथा मेक्स वेबर स्टीफटंग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इंटरनेशनल सेमिनार में 'पौराणिक

परिकल्पना : नियतकालिकता, ऐतिहासिक स्मृति और भारतीय राष्ट्र की परिकल्पना' विषय पर अनुभूति मौर्य द्वारा शोध प्रस्तुत किया गया।

आईआईटी दिल्ली में वर्क-इन-प्रोसेस कोलेजियम के एक भाग के रूप में अंकुर बेटागिरी द्वारा 'मीमांसकत्व विषय से अनुभववादिता : मीमांसकत्व युग्म तथा उनसे परे' विषय पर शोध प्रस्तुत किया गया।

आईसीएसएसआर तथा जेएसपीएस द्वारा वासेडा यूनिवर्सिटी, टोकियो में 'दक्षिण एशिया में लिंग तथा धर्म के पक्ष' विषय पर संयुक्त रूप से आयोजित एक सम्मेलन के दौरान 'स्कूल संस्कृति में धर्म तथा धार्मिकता : भारत के परिपेक्ष में एक अध्ययन' विषय पर देविका मित्तल द्वारा शोध प्रस्तुत किया गया।

क्वीन मैरी कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु द्वारा 13 से 15 सितंबर, 2017 तक 'नए भारत के निर्माण में मुख्य सामाजिक आर्थिक मामलों पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार' में 'भारत में रोजगार का वैश्विकरण तथा औपचारिकरण' विषय पर शैलेष कुमार द्वारा शोध प्रस्तुत किया गया।

इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 29 और 30 नवंबर, 2017 को भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) के सहयोग से भारत पर अनुसंधान तथा अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान (आईसीएसएसआर) द्वारा 'अंतरराष्ट्रीय संबंधों में ज्ञान अवसंरचनाओं की रिवर्किंग : कुछ भारतीय योगदान' पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में शैलेजा सिंह द्वारा 'अंतरराष्ट्रीय संबंधों में वैकल्पिक संकल्पनाएं : दक्षिण एशिया से संभावनाओं की तलाश' विषय पर एक शोध प्रस्तुत किया गया।

राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान तथा प्रशिक्षण परिषद (एनसीआरटी के क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भुवनेश्वर ओडिशा में 07 और 08 दिसंबर, 2017 को 'मानव अधिकार शिक्षा' पर आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान शैलेजा सिंह द्वारा 'आंतकवाद विरोधी तंत्र तथा मानव अधिकार : विलुप्त कड़ियां' विषय पर एक शोध प्रस्तुत किया गया।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

विश्व के विभिन्न भागों में कार्यरत और शांति की शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध दक्षिण कोरिया स्थित एक हेवनली कल्चर वर्ल्ड पीस, रेस्टोरेशन ऑफ लाईट (एसडब्ल्यूपीएल) नामक एनजीओ के साथ 09 सितंबर, 2017 को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

एनआईईएलआईटी में शामिल होने के लिए एनआईआईटी एमबिट कम्प्यूटिंग प्रा. लि. के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

नियोजन विवरण

सफल नियोजन पाने वाले छात्रों की संख्या = 83
कैम्पस भर्ती के लिए आई कंपनियों/उद्योगों की संख्या = 08
पुन: भर्ती के लिए आने वालों की संख्या = 03

विस्तार तथा बाह्य गतिविधियां

आस-पास के क्षेत्रों में आयोजित शिविरों की संख्या = 04
इन कैम्पों में नामित/शामिल लोगों की संख्या = 50
इन शिविरों में काम करने वाले छात्रों की संख्या = 20

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय के बेहतर संचालन के लिए डॉक्टर जया केरल को पुस्तकालय समिति की संयोजक नियुक्त किया गया और पुस्तकालय के भंडारण में 783 पुस्तकें शामिल की गई जिससे वहां कुल 52091 पुस्तकें और बुक बैंक में 3639

पुस्तकें हो गईं। इस पुस्तकालय में अंग्रेजी तथा हिंदी के 19 समाचार शोध, 20 राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय जर्नल और 13 पत्रिकाएं आती हैं।

शिक्षक संख्या

स्थाई शिक्षकों की कुल संख्या = 69
अस्थाई शिक्षकों की कुल संख्या = 01
तदर्थ शिक्षकों की कुल संख्या = 32

वित्तीय आवंटन तथा उपयोग

स्वीकृत अनुदान : 2727.09 रु. (लाख रू. में)
उपयोग में लाया गया अनुदान : 2236.0916 रु. (लाख रू. में)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

तीन नॉन-कालिजिएट एनसीडब्ल्यूईबी छात्र टॉपर रहे। भारती परिवार उनके पोर्टल में शामिल होने वाले छात्रों के जीवन को सुधारने की दिशा में संयुक्त रूप से और निरंतर तेजी के साथ काम कर रहा है, भले ही वे छात्र एसओएल, एनसीडब्ल्यूबी अथवा नियमित सिस्टम से हों। स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग का व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम (एसओएल पीसीपी) बी. कॉम के 500 छात्रों के लिए काफी सहायक रहा है।

***

भास्कराचार्य अनुप्रयुक्त विज्ञान महाविद्यालय

मुख्य गतिविधियां तथा उपलब्धियां

इस कॉलेज को हाल ही में एनएएसी द्वारा ग्रेड-ए मान्यता दी गई है और इसे जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार से 'स्टार कॉलेज स्टेटस' प्राप्त है जिसके चार विभागों, अर्थात जैव चिकित्सा विज्ञान, खाद्य प्रौद्योगिकी, जैव रसायन शास्त्र तथा माइक्रोबायोलॉजी को अपेक्षित मान्यता प्राप्त है। इस कॉलेज में चार नए पाठ्यक्रम आरंभ किए गए हैं और इस प्रकार अब इस कॉलेज में विज्ञान के 11 ऑनर्स पाठ्यक्रम हैं। हमारे कॉलेज के बीएससी ऑनर्स इलैक्ट्रॉनिक्स द्वितीय वर्ष के छात्र निशांत सिंधु ने मलेशिया में वर्ल्ड यूनिवर्सिटी शूटिंग प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व किया और दूसरा स्थापन प्राप्त किया। यहां के छात्र और शिक्षक पर्यवरण खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता तथा स्वास्थ्य जैसे अनेक मामलों में समाज में कार्य करते हुए आम जनता को शिक्षित करने के बाह्य कार्यक्रमों में भी सक्रियता शामिल हैं।

सम्मान/गौरव

उच्चतर शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा डॉ. अवनीश मित्तल को सर्वश्रेष्ठ कॉलेज अध्यापक (2016-17) पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

गौरव सम्मान प्राप्त छात्र

बीएससी (ऑनर्स) जैव चिकित्सा विज्ञान तृतीय वर्ष के छात्र मिस्टर राहुल मदान ने यूनिवर्सिटी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

एआईएफपीए के 73वें वार्षिक सम्मेलन में कुमारी हेफजियाब साजीं, बीएससी (ऑनर्स) फूड टेक्नोलॉजी, तृतीय वर्ष को 'इटेलियन टेकनीकल सर्विसिज अवार्ड' की अखिल भारतीय फूड प्रोसेर्स एसोसिएशन द्वारा रजत पदक से सम्मानित किया गया।

बीएससी (ऑनर्स) जैव चिकित्सा विज्ञान तृतीय वर्ष की छात्रा कुमारी आईशा सिकरी पूर्ण छात्रवृति के साथ आयरलैंड की राष्ट्रीय यूनिवर्सिटी में एनएससी रिजनरेटिव मेडिसन में दाखिला पाने में सफल रहीं।

बीएससी (ऑनर्स) इलैक्ट्रॉनिक्स द्वितीय वर्ष के छात्र निशांत सिंधु ने एफआईएसयू विश्व निशानेबाजी चैम्पियनशिप 2018 में 10 मि.मी. एयर पिस्टल - पुरूष खेल चैम्पियनशिप, सुबांग, मलेशिया में भारत का प्रतिनिधित्व किया और स्वर्ण पदक जीता।

''बीएससी (आनर्स) प्रथम वर्ष के छात्र मास्टर उज्जवल ने बीसीसीआई द्वारा आयोजित (अंडर 23) क्रिकेट टूर्नामेंट में मणिपुर राज्य का प्रतिनिधित्व किया।

योगिक लाईफस्टाइल फाऊंडेशन द्वारा 05 तथा 06 अक्तूबर, 2017 को आयोजित प्रथम दिल्ली स्टेट चैम्पियनशिप में कु डिम्पल कौशिक, बी.एस.सी (आनर्स) इलैक्ट्रानिक्स तृतीय वर्ष ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

रसायन विज्ञान विभाग, गुरू नानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर (पंजाब) द्वारा 26 व 27 मार्च, 2018 को रसायन विज्ञान की उपलब्धियों पर आयोजित 7वें नेशनल सिम्पोजियम में पार्थ मा. विडालिया और मा. श्याम डोभाल, बी.एस.सी. (आनर्स) पोलिमर साईस तृतीय वर्ष ने बेस्ट पोस्टर अवार्ड जीता।

प्रकाशन (चुनींदा)

आनन्द, पी., मित्तल, ए., सलूजा, डी., चौधरी, यू., पाणि, बी., ठाकुर, आर., भास्कर, डी., नौडियाल, एन., सिंह, पी., आहूजा, पी., जिन्दल, एस., बिन्द्रा, डी., शौकिन, बी., दास, डी., कुमारी, जे., बंसल, एन., (2018) बचपन के मोटापे पर भौतिक पहलुओं का प्रभाव। दिल्ली यूनिवर्सिटी जर्नल ऑफ अंडरग्रेजुएट रिसर्च एंड इन्नोवेशन। 3(1),75-82

गंगवार, ए., मित्तल, ए., नैन, आर., सिरोही, एस. (2017) पालीमर्स इन बायोमेडिकल एप्लीकेशन्स। लघु उद्योग समाचार 43(1).14-16

जैन, एन., सिंह, आर., कुमार, जी., पाणि, बी., नैन, आर., दत्त, के., मुवाल, पी., सिरोही, एस. (2017) बायोडिग्रेडेबल तथा प्रिंटेबल पोलिस्टर फिल्मस, की लचर उत्पादन। कैमिस्ट्री सलेक्ट, 2(35): 11415-11421. डीओआई: 10.1002/सलेक्ट 201702726।

जैन, एन., सिरोही, एस., पाणि, बी., (2017) इंडियन पोलिमर पैकेजिंग इंडस्ट्री। लघु उद्योग समाचार, 4(11):42-43. आईएसएसएन 0970-8006

नैन, आर., डोमाल, एस., विडालिया, पी., सैनी, जी., पाणि, बी., सिरोही, एस., सरफेस प्लासमोन इन्हांस्ड फोटोकेटेलाइसिस के लिए एडवांसिस डेकोरेटिड सिलिका नैनो स्ट्रक्चर्स। आरएससी एडवांसिस, 8(36): 20287-20294. डीओआई: 10.1039/सी8आरए02543एफ

सैनी, आर., कुमार, एम., कुमार, ए., भट्ट, जी., खन्ना, एम. के., कपूर, ए. (2017)। गाइडिड मोडस तथा लोसी मोड्स के बीच रेसोनेन्ट कोपिंग का उपयोग करते हुए हाई एक्टीवेशन रेसो टीई/टीएम पास पोलेएइनर्स हेतु सिलकॉन

ऑप्टीकल वेव गाईड का विश्लेषण। जर्नल ऑफ इलैक्ट्रीकल एंड इलैक्टॉनिक्स इंजीनियरिंग (आईओएसआर-जेईईई)। 12(3): 59-64 ई-आईएसएसएन: 2278-1676

सिरोही, एस., सिंह, आर., जैन, एन., पाणि, बी., दत्त, के., नैन, आर., (2017) बहु कार्य जेडएनओ/पोलिमर कम्पोजिट फिल्मस का संश्लेषण तथा चित्रण। जर्नल ऑफ पोलिमर रिसर्च, 24(11)193. डीओआई: 10.1007/एस10965-017-1355-8

सिरोही, एस., सिंह, ए., डागर, सी.,सैनी, जी., पाणि, बी., नैन, आर. (2017) माइक्रोफोरस एसआईओ2 कल्चर संश्लेषण। फोटो कैटेलाइसिस का त्रिकोणीय ए.जी कम्पोजिट नैनो स्ट्रक्चर। एप्लाइड नैनो साईंस, 7(8): 633-643. डीओआई: 10.1007%2एफएस13204-017-0597-4

सिरोही, एस., नैन, आर., दत्त, के., पाणि, बी., जैन, एन., सिंह, आर., वाधवा, पी., सैनी, जी., पवार, पी., (2017)/नैनोफिनिशिंग टैक्सटाइल्स तथा बायोमेडिकल एपलीकेशन्स के लिए जैडएनओ एनपीएस का सुव्यस्थित संश्लेषण। नैनोटैक्नोलॉजी ड्राइवन मैटेरियल्स न्यू इन्साइट्स एप्पल बुक, टेलर एंड फ्रांसिस। आईएसबीएन 9781771886345.

सिरोही, एस., वर्मा, सी., एस. (2017) टापर एजुकेशन फैकल्टी कैरियर ओरिएंटेशन एंड एडवांसमेंट, इंडिया, दिल्ली नामक पुस्तक में शॉर्ट एटीकल्स चैप्टर्स। बुक्स लिखना सेंटर फॉर एजुकेशन ग्रोथ एंड रिसर्च आईएसबीएन: 978-81-933475-9-1

रिसर्च प्रोजेक्ट्स

उत्तर प्रदेश के छः जिलों के (आगरा, मथुरा, महामाया नगर, कांशी राम नगर, एटा तथा बदायूं) न्यूकलियर साईंस, यूरेनियम का स्पेशियल वितरण तथा के भूंजल/सतह जल संबंधी जल गुणता पैरामीटर के लिए बोर्ड ऑफ रिसर्च द्वारा वित्तपोषित। 26.94 लाख रुपए की डॉ. बलराम पाणि तथा डॉ. मनजीत सिंह बरवा परियोजना।

रि एवं रू-बेस्ड मेटल साइकिल्स की सिंथेसिस व पोस्ट सेल्फ-असेम्बली फंक्शनलाइजेशन तथा फोटो फिजिकल व इलैक्ट्रोकैमिकल प्रोपर्टीज पर इसके प्रभाव विषय पर एसईआरबी-विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा वित्तपोषित 23.29 लाख रुपए की डॉ. बलराम पाणि डॉ. दीपक गुप्ता परियोजना।

रोग रोधक क्षमता तथा स्वास्थ्य की रक्षा बनाम एन्टीबायोटिक्स का अविवेकी उपयोग: छात्रों, पेरामेडिकस, ड्रग मार्केटिंग प्रणालियों तथा समाज के लिए बहुस्तरीय दिशानिर्देशन, प्रदर्शनियों तथा प्रदर्शनों के माध्यम से जानी-मानी पसन्द हेतु चिकित्सा जागरूकता तथा क्षमता का निर्माण विषय पर 22.72 लाख रुपए की लागत से विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा वित्तपोषित डॉ. उमा चौधरी व डॉ. बलराम पाणि परियोजना।

आयोजित सेमिनार

'प्रवासन के भविष्य में परिवर्तन-खाद्य सुरक्षा एवं ग्रामीण विकास' विषय पर 16 अक्तूबर, 2017 को आयोजित सेमिनार।

लेन्डमार्क इन्सूटीट्यूट द्वारा 'स्नातक उपरान्त आईटी में कैरियर' विषय पर 23 जनवरी, 2018 को आयोजित सेमिनार।

आयोजित सम्मेलन

माइक्रोबायोलोजी विभाग द्वारा 13 व 14 मार्च, 2018 को, 'अंतर्विषयक माइक्रोबायोलोजी में प्रगति: सम्भावनाएं' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन।

खाद्य सुरक्षा, पौषण सुरक्षा निरन्तरता एएमआईएफओएसटी विषय पर 26 सितम्बर, 2017 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन।

सेनिमार/सम्मेलन में प्रस्तुतियां (प्रजेन्टेशन)

दिल्ली विश्वविद्यालय में 2 से 7 अप्रैल, 2018 तक ''आरएनए मेटाबोलिजम तथा न्यूरोडिजनरेटिव रोग'' विषय पर आयोजित सम्मेलन में दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रथम एमएचआरडी जीआईएएन पाठ्यक्रम हेतु उमा धवन समन्वयक व रिसोर्स पर्सन द्वारा प्रस्तुति।

डॉ. बी.आर. अम्बेडकर सेन्टर फोर बायोमेडिकल रिसर्ज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 19-21 फरवरी, 2018 तक ''फ्रन्टीयर्स इन बायोमेडिकल साईसिंस (एफबीआर-2018)'' विषय पर आयोजित ग्यारहवें वार्षिक सिम्पोजियम के दौरान उमा धवन द्वारा मानव स्वास्थ्य की चुनौतियां: बचाव, रोग निदान तथा उपचार' नामक शोध प्रस्तुत किया गया।

एमडीयू रोहतक मे 21 मार्च, 2017 को ''जैव विविधता की स्थिति तथा महत्व'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में सुभ्रा बरवा द्वारा 'धार्मिक उपवन तथा जैव विविधता संरक्षण' नामक शोध प्रस्तुत किया गया।

लुक बर्ग ईटली में 19-24 मार्च, 2017 तक ''गार्डन रिसर्च कान्फ्रेन्स-आक्सीडेटीव स्ट्रेक एण्ड डिसीज'' विषय पर आयोजित सेमिनार में श्वेतम्बरी आरोड़ा द्वारा 'दा रोल ऑफ केलरेटिकुलीन ट्रांसेक्टइलेस इन हाईपोक्सिया' नामक पोस्टर प्रस्तुत किया गया।

विश्व खाद्य दिवस 2017 के अवसर पर एमिटी इंस्टीट्यूट आफ फूड टेक्नोलाजी में 12 अक्तूबर, 2017 को ''भावी प्रवासन में परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा एवं ग्रामीण विकास में पूंजी निवेश'' विषय पर आयोजित सेमिनार में ईराम राव द्वारा मुख्य सम्बोधन।

नई दिल्ली में 30 नवम्बर, 2017 को 'खाद्य सुरक्षा एवं विनियम' विषय पर आयोजित व्यवहारिक जागरूकता सम्मेलन में शालिनी सहगल ने आमन्त्रित वक्ता के रूप में भाग लिया और 'खाद्य सुरखा तथा मानक-मौजूदा परिदृश्य' नामक शोध प्रस्तुत किया।

रूईना कालेज मुम्बई द्वारा 27 नवम्बर, 2017 को अपनी स्टार कालेज योजना के अन्तर्गत आयोजित सेमिनार में शालिनी सहगल ने आमन्त्रित वक्ता के रूप में भाग लिया तथा ''खाद्य सुरक्षा की समझ'' विषय पर शोध प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

अगस्त 2017 से आज तक बीएससी (आनर्स) बायोमेडिकल साईसिंस की सहयोगी गतिविधियों के लिए क्लिन्टोक्स बायोसर्विसिज, हैदराबाद के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

नियोजन विवरण

नियोजित छात्रों की संख्या तथा प्रतिशतता = 11

केम्पस भर्ति के लिए आई कम्पनियों की संख्या = 08

विस्तार तथा बाह्य गतिविधियां

खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग की एम्ब्रोशिया सोसायटी द्वारा 09 से 16 सितम्बर, 2017 के दौरान भास्कर कालोनी तथा मधु विहार में ''न्यूट्रीशनल लेबल रीडिंग'' तथा फूड पैकेजिंग मेटेरियल'' थीम पर गतिविधियां संचालित की गई। 19 मई, 2017 को विज्ञान प्रसार, नोएडा में ''साईस फ्यूजन प्रोग्राम'' के दौरान फोल्डस्कोप गतिविधियां की गई और 03 जून, 2017 को डॉ. वीसी रॉय मैमोरियल चिल्ड्रन रीडिंग रूम, चिल्ड्रन बुक ट्रस्ट में ''फोल्डस्कोप के साथ माइक्रो आर्गनिज्म की खोज-सजावट कार्यशाला' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

पुस्तकालय विकास

इसके पुस्तकालय में 29945 पुस्तकों का संग्रह है। इस पुस्तकालय ने आईएनएफएलआईबीएनईटी के एन-लिस्ट ''नेशलन लाइब्रेरी एंड इन्फोर्मेशन सर्विसिज इन्फास्ट्रक्चर फॉर स्कोलरली कन्टेंटस'' कार्यक्रम के साथ अपने अंशदान का पुन: नवीकरण किया है। इस पुस्तकायल में आरएफआईडी टेक्नोलॉजी का उपयोग आरंभ कर दिया है। इस प्रकार इसमें त्वरित परिचालन, त्वरित स्टॉक जांच-पड़ताल तथा पुस्तकालय की अपेक्षाकृत बेहतर सुरक्षा के लिए मार्ग प्रशस्त किया है। यह एलएसईएएसई (एलआईबीएसवाईएस) लाइब्रेरी मेनेजमेंट साफ्टवेयर में सफलतापूर्वक परिवर्तित हो गई है। केओएचए के उपयोगों में की गई तारीख पर पुस्तकों को जारी करने व उन्हें वापस करने की अलग से रिपोर्ट और देय तारीख के बाद एकत्रित अति देय शुल्क (विलम्ब शुल्क) की रिपोर्ट तैयार की जाती है। इस पुस्तकालय ने एक और महत्वपूर्ण कार्य किया है जो कि मौजूदा डाटाबेस की-वर्ड डालने का है।

शिक्षक की संख्या:

स्थायी शिक्षकों की कुल संख्या = 46

तदर्थ शिक्षकों की कुल संख्या = 38

वित्तीय आबंटन तथा उपयोग

स्वीकृत अनुदान:	21,39,52,236,00/- रुपए
उपयोग में लाया गया अनुदान:	14,99,60,445,67/- रुपए

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

जीरो कोस्ट इन्टेग्रेटिड कालेज मेनेजमेंट सिस्टम का विकास करके इस कालेज ने डिजीटेशन एंड आटोमेशन की ओर एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है।

***

नर्सिंग आर्मी अस्पताल महाविद्यालय (अनुसंधान व निर्दिष्ट)

मुख्य गतिविधियां तथा उपलब्धियां

कालेज ऑफ नर्सिंग, आर्मी हॉस्पीटल रिसर्च एंड रेफरल बीएससी (आनर्स) नर्सिंग पाठ्यक्रम करवाता है जिसमें हर वर्ष 30 छात्रों को प्रवेश दिया जाता है। इसका स्थापना दिवस बड़ी ही धूमधाम से मनाया गया जिसके अवसर एएचआरआर के कंपोडेंट ले. जनरल ए.के. दास मुख्य अतिथि और मेजर जनरल सुशीला शाही, अपर महा निदेशक, सेना नर्सिंग सेवा गेस्ट ऑफ आनर रहीं। इस अवसर कालेज की पत्रिका ''तरंगिनी'' का दूसरा संस्करण जारी किया गया। कालेज द्वारा 70वें स्वतंत्रता दिवस के दौरान एक इन्टर हाऊस ग्रुप सोंग प्रतियोगिता तथा स्लोगन डाइटिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। यहां प्रशिक्षित योग अनुदेशक की देख-रेख में आर्मी हॉस्पीटल (आर एंड आर) के सहयोग से

विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न योग मुद्राओं और ध्यान लगाने का अभ्यास किया गया। कालेज ऑफ नर्सिंग एचआरआर की एसएनए यूनिट को दिल्ली सर्वश्रेष्ठ एसएनए यूनिट घोषित किया गया।

सम्मान/गौरव

ले कर्नल मैरी प्रिया ए.वी. के जनवरी 2018 में जी.ओ.सी.इन.सी प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।

सम्मानित छात्र

एन/केडेट अपराजित राज राज्य ने बीएससी (आनर्स) नर्सिंग के 5वें सेमिस्टर की परीक्षा में सर्वाधिक अंग प्राप्त किए।
एन/केडेट अरूनिमा जी.पी. ने बीएससी (आनर्स) नर्सिंग के छठे सेमिस्टर की परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।
एन/केडेट ज्योत्सना ने बी.एससी. (आनर्स) नर्सिंग के 7वें सेमिस्टर की परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

अनुसंधान परियोजनाएं

वर्ष 2017-18 के लिए दिल्ली के 'एक संगरोधी उपचार अस्पताल के चुने हुए वार्डो में IV थरेपी लेने कन्ने रोगियों को शिरा भिती सूजन (Phlebitis) से बचाने के लिए IV केनुलेशन साइट पर पोलिडिन आयोडिन की प्रभाव कारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक प्रायोगिक अध्ययन' नामक मेजर जिल्मी अन्नू जासे प्रोजक्ट।

वर्ष 2017-18 के दौरान 'महानगर के एक चुने हुए स्कूल में पढ़ने वाले स्कूली बच्चों में कामवासना की बुराई की जानकारी का मूल्यांकन करने के लिए एक अनवेषणात्मक अध्ययन' नामक ले. कर्नल रीना ओझा प्रोजेक्ट।

वर्ष 2017-18 के दौरान 'एक महानगर के चतुष्क देखभाल केन्द्र में नॉन-स्ट्रेस परीक्षण हेतु आई महिलाओं के मैटरनो-फेटल बायो-फिजिकल पैरामीटरों पर विभिनन मातृत्व अवस्थाओं की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक प्रायोगिक अध्ययन' नामक मेजर रेंजिनी गोपालकृष्णन प्रोजक्ट।

वर्ष 2017-18 के दौरान 'एक महानगर में चतुष्क देखभाल अस्पताल में आने वाले प्रमस्तिष्क घात के बच्चों की प्राथमिक देखभाल करने वालों के स्ट्रेस के स्तर का मूल्यांकन करने के लिए एक प्रायोगिक अध्ययन' नामक ले. कर्नल अल्का थॉमस प्रोजेक्ट।

वर्ष 2017-18 के दौरान 'एक महानगर के चतुष्क देखभाल अस्पताल की गहन देखभाल इकाई (सीसीयू) में काम करने वाली नर्सों में प्रभावहीनता के लक्षण उपलब्ध होने के मूल्यांकन का एक क्रॉस-सेक्शलन अध्ययन' नामक ले. कर्नल अल्का थॉमस प्रोजेक्ट।

आयोजित सेमिनार

'आर्गन ट्रान्सप्लान्ट' पर 12 मई, 2017 को आयोजित सेमिनार में ले. कर्नल सन्धया पी. नायर, आर्गन ट्रान्सप्लान्ट कोर्डिनेटर, एएचआरआर तथा केप्टन मर्सी, गहन देखभाल नर्सिंग अफसर द्वारा सम्बोधन द्वारा उद्बोद्धन।

'बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन' विषय पर 5 दिसम्बर, 2017 को आयोजित सेमिनार में मेजर जिलमी अनुजोश असोसिएट प्रोफेसर कालेज ऑफ नर्सिंग एएचआरआर द्वारा उदबोधन।

'किमोथेरिपी' विषय पर 23 जनवरी, 2018 को आयोजित सेमिनार में ले. कर्नल डोला बेनर्जी, एसोसिएट प्रोफेसर कालेज ऑफ नर्सिंग एएचआरआर द्वारा उदबोधन।

'ओपन हार्ट सर्जरी' विषय पर 27 फरवरी, 2018 को आयोजित सेमिनार में ले. कर्नल मिनाक्षी, सीवाईटीएस, एएसआरआर द्वारा उदबोधन।

'ट्रेकियो-ओइसोफेजियल फिसटुला' विषय पर 13 मार्च, 2018 को आयोजित सेमिनार में ले. कर्नल सुमन ढाका, एसोसिएट प्रोफेसर, कालेज ऑफ नर्सिंग, एएचआरआर द्वारा उदबोधन।

आयोजित सम्मेलन

'गहन देखभाल नर्सिंग' विषय पर 18 से 19 अगस्त, 2017 तक आयोजित एवं डीजीएएफएमएस द्वारा वित्तपोषित सम्मेलन।

'बीएलएस/एसीएलएस' विषय पर 06 से 08 जनवरी, 2018 तक आयोजित एव आर्मि हॉस्पिटल (आर एंड आर) द्वारा वित्तपोषित सम्मेलन।

'ओबसटेट्रीक' विषय पर 26 से 27 मार्च, 2018 तक आयोजित सम्मेलन।

सेमिनार/सम्मेलनों में प्रस्तुतियां

11 फरवरी, 2018 को आयोजित ''इंडियन मायलोमा कांग्रेस'' के दौरान ''प्रशासक देखभाल'' विषय पर पेनल चर्चा में कर्नल अजीत दत्ता चौधरी मोटरेटर रहे।

नियोजन विवरण

चार वर्षिय बी.एससी. (आनर्स) नर्सिंग कोर्स सफलतापूर्वक पुरा करने के उपरान्त सभी छात्रों को मिलिट्री नर्सिंग सेवा में लेफ्टीनेन्ट के तौर पर कमीशन दिया जाएगा। इन स्नातकों के प्रथम बेच को आठवें सेमेस्टर का परिणाम घोषित होने के बाद कमिशन दिया जाएगा।

विस्तार तथा बाहय गतिविधियां

इस कालेज द्वारा मार्च, 2017 में पीएचसी उजवा में ''बालिका बचाव'' पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया और अप्रैल, 2017 में बी.एससी. (आनर्स) नर्सिंग चतुर्थ वर्ष के केडिटो ने राष्ट्रीय बाल एवं बालिका राजकिय उच्च विद्यालय द्वारका में ''स्कूल स्वास्थ्य'' कार्यक्रम का आयोजन किया। सितम्बर, 2017 में कालेज द्वारा आरएचटीसी नजफगढ़ में ''बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ'' पर एक जाग्रति कार्यक्रम का आयोजन किया। इसी प्रकार सितम्बर, 2017 में सिनियर सैकेंडरी स्कूल नांगलोई सकरावती में भी एक ''स्कूल स्वास्थ्य'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अक्तूबर, 2017 में बी.एससी. (आनर्स) नर्सिंग के चतुर्थ वर्ष के केडिटो द्वारा फेमिली वेलफेयर सेन्टर एएचआरआर में ''ब्रेस्ट केन्सर जागरूकता'' पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

पुस्तकालय विकास

कालेज पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या: 5000
आर्मि हास्पिटल (आर एंड आर) पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या: 10,000

शिक्षक वर्ग संख्या

स्थायी शिक्षकों की कुल संख्या = 15
तदर्थ शिक्षकों की कुल संख्या = 03

वित्तीय आवंटन तथा उपयोग
स्वीकृत अनुदान : 25,24,924/- रु.
उपयोग में लाया गया अनुदान : 25,24,924/- रु.

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी
कालेज ऑफ नर्सिंग आर्मि हास्पिटल (आर एंड आर) द्वारा बी.एससी. (आनर्स) नर्सिंग के साथ-साथ 06 पोस्ट बेसिक डिप्लोमा स्पेशलिटी कोर्स भी चलाए जाते हैं जो इंडियन नर्सिंग काउंसिल द्वारा मान्यता प्राप्त हैं तथ हेमेटोलोजी नर्सिंग और स्टेम सेल ट्रान्सप्लान्ट कोर्सिज तथा पोस्ट बेसिक डिप्लोमा इन बर्नस नर्सिंग के लिए इंडियन नर्सिंग काउंसिल का अनुमोदन प्रतिक्षित है।

***

व्यवसायिक अध्ययन महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां
व्यावसायिक अध्ययन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय का एक महाविद्यालय है तथा 1972 से व्यावसायिक, प्रबंधन तथा परंपरागत शिक्षा के लिए कार्यरत है। व्यावसायिक शिक्षा देने, परंपरागत विश्वविद्यालय शिक्षा तथा बदलते सामाजिक-आर्थिक वातावरण के बीच की खाई को पाटने के लिए यह कॉलेज देश के अग्रणी संस्थानों में रहा है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त यह कॉलेज वाणिज्यिकी, अर्थशास्त्र, इतिहास, व्यापारिक अर्थशास्त्र तथा कम्प्युटर विज्ञान में आनर्स पाठ्यक्रम भी उपलब्ध करवाता है। चालू अकादमिक वर्ष के दौरान कॉलेज बहुत-सी उपलब्धियों का साक्षी रहा जिसकी विशेषताओं में अन्य के अलावा कॉलेज की फैशन सोसाइटी 'मैथन'ने ओ.पी. जिंदल विश्वविद्यालय तथा बीट्स (बीआईटीएस) द्वारा आयोजित फैशन शो में प्रथम स्थान प्राप्त करना तथा थियेटर ग्रुप ''ड्रामा नो मिक्स'' सेंट स्टीफन कॉलेज में सर्वश्रेष्ठ प्रोडक्शन पुरस्कार विजेता रहना उल्लेखनीय हैं।

सम्मान/गौरव
राष्ट्रीय संस्थानिक रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में यह कॉलेज 73वों स्थान पर रहा।
डॉ. इन्दरजीत (प्रधानाचार्य) को कार्यकारी परिषद, दिल्ली विश्वविद्यालय का सदस्य नामित किया गया है।

गौरव सम्मान प्राप्त छात्र
सुश्री स्वाती जैन, बी.ए. (ऑनर्स) व्यावसायिक अध्ययन, ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन
आई., जीत. सुमन, एस (2017) संगठनात्मक व्यवहार, टेक्समेन प्रकाशन प्रा.लि., नई दिल्ली।
कुमार, जे.वी. (2018) ऐन्द्रिकता और मुक्तिबोध आलोचना, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।

सिंह, डी.(2017) फ्रिक्वेंसी डोमैन में लोगरिथ्म तथा अंतर्वर्त्म कार्यों के उपयोग अवरक्त छवि का विस्तार- वैज्ञानिक तथा इंजीनियरिंग अनुसंधान अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (आईजेएसईआर) VII 743-747

कुमार एस.यू (2017) सत्याग्रह और हिंदी उपन्यास, स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली

अनुसंधान परियोजनाएं
वर्ष 2016-18 की अवधि के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्तपोषित परियोजना 'भारत में फिल्म स्तरीय नवोन्मेष एक महत्वपूर्ण अध्ययन, चीन के साथ राष्ट्रीय नवोन्मेष प्रणालिया एवं तुलना''

आयोजित सेमीनार

डॉ. निर्मला जैन, डॉ. नित्यानंद तिवारी तथा डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी ने 20 अगस्त, 2017 को ''हिन्दी साहित्य का अध्ययन क्यों'' सेमिनार को संबोधित किया।

18 सितम्ब, 2017 को 'राष्ट्र निर्माण में हिन्दी की भूमिका' विषय पर डॉ. वेद प्रताप वेदिक, जर्नलिस्ट द्वारा उद्बोधन।

डॉ. बी.एल. पंडित, प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 2 नवम्बर, 2017 के ''भूमि का मूल्य निर्धारण'' सेमिनार को संबोधित किया।

मि. पनोस कालोमेरो पॉलोस, यूनानी राजदूत तथा सुश्री अलीकी कौटसोमिटो पौलो, प्रथम काउंसलर तथा उप प्रमुख, यूनानी दूतावास ने 24 अक्तूबर, 2017 को ''दर्श, गणित, खगोल विज्ञान तथा औषध'' में यूनान का योगदान सेमिनार को संबोधित किया। श्री अरूण जैमिनी, श्री गजेन्द्र प्रियांशु तथा सुश्री रीतु गोयल, कवियों ने 15 फरवरी, 2018 को ''शब्-2018'' को सेमिनार संबोधित किया।

सेमिनार/ सम्मेलन में प्रस्तुति

इन्द्रजीत ने 29 जुलाई, 2017 को महाराजा सूरजमल संस्थान, गुरू गोविन्द सिंह इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''डिजीटलाइजेशन के माध्यम से भारत का विकासशील से विकसित की ओर प्रतिमान परिवर्तन'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

दीपक वर्मा ने 2017 मे प्रबंधन अध्ययन केन्द्र, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान ''भारतीय स्टाक मार्केट में मासिक सिजनेलिटी प्रभाव का एक अध्ययन'' विषय पर एक शोध प्रस्तुत किया।

धनंजय सिंह को एआईएसीटीआर, नई दिल्ली द्वारा ''नियोजनियता आधारित ढांचा'' विषय पर आयोजित कार्यशाला में एक प्रमुख वक्ता के तौर पर आमंत्रित किया गया तथा उन्होंने अपना लेख प्रस्तुत किया।

नियोजन ब्यौरा

नियोजित छात्रों की संख्या तथा प्रतिशत : 200 (नौकरी के इच्छुक 60% छात्र)

कैम्पस भर्ती के लिए आयी कंपनियों की संख्या:	12
इंटरर्नशीप के लिए आयी कंपनियों की संख्या:	16

विस्तार तथा बाहय गतिविधियां:

आसपास के क्षेत्रों में आयोजित कैंपों की संख्या:	03
कैंपों में दर्ज/शामिल लोगों की संख्या:	100
कैंपों में काम करने वाले लोगों की संख्या:	50

कॉलेज की एनएसएस यूनिट ने निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए ; राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में 02 मई, 2017 को ''विद्यावीरता अभियान'' तथा 01 से 15 अगस्त, 2017 तक ''स्वच्छता पखवाड़ा'' । 15 सितम्बर, 2017 को वृद्धाश्रम में भी एक कार्यशाला आयोजित की गयी।

पुस्तकालय विकास

स्टाक में पुस्तकें- 55,664

पूर्ण वाईफाई संपर्क के साथ इंटरनेट सुविधाएं बढायी गयी। जरूरत पड़ने पर छात्रों को आईएनएफएलआईबीएनईटी) सुविधाओं के प्रयोग से उपलब्ध ई-रिसोर्सिज के साथ लेपटोप दिए गए। इस सुविधा से यूजीसी। इनफ्लीबनेट की ई-रिसोर्सिज का प्रयोग संभव हुआ। यह पुस्तकालय राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाएं तथा कई अखबार मंगाता है।

शिक्षक वर्ग की संख्या
स्थायी शिक्षक वर्ग की कुल संख्या= 43
अस्थायी शिक्षक वर्ग कुल संख्या= 1
तदर्थ शिक्षकवर्ग की कुल संख्या= 73

वित्तीय आवंटन तथा उपयोग :
स्वीकृत अनुदान : 20,90,50,765/- रू.
प्रयुक्त अनुदान: 19,11,29,806/- रू.

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी:
कॉलेज ने तीन दिवसीय वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव, तत्व का आयोजन किया। कॉलेज के हिन्दी विभाग ने 21 फरवरी, 2018 को ''मातृभाषा दिवस'' मनाया। टीईबी- कॉलेज के उद्यमीयता मण्डल ने उद्यमीयता उत्सव ''एनईजीओसीआईओ'' का आयोजन किया। आगाज-कॉलेज के महिला विकास प्रकोष्ठ ने विभिन्न् कार्यक्रम आयोजित किये, यथा: उम्मीद की उड़ान, एनडीटीवी टॉक शो, क्वीयर पाईड मार्च, होली पर रैली, नाशीवाद पर अध्ययन सर्किल।

***

दौलतराम कॉलेज

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धियां
दौलत राम कॉलेज को एनएएसी द्वारा 'ए' ग्रेड दिया गया था तथा भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 'स्टार कॉलेज का दर्जा' दिया गया है। इस शैक्षणिक वर्ष से दो नये पाठ्यक्रम यथा बी.एस.सी (आनर्स) भौतिक विज्ञान तथा बी.ए. (आनर्स) शारीरिक विज्ञान के साथ शुरू किया गए। एक नयी ड्रोसोफिलर प्रयोगशाला तथा मनोविज्ञान संसाधन केन्द्र की शुरूआत करके कॉलेज की अवसंरचना को उन्नयित किया गया था हाल ही में एक जेबरा फिस सुविधा भी स्थापित की गयी। प्रशासनिक अनुभाग का भी नवीकरण किया गया। दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''फूल प्रदर्शनी'' के दौरान कॉलेज को नई पहचान मिली। कॉलेज अपशिष्ट को कॉलेज के अंदर ही बनी रिसाइक्लिंग यूनिट द्वारा रिसाइकिल किया गया और वर्ष 2017 में रिसाइकिल यूनिट द्वारा सौ किलोग्राम से भी अधिक शोध रिसाइकिल किया गया।

सम्मान/गौरव
रोजगार सृजन के लिए महिला एजेंसी (डब्ल्यूएजीई) द्वारा गठित खोज समिति ने कॉलेज को ''ग्रीन केम्पस पुरस्कार'' प्रदान किया।

भारत सरकार के सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण मंत्रालय के सामाजिक सुरक्षा राष्ट्रीय संस्थान द्वारा चलाए गए ''नशिले पदार्थो को ना कहो'' अभियान में भाग लेने के लिए कॉलेज को ''सराहना पुरस्कार'' प्राप्त हुआ।

डॉ. सविता राय (प्रधानाचार्य) को संस्कृत भाषा की प्रगति में सहायता के लिए दिल्ली संस्कृत अकादमी द्वारा ''संस्कृत समृद्ध सम्मान'' से पुरस्कृत किया गया।

2018 में आयोजित 60वें दिल्ली विश्वविद्यालय वार्षिक फलावर प्रदर्शनी में छात्रावास बगीचे को दूसरा स्थान मिला।

गौरव सम्मान प्राप्त छात्र

बी.ए. (आनर्स) अंग्रेजी तृतीय वर्ष की छात्रा सुश्री दीक्षित चोनजोम एंग को. प्रो. मदन मोहन प्रसाद स्मृति पुरस्कार' प्रदान किया गया।

एम.ए. (प्रथम वर्ष) संगीत की छात्रा सुश्री तनुश्री कश्यप ने दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

एम.एस (प्रथम वर्ष) मनोविज्ञान की छात्रा सुश्री ईराम फातिमा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

एम.ए. (अंतिम वर्ष) मनोविज्ञान की छात्रा सुश्री कावेरी शर्मा प्रथम स्थान पर रही।

बी.एस.सी (आनर्स) प्राणिविज्ञान, तृतीय वर्ष की सुश्री प्रेमा जोशी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन

चौहान, एन. आर., कपूर, एम., सिंह, एल., गुप्ता, आर. के., मीणा, आर.सी., तुलसावानी, आर., नंदा, एस., सिंह एस.बी., (2017) हिट स्ट्रेश इन्डयुस्ड न्यूरोइन्फलेमेशन एंड एबेरेशनप इन मोनोमाइन सेवरल इन हिपोथिलेमस तापमान अनियंत्रण से संबद्ध है। न्यूरो साइंस, 358, 79-92

ज्योति ए., झांग, जेड., बालाकृष्णन, बी. विलियमस, एम. सिंह, एस. चुगानी, डी.सी. कानन. एस. (2017)

अंतर्गर्माशनी अंतर्जीवषि एक्योजर के कारण प्रत्सव उपरांत रेबिट ब्रेन में सूजन का प्रशेपवक्र तथा माइक्रोग्लियल सक्रियण मार्करस न्यूरो बिओल दिस. 111: 153-162।

मल्होत्रा, जी, जैन, ए.कथल आर (2017) बायोवेस्ट मोसोपोर्स सामग्री तथा अपशिष्ट जल शोधन में उनके अनुप्रयोग पर पुनरीक्षण जैवचिकित्सा इंजीनियरिंग तथा जीव विज्ञान में मौजूदा प्रवृतियांत्र 4 (2)-555-635

मेहता, एस. (2017) ''भारत में दण्ड न्याय एवं पुनर्वास का मौजूदा परिदृश्य'' वर्तमान उच्च अनुसंधान का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल(आईजेएआर), 6(8), 5557-5567। एसजेआई 995

राथर, एस.ए., सुब्रह्मणयम, एस.ढाण्डा, एस, पाण्डेय, ए.के., (2018) क्रोटेलेरियाकी दो नयी सपेसिज की खोज (लेगुमिनोसंई, क्रोटेलेरिये) पश्चिमी घाट, भारत से/पीएमओएस वन 13(2): 192-226

शर्मा, के.वी. (2017) पाणिनी की व्याकरण पद्धति में संरचना तथा अर्थविज्ञान, संस्कृत अनुसंधान का जर्नल 3(4बी), 104-108, आईएसएसएन: 2394-7519 प्रभाव कारक (आरजेआईएफ) : 5.12

शर्मा एम., नंदा. एस, खन्ना आर., खन्ना, पी., गोयल, एस. (2017) कॉलेज केम्पस में कार्बन पदछाप तथा हस्तछाप की अर्हता; भविष्य का आंकलन। विज्ञान में नवीन अनुसंधान का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलोजी, 6(4)

शर्मा, पी. (2017) एफडीआई अंत: प्रवाह (आगमन) की अंत: शक्ति तथा निष्पादन वैज्ञानिक अनुसंधान तथा विकास में भारत अंतर्राष्ट्रीय जर्नल आफ ट्रेंड (आईजेटीएसआरडी), 1 (16) : 2456-6470।

यादव एन (2018) हमारे विचारों का पर्यावरण पर प्रभाव, नवीन जानकारी आवधारणाओं के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल 6 (1): 163-164 (आईएसकीएन 2454-2415)

जर्नल/पत्रिकाएं

संपादक/ संपादक मण्डल के सदस्यों के रूप में सेवारत कॉलेज शिक्षकों की संख्या-4

आयोजित सेमिनारें

राष्ट्रीय सेमिनार, मीडिया के समक्ष चुनौतियां '' 7 नवम्बर, 2017 को भारतीय जन संचार महासंघ के सहयोग से आयोजित।

आयोजित सम्मेलन
10 से 11 नवम्बर, 2017 तक '' समग्र योग: एच 3 (स्वास्थ्य, प्रसन्नता तथा सौहार्दय) विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

मनोविज्ञान अनुप्रयोग तथा हस्तक्षेप: रिचिंग आउटर एंड मेंकिंग ए डिफ्रेंस विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन 18 से 19 जनवरी, 2018 तक आयोजित किया गया।

पूर्वोत्तर : अप्रत्याशित पर्यटन उद्योग '' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन 115 से 16 मार्च,2018 तक आयोजित किया गया

मॉडल संयुक्त राष्ट्र एमयुएन'' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन 31 मार्च से 1 अप्रैल, 2018 तक आयोजित किया गया।

सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतीकरण
दीप्ति बंसल ने सितम्बर, 2017 मास के दौरान एलवीएस (पीजी) कॉलेज, जयपुर में राजस्थान पर्यटन तथा ऐतिहासिक अकादमी द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय बहु-अनुशासी सम्मेलन में ''भारत वर्ष में संगीत और प्रवर्तन की परस्पर संभावना'' शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

कालिंदी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 19 से 20 जनवरी, 2017 तक आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में भट्टाचार्य ने ''वैश्वीरकण तथा विकेन्द्रीकरण: परिस्थितिमन विकास'' विषय पर एक शोध प्रस्तुत किया।

एस.बी. विश्वविद्यालय, तिरूपति, आंध्र प्रदेश में आईएससीए द्वारा 9 से 7 जनवरी, 2017 तक आयोजित 104वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस में गौतम एंड गौतम ने मलिलोटस इन्डीकस (एल) में अधर और पराग पर अध्ययन'' विषय पर एक शोध प्रस्तुत किया।

संयुक्त विकास, सुशासन, वैश्वीकरण तथा हरित भविष्य पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन सम्मेलन में एफआईआईबी द्वारा ''भारत के विशिष्ट संदर्भ के साथ: वैश्विक प्रतियोगितात्मक तथा आर्थिक विकास के बीच संबंध'' विषय पर से एम. जैन ने 19 दिसम्बर, 2017 को एक शोध प्रस्तुत किया।

तरंग कपूर ने अगस्त, 2017 को अंतर्राष्ट्रीय विविध भारतीय सोसाइटी द्वारा आयोजित ''मानव अधिकार और लिंग न्याय'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ''मानव अधिकारों तथा प्रजातंत्र की क्षमता अप्रोच'' विषय पर एक शोध प्रस्तुत किया।

एम खोसला ने 28 जनवरी, 2017 को पेरिस विश्वविद्यालय डेस्कार्टेस पेरिस, फ्रांस में आयोजित एक सेमिनार में ''नैतिकता, संस्कृति तथा स्वास्थ्य'' विषय पर से एक शोध प्रस्तुत किया। मोनिका प्रभाकर ने 13 से 14 मई, 2017 के दौरान होकैडो विश्वविद्यालय, सपौरो, जापान में आयोजित ''अहं: और कर्म'' विषय पर एक शोध प्रस्तुत किया।

रेखा कथल ने श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 4 से 6 जनवरी 2018 को आयोजित ''पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी: निरंतरता एवं चुनौतियां (ईएनसीओएन-2017) विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा आउटरिच कार्यक्रम में '' फिटोरेमेडिएसन आफ क्रोमियम फ्रोम यमुना वाटर बाई घोरनिया '' शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

ज्योति शर्मा ने पीजीडीएवी इवनिंग कॉलेज, नई दिल्ली द्वारा केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 2 से 3 नवम्बर, 2017 के दौरान आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में 'तुलसी साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन'' शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

कविता शर्मा ने 7 से 9 दिसम्बर, 2017 तक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में ''खेलकूद औषध तथा खेलकूद विज्ञान: साईकॉन 2017 '' अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''दौलतराम कॉलेज के खिलाड़ियों और गैर-खिलाड़ियों उपलब्धि प्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन'' शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

कविता शर्मा ने आईजीएनसीए, नई दिल्ली के वेदा शिल्ड विषय पर 15 से 17 दिसम्बर, 2017 के दौरान आयोजित विश्व सम्मेलन में ''गोरक्षा: स्वस्थ मानव जीवन की वैदिक योजना'' शीर्षक से एक शोध प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

शिक्षा और अनुसंधान की प्रोन्नति के लिए बायोकेमिस्ट्री(जीवरसायन) तथा संस्कृति विकास विभाग के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

विभाग की प्रगति के लिए प्रारंभ डीआरसी तथा राष्ट्रीय प्रतिरक्षा संस्थान के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

अनुसंधान कार्यों की प्रगति के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राधी- विज्ञान विभाग के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए

केम्पस में अपशिष्ट की रिसाइक्लिंग को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गयी रिसाइक्लिंग यूनिट, डीआरसी तथा स्वालम्बन के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

केम्पस के रद्दी शोध की रिसाइक्लिंग शुरू करने के लिए डीआरआरसी तथा ग्रीनोबिन के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

नियोजन ब्यौरा

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या- 41
कॉलेज में ऑयी कंपनियों की संख्या- 6

पुस्तकालय विकास

1428 नयी पुस्तकें शामिल की गयीं।

शिक्षक संख्या

शिक्षक वर्ग के सदस्यों की कुल संख्या - 188

वित्तीय आवंटन तथा उपयोग-

स्वीकृत अनुदान : 382,317,600/- रू.
प्रयुक्त अनुदान : 385,906,245/- रू.

अन्य महत्वपूर्ण योगदान

कॉलेज ने दो नये पाठ्यक्रम शुरू किए, यथा बी.एस.सी (आनर्स) भौतिक विज्ञान तथा बी. ए. (प्रोग्राम) शारीरिक शिक्षा (दृश्यता विकलांग छात्रों के लिए पुस्तकालय में दो नये ब्रेल कम्प्यूटर तथा एक ब्रेल प्रिंटर लगाया गया है।

***

दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

महाविद्यालय को अकादमिक वर्ष 2017-2018 के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एम.एच.आर.डी.) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एन.आई.आर.एफ.) सर्वेक्षण-2018 में महाविद्यालयों की श्रेणी में 13वां स्थान प्राप्त करने का एक अद्वितीय गौरव प्राप्त हुआ। पिछले छह वर्षों हेतु महाविद्यालय को इंडिया टुडे ग्रुप द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण में दिल्ली में लगातार 8वां / 9वां स्थान और 28 से 42 पैन इंडिया के बीच स्थान दिया गया है। महाविद्यालय को महाविद्यालय के पांच विभागों अर्थात् वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान, रसायन विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स और गणित हेतु डी.बी.टी. 'स्टार कॉलेज अनुदान' प्राप्त होने पर गर्व है। वर्ष में अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय जरनल्स और आवधिक पत्र-पत्रिकाओं में 55 लेख प्रकाशित किए गए। महाविद्यालय के शिक्षकों के मार्गदर्शन में तीन विद्यार्थियों को पीएच.डी उपाधि से सम्मानित किया गया है। दो नए प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम अर्थात् जर्मन और स्पेनिश शुरू किए गए। अप्रैल-मई 2017 में आयोजित विश्वविद्यालय परीक्षा में उत्तीर्ण प्रतिशत 96.6% था। विद्यार्थी पाठ्येत्तर गतिविधियों एवं खेल गतिविधियों में उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं।

सम्मान/गौरव

डॉ. मनोज सक्सेना आई.ई.ई.ई. इलेक्ट्रॉन डिवाइस सोसाइटी, यू.एस.ए. के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (2018-2020) के सदस्य चुने गए, जिसमें यू.एस.ए., यूरोप, एशिया और अफ्रीका सहित पूरे विश्व से 11,000 सदस्य शामिल हैं ।

डॉ. दिनेश कुमार को सितंबर, 2017 में ए. नरसिंगा राव मेमोरियल पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।

डॉ. सुधीर वर्मा को विज्ञान अकादमी (आई.ए.एससी-आई.एन.एस.ए- एन.ए.एस.आई) द्वारा गोवा विश्वविद्यालय, गोवा में 2 महीने के लिए शोध करने के लिए ग्रीष्म शोध फैलोशिप-2017 प्रदान की गई।

डॉ. चारू कालरा को वर्ष 2016-17 के लिए दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार द्वारा को 'मेरिटोरियस टीचर अवार्ड' से सम्मानित किया गया । इस पुरस्कार में एक प्रमाणपत्र और 1 लाख रुपये का नकद पुरस्कार शामिल है ।

डॉ. मोनिका बंसल को यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट द्वारा 19 मार्च से 6 अप्रैल, 2018 तक तीन सप्ताह के कार्यक्रम 'फरदरिंग द यू.एस. - इंडिया रिलेशनशिप थ्रू हायर एजुकेशन ' में आमंत्रित किया गया।

<u>गौरव सम्मान प्राप्त छात्र</u>

स्नेहा, बीएस.सी(ऑनर्स) प्राणि विज्ञान, द्वितीय वर्ष ने विश्वविद्यालय सेमेस्टर-II परीक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

दीप्ति रावत, बीएस.सी.(ऑनर्स) प्राणि विज्ञान, तृतीय वर्ष, दीपिका पवार, बीएस.सी.(ऑनर्स) प्राणि विज्ञान, द्वितीय वर्ष और आर्यदीति जेना, बीएस.सी.(ऑनर्स) प्राणि विज्ञान, द्वितीय वर्ष को इंडियन साइंस एकाडेमिज द्वारा ग्रीष्मकालीन शोध फैलोशिप प्रदान की गई थी । सेंटर फॉर साइंस एजुकेशन एंड कम्युनिकेशन (सी.एस.ई.सी.), दिल्ली विश्वविद्यालय से ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप और प्रयोगशाला अनुसंधान अनुभव को सफलतापूर्वक पूरा किया ।

अमन सैनी, बी.ए.(ऑनर्स), तृतीय वर्ष ने बर्लिन में 8 से 13 अगस्त, 2017 तक आयोजित तीरंदाजी विश्व कप में 16वां स्थान हासिल करके महाविद्यालय का सम्मान बढ़ाया ; मनीला फिलीपींस 5 से 12 अप्रैल, 2018 को आयोजित भारतीय तीरंदाजी टीम एशिया कप स्टेज -2 वर्ल्ड रैंकिंग तीरंदाजी टूर्नामेंट में । 3वां स्थान प्राप्त किया; भुबनेश्वर में 25 से 29 दिसंबर, 2017 तक आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी तीरंदाजी चैंपियनशिप, के.आई.आई.टी में दो स्वर्ण पदक और एक कांस्य पदक प्राप्त किए; और तीरंदाजी टूर्नामेंट की व्यक्तिगत श्रेणी में सत्र 2017-18 के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्महाविद्यालय टूर्नामेंट में प्रथम स्थान प्राप्त किया ।

हिमांशु शर्मा , बी.कॉम(ऑनर्स), तृतीय वर्ष ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, विशाखा शर्मा, बीएस.सी. (ऑनर्स) प्राणि विज्ञान, द्वितीय वर्ष, और विनोद यादव, बी.कॉम(ऑनर्स), द्वितीय वर्ष ने दिल्ली फेंसिंग प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त किया ।

प्रकाशन

अजय, आर., नारंग, एम., सक्सेना , एम., गुप्ता। (2017) मॉडलिंग एंड सिमुलेशन इन्वेस्टिगेशन ऑफ सेंसटिविटी ऑफ सिम्मेट्रिक स्प्लिट गेट जंक्शनलेस एफईटी फॉर बायोसेंसिंग एप्लिकेशन । *आई.ई.ई.ई सेंसर्स जर्नल* वॉल्यूम. 17 (15): पीपी 4853-4861, डीओआई: 10.110 9 / जेएसईएन.2017.2716102

भाटिया, वी., भट्टाचार्य, आर.(2018) होस्ट मेडिएटेड साइलेंस ऑफ कटिक्युलर प्रोटीन जीन इम्पेयरड फेसुंडिटी इन ग्रीन पीच एफिड माईज़स पर्सिका । *कीट प्रबंधन विज्ञान, विली ऑनलाइन पुस्तकालय* , डीओआई: 10.1002 /पीएस.4900

दास, पी., कुमार, पी., कुमार, के.एम., सोलंकी आर., कपूर एम.के.(2017) बायोप्रोस्पेक्टिंग जायलान्से एंजाइम्स फ्रॉम डिवर्स इकॉलॉजिकल हैबिट्स। *इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ नेचुरल एंड एप्लाइड साइंसेज.* 4: 328-362.

गोयल, ए., खत्रिआ, आई, सिंह , ए.के., शर्मा, आर., मोहन, एम.(2017) एक्स-रे डिफ्रेक्शन पैटर्नस एंड डिफ्रेक्टेड इंटेंसिटी ऑफ Kα स्पेक्ट्रल लाइन्स ऑफ He आयन्स। रेडिएशन फिजिक्स एंड केमिस्ट्री, 138: 16-21.

जैन, एच.सी., तिवारी, एच.एन.(2017). बेसिक ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन इन बिजनेस । *टैक्समैन पब्लिकेशंस,* दिल्ली, आई.एस.बी.एन 9789386635334.

मेहरा, वाई.एस (2017) विकसित और विकासशील देशों में मौद्रिक नीति संचरण तंत्र का अध्ययन । *एशियाई जर्नल ऑफ रिसर्च इन बिजनेस इकोनॉमिक्स एंड मैनेजमेंट,* 7 (5): 1-18.

मेहरा , वाई.एस.(2017) भारतीय वाणिज्यिक बैंकों में जोखिम प्रबंधन प्रैक्टिसिस प्रणाली की जागरूकता - एक धारणा आधारित विश्लेषण । *एशियन जर्नल ऑफ रिसर्च इन बिजनेस एंड फाइनेंस।* 7 (5): 1-12.

नारंग, आर., सक्सेना, एम., गुप्ता, एम.(2017) एनालयटिकल मॉडल ऑफ pH सेंसिंग करेक्टरिस्टिक ऑफ जंक्शनलेस सिलिकॉन ऑन इंसुलेटॅर आई.एस.एफ.ई.टी.। *आई.ई.ई.ई. ट्रॅन्जेक्शन ऑन इलेक्ट्रॉन डिवाइस.* 4 (4): 1742 - 1750, डीओआई: 10.110 9 / टीईडी.2017.2668520.

कपूर , एस.वी. (2017) इंट्रोडक्टॅरी मैक्रो इकोनॉमिक्स। *टैक्समैन प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड* , आई.एस.बी.एन: 9789386882592.

वर्मा, एच., बजाज, ए., कुमार, आर., कौर, जे., आनंद, एस., नायर, एन., पुरी, ए., सिंह, वाई., खुराना, जे.पी., लाल, आर.(2017) जिनोम ऑर्गेनाइजेशन ऑफ स्पिनिंगोबियम इंडिकम B90A: एन आर्केटीपल हेक्साक्लोरोक्लोक्हेक्सन(एचसीएच) डिग्रेडिंग जीनोटाइप। *जीनोम जीवविज्ञान और विकास.* 9 (9): 21 9 1-2197.

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. ज्योति, यू.जी.सी. द्वारा वित्त पोषित परियोजना - वर्ष 2017-18 से विज्ञान विभागों में सहायक प्रोफेसर स्तर पर नव भर्ती संकाय के लिए शीर्षक 'सोल्यूशन-बेस्ड सिंथेसिस ऑफ ग्रेफेन क्वांटम डॉट्स एंड स्टडी ऑफ द फोटोल्यूमिनिसेंट एमिशन प्रोपर्टी' पर शोध करने के लिए बीएसआर स्टार्ट-अप अनुदान के रूप मे 6 लाख रुपये की राशि संस्वीकृत की गई।

डॉ. कपिल बोहरा, यू.जी.सी. द्वारा संस्वीकृत परियोजना - वर्ष 2017-18 से विज्ञान विभागों में सहायक प्रोफेसर स्तर पर नव भर्ती संकाय के लिए शीर्षक 'फेसाइल एक्सेस टू न्यूक्लियोबेस मॉडीफाइड न्यूक्लियोसाइड्स वाया डायल्स-एल्डर रिएक्शन' पर शोध करने के लिए बीएसआर स्टार्ट-अप अनुदान के रूप मे 6 लाख रुपये की राशि संस्वीकृत की गई।

डॉ. सनी मनोहर, यू.जी.सी द्वारा संस्वीकृत परियोजना - वर्ष 2017-18 से विज्ञान विभागों में सहायक प्रोफेसर स्तर पर नव भर्ती संकाय के लिए शीर्षक 'चुंबकीय रूप से सक्रिय आयनिक तरल पदार्थ: डिजाइन, संश्लेषण और कार्बनिक परिवर्तन में उनके अनुप्रयोग' पर शोध करने के लिए बीएसआर स्टार्ट-अप अनुदान के रूप मे 6 लाख रुपये की राशि संस्वीकृत की गई ।

आवेदित / अनुमोदित पेटेंट

डॉ. सनी मनोहर ने एक भारतीय पेटेंट सह-लेखन किया।

दीवान एस. रावत, सनी मनोहर, उमादिसेट्टी चिन्ना राजेश "एमिनोक्विनोलिन बेस्ड हायब्रिड्स एंड यूजेज दियर ऑफ" भारतीय पेटेंट आवेदन 661 / डी.ई.एल./2012 (पेटेंट संख्या 283657; प्रमाणपत्र जारी करने की तिथि: 2 9 मई, 2017)।

डॉ. सनी मनोहर ने एक यू.एस. पेटेंट सह-लेखन किया।

दीवान एस. रावत, सनी मनोहर , उमादिसेट्टी चिन्ना राजेश, दीपक कुमार, अनुज ठाकुर, मोहित त्रिपाठी, पन्याला लिंगा रेड्डी, शमसीर कुलंगारा कंडी, सत्यपावन वर्धिनेनी, क्वांग-सू किम और चुन-हुंग किम; "एमिनोक्विनोलिन डेरिवेटिव्स एंड यूजेज दियरऑफ" ; यूनाइटेड स्टेट पेटेंट यूएस 9567316 बी 2 (2017).

आयोजित संगोष्ठियां

26 दिसंबर, 2017 से 01 जनवरी, 2018 तक 'ए ट्रेंड टुवर्ड्स मशीन लर्निंग : टेक्निक्स एंड एप्लीकेशन आर्गेनाइज्ड' विषय पर यू.जी.सी. द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया ।

10 नवंबर, 2017 को 'सतत विकास के लिए समकालीन रणनीतियां: विपणन और मानव संसाधन ' विषय पर आई.सी.एस.एस.आर द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

10 और 11 अगस्त, 2017 के दौरान "विज्ञान पैनल में महिलाएं: विज्ञान में एक करियर" विषय पर भारतीय विज्ञान अकादमी ने दूसरे व्याख्यान का समर्थन किया ।

15 और 16 सितंबर, 2017 के दौरान 'शांति स्वरुप भटनागर पुरस्कार विजेताओं द्वारा अनुसंधान और शिक्षण के ट्रांस-डिसिप्लनरी क्षेत्रों' विषय पर डीएसटी द्वारा प्रायोजित संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

'भारतीय राजनीतिक विचार' शीर्षक पर 26 अक्टूबर, 2017 के दौरान राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया ।

संगोष्ठी/सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण

अंकित राजपाल ने अलास्का, यूएसए में 14 से 19 मई, 2017 तक आयोजित "इंटरनेशनल ज्वाइंट कॉन्फ्रेंस ऑन न्यूरल नेटवर्कस' में 'फास्ट डिजिटल वाटरमार्किंग ऑफ अनकम्प्रेस्सड कलर्ड इमेजज यूजिंग बाइडाईरेक्शनल एक्सट्रीम लर्निंग मशीन' शीर्षक पर एक 'पेपर प्रस्तुत किया ।

राकेश कुमार ने गलगोटिया युनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा द्वारा 27 और 28, अप्रैल 2017 के दौरान आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'डायनमिक लिंकेज ऑफ इंडियन स्टॉक मार्केट विथ द वर्ल्ड इक्विटी मार्केट- एन इम्पिरिकल स्टडी' पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

राकेश कुमार ने युनिवर्सिटी डेल पैस वास्को, स्पेन एंड युनिवर्सिटी ऑफ कैम्ब्रिज यू.के. द्वारा 29 एवं 30 जून, 2017 के दौरान संयुक्त रूप से आयोजित 'आर्थिक सिद्धांत और नीति में विकास' पर 14वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "जोखिम, अनिश्चितता और उभरती इक्विटी बाजारों के स्टॉक रिटर्न्स " शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

आर.एम. भारद्वाज ने स्कूल ऑफ बुद्धिस्ट स्टडी एंड सिविलाइजेशन, गौतम बुद्ध युनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा, यू.पी. में 07 से 09 सितंबर, 2017 को 'बुद्धिज्म : ट्रेडिशन्स, आइडोलोजिज एंड डिस्सेंट' पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'रिलिजिएस एथिक्स इन डीड : रिविजिटिंग द वेलफेयर सेंट्रिक प्रोजेक्टस ऑफ फोर बुद्धिस्ट एम्पेरर्स इन साउथ एंड साउथ-ईस्ट एशिया बिटविन थर्ड सेंचुरी बी.सी.ई.- 12वीं सेंचुरी सी.ई.' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

मनोज सक्सेना ने ई.डी/एस.एस.सी गुजरात, भारत द्वारा 14 अप्रैल, 2017 को आयोजित डी.ए.आई.आई.सी.टी. सम्मेलन के दौरान 'फंडामेंटल इनसाइट्स इनटु चैनल एंड गेट इंजीनियर्ड डबल गेट जंक्शन-लेस ट्रांजिस्टर फॉर लो-वोल्टेज लो-पावर एनालॉग और डिजिटल सर्किट्स' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

मनोज सक्सेना ने 02 जुलाई 2017 को सी.ए.एस/ई.डी. सोसाइटीज, हैदराबाद सेक्शन के आई.ई.ई.ई. ज्वाइंट चैप्टर द्वारा आयोजित "सी.ए.एस/ई.डी.एस रिसर्च फोरम" में 'रिसर्च ओपॉरचुनिटीज इन इलेक्ट्रॉन डिवाइसेस' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

मनोज सक्सेना ने हेरिटेज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कोलकाता द्वारा 21 जुलाई, 2017 को आयोजित "आई.ई.ई.ई. एमक्यू" सम्मेलन में ' मॉडलिंग और सिमुलेशन ऑफ गेट इलेक्ट्रोड इंजीनियर्ड डबल गेट जंक्शनलेस ट्रांजिस्टर' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

चिमात लाडोल ने इस्तांबुल, तुर्की में 18 से 20, अक्टूबर 2017 तक आयोजित 7वें इस्तांबुल "मानव सुरक्षा सम्मेलन" के दौरान ' एन एवर-मिसिंग ह्यूमन सिक्योरिटी : ए केस ऑफ द पालेस्तिनियंस' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

वर्निका भाटिया ने वनस्पति विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 10 से 12 नवंबर, 2017 तक आयोजित XXVII "एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडियन एसोसिएशन फॉर एंजियोस्पर्म टेक्सोनॉमी एंड इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन प्लांट सिस्टेमैटिक्स : प्रिओरिटीज एंड चैलेंजेज' के दौरान 'एसेसमेंट एंड कन्वर्सेशन ऑफ इंडियन इफेड्रा स्पेसीस थ्रू डी.एन.ए. बारकोडिंग : ए रिव्यू' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

एस. कुमार ने पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला में 15 से 17 सितंबर, 2017 को आयोजित 'एवेल्युएशन एंड कंजरवेशन ऑफ प्लांट जर्मप्लाज्म' विषय पर XXXX अखिल भारतीय वनस्पति सम्मेलन और राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान लेंटिल (लेंस कुलिनारिस मेडिक' में 'एग्रो-मोरफोलोजिकल स्टडी ऑन इंड्यूस्ड मुटेंट्स एंड मुटेंट हाइब्रिड्स' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय हस्ताक्षरित समझौता-ज्ञापन

अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों पर शिक्षकों के लिए संकाय विकास कार्यक्रमों का आयोजन करने के क्रम महाविद्यालय ने एक गैर-लाभकारी सरकारी समर्थित संगठन आईसीटी अकादमी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

प्लेसमेंट विवरण

नौकरी प्राप्त करने वाले विद्यार्थी की संख्या = 70

परिसर में आने वाली कम्पनियों की संख्या = 5

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

महाविद्यालय के दस एन.एस.एस. स्वयंसेवकों ने एन.एस.एस. केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दूसरे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में भाग लिया , और 17 जुलाई, 2017 को थाईलैंड की रानी और विदेशी गणमान्य

व्यक्तियों का स्वागत किया । इसके अलावा, एन.एस.एस युनिट ने रेड क्रॉस सोसायटी के सहयोग से महाविद्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया और 14 सितंबर, 2017 को रक्त की कुल 121 युनिट एकत्र की गईं । मुख्य निर्वाचन अधिकारी के सहयोग से पात्र युवा नागरिकों का नाम मतदाता सूची में शामिल करने के लिए निर्वाचक नामावली के विशेष सारांश संशोधन के तहत एक विशेष शिविर आयोजित किया गया था । मासूम दुनिया जैसे संगठनों के सहयोग से दिव्यांगजनों के लिए हस्तकौशल और स्वच्छता जागरूकता जैसी गतिविधियां की गईं । 'राष्ट्रीय बालिका शिशु दिवस' के अवसर पर जिला मजिस्ट्रेट / उपायुक्त, दक्षिण पश्चिम दिल्ली का कार्यालय प्रतिष्ठित व्यक्तित्व वाले व्यक्तियों के साथ एक पैनल चर्चा का आयोजन किया ।

पुस्तकालय का विकास

महाविद्यालय का पुस्तकालय पूरी तरह से वातानुकूलित है और तीन मंजिला है । पुस्तकालय में पुस्तकों और जरनल्स की एक अद्यतन ग्रंथसूची डेटाबेस उपलब्ध है। पुस्तकालय में पाठ्य पुस्तकों और संदर्भ पुस्तकों के 44629 वॉल्यूमों का कुल संग्रह उपलब्ध है। सभी प्रासंगिक विषय क्षेत्रों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा के 70 जरनल्स और विभिन्न पत्रिकाओं की सदस्यता ली गई है। इसके संग्रह में 613 बाउंड वॉल्यूम और 834 सीडी उपलब्ध हैं। पुस्तकालय एससी/एसटी/ओबीसी श्रेणियों और महाविद्यालय के अन्य आर्थिक रूप से गरीब और मेधावी विद्यार्थियों के लिए पुस्तक-बैंक सुविधा भी प्रदान करता है। विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए फाइबर ऑप्टिक लिंक के माध्यम से पुस्तकालय में ई-पत्रिकाओं को 50,000 और ई-पुस्तकों को 2 लाख से अधिक लोगों ने सब्सक्राईब किया है। पुस्तकालय और छात्रावास समेत पूरे महाविद्यालय परिसर में वाई-फाई सुविधा उपलब्ध है ताकि परिसर में कहीं से भी दूरस्थ रूप से जानकारी 24x7 निर्बाध रूप से प्राप्त की जा सके।

शिक्षकों की संख्या

कुल स्थायी शिक्षकों की कुल संख्या = 93

तदर्थ शिक्षकों की कुल संख्या = 26 + 2 (छुट्टी रिक्ति के प्रति)

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृति अनुमोदित : रु.35,38,36,733 /-

प्रयुक्त अनुदान : रु. 29,90,99,208 /-

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

हमारे विद्यार्थियों के बीच राष्ट्रवाद और सांस्कृतिक जागरूकता पैदा करने के लिए भारत सरकार के "एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम" के तहत सिक्किम संस्कृति और पर्यटन पर एक ऑडियो-विज़ुअल प्रस्तुति 22 जनवरी, 2018 को आयोजित की गई थी । उत्तर-पूर्व भारत के सबसे समृद्ध राज्यों में से एक की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और जीवनशैली को सिक्किम के विभिन्न नृत्य रूपों जैसे मारुनी नृत्य, भूटानी नृत्य और रंका नृत्य के माध्यम से चित्रित किया गया था । इस कार्यक्रम को 5 फरवरी, 2018 को 'गुड इवनिंग इंडिया' की फ्लैगशिप के तहत डी.डी. नेशनल पर भी प्रसारित किया गया था ।

***

दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

महाविद्यालय ने 21 जून, 2017 को अपना अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया । 'राष्ट्रपिता', महात्मा गांधी की जयंती को 'स्वच्छ भारत अभियान' के रूप में मनाया था, जिसमें परिसर में एक मैराथन तथा सफाई अभियान आयोजित किया गया था। इस अवसर के दौरान कई अकादमिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का भी आयोजन किया गया

था। स्वामी विवेकानंद की जयंती को 'राष्ट्रीय युवा दिवस' के रूप में भी मनाया गया था। इस अवसर पर विवेकानंद फाउंडेशन, नई दिल्ली के श्री मानस भट्टाचार्य ने एक व्याख्यान दिया था। भारत रत्न 'डॉ. बी.आर.अम्बेडकर की 127वीं जयंती को इग्नू, नई दिल्ली के प्रोफेसर प्रमोद कुमार के व्याख्यान के साथ मनाई गई थी। विद्यार्थियों ने जर्मनी के माननीय राष्ट्रपति के एक व्याख्यान में शामिल हुए। डॉ. अनीता ने अपना पीएच.डी प्रोग्राम सफलतापूर्वक पूरा किया और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा उन्हें उपाधि से सम्मानित किया गया था। दो पीएच.डी विद्यार्थी डॉ. वी.बी. सिंह की पर्यवेक्षण में पीएच.डी प्रोग्राम कर रहे हैं।

सम्मान/गौरव

डॉ. दीप्ति तनेजा को शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए 27 मार्च, 2018 को विश्वव्यापी अचीवर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा "सर्वाधिक प्रशंसित शिक्षक पुरस्कार" प्राप्त हुआ ।

सुश्री रेणु शर्मा को डी.ए.ए.डी द्वारा वित्तपोषित कार्यक्रम "जी.आई.पी" (जर्मनिसचेन इंस्टीट्यूट पार्टनर्सचाफ्ट) के तहत युनिवर्सिटी वूपरटेल ऑफ जर्मनी द्वारा छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया।

<u>गौरव सम्मान प्राप्त छात्र</u>

श्री शौर्य प्रताप राठे ने 19 से 30 अगस्त, 2017 तक ताइपेई (चीनी ताइपेई) में आयोजित विश्व विश्वविद्यालय खेलों में महाविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

श्री कुणाल सेजवाल, श्री भूपेंद्र भार्गवा और श्री सुमित पराशर ने 29 से 31 जनवरी, 2018 तक जिला खेलकूद केंद्र, कंचनपुर, नेपाल में आयोजित 5वें दक्षिण एशियाई जूडो खेल-2018 में विभिन्न स्थान प्राप्त किए।

प्रकाशन

भारती एस.(2018) कनाडाई स्वदेशी महिला का नागरिक और राजनीतिक अधिकार : संभावनाएं और चुनौतियां *मानवाधिकार : अंतरराष्ट्रीय शोध जरनल* 6: 161-164.

गर्ग, ए. (2017) भारतीय शिक्षा क्षेत्र में ई-उद्यमिता। द नेक्स्ट बिग थिंग'। *जरनल ऑफ आईपीईएम,* 11: 15-45 ।

कपूर, एन. (2018) पर्सनल सेलिंग एंड सेल्समैनशिप, *पिन्नाकल लर्निंग* , नई दिल्ली, (आई.एस.बी.एन : 938-38-4842-1)

महापात्रा, ए. (2017) (सह-संपादित और आंशिक रूप से अनुवादित) नाबाटर ओडिया साहित्यिक आलोचना साहित्य अकादमी। *नाबात्रा सामंताराय : एक पाठक* । नई दिल्ली, साहित्य अकादमी (आई.एस.बी.एन. 978-81-260-5340-7)

सक्सेना, एस. , डेब , एम. (2017) आर्थिक सुधारों के दो दशकों के बाद भारतीय राज्यों में आर्थिक विकास और मानव विकास। *इंडियन जरनल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड डेवलपमेंट* 13 (2): 26 9-280

शर्मा, डीएपी.(2017) भारतीय साहित्य (हिंदी), साहित्य अकादमी (अकादमी ऑफ लेटर्स), भारत *उन्मुक्तगगनकेकवि : शिवमंगलसिंहसुमन।* 193: 11-18.

शर्मा, डीएपी. (2017) सहिष्णुता और शांति की संस्कृति को बढ़ावा देना : अंतरराष्ट्रीय के विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम वार्षिक शैक्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय साहित्य की भूमिका। *एसोसिएशन फॉर सिल्क रोड स्टडीज यूनिवर्सिटी ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज, हो ची मिन्ह सिटी वियतनाम* ।

सिंह, बी. (2017) एस.डी.जी. और सभ्य कार्य एजेंडा : भारत में समावेशी विकास के लिए एक पथ। *व्यावसायिक प्रबंधन की समीक्षा* , एक्स 15 (1): 12-36.

सिंह, वी.बी., शर्मा, एम., टंडन, ए., कुमारी, एम. (2017) रिडॅक्शन ऑफ रिडॅन्डंट रूल्स इन एसोसिएशन रूल माइनिंग - बेस्ड बग असाइनमेंट। इंटरनेशनल जरनल ऑफ रिलायबिल्टी, क्वालिटी एंड सेफ्टी इंजीनिरिंग, 24 (06): 14-16.

संपादकीय बोर्ड = 2 के संपादक (संपादकों) / सदस्य (सदस्यों) के रूप में कार्यरत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या ।

अनुसंधान परियोजनाएं

श्री बीर सिंह, अगस्त से दिसंबर, 2017 तक 'भारत में फंडिंग पब्लिक एजुकेशन पर एक अध्ययन' शीर्षक पर नेशनल कोलिएशन फॉर एजुकेशन, द्वारा रु. 15,000 का वित्तपोषित प्रोजेक्ट।

आयोजित संगोष्ठियां

10 नवंबर, 2011 को अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से ' *आत्मकथा'* पर अंग्रेजी विभाग द्वारा संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया।

संगोष्ठी, 'डिससेन्सियो' 14 मार्च, 2018 को आयोजित की गई।

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण

नीरू कपूर ने वाणिज्य विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 11 से 12 जनवरी, 2018 को आयोजित 6वें वार्षिक " अंतरराष्ट्रीय वाणिज्य सम्मेलन 2018" में 'मोबाइल एप्लीकेशन बेस्ड शॉपिंग इन इंडिया : फैक्टर एंड वेरिएबल्स गाइडिंग ग्रोथ' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

नीलम यादव ने ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी द्वारा 24 और 25 जनवरी, 2018 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'डेरवला मर्फी फुल टिल्ट फ्रॉम आयरलैंड टू इंडिया विथ ए बायसिकल : कॅन्टेस्टिंग द मिथ ऑफ ट्रैवेल राइटिंग' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

अनिमेष महापात्र ने आई.आई.ए.एस., शिमला द्वारा 17 से 19 मई, 2017 तक आयोजित " प्यूरीफाई द डायलेक्ट ऑफ द ट्राइब : क्रॉस कल्चरल कंसर्न इन कोलोनिअल एंड पोस्टकोलोनिअल इंडिया' पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'इंटरकल्चरल जीनेलोजीज : ए स्टडी ऑफ एन अर्ली मल्टीलिंगुअल कॅम्परेटिस्ट' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

संतोष भारती ने अंतरराष्ट्रीय बहुआयामी अनुसंधान फाउंडेशन, चंडीगढ़ द्वारा 22 से 24 फरवरी, 2018 तक आयोजित "मानवाधिकार, लैंगिक अध्ययन, कानून और सामाजिक विज्ञान" पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'कनाडाई स्वदेशी महिला का नागरिक और राजनीतिक अधिकार : संभावनाएं और चुनौतियां' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

शालिनी सक्सेना ने अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली में 09 से 10 मार्च, 2018 तक आयोजित 'आर्थिक सिद्धांत और नीति पर भारतीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग सम्मेलन में रोजगार तीव्रता के रुझान और निर्धारक' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

नवनीत मंचचंद ने जनसंख्या एसोसिएशन ऑफ अमेरिका, डेनवर, कोलोराडो, यूएसए द्वारा 22 से 26 अप्रैल, 2018 तक आयोजित वार्षिक बैठक में 'चेंजिग प्रिओरिटीज फ्रॉम हेल्थ केयर टू हेल्थ कवर : ए बून ऑर बूंडोग्लॉग फॉर द पुअर इन इन इंडिया' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया। ।

तमन्ना खोसला ने दक्षिण एशिया मैनेजमेंट एसोसिएशन के सहयोग से मुंशी रघुनाथन प्रसाद सरदार पटेल महिला पी.जी. महाविद्यालय बाराबंकी, उत्तर प्रदेश में 27 से 29 जनवरी, 2018 तक आयोजित 9वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'उच्च शिक्षा में सामाजिक न्याय के मुद्दे : एक नारीवादी परिप्रेक्ष्य' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

प्लेसमेंट विवरण
नौकरी प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का प्रतिशत = 201 (38%)
भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियों की संख्या = 10

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान, ए.आर.डी. एनक्लेव और एन.पी. प्राथमिक विद्यालय नेताजी नगर के पास झोपड़पट्टी में स्वच्छता और स्वास्थ्यकारिता के महत्व पर जागरूकता अभियान संबंधी गतिविधियां अगस्त 2017 में आयोजित की गई थीं। ज्ञान में सुधार करने और महाविद्यालय के आसपास के वंचित बच्चों को शिक्षा प्रदान करने का लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए प्रोजेक्ट 'तंजील' लॉन्च किया गया था।

पुस्तकालय विकास
पुस्तकालय में 58,407 पुस्तकें, 30 पत्रिकाएं और जरनल्स और 15 समाचार पत्रों का संग्रह है। ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए एन-लिस्ट और डेलनेट सदस्यता के लिए सब्सक्रिप्शन सफल रहा। एन-लिस्ट और डेलनेट सदस्यता के माध्यम से ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए ई-पुस्तकालय स्थापित किया गया था। पुस्तकालय ने वेब ओपेक (LIBWARE) के साथ नेट्लिब(NETTLIB) के अपने संस्करण को अपडेट किया। पुस्तकालय तक पहुंच के लिए अब वेब ओपेक(WEB OPAC) के माध्यम से विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए भी उपलब्ध है। पुस्तकों के इश्यू / वापसी ट्रांजिशन की जांच के लिए विद्यार्थियों के लिए स्क्रीन डिस्प्ले भी स्थापित किया गया था। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों के लिए एक बुक बैंक सुविधा स्थापित की गई थी।

शिक्षकों की संख्या
शिक्षकों की कुल संख्या = 93

वित्तीय आबंटन और उपयोग
संस्वीकृति अनुदान : रु.26,10,25,000.00/-
प्रयुक्त अनुदान : रु.21,14,69,000.00/-

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी
दिल्ली पुलिस के महिला आयोग के सहयोग से 24 अक्टूबर, 2017 को लड़कियों को स्वयं की सुरक्षा के लिए संवेदनशील बनाने के लिए आत्मरक्षा पर एक कार्यशाला आयोजित की गई थी । ग्रेपेविन के सहयोग से महाविद्यालय के एन.एस.एस. यूनिट ने 17 सितंबर, 2017 को "लैंगिक आधारित हिंसा" पर एक पैनल चर्चा आयोजित की । भाटिया, एक जीवन कोच; पॉशिया के राष्ट्रपति डॉ. सुरभि ढिंगरा और एक सामाजिक उद्यमी श्री ओन्कर। 'वूमेनाइटे' के सहयोग से एन.एस.एस. युनिट ने एक प्रसिद्ध विद्वान और कर्मठ कार्यकर्ता सुश्री कमला भसीन का 12 अप्रैल, 2018 को 'पितृसत्तात्मक प्रणाली को बदलने के लिए युवाओं को प्रेरित करना' शीर्षक पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया था ।

***

दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज एंड रिसर्च

प्रमुख गतिविधियां और उपलब्धि

महाविद्यालय संकाय अनुसंधान और शिक्षण में सक्रिय रूप से शामिल थे और उन्होंने कई प्रकाशन किए हैं। वर्ष के दौरान फार्मासिस्ट दिवस, सरस्वती पूजा, खेल दिवस, फ्रेशर्स दिवस, शिक्षक दिवस, वार्षिक दिवस और स्वतंत्रता दिवस जैसे कार्यक्रमों के साथ-साथ औद्योगिक पर्यटन, सम्मेलन, कार्यशालाएं आयोजित की गई थीं। इन सभी ने विद्यार्थियों को उनके समग्र विकास के लिए अंतर्दृष्टि दी ।

सम्मान/गौरव

महाविद्यालय को राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एन.आई.आर.एफ.), एम.एच.आर.डी., भारत सरकार द्वारा फार्मेसी में 286 प्रविष्टियों में से 19वे स्थान पर रखा गया था और स्नातक परिणाम के अनुसार 12वें और सार्वजनिक धारणा में 11वें स्थान पर रखा गया था ।

सेंटर फॉर एजुकेशन ग्रोथ एंड रिसर्च द्वारा भारत में 'सर्वश्रेष्ठ फार्मेसी कॉलेज' से सम्मानित किया गया ।

"राष्ट्रीय फार्मेसी सप्ताह" के दौरान डी.आई.पी.एस.ए.आर. को 'डी.डी. नेशनल चैनल' पर लाइव प्रसारित किया गया था।

विशिष्ट सम्मान पाने वाले विद्यार्थी

सुश्री हिमांशी प्रसार को उत्तर प्रदेश में वर्ष 2018 के दौरान "एफ.बी.बी कलर्स फेमिना मिस इंडिया" पुरस्कार मिला।

श्री पंकज गुप्ता ने जी.पी.ए.टी-2018 में अखिल भारतीय 11वां रैंक हासिल किया। कुल 49 विद्यार्थी डीआईपीएसएआर से अपने जीपीएटी 2018 को उत्तीर्ण कर सके ।

सुश्री पूजा पिथंबरन, बी.फार्म, चतुर्थ वर्ष को दिल्ली विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक परिषद द्वारा सांस्कृतिक टीम में चुना गया और इन्होंने प्रतिष्ठित एडिनबर्ग फ्रिंज फेस्टिवल में डीआईपीएसएआर का प्रतिनिधित्व किया।

प्रकाशन

अग्रवाल, यू., पाठक, डी.पी., भूटानी, आर., कपूर, जी., रविकांत, एस. (2017) कैमेलिया सीनेन्सिस - नेचर’स गिफ्ट / *इंटरनेशनल जरनल ऑफ़ फार्माकोग्नोसी एंड फाइटोकेमिकल रिसर्च.* 9: 1119-1126.

आनंद, के., वाकोडे, एस. (2017) बेंज़ीमिडाज़ोल हेटरोसाइकल पर आधारित दवाओं का विकास: हालिया प्रगति और अंतर्दृष्टि / *इंटरनेशनल जरनल ऑफ केमिकल स्टडीज.* 5: 350-362.

बजाज, एस., वाकोडे, एस. (2017) फार्माकोग्नोस्टिकल इवोल्युशन एंड एंथेलमिंटिक एक्टिविटी ऑफ स्वर्टियालाटा रॉयले/ *इंटरनेशनल जरनल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज एंड रिसर्च* . 8: 3315-3324.

चौहान, एम.के., यादव, आर.पी. (2017) ए रिव्यू : चितोसान एज 3डी मैट्रिक्स फॉर टिशू इंजीनियरिंग। *इंटरनेशनल जरनल ऑफ रिसर्च इन फार्मेसी एंड फार्मास्यूटिकल साइंसेज* 2: 66-69.

लता, एस., चौधरी, एस., रे., एस.आर.(2017) हाइड्रोलाल्कोलिक एक्सट्रेक्ट ऑफ स्टेविया रेबुडियनबर्ट। लीवज एंड स्टेवियोसाइड अमेलिओरेट्स लिपोपोलिसैकराइड इंड्यूस्ड एक्यूट लिवर इंजरी इन रैट्स। *बायोमेड फार्माकोदर.* 95: 1040-1050.

नवाज, एस., बोडला, आर., कांत, आर., सिंह, एस.पी., भूटानी, आर., कपूर, जी. (2017) फ्लूरोक्विनोलोन एज एंटीमिक्राबियल एजेंट : एक समीक्षा । इंटरनेशनल जरनल ऑफ *फार्मास्यूटिकल साइंस एंड रिसर्च।* 2: 57-63.

पार्ले, ए, सिंह, जी. (2017) सिंथेसिस, करेक्टराइजेशन एंड बॉयलॉजिकल इवेलुएशन ऑफ नावेल आइसोनिकोटिनिक एसिड हाइड्राजाइड डेरिवेटिवज। यूरोपियन जरनल ऑफ बॉयोटेक्नोलॉजी एंड *बायोसाइंस* 5 (3) : 21-27.

सोनी, डी., गुप्ता, एस.के. (2017) कार्डियोप्रोटेक्टीव इफेक्ट्स ऑफ रुटिन वाया अल्टरेशन इन सीके-एमबी और टीएनएफ-ए लेवल्स कप्लड विथ एंटीऑक्सीडेंट इफेक्ट इन इसोप्रोटेरेनोल इंड्यूस्ड म्योकर्डियल नेक्रोसिस इन रैट्स। *इंडियन जरनल ऑफ फार्मास्युटिकल साइंस एंड रिसर्च* 7: 12-17.

विश्नोई, एच., बोडला, आर., कांत, आर. (2018) हरी चाय (*कैमेलिया सिनेन्सिस*) और इसके एंटीऑक्सीडेंट गुण: एक समीक्षा । *इंटरनेशनल जरनल ऑफ़ फार्माकोग्नोसी.* 1: 123-135.

वाकोड, एस., टोंक., आर.के. (2018) फेरोनिया लिमोनिया - ए वंडर ड्रग। *अमीन एच, वर्ल्ड जरनल ऑफ फार्मेसी और फार्मास्यूटिकल साइंसेज.* । 6: 1 9 82-199 4.

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. रजनी माथुर, वर्ष 2017-2020 के दौरान 34 लाख रुपये की 'इम्पेक्ट ऑफ ई.एम.एफ. रेडिएशन फ्रॉम मोबाइल हैंडसेट्स ऑन ब्रेन ग्लुकोज ट्रांसपोर्टर्स : एन इक्सपेरिमेंटल स्टडी' शीर्षक पर आई.सी.एम.आर द्वारा वित्तपोषित परियोजना।

डॉ. एस.के. गुप्ता और डॉ. रजनी माथुर, वर्ष 2017-2019 के दौरान 20.5 लाख रुपये की 'रोल ऑफ डी.पी.पी.-4 इनहिबिटॅर इन द मेनेजमेंट ऑफ कार्डियोमायोपैथी इन स्ट्रेप्टोज़ोटोसिन इंड्यूस्ड इक्सपेरिमेंटल डायबेटीज' शीर्षक पर नोवारटिस द्वारा वित्तपोषित परियोजना।

डॉ. रजनी माथुर, वर्ष 2014-2017 के दौरान 38 लाख रुपये की 'टू स्टडी द इंटेस्टिनाल फ्रुक्टोज ट्रांसपोर्ट प्रेरित (वाया जी.एल.यू.टी.2) एंड जी.एल.यू.टी.5 ट्रांसपोर्टर्स इन रोडेंट मॉडल ऑफ फ्रुक्टोज इंड्यूस्ड चाइल्डहुड-ओवरवेट/ओबेसिटी एंड इंवेस्टीगेट द प्रीवेंटिव पोटेंशियल ऑफ मेडेसिनल प्लांट्स देयरइन' शीर्षक पर डी.बी.टी. द्वारा वित्त पोषित परियोजना ।

डॉ. मीनाक्षी चौहान, वर्ष 2015-2018 के दौरान 20.54 लाख रुपये की "रिवास्टिग्माइन लोडेड एन.एल.सी. इंटीग्रेटेड स्केफोल्ड फॉर पार्किंसंस और अल्जाइमर एसोसिएटेड डिमेंशिया' शीर्षक पर डीएसटी द्वारा वित्त पोषित परियोजना।

आवेदित / अनुमोदित पेटेंट : दो आवेदन किए गए (भारतीय पेटेंट कार्यालय)

पेटेंट आवेदन संख्या 201711016325 ए और प्रकाशन दिनांक : 02/06/2017 के साथ सुश्री रुचिता, डॉ. संजू नंदा, डॉ. धर्मपाल पाठक का 'नोवेल पायराज़िनॉयल कार्बोहाइड्राइड डेरिवेटिव्स, प्रोसेस फॉर प्रेपरेशन एंड यूज़ेज दियरऑफ' शीर्षक पर पेंटेट।

पेटेंट आवेदन संख्या 2017110370 99 के साथ डॉ. नवनीत शर्मा, डॉ. भूपेंद्र सिंह बुटोला, डॉ. धर्मपाल पाठक, डॉ. मित्रा बसु, डॉ. हिमांशु ओझा, डॉ. राकेश कुमार शर्मा का 'ए मल्टीलेयर्ड डेकोन्टेंमेंट कम्पोजिशन इवेंटर्स' शीर्षक पर पेटेंट।

आयोजित सम्मेलन

डी.पी.एस.आर.यू. के सहयोग से 'चैलेंजेज फॉर ग्लोबल कॅम्पेटिटिवनेस ऑफ आयुष एंड नेचुरल प्रोडक्ट्स एंड आई.ए.एस.टी.ए.एम ऑरेशन एंड अवॉर्ड फंक्शन 2018' शीर्षक पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया था ।

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण

एम.के.चौहान ने 26 फरवरी. 2018 को जामिया हमदर्द, नई दिल्ली में 'क्लॉमिप्रैमीन एंड वेनलाफैक्सिन मल्टीलेयर्ड मैट्रिक्स टैबलेट इन रिसेंट एडवांसेस इन फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड हेल्थ' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

चौहान ने 26 फरवरी. 2018 को जामिया हमदर्द, नई दिल्ली में 'इमर्जिंग ट्रेंड्स ऑफ नेनोटेक्नोलॉजी इन हेल्थ केयर सिस्टम इन रिसेंट एडवांसेस इन फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड हेल्थ' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

एम.ए सिंह ने 17 फरवरी, 2018 को एपीजे सत्य विश्वविद्यालय, गुरुग्राम में 'नेनोमेडिसिन और नैनो टेक्नोलॉजी इन हेल्थ केयर' शीर्षक पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया ।

जयचंद्रन नायर ने 2 से 4 फरवरी, 2018 तक डीपीएसआरयू, नई दिल्ली में आयोजित आईएएसटीएएम ऑरेशन एंड पुरस्कार समारोह में 'आयुष और प्राकृतिक उत्पादों की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता हेतु चुनौतियों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन' में 'सिमुल्टेनियस एचपीटीएलसी डेटेररमिनेशन ऑफ रुटिन, क्वार्सेटिन एंड गैलिक एसिड फ्रॉम मेडिकिनल प्लांटस' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

एस. खुराना ने 26 फरवरी, 2018 को जामिया हमदर्द, नई दिल्ली में 'इमर्जिंग ट्रेंड्स इन ट्रांसडेरमल ड्रग डेलिवरी सिस्टम इन रिसेंट एडवांसेस इन फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड हेल्थ' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

आर.माथुर ने 12 से 14 अक्टूबर 2017 तक जेआईपीएमईआर, पुडुचेरी में भारत के फिजियोलॉजिस्ट और फार्माकोलॉजिस्ट एसोसिएशन के 63वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में "बुटनोल फ्रेक्शन ऑफ हाइड्रोक्लोरिक एक्सट्रेक्ट ऑफ लीव्ज ऑफ अएज्ले मारमेलॅस फेयर्स बेटर देन मेटफॉर्मिन, *पायोग्लिटाज़ोन ऑर रूटीन इन अमेलिओरेटिंग फ्रुक्टोज इंड्यूस्ड इंसुलिन रजिस्टेंस इन* HepG2 सेल्स" शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

पी.के. शर्मा ने 24 मार्च, 2018 को लॉयड इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, नोएडा में आयोजित "22वें एनुअल नेशनल कन्वेंशन ऑफ फार्मास्युटिकल टीचर्स ऑफ इंडिया (एपीटीआईसीओएन)" के दौरान पार्किंसंसिस डिमेंशिया के लिए 'डेसिफेरिंग द रोल ऑफ रिवेटिग्माइन स्केफ्फोल्ड्स' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

पी.के. शर्मा ने 26 फरवरी, 2018 को जामिया हमदर्द, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'रिसेंट एडवांसेस इन फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड हेल्थ' के दौरान 'एक्सप्लोरिंग इंटीग्रेटेड टोपिकल स्केफ्फोल्ड पैचेज सिस्टम' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

पी.के. शर्मा ने 17 फरवरी, 2018 को एपीजे सत्य विश्वविद्यालय, गुरुग्राम द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय सेमिनार के दौरान 'नैनोमेडिसिन एंड नैनो टेक्नोलॉजी इन हेल्थ केयर' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

ए. पार्ल ने 24 मार्च, 2018 को लॉयड इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी, नोएडा में आयोजित "एपीटीकॉन" में "सिंथेसिस, करेक्टराइजेशन एंड इवेल्युशन ऑफ नोवेल 2-Aryl बेंजोथियाज़ोल डेरिवेटिव्स एज पोटेंशियल एंटीफंगल एजेंट्स' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

प्लेसमेंट विवरण

नौकरी प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत : 25 (प्लेसमेंट के लिए नामांकित विद्यार्थियों में से 80% को नौकरी प्राप्त हुई, अन्य विद्यार्थियों को उच्च अध्ययन के लिए चुना गया)

नौकरी देने हेतु आने वाली कंपनियों की संख्या : 25

विस्तार और आउटरीच गतिविधि

अकादमिक सत्र के दौरान एक 'पल्स पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम' आयोजित किया गया था।

पीएच.डी उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या

03 विद्यार्थियों को अनंतिम रूप से प्रदान की गई।

शिक्षकों की संख्या
स्थायी शिक्षकों की संख्या = 11
संविदात्मक नियुक्तियों की संख्या = 04

***

देशबंधु महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने तीरंदाजी और भारोत्तोलन में वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स-2017 का प्रतिनिधित्व किया और वर्ष 2017-18 के लिए टीम अंतर्महाविद्यालय भारोत्तोलन चैंपियनशिप जीत सकती थी । महाविद्यालय टीम ने डी.यू.एस.सी. द्वारा आयोजित योग प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त किया । महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने अकादमिक मीट 2017-18 के दौरान विभिन्न राज्यों और राष्ट्रीय खेलों में 33 स्वर्ण, 28 रजत और 35 कांस्य पदक प्राप्त किए थे । विज्ञान और मानविकी के क्षेत्र में कई संकाय सदस्यों को प्रतिष्ठित फैलोशिप, सम्मान और मान्यताएं मिलीं । डॉ. धर्मेंद्र कुमार मलिक को प्रतिष्ठित अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ प्लांट बायोलॉजी (ए.एस.पी.बी.) द्वारा और '*प्लांटे फेलो*'(2017-18) *के* रूप में चुना गया था और "बॉटनिकल सोसाइटी ऑफ अमेरिका" के सदस्य के रूप में भी नामित किया गया । डॉ.आई.के. सिंह को 'ग्रेस इंडिया एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट' से अनुसंधान में उत्कृष्ट योगदान के लिए "सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता पुरस्कार 2017" से सम्मानित किया गया है।

सम्मान/गौरव

डॉ. आरती बरुआ को वर्ष 2017 में इंडिया इंटरनेशनल फ्रेंडशिप सोसाइटी (आई.आई.एफ.एस) द्वारा "मदर टेरेसा ग्लोबल उत्कृष्टता पुरस्कार" से सम्मानित किया गया। उन्हें यूनेस्को द्वारा प्रयोजित इंटरनेशनल नेटवर्क फॉर वूमेन फिलोसॅफर्स के सदस्य के रूप में भी चुना गया था।

डॉ. धर्मेंद्र कुमार मलिक ने प्रतिष्ठित अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ प्लांट बायोलॉजी (ए.एस.पी.बी) के "*प्लांटे फेलो* (2017-18)" और प्रतिष्ठित बॉटनिकल सोसाइटी ऑफ अमेरिका के सदस्य के रूप में नामित किया ।

डॉ. आई.के. सिंह ने ग्रेस इंडिया एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट नई दिल्ली से अनुसंधान में उत्कृष्ट योगदान के लिए "सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता पुरस्कार 2017" से सम्मानित किया गया ।

डॉ. कृष्णन उन्नी पी. ने 5 जुलाई, 2017 को सीनेट हॉल, तिरुवनंतपुरम में प्रतिष्ठित पी.के. राजन मेमोरियल व्याख्यान दिया ।

<u>गौरव सम्मान प्राप्त छात्र</u>

श्री कमल सागर ने तीरंदाजी में विश्व विश्वविद्यालय खेलकूद 2017 में प्रतिनिधित्व किया।

श्री सिद्धांत शुक्ला, श्री रवि कुमार और श्री जोसेफ को विभिन्न श्रेणियों में दिल्ली राज्य तीरंदाजी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक मिला ।

एस.यू.ओ. वरुण प्रताप सिंह ने कजाकिस्तान में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का प्रतिनिधित्व किया। उनके अनुकरणीय प्रदर्शन के लिए डी.जी.एन.सी.सी. लेफ्टिनेंट जनरल विनोद वशिष्ठ ने उनकी प्रशंसा की ।

सी.एच.एम. हरीश सिंह मेहता ने श्रीलंका में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का प्रतिनिधित्व किया।

सी.डी.टी. राजनीश ने ऑल इंडिया थलसेनिक कैंप 2017 में कांस्य पदक प्राप्त किया ।

प्रकाशन

कृष्णन, पी. (2017) ने अरुंधती रॉय के परमानंद मंत्रालय में राष्ट्र राज्य और अनदेखे मार्गों के बारे में चर्चा की। *जरनल ऑफ लिटरेचर एंड एस्थेटिक्स.* 17 (1): 7-20.

कायस्थ, एस., शहजाद, एम., कुमार, एस., गुप्ता, के.के. (2017) इफेक्ट ऑफ इथेनॉल एक्सट्रेक्ट ऑफ केथारेंथस रोसेस, ओसिमम सेनक्टम एंड लेनटाना केमेरेओन फेसुडिटी एंड फरटिलिटी ऑफ रेड कॉटॅन बग, डाईडेरकस कोएनिगी फेब्रिसिअस(हेटेरोपटेरा : प्यरोसोरइडाय). जरनल ऑफ *एंटोमोलॉजी एंड जूलॉजी स्टडीज़* . 5 (4): 348-353.

नादेम, ए. (2017) हेल्थ शॉक, केटेस्ट्रोफिक एक्सपेंडिचर एंड इट्स कॉन्सिक्यूएंसेस ऑन वेलफेयर ऑफ द हाउसहोल्ड इंगेज्ड इन इनफोरमल सेक्टर. जनरल ऑफ पब्लिक हेल्थ. 25 (6): 611-624

नदीम, ए. (2017) बाल स्वास्थ्य में क्षेत्रीय विषमता की डिग्री और पैटर्न : एक प्रमुख घटक विश्लेषण दृष्टिकोण। इंटरनेशनल जरनल ऑफ सोसियो-लीगल एनालायसिस एंड रुरल डेवेलपमेंट. (3): 2455-4049.

पाठक, एन., प्रजनेशु, एम., कुमार, एल., रामलाल, ए. (2018) बाइओफिएसी ऑफ वीड बेस्ड एक्सट्रेक्ट इन द कंट्रोल ऑफ राइज़ोक्टोनिया रूट रोट डिसीज ऑफ बॅकव्हीट। *डीयू* जरनल *ऑफ अंडरग्रेजुएट रिसर्च एंड इनोवेशन* । 3 (1): 50-56.

शर्मा, आर.के., शर्मा, एस.(2017) सीड लोंगेविटी, जरमिनेशन एंड सीडलिंग विगोर ऑफ रुहेम अॅस्ट्रेले डी. डॉन : ए स्टेप टुवर्डस कॅनजरवेशन एंड कल्टीवेशन । जरनल आर्फ एप्लाइड रिसर्च ऑन मेडिकिनल एंड आरोमेटिक प्लांटस. 5 (1): 47-52.

सिंह, ए. सिंह, आई.के. (2018) मोलेक्युलर एस्पेक्ट्स ऑफ प्लांट पैंथोगेन"(आई.एस.बी.एन. 978-981-10-7371-7)

यादव, एन., पांडे, ए.के., भटनागर, ए.के. (2017) टेम्परेचर रेग्युलेटेड सीड जरमिनेशन इन एसेर ओब्लोंगॅम वाल । एक्स. डी.सी. (सेपिंडेसिए) - ए थ्रेटेन्ड हिमालियन स्पीसेस। *प्लेइवन* 11 (1): 10-15.

आयोजित संगोष्ठियां

जैव रसायन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिण परिसर के प्रोफेसर डॉ. आलो नाग द्वारा 'ड्रीम टू अचीव - विकटॅरि ओवर कैंसर' पर 27 मार्च, 2017 को सेमिनार ।

संगोष्ठी, डॉ. अशोक शर्मा, सहायक प्रोफेसर और संकाय-प्रभारी, न्यूरोबोकैमिस्ट्री प्रभाग, बायोकैमिस्ट्री विभाग, ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली द्वारा 25 अक्टूबर, 2017 को 'इंट्रोडक्शन ऑफ इपिजेनेटिक्स एंड हयूमन डिसीज' पर व्याख्यान दिया ।

संगोष्ठी, डॉ. एस.के. धवन द्वारा 14सितंबर, 2017 पर 'रेजोनेंस 2017' में 'इंपोरटेंस ऑफ कंडटिंग पोलिमर्स ।

संगोष्ठी, नवंबर, 2017 के महीने में प्रोफेसर ओ.पी. शर्मा, निदेशक, आई.सी.एफ.ए.आई बिजनेस स्कूल द्वारा 'जीएसटी-एन इनरिचिंग सेशन ऑन द न्यूली इंट्रोडक्शन टैक्स रिफॉर्म' पर व्याख्यान दिया गया।

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण

रंजना सेठ ने 22 से 26 मई 2017 तक ऑस्ट्रिया के वियना में आयोजित 'एरिया-वाइड मेनेजमेंट ऑफ इन्सेक्ट पेस्ट्स : इंटीग्रेटिंग द स्टेरिले इन्सेक्ट एंड रिलेटेड न्यूक्लियर एंड अदर टेक्निक्स' पर 3री एफएओ-आईएईए इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में 'स्पर्म बिहेविअॅर्स एज की टूल इनसुइंग औपरेटिव इफीसिएंसी ऑफ रेडियो-जेनेटिक[F_1 स्टरिलिटी टेक्निक] फॉर पापुलेशन सुप्रेशन ऑफ एन इकोनॉमिकली सिरीएस इंडियन पेस्ट, स्पोडोपेटेरालिचुरा(फेबर.) (लेपिडोपेट्रा : नाक्टुडाय) इन लैब एंड फील्ड सिमुलेटेड केजेज' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

मोहम्मद शाजद ने 19 से 20 अक्टूबर, 2017 तक पेरिस, फ्रांस में आयोजित '19 वें इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ इनटोमोलॉजी 2017' में 'एन इको-फ्रेंडली एप्रोच फॉर द मेनेजमेंट ऑफ अएडेस अएजिटि बाय ओसिमम सेनक्टम' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

के.के. गुप्ता ने 19 से 20 अक्टूबर, 2017 तक पेरिस, फ्रांस में आयोजित '19 वें इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ इनटोमोलॉजी 2017' में 'बायोइफिएसी ऑफ केथेरेनथॅस रोसेअॅस ऑन रिप्रोडॅक्टिव परफॉर्मेंश ऑफ रेड बग, डायस्डेरुस्कोएनिगि (हेटेरोपेट्रा : प्यराकोजिएडे)' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

वर्षा बावेजा ने 19 से 20 अक्टूबर, 2017 तक पेरिस, फ्रांस में आयोजित '19 वें इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ इनटोमोलॉजी 2017' में 'इंटरएक्शन ऑफ स्टेनेरनेमागलेसेरि, एन एनटोमोपैथेजेनिक नेमाटोड विथ ए प्रेडेटॅरि फॅंगस एरथ्रोबोट्रिस्सुपेरबा ऑन डिफरेंट न्यूट्रिएंट मीडिया' शीर्षक पर एक शोध पेपर प्रस्तुत किया ।

पवित्रा शर्मा ने 19 से 20 अक्टूबर, 2017 तक पेरिस, फ्रांस में आयोजित '19 वें इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ इनटोमोलॉजी 2017' में 'इन्फ्लुएंश ऑफ टेम्परेचर ऑन द डेवेलॅपमेंट एंड फीडिंग एक्टिवटी ऑफ साउथेर्न ग्रीन स्टिन्क बग नेजाराम्विरिडुला (हेटेरोपेट्रा : पेन्टाटोमिडाय) शीर्षक पर एक शोध पेपर प्रस्तुत किया ।

नदीम अहमद ने 4 से 8 दिसंबर, 2017 तक जेएनयू में डीएएडी, जर्मनी द्वारा आयोजित "आर्थिक विकास के नए प्रतिमान: सामाजिक और पर्यावरणीय आयाम" पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'हेल्थ शॉक एंड इट्स इफेक्ट्स ऑन वेलफेयर ऑफ द हाउसहोल्ड ' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

प्लेसमेंट विवरण

नौकरी प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या : 80%

भर्ती हेतु परिसर में आने वाली कंपनियों की संख्या : 17

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

एन.एस.एस युनिट द्वारा वेक्टर बोर्न रोग नियंत्रण पर स्वच्छता अभियान और कार्यशाला आयोजित की गई थी। लड़कियों के लिए एन.एस.एस युनिट द्वारा एक आत्मरक्षा कार्यक्रम भी आयोजित किया गया था । सड़क दुर्घटना के पीड़ितों के प्रबंधन के बारे में स्वैच्छिक रूप से प्रत्यक्ष प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए "सड़क सुरक्षा" पर एक कार्यशाला भी आयोजित की गई थी ।

पुस्तकालय विकास

अकादमिक सत्र की शुरुआत में विद्यार्थियों के नए बैच के लिए पुस्तकालय ने अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया। महाविद्यालय पुस्तकालय ने कॅन्फेडेरेशन ऑफ इंडियन युनिवर्सिटीज, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ इकोलॉजी एंड एन्वायरमेंट एंड नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ क्लीनलाइन्स एजुकेशन एंड रिसर्च द्वारा 'बेस्ट मेनेज्ड लाइब्रेरी अवार्ड 2017' प्राप्त हुआ। पुस्तकालय एलएसईएस पुस्तकालय सॉफ्टवेयर और एलएसईएएस एलएमएस वेब सेंट्रिक एलएसईएएस (ईजेबी) एलएमएस से ओपेक के साथ पुस्तकालय अपग्रेड किया गया । पुस्तकालय संग्रह में 2346 नई पुस्तकें शामिल की गईं।

शिक्षकों की संख्या

स्थायी शिक्षकों की संख्या = 121

तदर्थ शिक्षकों की संख्या = 83

वित्तीय आबंटन और उपयोग :
संस्वीकृत अनुदान : रुपये 58.00 करोड़
प्रयुक्त अनुदान : रुपये 42.85 करोड़

***

डॉ. भीम राव अम्बेडकर महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :
मुक्त शिक्षा विद्यालय (एस.ओ.एल) के विद्यार्थियों और गैर-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (एनसीडब्ल्यूईबी), दिल्ली विश्वविद्यालय की महिला विद्यार्थियों के लिए के लिए स्नातक-पूर्व शिक्षण सुविधा के लिए महाविद्यालय को एक प्रमुख क्षेत्रीय-सह-अध्ययन केंद्र के रूप में चुना गया था । जीएनसीटीडी के उत्तर-पूर्व जिला प्रशासन के सहयोग से महाविद्यालय ने डिजिटल इंडिया पहल के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस वर्ष सामाजिक कार्य विभाग द्वारा 'बेस्ट फील्ड वर्कर अवॉर्ड 2017' की शुरूआत की गई थी। महाविद्यालय विद्यार्थियों को अभिनव विचार उत्पन्न करने और उद्यमशील पहल की दिशा में लगातार प्रोत्साहित करता है । अखिल भारतीय महिला शिक्षा निधि संघ (एआईडब्ल्यूईएफए) के सहयोग से महाविद्यालय ने वर्चुअल विश्व के संबंध में 'साइबर सुरक्षा' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया और डीएलएसए (शाहदरा) के सहयोग से विशेष रूप से उत्तर-पूर्व क्षेत्र से लोगों की विशिष्ट इथिक और क्षेत्रीय सांस्कृतिक पहचान को समझने के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

<u>गौरव सम्मान प्राप्त छात्र</u>

श्री शुभम श्रीवास्तव ने मास्टर ऑफ सेरेमोनीज़ प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

श्री जवान सिंह ने 24 अगस्त, 2017 से 4 सितंबर, 2017 तक राजकोट (गुजरात) में राष्ट्रीय एकता शिविर में भाग लिया।

श्री प्रशांत भारती ने 14 से 23 अक्टूबर, 2017 तक सीएटीसी -1 में भाग लिया और उन्हें शिविर में आयोजित गोलीबारी प्रतियोगिता के दौरान सर्वश्रेष्ठ शूटर के रूप में चुना गया ।

श्री अक्षय कुमार गौतम, सीडीटी मनीष कुमार और सीडीटी आकाश कुमार को पीएम रैली में चुना गया।

प्रकाशन
दास, बी.एम. (2017) रिसर्चिंग क्रिटिकल रिफलेक्शन : मल्टीडिसिप्लनरी पर्सपेक्टिव, जरनल ऑफ सोशल वर्क एंड पॉलिसी रिव्यू. 1 7: 626-629.

दास, बी.एम. (2017) भारत में सामाजिक कार्य शिक्षा के आठ दशकों की समीक्षा, *एशियन सोशल वर्क एंड पॉलिसी रिव्यू.* 11: 66-75.

द्विवेदी, आर.पी. (2017) सिनेमा में पर्यावरण का चित्रण: 'पादरपंचली' और 'सपने' का एक तुलनात्मक अध्ययन। इंटरनेशनल जरनल ऑफ ह्यूमिनिटीज एंड सोशल साइंस रिसर्च. 3: 45-48.

कुमार, एन. (2017) आत्म-सम्मान और प्रदर्शन पर इसका प्रभाव। इंडियन जरनल ऑफ पॉजिटिव सायकोलॉजी. 3: 1 9 -22.

मनीष, के. (2017) एलिवेशनल प्लांट स्पीसेस रिचनेस पैटर्नस एंड दियर ड्राइवर्स एक्रॉस नॉन-इंडेमिक्स, इंडेमिक्स एंड ग्रोथ फॉर्मस इन द ईस्टर्न हिमालया. जरनल ऑफ प्लांट रिसर्च. 130; 829-844.

प्रसाद, आर. (2017) लोअर गंडक नदी बेसिन में बाढ़ के अवसर और बिहार में लालगंज, दुमरीघाट और त्रिबेनी में इसका अनुमान। द होरिजॅन : ए जरनल सोशल साइंस. 2:33 - 49.

भारद्वाज, टी. (2017) कैंसरग्रस्त बच्चों में थकान के प्रबंधन के लिए गैर-फार्माकोलॉजिकल हस्तक्षेप : मौजूदा उपायों और उनकी प्रभावशीलता की व्यवस्थित समीक्षा, *बीएमजे सपोर्टिव एंड पल्लिएटिव केयर.* 7: 404-414.

रवि, आर.एस. (2017) साइको-सोशल प्रेसिपिटेंट्स टू प्रोटेस्ट : ए सोशल आडेंटिटी परस्पेक्टिव, इंटरनेशनल जरनल ऑफ एकाडेमिक रिसर्च एंड डेवेलपमेंट. 2: 1-5.

जरनल्स

महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित : एक, अर्थात्, अकादमिया

संपादकीय बोर्ड के संपादक (संपादकों) / सदस्य (सदस्यों) के रूप में कार्यरत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या : 03

आयोजित संगोष्ठियों

संगोष्ठी केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 23 और 24 फरवरी, 2018 को 'शिक्षा की स्वायत्तता: चुनौतियां और समाधान' विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई।

डॉ. भीम राव अम्बेडकर महाविद्यालय में 14 और 15 मार्च, 2018 को 'भारतीय सामाजिक कार्य स्कोप और चुनौतियां' विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई।

आयोजित सम्मेलन

वी.बी. पीटल चेस्ट इंस्टीट्यूट, दिल्ली विश्वविद्यालय में 17 और 18 मार्च, 2018 के दौरान आयोजित दक्षिण एशियाई प्रबंधन संघ के सहयोग से 'समावेशी विकास को बढ़ावा देने की रणनीति' शीर्षक पर 10वां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ।

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण

राकेश शाहानी ने प्रबंधन अध्ययन केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया में 11 अक्टूबर, 2017 को आयोजित " द्वितीय अंतरराष्ट्रीय वित्त सम्मेलन" के दौरान 'को-मूवमेंट डायनामिक्स ऑफ द स्टॉक इंडेक्स रिटनर्स ऑफ द ब्रिक्स नेशन्स : एन इम्पिरिकल इनवेस्टीगेशन' शीर्षक पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

आर.एन. दुबे ने एसबीएससी, दिल्ली विश्वविद्यालय में 21 से 22 अप्रैल, 2017 को आयोजित "एडॉप्शन एंड इम्प्लीमेंट ऑफ पेरिस एग्रीमेंट : नेशनल इनिसिएटिव टुवर्डस क्लाईमेट मिशन" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एडॉप्शन ऑफ क्लाइमेट चेंज थ्रू ससटेनिएबल अर्बन प्लानिंग इन इंडिया' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

अवतार सिंह ने श्री शंकरचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कलडी में 10 से 12 नवंबर, 2017 तक आयोजित "सोशल वर्क प्रोफेशनल एंड सोशल रियलिटी रिस्पॉन्स एंड रिपोस्टेस" पर 5वीं भारतीय सामाजिक कार्य कांग्रेस के दौरान 'सामाजिक बहिष्कार और दलितों पर अत्याचार : मानव अधिकारों का उल्लंघन' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

जया वर्मा सत्यवती महाविद्यालय(सांध्य), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 15 सितंबर, 2017 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान 'महायानिक वे ऑफ लाइफ' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

रवि शंकर ने एम्स्टर्डम में 11 से 14 जुलाई, 2017 के दौरान आयोजित 15वीं यूरोपीय मनोविज्ञान कांग्रेस के दौरान 'सामूहिक विरोध और सामाजिक पहचान : भारत में नर्मदा आंदोलन को बचाने का एक केस स्टडी' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

रामश्रेय प्रसाद ने बी. बोरुहा महाविद्यालय, गुवाहाटी में 8 से 10 फरवरी, 2018 तक "उत्तर पूर्व भारत भौगोलिक सोसायटी (एनईआईजीएस)" सह "ग्यारहवीं अंतरराष्ट्रीय भौगोलिक संघ आयोग सेमिनार" के 29वें द्विवार्षिक सम्मेलन के दौरान बिहार में "बाढ़ अनुमान : त्रिबेनी में लोअर गंडक नदी बेसिन का एक केस स्टडी' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

अरविंद कुमार यादव ने भारतीय संस्कृति संस्थान, मुंबई द्वारा 2 अप्रैल, 2017 को आयोजित "भारत में सुशासन के लिए चुनौतियां" पर राष्ट्रीय सेमिनार में 'भारत में सुशासन एवं कैदियों के मानव अधिकार : एक अवलोकन' पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

एन. विक्टोरिया चानू ने सीआईटी सम्मेलन हॉल, जामिया मिलिया इस्लामिया में कोरिया के अध्ययन हेतु जामिया मिलिया इस्लामिया और रिसर्चर्स एसोसिएशन द्वारा 13 अक्टूबर, 2017 को आयोजित "एक्ट ईस्ट : ट्रांजीशन्स इन इंडिया'स इंगेजमेंट विथ साउथ कोरिया" पर अंतरराष्ट्रीय सेमीनार में 'अंडरस्टैंडिंग कोरियन वूमेन'स स्टेट्स एंड सोशल वेल्यु थ्रू लिटरेचर' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

आर.एन. दुबे ने उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में 5 से 7 दिसंबर, 2017 के दौरान "भविष्य के शहरों, सतत विकास और भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों" पर 39वें भारतीय भूगोल कांग्रेस में 'भारत में सतत शहरी योजना के लिए नया दृष्टिकोण' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

अरविंद कुमार यादव ने भारतीय संस्कृति संस्थान, मुंबई द्वारा 2 अप्रैल, 2017 को आयोजित "भारत में सुशासन के लिए चुनौतियां" पर राष्ट्रीय सेमिनार में 'भारत में सुशासन और कैदियों के मानव अधिकार : एक अवलोकन' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (समझौता-ज्ञापन)

मुक्त शिक्षा विद्यालय (एसओएल) दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ समझौता-ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया।

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, तमिलनाडु के साथ समझौता-ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया।

प्लेसमेंट विवरण

नौकरी पाने वाले विद्यार्थियों की संख्या : 22

भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियों की संख्या : 1

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

एम्स की सोशल सर्विस यूनिट के सहयोग से 18 जनवरी, 2018 को एन.एस.एस. यूनिट द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था और 23 सितंबर, 2017 को महाविद्यालय के इको क्लब द्वारा वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया था ।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय एक अलग भवन में स्थित है, जो वाई-फाई सुविधाओं के साथ पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत है। इसमें लगभग 38,338 पुस्तकें हैं, इनमें से आर्थिक रूप से कमजोर और मेधावी विद्यार्थियों को 'छात्र सहायता निधि योजना: (एस.ए.एफ.)' के तहत कुछ पुस्तकें प्रदान की जाती हैं । पुस्तकालय कम्प्यूटरीकृत है और परिसर में निगरानी हेतु सी.सी.टी.वी लगाए गए हैं और *लिब्स सॉफ्टवेयर* का उपयोग किया जाता है । यह अपने पुस्तकालय खाते की जांच के लिए सभी विद्याथियों के लिए ओ.पी.ए.सी.(ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग) सुविधा प्रदान करता है। डॉ.

बी.आर. अम्बेडकर, गांधी, नेहरू और अन्य व्यक्तित्वों का विशेष संग्रह प्रत्येक तल पर शब्दकोशों के साथ उपलब्ध है। अन्य नई सुविधाएं लैपटॉप चार्जिंग सुविधा; डी.यू.एल.एस. से लाइब्रेरी में ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए लिंक; इनफ्लिबनेट (INFLIBNET) के N-सूची कार्यक्रम तक पहुंच ; पिछले वर्षों के प्रश्न पत्र; नौकरी निकलने की अधिसूचना, और विषय-वार और फर्श-वार साइनेज। पुस्तकालय दिव्यांगजनों को दी जाने वाली विशेष सुविधाओं से लैस है। इनमें शामिल हैं: दो कंप्यूटरों के साथ अलग वातानुकूलित केबिन (नामित हेलेन केलर यूनिट); सुगाम्य पस्तकालय की ऑनलाइन नि:शुल्क सदस्यता ; और ब्रेल अध्ययन सामग्री पढ़ने के लिए बैठने के लिए अलग स्थान ।

शिक्षकों की संख्या

संकाय सदस्यों की कुल संख्या = 117

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृति अनुदान	: रु.25,58,00,000/-
प्रयुक्त अनुदान	: रु.24,04,28,940 /-

***

दुर्गाबाई देशमुख विशेष शिक्षा(दृष्टिबाधित) महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

दुर्गाबाई देशमुख कॉलेज ऑफ स्पेशल एजुकेशन (विजुअल इम्पेरमेंट के लिए) 2006 में स्थापित किया गया था और तब से दृष्टिबाधित बच्चों के लिए विशेष शिक्षा में स्नातक डिग्री प्रोग्राम प्रदान करता है और भारत की पुनर्वास परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त है। महाविद्यालय ब्लाइंट रिलीफ एसोसिएशन, दिल्ली द्वारा चलाया जाता है जो एक प्रमुख गैर-सरकारी संगठन है। महाविद्यालय को सामाजिक न्याय और सशक्तीकरण मंत्रालय के तहत एक शीर्ष निकाय के साथ दृष्टिबाधित (दिव्यांगजन) वाले व्यक्तियों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय संस्थान द्वारा भी आंशिक रूप से वित्त पोषित किया जाता है। वर्तमान में महाविद्यालय में शैक्षणिक सत्र में 28 विद्यार्थी अध्ययनरत है।

सम्मान/गौरव

डॉ. स्वाती सान्याल:

सदस्य, 'भारत के पुनर्वास परिषद अधिनियम' की संशोधन समिति

सदस्य, निरीक्षण संशोधन समिति, भारत की पुनर्वास परिषद '।

सदस्य, एस.ओ.एस.एस., इग्नू की डॉक्टोरल समिति ।

सदस्य, उर्दू ब्रेल विकास, जे.एम.आई

<u>गौरव सम्मान प्राप्त छात्र</u>

सुश्री स्वाती और सुश्री लतीका अनीजा ने बी.एड. (विशेष शिक्षा) अंतिम परीक्षा में विशिष्ट सम्मान प्राप्त किया ।

प्रकाशन

दुबे, एस.के (2017) विजुअल इंपैरमेंट : ए बुक फॉर पैरेंट्स एंड केयर गिवर्स, नई दिल्ली, एस.आर पब्लिशर्स।

आयोजित सम्मेलन

सीआर कार्यक्रम शीर्षक *'सीखने की अक्षमता के सामाजिक-भावनात्मक पहलू'* 8 से 10 दिसंबर. 2017 तक आयोजित किया गया ।

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण

स्वाती सान्याल ने (एनआईईपीएमडी) के सहयोग से दुर्गाबाई देशमुख विशेष शिक्षा महाविद्यालय एवं आयुष सोसाइटी, दिल्ली द्वारा 8 से 10 दिसंबर, 2017 तक आयोजित सी.आर.ई. शिक्षा कार्यक्रम में 'सामाजिक कौशल विकसित करने और आत्म-सम्मान बनाने के लिए शिक्षण रणनीति' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

एस.के. दुबे ने ए.ए.आर.ओ.एच, वसंत कुंज, नई दिल्ली द्वारा 28 मार्च, 2018 को आयोजित सी.आर.ई कार्यक्रम के दौरान 'दृष्टिबाधितों के लिए सहायक उपकरणों के विकास' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

एस.के. दुबे को 'मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन और ब्रेल लर्निंग (ईपीसी) कार्यक्रम' पर 6 दिनों की कार्यशाला के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया था और उन्होंने 12 से 17 मार्च, 2018 को जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "दृष्टिबाधितों के लिए अवांछित सहायक उपकरणों" पर व्याख्यान दिया था।

पुबालि अग्रवाल ने दृष्टिविहीन एवं शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के लिए जे.पी.एम. सीनियर सेकेंडरी स्कूल द्वारा 18 से 22 सितंबर 2017 तक आयोजित क्रॉस विकलांगता में विशेष शिक्षा शिक्षकों के प्रशिक्षण (सी.आर.ई. स्थिति) के पांच दिनों में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया ।

पुबालि अग्रवाल ने "हेल्प फाउंडेशन", कश्मीर द्वारा 3 से 7 अक्टूबर, 2017 तक आयोजित एक कार्यक्रम में दुर्घटनाओं अथवा आपदाओं में अपनी दृष्टि खोने वाले किशोरों के लिए 'हाऊ टू डेवेलॅप डिफरेंट इंडिपेंडेंट लिविंग स्किल्स’ को प्रदर्शित किया।

पुबालि अग्रवाल ने एनआईईपीएमडी, आयुष सोसाइटी और दुर्गाबाई देशमुख विशेष शिक्षा महाविद्यालय(VI) द्वारा 10 अक्टूबर, 2017 को आयोजित सी.आर.ई. प्रोग्राम के दौरान 'एड्रेसिंग सोसियो-इमोशनल एस्पेक्ट्स ऑफ पर्सन्स विथ लर्निंग डिसेबिलिटी’ शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

पुबालि अग्रवाल ने शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 1 9 फरवरी 2018 को आयोजित 'समावेशी परिप्रेक्ष्य से शिक्षण संसाधन कैसे विकसित करें' पर एक कार्यशाला आयोजित की।

नरेंद्र कुमार झा ने नेशनल इंस्टिट्यूट इम्पावरमेंट ऑफ पर्सन्स विथ मल्टीपल डिसेबिलिटी (एनआईईपीएमडी), चेन्नई के सहयोग से दुर्गाबाई देशमुख विशेष शिक्षा महाविद्यालय एवं आयुष सोसाइटी, दिल्ली द्वारा 8 से 10 दिसंबर, 2017 तक आयोजित ‘काउंसेलिंग पैरेंट्स ऑफ चिल्ड्रेन विथ लर्निंग डिसेबिलिटीज’ शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

प्लेसमेंट विवरण

नौकरी प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या : लगभग 50%

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

विकलांग महिलाओं के लिए 18 नवंबर, 2017 को चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया था।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकों की कुल संख्या (प्रिंट + ब्रेल): 4382
शीर्षक की कुल संख्या (प्रिंट + ब्रेल): 2225
विशेष शिक्षा के साथ-साथ शिक्षा पर प्रिंट जरनल: 22
वर्ष 2017-2018 के दौरान जोड़ी गए पुस्तकों की कुल संख्या: 163

शिक्षकों की संख्या

स्थायी शिक्षकों की संख्या = 4

वित्तीय आबंटन और उपयोग:

आबंटित अनुदान: रु.90,00,000/-

संस्वीकृति अनुदान: रु.34,78,272/-

***

दयाल सिंह महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

एमएचआरडी, भारत सरकार द्वारा अपनाई गई एनआईआरएफ ने महाविद्यालयों की श्रेणी में कुल रैंकिंग 2018 में 25वां स्थान दिया है । नेशनल कम्यूनिटी कॉलेज फॉर स्किल डेवलपमेंट(एनसीसीएसडी) द्वारा राष्ट्रीय कौशल संसाधन विकास पुरस्कार प्रदान किया गया था, द वूमेन'स एजेंसी फॉर जेनरेटिंग एम्प्लॉयमेंट(डब्ल्यु.ए.जी.ई.), भारतीय विश्वविद्यालय संघ (सी.आई.यू.) और राष्ट्रीय स्वच्छता शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (एन.आई.सी.ई.आर.) ने उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया था। भारतीय विश्वविद्यालय संघ (सी.आई.यू.) द्वारा आध्यात्मिक और मूल्य आधारित शिक्षा पुरस्कार प्रदान किया गया। इंटरनेशनल एसोसिएशन एजुकेटॅर्स फॉर वर्ल्ड पीस ने "सर्वश्रेष्ठ प्रबंधित ग्रीन कैंपस अवॉर्ड" प्रदान किया है। ग्रीन ग्लोबकेयर ने "पेड़ और पृथ्वी माता की रक्षा के लिए बुनियादी कदम उठाने में अथक प्रयासों और मूल्यवान भूमिका के लिए सराहना का प्रमाण पत्र प्रदान किया।

सम्मान/गौरव

ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप में रॉबिन कडिया ने कांस्य पदक जीता । नीरज कुमार ने सीनियर स्टेट मुक्केबाजी चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता ।

आशी चौधरी ने हाई जंप और डेकैथलॉन में स्वर्ण पदक जीता । अंतर्महाविद्यालय चैंपियनशिप में दिल्ली राज्य एथलेटिक्स चैंपियनशिप और रिलायंस फाउंडेशन में स्वर्ण पदक भी जीता ।

उस्मान देवन ने दिल्ली राज्य चैम्पियनशिप में 100 मीटर, 200 मीटर और 400 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने पहले राष्ट्रीय पैरा यूनिवर्सिटी खेल और पैरा युवा एशियाई खेल, दुबई में 200मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक भी जीता।

संजय ने के.एम.सी. अंतर्महाविद्यालय पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता में 100 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने दिल्ली राज्य पैरा खेल में 400 मीटर, 800 मीटर और 5000 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक भी जीता। नकुल विरवाल ने यू.पी. राज्य सेंटरफायर में स्वर्ण पदक जीता।

अभिवाल चौधरी ने राज्य सीनियर सेंटरफायर में 3 स्वर्ण पदक जीते।

अनिल कुमार ने सीनियर और जूनियर पुरुषों में 10 मीटर की पीप साइट एयर राइफल में स्वर्ण पदक जीता।

<u>गौरव सम्मान प्राप्त छात्र</u>

सुश्री सफ़ी कमाल हुसैन, महाविद्यालय में प्रथम, बी.ए.(आनर्स), राजनीति विज्ञान अंतिम परीक्षा परिणाम 16-17.

श्री मोहित यादव, महाविद्यालय में प्रथम, बी.एससी(आनर्स), प्राणि विज्ञान अंतिम परीक्षा परिणाम 2016-17.

सुश्री ईशा गोधवानी, महाविद्यालय में प्रथम स्थान, बी.कॉम (आनर्स), अंतिम परीक्षा परिणाम 2016-17.

सुश्री मुस्कान वर्मा, महाविद्यालय में प्रथम स्थान, बी.एससी (आनर्स) जीवन विज्ञान, अंतिम परीक्षा परिणाम 2016-17.

श्री लक्ष्य दबास, महाविद्यालय में प्रथम स्थान, बी.ए.(आनर्स) अर्थशास्त्र, अंतिम परीक्षा परिणाम 2016-17.

प्रकाशन (चयनित)

ड्रोलिया, पी. और ए.के जैन(2017) तापमान 293.15 से 318.15 K तक पर कुछ अल्किल एक्रिलेट्स के साथ टेट्राहाइड्रोफुरन के बाइनरी मिश्रणों के ध्वनिक और विस्कोमेट्रिक गुणों का प्रायोगिक और सैद्धांतिक अध्ययन। जे. मोल. लिक., 241, 54 9-562.

कृष्णा, टी.एस; के. नरेंद्र , एम. गौरीसंकर, ए.के. नैन और बी. मुनिभद्रया (2017) तापमान 293.15 से 318.15 K तक पर 1-ब्यूटाइल-3-मेथाइलिमिडाजोलियम हेक्साफ्लोरोफोस्पेट + 2- मेथोक्सायेथेनॉल अथवा 2- इथोक्सायेथेनॉल के परस्पर आणविक क्रिया के भौतिक रसायन और स्पेक्ट्रोस्कोपी अध्ययन। जे. मोल. लिक., 227, 333-350.

नैन, ए.के. और पी. ड्रोलिया (2017) टेम्परेचर एंड कॅन्सेन्ट्रेशन डिपेंडेंस ऑफ वाल्यूमेट्रिक प्रोपरिटीज ऑफ टेट्राहाईड्रोफुरान + मिथाइल एक्रायलेट, अथवा +एथाइल एक्रायलेट, अथवा + *n*- ब्यूटायल एक्रायलेट, अथवा + टेट्र-ब्यूटायल एक्रायलेट बाइनरी मिक्चर्स। *जे. केम. थर्मोडायन.* , 105, 317-326.

नैन, ए.के.; पी. ड्रोलिया, जे. गुप्ता (2017) थ्योरेटिकल स्टडी ऑफ मोलेक्यूलर इंटरएक्शन्स ऑफ अमीनो एसिड्स इन अक्यूएअस-कारबोहाइड्रेट सोल्यूशन बाय यूजिंग स्केल्ड पार्टिकल थ्योरी, इंडियन जे. केम. ए. , 56, 939-944.

पांडे, पी.के. (2017) ए फाईनाइट डिफरेंस मैथेड फॉर द न्यूमेरिकल सोल्यूशन ऑफ जनरल थर्ड आर्डर बाउंड्री वेल्यू प्रोब्लम विथ एन इंटरनल बाउंड्री कॅन्डीशन, रसियन मैथमैक्टिस. 61 (12). 29-38.

पांडे, पी.के. (2017) ए न्यूमेरिकल मैथेड फॉर द सोल्यूशन ऑफ फिफ्थ आर्डर बाउंड्री वेल्यू प्रोब्लम इन आर्डिनरी डिफरेंशियल इक्यूएशन्स, वलादिकामजिएन मैथमेटिकल जरनल. 2017. वॉल्यूम. 19. इश्यू 4. पी.50-57.

पांडे, पी.के. (2017) ए न्यूमेरिकल मैथेड फॉर द सोल्यूशन ऑफ जनरल थर्ड आर्डर बाउंड्री वेल्यू प्रोब्लम इन आर्डिनरी डिफरेंशियल इक्यूएशन्स, बुलेटिन ऑफ द इंटरनेशनल मैथमेटिकल वर्चुअल इंस्टीट्यूट वॉल्यूम. 7, नं.1, 129 -138.

पांडे, पी.के. (2018) एन एफीसिएंट न्यूमेरिकल मैथेड फॉर द सोल्यूशन ऑफ थर्ड आर्डर बाउंड्री प्रोब्लम इन आर्डिनरी डिफरेंशियल इक्यूएशन्स, इंट. जे. कम्प्यूटिंग साइंस एंड मैथमैटिक्स, वॉल्यूम 9, नं. 2, 171-180.

पांडे, पी.के (2018) फाइनाइट डिफरेंस मैथेड फॉर नयूमेरिकल सोल्यूशन ऑफ टू प्वाइंट बाउंड्री वेल्यू प्रोब्लम्स विथ नॉन-यूनिफार्म मेस एंड इंटरनल बाउंड्री कंडीशन, जनरल लेटर्स इन मैथमैटिक्स, वाल्यम 4 (1), 6-12.

संपादकीय बोर्ड के संपादक (संपादकों / सदस्य (सदस्यों) के रूप में कार्यरत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या - 12 से अधिक

अनुसंधान परियोजनाएं

अरुण पाल, गणित, डीएसटी. रु.41,51,400.00
नवीन गौर, भौतिकी, इंडो-फ्रेंच, 1,02,000 (यूरो)
अनिल कुमार नैन, रसायन विज्ञान, सीसीआरएच, रु.44,68,780.00
निशांत कुमार, राजनीति विज्ञान, आईसीएसएसआर, रु.8,00,000.00
डॉ. कमल नयन चौबे, राजनीति विज्ञान, आईसीएसएसआर, रु.6,00,000
डॉ. अरुणा छिकारा, रसायन विज्ञान, डीबीटी प्रायोगिक परियोजना, रु.25,01,000, यूजीसी, रु.7,01,000.00
डॉ. अल्का गुप्ता, रसायन विज्ञान, यूजीसी, रु.13,07,813.00
डॉ. अमिता मलिक , रसायन विज्ञान , यूजीसी, रु.11,79,620.00
डॉ. निखिल जैन, राजनीति विज्ञान, यूजीसी, रु.7,82,600.00

आयोजित संगोष्ठियां

पंजाबी विभाग ने एस.एस. वंजारा बेदी मेमोरियल समारोह में "सरब संजिवल्ता दी प्रतीक श्री गुरु ग्रंथ साहिब " "भगत रविदास का व्यक्तित्व और योगदान " विषय पर सावन कवि दरबार संगोष्ठी का आयोजन किया ।

प्राणि-विज्ञान विभाग ने विज्ञान प्रसार, डीएसटी के श्री निमिश कपूर द्वारा प्राणि-विज्ञान सोसाइटी में "विज्ञान संचार : विज्ञान और समाज के बीच के अंतर को भरना" विषय पर एक वार्ता आयोजित की ; डॉ. वी.सी. कलिया ने विभागीय उत्सव, ज़ोफोरिया में "पर्यावरण प्रदूषण का मुकाबला करने के लिए ग्रीन टेक्नोलॉजीज" पर एक वार्ता प्रस्तुत की। देहरादून और मसूरी के लिए दो दिवसीय शैक्षणिक यात्रा भी आयोजित की गई थी ।

डॉ. निखिल जैन (राजनीति विज्ञान). महाविद्यालय के महिला विकास प्रकोष्ठ के सहयोग से एसिड पीड़ितों पर पुस्तकों के डिजिटाइजेशन और लैंगिक संवेदनात्मक वर्कशॉप पर एक कार्यशाला आयोजित की गई ।

भूगोल विभाग ने मिसौरी स्टेट यूनिवर्सिटी (एमएसयू), वेस्ट प्लेन्स में भूगर्भ विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. राजीव ठाकुर का "एक वैश्विककृत दुनिया में ग्रामीण अमेरिका" पर एक व्याख्यान आयोजित किया । और 'हैजर्ड, भेद्यता और स्थिरता चुनौतियों' पर एक दिवसीय कार्यशाला भी आयोजित की गई थी।

अर्थशास्त्र विभाग ने सी.एस.एस.के श्री मोहित सत्यनंद की भारत में आर्थिक उदारवाद और योजना आयोग के पूर्व सदस्य प्रोफेसर अभिजीत सेन की 'भारतीय अर्थव्यवस्था की वर्तमान स्थिति' विषय पर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया ।

आयोजित सम्मेलन

डॉ. निखिल जैन (राजनीति विज्ञान). महाविद्यालय में 'ऑडियो विवरण के माध्यम से सिनेमा तक पहुंच' विषय पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई ।

इकोनक्लेव, वार्षिक अर्थशास्त्र उत्सव ने यशवंत सिन्हा, संजीव सान्याल और कई अन्य कार्यक्रमों रिची-रिच, करेंसी टस्सेल, बिज़-शास्त्र और बाइबिल सहित 18 वक्ताओं की मेजबानी की।

वाणिज्य विभाग ने शोध पद्धति पर एक दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम और "जीएसटी और सीमा-शुल्क कानूनों पर अंतर्दृष्टि" का आयोजन किया ।

पारिस्थितिकता और विकिर्या - दयाल सिंह महाविद्यालय के लैंगिक चैंपियनों ने "अनब्रोकन-द स्टोरी ऑफ सरवाइवल", यौन दुर्व्यवहार और उत्पीड़न के बढ़ते खतरे के बारे में एक पैनल चर्चा का आयोजन किया । इकॉगनिजेंस ने मानसिक स्वास्थ्य और जागरूकता पर एक कार्यशाला भी आयोजित की।

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतिकरण

डॉ. नीतू भट्टाचार्य ने आशुतोष महाविद्यालय, कोलकाता में आयोजित नेक्स्ट जेनरेशन सीक्वेंसिंग इन नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ मेडिकल एंथ्रोपोलॉजी पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

इंडियन फेडरेशन ऑन यूनाइटेड नेशन्स एसोसिएशन(आई.एफ.यू.एन.ए), नई दिल्ली द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. श्वेता रानी को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

श्री शिश पाल सिंहमार ने गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित दक्षिण एशिया में महिलाओं और सांप्रदायिक हिंसा : मिथ्या और वास्तविकता और स्वास्थ्य और पर्यावरण अध्ययन केंद्र, देहरादून में आयोजित पर्यावरण, स्वास्थ्य और सतत विकास पर राष्ट्रीय सम्मेलन पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किए ।

डॉ. हेमा बनती ने दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय में " *नेचर इंस्पेरड कंप्यूटिंग"* और जे.आई.आई. एम.एस. में *वेब एंड सोशल मीडिया एनालिटिक्स* पर एक और वार्ता में व्याख्यान दिया ।

डॉ. अनीता गोयल ने जून में कंप्यूटर विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में प्री-पीएच.डी विद्यार्थियों के लिए "वैज्ञानिक लेखन" और "बिग डेटा एंड क्लाउड कंप्यूटिंग" तथा आर.के.जी. कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी में सीईसी-यूजीसी एडुसेट चैनल के लिए डेटा इंटरप्रेटेशन विषय पर एक वार्ता में व्याख्यान दिया ।

प्लेसमेंट विवरण

सफलतापूर्वक नौकरी प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या : 204 (प्लेसमेंट) 350 (प्रशिक्षु)
भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियों/उद्योगों की संख्या : 63 (प्लेसमेंट); 95 (प्रशिक्षु)

विस्तार और आउटरीच काम

आसपास के क्षेत्रों में आयोजित शिविरों की संख्या : 5+
शिविरों में नामांकित / कवर्ड लोगों की संख्या : 400+
शिविरों में काम करने वाले विद्यार्थियों की संख्या : 100+
इन शिविरों में समर्पित घंटे की कुल संख्या: 5+ घंटे/शिविर

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में 1395 पुस्तकें और 11 जरनल्स/पत्रिकाओं को मंगाया गया। पुस्तकालय में लगभग कुल 1 लाख संग्रह है। महाविद्यालय ने पुस्तकालय हेतु 57 जरनल्स/पत्रिकाओं और 19 समाचार पत्रों की सदस्यता लिया है और ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए एनएलएसआईटी प्रोग्राम का सदस्य है। यह दृष्टिबाधित विकलांग विद्यार्थियों/संकाय सदस्यों के लिए आई.टी आधारित सेवाएं भी प्रदान करता है।

शिक्षकों की संख्या

स्थायी शिक्षकों की कुल संख्या : 158;
तदर्थ संकाय की कुल संख्या : 101

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान :	रु.55,27,82,000/-
प्रयुक्त अनुदान :	रु.48,83,39,202.64/-

***

दयाल सिंह महाविद्यालय (सांध्य)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

महाविद्यालय के सबसे जीवंत विभाग में से एक वाणिज्य विभाग ने "आज भारत को प्रबंधकों की तुलना में अधिक उद्यमी की जरूरत है" विषय पर एक वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की है । डॉ. संजय कुमार सिंह ने "प्रबंधन लेखांकन" पर एक पुस्तक प्रकाशित की । राजनीति विज्ञान विभाग ने कई व्याख्यान श्रृंखला आयोजित की । डॉ. शिवानी सिंह ने सेज प्रकाशनों द्वारा "शासन : मुद्दे और चुनौतियां" पर एक पुस्तक संपादित की । इतिहास विभाग ने हेरीटेज वाल्कस का आयोजन किया, श्री ए.के. सिंह को भारत में समाजवादी आंदोलन पर पीएच.डी से सम्मानित किया गया था । पंजाबी विभाग ने दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार की मेजबानी की । डॉ. पृथ्वी राज थापर ने "फिक्शन ऑफ बंत सिंह कन्नथा" पर एक पुस्तक प्रकाशित की । अंग्रेजी विभाग ने लिंबेल "द आउटकेस एंड दलित रजिस्टेंस" पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया । 10 से अधिक प्रकाशन थे और 62 विद्यार्थियों को विशिष्ट सम्मान

मिला । प्लेसमेंट सेल ने विद्यार्थियों के कैंपस प्लेसमेंट के लिए भर्तीकर्ताओं महाविद्यालय में लाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। महाविद्यालय में 60,000 से अधिक पुस्तकें हैं। डिजिटल फॉर्म प्रक्रियाधीन है। 89 संकाय सदस्य हैं जिनके लिए रु.1566.05 लाख की कुल वित्तीय अनुदान संस्वीकृत है और रु.159 3.20 लाख की निधि उपयोग की गई थी।

प्रकाशनों की कुल संख्या

2017 में माइक्रोफाइनेंस, वित्तीय साक्षरता और वित्तीय समावेशन

2017 में विमुद्रीकरण, डिजिटाइजेशन और वित्तीय समावेशन

2017 में भारत में वित्तीय समावेशन पर विमुद्रीकरण के प्रभाव का एक अध्ययन

2017 में विमुद्रीकरण 2016 की यात्रा चार्टिंग

2017 में भारत में वित्तीय समावेशन के लिए 30 बड़े कदम

2017 में वित्तीय समावेशन के कॅन्ड्यूटस के रूप में पेमेंट बैंक और छोटे बैंक

अनुसंधान परियोजनाएं

"जागरूकता अभियान, कार्यशाला और युवा उत्सव पर समावेशी भारत अधिकारित भारत" शीर्षक पर तीन महीने तक एक लघु परियोजना शुरू की गई थी और राष्ट्रीय न्यास, सामाजिक न्याय और अधिकारिता, भारत सरकार से रु.1,50,000 / - का अनुदान प्राप्त किया गया था। । परियोजना का नतीजा यह था कि समावेशी भारत कार्यक्रम के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए 5000 से अधिक लोग पहुंचे।

आयोजित संगोष्ठियां

ओलंपिक में भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन में सुधार करने के लिए शारीरिक शिक्षा की आवश्यकता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी और अन्य राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट 07 से 08 नवंबर, 2017 तक आयोजित किए गए थे।

2 अगस्त 2017 को 'जीएसटी को समझना' विषय पर एक दिवसीय सेमिनार आयोजित की गई।

डायस्पोरा पर एक सेमिनार 25 अक्टूबर, 2017 को आयोजित की गई थी। जेएनयू के प्रोफेसर हरीश नारंग और मोतीलाल नेहरू कॉलेज के डॉ. ज्योति जाखड़ दहिया ने विद्यार्थियों को संबोधित किया था।

आयोजित सम्मेलन

अंग्रेजी विभाग द्वारा लिंबेल'स द आउटकास्ट एंड दलित रजिस्टेंस विषय पर 22 मार्च, 2018 को एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया था, जिसमें देश भर के 11 विश्वविद्यालयों के प्रतिष्ठित शोधकर्ताओं और विद्वानों द्वारा पेपर प्रस्तुत किए गए थे ।

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण

डॉ. पूनम ने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में 4 लेख प्रस्तुत किए । जिनमें से दो प्रकाशित भी हो गए। उन्होंने दो पुस्तकें संपादित की और संपादित पुस्तकों में चार लेख भी लिखे । उन्होंने राष्ट्रीय न्यास, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के साथ एक परियोजना भी पूरी की। परियोजना राष्ट्रीय न्यास के 'समावेशी भारत, अधिकारिता भारत' पहल का विस्तार था। परियोजना का मुख्य उद्देश्य बौद्धिक और विकासात्मक विकलांग व्यक्तियों की विशेष आवश्यकताओं के प्रति विद्यार्थी और जनता के बीच जागरूकता और ज्ञान पैदा करना था। परियोजना 10000 से अधिक विद्यार्थियों और लोगों तक पहुंच जाती है। उन्होंने दिल्ली के सीलम पुर क्षेत्र में एक दिन वित्त साक्षरता शिविर भी आयोजित किया। महाविद्यालय में उनके द्वारा 'जीएसटी को समझना ' पर एक दिवसीय सेमिनार भी आयोजित की गई थी।

प्लेसमेंट विवरण
नौकरी प्राप्त विद्यार्थियों की कुल संख्या = 100 से अधिक

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ
दयाल सिंह सांध्य महाविद्यालय की एन.एस.एस. यूनिट ने सामाजिक मुद्दों और रचनात्मक क्षेत्र में विद्यार्थियों के विकास और उनके बोलने के कौशल को बढ़ाने के बारे में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए। नए शामिल एन.एस.एस. स्वयंसेवकों के लिए 25 सितंबर, 2017 को अभिविन्यास कार्यक्रम द्वारा वर्ष का उद्घाटन किया गया, जिसमें कैप्टन परमिंदर सहगल, अधिकारी इंचार्ज एन.सी.सी. और एन.एस.एस., दिल्ली विश्वविद्यालय मुख्य अतिथि थी। सितंबर के महीने के दौरान विलुप्त हो रही नदियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए महाविद्यालय परिसर में नदी जागरूकता अभियान आयोजित किया गया था। विद्यार्थी नदियों हेतु रेली के मुख्य अभियान में समर्थन करने के लिए भी गए जो दिल्ली में इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित किया गया था । अक्टूबर, 2017 के महीने में दक्षिण दिल्ली नगर निगम (एस.डी.एम.सी) दिल्ली के सहयोग से एक स्वच्छता अभियान चलाया गया। जनवरी और फरवरी माह में बच्चों को बुनियादी स्वास्थ्य और स्वच्छता युक्तियों के बारे में सिखाने के लिए हमारी एनएसएस टीम इंद्रप्रस्थ स्लम पर गई थी । 27 फरवरी, 2018 के विषय में "स्वच्छ भारत-एक कदम स्वच्छता की ओर" विषय पर अंतर्महाविद्यालय पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता भी आयोजित की गई थी। 4 अप्रैल, 2018 को स्ट्रीट लेवल जागरूकता कार्यक्रम (एस.एल.ए.पी) के सहयोग से लड़कियों के लिए एक आत्मरक्षा प्रशिक्षण आयोजित किया गया जिसमें लड़कियों को अप्रत्याशित परिस्थितियों के लिए तैयार करने के लिए कई आत्मरक्षा तकनीकें सिखाई गईं और जिससे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में वृद्धि में भी मदद मिली। स्लम बच्चों के लिए महाविद्यालय परिसर में पैक किए गए भोजन, कपड़े और स्थिर वस्तुओं को इकट्ठा करने के लिए संग्रह अभियान चलाया गया था।

पुस्तकालय विकास
महाविद्यालय में 60000 से अधिक पुस्तकों, बड़ी संख्या में आवधिक पत्रिकाओं, जरनल्स और इंटरनेट सुविधाओं सहित अच्छी तरह से संपन्न पुस्तकालय है। इसके अलावा, पुस्तकालय के रिकॉर्ड का ऑटोमेशन प्रक्रियाधीन है।

शिक्षकों की संख्या
संकाय सदस्यों की कुल संख्या 89

वित्तीय आबंटन और उपयोग
संस्वीकृत अनुदान : रु. 1566.05 लाख
प्रयुक्त अनुदान : रु. 159 3.20 लाख

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी :
महाविद्यालय के छात्र संघ के सहयोग से समान अवसर प्रकोष्ठ ने 1 मार्च, 2017 को एक परस्पर संवादात्मक(इंटरैक्टिव) सत्र आयोजित किया जिसमें माननीय राज्यपाल श्री ओ.पी. कोहली ने प्रेरक व्याख्यान दिया और विद्यार्थियों से बातचीत की। समान अवसर प्रकोष्ठ के विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी परफार्मेंश दी जिसकी सभी ने सराहना की । प्रकोष्ठ के विद्यार्थियों ने विभिन्न अंतर्महाविद्यालय प्रतियोगिताओं जैसे क्रिकेट, शॉटपुट, शतरंज एथलेटिक्स और वाद-विववाद प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग लिया और कई पुरस्कार जीते ।

***

गार्गी महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

गर्गी महाविद्यालय ने अपने स्वर्ण जयंती वर्ष समारोह मनाया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉ.प्रणव मुखर्जी(पूर्व भारत के राष्ट्रपति) थे और प्रो.वाई.के. त्यागी (कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय) ने समारोह की अध्यक्षता की। महाविद्यालय के गौरवशाली 50 वर्षों का प्रदर्शन करने के लिए पुस्तक जारी की गई और डॉ. प्रणव मुखर्जी ने 'द वॉल ऑफ फेम' का अनावरण किया। राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एन.आई.आर.एफ) ने महाविद्यालय को अखिल भारतीय स्तर पर 15वां स्थान और दिल्ली विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों में 7वां स्थान प्रदान किया। महाविद्यालय को 38वें वर्ल्ड मैनेजमेंट कांग्रेस में "इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस" द्वारा "सर्वश्रेष्ठ प्रबंधित परिसर पुरस्कार 2017" दिया गया। आई.क्यू.ए.सी. के सहयोग से 'एजुकेशनल पॉलिसी शिफ्ट्स इन नियो-लिबरल टाइम्स : कोर कंसर्न एंड क्रिटिकल इश्यूज' शीर्षक पर सितंबर 2017 में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया था। सम्मेलन को एन.यू.ई.पी.ए द्वारा वित्त पोषित किया गया था।

सम्मान/गौरव

डॉ. प्रोमिला कुमार, प्राचार्या, गार्गी महाविद्यालय को 8 मार्च, 2017 को आयोजित 38वें विश्व प्रबंधन कांग्रेस में "इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस' द्वारा "सर्वश्रेष्ठ प्रबंधन परिसर पुरस्कार 2017" प्रदान किया गया।

डॉ. रेणु अग्रवाल, रसायन विज्ञान विभाग ने उच्च शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार से "महाविद्यालय व्याख्याता के लिए पुरस्कार" प्राप्त किया।

डॉ. मधु सुदान, भौतिकी विभाग को पीएच.डी अवधि के लिए "भास्कर उन्नत सौर ऊर्जा (बी.ए.एस.ई) फैलोशिप" प्रदान की गई, जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डी.एस.टी), सरकार और भारत-यू.एस विज्ञान और प्रौद्योगिकी फोरम (आई.यू.एस.एस.टी.एफ) द्वारा वित्त पोषित थी।

डॉ. पूनम शर्मा, प्राणि विज्ञान विभाग ने सेंट थॉमस गर्ल्स सीनियर सेकेंडयरी स्कूल, दिल्ली में 6 नवंबर, 2017 को देशबंधु महाविद्यालय के सहयोग से बायो-रब प्रयोगशालाओं द्वारा आयोजित प्रथम विज्ञान राजदूत कार्यक्रम में "विज्ञान राजदूत-2017" पुरस्कार प्राप्त किया ।

<u>गौरव सम्मान प्राप्त छात्र</u>

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा छह विद्यार्थियों को साइंस मेरिटोरियस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।
एवी मेंडिरट्टा, बी.एससी (आनर्स) वनस्पति विज्ञान, तृतीय वर्ष
रोज़ी यादव, बी.एससी(आनर्स) वनस्पति विज्ञान, तृतीय वर्ष
रुथ अब्राहम, बी.एससी(आनर्स) वनस्पति विज्ञान, तृतीय वर्ष
शिवानी शर्मा , बी.एससी(आनर्स) वनस्पति विज्ञान, तृतीय वर्ष
प्रभुलीन कौर, बी.एससी(आनर्स) प्राणि विज्ञान, द्वितीय वर्ष
खुशबू चौधरी, बी.एससी (आनर्स), प्राणि विज्ञान, तृतीय वर्ष

प्रकाशन :

सिंह, एस., मोहंती, ए. (2018) इन सिलिको आइडेंटिफिकेशन ऑफ पोटेंशियल ड्रग कम्पाउंड अगेंस्ट पेरोक्सिसोम प्रोलिफरेटर-एक्टीवेटेड रिसेप्टर-गामा बाय वर्चुअल स्क्रीनिंग एंड टॉक्सिसिटी स्टडी द्वारा फॉर द ट्रीटमेंट ऑफ डायबेटिक नेफ्रोपैथी। जरनल ऑफ बायोमेलिक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स, 36 (7), 1776-1787.

कुमार, एम., चौहान, एच., सतपाति, बी., डेका, एस. योक (2018) हाइब्रिड सुपरकेपसिटर्स के लिए कुशल इलेक्ट्रोड सामग्री के रूप में ग्रैफेन सब्सट्रेट पर टाइप असम्मैट्रिक Ag-Cu2O हाइब्रिड नैनोपार्टिकल्स। ज़ेइटस्चेरिफ्ट फर फिजिकलिस्के केमिए 1067.

खुराना, एच., (2017) कर्मचारी व्यवहार और प्रेरणा पर नियोक्ता ब्रांडिंग का प्रभाव । इंटरनेशनल जरनल ऑफ रिसर्च इन कंप्यूटर एप्लीकेशन एंड मनैजमेंट. 7 (6), 56-62.

दत्ता, एस. (2017). बंगाल में ब्रिटिश महिला मिशनरी, 17 9 3-1861.एंथेम प्रेस. आईएसबीएन 978-1-78308-726-6.

कुमार, पी., शर्मा, बी. (2017). बहु-उद्देश्य विविधता समस्या के लिए उच्च क्रम दक्षता और ड्युएलिटि। कंट्रोल एंड साइबरनेटिक्स , 46 (2), 137-145.

रेधू, ए.के., बनर्जी, ए., शाह, ए.एच., मोरेनो, ए., रावल, एम.के., नायर, आर., प्रसाद, आर.(2018) मोलिक्यूलर बेसिस ऑफ सबस्ट्रेट पोलिस्पेसफिसिटी ऑफ कैंडिडा एल्बिकन्स Mdr1p मल्टीड्रग/ H+ एंटीपोर्टर. जरनल ऑफ मोलिक्युलर बॉयोलॉजी. 430(5): 682-694.

सरीन, एन., मिश्रा, एम., गुप्ता, जी., पार्किन, आई.पी., लूथरा, वी.(2018) इलुसिडेटिंग आयरन डोपिंग इंड्यूस्ड n-टू p करेक्टरिस्टिक ऑफ स्ट्रॉन्टीयम टाइटेनैट बेस्ड इथेनॉल सेंसर्स । करंट एप्लाइड फिजिक्स 18 (2), 246-253.

रिजवी, एस.एच., साल्सेडो, एस., यंगस्ट्रॉम, ई.ए., फ्रीमैन, एल.के., गैडो, के.डी., फ्रिस्टेड, एम.ए., अर्नोल्ड, एल.ई. (2018). डायग्नोस्टिक एक्यूरेसी ऑफ द CASI-4R साइकोसिस सबस्केल फॉर चिल्ड्रेन इवेलुएटेड इन पेडिएट्रिक आउटपेसेंट क्लिनिक्स। जरनल ऑफ क्लिनिकल चाइल्ड एंड एडोलसेंट साइकोलॉजी जर्नल , डीओआई: 10.1080 / 15374416.2017.141082.

वर्मा, एच., बजाज, ए., कुमार, आर., कौर, जे., आनंद, एस., नायर, एन., लाल, आर. (2017) जिनोम आर्गेनाइजेशन ऑफ स्पिंगोबोबियम इंडिकम B90A : एन आर्कटाइल हेक्साक्लोरोक्लोक्हेक्सन (एचसीएच) जीनोटाइप। जीनोम बायोलॉजी एंड इवेल्यूएशन , 9 (9), 21 9 1-2197.

भट्ट, ए. (2018) संघर्ष परिवर्तन मॉडल : कश्मीर संघर्ष का एक केस अध्ययन, इंटरनेशनल जरनल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च , 7 (4), 401-402.

संपादकीय बोर्ड के संपादक (संपादकों) / सदस्य (सदस्यों) के रूप में कार्यरत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या : तीन

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. अंजना रुस्तगी, वनस्पति विभाग को *'ब्रासिका जुनेसा'* में प्रणालीगत अधिग्रहित प्रतिरोध के तंत्र और घटकों को प्रकट करने' शीर्षक पर दीर्घ(मेजर) अनुसंधान परियोजना का संचालन करने के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान और इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड (एसईआरबी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार द्वारा प्रारंभिक करियर रिसर्च अवार्ड (ईसीआरए) से सम्मानित किया , संस्वीकृति धनराशि : रु.36.31 लाख; प्राप्त धनराशि : शून्य ; अवधि : 3 वर्ष

डॉ. सुप्रीति दास, भौतिकी विभाग को वर्ष 2017 में "डिजाइनिंग एफीसिएंट थर्मल फ्लो नैनोफ्लिड्स" के लिए यू.जी.सी. ने लघु(माइनर) शोध परियोजना अनुदान प्रदान किया। संस्वीकृत धनराशि : रु.2.65 लाख; प्राप्त धनराशि : रु.2.32 लाख; अवधि : 2 वर्ष

आयोजित संगोष्ठियां

रसायन विज्ञान विभाग ने 17 -19 जुलाई, 2017 से "ज्ञान के नए आयामों की खोज" पर तीन दिवसीय अंतःविषय संगोष्ठी का आयोजन किया।

वाणिज्य विभाग ने 25 अगस्त, 2017 को एक प्रतिष्ठित टेलीविजन व्यक्तित्व और स्तंभकार उषा अल्बुकर्क का सभी पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों के लिए करियर परामर्श सत्र का आयोजन किया।

आयोजित शिक्षा, दर्शनशास्त्र और मनोविज्ञान विभागों के सहयोग से आई.क्यू.ए.सी द्वारा 19-20 जनवरी, 2018 को 'मेंटॅरिंग द टीचर मेंटॅर्स : कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम (एन.ए.ए.सी द्वारा वित्त पोषित)' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया था।

केमिकल सोसाइटी ने 30 अगस्त, 2017 को बोरोसिल के विशेषज्ञों द्वारा "लेबोरेटॅरी ग्लासवेयर" विषय पर एक शैक्षणिक संगोष्ठी का आयोजन किया।

इतिहास विभाग ने गर्गी महाविद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह मनाने के लिए दो दिवसीय संगोष्ठी (24-25 अक्टूबर, 2017) का आयोजन किया। संगोष्ठी का विषय 'राइटिंग वूमेन'स हिस्ट्री : विजिबिलिटी, वॉयस, एंड एजेंसी .

आयोजित सम्मेलन/कार्यशालाएं

वनस्पति विभाग ने 30 से 31 अगस्त, 2017 तक "जैव रसायन में विश्लेषणात्मक तकनीक" विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

मनोविज्ञान विभाग ने 24 और 28 फरवरी, 2018 के बीच अभिव्यक्तिात्मक कला कार्यशालाओं की एक श्रृंखला का आयोजन किया। सुविधाकर्ता सुश्री मंजू जैन एक प्रमाणित व्यक्ति-केंद्रित अभिव्यक्ति कला प्रशिक्षक (पोर्टलैंड, यूएसए) थी।

बिजनेस इकोनॉमिक्स विभाग ने 26 सितंबर, 2017 को " वर्कशॉप ऑन पब्लिक स्पीकिंग(सार्वजनिक रूप से बोलना) पर कार्यशाला" का आयोजन किया - जहां टोस्टमास्टर्स क्लब ने विद्यार्थियों के साथ एक डेमो बैठक आयोजित की, सार्वजनिक रूप से बोलने की कला सीखने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

वाणिज्य विभाग ने 21 सितंबर, 2017 को सलाहकार बोर्ड, जीएसटीएन, भारत सरकार के सदस्य श्री अतुल गुप्ता की 'वस्तु और सेवा कर (जीएसटी)' पर प्री-कैस्केड कार्यशाला का आयोजन किया।

भौतिकी विभाग द्वारा नैनो टेक्नोलॉजी, यूवी दृश्यमान स्पेक्ट्रोस्कोपी और भौतिकी प्रयोगों के इंटरफेसिंग के सभी विज्ञान विद्यार्थियों के लिए जुलाई, 2017 में दो दिवसीय ग्रीष्मकालीन कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण

डॉ. अंजना रस्तोगी ने भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी और भारतीय विज्ञान अकादमी द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' के अवसर पर भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली में 28 फरवरी, 2018 को 24 फरवरी, 2018 को 'एपिफोलियर ट्रीटमेंट ऑफ ब्रैसिका जूनसीए प्लांटस विथ 24-एपिब्रैसिनोलाइड एग्जिबिट रजिस्टेंस टू फंगल फिटोपैथेगेन्स' शीर्षक पर पोस्टर प्रस्तुत किया ।

सुश्री अंजली आनंद ने प्रबंधन अध्ययन संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'डिजिटल युग में प्रबंधन शिक्षा पर पुनर्विचार करना' विषय पर 10 फरवरी, 2018 को आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में 'शिक्षा पर सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) का प्रभाव' नामक शोध पत्र प्रस्तुत किया ।

डॉ. मोनिका गुप्ता ने जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू में 'समकालीन शैक्षिक व्याख्याओं में आलोचना, सहानुभूति और कल्याण' शीर्षक पर 16- 18 नवंबर, 2017 को आयोजित भारत की तुलनात्मक शिक्षा सोसाइटी के 8वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'सहानुभूति और देखभाल की शैक्षिक संस्कृति का निर्माण : श्री अरबिंदो की अंतर्दृष्टि' पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

सुश्री निधि तिवाथिया ने जामिया मिलिया इस्लामिया में 13-14 अक्टूबर, 2017 को एक्ट ईस्ट ट्रॉन्जिशन्स इन इंडिया'स इंगेजमेंट विथ दक्षिण कोरिया पर 11वें आर.ए.एस.के. अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "इंटरनेट अर्थव्यवस्था : भारत के साथ-साथ दक्षिण कोरिया" शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

श्री नरेंद्र कुमार ने आयोजित 'गणित विभाग, दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय, नई दिल्ली' द्वारा 01-05 दिसंबर, 2017 के दौरान आयोजित "इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन करंट ट्रेंड्स इन थ्योरेटिकल एंड कम्प्यूटेशनल डिफरेंशियल इक्यूएशन्स विथ एप्लीकेशन्स" में पेपर प्रस्तुत किया है ।

प्लेसमेंट विवरण

नौकरी प्राप्त विद्यार्थियों की कुल संख्या और प्रतिशत = 97 (27%)

परिसर में आने वाली कंपनियों की कुल संख्या = 40

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

नेशनल सर्विस सोसाइटी (एनएसएस) ने रेड क्रॉस और रोटरी क्लब के सहयोग से 25 अक्टूबर 2017 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया, एन.एस.एस. ने 31 अक्टूबर 2017 को राष्ट्रीय एकता दिवस को प्रायोजित किया जो नेशनल यूनिटी डे के रूप में भी जाना जाता है, जो शांति और एकता के संदेश के प्रसार पर केंद्रित है। पूरे वर्ष एन.एस.एस. स्वयंसेवकों द्वारा कई स्वच्छता अभियान आयोजित किए गए। समाचारपत्र संग्रह और कपड़े संग्रह अभियान के साथ-साथ अन्य 'दान उत्सव' का आयोजन कई गैर सरकारी संगठनों जैसे विकलांग परिवार, गूंज इत्यादि की सहायता के लिए किया गया था। राजनीति विज्ञान विभाग के साथ एनएसएस गर्गी ने 25 जनवरी, 2018 को नेशनल वोटर'स डे अथवा राष्ट्रीय मतदान दिवस के रूप में मनाया । एन.एस.एस. ने एनजीओ-मुस्कान और तमन्ना के दिव्यांग बच्चों के साथ 'बाल दिवस' मनाया।

पुस्तकालय विकास

मार्च, 2018 तक 617 पुस्तकें शामिल की गईं जिससे अब कुल 74027 पुस्तकें हो गई हैं। वर्तमान में पुस्तकालय में 217 सीडी हैं और पुस्तकालय हेतु 51 आवधिक पत्रिकाओं और 10 समाचार पत्रों की सदस्यता ली गई है। ई-संसाधनों के प्रबंधन और उपयोग के लिए इलेक्ट्रॉनिक संसाधन प्रबंधन पैकेज उपलब्ध कराया गया था। पुस्तकालय यूजीसी-इन्फोनेट के माध्यम से बड़ी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक्स संसाधनों की सदस्यता लेती है जिसमें ई-संसाधन (6,000+ ई-जरनल्स और 31 ,35,000 + ई-बुक्स) और दिल्ली विश्वविद्यालय कनेक्टिविटी शामिल है जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली शामिल है।

शिक्षकों की संख्या

स्थायी शिक्षकों की कुल संख्या : 146

तदर्थ शिक्षकों की कुल संख्या : 70

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान : रु.665.12 लाख

प्रयुक्त अनुदान : रु.630.02 लाख

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

सुश्री पिंकी बलहर बी.ए. प्रोग्राम, द्वितीय वर्ष को जकार्ता, इंडोनेशिया में 18 अगस्त, 2018 से 2 सितंबर 2018 तक आयोजित किए जाने वाले 18वें एशियाई खेलों के लिए चुना गया है।

***

हंसराज महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

हंसराज कॉलेज की वर्ष 2017 में प्रमुख उपलब्धियों में से एक नैक(एन.ए.ए.सी.) मूल्यांकन में कुल स्कोर 3.62, ग्रेड A^+ को प्राप्त करना था। महाविद्यालय विद्यार्थियों को उनके संबंधित विषयों में नवीनतम विकास की बदलती तकनीक से अवगत कराने में विश्वास करता है। मेन्टरशिप कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जो विद्यार्थियों तक पहुंचने के साधन के रूप में कार्य करते हैं और उनके संबंधित अध्ययन, करियर, जुनून इत्यादि से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करते हैं। महाविद्यालय विद्यार्थियों के लिए एक उज्ज्वल भविष्य का वादा करता है । इसे प्राप्त करने के लिए एक इंटर्नशिप मेला आयोजित किया गया जहां विद्यार्थी कई स्टार्टअप, गैर-लाभकारी सरकारी संगठनों के उद्योग के नेताओं, विशेषज्ञों, पेशेवरों के साथ-साथ लीडरों नेताओं से बातचीत कर सकते थे। इससे विद्यार्थियों को बाजार की मांग का अनुभव करने और आने वाली नौकरियों के लिए स्वयं को तैयार करने में मदद मिली ।

सम्मान/गौरव

वीनस इंटरनेशनल चेन्नई द्वारा विज्ञान में एक उत्कृष्ट महिला के रूप में डॉ. मोनिका कौल को पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. मेघना मल्होत्रा को विश्व वित्त सम्मेलन जुलाई 2017 में कैग्लियरी युनिवर्सिटी सार्डिनिया इटली में पेपर प्रस्तुत करने के लिए यूजीसी यात्रा अनुदान प्रदान किया गया था।

डॉ. बृजेश राठी को एसईआरबी, भारत सरकार द्वारा अर्ली कैरियर रिसर्च अवॉर्ड मिला। डॉ. बृजेश राठी को बेंथाम साइंस पब्लिशर्स, यू.ए.ई. के लिए राजदूत (2018) के रूप में चुना गया था।

डॉ. सत्येंद्र श्रीवास्तव को सामाजिक विज्ञान में सर्वश्रेष्ठ युवा शिक्षक पुरस्कार मिला ।

<u>गौरव सम्मान प्राप्त छात्र</u>

दिल्ली विश्वविद्यालय में सात विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक मिला ।
हमारे विद्यार्थी ने 200 मीटर में स्वर्ण पदक जीता और 9वें[वें] एशियाई आयु समूह चैंपियनशिप में 100 मीटर फ्रीस्टाइल में रजत पदक जीता।
विद्यार्थियों ने एयर पिस्टल (एम), एयर राइफल (एम), स्क्वाश (एम), तीरंदाजी (एम) कंपाउंड, तीरंदाजी (एम) इंडियन राउंड, बैडमिंटन (एम), एयर पिस्टल(डब्ल्यू) जैसे खेलों में अंतर्महाविद्यालय चैंपियनशिप जीती ।

प्रकाशन

कौल, एम. और भटनागर, ए.के.(2017) "चेंजेज इन लीफ एपिडर्मल फीचर्स ऑफ साइमोप्सिस टेट्रैगोनोलोबा(एल.) ताउब. इन रेसपांस टू लीड इन सॉयल" *फाइटोमोर्फोलॉजी* , 67 (1, 2), 1 9 -25.

कुमारी, वी.; दीक्षित, आर.; राठी, बी.; पांडे, के. और सह-लेखक (2017) "बायोकेमिकल कैरेक्टराइजेशन ऑफ अनयूज़ुअल सिस्टीन प्रोटेज़ ऑफ पी. फ्लेसिपरुम-2 (MCA-2)" *मोल. बायोकेम. पेरासिटोल इन प्रेस 220* (आईएफ, 2.536; एल्सेवियर), 2017, पीपी 28-41.

खुराना, ए.(2017) "कंप्यूटर से शिक्षा में नवाचर" *पुरावाई* , वॉल्यूम 74 25-26.

सिंह, आई. (2017) "एंटीमिक्राबियल्स इन हायर प्लांट्स : क्लासीफिकेशन, मोड ऑफ एक्शन एंड बायोएक्टिविटी" *केमिकल बायोलॉजी लेटर्स 4* (1), 48-62.

सिंह, ए; नाथ, ओ; सिंह, एस; कुमार, एस; और सिंह, आई.के. (2017) "जीनोम-वाइड आईडेंटिफिकेशन ऑफ द MAPK जीन फैमिली इन चीकपिआ एंड एक्सप्रेशन एनालिसिसि ड्यूरिंग डेवेलपमेंट एंड स्ट्रेस रेसपांस" *प्लांट जीन* , 13, 25-35.

अनुसंधान परियोजनाएं

परियोजना शीर्षक "थियो-क्लिक एप्रोच फॉर द सिंथेसिस ऑफ स्टेबल ग्लोकोमिमैटिक और चिराल ऑक्सीथीयक्राउन ईथर" हेतु फंडिंग एजेंसी इंडो-हंगरी द्विपक्षीय अनुसंधान अनुदान (2017-20) के साथ डीएसटी परियोजना.
प्रोजेक्ट शीर्षक "डिजाइन एंड कैटलिटिक लार्ज-स्केल सिंथेसिस ऑफ न्यू फंक्शनलाइज्ड परफ्लूओरिनेटेड किनोट्स/ईथर्स एज पोटेंशियल फायर एक्सटिंग्युशंट्स " हेतु डीआरडीओ प्रोजेक्ट (2017-20) (संस्वीकृत धनराशि-48.2 लाख).

यूजीसी वित्त पोषित परियोजना (2016-18) शीर्षक "स्ट्रॅक्चर डाइवर्सिटी एंड स्टेबिलिटी ऑफ G-रिच डी.एन.ए सिक्वेंसेस" शीर्षक (संस्वीकृत धनराशि- 6.0 लाख).

डीएसटी-एसईआरबी वित्त पोषित परियोजना (2016-19) शीर्षक " ए न्यू क्लास ऑफ़ एंटी-मलेरियल्स : कॉन्सटिट्यूटिंग न्यू एवेन्यू एंटी-मलेरियल थेरेपी" (संस्वीकृत धनराशि-32.89 लाख).

यूजीसी वित्त पोषित परियोजना (2015-18) "इवेल्यूएशन एंड एनालायसिस ऑफ फोर मेडिकिनल प्लांट्स फॉर दियर पोलूशन लोड इन वाइल्ड, कल्टीवेटेड एंड कंट्रोल्ड कॅन्डीशंस एंड रेस्पोंस ऑफ दियर बायोएक्टिव कॉन्स्टिट्यूएंट्स इन टर्मस ऑफ यील्ड एंड क्वालिटी" (संस्वीकृत राशि - 9.8 लाख)।

आवेदित/अनुमोदित पेटेंट

आवेदन संख्या 20171100412 9 5 के साथ राष्ट्रीय प्रकार के पेटेंट हेतु आवेदन किए गए हैं ।

आयोजित संगोष्ठी

प्रो. चंद्रिमा शाहा, वरिष्ठ स्टाल वैज्ञानिक, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी (एन.आई.आई.) ने 15सितंबर, 2017 को "टीकाकरण, प्रतिरक्षा और स्वास्थ्य" पर एक वार्ता प्रस्तुत की ।

प्रो. एम.वी. राजम, जेनेटिक्स विभाग संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिण परिसर ने 9 फरवरी, 2018 को "आर.एन.ए इंटरफेरेंस : बायोलॉजी एंड इम्पलीकेशन्स इन एग्रीकल्चर" विषय पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

प्रो. सैयद ई. हसनैन, कुलपति, जामिया हमदर्द ने 23 फरवरी, 2018 को "समाज पर प्रौद्योगिकी का प्रभाव : 2020 में और उससे आगे की दुनिया" विषय पर एक वार्ता प्रस्तुत की ।

डॉ. आदित्य कुमार गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, दर्शनशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 9 मार्च, 2018 को "एथिकल एंड सोशल इश्यूज ऑन एल्डरली केयर" विषय पर एक वार्ता प्रस्तुत की ।

श्री अज़ॉय आशीर्वाद महाप्रसाता, उप-संपादक ने 19 फरवरी, 2018 को "इतिहास और पत्रकारिता" विषय पर एक वार्ता प्रस्तुत की ।

आयोजित सम्मेलन

आईक्यूएसी के सहयोग से वनस्पति विभाग द्वारा 6 जुलाई, 2017 को आयोजित कार्यस्थल और सार्वजनिक जीवन में दिन-प्रतिदिन के काम में कंप्यूटर दक्षता पर एक कार्यशाला आयोजित की गई ।

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण

"मानव स्वास्थ्य में माइक्रो -प्लांट-एनिमल इंटरैक्शन की भूमिका" और इनोवेशन साइंस शीर्षक पर

27-28 सितंबर 2017 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आई.एन.एस.सी.आर में सक्रिय भागीदारी और पोस्टर प्रस्तुति ।

आई.एन.एम.ए.एस, डीआरडीओ एंड सोसाइटी ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन (इंडिया) द्वारा 14 से 17 दिसंबर, 2017 तक आयोजित "एटॉमिक पैनोरामा, कन्वेसिंग द पॉवर ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन एंड मोलेक्यूलर इमेजिंग" पर एक मौखिक वार्ता प्रस्तुत की ।

"एक्सपेरिमेंटल बायोलॉजी : फेडरेशन ऑफ अमेरिकन सोसाइटी ऑफ एक्पेरिमेंटल बायोलॉजी" विषय पर शिकागो, इलिनोइस, यूएसए में 22 से 26 अप्रैल, 2017 तक आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सक्रिय भागीदारी और पोस्टर प्रस्तुति ।

डिपार्टमेंट ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेस, विंस्टन सालेम स्टेट यूनिवर्सिटी, नार्थ कैरोलिना, यू.एस.ए. में 1 मई, 2017 को वूमेन इन साइंस स्टेम(एस.टी.ई.एम) सिरीज में अतिथि वक्ता।

राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय हस्ताक्षरित समझौता-ज्ञापन

लॉयोला यूनिवर्सिटी स्ट्रिच स्कूल ऑफ मेडिसिन मेवुड, आईएल यूएसए के साथ 2 जुलाई, 2018 को संकाय सदस्यों, संयुक्त शोध परियोजनाओं, अल्पकालिक संबद्ध पाठ्यक्रमों, प्रशिक्षण, सम्मेलनों आदि के आदान-प्रदान को लक्षित करने के लिए समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

प्लेसमेंट विवरण

नौकरी प्राप्त विद्यार्थियों की संख्या - 124
कंपनियों की संख्या - 101
नौकरी प्राप्त विद्यार्थियों का प्रतिशत - 27.6%

पुस्तकालय विकास :

विद्यार्थियों, शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के सदस्यों को लगभग 1 ,45,000 पुस्तकें जारी की गईं। पुस्तकालय पूरी तरह से वातानुकूलित है। विद्यार्थियों के लिए कंप्यूटर और इंटरनेट सुविधा को उपलब्ध कराया गया है। पुस्तकालय को डिजिटाइज करने के लिए आर.एफ.आई.डी तकनीक का प्रयोग किया गया है। पुस्तकालय के सदस्य अब कियोस्क और ड्रॉप बॉक्स में पुस्तकों को जारी और वापस कर सकते हैं। पुस्तकालय में विभिन्न विज्ञान विषयों की पुस्तकें शामिल की गई हैं। पुस्तकालय में सुरक्षा में वृद्धि करने हेतु सी.सी.टी.वी स्थापित किए गए हैं।

शिक्षकों की संख्या

शिक्षकों की कुल संख्या: 188

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान : रु.41,23,65,000 / -
प्रयुक्त अनुदान : रु.39,69,42,050 / -

***

हिंदू महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

इस वर्ष 15 फरवरी, 2018 को 119वें स्थापना दिवस में महाविद्यालय के लिए कई उल्लेखनीय उपलब्धियां देखी गईं, इस अवसर पर माननीय श्री हरदीप सिंह पुरी, आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री मुख्य अतिथि थे। एनआईआरएफ ऑल इंडिया रैंकिंग 2018 में महाविद्यालय को चौथा स्थान प्राप्त हुआ। इंडिया टुडे रैंकिंग में हिंदू महाविद्यालय को अखिल भारतीय विज्ञान रैंकिंग में दूसरा, अखिल भारतीय वाणिज्य रैंकिंग में दूसरा, अखिल भारतीय कला विषय रैंकिंग में तीसरा। महाविद्यालय ने स्वच्छता और स्वास्थ्यकारिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सहयोग से स्वच्छता पखवाड़ा मनाया । महाविद्यालय ने 'द एशियन अंडर ग्रेजुएट समिट' शीर्षक पर इस तरह के सम्मेलन की मेजबानी के लिए सिंगापुर के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के साथ सहयोग करके वास्तव में वैश्विक संस्था के रूप में पहचाने जाने के अपने दावों को मजबूत किया । इस शिखर सम्मेलन का विषय "एक जटिल दुनिया में नेतृत्व: प्रत्येक दिन जीवन में विघटनकारी परिवर्तन" था। कार्यक्रम राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एन.एस.डी.सी.) द्वारा प्रायोजित किया गया था।

सम्मान/गौरव

चार संकाय सदस्यों को पीएच.डी उपाधि से सम्मानित किया गया ।

सुश्री अशमा शर्मा, सहायक प्रोफेसर, अंग्रेजी को वुल्फसन कॉलेज, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में ऑक्सफोर्ड सेंटर फॉर लाइफ राइटिंग (ओसीएलडब्ल्यू) द्वारा एक विजिटिंग डॉक्टोरल स्टूडेंट फैलोशिप प्रदान की गई थी।

डॉ. अनीता राजपाल, डॉ. राजिंदर कुमार, डॉ. जगमोहन, श्री पुराण मल वर्मा, संस्कृत विभाग को संस्कृत को बढ़ावा देने में योगदान के लिए दिल्ली संस्कृत अकादमी द्वारा " संस्कृताराधाधासमान" प्रदान किया गया था।

डॉ. मानवी यादव, सहायक प्रोफेसर रसायन विज्ञान ने रेस्टोन वर्जीनिया, यू.एस.ए. में 21वें एनुअल ग्रीन कैमिस्ट्री एंड इंजीनियरिंग कॉन्फ्रेंस में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार जीता, एडवांसिंग ग्रीन कैमिस्ट्री : बिल्डिंग ए सस्टेनेबल टूमारो एट युनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. रीमा गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, भौतिकी को अंतरराष्ट्रीय; सम्मेलन ईएमआरएस 2017, स्ट्रैसबर्ग में उनकी प्रस्तुति के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार से सम्मानित किया गया था;

गौरव सम्मान प्राप्त छात्र

चिंतन कपूर, बी.ए(ऑनर्स) संगीत ने दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया ।
शिवानी जिंदल , बीएस.सी (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान ने दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया ।
विनय वशिष्ठ, एम.ए. दर्शनशास्त्र ने दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया ।
आयुषी गुप्ता, एमएस.सी के वनस्पति विज्ञान ने दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
राजनंदिनी राणा, एम.ए. दर्शनशास्त्र ने दिल्ली विश्वविद्यालय में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन

एंटनी, डी.एम.(2017) द नेशन एज एन एंटीनोमी: ए नोट ऑन द कॉन्सेप्चुअल लॉजिक ऑफ टैगोर'स डिस्सेंटिंग वॉयस ऑन नेशनलिज्म । इन डी. पेरेइरा (ईडी.), बिकॅमिंग ए नेशन : प्रोसेस एंड प्रोस्पेक्ट्स (पीपी.225-32). एलुरु / नई दिल्ली : एसोसिएशन ऑफ क्रिश्चियन फिलोसोफर्स ऑफ इंडिया (ए.सी.पी.आई) और क्रिश्चियन वर्ल्ड इमप्रिंट्स।

बजाज, आर. (2017) बीसवीं शताब्दी में आधुनिकता पर लुकास एंड मुक्तिबोध । सोशल साइंटिस्ट , 534-535.

कुमार, ए. (2018) *बेसिक अकार्बनिक रसायन शास्त्र।* आर्युश प्रकाशन।

कुमार, एल. (2017) भूतल संरचना-पॉलीपीरोल / टिन ऑक्साइड हाइब्रिड कैथोड्स से आश्रित लो टर्न-ऑन इलेक्ट्रॉन फील्ड उत्सर्जन। *एसीएस ओमेगा* , *2* (11), 7515-7524.

कुमार, एस. (2017) ग्रीन आरपीट्रेटेड ऑफ Fe_3O_4 मैगनेटिक : नैनोपार्टिकल्स विथ नैनोरोड स्ट्रॅक्चर फ्रॉम पोमेग्रेनेट लीव्ज एंड कोंगो रेड डाई डिग्रेडेशन स्टडीज फॉर वाटर ट्रीटमेंट। जरनल *ऑफ मोलिक्यूलर लिक्यूडिस* (*इल्सेविएर*)

कुमार, वी. (2017) इफेक्ट ऑफ मेकेनिकल मिलिंग ऑन स्ट्रक्चरल, डाईइलेक्ट्रिक एंड मेगेनेटिक प्रॉपर्टीज ऑफ $BaTiO_3$ $Ni_{0.5}Co_{0.5}Fe_2O_4$ मल्टीफेरोइक नैनो-कंपोजिट्स। *सिरेमिक्स इंटरनेशनल* , 43, (3), 3246-3251.

मुखर्जी, एस. (प्रेस में) एकाडमिक रिसर्च वर्सेस एक्टिविज्म : द पेरिल्स ऑफ डूइंग इथनोग्राफिक रिसर्च ऑन द भोपाल गैस ट्रैजडी। इन एस. चौधरी (एड.), डूइंग रिसर्च : एक्सप्लोरिंग मैथेड इन सोसियोलॉजी। ओरिएंट ब्लैकसन।

शर्मा, ए. (2018) ट्रेसिंग द रिलेशनल एथिक इन द पोस्टकोलोनियल लाइफ ऑफ द इंडो-फिजियन डायस्पोरा। लाइफ राइटिंग

शर्मा, एन. (2018) इनवेस्टिंग ऑफ इंडोलेचालकोन्स इनकप्सुलेशन इन β-सायक्लोडेक्सट्रिन: डेटेरमिनेशन ऑफ स्टोइकिओमेट्री, बाइंडिंग कॉन्सटेंट एंड थर्मोडायनेमिक पैरामीटर्स। जनरल ऑफ इनक्लूजन फेनोमेना एंड *मैक्रोकैक्लिक कैमिस्ट्री* । डीओआई: 10.1007 / एस 10847-018-0782-4.

सिंह, आर.एन. (2017) सोशियोलॉजी ऑफ रिलिजन : स्टेट ऑफ आर्ट : अनुष्का गोयल, उर्मी भट्टाचार्य और नबानिपा भट्टाचार्य का साक्षात्कार। एन. भट्टाचारजी और यू. भट्टाचार्य (ईडीएस.) में, इनविटेशन टू रिलिजन. दिल्ली : श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय।

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. ललित कुमार, सहायक प्रोफेसर, भौतिकी विभाग को विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एस.ई.आर.बी.), भारत सरकार द्वारा 40 लाख रुपये की एक दीर्घ(मेजर) शोध परियोजना प्रदान की गई।

डॉ. सुधीर कपूर, एसोसिएट प्रोफेसर सांख्यिकी विभाग को भारतीय विज्ञान शोध परिषद, एम.एच.आर.डी द्वारा संस्वीकृत एक शोध परियोजना प्रदान की गई है।

डॉ. चंद्रचुण सिंह, सहायक प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान को भारत के प्रधानमंत्री प्रोजेक्ट - नेहरू मेमोरियल संग्रहालय और पुस्तकालय, नई दिल्ली स्थित में एक दीर्घ(मेजर) शोध परियोजना हेतु एक अकादमिक सलाहकार के रूप में चुना गया ।

आयोजित संगोष्ठियां

वक्ता - राजीव सक्सेना, सीए, 'जी.एस.टी. : भारत में क्रांतिकारी कर सुधार', 4 अगस्त, 2017
वक्ता - श्री अनुज जिंदल और श्री मनुज जिंदल, 'यूपीएससी और अन्य सरकारी परीक्षाएं', 21 अगस्त, 2017.
वक्ता- प्रोफेसर अमर फारूकी, दिल्ली विश्वविद्यालय "भारत में औपनिवेशिक नौकरशाही : रुझान विकसित करना।
वक्ता - प्रोफेसर कुलदीप अग्निहोत्री, कुलपति हिमाचल केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश, "जम्मू एवं कश्मीर : परिग्रहण और बाद के विकास", 28 अक्टूबर, 2017.
वक्ता -प्रोफेसर रमेश अग्रवाल, जे.एन.यू, दिल्ली और डॉ. कोमल कामरा, एस.जी.टी.बी. खालसा महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, 'एसेसबिलिटी विथ इनक्लूजन ऑफ डिसएबिलिटी इन मेनस्ट्रीम' पर व्याख्यान दिया, 28 फरवरी, 2017.

आयोजित सम्मेलन

एन.एस.डी.एस., भारत सरकार द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय सिंगापुर विश्वविद्यालय के सहयोग से 5 - 9 जून, 2017 को एशियाई अंडर ग्रेजुएट शिखर सम्मेलन 2017 का आयोजन किया गया ।

ग्रीन कैमिस्ट्री नेटवर्क सेंटर, रसायन विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और हिंदू महाविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से "एडवांसिंग ग्रीन कैमिस्ट्री: बिल्डिंग ए ससटेनेबल टूमॉरो" विषय पर 3 से 4 अक्टूबर, 2017 को अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया ।

संस्कृत विभाग द्वारा भारतीय वादविद्या" विषय पर 24 अक्टूबर, 2017 को **राष्ट्रीय सम्मेलन** का आयोजन किया गया ।

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण

डॉ. रीना जैन ने ग्रीन कैमिस्ट्री नेटवर्क सेंटर, रसायन विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और हिंदू महाविद्यालय द्वारा "एडवांसिंग ग्रीन कैमिस्ट्री: बिल्डिंग ए ससटेनेबल टूमॉरो" विषय पर 3 से 4 अक्टूबर, 2017 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में *"रेमेडियेटिंग वेस्ट यूजिंग वेस्ट : ग्रीन टेक्नोलॉजी फॉर डाई डिग्रेडेशन "* विषय एक पेपर प्रस्तुत किया ।

दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में "एडवांस ग्रीन कैमिस्ट्री: बिल्डिंग ए ससटेनेबल टूमॉरो" विषय पर 3 से 4 अक्टूबर, 2017 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "मोलिक्यूलर मोडेलिंग एंड डॉकिंग ऑफ कैफेइस एसिड एंड इट्स अमीड डेरिवेटिव्ज टू एक्सप्लोर एज एंटी-इनफ्लेम्मेटॅरी एजेंट वाया टारगेटिंग ह्यूमन TLR4 (hTLR4)" शीर्षक पर पेपर प्रस्तुत किया ।

डॉ. नेहा कपूर ने आई.आई.एससी., बैंगलोर में 16-19 फरवरी, 2017 को आयोजित 7वीं ए.पी.एन.एम.आर (एशिया प्रशांत एन.एम.आर. संगोष्ठी) शीर्षक पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "ए न्यू क्लास ऑफ एम.आर.आई कंट्रास्टिंग कॉम्प्लेक्स : कुरकुमिन कॉन्जुगेट बेस्ड" शीर्षक पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया ।

डॉ. देवशीष मगू ने हिंदू महाविद्यालय में 3 से 4 अक्टूबर, 2017 को आयोजित "इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एडवांसिंग ग्रीन कैमिस्ट्री : बिल्डिंग ए ससटेनेबल टूमॉरो" में "निकल बोराइड मेडिएटेड क्लीवेज ऑफ 1,3-ऑक्सैथियोलेंस - ए कन्विनिएंट एप्रोच टू डेप्रोटेक्शन एंड रिडॅक्शन" शीर्षक पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

श्री सिद्धार्थ कनौजिया ने इंटरनेशनल अकादमिक फोरम द्वारा 11-12 जुलाई, 2017 को आयोजित ब्राइटन यूरोपियन कॉन्फ्रेंस ऑन आर्ट्स एंड ह्यूमिनिटीज इन ब्राइग्टॅन, यू.के. में "द पाजेशन ऑफ नरेटिव्स : टेलिंग एंड ट्रांसमिटिंग कास्ट इन इंडियन फोल्कटेल्स" शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

डॉ. रिचा बजाज ने अंग्रेजी विभाग, जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 2 मार्च 2017 को आयोजित भारतीय काव्यगत(पोएटिक) परंपराओं पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "मुक्तिबोध की कविता का दृष्टिकोण, जैसा कि उनके पत्रों में प्रस्तुत है" शीर्षक एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. सुधीर कपूर ने । "वायु गुणवत्ता पर मौसम की स्थिति और अन्य प्रदूषकों के प्रभाव की प्रकृति को समझना : एक सांख्यिकीय मॉडल" शीर्षक पर नामक एक पेपर प्रस्तुत किया, ग्रीन कैमिस्ट्री नेटवर्क सेंटर, रसायन विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और हिंदू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से 3-4 अक्टूबर, 2017 को आयोजित "एडवांसिंग ग्रीन कैमिस्ट्री: बिल्डिंग ए ससटेनेबल टूमॉरो" विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया (सह-प्रस्तुति)।

डॉ. मनोज कुमार वार्ष्णेय ने सांख्यिकी विभाग, पुडुचेरी में 29 - 31 जनवरी, 2018 को सांख्यिकीय विज्ञान में परिवर्तन प्रतिमान और उभरती चुनौतियों पर (आई.पी.ई.सी.एस-2018) पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "ए कॉम्पेटिंग

रिस्क एप्रोच टू इस्टीमेट द प्रोबेबिलिटी ऑफ डेथ ऑफ एड्स पेसेंट अंडर ए.आर.टी. विथ द वेरिएशन ऑफ CD4 सेल काउंट्स" शीर्षक पर एक शोध पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. प्रियंका अग्रवाल ने हैदराबाद में 28-30 दिसंबर, 2017 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय सांख्यिकी सम्मेलन, आई.आई.एस.ए-2017 में भाग लिया और ' बेयस प्रिडिक्शन ऑफ पोइजन रीग्रेशन सुपरपॉप्यूलेशन मीन विद ए गैर-गामा प्रायर' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

डॉ. गीतिका डी. ने नैन्यांग सेंटर फॉर पब्लिक द्वारा आयोजित सुशासन पर लिएन अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "कल्याण नीतियों, पारदर्शिता और शासन : तेलंगाना, भारत में सामाजिक लेखापरीक्षा का एक केस अध्ययन" शीर्षक पर पेपर प्रस्तुत किया ।

राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षारित समझौता-ज्ञापन और अन्य अंतर संस्थागत सहयोग

महाविद्यालय ने विद्यार्थी और संकाय विनिमय कार्यक्रम के लिए वर्ष 2011 से सिंगापुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, सिंगापुर के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौता-ज्ञापन के तहत, एन.यू.एस. के विद्यार्थी प्रत्येक अकादमिक वर्ष में एक सेमेस्टर खर्च कर रहे हैं । अपने पहले वर्ष में, महाविद्यालय संबंधित विश्वविद्यालयों के साथ संबद्ध विश्वविद्यालय के समझौता-ज्ञापन के माध्यम से हेडलबर्ग युनिवर्सिटी, जर्मनी और यू.बी.सी, कनाडा के विद्यार्थियों की मेजबानी कर रहा है।

महाविद्यालय ने समझौता-ज्ञापन और जर्मन के लिए गोएथे इंस्टीट्यूट, मैक्स म्यूएलर भवन जैसे प्रसिद्ध संस्थानों; फ्रेंच के लिए इंस्टिट्यूट सर्वेंट्स, एलायंस फ्रैंसेज डी दिल्ली और रूसी के लिए स्लावोनिक और फिनो-उग्रियन स्टडीज विभाग के साथ संयुक्त सहयोग के माध्यम से विदेशी भाषा पाठ्यक्रम कराता है।

महाविद्यालय ने विद्यार्थियों और संकाय विनिमय कार्यक्रम के लिए वर्ष 2014 में नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के साथ विज्ञान सेतु कार्यक्रम नामक एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं । इस समझौता ज्ञापन के तहत हिंदू महाविद्यालय के विद्यार्थी प्रत्येक अकादमिक वर्ष में ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन प्रयोगशाला प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। हमारे विद्यार्थियों ने वैज्ञानिक पोस्टर बनाना, निबंध लेखन और लोकप्रिय व्याख्यान श्रृंखला जैसे विभिन्न कार्यशालाओं और सेटेलाइट कार्यक्रमों में भी भाग लिया।

विनिमय प्रोग्राम के तहत विद्यार्थी

एडिनबर्ग युनिवर्सिटी के श्री एंड्रयू जेम्स ब्रीथवाइट विनिमय प्रोग्राम के तहत बी.ए(आनर्स) इतिहास में अध्ययन कर रहे हैं ।

प्लेसमेंट विवरण

विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत का विवरण : लगभग प्लेसमेंट प्रकोष्ठ में 86% विद्यार्थी पंजीकृत । परिसर में आने वाली कंपनियों की संख्या : 20 से अधिक प्रसिद्ध कंपनियों और स्टार्ट-अप।

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

एन.एस.एस., एन.सी.सी. और कुछ अन्य सोसाइटियों प्रमुख पर्यावरण समाज(*पंचतव*), समान अवसर प्रकोष्ठ(*अंकुर*), महिला विकास प्रकोष्ठ (डब्ल्यू.डी.सी), एनक्टस इत्यादि के माध्यम से महाविद्यालय में विस्तार गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। एन.एस.एस ने कई शिविर, चिकित्सा शिविर, रक्त दान शिविर, स्वच्छता अभियान, संग्रह अभियान, जागरूकता अभियान और एन.सी.सी के साथ संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर, सी एटैचमेंट शिविर में प्रतिनिधित्व, गणतंत्र दिवस शिविर, पैरा नौकायन शिविर, नौ-सैनिक शिविर, नौकायन शिविर, रक्तदान शिविर, और योग कार्यशाला आयोजित की।

पुस्तकालय विकास

कुल बजट - 9 33500 (पुस्तक निधि) +9,11,000 (पुस्तकालय विकास)
वर्ष 2017-2018 में जोड़ी गई पुस्तकों की संख्या - 1197 पुस्तकें
पुस्तकालय में इंटरनेट सुविधा - वाई-फ़ाई सुविधा उपलब्ध है

शिक्षकों की संख्या

शिक्षकों की कुल संख्या: 163

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान : रु. 3253.70 लाख
प्रयुक्त अनुदान : रु. 3253.60 लाख

***

होली फैमिली कॉलेज ऑफ नर्सिंग

प्रमुख गतिविधियों और उपलब्धियां

विद्यार्थी नर्स एसोसिएशन (एसएनए) के चुनाव सितंबर, 2017 में आयोजित किए गए थे। एस.एन.ए विद्यार्थियों की पाठ्येत्ततर सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों में सहायता और विद्यार्थियों की मदद करता है। विद्यार्थियों ने पूरे वर्ष राज्य स्तर पर आयोजित एस.एन.ए. के विभिन्न सांस्कृतिक, खेल और शैक्षिक गतिविधियों में भाग लिया है। एम.ए.एम.सी, दिल्ली में सभी चिकित्सा विद्यार्थियों के लिए अक्टूबर, 2017 में आयोजित एम.टी.एन.एल स्वास्थ्य मेला और मेडिको - मस्ती में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने लेडी इरविन कॉलेज द्वारा आयोजित की गई प्रतियोगिता में पोस्टर बनाना और नारा लेखन के लिए कई पुरस्कार जीते। 30 जनवरी, 2018 को एस.एन.ए निधि जुटाने के लिए वार्षिक उत्सव आयोजित किया गया था। होली फैमिली कॉलेज ऑफ नर्सिंग का द्वितीय वार्षिक दीक्षांत समारोह 23 मार्च, 2018 को आयोजित किया गया था । दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. दिनेश अरोड़ा, आईएएस अधिकारी, निदेशक राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्था, नीति(एन.आई.टी.आई.) आयोग थे ।

<u>गौरव सम्मान प्राप्त छात्र</u>

एस. शेरिल इमेस्टा ने वर्ष 2017 में बी.एससी(आनर्स), नर्सिंग के चतुर्थ वर्ष सेमेस्टर VIII, में 81.8% अंक प्राप्त किए ।
पूर्णिमा दास ने वर्ष 2017 में बी.एससी(आनर्स), नर्सिंग के तृतीय वर्ष सेमेस्टर VI में 81.88% अंक प्राप्त किए ।
प्रिया सुसान वर्गीस ने वर्ष 2017 में बी.एससी(आनर्स), नर्सिंग के द्वतीय वर्ष सेमेस्टर IV में 80.11% अंक प्राप्त किए ।
मोनिका ने वर्ष 2017 में बी.एससी(आनर्स), नर्सिंग के प्रथम वर्ष सेमेस्टर II में 76.1% अंक प्राप्त किए।
मीनाक्षी राउतला ने वर्ष 2017 में एम.एससी नर्सिंग के प्रथम वर्ष सेमेस्टर II में 78.45% अंक प्राप्त किए ।

प्रकाशन

तोमर, ए (2017) शहरी क्षेत्र, देहरादून में मोटापे से ग्रस्त महिलाओं के वजन घटाने में हरी चाय की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन । *आईजेएफआईआरएम* , 3, 87-90.

एलिजाबेथ, ए. (2017) केस रिपोर्ट: प्लाज्मा सेल ल्यूकेमिया। इंडियन जरनल ऑफ नर्सिंग साइंस, 8, 81-86.

नेहा. (2017) ए.एस.एच.ए.एस.द्वारा सामना की जाने वाली समस्याएं- गुणवत्ता अध्ययन । जरनल ऑफ नर्सिंग साइंस. 25-30.

शर्मा, वी., थोकचॉम, एस. चुगानी, एम. (2017) दिल्ली के चुनिंदा चिकित्सालयों में स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के लिए पोस्टोग्राफ का विकास । इंटरनेशनल जरनल ऑफ नर्सिंग एंड मिडविफरी रिसर्च. 2 : 28-31.

पत्रिकाएं

डॉ. सुमित अरोड़ा, समीक्षाकर्ता, इन इंडियन जरनल ऑफ साइकोट्रिक नर्सिंग।

आयोजित संगोष्ठियां

एम.एससी द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा "क्रिटिकल केयर नर्सिंग में अद्यतन कौशल" विषय पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में होली फैमिली हॉस्पिटल के 57 नर्सिंग कार्मिकों ने भाग लिया था।

एम.एससी प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा "मातृ एवं बाल स्वास्थ्य में उभरते रुझान" विषय पर आयोजित राज्य स्तर दो दिवसीय कार्यशाला में होली फैमिली हॉस्पिटल के 50 नर्सिंग कार्मिकों ने भाग लिया था।

नर्सों के लिए चिकित्सालय के भीतर एम.एससी नर्सिंग(1 प्रत्येक विशेषज्ञता) और पोस्ट बेसिक नर्सिंग द्वारा छह सी.एन.ई आयोजित किए गए थे।

"आबेस्ट्रिकल इमरजेंसीज" पर अपने नर्सिंग स्टाफ के लिए एम.सी.एच. सेंटर डिफेंस कॉलोनी में एक सी.एन.ई भी आयोजित किया गया था।

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण

डॉ. रामिंदर कालरा जनकपुरी में 10 अक्टूबर, 2017-13 अक्टूबर, 2017 तक नर्सिंग प्रबंधन और नेतृत्व- एआईसीएचई द्वारा एक अपडेट पर एक कार्यशाला शारदा विश्वविद्यालय में "अनुशासन और नेतृत्व" पर राष्ट्रीय सम्मेलन; एम्स में "चेजिंग वर्ल्ड ऑफ वर्कप्लेस" पर एक कार्यशाला और "कॉन्टीनुम ऑफ केयर" और "इमर्जिंग नीड्स ऑफ मेंटल हेल्थ" पर एक अंतरराष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कांग्रेस में एक संसाधन व्यक्ति थे;

डॉ. सुमित अरोड़ा ने एम्स, नई दिल्ली में 27 से 29 नवंबर, 2017 को आयोजित व्यसन मनोचिकित्सा पर राष्ट्रीय सम्मेलन में पदार्थों के दुरुपयोग के आकलन के संबंध में नर्सों के ज्ञान पर शोध लेख प्रस्तुत किया।

डॉ. रामिंदर कालरा और डॉ. सुमित ताराफदार अशोक होटल में 02 नवंबर, 2017 - 05 नवंबर, 2017 तक आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ वर्ल्ड फेडरेशन फॉर मेंटल हेल्थ वर्ल्ड कांग्रेस 2017 में पैनलिस्ट थे।

प्लेसमेंट विवरण

सफलतापूर्वक नौकरी पाने वाले विद्यार्थियों की संख्या- 100%

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

होली फैमिली हॉस्पिटल का सामुदायिक स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से शहरी समुदाय स्वास्थ्य अनुभव(एकसपीरिएंश) प्रदान किया गया था। विद्यार्थियों ने स्कीट, रोल प्ले, स्ट्रीट नाटकों और प्रदर्शनियों के माध्यम से राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों और स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया। विद्यार्थियों ने विद्या भवन स्कूल और चेशिर होम डे केयर सेंटर में मासिक आधार पर स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम भी आयोजित किए। उन्होंने पीएचएन के साथ विभिन्न क्षेत्रों में सरकारी स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम में भी सक्रिय रूप से भाग लिया। सुभाष कैंप और तमूर नगर में दो स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए थे। महाविद्यालय ने एम.एससी के विद्यार्थी (ओ.बी.जी.) और बी.एससी इंटर्नस द्वारा रोल प्ले, स्ट्रीट प्लेज, प्रदर्शनियों एवं स्वास्थ्य शिक्षा के साथ कई महत्वपूर्ण स्वास्थ्य दिवसों जैसे 1 से

8 अगस्त, 2017 तक विश्व स्तनपान सप्ताह का आयोजन किया था । विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस को 10 अक्टूबर, 2017 को रोल प्ले, स्वास्थ्य शिक्षा एवं पोस्टर तथा नारा लेखन प्रतियोगिता के साथ मनाया गया था।

पुस्तकालय विकास

बुक रैक / अलमारी की संख्या - कुल संख्या : 9 6; नर्सिंग : 24

विद्यार्थियों हेतु सीडी रोम उपलब्ध है : नहीं

उपलब्ध नर्सिंग पुस्तकों की संख्या : 1789

नर्सिंग पुस्तकों के नवीनतम संस्करणों की संख्या (199 0 से) : 9 45

नर्सिंग जरनल्स की संख्या, जिनकी सदस्यता ली गई है : 15 (11 + 5 = 15)

विद्यार्थियों के लिए इंटरनेट सुविधा उपलब्ध है : हाँ

पिछले वित्तीय वर्ष में खरीदी गई पुस्तकें : 46

***

इंदिरा गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

संस्थान द्वारा परिसर में 13 अप्रैल, 2017 को एक इंडो-यू.एस सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें अमेरिकी प्रतिनिधियों, संकाय सदस्यों और मास्टर डिग्री के विद्यार्थियों ने भाग लिया। संस्थान में 30 मई, 2017 से 30 जून, 2017 तक सेल्फ फाइनेंसिंग फिटनेस ट्रेनर कोर्स (एफआईटीसीओ) आयोजित किया गया था। इस पाठ्यक्रम में आईजीआईपीईएस और अन्य संस्थानों से अधिक संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया गया था। आपदा प्रबंधन, उपभोक्ता अधिकार आदि में घटना प्रतिक्रिया प्रणाली (आईआरएस) के साथ-साथ पाठ्यक्रम जैसे अभिविन्यास, पुनश्चर्या और अन्य। उच्च शिक्षा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित विभिन्न पाठ्यक्रमों जैसे ई-गवर्नेंस, प्रापण प्रक्रिया एवं और बेसिक कंप्यूटर ऑपरेशन इत्यादि द्वारा गैर-शिक्षण कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया है । राष्ट्र गान के दौरान बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की भागीदारी दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रणाली में पहली बार एक अनोखी गतिविधि थी।

<u>गौरव सम्मान प्राप्त छात्र</u>

एम.पी.ई.डी की मीनु डबास 88.17% अंक प्राप्त करके प्रथम स्थान पर रहीं ।

एम.पी.ई.डी की प्रीती त्यागी 84.64% अंक प्राप्त करके दूसरे स्थान पर रहीं।

बी.पी.ई.डी की शालिनी राठी 88.40% अंक प्राप्त करके प्रथम स्थान पर रहीं ।

बी.पी.ई.डी की निधि सिंह ने 84.5 9% अंक प्राप्त करके दूसरे स्थान पर रहीं ।

बी.एससी के ध्रुव अरोड़ा 76.80% अंक प्राप्त करके प्रथम स्थान पर रहें ।

प्रकाशन

प्रतिभा, भट्ट, एस.ए, शॉ, धनंजॉय, (2017) "एन एससेसमेंट ऑफ सिट एंड रीच फ्लैक्सिबिलटी ऑफ मेल एंड फीमेल फिजिकल एजुकेशन स्टूडेंट्स (ए कॅम्परेटिव स्टडी)," स्वास्थ्य और खेल विज्ञान में उभरते रुझान, मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा शारीरिक शिक्षा और खेलकूद विज्ञान(आईसीपीईएसएस) पर आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, वॉल्यूम 2, आईएसबीएन : 978-93-85449-35-2.

भट्ट, एस.ए, कुमार, रविंदर, शॉ, धनंजॉय, (2017) " पुरुष और महिला खिलाड़ियों के बीच अधिकतम ऑक्सीजन लेने (VO_2 मैक्स.) की तुलना (एक तुलनात्मक अध्ययन", स्वास्थ्य और खेल विज्ञान में उभरते रुझान , मणिपाल

विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा शारीरिक शिक्षा और खेलकूद विज्ञान(आईसीपीईएसएस) पर आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, वॉल्यूम 3, आईएसबीएन : 978-93-85449-35-2.

कुमार, रविंदर, भट्ट, एस.ए., शॉ, धनंजॉय (2017) " इफैक्ट ऑफ एक्जामिनेशन ऑन पिट्सबर्ग स्लीप क्वालिटी इंडेक्स और पिट्सबर्ग इनसोम्निया रेटिंग स्कोर ऑफ मेल एंड फिमेल स्पोर्ट्स पर्सन फ्रॉम स्कूल्स ऑफ एन.सी.टी. दिल्ली, इमर्जिंग ट्रेंड इन फिटनेस एंड स्पोर्टस साइंसेस, स्वास्थ्य और खेल विज्ञान में उभरते रुझान, मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा शारीरिक शिक्षा और खेलकूद विज्ञान(आईसीपीईएसएस) पर आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, वॉल्यूम 3, आईएसबीएन: 978-93-85449-35-2.

अहलावत, उमेश, यादव, निशा शॉ, धनंजॉय, (2017) "किनेमैटिक एनालिसिस ऑफ हैमस्ट्रिंग कर्ल एक्सरसाइज फॉर लोअर एक्सट्रीमिटीज विथ 15 आर.एम लोड", एन इंटरनेशनल जरनल ऑफ फिजियोलॉजी, पोषण और शारीरिक शिक्षा, आईएसएसएन: 2456-0057 (पीपी 446 -451)

अहलावत, उमेश, यादव, निशा शॉ, धनंजॉय, (2017) "किनेमैटिक डिफरेंसेस अमांग द प्लेयर्स/रिपिटीशन्स एंड बिटविन द जेंडर इन रिगार्ड टू राइट (डोमिनेंट) लेग लंग्स एक्सरसाइज फॉर लोअर एक्सट्रिमिटीज विथ 15 आर.एम लोड", एन इंटरनेशनल जरनल ऑफ योगा फिजियोथेरेपी एंड फिजिकल एजुकेशन, वॉल्यूम. 3, आईएसएसएन: 2456-5067 (पीपी 51-56)

कुमार, रविंदर, भट्ट, एस.ए., शॉ, धनंजॉय, (2017) "कोल्लेटेरल प्रेशर डिस्ट्रीब्शुन एट प्लेंटर एसपेक्ट ऑफ स्टैंडिंग पोस्चर ऑफ मेल स्पोर्टसपर्सन एज एन इंडीकेटर्स ऑफ बैलेंस मैकेनिज्म, प्रबंधन विज्ञान और प्रौद्योगिकी के एक अंतरराष्ट्रीय शोध जरनल, वॉल्यूम 8, आईएसएसएन: 2250-19 59.

शॉ, धनंजॉय, रणजीत, कौर (2018) "तनाव, अवसाद और चिंता पर योग का प्रभाव", स्वीकार्य योग, शारीरिक थेरेपी एवं पुनर्वास जरनल और मार्च, 2018 के महीने में प्रकाशित होने की संभावना है ।

शर्मा, रेखा, शॉ, धनंजॉय, (2018) "हृदय गति और रक्तचाप को रोकने पर चयनित योगी अभ्यासों के प्रभाव पर एक अध्ययन" स्वीकार किया गया और मार्च, 2018 के महीने में प्रकाशित होने की संभावना है।

शॉ, धनंजॉय, (2018) "शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान में पेशेवर और शैक्षणिक विकास कुशल भारत के लिए एक विजन दस्तावेज 2018", शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान पर चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अधीन), आईएसबीएन: 978-93-5300-165-0 (पीपी 55-61).

अहलावत, उमेश, शॉ, धनंजॉय, (2018) "किनेमैटिक एनालिसिस ऑफ क्वाड्रिसप्स एक्सटेंशन एक्सरसाइज फॉर लोअर एक्सट्रीमिटिज विथ 15 आर.एम. लोड", खेलकूद और व्यायाम वैज्ञानिक जरनल (लक्ष्मीबाई खेलकूद शिक्षा एवं कल्याण सोसाइटी, वॉल्यूम 14 आईएसएसएन: 0974-2964 (पीपी. 09-17)

अहलावत, उमेश, यादव, निशा शॉ, धनंजॉय, (2018) "किनेमैटिक डिफरेंसेस अमांग द प्लेयर्स/रेपिटीशंस एंड बिटविन द जेंडर इन रिगार्ड टू लेफ्ट (सबऑर्डीनेट) लेग लंग्स एक्सरसाइज फॉर लोअर एक्सट्रिमिटिज विथ 15 आर.एम. लोड", अकादमिक अनुसंधान और विकास अंतरराष्ट्रीय जरनल, वॉल्यूम 3, आईएसएसएन: 2455-4197 (पीपी 167-173).

शॉ, धनंजॉय, (2018) " डेवलोपमेंट ऑफ रेग्रेशन मोडल्स फॉर इस्टीमेटिंग मैक्जीमल ऑक्सीजन अपटेक (VO_2 अधिकतम) ", ऑफ मेल यूथ ऑफ काश्मीर(हैबिट ऑफ हाई अल्टीट्यूड)", फिजियोलॉजी, पोषण और शारीरिक शिक्षा अंतरराष्ट्रीय जरनल, वॉल्यूम 3, आईएसएसएन: 2456-0057 (पीपी 167-173)

महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित पत्रिका - प्रियदर्शिनी - 2017

संपादकीय बोर्ड के संपादक (संपादकों) / सदस्य (सदस्यों) के रूप में महाविद्यालय शिक्षक की सेवा की संख्या - 7

आयोजित संगोष्ठी

“सहायक प्रोफेसर और एनटीएस के रोस्टर के पद के लिए आवेदन हेतु स्क्रीनिंग मूल्यांकन प्रक्रिया "पर एक कार्यशाला और प्रशिक्षण कार्यक्रम 14 सितंबर, 2017 को शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारी संस्थान द्वारा आयोजित किया गया था जिसे सहायक कुलसचिव (महाविद्यालय), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संबोधित किया गया था।

संस्थान द्वारा "हमारे वर्तमान मनोविज्ञान अनुसंधान का एक स्नैपशॉट : वैश्विक स्तर पर सोच रहा है लेकिन स्थानीय रूप से अभिनय" पर एक इंडो-ऑस्ट्रेलियाई सम्मेलन का 12 दिसंबर, 2017 को आयोजन किया गया था, जिसे डॉ. स्टीवन क्रिस्टेंसेन और डॉ. एंड्रिया लैमोंट-मिल्स, युनिवर्सिटी ऑफ साउथर्न क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया द्वारा संबोधित किया गया। अध्यक्ष, शासी निकाय ने भी इस अवसर की सराहना की ।

सम्मेलन / कार्यशालाएं

"महाविद्यालयों के शासन" पर शिक्षण और गैर-शिक्षण स्टाफ संस्थान द्वारा 13 सितंबर, 2017 को एक कार्यशाला और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था जिसे संयुक्त कुलसचिव(महाविद्यालय), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संबोधित किया गया था। अध्यक्ष, शासी निकाय ने भी इस अवसर की सराहना की ।

"सहायक प्रोफेसर और एनटीएस के रोस्टर के पद के लिए आवेदन के लिए स्क्रीनिंग मूल्यांकन प्रक्रिया" शिक्षण और गैर-शिक्षण स्टाफ संस्थान द्वारा 14 नवंबर, 2017 को एक कार्यशाला और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था जिसे सहायक कुलसचिव(महाविद्यालय), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संबोधित किया गया था।

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण

डॉ. धनंजॉय शॉ ने बीबीपीएस प्रशिक्षण केंद्र (सी/ओ बाल भारती पब्लिक स्कूल, पीतमपुरा, दिल्ली) द्वारा आयोजित "ह्वाई स्पोर्टस एजुकेशन इन स्कूल करीकुलम - ए साइंटिफिक बेसिस एंड ओवरवियू" विषय पर 05 अगस्त, 2017 को गेम्स एवं स्पोर्टस शिक्षक की एक कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में अपनी सेवाएं दी।

डॉ. धनंजॉय शॉ ने सीपीडीएचई, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 15 सितंबर, 2017 को विश्वविद्यालय और सभी विषयों के शिक्षकों के लिए ई-लर्निंग और डिजिटल लर्निंग में एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में अपनी सेवाएं दी।

डॉ. धनंजय शॉ ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआइएफएफ) के साथ सहयोग से एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा द्वारा 11 -12 अक्टूबर, 2017 को आयोजित एआईएफएफ अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल कोचिंग सम्मेलन (आईएफसीसी-2017) के लिए समीक्षक और अध्यक्ष के रूप में अध्यक्षता की ।

डॉ. धनंजॉय शॉ ने युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, नई दिल्ली के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय खेल इंजीनियरिंग एसोसिएशन, यू.के के सहयोग से 23-25 अक्टूबर, 2017 को बीआईटीएस, पिलानी द्वारा आयोजित स्पोर्ट्स इंजीनियरिंग (आईसीएसई) अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र में अध्यक्ष के रूप में अध्यक्षता की। -।

डॉ. धनंजॉय शॉ ने अंतर्राष्ट्रीय युवा छात्रावास, 5, न्याय मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली, भारत में 7-10 नवंबर, 2017 तक टग ऑफ वॉर इंटरनेशनल फेडरेशन (टीडआईएफ) द्वारा आयोजित टीडब्ल्युआईएफ विकास और प्रशिक्षण कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में अपनी सेवाएं दी या।

डॉ. धनंजॉय शॉ को युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के तत्वावधान में 09-10 फरवरी, 2018 को भारतीय शारीरिक शिक्षा फाउंडेशन (पीईएफआई) और भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) द्वारा आयोजित शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान (एनसीपीईएस-2018) पर दो दिवसीय चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया गया और "ए विजन दस्तावेज़ 2018" पर लीड पेपर प्रस्तुत किया ।

डॉ. धनंजॉय शॉ ने 8 मार्च, 2018 से 10 मार्च, 2018 तक विज्ञान भवन, नई दिल्ली और विश्व युवक केंद्र, नई दिल्ली में लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान, ग्वालियर और युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित खेल प्रबंधन में मुद्दों और नए विचारों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय हस्ताक्षरित समझौता-ज्ञापन

राष्ट्रीय और अतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा के विभिन्न संस्थानों के साथ समझौता-ज्ञापन हस्ताक्षर प्रक्रियाधीन है।

प्लेसमेंट विवरण

कंपनियों में नौकरी प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की कुल संख्या = 123

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

संस्थान में पूर्ण उत्साह और जोश के साथ संस्थान में जागरूकता जागरूकता सप्ताह मनाया गया था जहां 30 अक्टूबर, 2017 को प्रतिज्ञा समारोह आयोजित किया गया था जिसमें शिक्षकों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों और सभी वर्गों के विद्यार्थियों ने प्रतिज्ञा ली थी। एथलेटिक्स विभाग, इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान संस्थान द्वारा 15 मार्च, 2018 को आईजीआईपीईएस एथलेटिक्स ट्रैक पर वार्षिक एथलेटिक मीट - 2018 आयोजित की गई थी।

पुस्तकालय विकास

डिजिटल पुस्तकालय का सफल कार्यान्वयन हुआ है, जिससे आईजीआईपीईएस के उपयोगकर्ता डिजिटल प्रारूप अर्थात् पुराने प्रश्न पत्र, एम.पी.ईडी, बी.पी.ईडी और बी.एससी पाठ्यविवरण में पूर्ण पाठ दस्तावेजों, वर्ष 2013 से प्रदान की गई सभी पीएच.डी. थीसिस और सभी एम.पी.ईडी. शोध निबंध को देख सकते हैं। वर्तमान में आईजीआईपीईएस पुस्तकालय डेटाबेस "विद्या : लाइब्रेरी मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर" एक्स.ए.एम.पी.पी सर्वर के माध्यम से ऑनलाइन उपलब्ध है। पुस्तकालय का कुल संग्रह 1248 9 (9012 स्वीकृत पुस्तकें, 2173 रीडिंग कक्ष, 706 थीसिस और 598 विभागीय पुस्तकें) को डेटाबेस और बार-कोडेड में कम्प्यूटरीकृत किया गया है, जो ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपेक) के माध्यम से खोजने योग्य है। लाइब्रेरी ने प्रत्यक्ष और डिजिटल सूचना संसाधन के उपयोग को बढ़ाने के लिए तीन पुस्तकालय अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

शिक्षकों की संख्या

शिक्षकों की कुल संख्या : 27

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान : रु. 137000000/-

प्रयुक्त अनुदान : रु. 104113444/-

कोई अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

पांच विद्यार्थियों को पीएच.डी उपाधि से सम्मानित किया गया है जिनका पर्यवेक्षण आईजीआईपीईएस के शिक्षण संकाय द्वारा की गई थी।

***

इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

महाविद्यालय ने भूगोल और समाजशास्त्र में ऑनर्स पाठ्यक्रम शुरू किए जो महाविद्यालय की लिबरल आर्ट्स प्रोफाइल को बढ़ाते हैं। एक कार्टोग्राफिक प्रयोगशाला बनाई गई थी । गणित, कंप्यूटर विज्ञान, पर्यावरण अध्ययन, मनोविज्ञान और भूगोल विभागों ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस को मनाया था। दो शोध और शिक्षण संसाधन केंद्र - संगीत अभिलेखागार और लिसनिंग कक्ष और संस्कृत अध्ययन और अनुसंधान केंद्र बनाए गए थे। साहापेडिअ, विरासत, इतिहास और सांस्कृतिक पर एक ऑनलाइन जरनल है, जिस पर महाविद्यालय संग्रहालय और अभिलेखागार का उपयोग करके इसके वेब पोर्टल और यूट्यूब पर महाविद्यालय के इतिहास को पोस्ट किया। नवीनीकृत, पुनर्निर्मित और रिफर्बिस्ड कलावती गुप्ता छात्रावास को 280 सीटों की बढ़ी हुई क्षमता के साथ फिर से खोल दिया गया। महाविद्यालय के जरनल - समावेशी विकास के लिए नवाचार जरनल (जेआईआईडी) ने ओपन एक्सेस स्कॉलर्लि रिसोर्स (आरओएडी) की अंतरराष्ट्रीय निर्देशिका में एक सूची प्राप्त की। महाविद्यालय ने वनी फाउंडेशन के सहयोग से द्वितीय दिल्ली हिंदी महोत्सव की मेजबानी की। महाविद्यालय को इसके अग्रसक्रिय वातावरण और अपशिष्ट प्रबंधन नीतियों के लिए सम्मानित किया गया था।

सम्मान/गौरव

डॉ. बबली मोइत्र सराफ, प्राचार्य, को ऑल लेडीज लीग एंड वूमेन इकोनॉमिक फोरम द्वारा 13 मई, 2017 को "अकादमी में दशक की महिलाएं" के लिए अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार, 2017 प्रदान किया गया ।

महाविद्यालय को भारतीय पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण संस्थान द्वारा आयोजित 26वीं विश्व पर्यावरण कांग्रेस में विश्व पारिस्थितिकी पर्यावरण एवं विकास(डब्ल्युईईडी) पुरस्कार प्रदान किया गया।

डॉ. ज्योति त्रेहान शर्मा को वीनस इंटरनेशनल फाउंडेशन, चेन्नई, भारत द्वारा "सामाजिक विज्ञान में विशिष्ट महिला" के लिए 4 मार्च, 2017 के लिए वीनस इंटरनेशनल पुरस्कार प्रदान किया गया।

डॉ. ज्योति त्रेहान शर्मा को अनुसंधान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए 12 सितंबर, 2017 को एआर रिसर्च प्रकाशन और कॉन्फ्रेंस वर्ल्ड, भारत द्वारा सक्रिय युवा शोधकर्ता पुरस्कार प्रदान किया गया।

डॉ. हर्ष बाला शर्मा, को अनुसंधान क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए 14 सितंबर, 2017 को एआर रिसर्च प्रकाशन और कॉन्फ्रेंस वर्ल्ड, भारत द्वारा सक्रिय युवा शोधकर्ता पुरस्कार प्रदान किया गया ।

गौरव सम्मान प्राप्त छात्र

पाठ्यचर्या के अलावा व्यक्तिगत पहल एवं उद्देश्यपूर्ण कार्यों के लिए प्रिंसिपल का ऑनर रोल - 18 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया ।

स्नातक-पूर्व शताब्दी दशक शोध अनुदान 2017 के तहत प्रायोजित परियोजनाएं - विद्यार्थियों के लिए 5 परियोजनाएं।

श्रेया सक्सेना, जर्मनी के प्लज़ेन, चेक गणराज्य और सुहल में शूटिंग के लिए भारत का प्रतिनिधित्व किया है।

खेल: अंतरराष्ट्रीय स्तर - 1 कांस्य पदक; राष्ट्रीय स्तर - 5 स्वर्ण पदक और 2 रजत पदक;
शूटिंग चैंपियनशिप में राष्ट्रीय रिकॉर्ड्स - 3

प्रकाशन

सराफ, बबली मोइत्र, (2017) *हे डिडल डिडल : टुन टुन तारा-तारा* , वानी प्रकाशन, नई दिल्ली, भारत, आईएसबीएन सं. 978-93-87409-45-3.

गुप्ता आयुष, (2017) *वैशेषिक दर्शन में द्रव्य मीमांसा* , कल्पज प्रकाशन (दिल्ली, भारत), आईएसबीएन सं. 978-93-5128-342-3.

कुमारी, बिभा, (2017) शब्दों के परे, पोथी.कॉम, आईएसबीएन नं. 978-93-5267-975-1.

कुमारी, *बिभा* , (2017) *नैन्हा ता कान पर* , नवारम्भ प्रकाशन (पटना, भारत), आईएसबीएन सं. 978-93-820-13-655.

ओबेरॉय, बिंदू, (2017) *भारत में वस्त्र उद्योग : परिवर्तन रुझान और रोजगार चुनौतियां* , ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस (नई दिल्ली, भारत), आईएसबीएन सं. 978-0-19-946935-2.

कुमार, कुलदीप, (2017) *पाकिस्तान के प्रति अमेरिकी नीति, 1 980-88,* ज्ञान बुक प्रकाशन (नई दिल्ली, भारत), आईएसबीएन सं. 978-93-5128-204-4.

दास, नाइटू, (2017) *साइबोर्ग नीतिवचन, पोएट्रीवाला* (मुंबई, भारत), आईएसबीएन सं. 978-93-82749-59-2.

सेनगुप्ता, देबजाना, जलिल, रक्षांद और संत, तरुण, (2017) *लुकिंग बैक : 1 947 का विभाजन भारत के 70 वर्ष,* ओरिएंट ब्लैकसवान (दिल्ली, भारत), आईएसबीएन सं. 978-93-86689-56-6.

भार्गव, मीना, (2017) *पर्यावरण के फ्रंटियर : मध्ययुगीन और प्रारंभिक आधुनिक भारत में मुद्दे,* ओरिएंट ब्लैकसवान (हैदराबाद, भारत), आईएसबीएन सं. 978-93-86392-78-7.

पंत, रश्मी, बालचंद्रन, अपर्णा और रमन, भवानी, (2018) *कानून के परिवर्तन। भारत से कानूनी इतिहास,* ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस (दिल्ली, भारत), आईएसबीएन सं. 978-0-19-947779-1.

महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित पत्रिकाएं :

समावेशी विकास के लिए जरनल ऑफ़ इनोवेशन (आईएसएसएन 2456-4478)
पृथ्वी अध्ययन केंद्र के जरनल
कोड , अनुवाद और अनुवाद अध्ययन केंद्र के जरनल

संपादकीय बोर्ड के संपादक (संपादकों) / सदस्य (सदस्यों) के रूप में कार्यरत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या : 17

अनुसंधान परियोजनाएं

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, जुलाई, 2015 - जुलाई, 2018, सबवर्जन ऑन द मार्जिन : बिहार और बंगाल के क्षेत्र के लोक गीतों और मौखिक कथाओं का अध्ययन, रु. 7.5 लाख

इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय, 2017-2018, लोकेटिंग सिरी इन टाइम एंड मेमोरी, रु.12,000 / -

इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय, 2017-2018, इंद्रप्रस्थ महाविद्यालय के लिए ऑनलाइन नेविगेशन मानचित्र, रु.15,000/-

इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय, 2017-2018, डेमोक्रेटिक पीस थ्योरी: इज वॉर ए मीन्स टू पीस , रु.15,000/-

इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय, 2017-2018, गांधीवादी समाधान : गांधी के विचारों की खोज करके वर्तमान भारतीय विकास संबंधी मुद्दों के लिए वैकल्पिक जवाब ढूंढना, रु.3,000 /-

आयोजित संगोष्ठियां

डॉ. मिलेना ब्रेटोवा, सोफिया विश्वविद्यालय, डॉ. टॉमोको किकुची, जापानी लेखक, डॉ. बबली मोइत्र सराफ, प्राचार्य, इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय, डॉ. रेखा सेठी, हिंदी विभाग, इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय, अंतरराष्ट्रीय अनुवाद संगोष्ठी *'सांस्कृतिक चुनौती'* 02 फरवरी, 2018.

जोसेफिन कामस्वाग, नॉर्वे, पेट्रीसिया हिरमात्सू, जापान, राका सिंह, बेल्जियम, स्पाउसेस ऑफ हेड्स ऑफ मिशन्स(एसएचओएम), और डॉ. बबली मोइत्र सराफ, प्रिंसिपल, इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय, *अन्य संस्कृतियों और भाषाओं के वार्तालाप - अनुवाद के रोमांच और पीड़ा,* 8 सितंबर, 2017.

प्रो. आर.बी सिंह और प्रो. अनु कपूर, भूगोल विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. आशीष साहा, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. मीना भार्गव और डॉ. सुरभिका महेश्वरी, इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय, *'आपदा भेद्यता : कोपिड़ंग रणनीतियां ',* 13 अक्टूबर 2017

डॉ. सुदेशना बसु, गणित विभाग, जॉर्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय, *गणित और राजनीति,* 25 अगस्त, 2017.

डॉ. हेफ़ज़ीबा इज़राइल, एडिनबर्ग विश्वविद्यालय, *भारत में अनुवाद के कई प्रायोजन : राष्ट्रीय इतिहास दोबारा पढ़ना* , 25 अगस्त, 2017.

आयोजित सम्मेलन

फ्रैगमेंटेड सेल्फ : समकालीन जीवन में आत्म और पहचान की धारणाओं में एक अंतःविषय अन्वेषण , पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, 30-31 अक्टूबर, 2017, मनोविज्ञान विभाग, इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय।

गांधी पर्यावरण और स्थायित्व पर चौथा दौर टेबल सम्मेलन , 06 अप्रैल, 2017, सेंटर फॉर अर्थ स्टडीज और गांधी स्टडी सर्कल, इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय ।

इंडोर वायु प्रदूषण: 'हम घर पर कितने सुरक्षित हैं? ', 22 सितंबर 2017, पर्यावरण अध्ययन विभाग, इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय ।

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण

सराफ, बबली मोइत्र, *मौखिक प्रदर्शन की दो परंपराएं : अनुवाद पर दक्षिण एशिया अनुसंधान कार्यशाला का और मौखिक प्रदर्शन की परंपरा हेतु केस ,* 24-28 अप्रैल, 2017, सैन पेलेग्रीनो यूनिवर्सिटी फाउंडेशन (एफयूएसपी) , मिसैनो , इटली स्थित एन.आई.डी.ए संस्थान ।

सराफ, बबली मोइत्र , *अनुवाद भाषा और संस्कृति की सीमाएं* , 8 मई, 2017, इतालवी विभाग, ओस्लो युनिवर्सिटी, नॉर्वे ।

सराफ, बबली मोइत्र , फाइंडिंग ए प्लेस *: दो केस स्टडीज ऑफ ट्रांसलेटिंग फ्रॉम इंडिया , वर्ल्ड लिटलेचर इन लरत पेरिफेरी,* 11-12 मई, 2017, साहित्य विभाग, क्षेत्र अध्ययन और यूरोपीय भाषा, ओस्लो युनिवर्सिटी, नॉर्वे

सराफ, बबली *मोइत्र, ट्रांसलेटिंग इम्बोडाइड लैंग्वेजेज : एन इंडिक पर्सपेक्टिव ऑन मल्टीमॉडल टेक्स्ट्स, इंटरसेमियोटिक ट्रांसलेशन, एडॉप्टेशन ट्रांसपोजिशन: सेइंग आलमोस्ट द सेम थिंग ?,* 10-12 नवंबर, 2017, अंग्रेजी अध्ययन विभाग, साइप्रस युनिवर्सिटी, साइप्रस।

साहा, अनन्दिता रॉय और सिंह, गोविंद, *अपशिष्ट क्षेत्र बहुत सारे व्यापार अवसर क्यों बर्बाद कर रहे हैं? इनोवेशन, इंटीग्रेशन एंड इनवेल्वमेंट के माध्यम से दिल्ली, भारत, के सतत अपशिष्ट प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण का एक केस स्टडी ,* 15-17 दिसंबर, 2017, इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, एयर एंड वाटर, हैदराबाद ।

अंशु, लिविंग थ्रो एन अर्ली प्रेगनेंसी लॉस-एन *ऑटोथेनोग्राफिक अकाउंट, साइकोलॉजी ऑफ वूमेन सेक्शन (पीओडब्ल्युएस),* 12-14 जुलाई, 2017, ब्रिटिश साइकोलॉजिकल सोसाइटी (बीपीएस), विंडसर, लंदन, यूनाइटेड किंगडम ।

श्रीवास्तव, अंशु, *दक्षिण एशिया में फेमेनिस्ट लेंस, शासन, मानवाधिकार और दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय सहयोग के माध्यम से सशक्तिकरण को मापना : वैश्वीकरण के अवसर और चुनौतियां,* 19-20 अप्रैल, 2017, यूनेस्को मदनजीत सिंह कश्मीर अध्ययन संस्थान, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर और एचआरडीसी जामिया मिलिआ इस्लामिया, नई दिल्ली।

खुराना, गुंजन, ए न्यू नुमेरिकल मैथेड ऑफ आर्डर टू इन टाइम एंड फोर इन स्पेस बेस्ड ऑन थर्ड डिग्री *पॉलिनोमियल स्पलीन एप्रोक्सीमेशन्स फॉर आईडी क्वासी-लिनियर हाइपरबोलिक इक्यूएशन्स, करंट ट्रेंड्स इन थ्योरेटिकल एंड कॅम्प्यूटेशनल डिफरेंशियल एक्यूएशन्स विथ एप्लीकेशन्स,* 1-5 दिसंबर, 2017, दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ।

शर्मा, हर्ष बाला, द आइरॅनी ऑफ बीइंग द कॉमॅन मैंन, रिसेंट रिसर्च डिवेलपमेंट इन इनवायमेंट, सोशल साइंस एंड ह्यूमनिटीज, 6 अगस्त, 2017, आईसीआरआरडीईएस 2017 इंडियन फेडरेशन ऑफ यूनाइटेड नेशनंस एसोसिएशंस, नई दिल्ली।

सेठी, रेखा, द फेमिनिस्ट वॉयस फ्रॉम द मार्जिनस ऑफ कास्ट एंड क्लास : इन कॉन्टेक्स्ट ऑफ टेम्पोरेरी हिंदी पोएटरी, *मानविकी में नई दिशाएं* , 5-7 जुलाई, इंपीरियल कॉलेज, लंदन, यूनाइटेड किंगडम।

राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय हस्ताक्षरित समझौता-ज्ञापन

अंतरराष्ट्रीय : युवा लोगों के लिए अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार
राष्ट्रीय : पारिस्थितिकी और सतत विकास पर पूर्वोत्तर में ज्ञान साझा करने, इंटर्नशिप और स्वयंसेवी गतिविधियों के उद्देश्य हेतु बालिपारा फाउंडेशन, असम ।
पेपर अपशिष्ट रीसाइक्लिंग के लिए ग्रीनोबिन रीसाइक्लिंग।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग(कोलेबोरेशन्स)

इस अकादमिक वर्ष में कई कोलेबोरेशन्स किए गए थे। जिनमें से कुछ नाम अखिल भारतीय शांति फाउंडेशन एवं आपदा प्रबंधन, सहपेडिया, वानी फाउंडेशन, स्वीडन दूतावास , आईआईटी बॉम्बे, राष्ट्रीय भौतिकी(फिजिकल) प्रयोगशाला, राष्ट्रीय कौशल विकास कॉरपोरेशन- टीम लीज , इंटरनेशनल ब्रिज ऑफ जस्टिस , आई-मेड , इंटाच, हिंदुस्तान टाइम्स , एनक्टस , दिल्ली हेरिटेज वॉक (बुक क्लब) , अंतरराष्ट्रीय यंग पिपुल पुरस्कार, वन्यजीवन बचाव , विरासत सहयोगी , जाग्रुति , डेली डंप , ग्रीनोबिन , इंडियन नेशनल एसोसिएशन फॉर द क्लब ऑफ रोम , कुसुमंजली फाउंडेशन , नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड , *सक्षम* , टीच फॉर इंडिया , स्कोर फाउंडेशन *इत्यादि है ।*

प्लेसमेंट विवरण

नौकरी प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत : 28, (19 .17%)
भर्ती हेतु परिसर में आने वाली कंपनियों की संख्या : 8

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

महाविद्यालय एक पशु हितेषी परिसर है और यह पक्षी बचाव रिलीज जोन है। इसने एनएसएस आउटरीच कार्यक्रम के तहत दैनिक मजदूरी निर्माण कार्य से जुड़े श्रमिकों, फल और सब्जी विक्रेताओं और फेरीवाला के खैबर पास समुदाय को अपनाया है। यह समुदाय के सदस्यों के बीच शिक्षा और साक्षरता, स्वास्थ्य और स्वच्छता, जागरूकता और मनोरंजन का ख्याल रखता है। महाविद्यालय ने स्वयं ही विश्वविद्यालय प्रवेश के लिए केंद्रीय पंजीकरण प्रक्रिया के

लिए एक केंद्र शुरू किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवी सप्ताह को पेपर बैग बनाने और सफाई अभियान जैसी गतिविधियों के साथ मनाया गया था। प्रोजेक्ट *ऐपान* के उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए दिल्ली छावनी, दिल्ली हाट और इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर आर्ट्स में स्टाल लगाए थे । महाविद्यालय ने एनजीओ की आउटरीच गतिविधियों जैसे 'लीडर फॉर टूमॉरो', 'गूंज ', 'मेक ए डिफरेंस','टीच फॉर इंडिया', 'बटरफ्लाई', 'उम्मीद' में सहयोग किया, जिसने विद्यार्थियों को नागरिकता और शेयरिंग के मूल्यों को लागू करने के लिए प्रोत्साहित किया।

पुस्तकालय विकास

वर्ष 2017-18 के दौरान जोड़ी गई पुस्तकें : 136
ऑनलाइन सेवाएं : ओपेक, यूजीसी-एनआईएलएसटी, डेलनेट
रेप्रोग्रेफिक सेवा : फोटो कॉपी और प्रिंटिंग सेवा
बुक बैंक सेवा : ईडब्ल्यूएस विद्यार्थियों के लिए पाठ्य पुस्तकों
पी.एच/वी.एच सुविधाएं और सेवाएं : कंप्यूटर के साथ लिफ्ट, विशेष क्यूबिकल्स के माध्यम से पूरी तरह से सुलभ, थ्री-इन-वन एंजेल पॉकेट डेज़ी प्लेयर, डेज़ी बुक्स (टॉकिंग बुक), ब्रेल बुक्स, ब्रेल मैगज़ीन, ब्रेल संदर्भ पुस्तकें - शब्दकोश, जाव्स सक्षम कंप्यूटर स्कैनर, एम्बॉसर (ब्रेल प्रिंटर)
नोटबुक के साथ लेक्स-एयर कैमरा (डिवाइस की सहायता से प्रिंट करें)
लाइब्रेरी विस्तारित सेवाएं : अनुवाद एवं अनुवाद अध्ययन केंद्र में पंजाबी, बंगाली, हिंदी, संस्कृत और अंग्रेजी अनुवाद उपलब्ध हैं
लाइब्रेरी-आईसीटी केंद्र की सहायक सेवाएं सक्षम इकाई की अंडर-वन-रूफ सुविधा प्रदान करती हैं।

शिक्षकों की संख्या

स्थायी शिक्षकों की कुल संख्या : 88
अस्थायी शिक्षकों की कुल संख्या : 08
तदर्थ शिक्षकों की कुल संख्या : 73

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान :	रु.40,49,47,000/-
प्रयुक्त अनुदान :	रु.30,19,84,596/-

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

नवीकरण, पुनर्निर्मित और रिफर्बिस्ड कलावती गुप्ता छात्रावास और आई.पी छात्रावास को 450 सीटों की कुल क्षमता के साथ फिर से खोल दिया गया। गणित, कंप्यूटर विज्ञान, पर्यावरण अध्ययन, मनोविज्ञान और भूगोल विभागों ने मिलकर महाविद्यालय में पहला राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया था। सी.ई.एस के सहयोग से भूगोल विभाग ने विश्व आपदा न्यूनीकरण दिवस का आयोजन किया। महाविद्यालय के जरनल - *समावेशी विकास के लिए जरनल ऑफ़ इनोवेशन ने* ओपन एक्सेस स्कॉलिरि संसाधन (आर.ओ.ए.डी.) की अंतरराष्ट्रीय निर्देशिका की सूची स्थान पाया है। महाविद्यालय ने वनी फाउंडेशन के सहयोग से द्वितीय दिल्ली हिंदी महोत्सव की मेजबानी की । इसने अपने वार्षिक प्ले, स्टेशन का मंचन भी किया।

***

गृह आर्थिकी संस्थान

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

गृह अर्थशास्त्र संस्थान महिलाओं के लिए सार्थक, समकालीन ज्ञान और शिक्षा प्रसारित करने के लिए आज भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों में एक प्रमुख स्तर पर काबिज रहा है। आई.एच.ई. में गृह विज्ञान (ऑनर्स एवं पास), माइक्रोबायोलॉजी ऑनर्स, बायोकैमिस्ट्री ऑनर्स, बी.ईएल.एड, बी.एससी (ऑनर्स) खाद्य प्रौद्योगिकी और बी.ए(ऑनर्स) पत्रकारिता में स्नातक-पूर्व पाठ्यक्रम कराए जाते हैं। पी.जी. पाठ्यक्रम और पीएच.डी भी कराई जाती है। संस्थान में उत्कृष्ट आधारभूत संरचना और एक उत्कृष्ट संकाय है। महाविद्यालय के संकाय अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल हैं। वर्ष 2017-18 के दौरान संस्थान से 41 विद्यार्थी पीएच.डी कर रहे थे और 7 विद्यार्थी ने पीएच.डी पूरी की। इसके अतिरिक्त संस्थान में लगभग 15परियोजनाएं चल रही हैं और प्रकाशनों की एक लंबी सूची है। आई.एच.ई. का दृष्टिकोण सीखने का माहौल प्रदान करना है जो प्रत्येक विद्यार्थी के समग्र व्यक्तित्व विकास के उद्देश्य से सह पाठ्यचर्या गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित करता है।

सम्मान/गौरव

डॉ. गीता त्रिलोक कुमार : वर्ष 2016-2019 से राष्ट्रीय कृषि-खाद्य जैव प्रौद्योगिकी संस्थान (एन.ए.बी.आई.) की वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एसएसी) के सदस्य ।

संकाय विभिन्न मंत्रालयों और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्थायी संगठनों में विशेषज्ञ समूहों और कोर समितियों के सदस्य के रूप में कार्य करता है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, स्वास्थ्य मंत्रालय, जम्मू एवं कश्मीर सरकार, विकलांग शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय न्यास, एन.आई.पी.सी.सी.डी, एस.सी.ई.आर.टी, दिल्ली पब्लिक स्कूल और यूनिसेफ उनमें से कुछ का उल्लेख है।

सुरुचि गर्ग और निमिशा शर्मा (तृतीय वर्ष ऑनर्स) ने आई.एन.एस.ए और भारतीय विज्ञान अकादमी द्वारा आयोजित 28 फरवरी, 2018 को आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान दिवस में पोस्टर प्रस्तुति में द्वितीय पुरस्कार जीता ।

अंजलि गौर: दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर्महाविद्यालय ताइक्वोंडो टूर्नामेंट 2016-17 में स्वर्ण पदक जीता ; एम.डी.यू., रोहतक में आयोजित अखिल भारतीय अंतर्विश्वविद्यालय ताइक्वोंडो टूर्नामेंट 2017 में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया; विश्वविद्यालय स्टेडियम, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित अंतर्महाविद्यालय ताइक्वोंडो प्रतियोगिता में रजत पदक जीत लिया।

डॉ. (श्रीमती) पूनम मगू को 21 अप्रैल, 2017 को जयपुर मणिपाल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रिंसिपल शिखर सम्मेलन 2017 में 'उत्कृष्ट शिक्षक' से सम्मानित किया गया था।

<u>गौरव सम्मान प्राप्त छात्र</u>

खाद्य प्रौद्योगिकी - सुश्री किर्ति रावल, 91.68%
जैव रसायन (ऑनर्स) - सुश्री प्रेरणा गोपाल, 89.77%
गृह विज्ञान (ऑनर्स) - सुश्री परमजीत कौर, 89.61%
माइक्रोबायोलॉजी (ऑनर्स) - सुश्री त्रिप्ती खरबंद, 87.62 %
गृह विज्ञान (पास) - सुश्री कीर्ति नवाल वाधवा, 85.67%
बी.ईआई. एड.- सुश्री मनीषा शोकीन, 79.04%

प्रकाशन

गुप्ता, एस., अरोड़ा, के. , त्रिलोक-कुमार, जी. (2018) दिल्ली में अनाज और दालों की जस्ता सामग्री। इंडियन जरनल ऑफ न्यूट्रिशन एंड डायटेटिक्स, 55 (2): 227-241.

अग्रवाल, एस., गोस्वामी, एस., नायर, टी., और कुमार, के. (2018) डिजिटल साक्षरता में लैंगिक अंतर : शहरी ग्रामीण स्थानों के परिप्रेक्ष्य । *इंटरनेशनल जरनल ऑफ मूवमेंट एजुकेशन एंड सोशल साइंसेज* , 7 (स्पेशल इश्यु 1), पी.पी 21 9-226. आईएसएसएन सं. 2278-0793.

चौधरी, एच., गुप्ता, सी., गुप्ता, डी.(2017) 'सोडियम हाइड्रॉक्साइड का उपयोग करके पॉलिएस्टर के रासायनिक संशोधन के लिए पैरामीटर्स सुधारने के लिए बॉक्स बेहेनकेन डिज़ाइन का उपयोग', *मैन मेड टेक्सटाईल इन इंडिया* , एसएएसएमआईआरए, नवंबर, पृष्ठ 373- 378, आईएसएसएन सं. 0377-7537.

क्रिस्टोफर पी.एफ मारिनेंजेली, जूलियन कुरान, सुसान आई बार्र, जोएन्ने स्लाविन, सीमा पुरी, सुमाथी स्वामीनाथन, लिंडा टैप्सेल, कैरॅल एन्न पैटरसन. (2017) दालों में पोषण की वृद्धि: वयस्कों के लिए एक अनुशंसित सर्विंग साइज परिभाषित करना। न्यूट्रीशन रिव्यू, 75 (12) : 909 -1006.

चंद्र, आर.; गुलाटी, आर. एंड शर्मा, एस. (2017) भारत में प्रारंभिक बचपन की देखभाल और शिक्षा गुणवत्ता : पहल, अभ्यास, चुनौतियां और समर्थक। एशिया-पेसफिक जरनल ऑफ रिसर्च इन अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन*, 11* (1), 41-67.

अथेय्या, आर., और अरोड़ा, आर. (2017) बैंकिंग क्षेत्र के कर्मचारियों के कार्य-जीवन संतुलन के प्रबंधन में तनाव की कमी। इंटरनेशनल जरनल ऑफ एप्लाइड होम साइंस, वॉल्यूम 4 (11 एवं 12), नवंबर और दिसंबर, पी.पी 1111-111 9, आईएसएसएन: 23 94-1413, आरएनआई: यूपीएनजी / 2014/3966.

दलाल, जे., पन्नू, पी., यादव, एन. (2017) एस.टी. टिकू (एड.) में ' स्वास्थ्य और कृषि में मोबाइल प्रौद्योगिकी का इंटरफेस : फील्ड से प्रतिबिंब', महिलाओं का सतत विकास (पीपी 600- 610). नई दिल्ली: मार्क बुक्स. आईएसबीएन: 978-93-83131-73-0.

नसीम, ए., भट, जेड.आई., कलाइरासन, पी., कुमार, बी., गांधी, जी., रिजवी , एम.एम.ए (2017) जेनेटिक और एपिजेनेटिक बदलाव उत्तरी भारतीय मरीजों में गर्भाशय ग्रीवा निओप्लाज्म में PARK -2 अभिव्यक्ति को प्रभावित करते हैं। ट्यूमर बायोलॉजी. 39 (6); 1-13.

कश्यप , ए. , गुप्ता , आर. , शर्मा , आर. , वर्मा , वी.वी. , गुप्ता , एस., et al. (2017) नई दिल्ली मेटालो बीटा लैक्टमेज़: मेनस और इसकी चुनौतियां। जे. मोल. जेनेट मेड 11: 29 9 डीओआई: 10.4172 / 1747-0862.1000299 .

सूरी, एम., शर्मा, आर., सैनी, एन. (2017) योग, दर्द और एंडोर्फिन के बीच न्यूरो-फिजियोलॉजिकल सहसंबंध । इंटरनेशनल जरनल ऑफ एडैप्टेड फीजिकल एजुकेशन एंड योग, वॉल्यूम II. इश्यू.9. पीपी 18-32. (आईएसएसएन 2455-8958), इम्पैक्ट फैक्टर 4.215 आई.एफ.एस.आई.जे.

मंजुला, एस., शर्मा , आर. , सैनी , एन. (2017) जुम्बा की शारीरिक प्रतिक्रियाएं : लोकप्रिय फिटनेस प्रवृत्ति को समझने का एक सिंहावलोकन। इंडियन जरनल ऑफ फिजिकल एजुकेशन, स्पोर्ट्स एंड एप्लाइड साइंस, वॉल्यूम 7, सं.4, आई.एस.एस.एन-2229-550 X(पी), 2455-0175 (ओ)

संपादकीय बोर्ड के संपादक (संपादकों / सदस्य (सदस्यों) के रूप में कार्यरत महाविद्यालय शिक्षकों की संख्या : 7

अनुसंधान परियोजनाएं

दक्षिण दिल्ली की झोपड़ियों में रहने वाले युवा बच्चों की पोषण संबंधी स्थिति। परियोजना जांचकर्ता : डॉ. गीता त्रिलोक-कुमार,
प्रोफेसर रोज़लिंड गिब्सन और प्रोफेसर लिसा हौटन, युनिवर्सिटी ऑफ ओटागो, न्यूजीलैंड. अवधि : 2 वर्ष।
फंडिंग राशि और एजेंसी : यूजीसी और न्यूजीलैंड रिसर्च काउंसिल द्वारा एन.जेड.डी 53, 463. भारत- न्यूजीलैंड शिक्षा परिषद अनुदान।

परियोजना : मल्टीपल पोषक तत्व फोर्टिफाइड साल्टस की उपभोक्ता स्वीकार्यता। परियोजना जांचकर्ता : डॉ. सीमा पुरी और डॉ. तेजमीत रेखा। अवधि : 6 महीने। फंडिंग एजेंसी : भारत पोषण की पहल - टाटा न्यास और पोषण प्रभाव समाधान। धनराशि : रु.5,16,000 लाख

ज्योति दलाल : (ऑनगोंइग) परियोजना निदेशक, आईसीसीएसआर 'स्कूल प्रैक्टिसेस में हिंसा का एक एथ्नोग्राफिक अध्ययन' पर लघु(माइनर) शोध अनुदान.

आयोजित संगोष्ठियां/कार्यशालाएं

विभाग ने बी.एससी खाद्य प्रौद्योगिकी, एम.एससी, पीजीडीडीपीएन और पीजीडीएचएसजी विद्यार्थियों के लिए 31 जुलाई, 2017 को आधे दिन का अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया था। डॉ. श्वेता खंडेलवाल(पीएचएफआई, दिल्ली) और श्री रतन मिश्रा (ब्रिटानिना इंडस्ट्रीज लिमिटेड) को अतिथि वक्ताओं के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने क्रमशः सार्वजनिक पोषण और खाद्य उद्योग के क्षेत्र में भविष्य की संभावनाओं के बारे में विद्यार्थियों का मूल्यांकन किया।

महिला उद्यमियों पर सत्र : उद्यमी कौशल विकसित करने के लिए 3 अगस्त, 2017 को बी.एससी (पास) गृह विज्ञान, सेमेस्टर- V के विद्यार्थियों के लिए एक परस्पर संवादात्मक सत्र का आयोजन किया गया था।। सुश्री त्रिप्ती शिंघल सोमानी, प्रबंध निदेशक और सीईओ, सीओडब्ल्युई(महिला उद्यमियों के संघ) द्वारा सत्र आयोजित किया गया था।

'डिजाइनिंग मूडबोर्डस इन इंटीरियर्स' पर कार्यशाला: पर्ल अकादमी द्वारा 31 अक्टूबर, 2017 को विभिन्न विषयों पर मूडबोर्डस डिजाइन करने के लिए विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करने के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

पेटा के साथ जैव रसायन विभाग ने 26-27 अक्टूबर, 217 को " रिप्लेसिंग रेगुलेटॅरी एकपेरिमेंटस ऑन एनीमल्स : इंट्रोडॅक्सन टू इन *सिलिको* मॉडल एंड *इन विट्रो* टेस्ट मैथेड " *विषय* पर दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी के पीएच.डी विद्वान श्री प्रियांक सिंघवी ने 4 सितंबर, 2017 को "एक इंटरैक्टिव करियर परामर्श सत्र" का आयोजन किया था ।

आयोजित सम्मेलन

माइक्रोबायोलॉजी विभाग ने 10 -11 जनवरी, 2018 को "माइक्रोबायोलॉजी: वर्तमान चुनौतियां और भविष्य रुझान" शीर्षक पर दो दिवसीय सम्मेलन आयोजित करके अपनी रजत जयंती मनाई ।

यूएनएफसीसी को भारत के तीसरे राष्ट्रीय संचार (टीएनसी) के हिस्से के रूप में 18 मई, 2018 को 'सब-नेशनल पैमाने पर जलवायु परिवर्तन के लिए भारत में महिलाओं की भेद्यता मैपिंग' नामक परियोजना के तहत 'जलवायु में भारत में महिलाओं की भेद्यता मैपिंग' पर एक दिवसीय परामर्श कार्यशाला। निधि एजेंसी : (एमओईएफसीसी), भारत सरकार

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण

सत्र IV के लिए पैनल मॉडरेटर - 'ग्रामीणों को सशक्त बनाना' एक मेगा इवेंट के तहत *स्मार्ट विलेज कॉन्क्लेव* । आईओटी (इंटरनेट फॉर थिंग्स) उत्कृष्टता के लिए सह आयोजक केंद्र, MeitY, ERNET और

NASSCOM का एक संयुक्त उद्यम, आईटीपीओ (इंडिया ट्रेड प्रोमोशन ऑर्गनाइजेशन) और एग्जिहबिशन्स इंडिया ग्रुप। सम्मेलन कक्ष ई, हॉल 12, प्रगति मैदान में 25 मई, 2018 को आयोजित ।

महिलाओं के काम और व्यावसायिक स्वास्थ्य-उभरते मुद्दे, चुनौतियां और असंगठित क्षेत्र (WWOH-2018) में नीतिगत उपायों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 24 एवं 25 मार्च, 2018 को आर्या पी.जी. महाविद्यालय(यूजीसी द्वारा उत्कृष्टता दर्जा के लिए संभावित महाविद्यालय), पानीपत (हरियाणा), भारत में आयोजित किया गया और सुश्री स्वाती मिरानी, डॉ. प्रवीण पन्नू, डॉ. चारु मल्होत्रा द्वारा "भारत में महिलाओं के खिलाफ हिंसा पर ऑनलाइन सक्रियतावाद" पर पेपर प्रस्तुत किया और नेहा यादव, प्रवीण पन्नू, ज्योति दलाल द्वारा "स्वास्थ्य और कृषि में मोबाइल प्रौद्योगिकी का इंटरफ़ेस : फील्ड से रिफलेक्शन" पर पेपर प्रस्तुत ।

अग्रवाल, जे., वर्मा, वी., 2017, कोलोम्बो, श्रीलंका में 24-25 मार्च को परिधान, वस्त्र और फैशन डिजाइन पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'महाविद्यालय जाने वाली लड़कियों के कपड़ों की को प्रभावित करने वाले कारक' पर पेपर प्रस्तुत।

अरोड़ा, जी., अग्रवाल, जे., 2017, आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित लक्ष्मीबाई कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 3-4 मार्च को महिला और विकास : मुद्दे और चुनौतियों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'महिलाओं में शारीरिक छवि और वस्त्र प्राथमिकता पर मीडिया का प्रभाव, पर पेपर प्रस्तुत ।

डॉ. सीमा पुरी ने आईडीआरसी और टीआईएनआई, नई दिल्ली में 7 जून, 2018 को डीएफएस गोज टू स्केल-स्केलिंग अप प्रोडक्शन एंड डिस्ट्रीव्यूशन ऑफ साल्स के लिए डिस्मिनेशन वर्कशॉप में "डबल फोर्टिफाइड साल्ट की उपभोक्ता स्वीकार्यता" पर पेपर प्रस्तुत ।

डॉ. सीमा पुरी "21वीं शताब्दी में सफलतापूर्वक उम्र बढ़ना सुनिश्चित करना : गृह अर्थशास्त्रियों के लिए चुनौतियां": आईएफएचई काउंसिल और संगोष्ठी 2018, खारतूम, सूडान, 25 फरवरी -1 मार्च 2018 में मुख्य वक्ता।

मिश्रा, एस. (अप्रैल 2017). चित्रकारी विचार और भाषा, ओसीजेक, क्रोएशिया पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में '*बादलों और नदी के रूप में प्रेमियों- हिंदी गीतों में व्याकरणिक लिंग की भूमिका*' शीर्षक पर पेपर प्रस्तुत किया । (उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए सम्मानित)।

डॉ. रितिका कर बहल : "5वें ग्लोबल फोरम फॉर टी.बी वैक्सीन", अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, नई दिल्ली, भारत, फरवरी, 2018 में पोस्टर प्रस्तुति। पोस्टर शीर्षक : बायो ए मुटांट ऑफ *माइकोबैक्टीरियम ट्युबरकुलोसिस सोज सीवियर ग्रोथ डिफेक्ट एंड इंपार्टस प्रोटेक्शन अगेंस्ट ट्युबरकुलोसिस इन गिनी पिग्स ।*

अग्रवाल, एस. और नागपाल, नितिका (2018). हौज खास, नई दिल्ली में पेयजल का सूक्ष्मजीववैज्ञानिक मूल्यांकन। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, नई दिल्ली में प्रस्तुत पोस्टर ।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग :

मानव विकास और बचपन अध्ययन विभाग ने बाल अधिकार, मानवाधिकार, लिंग, शिक्षा, अक्षमता, किशोर कल्याण और मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के क्षेत्र में काम कर रहे विभिन्न संगठनों के साथ सहयोग किया।

वैज्ञानिक योग्यता पैदा करने और नवाचार और शोध में विद्यार्थियों को उन्मुख करने के लिए, माइक्रोबायोलॉजी विभाग भी एनआईआई द्वारा आयोजित 'विज्ञान सेतु कार्यक्रम' का हिस्सा है।

प्लेसमेंट विवरण

50 विद्यार्थियों में से 9 विद्यार्थियों ने नौकरी नियुक्तियों का चयन किया।

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

स्टार कॉलेज योजना के तहत माइक्रोबायोलॉजी की मूल तकनीक पर 28 नवंबर, 2017 को महाविद्यानय के विद्यार्थियों के लिए एक कार्यशाला आयोजित की गई थी। महाविद्यालय ने एक परियोजना 'संरचना' शुरू की है, जो वंचित महिलाओं और लड़कियों को बो पिन, रबर बैंड, कान की बाली, हाथ बैंड इत्यादि जैसे अवशेष कपड़ों से सृजनात्मक सामग्री बनाने का कौशल प्रदान करके एक पहल शुरू कर दी है। इन उत्पादों को विभिन्न महाविद्यालय उत्सवों में बिक्री के लिए प्रदर्शित किया गया था। महाविद्यालय से एनएसएस यूनिट के लगभग 100 स्वयंसेवकों ने सक्रिय रूप से विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया जिसमें समुदाय, बाजार, मेट्रो स्टेशन, एनजीओ, विद्यालय और महाविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ काम करना शामिल था। सार्वजनिक स्थानों की सफाई के संबंध में आम जनता को प्रेरित करने के लिए स्वच्छता पखवाड़ा और एकता सप्ताह जैसी घटनाएं आयोजित की गईं। डिजिटल भुगतान को अपनाने के लिए आसपास के बाजारों के दुकानदारों को शिक्षित और संगठित करने के लिए विशाका अभियान आयोजित किया गया था।

पुस्तकालय विकास

संस्थान में पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत पुस्तकालय है जिसमें पर्याप्त आधारभूत संरचना है और यहां पाठ / संदर्भ पुस्तकें, जरनल्स, थीसिस और आवधिक पत्रों के रूप में 25,000 से अधिक संदर्भ सामग्री का समृद्ध संग्रह है। संस्थान लगभग 40 राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय और डीयू पत्रिकाओं की सदस्यता लेता है। स्मार्ट कार्ड और स्कैनर वाले बार कोड सिस्टम का उपयोग पुस्तकों के संचलन के लिए किया जाता है। पुस्तकालय में पुस्तकों का स्थान ढूंढने और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए ऑनलाइन संसाधनों तक पहुंचने हेतु विद्यार्थियों के लिए लैपटॉप उपलब्ध हैं।

शिक्षकों की संख्या

स्थायी शिक्षों की कुल संख्या : 45
तदर्थ शिक्षकों की कुल संख्या : 48

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान : रु.2074.29 लाख
प्रयुक्त अनुदान : रु.2388.63 लाख (बिना लेखापरीक्षा)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

अतिरिक्त पाठ्यचर्या गतिविधियों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के प्रयास में आई.एच.ई के पास विभिन्न सोसाइटियां जैसे कला, पश्चिमी नृत्य, फैशन, शास्त्रीय भारतीय संगीत, नाटक, साहित्यिक और वाद-विवाद हैं। इन सोसाइटियों में से प्रत्येक ने विश्वविद्यालय और उसके अलावा विभिन्न मंचों पर प्रशंसा जीती है।

***

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

जानकी मेमोरियल महाविद्यालय ने एन.ए.ए.सी द्वारा प्रत्यायन की प्रक्रिया पूरी कर ली और महाविद्यालय को 12 सितंबर, 2017 को बी ++ ग्रेड (2.76) प्रदान किया गया। भवन के भीतर और बाहर ब्रेल साइनेज और स्पर्श भी जोड़े गए हैं। मुख्य प्रवेश द्वार पर एक आपातकालीन प्रवेश / निकास भी बनाया गया है। पूरे महाविद्यालय में साइनेज सिस्टम की मरम्मत कर दी गई है। बास्केट बॉल कोर्ट का पुनर्निर्माण किया गया है और यह महाविद्यालय की

भविष्य की बास्केटबाल टीम को सर्वश्रेष्ठ कोर्ट सुविधा प्रदान करने का वादा करता है। 'कृष्णा' नामक छात्रावास का निर्माण कार्य अब पूरा हो गया है। बुनियादी ढांचे के अलावा महाविद्यालय ने ऑटोमेशन सॉफ्टवेयर क्रय करके अपने प्रशासन को मजबूत किया है जो प्रवेश, समय सारणी, मासिक उपस्थिति, आंतरिक मूल्यांकन, स्टॉक प्रबंधन, छुट्टी रिकॉर्ड, पेरोल और वित्तीय लेखांकन आदि का रखरखाव करता है। इसके अलावा अनन्य मल्होत्रा और उनकी टीम द्वारा पहली बार टेड(TED) के तहत टेडेक्स(TEDx) जेडीएमसी(JDMC) स्वतंत्र रूप से आयोजित किया गया था। यह घटना एक बड़ी सफलता थी और एक जो विचारों का प्रचार करने और नवाचार का स्वागत करने का वादा करता है। विभिन्न क्षेत्रों के 11 वक्ताओं ने अपने विचारों और नवाचारों को साझा किया।

सम्मान/गौरव

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च, 2018 को रोजगार पैदा करने के लिए महिला एजेंसी द्वारा आयोजित विश्व महिला शिखर सम्मेलन में गर्ल सेंट्रिक तृतीयक शिक्षा और प्रशिक्षण पुरस्कार।

भारतीय विश्वविद्यालय परिसंघ, भारतीय पारिस्थितिकी और पर्यावरण संस्थान, राष्ट्रीय स्वच्छता शिक्षा और अनुसंधान संस्थान द्वारा 8 नवंबर, 2017 को आयोजित 26वीं विश्व पर्यावरण कांग्रेस में विश्व पारिस्थितिकी, पर्यावरण और विकास (WEED) पुरस्कार।

समाजशास्त्र विभाग की डॉ. राजलक्ष्मी ने गांधी स्मृति और दर्शन स्मृति और चेतना (एनजीओ) से शिक्षक दिवस मनाते हुए 5 सितंबर, 2017 को बी द चेंज - नारी उद्यमी पुरस्कार।

डॉ. सौम्य गुप्ता, इतिहास विभाग को यू.के. में शोध के लिए चार्ल्स वालेस इंडिया ट्रस्ट रिसर्च ग्रांट 2017-18 से सम्मानित किया गया था।

डॉ. स्वाती पाल को शैक्षिक दुनिया में उनके योगदान के लिए अखिल भारतीय लीग और महिला आर्थिक मंच द्वारा अकादमिक 2017 में उत्कृष्ट असाधारण महिला से सम्मानित किया गया था।

गौरव सम्मान प्राप्त छात्र

बी.ए (ऑनर्स) अर्थशास्त्र तृतीय वर्ष - 88% से अधिक विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी प्राप्त की।
बी.एससी (ऑनर्स) गणित तृतीय वर्ष - 98.31% पास परिणामों के साथ 90% से अधिक विद्यार्थियों प्रथम श्रेणी प्राप्त की।
बी.कॉम (ऑनर्स) तृतीय वर्ष - 98.63% पास परिणामों के साथ 86% से अधिक विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी प्राप्त की।
द्वितीय वर्ष में, बी.ए(ऑनर्स) अंग्रेजी, हिंदी, राजनीति विज्ञान और बी.एससी (ऑनर्स) गणित में 100% परिणाम रहा। बी.ए(ऑनर्स) इतिहास, बी.कॉम (ऑनर्स), बी.कॉम और बी.ए (प्रोग्राम) में 98% से अधिक पास परीक्षा रहा।

प्रकाशन

मूर्ति, भानु , के.वी, गंभीर , एस. (2017) अंतरराष्ट्रीय व्यापार और विदेशी प्रत्यक्ष निवेश : व्यापार-पर्यावरण त्रिकोण का अनुभवजन्य परीक्षण। *ट्रांजनेशनल कारपोरेशंस रिव्यू,* वॉल्यूम 9, सं. 2: पीपी.122-134.

चरण, ए., पुरी , पी., बंसल , ई . (2017) भारतीय युवाओं में सोशल मीडिया मार्केटिंग और संज्ञानात्मक विकास। *दिल्ली बिजनेस रिव्यू- एन इंटरनेशनल जरनल ऑफ सोसाइटी फॉर ह्यूमन ट्रोसफॉरमेशन एंड रिसर्च.* वॉल्यूम. 18, सं. 1 , : पीपी.101-113.

बंसल, एस. (2017) कोनवर्जेन्स एंड रिजिनल डिस्पेरिटीज एक्रास मेजर इंडियन स्टेट्स। वीतिका- *एन इंटरडिस्प्लिनरी इंटरनेशनल रिसर्च जरनल 2015 क्यू.टी एनालायटिक्स.* वॉल्यूम. 3, सं.4.

जॉली, टी. (2017) वित्तीय सुधार में विमुद्रीकरण और इसका कार्यान्वयन। *बिजनेस साइंसेज इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल* । वॉल्यूम 6, सं. 1, : पीपी 41-49. आईएसएसएन 2321-3191.

पाल , पी. (2017) भारत की अनौपचारिक अर्थव्यवस्था के लिए सामाजिक सुरक्षा प्रावधान । इंटरनेशल जरनल ऑफ रिसर्च इन *सोशल साइंस एंड ह्यूमैनिटीज।* वॉल्यूम 7, सं.3 , : ई-ISSN: 2249-4642, पी-आईएसएसएन: 2454-4671.

पाल, पी., कुमार , ए. (2017) उत्पादकता के साथ सिंचाई के कुछ लिंकजेज। *इंटरनेशनल जरनल ऑफ सोशल साइंस एंड इकोनॉमिक रिसर्च।* वॉल्यूम 3, सं. 1 , : । पीपी 361-370। आईएसएसएन: 2455-8834.

मनचंदा, डी. (2017) भारत में किसान संकट और ऋण छूट नीति। रिसर्च डायरेक्शन्स इंटरनेशनल मल्टीडिस्प्लिनरी रिसर्च जरनल। वॉल्यूम 5, सं. 6 : आईएसएसएन : 2321-5488.

खंडेलवाल, पी., जैसमिन। (2017) क्या असमानता भारत में बड़ी असमानता का नेतृत्व करती है? इंटरनेशनल जरनल ऑफ रिसर्च इन ह्यूमनिटीज, आर्टस एंड लिटरेचर/ वॉल्यूम 5, सं. 9 , पी.पी 81-102. आईएसएसएन(पी): 2347-4564, ई-आईएसएसएन: 2321-8878.

जैन, आई. (2017) स्त्रीवादी प्रक्रियाएं और प्रदर्शन : अनामिका हक्सर की अंत यात्रा में हस्तक्षेप। थियेटर रिसर्च इंटरनेशनल 42.3: 333-341.

माधवी (2017) चिकित्सालय के इतिहास के लिए अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क : IV. *सोसाइटी फॉर द सोशल हिस्ट्री ऑफ मेडिसिन,* द गजट, नं. 78. युनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड, यूके

अनुसंधान परियोजनाएं

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस 2017-18 (12 महीने) - वर्चुअल लर्निंग, टीचिंग सिमुलेशन प्रोजेक्ट। रु. एक लाख, मेंटर - डॉ. स्वाती पाल, प्राचार्या

आयोजित संगोष्ठियां

अंग्रेजी, जेडीएमसी के सहयोग से वाणिज्य विभाग - प्रो.एनेट्टे अमेराराल, आईबीएमएस लेक्चरर मार्केटिंग, युनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज यूट्रेक्ट ने "उभरते बाजारों में रणनीतियां" पर एक व्याख्यान दिया। 10 नवंबर, 2017.

अर्थशास्त्र विभाग - श्री कुशल मोहता, अकादमिक क्षेत्रीय प्रबंधक, एंडवेवर करियर्स। "प्रभावी संप्रेषण के माध्यम से व्यक्तिगत साक्षात्कार कैसे क्रैक करें"। 17 जनवरी, 2018.

सुश्री सुनीता मल्होत्रा, विश्व बैंक की संसाधन व्यक्ति "ओपन डेटा डेवलपमेंट इनिशिएटिव्स" पर एक व्याख्यान दिया। 13 सितंबर 2017.

अंग्रेजी विभाग - डॉ. ओइनम कमला कुमारी, सहायक प्रोफेसर, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा (यूपी) ने "मणिपुरी कविता और थांगजम इबोपिशक" पर एक व्याख्यान दिया। 8 नवंबर, 2017.

एचडीएफई विभाग - डॉ. संजय सचदेव, निदेशक, मैक्स हेल्थ केयर (ई.एन.टी) ने "बच्चों में श्रवण हानि" पर विशेष व्याख्यान दिया । 28 फरवरी, 2018.

आयोजित सम्मेलन

श्री टी.एस. गोपाल, मानद सचिव, वैज्ञानिक अनुसंधान अर्थशास्त्र और वित्त (एसआरएईईएफ) के संघ, चेन्नई, "पाठ्यपुस्तकों से परे अर्थशास्त्र : दिन-प्रतिदिन जीवन में" विषय पर 6 फरवरी, 2018, पर आयोजित।

डॉ. फ्रांसिस्को मार्मोलेजो, "भारत में कौशल विकास" पर 24 अक्टूबर, 2017 को आयोजित लीड तृतीयक शिक्षा विशेषज्ञ, विश्व बैंक।

प्रोफेसर सुनील कंवर, "विज्ञान, प्रौद्यागिकी और भारत में नवाचार" विषय पर दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, 27 सितंबर, 2017.

सी.ए. राजीव सक्सेना, 30 अगस्त, 2017 को "माल और सेवा कर" पर ।

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण

राजर्षि चंद्र "वन अधिकार : संपत्ति अधिकारों के लिए वैकल्पिक राजनीतिक एजेंडा पर नोट्स"। लॉ सोसाइटी एसोसिएशन (यूएसए), मेक्सिको सिटी. 20 जून, 2017.

नमिता सेठी. "सीक्रट हिस्ट्री इन एलिज़ा हेवुड'स मेमोरीज ऑफ ए सर्टेन आइलैंड एडजासेंट टू यूटोपिया एंड द सीक्रेट हिस्ट्री ऑफ प्रेजेंट इट्रिग्युज ऑफ द कोर्ट ऑफ कारमेनिया । अठारहवीं सदी के ब्रिटिश सोसाइटी के अध्ययन पर 47वां अंतरराष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन। सेंट ह्यूज कॉलेज, ऑक्सफोर्ड, यू.के. 3-5 जनवरी, 2018.

सौम्य गुप्ता. "विटामिन और खनिज : पोस्ट औपनिवेशिक भारतीय रसोई के लिए एक नई शब्दावली"। दक्षिण एशिया में रसोई संबंधी परिवर्तनों की रूपरेखा पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला। , नाकानोशिमा सेंटर, ओसाका युनिवर्सिटी, ओसाका जापान, 26 सितंबर, 2017.

सौम्य गुप्ता. "पारंपरिक व्यंजन, आधुनिक रसोई: पोस्ट औपनिवेशिक भारत में प्रत्येक दिन पाक कला पुनर्मूल्यांकन," दक्षिण एशियाई अध्ययन (जे.ए.एस.ए.एस), टोक्यो युनिवर्सिटी, टोक्यो, जापान के जापानी एसोसिएशन के 30वें वार्षिक सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया। 23-24 सितंबर, 2017.

सौम्य गुप्ता. "आप वही हैं जो आप खाते हैं: भारत में जाति और व्यंजन" एसोसिएशन फॉर एशियन स्टडीज (एएएस-इन-एशिया) सम्मेलन, एशिया में मोशन : बार्डर्स और बाउंड्रीज, सियोल, दक्षिण कोरिया से परे । 25 जून, 2017.

नीलु वर्मा. "इंटरनेट प्रभाव : प्रयोक्ता पर इंटरनेट के बुरे प्रभाव का एक अध्ययन", टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, दिल्ली द्वारा 11वीं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, आयोजित किया गया। 15 अप्रैल, 2017.

त्रिशा जॉली. "वित्तीय सुधार में विमुद्रीकरण और इसका कार्यान्वयन", वैश्वीकरण और व्यापार विज्ञान, आई.एम.आर.एफ., मैसूर, कर्नाटक, भारत द्वारा आयोजित कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व, विमुद्रीकरण पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन। 19-20 जनवरी, 2018.

पूजा पाल. ", ग्लोबल एग्रो-वेल्यु चैन, हरारे, जिम्बाब्वे में 15 -19 जनवरी, 2018 को "वैश्विक कृषि खुदरा नेटवर्क और किसानों के लिए कुछ निहितार्थ पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन।

माधवी. सेंटर फॉर ग्लोबल हिस्ट्री, फ्रेडरिक-मीनेके-इंस्टिट्यूट, फ्रीई युनिवर्सिटी, बर्लिन द्वारा 20- 21 मई, 2017 को आयोजित ग्लोबल हिस्ट्री, स्टूडेंट कॉन्फ्रेंस में 'मेडिसिन एंड डिसेज' पैनल में "सर्कुलेशन ऑफ लेबर एंड सर्कुलेशन ऑफ मेडिकल नॉलेज : कोलोनियल मॉरीशस और नाताल 1834 -1920 " ।

माधवी. "ब्यूटीफिकेशन ऑफ कूलि हॉस्पिटल एंड इनमेट्स : कोलोनियल मॉरीशस सी. 1850-1911 ", युनिवर्सिटी ऑफ वारविक एंड द मेडिटेरानिएन इंस्टिट्यूट ऑफ माल्टा द्वारा 6-8 अप्रैल, 2017 को आयोजित इंटरनेशनल नेटवर्क फॉर द हिस्ट्री ऑफ हॉस्पिटल ।

राहुल कुमार मौर्य. यूनिवर्सिटी ऑफ मिन्हो, ब्रागा, पुर्तगाल में 25-26 सितंबर, 2017 को आयोजित "रिविजिटिंग रोटरी'स नोशन ऑफ ट्रुथ", सम्मेलन रिविजिटिंग रिचर्ड रोटरी ।

राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय हस्ताक्षरित समझौता-ज्ञापन

ए.एल.एस. वेलनेस नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड (ए.एल.एस.) - कंपनी - एक ब्रांड नाम 'जेईईजीओ' के साथ विद्यार्थियों, संकाय और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए परामर्श, कल्याण और भावनात्मक समर्थन सेवाएं प्रदान करने के व्यवसाय में लगी हुई है।

युनिवर्सिटी ऑफ मुन्सटर, जर्मनी - अकादमिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के विकास को प्रभावी और परस्पर लाभकारी सहयोग के साथ अकादमिक गतिविधियों में समन्वय और सहयोग करना, उच्च शिक्षा के मानकों को अंतरराष्ट्रीयकृत करना और हमारे विद्यार्थियों एवं विभिन्न संकाय और संस्थान के कर्मचारियों के बीच सीधे संपर्क को प्रोत्साहित करना, अधिदेश है ।

ए.टी.एस. इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड - एक माइक्रोसॉफ्ट-ए.ई.पी (अधिकृत शिक्षा पार्टनर) - कंपनी अकादमिक छूट मूल्य पर विभिन्न विक्रेताओं से इच्छुक विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय प्रमाणन की पेशकश करेगी और जो लोग परीक्षा शुल्क का भुगतान स्वयं करते हैं उन्हें प्रमाणन के लिए मैप किए गए बंडल प्रशिक्षण शुल्क नहीं देना होगा। नि:शुल्क शुल्क, संकाय सदस्यों के लिए वर्ष में एक बार एफ.डी.पी भी प्रदान किया जाएगा।

ब्रेकथ्रू ट्रस्ट - एक अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन जो विश्व भर में समानता, न्याय और गरिमा के मूल्यों को बढ़ावा देता है - जो समाजशास्त्र विभाग, जेडीएमसी द्वारा प्रस्तुत किए गए पाठ्यक्रम के 'मीडिया और प्रौद्योगिकी' मॉड्यूल को नियंत्रित करेगा। शैक्षणिक वर्ष 2017 -2018 के लिए पाठ्यक्रम का शीर्षक 'सुरक्षित शहर और समावेश' है। इंगेजमेंट के हिस्से के रूप में, ब्रेकथ्रू मीडिया, प्रौद्योगिकी और लैंगिक के बीच प्रतिच्छेदन को समझने में विद्यार्थियों की क्षमता का निर्माण करेगा। यह सामाजिक और डिजिटल मीडिया पर कौशल निर्माण प्रशिक्षण भी आयोजित करेगा।

ब्लिस फाउंडेशन - जेडीएमसी और ब्लिस फाउंडेशन के बीच इस गठबंधन का उद्देश्य जेडीएमसी में शिक्षकों और विद्यार्थियों को संवेदनशील बनाना है और उन्हें ब्रेस्ट सेल्फ एक्जामिनेशन (बी.एस.ई) में प्रशिक्षित करना है। आसपास के इलाकों में अन्य विद्यालयों/महाविद्यालयों में बाद के चरण में स्तन(ब्रेस्ट) कैंसर के कारणों और प्रभावों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। यह उन्हें शुरुआती पहचान के संकेत, लक्षण और प्रक्रियाओं से भी परिचित करेगा। यह सामाजिक जागरूकता के माध्यम से रोग नियंत्रण के संबंध में बेहतर प्रक्टिसेस पर पहुंचने के लिए कार्यशालाओं, सर्वेक्षणों, प्रश्नावलियों और अन्य विधियों के माध्यम से किया जाएगा।

आई.सी.टी अकादमी- राज्य सरकारों और उद्योगों के सहयोग से भारत सरकार की पहल है। यह उच्च शिक्षा शिक्षकों और विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करने का प्रयास करता है, जिससे अगली पीढ़ी के शिक्षकों और उद्योग के लिए तैयार विद्यार्थियों को विकसित किया जा सके।

प्लेसमेंट विवरण

नौकरी प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत -42 यानी 5 प्रतिशत
भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियों की संख्या- 31 (परिसर में 4 और परिसर से बाहर 27)

विस्तार और आउटरीच कार्य

महाविद्यालय ने कर्मचारियों और विद्यार्थियों के लिए एक नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच-शिविर आयोजित किया और विद्यार्थियों द्वारा चलाई जाने वाली भारत की सबसे बड़ी ब्लड कनेक्ट के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया। जे.डी.एम.सी. ने मंदिर मार्ग पर एक गंदी बस्ती(स्लम) को अंगीकार किया है। एक राहत शिविर परियोजना वार्मथ आयोजित किया और गूंज (एन.जी.ओ) को काफी संख्या में गर्म कपड़े भेजे। समाजशास्त्र विभाग के विद्यार्थियों ने सेंट्रल पार्क, कनॉट प्लेस में महिलाओं के शोषण और यौन हिंसा उन्मूलन के प्रति अपनी एकजुटता दिखाने के लिए *"वन बिलियन राइजिंग"* में भाग लिया ।

पुस्तकालय विकास

पाठ्य पुस्तकें - 74378
संदर्भ पुस्तकें- 3223
जरनल - 68
ई-जरनल - 2
सीडी और वीडियो - 165
ई-संसाधन : इलफ्लिबनेट (INFLIBNET) के माध्यम से विश्लेषक डेटाबेस की सदस्यता

शिक्षकों की संख्या

शिक्षकों की कुल संख्या : 142 (स्थायी और तदर्थ शिक्षक शामिल हैं)

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान	:	रु.36,15,32,000 / -
प्रयुक्त अनुदान	:	रु.33,94,69,271 / -

कोई अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रोजगार पैदा करने के लिए महिला एजेंसी द्वारा 8 मार्च, 2018 को आयोजित विश्व महिला शिखर सम्मेलन में गर्ल सेंट्रिक तृतीयक शिक्षा और प्रशिक्षण पुरस्कार प्राप्त किया। भारतीय विश्वविद्यालय परिसंघ, भारतीय पारिसिथतिकी और पर्यावरण संस्थान, राष्ट्रीय स्वच्छता शिक्षा और अनुसंधान संस्थान द्वारा 8 नवंबर, 2017 को आयोजित 26वें विश्व पर्यावरण कांग्रेस में विश्व पारिस्थितिकी, पर्यावरण और विकास (डब्ल्यु.ई.ई.डी.) पुरस्कार प्राप्त किया ।

***

जीसस एंड मैरी कॉलेज

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

जीसस और मैरी कॉलेज के इतिहास में वर्ष 2017-18 एक ऐतिहासिक वर्ष है, इसने क्योंकि पिछले 50 वर्षों की अपनी उपलब्धियों में उत्साह और गौरव के साथ अपनी स्वर्ण जयंती वर्ष का जश्न मनाया। माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद द्वारा स्वर्ण जयंती समारोह में शैक्षिक वर्ष का उद्घाटन किया गया। कॉलेज ने एन.डी.एम.सी के सहयोग से एक प्रतिष्ठित स्कूल परियोजना शुरू की जिसमें बापू धाम हायर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों को ललित कला, खेल, मस्तिष्क विकास इत्यादि के क्षेत्र में कर्मचारियों और कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा आयोजित गतिविधियों के माध्यम से एक उच्चतर शिक्षा प्राप्त होगी। वर्ष 2016 में शुरू किए गए प्रतिष्ठित बी. वोकशनल प्रोग्राम ने खुदरा प्रबंधन, आई.टी और हेल्थ केयर प्रबंधन में सफलतापूर्वक 2 वर्ष पूरा कर लिया है। स्वास्थ्य देखभाल और खुदरा क्षेत्र में बढ़ती मांग को पूरा करने और विद्यार्थियों को नौकरी के लिए तैयार करने के लिए उद्योग प्रासंगिक प्रशिक्षण देना इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य है।

सम्मान/गौरव

सुश्री रिचा मल्होत्रा, मनोविज्ञान विभाग ने सांता फे, यू.एस.ए में आयोजित वार्षिक सम्मेलन में सॉल्यूशन फोकस्ड ब्रीफ थेरेपी एसोसिएशन (एसएफबीटीए) द्वारा रिसर्च अवॉर्ड (नवंबर, 2017) प्राप्त किया।

डॉ. रेनी थॉमस, समाजशास्त्र विभाग को क्वींस युनिवर्सिटी, बेलफास्ट यू.के. द्वारा सोशल एंथ्रोपोलॉजी (2017-18) में चार्ल्स वालेस फैलोशिप से सम्मानित किया गया था।

डॉ. वनीता चोपड़ा, बी.ईएल.एड. विभाग को ब्रिटिश काउंसिल, भारत द्वारा एपिटिस एक्शन रिसर्च सदस्य योजना में एक मेंटॅर के रूप में सम्मानित किया गया था।

डॉ. सुशीला रामास्वामी, राजनीति विज्ञान को विदेशों में अपनी इंडिया चेयर्स के लिए आईसीसीआर इम्पैनलमेंट से सम्मानित किया गया, 2017.

<u>गौरव सम्मान प्राप्त छात्र</u>

स्वास्तिका मोहन, मनोविज्ञान विभाग ने आई.ए.एल.एस.ई., अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, 2018 में स्वयं जागरूकता वृद्धि शीर्षक पर पेपर प्रस्तुत किया ।

रिचा बाधवा, वाणिज्य विभाग को वाणिजय विभाग के लिए शंकर अय्यर मेमोरियल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

सानिया सिंह, राजनीति विज्ञान विभाग ने फरवरी, 2018 से वियना में ड्रग्स और क्राइम पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के साथ इंटर्न किया।

प्रकाशन

राधाकृष्णन, एस.(2017). स्वयंसेवीवाद की आत्मा : भारत में मनोवैज्ञानिक गतिशीलता अंतर्निहित स्वयंसेवीवाद का एक अध्ययन। प्रगुन पब्लिकेशन (आई.एस.बी.एन: 978 9 380397726)

मिश्रा, एस., और पाठक, वी. (2018). भारतीय संदर्भ में युवाओं को समझना। इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ एंड वेल बीइंग, 9 (2), 321-323.

अब्राहम मौली (प्रिंट के अधीन) ए सागा ऑफ टॉलरेंस एंड ए लिजेंसी ऑफ पोस्टेनिटी : कैथोलिक विजिऑनरीज एंड वूमेन इम्पावरमेंट इन नार्थ इंडिया (1842-19 68), दिल्ली रूबी प्रेस एंड कंपनी आईएसबीएन नं.978-81-933788-8-5.

नंदी, मणि ए. (2018) कम आय वाले उपयोगकर्ताओं की बचत प्रैक्टिसों पर मोबाइल बैंकिंग के प्रभाव: एडिटेड वाल्युम मॅनी में इंडियन एक्सपीरियंस आईएसबीएन 978-1-78533-653-9 पृष्ठ 266-286.

भाटिया , एन., सरिन, सी (2018) बीमा और जोखिम प्रबंधन : बुनियादी बातें और अनुप्रयोग दिल्ली निजी शिक्षा। आईएसबीएन सं. 978-93-8384-8461.

चोपड़ा, वनीता (2017) सीसीई : सिद्धांत प्रैक्टिव के बीच गैप, लैंग लिट, आईएसएसएन 2349-518 9, पेज सं.85-9.

रामास्वामी सुशीला, वूमेन इन पोलिटिकल थॉट ; क्वेस्ट फॉर क्वालिटी एंड बियॉन्ड, हैदराबाद, ओरिएंट ब्लैक स्वान 2018 (आईएसबीएन 978-93-86689-58-0) xiv + 408 पेज.

जरनल्स

कॉलेज ने आईएसएनएन सं. 2456-9550 के साथ अपनी ई-जर्नल द जेएमसी रिव्यू प्रकाशित की ।

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण

डॉ. स्नेह कपूर, मनोविज्ञान विभाग ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली (मार्च 2018) में राष्ट्रीय आघात सम्मेलन में बाल यौन दुर्व्यवहार : जोखिम और प्रभाव पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

सुश्री भुमिका कपूर, मनोविज्ञान विभाग ने 22-24 दिसंबर के दौरान आयोजित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 27वें नेशनल एकेडमी ऑफ साइकोलॉजी (एनएओपी) कॉन्फ्रेंस, इंडिया में 'वैश्वीकरण को समझना और पहचान हेतु इसके निहितार्थ' पर एक पेपर प्रस्तुत किया। (2017).

डॉ. विनीता क्षेत्रपाल, मनोविज्ञान विभाग ने 12-14 जनवरी, 2017 को अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली में आयोजित पांचवें अंतरराष्ट्रीय इंडो-इटालियन साइकोएनालिटिक कॉन्फ्रेंस" संस्कृति और क्लीनिक में अंधेरे का साइको विश्लेषणात्मक अन्वेषण" में 'द मेस्सीह एंड द मिस-अटूटेंड मदर' शीर्षक एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. नीलिमा चितगोपेकर, इतिहास विभाग ने 'द स्टार एंड द लॉयन : कॉन्टेक्सचुअलाइजिंग सर सैयद अहमद खान एंड लाला लाजपत राय इन लेट 19वीं सेंचुरी, इंडिया एट सेंटर फॉर एडवांस स्टडी, इतिहास विभाग,अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय ।

डॉ. रेनी थॉमस, समाजशास्त्र विभाग ने मैनचेस्टर, यू.के. में 29 जून से 1 जुलाई, 2017 को आयोजित सोसाइटी कॉन्फ्रेंस में विज्ञान और धर्म पर नए परिप्रेक्ष्य में 'विज्ञान, धर्म और तर्कसंगतता' पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. रेनी थॉमस, समाजशास्त्र विभाग ने 9 अक्टूबर, 2018 को युनिवर्सिटी ऑफ पेंसिल्वेनिया फिलाडेल्फिया, यू.एस.ए. में मशीनें, रस्में और विश्वासों पर आयुधा, पूजा पर व्याख्यान प्रस्तुत किया ।

डॉ. रीना मारवा, वाणिज्य विभाग ने 24 जनवरी, 2014 को राजस्थान विश्वविद्यालय सम्मेलन में दक्षिण पूर्व एशिया से जुड़ने के लिए राज्य । बुनियादी ढांचे के विकास की भूमिका पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

वनीता चोपड़ा, बी.ईएल.एड. विभाग ने एम.एच.आर.डी.-आईएएसई के तत्वावधान में 3 मई, 2018 को अंग्रेजी साहित्यिक और समाज शीर्षक पर राष्ट्रीय सम्मेलन में अंग्रेजी होने के मुद्दे और चुनौतियां; भाषा शिक्षार्थियों-सह-मेटेरियल- डेवेलपर्स : एक परिप्रेक्ष्य पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय हस्ताक्षरित समझौता-ज्ञापन

स्कूल के बच्चों की शिक्षा में समग्र विकास लाने के लिए हायर सेकेंडरी स्कूल, बापू धाम में विभिन्न प्रोग्रामों/गतिविधियों के संचालन के उद्देश्य से नई दिल्ली नगर निगम के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

प्लेसमेंट विवरण

नौकरी प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या -100 लगभग (50%)
भर्ती हेतु परिसर में आने वाली कंपनियों की संख्या - लगभग 40

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

मनोविज्ञान विभाग द्वारा 1 -8 सितंबर, 2017 तक आत्महत्या रोकथाम जागरूकता अभियान (जिजीविशा) आयोजित किया गया । अगस्त, 2017 में सेवा के लिए एन.जी.ओ. के सहयोग से वंचित बच्चों के लिए वाणिज्य विभाग के विद्यार्थियों द्वारा कहानी सुनाई गई। दिल्ली सरकार और उड़ान के सहयोग से 28 सितंबर, 2017 को पदार्थ के बुरे प्रभाव और ड्रग के दुरुपयोग पर संगोष्ठी सह पैनल चर्चा आयोजित की गई। गंदी बस्ती (स्लम) अभियान पर 15 फरवरी, 2018 को स्वच्छता नैपकिन संग्रह और वितरण का अयोजन किया गया था और गैर सरकारी संगठन "वी क्लोथ देम" के सहयोग से 28 फरवरी, 2018 को कपड़ा दान अभियान आयोजित किया गया था।

पुस्तकालय विकास

जीसस और मैरी कॉलेज पुस्तकालय ने वर्ष 2017- 2018 के दौरान 890 पुस्तकें अर्जित की और लोकप्रिय पत्रिकाओं और 16 विदेशी जरनल्स सहित 79 राष्ट्रीय जरनल्स की भी सदस्यता ली। पुस्तकालय में 10 समाचार पत्रों का संग्रह

उपलब्ध है। पुस्तकालय के कुल संग्रह में 54165 पुस्तकें बढ़ी हैं। यह एन-लिस्ट इन्फ्लिबनेट के माध्यम से आपके लिए संसाधनों (6000+ ई-जरनल्स और 97000+ ई-बुक्स) को एक्सेस करने के लिए सदस्यता लेता है।

शिक्षकों की संख्या

स्थायी शिक्षकों की कुल संख्या : 78

तदर्थ शिक्षकों की कुल संख्या : 48 + 2 (बी.वोकेशनल)

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान : रु.2,682.95 लाख

प्रयुक्त अनुदान : रु.2504.23 लाख

***

कालिंदी महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियों और उपलब्धियां

कालिंदी महाविद्यालय वर्तमान में नियमित 7354 स्नातक-पूर्व, गैर-कॉलेजिएट और एस.ओ.एल. के विद्यार्थियों और 73 स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान करता है। महाविद्यालय को तीन प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। सबसे पहले महाविद्यालय को इंटरनेशनल सॉक्रेटीस पुरस्कार नामांकन समिति, लुसेर्न, स्विट्जरलैंड द्वारा जुलाई, 2017 में हमारी संस्था, अनुकरणीय शैक्षणिक प्रबंधन और शिक्षण विधियों द्वारा प्रदान की जाने वाली गुणवत्ता सेवाओं के लिए "शिक्षा क्षेत्र में यूरोपीय गुणवत्ता पुरस्कार" की सिफारिश की गई थी। दूसरा, महाविद्यालय को 21 दिसंबर, 2017 को 38वें विश्व प्रबंधन कांग्रेस के अवसर पर "सर्वश्रेष्ठ प्रबंधित कैंपस पुरस्कार" से भी सम्मानित किया गया था। तीसरा, 8 मार्च, 2018 को महिला शिक्षा और सशक्तिकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए "गर्ल सेंट्रिक तृतीयक शिक्षा और प्रशिक्षण पुरस्कार" पुरस्कार प्राप्त हुआ था। निकट भविष्य में आठ नई परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। कालिंदी महाविद्यालय के शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने मैनुअल स्वेवेंजर्स का समर्थन करने के लिए सहयोग किया और प्रोजेक्ट के लिए 29, 430 / - (उनतीस हजार चार सौ तीस) धनराशि दान कर परियोजना रिहमत का समर्थन किया।

सम्मान \ विशिष्ट सम्मान

डॉ. अनुला मौर्य, प्राचार्या को मैत्री फोरम द्वारा 20 मार्च, 2018 को लोगों के कल्याण की दिशा में आश्चर्यजनक तरीके से और स्थायी उत्कृष्ठता हेतु " भारत का अग्रणी शिक्षाविद पुरस्कार " और " डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम अवॉर्ड " से सम्मानित किया गया ।

डॉ. अनुला मौर्य, प्राचार्या को राष्ट्र और विश्वव्यापी प्रगति के लिए फ्लैटरिंग मेरिट उत्कृष्ट प्रदर्शन और उत्कृष्ट योगदान की मान्यता में व्यक्तिगत उत्कृष्टता के लिए 17 नवंबर, 2017 को " सर्वश्रेष्ठ भारतीय स्वर्ण व्यक्तित्व पुरस्कार 2017 " से सम्मानित किया गया ।

डॉ. अनुला मौर्य, प्राचार्या को फ्रेंडशिप फोरम द्वारा 17 नवंबर, 2017 को आयोजित "आर्थिक विकास और राष्ट्रीय एकता " पर सम्मेलन में उनके चुने हुए क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान और प्रशंसनीय उपलब्धि के लिए "प्रशंसा प्रमाणपत्र " से सम्मानित किया गया।

डॉ. पुष्पा बिंदल, राजनीति विज्ञान विभाग ने शिक्षा निदेशालय, दिल्ली सरकार से "महाविद्यालय व्याख्याता 2017-18 के लिए पुरस्कार" प्राप्त किया।

डॉ. मंजुलता, संस्कृत विभाग को दिल्ली संस्कृत अकादमी द्वारा "संस्कृत समृद्धक सम्मानपत्र" से सम्मानित किया गया था।

<u>गौरव सम्मान प्राप्त छात्र</u>

भवना चौहान , बी.ए(ऑनर्स) पत्रकारिता ने विश्वविद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान के साथ स्नातक की उपाधि प्राप्त की ।

रितिका दुआ, बी.ए.(ऑनर्स) पत्रकारिता ने विश्वविद्यालय स्तर पर तीसरे स्थान के साथ स्नातक की उपाधि प्राप्त की ।

उर्जा विश्वास, बी.एससी. लाइफ साइंस, III वर्ष (VI सेमेस्टर) को वर्ष की नर्गिस सुनील दत्त गर्ल (पुरस्कार की अधिकतम संख्या के लिए) और उत्कृष्टता का सभी दौर पुरस्कार (अकादमिक के लिए) से सम्मानित किया गया था ।

श्रिष्टि सिंह, बी.ए(आनर्स) पत्रकारिता, द्वितीय वर्ष (IV सेमेस्टर) को प्राचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया था (सभी आल राउंड विद्यार्थियों के लिए)

श्रुति ग्रोवर , बी.एससी. लाइफ साइंस, III वर्ष (VI सेमेस्टर) को शिव पाल गोयल मेमोरियल पुरस्कार (अकादमिक उत्कृष्टता के लिए) से सम्मानित किया गया था।

प्रकाशन

मौर्य, ए. और चांद के. (2018) “भारतीय सामाजिक चिंतन में व्यक्ति, परिवार एवं समाज”, दिल्ली, जे.बी. पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, आईएसबीएन 978-93-87827-01-1.

दास, सी. (2017) पुस्तक " *इन द लैंड ऑफ़ बरिड टोंग्स: टेस्टिमोनिस एंड लिटरेरी नारेटिव्स ऑफ़ द लिबरेशन ऑफ 1971।* नई दिल्ली: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस.

सहदेव, एस. और कुमार, एम. (2018) पर्यावरण और सतत विकास : एक भौगोलिक मूल्यांकन। नई दिल्ली, एनडी : कॉसेप्ट पब्लिशिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड.

मंगला, एस.(एड.), 2018, " अंतरराष्ट्रीय राजनीति एवं विश्व संबंधो का इतिहास "कावेरी बुक्स, नई दिल्ली, 2018, आईएसबीएन. 97881 7479 2129.

गोयल, एन. (2017) "संस्कृत साहित्य: पद्यकाव्य"। विद्या प्रकाशन. दिल्ली. 978-93-855539-31-2.

गोयल, एन. (2017) लघुसिद्दाखंडकुमुदी, विद्यानिधि प्रकाशन. दिल्ली. आईएसबीएन 978-93-85539-55-8.

बिंदल, पी., श्रीवास्तव टी., अनन्या , धनकर , ए. (2017) "ऑप्टिकल फाइबर में माइक्रोबेंडिंग लॉसेस का प्रायोगिक अध्ययन," आईसीईपीएमयू-2016 : टेक्नोलॉजी लेटर्स कॉन्फ्रेंस प्रोसीडिंग्स ऑफ द इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन *इंजीनियरिंग फिजिक्स, मैटेरियल्स एंड अल्ट्रासोनिक्स*, पी.पी. 37-40.

मिश्रा, आर.आर. (2017) भारत में समाज, धर्म और जैव विविधता संरक्षण। द क्लारियन-मल्टीडिस्प्लिनरी इंटरनेशनल जरनल 6 (2) 53-58. प्रिंट आईएसएसएन: 2277-1697, ऑनलाइन आईएसएसएन : 2277-937 एक्स.

त्यागी, आर. (2017) "भारत का राष्ट्रपति : विवेकपूर्ण शक्तियों के साथ संवैधानिक प्रमुख", इंडियन जरनल ऑफ पब्लिक एडमिनिसट्रेशन, 63 (3) सितंबर, 2017, (विशेष अंक: संविधान में भारत में राष्ट्रपति और राज्यपाल की विवेकपूर्ण शक्तियां एवं प्रैक्टिस), पीपी 330-351, आईएसएसएन 0019-5561

अनुसंधान परियोजनाएं

परियोजना शीर्षक : परमाणु और ठोस के साथ अत्यधिक चार्ज किए गए धीमें आयनों की एक्स-रे स्पेक्ट्रोस्कोपी। प्रिंसिपल इनवेस्टिगेटर : डॉ. पुनीता वर्मा , फंडिंग एजेंसी : इंटर यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर (आईयूएसी), नई दिल्ली, आबंटित राशि : आईयूएसी में उपलब्ध सभी निधि। समावधि : 2013 - ऑनगोइंग.

परियोजना कोड : मेजर यूएफआर नं. 58324, परियोजना शीर्षक : छोटे इंटर परमाणु दूरी पर एक्स-रे माप की अनुमान के लिए आणविक कक्षीय दृष्टिकोण, प्रिंसिपल इनवेस्टिगेटर : डॉ. पुनीता वर्मा, फंडिंग एजेंसी : इंटर एक्सेलरेटॅर त्वरक केंद्र (आईयूएसी), नई दिल्ली, आबंटित राशि : रु. 6,43,000 / -, समावधि : वर्ष 2016 के बाद 36 महीने के लिए.

परियोजना कोड : ईसीआर/2017/000590 , परियोजना शीर्षक : कैटफ़िश *हेटरोपनेस्ट्स जीवाश्म* में वासोटोसिन और कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स के बीच कार्यात्मक इंटरएक्शन , प्रिंसिपल इनवेस्टिगेटर : डॉ. वर्षा सिंह, फंडिंग एजेंसी: डीएसटी-एसईआरबी, आबंटित राशि : रु.23,07201/- समावधि : वर्ष 2017 के बाद 3 वर्ष के लिए।

परियोजना का शीर्षक : "भारत के प्रधान मंत्रियों के संग्रहालय" के "प्रमुख(मेजर) अनुसंधान परियोजना" के लिए अकादमिक सलाहकार, इंदिरा गांधी के लिए प्रधान जांचकर्ता : डॉ. रुचि त्यागी। परियोजना के तहत : नेहरू मेमोरियल संग्रहालय और पुस्तकालय (एनएमएमएल), संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, तीन मूर्ति हाउस, नई दिल्ली। परियोजना शुरू की गई : नवंबर 2017, परियोजना अवधि: प्रारंभ में छह महीने की अवधि के लिए, एनएमएमएल के विवेकानुसार विस्तारित किया जाए।

आयोजित संगोष्ठियां

डॉ. बी.आर. अम्बेडकर अध्ययन केंद्र ने सामाजिक न्याय में डॉ. अम्बेडकर चेयर के सहयोग से, " भारत में महिला अधिकारों पर डॉ. अम्बेडकर : मुद्दों और संभावनाएं "पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) ने 6 एवं 7 दिसंबर, 2017 को इस अवसर पर आयोजित किया गया था।

संगोष्ठी कक्ष में 13 फरवरी, 2018 को अंग्रेजी साहित्यिक सोसाइटी, मित्रक्षर द्वारा "प्रतिनिधित्व अवसाद : बीमार सांस्कृतिक धारणाओं" शीर्षक पर विद्यार्थियों हेतु संगोष्ठी का आयोजन किया गया था।

विद्यार्थियों हेतु 27 फरवरी 2018 को आयोजित सम्मेलन में वैश्विक मुद्दों और बहस, भारत में लैंगिक समानता, महिलाओं से और समाज में अपराध तथा भारतीय राजनीति में विभिन्न मुद्दों जैसे विषयों पर बी.ए.(आनर्स) और बी.ए.(आनर्स) के विद्यार्थियों द्वारा सभी 41 पेपर प्रस्तुत किए गए थे।

संगोष्ठी\ सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण

सहदेव, एस., ने "भारत में महिलाओं के अधिकार पर डॉ. अम्बेडकर : मुद्दों और संभावनाओं" पर पत्रकारिता विभाग द्वारा 6-7 दिसंबर, 2017 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "पर्यावरण पर डॉ. अम्बेडकर का दृष्टिकोण : उत्तराखंड राज्य में जल संसाधनों का एक अध्ययन" शोध पत्र प्रस्तुत किया ।

शर्मा, एम. ने जानकी देवी महाविद्यालय, डीयू द्वारा 8-9 मार्च, 2018 को आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'वर्तमान फिल्मों में स्त्री सशक्तिकरण का स्वरुप हिंदी सिनेमा और लोकतंत्र : भाव और अभिनय' पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

त्यागी, आर., ने भारतीय सामाजिक विज्ञान और अनुसंधान परिषद(आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित और रामभाऊ म्हाल्गि प्रबोधिनी द्वारा 20-21 जनवरी, 2018 को उत्तान में आरएमपी-केईसी परिसर,, भायंदर, ठाणे (मुंबई के निकट) में आयोजित प्रस्तुत 'वन नेशन वन इलेक्शन' पर 'वार्षिक सम्मेलन 2018' में "निर्वाचन संबंधित संवैधानिक और वैधानिक प्रावधान" प्रस्तुत किए ।

ढाल, एस., ने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन : उत्तर-दक्षिण विश्वविद्यालय ढाका और युनिवर्सिटी ऑफ बर्गन, नॉर्वे द्वारा 18 -19 नवंबर, 2017 को आयोजित 'ई-गवर्नेंस के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना : इनेबलिंग मीजर के रूप में क्षमता निर्माण' पर पेपर प्रस्तुत किया गया ।

मंगला, एस., ने डॉ. अम्बेडकर फाउंडेशन, सामाजिक न्याय एवं आधिकारिता मंत्रालय द्वारा प्रायोजित और सामाजिक न्याय में डॉ. अम्बेडकर चेयर, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आई.आई.पी.ए.) के सहायोग से डॉ. बी.आर. अम्बेडकर अध्ययन केंद्र, कालिंदी महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय) द्वारा 6-7 दिसंबर, 2017 को आयोजित भारत में महिलाओं पर डॉ. अम्बेडकर : मुद्दे और सम्भावनाओं पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "महिलाओं के उद्धार के लिए अम्बेडकर का प्रयास : आर्थिक सशक्तिकरण के विशेष संदर्भ के साथ" पर पेपर प्रस्तुत किया ।

राष्ट्रीय \ अंतरराष्ट्रीय समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

कालिंदी महाविद्यालय में उत्तर पूर्व में महिला उद्यमिता के लिए एक आईबीएसडी-कालिंदी केंद्र स्थापित करने के लिए जैव संसाधन और सतत विकास संस्थान, इम्फाल, मणिपुर के साथ समझौता ज्ञापन ।

महाविद्यालय की एन.एस.एस. यूनिट ने भारतीय सड़क सुरक्षा अभियान - आईआरएससी, महत्वपूर्ण सड़क सुरक्षा को बढ़ाने और सड़कों पर दुर्घटनाओं को रोकने करने के लिए नियम सहित राष्ट्रीय परियोजना के लिए आई.आई.टी दिल्ली के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

निम्नानुसार कई अन्य एम.ओ.यू. हस्ताक्षरित किए गए।

इंद्रप्रस्थ संजीवनी, एन.जी.ओ

टीईआरआई स्कूल ऑफ एडवांस्ड स्टडीज (टीईआरआई एसएएस) और कालिंदी महाविद्यालय
कालिंदी महाविद्यालय के साथ आर.के फिल्म्स और मीडिया अकादमी
इंग्लिट्यूड एकाडेमिक्स एल.एल.पी., नई दिल्ली और कालिंदी महाविद्यालय
आईक्यूएसी, कालिंदी महाविद्यालय और कनेक्टिंग ड्रीम्स फाउंडेशन
बी.वोकेशनल (प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी) के लिए दैनिक जगरण, नोएडा और बी.वोकेशनल (वेब डिज़ाइनिंग) के लिए सिसोफ्ट टेक्नोलॉजीज सहित बी. वोकेशनल(प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी) और बी.वोकेशनल (वेब डिज़ाइनिंग) ।

प्लेसमेंट विवरण

नौकरी प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या - 25
भर्ती हेतु परिसर में आने वाली कंपनियों की संख्या -16
दोबारा आने वाले नियोक्ताओं(रेक्रूइटर्स) की संख्या- 00

विस्तार और आउटरीच कार्य

कनेक्टिंग ड्रीम्स फाउंडेशन (सीडीएफ), कालिंदी महाविद्यालय अध्याय, मार्च 2017 से ऑपरेटिव, जिसका उद्देश्य महाविद्यालय में वंचित बच्चों को शिक्षा प्रदान करना है। परियोजना 'ड्रीम की लाइब्रेरी' अप्रैल, 2017 में शुरू हुई जिसके अंतर्गत खालसा स्कूल, आर.के. आश्रम में वंचित बच्चों के लिए एक पुस्तकालय का निर्माण किया गया था। सामाजिक जिम्मेदारी प्रकोष्ठ की सितंबर, 2017 में अपनी परियोजना 'किलकारी' के साथ शुरूआत हुई थी । बढ़ती हुई ड्रॉपआउट दरों को ध्यान में रखते हुए एक किलकारी पाठशाला की प्रत्येक बच्चे को पढ़ने और लिखने में सक्षम बनाने के लिए पर्याप्त संगत बनाने के लिए शुरूआत की गई थी। झंडेवालन के झुग्गी इलाकों में एक किलकारी पाठशाला लगभग 20 बच्चों को पढ़ने एवं लिखने में सक्षम बनाने के लिए एक सप्ताह में हर 4 दिन कक्षाएं आयोजित की जा रही है, जहां स्वयंसेवकों की एक टीम अंग्रेजी, गणित, हिंदी और ई.वी.एस./जी.के./नैतिक विज्ञान जैसे मुख्य विषयों को पढ़ाती है। दूसरे चरण में किलकारी पाठशाला ने टोडापुर, इंद्रपुरी और पटेल नगर के झोपड़पट्टी क्षेत्रों में प्रत्येक केंद्र में 40 बच्चों को पढ़ाने का लक्ष्य रखा है। मनोरंजक गतिविधि के एक हिस्से के रूप में केंद्रों में नृत्य

कक्षाएं भी नियमित रूप से आयोजित की जा रही हैं। परियोजना के तहत महाविद्यालय के 'मासूम' स्वयंसेवकों ने कई संगठनों के साथ बातचीत की, दिन-प्रतिदिन अनुभवों से टीम को एहसास हुआ कि उल्लिखित समुदाय के कल्याण और विकास की दिशा में कार्य करने के साथ विशेष लोगों के समुदाय को बहुत ध्यान देने की जरूरत है। जब उपलब्धि की बात आती है तो एक्टस कालिंदी टीम को एनएसआईटी दिल्ली में आयोजित सोशल बी-प्लान प्रतियोगिता में पहला पुरस्कार और जीआईएमएस कालकाजी में आयोजित बी-प्लान प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार मिला है।

पुस्तकालय विकास

वर्ष 2017-18 के दौरान पुस्तकालय संसाधनों को बढ़ाया गया है और पुस्तक बैंक और विद्यार्थी सहायता प्राप्त निधि पुस्तकों सहित पुस्तकालय के संग्रह में कुल 81,889 पुस्तकें हैं । पुस्तकालय प्रयोक्ता नई आई पुस्तकों के माध्यम से स्वयं को प्रबुद्ध करने में सक्षम हैं। वर्तमान में पुस्तकालय ने अपने पाठकों के हित के लिए विभिन्न क्षेत्रों से अंग्रेजी और हिंदी भाषाओं में 106 पत्रिकाओं/जरनल्स और 16 समाचार पत्रों की सदस्यता ली है। पुस्तकालय में ई-संसाधनों के उपयोग के लिए एक वेब सेंटर है, परामर्श उद्देश्यों के लिए अलग पढ़ने का कमरा और विद्यार्थियों और कर्मचारियों के लिए फोटोकॉपी सुविधा भी उपलब्ध है। एन-लिस्ट लॉगिन आई.डी के माध्यम से ई-संसाधनों की रिमोट लॉगिन एक्सेस सुविधा पुस्तकालय द्वारा भी प्रदान की जाती है।

शिक्षकों की संख्या

स्थायी शिक्षकों की कुल संख्या : 82

तदर्थ शिक्षकों की कुल संख्या : 95

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान	:	रु.25,28,39000 / - (यूजीसी) + 52,60,000 / - (डी.ए)
प्रयुक्त अनुदान	:	रु.30,25,57,042 / -

कोई अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

महाविद्यालय के टी.आर.आई. ब्लॉक और अकादमिक ब्लॉक की खुली छत पर आई.पी.जी.सी.एल योजना के तहत स्थापित सौर प्रणाली परियोजना सफलतापूर्वक 61 किलोवाट विद्युत उत्पन्न कर रही है। परियोजना हीरो सौर ऊर्जा प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली द्वारा वचनबंध की गई है। इस परियोजना ने महाविद्यालय में विद्युत की खपत को काफी हद तक कम कर दिया है। महाविद्यालय ने चुनावी प्रक्रिया में युवा मतदाताओं की प्रभावी भागीदारी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 24 जनवरी, 2018 को "राष्ट्रीय मतदाता दिवस" का आयोजन किया ।

***

कमला नेहरु महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

संकाय और विद्यार्थियों द्वारा पाठ्यक्रम की समझ को समृद्ध करने के लिए पावर प्वाइंट और ऑडियो-विजुअल प्रस्तुतिकरण किए जाते हैं। फिल्म बनाने की बारीकियों को समझने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। संसाधनों को साझा करने और शैक्षणिक जुड़ाव बढ़ाने के लिए कुछ विभागों ने गुगल समूह/अन्य ऑनलाइन समूह बनाए हैं। कोर्स वर्क से संबंधित यात्रा और भ्रमण, क्षेत्रीय यात्राओं, विरासत और माइंडफुलनेस कार्यशालाएं विषयों से संबंधित पाठ्य विवरण की वास्तविक समय की समझ विकसित करने के लिए नियमित रूप से आयोजित की जाती है। कई विभाग उपचारात्मक वर्गों का आयोजन करते हैं और उन विद्यार्थियों के लिए परामर्श सत्र होते हैं जिन्हें उनकी आवश्यकता हो सकती है। कई विभाग पुस्तक बैंक सुविधा उपलब्ध कराते हैं ताकि ताकि विशेषाधिकार प्राप्त विद्यार्थी

उन संसाधनों का लाभ उठा सके। ग्रीन बीन्स (पर्यावरण वातावरण) ने पर्यावरण विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार की सहायता से 26 अगस्त - 7 अक्टूबर, 2016 तक पर्यावरण पर सात सप्ताह का एड-ऑन सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम आयोजित किया। विद्यार्थियों के लिए लगभग सभी विभागों के अपने संबंधित क्षेत्रों में प्रतिष्ठित विषय विशेषज्ञों द्वारा नियमित व्याख्यान आयोजित किए जाते हैं ताकि वे अपने डिस्प्लिन में नए विभागों और शोध रुझानों से अवगत हो सकें। विभाग विद्यार्थी शोध परियोजनाओं का संचालन करते हैं। इस प्रयास का उद्देश्य और फोकस विद्यार्थियों को अनुसंधान विषयों और पद्धति की विस्तृत श्रृंखला को समझने में मदद करना है।

अनुसंधान परियोजनाएं

अंग्रेजी विभाग ने मार्च, 2017 के महीने में यू.एस. स्टेट विभाग से $ 3,000 की धनराशि का अनुदान प्राप्त किया।

राजनीति विज्ञान विभाग ने जून, 2017 के महीने में ब्राउन यूनिवर्सिटी, यूएसए से $ 3,000 की धनराशि का अनुदान प्राप्त किया। मार्च, 2017 के दौरान ओमेमो कुमार दास इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल चेंज से इसे रु.11,000 रुपये भी प्राप्त हुए ।

31 मार्च, 2017-2018 की अवधि के लिए युनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न आस्ट्रेलिया से समाजशास्त्र विभाग को रु.2.5 लाख और रु.16.16 लाख + $6000 प्राप्त हुए।

जरनल्स

अकाडेमोस, अंग्रेजी और हिंदी में प्रकाशित महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित पीयर वीव्यूड जरनल है।

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण और प्रकाशन

धवन, जे. (2017) सीएसआर : निदेशक संस्थान में सही तरीके से सही चीजें करना : ललित अशोक, बेंगलुरू में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पर 11वां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन।

खन्ना आर.ए (2017) तकनीकी गठबंधनों के माध्यम से ज्ञान गैप की ब्रिजिंग : नेशनल युनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर द्वारा आयोजित दसवें वैश्विक अध्ययन सम्मेलन, 2017 में इंस्ड्रुमेंटल वैरिएबल मेथडिंग का उपयोग कर एक उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग का आकलन।

सिंह, ए. (2017) इतिहास अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से अंग्रेजी विभाग, स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय द्वारा आयोजित संस्कृति और साहित्य *: रीडिंग द मार्जिन'* पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मलिक सजाद के मुन्नू में आत्मकथा, इतिहास और कॉमिक फॉर्म *: कश्मीर से एक लड़का* ।

मल्होत्रा, एन. (2017) संयुक्त राष्ट्र के लिए स्थानिक निर्णय समर्थन प्रणालियों में हिमालयी जलवायु परिवर्तन की सामुदायिक प्रतिक्रिया, सतत विकास लक्ष्य, कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत।

अग्रवाल, एस. (2017) कमला नेहरू महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में साहित्य पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में प्रवासी लेखिका स्नेह ठाकुराल।

ओझा, ए. (2017) अंग्रेजी और तुलनात्मक साहित्य विभाग, केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय, विद्यानगर परिसर, कासारगोड, केरल द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में शांगरी ला की खोज में - वृत्तचित्र फिल्म के रूप में लद्दाख पर ऐतिहासिक कथा।

कौर, बी. (2017) मीडिया और संचार अध्ययन, एमिटी विश्वविद्यालय, राजस्थान में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में डिओडोरेंट विज्ञापन में महिलाओं का प्रतिनिधित्व ।

भारती, एस.के. (2016) डीएसटी और गणित विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में अमेरिकी गणितीय सोसाइटी के साथ सहयोग में भारतीय गणितीय कंसोर्टियम के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में परिवहन समस्या के अनुकूलन के लिए एक बेहतर कम्प्यूटेशनल एल्गोरिदम।

निर्बन, जी.(2017) दर्शनशास्त्र विभाग, युनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली इन एसोसिएशन काउंसिल फॉर रिसर्च इन वैल्यूज एंड फिलॉसफी-वाशिंगटन डीसी (सीआरवीपी), इंडियन काउंसिल ऑफ फिलॉसॉफिकल रिसर्च (आईसीपीआर) और रामानुजन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा रिलर्निंग टू बी ह्यूमन : जस्टिस एंड रेसपॉन्सिबिलिटी इन ग्लोबल टाइम्स पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में इको-धर्म एज ए कॉन्सेप्ट ऑफ रसपॉन्सिबिलिटी : इथिकल एनालिसिस थ्रो द रीडिंग ऑफ सेलेक्ट सब-नरेटिव्स ऑफ महाभारत ।

मालवीया, आर. (2017) संघीयवाद में रुझानों का सार्वभौमिकरण और विवरण बनाना : भारत में संघीयवाद के माध्यम से बहुसांस्कृतिकता और संघर्ष समाधान पर वैश्वीकरण के दबाव, आईसीएसएसआर प्रायोजित, थीम: भारत में वैश्वीकरण और संघीय शासन : कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में उभरते मुद्दों को समझना ।

चौधरी, एस.(2016) भारतीय विद्या भवन, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली में वैदिक ज्ञान के वैज्ञानिक पहलुओं पर 12वीं इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ वेव्स, 2016 में "जलौर सूर्य किरन चिकित्सा - अथर्ववेद के संदर्भ में"।

दलुआ, पी. (2016) वैश्वीकरण, भारत में अनोमी और किसान आत्महत्या : एक मैक्रो-सामाजिक दृष्टिकोण, 16वीं यूरोपीय संगोष्ठी (ईएसएसएसबी), ओवियडो, स्पेन।

राष्ट्रीय सम्मेलन / संगोष्ठी में प्रस्तुत पेपर्स

अग्रवाल, ए. (2017, 24 जनवरी). - दिल्ली मेट्रोपॉलिटन एजुकेशन (डीएमई), नोएडा में आयोजित प्रबंधन प्रैक्टिसेस में बढ़ते रुझानों के विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भारतीय आईटी फर्मों की अंतरराष्ट्रीयकरण रणनीतियां।

देवी आर. (2017, फरवरी 4).- गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म महाविद्यालय, पलवल, हरियाणा में राजनीति विज्ञान और इतिहास विभागों द्वारा आयोजित 'भारत के उत्तर पश्चिमी क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण' पर द्वितीयरे राष्ट्रीय संगोष्ठी में महिलाओं के सशक्तिकरण में राज्य और उसके संस्थानों की भूमिका।

सिंघल, एस. (2017, 17 फरवरी). - अंग्रेजी अध्ययन केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय युवा शोधकर्ताओं के सम्मेलन में कैनन द्वारा निर्धारित सीमाएं : भूपनखखार का /में अनुकूलन ।

अग्रवाल, एस. (2016, 2 9 जुलाई). - साहित्य अकादमी, दिल्ली और बी.आर अम्बेडकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर द्वारा नलिन विलोचन शर्मा-जन्म शत वार्षिकी पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में नलिन विलोचन शर्मा : व्यक्तित्व और कृत्वि ।

कुमार, एन. (2016, दिसंबर 28-30). - राष्ट्रीय संगीत के क्वेस्ट में एआईआईआर, भारतीय इतिहास कांग्रेस, तिरुवनंतपुरम। वायरियर, एम.वी.एस (2016, 13 सितंबर)। - विरोध की संस्कृति, चेतना और मिल कार्य का आकार: मदुरै में कक्षा, लैंगिक, जाति और समुदाय 1914-1951‖, नेहरू मेमोरियल संग्रहालय और पुस्तकालय, तीन मूर्ति, नई दिल्ली।

कौर, बी. (2017, मार्च 23-24)। - कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित महिला अधिकारों और जिम्मेदारियों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में महिला सशक्तिकरण के लिए मीडिया शिक्षा।

मेहरा, डी. (2016, अक्टूबर 4-15) गणित विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में बीजगणित, विश्लेषण, कोडिंग और क्रिप्टोग्राफी पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "कॉन्टीन्युअस वेविंग फ्रेम्स"।

निर्बान, जी. (2017, फरवरी 17-18). - राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी डॉ. सर्वविल्ली राधाकृष्णन _ रिइमेजिंग दक्षिण एशिया : विचारों के इतिहास में एक अन्वेषण '- इडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (आईसीएसएसआर)।

मिधा, एस.एस (2017, फरवरी 14-15). - यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली में स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा में नवीनतम रुझानों पर यूजीसी प्रायोजित द्वतीय राष्ट्रीय सम्मेलन में खेल और मनोरंजन में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता ।

अहमद, ए. (2017, 11 फरवरी). - यू.पी.ई सेंटर फॉर एडवांस्ड रिसर्च एंड ट्रेनिंग, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद द्वारा आयोजित "लैंगिक और शासन" पर एक गोलमेज सम्मेलन में पॉलिटिक्स ऑफ कवर्ड एंड अनकवर्ड बॉडीज में भाग लिया और पेपर प्रस्तुत किया।

सिंह, वी. (2017, मार्च 8-10). - मनोविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में वैवाहिक संदर्भों के भीतर पहचानों की बातचीत : विवाहित महिला के अनुभव : भेद्यता, संवाद, व्याख्यान और बहस के उभरते रूप।

चौधरी, एस. (2017, नवंबर 14-15). "हिंदी पत्रकारिता के विकास का स्वरूप" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "हिंदी पत्रकारिता का अतीत और वर्तमान : भूमिका ओर चुनौतियां", विवेकानंद महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।

प्लेसमेंट विवरण

नौकरी प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या = 4

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ :

महाविद्यालय के एन.एस.एस. विंग ने महाविद्यालय परिसर, मस्जिद मोथ क्षेत्र, गौतम नगर और नीतिबाग में एक स्वच्छ जागरूकता अभियान आयोजित किया। इसने 7 जुलाई, 2017 को बेगमपुर गंदी बस्ती(स्लम) क्षेत्र में 'स्वच्छता और स्वास्थ्य-रक्षा जागरूकता अभियान' भी आयोजित की। सदस्यों ने 2 अगस्त से 15 अगस्त, 2017 तक स्वतंत्रता दिवस के अवसर स्वच्छ भारत अभियान के हिस्से के रूप में "स्वच्छता ही सेवा" मनाया। एन.एस.एस. स्वयंसेवकों ने 31 अक्टूबर, 2017 को हमारे देश के अग्रणी स्वतंत्रता सेनानियों में से एक सरदार वल्लभभाई पटेल की याद में "राष्ट्रीय एकता दिवस" के अनुपालन पर प्रतिज्ञा ली। राजीव गांधी कैंसर संस्थान और अनुसंधान केंद्र (आरजीसीआईआरसी) के सहयोग से 31 अगस्त, 2017 को एक कैंसर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया था। महाविद्यालय से तीसरे वर्ष के छह कैडेट अमृतसर में 1 9 जून, से 30 जून, 2017 तक राष्ट्रीय एकता शिविर में भाग लेने के लिए गए। दूरदर्शन ने "गुड इवनिंग इंडिया" में 'आत्मरक्षा' पर एक कार्यक्रम में एन.सी.सी कैडेटों को आमंत्रित किया था। उद्यमिता प्रकोष्ठ की टीम ने मोची(कोबब्लर्स) के लिए सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम के तहत परियोजना 'कदम' का समर्थन करने के लिए रु.90,000 'एनैक्टस ब्लू डार्ट इम्पॉवरिंग कम्पेटिशन 2017 ग्रांट' और 'एनैक्टस महिंद्रा कम्पेटिशन 2017-2018 गांट' जीता। ।

पुस्तकालय विकास:

महाविद्यालय पुस्तकालय एक सर्वर और ग्यारह क्लाइंट्स लोकल एरिया नेटवर्क से पूरी तरह से स्वचालित है। दो कंप्यूटर इंटरनेट सुविधा से लैस हैं ताकि शिक्षकों और विद्यार्थियों को महाविद्यालय परिसर से इलेक्ट्रॉनिक अभिलेखागार तक पहुंच मिल सके जो कि दिल्ली विश्वविद्यालय जैसे जेस्टर, प्रोजेक्ट म्यूज इत्यादि द्वारा प्रदान की जाती है। सभी उपयोगकर्ताओं को प्रतिष्ठित डेलनेट (डेवलपमेंट लाइब्रेरी नेटवर्क) और इनफ्लिबनेट सुविधा प्रदान की जाती है। पुस्तकालय ने वर्ष 2017 के दौरान 2464 से अधिक शीर्षक(टाइटल्स) जोड़े और पुस्तकों का कुल संग्रह अब 97335,394 सी.डी और 605 डीवीडी तक पहुंच गया है। इसके अलावा विद्यार्थियों और कर्मचारियों के लाभ के लिए 77 जरनल्स/आवधिक (अंग्रेजी में 62 और हिंदी में 15) और 11 दैनिक समाचार पत्र (अंग्रेजी में 7 और हिंदी में 4)

की सदस्यता ली जा रही है। पुस्तकालय में भू-तल पर एक व्यवस्थित ढंग से व्यवस्थित स्टैक हॉल है। संदर्भ अनुभाग और आवधिक अनुभाग द्वारा एक बड़े वाचनालय की सुविधा प्रदान की जाती है। हिंदी उपन्यास, ओल्ड बाउंड आवधिक, प्रसिद्ध लेखक डॉ. अनीता देसाई, संस्कृत और पंजाबी साहित्य आदि का संग्रह द्वितीय तल पर स्थित है। पुस्तकालय में 300 पाठकों के बैठकर अध्ययन करने की सुविधा उपलब्ध है, और ऑडियो विजुअल संग्रह के लिए अलग-अलग अनुभाग है।

***

केशव महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

तीन संकाय सदस्यों को डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की उपाधि से सम्मानित किया गया और दो अन्य ने अपनी पोस्ट डॉक्टॅरल फैलोशिप पूरी की है। छह संकाय सदस्य ने पीएचडी उपाधि के लिए विद्यार्थियों का पर्यवेक्षण कर रहे हैं। पहला पूर्व विद्यार्थी पुनर्मिलन 23 दिसंबर, 2017 को आयोजित किया गया था । राष्ट्रीय सूचना केंद्र(एनआईसी) के सहयोग से केंद्रीय क्रय समिति ने फरवरी, 2018 में "ई-प्रापण कार्यान्वयन" पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों में उद्यमशीलता कौशल वित्तीय जागरूकता पैदा करने के लिए इस अकादमिक वर्ष में दो नए प्रकोष्ठ क्रमश: इस वर्ष महाविद्यालय ने दूरदर्शन के पूर्व अभियंता-प्रभारी श्री आर. के. सिंह और पूर्व सलाहकार, डी.यू.सी.आर के समन्वय में 40 घंटों की अवधि के 'रेडियो प्रसारण' में पाठ्यक्रम पर एक ऐड प्रस्तुत की। रोट्रैक्ट क्लब के विद्यार्थियों ने अनाथाश्रमों और वृद्धाश्रमों का दौरा किया। उन्होंने कपड़े और पुस्तकें संग्रह और दान अभियान और वृक्षारोपण अभियान आयोजित किए।

विद्यार्थियों की उपलब्धियां

अंशुमन भारद्वाज, बी.एससी (आनर्स), कंप्यूटर विज्ञान, प्रथम वर्ष ने सी.पी.यू.एस.आई.एम के ट्यूटोरियल्स के लिए एक यू-ट्यूब प्लेलिस्ट बनाई है, जो माइक्रोप्रोसेसर अनुकरण करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक टूल्स है।

साक्षी बंसल मनोविज्ञान विभाग, अंतिम वर्ष के विद्यार्थी को प्रतिष्ठित गांधी फैलोशिप से सम्मानित किया गया है और उन्हें एम.एससी. संगठनात्मक मनोविज्ञान करने के लिए युनिवर्सिटी ऑफ नॉटिंघम ने 100% छात्रवृत्ति प्रदान की। रोटरी इंटरनेशनल मुख्यालय द्वारा अंतरराष्ट्रीय सामाजिक कल्याण परियोजना के रूप में उनकी परियोजना "ली.ई.ए.पी " (साक्षरता.सशक्तिकरण.योग्यता.भागीदारी) का चयन किया गया है।

पारुल कुमारी और मनु सिंह, गणित विभाग को उच्च शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार से प्रत्येक को रु.10,000 का पुरस्कार प्राप्त हुआ।

शौरभ सिंह और गौरव मामगेन, इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग को उच्च शिक्षा करने के लिए प्रति वर्ष रु.60,000 की डीएसटी-इंस्पायर छात्रवृत्ति प्राप्त हुई।

हर्षित कंसल, बीएमएस, द्वितीय वर्ष को दूसरी बार वर्ष 2017-18 के लिए सेंटर सेक्टर ऑफ स्कॉलरशिप फॉर कॉलेज एवं युनिवर्सिटी स्टूडेंट्स के तहत रु. 10,000 की छात्रवृत्ति प्राप्त हुई।

प्रकाशन

कुमार, एस., कौर, जे., वर्मा, ए., मुकेश, कुमार, ए., डोमोनिक, ए., (2018) 'इन्फ्लुएंस ऑफ पोलिथर चैन ऑन द नॉन-कोवैलेंट इंटरएक्शन्स एंड स्टेबिलिटी ऑफ द कॉन्फॉरमर्स ऑफ कैलिक्स[4] क्राउन ईथर्स', जरनल ऑफ इनक्लूशन फेनोमेना एंड मैक्रोकैक्लिक कैमिस्ट्री ।

अरोड़ा, ए., (2018) 'लेनदेन स्तर पर क्रेडिट जोखिम प्रबंधन की प्रक्रिया: भारतीय वाणिज्यिक बैंकों का चित्रण', एशियन जरनल ऑफ मैनेजमेंट एप्लीकेशन एंड रिसर्च , 8 (1) : पी.पी 458-470।

कुमार, पी., राणा, जे, (2017) 'संगठनात्मक मूल्यों और परफॉरमेंस के बीच संबंध', इंटरनेशनल जरनल ऑफ रिसर्च इन आई.टी. एंड मैनेजमेंट (आई.जे.आर.आई.एम.), 7(5) , : पी.पी 100-110, ISSN 2349-6517.

कुमार, पी., (2017) 'प्रबंधन प्रैक्टिसेस पर क्लासिकल प्रबंधन दृष्टिकोण का प्रभाव', एशियन जरनल ऑफ मैनेजमेंट, 8 (3), एजेएम-546.

नेगी, वी., बर्धन ए., (2017) 'विकासशील देशों में श्रम बाजार विनियम और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश अंतर्वाह(इनफ्लोज) - एक अनुभवजन्य विश्लेषण', जरनल ऑफ इंटरनेशनल इकॉनोमिक्स, 8 (2) , : पी.पी 27-42, आई.एस.एस.एन. 0976-0792.

नेगी, वी., ' (2017) उभरते बाजारों में मजदूरी पर विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के प्रभाव', हिमालयी जे. सोशल साइंस एंड ह्यूमिनिटीज, 12, पी.पी 20-37, आई.एस.एस.एन 0975-98 91.

गुप्ता आर., सहगल पी., (2018) 'नॉन-डेटेरमिनिस्टिक एप्रोच टू एले रिप्ले अटैक ऑन ऑन आईरिस बायोमेट्रिक', पैटर्न विश्लेषण और अनुप्रयोग (स्प्रिंगर-वेरलाग), पी.पी 1-13, डी.ओ.आई: 10.1007 /एस 10044-018-0681- 8.

जिंदल, वी., बेदी, पी. (2018) 'एन इम्प्रूवड हाईब्रिड आन्ट पार्टिकल ऑप्टिमाइजेशन(आई.एच.ए.पी.ओ.) एल्गोरिथम फॉर रेड्यूसिंग ट्रैवेल टाइम इन वैनेट्स', एप्लाइड सॉफ्ट कंप्यूटिंग, ए.एस.ओ.सी, 64, : पी.पी 526-535, डी.ओ.आई: 10.1016 / जे.एसोस.2017.12.038, आई.एस.एस.एन 1568-4946 प्रिंट करें, ऑनलाइन आई.एस.एस.एन.1568-4946.

जिंदल, वी., बेदी, पी. (2017) 'प्रीम्पेप्टिव मैको (मैको-पी) एल्गोरिथम, फॉर रेड्यूसिंग ट्रैवेल टाइम इन वैनेट्स', एप्लाइड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ए.ए.आई, 31(2), पी.पी 174-196. डी.ओ.आई : 10.1080/ 08839514. 2017.1300017, प्रिंट आईएसएसएन 0883-9514, ऑनलाइन आईएसएसएन 1087-6545.

सिंह, पी., सिंह, डी., राम, एस.डी (2017) 'महत्वपूर्ण गणितीय ट्ल्स और विश्वसनीयता सिद्धांत में उनके अनुप्रयोग', इंटरनेशनल जरनल ऑफ कंप्यूटर एंड मैथमैटिकल साइंसेज, आईजेसीएमएस, 6 (12) : 34.

महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित जरनल्स/पत्रिकाएं

वाणिज्य विभाग ने अपने वार्षिक उत्सव 'फ्लैडलिंग' के दौरान अपनी वार्षिक पत्रिका 'जेनेसिस' जारी की।
कंप्यूटर विज्ञान विभाग ने अपने वार्षिक उत्सव 'ब्लिट्जक्रीग' के दौरान अपनी वार्षिक पत्रिका 'ई-ब्लिट्जिन' जारी की।

आयोजित संगोष्ठियां / कार्यशालाएं

केंद्रीय क्रय समिति ने राष्ट्रीय सूचना केंद्र (एनआईसी), भारत सरकार के सहयोग से फरवरी, 2018 में "ई-प्रापण कार्यान्वयन" पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

कम्प्यूटर विज्ञान सोसाइटी ने नवंबर, 2017 में डॉ. अनुप गिरधर, सीईओ, सीडुलिटी सॉल्यूशंस एंड टेक्नोलॉजीज के द्वारा 'डिजिटल भारत में सायबर सुरक्षा' पर आधे दिन की कार्यशाला और एप्टेक इंडिया के सहयोग से फरवरी, 2018 में 'बिग डेटा और हाडोप' पर एक पूर्ण दिवस कार्यशाला का आयोजन किया।

इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग ने सिग्क्रिड एलएलपी कंपनी की टीम के मार्गदर्शन में 7-8 सितंबर, 2018 को आयोजित सेंटर फॉर इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी, एन.एस.आई.टी, द्वारा सह-आयोजित 'ईगल सीएडी और पीसीबी फैब्रिकेशन' पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की।

प्रो. धनंजय वी. गडरे के मार्गदर्शन में सीईडीटी, एनएसआईटी के सहयोग से इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग द्वारा 1-2 नवंबर, 2018 को 'एंबेडेड सिस्टम डिज़ाइन पर एंबेडेड सिस्टम डिज़ाइन यूजिंग एवीआर और डिजिटल सिस्टम डिज़ाइन यूजिंग प्रोगामेबल लॉजिक डिवाइस' पर राष्ट्रीय स्तर संकाय विकास कार्यक्रम(एफडीपी) आयोजित किया गया था।

प्रबंधन अध्ययन विभाग ने 6 -7 फरवरी, 2018 को अपने वार्षिक कॉर्पोरेट संगोष्ठी, कॉग्निज़ेंस के नौवें संस्करण का आयोजन किया । डेटा विश्लेषिकी की एक अद्वितीय व्यावहारिक समझ के लिए विद्यार्थियों और संकाय को 'डेटा इज द न्यू ऑयल' की थीम ने उजागर किया। वक्ताओं में श्री समीर धनराजानी, मुख्य रणनीति अधिकारी, फ्रैक्टल एनालिटिक्स, प्रो. वी.के कौल, डीन, एप्लाइड सोशल साइंसेज और मानविकी संकाय, श्री आनंद माधव, लीड कंसल्टेंट, ग्रामर इंडिया, श्री रचित रंजन, पॉलिसी प्रमुख, उत्तर भारत और संघीय मामलों, उबेर इंडिया और श्री आदित्य वाघरे, एसोसिएट पार्टनर, मैककिंसे और कंपनी इंडिया शामिल थे।

मनोविज्ञान विभाग ने जनवरी, 2018 को दो कार्यशालाओं का आयोजन किया: फोर्टिस हेल्थकेयर में कार्यरत एक क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट सुश्री मिहिका मेहरोत्रा द्वारा 'परामर्श कौशल' आयोजित की गई। कैलिफ़ोर्निया के संप्रभु स्वास्थ्य पर एक उपयोग समीक्षा-विशेषज्ञ, सुश्री ज्योति बर्नार्ड द्वारा 'साइकोडार्मा' आयोजित की गई।

सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

डॉ. मांजरी सिंह ने आई.सी.एस.एस.आर द्वारा प्रायोजित और बी.आर. अम्बेडकर महाविद्यालय एवं महात्मा गांधी अंतराष्ट्रीय हिंदी विश्व विद्यालय, वर्धा द्वारा 14-15 मार्च, 2018 को भारतीय सामाजिक कार्य : दायरा और प्रसंग, पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 'प्राचीन भारतीय दर्शनशास्त्र विचार में वैकल्पिक ध्यान' विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. विपिन नेगी, ठाकुर, एन. और नेगी वी., ने वर्ष 2017 में द इंडियन सोसाइटी ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स, (आईएसएलई), थिरुंथपुरम, केरल, भारत के 59वें वार्षिक सम्मेलन में 'लाभ-मजदूरी और पूंजीगत-श्रम के बीच एक पूरकता का एक अर्थशास्त्र विश्लेषण : भारतीय सेवा क्षेत्र में कौशल-आधारित प्रौद्योगिकी परिवर्तन' विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

डॉ. सुबोध पंडित ने 2-4 अगस्त, 2017 को आयोजित छठे सिंगापुर आर्थिक समीक्षा सम्मेलन में 'भारतीय उपभोग व्यवहार का लहर(रिपल) प्रभाव' विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. अमनजोत सचदेव, सचदेव, ए. सिंह, ए.के. ने 21-22 सितंबर, 2017 को रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, द्वारा आयोजित विनिर्माण क्षेत्र और स्टार्ट-अप पारिस्थितिक तंत्र के रिवाइवल के माध्यम से भारतीय आर्थिक परिवर्तन पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'वर्क लाइफ कनफ्लिक्ट एंड इट्स इम्पेक्ट ऑन वर्क लाइफ बैलेंस एंड सबजेक्टिव वेल बीइंग ऑफ डॉक्टर्स इन हेल्थकेयर सेक्टर' विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. रितु अरोड़ा ने 26-28 अप्रैल, 2017 को रामजस महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित गणित और अनुप्रयोगों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'ब्रांच एंड बाउंड एल्गोरिथम फॉर डिस्क्रेट मल्टी-लेवल लाइनर फ्रेक्शनल प्रोग्रामिंग प्रॉब्लम' विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. धनपाल सिंह, सिंह, डी., गोयल, सी.के., ने 26-28 अप्रैल, 2017 को गणित विभाग, रामजस महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित गणित और अनुप्रयोगों (आईसीएमए-2017) पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'ए ब्रीफ विव्यू ऑफ द मैथमैटिकल रिलाइबिलिटी थ्योरी फ्रॉम द बिगनिंग टू द प्रेजेंट टाइम' विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया:

डॉ. दिव्या हरिदास ने 8-10 मार्च, 2018 को सीएमईटी हैदराबाद द्वारा आयोजित उन्नत अर्धचालक पदार्थों और उपकरणों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'डिटेक्शन एंड क्लासीफिकेशन ऑफ गैसेस यूजिंग इलेक्ट्रॉनिक नोज बाय प्रिंसिपल कंपोनेंट एनालिसिस' विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. जसमीत सिंह ने जून, 2017 को सैक्रामेंटो, कैलिफ़ोर्निया, यूएसए में 'थ्योरिटिकल मैथेड टू स्टडी इलेक्ट्रॉन-इम्पेक्ट रोटेशनल इक्साइटेशन ऑफ नेचुरल मॉलीक्यूल्स' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन डी.ए.एम.ओ.पी.-2017 में एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. हरप्रीत भाटिया ने 18 जनवरी 2018 को दौलत राम महाविद्यालय में आयोजित साइकोलोजिकल एप्लीकेशन्स एंड इंटरवेन्स : रीचिंग आउट एंड मेकिंग ए डिफरेंस' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में स्टीरियोटाइप रिलेटेड टू स्किन टोन्स' विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. डेज़ी शर्मा, गणेश, एम., तुली, एम., शर्मा, डी., ने वर्ष 2018 में एमिटी विश्वविद्यालय, हरियाणा, में ग्लोबल एच.आर कांग्रेस- 'संगठनात्मक उत्कृष्टता की ओर एक बहुआयामी दृष्टिकोण' में 'कार्यस्थल पर भावनात्मक खुफिया नेतृत्व के बीच एसोसिएशन में प्रेरणा की मध्यस्थ भूमिका : एक अन्वेषण अध्ययन' पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

प्लेसमेंट विवरण:

नौकरी प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या : 26
भर्ती हेतु परिसर में आने वाली कंपनियों की संख्या : 9

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

रोटरी क्लब के तहत विद्यार्थियों ने अंगदान अभियान, वृक्षारोपण : एक पौधे लगाना अभियान, एचआईवी जागरूकता अभियान, कपड़ा, पुस्तक और जूते संग्रह अभियान, महिला स्वच्छता अभियान, कुछ नाम है, में भाग लिया । एन.एस.एस यूनिट ने विभिन्न गतिविधियों : अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, स्वच्छता पखवाड़ा, राष्ट्रीय एकता दिवस, राष्ट्रीय युवा दिवस, राष्ट्रीय मतदाता दिवस इत्यादि का भी आयोजन किया।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय के विभिन्न अनुभागों में लगभग पांच हजार पुस्तकें हैं। पाठकों के लिए पुस्तकालय द्वारा नियमित आधार पर विभिन्न विषयों की बड़ी संख्या में पत्रिकाएं, समाचारपत्र, दैनिक समाचारपत्र, साप्ताहिक और आवधिक समाचार पत्रों की सदस्यता ली जा रही है। एक ई-संसाधन शिक्षण केंद्र के रूप में पुस्तकालय में 700 से अधिक सी.डी और डी.वी.डी हैं, जो महाविद्यालय के विभिन्न विभागों को जारी की जाती हैं। इसके अलावा यह दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली (डीयूएलएस) द्वारा इंटरनेट के माध्यम से कर्मचारियों के सदस्यों और विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध 30,000 ई-पत्रिकाओं और शोध लेखों तक पहुंचने की सुविधा भी प्रदान करता है। महाविद्यालय पुस्तकालय पूरी तरह से स्वचालित है।

शिक्षकों की संख्या :

शिक्षकों की कुल संख्या: 100 (स्वीकृत)

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान : रु.17,28,00,000/-
प्रयुक्त अनुदान : रु.15,22,81,147/-

***

किरोड़ीमल महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

वर्ष 2016 में एन.ए.ए.सी प्रत्यायन प्राप्त ए+ ग्रेडेड बहुआयामी महाविद्यालय बनने के बाद किराड़ी मल महाविद्यालय हमारे नए अकादमिक सभागार को पूरा करने का भी गवाह है जो पूरे विषयों में कई अकादमिक कार्यक्रमों की मेजबानी करता रहा है। एन.आई.आर.एफ(नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क) ने के.एम.सी. को 4000 महाविद्यालयों में

20वां स्थान प्रदान किया। पुस्तकालय के कामकाज जैसे : स्मार्ट कार्ड का उपयोग, पुस्तकों में चिप प्रौद्योगिकी की संस्थापना, सेल्फ इश्यू और सेल्फ रिटर्न किओस्क की संस्थापना, महाविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से पुस्तकालय के कैटलॉग की ऑनलाइन एक्सेस, में डिजिटलकरण को शामिल किया गया है और पुस्तकालय द्वारा जब भी नई पुस्तकें खरीदी जाती हैं तो विद्यार्थियों को एसएमएस-अलर्ट भेजा जाता है। एक पूरी तरह दिव्यांग-हितेषी परिसर का निर्माण पूरा हो गया है। हमने कैंटीन मैदानों में स्टाफ कक्ष के पीछे एक स्थायी चरण का निर्माण और स्टाफ कक्ष के नवीनीकरण को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। हमारे कैंपस प्लेसमेंट अभियान के माध्यम से प्रतिष्ठित कंपनियों में हमारे छियासी विद्यार्थियों को नौकरियां मिल चुकी हैं। एक अन्य परियोजना, शायद ऑडिटोरियम के निर्माण के रूप में भयभीत नहीं करती है, लेकिन फिर भी अपने तरीके से आवश्यक है, महाविद्यालय परिसर में क्रेच सुविधा उपलब्ध है, जिसे हम शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लाभ के लिए शुरू करने की योजना बना रहे हैं।

सम्मान/गौरव

डॉ. विभा सिंह चौहान को XXVII FILLM कांग्रेस में जॉन बेंजामिन प्रकाशन कंपनी और *फेडरेशन इंटरनेशनेल डेस लैंग्वेज एट लिटरेचर्स मोडर्न्स द्वारा* भाषाई और साहित्यिक छात्रवृत्ति के लिए 'जॉन बेंजामिन फिल्म पुरस्कार' से सम्मानित किया गया (15-17 मार्च, 2017)।

डॉ. प्रज्ञा को स्टोरी मिरर डॉट कॉम द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ कहानी के रूप में 'पाप तर्क और प्रयाश्चित' के लिए सम्मानित किया गया था; 8 जुलाई, 2017 को नई दिल्ली में ऑक्सफोर्ड बुक स्टोर में आयोजित एक समारोह में 'स्टोरी मिरर प्रतियोगिता -3' का पहला पुरस्कार; इलाहाबाद में एक भव्य समारोह में मीरा स्मृति फाउंडेशन द्वारा अपने पहले उपन्यास 'गुडद बस्ती' के लिए मीरा स्मृति पुरस्कार 2016.

के.एम.सी. ने पैरा-एथलेटिक्स (जैवलिन फेंक) और नेटबॉल में दो अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण, पैरा-एथलेटिक्स और शतरंज में एक रजत पदक जीते और बैडमिंटन में एक भागीदारी का खिताब जीता।

ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी (एआईआईयू) में किरोरियन ने दिल्ली यूनिवर्सिटी टीम के सदस्य के रूप में 1 स्वर्ण (एथलेटिक्स शॉट पुट), 1 रजत (शतरंज एम), 1 कांस्य (बैडमिंटन एम) और 1 भागीदारी (हॉकी एम) का खिताब जीता।

दिल्ली यूनिवर्सिटी इंटर कॉलेज (डीयूआईसी) चैंपियनशिप में के.एम.सी ने 9 चैम्पियनशिप जीते (6 एथलेटिक्स, 1 बॉक्सिंग, 1 ताइक्वोंडो और 1 बास्केट बॉल पुरुष) बॉक्सिंग में 2 रजत पदक और 12 कांस्य (3 एथलेटिक्स, 6 बॉक्सिंग, 1 बैडमिंटन एम, 1 शतरंज एम और हॉकी)।

विशिष्ट सम्मान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी

पंकज कुमार शर्मा ने बी.एससी (आनर्स) गणित, तृतीय वर्ष में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
स्वेटो त्यागी, बी.एससी (आनर्स), भौतिकी, तृतीय वर्ष में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
अंजलि लोहचब, बी.एससी (आनर्स), शारीरिक विज्ञान, तृतीय वर्ष में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
असी मित्तल, बी.एससी (आनर्स), रसायन विज्ञान, तृतीय वर्ष में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
विकास यादव, बी.एससी (पी) लाइफ साइंस, तृतीय वर्ष में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन

अंशु (2018) 'कॅनफ्लिक्ट इन यमन : ए सेक्टेरियन स्ट्रिफ ऑर पेट्रो-जियोपॉलिटिक्स', इंटरनेशनल जरनल ऑफ ह्यूमनिटीज एंड सोशल साइंस इंवेंशन, आईएसएसएन (ऑनलाइन) 2319-7722; आईएसएसएन (प्रिंट) 2319-7714.

अंशुमन, कुमार पी. (2017) *पारिस्थितिकताएं : सद्भाव के लिए पथ ढूंढना* ; श्री प्रकाशक और वितरक।

चौहान, विभा सिंह (2017) *बिहार की भाषाएन* , ओरिएंट *ब्लैकसवान* , नई दिल्ली।

जोशी, सीमा (2018). अरुप मित्रा (इडस.) भारत में *आर्थिक विकास और इसके कई आयाम (प्रोफेसर बी.बी. भटाचार्य के सम्मान में एक पुस्तक)* में "भारत में तृतीयक क्षेत्र के रोजगार के निर्धारक" , ओरिएंट *ब्लैकस्वान प्राइवेट लिमिटेड* , नई दिल्ली, 2018.

परीहार, सीमा मेहरा (2017) इवोल्विंग फ़ुजी इनफिरेस-बेस्ड डिसीजन सपोर्ट मेथोडोलॉजी फॉर रिस्क मैपिंग ऑफ वेस्टवाटर-फेड एक्वाकल्चर सिस्टम, फाइनल प्रोसीडिंग्स ऑफ एसीआर *2017- द 38वां एशियन कॉन्फ्रेंस ऑन रिमोट सैंसिंग, अक्तूबर 23-27, 2017* (स्रोत: :http://www.a-a-r-s.org/acrs/index.php/acrs/acrs-overview/proceedings-1?view=publication&task=show&id=2981)

शर्मा, निधि (2017) 'कर्मचारी प्रतिबद्धता पर संगठनात्मक संस्कृति का प्रभाव : एक समीक्षा', रामानुजन इंटरनेशनल जरनल ऑफ़ बिजनेस एंड रिसर्च (यूजीसी सूचीबद्ध जरनल नं. 48778), वॉल्यूम -2, 2017, आईएसएसएन : 2455-5959 (प्रोफेसर आर.के. सिंह, वाणिज्य विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा सह-लिखित)

सुमन, अमित कुमार. (2017) 'औपनिवेशिक नीतियां और स्वदेशी शिक्षा के केंद्र प्रारंभिक आधुनिक भारत', *एनएमएमएल ऑकेजॅनल पेपर* (इतिहास और समाज), नई श्रृंखला 87, नेहरू मेमोरियल संग्रहालय और पुस्तकालय, नई दिल्ली, पी.पी.1-15. (लेख)

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. रुपिंदर ओबेरॉय, सहायक प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग (पीआई); उच्च शिक्षा के सामाजिक विज्ञान पाठ्यक्रम के भीतर सामाजिक उद्यम को संशोधित करने के लाभ; यूकेआईईआरआई-यूजीसी; 2017- 2020/3 वर्ष; 62 लाख: यूजीसी - 35 लाख + यूकेआईईआरआई - 27 लाख.

डॉ. सीमा एम. परिहार, एसोसिएट प्रोफेसर, भूगोल विभाग (पीआई); (भारत-नेपाल परियोजना- परियोजना निदेशक और प्रधान जांचकर्ता) 'युवा भारत-नेपाल आपदा निवारण और तैयारी कार्यक्रम 2018 (वाईआईएनपीपीपी-2018) - बी.पी. कोइराला, भारत-नेपाल फाउंडेशन, नेपाल दूतावास, , भारत 07 फरवरी, 2018 को मंजूरी दे दी गई (केवल 1.5 लाख)

डॉ. अरुण कुमार त्रिपाठी , सहायक प्रोफेसर, भूगोल विभाग (पीआई) ; सीएसआर के तहत भारत के नौ राज्यों में सौर रोशनी की स्थापना पर सीएसआर परियोजनाओं के प्रभाव का आकलन; ओएनजीसी लिमिटेड; 2017-18; रुपये 8, 96,500 / -

डॉ. विनोद कुमार, सहायक प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग (पीआई): डीएसटी-एसईआरबी स्टार्ट-अप रिसर्च ग्रांट (युवा वैज्ञानिक) *2015-2018* " ***डेजीनेशन एंड स्ट्रेटजीज ऑफ मेटल ऑक्साइड नैनोक्रिस्टल फॉर फोटोकैलाइटिक वाटर स्प्लिटिंग*** *" कुल लागत : रु. 31,86,000 / -*

डॉ. बेनू गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग (परियोजना निदेशक और मुख्य अन्वेषक) भारत सरकार के खेल मंत्रालय के तहत "साइकोलॉजी आल प्रोफाइल एंड परफॉरमेंस ससटेनिबिलिटी विथ ओमिशन ऑफ इन इक्वालिटी ऑफ इंडियन एथलीट्स : एन एनालिटिक स्टडी", 20162018 रु.10,0000 / -

आयोजित संगोष्ठियां

एनसीपीएसएल, एमएचआरडी, भारत सरकार, नई दिल्ली के सहयोग से किराड़ी मल महाविद्यालय में 6 और 7 फरवरी, 2018 को "डिकोडिंग द पार्टीशन L(i/a)नेस : रिफलेक्शन्स ऑफ लैंग्वेज, लिटरेचर एंड कल्चर" विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी । डॉ. संजय वर्मा, संयोजक और डॉ. प्रवीण कुमार अंशुमन, सह-संयोजक।

आयोजित सम्मेलन

किरोड़ी मल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 14-20 दिसंबर, 2017 तक वेवलेट्स, फ्रेम्स और एप्लीकेशन III पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला। डॉ. शिव कुमार कौशिक, संयोजक।

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण

डॉ. आघम झा ने भौतिकी विभाग, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार में XXXII वार्षिक आईएपीटी कन्वेंशन 2017 और विभिन्न पैमाने पर भौतिकी में हालिया रुझानों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में में भाग लिया और "रिव्यू ऑफ ए स्टेस्टिकल मॉडल फॉर द फॉरमेशन ऑफ क्यूजीपी फायरबाल अंडर यूआरएचआईसी" शीर्षक और एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. आघम झा ने भौतिकी विभाग (यूजीसी-उन्नत अध्ययन केंद्र), कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल में 27-28 मार्च, 2018 के दौरान आयोजित छोटे से बड़े पैमाने पर भौतिकी में उन्नत पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "द आर्डर ऑफ क्वार्क-ग्लूओन प्लाज़्मा (क्यूजीपी) फेज ट्रांजिशन अंडर ए मॉडल डेंसिटी ऑफ स्टेट्स फॉर क्वार्क और ग्लूओन्स इन डीजीपी ड्रोप्लेट" शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. अमित कुमार सुमन ने जर्मन हिसटोरिकल इंस्टिट्यूट, लंदन, यू.के. में जी.एच.आई.एल कोलोक्विया में 'गरीब मुसलमानों को शिक्षितकरना : औपनिवेशिक भारत में मदरसा सिस्टम, सुधार और विकास' पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. अमित कुमार सुमन ने सी.आई.ई में शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में शिक्षा की बोलीभाषा(डायलेक्टिक्स) : तुलनात्मक और अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'बंगाल प्रेसीडेंसी में औपनिवेशिक राज्य, शिक्षा और स्वदेशी ज्ञान प्रणाली ' विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. अंशु ने एस.बी.एस.सी, दिल्ली विश्वविद्यालय में 5-7 फरवरी, 2018 को जीवंत शहरों : स्थायीत्व और इसकी चुनौतियों को बदलना', पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'शहरी बाढ़ के लिए स्मार्ट शहरों की भेद्यता ' शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

डॉ. कविता गुप्ता ने रामजस महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 26-28 अप्रैल, 2017 को आयोजित मैथमेटिक्स और एप्लीकेशंस (आईसीएमए-2017) पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में " मोर फॉर लेस मैथेड टू मिनिमाइज द यूनिट ट्रांसपोरटेशन कॉस्ट ऑफ ए कैपेसिएटेड ट्रांसपोरटेशन प्रोब्लम विथ बाउंड्स ऑन रिम" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया। ,

डॉ. एम.के गल्होत्रा ने अंसल विश्वविद्यालय, गुड़गांव और यूनाइटेड इनफॉरमेशन सेंटर फॉर इंडिया एंड भूटान द्वारा 8-9 फरवरी, 2018 के दौरान संयुक्त रूप से आयोजित 'स्मार्ट पर्यावरण में डिजिटल लैंडस्केप को बदलना' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में " क्लाउड कंप्यूटिंग: सर्विसेज एंड चैलेंज इन लाइब्रेरीज़ " शीर्षक पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

सुश्री निधि शर्मा ने श्री गुरु गोबिंद सिंह वाणिज्य महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 9 फरवरी 2018 को आयोजित प्रबंधन, अर्थव्यवस्था और अनुप्रयुक्त व्यापार में समकालीन सुधारों पर 4वें राष्ट्रीय सम्मेलन में 'कार्यस्थल आध्यात्मिकता के लिए एक सैद्धांतिक मॉडल' विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

डॉ. प्रवीण कुमार अंशुमन ने अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा (एमपी) भारत में 25-27 फरवरी 2018 को 'युवाओं के कौशल विकास के लिए विश्वविद्यालय-इंटरफेस' पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "उद्योग इंटरफेस के पारस्परिक संबंध में अंग्रेजी भाषा संचार कौशल" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

डॉ. संजय वर्मा ने एनसीपीएसएल, एमएचआरडी, भारत सरकार के सहयोग से राजधानी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 8-9 फरवरी, 2018 को आयोजित 'जनंदोलन और भारतीय साहित्य: हिंदी और सिंधी के विश्व

संदर्भ में' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "राष्ट्र उन्नति में हिंदी पत्रिकाता की भूमिका : एक शिक्षा" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

प्लेसमेंट विवरण

ऑन-कैंपस कंपनियां- 30, ऑफ-कैंपस कंपनियां- 56

नौकरी प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या- 9 2

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

एन.एस.एस-सहयोग एक वन-टीच वन प्रोगाम है जहां स्वयंसेवकों द्वारा वंचित बच्चों को पढ़ाया जाता है।

एन.एस.एस-सहस महाविद्यालय का महिला सशक्तिकरण कक्ष है जिसका उद्देश्य वंचित बच्चों को सशक्त बनाना और उनका उत्थान करना है। यह महिलाओं के प्रति समाज की रूढ़िवादी मानसिकता को बदलना चाहता है। एनएसएस- दर्पण एक नुक्कड़ नाटक समूह है जो समाज में सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरूकता के लिए काम करता है। नासा रोवर- केएमसी रोबोफिजिसिस्ट प्रेरित भौतिकी स्नातक की एक टीम है। वर्षों से, टीम ने दुनिया भर से लॉरल्स और अभिनंदन प्राप्त किया है। उनके पिछले प्रयासों में नासा के NASA's RASC-AL, MOONBUGGY चुनौतियों में भागीदारी शामिल हैं। इस अकादमिक वर्ष में उन्होंने एक रोवर बनाने के लिए एक चुनौती ली जो एक दिन अंतरिक्ष यात्री के साथ काम करेगा और मंगल ग्रह की खोज में उनकी सहायता करेगा। नासा के साथ मंगल सोसाइटी ने यूनिवर्सिटी रोवर चैलेंज ने दुनिया भर के प्रतियोगियों को आमंत्रित किया।

पुस्तकालय विकास

व्यय का सारांश = 4,30,474/-

कुल बजट = 15,15,000/-

जोड़ी गई पुस्तकों की संख्या = 2366

कुल पुस्तकें = 1,49,205/-

कुल बुक बैंक संग्रह = 5929

कुल : 53 एन्जिल्स, दृष्टिहीन विकलांग के लिए 81 नोटबुक ।

शिक्षकों की संख्या

स्थायी शिक्षकों की कुल संख्या : 142

तदर्थ शिक्षकों की कुल संख्या : 60

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान : रु.8,42,06,435/-

प्रयुक्त अनुदान : रु.45,09,67,586/-

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

एन.आई.आर.एफ. (नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क) ने 4000 महाविद्यालयों में केएमसी को 20वाँ स्थान दिया।

***

लेडी इर्विन हाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

नैदानिक पोषण और जिगर और गुर्दे की बीमारियों के पोषण प्रबंधन के क्षेत्र में हाल के उन्नतों पर ध्यान केंद्रित पर एम.एससी फाइनल, खाद्य और पोषण (नैदानिक पोषण) के विद्यार्थियों के लिए जनवरी से मार्च, 2017 तक 30 घंटे का एक पाठ्यक्रम "पुरानी बीमारी प्रबंधन में पोषण चुनौतियां," आयोजित किया गया। ऊर्जा दक्षता सेवा लिमिटेड,

ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समर्थित संसाधन प्रबंधन और डिजाइन एप्लीकेशन विभाग, और स्कूल ऑफ प्लानिंग, डिजाइन और कॅन्स्ट्रक्शन, मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी, यू.एस.ए. द्वारा त्रिवेणी कला संगम में 2 मार्च, 2017 को "सतत भविष्य के लिए ऊर्जा दक्षता" पर सतत विकास हेतु 10वीं वार्षिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। । आरएमडीए विभाग संकाय ने पेपर रीसाइक्लिंग पर एक परियोजना शुरू की है और महाविद्यालय के अपशिष्ट पेपर के प्रबंधन के लिए "जागृति- अपशिष्ट पेपर रीसाइक्लिंग सर्विसेज" के साथ करार किया है। डॉ; कलाम कंप्यूटर ट्रेनिंग सेंटर की स्थापना 14 नवंबर, 2017 को आरएमडीए विभाग में की गई थी और जो विज्ञान रत्न श्री लक्ष्मण प्रसाद, अध्यक्ष, एपीजे अब्दुल कलाम कंप्यूटर ट्रेनिंग सेंटर, अलीगढ़ द्वारा समर्थित था।

सम्मान / पुरस्कार / विशिष्ट सम्मान

डॉ.अनुपा सिद्धू (निदेशक) को अकादमी में दशक की महिला पुरस्कार मिला , अखिल महिला लीग और विश्व आर्थिक मंच 2017.

मीनाल जैन को लेडी इरविन कॉलेज में डॉक्टरल काम में उत्कृष्टता के लिए अनुपा साही सिद्धू स्वर्ण पदक दिया गया।

"पोषण जोखिम प्रबंधन और संचार" विषय पर भारत के पोषण सोसाइटी के 48वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में "दिल्ली के किशोरों में खाद्य पदार्थों के माध्यम से सल्फाइट एक्सपोजर के जोखिम आकलन" शीर्षक पर पेपर प्रस्तुत करने हेतु नि:शुल्क संचार सत्र में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति (सामुदायिक पोषण श्रेणी) के लिए रामनाथन पुरस्कार सुश्री अरुशी जैन, पी.एचडी विद्यार्थी, खाद्य और पोषण विभाग को दिया गया था।

डॉ. दीपेश अग्रवाल को अनुप्रयुक्त विज्ञान और प्रौद्योगिकी (विज्ञान डोमेन) के वर्तमान जरनल द्वारा जरनल की गुणवत्ता में उत्कृष्ट योगदान के सम्मान में "समीक्षा में उत्कृष्टता प्रमाणपत्र" से सम्मानित किया गया था। प्रमाणपत्र सं.: एस.डी.आई/मुख्यालय/पी.आर/ प्रमाण/3814 / डीआईपी.

नितिका सिंघल, दीपाली रास्तोगी को ओखला गारमेंट एंड टेक्सटाइल क्लस्टर (ओजीटीसी) द्वारा आयोजित परिधान और गृह वस्त्रों पर 12वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रेजेंटेशन पुरस्कार मिला।

<u>गौरव सम्मान प्राप्त छात्र</u>

अंचल गोयल को एम.एससी खाद्य और पोषण II, में प्रथम स्थान के लिए बी.तारा बाई पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

पायल मेहता को पीजी-डीडीपीएचएन में प्रथम स्थान के लिए इंद्रवती पासरिचा पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

प्रिया ग्रोवर को एम.एससी में कपड़ा और परिधान विज्ञान -II में प्रथम स्थान के लिए संजम रंधवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

वसुधा कपूर को एम.एससी मानव विकास और बचपन अध्ययन II में प्रथम स्थान के लिए बाल विकास अलुम्ने पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

स्मृति गुप्ता को एम.एससी संसाधन प्रबंधन और डिजाइन आवेदन I में प्रथम स्थान के लिए भार्गवी मेनन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था ।

प्रकाशन

तकनीकी श्रृंखला 6 'खाद्य विनिमय सूची का संकलन' (2017) नई दिल्ली, ग्लोबल बुक्स पब्लिशर्स। आईएसबीएन : 978-93-80570-518.

स्वस्थ भोजन और जीवनशैली : बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग उद्योग के युवा कर्मचारियों के लिए एक संसाधन पुस्तिका। नई दिल्ली : ग्लोबल बुक्स आर्गेनाइजेशन। आईएसबीएन 978 9 8380570556.

कपड़ा विज्ञान - एक व्यावहारिक मैनुअल, फैब्रिक और अपरेल विज्ञान विभाग, एलिट पब्लिशिंग हाउस प्राइवेट लिमिटेड , आईएसबीएन: 978-81-88901-67-8.

टेक्स्टबुक ऑन टेक्सटाइल विज्ञान, ओरिएंट ब्लैकसन प्राइवेट लिमिटेड, भारत , आईएसबीएन संख्या: 978-93-863-92-664.

फैब्रिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक : फंडामेंटल्स टू फिनिशिंग, प्रेंटिस हॉल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली, भारत, आईएसबीएन: 978-81-203-5239-1.

गोयल एस. (2017). गृह विज्ञान में ई-पाठशाला में इंटीरियर सजावट, मॉड्यूल HO2D103 - आईसीटी (एनएमई-आईसीटी), मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) के माध्यम से शिक्षा पर राष्ट्रीय मिशन के लिए डिजाइन प्रक्रिया - अनुक्रमिक रूपरेखा, प्रोजेक्ट प्लानिंग एंड प्रोग्रोमिंग। आई.एफ.एल.बी.एन.ई.टी केंद्र द्वारा प्रकाशित, यूजीसी का एक अंतर-विश्वविद्यालय केंद्र।

अस्थाना , एन., चौधरी, सी., मालविया, आर., कालरा, एम., मेहता, आर., आर्य, एस.(2017) (ईडी.) लर्निंग शिक्षक: विविधता, समावेशन और नैतिकता, कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली, भारत। आई.एस.बी.एन. 978-81-8457-757-0.

कालरा , एम । (2017) भारत में स्कूली शिक्षा के माध्यम से विरासत भाषा संरक्षण। स्प्रिंगर इंटरनेशनल हैंडबुक ऑफ एजुकेशन। आईएसबीएन: 978-3-319-38893-9।

परियोजनाएं

संसाधन प्रबंधन और डिज़ाइन अनुप्रयोग (आरएमडीए) विभाग के स्नात्कोत्तर विद्यार्थियों ने वायु गुणवत्ता (एफएक्यू) फोरम के सहयोग से विभिन्न परियोजनाओं पर काम किया। एफ.ए.क्यू. एक संगठन है जो वायु प्रदूषण पर जागरूकता पैदा करने और वायु प्रदूषण और इसके दुष्प्रभावों पर सक्रिय शोध करने में सक्रिय रूप से शामिल है। विद्यार्थियों ओरेकल सॉफ्टवेयर "प्रिमावर" पर काम करके परियोजना प्रबंधन के बारे में अपने ज्ञान को विकसित किया, जो उनके पाठ्यक्रम का भी हिस्सा है। विद्यार्थियों ने चार परियोजनाओं पर काम किया जो चैंप(सीएचएएमपी) परियोजना अरावली को बचाना, वायु प्रदुषण कार्रवाई और सोशल मीडिया और वेबसाइट निर्माण थी।

आयोजित संगोष्ठी / कार्यशालाएं

डॉ. अनुपा सिद्धू ने संसाधन व्यक्ति के रूप में डॉ. नीना भाटिया के साथ "खाद्य विनिमय सूची के संशोधन" पर 18 मई, 2017 को कार्यशाला आयोजित की ।

संगोष्ठी / सम्मेलन में प्रस्तुतियां

डॉ. माधुरी निगम को इंडिया हैबिटैट सेंटर, नई दिल्ली में 'भारत और सतत मानकों : अंतरराष्ट्रीय संवाद और सम्मेलन, सीआरबी के के हिस्से के रूप में सेंटर फॉर रिसपॉन्सिबल बिजनेस द्वारा आयोजित और मेजबानी किए गए "जीवन चक्र पर भारत के जीवन चक्र आकलन (एलसीए) नेटवर्क के लिए रोडमैप पर राउंडटेबल हेतु एक पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया।

माथुर पी. - शैक्षिक संगठनों और उद्योग के साथ पारंपरिक खाद्य पदार्थों में संवर्धन, अनुसंधान और व्यापार परिषद द्वारा नई दिल्ली में 26 फरवरी, 2017 को आयोजित वैश्विक पारंपरिक खाद्य शिखर सम्मेलन के दौरान 'सूक्ष्म और लघु उद्यम में क्षमता निर्माण', ।

चहल, एम. सेखरी, एस. और माथुर, आर. (2017). 29 मार्च, 2017 को एमिटी यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित फैशन, परिधान और वस्त्र, 2017 के राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारतीय परिधान उद्योग में दिव्यांगजनों के स्थायी रोजगार के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण"। (आईएसबीएन: 978-93-86238-19 -1).

विश्वविद्यालयों ने भारतीय / विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय हस्ताक्षरित समझौता-ज्ञापन

मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी के साथ चल रहे समझौता-ज्ञापन - यह विदेश सेमेस्टर कार्यक्रम के लिए विद्यार्थी विनिमय है। (आरएमडीए विभाग)

सिराक्रूज़ यूनिवर्सिटी, न्यूयॉर्क स्टेट, यू.एस.ए के साथ हस्ताक्षरित समझौता-ज्ञापन ।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

आर.एम.डी.ए विभाग संकाय (पर्यावरण प्रबंधन और सतत विकास विशेषज्ञता) ने महाविद्यालय के लिए लीड(एलईईडी) ग्रीन बिल्डिंग रेटिंग सिस्टम के तहत प्रारंभिक पंजीकरण प्राप्त करने के लिए भी पहल की। महाविद्यालय के तहत प्रमाणित होने में प्रयास चल रहे हैं। लाइफ साइकिल इन्वेंटरी (एलसीआई) डेटा एकत्र करने के लिए फिक्की के साथ सुश्री माधुरी निगम द्वारा एक विशेषज्ञ के रूप में असाइनमेंट, भारत और बांग्लादेश में कृषि और वस्त्र उद्योग के लिए एलसीआई डेटा सेट बनाने और उन्हें सतत रीसाइक्लिंग के ढांचे में इकोइवेंट डेटाबेस में जमा करना इकोइवेंट (स्विट्ज़रलैंड) के इंडस्ट्रीज प्रोग्राम (एसआरआई)।

विनिमय कार्यक्रम के तहत विद्यार्थी

सेमेस्टर विदेश कार्यक्रम (डीसीई विभाग) के लिए विद्यार्थी विनिमय के तहत मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी के छह इनबाउंड विद्यार्थियों ने सफलतापूर्वक अपना कार्यक्रम पूरा कर लिया।

प्लेसमेंट विवरण

फूड्स एंड पोषण विभाग ने बी.टेक फूड टेक्नोलॉजी के पहले बैच को सफलतापूर्वक पूरा किया है और विद्यार्थियों के 100% प्लेसमेंट उद्योगों और नेस्ले, पेर्फेटी, एफआरएसी, क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया, टीक्यूएस ग्लोबल, टेक 2 ग्लोब, आईआईपी, सुधा डायरी इत्यादि सहित अन्य संगठनों में किए गए। बी.एड स्नातक के लिए 100% प्लेसमेंट किया गया ।

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

विभाग के "ईच वन इलेबल वन" कार्यक्रम में भाग लेने वाले वयस्क शिक्षार्थियों के लिए महाविद्यालय परिसर में 23 मार्च, 2017 को "युवा शक्ति मेला" का आयोजन किया गया था। बाबर रोड, नई दिल्ली में 30 अप्रैल, 2017 को वरिष्ठ नागरिक क्लब के लिए पोषण और स्वस्थ एजिंग पर वार्ता की गई । सामुदायिक विस्तार इकाई, खाद्य एवं पोषण बोर्ड, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार में प्रशिक्षकों (आईसीडीएस-सीडीपीओ और पर्यवेक्षकों) का प्रशिक्षण (2016-17)। एम.एससी अंतिम वर्ष, फूड एंड न्यूट्रिशन (पब्लिक पोषण) और बीएससी III पास, गृह विज्ञान के विद्यार्थियों ने 17 फरवरी, 2017 को जसोला गांव की झोपड़ियों में रहने वाले 2 वर्ष से कम आयु के शिशुओं की मां के लिए पोषण और स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किया। आईवाईसीएफ प्रैक्टिससेस, दस्त, सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी, टीकाकरण और गर्भावस्था के दौरान प्रसवपूर्व देखभाल पर सूचना प्रदान की गई ।

एम.फिल / पी.एचडी से सम्मानित : 7

शिक्षकों की संख्या

स्थायी शिक्षकों की कुल संख्या: 48

तदर्थ शिक्षकों की कुल संख्या: 65

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

संचार शिक्षा विभाग ने बिजनेस एंड कम्युनिटी फाउंडेशन, नई दिल्ली के साथ कॉर्पोरेट सोशल ज़िम्मेदारी पर एक अल्पकालिक पाठ्यक्रम शुरू किया। बिजनेस एंड कम्युनिटी फाउंडेशन भारत के चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा एक एक प्रमाणित सीएसआर प्रशिक्षण संगठन है।

***

लेडी श्रीराम महिला महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से किंगज कॉलेज, लंदन ने दिनांक 29 मई, 2017 से 9 जून, 2017 तक लगातार पांचवें वर्ष लेडी श्रीराम महिला महाविद्यालय में अपने वार्षिक ग्रीष्मकालीन पाठ्यक्रमों का आयोजन किया। 11 सितम्बर से 16 सितम्बर 2017 तक मैकवायर विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया के कला संकाय के 18 विद्यार्थियों के दल ने प्रोफेसर एंड्रयू एल्टर की अगुवाई में 'भारत से परिचय" नामक अल्पकालिक पाठ्यक्रम के लिए लेडी श्रीराम महिला महाविद्यालय का दौरा किया। माननीय गवर्नर जनरल ऑफ आस्ट्रेलिया, सर पीटर कोसग्रोव और महामहिम लेडी कान्सग्रोव ने भी 12 मार्च, 2018 को लेडी श्रीराम महिला महाविद्यालय (एलएसआर) का दौरा किया। 20 सितम्बर, 2017 को 'संकल्प से सिद्धि' कार्यक्रम के अंतर्गत भारत छोड़ो आन्दोलन की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। 8 मार्च, 2018 को महिला दिवस की पूर्व संध्या पर एशिया, अफ्रीका, लेटिन अमेरिका और पूर्वी यूरोप के विकासशील देशों के प्रतिनिधियों के साथ अर्थपूर्ण संवाद का आयोजन किया गया। महिला सुरक्षा के सुदृढ़ीकरण हेतु एलएसआर ने दिल्ली पुलिस के सहयोग से दिनांक 22 फरवरी, 2018 को हिम्मत प्लस सुरक्षा ऐप को प्रारंभ किया। आईसीसी ने भी महिलाओं के प्रति संवेदनशील अभियान का आयोजन किया, जिसमें नुक्कड-नाटक और संवाद शामिल थे। दिनांक 12 अप्रैल, *2018* को भारत में महिला मुक्ति में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर का योगदान' विषय पर प्रोफ़ेसर नरेन्द्र जाधव द्वारा प्रथम डॉ. बी.आर. अम्बेडकर स्मृति व्याख्यान दिया गया।

सम्मान/गौरव

डॉ. सुमन शर्मा, प्राचार्य को 8 नवम्बर, 2017 को वर्ल्ड एनवायरमेंट कांग्रेस द्वारा 'वर्ल्ड इकालाजी, एनवायरमेंट एंड डिवलपमेंट' पुरस्कार प्रदान किया गया।

डॉ. सुमन शर्मा को 6 अक्तूबर, 2017 को यूनिवेराइटी, यूजीसी (यूनिवर्सिटी गाइडेंस कांफ्रेंस), नई दिल्ली द्वारा कैटलिस्ट ऑफ चेंज अवार्ड-2017 प्रदान किया गया।

डॉ. सुमन शर्मा को 11 जुलाई, 2017 को विश्व शांति हेतु अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक संघ द्वारा विश्व महिला सशक्तिकरण और विकास पुरस्कार प्रदान किया गया।

डॉ. सुमन शर्मा को 13 मई, 2017 को वूमन इकानामिक फोरम द्वारा वूमन इकानामिक फोरम 2017 अवार्ड 'वूमन ऑफ द डिकेड इन एकेडमिया' प्रदान किया गया।

डॉ. सुशीला मदान को 3 मार्च, 2018 को वीनस अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठान, चेन्नई द्वारा 'विशिष्ट महिला' पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

<u>गौरव सम्मान प्राप्त छात्र</u>

देवांशी राणा, राष्ट्रीय शूटिंग सिल्वर मेडल विजेता ने दिल्ली राज्य शूटिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वह दक्षिण दिल्ली जिला प्रतियोगिता में भी विजेता रही। उसने जूनियर चयन परीक्षण में भी तीसरा स्थान प्राप्त किया। अभी हाल ही में, देवांशी ने सिडनी में 10 मीटर एयर पिस्टल आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में भी टीम गोल्ड मेडल प्राप्त किया।

अनन्या भट्ट ने कुमार सुरेन्द्र सिंह राष्ट्रीय शूटिंग प्रतियोगिता में फाइनल आफ थ्री पॉजिशन जूनियर वूमन स्पर्धा में चौथा स्थान प्राप्त किया और राष्ट्रीय चयन परीक्षणों में छठा एवं आठवां स्थान प्राप्त किया तथा थर्ड पॉजिशन

जूनियर वूमन इवेंट में क्रमश: पहला और चौथा स्थान प्राप्त किया। उसने कुमार सज्जन सिंह मास्टर्स नेशनल शूटिंग में थर्ड पॉजिशन जूनियर वूमन फाइनल्स में छठा स्थान प्राप्त किया।

इशिता शर्मा ने ओपन सीनियर राष्ट्रीय 2018 (जिमनास्टिक) में कांस्य पदक प्राप्त किया, उसने दिल्ली राज्य प्रतियोगिता में 4 रजत पदक जीते तथा उजबेकिस्तान फेडरेशन ऑफ जिमनास्टिक के तहत प्रशिक्षण प्राप्त किया।

प्रेरणा मिश्रा को भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा सहायता प्रदान की जाती है। 57वीं दिल्ली राज्य जिमनास्टिक्स प्रतियोगिता में प्रेरणा मिश्रा ने टेबल वाल्ट में स्वर्ण पदक, फ्लोर एक्सरसाइज में रजत पदक और अनइवन बारस एवं बैलेंसिंग बीम्स में तीन कांस्य पदक प्राप्त किए। उसे आल राउंड जिमनास्ट के तौर पर भी चुना गया और अब वह राष्ट्रमंडल ट्राइल्स में भाग लेने की तैयारी कर रही है।

दीपांजलि शर्मा ने दिल्ली राज्य ऐथलेटिक्स प्रतियोगिता में 800 मीटर दौड़ में रजत पदक और 400 मीटर दौड़ में कांस्य पदक प्राप्त किया। उसने जूनियर फेडरेशन कप ऐथलेटिक्स प्रतियोगिता में दिल्ली राज्य का प्रतिनिधित्व किया। उसने 4x400 मीटर रिले रेस में स्वर्ण पदक प्राप्त किया और 800 मीटर रेस में भाग लिया। अंतर कॉलेज प्रतियोगिता में उसने 800 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक और 4x400 मीटर रिले रेस में रजत पदक प्राप्त किया और 400 मीटर दौड़ में भी भाग लिया। उसने अंतर कॉलेज क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता में कांस्य पदक भी प्राप्त किया और आल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। उसने एलएसआर क्रॉस कंट्री दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया जो 'बालिका शिक्षा' के समर्थन में आयोजित की गई थी।

प्रकाशन - कुल संख्या

अग्रवाल, आर., कौर, बी. एंड यादव, एस. (2017) रोबज रेस्ट्रीक्टिड प्रोबलम आफ 2+ 2 बॉडीज विद ए रोच एलिपसायड-ट्राइएक्सिएल सिस्टम। द जर्नल ऑफ द एस्ट्रोनाटिकल साइंसिज, 1-19.

दरबारी, जे.डी., कन्नन, डी., अग्रवाल, वी. एंड झा, पी.सी. (2017) फजी काइटेरिया प्रोग्रामिंग एप्रोच फॉर आपटिमाइजिंग द टीबीएल परफार्मेन्स ऑफ कलोज्ड लूप सप्लाई चेन नेटवर्क डिजाइन प्रोबलम। एनाल्स ऑफ आपरेशंस रिसर्च, 1-46.

घोष, जे.बी. (2018) टॉवर ऑफ हनोई :एक्सपलारिंग मल्टीपल रिप्रेजेन्टेशंस। मैथमेटिक्स टीचर, 111(6), 446-453.

जैन, पी. एंड सिंह एम. (2017) - हिलबर्ट इनइक्विलिटी ग्रांड फंक्शन स्पेसिज। रिसर्चे डी मैटेमेटिका, 1-10.

कालरा, एस. (2017) - तेरे शहर में, नई दिल्ली : हिंद युग्म पब्लिकेशन (आईएसबीएन सं.978-93-84419-69-1)

कुमार, ए. (2017) - साइबर लॉज। नई दिल्ली : बुक एज पब्लिकेशन (आईएसबीएन : 978-81-935957-2-5)

कुमार, एम. एंड श्रीवास्तव, एस. (2018) - कनवरजेशंस ऑफ पावर्स ऑफ कम्पॉजिशन आपरेटर्स आन सरटेन स्पेशिज ऑफ होलोमार्फिक फंक्शंस डिफाइंड ऑन द राइट हॉफ प्लेन। आर्चिव डेर मैथेमेटिक,110(5), 487-500.

मिनोचा, ए. (2018) - एल्टरनेटिव लिटरेरी माडरेनेटिज : ए वाइस फ्रॉम कालोनियल पंजाब। जेईटक्रिफ्ट फर एंगलिस्टिक एंड अमेरिकनिस्टिक, 66(1), 35-48.

कुमार, एम., वजाला, आर., शर्मा, के., सिंह, एस., सिंह, आर., गुप्ता, यू. एंड भट्टाचार्जी, जे. (2017) - फर्स्ट ट्राइमेस्टरेफरेंस सेन्टिल्स ऑफ फीटल बायोमेट्री इन इंडियन पापुलेशन। द जर्नल ऑफ मेटरनल-फीटल एंड नियोनटाल मेडिसिन, 30(23), 2804-2811.

सभरवाल, जी. (2017) इंडिया सिन्स 1947 : द इंडिपेंडेंट ईयर्स। यू.के.: पेंग्विन

महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित पत्र

ऐक्लट (गणित विभाग)
इजतिहाड़ (इतिहास विभाग)
सेहर (प्रारंभिक शिक्षा विभाग)
जब्बरवॉक (अंग्रेजी विभाग)
तेजस (संस्कृत विभाग)
लर्निंग कर्व (मनोविज्ञान विभाग)
इकाललॉक्विल (अर्थशास्त्र विभाग)
कमकोर्ड (वाणिज्य विभाग)
सबाब (राजनीतिक विज्ञान विभाग)
नोएसिस (दर्शन शास्त्र विभाग)
द फील्डवर्क जर्नल (समाज शास्त्र विभाग)

संपादकीय मंडल में संपादक (संपादकों)/सदस्य (सदस्यों) के तौर पर कार्यरत महाविद्यालय अध्यापकों की संख्या-4

अनुसंधान परियोजनाएं

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (मानव संसाधन विकास मंत्रालय) द्वारा प्राचार्य, डॉ. सुमन शर्मा को 'विद्यालयों और उच्चतर शिक्षा संस्थाओं के बीच सहयोग : लाभ एवं चुनौतियां' नामक मुख्य अनुसंधान परियोजना प्रदान की गई।

डॉ. बिन्दु मेनन ने 'माइग्रेंट कार्टोग्राफिज : माइग्रेंट इंडिया इन द गल्फ काउंसिल सिटीज' नामक अनुसंधान परियोजना प्रारंभ की, जिसके लिए अंतर्राष्ट्रीय एशियाई अध्ययन संस्थान, लेडन, नीदरलैंड ने निधियां प्रदान की।

डॉ. मोनिका सिंह, दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के सहयोग से वर्तमान में जारी भारत-रूस परियोजना (नवम्बर, 2016 से प्रारंभ) की सदस्य है, जिसके लिए डीएसटी द्वारा निधियां प्रदान की गई हैं। परियोजना की अवधि-3 वर्ष।

डॉ. शहनाज कामा निम्नलिखित अनुसंधान परियोजनाओं में कार्यरत हैं : अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, परियोजना-जियो पारसी।
फेज-2, 2017 से अद्यपर्यन्त। पीआई एवं निदेशक, निदेशक यूनेस्को पारजोर।

डॉ. शहनाज कामा निम्नलिखित परियोजनाओं में कार्यरत हैं : अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय - हमारी धरोहर - पारसी हिरासत का परिरक्षण : नवसारी, 2018. पीआई एंड निदेशक, निदेशक यूनेस्को पारजोर।

आयोजित सेमिनार

प्रारंभिक शिक्षा विभाग ने दिनांक 26 और 27 मार्च, 2018 को 'भारत में वैकल्पिक और नवाचारी शिक्षा - द वे एहेड' विषय पर दो-दिवसीय आईसीएसएसआर प्रायोजित राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया।

बीए कार्यक्रम विभाग ने दिनांक 21 और 22 मार्च, 2018 को 'समागम-ऑन द रैम्पर्ट' विषय पर सेमिनार आयोजित किया।

राजनीतिक विज्ञान विभाग ने 23 और 24 मार्च, 2018 को 'पोलपाऊररी' सेमिनार का आयोजन किया। सेमिनार का विषय '**भावनाओं की राजनीति**' था।

गणित विभाग ने 23 और 24 फरवरी, 2018 को 'एनिगमा' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया। इसमें 'रिड्रेसिंग जेंडर इम्बेलेंस इन मैथेमेटिक्स : स्ट्रेटिजिज एंड आऊटकम्स' विषय पर पेनल चर्चा भी शामिल थी।

संस्कृत विभाग ने अपनी तरह का पहला 'स्टूडेंट सेमिनार' आयोजित किया। सेमिनार का विषय 'ऐथिक्स ऑफ लाइफ इन संस्कृत लिटरेचर' था। पत्र प्रस्तुति में दिल्ली विश्वविद्यालय और जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने भाग लिया।

आयोजित सम्मेलन

मनोविज्ञान विभाग ने 23 और 24 मार्च, 2018 को 'साइकोलाजिकल काननड्रम्स इन कंटम्परेरी इंडिया' विषय पर सम्मेलन का आयोजन किया।

अंग्रेजी विभाग ने 'नो चाइल्डज प्ले : लिटरेचर्स एंड/फॉर चाइल्डहुड्स इन कंटम्परेरी इंडिया' विषय पर आयोजित सम्मेलन में भारतीय बाल साहित्य के क्षेत्र की संभावनाओं पर चर्चा की।

अर्थशास्त्र विभाग ने 18, 19 और 20 जनवरी, 2018 को 'इकोनोविस्टा' सम्मेलन का आयोजन किया। इसका विषय 'इंडिया एट 70 : द इकानामिक एंड सोशल क्रॉसरोड्स' था।

एनएसएस यूनिट ने अपना वार्षिक सम्मेलन 'नेक्सस' आयोजित किया, 'द कैटालिस्ट फॉर चेंज : यूथ एंड सोशल सेक्टर' विषय पर अपने वार्षिक युवा सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन में कई महाविद्यालयों की एनएसएस यूनिटों के प्रतिभागियों ने भाग लिया तथा एक साथ विभिन्न विषयों पर चर्चा और विचार-विमर्श में भाग लिया - 'एबस्टेंस एब्यूज, मेंटल हेल्थ एंड ट्रामा शेमिंग, साइबर बुलिंग एंड सोशल इंटरप्रेन्यूरशिप'।

सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियां

डॉ. सुमन शर्मा ने 3 अप्रैल, 2018 को फुकोका महिला महाविद्यालय, जापान के आधिकारिक प्रवेश समारोह में सार्वजनिक व्याख्यान दिया।

डॉ. सुमन शर्मा ने 16 फरवरी, 2018 को विशेष आपदा अनुसंधान केन्द्र, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा 'युवाओं की भूमिका और आपदा उपशमन' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में एक व्याख्यान दिया, जिसका प्रायोजन आईसीएसएसआर द्वारा आपदा उपशमन के लिए सामाजिक विज्ञान दृष्टिकोण संबंधी क्षमता निर्माण कार्यशाला के तहत किया गया था।

डॉ. सुमन ने 8 मार्च 2018 को एलएसआर में एशिया, अफ्रीका और लेटिन अमेरिका के प्रतिनिधियों के साथ भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग(आईटीईसी) -विकासशील देशों में महिलाएं' विषय पर प्रस्तुति दी।

डॉ. सुमन शर्मा ने 06-10 नवम्बर, 2017 को विशाखापट्टनम में 'आपदा उपशमन : दक्षिण एशिया के मामले का अध्ययन' विषय पर आपदा प्रबंधन संबंधी तीसरी विश्व कांग्रेस में एक पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. सुमन शर्मा को 12-13 अक्तूबर, 2017 को सिंगापुर में छठे एशिया यूरोप फाउंडेशन (एएसईएफ) रेक्टर्स कांफ्रेंस (एआरसी6) के लिए आमंत्रित किया गया, उन्होंने 'भविष्य के तैयार विश्वविद्यालय और स्नातक : क्षितिज से अधिक गुणवत्तापरक शिक्षा' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. सुमन शर्मा ने 15-17 जून, 2017 को सामाजिक विज्ञान संकाय, हांगकांग विश्वविद्यालय में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संघ कांफ्रेस में 'जलवायु-परिवर्तन और नवीकरणीय ऊर्जा - दक्षिण एशिया के मामले का अध्ययन' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।
डॉ. अरविन्द कुमार ने 7 अप्रैल, 2018 को मेवाड़ प्रबंधन संस्थान, गाजियाबाद द्वारा 'समाज में एकता और राष्ट्र निर्माण के आलोक में अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम का सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में 'अध्यापकों की कार्य दक्षता बढ़ाने में प्रौद्योगिकी की भूमिका' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. शेरनाज कामा ने 13-15 जनवरी, 2018 को फिरदौसी विश्वविद्यालय, मशाद, ईरान में सांस्कृतिक विविधता और सहयोग के संबंध में एशियाई सांस्कृतिक संवाद विषय पर आयोजित सम्मेलन में 'एन एंसियंट स्प्रिच्युअल बांड : द यासना एंड द यज्ञना ऑफ ईरान एंड इंडिया' शीर्षक के तहत एक पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. माया जोशी ने 18 अक्तूबर, 2017 को इतिहास विभाग और रोहाटयन वैश्विक मामले केन्द्र, मिडलबरी महाविद्यालय, वरमोंट, यू.एस.ए. द्वारा 'ट्रेवलिंग सेल्वज : थॉट्स ऑन बर्थ, वीईंग एंड बिलांगिंग' विषय पर एक सार्वजनिक व्याख्यान दिया।

डॉ. वफा हामीद ने 22 फरवरी - 15 मार्च, 2018 तक सेंट स्टीफंज महाविद्यालय में सोका विश्वविद्यालय - सेंट स्टीफंज महाविद्यालय अकादमिक सहभागिता कार्यक्रम के एक भाग के तौर पर 'अंग्रेजी भाषा के माध्यम से भारतीय संस्कृति' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

राष्ट्रीय ज्ञापन-क्षरित समझौताय हस्ताअंतरराष्ट्री /

भारतीय/विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ : 9
ब्राउन विश्वविद्यालय, यू.एस.ए.; एल ए ट्रोब यूनिवर्सिटी, आस्ट्रेलिया; एनयूएस, सिंगापुर; मिडलबरी, यू.एस.ए.; फुकोका महिला विश्वविद्यालय, जापान; किंग्ज महाविद्यालय, लंदन; साइंसिज पीओ, पेरिस; अमेरिकन ग्रेजुएट विद्यालय, पेरिस; यूसीडी मिशेल समरफिट ग्रेजुएट बिजनेस स्कूल, आयरलैंड।

भारतीय/विदेशी कंपनियां/उद्योग : 3

आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थी
अंतर्गामी (इनबाउंड) : 4 और बर्हिगामी (आउटबाउंड) : 10

नियोजन ब्यौरा
नियोजन हेतु कंपनियों की संख्या : 131 (70 ऑन कैंपस)
अंतिम तौर पर नियोजन की संख्या : 128
ऑफर प्रदान किए गए विद्यार्थियों का प्रतिशत : 32 प्रतिशत

विस्तार और पहुंच कार्यकलाप

विद्यार्थियों को सामाजिक परिवर्तन के आन्दोलनों का नेतृत्व प्रदान करने में सहायता हेतु महाविद्यालय ने एनएसएस और एनसीसी के अतिरिक्त चार नवाचारी कार्यक्रम प्रारंभ किए हैं - स्वैच्छिक एजेंसी नियोजन कार्यक्रम, जो विद्यार्थियों को सामुदायिक विकास और समाज कल्याण के लिए सकारात्मक योगदान प्रदान करने के लिए अवसर प्रदान करता है; अभिज्ञता और जागरूकता के लिए समाज का ध्यान, जो अनुभव आधारित अधिगम को बढ़ावा देता है; महिला विकास प्रकोष्ठ, जो महिलाओं के मुद्दों पर कार्य करता है और रीच (पहुंच), जो समानता, सुलभता और मानवीयता का परिवर्णी शब्द है, संबंधी कार्य करता है और सकारात्मक तथा समावेशी अधिगम संबंधी मुद्दों पर कार्य करता है।

पुस्तकालय विकास

पूर्ण तौर पर कम्प्यूटरीकृत और उपभोक्ताओं के अनुकूल डाटा फाइलिंग प्रणाली से सुसज्जित महाविद्यालय पुस्तकालय में लगभग 111000 पुस्तकों, 6481 बाउंड जर्नल्स,1300 रेप्रोग्राफिक सामग्रियों और लगभग 350 सीडी तथा डीवीडी का बहुमूल्य संग्रह है। इसमें विविध प्रकार के समाचार-पत्र, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्र मंगवाए जाते हैं। पुस्तकालय में एक बुक बैंक खंड है, जो विद्यार्थियों को दीर्घकाल आधार पर पुस्तकें प्रदान करता है। यह पुस्तकालय दिल्ली विश्वविद्यालय नेटवर्क से जुड़ा हुआ है, जो विषय-वस्तु और अध्ययन सामग्री की सुलभता प्रदान करता है। यह पुस्तकालय प्रात: 8.00 बजे से सांय 8.00 बजे तक खुला रहता है तथा सभी पुस्तकों और बाउंड जर्नल्स के त्रुटि रहित डाटाबेस, जिसका रख-रखाव और अनुरक्षण आंतरिक टीम द्वारा किया जाता है, सहित पूर्ण तौर पर कम्प्यूटरीकृत है।

संकाय संख्या

संकाय की कुल संख्या : 151

वित्तीय आबंटन और उपयोगिता

संस्वीकृत अनुदान : 25,09,10,000 रूपए

उपयोग किया गया अनुदान : 29,37,44,641 रूपए

***

लक्ष्मीबाई महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

किसी संस्थान के विकास में इसकी अवसंरचना मुख्य आधार होती है। इस वर्ष महाविद्यालय ने विद्यार्थियों तथा संकाय और शिक्षणेतर कर्मचारियों के लिए अवसंरचनात्मक क्षमता बढ़ाने की दिशा में ठोस कार्य किया है। मुख्य कार्यकलापों में प्राचार्य बंगला के नजदीक एनेक्स ब्लॉक की मरम्मत करते हुए क्रेच के विकास हेतु खुले प्रसाधन खंड सहित आठ कक्षा-कक्षों (पोर्टा केबिन) का निर्माण करना, कैंपस में नई सीवर लाइन का निर्माण करते हुए नई भूमिगत केबल बिछाकर इलेक्ट्रिकल सुधार कार्य किया जाना तथा एमपी लैड निधि से ओपन जिम के द्वार पर 76.8 वाट का सोलर पेनल संस्थापित किया जाना शामिल है। इसके अतिरिक्त, इस वर्ष अवसंरचना विकास की दिशा में उठाए गए मुख्य कदमों में पार्किंग के नजदीक पूर्ण तौर पर सुसज्जित वेटिंग शेड, एडमिन ब्लॉक का निर्माण (एसपीएस), पुस्तकालय के पीछे ग्राउंड फ्लोर के अतिरिक्त दो मंजिला भवन का निर्माण, चारदीवारी एवं मार्ग सहित आउटडोर कैंटीन एरिया का निर्माण, खेल के मैदान की चारदीवारी का निर्माण और एक टॉयलेट ब्लॉक का निर्माण, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए खुले स्टेज और मार्गों का निर्माण, मेडिकल कक्ष के निर्माण सहित कोर्टयार्ड क्षेत्र में एलुमीनियम पार्टिशन, गर्ल्स कॉमन रूम तथा विभिन्न प्रयोजनों के लिए पांच अन्य कमरों का निर्माण, पारदर्शी छत और वर्षा जल संचयन प्रणाली की संस्थापना सहित कोर्टयार्ड को ढकने के लिए निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाना शामिल हैं।

सम्मान/गौरव

लक्ष्मीबाई महाविद्यालय को एनआईआरएफ में 27वीं रैंक प्रदान की गई।

लक्ष्मीबाई महाविद्यालय को 21-22 दिसम्बर, 2017 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 38वीं वर्ल्ड मैनेजमेंट कांग्रेस में 'इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एडुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस' (यूएन से सम्बद्ध) द्वारा बेस्ट मैनेजड कैंपस अवार्ड, 2017 प्रदान किया गया।

डॉ. ईशा चावला को 02 अगस्त, 2017 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित पुरस्कार समारोह में एक्जिम बैंक इंटरनेशनल इकानामिक रिसर्च एनुअल (आईईआरए) पुरस्कार, 2016 प्रदान किया गया।

डॉ. सीमा कौशिक को एनसीसी में उत्कृष्ट योगदान के लिए वीरता पुरस्कार अवार्ड, 2017 प्रदान किया गया।

डॉ. सुचेता गौबा को मार्च 2018 में मेरिटोरियस कॉलेज लेक्चर अवार्ड, उच्चतर शिक्षा निदेशालय, जीएनसीटीडी के लिए चुना गया।

गौरव सम्मान प्राप्त छात्र

दिव्या ने दिल्ली में आयोजित सुब्रोतो कप इंटरनेशनल पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता।
रीचा सिंह ने 27वीं अखिल भारतीय जी.वी. मावलंकर शूटिंग प्रतियोगिता में स्माल बोर राइफल में प्रथम स्थान तथा बिग बोर राइफल में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उसने 60वीं राष्ट्रीय शूटिंग प्रतियोगिता में बिग बोर राइफल स्पर्धा में द्वितीय स्थान भी प्राप्त किया।
भारती ने आईडीबीआई मैराथन में प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि कविता ने उसी स्पर्धा में हाफ मैराथन में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
नीशू ने फेडरेशन कप जूनियर ऐथलेटिक्स चैपियनशिप में 4x400 मीटर रिले रेस में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
युवा राष्ट्रीय बाक्सिंग प्रतियोगिता में सुष्मिता ने द्वितीय तथा मोनिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन

चतुर्वेदी, डॉ. सुचेता (2017) - 'रिप्रेजेटिंग वायलेंस अंगेनस्ट वूमन इन पोस्ट कॉलोनियल इंडियन राइटिंग'। एलएपी (आईएसबीएन 978-3-330:33140-2) द्वारा प्रकाशित।

हरनेजा, डॉ. अलका (2018) - लाइफ इंश्योरेंस नीड्स ऑफ इंडियन वूमन', 'फिनानजाद रूपी मैटर्स ' में फाइनेंस न्यूज़लैटर्स, । (1, जनवरी 18 - जून 18), 13-14.

हरनेजा, डॉ. अलका (2018) - ऑनलाइन लाइफ इंश्योरेंस : बायर्स परसेप्शन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनेलिटिक रिव्यू, 5 । (1 जनवरी - मार्च 2018), आईएसएसएन 2348-1269, प्रिंट आईएसएसएन 2349-5138 http://ijrar.com/ कॉसमॉस इम्पेक्ट फेक्टर 4.236

मल्होत्रा, डॉ. अनिता (2017) स्वास्थ्य शिक्षा उपकरणों का विकास और वैधीकरण तथा जीवन-शैली संबंधी रोगों में रोगी की देखभाल हेतु मूल्यांकन प्रश्नावलियां। जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड डायगनोस्टिक रिसर्च, 11(5): 6-9.

मल्होत्रा, डॉ. अनिता (2018) नॉन एल्कोहालिक फैट्टी लीवर डिजिज : प्रोबलम्स इन परसेप्शन एंड सोल्यूशन। जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड डायगनोस्टिक रिसर्च। 1-5.

शर्मा, डॉ. लता (2017) डिजाइन एंड डिवलपमेंट ऑफ सोलर ऑटोक्लेव, इंडियन जर्नल ऑफ साइंस एंड टेक्नालॉजी में प्रकाशित, 10 (21), 1-6 आईएसएसएन (प्रिंट) : 0974-6846, आईएसएसएन (ऑनलाइन) : 0974-5645. डीओआई : 10.17485/ijst/2017/v10i21/114491,

शर्मा, डॉ. लता (2017), सोलर आटोक्लेव, ग्लोबल मल्टीडिसीप्लीनरी, 9 (10 अक्तूबर)। आईएसएसएन : 2249-2054, इम्पेक्ट फेक्टर : 3.578, 172-183.

गौबा, डॉ. सुचेता (2017) फाइनेंसिंग ऑफ कारपोरेट इनवेस्टमेंट : पेनल डाटा एविडेंस फ्रॉम इंडियन मैन्यूफैक्चरिंग फर्मस। एशियन जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, 8 (3), 471-478. आईएसएसएन 0976-495X, ऑनलाइन आईएसएसएन 2321-5771)।

गौबा, डॉ. सुचेता (2017) - निवेश और नकदी प्रवाह के बीच यू-आकार का संबंध : पेनल डाटा एविडेंस फ्रॉम इंडियन मैन्यूफैक्चरिंग फर्मस, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस, मैनेजमेंट एंड एलायड साइंसिज, 4(4), पृष्ठ : 135-142 (आईएसएसएन : 2349-4638)।
गौबा, डॉ. सुचेता (2017) - ए स्टडी ऑन इम्पेक्ट ऑफ डिमोनेटाइजेशन ऑन प्रधान मंत्री जन धन योजना, नोटबंदी, डिजिटलीकरण और वित्तीय समावेशन (आईएसबीएन 817026380-8), 117-128.

अनुसंधान परियोजनाएं

शीर्षक : "भारत के महानगरों में युवाओं की आधुनिक जीवन शैली समस्याओं का एक अध्ययन", वर्ष/अवधि - 2017-18, राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान(आरजीएनआईडी), संस्वीकृत राशि : 5**,20,000/-** रूपए।

आयोजित सेमिनार

लक्ष्मीबाई महाविद्यालय द्वारा 26 अप्रैल, 2017 को एचडब्ल्यूपीएल, दक्षिण कोरिया के सहयोग से शांति सेमिनार का आयोजन किया गया।

हिन्दी विभाग द्वारा 15 नवम्बर, 2017 को "मीडिया, महिला और न्याय" विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया।

आयोजित सम्मेलन

लक्ष्मीबाई महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 22-23 मार्च, 2018 को अकादमिक स्टाफ तथा 26-27 मार्च, 2018 को गैर-अकादमिक स्टाफ के लिए "टीम बिल्डिंग एंड बिल्डिंग ट्रस्ट इन रिलेशनशिप" विषय पर एक दो-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका आयोजन आईक्यूएसी और एईपीआईसी द्वारा किया गया तथा संचालन श्री दिग्विजय रापूत, मास्टर स्किल ट्रेनर, सेन्टम लर्निंग द्वारा किया गया।

लक्ष्मीबाई महाविद्यालय के विद्यार्थियों हेतु दिनांक 16 से 19 मार्च, 2019 तक एनआईईएसबीयूडी (कौशल विकास मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा 'उद्यमिता जागरूकता' विषय पर दो-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियां

डॉ. प्रत्यूष वत्सला, प्राचार्य ने दिनांक 25-26 जून, 2017 को पेरिस, फ्रांस में आयोजित मानव अधिकार और मानव सुरक्षा संबंधी 19वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'मानव मूल्यों की सुरक्षा : भारतीय उपमहाद्वीप के आपरेशंस में मानव सुरक्षा का मुद्दा' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. प्रत्यूष वत्सला, प्राचार्य ने 28 जनवरी, 2018 को बौद्धिक और अकादमिक व्यक्तियों के समूह द्वारा 'स्त्री शक्ति-भारतीय विचार और परम्परा' विषय पर आयोजित एक सेमिनार में "विदुषी मैत्रेयी से विश्वासमुंद्री मानुषी तक स्त्री : आधुनिकता और चुनौतियां" नामक पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. लता शर्मा ने दिनांक 26-28 अगस्त, 2018 को स्वामी श्रद्धानंद महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा दक्षिण एशियाई प्रबंधन संघ और जबलपुर संघ के सहयोग से 'समाज का दीर्घकालिक विकास : मौजूदा प्रवृतियां और भविष्य का दृष्टिकोण' विषय पर आयोजित छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सोलर ऑटोक्लेव" नामक पत्र को सह-प्रस्तुत किया।

डॉ. लता शर्मा ने 8-10 मार्च, 2018 को लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, ग्वालियर (मध्य प्रदेश) द्वारा 'खेल प्रबंधन संबंधी मुद्दे और नए विचार' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सीएसआर के माध्यम से भारतीय कंपनियों का खेल संवर्धन में योगदान" नामक पत्र को सह-प्रस्तुत किया।

डॉ. लता शर्मा ने 17-18 मार्च, 2018 को डॉ. भीम राव अम्बेडकर महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा दक्षिण एशिया प्रबंधन संघ के सहयोग से 'समावेशी विकास संवर्धन हेतु रणनीतियां' विषय पर आयोजित 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसी-एसपीआईडी-2018) में "कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व : समावेशी विकास के लिए एक नया दृष्टिकोण" नामक पत्र को सह-प्रस्तुत किया।

डॉ. अलका हरनेजा ने 17-18 मार्च, 2018 को डॉ. भीम राव अम्बेडकर महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा दक्षिण एशिया प्रबंधन संघ के सहयोग से 'समावेशी विकास संवर्धन हेतु रणनीतियां' विषय पर आयोजित 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसी-एसपीआईडी-2018) में "कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व : समावेशी विकास के लिए एक नया दृष्टिकोण" नामक पत्र को सह-प्रस्तुत किया।

डॉ. अलका हरनेजा ने एलएनआईपीई, ग्वालियर (मध्य प्रदेश) (08-10 मार्च, 2018) के खेल प्रबंधन और कोचिंग विभाग द्वारा खेल प्रबंधन में मुद्दे और नए विचार, विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के माध्यम से भारतीय खेलों का उत्थान' नामक पत्र को सह-प्रस्तुत किया।

डॉ. अलका हरनेजा ने ने 17-18 मार्च, 2018 को डॉ. भीम राव अम्बेडकर महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा दक्षिण एशिया प्रबंधन संघ के सहयोग से 'समावेशी विकास संवर्धन हेतु रणनीतियां' विषय पर आयोजित 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसी-एसपीआईडी-2018) में "कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व : समावेशी विकास के लिए एक नया दृष्टिकोण" नामक पत्र को सह-प्रस्तुत किया। इसका सारांश सम्मेलन की कार्यवाही में प्रकाशित हुआ।

डॉ. अनिता मल्होत्रा ने दिनांक 8-10 सितम्बर, 2017 को 17वें अंतर्राष्ट्रीय सेलिएक डिजीज सिम्पोजियम में 'इनटेक ऑफ ग्लुटेन इन इंडियन पेशेंट्सविद सेलिएक डिजीज एंड देयर फर्स्ट डिग्री रिलेटिवज : ए पायलट स्टडी' नामक पत्र को सह प्रस्तुत किया।

डॉ. ईशा चावला ने 24 फरवरी, 2018 को फोरम फॉर ग्लोबल नॉलेज शेयरिंग द्वारा नीति अध्ययन केन्द्र, आईआईटी बाम्बे, मुम्बई में 'एफडीआई : मुद्दे एवं नीतियां' विषय पर आयोजित सेमिनार में 'एफडीआई और निर्यात' (सह-लेखक, प्रोफ़ेसर बिश्वनाथ गोलडर) विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

नियोजन ब्यौरा

8 विद्यार्थियों ने विभिन्न कंपनियों में नियोजन प्राप्त किया।

14 कंपनियों ने कैम्पस भर्ती के लिए दौरा किया।

विस्तार और पहुंच कार्यकलाप

कॉलेज के विद्यार्थियों ने एनएसएस और एनसीसी में अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न कार्यकलापों में भाग लेकर महाविद्यालय को विभिन्न प्रकार से सम्मान दिलाया और इसका गौरव बढ़ाया। महाविद्यालय उन विद्यार्थियों को शिक्षा सुविधा प्रदान करने के लिए एनसीडब्ल्यूईबी और इग्नू केन्द्र भी संचालित करता है, जो नियमित तौर पर महाविद्यालय में भाग नहीं ले सकते परंतु ज्ञान प्राप्त करना चाहते हैं। इस अकादमिक वर्ष में भी विद्यार्थियों के परिणाम संतोषजनक रहे हैं।

पुस्तकालय विकास

महाविद्यालय की पुस्तकालय समिति सुविधाओं के विकास और उनमें सुधार के प्रयास कर रही है। तीन मंजिला भवन का जीर्णोद्धार किया जा रहा है और बैठने की क्षमता एवं प्रबंधन में सुधार किया जा रहा है। अधिक कर्मचारियों के साथ हम आशा करते हैं कि सुसज्जित पुस्तकालय के लक्ष्य को प्राप्त कर लिया जाएगा। विद्यार्थियों और संकाय के लिए वाचनालय स्थल को सुविधाओं सहित विकसित किया जा रहा है। पुरानी पुस्तकों की छंटाई की जा रही है ताकि उनके स्थान पर नई पुस्तकों को रखा जा सके। जनवरी 2018 में छंटाई का कार्य प्रारंभ किया गया था तथा पुरानी पुस्तकें विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों को नाममात्र के शुल्क पर प्रदान की गई थी।

2 फरवरी, 2018 को महाविद्यालय के लॉन में वार्षिक पुस्तक मेले का आयोजन किया गया। 25 से भी अधिक पुस्तक स्टॉल पर विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों को अद्यतन पुस्तकें प्रदान की गई। इस कार्यक्रम में सभी ने उत्साह से भाग लिया। इस अवसर पर चार प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। बुक आर्ट डिजाइनिंग, बुक मार्क मेकिंग, स्लोगन राइटिंग और पोस्टर डिजाइनिंग प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साह से भाग लिया। पुस्तकालय को उन्नत बनाने के प्रयास जारी हैं।

संकाय संख्या : 155

वित्तीय आबंटन और उपयोगिता

संस्वीकृत अनुदान : 27,15,93,000/- रूपए

उपयोग किया गया अनुदान : सम्पूर्ण अनुदान उपयोग किया गया

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

हमारे महाविद्यालय में विभिन्न सोसायटियां विद्यार्थियों के लिए एक दूसरे प्रकार का कार्य-निष्पादक मंच हैं। महिला विकास प्रकोष्ठ जैसी सोसायटियां 'अन-लर्निंग', अर्थात थोपी गई और प्रत्यावर्ती विचार प्रणालियों को नकारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। यह लक्ष्य महिला राजनीति पर सेमिनारों और पेनल चर्चा तथा सृजनात्मक और प्रयोगात्मक मंच जैसे विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किए गए नाटकों के माध्यम से प्राप्त किया जाता है। सबसे उल्लेखनीय बात यह है कि विभिन्न समितियों के कार्य का आपस में समेकन कैसे होता है। 'नवरंग', हमारी लोकतांत्रिक सोसायटी नवाचारी तौर पर अभिकल्पित कार्य-निष्पादनों के माध्यम से सामाजिक असमानता के खिलाफ

विरोध की इसी भावना की प्रतिपुष्टि करती है। अभी हाल ही में, संस्थान के लॉन में आयोजित अंतर महाविद्यालय नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में विद्यार्थियों को बेहतर और साहसिक स्व: अभिव्यक्ति प्रतीत हुई। यह शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को कक्षा-कक्ष से बाहर लाने तथा अभिव्यक्ति के अन्य महत्वपूर्ण और निर्णायक प्रारूपों का पूर्ण दोहन करने संबंधी हमारे प्रयासों के अनुरूप है।

***

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

महाविद्यालय ने देश भर में जो प्रतिष्ठा प्राप्त की है, वह इसके गत चार वर्षों के सर्वेक्षणों में दर्शाई गई है। इन सर्वेक्षणों में, हमारे महाविद्यालय को विज्ञान और मानविकी संकाय दोनों में उच्च दर्जा प्रदान किया गया है। इंडिया टूडे और नीलसन कंपनी द्वारा किए गए भारत के श्रेष्ठ महाविद्यालय सर्वेक्षण में हमारे महाविद्यालय ने 22वां स्थान प्राप्त किया है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किए गए राष्ट्रीय सांस्थानिक रैंकिंग फ्रेमवर्क में महाविद्यालय को 32वां स्थान प्रदान किया गया है। महाविद्यालय को एनएएसी द्वारा 'ए' ग्रेड के साथ प्रत्यायित भी किया गया है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रों में कई प्रकाशन, विभिन्न स्तरों पर कई पत्र प्रस्तुतियां और कई परियोजनाएं हमारे संकाय सदस्यों की उपलब्धि रही है। फर्स्ट डिविजन में वृद्धि तथा उच्च अंक प्रतिशत हमारे विद्यार्थियों की एक और उपलब्धि रही है। एनएसएस समिति तथा सक्रिय विद्यार्थी सामाजिक तथा आर्थिक तौर पर पिछड़े विद्यार्थियों के उत्थान के लिए कार्य कर रहे हैं।

<u>गौरव सम्मान प्राप्त छात्र</u>

आकाश जैन, बी.एस.सी. मैथेमेटिकल साइंस ने 90.86 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।
मंजरी कुशवाहा, बी.एस.सी. भौतिक विज्ञान ने 90.1 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।
मोहित रस्तोगी, बी.टेक. कम्प्यूटर विज्ञान ने 89.5 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।
उमा रानी, बी.एस.सी. भौतिक विज्ञान ने 88.9 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।
पुष्प राज, बी.टेक. इलेक्ट्रॉनिक्स ने 85.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

प्रकाशन

प्रसन्नन, ए.आर., अग्रवाल, जे., दास, ए.के., बिस्वास, जे. (2017) ए क्लास ऑफ मैपिंग बिटविन आरजेड-सुपरकंटिनिवस फंक्शंस एंड आरओ-सुपरकंटिनिवस फंक्शन। होनम मैथमेटिकल जर्नल, खंड 394 : पृष्ठ 575-590.

चावला, जी. (2017) 'फारवर्ड' रि-स्टोरिंग द इंडिजिनस एंड द पापुलर इमेजिनरी वाल्यूम III, आईएसबीएन 978-93-5207 -385-6 आथरप्रेस पब्लिशर्स, नई दिल्ली। पृष्ठ Vii-xx

दास, आई. (2018) 'बालीवुड डांस : डिजायर फॉर द अदर्स', डांस मैटर्स टू : मार्किट्स, मेमोरीज, आइडंटिटीज नामक पुस्तक में, संपादक - पल्लबी चक्रवर्ती और नीलांजन गुप्ता। एबिंगडन एंड न्यूयार्क : राऊटलेज, आईएसबीएन : 978-1-138-10637-6

सिन्हा, एम. (2017) 'द कल्चरल वेल्यू ऑफ द वेडिंग नरेटिव ऑन इंडियन टेलिविजन: बैंड बाजा ब्राइड', फिलिप ड्रमंड (संपादित), 'लंदन फिल्म एंड मीडिया रीडर, 5 क्विशचंस ऑफ कल्चरल वेल्यू' किंडल ई-बुक : अमेजन।

गुप्ता, पी. (2018) दीप न्यूरल नेटवर्क फॉर ह्यूमन फेस रिकगनिशन आई.जे. इंजीनियरिंग एंड मैन्युफैक्चरिंग, 1, 63-71 ऑन लाइन जर्नी 2018 द्वारा प्रकाशित, एमईसीएस, डीओआई: 10.5815/ijem.2018.01.06, आईएसएसएन : 2305-3631 (प्रिंट), आईएसएसएन : 2306-5982 (ऑनलाइन)।

कुमार, आर., शेट्टी, पी. (2018) संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के लिए भारत की दावेदारी, मेनस्ट्रीम पब्लिकेशंस, आईएसएनएन - 0542-1462.

राम, आर., रहमान, एम., अलदलभाई, ए., खास्तगिर,डी. (2017) - डिटरमिनेशन ऑफ परकोलेशन थ्रेशोल्ड एंड इलेक्ट्रिकल कंडक्टिविटी ऑफ पालीविलाइडेन फ्लूराइड (पीवीडीएफ)/शार्ट कार्बन फाइबर (एससीएफ) कम्पोजिट्स : इफेक्ट ऑफ एससीएफ एस्पेक्ट रेशो, पालीमिन्ट, 66: 573-582.

मित्तल, एस. (2018) एक्मे इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिस्सिपलिनरी रिसर्च, वाल्यूम 6(1), (आईएसएसएन : 2320-236X) में 'दिल्ली इन अहमद अलीज ट्विलाइट इन दिल्ली'।

शुक्ला, एस., श्रीवास्तव, पी.के., राय, पी. -स्प्रिच्युअल इकालॉजी एंड सस्टेनेबिलिटी : प्रैक्टिस एंड कंफ्लयूएंस, आथर्स प्रेस, आईएसबीएन - 978-93-5207-386-3.

कुमारी, वी., सचिन, सिंह, एस., सक्सेना, एम., गुप्ता, एम. (2017) - एनेलिटिक ड्रेन करंट मॉडल फॉर गेट एंड चेनल इंजीनियर्ड रिंग एफईटी (जीसीई-रिंग एफईटी), एल्सवेयर, सुपरलेटिस एंड माइक्रोस्ट्रक्चर।

अनुसंधान परियोजनाएं

शीर्षक : वैश्विक संगठनों में संस्कृति और संचार, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित, संस्वीकृत राशि : 12 लाख रूपए, परियोजना प्रभारी - डॉ. सुनील सोंधी।
शीर्षक : साइबर सुरक्षा सहायता प्रणाली, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित, संस्वीकृत राशि : 12 लाख रूपए, परियोजना प्रभारी - डॉ. मीना मेहता, डॉ. प्रीति गुप्ता और डॉ. वंदना।
शीर्षक : दिल्ली विश्वविद्यालय में कर्मचारियों के आंतरिक कार्य-निष्पादन मूल्यांकन और प्रबंधन हेतु कार्यनीति का विकास, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित, संस्वीकृत राशि : 12 लाख रूपए, परियोजना प्रभारी - डॉ. टी.एन. ओझा, डॉ. कल्पना और डॉ. प्रिया गुप्ता।
शीर्षक : उच्चतर शिक्षा के सूचना प्रबंधन हेतु ई-अधिगम सामग्रियों का विकास, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित, संस्वीकृत राशि : 12 लाख रूपए, परियोजना प्रभारी - श्री एस.के. रितेन, श्री विनय राय और सुश्री रचिता।
शीर्षक : उच्चतर शिक्षा संस्थाओं का कार्यनीतिक प्रबंधन : दिल्ली विश्वविद्यालय के मामले का अध्ययन, संस्वीकृत राशि : 12 लाख रूपए, परियोजना प्रभारी : डॉ. संजीव के. तिवारी और सुश्री सुष्मिता।

आयोजित सेमिनार/सम्मेलन

जीव-विज्ञान विभाग ने "वन्य जीव पारिस्थितिकी, संरक्षण और आइकोनालॉजी" उप विषय सहित "जैव विविधता और जलवायु परिवर्तन" विषय पर आयोजित छठे राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन में भाग लिया।

विभाग द्वारा विद्यार्थियों को नई जीएसटी प्रणाली के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए 'जीएसटी वार्ता 2.0' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसमें सी.ए. नव्य मल्होत्रा को देश में इस कर प्रणाली के कार्यान्वयन की जमीनी हकीकत की जानकारी प्रदान करने और इस संदर्भ में अपने अवलोकन साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

'स्टार्टअप एंड इनोवेशन' सेमिनार पुन: अगस्त माह में आयोजित किया गया, जिसमें श्री सौम्यजीत गुप्ता, श्री युवराज भारद्वाज और श्री विजय राठी जैसे अतिथियों को आमंत्रित किया गया था।

"कश्मीर समस्या : अनुच्छेद 35 क का मुद्दा" विषय पर दिनांक 22 अगस्त, 2017 को एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें श्री आशुतोष भटनागर, कार्यकारी निदेशक, जम्मू एवं कश्मीर अध्ययन केन्द्र मुख्य अतिथि थे तथा श्री यशराज बुंदेला, अधिवक्ता, भारत का उच्चतम न्यायालय सम्माननीय अतिथि थे।

सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियां

रणविजय राम, एम. रहमान, डी. खास्तगिर, "ग्रीन मैथड ऑफ प्रीपेरेशन ऑफ पालीविलाइलिडेन फ्लोराइड (पीवीडीएफ) - कार्बननैनोट्यूब (एमडब्ल्यूसीएनटी) बेस्ड नैनोकम्पोजिट्स : फिजिको मैकेनिकल", इंटरनेशनल कांफ्रेस ऑन एडवांसिंग ग्रीन कैमेस्ट्री : बिल्डिंग ए सस्टेनेबल टुमारो, 3-4 अक्तूबर, 2017, ग्रीन कैमेस्ट्री नेटवर्क सेंटर, रसायन विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और हिन्दू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित।

वंदना कुमारी, मनोज सक्सेना, मृदुल गुप्ता, "वेरिएबिलिटी इनवेस्टिगेशन ऑफ डबल गेट जंक्शनलेस (डीजी-जेएल) ट्रांजिस्टर फॉर सर्किट डिजाइन परस्पेक्टिव, वीडीएटी"-2017

वंदना कुमारी, अभिनीति शरण, मनोज सक्सेना, मृदुला गुप्ता, "स्टडी ऑफ एक्सटेंडिड बैक गेट डबल गेट जंक्शनलेस ट्रांजिस्टर : थ्यूरेटिकल एंड न्यूमेरिकल इन्वेस्टिगेशन, इंटरनेशनल वर्कशॉप ऑन फिजिक्स एंड सेमीकंडक्टर आईडब्ल्यूपीएसडी"-2017

चारू आर्य ने अंग्रेजी विभाग, दयाल सिंह इवनिंग कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 22 मार्च, 2018 को 'लिम्बले द आऊटकास्ट एंड दलित रेजिस्टेंस' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "ब्रोकन आइडंटिटीज एंड सेल्फ इन द कास्टकम्युनिटीज-वाइस इन ऑटोबायोग्राफिज" शीर्षक के तहत एक पत्र प्रस्तुत किया।

देबोस्मिता पाल ने नवम्बर 2017 में मणिपुर विश्वविद्यालय, इम्फाल द्वारा आयोजित 41वीं इंडियन फोकलोर कांग्रेस में "नरेटिव्ज ऑफ पावर एंड पेन : फॉक सोंगस ऑफ बंगाल एंड बंगाली आइडनटिटीज" विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

सुशील यादव ने 7-8 सितम्बर, 2017 को माता सुंदरी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'एडवांसिज ऑन एप्लाइड मैथमेटिक्स एंड स्टेटिस्टिक्स' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "रेजोनेंस इन ए जियो -सेन्ट्रिक सेटलाइट ड्यू टू अर्थज इक्विटोरियल एलिप्टिसिटी विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

नीरज कुमार ने 23-24 मार्च, 2018 को "फोस्टरिंग क्वालिटी रिसर्च इन हायर एजुकेशन" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "आइडंटिफिकेशन ऑफ द पांडव ट्रायल इन कारसोग वैली ऑफ हिमाचल प्रदेश एंड इन्फ्लूएंश ऑफ पांडव/महाभारत हीरोज इन लोकल कल्चर एंड फोक सोंगस" विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

सुष्मिता राजवर ने 15 मार्च, 2018 को सीएएस, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में "एशिया-अफ्रीका विकास गलियारा : अवसर और चुनौतियां" विषय पर आयोजित संगोष्ठी में "एशिया-अफ्रीका ग्रोथ कोरिडॉर : व्हाटइज इन स्टोर फॉर द फ्यूचर?" विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

प्रिया गुप्ता ने 11-13 दिसम्बर, 2017 को बिजनेस एनालिटिक्स एंड इंटेलीजेंस (बीएआई), आईआईएम, बंगलौर द्वारा बिजनेस एनलिटिक्स एंड इंटेलिजेंस विषय पर आयोजित किए गए 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "कनवरसेशनल यूजर इंटरफेस : ए पैराडिगम शिफ्ट इन ह्यूमन कम्प्यूटर इंटरएक्शन" विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

सुष्मिता राजवर ने दिनांक 15-16 जनवरी, 2018 को जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा 'इंडिया एंड अफ्रीका : एन अफ्रो-एशियन परस्पेक्टिव, एकेडमी ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में जापान एंड अफ्रीका रिलेशंस : आपरचुनिटिज फॉर इंडिया' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

विस्तार एवं पहुंच कार्यकलाप

एमएसी-एनएसएस समूह ने चार माह तक बाजार सहित कॉलेज एवं इसके नजदीकी क्षेत्रों में स्वच्छता कार्यक्रम "जीरो इम्पेक्ट ऑन इनवायरमेंट"- का साप्ताहिक स्वच्छता अभियान चलाया। इस समूह ने जागरूकता घंटों का भी आयोजन किया, जिसमें स्वयंसेवकों ने आसपास के परिवेश को स्वच्छ रखने की परियोजना एबीएचआई (अग्रसेन बारोजी हेल्प पहल) के संबंध में लोगों से संवाद किया : एमएसी-एनएसएस यूनिट ने हरियाणा राज्य के मेवात जिले में बारोजी गांव को गोद लिया है। इस वर्ष 4 नवम्बर, 2017 को गांव का दो बार दौरा किया गया और ग्रामीणों के साथ संवाद करने, पौधारोपण अभियान चलाने के लिए जनवरी, 2018 में तीन दिवसीय कैम्प का आयोजन किया गया, ग्रामीणों को सरकार की नीतियों की जानकारी प्रदान करने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय एकता दिवस (सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती) के अवसर पर 31 अक्तूबर, 2017 को 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन किया गया, समाज में एकता का संदेश फैलाने के लिए लगभग 30 एनएसएस स्वयंसेवकों ने 'रन फॉर यूनिटी' में भाग लिया। स्याही (एमएसी-एनएसएस को लेखन क्लब)- इसकी स्थापना ऑनलाइन ब्लॉग के तौर पर की गई तथा विचार अभिव्यक्ति खंड में विभिन्न लेखकों की कविताओं के छह संस्करण प्रकाशित किए जा चुके हैं। स्याही के प्रारंभ से ही न केवल हमारे कॉलेज के विद्यार्थियों अपितु अन्य कॉलेजों के विद्यार्थियों तथा अन्य राज्यों की तरफ से भी बड़ी संख्या में संस्मरण प्राप्त हो रहे हैं। पेडल पावर : एमएसी-एनएसएस का 40 से भी अधिक सदस्यों वाला एक सक्रिय साइकिल क्लब है। परियोजना "अक्षर" : इस परियोजना में स्वयंसेवक समाज के लाभ वंचित वर्गों के बच्चों को गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करते हैं। बच्चों को लेखन सामग्री नि:शुल्क प्रदान की जाती है। इसके लिए वार्षिक दीवाली मेले से धनराशि जुटाई गई। 14 नवम्बर, 2017 को 'अक्षर' परियोजना के तहत नजदीकी मलिन बस्तियों तथा गांवों के 100 से भी अधिक बच्चों के साथ 'बाल दिवस' मनाया। जल संरक्षण के लिए सूक्ष्म सिंचाई कृषि परियोजना के अंतर्गत, कॉलेज में मॉडल तैयार किए गए और गांवों में कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। कृषि अपशिष्ट अपघटन परियोजना : दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में पराली जलाए जाना प्रदूषण की मुख्य समस्या होने के कारण, एनएसएस टीम ने ग्रामीणों को कृषि अपशिष्ट के अपघटन हेतु उपलब्ध विभिन्न तकनीकों की जानकारी प्रदान की और डिकमपोजिंग कल्चर का वितरण किया। पौधारोपण अभियान : एमएसी-एनएसएस द्वारा एमएसी-इनसर्च के सहयोग से कई पौधारोपण अभियानोंका आयोजन किया। झारोड़ा गांव का दौरा : समाज कल्याण विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से झारोड़ा गांव का दौरा किया। 'तनाव प्रबंधन' विषय पर कार्यशाला : तनाव निवारण योग विशेषज्ञों द्वारा "निताई साउंड योग" का आयोजन अध्यापकों एवं विद्यार्थियों के लिए किया गया। दृष्टिदोष से ग्रसित व्यक्तियों के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए सामुदायिक जागरूकता विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

पुस्तकालय विकास

कॉलेज के पुस्तकालय में 40,524 से अधिक पुस्तकें और 47000 राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय ई-जर्नल तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी, सामाजिक विज्ञान, कला और मानविकी संबंधी अन्य महत्वपूर्ण ई-संसाधन हैं। पुस्तकालय का प्रबंधन पूर्ण तौर पर एलिस फार विंडों (पुस्तकालय स्वचालन सॉफ्टवेयर) द्वारा किया जाता है। पुस्तकालय द्वारा उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं के लिए समय-समय पर पुस्तकालय अभिविन्यास कार्यक्रम, पुस्तक प्रदर्शनी कार्यशाला इत्यादि का आयोजन किया जाता है।

पुस्तकालय की पुस्तकों की ऋण सुविधा

सीएएस (वर्तमान जागरूकता सेवाएं)

पुस्तकालय में अभी हाल ही में अतिरिक्त पुस्तकों की सूची को शामिल किया गया है तथा संदर्भ के लिए इसे संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों को मेल किया गया है।

राष्ट्रीय समाचार-पत्रों से अद्यतन समाचारों और लेखों की स्केनिंग के माध्यम से साप्ताहिक न्यूज अलर्ट प्रदान किया जाता है।

नई पुस्तकों की बुक जैकेट्स बोर्ड पर प्रदर्शित की जाती हैं।

फोटो कापी सुविधा - यह सुविधा आऊटसोर्स द्वारा प्रदान की जाती है।

ग्रंथ सूची सेवा (उपभोक्ताओं को मांगे जाने पर प्रदान की जाती है)।

जर्नल, मैगजीन, न्यूज पेपर वाचन सुविधाएं।

संदर्भ सेवा : हमारा विशेषज्ञ पुस्तकालय स्टाफ रेडी रेफ्रेंस सेवा और लांग रेंज रेफ्रेंस सेवा के माध्यम से सूचना और दस्तावेज का पता लगाने तथा यूजीसी इनफलिबनेट अहमदाबाद, गुजरात द्वारा डीयूएलएस नेटवर्क और एन-सूची सेवा के माध्यम से ई-संसाधन सेवा प्रदान करने के लिए सदैव तत्पर रहता है।

पुस्तकालय कार्यशाला : एमएसी, डीयू पुस्तकालय ने दिनांक 20 अप्रैल, 2017 को 'सूचना साक्षरता : सुलभता एवं पुन: प्राप्ति' विषय पर एक दिवसीय पुस्तकालय कार्यशाला का आयोजन किया, जो अत्यधिक सफल रही। पुस्तकालय पुस्तक प्रदर्शनी : एमएसी, डीयू पुस्तकालय ने दिनांक 17-18 अगस्त, 2018 को दो दिवसीय पुस्तकालय पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया। इसमें 30 से अधिक प्रतिष्ठित पुस्तक प्रकाशकों/वितरकों ने भाग लिया। पुस्तकालय अभिविन्यास कार्यक्रम : एमएसी, डीयू पुस्तकालय ने विभागों की बैच-वार अनुसूचियों के अनुसार प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए अगस्त 2017 में दो सप्ताह का पुस्तकालय अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया। महाराज अग्रसेन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के पुस्तकालय को "एनएएसी" ग्रेड (ए) प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया है। एन-सूची (शोध विषय-वस्तु के लिए राष्ट्रीय पुस्तकालय और सूचना सेवा अवसंरचना) सुविधा हमारे पुस्तकालय में उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध है, जिसमें उपभोक्ता लॉग इन पासवर्ड के माध्यम से 5000 ई-जर्नल और ई-पुस्तकों को किसी भी समय पुस्तकालय भवन में जाए बिना देख सकता है। विद्यार्थियों के लिए गत वर्षों के प्रश्न-पत्रों की सुविधा उपलब्ध है। हमारे पुस्तकालय में पाठ्यक्रम विषय-वस्तु मुद्रित रूप में उपलब्ध है। पुस्तकालय में वर्गीकरण सुविधा को उन्नत बनाया गया है। मौजूदा पुस्तकों की खोज को सुकर बनाने के लिए बुक रैक्स पर सूची मार्गदर्शन लगाया गया है। पुस्तकालय में अलग से केबिन सुविधा प्रदान की गई है। पुस्तकों को वर्गीकृत क्रम में रखा गया है। उपभोक्ताओं के लिए मासिक कैटलाग सूचना मेल के माध्यम से प्रदान की जाती है। पुस्तकालय सॉफ्टवेयर के माध्यम से उपभोक्ताओं की मांग के अनुरूप कैटलाग डाटा को अद्यतन किया जाता है। पुस्तकालय में नई पुस्तकों को प्रदर्शित करने की सुविधा है।

भविष्य की योजनाएं

आरएफआईडी प्रौद्योगिकी प्रणाली (रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडंटिटी डिवाइस)। इसके लाभ; सेल्फबुक चैक इन/चैक आऊट, बुक सिक्योरिटी, गुणवत्ता आधारित पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली, प्रयोग करने में आसान, उपभोक्ताओं के लिए समय

की बचत, गुम सामग्री इत्यादि की खोज करने में सहायक। वेब ओपक पुस्तकालय सुविधा : वर्ल्डवाइड सर्चिंग सुविधाएं। वेब ओपक ऑनलाइन सार्वजनिक सुलभता कैटलाग है, जो उपभोक्ताओं को इंटरनेट का प्रयोग करते हुए पुस्तकालय की सेवाओं और डाटाबेस सुविधा प्राप्त करने में सहायक है।

संकाय संख्या

स्थायी संकाय सदस्यों की कुल संख्या : 63
तदर्थ संकाय सदस्यों की कुल संख्या : 53
अस्थायी संकाय सदस्यों की कुल संख्या : 01

वित्तीय आबंटन और उपयोगिता

संस्वीकृत अनुदान : 22.84 करोड़ रूपए
उपयोग किया गया अनुदान : 20.54 करोड़ रूपए (लगभग)

***

महर्षि वाल्मीकि शिक्षा महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

अकादमिक सत्र की शुरूआत दो वर्षीय बी.एड. कार्यक्रम के सभी पहलुओं का समाधान करते हुए अभिविन्यास कार्यक्रम के साथ की गई। महाविद्यालय का स्थापना दिवस नवम्बर 2017 में आयोजित किया गया। प्रोफेसर मीनाक्षी थापा, समाज शास्त्र प्रोफेसर, दिल्ली स्कूल ऑफ इकानामिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 'जे. कृष्णामूर्ति का विश्व दृष्टिकोण और शैक्षिक विचार की समसामयिक प्रासंगिकता' विषय पर भाषण दिया। बी.एड. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए उनके क्षेत्रीय अवलोकन के भाग के रूप में राष्ट्रीय संग्रहालय, गांधी स्मृति और दर्शन स्मृति, राष्ट्रीय बाल भवन का दौरा आयोजित किया गया। विद्यार्थियों ने स्वतंत्रता दिवस, शिक्षक दिवस, अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस, वर्ल्ड साइट एवं व्हाइट केन डे और मानवाधिकार दिवस की विशेष सभाओं में तहेदिल से भाग लिया। पर्यावरण जागरूकता, महिलाओं के प्रति जागरूकता, मतदान दिवस, विश्व स्वास्थ्य दिवस और पृथ्वी दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा विशेष सह-पाठ्यक्रम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने विनिर्दिष्ट दिवसों पर स्वच्छता पखवाड़ा और एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के अंतर्गत सिक्किम सप्ताह में सक्रिय भाग लिया।

प्रकाशन

अश्विनी, एस. (2017) - मानसिक गुलामी को बनाए रखने वाले तंत्र के रूप में 'अंग्रेजी माध्यम की प्रणाली/अंग्रेजी माध्यम व्यवस्था। छात्र विमर्श पत्रिका।

ज्योति के. (2017) भारतीय किशोरों की अकादमिक और व्यावसायिक आकांक्षाओं का अध्ययन/ एमईआरआई जर्नल ऑफ एजुकेशन, वाल्यूम 12(2)।

आयोजित सेमिनार

सेमिनार, 'रिकंस्ट्रक्टिंग प्रोफेशनल आइडंटिटी : सम रिफलेक्शंस' बाय प्रोफेसर भारती बवेजा, पूर्व अध्यक्ष एवं डीन, शिक्षा संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय।

सेमिनार, करिकुलम इन इंडिया : नरेटिव्ज, डिबेट्स, कंटेस्टेशंस बाय प्रोफेसर पूनम बत्रा, शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय।

सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियां

डॉ. ज्योति कोहली फरवरी 2018 में पाठ्यचर्या अध्ययन विभाग, एनसीईआरटी द्वारा कक्षा IX की अंग्रेजी कार्य पुस्तिका के पुनरीक्षण और अंतिम रूप देने के लिए आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति थी।

डॉ. राघवेन्द्र प्रपन्ना फरवरी 2018 में शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'समकालीन परिदृश्य में भाषा, साहित्य और लिंग' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में पेनलिस्ट थी।

पुस्तकालय विभाग

पुस्तकालय ने डीयूएलएस के माध्यम से ई-जर्नल्स के अतिरिक्त 18 जर्नल्स प्राप्त किए।

संकाय संख्या

स्थायी-14; तदर्थ-04

वित्तीय आबंटन और उपयोगिता

संस्वीकृत अनुदान: 7.66 करोड़ रूपए
उपयोगिता : 4.6146138 करोड़ रूपए

***

मैत्रेयी महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

मैत्रेयी महाविद्यालय की अकादमिक, खेल, एन.सी.सी. और अन्य सांस्कृतिक कार्यकलापों में उपलब्धियों की स्थापित और सतत् परम्परा रही है। भारत के माननीय उप राष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडु दिनांक 27 फरवरी, 2018 को मैत्रेयी महाविद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह के मुख्य अतिथि थे। प्रोफ़ेसर योगेश के. त्यागी, दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति इस अवसर पर माननीय अतिथि तथा श्री अमिताभ कांत, सीईओ, नीति आयोग विशेष अतिथि के तौर पर उपस्थित थे। मैत्रेयी महाविद्यालय मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा भारत की स्वतंत्रता के 70 वर्ष और 'भारत छोड़ो आन्दोलन' के 75 वर्षो के आयोजन चुने गए 75 संस्थानों में एक था। महाविद्यालय द्वारा मार्च 2018 में रक्षा मंत्रालय के प्लेटिनम जयंती वर्ष के अवसर पर एक योग सत्र सहित एक दिवसीय अल्ट्रा रन ऑफ द ईएमई 50 डेज 50 हाफ मैराथन्स समापन समारोह का आयोजन किया।

सम्मान/गौरव

पूर्व प्राचार्य स्वर्गीय डॉ. सविता दत्त को कई प्रतिष्ठित पुरस्कार, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एडुकेटर्स फार वर्ल्ड पीस द्वारा द वर्ल्ड इकालॉजी, एनवायरनमेंट एंड डिवलपमेंट (डब्ल्यूईईडी) अवार्ड 2017; ग्लोबल इकानामिक प्रोग्रेस एंड रिसर्च एसोसिएशन द्वारा भारत रत्न इंदिरा गांधी गोल्ड मेडल अवार्ड 2017 और वूमन अर्थिंग मंच द्वारा असाधारण उत्कृष्ट महिला अवार्ड 2018, प्रदान किए गए।

<u>गौरव सम्मान प्राप्त छात्र</u>

दिव्यांशी शर्मा, बी.एस.सी. (एच) मैथमेटिक्स ।।। वर्ष ने दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
आफरीन खान, बी.एस.सी. (एच) प्राणी विज्ञान ।।। वर्ष ने दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
हिमांशी यादव,बी.एस.सी. (एच) प्राणी विज्ञान ।।। वर्ष ने दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान स्थान प्राप्त किया।
श्वेता, बी.टेक., कम्प्यूटर विज्ञान IV वर्ष ने महाविद्यालय में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।
मोनिका सोनी, बी.एस.सी. (एच) रसायन शास्त्र प्रथम वर्ष ने महाविद्यालय में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।
ओशिन शर्मा महाविद्यालय का प्रथम ऐसा विद्यार्थी है, जिसे दो लगातार अंग्रेजी डिबेटिंग टुर्नामेंट्स में 'ए' स्तर का एडजुडिकेटर चुना गया।

प्रकाशन (चयनित)

बब्बर, एस., सहगल, एस. (2018) - भारत में म्युच्युअल फंड विशेषताएं और निवेश कार्य-निष्पादन, मैनेजमेंट एंड लेबर स्टडीज, 43(1), 1-30.

बधानी, एस., मट्टू, एस.के. (2018) - इवेडिंग एंड्रायड एंटी-मालवेयर बाय हाइडिंग मैलिसियस एप्लीकेशन इनसाइड इमेजिज। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, 9(2), 482-493

बगई, एम. (2017) - सहज योग : आंतरिक शांति की अनुभूति। नई दिल्ली : एपीएच प्रकाशन निगम।

चौधरी, ए., खुराना, जे.एम. (2018) - एडवांसिज इन द सिंथेसिस ऑफ जेनथिन्स : एन ओवरव्यू। करंट आर्गेनिक सिंथेसिस, 2018, 15, 341-369. डीओआई : 10.2174/1570179414666171011162902. आईएसएसएन (प्रिंट) : 1570-1794.

गुप्ता, आर., अब्राहम, जे.एस., सोमसुंदरम, एस., टुटेजा, आर., मखीजा, एस, हामिद-ए-एल-शेरे (2017) - टेक्सोनामिक एंड मोरफोजेनेटिक डिस्क्रिप्शन ऑफ फ्रैश वाटर सिलिएट एपोनाटोहाइमेना आइसोआट्राइल्स एन.एसपी. (सिलियोफोरा आक्सीट्रासिएड) आइसोलेटिड फ्राम संजय लेक, दिल्ली, इंडिया। एक्टा प्रोटोजूलाजिका, 56:93-107.

ज्योत्साना, शेरवानी, एन.यू.के. (2017) बिम्सटेक: एफडीआई एंड ट्रेड इकानामिक इम्पलीकेशंस फार इंडिया, एमरजिंग इश्यूज इन फाइनेंस, 44-55.

लम्ब, एस., लम्ब, एस., प्रसाद, वी. (2018) - रोटेशनल एक्साइटेशंस आफ डायटोमिक मालीक्यूल विद डेल्टा पोटेंशियल बैरियर। जर्नल ऑफ थ्यूरेटिकल एंड कम्प्यूटेशनल केमिस्ट्री, 17(4), 1850022. डीओआई : 10.1142/एस0219633618500220

मट्टू, एस.के., बधानी, एस; (2017) - एंड्रायड मैलवेयर डिटेक्शन : स्टेट ऑफ द आर्ट। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनफारमेशन टेक्नालॉजी, 9(1), 111-117.

राय, बी., सिंह, जे., सुनसुनवाल, एस., दयाल, जी., यादव, बी., भारद्वाज, सी., तेवतिया, ए. (2017) - दिल्ली, भारत में आपूर्ति किए जाने वाले दूध में हानिकारक अपमिश्रण का पता लगाना। करंट साइंस, 112 (11): 2316-2320. https://doi.org/10.18520/सीएस%2एफवी112%2एफआई11%2एफ2316-2320

यादव, एम. (2017) - सिगनिफिकेंश ऑफ एफजीएफ-2 ड्यूरिंग टेल रिजिनिरेशन इन लिजारड : ए रिव्यू। जर्नल ऑफ सेल एंड टिश्यू रिसर्च, 17(2): 6155-6158

अनुसंधान परियोजनाएं

डॉ. ब्रोतोती राय, परियोजना डीबीटी, भारत सरकार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित, अंडरस्टैंडिंग सिगनलिंग मैकेनिज्म ऑफ इनफलेमेशन इन फिश छन्ना पंकच्युएट, फॉर 18,87,488/- रूपए

डॉ. अंकिता चौधरी, डॉ. रजनी जौहर चटवाल, डॉ. हीमा भंडारी, डॉ. लता वोडवाल, यूजीसी स्टार्टअप परियोजना 24,00,000/- रूपए (प्रत्येक के लिए 6,00,000 रूपए)

आयोजित सेमिनार

डॉ. अभिनाश बोहरा, अशोका विश्वविद्यालय आन "मार्किट डिजाइन", प्रोफेसरसुरजीत मजूमदार फ्रॉम एसएसएस, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय ने अक्तूबर 2017 में अर्थशास्त्र विभाग द्वारा "नोटबंदी" विषय पर आयोजित सेमिनार में व्याख्यान दिया।

भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा 29 सितम्बर, 2017 को डॉ. सविता दत्त (स्वर्गीय प्राचार्य और संस्थापक सदस्य भौतिक विज्ञान विभाग, मैत्रेयी महाविद्यालय) की स्मृति में सेमिनार का आयोजन किया।

अंग्रेजी और हिन्दी विभागों द्वारा मार्च 2018 के दौरान संयुक्त तौर पर "टेक्नालॉजिज आफ द सेल्फ : रिप्रेजेंटशन इन सिनेमा एंड न्यू मीडिया" विषय पर प्रथम द्विभाषी सेमिनार का आयोजन किया।

आयोजित सम्मेलन

वाणिज्य विभाग द्वारा नवम्बर, 2017 में तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्तर के संकाय विकास कार्यक्रम "टाइम सीरिज एनलिसिस" का आयोजन किया।

सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियां

डॉ. पूनम जुनेजा ने प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, इंदौर द्वारा फरवरी 2018 में "वैश्विक नेतृत्व हेतु उद्यमिता, नवाचार और सुशासन" विषय पर आयोजित 12वे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'प्लास्टिक: बेन टू बून : ए रिव्यू' पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. रजनी जौहर ने मार्च 2018 में मानव रचना विश्वविद्यालय में "जल प्रबंधन में दीर्घकालिक पहलें" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'फेब्रिकेशन ऑफ सिलिका सर्पोटिड आर्गेनिक - इनआर्गेनिक हाइब्रिड कैटेलिस्ट एंड देयर एप्लीकेशंस इन डायवर्स आर्गेनिक ट्रांसफार्मेशंस' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. माला कपूर शंकरदास ने मार्च 2018 के दौरान इंडियन सोसायटी ऑफ यू3ए, आईआईसी, नई दिल्ली द्वारा "वृद्धजन देखभाल की चुनौतियां" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'एल्डरएब्युज : इंटरनेशनल रिसपांस' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

शिखा बधानी ने 20-21 अप्रैल, 2018 को उत्तरांचल विश्वविद्यालय देहरादून, भारत में 'एडवांसिजइन कम्प्यूटिंग एंड डाटा साइंसिज (आईसीएसीडीएस-2018)' विषय पर आयोजित द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय ससम्मेलन में "एडवांस्ड कम्प्यूटिंग" विषय पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

मंजु भारद्वाज ने वर्ष 2015 के दौरान एटलांटिक सिटी, यूएसए में 'डाटा माइनिंग' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'एक्युरेट क्लासिफिकेशन आफ बायलॉजिकल डाटा यूजिंगएनसेम्बल्स' शीर्षक के तहत एक पत्र प्रस्तुत किया।

सुश्री श्वेता ने जुलाई 2017 के दौरान आईएआरडीओ द्वारा आयोजित तीसरे अंतर्राष्ट्रीय शोध सम्मेलन में 'सांगठनिक प्रतिबद्धता और नागरिक व्यवहार - चुनिंदा आईटी बीपीओ कंपनियों का अध्ययन' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने दिसम्बर 2017 के दौरान जनपथ, नई दिल्ली के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनएसीए) में "वेद" विषय पर आयोजित विश्व सम्मेलन में 'वेद एवं रसायन विज्ञान' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. सुशील कुमारी ने जनवरी 2018 में "गुरूकुल प्रभात आश्रम, मेरठ, उ.प., राष्ट्रीय वैदिक शोध संगोष्ठी" में 'कर्मतत्त्व एवं ईशोपनिषद्' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

सुश्री एन. श्रद्धा वर्मा ने दिसम्बर 2017 के दौरान कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में 'महिला सशक्तिकरण के संबंध में अम्बेडकर के दृष्टिकोण को समझना : भूत, वर्तमान और भविष्य' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

सुश्री शिप्रा वर्मा ने लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, ग्वालियर (मध्य प्रदेश) द्वारा "खेल प्रबंधन के मुद्दे एवं नए विचार" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'मीन डिफरेंस आफ साइकोलाजिकल पैरामीटर्स अमंग द इंटर यूनिवर्सिटी फुटबाल' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों का आदान-प्रदान

एनसीसी कैडेट एसयूओ हेमके शर्मा को सिंगापुर में आयोजित युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम (2017) के लिए चुना गया।

नियोजन ब्यौरा

कॉलेज परिसर में आयोजित नियोजन अभियान में अर्नेस्ट एंड यंग - ग्लोबल डिलीवरी नेटवर्क, आईपीएएफ, ग्लोबल आर्कस, एनआईआईटी, डेकथलान, जीनपेकट, जम्बोरी जैसी कंपनियों द्वारा36 विद्यार्थियों का चयन किया गया और कई विद्यार्थियों का चयन इंडियन एक्जीबिशन इंडस्ट्री एसोसिएशन, क्वीरियस, यंग लीटर इनिशिएटिव, पीयूएमए, यूथ एलायंस, स्नैपशॉट जैसी कंपनियों में इंटरनशिप के लिए किया गया।

विस्तार और पहुंच कार्यकलाप

एनएसएस के स्वयंसेवकों ने नवम्बर 2017 में अल्जाइमर रिलेटिड डिसआर्डर सोसायटी ऑफ इंडिया (एआरडीएसआई) द्वारा आयोजित दो-दिवसीय अधिगम कार्यक्रम में भाग लिया। हमारे विद्यार्थी प्रकृति शर्मा और अंकिता ग्रेवाल ने संकाय सदस्य श्री जिनमुनलाल खोंगसाई के साथ विश्वव्यापी ऑनलाइन प्रतियोगिता, जिसमें लगभग 600 प्रोफेसर्स और 12,000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया और गूगल एशिया-प्रशांत बिजनेस चैलेंज 2017 अवार्ड प्राप्त किया।

पुस्तकालय विकास

कॉलेज के पुस्तकालय ने वर्ष 2017-18 के दौरान 1197 पुस्तकें अधिग्रहित की। यह लोकप्रिय पत्रिकाओं तथा पुस्तकालय में उपलब्ध 19 समाचार-पत्रों के संग्रह सहित 62 जर्नल रखता है। पुस्तकालय का कुल संग्रह 95722 पुस्तकों और 670 सीडी तक पहुंच गया है। पुस्तकालय 6000 से अधिक ई-जर्नल, ई-पुस्तकालय में 1,25000 से अधिक शीर्षक तथा एन-एलआईएसटी के माध्यम से विश्व ई-पुस्तक लाइब्रेरी में तीन करोड़ पुस्तक शीर्षक प्राप्त करता है।

संकाय संख्या

कुल संकाय संख्या = 98

वित्तीय आबंटन और उपयोगिता

यूजीसी द्वारा संस्वीकृत अनुदान (अनुरक्षण अनुदान) : 32,35,49,000/- रूपए

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार : 33,00,000/- रूपए

अनुदान उपयोगिता :100%

***

माता सुंदरी महिला महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

महाविद्यालय ने जून 2017 में एनएएसी, बंगलौर को एक्यूएआर (वार्षिक गुणवत्ता आश्वासन प्रतिवेदन) प्रस्तुत किया। इस सत्र से दो नए पाठ्यक्रम बी.एस.सी. (ऑनर्स) कम्प्यूटर साइंस और बी.एस.सी. (ऑनर्स) सांख्यिकी प्रारंभ किए गए। विभिन्न सोसायटियों, प्रकोष्ठों और समितियों के कार्यकलाप प्रभारियों ने भी वर्ष भर आयोजित किए जाने वाले कार्यकलापों की अनुसूची प्रस्तुत की। सभी विभागों में कैरियर परामर्श सत्रों का आयोजन किया गया। अलग-अलग विभागों की एलुमनी समरोह भी आयोजित किए गए। विभागों ने विद्यार्थियों की प्रगति की बेहतर समझ के लिए अभिभावक-शिक्षक बैठकें भी आयोजित कीं। महाविद्यालय ने इस वर्ष अपना स्वर्ण जयंती समारोह आयोजित किया तथा इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। महाविद्यालय ने विभिन्न प्रकारसे सशक्त विद्यार्थियों के लिए खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया। दृष्टिदोष से ग्रसित विद्यार्थियों के लिए यह अंतर महाविद्यालय वॉलीबाल, जूडो और ऐथलेटिक्स प्रतियोगिता 1 और 2 फरवरी, 2018 को आयोजित की गई। हमारे विद्यार्थियों ने खेलों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार तथा इंटर यूनिवर्सिटी फॉक सांग प्रतियोगिता और गटका (मार्शल आर्ट) प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार प्राप्त किए।

<u>गौरव सम्मान प्राप्त छात्र</u>

गरिमा कुमार, बी.एल.एड. प्रथम वर्ष ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।
रिधी मेंहदीरत्ता, बी.एल.एड. द्वितीय वर्ष ने विश्वविद्यालय में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

खेलों में विशिष्ट उपलब्धि

करीना चौहान (बीएपी) ने 09-10 सितम्बर, 2017 को फुएंटशालिंग, भूटान में आयोजित इंडो-भूटान वालीबाल एक्सचेंज स्टूडेंट गेम्स, 2017 में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

वरिष्ठ अवर अधिकारी रतनप्रिय तिवारी का दिसम्बर 2017 में बंगलादेश के साथ युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के लिए चयन किया गया।

वाणिका कंबोज कॉप (एच) 081 तथा आस्था तंवर बी.कॉम (एच) ने पीएपी स्टेडियम, पटियाला में आयोजित ताइक्वांडों में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

युक्ता गोस्वामी पॉल (एच) ने इंदिरा गांधी राज्य खेल परिसर, शिमला में टेबल टेनिस में रजत पदक प्राप्त किया।

प्रकाशन (चयनित)

कौर, बी.एम. (2017) निजी सुरक्षा सेवाएं : भविष्य की चुनौतियां। इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ मैनेजमेंट सोशियालॉजी एंड ह्युमेनिटी आईएसएसएन 2277-9809. 7(11): 269-276

डे, एम., दत्ता, पी., कुमारी, आर., कौर, एस. (2018) - ए प्रीमियर ऑन लेजिसलेटिव सपोर्ट, नई दिल्ली : एड्रायट प्रकाशन। आईएसबीएन संख्या: 978-81-87393-60-3

गुप्ता, एल.के. (2018) रेत अनुशीलन के विविध आयाम। दिल्ली : श्री नटराज प्रकाशन, आईएसबीएन संख्या: 978-93-86113-34-4.

कौर, आई.वी. (2017) - ग्रीन मार्केटिंग एंड कारपोरेट सोशल रेस्पांसिबिलिटीएज इज एस्पेक्ट। इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, सोशयोलॉजी एंड ह्यूमेनिटी, आईएसएसएन 2348 9359

सविता (2017) कबीर के काव्य में भक्ति। मुहा - ए हिस्ट्री एलुमनी - अर्धवार्षिक अनुसंधान जर्नल, मेरठ विश्वविद्यालय 30(15). आईएसएसएन संख्या : 0937557.

शर्मा, आर. (2017) - एक्ट ईस्ट पालिसी : सर्च फॉर न्यू सिनर्जिज टू आगुमेंट इंडिया-आशियान इंटरएक्शन। पूर्वोत्तर के अवसरों और चुनौतियों के माध्यम से भारत की एक्ट ईस्ट नीति। संपादन : नई दिल्ली, मित्तल प्रकाशन। आईएसबीएन 81-8324-824-1.

शर्मा, एन. (2017) - ब्रिटिश भारत में जनगणना - सेंसस इन ब्रिटिश इंडिया। राष्ट्रवाद का भारत नामा। संपादन : अभय प्रसाद। दिल्ली : ओरिएंट ब्लैकसवान। आईएसबीएन संख्या: 8125058893

सुखीजा, एम. (2017) - भारतीय राष्ट्रपति की क्षमादान शक्तियां : द लीगेसी लीवज ऑन ... द डिस्कसेंट- ए जर्नल आफ सेंटर फार रिफार्मस, डिवलपमेंट एंड जस्टिस। आरएनआई संख्या: डीईएलईएनजी/2012/48509. आईएसएसएन, 2250-3412.

वत्स, पूनम (2017) 'ग्रामीण महिलाओं में राजनीतिक भागीदारी के लिए उत्तरदायी कारक' इंटरनेशनल जर्नल आफ सोशल साइंस रिव्यू - यूजीसी जर्नल संख्या 41948.5(4). आईएसएसएन-2347-3797.

विरदी, आई.के., बोपाराई, एम.के., कौर, एम. (2017) - विपणन संचार, दिल्ली : पिनेकल प्रकाशन हाऊस। आईएसबीएन 9383848391

जर्नल

कॉलेज के कई अध्यापक संपादकीय मंडल में संपादक/संपादकों, सदस्य/सदस्यों के तौर पर कार्यरत हैं = 03

आयोजित सेमिनार

7-8 सितम्बर, 2017 को गणित विभाग द्वारा 'एडवांसिज इन एप्लाइड मैथेमेटिक्स एंड स्टेटिसटिक्स' (एनसीएएमएस 2017) विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।
16 मार्च, 2018 को इतिहास विभाग द्वारा 'कबीर: सिम्बल ऑफ सिनक्रेटिक इंडिया' शीर्षक के तहत कबीर पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया।

सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियां

चारू आर्यने 30 एवं 31 जनवरी, 2018 को आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में 'कबीर की धन और श्रम संबंधी विचारधारा' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

राधिका मेनन ने 23 से 25 मई, 2017 के दौरान एयूडी-एपीयू द्वारा 'भारत में शिक्षकों की पेशेवर पहचान: पहचान : नव उदारवादी दौर और उभरते हुए नए स्वरु' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में एक पत्र प्रस्तुत किया।

दलजीत कौर ने 7 से 9 अगस्त, 2017 को द फ्रीडम फाइट सेल, दिल्ली सचिवालय द्वारा "स्वतंत्रता संग्राम की विरासत - भारतीय राष्ट्रवाद" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'केसरिया संस्कृति' शीर्षक के तहत एक पत्र प्रस्तुत किया।

नवेन्दू शेखर ने 23 मार्च, 2018 को आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा "कास्ट एंड जेंडर; पास्ट एंड प्रजेंट : लिटरेरी परस्पेक्टिव' विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में 'कंस्ट्रक्शन ऑफ मस्कुलिनिरी इन मुगल एम्पायर' शीर्षक के तहत एक पत्र प्रस्तुत किया।

मोनिका मिश्रा ने 16 दिसम्बर, 2017 को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र में 'वेद एवं संयुक्त राष्ट्र का मानवाधिकार घोषणापत्र' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
सिम्मी कपूर मेहता ने 30 और 31 जनवरी, 2018 को आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा "कबीर: विभिन्न दृष्टिकोण" विषय पर आयोजित दो-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में 'सो सेड द सेंट्स' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

सुनील कुमार ने 16 मार्च, 2018 को जेएलएन महाविद्यालय, फरीदाबाद द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'काव्य और संगीत का अंतर संबंध' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

निधि कुंवर ने 21 से 22 फरवरी, 2018 को ओएनजीसी और आईएएसई, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में केन्द्रीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा "राइटिंग इन स्कूल : प्रोसेसिज, प्रैक्टिसिज एंड द राइटर" विषय पर आयोजित किए गए राष्ट्रीय सेमिनार में 'प्रोसेस राइटिंग विद मिडल स्कूल चिल्ड्रन : पासिबिलिटीज एंड पोटेंशियल' शीर्षक के तहत एक पत्र प्रस्तुत किया।

गुरविंदर कौर ने 9 मार्च, 2018 को दिल्ली तकनीकी परिसर, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'डिटरमिनेंट्स एंड इनहिबिटर्स ऑफ कोर ब्रैंड डाइलुशन पोस्ट ब्रैंड एक्सटेंशन' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

हरलीन कौर ने 10 नवम्बर, 2017 को आईसीएसएसआर, डीडीयू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोजित "दीर्घकालिक विकास हेतु समसामयिक कार्यनीतियां : विपणन एवं एचआर", नामक राष्ट्रीय सेमिनार में 'इनक्युबेटर सपोर्टिड स्टार्ट अपस बनाम अन्य स्टार्ट अपस : रिसर्च प्रोपर्सशंस' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

अन्य अंतर-सांस्थानिक सहयोग
स्कूल सहयोग परियोजना 'सहयोग'- श्री गुरू हरकिशन खालसा कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय और कमलेश बालिका विद्यालय (दोनों प्राथमिक एवं मिडल स्कूल) के साथ आगे बढ़ना।

नियोजन ब्यौरा
नियोजित विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत : 118
कैम्पस भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या : 5

पुस्तकालय विकास
पुस्तकालय में वर्ष 2017-18 के दौरान 1,617 पुस्तकें शामिल की गई। पुस्तकालय ने 66 जर्नल और पत्रिकाएं भी खरीदी। पुस्तकालय विभाग ने वर्ष के दौरान 7 पुस्तक प्रदर्शनियां आयोजित की। संकाय प्रकाशन पर भी एक पुस्तक प्रदर्शनी आयोजित की गई।

संकाय संख्या
संकाय सदस्यों की कुल संख्या = 150

वित्तीय आबंटन और उपयोगिता

संस्वीकृत अनुदान : 33,72,01000/- रूपए

अनुदान उपयोगिता : 30,66,15169/- रूपए

***

मिरांडा हाउस

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

मिरांडा हाउस को लगातार दूसरे वर्ष राष्ट्रीय सांस्थानिक रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2018 के अंतर्गत महाविद्यालयों में अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम रैंक प्रदान किया गया है। इंडिया टूडे श्रेष्ठ महाविद्यालय सर्वेक्षण 2018 में इसे विज्ञान स्ट्रीम में सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग भी प्रदान की गई है। इससे एनएएसी द्वारा प्रदत्त ए+ प्रत्यायन और जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रदान किया गया स्टार कॉलेज दर्जे वाले महाविद्यालय के तौर पर इसकी प्रतिष्ठा की और पुष्टि हुई है। महाविद्यालय ने इस वर्ष उत्कृष्टता के सात सतत् दशकों को मनाने के लिए सात मुख्य कार्यक्रमों का आयोजन किया। इनमें शामिल हैं- सीईआरएन के सहयोग से ब्रह्मांड के रहस्यों का पता लगाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी; डीएसटी यूजी इंस्पायर शोधार्थियों के लिए प्रथम विज्ञान कनक्लेव; स्कूल विद्यार्थियों के लिए डीएसटीइंस्पायर मेंटरशिप कैंप; अत्यधिक सफल एड-ऑन पाठ्यक्रम 'द रिटोरिक ऑफ डिवलपमेंट' से निर्गत एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन; एक सामाजिक और प्रौद्योगिकीय : पहुंच और सुलभता सम्मेलन; 'जिनामि एडिटिंग टूल्स' विषय पर संकाय विकास कार्यक्रम।

सम्मान/गौरव

महाविद्यालय को 23 नवम्बर, 2017 को मुम्बई में आयोजित वर्ल्ड एजुकेशन कांग्रेस में डॉ. अरूण अरोड़ा भारत के श्रेष्ठ 50 शिक्षा संस्थान पुरस्कार प्रदान किया गया तथा 3 अक्तूबर, 2017 को आईआईसी, नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कौशल विकास समारोह में राष्ट्रीय कौशल संसाधन विकास पुरस्कार प्रदान किया गया।

डॉ. प्रतिभा जॉली (प्राचार्य)

- नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस इंडिया (एनएएसआई), इलाहाबाद द्वारा प्रारंभ किया गया प्रथम बुटी फाउंडेशन लेक्चर पुरस्कार 2017 प्राप्त किया।
- 13 मई, 2017 को महिला आर्थिक मंच 2017 में वर्ल्ड इकानामिक फोरम -वूमन ऑफ द डिकेड इन एकेडमिया अवार्ड प्रदान किया गया।
- राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद की कार्यकारी समिति के लिए नाम निर्देशित : सदस्य, स्टार कॉलेज योजना, डीबीटी संबंधी राष्ट्रीय कार्य बल और विशेषज्ञ समिति, जुलाई 2017; राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के पर्यवेक्षण हेतु राष्ट्रीय अकादमिक समिति, अप्रैल 2017; सदस्य, विज्ञान में अनुसंधान और नवाचार पहल (आईआरआईएस) कार्यक्रम, इनटेल डीएसटी पहल के लिए वैज्ञानिक समीक्षा समिति।

डॉ. बिजयलक्ष्मी नंदा को 1 मई, 2017 को विश्वविद्यालय स्थापना दिवस, समाज विज्ञान स्ट्रीम में महाविद्यालयों के वर्ग में दिल्ली विश्वविद्यालय अध्यापक उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया।

डॉ. मधु को अगस्त 2017 में आयोजित 7वीं विश्व युवा बौद्ध संगोष्ठी, चियांग माई में पत्र प्रस्तुति हेतु अंतर्राष्ट्रीय ।।। पुरस्कार प्रदान किया गया।

डॉ. कलावती सैनी ने इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एडवांस मैटीरियल्स साइंटिस्ट मेडल, 2017 प्राप्त किया।

<u>गौरव सम्मान प्राप्त छात्र</u>

अकादमिक

विभुति गुप्ता, बी.ए. कार्यक्रम ।।। वर्ष ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
निंगोम्बम अतोईबी देवी, बी.ए. (एच) इतिहास ।।। वर्ष ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
प्रतीक्षा सिंह, बी.ए. (एच) भूगोल ।।। वर्ष ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
सुमरा आलम, बी.ए. (एच) समाज शास्त्र ।।। वर्ष ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
सेहल जैन, बी.ए. (एच) राजनीतिक विज्ञान ।।। वर्ष ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
अपूर्वा तिवाड़ी, बी.एस.सी. भौतिक विज्ञान ।।। वर्ष ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
शिप्रा राहुल, बी.एस.सी. (एच) वनस्पति विज्ञान ।।। वर्ष ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
सराह मेहदी, एम.ए. दर्शन शास्त्र, अंतिम वर्ष ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
देविका अग्रवाल, एम.ए. संगीत, अंतिम वर्ष ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
ऐश्वर्या पदमनाहन, एम.एम.सी., प्राणी विज्ञान, अंतिम वर्ष ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

खेल

ताइक्वांडो टीम ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में 5 स्वर्ण पदक, 1 रजत पदक और 1 कांस्य पदक सहित विजेता रहकर लगातार पांचवे वर्ष जीत का सिलसिला जारी रखा। नेटबाल टीम दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय नेटबाल प्रतियोगिता में लगातार 10वें वर्ष विजेता रही। टेनिस टीम ने दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय टेनिस प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। ऐथलेटिक्स टीम ने 93वीं दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय ऐथलेटिक प्रतियोगिता में 2 स्वर्ण, 3 रजत और 1 कांस्य पदक जीता। एनसीसी कैडेट्स ने 9 राज्य स्तरीय, 7 राष्ट्रीय स्तर तथा 1 अंतर्राष्ट्रीय स्तर का पुरस्कार जीता। कैटेट सिमरन कपूर को पर्म कैटेट स्कूल, रूस में प्रतिनिधि के तौर पर भेजा गया। उसने इंटरनेशनल रैली ऑफ यंग पेट्रियाट्स मेडल प्राप्त किया।

प्रकाशन (चयनित)

प्रकाशन : 78 अंतर्राष्ट्रीय और 30 राष्ट्रीय जर्नल में; स्काउप्स : 60
पुस्तकें 13; पुस्तकों में अध्याय : 7

गोरबेट्स, एन.वाई., सेडश, वाई.वी., सिंह, बी.के., पूनम, राठी, बी. (2017) - वर्तमान में उपलब्ध मलेरिया रोधी दवाओं का सिंहावलोकन। कंरट टॉपिक्स इन मेडिसिनल कैमेस्ट्री 17: 1-14.

जॉली, पी., फाइसवेयर (2017) - भौतिक शिक्षा के सुदृढ़ीकरण और विकासशील विश्व में सक्रिय अधिगम के संवर्धन हेतु एक सहयोगात्मक पहल। साइंटिया इन एजुकेशन 8 (विशेष अंक), 59-78; आईएसएसएन 1804-7106.

कंदासामी, जी.एल., सुदामे, ए., लुथरा, टी., सैनी, के., मैती, डी. (2018) - सिंथेसिस ऑफ हाइड्रोफिलिक एंड सरफेस फंक्शनेलाइज्ड सुपरपैरामेग्नेटिक आयरन ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स फॉर मैग्नेटिक फ्लूड हाइपरथर्मिया एप्लीकेशन इन लीवर कैंसर ट्रीटमेंट। एसीएस जर्नल, एप्लाइड मैटीरियल्स एंड इंटरफेसिज, मनुस्क्रिप्ट आई डी : एम-2018-01673जे।

कन्नौजिया, आर. (2017)- हिन्दी सिनेमा में महिला की छवि का चित्रण। मानव अधिकार अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्र 5:59-62.

कौर, बी. (2017) फार्म बिजनेस इनकम एंड नेट हाउसहोल्ड इनकम ऑफ फार्म हाउसहोल्ड इन पंजाब - ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ लुधियाना एंड भटिंडा डिस्ट्रिक्ट्स। कांफ्रेंस इश्यू ऑफ एग्रीकल्चरल इकानामिक्स रिसर्च रिव्यू, वाल्यूम 30, आईएसएसएन 0971-3441.

कौर, जी., तोमर, एम., गुप्ता, वी. (2018) - डिवलपमेंट ऑफ ए माइक्रोफ्लूड इलेक्ट्रोकेमिकल बायोसेंसर : प्रोसपेक्ट फॉर प्वाइंट ऑफ केयर कोलेस्ट्रोल मानीटरिंग, सेंसर्स एंड एक्युऐटर बी, 261 460-466.

मिश्रा, आर., दास, एम.के., सिंह, एस., शर्मा, आर.एस., शर्मा, एस. और मिश्रा, वी. (2018) - आर्टिकुलेटिन-डी इनक्लुड्स ऐपापटोसिस वाया एक्टिवेशन ऑफ केसपेस-8 इन एक्यूट टी-सेल ल्युकीमिया सेल लाइन। मालीक्यूलर एंड सोल्यूलर बायोकेमिस्ट्री 426(1): 87-99.

नंदा, बी., सेक्स सलेक्टिव एबार्शन एंड द स्टेट : पॉलिसिज, लॉज एंड इंस्टीट्यूशन इन इंडिया, हर आनंद प्रकाशन, दिल्ली।

राणा, एल., गुप्ता, आर., तोमर,एम., गुप्ता, वी. (2017) - 'जेडएनओ/एसटी-क्वार्टज एसएडब्ल्यू रिजोनेटर : एन एफिसिएंट एनओ2 गैस सेंसर', सेंसर्स एंड कम्युएटर बी, 252 (2017) 840-845.

सिंह, ए., शर्मा, ए., तोमर, एम., गुप्ता, वी. (2018) - ट्यूनेबल नैनो स्ट्रक्चरड कालमनर ग्रोथ ऑफ एसएनओ2 फॉर एफिसिएंट डिटेक्शन आफ सीओ गैस, नैनोटेक्नालॉजी, 29 (6) 065502.

सिंह, एच., राजेश्वरी, एम. और खुराना, जे.एम. (2018) - सिंथेसिस फोटोजिजिकल स्टडीज, एंड एप्लीकेशन ऑफ नॉवल 2, 7-बिस (1-ब्यूटाइल-1-हाइड्रोजन-1,2,3-ट्रायजोल-4-वाईएल) मिथाक्सी नैफ्थालीन एज ए हाईली सेलेक्टिव, रिवर्सिबल फ्लयूरोसेंस कीमोसेंसर फॉर डिटेक्शन ऑफ एफई3 + आयन्स। जर्नल ऑफ फोटोकेमेस्ट्री एंड फोटोबॉयलॉजीए : कैमेस्ट्री, 353: 424-432.

संपादक मंडल में संपादक/संपादकों, सदस्य (सदस्यों) के तौर पर कार्यरत अध्यापक : एक

शोध परियोजनाएं

मुख्य परियोजनाएं : 16, जो लगभग 17.4 करोड़ रूपए (रूपए 1,737.676 लाख) के कुल अनुदान से जारी हैं।
लघु परियोजनाएं : 02, जो 18 लाख रूपए के कुल अनुदान से जारी हैं।
डॉ. जयश्री पिल्लै, डॉ. सोनाली चितालकर, आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित परियोजना (2017-19), "जम्मू और कश्मीर में अंतर क्षेत्रीय आकांक्षाएं" 18.7 लाख रूपए।
डॉ. भूपेन्दर कौर, आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित परियोजना (2017-18), "एक्सेस ऑफ इंस्टीट्यूशनल क्रेडिट टू स्माल एंड मार्जिनल फार्मर्स एंड इट्स इम्पेक्ट ऑन देयर लाइवलिहुड - ए केस स्टडी ऑफ पंजाब"; 8 लाख रूपए।
डॉ. मोनिका शर्मा, डॉ. साधना शर्मा, डीएसटी द्वारा वित्त पोषित परियोजना (2018-21), "ए स्टडी ऑफ मैक्रोफेज ऐपोपटोसिस एंड माइटोकान्ड्रियल इंटीग्रिटी इन रेस्पांस टू पीई/पीई-पीजीआरएस फैमिली प्रोटीन ऑफ माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस" 68 लाख रूपए।

डॉ. मोनिका तोमर, डिवलपमेंट ऑफ थिन फिल्म सरफेस एकाउस्टिक वेव डिवाइस एज ए प्लेटफार्म फार द सेंसिंग एप्लीकेशंस [डीएसटी/टीएसजी/एमई/2013/58-जी]; डीएसटी (मिनिस्ट्री ऑफ एस एंड टी); नवम्बर 2014-19; 474.34 लाख रूपए।

डॉ. मोनिका तोमर, डीएसटी द्वारा वित्त पोषित परियोजना (2015'2017) 'वेलीडेशन एंड इम्प्रूवमेंट ऑफ इंडिजिनसली डिवलप्ड टेबल-टाप सरफेस प्लाजमोन सिस्टम (एसपीआर) सिस्टम [डीएसटी/आईडीपी/एसईएन-एनईडब्ल्यू/25(जी)]', 86.31 लाख रूपए।

डॉ. मोनिका तोमर, डीएसटी द्वारा वित्त पोषित परियोजना (2017-18), "डिवलपमेंट ऑफ फेरोइलेक्ट्रिक थिंक फिल्म बेस्ड फोटोवोल्टिक सेल्स [ईएमआर/2017/000194]; 31.54 लाख रूपए।

डॉ. मोनिका तोमर, डीआरडीओ द्वारा वित्त पोषित परियोजना (2017-18), "फिजिबिलिटी स्टडी फॉर फैब्रिकेशन ऑफ एयर ब्रिजिज बाय गोल्ड इलेक्ट्रोप्लेटिंग"; 9.42 लाख रूपए।

डॉ. पूनम, डीएसटी द्वारा वित्त पोषित परियोजना (2016-19), "थियो-क्लिक एप्रोच फार द सिंथेसिस ऑफ स्टेबल ग्लाइकोमिमेटिक्स एंड चाइरालोक्साथियाक्राउन ईथर्स", 36.816 लाख रूपए।

डॉ. कलावती सैनी, सुश्री नूतन रानी, डॉ. स्मृति शर्मा भाटिया, किंगसवे कैम्प, नाला की सड़क पर प्रदूषण निगरानी केन्द्र की स्थापना करना तथा जन स्वास्थ्य और माइक्रोफ्लोरा/माइक्रोफोना पर प्रदूषकों एवं वायु गुणवत्ता के प्रभावों का निर्धारण करना; डीबीटी; अप्रैल 2018-2019, 8 लाख रूपए।

डॉ. सलोनी बाहरी, डॉ. साधना शर्मा, डॉ. स्मृति शर्मा भाटिया, डीयू (डीयू स्टार इनोवेशन परियोजना, 2015-19) द्वारा वित्त पोषित परियोजना, "थ्यूरोपेटिक पोटेंशियल आफ मेडिसिनल प्लांट्स : कल्चर, एक्सट्रेक्शन, फिजियोकेमिकल कैरोक्टराइजेशन एंड टेस्टिंगदेयर साइटोटोक्सिक ओर इम्युनोस्ट्रिमुलेटरी प्रोपर्टीज" 26.66 लाख रूपए।

डॉ. प्रतिभा जॉली, डीयू (डीयू स्टार इनोवेशन परियोजना, 2015-19) द्वारा वित्त पोषित परियोजना, "कोर डिवलपमेंट ऑफ कॉलेज इंफ्रास्ट्रक्चर एंड अप ऑफ ए सेंट्रल इंस्ट्रयूमेंटेशन फैसिलिटी" 26 लाख रूपए।

फाइल किए गए/प्रदत्त पेटेंट

डॉ. मोनिका तोमर ने तीन राष्ट्रीय और एक अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट के लिए आवेदन दायर किया।

राष्ट्रीय :

1. इलेक्ट्रिक फील्ड एसिस्टेड लो पावर कंज्युमिंग कंडक्टर मैट्रिक गैस सेंसर
2. ए सेंसिटिव, सेलेक्टिव एंड रैपिड फ्यूल गैस सेंसर
3. मल्टी-स्टेट्स नॉन-वोलेटाइल आप्टो फेरोइलेक्ट्रिक मैमोरी

अंतर्राष्ट्रीय

4. मल्टी-स्टेट्स नॉन-वोलेटाइल आप्टो-फैरोइलेक्ट्रिक मैमोरी मैटीरियल एंड प्रोसेस फार प्रिपेरिंग द सेम देयरऑफ

आयोजित सेमिनार और कार्यशालाएं

लगभग 20 अंतर्राष्ट्रीय वक्ताओं सहित 78 से अधिक व्याख्यान सेमिनार आयोजित किए गए।

11 अप्रैल, 2017 को अमृता विश्वविद्यालय, केरल : रसायन विज्ञान और भौतिक विज्ञान विभागों के सहयोग से 'ऑनलाइन लैब्स फॉर स्कूल एक्सपेरिमेंट्स' विषय पर स्कूली अध्यापकों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया।

द बिग बैंग : अनलोकिंग द सिक्रेट्स ऑफ द यूनिवर्स विषय पर सीईआरएन, भौतिक विज्ञान विभाग के सहयोग से दिनांक2 अगस्त, 2017.

18 अगस्त, 2017 को 'भारत में सामाजिक बहिष्कार और भेदभाव, समान अवसर प्रकोष्ठ'।

18 अगस्त, 2017 को राजनीतिक विज्ञान विभाग के सहयोग से भारत में सामाजिक बहिष्कार और भेदभाव; स्वतंत्रता संघर्ष पर प्रदर्शनी और गोलमेज चर्चा : कही और अनकही कहानियां।

बायोफर्टिलाइजर्स, डीबीटी स्टार कॉलेज स्कीम, 4 सितम्बर, 2017.

इम्युनोइनफार्मेटिक्स फॉर रेशनल वैक्सीन डिजाइन, डीबीटी स्टार कॉलेज स्कीम, 18-22 सितम्बर, 2017.

आईएनएसईएफ रीजनल साइंस फेयर फॉर स्कूल्स, मिरांडा हाउस,13 अक्तूबर, 2017.
इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), रोबोटिक सोसायटी, भौतिक विज्ञान विभाग, 14-15 अक्तूबर, 2017.
इंटरनेशनल सेमिनार, बिग डाटा इन इकानामिक्स एनलिसिस, अर्थशास्त्र विभाग, 26 अक्तूबर, 2017.
अंडरस्टेडिंग सेक्सुएलिटी : चैलेंजिज फॉर एजुकेशन, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, 6 नवम्बर, 2018.
जीआईएस आधारित अर्थक्वेक एंड लैंडस्लाइड जोनेशन, भूगोल विभाग, 25 जनवरी, 2018.
मैनेजमेंट एंड कल्चरल कंटेक्सट्स, इंडो-डच कोलेबोरेशन विद होज स्कूल अटरेक्ट यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसिज, नीदरलैंड, 27 जनवरी से 3 फरवरी, 2018.
विज्ञानशाला - कम्युनिकेट एंड इंस्पायर वर्कशाप इन एसोसिएशन विद यूनिवर्सिटी ऑफ कैम्ब्रि, यू.के., भौतिक विज्ञान विभाग, 5 फरवरी, 2018.
द्वितीय विश्व युद्ध और समसामयिक भू-राजनीति, भूगोल विभाग, 8 फरवरी, 2018.
जेनिथ : एनुअल इकॉनामिक्स कनक्लेव, अर्थशास्त्र विभाग, 9 से 10 फरवरी, 2018.
रिकनसेपच्युलाइजिंग प्लानिंग, भूगोल विभाग, 26 फरवरी, 2018.
राष्ट्रीय सम्मेलन वेद - नवनीतम, संस्कृत विभाग, 28 फरवरी, 2018.
राष्ट्रीय संगोष्ठी सह संकाय विकास कार्यक्रम जिनॉम एडिटिंग टूल्स, 15-22 जनवरी, 2018.

आयोजित सम्मेलन

डेब्रिसन विश्वविद्यालय, हंगरी के सहयोग से दिनांक 11 दिसम्बर, 2017 को रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान क्षेत्र में अभी हाल ही में हुई प्रगति संबंधी भारत-हंगरी संगोष्ठी (आईएनएचसीएबी-2017).
18-22 दिसम्बर, 2017 को डीएसटी द्वारा प्रायोजित 'इंस्पायर मेंटरशिप कैम्प फॉर स्कूल स्टूडेंट्स'।
6-7 जनवरी,2018 को जार्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय, यूएसए के सहयोग से 'रिथिंकिंग द आबवियस - द रेटोरिक ऑफ डिवलपमेंट'।
8 से 10 जनवरी, 2018 को 'साइंस कनक्लेव : रिसर्च ऑन द फ्रंटियर्स, फॉर डीएसटी इंस्पायर यूजी स्कालर्स'। 18 से 19 जनवरी, 2018 को 'सोशल एंड टेक्नालॉजिकल : एक्सेस एंड एक्सेसेबिलिटी'।

सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियां

प्रतिभा जॉली ने नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस इंडिया, इलाहाबाद (एनएएसआई) द्वारा 8 से 9 मार्च, 2018 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में "टेक्नालाजिकल एम्पावरमेंट ऑफ वूमन, कममेमोरेटिंग द इंटरनेशनल वूमन डे" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'वूमन, साइंटिस्ट, एंटरप्रेन्योर : इनजेंडरिंग स्किल्स फार द चेंजिंग वर्कप्लेस' विषय पर एक आमंत्रित वार्ता की।

मोनिका तोमर ने 10 से 13 दिसम्बर, 2017 को इंटिग्रेटिड फंक्शनेलिटीज विषय पर आयोजित छठी अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, आईएसआईएफ 2017 में "सरफेस प्लाजमोन रिजोनेंस बेस्ड इलेक्ट्रो-आप्टिक्स माड्युलेटर" विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

मल्लिका पाठक ने 3 से 6 सितम्बर, 2017 को कराकोव - बियालका टेट्रजानसका, पोलैंड में "मॉलीक्यूलर स्पेक्ट्रोस्कापी, फ्राम मॉलीक्यूल्स टू फंक्शनल मैटीरियल्स" विषय पर आयोजित 14वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'बाइंडिंग मैकेनिज्म ऑफ द एंटीडायबिटिक ड्रग, मेटफार्मिन विद द डाइजेक्टिव एंजाइम, पेप्सिन : एन एक्सपेरिमेंटल एंड थ्यूरेटिकल स्टडी' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

कलावती सैनी ने 22 से 24 अगस्त, 2017 को स्टॉकहाम स्वीडन में यूरोपीयन एडवांस्ड मैटीरियल्स कांग्रेस, 2017 में 'ग्रीन सिंथेसिस ऑफ जेडएनओ नैनोपार्टिकल्स बाय यूजिंग एजाडायरक्टेंडिका एंड देयर फोटोकैटालिटिक, एंटी बैक्टीरियल, एंटी फंगल एंड एंटी-डायबिटिक एक्टीविटी' विषय पर एक अतिथि व्याख्यान दिया।

मोनिका अरोड़ा ने 3 से 9 सितम्बर, 2017 को सीईएलएमईसी VII, इंटरनेशनल कांग्रेस इन सेलेशियल मैकेनिक्स, सैन फ्रांसिस्को, एएल सिमिनो, विटरबो, इटली में 'इफेक्ट ऑफ ओबलाटिनिस ऑन द एक्जिस्टेंस ऑफ लिबरेशन प्वाइंट्स इन आर4बीपी' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।
शर्मिला पुरकायस्थ ने 14-15 मार्च, 2018 को टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुम्बईमें कारसेरल लॉजिक्स एंड सोशल जस्टिस विषय पर आयोजित कार्यशाला में "कस्टडी, टारचर एंड वूमन पॉलिटिकल प्रिजनर्स" विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

राधिका चढ्ढा ने 5-8 जुलाई, 2018 को इंडिया हैबिटेट सेंटर में 'एएएस-इन-एशिया इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन एशिया इन मोशन : जियोग्राफिज एंड जिनिअलोजिज' विषय पर आयोजित सेमिनार में 'अर्ली माडर्न कनेक्टिविटी : ड्राइंग आउट डेल्टाइक बंगाल थ्रू पोर्टुगिज नरेटिव्ज, सी 1500-1640' पत्र प्रस्तुत किया।

मधु ने 15 से 17 नवम्बर, 2017 को लंदन में 'यूरोसिम्पोजियम ऑन सोशइटल चैलेंजिज इन कम्प्यूटेशनल सोशल साइंस' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में 'डिवाइडिड वी स्टैंड : मोबाइल कल्चर एंड डिजिटल इनइक्विलिटी इन इंडिया' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

रीना कन्नौजिया ने 28-30 दिसम्बर, 2017 को गोवा में 'एडवांसिज इन इंगलिश स्टडीज, वूमन इमपावरमेंट, बिजनेस, ह्यूमेनिटिज एंड सोशल साइंस' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'हिन्दी सिनेमा में महिला छवि का चित्रण' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

श्रीमती चक्रवर्ती ने 27 जनवरी, 2018 को ढाका, बंगलादेश में इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ बंगाल स्टडीज द्वारा आयोजित एक सेमिनार में 'बंगाली साहित्य में 1857 की प्रतिक्रिया' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सहमति पत्र

अंतर्राष्ट्रीय

होज स्कूल अटरेचट यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसिज द नीदरलैंड : जार्ज वाशिंगटन यूनिवर्सिटी, वाशिंगटन डीसी; लिंचबर्ग कॉलेज, यूएसए; ऑन्टेरियो यूनिवर्सिटी, कनाडा; इंटरनेशनल रिसर्च ग्रुप ऑन फिजिक्स एजुकेशन (जीआईआरईपी) के साथ।

राष्ट्रीय

एनआईआई (विज्ञान सेतु कार्यक्रम) : गुगल लिमिटेड; यूज गुगल एप्स फॉर एजुकेशन; वीकेंडर (माबीक्वेल); नेहरू आर्टस एंड साइंस कॉलेज, कोयम्बटूर; आईसीटी अकादमी; टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड फॉर स्टूडेंट प्रोजेक्ट : इंडियन रेप्रोग्राफिक राइट्स आर्गेनाइजेशन के साथ।

आदान-प्रदान कार्यक्रमों के अंतर्गत विद्यार्थी

बहिर्गामी : एसपी जैन स्कूल ऑफ ग्लोबल मैनेजमेंट : इनिशिएटिव एट मिरांडा हाऊस (दिसम्बर 2017 में 2 विद्यार्थी); अटरेचट बिजनेस स्कूल ऑन स्ट्रेटिजिक मैनेजमेंट एंड कल्चर फ्रॉम जून-जुलाई 2017 (2 संकाय सदस्य और 12 विद्यार्थी)

नियोजन ब्यौरा

सफल नियोजन प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या : ~90 (90%)

भर्ती हेतु परिसर का दौरा करने वाली कंपनियों/उद्योगों की संख्या : 40

विस्तार और पहुंच कार्यकलाप

मिरांडा हाऊस सभी विद्यार्थियों को विस्तार कार्यों, समुदाय सहभागिता और पहुंच के लिए प्रोत्साहित करता है। स्वच्छ पर्यावरण कार्यक्रम के अंतर्गत 1000 से अधिक वातावरण स्वयंसेवकों ने डुसु चुनाव पोस्टर्स और पर्चों को, जो कैम्पस में चारों तरफ बिखरे हुए थे, साफ करने के लिए 11 से 14 सितम्बर, 2017 को कूड़ा सफाई अभियान चलाया। राष्ट्रीय शहरी कार्य संस्थान (एनआईयूए), नई दिल्ली ने 12 स्वच्छ भारत मिशन दौरों के दौरान भारत के विभिन्न भागों से शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) के अधिकारियों/कर्मचारियों को मिरांडा हाऊस का दौरा करवाया ताकि उन्हें ठोस कचरा प्रबंधन की श्रेष्ठ प्रक्रियाओं की जानकारी प्रदान की जा सके। महाविद्यालय की एनएसएस यूनिट ने हडसन लेन (हकीकत पार्क), जिसे जनज्ञानोदय कहा जाता है, में समाज के लाभ वंचित वर्गों के विद्यार्थियों हेतु शिक्षण केन्द्रों की स्थापना की है। एनएसएस और सक्षम समाज के स्वयंसेवकों ने वर्ष भर कई प्रकार से दृष्टिदोष से पीड़ित विद्यार्थियों की सहायता जारी रखी। उन्होंने दृष्टिदोष से पीड़ित विद्यार्थियों के लिए वाचन करते हुए तथा पाठ रिकार्ड करते हुए उनकी अकादमिक सहायता की। महाविद्यालय ने शारीरिक तंदरूस्ती; सबसटेंस अबयुज; मानसिक स्वास्थ्य; महिलाओं के स्वास्थ्य मुद्दे; कैंसर; अलमाइमररोग; सड़क सुरक्षा; आत्म रक्षा प्रशिक्षण; महिलाएं एवं कानून; उपभोक्ता मामले; सूचना का अधिकार; चुनाव सुधार; भ्रष्टाचार रोधी अभियान और नागरिकता जैसे मुद्दों पर प्रमुख कार्यक्रम प्रारंभ किए हैं।

पुस्तकालय विकास

कुल संस्वीकृत बजट 16,66,100 रूपए था। अकादमिक वर्ष 2017-18 में, पुस्तकों के 943 खंड पुस्तकालय में शामिल किए गए। लिबसिस एलएसईएज प्रबंधन प्रणाली को वेब केन्द्रित ओपीएसी में स्तरोन्नत किया गया, जो डीयू एलएएन से जुड़ा हुआ है। ओपीएसी इंटरनेट पर उपलब्ध है। यह डीयूएलसी और मुख्य डाटाबेस जैसे एन-लिस्ट एंड इनफलिबनेट की सुविधा प्रदान करता है। संकाय सदस्यों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाविद्यालय के विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों को डीयूएलएस पोर्टल पर उपलब्ध ई-संसाधनों के प्रयोग संबंधी अद्यतन जानकारी प्रदान करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली के सहयोग से सूचना साक्षरता कार्यशाला का आयोजन किया गया।

संकाय संख्या

स्थायी : 134, अस्थायी : 02, तदर्थ : 67

वित्तीय आबंटन और उपयोगिता

संस्वीकृत अनुदान : 51,56,66,000/- रूपए

उपयोगिता : 47,90,82,317/- रूपए

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

पी.एच.डी. गाइड के तौर पर कार्यरत संकाय सदस्यों की संख्या 14; उनके अंतर्गत पी.एच.डी. के लिए पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या : 28 । यह शोध संस्कृति को बढ़ावा देता है। विद्यार्थियों का श्रेष्ठ संस्थाओं में इंटर्नशिप के लिए चयन किया गया है। विज्ञान संकाय के लगभग 20 विद्यार्थियों ने विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर, इसरो, चेन्नई मैथेमेटिकल इंस्टीट्यूट, एनआईयूएस, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, फिजिक्स रिसर्च लेबोरेट्री, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, इंटर यूनिवर्सिटी एक्सीलिरेटर सेंटर, जवाहरलाल नेहरू उच्च वैज्ञानिक शोध केन्द्र (जेएनसीएएसआर) में ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप पूरी की। 50 से अधिक विद्यार्थियों ने डीएस कोठारी शोध और नवाचार विज्ञान शिक्षा केन्द्र, मिरांडा हाऊस के ग्रीष्मकालीन इंटर्न के तौर पर कार्य किया। 17 विद्यार्थियों ने स्कॉलरशिप सहित प्रतिष्ठित मान्यता प्राप्त विदेशी संस्थाओं में दाखिला प्राप्त किया।

***

मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'ऐप्लिकेबल मैथमेटिक्स' विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का आयोजन गणित विभाग द्वारा दिनांक 19 और 20 फरवरी को किया गया। इस सम्मेलन के मुख्य संरक्षक डॉ. सुभासीस हलदर, कार्यवाहक प्राचार्य थे। इस सम्मेलन का आंशिक प्रायोजन आईईईई, ईडीएस, दिल्ली चैप्टर द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पदमश्री पुरस्कार से सम्मानित प्रोफेसर दिनेश सिंह थे। विश्व भर के सात प्लेनरी वक्ताओं; असगर रहीमी (ईरान), माती एबेल (ऐस्टानिया), मार्ट ऐबल (ऐस्टानिया), जॉन एच. एररेनडोन्डो (मेक्सिको), गैब्रिएल कांटुन मांटिएल (मेक्सिको) और रेयना मेरिया पेरेज टिस्कारनियो (मेक्सिको) ने इस सम्मेलन में भाग लिया।

सम्मान/गौरव

डॉ. अनु पांडे को उच्चतर शिक्षा विभाग, दिल्ली सरकार की तरफ से व्याख्यान हेतु पुरस्कार प्रदान किया गया।

डॉ. राधिका कुमार को आईसीएएस प्रदान किया गया : एमपी पोस्ट डाक्टोरल फेलोशिप ऑन द टॉपिक जेंडर, कास्ट एंड पॉलिटिकल रिप्रेजेंटेशन : द केस ऑफ दलित वूमन पंचायत मेम्बर्स इन द स्टेट ऑफ हरियाणा (2018), इंस्टीट्यूट ऑफ इकानामिक ग्रोथ, नई दिल्ली।

प्रकाशन

गोसाई ओ पी, (2017) हेराल्डिंग आडिट कमिटी : ए प्रिकरसर ऑफ एथिकल अकाउंटिंग एंड रिपोर्टिंग, इंडियन जर्नल ऑफ अकाउंटिंग। XLIX (2), 69-76, आईएसएसएन-: 972-1479.

गुप्ता, एम. (2017) - शेयर बायबैक एंड अनाउंसमेंट इफेक्ट्स : एन इंड्स्ट्रीवाइज एनलिसिस, (6), 2, एफआईआईबी बिजनेस रिव्यू।

गोसाई ओ पी, (2018) - साइबर अपराध और साइबर विधियां, सेनगेग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड।

जरवाल, डी. (2017) "डिजिटल अर्थव्यवस्था और भारत", सनदी सचिव, 47(6).

पंवार, के. (2017) - संस्कृत धर्मग्रंथों में दलित स्त्री प्रतिरोधी स्वर। इसकी कार्यवाही को एमएस कॉलेज, मोतिहारी और मानविकी विभाग द्वारा एशिया पेसिफिक के सहयोग से ऊर्जा और पर्यावरण प्रौद्योगिकी विषय पर आयोजित सम्मेलन में प्रकाशित किया गया। आईएसबीएन 978-93-84264-25-3.
खन्ना, एन., कुमार, वी., कौशिक, एस.के. (2017) - वेवलेट पैकेट्स एंड देयर मोमन्ट्स, पायनकेयर जे. एनाल. अपल., (2), 95–105.

कुमार, आर. (2017) - पदयात्राएं और भारत में राजनीतिक सम्पर्क का बदलता स्वरूप, स्टडीज इन इंडियन पालिटिक्स, *5*(1), 32-41, सेज पब्लिकेशंस।

पंवार, के. (2017) - जोहड़ी (कहानी संग्रह) नेशनल बुक ट्रस्ट ऑफ इंडिया, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली। आईएसबीएन : 978-81-237-8097-9.

पौमई, के.टी., जहां, एस. (2017)- ऑन के-अटॉमिक डिकम्पोजिशंस इन बेनकस्फेयर, इलेक्ट्रान जे. मैथ. एनल. एपल., 6(1): 183-197.

पौमई, के.टी., राठौड, जी.एस., भाटी, एस. (2017) - ए नोट ऑन फ्रेम्स इन बेनकस्फेयर, इंट. जे. कम्प्यूट. एपल. मैथ., 12(2): 631-638, 2017.

शोध परियोजनाएं

डॉ. देवेन्द्र जरवाल ने आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित मुख्य परियोजना "उदारीकरण युग के उपरांत राजस्थान के आर्थिक विकास पर दलित उद्यमियों के प्रभाव का मूल्यांकन" पूरी की।

सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियां

खोले टी पौमी ने 3 से 7 जुलाई, 2017 के दौरान तल्लीन विश्वविद्यालय, तल्लीन, एस्टोनिया द्वारा "सैमपलिंग थ्यूरी एंड एप्लीकेशंस (सैम्प टीए-2017)", विषय पर आयोजित 12वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'आर्थोगोनलग्रीडि एलगोरिथम फॉर फ्रेम्स इन हिलबर्ट स्पेसिज' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।
कौशल पंवार ने दिनांक 10 से 13 अगस्त, 2017 के दौरान सेंटर फार इंडिक स्टडीज एट द यूनिवर्सिटी ऑफ मैसाचुसेट्स डर्टमाऊथ द्वारा आयोजित 23वें अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस ऑफ वेदांता में 'वेदांता एंड द कास्ट सिस्टम' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।
कल्पना मलिक ने 25 से 26 जुलाई, 2017 के दौरान महिला पी.जी. महाविद्यालय, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर, राजस्थान द्वारा "माइग्रेशन एंड सेटलमेंट : डिवलपमेंट ऑफ क्रॉस-कल्चरल इंडिया" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में 'अर्धकथानक : माइग्रेशन एंड इकानामिक वर्ल्ड आफ ए नार्थ इंडियन मर्चेंट इन मुगल टाइम्स' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।
कल्पना मलिक ने 9 से 11 सितम्बर, 2017 को श्री नटनागर शोध संस्थान, मध्य प्रदेश द्वारा 'एनवायरमेंट, इकानामी एंड सोसायटी इन द इंडियन कंटेक्सट' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'इकानामिक इम्पेक्ट ऑफ द मराठा ऑन द जयपुर स्टेट ड्यूरिंग द ऐटीन्थ सेंचुरी' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।
देवेन्द्र जरवाल ने अक्तूबर, 2017 के दौरान 70वें अखिल भारतीय वाणिज्य सम्मेलन, जयपुर (राजस्थान) में 'कैश टू कैशलेस इकानामी : चैलेन्जिज एंड ऑपरच्युनिटिज' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।
निखिल खन्ना ने 3 से 7 जुलाई, 2017 को तल्लीन विश्वविद्यालय, तल्लीन, एस्टोनिया द्वारा 'सैम्पलिंग थ्यूरी एंड एप्लीकेशंस (सैम्प टीए-2017)' विषय पर आयोजित 12वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'वेनिशिंग मोमेन्ट्स ऑफ वेवलेट पैकेट्स एंड वेवलेट एसोसिएटिड विद रेसज प्रोजेक्टर्स' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।
अविनाश कुमार सिसौदिया ने 27 दिसम्बर, 2017 से जनवरी 2018 के दौरान एप्लाइड फिजिक्स, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा (उत्तर प्रदेश) द्वारा 'लर्निंग इलेक्ट्रोमेगनेटिक थ्यूरी थ्रू प्रोबलम सोल्विंग, न्यूमेरिकल साइमुलेशंस एंड लैब एक्सपेरिमेंट्स' विषय पर आयोजित सेमिनार में एक पत्र प्रस्तुत किया।

हस्ताक्षर किए गए राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सहमति पत्र

सहमति पत्र और सहयोग

प्रधानमंत्री युवा योजना (पीएम-वाईयूवीए), कॉलेज विद्यार्थियों के लिए योजना, 2017-18 के कार्यान्वयन के लिए एनआईईएसबीयूडी (राष्ट्रीय उद्यमिता और कारोबार विकास संस्थान), कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार के साथ।

नियोजन ब्यौरा

कैम्प्स भर्ती हेतु दौरा करने वाली कंपनियों की संख्या : 09

40 से भी अधिक कंपनियों ने हमारे महाविद्यालय के विद्यार्थियों को नौकरी और प्रशिक्षुता प्रदान की। नियोजन

प्रकोष्ठ ने इन अवसरों पर सफल संचालन किया, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 100 से अधिक विद्यार्थियों को नियोजन प्रदान किया गया।

विस्तार और पहुंच कार्यकलाप

प्रधानमंत्री युवा योजना के अधीन मोती लाल नेहरू महाविद्यालय की ई-सेल (उद्यमिता प्रकोष्ठ) का शुभारंभ 10 नवम्बर, 2017 को किया गया। इस अवसर पर श्री मनु सकुनिया और सुश्री मोनिका शर्मा, उद्यमिता हब, प्रधान मंत्री युवा योजना, एनईआईएसयूबीडी, नोएडा अतिथि के तौर पर उपस्थित थे। दिनांक 1 फरवरी, 2018 को ई-सेल, मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय ने दो इंटरस्ट्रीट मेलों का आयोजन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री जगमोहन भोगल, निदेशक, प्रधान मंत्री युवा योजना, एनईआईएसयूबीडी, नोएडा थे। इस मेले में 38 कंपनियों तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के लगभग 250 विद्यार्थियों ने भाग लिया। गत दो वर्षों की अवधि में गंभीर अकादमिक सहभागिताओं के अतिरिक्त इस केन्द्र ने विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए संभाव्य अवसर प्रदान किया है, जिसका उद्देश्य समग्र व्यक्तित्व विकास, सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करना, हमारे समाज के बहु-सांस्कृतिक आयामों और व्यापक तौर पर राष्ट्र को समझना है। केन्द्र ने 'ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूकता' विषय पर गैर-सरकारी संगठन के सहयोग से एक कार्यक्रम का भी आयोजन किया है।

पुस्तकालय प्रतिवेदन

पुस्तकालय में लगभग 116577 पुस्तकें और लगभग 104 जर्नल एवं लोकप्रिय पत्रिकाएं हैं तथा पुस्तकालय में दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली (डीयूएलएस), कॉलेजों हेतु राष्ट्रीय पुस्तकालय और सूचना सेवाएं अवसंरचना (एन-लिस्ट) और डिवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क (डेलनेट) के माध्यम से सतत् तौर पर बड़ी संख्या में पूर्ण पाठ और ग्रंथ सूची ई-संसाधन प्राप्त किए जाते हैं। पुस्तकालय हेतु ई-संसाधन केन्द्र में ई-संसाधनों तथा इंटरनेट सुलभता हेतु 12 कम्प्यूटर प्रणाली हैं। महाविद्यालय पुस्तकालय में डेलनेट द्वारा प्रदत्त इंटर लाइब्रेरी लोन सुविधा है। इसमें दृष्टिदोष से पीडित उपभोक्ताओं के लिए अद्यतन सॉफ्टवेयर और गैजेट्स सुविधा सहित सुसज्जित एमपावरिंग यूनिट भी है।

संकाय संख्या :

संकाय सदस्यों की कुल संख्या = 134

वित्तीय आबंटन और उपयोगिता
संस्वीकृत अनुदान : 31,08,76,000/- रूपए
उपयोग किया गया अनुदान : 28,99,08,000/- रूपए

***

मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय (संध्या)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय (संध्याकालीन) की स्थापना प्रतिष्ठित शिक्षाविद डॉ. आर.के. मान द्वारा संस्थापक प्राचार्य के तौर पर जुलाई 1965 में की गई थी, यह दिल्ली विश्वविद्यालय का एक संघटक महाविद्यालय है, जो दिल्ली विश्वविद्यालय के साऊथ कैम्पस, नई दिल्ली के नजदीक मुख्य स्थानबेनिटो जुआरेज रोड पर स्थित है। सीबीसीएस 3 वर्षीय डिग्री कार्यक्रमों जैसे बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी, बी.ए. (ऑनर्स) हिन्दी, बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास, बी.ए. (ऑनर्स) राजनीतिक विज्ञान, बी.काम (एच), बी.काम और बी.ए. कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न लोकप्रिय अध्ययन पाठ्यक्रमों में शिक्षा प्रदान करने के अतिरिक्त महाविद्यालय विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण पर भी बल देता है तथा उन्हें युक्तिसंगत, उत्तरदायी और आत्म निर्भर मनुष्य का आकार प्रदान करने के लिए उच्च नैतिक मूल्यों को भी

इसमें शामिल करता है। महाविद्यालय की एनएसएस यूनिट ने 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस', रक्त दान शिविर, सड़क सुरक्षा जागरूकता इत्यादि के आयोजन सहित विभिन्न कार्यकलाप किए।

सम्मान/गौरव

डॉ. प्रिया भल्ला को दो वर्षों के लिए नेहरू स्मारक एवं संग्रहालय पुस्तकालय में अध्येता के तौर पर नियुक्त किया गया है।

डॉ. ऑनेस्ट मोईनुद्दीन को जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा पीएचडी की डिग्री प्रदान की गई।

पुष्पा मीणा ने हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में अपनी पीएचडी प्रस्तुत की।

विशिष्ट उपलब्धि वाले विद्यार्थी

वर्ष 2017-18 में 'दिल्ली विश्वविद्यालय फुटबाल चैंपियनशिप' में कॉलेज ने रजत पदक प्राप्त किया। फुटबाल टीम ने एसपीआरईई, बिडला विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, गोवा परिसर द्वारा आयोजित फुटबाल चैंपियनशिप में भी भाग लिया।

कॉलेज की कबड्डी टीम ने दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता (2017-2018) में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

वैभव मेहलावत ने राष्ट्रीय जूडो चैम्पियनशिप में कांस्य पदक तथा इंटर यूनिवर्सिटी जूडो चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता।

यश टोकस ने इंटर यूनिवर्सिटी बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में रजत पदक तथा पवन कुमार ने कांस्य पदक प्राप्त किया।

प्रकाशन

कुमार, बी. (2017) ने **'पटकथा तथा संवाद लेखन'** नामक पुस्तक लिखी, श्री नटराजन पब्लिकेशंस।
कुमार, पी. (2017) **'दक्षिण एशिया में बौद्ध अधिगम'** नामक पुस्तक लिखी, लेक्सिंगटन बुक्स, न्यूयार्क, यूएसए।
शरण, पी. (2017) **'भारत में अंग्रेजी अध्यापकों को सेवा-पूर्व और सेवाकालीन प्रशिक्षण : एक चुनौती'** नामक पुस्तक लिखी, लिटरेरी फोरम, 43.
सिंह, वी. (2017) **'रंगभूमि: पूर्णपठ की अवश्यकथा'**, शोध-दृष्टि।
सुमन (2018) - शोध प्रवृति, नटराज प्रकाशन।
सुमन(2017) - महादेवी वर्मा के काव्य में बिम्ब और प्रतीक, विद्यावर्त इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल।

आयोजित सेमिनार

अंग्रेजी विभाग ने 27 मार्च, 2018 को प्रोफ़ेसर अमर फारूकी, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय की अध्यक्षता में '1857 का विद्रोह और भारत में उपनिवेशवाद के विरोध में संघर्ष' विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया।

अंग्रेजी विभाग ने प्रोफ़ेसर श्याम प्रसाद गांगुली, जेएनयू द्वारा 'ए प्रजेंटेशन ऑन ड्रामा एज मिमेटिक आर्ट' विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया।

डॉ. मानसविनी एम. योगी (निदेशक, दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म) द्वारा 'एडवरटाइजिंग एंड मीडिया कम्यूनिकेशन स्किल' विषय पर एक व्याख्यान दिया गया।

अंग्रेजी विभाग द्वारा 24-25 अगस्त, 2017 को 'भारत के जनजातीय लोक नृत्य: संदर्भित कला और संस्कृति' विषय पर यूजीसी द्वारा प्रायोजित दो-दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया।

हिन्दी विभाग ने 2 फरवरी, 2018 को 'लिखावट संस्था' के सहयोग से एक काव्य सम्मेलन का आयोजन किया, जिसमें प्रतिष्ठित कवियों, डॉ. अनामिका, डॉ. नरेन्द्र पुंडरिक, श्री डिवीक रमेश, श्री मिथिलेश श्रीवास्तव और श्री मंगलेश डबराल ने अपनी कविताओं का पाठ किया।

नियोजन ब्यौरा

समिति द्वारा चलाए गए नियोजन अभियान से लगभग 20 विद्यार्थियों को विभिन्न कंपनियों में इंटर्नशिप का अवसर मिला।

विस्तार और पहुंच कार्यकलाप

महाविद्यालय की जेंडर चैंपियन सोसायटी ने 3-4 अप्रैल, 2018 को 'मी टू' अभियान पर इंटर कॉलेज पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। कॉलेज की नाथर्-ईस्ट सोसायटी ने 11 अप्रैल, 2017 को "एथनिक रिलेशंस : ऑपरचुनिटिज एंड चैलेंजिज इन द डिसकार्स ऑफ नार्थ ईस्ट" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया जिसकी अध्यक्षता डॉ. अलाना गोलमई ने की। अर्थशास्त्र विभाग ने 22 सितम्बर, 2018 को "नोटबंदी : भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसका प्रभाव" विषय पर एक कॉलेज डिबेट का आयोजन किया।

सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियां

प्रदीप शरण ने 29 जून से 1 जुलाई, 2017 तक सेंट टेरेसा कॉलेज, कोचीन, केरल में अंग्रेजी भाषा अध्यापक संघ (ईएलटीए) द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "द यूज ऑफ टेक्नालॉजी इन द टीचिंग ऑफ स्पीकिंग स्किल्स इन इंडिया" विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

सुमन ने 10 मार्च, 2018 को आईसीएएन में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'फेक न्यूज और उसका सामाजिक प्रभाव' विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अहहरूद्दीन ने सेंटर फार एडवांस्ड स्टडीज, जाधवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "प्रोबलम्स ऑफ कंस्ट्रक्टिंग मुस्लिम आइडनटिटी : एनलाइजिंग रेसियल एंड मोरल डिसकार्स इन टू पोस्ट 9/11 नॉवल्स" विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

विद्याशंकर सिंह ने 'महाकवि जयशंकर प्रसाद फाउंडेशन' और हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त तौर पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'जयशंकर प्रसाद के नाटक : इतिहास और वर्तमान' विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

जी.एन. त्रिवेदी को 12 मार्च, 2018 को डिवलपिंग कंट्रीज रिसर्च सेंटर (डीसीआरसी), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'डेमोक्रेटिक ट्रांजिसन इन इंडिया' विषय पर आयोजित सम्मेलन में अतिथि वक्ता के तौर पर आमंत्रित किया गया।

प्रियंका पंवार ने केन्द्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश द्वारा आयोजित सम्मेलन में 'लोकेटिंग द रूम ऑन द रूफ इन रास्किन बांड लिटरेरी लैंडस्केप' विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अंजली अग्रवाल ने जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज (संध्याकालीन), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "एडॉप्शन ऑफ एथेनाल एज बायोफ्यूल इन इंडिया : इकानामिक एंड एनवायरनमेंटल कनसर्नस" विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

संकाय संख्या

स्थायी संकाय की कुल संख्या = 36

तदर्थ संकाय की कुल संख्या = 42

***

नेहरू होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज और चिकित्सालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

कॉलेज परिसर में नव निर्मित गार्ड कक्ष, संस्थान के प्रवेश द्वार पर नव निर्मित मार्बल फ्लोर। कार्यालय अधीक्षक और चिकित्सा अधीक्षक के लिए दो कमरों का पुनरूद्धार कार्य पूरा कर लिया गया है।

शोध परियोजनाएं

जीवन शैली संबंधी रोग - सोमवार

त्वचा एवं सोराइसिस - मंगलवार

श्वास रोग/अस्थमा - मंगलवार

मनोचिकित्सा संबंधी रोग - बुधवार

फाइब्रॉइड/पीसीओडी/फाइब्रेएडिनोमा ब्रेस्ट - बुधवार

विटिलिगो - बृहस्पतिवार

रेनल स्टोन्स/गालस्टोन्स - शुक्रवार

बाल रोग - शुक्रवार

वृद्धावस्था संबंधी रोग - शनिवार

रूमेटाइड अर्थिराइटिस - शनिवार

ऑस्टियोआर्थेराइटिस - शनिवार

आयोजित सेमिनार

कैंट मेमोरियल लेक्चर - 16 एवं 17 सितम्बर, 2017

पुस्तकालय विकास

इंटरनेट एवं फोटोकापी सुविधा उपलब्ध है

संकाय संख्या

स्थायी संकाय की कुल संख्या = 25

अतिथि संकाय की कुल संख्या = 6

***

पी. जी. डी. ए. वी. महाविद्यालय

मुख्य उपलब्धियां और कार्यकलाप

पीजीडीएवी महाविद्यालय का मार्गदर्शन कठिन अध्यापन-कला सहित डीएवी के चरित्र द्वारा होता है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को विश्व एवं जटिल दुनिया में चारित्रिक नेताओं के तौर पर तैयार करना है। महाविद्यालय विद्यार्थियों के बौद्धिक, सौन्दर्य बोध, सांस्कृतिक, मानवीय और ऐथलेटिक विकासके लिए बहु-सांस्कृतिक और उत्साही परिवेश प्रदान करता है। कॉलेज का मुख्य ध्यान युवाओं की बुद्धि का समग्र भारतीय संस्कृति के साथ विकास करना है, जिसमें शिक्षा का परम्परा और आधुनिकता के बीच एक अटूट जोड़ माना जाता है। कॉलेज भारत के युवाओं को प्रशिक्षण और सशक्तिकरण प्रदान कर रहा है, उनमें सृजनात्मक और समालोचनात्मक विचारों का विकास कर रहा है ताकि वे अपनी क्षमताओं का खोज करने, संभावनाएं तलाशने, अधिगम और विकास के लिए उपयोग कर सकें। यह सब प्राप्त करने के लिए कॉलेज में सुविकसित अकादमिक ब्लॉक, अद्यतन और संवेदनशील प्रयोगशालाएं, अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं, सभागार, सम्मेलन कक्ष, स्मार्ट कक्षा-कक्ष, क्लब और इसी प्रकार की अन्य सुविधाएं हैं। इस प्रकार की अद्यतन सॉफ्ट एवं हर्ड अवसंरचना के साथ कॉलेज यह सुनिश्चित करता है कि सभी हितधारकों को हर प्रकार से बौद्धिक सहभागिता और परिपूर्ण अनुभव का अवसर मिले।

सम्मान/गौरव

गीता गुप्ता और सुश्री अपर्णा दत्त को पीएचडी डिग्री प्रदान की गई (दिल्ली विश्वविद्यालय)।

<u>गौरव सम्मान प्राप्त छात्र</u>

कल्पना, बी.एस.सी. (एच) सांख्यिकी ने 92.37 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
श्रीनि श्रीवास्तव, बी.टेक, कम्प्यूटर साइंस ने 90.30 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
अनमोल तितोरिया, बी.कॉम (एच) ने 88.11 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन

कौर, डी., गोलदर, ए. (2017) - रिलेशनशिप बिटविन इनवर्डस एफडीआई एंड एक्सपोर्ट्स: इंडियन टेलीकम्प्यूनिकेशन सेक्टर', ओ.एस. देओल (संपादित), ग्लोबल ट्रेड इन सर्विसिज : ए डब्ल्यूटीओ परस्पेक्टिव, नई दिल्ली, एनडी: एटलांटिक(233-247)।

कौर, डी., सैनी, एम. (2017) - रिलेशनशिप बिटविन इनवर्ड एफडीआई एंड रिसर्च एंड डिवलपमेंट : ए के ऑफ इंडियन इकानामी, जर्नल ऑफ बिजनेस स्टडीज, भगत सिंह कॉलेज, 9, 57-66.

महाजन, ए., चांद, पी. (2017) - अंडरस्टेंडिंग द गवर्नेंस ऑफ नीति आयोग (जीएम-टेक्नालॉजी के संबंध में इसके द्वारा की गई सिफारिशों के संदर्भ में) : पेसिफिक बिजनेस रिव्यू इंटरनेशनल, 10 (3), 155-160.

महाजन, ए., चांद, पी. (2017) - एनामली ऑफ फारेन एक्सचेंज रेट, इकानामिक एंड पालिटिकल वीकली,52 (29), 21-24.

मंडल, एस., पंत, एम. (2018) - "फर्म कैपेबिलिटिज एंड प्रोडक्टिविटी स्पिलओवर्स फ्रॉम एफडीआई : एविडेंस फ्रॉम इंडियन मैन्यूफैक्चरिंग फर्मस" इन सिद्धार्थन, एन, नारायणन, के (संपादित) ग्लोबलाइजेशन ऑफ टेक्नालॉजी। स्प्रिंगर, सिंगापुर।

सैनी, एम., कौर, डी. (2018) - रिलेशनशिप बिटविन फारेन पोर्टफोलियो इनवेस्टमेंट एंड सेंसेक्स : ए केस ऑफ इंडियन इकानामी। एनएआईएमएस जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, 13 (1), 15-22.

वरूण, अर्चना, झा, एम.के. (2017) -सम न्यू थ्री-लेवल सेकंड आर्डर रेस्पांस सरफेस डिजाइन्स, माडल एसिस्टिड स्टेटिस्टिक्स एंड एप्लीकेशंस, 12, 55-61.

वरूण, भूषण, सोनम (2018) - द नीड ऑफ फिनटेक इन द इंडियन माइक्रोफाइनेंस सेक्टर, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन इकानामिक्स एंड सोशल साइंस, 8 (3), 215-222.

वरूण, भूषण, सोनम (2018) - रोल ऑफ एजुकेशन एंड एम्प्लायमेंट इन इंडियाज डेमोग्राफिक डिविडेंड, इंटरनेशनल जर्नल आफ रिसर्च इन इकानॉमिक्स एंड सोशल साइंसिज, 8 (3), 207-214.

वशिष्ठ, पी., खुराना, पी., बेदी, पी. (2017) - ए फजी हाइब्रिड रिकमेंडर सिस्टम, जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट एंड फजी सिस्टम332, 3945-3960.

जर्नल

कालेज द्वारा प्रकाशित - जर्नल ऑफ कंटमपरेरी इंडियन पालिटी एंड इकॉनामी (जेओसीआईपीई) संपादक मंडल में संपादक/संपादकों, सदस्य/सदस्यों के तौर पर कार्यरत अध्यापकों की संख्या-01

शोध परियोजनाएं

डॉ. अश्विनी सहायक, डॉ. फूल चंद (2017), आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित परियोजना "भारत चीन व्यापार घाटा : कारण, प्रभाव और समाधान", 650000/- रूपए।
डॉ. गोपाल दत्त, यूजीसी द्वारा वित्त पोषित परियोजना (2016) "आपरेशंस ऑन फंक्शन स्पेसिज", 26000/- रूपए।
डॉ. गिरधर गोपाल, यूजीसी द्वारा वित्त पोषित परियोजना (2018), "ब्रह्मपुत्र में सानसिद्ध ऋषि, तीर्थ एवं पर्वो का शास्त्रीय अर्थात व्यावहारिक अध्ययन", 204000/- रूपए।

आयोजित सेमिनार

सेमिनार, 'बिजनेस एनलिटिक' प्रोफ़ेसर नितिन सचदेवा, आईएमटी गाजियाबाद द्वारा 18 सितम्बर, 2017 को आयोजित।
8 जनवरी, 2018 को प्रोफ़ेसर शगुन अरोड़ा, एनडीआईएम, दिल्ली द्वारा 'वाट आफ्टर ग्रेजुएशन' विषय पर सेमिनार।
21 मार्च, 2018 को डॉ. मीनाक्षी जैन (आईसीएचआर सदस्य) द्वारा सेमिनार।
07-08 नवम्बर, 2017 को शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा 'ओलम्पिक और अन्य राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन बेहतर करने में शारीरिक शिक्षा की आवश्यकता' विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार।
11 दिसम्बर, 2017 को श्री आलोक कुमार, आईएएस प्रशिक्षक द्वारा 'आईएएस के लिए कैसे तैयारी करें' विषय पर एक सेमिनार आयोजित किया गया।

सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियां

दिपीन्द्र कौर ने 2017 में रामानुजन कॉलेज, नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'इंडियन इकॉनामी ट्रांसफार्मेशन थ्रू रिवाइवल ऑफ मैन्यूफेक्चरिंग सेक्टर एंड स्टार्ट अप इको सिस्टम' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

साक्षी वर्मा ने 7 से 8 नवम्बर, 2017 को पीजीडीएवी कॉलेज के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'जेंडर इनइक्विलिटी इन स्पोर्टस:ए स्टूडेंट परस्पेक्टिव' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

मोनिका सैनी ने वर्ष 2017 में रामानुजन कॉलेज, नई दिल्ली में 'इंडियन इकानॉमी ट्रांसफार्मेशन थ्रू रिवाइवल ऑफ मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर एंड स्टार्ट अप इकोसिस्टम' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में रिलेशनशिप बिटविन फारेन पोर्टफोलियो इनवेस्टमेंट एंड सेंसेक्स : ए केस ऑफ इंडियन इकॉनामी' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

नियोजन ब्यौरा

120 विद्यार्थियों ने उच्च स्तरीय कारपोरेट संस्थाओं जैसे ईवाई-जीडीएस, विलीस टावर्स वाटसन, विप्रो, एफआईएस ग्लोबल, इन शार्टस, पीडब्ल्यूसी, एलाइट सोल्यूशंस, टॉमी हिलफाइजर, ब्रिटिश टेलीकॉम, रॉयल बैंक ऑफ स्काटलैंड इत्यादि के साथ ही जॉब प्रोफाइल्स जैसे एक्च्यूरिएल एनलिटिक, इश्योरेंस एसोसिएट, कंटेट प्रूफ रीडर इत्यादि में नियोजन प्राप्त किया है। ईवाई-जीडीएस ने 24 विद्यार्थियों को भर्ती किया है। 45 विद्यार्थियों ने आरबीएस तथा 10 विद्यार्थियों ने एफआईएस ग्लोबल में नियोजन प्राप्त किया है। प्रौद्योगिकी जगत की एक अग्रणी कंपनी, विप्रो ने फरवरी माह में 25 विद्यार्थियों को रोजगार प्रदान किया है।

पुस्तकालय विकास

कॉलेज के पुस्तकालय में लगभग 1 लाख पुस्तकों, 4500 जर्नल तथा विभिन्न विषयों और संकायों के 70 आवधिक पत्रों का संग्रह है। कैम्पस नेटवर्क पर दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली और एन-लिस्ट ई-संसाधनों के माध्यम से विभिन्न इलेक्ट्रानिक संसाधनों की प्रिंट लाइब्रेरी पुस्तकालय सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। पुस्तकालय स्वचालित है तथा पाठकों के लिए सुसज्जित और वातानुकूलित वाचनालय हॉल है।

संकाय संख्या

स्थायी संकाय की कुल संख्या = 108
तदर्थ संकाय की कुल संख्या = 53

वित्तीय आबंटन और उपयोगिता

संस्वीकृत अनुदान - 51,32,99,362/- रूपए
उपयोग किया गया अनुदान - 31,80,68,694/- रूपए

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

पीजीडीएवी कॉलेज कला, मानविकी, वाणिज्य, सामाजिक विज्ञान और कम्प्यूटर साइंस विषयों के क्षेत्र में एक जाना-पहचाना नाम है। इसे एनएएसी ग्रेडिंग प्रदान की गई है। सोसायटी, भर्ती करने वालों सहित, ने यहां की शिक्षा सुविधाओं, सामाजिक उत्तरदायित्व, समावेशिता और नियोजनीयता की उच्च दर को मान्यता प्रदान की है। आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) पीजीडीएवी कॉलेज का एक सांविधिक तौर पर गठित निकाय है। अपनी शुरूआत से ही, यह कॉलेज गुणवत्तापरक विकास, सुधार तथा अकादमिक, प्रशासनिक और वित्तीय क्षेत्रों में सतत्

लक्ष्यों की प्राप्ति में लगा हुआ है ताकि यह अपने सभी प्रयासों में उत्कृष्ट कार्य कर सके। इस पृष्ठभूमि में, आईक्यूएसी को संस्थान की प्रणालियों और प्रक्रियाओं में एक अभिन्न भाग के तौर पर शामिल किया गया है। आईक्यूएसी का मुख्य कार्य कॉलेज के चहुंमुखी कार्य-निष्पादन के लिए जागरूक, सतत और उत्प्रेरक परिवेश निर्माण हेतु बेहतर और दीर्घकालिक प्रणाली का विकास करना है।

***

पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय (संध्या)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

पीजीडीएवी (संध्याकालीन) महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 1957-58 में कार्यरत व्यावसायियों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए की गई थी। महाविद्यालय विभिन्न समितियों, कार्यक्रमों और कार्यकलापों के माध्यम से हितधारकों- विद्यार्थियों, अध्यापकों और कर्मचारियों को अपना विजन सम्प्रेषित करता है। विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जागरूकता, महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता और साक्षरता, कलात्मक और सृजनात्मक स्व: अभिव्यक्ति को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया है। संस्थान की ताकत इसके अर्हता प्राप्त और प्रतिबद्ध संकाय सदस्य, उद्यमी प्रशासनिक स्टाफ, अद्यतन अवसंरचना, इनफ्लिबनेट सुविधा सहित सुसज्जित कॉलेज पुस्तकालय, 24 घंटे उपलब्ध हाई स्पीड वाई-फाई इंटरनेट, 1:2 विद्यार्थी अनुपात में कम्प्यूटर की उपलब्धता, केन्द्रीयकृत कम्प्यूटिंग सुविधा, स्केनिंग, प्रिंटिंग और कापी करने की सुविध, विविध प्रकार से सशक्त विद्यार्थियों और कर्मचारियों के लिए लिफ्ट सुविधा, बेहतर अकादमिक परिवेश और उत्साही विद्यार्थी हैं। एनएसएस यूनिट ने परिसर स्वच्छता अभियान, सड़क सुरक्षा कार्यक्रम, पौधारोपण, एनएसएस दिवस इत्यादि का आयोजन जैसे कई कार्यकलाप किए।

विशिष्ट उपलब्धि वाले विद्यार्थी

सुनीता साहू, बी.कॉम ने कॉलेज में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।
सुजीत कुमार, बी.एस.सी. (ऑनर्स) मैथ ने कॉलेज में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

प्रकाशन

सेठी, पी.के. (2017) - योग एवं स्वस्थ जीवन

कॉलेज द्वारा प्रकाशित जर्नल : एक

अंतर विषयक अकादमिक जर्नल “बोधायन”
संपादक/संपादकों के तौर पर कार्यरत कॉलेज अध्यापकों की संख्या -10

-

नियोजन ब्यौरा
सफल नियोजन प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या -160
कैम्पस भर्ती हेतु दौरा करने वाली कंपनियों/उद्योगों की संख्या - 05

विस्तार और पहुंच कार्यकलाप
आस-पास के क्षेत्रों में आयोजित किए गए कैम्प : राम नगर में एक ट्रेकिंग कैम्प
कैम्पों में शामिल/नामांकित व्यक्तियों की संख्या- 25

कैम्पों में कार्य करने वाले विद्यार्थियों की संख्या - 25
इन कैम्पों के लिए समर्पित कुल घंटे - 4 दिन
एनएसएस यूनिट द्वारा 5-6 अगस्त, 2017 को दो-दिवसीय स्वच्छता अभियान चलाया गया। 10 अगस्त को एनएसएस यूनिट ने 'न्यू इंडिया प्लेज' कार्यक्रम आयोजित किया। हीरो मोटर कार्प., आजादपुर, नई दिल्ली में 5 दिवसीय सड़क सुरक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रयोग में न लाए गए कपड़ों, स्टेशनरी और ई-वेस्ट जैसे टूटे हुए चार्जर, सीडी इत्यादि के संग्रहण हेतु एक दिवसीय दान बॉक्स केन्द्र संचालित किया गया। हमने इन सभी तीनों चीजों का विशाल संग्रहण किया। एकत्रित कपड़ों और स्टेशनरी को मलिन बस्ती क्षेत्रों में वितरित किया गया।

पुस्तकालय विकास
कुल बजट : 6,07,000/- रूपए
शामिल की गई पुस्तकें: 861
खरीदे गए राष्ट्रीय पत्रों की संख्या : 63 (ऑनलाइन + पेपरबैक वर्जन)

संकाय सदस्यों की संख्या
स्थायी संकाय की कुल संख्या = 40
तदर्थ संकाय की कुल संख्या = 37

वित्तीय आबंटन और उपयोगिता
संस्वीकृत अनुदान : 27,67,36,000/- रूपए
उपयोग किया गया अनुदान : 17,73,29,614/- रूपए

***

पंडित दीनदयाल उपाध्याय शारीरिक विकलांग राष्ट्रीय संस्थान

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

यह संस्थान सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रायल, भारत सरकार के वित्तीय नियंत्रण के तहत बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी (बीपीटी), बैचलर ऑफ आक्युपेशनल थेरेपी (बीओटी) और बैचलर ऑफ प्रोसथेटिक्स एंड आर्थोटिक्स (बीपीओ) पाठ्यक्रमों का संचालन करता है। संस्थान ने वर्तमान अकादमिक सत्र 2017-18 से प्रोसथेटिक्स एवं आर्थोटिक्स में मास्टर कार्यक्रम भी प्रारंभ किया है। इसके अतिरिक्त, हमने फिजियोथेरेपी एवं आक्युपेशनल थेरेपी में भी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की प्रक्रिया भी शुरू की है। पीडीयूएनआईपीपीडी (डी) ने 3 दिसम्बर, 2017 को विविध प्रकार से सक्षम लोगों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह के सफल आयोजन में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की सहायता करते हुए इसमें सक्रिय भाग लिया।

सम्मान/गौरव

श्रीमती रजनी कालरा को दिनांक 15 सितम्बर, 2017 को फिजियोथेरेपी विभाग, डॉ. आर.एम.एल. अस्पताल द्वारा 'जीवन शैली संबंधी बीमारी' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में अध्यक्ष के तौर पर आमंत्रित किया गया।

श्री के. रामप्रभु, सहायक प्रोफेसर, फिजियोथेरेपी विभाग को 18 फरवरी, 2018 को 'स्पोर्टस कनेक्ट-चैंजिंग ट्रेड्स इन स्पोर्टस फिजियोथेरेपी' विषय पर आयोजित सम्मेलन में कनक्लेव वक्ता' के तौर पर आमंत्रित किया गया।

विशिष्ट उपलब्धि वाले विद्यार्थी

मेघना शर्मा, II वर्ष, बैचरल ऑफ फिजियोथेरेपी
शिवानी भारद्वाज, I वर्ष, बैचरल ऑफ फिजियोथेरेपी
राशो गुप्ता, बैचलर ऑफ प्रोथेस्टिक्स एंड आर्थोटिक्स
स्नेहा उन्याल, बैचलर ऑफ प्रोथेस्टिक्स एंड आर्थोटिक्स

प्रकाशन

आर्य, के.एन., शांता पांडियन एवं धर्मेन्द्र कुमार (2017) - टास्क बेस्ड मिरर थेरेपी इन्हांसिस इपिलेशनल मोटर फंक्शंस इन स्ट्रोक : ए पायलट स्टडी। जर्नल ऑफ बाडी वर्क एंड मूवमेंट थेरेपी, 21(2):334-341.

आर्य, के.एन., पांडियन, एस., पुरी, वी. (2017) - रिहेबिलिटेशन मैथड्स फॉर रिडयूस्ड सोल्डर सबलक्सेशन इन पोस्ट-स्ट्रोक हेमीपेरेसिस : ए सिस्टेमेटिक रिव्यू, वाल्यूम 11 : 1-14, डीओआई 10.1080/10749357.2017.1383712 टॉपिक्स इन स्ट्रोक रिहेबिलिटेशन।

आर्य, के.एन., पांडियन, एस., कुमार (2017) - इफेक्ट ऑफ एक्टिविटी बेस्ड मिरर थेरेपी ऑन लोवर लिंब मोटर रिकवरी एंड गेट इन स्ट्रोक : ए रैंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल, वी. न्यूरोसाइकोलाजिकल रिहेबिलिटेशन। 26:1-18. डीओआई : 10.1080/09602011.2017.1377087.

बत्रा, एम. (2017) - फंक्शनल डायनेमिक आईलिड क्रचिज फार माडयुलेटिंग विज्युअल फील्ड डेफिसिट इन थर्ड नर्व पाल्सी, इंडियन जे. आक्यूप थेर, 49(3), 97-101.

गोडियाल, ए.के., पंडित, एस., विमल, ए.के., सिंह, यू., आनंद, एस., जोशी, डी. (2017) - लोकोमोशन मोड क्लासिफिकेशन यूजिंग फोर्स मायोग्राफी। इन लाइफ साइंस कांफ्रेंस (एलएससी), आईईईई (पृष्ठ 121-124)।

पंडित, एस., गोडियाल, ए.के., विमल, ए.के., सिंह, यू., जोशी, डी. एवं कल्यानसुंदरम, डी. (2018) - एन एफारडेबल इनसोल-सेंसर बेस्ड ट्रांस-फेमोरल प्रोसथेसिस फॉर नारमल गेट, सेंसर्स, 18(3), 706.

स्मिता एन., प्रसन्ना, एल. (2018) - पेसिव बायोमेट्रिक प्रोसथेसिस चैप्टर 5, पृष्ठ : 69-82, आईएसबीएन : 978-953-51-3820-4. रिट्राइवड फ्रॉम : http://dx.doi.org/10.5772/इंटेकओपन.72123

शोध परियोजनाएं

डॉ. कमल नारायण आर्य, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा वित्त पोषित परियोजना, 'रोल ऑफ लांग टर्म टास्क-बेस्ड मिरर थेरेपी इन इनडुसिंग मोटर रिकवरी इन पोस्ट स्ट्रोक हेमीपेरेसिस, 8.5 लाख रूपए।

डॉ. मीनाक्षी बत्रा (2017) - इफेक्ट ऑफ डिफरेंट ट्रीटमेंट मोडेलिटिज ऑन लोअर एक्सट्रिमिटी एंगुलर प्रोबलम्स इन चिल्ड्रन विद रैकेट्स।

आयोजित सेमिनार

एप्लीकेशन ऑफ रिसर्च मैथड्स एंड बायो-स्टेटिस्टिक्स (लेवल I), 7 अक्तूबर, 2017 को आक्युपेशनल थेरेपी विभाग द्वारा आयोजित।

सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियां

कमल नारायण आर्य, शांता पांडियन ने ऑल इंडिया आक्युपेशनल थेरेपिस्ट एसोसिएशन, नागपुर द्वारा 16-18 फरवरी, 2018 को 'अल्ट्रासोनोग्राफी-बेस्ड मैनेजमेंट ऑफ द सोल्डर सबलक्सेशन इन स्ट्रोक : ए केस सीरिज' विषय पर आयोजित 55वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पत्र प्रस्तुत किया।

मीनाक्षी बत्रा ने 16 से 18 फरवरी, 2018 को वार्षिक राष्ट्रीय आक्युपेशनल थेरेपी सम्मेलन, नागपुर ऑटीकन 2018 में 'रेगुलेटिंग डिवलपमेंट पैरामीटर्स इन चिल्ड्रन विद रिकेट्स हैविंग लोअर एक्सट्रिमिटी एंगुलर प्रोबलम' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

नायक, एस., रावत, आर. ने जनवरी 2018 में 24वें राष्ट्रीय सम्मेलन, ओपीएआई में 'सर्वे ऑन अवेयरनेस ऑफ गवर्नमेंट एक्ट्स, पालिसिज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर अविलेबल फॉर पर्सन्स विद फिजिकल डिसएबिलिटी (दिव्यांगजन) विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

बेहरा, टी., वर्मा, टी. ने जनवरी 2018 में आयोजित 24वें राष्ट्रीय सम्मेलन, ओपीएआई में 'ए लिटरेचर रिव्यू ऑन बायोमेकेनिकल एनलिसिस ऑफ ट्रांस टिबियल प्रोसथेसिस' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

पांडियन, जी. ने जनवरी 2018 में आयोजित 24वें राष्ट्रीय सम्मेलन, ओपीएआई में 'एन आर्थोप्रोसथेटिक्स मैनेजमेंट : ए कम्प्रीहेंसिव केस स्टडी' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

मीनाक्षी बत्रा ने 17 से 20 मार्च, 2018 के दौरान इम्फाल, मणिपुर में आयोजित आईएससीए 2018 भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस में 'आगुमेंटिंग लिवेटर फंक्शन यूजिंग आइलिड क्रचिज इन थर्ड नर्व पालसी' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सहमति पत्र

भारतीय/विदेशी कंपनियों/उद्योगों के साथ

दिव्यांगजनों के लिए इसरो के सहयोग से कृत्रिम घुटनों के जोड़ तथा पैर की अभिकल्पना और विकास हेतु इसरों के साथ सहमति पत्र।

अन्य सांस्थानिक सहयोग

संस्थान ने एनएसआईटी, द्वारका तथा एमएएमसी, दिल्ली के साथ अपने विद्यार्थियों की नियमित इंजीनियरिंग और मेडिकल कक्षाओं के लिए सहयोग का नवीनीकरण किया है।

नियोजन ब्यौरा

कैम्पस भर्ती हेतु दौरा करने वाली कंपनियों की संख्या - 04
नियोजित किए विद्यार्थियों की संख्या और प्रतिशत - 92 प्रतिशत

विस्तार और पहुंच कार्यकलाप

संस्थान के पहुंच कार्यकलापों के माध्यम से दिव्यांगजनों (लोकोमोटर) के लिए पुनर्वास कैम्पों के आयोजन हेतु व्यावसायियों और संकाय सदस्यों को तैनात किया गया तथा देश भर में दिव्यांगजनों के लिए प्रोस्थैटिक और आर्थोटिक्स एप्लायंस के वितरण हेतु 02 पुनर्वास कैम्पों का आयोजन किया गया।

पुस्तकालय विकास

वर्ष 2017-18 में 234 व्यावसायिक पुस्तकों और 14 व्यावसायिक/विदेशी जर्नल्स की खरीद की गई। पुस्तकालय नियमानुसार अपने उपभोक्ताओं को संदर्भ सेवा, इंटरनेट, प्रिंटआउट और फोटोकापी सुविधा प्रदान कर रहा है।

संकाय संख्या

स्थायी संकाय की कुल संख्या = 35

अस्थायी/अतिथि संकाय की कुल संख्या = 52

वित्तीय आबंटन और उपयोगिता

संस्वीकृत अनुदान : 2610.00 लाख रूपए

उपयोग किया गया अनुदान : 2597.96 लाख रूपए

***

राजधानी कॉलेज

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

प्रगति और उपलब्धियों के अर्थों में वर्ष 2017-18 कॉलेज के लिए बहुत ही शानदार वर्ष रहा। 31 अक्तूबर, 2017 को कॉलेज में एक आपदा प्रबंधन मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। कॉलेज परिसर में लगाए गए सभी पौधों की गणना और पहचान करने के उपरांत संबंधित समिति द्वारा वृक्ष गणना रिपोर्ट प्रकाशित किया गया। व्याख्यान, कार्यशालाओं और एफडीपी का आयोजन किया गया। चैतन्य, डिबेटिंग सोसायटी, ने श्री राहुल देव, मुख्य संपादक, सीएनईबी, त्रियम्बकम के साथ अपनी प्रथम राष्ट्रीय डिबेट प्रतियोगिता, विचार मंथन का आयोजन किया। थियेटर ग्रुप ने मदारी 18, एक राष्ट्रीय स्तर की अंतर-कॉलेज स्ट्रीट प्ले प्रतियोगिता, में अपने नाटक 'जय हिंद' के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। डीडीएमए (वेस्ट जोन) और अग्निशमन विभाग द्वारा कॉलेज में एक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। कॉलेज में 'हेल्प द ब्लाइंड फाउंडेशन (एचटीबीएफ) और दृष्टिदोष से पीडित विद्यार्थियों के बीच एक परस्पर संवाद सत्र का आयोजन किया गया। 27 दृष्टिदोष से पीड़ित विद्यार्थियों का उनके छात्रावास, मेस और जेब खर्चे को पूरा करने के लिए छात्रवृत्ति हेतु चयन किया गया।

सम्मान/गौरव

डॉ. राजीव रंजन गिरी को 21 फरवरी, 2018 को राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के सहयोग से डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा में 'डिवलपिंग ए मनुस्क्रिप्ट, मेकिंग एडिटॉरियल डिसिजंस एंड प्रोपेजल्स', 'ऑथर-एडिटर रिलेशनशिप', 'मैनेजिंग क्रिएटिव पीपल' और 'वर्कशाप ऑन एडिटिंग एंड कापी-एडिटिंग, हैंडलिंग डिफरेंट जेनर्स' विषयों पर आयोजित कार्यक्रमों में व्याख्यान के लिए रिसोर्स व्यक्ति के तौर पर आमंत्रित किया गया।

डॉ. एस.के. ढाका को 26 से 31 मई, 2017 के दौरान नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पोलर रिसर्च (एनआईपीआर), ताचीकावा, टोक्यो, जापान में 'टेक्नीकल एंड साइंटिफिक एस्पेक्ट्स ऑफ एमएसटी राडार' विषय पर आयोजित 15वीं अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में 'रोल ऑफ कनवेक्टिव सोर्सिज इन शेपिंग द ट्रोपोस्फेयर एंड स्ट्रेटोस्फेयर' विषय पर वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया।

डॉ. सुमन कुमार को बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में विजिटर नॉमिनी के तौर पर नियुक्त किया गया। वह राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शिक्षा मॉनीटरिंग समिति, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के वर्ष 2017-18 के सदस्य भी हैं।

डॉ. आशीष कुमार ने दिल्ली संस्कृत अकादमी द्वारा 18 अप्रैल, 2017 को अखिल भारतीय संस्कृत लघु नाटक लेखन प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। उन्हें दिल्ली संस्कृत अकादमी द्वारा संस्कृत समर्थक सम्मान, 2018 भी प्रदान किया गया।

डॉ. रवीन्द्र के. दास को प्रतिलिपि समिति, दिल्ली द्वारा वर्ष 2018 के लिए श्रेष्ठ अनुवादक सम्मान प्रदान किया गया। उन्हें भी दिल्ली संस्कृत अकादमी द्वारा संस्कृत समर्थक सम्मान, 2018 प्रदान किया गया।

<u>गौरव सम्मान प्राप्त छात्र</u>

प्रतिभा, बी.एस.सी. (एच) कैमिस्टी, द्वितीय वर्ष - डॉ. एन.के. आनंद मेमोरियल पुरस्कार
सौरभ कुमार सिंह, बी.एस.सी. (एच) फिजिक्स, तृतीय वर्ष - डॉ. एस.एस. राव मेमोरियल पुरस्कार
दिव्या गौतम, बी.ए. (एच) हिन्दी, तृतीय वर्ष, मां मूर्ति देवी स्मृति पुरस्कार
पूनम शर्मा, बी.ए. (एच) हिन्दी, प्रथम वर्ष - श्री शिव नंदन शर्मा मेमोरियल पुरस्कार
विनीत गोयल, बी.कॉम (एच), प्रथम वर्ष और संदीप कुमार गिरधर, बी.कॉम (एच), द्वितीय वर्ष - श्री सुल्तान चंद एंड कंपनी मेमोरियल पुरस्कार

खेल

सचिन कुमार, बी.ए. (कार्यक्रम) तृतीय वर्ष ने 10,000 मीटर दौड़ में दो स्वर्ण पदक और क्रॉस कंट्री रेस 12 किलोमीटर दौड़, 21 कि.मी. मैराथन दौड़ में दो रजत पदक तथा 10000 मीटर दौड़ में एक स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

प्रदीप यादव, बी.ए. (कार्यक्रम), तृतीय वर्ष ने लांग जम्प और ट्रिपल जम्प प्रतियोगिता में दो रजत पदक प्राप्त किए तथा दिल्ली राज्य सीनियर ऐथलेटिक्स चैम्पियनशिप में ट्रिपल और लांग जम्प प्रतियोगिता में दो रजत पदक प्राप्त किए।

'त्रियम्बकल, द ड्रॅामेटिक' सोसायटी ने अपने नाटक 'जय हिंद' के लिए प्रथम स्थान प्राप्त किया, जिसमें राष्ट्रीय कला मंच, कला संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मदारी 18, एक राष्ट्रीय स्तर की अंतर-कॉलेज स्ट्रीट प्ले प्रतियोगिता, में भारतीय सेना के साहस और शौर्य को दर्शाया गया।

रिंकी शर्मा, बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास, तृतीय वर्ष और रूबी कुमारी, बी.ए. (कार्यक्रम), द्वितीय वर्ष का मार्गा सुलजे मेरिट स्कॉलरशिप (जर्मनी) के लिए चयन किया गया।

प्रकाशन (चयनित)

दास, के.आर. (2018) सत्ता मिमांसा एवं ज्ञान-मिमांसा, दिल्ली, दिल्ली : ग्रंथ भारती प्रकाशन।

चौधरी, पी. (2017) - महाराजगंज जनपद के पुरातत्व का एक अध्ययन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च, 3(7)।

ढाका, एस.के. (2017) - 'इम्पेक्ट ऑफ इंटर-सीजनल सोलर वेरिएबिलिटी ऑन द एसोसिएशन ऑफ लोअर ट्रोपोस्फेयर एंड कोल्ड प्वाइंट ट्रोपोपॉज इन द ट्रॉपिक्स : ऑबजरवेशन यूजिंग आरओ डाटा फ्रॉम कॉस्मिक। एटमास्फेरिक रिसर्च, 198.

गर्ग, पी.के., कुमार ए. (2017) 'डुएलिटी रिजल्ट्स फॉर ए सेकिंड - आर्डर मल्टी-आबजेक्टिव फ्रेक्शनल प्रोग्रामिंग प्रोबलम विद जेनेरेलाइज्ड कनवेक्सिटी-इंटरनेशनल जर्नल आफ मैथमेटिक्स इन आपरेशनल रिसर्च, 11(4).

गिरी, आर.आर. (2017) - नव जागरण कालीन गद्य साहित्य : एक पुनर्विचार। अनुशीलन, 36.

पायल, आर. (2017) - 'वेस्ट टू वेल्थ एप्रोच : रिमूविंग टॉक्सिक हेवी मेटल्स एंड आर्गेनिक डाइज फ्राम वेस्ट वाटर यूजिंग एग्रीकल्चरल वेस्ट। इंटरनेशनल जर्नल आफ केमिकल, एनवायरमेंटल एंड बायलोजिकल साइंसिज, 5(1), 46-49.

सेठी, आर. (2017) - मैपिंग जेंडर्ड जियोग्राफिज : रीडिंग वूमन इन लिटरेचर। स्टडीज इन ह्यूमेनिटिज एंड सोशल साइंसिज, वाल्यूम XXII (1).

शहारे, वी.वी. (2018) - 'सिंथेटिक पेस्टिसाइड्स का पर्यावरणीय प्रभाव और दीर्घकालिक विकास के लिए जैव-कीटनाशकों का विकास', सस्टैनेबिलिटी : फॉर ए बेटर टुमारो, वाल्यूम II.

शर्मा, आर.डी., गुप्ता, ए. (2017) - ए स्टडी ऑफ फंक्शन स्पेस टॉपोलाजिज फॉर मल्टीफंक्शंस। एप्लाइड जर्नल टोपोलॉजी, 18 (2).

वर्मा, एम. (2017) - अभिनव हिन्दी एकांकी, दिल्ली, दिल्ली : तरूण प्रकाशन।

शोध परियोजनाएं

डॉ. पवन कुमार, विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड द्वारा वित्त पोषित परियोजना (2016-19) - 'डिवलपमेंट ऑफ फासफिनस एसिड फंक्शनेलाइज्ड पीएनपी पिन्सर लिजेंड्स : स्टडी ऑफ नान-फंक्शनल बिहेवियर विद ग्रुप ऐट मेटल कम्पलेक्सिज एंड कैटलिटिक एप्लीकेशंस, 3374000/- रूपए।

डॉ. सुनील बाब, आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित परियोजना, (2018) - हरियाणा में 1990 के दशक से अनुसूचित जातियों के बीच गरीबी का एक तुलनात्मक अध्ययन, 400000/- रूपए।

आयोजित सेमिनार/कार्यशालाएं

8 और 9 फरवरी को राष्ट्रीय सिंधी भाषा संवर्धन परिषद (एनसीपीएसएल), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से जन आन्दोलन और साहित्य : हिन्दी और सिंधी के विशेष संदर्भ सहित' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया।
19 से 20 मार्च, 2018 को भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद (आईसीएचआर) के सहयोग से इतिहास विभाग द्वारा 'द चैंजिंग कल्चरल नरेटिव्ज ऑफ दिल्ली थ्रू द ऐजिज' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया।
21 मार्च, 2018 को 'मैपिंग स्पेसिज, क्रॉसिंग बार्डस : (डि) कंस्ट्रक्टिंग वर्ल्ड लिटरेचर्स' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया।
16-17 जनवरी, 2018 को मीडिया पर एक, दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। श्री संजय नंदन, एबीपी न्यूज ने 'मीडिया में रिपोर्टिंग और लेखन' विषय पर अपनी बात रखी और प्रैक्टिकल अभ्यास द्वारा इसे प्रदर्शित किया।

सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियां

शिखा कौशिक ने दिनांक 15-19 मार्च, 2018 को इंडियन सोसायटी ऑफ एनालिटिक साइंटिस्ट्स (आईएसएएस-डीसी) और सीएसआईआर-आईआईपी, देहरादून द्वारा सीएसआईआर-आईआईपी देहरादून में 'एडवांसिज इन एनलिटिक साइंसिज' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'सीक्वेंस स्पेसिफिक पॉलीमारफिज्म एक्जीबिटिड बाय ए डीएनए सीक्वेंस कंटेनिंग ह्यूमन सी-जन प्रोटोनकोगने टारगेट' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

रितु पायल ने वर्ष 2017 में कालिंदी कॉलेज में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'एस्टीमेशन ऑफ सन प्रोटेक्शन फैक्टर (एसपीएफ) बाय यूजिंग अल्ट्रा वायलेट-विजिबल स्पेक्ट्रोफोटोमीटर फॉर कॉस्मेटिक फार्मूलेशंस' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

वी.एम. शुक्ला ने 6 से 7 फरवरी, 2018 को किरोड़ीमल कॉलेज द्वारा राष्ट्रीय सिंधी भाषा संवर्धन परिषद (एनसीपीएसएल), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'डकोडिंग द पार्टिशन एल (आई/ए) नेस : रिफलेक्शन ऑन लैगुंएज, लिटरेचर एंड कल्चर' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'एक अग्निकांड जगह बदलता (ए फायर ट्रेजडी शिफ्टिंग प्लेसिज)' : रीडिंग पार्टिशन इन नरेंद्र मोहन लंग्ग पोइम' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

सत्यानंद कुमार ने 12 से 14 जनवरी, 2018 को रसायन विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'ऐमरजिंग ट्रेंड्स इन ड्रग्स डिवलपमेंट एंड नेचुरल-प्रोडेक्ट्स (ईटीडीडीएनपी-2018)' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

सचिदा नंद झा ने 18 से 20 सितम्बर, 2017 को पोस्ट कोलोनियल स्टडीज कांफ्रेंस, यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन में 'रिविजिटिंग ग्लोबलाइजेशन : रिथिकिंग इंडियन पोस्ट कॉलोनियल' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

सुमन कुमार ने 5-6 जनवरी, 2018 को महाराजा अग्रसेन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीतिक विज्ञान विभाग द्वारा 'इंटिग्रल ह्यूमेनिज्म : ए विजन एंड मिशन' विषय पर आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'पॉलिटिकल आइडियोलॉजी ऑफ इंटीग्रल ह्यूमेनिज्म' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

सष्मिता मोहंती ने 29-30 मार्च, 2017 को मोतीलाल नेहरू कॉलेज (संध्याकालीन), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा, भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित, '21वीं सदी के भारत में मानवाधिकार : उभरते हुए मुद्दे और चुनौतियां' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'परम्परागत परिपाटियां और लोकतांत्रिक आकांक्षाएं : भारत में खाप पंचायत, महिला और मानव अधिकार' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

आशीष कुमार ने 19-20 अप्रैल, 2017 को संस्कृत विभाग और अनुसंधान समिति, सत्यवती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'लिंग्विस्टिक एफिलिएशन : एक्सपलाटिंग नामनक्लेचर ऑफ रिलेशनशिप्स इन रसियन एंड संस्कृत' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

नियोजन ब्यौरा

विद्यार्थियों की संख्या : 16

कैम्पस भर्ती हेतु दौरा करने वाली कंपनियों की संख्या : 7

विस्तार और पहुंच कार्य

चैतन्य, द डिबेटिंग सोसायटी ने राष्ट्रीय डिबेट प्रतियोगिता के अतिरिक्त कई खुले सत्रों का आयोजन किया। महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ (डब्ल्यूडीसी) ने 'आत्म रक्षा कार्यक्रम', 'योग प्रशिक्षण कैम्प', और डब्ल्यूडीसी उत्सव जैसे कई कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिससे महिलाओं के प्रति जागरूकता पैदा करने में सहायता मिली। एनसीसी कैडट ने अपने दैनिक कार्यों के अलावा विभिन्न विस्तार कार्यकलापों और समुदाय सेवा कार्यक्रमों जैसे 'स्वच्छ भारत अभियान' और 'युवा भारत नया भारत' में भी भाग लिया। एनएसएस स्वयंसेवकों ने विभिन्न कार्यकलापों जैसे परिसर स्वच्छता, रैली फॉर रिवर्स में भाग लिया और मलिन बस्तियों के बच्चों के साथ वेलेन्टाइन दिवस मनाया, जिससे वहां के बच्चे अत्यधिक प्रसन्न हुए। एनसीसी (बालक) कैडेट्स ने गणतंत्र दिवस कैंप-2018, ट्रेकिंग कैंप, अमरकंटक, पुरी (ओडिशा), कालीकट इत्यादि में भाग लिया। एनएसएस (बालिका) यूनिट वर्ष भर सक्रिय रही और कॉलेज परिसर स्वच्छता, मलिन

क्षेत्र विकास, सामाजिक कार्य, व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम, स्वच्छता पखवाड़ा, पौधारोपण और आपदा प्रबंधन कार्यशाला में भाग लिया, इसके अतिरिक्त इस यूनिट ने विभिन्न स्थानों पर आयोजित ट्रेकिंग कैम्पों में भी भाग लिया।

पुस्तकालय विकास

कॉलेज पुस्तकालय में विभिन्न विषयों की 1.25 लाख से भी अधिक शोध पुस्तकें हैं तथा 33 समाचार-पत्र और लगभग 55 पत्रिकाओं एवं जर्नल की खरीद की जाती है। यह पुस्तकालय यूजीसी इंफोनेट के एन-सूची कार्यक्रम का भी सदस्य है, जिसके माध्यम से पुस्तकालय के उपभोक्ता रिमोट लॉग इन सुविधा से 6000+ ई-जर्नल और 31,35,000+ ई-पुस्तकें प्राप्त कर सकते हैं। विविध प्रकार से सक्षम विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए एक विशिष्ट 'रीडिंग कार्नर' तैयार किया गया है, जहां इंटरनेट सहित हाई स्पीड कम्प्यूटर्स और स्केनर्स तथा प्रिंटर की सुविधा प्रदान की गई है।

संकाय संख्या

स्थायी संकाय की कुल संख्या = 92

तदर्थ संकाय की कुल संख्या = 72

वित्तीय आबंटन और उपयोगिता

संस्वीकृत अनुदान : 54,04,85,000/- रूपए

उपयोग किया गया अनुदान : 31,61,10,698/- रूपए

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

दिनांक 02.12.2017 से 29.04.2018 तक कॉलेज के एसओएल सेंटर के माध्यम से बी.कॉम (पास) और बी.ए. (कार्यक्रम) प्रथम और द्वितीय वर्ष, स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग की बालिकाओं के लिए व्यक्तिगत सम्पर्क कार्यक्रम (पीसीपी) का आयोजन किया गया। नॉन-कालेजिएट वूमन एजुकेशनल बोर्ड के विद्यार्थियों के लिए कॉलेज में 'इंगलिश स्पीकिंग' कक्षाओं का आयोजन किया गया। कॉलेज ने विश्वविद्यालयों के साथ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की दिशा में कार्य प्रारंभ किया है और आशा है कि इन संस्थाओं के साथ सुदृढ़ संबंध कायम होंगे, जो संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों दोनों के लिए बहुत लाभाकारी होंगे।

***

राजकुमारी अमृत कौर नर्सिंग महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

राजकुमारी अमृत कौर परिचारिका महाविद्यालय की स्थापना 71 वर्ष पूर्व की गई थी, जिसका उद्देश्य नर्सिंग कार्यकलापों के आदर्श कार्यक्रम तैयार करना था। यह महाविद्यालय चार नियमित कार्यक्रम अर्थात बी.एस.सी. (ऑनर्स) नर्सिंग, मास्टर ऑफ नर्सिंग, नर्सिंग में एम.फिल और पीएचडी कार्यक्रम प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, यह महाविद्यालय अल्पावधि के सतत् शिक्षा पाठ्यक्रमों का भी आयोजन करता है। यह संस्थान स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और विभिन्न अस्पतालों, स्वास्थ्य केन्द्रों और सम्बद्ध एजेंसियों के निकट सहयोग के साथ कार्य करता है। महाविद्यालय में एक ग्रामीण शिक्षण केन्द्र है, जिसकी स्थापना 1950 में उद्देश्य उन्मुखी ग्रामीण समुदाय स्वास्थ्य अनुभव प्रदान करने के लिए की गई थी। इस संस्थान में परिवार नियोजन, टीकाकरण, परिवार कल्याण सेवाओं सहित एमसीएच पर बल दिया जाता है। विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों जैसे मलेरिया नियंत्रण, डेंगू नियंत्रण, एड्स नियंत्रण, संशोधित राष्ट्रीय ट्यूबरकुलोसिस नियंत्रण, पल्स पोलियो कार्यक्रम इत्यादि में भाग लिया। महाविद्यालय में विद्यार्थी परिचारिका संघ की एक कार्यरत यूनिट है, जहां विभिन्न राज्यों की विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर

की प्रतियोगिताओं में भाग लेती हैं। बाह्य खेल संकाय द्वारा विद्यार्थियों के लिए नियमित तौर पर खेल कक्षाओं का आयोजन किया जाता है।

प्रकाशन

गोयल, एच. (2018) - 'एसेसमेंट ऑफ परसिवड सेल्फ-ऐफिकेसी ऑफ नर्सिज टू फंक्शन एज ए नर्स प्रैक्टिशनर। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट रिसर्च एंड एकेडमिक रिव्यू.6.

गोयल, एच. (2018) - एक्सपेरिमेंटल स्टडी टू इवेल्यूएट द इफेक्टिवनेस ऑफ चिविंग गम ऑन गैस्ट्रो इंटेस्टाइनल मोटेलिटी इन टर्मस ऑफ रिटर्न ऑफ बॉवल बाउंड पैसेजिज ऑफ फ्लाट)स, टालिरेंस ऑफ ओरल फीड्स एंड पैसेज ऑफ स्टूल ऑफर एबडामिनल सर्जरी अमंग एडल्ट पेशेंट इन सेलेक्टिड हास्पिटल ऑफ दिल्ली। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च, 6, (5).

शोध परियोजनाएं

ए स्टडी टू डिवलेप एंड इवेल्यूएट द इफेक्टिवनेस ऑफ स्ट्रक्चरड टीचिंग प्रोग्राम ऑन स्ट्रेटिज ऑफ कम्यूनिकेशन कम्पीटेंस व्हाइल डिलीवरिंग हेल्थ केयर सर्विसिज अमंग नर्सिंग आफिसर्स इन टर्मस ऑफ नॉलेज, एटीट्यूड एंड प्रैक्टिस इन दीन दयाल उपाध्याय हास्पिटल, नई दिल्ली।

ए स्टडी टू एसेस द इफेक्टिवनेस ऑफ एन एजुकेशनल पैकेज ऑन सेल्फ मॉनीटरिंग ऑफ ब्लड ग्लूकोज लेवल्स एंड सेल्फ एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ इंसुलिन इन टर्मस ऑफ नॉलेज एंड प्रैक्टिस इन चिल्ड्रन विद डायबिटिज मैलिटस इन सेलेक्टिड हास्पिटल ऑफ उत्तराखंड।

ए स्टडी टू डिटरमाइन द प्रिवेलेंस एंड फैक्टर्स एसोसिएटिड विद रिफ्रेक्टिव एररर्स, एंड टू इवेल्यूएट द इफेक्टिवनेस ऑफ एजुकेशनल पैकेज ऑन मैनेजमेंट ऑफ रिफ्रेक्टिव एरररर्स इन लेवल ऑफ नॉलेज एंड प्रैक्टिस अमंग स्कूल चिल्ड्रन (12-25 वर्ष) ऑफ सेलेक्टिड प्राइवेट स्कूल ऑफ अरबन एरिया ऑफ दिल्ली।

ए स्टडी टू डिवलप एंड एसेस इफेक्टिवनेस ऑफ सेल्फ इंस्ट्रक्शनल मॉड्यूल ऑन रिहेबिलिटेशन आफ्टर स्पेशल कोर्ड इंजुरी इन टर्मस ऑफ नॉलेज एंड एक्प्रेस्ड प्रैक्टिस अमंगस्ट पेशेंट्स एंड केयर गिवर्स ऑफ पेशेंट्स एडमिटिड इन सेलेक्टिड हास्पिटल ऑफ न्यू दिल्ली।

ए स्टडी टू इवेल्यूएट द इफेक्टिवनेस ऑफ सेलेक्टिड नर्सिंग इंटरवेनशंस इन टर्मस ऑफ फिजियोलॉजिकल पैरामीटर्स एंड सेलेक्टिड पोस्ट आपरेटिव आउटकम्स अमंग पेशेंट अंडरगोइंग एबडामिनल सर्जरी इन सेलेक्टिड हास्पिटल ऑफ दिल्ली।

आयोजित सम्मेलन

नर्सिंग में उभरता हुआ नवाचार और गुणवत्तापरक रोगी देखभाल पर इसका प्रभाव, 19-23 फरवरी, 2018.
बियांड बिसाइड - द चैंजिंग रोल ऑफ टुडेज नर्स, 19-23 मार्च, 2018.

प्रस्तुतियां

सरिता शोखंडा, रोबोटिक नर्सिंग, 22 फरवरी, 2018
मधुमिता डे, डिजिटेलाइजेशन इन नर्सिंग, 23 फरवरी, 2018
मधुमिता डे, रोल ऑफ इंफेक्शन कंट्रोल नर्स, 22 मार्च, 2018
मिताली बिस्वास, बर्न आऊट सिंड्रोम, 8 अक्तूबर, 2017

विस्तार और पहुंच कार्यकलाप

ग्रामीण विस्तार केन्द्र की स्थापना वर्ष 1950 में इस उद्देश्य के साथ की गई थी कि विद्यार्थियों को उद्देश्य उन्मुखी ग्रामीण समुदाय का स्वास्थ्य अनुभव प्रदान किया जाए। यह लगभग 23,000 लोगों की आवश्यकता को पूरा करता है और यह महाविद्यालय से 35 किलोमीटर दूर है। यह केन्द्र समुदाय को एकीकृत और व्यापक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण सेवाएं प्रदान करता है। एमसीएच सेवाओं, परिवार नियोजन, टीकाकरण, परिवार कल्याण सेवाओं, पोषण, बालिका स्वास्थ्य पर विशेष बल दिया जाता है तथा ग्रामीण यूनिट के कर्मचारियों और विद्यार्थियों द्वारा आरएचटीसी स्टॉफ, नजफगढ़ के सहयोग से स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम का संचालन किया गया तथा स्टॉफ और विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों जैसे मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम, डेंगू नियंत्रण कार्यक्रम, संशोधित राष्ट्रीय ट्यूबरकुलोसिस नियंत्रण कार्यक्रम, एड्स नियंत्रण कार्यक्रम, डायरिया रोग नियंत्रण कार्यक्रम और सघन पल्स पोलियो कार्यक्रम में भी भाग लिया। केन्द्र में टी.बी. और एमडीआर टी.बी. की जांच और उपचार हेतु डीओटीएस (डोट्स) और माइक्रोस्कॉपिक केन्द्र भी है। राष्ट्रीय पल्स पोलियो कार्यक्रम, जिसमें 10 गांवों को शामिल किया गया है, के लिए आरएफटीएस चावला एक 'टीम मूवमेंट प्वाइंट' भी है।

पुस्तकालय

कॉलेज पुस्तकालय में कुल 20381 पुस्तकें हैं।

वर्ष के दौरान खरीदी गई पुस्तकों की संख्या - 206

	विदेशी जर्नल	-	18
ii)	भारतीय जर्नल	-	18
iii)	समाचार-पत्र	-	06
iv)	पत्रिकाएं	-	07

वर्ष के दौरान पुस्तकों और जर्नल पर किया गया कुल व्यय 14,39,047 रूपए।

संकाय संख्या - 33

वित्तीय आबंटन और उपयोगिता

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा संस्वीकृत बजट अनुमान : 11,66,00,000/- रूपए

उपयोग किया गया अनुदान : 11,58,00,000/- रूपए

***

रामानुजन महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

रामनुजन महाविद्यालय को राष्ट्रीय संस्थान रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ 2018) में महाविद्यालय वर्ग में अखिल भारतीय आधार पर 26वीं रैंक प्रदान की गई है। अधुनातन कक्षा-कक्षों, प्रयोगशालाओं, स्टॉफ कक्षों और एक मध्यम आकार के इंडोर सभागार सहित महाविद्यालय के लिए नए अलग भवन का निर्माण किया गया है। नए भवन में विशाल सेवा केन्द्र है, जिसमें मल जल उपचार संयंत्र, सोलर पेनल, जल संग्रहण संयंत्र, विद्युत उप केन्द्र और विद्युत जेनरेटर्स का प्रावधान शामिल है। रामानुजन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में शिक्षण अधिगम केन्द्र की स्थापना को अनुमोदन प्रदान कर दिया गया है। रामानुजन महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय का ऐसा दूसरा महाविद्यालय है, जिसे शिक्षण अधिगम केन्द्र प्रदान किया गया है, यह मानव संसाधन विकास मंत्रालय की सबसे

ज्यादा प्रार्थित योजना है। टीएलसी (शिक्षण अधिगम केन्द्र) का विजन ऐसे युवा अध्यापक प्रदान करना है, जिनके पास स्वयं को प्रभावी और दक्ष अध्यापक के तौर पर विकसित करने के साधन हों तथा जो स्थानीय और वैश्विक दोनों संदर्भों में विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम हों।

सम्मान/गौरव

डॉ. एस.पी. अग्रवाल ने एनएएसी के सहकर्मी दल सदस्य अथवा सदस्य समन्वयक के तौर पर दो संस्थाओं का दौरा किया।

डॉ. एस.पी. अग्रवाल और डॉ. अंशिका अग्रवाल को वर्ष 2017 में 'ए डायनेमिक शिफ्ट ऑफ 4जी-गुड गवर्नेंस एंड ग्लोबल ग्रोथ' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन सम्मेलन में 'बेस्ट पेपर अवार्ड' प्रदान किया गया।

डॉ. निखिल राजपूत ने दिसम्बर 2017 में शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज में सूचना प्रौद्योगिकी और ज्ञान प्रबंधन (आईसीआईटीकेएम-2017) विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

डॉ. एस.पी. अग्रवाल के मार्गदर्शन में सुश्री अंशिका अग्रवाल को वाणिज्य विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकॉनामिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा नवम्बर 2017 में पीएचडी डिग्री प्रदान की गई।

डॉ. एस.पी. अग्रवाल ने जनवरी 2018 में प्रेशटीज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट द्वारा इंडियन इकॉनामी एसोसिएशन के सहयोग से 'मीजर, मैनेज एंड फेसिलिटिएट चेंज टू हर्नेस आर्गेनाइजेशनल पोटेंशियल' विषय पर आयोजित 9वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता की।

डॉ. अंशिका अग्रवाल को वर्ष 2018 में 'प्रेशटीज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट' ग्वालियर द्वारा इंडियन इकॉनामिक एसोसिएशन के सहयोग से 'मीजर, मैनेज एंड फेसिलिटेट चेंज टू हर्नेस आर्गेनाइजेशन पोटेंशियल' विषय पर आयोजित 9वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'बेस्ट थीसिस' का अवार्ड प्रदान किया गया।

डॉ. विभश कुमार को 16 जुलाई, 2019 को इंडियन फेडरेशन ऑफ यूनाइटिड नेशंस एसोसिएशन, दिल्ली में 'इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ रिसर्च एंड डिवलपमेंट ओर्गेनाइजेशन' द्वारा "3 इंटरनेशनल रिसर्च कांफ्रेंस ऑन एंटरप्रोन्योरशिप एंड सस्टेनिबिलिटी : ए स्किल इंडिया परस्पेक्टिव" विषय पर 'बेस्ट पेपर' प्रस्तुति अवार्ड प्रदान किया गया।

नजरूल इस्लाम आजमी, कॉलेज लाइब्रेरियन ने पुस्तकालय और सूचना विभाग, नागपुर विश्वविद्यालय से अपनी पीएचडी पूरी की।

डॉ. धर्मेन्द्र कुमार यादव को इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर पापुलेशन साइंसिज (आईआईपीएस), मुम्बई द्वारा पोस्ट-डॉक्टोरल फेलोशिप-2017 के लिए शार्ट लिस्ट किया गया है।

बिहार उर्दू अकादमी ने डॉ. जेड.ए. अब्बासी (एओ प्रशासन) को उनकी पुस्तक 'शाहिर लुधियानवी शख्सियत और फन-2015' के लिए पुरस्कृत किया। पूर्व में उन्हें दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा भी इस पुस्तक के लिए पुरस्कृत किया।

<u>गौरव सम्मान प्राप्त छात्र</u>

ओजस्व, दिव्याशीश, बी.एस.सी. (ऑनर्स) गणित, प्रथम वर्ष ने 9.45 सीजीपीए सहित कॉलेज में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।
सुक्रीत लूथरा, बी.एस.सी. (एच) सांख्यिकी प्रथम वर्ष ने 9.18 सीजीपीए सहित कॉलेज में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।
सौम्य शुक्ला, बी.ए. कार्यक्रम द्वितीय वर्ष ने 8.91 सीजीपीए सहित कॉलेज में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।
जतिन बंसल, बी.कॉम (ऑनर्स), द्वितीय वर्ष ने 8.79 सीजीपीए सहित कॉलेज में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।
पंकज उपाध्याय, बी.टेक. कम्प्यूटर विज्ञान, चतुर्थ वर्ष ने कॉलेज में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए।

ए बीएमएस, द्वितीय वर्ष को अक्तूबर 2017 में सोछी, रूस में आयोजित 'विश्व युवा एवं विद्यार्थी महोत्व' में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया।

खेल

तुषार छिब्बर ने पंजाब में आयोजित नार्थ जोन ऐथलेटिक्स मीट में ट्रिपल जंप में रजत पदक जीता।
अंकिता कुमारी ने दिल्ली स्टेट एथेलेटिक्स मीट में 3000 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीता।
पिंकू ने वरिष्ठ राजस्थान राज्य प्रतियोगिता में पावर लिफ्टिंग में कांस्य पदक जीता।
मोहम्म्द इकबाल ने गुजरात में आयोजित कुरश जूनियर नेशनल में स्वर्ण पदक जीता।
मोमीनुर ने ताइक्वांडो फेडरेशन इंडिया स्टेट चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता।

प्रकाशन

आहुजा, ओ.पी., नागपाल, एस., रविचन्द्रन, वी. (2017) - ए टेकनीक ऑफ कंस्ट्रक्टिंग प्लानर हारमोनिक मैपिंग्स एंड देयर प्रोपर्टीज। कोडाई मैथेमेटिकल जर्नल, 40 (2), 278-288.

अग्रवाल, एस.पी., अग्रवाल, ए. (2017) - इंटरेस्ट रेट्स एंड स्टॉक मार्किट इन इंडियन कन्टेक्स्ट : एन एनलिसिस। पेसिफिक बिजनेस रिव्यू इंटरनेशनल, 10 (1).

गुणासेकरन, वी. (2017) - भारत में हरित क्रांति : विज्ञान कृषि और राजनीति। द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटरडिसीप्लीनरी सिविक एंड पालिटिकल स्टडीज, 12(2), 27-37.

कुमार, ए. (2017) - इम्पेक्ट ऑफ फाइनेंशियल क्राइसिस ऑन रिलेशनशिप बिटविन एग्रीगेट स्टॉक रिटर्नस एंड मैक्रोइकानामिक्स फैक्टर्स इन ब्रिक्स स्टाक मार्किट, जर्नल ऑफ इकानामिक पालिसी एंड रिसर्च, 12(1), 2-18.

कुमार, वी. (2017) - कुमार, ए. (2017) - स्टूडेंट एनगेजमेंट : ए स्टडी ऑफ रामानुजन कॉलेज, रामानुजन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एंड रिसर्च, 2, 1-20.

मिश्रा, एस., यादव, डी.के., दीपिका, ए., शुक्ला, के. (2018) - आन एस्टीमेशन ऑफ पापुलेशन कोएफिसिएंट ऑफ वेरिएशन इन प्रजेन्स ऑफ मीजरमेंट एरर्स। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैथमेटिक्स ट्रेंड्स एंड टेक्नालॉजी (आईजेएमटीटी), 51(4), 301-311.

पाठक, एस., सज्जन, एस.के. (2017) - भारतीय राजनीति में महिलाएं : राजनीतिक प्रतिनिधित्व पर चर्चा। यूनिवर्सल रिव्यू, 3(1).

राठी, वी.के., पाठक, एस., अंकुर (2017) - इंटरनेट ऑफ थिंग्स : आर्किटेक्चर, एप्लीकेशंस एंड फ्यूचर चैलेंजिज। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इन्हासंड रिसर्च इन साइंस टेक्नालॉजी एंड इंजीनियरिंग (आईजेईआरएसटीई), 6(4), 87-91.

शर्मा, यू., यादव, पी. (2017) - अंडरस्टेंडिंग जेंटर आइडेंटिटी एट वर्कप्लेस फॉर प्रोफेसनल आक्युपेशंस। इंस्पायरा-जर्नल ऑफ माडर्न मैनेजमेंट एंड इंटरप्रोन्योरशिप, 7(3), 59-66.

सिंह, ए. (2017) - इम्पेक्ट ऑफ मैक्रोइकानामिक्स वेरिएबलस ऑन इंडियन स्टाक मार्किट। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकानामिक्स एंड मैंनेजमेंट स्टडीज (एसएसआरजी-आईजेईएमएस), 4(5), 65-72.

कॉलेज द्वारा प्रकाशित जर्नल : दो

'रामानुजन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एंड रिसर्च'
'इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड एथिक्स'

संपादन मंडल में संपादक/संपादकों, सदस्य/सदस्यों के तौर पर कार्यरत कॉलेज अध्यापकों की संख्या : 10

शोध परियोजनाएं

दिल्ली विश्वविद्यालय की स्टार इनोवेशन प्रोजेक्ट स्कीम, कुल संस्वीकृत बजट - 87,50,000 रूपए
किशोरों में जीवन शैली और स्वास्थ्य (शारीरिक और मानसिक) संबंधी समस्याओं का अध्ययन
टेकिंग द वर्क ऑफ रामानुजन टू द नेक्सल लेवल : एन इनोवेशन प्रोजेक्ट इन क्रिप्टोग्राफी
रोबोटिक्स इन हेल्थकेयर
रिलाएबल डाटा ऑफ रियल वर्ल्ड फॉर इनोवेशन
सोशियोवेशन

आयोजित सेमिनार/कार्यशालाएं/एफडीपी

27 अक्तूबर, 2017 को इंडियन अकाउंटिंग एसोसिएशन एनसीआर चैप्टर द्वारा शिक्षण अधिगम केन्द्र, रामानुजन कॉलेज के अधीन माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के संबंध में एक दिवसीय राष्ट्रीय स्तर का संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी)।
आचार और मूल्य केन्द्र तथा शिक्षण अधिगम केन्द्र, रामानुजन कॉलेज द्वारा 'स्किलिंग प्रोग्राम फॉर टीचर्स-डिवलपिंग ट्रांसफार्मेशनल स्किल्स' विषय पर एक संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया।
5 मार्च से 11 मार्च, 2018 को शिक्षण अधिगम केन्द्र, रामानुजन कॉलेज द्वारा 'सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) में कौशल आधारित अध्यापक प्रशिक्षण', शिक्षण समुदाय के कौशलों को बढ़ाने के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) एवं शोध' विषयों पर सात दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया।
मानव अधिकार केन्द्र और शिक्षण अधिगम केन्द्र, रामानुजन कॉलेज द्वारा दिनांक 14 से 20 मार्च, 2018 को 'मानव अधिकार और पर्यावरण' विषय पर एक सात-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विषयों के आधार पर व्यवस्थित इस कार्यशाला में देश भर के 43 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
20 सितम्बर, 2017 को अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग द्वारा 'किशोर जीवन शैली और स्वास्थ्य' विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया।

आयोजित सम्मेलन

कॉलेज के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) द्वारा दिनांक 26 फरवरी, 2018 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 'उच्चतर शिक्षा में गुणवत्ता आश्वासन' विषय पर एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

वाणिज्य विभाग द्वारा नार्थ कैम्पस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 21-22 सितम्बर, 2017 को 'इंडियन इकॉनामी ट्रांसफार्मेशन थ्रू द रिवाइवल ऑफ मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर एंड स्टार्ट-अप इकोसिस्टम' विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

22-23 मार्च, 2018 को शिक्षण अधिगम केन्द्र के सहयोग से यूजीसी प्रायोजित 'लीडरशिप इन आर्गेनाइजेशंस : कंटेम्परेरी कंसर्नस एंड की डिवलपमेंट' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

आचार एवं मूल्य केन्द्र द्वारा एच.एच. दलाई लामा सांस्कृतिक केन्द्र, तिब्बत हाउस के सहयोग से 21 अप्रैल, 2017 को 'रोल ऑफ यूनिवर्सल एथिक्स इन हायर एजुकेशन टीचिंग' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियां

आकांक्षा भाटिया ने मनोविज्ञान विभाग, दौलत राम महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 19 जनवरी, 2018 को 'साइकॉलाजी एप्लीकेशंस एंड इंटरवेंशंस : रीचिंग आउट एंड मेकिंग ए डिफरेंस' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय

सम्मेलन में 'अनहर्ड वाइसिज ऑफ कम्युनिटी वर्कर्स : ए स्टडी ऑफ सोशल इनक्लुजन एंड एक्सक्लुजन' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

एस.पी. अग्रवाल ने प्रेसटिज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, ग्वालियर द्वारा इंडियन इकॉनामिक एसोसिएशन के सहयोग से वर्ष 2018 में 'मीजर, मैनेज एंड फैसिलिटेट चेंज टू हर्नेस आर्गेनाइजेशनल पोटेंशियल' विषय पर आयोजित 9वें राष्ट्रीय सम्मेलन में 'बेस्ट पेपर सेशन' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

आंशिका अग्रवाल ने जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा द्वारा 'ए डायनेमिक शिफ्ट ऑफ 4जी-गुड गवर्नेंस एंड ग्लोबल ग्रोथ' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन सम्मेलन में 'गवर्नेंस इन अर्निंग्स : ए न्यू परस्पेक्टिव' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

राकेश सिंह ने जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा द्वारा 15 से 16 दिसम्बर, 2017 को 'डायनेमिक शिफ्ट ऑफ 4जी-गुड गवर्नेंस एंड ग्लोबल ग्रोथ' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'सस्टेनेबल डिवलपमेंट गोल्स : न्यू इनिशिएटिव टू एचिव गुड गवर्नेंस इन इडियाज प्रोस्पेक्टिव' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

मेघा अग्रवाल ने 4 से 7 जनवरी, 2018 को पेरियार विश्वविद्यालय, सलेम, तमिलनाडु में आयोजित 'इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन डिस्क्रीट मैथमेटिक्स 2018 (आईसीडीएम 2018)' में एक पत्र प्रस्तुत किया।

वी. गुणासेकरन ने आईआईटी, गुवाहाटी द्वारा 8 से 9 सितम्बर, 2019 को 'एग्रीकल्चर एंड ह्यूमन डिवलपमेंट इन इंडिया : इंडिजिनस प्रैक्टिसिज, साइंटिफिक व्यूज एंड सस्टेनेबिलिटी' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'सस्टेनेबिलिटी एंड इनक्रीजिंग द यील्ड ऑफ क्रॉप्स : एग्रीकल्चरल साइंटिस्ट, फार्मर्स एंड नॉलेज सिस्टम्स' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

अपराजित मजूमदार ने राजनीतिक विज्ञान विभाग, मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय (संध्याकालीन), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 29 से 30 मार्च, 2017 को '21वीं सदी के भारत में मानव अधिकार : उभरते हुए मुद्दे एवं चुनौतियां' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'भोजन का अधिकार : एन इलुसिव ग्रेल' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

धर्मेन्द्र कुमार यादव ने 9 से 11 मार्च, 2018 को मैथमेटिकल साइंसिज एंड कम्प्यूटर एप्लीकेशंस विभाग, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी द्वारा विज्ञान परिषद ऑफ इंडिया के सहयोग से 'रिसेंट ट्रेंड्स ऑफ कम्प्यूटिंग इन मैथमेटिक्स, स्टेटिस्टिक्स एंड इनफार्मेशन साइंसिज (आरटीसीएमएसआईटी-2018)' विषय पर आयोजित द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'एन इम्प्रूव्ड प्रिडेक्टिव सस्टिमेशन टेकनीक ऑफ फाइनाइट पापुलेशन मीन यूजिंग कोएफिसिएंट ऑफ कुरटोसिस एंड मीडियन ऑफ एन ऑक्जिलरी वेरिएबल' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

आशीष कुमार ने 30 से 31 दिसम्बर, 2017 को स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय द्वारा 'एडवांसिज इन मैनेजमेंट एंड डिसीजन साइंसिज' विषय पर आयोजित तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'एस्टीमेशन ऑफ पापुलेशन मीन यूजिंग आक्जीलरी वेरिएबल्स एंड नॉन कोएफिसिएंट ऑफ वेरिएशन अंडर डबल सैम्पलिंग प्रोसीजर' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

मधु कौशक ने 21 से 22 मार्च, 2018 को एनसीईआरटी द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में 'हिन्दी सिनेमा समाज और संस्कृति' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. विभाष कुमार ने 6 मार्च, 2018 को प्रबंधन विभाग, जेआईएमएस इंजीनियरिंग मैनेजमेंट टेक्नीकल कैम्पस में 'एथिकल डाइलेमा इन द कारपोरेट वर्ल्ड' विषय पर आयोजित सत्र में रिसोर्स व्यक्ति के तौर पर कार्य किया।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सहमति पत्र

विद्यार्थियों को टेली ईआरपी9 के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए सॉफ्टवेयर कंपनी टेली के साथ।

गैर-सरकारी संगठन रूपनतरन के साथ, जिसके तहत कॉलेज ने दो स्लम कैम्पस को गोद लिया है। हमारे विद्यार्थी वहां रह रहे बच्चों और महिलाओं को शिक्षण सेवाएं प्रदान करेंगे, जबकि रूपनतरन अवसंरचनात्मक सुविधाएं प्रदान करेगा।

पॉम-पॉम के साथ, वेस्ट रिसाइकलिंग के लिए।

जागृति के साथ, एक पेपर रिसाइकलिंग कंपनी।

डिजिटल ओसिएन, इंडियन ओपन डाटा एसोसिएशन, जक्सट स्मार्ट मेन्डेट एनलिटिक साल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ।

एडसिल (इंडिया) लिमिटेड, एमएचआरडी के अधीन एक सीपीएसई, स्टडी इन इंडिया का इम्प्लीमेंटिंग पार्टनर।

अन्य अंतर-सांस्थानिक सहयोग

मानव अधिकार अध्ययन केन्द्र ने यूजीसी-प्रायोजित तीन माह का प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम तथा मानव अधिकार संबंधी डिप्लोमा पाठ्यक्रम के प्रथम (अगस्त-मार्च, 2017) को सफलतापूर्वक पूरा किया है। दिल्ली विश्वविद्यालय, जामिया मिलिया इस्लामिया, इग्नू और डीयू-एसओएल के विभिन्न कॉलेजों और विषयों के कुल 40 विद्यार्थियों सहित पाठ्यक्रम के लिए नामांकित व्यावसायियों ने इनमें भाग लिया। इंडियन अकाउंटिंग एसोसिएशन (एनसीआर अध्याय) के साथ अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रतिवेदन मानक (आईएफआरएस) तीन माह के डिप्लोमा पाठ्यक्रम के तीसरे बैच को जानवरी, 2018 में प्रारंभ किया गया। हिन्दी विभाग 'कौशल केन्द्र' के साथ मास मीडिया अध्ययन पर एक प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम का संचालन कर रहा है। प्रबंधन अध्ययन विभाग ने बाम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) इंस्टीट्यूट लिमिटेड के सहयोग से 'वित्तीय बाजार में कैरियर' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया तथा इसके साथ ही 2 फरवरी, 2018 को बीएसई इस्टीट्यूट फ्लैगशिप ग्लोबल फाइनेंशियल मार्केट्स प्रोफेशनल पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया।

आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों का आदान-प्रदान

दिल्ली विश्वविद्यालय और हक्कीडो विश्वविद्यालय, जापान के बीच सहमति ज्ञापन के एक भाग के तौर पर राजनीतिक विज्ञान विभाग के सुश्री मिशातु अदाची, हक्कीडो विश्वविद्यालय, जापान की विद्यार्थी आदान-प्रदान के भाग के तौर पर जुलाई-दिसम्बर, 2017 में मेजबानी की गई। उन्होंने 70 प्रतिशत अंकों के साथ अपना पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया।

नियोजन ब्यौरा

नियोजित विद्यार्थियों की संख्या : 285 विद्यार्थी

कैम्पस भर्ती के लिए दौरा करने वाली कंपनियों की संख्या : 26 कंपनियां

विस्तार और पहुंच कार्यकलाप

सामाजिक नवाचार केन्द्र ने मलिन बस्तियों के लाभ वंचित बच्चों को सहायता प्रदान करने; उनके उज्जवल भविष्य के लिए इस कमी को पूरा करने के लिए जुलाई 2017 में 'पाठशाला-एक कदम साक्षरता की ओर' पहल प्रारंभ की है। इस केन्द्र ने गणित, अंग्रेजी और हिन्दी की बुनियादी कक्षाएं प्रारंभ कर दी हैं। अंग्रेजी विभाग और महिला विकास प्रकोष्ठ द्वारा 30 मार्च, 2017 को एक दिवसीय आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इको-क्लब ने नवम्बर 2017 में राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण के बढ़ते हुए स्तर को ध्यान में रखते हुए 13 नवम्बर, 2017 को आटो ड्राइवर्स, नजदीक विक्रेताओं तथा कॉलेज के गार्डो के लिए 'एंटी पाल्यूशन मास्क वितरण' नामक आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया। इसके द्वारा 7 नवम्बर, 2017 को रक्त दान शिविर 'आई चैकअप कैम्प' और 'ए टॉक ऑन आईज केयर' का आयोजन किया।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में पाठ्य पुस्तकों, सामान्य और संदर्भ पुस्तकों के 1000 वाल्यूम शामिल किए, जिससे सामाजिक विज्ञान, मानविकी, गणितीय विज्ञान और सामान्य विषयों की कुल पुस्तकों की संख्या 4287 तक पहुंच गई है। सत्र 2017-18

के लिए ई-बुक्स और ई-जर्नल्स के लिए एन-लिस्ट और डेलनेट की सेवाएं प्राप्त की गई हैं, जिससे कॉलेज के शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए लाखों ई-पुस्तकों और हजारों की संख्या में ई-जर्नल का एक्सेस अधिकार प्राप्त हुआ है। श्री नजरूल इस्लाम आजमी (पुस्तकाध्यक्ष), ने 'स्टडी ऑफ इंस्टीट्यूशनल रिपाजटरीज ऑफ दिल्ली एंड एनसीआर' विषय पर पुस्तकालय एवं सूचना विभाग, नागपुर विश्वविद्यालय से पीएचडी पूरी की।

संकाय संख्या

कुल संकाय संख्या = 90

वित्तीय आबंटन और उपयोगिता

संस्वीकृत अनुदान : 23.51 करोड़ रूपए

उपयोग किया गया अनुदान : 14.71 करोड़ रूपए

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

वर्ष भर चलने वाले हीरक जयंती समारोह का प्रारंभ 22 दिसम्बर, 2017 को कॉलेज के संस्थापना दिवस के आयोजन से हुआ, जो श्रीनिवास रामानुजन की 130वीं जयंती भी थी। प्रोफेसर दिनेश सिंह, अध्यक्ष, रामानुजन मैथमेटिकल सोसायटी एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। संस्थापना दिवस की मुख्य विशेषता 'हाऊ कैंसर गेट्स डज्ञयगनोज्ड टुमारो : ए रिसर्चर्स परस्पेक्टिव' विषय पर आयोजित किया गया 5वां रामानुजन स्मृति व्याख्यान था, जो प्रोफेसर शांतनु चौधरी थे, जो एकेडमी ऑफ साइंटिफिक एंड इनोवेटिव रिसर्च, सीएसआईआर-इंस्टीट्यूट ऑफ जिनामिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायलाजी, नई दिल्ली में प्रतिष्ठित स्ट्रक्चरल बॉयलाजिस्ट हैं। लगभग 450 विद्यार्थियों ने सफलतापूर्वक कैम्पस और ऑफ कैम्पस इंटर्नशिप जैसे डेकॉथलॉन कैम्पस इंटर्नशिप, ऑमरॉन हेल्थकेयर कैम्पस इंटर्नशिप, लावा इंटरनेशनल लिमिटेड ऑफ कैम्पस इंटर्नशिप, वी केयर आल साल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड कैम्पस इंटर्नशिप, न्यू ऐरा इंडिया कंसलटेंसी प्राइवेट लिमिटेड इंटर्नशिप, अगलासेम ऑफ कैम्पस इंटर्नशिप, आईडीबीआई फेडरल ऑफ कैम्पस इंटर्नशिप और वी केयर ऑल सोल्यूशंस ऑफ कैम्पस इंटर्नशिप को पूरा किया।

***

रामजस महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

रामजस महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय का एक प्रतिष्ठित महाविद्यालय है, जिसकी स्थापना शिक्षाविद-समाजसेवी राय केदार नाथ द्वारा वर्ष 1971 में की गई थी। महाविद्यालय ने अपने वार्षिक स्थापना दिवस का आयोजन कॉलेज ऑडिटोरियम में किया। श्री मनोज सिन्हा, माननीय संचार राज्य मंत्री और रेल राज्य मंत्री, भारत सरकार ने प्रोफेसर योगेश के.त्यागी, कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय, जिन्होंने माननीय अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई, के साथ मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की अध्यक्षता की। वर्ष 2017 में हमारे महाविद्यालय के चार खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय चैम्पियनशिप में स्थान प्राप्त किया तथा 37 खिलाड़ियों ने अंतर महाविद्यालय और राज्य चैम्पियनशिप में अपना स्थान प्राप्त करते हुए महाविद्यालय की प्रतिष्ठा ब्राई। भौतिक विज्ञान और प्राणी विज्ञान विभाग को डीबीटी (जैव-प्रौद्योगिकी विभाग) द्वारा 'स्टार डिपार्टमेंट' का दर्जा प्रदान किया गया है, जो विद्यार्थियों का भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में अद्यतन विकास जैसे रोबोटिक्स, ड्रोन डिजाइनिंग,

लेजर एंड इट्स एप्लीकेशन, डिटेक्शन ऑफ ग्रेविटेशनल वेव्ज, मैथेमेटिकल माडलिंग ऑफ बैक्टीरिया इन ह्यूमन बीईंग तथा अद्यतन प्रौद्योगिकी का ज्ञान बढ़ाने की दिशा में कार्यरत हैं।

गौरव सम्मान प्राप्त छात्र

प्रिंस कुमार सिंह, बी.ए. (ऑनर्स) राजनीतिक विज्ञान ने असाधारण विशेष दक्ष विद्यार्थी के तौर पर प्राचार्य पदक प्राप्त किया।

पारस बत्रा, बी.कॉम (पी) ने अवर स्नातक स्तर पर सामाजिक विज्ञान में श्रेष्ठ विद्यार्थी के तौर पर राय केदार नाथ स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

अंकित गुप्ता, बी.एस.सी. (एच) वनस्पति विज्ञान ने अवर स्नातक स्तर पर विज्ञान में श्रेष्ठ विद्यार्थी के तौर पर राय केदार नाथ स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

संजय शर्मा, एम.ए., संस्कृत ने श्रेष्ठ स्नातकोतर विद्यार्थी के तौर पर प्रोफ़ेसर अम्बा प्रसाद मेमोरियल स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

कृष्ण कुमार उपाध्याय, बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास ने मानविकी में श्रेष्ठ अवर स्नातक विद्यार्थी के तौर पर प्रोफ़ेसर अम्बा प्रसाद मेमोरियल स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

कार्तिक सैनी, दर्शन शास्त्र के अंतिम वर्ष के विद्यार्थी, जेपी प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित दर्शन शास्त्र कार्यक्रम में श्रेष्ठ वक्ता रहा।

प्रकाशन

अग्निहोत्री, के.पी., झा, एम.पी., द्विवेदी, के.के. और भट्ट वी. (2018) - आइसोलेशन और न्यूकलीन प्रोमोटर फ्रॉम हार्डियम वलगरे एंड इट्स कैरेक्ट्राइजेशन इन एराबायडोपसिस थेलियाना। द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्लांट रिप्रोडेक्टिव बायलाजी 10 (2):151-156.

गुप्ता, ए. (2017) - रिडिफाइनिंग प्राइवेट ट्यूटरिंग, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकॉनामिक्स एंड बिजनेस रिव्यू, 5(2) : 5, 191-195.

झा, एन.ए. और कुमार, वी. (2017) - कॉन्सीक्वेंस ऑफ एन एबरप्ट लाइट इनवायरनमेंट ऑन डेली बिहेविरल पैटर्न, कागनिटिव परुार्मेंस एंड पर्सनेलिटी ट्रेट इन द पेरेंट एंड फ्यूचर जेब्रा फिंच जेनेरेशंस, एनिमल बिहेवियर, 132, 29-47.

लाल, एस. (2018) - स्टडी ऑफ पॉलीपायड इन ऑनियन रूट टिप्स। प्रैक्टिकल प्रोटोकॉल्स फॉर अंडरग्रेजुएट स्टूडेंट्स, साइंस प्रोटोकाल मैन्यूअल, डीबीटी स्टार कॉलेज स्कीम में प्रकाशित, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रकाशित।

पाठक, एन., प्राजनेशू, एम., कुमार, एल., रामलाल, ए. (2018) - बायोएफिकेसी ऑफ वीड बेस्ड एक्सट्रैक्ट्स इन द कंट्रोल ऑफ राइजोकटानिया रूट नॉट डिजिज ऑफ बकव्हीट्स। डीयू जर्नल ऑफ अंडरग्रेजुएट रिसर्च एंड इनोवेशन, 3(1),50-56.

रावत, सी.डी. (2018) - डिजिटल शिक्षा और शिक्षण तथा अधिगम प्रक्रिया पर इसका प्रभाव। कंसोर्टियम फॉर एजुकेशन कम्यूनिकेशन (एन इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर ऑफ यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन ऑन इलेक्ट्रानिक मीडियाॠ न्यूज, वाल्यूम 19 संख्या 2; 3-5.

शेरीफ एच.एम., लिंडबर्ग, एस., झा, पी.एम., गिलफस, सी.एम., प्लिथ सी., मुहलिंग के.एस. (2017) कैल्शियम इम्प्रूवर एपोप्लास्टिक-साइटोसालिक आयन होमोस्टेसिस इन साल्ट स्ट्रेस्ड विसिया फेबा लीव्ज। फंक्शनल प्लांट बायलाजी, 44, 515-524.

सिंह बी.के., चन्द्रा जे., राजोर एच.के., पिंकी (2017) - स्पेक्ट्रल, काइनेटिक्स ऑफ थर्मल डिकम्पोजिशन एंड कम्प्यूटेशनल एनलिसिस ऑफ बायोएक्टिव मेटल कम्पलेक्सिस ऑफ 4-मिथोक्सीसाइसेलीसाइलडोक्साइम, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड केमिस्ट्री 13(2) 235-253.

सुरेश कुमार)2017) - स्क्रीनिंग एंड आइडंटिफिकेशन ऑफ बैक्टीरियल स्ट्रेंस फ्रॉम मिल्क इंडस्ट्रीयल वेस्ट यूजिंग 16एस आरएनए राइबोटाइपिंग, यूरोपियन जर्नल ऑफ बायोटक्नोलॉजी एंड बायोसाइंस, 2(5) : 37-40.

सिंह, एस., दत्ता, टी., शर्मा, एम. (2017) - फिजिक्स, आईएसबीएन : 978-93-5192-070-0, सत्य प्रकाशन, दिल्ली।

संपादक मंडल में संपादक/संपादकों, सदस्य/सदस्यों के तौर पर कार्यरत अध्यापक = 04

शोध परियोजनाएं

निधियन प्रदान करने वाली एजेंसी : जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), 2017 मार्च - 2020, तीन वर्ष,
परियोजना का शीर्ष : स्टार कॉलेज परियोजना
संस्वीकृत धनराशि - अनावर्ती अनुदान : 10,00000 रूपए, आवर्ती अनुमान : तीन वर्ष तक 3 लाख रूपए प्रति वर्ष, कुल : वष्र्ज्ञ 2017-18 के लिए 13 लाख रूपए।

निधियन प्रदान करने वाली एजेंसी : जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), 2018-2020, 2 वर्ष
परियोजना का शीर्ष : 'रिमिडिएशन एंड रिक्लेमेशन ऑफ हेक्साएक्लोरोसाइक्लोहेक्सेन (एचसीएच) डम्पसाइट बाय यूजिंग माइक्रोबायल बायोरिमिडिएशन टेक्नालाजी',
संस्वीकृत धनराशि - प्रथम वर्ष : 10,43,168 रूपए, द्वितीय वर्ष : 6,43,168 रूपए, कुल : 16,86,336 रूपए

आयोजित सेमिनार

विपुल रिखी, भारतीय कवि, गद्य लेखक, अनुवादक एवं गायक, लर्निंग फ्रॉम द फॉक ओरल ट्रेडिशंस ऑफ कबीर, 1 सितम्बर, 2017.

श्री राजीव मल्होत्रा, जिंदल स्कूल ऑफ लॉ एंड पब्लिक पॉलिसी, 'मेक्रोइकॉनामिक्स पॉलिसिज फार ग्रोथ : इंडियाज एक्सपीरियंस सिन्स 1990, 19 सितम्बर, 2017.

श्री सुनील जैन, फाइनेंसियल एक्सप्रेस 'वाज जीएसटी ए बेटर एल्टरनेटिव टू डिमोनेटाइजेशन', 20 सितम्बर, 2017.

डॉ. शिबाशिश गिरी (ए स्टेम सेल स्पेशलिस्ट इन रिसर्च एंड थेरेपी, फैकल्टी एंड हेड, बायोमेडिकल सेंटर, लेपजिक विश्वविद्यालय, जर्मनी) ने 29 सितम्बर, 2017 को 'स्टेम सेल्स प्रोडेक्ट इन हेल्थ केयर' पर व्याख्यान दिया।

डॉ. कोमल मानसिनी, कंसलटेंट, मैक्स हास्पिटल एंड सेंटर फार चाइल्ड एंड एडोलिसेंट वेल वीईंग, मेंटल हेल्थ इश्यूज इन द यूथ। 13 अक्तूबर, 2017.

अचिन वानायक, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, राजनीतिक विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय 'द राइज ऑफ ग्लोबल आथोरिटैरिएनिज्म', जिसमें मुद्दे के ऐतिहासिक पहलू तथा वर्तमान संदर्भ में इसका स्थान पर ध्यान केंद्रित किया गया, 17 अक्तूबर, 2017.

डॉ. शिबाशिश गिरी, ए स्टेम सेल स्पेशलिस्ट इन रिसर्च एंड थेरेपी, संकाय एवं अध्यक्ष, बायोमेडिकल सेंटर, लिपजिग यूनिवर्सिटी, जर्मनी, स्टेम सेल प्रोडक्ट्स इन हेल्थ केयर, 29 नवम्बर, 2017.

डॉ. आलोक अरूण, सहायक प्रोफेसर, इंटर अमेरिकन यूनिवर्सिटी ऑफ प्यूरेटो रिको, बरानक्विटस, प्यूरेटो रिको, यूएसए, 'वैज्ञानिक लेखन और मौखिक प्रस्तुति' पर कार्यशाला, 18 जनवरी, 2018.

डॉ. आदर्श शर्मा, पूर्व निदेशक एनआईपीसीसीआईडी (राष्ट्रीय जन सहयोग और बाल विकास संस्थान)। पूर्व बाल्यकाल देखभाल एवं शिक्षा विशेषज्ञ, कार्यकारी सदस्य, एआईडब्ल्यूईएफए, वेज टू प्रोमोट इंटरजिनरेशनल बॉनिंग, 30 जनवरी, 2018.

हरबंस मुखीजा एवं नीलाद्री भट्टाचार्य (रिटायर्ड प्रोफेसर, जेएनयू) द हिस्टारियन क्राफ्ट फोकस्ड ऑन न्यू एप्रोचिज टू द राइटिंग ऑफ मेडिवल इंडियन हिस्ट्री एंड द क्वेश्चन ऑफ हिस्टारिकल रिकंस्ट्रक्शन, कम्यूनिटी मेमोरी एंड एक्सपैंडिंग आर्काइवज, 20 फरवरी, 2018.

अंकित चड्ढा एवं वेदांत भारद्वाज, ए दास्तां ऑन गांधीज आइडिया ऑफ डेथ' इन प्रार्थना। 20 फरवरी, 2018.

सुश्री स्वाति मालीवाल, अध्यक्ष, दिल्ली महिला आयोग, चाइल्ड रेप एंड सेक्सुअल एब्यूज। 11 अप्रैल, 2018.

आयोजित सम्मेलन/कार्यशालाएं

28-29 अगस्त, 2018 को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के सहयोग से दो-दिवसीय द्वितीय विज्ञान फिल्म उत्सव 'विज्ञान प्रसार' का आयोजन किया गया।

पर्सन एजुकेशन लिमिटेड इंडिया के सहयोग से 'डिजिटल लर्निंग, रोल ऑफ टेक्नॉलाजी इन लर्निंग', का आयोजन दिनांक 25 सितम्बर, 2018 को किया गया।

13 मार्च, 2018 को डॉ. अशोक कुमार, एनर्जी कंसलटेंट, एनर्जी एफिसिएंसी, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार एवं अंतर्राष्ट्रीय सहयोग द्वारा 'एनर्जी आडिट' का आयोजन किया गया।.

इकानॉमेट्रिक्स सॉफ्टवेयर, कवरिंग इंपोरटेंट सॉफ्टवेयर लाइक एमएस-एक्सेल, ग्रेटल का आयोजन 27 फरवरी, 2018 को किया गया।

30 जनवरी, 2018 को अखिल भारतीय महिला शिक्षा कोष संघ (एआईडब्ल्यूईएफए) द्वारा 'प्रोमोटिंग इंटरजेनरेशनल बांडिंग', जिसका प्रायोजन राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान (एनआईएसडी), सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा डीबीटी स्टार कॉलेज परियोजना के अंतर्गत किया गया, का आयोजन किया।

सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियां

भारती चौधरी, सुरेश कुमार, अनुपमा टीकू एवं पूजा झा मैती ने 18-20 जुलाई, 2018 को बंगलौर, भारत में 'चिकित्सीय पौधे और औषधी खोज' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'माइक्रोप्रोपेगेशन ऑफ मेडिसिनली इम्पोर्टेंट प्लांट : बेकोपामोनिएरी' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

अमित भट्टाचार्य ने 8-9 दिसम्बर, 2017 को आशुतोष महाविद्यालय, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता में 'वेक्टर बोर्न एंड जूनॉटिक डिजिज : एमर्जिंग चैलेन्जिज इन सर्विलेंस, डायगनॉसिस एंड कंट्रोल इन द कंटेक्सट ऑफ ग्लोबल ट्रेवल, अर्बेनाइजेशन एंड क्लाइमेट चेंज' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'एंटीमलेरियल फार्माकोडायनेमिक्स ऑफ रिपर्पज्ड ड्रग्स इन काम्बिनेशन विद आर्टिमिसिनिन अगेंस्ट प्लाजमोडियम फालसिपेरम इन विट्रो' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

अमित भट्टाचार्य ने 22-28 मई, 2018 को 'टेक्नोफिरेंस : एलोन टुगेदर इन द फेकल्टी डिवलपमेंट प्रोग्राम : पॉजिटिव एजुकेशन : डिवलपिंग स्किल्स फॉर टीचिंग, लर्निंग एंड वेल बीईंग' विषय पर आयोजित सम्मेलन में व्याख्यान दिया।

चारू डोगरा रावत और साधना शर्मा ने 8-10 नवम्बर, 2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'रिसर्च बेस्ड पेडागागिकल टूल-रि डिजाइनिंग पेडागागी' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

नीलू आनंद झा ने 2-3 जून, 2018 को डॉ. भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'नए भारत के लिए पर्यावरणीय परिवर्तन' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'इफेक्ट ऑफ चेंजिंग लाइट एनवायरनमेंट ऑन बिहेवियर एंड फिजियोलॉजी ऑफ आर्गेनिज्मस' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. हेलियानथस ने 27 सितम्बर, 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत में 'रोल ऑफ माइक्रोब-प्लांट - एनिमल इंटरएक्शन इन ह्यूमन हेल्थ' विषय पर आयोजित आईएनएससीआर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 2017 में, संकाय के लिए नवाचारी विशेष विज्ञान सत्र के अंतर्गत, 'कम्प्लीट जेनेटिक् रिपरटायर ऑफ ए हेक्साक्लोरोसाइकलोहेक्सेन डिग्रेडिंग बैक्टीरियम फिंगोबायमिंडिसिएम बी90ए' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

रोमा रानी, सुरेश कुमार, आलोक कुमार, कार्तिकी भटनागर, शैर्यवर्धन, मुक्ता कम्बोज, थॉकचामॅ प्रिटन सिंह, चौधरी रचना, साल्वी डोगरा, निक्सन चकमा, रीचा कुमारी, खुंडोगबाम नांगलेन खोम्बा मेतेई (2018) ने दिनांक 21 मार्च, 2018 को रामजस महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'रिसेंट ट्रेन्ड्स ऑफ रिसर्च इन लाइफ साइंसिज' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'इफेक्ट ऑफ किचन वेस्ट मैटीरियल ऑन द ग्रोथ ऑफ क्रॉप प्लांट्स' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

पूजा झा मैती ने 26-28 सितम्बर, 2017 को आईएनएससीआर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - 2017 में 'रोल ऑफ माइक्रोब-प्लांट - एनिमल इंटरएक्शंस इन ह्यूमन हेल्थ' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'कम्पेरेटिव कोडोन एंड एमिनो एसिड यूजिज बायस अमंग द सीक्वेंसड जिनॉमस ऑफ बैक्टीरियल फाइलम फर्मेक्यूट्स' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

आवराती सक्सेना, अमन गंगवार, अनुष्का, कृतिकरण, सुभांषु पाण्डेय, प्रतिष्ठा शर्मा, रमणीक शर्मा, मनीषा सिंह, सोनल निगम, हेलिनथॉस वर्मा, देवी लाल, चारू डोगरा रावत* और सुकन्या लाल ने 26-27 सितम्बर, 2018 को केआईआईटी (सम विश्वविद्यालय), भुवनेश्वर, ओडिशा में तीसरे भारतीय मृदा संदूषण नेटवर्क अनुसंधान (आईएनएससीआर) अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2018 में आइसोलेशन ऑफ हेक्साक्लोरोसाइक्लोहेक्सेन (एचसीएच) - डिग्रेडिंग बैक्टीरिया फ्रॉम एचसीएच-कंटामिनेटिड सॉयल फ्रॉम एनएचसीएच डम्पसाइट' विषय पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

चारू डोगरा रावत ने 15-22 जनवरी, 2018 को मिरांडा हाऊस, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 'जीनॉम एडिटिंग-टूल्स एंड एप्लीकेशंस' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी-सह-संकाय विकास कार्यक्रम में 'मैथड्स एंड एप्लीकेशंस ऑफ सीआरआईएसपीआर-मीडिएटिड बेस एडिटिंग इन यूकार्योटिक जिनामस' विषय पर ई-पोस्टर प्रस्तुत किया।

समर पाल सिंह, जय गोपाल शर्मा और रीना चक्रवर्ती ने 21-24 फरवरी, 2017 को प्राणी विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 'बायलॉजिकल टाइमिंग एंड हेल्थ इश्यूज इन द 21वीं सेंचुरी' विषय पर आयोजित इंडो-यूएस कार्यशाला और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में पोस्टर प्रस्तुत किया।

यादव शैलेष कुमार आर. और अपर्णा दीक्षित ने 13-15 फरवरी, 2018 को जैव रसायन विभाग, विज्ञान संस्थान, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, भारत में 'ट्रेंड्स इन बायोकेमिकल एंड बायोमेडिकल रिसर्च : एडवांसिज एंड चैलेंजिज' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'एंटी हाइपरगलाईसेमिक एक्टिविटी ऑफ नेपिन लाइक प्रोटीन ऑफ मोमोरडिका केरेन्टिया' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

विस्तार और पहुंच कार्यकलाप

महाविद्यालय द्वारा विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के प्रायोजन से 'इंस्पायर साइंस इंटर्नशिप कैम्प का आयोजन किया गया, जिसमें दिनांक 3 से 8 जुलाई, 2017 को दिल्ली के 35 स्कूलों के 11वीं एवं 12वीं कक्षाओं के 165 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस वर्ष कॉलेज की एनएसएस यूनिट द्वारा दो परियोजनाओं नामत: 'नवनिर्माण' और 'दृष्टि' प्रारंभ की गई। 'नवनिर्माण' परियोजना में सिगरेटवाला बाग मलिन बस्ती क्षेत्र, माडल टाउन के बच्चों को एनएसएस विद्यार्थियों द्वारा पढ़ाया गया। 'दृष्टि' परियोजना में, एनएसएस यूनिट के लगभग 30 विद्यार्थियों ने दृष्टिदोष से पीड़ित विद्यार्थियों को उनके नियत कार्यो, परियोजनाओं को पूरा करने और परीक्षाओं में लेखन की सुविधा प्रदान की। रामजस एनएसएस ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती के अवसर पर महिलाओं के लिए आत्मरक्षा कार्यशाला का भी आयोजन किया। इस कार्यशाला में 40 बालिका विद्यार्थियों को सीडीएलएसए (केन्द्रीय एवं दिल्ली राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण) और दिल्ली पुलिस के तत्वाधान में 10 दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

पुस्तकालय विकास

वर्ष 2017-18 में शामिल की गई पुस्तकों की संख्या : 1300

पुस्तकालय ने इनफलिनेट से एन-लिस्ट की सुविधा प्राप्त की है। महाविद्यालय ने दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली द्वारा खरीदे गए ई-जर्नल्स भी प्राप्त किए हैं।

संकाय संख्या

स्थायी संकाय की कुल संख्या = 99
अस्थायी संकाय की कुल संख्या = 1
तदर्थ संकाय की कुल संख्या = 141

वित्तीय आबंटन और उपयोग

संस्वीकृत अनुदान : 51,73,24,000/- रूपए
उपयोग किया गया अनुदान : 42,75,22,421/- रूपए

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

द स्टार्टअप एज - एंटरप्रोनोरशिप सेल, रामजस कॉलेज ने कॉलेज के विद्यार्थियों में उद्यम कौशलों के पोषण का विजन तैयार किया है तथा यह 'ट्रांसफार्मिंग पेसन इन टू प्रोफेशन' आदर्श वाक्य के आधार पर कार्य करता है। इसके द्वारा 'लीटरशिप समिट' का आयोजन किया गया, जिसमें श्री दुष्यंत चौटाला को मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया। रामजस कॉलेज के ग्राउंड में 'इंटर्नशिप फेयर-2' का आयोजन किया गया। इसमें 52 कंपनियों को हमारे कैम्पस से ही भर्ती करने के लिए आमंत्रित किया गया था। इसमें 1000 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया तथा लगभग 300 विद्यार्थियों को इंटर्नशिप प्रदान की गई, जिसने उनके कैरियर को गति प्रदान की। संकाय सदस्यों के अनुसार उद्यमिता का प्रसार करना न केवल आदर्श वाक्य था अपितु यह उद्यमिता का परिवेश तैयार करने तथा अन्य विद्यार्थियों को दैनिक व्यावहारिक कार्यों के बारे में अधिकाधिक जानकारी प्रदान करना था। 'स्टार्ट अप' सोसायटी के अंतर्गत विद्यार्थियों ने दिल्ली निवासियों के सहयोग से ग्रीन शक्ति फाउंडेशन द्वारा 'डोनर ऑन कॉल' को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता दौड़ का भी आयोजन किया।

***

राम लाल आनंद महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

महाविद्यालय ने इस सत्र से दो नए पाठ्यक्रम बी.ए. (आनर्स) गणित और 'बैचलर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज' प्रारंभ किए हैं। भारत सरकार की नई शिक्षा के साथ तालमेल कायम करते हुए, जिसने उच्चतर शिक्षा संस्थाओं में कौशल विकास पाठ्यक्रमों का अधिदेश दिया है, महाविद्यालय ने उद्योग भागीदार, द निझावन ग्रुप ऑफ कंपनीज, ट्रेवल एवं टुरिज्म उद्योग में अग्रणी कंपनी के सहयोग से 'विरासत और पर्यटन प्रबंधन' विषय पर 6 माह का कौशल संवर्धन प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया है। 'स्टेप-अप एनालिटिक' के सहयोग से विद्यार्थियों को 6 दिवसीय 'एनलिटिक यूजिंग आर' प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम भी प्रदान किया जा रहा है। महाविद्यालय में दो नए केन्द्रों, आपदा प्रबंधन में शिक्षा और प्रशिक्षण केन्द्र और उद्यमिता एवं प्रौद्योगिकी विकास केन्द्र, का शुभारंभ किया गया है। महाविद्यालय ने विद्यार्थियों को समसामयिक मुद्दों और मानव मूल्यों की जानकारी प्रदान करने के लिए प्रतिष्ठित व्यक्तियों के साथ मासिक व्याख्यान श्रृंखला प्रारंभ की है।

सम्मान

डॉ. राकेश कुमार को डाबर आयुर्वेद की तरफ से 'विकास के सतत् साथी पुरस्कार' प्रदान किया गया।

डॉ. प्रदीप कुमार शर्मा को जेजेटी विश्वविद्यालय, राजस्थान द्वारा अगस्त 2017 में पीएचडी की डिग्री प्रदान की गई।

विशिष्ट उपलब्धि वाले विद्यार्थी

नितिन कुमार खंडेलवाल, बी.एस.सी. (ऑनर्स) को विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह, 2017 में स्वर्ण पदक प्रदान किया गया।

पावनी शर्मा और के.एम. अम्बिका, बी.एस.सी. (ऑनर्स) माइक्रोबायलॉजी और दीपेन्द्र सिंह, विशाल सैनी एवं रिषभ कुमार, बी.एस.सी. (ऑनर्स) जियालॉजी को डीएसटी द्वारा इंस्पायर अध्येतावृति प्रदान की गई।

श्रेया उत्तम, बी.ए. (ऑनर्स), द्वितीय वर्ष ने विश्व ब्रदरहुड संगठन से 20,000 रूपए की शिक्षा छज्ञत्रवृति प्राप्त की।

वाई. योशी, बी.एस.सी. (ऑनर्स), माइक्रोबायलाजी को सेल की तरफ से पीएम ट्राफी मेरिट स्कालरशिप प्रदान की गई।

लूसी, हॉर्न, आमिर, राहुल और रोनाल्ड, पूर्वोत्तर क्षेत्र को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की तरफ से ईशान उदय छात्रवृति प्रदान की गई।

प्रकाशन (चयनित)

खन्ना, एस.टी., शर्मा, के. (2017) - टेक्नालॉजी इम्प्रूविंग कम्युनिकेशन : ए कम्प्रीहेंसिव स्टडी ऑन लेजर कम्युनिकेशन। आईओएसआर जर्नल ऑफ कम्प्यूटर इंजीनियरिंग, 119 (4), http://www.iosrjournals.org/iosrjce/papers/Vol19-issue4/Version-2/E1904022633.pdf

कुमार, पी. (2017) - इमेजिंग किंगशिप, ड्यूटी एंड लव इन एनसिएंट इंडिया परस्पेक्टिव फ्रॉम द प्रियदर्शिका एंड रत्नावली ऑफ श्री हरषा, नई दिल्ली : रिसर्च इंडियन प्रेस।

कुमार, आर. (2018) - बिजनेस लॉ, ए.के. पब्लिशर।

कुमार, एस. (2017) - सुशासन के प्रोत्साहन में प्रौद्योगिकी एवं नवाचार का प्रयोग। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लिटरेरी स्टडीज।

कुमार, वी.बी. (2018) - किर्गिस्तान और तुर्कमेनिस्तान में लोकतांत्रिकरण। अकादमिक प्रकाशन।

मिश्रा, बी.के. एट एल. (2017) - ऑटोमेटिक ग्रीन कॉरीडार यूजिंग रेडियो सेंसर टू सेव ह्यूमन लाइफ। आईजेईसीटी।

प्रसाद, एस., राधा, एस., आदर्श, टी., आनंद, टी., सिन्हा, ए., दीवान, पी., अन्नपूर्णा, के., कौशिक, बी. (2018) - इन विट्रो बायोएक्टिविटी एंड एंटीबैक्टीरियल प्रोपर्टीज ऑफ बिसमथ आक्साइड मोडीफाइड बायोएक्टिव ग्लासिज। जर्नल ऑफ मैटीरियल्स रिसर्च, 33(02):1-13.

शर्मा, एस. और उपाध्याय आर. (2017) - सूचना संचार प्रौद्योगिकी और डिजिटलीकरण : मनरेगा के साथ अनुकूलता विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च इन नेटवर्क सिक्योरिटी एंड कम्युनिकेशन, http://ijsrnsc.org/pub_paper/IJSRNSC/27-IJSRNSC-0229-60.pdf

त्यागी, के.जी. (2017) - सेंट्रल एशिया फ्रॉम सरिस्ट रिजिम टू अक्टूबर रिवोल्यूशन, गुरूग्राम, हरियाणा : हिन्द पब्लिकेशन।

यादव, एन. (2017) - भारत में कृषि विपणन : मुद्दे एवं चिंतन। मानक पब्लिकेशन।

संपादकीय बोर्ड में संपादक/संपाकों, सदस्य/सदस्यों के तौर पर कार्यरत कॉलेज अध्यापकों की संख्या : 3

शोध परियोजना

डॉ. प्रेरणा दीवान, आर.के. गुप्ता और डॉ. कुसुम गुप्ता (2017-18)। जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, बीटल नट चिविंग इंड्युस्ड जिनोटॉक्सिक चेंजिज - इवेल्यूशन एंड अवेयरनेस स्टडी इन यंग पापुलेशन ऑफ नार्थ-ईस्ट ऑल इंडिया, 8.00 लाख रूपए।

आयोजित सेमिनार

दिनांक 16 मार्च, 2018 को इतिहास विभाग द्वारा 'इंडियन कल्चर : ट्रेडिशन एंड प्रैक्टिसिज (रिसेंट रिफलेक्शंस) विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया।

दिनांक 28 फरवरी, 2018 को प्रोफेसर रमेश भारद्वाज, निदेशक, गांधी भवन द्वारा 'समसामयिक भारतीय समाज में गांधी की व्याख्या' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया।

दिनांक 21 फरवरी, 2018 को कम्प्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा 'सिंक्रोनाइजेशन ऑफ डिवाइसिज यूजिंग क्लाउड' विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया।

2 फरवरी, 2018 को माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा 'संक्रामक रोग : उपचार और थेरेपी की वर्तमान रणनीतियां' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया।

8 से 9 जनवरी, 2018 को हिन्दी साहित्य परिषद, हिन्दी विभाग द्वारा 'रंगमंच' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार और कार्यशाला का आयोजन किया गया।

आयोजित कार्यशालाएं

22 से 24 जनवरी, 2018 को विज्ञान/वाणिज्य/मानविकी संकाय के विद्यार्थियों के लिए तीन अलग-अलग बैच में कैरियर गाइडेंस और कैरियर काउंसलिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया।

19 जून से 21 जून, 2017 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग विशेषज्ञों द्वारा सजीव प्रदर्शन, संवादात्मक व्याख्यान सत्र सहित योग कार्यशाला का आयोजन किया गया।

23 अक्तूबर से 10 नवम्बर, 2017 के दौरान विद्यार्थियों और संकाय के लिए तीन सप्ताह की योग कार्यशाला का आयोजन किया गया।

22 सितम्बर, 2017 को 'माइंड मैनेजमेंट डिलिंग विद बेसिक मैथड ऑफ माइंड मैनेजमेंट एंड रिलेकशेसन ऑफ द माइंड' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

8 अप्रैल, 2018 को प्रतिष्ठित वक्ता श्री संदीप कुमार, श्री प्रभात और श्री अनवर द्वारा 'वेब जर्नलिज्म : अवसर और चुनौतियां' विषय पर एक-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कॉलेज के संकाय द्वारा संकाय विकास कार्यक्रम 'माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल और पावर प्वाइंट संबंधी प्रथम आईसीटी कार्यशाला' का आयोजन किया गया।

सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियां

राकेश कुमार ने 11 मार्च, 2018 को 'राष्ट्रकवि मैथिली शरण गुप्त : व्यक्तित्व और कृतित्व इन मैथिली शरण गुप्त एट मुक्तांगन' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

राकेश कुमार ने 10 अप्रैल, 2018 को 'अभिधा-2018' - वार्षिक लिटरेरी फेस्ट, हिन्दू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'खबरों की खबर : वर्तमान की खबरों की समालोचना' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

संजय कुमार शर्मा ने 24 से 25 फरवरी, 2018 को शैक्षिक फाउंडेशन के सहयोग से आर्यभट्ट कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'वसुर्धव कुटुम्बकम : सम्पूर्ण विश्व एक परिवार' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

के.जी. त्यागी ने 10 दिसम्बर, 2017 को नई दिल्ली में वेव्स इंटरनेशनल सम्मेलन में 'रिएलाइजेशन ऑफ द एबसोल्यूट रियलिटी विदइन वनसेल्फ इज द अल्टीमेट गोल ऑफ वेदाज' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

पारूल लाउ गौड ने 2 से 3 दिसम्बर, 2017 को विएना, आस्ट्रेलिया में 'प्रोबिंग द बाउंड्रीज' विषय पर आयोजित सम्मेलन में 'पावर प्ले एट द इंडियन मुगल कोर्ट : एन इंट्रोस्पेक्शन ऑफ फिजिकल कल्चर' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

तिरांजन राज ने 7 से 9 अक्तूबर, 2017 को सामाजिक विज्ञान और अनुसंधान संस्थान, गरी होटवार, रांची द्वारा आयोजित 12वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'डिजिराबिलिटी एंड फिजिबिलिटी ऑफ होल्डिंग साइमलटेनियस इलेकशंस : इट्स इम्पेक्ट ऑन ट्राइबल पापुलेशन इन इंडिया' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

सुनील हुडा ने 3 से 5 अक्तूबर, 2017 को राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली द्वारा 'भारत में कृषि नाइट्रोजन विज्ञान की चुनौतियां और अवसर' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में 'इन्वेस्टिगेटिंग द फिनोटाइप एंड जिनोटाइप फॉर एन-रेस्पांस एंड एनयूई इन राइस' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

सहमति पत्र : 3

स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग, दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ व्यक्तिगत सम्पर्क कार्यक्रम, काउंसलिंग सेशन (अध्ययन केन्द्र के तौर पर कार्य प्रणाली) और 3 वर्षों के लिए परीक्षा आयोजन हेतु।

नियोजन/इंटर्नशिप अनुसूचियों और अभिलेखों के प्रबंधन हेतु 1 दिसम्बर, 2017 को कैलेक्सी पॉड टेलेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ।

29 जनवरी, 2018 को निझावन ग्रुप, ए लीडिंग ट्रेवल कांगलोमिरेट्स इन इंडिया विद वास्टली डायवर्सिफाइड एंटिटीज विदइन द ट्रेवल इंडस्ट्री, के साथ 36 माह के लिए एक उद्योग भागीदार के तौर पर।

अन्य अंतर-सांस्थानिक सहयोग

डॉ. प्रेरणा दिवान, माइक्रोबायलाजी विभाग, 'एंटीबैक्टीरियल एसे स्टडीज' हेतु डॉ. कौशिक बिस्वास, सहायक प्रोफेसर, सीएसआईआर-सेंट्रल ग्लास एंड सेरेमिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, कोलकाता के साथ मिलकर कार्य कर रही है।

आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत विद्यार्थी

कॉलेज ने भारत सरकार की 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पहल के तहत नेहरू युवा केन्द्र के माध्यम से पूर्वोत्तर भारत के सिक्किम राज्य के प्रतिनिधिमंडलों और विद्यार्थियों की मेजबानी की। हमारे एक विद्यार्थी श्री महेश कुमार, बीजेएमसी, प्रथम वर्ष ने इस कार्यक्रम के तहत सिक्किम का दौरा किया।

नियोजन ब्यौरा

एमेजन, टेक महिन्द्रा, केपीएमजी, स्मार्ट स्कूल इंक लिमिटेड ने 160 विद्यार्थियों को नौकरी का ऑफर प्रदान किया। 18 कंपनियों ने कॉलेज में आयोजित 'इाटर्नशिप फेयर' में भाग लिया और 300 विद्यार्थियों का चयन किया।

विस्तार और पहुंच कार्यकलाप

एनसीसी कैडट्स ने 15 अगस्त, 2017 को ध्वजारोहण किया और गार्ड ऑफ आनर प्रदान किया गया। एनसीसी कैडट्स ने इस वर्ष थाल सैनिक कैम्प (टीएससी् और संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण कैम्प (सीएटीसी) सहित विभिन्न कैम्पों में भाग लिया। एनएसएस यूनिट ने स्वच्छता अभियान, चुनाव जागरूकता अभियान, पौधारोपण, कपड़ा दान, रक्त दान कैम्प, स्पाइनल कोर्ड और स्पोर्ट्स इंजुरी संबंधी जागरूकता वार्ता का आयोजन किया। महिला कल्याण परामर्शदात्री समिति ने दिल्ली पुसिल और वूमन पावर एसोसिएशन, दिल्ली स्थित गैर-सरकारी संगठन के सहयोग से 18 सितम्बर, 2017 से 22 सितम्बर, 2017 तक बालिका विद्यार्थियों के लिए आत्मरक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया। इस समिति ने सीएसआर रिसर्च फाउंडेशन के सहयोग से 'मिशन एएए', महिलाओं के लिए स्वास्थ्य देखरेख और स्वच्छता को बढ़ावा देने हेतु सैनिटरी पैड की जागरूकता, उपलब्धता और वहनीयता तथा वृहत स्तर पर महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता और महिला सशक्तिकरण, के अंतर्गत सैनेटरी नैपकिन्स वेंडिंग मशीन की स्थापना की।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में सत्र 2017-18 के दौरान 1047 पुस्तकें शामिल की गई, जिससे पुस्तकों की कुल संख्या 62,000 तक पहुंच गई है।

संकाय संख्या

स्थायी संकाय की कुल संख्या = 40

तदर्थ संकाय की कुल संख्या = 43

वित्तीय आबंटन और उपयोगिता

संस्वीकृत अनुदान : 21 करोड़ रूपए

उपयोग किया गया अनुदान : 16.81 करोड़ रूपए

अन्य महत्वपूर्ण सूचना

कॉलेज ने दिल्ली विश्वविद्यालय में अवर स्नातक स्तर पर दाखिला प्राप्त करने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए 12 जून, 2017 को ओपन हाउस सत्र का आयोजन किया। एनसीसी (22-27 जून, 2017 और 5 जुलाई, 2017) और एनएसएस (18-20 जून, 2017 और 3 जुलाई) वर्गों में पाठ्यचर्या बाह्य कार्यकलापों के अंतर्गत दिल्ली विश्वविद्यालय में अवर स्नातक स्तर पर दाखिला प्राप्त करने वालों के लिए केन्द्रीयकृत परीक्षणों का भी आयोजन किया गया। विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों को अतिरिक्त जानकारी और अनुभव प्रदान करने, जो कक्षा-कक्ष शिक्षण के अतिरिक्त है, के लिए क्षेत्रीय दौरों का भी आयोजन किया गया। स्पिक, मैके आरएलए चैप्टर द्वारा मशहूर संतूर वादक, श्री अभय रूस्तम सोपोरी के साथ एक संगीत समारोह का आयोजन किया गया।

***

सत्यवती महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

महाविद्यालय ने सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना करके अपनी अवसंरचना का विस्तार किया और कॉलेज परिसर में लिफ्ट निर्माण भी किया। महाविद्यालय ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों का आयोजन किया। महाविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों, शिक्षण और शिक्षणेतर डाटा की डिजिटलीकरण प्रक्रिया प्रारंभ की गई है।

सम्मान/गौरव

डॉ. निर्मल जिंदल को उच्चतर शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा वर्ष 2017-18 का 'कॉलेज लेक्चरर' अवार्ड प्रदान किया गया।

डॉ. अंजु सेठ को संस्कृत अकादमी (दिल्ली सरकार) द्वारा वर्ष 2017-18 का 'समृद्ध का सम्मान' पुरस्कार प्रदान किया गया।

डॉ. मंजुला दास को वर्ष 2017-18 में 'ग्लोबल वूमन एचीवर' 'बेचून ठाकुर पुरस्कार' और साहित्य कृति पुरस्कार प्रदान किया गया।

<u>गौरव सम्मान प्राप्त छात्र</u>

रजत खुराना, बी.कॉम (ऑनर्स) ।।। ने महाविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

राघव कपूर, बी.कॉम (पी) ।।। ने महाविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कृष्ण मित्तल, बी.ए. (ऑनर्स)- इको ।। ने महाविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

अनुभव बंसल, बी.कॉम (ऑनर्स) । ने महाविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

शिवानी गोयल, बी.एस.सी. (ऑनर्स), गणित ने महाविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन

माथुर, ए. (2017) - वर्क लाइफ बैलेंस, मिथ और रिएलिटी - ए कंसेपच्युअल एक्सपलारेशन : जेआईएमएस 8एम, द जर्नल ऑफ इंडियन मैनेजमेंट एंड स्ट्रेटजी, 22[7-9], 29-37.

माथुर, ए. (2018) - फंडामेंटल ऑफ एंटरप्रोन्यरशिप, दिल्ली, टैक्समैन।

माथुर, ए. (2018) - निरक्षरता और जनसंख्या वृद्धि- ए स्टडी ऑफ केरल एवं बिहार : जेआईएमएस 8एम, द जर्नल ऑफ इंडिया मैनजमेंट एंड स्ट्रेटजी, 23[4-6], 35-43.

माथुर, ए. (2017) - नेतृत्व - मुद्दे एवं चुनौतियां, दिल्ली, वाई ई बुक्स।

निर्मल जे. (2018) - आधुनिक भारत में गांधी की प्रासंगिकता, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हिस्टोरिकल इनसाइट एंड रिसर्च (आईजेएचआईआर), 4 (1)।

सिंह, ए., सिंह, आर. (2017) - बायोडाइवर्सिटी एंड कंजरवेशन। एप्लाइड फिजिकल कैमेस्ट्री विद मल्टीडिसिप्लीनरी एप्रोचिज। एडिटन डेवरिम बालकोष, साबू थॉमस, एप्पल एकेडमिक प्रेस, एनजी, यूएसए हर्ड. आईएसबीएन : 9781771886062

सिंह, आर., गौतम, एन., सिंह, ए. (2018) - प्लांट ग्रोथ्स रेगुलेटर। थिओरेटिकल माडल्स एंड एक्सपेरीमेंटल एप्रोचिज इन फिजिकल कैमिस्ट्री : रिसर्च मैथोडोलॉजी एंड प्रेक्टिकल मैथड्स। एडिटर : ए.के. हाघी, साबू थॉमस। सीआरसी प्रेस : टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप, यूएसए। आईएसबीएन : 97817718863215.

सन्नती, ए., दिवाकर, एस., शर्मा, जी.पी. (2018) - इंटरएक्शंस बिटविन नॉन-नेटिव प्लांट्स एंड नेटिव इंसेक्ट्स : रिसर्च गेप्स। करंट साइंस, 114(4), 728-729.

शोध परियोजनाएं

डॉ. राजीव सिंह, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित परियोजना, (2017-18) - आइसोलेशन एंड करेक्टराइजेशन आफ बायो-कंटोमिनेंट फ्रॉम इंडोर एनवायरनमेंट इन दिल्ली रेजिडेंस एंड देयर इम्पेक्ट ऑन ह्यूमन हेल्थ : 36 लाख रूपए।

आयोजित सेमिनार

एससी/एसटी परामर्शदात्री समिति द्वारा 24 अक्तूबर, 2017 को 'रिविजिटिंग गांधी एंड अम्बेडकर' विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया।

समान अवसर प्रकोष्ठ द्वारा 13 मार्च, 2018 को 'इम्पोर्टेंस ऑफ ब्रेल' विषय पर एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया।

गांधी स्टडी सर्किल एंड डिबेटिंग सोसायटी द्वारा 21 मार्च, 2018 को 'रिमेम्बरिंग गांधी : द मैसेंजर ऑफ पीस' विषय पर एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया।

नार्थ ईस्ट सोसायटी द्वारा 31 मार्च, 2018 को 'रिकास्टिंग द सबअलटर्न : विजुअल मीडिया इन नार्थ ईस्ट इंडिया' विषय पर एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया।

एससी/एसटी परामर्शदात्री समिति द्वारा 28 अगस्त, 2018 को 'भारतीय लोकतंत्र और जनजातीय अधिकार' विषय पर एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया।

सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियां

निर्मल जिंदल ने 15 नवम्बर, 2017 को पर्यावरण विभाग, दिल्ली सरकार द्वारा 'एनवायरनमेंटल सस्टेनेबिलिटी एंड कंजरवेशन' इश्यूज एंड चैलेंजिज इन 21 सेन्चूरी' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'वैश्वीकरण एवं पर्यावरण सुरक्षा' पत्र प्रस्तुत किया।

अंजु सेठ ने दिनांक 20 सितम्बर, 2017 को 'रिमेम्बरिंग द विवेकानंद विजन ऑफ माडर्न इंडिया' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'रिमेम्बरिंग द विवेकानंद विजन ऑफ माडर्न इंडिया' पत्र प्रस्तुत किया।

भुवन कुमार झा ने दिनांक 20 मार्च, 2018 को आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'सत्याग्रह का विचार और प्रयोग : गाँधी से राजनारायण तक' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

मंजु दबरन ने 24 अक्तूबर, 2018 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में 'अम्बेडकर ऑन प्लानिंग एंड डिवलपमेंट' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

सुनंदा सिन्हा ने 17 मार्च, 2018 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में 'द ट्रेजेक्ट्री ऑफ वायलेंस इन नुगुईज नावेल्स' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

आभा माथुर ने 4 अगस्त, 2017 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'इमर्जिंग डाइमेंशन इन कोरपोरेट सोशल रेस्पांसिबिलिटी इन इंडियन कंपनीज - ए केस स्टडीज ऑफ इनिशिएटिव बाय टाटा' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

लाजपत राय ने 15 नवम्बर, 2017 को आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'धर्म, पर्यावरण और राजनीति' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

पुस्तकालय विकास

कुल बजट : 544041/- रूपए

खरीदी गई पुस्तकें : 1403
समाचार-पत्र, पत्रिकाएं और जर्नल : 46

संकाय संख्या
स्थायी संकाय की कुल संख्या = 103
तदर्थ संकाय की कुल संख्या = 40
अस्थायी संकाय की कुल संख्या = 01

वित्तीय आबंटन और उपयोगिता
संस्वीकृत अनुदान : 33,32,30,000/- रूपए
उपयोग किया गया अनुदान : 28,64,73,000/- रूपए

***

सत्यवती महाविद्यालय (संध्या)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

विद्यार्थियों को गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करते हुए कई अध्यापकों ने भारत और विदेश में आयोजित विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अकादमिक एवं अनुसंधान सम्मेलनों, सेमिनारों और कार्यशालाओं में भाग लिया है और शोध पत्र प्रस्तुत किए हैं। उनमें से कई अध्यापकों ने अकादमिक लेख और पुस्तकों का लेखन और/अथवा सह-लेखन कार्य किया है। महाविद्यालय ने खेल, एनसीसी, ड्रामेटिक्स (नाटक) और डिबेट में अपनी प्रतिष्ठा स्थापित की है। कॉलेज ने जूडो और भारोत्तोलन में अपने उत्कृष्टता मानक स्थापित किए हैं। हमारे विद्यार्थियों ने कुश्ती भारोत्तोलन, बॉडी बिल्डिंग, कबड्डी, तीरदांजी और जूडो में अंतर-विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। एनसीसी यूनिट ने विद्यार्थियों को गणतंत्र दिवस कैम्प, प्रधान मंत्री रैली (2018), दिल्ली कैंट और विशेष राष्ट्रीय एकता कैम्प (लक्षद्वीप), राष्ट्रीय एकता कैम्प (भरतपुर), एडवांस लीटरशिप कैम्प (गुजरात और राजस्थान), अमर जवान ज्योति कैम्प (इंडिया गेट), पैरा सेलिंग और पैरा स्लिथरिंग कैम्प इत्यादि में भाग लेने के पर्याप्त अवसर प्रदान किए।

<u>गौरव सम्मान प्राप्त छात्र</u>

हमारे विद्यार्थियों ने दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिनन कार्यक्रमों में निम्नलिखित उपलब्धियां प्राप्त की :
बॉडी-बिल्डिंग
श्री मोहित पाल, राजनीतिक विज्ञान (ऑनर्स), III वर्ष ने 90 किलोग्राम भार श्रेणी में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
श्री प्रमोद कुमार, राजनीतिक विज्ञान (ऑनर्स), II वर्ष ने 80 किलोग्राम से कम भार वर्ग में रजत पदक जीता।
श्री गोपी सिंह, राजनीतिक विज्ञान (ऑनर्स), III वर्ष ने 75 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक प्राप्त किया।
श्री हेमंत बंसल, बी.कॉम (पी) ने 100 मीटर और 200 मीटर दौड़ में रजत पदक प्राप्त किया।
श्री गोविंद, बी.ए. (पी) प्रथम वर्ष ने 91 किलोग्राम वर्ग से कम भार वर्ग में (बॉक्सिंग) कांस्य पदक जीता।
श्री अभिषेक, बी.ए. (पी) ने ग्रीको रोमन (कुश्ती) में 55 किलोग्राम के भार वर्ग में कांस्य पदक जीता।

प्रकाशन

भारद्वाज, एस.बी., आर.पी. बहुगुणा, एम. कुमार (2017) - रिविजिटिंग द हिस्ट्री ऑफ मेडिवल राजस्थान : एस्से फॉर प्रोफेसर दिलबाग सिंह, नई दिल्ली : प्राइमस बुक्स।

कुमार, एम. (2017) - वाई इज इट नेसेसरी टू रेसिस्ट स्टेशनरी? - रिथिंकिंग सिगनिफेकैंस ऑफ फॉल्क ट्रेडिशंस ऑफ अर्ली माडर्न राजस्थान, इन विकास कुमार (संपादक) रिलीजन, एथनिसिटी एंड रेसिसटेंस : वाई कान्ट वी कोएक्सिट**?,** नई दिल्ली : ऑथर्स प्रेस, 122-137.

कुमार, एम. (2017) - द मैन हू इंटरनेलाइज्ड गांधियन फिलॉसफी, आरबिट, 1, 4-7.

कुमार, एम. (2017) - राजस्थान आर्किटेक्चरल मारवल्स ऑफ वाटर कंजरवेशन। द वायर,https://thewire.in/153245.

कुमान, एम. (2017) - आरेलिटी कम्युनिटी एंड सोसायटी। यूजीसी ई-पीजी पाठशाला कोर्स ऑन मीडिया एंड कम्युनिकेशन स्टडीज मीडिया एंड कम्युनिकेशन स्टडीज, एज पार्ट ऑफ पेपर टाइटल्ड, कम्युनिटी, मीडिया एंड सोसायटी, http://epgp.inflibnet.ac.in/ahl.php?csrno=24 पर उपलब्ध।

मित्तल, पी., एस. यादव, पी. चक्रवर्ती और यू. अरोड़ा (2018) - चिल्ड्रन एज्ड 6-24 मंथस लाइक टू वाच यू ट्यूब विडियोज बट कुड नॉट लर्न एनीथिंग फ्रॉम देम। एक्टा पेडियाट्रिका, डीओआई 10.1111/apa.14291, आईएसएसएन : 0803-5253, सकूपसइंडेक्स्ड, विले पब्लिकेशन।

सिंह, एन. (2017) - सरदार पटेल : ए रिएप्रेजल, इन सरदार पटेल मेमोरियल लेक्चर, नई दिल्ली : सरदार वल्लभाई पटेल स्मारक ट्रस्ट।

सिंह, एन. (2017) - साहिब एंड द खादिम : इंडिया इन द प्रिंट मीडिया ड्यूरिंग कॉलोनियल रूल। यूजीसी ई-पीजी पाठशाला कोर्स ऑन मीडिया एंड कम्युनिकेशन स्टडीज, एज पार्ट ऑफ पेपर टाइटल्ड, कम्युनिटी, मीडिया एंड सोसायटी, http://epgp.inflibnet.ac.in/ahl.php?csrno=24 पर उपलब्ध।

सिंह, एन. (2017) - कालोनियल कंटेक्सट, प्रेस एंड कान्ट्रेडिक्शंस इन इंडिया। यूजीसी ई-पीजी पाठशाला कोर्स ऑन मीडिया एंड कम्युनिकेशन स्टडीज मीडिया एंड कम्युनिकेशन स्टडीज, एज पार्ट ऑफ पेपर टाइटल्ड, कम्युनिटी, मीडिया एंड सोसायटी, http://epgp.inflibnet.ac.in/ahl.php?csrno=24 पर उपलब्ध।

सिंह, एन. (2017) - नेशनेलिस्ट प्रेस इन इंडिया। यूजीसी ई-पीजी पाठशाला कोर्स ऑन मीडिया एंड कम्युनिकेशन स्टडीज मीडिया एंड कम्युनिकेशन स्टडीज इनफ्लीबनेट.ac.in/ahl.php?csrno=24.

आयोजित सेमिनार

प्रोफ़ेसर पी.के. बसंत, इतिहास और संस्कृति विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया एवं डॉ. ओम प्रकाश सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, दिल्ली कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, द आयरन एज इन इंडिया, 29 सितम्बर, 2017.

प्रोफ़ेसर एन्ने फल्डहास, विशिष्ट एवं संस्थापक प्रोफेसर ऑफ रिलीजियस स्टडीज, एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी, टेम्पे, यूएसए, द हिस्टारिकल रोल ऑफ प्लेसिज ऑफ पिलग्रिमेज विद स्पेशल रेफ्रैंस टू वेस्टर्न इंडिया, 12 जनवरी, 2018.

श्री चांदी प्रसाद भट्ट, प्रख्यात पर्यावरणविद एवं चिपको आंदोलन के प्रणेता, द हिमालयन इकोसिस्टम : इम्पोर्टेंस, थ्रेट्स, वलनरएबिलिटी एंड कंजरवेशन प्रोसेसिज, 21 सितम्बर, 2017.

प्रोफ़ेसर कौशल किशोर शर्मा (क्षेत्रीय विकास अध्ययन केन्द्र, जेएनयू) 'वाटर एंड लाइफ' 8 सितम्बर, 2017.

श्री आशुतोष कुमार, अकादमिक डायरेक्टर, जम्मू और कश्मीर अध्ययन केन्द्र, नई दिल्ली, भारतीय संविधान का अनुच्छेद 370 और धारा 35 क और मीडिया, 29 अक्तूबर, 2017.

आयोजित सम्मेलन

15 नवम्बर, 2017 को पर्यावरण विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा 'एनवायरनमेंटल सस्टेनिबिलिटी एंड कंजरवेशन : इश्यूज एंड चेलेंजिज इन 21 सेन्चूरी'।
15 सितम्बर को आईसीएचआर द्वारा 'बुद्धिज्म इन अर्ली मेडिवल इंडिया, 2017.

22-23 फरवरी, 2018 को राष्ट्रीय सिंधी भाषा संवर्धन परिषद, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'भारत विभाजन और सिंधी अस्मिता'।

सेमिनार/सम्मेलन प्रस्तुतियां

ए. रविचन्द्रन ने 6-8 जनवरी, 2018 को आईएमटी, गाजियाबाद में 'प्रबंधन' विषय पर आयोजित 15वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'आर्गेजाइनेशनल क्लाइमेट एचआरडी क्लाइमेट जोब सेटिसफेक्शन एंड इट्स आउटकम्स : ए कंसेपच्युअल मॉडल' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

दुर्गेश वर्मा ने दिनांक 29 जनवरी, 2018 को राजीव गांधी अध्ययन केन्द्र द्वारा 'जेंडर सेंसिटाइजेशन, इक्वेलिटी एंड वूमन इम्पावरमेंट : कटिन्यूटी एंड चेज ऑन मंडे' विषय पर आयोजित एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में 'भारतीय स्त्री : बदलते मूल्य' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

दुर्गेश वर्मा ने 22-23 फरवरी, 2018 को सत्यवती कॉलेज (संध्याकालीन) द्वारा राष्ट्रीय सिंधी भाषा संवर्धन परिषद, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 'भारत विभाजन और सिंधी अस्मिता' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में 'द मेंकिंग ऑफ सिंधी हिन्दू आइडंटिटी : लाइफ आफटर पार्टिशन' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

मंयक कुमार ने 9-10 फरवरी, 2018 को अशोक विश्वविद्यालय, सोनीपत द्वारा 'डिबेटिंग अर्ली मॉडर्न इन साऊथ एशियन हिस्ट्री' विषय पर आयोजित सम्मेलन में 'आधुनिक युग का प्रारंभ? राजस्थान की 17वीं-18वीं सदी की राजनीति के स्वरूप में सामाजिक-धार्मिक अध्ययन' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

मयंक कुमार ने 25-26 जुलाई, 2017 को महिला स्नातकोतर महाविद्यालय द्वारा 'माइग्रेशन एंड सेटलमेंट्स : डिवलपमेंट ऑफ क्रॉस-कल्चरल इंडिया (ए स्टडी इन हिस्टॉरिकल परस्पेक्टिव थ्रू द एजिज् विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'माइग्रेशन, सेटलमेंट्स एंड क्लाइमेट्स' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

मंयक कुमार ने 31 अक्तूबर, 2017 को स्कूल ऑफ इंटर-डिसीप्लीनरी एंड ट्रांस डिसीप्लीनरी स्टडीज, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 'विजिबल-इनविजिबल : सोर्सिज, एनवायरमेंट एंड हिस्टोरियंस' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

नीरज सिंह ने 31 अक्तूबर और 1 नवम्बर, 2017 को नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय, नई दिल्ली द्वारा 'मैकिंग ऑफ ए गांधीयन नेशनलिस्ट लाइफ एंड टाइम्स ऑफ सरदार पटेल' विषय पर आयोजित 'पटेल एंड द लेफ्ट' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

नीरज सिंह ने 23-25 मार्च, 2018 को मीडिया अध्ययन केन्द्र, स्कूल ऑफ सोशल साइंसिज, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा मीडिया स्टडीज : पेडागोगिक एंड मैथोडोलॉजिकल इंगेजमेंट्स' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में 'लेटर्स एज इंफारमेशन एंड हिस्टारिकल सोर्सिज' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

राजीव वर्मा ने 29 जनवरी, 2018 को राजीव गांधी अध्ययन केन्द्र, दिल्ली द्वारा 'जेंडर सेंसिटाइजेशन, इक्विलिटी एंड वूमन एम्पावरमेंट : कंटिन्यूटी एंड चेंज ऑन मंडे' विषय पर आयोजित एक दिवसीय सेमिनार में 'इमरजेंस ऑफ न्यू वूमन एंटरप्रोनोयरशिप इन इंडिया : ए हिस्टोरिकल एनलिसिस' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

राजीव वर्मा ने 26-27 मार्च, 2018 को बौद्ध अध्ययन केन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा यूजीसी एसपीए कार्यक्रम के तहत 'हिमालय बुद्धिज्म : निरंतरता और परिवर्तन' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में 'कंजरवेशन ऑफ हिमालयन इकालॉजी थ्रू बुद्धिस्ट फिलॉसाफी' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

शिबा सी. पांडा ने 9 मार्च, 2018 को ग्रेटर नोएडा, दिल्ली में 'स्ट्रेटजीज फॉर बिजनेस एक्सीलेंस' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'इंटरप्रीन्योरशिप - एज ए बिजनेस स्ट्रेटजी' विष्ज्ञय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

नियोजन ब्यौरा

विभिन्न कंपनियों ने कॉलेज के 36 विद्यार्थियों की औसत मासिक छात्रवृत्ति 6000-8000 रूपए तथा क्रमशः 1 लाख रूपए से 2.25 लाख रूपए के वार्षिक वेतन पैकेज के साथ इंटर्न और अंतिम नियोजन के लिए चयन किया। कंपनियों (जैसे जेनपेक्ट, एफआरआर फोरेक्स, रापिकॉन एलएलपी और इंटर्नशाला) ने जनवरी-अप्रैल 2018 के दौरान ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप और अंतिम नियोजन हेतु कॉलेज का दौरा किया और कैम्पस भर्ती का आयोजन किया।

विस्तार और पहुंच कार्यकलाप

डाटा एनालिटिक यूजिंग आर एनवायरमेंट विषय पर संकाय विकास कार्यक्रम, 25-26 अगस्त, 2017.

पुस्तकालय विकास

कॉलेज पुस्तकालय ने अपने संग्रह में विभिन्न विषयों की 1604 नई पुस्तकें शामिल कीं। कॉलेज विभिन्न विषयों के 6 जर्नल, 27 पत्रिकाएं और 23 समाचार-पत्रों की खरीद करता है। अभी हाल ही की एक पहल द्वारा पुस्तकालय ने दृष्टिदोष पीड़ित विद्यार्थियों के लिए रिलायंस दृष्टि जर्नल अपने संग्रह में शामिल किया है। यह पुस्तकालय एन-लिस्ट कार्यक्रम का भी सदस्य है। इस कार्यक्रम के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा एनएमईआईसीटी के अंतर्गत विशेष सहायता प्रदान की जाती है, जिसका उपयोग कॉलेज के लिए चयनित ई-संसाधनों की सुलभता प्रदान करना है। इसे वर्ष 2014 से कॉलेज संघटक के तौर पर यूजीसी-इंफोनेट-डिजीटल लाइब्रेरी कंर्सोटियम के तहत समाहित किया गया है, जिसे यूजीसी द्वारा निधियन प्रदान किया जाता है। पुस्तकालय उपलब्ध संग्रह के लिए अपने उपभोक्ताओं को मुक्त सुलभता सुविधा और ओपीएसी सुविधा प्रदान करता है। पुस्तकालय ने अभी हाल ही में उपभोक्ताओं के लिए एक नया वाचनालय खोला है, जहां वि।ार्थियों को उनकी स्वयं की पठन सामग्री और पठन हेतु लैपटाप इत्यादि लाने की अनुमति प्रदान की गई है।

संकाय संख्या

स्थायी संकाय की कुल संख्या: 37+1 (ओएमएसपी अनुदेशक)

तदर्थ संकाय की कुल संख्या : 61

वित्तीय आबंटन और उपयोगिता

संस्वीकृत अनुदान : 22.27 करोड़ रूपए

उपयोग किया गया अनुदान : 19.63 करोड़ रूपए

***

ओपन लर्निंग स्कूल

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

एसओएल ने विश्वविद्यालय के निर्देश के अनुसार 21 जून, 2017 को अंतर्राष्ट्रीय दिवस योग मनाया।

<u>गौरव सम्मान प्राप्त छात्र</u>

अभय, बी कॉम ने 80.44% अंक प्राप्त किए

अनंत गुप्ता बी कॉम (आनर्स) ने 79.12% अंक प्राप्त किए

इशलीन सेठी, बी कॉम (आनर्स) ने 78.76% अंक प्राप्त किए

शिवानी, एमए (संस्कृत), 78.5% अंक प्राप्त किए

पुस्तकालय विकास:

कुल बजट	:रु.1,38,000,00-00
जोड़ी गई पुस्तकों की संख्या	:13951 खंड
सदस्यता ली गई राष्ट्रीय पत्र/पत्रिकाओं की संख्या	:08
सदस्यता ली गई अंतर्राष्ट्रीय पत्र/पत्रिकाओं की संख्या	:01

अनुरोध प्राप्त होने पर एसओएल लाइब्रेरी में उपलब्ध न होने वाले दस्तावेजों के लिए डेलनेट सेवाओं को अध्येताओ के लिए विस्तारित किया जाता है। डेलनेट के सदस्य पुस्तकालयों से दस्तावेज़ एकत्र किए जाते हैं और उन्हें संदर्भ के लिए केवल एसओएल पुस्तकालय परिसर में उपलब्ध कराया जाता है। छात्रों के लिए 6257+ ई-पत्रिकाओं के एन-लिस्ट डेटाबेस के साथ पिछले 10 वर्ष की पत्रिकाओं और 31,35,809+ ई-पुस्तकों का प्रावधान किया जाता है। ये संसाधन सभी विषयों से संबंधित हैं और छात्र कहीं से भी दूरस्थ रूप से 24x7 इस सुविधा का उपयोग कर सकते हैं। समान अवसर प्रकोष्ठ (ईओसी) में दिव्यांगों के लिए विशेष गैजेट्स और सॉफ़्टवेयर अर्थात् सेविका वी 3-ब्रेल डिस्प्ले, ब्रेल सेंस यू2 नोट टेकर, रीडइट स्कॉलर-एचडी, रीड इजी स्टैंडअलोन रीडिंग मशीन, डेज़ी प्लेयर, ब्रेल फेस और एनवीडीए के साथ पूर्ण सुविधा उपलब्ध है। एसओएल दृष्टिहीन लोगों के लिए इस ऑनलाइन सेवा का सहयोगी सदस्य है। सुगम्य पुस्तकालय भारत में उपलब्ध पुस्तकों के सुलभ ई-संस्करणों का संग्राहक है। यह भारत में सुलभ प्रारूपों में पुस्तकों का सबसे बड़ा संग्रह बनने और उन सभी लोगों की पढ़ने की आवश्यकताओं के लिए एकल बिंदु संसाधन बनने के लिए तैयार है, जो अंधेपन, कमजोर दृष्टि या किसी अन्य विकलांगता के कारण मानक छपाई नहीं पढ़ सकते। दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सबसे बड़ी अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन लाइब्रेरी, सुगम्य पस्तकालय में एकीकृत है।

संकाय की संख्या

स्थायी संकाय की कुल संख्या = 23

अस्थायी संकाय की कुल संख्या = 01

***

शहीद भगत सिंह कॉलेज

आलोच्य अवधि के दौरान प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

कॉलेज का स्वर्ण जयंती (2016-17) उत्सव 16 जुलाई 2014 को सिरी फोर्ट ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया था। कॉलेज के शानदार और घटनापूर्ण वर्ष में इसके विदाई समारोह में अंडमान और निकोबार द्वीप के माननीय लेफ्टिनेंट गवर्नर, डॉ. जगदीश मुखी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे। इस अवसर पर, कॉलेज ने हमारे पूर्व छात्रों में से छह को उत्कृष्टता के भगत सिंह पुरस्कार से सम्मानित किया, जिसमें श्री सुजीत सरकार, फिल्म निर्माता और श्री

सिद्धार्थ मल्होत्रा, अभिनेता को कला और संस्कृति में उनके योगदान के लिए, श्री संदीप मारवा को उद्यमिता के योगदान के लिए, सुश्री वीना ईश, आईएएस, सदस्य प्रशासन, एनएचएआई, सड़क परिवहन मंत्रालय को सार्वजनिक सेवा के क्षेत्र में, श्री संजीव के. चौधरी, साझेदार, कर और नियामक सेवाओं, केपीएमजी के क्षेत्र में और दिल्ली के उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति वी. कामेश्वर राव को कानून और न्याय के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

सम्मान/गौरव

दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन संकाय की डॉ. शुचि प्रिया मित्तल को जुलाई 2017 में प्रबंधन में पीएचडी से सम्मानित किया गया है।

डॉ. सिंपल मोहंती को जुलाई 2017 में दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा राजनीति विज्ञान में पीएचडी से सम्मानित किया गया है।

डॉ. मीरा मेहता को 4 जून से 8, 2017 तक आयोजित स्टॉकहोम, स्वीडन, बिजनेस-2017 के अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक सम्मेलन में "क्या ब्याज मुक्त बैंकिंग भारत के लिए दिलचस्प हो सकता है" शीर्षक आलेख के लिए सर्वश्रेष्ठ आलेख पुरस्कार प्रदान किया गया।

डॉ. रुचि गुप्ता को दिसम्बर, 2017 में आईसीबीएम और प्रबंधन पेशेवरों की अकेडमी द्वारा हैदराबाद में संयुक्त रूप से आयोजित एक समारोह में 'विज्ञापन-प्रसार में सर्वश्रेष्ठ प्रोफेसर' की श्रेणी में आईसीबीएम - एएमपी अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार 2017 से सम्मानित किया गया।

डॉ. नीलांजना मुखर्जी को मानविकी में उन्नत अध्ययन संस्थान, एडिनबर्ग, ब्रिटेन के विश्वविद्यालय में प्रतिष्ठित चार्ल्स वैलेस इंडिया ट्रस्ट विजिटिंग फैलोशिप से सम्मानित किया।

डॉ. पूनम शर्मा को दिल्ली की एनसीटी सरकार द्वारा "मेरिटोरियस टीचर अवॉर्ड 2017-18" से सम्मानित किया गया। उन्हें 18-21 जून 2017 तक स्टॉकहोम, स्वीडन में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, नॉर्डिक भूगोल बैठक में अच्छे शोध पत्र की प्रस्तुति के लिए भी पुरस्कार मिला है।

डॉ. रित्युष मणि तिवारी को अकादमी ऑफ कोरियाई स्टडीज, सियोल, दक्षिण कोरिया द्वारा 15-30 जून, 2017 "अंतर्राष्ट्रीय विज़िटिंग फैलोशिप 2017" से सम्मानित किया। पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (एमओसी), बीजिंग, चीन के संस्कृति मंत्रालय ने उन्हें "यंग सिनोलॉजिस्ट 2017 के विज़िटिंग प्रोग्राम" के लिए भी चुना था।

डॉ. शांतिश कुमार सिंह को अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान, संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय, कुआलालम्पुर, मलेशिया द्वारा पोस्ट-डॉक्टरेट फैलोशिप से सम्मानित किया।

प्रकाशन (चयनित)

एस अरोड़ा, (2017) "ई-कॉमर्स" टैक्समैन पब्लिशर्स, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित

आर गुप्ता, (2017) "एडवर्टाइजिंग" स्कॉलर टेक प्रेस द्वारा प्रकाशित

के मुरारी, (2018)."शासन: मुद्दे और चुनौतियाँ", ओरिएंट ब्लैकस्वान, नई दिल्ली।

वी.एस. शर्मा, (2017) "राजकोट सिटी, गुजरात में शहरी गरीबों के लिए सस्ते आवास प्रदान करने में यूएलबी की पहल" कॉन्सेप्ट पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित

वी.एस. शर्मा, (2017) "शहर के पर्यावरण पर विकास का प्रभाव: दिल्ली में यमुना नदी का एक प्रकरण अध्ययन", इंडिया पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित

वीएस शर्मा, (2018) "भारत में आपदा प्रबंधन और संस्थागत ढांचा", रिसर्च इंडिया प्रेस, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित।

एस के सिंह, (2017) "नेपाल में लोकतंत्र और प्रिंट मीडिया (1990 के पश्चात)" साहित्य संचय प्रकाशन, दिल्ली, भारत।

आयोजित संगोष्ठियाँ

अर्थशास्त्र विभाग, आईआईसी, नई दिल्ली द्वारा "विमुद्रीकरण और जीएसटी: भारतीय अर्थव्यवस्था में उभरते मुद्दे" पर राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया गया था।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में 4-5 अप्रैल, 2018 को "भारत में लोकतंत्र की चुनावी प्रक्रिया और गतिशीलता" पर राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया गया था।

आयोजित सम्मेलन

भूगोल विभाग द्वारा 5-7 फरवरी,2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय के सम्मेलन केंद्र में "जीवंत शहर: बदलता स्थायित्व और इसकी चुनौतियाँ" पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया था।

संगोष्ठी/ सम्मेलनों में प्रस्तुति

शिवानी अरोड़ा ने 22-23 सितंबर, 2017 में वर्जिनिया में आयोजित डीबीएमए, मैरील विश्वविद्यालय और पूर्वी तट, संयुक्त राज्य अमेरिका के सहयोग से आयोजित एमटीएमआई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, "भारत में ई-कॉमर्स का अन्वेषण" पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

एस. वर्धराज ने 2018 में, दिल्ली विश्वविद्यालय में "विकलांगता, अध्ययन:साहित्य, संस्कृति, प्रदर्शन", पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोधपत्र प्रस्तुत किया, 'पाठक और परे: माइकल क्रिचोर के लेखन में एक आत्मनिर्भर अध्ययन।" पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

वी ए. वी. रमन ने नई दिल्ली में 6 से 11 नवंबर, 2017 को आयोजित इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ जियोमोर्फोलॉजिस्ट (आईएजी) के भूगर्भ विज्ञान (आईसीजी 2017) पर 9वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में 'मास वेस्टिंग प्रेरित सतह परिवर्तन के स्थानिक विश्लेषण और ट्रांस-हिमालय में संबंधित भू-संकेतक: लोअर पिन वैली, लाहुल और स्पीति में एक अध्ययन" और "मध्य गंगा मैदान में अंतर-प्रवाही क्षेत्रों में हालिया चैनल गतिशीलता और उपयोग का प्रभाव" पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

पूनम शर्मा ने, स्टॉकहोम, स्वीडन में 18 से 21 जून 2013 के दौरान आयोजित नॉर्डिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, भूगोलवेत्ताओं की बैठक में 'पार्क: टिकाऊ शहरों के हरित इंजन' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

वी आर शर्मा ने "रहने योग्य शहर : बदलती निरंतरता और इसकी चुनौतियां", 2018 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'यमुना नदी में प्रदूषण और पर्यावरण पर इसके प्रभाव' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

रित्युष मणि तिवारी ने सेंटर फॉर यूरेशियन एंड रूसी स्टडीज, चीनी एकेडमी ऑफ सोशल साइंसेज, बीजिंग-चीन, 2017 में "पट्टी एवं सड़क पहल" पर अंतर्राष्ट्रीय गोलमेज में 'चीन की बेल्ट और रोड पहल का एक सामरिक विश्लेषण' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

शांतेश कुमार सिंह ने 2017 में ताइवान नेशनल यूनिवर्सिटी में डब्ल्यूआईएससी द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'विवादोत्तर प्रणालियों में वैश्विक स्वास्थ्य एवं स्वास्थ्य सुरक्षा की उभरती नीति: एक आलोचनात्मक अध्ययन' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 145

परिसर में भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 24

पुस्तकालय विकास

कुल बजट: 16,42,500/- रुपए

जोड़ी गई किताबों और पत्रिकाओं की संख्या: 2105

इंटरनेट सुविधाएं अपग्रेड की गईं: हाँ

संकाय की संख्या

स्थायी संकाय की कुल संख्या = 94

विज्ञापन-प्रसार संकाय की कुल संख्या = 52

वित्तीय आवंटन और उपयोग
स्वीकृत अनुदान: 28,50,26,337/- रुपए
अनुदान का उपयोग: 25,76,09,343/- रुपए

***

शहीद राजगुरु अनुप्रयुक्त विज्ञान महिला विश्वविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :
कॉलेज को नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में 1087 संस्थानों में कॉलेज श्रेणी में 53 वां स्थान दिया गया था। इसे पहुँच और समावेशिता पैमाने पर 67.43 के उच्च स्कोर के साथ 49.85 का कुल स्कोर प्राप्त है। सिलेसियन विश्वविद्यालय, विज्ञान और दर्शनशास्त्र संकाय, ओपावा, चेक गणराज्य और कॉलेज तीन वर्षों की अवधि के लिए अंतरराष्ट्रीय संकाय विनिमय कार्यक्रम पर सहमत हुए हैं। कॉलेज को माइक्रो, स्मॉल एंड मिडियम एंटरप्राइजेज (एमएसएमई)-डीआई, नई दिल्ली द्वारा समर्थित प्रौद्योगिकी बिजनेस इनक्यूबेटर (टीबीआई) की मंजूरी मिली है। 21-27 जुलाई 2017 को "एप्लाइड साइंस टीचिंग (एफडीपी-आरटीटीएसटी) में हालिया रुझान" पर पहला यूजीसी, डीबीटी और सीएसईसी प्रायोजित राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया था। 15 से 21 दिसंबर, 2017 तक संयुक्त रूप से आईईईई दिल्ली अध्याय, यूजीसी और डीबीटी स्टार कॉलेज योजना द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय पैरा-शिक्षण कर्मचारी कौशल वृद्धि कार्यशाला (पीटीएसएसडब्ल्यू 2017) आयोजित की गई थी।

सम्मान/ विशिष्टताएँ
डॉ. पायल मागो, प्राचार्य
महिला एजेंसी द्वारा आयोजित विश्व महिला शिखर सम्मेलन 2018 में रोजगार उत्पन्न करने के लिए अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, 8 मार्च 2018 को 5 अन्य शिक्षिकाओं (डॉ. रंजना सिंह, डॉ. पुनीता सक्सेना, सुश्री प्रीति सिंघल, डॉ. जसजीत कौर और डॉ. बिमला पवार) और 5 छात्राओं (तानिया चोपड़ा, अनु सरदाना, वैशाली छाबरा, खुशबू और वटिका सिंह) के साथ बालिका केंद्रित शिक्षा और प्रशिक्षण पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
भारत के फ्रीलांस पत्रकार और लेखकों से 3 सितंबर, 2017 को 33वां डॉ. एस. राधा कृष्णन मेमोरियल नेशनल टीचर अवॉर्ड 2017 प्राप्त किया।
5-6 जून, 2017 को (एनआईसीईआर) द्वारा आयोजित विश्व स्वच्छ पर्यावरण पर शिखर सम्मेलन में विश्व पर्यावरण और आजीविका (डब्ल्यूईएएल) उत्पन्न करने के लिए महिला एजेंसी से 8 मार्च, 2017 को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड प्राप्त किया।
डॉ. वर्षा मेहरा को 2017-18 के लिए दिल्ली की एनसीटी सरकार द्वारा मेरिटोरियस टीचर्स अवॉर्ड दिया गया था।

गौरव सम्मान प्राप्त छात्र

आयुषी कालरा, बीएससी (आनर्स) बायोमेडिकल साइंसेज
दीप्ति शर्मा, बीएससी (आनर्स) कंप्यूटर साइंस
हनी त्यागी, बीएससी (आनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स
क्रितिका अग्रवाल, बीएससी (आनर्स) खाद्य प्रौद्योगिकी
रूपल, बीएससी (आनर्स) इंस्ट्रुमेंटेशन

प्रकाशन (चयनित) कुल संख्या - 48

एन चौधरी, वी मेहरा, पी मागो, एम खत्री (2017) भारतीय मसालों की एंटी माइकोबैक्टीरियल क्षमता: एक समीक्षा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ फार्मा कॉग्नोसी एंड फाइटोकेमिकल रिसर्च, 9 (8), 1127-1134।

एस चावला, (2018) फ़ज़ी सेट, एंटी कॉलोनी ऑप्टिमाइज़ेशन और ट्रस्ट के संकर का उपयोग करके अनुकूलन के आधार पर प्रभावी वेब सूचना पुनर्प्राप्ति का एक नवल दृष्टिकोण। *कंप्यूटर इंजीनियरिंग और अनुप्रयोग का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल,* 12(1).

ए कपूर, (2018) "क्लाउड होपफील्ड न्यूरल नेटवर्क का उपयोग करके कम-रिज़ॉल्यूशन छवि की पहचान।", *इंटरनेशनल जर्नल प्रोग्रेस इन एडवांस्ड कंप्यूटिंग एंड इंटेलिजेंट इंजीनियरिंग, एडवांसेज इन इंटेलिजेंस सिस्टम्स एंड कंप्यूटिंग* (563), स्प्रिंगर. 2018।

जे कौर, (2018) लेटेंट फिंगरमार्क के पता लगाने के लिए ऑयल रेड ओ रीएजेंट:एक समीक्षा। *मिस्र का फोरेंसिक विज्ञान का जर्नल, 8.*

वी मेहरा, एम खत्री, एस मिश्रा, एन सिंह, एन शर्मा, आर गोस्वामी, एन मेहता, एन सामंथा, एच गौर, ए जायसवाल, पी कोठारी, पी चोपड़ा, ए साराभाई, आर सिंह, और एस गोयल, (2018) इन-विट्रो आकलन का उपयोग कर मुराया कोयनिगी सार की मधुमेह विरोधी और एंटी-ऑक्सीडेंट गतिविधि का आकलन। *बायोमेडिकल और चिकित्सीय विज्ञान का जर्नल,* 5(1), 1-8.

वी मेहरा, एम खत्री, (2018) मधुमेह: अगली महामारी? *जीवन विज्ञान का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल,* 6(2)

बी नेगी, पी पूणन, एम एफ अंसारी, डी कुमार, एस अग्रवाल, आर सिंह, ए आज़म डी एस रावत, (2018) मेट्रोनिडाज़ोल-ट्रायज़ोल-स्टायरिल हाइब्रिड का सिंथेसिस, एंटीएमियोबिक गतिविधि और डॉकिंग अध्ययन। *औषधीय रसायन विज्ञान का यूरोपीय जर्नल,* 150, 633-641

पी सक्सेना, एस जैन, (2017) अनार (पुणिका ग्रेनाटम) और किन्नो (साइट्रस डेलिकोसा का हाइब्रिड) के छिलके की अनौपचारिक सामग्री, फ्लैवानोइड सामग्री, एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि और अल्फा एमिलेज़ अवरोध गतिविधि का अनुमान। *वर्ल्ड जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च,* 7(2), 817-826.

एन सिंह, ए कपूर, (2017) तितली का जीवन चक्र और चीजों की वास्तविक प्रकृति। बोधि-पाथ, एस 13, 27-29.

योगेश प्रताप, एम कुमार, स्नेहा काबरा, एस हालदर, आर.एस. गुप्ता और मृदुला गुप्ता (2017) तटस्थ बायोमोलेक्यूल प्रजातियों के पता लगाने के लिए गेट-ऑल-अराउंड जंक्शनलेस ट्रांजिस्टर आधारित बायोसेंसर की विश्लेषणात्मक मॉडलिंग। *कम्प्यूटेशनल इलेक्ट्रॉनिक्स का जर्नल,* 17 (1), 288-296.

संपादक/ संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में सेवारत कॉलेज शिक्षकों की संख्या -3

अनुसंधान परियोजनाएँ

एसईआरबी (डीएसटी) वित्त पोषित परियोजना, शीर्षक "एएलजीएएन/लजीएएन एचईएमटी आधारित लैक्टिक एसिड और यूरिक एसिड बायोसेंसर के क्लिनिकल रिसर्च के लिए मॉडलिंग, सिमुलेशन और विकास" 28,60,990 रुपए (2017-2020)

एसईआरबी (डीएसटी) वित्त पोषित परियोजना, शीर्षक "मानव मैक्रोफेज के भीतर इन विट्रो और एक्सविवो में माइकोबैक्टेरियम ट्यूबरक्युलोसिस के खिलाफ एंटी-माइकोबैक्टीरियल गतिविधि के लिए असफोडेटैनेडिकोनिस्टिएंट्स का अलगाव और लक्षण वर्णन"; "23,38,000 रुपए (2015- 2018).

आयोजित संगोष्ठियां

डॉ. एस सी गोस्वामी, सेवानिवृत्त प्रोफेसर द्वारा, दयाल सिंह कॉलेज 26 फरवरी, 2018 को "आधुनिक विज्ञान और भारतीय संस्कृति" पर संगोष्ठी में वक्तव्य।

टीसीएस आईओएन डिजिटल हब में सहायक सलाहकार श्री विशाल आइजैक द्वारा 16 फरवरी, 2018 को चेन्नई में "कैरियर जागरूकता और उभरते रुझानों में आईटी उद्योग में कैरियर" पर संगोष्ठी में वक्तव्य।
श्री अभिजीत, आईएमएस द्वारा 10 अक्टूबर, 2017 को "कैरियर परामर्श" पर संगोष्ठी में वक्तव्य।

आईसीएआई के साथी सदस्य कमल गर्ग, सीए द्वारा8 जनवरी, 2018 को "जीएसटी और आईएफआरएस" पर संगोष्ठी में वक्तव्य।

एसएससीबीएस, प्रबंधन अध्ययन विभाग के प्रमुख, डॉ. बिजय कुमार द्वारा 13 फरवरी, 2018 को "बजट की डीकोडिंग" पर संगोष्ठी।

स्वामी चिदप्रानंद जी, चिन्मय मिशन द्वारा 26 मई, 2018 को "आधुनिक जीवन में नैतिकता की प्रासंगिकता" पर संगोष्ठी।

आयोजित सम्मेलन/कार्यशालाएँ

कॉलेज द्वारा 21 से 27 जुलाई 2017 तक पहला यूजीसी, डीबीटी और सीएसईसी प्रायोजित राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम "एप्लाइड साइंस टीचिंग (एफडीपी-आरटीटीएसटी) में हालिया रुझान" पर आयोजित किया गया था।

संयुक्त रूप से आईईईई दिल्ली अध्याय, यूजीसी और डीबीटी स्टार कॉलेज योजना द्वारा प्रायोजित एक सप्ताह की पैरा शिक्षण कर्मचारी कौशल वृद्धि कार्यशाला (पीटीएसएसडब्लू) 15 दिसंबर से 21 दिसंबर, 2017 तक प्रायोजित की गई थी।

जैव-डिस्कवरी समूह के सहयोग से 5 से 7 जुलाई, 2017 तक "अगली पीढ़ी अनुक्रम डेटा विश्लेषण" पर तीन दिवसीय कार्यशाला।

ड्रग डिस्कवरी टेक्नोलॉजी पर दो दिवसीय कार्यशाला: जैव खोज समूह के सहयोग से बायोमेडिकल विज्ञान विभाग द्वारा 18 से 19 जनवरी, 2018 को दवा की खोज और डिजाइन में कम्प्यूटेशनल दृष्टिकोण पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई थी।

17-18 मई, 2017 को पूर्वी दिल्ली के सरकारी स्कूलों के छात्रों के लिए "विज्ञान के चमत्कार" नामक एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था। बुनियादी भौतिक, रासायनिक और जैविक विज्ञान के व्यावहारिक पहलुओं पर प्रत्यक्ष अनुभव कराए गए थे

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

साधना जैन ने 14-15 सितंबर, 2017 के दौरान, ड्रग डिस्कवरी 2017, भारत पर आयोजित 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "फेनोलिक सामग्री का अनुमान, फ्लैवनोइड सामग्री, एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि और पोमेरगनेट (पुणिकाग्रेनैटम) और किन्नो (साइट्रस डेलिकोसा का हाइब्रिड) पील (पोस्टर) की अल्फा एमिलेज़ अवरोध गतिविधि" पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
इंदु अरोड़ा ने 'स्पिलेंथेस अचमेला अकाराह के निष्कर्षों का उपयोग करते हुए गोल्ड नैनोपार्टिकल्स' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया और जे एच इंस्टीट्यूट ऑफ मॉलिक्यूलर मेडिसीन, स्कूल ऑफ इंटर डिसिप्लीनलरी साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, जामिया हमदर्द, 26 से 27 मार्च, 2018 द्वारा चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग, ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी, गामा सिंटिग्राफी, कॉन्फोकल माइक्रोस्कोपीन कॉन्फ्रेंस-सह-कार्यशाला, आणविक इमेजिंग एंड ड्रग डिस्कवरी (एमआईडीडी-2018) पर आयोजित एक कार्यशाला में भाग लिया।
जसजीत कौर ने 14 से 16 मार्च, 2018 के दौरान, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली में आयोजित "औपनिवेशिक भारत में आधुनिक विज्ञान के उद्भव" पर सम्मेलन में 'फिंगरप्रिंट साइंस के भारत के विस्मृत अन्वेषक' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

दीपाली बजाज ने भारती विद्यापीठ के कंप्यूटर एप्लीकेशन और मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली, भारत द्वारा 14 - 16 मार्च, 2018 को आयोजित सतत वैश्विक विकास (इंडिकॉम 2018) के लिए कंप्यूटिंग पर 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'बिग डेटा एनालिटिक्स और मैपिंग टू हैडोप टूल्स' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
अमिता कपूर ने बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी (बिमटेक), भारत और मैरीलैंड विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा इंडिया हैबीटेट सेंटर, नई दिल्ली, भारत में 13 से 14 जनवरी, 2018 को संयुक्त रूप से आयोजित "व्यवसाय पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रभाव डिजिटल इनोवेशन, ट्रांसफॉर्मेशन, एंड सोसाइटी कॉन्फ्रेंस 2018 (डिजिट्स 2018) पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

अमिता कपूर ने इंडियन सोसाइटी फॉर बुद्धिस्ट स्टडीज, 2017 के 17वें वार्षिक सम्मेलन में "मेटा ए पॉथवे टू ग्लोबल पीस" पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

स्नेहा काबरा ने 16 से 17 मार्च, 2018 तक करुण्य विश्वविद्यालय, कोयंबटूर द्वारा आयोजित सर्किट, उपकरणों और प्रणालियों पर आईईईई के चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'एनालॉग/आरएफ अनुप्रयोगों के लिए मेटलॉइड स्रोत/ड्रेन जीएएएस फिनफेट अनुप्रयोगों का प्रदर्शन विश्लेषण' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

पुनीता सक्सेना ने चुंग युआन क्रिश्चियन यूनिवर्सिटी, ताइवान में 18-20 दिसंबर, 2017 को आयोजित "एप्लाइड ऑपरेशनल रिसर्च" पर 9वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'भारत के बेंचमार्किंग स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट अंडरटेकिंग्स: एक डीईए आधारित कदमवार दृष्टिकोण' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

प्रोजेस रॉय ने 8 फरवरी, 2018 को अंसल विश्वविद्यालय, गुरुग्राम, हरियाणा में "स्मार्ट पर्यावरण में डिजिटल लैंडस्केप परिवर्तन" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "एनएफसी और आरएफआईडी परस्पर संचालकता: पुस्तकालयों में चुनौतियां और अवसर" एनसीसीडीएलएसई-2018, पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अन्य अंतर संस्थागत सहयोग
2014-15 में आईआईटी बॉम्बे की ई-यन्त्र परियोजना के सहयोग से कॉलेज में रोबोटिक्स क्लब की स्थापना की गई थी, जो आज तक सफलतापूर्वक चल रही है।
द एजुकेशन ट्री
फिनएक्स एसएससीबीएस
मार्क आईटी एसएससीबीएस

नियुक्तियों का विवरण
नियुक्त छात्रों की संख्या = 41 (90%)
परिसर में भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या = 11

विस्तार और पहुँच गतिविधियाँ
खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग ने 26 मई 2017 को हाउसकीपिंग और कैंटीन कर्मचारियों के लिए "बेसिक फूड हैंडलिंग एंड स्टोरेज" पर एक आउटरीच गतिविधि का आयोजन किया ताकि उन्हें बुनियादी खाद्य संचालन, स्वच्छता, भंडारण और स्वास्थ्य पर इसके असर के महत्व के बारे में जागरूक किया जा सके। फोरेंसिक साइंस, मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के एमएससी (एफ) के चार छात्रों के एक समूह ने उपकरण विभाग में 17 जनवरी से 20 फरवरी 2018 तक 5 सप्ताह का प्रशिक्षण पूरा किया। जनवरी 2017 में कॉलेज में गृहिणियों के लिए डिजिटल सशक्तिकरण (डीईएच) कार्यक्रम शुरू किया गया था और इस समय इसका दूसरा चरण चल रहा है। इस पहल का उद्देश्य सभी आयु वर्गों की गैर-कामकाजी महिलाओं को डिजिटल रूप से साक्षर करना और उन्हें बुनियादी आईसीटी कौशल प्राप्त करने में सक्षम बनाना है। इस वर्ष गणित विभाग ने "उत्थान" नामक एक परियोजना शुरू की जिसका अर्थ ऊपर उठना है। इस परियोजना का उद्देश्य समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की लड़कियों को गणित का अध्ययन करने के लिए प्रोत्साहित करना और उनकी सहायता करना है।

पुस्तकालय विकास
किताबें: रु 7,44,868.70
पत्रिकाएं: रु 950.00
गैर आवर्ती: रु 98, 9 00.00
जोड़ी गई पुस्तकों की संख्या: 969

संकाय की संख्या:
संकाय की कुल संख्या = 71

वित्तीय आवंटन और उपयोग
स्वीकृत अनुदान: 12,31,96,094/- रुपए
अनुदान का उपयोग: 13,50,19,244/- रुपए

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी
अकादमिक सत्र 2017-18 में छह नए पाठ्यक्रम अर्थात् बैचलर ऑफ मैनेजमैंट स्ट्डीज़, बैचलर ऑफ बिज़नस एडमिनिस्ट्रेशन एफआईए, बीए (आनर्स) साइकोलॉजी, बीएससी (आनर्स) बायोकेमिस्ट्री, बीएससी (आनर्स) माइक्रोबायोलॉजी और बीएससी (आनर्स) सांख्यिकी शुरू किए गए थे। कॉलेज 2002 से सिस्को प्रणाली के सहयोग से सिस्को नेटवर्किंग अकादमी चला रहा है। यह अकादमी सीसीएनए (सिस्को प्रमाणित नेटवर्क एसोसिएट) प्रमाणन और अन्य अन्वेषण पाठ्यक्रम प्रदान करती है। इस वर्ष हमारी अकादमी ने आईओटी एक्सप्लोरेटरी कोर्स आयोजित करने में उत्कृष्टता के लिए "बेस्ट परफॉर्मिंग एकेडमी एक्सप्लोरेटरी कोर्स-2017" पुरस्कार जीता। कॉलेज के जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के प्रतिष्ठित विज्ञान सेतु कार्यक्रम अंतर्गत, स्वास्थ्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (टीएचएसटीआई) के साथ सहयोग किया, जो अनुसंधान संस्थानों और स्नातक कॉलेजों के बीच एक पुल के रूप में कार्य करता है। कॉलेज ने 15 सितंबर 2017 को संसद सत्र आयोजित करके विश्वविद्यालयों और कॉलेजों की 14वीं राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता में भाग लिया।

***

शहीद सुखदेव व्यापर अध्ययन महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :
सत्रह लाख रुपए के उच्चतम पैकेज के साथ छात्र नियुक्ति अत्यधिक सफल रही है और औसत पैकेज वार्षिक 6.3 लाख रुपए है। एसएससीबीएस इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन फाउंडेशन (एसआईआईएफ) ने बहुत ही कठोर प्रक्रिया के माध्यम से व्यावसायिक विचारों के मूल्यांकन के लिए 4 कोहॉर्ट चलाए हैं, और 27 विचारों को इनक्यूबेशन के लिए मंजूरी दे दी है। एसआईआईएफ, इनक्यूबेटियों को नियमित परामर्श, प्रगति समीक्षा, उद्योग/उद्यमियों के साथ नेटवर्किंग, वित्त पोषण सहायता, मंच, निवेशक इत्यादि प्रदान करता है। कॉलेज ने स्टार्ट अप फेस्ट का आयोजन किया, जो अपनी तरह का पहला फेस्ट था। यह युवा उद्यमियों को निवेशकों, एनजीओ और स्टार्ट अप सुविधा के लिए अपने नवाचारों को प्रदर्शित करने के लिए मंच के रूप में कार्य करता है। सम्मेलनों और कार्यशालाओं के माध्यम से संकाय विकास को बढ़ाया गया है। एनक्टस एसएससीबीएस टीम को एनेक्टस विश्व कप चैंपियंस 2017 घोषित किया गया था और उन्हें अपनी उपलब्धि साझा करने और भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद से मिलने का सम्मान मिला।

<u>गौरव सम्मान प्राप्त छात्र</u>
बीबीएस तृतीय वर्ष के इफरा हुसैन ने कॉलेज में पहला स्थान प्राप्त किया।

बीबीए (एफआईए) तृतीय वर्ष के रवतेज सिंह ने कॉलेज में पहला स्थान प्राप्त किया।
बीएससी (आनर्स) तृतीय वर्ष की भूमिका पंवार ने कंप्यूटर विज्ञान में कॉलेज में पहला स्थान प्राप्त किया।
बीटेक सीएस चतुर्थ वर्ष के मनीष कुमार भारद्वाज ने कॉलेज में पहला स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन (चयनित)

ए अग्रवाल, वी टी चक्रवर्ती, एन गुप्ता, वाई सभरवाल, एस शर्मा, एस ठकराल, (2017) "बाउंडेड ट्रीविड्थ ग्राफ पर प्रतिकृति प्लेसमेंट", *एल्गोरिदम और डेटा स्ट्रक्चर संगोष्ठी,* डब्ल्यूएडीएस 2017, 31 जुलाई- 2 अगस्त, 2017 को सेंट जॉन्स, एनएल, कनाडा, 13-24।

एस गुप्ता, एस मित्तल, टी गुप्ता, आई सिंघल, बी खत्री, ए के गुप्ता, एन कुमार, (2017) सामाजिक नेटवर्क में सामुदायिक पहचान के लिए समांतर क्वांटम-प्रेरित विकासवादी एल्गोरिदम। *एप्लाइड सॉफ्ट कम्प्यूटिंग* में, वॉल्यूम 61, 2017, पृष्ठ 331-353, आईएसएसएन 1568-4946,   https://doi.org/10.1016/j.asoc.2017.07.035.

सी के जग्गी, आर जैन, एम वर्मा, (2018) भारतीय संदर्भ में आपूर्ति श्रृंखला पर विमुद्रीकरण का प्रभाव, *एआईएमएस इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट*, 12(1), 1-10.
ए काल्सी, ए अरोड़ा, (2018). प्रमुख भारतीय बैंकों के विलय और अधिग्रहण सौदे का विश्लेषण: एक घटना आधारित अध्ययन। *इफ्युलजेंस*, 16(2), 82- 120
एन कुमार, ए जायसवाल, (2018) चेहरे की पहचान के प्रदर्शन पर विभिन्न प्रशिक्षण छवियों का प्रभाव: एक अध्ययन। *कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में इंजीनियरिंग अनुसंधान का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल*, 5(2), 236-239.
सुष्मिता, "भारत में खुदरा बैंकिंग: एक नया परिप्रेक्ष्य", *रिसर्च इंडिया पब्लिकेशन्स*, आईएसबीएन 978-93-87374-42-3, 2018
सुष्मिता, ए कुमार, (2018) "व्यवहारिक अर्थशास्त्र और वित्तीय साक्षरता के बीच व्यापार-बंद", एएमएआर: एक इंटर-डिसिप्लीनरी जर्नल, आईएसएसएन 23481323, 2018

संपादक संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में सेवारत कॉलेज शिक्षकों की संख्या- 02

अनुसंधान परियोजनाएँ

डॉ.अभिषेक टंडन, आईसीएसएसआर, एमएचआरडी द्वारा वित्त पोषित परियोजना, (2018), उपभोक्तावाद पर एक अध्ययन, डिजिटल युग में बाजार प्रतियोगिता। 7,52,500/- रुपए।

आयोजित संगोष्ठियाँ

फोससे, आईआईटी मुंबई के सहयोग से पायथन का उपयोग कर वैज्ञानिक कंप्यूटिंग, जनवरी 2018।
फोससे, आईआईटी मुंबई के सहयोग से पायथन के साथ प्रोग्रामिंग, जनवरी 2018।
श्री किशोर गर्ग क्षेत्रीय प्रबंधक, 3X3 कनेक्ट माइक्रोसॉफ्ट टूल्स द्वारा परियोजना सक्षम के अंतर्गत माइक्रोसॉफ्ट द्वारा कार्यशाला, 28-29 नवंबर 2017।
श्री संजीत कुमार, सहायक आयुक्त सीजीएसटी एवं सीएक्स जीएसटी द्वारा जीएसटी पर, 24 जनवरी, 2018।

आयोजित सम्मेलन

अक्टूबर 2017 को राष्ट्रीय व्यापार संगोष्ठी- अभिसरण का आयोजन किया गया था
सूचना प्रौद्योगिकी और ज्ञान प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआईटीकेएम-2017),22-23 दिसम्बर 2017.
22 मार्च, 2018 को राहत स्वच्छता सम्मेलन आयोजित किया गया था।
23-25 मार्च 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय मॉडल संयुक्त राष्ट्र आयोजित किया गया था।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

आशिमा अरोड़ा ने 2017 में विश्व अर्थव्यवस्था में आदर्श बदलाव: अवसर और चुनौतियां पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'निजी इक्विटी: कुछ भारतीय कंपनियों में पीई खिलाड़ियों का विश्लेषण' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया। सोनिका ठकराल ने 31 जुलाई 3 से 02 अगस्त, 2017 के दौरान सेंट जॉन, एनएल, कनाडा में आयोजित वाड्स 2017 में 'बाउंडेड ट्रीविड्थ ग्राफ पर रेप्लिका प्लेसमेंट' प्रस्तुत किया।

आशिमा अरोड़ा ने, दिल्ली के आईआईटी, दिल्ली में 14 से 15 जुलाई, 2017 के दौरान आयोजित "उभरते बाजारों के लिए अस्थिरता और अनिश्चित पर्यावरण" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'जब अर्थव्यवस्था को झटका लगे, बिटकॉइन स्पंदित हो: बिटकॉइन के रिटर्न पर व्यापक आर्थिक कारकों के प्रभाव से साक्ष्य' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

आशिमा अरोड़ा ने रोम, इटली के लूइस बिजनेस स्कूल में 2-3 सितंबर, 2017 के दौरान आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कॉर्पोरेट गवर्नेंस सोसाइटी के "स्टेकहोल्डर जवाबदेही के साथ संतुलन मूल्य निर्माण" नामक तीसरे वार्षिक सम्मेलन में "भारतीय पारिवारिक फर्मों द्वारा बाहरी विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के बाहरी वित्तपोषण पर कॉर्पोरेट शासन का प्रभाव" पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. सोनिका ठकराल ने 28 अक्तूबर 2017 को, एबीईएस इंजीनियरिंग कॉलेज द्वारा आयोजित एसीएम-डब्ल्यू समारोहों के वार्षिक कार्यक्रम में 'कंप्यूटिंग में महिलाएं' पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय हस्ताक्षरित समझौता-ज्ञापन

भारतीय कंपनियों/उद्योग के साथ समझौता ज्ञापन
एफएमएटी (वित्तीय मॉडलिंग और अल्गो ट्रेडिंग) पाठ्यक्रम चलाने के लिए बीएसई।
एनसीसीएमपी (एनएसई प्रमाणित पूंजी बाजार पेशेवर) पाठ्यक्रम चलाने के लिए एनएसई।
चार्टर्ड इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एकाउंटेंट्स (सीआईएमए)

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्रों की संख्या और प्रतिशत: पंजीकृत 187 में से 137 (73.26% नियुक्त)
भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियों की संख्या: 68

विस्तार और पहुँच गतिविधियाँ

एनक्टस अध्याय कॉलेज में 3 सामाजिक उद्यमशील परियोजनाएं- परियोजना राहत, परियोजना उड़ान और परियोजना खिड़की आरंभ कर रहा है। परियोजना राहत खुले शौचालय को खत्म करने के उद्देश्य से शहरी झोपड़ियों में सामुदायिक शौचालय परिसर (सीटीसी) में सरकारी मानदंडों के उपयोग और अनुपालन की निगरानी के लिए विकास तंत्र के क्षेत्र में काम करती है। परियोजना उड़ान प्रबंधन और गांवों में डिजिटल साक्षरता के क्षेत्र में काम करती है। परियोजना खिड़की एक ऐसी परियोजना है जो बच्चों में कुपोषण की समस्या से निपटने के लिए दिल्ली में आंगनवाड़ी के साथ मिलकर काम करती है। कॉलेज टीम उपर्युक्त पहलों के हिस्से के रूप में नियमित रूप से सरकारी एजेंसियों, स्वास्थ्य और चिकित्सा एजेंसियों और गैर सरकारी संगठनों के साथ काम करती है और गांवों और शहरी झोपड़ियों में संवेदनशीलता शिविर, स्वच्छता शिविर, गर्भावस्था और मासिक धर्म जागरूकता शिविर, आंखों की जांच शिविर और वित्तीय साक्षरता शिविर आयोजित करती है।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्या 21,412 है। इसके अलावा, पुस्तकालय 52 प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्र-पत्रिकाओं और 13 राष्ट्रीय और व्यावसायिक समाचार पत्रों की सदस्यता लेता है। पुस्तकालय को इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों अर्थात् इलेक्ट्रॉनिक जर्नल, रिपोर्ट्स और प्रकरण अध्ययनों दिल्ली यूनिवर्सिटी लाइब्रेरी नेटवर्क के माध्यम से

02 संघीय/सामान्य खोज इंजन अर्थात् जेसीसीसी और नेम्बस, 10 संदर्भ और उद्धरण स्रोत, 06 ग्रंथसूची स्रोत, 02 उद्धरण विश्लेषण संसाधन अर्थात् स्कोपस और प्रबंधन अध्ययन और कंप्यूटर विज्ञान आदि के क्षेत्र में विज्ञान और अन्य पूर्ण पाठ डेटाबेस के वेब तक पहुंच प्राप्त है। पुस्तकालय के पास विकासशील लाइब्रेरी नेटवर्क; एन-लिस्ट (विद्वान सामग्री के लिए राष्ट्रीय पुस्तकालय और सूचना सेवा बुनियादी ढांचा) और एनडीएल (राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय) की संस्थागत सदस्यता है। इस वर्ष, पुस्तकालय ने ₹ 71 3,63,075/- के व्यय से 671 पाठ्यपुस्तकें और संदर्भ पुस्तकें, ₹1,42,004/- से 52 आवधिक पत्र और ₹ 20,481/- के व्यय से 13 समाचार पत्र जोड़े। इलेक्ट्रॉनिक पक्ष पर, लाइब्रेरी ने क्रमशः डिजिटल डेटाबेस, डेलनेट और एन-लिस्ट की सदस्यता लेने के लिए ₹ 11,500/- और ₹ 5,900/- खर्च किए।

संकाय की संख्या

स्थायी संकाय की कुल संख्या = 35

तदर्थ शिक्षकों की कुल संख्या = 11

वित्तीय आवंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान ₹ 21,71,920.00/-

अनुदान का उपयोग ₹10,34,45,477.00/-

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

कॉलेज बीबीए (उद्यमिता) और बीएससी (संचालन अनुसंधान) में स्नातक स्तर पर दो नए पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए अनुमोदन मांगने की प्रक्रिया में है। यह अपने बीएससी (ऑनर्स) कंप्यूटर साइंस कोर्स के लिए संख्य बढ़ाने पर भी काम कर रहा है।

***

शिवाजी कॉलेज

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

शिवाजी कॉलेज को एनएएसी द्वारा ग्रेड 'ए' के साथ मान्यता दी गई है और इंडिया टुडे द्वारा किए गए सर्वेक्षण में इसने शीर्ष 10 विज्ञान कॉलेजों में स्थान प्राप्त किया गया है। कॉलेज लिंग संवेदनशीलता में चैंपियन है और विरासत को जारी रखने के लिए, भारत भर के विभिन्न क्षेत्रों से महिलाओं को जीजाबाई अचीवर्स अवॉर्ड्स प्रदान करता है। तत्कालीन माननीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री और कपड़ा मंत्री श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी ने इसे पुरस्कार दिया और "द चेंज मेकर्स" पुस्तक का लोकार्पण किया जो प्रतिष्ठित दृष्टि और धीरज युक्त नौ असाधारण महिलाओं की जीवन यात्रा का इतिहास है। कॉलेज द्वारा उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ आरंभ किया गया, जो छात्रों को नौकरी उत्पादक बनने के लिए प्रेरित करता है और उद्यमशीलता कौशल प्रदान करता है। कॉलेज की एक अनूठी शैक्षिक लेखा परीक्षा समिति है जो विभागों के प्रदर्शन और प्रगति का मूल्यांकन करने में मदद करती है और विकास के लिए एक रोड मैप बनाती है। संकाय ने प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में 69 शोध पत्र और 18 पुस्तकें प्रकाशित कीं और विभिन्न पुस्तकों में 15 अध्यायों का योगदान दिया।

सम्मान/ विशिष्टताएँ

कॉलेज को 2017-18 में रोजगार पैदा करने के अपने अथक प्रयासों के लिए महिला एजेंसी द्वारा "ग्रीन कैंपस अवॉर्ड" से सम्मानित किया गया था।

8 मार्च, 2018 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रोजगार पैदा करने के लिए महिला एजेंसी द्वारा शिवाजी कॉलेज की प्रधानाचार्य डॉ. शशि निजावान को 'बालिका केंद्रित तृतीयक शिक्षा और प्रशिक्षण पुरस्कार' से सम्मानित किया गया था।

डॉ. शशि निजावन को 17 नवंबर, 2017 को फ्रेंडशिप फोरम द्वारा लोगों के कल्याण में योगदान के लिए "सर्वश्रेष्ठ भारतीय शिक्षाविद पुरस्कार" से सम्मानित किया गया था।

डॉ. शशि निजावान को राष्ट्रीय स्वच्छता और अनुसंधान संस्थान (एनआईसीईआर) द्वारा 'पर्यावरण शिक्षा संवर्धन पुरस्कार' से सम्मानित किया गया था।
डॉ. दर्शन मलिक को 'बायोमेडिएशन' पर काम करने के लिए 19 नवंबर, 2017 को, भुवनेश्वर में रिलायंस संस्थान द्वारा "भारत विकास पुरस्कार 2017" से सम्मानित किया गया।

डॉ. तेजबीर राणा को दिल्ली की एनसीटी सरकार द्वारा एक लाख रुपए के 'मेरिटोरियस टीचर अवार्ड'(2017-18) से सम्मानित किया गया।

डॉ. रीतिका राणा को डच मंत्रालय के विकास नवाचार, द नीदरलैंड्स में "शहरीकरण में खाद्य सुरक्षा" (4-15 सितंबर, 2017) पर एक अध्ययन कार्यक्रम के लिए डच विदेश मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित अकादमिक फैलोशिप से सम्मानित किया गया था।

डॉ. ज्योति शर्मा को अमृता शेरगिल कला केंद्र, भारत दूतावास, बुडापेस्ट में 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान राजदूत श्री राहुल छाबरा ने 7 जून, 2017 को दक्षिण एशिया के भाषा, साहित्य और इतिहास के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय योगदान के लिए "साहित्य सरिता सम्मान" प्राप्त किया। ।

डॉ. खुर्शीद खान को 27 जनवरी, 2017 को इस्लामिक स्टडीज एसोसिएशन, नई दिल्ली द्वारा भारत में लोगों के बीच शांति पैदा करने की रचनात्मक गतिविधियों के लिए 'भारतीय सूफीवाद में छात्रवृत्ति' प्रदान की गई।

डॉ. राजिंदर सिंह ने ओटीए, काम्पटी (नागपुर) में एनसीसी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया और लेफ्टिनेंट के रूप में कार्यरत हुए। उन्हें पाठ्यक्रम के दौरान समग्र उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए वरिष्ठ डिवीजन में महानिदेशक के बैटन और स्वर्ण पदक से भी सम्मानित किया गया।

गौरव सम्मान प्राप्त छात्र

मोहित बल्लारा बी. ए. पाठ्यक्रम, प्रथम वर्ष और योगेश डागर, एमए हिंदी, प्रथम वर्ष को दिल्ली विश्वविद्यालय स्पोर्ट्स काउंसिल द्वारा आयोजित इंटर कॉलेज कुश्ती प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।

निष्ठा सेठी, बी.ए. (आनर्स) की छात्रा को आईआईटी दिल्ली में नीति और शासन के साथ रैंडेवस में आर्थिक छेड़छाड़ पर द्वितीय पुरस्कार और 2000 रुपए का नकद पुरस्कार प्राप्त हुआ।

बीएससी (आनर्स) भौतिकी की छात्रा हरकीरत कौर ने जनवरी, 2018 में ऑल इंडिया फिजिक्स टीचर्स एसोसिएशन (एआईपीटीटी) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्नातक भौतिकी परीक्षा (एनजीपीई) में पहला स्थान प्राप्त किया।

बीए (आनर्स) अर्थशास्त्र के छात्र, रोहित कुमार मौर्य ने नवंबर, 2017 में दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर में सर्वश्रेष्ठ कैडेट पुरस्कार प्राप्त किया और वर्ष 2017-18 में एनसीसी 'सी' प्रमाण पत्र पूरा किया।
बीएससी (आनर्स) जैव रसायन के छात्रों, मनेश्वर दीक्षित, आयुष गांगुली और रोहित सोनी ने बायोकेमिकल सोसाइटी ऑफ बायोकैमिस्ट्री, श्री वेंकटेश्वर कॉलेज द्वारा 15-16 फरवरी, 2018 को आयोजित "लैब टू लाइफ: ट्रांसलेशनल साइंस पर एक संगोष्ठी" में अभिनव शोध परियोजना प्रस्तुति में औषधीय उपचार के लिए "निकथेनस आर्बर-ट्रिस्टिज" का उपयोग के लिए सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

कुल प्रकाशन

एम यादव, डी यादव व अन्य (2017), भारत में ईएनटी आपात स्थिति के एक तृतीयक देखभाल का परिदृश्य। *मेडिकल साइंस एंड क्लीनिकल रिसर्च की पत्रिका।* 05(11):29833-29837.

डी पांडे, (2017) अमृतलाल नगर क्रित युगावतार: कथ्य की पड़ताल और प्रासांगिकता। *अकादमिक अनुसंधान और विकास की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका*, 2(3): 388-390

आर सिंह, (2017) भारत में विमुद्रीकरण: अपेक्षाएं और प्रभाव अब तक। *एप्लाइड रिसर्च का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल।* 3(6): 619-621.

एम सिंह, एस सिंह, इनामुद्दीन और ए एम असिरी, (2017) ओस्कोसर्विसमीटर का उपयोग करके तरल प्रणालियों के निर्माण, गीलेपन, सुखाने आईएफटी और फ्रिकोहेसिटी का अध्ययन। *आण्विक तरल पदार्थों का जर्नल।* 244: 7-18

डी मलिक और ए श्रीवास्तव, (2017). टुरिकम पत्ती की विषाक्तता के खिलाफ फ्लोरोसेंट बैक्टीरिया विरोधी की आणविक विशेषता। *जैव प्रौद्योगिकी और फसल विज्ञान का जर्नल*, 6(8): 82-85

आर वर्धन, और एल नैन, (2017) दूध वाहित रोगजनक: अलगाव और पहचान और जनसंख्या विशेष रूप से युवाओं के लिए स्वास्थ्य जोखिम, *एप्लाइड और भौतिक विज्ञान का इंटरनेशनल जर्नल,* 3(1):13-18.

ए के जायसवाल, एन जी गिरि, ए के जायसवाल, एन सामल, पी शर्मा, टी मिलो और एस के गुप्ता, (2017) आईआर/एफटीआईआर के फोरेंसिक अनुप्रयोग।*फोरेंसिक रसायन विज्ञान और विष विज्ञान का जर्नल*, 3(1): 39-68.

के प्रियंका, पी त्रिशंध्या और आर मित्तल, (2018) लगातार अवसरों पर एम्बेडेड इंप्यूटेशन तकनीकों के साथ घातीय उत्पाद प्रकार अनुमानक का विश्लेषण। *गणित और सांख्यिकी का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल,* 19(1):19-40.

एन कांत, पी कुलश्रेष्ठ, आर सिंह, ए मल, एस कुमार, एम तहलान, ए द्विवेदी, आर मेहरा, आर आहूजा, एस कौशिक और पी अहमद, (2018) ब्रूसिलोसिस की व्यापकता और इसके प्रसार के बारे में जागरूकता। *अंडर ग्रेजुएट रिसर्च एंड इनोवेशन का डीयू जर्नल*.3(1):43-49.

ए के मिश्रा और पी के मिश्रा, (2018) जनसांख्यिकीय विशेषताओं का स्थानिक-लौकिक विश्लेषण: समस्तीपुर जिला, भारत का एक प्रकरण अध्ययन। *मानविकी और सामाजिक विज्ञान का अमेरिकन रिसर्च जर्नल।* 4: 1-14.

के खान, (2017) चौदहवीं शताब्दी दिल्ली के प्रारंभिक चिश्ती शेखों के मलफुजत में महिलाएं। *सामाजिक कार्य का बीएसएस जर्नल.* 8(1): 76-97.

कॉलेज द्वारा प्रकाशित पत्रिकाएँ

ए चोपड़ा आर राणा, पी शर्मा, भावनी और पी सक्सेना, द चेंज मेकर्स, ए कॉफी टेबल बुक: (2018), शिवाजी कॉलेज [आईएसबीएन 978-93-83848-43-0]

अनुसंधान परियोजनाएँ

एसईआरबी, 2016-19 द्वारा वित्त पोषित (रोहित कुमार मौर्य 19, 08,100) 'सतत अवसरों और उनके अनुप्रयोगों पर संवेदनशील विशेषताओं की डिजाइन और विश्लेषण' (एमआरपी संख्या एमआर/ 2016/000455) [डॉ. कुमारी प्रियंका]

आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित (6,00,000 रुपए) 'सिक्किम हिमालय में मृदा, जल और पोषक संरक्षण के लिए स्वदेशी पारिस्थितिक ज्ञान' [डॉ. प्रबुद्ध कुमार मिश्रा]

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्त पोषित (रुपए 4,25,000) 'दिल्ली और उसके बायोमेडिएशन का आसपास के सतह और जमीनी जल के पारा प्रदूषण पर अध्ययन' एमआरपी संख्या [आरओएमआरपी-एनआरसीबी-ईएनवीआई-2015-2016-38705] [डॉ. विजय कुमार]

बायोटेक्नोलॉजी विभाग, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित(8,00,000 रुपए), 'अनुसंधान उपकरण के रूप में फोल्डस्कोप का उपयोग करके दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में यमुना नदी के रिपियन क्षेत्र में अपरिवर्तनीय जैव विविधता के मौसमी बदलाव को रिकॉर्ड करना' [डॉ. सुनीता गुप्ता, सुश्री निमिता कांत और डॉ. पारुल कुलश्रेष्ठ]

आयोजित संगोष्ठियाँ

प्रोफेसर कविता शर्मा, प्रमुख एवं डीन, वाणिज्य विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 15 मार्च, 2018 को "ग्रीन जॉब्स" पर एक वार्ता दी।

डॉ. मनु अनंतपद्म, वैज्ञानिक, टेक्सास जैव चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, संयुक्त राज्य अमेरिका ने 28 फरवरी, 2018 "अत्यधिक रोगजनक वायरस से निपटने के लिए दवाओं का विकास: ईबोला वायरस दवा विकास से सबक" पर एक वार्ता दी।

आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर प्रो. एम आर शेनॉय ने 27 अक्टूबर, 2017 को "अर्धचालक ओप्पो इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस: एक परिप्रेक्ष्य" पर एक वार्ता दी

प्रोफेसर मकरंद आर. परांजपे, प्रोफेसर, सेंटर फॉर इंग्लिश स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने 10 अक्टूबर, 2017 को "भारत-चीन संबंध: सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक विध्वंस" पर एक वार्ता दी।

दिल्ली के बॉटनी विभाग के प्रोफेसर और प्रमुख, प्रोफेसर के.एस. राव ने 1 सितंबर, 2017 को "जलवायु परिवर्तन: अतीत, वर्तमान और भविष्य के प्रभाव" पर एक वार्ता दी।

आयोजित सम्मेलन

सीएसआईआर नैनो टेक्नोलॉजी में वर्तमान और भविष्य के दृष्टिकोण पर प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन: "नैनोवर्ल्ड-2018", 12-13 अप्रैल, 2018 को।

संयुक्त राष्ट्र महिला के साथ महिला विकास कक्ष द्वारा वार्षिक लिंग मेला 'महिलाओं को फिर से परिभाषित करना - प्रेरणा, सशक्तिकरण, अधिनियम!' 30-31 जनवरी, 2018 को।

"सीबीसीएस पाठ्यक्रम: अध्यायन के संदर्भ एवं पद्धतियाँ" पर हिंदी विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम, 19-20 जनवरी, 2018 को।

उद्यमी विकास कक्ष द्वारा 11-12 जनवरी, 2018 को राष्ट्रीय उद्यमी शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया था।

संगोष्ठियों/सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

डॉ. दर्शन मलिक ने 19 मार्च, 2017 को जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली में "समग्र सामाजिक विकास के लिए कला, संस्कृति, मानविकी, धर्म, शिक्षा, नैतिकता, दर्शनशास्त्र, आध्यात्मिकता और विज्ञान की भूमिका" नामक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'मनोचिकित्सा: मानसिक बीमारी के लिए वार्ता उपचार' पर प्रस्तुति दी।

डॉ. रश्मि वर्धन और डॉ. वी प्रभावती ने कृषि संस्कार प्रकाशन और डॉ. जी सी मिश्रा शिक्षा नींव द्वारा जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली में 25 फरवरी, 2017 को आयोजित समग्र स्वास्थ्य के विज्ञान और कला: मुद्दे, चुनौतियां, अवसर, रोकथाम और जागरूकता, समग्र स्वास्थ्य 2017 पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में 'एल एस्परीगेजेज एंटीट्यूमर एजेंट: विभिन्न सूक्ष्मजीवों से पहचान' पर प्रस्तुति दी।

डॉ शिल्पा जैन ने 9-11नवंबर, 2017 को वाशिंगटन डी.सी., यूएसए, क्लिनिकल साइंसेज एंड ड्रग डिस्कवरी (सीएसडीडी 2017) पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "डिलीवरी वाहन के रूप में मोंटमोरीलोनाइट आधारित एक्सीसिएंट का उपयोग करते हुए वेनलाफैक्सिन हाइड्रोक्लोराइड का विस्तारित रिलीज" पर प्रस्तुति दी।

डॉ. लीसांगथेम गीतारानी देवी ने 20-23 जुलाई, 2017 से थाईलैंड के चियांग माई में आयोजित एशिया विद्वानों के 10 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "गर्भ के भीतर: मणिपुर की समकालीन महिला लेखकों द्वारा लघु कथाओं में 'घर' पढ़ना" पर प्रस्तुति दी।

डॉ. दर्शन पांडे: 27-28 जनवरी, 2018 को केन्द्रीय हिंदी संस्थान आगरा में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "संत कवियकों के कविता में समरसता का स्वर" पर प्रस्तुति दी।

डॉ. रुचिरा ढिंगरा "हिंदी कृष्ण भक्ति कविता पर पुराणो का प्रभाव" पीजीडीए कॉलेज (शाम), दिल्ली विश्वविद्यालय ने 2-3 नवंबर, 2017 को आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी "भक्ति कालीन कविता भारतीय संस्कृति के विविध आयाम" पर प्रस्तुति दी।

डॉ. अमरजीव लोचन ने वियतनाम गणराज्य सरकार द्वारा 25 अगस्त, 2017 को दानांग, वियतनाम में आयोजित "वियतनाम और भारत की संयुक्त सभ्यता विरासत - चंपा सभ्यता, और हिंदू धर्म और बौद्ध धर्म की साझा कड़ियाँ" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'चंपा के चैम्स:वियतनाम में प्रारंभिक इंडिक प्रभावित सोसाइटी के निवासी की रक्षा करना, पर प्रस्तुति दी।

डॉ. पारुल बहल; 20-21 अप्रैल, 2017 को आईबीएस हैदराबाद द्वारा आयोजित 10वें डॉक्टरेट थीसिस सम्मेलन में 'विश्लेषकों की सिफारिशें और स्टॉक प्रदर्शन पर उनके संबंधित प्रभाव'।

डॉ. सोनाली गर्ग ने 22-23 अगस्त, 2017 को एमिटी लॉ स्कूल, नोएडा में उत्तर औपनिवेशिक परिप्रेक्ष्य:भारतीय प्रतिक्रिया और परिवर्तन पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "इतिहास के रूप में प्रेमाश्रम: औपनिवेशिक युग के बाद भारतीय किसान" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। इसे "सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र" घोषित और सम्मानित किया गया था।

डॉ. दीपिका यादव: 29 सितंबर से 1 अक्तूबर, 2017 को आयोजित ग्लोबल कार्डियो डायबिटीज कॉन्क्लेव चेन्नई 2017 के दौरान "सिंड्रोम एक्स: ए पेरील टू ह्यूमन हेल्थ"।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

महिदोल विश्वविद्यालय, थाईलैंड के साथ समझौता ज्ञापन।

स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय के केंद्र, मेनेंगेज, दिल्ली के साथ समझौता ज्ञापन

आजाद फाउंडेशन, दिल्ली के साथ समझौता ज्ञापन

नीति आयोग, भारत सरकार के साथ एसओआई ।

एलायंस इंडिया के साथ समझौता ज्ञापन

एफएलओ के साथ समझौता ज्ञापन (फिक्की लेडीज संगठन)

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्रों की संख्या: कंपनियों में 100 और इंटर्नशिप के लिए 167

परिसर में भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: नियुक्ति के लिए 30 और इंटर्नशिप के लिए 30

विस्तार और पहुँच गतिविधियाँ

शिवाजी कॉलेज की भविष्य के नेता"(एलएफटी) इकाई ने वृक्षारोपण अभियान, कपड़े, किताबें इत्यादि इकट्ठा करने के लिए एक अभियान, दान की गई सामग्री को वंचित बच्चों में वितरित करने, दिवाली और होली जैसे त्योहारों पर वंचित बच्चों में मिठाई वितरित करने के लिए करुणा यात्रा जैसी गतिविधियों का आयोजन किया। एनसीसी टीम ने वृक्षारोपण अभियान चलाया और अपने पड़ोस में स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए स्वच्छता पखवाड़ा रैली आयोजित की तथा स्वच्छता बनाए रखने का वचन दिया। एनएसएस स्वयंसेवकों ने पूरे वर्ष वंचित बच्चों के लिए बेहतर गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान करना, प्लास्टिक के उपयोग, शराब के दुष्प्रभावों के खिलाफ जागरूकता अभियान जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। कॉलेज ने "नदियों के लिए रैली" अभियान के का समर्थन किया है। इस अभियान में, एक राष्ट्रव्यापी वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया जा रहा है, जिसमें वे लोगों को हमारी मुख्य नदियों के निकट 1 किमी में पेड़ लगाने के लिए कहते हैं। एनएसएस स्वयंसेवकों ने जागरूकता बढ़ाने और जितना संभव हो उतने लोगों तक यह संदेश पहुँचाने के लिए वास्तव में कड़ी मेहनत की। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए, छात्रों ने पहले पोस्टर प्रसारित किए और सोशल मीडिया पर लोगों से 8000980009 पर मिस्ड कॉल देने के लिए अनुरोध किया; उन्होंने कॉलेज में प्रचार किया और लोगों से आमने-सामने बातचीत की। शिवाजी कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना ने 26 सितंबर, 2017 को "वृद्धावस्था और वृद्धाश्रमों" के मुद्दे पर प्रकाश डालने के लिए, बंगाली वृत्तचित्र "सोलिटरी सोल" का प्रदर्शन आयोजित किया जिसके बाद फिल्म निर्देशक श्री सौरव सरकार के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र

रखा गया था। उन्होंने वृद्धों के अपने बच्चों के साथ रहने में सक्षम नहीं होने के कारकों और पुराने युग के घरों की अवधारणा को समाज में नकारात्मक माने जाने पर चर्चा की ।

पुस्तकालय विकास

इस सत्र में पुस्तकालय के लिए आवंटित कुल बजट 20,85,000 रुपए था और 1894 पुस्तकें खरीदी गईं।

संकाय की संख्या

स्थायी संकाय की कुल संख्या: 106
तदर्थ शिक्षकों की कुल संख्या: 98

वित्तीय आवंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान : रु. 489877330/-
अनुदान का उपयोग: रु. 426377944/-

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

शैक्षणिक सत्र 2017-18 में, शिवाजी कॉलेज ने अपनी सफलता की यात्रा में कई उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं। स्वच्छ, हरे और प्रदूषण मुक्त परिसर के उद्देश्य से, कॉलेज एक कागज़ पुनर्चक्रण इकाई के साथ एक वाहन और धूम्र मुक्त परिसर बनाए रखता है, वर्षा जल संचयन तकनीक का व्यवहार करता है, वर्मीकंपोस्टिंग करता है, और औषधीय मूल्य के पौधों सहित एक हर्बल उद्यान भी बनाया है। कॉलेज में हरित ऊर्जा के उत्पादन के लिए रूफटॉप पर सौर ऊर्जा पैनल (एसपीपी) है और परिसर बिजली उत्पादन में आत्मनिर्भर है तथा कार्बन पदचिह्न को कम करता है।

***

श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

इस वर्ष कॉलेज द्वारा पहले से चल रहे कार्यक्रमों के अलावा, बिटकोइन्स और डेटा एनालिटिक्स जैसे विषयों को शामिल करने वाले समकालीन विषयों पर 'आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ संकाय व्याख्यान श्रृंखला' नामक एक मूल्यवर्धित व्याख्यान श्रृंखला शुरू की गई। कॉलेज ने अकादमिक समुदाय में अनुसंधान की सीमाओं का विस्तार करने के लिए, क्रमशः नवंबर, 2017 और मार्च 2018 में अनुसंधान दिवसों पर एक सात दिवसीय और एक दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। अपने अधिगम क्षितिज को विस्तारित करने के लिए छात्रों के साथ-साथ शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए कई कार्यशालाएं, संगोष्ठियां और व्याख्यान आयोजित किए गए थे। कॉलेज ने राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर नई गतिविधियों और परियोजनाओं को आरंभ कर अपनी संस्थागत सामाजिक जिम्मेदारी का भी विस्तार किया। इसी तरह, कॉलेज के अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम कार्यालय द्वारा बीस अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित किए गए। छात्र एथलीटों ने विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित विभिन्न व्यक्तिगत और टीम खेल आयोजनों में 79 स्वर्ण पदक, 54 रजत पदक और 23 कांस्य पदक जीते।

सम्मान/विशिष्टताएँ

भारत के सर्वश्रेष्ठ कॉलेज 2018 पर "इंडिया टुडे सर्वे" द्वारा वाणिज्य के लिए नंबर 1 कॉलेज का दर्जा दिया गया।
भारत में सर्वश्रेष्ठ कॉलेजों पर "वीक-हंसा रिसर्च सर्वेक्षण 2018" द्वारा वाणिज्य के लिए नंबर 1 कॉलेज का दर्जा दिया गया।

प्रकाशन

आर.पी. रस्तोगी (2017) *वित्तीय प्रबंधन की बुनियादी बातें।* दिल्ली: टैक्समैन पब्लिकेशन।

आर चड्ढा और एस चड्ढा, (2018) कॉर्पोरेट कानून। नई दिल्ली: मयूर पेपरबैक
जी आहुजा, और आर गुप्ता, (2017) *आयकर के लिए व्यवस्थित दृष्टिकोण*। नई दिल्ली: फ्लेयर प्रकाशन।
दीपाश्री। (2018)। *मैक्रोइकोनॉमिक्स*। नई दिल्ली: स्कॉलर टेक प्रेस।
आर जावा, एच कुमार, और एन अथिली, (2018) ई-मार्केटिंग (द्वितीय संस्करण)। दिल्ली: सिंघल पब्लिकेशन।
अनिल कुमार, व अन्य (2017) *लेखा परीक्षा और कॉर्पोरेट शासन*। दिल्ली: टैक्समैन पब्लिकेशन।
जे के ठकराल, (2018) *रैखिक बीजगणित*। नई दिल्ली: मैक्सिमैक्स पब्लिशिंग हाउस।
एस प्रकाश, (2017) *विपणन के सिद्धांत*। आईएसबीएन 978-93-272-2372-9।
वी जैन, और आर तनेजा, (2018) *उद्यमिता*। दिल्ली: सिंघल प्रकाशन।
ए के फुर्वे, (2017) *बैंकिंग और बीमा*। नई दिल्ली: ए के प्रकाशन

कॉलेज द्वारा प्रकाशित पत्रिकाएं
व्यापार विश्लेषक: द्वि-वार्षिक अनुसंधान जर्नल
स्ट्राइड्स: छात्र अनुसंधान जर्नल

संपादक(कों)/संपादकीय बोर्ड के सदस्य (यों) के रूप में कार्यरत कॉलेज शिक्षकों की संख्या: 14

अनुसंधान परियोजनायें: 1 (अनुसंधान सह प्रशिक्षण परियोजना)

आयोजित संगोष्ठियाँ
इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से डिजिटल कार्यशाला।
आर्थिक मामलों के विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से "जीएसटी कार्यान्वयन: भारत में संघीय वित्तीय संबंधों पर प्रभाव" पर व्याख्यान श्रृंखला।
"अनुसंधान के तरीके और समकालीन आर्थिक मुद्दों पर सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला (नवंबर, 2017)।
अनुसंधान के तरीकों पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला (मार्च, 2018)।
जनवरी से अप्रैल 2018 तक आईक्यूएसी द्वारा आयोजित समकालीन मुद्दों पर सात संकाय व्याख्यानों की श्रृंखला।

आयोजित सम्मेलन
11 नवंबर, 2017 को समकालीन समय में उच्च शिक्षा में गुणवत्ता के आयामों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।
22 अप्रैल, 2017 को रीगल हॉल, द ललित, नई दिल्ली में "सतत विकास के लिए अभिनव" विषय पर जीबीओ ग्लोबल बिजनेस समिट 2017।
24 फरवरी, 2018 को गुलममोहर हॉल, इंडिया हैबिटैट सेंटर, लोढ़ी रोड, नई दिल्ली में "भारत: उभरता वैश्विक नेता" विषय पर जीबीओ ग्लोबल बिजनेस समिट 2018।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ
डॉ. मल्लिका कुमार ने 13 नवंबर 2017 को मलेशिया के कुआलालम्पुर में यूरोपीय संघ के साथ भागीदारी में अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) युवा समिति द्वारा आयोजित वैश्विक युवा कार्यशाला में संयुक्त राष्ट्र एसडीजी और कैंपस सहकारी समितियों के ओपन फोरम के लिए संसाधन व्यक्ति और नियंत्रक के रूप में भाग लिया।

डॉ. सूर्य प्रकाश ने सीएमएआई और फिलीपींस विश्वविद्यालय, मनीला, फिलीपींस के लिसेम द्वारा मनीला, फिलीपींस में 2-4 फरवरी, 2017 के बीच आयोजित चौथे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'व्यवसाय की स्थिरता: एक विपणन परिप्रेक्ष्य' शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. सूर्य प्रकाश ने 25-27 जनवरी 2018 को वियतनाम के दा नांग में सीएमएआई और वियतनाम के पेगासस इंटरनेशनल कॉलेज, दा नांग, वियतनाम द्वारा आयोजित 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'समग्र विपणन: व्यापार उत्कृष्टता और विकास का एक दृष्टिकोण' नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
डॉ. आस्था दीवान ने 28-29 जुलाई, 2017 को, पेराडेनिया, कैंडी में श्रीलंका विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मानविकी और सामाजिक विज्ञान (आईसीएचएसएस) 2017 के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'ई-बिजनेस और सप्लाई चेन मैनेजमेंट पर इसका प्रभाव' नामक एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. शिखा मक्कड़ को 16 जुलाई, 2017 को इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन द्वारा आयोजित तीसरे अंतर्राष्ट्रीय शोध सम्मेलन में प्रस्तुत 'आध्यात्मिकता मापन स्केल के विकास और सत्यापन' शीर्षक शोधपत्र के लिए सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र अवॉर्ड मिला।

सुश्री प्रियंका अग्रवाल ने 16-17 दिसंबर, 2017 को आईआईटी रुड़की, भारत, शेफील्ड बिजनेस स्कूल, यूके और वाइकोटो मैनेजमेंट स्कूल, न्यूजीलैंड द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित अनुसंधान और व्यापार स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'भारत में सीएसआर और सस्टेनेबिलिटी रिपोर्टिंग: शीर्ष सूचीबद्ध कंपनियों का व्यापक अध्ययन'शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

अनुसंधान, परामर्श और प्रशिक्षण समझौता ज्ञापन (संकाय, छात्र और प्रशासन के लिए): पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ से संबद्ध, लुधियाना, पंजाब के श्री अरबिंदो वाणिज्य और प्रबंधन कॉलेज के साथ राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

केलानिया विश्वविद्यालय, कोलंबो, श्रीलंका के साथ हस्ताक्षर किए गए अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन।

संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक आयोग के लिए एशिया और प्रशांत (यूएनईएससीएपी) की पहल एशिया-पैसिफिक रिसर्च एंड ट्रेनिंग नेटवर्क ऑन ट्रेड (एआरटीएनईटी) के साथ संस्थागत साझेदारी।

एसआरसीसी-ओआईपी और हार्वर्ड यूएस इंडिया पहल, हार्वर्ड कॉलेज, यूएसए समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किए।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

यूनेस्केप, थाईलैंड: सांस्कृतिक
युवा मामलों का मंत्रालय, भारत: स्टार्टअप
ग्रीन फिट: अभिनव
ऑस्ट्रेलियाई राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया: शैक्षणिक
मेलबोर्न बिजनेस स्कूल, ऑस्ट्रेलिया: शैक्षणिक
ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय, कनाडा: शैक्षणिक
शिकागो विश्वविद्यालय: शैक्षणिक

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र

अंतर्गामी:16 अंतर्गामी (इनबाउंड) कार्यक्रम आयोजित किए जिनमें पेन स्टेट यूनिवर्सिटी, वॉल्वरहैम्प्टन विश्वविद्यालय, मेलबोर्न बिजनेस स्कूल, हांगकांग विश्वविद्यालय, विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय, शिंघुआ विश्वविद्यालय, हेग विश्वविद्यालय इत्यादि से छात्रों ने भाग लिया।

बहिर्गामी: 6 बहिर्गामी (आउटबाउंड) कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें छात्र यूट्रेक्ट बिजनेस स्कूल (नीदरलैंड्स), एसआरसीसी-युवा मामलों के विनिमय कार्यक्रम 2017 (पुर्तगाल), ब्रिक्स युवा शिखर सम्मेलन 2017 (चीन), चीन के युवा प्रतिनिधिमंडल 2017 इत्यादि में गए।

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 300

परिसर में भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 61

विस्तार और पहुँच कार्य

सामुदायिक संपर्क के केंद्र-वित्सला, एसआरसीसी के अंतर्गत परियोजनाएं

ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाने के लिए परियोजना खुशहाली (सोनीपत, हरियाणा)

झोपड़पट्टी के निवासियों को सशक्त बनाने के लिए परियोजना सशक्त (रोहिणी, दिल्ली)

रिक्शा खींचने वालों को वित्तीय रूप से साक्षर बनाने के लिए परियोजना समर्थ (डीयू, दिल्ली)

हॉकरों और विक्रेताओं को आर्थिक रूप से साक्षर बनाने के लिए परियोजना उत्थान (कमला नगर, दिल्ली)

पहाड़ी क्षेत्रों में वित्तीय सशक्तिकरण के लिए परियोजना पहल (हिमाचल प्रदेश)

स्कूल के बच्चों में वित्तीय साक्षरता को पोषित करने के लिए परियोजना सहाय (पितमपुर, दिल्ली)

दिल्ली विश्वविद्यालय में चतुर्थ दर्जे के कर्मचारियों में वित्तीय कौशल विकसित करने के लिए परियोजना उम्मीद (डीयू, दिल्ली)

ग्रामीण समुदायों में वित्तीय सशक्तिकरण के लिए परियोजना उत्तरा (उत्तराखंड)

कनेक्टिंग ड्रीम्स फाउंडेशन, एसआरसीसी के अंतर्गत परियोजनाएं

महिलाओं को आत्मनिर्भरता प्रदान करने के लिए परियोजना संजीवनी (दिल्ली)

धूप निर्माताओं को आत्मनिर्भरता प्रदान करने के लिए परियोजना अर्पण (दिल्ली)

ईएनएसीटीयूएस, एसआरसीसी के अंतर्गत परियोजनाएं

बाजार वितरण तंत्र में सुधार के लिए परियोजना किसान बाजार (हरियाणा)

स्वच्छ पेयजल प्रदान करने के लिए परियोजना असबा (ए सी नगर, दिल्ली)

टेदराओं को आत्मनिर्भरता प्रदान करने के लिए परियोजना विरासत (अमृतसर)

राष्ट्रीय सेवा योजना, एसआरसीसी के अंतर्गत परियोजनाएं

झोपड़ियों के वंचित छात्रों को शिक्षित करने के लिए परियोजना संस्कार (दिल्ली)

अलग तरह से सक्षम व्यक्तियों को आत्मनिर्भरता प्रदान करने के लिए परियोजना विश्वास (दिल्ली)

पुस्तकालय विकास

एसआरसीसी पुस्तकालय ने अकादमिक वर्ष 2017-18 में अपने संग्रह में व्यापार, अर्थशास्त्र, मानविकी और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में 1546 पुस्तकें जोड़ी हैं। पुस्तकालय ने सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) द्वारा बनाए गए प्रोवेस डेटाबेस की एक इंटरैक्टिव पूछताछ, प्रोवेस आईक्यू की वार्षिक सदस्यता को भी नवीनीकृत किया है। कॉलेज के इतिहास को संरक्षित और रेखांकित करने के लिए पुस्तकालय में एक अलग संग्रह अनुभाग भी बनाया गया था। पुस्तकालय छात्रों के लिए सर्वोत्तम सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए नवीनतम रेडियो फ्रीक्वेंसी पहचान (आरएफआईडी) और ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी) सिस्टम का प्रयोग करता है।

संकाय की संख्या

स्थायी संकाय की कुल संख्या = 60

तदर्थ शिक्षकों की कुल संख्या = 68

वित्तीय आवंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान : रु. 28.37 करोड़

अनुदान का उपयोग: रु. 24.73 करोड़

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी: दिल्ली विश्वविद्यालय में उच्चतम पैकेज (ईवाई- पार्थेनन द्वारा एक छात्र को 31 लाख रुपए का प्रस्ताव दिया गया गई)।

***

श्याम लाल महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :
सार्वजनिक व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत 8 अगस्त, 2017 को अमेरिका में प्रबंधन विद्वानों के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय शोध प्रश्न के रूप में "अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर एक व्याख्यान: चुनौतियां और प्रभाव" आयोजित किया गया था। वाणिज्य संघ ने 10 अक्टूबर 2017 को एक्सेल यूटिलिटीज पर आयकर रिटर्न-2 की ई-फाइलिंग पर एक दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम भी आयोजित किया। आईक्यूएसी ने टीयूएएस, एक्सएएमके और तुर्कू विश्वविद्यालय (पोरी यूनिट), फिनलैंड के सहयोग से 3-7 मार्च, 2018 को "सतत विकास के लिए सहयोगी नवाचारों और समाधान का पोषण" पर अपने तरह के पहले अंतर्राष्ट्रीय शीतकालीन विद्यालय का आयोजन करने की अग्रणी पहल की। डॉ. कुशा तिवारी ने सीआईएमओ फिनलैंड द्वारा वित्त पोषित अंतर्राष्ट्रीय परियोजना में सह-जांचकर्ता के रूप में भाग लिया और सितंबर 2017 में दो हफ्तों की अवधि के लिए फिनलैंड के टीयूएएस और एक्सएएमके का दौरा किया। पहली बार हमने दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 68वीं वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी में भाग लिया और एक श्रेणी में पहला पुरस्कार जीता।

सम्मान/विशिष्टताएँ
कॉलेज ने भारत में कॉलेजों की एमएचआरडी एनआईआरएफ रैंकिंग में 61वां स्थान प्राप्त किया है। कॉलेज ने एनएएसी मूल्यांकन और मान्यता के पहले चक्र में बी+ ग्रेड भी प्राप्त किया।

हॉकी टीम अंतर कॉलेज हॉकी चैंपियनशिप के लगातार चौथी बार चैंपियन बनी और इतिहास बनाया।

कबड्डी टीम ने अंतर कॉलेज कबड्डी चैंपियनशिप 2017-2018 में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

बेसबॉल टीम ने अंतर कॉलेज बेसबॉल चैंपियनशिप में दूसरा स्थान और दिल्ली स्टेट बेसबॉल चैंपियनशिप 2017-2018 में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

विशेष उपलब्धि प्राप्त छात्र
राष्ट्रीय, विश्वविद्यालय, अंतर-कॉलेज और राज्य स्तर पर व्यक्तिगत उपलब्धियां:
श्री सचिन मलिक (बीए पाठ्यक्रम द्वितीय वर्ष) ने खुली वजन श्रेणी में जूनियर नेशनल जूडो चैंपियनशिप 2017-2018 में स्वर्ण पदक जीता।
दिल्ली जूडो टीम को राष्ट्रीय जूडो चैंपियनशिप 2017-2018 में भाग लेने के लिए चुना गया।
ऑल इंडिया इंटर-वर्सीटी जूडो चैम्पियनशिप, 2017-18 की खुली वज़न श्रेणी में भाग लेने वाली दिल्ली विश्वविद्यालय जूडो टीम के लिए चुना गया।
अंतर कॉलेज जुडो चैम्पियनशिप 2017-2018 में खुली वजन श्रेणी में स्वर्ण पदक जीता।
अंतर कॉलेज जूडो चैंपियनशिप 2017-18 में 81 किलो वजन श्रेणी में रजत पदक जीता।

श्री मृत्युंजय ने (बीएससी शारीरिक विज्ञान प्रथम वर्ष) ऑल इंडिया इंटर जोनल नेटबॉल चैंपियनशिप 2017-18 में दिल्ली नेटबॉल टीम में भाग लिया और टीम ने कांस्य पदक जीता।

कनिष्ठ नेटबॉल राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2017-18 में जूनियर दिल्ली नेटबॉल टीम के लिए चुने गये और टीम ने रजत पदक जीता।

सीनियर नेशनल नेटबॉल चैंपियनशिप 2017-18 में भाग लेने वाली दिल्ली नेटबॉल टीम में चुने गये।

अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय नेटबॉल चैम्पियनशिप, 2017-18 में भाग लेने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय नेटबॉल टीम में चुने गये।

सुश्री चेष्टा चौधरी (बीकॉम (पी)

ऑल इंडिया इंटर-वर्सिटी एक्वाटिक चैंपियनशिप 2017-18 में 1 एम और 3 एम स्प्रिंग बोर्ड डाइविंग इवेंट में भाग लेने वाली दिल्ली विश्वविद्यालय एक्वाटिक टीम के लिए चुनी गई।

सीनियर नेशनल एक्वाटिक चैम्पियनशिप, 2017-18 में में भाग लेने वाली दिल्ली विश्वविद्यालय एक्वाटिक टीम में 3 एम स्प्रिंग बोर्ड डाइविंग इवेंट में भाग लेने के लिए चुनी गई।

दिल्ली राज्य एक्वाटिक चैम्पियनशिप 2017-18 में 3एम स्प्रिंग बोर्ड डाइविंग कार्यक्रमों में रजत पदक जीता।

दिल्ली स्टेट एक्वाटिक चैम्पियनशिप 2017-18 में 1एम स्प्रिंग बोर्ड डाइविंग इवेंट में कांस्य पदक जीता।

श्री ललित कुमार (बीए (आनर्स) हिंदी प्रथम वर्ष)

उत्तरी जोन इंटर-वर्सीटी हॉकी चैंपियनशिप, 2017-18 में भाग लेने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की हॉकी टीम के लिए चुने गये।

वरिष्ठ हॉकी चैंपियनशिप 2017-18 में भाग लेने के लिए दिल्ली हॉकी टीम के लिए चुने गए।

श्री प्रशांत (बीए तृतीय वर्ष)

उत्तरी जोन इंटर-वर्सी हॉकी चैंपियनशिप, 2017-18 में भाग लेने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की हॉकी टीम में चुने गये।

वरिष्ठ हॉकी चैंपियनशिप 2017-18 में भाग लेने के लिए दिल्ली हॉकी टीम के लिए चुने गये।

प्रकाशन

आर एन कर, (2017) विलय, अधिग्रहण और कॉर्पोरेट पुनर्गठन: रणनीतियां और व्यवहार, *टैक्समैन्स*, नई दिल्ली, 2017.

अरिंदम बनिक, बरई, के मुनीम और सुजुकी, यासुशी (सं.) (2017) "एक सतत व्यापार मॉडल: भारतीय माइक्रो उद्यमों के अनुभव"। एक साझा भविष्य के लिए: विकास को समझना, एशिया-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता, *पालग्रेव* (मैकमिलन), सिंगापुर।

अरिंदम बनिक, बरई, के मुनीम और सुजुकी, यासुशी (संपा.) (2017) "एक साझा भविष्य के लिए मोट्टाई नैतिकता पर भारत-जापान सांस्कृतिक दूरी: एशिया-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता विकास को समझना, *पालग्रेव* (मैकमिलन), सिंगापुर।

इंदु खत्री, अरुण गोयल, ए के सिंह, नरेंद्र सिंह, मनमोहन (2017) "सापेक्षकीय आर-मैट्रिक्स बंद युग्मन विधि का उपयोग कर क्लोरीन की तरह नी बारह का फोटोनाइजेशन" *भौतिकी की कनाडाई पत्रिका,* 95(11): 1136-1141

संजीव कुमार, (2017) "भारत में लड़कियों के बाल श्रम के लिए सांस्कृतिक रुढ़ियां और घरेलू व्यवहार" *सहयोगी शिक्षा खंड में प्रगति और विद्वानों के शोध पत्र का जर्नल*। XIV, अंक संख्या 1.

कुशा तिवारी, (2018) टोनी मॉरिसन पर महत्वपूर्ण दृष्टिकोण। *दिल्ली: पेनक्राफ्ट इंटरनेशनल*, 2018.

कुशा तिवारी, (2018) उदारीकरण की कथा: नाडिन गॉर्डिमर के पोस्ट-नस्लीय फिक्शन का अध्ययन। दिल्ली: *रिसर्च प्रेस इंडिया*।

कुशा तिवारी, (2017) "गांधीवादी विचार और लिंगवादी राष्ट्रवाद"। *द क्वेस्ट* 31(2)

रुचिरा गुप्ता (2017) अनियाजा के दिसंबर अंक में फ्लेशलेड की नदी पुस्तक की समीक्षा, *इंडियन जर्नल ऑफ विमेन एंड सोशल चेंज,* सेज।

सीताराम कुंभर, (2017) लोकतंत्र की कमी और अधिकार: महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, सार्वजनिक वितरण प्रणाली और भारत में गरीबी उन्मूलन, *स्कॉलर पब्लिशिंग हाउस,* दिल्ली: आईएसबीएन:978-81-932035-4-5.

संजीव कुमार, (2017). "भारत में लड़कियों के बाल श्रम के लिए सांस्कृतिक रूढ़िवाद और घरेलू व्यवहार" *सहयोगी शिक्षा खंड में प्रगति और विद्वानों के शोध पत्र का जर्नल,* संस्करण. XIV, 1, आईएसएसएन 2230-7540।

सीताराम कुंभर, (2017). लोकतंत्र की कमी और अधिकार: महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, सार्वजनिक वितरण प्रणाली और भारत में गरीबी उन्मूलन, *स्कॉलर पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली*: आईएसबीएन:978-81-932035-4-5.

अनुसंधान परियोजनाएँ

कॉलेज के पास "फिनलैंड एवं भारतीय व्यापार के लिए जिम्मेदार व्यापार पेशेवर"(1 सितंबर 2016 - 31 अगस्त 2018) पर इंटरनेशनल मोबिलिटी (सीआईएमओ), फिनलैंड द्वारा परियोजना साझेदार प्रो. रबि नारायण कर और सह-जांचकर्ता के रूप में डॉ. कुशा तिवारी के साथ एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय परियोजना है। यह परियोजना फिनलैंड के तीन विश्वविद्यालयों एक्सएएमके, टीयूएएस, पोरी स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स और श्याम लाल कॉलेज के बीच सहयोग पर है।

आयोजित संगोष्ठियाँ

अंग्रेजी विभाग ने एक आभासी व्याख्यान "मीट द पोएट" आयोजित किया, जिसमें स्कॉटिश कवि फियोना एम मेरिकैंड और अपराध कथा लेखक डेनिज़मेरिक ने छात्रों के साथ अपने अनुभव साझा किए।

इतिहास विभाग ने 26 सितंबर, 2017 को "दिल्ली के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य" पर एक दिवसीय सेमिनार आयोजित किया।

इतिहास विभाग ने 12-13 मार्च, 2018 को "सदियों से बनारस का पवित्र शहर" पर आईसीएसएसआर प्रायोजित एक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

गणित विभाग द्वारा 9 अक्टूबर, 2017 को "सूचना सुरक्षा और ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर इवोल्यूशन को समझना" पर एक दिवसीय सेमिनार आयोजित किया गया था।

भौतिकी विभाग ने 1 फरवरी, 2018 को आईआईटी, दिल्ली के विख्यात प्रोफेसर वी के त्रिपाठी द्वारा "लेजर ड्राइव फ्यूजन" पर एक व्याख्यान आयोजित किया।

रसायन विज्ञान विभाग ने 21 फरवरी 2018 को प्रोफेसर (डॉ.) अशोक कुमार प्रसाद, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा “कार्बोहाइड्रेट: ड्रग कैरियर के रूप में अनुप्रयोग“ और "प्रोफेसर (डॉ) राकेश कुमार शर्मा, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा ग्रीन कैमिस्ट्री पर व्याख्यान आयोजित किए।

सम्मेलनों का आयोजन/ भागीदारी

राजनीति विज्ञान विभाग ने विश्व प्रतिष्ठित संस्थान, नेहरू मेमोरियल संग्रहालय और पुस्तकालय (एनएमएमएल) के सहयोग से 26-27 सितंबर, 2017 को “उभरती विश्व संक्रमणकालीन गतिशीलता में भारत की बढ़त: उन्नति, रणनीतिक चुनौतियां और अवसर" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

अंग्रेजी विभाग ने 20 अप्रैल, 2018 को "एक सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य: कथाओं की यात्रा और यात्रा की कथात्मकता" पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया।

कॉलेज के आईक्यूएसी ने एप्लाइड साइंसेज के तुर्कू विश्वविद्यालय, एप्लाइड साइंसेज के दक्षिण पूर्वी फिनलैंड विश्वविद्यालय और पोरी स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, फिनलैंड के सहयोग से 3-7 मार्च, 2018 से आरंभ एक सप्ताह के अंतर्राष्ट्रीय शीतकालीन विद्यालय के हिस्से के रूप में 5-6 मार्च, 2018 को "विकासशील देश और सतत विकास: अतीत को वर्तमान से पुन: संबद्ध करना" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

कॉलेज के आईक्यूएसी ने, टीयूएएस, एक्सएएमके और तुर्कू विश्वविद्यालय (पोरी यूनिट), फिनलैंड के सहयोग से, 3 मार्च, 2018 को "उभरती अर्थव्यवस्थाओं में उद्यमिता:आगे का रास्ता" पर पहली अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला और 7 मार्च, 2018 को "कौशल विकास और इसे अपनाने के अंतर्राष्ट्रीय अनुभव" पर दूसरी कार्यशाला का आयोजन किया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

प्रो.रबि नारायण कर ने नवंबर, 2017 में, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "सीडब्ल्यूएसएन के लिए एक सुलभ शिक्षा प्रणाली विकसित करने की दिशा में आगे की राह..." पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. रबि नारायण कर ने नवंबर, 2017 में, आईएमआई कोलकाता "विलय और अधिग्रहण में प्रगति" पर एक व्याख्यान दिया।

प्रो. रबि नारायण कर ने स्नातकोत्तर, वाणिज्य विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय में जनवरी 2018 में आर्थिक विकास के लिए संस्थागत उत्कृष्टता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पूर्ण सत्र में वक्ता के रूप योगदान दिया।

प्रोफेसर रबि नारायण कर ने जनवरी, 2018 में स्नातकोत्तर, वाणिज्य विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय में सतत विकास के लिए नवीनता और उद्यमिता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन मंच के एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

प्रो. रबि नारायण कर ने, फरवरी 2018 में इंडियन अचीवर्स फोरम, इंडिया हैबिटेट सेंटर में मेक इन इंडियाःउद्यमियों के लिए पर्यावरण बनाना और सक्षम करना पर संगोष्ठी में एक पैनल वक्ता रहे।

प्रो. रबि नारायण कर आईएमएस, एफएमएस बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में, अप्रैल 2018 में उभरती व्यावसायिक प्रथाओं पर राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पैनल वक्ता के रूप में भाग लिया।

प्रो. रबि नारायण कर 2016-18 के बीच फिनलैंड के टीयूएएस के साथ एक अतिथि प्रोफेसर के रूप में कार्य कर रहे हैं।

डॉ. मोनिका गोयल ने मल्टीनेशनल एंटरप्राइजेज और सस्टेनेबल डेवलपमेंट पर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस, एमईएसडी 17, अटलांटा, जॉर्जिया, यू.एस. में दिसंबर, 2017 में विस्तारित अंशकालिक फूरियर ट्रांसफॉर्म का उपयोग करके "काओस आधारित छवि एन्क्रिप्शन तकनीक" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

श्री सुबोध ने 9-10 दिसंबर, 2017 को दयाल सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में "विश्लेषण और इसके अनुप्रयोगों" पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "जीएफ (क्यू); क्यू>2 के ऊपर के लाइनर कोड को सुधारने में दोहराए गए प्रतिबंधित विस्फोट की त्रुटि" शीर्षक एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. कुशा तिवारी ने 19 और 21 सितंबर, 2017 को अनुप्रयुक्त विज्ञान के दक्षिण पूर्वी फिनलैंड विश्वविद्यालय में "पार-सांस्कृतिक संचार: मुद्दे और चुनौतियां" पर आमंत्रित व्याख्यान दिए।

डॉ. तिवारी सितंबर, 2017 में सीआईएमओ वित्त पोषित अंतर्राष्ट्रीय परियोजना और विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत "जिम्मेदार व्यावसायिक पेशेवर: फिनलैंड-भारत व्यापार" पर फिनलैंड के एक्सएएमके और टीयूएएस की अतिथि संकाय रही हैं।

डॉ कुशा तिवारी ने 8-9 मार्च, 2018 को उत्कल विश्वविद्यालय में सतत विकास, नवाचार और उद्यमिता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत में कला और शिल्प उद्योग में सतत उद्यमिता" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

भारतीय/ विदेशी कंपनियों एवं भारतीय/विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ हस्ताक्षरित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

कॉलेज ने इंटरनेशनल मोबिलिटी सेंटर (सीआईएमओ), फिनलैंड द्वारा वित्त पोषित, फिनलैंड आधारित परियोजना "फिनलैंड एंड इंडिया ट्रेड के लिए जिम्मेदार व्यावसायिक पेशेवर" (1 सितंबर 2016 -31 अगस्त 2018) के लिए फिनलैंड के तीन विश्वविद्यालयों- तुर्कू स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स/पोरी यूनिट (तुर्कू विश्वविद्यालय), साउथ ईस्टर्न फिनलैंड यीनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज (एक्सएएमके), तुर्कू एप्लाइड साइंसेज विश्वविद्यालय (समन्वयक), के साथ अकादमिक विनिमय कार्यक्रम की व्यवस्था की है।

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र

एसएलसी के चार छात्र, बी. कॉम (ऑनर्स) के तृतीय वर्ष के श्री अंगद आनंद और श्री अभिषेक बेरी तथा अंग्रेजी (ऑनर्स) के तृतीय वर्ष की सुश्री श्रेया उपाध्याय और सुश्री अदिति ठाकुर ने सीआईएमओ, फिनलैंड द्वारा वित्त पोषित प्रमुख अंतरराष्ट्रीय परियोजना "फिनलैंड और भारत के व्यापार के लिए जिम्मेदार व्यावसायिक पेशेवर" के अंतर्गत अकादमिक विनिमय कार्यक्रम के लिए, सितंबर, 2017 में एक महीने के लिए एक्सएएमके और टीयूएएस, फिनलैंड का दौरा किया।

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्रों की संख्याः 140

परिसर में भर्ती के आने वाली कंपनियों की संख्या: 11

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

आसपास के क्षेत्रों में कुल 9 एनसीसी शिविर आयोजित किए गए। 75 लोगों ने इनने नामांकन कराया दाखिला और 75 छात्रों ने शिविरों में काम किया। इन शिविरों के लिए कुल 99 घंटे समर्पित किए गए।

पुस्तकालय विकास

2017-18 में खरीदी गई कुल पुस्तकें: 649

खर्च की गई कुल राशि: रु. 360,078/-

पत्रों/पत्रिकाओं/आवधिकों की संख्या: 40

स्थायी / अस्थायी / तदर्थ संकाय की संख्या:

स्थायी संकाय की कुल संख्या: 65

तदर्थ संकाय की कुल संख्या: 59

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग 2017-18 (रुपए में):

स्वीकृत अनुदान: रु. 2,12,100,000

अनुदान का उपयोग: रु. 2,13,977,776

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी:

कॉलेज 'कौशल भारत' और 'डिजिटल इंडिया' जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रमों में पूरी शक्ति के साथ भाग ले रहा है। कॉलेज में एक कौशल विकास समिति स्थापित की गई है और इसने कंप्यूटर साक्षरता के लिए एक दिवसीय कार्यशालाओं से एक महीने तक के कार्यक्रमों का आयोजन किया है। कॉलेज अपने सक्रिय महिला विकास प्रकोष्ठ के अंतर्गत महिला विकास और लिंग संवेदीकरण के लिए भी कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। अवसरों को चिह्नित करने के लिए विशेषज्ञों द्वारा इंटरैक्टिव व्याख्यान आयोजित किए गए।

***

श्याम लाल महाविद्यालय (सांध्य)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

22 और 23 सितंबर, 2017 को मूल्यांकन और मान्यता के पहले चक्र के लिए कॉलेज ने एनएएसी पीयर टीम की यात्रा की थी। कॉलेज बी+ ग्रेड प्राप्त करने में सफल रहा है। कॉलेज को आईएसओ 9001:2015 मान्यता प्राप्त अमेरिकन बोर्ड ऑफ एक्सीड्रिशन सर्विसेज द्वारा मान्यता प्राप्त है।

कॉलेज द्वारा प्रकाशित पत्रिकाएं

'एस्पिरेयर', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट (आईएसएसएन: 23 9 4-0484 (प्रिंट), 23 9 4-6601 (ऑनलाइन))

अन्य प्रकाशन

अनिल कुमार सिंह, (2017) "भारत के पांच राज्यों में शराब की खपत का प्रसार और सामाजिक-जनसांख्यिकीय सह-संबंध"। ड्रग एवं अल्कोहल निर्भरता 'आईएसएसएन: 0376-8716.

रितेश भारद्वाज, (2017) "डॉ. अम्बेडकर: एक व्यक्ति, बहु पक्ष", संपादित पुस्तक, अलंकार पब्लिशिंग हाउस, आईएसबीएन: 978-93-86817-00-6.

रितेश भारद्वाज, (2017) "डॉ. अम्बेडकर: एक व्यक्तितत्व, बहुपक्षीय आयाम", संपादित पुस्तक, ऐप्पल पब्लिशिंग हाउस, आईएसबीएन: 978-93-86817-01-3.

रितेश भारद्वाज, (2017) “"लोक सेवा और स्वशासन", "लोक प्रहसन": आईआईपीए द्वारा प्रकाशित, आईएसएसएन: 0019-5561, वर्ष 9, अंक.2.

संपादक/संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्यरत कॉलेज शिक्षकों की संख्या: 05

आयोजित संगोष्ठियाँ

इतिहास विभाग ने एनसीपीएसएल के सहयोग से 15 फरवरी 2018 को, नई दिल्ली में "सिंध के इतिहास और विरासत" पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।

आईक्यूएसी-एसएलसीई ने 17 मार्च 2018 को "आंदोलन, साहित्य और समाज नए परिप्रेक्ष्य" पर एक बहु-विभागीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. अनिल कुमार राय ने सरकारी रोज़ा पी. जी. कॉलेज, रामपुर (उप्र) में 27-28 जनवरी 2018 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में “सतत विकास के लिए एक एकीकृत आधार बनाना: शिक्षा और सशक्तिकरण" पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. राय ने 'पैनल चर्चा' में एक व्याख्यान दिया और 17 मार्च 2018 को एसएलसी (ई) और एसएलसी (ई) के आईक्यूएसी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "आंदोलन, साहित्य और समाज:नए परिप्रेक्ष्य” एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. रमेश कुमार ने जाकिर हुसैन कॉलेज द्वारा 17 अक्टूबर 2017 को दिल्ली मे सत्याग्रह पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में *चंपारण पर पुनर्विचार: 21 वीं सदी में सत्याग्रह की चुनौतियां* पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. रमेश कुमार ने संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान और गांधी पर, 4 जनवरी 2018 को जीएसडीएस और हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला द्वारा आयोजित एक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में *संघर्ष समाधान: एक गांधीवादी प्रसंग* पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. डी एन सिंह ने 15 फरवरी 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग, श्याम लाल कॉलेज (सांध्य) द्वारा "सिंध और इतिहास की विरासत" पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में *"सिंध और सूफीवाद"* नामक एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ स्तुति गुप्ता ने 5 जनवरी 2018 को "डिजिटल क्रांति का प्रबंधनःभविष्य के भारत की खोज" के व्यापक विषय पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "ब्लॉकचैन टेक्नोलॉजी: भारतीय बैंकिंग सेक्टर में आवेदन" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। उनके शोध पत्र को तकनीकी सत्र में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र के रूप में सम्मानित किया गया और अंतर्राष्ट्रीय जर्नल "दिल्ली बिजनेस रिव्यू" में प्रकाशन के लिए चुना गया है, जो यूजीसी अनुमोदित सूची 1, कैबेल की निर्देशिका, यूएसए, इंडेक्स कॉपरनिकस, प्रोक्वैस्ट, इंडियन जर्नल ऑफ कॉमर्स, ईबीएससीओ में सूचीबद्ध है।

डॉ. सुरेश कुमार ने 8 मार्च, 2018 को वाणिज्य विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "भारत में बैंकिंग क्षेत्र द्वारा अपनाए गए प्रदर्शन मूल्यांकन के अभ्यास" पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. आदित्य पी त्रिपाठी ने स्विट्ज़रलैंड के जिनेवा में 27-30 जून 2017 को चेक तकनीकी विश्वविद्यालय के साथ इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड इकोनॉमिक साइंसेज द्वारा आयोजित छठे बिजनेस एंड मैनेजमेंट कॉन्फ्रेंस में ‘ऑन-लाइन शॉपिंग की ओर उपभोक्ता धारणा: भारतीय परिप्रेक्ष्य (दिल्ली के विशेष संदर्भ के साथ) का अध्ययन’ नामक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

श्री कमलेश अट्री ने 28-30 अप्रैल 2017 को सेंटर फॉर माउंटेन टूरिज्म एंड होस्पिटलिटी स्टडीज, हेमावती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में हिमालयी पर्यटन उद्योग में आईएसएम लिंकेज के विकास पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

श्री कमलेश अट्री ने हिमालयी पर्यटन उद्योग, 28-30 अप्रैल 2017 में सेंटर फॉर माउंटेन टूरिज्म एंड होस्पिटलिटी स्टडीज, हेमावती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आईएसएम लिंकेज के विकास पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. रितेश भारद्वाज ने जाकिर हुसैन कॉलेज (सांध्य), दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 22 मार्च, 2017 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ, अम्बेडकर और भारतीय लोकतंत्र के गंभीर विश्लेषण पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्रों की संख्या और प्रतिशत:	65
भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियों की संख्या:	10

पुस्तकालय विकास

हमारे पुस्तकालय में 50,049 से अधिक पुस्तकों का एक समृद्ध संग्रह है जिसमें विभिन्न विषयों की श्रृंखला शामिल है। यह 14 हिंदी और अंग्रेजी समाचार पत्रों, 55 पत्र/पत्रिकाओं की सदस्यता लेता है। ई-संसाधन सुविधा भी उपलब्ध है, जिसके माध्यम से छात्र और शिक्षक दुनिया के सर्वोत्तम डेटाबेस, डीयूएलएस, ई-जर्नल, ई-बुक और रिपोर्ट तक पहुंच सकते हैं। हमारा पुस्तकालय स्वचालित है और प्रकाशकों, सूची, पुस्तक समीक्षा और प्रकाशक वेबसाइटों से परामर्श करके नई पुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित करता है। छात्रों और कर्मचारियों के लिए भूमि तल और ऊपरी पुस्तकालय भवन पर खुली पहुंच सुविधाएं उपलब्ध हैं। पुस्तकालय को बार कोडित किताबों और सदस्यता कार्ड के साथ कम्प्यूटरीकृत किया गया है। जेरॉक्स सुविधा कर्मचारियों के लिए भी उपलब्ध है। खरीदे जाने वाले शीर्षक की प्रतियों की संख्या की मौजूदा सीमा को नए पाठ्यक्रम के मुताबिक पाँच से बढ़ा कर बीस कर दिया गया है। नई पुस्तकें विधिवत अधिसूचित और प्रमुख रूप से प्रदर्शित होती हैं।

संकाय की संख्या

स्थायी संकाय की कुल संख्या:	48
तदर्थ शिक्षकों की कुल संख्या:	28

वित्तीय आवंटन और उपयोग 2017-18 (रुपये में):

स्वीकृत अनुदान:	रु. 185561000/-
अनुदान का उपयोग:	रु. 145525000/-

***

श्यामा प्रसाद मुखर्जी महिला महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

चार शिक्षकों को डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी से सम्मानित किया गया। यह संकाय सदस्यों द्वारा प्रस्तुत और प्रकाशित शोध के संदर्भ में कॉलेज के लिए एक बहुत ही उत्पादक वर्ष था। कुल 16 किताबें और 4 पुस्तक अध्याय प्रकाशित किए गए। विभिन्न प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 60 से अधिक शोध लेख भी प्रकाशित किए गए थे। विभिन्न संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और सम्मेलनों में 30 से अधिक पत्र प्रस्तुत किए गए। दो विभाग अर्थात् शिक्षा

विभाग और कंप्यूटर विज्ञान विभाग ने दो अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन किया था। कॉलेज एनएसएस और एनसीसी इकाइयां विभिन्न गतिविधियों के आयोजन और भाग लेने में सक्रिय रहीं। हमारे कॉलेज ने केन्द्रीय प्रवेश प्रक्रिया, वरिष्ठ राष्ट्रीय हॉकी टीम शिविर (डब्ल्यू), अंतर के लिए चयन शिविर के लिए खो-खो परीक्षण (पुरुष और महिला), यूनिवर्सिटी बेसबॉल टीम इत्यादि जैसे विभिन्न खेल आयोजनों का आयोजन किया। कॉलेज ने सरिता विहार, एसपीएम कॉलेज में आयोजित इंटर-कॉलेज खो-खो टूर्नामेंट और भारती कॉलेज में आयोजित भारती कप में राज्य स्तरीय कबड्डी टूर्नामेंट भी जीता।

सम्मान/गौरव :

डॉ. अवनीश कुमार, डॉ. कौशल्या वाजपेयी, डॉ. निर्मला शाह, डॉ. सुप्रिया सिन्हा को डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी से सम्मानित किया गया।

राजनीति विज्ञान विभाग की डॉ. आमना मिर्जा ने तीन प्रतिष्ठित पुरस्कार अर्थात् 5 मई, 2017 को ऑल लेडीज एट वुमन इकोनॉमिक फोरम द्वारा प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार, 5 सितंबर, 2017 को ओएनजीसी के सीडी फाउंडेशन द्वारा प्रशस्ति पत्र और मार्च 2017 में एसईई-सेल्फ हेल्प एन्मासे द्वारा प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार प्राप्त किए।

पूजा वशिष्ठ को दिल्ली की एनसीटी सरकार, द्वारा सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार 2017 सम्मानित किया गया था।

विश्व शांति के लिए शिक्षकों के अंतर्राष्ट्रीय संगठन द्वारा डॉ. प्रीति राय को राष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण और विकास पुरस्कार प्रदान किया गया। जुलाई 2017।

डॉ. साधना शर्मा को इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस द्वारा राष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण और विकास पुरस्कार प्रदान किया गया। जुलाई 2017।

डॉ. उर्मिल वत्स को को इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एजुकेटर्स फॉर वर्ल्ड पीस द्वारा राष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण और विकास पुरस्कार प्रदान किया गया। जुलाई 2017।

<u>गौरव सम्मान प्राप्त छात्र</u>

अस्मिता नारंग बी ए (ऑनर्स) अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान द्वितीय वर्ष को दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान मिला।

साक्षी गुलाटी बी ए (ऑनर्स) अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान द्वितीय वर्ष को दिल्ली विश्वविद्यालय में द्वितीय स्थान मिला।

रोशनी जादन बी ए (ऑनर्स) अ अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान तृतीय वर्ष को दिल्ली विश्वविद्यालय में द्वितीय स्थान मिला।

प्रकाशन: कुल संख्या - पुस्तकें: 16; पुस्तक अध्याय: 4; पत्रिकाओं में लेख: 60

आर बाला, (2017) जातीय विविधता और संघर्ष के बदलते परिप्रेक्ष्य: पूर्वोत्तर भारत का एक अध्ययन। गाददे ओम प्रसाद और अमित कुमार गुप्ता (संपा.)।

पूर्वोत्तर के माध्यम से भारत की एक्ट ईस्ट नीति: अवसर और चुनौतियां। दिल्ली: मित्तल प्रकाशन, पृ. 121-137.

यू चेनिका, और ए मिर्जा, (संपा.) (2017) आज के भारत की पुनर्खोज। नई दिल्ली: स्वराज प्रकाशन।

नीता एन कुमार, (2018) साहित्यिक सौंदर्य और खाद्य। द प्वायज़न ब्रेड की एक आलोचना। साहित्यिक परिप्रेक्ष्य, अंक.13, सं.1.

ए मिर्जा, (2018) वैश्विक राजनीति का मिश्रण, नई दिल्ली: वीएलएमएस।

पी राठी, (2017).) विलंब-सहिष्णु नेटवर्क (डीटीएन) के लिए शब्दार्थ। करम वीर आर्य, रॉबिन सिंह भदौरिया, और नरेंद्र एस चौधरी (संपा.) वायरलेस एरिया नेटवर्क में उभरती हुई तकनीकें: सिद्धांत, प्रतिमान और प्रदर्शन। सिंगापुर: स्प्रिंगर, पृ. 101-123.

एम शिवहरे, (2018). योग: आत्म-अनुभूति का एक मार्ग। नई दिल्ली: शिवालिक प्रकाशन।

एस भाटिया, और जी भारद्वाज, (2017) महिला सशक्तिकरण के अवधारक: एक अनुभवजन्य जांच। मनोविज्ञान और शिक्षा की भारतीय पत्रिका, (आईजेपीई), अंक सं. 7(1), पृ. 7-18.

आर थरेजा, (2017) समस्या सुलझाने के दृष्टिकोण का प्रयोग कर पाइथॉन प्रोग्रामिंग। नई दिल्ली: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।.

टी वाधवा, (2017) स्कूली बच्चों और किशोरों के लिए मार्गदर्शन और परामर्श। नई दिल्ली: सेज प्रकाशन।

वी कपूर, (2018) द्वितीय भाषा सीखने के संदर्भ में रचनात्मकता को समझना। मानवता विज्ञान और अंग्रेजी भाषा के लिए विद्वानों की अनुसंधान पत्रिका।अंक 5/25. ऑनलाइन आईएसएसएन 2348-3083, एसजे पृ.7061-7080.

अनुसंधान परियोजनाएँ

श्री संजीव कुमार, आरक्षण नीति की स्थिति: बिहार में उच्च शिक्षा संस्थानों का एक अध्ययन। आईसीएसएसआर। 8 लाख रुपए।

आयोजित संगोष्ठियाँ

एसपीएमसी ने 27 मार्च 2018 को कमला भसीन द्वारा 'लिंग, संवेदनशीलता, समानता और महिला सशक्तिकरण: निरंतरता और परिवर्तन' पर वार्षिक व्याख्यान श्रृंखला आयोजित की।

वाणिज्य विभाग ने 18 सितंबर 2017 को 'स्टॉक मार्केट में निवेश' पर एक संगोष्ठी आयोजित की।

श्री वरुण मल्होत्रा, निदेशक, एज इंस्टीट्यूट ऑफ फाइनेंस स्टडीज प्राइवेट लिमिटेड और श्री नरेश पांडे, उपाध्यक्ष, बिक्री और बीडी, शेयर इंडिया सिक्योरिटीज लिमिटेड प्रमुख वक्ताओं थे।

दर्शनशास्त्र विभाग ने 'कानून के पालन के लिए साझा भलाई और दायित्वों के लिए कानून' पर एक वार्ता आयोजित की। श्री संजय कुमार चड्ढा, सुप्रीम कोर्ट ने अधिवक्ता वक्तव्य दिया।

गणित विभाग ने 'गणित के मूलभूत सिद्धांत' पर व्याख्यान श्रृंखला शुरू की। उद्घाटन व्याख्यान प्रो रविचंद्रन, प्रमुख, गणित विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा दिया गया था।

अर्थशास्त्र विभाग ने 20 सितंबर, 2017 को सी ए राजेंद्र अरोड़ा द्वारा 'माल और सेवा कर' पर एक वार्ता आयोजित की।

दर्शनशास्त्र विभाग ने 16 मार्च, 2018 को इंडियन काउंसिल ऑफ फिलॉसॉफिकल रिसर्च द्वारा प्रायोजित 'भारतीय स्रोतों के दार्शनिक परामर्श' पर एक व्याख्यान आयोजित किया।

सम्मेलनों का आयोजन/ भागीदारी

कंप्यूटर विज्ञान विभाग ने 9-10 मार्च, 2018 को 'कंप्यूटिंग और संचार प्रौद्योगिकियों का अनुप्रयोग - आईसीएसीसीटी' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

शिक्षा विभाग ने 8-10 नवंबर, 2017 को 'भविष्य की चुनौतियों के लिए शिक्षा प्रणाली को संरेखित करने' पर चौथा वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया।

सम्मेलनों/ संगोष्ठियों में प्रस्तुतियाँ

डॉ. चयानिका उनियाल और डॉ. निर्मला शाह ने, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय में 19-20 अप्रैल 2017 को *दक्षिण एशिया में शासन, मानवाधिकार और क्षेत्रीय सहयोग :वैश्वीकरण के अवसर और चुनौतियां* पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में "दक्षिण एशियाई राजनीति में महिलाओं की भागीदारी: भारत का एक प्रकरण अध्ययन नामक एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

जया गेरा, हरमीत कौर ने आईटीक्यूएम - 2017, प्रोटीडिया कंप्यूटर साइंस, 2017, वॉल्यूम 122 पर पाँचवें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में "क्रॉउडफंडिंग अभियान की सफलता पर सोशल मीडिया कनेक्टिविटी के प्रभाव" पर एक शोधपत्र प्रस्तुत सह-प्रस्तुतत और प्रकाशित किया। पृ 767-774.

सुश्री मांशी हांडा ने 11 सितंबर 2017 को संयुक्त राष्ट्र संघ संघ द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस 2017 कार्यक्रम में 'साक्षरता में भारत: मुद्दे, चुनौतियां और समाधान' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. सुदीप्ता घोष ने पर्थ, ऑस्ट्रेलिया, 2017 में इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ स्पेशल एजुकेशन (आईएएसई) में 'समावेशी स्कूलों में विज्ञान शिक्षण की चुनौतियों' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रदीप कुमार ने दिल्ली के श्री अरबिंदो कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 3-4 मार्च 2017 को आयोजित 'रसायन विज्ञान एवं पर्यावरण तकनीक में हालिया नवाचारों' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रियंका राठी ने इंटेलिजेंट कंप्यूटिंग, इंस्ड्रुमेंटेशन एंड कंट्रोल टेक्नोलॉजी, 2017 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'वैनेट्स में सतत मार्कोव चेन का उपयोग करके आईईईई 802.11 पी का प्रदर्शन विश्लेषण' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. रितु भगत ने 29 जनवरी, 2018 को राजीव गांधी अध्ययन सर्किल, दिल्ली यूनिट द्वारा आयोजित लिंग संवेदनशीलता, समानता और महिला सशक्तिकरण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'भारत में गांधी और महिला आंदोलन' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. उर्मिल वत्स ने 2017 में महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, सीजीएसआईपीयू, दिल्ली में 'सेल्फ मैनेजमेंट' पर अतिथि व्याख्यान दिया।

राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय हस्ताक्षरित समझौता-ज्ञापन

3 मार्च 2018 को यूवा और सेवा फाउंडेशन के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह एक गैर सरकारी संगठन है जो छात्रों और शिक्षकों के बीच मानव मूल्यों और भावनाओं को बढ़ावा देने के लिए उन्हें राष्ट्र की सेवा करने और पर्यावरण की रक्षा और संरक्षण करने के लिए प्रेरित करता है। सहयोग निम्नलिखित क्षेत्रों में होगा।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग

श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज की एनएसएस इकाई एनजीओ शुभेक्षिका एजुकेशनल सोसाइटी, ब्लॉक-जे, सेक्शन -16, रोहिणी, दिल्ली के साथ जुड़ी हुई है। तेरह (13) छात्र स्वयंसेवकों ने कैंसर ड्राइव, होली कलर मेकिंग, शिक्षण, प्रोत्साहक चर्चा, वार्षिक दिवस की तैयारी, बिक्री, खुले आश्रय आदि पर लघु फिल्म बनाने में सहायता जैसी कई गतिविधियों में 4 महीने (जनवरी से अप्रैल 2018 तक) तक काम किया है।

हमारा कॉलेज क्रमशः छात्रों और आपदा प्रबंधन कार्यशालाओं के लिए स्व-प्रशिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रमों में दिल्ली पुलिस और नागरिक रक्षा प्राधिकरणों के साथ सहयोग करता है। इसके अलावा, कॉलेज हमारे छात्रों के इंटर्नशिप के लिए इंटरन थ्योरी और इंटरनेशाला के साथ भी सहयोग करता है।

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्रों की संख्याः	137
भर्ती के लिए परिसर में आने वाली कंपनियों/उद्योगों/संस्थानों की संख्या:	8
दुबारा आने वाले नियोक्ताओं की संख्या:	2 (जेनपैक्ट)।

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

ईसीआई ने एनएसएस-एसपीएम यूनिट के सहयोग से दो दिनों का मतदाता पंजीकरण अभियान शुरू किया। लगभग 250 प्रपत्र वितरित किये गये और उन्हें भरा गया। एनएसएसएसएस ने एनएएसएसकॉम के सहयोग से प्रौद्योगिकी के

बारे में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया और केंद्रीय सतर्कता आयोग के सहयोग से 30 अक्टूबर से 4 नवंबर 2017 तक सतर्कता सप्ताह मनाया। कॉलेज के छात्रों ने सार्वजनिक कर्मचारियों के नेतृत्व में ईमानदारी की प्रतिज्ञा की थी। कॉलेज की एनएसएस इकाई ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के बच्चों को अंग्रेजी, हिंदी और गणित की मूलभूत शिक्षा देने के लिए प्रत्येक व्यक्ति एक को पढ़ाये कार्यक्रम आरंभ किया। स्वयंसेवकों ने सप्ताह और सप्ताहांत पर समान रूप से अपने इलाके के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के बच्चों को पढ़ाया।

कॉलेज के छात्रों और कर्मचारियों द्वारा प्रयुक्त और अप्रयुक्त किताबें दान की गई थीं।4-16 दिसंबर 2017 तक पुस्तक दान अभियान में प्राप्त पुस्तकें जरूरतमंद लोगों को वितरित की गईं। 2018 छात्रों और कर्मचारियों के स्वयंसेवकों ने 13-16 फरवरी 2018 को उन लोगों के लिए कपड़े भी दान किये जिन्हें उसकी आवश्यकता है।

कॉलेज का फैमिली काउंसिल सेंटर सामुदायिक पहुँच के हिस्से के रूप में जरूरतमंद पड़ोसियों को परामर्श, सिफारिश और पुनर्वास सेवाएं प्रदान करता है।

पुस्तकालय विकास

हमारा पुस्तकालय 77016 किताबों के डेटाबेस के साथ पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत है। इसमें विभिन्न विषयों पर पुस्तकों का एक समृद्ध संग्रह है। यह पढ़ने की साधारण किताओं और पत्र और पत्रिकाओं सहित 78 आवधिक पत्रों की सदस्यता लेता है। लाइब्रेरी में सूचना केंद्र के ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए इंटरनेट सुविधा वाले 25 कंप्यूटर हैं। सभी सदस्यों को यूजीसी-इनफोनेट के माध्यम से उपलब्ध 6000 से अधिक पत्रिकाओं, ई-डेटाबेस तक निःशुल्क पहुँच के लिए लॉगिन पासवर्ड भी प्रदान किए जाते हैं। पुस्तकालय में ब्रेल किताबों का एक अद्वितीय संग्रह है।. दिव्यांग छात्रों को उनके पाठ्यक्रम की पूरी अवधि के लिए विशेष सॉफ्टवेयर वाले रिकॉर्डर और लैपटॉप जारी किए जाते हैं।

कुल बजटः1262500

जोड़ी गई पुस्तकों की संख्याः 1499

पुस्तकों की कुल संख्याः77016

पत्र\पत्रिकाओं की कुल संख्याः: 78

संकाय की संख्या

स्थायी संकाय की संख्याः	84
तदर्थ संकाय की कुल संख्या:	81

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग 2017-18:

यूजीसी स्वीकृत अनुदान:	रु. 2,28,038,569/-
दिल्ली प्रशासन से अतिरिक्त अनुदान:	रु. 29,62,000/-

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

एसपीएमसी स्पोर्ट्स टीम ने राष्ट्रीय, राज्य और विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में कॉलेज के लिए कई प्रशंसा और पुरस्कार जीते। एसएसएमसी ने केन्द्रीय प्रवेश प्रक्रिया, जून-2017 में दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए खो-खो परीक्षण (पुरुष और महिला) का आयोजन किया। कॉलेज ने इंटर-कॉलेज खो-खो (महिला) टूर्नामेंट, इंटर-कॉलेज बेसबॉल (महिला) टूर्नामेंट, वरिष्ठ राष्ट्रीय हॉकी टीम कैंप (महिला) और इंटर यूनिवर्सिटी बेसबॉल टीम के चयन के लिए एक और शिविर आयोजित किया।

कॉलेज की कबड्डी टीम ने 22-24 दिसंबर, 2017 को दिल्ली के सरिता विहार में आयोजित राज्य स्तरीय कबड्डी टूर्नामेंट जीता। एसपीएमसी ने 6-11नवंबर, 2017 को एसपीएम कॉलेज आयोजित खो-खो टूर्नामेंट और 17 मार्च, 2018 को भारती कॉलेज में आयोजित भारती कप भी जीता था। मिस शिवानी और अंजली ने 19-22 नवंबर, 2017

को एमडीयू, रोहतक में आयोजित इंटर यूनिवर्सिटी कबड्डी टूर्नामेंट में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। 21-22 दिसंबर, 2017 को आयोजित 38वें विश्व प्रबंधन कांग्रेस के अवसर पर कॉलेज को 'सर्वश्रेष्ठ प्रबंधित ग्रीन कैंपस अवॉर्ड' प्रदान किया गया था। 23 फरवरी, 2018 को आयोजित दिल्ली विश्वविद्यालय की 66वीं वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी में कॉलेज को पूर्वी और पश्चिमी शैली में सर्वश्रेष्ठ कलात्मक पुष्प प्रदर्शन के लिए 'स्वर्ण जयंती वर्ष पदक' से सम्मानित किया गया था। कॉलेज ने जंगली फूलों के साथ पुष्प व्यवस्था के लिए 'लक्ष्मण सरीन कप नंबर 3' भी जीता।

***

श्री अरबिंदो महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

कॉलेज के विभिन्न विभाग, शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा छात्रों और दिल्ली विश्वविद्यालय के अन्य कॉलेजों के छात्रों के लिए खुली अपनी दो दिवसीय गतिविधियों का कार्यक्रम आयोजित करते हैं। कॉलेज की साहित्यिक सोसायटी छात्रों के लिए कार्यशालाओं और प्रतियोगिताओं का आयोजन करती हैं, आकाश (वाणिज्य), अरण्यन (वनस्पति विज्ञान) जैसी अन्य सोसायटियाँ पूरे वर्ष सक्रिय रहती हैं। कॉलेज में कला, संगीत, नृत्य, चित्रकला और फोटोग्राफी में छात्रों की प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाली नौ सांस्कृतिक सोसायटियाँ भी हैं। कॉलेज ने फरवरी 2018 में अपना वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव महक 2017-18 का आयोजित किया। इसमें दिल्ली विश्वविद्यालय से 25 से अधिक कॉलेजों ने भाग लिया। कॉलेज सोसायटियों ने पूरे देश में एम्स दिल्ली और विभिन्न आईआईटी पुरस्कार जीते हैं। स्वच्छ भारत अभियान, पर्यावरण बचाओ, रक्त दान शिविर, स्वच्छ भारत इंटर्नशिप जैसे कार्यक्रम हमेशा प्रोत्साहित किए जाते हैं। छात्र इनमें उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं।

सम्मान/विशिष्टताएँ

डॉ. मंजू एम गुप्ता को इंटरनेशनल सिम्बायोसिस सोसाइटी, संयुक्त राज्य अमेरिका की उपाध्यक्ष निर्वाचित की गईं।

प्रकाशन

अश्विनी कुमार, ए के वर्मा। (2018) "माइक्रोवेव/डिजिटल ट्रांसमिशन अनुप्रयोगों के लिए कुछ बहुपद आधारित लोपास फिल्टरों का तुलनात्मक प्रदर्शन" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स टेलर एंड फ्रांसिस, पृ.1-23, https://doi.org/10.1080/00207217.2018.1494338

अश्विनी कुमार श्रीवास्तव, बीके कनौजिया, एस द्वारी, सचिन कुमार (2018) "ब्लूटूथ/ डब्लूएलएएन अनुप्रयोगों के लिए मल्टीबैंड इंटीग्रेटेड वाइडबैंड एंटीना" एईयू - इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशंस वॉल्यूम 89, पृष्ठ 77-84

कुणाल श्रीवास्तव, अश्विनी कुमार, बी के कनौजिया और एस द्वारी, "एकाधिक बैंड-नोच्ड के साथ एकीकृत एमेच्योर बैंड और अल्ट्रा-वाइड बैंड मोनोपोल एंटीना" इलेक्ट्रॉनिक्स का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, टेलर एंड फ्रांसिस, डीओआई: 10.1080/00207217.2017.1382013,2017

कुणाल श्रीवास्तव, अश्विनी कुमार, बीके कनौजिया, एस द्वारी, ए के वर्मा, के.पी. एस्सेल, राज मित्रा, (2017) "एकल, दोहरी और तिहरे नोट किए गए बैंड के साथ एकीकृत जीएसएम-यूडब्ल्यूबी फाइबोनैकी-प्रकार एंटेना" आईईटी माइक्रोवेव और एंटीना प्रचार, डीओआई:10.1049/iet-map.2017.0074.

एम कुमार, टी जे अग्रवाल, और एस सहगल, (2017). प्री-एंड पोस्ट-सीटीटी अवधि में भारतीय उपभोग्य बाजार के लिए घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय सूचना संबंध। मेटामार्फोसिस, 16(2), 75-91.

आर नैयर, (2018) भारतीय एमएनईएस निर्धारकों पर अनुसंधान को आगे बढ़ाना: उप-राष्ट्रीय संस्थानों की भूमिका। उभरते बाजारों की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 13(3), 536-556

एम कुमार, और टी जे अग्रवाल, (2017). भारतीय बैंकों में जोखिम प्रबंधन: प्राथमिक डेटा विश्लेषण। बैंक प्रबंधन का आईयूपी जर्नल, 16(3).

एम कुमार, और टी जे अग्रवाल, (2017). वित्तीय संकट के पूर्व एवं पश्चात् अवधि में बैंक जोखिम कारक और बदलते जोखिम एक्सपोजर:भारत के लिए एक अनुभवजन्य अध्ययन, प्रबंधन और श्रम अध्ययन, 42(4), 356-378.

टी जे अग्रवाल, (2017). भारत में सतत जल संसाधन प्रबंधन: एक वित्तीय परिप्रेक्ष्य। वाणिज्य और प्रबंधन विचार की पत्रिका, 8(3), 467.

सिरुन्यन व अन्य (2018). चिह्नित शीर्ष क्वार्क का उपयोग करके 13 टीईवी पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में सुपरसिमिट्री की खोज। भौतिकी समीक्षा डी 97(1), 012007.

अनुसंधान परियोजनाएँ

तीन वर्षीय यूजीसी प्रमुख परियोजना (2015 से 2018) (एमआरपी- मेज़र-बोटा -20131235)
परियोजना प्रमुख मंजू एम. गुप्ता एसोसिएट प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान विभाग, सफलतापूर्वक पूरी की गई।

पेटेंट दायर/स्वीकृत

जेएनयू के सहयोग से एक भारतीय पेटेंट दायर (आवेदन सं.201811011902) ।

आयोजित संगोष्ठियाँ

"वाणिज्य विभाग द्वारा 23-24 फरवरी 2018 को "भारतीय व्यापार और अर्थव्यवस्था के उभरते आयाम: गति एवं स्वरूप पर एक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई थी।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

ए चौहान, 8-12 जनवरी 2018 को इंजीनियरिंग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में नई सीमाएँ (एनएफईटी-18) पर पहले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'बायोथेनॉल उत्पादन में जलकुंभी बायोमास के शर्करीकरण के लिए सल्फ्यूरिक एसिड पूर्वोपचार का 'वाई अनुकूलन' पर मौखिक प्रस्तुति। नई दिल्ली भारत (एनएफईएसटी /2018/आरओ16;पृ4)

ए चौहान, जैव ईंधन और जैव ऊर्जा पर नौवें वार्षिक कांग्रेस और प्रदर्शनी में 'बायोइथेनॉल उत्पादन के लिए संभावित फीडस्टॉक के रूप में जलकुंभी' पर मौखिक प्रस्तुति। दुबई, यूएई। 16-17 अप्रैल 2018.

अश्विनी कुमार और राज मित्रा, आईईईई एपीएस/यूआरएसआई-2018, बोस्टन, यूएसए में "मेटासर्फेस सुपरस्ट्रेट्स का उपयोग करके ऐरे एंटेना का लाभ और साइड लोब लेवल संवर्धन" पर प्रस्तुति दी।

अश्विनी कुमार और राज मित्रा, "आंशिक रूप से संचारण सतह का उपयोग कर वाइड-बैंड चक्राकार ध्रुवीकृत एंटीना" पर आईईईई एपीएस/यूआरएसआई-2017, सैन डिएगो, कैलिफोर्निया, यूएसए में प्रस्तुति दी।

राज मित्रा और अश्विनी कुमार, "आंशिक रूप से संचारण सतह का उपयोग कर चक्राकार ध्रुवीकृत एंटीना तत्वों के लिए कम लागत वाले चरण-परिवर्तकों की डिजाइन" पर आईईईई एपीएस/यूआरएसआई-2017, सैन डिएगो, कैलिफोर्निया, यूएसए में प्रस्तुति दी।

राज मित्रा और अश्विनी कुमार, "विशेषता मोड विश्लेषण और संबंधित तकनीकों का उपयोग करके जटिल प्लेटफॉर्म पर स्थित एंटीना प्रणाली का अध्ययन"। आईईईई एपीएस/यूआरएसआई-2017, सैन डिएगो, कैलिफोर्निया, यूएसए में प्रस्तुति दी।

अश्विनी कुमार और राज मित्रा, "आंशिक रूप से संचारण सतह का उपयोग कर वाइडबैंड चक्राकार ध्रुवीकृत एंटीना और कम लागत वाले चरण-परिवर्तक", आईईईई आईएसएपी-2017, थाईलैंड में प्रस्तुत किया।

राज मित्रा और अश्विनी कुमार, "विशेषता मोड विश्लेषण और विशेषता आधारित कार्य तकनीकों का उपयोग करके जटिल प्लेटफॉर्म पर एंटीना लगाना"। आईईईई आईएसएपी-2017, थाईलैंड में प्रस्तुत किया।

अश्विनी कुमार और राज मित्रा, "आंशिक रूप से प्रेषण सतह का उपयोग कर ऐरे एंटेना के प्रदर्शन का संवर्द्धन", आईईईई एईएमसी-2017, औरंगाबाद, महाराष्ट्र में प्रस्तुत किया।
एस वर्मा और आर नैयर, भारतीय प्रौद्योगिकी गहन इंटरनेशनलाइजरों का प्रवर्तन और विकास। 19-20 अप्रैल, 2017 को अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय की अकादमी (इंडिया चैप्टर) सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया। सिम्बायोसिस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, पुणे, भारत।

विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र
इंटर यूनिवर्सिटी एक्सेलरेटर सेंटर (आईयूएसी) दिल्ली और नेशनल साइंस सेंटर, दिल्ली की जनवरी और फरवरी, 2018 में दो शैक्षिक यात्राएं आयोजित की।

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्रों की संख्या और प्रतिशत:	260 (85 को कॉलेज इंटर्नशिप मिली)
भर्ती के लिए परिसर में आनेवाली कंपनियों की संख्या:	09

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ
डॉ. मंजू एम. गुप्ता ने ओरेगॉन स्टेट यूनिवर्सिटी, अमेरिका में 19 जुलाई, 2018 को शिक्षा और पहुँच पर एक सत्र आयोजित किया

पुस्तकालय विकास
कुल 58282 पुस्तकें, 08 पत्र और 35 पत्रिकाएँ/ समाचार पत्रों को खरीदा गया/सदस्यता ली गई।

संकाय की संख्या
संकाय की कुल संख्या =130

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग
स्वीकृत अनुदान: रु. 204716000/-
अनुदान का उपयोग: रु. 244447189/-

***

श्री अरबिंदो महाविद्यालय (सांध्य)

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :
हमारे कॉलेज ने सितंबर 2017 में मान्यता के लिए एनएएसी को स्व-अध्ययन रिपोर्ट प्रस्तुत की और मार्च 2018 में एनएएसी सहयोगी टीम की मेजबानी की। परिसर में व्यायामशाला, लड़कियों के एक कॉमन रूम, एक परामर्श कक्ष और स्वास्थ्य केंद्र आदि कई आधारभूत सुविधाएँ शामिल की गई थीं।. कॉलेज ने होटल हयात रीजेंसी, नई दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय शैक्षिक मेलों को व्यवस्थित करने में आईपीसी के साथ सहयोग किया। कॉलेज ने पूर्व छात्रों को संबद्ध

करने और उन्हें कॉलेज के विकास में योगदान देने में मदद करने के लिए सितंबर में पूर्व छात्रों के एसोसिएशन की पहली बैठक भी आयोजित की। कॉलेज ने पूर्वोत्तर उत्सव मनाकर देश के पूर्वोत्तर की संस्कृतियों और जातीय विविधता का प्रदर्शन कर अपने समावेशी और बहु-सांस्कृतिक दृष्टिकोण को प्रदर्शित किया। कॉलेज ने सामाजिक सेवा की दिशा में महत्वपूर्ण गतिविधियाँ कीं और सभी छात्रों और संकायों में सामाजिक कल्याण की भावना को जन्म देने के लिए "देने का आनंद सप्ताह" आरंभ किया।

सम्मान/ विशिष्टताएँ

डॉ. नमिता राजपूत को 26 अप्रैल 2017 को दिल्ली पुलिस युवा फाउंडेशन प्रशंसा पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

अनुसंधान के लिए 7 सितंबर 2017 को विश्व शिक्षा और कौशल (डब्ल्यूईएससी) राष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया गया।

ग्रीन थिंकर्स सोसाइटी, इंडिया, आईआरएसडी द्वारा 6 नवंबर 2017 को उत्कृष्ट शोधकर्ता पुरस्कार 2017।

रोजगार उत्पन्न करने के लिए महिला एजेंसी द्वारा 8 मार्च 2018 को बालिका केंद्रित तृतीयक शिक्षा एवं प्रशिक्षण पुरस्कार प्रदान किया गया।

8 मार्च 2018 को पृथ्वी उद्धारक फाउंडेशन "सर्वश्रेष्ठ महिला आईकोनिक पुरस्कार"।

विशेष उपलब्धि प्राप्त छात्र

बीए पाठ्यक्रम, प्रथम वर्ष के अखिल जय सिंह और जितेन्द्र दीवान ने पंजाब में आयोजित भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।अभय देओल ने 50 मीटर राइफल प्रोन जूनियर चैंपियनशिप में रजत पदक जीता; 50 मीटर राइफल प्रोन सीनियर चैंपियनशिप में कांस्य पदक और ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी शूटिंग चैम्पियनशिप में रजत पदक प्राप्त किया।

कॉलेज टीम ने मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज चैंपियनशिप और बीआईटीएस पिलानी ऑल इंडिया इंटर-कॉलेज चैंपियनशिप जीती।

प्रतीक दहिया ने प्रौद्योगिकी के नेताजी सुभाष संस्थान, नई दिल्ली में सबसे अच्छा काया की श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

अश्विनी गौतम और आकाश ने 2017 में इंट्रा-कॉलेज बहस प्रतियोगिता में पहला स्थान प्राप्त किया।

कॉलेज मुक्केबाजी टीम ने दिल्ली विश्वविद्यालय इंटर-कॉलेज चैंपियनशिप टीम में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

सीमा सेजवाल ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ सप्ताह में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय से एक पुरस्कार प्राप्त किया।

हमारे एनएसएस एसएसी-ई स्वयंसेवकों में से एक रितिक सिंघल को राष्ट्रीय एकता शिविर (एनआईसी) 2017 में भाग लेने के लिए चुना गया।

प्रकाशन कुल संख्या

नमिता राजपूत, (2017) स्मार्टफोन खरीदारों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता और ग्राहक संतुष्टि के बीच संबंध पर आवेगपूर्ण खरीदारी और राय नेतृत्व का प्रभाव। *एंटरप्राइज़ इन्फॉर्मेशन सिस्टम का वैश्विक जर्नल(जीजेईआईएस)*, संस्करण. 9(2). 71-810975-1432.

मिनी गिल, (2017) महिला संबंध और प्यार: अमृता प्रीतम की कथाएं। *मानविकी और सामाजिक विज्ञान की समीक्षा।*

मोनिका रिखी, (2017) युवा वयस्कता के चरणों में व्यावसायिक प्राथमिकता पर पारिवारिक पर्यावरण और कार्य मूल्यों का प्रभाव: आईओएसआर जर्नल ऑफ़ ह्यूमैनिटी एंड सोशल साइंस, 22 (10)।

प्रज्ञेन्दु (2017) बेरोजगारी के मनोवैज्ञानिक परिणाम: ग्रामीण क्षेत्रों में नियोजित और बेरोजगार युवाओं का एक तुलनात्मक अध्ययन। मनोविज्ञान की भारतीय पत्रिका,054-059.

सुमति वर्मा (2017). उभरते बाजार क्रॉस सीमा विलयक और अधिग्रहण के वाहक: भारतीय आईटी उद्योग से साक्ष्य। ट्रांसनेशनल कार्पोरेशन्स रिव्यू, टेलर एंड फ्रांसिस लिमिटेड, संस्करण 9. अंक 3, 335-352.

ज्योति कुलश्रेष्ठ, (2017) हिंसा और क्रूरता: मीडिया और गिद्धों का एक तुलनात्मक अध्ययन। उन्नत अनुसंधान और विकास की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, संस्करण 2, 70-71.

शैलेंद्र शर्मा, (2017) बेरोजगारी के मनोवैज्ञानिक परिणाम: ग्रामीण क्षेत्रों में नियोजित और बेरोजगार युवाओं का एक तुलनात्मक अध्ययन। मनोविज्ञान का एक तुलनात्मक अध्ययन, 54-59.

स्वागत राउत, (2017) भारत में बुनियादी ढांचागत विकास में निजी क्षेत्र की भागीदारी। अकादमिक अनुसंधान और विकास की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, 68-69.

अनुसंधान परियोजनाएँ

इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (आईसीएसएसआर), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नवंबर 2017- जनवरी 2019।

आयोजित संगोष्ठियाँ

वाणिज्य विभाग ने 1 सितंबर 2017 को 'वित्तीय विश्लेषण: पुरस्कृत और लाभकर करियर के लिए आज की आवश्यकता पर एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की।

इतिहास विभाग ने वर्ष 2017 में "सूफी इस्लाम: धारणा और अभ्यास" पर एक संगोष्ठी आयोजित की।

आयोजित सम्मेलन

वाणिज्य विभाग ने दिल्ली स्कूल ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज के सहयोग से दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय में 5 जनवरी और 6 जनवरी (2018) को "डिजिटल क्रांति का प्रबंधन: भविष्य के भारत की खोज" पर उन्नीसवें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

डॉ. नमिता राजपूत, 10 फरवरी, 2018 को "व्यापार 2025: सामरिक नवाचार, उद्यमिता और डिजिटाइजेशन के माध्यम से वाहक विकास" पर 13वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "वित्तीय बाजार में नॉवेल्टी समतलन विकास: सीबीओई और एनएसई में व्युत्पन्नों का प्रकरण अध्ययन" पर प्रस्तुति दी।

डॉ. नमिता राजपूत, 10 फरवरी, 2018 को "कृषि और ऊर्जा व्युत्पन्नों के बाजारों के स्थायित्व संबंधित अध्ययन के लिए उपभोग्य व्युत्पन्नों के बाजार का समतलीकरण" पर 13वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "व्यापार 2025: सामरिक नवाचार, उद्यमिता और डिजिटाइजेशन के माध्यम से ड्राइविंग ग्रोथ" प्रस्तुत किया।

डॉ. सुमति वर्मा ने मानविकी और सामाजिक विज्ञान के केंद्र, ग्वांग शी नार्मल यूनिवर्यिटी, चीन और
डिविजन ऑफ इकोनॉमिक डेवलपमेंट इंस्टीच्यूट, वर्ल्ड इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिक्स द्वारा 18 से 20 नवंबर 2017, गुइलिन शहर, चीन में आयोजित समावेशी विकास और संरचनात्मक सुधार - एशिया का अनुभव पर एशियाई आर्थिक संगोष्ठी की 27वीं वर्षगांठ में ए अभयातने, वी मधुकर और कनिका बैंकहाद के साथ "क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण के व्यापार प्रभाव: एपीटीए और आईएससीईसी में भारत का अनुभव' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. सुमति वर्मा ने रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 21-22 सितंबर, 2017 को विनिर्माण क्षेत्र के पुनरुद्धार और स्टार्ट अप इको-सिस्टम के माध्यम से भारतीय आर्थिक परिवर्तन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारतीय वैश्विक प्रौद्योगिकी स्टार्ट अप के वाहक के रूप में प्रवासी नेटवर्क - एक प्रकरण अध्ययन" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. सुमति वर्मा ने 19 से 20 अप्रैल, 2017 को सिम्बायोसिस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, पुणे, में एआईबी इंडिया चैप्टर की बैठक में "वैश्विक आभासी छात्र टीमें - परिप्रेक्ष्य में संघर्ष" प्रस्तुत किया।

डॉ. सुमति वर्मा ने, 11 फरवरी 2017 को प्रबंधन अध्ययन विभाग, दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में "भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रबंधन: भविष्य के लिए चुनौतियां" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ए अभ्यर्थने, वी मधुकर और कनिका बनखड़, के साथ "व्यापार निर्माण और व्यापार विमुखता: एपीटीए और आईएससीईसीए में भारत का अनुभव" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
डॉ. सुशांत कुमार बाग, 21-22 अक्तूबर, 2017 को, पाइक विद्रोह: भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक विस्मृत युग पर इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय इतिहास संगोष्ठी में "औपनिवेशिक ओडिशा में किसान आंदोलन: एक सैद्धांतिक पूछताछ" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
श्री विकास जोशी ने, "निर्माण क्षेत्र और स्टार्ट अप पारिस्थितिक तंत्र के पुनरुत्थान माध्यम से भारतीय आर्थिक परिवर्तन" पर 21-22 सितंबर को, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "मेक इन इंडिया" के माध्यम से भारतीय आर्थिक परिवर्तन" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

श्री सरोज कुमार रथ ने, 21-23 जून, 2017 को शिक्षा संकाय, एक्स्ट्रामडुरा विश्वविद्यालय, बदजोज, स्पेन में आयोजित 'अभिनव और रचनात्मक शिक्षा और शिक्षण' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "दक्षिण एशियाई शिक्षा और प्रशिक्षण में मदरसों की भूमिका" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

श्री सरोज कुमार रथ ने, तुर्की राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, अनातिया, तुर्केट, अंतर्राष्ट्रीय में 13-15 अक्तूबर, 2017 को "मेजबान सामाजिक-सांस्कृतिक और आर्थिक जीवन में आप्रवासियों का एकीकरण: विश्व के लिए आदर्श के रूप में भारत" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

अन्य अंतर-संस्थागत सहयोग:
महिला विकास प्रकोष्ठ ने 10-11 अप्रैल, 2018 को वार्षिक उत्सव, लिबरेशन 2018 के लिए सेंटर फॉर सोशल रिसर्च के साथ-साथ असीता थिएटर ग्रुप के साथ सहयोग किया।

एसएसीई ने 7 अगस्त, 2017 को कागज पुनर्चक्रण सेवाओं के लिए समर्पित एक पहल जागृति के साथ सहयोग किया और पुनर्चक्रण के लिए 1000 किग्रा कागज दान किया।

एसएसीई ने 9 अगस्त, 2017 को पुनर्चक्रण और वंचित बच्चों के पहनने के लिए पुराने जूते दान कर 'ग्रीनसोल' के साथ सहयोग किया।

एसएसीई नियुक्ति प्रकोष्ठ ने 3 फरवरी, 2018 को दिल्ली के हयात रीजेंसी में अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा मेला आयोजित करने के लिए आईपीसी के साथ सहयोग किया।

एसएसीई नियुक्ति प्रकोष्ठ ने नीयूवर्सिटी, बर्लिन के साथ सहयोग किया, जहां संस्थान के वक्ताओं को जर्मनी में आगे के अध्ययन की संभावनाओं पर छात्रों से बात करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

प्रोजेक्ट एक्स-कल्चर के कार्यकारी बोर्ड की सदस्य डॉ सुमति वर्मा की सलाह पर श्री अरबिंदो कॉलेज (सांध्य) के छात्रों को 2013 से एक्स-कल्चर प्रोजेक्ट के लिए चुना गया है। यह परियोजना उत्तरी कैरोलिना, यूएसए द्वारा शुरू की गई एक बड़े पैमाने पर प्रयोगात्मक शिक्षण सहयोगी अभ्यास है।

वाणिज्य विभाग ने दिल्ली स्कूल ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज के सहयोग से दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय में, 5-6 जनवरी 2018 को "डिजिटल क्रांति का प्रबंधन: भविष्य के भारत की खोज" पर उन्नीसवें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।
10 फरवरी, 2018 को "बिजनेस 2012: सामरिक नवाचार डिजिटाइजेशन के माध्यम से विकास का वाहक" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ।

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

कॉलेज की एएक्टस टीम "वी राइज बाई लिफ्टिंग अदर्स" के सिद्धांत पर **अन्नपूर्णा** परियोजना के अंतर्गत काम करती है, यह एक जलपान सेवा है जो एक वित्तीय और उद्यमशीलता साक्षरता सहित अपने सदस्यों को प्रबंधन के सभी पहलुओं में वास्तविक जीवन के अनुभव प्रदान करती है। लिंग संवेदनशीलता समिति ने स्वास्थ्य और कल्याण कार्यशाला, "साइबर सुरक्षा और कानून" पर व्याख्यान, एआईडब्ल्यूईएफए और एनआईएसडी - सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण मंत्रालय द्वारा अलग-अलग पीढ़ियों में जुड़ाव को बढ़ावा देना, डीसीडब्ल्यू और महिला दिवस कार्यक्रम द्वारा "बलात्कार रोको" अभियान आयोजित किए गया। एनएसएस के स्वयंसेवकों ने पौधों को अपना कर और अपशिष्ट सामग्री का पुनर्चक्रण कर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत स्वच्छ पखवाड़ा के दौरान कॉलेज परिसर में एक "स्वच्छता अभियान" आयोजित किया गया था। एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा नदियों के आंदोलन के लिए रैली का समर्थन करने के लिए कॉलेज परिसर में और उसके आस-पास एक रैली आयोजित की गई थी। एक मोमबत्ती मार्च निकालकर प्रद्युमन को श्रद्धांजलि दी गई थी। वैकल्पिक एनएसएस मोटो लेखन प्रतियोगिता; कल के लिए नेता और एसएसी-ई के इको क्लब के सहयोग से एनएसएस दिवस मनाने के लिए स्वच्छता अभियान और सामूहिक वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया था। एनएसएस-एसएसी (ई) दिल्ली पुलिस और आपदा प्रबंधन समूह के सहयोग से भूकंप पर केंद्रित एक प्राकृतिक आपदा मॉक ड्रिल कार्यक्रम आयोजित किया। एनएसएस एसएसी-ई इकाई ने अंतर्राष्ट्रीय बाल बाल दिवस पर लिंग चैंपियनशिप सेल और महिला विकास सेल के सहयोग से स्लोगन लेखन और पोस्टर बनाने की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। एनएसएस टीम ने दीवाली के अवसर पर एक दान अभियान- "दीप: हम मुस्कान जगाएँ" का आयोजन किया, फरीदाबाद की झोपड़ियों में क्रिसमस मनाने के लिए एक क्रिसमस पार्टी दी और प्रोजेक्ट नेवुडिट में भाग लिया तथा गैर-सरकारी केंद्रों में छात्रों को प्रशिक्षण देने गये और कई पुरस्कार जीते। एक अन्य परियोजना में "आज मतदान कर अपने कल को आकार दें" में स्वयंसेवकों ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस, 25 जनवरी, 2018 पर चुनावी भागीदारी को बढ़ावा देने की प्रतिज्ञा ली।

कॉलेज के 22 छात्रों ने "प्रोजेक्ट एक्स कल्टूर" नामक परियोजना में भाग लिया जो एक व्यावसायिक प्रस्ताव विकसित करने के उद्देश्य से उत्तरी कैरोलिना यूएसए विश्वविद्यालय द्वारा शुरू किए गए बड़े पैमाने पर अनुभव से सीखने का सहयोगी अभ्यास है।

पुस्तकालय विकास

कॉलेज पुस्तकालय कॉलेज के ज्ञान केंद्र के रूप में विश्वविद्यालय साइट, ई-पत्रिकाओं, समाचार पत्रों और वाई-फाई सुविधा के माध्यम से लगभग सभी प्रासंगिक विषयों, ज्ञान की सामान्य किताबों, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं की संदर्भ पुस्तकों से सज्जित है। इसमें 7000 से अधिक संस्करणों का कुल संग्रह है; संदर्भ पुस्तकों, विश्वकोष, शब्दकोश, एटलस और इयर बुकों का विस्तृत संग्रह; 23 समाचार पत्रों और 27 पत्रिकाओं और ऑनलाइन सार्वजनिक एक्सेस कैटलॉग की सदस्यता है। यह गैर कंप्यूटर डेस्कटॉप एक्सेस (दृश्य विकार वाले लोगों के लिए एक स्क्रीन रीडिंग एक्सेसिबिलिटी सॉफ़्टवेयर) और यूआरकेयूएनडी चोरी की जांच सुविधा के साथ दो कंप्यूटरों से सुसज्जित है।

संकाय की संख्या

स्थायी संकाय की संख्याः 42

तदर्थ संकाय की कुल संख्या: 32

वित्तीय आवंटन व उपयोग

स्वीकृत अनुदान: रु. 14,23,05,000/-

अनुदान का उपयोग: रु. 14, 06, 33, 625/-

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

कॉलेज ने 21 मई 2017 को 'शोध पद्धति और डेटा विश्लेषण' पर एक संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया, 21 जून 2017 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया, 17 सितंबर 2017 को कॉलेज लॉन में पहला पूर्व छात्र मिलनोत्सव

"यादगार" आयोजित किया गया। गांधीजी की शहादत के अवसर पर, कॉलेज के संकाय और छात्रों ने 30 जनवरी 2018 को दिल्ली सचिवालय सभागार में दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित एक सेमिनार में भाग लिया। यह सेमिनार भारत सरकार द्वारा भारत छोड़ो आंदोलन के 75 वर्ष पूरा होने पर आयोजित एक वर्ष लंबी व्याख्यान श्रृंखला का हिस्सा है। कॉलेज ने 21 फरवरी को हिंदी मातृभाषा दिवस 2018 भी मनाया, जिसमें कॉलेज के वरिष्ठ संकाय सदस्यों डॉ. वीणा गांधी, डॉ. गिरीश जोशी और डॉ. अमन सिंह द्वारा मातृभाषा के महत्व पर बातचीत की गई। डॉ गांधी ने यह भी बताया कि यह दिन कैसे मनाया जाता है। बांग्लादेश में इसका आरंभ का पता लगाया गया।

***

श्री गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

कॉलेज ने दो वृत्तिक (पेशे से जुड़े) पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए जिनमें "बैचलर्स इन मैनेजमेंट स्टडीज (बीएमएस)" और बीए (ऑनर्स) पंजाबी शामिल हैं। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) इंस्टीट्यूट लिमिटेड के सहयोग से स्नातक स्तर पर दो नए करियर उन्मुख पाठ्यक्रम भी आरंभ किए गए हैं। इस वर्ष छात्रावास में 129 छात्राओं के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित कमरे और सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। ऊर्जा के गैर परंपरागत स्रोतों का उपयोग करने व स्वच्छ ऊर्जा प्राप्त करने के लिए छत पर उच्च गुणवत्ता वाले सौर पैनलों और पवन पैनलों की स्थापना की स्थापना की गई है। कॉलेज ने वर्षा जल संचयन प्रणाली की स्थापना के लिए काम शुरू कर दिया है। कॉलेज ने अभिनव डिजिटल पहल के अंतर्गत स्मार्ट प्रोफ. अनुप्रयोग को अपनाया है। कॉलेज में सभी छात्रों की वास्तविक समय उपस्थिति और आंतरिक मूल्यांकन रिकॉर्ड तैयार और प्रदर्शित करने के लिए इस कस्टम अनुप्रयोग का उपयोग किया जाता है। मार्केटिंग मैवरिक्स ने हमारी अमूल्य नदियों को बचाने का संदेश फैलाने के लिए इशा फाउंडेशन द्वारा शुरू की गई 'नदियों के लिए रैली' परियोजना के समर्थन में परिसर में कॉलेज के छात्रों और संकाय सदस्यों तक पहुंचकर सामाजिक जागरूकता अभियान चलाया।

सम्मान/विशिष्टताएँ

भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति श्री एम. हामिद अंसारी को उच्च शिक्षा में गुणवत्ता पर अप्रैल 2018 में कॉलेज में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी: रोजगार के लिए सड़क के मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

विशेष उपलब्धि प्राप्त छात्र

बीए (ऑनर्स) बिजनेस इकोनॉमिक्स के अंतिम वर्ष के छात्र सार्थक कुमार कॉलेज के मेधावी छात्र रहे हैं। वे अकादमिक वर्ष 2015-16 और 2016-17 में कॉलेज में शीर्ष स्थान पर थे और 2016-17 में दिल्ली विश्वविद्यालय में दूसरा स्थान प्राप्त किया। उन्होंने कैट 2017 में 97.64% अंक प्राप्त किए और आईआईएम लखनऊ, एसपी जैन इत्यादि जैसे प्रमुख संस्थानों से उन्हें बुलावा आया। उन्होंने एक्सएटी 2018 में 99.95% अंक प्राप्त किए और बिजनेस मैनेजमेंट में एक कोर्स के लिए एक्सएलआरआई जमशेदपुर से बुलावा आया। उन्होंने जनवरी-मई 2017 के दौरान "सोने की कीमतों पर विभिन्न आर्थिक कारकों के प्रभाव" पर एक परियोजना भी की है।

निशिमा अरोड़ा ने बी.टेक कम्प्यूटर साइंस में स्नातक किया। उन्होंने 94.75% अंक प्राप्त कर विश्वविद्यालय (2000 छात्रों में से) में दूसरा स्थान प्राप्त किया। अकादमिक रूप से, उन्होंने पहले वर्ष में विश्वविद्यालय में तीसरा स्थान, दूसरे शैक्षणिक वर्ष में विश्वविद्यालय में दूसरा स्थान प्राप्त किया और लगातार तीसरे शैक्षिक वर्ष में विश्वविद्यालय के पहले स्थान पर रहीं लगातार शीर्ष परबने रहने का रिकॉर्ड बनाए रखा है। वर्ष 2015 में आईएआरसी द्वारा आयोजित अखिल भारतीय कार्यक्रम के लिए रियो +22 संयुक्त राष्ट्र सतत ऊर्जा में भाग लेने के लिए उन्हें उत्कृष्टता प्रमाण पत्र भी दिया गया था। वर्तमान में, वे आभासी वास्तविकता और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में आईआईआईटी दिल्ली में जूनियर रिसर्च फेलो के रूप में काम कर रही है। अपने शोध कार्य के हिस्से के रूप में उन्होंने

विज़ुअलाइजेशन और कंप्यूटर ग्राफिक्स (टीवीसीजी) 2018 पर आईईईई लेनदेन की दुनिया की शीर्षतम (ए*) सम्मेलनों में से एक में 'उच्च गुणवत्ता वाले आर्किटेक्चरल पुनर्निर्माण के लिए इष्टतम छवि अधिग्रहण' नामक एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

बी कॉम (ऑनर्स) की छात्रा दिव्या कौशिक (ऑनर्स), के पास गणित के क्षेत्र में छह विश्व रिकॉर्ड और पांच राष्ट्रीय रिकॉर्ड हैं। 21 मिनट 40 सेकेंड में 120 अंकों की तालिका की गणना, 5 मिनट में 9 अंकों के क्यूब रूट के 50 सवाल, 5 मिनट में 12 अंकों की क्यूब रूट के 30 सवाल, 5 मिनट में 8 अंकों के क्यूब रूट के 4 सवाल, 4 मिनट 30 सेकंड में 9 अंकों के क्यूब रूट के 3 सवाल, 4 मिनट में 10 अंकों के वर्ग के 2 सवाल हल करने के रिकॉर्ड को लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में शामिल किया गया है।उनके राष्ट्रीय रिकॉर्ड में (लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स) 5 मिनट में 20 अंकों की तालिका की गणना, 20 मिनट में 100 अंकों की तालिका की गणना, 5 मिनट में 5 अंक गुणे 5 अंक के 10 सवाल, 5 मिनट में 6 अंक गुणे 6 अंक के 5 सवाल, 5 मिनट में 7 अंक गुणे 7 अंक के 4 सवालों को हल करना शामिल हैं। उन्होंने अबाकस चैंप्स अकादमी द्वारा आयोजित अबाकस चैम्पियनशिप में लगातार तीन वर्षों तक गति और सटीकता में पहला स्थान प्राप्त किया है।

शिवम ढौंडियाल, बी.एम. (आनर्स) द्वितीय वर्ष ने विजय मर्चेंट ट्रॉफी (2014-15) में दिल्ली यू -16 राज्य का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने शुरुआत में 142 रन बनाए। उन्होंने विनू मांकड़ ट्रॉफी और कूच बिहार ट्रॉफी (2015-2016) में यू-19 में दिल्ली राज्य का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने डीडीसीए इंटर-कॉलेज टूर्नामेंट (2018) में जाकिर हुसैन कॉलेज के खिलाफ 220 रन बनाए। वे डीडीसीए इंटर-कॉलेज टूर्नामेंट में एक शतक (113) और डबल सेंचुरी (220) सहित उच्चतम रन बनाने वाले (बेस्ट बैट्समेन) हैं। वर्तमान में वे डीडीसीए इंटर-कॉलेज टूर्नामेंट के फाइनल में एसजीजीएससीसी कॉलेज का नेतृत्व (कप्तानी) कर रहे हैं।

बी.कॉम प्रथम वर्ष के छात्र आकाश वर्मा ने चौथी इंटर-यूनिवर्सिटी शूटिंग चैंपियनशिप के लिए योग्यता प्राप्त की। उन्होंने 61वें राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप के परीक्षणों में भी योग्यता प्राप्त की । उन्होंने हरियाणा राज्य शूटिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता।

प्रकाशन (चयनित)

कुल संख्या: 55

संगीता दोदराजका, (2017) "गुणवत्ता समारोह परिनियोजन: ग्राहकों की जरूरतों को उत्पाद विशेषताओं में बदलना" प्रबंधन अनुसंधान और समीक्षा के इंटरनेशनल जर्नल में, (आईजेएमआरआर), ई-आईएसएसएन सं.2249-7196, संस्करण- 7, अंक 2, अप्रैल-जून 2017 (स्कॉप्स सूचीबद्ध)

कवल गिल, रेखा शर्मा और रेणु गुप्ता (2017) "ई-लर्निंग के माध्यम से दृष्टिहीन अशक्त छात्रों को उच्च शिक्षा में सशक्त बनाना: समस्याएं और समाधान"। मानविकी और सामाजिक विज्ञान का जर्नल (आईओएसआर-जेएचएसएस) संस्करण 22, अंक 8, वर. 7 ई-आईएसएसएन: 2279-0837, पी-आईएसएसएन: 2279-0845, पृष्ठ 1-9.

कवल गिल, रेखा शर्मा और रेणु गुप्ता (2107) "ई-लर्निंग के माध्यम से अक्षम छात्रों को सशक्त बनाना", एनी बुक्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली। आईएसबीएन 97893855462788

आर गुप्ता. (2017) बैंकिंग सुधार और प्रतियोगिता: भारतीय बैंकिंग सेगमेंट की देयता संरचना। दिल्ली बिजनेस रिव्यू, 18(1) पृ 55-70. आईएसएसएन सं.: 0972-222X

हरप्रीत कौर, प्रतीक बजाज, और हर्षलीन कौर, (2017) डिजिटल इंडिया: व्यापार और प्रौद्योगिकी के मामले में लीपफ्रोग का एक अवसर। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी (आईजेईआरटी), संस्करण 6, अंक 04, आईएसएसएन: 2278-0181

हरप्रीत कौर, प्रतीक बजाज, और हर्षलीन कौर, (2017) स्मार्ट शहरों की संकल्पना: विकास, तकनीकी उन्नति और चुनौतियां। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी (आईजेईआरटी), संस्करण 6 - अंक 06, पृ. 786- 793, आईएसएसएन: 2278-0181.

हरप्रीत कौर, भारत में *जीएसईजेड* के लिए रणनीतियां (2017) माइक्रोफाइनेंस और सस्टेनेबल डेवलपमेंट का वैज्ञानिक सम्मेलन, ओटावा विश्वविद्यालय, ओन्टारियो, कनाडा, आईएसबीएन:978-1-988081-03-8.

सिमरित कौर, हरप्रीत कौर (2017) "ऑस्ट्रेलियाई राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में क्रॉफर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी आधारित पूर्वी एशिया फोरम के एक एशिया प्रशांत केंद्रित नीति फोरम में "दक्षिण एशिया में नीतिगत पहलों के लिए जलवायु परिवर्तन बीग्स"। http://www.eastasiaforum.org/2017/08/26/climate-change-begs-for-policy-initiatives-in-south-asia/

रुचिका मल्होत्रा और मेघा उमामत, (2017) "मूल्यांकन-आधारित और उद्देश्य-उन्मुख मेट्रिक्स का उपयोग करके परिवर्तन प्रवण कक्षाओं की भविष्यवाणी", जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट एंड फजी सिस्टम, आईओएस प्रेस, आईएसएसएन: 1875-8967

गुरदेव सिंह, (2017)"पुस्तकालय और सूचना सेवाओं में सोशल मीडिया का अनुप्रयोग", जेआईएलएसीओएन 17 (डिजिटल पर्यावरण में पुस्तकालय और सूचना प्रबंधन पर राष्ट्रीय सम्मेलन)। झारखंड सूचना एवं पुस्तकालय संगठन, भास्कर कर्ण और अन्य संपा. लॉर्ड्स पब हाउस, रांची। पृ.1-21.

कॉलेज द्वारा प्रकाशित पत्रिकाएँ

कॉलेज द्वारा 'जर्नल ऑफ़ बिजनेस थॉट' हर वर्ष प्रकाशित की जाती है। यह शोध विद्वानों और शिक्षाविदों को व्यापार और अर्थशास्त्र के संबंधित क्षेत्रों में समकालीन विचार साझा करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए एक मंच प्रदान करती है। इसमें वित्त, कराधान, बैंकिंग, विपणन, प्रबंधन, आर्थिक नीति और स्थायित्व, वैश्विक एकीकरण, विकास अध्ययन, व्यवसाय नैतिकता, कॉर्पोरेट शासन, पार सांस्कृतिक अध्ययन, और कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी शामिल है, हालांकि यह इन्हीं तक सीमित नहीं है। जर्नल पूरी तरह से संदर्भित है और यूजीसी जर्नल की अनुमोदित जर्नल सूची में है (जर्नल नंबर 64092)। सात संकाय सदस्य संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्यरत हैं।

अनुसंधान परियोजनाएँ

यूजीसी द्वारा वित्त पोषित, 2015-18 (10,04,400/- रुपए)। 'विशेष आर्थिक क्षेत्र: दक्षिण कोरिया और भारत का एक तुलनात्मक विश्लेषण - नीति प्रभावों के साथ समकालीन चिंता'(एमआरपी-मेज़र-पोली-2016-6117)। डॉ. हरप्रीत कौर

आयोजित संगोष्ठियाँ

आईक्यूएसी द्वारा अप्रैल 2018 में, राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी 'उच्च शिक्षा में गुणवत्ता: रोजगार के लिए राह।' आयोजित की गई। फिक्की, डेलोइट, केपीएमजी, अर्नेस्ट एंड यंग इत्यादि जैसी विभिन्न कंपनियों के विशेषज्ञों के साथ भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति श्री एम. हामिद अंसारी को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

कामर्स सोसायटी ने 1 नवंबर, 2017 को 'सामान और सेवा कर और आयकर रिटर्न की ई-फाइलिंग' पर संगोष्ठी आयोजित किया। छात्रों के बीच वैचारिक स्पष्टता लाने के लिए एनआईआरसी आईसीएआई के सचिव, सीए राजेंद्र अरोड़ा को आमंत्रित किया गया था। एसोसिएट प्रोफेसर एसआरसीसी, प्रोफेसर रवि गुप्ता ने आयकर रिटर्न की ई-फाइलिंग की व्यावहारिकताओं के बारे में समझाया।

पंद्रह फरवरी, 2018 को कॉनफ्लुएंस 2.0 को आयोजित किया गया था। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व अध्यक्ष और आईआईएम बैंगलोर के संकाय, डॉ. चरण सिंह ने हाल के केंद्रीय बजट और देश पर इसके प्रभावों पर प्रकाश डाला।

छात्रों के मार्गदर्शन और उन्हें प्रेरित करने के लिए, फरवरी 2018 में ईएनसीटीटीयूएस द्वारा इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस, हैदराबाद के सहयोग से 'यंग लीडर्स प्रोग्राम' पर एक सेमिनार आयोजित किया गया था।

भारत, नेपाल और भूटान के वरिष्ठ निवासी प्रतिनिधि एंड्रियास बाउर द्वारा 'दक्षिण एशिया में जनसांख्यिकीय रुझान और उनके मैक्रोइकोनॉमिक आर्थिक प्रभाव: समृद्ध होने के पहले बूढ़ा होना' पर व्याख्यान।

आयोजित सम्मेलन

फरवरी, 2018 में "प्रबंधन, अर्थव्यवस्था फरवरी 2018 में और एप्लाइड बिजनेस में समकालीन सुधारों" पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया था, जिसमें योजना आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष श्री मोंटेक सिंह अहलुवालिया मुख्य अतिथि थे।

कॉलेज में 2-3 फरवरी, 2018 को 'अचीवर्स टॉक 4.0' का आयोजन किया गया था, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों - व्यवसाय, राजनीति, फैशन, मीडिया और यूट्यूब के विशेष उपलब्धि प्राप्त लोगों को उनके अनुभव और सफलता की कहानियां साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

13 फरवरी, 2018 को, डॉ. बिमल जालान की अध्यक्षता में ईकोलोक्यूएंस 2.0 आयोजित किया गया था और डॉ राजेश चड्ढा ने इसकी सह-अध्यक्षता की थी। डॉ. बिमल जालान ने पंच वर्षीय योजनाओं पर ध्यान केंद्रित करने भारत के आर्थिक अतीत और भारत की भविष्य की विकास नीति को कैसे तैयार किया जाना चाहिए, इस पर एक समृद्ध भाषण दिया।

नवंबर 2017 में 'द ऐप्पल टॉक' का आयोजन किया गया था। एसोचैम के सीनियर कॉरपोरेट लीडर श्री विजय सरदार, विज्ञान पेरिसर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. बी के त्यागी, नैतिक हैकर और सूचना सुरक्षा विशेषज्ञ, श्री पलविंदर सिंह और टेक-एंटरप्रीनर, श्री अंकुश सिंगला ने अपने व्याख्यान दिए।
फरवरी, 2018 में 'मीडिया अभिसरण' पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई, जिसमें सुश्री मंजरी जोशी (पूर्व टीवी समाचार एंकर, डीडी न्यूज), बसंत कुमार (रिपोर्टर, अमर उजाला टीवी), श्रीमती मीना कोटवाल (ब्रॉडकास्ट पत्रकार, बीबीसी इंडिया) जैसी विविध पृष्ठभूमि के व्यक्तित्वों और कई अन्य लोगों ने छात्रों का ज्ञान वर्द्धन किया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

प्रस्तुत शोधपत्र

डॉ. हरप्रीत कौर ने 'माइक्रोफाइनेंस और सतत विकास पर वैज्ञानिक सम्मेलन' पर 20 जून, 2017 को ओटावा विश्वविद्यालय, ओंटारियो, कनाडा में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'भारत में जीएसईजेड के लिए रणनीतियाँ' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. हरप्रीत कौर ने ब्रैम्पटन, कनाडा में 23, 24 और 25 जून, 2017 को आयोजित विश्व पंजाबी सम्मेलन में 'साध संगत दे धरण एट नैतिकता' (साध संगत की अवधारणा और नैतिकता) पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. हरप्रीत कौर ने प्रबंधन, अर्थशास्त्र और एप्लाइड बिजनेस में वर्तमान सुधार पर श्री गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 9 -10 फरवरी, 2018 को आयोजित चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन में 'भारत में समावेशी विकास के साधन के रूप में भारत द्वारा विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) की व्यवहार्यता।' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. हरप्रीत कौर ने इंटरनेशनल सेंटर फॉर सिख स्टडीज द्वारा गुरु नानक देव के जीवन, समय और विरासत पर माता सुंदरी कॉलेज फॉर विमेन, दिल्ली में, 16-17 फरवरी, 2018 को आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'करतारपुर का महत्व: गुरु नानक देव का अंतिम निवास' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. रेणु गुप्ता ने श्री गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "बैंकिंग सुधार, वित्तीय मंदी और प्रतिस्पर्धा: भारतीय बैंकिंग सेगमेंट के एनपीए में टर्निंग प्वाइंट रुझान को चिह्नित करना" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

सुश्री दीपावली देबरॉय ने युवा लोगों के लिए किताबों पर अंतर्राष्ट्रीय बोर्ड द्वारा बैंकाक, थाईलैंड में 9-12 मई, 2017 में आयोजित तीसरे एशिया ओशिनिया क्षेत्रीय आईबीबीवाई कांग्रेस में "भारत में बदलती तकनीक एवम बच्चों की किताबें" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. अराधना नंदा ने पर 26-28 सितंबर, 2017 को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम में 'जनसांख्यिकी, बुढ़ापा और स्वास्थ्य' पर उभरते शोधकर्ता सम्मेलन में 'जनसांख्यिकी, बुढ़ापे के लिए बचत एवं मुद्रास्फीति पर : एक सुधार पश्चात् विश्लेषण' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
डॉ. हरप्रीत कौर ने "विकासशील देश और सतत विकास: वर्तमान के साथ अतीत का पुन: संबंध" पर, श्याम लाल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में मार्च 5-6, 2018 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "जलवायु परिवर्तन के चेहरे में दक्षिण एशिया में सतत खाद्य सुरक्षा" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

सुश्री हरप्रीत कौर ने 14-15 मार्च, 2018 को जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय में "जलवायु परिवर्तन, कमी, अनुकूलन और सतत विकास" पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में, "दक्षिण एशिया में खाद्य सुरक्षा पर जलवायु परिवर्तन पर प्रभाव परिवर्तन" शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. कजलीन कौर ने तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन, एसजीजीएससीसी, 2018 में "संकट के दौरान मौद्रिक नीति: मुद्रास्फीति पर प्रभाव" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया और सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र पुरस्कार जीता।

सुश्री गुरलीन कौर ने दिसंबर 8-9, 2017 को आईआईटी दिल्ली में आयोजित भारतीय राजनीतिक अर्थव्यवस्था एसोसिएशन के 21वें वार्षिक सम्मेलन में भारत में मुद्रास्फीति पर: एक व्यापक आर्थिक विश्लेषण' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया ।

सुश्री सुगंधा गुप्ता ने दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज में 22-23 दिसंबर, 2017 को आयोजित सूचना प्रौद्योगिकी और ज्ञान प्रबंधन (आईसीआईटीकेएम-2017) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "प्रोग्रामिंग भाषाओं के लिए ई-आकलन उपकरण: एक समीक्षा" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

अन्य अंतर संस्थागत सहयोग

एनेक्टस ने अपनी परियोजनाओं के निष्पादन के लिए केपीएमजी के साथ सहयोग किया। ईन्हें इस साल केपीएमजी से 29,000/- रुपए का अनुदान मिला।
रोटरैक्ट क्लब ने दिव्य ज्योति जागृति संस्थान के साथ सहयोग किया, जिन्होंने केंद्र और क्लब खोला तथा छात्रों को पाठ्यक्रम सामग्री प्रदान की। क्लब ने इस केंद्र में डिजिटल लर्निंग को सक्षम करने के लिए प्रोजेक्टर और व्हाइट स्क्रीन भी स्थापित किया। केंद्र को दिव्य ज्योति जागृति संस्थान द्वारा शिक्षक प्रदान किए जाते हैं और डीजेजेएस भी इसका प्रबंधन करता है। केंद्र का उद्देश्य महिलाओं को शिक्षित करना और उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए बुनियादी ज्ञान प्रदान करना है। क्लब ने नवज्योति इंडिया फाउंडेशन के साथ भी सहयोग किया, फाउंडेशन ने क्लब को वह जगह दी, जहां क्लब ने केंद्र आरंभ करने और इसे चलाने के लिए कड़ी मेहनत की। क्लब ने 1000 लाभार्थियों को शिक्षित करने के लक्ष्य के साथ केंद्र को आई3 प्रोसेसर के साथ 10 कंप्यूटर सिस्टम और 5 सिंगर सिलाई मशीनें प्रदान कीं। क्लब ने 190000 (नकदी + सामान) का दान एकत्र करने में सफल रहा। शिक्षकों की व्यवस्था और प्रबंधन नवज्योति इंडिया फाउंडेशन द्वारा किया जाता है।

नियुक्तियों का विवरण

आने वाली संस्थाओं की संख्या:	29
भाग लेने वाले छात्रों की संख्याः:	350
नियुक्त छात्रों की संख्याः	163 (47%)
नियुक्त छात्रों की संख्याः	23

आने वाली कंपनियाँ: केपीएमजी ग्लोबल, केपीएमजी इंडिया, डेलोइट यूएसआई (टैक्स), डेलोइट यूएसआई (ऑडिट), टॉमी हिलफिगर, ईवाई जीडीएस (ऑडिट) इत्यादि।

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

रोटरैक्ट क्लब ने 14 अप्रैल, 2018 को प्रेम नगर में युवाओं और महिलाओं के लिए एक डिजिटल साक्षरता और सिलाई केंद्र की मेगा परियोजना "संकल्प" सफलतापूर्वक आरंभ की। क्लब ने नवज्योति इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से इस अद्‌वितीय परियोजना पर महीनों काम किया है। एक वर्षीय पाठ्‌यक्रम प्रदान करने के लिए स्थापित मोबाइल सेंटर में 1000 लाभार्थियों को शिक्षित करने के लक्ष्य के साथ आई3 प्रोसेसर के साथ 10 कंप्यूटर सिस्टम और 5 सिंगर सिलाई मशीनें हैं।

दिव्य ज्योति जागृति संस्थान के सहयोग से रोटरैक्ट क्लब ने 12 नवंबर, 2017 को फरीदाबाद में महिलाओं के लिए वयस्क साक्षरता केंद्र, स्याही का सफलतापूर्वक उद्‌घाटन किया। 18 अप्रैल, 2018 को द्‌वारका में एक अन्य केंद्र का उद्‌घाटन किया गया था। 10 रोटरैक्टरियनों की एक टीम ने समारोह में भाग लिया और 15 महिला विद्‌वानों के नए बैच का स्वागत किया और विद्‌वानों को आई कार्ड, स्टेशनरी किट और पाठ्‌यक्रम सामग्री प्रदान की गई। क्लब को 2017-18 में क्लब द्‌वारा दो प्रौढ़ साक्षरता केंद्र के उद्‌घाटन के साथ ठोस परिणाम प्राप्त करने के अपने प्रयासों पर गर्व है।

पुस्तकालय विकास:

इस वर्ष दुर्लभ पुरानी पांडुलिपियों का डिजिटाइजेशन शुरू हुआ। लगभग 35 पांडुलिपियों को डिजिटलीकृत किया गया। सहायक स्टाफ के लिए एक सत्र आयोजित किया गया जिसमें लोक पुस्तकालयों के महानिदेशक डॉ. लोकेश शर्मा ने 'सार्वजनिक पुस्तकालय और पुस्तकालय सेवाओं' पर श्रोताओं को प्रबुद्ध किया।

पुस्तकालय में दृष्टिहीन छात्रों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। दृष्टिहीन छात्रों द्‌वारा पुस्तकालय सेवाओं का लाभ उठाने में मदद करने के लिए विजन एड इंग्लिश वोकलाइज़र वॉयस सिस्टम स्थापित किया गया है। पुस्तकालय में एलईएक्स, हिंदी ओसीआर, एनडीवीए, एबीबीवाई, फाइन रीडर इत्यादि विशेष सॉफ्टवेयर के साथ अलग लैपटॉप भी रखा गया है।

संकाय की संख्या

स्थायी संकाय की कुल संख्या:	42
तदर्थ संकाय की कुल संख्याः	27
अतिथि संकाय की कुल संख्याः	17

वित्तीय आवंटन और उपयोग

स्वीकृत अनुदान:	रु.1524.90 लाख
उपयोग:	रु.1524.90 लाख

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

'रोटरैक्ट दक्षिण एशिया एमडीआईओ' द्‌वारा आयोजित 'आरओएआर अवॉर्ड समारोह' में, 8 देशों से 2500 से अधिक रोटारैक्ट क्लबों में से, रोटरैक्ट एसजीजीएससीसी ने हमारी स्वप्न परियोजना 'संकल्प' के लिए 'व्यावसायिक सेवा में उत्कृष्ट परियोजना' पुरस्कार जीता है। रोटरी इंटरनेशनल जिला 3011 के जिला गवर्नर रवि चौधरी के धन्यवाद ज्ञापन में रोटरैक्ट एसजीजीएससीसी ने जिला 3011 में सर्वश्रेष्ठ व्यावसायिक परियोजना के रूप में संकल्प के लिए गवर्नर का प्लैटिनम अवॉर्ड प्राप्त किया। रोटरैक्ट जिला 3011 के डीआरआर पीएचएफ आरटीआर अनमोल चावला के धन्यवाद ज्ञापन में **रोटरैक्ट क्लब एसजीजीएससीसी को निम्नलिखित पुरस्कार प्राप्त हुए।**

जिला 3011 का उत्कृष्ट संस्थागत क्लब

वोकेशनल सेवा में सर्वश्रेष्ठ प्रोजेक्ट - संकल्प
सिंगर में सर्वश्रेष्ठ सेवा
उत्कृष्ट अध्यक्ष-सचिव संबंध -अंशिका वालिया और गुरकिरत सिंह
सारांश में एक फैशन शो के लिए अंशिका वालिया को सुश्री सारांश खिताब (जिला सम्मेलन)

अभिभावक क्लब की सेवा में पार्टनर के धन्यवाद ज्ञापन में नई दिल्ली के रोटरी क्लब, रोटरैक्ट क्लब एसजीजीएससीसी ने निम्नलिखित पुरस्कार प्राप्त किए-
इसके प्रौढ़ साक्षरता केंद्र -स्याही के लिए सर्वश्रेष्ठ परियोजना पुरस्कार
कड़ी मेहनत के लिए प्रशंसा पुरस्कार।
क्लब को इस वर्ष '100% अध्यक्ष प्रशस्ति पत्र' मिला है।

***

श्री गुरु नानक देव खालसा महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

अकादमिक वर्ष 2017-18, श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज के लिए उपलब्धियों का वर्ष था। पिछले वर्ष एनआईआरएफ रैंकिंग के अनुसार, श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज को एमएचआरडी द्वारा मूल्यांकित किए जाने वाले 535 कॉलेजों में से 46वां स्थान दिया गया था। हमारे कॉलेज के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन कक्ष (आईक्यूएसी) ने निर्धारित और विभिन्न गतिविधियों के कार्यान्वयन का ट्रैक रखा है और गुणवत्ता मानकों के रखरखाव को सुनिश्चित करने के लिए जहाँ आवश्यक हो, सलाह दी है। डॉ. इंद्र कौल के मार्गदर्शन में हमारे छात्रों द्वारा कॉलेज की वेबसाइट पर प्रकाशित ई-न्यूज़लेटर कॉलेज की मुख्य घटनाओं को नियमित आधार पर साझा करना है। छात्रों के उपस्थिति का रिकॉर्ड रखने के साथ-साथ इस क्षेत्र में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ऑनलाइन उपस्थिति पेश की गई है। दूसरे सत्र के छात्रों के लिए एंटरप्राइज़ रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी) द्वारा पूर्ण परीक्षा फॉर्म तैयार किए गए थे। दक्षता, पारदर्शिता और प्रभावी कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने के दृष्टिकोण के साथ डिजिटल शासन की दिशा में पर्याप्त प्रगति की गई है। सभी वित्तीय लेनदेन अब ऑनलाइन या डिजिटल हो गए हैं। बारिश के पानी के संग्रहण, अपशिष्ट कागज का पुनर्चक्रण, सौर पैनल और संसाधनों की बर्बादी को रोकने जैसे हरित परिसर पहलों/प्रथाओं को बनाए रखने में काफी जोर दिया गया था।

सम्मान/गौरव

लेफ्टिनेंट (डॉ.) घनश्याम बैरवा ने 27 नवंबर, 2017 से 24 फरवरी, 2018 तक अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी (ओटीए), केम्पटे, नागपुर, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित तीन महीने का प्रशिक्षण पीआरसीएन/ 163/एसडी एसोसिएट एनसीसी अधिकारी (एएनओ) सफलतापूर्वक पूरा किया।

अंजू बाला को गुगनराम शैक्षिक और सामाजिक कल्याण सोसाइटी द्वारा गिनादेवी साहित्य शिरोमणि सम्मन, भिवानी, हरियाणा, कबीर सम्मान, साहित्यिक वाचस्पति सम्मन और भारतीय दलित साहित्य अकादमी, दिल्ली द्वारा वीरंगना सावित्री बाई फुले फैलोशिप राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
दीपमाला ने 20 जनवरी, 2018 को इंद्रप्रस्थ अध्ययन केंद्र, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'युवा दिशा और दायित्व' नामक एक शोधपत्र प्रस्तुत करने के लिए पुरस्कार जीता।

भूपिंदर पाल सिंह बख्शी ने नवंबर, 2017 में दिल्ली विश्वविद्यालय को पीएचडी थीसिस प्रस्तुत की। उनके पीएचडी थीसिस का विषय है 'डॉ. तरलोक सिंह कंवर दा सहित चिंतन: प्रा-अधियान'।

मनमीत कौर को 18 नवंबर, 2017 को डॉक्टरेट ऑफ फिलॉसफी से सम्मानित किया गया था। पीएचडी शोध प्रबंध का विषय है 'कॉर्पोरेट शासन प्रथाओं और प्रदर्शन:भारतीय बैंकिंग से अनुभवजन्य साक्ष्य'।

बलजीत सिंह ने पीएचडी फरवरी, 2018 में दिल्ली विश्वविद्यालय में थीसिस प्रस्तुत किया। उनके पीएचडी थीसिस का विषय है 'महाकवि संतोष सिंह दीन साहितिक राचनवन: इतिहास चेतना'।

विशेष उपलब्धि प्राप्त छात्र

गुरप्रीत सिंह को चुनावी प्रक्रिया के बारे में जागरूकता फैलाने में परिसर दूत के रूप में उनके काम के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी, दिल्ली द्वारा सराहना प्रमाणपत्र दिया गया।

कैडेट हरदीप माथुर, कैडेट एमडी रियाज और कैडेट सेनु कुमार ने 45 दिन का शिविर सफलतापूर्वक पूरा किया।

तीन कैडेटों, एसजीटी करण खुराना, सीडीटी एमडी शियरियार और सीडीटी आयुष सिसोदिया ने हमारे एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर 2017 में हिस्सा लिया।

करण खुराना ने गणतंत्र दिवस परेड में भाग लिया और सीडीटी आयुष को युवा विनिमय कार्यक्रम के लिए चुना गया था।

एथलीट राहुल ने विश्व चैम्पियनशिप एथलेटिक्स के भारत शिविर के लिए चुने जाने का गौरव अर्जित किया है।

एथलीट सार्थक भाभरी का भारत शिविर लीग में 400 मीटर के लिए चयन किया गया था।

हमारी नाटक टीम का दिल्ली सरकार की साहित्य कला परिषद के प्रतिष्ठित महाविद्यालय नाट्य समरोह में भागीदारी के लिए चयन किया गया था।

हमारी छात्र टीम ने 13 दिसंबर, 2017 को यूनिक 2017 में सामूहिक चर्चा में पहला पुरस्कार जीता। इसने 5-8 अक्टूबर 2017 को आयोजित सिम्बायोसिस म्यून सम्मेलन में उच्च प्रशंसा अर्जित की और क्रमश: 5-6 अगस्त, 2017 और 5-8 अक्टूबर, 2017 को आयोजित शिसमुन-17 और सिमुनक17 में इसका विशेष उल्लेख किया।

कॉलेज द्वारा प्रकाशित पत्रिकाएँ

अनुसंधान और नवाचार की पत्रिका

अन्य प्रकाशन

इंद्र कौल, (2017) स्वयं, होने और बनने की एक निरंतरता: मध्यकालीन भारतीय भक्ति की पृष्ठभूमि में लल्ला डेड, अनुसंधान और नवाचार की पत्रिका, संस्करण 1(2), 21-29

गरिमा बब्बर, (2017) मूल्यवान जल संसाधन - एक आर्थिक परिप्रेक्ष्य।दिल्ली।हेरिटेज पब्लिशर्स। (आईएसबीएन 817026395-6).

प्रवीण कुमार झा, (2017) टेलीविजन चैनल और सत्यकथाकरन, दिल्ली। तरुण प्रकाशन (आईएसबीएन 978-93-83629-12-1).

जैस्मीन कौर, (2017) बीमा और जोखिम प्रबंधन। दिल्ली: नेटशॉप18.कॉम।. (आईएसबीएन 978-81-93400-62-3).

विनोद कुमार, के गुप्ता, और मनमीत कौर, (2017) वित्तीय बाजार, संस्थान और वित्तीय सेवाएं। दिल्ली: टैक्समैन पब्लिकेशंस (आईएसबीएन 978-93-86635-63-1).

पी के मेहता, और एम सिंह, (2017) माइक्रो इकोनॉमिक्स, दूसरा संस्करण, नई दिल्ली: टैक्समैन पब्लिकेशंस (प्राइवेट) लिमिटेड (आईएसबीएन 978-93-86635-17-4).

धर्मेंद्र कुमार शास्त्री, (2018). वैदिक-विविध-विज्ञान, दिल्ली। विद्यानिधि प्रकाशन(आईएसबीएन 978-93-85539-40-4).

मीना सिंह, (2017) भारत और एनएएफटीए देशों के बीच व्यापार सहयोग, नई दिल्ली: सिनर्जी बुक्स (आईएसबीएन 978-93-82059-70-7).

प्रीति सिंह, (2017) मध्यकालीन भारतीय आर्थिक इतिहासशास्त्र के नए अभिविन्यास और शब्दावली व्याख्या। आवधिक अनुसंधान, 5(1)13-16 (आईएसएसएन 2231-0045) और पांडिचेरी की फ्रैंको-तमिल वास्तुकला- एक अमूल्य विरासत

का स्थायी प्रतीक। रेनकॉन्ट्रे एवीसी एल इंडे (आईसीसीआर द्वारा प्रकाशित फ्रांसीसी जर्नल) 46(1)93-105 (आईएसएसएन0970-4876) अंग्रेजी में अनुवादित।

आयोजित संगोष्ठियाँ

अर्थशास्त्र विभाग ने 26 अक्टूबर 2017 को फाइनांशियल कॉरिडोर द्वारा 'शेयर बाजार: निवेश और व्यापार' पर एक संगोष्ठी आयोजित की।

11 जनवरी 2018 को '2030 में भारत' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गई थी।

कॉलेज की सक्षमकर्ता इकाई/समान अवसर प्रकोष्ठ ने 25 जनवरी, 2018 को 'विकलांगता और आधुनिकता: यादें और दृश्य' पर एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की।

हिंदी और हिंदी पत्रकारिता विभाग ने 23-24 फरवरी 2018 को 'साहित्य, मीडिया और हिंदी लेखन' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

अंग्रेजी विभाग ने 28 मार्च को "बहिष्कृत आवाज़ें और विस्थापित पहचानः समकालीन कथाओं में "निर्वासन" पर पुनर्विचार" पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।

पंजाबी विभाग ने "पंजाबी रंगमंच: सरोकार आत सम्भावनावा" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया ।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

जी के अरोड़ा ने 10 जनवरी 2018 को आयोजित पीआईओ संसद सदस्यों के सम्मेलन के विदाई सत्र को संबोधित किया, 20 मार्च, 2018 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित 'भारतीय प्रवासियों के पट्टे के उन्मूलन की एक शताब्दी और समकालीन समबद्धता भारत के लिए विकल्प' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'एक वैश्वीकृत दुनिया में प्रवासी-आगे की राह' शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया। 22 अप्रैल 2017 को आईजीएनसीए, नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'युवा प्रवासियों से जुड़ना-भारत के लिए नीति विकल्प' शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

अंजू बाला ने 30 जुलाई, 2017 को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'साहित्य में राष्ट्रीय मूल्यों की अवश्यकता एवं महात्व' शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया। 9-10 सितंबर, 2017 को प्रतिकल्पना सांस्कृतिक संस्थान द्वारा आयोजित एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'फणीश्वर नाथ रेणु के उपन्यासों में चित्रित लोक संस्कृति' शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया और 18 सितंबर, 2017 को हरियाणा के महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक में एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'वाल्मीकि रामायण में सौंदर्य बोध' शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

रेणु दुग्गल ने पीजीडीएवी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 2-3 नवंबर, 2017 को भक्तिकालीन कविता: भारतीय संस्कृति के विविध आयाम' पर आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भक्ति आंदोलन और कबीर' शीर्षक एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रीति गुप्ता ने 19-20 नवंबर, 2017 को इंडियन एकाउंटिंग एसोसिएशन के साथ यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा आयोजित लेखांकन शिक्षा और अनुसंधान पर 40वें अखिल भारतीय लेखा सम्मेलन और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भारतीय माइक्रो फाइनेंस उद्योग पर विमुद्रीकरण का प्रभाव: मार्गदर्शक फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड एक प्रकरण अध्ययन' शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रिया जैन ने 28 मार्च, 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय, एस जी एन डी खालसा कॉलेज, दिल्ली के अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित 'निर्वासन: निर्वासित आवाज़ें और विस्थापित पहचान' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

प्रवीण कुमार झा, 20 मई, 2017 को मीडिया स्कैन और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'वर्तमान परिदृश्य में राष्ट्रीय पत्रकारिता:मीडिया और मिथक' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

इंद्र कौल ने 24-25 जनवरी, 2018 को ओ.पी. जिंदल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित चौथे जेजीयू अंतर्राष्ट्रीय साहित्य सम्मेलन में 'महिलाओं की एक वैकल्पिक ऐतिहासिकता' पर एक पूर्ण प्रस्तुति दी।

भूपिंदर कौर ने 16-17 फरवरी, 2018 को इंटरनेशनल सेंटर फॉर सिख स्टडीज द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'गुरु नानक बानी दा सरबकाली संदेश' शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया और पीएचजीडीए कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 2-3 नवंबर, 2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी भक्तिकालीन कविता: भारतीय संस्कृति के विविध आयाम' नें 'रामावतार तथा रामायण तुलानात्मक अनुवाद' शीर्षक एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

जैस्मीन कौर और गुरनीत कौर ने 22-23 दिसंबर, 2017 को श्री गुरु तेग बहादुर संस्थान प्रबंधन और आईटी द्वारा बिजनेस लीडरशिप और डिजिटल इनोवेशन के माध्यम से ब्रांड इंडिया को वैश्विक बनाने पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में '21वीं शताब्दी में महिला उद्यमिता: वास्तविकताएँ और चुनौतियां' शीर्षक एक शोधपत्र प्रस्तुत किया ।

विनय नीत कौर ने 19 अप्रैल 2018 को पंजाब, दयाल सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय पंजाबी विभाग द्वारा पंजाबी सहित दे बिभिन रूपाकार अते विहारक समिख्या पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में को 'रंगमंच समालोचना दे मूल अधार' शीर्षक एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रीति सिंह ने इंडियन काउंसिल ऑफ हिस्टोरिकल रिसर्च द्वारा प्रायोजित 29-30 जुलाई, 2017 को इलाहाबाद स्टेट यूनिवर्सिटी के एस पी जी कॉलेज में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भारत में महिला सशक्तिकरण के वैश्वीकरण और गतिशीलता का युग' शीर्षक एक शोधपत्र प्रस्तुत किया और किया।

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्रों की संख्या और प्रतिशत:	166
परिसर में भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या:	20

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

आयोजित विस्तार एवं पहुँच गतिविधियों की संख्या: 38

एनएसएस कार्यक्रमों में भाग लेने वाले छात्रों की संख्या:

विश्वविद्यालय स्तर पर : 55

राष्ट्रीय स्तर पर :10

हमारे लोकप्रिय सूफी भारतीय बैंड ऐश्वर्या ने विभिन्न कार्यक्रमों में पांच प्रथम पुरस्कारों सहित 23 पुरस्कार जीते।

12-13 फरवरी 2018 को एक अंतर-कॉलेज बहस और प्रश्नोत्तरी वार्षिक प्रतियोगिता 'प्रकाश 2के18' आयोजित की गई थी। दिल्ली-एनसीआर के 40 कॉलेजों और विभिन्न संस्थानों के 216 छात्रों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

27 और 28 जुलाई, 2017 को एनएसएस मतदाता का फोटो पहचान पत्र शिविर (ईपीआईसी) आयोजित किया गया था।

1-15 अगस्त 2017 के दौरान स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया था।

एनएसएस स्वयंसेवकों ने नदी के लिए रैली अभियान में भी भाग लिया। छात्रों ने 2022 तक 'संकल्प से सिद्धि' द्वारा एक नया भारत बनाने की शपथ ली। 11 सितंबर, 2017 को, एनएसएस स्वयंसेवकों को माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लाइव वेबकास्ट में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था।

26 सितंबर 2017 को स्टेम सेल दाताओं के लिए एक पंजीकरण अभियान आयोजित किया गया था, जिसमें दो एनजीओ 'कैंसर पर जीत' और 'डीएटीआरआई' के साथ कैंसर से लड़ने के लिए जागरूकता अभियान शुरू किया गया था।

हमारे छात्रों ने ईशा फाउंडेशन के संस्थापक सद्गुरु जगदीश वासुदेव द्वारा संबोधित इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में नदी के लिए रैली कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया।

15 जनवरी से 19 जनवरी 2018 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया ताकि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने की आवश्यकता और सार्वजनिक जीवन में सतता को प्रोत्साहित कर भ्रष्टाचार मुक्त समाज प्राप्त किया जा सके।

22 मार्च, 2018 को विशेष रूप से भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों के छात्रों के लिए एक विशेष उत्सव, 'ताशी '18, आयोजित किया गया था। थीम के रूप में 'सिक्किम में पर्यटन' के साथ, विभिन्न शैक्षणिक इंटर-कॉलेज प्रतियोगिताओं और खेलों का आयोजन किया गया।

13-14 मार्च 2018 को एक दो दिवसीय पैन कार्ड पंजीकरण शिविर आयोजित किया गया था।

पुस्तकालय विकास

सामान्य निधि:	1402
छात्र सहायता कोष:	127
बीबीई निधि:	24
हिंदी पत्रकारिता निधि	10
पत्रिकाओं की सदस्यता:	17
पत्रिकाएँ:	30
समाचार पत्र:	21

संकाय की संख्या

स्थायी संकाय की संख्याः	50
तदर्थ संकाय की कुल संख्या:	33
अतिथि संकाय की कुल संख्या:	5

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग

अकादमिक वर्ष 2017-18 के लिए गैर-योजना बजट लगभग 2626.00 लाख रुपए है।

***

श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज

प्रमुख गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ:

कॉलेज ने ग्रेड 'ए' और 3.41 के सीजीपीए के साथ मान्यता प्राप्त एनएएसी प्राप्त किया है। विश्व पर्यावरण दिवस और विश्व ओजोन दिवस को कॉलेज में क्रमशः 5 जून 2017 और 16 सितंबर, 2017 को दो कंपोस्ट पिट्स, व्यर्थ कागज के पुनर्चक्रण की स्थापना की गई, और गुरु हर राय बॉटनिकल गार्डन में औषधीय पौधे लगाए गए। 22 जनवरी, 2018 को एस हरदीप सिंह पुरी, राज्य मंत्री, शहरी मामले द्वारा हरि सिंह नलवा छात्रावास की आधारशिला पर रखी गई थी। लिंग आधारित कानूनी अधिकारों पर दो कार्यशालाएं भी आयोजित की गईं। कॉलेज ने छह विषयों के लिए ई-सामग्री विकसित की। ई-पीजी पाथशाला सामग्री अब एमओयूसी (भारी ओपन ऑनलाइन पाठ्यक्रम) में पुनर्निर्मित की जा रही है।स्वयम पोर्टल पर, पीजी पाठ्यक्रमों के लिए ई-लर्निंग सेंटर (देश में किसी भी संस्थान द्वारा अधिकतम) द्वारा 42 एमओओयूसी का योगदान दिया गया है। गुरु अंगद देव शिक्षण अधिगम केंद्र (जीएडी-टीएलसी) ने राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षकों को सशक्त बनाने के लिए पुरस्कार प्राप्त किया और आईसीटी कौशल में 3000 से अधिक शिक्षकों और कक्षाओं में मिश्रित शिक्षा में प्रशिक्षित किया है।

सम्मान/विशिष्टताएँ

डॉ. जीएस सोढ़ी, रसायन विज्ञान विभाग ने 10 फरवरी 2018 को फोरेंसिक विज्ञान में उत्कृष्टता के लिए माननीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह द्वारा केंद्रीय गृह मंत्री पुरस्कार प्राप्त किया है।

डॉ. वनिता, पंजाबी विभाग को 12 फरवरी 2018 पर 'भारतीय साहित्य अकादमी" में पंजाबी की भाषा संयोजक निर्वाचित किया गया है।

डॉ. विमल राढ़ को 'ग्लोबल एजुकेशन शिखर सम्मेलन-2017' में एक पुरस्कार मिला।
दीपाली जून, जूलॉजी विभाग को सन फार्मा विज्ञान स्कॉलर पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
ई-लर्निंग सेंटर को वैश्विक शिक्षा शिखर सम्मेलन 2016 में नई दिल्ली में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी-सह-सम्मेलन में अपनी ई-सामग्री प्रदर्शित करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

गुरु अंगद देव शिक्षण अधिगम केंद्र, एसजीटीबी खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय भारत सरकार के एमएचआरडी के प्रतिष्ठित पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षा मिशन योजना,(पीएमएमएमएनएमटीटी) के अंतर्गत तीन विषयों, अर्थात् रसायन विज्ञान, वाणिज्य और अर्थशास्त्र के लिए 4.81 करोड़ रुपए के आवंटन के साथ स्थापित किया गया था।

विशेष उपलब्धि प्राप्त छात्र

बीए (आनर्स) पंजाबी तृतीय वर्ष की मिस शिवानी काकर को दिल्ली विश्वविद्यालय की 2017 की परीक्षा में प्रथम स्थान मिला और सरदार मनमोहन सिंह मेमोरियल स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया था।
अमोज जैकब ने फील्ड चैंपियनशिप भुवनेश्वर में 800 मीटर में स्वर्ण पदक जीता है, 400 मीटर में नया जूनियर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया है और ऑल इंडिया इंटरवर्सिटी एथलेटिक चैम्पियनशिप में भी नए रिकॉर्ड बनाए हैं। उन्होंने ताइवान में विश्व विश्वविद्यालय खेलों (2017) में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने मलेशिया के कुआलालम्पुर में आयोजित दक्षिण एशियाई खेल- 2017 के लिए भी अर्हता प्राप्त की है।

नैन ने 100 मीटर के लिए जूनियर नेशनल में एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया है। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय इंटर कॉलेज एथलेटिक्स में एक नया रिकॉर्ड भी स्थापित किया है।
अखिल भारतीय इंटरवर्सिटी चैम्पियनशिप में गरशेरर सिंह कोही ने डबल ट्रैप में रजत पदक जीता।
एथलेटिक्स में, कॉलेज ने 7 स्वर्ण, 5 रजत और 3 कांस्य पदक जीते।
कॉलेज अंतर-कॉलेज टेनिस चैम्पियनशिप में लगातार चौथे वर्ष पहला स्थान प्राप्त किया। यशवर्धन अंतर विश्वविद्यालय चैंपियनशिप के लिए चुने गए थे। कमलप्रीत सिंह ने अंतर-कॉलेज गटका प्रतियोगिताओं में 3 स्वर्ण, 1 रजत और 1 कांस्य पदक जीते हैं, और उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व भी किया है। कॉलेज गटका टीम के नौ छात्रों को संगरूर में आयोजित भारत इंटरवर्सिटी गटका चैंपियनशिप में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। टीम ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। कॉलेज के छात्रों (लड़कियों और लड़कों दोनों) ने 5 रजत और 1 कांस्य सहित 6 पदक जीते।

प्रकाशन

जी एस सोढ़ी, (2017) 'गुप्त फिंगरप्रिंट का पता लगाने के लिए मल्टीमेटल जिपोजीशन तकनीक: एक समीक्षा', फोरेंसिक विज्ञान का मिस्र का जर्नल, 7. 1-7.

वी कामरा, आर के नेगी, आर लाल (2017) थर्मस पार्वेटेंसिस का पूर्ण जीनोम विश्लेषण और थर्मस एसपीपी का तुलनात्मक जीनोमिक्स। रणनीतिक अस्तित्व के गुणों के रूप में आनुवंशिक परिवर्तनशीलता और प्राकृतिक क्षमता के विकास में अंतर्दृष्टि।सूक्ष्म जीव विज्ञान में दिशाएँ। 8:1410.

एस गोयल, एन सिन्हा, एच यादव, एस गोदरा, ए जे जोसेफ और बी कुमार (2017) "फेरोइलेक्ट्रिक जीडी-डोप्ड जेएनओ नैनोस्ट्रक्चर: वर्द्धित बढ़ाया डिइलेक्ट्रिक, फेरोइलेक्ट्रिक और पायजोइलेक्ट्रिक गुण", सामग्री रसायन विज्ञान और भौतिकी 202 56-64.
आर ढल्ली, (2017)"गोग का पंथ: राजस्थान में एक लोकप्रिय लोक देवता की धार्मिक प्रक्रिया का एक अध्ययन" मध्ययुगीन राजस्थान के इतिहास के पुनरीक्षण में: प्रोफेसर दिलबाग सिंह के निबंध, प्रोफेसर आर.पी. बहुगुणा, डॉ. सूरजभान भारद्वाज और डॉ. मयंक कुमार द्वारा संपादित। प्राइमस बुक, दिल्ली 2018.
ए गिल, (2017) '1708: दशम गुरु दी दखन फेरी'।सात्विक पब्लिशर एएसआर आईएसबीएन 81-87526-56-4.
एस कौर, (2017) फंगी और उसके सहयोगियों की पाठ्यपुस्तक। साइंटिफिकक इंटरनेशनल। इंडिया।

बी मोहंती, (2017) प्रशासनिक सिद्धांत, सेंटर फॉर डिस्टेंस एंड ओपन लर्निंग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित।

पी सिंगला, एन गर्ग, (2017) प्लांट फ्लेवोयाइड्स: मायकोरिजल और रीजोबियल इंडोस्म्बायोसिस में लंबी अवधि के सद्भाव की कुंजी। ए वर्मा, आर प्रसाद, और एन तुतेजा, (संपा.)में "मायकोरिज़ा: फंक्शन, डाइवर्सिटी एंड स्टेट ऑफ आर्ट" स्प्रिंगर वेरलाग इंटरनेशनल पब्लिशिंग, जर्मनी, चौथा संस्करण। 133-176। आईएसबीएन: 978-3-319-53064-2_8.

बी के ठाकुर, (2017) अतीत और भविष्य को जोड़ना: भारत में एक व्यापक और सतत राष्ट्रीय संरक्षण नीति की आवश्यकता, ऑनलाइन प्रकाशित@ icom-cc-publications-online.org/working group-legal issues in conservation/ venue-Copenhagen.

अनुसंधान परियोजनाएँ

एसईआरबी-डीएसटी रिसर्च परियोजना (3 वर्ष) "प्रदूषण के संकेतक और दिल्ली, भारत के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के माध्यम से बहने वाली यमुना नदी के सूक्ष्म पारिस्थितिकी पर उनके प्रभाव के रूप में मुक्त लिजीवित सिलीएटेड प्रोटिस्टों का चरित्र" (स्वीकृत राशि: 63,26,840)

आंतरिक परियोजनाएँ

1 वर्ष। 'सीवेज उपचार संयंत्रों से सिलीट्स को सूचीवद्ध करना' (स्वीकृत राशि: 21,300)

'मूंगफली के विकास और उत्पादकता (अर्किस हाइपोगेआ एल.) विविधता पर माइक्रोरिज़ल और/या राइज़ोबियल इनोक्यूलेशन का प्रभाव।

'ब्लैक गोल्ड-पौधों के विकास पर उपयोग और प्रभाव'। परियोजना का काम सफलतापूर्वक पूरा हो गया है।

'कार्बनिक खेती के माध्यम से मैरीगोल्ड (टैगेट्स इरेक्टा एल।) उगाना।

आयोजित संगोष्ठियाँ/कार्यशालाएँ

हिंदी संगम फाउंडेशन द्वारा 15 सितंबर 2017 को आयोजित 'विश्व पटल पर हिंदी अध्यापन की चुनौतियां और संभावनाएँ' पर एक अंतर्राष्ट्रीय हिंदी संगोष्ठी।

27 सितंबर 2017 को आयोजित 'गुरु गोबिंद सिंह: जीवन और विरासत का स्मरण' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्री श्री मुरली मनोहर जोशी और पंजाब विश्वविद्यालय के पूर्व कुलगुरू प्रोफेसर जसपाल सिंह पटियाला ने व्याख्यान दिया।

इंटरनेशनल लॉज फॉर इंटरनेशनल लॉ के सहयोग से, भारतीय सोसाइटी फॉर इंटरनेशनल लॉ के सहयोग से 9-10 सितंबर 2017 को स्पोर्ट्स लॉ में नई दिशाएँ: चुनौतियां और अवसर पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई।

16 अक्टूबर 2017 को डॉ. डी.आर हांडा, प्रमुख, प्रलेखन प्रभाग, केन्द्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला, नई दिल्ली ने फोरेंसिक दस्तावेज़ीकरण पर एक व्याख्यान वितरित किया गया था।

23 जनवरी 2018 को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ क्राइमिनोलॉजी और फॉरेंसिक साइंस, नई दिल्ली के वरिष्ठ संकाय, डॉ. ए.सी. अनिवशी ने आर्सन की फोरेंसिक जांच पर एक व्याख्यान दिया था।

आयोजित सम्मेलन

2-3 मार्च 2018 को दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय पंजाबी सम्मेलन का आयोजन किया गया था। भारत के पूर्व प्रधान मंत्री और एक प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री, डॉ. मनमोहन सिंह तथा अजीत समूह के कार्यकारी संपादक, सतनाम सिंह मानक व अन्य प्रसिद्ध वक्ताओं ने पंजाबी में भाषा और साहित्य के बीच परस्पर लाभकारी और समृद्ध आदान-प्रदान के बारे में बात की और समकालीन समाज में पंजाबी की स्थिति का आकलन किया।

19 दिसंबर 2017 को अफ्रीकी देशों के पुलिस अधिकारियों के एक बैच के लिए "फिंगरप्रिंट्स विकास की नई तकनीक" पर एक कार्यशाला आयोजित की गई थी।

संगोष्ठियाँ/सम्मेलन/प्रस्तुतियाँ

डॉ. जी एस सोढ़ी ने हरियाणा पुलिस अकादमी, करनाल में 30-31 मार्च 2017 को आयोजित फिंगरप्रिंट ब्यूरो के निदेशकों के अठारहवें अखिल भारतीय सम्मेलन में फिंगरप्रिंट विकास की सहायता में 'फेज ट्रांसफर कैटलिसिस' शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. वनीता ने 18 मई 2017 को साहित्य अकादमी में और12-14 जून 2017 दिशा: महिला संगठन ओन्टारियो, कनाडा एसोसिएशन के सहयोग से द्वारा आयोजित दक्षिण एशियाई महिलाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'लिंग अध्ययन' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. सुरिंदर कौर ने 24-28 जुलाई 2017 से फ़्रांस के मार्सेल में आयोजित एलीलोपैथी की 8वीं विश्व कांग्रेस में 'राइज़ोस्फीयर में मिट्टी माइक्रोबियल समुदायों पर एक आक्रामक हमलावर' प्रोसोपिस जुलीफ्लोरा का 'आईम्पैक्ट' शीर्षक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
डॉ. नचिकेता सिंह ने जुलाई 2017 में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला के अकादमिक स्टाफ कॉलेज में भारत के विदेश-आर्थिक संबंधों पर दो व्याख्यान दिए।

डॉ. राजश्री ढली ने 9 मार्च 2018 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित अठारहवीं शताब्दी अध्ययन (आईआईएसईसीएस) पर इंडिया इंटरनेशनल के वार्षिक सम्मेलन में '18वीं शताब्दी: राजस्थान में लोक संप्रदायों के राजपूतों के बदलाव का युग' का एक शोधपत्र पेश किया।

डॉ. बिपिन कुमार ठाकुर ने बुडापेस्ट, हंगरी में 17-18 मई 2017 को एप्लाइड साइंसेज विश्वविद्यालय में आयोजित ओरिएंटल बिजनेस एंड इनोवेशन सेंटर (ओबीआईसी) सम्मेलन में बुडापेस्ट बिजनेस स्कूल में 'मोदी सरकार के अंतर्गत भारत का आर्थिक और राजनीतिक मार्च: समावेशी विकास का एक नया विचार' शीर्षक एक शोधपत्र प्रस्तुत किया। ।

हरप्रीत कौर, शशि, सुरिंदर कौर, लक्ष्मी नरुला, कोमल कामरा, रुप लाल, एलन वॉरेन ने 26-28 सितंबर 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत में, आईएनएससीआर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'मिट्टी का प्रदूषण सिल्एटेड समुदाय में परिवर्तनों को परावर्तित करता है' पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया। इसे पौधे - पशु विषय के अंतर्गत सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

भागीदारों के साथ हस्ताक्षरित घरेलू / अंतर्राष्ट्रीय (समझौता ज्ञापनों) की संख्या और नाम

कॉलेज ने शिक्षकों और छात्रों के लिए एक विनिमय कार्यक्रम सहित संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं के लिए कारलेशन विश्वविद्यालय एक साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, हमारे कॉलेज में विज्ञान अनुसंधान केंद्र की स्थापना और नए यु शिक्षग के शित्रकों के लिए संयुक्त शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना शामिल है।

कॉलेज ने विटवाटरैंसड विश्वविद्यालय, जोहान्सबर्ग, दक्षिण अफ्रीका के साथ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें छात्रों और कर्मचारियों का विनिमय, संयुक्त अनुसंधान और परियोजनाओं, प्रकाशनों का आदान-प्रदान और डॉक्टरेट और शोध कार्यक्रमों में भागीदारी शामिल है।

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्रों का प्रतिशत: 65, 75%.
परिसर में भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या:42

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

कॉलेज के छात्रों ने 1 से 15 अगस्त 2017 तक 'स्वच्छ भारत अभियान' पहल के अंतर्गत दिल्ली विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन के आसपास के इलाकों की सफाई में भाग लिया। 'रीढ़ की हड्डी में चोट दिवस' को चिह्नित करने के लिए 5 सितंबर, 2017 को व्हीलचेयर उपयोगकर्ताओं और छात्रों के बीच शानदार बास्केटबाल मैच आयोजित हुआ। फरवरी 2018 में सड़क सुरक्षा जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया था। 23 फरवरी 2018 को कॉलेज परिसर में

आईसीसी (आंतरिक शिकायत समिति) के साथ 'बोन डेंसिटी हेल्थ कैंप' का आयोजन किया गया था। कॉलेज परिसर में 26 जून 2017 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजित किया गया था।

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय दिल्ली विश्वविद्यालय के विस्तृत क्षेत्र परिसर नेटवर्किंग सिस्टम से एनआईएलएसटी (विद्वान सामग्री के लिए राष्ट्रीय पुस्तकालय और सूचना सेवा बुनियादी ढांचे) से जुड़ा हुआ है और अपने उपयोगकर्ताओं को दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली (डीयूएलएस) और यूजीसी-इनफोनेट कंसोर्टियम से इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों तक पहुंच प्रदान करता है। पुस्तकालय कम्प्यूटरीकृत है और ओपीएसी (ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग) के माध्यम से पुस्तकें आसानी से सुलभ हैं। सुरक्षा के लिए पुस्तकालय में लगभग 32 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। सत्र के शुरू होने पर छात्रों के लिए कार्यशालाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। पुस्तकालय ने इस अवधि (2017-2018) के लिए सिटी अयोग द्वारा प्रकाशित कॉलेज पोस्ट "द हायर एजुकेशन जर्नल" की सदस्यता ली है। दृष्टिहीन छात्रों के ब्रेल पुस्तकालय वेबसाइट से ऑनलाइन संसाधनों और ऑडियो सामग्री तक पहुंचने के लिए दो लैपटॉप स्थापित किए गए हैं और मौजूदा संग्रह में लगभग 2000 पुस्तकें जोड़ी गई हैं।

संकाय की संख्या

स्थायी संकाय की संख्याः 98
तदर्थ संकाय की कुल संख्या:63

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग

स्वीकृत अनुदान: रु.42,12,66,832/-
अनुदान का उपयोग: रु.39,20,34,819/-

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

हम बुनियादी ढांचे के विस्तार में उल्लेखनीय कदम उठा रहे हैं और अपनी विज्ञान प्रयोगशालाओं, खेल और अतिरिक्त पाठ्यचर्या सुविधाओं और पुस्तकालय संसाधनों को उन्नत कर रहे हैं। इसके अलावा, हमारे शिक्षक लगातार वैश्विक शैक्षिक कौशल विकसित करने में लगे हुए हैं जो ग्लोबल ई-लर्निंग प्रक्रियाओं में प्रगति के अनुरूप हैं। जीएडी-टीएलसी के पास रसायन विज्ञान, वाणिज्य और अर्थशास्त्र में ओईआर (ओपन एजुकेशनल रिसोर्स) प्रदाता होने का जनादेश है। केंद्र ने ओईआर के लिए, अद्वितीय 'ई-टीचर की किट' का विकास किया है जिसे शिक्षकों द्वारा इन कार्यशालाओं के माध्यम से तैयार किया जाएगा और राष्ट्रीय स्तर पर सभी शिक्षकों के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। इन किटों को सिद्धांत के साथ-साथ व्यावहारिक पत्रों के लिए विकसित किया जा रहा है। केंद्र में अत्याधुनिक सुविधाएं हैं जिनमें एक पूरी तरह से सुसज्जित आधुनिक प्रशिक्षण प्रयोगशाला, कोर टीम मीटिंग रूम, पंजीकरण के लिए स्वागत, आधुनिक उपकरणों के साथ एक ऑडियो-वीडियो स्टूडियो शामिल है। जीएडी-टीएलसी अब आईसीटी उपकरणों के ज्ञान को फैलाने के लिए मास्टर ट्रेनर्स के माध्यम से शिक्षकों को इन कार्यशालाओं को में शामिल करने की दिशा में काम कर रहा है। विजुअल एड्स के साथ कक्षा शिक्षण के पूरक के लिए, प्रयोगशालाओं और संगोष्ठी कक्ष में सत्ताइस वाई-फाई सक्षम प्रोजेक्टर स्थापित किए गए हैं। कॉलेज ने 7 विज्ञान विभागों को काफी उन्नत किया है।. चौबीस घंटों की निगरानी के लिए, कॉलेज परिसर बंद सर्किट टेलीविजन कैमरा सिस्टम से जुड़ा हुआ है।

***

सेंट स्टीफन महाविद्यालय

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियां

यह वर्ष सेंट स्टीफन कॉलेज के लिए एक बहुत ही उपयोगी अकादमिक वर्ष रहा है। सेंट स्टीफन कॉलेज को एनआईआरएफ रैंकिंग में पूरे भारत में दूसरे स्थान पर रखा गया। नियत प्रक्रियाओं के बाद नौ गैर-शिक्षण स्टाफ पदों को भरा गया था। कॉलेज के पूर्व छात्रों का पोर्टल लॉन्च किया गया था। पर्यावरण के कारकों और स्थान के अनुकूलन को ध्यान में रखते हुए कॉलेज के कार्यालय ब्लॉक का पुनर्निर्माण किया गया था।

सम्मान/विशिष्टताएँ

डॉ. मलय नीरव को एसआईएफई (एनजीओ) के एक भाग, एक्टक्टस इंडिया द्वारा सर्वश्रेष्ठ संकाय पुरस्कार, सम्मानित किया गया।

डॉ. बिक्रम फुकुन: भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए) शिक्षक पुरस्कार
डॉ रेनीश जी अब्राहम ने 25, 26 और 27 अक्तूबर, 2017 को टेप लेक्चरर के रूप में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय का दौरा किया और केरल के इतिहास में "हिंदू धर्म और ईसाई धर्म पर बातचीत" पर तीन सार्वजनिक व्याख्यान दिए।
डॉ. सी बी झा को 2017-2018 के दौरान दो प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हुए:
हिंद मीडिया पोस्ट द्वारा स्थापित "अटल मिथिला सम्मान" पुरस्कार और मंदाकिनी संस्कृत विद्यावतपरिषत द्वारा स्थापित "विद्यासागर सम्मान पुरस्कार"।
डॉ. ज्योतिर्मय माइती के इस वर्ष में पांच से अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रकाशन थे।
डॉ. सानिल उन्नीकृष्णन खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी, पुणे के लिए इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर के अतिथि सहयोगी थे।

विशेष उपलब्धि प्राप्त छात्र

श्री श्रीजीत सील और सुश्री मुद्रा रहेजा ने वैज्ञानिक नवाचारों पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन की संकल्पना और समन्वय किया ।
कॉलेज में कई छात्रों ने सोसाइटीज के माध्यम से आयोजित गतिविधियों में उत्कृष्टता प्राप्त की।
छात्रों ने खेल में अच्छा प्रदर्शन किया।

प्रकाशन

करेन गेब्रियल, "पोर्न संस्कृतियों की शक्ति", निक बुक्सटन और डेबोरा ईड (संपा.), द स्टेट ऑफ पावर रिपोर्ट, एम्स्टर्डम, द ट्रांसनेशनल इंस्टीट्यूट (टीएनआई), 2017.
प्रियंका ठकराल, एस कुकरेती और ए के बख्शी। क्वाटरनेरी कोपोलीमर्स में इन-सिलिको मेटाहिरिस्टिक सिलाई; इमर्जिंग मिटिरियल रिसर्च, 6(2), 1-9, आईएसएसएन 2046-0147.
ज्योतिर्मय माइती, नेहा राणा, मनीष कुमार, विनोद खत्री और अशोक के प्रसाद। एपिमेरिक 4-सी-हाइड्रोक्साइमिथिलेटेड फुरानोसुगर का एंजाइमेटिक पृथक्करण: बाईसाइक्लिक माइक्लोसाइड्स का संश्लेषण। बेइलस्टीन में। जैव रसायन का जर्नल, 2017, 13, 2078-2086.

दिग्विजय कुमार सिंह, 'मालाबार का यहूदी और समुद्री व्यापार, सी. 11 वीं-13 वीं शताब्दी: काइरो जेनिज़ा के बिजनेस लेटर्स से ग्लीनिंग, पियस मालेकंदथिल में, लोटिका वारदराजन और अमर फारूकी संपादक, भारत, पुर्तगाल और समुद्री संपर्क, नई दिल्ली: प्राइमस बुक्स, 2018.

अनुसंधान परियोजनाएँ

डीआरडीओ, 3 वर्ष, मैक्रोसाइकल रिसेप्टर्स का विकास, 10 लाख
डीएसटी, 3 वर्ष, ऑप्टिकल सेंसर का विकास, 15 लाख
डीएसटी, 3 वर्ष, धातुओं को जोड़ने के लिए भविष्य के आसंजक विकसित करने के लिए उच्च प्रदर्शन पॉलिमर और नैनो-फिलर्स की खोज, 3040000

आयोजित संगोष्ठियाँ

प्रो. भारत रत्न, सैद्धांतिक भौतिकी का केंद्र, 14 अगस्त, 2017
वाइस एडमिरल सेवानिवृत्त प्रदीप चौहान, समुद्री सुरक्षा और आपको क्यों परवाह करनी चाहिए?, 2 फरवरी, 2018
ब्रिगेडियर, सेवानिवृत्त बी डी मिश्रा, सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर, बी डी मिश्रा के साथ इंटरएक्टिव संगोष्ठी। 9 सितंबर, 2017
ईरा सिंघल, ईरा सिंघल के साथ इंटरैक्टिव सत्र, 2 फरवरी, 2018
सुश्री लालिनी वीरसामी, प्रवासन संकट, 1 जून, 2018

आयोजित सम्मेलन

22, 23 और 24 मार्च को अकादमिक सम्मेलन का आयोजन किया गया था।

केमिकल साइंसेज, अवसरों और चुनौतियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीसीएस-2018)।
बीजगणित और उसके अनुप्रयोगों पर राज्य स्तरीय संगोष्ठी।
"एनरूट: प्रवास, कथा इतिहास और प्रौद्योगिकियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन।
छात्रों, संकाय और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यशाला श्रृंखला।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुति

डॉ. करेन गेब्रियल को "फ्यूचर टेंस: मानविकी के लिए संभावनाएं" प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया था, वे 24-25 मार्च, 2018 को, स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स एंड ह्यूमन साइंसेज, अवरो विश्वविद्यालय, सूरत, गुजरात द्वारा आयोजित 21वीं शताब्दी में मानवता का भविष्य' नामक पाठ्यचर्या संगोष्ठी-सह-कार्यशाला के लिए संसाधन व्यक्ति थे।

डॉ. सनिल उन्नीकृष्णन ने 11 जुलाई, 2018 को आईयूसीएए, पुणे में "मुद्रास्फीति संगति संबंध की अनुकूलता" पर एक संगोष्ठी प्रस्तुत की।

डॉ. तस्नीम सुहरावर्दी ने पांडुलिपियों के राष्ट्रीय मिशन और उन्नत अध्ययन केंद्र, इतिहास विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय द्वारा "फारसी स्रोतों के माध्यम से मध्यकालीन भारत की खोज" पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 16वीं शताब्दी में पारसी स्रोतों में *सच्चाई को बदलना: 16 वीं शताब्दी में फारसी स्रोतों में हास्य, बुद्धि और व्यंग्य* शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. नैना दयाल ने द बुक रिव्यू लिटरी ट्रस्ट (और कुमकुम रॉय और नैनाडायल) द्वारा 15-17 मार्च, 2018 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 'प्रश्नोत्तरी आदर्शों, इतिहासों का निर्माण: रोमिला थापर के लिए फेस्टस्क्रिफ्ट', पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "सुत, नास्तिक और महाभारत का पुनर्कथन" शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. सुजय जॉन ने 8-10 मार्च, 2018 को अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रबंधन पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
डॉ. एकता कुंद्रा ने आईएएस, दिल्ली और आईएनएसए, बंगलौर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर 'जहरीले चयापचय की जांच' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन

सोका विश्वविद्यालय, जापान और मिडलबरी विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन।

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्रों की संख्याः 53 वेतन प्रति वर्ष 9.3 लाख से 31 लाख पर।
परिसर का दौरा करने वाली कंपनियों की संख्या: लगभग 90

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

फरवरी 2018 में, हमने सम्मानितों की एक यात्रा आयोजित की थी। स्पीति डेवलपमेंट सोसाइटी से ताशी नामग्याल आए, उन्होंने हमसे स्पीति घाटी में स्कूल का समर्थन करने का आग्रह किया।
बेहद सफल रक्तदान शिविर
स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम
स्टेम सेल दान जागरूकता अभियान और अंग दान अभियान
ग्रीन दिवाली अभियान
पृथ्वी समय और कई प्रेरक वार्ताएं।

पुस्तकालय विकास:

कॉलेज पुस्तकालय ने अपने अधिग्रहण और धारण को विकसित करना जारी रखा और इस वर्ष स्वचालन के खर्च में वृद्धि हुई। स्वास्थ्य और "कॉलेज लेखकों" पर विशेष प्रदर्शनी भी आयोजित की गई थी।

संकाय की संख्या

स्थायी संकाय की संख्याः61

तदर्थ संकाय की कुल संख्या: 30

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग:

स्वीकृत अनुदान: रु.273,877,000/-

अनुदान का उपयोग: रु.255,286,527/-

***

स्वामी श्रद्धानन्द महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

एक अलग वातानुकूलित पठन कक्ष, कॉलेज के दृष्टिहीन विकलांग छात्रों के लिए एक अलग केबिन और पुस्तकालय में एक इंटरनेट ब्राउज़िंग सुविधा प्रदान की गई है

विशेष उपलब्धि प्राप्त छात्र

कॉलेज क्रिकेट टीम लगातार पांचवीं बार इंटर कॉलेज चैंपियन बनी। रोहन राठी ने लगातार तीन इंटर-कॉलेज मैचों में तीन शतक लगाकर सराहनीय योगदान दिया। फाइनल में जीजीएससीसी को हराकर टीम ने पहला इंटर कॉलेज डीडीसीए क्रिकेट टूर्नामेंट जीता। हिमांशु राणा, शुभम दहिया, ललित यादव और रोहन ने इंटर कॉलेज डीडीसीए क्रिकेट टूर्नामेंट में दोहरे शतक बनाये। टीम ने उना (हिमाचल प्रदेश) में आयोजित द्वितीय टी-20 विक्रांत मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट में स्वर्ण जीता।

हिमांशु राणा, बीए (पास) द्वितीय वर्ष ने भारत यू-19 क्रिकेट एशिया कप और विश्व कप में प्रतिनिधित्व किया और एशिया कप चैंपियनशिप में मैन ऑफ द सीरीज और यू-19 क्रिकेट टीम के कप्तान बने।
अनुज रावत, बीए (पास) प्रथम वर्ष ने भारत यू-19 क्रिकेट एशिया कप में प्रतिनिधित्व किया।

दीपक खत्री, रोहन राठी, जीतेश सरोहा, मनीष, शुभम दहिया, रमेश प्रसाद और लक्ष्य थरेजा को एमडी विश्वविद्यालय रोहतक में आयोजित उत्तरी जोन के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय क्रिकेट टीम में चुना गया था।
ललित यादव और गौरव का दिल्ली यू-23 और रणजी ट्राफी के लिए चयन किया गया था।
हरियाणा यू-23 और रणजी ट्रॉफी के लिए जीतेश सरोहा का चयन किया गया था।

मोहित हुडा हरियाणा यू-23 के लिए टीम के कप्तान चुने गए हैं और रणजी ट्रॉफी के लिए भी उन्हें चुना गया था।
शुभम दहिया को विज़ी ट्रॉफी में उत्तर भारत के लिए चुना गया था और टूर्नामेंट के सेमीफाइनल और फाइनल में वे मैन ऑफ द मैच का बने।
हरियाणा यू-23 क्रिकेट के लिए रोहन राठी और साकेत अग्रवाल का चयन किया गया।
हरियाणा यू-19 क्रिकेट के लिए अखिल कुहर और सागर खत्री का चयन किया गया।
दिल्ली यू-19 क्रिकेट के लिए जतिन शोकीन का चयन किया गया था।
रोहन राठी को दिल्ली विश्वविद्यालय क्रिकेट टीम का कप्तान चुना गया था, उन्होंने उत्तरी जोन इंटर यूनिवर्सिटी क्रिकेट चैंपियनशिप में भाग लिया था।
स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज कुश्ती टीम इंटर कॉलेज फ्री स्टाइल और ग्रीको रोमन कुश्ती प्रतियोगिता में चैंपियन रही।
फ्री स्टाइल शैली के अंतर्गत विजेताओं में ये छात्र शामिल हैं- बीए (पास) द्वितीय वर्ष के प्रवेश राणा, ने 57 किलो वजन श्रेणी में स्वर्ण पदक जीता। बीए हिंदी (आनर्स) द्वितीय वर्ष के लोकेश ने 60 किलो वजन वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। बीए (पास) प्रथम वर्ष के अनुज तुषिर ने 70 किलो वजन वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। एमए हिंदी फाइनल वर्ष के प्रदीप तोमर, ने 74 किलो वजन वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। बीए (पास) प्रथम वर्ष के सुमित ने 97 किलो वजन श्रेणी

में रजत पदक जीता और बीए (पास) प्रथम वर्ष के अंकित ने 125 किलो वजन श्रेणी में स्वर्ण पदक जीता। ग्रीको रोमन के अंतर्गत विजेताओं में एमए के पप्पू ने पिछले वर्ष 55 किग्रा वजन वर्ग में रजत पदक जीता था। सचिन राणा, बीए (आनर्स) द्वितीय वर्ष ने 60 किलो वजन श्रेणी में स्वर्ण पदक जीता। बीए (आनर्स) प्रथम वर्ष के संदीप ने 63 किलो वजन वर्ग में स्वर्ण पदक जीता है। सतपाल दहिया, बीए (आनर्स) तृतीय वर्ष ने 67 किलो वजन श्रेणी में स्वर्ण पदक जीता। वीर सिंह, बीए (आनर्स) प्रथम वर्ष ने 72 किलो वजन वर्ग में स्वर्ण पदक जीता और भानु पार्कसा खत्री, बीए (पास) द्वितीय वर्ष ने 97 किलो वजन वर्ग में स्वर्ण पदक जीता।

पुष्प तोमर ने इंटर कॉलेज एथलेटिक चैम्पियनशिप में डिस्कस में रजत पदक जीता।
बादल ने इंटर कॉलेज ताइक्वोंडो प्रतियोगिता में 87 किलो वजन वर्ग में स्वर्ण पदक जीता और जीएनडीयू अमृतसर में अखिल भारतीय विश्वविद्यालय तायक्वोंडो चैम्पियनशिप में दिल्ली विश्वविद्यालय का भी प्रतिनिधित्व किया। कॉलेज टीम ने इंटर कॉलेज कॉलेज कबड्डी टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता।

प्रकाशन

सरस्वती कनोडिया ने आईओएसआर-जर्नल ऑफ़ बायोटेक्नोलॉजी एंड बायोकैमिस्ट्री में "प्लेरोटस कल्टीवेशन द्वारा शहरी कचरे का अत्यधिक पौष्टिक भोजन में रूपांतरण" शोधपत्र प्रकाशित किया है, संस्करण 3, संख्या 4, 2017, पृ.15-1

प्रदीप प्रताप सिंह ने अंतर्राष्ट्रीय पुस्तकों में चार अध्यायों का योगदान दिया, अर्थात् "स्टैन-जेल आधारित नैनोसेरामिक्स में हालिया रुझान" पैन स्टैनफोर्ड द्वारा प्रकाशित: सिंगापुर, 2017। (आईएसबीएन: 9789814774307), "रुथेनियम यौगिक: पैन नैनोकैमिस्ट्री में एक नया दृष्टिकोण" स्टैनफोर्ड, सिंगापुर द्वारा प्रकाशित, 2018. (आईएसबीएन: 9789814774390); "नैनो टेक्नोलॉजी: टिकाऊ जल संसाधनों के लिए एक उभरता हुआ क्षेत्र", विली-स्क्रिप्वेनर, यूएसए द्वारा प्रकाशित (आईएसबीएन: 9781119323594); 2017, "बायोपॉलिमर्स: हाल के रुझान और उनके अनुप्रयोग" 2017, 271-286,. नोवा साइंस, न्यूयॉर्क, यूएसए द्वारा प्रकाशित। (आईएसबीएन: 9781536118469).
आर मीनाक्षी, एस रहमान, ए टी जेन, ए अर्चना और जे किम, (2017) स्तन कैंसर की आणविक मॉडेलिटी में एजिंग और एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम अनफोल्डेड प्रोटीन रिस्पांस (यूपीआर) के प्रभाव। नेचर एक्सपेरिमेंटल एवं एएमपी; आण्विक चिकित्सा। ईएमएम2017173आरआर (प्रभाव कारक 5.164) (49): ई389.

एस रहमान, ए अर्चना, एम आज़म, और आर मीनाक्षी, (2017) रोगजनक अस्तित्व और रोगजन्यता में ओस्मोलाइट और उनके ट्रांसपोर्टर सिस्टम की भूमिका। वर्तमान दवा चयापचय। BSP-CDM- बीएसपी-सीडीएम- 2017- एचटी 8-40. (प्रभाव कारक 2.74). [छपाई में].

ए अर्चना, लक्ष्मण महाजन, सफिकुर रहमान, आर मीनाक्षी। (2018) "डार-प्रोटीन मोडिफिकॉमिक्स" पुस्तक के लिए आमंत्रित अध्याय "पोस्ट ट्रांजिशनल मोडिफिकेशन्स इन ह्युमन थेरेप्टिक्स प्रोड्यूस्ड इन प्लांट-एक्सप्रेशन सिस्टम"। एल्जेवियर पब्लिकेशन्स (प्रेस में)। आईएसबीएन: 978-0128119136.

आशीष त्यागी, अंजलि मान, धर्मवीर सिंह अहलावत, विनोद प्रसाद (2017) "ओरिएंटिंग पल्स की उपस्थिति में एक अणु के उन्मुखीकरण और संरेखण पर पल्स ट्रेन को संरेखित करने का प्रभाव" स्पेक्ट्रोकिमिका एक्टा भाग ए: आण्विक और बायोमेलिकुलर स्पेक्ट्रोस्कोपी 173 (2017) 13-18

आयोजित संगोष्ठियाँ/ कार्यशालाएँ

श्रीमती रुचिका गुलाटी ने 28 फरवरी, 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय के स्वामी श्रद्धानंदद कॉलेज में 'आत्मकथा: लेखन स्वयं, समाज और राष्ट्र' पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

प्राणीशास्त्र विभाग ने 12 जनवरी, 2018 को स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज, अलीपुर, दिल्ली-36 में "जैव प्रौद्योगिकी और मानव स्वास्थ्य" पर एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की। प्रोफेसर योगेंद्र सिंह ने बैक्टीरियल पाथोजेनेसिस पर एक वार्ता दी और प्रोफेसर एम हुसैन ने एचआईवी के बारे में बात की।

आयोजित सम्मेलन

वनस्पति विभाग और पर्यावरण और विकास सोसायटी, भारत (एसईडी-इंडिया) ने 21-23 मार्च 2018 को "उभरती पर्यावरणीय चुनौतियां और सतत विकास-2018 (ईईसीएसडी-2018)" पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

वाणिज्य विभाग ने 26-28 अगस्त 2017 को "समाज का सतत विकास: वर्तमान रुझान और भविष्य के दृष्टिकोण" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

कंप्यूटर साइंस विभाग ने 22 मार्च 2018 को आईबीएम के सहयोग से "बिग डेटा हैडोप" पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

अंग्रेजी विभाग ने 28 फरवरी 2018 को "आत्मकथा: लेखन स्वयं, समाज और राष्ट्र" पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।

संगोष्ठी/सम्मेलन/प्रस्तुतियाँ

डॉ. सरस्वती कनोडिया ने10-11 अक्तूबर, 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय के आदिति महाविद्यालय द्वारा आयोजित यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'माइक्रोवेव एक्सीलरेटेड ग्रीन मेथड फॉर द सिलेक्टिव क्लोरिनेशन ऑफ1,4-क्विनोन्स एंड क्वोट' पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

डॉ. एल आर पालीवाल ने 02-03 फरवरी 2018 को इंस्पिरा रिसर्च एसोसिएशन (आईआरए), जयपुर, राजस्थान द्वारा एलबीएस पीजी कॉलेज, जयपुर, राजस्थान में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'एक अवधारणात्मक अध्ययनः डिजिटल विपणन पर डिजिटल इंडिया अभियान का प्रभाव' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. जगबीर सिंह कडयन ने 26-28 अगस्त 2017 को दक्षिण एशिया विकास संघ के साथ दिल्ली विश्वविद्यालय के स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज के वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित "समाज का सतत विकास: वर्तमान रुझान और भविष्य के आउटलुक" आईसी-एसडीएससीटीएफओ-2017 पर छठे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एक आयोजन सचिव के रूप में कार्य किया।

सुश्री चेतना हुड्डा ने "बिनोदिनी दासी: एक वैकल्पिक क्रॉनिकलर" शीर्षक आत्मकथा पर अंग्रेजी विभाग की संगोष्ठी में एक शोध लेख प्रस्तुत किया।

डॉ. ए के दुबे ने 8 मई 2017 को विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग में "उच्च शिक्षा में अनुसंधान और साहित्यिक चोरी की नैतिकता" विषय पर विश्वविद्यालय श्रृंखला में व्याख्यान दिया।

पुस्तकालय सेवाएं

कॉलेज छात्रों और संकाय के लिए पढ़ने की पर्याप्त जगह और पुस्तकालय प्रदान करता है। वर्तमान में पुस्तकालय में लगभग 1,00,000 किताबें हैं और हर वर्ष इस संग्रह में करीब 2,000 पुस्तकें शामिल की जाती हैं। पुस्तकालय को कॉलेज की नई इमारत के विशाल दो मंजिले संलग्न हिस्से में स्थापित किया गया है। पुस्तकालय 40 से अधिक पत्रिकाओं और आवधिक पत्रों और 24 समाचार पत्रों की सदस्यता लेता है जो वर्तमान घटनाओं और मामलों पर नवीनतम जानकारी प्रदान करते हैं। पुस्तकालय का बड़े पैमाने पर कंप्यूटरीकरण किया जा रहा है और कॉलेज में इंटरनेट सुविधा पहले से उपलब्ध है। पुस्तकालय के कंप्यूटर रूम में जल्द ही एयर कंडीशनर लगाया जाएगा। रीडिंग रूम में नवीनतम पुस्तकें और आवधिक पत्र प्रदर्शित करने वाला एक डिस्प्ले बोर्ड स्थापित किया गया है जो छात्रों और शिक्षकों के लिए समान रूप से मददगार है। शिक्षकों के लिए एक अलग अध्ययन कक्ष है जो उन्हें काम करने और उनके व्याख्यान तैयार करने के लिए आवश्यक जगह प्रदान करता है। अलग प्रकार से सक्षम सदस्यों को कंप्यूटर सुविधा प्रदान करने के लिए एक अलग केबिन बनाया गया है। विभिन्न प्रकार की ई-सामग्री को खोजने के लिए, पुस्तकालय में इंटरनेट ब्राउजिंग सुविधा उपलब्ध है।

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

महिला विकास सेल

कॉलेज में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया:

"किशोरावस्था की शक्ति, दृष्टि 2030" पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। ।यह 16.10.2017 को मनाए गए अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के लिए विषय था

आर्थोपेडिक विभाग के वरिष्ठ सलाहकार, डॉ शेखर श्रीवास्तव द्वारा 14 नवंबर 2017 को "मेरे घुटने में दर्द क्यों होता है" पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई थी।

'सशक्ति' पहल के अंतर्गत दिल्ली पुलिस द्वारा 15 से 27 फरवरी 2018 तक बालिकाओं के लिए दस दिवसीय स्व-रक्षा कार्यशाला आयोजित की गई थी। हेड कांस्टेबल श्रीमती भारती वाधवा और कॉन्स्टेबल मिस सुनीता यादव ने प्रशिक्षण दिया था। डीसीपी ऋषिपाल, एसीपी सुनीता शर्मा (महिला और बच्चों के लिए विशेष पुलिस इकाई, पीटीएस मालवीय नगर, नई दिल्ली), एसीपी दिनेश कुमार, एसीपी रजनीश और एसएचओ सुरेश कुमार ने इस अवसर पर उपस्थित होकर कार्यक्रम की गरिमा बढाई।

***

विवेकानंद महाविद्यालय

प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियाँ :

कॉलेज को एनएएसी पीयर टीम द्वारा ग्रेड 'ए' के साथ मान्यता दी गई। आईक्यूएसी ने ईमानदारी से कॉलेज परिसर में परस्पर सीखने और विकसित होने का माहौल बनाने का प्रयास किया है। संकाय द्वारा, संकाय के लिए व्याख्यान श्रृंखला इसका उल्लेखनीय प्रयास हैं, जिसमें प्रत्येक विभाग के एक शिक्षक ने सभी संकाय सदस्यों के लिए सामान्य रुचि और महत्व के विषय पर प्रस्तुति दी। कॉलेज प्रत्येक विभाग में माता-पिता और शिक्षक की बैठकों का भी आयोजन करता है और छात्रों से परिसर के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर प्रतिक्रिया लेता है

विशेष उपलब्धि प्राप्त छात्र

कॉलेज ने मानसिक जागरूकता सप्ताह के दौरान प्रतिष्ठित नीमहंस, बैंगलोर द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में पहला पुरस्कार जीता

कॉलेज हॉकी टीम ने नवंबर 2017 में आयोजित इंटर कॉलेज टूर्नामेंट में चौथा स्थान प्राप्त किया।

कॉलेज योग टीम ने 2017 में पानीपत में आयोजित राष्ट्रीय योग चैंपियनशिप में पहला स्थान प्राप्त किया।

प्रकाशन

एस जैन, पी जैन, एस जैन, (2017) सामान्यीकृत संकल्प असमानताओं और आवेदन के निशान. जे. मैथ.14:159.

आर मिश्रा, और वी सोंधी, (2017) "राष्ट्रीय परिदृश्य से बाल देखभाल आवासीय संस्थानों को खत्म करना: क्या यह जरूरी है?" सामाजिक विकास का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल,, 5(4), 14-33.

पीडीई, सोफिया। (2017) 'लोकगीत, पहचान और परिवर्तन: मेघालय के खासी'।International बहुआयामी क्षेत्र में अभिनव अनुसंधान का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 3 (2). आईएसएसएन: 2455-0620.

डॉ. सुखनीत सूरी, एस जान और एस सूरी, (2017) "मूल्यवर्धित अभिनव उत्पादों के लिए उपभोक्ता व्यवहार का आकलन।" गृह विज्ञान का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 3(2), 572-576.

एस सुनील और एसके वर्मा (2018) "नैतिक सामाजीकरण: माता-पिता की भूमिका।" सोशल साइंस रिव्यू का इंटरनेशनल जर्नल 6(1), 165-170

योजना कालिया और सरोज कुमारी, (2017) स्त्री लेखन का दूसरा परिदृश्य; भावना प्रकाशन; आईएसबीएन - 978-81-7667-337-2

एस सेठ, एच भाटिया और एनके चड्ढा, (2018) परामर्श कौशल: खुद को और दूसरों को जानना। इंडिया: द रीडर्स पाराडाइज। (आईएसबीएन:978-93-85958-89-2)

वाई मिश्रा, (2017) "भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में महिलाओं की भूमिका।" इंडिया फाउंडेशन, 4 (जुलाई अगस्त)। आईएसएसएन 2347-1522

हिना नंदराजोग, (2017) 'बांसुरी की प्रतिध्वनि: गद्दी जनजाति की प्रेम और चाह के गीत और कहानियाँ' स्वदेशी और लोकप्रिय कल्पना की पुनरावृत्ति। नई दिल्ली: आथर्स प्रेस। पृ.77-95. आईएसएसएन 978-93-5207-385-6

हिना नंदराजोग, (2018) 'भारत के विभाजन के शरणार्थी: आघात और आरोग्य की रणनीतियां' भारत के विभाजन का मनोवैज्ञानिक प्रभाव, संपा. संजीव जैन और आलोक सरीन। नई दिल्ली: सेज पब्लिकेशन्स। आईएसबीएन 978-93-528-0650-8(एचबी)

अनुसंधान परियोजनाएँ

रिसर्च एंड इनोवेशन क्लब के लिए यूजीसी 12वीं योजना निधि शिक्षकों का गठन (संयोजक डॉ. सुखनीत सूरी और डॉ. अरुशी जैन) और बीए (पाठ्यक्रम के छात्र सदस्य। रु. 27,300/-

आयोजित संगोष्ठियाँ

कॉलेज के आईक्यूएसी ने 12 फरवरी, 2018 को "कॉलेज प्रशासन के लिए गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली" पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।

सम्मेलनों/ संगोष्ठियों में प्रस्तुतियाँ

डॉ. हिना नंदराजोग ने 5-7 जुलाई 2017 को ओरिएंटल और एशियाई अध्ययन स्कूल में 8वें एशियाई अनुवाद परंपरा के सम्मेलन, "मोंटेज ऑफ़ कॉन्फ्लिक्ट एंड ट्रामा: विभाजन साहित्य और अनुवाद," "विवादित विचारधारा और सांस्कृतिक मध्यस्थता - सुनवाई, व्याख्या, वैश्विक आवाज़ों का अनुवाद"।

डॉ. हिना नंदराजोग आईआईटी, खड़गपुर में 3-4 जनवरी 2018 को भारत @70: यादें और इतिहास पर अंतर्राष्ट्रीय अंतःविषयक संगोष्ठी में "जहरीली नदियां: पंजाबी साहित्य में विभाजन" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. नीता माथुर ने 10 जनवरी, 2018 को संगीत विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय, द्वारा आयोजित गोष्ठी में शोधपत्र प्रस्तुत किया और उनके शोधपत्र 'हिंदुस्तान शास्त्रीय गान विधाओं में बज भाषा साहित्य का योगदान' को ने प्रकाशित किया गया।

डॉ. सुनील वर्मा और डॉ शिवंतिका शरद ने 22 से 24 दिसंबर 2017 के बीच एनओओपी में आयोजित संगोष्ठी में "पुरुषत्व एक जाल है: लिंग गतिशीलता, पुरुष उत्पीड़न और हाशिए के प्रबंधन पर एक अध्ययन" प्रस्तुत किया।

डॉ. संध्या जैन ने 12-15 दिसंबर 2017 को आईएमएस में "विभिन्न संकल्पों से जुड़ी भारित मानक असमानताएँ" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया|

नियुक्तियों का विवरण

नियुक्त छात्रों की संख्या और प्रतिशत: 98
परिसर भर्ती के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या: 15

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय का संग्रह 46 आवधिकों, ऑडियो-विज़ुअल सामग्री और ई-संसाधनों के साथ 63155 पुस्तकों तक पहुंच गया है। इस वर्ष पुस्तकालय में 31000 से अधिक परिसंचरण लेनदेन के साथ अनुमानतः 40072 आगमन दर्ज हुए। 234

छात्रों को बुक बैंक योजना से लाभ हुआ और वर्तमान सेमेस्टर में 678 किताबें जारी की गईं। डीएलएनईटी के इंटर पुस्तकालय लोन के माध्यम से भी लेनदेन किए गए थे।

संकाय की संख्या

स्थायी संकाय: 45

तदर्थ संकाय: 60

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग

स्वीकृत अनुदान (यूजीसी): रु.33,32,85,000/-

स्वीकृत अनुदान (दिल्ली सरकार): रु.30,00,000/-

अनुदान का उपयोग (यूजीसी): रु.17,98,31,292/-

अनुदान का उपयोग (दिल्ली सरकार):रु.76,17,480.60/-

***

जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज

प्रमुख गतिविधियों और उपलब्धियां

कॉलेज ने दिल्ली विश्वविद्यालय, नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय और वियतनाम के दूतावास के सहयोग से दो अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए। कॉलेज आसियान @ 50 पर क्षेत्रीय सम्मेलन और बेंगलुरु में आयोजित भारत-एशियान संबंधों में भी भागीदार था। 60 दिल्ली विश्वविद्यालय की साठवीं पुष्प प्रदर्शनी में, कॉलेज ने कुल 125 पुरस्कार और 11 कप जीते। हमारे हर्बल गार्डन ने लगातार चौथे वर्ष मीनाक्षी गोपीनाथ कप जीता। गुलाब और रॉक बागानों ने अपनी श्रेणियों में दूसरा पुरस्कार जीता। कॉलेज की रंगमंच सोसायटी, अमान के उत्पादन **अकी** को साहित्य कला परिषद के महाविद्यालय नाट्य समरोह में सर्वश्रेष्ठ निर्देशित नाटक घोषित किया गया था। शेक्सपियर के मैकबेथ के अनुकूलन पर आधारित अमन का दूसरा उत्पादन **मीर** शेक्सपियर सोसाइटी ऑफ इंडिया की नेशनल ड्रामा प्रतियोगिता में दूसरे स्थान पर था।

सम्मान/विशिष्टताएँ

जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज ने 1 मई, 2018 को आयोजित दिल्ली विश्वविद्यालय के 96वें स्थापना दिवस पर सर्वश्रेष्ठ वेबसाइट पुरस्कार जीता - कॉलेज श्रेणी।

कॉलेज ने 5-6 जून 2018 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली और स्वच्छता शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (एनआईसीईआर) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय पर्यावरण सम्मेलन 2018 (47 वें विश्व पर्यावरण दिवस समारोह) में प्लास्टिक फ्री कॉलेज ऑफ द इयर अवॉर्ड जीता।

विशेष उपलब्धि प्राप्त छात्र

कॉलेज फुटबॉल टीम ने रिलायंस फाउंडेशन युवा खेलों द्वारा आयोजित राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप जीती।

पुरुषों की जूडो टीम ने दिल्ली यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स काउंसिल द्वारा आयोजित इंटर-कॉलेज प्रतियोगिता जीती।

सात कैडेटों ने क्रमशः गणतंत्र दिवस परेड और अमर जवान ज्योति समारोह में भाग लिया

प्रकाशन

एम भार्गव, आर के वट्टाल, टी जेहान, एस कुमार और एस कुमारी, (2017) अज्ञात औषधीय पौधे: एक परिचय। फीटोकेमिकली अज्ञात औषधीय पौधों का दायरा। नई दिल्ली, दिल्ली: एनरीच्ड पब्लिकेशन्स।

एन चतुर्वेदी, (2018) ईसाई भक्ति काव्य और संस्कृत हेर्मेनेयुटिक्स। एशियाई ईसाई धर्म का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 1(1), 64-90.

आई खान, एन रजा, (2017) अकादमिक पुस्तकालयों और पुस्तकालयों में उभरते रुझान। नई दिल्ली, दिल्ली: बुक एज पब्लिकेशन।

पी माथुर, वी पी सिंह, आर कपूर, (2017) सीओ2 सांद्रता और अल्टररिया ब्रासिका (बर्क।) एसएसीसी के इंटरएक्टिव प्रभाव। ब्रैसिका जूनेका (एल.) ज़र्ज़न में रक्षा संकेत पर संक्रमण एवं एएमपी; प्लांट पैथोलॉजी का क्रास यूरोपीय जर्नल।.(https://doi.org/10.1 007/s10658-017-1328-7).

एस ए नकवी, (2018) 'उच्च शिक्षा, स्वायत्तता और सामाजिक न्याय: गरीबों को गरीब रखते हुए'। क्रांतिकारी लोकतंत्र, XXIV(2).

मोहम्मद कासिम, (2017) नमाज और उस्की रूह।नई दिल्ली, दिल्ली: अल इत्तेहाद प्रकाशन प्रा. लिमिटेड

मोहम्मद कुमरुद्दीन, संपा. (2017). अरबी में महारत के तरीके। नई दिल्ली, दिल्ली: जेएमसी इंडिया पब्लिशर्स प्रा. लिमिटेड

श्रद्धा ए सिंह, (2017) "एक डिजिटल और सार्वजनिक पहचान की नकल: मार्गरेट एटवुड का स्व-फ़ैशनिंग" लापीस लाजुली:एक अंतर्राष्ट्रीय साहित्यिक जर्नल,7(1), 413-426.

सोनू त्रिवेदी, शक्ति सिन्हा, संपा. (2018) भारत-वियतनाम संबंधों में उभरते क्षितिज। नई दिल्ली, दिल्ली: पेंटागन प्रेस।

सोनू त्रिवेदी, (2018) भारत-एशियान भागीदारी की बैलेंस शीट @ 25, इंडिया फाउंडेशन जर्नल, 6 (1) 23-31.

आयोजित संगोष्ठियाँ:

बॉटनी विभाग द्वारा 25 जनवरी 2018 को "जेनेटिक्स-पर्यावरण इंटरफ़ेस: विज्ञान और आध्यात्मिकता" पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया था। माननीय केंद्रीय मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने इस सम्मेलन में उद्घाटन भाषण दिया।

रसायन विज्ञान विभाग द्वारा अक्तूबर 2017 में "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस" पर एक दिवसीय आयोजित की गई थी।

अंग्रेजी साहित्यिक सोसाइटी ने 28 फरवरी 2018 को तीसरी वार्षिक राष्ट्रीय छात्र संगोष्ठी का आयोजन किया। डॉ. बी मंगलम ने मुख्य भाषण दिया।

हिंदी साहित्य सभा द्वारा 11-12 अक्तूबर 2017 को "भारतीय दलित साहित्य और लिंग चेतना" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई थी।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

डॉ. अब्दुल वाहिद फारूकी ने वाणिज्य विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय और वाणिज्य विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में दो शोधपत्र प्रस्तुत किए।

डॉ. मोहम्मद अफजल ने 25-26 अक्तूबर 2017 को अंग्रेजी विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. सुरय्या खान ने पीजीडीएवी कॉलेज में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोधपत्र प्रस्तुत और प्रकाशित किया। इसके अलावा, उन्होंने राष्ट्रीय सम्मेलनों में चार पत्र प्रस्तुत किए।

डॉ. अरिबा जैदी ने स्कूल ऑफ मेडिसिन, मिन्हो विश्वविद्यालय, पुर्तगाल में दिमाग के दर्शन पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोधपत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, कटरा में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भी एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ मोहम्मद आफताब आलम को 2017 में यूजीसी अकादमिक स्टाफ कॉलेज, जेएमआई, नई दिल्ली, एशियाई मानवाधिकार आयोग, हांगकांग, अंतर्राष्ट्रीय इस्लामी विश्वविद्यालय मलाया, कुआलालम्पुर, मलेशिया, मलाया विश्वविद्यालय, कुआलालम्पुर, मलेशिया, ओकन विश्वविद्यालय, इस्तांबुल, तुर्की, यूनिवर्सितास पदजाडजरान, बांडुंग,

इंडोनेशिया, वेस्टमिंस्टर विश्वविद्यालय, लंदन, ब्रिटेन, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय लॉस एंजिल्स (यूसीएलए), दक्षिणी कैलिफ़ोर्निया विश्वविद्यालय (यूएससी), लॉस एंजिल्स और नेवादा विश्वविद्यालय, लास वेगास, यूएसए सहित विभिन्न संस्थानों में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

नियुक्तियों का विवरण

नौकरी का प्रस्ताव प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या: 54

रोजगार मेला 2018 में इंटर्नशिप का अवसर पाने वाले छात्र:100

संकाय की संख्या

स्थायी संकाय की कुल संख्या: 138

तदर्थ संकाय की कुल संख्या: 80

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग

स्वीकृत अनुदान: रु. 4,49,97,000/-

अनुदान का उपयोग: रु. 4,51,36,000/-

***

जाकिर हुसैन स्नातकोत्तर महाविद्यालय (सांध्य)

प्रमुख गतिविधियों और उपलब्धियां

कॉलेज का दूसरा वार्षिक कन्वोकेशन 2 अप्रैल, 2018 को आयोजित किया गया था। असम के माननीय राज्यपाल प्रोफेसर जगदीश मुखी इस आयोजन के मुख्य अतिथि थे। 21 जून, 2017 को तीसरा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया था। 1-15 अगस्त 2017 के दौरान स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया था। 31अक्तूबर, 2017 को राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन किया गया था, जिसमें छात्रों और संकाय सदस्यों ने एकता की प्रतिज्ञा ली थी। 7 फरवरी, 2018 को, अखिल भारतीय मुशायरे का आयोजन किया गया था, दिल्ली के उर्दू अकादमी के उपाध्यक्ष और उर्दू विभाग (जेएमआई) के अध्यक्ष उर्दू कवि और विद्वान प्रोफेसर शाहपर रसूल ने इसकी अध्यक्षता की थी।

सम्मान/विशिष्टताएँ

बांग्ला विभाग के डॉ. मुंशी मोहम्मद यूनुस ने 14 अक्तूबर, 2017 को बराक उपोत्योका बंगोसाहित्य ओ संस्कृति सम्मेलन, असम से सम्मान का प्रतीक प्राप्त किया।

संस्कृत विभाग की सहयोगी प्रोफेसर, डॉ. मंजुला गुप्ता को दिल्ली संस्कृत अकादमी द्वारा संस्कृत समराधक सम्मान 2017-18 से सम्मानित किया गया था।

संस्कृत विभाग की डॉ. अंजू को दिल्ली संस्कृत अकादमी द्वारा संस्कृत समराधक सम्मान 2017-18 से सम्मानित किया गया था।

इतिहास विभाग की डॉ. बबली परवीन को डब्ल्यूटीसी, मुंबई में 21 मार्च. 2017 को आयोजित छठे वैश्विक आर्थिक शिखर सम्मेलन में शिक्षा में योगदान के लिए युवा अकादमिक पुरस्कार और 17 मार्च. 2018 को आईआईसी, 7 वें एशियाड साहित्य समारोह में शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में प्रतिभा के लिए महिला शिक्षाविद वर्ष का पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

पी बाबली, (2017) भारत में इस्लाम (संपा)। पेरिस: मानकिन प्रेस में ।

ए खुर्शीद, (2017) इंटेक्बे नासर क्लासिक ई फारसी। नई दिल्ली: ग्रेट बुक कांट्रेक्टर।

सी मधुमिता, (2017) अंग्रेजी संचार कौशल। नई दिल्ली: मैकमिलन इंडिया।

एम ए चौधरी, (2017) एक सामान्यीकृत जटिल अंतरिक्ष रूप में पूरी तरह से वास्तविक उप-विभाजन। गणित के एशियाई यूरोपीय जर्नल, 10(1).

एम एम यूनुस. (2018) महासूत्र। कोलकाता: शम्भाबी।

एम एम यूनुस. (2018) नई दिल्ली जंक्शन (संपा.)। नई दिल्ली: हवाकल

एस के बैश्या, (2017) परिदृश्य का रंगमंच: असम में भ्राम्यमान रंगमंच का एक अध्ययन। द क्रिएटिव लॉन्चर, 2(5): 99-108.

एस के बैश्या,(2017) असम में भ्राम्यमान रंगमंच के लोकप्रिय आयाम। द न्यू मैन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मल्टीडिसिप्लीनलरी स्टडीज़, 4(11):5-11.

सुब्रत के राउत, (2017) कटक में जाति पदानुक्रम और सामाजिक तनाव:1920-30दक्षिण एशिया का इतिहास और समाजशास्त्र,11(2).

विकास सिंह (2017) नाटकीय पारिभाषिक शब्दावली, नई दिल्ली: संजय प्रकाशन।

अनुसंधान परियोजनाएँ

यूजीसी रिसर्च परियोजना: हिंदी रंगमंच के विकास में नाट्य संस्थान का योगदान। डॉ. अनिल शर्मा, सहायक प्रोफेसर, हिंदी विभाग

आयोजित संगोष्ठियाँ

कॉलेज ने 11 अप्रैल 2018 को थर्ड मिर्जा मेहमूद मेमोरियल लेक्चर का आयोजन किया। पद्मश्री के प्रोफेसर सुखदेव थोरात ने 'अल्पसंख्यकों और अल्प शिक्षा की चुनौतियों' पर एक व्याख्यान दिया।

कॉलेज के छात्र संघ ने कैरियर परामर्श और प्रबंधन पर एक व्याख्यान और एक संगोष्ठी आयोजित की। साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार विजेता, निलोत्पल मृणाल ने "साहित्य और राजनीति" पर व्याख्यान दिया।

फिल्म और फोटोग्राफी सोसाइटी तथा कॉलेज की इंग्लिश लिटरेरी सोसाइटी ने संयुक्त रूप से साहित्य, सिनेमा और विभाजन पर दिल्ली के सीएसडीएस से डॉ. रविकांत द्वारा एक व्याख्यान का आयोजन किया।

पर्यावरणीय सोसाइटी के सहयोग से इको क्लब ने 01 फरवरी, 2014 को "आर्द्रभूमि: महत्व, संरक्षण और बहाली" पर एक व्याख्यान आयोजित किया। आईपी कॉलेज फॉर विमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री नवीन कुमार तिवारी ने आर्द्रभूमि, उनके कार्यों, महत्व और भारत में आर्द्रभूमि की स्थिति पर एक व्याख्यान दिया।

इतिहास विभाग ने 27 मार्च, 2018 को दो व्याख्यान आयोजित किए। प्रोफेसर पार्थो दत्ता (जेएनयू) ने 18वीं शताब्दी के भारतीय इतिहास पर एक व्याख्यान दिया।

आयोजित सम्मेलन

कॉलेज के इको-क्लब ने पर्यावरण अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से 27- 28 मार्च 2018 को "21 वीं शताब्दी की पर्यावरण संबंधी चिंताएं: भारतीय और वैश्विक संदर्भ" विषय पर अपना तीसरा राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया।

दर्शनशास्त्र विभाग ने 23-24 मार्च 2018 को डॉ. बी.आर अम्बेडकर के 'दार्शनिक विचारों' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सहयोग से राजनीति विज्ञान विभाग ने 22-23 मार्च 2018 को "21 वीं शताब्दी में दलित राजनीति: विचारधारा, एजेंडा, नेतृत्व" विषय पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

गांधी अध्ययन मंडल ने गांधी स्मृति और दर्शन समिति तथा इंडियनोगॉग फाउंडेशन, नई दिल्ली के सहयोग से 16-17 अक्तूबर 2017 को "चम्पारण पर पुनर्दृष्टिपात:21 वीं शताब्दी में सत्याग्रह की चुनौतियां:" पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की। विजन इंडियन रिसर्च सेंटर (वीआईआरसी), नई दिल्ली इस सम्मेलन का अकादमिक साझेदार था।

संस्कृत विभाग ने 10-11 अप्रैल 2018 को "अशोक और अशोक की ब्राहमी को समझना" पर दो दिन राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ

अंग्रेजी विभाग के डॉ. संजीब कुमार बैश्य ने 31 जनवरी 2018 को एससी/एसटी सलाहकार समिति और सत्यवती कॉलेज की पूर्वोत्तर समिति, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा "अधीनस्थों का पुनर्नवीनीकरण: उत्तर-पूर्व भारत में विजुअल

मीडिया" पर आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "हाशिये से आवाजें: भावेंद्रनाथ साइकिया की चयनित फिल्मों में महिला पात्रों का एक अध्ययन" शीर्षक एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

अंग्रेजी विभाग के डॉ. संजीब कुमार बैश्य ने, 6-7 फरवरी 2018 को एमएचआरडी, भारत सरकार के सिंधी भाषा (एनसीपीएसएल) को बढ़ावा देने वाली राष्ट्रीय परिषद के सहयोग से किरोड़ी मल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा "विभाजन एल (आई /ए) एनईएस को डीकोड करना: प्रतिबिंब भाषा, साहित्य और संस्कृति पर प्रतिबिंब" पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "द साइलेन्टेड वॉयस: ए क्रिटिकल एनालिसिस ऑफ ट्रेन टू पाकिस्तान और इसका सिनेमाई अनुकूलन" शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. सुब्रत के राउत ने आईआईसी, नई दिल्ली में 21-22 अक्तूबर 2017 को आयोजित राष्ट्रीय इतिहास संगोष्ठी में "1717 के पाइक विद्रोह पर पुनर्विचार" शीर्षक एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
इतिहास विभाग की डॉ बबली परवीन ने पूर्व ऐतिहासिक एशिया, केलानिया विश्वविद्यालय, श्रीलंका में 24 मार्च 2017 को धर्म पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "बौद्ध धर्म शांति और पवित्रता: भारतीय इतिहास में बौद्ध धर्म" शीर्षक एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

सुश्री अमरीन, राजनीति विज्ञान विभाग ने 18-22 सितंबर, 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा "डेमोक्रेटाइजिंग स्पेस, नॉर्म्स एंड वैल्यूज: अंडरस्टैंडिंग फेमिनेस्ट मेथडोलॉजी" पर आयोजित कार्यशाला में "मुसलमान औरतें तथा उनका संघर्ष" शीर्षक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

नियुक्तियों का विवरण:

22 फरवरी 2018 को शेयरखान लिमिटेड द्वारा एक इंटर्नशिप कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 50 छात्रों ने भाग लिया और अंततः प्रक्रिया के बाद 18 छात्रों को इंटर्नशिप के लिए चुना गया।

16 अप्रैल 2018 को जेनपैक्ट द्वारा एक नियोजन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 60 छात्रों ने भाग लिया और अंत में साक्षात्कार प्रक्रिया के बाद, 11 छात्रों का चयन किया गया

विस्तार एवं पहुँच गतिविधियाँ

कैप्टन (डॉ.) एम एम रहमान ने हमारे कैडेटों के साथ नकदी रहित अर्थव्यवस्था के बारे में जागरूकता अभियान आयोजित किया। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, अजमेरी गेट, तुर्कमान गेट और कॉलेज के बगल की कॉलोनी जैसे क्षेत्रों को इस जागरूकता अभियान में शामिल किया गया। हमारे कैडेटों ने शिक्षित लोगों से अपनी दैनिक जरूरतों के लिए भुगतान करने में ई-मुद्रा का उपयोग करने और नकद रहित लेनदेन के बारे में शिक्षित किया। कैप्टन (डॉ.) एमएम रहमान के नेतृत्व और मार्गदर्शन में कैडेटों ने स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत कॉलेज के आसपास की सफाई का काम किया। 8 अगस्त 2017 को एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा स्लम (शकीर की दांडी) में स्वच्छता के लिए एक दरवाजा-दरवाजा अभियान आयोजित किया गया था, उनके कार्यक्रम अधिकारी भी उनके साथ थे और पास के झोपड़पट्टी क्षेत्र शकुर की दांडी गए थे। कॉलेज की एनएसएस यूनिट ने 11 नवंबर 2017 को जामा मस्जिद (मीना बाज़ार इलाके) के पास अप्रवासी लोगों को गर्म कपड़े वितरित किए

पुस्तकालय विकास

पुस्तकालय में परिसंचरण और तकनीकी कार्य के लिए तीन नए कंप्यूटर स्थापित किए गए हैं। मुख्य रीडिंग हॉल की क्षमता में 20 कुर्सियों की बढ़ोत्तरी हुई है। कॉन्फ्रेंस/संगोष्ठी आदि के उपयोग के लिए पुस्तकालय के शिक्षकों के अध्ययन कक्ष में प्रिंटर और स्कैनर के साथ एक कंप्यूटर सेट स्थापित किया गया है। पुस्तकालय में पूर्ण मौलिक संरचना के साथ एक कंप्यूटर लैब सह शिक्षकों का पठन कक्ष यानी 24 लोगों के बैठने की क्षमता युक्त लैपटॉप और प्रोजेक्टर विशेष रूप से विकसित किया गया है।

संकाय की संख्या

संकाय की कुल संख्या : 50

वित्तीय आवंटन एवं उपयोग

स्वीकृत अनुदान:	रु.21,66,92,000/-
अनुदान का उपयोग:	रु.18,94,07,000/

****

विश्वविद्यालय के छात्रावास / हॉल

आम्बेडकर-गांगुली महिला छात्रावास

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ-

I. आलोच्य अवधि के दौरान, छात्रावास में नवागंतुकों का स्वागत, दिवाली, क्रिसमस, लोहड़ी और होली समारोह जैसी विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस को राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया, राष्ट्रीय गान का गायन हुआ और आवासियों और कर्मचारियों में मिठाई और नाश्ता वितरित किया गया।

II. छात्रावास का वार्षिक समारोह 24 मार्च, 2018 को मनाया गया। दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो-उप कुलपति (कार्यवाहक) और दक्षिणी परिसर के निदेशक प्रोफेसर जे.पी खुराना इस समारोह के मुख्य अतिथि थे।

छात्रावास समितियाँ-

छात्रावास में निम्नलिखित समितियां हैं: रसोई (मेस) समिति, खेल समिति, रैगिंग विरोधी समिति, धूम्रपान विरोधी समिति, यौन उत्पीड़न और भेदभाव विरोधी समिति, पूर्वोत्तर छात्र कल्याण समिति, आपदा प्रबंधन और तैयारी समिति।

सुविधाएँ-

छात्रावास में कई सुविधाएं हैं:
दिव्यांग अनुकूल शौचालय; दिव्यांगों के लिए रैंप; कॉमन रूम (टी.वी. और प्रोजेक्टर); कंप्यूटर कक्ष (वातानुकूलित); पुस्तकालय (वातानुकूलित); मेस (वातानुकूलित); व्यायामशाला (कार्डियो-संवहनी उपकरण); लाँड्री कक्ष (पूरी तरह से स्वचालित वाशिंग मशीन); सौर जल तापक; प्रत्येक मंजिल के प्रत्येक पक्ष में फ्रिज, माइक्रोवेव और हॉटप्लेट; जल शोधक; साझा क्षेत्रों के साथ आवासियों के कमरे की सफाई के लिए सफाई कर्मचारी; सुबह और शाम की सैर के लिए विस्तृत लॉन; बैडमिंटन कोर्ट; सीसीटीवी निगरानी।

***

अरावली स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास

अरावली स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास ने 07 अप्रैल 2017 को सारामती छात्रावास के साथ वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम "मिलन 2017" का आयोजन किया। इस वर्ष, पूर्वोत्तर की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने पर विशेष जोर दिया गया था। इसके अलावा, छात्रावास ने नव वर्ष की शाम भी मनाई और स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय त्यौहार पर आवासियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया था।

छात्रावास समितियाँ-

छात्रावास प्राधिकरण प्रत्येक वर्ष छात्रावास की विभिन्न सुविधाओं के सुचारू संचालन के लिए अनुशासनात्मक समिति, सांस्कृतिक समिति, मेस समिति, खेल समिति आदि समितियों का गठन करता है।

छात्रावास सुविधाएँ-

छात्रावास में टीवी रूम, कई समाचार पत्रों और पत्रिकाओं के साथ पढ़ने का साझा अध्ययन कक्ष है। छात्रावास में टेबल टेनिस, शतरंज और कैरम इत्यादि इनडोर गेमों के लिए खेल सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। छात्रावास आवासियों को सहज और तेज़ इंटरनेट सेवा प्रदान करने के लिए आधुनिक वाई-फाई सुविधा से लैस है। छात्रावास ने बेहतर सुरक्षा प्रणाली और निगरानी रखने के लिए आवश्यक स्थानों पर 5 कैमरों के साथ सीसीटीवी स्थापित किया है।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारियाँ-

छात्रावास में डेजर्ट कूलर के साथ एयर कंडीशनर और हीट कन्वेक्टर, दो लोगों के रहने के लिए उपयोगिता कक्ष से लैस अतिथि कक्ष है। दोनों सुविधाएं अतिथियों और आवासियों के माता-पिता के लिए उपलब्ध हैं।

***

शिक्षा छात्रावास का केन्द्रीय संस्थान

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ-

सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन में दो छात्रावास हैं, महिलाओं के लिए श्री भवन और पुरुषों के लिए 1950 में स्थापित शक्ति भवन। श्री भवन में आठ कमरे हैं जिनमें बीस छात्राएं रह सकती हैं और शक्ति भवन में तीन डॉरमेटरी और एक दो बिस्तर वाला कमरा है जिसमें चौबीस पुरुष छात्र रह सकते हैं। ये दोनों छात्रावास बी.एड., एम.एड., एम.फिल और पीएचडी कार्यक्रमों के छात्रों को समायोजित करते हैं। टीवी के साथ एक अतिथि कक्ष और अध्ययन के लिए शेल्फ आदि सुविधाएं है। आवासियों के लिए अलमारियां, सामान्य पुस्तकों के अलावा आवधिक पत्रिकाएं और नियमित समाचार पत्र पढ़ने की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। विभागीय व्यवस्था के माध्यम से छात्रों को खेल सुविधा प्रदान की जाती है। आवासियों ने छात्रावास में अलग-अलग तरीकों से विभिन्न त्यौहार मनाए। आवासियों ने आमने-सामने चर्चा, बहस, नुक्कड़ नाटक के रूप में अपनी प्रतिक्रियाओं का उपयोग किया। छात्रावास मेस को छात्रावास आवासियों द्वारा संभाला जाता है। हर महीने दो पुरुषों और महिला आवासियों के साथ एक नई समिति गठित की जाती है। वे वार्डन/आवासी शिक्षक के परामर्श से छात्रावास का मेनू तैयार करते हैं। यह आवासियों में संबंध और जिम्मेदारी की भावना पैदा करता है। छात्रावास में मेस समिति के अलावा, स्वच्छता और शिकायत समितियां हैं। छात्रावास जागरूकता और सामान्य रखरखाव से संबंधित मुद्दों पर आवधिक बैठकों का आयोजन करता है।
ताजमहल और लाल किले की यात्रा के लिए आगरा की वार्षिक भ्रमण की योजना बनाई गई थी। ऐसे यात्राओं से छात्रों के बीच संबंध, सहयोग और सहानुभूति की भावना विकसित होती हैं।

छात्रावास में निम्नलिखित समितियां हैं: अनुशासन समिति, मेस समिति, सफाई समिति।

***

डी. एस. कोठारी छात्रावास

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ-

वार्षिक समारोह- डी एस कोठारी छात्रावास के छात्र संघ द्वारा 31 मार्च, 2018 को वार्षिक समारोह आयोजित किया गया था। डी एस कोठारी छात्रावास के अध्यक्ष, प्रोफेसर एच. एस. प्रसाद समारोह के मुख्य अतिथि थे। समारोह में 700 से अधिक छात्र और 15 छात्रावासों, 13 कॉलेजों और दिल्ली विश्वविद्यालय के कई विभागों के कई छात्रावास अधिकारी शामिल हुए थे।
पूर्व छात्र मिलनोत्सव- छात्रावास का पहला पूर्व छात्र मिलनोत्सव 31 मार्च, 2018 को आयोजित किया गया था। 43 पूर्व छात्रों ने पूर्व छात्रों के इस पहले मिलनोत्सव में भाग लिया था। केआईआईटी स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. मृत्युंजय सुआर ने भी पूर्व छात्रों की बैठक में भाग लिया।

नए छात्रों का स्वागत- हर वर्ष छात्रों के प्रवेश के बाद, डी एस कोठारी छात्रावास के छात्र संघ द्वारा नए छात्रों के स्वागत के लिए एक पार्टी/समारोह आयोजित किया जाता है। छात्रसंघ के सदस्यों द्वारा नए आवासियों का स्वागत किया जाता है।

छात्रावास में मनाए जाने वाले त्यौहार हैं: - *स्वतंत्रता दिवस, इद-उल-जोहा, महात्मा गांधी जयंती, दशहरा, दिवाली, क्रिसमस, नव वर्ष, लोहड़ी, गणतंत्र दिवस, सरस्वती पूजा, होली।*

छात्रावास में अनुशासन समिति, मेस समिति, स्वच्छता समिति है।

छात्रावास में उपलब्ध अनेक सुविधाओं में से कुछ का उल्लेख नीचे दिया गया है: कॉमन रूम, टीवी रूम, मेस, लाँड्री, कंप्यूटर रूम, यूनियन रूम सह अध्ययन कक्ष, जिम रूम, गेस्ट रूम, फर्स्ट एड बॉक्स, दिव्यांग अनुकूल, सीसीटीवी कैमरा।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारियाँ -

छात्रावास के अधिकारियों और आवासियों ने खेल प्रतियोगिता शुरू की।
ग्रीन हाउस निर्माण की प्रक्रिया में है।
23 फरवरी, 2018 को आयोजित 60वीं वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी में छात्रावास के माली को पुष्प प्रदर्शनी कमेटी कप से सम्मानित किया गया था।
साठवीं वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी में छात्रावास के माली को विशेष योग्यता प्रमाण पत्र और नकद राशि भी प्रदान की गई।
छात्रावास ने हाल ही में एक वेबसाइट विकसित की है- www.kotharihostel.du.ac.in. छात्रावास के प्रशासन, छात्रावास की सुविधाओं, प्रवेश नियम आदि से संबंधित सभी जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

***

सामाजिक कार्य विभाग छात्रावास

गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ-

छात्रावास क्लब प्रति वर्ष फ्रेशर पार्टी, छात्रावास नाइट, फेयरवेल पार्टी कार्यक्रम जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करता है।

छात्रावास में निम्नलिखित समितियां हैं:

रैगिंग विरोधी समिति, धूम्रपान विरोधी समिति, पूर्वोत्तर के छात्रों के लिए सुरक्षा और संरक्षा समिति, सलाहकार समिति, होली समिति, छात्रावास क्लब संघ।

छात्रावास में निम्नलिखित सुविधाएं उपलब्ध हैं:

छात्र प्रबंधित मेस, लॉन, कॉमन रूम (टीवी और समाचार पत्र और पत्रिकाओं के साथ)।

***

गीतांजलि छात्रावास

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ-

छात्रावास ने 2017-2018 में कई कार्यक्रम आयोजित किए। **स्वतंत्रता दिवस, एक रंगोली** प्रतियोगिता, दीपावली, **"स्वच्छ भारत अभियान"**, **खेल** प्रतियोगिता, **गणतंत्र दिवस**।

अंग्रेजी साहित्य क्लब के छात्रों ने **'कोलोक्वी' (संवाद)** की एक दिलचस्प अवधारणा प्रस्तुत की जिसमें वे किसी विशेष विषय पर अपने अनुभवों पर चर्चा करने के लिए एकत्र हुए।

छात्रावास ने डब्ल्यूयूएस स्वास्थ्य सुविधा के सहयोग से, 24 जनवरी, 2018 को छात्रों के लिए परिसर और बीएलके अस्पताल में एक **स्वास्थ्य शिविर** आयोजित किया।

तेइस फरवरी दो हजार अट्ठारह को, वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम, **मृदंग-2018** आयोजित किया गया था। इसमें आवासियों ने उत्साहपूर्वक और बड़ी संख्या में भाग लिया। प्रोफेसर सुषमा यादव ने मुख्य अतिथि और प्रोफेसर जेपी खुराना ने सम्मानित अतिथि के रूप में कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

गीतांजलि छात्रावास ने महिलाओं की स्वास्थ्य देखभाल, स्वच्छता, लिंग संवेदनशीलता और महिला सशक्तिकरण पर एक कार्यशाला/जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने में सीएसआर रिसर्च फाउंडेशन की मेजबानी की और इस अवसर पर छात्रावास परिसर में **'स्वच्छता पैड डिस्पेंसिंग मशीन'** स्थापित किया।

छात्रावास समितियों में निम्नलिखित शामिल हैं: रैगिंग विरोधी समिति, नस्लीय भेदभाव समिति, तंबाकू और नशीली दवाओं के दुरुपयोग की विरोधी समिति समिति।

छात्रावास में छात्रों के लिए कई सुविधाएं हैं, जैसे कि:

एक सुसज्जित व्यायामशाला और खेल उपकरण, स्पीकर के साथ संगीत प्रणाली, कंप्यूटर सुविधा, सेनेटरी पैड वितरण मशीन। पढ़ने के लिए सामान्य किताबों के साथ पुस्तकालय, प्रत्येक मंजिल पर रेफ्रिजरेटर, प्रत्येक मंजिल के लिए इंडक्शन कुक टॉप, अध्ययन कक्ष, माइक्रोवेव आदि।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारियाँ

छात्रावास परिसर में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था है और यह प्रासंगिक क्षेत्रों में चार सीसीटीवी कैमरों से सुरक्षित है। चार सुरक्षा गार्ड अपनी अधिकतम दक्षता के साथ कर्तव्यों का निर्वाह कर रहे हैं

***

ग्वेयर हॉल

ग्वेयर हॉल दिल्ली विश्वविद्यालय का सबसे पुराने और प्रतिष्ठित स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास है। इस छात्रावास की अनोखी विशिष्ट विशेषता है कि यहां छात्र और संकाय सदस्य एक साथ रहते और भोजन करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में ग्वेयरियनों ने भारत और विदेशों में जीवन के सभी क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति दर्ज की है। छात्रावास यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाता है कि इसके अस्तित्व के वर्षों में इसकी भावना और समृद्ध विरासत में वृद्धि हुई है।

प्रवेश: पिछले वर्ष की तरह शैक्षिक वर्ष **2017-2018** के दौरान इस हॉल में प्रवेश के लिए काफी भीड़ थी और विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर**,** एलएलबी**,** सीआईसी**,** एम.फिल**,** पीएचडी**,** बी.एड. एम.एड. कार्यक्रमों के छात्रों से लगभग **477** आवेदन प्राप्त हुए थे। सावधानीपूर्वक जांच के बाद प्रवेश समिति ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से संबंधित खाली सीटों को भरा। प्रवेश सख्ती से योग्यता के आधार पर दिया गया था।

विकास: वर्ष 2017-2018 में डिजिटल पुस्तकालय का व्यापक उपयोग हुआ। माननीय सांसद (श्री मनोज तिवारी) द्वारा दिए गए विशेष अनुदान से 13 कंप्यूटर खरीदे गये थे और उन्हें डिजिटल लाइब्रेरी में स्थापित किया गया था। इस वर्ष, कॉमन रूम में तीन एयर कंडीशनर स्थापित किए गए हैं जिन्हें एक फिल्म निर्माता द्वारा उपहार/दान में दिया गया था। चार बड़े लॉनों के बराबर किया गया है और उच्च गुणवत्ता की नई घास उगाई गई है जिससे लॉन के सौंदर्य में वृद्धि हुई है

संघ के चुनाव: लिंगदोह समिति के प्रावधान के अनुसार सत्र के दौरान ग्वेयर हॉल के विभिन्न पदों के चुनाव को शांतिपूर्वक आयोजित किया गया था।

स्वच्छता उपाय: स्वच्छता सुविधाओं को बढ़ाने के लिए समय-समय पर ओवरहेड जल टैंक को साफ करने के लिए कदम उठाए गए हैं। प्राथमिकता के आधार पर रसोई, पैंट्री, स्टोर और शौचालय समेत पूरे हॉल में स्वच्छता सुनिश्चित करने के उपाय भी किए गए थे।

त्यौहार और समारोह: ग्वेयर हॉल ने दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 60वीं वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी में भाग लिया और वर्ष 2017-2018 के लिए नकद पुरस्कार जीता और इसे सात पुरस्कारों (काली चरण अग्रवाल पुरस्कार, प्लैटिनम जुबली कप, नर्सिंग कप कॉलेज और संस्कृत कप विभाग) से सम्मानित किया।

हॉल के आवासियों ने बुद्ध पूर्णिमा, स्वतंत्रता दिवस, दिवाली, क्रिसमस, नव वर्ष, गणतंत्र दिवस, सरस्वती पूजा, ईद-उल-फ़ितर, होली और बी आर अम्बेडकर की जयंती जैसे अवसरों को चिह्नित करने और जश्न मनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया।

ग्वेयर हॉल के आवासियों ने अपनी स्थापना और पूर्व छात्रों की बैठक के 80 वर्ष पूरा होने पर क्रमश: 20 और 31 अप्रैल 2018 को विशेष समारोह आयोजित किये। वार्षिक समारोह के मुख्य अतिथि श्री कैलाश सत्यार्थी (नोबल पुरस्कार विजेता) और डॉ. करण सिंह (संसद के पूर्व सदस्य) ने कार्यक्रमों की सराहना की, 21 अप्रैल 2018 को, श्री के एन चौबे (एडीजी, बीएसएफ) ने कार्यक्रम में शामिल होकर पूर्व छात्रों की बैठक की गरिमा बढ़ाई।

वाईफ़ाई: विश्वविद्यालय द्वारा हॉल के आवासियों को वाई-फाई की सुविधा प्रदान की गई है।

खेल: आवासियों ने ग्वेयर हॉल स्टूडेंट्स यूनियन द्वारा आयोजित अंतर-छात्रावास बॉलीबॉल, क्रिकेट, फुटबॉल, टेबल टेनिस और बैडमिंटन टूर्नामेंट में भाग लिया।

दिव्यांग आवासियों के लिए सुविधाएं: दिव्यांग छात्रों के लिए शौचालय का निर्माण किया गया है और दिव्यांग छात्रों के लिए रैंप भी बनाया गया है। दिव्यांग छात्रों के लिए सात कमरे, व्यायामशाला और अध्ययन कक्ष का भी निर्माण किया गया है।

***

अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास (इंटरनैशलन स्टूडेंट्स हाउस)

इंटरनेशनल स्टूडेंट्स हाउस की स्थापना 1964 में, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, विदेश मंत्रालय द्वारा विदेशी छात्रों और स्नातकोत्तर भारतीय छात्रों के लिए की गई थी। 98 कमरे हैं और सभी एक बिस्तर वाले हैं। अकादमिक वर्ष 2017-18 के दौरान, 30 भारतीय छात्रों के अलावा 32 देशों के 71 विदेशी छात्रों को हाउस में प्रवेश दिया गया, जिसने अंतर्राष्ट्रीय और भारतीय संस्कृतियों का एकीकरण और विविधता पूर्ण पच्चीकारी प्रस्तुत की। अपनी अंतरराष्ट्रीय प्रकृति के कारण, आईएसएच दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रावास प्रणाली में एक विशेष स्थान पर है।

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

अपनी शुरुआत के समय से, आईएसएच को अपनी विविध सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए प्रशंसित किया गया है। छात्रावासियों को छात्रावास के बच्चे माना जाता है, आईएसएच अधिकारी कुछ विशिष्ट कौशल आधारित सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों के साथ अपने छात्रावासियों के विकास पर काम करते हैं।

कुछ गतिविधियों की मुख्य विशेषताएं नीचे दी गई हैं:

हाउस ने उत्साह के साथ स्वतंत्रता दिवस, दीपावली, क्रिसमस, नववर्ष, गणतंत्र दिवस, लोहड़ी, स्वामी विवेकानंद जयंती, ईद-उल-फ़ितर, इद-उल-जोहा, सरस्वती पूजन और होली जैसे त्योहार मनाये।

इंटरनैशनल स्टूडेंट्स हाउस ने सरकार द्वारा आयोजित "स्वच्छ भारत अभियान" को बढ़ावा देने के लिए 1 से 15 सितंबर, 2017 को "स्वच्छता पखवाड़ा" नामक गतिविधि आयोजित की।

4 नवंबर, 2017 को हाउस यूनियन के उद्घाटन के साथ नए छात्रों की स्वागत पार्टी की व्यवस्था की गई थी।

इंटरनेशनल स्टूडेंट्स हाउस यूनियन ने फरवरी, 2018 में आंतरिक और अंतर-छात्रावास आईएसएच स्पोर्ट्स प्रतियोगिता का आयोजन किया।

आईएसएच अपने 54वें वर्ष का जश्न मना रहा है और बहुत उत्साह और खुशी के साथ 24 फरवरी, 2018 को माइलस्टोन "18" नामक वार्षिक उत्सव मनाया। नाइजीरिया के संघीय गणराज्य के उच्चायुक्त, महामहिम मेजर जनरल क्रिस एस. एज़ (रिट।), इस उत्सव के मुख्य अतिथि थे।

समितियां:

प्रोवोस्ट ने विशेष मुद्दों से निपटने के लिए समय-समय पर कई समितियों का गठन किया है। इनमें एंटी रैगिंग विरोधी समिति, पूर्वोत्तर समिति, यौन उत्पीड़न समिति, धूम्रपान-विरोधी समिति, होली समिति, अनुशासनात्मक समिति, स्वच्छता समिति आदि शामिल हैं

सुविधाएं

आईएसएच में 26 जनवरी, 2018 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर साइकल क्लब सुविधा का उद्घाटन किया गया था। इसके अलावा, दो माइक्रोवेव ओवन भी खरीदे गए थे और छात्रों और कार्यालय कर्मचारियों द्वारा इसका उपयोग किया जा रहा है।

***

अंतर्राष्ट्रीय महिला छात्रावास (इंटरनैशनल स्टुडेंट्स हाउस फॉर विमेन)

इंटरनेशनल स्टूडेंट्स हाउस फॉर वीमेन का बहुसांस्कृतिक चरित्र इसके द्वारा आयोजित सभी गतिविधियों के केंद्र में रहा। 32 से अधिक देशों के आवासी संयुक्त रूप से सद्भाव और मित्रता की भावना से अपने सांस्कृतिक त्योहारों और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अवसरों का जश्न मनाते हैं। इनका ध्यान विविधता में एकता पर केंद्रित है।

पूरे वर्ष विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए और कई अवसरों का उत्सव मनाया गया। इनमें फ्रेशर्स पार्टी, ईद उल फितर, ईद-उल-जोहा, उन्मुखीकरण कार्यक्रम, दिवाली, मिलाद उल नबी, क्रिसमस, न्यू इयर पार्टी, रिपब्लिक डे, वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी, होली, वार्षिक गेस्ट नाइट फ़ंक्शन, वार्षिक पिकनिक शामिल हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 08-03-2018 को आयोजित किया गया था। **जाने वाले आवासियों** को विदाई पार्टी दी गई थी, जिन्होंने यहाँ बिताए अद्भुत समय को याद किया और उसके बारे में बात की।

समितियाँ

सांस्कृतिक समिति, खेल समिति, संगोष्ठी/पुस्तकालय समिति, हाउस कीपिंग समिति और मेस समिति जैसी छात्रों से संबंधित समितियों का गठन किया गया था।

सुविधाएँ

छात्रावास में 98 सुसज्जित कमरे हैं। अन्य महत्वपूर्ण सुविधाओं में पूरी तरह से वातानुकूलित पुस्तकालय, कॉमन रूम, टीवी रूम, लाउंज रूम, पूरे छात्रावास परिसर में वाई फाई कनेक्शन, आरओ वॉटर कूलर, इलेक्ट्रिक हीटर, माइक्रोवेव, वॉटर डिस्पेंसर, गीज़र और सौर प्रणाली के साथ सुसज्जित पैंट्री, स्वचालित धुलाई मशीनें, जिम रूम, नेस्केफे वेंडिंग मशीन, जेनसेट, सीसीटीवी आदि शामिल हैं।

***

जुबली हॉल

जुबली हॉल दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्णकालिक स्नातकोत्तर और शोध छात्रों का एक प्रमुख छात्रावास है। इसकी स्थापना 1947 में विश्वविद्यालय की रजत जयंती के अवसर पर हुई थी। हॉल का आंतरिक प्रशासन और अनुशासन प्रोवोस्ट संभालते हैं। जिसमें वार्डन और आवासी शिक्षक द्वारा उन्हें सहायता की जाती है। हॉल निम्नलिखित के प्रशासनिक नियंत्रण में काम करता है:

प्रोवोस्ट- प्रोफेसर दीवान एस रावत

वार्डन-प्रो पी पी चक्रवर्ती (31.01.2018 तक)

डॉ. बी डब्ल्यू पांडे (01.02.2018 से)

आवासी शिक्षक- डॉ. मुहम्मद नइमुद्दीन

हॉल ने कई गतिविधियों का आयोजन किया:

जुबली हॉल ने "अल्युमनी मीट एंड जुबिलेशन" मनाया जिसमें कई प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों व अन्य प्रसिद्ध व्यक्तियों ने भाग लिया।

इस वर्ष भारत सरकार की अखिल भारतीय प्रतिस्पर्धी सेवाओं में उच्च पदों के लिए इसके कई आवासियों का चयन किया गया और इस तरह इसने अपनी महिमा बनाए रखी।

हॉल के सद्भाव और "विविधता में एकता" के मूल चरित्र को बनाए रखने के लिए हॉल ने सरस्वती पूजा, होली, ईद, स्वतंत्रता दिवस, दीपावली और क्रिसमस आदि सभी त्यौहारों को बहुत उत्साह और जोश के साथ मनाया।

***

मानसरोवर छात्रावास

मानसरोवर छात्रावास भारत और विदेशों के विभिन्न हिस्सों से दिल्ली विश्वविद्यालय में उच्च अध्ययन के लिए आने वाले 165 आवासियों को समायोजित करने की क्षमता रखता है, यह पूर्णकालिक स्नातकोत्तर और शोध पुरुष छात्रों का छात्रावास है।

प्रशासन:

प्रोवोस्ट छात्रावास के प्रशासनिक प्रमुख हैं। प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए, उन्हें वार्डन और आवासी ट्यूटर द्वारा सहायता दी जाती है। वार्डन छात्रावास के दैनन्दिन मामलों के प्रभारी हैं, आवासी शिक्षक अतिरिक्त पाठ्यचर्या गतिविधियों और आवासियों के सामान्य कल्याण की देखभाल करते हैं। प्रोवोस्ट, वार्डन और आवासी शिक्षक को विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद की तरफ से कुलपति द्वारा नियुक्त किए जाता है।

प्रबंधन समिति

1. अध्यक्ष - प्रो. एससी भटला, वनस्पति विभाग

2. प्रोवोस्ट - प्रो. एचपी गंगनेगी, मानसरोवर छात्रावास।
3. वार्डन - डॉ. संजय रॉय, मानसरोवर छात्रावास
4. आवासी शिक्षक - श्री सैफुद्दीन अहमद, मानसरोवर छात्रावास।
5. प्रोक्टर- प्रो नीता सहगल
6. डीन छात्र कल्याण - प्रो. राजेश टंडन
7. सदस्य, ईसी नामांकित - प्रोफेसर एजी वेदेश्वर, भौतिकी विभाग।
8. सदस्य, ईसी नामांकित - प्रोफेसर शशि बी बब्बर, बॉटनी विभाग।
9. अध्यक्ष छात्र संघ - श्री शशांक किशोर सिंह (मानसरोवर छात्रावास)।

प्रवेश

छात्रावास में प्रवेश के लिए कुल 800 प्रवेश और पंजीकरण फॉर्म मुद्रित किए गए थे, इनमें से 717 फॉर्म विभिन्न आवेदकों को बेचे गए थे। कार्यालय को छात्रावास में दाखिला लेने वाले आवेदकों से 576 फॉर्म प्राप्त हुए। 65 छात्रों को रिक्ति के अनुसार प्रवेश दिया गया था।

छात्र संघ:

छात्रावास आवासी संघ का चुनाव बुधवार, **21** फरवरी, **2018** को शांतिपूर्वक आयोजित किया गया था। उल्लिखित पदों के लिए निम्नलिखित उम्मीदवार चुने गए थे:

1. **अध्यक्ष - शशांक कुमार सिंह**
2. **उपाध्यक्ष - शशांक शेखर**
3. **महासचिव - राजीव कुमार**
4. **सांस्कृतिक सचिव - सिया रसिक**
5. **खेल सचिव - अक्षय पी सिंह**

मेस समिति के सदस्य:

i. **अतुल शुक्ला**
ii. **मधु सूदन**

चालू वर्ष (2017-2018) में उपलब्धियाँ/विकास

- आवासियों के लिए कॉमन रुम में नया एचडी टेलीविजन स्थापित किया गया।
- छात्रावास पूरी तरह से वाई-फाई सक्षम परिसर बन गया है।
- आवासियों के लिए पुस्तकालय कक्ष में नया एसी लगाया गया।

समितियाँ:

- रैगिंग विरोधी समिति, अनुशासनात्मक समिति, अजा/अजजा/अपिव समिति, पूर्वोत्तर समिति, धूम्रपान विरोधी समिति, यौन उत्पीड़न समिति

सुविधाएँ-

- भोजन कक्ष, अध्ययन कक्ष, कंप्यूटर/इंटरनेट रूम, कॉमन रूम, न्यूज पेपर रूम, व्यायामशाला, अतिथि कक्ष, आगंतुक कक्ष, कैफेटेरिया, वॉशिंग मशीन, टेलीफोन/फैक्स/ फोटोस्टैट, जेनरेटर रूम और फर्स्ट एड बॉक्स सुविधाएं।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारियाँ:

- प्राधिकारी निवास
  वार्डन हाउस और आवासी ट्यूटर हाउस के रूप में दो प्राधिकारी आवासी हैं।
- रैंप

शारीरिक रूप से विकलांग छात्रों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए पर्यावरण के अनुकूल रैंप का निर्माण किया गया है।

- बॉयोमीट्रिक मशीन
  कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा बॉयोमीट्रिक मशीन स्थापित की गई है।
- छात्रावास स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, दशहरा, दिवाली, होली, ईद, सरस्वती पूजा, क्रिसमस, गांधी जयंती, आम्बेडकर जयंती, फ्रेशर पार्टी, नव वर्ष और छात्रावास का वार्षिक उत्सव मनाता है।
- छात्रावास के आवासियों ने वर्ष के दौरान विभिन्न आउटडोर और इनडोर खेलों में भाग लिया।

***

मेघदूत छात्रावास

शैक्षणिक वर्ष 2017-18 के लिए मेघदूत छात्रावास की वार्षिक कार्य की रिपोर्ट

मेघदूत छात्रावास ने अकादमिक वर्ष 2017-18 में कई गतिविधियाँ और उत्साही नवाचार किए। उनमें से कुछ निम्नानुसार सूचीबद्ध हैं:

पर्यावरण दिवस समारोह:

मेघदूत छात्रावास के आवासियों और कर्मचारियों ने 5 जून, 2017 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। प्रोवोस्ट, वार्डन, आवासियों और सभी कर्मचारियों ने इस उत्सव में सक्रिय भूमिका निभाई। छात्रावास के प्रोवोस्ट, वार्डन, आवासियों और कर्मचारियों के सदस्यों द्वारा पौधे लगाए गए थे।

स्वतंत्रता दिवस समारोह:

स्वतंत्रता दिवस समारोह 15 अगस्त 2017 को मनाया गया था। प्रोवोस्ट, प्रो. वीना अग्रवाल द्वारा तिरंगा ध्वज फहराया गया था। इस दिन प्रत्येक आवासी ने राष्ट्र के प्रति प्यार और कृतज्ञता के प्रतीक के रूप में सफेद, केसरिया या हरे रंग का ब्रोच पहना था।

डांडिया नाइट:

यह नवरात्रि के अवसर पर 23 सितंबर, 2017 को मनाया गया था। आवासियों ने डांडिया खेला और संगीत का आनंद लिया, जिसके बाद एक विशेष रात्रिभोज किया गया। समारोह में वार्डन, श्रीमती शशि रानी देव ने भाग लिया था।

दशहरा उत्सव:

छात्रावास आवासियों द्वारा 30 सितंबर, 2017 को विशेष रात्रिभोज के साथ भव्य तरीके से दशहरा मनाया गया था। आवासियों ने सांस्कृतिक नृत्य प्रदर्शित किए और संगीत का आनंद लिया। वार्डन और आवासियों ने उत्सव में भाग लिया।

दिवाली उत्सव:

छात्रावास में 19 अक्तूबर, 2017 को प्रकाश पर्व दीपावली का उत्सव मनाया गया था। छात्रावास को रोशनी के साथ खूबसूरती से सजाया गया था और मेघदूत को इस रूप में देखना आश्चर्यजनक था। आवासियों ने अच्छा समय बिताया। उन्होंने फैसला किया कि पटाखे नहीं जलाएंगे और पर्यावरण अनुकूल तरीके से उत्सव मनाएंगे। वार्डन और आवासियों ने लक्ष्मी पूजा में भाग लिया और छात्रावास में विशेष रात्रिभोज का आयोजन किया गया था।

फ्रेशर्स पार्टीः

मेघदूत छात्रावास में पहले से रहने वाले आवासियों द्वारा परिवार के नए आवासियों के स्वागत के लिए, 11 नवंबर, 2017 को एक विशेष फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया था, जिसमें प्रोवोस्ट और वार्डन ने भाग लिया था। नए छात्रों को उपहार दिए गए थे। उस दिन मेस के एक कर्मचारी को विदाई भी दी गई थी। मेस कर्मचारी के लिए एक केक काटने के साथ उस रात विशेष रात्रिभोज का आयोजन किया गया था।

नए छात्र संघ का चुनाव:

मेघदूत छात्रावास छात्र संघ के पदाधिकारियों अर्थात् अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव, सांस्कृतिक सचिव, मेस सचिव और खेल सचिव के चयन के लिए 7 दिसंबर, 2017 को चुनाव आयोजित किए गए थे। मेघदूत छात्रावास के छात्रसंघ के लिए निम्नलिखित सदस्य चुने गए थे सुश्री अंकिता चटर्जी- अध्यक्ष, सुश्री हिमांशी जातिया- उपाध्यक्ष, सुश्री अलीशा कुमारी- महासचिव, सुश्री मोनिका कुमारी - सांस्कृतिक सचिव, सुश्री लिप्सा प्रियदर्शिनी नाइक - खेल सचिव और सुश्री निमिशा तिवारी- मेस सचिव। बैठक में भाग लेने वाले आवासियों द्वारा कंप्यूटर सचिव को बाद में जनरल बॉडी मीटिंग (जनवरी महीने के दौरान) के माध्यम से भी चुना गया था। सुश्री रश्मि बिस्वाल को कंप्यूटर सचिव निर्वाचित किया गया था।

क्रिसमस का उत्सव:

आवासियों ने 25 दिसंबर 2017 को विशेष रात्रिभोज और केक के साथ क्रिसमस मनाया। क्रिसमस कैरोल गाते हुए उत्सव आरंभ हुआ। समारोह में वार्डन ने भाग लिया था जिसमें एक विशेष रात्रिभोज का आयोजन किया गया था। इस समारोह ने अद्भुत वर्ष 2017 के अंत को चिह्नित किया।

लोहड़ी, पोंगल और बिहु के उत्सव:

आवासियों ने पवित्र अग्नि के साथ त्योहारों को मनाया तथा खुशी और समृद्धि भरे वर्ष की कामना की। वार्डन ने पवित्र आग जलाई और समारोह में भाग लेने वाले सभी आवासियों और कर्मचारियों को प्रसाद बांटा गया। इसके बाद लोक नृत्य सत्र और विशेष रात्रिभोज का आयोजन किया गया था।

सरस्वती पूजा का उत्सव:

आवासियों ने 22 जनवरी 2018 को बसंतपंचमी मनाई। सभी आवासियों ने मिलकर ज्ञान की देवी माँ सरस्वती की पूजा की । सभी आवासियों और छात्रावास के कर्मचारियों को प्रसाद वितरित किया गया था।

गणतंत्र दिवस समारोहः

गणतंत्र दिवस 26 जनवरी, 2017 को मनाया गया था। प्रोवोस्ट और वार्डन द्वारा तिरंगा ध्वज फहराया गया और एक उत्साह और देशभक्ति पूर्ण भाषण दिया गया।

खेल दिवस समारोह:

खेल सचिव ने संघ के अन्य सदस्यों की मदद से 27 जनवरी, 2018 को खेल दिवस आयोजित किया था। खेलों में म्युजिकल चेयर, चम्मच और नींबू की दौड़, तीन पैरों पर दौड़, पेपर डांस, रस्साकशी, स्टाफ सदस्यों के लिए कबड्डी प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया था। विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं के विजेताओं को उपहार दिए गए थे।

साठवीं वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी 2018:

मेघदूत छात्रावास ने फूल और उद्यान की विभिन्न प्रविष्टियां देकर 23 फरवरी, 2018 को आयोजित वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी में भाग लिया और उन्हें श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स अवॉर्ड और कॉलेज ऑफ नर्सिंग कप से सम्मानित किया गया।

होली का उत्सव:
छात्रावास परिसर में 2 मार्च 2018 को आवासियों ने रंगों का पर्व होली मनाया था। सभी ने सुरक्षित और रंगीन होली खेली। आवासियों द्वारा संगीत के साथ खुशी और उत्साह सहित होली का आनंद लिया गया। आवासियों ने ठंडाई का भी आनंद लिया जिसे मेस कर्मचारियों द्वारा तैयार किया गया था।

वार्षिक सांस्कृतिक रात्रि "इस्करा" 2018 और पूर्व छात्र मिलनोत्सव:
छात्र संघ द्वारा 25 मार्च, 2018 को छात्रावास के सर्वाधिक प्रतीक्षित समारोह अर्थात् वार्षिक सांस्कृतिक रात्रि इस्करा-18 का आयोजन किया गया था और सभी आवासियों ने इसमें उत्साह के साथ भाग लिया था। सुश्री मीनाक्षी लेखी (सांसद) को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था; सुश्री चारू प्रज्ञा ने सम्मानित अतिथि के रूप में समारोह में भाग लिया। प्रबंधन समिति की अध्यक्ष, प्रोफेसर सुषमा बत्रा, प्रोवोस्ट, प्रो. वीना अग्रवाल और वार्डन श्रीमती शशि रानी देव ने समारोह की अध्यक्षता की थी। मेघदूत के कुछ विशिष्ट पूर्व छात्रों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया। सुंदर रात्रि, सांस्कृतिक प्रदर्शन और कर्मचारियो को उपहार वितरण की सराहना करने के लिए सभी कर्मचारी और आवासी मौजूद थे। इसके बाद एक विशेष रात्रिभोज और डिस्क जॉकी का आयोजन किया गया।
विदाई समारोह:

नए आवासियों ने छात्रावास में रहने वाले आवासियों को विदाई दी। उन्हें उपहार और उपाधियो से सम्मानित किया गया था। उन सभी ने नए आवासियों द्वारा किए गए प्रदर्शन का आनंद लिया।

***

महिलाओं के लिए पूर्वोत्तर छात्रावास (नार्थईस्टर्न स्टूडेंट्स हाउस फॉर वीमेन)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ:
पूर्वोत्तर की छात्राओं के लिए 2002 में नार्थ ईस्टर्न स्टूडेंट्स हाउस फॉर वीमेन की स्थापना की गई थी। एनईएसएचडब्ल्यू में 101 लोगों के आवास की व्यवस्था और 1 अतिथि कक्ष है, जिनमें से 70% सीटें पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए आरक्षित हैं, और शेष भारत के लिए 30% स्थान है। वर्ष के दौरान आवासियों द्वारा स्वतंत्रता दिवस, फ्रेशर पार्टी, दिवाली, क्रिसमस, लोहड़ी, गणतंत्र दिवस और खेल दिवस उत्साह के साथ मनाया गया था। खाद्य उत्सव और वार्षिक सांस्कृतिक रात्रि छात्रावास के दो मुख्य समारोह हैं।

समितियाँ:
वर्ष के दौरान 6 समितियाँ काम कर रही हैं।

1. रैगिंग विरोधी समिति जिसमें 3 सदस्य हैं।
2. स्वच्छता समिति जिसमें 3 सदस्य हैं।
3. छात्र कल्याण संघ 7 सदस्यों से गठित।
4. भोजनालय समिति जिसमें 5 सदस्य हैं
5. सांस्कृतिक समिति जिसमें 6 सदस्य हैं।
6. होली समिति जिसमें 3 सदस्य हैं।
7. नोडल अधिकारी।

सुविधाएँ:
छात्रावास अपने आवासियों को निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान करता है:
क) दो एलईडी टीवी।

ख) एक संगीत प्रणाली।

ग) आठ वॉशिंग मशीनें।

घ) चार हॉटप्लेटें।

ङ) पाँच रेफ्रिजरेटर।

च) बारह कंप्यूटर और एक प्रिंटर।

छ) दो गर्म और ठंडे पानी के वितरक (डिस्पेंसर)

ज) चार माइक्रोवेव ओवन।

झ) सौर ऊर्जा तापन के माध्यम से चौबीस घंटे गर्म पानी की आपूर्ति।

ञ) एक अध्ययन कक्ष, कंप्यूटर रूम, कॉमन रूम, जिम, लॉबी, बैडमिंटन कोर्ट और गार्डन।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी: कोई नहीं

***

स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास (पोस्टग्रेजुएट मेन्स हॉस्टल)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

एक बिस्तर वाले सौ कमरो से युक्त पी.जी.मेन्स हॉस्टल का उद्घाटन 24.10.1975 को किया गया था। पिछले कुछ वर्षों में, इंटरनेट के साथ वातानुकूलित कंप्यूटर प्रयोगशाला, मोटरसाइकिल ट्रेडमिल और आधुनिक सुविधाओं सहित जिम, प्रत्येक मंजिल पर अर्ध स्वचालित वाशिंग मशीनों के साथ कपड़े धोने, कैंटीन, फोटोकॉपी आउटलेट, दो बैडमिंटन कोर्ट, मनोरंजन कक्ष आदि सहित सुविधाओं के संदर्भ में उल्लेखनीय रूप से विकसित हुआ है। वातानुकूलित पुस्तकालय ने समकालीन मुद्दों पर चर्चा कर अपनी बौद्धिक गतिविधियों का विस्तार किया है। "एक स्वतंत्र प्रेस लोकतंत्र की सुरक्षा करता है" विषय पर अजीत सिंह यादव मेमोरियल बहस आयोजित की गई थी। होली, दिवाली, ईद, क्रिसमस, नव वर्ष इत्यादि प्रमुख भारतीय त्यौहार मनाए गए और छात्रावास का वार्षिक समारोह और खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई। छात्रावास में गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस भी मनाया गया था।

समितियाँ

1. **कॉमन रूम:** कॉमन रूम की गतिविधियों को व्यवस्थित करने के लिए
2. **सांस्कृतिक:** सांस्कृतिक गतिविधियों और घटनाओं की व्यवस्था करने के लिए
3. **स्वास्थ्य और स्वच्छता:** छात्रावास की सफाई की देखभाल करने के लिए
4. **खेल:** खेल गतिविधियों को व्यवस्थित करने के लिए
5. **मेस:** भोजनालय का मेनू तैयार करने और कच्चा माल की खरीदने के लिए
6. **रैगिंग विरोधी और अनुशासनिक:** उग्रता से बचने और लक्षित करने से संबंधित मुद्दों को हल करने के लिए।
7. **होली:** छात्रावास में होली के उत्पात का मुकाबला करने के लिए।
8. विरोधी छात्रावास परिसर में धूम्रपान से बचने के लिए

सुविधाएँ

1. टीवी/कॉमन रूम
2. लाँड्री
3. इंटरनेट और वाई-फाई सुविधाओं के साथ वातानुकूलित कंप्यूटर लैब
4. वातानुकूलित पुस्तकालय और अध्ययन कक्ष
5. अखबार/पत्रिका कक्ष
6. मोटरयुक्त ट्रेडमिल के साथ जिम
7. दो बैडमिंटन कोर्ट

8. फोटोकॉपी आउटलेट
9. कैंटीन
10. आगंतुक कक्ष

<u>अन्य महत्वपूर्ण जानकारियाँ</u>

1. अतिथि (अभिभावक) कक्ष (नवीनीकरण के तहत)
2. शुरुआत के बाद से अध्यक्ष, प्रोवोस्ट, वार्डन और आवासी शिक्षक के स्क्रॉल बोर्ड तैयार किए गए हैं।

***

राजीव गांधी स्नातकोत्तर महिला छात्रावास

राजीव गांधी महिला छात्रावास (आरजीएचजी,) ढाका छात्रावास परिसर, मुखर्जी नगर, दिल्ली -110009 में स्थित एक बहुत विशाल और सुंदर छात्रावास है। पूर्वोत्तर क्षेत्र (एमडीओएनईआर/एनईसी) के विकास मंत्रालय और जनजातीय मामलों के मंत्रालय (एमटीए) की वित्तीय सहायता से दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा छात्रावास का निर्माण किया गया था। छात्रावास को 8 समूहों में विभाजित किया गया है, प्रत्येक समूह में पानी की आपूर्ति, आराम के कमरे आदि की व्यवस्था है। प्रत्येक समूह में चार मंजिलें हैं जिनमें वैकल्पिक मंजिलों में एक पैंट्री सुविधा है, जिसका कुछ आपातकालीन खाद्य तैयारी के लिए आवासियों द्वारा उपयोग किया जाता है।

प्रशासन और प्रबंधन

छात्रावास का प्रबंधन विश्वविद्यालय द्वारा गठित एक प्रबंधन समिति द्वारा किया जाता है। छात्रावास का आंतरिक प्रशासन और अनुशासन प्रोवोस्ट की देखरेख में है। दैनिक की गतिविधियों की देखभाल के लिए वार्डन और आवासी शिक्षको द्वारा प्रोवोस्ट की सहायता की जाती है।

सांस्कृतिक गतिविधियाँ

आवासियों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराकर **स्वतंत्रता दिवस** मनाया गया। "**राष्ट्रीय** गान" के गायन, आवासियों और कर्मचारियों में मिठाई बांटी गई थी।
आवासियों, कार्यालय कर्मचारियों और छात्रावास प्राधिकारियों के साथ **नए छात्रों की स्वागत पार्टी** आयोजित की गई थी। 19 अक्तूबर, 2017 को **दिवाली** उत्सव पर छात्रावास की इमारत पर रोशनी की गई थी और एक विशेष रात्रिभोज का आयोजन किया गया था।
सर्दियों की छुट्टियो के दौरान **क्रिसमस** 25 दिसंबर 2017 को उत्साह और आनंद के साथ मनाया गया था।

लोहड़ी का त्योहार 13 जनवरी 2018 को अग्नि जलाकर मनाया गया था और सभी छात्रों ने अहुति दी थी।

राष्ट्रीय ध्वज फहराकर **गणतंत्र दिवस** मनाया गया था। राष्ट्रीय गान के बाद आवासियों में मिठाई बांटी गई।

आवासियों द्वारा 10 फरवरी 2018 को **सरस्वती पूजा** का आयोजन किया गया था।

छात्रावास का सबसे प्रतीक्षित अत्सव अर्थात् **"रागाज़ -2017"** 17 मार्च, 2018 को आयोजित किया गया था, दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालिवाल इसकी मुख्य अतिथि थीं। इसका उद्देश्य आवासियों को आपस में मिलने और एकजुट होने के लिए प्रोत्साहित करना था। इस दिन, सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। आवासियों द्वारा उत्कृष्ट नृत्य प्रदर्शन के माध्यम से भारत के विभिन्न राज्यों के सांस्कृतिक पहलुओं को प्रदर्शित किया गया था। इसके बाद रात्रिभोज का आयोजन किया गया था।
2 मार्च 2018 को बहुत उत्साह से होली (रंगों का त्यौहार) मनाई गई थी।

उपलब्धियाँ

छात्रावास ने 23 फरवरी, 2018 को फूलों और उद्यान की विभिन्न प्रविष्टियां देकर 60वीं वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी में भाग लिया और इस कार्यक्रम में इसे यूनिवर्सिटी लाइब्रेरी कप, लेडी श्री राम कॉलेज कप और हंसराज कॉलेज कप से सम्मानित किया गया।

समितियाँ

छात्रावास ने छात्राओं में सुरक्षा की भावना को मजबूत करने और छात्रावास के सुचारू कामकाज के लिए निम्नलिखित समितियों का गठन किया:

1. रैगिंग विरोधी समिति
2. यौन उत्पीड़न समिति
3. नस्लीय भेदभाव समिति
4. धूम्रपान विरोधी समिति
5. सांस्कृतिक समिति
6. मेस समिति
7. सफाई समिति।

सुविधाएँ

पैंट्री सुविधा- प्रत्येक समूह में प्रत्येक मंजिल पर निम्नलिखित उपलब्ध हैं, हॉटप्लेट + वॉटर कूलर + सिंक के साथ उचित टैप।

जल की सुविधा

कुल 18 जल कूलर (आरओ के साथ प्रत्येक समूह में भूतल और पहली मंजिल पर स्थापित किए गए हैं।

आवासियों के पेयजल के लिए 04 डिस्पेंसर उपलब्ध हैं।

भंडार गृह सुविधा- छात्रावास को खाली करने के समय सामान रखने के लिए प्रत्येक क्लस्टर में उपलब्ध है।

कॉमन रूम - आरजीएचजी में दो कॉमन रूम हैं।

टाटा स्काई कनेक्शन + कुर्सियां+ परियोजनाओं के लिए स्क्रीन प्रोजेक्टर + साइकिलें + एक कॉमन रूम में पर्दे के साथ टीवी की सुविधा है।

आगंतुक कक्ष - टाटा स्काई कनेक्शन के साथ एलईडी टीवी + एसी + छात्रावास के फोटो + दो + तीन सीटों वाली कुर्सियां, अलग मेज़ के साथ कुर्सियों की सुविधा उपलब्ध है।

चिकित्सा सुविधा- तकिये + पर्दे के साथ साफ चादरों सहित उचित बिस्तर।

स्वास्थ्य केंद्र की सदस्यता - आरजीएचजी ने स्वास्थ्य केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय की सदस्यता ली है। डब्ल्यूएस बुनियादी सुविधाओं के साथ ही आपातकालीन स्वास्थ्य उपचार प्रदान करता है। चिकित्सा आपात स्थिति के मामले में, आवासी को निकटतम उपलब्ध अस्पताल में ले जाया जाता है बच्चे का प्रभार लेने के लिए स्थानीय अभिभावक को उसके सूचित किया जाता है।

खेल सुविधा- जिम कमरा। साइकिल + डंबल, क्रॉस ट्रेनर + एरोबिक सीढ़ियाँ,

इनडोर गेम- टेबल टेनिस + कैरम + लुडो + शतरंज

आउटडोर खेल- बास्केट बॉल + बैडमिंटन कोर्ट + योग चटाई + बैडमिंटन, बल्ले और गेंद+ कूदने की रस्सियाँ

अकादमिक -

मेज व कुर्सियों + उचित पर्दे और एसी की सुविधा के साथ पढ़ने के कमरे।

पुस्तकों की अलमारी के साथ पुस्तकालय कक्ष + मेज और कुर्सियां + एसी सुविधा

सुरक्षा-

सीसीटीवी कैमरा - (मुख्य द्वार, मुख्य उद्यान लॉन, पिछले दरवाजे, मैस के प्रवेश द्वार, पटेल चेस्ट, रसोई क्षेत्र और काउंटर क्षेत्र में।

दो लोगों द्वारा साझा करने के आधार पर 386 कमरे हैं। छात्रावास 772 छात्रों को समायोजित कर सकता है। छात्रावास में आवासियों के आराम के लिए सभी कमरे बड़े और हवादार हैं। सभी कमरों में सीलिंग पंखे हैं। प्रत्येक आवासी को बिस्तर के साथ एक वार्डरोब/अलमारी, दीवार पर रैक दी जाती है। प्रत्येक कमरे में एक दर्पण है।

रसोई और भोजन कक्ष-

छात्रावास में स्वतंत्र रसोई और स्वच्छता से खाना पकाने की सुविधा और सुरक्षित पेयजल के साथ भोजन कक्ष है। प्रत्येक आवासी को स्वस्थ और स्वच्छ भोजन प्रदान किया जाता है।

उपयुक्त योजना के साथ और छात्रावास प्रबंधन समिति और विश्वविद्यालय के अधिकारियों की मदद और आवासियों के योगदान के साथ, अगले शैक्षिक सत्र के दौरान और सुधार होने की उम्मीद है। छात्रावास विकास के मार्ग पर है ताकि सुरक्षा और सुविधा दोनों में अपने आवासियों को घर जैसा अनुभव प्राप्त हो सके।

***

सारामाती स्नातकोत्तर पुरुष छात्रावास

सारामाती छात्रावास ने अरावली छात्रावास के साथ मिलकर 07 अप्रैल 2017 को वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम "मिलन 2017" का आयोजन किया। सरामाती छात्रावास में भारत के उत्तर पूर्वी हिस्से से आवासियों की पर्याप्त संख्या को ध्यान में रखते हुए उत्तर पूर्व की संस्कृति को प्रदर्शित करने पर विशेष जोर दिया गया था। इसके अलावा, छात्रावास ने नव वर्ष संध्या और स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय त्यौहार भी मनाए और छात्रावास के आवासियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

प्रत्येक वर्ष छात्रावास प्राधिकरण छात्रावास की विभिन्न सुविधाओं के सुचारू संचालन के लिए अनुशासनात्मक समिति, सांस्कृतिक समिति, मेस समिति और खेल समिति का गठन करता है।

छात्रावास सुविधाएं

छात्रावास में टीवी रूम, कई समाचार पत्रों और पत्रिकाओं के साथ साझा अध्ययन कक्ष है। छात्रावास टेबल टेनिस, शतरंज और कैरम इत्यादि इनडोर खेलों और जिम की सुविधाएं भी प्रदान करता है। छात्रावास आवासियों को सहज और तेज़ इंटरनेट सेवा प्रदान करने के लिए आधुनिक वाई-फाई सुविधा से लैस है। छात्रावास ने बेहतर सुरक्षा प्रणाली और निगरानी रखने के लिए आवश्यक स्थानों पर 8 कैमरों के साथ सीसीटीवी स्थापित किया है।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारियाँ

छात्रावास में दो लोगों के रहने के लिए अतिथि कक्ष और गेस्ट हाउस है जो एयर कंडीशनर और हीट कन्वेयर से लैस है। दोनों सुविधाएं अतिथियों और आवासियों के माता-पिता के लिए उपलब्ध हैं।

***

पूर्वस्नातक महिला छात्रावास (अंडर ग्रेजुएट हॉस्टल फॉर गर्ल्स)

प्रमुख गतिविधियाँ और उपलब्धियाँ

छात्रावास, छात्राओं को उत्पादक गतिविधियों में लगाए रखने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करता है।
इस वर्ष, क्षेत्रीय पीएफ आयुक्त, श्री रिजवान उद्दीन, ने 26 अगस्त, 2017 को "लक्ष्य निर्धारण के माध्यम से प्रेरणा" पर एक वार्ता दी, जिसकी छात्रों ने बहुत सराहना की। 27 सितंबर, 2017 को प्रोवोस्ट और आवासी शिक्षक की

उपस्थिति में छात्रों द्वारा वृक्षारोपण किया गया था। 2 फरवरी, 2018 को, आर्ट ऑफ लिविंग प्रशिक्षकों द्वारा "मस्तिष्क, सांस और भावनाओं" पर एक सत्र आयोजित किया गया था। 10 फरवरी 2018 को स्पाइक मैके का अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया था। 11 फरवरी, 2018 को डॉ. कपिल तिवारी ने "लोक कला के सामाजिक परिप्रेक्ष्य" पर एक व्याख्यान दिया था।

छात्रावास सीखने और आनंद लेने के लिए अनुकूल माहौल बनाने का प्रयास करता है। 5 अप्रैल, 2017 को, जाने वाले आवासियों के लिए एक विदाई पार्टी आयोजित की गई थी। छात्रावास में सभी प्रमुख त्यौहार मनाए गए, 15 अगस्त, 2017 को स्वतंत्रता दिवस समारोह और 19 अक्तूबर, 2017 को दिए जलाकर और रंगोली बनाकर दिवाली मनाई गई। नए छात्रों का स्वागत करने के लिए 4 नवंबर, 2017 को वरिष्ठ आवासियों ने फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया था। 25 दिसंबर को केक काटने और सजावट के साथ क्रिसमस मनाया गया था। 13 जनवरी 2018 को एक विशाल पवित्र अग्नि जलाकर लोहड़ी मनाई गई थी। 26 जनवरी, 2018 को प्रोवोस्ट द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया था। 3 मार्च 2018 को कार्बनिक रंगों के साथ होली मनाई गई थी। छात्रावास ने 23.02.2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पुष्प प्रदर्शनी में भाग लिया और कई पुरस्कार जीते।

समितियाँ

2017-2018 में निम्नलिखित समितियां गठित की गईं:
धूम्रपान विरोधी समिति
यौन उत्पीड़न समिति
रैगिंग विरोधी समिति
अनुशासनात्मक समिति
पूर्वोत्तर समिति
होली समिति
तंबाकू मुक्त परिसर के लिए नोडल अधिकारी
छात्रों के सलाहकार
सांस्कृतिक समिति

सुविधाएँ

छात्रावास निम्नलिखित समेत कई आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं-
वातानुकूलित कॉमन रूम
कंप्यूटर लैब
वचनालय
व्यायामशाला
खेल कक्ष
पुस्तकालय
आगंतुकों का कमरा
चिकित्सा सुविधाओं के साथ चिकित्सा कक्ष, जिसमें एक दैनिक नर्स और सप्ताह में तीन बार डॉक्टर आते हैं।
दो टीवी कमरे
छात्रावास में एक अच्छी तरह से हवादार भोजन कक्ष भी है

अन्य सुविधाओं में निम्नलिखित शामिल हैं
कपड़े धोने का कमरा
मिठाई की दुकान
बैडमिंटन कोर्ट
बास्केटबॉल कोर्ट

टेबल टेनिस कोर्ट

अन्य महत्वपूर्ण जानकारियाँ

हरे भरे उद्यान और फूलों की क्यारियां आवासियों को अभिवादन करती हैं। दीवारों को चित्रों से सजाया गया है। छात्रों की सुरक्षा के लिए, आम क्षेत्रों और दरवाजों पर सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए जाते हैं। दिव्यांग अनुकूल शौचालय और रैंप भी हैं। सभी शुल्क ऑनलाइन एकत्र किए जाते हैं। मेस दिन में चार भोजन परोसता है, जिसमें पैक किए गए दोपहर के भोजन की सुविधा भी शामिल है। छात्रावास हरित प्रथाओं को अपनाता है, जिसमें अपशिष्ट पृथक्करण, बगीचे के अपशिष्ट की कंपोस्टिंग, पर्यावरण-अनुकूल एलईडी प्रकाश में परिवर्तन, कागज़ का न्यूनतम उपयोग इत्यादि शामिल हैं।

***

महिलाओं के लिए विश्वविद्यालय छात्रावास (यूनिवर्सिटी हॉस्टल फॉर वीमेन)

वर्ष 1973 में स्थापित, महिला छात्रावास (यूएचडब्ल्यू) दिल्ली विश्वविद्यालय का एक महत्वपूर्ण स्थल है। छात्रावास में देश और विदेशों के विभिन्न हिस्सों से स्नातकोत्तर और अनुसंधान करने वाली 320 छात्राओं के रहने की व्यवस्था है, और यह महिला होने की प्रबल भावना के विकसित होने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करता है। छात्रावास 2012 से नवीकरण के अधीन था और अकादमिक सत्र 2016-2017 में आंशिक प्रवेश के साथ इसे फिर से खोल दिया गया।

कई उत्सव और समारोह आयोजित करना हमेशा से यूएचडब्ल्यू की परंपरा रही है। 2017-2018 में निम्नलिखित समारोह आयोजित किए गए;

सांस्कृतिक आयोजन

i) अकादमिक सत्र 2016-2017 और 2017-2018 के लिए क्रमशः 18 अप्रैल 2017 और 27 मार्च 2018 को अनिमा सेन मेमोरियल अंतर-छात्रावास बहस आयोजित की गई थी। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए थे। विजेताओं को ट्रॉफी और नकद पुरस्कार वितरित किये गये । बहस में उत्साह पूर्ण भागीदारी देखी गई।

उत्सव समारोह

ii) छात्रावास में दीवाली, लोहड़ी, सरस्वती पूजा और होली जैसे सभी त्यौहार मनाए गए थे।

चेतना बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय त्यौहार और गतिविधियाँ-

iii) **15 अगस्त 2017, स्वतंत्रता दिवस:** राष्ट्रीय गान और अन्य देशभक्ति गीत गाकर सभी अधिकारियों, आवासियों और कर्मचारियों ने स्वतंत्रता दिवस के उत्सव में शामिल हुए।

iv) **2 अक्तूबर 2017, स्वच्छ भारत अभियान:** स्वच्छ भारत अभियान कार्यक्रम के अनुसार यूनिवर्सिटी हॉस्टल फॉर विमेन (यूएचडब्ल्यू) द्वारा पहल की गई और परिसर और आसपास के क्षेत्रों को साफ रखना जारी रखा गया। छात्रावास के सभी कर्मचारियों और आवासियों ने सफाई अभियान में भाग लिया।

v) **26 जनवरी 2018, गणतंत्र दिवस:** उत्सव का आरंभ ध्वज फहराकर किया गया जिसके बाद राष्ट्रीय गान, देशभक्ति गीत और आवासियों और करचरियों द्वारा नृत्य किया गया। मिठाई वितरण के साथ समारोह संपन्न हुआ।

समितियाँ

क) अनुशासन समितियां

i) रैगिंग विरोधी
ii) एंटी स्क्वाड
iii) धूम्रपान विरोधी
iv) लिंग संवेदनशीलता

ख) **सांस्कृतिक समितियां:** सांस्कृतिक समिति द्वारा अनिमा सेन मेमोरियल इंटर छात्रावास बहस का आयोजन किया गया।

ग) **रसोई (मेस) समिति:** आवासियों को मेस के कार्यों के लिए स्वेच्छा से सेवा के लिए प्रोत्साहित किया गया और तदनुसार काम सौंपे गये थे।

घ) **स्वच्छता समिति:** आवासियों द्वारा मंजिल के कामों को संभालने की आवश्यकता थी और तदनुसार कार्य आवंटित किए गए थे। आवासियों द्वारा कामों पर सफाई और रखरखाव रिपोर्ट जमा की गई थी।

सुविधाएँ

जिम, कॉमन रूम, अध्ययन कक्ष, बीमार रूम, यूनियन रूम

***

वी.के. आर. वी. राव छात्रावास

छात्रावास के आवासियों ने प्रत्येक अकादमिक वर्ष की तरह स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस और गांधी जयंती सहित राष्ट्रीय त्योहारों को आनंद और उत्साह के साथ मनाया। स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रीय एकीकरण की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए तिरंगा ध्वज फहरा कर मनाया जाता है, जबकि गांधी जयंती स्वच्छ भारत अभियान के माध्यम से स्वच्छता पर जोर देती है, इस दिन वृक्षारोपण के साथ प्रतिज्ञा भी की जाती है।

छात्रावास के आवासियों ने दीवाली, होली, लोहड़ी, सरस्वती पूजा और क्रिसमस विभिन्न त्योहारों को बहुत उत्साह के साथ मनाया। सत्र की शुरुआत में फ्रेशर्स के स्वागत से छात्रावास की सांस्कृतिक घटनाओं की शुरूआत होती हैं और सत्र के अंत में फेयरवेल पार्टी के साथ समाप्त होती हैं। स्पाइक मैके कार्यक्रम छात्रावास की लगभग नियमित विशेषता बन गया है। पंडित विश्व मोहन भट्ट, उस्ताद बहाउद्दीन डागर, पंडित विश्वजित रॉय चौधरी, पंडित शुभेंद्र राव, विदुषी सास्किया राव देहास इत्यादि प्रसिद्ध कलाकारों ने छात्रावास के कॉमन रूम में अपनी कला प्रदर्शित की है। सर्वाधिक प्रतीक्षित कार्यक्रम छात्रावास वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव **उमंग**, धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया जाता है।

समितियाँ: -

छात्रावास ने आवासियों की जरूरतों और कल्याण को पूरा करने के लिए एक सेवा समिति गठित की है। इसके अलावा इसने कई अन्य समितियों का गठन किया है जिनमें रैगिंग विरोधी समिति, पूर्वोत्तर छात्र कल्याण समिति और छात्रों के लिए शिकायत समिति शामिल है, जिसमें छात्रावास के आवासियों के सामने आने वाले सभी मुद्दों को हल किया जाता है।

सुविधाएँ: -

छात्रावास अपने आवासियों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने और उन्नत करने के लिए सेवाओं और संसाधनों की पूरी श्रृंखला प्रदान करता है।

1. आवासियों के मेहमानों के लिए मेहमान सुविधाएं
2. माता-पिता के लिए अतिथि कक्ष
3. चिकित्सा सुविधाएं
4. मेस और डाइनिंग हॉल
5. कैंटीन
6. कंप्यूटर और इंटरनेट तथा वाई-फाई सुविधाएं

7. कॉमन रूम
8. जिम और खेल आयोजन
9 संगीत उपकरण
10. बुक बैंक
11. लाँड्री सेवाएं
12. इंटरकॉम सुविधाएं
13. अध्ययन कक्ष
14. अतिथि कक्ष
15. सीसीटीवी कैमरों के साथ छात्रावास सुरक्षा
16. दिव्यांग दोस्ताना संसाधन

अन्य महत्वपूर्ण जानकारियाँ

आर. ओ. प्रणाली, निस्पंदन और शुद्धिकरण के बाद अपशिष्ट जल का वितरण करती है जिसका उपयोग पौधों की सिंचाई और सफाई के लिए किया जाता है। छात्रावास में आवासियों के लिए नाममात्र के शुल्क पर 24 x 7 प्रिंटआउट सुविधाएं उपलब्ध हैं। चूंकि छात्रावास में प्रबंधन अध्ययन संकाय और दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के आवासी अधिक संख्या में हैं, इसलिए नियुक्ति दर 90 प्रतिशत से ऊपर है।

कुल मिलाकर, वीकेआरवी राव छात्रावास में यह वर्ष उत्पादक और विकास और सामूहिक उत्साह से भरा हुआ रहा।

***

डब्ल्यूयूएस विश्वविद्यालय छात्रावास

डब्ल्यूयूएस विश्वविद्यालय छात्रावास 18 कमरे की क्षमता के साथ महिलाओं, विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अतिथि शिक्षकों और डॉक्टरेट पश्चात शोधकर्ताओं का आवास है। छात्रावास को 1990 में विश्व विश्वविद्यालय सेवाओं से विश्वविद्यालय द्वारा अधिगृहीत किया गया था। प्रो. श्रीमती चक्रवर्ती 31 जनवरी, 2018 तक छात्रावास के प्रशासन की देखभाल करती रही हैं और उसके बाद 31 मार्च, 2018 तक प्रोफेसर (सुश्री) मिन्नी सावनी को अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

आवासियों को निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान की गई हैं:

अतिथि कक्ष (वातानुकूलित), रंगीन टी.वी., रेफ्रिजरेटर, समाचार पत्र (हिंदी और अंग्रेजी), वाटर कूलर, कंप्यूटर।

आवासियों ने दिवाली, क्रिसमस, होली, नव वर्ष इत्यादि विभिन्न त्यौहार मनाए।

मेस को आवासियों द्वारा सहकारी आधार पर चलाया जाता है।

***

वर्ष 2017 -18 के वार्षिक लेखे

विषय-सूची

क्रम संख्या	विवरणी का नाम
	क. दिल्ली विश्वविद्यालय
1	तुलन-पत्र
2	आय और व्यय लेखा
3	31 मार्च, 2018 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ: अनुसूची 1,2,3,4,5,6,7,8
4	आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ: अनुसूची 9,10,11,12,13,14,15,16,17,18,19,20,21,22.
5	महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां : अनुसूची 23
6	आकस्मिक देयताएं और लेखों पर टिप्पणियां : अनुसूची 24
7	प्राप्ति और भुगतान लेखा
	ख. भविष्य निधि लेखा
8	तुलन-पत्र
9	आय और व्यय लेखा
10	प्राप्ति और भुगतान लेखा
	ग. नई पेंशन योजना
11	तुलन-पत्र
12	आय और व्यय लेखा
13	प्राप्ति और भुगतान लेखा
	घ. विश्वविद्यालय मुद्रणालय
14	तुलन-पत्र
15	लाभ व हानि लेखा
16	प्राप्ति और भुगतान लेखा
	ड. हॉल और छात्रावास
17	समेकित तुलन-पत्र
18	समेकित आय और व्यय लेखा
19	समेकित प्राप्ति और भुगतान लेखा

31 मार्च, 2018 का तुलन-पत्र

राशि रुपए में

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
निधियों के स्त्रोत			
कॉर्पस/पूंजी निधि	1	-----	-----
नामित/अंकित/वृत्ति निधियां	2	6812347938	5895188592
चालू देयताएं और प्रावधान	3	27366821395	26472963908
कुल		**34179169333**	**32368152500**
निधियों का अनुप्रयोग			
अचल परिसंपत्तियां			
मूर्त परिसंपत्तियां	4	1302350394	1445275815
अमूर्त परिसंपत्तियां		2190247	3192579
पूंजीगत कार्य प्रगति में		4065825877	4065825877
अंकित/वृत्ति निधियों से निवेश	5	883083000	247983000
निवेश - अन्य	6	-----	-----
वर्तमान परिसंपत्तियां	7	12067138607	11451056645
ऋण, अग्रिम और जमा	8	3223753863	3341361463
कॉर्पस/पूंजी निधि		12634827345	11813457121
कुल		**34179169333**	**32368152500**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	23		
आकस्मिक देयताएं और लेखों पर टिप्पणियां	24		

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष का आय और व्यय लेखा

राशि रुपए में

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
आय			
शैक्षणिक प्राप्तियां	9	1079933933	954040785
अनुदान/आर्थिक सहायता	10	5268907887	4535349679
निवेश से आय	11	38074029	44491931
अर्जित ब्याज	12	2907044	10757610
अन्य आय	13	67821287	62984521
पूर्वावधि आय	14	-----	-----
स्टॉक में वृद्धि /कमी		-----	31819874
कुल (क)		**6457644180**	**5639444400**
व्यय			
स्टॉफ भुगतान व हितलाभ (स्थापना व्यय)	15	5207492367	5533672533
शैक्षणिक व्यय	16	565335417	503322960
प्रशासनिक और सामान्य खर्चे	17	860614848	805128377
परिवहन खर्चे	18	1402609	6936509
मरम्मत और अनुरक्षण	19	157267464	199850205
वित्तीय लागत	20	469669	443563
मूल्यह्रास	4	351441789	414037702
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	21	336578401	161486328
पूर्वावधि व्यय	22	------	1195708575
स्टॉक में वृद्धि /कमी		5925876	------
कुल (ख)		**7486528440**	**8820586752**
व्यय से अधिक आय का शेष/ (व्यय से अधिक आय) (क - ख)		(1028884260)	(3181142352)
नामित निधि में/से अंतरित			
शेष , पूंजी निधि में अग्रेनीत अधिषेश (घाटा)		**(1028884260)**	**(3181142352)**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	23		
आकस्मिक देयताएं और लेखों पर टिप्पणियां	24		

31 मार्च, 2018 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

अनुसूची 1 - पूंजी निधि		**वर्तमान वर्ष**		**विगत वर्ष**
वर्ष के प्रारंभ में शेष		(11813457121)		(10424548997)
जमा : कॉर्पस/पूंजी निधि में अंशदान-योजना लेखा		-----		-----
जमा : कॉर्पस/पूंजी निधि में अंशदान		-----		-----
जमा : अनुदान आयोग, भारत सरकार और राज्य सरकार से अनुदान				
(क) योजना लेखे	116788962		1661021233	
(ख) गैर-योजना लेखे	65898724	182687686	71957191	1732978424
जमा : अंकित निधियों से क्रय की गई परिसंपत्तियों				
(क) विविध लेखे	6220593		8393305	
(ख) अन्य अंकित निधियां	4534471	10755064	4324697	12718002
जमा : प्रायोजित परियोजनाओं से क्रय परिसंपत्तियां, जहां स्वामित्व संस्थान का है				
जमा : दान दी गई परिसंपत्तियां /प्राप्त उपहार	778		1199	
जमा: बंद की गई परियोजनाओं की परिसंपत्तियां	14399432		30189637	
जमा: अन्य वृद्धियां	----	14400210	----	30190836
जमा: खर्च नहीं किए गए शेष से संबंधित समायोजन		----		16705058
घटा: वर्ष के दौरान निपटाई गई परिसंपत्तियों का प्रतिह्रासित मूल्य		(328924)		(358092)
जमा: व्यय से अधिक आय/(आय से अधिक व्यय)				
आय और व्यय लेखे से अंतरित		(1028884260)		(3181142352)
वर्ष के अंत में शेष		**(12634827345)**		**(11813457121)**

31 मार्च, 2018 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 2 - नामित/अंकित/वृत्ति निधियां राशि रुपए में

विवरण	निधि-वार विवरण				कुल	
	विविध लेखे	प्रकाशन	वृत्ति निधियां	अन्य अंकित	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
क.						
क) **अथशेष**	**580751781**	**5518426**	**796391387**	**4512526998**	**5895188592**	**5357432601**
ख) वर्ष के दौरान वृद्धियां	-----	-----	-----	-----	----	----
ग) निधियों के निवेश से आय	14191656	309804	50088078	178272037	242861575	209094062
घ) निवेश/अग्रिम पर उपार्जित ब्याज	28433218	60725	8489008	120340469	157323421	180372505
ङ) बचत बैंक खाते में ब्याज	214739	9843	798312	4852838	5875732	9367793
च) अन्य वृद्धियां (स्वरूप निर्दिष्ट करें)	432138676		6990105	482538562	921667343	602595542
कुल (क)	**1055730069**	**5898798**	**862756890**	**5298530904**	**7222916663**	**6358862503**
ख. निधियों के उद्देश्यों के प्रति उपयोगिता/व्यय						
ii) पूंजी व्यय	6220593	-----	-----	4534471	10755064	12718002
ii) राजस्व व्यय	287651293	0	8633997	103528371	399813661	450955909
कुल (ख)	**293871886**	**0**	**8633997**	**108062842**	**410568725**	**463673911**
वर्ष के अंत में इति शेष (क-ख)	**761858183**	**5898798**	**854122893**	**5190468062**	**6812347938**	**5895188592**
प्रस्तुतकर्ता						
नगद और बैंक शेष						
चालू लेखे	4456292	-----	-----	-----	4456292	16275001
चालू लेखे	34926667	938073	46850886	223629563	306345189	415614087
निवेश	18000000	300000	319800000	544900000	883000000	247900000
सावधि जमा	661541755	4600000	478900000	4227085850	5372127605	4924450148
उपार्जित किंतु देय नहीं ब्याज	37961615	60725	8489007	123556734	170068082	197205013
शेयर	-----	-----	83000	-----	83000	83000
अन्य ऋण और अग्रिम	6581890	-----	-----	30293578	36875468	19261808
यूडीएफ से विविध में ऋण	-----	-----	-----	30000000	30000000	60000000
एलसी मार्जिन	-----	-----	-----	-----	-----	3951000
विद्युत जमा	-----	-----	-----	9409500	9409500	9409500
वापसनीय स्त्रोत पर काटा गया कर	-----	-----	-----	1592838	1592838	1039035
अनुरक्षण अनुदान लेखा	(1610036)				(1610036)	
कुल	**761858183**	**5898798**	**854122893**	**5190468062**	**6812347938**	**5895188592**

31 मार्च, 2018 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 2 क - वृत्ति निधियां

		अथशेष		वर्ष के दौरान वृद्धियां		कुल			इति शेष		
1. क.सं	2. वृत्ति का नाम	3. वृत्ति	4. संचयी ब्याज	5. वृत्ति (विविध प्राप्तियां)	6. ब्याज	7. वृत्ति (3+5)	8. संचयी ब्याज (4+6)	9 वर्ष के दौरान प्रयोजन पर व्यय	10. वृत्ति	11. संचयी ब्याज	कुल (10+11)
1	सर शंकर लाल संगीत संस्थान (298355)	2273923	263672	1129	189327	2275052	452999	92322	2275052	360677	2635729
2	सर श्री राम भौतिकी चेयर (298399)	7061549	1916598	1652	689735	7063201	2606333	0	7063201	2606333	9669534
3	सर शंकर लाल रसायन-विज्ञान चेयर (298402)	7893989	2138008	4130	750124	7898119	2888132	0	7898119	2888132	10786251
4	प्रबंधन अध्ययन संकाय में आईएफसी चेयर(298683)	13863470	3999880	0	1322478	13863470	5322358	59	13863470	5322299	19185769
5	एसपी जैन उन्नत प्रबंधन अनुसंधान (299041)	1959645	469475	0	175502	1959645	644977	6	1959645	644971	2604616
6	पंडित मन मोहन नाथ घर (298956)	1265507	328745	0	129281	1265507	458026	0	1265507	458026	1723533
7	अर्थशास्त्र में प्रोफेसरशिप (298741)	12971931	3663423	0	1251408	12971931	4914830	59	12971931	4914771	17886702
8	ओरियंट इन्सेक्ट का प्रकाशन (299416)	550899	132908	0	51159	550899	184067	0	550899	184067	734966
9	डीयू वृत्ति निधि (299733)	229306904	36029474	6210467	19762949	235517371	55792423	2268099	235517371	53524324	289041695
10	पंडित मन मोहन कृष्ण कौल (299880)	1527132	380392	0	150153	1527132	530545	0	1527132	530545	2057677
11	पुस्तक अनुदान आरटीएल (300228)	274625362	57064957	545160	24184354	275170522	81249311	5511928	275170522	75737383	350907905
12	उद्यमिता विकास में डीयू एमवे प्रोफेसरशिप (30070	11437894	2878013	0	1044024	11437894	3922037	59	11437894	3921978	15359872
13	क्लस्टर नवाचार कैंद्र कॉपर्स निधि	100357419	21526315	225000	9668418	100582419	31194733	255484	100582419	30939249	131521668
14	एमएचआरडी आईपीआर चेयर	503902	0	2567	6488	506469	6488	505981	488	6488	6976
	कुल	**665599526**	**130791861**	**6990105**	**59375398**	**672589631**	**190167259**	**8633997**	**672083650**	**182039243**	**854122893**

टिप्पणी

1. तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अंकित निधियों की अनुसूची 2 में "वृत्ति निधियों" कालम में अथशेष के रूप में कॉलम 3 और 4 का जोड़
2. कॉलम 9 का जोड़ प्रायः कॉलम 8 के जोड़ से कम नहीं होना चाहिए क्योकि वृत्तियों के प्रयोजन पर व्यय के लिए केवल ब्याज का ही प्रयोग किया जाना है (कुर्सियों के लिए वृत्तियों के आलावा)
3. अनुसूची में प्रायः नामे शेष नहीं होना चाहिए । यदि किसी कतिपय मामले में,किसी भी वृत्तिका निधि में कोई नामे शेष है तो नामे शेष को अनुसूची-8 तुलन-पत्र में परिसंपत्ति कॉलम में "प्राप्य " के रूप में दर्शाया जाए

31 मार्च, 2018 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

अनुसूची 3 - चालू देयताएं और प्रावधान	**वर्तमान वर्ष**	**विगत वर्ष**
क. **चालू देयताएं**		
1. स्टाफ द्वारा जमा	-----	-----
2. छात्रों द्वारा जमा	-----	-----
3. विविध लेनदार		
क) सामान के लिए	25943604	13051003
ख) अन्य	-----	-----
4. जमा-अन्य (ईएमडी-प्रतिभूति जमा सहित)	378068	378068
5. सांविधिक देयताएं (जीपीएफ, टीडीएस, डब्ल्यूई कर, सीपीएफ, जीआईएस, एनपीएस)		
क) अन्य निकाय लेनदेन	5321264	2027012
ख) शुल्क व कर	1258258	16853
6. अन्य चालू देयताएं		
क) वेतन	-----	-----
ख) प्रायोजित परियोजनाएं से प्राप्तियां	1499877620	1386557463
ग) प्रायोजित फैलोशिप व छात्रवृत्ति से प्राप्तियां	95731206	73570373
घ) अनुपयोगित अनुदान	5587750339	5721197188
ङ) यूजीसी को वापसनीय राशि	18198383	17029739
च) अग्रिम अनुदान	-----	-----
छ) अन्य निधियां	163053237	84622514
ज) अन्य देयताएं	11580180	468858
कुल (क)	**7409092159**	**7298919071**
ख. प्रावधान		
1. कर के लिए	-----	-----
2. प्रावधान	1246794419	1120240441
3. अधिवर्षिता पेंशन	17828303630	16984796238
4. संचयी छुट्टी नगदीकरण	873230725	1054065434
5. व्यापार वारंटियां/दावे	-----	-----
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)/ देय खर्चे	9400462	14942724
कुल (ख)	**19957729236**	**19174044837**
कुल (क+ख)	**27366821395**	**26472963908**

31-03-2018 को तुलन-पत्र का अंग बननेवाली अनुसूचियां

अनुसूची-3(क) प्रायोजित परियोजनाएं

राशि रुपए में

1	2	3	4	5	6	7	8	
क्र.सं.	परियोजना का नाम	अथ शेष		वर्ष के दौरान	कुल	वर्ष के दौरान	इतिशेष	
		क्रेडिट	नामे	प्राप्तियां/वसूलियां		व्यय	क्रेडिट	नामे
1	अनुसंधान योजना लेखा (298650)	435663889		160158608	595822497	139797503	456024994	
2	आईएएसई स्कीम लेखा (295853)	2352045		0	2352045	1449221	902824	
3	अनुसंधान स्कीम लेखा (546386)	632203845		301681819	933885665	225078911	708806754	
4	बी.आर.ए. परियोजना लेखा (298264)	38810932		44248245	83059177	27936366	55122811	
5	युवा अनुसंधान वैज्ञानिक लेखा (29859	248642813		62082024	310724837	76266726	234458111	
6	सीईएमडीई/जैव-विविधता उद्यान(डीडीए)	28883938		95720069	124604007	80041881	44562126	
कुल		**1386557463**		**663890765**	**2050448228**	**550570608**	**1499877620**	

1. परियोजनाओं को प्रत्येक एजेंसी हेतु उप-जोड़ सहित एजेंसी-वार सूचीबद्ध किया जाए
2. कॉलम (क्रेडिट) का जोड़ तुलन-पत्र की देयताओं में उपरोक्त शीर्ष में दर्शित होगा (अनुसूची 3)
3. कॉलम 9(नामें) का जोड़ तुलन-पत्र की परिसंपतियों में अनुसूची 8- ऋण, अग्रिम और जमा में प्राप्तनीय के रूप में दर्शित होगा।

31-03-2018 को तुलन-पत्र का अंग बननेवाली अनुसूचियां

अनुसूची-3 (ख) प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवृत्तियां

राशि रुपए में

1	2	3	4	5	6	7	8
क्र.सं.	**प्रायोजक का नाम**	**01.04.2017 को अथ शेष**		**वर्ष के दौरान लेनदेन**		**31.03.2018 को इति शेष**	
		क्रेडिट	**नामे**	**क्रेडिट**	**नामे**	**क्रेडिट**	**नामे**
1	सीएसआईआर फैलोशिप (298413)	41326905		13182764	13943231	40566438	
2	यूजीसी फैलोशिप (298560)	0	31192212	62555846	22284448	9079186	
3	अन्य निकाय छात्रवृत्ति (298707)	27286597		66796370	53198831	40884136	
4	सीएसआईआर फैलोशिप (एसडीसी) (545269)	1456326		664917	590374	1530869	
5	यूजीसी फैलोशिप (एसडीसी) (545258)	3500545		246872	76840	3670577	
कुल		**73570373**	**31192212**	**143446769**	**90093724**	**95731206**	**0**

टिप्पणी

1. कालम 7 का जोड़ (क्रेडिट) तुलन-पत्र (अनुसूची 3) की देयताओं में उपरोक्त शीर्ष में दर्शित होगा।
2. कालम 8 का जोड़ (नामें) अनुसूची 8 (ऋण, अग्रिम और जमा) में तुलन-पत्र की परिसंपत्तियों में प्राप्तनीय के रूप में दर्शित होगी।

31-03-2018 को तुलन-पत्र का अंग बननेवाली अनुसूचियां

अनुसूची-3 (ग) यूजीसी , भारत सरकार और राज्य सरकारों से प्राप्त अनुपयोगित अनुदान

राशि रुपए में

		वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
क. योजना अनुदानः भारत सरकार			
अग्रेनीत शेष			
जमाः वर्ष के दौरान प्राप्तियां			
	कुल (क)	0	0
घटा : वापसी			
घटा : राजस्व व्यय के लिए उपयोगित			
घटा : पूंजी व्यय के लिए उपयोगित			
	कुल (ख)	0	0
अग्रेनीत अनुपयोगित		0	0
ख. विश्वविद्यालय अनुदान योजना			
अग्रेनीत शेष		5721197188	7146469470
जमा : वर्ष के दौरान प्राप्तियां		260850724	507825821
	कुल (ग)	5982047912	7654295291
घटा : वापसी		0	
घटा : राजस्व व्यय के लिए उपयोगित		277508611	272076870
घटा : पूंजी व्यय के लिए उपयोगित		116788962	1661021233
कुल (घ)		394297573	1933098103
अनुपयोगित अग्रेनीत (ग-घ)		**5587750339**	**5721197188**

31-03-2018 को तुलन-पत्र का अंग बननेवाली अनुसूचियां

राशि रुपए में

		वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
अनुसूची-3 (ग) यूजीसी अनुदान गैर-योजना			
अग्रेनीत शेष		0	
जमा : वर्ष के दौरान प्राप्तियां		5057298000	4335230000
	कुल (ड)	5057298000	4335230000
घटा : वापसी		0	0
घटा : राजस्व व्यय के लिए उपयोगित		4991399276	4263272809
घटा : पूंजी व्यय के लिए उपयोगित		65898724	71957191
	कुल (च)	5057298000	4335230000
अनुपयोगित अग्रेनीत (ड.-च)		0	0
घ. राज्य सरकार से अनुदान			
अग्रेनीत शेष			
जमा : वर्ष के दौरान प्राप्तियां		0	0
	कुल (छ)	0	0
घटा : वापसी		0	0
घटा : राजस्व व्यय के लिए उपयोगित			
घटा : पूंजी व्यय के लिए उपयोगित		0	0
	कुल (ज)	0	0
अनुपयोगित अग्रेनीत (छ-ज)		0	0
कुल जोड (क+ख+ग+घ)		**5587750339**	**5721197188**

टिप्पणी

अनुपयोगित अनुदान में पूंजी लेखा में अग्रिम शामिल है।

अनुपयोगित अनुदान में आगामी वर्ष के लिए अग्रिम में प्राप्त अनुदान शामिल है।

अनुपयोगित अनुदान परिसंपत्तियों में बैंक शेष, बैंको में अल्पविधि शेष और पूंजी लेखे में अग्रिम के रूप में दर्शित है।

31-03-2018 को तुलन-पत्र का अंग बननेवाली अनुसूचियां

अनुसूची 4- अचल-परिसंपत्तियां

राशि रुपए में

क्र.सं.	परिसंपति शीर्ष	मूल्यह्रास की दर	वर्ष के प्रारंभ में ह्रासित मूल्य	वर्ष के दौरान वृद्धियां	वर्ष के दौरान कटौती/बिक्री	वर्ष के अंत मे लागत/मूल्य	पूर्वावधि से संबंधित मूल्यह्रास	वर्ष का मूल्यह्रास	31.03.2018 को ह्रासित मूल्य	31.03.2017 को ह्रासित मूल्य
1	भूमि	5%	19716892	0	0	19716892		0	19716892	19716892
2	स्थल विकास/लघु कार्य		0	0	0	0		0	0	0
3	भवन		691697004	5490684	0	697187688		34859384	662328304	691697004
4	सड़क व पुल		0	0	0	0		0	0	0
5	ट्यूबवैल व जल आपूर्ति		0	0	0	0		0	0	0
6	मल-प्रवाह व जलनिकासी		0	0	0	0		0	0	0
7	विद्युत स्थापना व उपकरण		0	0	0	0		0	0	0
8	संयंत्र व मशीने	20%	219993978	25211289	225548	244979719		48995944	195983775	219993978
9	वैज्ञानिक व प्रयोगशाला उपकरण	40%	123076630	104826369	12001	227890998		91156399	136734599	123076630
10	कार्यालय उपकरण		0	0	0	0		0	0	0
11	श्रवण दृष्य उपकरण	50%	447349	1008616	1	1455964		727982	727982	447349
12	कंप्यूटर व कंप्यूटर संबंधी	40%	259172441	16363405	17125	275518721	0	110207489	165311232	259172441
13	फर्नीचर फिक्सचर व फिटिंग	25%	92609267	14468332	42933	107034665		26758666	80275999	92609267
14	खेल-कूद उपकरण	50%	28773	0	0	28773		14387	14386	28773
15	वाहन	25%	1327316	27163	0	1354479		338620	1015860	1327316
16	पुस्तकालय पुस्तकें व वैज्ञानिक जर्नल	50%	33896165	39997879	31316	73862728		36931363	36931365	33896165
17	कम मूल्य वाली परिसंपत्तियां		0	0	0	0		0	0	0
18	कला कार्य		3310000	0	0	3310000		0	3310000	3310000
कुल (क)			**1445275815**	**207393737**	328924	1652340628	0	349990234	1302350394	1445275815
19.	**पूंजीकृत कार्य प्रगति में (ख)**		**4065825877**	**0**	**0**	**4065825877**		**0**	**4065825877**	**4065825877**

क्र.सं.	अमूर्त परिसंपत्तियां	मूल्यहास की दर	वर्ष के प्रारंभ मे हासित मूल्य	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान प्राप्तियां कटौती	वर्ष के अंत मे लागत/मूल्य	पूर्वावधि का मूल्यहास	वर्ष का परिशोधन	31.03.2018 को हासित मूल्य	31.03.2017 को हासित मूल्य
20	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	3158138	449223	0	3607361		1442945	2164416	3158138
21	ई-जर्नल	25%	0	0	0	0		0	0	0
22	पेटेंट	25%	34441	0	0	34441		8610	25831	34441
		कुल (ग)	**3192579**	**449223**	**0**	**3641802**		**1451555**	**2190247**	**3192579**

कुल जोड (क+ख+ग)	**5514294271**	**207842960**	**328924**	**5721808307**	**0**	**351441789**	**5370366519**	**5514294271**
विगत वर्ष (2016-17)	**5348511377**	**1775887262**	**358092**	**7124040546**	**1195708575**	**414037702**	**5514294271**	

टिप्पणी : पूंजीगत-कार्य-प्रगति शीर्ष में सकल ब्लॉक के अंतर्गत "कटौतियां" कॅालम में आंकड़े वर्ष के दौरान परिसंपत्तियों से अंतरित के रूप में दर्शित हैं।

परिसंपत्तियां कॉलम 1 से 14 में सकल ब्लाक के अंतर्गत वर्ष के दौरान वृद्धियां कालम में आंकड़े में वर्ष के दौरान और वर्ष के दौरान अधिग्रहित कार्य प्रगति-में से अंतरित शामिल है।

31-03-2018 को तुलन-पत्र का अंग बननेवाली अनुसूचियां

अनुसूची 4 क-योजना 									**राशि रुपए में**

क्र.सं.	परिसंपति शीर्ष	मूल्यह्रास की दर	वर्ष के प्रारंभ में ह्रासित मूल्य	वर्ष के दौरान वृद्धियां	वर्ष के दौरान कटौती/बिक्री	वर्ष के अंत मे लागत/मूल्य	पूर्वावधि से संबंधित मूल्यह्रास	वर्ष का मूल्यह्रास	31.03.2018 को ह्रासित मूल्य	31.03.2017 को ह्रासित मूल्य
1	भूमि		0	0	0	0		0	0	0
2	स्थल विकास/लघु कार्य		0	0	0	0		0	0	0
3	भवन	5%	265684030	2549390	0	268233420		13411671	254821749	265684030
4	सड़क व पुल		0	0	0	0		0	0	0
5	ट्यूबवैल व जल आपूर्ति		0	0	0	0		0	0	0
6	मल-प्रवाह व जलनिकासी		0	0	0	0		0	0	0
7	विद्युत स्थापना व उपकरण		0	0	0	0		0	0	0
8	संयंत्र व मशीने	20%	110523126	6978077	0	117501203		23500241	94000962	110523126
9	वैज्ञानिक व प्रयोगशाला उपकरण	40%	73541326	82408879	0	155950205		62380082	93570123	73541326
10	कार्यालय उपकरण		0	0	0	0		0	0	0
11	श्रवण दृष्य उपकरण	50%	336565	559307	0	895872		447936	447936	336565
12	कंप्यूटर व कंप्यूटर संबंधी	40%	237440539	13517844	0	250958383	0	100383353	150575030	237440539
13	फर्नीचर फिक्सचर व फिटिंग	25%	36240065	2620785	0	38860850		9715213	29145637	36240065
14	खेल-कूद उपकरण	50%	0	0	0	0		0	0	0
15	वाहन	25%	412079	0	0	412079		103020	309059	412079
16	पुस्तकालय पुस्तकें व वैज्ञानिक जर्नल	50%	5606511	8154680	0	13761191		6880596	6880595	5606511
17	कम मूल्य वाली परिसंपत्तियां		0	0	0	0		0	0	0
18	कला कार्य		1310000	0	0	1310000		0	1310000	1310000
कुल (क)			**731094241**	**116788962**	**0**	**847883203**	**0**	**216822112**	**631061091**	**731094241**
19.	**पूंजीकृत कार्य प्रगति में (ख)**		**804296182**	**0**	**0**	**804296182**	**0**		**804296182**	**804296182**

क्र.सं.	अमूर्त परिसंपत्तियां	मूल्यह्रास की दर	वर्ष के प्रारंभ मे ह्रासित मूल्य	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान प्राप्तियां कटौती	वर्ष के अंत मे लागत/मूल्य	पूर्वावधि का मूल्यह्रास	वर्ष का परिशोधन	31.03.2018 को ह्रासित मूल्य	31.03.2017 को ह्रासित मूल्य
20	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	0	0	0	0		0	0	0
21	ई-जर्नल	25%	0	0	0	0		0	0	0
22	पेटेंट	25%	14520	0	0	14520		3630	10890	14520
कुल (ग)			**14520**	**0**	**0**	**14520**		**3630**	**10890**	**14520**
कुल जोड (क+ख+ग)			**1535404943**	**116788962**	**0**	**1652193905**	**0**	**216825742**	**1435368163**	**1535404943**
विगत वर्ष (2016-17)			**1337192978**	**1661021233**	**0**	**2998214211**	**1195708575**	**267100693**	**1535404943**	

31-03-2018 को तुलन-पत्र का अंग बननेवाली अनुसूचियां

अनुसूची 4ख गैर-योजना

राशि रुपए में

क्र.सं.	परिसंपति शीर्ष	मूल्यह्रास की दर	वर्ष के प्रारंभ में ह्रासित मूल्य	वर्ष के दौरान वृद्धियां	वर्ष के दौरान कटौती/बिक्री	वर्ष के अंत मे लागत/मूल्य	वर्ष का मूल्यह्रास	31.03.2018 को ह्रासित मूल्य	31.03.2017 को ह्रासित मूल्य
1	भूमि		19716892	0	0	19716892	0	19716892	19716892
2	स्थल विकास/लघु कार्य		0	0	0	0	0	0	0
3	भवन		347190512	1099197	0	348289709	17414485	330875224	347190512
4	सड़क व पुल		0		0	0	0	0	0
5	ट्यूबवैल व जल आपूर्ति		0	0	0	0	0	0	0
6	मल-प्रवाह व जलनिकासी		0	0	0	0	0	0	0
7	विद्युत स्थापना व उपकरण		0	0	0	0	0	0	0
8	संयंत्र व मशीने		66383974	10599105	225548	76757531	15351506	61406025	66383974
9	वैज्ञानिक व प्रयोगशाला उपकरण		17537486	11632319	12001	29157804	11663122	17494682	17537486
10	कार्यालय उपकरण		0	0	0	0	0	0	0
11	श्रवण दृष्य उपकरण		18220	441024	1	459243	229622	229621	18220
12	कंप्यूटर व कंप्यूटर संबंधी		16999546	1809453	17125	18791874	7516750	11275124	16999546
13	फर्नीचर फिक्सचर व फिटिंग		47437591	11071854	42933	58466512	14616628	43849884	47437591
14	खेल-कूद उपकरण		28680	0	0	28680	14340	14340	28680
15	वाहन		915236	27163	0	942399	235600	706799	915236
16	पुस्तकालय पुस्तकें व वैज्ञानिक जर्नल		27450504	29149155	31316	56568343	28284172	28284171	27450504
17	कम मूल्य वाली परिसंपत्तियां		0	0	0	0	0	0	0
18	कला कार्य		0	0	0	0	0	0	0
कुल (क)			**543678641**	**65829270**	**328924**	**609178987**	**95326225**	**513852762**	**543678641**

19. पूंजीकृत कार्य प्रगति में (ख)

क्र.सं.	अमूर्त परिसंपत्तियां	मूल्यह्रास की दर	वर्ष के प्रारंभ मे ह्रासित मूल्य	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान प्राप्तियां कटौती	वर्ष के अंत मे लागत/मूल्य	वर्ष का परिशोधन	31.03.2018 को ह्रासित मूल्य	31.03.2017 को ह्रासित मूल्य
20	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	3059273	69454	0	3128727	1251491	1877236	3059273
21	ई-जर्नल	25%	0	0	0	0	0	0	0
22	पेटेंट	25%	13321	0	0	13321	3330	9991	13321
कुल (ग)			**3072594**	**69454**	**0**	**3142048**	**1254821**	**1887227**	**3072594**
कुल जोड (क+ख+ग)			**546751235**	**65898724**	**328924**	**612321035**	**96581046**	**515739989**	**546751235**
विगत वर्ष (2016-17)			**578704971**	**71957191**	**358092**	**650304070**	**103552835**	**546751235**	

<u>**31-03-2018 को तुलन-पत्र का अंग बननेवाली अनुसूचियां**</u>

अनुसूची 4 ग - अमूर्त परिसंपत्तियां

राशि रुपए में

क्र.सं.	परिसंपति शीर्ष	मूल्यह्रास की दर	वर्ष के प्रारंभ में ह्रासित मूल्य	वर्ष के दौरान वृद्धियां	वर्ष के दौरान कटौती/बिक्री	वर्ष के अंत मे लागत/मूल्य	वर्ष का मूल्यह्रास/ परिशोधन	31.03.2018 को ह्रासित मूल्य /वर्ष का परिशोधन	31.03.2017 को ह्रासित मूल्य
1	पेटेंट और कॉपीराईट	25%	34441	0	0	34441	8610	25831	34441
2	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	3158138	449223	0	3607361	1442945	2164416	3158138
3	ई.जर्नल	25%	0	0	0	0	0	0	0
कुल			3192579	449223	0	3641802	1451555	2190247	3192579
विगत वर्ष (2016-17)			**4989982**	**319503**	**0**	**5309485**	**2116906**	**3192579**	

31 मार्च, 2018 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

अनुसूची 4(ग) (I) पेटेंट और कॉपीराईट	अथ शेष	वृद्धि	सकल	परिशोधन	निवल ब्लॉक 20.....	निवल ब्लॉक 20.....
क. मंजूर पेटेंट						
1. 2008.09 में प्राप्त पेटेंट का 31.03.2014 को शेष	-----	-----	-----	-----	-----	-----
(मूल मूल्य रुपये.../-	-----	-----	-----	-----	-----	-----
2. 2010.11 में प्राप्त पेटेंट का 31.03.2014 को शेष	-----	-----	-----	-----	-----	-----
(मूल मूल्य रुपये.../-	-----	-----	-----	-----	-----	-----
3. 2012.13 में प्राप्त पेटेंट का 31.03.2014 को शेष	-----	-----	-----	-----	-----	-----
(मूल मूल्य रुपये.../-	-----	-----	-----	-----	-----	-----
4. वर्तमान वर्ष में मंजूर पेटेंट	-----	-----	-----	-----	-----	-----
कुल	-----	-----	-----	-----	-----	-----

विवरण	अथ शेष	वृद्धि	सकल	मंजूर/अस्वीकृत पेटेंट	निवल ब्लॉक 2013-14	निवल ब्लॉक 2012-13
क. आवेदित पेटेंट के संबंध में लंबित पेटेंट						
1. 2009.10 से 2011-12 मे किया गया व्यय	-----	-----	-----	-----	-----	-----
2. 2012-13 में किया गया व्यय	-----	-----	-----	-----	-----	-----
3. 2013-14 में किया गया व्यय	-----	-----	-----	-----	-----	-----
	-----	-----	-----	-----	-----	-----
ग. कुल जोड (क+ख)	-----	-----	-----	-----	-----	-----

टिप्पणीः भाग क (मंजूर पेटेंट) में वृद्धि वर्ष के दौरान मंजूर पेटेंट, भाग ख (कालम-पेटेंट मंजूर/नामंजूर) से अंतरित आंकड़े होंगे। वर्ष के दौरान नामंजूर अनुदान की राशि को आय व व्यय लेखे में बट्टे खाते डाला गया है।

31-03-2018 को तुलन-पत्र का अंग बननेवाली अनुसूचियां

अनुसूची 4 घ-अन्य — राशि रुपए में

क्र.सं.	परिसंपति शीर्ष	मूल्यह्रास की दर	वर्ष के प्रारंभ मे ह्रासित मूल्य	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान कटौती/बिक्री	वर्ष के अंत मे लागत/मूल्य	वर्ष का मूल्यह्रास	31.03.2018 को ह्रासित मूल्य	31.03.2017 को ह्रासित मूल्य
1	भूमि		0	0	0	0	0	0	0
2	स्थल विकास/लधु कार्य		0	0	0	0	0	0	0
3	भवन	5%	78822462	1842097	0	80664559	4033228	76631331	78822462
4	सड़क व पुल		0	0	0	0	0	0	0
5	ट्यूबवैल व जल आपूर्ति		0	0	0	0	0	0	0
6	मल-प्रवाह व जलनिकासी		0	0	0	0	0	0	0
7	विद्युत् स्थापना व उपकरण		0	0	0	0	0	0	0
8	संयंत्र व मशीनें	20%	43086878	7634107	0	50720985	10144197	40576788	43086878
9	वैज्ञानिक व प्रयोगशाला उपकरण	40%	31997818	10785171	0	42782989	17113196	25669793	31997818
10	कार्यालय उपकरण		0	0	0	0	0	0	0
11	श्रवण दृष्य उपकरण	50%	92563	8285	0	100848	50424	50424	92563
12	कंप्यूटर व कंप्यूटर संबंधी	40%	4732357	1036108	0	5768465	2307386	3461079	4732357
13	फर्नीचर फिक्सचर व फिटिंग	25%	8931611	775693	0	9707304	2426826	7280478	8931611
14	खेल-कूद उपकरण	50%	93	0	0	93	47	46	93
15	वाहन	25%	1	0	0	1	0	1	1
16	पुस्तकालय पुस्तकें व वैज्ञानिक जर्नल	50%	839147	2694044	0	3533191	1766596	1766595	839147
17	कम मूल्य वाली परिसंपत्तियां		0	0	0	0	0	0	0
18	कला कार्य		2000000	0	0	2000000	0	2000000	2000000
कुल (क)			**170502930**	**24775505**	**0**	195278435	37841900	157436535	170502930
19. पूंजीगत कार्य प्रगति में (ख)			**3261529695**	**0**	**0**	3261529695	0	3261529695	3261529695

क्र.सं.	अमूर्त परिसंपत्तियां	मूल्यह्रास की दर	वर्ष के प्रारंभ मे ह्रासित मूल्य	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान कटौती/बिक्री	वर्ष के अंत मे लागत/मूल्य	वर्ष का परिशोधन	31.03.2018 को ह्रासित मूल्य	31.03.2017 को ह्रासित मूल्य
20	कंप्यूटर सॉफटवेयर	40%	98866	379769	0	478635	191454	287181	98866
21	ई-जर्नल	25%	0	0	0	0	0	0	0
22	पेटेंट	25%	6600	0	0	6600	1650	4950	6600
कुल (ग)			105466	379769	0	485235	193104	292131	105466
कुल जोड (क+ख+ग)			3432138091	25155274	0	3457293365	38035004	3419258361	3432138091

टिप्पणीः वर्ष के दौरान निम्नलिखित से वृद्धि शामिल है :

उपहार	778
बंद परियोजना	4399432
विविध लेखा निधि	6220593
अन्य अंकित निधि	4534471
कुल	25155274

31 मार्च, 2018 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

अनुसूची 5 - अंकित/वृत्ति निधियों से निवेश	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1. केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों में	883000000	247900000
2. राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में	-----	-----
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में	-----	-----
4. शेयर	83000	83000
5 डिबेंचर और बांड	-----	-----
6. बैंको में सावधि जमा	-----	-----
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-----	-----
कुल	**883083000**	**247983000**

31 मार्च, 2018 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 5 (क) अंकित/वृत्ति निधियों से निवेश (निधि-वार)

राशि रुपए में

क्र.सं.	निधियां	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1	विविध लेखे-सरकारी प्रतिभूति	18000000	18000000
2	प्रकाशन-सरकारी प्रतिभूति	300000	300000
3	वृत्ति निधि-सरकारी प्रतिभूति	319800000	185600000
4	अन्य अंकित निधि-सरकारी प्रतिभूति	544900000	44000000
5	वृत्ति निधि-शेयर	83000	83000
	कुल	**883083000**	**247983000**

टिप्पणी : इस उप अनुसूची का जोड़ अनुसूची 5 के बराबर होगा

31 मार्च, 2018 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

अनुसूची 6 - निवेश - अन्य	**वर्तमान वर्ष**	**विगत वर्ष**
1. केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों में		
2. राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में	-----	-----
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में	-----	-----
4. शेयर	-----	-----
5. डिबेंचर और बांड	-----	-----
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-----	-----
कुल	-----	-----

31 मार्च, 2018 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

अनुसूची 7 - वर्तमान परिसंपत्तियां	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1. **स्टॉक**		
क. भंडार और फालतू पुर्जे	-----	-----
ख. खुले पुर्जे	-----	-----
ग. प्रकाशन	-----	-----
घ. प्रयोगशाला रसायन, उपभोज्य और कांच का सामान	-----	-----
ड. भवन सामग्री	-----	-----
च. विद्युत सामग्री	-----	-----
छ. स्टेशनरी	9362094	12715923
ज. जल आपूर्ति सामग्री	-----	
झ. वर्दी	-----	196474
ञा. ड्रग्स और औषधी	16531904	3895059
ट. उत्तर-पुस्तिका	-----	15012418
2. **विविध देनदार**		
क. छह माह से अधिक अवधि के अन्य बकाया	-----	-----
ख. अन्य	-----	-----
3 . **नगद और बैंक शेष**		
क. **अनुसूचित बैंकों में**		
- चालू खाते मे	66031191	65626464
- सावधि जमा लेखों में	11082529870	10123882586
- बचत लेखों में	891760948	1228784221
ख. गैर अनुसूचित बैंकों में:		
-सावधि जमा लेखों में	-----	-----
-बचत लेखों में	-----	-----
ग. हाथ में नगद शेष (चैक/ड्राफ्ट सहित)	922600	943500
4. डाक घर बचत लेखे	-----	-----
कुल	**12067138607**	**11451056645**

टिप्पणी: अनुबंध "क" बैंक लेखों का ब्यौरा दर्शाता है

अनुबंध "क"

31 मार्च, 2018 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

I	चालू खता	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1	बी.आर.अंबेडकर केंद्र सामान्य निधि लेखा	8000	23578
2	आईसीआईसीआई बैंक लेखा	3685476	1050992
3	एसबीआई विधि केंद्र II	134017	134017
4	एसबीआई एमजी I	6826915	23875210
5	एसबीआई एमजी II	10092507	10745135
6	एसबीआई एमजी III	1160304	6280127
7	एसडीसी परीक्षा लेखा	20073893	206339
8	एसडीसी सामान्य निधि लेखा	15884699	1138055
9	प्रयोजित परियोजना बैंक खाता	902824	2352045
10	योजना चालू खाता	2806264	3545965
11	अंकित निधि के चालू खाते	4456292	16275001
		66031191	**65626464**
II	**बचत बैंक खाता**		
1	बाह्य उम्मीदवार सैल लेखे	897165	549733
2	एनसीडब्ल्यूई लेखा	12658956	4909267
3	एसबीआई विभागीय प्राप्तियां लेखे	2149027	5799288
4	एसबीआई सामान्य निधि लेखे	92087485	387974175
5	एसबीआई चिकित्सा प्रतिपूर्ति लेखे	310382	3390707
6	प्रायोजित परियोजना बैंक खाता	296041608	279967106
7	प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवृत्ति	98598341	75189415

8	योजना बचत लेखे	31341187	45532299
9	अंकित निधि के बचत खाते	306345189	415614087
10	यू.जी.सी. को वापसनीय सीपीएफ लेखा	4025	17691
11	आईबीआईडी बैंक खाता	4438342	9840452
12	आईसीआईसीआई बैंक खाता (ऑनलाइन फीस)	46889241	-----
		891760948	**1228784221**
III	**सावधि जमा लेखे**		
1	अंकित निधि से सावधि जमा रसीद	5372127604	4928401148
2	यू.जी.सी.वापसनीय लेखे से सावधि जमा रसीद	18072925	16858487
3	एसीबीआर लेखे से सावधि जमा रसीद	918073	918073
4	सामाजिक कार्य लेखे से सावधि जमा रसीद	-----	2660351
5	अनुरक्षण अनुदान से सावधि जमा रसीद	1215000000	700000000
6	प्रायोजित परियोजना बैंक खाता	1024108838	872243493
7	प्रायाजित फैलोषिप और छात्रवृत्ति	25000000	25000000
8	योजना लेख से सावधि जमा रसीद(मार्जिन राषि सहित)	3419302430	3567801034
9	आईसीआईसीआई बैंक खाता से सावधि जमा रसीद	8000000	10000000
		11082529870	**10123882586**

31 मार्च, 2018 के तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

अनुसूची 8- ऋण, अग्रिम और जमा			
1.	**कर्मचारियों को अग्रिम (गैर ब्याज धारक)**		
क.	वेतन	-----	-----
ख.	त्यौहार	736612	937252
ग.	चिकित्सा अग्रिम	-----	53,000
घ.	छुट्टी यात्रा रियायत	13308426	4047511
ड.	अन्य (निर्दिश्ट करें)	-----	-----
2.	**कर्मचारियों को दीर्घावधि अग्रिम (ब्याज धारक)**		
क.	वाहन ऋण/परिवहन/कम्प्यूटर	807020	1180920
ख.	गृह ऋण/वन निर्माण अग्रिम	1405975	1936830
ग.	अन्य (निर्दिष्ट करें)	-----	-----
3.	**अग्रिम और अन्य राशि नगद अथवा वस्तु में प्राप्तनीय अथवा प्राप्त किए जाने वाले मूल्य**		
क.	पूंजी खाते पर		-----
ख.	आपूर्तिकर्ताओं को		-----
ग.	दिल्ली विश्वविद्यालय पेंशन लेखे		2980000
घ.	दिल्ली विश्वविद्यालय मुद्रणालय		17395000
ड.	सर शंकर लाल रसायन-विज्ञान चेयर निधि लेखा		1100000
च.	अंकित निधियों से अन्य अग्रिम		34662473
छ)	अनुरक्षण अनुदान लेखों से अन्य अग्रिम		611078101
ज.	प्रायोजित परियोजनाओं से अन्य अग्रिम		126829527
झ	योजना लेखों से अग्रिम		2026199559
ञा	अन्य		1640866
4.	**पूर्व-प्रदत्त खर्चे**		
क	बीमा		-----
ख	अन्य खर्चे		13813289
5.	**जमा**		
क.	टेलीफोन		-----

ख.	पट्टा भाड़ा		-----
ग.	विद्युत		20805300
घ.	एआईसीटीई, यदि लागू हो		-----
ड.	डेसू (प्रतिभूति)		4795
च.	अन्य		202373
6.	**उपार्जित आय:**		
क.	अंकित/वृत्ति निधियों से निवेश पर		170068082
ख.	एसीबीआर/यू.जी.सी. वापसनीय लेखों से निवेश पर		-----
ग.	यू.जी.सी. वापसनीय से निवेश पर		121433
घ.	प्रायोजित परियोजनाओं से निवेश पर		53199322
ड.	प्रायोजित परियोजनाओं और छात्रवृत्ति से निवेश पर		2132865
च.	योजना से निवेश पर		118473352
छ.	एमजी अर्थात (आईसीआईसीआई, एसडीसी) से निवेश		4517867
ज.	ऋण और अग्रिम पर		
झ.	अन्य (अप्राप्य देय आय शामिल)		2271284
7.	**अन्य यू.जी.सी. प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्तनीय अचल परिसंपत्तियों**		
क.	प्रायोजित परियोजनाओं में नामें शेष		-----
ख.	प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवृत्ति में शेष		-----
ग.	प्राप्तनीय अनुदान		-----
घ.	अन्य प्राप्तनीय		342
8.	**प्राप्तनीय दावे**		-----
कुल		**3223753863**	**3341361463**

टिप्पणी: यदि कर्मचारियों को भवन निर्माण, कंप्यूटर ओर वाहन अग्रिम के लिए चक्रीय निधि का सृजन किया गया है तो अग्रिम, अंकित/वृत्ति निधि के भाग के रूप में दर्शित होगा। इन ब्याज-धारक अग्रिम के शेष इस अनुसूची में दर्शित नहीं होगें।

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

अनुसूची 9 - शैक्षणिक प्राप्तियां			
छात्रों से शुल्क			
शैक्षणिक		**वर्तमान वर्ष**	**विगत वर्ष**
1	ट्यूशन शुल्क	15562124	17980348
2	दाखिला शुल्क	2428539	2344991
3	पंजीकरण शुल्क	19578022	14270108
4	पुस्तकालय प्रवेश शुल्क	1155149	1830082
5	प्रयोगशाला शुल्क	29508	89605
6	खेल-कूद और एथलेटिक एसोसिएशन शुल्क	7093785	10072489
7	कंप्यूटर शुल्क	0	887500
8	कला और शिल्प शुल्क	-----	-----
9	पंजीकरण शुल्क	138611263	105705230
10	पाठ्यक्रम शुल्क	-----	-----
11	अन्य शुल्क	18332612	27854021
कुल (क)		**202791002**	**181034374**
परीक्षा			
1	दाखिला परीक्षा शुल्क	-----	-----
2	वार्षिक परीक्षा शुल्क	812885165	715006643
3	अंक तालिका, प्रमाण पत्र शुल्क	17361725	16026730
4	प्रवेश परीक्षा शुल्क	46651301	29428805
कुल (ख)		**876898191**	**760462178**
अन्य शुल्क			
1	पहचान पत्र शुल्क	-----	-----
2	जुर्माना/विविध शुल्क	-----	-----
3	चिकित्सा शुल्क	-----	-----
4	परिवहन शुल्क	-----	-----
5	होटल शुल्क	-----	-----
कुल (ग)		0	0
बिक्री प्रकाशन			
1	दाखिला प्रपत्रों की बिक्री		-----
2	पाठ्यक्रम और प्रश्न-पत्र आदि की बिक्री	-----	-----
3	दाखिला प्रपत्रों सहित सूची-पत्र की बिक्री	244740	12544233
कुल (घ)		**244740**	**12544233**
अन्य शैक्षणिक प्राप्तियां			
1	कार्यशालाओं/कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण शुल्क		-----
2	पंजीकरण शुल्क(शैक्षणिक स्टाफ कॉलेज)	-----	-----
कुल (ङ)		0	.0
कुल जोड (क+ख+ग+घ+ड)		**1079933933**	**954040785**

<u>31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ</u>

अनुसूची 10- अनुदान/आर्थिक सहायता (प्राप्त स्थिर अनुदान)

राशि रुपए में

	यू.जी.सी		**योजना**	**गैर-योजना यू.जी.सी**	**वर्तमान वर्ष जोड़**	**विगत वर्ष जोड़**
	योजना	**विशिष्ट योजनाएं**				
अग्रनीत शेष	**5721197188**		5721197188		5721197188	7146469470
जमा: वर्ष के दौरान प्राप्तियां	260850724	0	260850724	5057298000	5318148724	4843055821
कुल	5982047912	0	5982047912	5057298000	11039345912	11989525291
घटा : यू.जी.सी शेष में वापसी			0		0	0
घटा : पूंजी व्यय के लिए उपयोगित (क)	116788962	0	116788962	65898724	182687686	1732978424
शेष	5865258950	0	5865258950	4991399276	10856658226	10256546867
घटा: राजस्व व्यय के लिए उपयोगित (ख)	**277508611**	**0**	**277508611**	4991399276	**5268907887**	**4535349679**
शेष ग /च (ग) -	**5587750339**	**0**	**5587750339**	**0**	**5587750339**	**5721197188**

क - वर्ष के दौरान पूंजी निधि में की गई वृद्धि और अचल परिसंपत्ति में की गई वृद्धि के रूप में बकाया

ख - आय और व्यय लेखे में आय के रूप में बकाया

ग- (i) तुलन-पत्र में चालू देयताओं के अंतर्गत दर्शित और आगामी वर्ष का अथशेष बनेगा

(ii) परिसम्पत्तियों में बैंक शेष, निवेश और अग्रिम के रूप में दर्शित

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

अनुसूची 11- निवेश से आय	अंकित / वृत्ति निधियां		अन्य निवेश	
	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1. ब्याज				
क. सरकारी प्रतिभूति पर	-----	-----	-----	-----
ख. अन्य बॉण्ड/डिबेंचर	-----	-----	-----	-----
2. सावधि जमा पर ब्याज	400184996	389466567	38074029	44491931
3. कर्मचारियों को दिए गए अग्रिम पर सावधि जमा/ब्याज पर उपार्जित किंतु देय नहीं आय	-----	-----	-----	-----
4. बचत बैंक खाते पर ब्याज	5875732	9367793	0	0
5. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-----	-----	-----	-----
कुल	**406060728**	**398834360**	**38074029**	**44491931**

अंकित/वृत्ति निधियों में अंतरित	**406060728**	**398834360**

टिप्पणीः भवन निर्माण अग्रिम निधि, वाहन अग्रिम निधि और कंप्यूटर अग्रिम निधि से सावधि जमा पर उपार्जित किंतु देय नहीं ब्याज ओर कर्मचारियों को ब्याज वाले अग्रिमों को यहां शामिल किया जाएगा किंतु केवल उन्हीं मामलों में जहां ऐसे अग्रिमों के लिए चक्रीय निधियां बनाई गई हैं।

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

अनुसूची 12 - अर्जित ब्याज	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1. अनुसूचित बैंकों में बचत खातों पर	2907044	10757610
2. ऋण पर		
क. कर्मचारी/स्टॉफ	-----	-----
ख. अन्य	-----	-----
3. देनदारों और अन्य प्राप्तनीय पर	-----	-----
कुल	**2907044**	**10757610**

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 13-अन्य आय — **राशि रुपए में**

क.भूमि और भवन से आय		**वर्तमान वर्ष**	**विगत वर्ष**
1	भवन/भूमि आदि से किराया	3909655	5548000
2	लाईसेंस शुल्क	9057198	17106751
3	सभागार/क्रीड़ा मैदान/सम्मेलन आदि का किराया प्रभार .	-----	-----
4	वसूल किय गया विद्युत प्रभार	-----	-----
5	वसूल किया गया जल प्रभार	-----	-----
कुल (क)		**12966853**	**22654751**

ख. संस्थान के प्रकाशनों की बिक्री

ग. कार्यक्रमों के आयोजनों से आय

1 घटाः	वार्षिक कार्यक्रम/क्रीड़ा समारोह से सकल प्राप्तियां. वार्षिक कार्यक्रम/क्रीड़ा समारोह पर किया गया प्रत्यक्ष व्यय	-----	-----
2 घटाः	समारोह से सकल प्राप्तियां समारोह पर किया गया प्रत्यक्ष व्यय	-----	-----
3 घटाः	शैक्षणिक दौरों हेतु सकल प्राप्तियां . दौरों पर किया गया प्रत्यक्ष व्यय	-----	-----
4	अन्य (निर्दिष्ट करें और पृथक प्रकटन करें)	-----	-----
कुल (ग)			

घ. अन्य

1	परामर्शी से आय	-----	-----
2	आरटीआई शुल्क	42932	19777
3	स्वत्व शुल्क से आय	-----	-----
4	दिल्ली विश्वविद्यालय भर्ती	5753000	0
5	विविध प्राप्तियां (टेंडर प्रपत्र, रद्दी कागज आदि की बिक्री)	1048814	473820
6	परिसंपत्तियों की बिक्री/निपटान पर लाभ क. स्व परिसंपत्तियां ख. निःशुल्क प्राप्त परिसंपत्तियां	---- -----	----- -----
7	संस्थानों, कल्याण निकायों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से अनुदान/दान	-----	-----
8	स्वास्थ्य केंद्र अंशदान	27351104	31825567
9	अन्य (निर्दिष्ट करें)	20658584	8010606
कुल (घ)		**54854434**	**40329770**
कुल जोड (क+ख+ग+घ)		**67821287**	**62984521**

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 14- पूर्वावधि आय

राशि रुपए में

विवरण	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1. शैक्षणिक प्राप्तियां	-----	-----
2. निवेश से आय	-----	-----
3. अर्जित ब्याज	-----	-----
4. अन्य आय	-----	-----
कुल	-----	-----

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची - 15 स्टॉफ भुगतान व हितलाभ (स्थापना व्यय)

राशि रुपए में

विवरण	वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर-योजना	जोड़	योजना	गैर-योजना	जोड़
क. वेतन और मजदूरी				`		
तकनीकी स्टॉफ	2491765	1371974516	1374466281	11201867	1395626962	1406828829
गैर-शिक्षण स्टॉफ	4634617	1217629147	1222263764	12807878	845372340	858180218
निम्न अधीनस्थ स्टॉफ	-----	241914911	241914911	125665	253901521	254027186
ख. भत्ते और बोनस	-----	-----	0	-----	13857214	13857214
ग. भविष्य निधि में अंशदान	-----	3399921	3399921	-----	4075298	4075298
घ. अन्य निधियों में अंशदान(निर्दिष्ट करें)	-----	-----	0	-----	-----	0
ड. स्टॉफ कल्याण खर्चे (वर्दी)	-----	739484	739484	-----	613510	613510
च. सेवानिवृत्ति और अंतिम हितलाभ	-----	2045419564	2045419564	621234	2740492121	2741113355
छ. छुट्टी यात्रा रियायत सुविधा	-----	39823840	39823840	-----	23160413	23160413
ज. चिकित्सा सुविधा	-----	151888149	151888149	-----	134485232	134485232
झ. बाल शिक्षा भत्ता	227107	12032239	12259346	184500	12020646	12205146
ट) मानदेय	346500	114970607	115317107	281649	84844483	85126132
ठ) अन्य	-----	-----	0	-----	-----	0
कुल	**7699989**	**5199792378**	**5207492367**	**25222793**	**5508449740**	**5533672533**

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 15 - क- कर्मचारी सेवा-निवृत्ति और अंतिम हितलाभ T

राशि रुपए में

	पेंशन	**प्रावधान**	**छुट्टी नगदीकरण**	**कुल**	**विगत वर्ष**
01.04.2017 कोअथ शेष	**16984796238**	**1120240441**	1054065434	**19159102113**	**17620155966**
वृद्धि :अन्य संगठनों से प्राप्त अंशदान का पूंजीकृत मूल्य	19153955	10495768	1520784	**31170507**	**16693566**
कुल (क)	**17003950193**	**1130736209**	**1055586218**	**19190272620**	**17636849532**
घटाः वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान (ख)	1024553635	115740424	98939135	**1239233194**	1173413401
31.03.2018 को उपलब्ध शेष ग(क-ख)	**15979396558**	**1014995785**	**956647083**	**17951039426**	16463436131
वास्तविक मूल्यांकन के अनुसार 31.03.2018 को वांछित प्रावधान (घ)	**17828303630**	**1246794419**	**873230725**	**19948328774**	19159102113
क. वर्तमान वर्ष में किया जाने वाला प्रावधान ;घ . गद्ध	1848907072	231798634	(83416358)	**1997289348**	**2695665982**
ख. नई पेंशन योजना में अंषदान	-----	-----	-----	47410216	44526139
ग. सेवा-निवृत्त कर्मचारियों को चिकित्सा प्रतिपूर्ति	-----	-----	-----	-----	-----
घ. सेवा निवृत्ति पर गृहनगर की यात्रा	-----	-----	-----	-----	-----
ड. जमा संबद्ध बीमा भुगतान	-----	-----	-----	720000	300000
कुल (क+ख+ग+घ+ड)	**1848907072**	**231798634**	**(83416358)**	**2045419564**	**2740492121**

टिप्पणी:

1. इस उप अनुसूची में जोड़ (क+ख+ग+घ+ड) अनुसूची 15 में सेवा निवृत्ति और अंतिम हितलाभ के आंकडे होंगे।
2. मद ख,ग,घ और ड़ का उपार्जन आधान पर लेखांकन किया जाएगा और प्रदत्त किंतु 31/3/2018 को भुगतान हेतु बकाया बिल शामिल होंगे।

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

अनुसूची 16 - शैक्षणिक व्यय	वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-योजना	कुल
क. प्रयोगशाला खर्चे	2998402	17659833	20658235	31931114	13897265	45828379
ख. क्षेत्र कार्य/सम्मेलनों में सहभागिता	1188760	627344	1816104	1947676	-----	1947676
ग. संगोष्ठी /कार्यशालाओं पर खर्चे	2426947	5754422	8181369	2875315	7741503	10616818
घ. पुरस्कार और छात्रवृत्ति	39614484	45263028	84877512	105925499	1329774	107255273
ड. शैक्षणिक व्यय	-----	10000000	10000000	-----	7938393	7938393
घ. अतिथि संकाय को भुगतान	659816	38290	698106	216086	0	216086
ड. परीक्षा	-----	394012058	394012058	11400	299881219	299892619
च. शुल्क वापसी	-----	1088947	1088947	-----	1552959	1552959
छ. प्रवेश परीक्षा	-----	42940437	42940437	-----	24300129	24300129
च. छात्र कल्याण खर्चे	-----	-----	0	-----	-----	0
छ. दाखिला खर्चे	-----	-----	0	-----	-----	0
ज. दीक्षांत खर्चे	-----	-----	0	-----	-----	0
झ. प्रकाशन	318778	319985	638763	996008	-----	996008
ञ. वृत्ति/साधन-व-मैरिट छात्रवृत्ति	-----	423886	423886	-----	-----	0
ट. अंशदान खर्चे	-----	-----	0	-----	-----	0
ठ. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-----	-----	0	2778620	-----	2778620
कुल	**47207187**	**518128230**	**565335417**	**146681718**	**356641242**	**503322960**

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

अनुसूची 17 - प्रशासनिक और सामान्य खर्चे	वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-योजना	कुल
क अवसंरचना						
क. बिजली और विद्युत	-----	272639105	272639105	-----	279634317	279634317
ख. जल प्रभार	-----	69810200	69810200	-----	54935426	54935426
ग. बीमा	-----	-----	0	-----	-----	0
घ. किराया,दर कर (संपत्ति कर सहित)	79632	48479683	48559315	-----	44668728	44668728
ख. संचार						
ड. डाक और टेलीफोन	300	7392485	7392785	120999	7900267	8021266
च. टेलीफोनए फैक्स और इंटरनेट प्रभार	-----	-----	0	-----	-----	0
छ. संयोजकता खर्चे	-----	79682177	79682177	2904581	57346950	60251531
ग. अन्य						
ज. मुद्रण और स्टेषनरी (उपभोज्य)	980687	16932575	17913262	3448548	14143406	17591954
झ. यात्रा और परिवहन खर्चे	5657385	6861559	12518944	17483372	13366714	30850086
ञ. आतिथ्य	725779	-----	725779	1485059	-----	1485059
ट. लेखापरीक्षक पारिश्रमिक	-----	-----	0	-----	-----	0
ठ. विधिक और व्यवसायिक प्रभार	-----	9864021	9864021	185169	11014645	11199814
ड. विज्ञापन और प्रचार	-----	3206557	3206557	85405	0	85405
ढ. पत्रिकाएं और जर्नल	-----	68596187	68596187	791197	68470253	69261450
त. सुरक्षा खर्चे	-----	118539386	118539386	908226	77700042	78608268
थ. गृहण्यवस्था खर्चे	-----	76520732	76520732	-----	47385636	47385636
द. खेल और क्रीड़ा	-----	8894746	8894746	286128	6995800	7281928
ध. चिकित्सा खर्चे	-----	42641036	42641036	16675	62149569	62166244
न. अन्य/आकास्मिक	739634	22370982	23110616	4899414	26801851	31701265
कुल	**8183417**	**852431431**	**860614848**	**32614773**	**772513604**	**805128377**

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

अनुसूची - 18 परिवहन खर्चे	वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-योजना	कुल
1. वाहन (संस्थान के स्वामित्व में)	-----	-----	0	-----	-----	0
क) संचालन खर्चे	-----	-----	0	-----	-----	0
ख) मरम्मत और अनुरक्षण	-----	-----	0	-----	-----	0
ग) बीमा खर्चे	-----	-----	0	-----	-----	0
2 किराए/पट्टे पर वाहन	-----	-----	0	-----	-----	0
क) किराया/पट्टा खर्चे	-----	-----	0	-----	-----	0
3 वाहन (टैक्सी) किराया खर्चे	33283	1369326	1402609	5857416	1079093	6936509
कुल	**33283**	**1369326**	**1402609**	**5857416**	**1079093**	**6936509**

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

अनुसूची - 19 मरम्मत और अनुरक्षण	वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-योजना	कुल
क) भवन	-----	123572932	123572932	-----	161114197	161114197
ख) फर्नीचर और फिक्सचर	48540	4831969	4880509	153085	5491043	5644128
ग) संयंत्र और मशीनरी	16166	1087548	1103714	7210532	15277748	22488280
घ) कार्यालय उपकरण	2956347	6384473	9340820	-----	-----	0
ड) कंप्यूटर	415354	5895341	6310695	3019326	-----	3019326
च) प्रयोगशाला और वैज्ञानिक उपकरण	-----	969496	969496	-----	400031	400031
छ) श्रवण दृश्य उपकरण	-----	-----	0	-----	-----	0
ज) सफाई सामग्री और सेवाएॅं	-----	-----	0	-----	-----	0
झ) पुस्तक जिल्दसाजी प्रभार	-----	-----	0	-----	-----	0
ञ) बागवानी	5450	7561940	7567390	41700	5318752	5360452
ट) संपदा अनुरक्षण	-----	-----	0	-----	-----	0
ठ) वाहन	-----	1970904	1970904	-----	1823791	1823791
ड) अन्य (निर्दिष्ट करें)	1551004	-----	1551004	-----	-----	0
	-----	-----	0	-----	-----	0
कुल	**4992861**	**152274603**	**157267464**	**10424643**	**189425562**	**199850205**

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

अनुसूची - 20 वित्तीय लागत		वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
		योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-योजना	कुल
क)	बैंक प्रभार	363044	1,06,625	469669	273703	169860	443563
ख)	अन्य (निर्दिष्ट करें)	-----	-----	-----	-----	-----	-----
कुल		**363044**	**106625**	**469669**	**273703**	**169860**	**443563**

टिप्पणीः यदि राशि अधिक नहीं है तो बैंक प्रभार शीर्ष को लुप्त किया जाए और इनका अनुसूची 17 में प्रशासनिक खर्चों के रूप में लेखांकन किया जाए।

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

अनुसूची - 21 अनुदान/आर्थिक सहायता आदि पर व्यय		वर्तमान वर्ष			विगत वर्ष		
		योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-योजना	कुल
क.	खराब और संदिग्ध ऋण/अग्रिम हेतु प्रावधान	-----	-----	-----	-----	-----	-----
ख.	बट्टे खाते डाला अप्राप्तीय शेष	-----	-----	-----	-----	-----	-----
ग.	अन्य संस्थानों/संगठनों को अनुदान/आर्थिक सहायता	209028830	127549571	336578401	51001824	110484504	161486328
घ.	अन्य (निर्दिश्ट करें)	-----	-----	-----	-----	-----	-----
कुल		**209028830**	**127549571**	**336578401**	**51001824**	**110484504**	**161486328**

टिप्पणीः अन्य खर्चो के अचल परिसंपत्तियों आदि की बिक्री पर अचल परिसंपत्तियों की हानि और हानि बट्टे खाते, प्रावधान, विविध खर्चां, निवेश की हानि आदि के रूप में वर्गीकृत और प्रस्तुत किया जाएगा।

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

अनुसूची - 22- पूर्वावधि व्यय		वर्तमान वर्ष		कुल	विगत वर्ष		कुल
		योजना	गैर-योजना		योजना	गैर-योजना	
1	स्थापना खर्चे	0	0	0	-----	-----	-----
2	शैक्षणिक व्यय	-----	-----	0	-----	-----	-----
3	प्रशासनिक खर्चे	-----	-----	0	-----	-----	-----
4	परिवहन खर्चे	-----	-----	0	-----	-----	-----
5	मरम्मत और अनुरक्षण	-----	-----	0	-----	-----	-----
6	अन्य खर्चे	-----	-----	0	-----	-----	-----
7	पूर्वावधि से सम्बंधित मूल्यह्रास	-----	-----	0	1195708575	0	1195708575
कुल		**0**	**0**	**0**	**1195708575**	**0**	**1195708575**

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

राशि रुपए में

स्टॉक में वृद्धि/कमी	**वर्तमान वर्ष**	**विगत वर्ष**
क) इतिशेष		
		-
स्टेशनरी	9362094	12715923
ड्रग्स और औषधि	16531904	3895059
वर्दी	0	196474
उत्तर पुस्तिका	0	15012418
ख) घटा: अथशेष	31819874	-----
निवल वृद्धि/कमी(क-ख)	**(5925876)**	**31819874**

दिल्ली विश्वविद्यालय

31मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लेखों का अंग बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 23 : महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

1. लेखे तैयार करने का आधार:

(क) उपार्जित विधि पर तैयार की वित्तीय विवरणियां ऐतिहासिक लागत परंपरा के आधार पर और जब तक अन्यथा कथित न हो प्रायः लेखांकन की जाती हैं।

2. राजस्व मान्यता

(क) छात्रों से शुल्क, प्रवेश प्रपत्रों की बिक्री, स्वत्व शुल्क प्रत्येक सेमेस्टर के ट्यूशन शुल्क और बचत बैंक खातों पर ब्याज का लेखांकन नगद आधार पर किया जाता हैं।

(ख) खने भूमि से विश्वविद्यालय 17-2016 वित्तीय वर्ष ., भवन और अन्य संपत्ति और निवेश पर ब्याज से आय के लेखांकन की नीति नगद आधार से उपार्जित आधार परिवर्तित की है।

(ग) भवन निर्माण, वाहन और कंप्यूटर के क्रय हेतु स्टॉफ को ब्याज वाले अग्रिम का लेखांकन प्रतिवर्ष उपार्जित आधार पर किया जाता है, हालांकि ब्याज की वास्तविक वसूली मूलधन के पूर्ण भुगतान के पश्चात प्रारंभ होती है।

3. अचल परिसंपत्तियां और मूल्यह्रास:

(क) अचल परिसंपत्तियां का आंकलन अधिग्रहण की लागत पर किया जाता है जिसमें आंतरिक भाड़ा, शुल्क और कर और अधिग्रहण, स्थापना और प्रचालन घटा मूल्यह्रास से संबंधित आकस्मिक और प्रत्यक्ष खर्चे शामिल हैं। विश्वविद्यालय से किसी प्रतिफल के प्राप्त अचल परिसंपत्तियों को वित्तीय विवरणी में नाममात्र मूल्य अर्थात एक रुपया प्रति संपत्ति पर पूंजीकृत किया गया है।

3.1 उपहार दान दी गई परिसंपत्तियों को नाममात्र मूल्य अर्थात रुपये/1/-(कए) प्रति परिसंपत्ति पर मूल्यांकित किया जाता है।

3.2 उपहार में प्राप्त पुस्तकों को नाममात्र मूल्य अर्थात रुपये 1/-(एक) प्रति परिसंपत्ति पर मूल्यांकित किया जाता है।

3.3 अचल परिसंपत्तियों का मूल्यांकन संचयी मूल्यह्रास घटाकर लागत पर लगाया जाता है। अचल परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टड एकाउंटेंटस ऑफ इंडिया द्वारा जारी मार्गदर्शक टिप्पणी में यथा निर्दिष्ट प्रतिलेखित मूल्य विधि पर निम्नलिखित दरों पर किया जाता है:

मूर्त परिसंपत्तियां :

क्र सं	परिसंपत्ति का स्वरूप	दर
1	भूमि	0 %
2	भवन	5 %
3	फर्नीचर और फिक्सचर	25 %
4	वैज्ञानिक उपकरण	40 %
5	कंप्यूटर, प्रिंटर, यूपीएस आदि सहित	40 %
6	पुस्तकालय पुस्तकें	50 %
7	बसें, वैन आदि	30 %
8	कार, स्कूटर	25 %
9	एयर कंडीशनर, जनरेटर, अग्निशमन, टेलीफोन,टेलीविजन सैट,फोटोकॉपीयर, फैक्स मशीन,वाटर कूलर, प्रोजेक्टर आदि सहित संयंत्र और मशीनरी	20 %
10	संगीत वाद्य	50 %
11	क्रीड़ा उपकरण	50 %

अमूर्त परिसंपत्तियां (परिशोधन) :

1	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40 %
2	पेटेंट	25 %

3.4 वर्ष के दौरान अचल परिसंपत्तियां में वृद्धि के संबंध में मूल्यह्रास पूर्ण वर्ष के लिए प्रावधानित किया जाता है। अचल परिसंपत्तियों से बिक्री/कटौतियों के संबंध में कोई मूल्यह्रास प्रभारित नहीं किया जाता।

3.5 अंकित निधियों और प्रायोजित परियोजनाओं की निधियों से सृजित परिसंपत्तियों जहां ऐसी परिसंपत्तियों का स्वामित्व विश्वविद्यालय है, उन्हें पूंजी निधि में क्रेडिट करके सैटअप किया जाता है और विश्-वविद्यालय की अचल परिसंपत्तियों में मिला दिया जाता है। मूल्यह्रास को संबंधित परिसंपत्तियों पर लागू दरों पर प्रभारित मे से क्रय की गई परिसंपत्तियां परियोजना के बंद होने तक संबंधित वित पोषित एजेंसी की संपत्ति- रहती है। परियोजना के बंद होने के बाद परियोजना की परिसंपत्तियों को विश्वविद्यालय की अचल परिसंपत्तियों के साथ संबंधित अचल परिसंपत्तियों को क्रेडिट करके प्रतिलेखित मूल्य पर मिला दिया जाता है।

3.6 परिसंपत्तियों, जिनका वैयक्तिक मूल्य रुपये 5000/- अथवा कम है, का पुस्तकालय पुस्तकों के अलावा का राजस्व व्यय के रूप में संव्यवहार किया जाता है। तथापि, ऐसी परिसंपत्तियों के धारकों द्वारा जारी भौतिक लेखांकन और नियंत्रण जारी रहता है।

4. अमूर्त परिसंपत्तिया:

पेटेंट, कापी राईट और कंप्यूटर सॉफ्टवेयर को अमूर्त परिसंपत्तियों के अंतर्गत समूहित किया जाता है।

4.1 **पेटेंट** : पेटेंट प्राप्त करने के लिए समयआवेदन शुल्क) समय पर किए गए व्यय-, विधिक शुल्क आदि(को अस्थायी रूप से पूंजीकृत किया जाता है और तुलनपरिसंपत्तियों के भाग के रूप में दिखाया जाता है। पेटेंट के आवेदन अस्वीकार करने पर पत्र में अमूर्त-, आवेदन अस्वीकार करने के वर्ष में, पेटेंट विशेष पर किए गए संचयी व्यय को आय व व्यय में प्रतिलेखित किया जाता है। इसके अलावा, पेटेंट पर वित्तीय वर्ष के दौरान कोई राशि व्यय नहीं की गई। मूल्यह्रास की दर का प्रावधान प्रतिलेखित मूल्य विधि पर 25 प्रतिशत की दर पर किया जाता है।

4.2 इलेक्ट्रॉनिक जर्नल: ई-जर्नल पर खर्च की गयी राशि को जिस बर्ष में राशि कर्च की गई है उस वर्ष में राजस्व व्यय के रूप में माना जाता है और शेष राशि का लेखा बहियों में पूर्व प्रदत्त खर्चों के रूप में उपार्जित आधार पर लेखांकन किया जाता है।

4.3 सॉफ्टवेयर के अधिग्रहण पर व्यय को कंप्यूटर और अनुषंगियों से पृथक किया गया और 1.4.2014 से मूल्यह्रास की दर का प्रावधान प्रतिलेखित मूल्य विधि पर 40 प्रतिशत की दर से किय गया है।

5. स्टॉक:

भंडार और फालतू पुर्जों, खुले पुर्जों, निर्माण सामग्री विद्युत सामग्री, प्रयोगशाला रसायन, उपभोज्य, कांच के सामान, प्रकाशन, स्टेशनरी और जल आपूर्ति सामग्री के क्रय पर व्यय का क्रय के वर्ष में राजस्व व्यय के रूप में लेखांकन किया जाता है।

6. सेवाहितलाभ निवृत्ति :-

सेवानिवृत्ति हितलाभ अर्थात पेंशन-, ग्रेच्यूटी ओर छुट्टी नगदीकरण का प्रावधान लेखांकन मानक 15 के अनुसार बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है। विश्वविद्यालय के ऐसे कर्मचारी जिनका विश्वविद्यालय में आमेलन हो गया है उनके पूर्व नियोक्ता से प्राप्त पेंशन, ग्रेच्यूटी और अर्जित छुट्टी के पंजीकृत मूल्य को संबंधित प्रावधान लेखों में क्रेडिट किया गया है। प्रतिनियुक्ति पर कर्मचारियों के संबंध में प्राप्त पेंशन और छुट्टी अंशदान को संबंधित प्रावधान में क्रेडिट किया गया है।

7. निवेश:

सभी निवेश लागत पर कथित हैं।

8. अंकित/वृत्ति निधियां :

अंकित निधि, जिसमें कॉर्पस निधि, अन्य निधियां गृह भवन निधि, परिवहन निधि शामिल है (कंप्यूटर अग्रिम सहित), दीर्घावधि निधियां हैं और विशिष्ट प्रयोजनों के लिए अंकित हैं। निधियों में से प्रत्येक का पृथक बैंक खाता है। वृहत, धनराशि वालों का विशिष्ट प्रयोजनों के लिए सरकारी प्रतिभूतियों, डिबेंचर और उपार्जित आधार पर बॉण्ड और बैंकों में सावधि जमा में भी निवेश है। उपार्जित आधार पर अग्रिम गृह भवन), परिवहन और कंप्यूटर(से आय और बचत बैंक खातों पर ब्याज को संबंधित निधि में नगदी आधार पर क्रेडिट किया जाता है। व्यय और अग्रिम गृह)भवन परिवहनको संबंधित निधियों (कंप्यूटर/ में डेबिट किया जाता है।

8.1 संबंधित निधियों के शेष को तुलनपत्र की देयताओं में अग्रेनीत किया जाता है और बैंक-, निवेश और उपार्जित ब्याज के शेष में परिसंपत्तियों में दर्शाया जाता है।

8.2 अंकित निधियों से क्रयसृजित परिसंपत्तियां जिनका स्वामित्व विश्वविद्यालय के पास है उन्हें संबंधित अचल परिसंपत्तियां खाते में डेबिट करके और / है। मूल्यह्रास को संबंधित परिसंपत्तियों पर लागू द पूंजी निधि खाते को क्रेडिट करके विश्वविद्यालय की अचल परिसंपत्तियों में मिला दिया जातार पर प्रभारित किया जाता है।

8.3 वृत्ति निधिः वृत्ति निधियां विभिन्न वैयक्तिक दाताओं, न्यासों और अन्य संगठनों से चेयर स्थापित करने और दाताओं द्वारा निर्दिष्ट मंडल और पुरस्कारों के लिए प्राप्त होती हैं। प्रत्येक वृत्ति निधि के निवेश से आय को निधि में जोड़ा जाता है। मंडल और पुरस्कारों पर व्यय संबंधित वृत्ति निधियों के निवेश पर अर्जित ब्याज से किया जाता है और शेष को अग्रेनीत किया जाता है। तथापि, चेयर के संबंध में, वृत्ति के कार्पस का भी प्रयोग किया जाता है। आरबीआई बॉण्ड और सावधि जमा में निवेश, सभी वृत्तियों के लिए समान बचत बैंक खाते और निवेश पर उपार्जित ब्याज, शेष का प्रतिनिधित्व करते हैं।

9. सरकार और यूअनुदान .सी.जी. :

9.1 सरकारी अनुदान और यूजीसी अनुदान का पावती आधार पर लेखांकन किया जाता है। तथापि, संबंधित वर्ष की अनुदान निर्मुक्ति की मंजूरी 31 मार्च से पहले प्राप्त होने पर किंतु, अनुदान वास्तव में अगले वित्तीय वर्ष में प्राप्त होने पर, अनुदान का लेखांकन उपचित आधार पर किया जाता है और दाता से वसूलनीय के रूप में बराबर की राशि दर्शाई जाती है।

9.2 पूंजी व्यय सरकारी अनुदान और यूजीसी से अनुदान को उप (उपचित आधार पर)योगित सीमा तक पूंजी निधि में अंतरित किया जाता है।

9.3 राजस्व व्यय की पूर्ति हेतु उपयोगित सीमा तक यूजीसी अनुदान को सरकारी और वसूली के वर्ष की आय के रूप में माना (उपचित आधार पर) जाता है।

9.4 अनुपयोगित अनुदान (ऐसी अनुदानों से प्राप्त अग्रिम सहित) को तुलनपत-्र में अग्रेनीत किया जाता है और देयता के रूप में दर्शाया जाता है।

10. अंकित निधि से निवेश और ऐसे निवेश पर उपार्जित ब्याज व्यय :

ऐसी निधियों के प्रति व्यय के लिए तत्काल आवश्यक न होने वाली उपलब्ध राशि को बचत बैंक खाते में शेष छोड़कर अनुमोदित प्रतिभूतियों और बॉडो में निवेश किया जाता है अथवा बैंकों में सावधि जमा में जमा किया जाता है। प्राप्त ब्याज उपार्जित और देय ब्याज और ऐसे निवेश पर उपार्जित किंतु देय नहीं ब्याज को संबंधित निधियों में जोड़ा जाता है और संस्थान की आय नहीं माना जाता।

11. प्रायोजित परियोजनाएं:

11.1 प्रायोजकों से चालू प्रायोजित परियोजनाओं के संबंध में प्राप्त राशि को "'चालू देयताएं और प्रावधान -अन्य देयताएं-चालू देयताएं-चालू प्रायोजित परियोजनाओं से प्रति प्राप्ति " शीर्ष में क्रेडिट किया जाता है। ऐसी परियोजनाओं के संबंध में जब कभी व्यय किया जाता है, अग्रिम दिया जाता है अथवा संबंधित परियोजना लेखे को आबंटित ऊपरी खर्चों सहित डेबिट किया जाता है, देयता खाते को डेबिट किया जाता है।

11.2 यूजीसी फैलोशिप द्वारा वित्तपोषित कनिष्ठ अनुसंधान फैलोशिप हेतु अंकित निधियों के अतिरिक्त विभिन्न संगठन छात्रवृत्ति भी प्रायोजित करते है। - इनका लेखांकन प्रायोजित परियोजना की भांति ही किया जाता है, सिवाय इसके कि व्यय प्रायः फैलोशिप और छात्रवृत्ति के विवरण पर होता है जिसमें फैलो और शोधछात्रों द्वारा आकस्मिक व्यय हेतु भत्ते शामिल हो सकते हैं।-

11.3 संस्थान स्वयं भी फैलोशिप और छात्रवृत्ति देता है जिसका लेखांकन शैक्षणिक व्यय में किया जाता है।

11.4 बाह्य एजेंसियों द्वारा वित्तपोषित परियोजना से क्रय परिसं-पत्तियां परियोजना के बंद होने तक संबंधित वित्त पोषित एजेंसी की संपत्ति-रहती है। परियोजना के बंद होने के बाद परियोजना परिसंपत्तियों को विश्वविद्यालय की अचल परिसंपत्तियों में प्रतिलेखित मूल्य पर संबंधित अचल परिसंपत्ति लेखे बे नामे करके और पूंजी निधि लेखे में क्रेडिट करके मिला दिया जाता है।

12. **आयकर**:

संस्थान की आय को आयकर अधिनियम की धारा 10 (23) (ग के अंतर्गत आयकर से छूट प्राप्त है। अतः लेखों में कर के लिए कोई प्रावधान (नहीं किया गया है।

31.03. 2018 को समाप्त वर्ष के लिए लेखों का अंग बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 24 : आकस्मिक देयताएं और लेखों पर टिप्पणियां

1 आकस्मिक देयताएं:

(क) विश्वविद्यालय के वर्तमानपूर्व कर्मचारियों द्वारा दायर विभिन्न दावे औघोगिक अधिकरण और माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्/ष लंबित है। दावों की मात्रा का निर्धारण नहीं है।

(ख) राष्ट्रमंडल खेल के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न स्थलों पर सुरक्षा उपकरणों की आपूर्ति और संचालन हेतु शेष भुगतान के रूप में 2010 करोड़ के बिल के विर 28.23 रुपये) करोड़ की राशि 14.25 ईसीआईएल को रूपयेुद्धदेय है। मामला माननीय (' न्यायालयाधीन होने के कारण गृह मंत्रालय ने शेष राशि के भुगतान पर रोक लगा दी है।

2 पूंजी प्रतिबद्धता (पूंजीगत कार्य प्रगति में)

पूंजीगत कार्य प्रगति में निम्नलिखित परियोजनाओं के निर्माण के लिए 31 मार्च, 2018 तक विश्वविद्यालय द्वारा भुगतान की गई राशि शामिल हैः

I.	राष्ट्रमंडल खेलों के लिए स्टेडियम का निर्माण	रुपये 311,18,50,653/-
II.	पूर्व और स्नातकोत्तर छात्रों के-ढाका उत्तरी कैम्पस में स्नातक लिए 1500 सीट वाले राजीव गांधी बालिका छात्रावास का निर्माण	रुपये74,72,81,869
III.	ढाका में70 'डी' टाईप फ्लैट का निर्माण	रुपये 8,38,20,926
IV.	वृत्ति निधि से अन्य परियोजनाएं/अंकित	रुपये 12,28,72,429

3. अचल परिसंपत्तियां:

3.1 अनुसूची 4 में वर्ष में जुड़ी अचल परिसंपत्तियों के योजना निधि रुपये 11,67,88,962/-, योजनेत्तर निधि रुपये 6,58,98,724/- अंकितवृत्ति निधि / रुपये1,07,55,064, प्रायोजित बंद परियोजनाओं रुपये 1,43,99,432/- और विश्वविद्यालय को उपहार में रुपये 778/- (रुपये 1/- प्रति परिसंपत्ति के नाममात्र मूल्य परके मूल्य की पुस्तकालय पुस्तकें व अन्य परिसंपत्त (ियां शामिल हैं। परिसंपत्तियों को पूंजी निधि में क्रेडिट करके सैटअप किया गया है।

3.2 31 मार्च, 2014 के तुलनऔर योजनेत्तर निधि से सृजित अचल पत्र में योजना निधि से सृजित अचल परिसंपत्तियों-पत्र और पूर्व वर्षों के तुलन-परिसंपतित्यों को स्पष्ट रूप से नहीं दर्शायः गया था। इसके अलावा, योजना, योजनाएं निधियों और अन्य निधियों और उन वृद्धियों पर मूल्यह्रास को अचल परिसंपत्ति अनुसूची) 4अनुसूची क-की मुख्य अनुसूची की उप (ख,घ में स्पष्ट रूप से दर्शाया गया है।

3.3 अनुसूची 4 में निर्धारित अचल परिसंपत्तियों में विश्वविद्यालय द्वारा परियोजना संविदा के रूप में धारित और प्रयुक्त प्रायोजित परियोजना की निधियों से क्रय की गई परिसंपत्तियां शामिल नहीं हैं किंतु यह शर्त शामिल है कि परियोजना निधियों से क्रय की गई ऐसी सभी परिसंपत्तियां परियोजना के बंद होने तक प्रायोजक की संपत्ति बनी रहेगीं।

4. जमा देयताएं :

बयाना जमा राशि और प्रतिभूति जमा की ऐसी कोई राशि नहीं है जिसे राजस्व खाते में अंतरित किय गया हो।

5. विदेशी मुद्रा में व्यय :

विदेशी मुद्रा में भुगतान/वसूली का लेखांकन लेन-देन की तारीख को लागू विनिमय दर पर किया जाता है ।

6. चालू परिसंपत्तियां, ऋण व अग्रिम और जमा :

6.1 प्रबंधन के मत में, चालू परिसंपत्तियां, ऋण और अग्रिम का साधारण दशा में कम से कम तुलन पत्र में-दर्शित कुल राशि के बराबर वसूली पर मूल्य है।

6.2 तुलन पत्र मे परिसंपत्ति मे-दर्शित ऋण व अग्रिम में अंतिम विवरणी हेतु 31 मार्च, 2006 की अवधि से संबंधित अग्रिम जो अभी तक बकाया हैं शामिल नहीं है। इन अग्रिम को अग्रिम की निर्मुक्ति के समय संबंधित लेखाशीर्ष में प्रभारित किया गया था।-

7. बैंक शेष:

बचत बैंक खातों, चालू खातों और बैकों के पास सावधि जमा के शेष का ब्यौरा चालू परिसंपत्तियों की अनुसूची के संलग्नक “क” के रूप में संलग्न है।

- स्वतः स्वीप सुविधा वाले सभी बचत बैंक खातों पर जिस अवधि के लिए निधिया (फ्लेक्सी जमा)”फ्लेक्सी जमा खाते”में रखी जाती है उस अवधि पर सावधि जमा दर से ब्याज मिलता है। ऐसे बचत बैंक खातों पर ब्याज आय का उपार्जित आधार पर लेखांकन किया जाता है

8 पूर्व वर्ष के आंकडों को यथावश्यक पूनर्समूहितपुनर्व्यवस्थित किया गया है।/

9 अंतिम लेखों में आंकडों को निकटतम रुपये में पूर्णांकित किया गया है।

10 संलग्न अनुसूची 1 से 24, 31 मार्च, 2018 को तुलन पत्र और-31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के आय व व्यय लेखे की अभिन्न अंग हैं।

11. भविष्य निधि लेखा :

नई पेंशन स्कीम निधि सहित भविष्य निधि लेखों का स्वामित्व चूंकि विश्वविद्यालय के स्थान पर उनकी निधियों के सदस्यों के पास है, अतः इस लेखों को विश्वविद्यालय लेखों से अलग कर दिया गया था। तथापि, प्राप्तियां और भुगतान लेखा, आय व व्यय लेखा और भविष्य निधि लेखे (उपचित आधार पर) और वर्ष2017-18 की नई पेंषन योजना विश्वविद्यालय के लेखों के साथ संलग्न किए गए हैं।

12. वेतन :

वेतन पर व्यय मार्च 2017 से फरवरी 2018 की अवधि का है। मार्च, 2018 माह के वेतन का कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

13 हॉल और छात्रावास :

हॉल और छात्रावास चूंकि पृथक ईकाइयां है अतः उनके लेखे विश्वविद्यालय लेखों से अलग तैयार किए जाते हैं। तथापि, सभी हॉल, छात्रावास और अतिथि गृह के समेकित प्राप्तियां व भुगतान लेखे, समेकित आय व व्यय लेखे और समेकित तुलनपत्र विश्वविद्यालय लेखों के साथ संलग्न हैं।-

14 दिल्ली विश्वविद्यालय मुद्रणालय :

विश्वविद्यालय मुद्रणालय चूंकि पृथक ईकाई है, अतः इसके लेखे पृथक तैयार किए जाते हैं और विश्वविद्यालय लेखों के साथ संलग्न किए गए हैं।

<u>31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष का प्राप्तियां और भुगतान लेखा</u>

राशि रुपए में

प्राप्तियां			वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष		भुगतान	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1.	**अथ शेष**				**1**	**खर्चे**		
क.	नगद शेष			----	क)	स्थापना खर्चे	4418265705	3994726386
ख.	बैंक शेष				ख)	शैक्षणिक व्यय	565335417	503322960
I	चालू खाते मे		65626464	69881547	ग)	प्रशासनिक खर्चे	853301118	779428440
ii	बचत खाते मे		1228784221	1040611971	घ)	परिवहन खर्चे	1402609	6936509
iii	जमा खाते मे		10123882586	9716383113	ड)	मरम्मत और अनुरक्षण	157267464	199850205
ग)	स्थायी अग्रिम		943500	983500	च)	वित्त लागत	469669	443563
II	**प्राप्त अनुदान**				छ)	अनुदान पर व्यय	336578401	161486328
क.	भारत सरकार से		----	----	ज)	पूर्वावधि व्यय मदें	----	----
ख.	राज्य सरकार से		----	----	**II**	**अंकित/वृत्ति निधि के प्रति भुगतान**	399813660	450955909
ग	यू.जी.सी. से				**III**	**प्रायोजित परियोजनाओं/स्कीमों के प्रति भुगतान**	550570609	555192068
I	पूंजी व्यय गैर-योजना हेतु अनुदान	65898724			**IV**	**प्रायोजित फ़ैलोशिप/छात्रवृत्तियों के प्रति भुगतान**	90093724	335144552
ii	राजस्व व्यय गैर-योजना हेतु अनुदान	4991399276			**V**	**योजना लेखों के प्रति भुगतान**	----	----
	घटा: प्राप्त अग्रिम अनुदान	----	5057298000	4335230000	**VI**	**किया गया निवेश और जमा**		
घ	अन्य स्त्रोतों से (ब्यौरा)				क)	अंकित/वृत्ति निधि से	635100000	----
	पूंजी और राजस्व व्यय हेतु अनुदान/उपलब्ध होने पर पृथक दिखाया जाए				ख)	स्वत्व निधि से (अन्य निवेश)	----	----
III	**शैक्षणिक प्राप्तियां**				**VII**	**अनुसूचित बैंक मे सावधि जमा**	----	----
क	शुल्क और अंशदान		1079689193	941496552	**VIII**	**अचल परिसंपत्तियों पर व्यय**	----	----
ख	प्रकाशनों की बक्री		244740	12544233	क)	अचल परिसम्पत्तियाँ	193607434	1745679530
IV	**अंकित/ वृत्ति निधियों के प्रति प्राप्तियां**		927543075	611963335	ख)	पूंजी कार्य-प्रगति में	----	----
V	**प्रायोजित परियोजनाओं/स्कीमों से प्राप्तियां**				**IX**	**अन्य भुगतान (अन्य निकाय लेनदेन सहित)**	15966727	27538910

VI	**योजना से प्राप्तियां**		582212537	580930373	**X**	**अनुदान की वापसी**	----	----
VII	**प्रायोजित फेलोशिप और छात्रवृत्तियो से प्राप्तियां**		137431420	328040602	**XI**	**जमा और अग्रिम**		
VIII	**निवेश से आय**				क)	त्यौहार अग्रिम	12500809	9785235
क)	अंकित/ वृत्ति निधियां		427321925	311459728	ख)	अग्रिम	----	----
ख)	योजना लेखे		226236751	305857123	ग)	स्थायी अग्रिम	----	----
ग)	प्रायोजित परियोजनाएं		116182720	89003867	घ)	चिकित्सा अग्रिम	----	----
घ)	प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवत्ति		6071230	4202701	ङ)	छुट्टी यात्रा रियायत अग्रिम	9260915	----
IX	**प्राप्त ब्याज**				च)	धन प्रेषण	----	----
क)	बैंक जमा		40172529	38086481	**XII**	**अन्य भुगतान**	----	----
ख)	ऋण और अग्रिम		----	----	**XIII**	**इतिशेष**		
ग)	बचत बैंक खाता		2907044	10757610	क)	हाथ में नगद		
X	**निवेश नगदीकरण**		----	97600000	ख)	बैंक शेष		----
XI.	**अनुसूचित बैंको में नगदीकरण सावधि जमा**		----	----	I	चालू खाते मे	66031191	65626464
XII	**अन्य आय (पूर्वावधि व्यय मदों सहित)**		66129293	62834521	ii	बचत खाते मे	891760948	1228784221
XIII	**जमा और अग्रिम**				iii	जमा खाते मे	11082529870	10123882586
क)	त्यौहार अग्रिम	12701449	10199885		ग	स्थायी अग्रिम	922600	943500
ख)	छुट्टी यात्रा रियायत अग्रिम	----	2471227					
ग)	चिकित्सा अग्रिम	53000	451000					
घ)	स्थायी अग्रिम	----	----					
ड)	अग्रिम	87528256	1325488119					
च	प्रेषित धन	4672176	1323844					
XIV	**संविधिक प्राप्तियों सहित विविध प्राप्तियां**	39016709	44188743					
XV	**कोई अन्य प्राप्तियां**	11100427	1655221					
कुल		**20280778870**	**20189727367**		**कुल**		**20280778870**	**20189727367**

भविष्य निधि लेखा

31 मार्च, 2018 का तुलन-पत्र

(राशि रुपए में)

विगत वर्ष 31.03.17	देयताएं		वर्तमान वर्ष 31.03.18	विगत वर्ष 31.03.17	परिसंपत्तियां		वर्तमान वर्ष 31.03.18
	सामान्य भविष्य निधि	–					
3307304110	अथशेष	3490971612		2354990000	निवेश (बॉड)		
475912213	जमा: वर्ष में अंशदान	481248991			-- सामान्य भविष्य निधि	1343000000	
261196202	जमा: ब्याज क्रेडिट	268576530			-- अंशदायी भविष्य निधि	1283990000	2626990000
(553440880)	घटा: अग्रिम/निकासी	(522501493)					
(33)	घटा: विगत वर्ष से संबंधित समायोजन	(245426)		1894700000	जमा लेखे (मियादी जमा)		
3490971612	इति शेष		3718050214		-- सामान्य भविष्य निधि	1136300000	
	अंशदायी भविष्य निधि	–			-- अंशदायी भविष्य निधि	633700000	1770000000
701457091	अथशेष	630616105		101174110	उपार्जित ब्याज 31.03.2018 को		155787703
	जमा: वर्ष के दौरान अभिदान और अग्रिम का						
48172679	पुनर्भुगतान अंशदान	41381377					
45997571	जमा: ब्याज क्रेडिट	42060633			एसबीआई बैंक में बचत लेखे में :-		
					--जीपीएफ लेखा संख्या		
(165011195)	घटा: अग्रिम/निकासी/अंतिम निपटान	(99174494)		31589169	10851298435	62286851	
(41)	घटा: विगत वर्ष से संबंधित समायोजन	(105)					
					--सीपीएफ लेखा संख्या		
				69136762	10851298457	86188226	148475077
630616105	इति शेष		614883516				
	ब्याज आरक्षित	–					
284648814	अथशेष	330002324					
45353510	जमा: व्यय से अधिक आय	38316726					
330002324	इति शेष		368319050				
4451590041	**कुल**		**4701252780**	**4451590041**			**4701252780**

भविष्य निधि लेखा

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष का आय और व्यय लेखा

(राशि रुपए में)

विगत वर्ष 31.03.17	व्यय	वर्तमान वर्ष 31.03.18	विगत वर्ष 31.03.17	आय	वर्तमान वर्ष 31.03.18
	ब्याज क्रेडिट:		481795537	निवेश और बचत बैंक खाते पर अर्जित ब्याज	294099093
261196202	सामान्य भविष्य निधि लेखा	268576530	101174110	जमा: वर्ष 2017-18 के दौरान उपार्जित ब्याज -	122884777
45997571	अंशदायी भविष्य निधि लेखा	42060633	74	जमा: विगत वर्ष से संबंधित समायोजन (जीपीएफ लेखा 245426 + सीपीएफ लेखा 105)	245531
6346	बैंक प्रभार	4328	(230416092)		
	(जीपीएफ लेखा 3986 + सीपीएफ लेखा 342)			घटा : वर्ष 2016-17 के लिए उपार्जित ब्याज किंतु वर्ष 2017-18 के दौरान वसूल	(68271184)
45353510	व्यय से अधिक आय	38316726			
352553629	**कुल**	**348958217**	**352553629**	**कुल**	**348958217**

भविष्य निधि लेखा

<u>वित्तीय वर्ष 2017-18 का प्राप्ति और भुगतान लेखा</u>

(राशि रुपए में)

प्राप्ति	**(राशि / रुपए)**	**भुगतान**	**(राशि / रुपए)**
01/04/2017 को अथशेष			
जीपीएफ लेखा 10851298435	31589169	जीपीएफ अग्रिम/निकासी/अंतिम निपटान	522501493
सीपीएफ लेखा 10851298457	69136762	सीपीएफ अग्रिम/निकासी/अंतिम निपटान	99174494
जीपीएफ अभिदान	481248991	वर्ष के दौरान निवेश (जीपीएफ 815100000 + सीपीएफ 470200000)	1285300000
सीपीएफ अभिदान व विश्वविद्यालय अंशदान	41381377	बैंक प्रभार (जीपीएफ लेखा 3986 + सीपीएफ लेखा 342)	4328
		इति शेष:	
निवेश नगदीकरण (जीपीएफ 727600000 + सीपीएफ 410400000)	1138000000	जीपीएफ लेखा.10851298435	62286851
प्राप्त ब्याज (जीपीएफ 159454170 + सीपीएफ 134644923)	294099093	सीपीएफ लेखा 10851298457	86188226
कुल	**2055455392**	**कुल**	**2055455392**

एनपीएस टायर-I लेखा

31 मार्च, 2018 का तुलन-पत्र

(राशि / रुपए)

राशि 31.03.17	देयताएं		राशि 31.03.18	राशि 31.03.17	परिसंपत्तियां		राशि 31.03.18
	एनपीएस टायर-I लेखा :-						
373791	अथशेष	365981		2617000	निवेश		2807000
88485500	जमा: अभिदान और विश्वविद्यालय अंशदान	93973576		56609	उपार्जित किंतु वसूल नहीं ब्याज		57408
	जमा: अधिक प्राप्तियां (धन प्रेषण)	73612		83039	बचत बैंक लेखे में शेष		421217
(88493310)	घटा: एनएसडीएल में अंतरित राशि	– (93813384) –	599785				
	ब्याज आरक्षित :-						
2134012	अथशेष	2390667					
256655	जमा: व्यय से अधिक आय	295173	2685840				
2756648	**कुल**		**3285625**	**2756648**	**कुल**		**3285625**

वित्तीय वर्ष 2017-18 का आय और व्यय लेखा

(राशि / रुपए)

राशि 31.03.17	व्यय	राशि 31.03.18	राशि 31.03.17	आय	राशि 31.03.18
1166	बैंक प्रभार	767	275045	निवेश पर प्राप्त ब्याज (मियादी जमा व फ्लेक्सी लेखा)	295141
256655	व्यय से अधिक आय	295173			
			(73833)	वर्ष 2016-17 में उपार्जित किंतु 2017-18 के दौरान वसूल ब्याज	56609)
			56609	उपार्जित किंतु वसूल नहीं ब्याज	57408
257821	**कुल**	**295940**	**257821**	**कुल**	**295940**

<u>एनपीएस टायर-I लेखा</u>

<u>वित्तीय वर्ष 2017-18 का प्राप्ति और भुगतान लेखा</u>

(राशि / रुपए)

राशि 31.03.17	प्राप्ति	राशि 31.03.18	राशि 31.03.17	भुगतान	राशि 31.03.18
11970	01/04/2017 को अथशेष	83039	2617000	निवेश	2807000
	एनपीएस टायर-I लेखा				
88485500	स्व अभिदान और विश्वविद्यालय अंशदान	93973576	88493310	निकासी/एनडीएसएल को वापसी	93813384
	अधिक प्राप्तियां (धन प्रेषण)	73612	1166	बैंक प्रभार	767
232565	निवेश पर प्राप्त ब्याज (एनपीएस)	270552			
42480	बचत बैंक लेखे पर ब्याज	24589			
2422000	नगदीकरण निवेश (मियादी जमा)	2617000	83039	31.03.2018 को इति शेष	421217
91194515	**कुल**	**97042368**	**91194515**	**कुल**	**97042368**

विश्वविद्यालय मुद्रणालय

31 मार्च, 2018 का तुलन-पत्र

निधियां व देयताएं	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
	रुपए	रुपए
1. पूंजी	8,706,160.00	6,315,552.00
2. चालू देयताएं		
(क) वर्तमान देयताएं	1,199,974.00	1,159,813.00
(ख) देय बिल	2,942,246.00	992,400.00
3. ऋण व अग्रिम:		
(क) किए जाने वाले कार्य हेतु अग्रिम	130,000.00	130,000.00
(ख) अंतर बैंक अंतरण	17,395,492.00	17,395,492.00
(ग) अन्य देयताएं	10,050.00	10,000.00
(घ) बयाना राशि	53,500.00	50,500.00
कुल	**30,437,422.00**	**26,053,757.00**

परिसंपत्तियां	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
	रुपए	रुपए
1. मशीनरी, फर्नीचर और उपकरण	203,977.00	258,223.00
2. प्राप्तनीय राशि	22,433,386.00	20,234,958.00
3. हाथ में स्टॉक		
(क) कच्चा माल	1,383,462.00	614,900.00
(ख) तैयार माल	45,978.00	20,640.00
4. प्रगति में कार्य	4,817,430.00	1,153,000.00
5. बैंक में नगदी	1,537,189.00	3,770,136.00
6. त्यौहार अग्रिम	-	900.00
7. स्थायी परिसंपत्तियां	1,000.00	1,000.00
8. अग्रिम आकस्मिकताएं	15,000.00	-
कुल	**30,437,422.00**	**26,053,757.00**

विश्वविद्यालय मुद्रणालय

वर्ष 2017-18 का लाभ व हानि लेखा

विवरण	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष	विवरण	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
1. प्रारंभिक स्टॉक:			1. आय:		
(क) कच्चा माल	614,900.00	1,128,533.00	(क) मुद्रण और जिल्दसाजी से आय	14,301,450.00	19,030,047.00
(ख) तैयार माल	20,640.00	49,850.00			
2. प्रगति में कार्य में	1,153,000.00	365,000.00			
3. वेतन व भत्ते में:	6,598,380.00	6,650,455.00	2. अंतिम स्टॉक द्वारा:		
(क) छुट्टी यात्रा रियायत	40,363.00	8,395.00	(क) कच्चा माल	1,383,462.00	614,900.00
(ख) ट्यूशन शुल्क	27,000.00	18,000.00	(ख) तैयार माल	45,978.00	20,640.00
(ग) बोनस	-	126,071.00			
(घ) चिकित्सा प्रतिपूर्ति	762,664.00	352,674.00			
4. कच्चे माल के क्रय में	4,803,385.00	1,870,816.00	3. प्रगति में कार्य द्वारा	4,817,430.00	1,153,000.00
5. विविध आकस्मिक खर्चे में	37,758.00	35,739.00			
6. दर, किराया और कर	9,425.00	6,379.00			
7. बाह्रय एजेंसी से कराए गए काम	4,035,951.00	7,817,708.00			
8. मूल्यह्रास:					
(क) मशीनरी,फर्नीचर और उपकरण	54,246.00	69,918.00			
9. लाभ	2,390,608.00	2,319,049.00			
कुल	**20,548,320.00**	**20,818,587.00**	**कुल**	**20,548,320.00**	**20,818,587.00**

दिल्ली विश्वविद्यालय मुद्रणालय लेखा संख्या 10851295354

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष का प्राप्ति और भुगतान लेखा

राशि रुपए में

प्राप्तियां	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष	भुगतान	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
I **अथ शेष**			I **खर्चे**		
बैंक शेष	3770136	482316	स्थापना खर्चे	7428407	7160095
बैंक में जमा	----	----			
II **मुद्रण और जिल्दसाजी से प्राप्तियां**	12103022	19640437	II **अन्य प्रशासनिक खर्चे**		
III **कटौति / वसूली**	3516406	3280333	व्यय	6951623	9339064
त्यौहार अग्रिम	6300	9900	त्यौहार अग्रिम	5400	4500
बयाना राशि	3000	----	धन प्रेषण	3476245	3139191
			III **इतिशेष**		
			बैंक शेष	1537189	3770136
कुल	**19398864**	**23412986**	**कुल**	**19398864**	**23412986**

<u>हॉल और छात्रावास</u>

<u>31 मार्च, 2018 का तुलन-पत्र</u>

राशि रुपए में

निधियों के स्त्रोत	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
कोर्पस / पूंजी निधि	281063732	249102659
नामित/अंकित/वृत्ति निधियां	46210352	43449599
चालू देयताएं और प्रावधान	16895694	14545250
कुल	**344169778**	**307097508**
निधियों का अनुप्रयोग		
अचल परिसंपत्तियां		
मूर्त परिसंपत्तियां	20615957	24164990
अमूर्त परिसंपत्तियां	9331	9712
पूंजीगत कार्य प्रगति में	0	0
अंकित / वृत्ति निधियां से निवेश		
दीर्घावधि	0	0
अल्पावधि	11928551	20350202
निवेश- अन्य	57443772	51727957
वर्तमान परिसंपत्तियां	239296149	202350708
ऋण, अग्रिम और जमा	14930242	8548162
विविध व्यय	(54224)	(54224)
कुल	**344169778**	**307097508**

हॉल और छात्रावास

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष का आय और व्यय लेखा

राशि रुपए में

विवरण	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
(क) आय		
शैक्षणिक प्राप्तियां	55866961	47315301
अनुदान/आर्थिक सहायता	126457557	109185694
निवेश से आय	15297355	13501338
अर्जित ब्याज	1709805	2154183
अन्य आय	49624023	44086020
पूर्वावधि आय	0	0
कुल (क)	**248955701**	**216242536**
(ख) व्यय		
स्टॉफ भुगतान व हितलाभ (स्थापना व्यय)	137592475	118037989
शैक्षणिक व्यय	0	2549808
प्रशासनिक और सामान्य खर्चे	65838607	52495450
परिवहन खर्चे	580876	544399
मरम्मत और अनुरक्षण	8137143	8449823
वित्तीय लागत	147136	49394
मूल्यह्रास	6362887	7456821
अन्य खर्चे	0	0
पूर्वावधि व्यय	0	0
कुल (ख)	**218659124**	**189583684**
व्यय से अधिक आय / (आय से अधिक व्यय) (क-ख)	**30296577**	**26658852**
शेष , पूंजी निधि में अग्रेनीत अधिषेश (घाटा)	**30296577**	**26658852**

हॉल और छात्रावास

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष का प्राप्तियां और भुगतान लेखा

राशि रुपए में

प्राप्तियां	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष		भुगतान	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
I .अथ शेष				**I खर्चे**		
- हाथ में नगदी	143310	46552		(क) स्थापना खर्चे	137473819	119219229
- बैंक शेष	92897226	86082587		(ख) शैक्षणिक खर्चे	3986207	4224063
- पेशगी	10240104	113578		(ग) प्रशासनिक खर्चे	66146409	55330079
- जमा लेखा	144407997	127309841		(घ) परिवहन खर्चे	607266	544399
II अन्य बैंक शेष	0	200014		(ड) मरम्मत और अनुरक्षण खर्चे	7774884	8160561
III प्राप्त अनुदान	126258771	110110684		**II (क) अंकित निधि के प्रति भुगतान**	14204725	12837792
IV शैक्षणिक प्राप्तियां	48747364	43322539		(ख) परियोजनाओं के प्रति भुगतान	81213	531654
V अंकित/ वृत्ति निधियां से प्राप्तियां	20653594	17978641		**III निवेश और जमा**	7705401	5324639
VI प्राप्त ब्याज	2409349	7299896		**IV अचल परिसंपत्तियां और पूंजी कार्य-प्रगति पर व्यय**	2909339	3189677
VII निवेश से आय	18888258	13275330		**V वित्त प्रभार**	61587	45287
VIII अन्य आय	51530453	45079149		**VI जमा और अग्रिम**	8359184	7726193
IX जमा और अग्रिम	2391290	2555877		**VII अन्य भुगतान**	3240562	3683561
X अन्य प्राप्तियां	14061497	15131083		**VIII इतिशेष**		
				- हाथ में नगदी	163129	143310
				- बैंक शेष	63404134	92897226
				- पेशगी	336061	10240104
				-जमा लेखा	216175292	144407997
कुल	**532629213**	**468505771**		**कुल**	**532629213**	**468505771**